उर्दू



हिन्दी



शब्दकोश

संकलनकर्ता

मुहम्मद मुस्तफ़ा ख़ाँ 'मद्दाह'

उर्दू



हिन्दी



शब्दकोश

संकलनकर्ता

मुहम्मद मुस्तफ़ा खाँ 'मद्दाह'

उर्दू-हिन्दी शब्दकोश

संकलनकर्ता

मुहम्मद मुस्तफ़ा ख़ाँ 'मद्दाह'



उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान

(हिन्दी समिति प्रभाग)

राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन हिन्दी भवन

महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ

हिन्दी समिति प्रभाग ग्रन्थमाला–२१

उर्दू-हिन्दी शब्दकोश

(जिसमें अरबी, फारसी, तुर्की के वे तमाम शब्द हैं जो प्राचीन फारसी ग्रन्थों में प्रयुक्त हुए हैं और जिनमें से अधिकतर अब भी प्रचलित हैं।)

संकलनकर्ता

मुहम्मद मुस्तफ़ा ख़ाँ 'मद्दाह'



उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान

(हिन्दी समिति प्रभाग)

राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन हिन्दी भवन

महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ

प्रकाशक :

निदेशक

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ

प्रथम संस्करण : १९५९

द्वितीय संस्करण : १९७२

तृतीय संस्करण : १९७७

चतुर्थ संस्करण : १९८०

पञ्चम संस्करण : १९८२

षष्ठ संस्करण : १९८६

सप्तम संस्करण : १९९२

प्रतियाँ : १०,०००

मूल्य : रु० १४०-००

(एक सौ चालीस रुपये)

मुद्रक :

स्वास्तिक प्रिंटिंग प्रेस

२७, माई की बगिया, बड़ा चाँदगंज,

लखनऊ

निवेदन

बीसवीं सदी के चौथे दशक में अनेक भाषा विद् श्री मुहम्मद मुस्तफा खाँ 'मद्दाह' ने एक बड़ा श्लाघनीय कार्य प्रारम्भ किया था। सन् १९५० के पहले ही उन्होंने पाली उर्दू, हिन्दी - उर्दू, संस्कृत उर्दू, अरबी, फारसी तथा तुर्की- उर्दू के पृथक शब्द कोश तैयार कर प्रकाशित करा दिये थे। एक ओर उनका विशद् अध्ययन चल रहा था, दूसरी ओर वे स्वराज्य आन्दोलन में भी सक्रिय भाग ले रहे थे तथा जेल यात्रा भी कर रहे थे। १९५० में उन्होंने केवल हिन्दी जानने वालों के लिये उर्दू-हिन्दी कोश रचने का निर्णय किया और अथक परिश्रम करके हिन्दी के अकरादि क्रम से इस शब्द कोश की रचना की। पाठकों की सुविधा तथा ज्ञान वृद्धि के लिये हर शब्द को उर्दू लिपि में दे दिया गया तथा उसकी उत्पत्ति फारसी, अरबी आदि जिस भाषा से हुई हो तथा व्याकरण में उसका लिंग क्या है यह सब भी दे दिया था। ऐसा विशद् सर्वांगपूर्ण तथा विशाल उर्दू साहित्य के लगभग २५,००० शब्दों का हिन्दी रूपान्तर तैयार हो गया। भारत में लगभग तीन करोड़ ऐसे भारतीय हैं जो हिन्दू हों या मुसलिम या ईसाई भी, हिन्दी भाषी होते हुए भी उर्दू लिपि का प्रयोग करते हैं। बोलचाल की भाषा में अरबी-फारसी शब्दों का उपयोग करते हुए भी उनका रूप, उद्गम, शुद्ध उच्चारण से भी परिचित नहीं हैं। उदाहरण के लिये नवी का अर्थ सूचना देने वाला तथा ''इस्लाम'' का अर्थ ''ईश्वर का आज्ञाकारी'' कितने लोग जानते हैं। आज जब हिन्दी राजभाषा, राष्ट्रभाषा तथा देश की अधिकांश जनता की मातृभाषा है तो अपनी उसी भाषा की गोद में पनपती हुई उर्दू तथा उसके धनी और विशाल साहित्य से परिचित होना और उसके शब्दों को भी अपना लेने से हिन्दी का बड़ा कल्याण होगा। प्रत्येक हिन्दी भाषी जानता है कि उर्दू भी हिन्दी भाषा को एक समुन्नत अंग है। उसको समुचित आदर मिलना चाहिये। उसकी जानकारी होनी चाहिये। इसलिये यह कोश राष्ट्रीय ऐतिहासिक तथा साहित्यिक दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है।

ऐसे कोश की बड़ी माँग है, यह तो इसी से स्पष्ट है कि सन् १९५९ में प्रकाशित इसके संस्करण का यह सातवाँ संस्करण है। प्रकट है कि इस प्रकाशन ने हिन्दी-उर्दू दोनों साहित्य की अति आवश्यक सेवा की है तथा उर्दू के विशद् साहित्य से परिचय प्राप्त करने का हमें अवसर प्रदान किया है। यह ध्यान रहे कि उ०प्र० हिन्दी संस्थान अपने देश की प्रत्येक प्रादेशिक भाषा तथा 'आमफहम' स्थानीय भाषा का समुचित आदर करता है। हमारे पास साधन हो तो हम हर प्रादेशिक भाषा का ऐसा ही शब्द कोश प्रकाशित कर हिन्दी पाठकों की सेवा करें।

उर्दू हिन्दी कोश का सातवाँ संस्करण पाठकों की सेवा में अर्पित करते हुए हमें बड़ा सन्तोष तथा हर्ष का अनुभव हो रहा है। आशा है इसका पूर्ववत् आदर तथा स्वागत होगा।

—परिपूर्णानन्द वर्म्मा
कार्यकारी उपाध्यक्ष

प्रकाशकीय

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के प्रकाशनों में उर्दू हिन्दी शब्द कोश अत्यन्त लोकप्रिय है। इसकी लोकप्रियता के ही परिणामस्वरुप इसके छः संस्करण हो चुके हैं और सप्तम संस्करण आपके समक्ष प्रस्तुत है।

इस पुस्तक का पाठकों ने जो स्वागत तथा सम्मान किया है उससे हमारा उत्साहवर्द्धन हुआ है। यह बड़े सन्तोष की बात है कि हम हिन्दी भाषी पाठकों को उर्दू शब्दों के निकट लाने में सफल हुए हैं तथा उर्दू भाषी पाठकों को हिन्दी के शब्दों से परिचित करा सके हैं। आगामी संस्करण में अनेक छूटे हुए शब्दों को सम्मिलित करते हुए इसे अधिक उपयोगी और बृहद् बनाने का प्रयास किया जायेगा।

विश्वास है कि पूर्व की भाँति उर्दू हिन्दी शब्द कोश के इस संस्करण का भी सर्वत्र स्वागत होगा।

दिनांक १ जनवरी, १९९२

विनोद चन्द्र पाण्डेय
निदेशक

प्राक्कथन

कोश लिखने का शौक मुझे पागलपन की हद तक शुरू से ही है। अब से १५-१६ वर्ष पहले इसका श्रीगणेश पाली-उर्दू शब्दकोश से हुआ। इसके पश्चात् हिन्दी-उर्दू, फिर संस्कृत-उर्दू, फिर अरबी, फ़ारसी, तुर्की-उर्दू के बड़े-बड़े कोश लिखे। सन् १९५० में मेरे जेल के साथी आदरणीय श्री नारायणप्रसादजी अरोड़ा ने कहा कि 'उर्दू साहित्य बड़ी तेजी से हिन्दी में लिप्यन्तरित हो रहा है, तुम एक उर्दू-हिन्दी-कोश केवल हिन्दी जाननेवालों के लिए हिन्दी लिपि में लिख दो।' बात अच्छी थी, बहुत पसन्द आयी और मैंने लिखना प्रारम्भ कर दिया। जब मैं उसे काफ़ी लिख चुका तो अचानक ध्यान आया कि यदि किसी समय भारत से उर्दू लिपि खत्म हो गयी तो क्या होगा? भारत का सारा प्राचीन इतिहास फ़ारसी लिपि में है और एक समय उसका अनुवाद होना अनिवार्य है। ऐसी दशा में एक ऐसे कोश की आवश्यकता महसूस होगी, जो इस कठिनाई का समाधान कर सके और हमें प्राचीन फ़ारसी ग्रन्थों का अनुवाद करने में कोई विशेष परिश्रम न करना पड़े, इसलिए मैंने फिर से अपना काम शुरू किया। अब दृष्टिकोण दूसरा था, इसलिए काम बहुत क्लिष्ट हो गया और एक वर्ष के बजाय उसमें साढ़े तीन साल लग गये।

अब यह पूर्ण रूप से मुकम्मल है और आशा है कि भविष्य में इस पर कुछ विशेष बढ़ाया न जा सकेगा।

अंग्रेजी में संसार की सारी भाषाओं के कोश मिलते हैं, यहाँ तक कि उन भाषाओं के शब्दकोश भी हैं, जो बहुत कम प्रचलित हैं या बहुत थोड़े क्षेत्र में बोली जाती हैं।

भारत को भी यह सब करना है। यद्यपि अभी उसे स्वतन्त्र हुए बहुत कम समय बीता है, फिर भी उसे यह करना होगा। यदि मेरे जीवन ने कुछ और साथ दिया तो एक तुर्की-हिन्दी, एक आधुनिक अरबी-हिन्दी, एक आधुनिक फ़ारसी-हिन्दी कोश और लिखूँगा। इस समय तो मैं सारा जोर एक हिन्दी-हिन्दी कोश पर दे रहा हूँ, जिसकी बहुत अधिक आवश्यकता है, और वह है प्राचीन हिन्दी-शब्दों का संग्रह और उनका अर्थ जो चन्दवरदाई, सूर, जायसी, तुलसीदास, बिहारी और अन्य प्रमुख कवियों ने अपनी रचनाओं में प्रयुक्त किये हैं और जिनका कोई मुकम्मल ग्रन्थ नहीं है, यहाँ तक कि 'नागरी प्रचारिणी सभा' के शब्द-सागर में भी उनमें से बहुत-से शब्द नहीं हैं।

मैं अपना यह साहित्यिक परिश्रम माननीय श्री डाक्टर सम्पूर्णानन्दजी की सेवा में उपस्थित करते हुए गर्व महसूस करता हूँ, क्योंकि वह हमारे प्रदेश के मुख्य मन्त्री ही नहीं हैं, बल्कि बड़े साहित्य-मर्मज्ञ, विद्वान् और सहृदय व्यक्ति हैं। मेरी उनसे यह भी प्रार्थना है कि वह ऐसे महत्त्वपूर्ण कामों के लिए भी एक रक़म हर साल बजट में सुरक्षित कर दिया करें।

मुमकिन है, इन कामों को अभी लोग महत्त्व न दें लेकिन समय आयेगा जब लोग इसकी क़द्र करेंगे। मैंने यह काम उसी समय के लिए किया है।

उच्चारण की शुद्धता

किसी भाषा का सारा महत्त्व उसके शब्दों के शुद्ध उच्चारण में है। यदि उच्चारण अशुद्ध है तो बोलनेवाला कितना ही विद्वान् हो लोग उसे जाहिल समझेंगे। शुद्ध उच्चारण तभी होगा, जब हम शब्द को शुद्ध रूप से लिखेंगे। यदि हम संस्कृत के शब्द 'सम्बद्ध' को 'समबदध' लिख दें, तो यह शब्द मज़ाक बन जायगा। इसी प्रकार यदि हम उर्दू के शब्द 'फ़ुज़्लः' (विष्ठा) को 'फ़ुजला' (विद्वान् लोग) लिख दें तो कितना बड़ा अन्तर हो जायगा। इस कोश में इस बात पर यथेष्ट ध्यान दिया गया है।

हिन्दी में जो उर्दू के कोश लिखे गये हैं या हिन्दी शब्दकोशों में जो उर्दू के शब्द दिये गये हैं, उन सबका उच्चारण प्रायः अशुद्ध है क्योंकि उनके लेखकों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया है।

शब्द-क्रम

कोश को आधुनिक ढंग से लिखा गया है और पहले अनुस्वारवाला अक्षर लिया गया है। जैसे— हिन्दी में पहला शब्द 'अंक' है। परन्तु इस कोश में इस सम्बन्ध में शायद कुछ लोग भ्रम में पड़ जायँ कि 'अंकारतः' तो अनुस्वार से है, 'परन्तु इन्कार' अनुस्वार से नहीं है। बात यह है कि फारसी में 'ङ' की ध्वनि है, परन्तु अरबी में नहीं है। 'इङ्कार' लिखने से 'इंकार' होता और अरबी के उच्चारण के अनुसार अशुद्ध होता, क्योंकि अरबी में यह शब्द 'इन्कार' है।

शब्दों की उर्दू लिपि

कुछ लोग यह भी सोचेंगे कि हिन्दी में लिखने के पश्चात् शब्द को उर्दू अक्षरों में लिखने की आवश्यकता क्या थी? इसके विषय में प्रार्थना है कि यह विवशतः किया गया है। उर्दू में एक उच्चारण के कई-कई अक्षर हैं जैसे–'स' के लिए तीन (ث-س-ص), ज के लिए छः (ج-ذ-ز-ژ-ض-ظ), और अ, क, ग, त, ह के लिए दो-दो हैं। ऐसी दशा में शब्द के साथ उर्दू हिज्जे लिखना अनिवार्य हो गया।

'असीर' शब्द उर्दू में पाँच प्रकार से लिखा जाता है और सबका अर्थ अलग-अलग है। اسیر बन्दी, क़ैदी; اثیر निष्केवल, खालिस; عسیر दुष्कर, मुश्किल; عصیر अंगूर का शीरा; عثیر धूलि, गर्द। यदि हर शब्द के साथ उर्दू लिपि न हो तो बड़ी कठिनता हो।

उच्चारण-भेद

एक दूसरी बहुत ही आवश्यक और ध्यान में रखनेवाली बात यह है कि संस्कृत में जहाँ एक अक्षर में दूसरा भिन्न अक्षर मिलता है वहाँ प्रायः उस अक्षर का जिसमें दूसरा अक्षर मिला है, द्वित्व हो जाता है, मगर फ़ारसी या अरबी के शब्दों में ऐसा कभी नहीं होता। जैसे–'भद्र' का उच्चारण 'भद्द्र होगा, परन्तु अरबी शब्द 'बद्र' का उच्चारण 'बद्‌र' होगा। 'अन्याय' का उच्चारण अन्‌न्याय होगा, परन्तु दुन्या का उच्चारण 'दुन्‌या' होगा। इसी तरह 'पत्री' का उच्चारण 'पत्‌त्री' होगा, परन्तु 'फ़ित्री' का उच्चारण 'फ़ित्‌री' होगा। इन्हीं उदाहरणों पर सारे कोश का अनुमान लगा लीजिए।

एक शब्द के कई उच्चारण

अरबी, फ़ारसी कोश में बहुत-से शब्द ऐसे हैं जिनके कई-कई उच्चारण हैं। इस कोश में उन सबको दे दिया गया है। साथ ही जो शब्द अशुद्ध बोले जाते हैं, वह अशुद्ध शब्द भी दे दिये गये हैं और

वहीं उनके शुद्ध शब्द का हवाला दे दिया गया है। जो शब्द अशुद्ध हैं, परन्तु उर्दू या फ़ारसी में शुद्ध मान लिये गये हैं उनकी व्याख्या भी कर दी गयी है।

एक विवशता

हिन्दी में 'ज' के नीचे बिन्दी देकर 'ज़' बना लिया गया है और उससे ज़े, ज़ाल, ज़्वाद, ज़ो का काम ले लिया गया है, परन्तु 'फ़ारसी ज़े' (के लिए कोई ऐसा चिह्न) न मिल सका जो इसके उच्चारण की पूर्ति कर देता। 'फ़ारसी ज़े' का उच्चारण अंग्रेजी शब्द 'treasury' के 'ज़' की तरह है, पाठकगण उर्दू शब्द देखकर, इसका उच्चारण करें।

अलबत्ता 'ऐन' और 'अलिफ़' का फ़र्क करने के लिए जहाँ 'ऐन' शब्द के बीच में आया है वहाँ (–'–) चिह्न लगाकर उसे प्रकट कर दिया है। जैसे—आ'ला (اعلیٰ), मे'यार, (معیار) मा'क़ूल (معقول) इत्यादि।

स्व० मुहम्मद मुस्तफ़ा ख़ाँ 'मद्दाह'

सङ्केत-तालिका

अ० फा०—अरबी फारसी
अव्य०—अव्यय
इ०—इब्रानी
उ०—उर्दू
उदा०—उदाहरण, जैसे
क्रि०—क्रिया
ती० शु० हैं—तीनों शुद्ध हैं
तु०—तुर्की
तु० फा०—तुर्की फारसी
दे०—देखिए
दो० शु० हैं—दोनों शुद्ध हैं
पुं०—पुंल्लिग
प्रत्य०—प्रत्यय
फा०—फारसी
फा० अ०—फारसी अरबी
फा० तु०—फारसी तुर्की
बहु०—बहुवचन
व्या०—व्याकरण
लघु०—लघु रूप
वा०—वाक्य
वि०—विशेषण
स्त्री०—स्त्रीलिङ्ग

उर्दू-हिन्दी शब्द-कोश

अ

अंकाश्तः (انکاشتہ) फा. वि.–दे. 'अंगाश्तः' जो अधिक शुद्ध है।

अंकिश्त (انکشت) फा. पुं.–कोयला, जली हुई लकड़ी।

अंकुज (انکز) फा. पुं.–हाथीवान का आँकुस, अंकुश।

अंकुस (انکس) फा. पुं.–आँकुस, अंकुश।

अंगल्यून (انگلیون) फा. स्त्री.–इंजील, बाइबिल, ईसाइयों का धार्मिक ग्रंथ।

अंगारः (انگارہ) फा. पुं.–रेखाचित्र, ख़ाका; अधूरा चित्र; हिसाब-किताब का रजिस्टर; उपन्यास, कहानी; लेख, निगारिश; हर अधूरी वस्तु।

अंगार (انگار) फा. प्रत्य.–सोचनेवाला, चाहनेवाला, जैसे 'सह्ल अंगार' सुगमता चाहनेवाला।

अंगाश्तः (انگاشتہ) फा. वि.–जाना हुआ, समझा हुआ, ज्ञात।

अंगाश्तनी (انگاشتنی) फा. वि.–जानने योग्य, समझने योग्य।

अंगिश्त (انگشت) फा. पुं.–दे. 'अंकिश्त' दो. शु. हैं।

अंगुजः (انگوزہ) फा. स्त्री.–हींग, एक प्रसिद्ध गोंद।

अंगुज (انگز) फा. पुं.–दे. 'अंकुस'।

अंगुलः (انگلہ) फा. पुं.–कुरते आदि का तुक्मः, जिसमें घुंडी डाली जाती है।

अंगुश्त (انگشت) फा. स्त्री.–उँगली, अंगुलि।

अंगुश्तनुमा (انگشت نما) फा. वि.–प्रसिद्ध, मशहूर; कुख्यात, बदनाम। उर्दू में दूसरे अर्थ ही लिये जाते हैं।

अंगुश्तनुमाई (انگشت نمائی) फा. स्त्री.–कुख्याति, बदनामी, अपयश, निंदा।

अंगुश्तपेच (انگشت پیچ) फा. पुं.–वचन, प्रतिज्ञा, अह्द; दस्तावेज़।

अंगुश्त बदंदाँ (انگشت بدنداں) फा वि.–जो अचंभे के कारण दाँतों में उँगली दाबकर रह गया हो, निस्तब्ध, चकित।

अंगुश्तरी (انگشتری) फा. स्त्री.–मुद्रिका, अँगूठी।

अंगुश्तानः (انگشتانہ) फा. पुं.–उँगली की रक्षा के लिए उस पर पहना जानेवाला धातु आदि का ख़ोल, अंगुलित्राण।

अंगुश्ते ज़िन्हार (انگشت زنہار) फा. वि.–पराजित, वशीभूत, मग़्लूब।

अंगुश्ते नर (انگشت نر) फा. पुं.–अँगूठा, अंगुष्ठ।

अंगुश्तो (انگشتو) फा. पुं.–घी और शक्कर डालकर चूर की हुई रोटी, मलीदा, चूरमा।

अंगूर (انگور) फा. पुं.–एक सुप्रसिद्ध फल, द्राक्षा; भरते हुए ज़ख़्म के लाल दाने।

अंगूरी (انگوری) फा. वि.–अंगूर के रंग की (वस्तु); अंगूर से बनी हुई; अंगूर से संबंध रखनेवाली (वस्तु)। लाक्षणिक अर्थ में अंगूर-निर्मित (मदिरा) भी।

अंगेख़्तः (انگیختہ) फा. वि.–उठाया हुआ, उत्थापित; उभारा हुआ, उत्तेजित।

अंगेख़्तनी (انگیختنی) फा. वि.–उठाने योग्य; उभारने योग्य।

अंगेज़ः (انگیزہ) फा. पुं.–कारण, सबब।

अंगेज़ (انگیز) फा. प्रत्य.–उठानेवाला, उभारनेवाला, जैसे 'दर्द-अंगेज़' दर्द उठाने अर्थात् उत्पन्न करनेवाला, पीडा-जनक।

अंगेज़िंदः (انگیزندہ) फा. वि.–उठानेवाला; उभारनेवाला; उत्तेजित करनेवाला।

अंगेज़ीदः (انگیزیدہ) फा. वि.–उठाया हुआ; उभारा हुआ; तेज़ किया हुआ।

अंगेज़ीदनी (انگیزیدنی) फा. वि.–उठाने योग्य; उभारने योग्य; तेज़ करने योग्य।

अंगोजः (انگوزہ) फा. स्त्री.–दे. 'अंगुज़'; शुद्ध उच्चारण वही है, परन्तु यह भी बोलते हैं।

अंग्बीं (انگبیں) फा. पुं.–मधु, शहद।

अंज़ (عنز) अ. स्त्री.–बकरी, अजा; हरिणी।

अंजब (انجب) अ. वि.–बहुत अधिक शुद्ध रक्तवाला, कुलीनतम; दासीपुत्र, लौंडी-बच्चा।

अंजल (انجل) अ. वि.–बड़ी आँखोंवाला, विशालनेत्र।

अंजस (انجس) अ. वि.–बहुत अधिक अपवित्र, बहुत ही गंदा।

अंज़ा' (انزع) अ. वि.–जिसके माथे के दोनों ओर के बाल झड़ गये हों।

अंजाम (انجام) फा. पुं.–परिणाम, फल, नतीजा; अन्त, अखीर; पूर्ति, तक्मील।

अंजामिदः (انجامندہ) फा. वि.–अंजाम पानेवाला, पूर्ण होनेवाला; समाप्त होनेवाला, ख़त्म होनेवाला।

अंजामीदः (انجامیدہ) फा. वि.–अंजाम पाया हुआ, पूरित; समाप्त, ख़त्मशुदः।

अंज़ार (انظار) अ. स्त्री.–'नज़र' का बहु., दृष्टियाँ, नज़रें।

अंजास (انجاس) अ. स्त्री.–'नजिस' का बहु., अपवित्रताएँ, गंदगियाँ।

अंजीदः (انجیدہ) फा. वि.–क्षत, आहत, ज़ख्मी, घायल; अभिभूत।

अंजीर (انجیر) अ. पुं.–दे. शु. उच्चारण 'इंजीर'।

अंजुदान (انجدان) अ. पुं.–हींग का पेड़; हींग की लकड़ी जो दवा के काम आती है।

अंजुम (انجم) अ. पुं.–'नज्म' का बहु., उडुगण, तारे।

अंजुमन (انجمن) फा. स्त्री.–सभा, संस्था, इदारः; गोष्ठी, महफ़िल; समिति, कमेटी; संघ, एसोसिएशन।

अंजुमनआरा (انجمن آرا) फा. वि.–सभा की शोभा बढ़ानेवाला (वाली), सभा में अपनी उपस्थिति से श्रीवृद्धिकर्त्ता, सभा में उपस्थित, जैसे–"वह अंजुमनआरा हैं महफ़िल में रक़ीबों की", सभा में सुशोभित।

अंजुमन आराई (انجمن آرائی) फा. स्त्री.–सभा की शोभा बढ़ाना, सभा में उपस्थिति।

अंतर (عنتر) अ. पुं.–एक प्रकार की बड़ी मक्खी, ख़रमगस।

अंद (اند) फा. वि.–अल्प, न्यून, थोड़ा; कतिपय, चंद।

अंदक (اندک) फा. वि.–अल्प, न्यून, कम, थोड़ा।

अंदर (اندر) फा. वि.–भीतर, अंतर्गत।

अंदरूं (اندروں) फा. पुं.–'अंदरून' का लघु. दे. 'अंदरून'।

अंदरून (اندرون) फा. पुं.–भीतर, अंदर; जठर, पेट।

अंदरूनी (اندرونی) फा. वि.–आंतरिक, भीतरी; मानसिक, रूही।

अंदर्ज़ (اندرز) फा. स्त्री.–हितोपदेश, नसीहत।

अंदर्वा (اندروا) फा. वि.–लटका हुआ; अधोमुख, औंधा; उद्विग्न, परेशान; चकित, हैरान, क्षुब्ध।

अंदल (عندل) अ. वि.–बड़े डीलडौल का ऊँट; सर्व का लंबा पेड़।

अंदलीब (عندلیب) अ. स्त्री.–एक प्रसिद्ध गानेवाली चिड़िया, बुलबुल, कलविंकक, गोवत्सक।

अंदलुस (اندلس) अ. पुं.–यूरोप का एक राष्ट्र, स्पेन।

अंदाइश (اندائش) अ. स्त्री.–दीवार पर किया जानेवाला लेस, लेपन, कहगिल।

अंदाख़्तः (انداختہ) फा. वि.–फेंका हुआ; डाला हुआ।

अंदाख़्तनी (انداختنی) फा. वि.–फेंकने योग्य; डालने योग्य।

अंदाज़ः (اندازہ) फा. पुं.–अनुमान, अनुमिति, तख़्मीना; अटकल, क़ियास; विचार, ख़याल; शक्ति, ताक़त; साहस, जुर्रत; नमूना, बानगी; चिह्न, निशान; निश्चय, इरादा।

अंदाज़ (انداز) फा. पुं.–अनुमान, अंदाज़; अटकल, क़ियास; शैली, पद्धति, तर्ज़; हावभाव, नाज़ो अंदाज़, (प्रत्य.) फेंकनेवाला, जैसे 'तीर अंदाज़' तीर चलानेवाला। "तीरंदाज़" भी प्रयुक्त, जैसे–"तिर्छी नज़रों से न देखो आशिक़े दिलगीर को, कैसे 'तीरंदाज़' हो, सीधा तो कर लो तीर को"।

अंदाज़न (اندازاً) फा. वि.–अनुमानतः, अंदाज़े से; अटकल से, क़ियासन; लगभग, क़रीब-क़रीब।

अंदाम (اندام) फा. पुं.–शरीर, देह, जिस्म।

अंदामी (اندامی) फा. पुं.–वह सुन्दर वस्त्र जो शरीर पर बिलकुल ठीक हो।

अंदामे निहानी (اندام نہانی) फा. स्त्री.–स्त्री की गुह्येन्द्रिय, योनि, भग, फ़ुर्ज़, वराङ्ग, स्त्री का गुप्तांग।

अंदायः (اندایہ) फा. पुं.–दीवारों पर लेस करने की करनी, गिल मालः।

अंदार (اندار) फा. पुं.–कहानी, आख्यायिका, क़िस्सा।

अंदीक (اندیک) फा. अव्य.–आशा है, उम्मेद है।

अंदीदः (اندیدہ) फा. वि.–चकित, स्तब्ध, हैरान।

अंदीदनी (اندیدنی) फा. वि.–अचंभे के योग्य।

अंदुर्ज़ (اندرز) फा. स्त्री.–दे. 'अंदर्ज़' दो. शु. हैं।

अंदुहाँ (اندهاں) फा. वि.–दुःखित, खेदग्रस्त, ग़मगीन।

अंदूदः (اندودہ) फा. वि.–लेपा हुआ, पोता हुआ; मढ़ा हुआ, चढ़ाया हुआ।

अंदेशः (اندیشہ) फा. पुं.–शंका, शुबहा; भय, ख़तरा; चिंता, फ़िक्र।

अंदेशःनाक (اندیشہ ناک) फा. वि.–चिन्ताजनक, तश्वीशनाक; भयानक, ख़तरनाक।

अंदेश (اندیش) फा. प्रत्य.–सोचनेवाला जैसे 'बदअंदेश' बुराई सोचनेवाला। अभिलाषी, 'ख़ैर-अंदेश'=शुभाभिलाषी।

अंदेशिंदः (اندیشندہ) फा. वि.–सोचनेवाला, विचारनेवाला।

अंदेशीदः (اندیشیدہ) फा. वि.–सोचा हुआ, विचारा हुआ।

अंदेशीदनी (اندیشیدنی) फा. वि.–सोचने योग्य, सोचनीय।

अंदोख़्तः (اندوختہ) फा. वि.—कमाया हुआ, उपार्जित; जमा किया हुआ, संचित; धन, संपत्ति।

अंदोख़्तनी (اندوختنی) फा. वि.—कमाने योग्य; जमा करने योग्य।

अंदोह (اندوہ) फा. पुं.—क्लेश, दुःख, कष्ट, रंज।

अंदोहगीं (اندوهگیں) फा. वि.—दुःखित, शोकान्वित, रंजीदा।

अंदोहनाक (اندوہناک) फा. वि.—शोकपूर्ण, रंज में डूबी हुई बात, शोकान्वित, विषादपूर्ण।

अंद्जान (اندجان) फा. पुं.—तूरान का एक नगर।

अंबः (انبہ) फा. पुं.—एक प्रसिद्ध फल, आम्र, आम, रसाल।

अंबज (انبج) अ. पुं.—दे. 'अंबः'।

अंबर (عنبر) अ. पुं.—एक प्रसिद्ध बहुमूल्य सुगंधित पदार्थ, जो मछली के मुख से द्रवित होता एवं दवा में काम आता है।

अंबरचः (عنبرچہ) अ. फा. स्त्री.—दे. 'अंबरीनः'।

अंबरबारीस (انبرباریس) अ. स्त्री.—एक खट्टा फल जो दवा में चलता है, ज़िरिश्क।

अंबरबेज़ (عنبربیز) अ. फा. वि.—अंबर जैसी सुगंध फैलानेवाला; अंबर छिड़कनेवाला।

अंबरबेज़ी (عنبربیزی) अ. फा. स्त्री.—अंबर छिड़कना, अंबर की सुगंध फैलाना।

अंबरागीं (عنبرآگیں) अ. फा.—वि. दे. 'अंबरीं'।

अंबरीं (عنبریں) अ. फा. वि.—जिसमें अंबर जैसी सुगंध हो; जो अंबर की सुगंध में बसा हो; जिसमें अंबर मिला हो।

अंबरीनः (عنبرینہ) अ. फा. स्त्री.—स्त्रियों की गले में पहनने की धुकधुकी।

अंबरेसारा (عنبرسارا) अ. फा. पुं.—वह अंबर जो बिलकुल बेमेल हो, विशुद्ध अम्बर। हृदयशक्तिवर्धक औषध-द्रव्य।

अंबह (انبہ) अ. वि.—बहुत अधिक सूचना देनेवाला; बहुत अधिक चेतावनी देनेवाला।

अंबाग़ (انباغ) अ. स्त्री.—सौत, एक पुरुष की दो स्त्रियों में से कोई एक जो दूसरी की सौत होती है।

अंबाज़ (انباز) फा. वि.—भागीदार, साझेदार, शरीक, पार्टनर।

अंबाज़ (انباز) अ. पुं.—'नबज़' का बहु. उपाधियाँ, अल्क़ाब।

अंबानः (انبانہ) फा. पुं.—मश्क जैसा एक चमड़े का पात्र जिसमें नाज भरा जाता है।

अंबान (انبان) फा. पुं.—कमाया हुआ चमड़ा, कूम; फ़क़ीर की चमड़े की झोली; छोटी मश्क, मश्कीज़ः।

अंबानेनिफ़्त (انبان نفط) फा. अ. पुं.—चमड़े का कुप्पा, जिसमें बारूद अथवा मिट्टी का तेल भरकर शत्रु की सेना पर फेंकते थे।

अंबानेबाद (انبان باد) फा. पुं.—लोहार की चमड़े की धौंकनी।

अंबार (انبار) अ. पुं.—ढेर, राशि, टाल।

अंबारख़ानः (انبارخانہ) अ. फा. पुं.—वह गोदाम जहाँ माल का स्टाक रहता है, मालगोदाम।

अंबुरः (انبرہ) तु. पुं.—सड़सी, जिससे लोहार गर्म लोहा पकड़ते हैं।

अंबुर (انبر) तु. पुं.—दे. 'अंबुरः'।

अंबुह (انبہ) फा. पुं.—'अंबोह' का लघु. दे. 'अंबोह'।

अंबूबः (انبوبہ) अ. पुं.—दे. शु. उच्चारण 'उंबूबः'।

अंबोह (انبوہ) फा. पुं.—समुदाय, समूह, भीड़, जमाव, हुजूम।

अंसफ़ (انصف) फा. वि.—बहुत अधिक न्याय करनेवाला।

अंसब (انسب) अ. वि.—बहुत मुनासिब, अत्युचित।

अंसाब (انساب) अ. पुं.—'नसब' का बहु., वंशावलियाँ, नसबनामे।

अंसाब (انصاب) अ. पुं.—'नसब' का बहु. आप[illegible] दुःख-समूह, मुसीबतें; मूर्तियाँ जो पूजी जाती हैं।

अंसार (انصار) अ. पुं.—'नस्र' का बहु, सहायता करनेवाले, सहायकगण; मदीने के वह लोग जिन्होंने हज़रत मुहम्मद साहब को और उनके साथियों को अपने घरों में ठहराया था और उनकी सहायता की थी।

अंसारी (انصاری) अ. वि.—अरब की अंसार जमाअत का व्यक्ति; अंसार का वंशज; आधुनिक समय में जुलाहों की उपाधि।

अआज़िम (اعاظم) अ. पुं.—'आ'ज़म' का बहु., बड़े-बड़े लोग।

अआजिम (اعاجم) अ. पुं.—'आ'जम' का बहु., गूंगे लोग।

अआदी (اعادی) अ. पुं.—'अदू' का बहु. शत्रुगण, दुश्मन लोग।

अआली (اعالی) अ. पुं.—'आ'ला' का बहु., ऊँचे और प्रतिष्ठित लोग।

अइज़्ज़ः (اعزہ) अ. पुं.—'अज़ीज़' का बहु., वंशवाले, नातेदार।

अइन्नः (اعنہ) अ. पुं.—'इनान' का बहु., घोड़ों की लगामें।

अइफ़्फ़ः (اعفا) अ. पुं.—अफ़ीफ़ का बहु., इन्द्रियनिग्रही लोग, वे लोग जो पराई स्त्री की ओर आँख न उठाएँ।

अइम्मः (ائمہ) अ. पुं.—'इमाम' का बहु., किसी कलाविशेष के आचार्य लोग।

अइम्मः (اعمہ) अ. पुं.—'अम' का बहु., चचा लोग।

अकक (عکک) अ. पुं.—उमस, तौंस; गर्मी, ग्रीष्म।

अक़द (عقد) अ. पुं.—बात करने में ज़बान का लड़खड़ाना; रस्सी में गाँठ पड़ना।

अक़द (عقد) अ. पुं.—मोटा होना, स्थूल होना, चरबी चढ़ना।

अक़बः (عقبہ) अ. पुं.—कड़ा रास्ता; कठिनता से पहुँचने वाला स्थान; जटिल समस्या।

अक़ब (عقب) अ. पुं.—परोक्ष, पीठ पीछे; पश्चात्, बाद।

अकब (عکب) अ. पुं.—होंठ या चिबुक का मोटापा।

अकर (عکر) अ. पुं.—तेल की गाद; शराब की तलछट; हौज़ के पानी की गाद।

अक़ल [ल्ल] (اقل) अ. वि.—बहुत थोड़ा, अत्यल्प।

अक़ल्लीयत (اقلیت) अ. स्त्री.—किसी देश की वह जनता जो दूसरी जनता की अपेक्षा कम हो, अल्पसंख्यक।

अक़स (عقص) अ. पुं.—कृपण होना; दुःशील होना।

अकस (عکص) अ. पुं.—पशु का चंचल, शरीर और बुरे स्वभाव का (जैसे कटखना) होना।

अक़ाइद (عقائد) अ. पुं.—'अक़ीदः' का बहु., अक़ीदे, धर्म विश्वास।

अक़ाक़ (عقاق) अ. पुं.—पेट का बोझ, गर्भ; पीठ का बोझ, गट्ठर।

अक़ाक़ीर (عقاقیر) अ. स्त्री.—'अक़्क़ार' का बहु., जंगली जड़ी-बूटियाँ, वनस्पतियाँ।

अकाज़ीब (اکاذیب) अ. पुं.—'किज़्ब' का बहु., झूठी और सारहीन बातें।

अक़ानीम (اقانیم) अ. पुं.—'उक़्नूम' का बहु., ईसाई धर्मग्रंथ।

अक़ानीमे सलासः (اقانیم ثلاثہ) अ. पुं.—ईसाई धर्मग्रंथ की तीन महत्त्वपूर्ण पुस्तकें।

अकाबिर (اکابر) अ. पुं.—'अकबर' का बहु., प्रतिष्ठित जन, बड़े लोग।

अक़ारिब (اقارب) अ. पुं.—'अक़्ब' का बहु., समीपवाले; रिश्तेदार, स्वजन।

अक़ारिब (عقارب) अ. पुं.—'अ'क़्ब' का बहु., बहुत-से बिच्छू।

अकारिम (اکارم) अ. पुं.—'अक्रम' का बहु., पूज्य व्यक्ति, श्रेष्ठ जन।

अक़ालीम (اقالیم) अ. पु.—इक़्लीम का बहु., बहुत से देश, बहुत से महाद्वीप।

अकासिरः (اکاسرہ) अ. पुं.—'किस्रा' का बहु., 'किस्रा' उपाधि रखनेवाले सम्राट्।

अक़ासी (اقاصی) अ. वि.—'अक़्सा' का बहु., दूरवाले।

अ'क़िब (عقب) अ. पुं.—एड़ी; बेटा, पुत्र; पोता, बेटे का बेटा।

अकिलः (اکلہ) अ. पुं.—एक बहुत ही खराब फोड़ा, जिसे 'आकिलः' भी कहते हैं।

अक़ीक़ः (عقیقہ) अ. पुं.—मुसलमान बच्चों का मुंडन और नामकरण संस्कार जिसमें बकरी की क़ुर्बानी होती है।

अक़ीक़ (عقیق) अ. पुं.—एक बहुमूल्य पत्थर जो कई रंग का होता है। नज़र बचाने के लिए माताएँ इसे बच्चों के गले में पहनाती हैं। दिल धड़कने की बीमारी में पहनने से लाभ होता है।—"अक़ीक़े-सुर्ख़ की तख़्ती है लख़्ते-दिल मेरा, गले में डाल लो इसको नज़र-गुज़र के लिए।"

अक़ीदः (عقیدہ) अ. पुं.—धर्म, मत, मज़्हब; श्रद्धा, ऐ'तिक़ाद; विश्वास, यक़ीन।

अकीद (اکید) अ. वि.—दृढ़, मज़बूत, पुख़्तः।

अक़ीदत (عقیدت) अ. स्त्री.—श्रद्धा, आस्था, एतिक़ाद; भरोसा, एतबार, निष्ठा।

अक़ीदत केश (عقیدت کیش) अ. फा. वि.—श्रद्धावान्, श्रद्धालु, मो'तक़िद।

अक़ीदतमंद (عقیدت مند) अ. फा. वि.—दे. 'अक़ीदत केश'।

अक़ीदत शिआर (عقیدت شعار) अ. वि.—दे. 'अक़ीदत केश'।

अक़ीदत संज (عقیدت سنج) अ. फा. वि. दे.—'अक़ीदत केश'।

अक़ीब (عقیب) अ. वि.—पीछे आनेवाला, पीछे चलने-वाला, अनुगामी, अनुकर्ता, पैरो, अनुयायी।

अक़ीमः (عقیمہ) अ. स्त्री.—बाँझ, बंध्या, जिस स्त्री के सन्तान न होती हो।

अक़ीम (عقیم) अ. पुं.—बाँझ पुरुष, जिस पुरुष के वीर्य में संतान उत्पन्न करने के कीटाणु न हों, क्लीव, नपुंसक।

अक़ीर (عقیر) अ. वि.—निराश, नाउम्मेद; बाँझ, बंध्या।

अकीलः (اکیلہ) अ. स्त्री.—खाने की चीज़, खाद्य पदार्थ।

अक़ीलः (عقیلہ) अ. वि.—अपनी जाति का नेता; हर अच्छी चीज़; श्रेष्ठतम, बरगुज़ीदः, (स्त्री.) पर्दानशीन स्त्री; बुद्धिमती, आक़िलः।

अक़ील (عقیل) अ. वि.—बुद्धिमान्, अक़्लमंद; ऊँट के पाँव बाँधने की रस्सी।

अकील (اکیل) अ. वि.—साथ खानेवाला, हमकासः, सहभोजी।

अक़ूबत (عقوبت) अ. स्त्री.—यातना, पीड़ा, तकलीफ़; पाप, यातना, अज़ाब।

अक़ूर (عقور) अ. वि.—जिसे कुत्ते ने काट लिया हो, श्वान-दंशित।

अकूल (اکول) अ. वि.—बहुत खानेवाला, बहुभक्षी।

अक़्अक़ (عقعق) अ. पुं.—एक प्रकार का कौआ, जो बहुत तेज़ उड़ता है।

अक्कः (عکہ) अ. पुं.—दे. 'अक़अक़'।

अक़्क़ार (عقار) अ. पुं.—वनस्पति, जंगली जड़ी-बूटी।

अक्कार (اکار) अ. पुं.—कृषक, किसान; कूपकार, कुआँ खोदनेवाला।

अक्कालः (اکالہ) अ. वि.—बहुत ही अधिक खानेवाला, बहुत बड़ा पेटू, अतिभोजी, अमिताहारी।

अक्काल (اکال) अ. वि.—बहुत खानेवाला, बहुभक्षी।

अक्कास (عکاس) अ. वि.—छापाकार, फोटोग्राफ़र; चित्रकार, अक्स उतारनेवाला।

अक्कासी (عکاسی) अ. स्त्री.—छापाकर्म, फ़ोटोग्राफ़ी; चित्रकारी, अक्स उतारना; प्रतिलिपि, नक़्ल, नक़ल।

अक़्चः (اقچہ) तु. पुं.—सोने-चाँदी का छोटा टुकड़ा।

अक्ज़ब (اکذب) अ. वि.—बहुत बड़ा झूठा; बहुत बड़ा पापी।

अक़्ज़ा (اقضی) अ. वि.—बहुत बड़ा हुक्म देनेवाला; बहुत बड़ा काम करनेवाला।

अक़्ज़ियः (اقضیہ) अ. पुं.—'क़ज़ा' का बहु, आज्ञाएँ, हुक्म।

अक़्ता' (اقطع) अ. वि.—जिसके हाथ कटे हों।

अक़्ताअ (اقطاع) अ. पुं.—'क़त्अ' का बहु., जागीरें, परगने; प्रदेश, इलाक़े।

अक़्ताब (اقطاب) अ. पुं.—'क़ुत्ब' का बहु, बड़े-बड़े महात्मा और वली।

अक़्तार (اقطار) अ. पुं.—'क़त्रः' का बहु., बूंदे; 'क़ुत्र' का बहु, किनारे।

अक़्तार (اقتار) अ. पुं.—'क़ुत्र' अथवा 'क़ुतुर' का बहु., किनारे; शिकारियों की ठाहें।

अक़्द (عقد) अ. पुं.—विवाह, पाणिग्रहण, ब्याह; ग्रंथि, गांठ; वचन, प्रतिज्ञा, अह्द, निकाह।

अक्दर (اکدر) अ. वि.—बहुत गँदला, बहुत मैला।

अक़्दस (اقدس) अ. वि.—बहुत पवित्र, बहुत पाक; बहुत प्रतिष्ठित, बहुत बुज़ुर्ग; बहुत कल्याणकारी।

अक़्दह (اقدح) अ. वि.—बहुत खराब, निकृष्टतम; बहुत अधिक व्यंग और कटाक्ष करनेवाला; बहुत दूषित।

अक़्दाम (اقدام) अ. पुं.—क़दम का बहु, बहुत से पाँव, चरण-समूह।

अक़्दाह (اقداح) अ. पुं.—'क़दह' का बहु. पियाले।

अक़्दे अनामिल (عقد انامل) अ. पुं.—उँगलियों पर हिसाब लगाने की एक विधि।

अक़्दे नमकीं (عقد نمکیں) अ. फा. पुं.—'मुताअ' शीयों की वह विवाह-पद्धति, जो थोड़े समय के लिए होती है।

अक़्दे रवाँ (عقد رواں) अ. फा. पुं.—दे. 'अक़्दे नमकीं'।

अक़्दे सानी (عقد ثانی) अ. पुं.—दूसरा ब्याह, पुनर्विवाह।

अक्नान (اکنان) अ. पुं.—'किन' का बहु. पर्दे, आड़ें।

अक्नाफ़ (اکناف) अ. पुं.—'कन्फ़' का बहु., किनारे, छोर; दिशाएँ, सिम्तें; त्राण-स्थान, पनाहगाहें।

अक्नूं (اکنوں) फा. अव्य०—दृढ़; इस समय।

अक्फ़र (اکفر) अ. वि.—बहुत बड़ा काफ़िर, बहुत बड़ा नास्तिक, बहुत बड़ा विधर्मी।

अक्फ़ा (اکفا) अ. पुं.—'कुफ़्व' का बहु., बहुत से गोत्र, बहुत से खानदान।

अक्फ़ा (اکفی) अ. वि.—बहुत काफ़ी, बहुत पर्याप्त।

अक़्फ़ाल (اقفال) अ. पुं.—'क़ुफ़ुल' का बहु., ताले।

अक़्ब (عقب) अ. वि.—किसी के पीछे आना; अनुगमन, अनुसरण।

अक्बर (اکبر) अ. वि.—महान्, अज़ीम; सबसे बड़ा, (पुं.) एक सुप्रसिद्ध मुग़ल सम्राट्।

अक़्बल (اقبل) अ. वि.—बहुत क़ाबिल, बड़ा विद्वान्; भेंगा, जिसे एक की दो चीज़ें दिखाई देती हों।

अक़्बह (اقبح) अ. वि.—निकृष्टतम, बहुत खराब।

अक्बाद (اکباد) अ. पुं.—'कबिद' का बहु., जिगर।

अक्मल (اکمل) अ. वि—बहुत कामिल, पूर्णतम, सर्वाङ्ग-पूर्ण।

अक्माम (اکمام) अ. पुं.—आस्तीनें; बीजों के ऊपर के ग़िलाफ़।

अक़्मिशः (اقمشہ) अ. पुं.—'क़ुमाश' का बहु., कपड़े, वस्त्र-समूह।

अक़्याल (اقیال) अ. पुं.—प्रतिष्ठित जन, बड़े लोग; पूज्य व्यक्ति, बुज़ुर्ग लोग।

अक्याल (اکیال) अ. पुं.—'कैल' का बहु., नाज आदि नापने के पैमाने।

अक़्र (عقر) अ. पुं.—बाँझपन, अनपत्य दोष।

अक़्रअ (اقرع) अ. वि.—गंजा, खल्वाट।

अक़्रब (اقرب) अ. वि.—बहुत करीब, समीपतम, अति निकट।

अक़्रब (عقرب) अ. पुं.—बिच्छू, वृश्चिक, अलि; वृश्चिक राशि, बुर्जे अक़्रब।

अक़्रबी (عقربی) अ. वि.—बिच्छू से संबंध रखनेवाला, (पुं.) पद्मराग अर्थात् लाल का एक प्रकार, मणि विशेष, बदख़शां के लाल सुप्रसिद्ध हैं।

अक्रम (اکرم) अ. वि—अति दानी, वदान्य, बहुत बड़ा सखी; अति प्रतिष्ठित, बड़ा बुज़ुर्ग।

अक़्राद (اقراد) अ. पुं.—'क़िरदः' का बहु, बंदरों की टोली, बहुत-से बंदर।

अक़ान (اقران) अ. पुं.—'क़र्न' का बहु., युग-समूह, लंबे ज़माने।

अक्राम (اكرام) अ. पुं.—'करम' का बहु., कृपाएँ, दयाएँ; दान, बख़्शिशें।

अक़्रास (اقراص) अ. पुं.—'क़ुर्स' का बहु., रोटियाँ; टिकियाँ, चपटी आकार की बटी, टेब्लेट।

अक़्रिबा (اقربا) अ. पुं.—'क़रीब' का बहु., स्वजनगण, अज़ीज़ो अक़ारिब।

अक्ल (اكل) अ. पुं.—खाना, भोजन करना।

अक़्ल (عقل) अ. पुं.—बुद्धि, धी, प्रज्ञा, मेधा, सूझ-बूझ; चतुरता, होशयारी; विवेक, तमीज़।

अक़्लमंद (عقل مند) अ. फा. वि.—बुद्धिमान्, मेधावी, तेज़ अक़्ल वाला।

अक़्लमंदी (عقل مندی) अ. फा. स्त्री.—बुद्धिमत्ता, अक़्ल वाला होना।

अक़्ले कुल (عقل كل) अ. पुं.—जिब्रील फ़िरिश्तः (व्यंग) घामड़, मूर्ख, लाल बुझक्कड़।

अक़्ले सलीम (عقل سليم) अ. स्त्री.—ऐसी बुद्धि जिसका निश्चय सदा ही ठीक और शांत रहता हो, सत्यनिश्चयी बुद्धि, सद्बुद्धि, संतुलित बुद्धि।

अक़्वः (عقوه) अ. पुं.—मैदान, खुला हुआ क्षेत्र; आँगन, अजिर।

अक़्वा (اقوا) अ. वि.—सबसे बलवान्, पराक्रमी, महाबली, बड़ा ज़ोरावर।

अक़्वात (اقوات) अ. पुं.—'क़ूत' का बहु., ख़ुराकें।

अक्वाब (اكواب) अ. पुं.—बिना टोंटी और पेंदे के लोटे, लुटियाँ, गड़ुवे, (व्यंगार्थ—चंचल प्रकृति वाला, अस्थिर-बुद्धि)।

अक़्वाम (اقوام) अ. पुं.—'क़ौम' का बहु., क़ौमें, बिरादरियाँ; राष्ट्रसमूह, सल्तनतें; जातियाँ, जातें।

अक़्वाल (اقوال) अ. पुं.—'क़ौल' का बहु., किसी बड़े व्यक्ति या धर्माचार्य के कहे हुए प्रवचन।

अक़्वास (اقواس) अ. पुं.—'क़ौस' का बहु., धनुषें, कमानें।

अक़्वियः (اقوياء) अ. पुं.—'क़वी' का बहु., ज़ोरदार लोग, बलीजन, बलवान् व्यक्ति।

अक्स (عكس) अ. पुं.—प्रतिबिंब, साया; चित्र, तसवीर; प्रत्युत, विपरीत, बरअक्स।

अक्सर (اكثر) अ. वि.—बहुधा, प्रायः, उमूमन।

अक़्सर (اقصر) अ. वि.—बहुत छोटा, ह्रस्वतम, अल्पतम, लघुतम।

अक्सरीयत (اكثريت) अ. स्त्री.—किसी देश की वह जनता जो दूसरी जनता की अपेक्षा अधिक हो, बहुसंख्यक।

अक्सरेज़ (عكس ريز) अ. फा. पुं.—एक्सरे।

अक़्सा (اقصوٰ) अ. वि.—बहुत दूर; दूरवर्ती; अंत को पहुँचा हुआ।

अक़्सा (اقصا) अ. पुं.—क़तारें, छोर; दूरियाँ।

अक़्साम (اقسام) अ. पुं.—'क़िस्म' का बहु., क़िस्में, प्रकार; 'क़सम' का बहु. शपथें, सौगंधें।

अक़्सिमः (اقسمه) अ. पुं.—'क़िस्म' का बहु., क़िस्में, प्रकार।

अक़्सियः (اقسيه) अ. पुं.—'क़ियास' का बहु., अटकलें, अंदाज़े।

अक्सोतर्द (عكس وطرد) अ. पुं.—एक काव्यालंकार जिसमें आधे मिस्रे में जो शब्द लाये जाते हैं, बाक़ी आधे मिस्रे में उन्हीं को उलट दिया जाता है।

अक्हल (اكحل) अ. वि.—वह व्यक्ति जिसकी पलकें निकलने का स्थान काला हो; जिसकी आँखें अंजनसार हों।

अख़ (اخ) अ. पुं.—भ्राता, भाई।

अख़अख़ (اخ اخ) फा. अव्य.—वाह वाह, ख़ूब ख़ूब; उफ़ उफ़, हा हा।

अख़फ़ [फ़्फ़] (اخف) अ. वि.—बहुत हलका, लघुतम।

अख़वात (اخوات) अ. स्त्री.—'उख़्त' का बहु., बहिनें।

अख़स [स्स] (اخص) वि.—बहुत ही ख़ास, मुख्यतम।

अख़स [स्स] (اخس) वि.—बहुत ही ख़सीस, अति कृपण, मक्खीचूस।

अख़स्सुल ख़सीस (اخس الخسيس) अ. वि.—सारे कृपणों में सबसे अधिक कृपण, धनपिशाच।

अख़स्सुल ख़ास (اخص الخاص) अ. वि.—सबसे अधिक मुख्य, जो मुख्य हैं उन सब में मुख्य, मुख्यतम।

अख़िल्ला (اخلا) अ. पुं.—'ख़लील' का बहु., मित्रगण, दोस्त लोग, यार, सुहृद्जन।

अख़िस्सा (اخسا) अ. पुं.—'ख़सीस' का बहु., कृपणगण, कंजूस लोग।

अख़ी (اخی) अ. अव्य.—मेरा भाई; हे भाई।

अख़ीर (اخير) अ. पुं.—अंत, इख़्तिताम; छोर, किनारा; मरण-काल, मौत का समय। (वि.) समाप्त, ख़त्म।

अख़ुंद (اخوند) फा.—शिक्षक, उस्ताद।

अख़्गर (اخگر) फा. पुं.—स्फुलिंग, अग्निकण, पतंगा, चिनगारी—"सुन अय ! जुनूने-इश्क़ ! तुझे इसमें क्या मिला ? 'अख़्गर' सा तहे-ख़ाक जलाया किया मुझे।"

अख़्चः (اخچه) तु. पुं.—सोने या चाँदी का कण या टुकड़ा, दे. 'अक्चः'।

अख़ज़ (اخز) अ. पुं.—ग्रहण, आदान, लेना; प्राप्ति, हुसूल, लब्धि।

अख़ज़म (اخزم) अ. पुं.—नर साँप।

अख़ज़र (اخضر) अ. वि.—गहरे हरे रंग का, हरा रंगा हुआ।

अख़ज़रीयत (اخضریت) अ. स्त्री.—हरापन।

अख़्तःख़ानः (اختہخانہ) फा. पुं.—तबेला, अश्वशाला।

अख़्तब (اخطب) अ. वि.—बहुत बड़ा वक्ता, भाषण-पटु।

अख़्तर (اختر) फा. पुं.—तारा, सितारा, उडु; भाग्य, प्रारब्ध, क़िस्मत।

अख़्तरशनास (اخترشناس) फा. वि.—ज्योतिषी, नजूमी।

अख़्तरशुमारी (اخترشماری) फा. स्त्री.—तारे गिनना, तारे गिन-गिनकर रात काटना, बेचैनी मे रात काटना, जैसे—"अल्ला रे! शबे-हिज्र की अख़्तर-शुमारियाँ!!"

अख़्तरे जौज़ा (اخترجوزا) फा. अ. पुं.—बुध ग्रह, उतारिद।

अख़्तान (اختان) अ. पुं.—'ख़तन' का बहु., दामाद लोग।

अख़दान (اخدان) अ. पुं.—'ख़िद्न' का बहु., मित्र लोग, प्रेमपात्र लोग।

अख़फ़श (اخفش) अ. वि.—जिसकी आँखें निर्बल हो; जो चुंधा हो।

अख़्बस (اخبث) अ. वि.—बहुत ही ख़बीस, अत्यंत दुष्ट, बहुत बड़ा पापी।

अख़्बार (اخبار) अ. पुं.—'ख़बर' का बहु., ख़बरें, समाचार-पत्र।

अख़्बार नवीस (اخبار نویس) अ. फा. वि.—पत्रकार, अख़्बार का एडीटर।

अख़्बारी (اخباری) अ. वि.—अख़्बार से सम्बन्धित; अख़्बार का।

अख़्मः (اخمہ) अ. पुं.—झुर्री, शिकन, बल।

अख़्म (اخم) अ. पुं.—माथे की शिकन, ललाट बल; भौं की शिकन, अब्रू का वल।

अख़्मस (اخمص) अ. पुं.—तलवे का वह भाग जो भूमि से नहीं लगता।

अख़्मिरः (اخمرہ) अ. पुं.—'ख़िमार' का बहु., ओढ़नियाँ, चादरें।

अख़्याफ़ी (اخیافی) अ. वि.—वह भाई बहन, जिनके बाप अलग-अलग और माँ एक हो।

अख़्यार (اخیار) अ. पुं.—'ख़ैर' का बहु., पुण्य-समूह, यश-समूह, भलाइयाँ, नेकियाँ।

अख़्रब (اخرب) अ. वि.—निर्जन, वीरान; उर्दू छंदशास्त्र मे 'मफ़ाईलुन्' में से 'म' और 'न' गिराकर 'फ़ाईल्' करके 'मफ़ऊल्' बनाना।

अख़्रम (اخرم) अ. वि.—जिसकी नाक कटी हो; उर्दू छंदशास्त्र में 'मफ़ाइलुन्' मे से 'म' गिराकर 'फ़ाईलुन्' करके 'मफ़ऊलुन्' बनाना।

अख़्रस (اخرس) अ. वि.—गूंगा, जो न बोल सके न सुन सके।

अख़्लकंद (اخل کند) फा. पुं.—झुनझुना, बच्चों को खिलाने का झुनझुना।

अख़्लाक़ (اخلاق) अ. पुं.—'ख़ुल्क़' का बहु., परन्तु उर्दू में एक-वचन के अर्थ मे प्रयुक्त है, शिष्टाचार, ख़ुशख़ुल्क़ी।

अख़्लाक़ी (اخلاقی) अ. वि.—अख़्लाक़ सम्बन्धी, शिष्टाचार-सम्बन्धी।

अख़्लाक़े आलियः (اخلاق عالیہ) अ. पुं.—सत्त्व गुण, अच्छे अख़्लाक़, उच्च कोटि का शिष्टाचार।

अख़्लाक़े ज़मीमः (اخلاق ذمیمہ) अ. पुं.—दे. 'अख़्लाक़े रदीयः।'

अख़्लाक़े रदीयः (اخلاق ردیہ) अ. पुं.—तमोगुण, बुरे अख़्लाक़।

अख़्लात (اخلاط) अ. पुं.—ख़िल्त का बहु., धातुएँ, वात, पित्त, कफ और रक्त।

अख़्लाफ़ (اخلاف) अ. पुं.—'ख़लफ़' का बहु., लड़के, लड़के पोते आदि।

अख़्वाल (اخوال) अ. पुं.—'ख़ाल' का बहु., ख़ालू, बहनोई, मौसा; झंडे, ध्वजाएँ।

अख़्शम (اخشم) अ. वि.—जिसे सुगंध और दुर्गंध का अनुभव न हो।

अख़्सम (اخصم) अ. वि.—लंबी नाकवाला।

अगर (اگر) फा. अव्य.—यदि, जो।

अगरचे (اگرچہ) फा. अव्य.—यद्यपि, गोकि।

अग़ाइद (اغائد) अ. पुं.—'अग़ीद' का बहु., अत्यंत कोमल और मृदुल अंगों वाली स्त्रियाँ, तन्वङ्गी, कृशाङ्गी, कोमलाङ्गी।

अग़ानिम (اغانم) अ. पुं.—'ग़नम' का बहु., भेड़-बकरियाँ।

अग़ानी (اغانی) अ. पुं.—'उग़्नियः' का बहु., वह बाजे जो फूंककर न बजाये जायँ, जैसे सितार, मृदंग आदि।

अग़्ज़ियः (اغذیہ) अ. स्त्री.—'ग़िज़ा' का बहु., ग़िज़ाएँ, खाद्य पदार्थ।

अग़्नाम (اغنام) अ. पुं.—'ग़नम' का बहु., भेड़-बकरियाँ।

अग़्नियाः (اغنیا) अ. पुं.—ग़नी का बहु., धनाढ्य लोग।

अग़्फ़र (اغفر) अ. वि.—बड़ा छिपानेवाला।

अग़्बर (اغبر) अ. वि.—धूसर, मटीला, ख़ाकी रंगवाला।

अग़्यार (اغیار) अ. पुं.—'ग़ैर' का बहु., अस्वजन, ग़ैर लोग, प्रतिद्वंद्वी जन, रक़ीब लोग।

अग़्रब (اغرب) अ. वि.–आश्चर्यजनक, बहुत अजीब, अद्‌भुत, विलक्षण।

अग़राज़ (اغراض) अ. पुं.–'ग़रज़' का बहु., इच्छाएँ, ख़्वाहिशें, अभिप्राय, मक़ासिद, स्वार्थ-समूह, ख़ुदग़रज़ियाँ।

अग़्लत (اغلط) अ. वि.-बहुत अशुद्ध, बहुत गलत; अत्यंत झूठ, बिलकुल मिथ्या।

अग़्लब (اغلب) अ. वि.–निश्चय, यक़ीनी।

अग़्लबन (اغلبا) अ. वि.–यक़ीनी तौर पर, करीब-करीब, अवश्य ही।

अग़्लाज़े ऐमान (اغلاظ ایمان) अ. पुं.–बुरी-बुरी क़समें।

अग़्लात (اغلاط) अ. पुं.–'ग़लत' का बहु., अशुद्धियाँ, ग़लतियाँ; त्रुटियाँ, भूलें।

अग़्लाल (اغلال) अ. पुं.–'ग़िल' का बहु., अपराधियों के गले में डाले जाने वाले तौक़; बहते हुए पानी।

अग़्सान (اغصان) अ. पुं.–'ग़ुस्न' का बहु., छोटी फैली शाखाएँ, डालियाँ।

अचार (اچار) फा. पुं.–प्रसिद्ध खटास, खटाई।

अच्ची (اچی) तु. पुं.–बड़ा भाई, अग्रज।

अझंग (اژنگ) फा. पुं.–झुर्री, बल, शिकन, खाल की झुर्री।

अज़ [ज़्ज़] (عض) अ. पुं.–दाँतों से काटना।

अज़ [ज़्ज़] (غط) अ. पुं.–ज़मीन से चिपकना।

अज़ (از) फा. अव्य.–से।

अज़ [ज़्ज़] (عز) अ. पुं.–प्रभुत्व स्थापित करना, ग़्लबः करना; ज़ोर की वर्षा, तेज़ बारिश।

अज़ अव्वल ता आख़िर (از اول تا آخر) फा. वि.–आदि से अंत तक, शुरू से अख़ीर तक, आद्योपांत; नितांत, बिलकुल।

अज़कार रफ़्तः (ازکار رفتہ) फा. वि.–काम से गया बीता, अपाहज; नपुंसक, क़्लीव, नामर्द; बेकार, व्यर्थ, निकम्मा।

अज़ ख़ुद (از خود) फा. अव्य.–स्वयम्, आप से; आप ही आप, स्वतः, ख़ुद ब ख़ुद।

अज़ख़ुद रफ़्तः (از خود رفتہ) फा. वि.–संज्ञाहीन, निश्चेष्ट, बेसुध, बेख़बर, बेख़ुद।

अज़फ़ (عجف) अ. स्त्री.–दुर्बलता, कमज़ोरी; दुबलापन, लाग़री, कृशता, तनुता।

अजब (عجب) अ. वि.–विचित्र, अद्‌भुत, अनोखा; आश्चर्य, अचंभा।

अज़ब (عزب) अ. पुं.–वह पुरुष जो स्त्री न रखता हो।

अजबतर (عجب تر) अ. वि.–बहुत ही विचित्र, निहायत अजीब।

अज़बर (ازبر) फा. वि.–वह चीज जो ज़बानी याद हो, कंठ, कंठस्थ, मुखाग्र, बरज़बाँ।

अज़बस (از بس) फा. अव्य.–अत्यंत, अधिक; बहुत, चूँकि।

अजम (اجم) अ. पुं.–'अज़्मः' का बहु., जंगलात, बीहड़; एक प्रकार का खाना खाने से घबरा जाना, शाम का एक स्थान।

अजम (عجم) अ. पुं.–'अरब' के अतिरिक्त बाक़ी संसार, ईरान और तूरान; दाना; धान्य, (वि.) मूक, गूँगा, जो बोल न सके।

अज़मत (عظمت) अ. स्त्री.–प्रतिष्ठा, बुज़ुर्गी, बड़ाई; आदर, सम्मान, इज़्ज़त, यह शब्द उर्दू में 'अज़्मत' है, दे. 'अज़्मत'।

अजमी (عجمی) अ. वि.–जो अरबी न हो; ईरानी, ईरान-निवासी।

अज़ रुए इंसाफ़ (از روئے انصاف) फा. अव्य.–न्यायतः, न्याय के अनुसार, इंसाफ़ से।

अजल (اجل) अ. स्त्री.–मृत्यु, मरण, मौत; समय, काल, वक़्त।

अजल [ल्ल] (اجل) अ. वि.–श्रेष्ठतम, बहुत ही मुअज़्ज़ज़।

अज़ल [ल्ल] (اذل) अ. वि.–अति नीच, अधमतर, बहुत ही कमीना।

अज़ल (عضل) अ. पुं.–'अज़्लः' का बहु., पट्‌ठे, स्नायु-समूह।

अज़ल [ल्ल] (ازل) अ. पुं.–जिसकी जंघाएँ और नितंब दुबले-पतले हों।

अज़ल (ازل) अ. वि.–वह समय जिसकी शुरूआत न हो, अनादि काल, वह समय जब सृष्टि की रचना हुई—"दिल, अज़ल से है, कोई आज से शैदाई है?"

अजल गिरिफ़्तः (اجل گرفتہ) अ. फा. वि.–जो मौत के मुँह में हो, मरणासन्न।

अजल रसीदः (اجل رسیدہ) अ. फा. वि.–जिसकी मौत आ गयी हो, मृतप्राय।

अज़ली (ازلی) अ. वि.–अनादि काल से संबद्ध; अनादि कालवाला; सृष्टि की रचना के समय का।

अज़ सर ता पा (از سر تا پا) फा. वि.–सिर से पाँव तक, आपादमस्तक; सर्वथा, नितांत, बिलकुल, नख से शिख तक, पूर्णतः।

अज़ सरे दस्त (از سر دست) फा. वि.–शीघ्र, तुरंत, जल्द; सहसा, निःसंकोच, बेतअम्मुल; चुस्त, स्फूर्तियुक्त, फ़ुर्तीला।

अज़ सरे नौ (از سر نو) फा. वि.–नये सिरे से, फिर से, पुनः।

अज़हद (از حد) फा. अ. वि.–असीम, अपार, बेहद; अत्यधिक, बहुत ज़्यादा।

अज़ाँ (ازاں) फा. अव्य.–उससे।

अज़ाँ (اذاں) अ. स्त्री.–'अज़ान' का लघु., दे. 'अज़ान'।

अज़ाँजुम्लः (ازاں جملہ) अ. फा. अव्य.–उन सबमें से, उनमें से।

अज़ाँपेश (ازاں پیش) फा. वि.–उससे पहले, तत्पूर्व ।

अज़ाँबाज़ (ازاں باز) फा. वि.–उस समय से, उस वक़्त से ।

अज़ाँबाद (ازاں بعد) अ. फा. वि.–उसके बाद, उसके पश्चात्, तत्पश्चात् ।

अज़ाँसू (ازاں سو) फा. वि.–उस ओर से, उधर से ।

अज़ा (اذی) अ. स्त्री.–कष्ट, दुःख, अज़ीयत, यातना ।

अज़ा (عزا) अ. पुं.–मृत्युशोक, मातम, दैवी आपत्ति पर धैर्य और उस पर दृढ़ता ।

अजाइज़ (عجائز) अ. पुं.–'अजूज़' का बहु., बूढ़ी स्त्रियाँ ।

अज़ाइफ़ (اضائف) अ. पुं.–'ज़ैफ़' का बहु., मेहमान लोग, अतिथिगण ।

अजाइब (عجائب) अ. पुं.–'अजीब' का बहु., विचित्रताएँ, अजीब बातें ।

अजाइब ख़ानः (عجائب خانہ) अ. फा. पुं.–कौतुकालय, विचित्रालय, अद्‌भुतालय, अजायबघर ।

अजाइबात (عجائبات) अ. पुं.–'अजाइब' का बहु., चूँकि 'अजाइब' स्वयं बहुवचन है इसलिए इसका बहु. अशुद्ध है, परन्तु उर्दू में प्रचलित है ।

अज़ाइम (عزائم) अ. पुं.–'अज़ीमत' का बहु., वे मंत्र और पाठ जो भूत, प्रेत आदि को वश में करने या रोकने के लिए पढ़े जाते हैं; बीमार के अच्छा होने के लिए पढ़ी जाने वाली दुआएँ ।

अज़ाख़ानः (عزاخانہ) अ. फा. पुं.–शोकगृह, मातमख़ाना, जहाँ कोई मर गया हो और उसका शोक मनाया जा रहा हो ।

अजाज (عجاج) अ. पुं.–धूल-मिट्टी, गर्द-ग़ुबार ।

अज़ाज़ील (عزازیل) अ. पुं.–शैतान का नाम, जब वह फ़िरिश्ता था ।

अज़ादार (عزادار) अ. फा. वि.–जो किसी के मरने का शोक कर रहा हो, मातमदार; मुहर्रम में इमाम हुसैन का मातम मनानेवाला ।

अज़ादारी (عزاداری) अ. फा. स्त्री.–मृत्यु-शोक-काल; इमाम हुसैन का मातम मनाना; ता'ज़ियादारी ।

अज़ान (اذان) अ. स्त्री.–नमाज़ का बुलावा; नमाज़ की सूचना के शब्द जो ज़ोर से पुकारे जाते हैं ।

अजानिब (اجانب) अ. पुं.–'अज्नबी' का बहु., अपरिचित लोग, बेगाने; अस्वजन, ग़ैर ।

अज़ाब (عذاب) अ. पुं.–पापों का वह दंड जो यमलोक में मिलता है; पापकष्ट; यातना, पीड़ा, दुःख, तकलीफ़ ।

अज़ाबुल क़ब्र (عذاب القبر) अ. पुं.–क़ब्र के भीतर का अज़ाब, जो मुसलमानों के मतानुसार 'मुन्कर नकीर' दो फ़िरिश्तों द्वारा होता है ।

अज़ाबुलहून (عذاب الہون) अ. पुं.–तिरस्कृत और अपमानित करने की यातना ।

अज़ाहीफ़ (ازاحیف) अ. पुं.–'अज़्हाफ़' का बहु., जो 'ज़िहाफ़' का बहु. है, उर्दू छंदों के गणों के परिवर्तन ।

अज़ाहीर (ازاهیر) अ. पुं.–'अज़्हार' का बहु., जो 'ज़हरः', 'ज़ुहरः' और 'ज़ुहः' का बहु. है, कलियाँ, बिन खिले फूल, शगूफ़े ।

अजिज़ (عجز) अ. स्त्री.–श्रोण, नितंब, चूतड़, दे. 'अजुज़', दोनों शुद्ध हैं ।

अजिन्नः (اجنه) अ. पुं.–'जनीन' का बहु., वे बच्चे जो माँ के पेट में हों, भ्रूणसमूह ।

अजिफ़ (عجف) अ. वि.–दुबला, लाग़र, कमज़ोर, कृशकाय ।

अज़िमः (ازمه) अ. पुं.–दुर्भिक्ष का कष्ट, क़ह्‌त की सख़्ती और तकलीफ़ ।

अज़िम्मः (ازمه) अ. पुं.–'ज़िमाम' का बहु., लगामें ।

अजिल्लः (اجله) अ. पुं.–'जलील' का बहु., बड़े लोग, प्रतिष्ठित जन ।

अज़िल्लः (اذله) अ. पुं.–'ज़लील' का बहु. अधम लोग, निकृष्ट लोग, कमीने लोग, नीच जन ।

अज़ीं (ازیں) फा. अव्य.–इससे ।

अज़ींममर (ازیں ممر) फा. अ. अव्य.–इस कारण से, इस सबब से ।

अजीज़ (عجوز) अ. वि.–नामर्द, नपुंसक, क्लीब ।

अज़ीज़ (عزیز) अ. वि.–स्वजन, रिश्तेदार, प्रिय, प्यारा; रुचिकर, मर्ग़ूब; अप्राप्य, कामयाब; मिस्र के प्राचीन बादशाहों की उपाधि ।—"मिलने से भी अज़ीज़ है मिलने की आर्ज़ू, है वस्ल से ज़ियादः मज़ा इंतज़ार में ॥"—(प्रिय के अर्थ में)

अज़ीज़ तरीन (عزیز ترین) अ. फा. वि.–बहुत ही प्यारा, अज़ीज़; बहुत अधिक पसंद, प्रियतम ।

अजीन (عجین) अ. वि.–गुंधा हुआ, सना हुआ; ख़मीर ।

अजीब (عجیب) अ. वि.–विचित्र, आश्चर्यजनक; अनुपम, अद्वितीय, बेमिस्ल; अनोखा, निराला ।

अजीब तर (عجیب تر) अ. फा. वि.–बहुत ही विचित्र; बहुत ही अनुपम; बहुत ही निराला, अति अद्‌भुत ।

अजीबुलखिल्क़त (عجیب الخلقت) अ. वि.–जिसकी आकृति और बनावट विचित्र हो, विकटमूर्ति; जो प्राकृतिक रूप से विरुद्ध हो, अप्राकृतिक ।

अजीबो ग़रीब (عجیب وغریب) अ. वि.–जिसमें बहुत-सी बातें ऐसी हों जो दूसरों में न हों, बहुत ही विचित्र ।

अज़ीम (عظیم) अ. वि.–महान्, बहुत बड़ा; विशाल, विस्तृत ।

अज़ीमत (عزیمت) अ. स्त्री.–संकल्प, निश्चय, इरादा; तंत्र-मंत्र, अभिचार, जादू-टोना, भूतों को बुलाने और उन्हें बंद करने आदि के लिए मंत्र आदि का उच्चारण।

अज़ीमत ख़्वाँ (عزیمت خواں) अ. फ़ा. वि.–वह व्यक्ति जो अभिचार और जादू से भूत-प्रेतों को बुलाये।

अज़ीमुलजुस्सः (عظیم الجثہ) अ. वि.–बहुत बड़े डील-डौल का, गिराडील, महाकाय।

अज़ीमुश्शान (عظیم الشان) अ. वि.–बहुत बड़ा, महान्, विशाल; महामान्य, बड़े मर्तबेवाला।

अज़ीयत (اذیت) अ. स्त्री.–कष्ट, यातना, तकलीफ़।

अज़ीयत देह (اذیت دیہ) अ. फ़ा. वि.–कष्टदायी, दुःखदायी, तकलीफ़ देनेवाला।

अज़ीयत रसाँ (اذیت رساں) अ. फ़ा. वि.–दे. 'अज़ीयत देह'।

अजीर (اجیر) अ. वि.–श्रमिक, मज़दूर।

अज़ीर (عجیر) अ. वि.–क्लीब, नपुंसक, नामर्द।

अजील (عجیل) अ. वि.–फुर्तीला, चुस्त, जल्दबाज़, आतुर।

अजुज़ (عجز) अ. पुं.–श्रोण, नितंब, कटिदेश, सुरीन।

अज़ुद (عضد) अ. पुं.–भुजा, बाहु, बाज़ू।

अजूज़ः (عجوزہ) अ. स्त्री.–दे. 'अजूज़'।

अजूज़ (عجوز) अ. स्त्री.–बूढ़ी स्त्री, वृद्धा; वह वृद्धा नारी जिसमें काम-वासना का आधिक्य हो।

अजूबः (عجوبہ) अ. वि.–अनोखी चीज़, दे. 'उजूबः' शुद्ध वही है, परंतु उर्दूवाले दोनों प्रकार से बोलते हैं।

अज़ूबत (عذوبت) अ. स्त्री.–मधुरता, मिठास, रसीलापन; पानी का स्वादिष्ठ होना।

अजूल (عجول) अ. वि.–बहुत शीघ्रता करनेवाला; स्तब्ध, चकित, हैरान; वह ऊँटनी जिसका बच्चा खो गया हो।

अज़ेरा (ازیرا) फ़ा. अव्य.–'ज़ेरा' का बृहत् रूप, इसीलिए, इस कारण; किसलिए, क्यों।

अज़अफ़ (اضعف) अ. वि.–बहुत ज़ईफ़, बहुत कमज़ोर, अति निर्बल।

अज़आफ़ (اضعاف) अ. पुं.–'ज़िफ़' का बहु., दूने, दोगुने।

अज़्का (اذکی) अ. वि.–बहुत ही प्रतिभाशाली, बहुत ही ज़हीन, कुशाग्रबुद्धि, मेधावी।

अज़्का (ازکی) अ. वि.–बहुत ही पवित्र, बहुत ही पाक।

अज़्कार (اذکار) अ. पुं.–ज़िक्र का बहु., चर्चाएँ, तज़्किरे; जप-तप, वज़ीफ़े आदि।

अज़्किया (اذکیا) अ. पुं.–ज़की का बहुवचन, कुशाग्र बुद्धिवाले, प्रतिभाशाली लोग।

अज़्किया (ازکیا) अ. पुं.–'ज़की' का बहु., अति पवित्र लोग; पुण्यात्मा लोग, बुज़ुर्ग लोग।

अज़्ख़र (اذخر) अ. वि.–बहुत ही तीव्र गंधवाला, तेज़बू।

अज़्ग़ास (اضغاث) अ. पुं.–घास के मुट्ठे जिसमें सूखी गीली घास मिली हो, अस्त-व्यस्त वस्तु।

अज़्ग़ासे अह्लाम (اضغاث احلام) अ. पुं.–ऐसे स्वप्न जिनका स्वप्न-फल ठीक न बताया जा सके, परीशान-ख़्वाब।

अज़्ज़ः (عز) अ. पुं.–प्रभुत्व, ग़लबा।

अज़्ज़ः वजल्लः (عزوجل) अ. वि.–जो ग़ालिब और महान हो, ईश्वर के नाम के साथ बोलते हैं।

अज्ज़म (اجزم) अ. वि.–जिसके हाथ कटे हों।

अज्ज़ाए तर्कीबी (اجزاے ترکیبی) अ. पुं.–वे मूल धातुएँ जिनसे मिलकर कोई पदार्थ बना हो, संयोजक पदार्थ, उपादान तत्त्व।

अज्ज़ा (اجزا) अ. पुं.–'जुज़' का बहु., टुकड़े, खंड, किसी पदार्थ की मूल धातुएँ अथवा वस्तुएँ, किसी नुस्ख़े की दवाएँ।

अज़्दः (ازدہ) फ़ा. पुं.–असमानता, नाहमवारी, रेती का खुरदरापन।

अज़्द (عضد) अ. पुं.–एक राजा की दूसरे राजा की सहायता; सहायता, मदद।

अज्दअ (اجدع) अ. वि.–जिसकी नाक या जिसके कान कटे हों। (नकटा, बूचा)

अज़्दर (اژدر) फ़ा. पुं.–अजगर, अज़्दहा, बहुत बड़ा साँप।

अज़्दरदहाँ (اژدردهاں) फ़ा. वि.–जिसका मुँह अजगर जैसा हो, जिसके मुँह में जाकर कोई ज़िंदा न बचे, जो आग बरसाता हो।

अज़्दरहा (اژدرها) फ़ा.–अज़्दहा, अजगर, यह शब्द एकवचन है।

अज्देल (اجدل) अ. पुं.–एक शिकारी चिड़िया, चर्ग़।

अज़्दहा (اژدها) फ़ा. पुं.–अज़्दर, अजगर।

अज्दाद (اجداد) अ. पुं.–'जद' का बहु. पूर्वज, बाप-दादे, पुराने लोग, पुरखे।

अज़्दाद (اضداد) अ. पुं.–'ज़िद' का बहु., परस्पर विरोधी चीज़ें।

अज्न (عجن) अ. पुं.–गूँधना; ख़मीर करना।

अज्नब (اجنب) अ. वि.–दे. 'अज्नबी'।

अज्नबी (اجنبی) अ. वि.–अपरिचित, अनजान; अस्वजन, ग़ैर।

अज्नाद (اجناد) अ. पुं.–'जुंद' का बहु., सेनाएँ, फ़ौजें।

अज़्नाब (اذناب) अ. पुं.–'ज़नब' का बहु., पूँछें, दुमें।

अज्नास (اجناس) अ. स्त्री.–'जिंस' का बहु., जिंसें, ग़ल्ले, अनाज; क़िस्म, प्रकार; चीज़, असबाब, सामान।

अज्निहः (اجنحه) अ. पुं.–'जनाह' का बहु., पक्ष, पर।

अफ़्फ़ (عجف) अ. पुं.–स्वयं भूखा रहकर अपना खाना दूसरे भूखे को खिलाना; विपत्ति में धैर्य रखना।

अज़्फ़र (اذفر) अ. वि.–तीव्र सुगंध वाला, तेज़ बू वाला।

अज़्फ़र (اظفر) अ. वि.–बड़े-बड़े नखोंवाला।

अज्फ़ान (اجفان) अ. पुं.–'जफ़्न' का बहु., पपोटे; पलकें।

अज़्ब (عذب) अ. पुं.–मधुर, मीठा; स्वादिष्ठ, मज़ेदार, मीठा पानी।

अज़्ब (عضب) अ. पुं.–काटना, विच्छेदन; खड्ग, तलवार।

अज़्बीयत (عضبيت) अ. स्त्री.–ज़बान की तेज़ी, बोलने की शक्ति, भाषण-पटुता।

अज़्बुल लिसान (عذب اللسان) अ. वि.–जिसकी बातों में रसीलापन हो, मधुरभाषी।

अज़्बुल बयान (عذب البيان) अ. वि.–दे. 'अज़्बुल लिसान'।

अज़्म (عزم) अ. पु.–संकल्प, निश्चय, इरादा; दृढ़ निश्चय, तहीदः; इच्छा, ख्वाहिश।

अज्म (عجم) अ. पुं.–अक्षर पर बिंदी रखना।

अज़्म (عظم) अ. पुं.–हड्डी, अस्थि; श्रेष्ठता, पुनीतता, बुज़ुर्गी।

अज्मईन (اجمعين) अ. वि.–सब, सारे, तमाम, संपूर्ण।

अज़्मत (عظمت) अ. स्त्री.–माहात्म्य, महिमा, बुज़ुर्गी; महत्त्व, अहमीयत; सम्मान, आदर, इज़्ज़त।

अज़्मबिल जज़्म (عزم بالجزم) अ. पुं.–दृढ़ संकल्प, दृढ़ निश्चय, पक्का इरादा।

अज्मल (اجمل) अ. वि.–बहुत अधिक रूपवान्, सुंदरतम।

अज्मा (عجما) अ. पुं.–गूंगा, मूक।

अज़्मात (عزمات) अ. पुं.–'अज़्म' का फारसी बहु., इरादे, निश्चय।

अज़्मान (ازامن) अ. पुं.–'ज़मन' का बहु., ज़माने, युग।

अज़्मिनः (ازمنه) अ. पुं.–'ज़मानः' का बहु., काल-समूह, ज़माने।

अज़्यक़ (اضيق) अ. वि.–बहुत अधिक संकुचित और तंग।

अज्यद (اجيد) अ. वि.–बहुत ही उत्तम, बहुत ही उम्दा।

अज़्या' (اضيع) अ. वि.–बहुत अधिक नष्ट करनेवाला, बहुत 'ज़ाये' करनेवाला, हिन्दी में 'ज़ाया' (नष्ट, बर्बाद) बहुत प्रचलित है।

अज़्याफ़ (اضياف) अ. पुं.–'ज़ैफ़' का बहु., मेहमान लोग, आगंतुक जन।

अज़्याल (اذيال) अ. पुं.–'ज़ैल' का बहु., दामन, बहुत से दामन।

अज्र (اجر) अ. पुं.–प्रत्युपकार, भलाई का बदला, सत्कर्म-फल, सवाब।

अज़्रक़ (ازرق) अ. वि.–नीला, नीले रंग का।

अज्रब (اجرب) अ. वि.–जिसे खाज का रोग हो।

अज़्रा (عذرا) अ. स्त्री.–अविवाहिता, कुमारी; सुंदर गालों वाली; प्रकट, व्यक्त, कन्या राशि, बुर्जे संबुलः; अरब की एक सुंदरी जो 'वामिक़' की प्रेमिका थी।

अज़्राब (اضراب) अ. पुं.–'ज़र्ब' का बहु., क़िस्में, प्रकार; सदृश, समान, अम्साल।

अज्राम (اجرام) अ. पुं.–'जिर्म' का बहु., पिण्डसमूह, यह शब्द आकाशीय पदार्थों अथवा बहुमूल्य रत्नों के लिए प्रयुक्त है।

अज़्रार (اضرار) अ. पुं.–'ज़रर' का बहु., हानियाँ, नुक़्सानात।

अज़्लः (عضله) अ. पुं.–पुट्ठा, स्नायु, नस।

अज़्ल (عضل) अ. पुं.–विधवा को दूसरा विवाह करने से रोकना।

अज़्ल (عزل) अ. पुं.–पदच्युत करना, मा'ज़ूल करना; पद-च्युति, मा'ज़ूली; बेकारी, निठल्लापन, मुअत्तली।

अज्ल (اجل) अ. पुं.–उत्तेजित होना, उभरना।

अज्ला (اجلا) अ. वि.–बहुत ही चमकदार, बहुत ही साफ़।

अज़्लाअ (اضلاع) अ. पुं.–'ज़िल्अ' का बहु., ज़िले, मंडल; पसलियाँ; भुजाएँ, रेखाएँ।

अज्लाफ़ (اجلاف) अ. पुं.–'जिल्फ़' का बहु., कमीने लोग, नीच लोग।

अज़्लाम (اظلام) अ. पुं.–'ज़ुल्मत' का बहु., अँधेरे, अंधकार-समूह।

अज़्लोनस्ब (عزل ونصب) अ. पुं.–किसी को पद से हटाना और किसी को उसके स्थान पर नियुक्त करना।

अज़्व (عزو) अ. पुं.–एक वस्तु को दूसरी वस्तु से सम्बन्धित करना; विपत्ति में धैर्य रखना।

अज्वफ़ (اجوف) अ. वि.–जो बीच से खाली हो, सुषिर, खोखला; वह अरबी शब्द जिसके बीच का अक्षर 'अलिफ़', 'वाव' या 'ये' हो।

अज़्वाज (ازواج) अ. स्त्री.–'ज़ौज' का बहु., पत्नियाँ, स्त्रियाँ, भार्याएँ।

अज्विबः (اجوبه) अ. पुं.–'जवाब' का बहु., जवाबात, उत्तर।

अज्साद (اجساد) अ. पुं.–'जसद' का बहु., देहें, शरीर।

अज्साम (اجسام) अ. पुं.–'जिस्म' का बहु., देहें, शरीर।

अज्सुर (اجسر) अ. पुं.–'जस्र' का बहु., बहुत से पुल।

अज्हर (اجهر) अ. वि.–जिसे दिन में न दिखाई देता हो, दिनांध, रोज़कोर।

अज़्हर (ازهر) अ. वि.–यश और कीर्ति से मुख की उज्ज्वलता; बहुत अधिक प्रकाशमान्, रौशनतर; मिस्र का प्राचीन विश्वविद्यालय, 'जामिअए अज़्हर'।

अज़्हर (اظہر) अ. वि.–बहुत अधिक स्पष्ट, बहुत ही साफ़।

अज़्हर मिनश्शम्स (اظہر من الشمس) अ. वि.–सूर्य से अधिक स्पष्ट और उज्ज्वल, सर्वविदित, सबको ज़ाहिर।

अज्हल (اجہل) अ. वि.–बहुत अधिक जाहिल, मूर्खतम।

अज़्हा (اضحیٰ) अ. स्त्री.–क़ुर्बानी, बलि।

अज़्हान (اذہان) अ. पुं.–'ज़ेहन' का बहु., प्रतिभाएँ, ज़ेहन।

अतगः (اتگہ) तु. पुं.–दायः का पति, दूध पिलानेवाली धाय का पति।

अतन (عطن) अ. पुं.–ऊँटों के पानी पीने का स्थान।

अतबः (عتبہ) अ. पुं.–चौखट, देहलीज़; देहलीज़ की लकड़ी या पत्थर; कष्ट, सख़्ती; रमल की एक आकृति।

अतब (عتب) अ. पुं.–तर्जनी और मध्यमा या मध्यमा और अनामिका उँगलियों के बीच का अंतर।

अतब (عطب) अ. पुं.–मरण, हलाकत, वध।

अतम [म्म] (اتم) अ. वि.–बिलकुल पूरा, मुकम्मल, सर्वांगपूर्ण, संपूर्ण।

अतल (عطل) अ. स्त्री.–बिना शृंगार की हुई स्त्री; बिना बिंदीवाला अक्षर।

अतश (عطش) अ. स्त्री.–प्यास, पिपासा, तश्नगी।

अता (اتا) तु. पुं.–पितृ, पिता, जनक, बाप।

अता (عطا) अ. स्त्री.–दान, प्रदान, बख़्शिश; पुरस्कार, अतीय; दिया हुआ, दत्त।

अताई (عطائی) अ. वि.–जिसने कोई कला या गुण नियमपूर्वक गुरु से न सीखा हो, वरन् यों ही सुन-सुनाकर या देख-भालकर या किसी अनाड़ी के पास रहकर थोड़ा-बहुत उलटा-सीधा ज्ञान प्राप्त कर लिया हो।

अताक़ (عتاق) अ. पुं.–दास का अपने स्वामी के बंधनों से मुक्त होना।

अतान (اتان) अ. स्त्री.–गधी, गर्दभी, गधे की मादा।

अताबुक (اتابک) तु. पुं.–गुरु, उस्ताद, सरदार।

अताया (عطایا) अ. पुं.–'अतीयः' का बहु., बख़्शिशें।

अतालियः (اطالیہ) अ. पुं.–इटली, यूरोप का एक प्रसिद्ध राष्ट्र।

अतालीक़ (اتالیق) तु. पुं.–शिक्षक, उस्ताद; शिक्षा के साथ साथ शिष्टता, सभ्यता और व्यवहार-निष्ठता आदि सिखानेवाला और चाल-चलन की देख-रेख करनेवाला गुरु।

अतिब्बा (اطبا) अ. पुं.–'तबीब' का बहु., चिकित्सकगण, हकीम लोग।

अतीक़ (عتیق) अ. वि.–पुरातन, क़दीम; बंधनमुक्त, आज़ाद; श्रेष्ठ, गिरामी।

अतीद (عتید) अ. वि.–विद्यमान, मौजूद; उपस्थित, हाज़िर; तत्पर, आमादा।

अतीफ़ (عطیف) अ. स्त्री.–वह स्त्री जिसमें नम्रता, पातिव्रत्य और आज्ञाकारिता हो।

अतीयः (عطیہ) अ. पुं.–अनुदान, बख़्शिश; प्रदान, अता; पुरस्कार, इन्आम, उपहार, तोहफ़ा।

अतीयात (عطیات) अ. पुं.–'अतीयः' का बहु., बख़्शिशें; अताएँ; इन्आमात; तोहफ़े।

अतील (عتیل) अ. वि.–प्यासा, तृषित।

अतूफ़ः (عطوفہ) अ. स्त्री.–सुशील और विनम्र स्त्री।

अतूफ़ (عطوف) अ. वि.–दयालु, मेहरबान; वह ऊँटनी जो अपने बच्चे से बहुत स्नेह करे, वत्सला; चिड़ीमार का जाल।

अतूफ़त (عطوفت) अ. स्त्री.–अनुकंपा, अनुग्रह, शफ़क़त।

अत्इमः (اطعمہ) अ. पुं.–'तआम' का बहु., खाने, भोजन।

अत्क़िया (اتقیا) अ. पुं.–'तक़ी' का बहु., ऋषि और मुनि लोग; सदाचारी और धर्मनिष्ठ लोग।

अत्गह (اتگہ) तु. पुं.–शाही महल में दूध पिलानेवाली धाय का पति।

अत्तार (عطار) अ. वि.–सुगंधकार, इत्र बनाने बेचनेवाला; ओषधियाँ बेचनेवाला; एक मुसलमान महात्मा।

अत्तार (عتار) अ. वि.–साहसी, शूर, दिलेर बलिष्ठ घोड़ा; वह स्थान जिसमें जी न लगे।

अत्फ़ (عطف) अ. पुं.–कृपा, दया; मिलाना, जोड़ना; फिराना; लपेटना; दो शब्दों के बीच में 'वाव' या कोई दूसरा अक्षर या शब्द लाकर उन्हें आपस में मिलाना।

अत्फ़ाल (اطفال) अ. पुं.–'तिफ़्ल' का बहु., बालकगण, बच्चे, लड़के।

अत्ब (عتب) अ. पुं.–निंदा करना, क्रोध करना।

अत्बाअ (اتباع) अ. पुं.–'तबा' का बहु. अनुकारी वर्ग, पैरवी करनेवाले।

अत्मक (اتمک) तु. स्त्री.–रोटी, नान।

अत्यब (اطیب) अ. वि.–बहुत अच्छी सुगंधवाला।

अत्राक (اتراک) तु. पुं.–'तुर्क' का बहु., तुर्क लोग।

अत्राफ़ (اطراف) अ. पुं.–'तरफ़' का बहु., दिशाएँ, सिम्तें।

अत्राब (اتراب) अ. स्त्री.–'तिर्ब' का बहु., समवयस्क पुरुष या स्त्रियाँ।

अत्रियः (اطریہ) अ. स्त्री.–सिवैयाँ।

अत्लस (اطلس) अ. स्त्री.–एक बहुमूल्य रेशमी वस्त्र (पुं.) स्वच्छ आकाश, साफ़ आसमान।

अत्लाल (اطلال) अ. पुं.–पुराने और ध्वस्त मकान आदि के चिह्न।

अत्वार (اطوار) अ. पुं.–'तौर' का बहु., आचरण, आ'माल।

अत्शान (عطشان) अ. वि.–प्यासा, तृषित।
अत्सः (عطسه) अ. स्त्री.–छींक।
अत्हर (اطہر) अ. वि.–बहुत ही पवित्र, अत्यन्त पाक।
अद [द्द] (عد) अ. पुं.–गिनना, गणना करना, शुमार करना।
अदक़ [क़्क़] (ادق) अ. वि.–बहुत ही क्लिष्ट, बहुत ही गूढ़, रहस्यमय, बहुत ही सूक्ष्म, निहायत दक़ीक़।
अदक़चः (ادقچه) तु. पुं.–पलंग पर बिछाने की कामदार चादर।
अदद (عدد) अ. पुं.–संख्या, अंक; तादाद, मात्रा।
अदन (عدن) अ. पुं.–यमन का एक द्वीप जहाँ का मोती प्रसिद्ध है।
अदब (ادب) अ. पुं.–हर चीज़ का अंदाज़ा और हद को दृष्टि में रखना; शिष्टता, सभ्यता, तमीज़; आदर, सत्कार, ताज़ीम; साहित्य, कला, लिट्रेचर; बुद्धि, विवेक।
अदब आमोज़ (ادب آموز) अ. फ़ा. वि.–अदब सिखानेवाला, अदब सीखनेवाला।
अदब नवाज़ (ادب نواز) अ. फ़ा. पुं.–जो साहित्य का क़द्रदान और साहित्यकारों का गुणग्राही हो।
अदबी (ادبی) अ. वि.–साहित्यिक, साहित्य सम्बन्धी, अदब से मुतअल्लिक़।
अदबीयत (ادبیئت) अ. स्त्री.–साहित्यिक प्रवाद, साहित्यिकता।
अदबीयात (ادبیات) अ. स्त्री.–साहित्य सम्बन्धी पुस्तकें आदि।
अदम (عدم) अ. पुं.–यमलोक, परलोक, जहाँ मनुष्य मरकर जाता है; हीन, बिना; अभाव, फ़िक़्दान।
अदम आबाद (عدم آباد) अ. फ़ा. पुं.–यमलोक, परलोक, अदम की बस्ती।
अदरनः (ادرنه) तु. पुं.–एडिरयानोपिल।
अदल [ल्ल] (ادل) अ. वि.–बहुत ही मुदल्लल, तर्कयुक्त, संगतियुक्त।
अदवात (ادوات) अ. पुं.–अदात का बहु., आले, आलात, औज़ार, उपकरण-समूह।
अदा (ادا) फ़ा. स्त्री.–हाव-भाव, अंगभंगी, नाज़अंदाज़; पद्धति, तर्ज़, प्रणाली।
अदा (ادا) अ. पुं.–बेबाक़ करना, देना, चुकाना; बेबाक़, परिशुद्ध।
अदाइगी (ادائگی) अ. फ़ा. स्त्री.–बेबाक़ी, परिशुद्धि।
अदाए क़र्ज़ (ادائے قرض) अ. पुं.–ऋण-शुद्धि, क़र्ज़ की बेबाक़ी।
अदाए ख़ास (ادائے خاص) फ़ा. अ. स्त्री.–पद्धति-विशेष, ख़ास तर्ज़।
अदाकार (اداکار) फ़ा. वि.–अभिनेता, नट, ऐक्टर (पुरुष); अभिनेत्री, तारिका, लब्वा, ऐक्ट्रेस।
अदात (ادات) अ. पुं.–औज़ार, आला, उपकरण।
अदानी (ادانی) अ. पुं.–'अदना' का बहु., बहुत पासवाले; बहुत कमीने।
अदालत (عدالت) अ. स्त्री.–न्यायालय, कचहरी; न्याय, इंसाफ़।
अदालत पज़ोह (عدالت پژوه) अ. फ़ा. वि.–न्यायनिष्ठ, मुंसिफ़मिज़ाज।
अदालते आलियः (عدالت عالیه) अ. स्त्री.–उच्च न्यायालय, हाईकोर्ट।
अदालते ख़फ़ीफ़ः (عدالت خفیفه) अ. स्त्री.–अल्पवाद न्यायालय, स्माल काज़ कोर्ट।
अदालते दीवानी (عدالت دیوانی) अ. फ़ा. स्त्री.–व्यवहारालय, लेन-देन और रुपये-पैसेवाली कचहरी, व्यवहार-न्यायालय।
अदालते फ़ौजदारी (عدالت فوجداری) अ. फ़ा. स्त्री.–दंड-न्यायालय, वह कचहरी जहाँ अपराधों के इस्तिग़ासे होते हैं।
अदालते मातहत (عدالت ماتحت) अ. स्त्री.–अधीन न्यायालय।
अदालते माल (عدالت مال) अ. स्त्री.–राजस्व न्यायालय, मालगुज़ारी, लगान और खेती सम्बन्धी कचहरी।
अदालते मुजाज़ (عدالت مجاز) अ. स्त्री.–अधिकृत न्यायालय, जिसे किसी मुआमले के सुनने और निर्णय करने का अधिकार हो।
अदालते मुराफ़अः (عدالت مرافعه) अ. स्त्री.–पुनर्विचारालय, अदालते अपील।
अदावत (عدارت) अ. स्त्री.–शत्रुता, वैर, दुश्मनी।
अदावतन (عداوتاً) अ. वि.–अदावत से, शत्रुता से।
अदावत पेशः (عداوت پیشه) अ. फा. वि.–जिसका काम हरेक से शत्रुता रखना हो, वैरवृत्त।
अदावते क़ल्बी (عداوت قلبی) अ. स्त्री.–हार्दिक वैर, दिली दुश्मनी, बहुत अधिक शत्रुता।
अदावते फ़ित्री (عداوت فطری) अ. स्त्री.–पैदाइशी दुश्मनी, प्राकृतिक वैर, जैसी साँप और न्योले में।
अदाशनास (اداشناس) फा. वि.–यह समझनेवाला कि इस समय उसका स्वामी क्या चाहता है, और क्या करना चाहिए, भालदर्शी।

अदिल्लः (ادلہ) अ. स्त्री.–'दलील' का बहु., दलीलें।

अदीद (عدید) अ. स्त्री.–अधिक, बहुत; गणना, शुमार; सदृशता, नज़ीर।

अदीब (ادیب) अ. वि.–साहित्यकार, कलाकार।

अदीम (عدیم) अ. वि.–अप्राप्य, नायाब।

अदीम (ادیم) अ. पुं.–कच्चा और बूदार चमड़ा; धरातल, ज़मीन की सतह; खाना, भोजन।

अदीमत्त्वुहा (ادیم الضحیٰ) अ. पुं.–सूर्योदय के पश्चात् का समय, चाश्त का शुरू, प्रत्यूष-आतप।

अदीमुन्नज़ीर (عدیم النظیر) अ. वि.–जिस जैसा दूसरा न हो, अनुपम, अद्वितीय, बेमिसाल, अनुपमेय।

अदीमुलअर्ज़ (ادیم الارض) अ. पुं.–धरातल, ज़मीन की सतह।

अदीमुलफ़ुर्सत (عدیم الفرصت) अ. वि.–जिसके पास समय न हो, अवकाश-विहीन।

अदीमुलमिसाल (عدیم المثال) अ. वि.–देखिए 'अदीमुन्नज़ीर'।

अदील (عدیل) अ. वि.–समान, तुल्य, हमसर; दो व्यक्ति जो एक कजावे पर दोनों ओर बैठें।

अदूल (عدول) अ. पुं.–सत्यनिष्ठ व्यक्ति, सच्चा पुरुष; सच्चा गवाह।

अदूले हुक्म (عدول حکم) अ. पुं.–अवज्ञाकारी, नाफ़र्मान।

अद्इयः (ادعیہ) अ. स्त्री.–'दुआ' का बहु., दुआएँ।

अद्कन (ادکن) अ. पुं.–खाकी रंग, ऐसा रंग जो कालिमा लिये हो।

अद्ख़िनः (ادخنہ) अ. पुं.–'दुख़ान' का बहु., धुएँ।

अद्न (عدن) अ. पुं.–निवास, क़यास; किसी जगह हमेशा रहना; स्वर्ग के बाग़।

अद्ना (ادنیٰ) अ. वि.–तुच्छ, अधम, कमीना; बहुत छोटा, ज़रा सा (काम आदि); पास, समीप।

अद्नान (عدنان) अ. पुं.–हज़रत मुहम्मद साहब के एक पूर्वज जो बड़े अच्छे वक्ता थे।

अद्नास (ادناس) अ. पुं.–'दनस' का बहु., मैल-कुचैल।

अद्मान (ادمان) अ. पुं.–'अदम' का बहु., गंदुमी रंग के मनुष्य।

अद्यान (ادیان) अ. पुं.–'दीन' का बहु., बहुत से धर्म और मज़हब।

अद्ल (عدل) अ. पुं.–न्याय, इंसाफ़; न्यायकर्ता, मुंसिफ़; वह सच्चा व्यक्ति जो गवाही के लिए ठीक हो; सदृश, मिस्ल; एक वस्तु को दूसरी वस्तु के बराबर करना।

अद्लपर्वर (عدل پرور) अ. फा. वि.–न्यायनिष्ठ, न्यायप्रिय, हर बात में न्याय का ख्याल रखनेवाला।

अद्लैन (عدلین) अ. पुं.–दो सच्चे व्यक्ति जो गवाही के लिए उचित हों।

अद्वन (ادون) अ. वि.–अधमतर, कमीनःतर; समीपतर, क़रीबतर।

अद्वात (ادوات) अ. पुं.–'अदात' का बहु., औज़ार, उपकरण-समूह।

अद्वार (ادوار) अ. पुं.–'दौर' का बहु., बारियाँ।

अद्वियः (ادویہ) अ. स्त्री.–'दवा' का बहु., ओषधियाँ, दवाएँ।

अद्हम (ادہم) अ. पुं.–काला; काला घोड़ा; काला साँप; बेड़ी।

अन (عن) अ. अव्य.–से, अज़।

अनक़रीब (عن قریب) अ. अव्य.–शीघ्र ही, बहुत जल्द।

अनत (عنت) अ. पुं.–पाप, गुनाह; दोष, ख़राबी; हत्या, हलाकी।

अनफ़ (انف) अ. स्त्री.–नाक, नासा, बीनी।

अनब (انب) अ. पुं.–बैंगन, भाँटा।

अनलबर्क़ (انا البرق) अ. वा.–मैं बिजली हूँ।

अनलबह्र (انا البحر) अ. वा.–मैं समुद्र हूँ।

अनलल्लाह (انا اللہ) अ. वा.–मैं ईश्वर हूँ।

अनलहक़ (انا الحق) अ. वा.–मैं सत्य हूँ, मैं सदाक़त हूँ; मैं ब्रह्म हूँ, अहं ब्रह्मास्मि, मैं खुदा हूँ।

अना (انا) अ. अव्य.–मैं।

अना (انا) तु. स्त्री.–माता, जननी, माँ।

अना (عنا) अ. स्त्री.–कष्ट, दुःख, तकलीफ़; प्रयास, मशक़्क़त।

अनाक़ (عناق) अ. पुं.–बकरी की बच्ची।

अनाक़ीद (عناقید) अ.पुं.–'उन्कूद' का बहु., अंगूर के गुच्छे।

अनाजील (اناجیل) अ. स्त्री.–'इंजील' का बहु., इंजीलें, बाइबिलें।

अनात (انات) अ. स्त्री.–देर, विलंब, दिरंग।

अनातूलियः (اناطولیہ) तु. पुं.–तुर्किस्तान का एक नगर।

अनादिल (عنادل) अ.उभ.–'अंदलीब' का बहु., बुलबुलें।

अनानीयत (انانیت) अ. स्त्री.–अहंवाद, खुदी, यह भावना कि जो कुछ हूँ, बस मैं हूँ।

अनाम (انام) अ. पुं.–जनता, सर्वसाधारण, अवाम।

अनामिल (انامل) अ. स्त्री.–'अन्मिलः' का बहु., उँगलियों के सिरे।

अनार (انار) फा. पुं.–एक प्रसिद्ध फल, दाड़िम।

अनारदानः (انار دانہ) फा. पुं.–अनार के सूखे हुए बीज जो दवा में काम आते हैं, अनारदाना।

अनासिर (عناصر) अ. पुं.—'उंसुर' का बहु., पंचभूत—आग, पानी, हवा, मिट्टी और आकाश।

अनीक़ (انیق) अ. वि.—अद्भुत, आश्चर्यजनक, अजीबोग़रीब; सुन्दर, मनोरम, हसीन।

अनीद (عنید) अ. वि.—लड़ाकू, झगड़ालू; उद्दंड, सरकश।

अनीन (انین) अ. पुं.—चीखना, चिल्लाना।

अनीफ़ (عنیف) अ. वि.—तीव्र, तेज; खुरदरा, दुरुस्त; झगड़ालू, लड़ाकू।

अनीस (انیس) अ. वि.—मित्र, सखा, दोस्त।

अनीसून (انیسون) अ. स्त्री.—एक प्रकार की सौंफ जो दवा में काम आती है।

अन्कबूत (عنکبوت) अ. स्त्री.—लूता, मकड़ी।

अन्कबूतीयः (عنکبوتیہ) अ. स्त्री.—आँख का चौथा पर्दा या पटल।

अन्क़स (انقص) अ. वि.—बहुत ही खराब, अत्यन्त निकृष्ट।

अन्क़ा (عنقا) अ. पुं.—एक प्रसिद्ध साहित्यिक पक्षी जो केवल कल्पित है; वह वस्तु जो अप्राप्य हो; लंबी गर्दनवाली स्त्री।

अन्क़ाब (عنقاب) अ. पुं.—'नक़्ब' का बहु., छिद्र-समूह, बहुत से सूराख़।

अन्क़ास (انقاس) अ. पुं.—'निक़्स' का बहु., लिखने की स्याहियाँ।

अन्क़ास (انقاص) अ. पुं.—'नक़्स' का बहु., कमियाँ; त्रुटियाँ; अशुद्धियाँ; दोष, ऐब।

अन्नाब (عناب) अ. वि.—अंगूर बेचनेवाला।

अन्फ़ (عنف) अ. पुं.—खुर्दरापन, रूखापन; रुखाई, बेरुखी, दे. 'इन्फ़' और 'उन्फ़'; तीनों शुद्ध हैं।

अन्फ़त (انفت) अ. पुं.—घृणा और अवहेलना करना।

अन्फ़स (انفس) अ. वि.—बहुत ही नफ़ीस, बहुत ही उत्तम, अत्यधिक सुन्दर।

अन्फ़ास (انفاس) अ. पुं.—'नफ़स' का बहु., साँसें।

अन्फ़िख़ः (انفخہ) अ. पुं.—'नफ़ख़' का बहु., फूँकें।

अन्फ़िहः (انفحہ) अ. पुं.—पनीर मायः, वह जमा दुग्ध जो नवजात शिशु-पशु को मारकर उसके मेदे से निकालते हैं।

अन्फ़ुस (انفس) अ. पुं.—'नफ़्स' का बहु., रूहें, आत्माएँ; व्यक्तियाँ, जातें।

अन्मलः (انملہ) अ. स्त्री.—दे. 'अन्मिलः'।

अन्मार (انمار) अ. पुं.—'नम्रः' का बहु., चीते।

अन्मिलः (انملہ) अ. स्त्री.—उँगली का सिरा, यह शब्द नौ प्रकार से आता है, परन्तु बोला यही जाता है, 'अलिफ़' और 'मीम' पर ज़बर, ज़ेर, पेश, तीनों आते हैं।

अन्मुलः (انملہ) अ. स्त्री.—दे. **'अन्मिलः'**।

अन्वर (انور) अ. वि.—बहुत अधिक चमकदार, उज्ज्वलतम।

अन्वाअ (انواع) अ. पुं.—'नौअ' का बहु., प्रकार, क़िस्में।

अन्वार (انوار) अ.पुं.—'नूर' का बहु., प्रकाशपुंज, जममगाहटें, रोशनियाँ।

अन्हार (انہار) अ. पुं.—'नह्र' का बहु., नहरें, नदियाँ, चश्मे।

अफ़ [फ़्फ़] (عف) अ. पुं.—सतीत्व, पातिव्रत्य, इस्मत।

अफ़न (عفن) अ. पुं.—मलिन होना, गंदा होना।

अफ़रना (عفرنا) अ. पुं.—फाड़ खानेवाला शेर, व्याघ्र।

अफ़ा (عفا) अ. पुं.—मरना, हलाक होना; नापैद होना; आँख के पपोटों की कालिमा।

अफ़ाई (افاعی) अ पुं.—'अफ़ई' का बहु., काले साँप।

अफ़ाग़िनः (افاغنہ) अ. पुं.—'अफ़गान' का बहु., अफ़गानी लोग, काबुली।

अफ़ाज़िल (افاضل) अ. पुं.—'अफ़ज़ल' का बहु., विद्वज्जन, पंडित लोग; प्रतिष्ठित जन, बड़े लोग।

अफ़ाफ़ (عفاف) अ. पुं.—संयम, पार्साई; सतीत्व, इस्मत।

अफ़ारीत (عفاریت) अ. पुं.—इफ़्रीत का बहु., पिशाच-समूह, देव लोग।

अफ़िन (عفن) अ. वि.—दुर्गंधयुक्त, बदबूदार।

अफ़िस (عفص) अ. वि.—बकठा, कसीला; बकठी चीज़।

अफ़ीफ़ः (عفیفہ) अ. स्त्री.—सती, साध्वी, पतिव्रता, बाइस्मत।

अफ़ीफ़ (عفیف) अ. वि.—पत्नीव्रत, परस्त्रीविमुख, दूसरी स्त्री पर आँख न उठानेवाला।

अफ़ील (افیل) अ. पुं.—जवान ऊँट।

अफ़्अफ़ (عفعف) अ. अव्य.—कुत्ते के भूँकने का शब्द।

अफ़्आल (افعال) अ. पुं.—'फ़ेल' का बहु., कार्य-समूह; कृतियाँ, करतूत।

अफ़्इदः (افئدہ) अ. पुं.—'फ़ुआद' का बहु., हृदय-समूह।

अफ़्ई (افعی) अ. पुं.—काला साँप, नाग।

अफ़्क़र (افقر) अ. वि.—बहुत ही कंगाल, बहुत ही फ़क़ीर।

अफ़्कार (افکار) अ. पुं.—'फ़िक्र' का बहु., फ़िक्रें, चिंताएँ; रचनाएँ, तसानीफ़।

अफ़्गंदः (افگندہ) फ़ा. वि.—फेंका हुआ, गिराया हुआ।

अफ़्गंदः सुम (افگندہ سم) फ़ा. वि.—लाचार, दुःखित; चलने-फिरने में विवश।

अफ़्गंदनी (افگندنی) फ़ा. वि.—फेंकने के योग्य, डालने के योग्य, गिराये जाने योग्य।

अफ़्गाँ (افغاں) फ़ा. पुं.—'अफ़्ग़ान' का लघु., दे. 'अफ़्गान'।

अफ़्गानः (افگانہ) फ़ा. पुं.—भ्रूण, अधूरा बच्चा; वह बच्चा जो सात महीने से पूर्व उत्पन्न हो जाय।

अफ़ग़ान (افغان) फा. पुं.—अफ़ग़ानिस्तान का निवासी, अफ़ग़ानी, काबुली।

अफ़ग़ानिस्तान (افغانستان) फा. पुं.—काबुलियों का देश, काबुल का मुल्क, काबुल का राष्ट्र।

अफ़ग़ानी (افغانی) फा. वि.—काबुली, अफ़ग़ान।

अफ़्गार (افگار) फा. वि.—क्षत, घायल; (प्रत्य.) ज़ख़्म खाया हुआ जैसे 'दिल अफ़्गार' ज़ख़्मी दिलवाला।

अफ़्ज़ल (افضل) अ. वि.—बहुत ही बढ़िया, उत्तमतर; बहुत अधिक, बहुत ज़्यादा।

अफ़्ज़लीयत (افضلیت) अ. स्त्री.—श्रेष्ठता, बड़प्पन, बड़ाई।

अफ़्ज़ह (افضح) अ. वि.—बहुत ही निंदित, बहुत ही बदनाम, कुख्यात।

अफ़्ज़ा (افزا) फा. प्रत्य.—बढ़ानेवाला जैसे हौसलः 'अफ़्ज़ा' उत्साह बढ़ानेवाला।

अफ़्ज़ाइश (افزائش) फा. स्त्री.—वृद्धि, बढ़ती, ज़्यादती।

अफ़्ज़ाइशे नस्ल (افزائش نسل) फा. स्त्री.—संतान-वृद्धि, वंशवृद्धि, नस्ल का बढ़ना।

अफ़्ज़ाइशे हुस्न (افزائش حسن) फ़ा. अ. स्त्री.—सौंदर्य-वृद्धि, सुन्दरता का बढ़ना।

अफ़्ज़िय: (افضیہ) अ. स्त्री.—'फ़ज़ा' का बहु., खुले स्थान।

अफ़्ज़ूँ (افزوں) फा. वि.—अत्यधिक, प्रचुर, बहुत ज़्यादा; कुल जोड़, ग्रांड टोटल।

अफ़्ज़ूनी (افزونی) फा. स्त्री.—अधिकता, प्रचुरता, बहुतायत, ज़्यादती।

अफ़्दर (افدر) अ. पुं.—भतीजा, भ्रातृ-पुत्र; भानजा, भगिनी-पुत्र।

अफ़्याल (افیال) अ. पुं.—'फ़ील' का बहु. बहुत से हाथी।

अफ़ाख़्त: (افراختہ) फा. वि.—उठाया हुआ, ऊँचा किया हुआ।

अफ़ाख़्तनी (افراختنی) फा. वि.—उठाने योग्य, ऊँचा करने योग्य।

अफ़ाज़ (افراز) फा. प्रत्य.—'उठानेवाला' 'ऊँचा करनेवाला', जैसे 'सरअफ़ाज़' सिर ऊँचा करनेवाला।

अफ़ाज़िंद: (افرازندہ) फा. वि.—उठानेवाला, ऊँचा करनेवाला।

अफ़ाज़ीद: (افرازیدہ) फा. वि.—उठाया हुआ, बलंद किया हुआ।

अफ़ाद (افراد) अ. पुं.—'फ़र्द' का बहु., व्यक्तियाँ, आदमी।

अफ़ाश्त: (افراشتہ) फा. वि.—उठाया हुआ, ऊँचा किया हुआ, बलंद किया हुआ।

अफ़ाश्तनी (افراشتنی) फा. वि.—उठाने योग्य, ऊँचा करने योग्य।

अफ़ास (افراس) अ. पुं.—'फ़रस' का बहु., घोड़े।

अफ़ासियाब (افراسیاب) फा. पुं.—तूरान का एक प्राचीन शासक।

अफ़ासे आब (افراس آب) फा. पुं.—वे बुलबुले जो पानी बरसते समय उठते हैं।

अफ़ोख़्त: (افروختہ) फा. वि.—जलाया हुआ, रौशन किया हुआ; क्रुद्ध, गुस्से में; उत्तेजित, मुश्तइल।

अफ़ोख़्तगी (افروختگی) फा. स्त्री.—क्रोध, रोष; उत्तेजना, उकसाहट; रौशनी।

अफ़ोख़्तनी (افروختنی) फा. वि.—जलाने योग्य; उत्तेजित करने योग्य; क्रुद्ध करने योग्य।

अफ़ोज़ (افروز) फा. प्रत्य.—जलानेवाला, रौशन करनेवाला, उज्ज्वलकारी, वृद्धिकारी, जैसे—दिल-अफ़ोज़, दिल को उज्ज्वल करनेवाला, रौनक़-अफ़ोज़—शोभावृद्धिकारी।

अफ़्लाक (افلاک) अ. पुं.—'फ़लक' का बहु., आकाश-समूह, सब आस्मान।

अफ़्लाक़ (فلاق) अ. पुं.—'फ़लक़' का बहु., प्रातःकाल के उजाले।

अफ़्व (عفو) अ. पुं.—क्षमा, मुआफ़ी।

अफ़्वाज (افواج) अ. स्त्री.—'फ़ौज' का बहु., फ़ौजें, सेनाएँ।

अफ़्वाह (افواہ) अ. स्त्री.—बहुवचन है, परन्तु एकवचन में प्रयुक्त होता है, किंवदंती, जनश्रुति, लोकोक्ति, उड़ती हुई शोहरत।

अफ़्वाहन् (افواهاً) अ. वि.—अफ़्वाह के तौर पर, उड़ते-उड़ते।

अफ़्श (عفش) अ. पुं.—पथिक का सामान।

अफ़्शाँ (افشاں) फा. स्त्री.—स्त्रियों के बालों अथवा गालों पर छिड़कने का सुनहला या रुपहला चूर्ण, (प्रत्य.) झाड़नेवाला, छिड़कनेवाला, जैसे—'दस्त अफ़्शाँ' हाथ झाड़नेवाला।

अफ़्शार (افشار) तु. पुं.—तुर्कों में 'क़िज़िलवाश' जाति का एक गोत्र।

अफ़्शुर: (افشرہ) फा. पुं.—दे. 'अफ़्शुर्द:'।

अफ़्शुर्द: (افشردہ) फा. वि.—निचोड़ा हुआ, (पुं.) निचोड़ा हुआ अरक आदि।

अफ़्शुर्दए अंगूर (افشردۂ انگور) फा. पुं.—अंगूर का निचोड़ा हुआ अरक; अंगूर की मदिरा।

अफ़्स (عفص) अ. पुं.—माज़ू, माज़ूफल, एक वनौषधि।

अफ़्सर (افسر) अ. पुं.—मुकुट, ताज; पदाधिकारी, ओहदेदार; सरदार, अध्यक्ष।

अफ़्सरी (افسری) अ. स्त्री.—पदाधिकार, ओहदादारी; सत्ता, हुकूमत, अध्यक्षता, सरदारी।

अफ़्सह (افصح) अ. वि.–बहुत फ़सीह, जो बड़ी विद्वत्ता से बातचीत करता हो और बहुत अच्छे शब्द बोलता हो।

अफ़्सां (افساں) फ़ा. पुं.–धार तेज़ करने का पत्थर, शाण, सान।

अफ़्सा (افسا) फ़ा. पुं.–अभिचारक, मायावी, जादूगर।

अफ़्सानः (افسانہ) फ़ा. पुं.–आख्यायिका, कहानी; उपन्यास, नाविल; लम्बा वृत्तान्त; मनगढ़ंत कहानी या हाल।

अफ़्सानःगो (افسانہ‌گو) फ़ा. वि.–कहानियाँ कहनेवाला, क़िस्सःगो।

अफ़्सानः नवीस (افسانہ نویس) फ़ा. वि.–कहानियाँ लिखनेवाला; उपन्यास-लेखक।

अफ़्सानः निगार (افسانہ نگار) फ़ा. वि.–दे. 'अफ़्सानः नवीस'।

अफ़्सार (افسار) फ़ा. पुं.–घोड़े की बागडोर।

अफ़्सुर्दः (افسردہ) फ़ा. वि.–जाड़े से ठिठरा हुआ; बुझा हुआ, ठंडा; खिन्न, उदास।

अफ़्सुर्दःदिल (افسردہ‌دل) फ़ा. वि.–बुझे दिलवाला, खिन्नचित्त, उदास।

अफ़्सुर्दःदिली (افسردہ‌دلی) फ़ा. स्त्री.–दिल का बुझा होना, उदासी।

अफ़्सुर्दगी (افسردگی) फ़ा. स्त्री.–मलिनता, खिन्नता, उदासीनता; ठिठरापन; बेरौनक़ी, शोभाहीनता।

अफ़्सुर्दनी (افسردنی) फ़ा. वि.–ठिठरने योग्य; मलिन होने योग्य।

अफ़्सूं (افسوں) फ़ा. पुं.–अभिचार, मायाकर्म, इन्द्रजाल, जादू।

अफ़्सूंगर (افسوں‌گر) फ़ा. वि.–अभिचारक, मायावी, जादूगर।

अफ़्सूंतराज़ (افسوں‌طراز) फ़ा. वि.–दे. 'अफ़्सूंगर'।

अफ़्सून (افسون) फ़ा. पुं.–दे. 'अफ़्सूं'।

अफ़्सूने सामिरी (افسون سامری) फ़ा. अ. पुं.–'सामिरी' का जादू, बहुत सख़्त जादू।

अफ़्सोस (افسوس) फ़ा. पुं.–शोक, रंज; पश्चात्ताप, खेद, पशेमानी।

अफ़्सोसनाक (افسوسناک) फ़ा. वि.–शोकजनक, रंजदेह; अशुभ, मनहूस; दयनीय, क़ाबिले रहम।

अब [ब्ब] (عب) अ. पुं.–बार-बार पानी पीना; मुंह भर-भर के खाना।

अबदः (عبدہ) अ. पुं.–'आबिद' का बहु. तपस्वी लोग।

अबद (ابد) अ. पुं.–वह समय जिसका अंत न ज्ञात हो; नित्यता, हमेशगी।

अबदन (ابداً) अ. वि.–कदापि, हरगिज़; नित्य, हमेशा।

अबदी (ابدی) अ. वि.–नित्य की, हमेशा की; सार्वकालिक, दायमी।

अबदीयत (ابدیت) अ. स्त्री.–नित्यता, हमेशगी; अनश्वरता, लाज़वालीयत।

अबदुल आबाद (ابدال آباد) अ. पुं.–नित्यता, हमेशगी।

अबवी (ابوی) अ. वि.–बाप का; बाप संबंधी।

अबस (عبث) अ. वि.–व्यर्थ, निरर्थक, फ़ज़ूल, बेकार।

अबस (عبس) अ. पुं.–रूखापन, बदमिज़ाजी; सूखा पेशाब-पाख़ाना।

अबा (عبا) अ. पुं.–लंबा चुग़ा; वस्त्र, लिबास।

अबाबील (ابابیل) अ. स्त्री.–एक प्रसिद्ध काली और छोटी चिड़िया, जो उजाड़ मकानों में रहती है, भांडकी।

अबिक़ (عبق) अ. वि.–सुगंधित, ख़ुशबूदार।

अबीद (عبید) अ. पुं.–'अब्द' का बहु., ईश्वर के दास।

अबीर (عبیر) अ. पुं.–एक प्रकार की सुगंधित गुलाबी बुकनी जो कपड़ों पर छिड़की जाती है, गुलाल।

अबूर (عبور) अ. पुं.–नई बकरी या भेड़; वह मनुष्य जिसका ख़त्ना न हुआ हो।

अबूस (عبوس) अ. वि.–बदमिज़ाज और खुर्रा व्यक्ति, रूखे स्वभाववाला।

अब्अद (ابعد) अ. वि.–बहुत अधिक दूर।

अब्आद (ابعاد) अ. पुं.–'बो'द' का बहु., दूरियाँ, फ़ासिले।

अब्आदे सलासः (ابعاد ثلاثہ) अ. पुं.–तीन फ़ासिले, लंबाई, चौड़ाई और मोटाई या ऊँचाई या गहराई।

अब्इरः (ابعرہ) अ. पुं.–'बईर' का बहु., उष्ट्र-समूह, बहुत से ऊँट।

अब्क़र (عبقر) अ. पुं.–शोरा, एक क्षार जिससे बारूद बनती है।

अब्क़र (عبقر) अ. पुं.–भूत-प्रेत और जिनों आदि का एक कल्पित नगर।

अब्क़री (عبقری) अ. वि.–बहुत बढ़िया और अद्‌भुत वस्तु जिसे मनुष्य न बना सके, बल्कि जिसे जिनों या भूतों ने बनाया हो; उम्दा और नफ़ीस कपड़ा; हर उत्तम और अद्‌भुत वस्तु।

अब्का (ابکی) अ. वि.–बहुत रोनेवाला।

अब्कार (ابکار) अ. पुं.–'बिक्र' का बहु., कुआंरियाँ; बुक्रः का बहु., सवेरे, प्रातःकाल के समय।

अब्ख़रः (ابخرہ) अ. पुं.–'बुख़ार' का बहु., धुएं; भापें।

अब्ख़र (ابخر) अ. वि.–वह व्यक्ति जिसके मुंह से दुर्गंध आती हो, गंदादहन।

अब्ख़ल (ابخل) अ. वि.–बहुत अधिक कंजूस, कृपणतम।

अब्जद (ابجد) अ. स्त्री.–वर्णमाला, अलिफ़, बे; अरबी अक्षरों का वह क्रम जिसमें हर अक्षर का मूल्य एक से हज़ार तक, क्रमशः दिया गया है, और वह इस प्रकार

۴ ۳ ۲ ۱ ۷ ۶ ۵

है, अबजद (ا ب ج د) हव्वज़ (ﻫ و ز) हुत्ती

۱۰ ۹ ۸ ۵۰ ۴۰ ۳۰ ۲۰

(ح ط ی) कलिमन (ک ل م ن) सअफ़स

۹۰ ۸۰ ۷۰ ۶۰ ۴۰۰ ۳۰۰ ۲۰۰ ۱۰۰

(س ع ف ص) क़रशत (ق ر ش ت) सख़्ज़

۷۰۰ ۶۰۰ ۵۰۰ ۱۰۰۰ ۹۰۰ ۸۰۰

(ث خ ذ) ज़ज़्ग़ (ض ظ غ) –इन अक्षरों की सहायता से लोगों के मरने और पदा होने का साल निकाला जाता है, और कुछ लोग अपने बच्चों के नाम भी इसी हिसाब से रखते हैं जिससे उनके जन्म का वर्ष मालूम हो जाता है।

अब्जदख़्वाँ (ابجد خواں) अ. फा. वि.–अलिफ़, बे, पढ़ने वाला; नौसिखिया।

अब्ज़ार (ابذار) अ. पुं.–'बज्र' का बहु., अनाजों के बीज।

अब्ज़ार (ابزار) अ. पुं.–'बज्र' का बहु., तरकारियों के बीज।

अब्तर (ابتر) अ. वि.–अस्तव्यस्त, तितर-बितर; दुर्दशा-ग्रस्त, बदहाल।

अब्तरी (ابتری) अ. स्त्री.–अस्त-व्यस्तता, गड़बड़; कुव्यवस्था, बदनज़्मी; राज्य-परिवर्तन, इन्क़िलाब।

अब्द (عبد) अ. पुं.–दास, सेवक, बंदः, भक्त, फ़िदाई।

अब्दान (ابدان) अ. पुं.–'बदन' का बहु., बहुत से शरीर।

अब्दीयत (عبدیت) अ. स्त्री.–दासता, सेवाभाव, बंदगी; ईश्वर का दास होना, भक्ति।

अब्दुद्दराहिम (عبدالدراهم) अ. पुं.–रुपये का दास, जिसका धर्म ईमान केवल रुपया हो।

अब्दुल जिन्नः (عبدالجنه) अ. पुं.–कादूस रोग, जिसमें रोगी अनुभव करता है कि किसी ने उसका गला घोंट दिया।

अब्दुलबत्न (عبدالبطن) अ. पुं.–पेट का बंदा, उदर-सर्वस्व, पेटू।

अब्ना (ابنا) अ. पुं.–'इब्न' का बहु., बेटे, पुत्रगण।

अब्नाए ज़मानः (ابنائے زمانہ) अ. पु.–संसारवाले, दुनियावाले; अवसरवादी लोग, दुनियासाज लोग।

अब्नाए जिंस (ابنائے جنس) अ. पुं.–एक जातिवाले; एक आयुवाले, समवयस्क।

अब्नाए वतन (ابنائے وطن) अ. पुं.–वतनवाले, देशवाले।

अब्नियः (ابنیه) अ. स्त्री.–'बिना' का बहु., बुनियादें, नींव।

अब्बादान (عبادان) अ. पु.–फ़ारस की खाड़ी का एक द्वीप।

अब्बास (عباس) अ. पुं.–रूखे स्वभाव वाला; व्याघ्र, शेर; हज़रत मुहम्मद साहब के चचा, अब्बासी ख़लीफ़ा इन्हीं से सम्बन्धित हैं।

अब्बासियाँ (عباسیاں) अ. पुं.–हज़रत अब्बास की संतान-वाले।

अब्बासी (عباسی) अ. वि.–हज़रत अब्बास का वंशज, हज़रत अब्बास से सम्बन्धित; एक फूल, गुलाबाँस।

अब्यज़ (ابیض) अ. वि.–बहुत सफ़ेद, धवलतम।

अब्यस (ابیس) अ. वि.–बहुत ख़ुश्क, बहुत ख़ुश्की पैदा करनेवाला।

अब्यात (ابیات) अ. स्त्री.–'बैत' का बहु., शेर।

अब्रः (ابره) अ. पुं.–दोहरे कपड़े में ऊपर वाला कपड़ा, अस्तर का उलटा।

अब्र (ابر) फा. पुं.–मेघ, बलाहक, बादल।

अब्र (عبر) अ. पुं.–स्वप्न का फल बताना, ता'बीर कहना।

अब्र आलूद (ابرآلود) फा. वि.–बादल से घिरा हुआ, मेघाच्छादित।

अब्रक (ابرک) फा. पुं.–अभ्रक, एक प्रसिद्ध और बहुत ही उपयोगी पारदर्शी धातु।

अब्रक़ (ابرق) अ. पुं.–दे. 'अब्रक'।

अब्रस (ابرص) अ. वि.–जिसे सफ़ेद कोढ़ का रोग हो, सिध्म।

अब्रार (ابرار) अ. पुं.–'बार' का बहु., ऋषि, मुनि लोग।

अब्री (ابری) फा. स्त्री.–अब्र से सम्बन्धित; एक चित्रित और रंगीन काग़ज़, जो प्रायः जिल्दों पर चढ़ाया जाता है।

अब्रू (ابرو) फा. स्त्री.–भ्रू, भृकुटी, भौं।

अब्रूकमाँ (ابروکماں) फा. वि.–जिसकी भौंहें धनुष-जैसी मेहराबदार हों; सुंदर भौंहोंवाली हसीना।

अब्रू कशीदः (ابروکشیده) फा. वि.–जिसकी भौंहें तनी हों, संकुचित भ्रू।

अब्रेग़लीज़ (ابرغلیظ) फा. अ. पुं.–काली घटा, घनघोर घटा।

अब्रेतीरः (ابرتیره) फा. पुं.–दे. 'अब्रेग़लीज़'।

अब्रेनैसाँ (ابرنیساں) फा. पु.–चैत के महीने का बादल, जिसके लिए प्रसिद्ध है कि उसकी हर बूंद मोती बन जाती है।

अब्रेबहार (ابربهار) फा. पुं.–वसंत ऋतु का मेघ।

अब्रेबाराँ (ابرباراں) अ. पुं.–बरसता हुआ बादल, द्रोण मेघ; वर्षाकाल का बादल।

अब्लक़ (ابلق) अ. वि.–चितकबरा, काला और सफ़ेद; चितकबरा घोड़ा, काला और सफ़ेद घोड़ा।

अब्लह (ابلہ) अ. वि.–भोला भाला; मूर्ख, बेवकूफ़।

अब्लहाँ (ابلہاں) अ. पुं.–'अब्लः' का फारसी बहु., भोले-भाले लोग; मूर्ख लोग।

अब्लही (ابلہی) अ. स्त्री.–भोलापन; मूर्खता, नादानी।

अब्लूज (ابلوج) फा. स्त्री.–सफेद शक्कर, शर्करा; मिस्री, खंड शर्करा।

अब्स (عبس) अ. पुं.–रूखापन, तुरुशरूई; एक पैरा, सीमंबर।

अब्हर (عبہر) अ. स्त्री.–वह नर्गिस का फूल जिसके भीतर पीलापन हो; वह व्यक्ति जिसके शरीर में मांस खूब हो।

अब्हा (ابہیٰ) अ. वि.–सुंदरतम, ज़ेबतर, मनोरम, खुशनुमा।

अब्हार (ابحار) अ. पुं.–'बह्र' का बहु., बहुत से समुद्र।

अम [म्म] (عم) अ. पुं.–चचा, पितृभ्राता।

अमलः (عملہ) अ. पुं.–कर्मचारीवर्ग, किसी संस्था या कार्यालय के काम करनेवाले लोग।

अमल (عمل) अ. पुं.–कार्य, कर्म काम; लोकाचार, तर्ज़ अमल; संसार में अच्छा या बुरा किया हुआ काम, कृत्य; कोई जप या वज़ीफ़ा; मिस्मरेज़्म का अमल।

अमल (امل) अ. स्त्री.–आशा, आस, उम्मीद।

अमलखानः (عمل خانہ) अ. पुं.–दीवानखानः।

अमलदारी (عمل داری) अ. फा. स्त्री.–शासन, सत्ता, राज्याधिकार, हुकूमत।

अमलन (عملاً) अ. वि.–अमल के तौर पर, कार्यान्वित करके।

अमली (عملی) अ. वि.–कार्य सम्बन्धी; काम का; कर्म-निष्ठ, कर्मठ, बाअमल।

अमलीयात (عملیات) अ. पु.–जंत्र-मंत्र जो भूत-प्रेत आदि के लिए प्रयुक्त होते हैं।

अमश (عمش) अ. पु.–दृष्टि की निर्बलता; आँख से आँसू बहना।

अमा (عما) अ. स्त्री.–अंधता, नाबीनाई; कुमार्ग, गुमराही; हलका बादल; गहरा बादल।

अमाइद (عمائد) अ. पु.–'अमीद' का बहु., बड़े लोग, प्रतिष्ठित लोग; उच्च पदाधिकारी लोग।

अमाइम (عمائم) अ. पु.–'इमामः' का बहु., पगड़ियाँ, साफ़े।

अमाकिन (اماکن) अ. पुं.–'मकान' का बहु., बहुत से घर, बहुत से मकान।

अमाजिद (اماجد) अ. पुं.–'अम्जद' का बहु., प्रतिष्ठित जन, पूज्य व्यक्ति, बुज़ुर्ग लोग।

अमान (امان) अ. स्त्री.–सुरक्षा, हिफ़ाज़त, पनाह; निर्भयता, बेख़ौफ़ी; शांति, सुकून।

अमानत (امانت) अ. स्त्री.–न्यास, थाती, धरोहर; किसी को कोई वस्तु सिपुर्द करना।

अमानतदार (امانت دار) अ. फा. वि.–जिसके पास कोई धरोहर रखी हो, न्यासधारी; सत्यनिष्ठ, ईमानदार।

अमानी (امانی) अ. पुं.–'उम्नीयत' का बहु., आशाएँ, आकांक्षाएं, आर्ज़ूएँ।

अमाम (امام) अ. वि.–सामने, प्रत्यक्ष।

अमारत (امارت) अ. स्त्री.–चिह्न, निशान; लक्षण, अलामत।

अमारात (امارات) अ. स्त्री.–'अमारत' का बहु., निशानात, चिह्न; अलामतें, लक्षण।

अमारिद (امارد) अ. पुं.–'अम्रद' का बहु., बे डाढ़ी-मूँछ के खूबसूरत लड़के।

अमारी (عماری) अ. स्त्री.–हाथी का हौदा, अम्मारी।

अमासिल (اماثل) अ. पुं.–'अम्सल' का बहु., उदाहरण, मिसालें।

अमीक़ (عمیق) अ. वि.–अगाध, गहन, गंभीर, गहरा, डुबाऊ, सूक्ष्म, गूढ़, दक़ीक़।

अमीद (عمید) अ. वि.–प्रतिष्ठित, मुअज़्ज़ज़; नेता, रहबर, लीडर।

अमीन (امین) अ. वि.–न्यासधारी, अमानतदार; सत्य-निष्ठ, ईमानदार।

अमीम (عمیم) अ. वि.–व्यापक, आम, जो सबके लिए हो।

अमीर (امیر) अ. वि.–धनाढ्य, दौलतमंद; अध्यक्ष, सरदार; लीडर, नेता; शासक, हाकिम।

अमीरज़ादः (امیرزادہ) अ. फा. वि.–अमीर का लड़का, धनीपुत्र; आर्यपुत्र, शरीफ़ज़ादा।

अमीरानः (امیرانہ) अ. फा. वि.–अमीरों जैसा, रईसों की तरह।

अमीरी (امیری) अ. स्त्री.–श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी; धनाढ्यता, मालदारी; स्वामित्व, सरदारी।

अमीरुल अस्कर (امیرالعسکر) अ. पुं.–सेनापति, सिपह-सालार, कमांडर।

अमीरुल उमरा (امیرالامرا) अ. पुं.–शाही ज़माने की एक बड़ी पदवी; अमीरों का अमीर, बहुत बड़ा अमीर।

अमीरुल बह्र (امیرالبحر) अ. पुं.–नौ-सेनापति, समुद्री फ़ौज का कमांडर।

अमीरे कारवाँ (امیر کارواں) अ. फा. पुं.–यात्रीदल का अध्यक्ष।

अमीरे नह्ल (امیر نحل) अ. पुं.—हज़रत अली की उपाधि।

अमूद (عمود) अ. पुं.—स्तंभ, खंभा; वस्त्रपट, ख़ैमः; शिश्न, लिंग; अध्यक्ष, सरदार; तराजू की मूठ; लंब, वह खड़ी रेखा जो दूसरी पड़ी रेखा पर गिरकर ९० अंश का कोण बनाये।

अमूदी (عمودی) अ. वि.—अमूद से सम्बन्धित; अमूद जैसा।

अमूम (عموم) अ. वि.—दे. शु. उच्चारण 'उमूम'।

अमूर (عمور) अ. पुं.—दाँतों और मसूढ़ों के बीच का मांस।

अमूल (عمول) अ. वि.—बहुत अधिक काम करनेवाला।

अम् (عم) अ. पुं.—चचा, बाप का भाई।

अम्अक़ (عمعق) अ. पुं.—अरब का एक शायर।

अम्आ (امعا) अ. पुं.—'मिआ' का बहु., आँतें।

अम्किनः (امکنہ) अ. पुं.—'मकान' का बहु., मकानात।

अम्जद (امجد) अ. वि.—अत्यंत पवित्र; अत्यंत बुज़ुर्ग।

अम्जाद (امجاد) अ. पु.—प्रतिष्ठित जन, बुज़ुर्ग लोग।

अम्ज़िजः (امزجہ) अ. पुं.—'मिज़ाज' का बहु., स्वभाव, मिज़ाज।

अम्त (امت) अ. पुं.—ऊँची भूमि; दीवार आदि का पुश्ता।

अम्तार (امطار) अ. पुं.—'मतर' का बहु., बरसातें, बरसात के पानी।

अम्तिअः (امتعہ) अ. पुं.—'मताअ' का बहु., मालो अस्बाब।

अम्द (عمد) अ. पुं.—संकल्प, इरादः; इच्छा, ख़्वाहिश।

अम्दन (عمداً) अ. वि.—समझते-बूझते हुए, जान-बूझकर, निश्चयपूर्वक, इरादे के साथ।

अम्न (امن) अ. पुं.—शांति, सुकून; सुख-चैन, आराम।

अम्न पसंद (امن پسند) अ. फ़ा. वि.—अम्न का हामी, शांतिप्रिय, जो यह चाहता हो कि किसी प्रकार का झगड़ा न हो।

अम्न पसंदी (امن پسندی) अ. फ़ा. स्त्री.—अम्न की हिमायत, शांतिप्रियता, झगड़ा न चाहना।

अम्मः (عمہ) अ. स्त्री.—फूफी, बाप की बहन; मनुष्यों का समूह।

अम्माँ (عماں) अ. पुं.—'अम्म' का बहु., फ़ारसी में।

अम्मान (عمان) अ. पुं.—शाम का एक नगर।

अम्मारः (امارہ) अ. वि.—पाप की ओर प्रवृत्त करनेवाला, गुनाह की तर्ग़ीब देनेवाला; बहुत हुक्म करनेवाला।

अम्मारः (عمارہ) अ. पुं.—जहाज़ों का बेड़ा।

अम्मारी (عماری) अ. स्त्री.—हाथी का हौदा।

अम्या (عمیا) अ. स्त्री.—अंधी स्त्री।

अम्र (امر) अ. पुं.—आदेश, आज्ञा, हुक्म; कर्म, कार्य, काम; विषय, मुआमला; समस्या, मस्अलः।

अम्रद (امرد) फ़ा. पुं.—बिना दाढ़ी-मूँछ का सुंदर लड़का।

अम्रद परस्त (امرد پرست) फ़ा. वि.—गुद्भोगी, बच्चः-बाज़; सुंदर लड़कों से प्रेम करनेवाला।

अम्रद परस्ती (امرد پرستی) फ़ा. स्त्री.—सुंदर लड़कों से प्रेम करना।

अम्राज़ (امراض) अ. पुं.—'मरज़' का बहु., रोग-समूह, बहुत से रोग।

अम्लः (عملہ) अ. स्त्री.—भलाई, उपकार, नेकी।

अम्लज (املج) अ. पुं.—आँवला, एक प्रसिद्ध फल।

अम्लस (املس) अ. वि.—चिकना, मुलायम; समतल, हमवार; नर्म, साफ़, मृदुल।

अम्लाक (املاک) अ. पुं.—'मिल्क' का बहु., सम्पत्तियाँ, जायदादें।

अम्लाह (املاح) अ. पुं.—'मिल्ह' का बहु., बहुत से नमक।

अम्वाज (امواج) अ. स्त्री.—'मौज' का बहु., मौजें, लहरें, तरंगें।

अम्वात (اموات) अ. स्त्री.—'मौत' का बहु., मौतें, मृत्युएँ।

अम्वाते अह्मर (اموات احمر) अ. स्त्री.—वध होनेवाले; शहीद होनेवाले।

अम्वाल (اموال) अ. पुं.—'माल' का बहु., सम्पत्तियाँ, धन-समूह।

अम्वाह (امواہ) अ. पुं.—'माअ' का बहु., बहुत पानी।

अम्स (امس) अ. पुं.—गत कल, गुज़रा हुआ कल।

अम्सल (امثل) अ. वि.—पूज्य, श्रेष्ठ, बुज़ुर्ग।

अम्सार (امصار) अ. पुं.—'मिस्र' का बहु., बड़े-बड़े नगर।

अम्साल (امثال) अ. पुं.—'मसल' का बहु., कहावतें, लोकोक्तियाँ, मसलें।

अम्सिलः (امثلہ) अ. पुं.—'मिसाल' का बहु., मिसालें, उदाहरण।

अयाँ (عیاں) अ. वि.—स्पष्ट, ज़ाहिर, दृष्टिगोचर, इस शब्द का शुद्ध उच्चारण 'इयाँ' है।

अया (عیا) अ. पुं.—ऐसी पीड़ा जिसकी चिकित्सा न हो सके।

अयाक़ (ایاق) तु. पुं.—दे. 'अयाग़'।

अयाग़ (اياغ) तु. पुं.—प्याला, पानपात्र, चषक।

अयाज़ (ایاز) फ़ा. पुं.—महमूद के गुलाम का नाम जिसे वह बहुत चाहता था,—"न वो ग़ज़नवी में तड़प रही, न वो ख़म है ज़ुल्फ़े-अयाज़ में।" इक़बाल।

अयादी (ایادی) अ. पुं.—'यद' का बहु., बहुत-से हाथ; बहुत-सी भलाइयाँ।

अयामा (ایامی) अ. वि.–'ऐयिम' का बहु., बिना पति की स्त्रियाँ; बिना स्त्रियों के पुरुष।

अयार (ایار) फा. पुं.–रूमियों का एक महीना जो जेठ में पड़ता है।

अयार (عیار) अ. पुं.–तोलना; चाँदी-सोने को कसौटी पर कसना; परख, जाँच।

अयाल (ایال) फा. पुं.–घोड़े की गर्दन के लंबे बाल, फ़ारसी शब्द 'याल' है।

अयास (ایاس) फा. पुं.–'अयाज़' का असली नाम।

अय्यार (عیار) अ. वि.–बहुत अधिक चालाक, धूर्त, वंचक, छली, दे. ऐयार'।

अय्याश (عیاش) अ. वि.–भोग-विलास और अच्छे खाने-पीने का शौक़ीन; व्यभिचारी, दे. 'ऐयाश'।

अय्यूक़ (عیوق) अ. पुं.–एक तारा जो बहुत तेज़ और प्रकाशमान् होता है, दे. 'ऐयूक़'।

अय्यूब (ایوب) अ. पुं.–एक पैगम्बर जो बड़े ही धैर्यवान् थे, दे. 'एयूब'।

अरक़ (عرق) अ. पुं.–जल, दवाओं का खींचा हुआ पानी; मदिरा, शराब; पसीना।

अरक़ [ऱक़] (ارق) अ. वि.–बहुत अधिक पतला, बहुत रक़ीक़; बहुत अधिक सूक्ष्म, बारीकतर।

अरक़ (ارق) अ. स्त्री.–अनिद्रा, बेख्वाबी, जागरण, बेदारी।

अरक (ارک) तु. पुं.–कोट, दुर्ग, क़िला।

अरक़गीर (عرق گیر) अ.फा. पुं.–अरक़ खींचने का भभका।

अरक़चीं (عرق چیں) अ.फा. पुं.–कुलाह जो पगड़ी के नीचे पहनी जाती है; पसीना पोंछने का छोटा रूमाल।

अरक़रेज़ (عرق ریز) अ.फा. वि.–दास, सेवक, नौकर; लज्जा देनेवाला, लज्जित करनेवाला।

अरक़ीयः (عرقیہ) अ. पुं.–पसीना पोंछने का छोटा रूमाल।

अरक़ेबहार (عرق بہار) अ.फा. पुं.–मदिरा, शराब।

अरचंद (ارچند) फा. अव्य.–हरचंद, अगरचे।

अरज़ (عرض) अ. पुं.–वह चीज़ जो दूसरी के सहारे क़ायम हो, जैसे–'रंग' जो कपड़े के सहारे क़ायम होता है; वह उपरोग जो किसी बड़े रोग के कारण उत्पन्न हो जाय, जैसे–बुख़ार में सिर का दर्द।

अरज (عرج) अ. पुं.–लँगड़ापन, लंग।

अरफ़ः (عرفہ) अ. पुं.–अरबी ज़िलहिज्जः महीने का नवाँ दिन, जिस रोज़ हज होता है।

अरफ़ात (عرفات) अ. पुं.–मक्के से नौ कोस पर वह मैदान जहाँ हाजी लोग हज के दिन एकत्र होते और दोपहर और शाम की नमाज़ पढ़ते हैं।

अरब (عرب) अ. पुं.–अरब देश; अरब का निवासी; अरब का व्यक्ति।

अरब नज़ाद (عرب نژاد) अ. वि.–अरब की नस्ल का, अरबी।

अरबिस्तान (عربستان) अ. फा. पुं.–अरब देश।

अरबी (عربی) अ. वि.–अरब का निवासी; अरब का व्यक्ति; अरब से सम्बन्ध रखनेवाला, (स्त्री.) अरबी भाषा।

अरश (ارش) अ. पुं.–कोहनी से उँगलियों तक का हाथ।

अरस (ارس) फा. पुं.–आज़रबाईजान का एक नगर और उसकी एक नदी।

अरस्तातालीस (ارسطاطالیس) अ. पुं.–'अरस्तू'।

अरस्तू (ارسطو) अ. पुं.–यूनान का एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक जो ३८४-३२२ ईसा पूर्व हुआ है। यह अफ़लातून का शिष्य और सिकंदर का गुरु था।

अरा (عرا) अ. पुं.–चटयल मैदान, जहाँ न घास हो न पेड़; दरगाह, आश्रम।

अराइक (ارائک) अ. पुं.–'अरीकः' का बहु., बहुत से तख्त, सिंहासन-समूह।

अराइज़ (عرائض) अ. पुं.–'अर्ज़ी' का बहु., अर्जियाँ, प्रार्थनाएँ।

अराइज़ नवीस (عرائض نویس) अ. फा. वि.–अर्ज़ी लिखनेवाला।

अराइब (ارائب) अ. पुं.–'इर्ब' का बहु.।

अराइस (عرائس) अ. पुं.–अरूस का बहु., दूल्हा; दुल्हनें।

अराक़ (اراک) अ. पुं.–पीलू का पेड़; ज़मीन का टुकड़ा।

अराज़िल (اراذل) अ. पुं.–'अर्ज़ल' का बहु., कमीने लोग।

अराजिल (اراجل) अ. पुं.–'रजुल' का बहु., मनुष्य लोग, बहुत से आदमी।

अराज़ी (اراضی) अ. स्त्री.–'अर्ज़' का बहु., ज़मीनें, भूमियाँ; खेतियाँ, खेतों की ज़मीनें।

अराजीफ़ (اراجیف) अ. पुं.–'अर्जाफ़' का बहु., व्यर्थ की बातें; बेहूदा लोग।

अराबः (ارابہ) फा. पुं.–गाड़ी, शकट, छकड़ा।

अरावः (عرابہ) अ. पुं.–दे. 'अराबः'।

अराबची (ارابچی) फा. पुं.–गाड़ीवान, गाड़ी हाँकनेवाला।

अरामिल (ارامل) अ. स्त्री.–'अर्मलः' का बहु., विधवा स्त्रियाँ; बिना स्त्रियों के पुरुष; बिना पुरुष की स्त्रियाँ।

अराया (عرایا) अ. पुं.–खजूर के पेड़ जो किसी ग़रीब व्यक्ति को फल खाने के लिए दे दिये गये हों।

अरिज (ارج) अ. वि.–हर वस्तु जो सुगंधित हो।

अरिश (ارش) अ. वि.–बुद्धिमान्, प्रतिभावान्, होशियार, प्रवीण, चतुर, पटु।

अरी (ارى) अ. पुं.–मधु, शहद।
अरीकः (اریکه) अ. पुं.–सिंहासन, तख्त, राजमंच।
अरीकः (عریکه) अ. पुं.–अभिमान, गर्व; स्वभाव, तबीयत; ऊँट का कोहान।
अरीज़ः (عریضه) अ. पुं.–प्रार्थनापत्र, दरख्वास्त; पत्र, चिट्ठी।
अरीज़ः गुज़ार (عریضه گزار) अ. फा. वि.–प्रार्थना करने वाला, प्रार्थना पत्र देनेवाला, प्रार्थी; पत्र भेजनेवाला।
अरीज़ः निगार (عریضه نگار) अ. फा. वि.–पत्र लिखनेवाला, पत्र-लेखक
अरीज़ (عریض) अ. वि.–चौड़ा; चौड़ा चकला; एक साल का बकरा।
अ़रीफ़ (عریف) अ. वि.–पहचाननेवाला।
अरीशः (عریشه) अ. पुं.–झोंपड़ा, छप्पर, जहाज़ का डेक।
अरीश (عریش) अ. पुं.–झोपड़ा, छप्पर; अंगूर की बेल चढ़ाने की टट्टी।
अरीस (عریس) अ. पुं.–दूल्हा, वर।
अरुज़्ज़ (ارز) अ. पुं.–चावल, तंडुल।
अरूज़ (عروض) अ. पुं.–पिंगल, छंदशास्त्र।
अरूज़दाँ (عروض داں) अ. फा. वि.–दे. 'अरूज़ी'।
अरूज़ी (عروضی) अ. वि.–जो पिंगल शास्त्र का अच्छा ज्ञाता हो।
अरूफ़ (عروف) अ. वि.–बहुत पहचानने वाला; धैर्यवान्, साबिर।
अरूब (عروب) अ. स्त्री.–वह स्त्री जो अपने पति को बहुत प्यार करती हो; वह स्त्री जिसे उसका पति बहुत चाहता हो, प्राणप्रिया।
अरूस (عروس) अ. अव्य.–दूल्हा, वर, नोशः; दुल्हन, वधू।
अरूसक (عروسک) अ. स्त्री.–गुड़िया, बीर बहोटी।
अरूसी (عروسی) अ. वि.–विवाह, शादी, निकाह; विवाह सम्बन्धी।
अरूसुलबिलाद (عروس البلاد) अ. पुं.–ऐसा नगर जो सब नगरों में दुल्हन के समान हो।
अअ़र (عرعر) अ. पुं.–चीड़ का पेड़।
अर्क़म (ارقم) अ. पुं.–काला साँप जिसकी पीठ पर सफ़ेद चित्तियाँ होती हैं।
अर्कान (ارکان) अ. पुं.–'रुक्न' का बहु., खंभे, सुतून; सदस्य लोग, मेम्बर।
अर्काने दौलत (ارکان دولت) अ. पुं.–राज्य के प्रमुख पदाधिकारी, बड़े-बड़े ओहदेदार।
अर्काने सल्तनत (ارکان سلطنت) अ. पुं.–दे. 'अर्काने दौलत'।
अर्काने हुकूमत (ارکان حکومت) अ. पुं.–दे. 'अर्काने दौलत'।
अर्क़ाम (ارقام) अ. पुं.–पत्र-समूह, ख़तूत।
अर्ग़न (ارغن) अ. पुं.–अरगन बाजा।
अर्ग़नू (ارغنوں) अ. पुं.–अरगन बाजा।
अर्ग़ू (ارغوں) अ. पुं.–अरगन बाजा।
अर्ग़वाँ (ارغواں) फा. पुं.–'अर्ग़वान' का लघु., दे. 'अर्ग़वान'।
अर्ग़वान (ارغوان) फा. पुं.–एक लाल फूल लानेवाला पेड़; एक लाल रंग का फूल।
अर्ग़वानी (ارغوانی) फा. वि.–लाल रंग में रँगा हुआ, लाल, सुर्ख, "पियें साक़िया क्या जवानी में पानी—मये अर्ग़वानी मये अर्ग़वानी।"—जिगर।
अर्ज़ंग (ارژنگ) फा. पुं.–चीन का एक चित्रकार; मानी के चित्रों का अल्बम; मानी का नाम, मानी अर्ज़ंग।
अर्ज़ः (عرضه) अ. पुं.–एक बार ज़ाहिर करना, एक बार सामने रखना।
अर्ज़ः (ارضه) अ. पुं.–दीमक, एक कीड़ा।
अर्ज़ (ارض) अ. स्त्री.–पृथ्वी, ज़मीन, भूमि, वसुन्धरा।
अर्ज़ (عرض) अ. स्त्री.–प्रार्थना, गुज़ारिश; (पुं.) चौड़ाई; घरेलू सामान।
अर्ज़ (ارز) फा. पुं.–मूल्य, दाम, कीमत।
अर्ज़ (ارج) फा. पुं.–मूल्य, क़ीमत; पद, मर्तबा; सुगंध, खुशबू; अनुमान, अटकल; निंदा, हत्क।
अर्ज़गाह (عرضگاه) अ. फा. स्त्री.–सेना के गिनती करने का स्थान।
अर्ज़ गुज़ार (عرض گزار) अ. फा. वि.–प्रार्थना करनेवाला, प्रार्थी।
अर्ज़दाश्त (عرضداشت) अ. फा. स्त्री.–प्रार्थना, इल्तिजा; प्रार्थनापत्र, दरख्वास्त।
अर्ज़बेगी (عرض بیگی) अ. फा. पुं.–बादशाह के सामने प्रार्थनाएँ और प्रार्थियों को पेश करने वाला व्यक्ति।
अर्जमंद (ارجمند) फा. वि.–प्रतिष्ठित, मान्य, मुअज़्ज़ज़; सफल, कामयाब; प्रतापी, इक़्बालमंद।
अर्ज़ल (ارذل) अ. वि.–बहुत ही नीच, बहुत ही कमीना।
अर्जल (ارجل) अ. वि.–लंबी टाँगोंवाला व्यक्ति; वह घोड़ा जिसका एक पाँव सफ़ेद हो।
अर्ज़ाँ (ارزاں) फा. वि.–सस्ता, मंदा, कम दामों का। "शिगुफ़्ता देख ले नर्गिस तो मजनूँ यह लगे कहने—चमन में चश्मे-लैला का नज़ारा कितना अर्ज़ां है।"
अर्ज़ाफ़रोश (ارزاں فروش) फा. वि.–सस्ता बेचनेवाला, जो बहुत कम लाभ पर सौदा बेचे।

अर्ज़ाफ़रोशी (ارزاں فروشی) फा. स्त्री.–कम लाभ पर सौदा बेचना, सस्ता माल बेचना।

अर्ज़ानी (ارزانی) फा. स्त्री.–सस्तापन, मंदा, बाज़ार भाव गिर जाना।

अर्ज़ाल (اراذال) अ. पुं.–'रज़ील' का बहु., रज़ीले, नीच लोग, कमीने।

अर्ज़ी (عرضی) अ. स्त्री.–प्रार्थनापत्र, दरख्वास्त।

अर्ज़ी (ارضی) अ. वि.–भूमि संबंधी, भौमिक; ज़मीन का।

अर्ज़ीदा'वा (عرضی دعوئی) अ. पुं.–वादपत्र, नालिश के ब्यौरे का काग़ज़।

अर्ज़ीन (ارضین) अ. पुं.–'अर्ज़' का बहु., ज़मीनें।

अर्ज़ीर (ارزیر) अ. पुं.–राँगा, राँग, एक धातु।

अर्ज़े उम्र (عرض عمر) अ. स्त्री.–दे. 'अर्ज़े हयात'।

अर्ज़े हयात (عرض حیات) अ. स्त्री.–जीवन के आनंद, सांसारिक सुख, सुख-चैन में जीवन व्यतीत करना।

अर्तंग (ارتنگ) फा. पुं.–चित्रकार का तख्ता जिस पर काग़ज़ रखकर वह चित्र खींचता है, मानी के चित्रों का संचय।

अर्तजक (ارتجک) फा. पुं.–बिजली, विद्युत्, बर्क़।

अर्ताल (ارطال) अ. पुं.–'रत्ल' का बहु., आध सेर के बाँट; शराब के ग्लास।

अर्द (ارد) फा. पुं.–क्रोध, रोष, गुस्सा।

अर्दशेर (اردشیر) फा. पुं.–बहमन बिन इस्फ़ंद यार की उपाधि।

अर्दबेल (اردبیل) फा. पुं.–एक नगर।

अर्नब (ارنب) अ. पुं.–शशक, खरहा, खरगोश।

अर्फ़ (ارف) अ. पुं.–सुगंध, खुशबू; कभी-कभी दुर्गंध के लिए भी प्रयुक्त होता है।

अर्फ़ा' (ارفع) अ. वि.–बहुत ऊँचा, उच्चतम।

अर्बईन (اربعین) अ. वि.–चालीस।

अर्बजी (عربجی) अ. पुं.–गाड़ीवान, दे. अराबजी।

अर्बदः (عربدہ) अ.–कुस्वभाव, कुप्रकृति, आदतेबद, बुरा स्वभाव; लड़ाकापन, कलहप्रियता।

अर्बदः ख़ू (عربدہ خو) अ. फा. वि.–झगड़ालू, जिसको स्वभाव से झगड़ा पसंद हो; मा'शूक़, प्रेमपात्र।

अर्बदःजू (عربدہ جو) अ. फा. वि.–झगड़े के लिए बहाने ढूंढ़नेवाला; प्रेमपात्र, माशूक़।

अर्बा' (اربع) अ. वि.–चार, चार की संख्या।

अर्बा (عربا) अ. पुं.–शुद्ध जाति का अरब, ख़ालिस अरब।

अर्बाअ (ارباع) अ. पुं.–स्थान-समूह, मक़ामात; गृह-समूह, मकानात।

अर्बानः (عربانہ) अ. पुं.–डफ, दाइरः, बड़ी खंजरी।

अर्बान (عربان) अ. पुं.–बैआनः, अग्रिम धन, बयाना।

अर्बाब (ارباب) अ. पुं.–'रब' का बहु., वाले, अह्ल।

अर्बाबे अक़्ल (ارباب عقل) अ. पुं.–बुद्धिवाले, मेधावीगण, अक़्लमंद लोग।

अर्बाबे इल्म (ارباب علم) अ. पुं.–विद्यावाले, विद्वज्जन, पढ़े-लिखे लोग।

अर्बाबे कमाल (ارباب کمال) अ. पुं.–गुणवान् लोग, हुनरमंद लोग।

अर्बाबे क़लम (ارباب قلم) अ. पुं.–लेखकगण, लिखने-पढ़ने का काम करनेवाले; साहित्यकार वर्ग, अदीब लोग।

अर्बाबे फ़न (ارباب فن) अ. पुं.–कलाकार लोग; शिल्पकार लोग; साहित्यकार लोग; विद्वज्जन।

अर्बाबे वफ़ा (ارباب وفا) अ. पुं.–प्रेमीजन; आशिक़ लोग; भक्तगण, फ़िदाई।

अर्बाबे शुऊर (ارباب شعور) अ. पुं.–शिष्टजन, तमीज़दार लोग; बुद्धिमान् जन, अक़्लमंद लोग।

अर्बाबे हुज्जत (ارباب حجت) अ. पुं.–न्यायशास्त्र जाननेवाले लोग, मंतिक़ जाननेवाले, नैयायिक, मंतिक़ी, तार्किक।

अर्बाबे हुनर (ارباب هنر) अ. फा. पुं.–दे. 'अर्बाबे कमाल' अथवा 'अर्बाबे फ़न'।

अर्मद (ارمد) अ. वि.–जिसकी आँखें आयी हुई हों।

अर्मन (ارمن) फा. वि.–एक देश, काकेशिया।

अर्मनी (ارمنی) फा. वि.–अर्मन का निवासी, काकेशियन।

अर्मान (ارمان) तु. पुं.–इच्छा, ख्वाहिश; उत्कंठा, इश्तियाक़; लालसा, लालच।

अर्मुग़ाँ (ارمغاں) फा. पुं.–उपहार, पुरस्कार, तोहफ़ा।

अर्रावः (عراوہ) अ. पुं.–एक यंत्र जिससे दुर्ग पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके जाते हैं।

अर्वाह (ارواح) अ. पुं.–'रूह' का बहु., आत्माएँ, रूहें; फ़िरिश्ते, मलाइक।

अर्शः (عرشہ) अ. पुं.–घर की छत; जहाज़ की छत।

अर्श (عرش) अ. पुं.–सिंहासन, तख्त; आकाश, आसमान; सब आस्मानों से ऊपर का स्थान।

अर्श (ارش) अ. पुं.–युद्ध, लड़ाई; झगड़ा, फ़साद, फ़ितना।

अर्शद (ارشد) अ. वि.–सीधा रास्ता पानेवाला; वह शिष्य जिसपर गुरु ने सब से अधिक परिश्रम किया हो।

अर्शी (عرشی) अ. वि.–अर्श से सम्बन्ध रखनेवाला; अर्श पर रहनेवाला।

अर्शे आ'ज़म (عرش اعظم) अ. पुं.–ईश्वर के सिंहासन का स्थान।

अर्शे सानी (عرش ثانی) अ. पुं.—कुर्सी, वह स्थान जहां तारे हैं।

अर्सः (عرصہ) अ. पुं.—क्षेत्र, मैदान; समय, वक़्त; अंतर, फ़ासिला; शतरंज की बिसात।

अर्सः गाह (عرصہ گاہ) अ. फ़ा. स्त्री.—रणक्षेत्र, मैदाने जंग।

अर्सए जंग (عرصۂ جنگ) अ. फ़ा. पुं.—रणभूमि, युद्धक्षेत्र, समरांगण, मैदाने जंग।

अर्सए ज़ीस्त (عرصۂ زیست) अ. फ़ा. पुं.—जीवनकाल, ज़िंदगी का ज़माना।

अर्सए दराज़ (عرصۂ دراز) अ. फ़ा. पुं.—लंबा समय, दीर्घकाल।

अर्सए हयात (عرصۂ حیات) अ. पुं.—दे. 'अर्सएज़ीस्त'।

अर्सए हश्र (عرصۂ حشر) अ. पुं.—क़यामत का मैदान, जहाँ सब मुर्दे एकत्र हों।

अर्सलाँ (ارسلاں) तु. पुं.—व्याघ्र, सिंह, शेर; दास, गुलाम।

अर्हम (ارحم) अ. वि.—महादयालु, बहुत अधिक दया करनेवाला।

अलक़ (علق) अ. स्त्री.—जोंक, रक्तपा, जलौका; जमा हुआ रक्त; प्रेम या शत्रुता जो छुटे नहीं; हर वह चीज़ जो चिपक जाय।

अलत्तवातुर (علی التواتر) अ. वि.—निरंतर, लगातार, मुसल्सल।

अलद [द्द] (الد) अ. वि.—बहुत ही झगड़ालू, कलहप्रिय।

अलद्दवाम (علی الدوام) अ. वि.—नित्य, सर्वदा, सदा, हमेशा, सतत।

अलद्दुलख़िसाम (الد الخصام) अ. पुं.—शत्रुओं से बहुत झगड़ा करनेवाला।

अलन (علن) अ. वि.—प्रकट, व्यक्त, जाहिर।

अलप अर्सलाँ (الپ ارسلاں) तु. पुं.—बहादुर शेर, तुर्की शासकों की उपाधि।

अलफ़ (علف) अ. स्त्री.—घास, हरी घास, हरा चारा।

अलफ़ ज़ार (علف زار) अ. फ़ा. पुं.—चरागाह, पशुओं के चरने का स्थान, सब्ज़ाज़ार, गोचर।

अलम (الم) अ. पुं.—दुःख, क्लेश, रंज, ग़म।

अलम (علم) अ. पुं.—ध्वजा, पताका, झंडा; प्रसिद्ध, ख्याति-प्राप्त; पहाड़।

अलमअंगेज़ (الم انگیز) अ. फ़ा. वि.—शोकजनक, दुःखप्रद, रंज बढ़ानेवाला।

अलमदार (علمدار) अ. फ़ा. वि.—सेना के आगे झंडा लेकर चलनेवाला, ध्वजावाहक, पताकिक।

अलमनशरह (الم نشرح) अ. वि.—सबमें ज़ाहिर, सर्व विदित, सबमें फैली हुई बात।

अलमनाक (الم ناک) अ. फ़ा. वि.—खेदजनक, कष्टप्रद, रंजदेह।

अलम बरदार (علم بردار) अ. फ़ा. वि.—झंडा उठानेवाला, सेना के आगे झंडा लेकर चलनेवाला, ध्वजावाहक।

अलमीयः (المیہ) अ. पुं.—कष्टसूचक बात; दुःखांत, ट्रैजिडी, वह कहानी जिसका अंत शोकमय हो।

अलरंग़्म (علی الرغم) अ. वि.—बरख़िलाफ़, बरअक्स।

अलल इत्तिसाल (علی الاتصال) अ. वि.—निरंतर, लगातार, पैंदर पैं।

अलल इत्लाक़ (علی الاطلاق) अ. वि.—नितांत, क़त्ई, बिलकुल।

अलल ए'लान (علی الاعلان) अ. वि.—खुलेख़ज़ाने, खुल्लम-खुल्ला, सब प्रकार से।

अललख़ुसूस (علی الخصوص) अ. वि.—मुख्यतः, ख़ासकर।

अललहाल (علی الحال) अ. वि.—तत्क्षण, तत्काल, इसी समय, तुरंत, फ़ौरन, सद्यः।

अलवी (علوی) अ. पुं.—हज़रत अली की वह सतान जो हज़रत फ़ातिमा से अतिरिक्त है।

अलस्त (الست) अ. स्त्री.—'अलस्तु बिरब्बिकुम क़ालूबला' का संक्षेप, सृष्टि की उत्पत्ति के समय ईश्वर ने कहा था "क्या मैं तुम्हारा ईश्वर नहीं हूँ", तो सबने कहा था कि, अवश्य तू हमारा ईश्वर है। अलस्त कहकर सृष्टिकाल भी मुराद-लिया जाता है।

अलस्सबाह (علی الصباح) अ. वि.—प्रातःकाल, बहुत तड़के, मुँह अँधेरे, 'अलस्सुबः' भी प्रचलित है।

अलस्सवा (علی السواء) अ. वि.—बराबर-बराबर, एक सा, जितना एक को उतना ही सब को।

अला (الا) अ. अव्य.—सावधान! ख़बरदार! होशियार!

अला (علا) अ. स्त्री.—सम्मान, बुज़ुर्गी; उच्चता, बुलंदी।

अला (الا) फ़ा. अव्य.—संबोधन-सूचक शब्द, ऐ! आय! हे!

अला (علی) अ. अव्य.—ऊपर, पर।

अलाइक़ (علائق) अ. पुं.—'अलाक़ः' का बहु. तअल्लुक़ात, सम्बन्ध।

अलाक़ः (علاقہ) अ. पुं.—सम्बन्ध, लगाव, प्रेम-व्यवहार, दोस्ती।

अलाचः (الاچہ) तु. पुं.—धारीदार कपड़ा जो दुरंगा हो।

अलात (علات) अ. पुं.—निहाई, अहरन, जिस पर रखकर गर्म लोहा कूटा जाता है।

अलानियः (علانیہ) अ. वि.—स्पष्ट, साफ़ तौर से; खुल्लम-खुल्ला प्रकार से, उद्घोषित रूप से, लाक्षणिक अर्थ में—डंके की चोट से।

अलामत (علامت) अ. स्त्री.–चिह्न, निशान; लक्षण, पहचान।

अलामते इम्तियाज़ (علامت امتیاز) अ. स्त्री.–बिल्ला, सम्मान-सूचक चिह्न, पदक, बैज।

अलामते बुलूग़ (علامت بلوغ) अ. स्त्री.–जवान होने का लक्षण या चिह्न।

अलामते मर्दुमी (علامت مردمی) अ. फा. स्त्री.–पुरुष होने का चिह्न या लक्षण।

अलालत (علالت) अ. स्त्री.–रोग, बीमारी।

अलावः (علاوہ) अ. अव्य.–दे. 'इलावः' वही शुद्ध है, परंतु उर्दू में अलावः भी बोलते हैं; सिवा, सिवाय, अतिरिक्त।

अलाहदः (علاحدہ) अ. वि.–पृथक्, अलग, जुदा।

अला हाज़ल क़ियास (علیٰ هزاالقیاس) अ. अव्य.–इस पर क़ियास करके, इस विचार के अनुसार।

अलिफ़ (الف) अ. पुं.–उर्दू वर्णमाला का पहला अक्षर, जो अ, इ और उ का काम देता है, चिह्न।

अलिफ़ क़ामताँ (الف قامتاں) अ. पुं.–पलकें; निगाह।

अलिफ़े कूफ़ी (الف کوفی) अ. पुं.–टेढ़ी वस्तु।

अलिफ़े ताज़ियानः (الف تازیانہ) अ. फा. पुं.–शरीर पर कोड़ा लगने का चिह्न।

अली (علی) अ. वि.–उच्च, ऊँचा; ईश्वर का एक नाम; हज़रत मुहम्मद के दामाद और चौथे ख़लीफ़ा।

अलीक़ः (علیقہ) अ. पुं.–घोड़े को दाना खिलाने का तोबड़ा।

अलीफ़ (الیف) अ. वि.–मित्र, सखा, दोस्त; एक जैसे स्वभाववाले; प्रेमपात्र, महबूब।

अलीम (الیم) अ. वि.–कष्टजनक, दुःखद, पीड़ा देनेवाला, दर्दनाक।

अलीम (علیم) अ. वि.–सब कुछ जाननेवाला, सर्वज्ञ, महाज्ञानी; ईश्वर का एक नाम।

अलील (علیل) अ. वि.–रोगी, बीमार, रुग्ण; दूषित मा'यूब।

अलैहा (علیہا) अ. अव्य.–उस पर (स्त्री-वाचक)।

अलैहि (علیہ) अ. अव्य.–उस पर (पुरुष-वाचक)।

अलैहिम (علیہم) अ. अव्य.–उन सब पर (पुरुष-वाचक)।

अल्अजब (العجب) अ. अव्य.–आश्चर्य के समय बोलते हैं, कितने आश्चर्य की बात है।

अल्अजल (العجل) अ. वा.–जल्दी करो, शीघ्रता करो।

अल्अतश (العطش) अ. अव्य.–प्यास के समय बोलते हैं, हाय पानी, हाय पानी, हाय प्यास, हाय प्यास।

अल्अमान (الامان) अ. अव्य.–घबराहट के समय बोलते हैं, बचाओ, बचाओ, त्राहि, त्राहि।

अल्आन (الآن) अ. अव्य.–इस समय; इसी समय, अभी; अभी तक; अब तक।

अल्क़त (القط) अ. वि.–समाप्त, इतिश्री, बस, ख़त्म।

अल्कन (الکن) अ. वि.–तोतला, तुतलाकर बोलनेवाला।

अल्क़ाब (القاب) अ. पुं.–'लक़ब' का बहु., उपाधियाँ, ख़िताबात; ख़त का अल्क़ाब, प्रशस्ति।

अल्काहिल (الکاهل) अ. पुं.–सुस्त, प्रशांत। बहरुल्काहिल= प्रशांत महासागर, पैसिफ़िक ओशन।

अल्क़िस्सः (القصہ) अ. अव्य.–क़िबहुना, क़िस्सा मुख़्तसर, सारांश यह कि।

अल्ख़ालुक़ (الخالق) तु. पुं.–एक विशेष वस्त्र।

अल्ग़रज़ (الغرض) अ. अव्य.–दे. 'अल्क़िस्सः'।

अल्ग़यास (الغیاث) अ. अव्य.–दे. 'अल् अमान'।

अल्चः (الچہ) तु. पुं.–युद्ध मे शत्रु से प्राप्त माल-अस्बाब और धन आदि।

अल्जज़ाइर (الجزائر) अ. पुं.–अल्जीरिया, अफ़्रीका का एक देश।

अल्ज़म (الزم) अ. वि.–बहुत ही ज़रूरी, अत्यावश्यक, अनिवार्य।

अल्जूअ (الجوع) अ. अव्य.–भूख के समय कहते हैं, हाय भूख, हाय भूख, हाय रोटी, हाय रोटी।

अल्तफ़ (الطف) अ. वि.–अत्यंत मृदुल, कोमल और मुलायम।

अल्तमिश (التمش) तु. स्त्री.–आगे चलनेवाली सेना; छः की संख्या।

अल्ताफ़ (الطاف) अ. पुं.–'लुत्फ़' का बहु., दयाएँ, कृपाएँ, मेहरबानियाँ।

अल्तून (التون) तु. पुं.–सुवर्ण, सोना।

अल्प अर्सलाँ (الپ ارسلاں) तु. पुं.–दे. 'अलप अर्सलाँ', दो. शु. है।

अल्फ़ (الف) अ. वि.–हज़ार, सहस्र।

अल्फ़ाफ़ (الفاف) अ. पुं.–आपस मे लिपटे हुए वृक्ष।

अल्बत्तः (البتہ) अ. अव्य.–अवश्य, ज़रूर; परंतु, लेकिन।

अल्बान (البان) अ. पुं.–'लबन' का बहु., दूध, बहुत से दूध।

अल्बुर्ज़ (البرز) अ. पुं.–एक पहाड़।

अल्मई (المعی) अ. वि.–वह व्यक्ति जिसकी राय सदा ही ठीक होती हो, जो बहुत ही प्रवीण और प्रतिभावान् हो।

अल्मदद (المدد) अ. अव्य.–दुःख के समय या भय के समय कहते हैं, सहायता करो, बचाओ।

अल्मस्त (المست) फा. वि.–नशे में चूर, बहुत ही मस्त।

अल्मान (المان) अ. पुं.–दे. 'अल्मानियः'।

अल्मानियः (المانيه) अ. स्त्री.–जर्मनी, यूरोप का एक प्रसिद्ध देश।

अल्मास (الماس) फा. पुं.–हीरा, एक परम मूल्यवान् रत्न।

अल् मुख़्तसर (المختصر) अ. अव्य.–दे. 'अल्क़िस्सः'।

अल्यः (اليه) अ. स्त्री.–नितंब, कटिदेश, सुरीन।

अल्यौम (اليوم) अ. पुं.–आज, आज का दिन।

अल्लाती (علاتی) अ. वि.–वह भाई-बहन जो दूसरी माँ से हों, मगर बाप एक हो।

अल्लाफ़ (علاف) अ. वि.–घास बेचनेवाला, घसेरा, घसियारा।

अल्लामः (علامه) अ. वि.–बहुत बड़ा विद्वान्, महापंडित, जिसके इल्म की थाह न हो।

अल्लाम (علام) अ. वि.–बहुत बड़ा विद्वान्, बहुविद्य।

अल्लामी (علامی) अ. वि.–दे. 'अल्लामः'।

अल्लाह (الله) अ. पुं.–ईश्वर, परमात्मा, ख़ुदा।

अल्वंद (الوند) फा. पुं.–हमदान में ईरान का एक पहाड़।

अल्वान (الوان) अ. पुं.–'लौन' का बहु., बहुत से रंग।

अल्वाह (الواح) अ. पु.–'लौह' का बहु., तख़्तियाँ, पट्टिकाएँ।

अल्वियः (الويه) अ. पुं.–'लिवा' का बहु., झंडे, ध्वजाएँ, पताकाएँ।

अल्सग़ (الثغ) अ. वि.–जो अक्षरों का शुद्ध उच्चारण न कर सके 'र' के स्थान पर 'ल' और 'श' के स्थान पर 'स' बोले।

अल्सिनः (السنه) अ. स्त्री.–'लिसान' का बहु., जीभें, जिह्वाएँ; भाषाएँ, ज़बानें।

अल्हक़ (الحق) अ. वि.–सत्यतः, सचमुच, हक़ीक़त में।

अल्हान (الحان) अ. पुं.–'लह्न' का बहु., आवाज़ें।

अल्हाल (الحال) अ. वि.–तत्क्षण, इसी समय, तुरंत, फ़ौरन।

अलहासिल (الحاصل) अ. अव्य.–सारांश यह कि, ख़ुलासा यह कि।

अवा (اوا) अ. पुं.–शृगाल, सियार, गीदड़।

अवाइक़ (عوائق) अ. पुं.–'आइक़ः' का बहु., घटनाएँ; बाधाएँ।

अवाइद (عوائد) अ. पुं.–'आइद' का बहु., लौटनेवाले, फिरनेवाले; मुनाफ़े, लाभ; कृपाएं; बदले, सिले।

अवाइल (اوائل) अ. पुं.–'अव्वल' का बहु., शुरूआत, आरंभ-काल।

अवाक़िब (عواقب) अ. पुं.–'आक़िबः' का बहु., नतीजे, फल, परिणाम।

अवातिफ़ (عواطف) अ. पुं.–'आतिफ़ः' का बहु., कृपाएँ, अनुकंपाएँ, मेहरबानियाँ।

अवान (اوان) अ. पुं.–समय, काल, वक़्त।

अवान (عوان) अ. स्त्री.–वह स्त्री जिसका पति जीवित हो, सुहागिन, सधवा।

अवानी (اوانی) अ. पुं.–'आनियः' का बहु., बरतन, भाँड़े।

अवाम (عوام) अ. पुं.–'आम' का बहु., साधारण जन, सर्वसाधारण, आम लोग।

अवामिर (اوامر) अ. पुं.–'आमिरः' का बहु., आदेश, हुक्म, आज्ञा।

अवामिल (عوامل) अ. पुं.–'आमिलः' का बहु., अमल करने वाले; अरबी भाषा के कारक।

अवामुन्नास (عوام الناس) अ. पुं.–सर्वसाधारण, जनसाधारण, जनता, अवाम।

अवारात (عوارات) अ. पुं.–'अवारः' का बहु., बुराइयाँ, दोष, ऐब।

अवारिजः (اوارجه) फा. पुं.–हिसाब का रजिस्टर, बही।

अवारिज़ (عوارض) अ. पुं.–'आरिज़ः' का बहु., बीमारियाँ, रोग-समूह।

अवारिफ़ (عوارف) अ. पुं.–'आरिफ़' का बहु., पहचाननेवाले; उपकार करनेवाले; सुगंधियाँ; बख़्शिशें।

अवालिम (عوالم) अ. पुं.–'आलम' का बहु., बहुत से संसार, बहुत सी दुनयाएँ या दुनियाएँ।

अवाली (عوالی) अ. पुं.–'आलियः' का बहु., ऊँची वस्तुएँ।

अवासिफ़ (عواصف) अ. पुं.–'आसिफ़ः' का बहु., तेज़ हवाएँ, आँधियाँ।

अविर (عور) अ. वि.–दुष्टात्मा, बदबातिन।

अवील (عويل) अ. पुं.–रोने के साथ आवाज़।

अवीसः (عويصه) अ. वि.–दुष्कर, कठिन, मुश्किल।

अवीस (عويص) अ. वि.–कठिन, मुश्किल।

अव्वल (اول) अ. वि.–प्रथम, पहला; प्रमुख, ख़ास; सबसे पहले।

अव्वलन (اولاً) अ. वि.–पहले-पहल, सबसे पहले, सर्वप्रथम।

अव्वलीं (اولیں) अ. फा. वि.–प्रथम, पहला; सबसे पहले वाला, प्रमुख, ख़ास।

अव्वलीयत (اوليت) अ. स्त्री.–प्रथमता, पहलापन; प्रधानता; फ़ौक़ियत।

अव्वा (عوا) अ. पुं.–बहुत भूँकनेवाला कुत्ता; बूढ़ा ऊँट; तेरहवाँ नक्षत्र।

अव्वान (عوان) अ. वि.–अत्याचारी, ज़ालिम; क्षमा न करनेवाला, सख़्त पकड़ करनेवाला।

अव्वार: (عوار) अ. वि.–जिसका चित्त हट गया हो, वददिल।
अव्विदा (اودا) अ. पुं.–'वदीद' का बहु., मित्रगण, यार, दोस्त।
अशक़ [फ़्क़] (اشق) अ. वि.–बहुत कठिन, बहुत मुश्किल।
अशक़ (عشق) अ. पुं.–किसी को बहुत चाहना; किसी चीज़ में चिपक जाना, 'इश्क़' बहुप्रचलित।
अशज [ज्ज] (اشج) अ. वि.–जिसका सर टूट गया हो, सर फटा।
अशद [द्द] (اشد) अ. वि.–बहुत सख़्त, प्रचंड, अति तीव्र।
अशम (عشم) अ. स्त्री.–सूखी रोटी।
अशर: (عشره) अ. पुं.–दस, दस की संख्या।
अशर [र्र] (اشر) अ. वि.–बहुत ही शरीर, बहुत ही धूर्त, अत्यधिक दुष्ट, बहुत ही पाजी।
अशर (عشر) अ. वि.–दस, दस की संख्या।
अशरात (عشرات) अ. पुं.–दहाइयाँ, दस-दस के थोक।
अशल [ल्ल] (اشل) अ. वि.–लुंझा, अपाहज, जिसके हाथ-पाँव काम न दें, अपंग।
अशाइर (عشائر) अ. पुं.–'अशीर:' का बहु., स्वजनगण, अज़ीज़दार; गोत्र या कुटुम्बवाले।
अशिक: (عشقه) अ. पुं.–इश्कपेचाँ, एक प्रसिद्ध बेल।
अशिद्दा (اشدا) अ. पुं.–'शदीद' का बहु., सख़्ती और अनीति करनेवाले।
अशीक़: (عشیقه) अ. स्त्री.–प्रेमिका, प्रेयसी, मा'शूक़ा।
अशीयत (عشیت) अ. स्त्री.–रात्रि, रात, निशा।
अशीर: (عشیره) अ. पुं.–अज़ीज़, स्वजन, नातेदार; घर-वाले, घर के लोग, बाल-बच्चे।
अशीर (عشیر) अ. वि.–अज़ीज़, स्वजन; पड़ोसी, प्रतिवेशी; वह व्यक्ति जो दूसरे किसी व्यक्ति के साथ रहन-सहन करता हो।
अशूक़ (عشوق) अ. वि.–बहुत अधिक प्रेम करनेवाला।
अशूर (عشور) अ. पुं.–चुंगी का भाड़ा या शुल्क।
अश्'अ: (اشعه) अ. स्त्री.–'शुआअ' का बहु., किरणें, शुआएँ।
अश्अरीय: (اشعریه) अ. पुं.–मुसलमानों का एक संप्रदाय जिसका मत है कि मनुष्य अच्छा-बुरा ख़ुद करता है, ईश्वर का इसमें कोई हाथ नहीं होता।
अश्अश (عشعش) अ. अव्य.–आश्चर्य, हैरत।
अश्आर (اشعار) अ. पुं.–'शेर' का बहु., बहुत-से शेर।
अश्क (اشک) फ़ा. पुं.–अश्रु, आँसू।
अश्क अफ़्शाँ (اشک افشاں) फ़ा. वि.–दे. 'अश्क फ़िशाँ'।
अश्क फ़िशाँ (اشک فشاں) फ़ा. वि.–आँसू बहानेवाला, अर्थात् रोनेवाला।
अश्कबार (اشکبار) फ़ा. वि.–आँसू बरसानेवाला, अर्थात् रोनेवाला, "तेरी वफ़ा पे जब से मुझको एतबार आया, तेरा ख़्याल-अश्कबार बार-बार आया।"
अश्क़र (اشقر) अ. वि.–लाल और सफ़ेद; घोड़ा जिसकी अयाल और पूँछ लाल हो; हर लाल वस्तु जिसमें पीलापन और कालापन हो।
अश्करेज़ (اشکریز) फ़ा. वि.–दे. 'अश्क फ़िशाँ', अश्रुवर्षक।
अश्कल (اشکل) अ. वि.–वह डोरी जिससे ऊँट की काठी कसते हैं, पशुओं के पाँव बाँधन की रस्सी।
अश्क़ा (اشقی) अ. वि.–बहुत ही निर्दय, बहुत ही शक़ी।
अश्क़िया (اشقیا) अ. पुं.–'शक़ी' का बहु., निर्दय और कठोर हृदयवाले।
अश्कील (اشکیل) अ. पुं.–वह घोड़ा जिसका सीधा हाथ और उलटा पाँव सफ़ेद हो।
अश्ख़ास (اشخاص) अ. पुं.–'शख़्स' का बहु., कई व्यक्ति, लोग।
अश्ख़ुस (اشخص) अ. पुं.–'शख़्स' का बहु., लोग।
अश्गर्फ़ (اشگرف) फ़ा. वि.–प्रतिष्ठित, पूज्य, महान्, अज़ीद, बुज़ुर्ग।
अश्ग़ल (اشغل) अ. वि.–बहुत अधिक काम में व्यस्त, बहुत अधिक मश्ग़ूल।
अश्ग़ाल (اشغال) अ. पुं.–'शुग़्ल' का बहु. कामधंधे, मश्ग़ले।
अश्जा' (اشجع) अ. वि.–बहुत ही वीर, बड़ा ही शूर, विक्रमी, बहादुरतरीन।
अश्जार (اشجار) अ. पुं.–'शजर' का बहु., वृक्ष-समूह, पेड़।
अश्तात (اشتات) अ. पुं.–'शतीत' का बहु., अस्त-व्यस्त और तितर-बितर चीज़ें।
अश्ताद (اشتاد) फ़ा. पुं.–ईरानी महीने की छब्बीसवीं तारीख़।
अश्दक़ (اشدق) अ. वि.–चौड़े दहानेवाला, जिसके मुँह का दहाना चौड़ा हो।
अश्ना' (اشنع) अ. वि.–निकृष्टतम, बहुत ही बुरा, बहुत ही ख़राब।
अश्फ़ा (اشفی) अ. स्त्री–चमड़ा सीने की सुताली।
अश्फ़ा' (اشفع) अ. वि.–बहुत अधिक सुफ़ारिश (सिफ़ारिश) करनेवाला।
अश्फ़ाक़ (اشفاق) अ. पुं.–'शफ़क़त' का बहु., अनुकंपाएँ, कृपाएँ, शफ़क़तें।
अश्बाक (اشباک) अ. पुं.–'शबक:' का बहु., बहुत से जाल।
अश्बाल (اشبال) अ. पुं.–'शिब्ल' का बहु., शेर के बच्चे।

अश्बाह (اشباہ) अ. पुं.–'शिबह:' का बहु., मिसालें, उदाहरण।

अश्बाह (اشباح) अ. पुं.–'शबह' और 'शब्ह' का बहु., अनेक व्यक्ति, लोग; बहुत से शरीर, बहुत से जिस्म।

अश्या (اشیا) अ. स्त्री.–'शय' का बहु., वस्तुएँ, चीज़ें।

अश्याअ (اشیاع) अ. पुं.–'शीअ:' का बहु., मित्रों के समूह, मित्रमंडल, दोस्तों के गिरोह।

अश्र: (عشرہ) अ. पुं.–दस, दहाई; मुहर्रम के दस दिन; मुहर्रम की दसवीं तारीख।

अश्रफ़ (اشرف) अ. वि.–बहुत ही शरीफ़, बहुत ही प्रतिष्ठित; बहुत अच्छे कुल का, कुलीनतम।

अश्रफ़ी (اشرفی) अ. स्त्री.–स्वर्ण-मुद्रा, मोहर, अशर्फ़ी।

अश्रफ़ुल अश्राफ़ (اشرف الاشراف) अ. वि.–कुलीन जनों में सबसे कुलीन, कुलीनतम।

अश्रफ़ुल मख़्लूक़ (اشرف المخلوق) अ. वि.–सारे प्राणि-वर्ग में सबसे श्रेष्ठ; मनुष्य, आदमी।

अश्रम (اشرم) अ. वि.–नाक फटा हुआ, जिसकी नाक फटी हो।

अश्राफ़ (اشراف) अ. पुं.–'शरीफ़' का बहु., शरीफ़ लोग, सज्जन लोग, अच्छे ख़ानदानवाले।

अश्रार (اشرار) अ. पुं.–'शरीर' का बहु., धूर्त लोग, दुष्टात्मा लोग, बुरे लोग।

अश्रिब: (اشربہ) अ. पुं.–'शराब' का बहु., पीने की चीज़ें; मद्य, मदिराएँ, शराबें।

अश्व: (عشوہ) अ. पुं.–दे. 'इश्व:'।

अश्वक़ (اشوق) अ. वि.–बहुत शौक़वाला, बहुत शौक़ीन।

अश्वाक़ (اشواق) अ. पुं.–'शौक़' का बहु.।

अश्हब (اشہب) अ. वि.–हर काली चीज़ जिसमें सफ़ेदी अधिक हो; सब्ज़ा घोड़ा जिसके सफ़ेद बालों में काले बाल अधिक हों।

अश्हर (اشہر) अ. वि.–बहुत अधिक प्रसिद्ध, बहुत मशहूर।

अश्हल (اشہل) अ. वि.–काली आँखों वाला पुरुष; पीलापन लिये हुए काला रंग।

अश्हा (اشہیٰ) अ. वि.–बहुत अधिक उत्कंठा रखनेवाला, उत्सुक; बहुत अधिक रुचिकर, बहुत ही मर्ग़ूब।

असद: (اسدہ) अ. स्त्री.–व्याघ्री, सिंहिनी, शेरनी।

असद (اسد) अ. पुं.–सिंह, व्याघ्र, शेर।

असदुल्लाह (اسد اللہ) अ. पुं.–अल्लाह का शेर, हज़रत अली की उपाधि।

असफ़ (اسف) अ. पुं.–बहुत अधिक खेद, सख़्त रंज।

असब: (عصبہ) अ. पुं.–पट्ठा, स्नायु; लड़केवाले, पुत्रादि; स्वजन लोग, अज़ीज़दार।

असब (عصب) अ. पुं.–स्नायु, पट्ठा।

असबात (عصبات) अ. पुं.–'असब:' का बहु., लड़के या नातेदार (पुरुष लोग)।

असबीयत (عصبیت) अ. स्त्री.–दूसरों की अपेक्षा अपने लोगों को लाभ पहुँचाने की भावना; पक्षपात, तरफ़दारी।

असम[म्म] (اصم) अ. वि.–निपट बहरा, बधिर।

असर [र्र] (اسر) अ. वि.–बहुत ही आनंदित, प्रमुदित, बहुत ही मस्रूर।

असर (اثر) अ. पुं.–प्रभाव; चिह्न, निशान; गुण, तासीर।

असरअंदाज़ (اثر انداز) अ. फा. वि.–असर डालनेवाला, प्रभावित करने वाला।

असरअंदाज़ी (اثر اندازی) अ. फा. स्त्री.–असर डालना, प्रभावित करना।

असर पिज़ीर (اثر پذیر) अ. फा. वि.–जिस पर असर पड़ा हो, जो प्रभावित हुआ हो, प्रभावित, मुतअस्सिर।

असरपिज़ीरी (اثر پذیری) अ. फा. स्त्री.–प्रभाव पड़ना, मुतअस्सिर होना।

असल (عسل) अ. पुं.–मधु, शहद।

असस (اسس) अ. स्त्री.–नीव, बुनियाद।

असस (عسس) अ. पुं.–कोतवाल, शह्न:; रात में गश्त करनेवाला।

असह [ह्ह] (اصح) अ. वि.–अत्यधिक शुद्ध, बहुत ही ठीक, बहुत ही सही।

असा (عسیٰ) अ. अव्य.–क़रीब है कि ऐसा हो; यक़ीन, निश्चय; शायद।

असा (عصا) अ. पुं.–हाथ में पकड़ने की लकड़ी।

असाकिर (عساکر) अ. पुं.–'अस्कर' का बहु., सेनाएँ, फ़ौजें।

असाग़िर (اصاغر) अ. पुं.–'अस्ग़र' का बहु., छोटे लोग; बच्चे, बालक।

असातिज़: (اساتذہ) अ. पुं.–'उस्ताज़' का बहु., गुरुजन, शिक्षकगण, पढ़ानेवाले।

असातीन (اساطین) अ. पुं.–'उस्तुवान:' का बहु., खंभे, सुतून।

असातीर (اساطیر) अ. पुं.–'उस्तूर:' का बहु., कहानियाँ, कथाएँ, गाथाएँ, क़िस्से।

असादिक़ (اصادق) अ. पुं.–'अस्दक़' का बहु., बहुत ही सच्चे लोग, सत्यनिष्ठ।

असाफ़िल (اسافل) अ. पुं.–'अस्फ़ल' का बहु., नीच लोग, अधम लोग, लोफ़र लोग।

असाफ़ी (اثافی) अ. पुं.–'उस्फ़ीय:' का बहु., चूल्हे के पाये।

असाफ़ीर (اصافیر) अ. पुं.–'उस्फ़ूर' का बहु., गौरैयाँ, घरेलू चिड़ियाँ, चटकगण।

असाबे' (اصابع) अ. पुं.–'इस्बा' का बहु., उँगलियाँ।

असामी (اسامی) अ. पुं.–'अस्मा' का बहु., नामावली, नाम; किसान; किसी दुकानदार या महाजन से लेन-देन रखनेवाला।

असामी (اثامی) अ. पुं.–पापी लोग, गुनाहगार लोग; अपराधी लोग, मुज्रिम (मुजरिम) लोग।

असामीर (عصامیر) अ. पुं.–'उस्मूर' का बहु., बहुत से रहट; बहुत से डोल।

असार (عسار) अ. स्त्री.–दरिद्रता, कंगाली; फ़क़ीरी, साधूपन।

असारून (اسارون) अ. स्त्री.–एक इकाई।

असालत (اصالت) अ. स्त्री.–खरापन, असलियत; कुलीनता, शराफ़त।

असालतन (اصالتاً) अ.–स्वयं, ख़ुद, बराहे रास्त।

असालीब (اسالیب) अ. पुं.–'उस्लूब' का बहु., शैलियाँ, पद्धतियाँ, तर्ज़ें।

असाविरः (اساورہ) अ. पुं.–'अस्विरः' का बहु., बाजूबंद; एक क़ौम।

असासः (اثاثہ) अ. पुं.–सामग्री, सामान; संपत्ति, धन-दौलत; पूँजी, सरमाया।

असास (اساس) अ. स्त्री.–नीव, बुनियाद।

असास (اثاث) अ. पुं.–सामान, असबाब।

असासुल बैत (اثاث البیت) अ. पुं.–घर का सामान, गृहस्थी का सामान।

असिर (عسر) अ. वि.–कठिन, दुष्कर, दुश्वार।

असिह्हा (اصحا) अ. पुं.–'सहीह' का बहु., स्वस्थ लोग, तनदुरुस्त लोग।

असी (اسی) अ. वि.–दुःखित, खेदित, ग़मगीन, म्लान।

असीदः (عصیدہ) अ. पुं.–एक प्रकार का हलवा।

असीफ़ (اسیف) अ. वि.–दुःखित, खेदग्रस्त, मलूल, रंजीदा।

असीब (عصیب) अ. वि.–पक्षपाती, तरफ़दार; स्वजन, आत्मीय जन, रिश्तेदार।

असीम (اثیم) अ. वि.–पापी, गुनाहगार।

असीर (عثیر) अ. पुं.–धूलि, गर्द।

असीर (اثیر) अ. पुं.–उच्च, बलंद; अंतरिक्ष, फ़ज़ाए बसीत; आकाश, आस्मान; ईथर; निष्केवल, खालिस।

असीर (اسیر) अ. वि.–बंदी, क़ैदी, कारावासी।

असीर (عصیر) अ. पुं.–निचोड़ा हुआ अरक़; अंगूर की मदिरा।

असीर (عسیر) अ. वि.–कठिन, दुष्कर, क्लिष्ट, मुश्किल।

असील (اصیل) अ. वि.–कुलीन, शरीफ़; खरा, उत्तम; अच्छे लोहे का अस्त्र।

असूफ़ (عسوف) अ. वि.–कुमार्गगामी, बेराह; अनीति करनेवाला, अत्याचारी, दुराचारी, ज़ालिम।

असूफ़ (عصوف) अ. पुं.–झक्कड़, अँधियाव, झंझावात।

असूम (عصوم) अ. वि.–बहुत खानेवाला, बहुभक्षी।

अस्अद (اسعد) अ. वि.–बहुत ही शुभ, बहुत ही मुबारक, अत्यधिक मांगलिक।

अस्क़फ़ (اسقف) अ. वि.–लंबा और कमर झुका पुरुष।

अस्कर (عسکر) अ. पुं.–सेना, फ़ौज; एक नगर का नाम।

अस्करी (عسکری) अ. वि.–सैनिक, सिपाही।

अस्करीयः (عسکریہ) अ. स्त्री.–फ़ौजी ख़िदमत, सैन्य-सेवा।

अस्क़ल (اثقل) अ. वि.–बहुत ही भारी, अति गुरु, गुरुतम।

अस्क़लान (عسقلان) अ. पुं.–शाम का एक नगर।

अस्क़ाम (اسقام) अ. पुं.–'सुक़्म' का बहु., बुराइयाँ, त्रुटियाँ, खराबियाँ; बीमारियाँ, रोग-समूह।

अस्क़ाल (اثقال) अ. पुं.–'सिक़्ल' का बहु., बहुत से बोझ।

अस्ख़िया (اسخیا) अ. पुं.–'सख़ी' का बहु., सख़ी, दाता लोग, देनेवाले लोग।

अस्ग़र (اصغر) अ. वि.–बहुत अधिक छोटा, सग़ीर (छोटा) का लघुरूप, लघुतर।

अस्जद (عسجد) अ. पुं.–सोना, चाँदी और रत्न।

अस्जाअ (اسجاع) अ. पु.–'सज्अ' का बहु., मुक़फ़्फ़ा बातें, ऐसी बातें जिनमें तुक हों, सतुकान्त वाक्यावलि।

अस्त (است) फा. क्रि.–अस्ति, है।

अस्तब्ल (اصطبل) फा. पुं.–तबेला, घुड़साल, अश्वशाला।

अस्तर (استر) फा. पुं.–खच्चर, अश्वतर; अब्रः का उलटा, आस्तर।

अस्ता' (اسطع) अ. वि.–बहुत ऊँचा; लंबी गरदनवाला।

अस्तार (استار) अ. पुं.–'सत्र' का बहु., पर्दे।

अस्तुख़्वाँ (استخوان) फा. स्त्री.–हड्डी, अस्थि।

अस्दक़ (اصدق) अ. वि.–बहुत सच्चा, सत्यनिष्ठ।

अस्दाद (اسداد) अ. पुं.–'सद' का बहु., रुकावटें, रोकें।

अस्दाफ़ (اصداف) अ. पुं.–'सदफ़' का बहु., सीपियाँ, शुक्तियाँ।

अस्दिक़ा (اصدقا) अ. पुं.–'सदीक़' का बहु., मित्र-समूह, सुहृद्-जन, दोस्त लोग।

अस्ना (اثنا) अ. अव्य.–मध्य, बीच, दरमियान।

अस्ना (اسنا) अ. वि.–बहुत ऊँचा; बहुत उज्ज्वल।

अस्नाद (اسناد) अ. पुं.–'सनद' का बहु., सनदें, प्रमाणपत्र।

अस्नान (اسنان) अ. पुं.—'सिन्न' का बहु., दंतावली, दाँत।

अस्नाफ़ (اصناف) अ. पुं.—'सिन्फ़' का बहु., क़िस्में, प्रकार।

अस्नाम (اصنام) अ. पुं.—'सनम' का बहु., मूर्तियाँ।

अस्निय: (اثنیه) अ. स्त्री.—'सना' का बहु., स्तुतियाँ।

अस्प (اسپ) फा. पुं.—अश्व, वाजि, हय, घोटक, घोड़ा।

अस्पग़ोल (اسپغول) फा. पुं.—ईसबगोल, एक प्रकार के दाने जो दवा में चलते हैं।

अस्पदुवानी (اسپدوانی) फा. स्त्री.—घुड़दौड़।

अस्फ़र (اصفر) अ. वि.—पीला, पीत, ज़र्द।

अस्फ़ल (اسفل) अ. वि.—बहुत नीचा, सबसे नीचा; बहुत अधम, कमीना।

अस्फ़लुस्साफ़िलीन (اسفلالسافلین) अ. स्त्री.—नरक का सातवाँ तबका।

अस्फ़ा (اصفی) अ. वि.—बहुत स्वच्छ, बहुत साफ़, निर्मल।

अस्फ़ाद (اصفاد) अ. पु.—'सफ़्द' का बहु., क़ैदें; ज़ंजीरें; बख़्शिशें।

अस्फ़ार (اسفار) अ. पुं.—'सिफ़्' का बहु., बड़े ग्रंथ; 'सफ़ीर' का बहु., पथिक लोग; दूत लोग; 'सफ़र' का बहु., दिनों के प्रकाश।

अस्फ़ार (اصفار) अ. पुं.—'सिफ़्' का बहु., बिन्दु, बिंदियाँ, नुक़्ते।

अस्फ़िया (اصفیا) अ. पुं.—'सफ़ी' का बहु., पूज्य लोग, बुज़ुर्ग लोग; ऋषि लोग, वलीअल्लाह।

अस्ब: (عصبه) अ. पुं.—स्नायु, पट्ठा।

अस्बक़ (اسبق) अ. वि.—सबसे आगे, सबसे अव्वल।

अस्बक (اسبک) अ. पुं.—बड़ा तंबू, बड़ा खेमा।

अस्बाक़ (اسباق) अ. पुं.—'सबक़' का बहु., पुस्तक के पाठ।

अस्बाग़ (اسباغ) अ. पुं.—'सब्ग़' का बहु., बहुत से रंग।

अस्बात (اسباط) अ. पुं.—'सिब्त' का बहु., नाती, पोते।

अस्बाब (اسباب) अ. पुं.—'सबब' का बहु., कारण-समूह, वजहें; उपकरण, सामान।

अस्बाबे ख़ान: (اسباب خانه) अ. फ़ा. पुं.—घर का सामान, गृह-सामग्री।

अस्बाह (اصباح) अ. पुं.—'सुब्ह' का बहु., प्रातःकाल-समूह, सुबहें।

अस्मन (اسمن) अ. वि.—बहुत मोटा, बहुत चर्बीला।

अस्लख़ (اسلخ) अ. वि.—गंजा, खल्वाट; बहुत लाल।

अस्लख़ (اصلخ) अ. वि.—बधिर, बहरा।

अस्मर (اسمر) अ. वि.—गेहुएँ रंगवाला।

अस्मरां (اسمران) अ. पुं.—गेहूँ, गंदुम, गोधूम।

अस्मा (اسما) अ. पुं.—'इस्म' का बहु., नामावली, नामों की सूची।

अस्मा' (اصمع) अ. वि.—छोटे कानोंवाला।

अस्माअ (اسماع) अ. पुं.—'सम्अ' का बहु., कान, बहुत से कान।

अस्मा उर्रिजाल (اسماءالرجال) अ. पुं.—बड़े-बड़े लोगों का नाम और उनकी कीर्तियों का वर्णन।

अस्मान (اثمان) अ. पुं. 'समन' का बहु., क़ीमतें, मूल्य।

अस्मार (اثمار) अ. पुं.—'समर' का बहु., फल, मेवे।

अस्याफ़ (اسیاف) अ. पुं.—'सैफ़' का बहु., तलवारें।

अस्र (عصر) अ. पुं.—समय, काल, वक़्त; सूर्यास्त से पहले का समय; इस समय की नमाज़।

अस्र (اثر) अ. पुं.—तलवार के लोहे की धारियाँ; मुहम्मद साहब की हदीस का वर्णन।

अस्रा' (اسرع) अ. वि.—बहुत शीघ्र, बहुत जल्द; बहुत तेज़।

अस्रा (اسری) अ. पुं.—'असीर' का बहु., क़ैदी लोग, कारावासी।

अस्रान: (عصرانه) अ. फा. पुं.—शाम को दी जानेवाली चाय आदि की दावत, ऐट होम।

अस्रार (اسرار) अ. पुं.—'सिर' का बहु., मर्म, भेद, राज़।

अस्रे अतीक़ (عصرعتیق) अ. पुं.—प्राचीन काल, पुराना जमाना।

अस्रे क़दीम (عصرقدیم) अ. पुं.—दे. 'अस्रे अतीक़'।

अस्रे जदीद (عصرجدید) अ. पुं.—आधुनिक काल, नवीन काल, आजकल का मौजूदा जमाना।

अस्रे नौ (عصرنو) अ. फा. पुं.—दे. 'अस्रे जदीद'।

अस्रे हाज़िर (عصر حاضر) अ. पुं.—दे. 'अस्रे जदीद'।

अस्ल (اصل) अ. स्त्री.—मूल, जड़; आधार, बुनियाद; सत्य, सच; यथार्थ, वाक़ई।

अस्ल (اثل) अ. पुं.—झाऊ का पेड़।

अस्लन (اصلاً) अ. वि.—यथार्थतः, वाक़ई, अस्ल में।

अस्लम (اسلم) अ. वि.—बहुत ही सुरक्षित, बिलकुल महफ़ूज़; बहुत ही सहिष्णु, मुतहम्मिल।

अस्लम (اصلم) अ. वि.—बूचा, जिसके कान कटे हों, कनकटा।

अस्लह (اصلح) अ. वि.—बहुत ही सदाचारी; परम शुद्ध; बहुत ही उचित।

अस्ला (اصلا) अ. वि.—कदापि, हरगिज़; नितांत, बिलकुल, ज़रा भी।

अस्ला' (اصلع) अ. वि.—खल्वाट, गंजा।

अस्लाफ़ (اسلاف) अ. पुं.—'सलफ़' का बहु., पूर्वज, पुराने बुज़ुर्ग, पुरखा।

अस्लाब (اصلاب) अ. पुं.—'सुल्ब' का बहु., औरस, नुत्फ़े।

अस्लिहः (اسلحه) अ. पुं.–'सिलाह' का बहु., अस्त्र-शस्त्र, हथियार।

अस्लिहः खानः (اسلحه خانه) अ. फा. पुं.–शस्त्रागार, अस्त्रशाला, आयुधागार, हथियारघर।

अस्ली (اصلی) अ. वि.–जो नक़ली न हो, अकृत्रिम; सत्य, सच्चा; निष्केवल, खालिस; यथार्थ, वाक़ई।

अस्लीयत (اصلیت) अ. स्त्री.–यथार्थता, वाक़ईयत; सत्यता, सच्चाई, वास्तविकता।

अस्लुलउसूल (اصل الاصول) अ. पुं.–संपूर्ण नियमों की जड़, सबसे बड़ा नियम।

अस्लुस्सूस (اصل السوس) अ. स्त्री.–एक पेड़ की जड़, मुलेठी।

अस्व (عصو) अ. पुं.–छड़ी से मारना।

अस्वद (اسود) अ. वि.–बहुत काला; काला, कृष्ण।

अस्वदोअह्मर (اسودواحمر) अ. पुं.–'हबश' और 'रूम' के देश।

अस्वब (اصوب) अ. वि.–बहुत ही ठीक, शुद्ध और सही।

अस्वाक़ (اسواق) अ. पुं.–'सूक़' का बहु., बाज़ार, बहुत से बाज़ार।

अस्वात (اصوات) अ. स्त्री.–'सौत' का बहु., आवाज़ें, ध्वनियाँ, स्वर-समूह।

अस्वाब (اثواب) अ. पुं.–'सौब' का बहु., वस्त्र-समूह, कपड़े।

अस्वार (اسوار) अ. पुं.–सवार, अश्वारोही।

अस्वार (اثوار) अ. पुं.–'सौर' का बहु., बहुत से बैल।

अस्विलः (اسوله) अ. पुं.–'सवाल' का बहु., बहुत से प्रश्न, प्रश्नावली, सवालात।

अस्सार (عصار) अ. पुं.–तैलकार, तेली, रौग़नगर।

अस्हल (اسهل) अ. वि.–बहुत ही सुगम, बहुत ही आसान।

अस्हाब (اصحاب) अ. पुं.–'साहिब' का बहु., साहिबान; हज़रत मुहम्मद साहिब के सिहाबी; वाले।

अस्हाबुर्राय (اصحاب الرای) अ. पुं.–शुद्ध रायवाले, जिनकी राय हर विषय में ठीक होती हो।

अस्हाबुश्शिमाल (اصحاب الشمال) अ. पुं.–नरकवाले।

अस्हाबे कह्फ़ (اصحاب کہف) अ. पुं.–सात ईश्वरभक्त जो दक़्यानूस बादशाह के अत्याचार के भय से एक गुहा में छिप रहे थे।

अस्हाबे फ़ह्म (اصحاب فہم) अ. पुं.–बुद्धिमान् लोग, समझदार लोग।

अस्हाबे फ़िक्र (اصحاب فکر) अ. पुं.–ग़ौरो फ़िक्र करने-वाले लोग, चिंतनशील लोग।

अस्हाबे मिन्क़ल (اصحاب منقل) अ. पुं.–बेतकल्लुफ़ दोस्त, लँगोटिया यार दोस्त, बूज़म फ्रेंड।

अस्हार (اسحار) अ. पुं.–'सहर' का बहु., सबेरे, प्रातःकाल।

अहक़्क़ [क़्क़] (احق) अ. वि.–जो बहुत अधिक हक़दार हो।

अहद (احد) अ. वि.–एक, एक की संख्या, (पुं.) ईश्वर, ख़ुदा।

अहम[म्म] (اهم) अ. वि.–महत्वपूर्ण, ज़ोरदार, वज़नी; मुख्य, ख़ास।

अहम्मीयत (اهمیت) अ. स्त्री.–महत्ता, महिमा, वज़न; मुख्यता, ख़ुसूसियत।

अहाली (اهالی) अ. पुं.–'अह्ल' का बहु., लोग, अनेक व्यक्ति; बड़े लोग, प्रतिष्ठित जन।

अहासिन (احاسن) अ. पुं.–'अह्सन' का बहु., अच्छे लोग, सज्जनगण; अच्छाइयाँ, ख़ूबियाँ।

अहिब्बा (احبا) अ. पुं.–'हबीब' का बहु., मित्रगण, यार-दोस्त।

अहिल्लः (اهله) अ. पुं.–'हिलाल' का बहु., नये चाँद।

अह्कम (احکم) अ. वि.–बहुत बड़ा हाकिम, बहुत बड़ा शासक; बहुत अधिक दृढ़, बहुत मज़बूत।

अह्कमुल हाकिमीन (احکم الحاکمین) अ. पुं.–सारे हाकिमों का हाकिम, सारे शासकों का शासक अर्थात् ईश्वर।

अह्क़ाद (احقاد) अ. पुं.–'हिक़्द' का बहु., द्वेष, कीने।

अह्काम (احکام) अ. पुं.–'हुक्म' का बहु, आज्ञाएँ, आदेश।

अह्ज़म (احزم) अ. वि.–बहुत अधिक प्रवीण, बहुत अधिक प्रतिभावान्, अत्यन्त निपुण।

अह्ज़ान (احزان) अ. पुं.–'हुज़्न' का बहु., खेद-समूह, बहुत से रंज।

अह्ज़ाब (احزاب) अ. पुं.–'हिज़्ब' का बहु., दल, पार्टियाँ।

अह्जार (احجار) अ. पुं.–'हजर' का बहु., पत्थर।

अह्द (عہد) अ. पुं.–प्रतिज्ञा, इक़रार; वचन, क़ौल; युग, काल, ज़माना; समय, वक़्त।

अह्दनामः (عہدنامه) अ.फा. पुं.–प्रतिज्ञापत्र, इक़रारनामा।

अह्दाक़ (احداق) अ. पुं.–'हदक़ः' का बहु., आँखों के ढेले।

अह्दी (احدی) अ. वि.–बहुत ही आलसी, बड़ा ही काहिल।

अह्देअतीक़ (عہدعتیق) अ. पुं.–प्राचीन काल, पुराना ज़माना।

अह्देजदीद (عہدجدید) अ. पुं.–आधुनिक काल, नया ज़माना।

अह्देज़रीं (عہدزریں) अ. फा. पुं.–स्वर्ण-युग, बहुत ही अच्छा ज़माना, सुखद समय।

अह्दे संग (عہد سنگ) अ. फा. पुं.–प्रस्तर-युग, वह समय जब मनुष्य पत्थर के अस्त्र प्रयोग करता था।

अह्दे हाजिर (عہد حاضر) अ. पुं.–आधुनिक काल, मौजूदा जमाना, वर्तमान समय।

अह्दे हुकूमत (عہد حکومت) अ. पुं.–शासन-काल, राज्य-काल, हुकूमत का जमाना।

अह्नफ़ (احنف) अ. वि.–जिसके घुटने एक ओर को झुके हों और चलने में टकराएँ।

अह्फ़ाद (احفاد) अ. पुं.–'ह्फ़्द' का बहु., नाती-पोते; नौकर-चाकर।

अह्बाब (احباب) अ. पुं.–'हबीब' का बहु., मित्र लोग, दोस्त, अहबाब।

अह्बार (احبار) अ. पुं.–'हिब्र' का बहु., बुद्धिमान् लोग; वैज्ञानिक लोग।

अह्मक़ (احمق) अ. वि.–बहुत ही मूर्ख, निपट अनाड़ी; मूर्ख, बेअक़्ल।

अह्मज़ (احمض) अ. वि.–खट्टा, अम्ल।

अह्मर (احمر) अ. वि.–लाल, सुर्ख़, रक्त।

अह्माल (احمال) अ. पुं.–'ह्म्ल' का बहु., बोझ, बहुत से बोझ।

अह्यान (احيان) अ. पुं.–'हीन' का बहु., काल-समूह, वक़्त।

अह्यानन (احياناً) अ. वि.–कभी-कभी; सहसा, एकाएक, इत्तिफ़ाक़न।

अह्रमन (اہرمن) फा. पुं.–ईरान के आतशपरस्तों के मतानुसार "बदी" का ख़ुदा।

अह्राम (احرام) अ. पुं.–'हरिम' का बहु., बहुत बूढ़े लोग।

अह्रार (احرار) अ. पुं.–'हुर' का बहु., आज़ाद लोग।

अह्रुफ़ (احرف) अ. पुं.–'हर्फ़' का बहु., अक्षर-समूह, हुरूफ़।

अह्ल (اہل) अ. वि.–योग्य, पात्र, मुस्तहक़; वाले।

अह्लकार (اہلکار) अ. फा. पुं.–कर्मचारी, सरकारी दफ़्तर में काम करनेवाला व्यक्ति।

अह्लमद (اہل مد) अ. पुं.–माल, दीवानी अथवा फ़ौजदारी न्यायालयों में काम करनेवाला एक कर्मचारी।

अह्ला (احلیٰ) अ. वि.–बहुत ही मीठा।

अह्लाम (احلام) अ. पुं.–'हुलुम' या 'हुल्म' का बहु., स्वप्न-समूह, ख्वाब।

अह्लियः (اہلیہ) अ. स्त्री.–पत्नी, भार्या, स्त्री, जोरू।

अह्लियत (اہلیت) अ. स्त्री.–दे. 'अहलीयत' दो., शु. है।

अह्ली (اہلی) अ. वि.–'वह्शी' का उल्टा, पालतू, पालू।

अह्लीयत (اہلیت) अ. स्त्री.–योग्यता, क़ाबिलीयत; पात्रता इस्तेहक़्क़ाक़; निपुणता, होशयारी।

अह्ले अदम (اہل عدم) अ. पुं.–यमलोक के निवासी, मृत, वे लोग जो मर चुके हैं।

अह्ले इल्म (اہل علم) अ. पुं.–विद्वान् लोग, पंडित जन, आलिम लोग, काफ़ी पढ़े-लिखे लोग।

अह्ले ख़ैर (اہل خیر) अ. पुं.–वे लोग जो परोपकार में जी खोलकर ख़र्च करते हैं, दानशील लोग।

अह्ले ज़मीं (اہل زمیں) अ. फा. पुं.–संसारिक लोग, पृथ्वी पर बसनेवाले लोग।

अह्ले ज़िम्मः (اہل ذمہ) अ. पुं.–वह ग़ैर मुस्लिम जो मुस्लिम राज्य में रहते हों।

अह्ले वतन (اہل وطن) अ. पुं.–देशवासी, वतनवाले।

अह्ले हक़ (اہل حق) अ. पुं.–सत्यनिष्ठ लोग, ईमानदार लोग; सच्चे लोग; महात्मा लोग।

अह्वज (اہوج) अ. वि.–लंबा-तड़ंगा व्यक्ति; जल्दबाज़ी करनेवाला मूर्ख।

अह्वन (اہون) अ. वि.–बहुत आसान, बहुत सुगम।

अह्वल (احول) अ. वि.–भेंगा, जिसे एक वस्तु की दो वस्तुएँ दिखाई दें।

अह्वा (اہوا) अ. स्त्री.–'हवा' का बहु., इच्छाएँ, ख्वाहिशें।

अह्वाल (احوال) अ. पुं.–'हाल' का बहु., घटनाएँ, हालात; समाचार, हाल; समस्याएँ, मुआमले।

अह्वाल (اہوال) अ. पुं.–'हौल' का बहु., भय, डर, ख़ौफ़।

अह्शा (احشا) अ. पुं.–'हश्व' का बहु., आँतें, अँतड़ियाँ; पेट के भीतर की सब चीज़ें, जिगर, तिल्ली, पाकाशय और आँतें पीतें सब।

अह्शाम (احشام) अ. पुं.–'हशम' का बहु., नौकर-चाकर।

अह्संत (احسنت) अ. वि.–साधु-साधु, धन्य-धन्य, वाह-वाह।

अह्सन (احسن) अ. वि.–अति सुंदर, बहुत हसीन; अत्युचित, बहुत मुनासिब; अत्युत्तम, बहुत उम्दा।

अह्सने तक़्वीमं (احسن تقویم) अ. पुं.–मानव शरीर, जो ईश्वर की कारीगरी का बेहतरीन नमूना है, ईश्वरीय कृति का सर्वोत्तम कलापूर्ण उदाहरण।

आ

आइंदः (آئندہ) फा. वि.–आने वाला, जो आने को हो; भविष्य, मुस्तक़्बिल।

आइबः (عائدہ) अ. पुं.–परम्परा, रिवाज; शुल्क, महसूल; लाभ, नफ़ा; उपकार, एह्सान; प्रतिकार, बदला; अनुकम्पा; दया।

आइद (عائد) अ. वि.—लौटनेवाला, पलटनेवाला; लागू होनेवाला, लगनेवाला।

आइनः (آئنه) फा. पुं.—'आईनः' का लघु. दे. 'आईनः'।

आइन (عائن) अ. वि.—सहायक, मददगार।

आइलः (عائله) अ. पुं.—कुल, खानदान, वंश, अभिजन।

आइल (عائل) अ. वि.—संन्यासी, दरवेश, फ़क़ीर।

आइस (آئس) अ. वि.—निराश, नाउम्मीद।

आईनः (آئنه) फ़ा. पुं.—दर्पण, मुकुर, आदर्श, शीशा; (वि०) स्पष्ट, साफ़।

आईनःगर (آئنه‌گر) फ़ा. वि.—आईनः (आईना, शीशा) बनानेवाला, दर्पणकार।

आईनःबंदी (آئنه بندی) फा. स्त्री.—किसी बड़े व्यक्ति के आगमन के समय या किसी बड़े उत्सव पर नगर की सड़कों और बाज़ारों को झाड़-फ़ानूस से सजाना।

आईनः साज़ (آئنه ساز) फा. वि.—'आईनःगर'।

आईन (آئین) फ़ा. पुं.—विधान, क़ानून; नियम, कायदा; परम्परा, रवाज; व्यवहार, चलन; प्रणाली, पद्धति, तरीक़ा, तर्ज़।

आईनदाँ (آئین داں) फा. वि.—क़ानून जाननेवाला, विधानज्ञ, वकील।

आईनबंदी (آئین بندی) फा. स्त्री.—कमरे में झाड़ आदि सजाना; फर्श में पत्थर आदि की जुड़ाई।

आईनसाज़ (آئین ساز) फा. वि.—विधान बनानेवाला, विधायक; विधान बनानेवाली परिषद्, विधायिका।

आईनी (آئینی) फा. वि.—क़ानूनी, वैधानिक, वैध।

आक़[क़्क़] (عاق) अ. वि.—वह व्यक्ति जिसे उसकी माता या पिता ने उद्दंडता के कारण बहिष्कृत कर दिया हो।

आक (آک) फा. प्रत्य.—सम्बन्ध का वाक्य, जैसे 'ख़ुराक' और 'सोज़ाक'; (पुं.) दोष, ऐब।

आक़रक़र्हा (عاقرقرحا) अ. पुं.—एक जंगली जड़ जो दवा में चलती है, अकरकरा।

आक़ा (آقا) तु. पुं.—स्वामी, प्रभु, मालिक; अध्यक्ष, सरदार।

आका (آکا) तु. पुं.—बड़ा भाई, अग्रज।

आक़ासी (آقاسی) तु. पुं.—दीवानखाने का दारोग़ा।

आक़िद (عاقد) अ. वि.—ग्रंथि लगानेवाला, गाँठ देनेवाला; वचन देनेवाला, प्रतिज्ञा करनेवाला।

आकिफ़ (عاکف) अ. वि.—किसी जगह निवास करनेवाला; किसी चीज़ के चारों ओर फिरनेवाला; मस्जिद में तपस्या के लिए बैठनेवाला।

आक़िब (عاقب) अ. वि.—किसी के पीछे आनेवाला; किसी की अनुपस्थिति में उसकी जगह काम करनेवाला।

आक़िबत (عاقبت) अ. स्त्री.—यमलोक, आखिरत; परिणाम, अंजाम; अंत, अख़ीर। (आक़बत)

आक़िबत अंदेश (عاقبت اندیش) अ. फा. वि.—हर काम को उसका परिणाम सोचकर करनेवाला, परिणामशोची, परिणामदर्शी।

आक़िबत नाअंदेश (عاقبت ناندیش) अ. फा. वि.—जो कार्य के परिणाम से बेख़बर (असावधान) रहकर काम करता हो, अपरिणामदर्शी।

आक़िबतबीं (عاقبت بیں) अ. फा. वि.—दे. 'आक़िबत अंदेश'।

आक़िर (عاقر) अ. वि.—निःसंतान पुरुष; बाँझ स्त्री; रेत का टीला जिस पर कोई चीज़ न होती हो।

आक़िलः (عاقله) अ. स्त्री.—बुद्धिमती स्त्री; वह शक्ति जिससे पदार्थों का ज्ञान किया जा सके।

आक़िल (عاقل) अ. वि.—बुद्धिमान्, मेधावी, अक़्लमंद; पहाड़ों पर भागने-फिरनेवाला हरिन।

आक़्चः (آقچه) तु. पुं.—रुपया; अश्रफ़ी, स्वर्णमुद्रा, मोहर।

आख़ (آخ) फा. अव्य.—वाह वाह, साधु साधु; (पुं.) शोर, कोलाहल; विलाप, रोना-धोना।

आख़िज़ (آخذ) अ. वि.—पकड़नेवाला, लेनेवाला, ग्रहणकर्ता, उद्धरणदाता।

आख़िर (آخر) अ. वि.—अंत, अख़ीर; पिछला, आख़िरी; अंततः, आख़िरकार।

आख़िरत (آخرت) अ. स्त्री.—परलोक, यमलोक, उक़्बा; अंत, अख़ीर; परिणाम, नतीजा।

आख़िरतबीं (آخرت بیں) अ. फा. वि.—परिणामदर्शी, अंतदर्शी, दूरदर्शी, अंजाम पर दृष्टि रखनेवाला।

आख़िरी (آخری) अ. वि.—अंतिम, पिछला, अख़ीरी; निश्चित, क़तई।

आख़िरुल अम्र (آخرالامر) अ. वि.—आख़िर को, अंततः, आपाततः, आख़िरकार।

आख़िरेकार (آخرکار) अ. फा. वि.—दे० 'आख़िरुल अम्र'।

आख़ुंद (آخوند) तु. पुं.—शिक्षक, पढ़ानेवाला।

आख़ुर (آخور) तु. पुं.—अश्वशाला, मन्दुरा, तवेला; गोचर, चरागाह।

आख़ुरेसंगी (آخورسنگی) तु. फा. पुं.—ऐसा स्थान जहाँ घास और हरियाली न हो।

आख़ोर (آخور) तु. पुं.—'आखुर' का बिगड़ा हुआ रूप, कबाड़, फ़ुज़ूल सामान।

आख़्तः (آختہ) फा. वि.—खींचा हुआ; ख़स्सी, बधिया, बध्रि, मुष्कशून्य।

आख़्तः बेगी (اختہ بیگی) फा. वि.—बधिया करनेवाला।
आख़्शीज (اخشیج) अ. पुं.—दे. 'आख़्शेग'।
आख़्शेग (اخشیگ) फा. पुं.—विरोधी वस्तु; उंसुर, तत्त्व।
आगंदः (آگندہ) फा. वि.—भरा हुआ, पूर्ण।
आग़श्तः (آغشتہ) फा. वि.—सना हुआ, लथड़ा हुआ।
आग़श्तः बख़ूँ (آغشتہ بخوں) फा. वि.—ख़ून में लथड़ा हुआ, ख़ून में लतपत।
आग़श्तए ख़ूँ (آغشتۂ خوں) फा. वि.—दे. 'आग़श्तः बख़ूँ'।
आगही (آگہی) फा. स्त्री.—'आगाही' का लघु. रूप ज्ञान, जानकारी; सूचना, इत्तिलाअ; परिचय, पहचान।
आग़ा (آغا) तु. पुं.—स्वामी, मालिक; भ्राता, भाई; काबुली, अफ़ग़ानी पठान।
आग़ाज़ (آغاز) फा. पुं.—अनुष्ठान, प्रारम्भ, शुरूआत; इब्तिदा, आदि।
आग़ाज़िंदः (آغازندہ) फा. वि.—शुरू करनेवाला, आरंभ-कर्ता।
आग़ाज़ीदः (آغازیدہ) फा. वि.—शुरू किया हुआ, प्रारब्ध।
आग़ाज़ेकार (آغازکار) फा. पुं.—काम की शुरूआत, कार्यारंभ, सूत्रपात।
आग़ारीदः (آغاریدہ) फा. वि.—गूँधा हुआ, माड़ा हुआ, साना हुआ।
आग़ाल (آغال) फा. पुं.—जंगल में भेड़-बकरियों के सोने का सुरक्षित स्थान।
आग़ालीदः (آغالیدہ) फा. वि.—शत्रुता और युद्ध पर उत्तेजित किया हुआ।
आगाह (آگاہ) फा. वि.—ज्ञात, जाना हुआ; सूचित, मुत्तला; परिचित, वाक़िफ़।
आगाही (آگاہی) फा. स्त्री.—ज्ञान, जानकारी; सूचना, इत्तिलाअ; परिचय, जान-पहचान।
आग़ोश (آغوش) फा. उभ.—अंक, क्रोड, गोद, बग़ल।
आग़ोशकुशा (آغوش کشا) फा. वि.—गोद फैलाये हुए, किसी को लिपटाने के लिए गोद खोले हुए।
आज़ंग (آژنگ) फा. पुं.—झुर्री, बल, शिकन।
आज (عاج) अ. पुं.—हाथीदाँत, हस्तिदंत।
आज़ (آز) फा. स्त्री.—लोभ, लालच, हिर्स।
आज़ख़ (آزخ) फा. पुं.—मस्सा, मोटा और उठा हुआ तिल।
आ'जज़ (اعجز) अ. वि.—अत्यन्त विवश, बहुत ही लाचार।
आज़मंद (آزمند) फा. वि.—लोभी, लालची, हरीस।
आ'ज़म (اعظم) अ. वि.—बहुत बड़ा, महान्; विशाल, वसीअ।
आ'जम (اعجم) अ. वि.—गूँगा, मूक, जो बोल न सके।
आज़र्दः (آزردہ) फा. वि.—सताया हुआ, पीड़ित; खिन्न, मलिन, अफ़सुर्दा; दुःखित, रंजीदा; रुष्ट, नाराज़।
आज़र्दः पुश्त (آزردہ پشت) फा. वि.—कुबड़ा, कुब्ज, जिसकी पीठ में कूबड़ हो।
आज़र्द (آزرد) फा. पुं.—बहुत खाना, बहुभक्षण।
आज़र्दगी (آزردگی) फा. स्त्री.—खिन्नता, उदासी; दुःख, रंज; रोष, नाराज़गी; सताव।
आज़र्दनी (آزردنی) फा. वि.—सताने के क़ाबिल; दुःखित करने योग्य; रुष्ट करने योग्य।
आज़र्म (آزرم) फा. पुं.—शांति, सलाह; कृपा, दया; लज्जा, शर्म; सम्मान, इज़्ज़त; प्रतिष्ठा, बुज़ुर्गी।
आ'ज़ा (اعضا) अ. पुं.—'उज़्व' का बहु., शरीर के अंग, हाथ, पाँव, सिर आदि।
आ'ज़ाए रईसः (اعضاۓ رئیسہ) अ. पुं.—शरीर के वह अवयव जो सर्वश्रेष्ठ हैं। जैसे—हृदय, जिगर, मस्तिष्क आदि।
आज़ादः (آزادہ) फा. वि.—स्वच्छंद, स्वच्छाचारी, निरंकुश, आज़ाद।
आज़ादःरवी (آزادہ روی) फा. स्त्री.—स्वेच्छाचार, मन की मौज।
आज़ादःरौ (آزادہ رو) फा. वि.—स्वेच्छाचारी, मनमौजी।
आज़ाद (آزاد) फा. वि.—स्वतंत्र, स्वाधीन; बंधनमुक्त, गुलुखलास; निरंकुश, खुदराए; एक प्रकार के फ़क़ीर जो धर्म आदि के बंधनों से मुक्त होते हैं; रिहा, कारामुक्त।
आज़ाद तब्अ (آزادطبع) फा. अ. वि.—दे. 'आज़ाद मिज़ाज'।
आज़ादमनिश (آزادمنش) फा. वि.—दे. 'आज़ाद मिज़ाज'।
आज़ाद मिज़ाज (آزادمزاج) फा.अ. वि.—मनमौजी, स्वेच्छाचारी, वह व्यक्ति जिसके मन में जो आये सो करे।
आज़ादानः (آزادانہ) फा. वि.—स्वतंत्रतापूर्वक, आज़ादी के साथ, बे रोक-टोक।
आज़ादी (آزادی) फा. स्त्री—स्वतंत्रता, खुदमुख्तारी; निरंकुशता, खुदराई; बंधनमुक्ति, खलासी।
आज़ादीपसंद (آزادی پسند) फा. वि.—जिसे स्वच्छंदता पसंद हो, जो निरंकुश रहना चाहता हो; जो स्वतंत्रता चाहता हो, जिसे ग़ुलामी पसंद न हो।
आज़ान (آذان) अ. पुं.—'उज़ुन' या 'उज़्न' का बहु. कान।
आजाम (آجام) अ. पुं.—'अजम' का बहु. वृक्षों के झुंड, पेड़ों के समूह।
आज़ार (آزار) फा. पुं.—रोग, बीमारी; आपत्ति, मुसीबत; खेद, रंज; दुर्व्यसन, लत। (प्रत्य०) दुःख देनेवाला,

सतानेवाला; जैसे, 'दिल आज़ार' हृदय को दुःख देनेवाला।

आज़ार तलब (آزار طلب) फा. अ. वि.–जिसे कष्टों में रहना अच्छा लगता हो, दुःखप्रिय।

आज़ार देह (آزار ده) फा. वि.–कष्ट देनेवाला, दुःखदायी।

आज़ारिंदः (آزارنده) फा. वि.–सतानेवाला, दुःख देनेवाला।

आज़ारी (آزاری) फा. वि.–रोगी, बीमार, अस्वस्थ।

आज़ारीदः (آزاریده) फा. वि.–सताया हुआ, दुःख पहुँचाया हुआ, पीडित, दुःखित।

आजाल (آجال) अ. पुं.–'अजल' का बहु. मौत के वक्त; मृत्युएँ, मौतें।

आजिज़ (عاجز) अ. वि.–निराश्रय, असहाय; बेबस, लाचार; ऊबा हुआ, परीशान; विनम्र, ख़ाकसार।

आजिज़ी (عاجزی) अ. स्त्री.–असहायता; बेबसी; ऊबना; विनम्रता।

आजिदः (آجده) फा. स्त्री.–तल की असमानता, सतह की नाहमवारी; रेती का खुर्दरापन।

आज़िम (عازم) अ. वि.–इच्छा करनेवाला, इरादा करनेवाला।

आजिर (آجر) अ. वि.–मजूरी (उजरत) देनेवाला।

आजिलः (عاجله) अ. स्त्री.–मर्त्यलोक, संसार; जिसमें विलंब न हो।

आजिल (عاجل) अ. वि.–जल्दी करनेवाला, जल्दबाज़; जल्दीवाली वस्तु; संसार, दुनिया।

आजिल (آجل) अ. वि.–जिसमें विलंब और देर हो; परलोक, उक़्बा।

आज़ीनः (آزینه) फा. पुं.–छेनी, टाँकी, पत्थर आदि छीलने का यंत्र।

आज़ीश (آذیش) फा. स्त्री.–अग्नि, आग।

आज़ुक़ः (آزقه) फा. पुं.–दे. 'आज़ूक़ः'।

आज़ुर (آذر) फा. पुं.–ईरानियों का नवाँ महीना; स्फुलिंग, चिनगारी।

आजुर (آجر) फा. स्त्री.–पकी हुई ईंट।

आज़ुर्दः (آزرده) फा. वि.–दे. 'आज़र्दः' वही शुद्ध है।

आज़ूक़ः (آزوقه) फा. पुं.–जीविका, रोज़ी, मआश; थोड़ी सी गिज़ा जिस से जीवन बना रहे।

आज़ूर (آزور) फा. वि.–लालची, लोभी, हरीस।

आज़्दः (آزده) फा. पु.–झुर्री, बल, चीन; चिह्न, निशान; कोई नोकदार वस्तु चुभाना।

आज़्मा (آزما) फा. प्रत्य.–आज़मानेवाला; जैसे, 'क़िस्मत आज़्मा' भाग्य की परीक्षा करनेवाला।

आज़्माइंदः (آزماینده) फा. वि.–आज़मानेवाला, परीक्षा करनेवाला।

आज़्माइश (آزمائش) फा. स्त्री.–परीक्षा, परख, जाँच।

आज़्मूदः (آزموده) फा. वि.–परखा हुआ, जाँचा हुआ, परीक्षित।

आज़्मूदःकार (آزموده کار) फा. वि.–अनुभवी, कार्यसिद्ध, बहुदर्शी, ताजिर्बःकार (तजरबाकार)।

आज़्मूदनी (آزمودنی) फा. वि.–परीक्षा के योग्य, परीक्षणीय, परखे जाने के क़ाबिल।

आज़्मून (آزمون) फा. पुं.–जाँच, परीक्षा, इम्तिहान।

आत (آت) तु. पुं.–घोड़ा, अश्व।

आतश (آتش) फा. स्त्री.–अग्नि, अनल, वह्नि, कृशानु, आग।

आतशअंगेज़ (آتش انگیز) फा. वि.–आग भड़कानेवाला, उत्तेजित करनेवाला; आग जलानेवाला।

आतश अफ़्गन (آتش افگن) फा. वि.–आग फेंकनेवाला, आग बरसानेवाला।

आतशक (آتشک) फा. स्त्री.–गरमी का रोग, उपदंश।

आतशकदः (آتش کده) फा. पुं.–दे. 'आतशखानः'।

आतशकार (آتش کار) फा. वि.–आतशबाज़; रसोइया, बावरची।

आतशख़ानः (آتش خانه) फा. पुं.–वह स्थान जहाँ पूजा की आग रहती है, अग्निशाला; पारसियों की अग्निशाला जहाँ की आग कभी बुझती नहीं है; चूल्हा, भट्ठी; वह स्थान जहाँ चूल्हा या भट्ठी जलती हो।

आतशख़्वार (آتش خوار) फा. पुं.–आग खानेवाला; चकोर, कब्क, एक पक्षी जो चाँद का प्रेमी है।

आतशगाह (آتش گه) फा. स्त्री.–दे. 'आतशखानः'।

आतशगीर (آتش گیر) फा. वि.–आग पकड़ लेनेवाला, वह वस्तु या माद्दा जो तुरंत आग पकड़ ले, विस्फोटक, ज्वलनशील; जिस चीज़ से आग पकड़ी जाय; जैसे, चिमटा।

आतशज़दः (آتش زده) फा. वि.–जिसमें आग लग गयी हो, आग लगा हुआ; आग से जला हुआ, सोख़्ता।

आतशज़दगी (آتش زدگی) फा. स्त्री.–आग लगना, अग्निकांड।

आतशज़नः (آتش زنه) फा. पुं.–चकमक पत्थर, चुंबक; जिस चीज़ से आग फोड़ें।

आतशज़न (آتش زن) फा. वि.–आग लगानेवाला; 'क़ुक़्नुस' पक्षी, जिसके गाने से आग लग जाती है।

आतशज़नी (آتش زنی) फा. स्त्री.–दे. 'आतशज़दगी'।

आतशज़बाँ (آتش زباں) फ़ा. वि.–धुआँधार भाषण देने-वाला, वावदूक, व्याख्यान में आग बरसानेवाला।

आतश ज़ेर पा (آتش زیر پا) फ़ा. वि.–जिसके पाँव के नीचे आग हो, बहुत ही बेताब, आतुर।

आतश तब्अ (آتش طبع) फ़ा. अ. वि.–दे. 'आतश मिज़ाज'।

आतशताब (آتش تاب) फ़ा. वि.–आग से तपा हुआ, आग जैसी चमक रखनेवाला।

आतशदस्त (آتش دست) फ़ा. वि.–फुर्तीला, तेज़, चालाक।

आतशदस्ती (آتش دستی) फ़ा. स्त्री.–फुर्ती, तेज़ी, चालाकी; प्रभुत्व, ग़लबः।

आतशदान (آتش دان) फ़ा. पुं.–चूल्हा, अँगीठी, भट्ठी।

आतशदीदः (آتش دیدہ) फ़ा. वि.–आग पर सेंका हुआ, आग पर जला हुआ।

आतशनफ़स (آتش نفس) फ़ा. अ. वि.–जिसकी साँस के साथ आग निकले, अर्थात् प्रेमी, दिलजला।

आतशनफ़सी (آتش نفسی) फ़ा. अ. स्त्री.–साँस के साथ आग निकलना, दिल का दग्ध होना, प्रेमाग्नि से हृदय का जलना।

आतशनाक (آتش ناک) फ़ा. वि.–आग की तरह तम-तमाता हुआ, आग से भरा हुआ।

आतशपरस्त (آتش پرست) फ़ा. वि.–आग की पूजा करनेवाला, अग्नि-पूजक; ईरान का पारसी, ज़रतुश्त का अनुयायी।

आतशपरस्ती (آتش پرستی) फ़ा. स्त्री.–अग्निपूजा, आग की परस्तिश।

आतशपा (آتش پا) फ़ा. वि.–दे. 'आतश ज़ेर पा'।

आतशपारः (آتش پارہ) फ़ा. पुं.–अग्निकण, चिनगारी; अग्निखंड, अंगारा।

आतशबजाँ (آتش بجاں) फ़ा. वि.–जिसके अंदर आग ही आग हो, अग्निगर्भ; प्रेमी, आशिक़।

आतशबाज़ (آتش باز) फ़ा. पु.–आतशबाज़ी बनानेवाला, बारूद के खिलौने बनाने और बेचनेवाला।

आतशबाज़ी (آتش بازی) फ़ा. स्त्री.–बारूद के खिलौने बनाने का काम; अग्निक्रीडा, बारूद के खिलौने।

आतशमिज़ाज (آتش مزاج) फ़ा. अ. वि.–जिसके स्वभाव में हद से अधिक रोष हो, क्रुद्धात्मा, गुस्सैल।

आतशमिज़ाजी (آتش مزاجی) फ़ा. अ. स्त्री.–स्वभाव का अधिक रोष।

आतशरंग (آتش رنگ) फ़ा. वि.–आग जैसे रंगवाला, दहकता हुआ, खूब लाल।

आतशीं (آتشیں) फ़ा. वि.–आग का; आग का बना हुआ, अग्निमय; आग जैसा लाल।

आतशींरुख़ (آتشیں رخ) फ़ा. वि.–जिसका मुख आग जैसा भभूका हो, बहुत ही सुंदर।

आतशीं रुख़सार (آتشیں رخسار) फ़ा. वि.–जिसके गाल आग जैसे लाल हों।

आतशे अफ़्सुर्दः (آتش افسردہ) फ़ा. स्त्री.–बुझी हुई आग।

आतशे ख़ामोश (آتش خاموش) फ़ा. स्त्री.–बुझी हुई आग; दबी हुई आग।

आतशे जिगर (آتش جگر) फ़ा. स्त्री.–हृदय की आग, प्रेमाग्नि।

आतशेतर (آتش تر) फ़ा. स्त्री.–बहती हुई आग, शराब, मदिरा।

आतशे दरूँ (آتش دروں) फ़ा. स्त्री.–दे. 'आतशे जिगर'।

आतशे दिहक़ाँ (آتش دهقاں) फ़ा. स्त्री.–वह आग जो कृषक घास-फूस जलाने के लिए खेतों में लगा देते हैं।

आतशे नुम्रूद (آتش نمود) फ़ा. अ. स्त्री.–वह आग जो हज़्रत इब्राहीम को जलाने के लिए नुम्रूद बादशाह ने जल-वायी थी।

आतशे फ़ारिस (آتش فارس) फ़ा. स्त्री.–वह आग जो ज़रतुश्त के समय से ईरान में जल रही थी, जिसे इस्लाम ने बुझाया।

आतशे बेदूद (آتش بےدود) फ़ा. स्त्री.–(धूम्रहीन अग्नि) सूर्य, आफ़्ताब, सूरज।

आतशे महलूल (آتش محلول) फ़ा. अ. स्त्री.–पानी में हलकी हुई आग, शराब, मदिरा।

आतशे सैयाल (آتش سیال) फ़ा. अ. स्त्री.–पिघली और बहती हुई आग, शराब, मदिरा।

आतशे मुर्दः (آتش مردہ) फ़ा. स्त्री.–बुझी हुई आग।

आतिफ़ (عاطف) अ. वि.–कृपा करनेवाला, मेहरबान।

आतिफ़त (عاطفت) अ. स्त्री.–कृपा, दया, मेहरबानी।

आतिर (عاطر) अ. वि.–सुगंधित, सुगंधमय; सुगंध से प्रेम करनेवाला।

आतिश (آتش) फ़ा. स्त्री.–अग्नि, आग, 'आतिश' भी शुद्ध है, मगर 'आतश' अधिक बोलते हैं।

आतूस (عاطوس) अ. पुं.–छींक लानेवाली वस्तु, हुलास; वह पशु या पक्षी जिसका देखना अशकुन होता है।

आदत (عادت) अ. स्त्री.–प्रकृति, स्वभाव, ख़स्लत; व्यसन, लत; अभ्यास, मश्क़।

आदत (آدت) अ. पुं.–अस्त्र, हथियार।

आदतन (عادةً–عادتاً) अ. वि.–स्वभाव से, आदत से, स्वभावतः।

आदम (آدم) अ. पुं.–हज़्रत आदम जो सबसे पहले पुरुष थे, मूल पुरुष; मानव, मनुज, पुरुष, आदमी, इंसान।

आदमक़द (آدم‌قد) अ. वि.–दे. 'क़द्देआदम'।

आदमख़ोर (آدم‌خور) अ. फा. वि.–आदमी को खा जानेवाला, नरभक्षी, मानुषाशी।

आदमगर (آدم‌گر) अ. फा. वि.–दयालु, कृपालु, रहमदिल।

आदमज़ाद (آدم‌زاد) अ. फा. पुं.–मनुष्य का पुत्र, मनुष्य, आदमी।

आदमबेज़ार (آدم‌بیزار) अ.फा. वि.–वह व्यक्ति जो मनुष्यों की संगत से घबराता हो।

आदमी (آدمی) अ. पुं.–मनुष्य, मानव, इंसान; सभ्य, शिष्ट, मुहज़्ज़ब।

आदमीज़ादः (آدمی‌زاده) अ. फा. पुं.–आदमी की संतान, मनुष्य, आदमी।

आदमीयत (آدمیت) अ. स्त्री.–मानवता, इंसानियत; सभ्यता, शिष्टता, तमीज़दारी; सुशीलता, अख़्लाक़।

आदमे आबी (آدم آبی) अ. फा. पुं.–पानी में रहनेवाला मनुष्य की आकृति का जानवर, जलमानुष।

आदमे सह्राई (آدم صحرائی) अ. पुं.–एक बड़ा बंदर, वनमानुष; जंगली आदमी, देहाती; उजड्ड, अक्खड़।

आदमे सानी (آدم ثانی) अ. पुं.–'हज़्रत नूह', तूफ़ान के पश्चात् इन्हीं से संतान चली है।

आ'दल (اعدل) अ. वि.–बहुत अधिक न्याय करनेवाला।

आ'दा (اعدا) अ. पुं.–'अदू' का बहु. शत्रु लोग, दुश्मन लोग।

आदात (آدات) अ. पुं.–'आदत' का बहु. हथियार।

आदात (عادات) अ. स्त्री.–'आदत' का बहु. आदतें, स्वभाव, प्रकृतियाँ।

आ'दाद (اعداد) अ. पुं.–'अदद' का बहु. संख्याएँ, गिनतियाँ, हिंदसे।

आदाब (آداب) अ. पुं.–'अदब' का बहु. प्रणाम, नमस्कार, तस्लीम; तरीक़े, ढंग; शिष्टाचार, तह्ज़ीब; सुशीलता, अख़्लाक़।

आदाबे फ़ाज़िलः (آداب فاضله) अ. पुं.–अच्छे स्वभाव; चार गुण—शूरता, सतीत्व, न्याय और विद्या।

आदिल (عادل) अ. वि.–न्यायनिष्ठ, न्यायवान्, मुंसिफ़-मिज़ाज।

आदी (عادی) अ. वि.–जिसे कुछ खाने या कुछ करने की लत पड़ गयी हो, अभ्यस्त, अनुसेवी, व्यसनी।

आदीनः (آدینه) फा.–शुक्रवार, जुमा'।

आद्रफ़्श (آدرفش) फा. पुं.–चमारों की सुताली (सूजा)।

आनः (عانه) अ. पुं.–उपस्थ, पेड़ू, ज़ेरेनाफ़।

आनः (آنه) फा. प्रत्य.–सम्बन्ध का वाक्य; जैसे, रोज़ाना, सालाना; (पुं०) रुपये का सोलहवाँ भाग, एक आना।

आन (آن) अ. स्त्री.–क्षण, पल, लम्हा।

आन (آن) फा. स्त्री.–छटा, छवि, शोभा; टेक, बात, नाक; हाव-भाव, नाज़ोअदा।

आ'नक़ (اعنق) अ. वि.–बड़ी गर्दनवाला।

आनक आनक (آنک آنک) फा. अव्य.–वह वह दूरवर्ती।

आनन फ़ आनन (آناً فآناً) अ. वि.–तत्क्षण, तुरंत, फ़ौरन, फ़ौरन ही, ज़रा सी देर में, बात की बात में, आनन फानन।

आ'नश (اعنش) अ. वि.–छः उँगलियोंवाला, छंगा।

आ'नाक़ (اعناق) अ. स्त्री.–'उनुक़' का बहु., गर्दन, गले।

आनात (آنات) अ. पुं.–'आन' का बहु. बहुत से समय, काल-समूह।

आनिद (عاند) अ. वि.–शत्रु, दुश्मन, वैरी।

आनिफ़ (عانف) अ. वि.–वशीभूत, मुतीअ; आज्ञाकारी, फ़र्मांबरदार।

आनियः (آنیه) अ. पुं.–'इना' का बहु., बहुत से बरतन।

आनिसः (آنسه) अ. स्त्री.–कुमारी, दोशीज़ः।

आनिस (آنس) अ. वि.–स्नेह करनेवाला, प्रेमी, हिल जाने-वाला।

आनी (عانی) अ. वि.–क़ैदी, बंदी; बहता हुआ ख़ून।

आनी (آنی) अ. वि.– क्षणिक, थोड़ी देर का; सामयिक, तात्कालिक, वक़्ती।

आनुक (آنک) फा. पुं.–सीसा, एक धातु।

आपा (آپا) तु. स्त्री.–बड़ी बहन, जीजी।

आफ़ (عاف) अ. वि.–क्षमा करनेवाला, अपराध क्षमा करने-वाला।

आफ़त (آفت) फा. स्त्री.–आपत्ति. विपदा, मुसीबत; दुःख, कष्ट, तकलीफ़; शामत।

आफ़तज़दः (آفت‌زده) फा. वि.–विपद्ग्रस्त, मुसीबत का मारा।

आफ़तनसीब (آفت‌نصیب) फा. अ. वि.–जिसके भाग्य में आपत्तियाँ ही आपत्तियाँ हों।

आफ़तरसीदः (آفت‌رسیده) फा. वि.–दे. 'आफ़तज़दः'।

आफ़ते नागहानी (آفت ناگہانی) फा. स्त्री.–अचानक पड़नेवाली विपत्ति, दैवात्यय, दैवी घटना।

आफ़ाक़ (آفاق) अ. पुं.–'उफ़ुक़' का बहु. उषाएँ, संसार, दुनिया।

आफ़ाक़ी (آفاقی) अ. वि.–दुनियावाला, सांसारिक।

आफ़ाक़े माइलः (آفاق مائله) अ. पुं.–पृथ्वी का वह भाग जो खुश्क है।

आफ़ात (آفات) फा. स्त्री. 'आफ़त' का बहु. आपत्तियाँ, मुसीबतें।

आफ़िंदी (آفندی) तु. पुं.–श्रीमान्, महोदय, जनाब।

आफ़ियत (عافیت) अ. स्त्री.–सुख, चैन, आराम; शांति, सुकून; नैरुज्य, स्वास्थ्य।

आफ़ियत केश (عافیت کیش) अ. फा. वि.–शांतिप्रिय, अम्नपसंद।

आफ़ियत कोश (عافیت کوش) अ. फा. वि.–शांति के लिए प्रयत्न करनेवाला।

आफ़ियतगाह (عافیت‌گاہ) अ. फा. स्त्री.–शांति का स्थान, जहाँ सुकून और शांति हो, एकांतवास।

आफ़िल (آفل) अ. वि.–नीचे जानेवाला, लोप होनेवाला।

आफ़िलीन (آفلین) अ. पुं.–नीचे जानेवाले; लोप होनेवाले, 'आफ़िल' का बहु.।

आफ़्ताबः (آفتابہ) फा. पुं.–एक प्रकार का लोटा जिसमें दस्ता होता है।

आफ़्ताब (آفتاب) फा. पुं.–सूर्य, रवि, दिनकर, सूरज।

आफ़्ताब आसार (آفتاب آثار) फा. अ. वि.–जिसमें सूर्य का प्रताप हो, जिसमें सूर्य जैसा जलाल हो।

आफ़्ताबगीर (آفتاب‌گیر) फा. पुं.–छज्जा, साइबान; छतरी, आतपत्र, छाता; धूप रोकने के लिए ताना हुआ कपड़ा आदि।

आफ़्ताबपरस्त (آفتاب‌پرست) फा. वि.–सूरज की पूजा करनेवाला, सूर्यपूजक; गिरगिट, कृकलास।

आफ़्ताबपरस्ती (آفتاب‌پرستی) फा. स्त्री.–सूरज की पूजा, सूर्य-पूजा, रविभक्ति।

आफ़्ताब सवार (آفتاب سوار) फा. वि.–बहुत तड़के उठनेवाला।

आफ़्ताबी (آفتابی) फा. वि.–धूप में रखकर बनायी हुई औषधि आदि; सूरज का; सूरजमुखी का फूल।

आफ़्ताबे लबे बाम (آفتاب لب بام) फा. पुं.–डूबने के क़रीब सूरज; मरने के क़रीब पुरुष, मरणासन्न।

आफ़्ताबे सरे शाम (آفتاب سر شام) फा. पुं.–संध्या समय का सूर्य, डूबता हुआ सूरज; वह व्यक्ति जिसका सम्मान उठ जाय।

आफ़्ताबे हश्र (آفتاب حشر) अ. फा. पुं.–महाप्रलय-काल का सूर्य, जो बहुत निकट होगा।

आफ़्रीं (آفریں) फा. अव्य.–धन्यवाद, शाबाश, साधु साधु।

आफ़्रीदः (آفریدہ) फा. वि.–पैदा किया हुआ, उत्पादित।

आफ़्रीदगार (آفریدگار) फा. वि.–पैदा करनेवाला, उत्पत्तिकर्ता, स्रष्टा।

आफ़्रीदनी (آفریدنی) फा. वि.–पैदा करने योग्य।

आफ़्रीनंदः (آفرینندہ) फा. वि.–स्रष्टा, उत्पत्तिकर्ता, खालिक़, पैदा करनेवाला।

आफ़्रीनिश (آفرینش) फा. स्त्री.–उत्पत्ति, सृष्टि, पैदाइश।

आब (آب) फा. पुं.–जल, वारि, सलिल, नीर, आप, पानी।

आबकामः (آبکامہ) फा. पुं.–खट्टे पदार्थों से बनाया हुआ पानी।

आबकार (آبکار) फा. वि.–मदिरा बेचनेवाला, शराब का व्यवसाय करनेवाला, मद्य-व्यवसायी।

आबकारी (آبکاری) फा. स्त्री.–मदिरा का व्यवसाय, मदिरा का विभाग, मद्य-विभाग।

आबकोर (آبکور) अ. वि.–वह व्यक्ति जिसके दाने-पानी में किसी का भाग न हो, बहुत ही कृपण, मक्खीचूस।

आबख़ानः (آبخانہ) फा. पुं.–पाख़ानः, शौचगृह।

आबख़ुर (آب خور) फा. पुं.–दे. 'आबख़ुर्द'।

आबख़ुर्द (آبخورد) फा. पुं.–भाग्य, प्रारब्ध, किस्मत; भाग, हिस्सा; वह तालाब जहाँ मनुष्य और पशु पानी पीयें।

आबख़ेज़ (آبخیز) फा. स्त्री.–वह भूमि जिसे जहाँ भी खोदें, थोड़ी दूर पर पानी निकल आये; लहर, तरंग, मौज।

आबख़ोरः (آبخورہ) फा. पुं.–पानी पीने का मिट्टी का पियाला, कुल्हड़, पुरवा।

आब गर्दिश (آب گردش) फा. स्त्री.–जीविका, रोज़ी; वह रोग जो देश-विदेश में फिरने और पानी बदलने से उत्पन्न हो।

आबगीनः (آبگینہ) फा. पुं.–बहुत ही बारीक काँच की बड़े पेट की बोतल, जो अब से कुछ पहले शराब और गुलाब जल रखने के काम आती थी; बोतल, शीशा; बहुत ही नाज़ुक शीशा।

आबगीर (آبگیر) फा. पुं.–छोटा तालाब, तलैया, जूहड़, क्षुद्र जलाशय।

आबजू (آبجو) फा. स्त्री.–नदी, नहर, चश्मा।

आबजोश (آبجوش) फा. पुं.–शोरबा, रसा; यख़्नी, गोश्त का पानी; सोडा वाटर; सुर्ख़ मुनक़्क़ा।

आबदंदाँ (آبدنداں) फा. पुं.–एक प्रकार का हलवा।

आबदरजू (آب درجو) फा. स्त्री.–सम्पत्ति, दौलत; सत्ता, हुकूमत।

आबदस्त (آبدست) फा. पुं.–शौच कर्म के पश्चात् पानी लेना, इस्तिंजा करना।

आबदस्ताँ (آبدستاں) फा. पुं.–आफ़्ताबः, हत्थेदार लोटा।

आबदार (آبدار) फा. वि.–चमकदार, उज्ज्वल; धारदार, पानीदार; पानी पिलानेवाला।

आबदार ख़ानः (آبدار خانہ) फा. पुं.–वह ठंडा स्थान जहाँ पिलाने के लिए पानी के घड़े आदि रखे जाते हों।

आबदारी (آبداری) फा. स्त्री.–चमक, आभा; शोभा, छटा, रौनक़।

आबदीदः (آبدیدہ) फा. वि.–जिसकी आँखों में आँसू भरे हों, सजलनयन, रुआँसा।

आब दुज़्द (آب دزد) फा. पुं.–वह रास्ता जिसके नीचे पानी हो; एक तंग मुँह का बर्तन जिसकी तली में छेद होते हैं।

आबदोज़ (آبدوز) फा. वि.–पानी के अंदर का रास्ता; पानी के भीतर चलनेवाला पोत आदि।

आबनाए (آبنائے) फा. पुं.–पृथ्वी का वह तंग भाग जो दो समुद्रों को मिलाता हो, जलडमरूमध्य।

आबपाशी (آبپاشی) फा. स्त्री.–भूमि और खेती की सिंचाई, सेचन, सिंचन।

आबबाज़ (آب باز) फा. वि.–तैरनेवाला, तैराक, पैराक।

आबबाज़ी (آب بازی) फा. स्त्री.–तैरना, पानी में तैरना।

आबयानः (آبیانہ) फा. पुं.–सिंचाई का महमूल, जलकर।

आबयारी (آبیاری) फा. स्त्री.–सिंचाई, आबपाशी।

आबरुख़ (آبرخ) फा. स्त्री.–दे. 'आबरू'।

आबरू (آبرو) फा. स्त्री.–प्रतिष्ठा, इज़्ज़त; सतीत्व, इस्मत; कीर्ति, यश, नेकनामी।

आबरूदार (آبرودار) फा. वि.–प्रतिष्ठित, संमानित, वावक़अत; सती, साध्वी, इस्मत मआब।

आबरूरेज़ी (آبروریزی) फा. स्त्री.–मानहानि, इज़्ज़त उतरना; सतीत्व-हरण, इस्मतदरी।

आबलः (آبلہ) फा. पुं.–छाला, फफोला।

आबलए फ़िरंग (آبلہ فرنگ) अ. पुं.–गर्मी रोग, आतशक, उपदंश।

आबशनास (آبشناس) फा. वि.–माँझी, मल्लाह, कर्णधार; यह जाननेवाला कि समुद्र में कहाँ कितना पानी है।

आबशार (آبشار) फा. पुं.–झरना, निर्झर, प्रपात।

आबसाल (آبسال) फा. पुं.–बाग, वाटिका।

आबसालाँ (آبسالاں) फा. पुं.–दे. 'आबसाल'।

आबा (آبا) अ. पु.–'अब' का बहु. पूर्वज, बाप दादे, पुरखे।

आबाए उल्वी (آبائے علوی) अ. पुं.–नौ आकाश; सप्तग्रह।

आबाद (آباد) फा. वि.–जिसमें आवादी हो, वसित; वह ज़मीन जो बोई-जोती जाती हो; जहाँ चहल-पहल हो, गुलज़ार।

आबाद (آباد) अ. पुं.–'अबद' का बहु., हमेशगियाँ, नित्यताएँ।

आबादकार (آبادکار) फा. वि.–वह जो किसी वीरान (बंजर) इलाक़े को आबाद करे; वह किसान जो किसी परती भूमि को उपजाऊ बनाये।

आबादकारी (آبادکاری) फा. स्त्री.–किसी वीरान इलाक़े या देश को आबाद करना; किसी बंजर भूमि को उपजाऊ बनाना।

आबादान (آبادان) फा. वि.–दे. 'आबाद'।

आबादानी (آبادانی) फा. स्त्री.–दे. 'आबादी'।

आबादी (آبادی) फा. स्त्री.–बस्ती, बसा हुआ इलाक़ा; चहल-पहल, रौनक़।

आबान (آبان) फा. पुं.–ईरानियों का एक महीना जो अगहन में पड़ता है।

आबारः (آبارہ) फा. पुं.–हिसाब, हिसाब-किताब।

आबार (آبار) अ. पुं.–जला हुआ सीसा, सीसे का भस्म।

आबिदः (عابدہ) अ. स्त्री.–तपस्विनी, इबादतगुज़ार स्त्री।

आबिद (عابد) अ. वि.–तपस्वी, इबादत करनेवाला पुरुष।

आबिर (عابر) अ. वि.–पथिक, बटोही, राहगीर; नदी या पुल आदि को पार करनेवाला।

आबिस्तः (آبستہ) फा. स्त्री.–गर्भवती, गुर्विणी, हामिला।

आबिस्तनी (آبستنی) फा. वि.–गर्भवती, अंतर्वत्नी, हामिला, पेट से।

आबी (آبی) फा. वि.–एक मेवा, विही; जल सम्बन्धी; जल का; पानी की मोटी रोटी जो पलोथन के बिना पकती है।

आ'बुद (اعبد) अ. पुं. 'अब्द' का बहु., सेवकगण, दास लोग।

आबे अंगूर (آب انگور) फा. पुं.–अंगूर का अरक़, अंगूर का शीरा; अँगूर की मदिरा।

आबे अनार (آب انار) फा. पुं.–अनार का अरक़, अनार के अरक़ जैसी लाल मदिरा।

आबे आतशरंग (آب آتش رنگ) फा. पुं.–आग के रंग का पानी, अर्थात् शराब, मदिरा।

आबे आतशीं (آب آتشیں) फा. पुं.–आग जैसा पानी, अर्थात् मदिरा, शराब।

आबे कमाँ (آب کماں) फा. पुं.–धनुष का ज़ोर।

आबे कौसर (آب کوثر) अ. फा. पुं.–स्वर्ग के हौज़ का पानी।

आबे ख़ंजर (آب خنجر) फा. पुं.–खंजर की धार, छुरी की धार।

आबे ख़िज्र (آب خضر) फा. अ. पुं.–आबेहयात, अमृतजल।

आबे ख़ुश्क (آب خشک) फा. पुं.–बिल्लूर का पियाला।

आबे गोश्त (آب گوشت) फा. पुं.–गोश्त की यख़्नी या शोरबा।

आबे गौहर (آبِ گوہر) फा. पुं.–मोतियाबिंद, आँख में पानी उतरने का रोग।

आबे जारी (آبِ جاری) अ. फा. पुं.–बहता हुआ पानी, प्रवाहित जल।

आबे जाविदाँ (آبِ جاوداں) फा. पुं.–आबे हयात, अमृत।

आबे ज़ुलाल (آبِ زلال) अ. फा. पुं.–निथरा हुआ पानी; ठंडा पानी।

आबे तरब (آبِ طرب) फा. पुं.–मदिरा, शराब।

आबे बक़ा (آبِ بقا) अ. फा. पुं.–आबे हयात, मदिरा।

आबे बस्तः (آبِ بستہ) फा. पुं.–शीशा, काँच; जमा हुआ पानी।

आबे मर्वारीद (آبِ مروارید) अ. फा. पुं.–मोतियाबिंद का रोग।

आबे मुंजमिद (آبِ منجمد) अ. फा. पुं.–जमा हुआ पानी; बिल्लूर का पियाला।

आबे मुर्दः (آبِ مردہ) फा. पुं.–ठहरा हुआ पानी, जो पानी बहता न हो, स्थिर जल।

आबे रवाँ (آبِ رواں) फा. पुं.–बहता हुआ पानी, जारी पानी; एक बारीक मलमल।

आबे शोर (آبِ شور) फा. पुं.–खारा पानी; काला पानी, अंडमान।

आबे सियाह (آبِ سیاہ) फा. पुं.–गहरा पानी; मोतियाबिंद।

आबे हयात (آبِ حیات) फा. अ. पुं.–अमृतजल, सुधा।

आबे हराम (آبِ حرام) फा. अ. पुं.–मदिरा, शराब।

आबे हैवाँ (آبِ حیواں) फा. अ. पुं.–दे. 'आबे हयात'।

आबोगिल (آب و گل) फा. पुं.–मनुष्य का ढाँचा।

आबोताब (آب و تاب) फा. स्त्री.–चमक-दमक, ठाठ-बाट; शानोशौकत; धूमधाम।

आबोदानः (آب و دانہ) फा. पुं.–दाना-पानी, अन्न-जल; जीविका, रोज़ी।

आबोरौग़न (آب و روغن) फा. अ. पुं.–बातचीत में नमक-मिर्च, चिकनी-चुपड़ी बातें।

आबोहवा (آب و ہوا) फा. अ. स्त्री.–स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से किसी स्थान का पानी और वायु, जलवायु।

आबनूस (آبنوس) फा. पुं–एक प्रसिद्ध काली लकड़ी जो बहुत भारी होती है।

आमः (آمہ) फा. स्त्री.–दवात, मसिपात्र।

आम (عام) अ. वि.–सर्वव्यापक, हमःगीर; सर्वसाधारण, आम लोग; जो मुख्य न हो, गौण।

आमदः (آمدہ) फा. वि.–आया हुआ, आगत।

आमद (آمد) फा. स्त्री.–आगमन, आमद; आय, आमदनी; वह विचार जो मस्तिष्क में बिना सोचे आया हो।

आमद आमद (آمد آمد) फा. स्त्री.–किसी के आगमन की धूमधाम; किसी के आने की ख़बर।

आमदनी (آمدنی) फा. स्त्री.–आय, आमद; कमाई; उत्पत्ति, पैदावार।

आमदोख़र्च (آمد و خرچ) फा. पुं.–आमदनी और ख़र्चा, आय-व्यय।

आमदोरफ़्त (آمد و رفت) फा. स्त्री.–आना-जाना, यातायात।

आ'मा (اعمی) अ. वि.–अंधा, नेत्रहीन, अंध।

आ'माक़ (اعماق) अ. पुं.–'उमुक़' का बहु. लंबाइयाँ, चौड़ाइयाँ और ऊँचाइयाँ या गहराइयाँ।

आमाज (آماج) फा. पुं.–निशाना, लक्ष्य।

आमाजगाह (آماجگاہ) फा. स्त्री.–वह स्थान जिसे ताककर उसपर निशानः लगाया जाय, लक्ष्यस्थान, हरफ़, "क़िस्मत मेरे सिवा तुझे कोई मिला नहीं—आमाजगाहे-जौर बनाया किया मुझे।"

आमादः (آمادہ) फा. वि.–तत्पर, उद्यत, तैयार; अनुमत, राज़ी।

आमादगी (آمادگی) फा. स्त्री.–तत्परता, मुस्तैदी; अनुमति, रज़ामंदी।

आ'माम (اعمام) अ. पुं.–'अम' का बहु. चचा लोग।

आ'मार (اعمار) अ. स्त्री–'उम्र' का बहु. उम्रें, अवस्थाएँ।

आमाल (آمال) अ. स्त्री.–'अमल' का बहु. आशाएँ, उम्मीद।

आ'माल (اعمال) अ. पुं.–'अमल' का बहु. काम, कार्य-समूह; कृतियाँ, कर्म-समूह; आचार-व्यवहार; जप-तप, विर्द वज़ीफा आदि।

आ'मालनामः (اعمال نامہ) अ. फा. पुं.–वह पत्र जिस पर मनुष्य के अच्छे बुरे कर्म लिखे जाते हैं; वह काग़ज़ जिसमें सरकारी नौकरों की कारगुज़ारियाँ या बद आ'मालियाँ लिखी जाती हैं।

आमास (آماس) फा. पुं.–सूजन, शोथ।

आमास ज़दः (آماس زدہ) फा. वि.–सूजा हुआ, शोथित।

आमासिंदः (آماسندہ) फा. वि.–सूजनेवाला।

आमासीदः (آماسیدہ) फा. वि.–सूजा हुआ।

आमिनः (آمنہ) अ. स्त्री.–निर्भय स्त्री, निडर स्त्री; हज़रत मुहम्मद साहब की श्री माताजी का नाम।

आमिन (آمن) अ. वि.–निर्भय, निडर, बेख़ौफ़; सुरक्षित, महफ़ूज़।

आमियानः (عامیانہ) अ. फा. वि.–आम लोगों जैसा, बाजारियों जैसा, अश्लील, अशिष्ट, नाशाइस्ता।

आमिरः (عامرہ) अ. पुं.–भरा हुआ, परिपूर्ण; आबाद करनेवाला, बसानेवाला।

आमिर (عامر) अ. वि.–बसानेवाला, आबाद करनेवाला; आबाद, बसा हुआ; भरा हुआ, परिपूर्ण।

आमिर (آمر) अ. वि.–हुक्म करनेवाला; शासक, हाकिम, डिक्टेटर, अधिनायक।

आमिरीयत (آمریت) अ. स्त्री.–शासन, हुकूमत; शख़्सी हुकूमत, डिक्टेटरी, अधिनायकता।

आमिलः (عاملہ) अ. स्त्री.–काम करनेवाली स्त्री; कार्यकारिणी, विषय निर्धारिणी, मज्लिसे आमिला।

आमिल (عامل) अ. वि.–शासक, हुक्मराँ; पदाधिकारी, हाकिम; जो मिस्मिरेज़्म आदि का अमल करता हो; जो भूतप्रेत या जिन और परी उतारता हो।

आमिल (آمل) अ. वि.–इच्छुक, ख़्वाहिशमंद; आशा करनेवाला, उम्मेदवार।

आमी (عامی) अ. वि.–सामान्य व्यक्ति, साधारण जन; बाज़ारी आदमी, लोफ़र, नीच।

आमीन (آمین) अ. अव्य.–एवमस्तु, तथास्तु।

आमुख़्तः (آموختہ) फ़ा. पु.–दे. 'आमोख़्तः', यह भी शुद्ध है।

आमुर्ज़गार (آمرزگار) फ़ा. वि.–बख़्शनेवाला, मोक्ष देनेवाला अर्थात् ईश्वर।

आमुर्ज़िदः (آمرزندہ) फ़ा. वि.–मोक्ष देनेवाला, बख़्शनेवाला।

आमुर्ज़िश (آمرزش) फ़ा. स्त्री.–मोक्ष, कल्याण, नजात, बख़्शिश।

आमुर्ज़ीदः (آمرزیدہ) फ़ा. वि.–मोक्षप्राप्त, बख़्शा हुआ, नजात पाया हुआ।

आमुर्ज़ीदनी (آمرزیدنی) फ़ा. वि.–मोक्ष प्राप्त होने के योग्य, नजात पाने के क़ाबिल।

आमुलः (آملہ) अ. पु.–आँवला, एक फल, आमलक।

आमुल (آمل) फ़ा. पु.–'माज़िंदरान' का एक नगर।

आमूदः (آمودہ) फ़ा. वि.–भरा हुआ, पूर्ण।

आमूदनी (آمودنی) फ़ा. वि.–भरने योग्य।

आमून (آمون) फ़ा. पु.–ईरान और तूरान के बीच की एक नदी।

आमेख़्तः (آمیختہ) फ़ा. वि.–मिला हुआ; मिलाया हुआ; कृत्रिम, मिलावट किया हुआ।

आमेख़्तनी (آمیختنی) फ़ा. वि.–मिलाने योग्य; मिलने योग्य।

आमेग़ (آمیغ) फ़ा. प्रत्य.–दे. 'आमेज़'।

आमेज़ (آمیز) फ़ा. प्रत्य.–मिलनेवाला, मिलानेवाला, जैसे, 'रंग आमेज़'—रंग मिलानेवाला।

आमेज़गार (آمیزگار) फ़ा. वि.–सुशील, ख़ुश अख़्लाक़।

आमेज़िंदः (آمیزندہ) फ़ा. वि.–मिलनेवाला; मिलानेवाला।

आमेज़िश (آمیزش) फ़ा. स्त्री.–मिलावट, उपाधि, मिलौनी।

आमेज़ीदः (آمیزیدہ) फ़ा. वि.–मिलानेवाला।

आमोख़्तः (آموختہ) फ़ा. पु.–पढ़े हुए पाठ को फिर से पढ़ना, उद्धरणी; (वि.) पठित, पढ़ा हुआ; सीखा हुआ।

आमोख़्तनी (آموختنی) फ़ा. वि.–सीखने योग्य; सिखाने योग्य; पढ़ने योग्य; पढ़ाने योग्य।

आमोज़गार (آموزگار) फ़ा. वि.–शिक्षक, सिखानेवाला; शिक्षार्थी, सीखनेवाला।

आमोज़िंदः (آموزندہ) फ़ा. स्त्री.–सिखानेवाला; सीखनेवाला।

आमोज़िश (آموزش) फ़ा. स्त्री.–शिक्षण, सिखाई, सीख।

आमोज़ीदः (آموزیدہ) फ़ा. वि.–सीखा हुआ; सिखाया हुआ।

आमोज़ीदनी (آموزیدنی) फ़ा. वि.–सीखने योग्य, सिखाने योग्य।

आम्मः (عامہ) अ. वि.–सार्वजनिक, अवामी, सब जनता की, जैसे 'राए आम्मः' अर्थात् सारी जनता का मत।

आम्मतुन्नास (عامۃ الناس) अ. पुं.–सर्वसाधारण, जनसाधारण, आम जनता, अवाम।

आम्मतुलख़लाइक़ (عامۃ الخلائق) अ. पुं.–सर्वसाधारण, अवाम, आम जनता।

आयंदः (آیندہ) फ़ा. वि.–आनेवाला, आगामी; भविष्य, मुस्तक़्बिल; आगे चलकर, भविष्य मे।

आयंदगानो रविंदगाँ (آیندگان و روندگان) फ़ा. पु.–आनेजानेवाले लोग।

आयत• (آیت) अ. स्त्री.–चिह्न, निशान; क़ुरान का एक वाक्य, उस वाक्य के अंत पर बना हुआ गोल चिह्न।

आयत (اعیط) अ. वि.–लंबी गर्दनवाला।

आयद (عائد) अ. वि.–दे. 'आइद', 'आयद' अशुद्ध है।

आ'यन (اعین) अ. वि.–बड़ी-बड़ी आँखों वाला।

आया (آیا) फ़ा. अव्य.–एक प्रश्नवाचक शब्द, क्या, किम्, जैसे 'आया आप वहाँ जायँगे', क्या आप वहाँ जायँगे।

आयात (آیات) अ. स्त्री.–'आयत' का बहु., क़ुरान की आयतें।

आयान (آیان) फ़ा. पु.–आनेवाला, आगमनकर्ता।

आ'यान (اعیان) अ. पु.–'ऐन' का बहु., बड़े-बड़े लोग, प्रतिष्ठित जन, महान् व्यक्ति।

आयानी (آیانی) फ़ा. स्त्री.–शिष्टता, सभ्यता, सुशीलता, शाइस्तगी; सुंदरता, उत्तमता, अच्छाई।

आ'यानी (اعیانی) अ. वि.—सगा, एक माँ-बाप का।

आ'युन (اعین) अ. स्त्री.—'ऐन' का बहु., आँखें।

आर (عار) अ. पुं.—लज्जा, लाज, ग़ैरत; घृणा, नफ़रत, घिन; दोष, ऐब।

आ'रज (اعرج) अ. वि.—लँगड़ा, पंगु।

आरज़्म (آرزم) फा. स्त्री.—युद्ध, समर, लड़ाई, जंग।

आरश (آرش) फा. पुं.—ईरान का एक पहलवान जो धनुर्विद्या में अत्यंत निपुण था।

आरा (آرا) फा.प्रत्य.—सँवारनेवाला, सजानेवाला, जैसे, 'जहाँ आरा'—संसार को सजाने या सँवारनेवाला अथवा वाली।

आरा (آرا) अ. स्त्री.—'राय' का बहु. रायें, मत।

आराइंदः (آرائندہ) फा. वि.—सँवारनेवाला, सजानेवाला।

आराइश (آرائش) फा. स्त्री.—सजावट, सुसज्जा।

आराद (آراد) फा. पुं.—हर ईरानी महीने की पच्चीसवीं तारीख।

आ'राफ़ (اعراف) अ. पुं.—स्वर्ग और नरक के बीच का स्थान।

आ'राब (اعراب) अ. पुं.—वे अरब लोग जो जंगल में इधर-उधर घूम-फिरकर जीवन व्यतीत करते हैं, बद्दू लोग। (यह शब्द बहुवचन है, परंतु इसका एकवचन नहीं है।)

आ'राबी (اعرابی) अ. पुं.—अरब जाति का व्यक्ति, बद्दू।

आराम (آرام) अ. पु.—'रीम' का बहु., हिरनों के बच्चे।

आराम (آرام) फा. पुं.—सुख, चैन, ऐश; आनंद, हर्ष, ख़ुशी; सुगमता, आसानी।

आरामकुर्सी (آرام کرسی) फा. स्त्री.—बड़ी कुर्सी जिस पर लेट सकते हैं, सुखासंदी।

आरामख़्वाह (آرام خواہ) फा. वि.—सुख चाहनेवाला, कामधंधों से जी चुरानेवाला।

आरामगाह (آرامگاہ) फा. स्त्री.—ठहरने और आराम करने का स्थान, विश्रामालय; शयनागार, सोने का स्थान, ख़्वाबगाह।

आरामतलब (آرام طلب) फा. अ. वि.—आराम चाहनेवाला, सुखेच्छु; आलसी, काहिल।

आरामतलबी (آرام طلبی) फा. अ. स्त्री.—सुख की चाह; काहिली, आलस्य; पड़े-पड़े खाना और काम से जी चुराना।

आरामदेह (آرام دہ) फा. वि.—सुख देनेवाला, आराम पहुँचानेवाला, सुखदायी; आराम पहुँचानेवाली वस्तु या काम।

आरामपसंद (آرام پسند) फा. वि.—दे. 'आरामतलब'।

आरामरसाँ (آرام رساں) फा. वि.—दे. 'आरामदेह'।

आरामिंदः (آرامندہ) फा. वि.—आराम करनेवाला।

आरामिश (آرامش) फा. स्त्री.—सुख, चैन, राहत।

आरामीदः (آرامیدہ) फा. वि.—आराम किया हुआ, जिसने आराम किया हो।

आरामे जाँ (آرام جاں) फा. पुं.—प्राणों का सुख, प्रेमिका; पुत्र।

आ'राश (اعراش) अ. पुं.—'अर्श' का बहु., बहुत से अर्श।

आ'रास (اعراس) अ. पुं.—'उर्स' या 'उरूस' का बहु., बहुत से उर्स।

आरास्तः (آراستہ) फा. वि.—सुसज्जित, सजा हुआ (घर आदि); शृंगारित, आभूषित, ज़ेवर आदि से सजी हुई (स्त्री)।

आरास्तः मू (آراستہ مو) फा. वि.—बाल सँवारे हुए, चोटी आदि गूँथे हुए।

आरास्तगी (آراستگی) फा. स्त्री.—घर आदि की सजावट; स्त्री आदि का शृंगार; क्रम, तर्तीब।

आरिज़ः (عارضہ) अ. पुं.—रोग, बीमारी, व्याधि, आमय; व्यसन, लत।

आरिज़ (عارض) अ. पुं.—कपोल, गाल, रुख़सार; बाधक, रुकावट डालनेवाला।

आरिज (عارج) अ. वि.—ऊपर की ओर जानेवाला।

आरिज़ी (عارضی) अ. वि.—अस्थायी, ग़ैर मुस्तक़िल; क्षणिक, थोड़ी देर का।

आरिफ़ः (عارفہ) अ. स्त्री.—आरिफ़ स्त्री, ब्रह्मज्ञानी; पहचाननेवाली।

आरिफ़ (عارف) अ. वि.—ज्ञाता, जाननेवाला; परिचित, वाक़िफ़; ब्रह्मज्ञानी, हक़ आगाह; सूफ़ी।

आरिफ़ बिल्लाह (عارف باللہ) अ. वि.—ईश्वर को पहचाननेवाला, ब्रह्मज्ञानी, ख़ुदा रसीदः, ऋषि, मुनि, वली।

आरिफ़ानः (عارفانہ) अ. फा. वि.—आरिफ़ों जैसा, सूफ़ियों जैसा, ब्रह्मज्ञानियों जैसा, ऋषियों जैसा।

आरियत (عاریت) अ. स्त्री.—अस्थायित्व, नापाइदारी; किसी वस्तु का माँगा हुआ होना।

आरियतन (عاریتاً) अ. वि.—थोड़ी देर के लिए; माँगा हुआ।

आरियती (عاریتی) अ. वि.—अस्थायी, अल्पकालिक, आरिज़ी; माँगी हुई वस्तु।

आरी (عاری) अ. वि.—नंगा, नग्न; वंचित, महरूम; गद्य का एक प्रकार जो सीधा-सादा होता है, और जिसमें अलंकार आदि कुछ नहीं होते, रोज़मर्रा की नस्र।

आरे (آرے) फा. स्त्री.—हाँ, जी हाँ।

आरोग़ (آروغ) फा. स्त्री.—डकार, उद्गार, धूम।

आरोग़िंदः (آروغندہ) फा. वि.—डकार लेनेवाला।

आरोग़े तुरुश (آروغ ترش) फा. स्त्री.—खट्टी डकार, अम्लोद्गार, अम्लिका।

आर्ज़ू (آرزو) फ़ा. स्त्री.–इच्छा, खाहिश; उत्कंठा, इश्तियाक़; आश्रय, सहारा; मनोकामना, दिली मुराद; आशा, उम्मीद।

आर्ज़ूए ख़ाम (آرزوے خام) फ़ा. स्त्री.–वह इच्छा जो पूरी न हो सके।

आर्ज़ूए मुर्दः (آرزوے مردہ) फ़ा. स्त्री.–मरी हुई आस, बुझी हुई आस, मृतेच्छा।

आर्ज़ूए मुलाक़ात (آرزوے ملاقات) फ़ा. अ. स्त्री.–मिलने की इच्छा; प्रेमिका से मिलन की इच्छा।

आर्ज़ूए वस्ल (آرزوے وصل) फ़ा. अ. स्त्री.–प्रेमिका से प्रेमी के मिलने की इच्छा।

आर्ज़ूगाह (آرزوگاہ) फ़ा. स्त्री.–वह स्थान जहाँ से कोई मनोकामना सिद्ध होने की आशा हो।

आर्ज़ूमंद (آرزومند) फ़ा. वि.–इच्छुक, अभिलाषी, ख़्वाहिशमंद।

आर्ज़ूमंदी (آرزومندی) फ़ा. स्त्री.–इच्छा, अभिलाषा।

आर्द (آرد) फ़ा. पुं.–आटा, पिसा हुआ अन्न, चून।

आर्वी (آروی) फ़ा. पुं.–शफ़्तालू, एक फल।

आलंग (آلنگ) तु. पुं.–चरागाह, हरियाली का मैदान, सब्ज़ाज़ार।

आलः (آلہ) अ. पुं.–उपकरण, औज़ार।

आल (آل) अ. स्त्री.–संतान, औलाद, बाल-बच्चे; वंशज, कुलवाले।

आल (آل) तु. वि.–लाल, सुर्ख़, रक्त।

आलएकार (آلۂکار) अ. फ़ा. पुं.–काम करने का यंत्र; वह व्यक्ति जो किसी कार्य-सिद्धि में माध्यन हो; वह व्यक्ति जिससे हर काम लिया जा सके।

आलए कुशावर्ज़ी (آلۂ کشاورزی) अ. फ़ा. पुं.–खेती के औज़ार।

आलए तनासुल (آلۂ تناسل) अ. पुं.–शिश्न, लिंग।

आलए नक़्बज़नी (آلۂ نقب‌زنی) अ. फ़ा. पुं.–चोरों का सेंध लगाने का यंत्र, साबर, सबरी।

आलए मोहलिक (آلۂ مہلک) अ. पुं.–वह हथियार जिससे हत्या हो सके, प्राणघातक शस्त्र।

आलए हर्ब (آلۂ حرب) अ. पुं.–लड़ाई का हथियार, युद्धास्त्र।

आलची (آلچی) तु. पुं.–लेनेवाला, वसूल करनेवाला।

आलत (آلت) अ. पुं.–शिश्न, लिंग।

आल तम्ग़ा (آل تمغا) तु. पुं.–किसी को पुश्त दर पुश्त के लिए कोई जागीर दे देना।

आ'लन (اعلن) अ. वि.–बहुत अधिक स्पष्ट।

आ'लम (اعلم) अ. वि.–बहुत अधिक जाननेवाला; सबसे अधिक जाननेवाला।

आलम (عالم) अ. पुं.–जगत्, संसार, दुनिया; दशा, हालत।

आलम (آلم) अ. वि.–बहुत अधिक कष्ट देनेवाला।

आलम अफ़रोज़ (عالم افروز) अ. फ़ा. वि.–संसार को प्रकाशित करनेवाला।

आलम आरा (عالم آرا) अ. फ़ा. वि.–संसार को सुसज्जित और शृंगारित करनेवाला।

आलम आराई (عالم آرائی) अ. फ़ा. स्त्री.–संसार की सजावट और शृंगार।

आलम आश्कार (عالم آشکار) अ. फ़ा. वि.–विश्व-विदित, संसार भर में ज़ाहिर।

आलम आश्कारा (عالم آشکارا) अ. फ़ा. वि.–दे. 'आलम आश्कार'।

आलम आश्ना (عالم آشنا) अ. फ़ा. वि.–सारे संसार से परिचित, सब का मित्र; जिससे सारा संसार परिचित हो, सर्वप्रिय।

आलम आश्नाई (عالم آشنائی) अ. फ़ा. स्त्री.–सारे संसार का परिचित होना; सारे संसार से परिचित होना।

आलमगीर (عالمگیر) अ. फ़ा. वि.–विश्वव्यापी, संसार में फैला हुआ; विश्वविजयी, संसार को जीतनेवाला।

आलमताब (عالمتاب) अ. फ़ा. वि.–सारे संसार को प्रकाशित करनेवाला।

आलम फ़रेब (عالم فریب) अ. फ़ा. वि.–विश्वमोहन, सारे संसार को मुग्ध करनेवाला।

आलमी (عالمی) अ. वि.–सांसारिक, दुनियावी; संसार का निवासी; पूर्ण संसार का।

आलमे अज्साम (عالم اجسام) अ. पुं.–मर्त्यलोक, भूलोक, दुनिया।

आलमे अर्वाह (عالم ارواح) अ. पुं.–आत्माओं के रहने का लोक, परलोक, स्वर्ग।

आलमे अलवी (عالم علوی) अ. पुं.–परलोक, स्वर्ग।

आलमे अस्बाब (عالم اسباب) अ. पुं.–जहाँ हर कार्य के लिए कोई कारण अवश्य हो, जगत्, दुनिया।

आलमे आब (عالم آب) अ.फ़ा. पुं.–वह स्थान जहाँ पानी ही पानी हो; मद्यपान की अवस्था।

आलमे क़ुदुस (عالم قدس) अ. पुं.–स्वर्ग, सुरलोक।

आलमे कौनोफ़साद (عالم کون‌وفساد) अ. पुं.–वह जगत् जहाँ चीज़ें पैदा होती और मिटती रहें, अर्थात् संसार।

आलमे ख़याल (عالم خیال) अ. पुं.–कल्पना-जगत्, ऐसी दुनिया जिसे केवल तसव्वुर ने बनाया हो।

आलमे खाक (عالم خاک) अ. फा. पुं.—भूलोक, मर्त्यलोक, दुनिया।

आलमे ख्वाब (عالم خواب) अ. फा. पुं.—स्वप्न-जगत्, वह स्थान जहाँ मनुष्य स्वप्न में पहुँच जाता है; स्वप्न की अवस्था, नींद की हालत।

आलमे ग़ैब (عالم غیب) अ. फा. पुं.—परोक्ष लोक, वह जगत् जो हमें दिखाई नहीं पड़ता, अदृश्य जगत्।

आलमे जबरूत (عالم جبروت) अ. पुं.—ब्रह्मलोक, आलमे क़ुदुस; वह लोक जहाँ ईश्वर ही ईश्वर होता है।

आलमे जावेद (عالم جاوید) अ. फा. पुं.—नित्यलोक, जहाँ हमेशा रहना पड़े, स्वर्ग।

आलमे ज़ाहिर (عالم ظاهر) अ. पुं.—वह जगत् जो दृष्टिगत रहता है, संसार, दुनिया।

आलमे तसव्वुर (عالم تصور) अ. पुं.—वह संसार जहाँ प्रेमी अपनी प्रेमिका के ध्यान में पहुँच जाता है।

आलमे तस्वीर (عالم تصویر) अ. पुं.—स्तब्धता और निश्चेष्टता की अवस्था।

आलमे नासूत (عالم ناسوت) अ. पुं.—मर्त्यलोक, मनुष्य-लोक, इहलोक, दुनिया।

आलमे फ़ना (عالم فنا) अ. पुं.—दे. 'आलमे फ़ानी'।

आलमे फ़ानी (عالم فانی) अ. पुं.—नश्वर जगत्, वह लोक जिसे नाश होना है, अर्थात् दुनिया।

आलमे बक़ा (عالم بقا) अ. पुं.—वह लोक जिसका कभी नाश नहीं होता, देवलोक, परलोक, स्वर्ग।

आलमे बर्ज़ख़ (عالم برزخ) अ. पुं.—वह लोक जो स्वर्ग और नरक के बीच में है।

आलमे बाक़ी (عالم باقی) अ. पुं.—दे. 'आलमे बक़ा'।

आलमे बाला (عالم بالا) अ. पुं.—परलोक, देवलोक; आकाश, आस्मान, यमलोक, अदम।

आलमे मलकूत (عالم ملکوت) अ. पुं.—देवलोक, जहाँ केवल फ़रिश्ते रहते हैं।

आलमे मा'ना (عالم معنی) अ. पुं.—वह अवस्था, जिसका अनुभव न किया जा सके।

आलमे मिसाल (عالم مثل) अ. पुं.—वह जगत् जो परलोक के अंतर्गत है, और जिसमें संसार की हर वस्तु ज्यों की त्यों मौजूद है।

आलमे रोया (عالم رویا) अ. पुं.—दे. 'आलमे ख्वाब'।

आलमे लाहूत (عالم لاهوت) अ. पुं.—ब्रह्मलोक, जहाँ ईश्वर के सिवा और कुछ नहीं होता।

आलमे लौहो क़लम (عالم لوح و قلم) अ. पुं.—अर्श, वह लोक जहाँ ईश्वर का सिंहासन है।

आलमे वुजूद (عالم وجود) अ. पुं.—जीवनावस्था, अस्तित्व।

आलमे शुहूद (عالم شهود) अ. पुं.—वह जगत् जिसमें हम सब कुछ देख सकें, मर्त्यलोक, दुनिया।

आलमे सिफ़्ली (عالم سفلی) अ. पुं.—तुच्छ जगत्, अधम-लोक अर्थात् संसार, दुनिया।

आलमे सुग़रा (عالم صغری) अ. पुं.—मनुष्य का शरीर, जिसमें सूक्ष्म रूप में वह सब कुछ है जो संसार में है।

आलमे हयूलानी (عالم هیولانی) अ. पुं.—जगत्, संसार, मर्त्यलोक, दुनिया।

आ'ला (اعلی) अ. वि.—सबसे अच्छा, सर्वश्रेष्ठ; उत्तम, श्रेष्ठ, बढ़िया।

आलाइश (آلائش) फा. स्त्री.—पेट के अंदर का मल; पाप, गुनाह।

आलाईदः (آلائیدہ) फा. वि.—लथड़ा हुआ, सना हुआ।

आलात (آلات) अ. पुं.—'आलः' का बहु., औज़ार, उपकरण; हथियार, अस्त्र-शस्त्र।

आलाते जंग (آلات جنگ) अ. फा.—लड़ाई के हथियार, युद्धास्त्र, आयुध।

आलाते हर्ब (آلات حرب) अ. पुं.—दे. 'आलाते जंग'।

आलाफ़ (آلاف) अ. पुं.—'अल्फ़' का बहु., हज़ारों।

आलाफ़ (اعلاف) अ. पुं.—'अलफ़' का बहु., हरी घासें।

आलाम (آلام) अ. पुं.—'अलम' का बहु., कष्ट-समूह, हर प्रकार के दुःख; आपत्तियाँ, मुसीबतें।

आ'लाम (اعلام) अ. पुं.—'अलम' का बहु., संज्ञाएँ, नामावाली।

आलामे रोज़गार (آلام روزگار) अ. फा. पुं.—सांसारिक कष्ट, दुनिया की आपत्तियाँ।

आलिफ़ (آلف) अ वि.—स्नेह करनेवाला।

आलिमः (عالمہ) अ. स्त्री.—विद्वान् स्त्री, विदुषी।

आलिम (عالم) अ. वि.—विद्वान्, पंडित, कोविद; ज्ञाता, जाननेवाला।

आलिम (آلم) अ. वि.—कष्ट देनेवाला, दुःखदायी।

आलिमानः (عالمانہ) अ. फा. वि.—विद्वानों जैसा, आलिमों की तरह।

आलिमुलग़ैब (عالم الغیب) अ. वि.—अंतर्यामी, परोक्षवेत्ता, ग़ैब की बात जाननेवाला।

आलिमे कुल (عالم کل) अ. वि.—सब कुछ जाननेवाला, सर्वज्ञ, सर्वविद्।

आलिमे ग़ैब (عالم غیب) अ. वि.—दे. 'आलिमुल ग़ैब'।

आलिमे बाअमल (عالم باعمل) अ. पुं.—ऐसा विद्वान् जिसका आचार व्यवहार विद्वानों जैसा हो, उसने जो कुछ पढ़ा हो उसी के अनुसार उसका आचरण भी हो।

आलिमे बे अमल (عالم بے عمل) अ. फा. पुं.–ऐसा विद्वान् जिसका आचरण विद्वानों से विरुद्ध हो, उसका आचरण पढ़े हुए से प्रतिकूल हो।
आली (عالی) अ. वि.–उच्च, बलंद; श्रेष्ठ, उत्तम, बढ़िया; विशाल, बड़ा; महान्, अज़ीम।
आलीक़द्र (عالی قدر) अ. वि.–बहुत बड़े मर्तबेवाला, महामहिम।
आली ख़ानदान (عالی خاندان) अ. फा. वि.–बहुत ऊँचे वंशवाला, उच्चकुल, कुलीनतम।
आली गुहर (عالی گہر) अ.फा. वि.–दे. 'आली ख़ानदान'।
आली जनाब (عالی جناب) अ. फा. वि.–अत्रभवान्!, जनाबे आली!; महामान्य, आलीजाह।
आली ज़र्फ़ (عالی ظرف) अ. वि.–बड़े दिलवाला, जो प्रत्येक की बुरी-भली बातें सुनकर सहन करे, उच्चाशय, विशाल-हृदय, उदारमना।
आलीजाह (عالی جاہ) अ. वि.–बहुत बड़े रुत्बेवाला, महामान्य; बड़े आदमियों का संबोधन-वाक्य।
आलीतबार (عالی تبار) अ. फा. वि.–दे. 'आली ख़ानदान'।
आली दिमाग़ (عالی دماغ) अ. वि.–बड़ी सूझ-बूझवाला, महाप्रज्ञ, उच्चबुद्धि, उदारधी।
आलीनज़र (عالی نظر) अ. वि.–उच्च दृष्टि, बलंद नज़र, उदाराशय, फ़राख़ दिल।
आली नसब (عالی نسب) अ. वि.–दे. 'आली ख़ानदान'।
आली मक़ाम (عالی مقام) अ. वि.–दे. आलीक़द्र।
आली मनिश (عالی منش) अ. फा. वि.–दे. 'आली ज़र्फ़'।
आली मर्तबत (عالی مرتبت) अ. वि.–दे. 'आलीक़द्र'।
आली वक़ार (عالی وقار) अ. वि.–दे. 'आली मर्तबत'।
आलीशान (عالی شان) अ. वि.–महान्, भव्य, अज़ीमुश्शान; बहुत बड़े मर्तबेवाला, महामान्य।
आली हिम्मत (عالی ہمت) अ. वि.–बड़े हौसलेवाला, दिलावर, उच्चोत्साही, महासाहसी।
आलीहौसलः (عالی حوصلہ) अ. वि.–दे. 'आली हिम्मत'।
आलुफ़्तः (آلفتہ) फा. वि.–निरंकुश, स्वच्छंद, बेबाक।
आलू (آلو) फा. पुं.–आलूबुख़ारा।
आलूचः (آلوچہ) फा. पुं.–एक मीठा मेवा।
आलूदः (آلودہ) फा. वि.–लिप्त, सना हुआ।
आलूदः दामन (آلودہ دامن) फा. वि.–अपराधी, दोषी, जिसका किसी जुर्म में हाथ हो।
आलूद (آلود) फा. वि.–दे. 'आलूदः'।
अलूदए इस्याँ (آلودۂ عصیاں) फा. अ. वि.–पाप से भरा हुआ, पापमय।
आलूदए मा'सियत (آلودۂ معصیت) फा. अ. वि.–दे. 'आलूदए इस्याँ'।
आलूदगी (آلودگی) फा. स्त्री.–अपवित्रता, नापाकी; किसी जुर्म में शुमूलियत, पापलिप्तता, अपराध।
आलू बुख़ारा (آلو بخارا) फा. पुं.–एक मशहूर मेवा, आरूक।
आले अबा (آل عبا) अ. पुं.–हज़्रत फ़ातिमा, हज़्रत अली और इमाम हसन और हुसैन।
आवंग (آونگ) फा. पुं.–अलगनी।
आवंद (آوند) फा. पुं.–बरतन, ज़र्फ़।
आव (آو) फा. पुं.–पानी, आब।
आवख़ (آوخ) फा. अव्य.–आह, हाय, उफ़; वाह, ख़ूब, अजीब, अद्‌भुत।
आ'वज (اعوج) अ. वि.–टेढ़ा, वक्र।
आ'वर (اعور) अ. वि.–सौतेला भाई; काना, यक चश्म; एक आँत का नाम; कौआ, काक।
आवरिंदः (آورندہ) फा. वि.–लानेवाला; आक्रमण करनेवाला, हम्लाआवर।
आवर्दः (آوردہ) फा. वि.–लाया हुआ, (प्र.) किसी का ख़ास व्यक्ति; किसी का सिफ़ारिशी; किसी का दलाल; एजेंट।
आवर्द (آورد) फा. स्त्री.–'आमद' का उलटा, वह विचार जो कविता में सोच-साच कर लाया गया हो, मस्तिष्क में तुरंत न आया हो।
आवर्दनी (آوردنی) फा. वि.–लाने योग्य।
आवा (آوا) फा. स्त्री.–'आवाज़' का लघु., स्वर, शब्द, नाद, आवाज़।
आवाज़ः (آوازہ) फा. पुं.–यशोध्वनि, कीर्ति की धूम, शुह्रत, नामवरी।
आवाज़ (آواز) फा. स्त्री.–स्वर, शब्द, नाद, ध्वनि, बोली।
आवाज़े पा (آواز پا) फा. स्त्री.–पाँव की आहट, पगध्वनि।
आवाज़े बाज़गश्त (آواز بازگشت) फा. स्त्री.–प्रतिध्वनि, प्रतिशब्द, प्रतिवाद, टकराकर लौटी हुई आवाज़।
आवान (آوان) अ. पुं.–'आन' का बहु. बहुत से काल।
आ'वान (اعوان) अ. पुं.–'औन' का बहु. सहायकगण, मदद करनेवाले।
आवारः (آوارہ) फा. वि.–बदचलन, कदाचारी, दुश्चरित्र; बेकार घूमनेवाला, व्यर्थ भ्रमण करनेवाला; जिसका किसी एक स्थान पर ठिकाना न हो, संचारजीवी।
आवारः गर्द (آوارہ گرد) फा. वि.–व्यर्थ में इधर-उधर मारा-मारा फिरनेवाला, व्यर्थ भ्रमणशील।

आवारः गर्दी (آوارہ گردی) फा. स्त्री.—व्यर्थ में इधर-उधर घूमना।

आवारः मनिश (آوارہ منش) फा. वि.—बदचलन, कुमार्गी; व्यर्थ भ्रमण करनेवाला, आवारा गर्द।

आवारः मिज़ाज (آوارہ مزاج) फा. अ. वि.—दे. 'आवारः मनिश', दुष्टप्रकृति, दुश्शील।

आवारः मिज़ाजी (آوارہ مزاجی) फा. स्त्री.—बदचलनी; व्यर्थ भ्रमण, आवारागर्दी।

आवारः वतन (آوارہ وطن) फा. अ. वि.—जो अपना घर-बार छोड़कर परदेश में मारा फिर रहा हो, प्रवासी, परदेशी।

आवारगी (آوارگی) फा. स्त्री.—बेकार इधर-उधर फिरना; दुराचार, बदचलनी।

आविनः (آونہ) अ. पुं.—'अवान' का बहु., समय और काल।

आवेख़्तः (آویختہ) फा. वि.—लटका हुआ; लटकाया हुआ।

आवेख़्तनी (آویختنی) फा. वि.—लटकने योग्य, लटकाने योग्य।

आवेज़ः (آویزہ) फा. पुं.—कान का बुंदा, लोलक, लटकन।

आवेज़ (آویز) फा. प्रत्य.—लटकन या लटकानेवाला जैसे दिलआवेज़ दिल को लटकानेवाला अर्थात् सुंदर।

आवेज़ए गोश (آویزۂ گوش) फा. पुं.—कान का लटकन, बुंदा, लोलक।

आवेज़िंदः (آویزندہ) फा. वि.—लिपटनेवाला, लटकनेवाला; लिपटानेवाला, लटकानेवाला।

आवेज़िश (آویزش) फा. स्त्री.—लाग-डाँट, चढ़ा-ऊपरी; गुत्थमगुत्था, हाथापाई; युद्ध, लड़ाई।

आश (آش) फा. पुं.—वह पतला खाद्य पदार्थ जो पिया जा सके, पेय।

आशपुज़ (آش پز) फा. वि.—रसोइया, बावर्ची।

आ'शा (اعشیٰ) अ. वि.—रतौंधी का रोगी, रात्र्यंध, शबकोर।

आशाम (آشام) फा. पुं.—चावल की पीच; भोजन, खुराक; खीर, (प्रत्य.) 'पीनेवाला', जैसे 'मय आशाम' शराब पीनेवाला, मद्यप।

आशामिदः (آشامدہ) फा. वि.—पीनेवाला।

आशामीदः (آشامیدہ) फा. वि.—पिया हुआ, जो पिया गया हो।

आशामीदनी (آشامیدنی) फा. वि.—पीने योग्य, पेय।

आशिक़ (عاشق) अ. वि.—प्रेमी, अनुरागी, मुहिब; व्यसनी, लती।

आशिक़ मिज़ाज (عاشق مزاج) अ. वि.—जिसके स्वभाव में प्रेम अधिक हो, और जो हर सुंदर व्यक्ति से प्रेम करने के लिए तत्पर रहता हो, प्रेमप्रवण।

आशिक़ानः (عاشقانہ) अ. फा. वि.—प्रेमियों जैसा; प्रेमपूर्ण, प्रेम के भावों से भरा हुआ।

आशिक़ी (عاشقی) अ. स्त्री.—प्रेम, अनुराग, स्नेह, चाहत, इश्क़।

आशिर (عاشر) अ. वि.—दसवाँ, दसवाँ भाग।

आशुफ़्तः (آشفتہ) फा. वि.—अस्त-व्यस्त, तितर-बितर; आतुर, व्याकुल, परीशान।

आशुफ़्तः ख़याल (آشفتہ خیال) फा. अ. वि.—जिसके विचार अस्त-व्यस्त हों, व्यस्तविचारवान्; प्रेमी, आशिक़।

आशुफ़्तः ख़ातिर (آشفتہ خاطر) फा. अ. वि.—जिसका मन एकाग्र न हो, उद्विग्नचित्त; जिसका दिल परेशान हो; प्रेमी।

आशुफ़्तः तब्अ (آشفتہ طبع) फा. अ. वि.—दे. 'आशुफ़्तः ख़ातिर'।

आशुफ़्तः नवा (آشفتہ نوا) फा. वि.—व्यर्थ की बकवाद करनेवाला, अनर्थ भाषी; प्रेमी।

आशुफ़्तः बयाँ (آشفتہ بیاں) फा. अ. वि.—दे. 'आशुफ़्तः नवा'।

आशुफ़्तः मिज़ाज (آشفتہ مزاج) फा. अ. वि.—जिसका चित्त परेशान हो, उद्विग्नचित्त; जिसका मन एकाग्र न हो; प्रेमी।

आशुफ़्तः मू (آشفتہ مو) फा. वि.—बाल बिखेरे हुए; शोकग्रस्त, रंजीदा, प्रेमी।

आशुफ़्तः रोज़गार (آشفتہ روزگار) फा. वि.—समय जिसके प्रतिकूल हो, दुःखी, कालचक्र-ग्रस्त।

आशुफ़्तः सर (آشفتہ سر) फा. वि.—जिसका सिर फिर गया हो, विक्षिप्त, पागल; प्रेमी।

आशुफ़्तः हाल (آشفتہ حال) फा. वि.—कालचक्र-ग्रस्त, हतभाग्य, मुसीबत में फँसा हुआ; प्रेमी।

आशुफ़्तगी (آشفتگی) फा. स्त्री.—उद्विग्नता, व्यग्रता, परेशानी; बौखलाहट, बदहवासी।

आशूर (عاشور) अ. पुं.—दे. 'आशूरा'।

आशूरा (عاشورا) अ. पुं.—मुहर्रम की दसवीं तारीख़।

आशोब (آشوب) फा. पुं.—हलचल, उथल-पुथल; उपद्रव, बलवा; विप्लव, इन्क़िलाब।

आशोब कदः (آشوب کدہ) फा. पुं.—दे. 'आशोब गाह'।

आशोबगाह (آشوبگاہ) फा. स्त्री.—हलचल और झगड़े-फ़साद का स्थान, अर्थात् संसार।

आशोबिदः (آشوبندہ) फा. वि.—परेशान होनेवाला; मोहित होनेवाला।

आशोबीदः (آشوبیدہ) फा. वि.—उद्विग्न, व्याकुल, परेशान; मुग्ध, आसक्त, फ़रेफ़्तः।

आशोबे आगही (آشوب آگہی) फा. पुं.–माया-जाल, मोह-बंधन, संसार के झगड़े ।

आशोबे चश्म (آشوب چشم) फा. पुं.–आँखें दुखने का रोग, नेत्राभिष्यंद ।

आशोबेदह्र (آشوب دہر) फा. अ. पुं.–सांसारिक उथल-पुथल, इन्क़िलाबात ज़माना ।

आशोबे रोज़गार (آشوب روزگار) फ़ा. पुं.–दे. 'आशोबे दह्र' भाग्यचक्र की उथल-पुथल ।

आशोरदः (آشورده) फा. वि.–गूँधा हुआ, मिलाया हुआ; ख़मीर किया हुआ ।

आश्कार (آشکار) फा. वि.–दे. 'आश्कारा' ।

आश्कारा (آشکارا) फा. वि.–व्यक्त, प्रकट, ज़ाहिर; स्पष्ट; साफ़ ।

आश्ती (آشتی) फा. स्त्री.–मित्रता, दोस्ती; शांति, सुकून; संधि, सुलह ।

आश्तीकोश (آشتی کوش) फा. वि.–मित्रता के लिए कोशिश करनेवाला, शान्ति के लिए यत्नवान् ।

आश्ती ख़ू (آشتی خو) फा. वि.–जो स्वभावतः मित्रता और शांति चाहता हो, शांतप्रकृति ।

आश्ती पसंद (آشتی پسند) फा. वि.–जिसे शांति पसंद हो, जो अमन चाहता हो; जो मित्रता और संधि पसंद करता हो, शांतिप्रिय, संधिप्रेमी ।

आश्ना (آشنا) फा. पुं.–मित्र, सुहृद्, दोस्त; जार, उपपति, यार; परिचित, जानकार, वाक़िफ़ ।

आश्नाई (آشنائی) फा. स्त्री.–मैत्री, दोस्ती; नाजाइज़ सम्बन्ध, जारत्व ।

आश्ना फ़रोशी (آشنا فروشی) फा. स्त्री.–मित्र की उसके मुंह पर प्रशंसा करना ।

आश्ना रू (آشنا رو) फा. वि.–जो सूरत पहचानता हो, सूरत आश्ना, मुखचर्या-निरीक्षक ।

आश्ना सूरत (آشنا صورت) फा. अ. वि.–जिसकी शक्ल पहचानी हुई हो; जिसे पहले देखा हो, पर उससे परिचय न हो, परिचित-मुख ।

आश्नाह (آشناہ) फा. स्त्री.–तैरना, पैरना, पैराकी, तैराकी; (वि.) तैरनेवाला, तैराक, पैराक ।

आश्माली (آشمالی) फा. स्त्री.–चापलूसी, चाटुकारिता, ख़ुशामद ।

आश्याँ (آشیاں) फा. पुं.–घोंसला, नीड़, कुलाय ।

आश्यानः (آشیانہ) फा. पुं.–दे. 'आश्याँ' ।

आस (آس) फा. स्त्री.–चक्की, पेषणी; ताश, गंज्फ़ः।

आस (آس) अ. पुं.–एक पेड़ जिसके फल और पत्ते दवा में प्रयुक्त होते हैं ।

आस [स्स] (عاس) अ. पुं.–रात में पहरा और गश्त देनेवाला ।

आसफ़ (آصف) अ. पुं.–हज़रत सुलेमान का वज़ीर जो बहुत ही बुद्धिमान् और निपुण था ।

आसाँ (آساں) फा. वि.–'आसान' का लघु., दे. आसान ।

आसा (آسا) फा. अव्य.–समान, तुल्य, वत्, संज्ञा के अंत में आकर अर्थ देता है, जैसे–हबाब आसा, बुलबुले के सदृश ।

आसाइंदः (آسائندہ) फा. वि.–आराम पानेवाला, सुख पानेवाला ।

आसाइश (آسائش) फा. स्त्री.–सुख, चैन, आराम; सुगमता, सुविधा, सुहूलत; समृद्धि, ख़ुशहाली ।

आसाईदः (آسائیدہ) फा. वि.–आराम पाया हुआ, जिसे सुख मिला हो ।

आसाईदनी (آسائیدنی) फा. वि.–सुख पाने योग्य ।

आसान (آسان) फा. वि.–सुगम, सरल, सुकर, सहज, सहल ।

आसान पसंद (آسان پسند) फा. वि.–जो हर काम में सुविधा चाहता हो, परिश्रम या झंझट के काम से घबरानेवाला ।

आसानी (آسانی) फा. स्त्री.–सुविधा, सुगमता, सरलता, सुकरता, सुहूलत ।

आसानी पसंद (آسانی پسند) फा. वि.–दे. 'आसान पसंद' ।

आ'साब (اعصاب) अ. पुं.–'असब' का बहु., पट्ठे, स्नायु-समूह ।

आसायश (آسایش) फा. स्त्री.–दे. 'आसाइश', वही शुद्ध है ।

आसार (آثار) अ. पुं.–'असर' का बहु., लक्षण, अलामतें; चिह्न, निशानात; दीवाल की चौड़ाई; पुरानी इमारतों के खंडहर ।

आसारुस्सनादीद (آثارالصنادید) अ. पुं.–पूर्वजों की निशानियाँ ।

आसारे क़दीमः (آثار قدیمہ) अ. पुं.–पुरानी क़ाबिले यादगार इमारतों के अवशेष, भग्नावशेष ।

आसारे क़ियामत (آثار قیامت) अ. पुं.–महाप्रलय के लक्षण; कोई बहुत ही भयानक घटना होने के लक्षण ।

आसाल (آصال) अ. पुं.–'असील' का बहु., संध्याएँ, शाम के वक्त ।

आसास (آساس) अ. पुं.–'असस्' का बहु., नीवें, बुनियादें ।

आसिफ़ (عاصف) अ. पुं.–आँधी, झक्कड़; लक्ष्य से हटनेवाला वाण; जिस दिन तेज़ आँधी चले; तेज़ उड़ने वाला शुतुरमुर्ग ।

आसिम (عاصم) अ. वि.–अलग रखनेवाला, बाज़ रखनेवाला; पत्नीव्रत, पाकदामन।

आसिम (آثم) अ. वि.–पापी, पातकी, गुनहगार।

आसिम (عاتم) अ. वि.–देर लगानेवाला, विलंब करनेवाला, दीर्घसूत्री।

आसियः (آسیہ) अ. स्त्री.–फ़िरऔन की स्त्री का नाम।

आसिया (آسیا) फ़ा. स्त्री.–चक्की, पेषणी, "सुन अयजुनूने-इश्क़ तुझे इसमें क्या मिला–मानिंद आसिया के घुमाया किया मुझे।"

आसियाए आब (آسیاۓ آب) फ़ा. स्त्री.–पानी से चलनेवाली चक्की, पनचक्की, जलपेषणी।

आसियाए बाद (آسیاۓ باد) फ़ा. स्त्री.–वायु के वेग से चलनेवाली चक्की, पवन चक्की, पवन-पेषणी।

आसिया ज़नः (آسیازنہ) फ़ा. पुं.–चक्की टाँकने की छेनी।

आसियाब (آسیاب) फ़ा. स्त्री.–पानी की चक्की, जलपेषणी।

आसिल (عاسل) अ. वि.–शहद जमा करनेवाला, शहद निकालनेवाला; (पुं.) ज़ोर से चलाया हुआ भाला।

आसी (آسی) अ. वि.–दुःखित, ग़मगीन; वह वैद्य या हकीम जो रास्ते में दुकान लगाता है; उर्दू के एक सुविख्यात दार्शनिक शायर।

आसी (عاسی) अ. वि.–बहुत ही बूढ़ा, वृद्धतम।

आसी (عاصی) अ. वि.–पातकी, पापी, पापाचारी, गुनाहगार।

आसीमः (آسیمہ) फ़ा. वि.–स्तब्ध, चकित, शशदर; आतुर, उद्विग्न, व्याकुल, परेशान।

आसूदः (آسودہ) फ़ा. वि.–धनवान्, समृद्ध, खुशहाल; संतुष्ट, मुत्मइन; पेट भरा हुआ, अघाया हुआ।

आसूदः ख़ातिर (آسودہ خاطر) फ़ा. अ. वि.–जिसका मन भर गया हो, परितृप्त।

आसूदः दिल (آسودہ دل) फ़ा. वि.–जिसे पूर्ण संतोष प्राप्त हो, जिसका मन अघाया हुआ हो।

आसूदः हाल (آسودہ حال) फ़ा. अ. वि.–धन-धान्य से परिपूर्ण।

आसूदगी (آسودگی) फ़ा. स्त्री.–संतोष, तृप्ति, इत्मीनान; समृद्धि, धन-संपन्नता, खुशहाली; पेट भरा होना।

आसूदनी (آسودنی) फ़ा. वि.–आसूदः होने के क़ाबिल, तृप्त होने योग्य।

आसेब (آسیب) फ़ा. पुं.–प्रेत-बाधा, भूत-प्रेत, जिन-परी, कोई बड़ा अनिष्ट, ख़त्रः (ख़तरा)।

आसेबज़दः (آسیب زدہ) फ़ा. वि.–जिस पर जिन या भूत का खलल हो, प्रेतबाधा-ग्रस्त, भूताविष्ट।

आसेबे बाद (آسیب باد) फ़ा. पुं.–बगूला, वातचक्र, चक्रवात, वातावर्त्त, बवंडर।

आस्तर (آستر) फ़ा पु.–दोहरे कपड़े में नीचे वाला कपड़ा, अस्तर।

आस्ताँ (آستاں) फ़ा. पुं.–चौखट, देहलीज़; ड्योढ़ी; किसी ऋषि का आश्रम या वली की खानक़ाह।

आस्तानः (آستانہ) फ़ा. पुं.–दे. 'आस्ताँ', "नसीब हो न सकी दौलते क़दमबोसी–अदब से चूम के हज़रत का आस्तानः चले।"

आस्ताने यार (آستان یار) फ़ा. पुं.–प्रेमिका के मकान की चौखट, प्रेमिका का निवासस्थान।

आस्तीं (آستیں) फ़ा. स्त्री.–आस्तीन का लघु., दे. 'आस्तीन'।

आस्तीन (آستین) फ़ा. स्त्री.–कुर्ते, अँगरखे या कोट का वह भाग, जो बाँहों को छिपाता है।

आस्माँ (آسماں) फ़ा. पुं.–'आस्मान' का लघु., दे. 'आस्मान'।

आस्माँ क़द्र (آسماں قدر) फ़ा. अ. वि.–बहुत ऊँची पदवीवाला, बहुत अधिक प्रतिष्ठित, सर्वोच्च प्रतिष्ठित, उच्चासनासीन।

आस्माँजाह (آسماں جاہ) फ़ा. वि.–दे. 'आस्माँ क़द्र'।

आस्माँ रस (آسماں رس) फ़ा. वि.–आकाश तक पहुँचनेवाला, गगनस्पर्शी।

आस्माँ रिफ़अत (آسماں رفعت) फ़ा. अ. वि.–दे. 'आस्माँ क़द्र'।

आस्माँ शिगाफ़ (آسماں شگاف) फ़ा. वि.–आकाश को फाड़ देनेवाला, गगनभेदी।

आस्माँ सैर (آسماں سیر) फ़ा. अ. वि.–आकाश पर उड़नेवाला, गगनभ्रमी, गगनचारी, आकाशगामी।

आस्मानः (آسمانہ) फ़ा. पुं.–छत।

आस्मान (آسمان) फ़ा. पु.–आकाश, गगन, अंबर, नभ, व्योम, फ़लक, चर्ख़।

आहंग (آہنگ) फ़ा. पुं.–संकल्प, निश्चय, इरादा; गान, राग, नग़्मः; समय, काल, वक़्त।

आहंज (آہنج) अ. पुं.–दे. 'आहंग'।

आह (آہ) फ़ा. स्त्री.–हृदय से निकलनेवाला आर्तनाद, उच्छ्वास; हाय, अफ़सोस।

आहक (آہک) फ़ा. पुं.–चूना, जला हुआ पत्थर।

आहन (آہن) फ़ा. पुं.–लोह, लौह, अय, लोहा।

आहन गर (آہن گر) फ़ा. वि.–लोहार, लौहकार, अयस्कार।

आहन रुबा (آهن ربا) फा. पुं.–चुंबक पत्थर, मक़्नातीस।

आहनीं (آهنیں) फा. वि.–लोहे का; लोहे का बना हुआ, लोहमय; लोहे जैसा।

आहनीं अज़्म (آهنیں عزم) फा. अ. वि.–लोहे की तरह अटूट निश्चयवाला, वह व्यक्ति जो अपने संकल्प पर अटल रहे।

आहनीं जिगर (آهنیں جگر) फा. वि.–लोहे जसे कठोर हृदयवाला, निर्दय, दयाशून्य, संगदिल, वीर।

आहनी (آهنی) फा. वि.–लोहे का; लोहे का बना हुआ।

आहर्मन (آهرمن) फा. पुं.–'अहरमन' पारसियों का बदी का ख़ुदा।

आहा (آها) फा. अव्य.–वाह-वाह, साधु-साधु।

आहाद (آحاد) अ. पुं.–'अहद' का बहु., दवाइयाँ।

आहार (آهار) फा. पुं.–लेई, जिससे काग़ज़ आदि चिपकाते हैं; खाना, भोजन।

आहिरः (عاهره) अ. स्त्री.–व्यभिचारिणी, कुलटा, ज़ानियः।

आहिर (عاهر) अ. वि.–व्यभिचारी, विषयी, ज़ानी।

आहिल (آهل) अ. पुं.–जहाँ किसी के बाल-बच्चे हों।

आहिल (عاهل) अ. स्त्री.–वे शौहरवाली स्त्री; सम्राट्, महाराज, शहंशाह; जिसका कोई स्वामी न हो, जो अपना ख़ुद मालिक हो, ख़ुदमुख़्तार।

आहिस्तः (آهسته) फा. वि.–मंद, धीमा; शनैः शनैः, धीरे-धीरे।

आहिस्तःकार (آهسته‌کار) फा. वि.–बहुत धीरे-धीरे काम करनेवाला, दीर्घसूत्री।

आहिस्तःख़िराम (آهسته‌خرام) फा. वि.–धीरे-धीरे चलनेवाला, मंदगामी, मृदुलगति, शनैःगामी।

आहिस्तःरवी (آهسته‌روی) फा. स्त्री.–धीरे-धीरे चलना।

आहिस्तःरौ (آهسته‌رو) फा. वि.–धीरे-धीरे चलनेवाला, मंदगति, मंदगामी।

आहिस्तगी (آهستگی) फा. स्त्री.–मंदता, धीमापन; मृदुलता, मुलायमपन; गंभीरता, धैर्य, मलानत, तहम्मुल।

आहू (آهو) फा. पुं.–मृग, हरिण, हिरन; छिद्र, दोष, ऐब।

आहूए रम ख़ुर्दः (آهوے رم خورده) फा. पुं.–भागा हुआ हिरन।

आहूगीर (آهوگیر) फा. वि.–हिरन पकड़नेवाला, व्याध; छिद्रान्वेषी, दोष पकड़नेवाला, ऐबचीं।

आहूचश्म (آهوچشم) फा. वि.–हिरन-जैसी आँखोंवाली सुन्दरी, मृगनयनी, मृगाक्षी; हिरन-जैसी आँखोंवाला मनुष्य, मृगनयन।

आहूनिगाह (آهو نگاه) फा. वि.–दे. 'आहूचश्म'।

आहूपरस्ती (آهو پرستی) फा. स्त्री.–हिरन पकड़ने या मारने का शौक़, मृगया-प्रेम।

आहू बचः (آهو بچه) फा. पुं.–हिरन का बच्चा, मृग-शावक।

आहू बरः (آهو بره) फा. पुं.–दे. 'आहू बचः'।

आहू शिकार (آهو شکار) फा. वि.–हिरन का शिकार करनेवाला, व्याध, बहेलिया; बड़ी-बड़ी आँखोंवाली सुन्दरी, जो हिरनों को मुग्ध कर ले।

आहेख़्तः (آهیخته) फा. वि.–लटकाया हुआ; खींचा हुआ।

आहेख़्तनी (آهیختنی) फा. वि.–लटकाने के योग्य; खींचने योग्य, आकर्षणीय।

आहेज़ीदः (آهیزیده) फा. वि.–लटकाया हुआ; खींचा हुआ।

आहे नीम कश (آهِ نیم کش) फा. स्त्री.–वह आह जो बदनामी के भय से खुलकर न खींची जाय, अर्धोच्छ्वास।

आहे नीम शबी (آهِ نیم شبی) फा. स्त्री.–वह आह जो आधी रात को जब सब सोते हैं खींची जाय, विरह की रात में खींची जानेवाली आह।

आहोज़ारी (آه‌وزاری) फा. स्त्री.–रोना-धोना, रोना-पीटना, विलाप।

आहोबुका (آه‌وبکا) फा. अ. स्त्री.–दे. 'आहोज़ारी'।

इ

इंजाज़ (انجاز) अ. पुं.–प्रतिज्ञा पूरी करना, प्रतिज्ञापूर्ति, वादा वफ़ा करना; किसी की ज़रूरत पूरी करना।

इंज़ाज (انضاج) अ. पुं.–पकाना; फल को पाल आदि द्वारा पकाना; शरीर की दूषित धातुओं को दवाओं द्वारा पकाकर इस क़ाबिल करना कि वे शरीर से निकाली जा सकें; दवाओं द्वारा गाढ़े माद्दे को पतला और पतले को गाढ़ा करना।

इंज़ाम (انظام) अ. पुं.–सजाना, सँवारना, व्यवस्थित करना क्रम से लगाना, विभूषित करना।

इंज़ार (انظار) अ. पुं.–मोहलत देना, छुट्टी देना।

इंज़ार (انزار) अ. पुं.–डराना, त्रास देना; डरना, ख़ौफ़ खाना।

इंज़ाल (انزال) अ. पुं.–नीचे उतरना; नीचे उतारना; स्त्री-प्रसंग अथवा स्वप्न में वीर्यपात होना।

इंजास (انجاس) अ. पुं.–अपवित्र करना, गंदा करना।

इंजाह (انجاح) अ. पुं.–इच्छा पूरी करना, हाजतबरारी करना; इच्छा पूरी होना।

इंजाहे मराम (انجاحِ مرام) अ. पुं.–मनोकामना सिद्ध होना, मनोरथपूर्ति, दिली मुराद बर आना।

इंजिज़ाब (انجذاب) अ. पुं.–जज़्ब होना, आत्मसात् होना; आकृष्ट होना, खिंचना।

इंज़िबात (انضباط) अ. पुं.–दृढ़ता, मज़बूती; नियमबद्धता, बाक़ाइदगी।
इंजिमाद (انجماد) अ. पुं.–जम जाना, जमकर ठोस होना, बस्तः होना।
इंज़िमाम (انضمام) अ. पुं.–जुड़ना, सटना, युक्त होना; मिश्रित होना, मिलना।
इंज़ियाग़ (انزیاغ) अ. पुं.–यथार्थ को छोड़कर अनृत (झूठ, मिथ्या) की ओर झुकना।
इंजिला (انجلا) अ. पुं.–चमकना, प्रकाशमान होना; घर या देश से निकलना; बादल का छँटना; दुःख का दूर होना।
इंजिलाब (انجلاب) अ. पुं.–आकृष्ट होना, खिंचना।
इंज़िवा (انزوا) अ. पुं.–एकान्तवासी होना, गोशःनशीनी करना; एकान्त, गोशः, तनहाई।
इंज़िहाक़ (انزهاق) अ. पुं.–नष्ट होना, बरबाद होना; मर जाना; हलाक होना।
इंजीर (انجیر) अ. पुं.–एक प्रसिद्ध फल, अंजीर। (यह उच्चारण अशुद्ध है।)
इंजील (انجیل) अ. स्त्री.–ईसाइयों की मुख्य धार्मिक पुस्तक, बाइबिल।
इंतिआश (انتعاش) अ. पुं.–ऊपर उठना, बलंद होना; समृद्ध होना, खुशहाल होना।
इंतिक़ा (انتقا) अ. पुं.–चुनना, बीनना; स्वीकार करना, क़बूल करना।
इंतिक़ाअ (انتقاع) अ. पुं.–मुँह फेर लेना, पराङ्मुख होना।
इंतिक़ाज़ (انتقاض) अ. पुं.–प्रतिज्ञा आदि भंग करना।
इंतिक़ाद (انتقاد) अ. पुं.–नक़्द लेना; भुस में से अनाज के दाने अलग करना; जाँचना, परखना; आलोचना करना, तनक़ीद करना; आलोचना, तनक़ीद।
इंतिकाफ़ (انتكاف) अ. पुं.–किसी वस्तु का घृणास्पद होना।
इंतिक़ाम (انتقام) अ. पुं.–दुश्मनी चुकाना, वैरशुद्धि; बदी का बदला लेना, प्रत्यपकार।
इंतिक़ामानः (انتقامانہ) अ. फा. वि.–इंतिक़ाम से भरा हुआ; इंतिक़ाम का ध्यान रखते हुए, शत्रुतापूर्ण।
इंतिक़ाल (انتقال) अ. पुं.–एक स्थान से दूसरे स्थान को जाना; मरना, मृत्यु; एक से दूसरे को पहुँचना।
इंतिक़ाले अराज़ी (انتقال اراضی) अ. पुं.–ज़मीन का एक के पास से दूसरे की मिलकियत में चला जाना।
इंतिक़ाले ज़िहनी (انتقال ذهنی) अ. पुं.–ख़याल का एक ओर से दूसरी ओर जाना, कुछ सोचते हुए कुछ सोचने लगना। किं कर्तव्य विमूढ़ता
इंतिक़ाश (انتقاش) अ. पुं.–साकार होना; काँटा निकालना; मोचने से बाल उखेड़ना।
इंतिकास (انتكاس) अ. पुं.–उलटा होना, औंधा होना; उलटा, औंधा, अधोमुख।
इंतिकास (انتكاث) अ. पुं.–वादा पूरा न करना, प्रतिज्ञा भंग करना।
इंतिक़ास (انتقاص) अ. पुं–कम करना; कम होना।
इंतिख़ाब (انتخاب) अ. पुं.–बहुतों में से थोड़ा-सा छाँट लेना; चुनना, बीनना; चुनाव, निर्वाचन, एलेक्शन, खतियौनी के किसी कागज की बाज़ाब्ता नक़ल।
इंतिख़ाबे जुदागानः (انتخاب جداگانہ) अ. फा. पुं.–ऐसा चुनाव जो साम्प्रदायिक आधार पर हो, अर्थात् जिसमें मुसलमान मुसलमानों को, हिन्दू हिन्दुओं को, ईसाई ईसाइयों को वोट दें, पृथक् निर्वाचन।
इंतख़ाबे मख़्लूत (انتخاب مخلوط) अ. पुं.–वह चुनाव जिसमें सब मिलकर वोट दें, संयुक्त निर्वाचन।
इंतिजा (انتجا) अ. पुं.–किसी को अपना भेदी बनाना।
इंतिज़ाअ (انتزاع) अ. पुं.–उखड़ना, अस्त-व्यस्त होना; इन्क़िलाब होना, विप्लव होना।
इंतिज़ाए सल्तनत (انتزاع سلطنت) अ. पुं.–राज्य का उथल-पुथल होना, मुल्क में इन्क़िलाब आना, राज्यक्रांति।
इंतिजाब (انتجاب) अ. पुं.–प्रतिष्ठित होना, सम्मानित होना, श्रेष्ठ होना।
इंतिज़ाम (انتظام) अ. पुं.–काम का दुरुस्त होना; काम का दुरुस्त करना; प्रबंध करना; बंदोबस्त करना; प्रबंध, बंदोबस्त।
इंतिज़ार (انتظار) अ. पुं.–राह देखना, प्रतीक्षा करना; आस लगाना, सहारा देखना; प्रतीक्षा।
इंतिताह (انتطاح) अ. पुं.–गाय-भैंस आदि का किसी को सींग मारना।
इंतिदाब (انتداب) अ. पुं.–किसी काम के लिए बुलाना; अपना प्रतिनिधि बनाना; प्रतिनिधित्व, नियाबत।
इंतिफ़ा (انتفا) अ. पुं.–नष्ट करना; नष्ट होना।
इंतिफ़ा (انطفا) अ. पुं.–आग का बुझना; चिराग़ का गुल होना।
इंतिफ़ाअ (انتفاع) अ. पुं.–लाभ उठाना, नफ़ा हासिल करना।
इंतिफ़ाख़ (انتفاخ) अ. पुं.–पेट फूलना, अफार होना; किसी चीज में हवा भरना, आनाह, आध्मान।
इंतिफ़ाश (انتفاش) अ. पुं.–मवेशियों को रात में चरागाह में छोड़ देना बिना रखवाले के।
इंतिबाअ (انطباع) अ. पुं.–छपना, मुद्रित होना; कोई

चित्र या लेख दूसरी चीज़ पर ज्यों का त्यों उतरना, यथावत् अवतरण, यथानुरूप चित्रण।

इंतिबाक़ (انطباق) अ. पुं.–एक दूसरे में मिलना, जुड़ना; घटित होना, मुताबिक़ होना।

इंतिबाश (انتباش) अ. पुं.–नंगा करना, कपड़े उतारना; क़ब्र में से मुर्दे का कफ़न उतार लेना, कफ़न चुराना।

इंतिबाह (انتباہ) अ. पुं.–चेतावनी देना, तंबीह करना; चेतावनी, तंबीह।

इंतिमा (انتما) अ. पुं.–किसी से सम्बन्धित होना; विकसित होना, (प्रत्य.) अधिक या विकसित करनेवाला जैसे 'सआदत इंतिमा' सआदत बढ़ानेवाला, 'लुत्फ़-इंतिमा' आनन्दवर्धक।

इंतिमास (انطماس) अ. पुं.–लुप्त होना, ग़ायब होना।

इंतियाअ (انتياع) अ. पुं.–समस्या का हल होना; बहना, प्रवाहित होना।

इंतिलाक़ (انطلاق) अ. पुं.–जाना, गमन करना।

इंतिवा (انطوا) अ. पुं.–लिपटा हुआ होना।

इंतिशार (انتشار) अ. पुं.–तितर-बितर होना, अस्त-व्यस्त होना; अस्त-व्यस्तता, गड़बड़; घबराहट, परेशानी, बेचैनी; लिंगेंद्रिय का खड़ा होना।

इंतिसाक़ (انتساق) अ. पुं.–व्यवस्था ठीक करना, प्रबंध दुरुस्त करना; क्रमबद्ध करना, तर्तीब देना; शैली, ढंग, तरीक़ा; प्रबंध, इंतिज़ाम।

इंतिसाख़ (انتساخ) अ. पुं.–किसी लेख आदि की नकल लेना।

इंतिसाफ़ (انتصاف) अ. पुं.–न्याय पाना, न्याय के अनुसार काम होना; आधा-आधा होना; आधा पाना।

इंतिसाब (انتساب) अ. पुं.–किसी वस्तु को किसी से संबंधित करना; किसी पुस्तक आदि को किसी के नाम समर्पित करना; डेडीकेशन, समर्पण।

इंतिसाब (انتصاب) अ. पुं.–होना, उठ खड़ा होना, बरपा होना।

इंतिसाम (انتسام) अ. पुं.–सुगंधित पदार्थ सूंघना, सुगंध लेना, ख़ुशबू सूंघना।

इंतिसाल (انتسال) अ. पुं.–वंश का आगे चलना, लड़का उत्पन्न होना, वंशवृद्धि।

इंतिसाह (انتصاح) अ. पुं.–हित की बात सुनना, नसीहत मानना।

इंतिहा (انتہا) अ. स्त्री–पराकाष्ठा, आख़िरी हद; छोर, सिरा; अत्यधिक, बहुत ज़ियादा; चरम सीमा।

इंतिहाई (انتہائی) अ वि.–अत्यधिक, बहुत; आख़िरी हदवाला, अन्तवाला।

इंतिहाज़ (انتہاز) अ. पुं.–फ़ुर्सत पाना, अवसर प्राप्त होना; क़ाबू पाना, वस में लाना।

इंतिहाज़ (انتہاض) अ. पुं.–कूच करना, प्रस्थान करना; कूच, प्रस्थान; उठना, खड़ा होना।

इंतिहापसंद (انتہاپسند) अ. फा. वि.–हर काम को उसकी अन्तिम सीमा में पसंद करनेवाला; क्रान्ति और हिंसा द्वारा देश में इन्क़िलाब लाने का सिद्धान्त माननेवाला।

इंतिहापसंदी (انتہاپسندی) अ. फा. स्त्री.–क्रान्ति द्वारा देश में इन्क़िलाब लाने का सिद्धान्त मानना; हर काम को उसकी अंतिम सीमा में पसंद करना।

इंतिहाब (انتہاب) अ. पुं.–डाके आदि में लुट जाना; बरबाद हो जाना; ग़ारत करना, लूटना।

इंतिहार (انتہار) अ. पुं.–हाँपना, हाँफना।

इंतिहाल (انتحال) अ. पुं.–किसी दूसरे की कविता या लेख को अपना बताना।

इंदज़्ज़ुरूरत (عندالضرورت) अ. वि.–आवश्यकता पड़ने पर, जब ज़रूरत हो तब।

इंदत्तलब (عندالطلب) अ. वि.–माँगने के समय, जब माँगा जाय तब; एक प्रकार का ऋणपत्र जिसमें जिस समय माँगा जाय उसी समय रुपया देना ज़रूरी है।

इंदत्तहक़ीक़ (عندالتحقیق) अ. वि.–जाँच के समय; जाँच के अनुसार।

इंदन्नास (عندالناس) अ. वि.–आम जनता की राय में, सर्वसाधारण के नज़दीक।

इंदल्लाह (عنداللہ) अ. वि.–ईश्वर के नज़दीक, ख़ुदा के यहाँ।

इंदल्हाजत (عندالحاجت) अ. वि.–दे. 'इंदज़्ज़ुरूरत'।

इंदार (انذار) अ. पुं.–डालना।

इंदिक़ाक़ (اندقاق) अ. पुं.–कूटा जाना, कुटना।

इंदिफ़ाअ (اندفاع) अ. पुं.–दूर होना, दफ़ा होना, निराकरण होना।

इंदिबाग़ (اندباغ) अ. पुं.–चमड़ा पकाना और रँगना।

इंदिमाज (اندماج) अ. पुं.–घुसना; निकलना; किसी जगह मज़बूती से खड़ा होना।

इंदिमाल (اندمال) अ. पुं.–घाव का भरना, क्षतपूर्ति।

इंदियः (عندیہ) अ. पुं.–अभिप्राय, उद्देश, मक़सद; विचार, ख़याल।

इंदिराअ (اندراع) अ. पुं.–सामने आना, घटना का उपस्थित होना।

इंदिराज (اندراج) अ. पुं.–दर्ज होना, लिखा जाना; रजिस्टर आदि में लिखा जाना।

इंदिरास (اندراس) अ. पुं.–जीर्ण होना, पुराना होना; जीर्णता, पुरानापन; नष्ट होना।

इंदिलाअ (اندلاع) अ. पुं.–तोंद निकल आना, पेट बढ़ जाना।

इंदिलाक़ (اندلاق) अ. पुं.–उगल पड़ना।

इंदिलास (اندلاص) अ. पुं.–गिर पड़ना।

इंदिसास (اندساس) अ. पुं.–छुपना, छिपना, गुप्त होना; मिट्टी में छिपना।

इंबा (انبا) अ. पुं.–सूचना देना, ख़बर देना।

इंबात (انبات) अ. पुं.–उगना, जमना; उगाना।

इंबार (انبار) अ. पुं.–राशि, ढेर; ग़ल्ला (अनाज) जमा करने का स्थान (अंबार)।

इंबाह (انباه) अ. पुं.–जगाना, बेदार करना, सोते से उठाना।

इंबिआस (انبعاث) अ. पुं.–उत्थान, उठना; उत्तेजित होना, तेज़ होना।

इंबिग़ा (انبغا) अ. पुं.–पात्र होना, मुस्तहक़ होना; इच्छित होना, अभिलषित।

इंबिसात (انبساط) अ. पुं.–खुलना, शगुफ़्तः होना; आनंद, हर्ष, खुशी; गुस्ताख़ी, धृष्टता।

इंबिसास (انبثاث) अ. पुं.–तितर-बितर होना, मुंतशिर होना।

इंशा (انشا) अ. स्त्री.–लेख लिखना; लिखना, तहरीर करना; साहित्य, अदब; उत्पन्न करना; आरंभ करना।

इंशा अल्लाह (انشا الله) अ. फा. स्त्री.–दे. 'इन्शा अल्लाह'।

इंशाद (انشاد) अ. पुं.–कविता सुनाना, शेर पढ़ना।

इंशा पर्दाज़ (انشا پرداز) अ. फा. वि.–गद्य-लेखक, निबंध-कार, नस्रनिगार; साहित्यकार, अदीब।

इंशा पर्दाज़ी (انشا پردازی) अ. फा. स्त्री.–मज़्मून निगारी, निबंध-रचना।

इंशिक़ाक़ (انشقاق) अ. पुं.–फट जाना, तड़कना, शक़ होना, दरकना।

इंशिराह (انشراح) अ. पुं.–हृदय का खुल जाना, दिल का कुशादः हो जाना; चित्त की प्रसन्नता, मसर्रत।

इंशिराहे क़ल्ब (انشراح قلب) अ. पुं.–हृदय का इस प्रकार विकसित हो जाना कि सारी परोक्ष बातें ज्ञात हो जायें, दिव्य दृष्टि प्राप्त हो जाना, दैवी ज्ञान प्राप्त होना।

इंस (انس) अ. पुं.–लोग, मनुष्यवर्ग, यह शब्द बहुवचन के अर्थ में आता है, परन्तु इसका एकवचन नहीं है।

इंसा (انسا) अ. पुं.–भुला देना।

इंसाक़ (انساق) अ. पुं.–नियम और दस्तूर बनाना, किसी चीज को क़ायदे के अंदर लाना।

इंसान (انسان) अ. पुं.–मनुष्य, आदमी; मानव जाति, नौए इंसानी; सभ्य, शिष्ट, मुहज़्ज़ब; सज्जन, भलामानस, शरीफ़।

इंसानी (انسانی) अ. वि.–मानवीय, आदमी का; मनुष्य जैसा, आदमी की तरह का।

इंसानीयत (انسانیت) अ. स्त्री.–मानवता, आदमियत; सभ्यता, शिष्टता, तमीज़दारी।

इंसानेऐन (انسان عین) अ. पुं.–आँख की पुतली, कनीनिका।

इंसाफ़ (انصاف) अ. पुं.–न्याय, नीति, अद्ल।

इंसाफ़न (انصافاً) अ. वि.–इंसाफ़ से, न्यायतः, न्याय के अनुसार।

इंसाफ़ पसंद (انصاف پسند) अ. फा. वि.–न्याय की बात कहनेवाला, न्यायप्रिय, पक्षपात न करनेवाला।

इंसाफ़ पसंदी (انصاف پسندی) अ. फा. स्त्री.–न्यायप्रियता, न्याय की बात पसंद करना, पक्षपात न करना।

इंसिकाब (انسكاب) अ. पुं.–पानी गिरना; बहुत रोना।

इंसिदाअ (انصداع) अ. पुं.–फटना, बीच में दर्ज़ हो जाना।

इंसिदाद (انسداد) अ. पुं.–बंद होना, रुक जाना; निवारण, ख़ातिमा।

इंसिदादेजुर्म (انسداد جرم) अ. पुं.–जुर्मों का रुक जाना, चोरियाँ डकैतियाँ आदि न होना।

इंसिबाग़ (انصباغ) अ. पुं.–रंग चढ़ना, रंगीन होना, रँगा जाना।

इंसिबाब (انصباب) अ. पुं.–पानी या किसी पतली चीज़ का रसना या टपकना।

इंसियाक़ (انسياق) अ. पुं.–बहना, प्रवाहित होना, रवाँ होना।

इंसिराफ़ (انصراف) अ. पुं.–फिरना, लौट आना।

इंसिराम (انصرام) अ. पुं.–कटना, कटकर अलग होना; समाप्त होना, पूरा होना; प्रबंध, व्यवस्था, इंतिज़ाम।

इंसिलाक (انسلاک) अ. पुं.–एक चीज़ का दूसरी चीज में प्रवेश करना, घुसना।

इंसिलाब (انسلاب) अ. पुं.–नष्ट होना, ज़ाए जाना; खो जाना, गुम होना।

इंसिहाक़ (انسحاق) अ. पुं.–घिसा जाना।

इंसी (انسی) अ. पुं.–मनुष्य, आदमी; सीधी ओर, दाहिनी तरफ़; शरीर का भीतरी अवयव।

इआदः (اعاده) अ. पुं.–लौटकर आना, वापस आना, कही हुई बात को फिर से कहना; पुनरावृत्ति, दुहराना।

इआदत (عيادت) अ. स्त्री.–दे. 'एयादत'।

इआनत (اعانت) अ. स्त्री.–सहायता, मदद; सहयोग, तआवुन।

इआनते मुज्रिमानः (اعانت مجرمانه) अ. स्त्री.–किसी अवैध कार्य में सहायता, किसी काम में ऐसी मदद जो जुर्म हो।

इआर (عیار) अ. पुं.–कसौटी का कस, वानगी, चाशनी; सोना तौलने का काँटा।

इक़ाब (عقاب) अ. पुं.–यातना, कष्ट, दुख, तकलीफ़; पाप कष्ट, अज़ाब।

इकाफ़ (اکاف) अ. पुं.–घोड़े या गधे का पलान, (शिश्न)।

इक़ामत (اقامت) अ. स्त्री.–किसी स्थान पर ठहरना, रहना, बसना; क़ायम करना; नमाज़ के लिए तक्वीर।

इक़ामत पज़ीर (اقامت پزیر) अ. फा. वि.–जो कहीं ठहरा हुआ हो, जो कहीं रह रहा हो।

इक़ालः (اقالہ) अ. पुं.–बेची हुई चीज़ को आपस की रज़ामंदी से वापस ले लेना; किसी काम का विचार छोड़ देना।

इक़ालत (اقالت) अ. स्त्री.–दे. 'इक़ालः'।

इक़ित (اقط) अ. पुं.–दे. 'इक़्त'।

इक़्त (اقط) अ. पुं.–पनीर, शुष्क दही जिसमें नमक मिलाया गया हो, दे. 'इक़ित'। दोनों शुद्ध हैं।

इक़्आ (اقعا) अ. पुं.–मनुष्य का चूतड़ों के बल बैठना, जिसमें दोनों पिंडलियाँ खड़ी रहें।

इक़्तज़ा (اقتضا) अ. पुं.–इच्छा, आकांक्षा, चाह, ख्वाहिश; समय की माँग, वक़्त की ज़रूरत।

इक़्तज़ाज़ (اقتضاض) अ. पुं.–कुँआरी स्त्री के साथ संभोग।

इक़्तज़ाब (اقتضاب) अ. पुं.–काटना, टुकड़े करना।

इक़्तताफ़ (اقتطاف) अ. पुं.–मेवा चुनना; फल बीनना; फल पाना, समःर पाना।

इक्तताब (اکتتاب) अ. पुं.–किताब आदि में लिखना; चंदे की फ़ेहरिस्त खोलना।

इक्तताम (اکتتام) अ. पुं.–छुपाना, गोपन; गुप्ति, पोशीदगी; बालों में खिज़ाब लगाना।

इक़्तदार (اقتدار) अ. पुं.–सत्ता, प्रभुत्व, ताक़त; हुकूमत, राज, शासन; आतंक, रोबदाब; सम्मान, इज़्ज़त।

इक़्तदारे आ'ला (اقتدار اعلیٰ) अ. पुं.–राज्य के सर्वोच्च पदाधिकारियों की मंडली, हाई कमांड।

इक़्तदा (اقتدا) अ. पुं.–अनुकरण करना, पैरवी करना; अनुकरण, तक़्लीद; इमाम के पीछे नमाज़ पढ़ना।

इक़्तिना (اقتنا) अ. पुं.–किसी काम और व्यवसाय के लिए पूंजी इकट्ठी करना।

इक़्तिनाअ (اقتناع) अ. पुं.–निस्पृह रहना, जो कुछ मिल जाय उसी पर गुज़र करना, क़नाअत करना।

इक्तिनाफ़ (اکتناف) अ. पुं.–किसी की शरण लेना, पनाह में आना।

इक़्तिनास (اقتناس) अ. पुं.–शिकार करना; व्यवसाय करना, जीविका कमाना।

इक्तिनाह (اکتناہ) अ. पुं.–बात की तह-तक पहुँचना।

इक्तिफ़ा (اکتفا) अ. पुं.–पर्याप्त होना, काफ़ी होना।

इक़्तिफ़ा (اقتفا) अ. पुं.–अनुकरण; पैरवी।

इक़्तिफ़ाल (اقتفال) अ. पुं.–क़ुफ़्ल (ताला) में बंद होना, मुक़फ़्फ़ल होना।

इक़्तिबास (اقتباس) अ. पुं.–जल उठना, आग पकड़ लेना; रौशन होना, प्रकाशमान होना; किसी पुस्तक, लेख या काव्य-संग्रह में से आवश्यकतानुसार इबारत (वाक्य) या अश्आर अपनी किताब में देना, उद्धरण।

इक्तिमान (اکتمان) अ. पुं.–छुपना, छिपकर बैठना; छिपकर घात में बैठना; छिपाना।

इक्तियाब (اکتیاب) अ. पुं.–दुःखी होना, ग़मगीन होना।

इक़्तियास (اقتیاس) अ. पुं.–अनुकरण करना, पैरवी करना; अनुमान करना, क़ियास करना।

इक़्तिराज़ (اقتراض) अ. पुं.–उधार लेना, क़र्ज़ लेना।

इक़्तिरान (اقتران) अ. पुं.–समीप होना, निकट होना, पास-पास होना।

इक़्तिराब (اقتراب) अ. पुं.–समीप होना, क़रीब होना; पास आना; समीपता, नज़दीकी।

इक़्तिराह (اقتراح) अ. पुं.–पूछना, जिज्ञासा करना; प्रश्न करना, सवाल करना; इच्छा करना, चाहना।

इक्तिवा (اکتوا) अ. पुं.–बीमारी में किसी अंग को दाग़ना, दाग़ देना।

इक्तिशाफ़ (اکتشاف) अ. पुं.–प्रकट होना, खुलना, ज़ाहिर होना।

इक्तिसा (اکتسا) अ. पुं.–कपड़े पहनना।

इक़्तिसाद (اقتصاد) अ. पुं.–बीच की राह चलना; किफ़ायतशिआरी करना; अर्थ, रुपया।

इक़्तिसादी (اقتصادی) अ. वि.–आर्थिक, माली, रुपये-पैसे से सम्बन्धित।

इक़्तिसादीयात (اقتصادیات) अ. स्त्री.–अर्थव्यवस्था, आर्थिक समस्याएँ, माली मसाइल; अर्थशास्त्र, अर्थ-विज्ञान, एकोनोमिक्स।

इक्तिसाब (اکتساب) अ. पुं.–उपार्जन, कमाना, स्वयं अपने प्रयत्न से प्राप्त करना।

इक्तिसाबे इल्म (اکتساب علم) अ. पुं.–विद्योपार्जन, ज्ञान प्राप्त करना, इल्म हासिल करना।

इक्तिसाबे ज़र (اکتسابِ زر) अ. फा. पुं.–धनोपार्जन, रुपया कमाना।

इक्तिसाबे फ़न (اکتساب فن) अ. पुं.–कोई शिल्प या हुनर प्राप्त करना, फ़न सीखना।

इक्तिसाबे माल (اکتساب مال) अ. पुं.–दे. 'इक्तिसाबे जर'।

इक़्तिसाम (اقتسام) अ. पुं.–बाँटना, तक़्सीम करना।

इक़्तिसार (اقتسار) अ. पुं.–जबर्दस्ती किसी से कोई काम लेना; जबर्दस्ती।

इक़्तिसार (اقتصار) अ. पुं.–कम करना, छोटा करना; एक चीज़ पर खड़ा होना; ऐसी इबारत लिखना जिसमें शब्द बहुत हों और अर्थ कम हो।

इक़्तिसास (اقتصاص) अ. पुं.–खून का बदला लेना, प्रतिहिंसा करना।

इक़्तिहाम (اقتحام) अ. पुं.–इख्तियार करना, धारण करना; किसी चीज़ में घुसना; अत्याचार करना; अपमानित करना, ज़लील करना।

इक्तिहाल (اکتحال) अ. पुं.–आँखों को अंजनसार करना, सुरमा लगाना।

इक़्दाम (اقدام) अ. पुं.–किसी काम करने के इरादे से आगे बढ़ना, पेशक़दमी करना; अग्रसरता, पेशक़दमी।

इक़्दामे क़त्ल (اقدام قتل) अ. पुं.–मार डालने के लिए आगे बढ़ना, क़त्ल के लिए तैयारी करना।

इक़्दाह (اقداح) अ. पुं.–ऐब करना, बुराई करना, निन्दा करना; निंदा, बदगोई।

इक्दिश (اکدش) तु. पुं.–प्रिया, प्रेयसी, महबूबः; वह व्यक्ति जिसकी माँ हिन्दुस्तानी और बाप तुर्की हो; वह घोड़ा जिसकी माँ तुर्की और बाप अरबी हो।

इक़्ना (اقنا) अ. पुं.–किसी व्यवसाय में पूंजी लगाना; व्यवसाय करना, धन कमाना।

इक़्रान (اقران) अ. पुं.–समीप आना, पास पहुँचना; पास-पास होना।

इक्राम (اکرام) अ. पुं.–सम्मान, सत्कार, आव-भगत; प्रतिष्ठा, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी।

इक्फ़ा (اکفا) अ. पुं.–क़ाफ़िए का एक दोष जिसमें दो ऐसे अक्षरों का काफिया होता है जो उच्चारण में समीपवर्ती होते हैं, जैसे 'सवाह' (صباح) और सिपाह (سپاہ) इनमें एक 'बड़ी हे' है और एक 'छोटी हे'।

इक्फार (اکفار) अ. पुं.–किसी आस्तिक को नास्तिक बताना, काफ़िर कहना।

इक्बाब (اکباب) अ. पुं.–औंधे मुँह गिरना, मुँह के बल गिरना।

इक़्बाल (اقبال) अ. पुं.–प्रताप, तेज, जलाल; सौभाग्य, खुशकिस्मती, समृद्धि, फ़राग़त; स्वीकृति, इक़्रार (इक़रार)।

इक़्बालमंद (اقبال مند) अ. फा. वि.–प्रतापवान्, तेजस्वी, जिसका इक़्बाल जोरों पर हो।

इक़्बालमंदी (اقبال مندی) अ. फा. स्त्री.–इक़्बाल का ज़ोर, तेज की प्रबलता।

इक़्बाली (اقبالی) अ. वि.–इक़रार करनेवाला, इक़रारी; जो अपराधी अपने अपराध को स्वीकार करे।

इक़्बालेजुर्म (اقبال جرم) अ. पुं.–अपराध करने और दोषी होने का इक़रार, स्वीकारोक्ति।

इक़्बाह (اقباح) अ. पुं.–किसी वस्तु को बिगाड़कर भोंडा कर देना।

इक़्माअ (اقماع) अ. पुं.–तोड़ना, खंड-खंड करना।

इक्माल (اکمال) अ. पुं.–पूरा करना, समाप्त करना, खतम करना।

इक़्मास (اقماس) अ. पुं.–ग़ोता लगाना, डुबकी मारना, निमज्जन।

इक़्माह (اقماح) अ. पुं.–आकाश की ओर इस प्रकार सिर उठाना कि आँखें पृथ्वी की ओर रहें।

इक़्राअ (اقراع) अ. पुं.–लाटरी डालना; पाँसा फेंकना।

इक़्राज़ (اقراض) अ. पुं.–उधार लेना, क़र्ज़ लेना।

इक़्रार (اقرار) अ. पुं.–प्रतिज्ञा, अहद; वचन, वादा; स्वीकृति, इक़्बाल; संविदा, ऐग्रीमेंट।

इक़्रारनामः (اقرارنامہ) अ. फा. पुं.–प्रतिज्ञापत्र, अहदनामा; संविदा, ऐग्रीमेंट।

इक़्रारे सालेह (اقرار صالح) अ. पुं.–वह प्रतिज्ञा जो सच्चे दिल से की गयी हो, पक्का निश्चय, दृढ़ प्रतिज्ञा।

इक़्राश (اقراش) अ. पुं.–निंदा करना, बदगोई करना; निंदा, बुराई।

इक्राह (اکراہ) अ. पुं.–घृणा, नफ़रत, घिन, कराहत।

इक़्लाअ (اقلاع) अ. पुं.–उखेड़ना, जड़ से उखेड़ना; नष्ट करना, बरबाद करना, सफ़ाया करना।

इक़्लीद (اقلید) अ. स्त्री.–'क़िलीद' का मुअर्रब (अरबीकृत), कुंजी, ताली।

इक़्लीदिस [दस] (اقلیدس) अ. स्त्री.–ज्यामिति, रेखागणित, ज्यामेट्री।

इक़्लीम (اقلیم) अ. स्त्री.–महाद्वीप, बर्रेआ'ज़म; देश, मुल्क; प्रदेश, इलाक़ा।

इक़्लीमिया (اقلیمیا) अ. स्त्री.–रूपामक्खी, चाँदी का मैल; सोनामक्खी, सोने का मैल।

इक़्लीमियाए जहबी (اقلیمیاے زہبی) अ. स्त्री.–सोने का मैल, सोनामक्खी।

इक़्लीमियाए फ़िज़्ज़ी (اقلیمیاے فضی) अ. स्त्री.–चाँदी का मैल, रूपामक्खी।

इक्लील (اکلیل) अ. पुं.–मुकुट, ताज; टोपी।

इक्लीलुलमलिक (اکلیل الملک) अ. पुं.–एक वनस्पति, पुरंग, अस्परक।

इक़्वा (اقوا) अ. पुं.–क़ाफ़िए का एक दोष जिसमें से रवी से पहले के अक्षर की मात्रा एक-सी न हो। जैसे–गुल और दिल का क़ाफ़िया, इसमें 'ग' पर पेश है और 'द' पर ज़ेर।

इक़्सा (اقسا) अ. पुं.–हृदय का कठोर होना, निर्दय होना।

इक़्सा (اقصا) अ. पुं.–अलग करना, हटाना, दूर करना; क़िनारे पहुँचाना।

इक़्साब (اقصاب) अ. पुं.–काटना, टुकड़े करना।

इक़्साम (اقسام) अ. पुं.–हिस्से करना; शपथ लेना, क़सम खाना।

इक्सार (اکثار) अ.–बहुत कहना; बहुत करना; बहुत खाना; अधिकता, इफ़ात (इफ़रात)।

इक़्सास (اقصاص) अ. पुं.–ख़ून के बदले में जान लेना, हिंसा के बदले हिंसा, प्रतिहिंसा।

इक्सीर (اکسیر) अ. स्त्री.–रसायन, कीमिया; (वि.) अमोघ, अचूक, जैसे दमे के लिए इक्सीर (अकसीर)।

इक्सीरी (اکسیری) अ. वि.–कीमियागर, रसायन बनानेवाला।

इक्सून (اکسون) फा. स्त्री.–एक काला रेशमी कपड़ा।

इख़ाज़ः (اخاذہ) अ. पुं.–तड़ाग, तालाब, जलाशय।

इख़ाज़ (اخاذ) अ. पुं.–लेना, ग्रहण करना; वह तालाब जो जंगल में हो; वह ज़मीन जो राजा अपने लिए अलग कर ले।

इख़्तार (اخطار) अ. पुं.–अपने को जान जोखिम में डालना, ख़तरे में फँसाना।

इख़्तिज़ाब (اختضاب) अ. पुं.–बालों में खिज़ाव लगाना।

इख़्तिताफ़ (اختطاف) अ. पुं.–उचक लेना, उड़ा लेना।

इख़्तिताम (اختتام) अ. पुं.–समाप्त होना, ख़त्म होना; अन्त, समाप्ति।

इख़्तिनाक़ (اختناق) अ. पुं.–गला बंद होना, गला घुटना।

इख़्तिनाक़ुर्रहिम (اختناق الرحم) अ. पुं.–स्त्रियों का मूर्छा रोग, हिस्टीरिया।

इख़्तिफ़ा (اختفا) अ. पुं.–गोपन, छिपाना, पोशीदा करना।

इख़्तिफ़ार (اختفار) अ. पुं.–प्रतिज्ञा भंग करना।

इख़्तिबार (اختبار) अ. पुं.–खबर लेना; परीक्षा करना; परीक्षा, इम्तिहान।

इख़्तिमार (اختمار) अ. पुं.–ख़मीर उठाना, औषधियों आदि को पानी आदि में भिगोकर रखना ताकि सड़कर उनका ख़मीर उठ आये।

इख़्तियान (اختیان) अ. पुं.–अमानत में ख़ियानत करना।

इख़्तियार (اختیار) अ. पुं.–अधिकार, हक़; सत्ता, हुकूमत; स्वामित्व, मालिकीयत।

इख़्तियारी (اختیاری) अ. वि.–जो अनिवार्य न हो, जो लाज़िमी न हो।

इख़्तियारे समाअत (اختیار سماعت) अ. पुं.–मुक़दमा सुनने का अधिकार।

इख़्तियाल (اختیال) अ. पुं.–अवज्ञा, नाफ़र्मानी; उद्दंडता, सरकशी; ध्यान रखना, ख़याल करना।

इख़्तिराअ (اختراع) अ. पुं.–ऐसी चीज़ बनाना जो पहले न हो; आविष्कार, ईजाद।

इख़्तिराआत (اختراعات) अ. पुं.–नयी नयी ईजादें, नये नये आविष्कार।

इख़्तिराई (اختراعی) अ. वि.–ईजाद से सम्बन्धित; मनगढ़ंत, फ़र्ज़ी, कल्पित।

इख़्तिराक़ (اختراق) अ. पुं.–फटना, विदीर्ण होना; फाड़ना, विदीर्ण करना।

इख़्तिलाज (اختلاج) अ. पुं.–दिल की धड़कन, हौलदिल।

इख़्तिलाजे क़ल्ब (اختلاج قلب) अ. पुं.–दिल की धड़कन, हृत्कम्प।

इख़्तिलात (اختلاط) अ. पुं.–मैत्री, दोस्ती; प्रेम-व्यवहार, मेल-जोल; चुंबनालिंगन, चूमाचाटी।

इख़्तिलाफ़ (اختلاف) अ. पुं.–मतभेद, राय का इख़्तिलाफ़; वैमनस्य, रंजिश; फूट, नाइत्तिफ़ाक़ी, भिन्नता, अलग-अलग होना।

इख़्तिलाल (اختلال) अ. पुं.–विघ्न, विकार, ख़लल; कुव्यवस्था, अस्त-व्यस्तता, गड़बड़ी।

इख़्तिलाले दिमाग़ (اختلال دماغ) अ. पुं.–दे. 'इख़्तिलाले हवास'।

इख़्तिलाले हवास (اختلال حواس) अ. पुं.–बुद्धि-विकार, मतिभ्रम; पागलपन, बुद्धि-विक्षेप।

इख़्तिलास (اختلاس) अ. पुं.–उचक ले जाना।

इख़्तिसाम (اختصام) अ. पुं.–शत्रुता करना, दुश्मन होना।

इख़्तिसार (اختصار) अ. पुं.–संक्षिप्त करना, कम करना; संक्षेप, कमी; बड़े मज़मून को काट-छाँटकर छोटा करना।

इख़्तिसास (اختصاص) अ. पुं.–विशेषता, मुख्यता, ख़ुसूसियत।

इख़्दाम (اخدام) अ. पुं.–सेवा करना, खिद्मत करना।

इख़्फ़ा (اخفا) अ. पुं.–छिपाना, प्रकट न करना।

इख़फ़ाए जुर्म (اخفاۓ جرم) अ. पुं.–अपराध करके उसे छिपाना, जुर्म ज़ाहिर न करना।

इख़फ़ाए राज़ (اخفاۓ راز) अ. फ़ा. पुं.–भेद छिपाना।

इख़फ़ाए वारिदात (اخفاۓ واردات) अ. पुं.–दे. 'इख़फ़ाए जुर्म'।

इख़फ़ाफ़ (اخفاف) अ. पुं.–दूसरों की दृष्टि में हलका होना, ख़फ़ीफ़ होना।

इख़्बार (اخبار) अ. पुं.–ख़बर देना, सूचना देना; जासूसी करना, भेद बताना।

इख़्मार (اخمار) अ. पुं.–आग बुझाना।

इख़्राज (اخراج) अ. पुं.–ख़ारिज करना, निकाल देना; वहिष्कार; ख़र्च, व्यय।

इख़्राजात (اخراجات) अ. पुं.–व्यय, ख़र्च।

इख़्राब (اخراب) अ. पुं.–वीरान करना, सुनसान करना, निर्जन करना; नष्ट करना, मिटाना; ख़राब करना।

इख़्लाक़ (اخلاق) अ. पुं.–पुराना करना; पुराना होना; पुरानापन।

इख़्लास (اخلاص) अ. पुं.–निश्छलता, निष्कपटता, ख़ुलूस; सच्चा और निष्कपट प्रेम।

इख़्लासमंद (اخلاص مند) अ. फ़ा. वि.–सच्चा और स्वार्थहीन मित्र, ख़ालिस प्रेमी।

इख़्लासमंदी (اخلاص مندی) अ. फ़ा. स्त्री.–निःस्वार्थ मित्रता, सच्चा प्रेम।

इख़्वान (اخوان) अ. पुं.–'अख़' का बहु., भाई-बंधु, बंधुवर्ग।

इख़्वानुश्शयातीन (اخوان الشیاطین) अ. पुं.–शैतानों के भाई-बंधु, खल और धूर्त लोग।

इख़्वानुस्सफ़ा (اخوان الصفا) अ. पुं.–सज्जन लोग, भलेमानस।

इख़्सा (اخصا) अ. पुं.–अंडकोष निकालना, ख़स्सी करना।

इग़ारत (اغارت) अ. स्त्री.–लूटना, ग़ारत करना; दौड़ना, भागना; पीछे दौड़ना, तआक़ुब करना।

इग़ासत (اغاثت) अ. स्त्री.–किसी दुखी की फ़र्याद सुनना, किसी अन्याय का न्याय करना।

इग़्ज़ा (اغزا) अ. पुं.–किसी को लड़ाई पर उकसाना; किसीको वरग़लाना, बहकाना।

इग़्ज़ा (اغضا) अ. पुं.–चश्मपोशी करना, किसी की ग़लती पर नोटिस न लेना, ध्यान न देना।

इग़्ज़ाल (اغزال) अ. पुं.–चर्खा कातना, सूत कातना।

इग़्तिज़ाब (اغتضاب) अ. पुं.–किसी को ग़ुस्से में लाना, ग़ुस्सा दिलाना।

इग़्तिज़ाल (اغتزال) अ. पुं.–सूत कातना।

इग़्तिफ़ार (اغتفار) अ. पुं.–माफ़, मुक्ति, मग़्फ़िरत।

इग़्तिमास (اغتماس) अ. पुं.–डुबकी लगाना, ग़ोता मारना, निमज्जन।

इग़्तियाब (اغتیاب) अ. पुं.–ग़ीबत करना, पीठ पीछे बुराई करना; पिशुनता, चुग़ुलख़ोरी।

इग़्तिराब (اغتراب) अ. पुं.–परदेशी होना; मुसाफ़िर होना; अपने कुल से अलग स्त्री से ब्याह करना।

इग़्तिराफ़ (اغتراف) अ. पुं.–ओक से पानी आदि पीना; चुल्लू बनाना।

इग़्तिशाश (اغتشاش) अ. पुं.–हलचल, आंदोलन।

इग़्तिसाब (اغتصاب) अ. पुं.–किसी का माल ग़ायब करना, ज़बरदस्ती छीन लेना; गस्व, अपहरण, मोषण।

इग़्तिसाल (اغتسال) अ. पुं.–स्नान करना, नहाना; शुद्ध करना, धोना; स्नान, ग़ुसल।

इग़्ना (اغنا) अ. पुं.–मालदार बनाना, समृद्धिशाली करना; निःस्पृह करना, बेनियाज़ बनाना।

इग़्नान (اغنان) अ. पुं.–मक्खी आदि का भिनभिनाना।

इग़्मा (اغما) अ. पुं.–बेहोश करना, अचेत कर देना; बेहोशी, संज्ञाहीनता।

इग़्माज़ (اغماض) अ. पुं.–किसी का क़ुसूर देखते हुए टाल जाना, चश्मपोशी करना; दर गुज़र, चश्मपोशी।

इग़्माज़ (اغماز) अ. पुं.–निंदा, तिरस्कार, बेहुर्मती; पिशुनता, चुग़ली।

इग़्माम (اغمام) अ. पुं.–बादल घिरकर आना, घटा छाना।

इग़्रा (اغرا) अ. पुं.–उत्तेजित करना, भड़काना, उभारना; बहकाना, बरग़लाना।

इग़्राक़ (اغراق) अ. पुं.–बात बहुत बढ़ा-चढ़ाकर कहना, अतिशयोक्ति, मुबालग़ा; ऐसी बात जिसका होना बुद्धि के अनुसार संभव हो, पर कभी हुई न हो; डुबाना, ग़र्क़ करना; कमान ज़ोर से खींचना।

इग़्राज़ (اغراض) अ. पुं.–सताना, दुःखी करना, उत्पीड़ित करना।

इग़्राब (اغراب) अ. पुं.–अनोखी चीज़ लाना, नयी बात करना; परदेशी होना, मुसाफ़िर होना; पानी से मश्कें भरना।

इग़्राम (اغرام) अ. –मार डालना; लालच करना; तावान लेना, हर्जा वसूल करना।

इग़्ला (اغلا) अ. पुं.–भाव बढ़ाना, मँहगा ख़रीदना।

इग़्लाक़ (اغلاق) अ. पुं.–दरवाज़ा बंद करना; मुश्किल बनाना; कठिन, मुश्किल।

इग़लात (اغلاط) अ. पुं.—ग़लती करना, अशुद्धि करना; अशुद्धि, त्रुटि, ग़लती।

इग़लाम (اغلام) अ. पुं.—गुदमैथुन करना; गुदमैथुन, पुंमैथुन, बालमैथुन, बच्चःबाज़ी।

इग़लाल (اغلال) अ. पुं.—अमानत मे खियानत करना; द्वेप रखना; ख़ियानत; द्वेष, कीना।

इग़वा (اغوا) अ. पुं.—बहकाना, वरग़लाना; बहकाकर भगा ले जाना, विशेषत: स्त्री को।

इग़शा (اغشا) अ. पुं.—पर्दा डालना; आड़ करना; अंधा करना, आँखें फोड़ना।

इग़सा (اغسا) अ. पुं.—रात का नियत अँधियारा होना।

इज़ा (ازا) अ. पुं.—आमना-सामना, मुक़ाबला; समान, बराबर।

इज़ा (اذا) अ. अव्य.—जब, जिस समय; आकस्मिक, अचानक।

इज़ाअत (اضاعت) अ. स्त्री.—नष्ट करना, बरबाद करना; नाश, बरबादी।

इज़ाअत (اضائت) अ. स्त्री.—चमकाना, रौशन करना; सुशोभित करना, खुशनुमा करना; खुशनुमाई।

इजाज़त (اجازت) अ. स्त्री.—अनुमति, आज्ञा, परवानगी। आदेश, निर्देश, हुक्म।

इजाज़तनामः (اجازت نامه) अ.फा. पुं.—आज्ञापत्र, अनुमति-पत्र, इस बात की लिखित आज्ञा कि अमुक व्यक्ति को अमुक काम करने का हक़ है।

इज़ाफ़ः (اضافه) अ. पुं.—वृद्धि, बढ़ोतरी, उन्नति, तरक़्क़ी।

इज़ाफ़त (اضافت) अ. स्त्री.—सम्बन्ध, निस्बत; फ़ार्सी शब्दों के नीचे ज़ेर की मात्रा; फ़ार्सी में छठे कारक का चिह्न।

इजाबत (اجابت) अ. स्त्री.—स्वीकृति, क़ुबूलियत; शौच, दस्त, पाख़ाना।

इज़ाबत (اذابت) अ. स्त्री.—पिघलाना, पिघलाकर नर्म करना, धातु आदि को पिघलाना।

इजाबते दुआ (اجابت دعا) अ. स्त्री.—ईश्वर से जो प्रार्थना की जाय उसका स्वीकृत होना, दुआ का क़बूल होना।

इज़ाम (عظام) अ. स्त्री.—'अज़्म' का बहु., हड्डियाँ, (पुं.) बड़े लोग, प्रतिष्ठित जन।

इजारः (اجاره) अ. पु.—ठेका, एकाधिकार; ज़ोर, हक़, सत्त्व।

इजारःदार (اجاره دار) अ.फा. वि.—ठेकेदार, एकाधिकारी।

इजारःदारी (اجاره داری) अ.फा. स्त्री.—ठेकेदारी।

इज़ार (ازار) फा. स्त्री.—पाजामा।

इज़ार (عذار) अ. पुं.—गाल, कपोल, रुख़सार।

इज़ारबंद (ازاربند) फा. पुं.—कमरबंद, नारा, पाजामा बाँधने का फ़ीता आदि।

इजाल: (عجاله) अ. पुं.—हर वह चीज़ जो वहुत जल्द लायी गयी हो; शीघ्रता, जल्दी।

इज़ाल: (ازاله) अ. पुं.—निवारण, निराकरण, दफ़ीआ; क्षतिपूर्ति, तलाफ़ी।

इज़ालए मरज़ (ازالۂ مرض) अ. पुं.—रोग-निवारण, बीमारी का चला जाना।

इज़ालए हैसियते उर्फ़ी (ازالۂ حیثیت عرفی) अ. पुं.—मानहानि, हत्के इज़्ज़त।

इज़ालत (ازالت) अ. स्त्री.—दे. 'इज़ाल:'।

इजालत (عجالت) अ. स्त्री.—दे. 'इज़ाल':।

इजालत (اجالت) अ. स्त्री.—घुमाना, फिराना, चक्कर देना; आग की बनेठी फिराना।

इज़ाहत (ازاحت) अ. स्त्री.—दूर करना, हटाना।

इज़् (ज़्ज़) (عز) अ. स्त्री.—इज़्ज़त, सम्मान, सत्कार।

इज़्आज (ازعاج) अ. पुं.—हिलाना; निकालना; उठाना; लालची बनाना; किसी पर पाप लगाना।

इज़्आन (اذعان) अ. पुं.—आज्ञा-पालन, हुक्म मानना।

इज़्आफ़ (اضعاف) अ. पुं.—दूना करना; निर्बल करना।

इज़्कार (اذکار) अ. पुं.—ज़िक्र करना, चर्चा चलाना, किसी के बारे में बातचीत करना।

इज़्ख़र (اذخر) अ. पुं.—एक ओषधि, सिरकंडे की जड़।

इज्ज़ (عجز) अ. पुं.—नम्रता, विनीति, आजिज़ी; असमर्थता, बेबसी, कमज़ोरी, नाताक़ती।

इज़्ज़त (عزت) अ. स्त्री.—सम्मान, आदर, आवभगत; प्रतिष्ठा, मान-मर्यादा, आबरू; सतीत्व, इस्मत; पद, पदवी, दर्जा।

इज़्ज़त तलब (عزت طلب) अ. वि.—जो हर व्यक्ति से अपनी इज़्ज़त कराना चाहता हो, मानेच्छुक।

इज़्ज़तदार (عزت دار) अ. फा. वि.—प्रतिष्ठित, मुअज़्ज़ज़; कुलीन, शरीफ़; सती, बाइस्मत।

इज्ज़ा (اجزا) अ. पुं.—जिज़्या देना; बदला देना (नेकी का), नि:स्पृह करना, बेनियाज़ करना।

इज्जास (اجاص) अ. पुं.—आलू बुख़ारा, एक प्रसिद्ध फल जो दवा के काम आता है।

इज़्तिआद (ازدعاد) अ. पुं.—ऊँट का बहुत ज़ोर से बलबलाना।

इज़्तिजाअ (اضطجاع) अ. पुं.—करवट से सोना।

इज्तिना (اجتنا) अ. पुं.—फल बीनना, मेवा चुनना।

इज्तिनाब (اجتناب) अ. पुं.—दूर रहना, घृणा करना; घृणा, उपेक्षा, नफ़रत।

इज्तिबा (اجتبا) अ. पुं.–छाँटना, चुनना; पवित्र करना; पसंद की चीजों में से सबसे अच्छी चीज़ को अलग करना।

इज्तिमाअ (اجتماع) अ. पुं.–सम्मेलन, कान्फ़रेंस; जनसमूह, भीड़; चंद्र और सूर्य का एक राशि में होना, जिसमें चाँद दिखाई नहीं पड़ता और यह समय अशुभ माना जाता है।

इज्तिमाई (اجتماعی) अ. वि.–सबका मिला-जुला, सामूहिक।

इज्तिमाए ज़िद्दैन (اجتماع ضدین) अ. पुं.–दो परस्पर विरोधी चीज़ों का एक जगह जमा हो जाना, यह असंभव है, मिथ्या योग।

इज्तिमाए नक़ीज़ैन (اجتماع نقیضین) अ. पुं.–दे. 'इज्तिमाए ज़िद्दैन'।

इज़्तिराब (اضطراب) अ. पुं.–व्याकुलता, बेचैनी, बेताबी; आतुरता, जल्दी, जल्दबाज़ी, व्यग्रता, "यह इज़्तिराबे-शौक़ तो बुलबुल का देखिए–जी चाहता है गोद में ले ले बहार को।"

इज़्तिराम (اضطرام) अ. पुं.–लपटें उठना, शोले बलंद होना।

इज़्तिरार (اضطرار) अ. पुं.–आतुरता, जल्दी, बे इख़्तियारी।

इज़्तिरारी (اضطراری) अ. वि.–बेइख़्तियाराना, आतुरता में।

इज्तिहाद (اجتہاد) अ. पुं.–प्रयत्न करना, कोशिश करना; रास्ता ढूँढ़ना; जहाँ क़ुरान और हदीस का आदेश साफ न हो वहाँ अपनी राय से उचित रास्ता निकालना।

इज़्दियाद (ازدیاد) अ. पुं.–आधिक्य, बाहुल्य, इफ़रात, ज़ियादती।

इज़्दिराद (ازدراد) अ. पुं.–निगलना, गले के नीचे उतारना।

इज़्दिवाज (ازدواج) अ. पुं.–विवाह, निकाह, पाणिग्रहण।

इज़्दिहाम (ازدحام) अ. पुं.–भीड़, जन-समूह, जमाव।

इज़्नाब (اذناب) अ. पुं.–पाप करना, गुनाह करना।

इज्नाब (اجناب) अ. पुं.–स्नान न किये होना, मैथुन के पश्चात् स्नान न करना।

इज़्फ़ार (اظفار) अ. पुं.–विजय प्राप्त करना, जीतना; विजय, फ़तेह।

इज्बार (اجبار) अ. पुं.–किसी से ज़बरदस्ती कोई काम लेना।

इज्माअ (اجماع) अ. पुं.–किसी एक बात पर बहुमत होना।

इज्माए उम्मत (اجماع امت) अ. पुं.–सारी जनता का बहुमत; मुसलमानों का किसी धार्मिक समस्या में बहुमत।

इज्माम (اجمام) अ. पुं.–घोड़े को सवारी के लिए सजाना।

इज़्मार (اضمار) अ. पुं.–किसी वाक्य में नाम के स्थान पर सवनाम का प्रयोग।

इज़्मार क़ब्ल ज़िक्र (اضمار قبل ذکر) अ. पुं.–नाम आने से पहले सर्वनाम लाना, यह दोष है।

इज्माल (اجمال) अ. पुं.–संक्षेप, इख़्तिसार; किसी लंबे वृत्तांत में से मुख्य-मुख्य बातें लेकर उसे बहुत कम कर देना; बात खोलकर न कहना।

इज्मालन (اجمالاً) अ. वि.–संक्षिप्त रूप में, मुख़्तसर करके।

इज्माली (اجمالی) अ. वि.–संक्षेप में, संक्षिप्त, मुख़्तसर।

इज़्मील (ازمیل) अ. पुं.–चमड़ा काटने का यंत्र, राँपी।

इज़्मीर (ازمیر) तु. पुं.–तुर्किस्तान का एक प्रसिद्ध नगर, इस्मरना, समरना।

इज़्मेहलाल (اضمحلال) अ. पुं.–शिथिलता, खिन्नता, श्रांति, ग्लानि, अफ़्सुर्दगी।

इज़्यूत (عزیوط) अ. पुं.–वह व्यक्ति जिसे मैथुन के समय पाख़ाना हो जाने का रोग हो।

इज्रा (اجرا) अ. पुं.–संचालन, अनुष्ठान, शुरूआत; जारी करना, भेजना।

इज़्राईल (عزرائیل) अ. पुं.–यमराज, धर्मराज, यमदूत, प्राणांतक, मौत का फ़िरिश्ता, मलकुलमौत।

इज्राए कार (اجرائے کار) अ. फा. पुं.–किसी कार्य का सूत्रपात (आरम्भ), अनुष्ठान, काम की शुरूआत।

इज़्राब (اضراب) अ. पुं.–अवज्ञा करना, हुक्म न मानना; एक स्थान पर ठहरना; सर झुकाना; नर का मादा पर छोड़ना; तृप्त करना, अघाना; किसी का सदृश न होना, बेमिस्ल होना, अनुपम होना।

इज़्राम (اضرام) अ. पुं.–आग जलाना।

इज़्रार (اضرار) अ. पुं.–हानि पहुँचाना, नुक़सान देना; आघात करना, चोट पहुँचाना।

इज्ल (عجل) अ. पुं.–गाय का बच्चा, बछड़ा।

इज्लत (عجلت) अ. स्त्री.–शीघ्रता, जल्दी; आतुरता, जल्दबाज़ी (उजलत)।

इज़्लाक़ (ازلاق) अ. पुं.–फिसलना; फिसलाना।

इज्लाफ़ (اجلاف) अ. पुं.–अत्याचार करनेवाला; ख़ाली घड़ा; हर वह वस्तु जो भीतर से ख़ाली हो।

इज़्लाम (اظلام) अ. पुं.–अंधकारमय होना, तारीक होना।

इज्लाल (اجلال) अ. पुं.–श्रेष्ठता, उत्तमता, बुज़ुर्गी; वैभव, शानो शौकत।

इज़्लाल (ازلال) अ. पुं.–किसी को डगमगाना।

इज़्लाल (اضلال) अ. पुं.–किसी को कुमार्ग पर चलाना, गुमराह करना।

इज़्लाल (اظلال) अ. पुं.–छाया डालना।

इज्लास (اجلاس) अ. पुं.–बिठाना, बैठालना; न्यायालय में

हाकिम के बैठने का स्थान, हिंदी में इजलास प्रचलित, कोर्ट, अदालत।

इज़्हाक़ (اضحاک) अ. पुं.—छलकना; घास जमना; हँसाना, ऐसी बात कहना जिससे हँसी आये।

इज़्हात (عزهات) अ. पुं.—नपुंसक, क्लीव, नामर्द।

इज़्हाफ़ (اجحاف) अ. पुं.—नुकसान करना; कोई वस्तु उड़ा लेना; पास आना; किसी के काम में शरीक होना।

इज़्हाब (اذهاب) अ. पुं.—ले जाना, तेज़ करना, रवाँ करना, ऊपर से सोना चढ़ाना, मुलम्मा करना।

इज़्हाम (اجحام) अ. पुं.—रोकना, मना करना; मरने के क़रीब होना, मृतप्राय होना।

इज़्हार (اظهار) अ. पुं.—प्रकट होना या करना; न्यायालय में वादी-प्रतिवादी या साक्षी आदि का बयान।

इज़्हार (ازهار) अ. पुं.—दीपक जलाना; चिराग़ रौशन करना।

इज़्हार (اجهار) अ. पुं.—ज़ोर से बोलना; व्यक्त करना, ज़ाहिर करना।

इज़्हाल (ازهال) अ. पुं.—ग़ाफ़िल होना, सतर्क न होना, बेख़बर होना।

इताअत (اطاعت) अ. स्त्री.—आज्ञा-पालन, फ़र्माबरदारी; सेवा, ख़िदमत।

इताअत गुज़ार (اطاعت گزار) अ. फ़ा. वि.—आज्ञाकारी, फ़र्माबरदार।

इताअतमंद (اطاعت مند) अ.फ़ा. वि.—दे. 'इताअत गुज़ार'।

इताअत शिआर (اطاعت شعار) अ. वि.—दे. 'इताअत गुज़ार'।

इताद (عتاد) अ. पुं.—सामान, उपकरण; तैयारी।

इताब (عتاب) अ. पुं.—कोप, क्रोध, गुस्सा; प्रकोप, ग़ज़ब, "जाने क्या लिख गया था उन्हें मैं इताब में, क़ासिद की लाश आयी है ख़त के जवाब में।"

इताबत (اطابت) अ. स्त्री.—सुगंधित करना; शौच में पानी लेना, शरीर को पवित्र करना; खुश करना, प्रसन्न करना।

इताबनामः (عتاب نامہ) अ. फ़ा. पुं.—वह पत्र जिसमें क्रोध प्रकट किया गया हो, कोप-पत्र।

इतारत (اطارت) अ. स्त्री.—चिड़िया आदि को उड़ाना।

इतालः (اطالہ) अ. पुं.—दे. 'इतालत'।

इतालत (اطالت) अ. स्त्री.—लंबा करना, तवील करना।

इतालत (عطالت) अ. स्त्री.—निठल्लापन, बेकारी।

इताहत (اطاحت) अ. स्त्री.—मार डालना, हलाक करना; डालना, भीतर करना।

इत्आम (اطعام) अ. पुं.—खाना खिलाना, भोजन देना।

इत्तिआद (اتعاد) अ. पुं.—वचन देना, वादा करना।

इत्तिआब (اتعاب) अ. पुं.—दुःख में डालना, मुसीबत में फाँसना।

इत्तिक़ा (اتقا) अ. पुं.—संयम, इंद्रिय-निग्रह, पारसाई।

इत्तिका (اتکا) अ. पुं.—भरोसा करना, सहारा ढूंढ़ना; भरोसा, सहारा।

इत्तिक़ान (اتقان) अ. पुं.—दृढ़ता करना, मज़बूती करना।

इत्तिकार (اتکار) अ. पुं.—घोंसला बनाना।

इत्तिकाल (اتکال) अ. पुं.—भरोसा करना, सहारा पकड़ना।

इत्तिख़ाज़ (اتخاذ) अ. पुं.—ग्रहण करना, लेना।

इत्तिजार (اتجار) अ. पुं.—व्यवसाय करना, व्यापार करना, तिजारती कारोबार करना।

इत्तिज़ाह (اتضاح) अ. पुं.—प्रकाशित होना, रौशन होना।

इत्तिफ़ाक़ (اتفاق) अ. पुं.—संयोग, दैवयोग, अचानकपन; मैत्री, दोस्ती; एकता, इत्तिहाद; सहमति, राय का एक होना।

इत्तिफ़ाक़न (اتفاقاً) अ. वि.—सहसा, अचानक, अकस्मात् यदृच्छया, दववशात्, अचानक।

इत्तिफ़ाक़ात (اتفاقات) अ. पुं.—आकस्मिक होनेवाली घटनाएँ।

इत्तिफ़ाक़ियः (اتفاقیہ) अ. वि.—दे. 'इत्तिफ़ाक़न'।

इत्तिफ़ाक़ी (اتفاقی) अ. वि.—आकस्मिक, नागहानी; संयुक्त, मिला-जुला, मुत्तहदा।

इत्तिबाअ (اتباع) अ. पुं.—अनुकरण, पैरवी, धर्म या पथ का अनुसरण, मतानुगमन।

इत्तिलाअ (اطلاع) अ. स्त्री.—सूचना, ख़बर, इत्तिला, इत्तला।

इत्तिलाअन (اطلاعاً) अ. वि.—इत्तिलाअ के लिए, सूचनार्थ।

इत्तिलाअनामः (اطلاع نامہ) अ. फ़ा. पुं.—वह पर्चा जिसमें इत्तिलाअ दर्ज हो, सूचनापत्र।

इत्तिलाई (اطلاعی) अ. वि.—सूचना से संबद्ध।

इत्तिसाअ (اتساع) अ. पुं.—चौड़ा होना, विस्तृत होना, आँख का एक रोग।

इत्तिसाक़ (اتساق) अ. पुं.—क्रमबद्ध करना, तर्तीब देना; इकट्ठा होना, एकत्र होना; ठीक होना।

इत्तिसाख़ (اتساخ) अ. पुं.—मैला होना, दूषित होना।

इत्तिसाफ़ (اتصاف) अ. पुं.—प्रशंसा करना, तारीफ़ करना; किसी विशेष गुण का अधिकारी समझा जाना।

इत्तिसाम (اتسام) अ. पुं.—चिह्न बनाना, निशान करना; अंकित करना, नक़्श करना।

इत्तिसाल (اتصال) अ. पुं.—मिलना, एक जगह होना, बराबर होना, लगातार होना; मेल-मिलाप, निरंतरता; क्रमशः।

इत्तिहाद (اتحاد) अ. पुं.—एकत्व, एकता, मेल-मिलाप; मैत्री, दोस्ती।

इत्तिहादी (اتحادی) अ. वि.—परस्पर एकता और मैत्री रखनेवाले; वह राज्य जो परस्पर मित्र हों।

इत्तिहाफ़ (اتحاف) अ. पुं.—भेंट देना, तोहफ़ा देना; उपहार, भेंट, पुरस्कार, तोहफ़ा।

इत्तिहाब (اتہاب) अ. पुं.—किसी के नाम हिबा करना, बख़्शना, बख़्शिश स्वीकार करना।

इत्तिहाम (اتہام) अ. पुं.—आरोप लगाना, इल्ज़ाम देना; आरोप, लांछन, दोष, तोहमत।

इत्नाब (اطناب) अ. पुं.—लंबा करना, बढ़ाना; बात लंबी-चौड़ी करना।

इत्फ़ा (اطفا) अ. पुं.—आग बुझाना; चिराग गुल करना।

इत्फ़ाल (اطفال) अ. पुं.—छोटा बच्चा होना, शिशु होना।

इत्बाअ (اتباع) अ. पुं.—अनुयायी होना, पैरो होना।

इत्बाक़ (اطباق) अ. पुं.—दरवाज़ा भेड़ना, किवाड़ बंद करना।

इत्बाख़ (اطباخ) अ. पुं.—खाना पकाना, बावरचीगरी करना।

इत्बाल (اتبال) अ. पुं.—शत्रुता रखना, दुश्मनी रखना; द्वेष, वैर, शत्रुता, अदावत; मित्रता भंग करना।

इत्माअ (اطماع) अ. पुं.—किसी को लालच में डालना, प्रलोभन देना।

इत्माम (اتمام) अ. पुं.—समाप्त करना, ख़त्म करना; समाप्ति, पूर्ति।

इत्मामे हुज्जत (اتمام حجت) अ. पुं.—किसी को आख़िरी तौर पर बुराई-भलाई समझा देना, ताकि फिर अगर वह काम करे तो उसकी जिम्मेदारी दूसरे पर न हो।

इत्मीनान (اطمینان) अ. पुं.—तुष्टि, संतुष्टि, सब्र; विश्वास, प्रत्यय, यक़ीन; सांत्वना, तसल्ली।

इत्मीनानी (اطمینانی) अ. वि.—इत्मीनानवाला व्यक्ति, विश्वस्त; इत्मीनानवाली बात।

इत्यान (اتیان) अ. पुं.—प्रवेश करना, भीतर जाना; प्रवेश, दाख़िला।

इत्र (عطر) अ. पुं.—सुगंध, ख़ुशबू, पुष्पसार, फूलों का इत्र।

इत्र आगीं (عطر آگیں) अ. फ़ा. वि.—इत्र मे बसा हुआ।

इत्रत (عترت) अ. स्त्री.—संतान, औलाद; स्वजन, अज़ीज़।

इत्रदान (عطردان) अ. फ़ा. पुं.—इत्र रखने की पिटारी।

इत्रबेज़ (عطر بیز) अ. फ़ा. वि.—इत्र की महक फैलानेवाला, सुगंध बरसानेवाला।

इत्रा (اطرا) अ. पुं.—किसी की प्रशंसा बढ़ा-चढ़ाकर करना।

इत्राज़ (اطراز) अ. पुं.—अंकित करना, नक़्श करना।

इत्राब (اتراب) अ. पुं.—मट्टी में मिलाना; मट्टी में भर जाना; मालदार होना।

इत्रास (اتراص) अ. पुं.—दृढ़ करना, मज़बूत बनाना, बराबर करना।

इत्राह (اطراح) अ. पुं.—नीव रखना, बुनियाद डालना; डालना।

इत्रीफ़ (عطریف) अ. पुं.—शूर, वीर, बहादुर, महारथी, सफ़ शिक।

इत्रीफ़ल (اطریفل) अ. पुं.—एक यूनानी अवलेह जिसमें हड़, बहेड़ा, आँवला होता है, 'त्रिफला' का मुअर्रब।

इत्रीयः (اطریہ) अ. पुं.—सिवैयाँ।

इत्रीयत (عطریت) अ. स्त्री.—सुगंध, ख़ुशबू, इत्रपन।

इत्लाक़ (اطلاق) अ. पुं.—बंधनमुक्त करना; खोलना; कहना; जारी करना; दस्त आना; चरितार्थ होना, मुताबिक़ होना।

इत्लाफ़ (اتلاف) अ. पुं.—नष्ट होना, बरबाद होना, हव होना, मारा जाना।

इत्लाफ़े जाँ (اتلاف جاں) अ. फ़ा. पु.—प्राणों का नाश, प्राणियों का घात।

इत्वाल (اطوال) अ. पुं.—लंबा करना, बढ़ाना।

इत्हार (اطہار) अ. पुं.—पवित्र करना, पाक करना।

इदाम (ادام) अ. पुं.—सालन, जिससे रोटी खायी जाती है, व्यंजन।

इदामत (ادامت) अ. स्त्री.—नित्यता, शाश्वतता, हमेशगी।

इदारः (ادارہ) अ. पुं.—संस्था, सभा, अंजुमन; कार्यालय, दफ़्तर; विभाग, महकमा।

इदारए निज़ामी (ادارۂ نظامی) अ. पुं.—सैन्य विभाग, फ़ौजी महकमा।

इदारत (ادارت) अ. स्त्री.—संपादन, एडीटरी।

इदारियः (اداریہ) अ. पुं.—संपादकीय लेख, एडीटोरियल।

इद्क़ाक़ (ادقاق) अ. पुं.—बारीक करना, कूटकर चूर्ण करना।

इद्ख़ान (ادخان) अ. पुं.—अलग होना, पृथक् होना।

इद्ख़ाल (ادخال) अ. पुं.—प्रवेश करना, दाख़िल करना, अंदर ले जाना; रुपया आदि जमा करना।

इद्ग़ाम (ادغام) अ. पुं.—किसी चीज को बे चबाये खाना, घोड़े के मुँह मे लगाम देना; किसी अक्षर का दूसरे अक्षर में मिलकर एक होना, आदेश।

इद्जान (ادجان) अ. पुं.—ज़ोर की वर्षा होना, मेंह की झड़ी लगना।

इद्दत (عدت) अ. स्त्री.—गणना, गिनती; मुसलमानों में पति के मरने या तलाक़ देने के बाद का वह समय जिसमें स्त्री

पुनर्विवाह नहीं कर सकती, वह समय सौ दिन का होता है।

इद्दिआ (ادعا) अ. पुं.–दावा करना; इच्छा करना; दावा।

इद्दिआम (ادعام) अ. पुं.–तकिया लगाना, सहारा लेना।

इद्दिकार (ادکار) अ. पुं.–याद करना, नसीहत पकड़ना।

इद्दिख़ार (ادخار) अ. पुं.–जमा करना, ज़ख़ीरा करना।

इद्दिलाज (ادلاج) अ. पुं.–रात्रि का पिछला भाग बीतना।

इद्दिहान (ادهان) अ. पुं.–तेल चुपड़ना।

इद्नाफ़ (ادناف) अ. पुं.–सूरज (सूर्य) का अस्त होने के क़रीब होना।

इद्बाज (ادباج) अ. पुं.–किसी वस्तु को लपेटना।

इद्बार (ادبار) अ. पुं.–दरिद्रता, निर्धनता, कंगाली; तबाही, दुर्दशा।

इद्मान (ادمان) अ. पुं.–लोहूलुहान होना, ख़ून में तर होना।

इद्राक (ادراک) अ. पुं.–अगोचर वस्तुओं का अनुभव, ग़ैर-महसूस चीज़ों की दर्याफ़्त; ज्ञान, बोध, समझ-बूझ।

इद्राज (ادراج) अ. पुं.–परस्पर लिपटना।

इद्रार (ادرار) अ. पुं.–जारी होना; तेज़ वर्षा होना; वृत्ति, वज़ीफ़ा; बार-बार पेशाब करना; बार-बार पुरस्कार और बख़शिश देना।

इद्लाज (ادلاج) अ. पुं.–रात में सैर करना; रात की सैर; रात्रि का पहला भाग बीतना।

इद्हान (ادهان) अ. पुं.–ख़ियानत करना; ख़ियानत; फूट डालना।

इद्हाम (ادهام) अ. पुं.–काला होना, सियाह होना।

इनब (عنب) अ. पुं.–अंगूर, द्राक्षा।

इनबीयः (عنبیه) अ. पुं.–आँख का एक पर्दा।

इनबुस्सा'लब (عنب الثعلب) अ. पुं.–मकोय, एक प्रसिद्ध वनौषधि।

इनाँ (عنان) फा. स्त्री.–'इनान' का लघु., दे. 'इनान', लगाम, वागडोर, अश्वपरिचालक सूत्र।

इनाँ गर्दिश (عنان گردش) फा. स्त्री.–घोड़े का कावा।

इनाँगीर (عنان گیر) फा. वि.–लगाम पकड़कर सवार को रोक लेनेवाला, आगे बढ़ने न देनेवाला; चलते हुए काम में बाधा डालनेवाला, बाधक, मुज़ाहिम, निरोधक।

इनाँ गुसिस्तः (عنان گسسته) फा. वि.–जिस घोड़े की लगाम टूट गयी हो और वह इधर-उधर मारा-मारा फिर रहा हो; स्वच्छंद, निरंकुश, मुत्लक़ुल इनाँ।

इनाँ ताब (عنان تاب) फा. वि.–वह सधा हुआ घोड़ा जो लगाम के इशारे पर चले।

इना (انا) अ. पुं.–बरतन; ज़र्फ़।

इनाअत (انائت) अ. स्त्री.–विलंब, देर; ढील, सुस्ती; आहिस्तगी, धीमापन।

इनाद (عناد) अ. पुं.–शत्रुता, वैर, दुश्मनी; द्वेष, कीना।

इनान (عنان) अ. स्त्री.–घोड़े की लगाम, कविका।

इनाने हुकूमत (عنان حکومت) अ. स्त्री.–हुकूमत की बागडोर, शासनसूत्र, शासन-तंत्र।

इनाबत (انابت) अ. स्त्री.–ईश्वर की ओर फिरना; बुरे कामों से अलग हो जाना; तौबा करना।

इनायत (عنایت) अ. स्त्री.–कृपा, दया, अनुकंपा, मेहरबानी; इरादा करना; दुःख उठाना किसी के लिए।

इनायतनामः (عنایت نامه) अ. फा. पुं.–कृपापत्र, किसी दोस्त या बड़े आदमी के पत्र के लिए बोलते हैं।

इनारत (انارت) अ. स्त्री.–आग जलाना, जलाना, प्रकाशित करना।

इनास (اناث) अ. स्त्री.–'उंसा' का बहु., स्त्रियाँ, महिलाएँ, औरतें।

इन्आम (انعام) अ. पुं.–पुरस्कार, बख़्शिश; किसी काम के लिए उजरत के अलावा रुपया।

इन्इक़ाद (انعقاد) अ. पुं.–आयोजन, सभा आदि की व्यवस्था; होना, मुन्अक़िद होना, आयोजित होना।

इन्इकास (انعکاس) अ. पुं.–परछाईं पड़ना, प्रतिबिंबित होना; अक्स, प्रतिबिंब।

इन्इताफ़ (انعطاف) अ. पुं.–लौटना, फिरना; प्रवृत्त होना, रुजू होना, झुकना।

इन्इदाम (انعدام) अ. पुं.–नष्ट होना, ध्वस्त होना, मिट जाना।

इन्क़ा (انقا) अ. पुं.–चुनना, बीनना।

इन्क़ाज़ (انقاذ) अ. पुं.–छुड़ाना, मुक्त कराना।

इन्कार (انکار) अ. पुं.–अस्वीकृति, न मानना, नामंजूरी।

इनकास (انکاس) अ. पुं.–औंधा करना, उलटा करना; खोलना।

इन्क़ास (انقاص) अ. पुं.–कम करना, घटाना; नाक़िस करना, अपूर्ण कर देना।

इन्क़िज़ा (انقضا) अ. पुं.–समय पूरा हो जाना, नियत समय का बीत जाना।

इन्क़िज़ाज़ (انقضاض) अ. पुं.–ऊपर गिर पड़ना।

इन्क़िताअ (انقطاع) अ. पुं.–कटना, विच्छिन्न होना, अलग-अलग होना।

इन्क़िबाज़ (انقباض) अ. पुं.–सिकुड़ना, मिचना; चित्त का मलिन और उदासीन होना; खिन्नता, अफ़सुर्दगी।

इत्तिहाद (اتحاد) अ. पुं.–एकत्व, एकता, मेल-मिलाप; मैत्री, दोस्ती।

इत्तिहादी (اتحادی) अ. वि.–परस्पर एकता और मैत्री रखनेवाले; वह राज्य जो परस्पर मित्र हों।

इत्तिहाफ़ (اتحاف) अ. पुं.–भेंट देना, तोहफ़ा देना; उपहार, भेंट, पुरस्कार, तोहफ़ा।

इत्तिहाब (اتہاب) अ. पुं.–किसी के नाम हिबा करना, वख़्शाना, बख़्शिश स्वीकार करना।

इत्तिहाम (اتہام) अ. पुं.–आरोप लगाना, इल्ज़ाम देना; आरोप, लांछन, दोष, तोहमत।

इत्नाब (اطناب) अ. पुं.–लंबा करना, बढ़ाना; बात लंबी-चौड़ी करना।

इत्फ़ा (اطفا) अ. पुं.–आग बुझाना; चिराग गुल करना।

इत्फ़ाल (اطفال) अ. पुं.–छोटा बच्चा होना, शिशु होना।

इत्बाअ (اتباع) अ. पुं.–अनुयायी होना, पैरो होना।

इत्बाक़ (اطباق) अ. पुं.–दरवाज़ा भेड़ना, किवाड़ बंद करना।

इत्बाख़ (اطباخ) अ. पुं.–खाना पकाना, बावरचीगरी करना।

इत्बाल (اتبال) अ. पुं.–शत्रुता रखना, दुश्मनी रखना; द्वेष, वैर, शत्रुता, अदावत; मित्रता भंग करना।

इत्माअ (اطماع) अ. पुं.–किसी को लालच में डालना, प्रलोभन देना।

इत्माम (اتمام) अ. पुं.–समाप्त करना, खत्म करना; समाप्ति, पूर्ति।

इत्मामे हुज्जत (اتمام حجت) अ. पुं.–किसी को आख़िरी तौर पर बुराई-भलाई समझा देना, ताकि फिर अगर वह काम करे तो उसकी जिम्मेदारी दूसरे पर न हो।

इत्मीनान (اطمینان) अ. पुं.–तुष्टि, संतुष्टि, सब्र; विश्वास, प्रत्यय, यक़ीन; सांत्वना, तसल्ली।

इत्मीनानी (اطمینانی) अ. वि.–इत्मीनानवाला व्यक्ति, विश्वस्त; इत्मीनानवाली बात।

इत्यान (اتیان) अ. पुं.–प्रवेश करना, भीतर जाना; प्रवेश, दाख़िला।

इत्र (عطر) अ. पुं.–सुगंध, ख़ुशबू, पुष्पसार, फूलों का इत्र।

इत्र आगीं (عطر آگیں) अ. फा. वि.–इत्र में बसा हुआ।

इत्रत (عترت) अ. स्त्री.–संतान, औलाद; स्वजन, अज़ीज़।

इत्रदान (عطردان) अ. फा. पुं.–इत्र रखने की पिटारी।

इत्रबेज़ (عطربیز) अ. फा. वि.–इत्र की महक फैलानेवाला, सुगंध बरसानेवाला।

इत्रा (اطرا) अ. पुं.–किसी की प्रशंसा बढ़ा-चढ़ाकर करना।

इत्राज़ (اطراز) अ. पुं.–अंकित करना, नक़्श करना।

इत्राब (اتراب) अ. पुं.–मट्टी में मिलाना; मट्टी में भर जाना; मालदार होना।

इत्रास (اتراص) अ. पुं.–दृढ़ करना, मज़बूत बनाना, बराबर करना।

इत्राह (اطراح) अ. पुं.–नीव रखना, बुनियाद डालना; डालना।

इत्रीफ़ (عطریف) अ. पुं.–शूर, वीर, बहादुर, महारथी, सफ़शिक।

इत्रीफ़ल (اطریفل) अ. पुं.–एक यूनानी अवलेह जिसमें हड़, बहेड़ा, आँवला होता है, 'त्रिफला' का मुअर्रब।

इत्रीयः (اطریہ) अ. पुं.–सिवैयाँ।

इत्रीयत (عطریت) अ. स्त्री.–सुगंध, ख़ुशबू, इत्रपन।

इत्लाक़ (اطلاق) अ. पुं.–बंधनमुक्त करना; खोलना; कहना; जारी करना; दस्त आना; चरितार्थ होना, मुताबिक़ होना।

इत्लाफ़ (اتلاف) अ. पुं.–नष्ट होना, बरबाद होना, हव होना, मारा जाना।

इत्लाफ़े जाँ (اتلاف جاں) अ. फा. पुं.–प्राणों का नाश, प्राणियों का घात।

इत्वाल (اطوال) अ. पुं.–लंबा करना, बढ़ाना।

इत्हार (اطہار) अ. पुं.–पवित्र करना, पाक करना।

इदाम (ادام) अ. पुं.–सालन, जिससे रोटी खायी जाती है, व्यंजन।

इदामत (ادامت) अ. स्त्री.–नित्यता, शाश्वतता, हमेशगी।

इदारः (ادارہ) अ. पुं.–संस्था, सभा, अंजुमन; कार्यालय, दफ़्तर; विभाग, महकमा।

इदारए निज़ामी (ادارۂ نظامی) अ. पुं.–सैन्य विभाग, फ़ौजी महकमा।

इदारत (ادارت) अ. स्त्री.–संपादन, एडीटरी।

इदारियः (اداریہ) अ. पुं.–संपादकीय लेख, एडीटोरियल।

इद्क़ाक़ (ادقاق) अ. पुं.–बारीक करना, कूटकर चूर्ण करना।

इद्ख़ान (ادخان) अ. पुं.–अलग होना, पृथक् होना।

इद्ख़ाल (ادخال) अ. पुं.–प्रवेश करना, दाख़िल करना, अंदर ले जाना; रुपया आदि जमा करना।

इद्ग़ाम (ادغام) अ. पुं.–किसी चीज़ को बे चबाये खाना, घोड़े के मुँह में लगाम देना; किसी अक्षर का दूसरे अक्षर में मिलकर एक होना, आदेश।

इद्जान (ادجان) अ. पुं.–ज़ोर की वर्षा होना, मेंह की झड़ी लगना।

इद्दत (عدت) अ. स्त्री.–गणना, गिनती; मुसलमानों में पति के मरने या तलाक़ देने के बाद का वह समय जिसमें स्त्री

पुनर्विवाह नहीं कर सकती, वह समय सौ दिन का होता है।

इद्दिआ (ادعا) अ. पुं.—दावा करना; इच्छा करना; दावा।

इद्दिआम (ادعام) अ. पुं.—तकिया लगाना, सहारा लेना।

इद्दिकार (ادکار) अ. पुं.—याद करना, नसीहत पकड़ना।

इद्दिख़ार (ادخار) अ. पुं.—जमा करना, ज़ख़ीरा करना।

इद्दिलाज (ادلاج) अ. पुं.—रात्रि का पिछला भाग बीतना।

इद्दिहान (ادهان) अ. पुं.—तेल चुपड़ना।

इद्नाफ़ (ادناف) अ. पुं.—सूरज (सूर्य) का अस्त होने के क़रीब होना।

इद्बाज (ادباج) अ. पुं.—किसी वस्तु को लपेटना।

इद्बार (ادبار) अ. पुं.—दरिद्रता, निर्धनता, कंगाली; तबाही, दुर्दशा।

इद्मान (ادمان) अ. पुं.—लोहूलुहान होना, ख़ून में तर होना।

इद्राक (ادراک) अ. पुं.—अगोचर वस्तुओं का अनुभव, ग़ैर-महसूस चीज़ों की दर्याफ़्त; ज्ञान, बोध, समझ-बूझ।

इद्राज (ادراج) अ. पुं.—परस्पर लिपटना।

इद्रार (ادرار) अ. पुं.—जारी होना; तेज़ वर्षा होना; वृत्ति, वज़ीफ़ा; बार-बार पेशाब करना; बार-बार पुरस्कार और बख़्शिश देना।

इद्लाज (ادلاج) अ. पुं.—रात में सैर करना; रात की सैर; रात्रि का पहला भाग बीतना।

इद्हान (ادهان) अ. पुं.—ख़ियानत करना; ख़ियानत; फूट डालना।

इद्हाम (ادهام) अ. पुं.—काला होना, सियाह होना।

इनब (عنب) अ. पुं.—अंगूर, द्राक्षा।

इनबीयः (عنبیه) अ. पुं.—आँख का एक पर्दा।

इनबुस्सा'लब (عنب الثعلب) अ. पुं.—मकोय, एक प्रसिद्ध वनौषधि।

इनाँ (عناں) फा. स्त्री.—'इनान' का लघु., दे. 'इनान', लगाम, वागडोर, अश्वपरिचालक सूत्र।

इनाँ गर्दिश (عناں گردش) फा. स्त्री.—घोड़े का कावा।

इनाँगीर (عناں گیر) फा. वि.—लगाम पकड़कर सवार को रोक लेनेवाला, आगे बढ़ने न देनेवाला; चलते हुए काम में बाधा डालनेवाला, बाधक, मुज़ाहिम, निरोधक।

इनाँ गुसिस्तः (عناں گسستہ) फा. वि.—जिस घोड़े की लगाम टूट गयी हो और वह इधर-उधर मारा-मारा फिर रहा हो; स्वच्छंद, निरंकुश, मुत्लक़ुल इनाँ।

इनाँ ताब (عناں تاب) फा. वि.—वह सधा हुआ घोड़ा जो लगाम के इशारे पर चले।

इना (انا) अ. पुं.—बरतन; ज़र्फ़।

इनाअत (انائت) अ. स्त्री.—विलंब, देर; ढील, सुस्ती; आहिस्तगी, धीमापन।

इनाद (عناد) अ. पुं.—शत्रुता, वैर, दुश्मनी; द्वेष, कीना।

इनान (عنان) अ. स्त्री.—घोड़े की लगाम, कविका।

इनाने हुकूमत (عنان حکومت) अ. स्त्री.—हुकूमत की बागडोर, शासनसूत्र, शासन-तंत्र।

इनाबत (انابت) अ. स्त्री.—ईश्वर की ओर फिरना; बुरे कामों से अलग हो जाना; तौबा करना।

इनायत (عنایت) अ. स्त्री.—कृपा, दया, अनुकंपा, मेहरबानी; इरादा करना; दुःख उठाना किसी के लिए।

इनायतनामः (عنایت نامه) अ. फा. पुं.—कृपापत्र, किसी दोस्त या बड़े आदमी के पत्र के लिए बोलते हैं।

इनारत (انارت) अ. स्त्री.—आग जलाना, जलाना, प्रकाशित करना।

इनास (اناث) अ. स्त्री.—'उंसा' का बहु., स्त्रियाँ, महिलाएँ, औरतें।

इन्आम (انعام) अ. पुं.—पुरस्कार, बख़्शिश; किसी काम के लिए उजरत के अलावा रुपया।

इन्इक़ाद (انعقاد) अ. पुं.—आयोजन, सभा आदि की व्यवस्था; होना, मुन्अक़िद होना, आयोजित होना।

इन्इकास (انعکاس) अ. पुं.—परछाईं पड़ना, प्रतिबिंबित होना; अक्स, प्रतिबिंब।

इन्इताफ़ (انعطاف) अ. पुं.—लौटना, फिरना; प्रवृत्त होना, रुजू होना, झुकना।

इन्इदाम (انعدام) अ. पुं.—नष्ट होना, ध्वस्त होना, मिट जाना।

इन्क़ा (انقا) अ. पुं.—चुनना, बीनना।

इन्क़ाज़ (انقاذ) अ. पुं.—छुड़ाना, मुक्त कराना।

इन्कार (انکار) अ. पुं.—अस्वीकृति, न मानना, नामंज़ूरी।

इनकास (انکاس) अ. पुं.—औंधा करना, उलटा करना; खोलना।

इन्क़ास (انقاص) अ. पुं.—कम करना, घटाना; नाक़िस करना, अपूर्ण कर देना।

इन्क़िज़ा (انقضا) अ. पुं.—समय पूरा हो जाना, नियत समय का बीत जाना।

इन्क़िज़ाज़ (انقضاض) अ. पुं.—ऊपर गिर पड़ना।

इन्क़िताअ (انقطاع) अ. पुं.—कटना, विच्छिन्न होना, अलग-अलग होना।

इन्क़िबाज़ (انقباض) अ. पुं.—सिकुड़ना, मिचना; चित्त का मलिन और उदासीन होना; खिन्नता, अफ़सुर्दगी।

इन्क़िबाब (انکباب) अ. पुं.—मुँह के बल गिरना; ओषधियों की धूनी लेना।

इन्क़िमाअ (انقماع) अ. पुं.—अपमानित और तिरस्कृत होना, ज़लीलो ख्वार होना।

इन्क़ियाद (انقیاد) अ. पुं.—वशीभूत होना, अधीन होना, ताबे' होना।

इन्क़िराज़ (انقراض) अ. पुं.—कटना, टुकड़े होना; समय का खत्म होना, मुद्दत पूरी होना।

इन्क़िलाअ (انقلاع) अ. पुं.—उखड़ा हुआ होना, उखड़ना।

इन्क़िलाब (انقلاب) अ. पुं.—उलट-पलट, परिवर्तन; काल-चक्र, समय का उलट-फेर; राज्य-परिवर्तन, क्रान्ति, शासन की तब्दीली।

इन्क़िलाबात (انقلابات) अ. पुं.—लगातार इन्क़िलाब।

इन्क़िलाबी (انقلابی) अ. वि.—इन्क़िलाब लानेवाला; वह व्यक्ति जो किसी बड़े इन्क़िलाब लाने की साज़िश में शरीक हो।

इन्क़िशाअ (انقشاع) अ. पुं.—बादल खुल जाना, अब्र छट जाना।

इन्किशाफ़ (انکشاف) अ. पुं.—प्रकट होना, ज़ाहिर होना; खुलना, पता चलना; गवेषणा, तहक़ीक़।

इन्किसाफ़ (انکساف) अ. पुं.—सूरज को ग्रहण लगना, सूर्यग्रहण होना।

इन्क़िसाम (انقسام) अ. पुं.—बँटना, विभक्त होना, तक़्सीम होना; तक़्सीम, विभाजन, बँटवारा।

इन्क़िसाम (انقصام) अ. पुं.—टूटकर टुकड़े-टुकड़े होना।

इन्किसार (انکسار) अ. पुं.—टूटना, टुकड़े होना; नम्रता, विनय, खाकसारी।

इन्ख़िज़ाअ (انخزاع) अ. पुं.—कटना, विच्छिन्न होना।

इन्ख़िदाअ (انخداع) अ. पुं.—धोखा खाना, फ़रेब में आ जाना।

इन्ख़िफ़ाज़ (انخفاض) अ. पुं.—किसी शब्द के नीचे 'ज़ेर' होना; नीचे गिर पड़ना।

इन्ख़िफ़ाफ़ (انخفاف) अ. पुं.—संकुचित होना, लज्जित होना; लज्जा, संकोच, खिफ़्फ़त।

इन्ख़िराक़ (انخراق) अ. पुं.—फटना, तड़कना।

इन्ख़िरात (انخراط) अ. पुं.—आदमियों में जाना; किसी चीज़ में घुसना, सुई में डोरा डालना; डोरे में पिरोया जाना।

इन्ख़िराम (انخرام) अ. पुं.—छीजना, कम हो जाना।

इन्ख़िलाअ (انخلاع) अ. पुं.—नष्ट होना, बरबाद होना; बँधी हुई हवा का उखड़ना।

इन्ख़िलाक़ (انخلاق) अ. पुं.—बँधना, बाँधा जाना।

इन्ख़िलाल (انخلال) अ. पुं.—नष्ट होना, तबाह होना; नाश, तबाही।

इन्ग़िमाम (انغمام) अ. पुं.—दुःखित होना, खेद में होना, ग़मगीन होना।

इन्ग़िमास (انغماس) अ. पुं.—डुबकी मारना, गोता लगाना, निमज्जन।

इन्ग़िरास (انغراس) अ. पुं.—वृक्ष लगाना, पेड़ लगाना।

इन्नीन (عنین) अ. वि.—क्लीब, नपुंसक, नामर्द।

इन्फ़हः (انفحه) अ. पुं.—पनीर मायः, दे. 'पनीर मायः'।

इन्फ़ाक़ (انفاق) अ. पुं.—व्यय करना, खर्च करना; जीविका देना, रोज़ी देना।

इन्फ़ाज़ (انفاذ) अ. पुं.—जारी करना; भेजना, प्रेषण; रवाना करना; तलवार मारना।

इन्फ़ाल (انفال) अ. पुं.—लड़ाई में लूट का माल बाँधना।

इन्फ़िआल (انفعال) अ. पुं.—लज्जित होना, शर्मिंदा होना; किसी असर से प्रभावित होना; लज्जा, संकोच, शर्म।

इन्फ़िकाक (انفکاک) अ. पुं—मुक्त होना, अदा होना, छूटना; अलग-अलग होना।

इन्फ़िजार (انفجار) अ. पुं.—रिसना, टपकना; निकलना, प्रकट होना; पीप बहना।

इन्फ़िताक़ (انفتاق) अ. पुं.—बादल छट जाना, फट जाना।

इन्फ़ितार (انفطار) अ. पुं.—टुकड़े-टुकड़े होना; उत्पन्न करना, पैदा करना।

इन्फ़िताह (انفتاح) अ. पुं.—खुलना, विस्तृत होना, कुशादा होना।

इन्फ़िराक़ (انفراق) अ. पुं.—फटना, शिगाफ़्तः होना।

इन्फ़िराद (انفراد) अ. पुं.—अकेला होना, तनहा होना।

इन्फ़िरादी (انفرادی) अ. वि.—एक आदमी का, व्यक्तिगत, वैयक्तिक, शख्सी।

इन्फ़िरादीयत (انفرادیت) अ. स्त्री.—अकेलापन, बेमिस्ली।

इन्फ़िलाक़ (انفلاق) अ. पुं.—फटना, फट जाना।

इन्फ़िसाम (انفصام) अ. पुं.—टूट जाना।

इन्फ़िसाल (انفصال) अ. पुं.—वाद का निर्णय होना, फ़ैसला होना; निर्णय, फ़ैसला।

इन्मास (انماس) अ. पुं.—शिकारी का शिकार के लिए आड़ में छिपना; छिपना, लुप्त होना।

इन्मिलाक़ (انملاق) अ. पुं.—मित्रता, दोस्ती; चापलूसी, चाटुकारिता; अनुकंपा, दया, मुक्ति पाना, छुटकारा; बराबर होना, एक-सा होना।

इन्हा (انحا) अ. पुं.—जारी करना; 'फिराना।

इन्हा (انہا) अ. पुं.—खबर पहुँचाना, सूचना देना।

इन्हाब (انہاب) अ. पुं.–लूटना, ग़ारत करना।
इन्हिज़ाज़ (انہضاض) अ. पुं.–टूटना, शिकस्त होना।
इन्हिज़ाम (انہضام) अ. पुं.–पचना, हज़म होना।
इन्हिज़ाम (انہزام) अ. पुं.–पराजय होना, हारना; पराजय, शिकस्त।
इन्हितात (انحطاط) अ. पुं.–ह्रास होना, घटना; कमी, ह्रास।
इन्हितात (انحتات) अ. पुं.–पतझड़, ख़िज़ाँ।
इन्हिताम (انحطام) अ. पुं.–शिकस्त होना, टूटना।
इन्हिदाब (انحداب) अ. पुं.–कुबड़ा होना; कुब्ज, कूबड़।
इन्हिदाम (انہدام) अ. पुं.–मकान आदि का ध्वस्त होना, गिरना; बरबाद होना, वीरान होना; ध्वंस, बरबादी।
इन्हिना (انحنا) अ. पुं.–टेढ़ा होना, झुकना; टेढ़, झुकाव; कुब्जपन, कुबड़ापन।
इन्हिमाक (انہماک) अ. पुं.–तन्मयता, संलग्नता, तल्लीनता, तनदिही, किसी कार्य में दत्तचित्त होना।
इन्हिमाम (انہسام) अ. पुं.–गलना, घुलना, पिघलना।
इन्हिराफ़ (انحراف) अ. पुं.–एक ओर को फिर जाना; किसी की ओर से फिर जाना, अवज्ञाकारी हो जाना; अवहेलना, अनाज्ञा, अवज्ञा, नाफ़र्मानी।
इन्हिलाल (انحلال) अ. पुं.–विस्तृत होना; नष्ट होना, नापैद होना; तुच्छ होना, नाचीज़ होना।
इन्हिलाल (انہلال) अ. पुं.–बहुत अधिक वर्षा होना, मूसलाधार पानी बरसना।
इन्हिसार (انحصار) अ. पुं.–निर्भर होना, आश्रित होना, मुनहसिर होना; निर्भरता, दारोमदार।
इन्हिसार (انحسار) अ. पुं.–बाल झड़ जाना।
इफ़ाक़ः (افاقہ) अ. पुं.–रोग का स्वास्थ्य की ओर परिवर्तन, आरोग्य-लाभ; फिर से होश में आना; सँभाल लेना; आरोग्योन्मुखता।
इफ़ाक़त (افاقت) अ. स्त्री.–दे. 'इफ़ाक़:'।
इफ़ाज़ः (افاظہ) अ. पुं.–मार डालना, हलाक करना।
इफ़ाज़ः (افاضہ) अ. पुं.–यश पहुँचाना, फ़ैज़ पहुँचाना; बहुत अधिक दान करना।
इफ़ाज़त (افاضت) अ. पुं.–दे. 'इफ़ाज़:'।
इफ़ादः (افادہ) अ. पुं.–लाभ पहुँचाना (विद्या आदि का, धन का नहीं)।
इफ़ादत (افادت) अ. स्त्री.–दे. 'इफ़ाद:'।
इफ़ादी (افادی) अ. वि.–ऐसी चीज़ जिससे ज्ञान की वृद्धि हो।
इफ़ादीयत (افادیت) अ. स्त्री.–लाभकारिता, उपादेयता, फ़ाइदामंदी।

इफ़्क (افک) अ. पुं.–झूठ, मृषा, मिथ्या, असत्य; आरोप, लांछन, बोहतान, झूठा इल्ज़ाम।
इफ़्क़ार (افقار) अ. पुं.–बिना दाना-पानी के होना, फ़ाक़े से होना, निर्जल व्रत रहना।
इफ़्ज़ाअ (افزاع) अ. पुं.–डराना, भय-प्रदर्शन, ख़ौफ़ दिलाना।
इफ़्ज़ाल (افضال) अ. पुं.–कृपा, दया, अनुकंपा, करम; बढ़ाना, वृद्धि करना।
इफ़्ज़ाह (افضاح) अ. पुं.–निन्दा करना, बदनाम करना; भर्त्सना करना, फ़ज़ीहत करना।
इफ़्ता (افتا) अ. पुं.–'फ़त्वा' देना, यह बताना कि धर्म के अनुसार अमुक काम कैसा है।
इफ़्तार (افطار) अ. पुं.–रोज़ा खोलना, रोज़ा खोलने के लिए कुछ खाना या पीना।
इफ़्तारी (افطاری) अ. स्त्री.–रोज़ा खोलने की खाद्य सामग्री।
इफ़्तिआल (افتعال) अ. पुं.–आरोप, मिथ्या लांछन, बोहतान।
इफ़्तिकाक (افتکاک) अ. पुं.–पृथक् होना, अलग होना, जुदा होना; पृथक्ता; अलाहिदगी।
इफ़्तिक़ाद (افتقاد) अ. पुं.–अनुकंपा करना, मेहरबानी करना; अनुपस्थित करना, खो देना; खोजना, तलाश करना; खोई हुई वस्तु को ढूँढ़ना, अन्वेषण।
इफ़्तिक़ार (افتقار) अ. पुं.–दरिद्रता, कंगाली; फ़क़ीरी, साधुता; विनीति; आजिज़ी; तिरस्कृति, ख़्वारी।
इफ़्तिख़ार (افتخار) अ. पुं.–गर्व, गौरव, मान, फ़ख्र।
इफ़्तिज़ाह (افتضاح) अ. पुं.–फ़ज़ीहत करना, निन्दा करना, भर्त्सना करना; निन्दा, भर्त्सना, रुस्वाई।
इफ़्तितान (افتتان) अ. पुं.–झगड़ा खड़ा करना, बवंडर बनाना; झगड़े में डाल देना।
इफ़्तिताश (افتتاش) अ. पुं.–तफ़्तीश करना, जाँच-पड़ताल करना, खोज लगाना।
इफ़्तिताह (افتتاح) अ. पुं.–उद्घाटन, अनुष्ठान, शुरूआत; खोलना; खुलना, प्रारम्भ करना।
इफ़्तिताहीयः (افتتاحیہ) अ. पुं.–संपादकीय लेख, अग्र लेख, एडीटोरियल।
इफ़्तिदा (افتدا) अ. पुं.–प्राणों के बदले माल देना, किसी के प्राण ले लेने पर उसके वारिसों को धन देकर राज़ी कर लेना।
इफ़्तिरा (افترا) अ. पुं.–आरोप, लांछन, तोहमत।
इफ़्तिराक़ (افتراق) अ. पुं.–परस्पर एक दूसरे को अलग-अलग कर देना; फूट डालना; फूट, वैमनस्य।
इफ़्तिरा पर्दाज़ (افترا پرداز) अ. फ़ा. वि.–झूठा आरोप लगाने-

वाला; झूठा आरोप लगाकर झगड़ा खड़ा कर देनेवाला।

इफ़्तिरार (افترار) अ. पुं.–दाँत निकालना, दाँत चमकाना।

इफ़्तिराश (افتراش) अ. पुं.–निन्दा करना, बदगोई करना; खोज लेना, टोह लगाना।

इफ़्तिरास (افتراس) अ. पुं.–किसी चिह्न से किसी वस्तु को पहचानना; घोड़े पर चढ़ना; गर्दन तोड़ना; मार डालना।

इफ़्तिराह (افتراح) अ. पुं.–हर्षित होना, खुश होना, खुशी मनाना।

इफ़्ना (افنا) अ. पुं.–नाश करना, नष्ट करना, फ़ना करना।

इफ़्नान (افنان) अ. पुं.–थोड़ा-थोड़ा लाना।

इफ़्फ़त (عفت) अ. स्त्री.–सतीत्व, पातिव्रत्य, इस्मत, अस्मत।

इफ़्फ़त मआब (عفت مآب) अ. वि.–सती, पतिव्रता, बाइस्मत।

इफ़्रंज (افرنج) अ. पुं.–फ़िरंगिस्तान, यूरोप, इंगिलस्तान।

इफ़्रंजी (افرنجی) अ. वि.–अंग्रेज़, यूरोपियन।

इफ़्रात (افراط) अ. स्त्री.–प्राचुर्य, बाहुल्य, बहुतात, कस्रत।

इफ़्राते तफ़्रीत (افراط و تفریط) अ. स्त्री.–आधिक्य एवं न्यूनता, कमोबेश, थोड़ा-बहुत, तारतम्य, न्यूनाधिक।

इफ़्राश (افراش) अ. पुं.–अधिकता और न्यूनता, ज़ियादती और कमी।

इफ़्राह (افراح) अ. पुं.–हर्षित करना, प्रसन्न करना, खुश करना।

इफ़्रीत (عفریت) अ. पुं.–राक्षस, देव।

इफ़्लाज (افلاج) अ. पुं.–किसी अंग का सुन्न हो जाना; फ़ालिज गिरना।

इफ़्लास (افلاس) अ. पुं.–धनहीनता, कंगाली, मुफ़लिसी।

इफ़्लासज़दः (افلاس زدہ) अ. फ़ा. वि.–दरिद्र, निर्धन, मुफ़्लिस, दरिद्रता से पीड़ित, निर्धनता से दुखी।

इफ़्लासज़दगी (افلاس زدگی) अ. फ़ा. स्त्री.–दरिद्रता, निर्धनता, मुफ़लिसी।

इफ़्लाह (افلاح) अ. पुं.–हित करना, भलाई करना; समृद्धि, खुशहाली; मुक्ति, मोक्ष।

इफ़्शा (افشا) अ. पुं.–प्रकट करना, ज़ाहिर करना।

इफ़्शाएराज़ (افشائے راز) अ. फ़ा. पुं.–रहस्य का प्रकट हो जाना, भेद खुल जाना।

इफ़्साद (افساد) अ. पुं.–उपद्रव करना, फ़साद करना; नष्ट करना, तबाह करना।

इफ़्हाम (افہام) अ. पुं.–समझाना, अच्छी तरह बताना, बोध कराना।

इफ़्हाम (افحام) अ. पुं.–किसी को वाद-विवाद में तर्क द्वारा चुप कर देना।

इफ़्हामो तफ़्हीम (افہام و تفہیم) अ. पुं.–स्वयं समझना और दूसरे को समझाना, विचार-विनिमय, समझौते की बातचीत।

इफ़्हाश (افحاش) अ. पुं.–अश्लील बातें बकना, फुहश बकना, अवाच्यवाद।

इबा (ابا) अ. स्त्री.–अस्वीकृति, इन्कार; घृणा, नफ़रत, घिन।

इबाद (عباد) अ. पुं.–'अब्द' का बहु., सेवकगण, दास लोग, गुलाम।

इबादत (عبادت) अ. स्त्री.–उपासना, आराधना, पूजा, वंदगी, तप, तपस्या।

इबादतख़ानः (عبادت خانہ) अ. फ़ा. पुं.–इबादत करने का स्थान, उपासना गृह, मसजिद, मंदिर, गिर्जा आदि।

इबादतगाह (عبادتگاہ) अ. फ़ा. स्त्री.–दे. 'इबादतख़ानः'।

इबादतगुज़ार (عبادت گزار) अ. फ़ा. वि.–बहुत अधिक इबादत करनेवाला, तपस्वी, तपःशील।

इबारत (عبارت) अ. स्त्री.–अक्षर-विन्यास, पदावली, इबारत; श्रुत लेख, अनुलेख, इम्ला; लेख, तहरीर।

इबारत आराई (عبارت آرائی) अ. फ़ा. स्त्री.–शब्दाडंबर, इबारत में बना-बनाकर शब्द लाना; लेख को अलंकारादि से सुसज्जित करना, इबारत को पुरतकल्लुफ़ बनाना; लेख लिखना।

इबाहत (اباحت) अ. स्त्री.–किसी खान-पान अथवा कार्य का धर्म के अनुसार विहित होना, मुबाह होना।

इबिल (ابل) अ. पुं.–ऊँट, उष्ट्र, यह शब्द बहुवचन है, इसका एकवचन नहीं है।

इब्आद (ابعاد) अ. पुं.–दूर करना, हटाना, दूर फेंकना।

इब्क़ा (ابقا) अ. पुं.–बाक़ी रखना, बचा लेना।

इब्का (ابکا) अ. पुं.–रुलाना, रुदित करना।

इब्कार (ابکار) अ. पुं.–प्रातःकाल, प्रभात, सबेरा, सुबह।

इब्त (ابط) अ. स्त्री.–बग़ल, कक्ष।

इब्ता (ابطا) अ. पुं.–देर करना, विलम्ब करना, ढील डालना।

इब्ताल (ابطال) अ. पुं.–झुठलाना, गलत ठहराना; खंडन करना, तर्दीद करना; खंडन, तर्दीद।

इब्तिआद (ابتعاد) अ. पुं.–दूर होना, पक्ष से हटना।

इब्तिकार (ابتکار) अ. पुं.–नया करना, नवीन करना।

इब्तिग़ा (ابتغا) अ. पुं.–इच्छा करना, चाहना; चाह, इच्छा, ख़ाहिश।

इब्तिज़ाल (ابتذال) अ. पुं.–अपव्यय, फ़ुज़ूलख़र्ची; अश्लीलता, फूहड़पन, फक्कड़पन।

इब्तिदा (ابتدا) अ. स्त्री.–प्रारम्भ, आरम्भ, शुरुआत; आदिकाल, इब्तिदाए ज़माना।

इब्तिदाअन् (ابتداءً) अ. वि.–आरम्भ में, पहले-पहल, शुरू-शुरू में ।

इब्तिदाई (ابتدائی) अ. वि.–प्रारम्भिक, प्राथमिक, आदिम, शुरू का, पहला ।

इब्तिला (ابتلا) अ. पुं.–परीक्षा, आज़माइश; दुःख में डालना; दुःख, कष्ट, मुसीबत ।

इब्तिलाअ (ابتلاع) अ. पुं.–निगलना, हलक़ में उतारना ।

इब्तिलाल (ابتلال) अ. पुं.–भीगना, तर होना ।

इब्तिसाम (ابتسام) अ. पुं.–खिलना, प्रफुल्ल होना; हँसना, मुस्कराना ।

इब्तिहाज (ابتہاج) अ. पुं.–आनन्द, हर्ष, प्रसन्नता, ख़ुशी ।

इब्तिहाल (ابتہال) अ. पुं.–रोना-धोना, रोना, गिड़गिड़ाना ।

इब्दा (ابدا) अ. पुं.–प्रकट करना, जाहिर करना; उत्पन्न करना, पैदा करना ।

इब्दाअ (ابداع) अ. पुं.–ऐसी वस्तु बनाना जो बिलकुल नयी और अनोखी हो, आविष्कार करना ।

इब्दाल (ابدال) अ. पुं.–बदलना; एक अक्षर को दूसरे अक्षर से बदलना ।

इब्न (ابن) अ. पुं.–पुत्र, बेटा ।

इब्नः (ابنہ) अ. स्त्री.–पुत्री, बेटी ।

इब्ना (ابنا) अ. पुं.–नींव डालना, बनाना ।

इब्नुल अख़ (ابن الاخ) अ. पुं.–भतीजा, भाई का लड़का ।

इब्नुल इर्स (ابن العرس) अ. पुं.–नेवला, एक जंगली जन्तु ।

इब्नुल उख़्त (ابن الاخت) अ. पुं.–भांनजा, बहन का लड़का ।

इब्नुल ग़ैब (ابن الغیب) अ. पुं.–वह लड़का जिसके पिता का पता नहीं, जारज, दोग़ला, अज्ञातकुलशील ।

इब्नुल लबून (ابن اللبون) अ. पुं.–ऊँट का दूध पीता बच्चा ।

इब्नुल वक़्त (ابن الوقت) अ. पुं.–वह व्यक्ति जो अपने को समय के अनुसार ढाल ले, अवसरवादी ।

इब्नुस्सबील (ابن السبیل) अ. पुं.–पथिक, मुसाफ़िर, राहगीर ।

इब्ने आवा (ابن آوی) अ. पुं.–शृगाल, गीदड़, सियार ।

इब्ने सुब्ह (ابن صبح) अ. पुं.–सूर्य, सूरज ।

इब्रः (عبرہ) अ. पुं.–नाव या जहाज़ का महसूल; राहदारी का महसूल; नदी पार करना; खिराज ।

इब्रः (ابرہ) अ. स्त्री.–सुई, सूची ।

इब्रत (عبرت) अ. स्त्री.–वह मानसिक खेद जो किसी बड़े आदमी को बुरी अवस्था में या किसी अपराधी को कड़ी सज़ा या दैवी कष्ट में देखकर होता है ।

इब्रत अंगेज (عبرت انگیز) अ. फ़ा. वि.–इब्रत पैदा करनेवाली बात ।

इब्रतखेज़ (عبرت خیز) अ. फ़ा. वि.–ऐसी बात जिससे इब्रत पैदा हो ।

इब्रतनाक (عبرت ناک) अ. फ़ा. वि.–इब्रत अंगेज़; भयानक, भयंकर, बहुत सख़्त ।

इब्रा (ابرا) अ. पुं.–बेज़ारी, उपेक्षा; रोगमुक्ति, शिफ़ा; अदा करना, चुकता करना; पवित्र होना, शुद्ध होना, पाक होना ।

इब्राक़ (ابراق) अ. पुं.–बिजली गिराना; बिजली का शाक लगना ।

इब्राज़ (ابراز) अ. पुं.–प्रकट करना, ज़ाहिर करना ।

इब्रानी (عبرانی) अ. स्त्री.–मुल्क शाम की एक प्राचीन भाषा, इब्री ।

इब्राम (ابرام) अ. पुं.–दृढ़ करना, मज़बूत करना; कष्ट देना; दुःखित करना; रस्सी बटना ।

इब्रार (ابرار) अ. पुं.–भलाई करना; बख़्शिश करना; यश देना ।

इब्राहीम (ابراہیم) अ. पुं.–एक पैग़म्बर जिन्हें नम्रूद ने आग में जलाना चाहा था, परन्तु वह आग का समुद्र उनके लिए बाग बन गया ।

इब्री (عبری) अ. स्त्री.–दे. 'इब्रानी' ।

इब्रीक़ (ابریق) अ. पुं.–एक प्रकार का चमड़े का टोंटीदार लोटा; शराब का जग ।

इब्रीज़ (ابریز) अ. पुं.–खरा सोना और चाँदी ।

इब्रीज (ابریج) अ. स्त्री.–छाछ बिलोने की रई, मथानी ।

इब्रेशम (ابریشم) अ. पुं.–रेशम, कौशेय; कच्चा रेशम, रेशम का कोया ।

इब्ल (ابل) अ. पुं.–ऊँट, उष्ट्र, दे. 'इबिल', दोनों शुद्ध हैं ।

इब्लाग़ (ابلاغ) अ. पुं.–पहुँचाना, भेजना ।

इब्लीस (ابلیس) अ. पुं.–जो ईश्वर की दया से निराश हो; शैतान, दैत्य ।

इब्सार (ابصار) अ. पुं.–देखना, आलोकन, अवलोकन ।

इब्हाम (ابہام) अ. पुं.–चुपके से कहना; चुपके से छोड़ देना; द्वार बन्द करना; अँगूठा; निगूढ़ता, क्लिष्टता, इग्लाक़ ।

इमा (اما) अ. स्त्री.–'अमत' का बहु., लौंडियाँ, दासियाँ, कनीज़ें ।

इमादः (عمادہ) अ. पुं.–स्तम्भ, सुतून ।

इमाद (عماد) अ. पुं.–इमादः का बहु., खंभे, सुतून ।

इमामः (عمامہ) अ. पुं.–पगड़ी, उष्णीष, साफ़ा ।

इमाम (امام) अ. पुं.–नेता, अग्रसर, पेशवा; नमाज़ पढ़ानेवाला, जो नमाज़ में इमामत करे ।

इमामत (امامت) अ. स्त्री.–नेतृत्व, नेतापन, पेशवाई; नमाज़ पढ़ाना; नमाज़ पढ़ाने की नौकरी।

इमामतपेशः (امامت پیشه) अ. फा. वि.–वह व्यक्ति जो किसी मसजिद में नमाज़ पढ़ाकर जीविका चलाता हो।

इमामियः (امامیه) अ. वि.–शीआ मुसलमान।

इमामे नातिक़ (امام ناطق) अ. पुं.–हज़रत इमाम जा'फ़रे सादिक़, अभिभाषक-इमाम, उपदेशक–धर्मगुरु।

इमारत (امارت) अ. स्त्री.–धनाढ्यता, मालदारी; शासन, राज्य, हुकूमत, हिन्दी में अमारत प्रचलित 'अमीर' से भाववाचक संज्ञा बनी।

इमारत (عمارت) अ. स्त्री.–मकान, बिल्डिंग।

इमालः (اماله) अ. पुं.–फ़ारसी अथवा अरबी में किसी शब्द के 'अलिफ़' को 'ये' बना देना जैसे 'किताब' को 'कितेब' कर देना।

इम्आन (امعان) अ.पुं.–गहरी दृष्टि डालना, ग़ौर से देखना; खूब ग़ौर करना, गहरा सोचना।

इम्आने नज़र (امعان نظر) अ. पुं.–गहरी दृष्टि, ग़ाइर नज़र, सूक्ष्म दृष्टि।

इम्कान (امکان) अ. पुं.–संभावना, मुमकिन होना, हो सकने का भाव।

इम्ज़ा (امضا) अ. पुं.–आदेश जारी करना; किसी काग़ज़ पर मोहर और हस्ताक्षर करना।

इम्ताअ (امتاع) अ. पुं.–लाभ पहुँचाना।

इम्तार (امطار) अ. पुं.–पानी बरसना, वर्षा होना।

इम्तिक़ाअ (امتقاع) अ. पुं.–रंग उतर जाना, रंग फीका पड़ जाना।

इम्तिख़ाख़ (امتخاخ) अ. पुं.–हड्डी से गूदा निकालना।

इम्तिज़ाज (امتزاج) अ. पुं.–मिलाना, मिश्रित करना; मिश्रण, मिलावट।

इम्तिदाद (امتداد) अ. पुं.–खिंचा हुआ होना; दीर्घता, लम्बाई, विस्तार।

इम्तिदादे ज़मानः (امتداد زمانه) अ. पुं.–अधिक समय बीत जाना, दीर्घकालीनता।

इम्तिनाअ (امتناع) अ. पुं.–निषेध, प्रतिबंध, मनाही।

इम्तिनाए शराब (امتناع شراب) अ. पुं.–मद्य-निषेध, शराबबंदी।

इम्तिनान (امتنان) अ. पुं.–अच्छी-अच्छी नेमतें देना; एहसान रखना, कृतज्ञ करना।

इम्तियाज़ (امتیاز) अ. पुं.–दो एक-सी चीज़ों में भेद करना, विवेक, तमीज़; मुख्यता, खुसूसियत; एक को दूसरे पर तर्जीह; परीक्षा में विद्यार्थियों को अच्छे नम्बर लाने के फलस्वरूप डिस्टिंकशन, विशेष योग्यता।

इम्तियाज़नामः (امتیازنامه) अ. फा. पुं.–लाइसेंस।

इम्तियाज़ी (امتیازی) अ. वि.–मुख्य, खुसूसी, विशेष।

इम्तिराश (امتراش) अ. पुं.–उचक लेना, छीनकर भागना।

इम्तिला (امتلا) अ. पुं.–पेट में अन्न का अधिक हो जाना; बदहज़मी, अजीर्ण; भर जाना, आध्मान, अफ़ारा।

इम्तिशात (امتشاط) अ. पुं.–बालों में कंघी करना।

इम्तिसाल (امتثال) अ. पुं.–आज्ञा-पालन, फ़र्माबरदारी।

इम्तिसाले अम्र (امتثال امر) अ. पुं.–हुक्म मानना, आज्ञा-पालन करना।

इम्तिसाले हुक्म (امتثال حکم) अ.पुं.–दे. इम्तिसाले अम्र।

इम्तिसास (امتصاص) अ. पुं.–चूसना, चूषण।

इम्तिहात (امتخاط) अ. पुं.–नाक साफ़ करना।

इम्तिहान (امتحان) अ. पुं.–परीक्षा, जाँच, परख; विद्यार्थियों की परीक्षा, पढ़ाई की जाँच।

इम्तिहान (امتهان) अ. पुं.–अपमानित रखना।

इम्तिहाल (امتهال) अ. पुं.–मोहलत देना, छुट्टी देना।

इम्दाद (امداد) अ. स्त्री.–सहायता, मदद, सहयोग।

इम्दादे बाहमी (امداد باهمی) अ. फा. स्त्री.–मिल-जुलकर काम करना, सहकारिता।

इम्रा (امرا) अ. पुं.–पेट में अन्न का पचना, खाना हज़म होना।

इम्रान (عمران) अ. पुं.–आबादी, जनसंख्या।

इम्रार (امرار) अ. पुं.–गुज़ारना, गुज़रवाना।

इम्रोज़ः (امروزه) फा. वि.–आज का, आज के दिन का।

इम्रोज़ (امروز) फा. पुं.–आज, अद्य, आज का दिन।

इम्लः (عمله) अ. पुं.–काम, मज़दूरी।

इम्ला (املا) अ. स्त्री.–अक्षर-विन्यास, इबारत; श्रुतलेख, अनुलेख, वह इबारत जो बच्चों को पुस्तक दिखाये बिना लिखायी जाती है; भरना।

इम्लाक़ (املاق) अ. पुं.–दरिद्रता, कंगाली; फ़क़ीरी, साधुता।

इम्लाक (املاک) अ. पुं.–किसी को किसी वस्तु का स्वामी बनाना, मालिक करना।

इम्लाल (املال) अ. पुं.–दुःखित करना, मुलूल करना।

इम्लास (املاص) अ. पुं.–पेट गिराना, भ्रूणपात।

इम्लाह (املاح) अ. पुं.–नमकीन करना, नमक मिलाना।

इम्शब (امشب), फा. स्त्री.–आज की रात, आज रात।

इम्सा (امسا) अ. पुं.–रात कर देना; हाल बदल जाना, अवस्था का परिवर्तित होना।

इम्साल (امسال) फा. पुं.–इस साल, मौजूदा साल।

इम्साल (امثال) अ. पुं.–कान-नाक काटना।

इम्सास (امساس) अ. पुं.—स्पर्श करना, छूना; मर्दन, मसलना।

इम्हाल (امہال) अ. पुं.—मोहलत देना, समय देना।

इयाँ (عیاں) अ. पुं.—प्रकट, व्यक्त, स्पष्ट, ज़ाहिर (अयाँ)।

इयाज़ (عیاذ) अ. स्त्री.—त्राण, रक्षा पनाह।

इयादत (عیادت) अ. स्त्री.—रोगी का हाल पूछने और उसे ढारस देने के लिए उसके पास जाना।

इयाब (ایاب) अ. पुं.—वापस आना, लौटना, प्रत्यागमन।

इयाबोज़हाब (ایاب وذہاب) अ. पुं.—आना-जाना, यातायात।

इयारिज (ایارج) अ. पुं.—एलुआ, गुआरपाठा (घीकुआर) का सुखाया हुआ रस।

इयाल (عیال) अ. पुं.—बाल-बच्चे (अयाल)।

इयालत (ایالت) अ. स्त्री.—रखवाली करना, निरीक्षण; दंड देना, सज़ा देना; डाँट-फटकार करना।

इयालत (عیالت) अ. स्त्री.—बाल-बच्चोंवाला होना।

इयास (ایاس) अ. पुं.—निराश होना, नाउम्मीद होना।

इरम (ارم) अ. पुं.—'आद' नाम की क़ौम का नगर; 'आद' नामक व्यक्ति का पिता; वह कृत्रिम स्वर्ग जो शद्दाद ने बनाया था; स्वर्ग, बिहिश्त।

इराअत (ارائت) अ. स्त्री—दिखाना, नुमाइश करना।

इराक़ः (اراقہ) अ. पुं.—पानी या कोई दूसरी पतली चीज़ गिराना।

इराक़ (عراق) अ. पुं.—पूर्वी अरब का एक देश, जिसकी राजधानी 'बग़दाद' है

इराक़त (اراقت) अ. स्त्री.—दे. 'इराक़ः'।

इराग़ः (اراغہ) अ. पुं.—दे. 'इराग़त'।

इराग़त (اراغت) अ. पुं.—माँगना, तलब करना।

इरादः (ارادہ) अ. पुं.—संकल्प, क़स्द; निश्चय, तहैय्यः; इच्छा, ख़्वाहिश।

इरादत (ارادت) अ. स्त्री.—श्रद्धा, आस्था, एतिक़ाद।

इरादत केश (ارادت کیش) अ. फा. वि.—श्रद्धावान्, श्रद्धालु, मो'तक़िद; भक्त, नियाज़मंद।

इरादतन (ارادۃً) अ. वि.—जान-बूझकर, क़स्दन।

इरादतमंद (ارادت مند) अ. फा. वि.—दे. 'इरादतकेश'।

इरादी (ارادی) अ. वि. — इरादे का; इरादे से सम्बन्धित।

इराबत (ارابت) अ. स्त्री.—शक करना, संदेह करना; किसी को संदेह में डालना।

इराहत (اراحت) अ. स्त्री.—मरना; किसी चीज़ की बू सूँघना; अपवित्र होना; सुख देना; तृप्त होना।

इर्आश (ارعاش) अ पुं.—दूसरे को कँपाना।

इर्क़ (عرق) अ. स्त्री.—स्नायु, पट्ठा, रग।

इर्काज़ (ارکاض) अ. पुं.—बच्चे का पेट में फिरना।

इर्क़ाम (ارقام) अ. पुं.—लेखन, लिखना।

इर्क़ास (ارقاص) अ. पुं.—उछालना; बच्चे को खेल में लगाना, ऊँट को भगाना।

इर्क़ुन्निसा (عرق النسا) अ. स्त्री.—वह दर्द जो चूतड़ से एड़ी तक उठता है, कुलंग, गृध्रसी स्नायु-शूल, साइटिका, नर्वस पेन।

इर्ख़ा (ارخا) अ.पुं.—ढीला करना, शिथिल करना; छोड़ देना।

इर्ख़ास (ارخاص) अ. पुं.—सस्ता करना, भाव गिराना।

इर्ग़ाम (ارغام) अ. पुं.—अपमानित करना, ज़लील करना; नाक रगड़वाना।

इर्जा (ارجا) अ. पुं.—आशान्वित करना; फेंकना; रास्ते का ख़त्म के क़रीब आना।

इर्ज़ा (ارضا) अ. पुं.—मनाना, राज़ी करना।

इर्जाअ (ارجاع) अ. पुं.—रजूअ करना, आकृष्ट करना, मुतवज्जेह करना।

इर्ज़ाअ (ارضاع) अ. पुं.—स्त्री का बच्चे को दूध पिलाना।

इर्तिआद (ارتعاد) अ. पुं.—कंपन, कँपकँपाहट, थरथरी, लर्ज़िश।

इर्तिआश (ارتعاش) अ. पुं.—कँपकँपी, कंपन, लर्ज़ा; काँपना, थरथराना।

इर्तिकाज़ (ارتکاز) अ.पुं.—रगड़ना, मर्दन; भरोसा करना।

इर्तिकाज़ (ارتکاض) अ. पुं.—पेट में डोलना, बच्चे का पेट में हरकत करना।

इर्तिकाब (ارتکاب) अ. पुं.—पाप करना; किसी बुरे काम की शुरुआत करना; किसी चीज़ पर सवार होना।

इर्तिक़ाब (ارتقاب) अ. पुं.—आशा रखना, उम्मेद रखना।

इर्तिकाबे गुनाह (ارتکاب گناہ) अ. फा. पुं.—पाप करना, गुनाह करना।

इर्तिकाबे जुर्म (ارتکاب جرم) अ. पुं.—अपराध करना, क़ुसूर करना।

इर्तिख़ास (ارتخاص) अ. पुं.—सस्ता ख़रीदना, भाव गिराकर मोल लेना।

इर्तिजा (ارتجا) अ. पुं.—आशा रखना, आशान्वित होना।

इर्तिज़ा (ارتضا) अ. पुं.—राज़ी होना, प्रसन्न होना; पसंद करना।

इर्तिजाअ (ارتجاع) अ. पुं.—लौटाना, फिराना।

इर्तिज़ाअ (ارتضاع) अ. पुं.—बच्चे का स्त्री का दूध पीना।

इर्तिजाज (ارتجاج) अ. पुं.—हिलना, डोलना; कँपकँपाना, थरथराना।

इर्तिजाल (ارتجال) अ पुं.—बिना सोचे तुरन्त ही किसी विषय पर बोलने लगना; बिना सोचे तुरन्त ही कविता करना; किसी काम को तुरन्त ही कर देना। आशुभाषण, आशुकविता

इर्तिजालन् (ارتجالاً) अ. वि.–इर्तिजाल के तौर पर, फ़िलबदीह, आशु गति से ।

इर्तितान (ارتطام) अ. पुं.–दलदल में फँसना; गिरफ़्तार होना; नीचे जाना; कीचड़ में कोई चीज़ फेंकना ।

इर्तिदा (ارتدا) अ. पुं.–चादर ओढ़ना ।

इर्तिदाद (ارتداد) अ. पुं.–धर्म-परिवर्तन, अपना धर्म छोड़कर दूसरे धर्म में चला जाना ।

इर्तिफ़ाअ (ارتفاع) अ. पुं.–ऊँचा उठना; कहीं से निकलना; ग़ल्ला उठाना; लगान; देश की आय; ऊँचाई ।

इर्तिफ़ाक़ (ارتفاق) अ. पुं.–साथ देना, दोस्ती निवाहना; कोहनी का तकिया लगाना, कोहनी पर टेक लगाना ।

इर्तिबात (ارتباط) अ. पुं.–एक चीज़ को दूसरी से बांधना; मेल-मिलाप; मैत्री, दोस्ती ।

इर्तिबाह (ارتباح) अ. पुं.–व्यापार में ब्याज लेना ।

इर्तियाद (ارتياد) अ. पुं.–मांगना, तलब करना; ढूंढ़ना, खोज लगाना ।

इर्तियाब (ارتياب) अ. पुं.–शक में डालना, शंका में डालना ।

इर्तियाश (ارتياش) अ. पुं.–अवस्था का अच्छा होना ।

इर्तियाह (ارتياح) अ. पुं.–प्रसन्न होना, हर्षित होना, खुश होना ।

इर्तिशा (ارتشا) अ. पुं.–रिश्वत लेना, घूस लेना, उत्कोच ग्रहण ।

इर्तिशाफ़ (ارتشاف) अ. पुं.–चूसना ।

इर्तिसाम (ارتسام) अ. पुं.–चित्रित करना, चित्र बनाना ।

इर्तिहान (ارتهان) अ. पुं.–रेहन की वस्तु अपने पास धरना, गिरो रखना ।

इर्तिहाल (ارتحال) अ. पुं.–किसी वस्तु को एक जगह से उठाना; कहीं जाना; प्रस्थान करना, कूच करना ।

इर्दगिर्द (اردگرد) फ़ा. वि.–चारों ओर, चहुपास, चारों तरफ़, आस-पास ।

इर्दा (اردا) अ. पुं.–मार डालना ।

इर्फ़ान (عرفان) अ. पुं.–विवेक, ज्ञान; तमीज़; ब्रह्मज्ञान, मा'रिफ़त ।

इर्ब (ارب) अ. स्त्री.–आवश्यकता, ज़रूरत ।

इर्मन (ارمن) अ. पुं. –एक देश, काकेशिया ।

इर्मनी (ارمنی) अ. वि.–इर्मन का निवासी, काकेशियन ।

इर्माग़ (ارماغ) अ. पुं.–हग मारना, पाखाना निकल जाना ।

इर्माज़ (ارماض) अ. पुं.–गर्म रेत से जलना ।

इर्वा (اروا) अ. पुं.–पानी देना, सेराब करना, तृप्त करना ।

इर्शाद (ارشاد) अ. पुं.–सीधा रास्ता दिखाना; आज्ञा देना, हुक्म करना; दीक्षा देना; हिदायत करना; आज्ञा, हुक्म; दीक्षा, पीर की हिदायत, धर्मगुरु का उपदेश ।

इर्शाश (ارشاش) अ. पुं.–फुहार पड़ना, धीमी वर्षा होना; आँसू गिरना; खून टपकना ।

इर्स (ارث) अ. स्त्री.–किसी काम का पुश्त दर पुश्त चलना, मीरास; मूल, असल; राख; बाक़ी बची हुई वस्तु; परम्परा, पूर्व-प्रचलित मान्यता ।

इर्साद (ارصاد) अ. पुं.–निरीक्षण, निगरानी करना, देखभाल करना ।

इर्साल (ارسال) अ. पुं.–प्रेषण, भेजना; भूलना; उपहार, भेंट, तोहफ़ा ।

इलल आन (الی الآن) अ. अव्य.–अब तक, इस समय तक; अब भी, अद्यापि ।

इला (الا) अ. स्त्री.–भलाई, अच्छाई, नेकी; नेमत, दिव्य पदार्थ ।

इलाक़ः (علاقہ) अ. पुं.–क्षेत्र, सर्किल, देश, मुल्क; प्रदेश, ख़ित्तः ।

इलाज (علاج) अ. पुं.–उपचार, चिकित्सा, दवा-दारू; उपाय, प्रयत्न, तदबीर ।

इलाज पिज़ीर (علاج پذیر) अ. फ़ा. वि.–जो दवा के क़ाबिल हो, साध्य ।

इलावः (علاوہ) अ. अव्य.–अतिरिक्त, सिवाय । हिन्दी में अलावा प्रचलित है । (अलावा) ।

इलाह (اله) अ. पुं.–ईश्वर, अल्लाह, ख़ुदा ।

इलाहा (الہا) अ. अव्य.–हे ईश्वर, ए ख़ुदा ।

इलाही (الہی) अ. अव्य.–मेरा ईश्वर, मेरा ख़ुदा; ईश्वर, ख़ुदा ।

इलाहीयात (الہیات) अ. स्त्री.–ब्रह्मज्ञान से सम्बन्धित शास्त्रादि ।

इल्आब (العاب) अ. पुं.–खेलना, क्रीड़ा करना ।

इल्क़ा (القا) अ. पुं.–पहुँचाना, डालना; दैवी शक्ति द्वारा अनायास मन में कोई विचार उत्पन्न होना, जिससे अनिष्ट से बचाव अथवा इष्ट के ग्रहण की ओर संकेत हो ।

इल्ग़ा (الغا) अ. पुं.–डालना, फेंकना; हटाना, निवारण करना; झुठलाना ।

इल्जा (الجا) अ. पुं.–बुराई और पाप से बचना; अपने काम को ईश्वरेच्छा पर निर्भर कर देना ।

इल्ज़ाक़ (الزاق) अ. पुं.–चिपकना; चिपकाना ।

इल्जाम (الجام) अ. पुं.–घोड़े के मुँह में लगाम देना ।

इल्ज़ाम (الزام) अ. पुं.–दोष, अपराध, जुर्म; कोई बात अपने ऊपर या दूसरे पर लाज़िम कर देना ।

इल्ज़ामात (الزامات) अ. पुं.–'इल्ज़ाम' का बहु., दोष-समूह, बहुत से अपराध, जराइम ।

इल्ताफ़ (الطاف) अ. पुं.–कृपा करना, दया करना, करम करना (लुत्फ़ का बहुवचन : अल्ताफ़)।

इल्तिक़ा (التقا) अ. पुं.–इकट्ठा होना; एक दूसरे में घुमना; एक दूसरे को देखना।

इल्तिक़ात (التقاط) अ. पुं.–चुनना, बीनना; चुनकर इकट्ठा करना।

इल्तिक़ाम (التقام) अ. पुं.–कौर करना, निवाला करना।

इल्तिजा (التجا) अ. स्त्री.–प्रार्थना करना, दरख़ास्त करना; प्रार्थना, दरख़ास्त; दुहाई देना।

इल्तिज़ाक़ (التزاق) अ. पुं.–चिपकना, सटना।

इल्तिजाज (التجاج) अ. पुं.–लड़ना, युद्ध करना।

इल्तिज़ाज़ (التذاذ) अ. पुं.–स्वाद लेना, मज़ा चखना; आनंद लेना, लुत्फ़ उठाना।

इल्तिज़ाम (التزام) अ. पुं.–किसी कार्य को अपने ऊपर लाज़िम और अनिवार्य कर लेना।

इल्तिफ़ात (التفات) अ. पुं.–कनखियों से देखना; कृपा, दया; तवज्जुह, प्रवृत्ति, प्रणय-कटाक्ष, कृपाकोर।

इल्तिबास (التباس) अ. पुं.–एक-सा होना; सदृश होना; सदृशता, मुशाबहत।

इल्तिमाअ (التماع) अ. पुं.–चमकना, प्रकाशमान् होना।

इल्तिमास (التماس) अ. स्त्री.–प्रार्थना करना, सवाल करना; प्रार्थना, सवाल।

इल्तियाअ (التياع) अ. पुं.–प्रेम की अग्नि से हृदय का दाह।

इल्तियात (التياط) अ. पुं.–चिपकाना, मिलाना, जोड़ना।

इल्तियाम (التيام) अ. पुं.–घाव का भरना, ज़ख़्म का अच्छा होना; परस्पर पैवस्त होना।

इल्तिवा (التوا) अ. पुं.–लिपटना; मुलतवी होना, रुक जाना।

इल्तिसाक़ (التساق, التصاق) अ. पुं.–चिपकना।

इल्तिसाम (التثام) अ. पुं.–किसी चीज़ को चूमना।

इल्तिहा (التحا) अ. पुं.–दाढ़ी निकलना।

इल्तिहाफ़ (التحاف) अ. पुं.–सिर से कपड़ा ओढ़ना।

इल्तिहाब (التهاب) अ. पुं.–आग का भड़कना, आग का लपटें मारना।

इल्फ़ (الف) अ. पुं.–अभ्यस्त होना, आदत पड़ जाना।

इल्फ़ाफ़ (الفاف) अ. पुं.–लपेटना।

इल्बाब (الباب) अ. पुं.–बसना, ठहरना, मुक़ीम होना।

इल्बास (الباس) अ. पुं.–कपड़े पहनना।

इल्म (علم) अ. पुं.–विद्या, विज्ञान; ज्ञान, जानकारी; शिल्प, दस्तकारी; कला, फ़न; बुद्धि, अक़्ल; विवेक, शऊर; शिक्षा, तालीम।

इल्मदाँ (علمداں) अ. फ़ा. वि.–विद्वान्, पंडित, आलिम, फ़ाज़िल।

इल्मदोस्त (علم دوست) अ. फ़ा. वि.–विद्या से प्रेम करनेवाला; विद्वज्जनों की क़द्र करनेवाला, गुणग्राही।

इल्मी (علمی) अ. वि.–इल्म से सम्बन्धित; इल्म का; विद्वत्तापूर्ण, क़ाबिलाना।

इल्मीयत (علمیت) अ. स्त्री.–विद्वत्ता, पांडित्य, क़ाबिलीयत, योग्यता।

इल्मुत्तवारीख़ (علم التواریخ) अ. पुं.–इतिहास विज्ञान, तारीख़ का इल्म।

इल्मुन्निसा (علم النسا) अ. पुं.–कोकशास्त्र, कामशास्त्र।

इल्मुल अख़्लाक़ (علم الاخلاق) अ. पुं.–नीतिशास्त्र।

इल्मुल अग़्ज़ियः (علم الاغذیہ) अ. पुं.–आहार-विज्ञान, भोजन-विज्ञान।

इल्मुल अज्साम (علم الاجسام) अ. पुं.–शरीर-विज्ञान।

इल्मुल अद्वियः (علم الادویہ) अ. पुं.–औषधि-विज्ञान, वनस्पतिशास्त्र, ।

इल्मुल अफ़्लाक (علم الافلاک) अ. पुं.–अंतरिक्ष-विज्ञान।

इल्मुल अब्दान (علم الابدان) अ. पुं.–दे. 'इल्मुलअज्साम'।

इल्मुल अम्राज़ (علم الامراض) अ. पुं.–रोग-निदान-शास्त्र।

इल्मुल अर्वाह (علم الارواح) अ. पुं.–प्रेतविद्या।

इल्मुल अल्सिनः (علم الاسنہ) अ. पुं.–भाषा-विज्ञान।

इल्मुल अश्जार (علم الاشجار) अ. पुं.–वृक्षायुर्वेद, वनस्पतिशास्त्र, निघण्टु-विज्ञान।

इल्मुल आ'ज़ा (علم الاعضا) अ. पुं.–शरीर-रचना-शास्त्र।

इल्मुल इक़्तिसाद (علم الاقتصاد) अ. पुं.–अर्थशास्त्र।

इल्मुल इर्तिक़ा (علم الارتقا) अ. पुं.–विकास-विज्ञान।

इल्मुल इलाज (علم العلاج) अ. पुं.–चिकित्सा- शास्त्र।

इल्मुल क़ाबिलः (علم القابلہ) अ. पुं.–धात्रीविद्या, दायःगरी, रोगीपरिचर्या-विज्ञान।

इल्मुल जराहत (علم الجراحت) अ. पुं.–शल्यशास्त्र, शल्यविद्या।

इल्मुल मिसाहत (علم المساحت) अ. पुं.–ज्यामिति, क्षेत्रगणित, रेखागणित।

इल्मुल हयात (علم الحیات) अ. पुं.–जीव-विज्ञान।

इल्मुल हैवान (علم الحیوان) अ. पुं.–प्राणिशास्त्र।

इल्मे अदब (علم ادب) अ. पुं.–साहित्य-शास्त्र।

इल्मे अरूज़ (علم عروض) अ. पुं.–पिंगल, छंदःशास्त्र।

इल्मे इंशा (علم انشا) अ. पुं.–गद्य-रचना-शास्त्र।

इल्मे इंसाफ़ (علم انصاف) अ. पुं.–व्यवहार-शास्त्र।

इल्मे इलाज (علم علاج) अ. पुं.–दे. 'इल्मुलइलाज'।

इल्मे इलाहीयात (علم الٰهيات) अ. पुं.—दर्शन-शास्त्र।

इल्मे कलाम (علم کلام) अ. पुं.—मीमांसा, तर्कशास्त्र।

इल्मे क़ाफ़ियः (علم قافیه) अ. पुं.—अनुप्रास-शास्त्र।

इल्मे क़ियाफ़ः (علم قیافه) अ. पुं.—सामुद्रिक-शास्त्र, अंगविद्या।

इल्मे कीमिया (ع' کیمیا) अ. पुं.—रसायन-शास्त्र।

इल्मे ग़ैब (علم غیب) अ. पुं.—परोक्ष-विद्या, भविष्य-ज्ञान, परोक्ष-ज्ञान।

इल्मे जरासीम (علم جراثیم) अ. पुं.—कीटविद्या, कीटिकी, कीटाणु-विज्ञान।

इल्मे जिमादात (علم جمادات) अ. पुं.—खनिज-विज्ञान, धातु-विद्या।

इल्मे तख़्लीक़ (علم تخلیق) अ. पुं.—सृष्टि-विज्ञान।

इल्मे तबक़ातुलअर्ज़ (علم طبقات الارض) अ. पुं.—भूगर्भ-शास्त्र, भौमिकी, भूगर्भ-विद्या।

इल्मे तबईयात (علم طبعیات) अ. पुं.—प्रकृति-विज्ञान, विज्ञान-शास्त्र।

इल्मे तमद्दुन (علم تمدن) अ. पुं.—नागरिक-शास्त्र।

इल्मे तसव्वुफ़ (علم تصوف) अ. पुं.—अध्यात्म, ब्रह्मविद्या।

इल्मे तस्ख़ीर (علم تسخیر) अ. पुं.—वशीकरण-शास्त्र।

इल्मे तारीख़ (علم تاریخ) अ. पुं.—दे. 'इल्मुत्तवारीख़'।

इल्मे तिजारत (علم تجارت) अ. पुं.—वाणिज्य-शास्त्र।

इल्मे तिलिस्म (علم طلسم) अ. पुं.—भोजविद्या, इंद्रजाल।

इल्मे दस्तबीनी (علم دست بینی) अ. फा. पुं.—हस्त-सामुद्रिक विद्या।

इल्मे दीन (علم دین) अ. पुं.—धर्मशास्त्र।

इल्मे नफ़्सीयात (علم نفسیات) अ. पुं.—मनोविज्ञानशास्त्र, मानसशास्त्र।

इल्मे नबातात (علم نباتات) अ. पुं.—वनस्पति-शास्त्र, उद्भिज्ज-शास्त्र।

इल्मे नुजूम (علم نجوم) अ. पुं.—फलित ज्योतिष, ज्योतिष-विज्ञान।

इल्मे फ़लसफ़ः (علم فلسفه) अ. पुं.—विज्ञान, साइंस; पदार्थ-विज्ञान; दर्शनशास्त्र, वेदान्त, ब्रह्मविद्या।

इल्मे बयान (علم بیان) अ. पुं.—फ़साहत बलाग़त का इल्म वर्णन-पटुता, भाषण-कौशल।

इल्मे मंतिक़ (علم منطق) अ. पुं.—न्यायशास्त्र, तर्कशास्त्र, तर्कविद्या।

इल्मे मा'क़ूल (علم معقول) अ. पुं.—दर्शनशास्त्र; तर्कशास्त्र।

इल्मे मा'दनीयात (علم معدنیات) अ. पुं.—खनिज-विज्ञान।

इल्मे मा'रिफ़त (علم معرفت) अ. पुं.—अध्यात्म-ज्ञान।

इल्मे मुआशरत (علم معاشرت) अ. पुं.—समाज-शास्त्र।

इल्मे मुनाज़रः (علم مناظره) अ. पुं.—शास्त्रार्थ-विज्ञान।

इल्मे मूसीक़ी (علم موسیقی) अ. पुं.—संगीतशास्त्र, गान-विद्या, नादशास्त्र।

इल्मे मौजूदात (علم موجودات) अ. पुं.—सृष्टि-विज्ञान।

इल्मे रियाज़त (علم ریاضت) अ. पुं.—योगशास्त्र।

इल्मे रियाज़ी (علم ریاضی) अ. पुं.—गणितशास्त्र।

इल्मे रीमिया (علم ریمیا) अ. पुं.—इंद्रजाल, जादूगरी।

इल्मे लदुन्नी (علم لدنی) अ. पुं.—ईश्वरदत्त ज्ञान।

इल्मे लिसानीयात (علم لسانیات) अ. पुं.—दे. 'इल्मुल अल्सिनः'।

इल्मे शे'र (علم شعر) अ. पुं.—काव्यशास्त्र।

इल्मे सनाअत (علم صناعت) अ. पुं.—शिल्प-शास्त्र।

इल्मे सनाए (علم صنائع) अ. पुं.—अलंकारादि-शास्त्र।

इल्मे सिफ़्ली (علم سفلی) अ. पुं.—पिशाचविद्या, भूत-विद्या।

इल्मे सियासत (علم سیاست) अ. पुं.—राजनीति-शास्त्र।

इल्मे सीमिया (علم سیمیا) अ. पुं.—परकाय-प्रवेश-विद्या।

इल्मे सेहत (علم صحت) अ. पुं.—स्वास्थ्य-विज्ञान।

इल्मे हिंदिसः (علم هندسه) अ. पुं.—गणितशास्त्र, अंकशास्त्र।

इल्मे हैअत (علم هیئت) अ. पुं.—खगोल-विज्ञान।

इल्यास (الیاس) अ. पुं.—एक पैग़म्बर जो सदा जीवित रहेंगे, यह समुद्रों के संरक्षक हैं।

इल्ल (ال) अ. पुं.—वचन, प्रतिज्ञा, पैमान; शरण, अमान; शपथ, सौगंद।

इल्लत (علت) अ. स्त्री.—कारण, हेतु, सबब; रोग, बीमारी; दुर्व्यसन, बुरीलत; झंझट।

इल्लतुल इलल (علت العلل) अ. स्त्री.—मूल कारण, निदान, सारे कारणों का कारण; ईश्वर, खुदा।

इल्लतुल मशाइख़ (علت المشائخ) अ. स्त्री.—बूढ़े लोगों वाला दुर्व्यसन, गुदादान व्यसन, बुरा काम कराने की लत, भवेसिया।

इल्लते आफ़्ताब (علت آفتاب) अ. स्त्री.—कमल रोग, यरक़ान।

इल्लते उबनः (علت ابنه) अ. स्त्री.—दे. 'इल्लतुल मशाइख़'।

इल्लते ग़ाई (علت غائی) अ. स्त्री.—मूल कारण, निदान, अस्ल सबब, जिस कारण के लिए कोई काम किया जाय।

इल्लते ताम्मः (علت تامه) अ. स्त्री.—पूरा कारण, कामिल सबब।

इल्लते फ़ाइली (علت فاعلی) अ. स्त्री.—किसी कार्य का कारण, जैसे—मकान के लिए राज।

इल्लते सूरी (علت صوری) अ. स्त्री.–ज़ाहिरी इल्लत, जैसे—मकान का आकार।

इल्ला (الا) अ. अव्य.–मगर, परन्तु; नहीं तो, वरना।

इल्साक़ (الصاق , الساق) अ. पुं.–चिपकाना।

इल्हा (الحا) अ. पुं.–झगड़े में डालना।

इल्हाक़ (الحاق) पुं.–मिलाना, जोड़ना; मूल पुस्तक में ऊपर से कुछ जोड़ देना, क्षेपक।

इल्हाद (الحاد) अ. पुं.–नास्तिकता, बेदीनी।

इल्हान (الحان) अ. पुं.–स्वर-माधुर्य, खुशआवाज़ी; गान, नग़मः; अच्छी आवाज़, कंठ-माधुर्य।

इल्हाब (الهاب) अ. पुं.–आग भड़कना, शोले उठना।

इल्हाम (الهام) अ. पुं.–ईश्वर की ओर से हृदय में आयी हुई बात; देववाणी, आकाशवाणी।

इल्हाह (الحاح) अ. पुं.–गिड़गिड़ाना, आजिज़ी करना, घिघियाना; खुशामद, विनती; गिड़गिड़ाहट।

इलहाहोज़ारी (الحاح وزاری) अ. फा. स्त्री.–रोना और गिड़गिड़ाना।

इवान (ایوان) फा. पुं.–ईवान, प्रासाद, महल।

इशक (اشک) तु. पुं.–गधा, गदहा, खर।

इशा (عشا) अ. स्त्री.–रात्रि, रात; रात का अँधेरा; रात की नमाज़।

इशाअत (اشاعت) अ. स्त्री.–प्रचार, प्रसार, मुश्तहरी; संस्करण, एडीशन; प्रकटन, ज़ुहूर।

इशाकत (اشاکت) अ. स्त्री.–गड़ाना, चुभोना।

इशादत (اشادت) अ. स्त्री.–ऊँचे स्वर से पढ़ना।

इशारः (اشارہ) अ. पुं.–संकेत, इंगित, ईमा; तात्पर्य, मतलब।

इशारःबाज़ी (اشارہ بازی) अ.फा. स्त्री.–आपस में इशारे करना, संकेत करना।

इशारत (اشارت) अ. स्त्री.–दे. 'इशारः'।

इशारतन् (اشارتاً) अ.वि.–संकेत से, इशारे में, संकेत करके।

इशारात (اشارات) अ. पुं.–इशारः का बहु., इशारे।

इश्आर (اشعار) अ. पुं.–सन्त्रेत करना, सूचना देना, आगाह करना।

इश्आल (اشعال) अ. पुं.–आग भड़काना।

इश्क़ (عشق) अ. पुं.–प्रेम, अनुराग, आसक्ति, मोह, महब्बत; दुर्व्यसन, लत।

इश्कनः (اشکنہ) अ. पुं.–बढ़ई का बर्मा।

इश्क़बाज़ (عشق باز) अ.फा. वि.–इश्क़ करनेवाला, प्रेमी।

इश्क़बाज़ी (عشق بازی) अ.फा. स्त्री.–प्रेम-व्यवहार, इश्क़ करना।

इश्काल (اشکال) अ. पुं.–कठिनता, दुष्करता, दुश्वारी, कठिनाई।

इश्कूख़ (اشکوخ) अ. पुं.–ठोकर; फिसलन।

इश्क़े पेचाँ (عشق پیچاں) अ. फा. पुं.–एक बेल, जो पेड़ों पर लिपट जाती है।

इश्क़े मजाज़ी (عشق مجازی) अ. पुं.–मानव-प्रेम, भौतिक प्रेम, प्राणियों से प्रेम, सांसारिक प्रेम।

इश्क़े हक़ीक़ी (عشق حقیقی) अ. पुं.–ईश्वर-प्रेम, ईश्वर-भक्ति, इश्क़े इलाही।

इश्तात (اشتات) अ. पुं.–तितर-बितर करना।

इश्तिआल (اشتعال) अ. पुं.–उत्तेजना, भड़काना; जोश दिलाकर मारकाट पर आमादा करना; लपट मारना, भड़कना।

इश्तिका (اشتکا) अ. पुं.–उलाहना देना, गिला करना।

इश्तिक़ाक़ (اشتقاق) अ. पुं.–लकड़ी आदि का चीरना; एक शब्द से दूसरा शब्द बनाना।

इश्तिकार (اشتکار) अ. पुं.–शिकायत करना, गिला करना।

इश्तिग़ाल (اشتغال) अ. पुं.–काम में लगना, मशग़ूल होना; तन्मयता, संलग्नता; मुँह फेरना, बेज़ार होना।

इश्तिदाद (اشتداد) अ. पुं.–तीव्रता, प्रचंडता, तेज़ी; अत्याचार, जुल्म।

इश्तिबाक (اشتباک) अ. पुं.–दोनों हाथों की उँगलियाँ एक दूसरे में पैवस्त करना; पेड़ की डालियों का एक दूसरे में गुँथना।

इश्तिबाह (اشتباہ) अ. पुं.–संदेह, शंका, शक।

इश्तिमाल (اشتمال) अ. पुं.–कई चीज़ों को मिलाकर एक करना।

इश्तिमालीयत (اشتمالیت) अ. स्त्री.–मिलाकर एक करने का सिद्धांत।

इश्तिमाले आराज़ी (اشتمال اراضی) अ. पुं.–विभिन्न खेतों की भूमि को मिलाकर एक कर देना, चकबंदी।

इश्तियाक़ (اشتیاق) अ. पुं.–बहुत अधिक शौक़, उत्कंठा, लालसा।

इश्तियाक़े मालायुताक़ (اشتیاق مالا یطاق) अ. पुं.–ऐसी बढ़ी हुई उत्कंठा जो रोकी न जा सके, बहुत ही अधिक लालसा, अभिलाषा।

इश्तियाफ़ (اشتیاف) अ. पुं.–संमानित करना, सर बलंद रखना।

इश्तिरा (اشترا) अ. पुं.–मोल लेना, खरीदना।

इश्तिराक (اشتراک) अ. पुं.–भागीदारी, साझा; समानता, मुसावात; साम्यवाद, कम्यूनिज़्म।

इश्तिराकी (اشتراکی) अ. वि.–यह सिद्धांत माननेवाला कि देश के धन में सब बराबर के भागीदार हैं, साम्यवादी।

इश्तिराकीयत (اشتراکیت) अ. स्त्री.–साम्यवाद, कम्यूनिज़्म।

इश्तिरात (اشتراط) अ. पु.–बाज़ी बदना, शर्त लगाना।

इश्तिहा (اشتہا) अ. स्त्री.–क्षुधा, भूख, इच्छा; ख़्वाहिश; रुचि, रग़्बत।

इश्तिहाए काज़िब (اشتہاے کاذب) अ. स्त्री.–झूठी भूख।

इश्तिहाए सादिक़ (اشتہاے صادق) अ. स्त्री.–सच्ची भूख, तेज़ भूख।

इश्तिहार (اشتہار) अ. पु.–प्रचार, प्रसार, प्रोपेगंडा; विज्ञापन, मुश्तहरी का पर्चा; मुनादी, घोषणा :

इश्तिहारी (اشتہاری) अ. वि.–इश्तिहार द्वारा प्रसारित, जैसे–इश्तिहारी दवा; वह अपराधी जो भागा हुआ हो और जिसके पकड़ने के लिए इश्तिहार जारी हो; इश्तिहार से सम्बन्धित।

इश्नूसः (اشنوسہ) फा. स्त्री.–छींक, विक्षाव।

इश्फ़ाक़ (اشفاق) अ. पु.–कृपा करना, दया करना; कृपा-दृष्टि; त्रास, डराना, 'अश्फ़ाक़' भी प्रचलित।

इश्बाअ (اشباع) अ. पु.–पेट भर खिलाना; 'ज़बर', 'ज़ेर' और 'पेश' को इतना बढ़ाना कि वह अलिफ़, ये और वाव हो जाय, जैसे 'ख़र' में 'ख़' के ज़बर को बढ़ा दे तो 'ख़ार' हो जाय।

इश्बाल (اشبال) अ. पु.–विधवा का अपने बच्चों के कारण पुनर्विवाह न करना; कृपा करना, मेहरबानी करना।

इश्बाह (اشباہ) अ. पु.–सदृश होना, तुल्य होना, एक-सा होना।

इश्बेख़्तः (اشبیختہ) फा. वि.–छिड़का हुआ, बखेरा हुआ।

इश्माअ (اشماع) अ. पु.–चिराग़ की लौ का बढ़ जाना, चिराग़ का तेज़ जलना।

इश्माम (اشمام) अ. पु.–सूँघना; सुँघाना।

इश्रत (عشرت) अ. स्त्री.–सुख, आनंद, चैन, आराम; भोग-विलास का सुख, ऐयाशी; हर्ष, ख़ुशी।

इश्रत अंजाम (عشرت انجام) अ.फा. वि.–वह कार्य जिसका अंत आनंदमय हो।

इश्रतकदः (عشرت کدہ) अ. फा. पु.–रंगभवन, रंगशाला, ऐशमहल।

इश्रतख़ानः (عشرت خانہ) अ. फा. पु.–दे. 'इश्रतकदः'।

इश्रतगाह (عشرت گاہ) अ. फा. स्त्री.–दे. 'इश्रतकदः'।

इश्रते इमरोज़ (عشرت امروز) अ. फा. स्त्री.–वह सुख जो आज प्राप्त हो, अर्थात् सांसारिक सुख।

इश्रते फ़र्दा (عشرت فردا) अ. फा. स्त्री.–वह सुख जो कल मिलेगा, अर्थात् पारलौकिक सुख।

इश्रते फ़ानी (عشرت فانی) अ. स्त्री.–वह सुख जो क्षणिक हो, थोड़े दिनों का सुख, अर्थात् सांसारिक सुख।

इश्राक़ (اشراق) अ. पु.–चमकना; उज्ज्वल होना; सूर्योदय के पश्चात् का समय।

इश्राक़ी (اشراقی) अ. वि.–प्राचीन वैज्ञानिकों का वह दल अथवा व्यक्ति जो आत्मशक्ति द्वारा दूर बैठे हुए पठन-पाठन करता था। ये लोग यूनान देश के थे।

इश्राफ़ (اشراف) अ. पु.–ऊँचा होना; ऊँचे पर बैठना; किसी चीज़ की चोटी पर बैठना; वाक़िफ़ होना; ऊपर से देखना।

इश्रीन (عشرین) अ. पु.–बीस।

इश्वः (عشوہ) अ. पु.–सुंदर स्त्रियों का हाव-भाव।

इश्वःकार (عشوہ کار) अ. फा. वि.–दे. इश्वःगर।

इश्वःकारी (عشوہ کاری) अ. फा. स्त्री.–दे. 'इश्वःगरी'।

इश्वःगर (عشوہ گر) अ. फा. वि.–हाव-भाव से दिल मोह लेनेवाला (वाली), नाज़ो अंदाज़ दिखानेवाला (वाली)।

इश्वःगरी (عشوہ گری) अ. फा. स्त्री.–हाव-भाव दिखाने का भाव।

इश्वःतराज़ (عشوہ طراز) अ. फा. वि.–दे. 'इश्वःगर'।

इश्वःतराज़ी (عشوہ طرازی) अ. फा. स्त्री.–दे. 'इश्वःगरी'।

इश्वःसंज (عشوہ سنج) अ. फा. वि.–'इश्वःगर'।

इश्वःसंजी (عشوہ سنجی) अ. फा. स्त्री.–दे. 'इश्वःगरी'।

इसा (اسا) अ. पु.–अपने साथ बुराई करना।

इसाअः (اساعہ) अ. पु.–नष्ट करना, ज़ाए करना; त्यागना, छोड़ना।

इसाअत (اساءت) अ. स्त्री.–बुराई, बदी; पाप, गुनाह।

इसाख़त (اصاخت) अ. स्त्री.–सुनने के लिए कान लगाना।

इसादः (اسادہ) अ. पु.–तकिया, बालिश, उपधान।

इसाबः (اصابہ) अ. पु.–हैज़े में मुब्तला होना, हैज़ा हो जाना।

इसाबः (عصابہ) अ. पु.–सर बाँधने की पट्टी।

इसाब (عصاب) अ. पु.–पट्टी।

इसाबत (اصابت) अ. स्त्री.–पहुँच, रसाई; ठीक पाना; यथार्थता, हक़ीक़त।

इसाबते राए (اصابت راے) अ. स्त्री.–राय का ठीक और शुद्ध होना।

इसाम (عصام) अ. पु.–मश्क उठाने का तस्मा; बंदे मुश्क।

इस्आद (اسعاد) अ. पु.–शुभान्वित करना, मंगलकारी बनाना; मैत्री, दोस्ती।

इस्आफ़ (اسعاف) अ. पुं.–इच्छा पूरी करना, काम निकाल देना, किसी का काम उसकी मंशा के अनुसार कर देना।

इस्कंदर (اسکندر) अ.पुं.–सिकंदर, यूनान का प्राचीन शासक।

इस्कंदरीयः (اسکندریہ) अ. स्त्री.–मिस्र देश का प्रसिद्ध बंदरगाह जिसे सिकंदर ने बनाया था।

इस्कदार (اسکدار) फा. पुं.–डाकिया, हरकारा; डाक की चौकी।

इस्क़ा (اسقا) अ. पुं.–पानी या शराब आदि पिलाना।

इस्क़ात (اسقاط) अ. पुं.–गिरना, डालना; पेट से बच्चा गिरना या गिराना।

इस्कात (اسکات) अ. पुं.–चुप कर देना, चुप कर देनेवाली बात करना।

इस्क़ाते हम्ल (اسقاط حمل) अ. पुं.–स्त्री के पेट से बच्चा गिरना; गर्भपात, गर्भक्षय, गर्भस्राव।

इस्कान (اسکان) अ. पुं.–शांति, सुकून; अक्षर को हल् करना।

इस्काफ़ (اسکاف) अ. पुं.–जूता बनानेवाला, मोची।

इस्क़ाल (اثقال) अ. पुं.–भारी होना।

इस्किनः (اسکنہ) अ. पुं.–छेद करने का बरमा।

इस्कीज़ः (اسکیزہ) अ. पुं. -घोड़े की दुलत्ती।

इस्क़ील (اسقیل) अ. पुं.–जंगली पियाज।

इस्ग़ा (اسغا) अ. पुं.–बात सुनने के लिए कान झुकाना।

इस्ग़ाब (اسغاب) अ. पुं.–भूखा होना।

इस्जाअ (اسجاع) अ. पुं.–बातों में तुक वाले शब्द बोलना, मुक़फ़्फ़ा इबारत बोलना, सतुकान्त भाषण।

इस्तंबोल (استنبول) तु. पुं.–यूरोपीय तुर्की की राजधानी, क़ुस्तुंतीनिया।

इस्त (است) अ. पुं.–मलद्वार, गुदाद्वार, मक़्अद का सूराख।

इस्तख़र (استخر–اصطخر) अ. पुं.–तड़ाग, तालाब; ईरान का एक दुर्ग।

इस्तब्रक़ (استبرق) अ. पुं–एक बहुमूल्य रेशमी कपड़ा।

इस्तब्ल (اصطبل) अ. पुं.–अश्वशाला, घुड़साल, तवेला, 'अस्तबल' भी प्रचलित है। (अस्तब्ल)।

इस्तम (استم) अ. पुं.–अत्याचार, सितम।

इस्ता (استا) फा. स्त्री.–प्रशंसा, तारीफ़।

इस्ताज (استاج) अ. पुं.–सूत लपेटने का अटेरन।

इस्तादः (استادہ) फा. वि.–सीधा खड़ा हुआ।

इस्तादगी (استادگی) फा. स्त्री.–खड़े होने का भाव, खड़ापन; लिंगेंद्रिय का उत्थान।

इस्तादनी (استادنی) फा. वि.–खड़े होने योग्य।

इस्तारः (اسطارہ) अ. पुं.–दे. 'उस्तूरः'।

इस्तार (استار) अ. पुं.–छिपाना, गोपन; साढ़े चार मिस्क़ाल या २०१/४ माशे का एक भार।

इस्तिंजा (استنجا) अ. पुं.–मूत्र या शौच के पश्चात् पानी लेना, आबदस्त।

इस्तिंताक़ (استنطاق) अ. पुं.–बात पूछना; प्रश्न करना; बोलने की शक्ति चाहना।

इस्तिंबात (استنباط) अ. पुं.–बात में से बात निकालना, किसी बात से कोई निष्कर्ष निकालना।

इस्तिंबाह (استنباہ) अ. पुं.–चेतावनी चाहना; सतर्कता ढूँढ़ना।

इस्तिंशाक (استنشاق) अ. पुं.–नाक से हवा या पानी खींचना, नाक से दवा सुड़कना, "नोज़-स्पञ्ज"।

इस्तिंसार (استنثار) अ.पुं.–नाक छिनकना, नाक साफ़ करना; तितर-बितर करना।

इस्तिंसार (استنصار) अ. पुं.–सहायता चाहना, मदद माँगना।

इस्तिआज़त (استعاذت) अ. स्त्री.–त्राण चाहना, पनाह ढूँढ़ना; शरणागति।

इस्तिआदत (استعادت) अ. स्त्री.–लौटाने की इच्छा करना।

इस्तिआनत (استعانت) अ. स्त्री.–सहायता चाहना, मदद माँगना।

इस्तिआरः (استعارہ) अ. पुं.–उधार लेना; शाइरी की परिभाषा में किसी अगोचर वस्तु को साकार मानकर उस से काम लेना जैसे–'सरे होश' होश का सिर और 'पाए फ़िक्र' फ़िक्र के पाँव, इसमें होश और फ़िक्र को आदमी मानकर उसके सिर और पैर बनाये हैं। 'काव्य में अमूर्त्त का मानवीकरण', रूपक।

इस्तिकाक (اصتکاک) अ. पुं.–दो कड़ी वस्तुओं की रगड़ से पैदा होनेवाली आवाज़।

इस्तिकानत (استکانت) अ. स्त्री.–नम्रता दिखाना, तिरस्कार करना; विनति, नम्रता, आजिज़ी।

इस्तिक़ामत (استقامت) अ. स्त्री.–सीधा होना; दृढ़ होना; सिधाई, सरलता; दृढ़ता, मज़बूती।

इस्तिक्ताब (استکتاب) अ. पुं.–लिखना, लेखन; किसी चीज़ के लिखने को कहना।

इस्तिक़्दाम (استقدام) अ. पुं.–स्वागत करना, पेशवाई करना; आगे होना।

इस्तिक्फ़ाफ़ (استکفاف) अ. पुं.–हाथ फैलाना।

इस्तिक्बार (استکبار) अ. पुं.–अपने को महान् जानना; अवज्ञा करना; आगे होने के लिए कहना।

इस्तिक़्बाल (استقبال) अ. पुं.–आगे बढ़कर लेना, स्वागत करना; स्वागत के लिए आगे जाना; चाँद-सूरज का आमने-सामने होना, यह पूर्णमासी की रात को होता है; भविष्य, मुस्तक़्बिल

इस्तिक़्रा (استقرا) अ. पुं.–गवेषणा करना; तलाश करना; अनुसरण करना, पैरवी करना, कुछ बातों से कोई निष्कर्ष निकालना।

इस्तिक़्राज़ (استقراض) अ. पुं.–उधार माँगना, क़र्ज़ चाहना, ऋण लेना।

इस्तिक़्रार (استقرار) अ. पुं.–ठहरना, रुकना; शांत होना; प्रमाणित होना।

इस्तिक्रार (استکرار) अ. पुं.–बार-बार माँगना।

इस्तिक़्रारे हक़ (استقرارِ حق) अ. पुं.–अपना हक़ (स्वत्व, अधिकार) माँगना; हक़ साबित करना।

इस्तिक्राह (استکراہ) अ. पुं.–घृणा करना, नफ़रत, नापसंद करना।

इस्तिक़्लाल (استقلال) अ. पुं.–अपने सहारे खड़ा होना; थोड़ा जानना; दृढ़ता, मज़बूती; किसी बात पर अटल रहना।

इस्तिक़्सा (استقصا) अ. पुं.–किसी चीज़ के अंत को पहुंचना; बहुत अधिक इच्छा करना; कृपणता, कंजूसी; प्रयत्न, आयास, कोशिश।

इस्तिक्साब (استکساب) अ. पुं.–अपनी ज़ाती (निजी) कोशिश से कोई चीज़ या गुण प्राप्त करना।

इस्तिक़्साम (استقسام) अ. पुं.–भाग करवाना, बटवारे की इच्छा करना; शपथ लेना, क़सम खिलवाना।

इस्तिक़्सार (استقصار) अ. पुं.–कम करने की इच्छा करना, कम करना।

इस्तिक्सार (استکثار) अ. पुं.–अधिकता चाहना।

इस्तिख़ारः (استخارہ) अ. पुं.–किसी कार्य में दैवी सहायता चाहना; परोक्ष ज्ञान की इच्छा करना; किसी धार्मिक कृति द्वारा यह जानना कि अमुक काम शुभ है या अशुभ।

इस्तिख़्दाम (استخدام) अ. पुं.–सेवा करने की इच्छा करना; नौकरी चाहना।

इस्तिख़्फ़ाफ़ (استخفاف) अ. पुं.–लज्जा, शर्म; संकोच, नदामत; तिरस्कार, तहक़ीर।

इस्तिख़्राज (استخراج) अ. पुं.–बाहर निकालना, निष्कासन; निकालने की इच्छा करना।

इस्तिख़्लास (استخلاص) अ. पुं.–बंधनमुक्त करना, छोड़ देना।

इस्तिग़ासः (استغاثہ) अ. पुं.–वाद, नालिश, फ़ौजदारी का दावा'; मदद की पुकार।

इस्तिग़ासत (استغاثت) अ. स्त्री.–दे. 'इस्तिग़ासः'।

इस्तिग़ना (استغنا) अ. पुं.–निस्पृहता, अनिच्छा, बेनियाज़ी।

इस्तिग़्फ़ार (استغفار) अ. पुं.–ईश्वर से पापों की क्षमा चाहना; मुक्ति चाहना, मोक्ष-प्राप्ति की इच्छा करना।

इस्तिग़्राक़ (استغراق) अ. पुं.–अपनी दशा में ऐसा मग्न होना कि किसी का पता न चले; तन्मयता, तल्लीनता, संलग्नता, इन्हियाक, महवियत।

इस्तिग़्राब (استغراب) अ. पुं.–आश्चर्य में डालना, अनोखी बात करना; बहुत अधिक प्रशंसा करना; आश्चर्य, हैरत।

इस्तिज़ा (استضا) अ. पुं.–रौशनी पकड़ना, प्रकाशित होना।

इस्तिजाज़ः (استجازہ) अ. पुं.–आज्ञा माँगना, इजाजत चाहना।

इस्तिजाबत (استجابت) अ. स्त्री.–प्रश्न का उत्तर देना; प्रार्थना स्वीकार करना।

इस्तिज्बार (استجبار) अ. पुं.–अभिमान करना, अवज्ञा और उद्दंडता करना।

इस्तिज्ला (استجلا) अ. पुं.–प्रकाशमान करना, रौशन करना।

इस्तिज़्लाक़ (استزلاق) अ. पुं.–फिसलाना।

इस्तिज्लाब (استجلاب) अ. पुं.–अपनी ओर खींचना; कोई वस्तु प्राप्त करना।

इस्तिज़्लाल (استظلال) अ. पुं.–छाया ढूंढ़ना; छाया में आना; किसी की रक्षा में आना।

इस्तिज़्हार (استظہار) अ. पुं.–सहायता चाहना; किसी का सहायक होना; बलवान् होना; कंठ पढ़ना।

इस्तिताअत (استطاعت) अ. स्त्री.–सामर्थ्य, शक्ति, मक़्दरत, जोर, बल, क़ुव्वत।

इस्तिताबत (استتابت) अ. स्त्री.–पाप न करने की दृढ़ प्रतिज्ञा करना, तौबा करना।

इस्तिताबत (استطابت) अ. स्त्री.–पवित्र करना; सुगंधित करना; आनंद करना।

इस्तितार (استتار) अ. पुं.–पर्दे में छिप जाना; ग़ायब हो जाना।

इस्तित्राद (استطراد) अ. पुं.–किसी के बाहर आने की इच्छा करना; किसी को भगाने की इच्छा करना; काम की तेज़ी।

इस्तित्लाअ (استطلاع) अ. पुं.–सूचना चाहना, आगाही पाने की इच्छा करना; सूचना, इत्तिलाअ।

इस्तित्लाक़ (استطلاق) अ. पुं.–बंधन-मुक्त करना, क़ैद से छोड़ना, रिहा करना।

इस्तिदामत (استدامت) अ. स्त्री.–नित्यता चाहना, किसी कार्य के हमेशा होने की इच्छा करना।

इस्तिदारत (استدارت) अ. स्त्री.–बंधक होना, गिरौ होना।

इस्तिदआ (استدعا) अ. पुं.–प्रार्थना, निवेदन, दरख़ास्त, 'इस्तिदुआ' भी प्रचलित।

इस्तिद्फ़ाअ (استدفاع) अ. पुं.–अपने से अलग करना, एक चीज को दूसरी चीज़ से अलग करना।

इस्तिद्राक (استدراک) अ. पुं.–समझने की इच्छा करना।

इस्तिद्राज (استدراج) अ.पुं.–वह करामात या चमत्कार जो किसी नास्तिक द्वारा प्रकट हो।

इस्तिदलाल (استدلال) अ. पुं.–प्रमाण चाहना, सुबूत माँगना; गवाह माँगना; दलील देना, तर्क करना; तर्क, दलील; प्रमाण, सुबूत।

इस्तिनाअ (اصطناع) अ. पुं.–भलाई करना, नेकी करना, फिरना, घूमना।

इस्तिनाद (استناد) अ. पुं.–सहारा लगाना; सनद (प्रमाणपत्र) चाहना; प्रमाणित होना।

इस्तिनाबत (استنابت) अ. स्त्री.–किसी का प्रतिनिधित्व चाहना, नियाबत चाहना।

इस्तिनारत (استنارت) अ. स्त्री.–प्रकाशमान होना; दूसरे प्रकाशित पदार्थ से प्रकाश ग्रहण करना।

इस्तिन्क़ाअ (استنقاع) अ. पुं.–सूखे मेवों आदि को पानी में भिगोकर और हाथ से मलकर, निचोड़कर उनका रस लेना, नुक़ूअ ग्रहण करना।

इस्तिन्काफ़ (استنکاف) अ. पुं.–बुरा जानना, घृणा करना।

इस्तिन्फ़ाज़ (استنفاض) अ. पुं.–किसी के कपड़ों की तलाशी लेना, झाड़ा लेना, जामातलाशी।

इस्तिन्फ़ास (استنفاس) अ. पुं.–जीवन की इच्छा करना; ख़ून निकलना।

इस्तिफ़ा (اصطفا) अ. पुं.–प्रतिष्ठा, बुज़ुर्गी; स्वीकार करना, लेना।

इस्तिफ़ाज़ः (استفاضه) अ. पुं.–किसी का यश चाहना, फ़ैज़ तलब करना।

इस्तिफ़ाज़त (استفاضت) अ. स्त्री.–दे. 'इस्तिफ़ाज़ः'।

इस्तिफ़ादः (استفاده) अ. पुं.–किसी से लाभान्वित होना, नफ़ा उठाना।

इस्तिफ़ादत (استفادت) अ. स्त्री.–दे. 'इस्तिफ़ादः'।

इस्तिफ़ाफ़ (اصطفاف) अ. पुं.–पंक्तिबद्ध होना, सफ़ बाँधना।

इस्तिफ़ाफ़ (استفاف) अ. पुं.–फंकी फाँकना।

इस्तिफ़्ता (استفتا) अ. पु.–मुफ़्ती से फ़तवा माँगना।

इस्तिफ़्राग़ (استفراغ) अ. पुं.–वमन करना, क़ै करना, उलटी करना; वमन, क़ै, उलटी; फ़ुर्सत चाहना।

इस्तिफ़्सार (استفسار) अ. पुं.–प्रश्न, सवाल; जिज्ञासा, पूछताछ, दरयाफ़्त।

इस्तिफ़्हाम (استفہام) अ. पुं.–किसी चीज़ को समझना चाहना, समझने की इच्छा करना; पूछना, सवाल करना।

इस्तिफ़्हामे इन्कारी (استفہام انکاری) अ. पुं.–ऐसा प्रश्न जिससे किसी बात की अस्वीकृति प्रकट हो।

इस्तिफ़्हामे इक़ारी (استفہام اقراری) अ. पुं.–ऐसा प्रश्न जिससे किसी बात की स्वीकृति प्रकट हो।

इस्तिबाग़ (اصطباغ) अ. पुं.–चमड़ा रँगना; पानी में ग़ोता देना; ईसाई धर्म में बपतिसमा देना।

इस्तिबार (اصطبار) अ. पुं.–धैर्य धरना, सब्र करना।

इस्तिबाह (اصطباح) अ. पुं.–सबेरे की शराब पीना।

इस्तिबाहत (استباحت) अ. स्त्री.–धर्म विहित करना, उचित करना, हलाल करना, जायज़ करना, मुबाह करना।

इस्तिब्आद (استبعاد) अ. पुं.–दूर हटना, अलग होना; दूर जानना।

इस्तिब्क़ा (استبقا) अ. पुं.–बाक़ी रखना, बाक़ी बचाना, शेष छोड़ देना।

इस्तिब्ता (استبطا) अ. पुं.–देर करना, ढील करना, विलंब करना।

इस्तिब्दाद (استبداد) अ. पुं.–अकेले किसी काम में लगना और किसी की बात न मानना; अत्याचार, ज़ुल्म।

इस्तिब्रा (استبرا) अ. पुं.–दोष से अलग रहने की इच्छा; पवित्रता, शुद्धि।

इस्तिब्शार (استبشار) अ. पुं.–अच्छी ख़बर पूछना; शुभ समाचार सुनने की इच्छा।

इस्तिब्सार (استبصار) अ. पुं.–दिव्य दृष्टि, बीनाई, बसारत; बुद्धिमत्ता, दानाई।

इस्तिमाअ (استماع) अ. पुं.–सुनना, श्रवण।

इस्तिमालत (استمالت) अ. स्त्री.–अपनी ओर आकृष्ट करना; अपने से राज़ी करना।

इस्तिम्ज़ाज (استمزاج) अ. पुं.–अनुमति लेना, राय पूछना; आज्ञा, इजाज़त; मर्ज़ी, अनुमति।

इस्तिम्ताअ (استمتاع) अ. पुं.–लाभ-प्राप्ति की इच्छा करना, नफ़ा चाहना; नफ़े की तलाश।

इस्तिम्दाद (استمداد) अ. पुं.–सहायता चाहना, मदद माँगना; सहायता, मदद।

इस्तिम्ना (استمنا) अ. पुं.–वीर्यपात करने की इच्छा, मनी खारिज करना।

इस्तिम्ना बिलयद (استمنا بالید) अ. पुं.–हाथ से इंद्रिय-संचालन करके वीर्यपात करना, हस्तमैथुन, हथलस।

इस्तिम्रार (استمرار) अ. पुं.–नित्यता, हमेशगी; निरंतरता, लगातारपन, तसल्सुल।

इस्तिम्रारी (استمراری) अ. वि.–जो सदा के लिए हो, स्थायी; माज़ी अर्थात् भूतकाल का एक प्रकार, 'इस्तमरारी' भी प्रचलित।

इस्तिम्साक (استمساک) अ. पुं.–रोकने की इच्छा करना, रोकना; रोक, निरोध, रुकावट; चंगुल मारना।

इस्तियाद (اصطیاد) अ. पुं.–शिकार मारना, शिकार खेलना; शिकार, आखेट।

इस्तिराक (استراق) अ. पुं.–चोरी से छिपकर किसी की बातें सुनना, कनसुए लेना।

इस्तिरादः (استرادہ) अ. पुं.–फिरना, पलटना।

इस्तिराहत (استراحت) अ. स्त्री.–सुख चाहना, आराम की इच्छा करना; सुख, चैन, विश्राम, आराम।

इस्तिर्खा (استرخا) अ. पुं.–ढीला हो जाना; शरीर के किसी अंग का ढीला और शिथिल हो जाना; ढीलापन।

इस्तिर्खाए आ'साब (استرخاے اعصاب) अ. पुं.–पट्ठों का ढीला पड़ जाना।

इस्तिर्खास (استرخاص) अ. पुं.–जाने की आज्ञा लेना, विदा लेना; सस्ता मोल लेना।

इस्तिर्ज़ा (استرضا) अ. पुं.–अनुमति लेना, मर्ज़ी पूछना; राय, अनुमति, मर्ज़ी।

इस्तिर्जाअ (استرجاع) अ. पुं.–दी हुई चीज़ वापस माँगना; 'इन्ना लिल्लाह' पढ़ना।

इस्तिर्दाद (استرداد) अ. पुं.–लौटा लेना, वापस माँग लेना।

इस्तिर्हाब (استرہاب) अ. पुं.–डराना, भयभीत करना।

इस्तिलाम (استلام) अ. पुं. हाथ या मुँह से पत्थर चूमना।

इस्तिलाम (اصطلام) अ. पुं.–जड़ से उखेड़ना, उन्मूलन।

इस्तिलाह (اصطلاح) अ. स्त्री.–परस्पर संधि करना; किसी शब्द का वह अर्थ जो किसी शास्त्र विशेष में किसी निर्दिष्ट भाव या उद्देश्य के लिए संकेत मान लिया गया हो, परिभाषा।

इस्तिलाहात (اصطلاحات) अ. स्त्री.–पारिभाषिक शब्दावली, इस्तिलाही लफ़्ज़ों का मजमूआ।

इस्तिलाही (اصطلاحی) अ. वि.–पारिभाषिक, परिभाषा-वाला शब्द।

इस्तिल्क़ा (استلقا) अ. पुं.–पेट के बल लेटना, चित लेटना।

इस्तिल्ज़ाज़ (استلذاذ) अ. पुं.–स्वाद ग्रहण करना, मज़ा लेना; आनंद लेना, लुत्फ़ उठाना।

इस्तिवा (استوا) अ. पुं.–समानता, बराबरी; दोपहर का समय, मध्याह्न; विषुवत रेखा, भूमध्य रेखा, खते इस्तिवा।

इस्तिव्ज़ार (استوزار) अ. पुं.–विज़ारत चाहना, मंत्री के पद की इच्छा करना।

इस्तिशारः (استشارہ) अ. पुं.–परामर्श करना, सलाह-मशवरा करना।

इस्तिशारत (استشارت) अ. स्त्री.–दे. 'इस्तिशारः'।

इस्तिश्आर (استشعار) अ. पुं.–मन ही मन में डरना।

इस्तिश्फ़ाअ (استشفاع) अ. पुं.–सिफ़ारिश चाहना, अनुशंसा-याचना।

इस्तिश्माम (استشمام) अ. पुं.–सूँघना।

इस्तिश्हाद (استشہاد) अ. पुं.–गवाही चाहना, गवाह माँगना, साक्षी-याचना।

इस्तिश्हादनामः (استشہادنامہ) अ. फा. पुं.–प्रमाणपत्र, सनद, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट।

इस्तिसा (استصا) अ. पुं.–स्वास्थ्य चाहना।

इस्तिस्आद (استسعاد) अ. पुं.–कल्याण चाहना, भलाई चाहना; सहायता चाहना, मदद चाहना।

इस्तिस्क़ा (استسقا) अ. पुं.–पानी माँगना; तृष्णा, पिपासा, प्यास; वर्षा चाहना; जलंधर, जलोदर।

इस्तिस्क़ाए ज़िक़्क़ी (استسقاے زقی) अ. पुं.–वह जलंधर जिसमें सारा शरीर सूजकर मश्क जैसा हो जाता है।

इस्तिस्क़ाए तब्ली (استسقاے طبلی) अ. पुं.–वह जलंधर जिसमें केवल पेट नक़्क़ारे की भाँति फूल जाता है।

इस्तिस्ना (استثنا) अ. पुं.–बहुत में से किसी वस्तु को अलग कर देना; किसी व्यापक नियम में से किसी की मुक्ति, अपवाद।

इस्तिस्मार (استثمار) अ. पुं.–पेड़ के नीचे से मेवा चुनना; फल चाहना।

इस्तिस्लाम (استسلام) अ. पुं.–शांति चाहना; क्षमा चाहना; गर्दन झुकाना, आज्ञा मानना।

इस्तिस्लाह (استصلاح) अ. पुं.–परामर्श लेना, सलाह पूछना।

इस्तिस्वाब (استصواب) अ. पुं.–यथार्थता की तलाश; ठीक-ठीक बात जानने की इच्छा; स्वीकृति लेना।

इस्तिस्वाबे राए (استصواب راے) अ. पुं.–किसी विषय में ठीक-ठीक राय जानना चाहना; राय लेना, वोट लेना, मतादान।

इस्तिहाज़ः (استحاضہ) अ. पुं.–मासिक धर्म अधिक मात्रा में आने का रोग, अति रजस्राव, अत्यार्तव।

इस्तिहानत (استہانت) अ. स्त्री.–अपमानित और तिरस्कृत जानना।

इस्तिहालः (استحالہ) अ. पुं.–किसी वस्तु की प्राप्ति असंभव होना; एक दशा से दूसरी दशा में जाना; बहाना करना।

इस्तिहालत (استحالت) अ. स्त्री.–दे. 'इस्तिहालः'।

इस्तीआब (استیعاب) अ. पुं.–आदि से अंत तक सब ले लेना; किसी पुस्तक को आदि से अंत तक पढ़ना; जड़ से उखेड़ना, उन्मूलन।

इस्तीजाब (استیجاب) अ. पुं.–योग्य होना, पात्र होना, अधिकारी होना, मुस्तहक़ होना।

इस्तीनाफ़ (استیناف) अ. पुं.–नये सिरे से आरंभ करना; शुरू से लेना; अपील।

इस्तीनास (استیناس) अ. पुं.–किसी से प्रेम-व्यवहार करना; प्रेम, मुहब्बत; किसी बात की आदत पड़ जाना।

इस्तीफा (استیفا) अ. पुं.–सब ले लेना: अपना पूरा हक़ लेना। दे० 'इस्तेफ़ा'।

इस्तीला (استیلا) अ. पुं.–किसी पर विजय पाना, किसी पर ग़ालिब होना।

इस्तीलाद (استیلاد) अ. पुं.–संतान होने की इच्छा करना।

इस्तीलाफ़ (استیلاف) अ. पुं.–किसी से प्रेम की इच्छा करना।

इस्तीसाक़ (استیثاق) अ. पुं.–दृढ़ता चाहना, मज़बूत बनाने की इच्छा करना।

इस्तीसाल (استیصال) अ. पुं.–जड़ से उखेड़ फेंकना, उन्मूलन, समूल विनाश।

इस्ते'जाब (استعجاب) अ. पुं.–आश्चर्य प्रकट करना, तअज्जुब करना; आश्चर्य, तअज्जुब।

इस्ते'जाल (استعجال) अ. पुं.–किसी बात में शीघ्रता चाहना; दौड़ना, भागना, जल्दी करना।

इस्ते'ताफ़ (استعطاف) अ. पुं.–दयादृष्टि चाहना, मेहरबानी चाहना; किसी का दिल मुट्ठी में लेना।

इस्ते'दाद (استعداد) अ. पुं.–योग्यता, पात्रता, क़ाबिलीयत; विद्वत्ता, इल्मीयत; किसी चीज़ से प्रभावित होने की योग्यता।

इस्ते'फ़ा (استعفا) अ. पुं.–क्षमा चाहना; नौकरी का त्याग; त्यागपत्र, टर्मिनेशन आफ सर्विस।

इस्ते'बाद (استعباد) अ. पुं.–दास बनाना, गुलामी में लेना।

इस्ते'माल (استعمال) अ. पुं.–प्रयोग करना, बरतना; औषध आदि खाना, सेवन करना।

इस्ते'माश (استعماش) अ. पुं.–दृष्टि कम हो जाना, आँख से कम नज़र आना।

इस्ते'ला (استعلا) अ. पुं.–ऊँचा होना, बलंद होना; प्रतिष्ठित होना, बड़ा होना।

इस्ते'लाज (استعلاج) अ. पुं.–चिकित्सा कराना, इलाज कराना; खाल का कड़ा हो जाना।

इस्ते'लाम (استعلام) अ. पुं.–सूचना चाहना, जानने की ख़्वाहिश।

इस्तेहक़ाक़ (استحقاق) अ. पुं.–अपना हक़ माँगना, जाइज़ हक़ चाहना; हक़ साबित करना; हक़, स्वत्व।

इस्तेहकाम (استحکام) अ. पुं.–दृढ़ता, मज़बूती; स्थिरता, पायदारी।

इस्तेहक़ार (استحقار) अ. पुं.–अपमान करना, हक़ीर जानना; अपमान, हक़ारत; निंदा, बुराई।

इस्तेहज़ा (استہزا) अ. पुं.–हँसी उड़ाना, ठठोल करना; हँसी, मज़ाक़, खिल्ली, मख़ौल।

इस्तेहज़ार (استحضار) अ.पुं.–याद रखना, स्मरण रखना; किसी के सामने रहने की इच्छा; किसी को सामने रखने की इच्छा।

इस्तेहफ़ाज़ (استحفاظ) अ. पुं.–निरीक्षण करना, निगरानी करना; निगरानी, निरीक्षण।

इस्तेहबाब (استحباب) अ. पुं.–अच्छा जानना, पसंद करना।

इस्तेहमाम (استحمام) अ. पुं.–हम्माम में नहाना; किसी चीज़ की भाप लेना।

इस्तेहलाफ़ (استحلاف) अ. पुं.–शपथ लेना, कसम खिलाना।

इस्तेहलाल (استہلال) अ. पुं.–नया चाँद देखना; बच्चे का पैदा होते समय रोना; व्यक्त होना, ज़ाहिर होना।

इस्तेहसा (استحصا) अ. पुं.–गिनना, शुमार करना; क्रमबद्ध करना, तर्तीब से लगाना।

इस्तेहसान (استحسان) अ. पुं.–अच्छा जानना; पसंद करना; उपकार, भलाई।

इस्तेहसार (استحصار) अ. पुं.–निर्भर करना, मुनह्सिर करना; गिनना, हिसाब करना।

इस्तेहसाल (استحصال) अ. पुं.–प्राप्त करना, लेना, हासिल करना।

इस्तेहसाल बिलजब्र (استحصال بالجبر) अ. पुं.–ज़बरदस्ती छीनना, बलात् अपहरण।

इस्दाक़ (اصداق) अ. पुं.–किसी की बात की तस्दीक़ करना।

इस्ना अशर (اثنا عشر) अ. वि.–बारह, द्वादश; बारह इमाम।

इस्ना अशरी (اثنا عشری) अ. वि.–बारह इमामों को माननेवाला, शीआ।

इस्नाद (اسناد) अ. पुं.–एक चीज़ को दूसरी चीज़ का सहारा देना; एक चीज़ का दूसरी चीज़ से सम्बन्ध जोड़ना; सनद देना।

इस्नान (اصنان) अ. पुं.–बग़ल से दुर्गंध आने का रोग, गंदा बग़ल।

इस्पंज (اسپنج) फ़ा. पुं.–एक मरा हुआ समुद्री कीड़ा जो पानी सोखने के काम आता है।

इस्पंद (اسپند) फ़ा. पुं.–एक तरह के दाने जो दवा में चलते हैं और नज़र उतारने के लिए जलाये जाते हैं, काला दाना।

इस्परक (اسپرک) फ़ा. पुं.–एक घास जिससे कपड़ा रंगा जाता था, स्पृक्का।

इस्पहबद (اسپهبد) फ़ा. पुं.–सेनापति, सिपहसालार।

इस्पानाख़ (اسپاناخ) फ़ा. पुं.–पालक का साग।

इस्फ़ंजः (اسفنجه) अ. पुं.–दे. 'इस्पंज'।

इस्फ़ंज (اسفنج) अ. पुं.–दे. 'इस्पंज'।

इस्फ़ंदयार (اسفندیار) फ़ा. पुं.–ईरान का एक बहुत बहादुर बादशाह जिसे रुस्तम ने अंधा करके मारा था।

इस्फ़ंदार (اسفندار) फ़ा. पुं.–ईरानी बारहवाँ महीना।

इस्फ़हान (اصفهان) फ़ा. पुं.–ईरान का एक प्राचीन और प्रसिद्ध नगर।

इस्फ़ानाख़ (اسفاناخ) अ. पुं.–पालक का साग, दे. 'इस्पानाख़'।

इस्फ़ार (اسفار) अ. पुं.–प्रकाशित होना, रौशन होना।

इस्फ़ार (اصفار) अ. पुं.–दरिद्र होना, कंगाल होना।

इस्फ़ाह (اصفاح) अ. पुं.–याचक के प्रश्न को टाल जाना, माँगनेवाले को कुछ न देना; किसी वस्तु को फैलाना।

इस्फ़िरार (اصفرار) अ. पुं.–पीला होना; पीलापन।

इस्फ़ेदबाज (اسفیدباج) अ. पुं.–मरीज़ों के लिए बे मसाले के गोश्त का शोरबा।

इस्फ़ेदाज (اسفیداج) अ. पुं.–सफ़ेदा काशग़री।

इस्बा' (اصبع) अ. पुं.–अँगुली, उँगली।

इस्बाग़ (اسباغ) अ. पुं.–पूरा करना, पूर्ति करना; समाप्त करना, ख़त्म करना।

इस्बात (اثبات) अ. पुं.–प्रमाणित करना, साबित करना।

इस्बाते जुर्म (اثبات جرم) अ. पुं.–अपराध साबित करना।

इस्बाल (اسبال) अ. पुं.–कपड़े उतारना, जारी करना।

इस्बाह (اصباح) अ. पुं.–सवेरा करना; एक दशा से दूसरी दशा में परिवर्तित होना; सवेरे (तड़के) जाना।

इस्म (اثم) अ. पुं.–पाप, पातक, गुनाह; बदी, बुराई।

इस्म (اسم) अ. पुं.–नाम, संज्ञा।

इस्मत (عصمت) अ. स्त्री.–सतीत्व, पातिव्रत्य, पाक, दामनी, नामूस, 'अस्मत' भी प्रचलित।

इस्मतदर (عصمت‌در) अ. फ़ा. वि.–सतीत्व हरण करनेवाला, बलात्कारी।

इस्मतदरी (عصمت‌دری) अ. फ़ा. स्त्री.–सतीत्व-हरण, बलात्कार, आबरूरेज़ी।

इस्मत फ़रोश (عصمت‌فروش) अ. फ़ा. वि.–अपना सतीत्व बेचनेवाली—पुंश्चली, फ़ाहिशा; गणिका, वेश्या, वारांगना।

इस्मत फ़रोशी (عصمت‌فروشی) अ. फ़ा. स्त्री.–रुपया लेकर सतीत्व बेचना, वेश्याकर्म, पेशा।

इस्मत मआब (عصمت‌مآب) अ. वि.–अपने सतीत्व की रक्षा करनेवाली, सती, साध्वी।

इस्मत मआबी (عصمت‌مآبی) अ. स्त्री.–अपने सतीत्व की रक्षा, सतीत्व-पालन।

इस्माअ (اسماع) अ. पुं.–सुनाना; गाली बकना; गाना गाना।

इस्मार (اثمار) अ. पुं.–फल लाना।

इस्मिद (اثمد) अ. पुं.–सुरमा, एक पत्थर जिसका अंजन बनता है।

इस्मे आज़म (اسم اعظم) अ. पुं.–महामंत्र।

इस्मे जामिद (اسم جامد) अ. पुं.–वह संज्ञा जो किसी से बनी न हो, रूढ़ि।

इस्मे नकिरः (اسم نکره) अ. पुं.–जातिवाचक संज्ञा।

इस्मे मा'रिफ़ः (اسم معرفه) अ. पुं.–व्यक्तिवाचक संज्ञा।

इस्याँ (عصیاں) अ.पुं.–इसयान् का लघु रूप, दे. 'इस्यान', पाप, "मेरे इस्याँ से ज़ियादह रहमतों में जोश है, मैं नदामत-पेश हूँ, मौला नदामत-पोश है।"

इस्याँकार (عصیاں‌کار) अ. फ़ा. वि.–पापजीवी, पाप में जीवन व्यतीत करनेवाला, पातकी।

इस्याँ शिआर (عصیاں‌شعار) अ.फ़ा. वि.–दे. 'इस्याँकार'।

इस्यान (عصیان) अ. पुं.–पाप, अघ, पातक, गुनाह; अवज्ञा, नाफ़र्मानी।

इस्रा (اسرا) अ. पुं.–रात्रि में यात्रा करना, रात में रस्ता चलना।

इस्राईल (اسرائیل) अ. पुं.–हज़रत यूसुफ़ के पूज्य पिता हज़रत याक़ूब का नाम।

इस्राईली (اسرائیلی) अ. वि.—हज़रत याक़ूब के मत का अनुयायी, यहूदी।
इस्राफ़ (اسراف) अ. पुं.—आवश्यकता से अधिक व्यय, अपव्यय, फ़ुज़ूलख़र्ची।
इस्राफ़ (اصراف) अ. पुं.—व्यय करना, ख़र्च करना; व्यय, ख़र्च।
इस्राफ़ील (اسرافیل) अ. पुं.—वह फ़िरिश्ता जो क़यामत में सूर फूंकेगा।
इस्रार (اسرار) अ. पुं.—छिपाना, गुप्त करना; भेद बताना; भेद, राज़।
इस्रार (اصرار) अ. पुं.—बार-बार कहना; हठ करना, ज़िद करना; हठ, ज़िद।
इस्लाख़ (اسلاخ) अ. पुं.—खाल उतारना, खाल खींचना।
इस्लाफ़ (اسلاف) अ. पुं.—आगे भेजना।
इस्लाम (اسلام) अ. पुं.—शांति चाहना; ईश्वराज्ञा के आगे सर झुकाना; इसलाम धर्म।
इस्लामी (اسلامی) अ. वि.—इसलाम धर्म सम्बन्धी; मुसलमानों का।
इस्लामीयात (اسلامیات) अ. स्त्री.—इसलामी साहित्य।
इस्लाल (اسلال) अ.पुं.—घूँस देना, रिशवत देना; चोरी करना।
इस्लाह (اصلاح) अ. स्त्री.—बिगड़ी हुई अवस्था का सुधार, त्रुटियाँ दूर करना, शुद्धि; संशोधन, तर्मीम; काव्य या लेख की त्रुटियों की शुद्धि।
इस्लाहात (اصلاحات) अ. स्त्री.—'इस्लाह' का बहु., 'इस्लाहें'।
इस्लाही (اصلاحی) अ. वि.—सुधार सम्बन्धी; शुद्ध किया हुआ।
इस्हाक़ (اسحاق) अ. पुं.—एक पैग़म्बर, जो हज़रत इब्राहीम के सुपुत्र थे।
इस्हाब (اسھاب) अ. पुं.—बहुत बोलना; जंगल में फिरना।
इस्हाल (اسہال) अ. पुं.—दस्त, शौच, पतला, पाख़ाना; दस्तों की बीमारी, अतिसार।
इहातः (احاطہ) अ. पुं.—घर, वेष्ठन; चारदीवारी, प्राचीर; प्रदेश, इलाका; क्षेत्र, हल्का (अहाता)।
इहानत (اھانت) अ. स्त्री.—अपमान, तिरस्कार, अनादर, बेइज़्ज़ती; मानहानि, हत्के इज़्ज़त।

ई

ईं (ایں) फा. अव्य.—यह, यह वस्तु, यह व्यक्ति।
ईंचुनी (ایں چنیں) फा. अव्य.—इस प्रकार, ऐसे।
ईंनां (اینان) फा. अव्य.—यह सब, 'ईं' का बहु.।
ईंहा (ایں ھا) फा. अव्य.—यह सब, ईं का बहु.।
ईआज़ (ایعاز) अ. पुं.—संकेत करना, इशारा करना; आदेश देना, हुक्म करना।
ईआद (ایعاد) अ. पुं.—वचन देना, वादा करना।
ईक़ाअ (ایقاع) अ. पुं.—घटित करना, वाक़े' करना; युद्ध में घसीटना।
ईक़ाज़ (ایقاظ) अ. पुं.—नींद से उठाना, जगाना।
ईक़ाद (ایقاد) अ. पुं.—चिराग़ जलाना, दिया बारना।
ईक़ान (ایقان) अ. पुं.—निश्चय, यक़ीन; किसी बात पर दृढ़ विश्वास।
ईक़ाफ़ (ایقاف) अ. पुं.—ठहराना, रोकना; पदच्युत करना, मुअत्तल करना।
ईक़ार (ایقار) अ. पुं.—बोझ लादना; भारी करना।
ईकाल (ایکال) अ. पुं.—खाना खिलाना; आलोचना करना।
ईक़ास (ایقاص) अ. पुं.—जड़ से उखेड़ना।
ईख़ाश (ایخاش) अ. पुं.—खराब होना, दूषित होना।
ईग़ार (ایغار) अ. पुं.—गरम करना, खौलाना, औंटाना।
ईज़ा (ایذا) अ. स्त्री.—कष्ट देना, दुःख देना; कष्ट, पीड़ा, यातना, तकलीफ़।
ईजाज़ (ایجاز) अ. पुं.—संक्षिप्त करना; संक्षेप, इख़्तिसार; बड़े लेख को छोटा करना।
ईजाद (ایجاد) अ. स्त्री.—नयी बात पैदा करना; आविष्कार, इख़्तिराअ।
ईज़ाद (ایزاد) अ. पुं.—अधिकता, ज़ियादती (यह शब्द इस अर्थ में अशुद्ध है)।
ईजादबंदः (ایجادبندہ) अ. फा. स्त्री.—मनगढ़ंत, कपोल-कल्पित।
ईज़ादेही (ایذادھی) अ. फा. स्त्री.—कष्ट देना, दुःख पहुँचाना।
ईज़ान (ایذان) अ. पुं.—सूचना देना, चेतावनी देना, आगाह करना, खबरदार करना।
ईजाब (ایجاب) अ. पुं. अनिवार्य करना, वाजिब करना।
ईजाबोक़बूल (ایجاب و قبول) अ. पुं.—निकाह के समय, दूल्हा दुल्हन का एक दूसरे को स्वीकार करना।
ईजार (ایجار) अ. पुं.—किराए पर उठाना।
ईज़ारसाँ (ایذارساں) अ. फा. वि.—कष्ट देनेवाला, दुःखदायी।
ईज़ारसानी (ایذارسانی) अ. फा. स्त्री.—कष्ट देना, दुःख देना, तकलीफ़ पहुँचाना।
ईजाल (ایجال) अ. पुं.—त्रासना, डराना, भयभीत करना।
ईजास (ایجاس) अ. पुं.—मन में डरना, भयभीत होना।
ईज़ाह (ایضاح) अ. पुं.—प्रकाशित करना, रौशन करना; स्पष्ट करना, वाज़ेह करना।

ईता (ایطا) अ. पुं.–पाँव तले रौंदना; क़ाफ़िए का एक दोष, जिसमें दो शब्दों को जो सानुप्रास न हों कोई अक्षर या शब्द बढ़ाकर क़ाफ़िया बनाना, जैसे—'उठ' और 'गिर' से 'उठा' और 'गिरा' बनाना।

ईताअ (ایتاع) अ. पुं.–फल का वृक्ष में पकना।

ईताए ख़फ़ी (ایطاءخفی) अ. पुं.–ईता की वह क़िस्म जिसमें उसका दोष हलका हो, जैसा कि ऊपर के उदाहरण में दिये गये 'उठा' और 'गिरा' के क़ाफ़िए।

ईताए जली (ایطاءجلی) अ. पुं.–ईता की वह क़िस्म जिसमें उसका दोष भारी हो, जैसे 'खुशतर' और 'बेहतर' के क़ाफ़िए जिनमें 'खुश' और 'बेह' पर जो सानुप्रास नहीं हैं 'तर' बढ़ाया गया है।

ईतान (ایتان) अ. पुं.–आगमन, आना।

ईतान (ایطان) अ. पुं.–किसी दूसरी जगह को अपना वतन बनाना, प्रवास।

ईतिनाफ़ (ایتناف) अ. पुं.–नये सिरे से कोई काम करना।

ईतिमान (ایتمان) अ. पुं.–अमानतदार बनाना।

ईतिमार (ایتمار) अ. पुं.–परस्पर परामर्श करना; आज्ञा-पालन करना; काम बनाना।

ईतिलाक़ (ایتلاق) अ. पुं.–चमकना, प्रकाशमान होना, रौशन होना।

ईतिलाफ़ (ایتلاف) अ. पुं.–एकत्र होना, एक जगह होना; मेल-जोल होना; मित्रता, दोस्ती।

ईद (عید) अ. स्त्री.–हर्ष, आनंद, खुशी; मुसलमानों का एक त्योहार। यह शब्द ऊद (عود) से बना है, अर्थात् प्रतिवर्ष आनेवाला।

ईदगाह (عیدگاہ) अ.फ़ा. स्त्री.–ईद की नमाज़ पढ़ने का स्थान।

ईदर (ایدر) फ़ा. अव्य.–इधर; अब; यहाँ।

ईदी (عیدی) अ. स्त्री.–ईद से सम्बन्धित; पढ़ानेवाले मुल्ला को ईद का इन्आम।

ईदुल अज़्हा (عیدالاضحیٰ) अ. स्त्री.–दे. 'ईदे कुर्बां' जो मास (ذوالحجہ) की दस तारीख को होती है।

ईदुल फ़ित्र (عیدالفطر) अ. स्त्री.–वह ईद जो रोज़े पूरे होने की खुशी में मनायी जाती है और जिसमें सिवैयाँ पकती हैं। यह तारीख पहली शव्वाल को होती है।

ईदे अज़्हा (عید اضحیٰ) अ. स्त्री.–दे. 'ईदे क़ुर्बां'।

ईदे क़ुर्बां (عید قرباں) अ. स्त्री.–वह ईद जो हज की खुशी में मनायी जाती है और जिसमें क़ुर्बानी होती है, बक़रीद।

ईदे रमज़ां (عید رمضاں) अ. स्त्री.–दे. 'ईदुल फ़ित्र'।

ईदैन (عیدین) अ. स्त्री.–दोनों ईदें, ईद और बक़रीद।

ईन (عین) अ. स्त्री.–'ऐना' का बहु., काली आँखों वाली स्त्रियाँ।

ईनक (اینک) अ. अव्य.–यह, समीपवर्ती।

ईनत (اینت) फ़ा. अव्य.–साधु-साधु, वाह-वाह; ओहो, बहुत अजीब।

ईनाँ (اینان) फ़ा. अव्य.–दे. 'ईनाँ'।

ईनास (ایناس) अ. पुं.–अभ्यस्त होना, आदत पड़ जाना; जानना; सुनना; देखना।

ईफ़ा (ایفا) अ. पुं.–वचन पूरा करना, प्रतिज्ञा-पालन।

ईफ़ाअ (ایفاع) अ. पुं.–लड़के का बालिग़ होना; ऊँचा होना, उठना।

ईफ़ाए अह्द (ایفاء عہد) अ. पुं.–वचन या प्रतिज्ञा का पालन।

ईफ़ाए क़ौल (ایفاء قول) अ. पुं.–बात का पालन।

ईफ़ाए वा'दः (ایفاءوعدہ) अ. पुं.–प्रतिज्ञा का पालन, बात निबाहना।

ईफ़ाग़ (ایفاغ) अ. पुं.–दे. 'ऐफ़ाग़'।

ईफ़ाल (ایفال) अ. पुं.–रोगमुक्त होना; जल्दी जाना।

ईबा (ایبا) अ. पुं.–संकेत, इशारा।

ईबास (ایباس) अ. पुं.–सुखाना, खुश्क करना।

ईमाँ (ایماں) अ. पुं.–ईमान का लघु. दे. 'ईमान'।

ईमाँ फ़रोश (ایماں فروش) अ. फ़ा. वि.–बेईमानी करनेवाला, ईमान बेचनेवाला।

ईमाँ फ़रोशी (ایماں فروشی) अ. फ़ा. स्त्री.–ईमान बेचना, बेईमानी करना।

ईमा (ایما) अ. पुं.–संकेत, इंगित, इशारा।

ईमान (ایمان) अ. पुं.–धर्म पर दृढ़ विश्वास; धर्म, मज़हब; विश्वास, यक़ीन; पथ, पंथ, अक़ीदा।

ईमानदार (ایماندار) अ. फ़ा. वि.–जो धर्म में पक्का हो, धर्मनिष्ठ; जो लेन-देन में सच्चा हो, व्यवहारनिष्ठ।

ईमानदारानः (ایماندارانہ) अ. फ़ा. वि.–ईमानदारों जैसा, ईमानदारी का।

ईमानदारी (ایمانداری) अ. फ़ा. स्त्री.–धर्मनिष्ठता; व्यवहारनिष्ठता।

ईमान फ़रोश (ایمانفروش) अ. फ़ा. वि.–जो अपना ईमान बेच दे, बेईमान, ग़द्दार।

ईमान फ़रोशी (ایمانفروشی) अ. फ़ा. स्त्री.–ईमान बेच देना, बेईमानी करना, बेईमानी, ग़द्दारी।

ईमान बिलग़ैब (ایمان بالغیب) अ. पुं.–बिना देखे किसी बात पर विश्वास; अनदेखे ईश्वर पर निष्ठा।

ईमाने कामिल (ایمان کامل) अ. पुं.–पक्का ईमान, पूर्ण धर्मविश्वास।

ईयल (ایل) अ. पुं.–बारहसिंगा, हरिण की एक जाति।

ईयास (ایاس) अ. पुं.–निराश करना, नाउम्मीद करना।

ईर (عیر) अ. पुं.–यात्रीदल, क़ाफ़िला; हर जानवर जिस पर नाज लादा जाय।

ईराँ (ایراں) फा. पुं.–'ईरान' का लघु., दे. 'ईरान'।

ईरा (ایرا) अ. पुं.–आग जलाना; चिमटे से आग निकालना।

ईराक़ (ایراق) अ. पुं.–वृक्ष में से हरे पत्ते फूटना, कोंपल निकलना।

ईराद (ایراد) अ. पुं.–लागू करना, वारिद करना; आपत्ति उपस्थित करना, एतराज़ करना।

ईरान (ایران) फा. पुं.–एशिया का एक प्रसिद्ध देश, फ़ार्स, फ़ारस।

ईरानी (ایرانی) फा. वि.–ईरान का निवासी, ईरान से सम्बन्धित।

ईरास (ایراس) अ. पुं.–पेड़ के पत्ते पीले होना।

ईरास (ایراث) अ. पुं.–अपना उत्तराधिकारी बनाना; दाय (रिक्थ) देना, तरिकः पहुँचाना; किसी को शेष वस्तु देना।

ईर्मान (ایرمان) अ. पुं.–जो बे बुलाये किसी दूसरे निमंत्रित व्यक्ति के साथ दावत में जाय, तुफ़ैली; लज्जा, शर्म; पश्चात्ताप, अफ़सोस।

ईर्सा (ایرسا) अ. स्त्री.–इंद्रधनुप, धनक; सौसन की जड़ जो दवा में चलती है।

ईल (ایل) तु. पुं.–वर्ष, साल; वशीभूत, ताब'दार; मित्र, दोस्त; अनुकूल, मुआफ़िक़।

ईल (ایل) सु. पुं.–ईश्वर, ख़ुदा।

ईला (ایلا) अ. पुं.–दान देना, बख़्शना; पास होना; शपथ खाना।

ईलाक़ात (ایلاقات) तु. पुं.–तुर्कों के रहने के मकानात और उनकी खेतों की ज़मीन आदि।

ईलाज (ایلاج) अ. पुं.–एक वस्तु को दूसरी वस्तु के अन्दर घुसेड़ना।

ईलाद (ایلاد) अ. पुं.–बच्चा पैदा करना, जनना।

ईलाफ़ (ایلاف) अ. पुं.–अभ्यस्त होना, आदी होना; रुष्ट होना, बेज़ार होना।

ईलाम (ایلام) अ. पुं.–दुःखित करना, कष्ट देना।

ईलिया (ایلیا) सु. पुं.–बहुत सच्चा।

ईवा (ایوا) अ. पुं.–बसाना, आबाद करना; स्थान देना, जगह देना।

ईवान (ایوان) फा. पुं.–प्रासाद, भवन, महल; परिषद्, कौंसिल।

ईवाने ज़ेरीं (ایوان زیریں) फा. पुं.–निम्न सदन, लोअर हाउस।

ईवाने बाला (ایوان بالا) फा. पुं.–उच्च सदन, अपर हाउस।

ईवाने शाही (ایوان شاہی) फा. पुं.–राजभवन, राजद्वार, शाही महल।

ईशः (عیشہ) अ. पुं.–चैन और सुख का जीवन।

ईश (ایش) अ. पुं.–गुप्तचर, जासूस।

ईशाअ (ایشاع) अ. पुं.–पेड़ में कलियाँ निकलना।

ईस (عیس) अ. पुं.–सफ़ेद ऊँट, जिनकी सफ़ेदी में लालिमा हो।

ईस (عیص) अ. पुं.–पेड़ों का झुंड; भीड़, अंबोह।

ईसवी (عیسوی) अ. वि.–हज़रत ईसा से सम्बन्धित वस्तु, जैसे–ईसवी सन्।

ईसा (ایصا) अ. पुं.–उत्तराधिकारी बनाना, अपने बाद अपना वारिस बनाना; उपदेश देना, वसीयत करना।

ईसा (عیسیٰ) अ. पुं.–हज़रत ईसा, ईसा मसीह, ईसाई धर्म के संस्थापक।

ईसाई (عیسائی) अ. वि.–हज़रत ईसा के धर्म का अनुयायी, ख्रिष्टीय, क्रिश्चियन।

ईसाद (ایصاد) अ. पुं.–पर्दा डालना, ढाँकना, छिपाना; दरवाज़ा बन्द करना।

ईसानफ़स (عیسیٰ نفس) अ. वि.–जिसकी फूँक से मृतक प्राणी जी उठें, मुर्दों को जीवन प्रदान करनेवाला।

ईसानफ़सी (عیسیٰ نفسی) अ. स्त्री.–मृतक प्राणियों को जीवित करना, मुर्दे जिलाना।

ईसार (ایثار) अ. पुं.–दूसरे के हित के लिए अपना हित त्याग देना, स्वार्थत्याग।

ईसार (ایسار) अ. पुं.–मालदार होना, धनवान् होना।

ईसारपेशः (ایثار پیشہ) अ. फा. वि.–जो दूसरों के लिए अपना हित सदा ही त्याग देता हो।

ईसाल (ایصال) अ. पुं.–पहुँचाना, भेजना।

ईसाले सवाब (ایصال ثواب) अ. पुं.–मुर्दों की रूह को क़ुरान पढ़ने या खाना खिलाने का सवाब पहुँचाना।

ईहाम (ایہام) अ. पुं.–भ्रम, भ्रांति, वहम; एक अर्थालंकार जिसमें ऐसा शब्द लाते हैं जिसके दो अर्थ होते हैं और पासवाला अर्थ छोड़कर दूरवाला अर्थ लगाते हैं।

उ

उंबूबः (انبوبہ) अ. पुं.–टोंटी, नली।

उंबूब (انبوب) अ पुं.–उन्बूबः का बहु., टोंटियां, नलियां।
उंस (انس) अ पुं.–स्नेह, प्रेम, मुहब्बत; लगाव, तअल्लुक़।
उंसा (انثی) अ. स्त्री.–मादा, स्त्री।
उंसीयत (انسیت) अ. स्त्री.–स्नेह, मुहब्बत; लगाव, तअल्लुक़
उंसुर (عنصر) अ. पुं.–आग, पानी, हवा, मिट्टी, जिनसे आदमी का शरीर बना है, तत्त्व, भूत।
उंसुल (عنصل) अ. पुं.–जंगली पियाज़।
उक़द (عقد) अ. पुं.–'उक़्द:' का बहु., ग्रंथियां, गाँठे।
उक़ला (عقلا) अ. पुं.–'आक़िल' का बहु., बुद्धिमान् जन।
उक़ाब (عقاب) अ. पुं.–गरुड़, एक शिकारी चिड़िया।
उक़ाबीन (عقابین) अ. पुं.–लोहे के कांटे।
उक़ाबैन (عقابین) अ. पुं.–दो लम्बी लकड़ियां जिन पर अपराधियों को लटकाते थे।
उक़ार (عقار) अ. स्त्री.–मदिरा, शराब; एक प्रकार का लाल कपड़ा।
उकाशः (عکاشه) अ. स्त्री.–मकड़ी, लूता।
उक़ूक़ (عقوق) अ. पुं.–माता-पिता की अवहेलना और अवज्ञा।
उक़ूल (عقول) अ. स्त्री.–'अक़्ल' का बहु., बुद्धियां, अक़्लें।
उक्काश (عکاش) अ. पुं.–मकड़ी, लूता।
उक़्दः (عقده) अ. पुं.–ग्रंथि, गुत्थी, गाँठ; जटिल समस्या, पेचीदा मसला।
उक़्दःकुशा (عقده‌کشا) अ. फा. वि.–गाँठ खोलनेवाला; समस्या हल करनेवाला; दुःख निवारण करनेवाला।
उक़्दःकुशाई (عقده‌کشائی) अ. फा. स्त्री.–गाँठ खोलना, समस्या हल करना; दुःख मेटना।
उक़्दए ला यन्हल (عقدهٔ لاینحل) अ. पुं.–ऐसी गाँठ जो खुल न सके; ऐसी समस्या जो हल न हो सके।
उक्नूं (اکنون) फा. अव्य.–अब, इस समय।
उक़्नूम (اقنوم) अ. पुं.–मूल, जड़; ईसाई धर्म की एक किताब जो तीन महान् ग्रंथों में से है।
उक़्बा (عقبی) अ. पुं.–परलोक, यमलोक, आख़िरत।
उक़्बान (عقبان) अ. पुं.–'उक़ाब' का बहु., बहुत से उक़ाब, गरुड़-समूह।
उक़्र (عقر) अ. पुं.–बाँझपन।
उक़्लः (عقله) अ. पुं.–बंद, बांध, रोक, रमल की एक शकल।
उक़्लीदिस (اقلیدس) अ. स्त्री.–रेखागणित, ज्यामिति।
उक़्हुवान (اقحوان) अ. पुं.–एक वनस्पति, बाबूनः।
उख़्त (اخت) अ. स्त्री.–बहन, भगिनी।
उख़्दूद (اخدود) अ. पुं.–ज़मीन की लम्बी-लम्बी दर्जे और खाइं।
उख़्रवी (اخروی) अ. वि.–परलोक सम्बन्धी, आख़िरत का; आख़िर का, अन्त का।
उख़्रा (اخری) अ. स्त्री.–आख़िरी, अंतिम।
उख़ुव्वत (اخوت) अ. स्त्री.–भाईचारा, बंधुत्व।
उग़ुल (اوغل) तु. पुं.–लड़का, बालक।
उग़्लूतः (اغلوطه) अ. पुं.–कोई वस्तु या बात जिससे दूसरा भ्रम में पड़ जाय, धोखा।
उचुब (اوچوب) तु. वि.–विस्तृत, कुशादा।
उज़मा (عظما) अ. पुं.–अज़ीम का बहु., बड़े लोग, प्रतिष्ठित जन।
उजाक़ (اوجاق) तु. पुं.–चूल्हा, अँगीठी।
उजाग़ (اوجاغ) तु. पुं.–दे. 'उजाक़'।
उजाज (اجاج) अ. पुं.–खारा पानी; कड़वा नमक।
उज़ाद (عضاد) अ. पुं.–दरवाज़े में बाज़ू की लकड़ी।
उजाब (عجاب) अ. पुं.–आश्चर्य, विस्मय, तअज्जुब।
उज़ाम (عظام) अ. पुं.–'अज़ीम' का बहु., बड़े लोग, महान् अनेक व्यक्ति।
उजालः (عجاله) अ. पुं.–वह वस्तु जो तुरन्त लायी जा सके।
उजालत (عجالت) अ. स्त्री.–दे. 'उजालः'।
उज़ुन (اذن) अ. पुं.–कान, कर्ण।
उजूबः (عجوبه) अ. वि.–विलक्षण, विचित्र, अद्भुत, अजीबो ग़रीब।
उजूरः (اجوره) अ. पुं.–मज़दूरी, पारिश्रमिक।
उज्जः (عجه) अ. पुं.–अण्डे का खागीनः, आमलेट।
उज्ज़ (عجز) अ. पुं.–श्रोणि, कटिदेश, चूतड़।
उज़्ज़ा (عزی) अ. पुं.–अरब की एक प्राचीन मूर्ति जिसकी पूजा होती थी।
उज़्ज़ाम (عظام) अ. पुं.–'अज़ीम' का बहु., बड़े लोग।
उज़्न (اذن) अ. पुं.–कान, कर्ण, दे. 'उज़ुन' दोनों शुद्ध हैं।
उज्ब (عجب) अ. पुं.–अहंकार, अभिमान, ग़ुरूर।
उज़्म (عزم) अ. पुं.–निश्चय, संकल्प, इरादा; दे. 'अज़्म', दोनों शुद्ध हैं।
उज़्म (اوزم) तु. पुं.–अंगूर, द्राक्षा।
उज़्र (عذر) अ. पुं.–आपत्ति, एतराज़; विवशता, मजबूरी।
उज्रत (اجرت) अ. स्त्री.–मज़दूरी, भृति, पारिश्रमिक।
उज़्रदार (عذردار) अ. फा. वि.–आपत्तिकर्ता, एतराज़ करनेवाला; क़ानूनी उज़्रदारी करनेवाला।
उज़्रदारी (عذرداری) अ. फा. स्त्री.–आपत्ति करना, उज़्र लगाना, किसी दूसरे के मुक़ाबले में अपने हक़ की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करना।
उज्रा (اجرا) अ. पुं.–वृत्ति, वज़ीफ़ा।

उज़्रेज़नाँ (عذرزناں) अ. फ़ा. पुं.—मासिक धर्म, हैज़।
उज़्रेलंग (عذرلنگ) अ. फ़ा. पुं.—ऐसा उज्र जिसे मानने में संदेह हो, झूठा उज्र।
उज़्लत (عزلت) अ. स्त्री.—बाल-बच्चों से विरक्त होकर ईश्वर-स्मरण में लगना; एकान्तवास करना; एकान्त, तन्हाई।
उज्लत (عجلت) अ. स्त्री.—शीघ्रता, जल्दी, इसका शुद्ध उच्चारण 'इज्लत' है, परन्तु उर्दू में 'उज्लत' ही बोलते हैं।
उज़्लतगुज़ीं (عزلت گزیں) अ. फ़ा. वि.—एकांतवासी, संसार के झगड़ों से विरक्त, गोशानशीन।
उज़्लतनशीं (عزلت نشیں) अ. फ़ा. वि.—दे. 'उज़्लतगुज़ीं'।
उज़्व (عضو) अ. पुं.—अवयव, अंग, शरीर का कोई भाग।
उज़्हूकः (اضحوکہ) अ. वि.—वह जिस पर सब हँसें, हास्यास्पद।
उताक़ः (اتاقہ) तु.—कलग़ी।
उताक़ (اتاق) तु.—घर, गृह, मकान; कोठा, कमरा।
उताग़ (اتاغ) तु.—दे. 'उताक़'।
उतारिद (عطارد) अ. पुं.—बुध ग्रह।
उताश (عطاش) अ. स्त्री.—प्यास की बीमारी, वह रोग जिसमें प्यास अधिक लगे।
उतास (عطاس) अ. स्त्री.—छींकें आने का रोग; छींक।
उतुल [ल्ल] (عتل) अ. पुं.—बहुत खानेवाला; कड़ी आवाज़वाला; अत्याचारी; कड़ा नेज़ा, मोटा बल्लम।
उतुव्व (عتو) अ. वि.—अभिमान, ग़ुरूर; उद्दंडता, सरकशी; हद से गुज़र जाना; बहुत बूढ़ा हो जाना।
उती (عتی) अ. वि.—दे. 'उतुव्व'।
उतू (اتو) फ़ा. पुं.—लोहे का ठप्पा जिसे गरम करके कपड़ा छापते हैं।
उत्बः (عتبہ) अ. पुं.—अरब का एक व्यक्ति।
उत्बा (عتبوا) अ. पुं.—आज्ञा, मर्ज़ी।
उत्रुज (اترج) अ. पुं.—निम्बु, नींबू।
उत्रूबः (اطروبہ) अ. पुं.—वह वस्तु जो आनन्द दे, बाजा-गाजा आदि मनोरंजन के साधन।
उत्रूश (اطروش) अ. वि.—बधिर, बहरा।
उत्लत (عطلت) अ. स्त्री.—निठल्लापन, बेकारी, काम का अभाव।
उदबा (ادبا) अ. पुं.—अदीब का बहु., साहित्यसेवी लोग, अदीब लोग।
उदात (عدات) अ. पुं.—'आदी' का बहु., शत्रु लोग।
उदूल (عدول) अ. पुं.—अवज्ञा, अवहेलना, नाफ़र्मानी।
उदूलहुक्मी (عدول حکمی) अ. स्त्री.—आज्ञा न मानना, आज्ञोल्लंघन, नाफ़र्मानी।
उद्दत (عدت) अ. स्त्री.—तत्परता, तैयारी; बनावट, साख्त।
उद्वः (عدوہ) अ. पुं.—दूर का स्थान; नदी का किनारा, नदीतट।
उद्वान (عدوان) अ. पुं.—शत्रुता, दुश्मनी; अत्याचार, ज़ुल्म।
उनसा (انسا) अ. पुं.—'अनीस' का बहु., मित्रगण, दोस्त, अहबाब।
उनास (اناث) अ. स्त्री.—'उंसा' का बहु., मादाएँ, स्त्रियाँ।
उनास (اناس) अ. पुं.—लोग, जन-समूह (इस शब्द का एकवचन नहीं है)।
उनुक़ (عنق) अ. स्त्री.—गर्दन, ग्रीवा, गला।
उनुस (انث) अ. स्त्री.—'उंसा' का बहु., मादाएँ।
उनूद (عنود) अ. पुं.—सत्य के प्रतिकूल कार्य करना; युद्ध करना, लड़ना।
उनूस (عنوس) अ. पुं.—लड़की का बालिग़ होकर बिना पति के बहुत दिनों घर में बैठना।
उन्क़ (عنق) अ. स्त्री.—दे. 'उनुक़'; दोनों शुद्ध हैं।
उन्नाब (عناب) अ. पुं.—झरबेरी की तरह के फल जो दवा में काम आते हैं।
उन्नाबी (عنابی) अ. वि.—उन्नाब जैसे रंगवाला, हलका बैंगनी।
उन्फ़ (عنف) अ. पुं.—खुरापन, खुरदरापन; रुखाई, बेरुखी।
उन्फ़ुवान (عنفوان) अ. पुं.—प्रारम्भ, शुरुआत; युवावस्था का आरम्भ।
उन्फ़ुवाने शबाब (عنفوان شباب) अ. फ़ा. पुं.—जवानी की उठान, यौवनारम्भ।
उन्मूज़ज (انموذج) अ. पुं.—नमूना, बानगी।
उन्वान (عنوان) अ. पुं.—शीर्षक, सुर्ख़ी; शैली, पद्धति, तर्ज़; प्रशस्ति, सरनामा, ख़त का अल्क़ाबो आदाब; प्रस्तावना, दीबाचा; प्रयत्न, युक्ति, तदबीर।
उफ़ (اف) अ. अव्य.—हाय, ओह, आह, हा।
उफ़ुक़ (افق) अ. पुं.—क्षितिज, वह स्थान जहाँ आकाश पृथ्वी से मिला हुआ जान पड़ता है।
उफ़ूनत (عفونت) अ. स्त्री.—दुर्गन्ध, बदबू; सड़ाँध, सड़ने की दुर्गंध।
उफ़ूल (افول) अ. पुं.—अस्त होना, डूबना।
उफ़ूसत (عفوصت) अ. स्त्री.—कसीलापन, बकठापन।
उफ़्ताँ (افتاں) फ़ा. वि.—गिरता-पड़ता।

उफ़्ताद: (افتادہ) फा.वि.–गिरा हुआ, पड़ा हुआ; दुःखित, दलित, मुसीवतज़दा।

उफ़्ताद (افتاد) फा. स्त्री.–आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत; दैवी आपत्ति, बला, क़ह्र (क़हर)।

उफ़्तादगी (افتادگی) फा. स्त्री.–गिरना, पड़ना; विपत्ति, आपत्ति, दुःख; विनय, आजिज़ी।

उफ़्तादनी (افتادنی) फा. वि.–गिरने योग्य, जो गिराया जा सके, जो गिर सके।

उबाब (عباب) अ. पुं.–छुहारे के पेड़ का पत्ता; पानी की प्रचंड बाढ़; बहुतायत; भरा होना; उँचाई; शुरुआत।

उबुव्वत (ابوت) अ. स्त्री.–बाप होना, पितृत्व।

उबूदीयत (عبودیت) अ. स्त्री.–दासता, बंदगी।

उबूर (عبور) अ. स्त्री.–नदी आदि को पार करना, उतरना।

उबूसत (عبوست) अ. स्त्री.–तुरुश रुई, मुंह बनाना, विमुखता, उपेक्षा।

उबहुल (ابہل) अ. पुं.–एक वनौषधि, हाऊवेर।

उम(म्म) (ام) अ. स्त्री.–माता, माँ।

उमम (امم) अ. स्त्री.–'उम्मत' का बहु., उम्मतें, विभिन्न धर्म-समुदाय।

उमर (عمر) अ. पुं.–मुसलमानों के दूसरे खलीफ़ा।

उमरा (امرا) अ. पुं.–'अमीर' का बहु., धनवान् लोग।

उमीद (امید) फा. स्त्री.–दे. 'उम्मीद'।

उमीदवार (امیدوار) फा. वि.–दे. 'उम्मीदवार'।

उमुक़ (عمق) अ. पुं.–गहराई, गंभीरता।

उमुद (عمد) अ. पुं.–'अमूद' का बहु., खंभे।

उमूम (عموم) अ. पुं.–साधारण, आम।

उमूमन (عموماً) अ. वि.–प्रायः, बहुधा, अक्सर।

उमूमी (عمومی) अ. वि.–सार्वजनिक, अवामी, जनसाधारण से सम्बन्ध रखनेवाला।

उमूमीयः (عمومیہ) अ. स्त्री.–जनता, पब्लिक।

उमूमीयत (عمومیت) अ. स्त्री.–साधारणता (विशेषता का उलटा)।

उमूमीयत (امومیت) अ. स्त्री.–माँ की ममता, वात्सल्य।

उमूर (امور) अ. पुं.–'अम्र' का बहु., कार्य-समूह, काम; समस्याएँ, मसले।

उमूरेआम्मः (امورعامہ) अ. पुं.–जनसाधारण के हित सम्बन्धी कार्य।

उम्दः (عمدہ) अ. वि.–उत्तम, श्रेष्ठ, बढ़िया; सुन्दर, मनोरम; विश्वासपात्र, मा'तमद।

उम्दगी (عمدگی) अ. फा. स्त्री.–उत्तमता, बढ़ियापन; सुन्दरता, खुशनुमाई; श्रेष्ठता, खरापन।

उम्नीयत (امنیت) अ. स्त्री.–आशा, आर्ज़ू, उम्मीद; झूठ, मिथ्या; उद्देश, मक़्सद; पुस्तक का पाठ।

उम्मः (امہ) अ. स्त्री.–माता, जननी, माँ।

उम्मत (امت) अ. स्त्री.–किसी विशेष अवतार या पैग़म्बर को माननेवाला समुदाय।

उम्महत (امہت) अ. स्त्री.–माता, माँ, (केवल मानव जाति की)।

उम्महात (امہات) अ. स्त्री.–'उम्महत' का बहु., माताएँ। यह शब्द केवल मानवजाति के लिए प्रयुक्त होता है।

उम्महातेसिफ़्ली (امہات سفلی) अ. स्त्री.–पंचभूत, अनासिर; पृथ्वी के तल।

उम्मात (امات) अ. स्त्री.–'उम्मः' का बहु., मानवजाति के अतिरिक्त दूसरी माताएँ।

उम्मान (عمان) अ. पुं.–अरब के शाम प्रदेश का एक नगर।

उम्माल (عمال) अ. पुं.–आमिल का बहु., कर्मचारी वर्ग, अमला।

उम्मी (امی) अ. वि.–वह व्यक्ति जिसका पिता बाल्यावस्था में मर जाय और जिसके कारण वह पढ़-लिख न सके; वह व्यक्ति जो लिखना-पढ़ना न जानता हो, चाहे अपने बाप की छत्रछाया में जवान हुआ हो; मुहम्मद साहब का लक़ब जिन्होंने किसी से पढ़ा न था।

उम्मीद (امید) फा. स्त्री.–आशा, आस, उमीद; इच्छा, ख्वाहिश; उत्कंठा, इश्तियाक़; भरोसा, सहारा, आसरा।

उम्मीदवार (امیدوار) फा. वि.–आशान्वित, आस लगाये हुए; नौकरी आदि का उम्मीदवार।

उम्मुद्दिमाग़ (ام الدماغ) अ. स्त्री.–सर के भीतर भेजा रहने का स्थान।

उम्मुल उलूम (ام العلوم) अ. स्त्री.–व्याकरण।

उम्मुल किताब (ام الکتاب) अ. स्त्री.–क़ुरान की पहली सूरत, 'फ़ातिहा'।

उम्मुल खबाइस (ام الخبائث) अ. स्त्री.–सारी बुराइयों की माँ अर्थात् शराब।

उम्मुल जराइम (ام الجرائم) अ. स्त्री.–सारे अपराधों की माँ, दरिद्रता, मुफ़्लिसी।

उम्मुस्सिबयान (ام الصبیان) अ. स्त्री.–बच्चों का एक रोग, जमोगा।

उम्मेग़ीलां (ام غیلاں) अ. स्त्री.–बबूल का पेड़।

उम्मेमिल्दम (ام ملدم) अ. स्त्री.–मौत की माँ, क्षयरोग, तपेदिक़।

उम्मेवलद (ام ولد) अ. स्त्री.–वह दासी जिसने अपने स्वामी के सहवास से पुत्र या कन्या को जन्म दिया हो।

उम्रः (عمرہ) अ. पुं.–हज करनेवालों की एक इबादत, मक्के से तीन कोस पर 'तन्ईम' नामक स्थान पर नमाज़ पढ़कर वापस आकर, का'बे का तवाफ़ करते हैं।

उम्र (عمر) अ. स्त्री.–आयु, अवस्था, सिन।

उयून (عیون) अ. पुं.–'ऐन' का बहु., चश्मे, सोते; आँखें, नेत्र-समूह।

उयूब (عیوب) अ. पुं.–'ऐब' का बहु., बहुत से दोष।

उयूल (عیول) अ. स्त्री.–संन्यास, दरवेशी; फ़क़ीरी, निर्धनता।

उरफ़ा (عرفا) अ. पुं.–आरिफ़ का बहु., ब्रह्मज्ञानी लोग, महात्मा लोग।

उराज़ः (عراضہ) अ. पुं.–वह वस्तु जो यात्री विदेश से लाकर उपहार के तौर पर मित्रों को दे।

उरात (عرات) अ. पुं.–'आरी' का बहु., नग्न लोग, नंगे।

उरुज (عروج) अ. पुं.–उन्नति, तरक़्क़ी; ऊँचाई, बलंदी; उत्कर्ष, उत्थान, उठान।

उरुज़्ज़ (ارز) अ. पुं.–चावल।

उरुस (عرس) अ. पुं.–दे. 'उर्स', दोनों शुद्ध हैं।

उरूक़ (عروق) अ. स्त्री.–'इर्क़' का बहु., रगें, नसें।

उरूज़ (عروض) अ. पुं.–प्रकट होना, जाहिर होना; लागू होना, आरिज़ होना।

उरूफ़ (عروف) अ. पुं.–किसी चीज़ से मुँह फेर लेना; दिल सर्द हो जाना, उत्साह न रहना, लग्नाभाव।

उरेब (اریب) फ़ा. पुं.–तिरछा, टेढ़ा; तिरछापन, टेढ़, वक्रता। विलोम

उर्ज़ः (عرضہ) अ पुं.–साहस, हिम्मत; मिष, बहाना; बीच में डाला हुआ।

उर्दक (اردک) तु. स्त्री.–मुर्ग़ाबी, एक प्रसिद्ध जल पक्षी।

उर्दक परानी (اردک پرانی) तु. फ़ा. स्त्री.–ठठोल, उपहास, मसख़री।

उर्दी (اردی) फ़ा. पुं.–ईरानी दूसरा महीना, बहार का महीना।

उर्दीबिहिश्त (اردی بہشت) फ़ा. पुं.–दे. 'उर्दी'।

उर्दू (اردو) तु. पुं.–सेनावास, छावनी, फ़ौजी पड़ाव (स्त्री.) उर्दू भाषा।

उर्दूए मुअल्ला (اردوئے معلی) तु. अ. स्त्री.–वह उर्दू जो दिल्ली के क़िले में बेगमें बोलती थीं, उच्च कोटि की उर्दू भाषा।

उर्दूबाज़ार (اردوبازار) तु. फ़ा. पुं.–सेनावास, छावनी, सदर बाज़ार।

उर्फ़ (عرف) अ. पुं.–मुख्य नाम के अतिरिक्त दूसरा छोटा नाम जो प्रायः बचपन में पड़ जाता है।

उर्फ़ीयत (عرفیت) अ. स्त्री.–उर्फ़ होना; उर्फ़वाला नाम।

उर्बीयः (اربیہ) अ. स्त्री.–जाँघ की जड़, चिड्ढा।

उर्मः (ارمہ) सु. पुं.–उर्मिया का लघु., दे. 'उर्मिया'।

उर्मिया (ارمیا) सु. पुं.–ख़िज्र का नाम।

उर्मुज़्द (ارمز) फ़ा. पुं.–हर ईरानी महीने की पहली तारीख।

उर्यां (عریاں) अ. वि.–नग्न, नंगा; अश्लील, फ़ोहश।

उर्यां नवीस (عریاں نویس) अ. फ़ा. वि.–अश्लील लेख लिखनेवाला, फ़ोहश निगार।

उर्यां निगार (عریاں نگار) अ. फ़ा. वि.–दे. 'उर्यां नवीस'।

उर्यानी (عریانی) अ. स्त्री.–नग्नता, नंगापन; अश्लीलता, फक्कड़पन।

उर्यानीपसंद (عریانی پسند) अ. फ़ा. वि.–जिसे अश्लीलता पसंद हो।

उर्वः (عروہ) अ. पुं.–हर चीज़ का किनारा; लोटे आदि का दस्ता, हत्था।

उर्वतुलवुस्क़ा (عروۃالوثقی) अ. पुं.–प्रमाणित, दस्तावेज़।

उर्स (عرس) अ. पुं.–व्याह का खाना; किसी मुसलमान ऋषि का वार्षिक उत्सव।

उलंग (النگ) तु. पुं.–चरागाह, गोचर, सब्ज़ाज़ार।

उलमा (علما) अ. पुं.–'आलिम' का बहु., आलिम लोग, विद्वज्जन।

उला (علا) अ. स्त्री.–उच्चता, बलंदी; श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी; उत्तमता, उम्दगी।

उलाक़ (الاق) तु. पुं.–गधा, गदहा, खर, रासभ।

उलाग़ (الاغ) तु. पुं.–दे. 'उलाक़'।

उलाचुक़ (الاچق) तु. पुं.–जंगली आदमियों की झोंपड़ी जो बालों से बनायी जाती है।

उलुग़ (الغ) तु. पुं.–बड़ा, श्रेष्ठ, महान्।

उलुलअज़्म (اولوالعزم) अ. वि.–बड़ी हिम्मतवाला, साहसी, उच्चोत्साही।

उलुलअज्निहः (اولواالاجنحہ) अ. पुं.–परोंवाला, फ़िरिश्तः।

उलुलअम्र (اولوالامر) अ. वि.–शासक, हुक्मराँ, युग का महापुरुष।

उलुलअल्बाब (اولوالالباب) अ. वि.–बुद्धिमान्, अक़्लमंद।

उलवीयां (علویاں) अ. फ़ा. पुं.–सैयद लोग, सादात।

उलुव्व (علو) अ. पुं.–उच्चता, ऊँचाई, बलंदी।

उलुश (اولوش) तु. पुं.–अमीरों के आगे का बचा हुआ खाना जो नौकरों का हक़ होता है; किसी ऋषि मुनि के आगे का बचा हुआ खाना, जो प्रसाद के तौर पर खाया जाता है; तबर्रुक; प्रसाद; भोग।

उलुस (اولوس) तु. पुं.–राष्ट्र, क़ौम; जाति, बरादरी, बिरादरी।

उलूक़ (علوق) अ. पुं.–लटकना; मित्र रखना; गर्भाशय में भ्रूण बनने के समय पुरुष के वीर्य के साथ स्त्री के रक्त का जमना।

उलूफ़ः (علوفہ) अ. पुं.–ख़ुराक, भोजन; खाद्य पदार्थ, ख़ुर्दनी चीज़।

उलूफ़ (الوف) अ. पुं.–'अल्फ़' का बहु., सहस्रों, हज़ारों।

उलूम (علوم) अ. पुं.–इल्म का बहु., विद्याएँ, शास्त्र समूह।

उलूमेअक़्ली (علوم عقلی) अ. पुं.–वे विद्याएँ जिनका सम्बन्ध बुद्धि और तर्क से है।

उलूमेनक़्ली (علوم نقلی) अ. पुं.–वे विद्याएँ जिनका सम्बन्ध बुद्धि से नहीं है, बल्कि पुस्तक में लिखे हुए को मानने से है, जैसे—धर्म-सम्बन्धी विद्याएँ।

उल्कः (الکہ) तु. पुं.–देश, राष्ट्र।

उल्फ़त (الفت) अ. स्त्री.–प्रेम, स्नेह, मुहब्बत।

उल्या (علیا) अ. स्त्री.–'आ'ला' का स्त्रीलिंग, जैसे—पुरुष के लिए 'आ'ला हज़्रत' स्त्री के लिए 'उल्या हज़्रत'।

उवैस (اویس) अ. पुं.–एक मुसलमान ऋषि, जो यमन देश के 'क़रन' गोत्र से थे।

उश(श्श) (عش) अ. पुं.–नीड, घोंसला।

उशक़ (اشق) अ. पुं.–एक गोंद जो दवा में काम आता है।

उशाक़ (اشاق) तु. पुं.–बिना दाढ़ी मूँछ का सुन्दर लड़का, अम्रद।

उश्तुर (اشتر) फा. पुं.–उष्ट्र, ऊँट।

उश्तुलुम (اشتلم) तु. पुं.–प्रचंडता, तेज़ी; अत्याचार, ज़ुल्म; प्रभुत्व, ग़लबा।

उश्नान (اشنان) फा. पुं.–एक घास जिससे खाद बनता है।

उश्बः (عشبہ) अ. पुं.–एक वनौषधि जो रक्त शुद्धि के लिए प्रसिद्ध है।

उश्ब (عشب) अ. पुं.–हरी घास।

उश्र (عشر) अ. वि.–दसवाँ भाग, दशम अंश, १/१०।

उश्रे अशीर (عشر عشیر) अ. वि.–दसवें का दसवाँ भाग अर्थात् सौवाँ भाग, १/१००, शतांश।

उश्वः (عشوہ) अ. पुं.–आग जो रात में दूर से दिखायी पड़े; छिपाकर काम करना।

उश्शाक़ (عشاق) अ. पुं.–'आशिक़' का बहु., प्रेमी लोग।

उस(स्स) (عس) अ. पुं.–बड़ा पियाला, बादियः।

उसात (عصات) अ. पुं.–'आसी' का बहु., पापी लोग।

उसामः (اسامہ) अ. पुं.–व्याघ्र, शेर, एक सिहावी।

उसारः (عصارہ) अ. पुं.–किसी पेड़ के पत्तों आदि का कुचल कर निकाला हुआ रस जो धूप या आग में जमा लिया जाता है।

उसारा (اساری) अ. पुं.–'असीर' का बहु., बंदीजन, क़ैदी लोग।

उसुर (عسر) अ. स्त्री.–दे. 'उस्र', दोनों शुद्ध हैं।

उसूफ़ (عصوف) अ. पुं.–वायु का बहुत वेग से चलना, झक्कड़ चलना।

उसूल (اصول) अ. पुं.–'अस्ल' का बहु., जड़ें; सिद्धान्त समूह; नियम, क़ायदे।

उसूलन (اصولاً) अ. वि.–उसूल से, नियमानुसार।

उसूली (اصولی) अ. वि.–मौलिक, आधारभूत, बुनियादी।

उसैलः (عسیلہ) अ. पुं.–मैथुनानंद, हमबिस्तरी की लज़्ज़त; वीर्य, मनी।

उस्उस (عصعص) अ. पुं.–चूतड़ों के बीच की हड्डी, दुमगजा; सुस्त और आलसी व्यक्ति।

उस्क़ुफ़ (اسقف) अ. पुं.–ईसाइयों का धार्मिक गुरु, पादरी।

उस्क़ुफ़े आ'ज़म (اسقف اعظم) अ. पुं.–सबसे बड़ा पादरी, लाट पादरी।

उस्कुफ़्फ़ः (اسکفہ) अ. पुं.–देहलीज़, चौखट।

उस्कुरः (اسکرہ) अ. पुं.–छोटा पियाला, सकोरा।

उस्कुर्जः (اسکرجہ) अ. पुं.–दे. 'उस्कुरः'

उस्ग़ार (اسغر) फा. पुं.–सेही, एक प्रसिद्ध जन्तु।

उस्तः (استہ) फा. पुं.–खजूर की गुठली।

उस्ता (اوستا) फा. पुं.–पार्सियों का एक धार्मिक ग्रंथ।

उस्ताज़ (استاز) अ. पुं.–दे. 'उस्ताद'।

उस्ताद (استاد) फा. पुं.–शिक्षक, अध्यापक; कोई शिल्प आदि सिखानेवाला; चालाक, होशियार।

उस्तादानः (استادانہ) फा. वि.–उस्तादों जैसा; चालाकी का।

उस्तादी (استادی) फा. वि.–उस्ताद से सम्बन्धित (स्त्री.) चालाकी, धूर्तता।

उस्तुक़ुस (اسطقس) अ. पुं.–तत्त्व, पंचभूत, उंसुर।

उस्तुख़्वां (استخوان) फा. पुं.–हड्डी, अस्थि।

उस्तुख़्वांदार (استخواندار) फा. वि.–दृढ़, मज़बूत; स्थिर, क़ायम।

उस्तुन (استن) अ. पुं.–स्थूण, सुतून, खंभा।

उस्तुरः (استرہ) फा. पुं.–हजामत बनाने का नाई का छुरा।

उस्तुर्दः (استردہ) फा. वि.–मूँडा हुआ, मुंडित।

उस्तुर्लाब (اصطرلاب) अ. पुं.–एक यंत्र जिससे ग्रहों आदि की पैमाइश होती है।

उस्तुवानः (اسطوانہ) अ. पुं.–स्थून, सुतून, खंभ।

उस्तुवार (استوار) फा. वि.–दृढ़, मज़बूत; स्थायी, मुस्तक़िल।

उस्तुवारी (استواری) फा. वि.–दृढ़ता, मज़बूती; स्थायित्व, इस्तिक़्लाल।

उस्तूरः (اسطوره) अ. पुं.–कहानी, आख्यायिका, अफ़्साना।
उस्तूल (اسطول) अ. पुं.–युद्धपोत, जंगी जहाज़।
उस्पुश (اسپش) फा. पुं.–जूं, स्वेदज।
उस्फ़ुर (عصفر) अ. पुं.–कुसुम का फूल।
उस्फ़ूर (عصفور) अ. पुं.–चटक, गौरैया, एक प्रसिद्ध घरेलू चिड़िया।
उस्बः (عصبه) अ. पुं.–मनुष्यों का समूह जो बीस से चालीस तक हो।
उस्बूअः (اسبوعه) अ. पुं.–सप्ताह, हफ़्ता।
उस्बूअ (اسبوع) अ. पुं.–सप्ताह; हफ़्ता, सात वार; सात दिन।
उस्मान (عثمان) अ. पुं.–मुसलमानों के तीसरे खलीफ़ा।
उस्मूर (عصمور) अ. पुं.– पानी का रहट; डोल।
उस्रः (عسره) अ. पुं.–दे. 'उस्नत'।
उस्र (عسر) अ. पुं. कठिनता, दुश्वारी।
उस्रत (عسرت) अ. स्त्री.–कठिनता, दुष्करता, असुगमता, दुश्वारी; दरिद्रता, कंगाली।
उस्रतज़्दः (عسرت زده) अ. फा. वि.–दरिद्र, कंगाल।
उस्रुब (اسرب) अ. पुं.–सीसा, सीसक, एक प्रसिद्ध धातु जिसकी गोली बनती हैं।
उस्लूब (اسلوب) अ. पुं.–पद्धति, शैली, ढंग; आचरण, वज़ा; व्यवहार, तर्जेअमल।
उस्वः (اسوه) अ. पुं.–नेता, पेशवा; ऐसा आचरण जिसका अनुकरण कल्याणकर हो; जटिल समस्याओं को हल करनेवाला नेता।
उस्वएहसनः (اسوۂحسنه) अ. पुं.–सदाचार, अच्छा आचरण।
उहूद (عهود) अ. पुं.–'अहद' का बहु., प्रतिज्ञाएँ, वचन, वा'दे।
उहदूसः (احدوثه) अ. पुं.–कहानी, आख्यान, क़िस्सा।
उहबत (اهبت) अ. पुं.–हथियार और सामान।

ऊ

ऊ (او) फा. अव्य.–वह।
ऊक़ (عوق) अ. पुं.–'ऊज' का पिता।
ऊक़ियः (اوقيه) अ. पुं.–आधी छटाँक से कुछ अधिक की एक तोल।
ऊक़ियानूस (اوقيانوس) अ. पुं.–अतलांतिक महासागर।
ऊज (عوج) अ. पुं.–एक बहुत ही लम्बा व्यक्ति जो हज़रत आदम के जमाने में पैदा हुआ और हज़रत मूसा के जमाने तक रहा; साढ़े तीन हजार बरस की आयु पायी, इसके बाप का नाम 'ऊक़' है। जो लोग 'ऊज़बिन उनुक़' कहते हैं वे ग़लत कहते हैं; 'ऊजबिन ऊक़' कहना चाहिए।
ऊद (عود) अ. पुं.–एक सुगंधित लकड़ी, अगरु; एक बाजा, वर्बत।
ऊदनवाज़ (عودنواز) अ. फा. पुं.–वर्बत बजानेवाला।
ऊदसाज़ (عودساز) अ. फा. वि.–वर्बत बाजा बनानेवाला।
ऊदसोज़ (عودسوز) अ. फा. पुं.–ऊद सुलगाने का पात्र, अगरदान।
ऊर (عور) फा. वि.–नग्न, नंगा, वरहनः।
ऊरी (عوری) फा. वि.–नग्नता, नंगापन।
ऊस (عوس) अ. स्त्री.–बकरी की एक जाति।

ए

ए (اے) फा. अव्य.–ऐ, अयि, बुलाने का संबोधन, 'ए'।
एआदः (اعاده) अ. पुं.–दोहराना, पुनरावृत्ति; लौटना, वापस आना।
एआदए शबाब (اعادۂ شباب) अ. फा. पुं.–युवावस्था की पुनःवापसी, बूढ़े का जवान बनना।
एआनत (اعانت) अ. स्त्री.–सहायता, मदद।
एआनते मुज्रिमानः (اعانت مجرمانه) अ. फा. स्त्री.–अपराध करने में सहायता, अवैध सहायता।
एज़द (ایزد) फा. पुं.–ईश्वर, खुदा।
एज़द परस्त (ایزد پرست) फा. वि.–आस्तिक, ईश्वरवादी, खुदा को माननेवाला।
एज़दी (ایزدی) फा. वि.–ईश्वरीय, ईश्वर का; ईश्वर-सम्बन्धी।
एजाज़ (اعجاز) अ. पुं.–चमत्कार, करामात; —"तेरे एजाज़ की है धूम ज़माने भर में—मैं जो बच जाऊँ तो समझूँ कि मसीहाई है।"
ए'जाज़े ईसवी (اعجاز عيسوی) अ. पुं.–मृतक प्राणियों को जीवित करने का चमत्कार।
ए'जाब (اعجاب) अ. पुं.–अभिमान करना, घमंड करना; मान, हर्ष, घमंड।
ए'जाल (اعجال) अ. पुं.–शीघ्रता करना, जल्दी करना।
एज़ाज़ (اعزاز) अ. पुं.–सम्मान, प्रतिष्ठा, इज़्ज़त; राज्य या किसी बड़ी सभा की ओर से कोई महत्वपूर्ण काम सपुर्द करके सम्मान।
एज़ाज़ी (اعزازی) अ. वि.–कोई काम जो सम्मान के लिए हो, अवैतनिक कार्य।
ए'ता (اعطا) अ. पुं.–देना, प्रदान करना, अता करना; बख़्शिश, पुरस्कार।

ए'ताक़ (اعتاق) अ. पुं.—दास को मुक्त करना, अपने बंधन से छोड़ना।

ए'ताश (اعطاش) अ. पुं.—प्यासा करना।

ए'तिक़ाद (اعتقاد) अ. पुं.—श्रद्धा, आस्था, अक़ीदः; प्रत्यय, विश्वास, यक़ीन।

ए'तिकाफ़ (اعتکاف) अ. पुं.—एकान्त में ईश्वर की तपस्या; एकान्तवास, गोशानशीनी।

ए'तिज़ाज़ (اعتزاز) अ. पुं.—प्रिय होना, प्यारा होना, अज़ीज़ होना।

ए'तिज़ाम (اعتزام) अ. पुं.—संकल्प करना, इरादा पक्का करना, दृढ़-प्रतिज्ञ होना।

ए'तिज़ार (اعتذار) अ. पुं.—उज्र करना, विवशता प्रकट करना; उज्रदारी करना; उज्र, आपत्ति।

ए'तिज़ाल (اعتزال) अ. पुं.—अलग होना; एकान्तवासी होना; यह अक़ीदा होना कि मनुष्य अच्छे बुरे कर्मों का स्वयं ही कर्ता है, ईश्वरेच्छा का इसमें कोई प्रश्न नहीं।

ए'तिदा (اعتدا) अ. पुं.—अनीति करना, ज़ुल्म करना।

ए'तिदाल (اعتدال) अ. पुं.—गर्मी-सर्दी या तरी-ख़ुश्की में बराबर होना; संतुलन, बराबरी।

ए'तिना (اعتنا) अ. पुं.—सहानुभूति करना, हमदर्दी करना; रोगी की देख-रेख करना; दया करना; सहानुभूति; तीमारदारी; दया, कृपा।

ए'तिनाक़ (اعتناق) अ. पुं.—गले मिलना, एक दूसरे के गले में हाथ डालना।

ए'तिमाद (اعتماد) अ. पुं.—किसी चीज़ पर पीठ टेकना, सहारा लेना; सहारा, भरोसा; विश्वास, यक़ीन।

ए'तिमाल (اعتمال) अ. पुं.—काम करना।

ए'तियाक़ (اعتیاق) अ. पुं.—मना करना, बाज़ रखना, रोकना।

ए'तियाज़ (اعتیاض) अ. पुं.—बदला लेना; बदला देना।

ए'तियास (اعتیاص) अ. पुं.—किसी पर कोई कार्य कठिन होना, कठिनाई में पड़ना।

ए'तिराज़ (اعتراض) अ. पुं.—आपत्ति, उज्र; हस्तक्षेप, दस्तंदाज़ी; बीच में आ जाना।

ए'तिराफ़ (اعتراف) अ. पुं.—स्वीकृति, अंगीकृति, इक़रार; अपने अपराध की स्वीकृति, इक़रारेजुर्म।

ए'तिला (اعتلا) अ. पुं.—ऊपर उठना, ऊंचा होना, बलंद होना।

ए'तिलाफ़ (اعتلاف) अ. पुं.—पशु का घास खाना।

ए'तिलाल (اعتلال) अ. पुं.—बीमार पड़ना, रोग-ग्रस्त होना।

ए'तिवार (اعتوا) अ. पुं.—किसी वस्तु को हाथों-हाथ लेना।

ए'तिशाश (اعتشاش) अ. पुं.—बाल-बच्चों के लिए बहुत थोड़ा खाना लाना।

ए'तिसाफ़ (اعتساف) अ. पुं.—कुमार्ग पर चलना; अनीति करना, ज़ुल्म करना।

ए'तिसाम (اعتصام) अ. पुं.—संयम, इंद्रियनिग्रह, परहेज़गारी।

ए'तिसार (اعتصار) अ. पुं.—निचोड़ना।

ए'तिसास (اعتساس) अ. पुं.—रात को पहरा देना, रात को गश्त लगाना।

ए'दाम (اعدام) अ. पुं.—ध्वस्त करना, बरबाद करना।

ए'फ़ाफ़ (اعفاف) अ. पुं.—किसी को संयम नियम का पाबंद बनाना।

एबक (ایبک) तु. पुं.—दास, ग़ुलाम, एलची, दूत; प्रेमपात्र, मा'शूक़।

एमन (ایمن) फा. वि.—'आमन' का इमालः; सुरक्षित, महफ़ूज़; अभय, निडर।

एमनी (ایمنی) फा. स्त्री.—सुरक्षा, हिफ़ाज़त; भयहीनता, निडरपन।

एमिन (ایمن) फा. वि.—सुरक्षित; अभय, निडर।

ए'राज़ (اعراض) अ. पुं.—किसी की ओर से मुँह फेर लेना, विमुखता, उपेक्षा; प्रकट होना; चौड़ा चकला होना; बकरी के बच्चे का अंडकोष निकालना; भलाई करना।

ए'राब (اعراب) अ. पुं.—'ज़बर', 'ज़ेर' और 'पेश'।

एलची (ایلچی) तु. पुं.—पत्रवाहक, क़ासिद; राजदूत, सफ़ीर।

ए'ला (اعلا) अ. पुं.—ऊँचा करना, उठाना; प्रसार करना, फैलाना।

ए'लान (اعلان) अ. पुं.—घोषणा, अभिज्ञापन, मुनादी, उद्घोष।

ए'लाम (اعلام) अ. पुं.—ज्ञान कराना, बताना, जताना।

ए'लाल (اعلال) अ. पुं.—बीमार करना, रोगी बनाना।

ए'वास (اعواص) अ. पुं.—शत्रु पर काम मुश्किल कर देना, शत्रु को कठिनाई में डाल देना।

ए'विजाज (اعوجاج) अ. पुं.—टेढ़ा होना; टेढ़, वक्रता, कजी।

एशां (ایشاں) फा. अव्य.—यह लोग, यह सब।

ए'शाश (اعشاش) अ. पुं.—दूसरे के घर में इस इरादे से आ बैठना कि वह घबराकर घर छोड़कर भाग जाय।

एसार (اعصار) अ. पुं.—लड़की का बालिग़ होना; बादल का बरसने के क़रीब होना।

एस्तादः (ایستادہ) फा. वि.—दे. 'इस्तादः', दोनों शुद्ध हैं।

एस्तादगी (ایستادگی) फा. स्त्री.—दे. 'इस्तादगी', दोनों शुद्ध हैं।

एस्तावनी (ایستادنی) फा. वि.–दे. 'इस्तादनी', दोनों शुद्ध हैं।

एहक़ाक़ (احقاق) अ. पुं.–हक़ साबित करना; ठीक जानना।

एहक़ाक़े हक़ (احقاق حق) अ. पुं.–अपना हक़ साबित करना; सच्ची बात साबित करना।

एहज़ान (احزان) अ. पुं.–दुःखित करना, ग़म में डालना।

एहजार (اهجار) अ. पुं.–अश्लील बातें करना, फ़ुहश बकना।

एहज़ार (اهزار) अ. पुं.–बहुत बोलना, बहुत बातें करना; वाचालता, बकवास।

एहज़ार (احضار) अ. पुं.–उपस्थित करना, हाज़िर करना; घोड़े का दौड़ना।

एहतिक़ाक (اهتکاک) अ. पुं.–अपमान करना, अवहेलना करना, हत्क करना।

एहतिक़ान (احتقان) अ. पुं.–पिचकारी लगाना, इंजकशन करना; हुक़्नः देना, इनेमा करना।

एहतिक़ार (احتقار) अ. पुं.–तिरस्कार करना, अपमानित करना।

एहतिकार (احتکار) अ. पुं.–इस विचार से अन्न संचित करना कि भाव तेज़ होने पर बेचा जायगा।

एहतिजाज (احتجاج) अ. पुं.–वाद-विवाद करना, हुज्जत करना; अपने किसी अहित के लिए अहितकर्ता से रोष प्रकट करना।

एहतिज़ाज़ (احتظاظ) अ. पुं.–आनंद लेना, लुत्फ़ उठाना।

एहतिज़ाज़ (اهتزاز) अ. पुं.–झूमना; झूमकर मस्त होना।

एहतिजाम (احتجام) अ. पुं.–पछने लगवाना।

एहतिज़ार (احتضار) अ. पुं.–सामने आना, हाजिर होना; मृत्यु का आना; नागरिक होना; घोड़ा दौड़ना।

एहतिदा (اهتدا) अ. पुं.–सन्मार्ग पाना, सीधा रास्ता प्राप्त होना।

एहतिफ़ाल (احتفال) अ. पुं.–सभा करना; सभा होना।

एहतिबाल (احتبال) अ. पुं.–जाल से शिकार पकड़ना।

एहतिबास (احتباس) अ. पुं.–अवरोध, रुकना, बंद होना; निरोध, अवरोध, बंदिश।

एहतिबासे तम्स (احتباس طمث) अ. पुं.–मासिकधर्म का रुक जाना।

एहतिबासे हैज़ (احتباس حیض) अ. पुं.–दे. 'एहतिबासे तम्स'।

एहतिमाम (اهتمام) अ. पुं.–प्रयोजन, इंतिज़ाम; तत्त्वावधान, देख-रेख; निरीक्षण, निगरानी, बंदोबस्त, प्रबन्ध।

एहतिमाल (احتمال) अ. पुं.–शंका करना, शक करना; शंका, संदेह, शुबहा।

एहतियाज (احتیاج) अ. स्त्री.–आवश्यकता, ज़रूरत; दरिद्रता, कंगाली।

एहतियाज़ (احتیاز) अ. पुं.–एकत्र होना, इकट्ठा होना, जमा होना।

एहतियात (احتیاط) अ. स्त्री.–सावधानी, ख़बरदारी; चौकसी, होशयारी।

एहतियातन (احتیاطاً) अ. वि.–एहतियात के तौर पर, सावधानी के रूप में।

एहतियाती (احتیاطی) अ. वि.–एहतियात सम्बन्धी; जिसमें एहतियात का ध्यान रहे।

एहतियाल (احتیال) अ. पुं.–हीलाबाज़ी करना, बहाने बनाना।

एहतिराक़ (احتراق) अ. पुं.–जलना; चाँद और सूरज को छोड़कर बाक़ी पाँच ग्रहों में से किसी एक का छिप जाना।

एहतिराज़ (احتراز) अ. पुं.–परहेज़ करना, बचना, अलग रहना; घृणा करना, नफ़रत करना।

एहतिराम (احترام) अ. पुं.–संमान करना, इज़्ज़त करना; संमान, आदर, इज़्ज़त।

एहतिलाम (احتلام) अ. पुं.–सोते में वीर्यस्खलन होना; स्वप्न-दोष।

एहतिवा (احتوا) अ. पुं.–चारों ओर से घेरना, इहाता करना।

एहतिशाम (احتشام) अ. पुं.–लज्जा करना; बहुत से नौकर चाकर वाला होना; वैभव, शानोशौकत।

एहतिसाब (احتساب) अ. पुं.–हिसाब करना; निषिद्ध वस्तुओं के खान-पान से रोकना।

एहदा (اهدا) अ. पुं.–किसी को उपहार भेजना।

एहदार (اهدار) अ. पुं.–किसी को किसी व्यक्ति को हत्या करने की आज्ञा देना; किसी का हक़ नष्ट करना।

एहदास (احداث) अ. पुं.–नयी बात निकालना, जिद्दत पैदा करना, आविष्कार।

एहमाल (اهمال) अ. पुं.–भूल से छोड़ जाना, भूल जाना।

एहमाल (احمال) अ. पुं.–लादना, बोझ उठाना।

एहया (احیا) अ. पुं.–जीवित करना, प्राण दान देना, ज़िंदा करना।

एहराक़ (احراق) अ. पुं.–जलाना।

एहराम (احرام) अ. पुं.–हाजियों का वस्त्र, दो चादरें जो बिना सिली हुई एक बाँधी और एक ओढ़ी जाती है।

एहराम (اهرام) अ. पुं.–बहुत बूढ़ा होना, बहुत अधिक बुढ़ापा, परमवृद्धत्व।

एहलाक (اہلاک) अ.पुं.–प्राण ले लेना, मार डालना, हिंसा हलाक करना, वध करना।

एहलील (احلیل) अ.पुं.–मूत्र की नली; स्त्री के दूध की नली।

एहलीलज (اہلیلج) अ. पुं.–हलेला, हड़।

एहसा (احصا) अ. पुं.–गणना करना, गिनना; सीमित करना, महदूद करना; गिनती, गणना, शुमार।

एहसान (احسان) अ. पुं.–उपकार, आभार, भलाई, नेकी।

एहसान (احصان) अ.पुं.–पुरुष का स्त्री की इच्छा करना; स्त्री का पुरुष की इच्छा करना; गर्भवती होना; संयमी होना; मज़बूत करना; घेरा डालना।

एहसान नाशनास (احسان ناشناس) अ.फा. वि.–अकृतज्ञ, कृतघ्न, नमकहराम, जो उपकार न माने।

एहसान फ़रामोश (احسان فراموش) अ.फा.वि.–कृतघ्न, नमकहराम, जो किसी का उपकार भूल जाय।

एहसान फ़रोश (احسان فروش) अ. फा. वि.–जो उपकार करके सबसे कहता फिरे।

एहसानमंद (احسان مند) अ. फा. वि.–कृतज्ञ, आभारी, उपकार माननेवाला।

एहसानमंदी (احسان مندی) अ. फा. स्त्री.–कृतज्ञता, उपकार मानना।

एहसान शनास (احسان شناس) अ. फा. वि.–कृतज्ञ, उपकार को पहचाननेवाला।

एहसार (احصار) अ. पुं.–गिनना, शुमार करना; घेरे में लेना,; खुला रखना; हज को न जाना।

एहसास (احساس) अ. पुं.–अनुभव, संवेदन, हिस; ध्यान, ख़याल; पाना; देखना।

एहसासात (احساسات) अ. पुं.–एहसास का बहुवचन।

ऐ

ऐ (اے) अ. अव्य.–ए, अयि, हे।

ऐक़ (عیق) अ. पुं.–रोके रखना, बाज़ रखना।

ऐज़न (ایضاً) अ. अव्य.–जैसा पहले या ऊपर था वैसा ही।

ऐत (عیط) अ. पुं.–गर्दन का लंबा होना।

ऐताम (ایتام) अ. पुं.–'यतीम' का बहु., अनाथ बच्चे।

ऐन (عین) अ. पुं.–नेत्र, नयन, आँख; छोटी नदी; स्रोत, चश्म; सदृश, तुल्य, मिस्ल; यथार्थ, वास्तविक वाक़ई।

ऐनक (عینک) अ. फा. स्त्री.–आँखों में लगाने का चश्मा, उपनेत्र।

ऐना (عینا) अ. स्त्री.–सुंदर आँखोंवाली स्त्री।

ऐनुद्दीक (عین الدیک) अ. स्त्री.–घुंघची।

ऐनुलमाल (عین المال) अ. पुं.–मूलधन, असल पूंजी।

ऐनुलयक़ीन (عین الیقین) अ. पुं.–वह विश्वास जो आँखों देखकर प्राप्त हो।

ऐफ़ाग़ (ایفاغ) अ. पुं.–पिशुन, चुग़ल; ऊँघता हुआ, निद्रालु; धृष्ट, शोख़।

ऐबः (عیبہ) अ. पुं.–चमड़े का थैला; कपड़े रखने का पात्र; रहस्य का स्थान।

ऐब (عیب) अ. पुं.–दोष, बुराई; पाप, गुनाह; त्रुटि, भूल; अशुद्धि, ग़लती।

ऐबगो (عیب گو) अ. फा. वि.–दोष बतानेवाला, दोष निकालनेवाला।

ऐबचीं (عیب چیں) अ. फा. वि.–दोष ढूंढ़नेवाला, ऐब तलाश करनेवाला, छिद्रान्वेषी।

ऐबजू (عیب جو) अ. फा. वि.–दोष ढूंढ़नेवाला, छिद्रान्वेषी।

ऐबतराश (عیب تراش) अ. फा. वि.–ऐब लगानेवाला, दोषारोपक; ढूंढ़-ढूंढ़कर ऐब निकालनेवाला।

ऐबदार (عیب دار) अ. फा. वि.–दोषयुक्त, दोषी, जिसमें ऐब हो; ख़राब, दूषित; धूर्त, पाजी।

ऐबपोश (عیب پوش) अ. फा. वि.–दोषों को छिपाने वाला, ऐबों पर पर्दा डालनेवाला, दोषवारक।

ऐबबीं (عیب بیں) अ. फा. वि.–दे. 'ऐबजू'।

ऐबस (ایبس) अ. वि.–बहुत अधिक ख़ुश्क; बहुत अधिक ख़ुश्की बढ़ानेवाला।

ऐमः (ایمہ) फा. अव्य.–अब, इस समय; मिथ्या, अनर्थ।

ऐम (عیم) अ. पुं.–प्यासा होना; तृप्त होने की इच्छा होना।

ऐम (ایم) अ. पुं.–सफ़ेद साँप।

ऐमन (ایمن) अ. वि.–बड़ा कल्याणकारी, बहुत ही शुभान्वित; दाहनी ओरवाला।

ऐमान (ایمان) अ. पुं.–अनेक शपथ, क़स्में; ताक़तें, बल 'यमीन' का बहु.।

ऐयाम (ایام) अ. पुं.–'यौम' का बहु., दिन-समूह।

ऐयार (عیار) अ. वि.–वंचक, छली, चालाक।

ऐयारानः (عیارانہ) अ. फा. वि.–वंचकों जैसा, छलियों की भाँति।

ऐयारी (عیاری) अ. स्त्री.–वंचकता, छल, चालाकी।

ऐयाश (عیاش) अ. वि.–व्यभिचारी, विषय-लंपट, ज़ानी; अच्छे खाने-पहनने और आराम से रहने का शौक़ीन।

ऐयाशानः (عیاشانہ) अ. फा. वि.–ऐयाशों-जैसा।

ऐयाशी (عیاشی) अ. स्त्री.–व्यभिचार, ज़िना; अच्छा खाना-पहनना और आराम से रहना।

ऐयिम (ايم) अ. वि.–बिना पति की स्त्री, विधवा; बिना स्त्री का पुरुष, रँडुआ, विधुर।
ऐयूक़ (عيوق) अ. पुं.–एक तेज़ और चमकदार तारा।
ऐयूब (ايوب) अ. पुं.–एक पैग़म्बर जो बड़े ही धैर्यवान् थे।
ऐर (اير) अ. पुं.–शिश्न, लिंग।
ऐर (عير) अ. पुं.–जंगली गधा, गोरखर।
ऐलः (عيله) अ. स्त्री.–संन्यास, फ़क़ीरी।
ऐवान (ايوان) फा. पुं.–प्रासाद, भवन, महल; राजप्रासाद, शाहीमहल; परिषद्, संसद, कौंसिल।
ऐवानेज़ेरीं (ايوان زيريں) फा. पुं.–निम्न सदन।
ऐवानेबाला (ايوان بالا) फा. पुं.–उच्च सदन।
ऐश (عيش) अ. पुं.–भोग विलास, विषयवासना; व्यभिचार; खाने-पीने का सुख।
ऐशतलब (عيش طلب) अ. फा. वि.–भोग-विलास का आनंद चाहनेवाला।
ऐशतलबी (عيش طلبى) अ. फा. स्त्री.–भोगविलास के आनंद की इच्छा।
ऐशपरस्त (عيش پرست) अ. फा. वि.–दे. 'ऐयाश'।
ऐशपरस्ती (عيش پرستى) अ. फा. स्त्री.–दे. 'ऐयाशी'।
ऐशपसंद (عيش پسند) अ.फा. वि.–दे. 'ऐशतलब'।
ऐशपसंदी (عيش پسندى) अ. फा. स्त्री.–दे. 'ऐश तलबी'।
ऐशमंज़िल (عيش منزل) अ. स्त्री.–रंगभवन, रंगमहल, ऐश करने की जगह।
ऐशमहफ़िल (عيش محفل) अ. स्त्री.–दे. 'ऐशमंज़िल'।
ऐशेरफ़्तः (عيش رفته) अ. फा. पुं.–बीता हुआ सुख चैन, बीता हुआ सुख का समय।
ऐशोनशात (عيش ونشاط) अ. पुं.–सुख चैन, भोगविलास, सब प्रकार के आनंद।
ऐस (عيث) अ. पुं.–भेड़िए का बकरियों के झुंड को नाश करना; विनाश, बरबादी।
ऐस (ايس) अ. पुं.–निराशा, नैराश्य, नाउम्मेदी।
ऐसर (ايسر) अ. वि.–बहुत सुगम, अति सरल, बहुत आसान।

ओ

ओ (او) फा. अव्य.–वह।
ओफ़्तादः (اوفتاده) फा. वि.–दे. 'उफ़्तादः', दो. शु. हैं।
ओफ़्ताद (اوفتاد) फा. स्त्री.–दे. 'उफ़्ताद', दो. शु. है।
ओफ़्तादगी (اوفتادگى) फा. स्त्री.–दे. 'उफ़्तादगी', दो. शु. हैं।
ओफ़्तादनी (اوفتادنى) फा. वि.–दे. 'उफ़्तादनी', दो. शुद्ध हैं।
ओस्ता (اوستا) फा. पुं.–दे. 'उस्ता'।
ओस्ताद (اوستاد) फा. पुं.–दे. 'उस्ताद', दो. शु. हैं।
ओस्तादानः (اوستادانه) फा. वि.–दे. 'उस्तादानः', दो. शु. हैं।
ओस्तादी (اوستادى) फा. स्त्री.–दे. 'उस्तादी', दो. शु. हैं।
ओहदः (عهده) अ. पुं.–पद, दर्जा, पदवी, मर्तबा, पदाधिकार, अफ़्सरी।
ओहदःदार (عهده دار) अ.फा. वि.–पदाधिकारी, अफ़्सर।
ओहदःबरा (عهده برا) अ. फा. वि.–ज़िम्मेदारी पूरी करनेवाला।
ओहदःबराई (عهده برائى) अ. फा. स्त्री.–ज़िम्मेदारी की पूर्ति।

औ

औइयः (اوعيه) अ. पुं.–'विआ' का बहु., बरतन-भांडे।
औक़र (اوقر) अ. वि.–बधिर, बहरा।
औक़स (اوقص) अ. वि.–छोटी गर्दनवाला; ऐसा माल जिसके बढ़ने पर ज़कात न देना पड़े।
औका' (اوكع) अ. वि.–कृपण, कंजूस।
औक़ात (اوقات) अ. पुं.–'वक़्त' का बहु., समयावली (स्त्री.) प्रतिष्ठा, इज़्ज़त, मान मर्यादा।
औक़ाफ़ (اوقاف) अ. पुं.–'वक़्फ़' का बहु., वे जायदादें आदि जो समर्पित हैं; देवोत्तर सम्पत्तियाँ।
औज़ः (اوضه) अ. पुं.–क्रम, कोठा।
औज (اوج) अ. पुं.–उच्चता, ऊँचाई, बुलंदी; उन्नति, तरक़्क़ी; प्रतिष्ठा, मान, वक़अत।
औज (عوج) अ. पुं.–वक्रता, टेढ़ापन।
औज़ह (اوضح) अ. वि.–अत्यंत स्पष्ट, बिलकुल साफ़।
औज़ाअ (اوزاع) अ. पुं.–मनुष्यों के समूह।
औजाअ (اوجاع) अ. पुं.–'वजा' का बहु. पीडाएँ, दर्द।
औज़ाअ (اوضاع) अ. पुं.–'वज़्अ' का बहु., तौर-तरीक़े।
औज़ान (اوزان) अ.पुं.–'वज़्न' का बहु., तौलन के बाँट; तोलें।
औज़ार (اوزار) अ. पुं.–'विज़्र' का बहु., उपकरण समूह, आलात, कारीगरों के यंत्र।
औताद (اوتاد) अ. पुं.–'वतद' या 'वतिद' का बहु., खूंटियाँ, मेखें, खूंटे।
औतान (اوطان) अ. पुं.–'वतन' का बहु. जन्मभूमियाँ।
औतार (اوتار) अ. पुं.–'वतर' का बहु., धनुषों की ज्याएँ; बाँजे के तार।

औद (عود) अ. पुं.–लौटना, वापसी, पलटना ।

औन (عون) अ. वि.–सहायक, मददगार ।

औफ़ (عوف) अ. पुं.–आपत्ति, आपदा, मुसीबत; कष्ट, दुःख, तकलीफ़ ।

औफ़क़ (اوفق) अ. वि.–अनुकूलतम, बहुत मुआफ़िक ।

औबाश (اوباش) अ.पुं.–'बौश' का बहु., लंपटजन, शोहदे-लोग, लोफ़र, दुराचारी ।

औबाशी (اوباشی) अ. स्त्री.–धूर्तता, लंपटता, शुहदपन, लोफ़रपन ।

औरंग (اورنگ) फा. पुं.–राजसिंहासन, तख़्तेशाही; बुद्धि-मत्ता, दानाई ।

औरंगज़ेब (اورنگ زیب) फा. वि.–राजसिंहासन की शोभा; शासक, हुक्मरां; एक मुगल सम्राट की उपाधि ।

औरंगनशीं (اورنگ نشیں) फा. वि.–सिंहासनारूढ़, तख़्तनशीं ।

औरंग जहां बानी (اورنگ جہاں بانی) फा. पुं.–राजसिंहासन, शाही तख़्त, संसार का राजसिंहासन ।

और (عور) अ. पुं.–कानापन, एक आँख का होना ।

औरत (عورت) अ. स्त्री.–स्त्री, नारी, महिला; जाया, भार्या, पत्नी, जोरू; मनुष्य या स्त्री के गुप्तांग; हर वह चीज़ जिसके देखने से लज्जा आये ।

औराक़ (اوراق) अ. पुं.–'वरक़' का बहु., पुस्तक के पन्ने, किताब के वरक़, पेड़ों के पत्ते ।

औरात (عورات) अ. स्त्री.–'औरत' का बहु., स्त्रियाँ, औरतें; मनुष्य या स्त्री के गुह्यांग ।

औराद (اوراد) अ. पुं.–'विर्द' का बहु. जपतप, विर्दवज़ीफ़ः ।

औराम (اورام) अ. पुं.–'वरम' का बहु., सूजनें, वरम ।

औरिदः (اوردہ) अ. पुं.–'वरीद' का बहु., रक्तवाहिनी रगें (नाड़ियाँ) ।

औल (عول) अ. पुं.–पालन-पोषण करना, रोटी कपड़ा देना, दान; बख़्शिश ।

औला (اولی) अ. वि.–बहुत बढ़िया, अति उत्तम; बहुत मुनासिब, परमोचित ।

औलातर (اولی تر) अ.फा. वि.–उत्तमतर, बहुत उम्दा, उचिततर, मुनासिबतर ।

औलातरीन (اولی ترین) अ. फा. वि.–बहुत ही उत्तम; बहुत ही उचित ।

औलाद (اولاد) अ. पुं.–'वलद' का बहु., संतान, बाल-बच्चे ।

औलिया (اولیا) अ. पुं.–'वली' का बहु., उत्तराधिकारी-गण, वारिसीन, ऋषिगण, वली अल्लाह लोग ।

औशंग (اوشنگ) फा. स्त्री.–अलगनी ।

औस (عوص) अ. पुं.–कठिनता, दुश्वारी, कठिनाई ।

औसक़ (اوثق) अ. वि.–बहुत ही मज़बूत, दृढ़तम ।

औसत (اوسط) अ. वि.–मध्य, बीच, दरमियान; माध्यम, दरमियानी; अनुपात, माध्य; एवरेज ।

औसतन (اوسطاً) अ. वि.–औसत के हिसाब से, अनुपात के अनुसार ।

औसतुल हाल (اوسط الحال) अ. वि.–ऐसा व्यक्ति जो न बहुत अमीर हो न बहुत ग़रीब, मध्यवित्त ।

औसा (اوسع) अ. वि.–बहुत अधिक विस्तृत, वसीअतर ।

औसान (اوثان) अ. पुं.–'वसन' का बहु., मूर्तियाँ, बुत ।

औसान (اوسان) अ. पुं.–हवास, होश, संज्ञा, बुद्धि ।

औसाफ़ (اوصاف) अ. पुं.–'वस्फ़' का बहु., गुणसमूह, ख़ूबियाँ, अच्छाइयाँ ।

औसाफ़े हमीदः (اوصاف حمیدہ) अ. पुं.–अच्छे और श्लाघ्य गुण, सत्त्वगुण, प्रशंसनीय शालीनता ।

औसिया (اوصیا) अ. पुं.–'वसी' का बहु., रिक्थाधिकारी, उत्तराधिकारी, वारिस लोग ।

औहद (اوحد) अ. वि.–अद्वितीय, यगाना, अनुपम ।

औहाम (اوہام) अ. पु.–'वह्म' का बहु., भ्रांतियाँ, मुग़ालते, धोके ।

क

कंज़ (کنز) अ. पुं.–कोश, निधि, ख़ज़ाना ।

क़ंज़फ़ीर (قنزفیر) अ. पुं.–वृद्धा स्त्री., बूढ़ी औरत ।

कंज़े मख़्फ़ी (کنز مخفی) अ. पुं.–ज़मीन के भीतर दबा हुआ ख़ज़ाना, भूनिहित निधि ।

क़ंतरः (قنطرہ) अ. पुं.–पुल, सेतु.; बड़ी इमारत, प्रासाद ।

क़ंतर (قنتر) अ. वि.–ह्रस्व, छोटा, कोताह ।

क़ंतूरः (قنتورہ) अ. पुं.–एक प्रकार का कोट जिसके दामन छोटे होते और जिसमें काज बहुत होते हैं ।

कंदः (کندہ) फा. वि.–अंकित, खुदा हुआ; लिखित, लिखा हुआ; पत्थर आदि पर खुदा हुआ ।

कंदः (کندہ) फा. पुं.–खाई, खंदक ।

कंदकार (کندہ کار) फा. वि.–चाँदी, सोने, लकड़ी अथवा पत्थर पर बेल-बूटे बनाने का काम करनेवाला ।

कंदःकारी (کندہ کاری) फा. स्त्री.–वे बेल-बूटे जो सोने, चाँदी, लकड़ी अथवा पत्थर आदि पर बनते हैं; बेल-बूटे बनाने का काम ।

क़ंद (قند) अ. स्त्री.–सफ़ेद दाना दार शकर, शर्करा ।

कंद (کند) तु. पुं.–गाँव, ग्राम, देहात ।

कंद (کند) फा. स्त्री.–कंद, शकर, शर्करा, खंड ।

क़ंदख़ानः (قندخانہ) अ. फा. पुं.—खंडसाल, शकर बनाने का कारख़ाना।
कंदील (کندیل) फा. स्त्री.—दीपक, चिराग़; दे. 'क़िंदील'।
कंदूरी (کندوری) फा. पुं.—खाना खाने का कपड़ा, दस्तरख़ान।
क़ंबर (قنبر) अ. पुं.—हज़रत अली का एक दास, जो उनका बड़ा भक्त था।
क़ंस (قنص) अ. पुं.—शिकार खेलना; जाल लगाना।
कंस (کنس) अ. पुं.—घर आदि झाड़ना, झाड़ू देना।
क़अलची (قعلچی) तु. पुं.—मीर शिकार, वह व्यक्ति जो बादशाहों के शिकार का प्रबंध करता है।
क़ईद (قعید) अ. वि.—साथ बैठने-उठनेवाला, सभासद।
क़ईर (قعیر) अ. पुं.—अथाह, गहरा, अगाध।
क़ऊर (قعور) अ. पुं.—गहरा, अथाह, गंभीर।
कख़ कख़ (کخ کخ) फा. अव्य.—छीछी, घृणावाचक शब्द; खिलखिल हँसने का शब्द।
कचः (کچہ) फा. पुं.—छल्ला, उँगली में पहनने की विना नग की अँगूठी।
कचकोल (کچکول) फा. पुं.—भीख माँगने का पियाला, भिक्षापात्र, दे. 'कजकोल' और 'कश्कोल'।
कज़ः (کزہ) फा. पुं.—तालू का कौआ।
कज (کج) फा. वि.—टेढ़ा, वक्र, तिर्छा।
कज़ (کز) फा. पुं.—कच्चा रेशम, अवरेशम; कज़, वक्र, टेढ़ा।
कज़ (کز) फा. वि.—दे. 'कज़ کز।'
कज अक़्ल (کج عقل) अ. फा. वि.—ऐसा व्यक्ति जिससे जो कुछ कहा जाय उसका उलटा समझे, वक्रमति, विपरीतबुद्धि।
कज अख़्लाक़ (کج اخلاق) फा. अ. वि.—बेमुरव्वत, दुःशील, खुर्रा, रूखा।
कज अदा (کج ادا) फा. वि.—जिसमें शील-संकोच न हो, जो बहुत ही खुर्रा हो।
कज अदाई (کج ادائی) फा. स्त्री.—शील-संकोच की हीनता, खुर्रापन।
कज आज़ा (کج اعضا) फा. अ. वि.—जिसके शरीर के अंग टेढ़े-मेढ़े हों, वक्रांग।
कजक (کجک) फा. पुं.—अंकुश, आँकुस, हाथीवान का यंत्र।
कज़क (کزک) फा. पुं.—दे. 'कजक'।
कज कुलाह (کج کلاہ) फा. वि.—टेढ़ी टोपी ओढ़नेवाला, प्रेमपात्र, मा'शूक़; शासक, राजा।
कज कुलाही (کج کلاہی) फा. स्त्री.—बाँकापन, मा'शूक़ियत, राजापन।
कजकोल (کجکول) फा. पुं.—भीख माँगने का बर्तन, भिक्षापात्र, दे. 'कचकोल' और 'कश्कोल'।
कज ख़ुल्क़ (کج خلق) अ. फा. वि.—दे. 'कज अख़्लाक़'।
कज ख़ुल्क़ी (کج خلقی) अ. फा. स्त्री.—दुःशीलता, खुर्रापन।
कज़ ज़ख़्मः (کز زخمہ) फा. वि.—धूर्त, दग़ाबाज़।
कज तब्अ (کج طبع) फा. अ. वि.—दे. 'कज मिज़ाज'।
कज़दुम (کزدم) फा. पुं.—बिच्छू, वृश्चिक।
कज निगाह (کج نگاہ) फा. वि.—भेंगा, जो टेढ़ी आँखें करके देखता हो; ग़ुस्सैल, क्रुद्धात्मा।
कज निगाही (کج نگاہی) फा. स्त्री.—भेंगापन, क्रोध।
कज निहाद (کج نہاد) फा. वि.—दे. 'कज मिज़ाज'।
क़ज़फ़ (قذف) अ. पुं.—चटयल मैदान, लंबा-चौड़ा मैदान।
कज फ़ह्म (کج فہم) फा. अ. वि.—उलटी समझवाला, मूर्ख, वक्रबुद्धि।
कज फ़ह्मी (کج فہمی) फा. अ. स्त्री.—उलटी समझ, मूर्खता।
कज बह्स (کج بحث) फा. अ. वि.—उलटी सीधी बहस करनेवाला, मूर्खता का वाद-विवाद करनेवाला, कुतर्की।
कज बह्सी (کج بحثی) फा. अ. स्त्री.—उलटा सीधा वाद-विवाद, किसी की बात न मानकर केवल अपनी बात मनवाना।
कजबाज़ (کج باز) फा. वि.—लेन-देन में व्यवहार-कुशलता न करनेवाला, बदनीयत।
कजबीं (کج بیں) फा. वि.—केवल बुराइयाँ और त्रुटियाँ देखनेवाला।
कजबीनी (کج بینی) फा. स्त्री.—केवल बुराइयाँ और त्रुटियाँ देखना।
क़ज़म (قزم) अ. स्त्री.—अधमता, नीचता, कमीनगी; अधम, नीच, कमीना; कमीने, नीच लोग।
कज मज (کج مج) फा. वि.—जिसकी जिह्वा बात करते समय लड़खड़ाती हो, जो ठीक से बात न कर सके। तोतला
कज मज ज़बाँ (کج مج زباں) फा. वि.—जिसकी जीभ बातें करते समय लड़खड़ाती हो; जिसे बात करने की तमीज़ न हो, मूर्ख।
कज मज बयाँ (کج مج بیاں) फा. अ. वि.—दे. 'कज-मज-ज़बाँ'।
कजमदारो मरेज़ (کج مدارو مریز) फा. वा.—'टेढ़ा रखो और गिराओ मत'। ऐसी बात का आदेश जो असंभव हो और हो न सके।
कज मिज़ाज (کج مزاج) फा. अ. वि.—जिसके स्वभाव में टेढ़ापन हो, जो सीधी-सादी बात में भी शंका करे।

कज रफ़्तार (کج رفتار) फा. वि.–टेढ़ी चाल चलनेवाला, बुरा आचरण करनेवाला; अत्याचारी, ज़ालिम।

कजरवी (کج روی) फा. स्त्री.–टेढ़ीचाल, दुराचार, अत्याचार, जुल्म।

कजरौ (کج رو) फा. वि.–दे. 'कज रफ़्तार'।

क़ज़ल (قزل) अ. पुं.–लँगड़ापन, बहुत अधिक लँगड़ापन।

क़ज़ा (قضا) अ. स्त्री.–आदेश देना; मृत्यु, मौत; न्याय, इंसाफ़; जो इबादत अपने ठीक समय पर न की गयी हो।

क़ज़ा (قزی) अ. पुं.–तिनका, घास-फूस; आँख में तिनका पड़ जाना।

क़ज़ाए कार (قضائے کار) अ. फ़ा. वि.–दे. 'क़ज़ारा'।

क़ज़ाए मुअल्लक़ (قضائے معلق) अ. स्त्री.–वह मृत्यु जो आचनक हो, जैसे पेड़ से गिर के, आकस्मिक मृत्यु।

क़ज़ाए मुब्रम (قضائے مبرم) अ. स्त्री.–वह मृत्यु जो टल न सके, निश्चित मृत्यु।

क़ज़ाए हाजत (قضائے حاجت) अ. स्त्री-शौचकर्म, पाखाना, आकस्मिक आवश्यकता।

क़ज़ाकंद (کزاکند، قزاکند) फा. पुं.–एक प्रकार का कोट जिसमें कच्चा रेशम लपेटा जाता है, जिससे उस पर तलवार असर नहीं करती।

क़ज़ाया (قضایا) अ. पुं.–'क़ज़ीयः' का बहु., हुक्म; ख़बरें; झगड़े।

क़ज़ारा (قضارا) अ. फा. वि.–अचानक, अनायास, सहसा, अकस्मात्, नागहाँ।

कजावः (کجاوه) फा. पुं.–ऊँट का हौदा जिसमें दोनों ओर अदमी बैठते हैं।

कज़ा व कज़ा (کزا و کزا) अ. अव्य.–ऐसे और ऐसे, यों और यों।

कज़िब (کزب) अ. वि.–झूठा, मिथ्याभाषी।

क़ज़िर (قزر) अ. वि.–अपवित्र, नापाक; मलिन, गंदा।

क़ज़िल (قزل) अ. वि.–लँगड़ा, पंगु।

कजी (کجی) फा. स्त्री–टेढ़ापन, वक्रता।

कजीन (کجین) तु. पुं.–घोड़े की पाखर।

क़ज़ीब (قضیب) अ. पुं.–पेड़ की डाली; शिश्न, मेहन, लिंग।

कज़ीम (کظیم) अ. वि.–क्रोध पी जानेवाला।

क़ज़ीम (قضیم) अ. पुं.–घोड़े को दिये जानेवाले जौ, क्रोध के समय क्रोध न करनेवाला, क्षमाशील।

कजीम (کجیم) तु. पुं.–दे. 'कज़ीन'।

क़ज़ीयः (قضیه) अ. पुं.–आदेश, हुक्म; झगड़ा, आपसी झगड़ा, व्यवहार, मुक़दमा।

क़ज़्ग़ान (قزغان) तु. स्त्री.–बड़ी डेगची; कड़ाही।

क़ज़्ज़ाक़ (قزاق) तु. पुं.–लुटेरा, डाकू, दस्यु।

क़ज़्ज़ाक़ी (قزاقی) तु. स्त्री.–लूटमार, डकैती।

कज़्ज़ाब (کزاب) अ. वि.–बहुत बड़ा झूठा, अनर्गलभाषी; गप्पी, वाचाल, मुखर।

क़ज़्फ़ (قزف) अ. पुं.–पत्थर मारना; गाली देना; किसी पर व्यभिचार या दुराचार का आरोप लगाना।

कज़्म (کزم) फा. पुं.–काई, जो पानी के किनारे हो जाती है।

कज़्म (کظم) अ. पुं.–गुस्सा पी जाना, क्रोध के समय क्रोध न करना।

कज़्लिक (کزلک) फा. पुं.–छोटा चाक़ू।

क़ज़्वीन (قزوین) फा. पुं.–इराक़ अजम का एक नगर।

क़त (قط) अ. पुं.–क़लम की नोक; क़लम की नोक बनाना।

क़तक़ (قتق) तु. पुं.–वह खटास जो आटे में मिलाते हैं।

कतख़ुदा (کت خدا) फा. वि.–विवाहित अथवा विवाहिता; गृहस्वामी, घरवाला, गृहस्थ।

कतख़ुदाई (کتخدائی) फ़ा. स्त्री.–विवाह, पाणिग्रहण, ब्याह, शादी।

क़तज़न (قطزن) अ. फा. पुं.–वह चीज़ जिस पर रखकर क़लम को क़त लगाते हैं।

क़तन (قطن) अ. पुं.–दोनों चूतड़ों के बीच की हड्डी; पक्षी की पूंछ की जड़।

क़तम (قطم) अ. पु.–कामातुरता, शह्वत का ज़ोर।

कतां (کتاں) फा. पुं.–अलसी, अलसी का बीज, अलसी के पेड़ के रेशे से बना हुआ कपड़ा।

क़ता (قطا) अ. पुं.–एक चिड़िया जो पत्थर खाती है।

क़ताइफ़ (قطائف) अ. पु.–'क़तीफ़:' का बहु., मखमल की चादरें, मख़मली कपड़े।

कताइब (کتائب) अ. पु.–'कतीबः' का बहु., सेनाएँ, फ़ौजें।

क़ताम (قتام) अ. पुं.–धूल-मिट्टी, गर्द-गुबार।

कताम (کتام) अ. पुं.–छिपना, गुप्त होना।

क़तार (قطار) अ. स्त्री.–शुद्ध शब्द 'क़ितार' है, परंतु उर्दू में 'क़तार' ही बोलते हैं, पंक्ति, पाँति, पंगत।

क़तार दर क़तार (قطار در قطار) अ. फा. वि.–बहुत-सी पंक्तियों में, पंक्तियाँ बनाकर; बहुत अधिक।

क़तारीक़ (قطاریق) अ. पुं.–युद्ध में सैनिकों का कोलाहल; कोलाहल, शोर-गुल।

कतिफ़ (کتف) अ. पुं.–कंधा, स्कंध, शाना।

क़तीअः (قطیعه) अ. पुं.–भेड़-बकरी या गाय-भैंसों का रेवड़।

क़तीअ (قطیع) अ. पु.–दे. 'क़तीअः'।

क़तीअत (قطیعت) अ. स्त्री.—जुदाई, विच्छेद; पृथक्ता, अलाहदगी; काटना।

क़तीन (قتین) अ.वि.—कम खानेवाला, पुरुष अथवा स्त्री।

क़तीफ़: (قطیفہ) अ. पु.—मखमल का कपड़ा।

कतीब: (کتیبہ) अ. पुं.—सेना, फ़ौज।

कतीब. (کتیب) अ. वि.—लिखित, लिखा हुआ।

कतीर: (کتیرہ) अ. पुं.—एक प्रसिद्ध गोंद जो दवा के काम आता है, और जिसका अधिक खाना नपुंसक बना देता है।

क़तील (قتیل) अ. वि.—जिसे मार डाला गया हो, पुरुष हो अथवा स्त्री, हत, वधित।

क़तूर (قطور) अ. पुं.—पतली दवा जो कान या नाक में टपकायी जाती है।

क़तूर (قتور) अ. वि.—बख़ील, कंजूस, कृपण।

क़त्अ: (قطعہ) अ. पुं.—खंड, टुकड़ा; ज़मीन का टुकड़ा, भूमिखंड; ता'दाद, मात्रा, जैसे—चार क़त्अ: कपड़े; उर्दू अथवा फ़ार्सी नज़्म की एक क़िस्म जिसमें ग़ज़ल की तरह क़ाफ़िए की पाबंदी होती है, और जिसमें कोई एक बात कही जाती है।

क़त्अ (قطع) अ. स्त्री.—काटना; पृथक् करना; विच्छेद; वेषभूषा, वज़्अ; प्रकार, रंग।

क़त्अन् (قطعاً) अ. वि.—कदापि, हरगिज़; नितांत, बिलकुल।

क़त्ई (قطعی) अ. वि.—कदापि, हरगिज़; नितांत, बिलकुल; अटल, मज़बूत; अंतिम, आख़िरी।

क़त्ईयत (قطعیت) अ. स्त्री.—अंतिमता, आख़िरीपन; अटलपन।

क़त्ए तअल्लुक़ (قطع تعلق) अ. पुं.—परस्पर मेल-मिलाप का ख़ातिमा, सम्बन्ध-विच्छेद; विवाह-विच्छेद, तलाक़, "क़तअ कीजिए न तअल्लुक़ हमसे, कुछ नहीं है तो अदावत ही सही।"—ग़ालिब।

क़त्तात (قتات) अ. वि.—निंदक, बदगो; पिशुन, चुगुल।

क़त्ताम: (قطامہ) अ. स्त्री.—वह स्त्री जिसमें काम-वासना अधिक हो; स्त्रियों के लिए एक गाली, 'छिनाल'।

क़त्ताल: (قتالہ) अ. स्त्री.—बहुत अधिक क़तल करनेवाली; प्रेयसी, प्रेमिका, माशूक़ा।

क़त्ताल (قتال) अ. वि.—बहुत अधिक क़तल करनेवाला, जल्लाद; प्रेमपात्र, माशूक़।

क़त्फ़ (قطف) अ. पुं.—फल आदि बीनना, मेवा चुनना।

कत्फ़ (کتف) अ. पुं.—कंधा, स्कन्ध; धीरे-धीरे चलना; दोनों हाथ पीछे बाँधना; कंधे का ऊँचा होना।

कत्ब: (کتبہ) अ. पुं.—वह पत्थर जो किसी इमारत या क़ब्र पर लगाया जाता है, और जिसमें मकान आदि बनने का विवरण या मरनेवाले का नाम और उसके मरने की तारीख़ आदि दी जाती है, शिलालेख, अंतर्लेख, अभिलेख।

कत्म (کتم) अ. पुं.—छिपाव, गुप्ति, पोशीदगी।

कत्मे अदम (کتم عدم) अ. पुं.—वह स्थान जहाँ जीवात्मा उत्पत्ति से पहले रहती है।

क़त्र: (قطرہ) अ. पुं.—बिंदु, बूँद।

क़त्र:ज़न (قطرہ زن) अ. फ़ा. वि.—बहुत शीघ्र चलने या दौड़नेवाला, शीघ्रगामी।

क़त्र:ज़ुन्द (قطرہ دزد) अ. फ़ा. पुं.—बादल, अभ्र; सूर्य, सूरज।

क़त्र (قطر) अ. पुं.—वर्षा, बारिश।

क़त्रए अश्क (قطرۂ اشک) अ. फ़ा. पुं.—आँसू की बूँद, अश्रुकण।

क़त्रए आब (قطرۂ آب) अ. फ़ा. पुं.—पानी की बूँद, जलकण।

क़त्ल (قتل) अ. पुं.—वध, हनन, हत्या, हिंसा, जान से मार डालना।

क़त्लगाह (قتل گاہ) अ. फ़ा. स्त्री.—क़त्ल करने का स्थान, वधस्थल, वधभूमि, वधगृह।

क़त्ला (قتلی) अ. पुं.—'क़तील' का बहु., क़तल होनेवाले।

क़त्ले अम्द (قتل عمد) अ. पुं.—जान-बूझकर हत्या, प्रयतित वध, वध करने के निश्चय से वध।

क़त्ले आम (قتل عام) अ. पुं.—सर्वसाधारण का वध, अपराधी अनपराधी छोटे-बड़े पुरुष स्त्री सब की सिर से हत्या।

कद: (کدہ) फ़ा. पुं.—घर, गृह, मकान, प्रत्यय रूप में—मदिरा+कद:=आलय (मदिरालय—मैख़ाना)।

कद (کد) फ़ा. पुं.—दे. 'कद:'।

क़द [द्द] (قد) अ. पुं.—डील, आकार, क़ामत।

कद [द्द] (کد) अ. स्त्री.—वैमनस्य, रंजिश; द्वेष, कीना; प्रयत्न, परिश्रम, कोशिश।

कदख़ुदा (کدخدا) फ़ा. वि.—दे. 'कतख़ुदा'।

कदख़ुदाई (کدخدائی) फ़ा. स्त्री.—दे. 'कत ख़ुदाई'।

क़दग़न (قد غن) तु. पुं.—मनाही का हुक्म, निषेधादेश; प्रतिबंध, रोक, मनाही।

क़दग़नची (قد غنچی) तु. पुं.—रोकनेवाला, मना करनेवाला, निषेधक, प्रतिबंधक।

कदबानू (کدبانو) फ़ा. स्त्री.—गृह-स्वामिनी, घर की मालिक; घर-गृहस्ती वाली स्त्री, महिला, ख़ातून।

क़दम (قدم) अ. पुं.—पद, पाँव, पैर; डग, एक क़दम की दूरी।

क़दम ब क़दम (قدم بقدم) अ. फ़ा. वि.—क़दम से क़दम मिलाकर, बराबर-बराबर, साथ-साथ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] (...) अ. फ़ा. स्त्री.—ठीक निशाना लगाना, निशाने का अचूक होना।

[illegible] (...) अ. पु.—[illegible]; शराब पीने का [illegible] [illegible] अ—क़—क़द्ह + [illegible] (... मधुशाला)।

[illegible] (...) अ. फ़ा. वि.—शराबी, मद्यप।

[illegible] (...) अ. फ़ा. वि.—दे. 'क़दहकश'।

[illegible] (...) अ. फ़ा. वि.—दे. 'क़दहकश'।

क़दामत (...) अ. स्त्री.—प्राचीनता, पुरातत्त्व, पुरातनपन (समय का)।

क़दामत परस्त (...) अ. फ़ा. वि.—जो पुरानी बातों को छोड़कर नयी बात ग्रहण न करे, रूढ़िवादी, प्राचीनतावादी।

क़दामत परस्ती (...) अ. फ़ा. स्त्री.—पुरानी बातों को छोड़कर नये सम्प्रदाय का ग्रहण न करना, 'रूढ़िवाद' प्राचीनतावाद।

क़दामत पसंद (...) अ. फ़ा. वि.—दे. 'क़दामत परस्त'।

क़दामत पसंदी (...) अ. फ़ा. स्त्री.—दे. 'क़दामत परस्ती'।

[illegible] (...) अ. वि.—मैला, गँदला, मलिन, मटीला।

[illegible] (...) अ. स्त्री.—कूटी-पीटी ज़मीन।

[illegible] (...) अ. पु.—सुखाया हुआ मांस जिसे पकाकर खाते हैं।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

क़दीर (...) अ. पु.—शक्तिमान, ताक़तवर; समर्थ, कुदरतवाला; सर्वशक्तिमान ईश्वर।

[illegible] (...) अ. पु.—[illegible]।

कदू (کدو) फ़ा. पु.—लौकी, तूँबी; लौकी का खोल जिसका पियाला आदि बनते हैं; पियाला।

क़दूअ (قدوع) अ. वि.—अधम, नीच, कमीना।

कदूए हज्जाम (کدوے حجام) अ. फ़ा. पु.—पछने लगानेवालों का पियाला जिससे वह ख़ून खींचते हैं, ख़ून खोलनेवाले नाई का प्याला।

कदूकश (کدوکش) फ़ा. पु.—लौकी आदि छीलने का यंत्र, कद्दूकश।

कदूद (کدود) अ. वि.—विपत्ति उठानेवाला व्यक्ति, (पु.) वह कुआँ जिसमें से पानी बड़ी कठिनता से निकले।

क़दूम (قدوم) अ. पुं.—बढ़इयों का बसूला; बार-बार आने आनेवाला व्यक्ति।

क़दूस (قدوس) अ. वि.—तलवार लेकर सामना करनेवाला व्यक्ति।

क़दूह (قدوح) अ. पुं.—वह कुआं जिसमें से हाथ से पानी निकाल लें, बहुत उथला कुआं।

कदेवर (کدیور) फ़ा. पुं.—किसान, कृषक; गृहस्वामी, घरवाला; गांव का मुखिया, पटेल।

क़दो क़ामत (قدو قامت) अ. पुं.—डील-डौल, "क़दो-क़ामत यार का समझा अँधेरी रात में, धोके-धोके में बहुत बोसे लिए शहतीर के।"

कदो काविश (کدو کاوش) फ़ा. स्त्री.—दौड़-धूप, भाग-दौड़, परिश्रम, मेहनत।

क़द्दावर (قدآور) अ. फ़ा. पुं.—लंबा-तड़ंगा, गिरांडील।

क़द्दे आदम (قد آدم) अ. वि.—मनुष्य की लंबाई के बराबर लंबा।

क़द्र (قدر) अ. स्त्री.—आदर, सत्कार, आवभगत; सम्मान, प्रतिष्ठा, इज़्ज़त; मूल्य, क़ीमत; गुण की परख।

क़द्रदाँ (قدرداں) अ. फ़ा. वि.—गुण की क़द्र (क़दर) पहचाननेवाला, गुण-ग्राहक, गुणज्ञ।

क़द्रदानी (قدردانی) अ.फा. स्त्री.–गुण की क़द्र पहचानना, गुण की परख।

क़द्रशनास (قدرشناس) अ.फा. वि.–दे. 'क़द्रदाँ'।

क़द्रशनासी (قدرشناسی) अ. फा. स्त्री.–दे. 'क़द्रदानी'।

क़द्रे (قدرے) फा. वि.–थोड़ा, ज़रा-सा, किसी क़दर, किंचित्, किंचन, किंचिन्मात्र।

क़द्‌ह (قدح) अ. स्त्री.–निंदा, हज़्व; तिरस्कार, अपमान, तहक़ीर।

कन (کن) फा. प्रत्य.–खोदनेवाला, जैसे–'कानकन', कान खोदनेवाला।

कनफ़ (کنف) अ. पुं.–किनारा; तरफ़, छोर; दिशा, जानिब, ओर; पनाह, रक्षा, त्राण।

कनब (کنب) अ. पुं.–चटाई बुनने की एक घास; काम की अधिकता से हाथों के छाले; हँसी में हाथा-पाई।

क़नवात (قنوات) अ. पुं.–'क़नात' का बहु., पटी हुई नालियाँ; भाले; पीठ के बाँसे (रीढ़) की हड्डियाँ।

क़नस (قنس) अ. पुं.–थोड़ी-सी क़।

क़नाअत (قناعت) अ. स्त्री.–थोड़ी-सी चीज़ पर संतोष, भाग्यतुष्टि।

क़नाअत गुज़ीं (قناعت گزین) अ. फा. वि.–जो कुछ मिल जाय उसी पर प्रसन्नता से जीवन व्यतीत करनेवाला, भाग्यतुष्ट।

क़नाअत शिआर (قناعت شعار) अ.वि.–दे. 'क़नाअत गुज़ीं'।

कनाइस (کنائس) अ. पुं.–'कनीसः' का बहु., ईसाइयों के गिरजे।

क़नात (قنات) अ. पुं.–पटी हुई नाली; भाला; रीढ़ की हड्डी।

क़नात (قنات) तु. स्त्री.–मोटे कपड़े का पर्दा जिसकी दीवार खड़ी की जाती है।

क़नादील (قنادیل) अ. स्त्री.–'क़िंदील' का बहु, क़िंदीलें।

कनानः (کنانہ) अ. वि.–पुराना, जीर्ण, कोह्नः।

कनान (کنان) अ. वि.–दे. 'कनानः'।

कनारः (کنارہ) फा. पुं.–तट, साहिल; छोर, सिरा; अंत, अख़ीर; एकान्त, गोशा।

कनारःकश (کنارہ کش) फा. वि.–पृथक्, अलग; निवृत्त, बेतअल्लुक़; एकांतवासी, गोशानशीन।

कनारःकशी (کنارہ کشی) फा. स्त्री.–पृथक्ता, अलहदगी; निवृत्ति, बेतअल्लुक़ी; एकांतवास, गोशानशीनी।

कनार (کنار) फा. पुं.–अंक, क्रोड़; गोद, किनारः, छोर; तट, साहिल।

कानदः (کنندہ) फा. वि.–खोदनेवाला।

कनिश (کنش) फा. स्त्री.–कीना, द्वेष; वैमनस्य, मनमुटाव।

कनीज़ (کنیز) फा. स्त्री.–दासी, सेविका, लौंडी, बाँदी।

कनीज़क (کنیزک) फा. स्त्री.–छोटी दासी।

कनीफ़ (کنیف) अ. पुं.–शौचगृह, पाख़ाना; तलगृह, तहख़ाना; स्नानागार, ग़ुस्लख़ाना।

कनीसः (کنیسہ) अ. पुं.–ईसाइयों का उपासना-गृह, गिरजा, दे. 'किनीसः'।

क़नीस (قنیص) अ. पुं.–शिकार, आखेट, मृगया।

क़नूत (قنوط) अ. वि.–निराश, हताश, नाउम्मीद।

कनूद (کنود) अ. वि.–कृतघ्न, अकृतज्ञ, एहसान फ़रामोश।

कन्आँ (کنعان) अ. पुं.–'कन्आन' का लघु., देखो।

कन्आन (کنعان) अ. पुं.–हज़रत यूसुफ़ की जन्मभूमि।

कन्आनी (کنعانی) अ. वि.–'कन्आन' का निवासी; 'कन्आन' से सम्बन्धित।

क़न्नाद (قناد) अ. पुं.–मिठाई बनानेवाला, हलवाई; शकर बनानेवाला।

क़न्नादख़ानः (قنادخانہ) अ.फा. पुं.–शकर का कारख़ाना; हलवाई की दुकान।

कन्नास (کناس) अ. पुं.–झाड़ू देनेवाला, मेहतर, भंगी; फाँसी देनेवाला, जल्लाद।

कन्फ़ (کنف) अ. पुं.–देख-रेख करना, निगरानी करना; सहायता करना; फिर जाना, पलट जाना।

क़न्फ़ज (قنفز) अ. स्त्री.–दे. शुद्ध शब्द 'क़ुन्फ़ुज़'।

कपंक (کپنک) अ. पुं.–कम्मल।

कपी (کپی) फा. पुं.–बंदर, शाखामृग, कपि, वानर।

कप्नक (کپنک) फा. पुं.–कम्मल, कम्बल।

कफ़ः (کفہ) फा. पुं.–अधकुटी बाल जिसमें दाने हों।

कफ़ (کف) फा. पुं.–फेन, झाग।

कफ़ [फ़्फ़] (کف) अ. पुं.–पंजा, हाथ का पंजा; हथेली, करतल; उर्दू छंद की परिभाषा में सात अक्षरवाले 'गण' का अंतिम अक्षर गिराकर 'फ़ाइलातुन्' से 'फ़ाइलातु' और 'मुफ़ाईलुन्' से 'मुफ़ाईलु' आदि बनाना—"पहचानिए तो, किसका यह नक़्शे–कफ़े–पा है, अक्सीर उठा लाया दुश्मन की गली से मैं।"—दाग़।

क़फ़ (قف) अ. स्त्री.–घास या तरकारी, जो सूखी हुई हो।

कफ़गीर (کفگیر) फा. स्त्री.–चमचा, डोई; एक प्रकार का छेददार चमचा।

कफ़चः (کفچہ) फा. पुं.–कफ़गीर, डोई; चमचा; साँप का फन।

कफ़चए मार (کفچۂ مار) फा. पुं.–साँप का फन, फण।

क़फ़द (قفد) अ. पुं.–पाँव की उँगलियों के बल चलना।

क़दमबाज़ (قدم باز) अ. फ़ा. वि.–तेज़ चलनेवाला, शीघ्रगति; 'क़दम चाल' चलनेवाला घोड़ा।

क़दमबोस (قدم بوس) अ. फ़ा. वि.–पाँव चूमनेवाला, पद-चुंबक।

क़दमबोसी (قدم بوسی) अ. फ़ा. स्त्री.–पाँव चूमना, पद-चुंबन; बड़े व्यक्ति की मुलाक़ात।

क़दमरंजः (قدم رنجه) अ. फ़ा. वि.–पदार्पण करनेवाला, आनेवाला, पधारनेवाला।

क़दमरंजगी (قدم رنجگی) अ. फ़ा. स्त्री.–पदार्पण, आना, तशरीफ़ लाना।

क़दर (قدر) अ. स्त्री.–आदेश, हुक्म; पराकाष्ठा, इंतिहा; अनुमान, अंदाजा; शक्ति, ताक़त; भाग्य, तक़्दीर।

कदर (کدر) अ. स्त्री.–अँधेरा, तीरगी; मलिनता, मैलापन।

कदर (کدر) फ़ा. पुं.–केवड़े का पेड़।

क़दरअंदाज़ (قدر انداز) अ. फ़ा. वि.–ठीक निशाना लगाने वाला, लक्ष्यभेदी, शीघ्रभेदी।

क़दरअंदाज़ी (قدر اندازی) अ. फ़ा. स्त्री.–ठीक निशाना लगाना, निशाने का अचूक होना।

क़दह (قدح) अ. पुं.–पियाला, चषक; शराब पीने का जाम, पान-पात्र, पेयपात्र, प्रत्यय रूप में—मै=मद्य+क़दह=प्याला, पात्र (मधुपात्र, मधुप्याला)।

क़दहकश (قدح کش) अ.फ़ा. वि.–शराबी, मद्यप।

क़दहख़्वार (قدح خوار) अ.फ़ा. वि.–दे. 'क़दहकश'।

क़दहनोश (قدح نوش) अ. फ़ा. वि.–दे. 'क़दहकश'।

क़दामत (قدامت) अ. स्त्री.–प्राचीनता, पुरातत्त्व, पुरानापन (समय का)।

क़दामत परस्त (قدامت پرست) अ.फ़ा. वि.–जो पुरानी बातों को छोड़कर नयी बातें ग्रहण न करे, रूढ़िवादी, प्राचीनतावादी।

क़दामत परस्ती (قدامت پرستی) अ. फ़ा. स्त्री.–पुरानी बातों को छोड़कर नये खयालात का ग्रहण न करना, 'रूढ़िवाद' प्राचीनतावाद।

क़दामत पसंद (قدامت پسند) अ.फ़ा. वि.–दे. 'क़दामत परस्त'।

क़दामत पसंदी (قدامت پسندی) अ. फ़ा. स्त्री.–दे. 'क़दामत परस्ती'।

कदिर (کدر) अ. वि.–मैला, गँदला, मलिन, मटीला।

कदीद (کدید) अ. स्त्री.–कूटी-पीटी ज़मीन।

क़दीद (قدید) अ. पुं.–सुखाया हुआ मांस जिसे पकाकर खाते हैं।

क़दीम (قدیم) अ. वि.–पुरातन, पुराना; जो आदि से हो, अनादि, बहुत दिनों का।

क़दीमानः (قدیمانه) अ. फ़ा. वि.–पुराने समय का; पुराना जैसा, क़दीमी।

क़दीमी (قدیمی) अ. वि.–पुराना, पुरातन; पुराने समय का।

कदीरः (کدیره) अ. वि.–मलिन, गदला, मटीला; गुप्त, पोशीदा।

क़दीर (قدیر) अ. पु.–शक्तिमान्, ताक़तवर; समर्थ, क़ुद्रतवाला; सर्वशक्तिमान् ईश्वर।

क़दीस (قدیس) अ. पुं.–मुक्ता, मोती।

कदू (کدو) फ़ा. पुं.–लौकी, तूँबी; लौकी का खोल, जिसका पियाला आदि बनाते हैं; पियाला।

क़दूअ (قدوع) अ. वि.–अधम, नीच, कमीना।

कदूए हज्जाम (کدوے حجام) अ. फ़ा. पुं.–पछने लगानेवालों का पियाला जिससे वह ख़ून खींचते हैं, फ़स्द खोलनेवाले नाई का प्याला।

कदूकश (کدوکش) फ़ा. पुं.–लौकी आदि छीलने का यंत्र, कद्दूकश।

कदूद (کدود) अ. वि.–विपत्ति उठानेवाला व्यक्ति, (पु.) वह कुआँ जिसमें से पानी बड़ी कठिनता से निकले।

क़दूम (قدوم) अ. पुं.–बढ़इयों का बसूला; बार-बार आगे आनेवाला व्यक्ति।

क़दूस (قدوس) अ. वि.–तलवार लेकर सामना करनेवाला व्यक्ति।

क़दूह (قدوح) अ. पुं.–वह कुआँ जिसमें से हाथ से पानी निकाल लें, बहुत उथला कुआँ।

कदेवर (کدیور) फ़ा. पुं.–किसान, कृषक; गृहस्वामी, घरवाला; गाँव का मुखिया, पटेल।

क़दो क़ामत (قدو قامت) अ. पुं.–डील-डौल, "क़दो-क़ामत यार का समझा अँधेरी रात में, धोके-धोके में बहुत बोसे लिए शहतीर के।"

कदो काविश (کدو کاوش) फ़ा. स्त्री.–दौड़-धूप, भाग-दौड़, परिश्रम, मेहनत।

क़द्दावर (قدآور) अ.फ़ा. पुं.–लंबा-तड़ंगा, गिरांडील।

क़द्दे आदम (قد آدم) अ. वि.–मनुष्य की लंबाई के बराबर लंबा।

क़द्र (قدر) अ. स्त्री.–आदर, सत्कार, आवभगत; सम्मान, प्रतिष्ठा, इज़्ज़त; मूल्य, क़ीमत; गुण की परख।

क़द्रदाँ (قدردان) अ. फ़ा. वि.–गुण की क़द्र (क़दर) पहचाननेवाला, गुण-ग्राहक, गुणज्ञ।

क़द्रदानी (قدردانی) अ.फा. स्त्री.—गुण की क़द्र पहचानना, गुण की परख।

क़द्रशनास (قدرشناس) अ.फा. वि.—दे. 'क़द्रदाँ'।

क़द्रशनासी (قدرشناسی) अ. फा. स्त्री.—दे. 'क़द्रदानी'।

क़द्रे (قدرے) फा. वि.—थोड़ा, ज़रा-सा, किसी क़दर, किंचित्, किंचन, किंचिन्मात्र।

क़द्ह (قدح) अ. स्त्री.—निंदा, हज्व; तिरस्कार, अपमान, तहक़ीर।

कन (کن) फा. प्रत्य.—खोदनेवाला, जैसे—'कानकन', कान खोदनेवाला।

कनफ़ (کنف) अ. पुं.—किनारा; तरफ़, छोर; दिशा, जानिब, ओर; पनाह, रक्षा, त्राण।

कनब (کنب) अ. पुं.—चटाई बुनने की एक घास; काम की अधिकता से हाथों के छाले; हँसी में हाथा-पाई।

क़नवात (قنوات) अ. पुं.—'क़नात' का बहु., पटी हुई नालियाँ; भाले; पीठ के बाँसे (रीढ़) की हड्डियाँ।

क़नस (قنس) अ. पुं.—थोड़ी-सी क़।

क़नाअत (قناعت) अ. स्त्री.—थोड़ी-सी चीज़ पर संतोष, भाग्यतुष्टि।

क़नाअत गुज़ीं (قناعت گزین) अ. फा. वि.—जो कुछ मिल जाय उसी पर प्रसन्नता से जीवन व्यतीत करनेवाला, भाग्यतुष्ट।

क़नाअत शिआर (قناعت شعار) अ.वि.—दे. 'क़नाअत गुज़ीं'।

कनाइस (کنائس) अ. पुं.—'कनीसः' का बहु., ईसाइयों के गिरजे।

क़नात (قنات) अ. पुं.—पटी हुई नाली; भाला; रीढ़ की हड्डी।

क़नात (قنات) तु. स्त्री.—मोटे कपड़े का पर्दा जिसकी दीवार खड़ी की जाती है।

क़नादील (قنادیل) अ. स्त्री.—'क़िंदील' का बहु, क़िंदीलें।

कनानः (کنانہ) अ. वि.—पुराना, जीर्ण, कोहनः।

कनान (کنان) अ. वि.—दे. 'कनानः'।

कनारः (کنارہ) फा. पुं.—तट, साहिल; छोर, सिरा; अंत, अख़ीर; एकान्त, गोशा।

कनारःकश (کنارہ‌کش) फा. वि.—पृथक्, अलग; निवृत्त, बेतअल्लुक़; एकांतवासी, गोशानशीन।

कनारःकशी (کنارہ‌کشی) फा. स्त्री.—पृथक्ता, अलहदगी; निवृत्ति, बेतअल्लुक़ी; एकांतवास, गोशानशीनी।

कनार (کنار) फा. पुं.—अंक, क्रोड़; गोद, किनारः, छोर; तट, साहिल।

कानदः (کنندہ) फा. वि.—खोदनेवाला।

कनिश (کنش) फा. स्त्री.—कीना, द्वेष; वैमनस्य, मनमुटाव।

कनीज़ (کنیز) फा. स्त्री.—दासी, सेविका, लौंडी, बाँदी।

कनीज़क (کنیزک) फा. स्त्री.—छोटी दासी।

कनीफ़ (کنیف) अ. पुं.—शौचगृह, पाख़ाना; तलगृह, तहख़ाना; स्नानागार, ग़ुस्लख़ाना।

कनीसः (کنیسہ) अ. पुं.—ईसाइयों का उपासना-गृह, गिरजा, दे. 'किनीसः'।

क़नीस (قنیص) अ. पुं.—शिकार, आखेट, मृगया।

क़नूत (قنوط) अ. वि.—निराश, हताश, नाउम्मीद।

कनूद (کنود) अ. वि.—कृतघ्न, अकृतज्ञ, एहसान फ़रामोश।

कन्आँ (کنعان) अ. पुं.—'कन्आन' का लघु., देखो।

कन्आन (کنعان) अ. पुं.—हज़रत यूसुफ़ की जन्मभूमि।

कन्आनी (کنعانی) अ. वि.—'कन्आन' का निवासी; 'कन्आन' से सम्बन्धित।

क़न्नाद (قناد) अ. पुं.—मिठाई बनानेवाला, हलवाई; शकर बनानेवाला।

क़न्नादख़ानः (قنادخانہ) अ.फा. पुं.—शकर का कारख़ाना; हलवाई की दुकान।

कन्नास (کناس) अ. पुं.—झाड़ू देनेवाला, मेहतर, भंगी; फाँसी देनेवाला, जल्लाद।

कन्फ़ (کنف) अ. पुं.—देख-रेख करना, निगरानी करना; सहायता करना; फिर जाना, पलट जाना।

क़न्फ़ज (قنفذ) अ. स्त्री.—दे. शुद्ध शब्द 'क़ुन्फ़ुज'।

कपंक (کپنک) अ. पुं.—कम्मल।

कपी (کپی) फा. पुं.—बंदर, शाखामृग, कपि, वानर।

कप्नक (کپنک) फा. पुं.—कम्मल, कम्बल।

कफ़ः (کفہ) फा. पुं.—अधकुटी बाल जिसमें दाने हों।

कफ़ (کف) फा. पुं.—फेन, झाग।

कफ़ [फ़फ़] (کف) अ. पुं.—पंजा, हाथ का पंजा; हथेली, करतल; उर्दू छंद की परिभाषा में सात अक्षरवाले 'गण' का अंतिम अक्षर गिराकर 'फ़ाइलातुन्' से 'फ़ाइलातु' और 'मुफ़ाईलुन्' से 'मुफ़ाईलु' आदि बनाना—"पहचानिए तो, किसका यह नक़्शे—कफ़े—पा है, अक्सीर उठा लाया दुश्मन की गली से मैं।"—दाग़।

क़फ़ (قف) अ. स्त्री.—घास या तरकारी, जो सूखी हुई हो।

कफ़गीर (کفگیر) फा. स्त्री.—चमचा, डोई; एक प्रकार का छेददार चमचा।

कफ़चः (کفچہ) फा. पुं.—कफ़गीर, डोई; चमचा; साँप का फन।

कफ़चए मार (کفچۂ مار) फा. पुं.—साँप का फन, फण।

क़फ़द (قفد) अ. पुं.—पाँव की उँगलियों के बल चलना।

कफ़न (كفن) अ. पु.–मुर्दे को दिया जानेवाला कपड़ा, मृतचैल, मृतावरकवस्त्र।

कफ़न दुज़्द (كفن دزد) अ. फा. वि.–ऐसा धूर्त चोर जो मुर्दे का कफ़न भी न छोड़े, बहुत ही बेईमान; क़ब्र से कफ़न निकालकर उससे अपना खर्च चलानेवाला।

कफ़रः (كفره) अ. पुं.–'काफ़िर' का बहु., काफ़िर लोग।

क़फ़र (قفر) अ. पुं.–धन का कम होना; शरीर में मांस का कम होना।

कफ़ल (كفل) अ. पुं.–उपस्थ, नितंब, चूतड़।

क़फ़स (قفس , قفص) अ. पुं.–पिंजड़ा, वितंस; कारागार, क़ैदख़ाना।

क़फ़सआश्ना (قفس آشنا) अ. फा. वि.–जिसे पिंजड़े में रहने का अभ्यास हो; जो कारागार में रह चुका हो।

क़फ़से उंसुरी (قفس عنصری) अ. पुं.–पंचभूत रूपी पिंजड़ा, या पिंजड़ा रूपी पंचभूत, मनुष्य का शरीर, प्राणी का शरीर।

कफ़ा (كفا) अ. पुं.–सिर के बल गिरना, औंधा गिरना; फिराना, लौटाना।

क़फ़ा (قفا) अ. पुं.–गुद्दी, सिर के पीछे का भाग।

कफ़ाफ़ (كفاف) अ. पुं.–अनुमान, अंदाज़ा; प्रतिदिन की जीविका जो गुज़र भर की हो।

क़फ़ार (قفار) अ. पुं.–बे सालन की रोटी; बिना हरियाली की भूमि।

कफ़ालत (كفالت) अ. स्त्री.–प्रतिभूति, ज़मानत; भरण-पोषण, परवरिश।

कफ़ालतनामः (كفالت نامه) अ. फा. पुं.–प्रतिभूतिपत्र, ज़मानतनामा।

क़फ़ाहीर (قفاهير) फ़ा. पुं.–सुंदर और प्रियदर्शन मुख।

कफ़ीदः (كفيده) फा. वि.–फटा हुआ, तड़का हुआ, विदीर्ण।

क़फ़ीफ़ (قفيف) अ. पुं.–सूखी हुई घास।

क़फ़ीर (قفير) अ. पुं.–एक सौ चवालीस शर्ईगज़ भूमि; छियानवे रतल का पैमाना।

कफ़ील (كفيل) अ. वि.–प्रतिभू, ज़ामिन; पोषक, परवरिश कुनिंदः।

कफ़ूर (كفور) अ. वि.–कृतघ्न, अकृतज्ञ, नाशुक्रा।

कफ़े दस्त (كف دست) फ़ा. पुं.–हथेली, करतल।

कफ़े पा (كف پا) फा. पुं.–तलवा, पदतल।

कफ़े मार (كف مار) फा. पुं.–साँप का फन।

क़फ़्क़ाज़ (قفقاز) फा. पुं.–काकेशिया, यूरोपीय रूस का प्रदेश।

कफ़्तः (كفته) फा. वि.–फटा हुआ, विदीर्ण।

कफ़्तार (كفتار) फा. पुं.–बिज्जू, बिल्ली के बराबर एक काला जंतु जो मृत मनुष्य का मांस खाता है।

क़फ़्फ़ाफ़ (قفاف) अ. पुं.–चाँदी-सोना।

कफ़्फ़ारः (كفاره) अ. पुं.–किसी पाप से शुद्धि के लिए किया जानेवाला कृत्य, प्रायश्चित्त।

क़फ़्फ़ाल (قفال) अ. वि.–क़ुफ़ुल बनानेवाला, ताला बनानेवाला।

कफ़्फ़ुल ख़ज़ीब (كف الخضيب) अ. पुं.–एक तारा।

कफ़्फ़े ख़ज़ीब (كف خضيب) अ. पुं.–रँगा हुआ हाथ।

कफ़्र (كفر) अ. पुं.–छिपाना, गोपन; बड़ा पियाला।

कफ़्श (كفش) फा. स्त्री. जूता, पादुका, पदत्राण।

कफ़्शकार (كفش کار) फा. वि.–जूते बनानेवाला; जूते मारनेवाला, कफ़्शकारी करनेवाला।

कफ़्शकारी (كفش کاری) फा. स्त्री.–जूते बनाने का काम; जूते मारने का काम, जूतेबाज़ी।

कफ़्शदोज़ (كفش دوز) फा. वि.–जूते गाँठनेवाला, मोची।

कफ़्शदोज़ी (كفش دوزی) फा. स्त्री.–जूते गाँठने का काम।

कफ़्सबरदार (كفش بردار) फा. वि.–जूते उठानेवाला; बहुत बड़ा भक्त, बहुत बड़ा श्रद्धावान्।

कफ़्शबरदारी (كفش برداری) फा. स्त्री.–जूते उठाना; भक्ति, श्रद्धा।

क़बक़ (قبق) तु. पुं.–लौकी, कद्दू।

क़बक़अंदाज़ (قبق انداز) तु. फा. वि.–बहुत अच्छा निशानेबाज, लक्ष्यभेदी, निशानची, निशाना लगानेवाला।

क़बक़अंदाज़ी (قبق اندازی) तु. फा. स्त्री.–अच्छा निशाना लगाना, निशानावाज़ी, क़दर अंदाज़ी।

क़बक़अफ़्गन (قبق افگن) तु. फा. वि.–दे. 'क़बक़ अंदाज'।

क़बक़अफ़्गनी (قبق افگنی) तु. फा. स्त्री.–दे. 'क़बक़ अंदाज़ी'।

कबद (كبد) अ. स्त्री. कठोरता, सख़्ती, कठिनाई।

क़बज़ (قبض) अ. पुं.–पेट की ऐंठन और पीड़ा, 'क़ब्ज़' भी प्रचलित।

क़बब (قبب) अ. वि.–पतली कमरवाला, कृशोदर, कृशकटि।

क़बस (قبس) अ. पुं.–अंगारा, अग्निखंड, दहकता हुआ कोयला।

कबस (كبس) अ. पुं.–गढ़े में मुँह के बल गिरना।

क़बा (قبا) अ. स्त्री.–दोहरा लंबा अँगरखा, चोग़ा, गाउन।

कबाइर (كبائر) अ. पुं.–'कबीरः' का बहु., बड़े-बड़े पाप, महापातक।

क़बाइल (قبائل) अ. पुं.—'क़बील:' का बहु., क़बीले, कुटुंब, जरगे।

क़बाइली (قبائلی) अ. वि.—सरहदी, अफ़ग़ानिस्तान की सरहद के निवासी।

क़बाएह (قبائح) अ. पुं.—'क़बीह:' का बहु., बुराइयाँ, ख़राबियाँ।

क़बाचा (قباچا) फ़ा. पुं.—छोटी क़बा।

कबाद: (کباده) फ़ा. पुं.—बहुत नरम धनुष; लेज़ुम, जिसे पहलवान हिलाते हैं।

क़बादोज़ (قبادوز) अ. फ़ा. वि.—क़बा सीनेवाला, दर्ज़ी।

कबाब: (کبابه) अ. पुं.—एक प्रसिद्ध बीज, तोमर के बीज।

कबाब (کباب) अ. पुं.—क़ीमे की तली हुई टिकियाँ अथवा सीख़ पर सेंकी हुई नलियाँ।

कबाबचीनी (کباب‌چینی) फ़ा. स्त्री.—एक प्रसिद्ध बीज, शीतलचीनी।

क़बाल: (قباله) अ. पुं.—ज़मानत करना; घर की बिक्री की दस्तावेज़; बिक्री का काग़ज़।

क़बाल:नवीस (قباله‌نویس) अ. फ़ा. वि.—क़बाला लिखनेवाला, दस्तावेज़ें लिखनेवाला।

क़बाल:नवीसी (قباله‌نویسی) अ. फ़ा. स्त्री.—क़बाले और दस्तावेज़ें लिखने का पेशा।

क़बाह (قباح) अ. पुं.—निकृष्ट होना, ख़राब होना, बुरा होना।

क़बाहत (قباحت) अ. स्त्री.—बुराई, ख़राबी, अनिष्ट, आपत्ति; कठिनता, मुश्किल; बाधा, ख़लल।

कबिद (کبد) अ. पुं.—जिगर, कलेजा, यकृत्।

क़बीज़ (قبیض) अ. वि.—बहुत तेज़ चलनेवाला, शीघ्रगामी।

कबीद: (کبیده) फ़ा. वि.—दुःखित, पीड़ित, रंजीदा; मलिन, खिन्न, अफ़सुर्द:।

कबीद:ख़ातिर (کبیده‌خاطر) फ़ा. अ. वि.—मलिनचित्त, खिन्नमनस्क, अप्रसन्न, नाख़ुश, अफ़सुर्द:।

कबीदगी (کبیدگی) फ़ा. स्त्री.—मलिनता, अफ़सुर्दगी, अप्रसन्नता, नाराज़ी।

कबीब (کبیب) अ. वि.—औंधे मुँह पड़ा हुआ; सिर के बल गिरा हुआ, अधोमुख।

कबीर: (کبیره) अ. पुं.—बड़ी स्त्री; बड़ा पाप, महापातक।

कबीर (کبیر) अ. वि.—बड़ा, महान्; श्रेष्ठ, उत्तम, आ'ला।

क़बील: (قبیله) अ. पुं.—वंश, गोत्र, ख़ानदान; एक दल के आदमी।

क़बील (قبیل) अ. पुं.—क़बूल करनेवाला; दल, समुदाय, गिरोह।

कबीस: (کبیسه) अ. पुं.—कुआँ या नदी जो मट्टी से पट गयी हो; सिर झुकाये हुए, परीशान; मलमास, लौंद का महीना।

क़बीह (قبیح) अ. वि.—निकृष्ट, ख़राब; दूषित, बुरा; अप्रियदर्शन, बदनुमा।

क़बीहसूरत (قبیح صورت) अ. वि.—बुरी सूरत वाला, कुरूप, कदाकार।

क़बुर्ग़: (قبرغه) तु. पुं.—पार्श्व, पहलू, बग़ल; पार्श्वास्थि, पहलू की हड्डी।

कबूतर (کبوتر) फ़ा. पुं.—एक प्रसिद्ध चिड़िया, कपोत, पारावत।

कबूतरख़ान: (کبوترخانه) फ़ा. पुं.—कबूतरों के रहने का कावुक; ऐसा स्थान जहाँ लोग आते-जाते रहते हों।

कबूतरदम (کبوتردم) फ़ा. पुं.—लंबा चुंबन, ख़ूब खींचकर लिया हुआ बोसा।

कबूतरपरपा (کبوتر پرپا) फ़ा. पुं.—एक प्रकार का कबूतर जिसके पाँव में पर होते हैं और वह अच्छी तरह उड़ नहीं सकता।

कबूतरबाज़ (کبوترباز) फ़ा. वि.—कबूतर उड़ानेवाला, कबूतर पालनेवाला।

कबूतरबाज़ी (کبوتربازی) फ़ा. स्त्री.—कबूतर उड़ाने और पालने का काम, कपोत-क्रीडा।

कबूद (کبود) फ़ा. पुं.—हलका नीला रंग; हलके नीले रंग का।

कबूदी (کبودی) फ़ा. वि.—नीले रंगवाला।

क़बूल (قبول) अ. वि.—स्वीकृत, मंज़ूर; स्वीकृति, मंज़ूरी, सवेरे की ठंडी हवा।

क़बूलसूरत (قبول‌صورت) अ. वि.—प्रियदर्शन; जिसकी शक्ल अच्छी हो, सुंदर, हसीन, लावण्यानन, सुमुख, निर्दोषरूप।

क़बूली (قبولی) अ. स्त्री.—चने की दाल का पुलाव या खिचड़ी।

क़बूलीयत (قبولیت) अ. स्त्री.—स्वीकृति, अंगीकार, मंज़ूरी; मकानदार या ज़मींदार की तरफ़ से पट्टे या किराये की तसदीक़ की तहरीर।

क़बूह (قبوح) अ. वि.—निकृष्ट, ख़राब, बुरा।

कब्क (کبک) फ़ा. पुं.—एक प्रसिद्ध पक्षी जो चाँद का प्रेमी है, चकोर।

क़ब्क़ब (قبقب) अ. पुं.—पेट, जठर, उदर।

क़ब्क़ाब (قبقاب) अ. पुं.—लकड़ी का खड़ाऊँ, चट्टी; झूठ बोलना; स्त्री की भग जो बहुत बड़ी हो।

कब्के दरी (کبک دری) फ़ा. पुं.—पहाड़ी चकोर, जिसकी चाल बड़ी सुंदर होती है।

क़ब्ज़: (قبضه) अ. पुं.—अधिकार, इख़्तियार; बश, क़ाबू; मूठ, दस्ता; पकड़, गिरिफ़्त।

क़ब्ज (قبج) अ. पुं.—दे. 'कब्क'।

क़ब्ज (قبض) अ. पुं.—बदहजमी, कोष्ठबद्धता; सिकुड़न, खिंचाव; पकड़, गिरिफ़्त; आनाह, अजीर्ण।

क़ब्ज़ाए क़ुद्रत (قبضۂ قدرت) अ. पुं.—दैव शक्ति, ख़ुदाई कुव्वत; अधिकार, क़ाबू, इख़्तियार (अख़्तियार)।

क़ब्ज़ुल वुसूल (قبض الوصول) अ. पुं.—प्राप्तिपत्र, रसीद, वसूलयाबी का सूचक अधिकारपत्र।

क़ब्ज़े रूह (قبض روح) अ. स्त्री.—शरीर से प्राणों का निकलना।

कब्त (كبت) अ. पुं.—अपमानित करना, तिरस्कृत करना।

कब्द (كبد) अ. पुं.—जिगर, यकृत्, दे. 'कबिद', वही अधिक बोला जाता है।

क़ब्बान (قبان) अ. पुं.—एक पल्ले की तराज़ू; बड़ी तराज़ू, तक।

क़ब्र (قبر) अ. स्त्री.—वह गर्त जिसमें मुसलमानों के शव गाड़े जाते हैं, गोर, समाधि-भवन।

क़ब्रपरस्त (قبر پرست) अ. फा. वि.—मुसलमान महात्माओं की क़ब्र पर फूल चढ़ाने, दीप जलाने, सफाई करने और चादर आदि चढ़ानेवाला।

क़ब्रिस्तान (قبرستان) अ. फा. पुं.—जहाँ बहुत सी क़ब्रें हों, जहाँ मुर्दे गाड़े जाते हों, समाधि-क्षेत्र।

क़ब्ल (قبل) अ. वि.—पूर्व, पहले।

क़ब्ल अज़ वक़्त (قبل از وقت) अ. फा. वि.—समय से पहले, नियत समय से पूर्व।

क़ब्लअज़ीं (قبل ازیں) अ. फा. वि.—इससे पहले, अब से पहले, तत्पूर्व।

क़ब्ललवुक़ूअ (قبل الوقوع) अ. वि.—घटना से पहले, वाक़ए से पहले।

कब्श (كبش) अ. पुं.—मेंढ़ा, सींगोंवाली नर भेड़।

कब्स (كبس) अ. पुं.—कुएँ को मिट्टी से पाटना; गर्दन नीचे लटकाना; शबख़ून मारना, रात में आक्रमण करना।

कमंद (كمند) फा. स्त्री.—फंदा, पाश; एक लम्बी रस्सी जिसके एक सिरे पर गोह बँधी रहती थी, उसके द्वारा ऊँची-ऊँची दीवारों पर चढ़ा जा सकता था, गोह जहाँ चिपक जाती है फिर कितना ही ज़ोर किया जाय वहाँ से नहीं छूटती, "क़िस्मत की देखो ख़ूबी टूटी कहाँ कमंद—दो-चार हाथ जब कि लबे-बाम रह गया।"

कमंद अंदाज़ (كمند انداز) फा. वि.—कमंद फेंकनेवाला।

कमंदे ज़ुल्फ़ (كمند زلف) फा. स्त्री.—बालों की कमंद, केश-पाश।

कम (كم) फा. वि.—अल्प, न्यून, थोड़ा; हीन, विहीन, बिना।

कम (كم) अ. वि.—कितने, कितना; बहुत, अधिक।

कमअक़्ल (كم عقل) अ. वि.—बेवक़ूफ़, नासमझ, अल्पधी।

कम अज़ कम (كم از كم) फा. वि.—कम से कम, अधिक न हो तो इतना अवश्य।

कमअस्ल (كم اصل) फा. अ. वि.—अकुलीन, बदनस्ल; अधम, पामर, नीच।

कमआज़ार (كم آزار) फा. वि.—जो अधिक न सताये, कम दुःख देनेवाला।

कमआमेज़ (كم آميز) फा. वि.—जो लोगों से मिलने-जुलने में कतराता हो, जिसे मनुष्यों की संगत पसंद न हो, "रिज़र्व्ड नेचर"।

कमइख़्तिलात (كم اختلاط) फा. वि.—दे. 'कम आमेज़'।

कमइयार (كم عيار) फा. अ. वि.—वह सोना या चाँदी जो कसौटी पर खरा न उतरे; खराब व्यक्ति।

कमइल्म (كم علم) फा. अ. वि.—जिसे विद्या सम्बन्धी ज्ञान कम हो, कम पढ़ा-लिखा, अल्पविद्य।

कमउम्र (كم عمر) फा. अ. वि.—छोटी आयुवाला, वयोबाल, अल्पवयस्क, कमसिन।

कमउम्री (كم عمرى) फा. अ. स्त्री.—कमसिनी, बाल्यावस्था, अल्पवय।

कमऔक़ात (كم اوقات) फा. अ. वि.—तिरस्कृत, अनादृत, बेक़द्र।

कमक़द्र (كم قدر) फा. अ. वि.—दे. 'कम औक़ात'।

कमकम (كم كم) फा. वि.—थोड़ा-थोड़ा।

कमक़ीमत (كم قيمت) फा. अ. वि.—थोड़े मूल्यवाला, सस्ता, अल्प मूल्य।

कमख़र्च (كم خرچ) फा. वि.—थोड़ा खर्च करनेवाला, अल्प-व्ययी, मितव्ययी।

कमख़र्ची (كم خرچى) फा. स्त्री.—थोड़ा खर्च करना, किफ़ायत-शिआरी बरतना, मितव्यय।

कमख़ाब (كمخاب) फा. पुं.—एक प्रकार का बहुमूल्य कपड़ा।

कमख़ोर (كم خور) फा. वि.—कम खानेवाला, मिताहारी, मितभोजी, स्वल्पाहारी।

कमख़ोरी (كم خورى) फा. स्त्री.—कम खाना, मिताहार।

कमख़्वाब (كم خواب) फा. वि.—कम सोनेवाला, मितस्वापी।

कमगो (كم گو) फा. वि.—कम बोलनेवाला, कम बातें करनेवाला, मितभाषी।

क़मची (قمچى) तु. स्त्री.—कोड़ा, चाबुक, प्रतोद; पतली छड़ी, साँटी।

कमज़न (كم زن) फा. वि.—कम हिम्मतवाला, अल्पसाहसी।

कमज़र्फ़ (كم ظرف) फा. अ. वि.—ओछा, तुच्छ, कमीना; अनुदार, तंग नज़र।

कमज़र्फ़ी (کم ظرفی) फा. अ. स्त्री.—ओछापन; अनुदारता।
कमज़ोर (کمزور) फा. वि.—दुर्बल, नाताक़त, अशक्त।
कमज़ोरी (کم زوری) फा. स्त्री.—दुर्बलता, नाताक़ती, अशक्ति।
कमतर (کمتر) फा. वि.—बहुत कम, न्यूनतर।
कमतरीन (کمترین) फा. वि.—बहुत ही कम, न्यूनतम, इस शब्द का प्रयोग बोलनेवाला नम्रता दिखाने को अपने लिए भी करता है।
कमतवज्जुही (کم توجہی) फा. अ. स्त्री.—रूखापन, दुःशीलता, उपेक्षा।
कमतालिई (کم طالعی) फा. अ. स्त्री.—भाग्य की खराबी, अभागापन।
कमनसीब (کم نصیب) फा. अ. वि.—बदक़िस्मत, हतभाग्य, मंदभाग्य।
कमनसीबी (کم نصیبی) फा. अ. स्त्री.—क़िस्मत की खराबी, भाग्यहीनता।
कमनिगही (کم نگہی) फा. स्त्री.—उपेक्षा, रूखापन; कृपणता, कंजूसी।
कमनिगाही (کم نگاھی) फा. स्त्री.—दे. 'कमनिगही'।
कमपायः (کم پایہ) फा. वि.—जो पदवी और सम्मान में कम हो।
कमपायगी (کم پایگی) फा. स्त्री.—पदवी और मतंबे में कम होना।
कमफ़ह्म (کم فہم) फा. अ. वि.—नासमझ, अल्पबुद्धि, बेअक़्ल, मूर्ख।
कमफ़ह्मी (کم فہمی) फा. अ. स्त्री.—समझ की कमी, बेअक़्ली, मूर्खता।
कमफ़ुर्सत (کم فرصت) फा. अ. वि.—जिसे काम की अधिकता से छुट्टी न मिले, अवकाशहीन।
कमफ़ुर्सती (کم فرصتی) फा. अ. स्त्री.—छुट्टी न होना, अवकाशहीनता।
कमबख़्त (کم بخت) फा. वि.—बदक़िस्मत, हतभाग्य, शामत का मारा।
कमबख़्ती (کم بختی) फा. स्त्री.—भाग्य की खराबी, हतभाग्यता, अभागापन; शामत।
कमबीं (کم بیں) फा. वि.—कम देखनेवाला, अल्पदृष्टि; अनुदार, तंगनज़र; अदूरदर्शी, आक़िब्त ना अंदेश।
कमबीनी (کم بینی) फा. स्त्री.—कम देखना, दृष्टि की खराबी; अनुदारता, तंगनज़री; अदूरदर्शिता, आक़िब्त नाअंदेशी।
कममश्क़ (کم مشق) फा. अ. वि.—जिसे किसी काम का अभ्यास कम हो, नवाभ्यस्त, नौसिखिया।
कममश्क़ी (کم مشقی) फा. स्त्री.—नवाभ्यास, नौसिखियापन।

कममायः (کم مایہ) फा. वि.—थोड़ी पूंजीवाला, टुटपुंजिया; तुच्छ, नीच, कमीना।
कममायगी (کم مایگی) फा. स्त्री.—पूंजी की कमी; नीचता, कमीनगी।
कमयाब (کم یاب) फा. वि.—जो बहुत कम मिल सके, दुष्प्राप्य; जो बिलकुल न मिल सके, अप्राप्य।
कमयाबी (کم یابی) फा. स्त्री.—किसी वस्तु का अभाव, कम मिलना अथवा बिलकुल न मिलना।
कमर (کمر) फा. स्त्री.—कटि, लंक, मध्यदेश।
क़मर (قمر) अ. पुं.—चाँद, चन्द्र, चंद्रमा, शशि, राकेश।
क़मर तल्अत (قمر طلعت) अ. वि.—चाँद-जैसी प्रभा वाला या वाली, चन्द्रप्रभ, चन्द्रकान्त, चन्द्रप्रभा, चन्द्रकान्ता।
क़मर दर अक़्रब (قمر در عقرب) अ. फा. वि.—चंद्रमा का वृश्चिक राशि में होना, जो अत्यन्त अशुभ माना जाता है।
क़मर पैकर (قمر پیکر) अ. फा. वि.—चाँद जैसे शरीरवाला या वाली, चंद्रांग, चंद्रांगना।
कमरबंद (کمر بند) फा. पुं.—पाजामे आदि की डोरी, नाड़ा, इज़ारबंद, नीवी, (वि.) जो किसी काम के लिए कील-काँटे से लैस हो।
कमरबंदी (کمر بندی) फा. स्त्री.—किसी काम के लिए तैयारी, पुलिस आदि के सिपाहियों की कहीं दबिश या आक्रमण के लिए वर्दी और हथियार आदि से दुरुस्त होकर कूच की तैयारी।
कमरबस्तः (کمر بستہ) फा. वि.—कमर बाँधे हुए, तैयार, कटिबद्ध, बद्धपरिकर।
कमरशिकस्तः (کمر شکستہ) फा. वि.—जिसकी कमर टूट गयी हो, जिसका सहारा छिन गया हो।
कमरसी (کم رسی) फा. स्त्री.—कमइल्मी, कम पढ़ा-लिखा होना, विद्वत्ता का अभाव।
क़मरी (قمری) अ. वि.—चाँद से सम्बन्ध रखनेवाला; चन्द्रमास, हिंदी या इस्लामी महीना जो चाँद के हिसाब से होता है, चान्द्रमास।
कमरू (کم رو) फा. वि.—बदसूरत, बुरी शक्लवाला, कुरूप; जो किसी बड़े पद पर न जँचे।
कमरे कोह (کمر کوہ) फा. स्त्री.—पहाड़ का मध्य; पहाड़ की गुफ़ा।
क़मरैन (قمرین) अ. पुं.—चाँद और सूरज, चन्द्र-सूर्य।
क़मल (قمل) अ. पुं.—जूँ पड़ना, कपड़ों या बालों में जुएँ हो जाना; पेट का बड़ा हो जाना।
कमसंज (کم سنج) फा. वि.—कम तोलनेवाला, डंडी मारनेवाला।

कमसंजी (کم سنجی) फा. स्त्री.–कम तोलना, डंडी मारना, तुलाकूट।

कमसिन (کم سن) फा. अ. वि.–कम आयुवाला, छोटी उम्र का, अल्पवयस्क; अवयस्क, नाबालिग़।

कमसिनी (کم سنی) फा. अ. स्त्री.–कमउम्री, बाल्यावस्था, अल्पवय; नाबालिग़ी, अवयस्कता।

कमसुख़न (کم سخن) फा. वि.–जो बातचीत कम करे, मितभाषी, अल्पवादी, कम बोलनेवाला।

कमसुख़नी (کم سخنی) फा. स्त्री.–कम बोलना, कम बातें करना, मितभाषण।

कमहिम्मत (کم همت) फा. अ. वि.–जिसमें साहस की कमी हो, अल्पोत्साह, अल्पसाहसी।

कमहिम्मती (کم همتی) फा. अ. स्त्री.–साहस और हिम्मत की कमी, साहसाभाव।

कमहैसियत (کم حیثیت) फा. अ. वि.–बेक़द्र, अनादृत, अप्रतिष्ठित; जिसकी आर्थिक दशा अच्छी न हो; अकुलीन, बदनस्ल।

कमहौसलः (کم حوصله) फा. अ. वि.–दे. 'कमहिम्मत'।

कमहौसलगी (کم حوصلگی) फा. अ. स्त्री.–दे. 'कमहिम्मती'।

क़महुवः (قمحدوه) अ. पुं.–खोपड़ी का पिछला भाग, गुद्दी।

कमाँ (کماں) फा. स्त्री.–'कमान' का लघु., दे. 'कमान'।

कमाँअंदाज़ (کماں انداز) फा. वि.–तीरंदाज़, धनुर्धर।

कमाँअब्रू (کماں ابرو) फा. वि.–जिसकी भौंहें धनुष की तरह टेढ़ी और सुन्दर हों, अंचितभ्रू; प्रेमिका, प्रेयसी, मा'शूक़ा।

कमाँकश (کماں کش) फा. वि.–धनुर्धर, तीरअंदाज़।

कमाँगर (کماں گر) फा. वि.–धनुष बनानेवाला, धनुष्कार।

कमाँगीर (کماں گیر) फा. वि.–धनुर्धर, तीरंदाज़।

कमाँगुरोहः (کماں گروهه) फा. स्त्री.–गुलेल, जिसमें ग़ुल्ला चलाते हैं।

कमाँजोलः (کماں جوله) फा. पुं.–गले में पहना जानेवाला चमड़े का तस्मा जिसमें कमान लटकायी जाती है, कमाँदान, क़र्बान।

कमाँदार (کماں دار) फा. वि.–धनुर्धर, तीर चलानेवाला।

कमाँपुश्त (کماں پشت) फा. वि.–कुबड़ा, कुब्ज।

कमाँबदस्त (کماں بدست) फा. वि.–हाथ में कमान लिये हुए, धनुष्पाणि।

कमाँबरदार (کماں بردار) फा. वि.–धनुष लेकर चलनेवाला, धनुर्धर, तीरअंदाज़।

कमात (کمات) अ. पुं.–कुकुरमुत्ता, बरसात में पैदा होनेवाली खुंबी।

कमानः (کمانه) फा. पुं.–बढ़इयों की कमान, जिससे वह बर्मा चलाते हैं।

कमान (کمان) फा. स्त्री.–धनुष, धनु, धन्व, धन्वा, तीर चलाने का यंत्र, क़ौस।

कमानचः (کمانچه) फा. पुं.–छोटी कमान, धनुही, धनुक।

कमानी (کمانی) फा. स्त्री.–कमान की तरह झुकी हुई चीज़ अथवा पुर्ज़ा।

कमाने शैताँ (کمان شیطاں) फा. स्त्री.–इंद्रधनुष, धनक, क़ौसे क़ुज़ह।

कमामंबग़ी (کماینبغی) अ. वि.–जैसा चाहिए वैसा, यथेष्ट, यथोचित।

क़मारी (قماری) अ. स्त्री.–'क़ुम्री' का बहु., क़ुम्रियाँ।

कमाल (کمال) अ. पुं.–गुण, ख़ूबी; कला, फ़न; शिल्प, दस्तकारी; विद्वत्ता, क़ाबिलीयत; पूर्णता, पूरापन; चालाकी, धूर्तता; अधिक, बहुत।

कमालात (کمالات) अ. पुं.–'कमाल' का बहु., बहुत-से गुण, बहुत-सी ख़ूबियाँ, बहुत-से हुनर।

कमाले फ़न (کمال فن) अ. पुं.–किसी कला की जानकारी की पराकाष्ठा, कला-नैपुण्य।

कमाही (کماهی) अ. वि.–पूरी-पूरी, यथेष्ट।

कमीं (کمیں) अ. पुं.–'कमीन' का लघु., दे. 'कमीन'।

कमींगाह (کمیں گاه) अ. फा. स्त्री.–वह गुप्त स्थान जहाँ किसी की ताक में छिपकर बैठा जाय, आड़, शिकार की ताक में छिपकर बैठने का स्थान।

कमी (کمی) फा. स्त्री.–न्यूनता, थोड़ापन; दोष, नक़्स; त्रुटि, ग़लती।

कमीनः (کمینه) फा. वि.–नीच, अधम, खल, धूर्त, पाजी; अकुलीन, ग़ैर शरीफ़।

कमीन (کمین) अ. पुं.–दे. 'कमींगाह', (उ.) कमीनः।

क़मीम (قمیم) अ. वि.–सूखी हुई तरकारी।

क़मीस (قمیص) अ. स्त्री.–एक विशेष प्रकार का कुर्ता, क़मीज़।

क़मुर्ग़ः (قمرغه) तु. पुं.–शिकार खेलने का जंगल, आखेट-स्थल, शिकारगाह।

कमून (کمون) अ. पुं.–ज़ीरा, जीरक।

कमूनी (کمونی) अ. स्त्री.–एक यूनानी दवा जिसमें ज़ीरा प्रधान होता है (यथा माजून=अवलेह+कमूनी=ज़ीरे की), जीरकावलेह।

क़मूस (قموس) अ. पुं.–बहुत गहरा कुआँ।

कमोबेश (کم وبیش) फा. वि.–थोड़ा-बहुत, न्यूनाधिक।

क़म्अ (قمع) अ. पुं.–तोड़ना; तिरस्कृत करना; उमूद (लंब) डालना।

क़म्क़ाम (قمقام) अ. पुं.–बड़ा चाकू, छुरी; नदी, दर्या; श्रेष्ठ, मुअज़्ज़ज़।

क़म्तरीर (قمطریر) अ. पुं.–विपत्ति और मुसीबत का दिन।

कम्मह (کمه) अ. वि.–जन्मांध होना, पैदाइशी अंधा होना।

क़म्मास (قماس) वि.–ग़ोताखोर, डुबकी लगानेवाला।

कम्मी (کمی) अ. वि.–शूर, वीर, दिलावर।

कम्मीयत (کمیت) अ. स्त्री.–मात्रा, मिक़दार।

कम्मून (کمون) अ. पुं.–ज़ीरा, जीरक।

क़म्रा (قمرا) अ. स्त्री.–एक चिड़िया; चाँदनी रात; चाँद की किरन।

क़म्ल (قمل) अ. स्त्री.–जूं, कपड़े या बालों में पड़नेवाला कीड़ा।

क़य (قے) फा. पुं.–दे. 'क़ै'।

कयाँ (کیاں) फा. पुं.–'कय' का बहु., सम्राट्, ईरान में चार सम्राट् हुए हैं–कैकाऊस, कैख़ुस्रौ, कैक़ुबाद, कैलोहास्प।

कयानी (کیانی) फा. वि.–'कयाँ' से सम्बन्धित, ऐसी अद्‌भुत वस्तु और अमूल्य वस्तु जो बड़े-बड़े सम्राटों के योग्य हो।

क़यामत (قیامت)–दे. 'क़ियामत'।

क़य्यूर (قیور) अ. वि.–जिसके कुल का पता न हो, अज्ञातकुल, वर्णसंकर, दोग़ला।

क़रंतीनः (قرنطینه) अ. पुं.–रोककर टीका लगाने का अमल; समुद्र पार जाते हुए रास्ते में रुकने और टीका लगवाने का स्थान, कोरण्टाइन।

करंब (کرنب) अ. पुं.–करमकल्ला, एक शाक।

कर (کر) फा. वि.–बहिरा, बधिर, जिसे ऊँचा सुनाई देता हो।

करख़ (کرخ) फा. वि.–'करख़्त' का लघु., दे. 'करख़्त'।

करख़्त (کرخت) फा. वि.–कठोर, कर्कश, सख़्त; वह अंग जो सुन्न हो गया हो।

करख़्तगी (کرختگی) फा. स्त्री.–कठोरता, कर्कशता, सख़्ती; अंग का सुन्न होना।

क़रन्फ़ुल (قرنفل) अ. स्त्री.–लौंग, लवंग, (आभूषण विशेष, न कि मसाले की लौंग) (यह शब्द संस्कृत के 'कर्णफुल्ल' से बनाया गया है, और अरब में डेढ़ हज़ार बरस पहले से प्रचलित है, जिससे अरब और भारत के प्राचीन सम्बन्ध का पता चलता है) कान में पहना जानेवाला पुष्पाकृति का आभूषण।

करफ़्स (کرفس) फा. स्त्री.–एक बीज, जो अजवाइन जैसे होते हैं और दवा में चलते हैं।

करब (کرب) अ. वि.–बेचैन रहना; दुःखित होना।

करम (کرم) अ. पुं.–दया, कृपा, मेहरबानी; दानशीलता, बख़्शिश।

करमगुस्तर (کرم‌گستر) अ. फा. वि.–दयालु, कृपालु, मेहरबान।

करमगुस्तरी (کرم‌گستری) अ. फा. स्त्री.–दया कर्म, कृपा करना।

करमफ़र्मा (کرم‌فرما) अ. फा. वि.–दयालु, मेहरबान; मित्र, दोस्त।

करमफ़र्माई (کرم‌فرمائی) अ. फा. स्त्री.–दया करना, कृपा करना।

कराँ (کراں) फा. पुं.–छोर, किनारा; हद, सीमा; पराकाष्ठा, इंतिहा।

करा' (کرع) फा. पुं.–वर्षा का रुका हुआ पानी; तालाब आदि में मुंह से पानी पीना; (वि.) पतली पिंडलियोंवाला।

करा (کری) अ. पुं.–सोने का आरम्भ, स्वापारंभ; एक पक्षी, जिसे 'दुवारा' और 'चर्ज़' कहते हैं, अरु का नर।

क़रा (قرا) तु. पुं.–काला रंग।

क़रा' (قرع) अ. पुं.–सर के बाल गिरना।

क़राइन (قرائن) अ. पुं.–'क़रीनः' का बहु., क़रीने, आसार, लक्षण; सभ्यताएँ, शिष्टाचार।

क़राक़िर (قراقر) अ. पुं.–'क़र्क़र' का बहु., पेट की गुड़गुड़ाहट।

क़राक़ुरम (قراقرم) तु. पुं.–तुर्किस्तान की एक पर्वतमाला।

क़रातीस (قراطیس) अ. पुं.–'क़िर्तास' का बहु., काग़ज़ के तख़्ते, बहुत से काग़ज़।

करानः (کرانه) फा. पुं.–टल, किनारा; छोर, अख़ीर; हद, सीमा; इंतिहा, पराकाष्ठा।

क़राबः (قرابه) अ. पुं.–शराब की सुराही; बहुत बड़ी बोतल।

क़राबःकश (قرابه‌کش) अ. फा. वि.–शराबी, मद्यप; बहुत पीनेवाला, पूरी सुराही पी जानेवाला।

क़राबःनोश (قرابه‌نوش) अ. फा. वि.–दे. 'क़राबःकश'।

क़राबत (قرابت) अ. स्त्री.–समीपता, नज़दीकी; नातेदारी, स्वजनता।

क़राबतदार (قرابت‌دار) अ. फा. वि.–रिश्तेदार, नातेदार, सगोत्र, स्वजन।

क़राबतेक़रीबः (قرابت قریبه) अ. स्त्री.–बहुत ही क़रीब की रिश्तेदारी।

क़राबादीन (قرابادین) अ. स्त्री.–वह ग्रंथ जिसमें यूनानी आयुर्वेद सम्बन्धित दवाएँ और नुस्ख़े लिखे रहते हैं। यूनानी

योग-संग्रह, यूनानी [illegible] संकलन, जैसे—क़राबादीन ज़काई, क़राबादीन शिफ़ाई इत्यादि।

क़राबीन (قرابین) तु. स्त्री.—एक प्रकार की तोड़ेदार बंदूक़, जो अब से सौ बरस पहले तक प्रचलित थी।

करामत (کرامت) अ. स्त्री.—कृपा, नवाज़िश; प्रतिष्ठा, बुज़ुर्गी; चमत्कार, शो'बदः; मो'जिज़ः, अवतारों का चमत्कार।

करामतनामः (کرامت‌نامه) अ. फ़ा. पुं.—कृपापत्र, इनायतनामा।

करामात (کرامات) अ. स्त्री.—करामत का बहु., करामतें, चमत्कार, मो'जिज़े।

करामाती (کراماتی) अ. वि.—करामात दिखानेवाला, चमत्कारी; शो'बदेबाज़, मायावी, जादूगर; धूर्त।

क़रार (قرار) अ. पुं.—स्थिरता, सुकून; सान्त्वना, ढाढ़स; प्रतिज्ञा, इक़रार, चैन, आराम।

क़रारदाद (قرارداد) अ. फ़ा. स्त्री.—प्रस्ताव, तज्वीज़; निश्चय, तै, पहले से तै दहेज़।

क़रारेवाक़ई (قرارواقعی) अ. वि.—यथेष्ट, पूरा-पूरा, काफ़ी।

क़रावुल (قراول) तु. पुं.—सैनिक, सिपाही; शिकारी, आखेटक; वह फ़ौज जो आगे चलती और शत्रु की सेना की खबर देती है।

करासीस (کراسیس) अ. पुं.—'कुरीसः' का बहु., पुस्तक के अध्याय, किताब के जुज़; क़ुरान के सीपारे।

क़राह (قراح) अ. पुं.—स्वच्छ और निर्मल जल, विमल जल, साफ़ और ख़ालिस पानी।

कराहत (کراہت) अ. स्त्री.—घृणा, घिन, नफ़रत; अरुचि, नापसंदीदगी; उदासीनता, बददिली।

कराहतन (کراهتاً) अ. वि.—कराहत के साथ, बददिली के साथ, घिन करते हुए।

कराहीयत (کراهیت) अ. स्त्री.—दे. 'कराहत'।

करिश (کرش) अ. पुं.—जुगाली करनेवाले पशुओं का पाकाशय; छोटे बच्चे; बाल-बच्चे, दे. 'कर्श'।

क़रीं (قریں) अ. वि.—'क़रीन' का लघु., दे. 'क़रीन'।

करी (کری) फ़ा. स्त्री.—बहरापन, बधिरता।

क़रीअ (قریع) अ. वि.—प्रतिद्वंद्वी, हरीफ़; तुल्य, समान, मानिंद; श्रेष्ठ, पूज्य, बुज़ुर्ग।

क़रीज़ (قریض) अ. पुं.—पद्यात्मक वाक्य, नज़्म किया हुआ कलाम, छंदोबद्ध रचना।

क़रीनः (قرینه) अ. पुं.—ढंग, तर्ज़; शिष्टता, तमीज़; क्रम, तर्तीब; प्रसंग; अनुमति, अंदाज़ा।

क़रीन (قرین) अ. वि.—समीप, निकट, नज़दीक; सभासद, सखा, मुसाहिब।

क़रीने अक़्ल (قرین عقل) अ. वि.—जो बात अक़्ल क़बूल कर ले, बुद्धिगम्य, मतिग्राह्य।

क़रीने इंसाफ़ (قرین انصاف) अ. वि.—जो बात न्याय से ठीक हो, न्यायोचित।

क़रीने क़ियास (قرین قیاس) अ. वि.—जो बात अटकल और अंदाज़े से ठीक हो, ज्ञानगम्य।

क़रीने मस्लहत (قرین مصلحت) अ. वि.—जो बात समय और अवस्था के अनुकूल होते हुए अपने हित में हो।

क़रीब (قریب) अ. वि.—निकट, समीप, पास, नज़दीक; उर्दू की एक बह्र; कम दूर।

क़रीबतर (قریب‌تر) अ. फ़ा. वि.—बहुत पास, समीपतर; बहुत कम दूरी पर, निकटतर।

क़रीबुल इख़्तिताम (قریب الاختتام) अ. वि.—ख़त्म होने के क़रीब, जो शीघ्र ही समाप्त होनेवाला हो, समाप्तप्राय।

क़रीबुल इन्हिदाम (قریب الانهدام) अ. वि.—गिरने और ध्वस्त होने के क़रीब, भग्नप्राय, नष्टप्राय।

क़रीबुलख़त्म (قریب الختم) अ. वि.—समाप्त होने के क़रीब; मरने के क़रीब, मरणासन्न, मृतप्राय।

क़रीबुलफ़ह्म (قریب الفهم) अ. वि.—जिसका समझना सरल हो, सुबोध।

क़रीबुलमौत (قریب الموت) अ. वि.—जो मरने के निकट हो, मृतप्राय, मरणासन्न।

क़रीबुलहज़्म (قریب الهضم) अ. वि.—जो खाया हुआ पदार्थ पचने के समीप हो, हज़्म होने के क़रीब, पचप्राय।

करीम (کریم) अ. वि.—कृपालु, मेह्रबान; दानशील, सख़ी; ईश्वर का एक नाम।

करीमी (کریمی) अ. स्त्री.—कृपा, दया, करम; ईश्वरी माया।

करीमुन्नफ़्स (کریم النفس) अ. वि.—सदाचारी, पुण्यात्मा, सदात्मा, नेकदिल।

क़रीर (قریر) अ. पुं.—प्रसन्न, हर्षित, खुश; प्रसन्नता, हर्ष, खुशी।

क़रीस (قریس) अ. पुं.—बहुत कड़ा जाड़ा; पुरानी और जीर्ण वस्तु।

क़रीस़ (قریص) अ. पुं.—एक प्रकार का सालन।

क़रीहः (قریحه) अ. स्त्री.—स्वभाव, प्रकृति, आदत; वह पानी जो कुएँ से पहले निकले; हर चीज़ का अग्रभाग।

करीह (کریه) अ. वि.—घृणास्पद, मक्रूह; कदाकार, कुरूप, बदशक्ल; अप्रियदर्शन, कुदर्शन, बदनुमा।

क़रीह (قریح) अ. वि.—खालिस और बेमेल वस्तु, विशुद्ध, (पुं.) घाव, ज़ख़्म।

करीहुलमंज़र (کریہ‌المنظر) अ. वि.—जो देखने में भोंडा हो, जिसे देखकर घिन आये, दुर्दर्शन, घृणित रूप।

करीहुस्सूरत (کریہ‌الصورت) अ. वि.—जिसकी शक्ल भद्दी हो, जो देखने में बुरा लगे, दुराकृति, कुरूप, अप्रियदर्शन।

करीहुस्सौत (کریہ‌الصوت) अ. वि.—जिसकी आवाज़ बहुत खराब हो, कटुस्वर, कर्कश स्वर।

क़रूबी (کروبی) अ. पुं.—फ़िरिश्ता, देवता।

क़र्अः (قرعہ) अ. पुं.—लौकी, कद्दू।

क़र्अ (قرع) अ. पुं.—दरवाज़ा खटखटाना; खटखट करना; लौकी।

क़र्क़ (قرق) अ. पुं.—मुर्ग़ियों का शब्द।

क़र्क़ (قرق) तु. पुं.—दुंबा, मेदपुच्छ, भेड़ की वह क़िस्म जिसकी पूँछ पर चर्बी का चकत्ता होता है।

क़र्क़फ़ (قرقف) अ. पुं.—मदिरा, शराब; ईसाइयों के तीन धार्मिक ग्रंथ।

कर्ग (کرگ) फा. पुं.—'कर्गदन' का लघु., देखो 'कर्गदन'।

कर्गदन (کرگدن) फा. पुं.—गैंडा, एक प्रसिद्ध जंगली जानवर जो हाथी से छोटा होता है, तुंगमुख, वज्रचर्म।

कर्गन (کرگن) फा. पुं.—अधपका अन्न जिसे भूनकर खाते हैं।

कर्गस (کرگس) फा. पुं.—गीध, गिद्ध, गृध्र, एक प्रसिद्ध पक्षी।

क़र्ज़ (قرض) अ. पु.—ऋण, उधार, क़र्ज़ा।

क़र्ज़ख़्वाह (قرض‌خواہ) अ. फा. वि.—क़र्ज़ लेनेवाला, ऋणेच्छुक।

क़र्ज़दार (قرض‌دار) अ. फा. वि.—जिस पर क़र्ज़ हो, ऋणी, अधमर्ण।

क़र्ज़े हसनः (قرض حسنہ) अ.पुं.—ऐसा ऋण जिस पर न कोई ब्याज हो न उसका तक़ाज़ा किया जा सके, ऋणी को जब सुविधा हो उसे अदा करे, और न अदा कर सके तो उस पर कोई भार न रहे।

क़र्तबान (قرطبان) अ. पुं.—दय्यूस, भगभोगी, क़ल्तबान।

क़र्ती (قرطی) अ. पुं.—एक प्रकार का कपड़ा जो काले और हरे रंग का होता है।

कर्दः (کردہ) फा. वि.—किया हुआ, कृत।

कर्द (کرد) फा. पुं.—कार्य, काम; कृति, अमल।

कर्दगार (کردگار) फा. वि.—ईश्वर, सर्वशक्तिमान्, दे. 'किर्दगार', नियमानुसार 'किर्दगार' अशुद्ध है, परन्तु शुद्ध समझा जाता है।

कर्दनी (کردنی) फा.वि.—करने योग्य, जो किया जा सके; जिसका करना उचित हो, करणीय।

कर्दार (کردار) फा. पुं.—आचरण, व्यवहार, चलन, दे. 'किर्दार', व्याकरण के अनुसार शुद्ध रूप 'कर्दार' ही है, परन्तु प्रचलित 'किर्दार' है।

क़र्न (قرن) अ. पुं.—शृंग, विषाण, सींग; बाल, केश; लंबा समय जो ३० से १०० वर्ष तक माना जाता है।

कर्नब (کرنب) अ. पुं.—करमकल्ला, एक प्रसिद्ध सब्ज़ी।

कर्ना (کرنا) अ. पुं.—दे. 'क़र्ना'।

क़र्ना (قرنا) अ. पुं.—तुरही, एक प्राचीन बाजा जो फूंककर बजाया जाता है।

कर्पास (کرپاس) फा. पुं.—मोटा कपड़ा, संस्कृत 'कर्पट' का अपभ्रंश।

कर्फ़श (کرفش) फा. स्त्री.—छिपकली, गृहगोधिका।

कर्ब (کرب) अ. पुं.—व्याकुलता, बेचैनी; पीड़ा, यातना, दुःख।

कर्बला (کربلا) फा. पुं.—इराक़ का एक प्रसिद्ध स्थान, जहाँ हज़रत इमाम हुसैन शहीद हुए थे, और जहाँ उनकी मज़ार है।

कर्बलाई (کربلائی) फा.वि.—कर्बला की ज़ियारत करनेवाला; एक कपड़ा।

कर्बस (کربس) फा. स्त्री.—छिपकली, गृहगोधिका।

कर्बासू (کرباسو) फा. स्त्री.—दे. कर्बस, कर्फ़श।

कर्म (کرم) अ. पुं.—अंगूर का पेड़।

क़र्म (قرم) अ. पुं.—व्याघ्र, शेर, अपनी जाति का सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति।

क़र्यः (قریہ) अ. पुं.—ग्राम, गाँव, मौज़ा।

कर्रत (کرت) अ. स्त्री.—बार, दफ़ा।

कर्रात (کرات) अ. पुं.—'कर्रत' का बहु., कई बार, बहुत दफ़ा।

कर्रार (کرار) अ. वि.—शत्रु की सेना पर बारंबार आक्रमण करनेवाला; हज़रत अली की उपाधि।

कर्रूबियान (کروبیان) अ. पुं.—'कर्रूबी' का बहु., फ़िरिश्ते।

कर्रूबी (کروبی) अ. पुं.—फ़िरिश्ता, दे. 'करूबी', वही अधिक फ़सीह है, शुद्ध दोनों हैं।

कर्श (کرش) अ. पुं.—जुगाली करनेवाले पशु का पाकाशय; बाल-बच्चे, दे. 'करिश'।

कर्सनः (کرسنہ) फा. पुं.—मटर, एक प्रसिद्ध अन्न।

क़र्हः (قرحہ) अ. पुं.—वह घाव जिसमें पीप पड़ गयी हो।

क़लग़ः (قلغہ) तु. पुं.—घेरे में लेना, मुहासरः करना; बाहर जानेवाले पियादे की खुराक।

कलंद (کلند) फा. पुं.—ज़मीन खोदने का एक यंत्र, खुर्पी; हल में लगनेवाला फाल।

क़लंदर (قلندر) फा. पुं.—एक प्रकार के फ़क़ीर जो मस्त

और आज़ाद रहते हैं; मस्त और आज़ाद मनुष्य; धृष्ट, गुस्ताख़।

क़लंदरानः (قلندرانه) फ़ा. वि.—क़लंदरों-जैसा; आज़ादों-जैसा; गुस्ताख़ों-जैसा।

क़लंदरी (قلندری) फ़ा. पुं.—क़लंदर का काम या पेशा; एक प्रकार का ख़ेमा, रावटी।

क़लंसुवः (قلنسوه) अ. पुं.—टोपी, कुलाह।

कल (ल्ल) (کل) अ. पुं.—गूंगा होना, बोल न सकना; बोझ, भार; भारी बोझ; वह व्यक्ति जिसके न बाप हो न लड़के।

कल (کل) तु. वि.—गंजा, खल्वाट।

कलक (کلک) फ़ा. पुं.—पछना; चीरा लगाने का नश्तर, शल्य, (स्त्री.) आपत्ति, बला, (वि.) अशुभ, मनहूस।

क़लक़ (قلق) अ. पुं.—व्याकुलता, बेचैनी; दुःख, कष्ट, तकलीफ़; शोक, खेद, अफ़सोस।

क़लक़अंगेज़ (قلق انگیز) अ.फ़ा. वि.—शोकजनक, दुःखप्रद, रंज पैदा करनेवाला।

क़लक़अफ़्ज़ा (قلق افزا) अ. फ़ा. वि.—दे. 'क़लक़ अंगेज़'।

क़लक़आमेज़ (قلق آمیز) अ. फ़ा. वि.—शोक मिला हुआ, शोकान्वित, रंजदेह।

कलकख़ुस्प (کلک خسپ) फ़ा. वि.—दरिद्र, निर्धन, कंगाल।

कलफ़ (کلف) अ. पुं.—काले दाग़ जो मुँह पर पड़ जाते हैं, झाईं।

क़लम (قلم) अ. पुं.—लेखनी, किल्क; पेड़ की डाली जो काटकर लगायी जाती है; काटा हुआ, तराशा हुआ; कनपटी के बाल; किसी पदार्थ का पतला और लम्बा टुकड़ा।

क़लमकश (قلم کش) अ. फ़ा. वि.—लिखनेवाला, क़लम से काम करनेवाला; काट देनेवाला, मिटा देनेवाला।

क़लमकार (قلم کار) अ. फ़ा. पुं.—क़लम से काम करने-वाला, लिखनेवाला, एक फूलदार नक़्शीन कपड़ा।

क़लमज़द (قلم زد) अ.फ़ा. वि.—क़लम फेरा हुआ, कटा हुआ, मंसूख़।

क़लमज़न (قلم زن) अ. फ़ा. वि.—लिखनेवाला; चित्रकार, मुसव्विर; क़लमज़द करनेवाला, मंसूख़ करनेवाला।

क़लम दरकशीदः (قلم درکشیده) अ. फ़ा. वि.—मिटाया हुआ, महव किया हुआ।

क़लमदस्त (قلم دست) अ. फ़ा. वि.—जो क़लम से काम करता हो, लिखनेवाला; चित्रकार।

क़लमदान (قلمدان) अ. फ़ा. पुं.—क़लम-दवात रखने का पात्र, पद, पदवी, ओहदा।

क़लमदाने वज़ारत (قلمدان وزارت) अ. पुं.—मंत्री का पद, वज़ीर का ओहदा।

क़लम पाक कुन (قلم پاک کن) अ. फ़ा. पुं.—वह कपड़ा जिससे क़लम की सियाही पोंछी जाती है।

क़लमबंद (قلم بند) अ. फ़ा. वि.—जो लिखा गया हो, लिपिबद्ध, चित्रकार की कूची बनानेवाला।

क़लम बरदाश्तः (قلم برداشته) अ.फ़ा.वि.—क़लम उठाकर बिना सोचे लिखा हुआ लेख।

क़लमरौ (قلمرو) अ. फ़ा. स्त्री.—राष्ट्र, राज्य, हुकूमत, सल्तनत।

क़लमी (قلمی) अ. वि.—क़लम सम्बन्धी; हस्तलिखित ग्रंथ, विशेषतः पुराने हस्तलिखित ग्रंथ; क़लम लगाये हुए पेड़ का फल; लंबा और पतला पदार्थ, जैसे—'क़लमी शोरा'।

क़लमे फ़ौलाद (قلم فولاد) अ.फ़ा. पुं.—फाउण्टेन पेन, मसी-गर्भ, लौह-लेखनी।

क़लमेरसास (قلم رصاص) अ. पुं.—पेंसिल, सीसांकनी।

क़लमेसुर्ब (قلم سرب) अ. पुं.—दे. 'क़लमे रसास'।

क़लमेसुर्मः (قلم سرمه) अ. पुं.—दे. 'क़लमे रसास'।

कलल (کلل) अ. स्त्री.—कलग़ी, शिरमौर।

क़लह (قلح) अ. स्त्री.—दाँतों का मैल और उनका पीलापन।

कलाँ (کلاں) फ़ा. वि.—ज्येष्ठ, बड़ा; दीर्घ, लंबा।

क़ला (قلا) अ. पुं.—किसी से शत्रुता करना; शत्रुता, दुश्मनी।

क़लाइद (قلائد) अ. पुं.—'क़िलादः' का बहु., गले के पट्टे।

कलातः (کلاته) फ़ा. पुं.—छोटा गाँव, नगला।

कलात (کلات) फ़ा. पुं.—गाँव, ग्राम; पहाड़ी पर बना हुआ दुर्ग।

कलानी (کلانی) फ़ा. स्त्री.—ज्येष्ठता, बड़ापन; दीर्घता, लम्बाई; गुरुत्व, भारीपन।

कलापेसः (کلاپیسه) फ़ा. पुं.—आँखों की रंगत का बदल जाना, जैसे—गुस्से में या मैथुन के समय।

कलाबः (کلابه) फ़ा. पुं.—चर्ख़े पर काती जानेवाली अंटी, पिंडिया।

कलाम (کلام) अ. पुं.—शब्द, वाणी, बोली; वार्तालाप, गुफ़्तगू; आपत्ति, एं'तिराज़; मीमांसा, इल्मे कलाम।

कलामुल्लाह (کلام الله) अ. पुं.—ख़ुदा का कलाम, ईश्वर की वाणी, क़ुरानशरीफ़।

कलामे मुस्तदाम (کلام مستدام) अ. पुं.—ईश्वर की ओर से पैग़म्बर पर आनेवाला आदेश, वही।

कलालः (کلاله) अ. पुं.—दे. 'कलालात'।

कलाल (کلال) अ. पुं.—ग्लानि, थकन, माँदगी।

कलालत (کلالت) अ. स्त्री.—थकन, ग्लानि, माँदगी।

कलावः (كلاوہ) फा. पुं.–चर्खे पर काती जानेवाली पिंडिया।

क़लावुज़ी (قلاوزی) फा. स्त्री.–अग्रगमन, आगे चलना; मार्ग-दर्शन, रहबरी; सेना का अग्रभाग।

क़लिक़ (قلق) अ. वि.–व्याकुल, मुज़्तरिब; दुःखित, रंजीदा।

कलिब (كلب) अ. वि.–दीवाना, पागल, कटखना (कुत्ता)।

कलिमः (كلمه) अ. पुं.–शब्द, लफ़्ज़, वाक्य, जुम्ला, वचन, बात, मुसलमानों का धर्ममंत्र।

कलिमःख़्वाँ (كلمه‌خوان) अ. फा. वि.–दे. 'कलिमःगो'।

कलिमःगो (كلمه‌گو) अ. फा. वि.–कलिमः (कलमा) पढ़नेवाला अर्थात् मुसलमान।

कलिम (كلم) अ. पुं. 'कलिमः' का बहु., कलिमे, जुम्ले, वाक्य-समूह।

कलिमतुलख़ैर (كلمةالخير) अ. पुं.–भलाई की बात, ऐसी बात जिसमें किसी का हित हो।

कलिमतुलहक़ (كلمةالحق) अ. पुं.–सच्ची बात, बेलाग बात, इंसाफ़ की बात, सदुक्ति।

कलिमात (كلمات) अ. पुं.–कलिमः का बहु., कलिमें, बातें, शब्द, अल्फ़ाज़।

क़लीद (قليد) अ. स्त्री.–बटी हुई रस्सी।

क़लीदान (كليدان) फा. पुं.–लकड़ी का कुंदा जो अपराधियों के पाँव में बाँधा जाता है।

क़लीब (قليب) अ. पुं.–पुराना कुआँ।

कलीम (كليم) अ. पुं.–बात करनेवाला, बातचीत करनेवाला; घायल, ज़ख़्मी; हज़रत मूसा की उपाधि।

कलीमुल्लाह (كليم‌الله) अ. पुं.–ईश्वर से वार्तालाप करनेवाला, हज़रत मूसा की उपाधि।

क़लीयः (قليه) अ. पुं.–भुना हुआ गोश्त।

क़लीलः (قيلوله) अ. पुं.–क़ैलूलः करने का समय, दोपहर में थोड़ी देर सोने का समय।

कलील (كليل) अ. वि.–शिथिल, माँदा; मंद, सुस्त; गूँगा; कुंद, भोथरा।

क़लील (قليل) अ. वि.–अल्प, न्यून, थोड़ा; ह्रस्व, छोटा।

क़लील तरीन (قليل‌ترين) अ. फा. वि.–बहुत ही छोटा।

क़लीलुल क़ीमत (قليل‌القيمت) अ. वि.–थोड़ी कीमतवाला, कम दामों का, सरता।

क़लीलुल बिज़ाअत (قليل‌البضاعت) अ. वि.–जिसके पास पूँजी थोड़ी हो, जो अप्रतिष्ठित हो, कम हैसियत।

क़लीलुल मिक़्दार (قليل‌المقدار) अ. वि.–थोड़ा, कम, अल्प मात्रा में।

क़लीलुस्समाअत (قليل‌السماعت) अ. वि.–जो कम सुनता हो, वधिर, बहरा।

क़लीस (قليس) अ. वि.–कृपण, कंजूस, बख़ील।

क़लूस (قلوص) अ. स्त्री.–जवान ऊँटनी।

क़लौला (قلولا) अ. पुं.–काज़, एक प्रसिद्ध पक्षी।

क़ल्अः (قلعه) अ. पुं.–दुर्ग, कोट, गढ़, क़िला।

क़ल्अःगीर (قلعه‌گير) अ. फा. वि.–दुर्ग विजित करनेवाला, महारथी, बहुत बड़ा शूर।

क़ल्अःशिकन (قلعه‌شكن) अ. फा. वि.–दुर्ग को ध्वस्त कर देनेवाला, दुर्गभेदी (तोप या कोई यंत्र)।

क़ल्ई (قلعى) अ. स्त्री.–वंग, राँग; फुंका हुआ चूना; मुलम्मा; बर्तनों पर राँगा का मुलम्मा; चूने की पुताई।

क़ल्ईगर (قلعى‌گر) अ. फा. वि.–बरतनों पर राँग का मुलम्मा करनेवाला।

कल्क (كلك) फा. स्त्री.–कक्ष, बग़ल; क्रोड, गोद, आग़ोश।

कल्कज (كلكج) फा. वि.–लड़नेवाला, युद्ध करनेवाला।

क़ल्क़लः (قلقله) अ. पुं.–आवाज़ करना, बोलना; हिलाना।

क़ल्क़ान (قلقان) तु. स्त्री.–ढाल, सिपर।

कल्ग़ी (كلغى) फा. स्त्री.–फुँदना, तुर्रा, पक्षी के सिर का केस।

कल्तः (كلته) फा. वि.–पूँछ कटा हुआ; थोड़ा, न्यून; जो शुद्ध उच्चारण न कर सके; सोंटा, डंडा, गतका।

क़ल्तबान (قلتبان) फा. पुं.–वह निर्लज्ज मनुष्य जो अपनी स्त्री को पर-पुरुष के पास जाने दे, भगभोजी, स्त्री की कमाई खानेवाला, भँड़ुआ।

क़ल्तबानी (قلتبانى) फा. स्त्री.–स्त्री की कमाई खाना, भँड़ुअई।

कल्पत्रः (كلپتره) फा. वि.–मिथ्या, झूठ, अनगंल, वेहूदा।

क़ल्पाक़ (قلپاق) तु. स्त्री.–टोपी, कुलाह।

क़ल्फ़ः (قلفه) अ. पुं.–ख़तना का न होना, बे ख़तना होना।

कल्फ़ (كلف) अ. पुं.–मुग्ध होना, आसक्त होना, शेफ़्तः होना।

क़ल्ब (قلب) अ. पुं.–हृदय, मन, दिल; मध्य, बीच; कूट, खूटा; औंधा, उलटा; १७वाँ नक्षत्र।

कल्ब (كلب) अ. पुं.–कुक्कुर, श्वान, कुत्ता।

कल्बतान (كلبتان) अ. स्त्री.–लोहार की सड़सी, संगसी; मोमबत्ती का गुल काटने की कैंची, गुलगीर।

कल्बतैन (كلبتين) अ. स्त्री.–दे. 'कल्बतान'।

क़ल्बसाज़ (قلب‌ساز) अ. फा. वि.–खोटा रुपया बनानेवाला, कूटकृत।

क़ल्बसाज़ी (قلب‌سازى) अ. फा. स्त्री.–जाली रुपया बनाना।

क़ल्बी (قلبی) अ. वि.—हार्दिक, दिली; मानसिक, रूही; हृदय-सम्बन्धी।

क़ल्बे अव्वा (قلب عوا) अ. पुं.—बहुत भोंकनेवाला कुत्ता; एक नक्षत्र।

कल्बे कलिब (کلب کلب) अ. पुं.—कटखना और पागल कुत्ता।

क़ल्बे माहीयत (قلب ماهیت) अ. स्त्री.—किसी पदार्थ के धर्म और गुण का परिवर्तन, कायाकल्प।

कल्म (کلم) अ. पुं.—घायल करना, ज़ख्मी करना।

कल्मल (کلمل) फा. पुं.—कोलाहल, शोर-गुल।

कल्मुर्ग़ (کلمرغ) फा. पुं.—गिद्ध की एक जाति।

क़ल्यः (قلیہ) उ. पुं.—भुना हुआ मांस, शुद्ध शब्द 'क़लीयः' है, परन्तु प्रचलित यही है। (क़लिया)

क़ल्यान (قلیان) फा. पुं.—हुक़्क़ा, चिलम पीने का यंत्र, गुड़गुड़ी, दे. 'क़िल्यान', दोनों शुद्ध हैं।

कल्लः (کلہ) फा. पुं.—जबड़ा; कनपटी; सिर।

कल्लःदराज़ (کلہ دراز) फा. वि.—मुखर, ज़बांदराज़।

कल्लःमनार (کلہ منار) फा. अ. पुं.—वह जयस्तंभ जो मारे गये सैनिकों के सिरों से बनाया जाता था।

कल्लए क़ंद (کلۂ قند) फा. पुं.—मिस्री का कूज़ा।

क़ल्लमा (قلما) अ. वि.—थोड़ा, किंचित्।

कल्ला (کلا) अ. अव्य.—सत्य है, यथार्थ है, ठीक है।

क़ल्लाब (قلاب) अ. वि.—छली, वंचक, दग़ाबाज़।

क़ल्लाबी (قلابی) अ. स्त्री.—छल, दग़ाबाज़ी।

क़ल्लाश (قلاش) तु. पुं.—नीच, कमीना; निर्धन, कंगाल।

क़ल्लास (قلاس) अ. पुं.—चढ़ी हुई नदी, बाढ़ पर आयी हुई नदी; समृद्ध, मालामाल।

क़ल्स (قلس) अ. पुं.—जो एक बार मुंह से निकले, (कई बार निकले तो उसे क़ै कहते हैं); नाव की मोटी रस्सी।

क़वद (قود) अ. पुं.—क़सास, प्रतिहिंसा, किसी की हत्या होने पर उसके ख़ून का बदला लेना।

कवल (کول) फा. पुं.—कम्मल, कंबल।

क़वाइद (قواعد) अ. पुं.—'क़ाइदः' का बहु., नियमावली, ज़ाबिता; व्याकरण, सर्फ़ नह्व; सेना की परेड; परम्पराएँ, रस्मोरिवाज़।

क़वाइदगाह (قواعدگاہ) अ. फा. स्त्री.—परेड करने का मैदान, सैन्य-व्यायाम-क्षेत्र।

क़वाइददां (قواعدداں) अ. फा. वि.—परेड सीखा हुआ सैनिक, परेड से परिचित; किसी कार्य के नियमों से परिचित।

कवाइफ़ (کوائف) अ. पुं.—'कैफ़ियत' का बहु., हालात, समाचार; घटनाएँ, समस्याएँ, मसाइल।

कवाइब (کواعب) अ. स्त्री.—'काइब' का बहु., वे स्त्रियां जिनकी छातियाँ कड़ी हों।

कवाइबे अंजुम (کواعب انجم) अ. स्त्री.—सप्तर्षि-मंडल, बनातुन्ना'श।

क़वाइम (قوائم) अ. पुं.—'क़ाइमः' का बहु., मनुष्य के हाथ-पाँव; चूल्हे आदि के पाये।

कवाकिब (کواکب) अ. पुं.—'कौकब' का बहु., तारे, उडुगण।

क़वानीन (قوانین) अ. पुं.—'क़ानून' का बहु., हर प्रकार के क़ानून।

क़वाफ़िल (قوافل) अ. पुं.—'क़ाफ़िला' का बहु., यात्रियों के क़ाफ़िले; पतली कमर के घोड़े।

क़वाफ़ी (قوافی) अ. पुं.—'क़ाफिया' का बहु., क़ाफ़िए।

क़वाम (قوام) अ. पुं.—सत्यता, सच्चाई; सरलता, रास्ती; न्याय, इंसाफ़।

क़वामीस (قوامیس) अ. पुं.—'क़ामूस' का बहु., बड़ी-बड़ी नदियाँ, महानद-समूह।

क़वारीर (قواریر) अ. पुं.—'क़ारूरः' का बहु., क़ारूरे की शीशियाँ; बोतलें, शीशियाँ।

क़वारे' (قوارع) अ. पुं.—'क़ारिअः' का बहु., आपत्तियाँ, सख़्तियाँ; सांसारिक दुर्घटनाएँ, हादिसे।

क़वी (قوی) अ. वि.—बलवान्, शक्तिशाली, ज़ोरावर; ईश्वर का एक नाम।

क़वीउलजुस्सः (قوی الجثہ) अ. वि.—मज़बूत डीलडौल का, दृढ़ांग, हृष्ट-पुष्ट, मोटा-ताज़ा।

क़वीतरीन (قوی ترین) अ. फा. वि.—बहुत अधिक शक्तिशाली, महाबल।

क़वीदस्त (قوی دست) अ. फा. वि.—शक्तिशाली, ज़ोरावर।

क़वीपंजः (قوی پنجہ) अ. फा. वि.—दे. 'क़वी बाज़ू'।

क़वीपुश्त (قوی پشت) अ. फा. वि.—जिसे किसी महान् पुरुष का सहारा प्राप्त हो, जिसकी पीठ पर किसी बड़े व्यक्ति का हाथ हो, ताक़तवर हिमायती, बलिष्ठ पक्षपाती।

क़वीबाज़ू (قوی بازو) अ. फा. वि.—जिसकी भुजाएँ काफ़ी दृढ़ हों, जो अपनी भुजाओं के बल पर हर कार्य करता हो, पराक्रमी; साहसी, जफ़ाकश्।

क़वीमः (قویمہ) अ. स्त्री.—सीधी, सरल; दृढ़, पुष्ट, मज़बूत (स्त्री.)।

क़वीम (قویم) अ. वि.—सीधा, सरल, रास्त; दृढ़, पुष्ट, मज़बूत।

कवुर्गः (کورگہ) तु. पुं.—बड़ा नक़्क़ारः (नगाड़ा), धौंसा।

क़वुर्मः (قورمہ) तु. पुं.—कोर्मः, शोरबेदार गोश्त, जिसमें

तरकारी आदि न हो, शुद्ध उच्चारण यही है, पर उर्दू में, 'क़ोर्मः' बोलते हैं।

कव्वः (کوہ) अ. पुं.—दीवार का छेद चाहे वह आरपार हो या ताक़नुमा हो; दरीचा, झरोखा।

क़व्वात (قواط) अ. पुं.—भेड़-बकरियों के झुंड का चरवाहा।

क़व्वाल (قوال) अ. पुं.—बहुत बातें करनेवाला; क़व्वाली गानेवाला।

क़व्वाली (قوالی) अ. स्त्री.—वे इसलामी गाने जो मज़ारों आदि पर गाये जाते हैं, हक़्क़ानी गाने।

क़व्वास (قواس) अ. वि.—धनुष्कार, कमानें बनानेवाला।

कश (کش) फा. पुं.—कक्ष, बग़ल; वक्षःस्थल, छाती; दम, खींच, जैसे—हुक़्क़े का कश; (प्रत्य.) खींचनेवाला, जैसे—'कमाँकश' धनुष खींचनेवाला; सहन करनेवाला, जैसे—'सितमकश' अत्याचार सहन करनेवाला, मयकश—शराब खींचने या पीनेवाला।

क़श [श्श] (قش) (अ.) पुं.—दुबलेपन के बाद मोटा होना; भलाई पाना।

कशफ़ (کشف) फा. पुं.—कछवा, कूर्म।

क़शफ़ (قشف) अ. पुं.—सूरज की धूप में मुँह का झुलस जाना; दरिद्रता और फ़ाक़ों से मुँह की शोभा का चला जाना।

कशमकश (کش مکش) फा. स्त्री.—खींचातानी, आपाधापी; वैमनस्य, कशीदगी; असमंजस, संकोच, दुविधा, पसोपेश; संघर्ष, लड़ाई; दौड़-धूप, पराक्रम।

कशाँ (کشاں) फा. प्रत्य.—खींचते हुए, जैसे—'मूकशाँ' बाल पकड़कर खींचते हुए।

कशाँ कशाँ (کشاں کشاں) फा. वि.—खींचते-खींचते, खींचते हुए, ज़बरदस्ती।

कशाकश (کشاکش) फा. स्त्री.—खींचाखींची, संघर्ष; चढ़ा-ऊपरी, स्पर्धा; असमंजस, तज़ब्ज़ुब।

कशावर्ज़ (کشاورز) फा. पुं.—कृषक, काश्तकार, किसान।

कशावर्ज़ी (کشاورزی) फा. स्त्री.—कृषिकर्म, काश्तकारी, खेती, किसानी।

कशिश (کشش) फा. स्त्री.—आकर्षण, खिंचाव; रोचकता, जाज़िबीयत; प्रवृत्ति, मनोवृत्ति, रुजहान।

कशिशे इश्क़ (کشش عشق) फा. अ. स्त्री.—प्रेम का आकर्षण, मुहब्बत का जज़्बा।

कशिशे सिक़्ल (کشش ثقل) फा.अ. स्त्री.—गुरुत्वाकर्षण।

कशीदः (کشیدہ) फा. वि.—खिंचा हुआ, अंचित; अप्रसन्न, नाराज़, (पुं.) बेल-बूटे का काम।

कशीदःकमर (کشیدہ کمر) फा. वि.—झुकी हुई कमर-वाला।

कशीदःक़ामत (کشیدہ قامت) फा. अ. वि.—लम्बे आकार वाला, लम्बे क़दवाला, लंबकाय।

कशीदःकार (کشیدہکار) फा. वि.—कशीदे का काम करनेवाला, चिकन काढ़नेवाला।

कशीदःकारी (کشیدہکاری) फा. स्त्री.—कपड़े पर बेलबूटे बनाना, चिकन बनाना।

कशीदःख़ातिर (کشیدہخاطر) फा. अ. वि.—अप्रसन्न, रुष्ट, नाख़ुश; खिन्न, मलिन, अफ़्सुर्दः।

कशीदःरू (کشیدہرو) फा. वि.—लम्बे मुँहवाला, लंबोतरे मुँह का; मुँह बिगाड़े हुए, रुष्ट, नाराज़।

क़शीब (کشیب) अ.पुं.—नया वस्त्र, पहनने का नया कपड़ा।

कशीश (کشیش) तु. पुं.—ईसाइयों का धर्मगुरु, पादरी।

क़शूर (قشور) अ. पुं.—चेहरे पर मलने की दवा जिससे मुँह का रंग साफ़ होता है।

क़श्क़ः (قشقہ) अ. पुं.—चंदन आदि से माथे पर बनायी जानेवाली लकीरें, तिलक, चित्रक।

कश्क (کشک) फा. पुं.—छिलके उतारे हुए जौ; सूखा दही; जौ का पानी जो रोगियों को दिया जाता है।

कश्काब (کشکاب) फा. पुं.—छिलके उतरे हुए जौ का पानी जो रोगियों को दिया जाता है, आशे जौ।

कश्कोल (کشکول) फा. पुं.—भिक्षापात्र, भीख माँगने का बर्तन, दे. 'कचकोल', 'कजकोल'।

कश्ख़ान (کشخان) फा. पुं.—दे. 'क़ल्तबान'।

कश्ती (کشتی) फा. स्त्री.—नाव, नौका, तरणी, "जोशे तूफ़ाँ, शोरे-दर्या, बर्क़ लर्ज़ां, बादे तुंद, कश्तीए उम्रे रवाँ यारब बड़ी मुश्किल में है"।

कश्तीबान (کشتی بان) फा. वि.—नाव चलानेवाला, नाविक, कर्णधार, मल्लाह।

कश्तीबानी (کشتی بانی) फा. स्त्री.—नाव चलाना, नाव खेना।

कश्तीराँ (کشتی راں) फा. वि.—दे. 'कश्तीबान'।

कश्तीरानी (کشتی رانی) फा. स्त्री.—दे. 'कश्तीबानी'।

कश्फ़ (کشف) अ.पुं.—ज़ाहिर होना, प्रकट होना; आत्म-शक्ति द्वारा गुप्त बातों का ज्ञान, मुकाशफ़ः।

कश्मीर (کشمیر) फा. पुं.—भारत का एक प्रसिद्ध प्रदेश।

कश्मीरी (کشمیری) फा. वि.—कश्मीर से सम्बन्धित; कश्मीर का निवासी; कश्मीर की भाषा; कश्मीर का।

क़िश्र (قشر) अ. पुं.—छिलका, भूसी, तुष।

क़िश्रुलबैज़ (قشر البیض) अ. पुं.—अंडे का छिलका।

कश्वर (کشور) फा. स्त्री.—देश, मुल्क; महाद्वीप, बर्रे-आ'ज़म; प्रदेश, इलाक़ः, दे. 'किश्वर', दोनों शुद्ध हैं।

क़श्वर (قشور) अ. स्त्री.–वह स्त्री जिसे मासिक-धर्म न आता हो, नष्टार्तव।

कश्वरकुशा (کشورکشا) फ़ा.वि.–शासक, हाकिम, हुक्मराँ।

कश्वर सिताँ (کشورستاں) फ़ा. वि.–विश्वविजयी, आलमगीर।

कश्शाफ़ (کشاف) अ. वि.–खोलनेवाला, प्रकट करनेवाला।

क़स[स्स] (قص) अ. पुं.–वक्षस्थल, सीना, छाती; सीने की हड्डी।

कस (کس) फ़ा. पुं.–व्यक्ति, शख़्स।

क़सबः (قصبہ) अ. पुं.–डाली, शाख़ा; छोटा शहर।

क़सब (قصب) अ. पुं.–नर्कट, नर्कुल, नम; हर चीज़ जो नर्कट-जैसी भीतर से ख़ाली हो।

क़सबुज़्ज़रीरः (قصب الزریرہ) अ. पुं.–चिरायता, एक वनौषधि।

क़सबुलजीब (قصب الجیب) अ. पुं.–काँस, एक घास।

क़सबुलजेब (قصب الجیب) अ. पुं.–ख़त रखने का बाँस आदि का खोल, जिसमें रखकर ख़त भेजे जाते थे।

क़सबुलहबीब (قصب الحبیب) अ. पुं.–गन्ना, नैशकर, ऊख।

क़सबुस्सबक़ (قصب السبق) अ. पुं.–वह बल्लम जो दूर पर गाड़ दिया जाता है और कुछ सैनिक सवार घोड़े दौड़ाकर उसकी ओर दौड़ते हैं, जो उसे पहले उखाड़ लेता है उसे इनाम दिया जाता है।

क़सम (قسم) अ. स्त्री.–शपथ, सौगंद।

कसमपुर्सी (کسمپرسی) फ़ा. स्त्री.–बेबसी, बेकसी; ऐसा जीवन जिसमें कोई पूछनेवाला न हो।

कसल (کسل) अ. पुं.–शिथिलता, आलस्य, काहिली; क्लांति, श्रान्ति, थकावट।

कसलमंद (کسل مند) अ. फ़ा. वि.–क्लान्त, म्लान, श्रांत, थका हुआ।

क़सस (قصص) अ. पुं.–क़िस्सा कहना, कहानी कहना।

क़साइद (قصائد) अ. पुं.–'क़सीदः' का बहु., क़सीदे।

कसाद (کساد) अ. पुं.–सस्तापन, मंदता; ख़रीदारों का अभाव; किसी वस्तु का प्रचलित न होना, बेरिवाजी।

कसादबाज़ारी (کساد بازاری) अ. फ़ा. स्त्री.–बाज़ार भाव का बहुत मंदा हो जाना; बाज़ार में ख़रीद फ़रोख़्त बहुत कम हो जाना; किसी चीज़ की पूछताछ न होना, कसमपुर्सी।

कसाफ़त (کثافت) अ.स्त्री.–मलिनता, समलता, मैलापन; अशुद्धता, गंदगी।

क़सारत (قصارت) अ. स्त्री.–कपड़े धोना, धोबी का काम।

कसालत (کسالت) अ. स्त्री.–दे 'कसल'।

क़सावत (قساوت) अ. स्त्री.–निर्दयता, बेरहमी; कठोरता, सख़्ती।

क़सावतेक़ल्बी (قساوت قلبی) अ. स्त्री.–हृदय का कठोर होना, निर्दयता।

क़सी (قسی) अ. वि.–निर्दय, कठोर, हृदय, बेरहम।

क़सी-उल-क़ल्ब (قسی القلب) अ. वि.–कठोर हृदयवाला, पाषाणहृदय, सख़्त दिल।

कसीदः (کسیدہ) अ. वि.–वह माल जिसकी बिक्री न हो, जिसका चलन उठ गया हो।

क़सीदः (قصیدہ) अ. पुं.–पद्यात्मक प्रशंसा; नज़्म की एक क़िस्म जिसमें किसी महान व्यक्ति की प्रशंसा की जाती है ऐसी प्रशंसा जिसमें यथार्थता कम हो, भटई।

क़सीदःख़्वाँ (قصیدہ خواں) अ. फ़ा. वि.–क़सीदा पढ़नेवाला; झूठी प्रशंसा करनेवाला, ख़ुशामदी; भाट, बंदी।

क़सीदःख़्वानी (قصیدہ خوانی) अ. फ़ा. स्त्री.–क़सीदा पढ़ना; झूठी प्रशंसा करना, भटई करना।

क़सीदःगो (قصیدہ گو) अ. फ़ा. वि.–क़सीदा लिखनेवाला, वह शाइर जो क़सीदे अधिक और अच्छे लिखता हो।

क़सीदःगोई (قصیدہ گوئی) अ. फ़ा. स्त्री.–क़सीदे लिखना।

कसीद (کسید) अ. वि.–वह माल जिसका चलन न रहा हो।

क़सीद (قصید) अ. पुं.–सूखा चमड़ा; तीन शे'रों से अधिक दस तक; टूटा हुआ, शिकस्ता।

कसीफ़ (کثیف) अ. वि.–मलिन, मैला; अपवित्र, गंदा।

कसीफ़ुत्तब्अ (کثیف الطبع) अ. वि.–जिसकी आत्मा अशुद्ध हो, बदबातिन।

कसीफ़ुलबातिन (کثیف الباطن) अ. वि.–दे. 'कसीफ़ुत्तब्अ'।

क़सीमः (قسیمہ) अ. पुं.–मुश्क का नाफ़ा।

क़सीम (قسیم) अ. वि.–भागीदार, साझीदार, शरीक़; बाँटनेवाला, विभाजक।

क़सीर (قصیر) अ. वि.–ह्रस्व, छोटा; वामन, बौना।

कसीर (کثیر) अ. वि.–अधिक, प्रचुर, बहुत।

कसीर (کسیر) अ. वि.–टूटा हुआ, शिकस्तः, खंडित।

कसीरुज़्ज़ौजात (کثیر الزوجات) अ. पुं.–जिसकी बहुत-सी पत्नियाँ हों, अनेकभार्य, बहुपत्नीक।

कसीरुत्तहम्मुल (کثیر التحمل) अ. वि.–जिसमें धैर्य बहुत हो, बहुक्षम, बहुधैर्य।

कसीरुत्ता'दाद (کثیر التعداد) अ. वि.–जो गिनती में बहुत हों, बहुसंख्यक, विपुल, असंख्य।

कसीरुलअख़्लाक़ (کثیر الاخلاق) अ. वि.–जो बहुत सुशील और मिलनसार हो, बहुशील।

कसीरुलअज़्लाअ (كثير الاضلاع) अ. वि.–वह क्षेत्र जिसमें बहुत-सी भुजाएँ हों, बहुभुज क्षेत्र।

कसीरुलअत्फ़ाल (كثير الاطفال) अ. वि.–वह व्यक्ति जिसकी संतान बहुत हो, बहुसंतति; वह स्त्री जिसने बहुत से बच्चे जने हों, बहुप्रसवा, बहुसू, कृमिला।

कसीरुलअफ़्कार (كثير الافکار) अ. वि.–जिसे चिंताएँ बहुत हों, बहुचिंत।

कसीरुलअलाइक़ (كثير العلائق) अ. वि.–जो मायाजाल में पूरी तरह फँसा हो; जिसके मित्र और रिश्तेदार बहुत हों; जिसके पीछे दुनिया के बहुत से झगड़े लगे हों।

कसीरुलअश्काल (كثير الاشکال) अ. वि.–जिसके बहुत से रूप हों; बहुरूप, अनेकाकार।

कसीरुलइयाल (كثير العيال) अ. वि.–जिसके बाल-बच्चे बहुत हों; जिसकी संतति अधिक और आय कम हो।

कसीरुलइल्म (كثير العلم) अ. वि.–जो बहुत बड़ा विद्वान् हो, बहुविद्।

कसीरुलऔलाद (كثير الاولاد) अ. वि.–दे. 'कसीरुलइयाल'।

कसीरुलऔसाफ़ (كثير الاوصاف) अ. वि.–जिसमें बहुत अधिक गुण और अच्छाइयाँ हों, बहुगुण।

कसीरुलकलाम (كثير الكلام) अ. वि.–जो बहुत बातें करता हो, वाचाल, बहुलालाप, बक्की, झक्की।

क़सीरुलक़ामत (قصير القامت) अ. वि.–बहुत छोटे डील-डौल का, बौना, वामन, ह्रस्वांग।

कसीरुलख़ैर (كثير الخير) अ. वि.–जो बहुत अधिक दानशील हो, जो अच्छे कामों में काफ़ी खर्च करता हो, जो ग़रीबों की काफ़ी सहायता करता हो।

कसीरुलमा'ना (كثير المعنى) अ. वि.–वह शब्द, वाक्य या शे'र जिसके बहुत से अर्थ हों, अनेकार्थ।

कसीरुलमाल (كثير المال) अ. वि.–जिसके पास धन बहुत हो, धनाढ्य, विपुलद्रव्य, पृथुलधन।

कसीरुलवुक़ूअ (كثير الوقوع) अ. वि.–ऐसी घटना जो प्रायः घटित होती रहती हो।

कसीरुश्शा'र (كثير الشعر) अ. वि.–जिसके शरीर पर बाल बहुत हों, लोमश, बहुलोमा।

कसीरुश्शह्वत (كثير الشهوت) अ. वि.–जिसमें कामवासना का आधिक्य हो, बहुकाम, अतिकामी, घोर विषयी।

कसीरुस्समर (كثير الثمر) अ. वि.–ऐसा वृक्ष जिसमें फल बहुत आते हों।

क़सील (قصيل) अ. पुं.–जौ, जो अभी पूरी तरह पके न हों, अधपका जौ।

कसीस (كسيس) अ. पुं.–सुखाया हुआ क़ोमा; छुहारे की मदिरा।

कसीह (كسيح) अ. वि.–विवश, लाचार; जो एक जगह ठहरकर रह गया हो, हिल-डुल न सके।

कसूस (كثوث) अ. पुं.–एक बेल जो वृक्षों पर फैलती है, अमर बेल।

कसे बाशद (كسے باشد) फा. वा.–कोई हो, चाहे कोई हो।

कसो को (کس و کو) फा. पुं.–मित्र और स्वजन।

कसो नाकस (کس و ناکس) फा. पुं.–अच्छा-बुरा, हर प्रकार का व्यक्ति, बड़ा-छोटा, हर आदमी।

क़स्द (قصد) अ. पुं.–संकल्प, निश्चय, इरादा; इच्छा, कामना, ख़्वाहिश।

क़स्दन (قصداً) अ. वि.–जान-बूझकर, निश्चयपूर्वक।

क़स्बः (قصبه) अ. पुं.–शहर से छोटी और गाँव से बड़ी बस्ती।

कस्ब (كسب) अ. पुं.–कमाई, उपार्जन; उद्यम, धंधा, रोज़गार; वेश्यावृत्ति, वेश्याकर्म, रंडीपन।

क़स्ब (قصب) अ. पुं.–काटना, छेदन।

कस्बी (كسبى) अ. वि.–वह विद्या जो कमाने और परिश्रम करने से प्राप्त हो, 'वह्बी' का उलटा; वेश्या, गणिका।

कस्बे इल्म (كسب علم) अ. पुं.–विद्या प्राप्त करना, विद्योपार्जन।

कस्बे कमाल (كسب كمال) अ. पुं.–कोई गुण प्राप्त करना, गुणोपार्जन।

कस्बे ज़र (كسب زر) अ. फा. पुं.–रुपया कमाना, धनोपार्जन।

कस्बे हुनर (كسب هنر) अ. फा. पुं.–कोई शिल्प या कला सीखना, शिल्पोपार्जन।

क़स्म (قسم) अ. पुं.–बाँटना, वंटन; दान करना, बख़्शिश करना।

क़स्मत (قسمت) अ. स्त्री.–हिस्से लगाना, हिस्से बाँटना।

कस्रः (كسره) अ. पुं.–उर्दू में 'ज़ेर' की अलामत, ज़ेर की मात्रा।

कस्र (كسر) अ. पुं.–ज़ेर की मात्रा; टूट, शिकस्तगी; वह संख्या जो एक से कम हो, भिन्न, जैसे, $\frac{1}{2}$, $\frac{1}{4}$, $\frac{3}{7}$, $\frac{2}{6}$।

क़स्र (قسر) अ. पुं.–किसी से बलात् कोई काम लेना, ज़बरदस्ती किसी काम पर लगाना।

क़स्र (قصر) अ. स्त्री.–न्यूनता, कमी; त्रुटि, ख़ामी, (पुं.) भवन, प्रासाद, महल।

कस्रत (كسرت) अ. स्त्री.–व्यायाम, वर्ज़िश।

कस्रत (كثرت) अ. स्त्री.–प्राचुर्य, बाहुल्य, अधिकता, प्रचुरता, बहुतात, इफ़रात।

क़स्रतगाह (کسرتگاہ) अ. फा. स्त्री.—क़स्रत करने का स्थान, व्यायामशाला।

क़स्रेनफ़्सी (کسرنفسی) अ. स्त्री.—नम्रता, विनीति, ख़ाकसारी।

क़स्रेशान (کسرشان) अ. स्त्री.—शान के ख़िलाफ़, हेठी, अपमान, बेइज़्ज़ती।

कस्लान (کسلان) अ. वि.—आलस, काहिल, सुस्त, आलसी।

क़स्वः (قسوہ) अ. पुं.—हृदय की कठोरता, सख़्तदिली।

क़स्वरः (قسورہ) अ. पुं.—व्याघ्र, सिंह, शेर।

क़स्सा (قثا) अ. स्त्री.—ककड़ी।

क़स्साब (قصاب) अ. पुं.—गोश्त बेचनेवाला, मांस-विक्रेता; पशुवध करनेवाला, क़साई।

क़स्साबख़ानः (قصابخانہ) अ. फा. पुं.—मांस बिकने का स्थान; पशुवध का स्थान, वधस्थल, कसाईख़ाना।

क़स्साम (قسام) अ. वि.—बाँटनेवाला, वितरण करनेवाला; क़िस्मत लिखनेवाला, भाग्य-लिपिक।

क़स्सामे अज़ल (قسام ازل) अ. पुं.—मनुष्य की उत्पत्ति के समय उसके भाग्य में उसका भाग लिखनेवाला, ईश्वर।

क़स्सार (قصار) अ. वि.—कपड़े धोनेवाला, धोबी, रजक।

कह (کہ) फा. स्त्री.—'काह' का लघु., घास, तृण।

कहकशाँ (کہکشاں) फा. स्त्री.—आकाशगंगा, छायापथ।

कहगिल (کہگل) फा. स्त्री.—मट्टी में घास मिलाकर दीवारों पर लेस करने के लिए बनाया जानेवाला गारा।

कहनः (کہنہ) अ. पुं.—'काहिन' का बहु., शकुन विचारनेवाले।

कहर (کہر) फा. पुं.—कुमैत, कुम्मैत; कुम्मैती रंग।

कहरुबा (کہربا) फा. पुं.—एक हलका पत्थर ज़ो घास को अपनी ओर खींचता है, तृणमणि।

कहरुबाई (کہربائی) फा. वि.—कहरुबा से सम्बन्ध रखनेवाला; बर्क़ी, विद्युत्सम्बन्धी।

कही (کہی) फा. पुं.—वह सैनिक जो सेना के आगे चलकर पड़ाव के लिए घोड़ों के दाना-घास का प्रबंध करते हैं।

कहूल (کہول) अ. वि.—खिचड़ी डाढ़ीवाला, अधेड़ उम्र वाला।

क़हक़ाह (قہقاہ) फा. पुं.—अट्टहास, क़हक़हा "किसी के क़हक़हे मे प्यार की रंगीन अँगड़ाई, उतर आई हज़ारों बार दिल में, छू के गहराई।"

क़ह्त (قحط) अ. पुं.—दुर्भिक्ष, अकाल; अभाव, क़िल्लत, बहुत अधिक कमी।

क़ह्तज़दः (قحطزدہ) अ. फा. वि.—अकाल का मारा हुआ, जिसे अकाल के कारण खाने को बहुत कम मिला हो, दुर्भिक्षग्रस्त।

क़ह्तज़दगी (قحطزدگی) अ. फा. स्त्री.—अकाल के कारण भूखों मरना।

क़ह्तसाली (قحطسالی) अ. फा. स्त्री.—दुर्भिक्ष, अकाल; अवर्षा, पानी की कमी।

क़ह्तुर्रिजाल (قحط الرجال) अ. पुं.—अच्छे और सज्जन मनुष्यों का अभाव।

कह्फ़ (کہف) अ. पुं.—गर्त, गढ़ा, ग़ार; खोह, गुफा, कंदरा।

क़ह्बः (قحبہ) अ. स्त्री.—दे. शु. उच्चारण क़ुह्बः'।

क़ह्र (قہر) अ. पुं.—क्रोध, कोप, ग़ुस्सा; दैवी कोप, अज़ाब; दैवी आपत्ति, बलाए आस्मानी।

कह्र (کہر) अ. पुं.—सूरज निकलना, दिन होना; चिल्लाना, शोर करना; कुपित होना, ग़ुस्सा करना।

क़हरमान (قہرمان) तु. पुं.—काम करनेवाला, कर्मचारी, कारकुन।

क़ह्रमान (قہرمان) फा. पुं.—शासक, हाकिम; शासन, हुकूमत; अत्याचार और अन्याय का शासन।

कह्ल (کہل) अ. पुं.—अधेड़ आयुवाला मनुष्य।

कह्ल (کحل) अ. पुं.—दुर्भिक्ष का समय, क़ह्त का साल।

क़ह्वः (قہوہ) अ. पुं.—एक दाना जिसे भूनकर पीसते और उबालकर पीते हैं, काफ़ी।

क़ह्वःख़ानः (قہوہخانہ) अ. फा. पुं.—जहाँ क़हवा पिया जाता है, काफ़ी-हाउस।

क़ह्हार (قہار) अ. वि.—बहुत अधिक कोप करनेवाला, महाकोपी; ईश्वर का एक नाम।

कह्हाल (کحال) अ. वि.—आँख के रोगों की चिकित्सा करनेवाला, सथिया; सुरमा बनाने और बेचनेवाला।

का

क़ाअ' (قاع) अ. पुं.—ऊंची-चौड़ी ज़मीन, जो समतल भी हो।

क़ाआन (قاآن) तु. वि.—न्यायशील राजा, आदिल बादशाह।

क़ाइदः (قاعدہ) अ. पुं.—नियम, उसूल; सिद्धांत, नज़रीयः; विधि, पद्धति, तरीक़ा; बच्चों के पढ़ने की अलिफ़ बे की पुस्तक।

क़ाइदःदाँ (قاعدہداں) अ. फा. वि.—क़ाइदा जाननेवाला, जिसे नियम और विधि आदि मालूम हो, आज़म, बड़ा वैधानिक।

क़ाइद (قائد) अ. वि.—अंधे की लाठी पकड़कर उसके आगे चलनेवाला; नेता, लीडर; फ़ौज का सरदार, सेनाध्यक्ष।

क़ाइद (قاعد) अ. वि.—बैठा हुआ, (स्त्री.) वह स्त्री जो रजोधर्म और जनन से फ़ारिग हो, (पुं.) वह खजूर जिस तक हाथ पहुँच जाय।

काइद (کائد) अ. वि.—छली, वंचक, धूर्त, मक्कार।

क़ाइदए कुल्लीयः (قاعدۂ کلیه) अ. पुं.—वह नियम जो एक-सी चीजों में सब पर लागू हो, व्यापक नियम।

काइन (کائن) अ. वि.—उपस्थित होनेवाला; उत्पन्न होनेवाला।

क़ाइन (قائن) तु. पुं.—पति का भाई, देवर; पत्नी का भाई (साला)।

काइनात (کائنات) अ. स्त्री.—ब्रह्मांड, खलाए आस्मानी; संसार, दुनिया; सामर्थ, हैसियत, बिसात।

क़ाइफ़ (قاعف) अ. पुं.—बहुत ही कड़ी वर्षा, सख़्त वारिश।

क़ाइफ़ (قائف) अ. वि.—चेहरा देखकर हाल बता देने-वाला, क़ियाफ़ःशनास, सामुद्रिक।

क़ाइमः (قائمه) अ. पुं.—पाया, खंभा; नव्वे अंश का कोण; वह खड़ी लकीर जो पड़ी लकीर पर गिरकर नव्वे अंश का कोण बनाये।

क़ाइम (قائم) अ. वि.—खड़ा होनेवाला, उल्लंबित; दृढ़, मज़बूत; स्थिर, पायदार (क़ायम)।

क़ाइम अंदाज़ (قائم انداز) अ.फा. वि.—शतरंज का बहुत बड़ा उस्ताद; बहुत बड़ा शक्तिशाली।

क़ाइम बिज़्ज़ात (قائم بالذات) अ. वि.—जिसका अस्तित्व विना दूसरे के सहारे के हो।

क़ाइम बिलग़ैर (قائم بالغیر) अ. वि.—जिसका अस्तित्व दूसरे के अस्तित्व पर अवलंबित हो, जैसे—रंग का अस्तित्व कपड़े के सहारे।

क़ाइम मक़ाम (قائم مقام) अ. वि.—जो किसी दूसरे के पद या स्थान पर नियुक्त हो, स्थानापन्न (क़ायम मुक़ाम)।

क़ाइम मिज़ाज (قائم مزاج) अ. वि.—जो किसी निश्चय पर अटल रहे, दृढ़निश्चय।

क़ाइलः (قائله) अ. स्त्री.—कहनेवाली, बात करनेवाली; क़ैलूलः करनेवाली।

क़ाइल (قائل) अ. वि.—कहनेवाला, बोलनेवाला; लाजवाब, निरुत्तर; दोपहर में खाने के पश्चात् थोड़ी देर लेटने-वाला (क़ायल)।

काऊस (کاؤس) फा. पुं.—कैकाऊस, ईरान का सम्राट्, रुस्तम इसी का नौकर था।

क़ाक़ (قاق) तु. पुं.—सुखाया हुआ मांस; सूखा-साखा मनुष्य।

क़ाक़ (قاق) अ. वि.—बहुत लम्बा व्यक्ति।

काक (کاک) फा. स्त्री.—आटे की मोटी और छोटी रोटी, टिकिया।

का'क (کعک) अ. स्त्री.—दे. 'काक'।

काका (کاکا) तु. पुं.—बड़ा भाई, अग्रज; घर का बड़ा बूढ़ा नौकर।

क़ाक़ुम (قاقم) फा. पुं.—एक जंगली जन्तु जिसकी खाल बहुत मुलायम होती है और उसका पोस्तीन बनता है; उस जानवर की खाल।

क़ाक़ुमे उंगुश्तनुमा (قاقم انگشت‌نما) फा. पुं.—एक प्रकार का क़ाक़ुम जिसके रोएँ अंगुल-अंगुल भर उठे होते हैं।

क़ाक़ुलः (قاقله) अ. स्त्री.—बड़ी इलाइची।

काकुल (کاکل) फा. स्त्री.—बालों की लट, केशपाश; अलक, जुल्फ़; माथे पर के बाल।

क़ाक़ुलतैन (قاقلتین) अ. स्त्री.—छोटी और बड़ी दोनों इलाइचियाँ।

काकुले परीशाँ (کاکل پریشاں) का.स्त्री.—बिखरे हुए बाल।

काकुले पेचाँ (کاکل پیچاں) फा. स्त्री.—घुंघरवाले बाल।

काकुले शम्अ (کاکل شمع) फा. अ. स्त्री.—चिराग़ या शमा का धुवाँ।

काख़ (کاخ) फा. पुं.—भवन, प्रासाद, महल; वर्षा, बारिश।

काग़ (کاغ) फा. पुं.—आग, अग्नि; पशुओं की जुगाली; रोना-धोना, शोरग़ुल।

काग़ज़ (کاغذ) अ. पुं.—लिखने का काग़ज़, पत्र; दस्तावेज़ आदि।

काग़ज़गर (کاغذگر) अ. फा. त्रि.—काग़ज़ बनानेवाला, काग़ज़ी।

काग़ज़गीर (کاغذگیر) अ. फा. पुं.—खिड़की या झरोखा जिस पर काग़ज़ या अभ्रक मढ़ा गया हो।

काग़ज़ात (کاغذات) अ. पुं.—'काग़ज़' का बहु., वह काग़ज़ जो किसी विषय से सम्बन्धित हों।

काग़ज़ी (کاغذی) अ. वि.—काग़ज़ से सम्बन्धित; काग़ज़ का; काग़ज़ बनानेवाला; बहुत हलके छिलके का; काग़ज़ का बना हुआ।

काग़ज़ेज़र (کاغذ زر) अ. फा. पुं.—प्रामेसरी नोट, पत्र मुद्रा।

काग़ज़ेबाद (کاغذ باد) अ. फा. पुं.—पतंग, जो हवा में उड़ाई जाती है।

काग़ज़े हल्वा (کاغذ حلوا) अ. पुं.—मिठाई पर लपेटा जानेवाला काग़ज़; व्यर्थ वस्तु, जैसे—मिठाई खा लेने के बाद उसका काग़ज़ व्यर्थ हो जाता है।

काग़द (کاغد) फा. पुं.—दे. 'काग़ज़'।

काचक (کاچک) फा. पुं.—खोपड़ी की हड्डी।

काचार (کاچار) फा. पुं.—घर का सामान, घर का अस-बाब, गृह-सामग्री।

काचाल (کاچال) फा. पुं.—दे. 'काचार'।

काज़ः (کازه) फा. पुं.—वह गढ़ा जिसमें शिकारी छिपकर बैठता है और उस पर पत्ते और घास-फूस डाल लेता है।

क़ाज़ (قاز) तु. पुं.—हंस की जाति का एक पक्षी जो

दूसरे ठंडे देशों से जाडों में भारत आ जाता है और जाड़ों के वाद लौट जाता है।

काज़ (کاز) फा. पुं.–फूस का छप्पर या झोंपड़ा, फूस का मकान।

काज (کاچ) फा. अव्य.–काश, ईश्वर करे; भेंगा, जिसे एक की दो चीज़ें दिखाई पड़ती हों।

काज (کاژ) फा. पुं.–भेंगा, अह्‌वल; सनोवर की एक जाति।

क़ाज़िए चर्ख़ (قاضئی چرخ) अ. फा. पुं.–मुश्तरी, बुध ग्रह।

क़ाज़िए शह्र (قاضئی شہر) अ. फा. पुं.–वह क़ाज़ी जो शह्र में निकाह पढ़ाता है।

काज़िब: (کاذبہ) अ. स्त्री.–झूठ बोलनेवाली, मिथ्या-वादिनी।

काज़िब (کاذب) अ. वि.–झूठा, मिथ्यावादी।

क़ाज़िब (قازب) अ. वि.–लालची व्यापारी, जो माल पर अधिक से अधिक लाभ लेना चाहता हो।

काज़िम (کاظم) अ. वि.–क्रोध की बात पर क्रोध न करनेवाला, धैर्यवान्; इमाम मूसारिज़ा की उपाधि।

क़ाज़ियुल हाजात (قاضی الحاجات) अ. पुं.–कामनाएं पूरी करनेवाला; ईश्वर।

क़ाज़ी (قاضی) अ. वि.–न्यायकर्ता, मुंसिफ़; निकाह पढ़ानेवाला; देनेवाला, अदा करनेवाला।

काज़ीर: (کاجیرہ) फा. पुं.–दे. 'काज़ीर:'

काज़ीर: (کازیرہ) फा. पुं.–कुसुम का फूल।

क़ाज़ूर: (قاذورہ) अ. स्त्री.–अपवित्रता, नापाकी; गंदगी, मलिनता।

क़ाज़ूरात (قاذورات) अ. स्त्री.–नापाकियां, गंदगियां।

कात (کات) फा. पुं.–ख़ुरासान का एक नगर; एक चावल; कत्था।

क़ातईन (قاطعین) अ. पुं.–'क़ाते' का बहु., यात्रा करनेवाले, मुसाफ़िर लोग, पथिकगण।

क़ातिउत्तरीक़ (قاطع الطریق) अ. पुं.–रास्ते में लूट लेनेवाला, लुटेरा, क़ज़्ज़ाक़।

क़ातिएतरीक़ (قاطع طریق) अ. पुं.–दे. 'क़ातिउत्तरीक़' दोनों शुद्ध हैं।

क़ातिएबाह (قاطع باہ) अ. फा. पुं.–वह खाद्य पदार्थ जो काम-शक्ति के लिए विनाशकर हो, वीर्यनाशक पदार्थ।

क़ातिन (قاطن) अ. वि.–जो किसी स्थान पर ठहरा हुआ हो, जो सफ़र में न हो, 'मुसाफ़िर' का उलटा।

क़ातिनीन (قاطنین) अ. पुं.–ठहरे हुए लोग।

कातिब (کاتب) अ. वि.–लिखनेवाला, लेखक; क्लर्क, लिपिक; लीथो प्रेस पर छपने के लिए एक विशेष काग़ज़ पर विशेष सियाही से लिखने का काम करनेवाला।

क़ातिबतन (قاطبتاً) अ. वि.–नितान्त, बिलकुल, सर्वथा; सब, तमाम।

कातिबे अज़ल (کاتب ازل) अ. पुं.–मनुष्य की उत्पत्ति के समय भाग्य-रचना करनेवाला, भाग्य-लेखक, ईश्वर।

कातिबे आ'माल (کاتب اعمال) अ. पुं.–भले बुरे कर्म लिखनेवाला फ़िरिश्ता, कर्म-लेखक।

कातिबे क़िस्मत (کاتب قسمت) अ. पुं.–भाग्य-लेखक, कातिबे अज़ल।

कातिबे क़ुद्रत (کاتب قدرت) अ. पुं.–दे. 'कातिबे अज़ल'।

कातिबे तक़दीर (کاتب تقدیر) अ. पुं.–दे. कातिबे क़िस्मत।

क़ातिम (قاتم) अ. वि.–काला, कृष्ण, सियाह।

क़ातिर (قاتر) तु. पुं.–अश्वतर, ख़च्चर।

क़ातिल (قاتل) अ. वि.–वध करनेवाला, मार डालनेवाला, वधक, हिंसक, वधिक।

क़ाते' (قاطع) अ. वि.–काटनेवाला, विच्छेदक; सफ़र करनेवाला, पथिक।

क़ादिम (قادم) अ. वि.–यात्रा करके लौटा हुआ, सफ़र से वापस आया हुआ।

क़ादिमुलइंसान (قادم الانسان) अ. पुं.–मनुष्य की खोपड़ी, आदमी का सिर।

क़ादिर (قادر) अ. वि.–शक्तिशाली, ताक़तवर; समर्थ, क़ाबूदार; ईश्वर का एक नाम।

क़ादिर अंदाज़ (قادر انداز) अ. फा. वि.–जँचा-तुला निशाना लगानेवाला, निशानची, लक्ष्यभेदी, शब्दभेदी।

क़ादिर अंदाज़ी (قادر اندازی) अ. फा. स्त्री.–जँचा-तुला निशाना लगाना, लक्ष्यभेद।

क़ादिर अलल्इत्लाक़ (قادر علی الاطلاق) अ. पुं.–सर्वशक्तिमान्, हर बात करने की शक्ति रखनेवाला, अर्थात् ईश्वर।

क़ादिरदस्त (قادر دست) अ. फा. वि.–जिसका हाथ किसी काम में मँजा हुआ हो।

क़ादिरुलकलाम (قادر الکلام) अ. वि.–बातचीत करने या भाषण देने में निपुण, वागीश, वाक्यपटु।

क़ादिरे मुत्लक़ (قادر مطلق) अ. पुं.–दे. 'क़ादिर अलल्इत्लाक़'।

क़ादिस (قادس) अ. पुं.–बड़ी नाव, स्टीमर।

कान (کان) फा. स्त्री.–खान, खनि, मख़्ज़न।

क़ान (قان) तु. पुं.–रक्त, लोहू, ख़ून।

कानकन (کان کن) फा. वि.–खान में काम करनेवाला मज़दूर, खनक।

कानकनी (کان کنی) फा. स्त्री.–खान में काम करना, खान में खुदाई का काम, खनि-कर्म।

क़ानित (قانت) अ. वि.–आज्ञाकारी, फ़र्मांबरदार; नमाज़ में दुआ माँगनेवाला।

क़ानितीन (قانتين) अ. पुं.–'क़ानित' का बहु., आज्ञाकारी लोग; नमाज़ में दुआ माँगनेवाले।

क़ानिस (قانص) अ. वि.–शिकार करनेवाला, आखेटक।

कानी (کانی) फा. वि.–खान से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु; खान से निकला हुआ पदार्थ।

क़ानी (قانی) तु. वि.–बहुत अधिक लाल।

क़ानून (قانون) अ. पुं.–विधान, आईन; नियम, उसूल; रीति, विधि, तरीका, परम्परा, रिवाज।

कानून (کانون) फा. स्त्री.–भट्ठी, भ्राष्ट्र; चूल्हा, अँगीठी।

क़ानूनगो (قانون‌گو) अ. फा. पुं.–माल विभाग का एक पदाधिकारी जो पटवारियों के काम की देख-रेख करता है।

क़ानूनदाँ (قانون‌داں) अ. फा. वि.–क़ानून जाननेवाला, विधानज्ञ; वकील, अभिभाषक, अभिवक्ता।

क़ानूनदानी (قانون‌دانی) अ. फा. स्त्री.–क़ानून जानना, क़ानून की जानकारी।

क़ानूनन (قانوناً) अ. वि.–विधान के अनुसार, क़ानून के मुताबिक़।

क़ानूनशिकनी (قانون شکنی) अ. फा. स्त्री.–क़ानून को न मानना, नियम-भंग; सिविल नाफ़र्मानी; सविनय अवज्ञा।

क़ानूनसाज़ (قانون ساز) अ. फा. वि.–क़ानून बनानेवाला, विधायक; क़ानून बनानेवाली एसेम्बली, विधायिका।

कानूने अव्वल (کانون اول) फा. अ. पुं.–एक तुर्की महीना जो 'पूस' के लगभग पड़ता है।

कानूने आख़िर (کانون آخر) अ. पुं.–एक तुर्की महीना जो 'माघ' के लगभग पड़ता है।

क़ानूने जंग (قانون جنگ) अ. फा. पुं.–लड़ाई का क़ानून, युद्धविधान।

क़ानूने ता'ज़ीरात (قانون تعزیرات) अ. पुं.–सज़ा का क़ानून, दंड-विधान।

क़ानूने फ़ित्रत (قانون فطرت) अ. पुं.–प्राकृतिक नियम, नेचर का क़ानून।

क़ानूने विरासत (قانون وراثت) अ. पुं.–किसके बाद कौन उत्तराधिकारी होता है इसका क़ानून।

क़ानूने शहादत (قانون شہادت) अ. पुं.–गवाही लिये जाने का क़ानून, साक्षी-विधान, 'एविडेन्स ऐक्ट'।

क़ानूने हिसस (قانون حصص) अ. पुं.–दाय और रिक्थ में किसको कितना भाग मिलना चाहिए, इसका क़ानून।

क़ाने' (قانع) अ. वि.–जो कुछ मिल जाय उसी पर संतुष्ट रहनेवाला, आत्मसंतोषी, स्थितप्रज्ञ, निस्पृह, कालतुष्ट।

काने ज़र (کان زر) फा. स्त्री.–सोने की खान, स्वर्णाकर।

काने नमक (کان نمک) फा. स्त्री.–नमक की खान, लवणाकर; बहुत ही सलोना और सुन्दर व्यक्ति।

काने मलाहत (کان ملاحت) फा. अ. स्त्री.–अति लावण्यमयी सुन्दरी, बहुत ही मलीह हसीना।

क़ापी (قاپی) तु. पुं.–दरवाज़ा, द्वार।

क़ापू (قاپو) तु. पुं.–दरवाज़ा, द्वार।

क़ापूची (قاپوچی) तु. वि.–द्वारपाल, दरबान, ड्योढ़ीदार।

क़ाफ़ (قاف) फा. पुं.–एक उर्दू अक्षर; कोहे क़ाफ़, काकेशिया, जहाँ का सौन्दर्य प्रसिद्ध है।

काफ़ (کاف) फा. पुं.–एक उर्दू अक्षर; 'शिगाफ़' का लघु., दे. 'शिगाफ़'।

क़ाफ़ ता क़ाफ़ (قاف تا قاف) फा. वि.–सारा संसार, संपूर्ण जगत्, सारी दुनिया।

काफ़र (کافر) अ. पुं.–दे. 'काफ़िर', शुद्ध उच्चारण वही है परन्तु फ़ार्सीवाले काफ़र भी लिखते हैं।

क़ाफ़िय: (قافیہ) अ. पुं.–अन्त्यानुप्रास, अनुप्रास, तुक।

क़ाफ़िय:बंद (قافیہ بند) अ. फा. वि.–वह शेर जिनमें क़ाफ़िए की पाबंदी की गयी हो।

क़ाफ़िय:बंदी (قافیہ بندی) अ. फा. स्त्री.–कविता, शाइरी; फुसफुसी शाइरी जिसमें केवल क़ाफ़िए हों, मज़्मून न हो।

काफ़िर (کافر) अ. पुं.–सत्य को छिपानेवाला; ईश्वर की दी हुई ने'मतों पर कृतज्ञता प्रकट न करनेवाला, नदी; दर्या; कृषक, किसान; 'काफ़िरिस्तान' देश का निवासी; प्रेमपात्र, मा'शूक़।

काफ़िर माजरा (کافر ماجرا) अ. वि.–वह व्यक्ति जिसकी दशा काफ़िरों जैसी हो।

काफ़िरी (کافری) अ. वि.–क़ाफ़िरपन, नास्तिकता, मा'शूक़ीयत।

काफ़िरे ने'मत (کافر نعمت) अ. पुं.–अकृतज्ञ, कृतघ्न, नाशुक्रा।

क़ाफ़िल: (قافلہ) अ. पुं.–यात्रियों का समूह, मुसाफ़िरों की जमाअत, यात्रीदल।

क़ाफ़िल: सालार (قافلہ سالار) अ. फा. पुं.–यात्रियों के समूह का अध्यक्ष, सार्थपति।

काफ़िल (کافل) अ. वि.–प्रतिभू, ज़ामिन।

काफ़ी (کافی) अ. वि.–पर्याप्त, आवश्यकता के अनुसार; अत्यधिक, बहुत ज़ियादा।

काफ़ूर (کافور) फा. पुं.–कपूर, कर्पूर; स्वर्ग का एक चश्मा।

काफ़ूरख़्वार (کافورخوار) फा. वि.—नपुंसक, क्लीब, नामर्द; कपूर खानेवाला।

काफ़ूरी (کافوری) फा. वि.—काफ़ूर के रंग का, बहुत सफ़ेद; काफ़ूर की बनी हुई वस्तु; काफ़ूर पड़ी हुई वस्तु; काफ़ूर का।

काफ़ेरां (کافران) फा. स्त्री.—भग, योनि, फ़र्ज।

काफ़्तः (کافتہ) फा: वि.—फटा हुआ, विदीर्ण, शिगाफ़्तः।

काफ़्फ़ः (کافہ) अ. वि.—सर्व, समस्त, कुल, तमाम।

काफ़्फ़तुन्नास (کافۃالناس) अ. पुं.—जनसाधारण, सर्वसाधारण, जनता, अवाम।

काफ़्फ़तुल अनाम (کافۃالانام) अ. पुं.—दे. 'काफ़्फ़तुन्नास'।

का'बः (کعبہ) अ. पुं.—मक्के की एक इमारत जिसे मुसलमान ईश्वर का घर समझते हैं; चौकोर चीज; पाँसा।

क़ाब (قاب) फा. पुं.—चश्मा रखने का घर; आईना रखने का केस; पाँसा।

क़ाब (قاب) तु. पुं.—बड़ी रिकाबी, थाल; खाने का स्थान (पात्र)।

क़ाब (قاب) अ. पुं.—थोड़ी वस्तु; धनुष की मूठ और बाण रखने के स्थान का अन्तर।

क़ा'ब (قعب) अ. पुं.—लकड़ी का बड़ा पियाला; इतना बड़ा पियाला जो एक आदमी के लिए हो।

का'ब (کعب) अ. पुं.—टखना, पिंडली और पाँव के पंजे के बीच की हड्डी।

क़ाब ख़ानः (قاب‌خانہ) फा. पुं.—जुआघर, द्यूतागार, क़िमारख़ाना।

का'बतैन (کعبتین) अ. पुं.—पाँसों की जोड़ी, जिससे चौसर खेलते हैं।

क़ाबिज़ (قابض) अ. वि.—जिसका अधिकार हो, जिसका क़ब्ज़ा हो; कोष्ठ-ग्राहक, क़ब्ज़ करनेवाला पदार्थ।

क़ाबिज़े अर्वाह़ (قابض‌ارواح) अ. पुं.—प्राण निकालनेवाला, यमराज, धर्मराज, मलकुल मौत।

काबिर (کابر) अ. वि.—प्रतिष्ठित, पूज्य, मान्य, बुज़ुर्ग।

क़ाबिलः (قابلہ) अ. स्त्री.—विद्यावती स्त्री, क़ाबिल औरत; बच्चे जनानेवाली स्त्री, धाय, धात्री।

क़ाबिल (قابل) अ. वि.—विद्वान्, इल्मदाँ; योग्य, अह्लियत रखनेवाला; पात्र, मुस्तहक़; उचित, मुनासिब; कुशल, माहिर; दक्ष, निपुण, होशियार।

क़ाबिलानः (قابلانہ) अ. फा. वि.—विद्वत्तापूर्ण, आलिमाना; दक्षतापूर्ण, होशयाराना।

क़ाबिलीयत (قابلیت) अ. स्त्री.—विद्वत्ता, कौविद्य, इल्मीयत; योग्यता, क्षमता, अह्लीयत; पात्रता, इस्तेह्क़ाक़; कुशलता; महारत; दक्षता, निपुणता, होशियारी।

क़ाबिले अदब (قابل ادب) अ. वि.—मान्य, पूज्य, प्रतिष्ठित, जिसका आदर आवश्यक हो।

क़ाबिले अदा (قابل ادا) अ. वि.—जिसका दिया जाना आवश्यक हो, देय।

क़ाबिले आज़्माइश (قابل آزمائش) अ. फा. वि.—जिसकी परीक्षा ज़रूरी हो, परीक्ष्य।

क़ाबिले इंतिक़ाल (قابل انتقال) अ. वि.—वह सम्पत्ति और जाइदाद जो हस्तान्तरित हो सके, जो बेची या दी जा सके।

क़ाबिले इंतिख़ाब (قابل انتخاب) अ. वि.—वे मज़मून आदि जो किसी पुस्तक में सम्मिलित करने के लिए चुने जा सकें, उद्धरणीय; वह व्यक्ति जो किसी निर्वाचन-क्षेत्र से चुना जा सके।

क़ाबिले इख़राज (قابل اخراج) अ. वि.—निकाल देने योग्य, निष्कासनीय; नाम ख़ारिज कर देने योग्य; बरख़ास्त कर देने योग्य।

क़ाबिले इन्आम (قابل انعام) अ. वि.—पुरस्कार दिये जाने योग्य व्यक्ति; पुरस्कार के योग्य काम।

क़ाबिले इन्क़िसाम (قابل انقسام) अ. वि.—बँटवारे के योग्य, विभाज्य; तक़्सीम के लायक़, वितरणीय।

क़ाबिले इन्फ़िकाक (قابل انفکاک) अ. वि.—जो वस्तु बंधक-मुक्त हो सकती हो, जो चीज़ रेहन से छूट सकती हो।

क़ाबिले इन्फ़िसाख़ (قابل انفساخ) अ. वि.—जो प्रतिज्ञा या वचन भंग किया जा सके; जो निर्णय रद किया जा सके, मंसूख़ हो सके।

क़ाबिले इम्तिहान (قابل امتحان) अ. वि.—जिसकी परीक्षा की जा सके, परीक्ष्य; जिसकी परीक्षा आवश्यक हो।

क़ाबिले इम्दाद (قابل امداد) अ. वि.—सहायता देने के योग्य, दुःखी, लाचार, असहाय।

क़ाबिले इल्तिफ़ात (قابل التفات) अ. वि.—जिसकी ओर ध्यान देना आवश्यक हो।

क़ाबिले इल्तिवा (قابل التوا) अ. वि.—जिस समस्या का स्थगित या मुल्तवी हो जाना आवश्यक हो; जो स्थगित किया जा सके।

क़ाबिले इश्तिबाह (قابل اشتباہ) अ. वि.—जिस पर संदेह किया जा सके; शंकनीय।

क़ाबिले इस्ते'माल (قابل استعمال) अ. वि.—जो प्रयोग किया जा सके, जिसका प्रयोग ज़रूरी हो, प्रयोज्य।

क़ाबिले उबूर (قابل عبور) अ. वि.—जो पार किया जा सके, जिसके आर-पार जाया जा सके।

क़ाबिले ए'तिबार (قابل اعتبار) अ. वि.—जिसका विश्वास किया जा सके, विश्वसनीय; मोतबर, विश्वस्त।

क़ाबिले एʼतिमाद (قابل اعتماد) अ.वि.–जिस पर भरोसा किया जा सके, विश्वासपात्र; मोतबर, विश्वस्त।

क़ाबिले एʼतिराज़ (قابل اعتراض) अ. वि.–जो बात एतराज़ के लायक़ हो, ग़लत बात, आपत्तिजनक।

क़ाबिले एह्तिराम (قابل احترام) अ. वि.–जिसकी प्रतिष्ठा आवश्यक हो, पूज्य, मान्य।

क़ाबिले एहसास (قابل احساس) अ. वि.–जो बात हृदय में कोई खटक पैदा करे, दिल को जँचने योग्य, जिसका अनुभव हो सके।

क़ाबिले क़बूल (قابل قبول) अ. वि.–जो बात मानी जा सके, स्वीकरणीय; जो बात मन को लग सके, जिस बात को चित्त क़बूल करे, ग्रहणीय, ग्राह्य; जिस वस्तु के लेने में कोई आपत्ति न हो।

क़ाबिले गुज़ारिश (قابل گزارش) अ.फा.वि.–जो बात कहने योग्य हो, आवेदनीय; जिसका कहा जाना आवश्यक हो, प्रार्थना के योग्य।

क़ाबिले ग़ौर (قابل غور) अ.वि.–जिस बात पर विचार करना आवश्यक हो, चिंत्य, विचार्य; जो बात अथवा समस्या, साधारण तौर पर तै कर देना उचित न हो, ध्यान देने योग्य।

क़ाबिले ज़िक्र (قابل ذکر) अ. वि.–जिसकी चर्चा या उल्लेख आवश्यक हो, उल्लेखनीय, वर्णनीय, कथनीय।

क़ाबिले ज़िराअत (قابل زراعت) अ. वि.–ऐसी भूमि जिसे जोता-बोया जा सके, कृष्य, खेती योग्य।

क़ाबिले तंबीह (قابل تنبیه) अ. वि.–ऐसा व्यक्ति जिसे किसी भूल पर डाँटना और चेतावनी देना आवश्यक हो।

क़ाबिले तक़्सीम (قابل تقسیم) अ. वि.–जो बाँटा जा सके, विभाज्य; जिसका बँटवारा आवश्यक हो।

क़ाबिले तज्वीज़ (قابل تجویز) अ. वि.–जिसका निर्णय किया जा सके, निर्णेय; जो सोचा जा सके; जिसका निर्णय आवश्यक हो।

क़ाबिले तज़्हीक (قابل تضحیک) अ.वि.–ऐसा विषय जो उपहास के योग्य हो, जिस पर लोग हँसें, हास्य।

क़ाबिले तब्दील (قابل تبدیل) अ. वि.–जो बदला ज़ा सके; जिसमें परिवर्तन आवश्यक हो, परिवर्तनीय।

क़ाबिले तरद्दुद (قابل تردد) अ. वि.–जो चिन्ता के योग्य हो, चिंतनीय; जो भूमि जोतने-बोने के योग्य हो; कृष्य।

क़ाबिले तर्क (قابل ترک) अ. वि.–छोड़ देने के योग्य, त्याज्य; जिसका त्याग आवश्यक हो।

क़ाबिले तर्जीह (قابل ترجیح) अ. वि.–ऐसा व्यक्ति या विषय जिसे दूसरे व्यक्ति या विषय पर प्रधानता दी जा सके।

क़ाबिले तर्दीद (قابل تردید) अ.वि.–जिसका रद्द या खंडन आवश्यक हो, खंडनीय, क़ाबिले-मंसूख, रद्द करने योग्य।

क़ाबिले तवज्जुह (قابل توجه) अ. वि.–जिस पर ध्यान देना आवश्यक हो, ध्यान देने योग्य।

क़ाबिले तस्लीम (قابل تسلیم) अ. वि.–जिसका मानना ज़रूरी हो, मान्य, ग्राह्य, स्वीकार्य।

क़ाबिले तह्रीर (قابل تحریر) अ. वि.–जिसका लिखा जाना आवश्यक हो, उल्लेखनीय; जो लिखा जा सके।

क़ाबिले तह्सीन (قابل تحسین) अ. वि.–जो प्रशंसा के योग्य हो, श्लाघ्य, प्रशंसनीय; जिसे शाबाशी दी जाय, सराहनीय।

क़ाबिले ताईद (قابل تائید) अ. वि.–जिसका समर्थन किया जाना आवश्यक हो, समर्थनीय, अनुमोदनीय।

क़ाबिले ताʼरीफ़ (قابل تعریف) अ. वि.–दे. 'क़ाबिले तह्सीन'।

क़ाबिले दस्तअंदाज़ी (قابل دست اندازی) अ. फा. वि.–जिसमें हस्तक्षेप आवश्यक हो; जिसमें हस्तक्षेप किया जा सके, 'काग्ज़िनेबुल'।

क़ाबिले दस्तमाल (قابل دست مال) अ. फा. वि.–हाथों से मले जाने के लायक़।

क़ाबिले दस्तरस (قابل دسترس) अ. फा. वि.–जहाँ पहुँच हो सके, जो प्राप्त हो सके, हस्तप्राप्य, हस्तलभ्य।

क़ाबिले दार (قابل دار) अ. फा. वि.–जो फाँसी की सज़ा के योग्य हो, प्राणदंड के योग्य।

क़ाबिले नफ़्रत (قابل نفرت) अ. वि.–जो घृणा के योग्य हो, वीभत्स, उपेक्ष्य, गर्हित, घृण्य।

क़ाबिले निकाह (قابل نکاح) अ. वि.–वह मनुष्य या स्त्री जो ब्याह के योग्य हो, जिसका विवाह कर दिया जाना उचित हो।

क़ाबिले पर्वरिश (قابل پرورش) अ. फा. वि.–जिसका पालन-पोषण आवश्यक हो; जिस पर दया आवश्यक हो।

क़ाबिले फ़त्ह (قابل فتح) अ. वि.–जो जीता जा सके, जेय, जेतव्य।

क़ाबिले फ़ना (قابل فنا) अ. वि.–जो भंगुर हो, जो मिट जाय, नाशवान्, नश्वर।

क़ाबिले फ़ह्म (قابل فہم) अ. वि.–जो समझा जा सके, सुबोध, बोधगम्य।

क़ाबिले बरदाश्त (قابل برداشت) अ. फा. वि.–जो सहा जा सके, सहनीय; जो उठाया जा सके, सहनशील, सह्य।

क़ाबिले बाज़पुर्स (قابل بازپرس) अ. फा. वि.–जिससे

काफ़ूरख़्वार (کافورخوار) फा. वि.–नपुंसक, क्लीब, नामर्द; कपूर खानेवाला।

काफ़ूरी (کافوری) फा. वि.–काफ़ूर के रंग का, बहुत सफ़ेद; काफ़ूर की बनी हुई वस्तु; काफ़ूर पड़ी हुई वस्तु; काफ़ूर का।

काफ़ेरां (کافےراں) फा. स्त्री.–भग, योनि, फ़ुर्ज।

काफ़्तः (کافتہ) फाः वि.–फटा हुआ, विदीर्ण, शिगाफ़्तः।

काफ़्फ़ः (کافہ) अ. वि.–सर्व, समस्त, कुल, तमाम।

काफ़्फ़तुन्नास (کافتہالناس) अ. पुं.–जनसाधारण, सर्वसाधारण, जनता, अवाम।

काफ़्फ़तुल अनाम (کافتہالانام) अ. पुं.–दे. 'काफ़्फ़तुन्नास'।

का'बः (کعبہ) अ. पुं.–मक्के की एक इमारत जिसे मुसलमान ईश्वर का घर समझते हैं; चौकोर चीज़; पाँसा।

क़ाब (قاب) फा. पुं.–चश्मा रखने का घर; आईना रखने का केस; पाँसा।

क़ाब (قاب) तु. पुं.–बड़ी रिकाबी, थाल; खाने का ख़्वान (पात्र)।

क़ाब (قاب) अ. पुं.–थोड़ी वस्तु; धनुष की मूठ और बाण रखने के स्थान का अन्तर।

क़ा'ब (قعب) अ. पुं.–लकड़ी का बड़ा पियाला; इतना बड़ा पियाला जो एक आदमी के लिए हो।

का'ब (کعب) अ. पुं.–टख़ना, पिंडली और पाँव के पंजे के बीच की हड्डी।

क़ाब ख़ानः (قابخانہ) फा. पुं.–जुआघर, द्यूतागार, क़िमारख़ाना।

का'बतैन (کعبتین) अ. पुं.–पाँसों की जोड़ी, जिससे चौसर खेलते हैं।

क़ाबिज़ (قابض) अ. वि.–जिसका अधिकार हो, जिसका क़ब्ज़ा हो; कोष्ठ-ग्राहक, क़ब्ज़ करनेवाला पदार्थ।

क़ाबिज़े अर्वाह (قابض ارواح) अ. पुं.–प्राण निकालनेवाला, यमराज, धर्मराज, मलकुल मौत।

काबिर (کابر) अ. वि.–प्रतिष्ठित, पूज्य, मान्य, बुज़ुर्ग।

क़ाबिलः (قابلہ) अ. स्त्री.–विद्यावती स्त्री, क़ाबिल औरत; बच्चे जनानेवाली स्त्री, धाय, धात्री।

क़ाबिल (قابل) अ. वि.–विद्वान्, इल्मदाँ; योग्य, अह्लिय रखनेवाला; पात्र, मुस्तहक़; उचित, मुनासिब; कुशल; माहिर; दक्ष, निपुण, होशियार।

क़ाबिलानः (قابلانہ) अ. फा. वि.–विद्वत्तापूर्ण, आलिमाना; दक्षतापूर्ण, होशयाराना।

क़ाबिलीयत (قابلیت) अ. स्त्री.–विद्वत्ता, कौविद्य, इल्मीयत; योग्यता, क्षमता, अह्लीयत; पात्रता, इस्तेह्क़ाक़; कुशलता; महारत; दक्षता, निपुणता, होशियारी।

क़ाबिले अदब (قابل ادب) अ. वि.–मान्य, पूज्य, प्रतिष्ठित, जिसका आदर आवश्यक हो।

क़ाबिले अदा (قابل ادا) अ. वि.–जिसका दिया जाना आवश्यक हो, देय।

क़ाबिले आज़्माइश (قابل آزمائش) अ. फा. वि.–जिसकी परीक्षा ज़रूरी हो, परीक्ष्य।

क़ाबिले इंतिक़ाल (قابل انتقال) अ. वि.–वह सम्पत्ति और जाइदाद जो हस्तान्तरित हो सके, जो बेची या दी जा सके।

क़ाबिले इंतिख़ाब (قابل انتخاب) अ. वि.–वे मज़्मून आदि जो किसी पुस्तक में सम्मिलित करने के लिए चुने जा सकें, उद्धरणीय; वह व्यक्ति जो किसी निर्वाचन-क्षेत्र से चुना जा सके।

क़ाबिले इख़्राज (قابل اخراج) अ. वि.–निकाल देने योग्य, निष्कासनीय; नाम ख़ारिज कर देने योग्य; बरख़ास्त कर देने योग्य।

क़ाबिले इन्आम (قابل انعام) अ. वि.–पुरस्कार दिये जाने योग्य व्यक्ति; पुरस्कार के योग्य काम।

क़ाबिले इन्क़िसाम (قابل انقسام) अ. वि.–बँटवारे के योग्य, विभाज्य; तक़्सीम के लायक़, वितरणीय।

क़ाबिले इन्फ़िकाक (قابل انفکاک) अ. वि.–जो वस्तु बंधक-मुक्त हो सकती हो, जो चीज़ रेह्न से छूट सकती हो।

क़ाबिले इन्फ़िसाख़ (قابل انفساخ) अ. वि.–जो प्रतिज्ञा या वचन भंग किया जा सके; जो निर्णय रद किया जा सके, मंसूख़ हो सके।

क़ाबिले इम्तिहान (قابل امتحان) अ. वि.–जिसकी परीक्षा की जा सके, परीक्ष्य; जिसकी परीक्षा आवश्यक हो।

क़ाबिले इम्दाद (قابل امداد) अ. वि.–सहायता देने के योग्य, दुःखी, लाचार, असहाय।

क़ाबिले इल्तिफ़ात (قابل التفات) अ. वि.–जिसकी ओर ध्यान देना आवश्यक हो।

क़ाबिले इल्तिवा (قابل التوا) अ. वि.–जिस समस्या का स्थगित या मुल्तवी हो जाना आवश्यक हो; जो स्थगित किया जा सके।

क़ाबिले इश्तिबाह (قابل اشتباہ) अ. वि.–जिस पर संदेह किया जा सके; शंकनीय।

क़ाबिले इस्ते'माल (قابل استعمال) अ. वि.–जो प्रयोग किया जा सके, जिसका प्रयोग ज़रूरी हो, प्रयोज्य।

क़ाबिले उबूर (قابل عبور) अ. वि.–जो पार किया जा सके, जिसके आर-पार जाया जा सके।

क़ाबिले ए'तिबार (قابل اعتبار) अ. वि.–जिसका विश्वास किया जा सके, विश्वसनीय; मोतबर, विश्वस्त।

क़ाबिले ए'तिमाद (قابل اعتماد) अ.वि.—जिस पर भरोसा किया जा सके, विश्वासपात्र; मोतबर, विश्वस्त।

क़ाबिले ए'तिराज़ (قابل اعتراض) अ. वि.—जो बात एतराज के लायक़ हो, ग़लत बात, आपत्तिजनक।

क़ाबिले एह्‌तिराम (قابل احترام) अ. वि.—जिसकी प्रतिष्ठा आवश्यक हो, पूज्य, मान्य।

क़ाबिले एहसास (قابل احساس) अ. वि.—जो बात हृदय में कोई खटक पैदा करे, दिल को जँचने योग्य, जिसका अनुभव हो सके।

क़ाबिले क़बूल (قابل قبول) अ. वि.—जो बात मानी जा सके, स्वीकरणीय; जो बात मन को लग सके, जिस बात को चित्त क़बूल करे, ग्रहणीय, ग्राह्य; जिस वस्तु के लेने में कोई आपत्ति न हो।

क़ाबिले गुज़ारिश (قابل گزارش) अ.फ़ा.वि.—जो बात कहने योग्य हो, आवेदनीय; जिसका कहा जाना आवश्यक हो, प्रार्थना के योग्य।

क़ाबिले ग़ौर (قابل غور) अ.वि.—जिस बात पर विचार करना आवश्यक हो, चित्य, विचार्य; जो बात अथवा समस्या, साधारण तौर पर तै कर देना उचित न हो, ध्यान देने योग्य।

क़ाबिले ज़िक्र (قابل ذکر) अ. वि.—जिसकी चर्चा या उल्लेख आवश्यक हो, उल्लेखनीय, वर्णनीय, कथनीय।

क़ाबिले ज़िराअत (قابل زراعت) अ. वि.—ऐसी भूमि जिसे जोता-बोया जा सके, कृष्य, खेती योग्य।

क़ाबिले तंबीह (قابل تنبیه) अ. वि.—ऐसा व्यक्ति जिसे किसी भूल पर डाँटना और चेतावनी देना आवश्यक हो।

क़ाबिले तक़्सीम (قابل تقسیم) अ. वि.—जो बाँटा जा सके, विभाज्य; जिसका बँटवारा आवश्यक हो।

क़ाबिले तज्वीज़ (قابل تجویز) अ. वि.—जिसका निर्णय किया जा सके, निर्णेय; जो सोचा जा सके; जिसका निर्णय आवश्यक हो।

क़ाबिले तज़्हीक (قابل تضحیک) अ.वि.—ऐसा विषय जो उपहास के योग्य हो, जिस पर लोग हँसें, हास्य।

क़ाबिले तब्दील (قابل تبدیل) अ. वि.—जो बदला ज़ा सके; जिसमें परिवर्तन आवश्यक हो, परिवर्तनीय।

क़ाबिले तरद्दुद (قابل تردد) अ. वि.—जो चिन्ता के योग्य हो, चिंतनीय; जो भूमि जोतने-बोने के योग्य हो; कृष्य।

क़ाबिले तर्क (قابل ترک) अ. वि.—छोड़ देने के योग्य, त्याज्य; जिसका त्याग आवश्यक हो।

क़ाबिले तर्जीह (قابل ترجیح) अ. वि.—ऐसा व्यक्ति या विषय जिसे दूसरे व्यक्ति या विषय पर प्रधानता दी जा सके।

क़ाबिले तर्दीद (قابل تردید) अ.वि.—जिसका रद्द या खंडन आवश्यक हो, खंडनीय, क़ाबिले-मंसूख़, रद्द करने योग्य।

क़ाबिले तवज्जुह (قابل توجه) अ. वि.—जिस पर ध्यान देना आवश्यक हो, ध्यान देने योग्य।

क़ाबिले तस्लीम (قابل تسلیم) अ. वि.—जिसका मानना ज़रूरी हो, मान्य, ग्राह्य, स्वीकार्य।

क़ाबिले तह्‌रीर (قابل تحریر) अ. वि.—जिसका लिखा जाना आवश्यक हो, उल्लेखनीय; जो लिखा जा सके।

क़ाबिले तह्‌सीन (قابل تحسین) अ. वि.—जो प्रशंसा के योग्य हो, श्लाघ्य, प्रशंसनीय; जिसे शाबाशी दी जाय, सराहनीय।

क़ाबिले ताईद (قابل تائید) अ. वि.—जिसका समर्थन किया जाना आवश्यक हो, समर्थनीय, अनुमोदनीय।

क़ाबिले ता'रीफ़ (قابل تعریف) अ. वि.—दे. 'क़ाबिले तहसीन'।

क़ाबिले दस्तअंदाज़ी (قابل دست اندازی) अ. फ़ा. वि.—जिसमें हस्तक्षेप आवश्यक हो; जिसमें हस्तक्षेप किया जा सके, 'काग्ज़िनेबुल'।

क़ाबिले दस्तमाल (قابل دست مال) अ. फ़ा. वि.—हाथों से मले जाने के लायक़।

क़ाबिले दस्तरस (قابل دسترس) अ. फ़ा. वि.—जहाँ पहुँच हो सके, जो प्राप्त हो सके, हस्तप्राप्य, हस्तलभ्य।

क़ाबिले दार (قابل دار) अ. फ़ा. वि.—जो फाँसी की सज़ा के योग्य हो, प्राणदंड के योग्य।

क़ाबिले नफ़्रत (قابل نفرت) अ. वि.—जो घृणा के योग्य हो, वीभत्स, उपेक्ष्य, गर्हित, घृण्य।

क़ाबिले निकाह (قابل نکاح) अ. वि.—वह मनुष्य या स्त्री जो ब्याह के योग्य हो, जिसका विवाह कर दिया जाना उचित हो।

क़ाबिले पर्वरिश (قابل پرورش) अ. फ़ा. वि.—जिसका पालन-पोषण आवश्यक हो; जिस पर दया आवश्यक हो।

क़ाबिले फ़त्ह (قابل فتح) अ. वि.—जो जीता जा सके, जेय, जेतव्य।

क़ाबिले फ़ना (قابل فنا) अ. वि.—जो भंगुर हो, जो मिट जाय, नाशवान्, नश्वर।

क़ाबिले फ़ह्‌म (قابل فہم) अ. वि.—जो समझा जा सके, सुबोध, बोधगम्य।

क़ाबिले बरदाश्त (قابل برداشت) अ. फ़ा. वि.—जो सहा जा सके, सहनीय; जो उठाया जा सके, सहनशील, सह्य।

क़ाबिले बाज़पुर्स (قابل بازپرس) अ. फ़ा. वि.—जिससे

जवाब तलब किया जा सके; जिसे उसकी त्रुटि पर दंड दिया जा सके।

क़ाबिले मंज़ूरी (قابل منظوری) अ. वि.–ऐसी बात जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक हो; ऐसा विषय जिसकी स्वीकृति दी जा सके।

क़ाबिले मंसूख़ी (قابل منسوخی) अ. वि.–ऐसी बात जो रद की जा सके; ऐसा निर्णय जो रद हो सके।

क़ाबिले मुआख़ज़ः (قابل مواخذہ) अ. वि.–दे. 'क़ाबिले-बाज़पुर्स'।

क़ाबिले मुआवज़ः (قابل معاوضہ) अ. वि.–जिस वस्तु के ले लेने पर उसका मूल्य दिया जाना आवश्यक हो; जिस काम का मेहनताना दिया जाना ज़रूरी हो।

क़ाबिले रह्‌म (قابل رحم) अ. वि.–जिस पर दया की जा सके, दयनीय; दुःखित, क्लेशित, बेबस, लाचार।

क़ाबिले राज़ (قابل راز) अ. फा. वि.–राज़ में रखने के क़ाबिल, प्रकट न करने के योग्य, गोपनीय।

क़ाबिले वुसूल (قابل وصول) अ. वि.–जो प्राप्त हो सके, जो वुसूल किया जा सके, प्राप्य।

क़ाबिले सज़ा (قابل سزا) अ.वि.–जिसे दंड दिया जा सके, जो सज़ा का पात्र हो, दंडनीय।

क़ाबिले समाअत (قابل سماعت) अ. वि.–जो सुना जा सके, जिसकी सुनवाई हो सके।

क़ाबिले सरज़निश (قابل سرزنش) अ. फा. वि.–दे. 'क़ाबिले तंबीह'।

क़ाबिले सिताइश (قابل ستائش) अ.फा. वि.–दे. 'क़ाबिले तहसीन'।

क़ाबिले सुफ़ारिश (قابل سفارش) अ. फा. वि.–जिसकी सुफ़ारिश की जा सके, अनुशंस्य, अभिस्ताव्य, सिफ़ारिश भी प्रचलित।

क़ाबिले हज्व (قابل ہجو) अ. वि.–जिसकी निन्दा की जा सके, निन्दनीय, गर्ह्य।

काबीनः (کابینہ) अ. पुं.–वज़ीरों की मजलिस, मंत्रिमंडल, कैबिनेट।

काबीन (کابین) फा. पुं.–निकाह में बँधनेवाली मेह्‌र।

काबीननामः (کابین نامہ) फा. पुं.–निकाह में मेह्‌र का काग़ज़, मेह्‌रनामा।

काबीशः (کابیشہ) फा. पुं.–कुसुम का फूल।

काबुक (کابک) फा. पुं.–कबूतरों का दरबा, कपोत-पालिका।

काबुल (کابل) फा. पुं.–अफ़ग़ानिस्तान की राजधानी।

काबुली (کابلی) फा. वि.–काबुल का निवासी, अफ़ग़ान, खान; काबुल से सम्बन्धित।

क़ाबू (قابو) तु. पुं.–अवसर, फ़ुर्सत; बश, ज़ोर; अधिकार, क़ब्ज़ा।

क़ाबूची (قابوچی) तु. वि.–स्वार्थ-साधक, ख़ुदग़रज़; द्वारपाल, क़ापूची।

काबूस (کابوس) अ. पुं.–एक भयानक रोग जिसमें सोते हुए ऐसा जान पड़ता है कि किसी भूत ने उसका गला दबा दिया है।

क़ाबूस (قابوس) अ. पुं.–दे. 'काऊस'।

कामः (کامہ) फा. पुं.–कामना, इच्छा, उद्देश्य, मक़्सद; खट्टा सालन, संस्कृत रूप फ़ारसी में प्रचलित।

काम (کام) फा. पुं.–इच्छा, मनोरथ, ख़्वाहिश; तालू, मूर्द्धा, संस्कृत रूप फ़ारसी में प्रचलित।

कामगर (کامگر) फा. वि.–दे. 'कामगार'।

कामगार (کامگار) फा. वि.–सफलमनोरथ, प्राप्त-काम, कामयाब।

क़ामत (قامت) अ. पुं.–शरीर, देह, जिस्म; डील, लम्बा शरीर।

क़ामते ज़ेबा (قامت زیبا) अ. फा. पुं.–सुन्दर और सुडौल शरीर।

कामदार (کامدار) फा. वि.–कारकुन।

काम ना काम (کام نا کام) फा. वि.–चार नाचार, विवशता-पूर्वक, लाचार होकर, विवश होकर।

कामयाब (کامیاب) फा. वि.–सफल, सफलकाम, प्राप्त-मनोरथ, बामुराद; परीक्षा में उत्तीर्ण, पास, कृतार्थ, कृतकार्य।

कामयाबी (کامیابی) फा. स्त्री.–सफलता, कामरानी; परीक्षा में सफलता।

कामरवा (کامروا) फा. वि.–अटके में काम निकालने-वाला, हाजतरवाई करनेवाला।

कामरवाई (کامروائی) फा. स्त्री.–अटके पर काम निकालना, हाजतरवाई करना।

कामराँ (کامراں) फा. वि.–दे. 'कामयाब'।

कामरानी (کامرانی) फा. स्त्री.–दे. 'कामयाबी'।

कामिन (کامن) अ. वि.–छिपनेवाला, लुप्त होनेवाला।

कामिल (کامل) अ. वि.–पूरा, समूचा, संपूर्ण; बिलकुल, मुकम्मल, सर्वांगपूर्ण; निपुण, दक्ष, होशियार; चमत्कारी साधु या फ़क़ीर; एक बह्‌र, एक उर्दू छन्द।

कामिलन (کاملاً) अ. वि.–पूरे तौर पर, अच्छी तरह, पूर्णतया; पूरा पूरा।

कामिलुल इयार (کامل العیار) अ. वि.–वह सोना और चाँदी जो कसौटी पर पूरा कस दे, खरा सोना या चाँदी।

कामिले फ़न (کامل فن) अ. वि.–किसी फ़न में या कला में निपुण।

क़ामूस (قاموس) अ. पुं.–गहरी नदी; शब्दकोष, लुग़त।

क़ामे' (قامع) अ. वि.–तोड़-फोड़ देनेवाला, विध्वंसक; निरादृत करनेवाला, ख़्वार करनेवाला।

क़ा'र (قعر) अ. पुं.–गहराई, गंभीरता।

क़ार (قار) तु. पुं.–बर्फ़, तुहिन।

कार (کار) फा. पुं.–कार्य, काम; उद्यम, पेशा; कला, फ़न; विषय, मुआमला।

क़ार [र्र] (قار) अ. वि.–स्थिर रहनेवाला, ठहरनेवाला, एक स्थान पर क़रार पकड़नेवाला।

क़ार (قار) अ. स्त्री.–क़ीर, राल, तारकोल।

कारआगाह (کارآگاہ) फा. वि.–दे. 'कार आज़मूद:'।

कारआज़मूद: (کارآزمودہ) फा. वि.–कार्यक्षम, कार्य-कुशल, काम में माहिर; अभनुवी, तज्रिब:कार, (तजुरबाकार)।

कारआज़मूदगी (کارآزمودگی) फा. स्त्री.–काम में महारत, कार्य-क्षमता; तज्रिब:कारी (तजुरबाकारी), अनुभव।

कारआमद (کار آمد) फा. वि.–उपयोगी, उपयुक्त, बामसरफ़।

कारकर्द: (کارکردہ) फा. वि.–दे. 'कारआज़मूद:'।

कारकर्दगी (کارکردگی) फा. स्त्री.–कार्यक्षमता, काम में महारत; अनुभव, तज्रिब:कारी।

कारकुन (کارکن) फा. वि.–कार्यकर्ता, काम करनेवाला; उहदेदार, कर्मचारी; गुमाश्ता, एजेंट, अभिकर्ता।

कारख़ान: (کارخانہ) फा. पुं.–वह स्थान जहाँ चीज़ें बनती हैं, शिल्पशाला, उद्योगशाला, कार्यालय।

कारख़ान:दार (کارخانہدار) फा. पुं.–कारख़ाने का मालिक।

कारगर (کارگر) फा. वि.–गुणकारी, फ़ाइदामंद; प्रभावकर, असरअंदाज़।

कारगाह (کارگاہ) फा. स्त्री.–कार्यालय, काम करने का स्थान; कपड़े बुनने का स्थान।

कारगुज़ार (کارگزار) फा. वि.–सुन्दरता से काम करनेवाला, कार्यपटु; जिसने बड़े-बड़े और पेचीदा काम किये हों, कार्यक्षम।

कारगुज़ारी (کارگزاری) फा. स्त्री.–बड़े-बड़े काम सरलता और सुगमता से करना, कार्य-कौशल; कारनामा; किसी महत्वपूर्ण कार्य का सरअंजाम।

कारचोब (کارچوب) फा. पुं.–लकड़ी का चौखटा जिसमें कपड़ा कसकर क़सीदे का काम हो, ज़रदोज़ी।

कारचोबी (کارچوبی) फा. पुं.–ज़रदोज़ी, क़सीदाकारी।

कारज़ार (کارزار) फा. पुं.–युद्ध, संग्राम, लड़ाई, जंग।

कारतलब (کارطلب) फा. अ. वि.–शूरवीर, बहादुर, शुजाअ।

कारदाँ (کاردان) फा. वि.–किसी काम को अच्छे प्रकार से जाननेवाला; अनुभवी, तजुरबाकार।

कारदानी (کاردانی) फा. स्त्री.–कार्य-कौशल, काम की अच्छी जानकारी, अनुभव, तज्रिबाकारी।

कारदार (کاردار) फा. वि.–दे. 'कारदाँ'।

कारदीद: (کاردیدہ) फा. वि.–अनुभवी, जिसके हाथ से बहुत से काम निकले हों, परिपक्व, पुख़्ताकार।

कारदीदगी (کاردیدگی) फा. स्त्री.–अनुभव, परिपक्वता, पुख़्ताकारी।

क़ारन (قارن) फा. पुं.–रुस्तम के समय का एक पहलवान।

कारनाम: (کارنامہ) फा. पुं.–ऐसा काम जो यादगार रहे, बहुत बड़ा काम; चित्रकारों के चित्रों का अल्बम जिसमें वह अपने कला-प्रदर्शन के लिए बढ़िया-बढ़िया चित्र रखते हैं।

कारपर्दाज़ (کارپرداز) फा. वि.–व्यवस्थापक, मुंतज़िम; अभिकर्ता, कारकुन।

कारफ़र्मा (کارفرما) फा. वि.–काम करनेवाला; असर डालनेवाला, प्रभावकारी।

कारफ़र्माई (کارفرمائی) फा. स्त्री.–काम करना; असर डालना।

कारबंद (کاربند) फा. वि.–पाबंद, बाध्य; विवश, मजबूर।

कारबरारी (کاربراری) फा. स्त्री.–कामनापूर्ति, मंशा पूरी होना; स्वार्थसिद्धि, ग़रज़ निकलना।

कारमंद (کارمند) फा. वि.–दास, नौकर, ख़िदमतगार।

कारवाई (کاروائی) फा. स्त्री.–रूदाद, कार्यवाही; कार्य, काम।

कारशनास (کارشناس) फा. वि.–दे. 'कारआज़मूद:'।

कारशनासी (کارشناسی) फा. स्त्री.–दे. 'कारआज़मूदगी।

कारसाज़ (کارساز) फा. वि.–बिगड़े हुए कामों को बनानेवाला, अर्थात् ईश्वर।

कारसाज़ी (کارسازی) फा. स्त्री.–बिगड़े हुए कामों को बनाना, ईश्वर की माया।

कारिंद: (کارندہ) फा. वि.–ज़मींदार का एजेंट; कर्मचारी, कारकुन।

क़ारिअ: (قارعہ) अ. पुं.–दुर्घटना, हादिसा।

क़ारिज़ (قارض) अ. वि.–उधार देनेवाला, उत्तमर्ण, क़र्ज़ देनेवाला, ऋणदाता।

क़ारिब (قارب) अ. स्त्री.–छोटी नाव जो बड़ी नाव के साथ चलती है।

क़ारी (قاری) अ. वि.–पढ़नेवाला, पाठक; क़ुरान को शुद्ध उच्चारण से पढ़नेवाला।

कारी (کاری) फा. वि.–भरपूर, पूरा-पूरा।

कारीगर (کاریگر) फा. वि.–शिल्पकार, शिल्पी, दस्तकार; गुणवान्, हुनरमंद; दक्ष, कुशल, होशियार; छली, धूर्त।

कारीगरी (کاریگری) फा. स्त्री.–शिल्पकर्म, दस्तकारी; गुण-ज्ञान, हुनरमंदी, दक्षता, होशयारी; छल, कपट, धूर्तता।

क़ारून (قارون) अ. पुं.–एक बहुत बड़ा धनवान् जो अत्यन्त कृपण था, और अन्त में अपने धन सहित पृथ्वी में समा गया; वह व्यक्ति जो मालदार होने के साथ बहुत ही कंजूस हो।

क़ारूनी (قارونی) अ. वि.–क़ारून का काम; क़ारून से सम्बन्धित; कृपणता, कंजूसी।

क़ारूरः (قارورہ) अ. पुं.–शीशी, बोतल; बीमार का पेशाब; पेशाब की शीशी; बारूद की कुप्पी।

क़ारे' (قارع) अ. वि.–शकुन विचारनेवाला, शकुन-विचारक।

कारे आब (کار آب) फा. पुं.–मद्यपान, शराबनोशी।

कारे खैर (کار خیر) फा. अ. पुं.–पुण्य का काम, दूसरों की भलाई का काम।

कारेज़ (کاریز) फा. पुं.–पटी हुई नाली, जो खेतों में पानी देने के लिए बनायी जाती है।

कारे दस्त बस्तः (کار دست بستہ) फा. पुं.–ऐसा कठिन काम जो हरेक के बस का न हो, केवल कोई एक ही व्यक्ति कर सके, जो उसे करता रहा हो।

कारे नुमायाँ (کار نمایاں) फा. पुं.–ऐसा काम जो सारे कामों से ऊपर हो, बहुत बड़ा काम, कारनामा।

कारे सवाब (کار ثواب) फा. अ. पुं.–पुण्य का काम, दूसरों की भलाई का काम; ऐसा काम जिससे परलोक में पुण्य प्राप्त हो।

कारेह (کارہ) अ. वि.–घृणा करनेवाला, घिन करनेवाला।

कारोबार (کاروبار) फा. पुं.–व्यवसाय, व्यापार, तिजारत; कामकाज, कामधंधा।

कार्द (کارد) फा. पुं.–चाकू।

कार्वां (کاروان) फा. पुं.–क़ाफ़िला, यात्रीदल, साथ।

कार्वांसरा (کاروان سرا) फा. स्त्री.–मुसाफिरों के ठहरने की सराय, पथिकाश्रय।

कार्वांसालार (کاروان سالار) फा. पुं.–क़ाफ़िले का सरदार, सार्थपति, सार्थवाह।

कालः (کالہ) फा. पुं.–दे. 'काला'; दोनों शुद्ध हैं; कच्चा खरबूजा; मदिरा पीने का पात्र; खेती के लिए कमायी हुई भूमि।

क़ाल (قال) अ. पुं.–वचन, कथन, क़ौल, बात।

क़ालब (قالب) फा. पुं.–दे. 'कालब', दोनों शुद्ध हैं।

क़ालमक़ाल (قال مقال) अ. स्त्री.–लम्बी चौड़ी बातचीत, वाद-विवाद, हुज्जत।

काला (کالا) फा. पुं.–गृहस्थी का सामान, घर का अस्बाब।

क़ालिब (قالب) अ. पुं.–शरीर, देह; ढाँचा; साँचा।

क़ाली (قالی) तु. पुं.–क़ालीन का सामान।

क़ालीचः (قالیچہ) तु. पुं.–छोटा कालीन।

क़ालीदः (قالیدہ) फा. वि.–अस्त-व्यस्त, तितर-बितर।

कालीन (قالین) तु. पुं.–बिछाने का एक ऊनी और रोयेंदार बहुमूल्य वस्त्र, गलीचा।

कालुम (کالم) फा. स्त्री.–वह स्त्री जो कुमारी न हो, परन्तु जिसका पति या तो मर गया हो या दुःखी हो, दिल से परित्यक्ता।

कालेव (کالیو) फा. वि.–निस्तब्ध, साबूत, शशदर, उद्विग्न, परेशान, पागल, विक्षिप्त रति।

कालेवगी (کالیوگی) फा. स्त्री.–निस्तब्धता, हैरानी, उद्विग्नता, परेशानी, पागलपन, विक्षेप, दीवानगी।

कालेह (کالح) अ. वि.–कटु स्वभाव का, तुरुशरू।

क़ालोक़ील (قال و قیل) अ. स्त्री.–वाद-विवाद, तर्क-वितर्क, कहा-सुनी, हुज्जत।

क़ालोमक़ाल (قال و مقال) अ. स्त्री.–दे. 'क़ाल मक़ाल'।

काल्बुद (کالبد) फा. पुं.–शरीर, देह, जिस्म; अस्थि-पंजर, ढाँचा।

कावः (کاوہ) फा. पुं.–ईरान के एक लोहार का नाम, जिसने 'ज़हहाक' के अत्याचारों से तंग आकर उसके विरुद्ध लड़ाई लड़ी और उसको हराकर 'फ़िरीदूँ' को उसके स्थान पर उपस्थित किया।

कावकाव (کاو کاو) फा. स्त्री.–परिश्रम, प्रयास, कोशिश, मेहनत।

कावसः (کاورسہ) फा. पुं.–हर वह वस्तु जो छुटाई में बाजरे जैसी हो।

कावर्स (کاورس) फा. पुं.–बाजरा, एक प्रसिद्ध अन्न।

कावली (کاولی) फा. स्त्री.–वेश्या, गणिका, रंडी।

कावाक (کاواک) फा. वि.–खोखला, सुषिर; निस्तार, बेमग्ज़।

कावँदः (کاوندہ) फा. वि.–खोदनेवाला।

काविश (کاوش) फा. स्त्री.–खोद, कुरेद; टोह, खोज, तलाश, जिज्ञासा; चिन्ता, फ़िक्र।

कावी (کاوی) अ. वि.–लोहा आदि गरम करके अग पर दाग़ देनेवाला, दाग़नेवाला।

कावीदः (کاویدہ) फा. वि.–खोदा हुआ।

कावीदनी (کاویدنی) फा. वि.–खोदने योग्य।

क़ाश (قاش) तु. स्त्री.–लम्बी फाँक, फाँक, खण्ड, टुकड़ा।

काश (کاش) फा. अव्य.–ईश्वर करे, ख़ुदा करे, (पुं.) काँच, काच, शीशा।

काशके (کاشکے) फा. अव्य.–दे. 'काश'।

काशानः (کاشانہ) फा. पुं.–छोटा-सा घर जिसे शीशा आलात से सजाया जाय।

काशान (کاشان) फा. पुं.–ईरान का एक नगर।

काशिफ़ (کاشف) अ. वि.–प्रकट करनेवाला, खोलनेवाला; नंगा करनेवाला, पर्दा उठानेवाला, उद्घाटक।

काशिफ़े अस्रार (کاشف اسرار) अ. पुं.–भेदों को प्रकट करनेवाला, रहस्योद्घाटक।

क़ाशिर (قاشر) अ. वि.–छिलका उतारनेवाला।

काशी (کاشی) फा. वि.–'काशान' का निवासी।

क़ाशुक़ (قاشق) तु. पुं.–छोटा चमचा, चमसः।

क़ाशूर (قاشور) अ. वि.–अशुभ, मनहूस; जिसका देखना अशकुन करे; बड़ा दुर्भिक्ष, सख़्त क़हत।

क़ाशेज़ीं (قاش زیں) तु. फा. स्त्री.–ज़ीन के सामने का उठा हुआ भाग।

काशेह (کاشح) अ. पुं.–वह शत्रु जो शत्रुता प्रकट न करे, मन में ही रखे।

काश्तः (کاشتہ) फा. वि.–जोता-बोया हुआ, कृषित।

काश्त (کاشت) फा. स्त्री.–कृषि, काश्तकारी; खेत की भूमि, खेती।

काश्तकार (کاشتکار) फा. वि.–कृषक, कृषीबल, किसान।

काश्तकारी (کاشتکاری) फा.–कृषिकर्म, किसानी।

काश्तनी (کاشتنی) फा. वि.–जोतने-बोने योग्य, कृषि के योग्य।

कासः (کاسہ) अ. पुं.–पियाला, चषक।

कासःगर (کاسہ گر) अ. फा. वि.–पियाले बनानेवाला, कंसकार; मिट्टी के बर्तन बनानेवाला, कुंभकार, कुम्हार।

कासःगरी (کاسہ گری) अ. फा. स्त्री.–मिट्टी के पियाले बनाने का काम, मिट्टी के बरतन बनाने का काम।

कासःबाज़ (کاسہ باز) अ. फा. वि.–छली, वंचक, कपटी, धूर्त, मक्कार।

कासःबाज़ी (کاسہ بازی) अ.फा. स्त्री.–छलकर्म, धोखेबाज़ी, धूर्तता, मक्कारी।

कासःलेस (کاسہ لیس) अ.फा. वि.–चाटुकार, ख़ुशामदी, चापलूस।

कासःलेसी (کاسہ لیسی) अ.फा. स्त्री.–ख़ुशामद, चापलूसी, चाटुकर्म।

कासः सर निगूँ (کاسہ سر نگوں) अ.फा. वि.–दरिद्र, कंगाल, मोहताज।

क़ास [स्स] (قاص) अ. वि.–कहानी कहनेवाला; किसी के पीछे आनेवाला; सूचना देनेवाला; धर्मोपदेशक, वाइज़।

कास (کاس) फा. पुं.–बड़ा नगाड़ा, धौंसा, दुंदुभि; शूकर, सुअर।

कास (کاس) अ. पुं.–मदिरा पीने का पियाला, पान-पात्र।

कासए गदाई (کاسۂ گدائی) अ. फा. पुं.–भीख माँगने का ठीकरा, भिक्षापात्र।

कासए चश्म (کاسۂ چشم) अ. फा. पुं.–वह गढ़ा जिसमें आँखों के ढेले रहते हैं, चक्षु-गोलक।

कासए सर (کاسۂ سر) अ. फा. पुं.–खोपड़ी, कपाल।

कासमू (کاسمو) फा. पुं.–सुअर के बाल।

कासात (کاسات) अ. पुं.'कासः' का बहु., पियाले।

क़ासित (قاسط) अ. वि.–अत्याचारी, ज़ालिम; अन्यायी, नामुंसिफ़; फ़र्याद सुननेवाला, न्यायकर्ता।

क़ासिद (قاصد) अ. वि.–इरादा करनेवाला; चिट्ठी ले जानेवाला, पत्र-वाहक; दूत, एलची।

कासिद (کاسد) अ. वि.–खोटा, कूट, जाली; जिसका चलन न हो, अप्रचलित।

कासिफ़ (کاسف) अ. वि.–छिपानेवाला; दुर्दशाग्रस्त, बदहाल; कड़ुए स्वभाववाला, तुरुशरू।

कासिब (کاسب) अ. वि.–कमानेवाला, उपार्जक; परिश्रम से जीविका चलानेवाला, उद्यमी।

क़ासिम (قاسم) अ. वि.–बाँटनेवाला, वितरक; बँटवारा करनेवाला, विभाजक।

क़ासिर (قاصر) अ. वि.–कमी करनेवाला, कसर रखनेवाला; असमर्थ, नाकाम।

क़ासिर (قاسر) अ. वि.–ज़बर्दस्ती किसी से कोई काम लेनेवाला।

कासिर (کاسر) अ. वि.–तोड़नेवाला, भंजक; एक दर्द।

क़ासिरातुत्तर्फ़ (قاصرات الطرف) अ. स्त्री.–वह पतिव्रता स्त्री जो पर-पुरुष की ओर आँख उठाना पाप समझती हो।

क़ासी (قاسی) अ. वि.–कठोर हृदयवाला, सख़्तदिल।

क़ासी (قاصی) अ. वि.–बात की तह को पहुँच जानेवाला, दूर स्थान का रहनेवाला; दूर।

कास्तः (کاستہ) फा. वि.–घटा हुआ।

कास्तनी (کاستنی) फा. वि.–घटने योग्य; कम करने योग्य।

कास्नी (کاسنی) फा. स्त्री.–एक पौधा जिसकी जड़ और बीज दवा में चलते हैं और जिसके हरे पत्तों का अरक़ दवा में पिया जाता है।

काह (کاہ) फा. स्त्री.–घास, तृण।

क़ाह (قاہ) अ. पुं.–आज्ञाकारिता, फ़र्मांबरदारी।

काहकशाँ (کاہکشاں) फा. स्त्री.–आकाश गंगा, कहकशाँ।

क़ाह क़ाह (قاہ قاہ) फा. पुं.–अट्टहास, क़हक़हा।

काहरुबा (کاہربا) फा. पुं.–दे. 'कहरुबा'।

काहिनः (کاہنہ) अ. स्त्री.–शकुन विचारनेवाली स्त्री।

काहिन (کاہن) अ. वि.–शकुन विचारनेवाला पुरुष।

क़ाहिफ़ (قاحف) अ. पुं.–बहुत अधिक वर्षा।

क़ाहिरः (قاہرہ) अ. वि.–बलवान्, ज़ोरावर; अत्याचारी, ज़ालिम, (प्र०) मिस्र की राजधानी।

क़ाहिर (قاہر) अ. वि.–प्रकोप करनेवाला, बहुत अधिक गुस्सा करनेवाला।

काहिल (کاہل) अ. वि.–आलसी, अलस, सुस्त, मंद।

काहिलवुजूद (کاہل وجود) अ. वि.–दे. 'काहिलुलवुजूद'।

काहिली (کاہلی) अ. स्त्री.–आलस्य, सुस्ती; फ़ुर्ती का न होना।

काहिलुलवुजूद (کاہل الوجود) अ. वि.–बहुत बड़ा आलसी, जो काम-धंधा न करे, पड़ा रहे।

काहिश (کاہش) फा. स्त्री.–ह्रस्व, घटाव, कमी, क्षीणता।

काही (کاہی) फा. वि.–घास का बना हुआ; घास का; घास-जैसे रंग का, हरा।

काहीदः (کاہیدہ) फा. वि.–घटा हुआ, ह्रस्व, लघु रूप में होना।

काहीदःतन (کاہیدہ تن) फा. वि.–सूखे शरीरवाला, दुबला-पतला, क्षीणांग।

काहीदःरू (کاہیدہ رو) फा. वि.–कुम्हलाये हुए मुँह का, उतरे हुए मुँहवाला, म्लानमुख।

काहीदगी (کاہیدگی) फा. स्त्री.–घटाव, कमी।

काहीदनी (کاہیدنی) फा. वि.–घटने योग्य।

काहू (کاہو) फा. पुं.–एक पौधा जो दवा में काम आता है, काहू-कद्दू-बादाम इनके बीजों के तेल में गुलाब का तेल मिलाकर मस्तिष्क-निर्बलता में प्रयोग करते हैं।

कि

किगश (کگش) तु. पुं.–'किगाश' का लघु, दे. 'किगाश'।

किगाश (کگاش) तु. पुं.–परामर्श, मशविरा, सलाह।

क़िंतार (قنطار) अ. पुं.–एक बोरी भर चाँदी या सोना।

क़िंदील (قندیل) अ. स्त्री.–दीप, दीपक, चिराग़, दिया; एक प्रकार की काग़ज़ मढ़ी हुई-बड़ी सी लालटेन, जिसमें काग़ज़ की तस्वीरें बनी होती हैं और वह हवा से घूमती हैं, क़न्दील।

क़िंबील (قنبیل) अ. पुं.–एक दवा, कमीला।

क़िज़िल (قزل) तु. वि.–रक्त, लाल, सुर्ख़।

क़िज़िल अर्सलान (قزل ارسلان) तु. पुं.–लाल रंग का व्याघ्र, लाल शेर; एक बादशाह की उपाधि।

क़िज़िलबाश (قزلباش) तु. पुं.–लाल टोपीवाला सैनिक; ईरान के शाह इस्माईल सफ़वी ने अपनी तुर्की सेना को लाल टोपी पहनायी थी और उनका नाम क़िज़िलबाश रखा था।

किज़्ब (کذب) अ. पुं.–झूठ, मिथ्या, असत्य; गप, असार बात।

क़िज़्बान (قضبان) अ. पुं.–'क़ज़ीब' का बहु., डालियाँ; लिंग।

किज़िलक (کزلک) फा. पुं.–छोटा चाक़ू।

क़िताफ़ (قطاف) अ. पुं.–अंगूर और दूसरे फलों के पकने का समय, जब वह तोड़े जा सकें।

किताबः (کتابہ) अ. पुं.–कत्बः, वह शिला या तख़्ती, जो इमारतों या क़ब्रों पर लगती है।

क़िताब (قطاب) अ. पुं.–कुर्ते आदि का गला, गिरीबाँ।

किताब (کتاب) अ. स्त्री.–पुस्तक, ग्रंथ; कापी, मियाज़।

किताबख़ानः (کتاب خانہ) अ. फा. पुं.–पुस्तकालय, किताबें बिकने की दुकान।

किताबचः (کتابچہ) अ. फा. पुं.–छोटी किताब, पुस्तिका।

किताबत (کتابت) अ. स्त्री.–कापीनवीसी का पेशा, लीथो प्रेस के लिए लिखाई का काम।

किताबिस्तान (کتابستان) अ. फा. पुं.–पुस्तकालय, मक्तबा।

किताबी (کتابی) अ. वि.–पुस्तक सम्बन्धी; पुस्तक जैसी; पुस्तक में लिखी हुई; लंबोतरा, जैसे—किताबी चेहरा।

किताबुल्लाह (کتاب اللہ) अ. स्त्री.–ईश्वरीय ग्रंथ, इलहामी किताब; क़ुरान शरीफ़।

किताबेरुख़ (کتاب رخ) अ. फा. स्त्री.–प्रेमिका की पुस्तकाकार मुखाकृति, किताबी चेहरा, जिस मुख पर प्रणय-चेष्टाएँ अंकित हों।

क़ितार (قطار) अ. स्त्री.–श्रेणी, पंक्ति, लाइन; परा, सफ़, इस शब्द का शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू में 'क़तार' बोलते हैं।

क़िताल (قتال) अ. पुं.–रक्तपात, मार-काट, ख़ूँरेज़ी; युद्ध, संग्राम, लड़ाई।

क़ित्अः (قطعہ) अ. पुं.–दे. 'क़त्अः', शुद्ध यही है, परन्तु पढ़े-लिखे लोग अधिक वही बोलते हैं।

क़िस्फ़ (كتف) अ. पुं.–कंधा, स्कंध, दे. 'कतिफ़' और 'कत्फ़'। तीनों शुद्ध हैं।

क़िस्मान (كتمان) अ. पुं.–छिपाव, दुराव, गोपन।

क़ित्मीर (قطمير) अ. पुं.–थोड़ी चीज़; छोटा, ह्रस्व; छुहारे में की बारीक झिल्ली।

क़ित्र (قطر) अ. पुं.–पिघला हुआ ताँबा।

क़िदम (قدم) अ. पुं.–प्राचीनता, पुरातत्त्व, क़दामत; नित्यता, अनश्वरता, लाज़वालपन।

क़िदेवर (كديور) फा. पुं.–कृषक, किसान, दे. 'कदेवर', दोनों शुद्ध हैं।

क़िद्‌मत (قدمت) अ. स्त्री.–पुराना होना।

क़िद्र (قدر) अ. पुं.–हाँडी, देगची।

क़िद्‌वः (قدوه) अ. पुं.–नायक, नेता, प्रधान, सरदार।

क़िद्‌वतुल आरिफ़ीन (قدوةالعارفين) अ. पुं.–ब्रह्मज्ञानी, महात्माओं में सर्वश्रेष्ठ।

क़िद्‌वतुस्सालिकीन (قدوةالسالكين) अ. पुं.–संन्यासियों और साधुओं में सर्वश्रेष्ठ।

किनायः (كنايه) अ. पुं.–गुप्त संकेत, छिपा हुआ इशारा; छिपी हुई बात; उर्दू साहित्य की परिभाषा में उपमेय का वर्णन न करके, केवल उपमान का वर्णन करना, जैसे— कहा जाय कि 'नर्गिस ने मोती बरसाये' और मतलब यह हो कि प्रेयसी की आँखों से आँसू गिरे। यहाँ 'नर्गिस' 'आँख' का उपमान है और 'मोती' 'आँसू' का। प्रस्तुत के स्थान पर अप्रस्तुत की योजना की जाय, जैसे—"चश्मे-गिरियाँ ने लुटाये थे गुहर–रात भर रोए थे हम, शबनम नहीं।"

किनायत (كنايت) अ. स्त्री.–गुप्त बात; गुप्त संकेत; किनायः।

किनायतन (كنايةً) अ. वि.–गुप्त रीति से, इशारे में, संकेत में।

किनारः (كناره) फा. पुं.–शुद्ध 'कनारः' है, परन्तु 'किनारः' भी बोलते हैं, तट, किनारा, साहिल।

किनार (كنار) फा. पुं.–क्रोड, गोद, आग़ोश।

क़िनीनः (قنينه) अ. स्त्री.–शराब रखने का बरतन, दे. 'क़िन्नीनः', दोनों शुद्ध हैं।

किनीसः (كنيسه) फा. पुं.–ईसाइयों का गिरजा, दे. 'कनीसः', दोनों शुद्ध हैं।

किन्न (كن) अ पुं.–वस्त्र, लिबास, पहनने के कपड़े।

क़िन्नब (قنب) अ. स्त्री.–भाँग, भंग, विजया, एक घोंट-छानकर पी जानेवाली मादक पत्ती।

क़िन्नीनः (قنينه) अ. स्त्री.–मदिरा रखने का पात्र, दे. 'क़िनीनः', दोनों शुद्ध हैं।

क़िन्यः (قنيه) अ. पुं.–पूँजी, सरमाया।

क़िन्व (قنو) अ. पुं.–फलों का गुच्छा, खोशः।

क़िन्वान (قنوان) अ. पुं.–गुच्छे, खोशे।

किफ़ायत (كفايت) अ. स्त्री.–पर्याप्त, क़ाफ़ी होना; अल्प व्यय, जुज़रसी।

किफ़ायतशिआर (كفايت‌شعار) अ. वि.–कम खर्च करनेवाला, बचानेवाला, मितव्ययी, जुज़रस,।

किफ़ायतशिआरी (كفايت‌شعارى) अ. स्त्री.–खर्च में कमी, मितव्यय, जुज़रसी।

क़िफ़्ल (كفل) अ. पुं.–खंड, अंश, टुकड़ा, हिस्सा; जो घोड़े पर न चढ़ सके; घोड़े की पीठ का नमदा।

क़िबाब (قباب) अ. पुं.–'कुब्बः' का बहु., छोटे गुंबद, क़ुब्बे।

किबार (كبار) अ. पुं.–'कबीर' का बहु., आयु में बड़े लोग; प्रतिष्ठा में बड़े लोग।

क़िबालः (قباله) अ. पुं.–बच्चे जनाने का काम, धायकर्म, दायःगीरी, दूसरे अर्थ के लिए, दे. 'क़बालः'।

क़िब्चाक़ (قبچاق) तु. पुं.–तुर्किस्तान और तूरान के बीच का एक जंगल, जहाँ के तुर्क निर्दय और उद्दंड होते हैं।

क़िब्ती (قبطى) अ. पुं.–प्राचीन मिस्री जाति, जो फ़िरऔन के वंशज हैं।

किब्र (كبر) अ. स्त्री.–बड़ाई, ज्येष्ठता; श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी।

किब्रसिन (كبرسن) अ. वि.–बूढ़ा, वयोवृद्ध, जरत्।

किब्रसिनी (كبرسنى) अ. स्त्री.–बुढ़ापा, जरा, वृद्धावस्था।

किब्रिया (كبريا) अ. पुं.–महत्ता, बड़ाई; ईश्वर, परमात्मा।

किब्रियाई (كبريائى) अ. स्त्री.–प्रतिष्ठा, बड़प्पन; महत्ता, ईश्वरत्व, खुदाई।

किब्रीत (كبريت) अ. स्त्री.–गंधक, एक ज्वलनशील पदार्थ, जिससे बारूद बनती है।

किब्रीते अहमर (كبريت احمر) अ. स्त्री.–लाल गंधक, जो रसायन में काम आती है; अप्राप्य वस्तु, नायाब चीज।

क़िब्लः (قبله) अ. पुं.–मक्के में वह स्थान जहाँ हजरे अस्वद (काला पत्थर) स्थापित है, और जिसकी ओर मुँह करके, मुसलमान नमाज़ पढ़ते हैं का'बः; प्रतिष्ठित और सम्मानित व्यक्तियों के लिए संबोधन का शब्द।

क़िब्लःगाह (قبله‌گاه) अ.फा. वि.–मान्य, पूज्य, श्रद्धेय।

क़िब्लःनुमा (قبله‌نما) अ. फा. पुं.–पश्चिम की दिशा बतानेवाला यंत्र, दिग्दर्शक यंत्र।

क़िब्लःपरस्त (قبله‌پرست) अ. फा. वि.–मुसलमान।

क़िब्लएआलम (قبلهٔ‌عالم) अ.पुं.–दे. 'क़िब्लःगाह', जगत्पूज्य पीर या बुज़ुर्ग, "ये बातें राज़ की हैं, क़िब्लएआलम भी पीते हैं।"

क़िब्लएहाजात (قبلۂ حاجات) अ. पुं.–आशाकेन्द्र, वह स्थान जहाँ से स्वार्थ-सिद्धि हो; वह व्यक्ति जो आशाएँ पूर्ण करे।

क़िमत्र (قمطر) अ. पुं.–छोटे आकार का मनुष्य, मेंठा, ठिगना; मोटा ऊँट; पुस्तकों की पेटी।

क़िमम (قمم) अ.स्त्री.–'क़ुम्मः' का बहु., चोटियाँ, उँचाइयाँ।

क़िमात (قماط) अ. पुं.–वह कपड़ा जिसमें नवजात शिशु लपेटा जाता है।

किमाद (كماد) अ. पुं.–दवाओं की पोटली को गरम करके उससे किसी अंग को बार-बार सेंकना, टकोर।

क़िमार (قمار) अ. पुं.–जुआ, द्यूत, कैतव, पण।

क़िमारख़ानः (قمارخانہ) अ.फा. पुं.–जुआ खेलने का फड़, अक्षवार, पणशाला, द्यूतागार, जुआघर।

क़िमारबाज़ (قمارباز) अ. फा. वि.–जुआ खेलनेवाला, द्यूतकार, कितव, कैतव, जुआरी, जुएबाज़।

क़िमारबाज़ी (قماربازی) अ. फा. स्त्री.–जुए का खेल, द्यूतक्रीडा, द्यूतकर्म, कैतव, जुएबाज़ी।

क़ियम (قیم) अ. स्त्री.–'क़ीमत' का बहु., क़ीमतें, मूल्य।

किया (کیا) फा. पुं.–पहलवान, मल्ल; स्वामी, मालिक; पवित्र, पाक़ीज़ः, स्वच्छ।

क़ियादत (قیادت) अ. स्त्री.–नेतृत्व, रहनुमाई, मार्ग-प्रदर्शन, नेतागिरी; क़ुरम साक़ी, भड़ुआपन, दल्लाली,।

क़ियाफ़ः (قیافہ) अ. पुं.–चेष्टा, हुल्यः; चेहरे के आकार-प्रकार और उसके चिह्नों द्वारा मनुष्य के स्वभाव आदि का ज्ञान, सामुद्रिक विद्या, क़याफ़ा भी प्रचलित, "आदमी पहचान लेते हैं कयाफ़ा देखकर, ख़त का मज़मूँ भाँप लेते हैं लिफ़ाफ़ा देखकर।"

क़ियाफ़ःदाँ (قیافہداں) अ. फा. वि.–दे. 'क़ियाफ़ःशनास', चेहरे को देखकर मनुष्य-स्वभाव पहचाननेवाला।

क़ियाफ़ःशनास (قیافہشناس) अ.फा.वि.–क़ियाफ़ा पहचानने वाला, चेष्टा देखकर हाल बता देनेवाला, सामुद्रिकवेत्ता।

क़ियाफ़ःशनासी (قیافہشناسی) अ. फा. स्त्री.–क़ियाफ़ा पहचनाने की विद्या; चेहरे से हाल जानना।

क़ियाम (قیام) अ. पुं.–अस्थायी निवास, थोड़े दिनों का वास; किसी संस्था आदि की नींव, स्थापना; नमाज़ में खड़े होने की अवस्था; निश्चय, यक़ीन, क़याम भी प्रचलित।

क़ियामगाह (قیامگاہ) अ. फा. स्त्री.–ठहरने का स्थान; रहने का स्थान, निवासस्थान।

क़ियामत (قیامت) अ. स्त्री.–महाप्रलय, सारी दुनिया का उलट-पलट; महाप्रलय-काल, हश्र का दिन; बहुत ही सुन्दर और बढ़िया, बलाका; अत्यन्त, बहुत (क़यामत)।

क़ियामतअंगेज़ (قیامت انگیز) अ.फा. वि.–दे. 'क़ियामत ख़ेज़'।

क़ियामत आसार (قیامت آثار) अ. वि.–जिसमें क़ियामत के लक्षण हों, बहुत अधिक उपद्रवी; जिसमें बहुत उथल-पुथल होने की संभावना हो।

क़ियामतख़ेज़ (قیامت خیز) अ.फा. वि.–क़ियामत उठाने-वाला, प्रलयंकर; बहुत उथल-पुथल करनेवाला, विप्लवकारी।

क़ियामतख़ेज़ी (قیامت خیزی) अ. फा. स्त्री.–क़ियामत उठाना, उथल-पुथल करना।

क़ियामपिज़ीर (قیامپزیر) अ. फा. वि.–बसा हुआ, ठहरा हुआ, मुक़ीम।

क़ियास (قیاس) अ. पुं.–विचार, ख़याल; अनुमान, अटकल, अंदाज़ा।

कियासत (کیاست) अ. स्त्री.–दक्षता, निपुणता, चातुरी, चतुराई, दानाई।

क़ियासन (قیاساً) अ. वि.–अटकल से, अंदाज़े से, अनु-मानतः।

क़ियासी (قیاسی) अ. वि.–अटकलवाली बात, अललटप; कल्पित, फ़र्ज़ी।

क़िरब (قرب) अ. स्त्री.–'क़िर्ब' का बहु., पानी की मश्कें।

किरा (کرا) फा. अव्य.–किसको, किसे।

किरा (کرا) अ. पुं.–किराया, भाड़ा।

क़िराअत (قرائت) अ. स्त्री.–दे. 'क़िअत', दोनों शुद्ध हैं।

किराइंदः (کرائندہ) फा. वि.–किराए पर लेनेवाला।

क़िरान (قران) अ. पुं.–समीपता, निकटता, नज़दीकी; दो ग्रहों का एक राशि में होना, योग।

क़िरान (قران) अ. पुं.–'क़र्न' का बहु., ज़माने, युग।

क़िरानुस्सा'दैन (قران السعدین) अ. पुं.–दो शुभ ग्रहों का एक राशि में होना, शुभ-योग।

क़िराब (قراب) तु. पुं.–तलवार या भुजाली आदि का नियाम, कोष, मियान।

क़िराब (قراب) अ. पुं.–समीपता, नज़दीकी; नापने की जरीब, (स्त्री.) 'क़िर्ब': का बहु., पानी की मश्कें।

किराम (کرام) अ. पुं.–'करीम' का बहु., कृपालु जन, दयालुवर्ग; दानशील जन, फ़ैयाज़ लोग; पूज्य लोग, प्रतिष्ठित लोग।

क़िराम (قرام) अ. पुं.–हलका और महीन पर्दा; चित्रित और नक़्शीन पर्दा।

किरायः (کرایہ) अ. पुं.–भाड़ा, भाटक।

किरायःदार (کرایہدار) अ.फा. वि.–किराये पर कोई चीज प्रयोग करनेवाला, किराये पर घर आदि में रहनेवाला।

किरायःदारी (کرایہ داری) अ. फा. स्त्री.–किराये पर कोई चीज़ प्रयोग करना, किराये पर घर आदि में रहना।

किरायःनामः (کرایہ نامہ) फा. पुं.–किराये पर कोई वस्तु लेने का इक़रारनामा, भाटकपत्र।

किरिश्मः (کرشمہ) फा. पुं.–आँख या भौं का संकेत, सैन; हाव-भाव, नाज़ोअदा; माया, इन्द्रजाल, जादू; चमत्कार, शा'बदः; आश्चर्य, अचम्भा (करिश्मा)।

किरिश्मःकार (کرشمہ کار) फा. वि.–दे. 'किरीश्मःसाज़'।

किरिश्मःकारी (کرشمہ کاری) फा. स्त्री.–दे. 'किरिश्मःसाज़ी'।

किरिश्मःसाज़ (کرشمہ ساز) फा. वि.–मायावी, शो'बदःबाज़; हाव-भाववाला, नाज़ो-अंदाज़वाला, जादूगर।

किरिश्मःसाज़ी (کرشمہ سازی) फा. स्त्री.–मायाकर्म, शो'बदःबाज़ी।

किरिश्म (کرشمہ) फा. पुं.–दे. 'किरिश्मः'।

क़िर्अत (قرأت) अ. स्त्री.–पढ़ने का भाव, पढ़ाई; क़ुरान की शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ाई।

क़िर्तबूस (قرطبوس) अ. पुं.–बहुत बड़ी दैवी आपत्ति।

क़िर्तास (قرطاس) अ. पुं.–काग़ज़-पत्र।

क़िर्तासे अब्यज़ (قرطاس ابیض) अ. पुं.–सफ़ेद काग़ज़, श्वेत पत्र, व्हाइट पेपर।

क़िर्दः (قردہ) अ. पुं.–बन्दर की मादा, वानरी, वंदरिया।

क़िर्द (قرد) अ. पुं.–बंदर, वानर, कपि, शाखामृग।

किर्द (کرد) फा. पुं.–दे. 'कर्द'।

किर्दगार (کردگار) फा. पुं.–दे. 'कर्दगार', परन्तु अधिक किर्दगार ही बोलते हैं, वह यद्यपि अशुद्ध है, परन्तु फ़ारसी और उर्दू के विद्वानों ने शुद्ध माना है।

क़िर्बः (قربہ) अ. पुं.–पानी भरने की मश्क, भस्त्री।

किर्बास (کرباس) अ. पुं.–सफ़ेद कपड़ा, श्वेत वस्त्र; सूती कपड़ा।

किर्म (کرم) फा. पुं.–कीड़ा, कीट, कृमि, संस्कृत कृमि का फ़ारसी में प्रचलित रूप।

किर्मक (کرمک) फा. पुं.–छोटा कीड़ा, कृमिक, कीट।

किर्मकुश (کرم کش) फा. वि.–कीड़ों को मारनेवाली दवा, कृमिनाशक।

किर्मकेशबताब (کرمک شب تاب) फा. पुं.–जुगनू, खद्योत, ज्योतिरिंगण, कीटमणि, ज्योतिर्बीज।

किर्मखुर्दः (کرم خوردہ) फा. वि.–कीड़ों का खाया हुआ, जिसे कीड़ों ने चाटकर खराब कर दिया हो।

किर्मखुर्दगी (کرم خوردگی) फा. स्त्री.–किसी वस्तु का कीड़ों का खा जाना।

किर्मपीलः (کرم پیلہ) फा. पुं.–रेशम का कीड़ा।

किर्मान (کرمان) फा. पुं.–ईरान का एक प्रसिद्ध नगर जहाँ का ज़ीरा और फ़र्श प्रसिद्ध है।

क़िर्मिज़ (قرمز) अ. पुं.–एक प्रकार के छोट-छोटे लाल कीड़े जिन्हें सुखाकर उनसे रेशम रँगते हैं।

क़िर्मिज़ी (قرمزی) अ. वि.–क़िर्मिज़ के रंग का, रक्त, लाल, सुर्ख़।

किर्मे शबअफ़्रोज़ (کرم شب افروز) फा. पुं.–दे. 'किर्मे शबताब'।

किर्मे शबचिराग़ (کرم شب چراغ) फा. पुं.–दे. 'किर्मेशबताब'।

किर्मेशबताब (کرم شب تاب) फा. पुं.–खद्योत, कीटमणि, ज्योतिरिंगण, ज्योतिर्बीज।

किर्मेशिकम (کرم شکم) फा. पु.–पेट के कीड़े, उदर-कृमि।

किर्यास (کریاس) अ. पुं.–अट्टालिका, अटारी, बालाखाना; शौचालय या स्नानागार जो अटारी पर हो; राजभवन, राजद्वार, शाही दरबार।

क़िर्वात (قرواط) अ. स्त्री.–नाव, नौका, किश्ती; हवा भरी हुई मश्क, जिस पर बैठकर नदी पार करते हैं।

क़िलाअ' (قلاع) अ. पुं.–'क़ल्अः' का बहु., दुर्ग-समूह, क़िले।

क़िलादः (قلادہ) अ. पुं.–गले का पट्टा, कुत्ते या ऊँट के गले का पट्टा: गुलूबंद।

किलाब (کلاب) अ. पुं.–'कल्ब' का बहु., कुत्ते।

क़िलीच (قلیچ) तु. पुं.–तलवार, खड्ग।

किलीद (کلید) फा. स्त्री.–कुंजी, ताली, कुंचिका।

किलीदे कामरानी (کلید کامرانی) फा. स्त्री.–सफलता की कुंजी, सफलता का गुर।

किलीदे फ़त्हेबाब (کلید فتح باب) फा. अ. स्त्री.–दरवाजा खोलने की कुंजी; सफलता का गुर (मूलमंत्र)।

किलीदे बिहिश्त (کلید بہشت) फ़ा. स्त्री.–स्वर्ग की कुंजी; पुण्यकर्म, नेक आ'माल।

किलीसा (کلیسا) फा. पुं.–ईसाइयों का गिरजा, चर्च।

किलीसाई (کلیسائی) फा. वि.–ईसाई, ख्रिष्टीय।

किलेसा (کلیسا) फा. पुं.–दे. 'किलीसा', दो. शु. हैं।

किल्क (کلک) फा. स्त्री.–नरकट, नरसल, नरकुल, नै; एक विशेष नरकट की बनी हुई क़लम; क़लम, लेखनी।

क़िल्यान (قلیان) फा. पुं.–हुक़्क़ा, चिलम पीने की गुड़गुड़ी, दे. 'क़ल्यान', दो. शु. हैं।

क़िल्लत (قلت) अ. स्त्री.–न्यूनता, कमी; अभाव, नायाबी।

क़िल्लते आब (قلت آب) अ. फा. स्त्री.–पानी की कमी, जलाभाव, जलकष्ट।

क़िल्लते ग़िज़ा (قلت غزا) अ. स्त्री.–खाने के पदार्थों की कमी, खाद्याभाव।

क़िल्लते बारां (قلت باراں) अ. फा. स्त्री.—बरसात की कमी, वर्षाभाव, क़हतसाली ।

क़िल्लतो कस्रत (قلت و کثرت) अ. पुं.—कमी-बेशी, न्यूनता और अधिकता, न्यूनाधिक्य ।

किल्स (کلس) अ. पुं.—चूना ।

क़िवाम (قوام) अ. पुं.—मूल, तत्त्व, अस्ल; क्रम, तर्तीब, निज़ाम; शीरा, चाशनी, पक्वस्वरस ।

किवेर (کویر) फा. पुं.—समतल भूमि; बिना पानी की भूमि; मरीचिका, मृगतृष्णा, सराव ।

किशावर्ज़ (کشاورز) फा. वि.—कृषक, किसान, दे. 'कशावर्ज़', दो. शुद्ध हैं ।

किशावर्ज़ी (کشاورزی) फा. स्त्री.—कृषिकर्म, किसानी, दे. 'कशावर्ज़ी', दो. शु. हैं ।

किशिक (کشک) तु. पुं.—पहरा, चौकसी, निगहबानी, रखवानी ।

किशिकची (کشکچی) तु. पुं.—पहरेदार, रखवाला ।

किशिकदार (کشکدار) तु. फा. पुं.—दे. 'किशिकची' ।

किश्तः (کشتہ) फा. पुं.—शफ़्ताल व ज़र्दालू आदि जिनके बीज निकालकर गूदा सुखा लेते हैं; कस्तूरी, केसर और लोबान आदि का मिश्रण जिसे गुलाब में घिसकर टिकिया बना लेते और सुलगाते हैं ।

किश्त (کشت) फा. स्त्री.—कृषि, खेती; शतरंज की 'शह' ।

किश्तकार (کشتکار) फा. वि.—कृषक, काश्तकार, किसान ।

किश्तकारी (کشتکاری) फा. स्त्री.—कृषिकर्म, किसानी ।

किश्तज़ार (کشتزار) फा. पुं.—वह स्थान जहाँ बोये हुए खेत ही खेत हों, सब्ज़ःज़ार ।

किश्ते ज़ा'फ़रान (کشت زعفران) फा. अ. स्त्री.—ऐसा स्थान जहाँ केसर के खेत हों; वह स्थान जहाँ चित्त में उल्लास और आनंद उत्पन्न हो ।

क़िश्फ़ (قشف) अ. वि.—विकृत, जिसका रंग-रूप बिगड़ गया हो, दूषित ।

किश्मिश (کشمش) फा. स्त्री.—मुनक़्क़े की जाति का सूखा हुआ छोटा अंगूर जिसमें बीज नहीं होता, अबीजा ।

किश्मिशी (کشمشی) फा. वि.—'किश्मिश' जैसे रंग का, हलका हरा; जिसमें किश्मिश मिली हो; किश्मिश का ।

क़िश्लाक़ (قشلاق) तु. पुं.—वह गरम स्थान जहाँ जाड़े गुज़ारे जायँ ।

किश्वर (کشور) फा. स्त्री.—देश, मुल्क; राष्ट्र, सल्तनत; महाद्वीप, बर्रे आ'ज़म, दे. 'कश्वर', दो. शु. हैं ।

किश्वर कुशा (کشور کشا) फा. वि.—विश्वविजयी, दिग्विजयी, जहाँगीर ।

किश्वर सितां (کشورستاں) फा. वि.—दे. 'किश्वर कुशा' ।

क़िसस (قصص) अ. पुं.—'क़िस्सः' का बहु., क़िस्से, कहानियाँ ।

क़िसास (قصاص) अ. पुं.—ख़ून के बदले में ख़ून, प्रतिहिंसा ।

क़िस्अः (قصعہ) अ. पुं.—बड़ा पियाला ।

क़िस्त (قسط) अ. स्त्री.—न्याय, इंसाफ़; भाग, अंश, हिस्सा; खंड, टुकड़ा; अदाइगी का एक जुज़ ।

क़िस्तबंदी (قسطبندی) अ. फा. स्त्री.—अदाइगी के लिए क़िस्तों की नियति ।

क़िस्तास (قسطاس) अ. स्त्री.—बड़ी तराज़ू, नक ।

क़िस्म (قسم) आ. स्त्री.—प्रकार, भाँति, तरह; जाति, नौअ ।

क़िस्मत (قسمت) अ. स्त्री.—विभाजन, तक़्सीम, भाग्य, अदृष्ट, प्रारब्ध, तक़दीर ।

क़िस्मत आज़्मा (قسمت آزما) अ. फा. वि.—भाग्य की परीक्षा करनेवाला, किसी कठिन काम का बीड़ा उठानेवाला, कोई कड़ी परीक्षा देनेवाला ।

क़िस्मत आज़्माई (قسمت آزمائی) अ. फा. स्त्री.—भाग्य की परीक्षा, किसी कठिन काम का साहस, किसी कड़ी परीक्षा की तैयारी ।

क़िस्मतवर (قسمتور) अ.फा. वि.—भाग्यशाली, भाग्यवान्, ख़ुशनसीब ।

क़िस्मतवरी (قسمتوری) अ. फा. स्त्री.—ख़ुशक़िस्मती, भाग्यशीलता, भाग्यशालीनता ।

किस्रा (کسریٰ) अ. पुं.—ईरान के शासकों की उपाधि; नौशेरवाँ की उपाधि ।

किस्वत (کسوت) अ. स्त्री.—वस्त्र, वसन, लिबास, पोशाक; नाई की पेटी, नापित-पेटिका ।

क़िस्सः (قصہ) अ. पुं.—कथा, कहानी; उपन्यास, नाविल; वृत्तांत, हाल; घटना, वाक़िअः; कलह, झगड़ा; समस्या, मस्अलः ।

क़िस्सःकोताह (قصہ کوتاہ) अ. फा. अव्य.—सारांश यह कि, किं बहुना, क़िस्सः मुख़्तसर ।

क़िस्सःख़्वां (قصہ خواں) अ.फा. वि.—दे. 'क़िस्सः गो' ।

क़िस्सःगो (قصہ گو) अ.फा.वि.—कहानियाँ कहनेवाला; अब से कुछ पहले क़िस्से कहनेवालों की एक बड़ी संख्या सारे देश में फैली हुई थी और वह कल्पित कहानियाँ सुना-सुनाकर अपना जीवन निर्वाह करती थी, 'दास्तां गो' ।

क़िस्सः मुख़्तसर (قصہ مختصر) अ. अव्य.—दे. 'क़िस्सः कोताह' ।

क़िस्सीस (قسیس) अ. पुं.—ईसाइयों का धर्मगुरु, पादरी, राहिब ।

किह्रीं (کہیں) फा. वि.—अति क्षुद्र, बहुत छोटा ।

किहीनः (کہینہ) फा. वि.–क्षुद्र, छोटा; आयु में छोटा, अल्पवयस्क।

क़िह्.फ़ (قحف) अ. पुं.–खोपड़ी, कपाल।

की

कीं (کیں) फा. पुं.–'कीन' का लघु., दे. 'कीन'।

कीं (کیں) फा. अव्य.–कि यह।

कीनः (کینہ) फा. पुं.–वह शत्रुता जो दिल में रहे, द्वेष, खुंस, अमर्ष, "अय ज़हे रंजिश ! कि क़ल्बे यारकी मंज़िल में है। रुतबा देखो मेरे 'कीने' का कि उनके दिल में है॥"

कीनः अंदोज़ (کینہ اندوز) फा. वि.–दे. 'कीनःवर'।

कीनः अंदोज़ी (کینہ اندوزی) फा. स्त्री.–दे. 'कीनःवरी'।

कीनःकश (کینہ کش) फा. वि.–दे. 'कीनःवर'।

कीनःकशी (کینہ کشی) फा. स्त्री.–दे. 'कीनःवरी।

कीनःतोज़ (کینہ توز) फा. वि.–दे. 'कीनःवर'।

कीनःतोज़ी (کینہ توزی) फा. स्त्री.–दे. 'कीनःवरी'।

कीनःपर्वर (کینہ پرور) फा. वि.–दे. 'कीनःवर'।

कीनःपर्वरी (کینہ پروری) फा. स्त्री.–दे. 'कीनःवरी।

कीनःवर (کینہ ور) फा. वि.–किसी की ओर से हृदय में द्वेष रखनेवाला, जो मुंह पर तो कुछ न कहे, परंतु समय पड़ने पर पूरी शत्रुता दिखाये।

कीनःवरी (کینہ وری) फा. स्त्री.–मन में द्वेष रखना और समय पड़ने पर शत्रुता प्रकट करना।

कीन (کین) फा. पुं.–दे. 'कीनः', द्वेष, अमर्ष, खुंस, रंजिश।

क़ीन (قین) अ. पुं.–सेवक, दास; लोहार, लोहकार; लोहारी का काम, दे. 'क़ैन', वही अधिक शुद्ध है।

कीपा (کیپا) तु. पुं.–एक प्रकार का पुलाव जो बकरी की आँतों में चावल और मसाला भरकर पकाया जाता है।

क़ीफ़ (قیف) फा. स्त्री.–बोतल आदि में तेल आदि उँडेलने का यंत्र, कीप।

क़ीफ़ाल (قیفال) अ. स्त्री.–एक बड़ी रक्तवाहिनी नाड़ी जिसकी फ़स्द ली जाती है, सरोरू।

क़ीमः (قیمہ) फा. पुं.–कुटा हुआ मांस, जिसके कोफ़्ते या कबाब बनते हैं।

क़ीमत (قیمت) अ. स्त्री.–मूल्य, दाम; प्रतिष्ठा, क़द्र; श्रेष्ठता, उच्चता, बड़ाई।

क़ीमतन् (قیمتاً) अ. वि.–मूल्य देकर, दामों से।

क़ीमती (قیمتی) अ. वि.–बहुमूल्य, मूल्यवान्, बेशक़ीमत।

कीमिया (کیمیا) अ. स्त्री.–रसायन, कैमिस्ट्री; सोना-चांदी बनाने की कला, धातुवाद।

कीमियाअसर (کیمیااثر) अ. वि.–अति गुणकारी, बहुत ही फ़ायदेमंद; मट्टी को सोना बना देनेवाली चीज़।

कीमियागर (کیمیاگر) अ. फा. वि.–ताँबे आदि से सोना बनानेवाला; बहुत बड़ा हुनरमंद।

कीमियागरी (کیمیاگری) अ.फा. स्त्री.–ताँबे आदि से सोना बनाना; हुनरमंद होना।

कीमियादाँ (کیمیاداں) अ.फा. वि.–पारे आदि से सोना बनाना जाननेवाला।

कीमियादानी (کیمیادانی) अ. फा. स्त्री.–पारा आदि से सोना बनाना।

कीमियासाज़ (کیمیاساز) अ. फा. वि.–दे. 'कीमियागर'।

कीमियासाज़ी (کیمیاسازی) अ.फा.स्त्री.–दे. 'कीमियागरी'।

कीमुख़्त (کیمخت) फा. पुं.–घोड़े या गधे का कमाया हुआ चमड़ा।

क़ीर (قیر) फा. पुं.–राल; तारकोल।

क़ीरगूं (قیرگوں) फा. वि.–काले रंग का, तारकोल जैसा।

क़ीरात (قیراط) अ. स्त्री.–एक तौल जो चार जौ के बराबर होती है, रत्तियों के हिसाब से तीन रत्ती।

क़ीलः (قیلہ) अ. पुं.–अंडवृद्धि, फ़ोते बढ़ने का रोग; दोपहर को थोड़ी देर लेटना, क़ैलूलः।

क़ीलोक़ाल (قیل وقال) अ. स्त्री.–वाद-विवाद, तर्क-वितर्क, बहस-मुबाहसा।

कीसः (کیسہ) अ. पुं.–जेब, पाकेट, खलीताः; थैली।

कीसःतराश (کیسہ تراش) अ. फा. वि.–जेब काटनेवाला, जेबकतरा, ग्रंथिमोचक, पाकेटमार, जेबतराश।

कीसःतराशी (کیسہ تراشی) अ.फा. स्त्री.–जेब काटने का काम, जेबकतरापन, पाकटमारी, ग्रंथिमोचन।

कीसःबुर (کیسہ بر) अ. फा. वि.–दे. 'कीसःतराश', 'कीसावर' भी प्रचलित।

कीसःबुरी (کیسہ بری) अ. फा. स्त्री.–दे. 'कीसःतराशी', 'कीसावरी' भी प्रचलित।

कीस (کیس) अ. पुं.–दे. 'कीसः'।

कीसे फ़िदा (کیس فدا) अ. फा. पुं.–शत्रुओं में घिर जाने के समय भागते हुए रुपया फेंक देना, ताकि लोग उसे बटोरने में लग जायें और पीछा न करें।

क़ीह (قیح) अ. स्त्री.–पीप, मवाद, पीव, क्षतस्राव।

कु

कुंग (کنگ) फा. वि.–मोटा-ताज़ा, हृष्ट-पुष्ट; शक्तिशाली, बलवान्; छुहारों का गुच्छा।

कुंगुरः (کنگرہ) फा. पुं.—भवन आदि की गुमटी, छोटा गुंबद, कँगूरा।

कुंगुर (کنگر) फा. पुं.—दे. 'कुंगुरः'।

कुंज (کنج) फा. पुं.—एकांत, गोशः, "दुनिया में रंजोग़म से जो फ़ुर्सत न मिल सकी, आख़िर को थक के सो गये कुंजे मजार में।"

कुंजकावी (کنج کاوی) फा. स्त्री.—तलाश, खोज, जिज्ञासा; परिश्रम, मेहनत; ध्यानपूर्वक विचार, ग़ौर।

कुंजद (کنجد) फा. स्त्री.—तिल, तिल्ली, एक प्रसिद्ध बीज।

कुंजारः (کنجارہ) फा. पुं.—तेल निकलने के पश्चात् बीज का फोक, खल, खली।

कुंजिश्क (کنجشک) फा. स्त्री.—वह छोटी चिड़िया जो घरों में रहती है, गौरैया, चटक।

कुंजे इंज़िवा (کنج انزوا) फा. अ. पुं.—एकांत, गोशः, अकेला स्थान, निर्जनस्थल।

कुंजे उज़्लत (کنج عزلت) फा.अ. पुं.—दे. 'कुंजे इंज़िवा'।

कुंजे क़फ़स (کنج قفس) फा.अ. पुं.—पिंजड़े का कोना, पिंजड़े का एकांत स्थान; कारागार, क़ैदखाना, जे़लखाना।

कुंजे ख़ल्वत (کنج خلوت) फा.अ. पुं.—दे. 'कुंजे इंज़िवा'।

कुंजे तन्हाई (کنج تنہائی) फा. पु.—दे. 'कुंजे इंज़िवा'।

कुंजेदहन (کنج دہن) फा. पु.—मुँह का दहाना, मुंह का कोना।

कुंजेरां (کنجہراں) फा. पुं.—रान की जड़, चिड्ढा।

कुंजे लहद (کنج لحد) फा. अ. पुं.—क़ब्र का कोना, क़ब्र का एकांत स्थान।

कुंदः (کندہ) फा. पुं.—लकड़ी का मोटा और छोटा टुकड़ा, बंदूक़ का कुंदा।

कुंदःकार (کندہ کار) फा. वि.—दे. शु. उच्चारण, 'कंदःकार'।

कुंदः कारी (کندہ کاری) फा.स्त्री.—दे.शु. उच्चारण 'कंदःकारी'।

कुंद (کند) फा वि.—मंद, मूढ़, भोथरा; मंद, सुस्त, आलसी।

कुंदए नातराश (کندہ ناتراش) फा. पुं.—अल्लड़, उजड्ड, असभ्य, घामड़, बुद्धू, विना तराशी लकड़ी का मोटा टुकड़ा, लाक्षणिक अर्थ मूर्ख।

कुंदएपा (کندہ پا) फा. पुं.—एक मोटी और भारी लकड़ी जिसमें कई छेद होते हैं जिनमें अपराधी के पाँव डाल दिये जाते हैं।

कुंदज़ेह्न (کندذہن) फा. अ. वि.—जिसका ज़ेह्न तेज़ न हो, मंदप्रतिभ।

कुंदपीर (کندپیر) फा. स्त्री.—बहुत बुढ़िया स्त्री, सठियाई मूर्खा स्त्री।

कुंदाक़ (قنداق) तु. पुं.—वंदूक का कुंदा।

कुंदावर (کنداور) फा. पुं.—मेधावी, दाना; वैज्ञानिक, हकीम; पहलवान, मल्ल।

क़ुंदुज़ (قندز) अ. पुं.—कुत्ते के प्रकार का एक जंतु, जिसकी खाल से पोस्तीन बनते हैं; उस जानवर की पोस्तीन; जल-कुक्कुर, पानी का कुत्ता।

कुंदुर (کندر) फा. पुं.—एक गोंद जो दवा के काम आता है।

कुंदुलान (کندلان) तु. पुं.—वह बड़ा खेमा जो बादशाह के दरवाज़े पर लगाया जाता है।

कुंदुश (کندش) अ. अव्य.—दे. कुंदुर; दे. 'अक़्अक़'।

कुंदू (کندو) फा. पुं.—पात्र, बरतन।

कुंदूएआब (کندوۓ آب) फा. पुं.—पानी की टंकी या हौज़।

कुंदूएग़ल्लः (کندوۓ غلہ) फा. पुं.—नाज का कोठार या बखारी।

क़ुऊद (قعود) अ. पुं.—बैठने का भाव, बैठक; नमाज़ में बैठने का अमल।

क़ुक़्नुस (ققنس) अ. पुं.—एक बहुत ही मधुरस्वर चिड़िया जिससे यूनानियों ने गानविद्या सीखी, इसके गाने से आग लग जाती है।

कुख़ कुख़ (کخ کخ) फा. अव्य.—खाँसने का स्वर।

क़ुच (قچ) तु. पुं.—मेढ़ा, नर भेड़ जिसके सींग होते हैं, और जो लड़ाई के काम आता है।

क़ुज़ह (قزح) अ. पुं.—वह फ़िरिश्ता जो बादलों का प्रबंध करता है, इंद्र।

कुजा (کجا) फा. अव्य.—कहाँ, किस स्थान पर।

क़ुज़ाअः (قضاعہ) अ. पुं.—एक समुद्री जंतु जिसके अंडकोष से 'जुंदबे दस्तर' निकलता है, जो दवा में प्रयुक्त होता है।

कुज़ाज़ (کزاز) अ. पुं.—रगों और पट्ठों के खिंचाव से उत्पन्न होनेवाली एक पीड़ा।

क़ुज़ात (قضات) अ. पुं.—'क़ाज़ी' का बहु., निकाह पढ़ानेवाले क़ाज़ी; न्यायकर्ता क़ाज़ी।

क़ुज़ुर (قزر) अ. स्त्री.—अपवित्रता, गंदगी, पलीदी।

कुतल (کوتل) तु. पुं.—खास सवारी का घोड़ा, 'कोतल' भी प्रचलित।

क़ुतास (قوتاس) तु. पं.—पहाड़ी गाय (सुरा गाय) की पूँछ, जिससे मोरछल बनता है।

क़ुतुन (قطن) अ. पुं.—कपास; कपास का खेत; रुई, तूल।

कुतुब (کتب) अ. स्त्री.—'किताब' का बहु., पुस्तकें, किताबें।

कुतुबफ़रोश (کتب فروش) अ.फा. वि.—पुस्तकें बेचनेवाला।

कुतुबफ़रोशी (کتب فروشی) अ.फा. स्त्री.—पुस्तकें बेचने का काम।

क़ुतूफ़ (قطوف) अ. पुं.—'क़त्फ़' का बहु., मेवे, फल आदि।

क़ुत्कः (كتكه) तु. पुं.–मोटा और छोटा डंडा।
क़ुत्ताअ (قطاع) अ. वि.–'क़ाते' का बहु., काटनेवाले।
क़ुत्ता उत्तरीक़ (قطاع الطریق) अ. वि.–राह में लूटनेवाले, डाकू, लुटेरे, बटमार।
क़ुत्ती (قتی) तु. स्त्री.–पिटारी, संदूक़ची।
क़ुत्न (قطن) अ. पुं.–कपास; रुई, दे. 'क़ुतुन', दो. शु. हैं।
क़ुत्नी (قطنی) अ. पुं.–सूत का बना हुआ कपड़ा; रेशम और सूत मिला हुआ कपड़ा।
क़ुत्ब (قطب) अ. पुं.–पृथ्वी का धुरा, ध्रुव; एक तारा जो अपने स्थान पर स्थिर रहता है, ध्रुव तारा; एक प्रकार के मुसलमान ऋषि जिनके सिपुर्द कोई बड़ा इलाक़ा होता है।
क़ुत्बनुमा (قطب نما) अ. फा. पुं.–दिशा बतानेवाला यंत्र, दिग्दर्शक यंत्र।
क़ुत्बे जुनूबी (قطب جنوبی) अ. पुं.–दक्षिणी ध्रुव।
क़ुत्बे शिमाली (قطب شمالی) अ. पुं.–उत्तरी ध्रुव।
क़ुत्बैन (قطبین) अ. पुं.–उत्तरी और दक्षिणी दोनों ध्रुव।
क़ुत्र (قطر) अ. पुं.–वह रेखा जो किसी परिधि से गुज़रती हुई, उसे दो बराबर के भागों में बाँट दे, व्यास।
क़ुत्रुब (قطرب) अ. पुं.–एक बहुत छोटा कीड़ा जो पानी पर दौड़ता रहता है और कभी नहीं थमता; पागलपन की एक क़िस्म, इस रोग का रोगी किसी एक स्थान पर नहीं ठहरता और सब से भागता है।
क़ुदमा (قدما) अ. पुं.–'क़दीम' का बहु., पुराने लोग; प्राचीन विद्वान् लोग; प्राचीन वैज्ञानिक लोग।
क़ुदुस (قدس) अ. वि.–पवित्र, पाक; पवित्रता, पाकीज़गी।
क़ुदूम (قدوم) अ. पुं.–आगमन, पदार्पण, आना।
क़ुदूर (قدور) अ. स्त्री.–'क़िद्र' का बहु., हाँड़ियाँ, डेगचियाँ।
कुदूरत (کدورت) अ. स्त्री.–मैल, मलिनता, गँदलापन; मनोमालिन्य, शकररंजी।
क़ुद्दूस (قدوس) अ. वि.–अत्यंत पवित्र, बहुत ही पाक; ईश्वर का एक नाम।
क़ुद्रत (قدرت) अ. स्त्री.–प्रकृति, निसर्ग, नेचर, फ़ित्रत; सामर्थ्य, शक्ति, मक़्दूर; दैवी माया, ख़ुदा की क़ुदरत; वश, ज़ोर; शक्ति, ताक़त; समृद्धि, दौलतमंदी।
क़ुद्रतन (قدرتاً) अ. वि.–क़ुदरती तौर पर।
क़ुद्रती (قدرتی) अ. वि.–प्राकृतिक, नेचुरल; ईश्वरीय, दैवी, ख़ुदाई; क़ुदरत से सम्बन्धित।
क़ुद्रते हक़ (قدرت حق) अ. स्त्री.–ईश्वर की माया, ख़ुदा की क़ुदरत।
क़ुद्स (قدس) अ. पुं.–पवित्रता, पाकीज़गी; पवित्र, पाक; यरोशलम का एक पहाड़।
क़ुद्सियाँ (قدسیاں) अ. पुं.–'क़ुद्सी' का बहु., फ़िरिश्ते; ऋषिगण, औलिया अल्लाह।
क़ुद्सी (قدسی). अ. वि.–फ़िरिश्ता, देवता।
क़ुद्सी सिफ़ात (قدسی صفات) अ. वि.–फ़िरिश्तों जैसे गुणवाला, देवोपम, देवात्मा।
कुन (کن) फा. प्रत्य.–करनेवाला, जैसे 'कारकुन'–काम करनेवाला।
कुन (کن) अ. क्रि.–हो जा, ये शब्द ईश्वर की ज़बान से निकले थे, जिनसे सृष्टि की रचना हुई।
कुनाम (کنام) फा. पुं.–पशुओं का निवासस्थान; चिड़ियों का घोंसला; चरागाह, गोचर।
क़ुनार (قنار) अ. पुं.–लंबी लकड़ी या लोहे की सलाख जिस पर चिकवे बकरी की खाल उधेड़कर टाँगते हैं।
कुनार (کنار) फा. पुं.–बेर, बेरी, कोल, बदरी।
कुनारे दश्ती (کنار دشتی) फा. पुं.–जंगली बेर, झरबेरी।
कुनासः (کناسه) अ. पुं.–झाड़ू में बटोरा हुआ कूड़ा-करकट।
कुनिश्त (کنشت) फा. पुं.–उपासनागृह, इबादतख़ाना; मूर्तिगृह, बुतख़ाना; अग्निशाला, आतशकदा।
क़ुनुक़ (قنق) अ. पुं.–मेहमान, अतिथि, आगंतुक।
क़ुनूअ (قنوع) अ. पुं.–'क़ाने' होना, निःस्पृह होना, जो कुछ मिल जाय उसी पर संतुष्ट रहना।
कुनूज़ (کنوز) अ. पुं.–'कंज़' का बहु., ख़ज़ाने, निधियाँ।
क़ुनूत (قنوت) अ. पुं.–आज्ञापालन करना, फ़र्माबरदारी करना; नमाज़ में चुप खड़ा होना; दुआ पढ़ना।
क़ुनूत (قنوط) अ. पुं.–निराशा, नाउम्मेदी।
क़ुनूती (قنوطی) अ. वि.–निराश, नाउम्मेद; निराशावादी, जिसका विचार हो कि उसे किसी काम में सफलता न होगी।
क़ुनूतीयत (قنوطیت) अ. स्त्री.–निराशावाद।
कुन्नियत (کنیت) अ. स्त्री.–दे. शु. उच्चारण 'कुन्यत'।
क़ुन्फ़ज़ (قنفز) अ. स्त्री.–दे. 'क़ुन्फ़ुज़' दो. शु. हैं।
क़ुन्फ़ुज़ (قنفز) अ. स्त्री.–साही, सेहाँ, एक जंतु जिसके शरीर पर काँटे होते हैं।
क़ुन्यः (قنیه) अ. पुं.–पूँजी, सरमाया।
कुन्यत (کنیت) अ. स्त्री.–वह नाम जिसमें अरबी परंपरा के अनुसार अपने पिता, माता या लड़के का सम्बन्ध प्रकट किया जाय, जैसे–'अबुलहसन' या 'उम्मेकुल्सूम'; उपाधि, लक़ब।
कुफ़ात (کفات) अ. पुं.–'काफ़ी' का बहु., बुद्धिमान् लोग।
क़ुफ़्ल (قفل) अ. पुं.–ताला, द्वारयंत्र, तालिका।
कुफ़ूर (کفور) अ. पुं.–कृतघ्नता, अकृतज्ञता, नाशुक्री।
क़ुफ़्फ़ः (قفه) अ. पुं.–उच्च, ऊँचा; ऊँची भूमि; ऊँचा स्थान।

कुफ़्फ़ार (كفار) अ. पुं.–'क़ाफ़िर' का बहु., काफ़िर लोग, नास्तिक लोग ।

कुफ़्र (كفر) अ. पुं.–अस्वीकृति, क़बूल न करना; कृतघ्नता, अकृतज्ञता, नाशुक्री ।

कुफ़्र आश्ना (كفر آشنا) अ. फा. वि.–जिसे कुफ़्र से प्रेम हो, जो काफ़िरों से प्रेम करता हो, जो स्वयं आधा काफ़िर हो, पाप-परायण ।

कुफ़्रान (كفران) अ. पुं.–कृतघ्नता, एहसान फ़रामोशी ।

कुफ़्राने नें'मत (كفران نعمت) अ. पुं.–ईश्वर की दी हुई नें'मतों (नियामतों) की अकृतज्ञता ।

कुफ़्रिस्तान (كفرستان) अ. फा. पुं.–काफ़िरों के रहने का स्थान; ऐसा स्थान जहाँ अत्याचारी लोगों के कारण न्याय और नीति का व्यवहार न हो ।

कुफ़्रोइल्हाद (كفروالحاد) अ. पुं.–बेदीनी, नास्तिकता ।

क़ुफ़्ल (قفل) अ. पु.–ताला, द्वारयंत्र, तालिका ।

क़ुफ़्ल शिकनी (قفل شکنی) अ.फा. स्त्री.–घर या दुकान आदि का ताला टूटना, चोरी होना ।

क़ुफ़्ले वस्वास (قفل وسواس) अ. पुं.–गोरखधंधा ।

क़ुबब (قبب) अ. पुं.–'क़ुब्ब:' का बहु., क़ुब्बे, गुमटियाँ, छोटे गुंबद ।

कुबरा (كبرا) अ. पुं.–'कबीर' का बहु., बड़े लोग, प्रतिष्ठित जन ।

क़ुबुल (قبل) अ. पुं.–'क़बील' का बहु., दल, गरोह; सामने की वस्तु, सामने का रुख़; सामने का शरीर ।

क़ुबूब (قبوب) अ. पुं.–धान का सूखना; कोलाहल करना, शोर मचाना; शत्रुता और लड़ाई; शरीर की खाल और मांस का मुरझाना ।

क़ुबूर (قبور) अ. स्त्री.–'क़ब्र' का बहु., क़ब्रें ।

क़ुबूल (قبول) अ. पुं.–सामने आना, उपस्थित होना ।

क़ुब्ब: (قبه) अ. पुं.–छोटा गुंबद, बुर्ज़ी, गुमटी ।

क़ुब्बर: (قبره) अ. पुं.–अबाबील पक्षी; सुर्ख़ाब पक्षी ।

कुब्रा (كبریٰ) अ. स्त्री.–'अक्बर' का स्त्री., बहुत बड़ी, जैसे 'क़ियामते कुब्रा', बहुत बड़ी आपत्ति ।

क़ुब्ल: (قبله) अ. पुं.–चुंबन, बोसा, चूमा ।

क़ुब्ल (قبل) अ. स्त्री.–भग, योनि, फ़र्ज ।

क़ुब्ह (قبح) अ. पुं.–दोष, ऐब, ख़राबी; त्रुटि, ग़लती; भोंडापन ।

क़ुम (قم) अ. क्रि.–'उठ बैठ', 'खड़ा हो जा', ये वे शब्द हैं जिनके उच्चारण से हज़रत ईसा मृत व्यक्ति को जीवित कर देते थे ।

कुम[म्म] (كم) अ.–आस्तीन ।

क़ुमल (قمل) अ. स्त्री.–वह छोटा कीड़ा जो बालों और कपड़ों में पड़ जाता है, जूँ ।

कुमाच: (کماچه) तु. पुं.–एक प्रकार की रोटी ।

क़ुमाम: (قمامه) अ. पुं.–कूड़ा-करकट जो घर झाड़ने से निकले; मनुष्यों का दल ।

क़ुमाश (قماش) अ. पु.–वस्त्र, कपड़ा, लिबास; घर का सामान; गुण, हुनर ।

कुमुक (کمک) तु. स्त्री.–सहायता, मदद, काम में अथवा युद्ध म ।

कुमेज़ (کمیز) फा. पुं.–पेशाब, मूत्र, मूत ।

कुमैत (کمیت) अ. पुं.–कालिमा लिये हुए लाल घोड़ा, जिसकी पूँछ और अयाल के बाल काले हों; अंगूर की लाल मदिरा ।

क़ुम्क़ुम: (قمقمه) अ. पुं.–काँच का गोल लट्टू जो छतों की सजावट के काम आता है; बिजली का वल्ब, कूज़ा; पियाला ।

क़ुम्म: (قمه) अ. पुं.–हर चीज़ का सिरा; हर चीज़ की ऊँचाई, चोटी; जनसमुदाय, गरोह ।

क़ुम्मल (قمل) अ. पुं.–'क़ुम्मल:' का बहु., किलनियाँ, जो पशुओं की देह में चिपककर उनका रक्त पीती हैं; टिड्डियाँ ।

कुम्मस्त्रा (کمثرٰی) अ. पुं.–अमरूद, एक प्रसिद्ध फल ।

क़ुम्मा (قما) तु. स्त्री.–दासी, लौंडी, कनीज़ ।

कुम्मैत (کمیت) अ. पुं.–दे. शुद्ध उच्चारण 'कुमैत' ।

क़ुम्री (قمری) अ. स्त्री.–एक प्रसिद्ध सफ़ेद पक्षी ।

क़ुम्ल (قمل) अ. पुं.–जूँ ।

कुम्लक (کوملک) तु.पुं.–वस्त्र, लिबास; कुर्ता, क़मीस ।

कुयूस (کیوس) अ. पुं.–'कास:' का बहु., पियाले, कटोरे ।

कुरंग (کرنگ) फा. पुं.–लाल रंग का घोड़ा ।

कुर: (کره) अ. पुं.–वर्तुल, परिधि, घेरा; गेंद, कंदुक; गोला, मंडल ।

क़ुर [र्र] (قر) अ. पुं.–जाड़े की ऋतु, शीतकाल ।

कुरए अर्ज़ (کرهٔ ارض) अ. पुं.–भूगोल, भूमंडल ।

कुरए आतश (کرهٔ آتش) अ. फा. पुं.–अग्निमंडल ।

कुरए आफ़्ताब (کرهٔ آفتاب) अ.फा. पुं.–रविमंडल, सूर्यमंडल ।

कुरए आब (کرهٔ آب) अ. फा. अव्य.–सारी पृथ्वी पर फैला हुआ जल ।

कुरए आस्माँ (کرهٔ آسماں) अ. फा. पुं.–आकाशमंडल, खगोल ।

कुरए जमीं (کرهٔ زمیں) अ. फा. पं.–दे. 'कुरए अर्ज़' ।

कुरए जम्हरीर (کرهٔ زمہریر) अ. फा. पुं.–वह वायुमंडल जो बहुत ही ठंडा है ।

कुरए नार (کرهٔ نار) अ. पुं.–अग्निमंडल ।

कुरए फ़लक (کرهٔ فلک) अ. पुं.–दे. 'कुरए आसमान' ।

कुरए बाद (کرۂ باد) अ.फा. पुं.–वायुमंडल।
कुरए माह (کرۂ ماہ) अ. फा. पुं.–चंद्रमंडल।
कुरए शम्स (کرۂ شمس) अ. पुं.–दे. 'कुरए आफ़्ताब'।
कुरए हवा (کرۂ ہوا) अ. पुं.–दे. 'कुरए बाद'।
कुरगः (کورگہ) तु. पुं.–बड़ा नगाड़ा, धौंसा, दुंदुभि।
क़ुरमसाक़ (قرمساق) तु. पुं.–वह निर्लज्ज व्यक्ति जो अपनी पत्नी की कमाई खाता हो।
क़ुरशी (قرشی) अ. वि.–क़ुरैशके वंश से सम्बन्ध रखनेवाला, इस अर्थ में 'क़ुरैशी' अशुद्ध है।
क़ुरा' (قرع) अ. पुं.–'क़ुर्अः' का बहु., पाँसे।
क़ुरा (قری) अ.पुं.–'क़र्यः' का बहु., बहुत से गाँव, ग्राम-समूह।
कुराअ (کراع) अ. पुं.–गाय-भैंस या बकरी के पाये, पशु की पिंडली; घोड़ों का समूह; पहाड़ की चोटी।
क़ुराजः (قراضہ) अ. पुं.–वह कण जो क़ैंची से कटकर गिरे; चाँदी और सोने का कण।
क़ुरात (قرات) अ. पुं.–'क़ारी' का बहु., क़ारी लोग, क़ुरान को शुद्ध उच्चारण से पढ़नेवाले हाफ़िज़।
क़ुराद (قراد) अ. स्त्री.–किलनी, पशुओं का रक्त पीनेवाला कीड़ा।
क़ुरान (قران) अ. पुं.–दे. 'क़ुर्आन', शुद्ध उच्चारण वही है, परंतु फ़ार्सीवालों ने 'क़ुरान' भी लिखा है, अतः यह भी शुद्ध है।
कुरासः (کراسہ) अ. पुं.–ग्रंथ, पुस्तक, किताब; क़ुरान।
क़ुरुत (قورت) तु. पुं.–दही, दधि।
क़ुरुती (قوروتی) तु. पुं.–एक प्रकार का दलिया जिसमें सूखा दही डाला जाता है।
क़ुरून (قرون) अ. पुं.–'क़र्न' का बहु., बहुत से युग, बहुत से ज़माने; बहुत से सींग।
क़ुरूने ऊला (قرون اولی) अ. पुं.–इस्लाम का प्रारंभिक काल, प्रारंभिक काल, इब्तिदाई ज़माना।
क़ुरूने ख़ालियः (قرون خالیہ) अ. पुं.–पिछले युग, गुज़रे हुए ज़माने।
क़ुरूनेवुस्ता (قرون وسطی) अ. पुं.–इस्लाम का मध्यवर्ती समय; मध्यवर्ती समय, दरमियानी ज़माना।
कुरूब (کروب) अ. पुं.–'कर्ब' का बहु., व्याकुलताएँ; कष्ट, पीड़ाएँ।
क़ुरूह (قروح) अ. पुं.–'क़र्हः' का बहु., बहुत से घाव।
क़ुरैश (قریش) अ. पुं.–अरब का एक प्रतिष्ठित वंश, जिसमें हज़रत महम्मद साहिब उत्पन्न हुए थे।
क़ुरैशी (قریشی) अ. वि.–दे. 'क़ुरशी', शुद्ध वही है, परंतु उर्दू में क़ुरैशी भी बोलते हैं।
कुरोह (کروہ) फा. पुं.–एक कोस या दो मील का अंतर, कोस, क्रोश।
क़ुर्अः (قرعہ) अ. पुं.–पाँसा, पाशक, सारि, शारि।
क़ुर्अः अंदाज़ः (قرعہ انداز) अ.फा. वि.–पाँसा फेंकनेवाला; शकुन विचारनेवाला।
क़ुर्अः अंदाज़ी (قرعہ اندازی) अ. फा. स्त्री.–पाँसा फेंकना, किसी विषय में निर्णय के लिए पाँसा फेंककर समझौता करना।
क़ुर्अए फ़ाल (قرعہ فال) अ. पुं.–शकुन विचारने के लिए पाँसा फेंकना।
क़ुर्आन (قرآن) अ. पुं.–मुसलमानों का धर्म ग्रंथ, जो उनके मतानुसार आस्मानी किताब है, जिसमें तीस 'पारे', छोटी बड़ी एक सौ चौदह 'सूरतें', ६६४० 'आयतें' और ५४० 'रुकूअ' हैं।
क़ुर्क़ (قرق) तु. पुं.–निषिद्ध, मना किया हुआ; रोका हुआ, वर्जित; देखभाल, निगरानी; रोकना, अलग रखना।
क़ुर्क़ अमीन (قرق امین) तु. अ. वि.–दीवानी या माल का वह कर्मचारी जो डिग्री या मुतालबे में कुर्क़ी करता है।
क़ुर्क़ी (قرقی) तु. स्त्री.–किसी डिग्री आदि में सरकारी कर्मचारी द्वारा जायदाद, माल या रुपये की ज़ब्ती।
कुर्की (کرکی) अ. पुं.–एक पक्षी, कुलंग।
कुर्कुम (کرکم) फा. पुं.–केसर, ज़ा'फ़रान।
कुर्तः (کرتہ) तु. पुं.–पहनने का कमीस जैसा एक वस्त्र।
क़ुर्त (قرط) अ. पुं.–कान में पहनने का बुंदा, लटकन, गोशवारा।
क़ुर्त (قورت) तु. पुं.–दही, जुग़ात, दधि।
क़ुर्तक़ (قرطق) अ. पुं.–दे. 'कुर्तः'।
क़ुर्तुम (قرطم) अ. पुं.–कुसुम, कड़।
कुर्द (کرد) तु. पुं.–तुर्कों की एक संचारजीवी अर्थात् ख़ाना-बदोश जाति, जो प्रायः जंगलों में रहती और बड़ी बहादुर होती है।
कुर्दक (کردک) फा.पुं.–बहुत मोटा-ताज़ा और बलवान् व्यक्ति।
कुर्दिस्तान (کردستان) तु. फ. पुं.–कुर्द जाति के तुर्कों के रहने का प्रदेश।
क़ुर्नक़ (قورنق) तु. पुं.–दास, नौकर; दासी, लौंडी; कनीज़।
क़ुर्नास (قرناس) अ. पुं.–पिशाच, राक्षस, देव; पहाड़ की चोटी।
कुर्नुश (کورنش) तु. स्त्री.–झुककर प्रणाम करना।
क़ुर्ब (قرب) अ. पुं.–समीपता, निकटता, नज़दीकी।
क़ुर्बत (قربت) अ. स्त्री.–सामीप्य, नैकट्य, नज़दीकी; सहवास, मैथुन, सोहबत।

कुर्बत (کربت) अ. स्त्री.–कष्ट, क्लेश, दुःख; शोक, रंज।

क़ुर्बां (قرباں) अ. पुं.–'क़ुर्बान' का लघु., दे. 'क़ुर्बान'।

क़ुर्बांगाह (قرباںگاہ) अ. फा. स्त्री.–वधस्थल, क़ुर्बानी करने का स्थान।

क़ुर्बान (قربان) अ. पुं.–बलि, सदक़ः; न्योछावर, निसार।

क़ुर्बान (قربان) फा. पुं.–गले में पहनने की पेटी जिसमें धनुष लटकाया जाता है।

क़ुर्बानी (قربانی) अ. स्त्री.–किसी पशु का किसी देवता आदि के लिए वध; किसी बड़े काम के लिए जान की भेंट; त्याग, ईसार।

क़ुर्बोजुवार (قرب‌وجوار) अ. पुं.–आसपास, चारों ओर, चहुँपास।

कुर्म (کرم) अ. पुं.–अत्यंत शोक और दुःख।

क़ुर्रः (قرہ) अ. पुं.–ठंडक, शीतलता; सुख, चैन; ज्योति, रौशनी।

कुर्रः (کرہ) अ. पुं.–गधे या घोड़े का बच्चा; कोड़ा, चाबुक, प्रतोद।

क़ुर्रतुलऐन (قرةالعین) अ. पुं.–आँखों की ठंडक, आँखों की ज्योति, इस शब्द का प्रयोग प्रायः पुत्र के लिए होता है।

क़ुर्रमसाक़ (قرم ساق) तु. पुं.–दे. शु. उच्चारण 'क़ुरमसाक़'।

कुर्रासः (کراسہ) अ. पुं.–पुस्तक का एक खंड अथवा अध्याय; क़ुरान का एक पारा।

कुर्रास (کراث) अ. पुं.–गंदना, एक दाना जो दवा में चलता है।

कुर्रासी (کراثی) अ. वि.–गंदने के रंग का, मटमैला।

क़ुर्स (قرص) अ. पुं.–रोटी, नान, रोटिका; टिकिया, वाटिका, दवा की चपटी गोली।

कुर्सी (کرسی) अ. स्त्री.–बैठने का विशेष प्रकार का आसन, आसंदी, चेयर।

कुर्सीनशीं (کرسی‌نشیں) अ. फा. वि.–पदासीन, ओहदेदार; प्रतिष्ठित, संमानित, मुअज़्ज़ज़।

कुर्सीनामः (کرسی‌نامہ) अ. फा. पुं.–खानदान का शजरा, वंशवृक्ष, वंशतालिका, वंशावली।

कुर्सीनुमा (کرسی‌نما) अ. फा. वि.–कुर्सी के आकार-प्रकार का, कुर्सी जैसा।

क़ुर्सेरोईं (قرص‌روئیں) अ. फा. पुं.–घड़ियाल, जो समय बताता है।

क़ुर्हः (قرحہ) अ. पुं.–घाव, ज़ख्म।

कुलंग (کلنگ) फा. पुं.–एक प्रसिद्ध पक्षी, कलिंग।

क़ुलः (قلہ) अ. पुं.–'गिल्ली' जो डंडे से खेली जाती है, और जिस खेल को गिल्ली-डंडा कहते हैं।

कुल (کل) अ. वि.–सर्व, सब, तमाम।

क़ुल (قل) अ. पुं.–किसी बुज़ुर्ग के उर्स में आखिरी फ़ातहः; अंत, समाप्ति, खातिमः; क़ुरान की चार छोटी सूरतें जो प्रायः किसी के फ़ातहः में पढ़ी जाती हैं।

क़ुलआऊज़ी (قل‌أعوزی) अ. पुं.–दे. 'क़ुलाऊज़ी'।

क़ुलक़ुल (قلقل) फा. स्त्री.–सुराही से शराब के निकलने की आवाज़; व्यर्थ की बातचीत, "हँसी के साथ याँ रोना है मिस्ले क़ुलक़ुले-मीना"–ज़ौक़।

क़ुलल (قلل) अ. पुं.–'क़ुल्लः' का बहु., पहाड़ों की चोटियाँ।

कुलह (کلہ) फा. स्त्री.–'कुलाह' का लघु रूप, टोपी; शिश्न, लिंग।

क़ुलाअ (قلاع) अ. पुं.–मुँह आने का रोग, मुँहाँ।

क़ुलाऊज़ी (قلاعوزی) अ. पुं.–कठमुल्ला, रोटियों पर मस्जिद में पड़ा रहनेवाला मुल्ला; बहुत ही तुच्छ, नीच और गर्हित व्यक्ति।

क़ुलाक़ (قلاق) तु. पुं.–कान, कर्ण, गोश।

कुलाग़ (کلاغ) फा. पुं.–जंगली कौआ, डोम काक।

क़ुलाबः (قلابہ) अ. पुं.–दे. 'क़ुल्लाबः' शुद्ध वही है, परंतु उर्दू में 'क़ुलाबः' ही बोलते हैं; किवाड़ों में डालने का लोहे का हल्क़ा, नोना खरोचने का यंत्र।

कुलालः (کلالہ) फा. पुं.–टेढ़े बाल, घूंघरवाले बाल; अलक, ज़ुल्फ़।

कुलाल (کلال) फा. पुं.–मट्टी के बरतन बनानेवाला, कुम्हार, कुंभकार।

कुलाह (کلاہ) फा. पुं.–टोपी; ताज, मुकुट।

क़ुली (قلی) तु. पुं.–सेवक, दास, नौकर; स्टेशनों पर सामान ढोनेवाला व्यक्ति।

कुलीचः (کلیچہ) फा. पुं.–ख़मीरी टिकिया।

कुलुंबः (کلنبہ) फा. पुं.–वह कुलीचः जिसमें हलवा, खोया और मग़ज़ बादाम आदि भरकर घी में पकाते हैं, पिराक, गुझिया।

कुलूख़ (کلوخ) फा. पुं.–ढेला, मट्टी का टुकड़ा, ईंट या पत्थर का टुकड़ा।

कुलूख़अंदाज़ (کلوخ‌انداز) फा. वि.–ढेला मारनेवाला; दुर्ग में बनी हुई दराज़ें जिनमें से बंदूक चलायी जाती है; गोफन, फ़ला खन।

कुलूख़अंदाज़ी (کلوخ‌اندازی) फा. स्त्री.–ढेले मारना; क़िले के सूराखों से बंदूक चलाना; गोफन से पत्थर फेंकना।

क़ुलूब (قلوب) अ. पुं.–'क़ल्ब' का बहु., मनुष्यों के हृदय।

कुलूम (کلوم) अ. पुं–'कल्म' का बहु., बहुत-से घाव, बहुत-से ज़ख्म।

कुलो (كلو) फा. वि.–महान् व्यक्ति, बड़ा आदमी; रईस, धनवान्; महल्ले या गाँव का मुखिया।

क़ुलक़तार (قلقطار) फा. पुं.–फिटकरी, एक ओषधि।

क़ुलक़ास (قلقاس) फा. पुं.–घुइयाँ, अरुई, अर्वी।

कुल्चः (كلچه) फा. पुं.–दे. 'कुलीचः'।

क़ुल्चाक़ (قلچاق) तु. पुं.–लोहे का दस्ताना।

क़ुल्ज़ुम (قلزم) अ. पुं.–नदी, दर्या; समुद्र, सागर।

क़ुल्त (قلت) फा. स्त्री.–मोठ, एक अन्न।

क़ुल्फ़ः (قلفه) अ. पुं.–ख़तना न किये हुए शिश्न का अग्र-भाग, लिंगाग्र।

कुल्फ़त (كلفت) अ. स्त्री.–कष्ट, दुःख, तक़लीफ़; रंज, क्षोभ, ग़म।

क़ुल्बः (قلبه) फा. पुं.–हल, लांगल, खेत जोतने का यंत्र।

कुल्बः (كلبه) फा. पुं.–छोटा-सा घर, झोपड़ा; दुकान का कोना,

क़ुल्बःराँ (قلبه‌ران) फा. वि.–हल चलानेवाला, किसान, खेतिहर, कृषक।

क़ुल्बःरानी (قلبه‌رانی) फा. स्त्री.–हल चलाना, किसानी, कृपिकर्म।

कुल्बए अह्ज़ाँ (كلبۂ احزاں) फा. अ. पुं.–शोकगृह, ग़म का घर, दुखियों के रहने का घर; प्रेमी का घर।

क़ुल्माश (قلماش) फा. पुं.–अनर्गल, व्यर्थ, बेहूदा।

कुल्यः (كليه) अ. पुं.–शरीर का एक अंग विशेष, गुर्दा।

कुल्यतैन (كليتين) अ. पुं.–दोनों गुर्दे।

क़ुल्लः (قله) अ. पुं.–पहाड़ की चोटी, शृंग; हर चीज़ की चोटी; बड़ा घड़ा जिसमें छः सौ रतल (७½ मन) पानी आता है; मौन, डहर; तलवार की मूठ, क़ब्ज़ा।

क़ुल्लए कोह (قلۂ كوه) अ.फा. पुं.–पहाड़ की चोटी।

क़ुल्लख्ची (قلخچی) तु. पुं.–वह व्यक्ति जो नौकर तो हो, परन्तु राज्य का नौकर न हो, अधिकारी का निजी नौकर।

क़ुल्लतैन (قلتين) दो घड़े पानी अर्थात् १५ मन पानी।

क़ुल्लाज (قلاج) तुं. पुं.–किसी चीज का बलपूर्वक खींचना, जैसे–धनुष का; दोनों फैले हुए हाथों की लम्बाई।

क़ुल्लाबः (قلابه) अ. पुं.–दे. 'क़ुलाब', उर्दू में वही प्रचलित है, परन्तु शुद्ध 'क़ुल्लाबः' है, क़ुलाबः भी प्रचलित।

क़ुल्लाब (قلاب) अ. पुं.–लोहे का टेढ़ा काँटा जिसमें कोई चीज़ लटकाई जा सके।

कुल्लियः (كليه) अ. पुं.–ऐसा नियम जो एक जैसे विपय में सब पर लागू हो सके, व्यापक नियम।

कुल्लियात (كليات) अ. पुं.–'कुल्लियः' का बहु., बहुत से व्यापक नियम; किसी शायर की तमाम रचनाओं का संग्रह, जिसमें ग़ज़लें, मस्नवियाँ, क़त्आत, मुसद्दस, मुख़म्मस, नज़्में आदि सभी चीज़ें होती हैं, 'दीवान' में केवल ग़ज़लें होती हैं।

कुल्ली (كلى) अ. वि.–कुल से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु; पूरी तौर पर; समग्र, समस्त, सब।

कुल्लूब (كلوب) अ. पुं.–लोहारों की सँड़सी।

क़ुवा (قوى) अ. पुं.–'क़ुव्वत' का बहु., शक्तियाँ, ज़ोर, बल; इंद्रियाँ, हवास।

क़ुवाए नफ़्सानी (قواے نفسانى) अ.पुं.–दृष्टि, घ्राण, श्रवण, स्पर्श, स्मरण, स्वाद और विचार आदि की शक्तियाँ।

क़ुवाए शह्वानी (قواے شهوانى) अ. पुं.–जननेंद्रिय।

क़ुवाए हैवानी (قوائے حيوانى) अ. पुं.–जीवन-रक्षा करनेवाली शक्तियाँ जो हृदय की गति को संतुलित अवस्था में रखकर, शरीर की धातुओं को दूषित होने से बचाती और शारीरिक शक्ति को बढ़ाती हैं।

क़ुवारः (قواره) अ. पुं.–कतरन, टुकड़ा, किसी वस्तु के चारों ओर से कटी हुई वस्तु।

क़ुव्वः (قوه) अ. पुं.–दे. 'क़ुव्वत'।

कुव्वः (كوه) अ. पुं.–दीवार का छेद; ताक़, ताखा; दरीचा।

क़ुव्वत (قوت) अ. स्त्री.–शक्ति, बल, ज़ोर; सामर्थ्य, ताक़त, मक्दिरत; इंद्रिय, हिस।

क़ुव्वते आज़्मा (قوت آزما) अ.फा. वि.–बल दिखानेवाला, किसी कार्य में बल लगानेवाला।

क़ुव्वते आज़्माई (قوت آزمائى) अ. फा. स्त्री.–किसी कार्य में बल लगाना; बल दिखाना, बल-प्रदर्शन।

क़ुव्वतबख़्श (قوت بخش) अ. फा. वि.–ताक़त देनेवाला, ताक़त बढ़ानेवाला, बलदायक, बलवर्द्धक।

क़ुव्वते आख़िज़ः (قوت آخزه) अ. स्त्री. –लेने की क़ुव्वत, ग्रहण-शक्ति।

क़ुव्वते इरादी (قوت ارادى) अ. स्त्री.–इरादे की क़ुव्वत, संकल्प-शक्ति।

क़ुव्वते ईजाद (قوت ايجاد) अ. स्त्री.–नयी बात पैदा करने की शक्ति, आविष्कार-शक्ति, उद्भावना, कल्पशक्ति।

क़ुव्वते कशिश (قوت كشش) अ. फा. स्त्री.–खींचने की क़ुव्वत, आकर्षण-शक्ति।

क़ुव्वते गोयाई (قوت گويائى) अ. फा. स्त्री.–दे. 'क़ुव्वते नातिक़ः'।

क़ुव्वते ज़ाइक़ः (قوت ذائقه) अ. स्त्री.–चखने की क़ुव्वत, स्वादेंद्रिय।

क़ुव्वते जाज़िबः (قوت جاذبه) अ. स्त्री.–जज़्ब करने या अपनी ओर खींचने की क़ुव्वत, आकर्षण-शक्ति।

क़ुव्वते दाफ़िअः (قوت دافعه) अ. स्त्री.–हटाने की क़ुव्वत, निवारण-शक्ति, उत्केंद्रक-शक्ति।

क़ुव्वते नातिक़ः (قوت ناطقه) अ. स्त्री.–बोलने की क़ुव्वत, वाणी, वाक्शक्ति, वाचन-शक्ति, वाक्य-शक्ति।

क़ुव्वते नामियः (قوت نامیه) अ. स्त्री.–बढ़ानेवाली शक्ति, विकास-शक्ति।

क़ुव्वते फ़िक्र (قوت فکر) अ. स्त्री.–विचार करने की शक्ति, विचार-शक्ति।

क़ुव्वते फ़ैसल: (قوت فیصله) अ. स्त्री.–दो बातों में अच्छा बुरा सोचकर अच्छी बात ग्रहण करने की शक्ति, अच्छे-बुरे में तमीज़ करने की क़ुव्वत, विवेचन-शक्ति, निर्णय-शक्ति।

क़ुव्वते बरदाश्त (قوت برداشت) अ. फ़ा. स्त्री.–कष्ट या कड़वी बात सहने की शक्ति, सँभार, सहनशीलता, सहन-शक्ति।

क़ुव्वते बर्क़ी (قوت برقی) अ. स्त्री.–बिजली की शक्ति, विद्युत्-शक्ति।

क़ुव्वते बाज़ू (قوت بازو) अ. फ़ा. स्त्री.–अपनी निजी मेहनत, निजी परिश्रम, बाहुबल।

क़ुव्वते बासिरः (قوت باصره) अ. स्त्री.–देखने की शक्ति, नेत्रशक्ति, दृष्टिशक्ति।

क़ुव्वते बाह (قوت باه) अ. स्त्री.–स्त्री-प्रसंग की क़ुव्वत, रति-शक्ति, काम-शक्ति।

क़ुव्वते मर्दानगी (قوت مردانگی) अ.फ़ा. स्त्री.–दे. 'क़ुव्वते बाह'।

क़ुव्वते मासिकः (قوت ماسکه) अ. स्त्री.–सुरक्षा करनेवाली शक्ति।

क़ुव्वते मुतख़ैयिलः (قوت متخیله) अ. स्त्री.–ख़्याल करने की क़ुव्वत, विचार-शक्ति, कल्पना-शक्ति।

क़ुव्वते मुमैयिज़ः (قوت ممیزه) अ. स्त्री.–दो चीज़ों में भेद करने की शक्ति, विवेचन-शक्ति।

क़ुव्वते मुतसर्रिफ़ः (قوت متصرفه) अ. स्त्री.–किफ़ायतशारी की ताक़त, मितव्यय की शक्ति, अधिकार करने की शक्ति।

क़ुव्वते मुद्रिकः (قوت مدرکه) अ. स्त्री.–दे. 'क़ुव्वते मुफ़क्किरः'।

क़ुव्वते मुफ़क्किरः (قوت مفکره) अ. स्त्री.–विचार करने की शक्ति, विचार-शक्ति।

क़ुव्वते मुशाहदः (قوت مشاهده) अ. स्त्री.–दे. 'क़ुव्वते बासिरः'।

क़ुव्वते रूहानी (قوت روحانی) अ. स्त्री.–आत्मा की शक्ति, आत्मबल, मनोबल, आत्मशक्ति।

क़ुव्वते लामिसः (قوت لامسه) अ. स्त्री.–छूने की शक्ति, स्पर्श-शक्ति।

क़ुव्वते वाहिमः (قوت واهمه) अ. स्त्री.–भ्रम में डालनेवाली शक्ति, कल्पना-शक्ति।

क़ुव्वते शाम्मः (قوت شامه) अ. स्त्री.–सूँघने की शक्ति, घ्राणशक्ति।

क़ुव्वते सामिअः (قوت سامعه) अ. स्त्री.–सुनने की क़ुव्वत, श्रवण-शक्ति।

क़ुव्वते हाज़िमः (قوت هاضمه) अ. स्त्री.–हज़म करने की शक्ति, पाचन-शक्ति।

क़ुव्वते हाफ़िज़ः (قوت حافظه) अ. स्त्री.–याद रखने की शक्ति, स्मरण-शक्ति।

क़ुव्वते हास्सः (قوت حاسه) अ. स्त्री.–दरयाफ़्त करने की शक्ति, जैसे–श्रवण-शक्ति, स्पर्श-शक्ति आदि।

कुश (کش) फ़ा. प्रत्य.–मार डालनेवाला, जैसे–'जरासीम कुश' कीड़ों को मार डालनेवाला।

क़ुश (قوش) तु. पुं.–बाज़, श्येन पक्षी।

कुशक (کوشک) फ़ा. पुं.–दे. शु. उच्चारण 'कुश्क' और 'कोशक'।

कुशा (کشا) फ़ा. प्रत्य.–खोलनेवाला, जैसे–'क़ब्ज़कुशा' क़ब्ज़ को खोलनेवाला।

कुशाइश (کشائش) फ़ा. स्त्री.–विस्तार, 'क़ुशादगी'; वृद्धि, बढ़ती।

कुशादः (کشاده) फ़ा. वि.–चौड़ा चकला, फैला हुआ, विस्तृत, वसीअ।

कुशादःअब्रू (کشاده ابرو) फ़ा. वि.–जिसकी दोनों भौंहों के बीच काफ़ी अन्तर हो।

कुशादःकफ़ (کشاده کف) फ़ा. वि.–जिसके हाथ देने के लिए खुले रहते हों, दानशील, वदान्य, मुक्तहस्त।

कुशादःजबीं (کشاده جبیں) फ़ा. वि.–हँसमुख, खुश-मिज़ाज।

कुशादःदस्त (کشاده دست) फ़ा. वि.–दे. 'कुशादः कफ़'।

कुशादःदिल (کشاده دل) फ़ा. वि.–उदारचित्त, उदार-हृदय, मुक्त हृदय, फ़राखदिल।

कुशादःनफ़स (کشاده نفس) फ़ा. अ. वि.–वाचाल, मुखर, बातूनी, बकवासी।

कुशादःपेशानी (کشاده پیشانی) फ़ा.वि.–दे. 'कुशादःजबीं'।

कुशादःरू (کشاده رو) फ़ा. वि.–जिसका मुँह प्रसन्नता के कारण खिला हुआ हो, प्रफुल्लवदन।

कुशाद (کشاد) फ़ा. स्त्री.–हर्ष, खुशी; प्राप्ति, लाभ, नफ़ा; विजय, फतह; उद्घाटन, खुलना।

कुशादगी (کشادگی) फा. स्त्री.–विस्तार, फैलाव; गुंजाइश, समाई; खुलापन; प्रसन्नता, उदारता।

कुशादनी (کشادنی) फा. वि.–खुलने योग्य।

कुशादे कार (کشادکار) फा. स्त्री.–सफलता, कामयाबी; इच्छापूर्ति, मक्सद बरारी।

क़ुश्त'रीरः (قشعریرہ) अ. पुं.–शरीर के रोंगटे खड़े हो जाना।

कुशिंदः (کشندہ) फा. वि.–मारनेवाला, वध करनेवाला।

क़ुशुन (قوشون) तु. पुं.–सेना, फ़ौज, लश्कर, दे. 'क़ुशून'।

कुशूदः (کشودہ) फा. वि.–खुला हुआ, खोला हुआ।

कुशूद (کشود) फा. स्त्री.–खुलाव, खुलापन।

कुशूदे कार (کشودکار) फा. स्त्री.–दे. 'कुशादे कार'।

क़ुशून (قوشون) तु. पुं.–दे. 'क़ुशुन', शुद्ध वही है, परन्तु क़ुशून भी बोला और लिखा जाता है।

क़ुशूर (قشور) अ. पुं.–'क़श्र' का बहु., छिलके, छालें।

कुशूस (کشوث) अ. पुं.–एक मशहूर दाने जो दवा के काम आते हैं, तुख़्मे कशूस।

कुश्क (کشک) फा. पुं.–प्रासाद, भवन, महल; दे. 'कोशक'।

कुश्तः (کشتہ) फा. वि.–मारा हुआ, वध किया हुआ, (पुं.) भस्म, फूँकी हुई धातु; आशिक़, प्रेमी।

कुश्त (کشت) फा. पुं.–मार-धाड़, इस शब्द का प्रयोग ख़ून के साथ होता है और 'कुश्तो ख़ून' बोलते हैं।

कुश्तए इश्क़ (کشتۂ عشق) फा. अ. वि.–प्रेमाग्नि में भस्म किया हुआ, इश्क़ का मारा हुआ, अर्थात् प्रेमी, आशिक़।

कुश्तए ग़म (کشتۂ غم) फा. अ. वि.–दे. 'कुश्तए इश्क़'।

कुश्तए नाज़ (کشتۂ ناز) फा. वि.–प्रेमिका की अदाओं का मारा हुआ, प्रेमी, आशिक़।

कुश्तए हिज्र (کشتۂ هجر) फा. अ. वि.–प्रेयसी की विरहाग्नि में जला हुआ, फ़िराक़ का मारा हुआ, विरह-विदग्ध।

कुश्ती (کشتی) फा. स्त्री.–दो पहलवानों का परस्पर बाहु-युद्ध, नियुद्ध, मल्लयुद्ध, व्यायाम-युद्ध, बाहुयुद्ध।

कुश्तीगीर (کشتی گیر) फा. वि.–कुश्ती लड़नेवाला, पहलवान, मल्ल, नियोद्धा।

कुश्तीबाज़ (کشتی باز) फा. वि.–दे. 'कुश्ती गीर'।

कुश्तोख़ून (کشت وخون) फा. पुं.–मारकाट, कटाघनी, रक्तपात, ख़ूँरेज़ी।

कुश्नीज़ः (کشنیزہ) फा. पुं.–अंगूर के फल जो प्रारम्भ में धनिए के बराबर होते हैं।

कुश्नीज़ (کشنیز) फा. पुं.–धनिया, धान्यक, मसाले की एक वस्तु।

कुस (کس) फा. स्त्री.–भग, योनि, फ़ुर्ज।

कुसूफ़ (کسوف) अ. पुं.–सूर्यग्रहण, सूरज गहन।

क़ुसूर (قصور) अ. पुं.–'क़स्र' का बहु., बहुत से भवन, हवेलियाँ; दोष, अपराध, जुर्म; त्रुटि, ग़लती; न्यूनता, कमी।

कुसूर (کسور) अ. स्त्री.–'कस्र' का बहु., भिन्न संख्याएँ।

क़ुसूरवार (قصوروار) अ. फा. वि.–अपराधी, दोषी, मुल्ज़िम।

कुसूरे आ'शारियः (کسور اعشاریہ) अ. स्त्री.–दशमलव भिन्न, कुसूर या कस्र=भिन्न, आशारिया=दशमलव।

क़ुस्त (قسط) अ. स्त्री.–एक वनौषधि, कूट।

क़ुस्तनतीनियः (قسطنطینیہ) अ. पुं.–यूरोपीय टर्की की राजधानी, इस्तम्बोल।

क़ुस्ता (قسطا) फा. पुं.–पार्सियों का एक धार्मिक ग्रंथ।

कुह (کہ) फा. पुं.–'कोह' का लघु., पहाड़, पर्वत (यौगिक शब्दों में प्रयुक्त होता है, जैसे–'कुहसार')।

कुहन (کہن) फा. वि.–पुरातन, पुराना।

कुह नसाल (کہن سال) फा. वि.–वयोवृद्ध, बूढ़ा।

क़ुहाब (قحاب) अ. पुं.–खाँसी।

कुहूलत (کہولت) अ. स्त्री.–अधेड़ आयु का होना, काले और सफ़ेद बालोंवाला होना।

कुह्नः (کہنہ) फा. वि.–पुराना, पुरातन; क़दीमी, हमेशा का; बहुत दिनों का।

कुह्नःमश्क़ (کہنہ مشق) फा. अ. वि.–जिसे किसी काम का पुराना अभ्यास हो, चिराभ्यस्त।

कुह्नःमश्क़ी (کہنہ مشقی) फा. अ. स्त्री.–किसी काम का पुराना अभ्यास, चिराभ्यास।

कुह्नःसाल (کہنہ سال) फा. वि.–बूढ़ा, जरठ, वयोवृद्ध।

कुह्नःसाली (کہنہ سالی) फा. स्त्री.–बुढ़ापा, जरा, वृद्धावस्था।

कुह्नगी (کہنگی) फा. स्त्री.–पुरानापन, प्राचीनता; जीर्णता, फटा पुरानापन; बहुत दिनों का हो जाना।

क़ुह्बः (قحبہ) अ. स्त्री.–व्यभिचारिणी, परपुरुषगामिनी, फ़ाहिशः; गणिका, वारमुखी, वेश्या, रंडी।

क़ुह्बःख़ानः (قحبہ خانہ) अ. फा. पुं.–चकला, वेश्यालय, रंडियों का महल्ला।

कुह्राम (کہرام) अ. पुं.–हाहाकार, वावैला, शोरोगुल।

कुह्ल (کحل) अ. पुं.–सुरमा, रसांजन।

कुह्ली (کحلی) अ. वि.–सुरमे के रंग का, सुरमई; एक काला वस्त्र जो ईरानी स्त्रियाँ पहनती हैं।

कुह्लुल जवाहिर (کحل الجواهر) अ. पु.–ऐसा सुरमा जिसमें मोती आदि बहुमूल्य रत्न पड़े हों।

कुह्लुलबसर (کحل البصر) अ. पुं.–नेत्र-ज्योति बढ़ानेवाला सुरमा।

कुहसार (کہسار) फा. पुं.–दे. 'कोहसार', पर्वत-श्रेणियाँ, उपत्यका, पहाड़ियों का अंचल।

कू

कूँ (کوں) फा. स्त्री.–'कून' का लघु., दे. 'कून'।

कू (کو) फा. अव्य.–कि वह।

कू (کو) फा. पुं.–कूचः का लघु., दे. 'कूचः'।

कूए खराबात (کوۓ خرابات) फा. पुं.–दे.–'कूए मुग़ाँ'।

कूए मुग़ाँ (کوۓ مغاں) फा. पुं.–मधुशाला की गली, शराबखाने का कूचा।

कूक (کوک) फा. स्त्री.–ज़ोर की आवाज़; काहू का बीज।

कूकू (کوکو) फा. स्त्री.–फ़ाख़्ता की बोली, (पुं.) एक प्रकार का पुलाव।

कूख़ (کوخ) अ. पुं.–फूस की झोंपड़ी जिसमें रोशनदान न हो।

कूचः (کوچہ) फा. पुं.–दो घरों के बीच वाली तंग गली, वीथी, गली।

कूचःगर्द (کوچہ گرد) फा. वि.–गलियों के चक्कर काटनेवाला, गलियों में मारा-मारा फिरनेवाला।

कूचःगर्दी (کوچہ گردی) फा. स्त्री.–गलियों में मारा-मारा फिरना, आवारागर्दी।

कूचः दर कूचः (کوچہ در کوچہ) फा. वि. दे.–'कूचः बकूचः'।

कूचःबंद (کوچہ بند) फा. वि.–ऐसी गली जिसमें रक्षार्थ फाटक आदि लगा हो, जो संकट के समय बन्द किया जा सके।

कूचःबंदी (کوچہ بندی) फा. स्त्री.–गली में हिफ़ाज़त के लिए फाटक आदि लगाना, जिससे समय पर गली की रक्षा हो सके।

कूचः बकूचः (کوچہ بکوچہ) फा. वि.–गली-गली, कूचे-कूचे, घर-घर, हर स्थान पर।

कूच (کوچ) फा. पुं.–प्रस्थान, रवानगी; मरण, मौत; सेना का प्रस्थान।

क़ूच (قوچ) तु. पुं.–मेंढ़ा, नर भेड़, दे. 'क़ुच', दो. शु. हैं।

कूचए इश्क़ (کوچۂ عشق) फा. अ. पुं.–प्रेम की गली।

कूचए ख़मोशाँ (کوچۂ خموشاں) फा. पुं.–क़ब्रिस्तान, श्मशान।

कूचए नौ (کوچۂ نو) फा. पुं.–चकला, वेश्यालय, रंडियों का स्थान।

कूज़ः (کوزہ) फा. पुं.–मट्टी का सकोरा, मृत्कंस; कुब्ज, कुबड़ा।

कूज़ःक़िमार (کوزہ قمار) फा. अ. वि.–जुआरियों को उधार देकर जुआ खिलानेवाला।

कूज़ःगर (کوزہ گر) फा. वि.–मिट्टी के सकोरे बनानेवाला, कंसकार, कसगर।

कूज़ःगरी (کوزہ گری) फा. स्त्री.–मिट्टी के सकोरे बनाने का काम, कंसकर्म, कसगरी।

कूज़ःपुश्त (کوزہ پشت) फा. वि.–कुबड़ा, कुब्ज।

कूज़पुश्ती (کوزہ پشتی) फा. स्त्री.–कुबड़ापन।

कूज़ःफ़रोश (کوزہ فروش) फा. वि.–मिट्टी के सकोरे वेचनेवाला।

कूज़ (کوز) फा. वि.–कुबड़ा, कुब्ज।

कूज़ (کوز) अ. पुं.–कूज़ा, सकोरा।

क़ूत (قوت) अ. स्त्री.–भोजन, खाना, ग़िज़ा।

क़ूतवसरी (قوت بسری) अ. फा. स्त्री.–गुज़र भर आमदनी, इतनी आमदनी जो केवल खाने भर को काफ़ी हो सके, जीवन व्यतीत करने में केवल भोजनमात्र की सुविधा।

क़ूते ला यमूत (قوت لایموت) अ. स्त्री.–इतना भोजन जिससे जीवन बना रहे, बहुत थोड़ा भोजन।

कूद (کود) फा. पुं.–अन्न की राशि, अनाज का ढेर; समाहार, मजमूआ।

कून (کون) फा. स्त्री.–मलद्वार, गुदा, मनुष्य के पाख़ान का मुक़ाम।

कूनस्तः (کونستہ) फा. पुं.–मनुष्य का चूतड़, नितंब; कून, गुदा।

कूने ख़र (کون خر) फा. स्त्री.–गधे का मलद्वार, अत्यन्त मूर्ख और निकम्मे व्यक्ति के लिए बोला जाता है।

कूफ़ः (کوفہ) अ. पुं.–ईराक़ का एक नगर।

कूफ़ (کوف) फा. पुं.–उल्लू, उलूक, वायसाराति, बूम, चुग़्द।

कूफ़ी (کوفی) अ. वि.–कूफ़े का निवासी; बहुत ही निर्दय और बेईमान व्यक्ति, क्योंकि कूफ़ियों ने हज़रत इमाम हुसैन को बड़े-बड़े वचन देकर बुलाया था और फिर उन्हें अकेला छोड़कर क़त्ल होने दिया था।

कूब्कू (کوبکو) फा. वि.–दे. 'कूचः बकूचः', गली दर गली।

क़ूबा (قوبا) अ. स्त्री.–एक रोग, दाद, दद्रु।

कूरः (کورہ) फा. पुं.–ईंटें पकाने का पजावा; चूना पकाने का भट्ठा।

क़ूरुत (قورت) तु. पुं.–दही, दधि।

क़ूलंज (قولنج) अ. पुं.–दे. 'क़ूलिंज', दो. शु. हैं, परन्तु 'क़ूलिंज' अधिक प्रचलित है।

क़ूलिंज (قولنج) अ. पुं.–आँतों की एक पीड़ा जो कभी-कभी घातक सिद्ध होती है।

क़ूश (قوش) तु. पुं.–बाज़ पक्षी, श्येन।

कूस (کوس) फा. पु.–डंका, धौंसा, दुंदुभि, नक़्क़ारः।
कूसे रहील (کوس رحیل) फा. अ. पु.–कूच का नक़्क़ारः, क़ाफ़िले के चलते समय बजनेवाला धौंसा।
कूसे रेहलत (کوس رحلت) फा. अ. पु. दे.–'कूसे रहील', प्रस्थान-वाद्य।

के

केद (کید) फा. पु.–एक अशुभ तारा, केतु।
केर (کیر) फा. पु.–शिश्न, मेहन, लिंग, उज़्वे तनासुल।
केश (کیش) फा. पु.–धर्म, पंथ, मज़्हब; आचरण, व्यवहार, अमल; तर्कश, तूणीर।
केहाँ (کیہاں) फा. पु.–संसार, जगत्, दुनिया; काल, समय, ज़माना।
क़ेह्फ़ (قحف) अ. स्त्री.–खोपड़ी, कपाल।

कै

क़ै (قے) अ. स्त्री.–वमन, उद्गार, उलटी।
कै (کے) फा. पु.–सम्राट्, शाहंशाह, ईरान में चार सम्राट् हुए हैं–कैकाऊस; कैक़ुबाद; कैखुस्रौ; कैलोह्रास्प।
कै (کے) अ. पु.–गर्म लोहे का दाग़; अंग को दाग़कर रोग की चिकित्सा।
कैक (کیک) फा. पु.–काटनेवाला एक लाल कीड़ा।
कैकाऊस (کیکاؤس) फा. पु.–ईरान का एक सम्राट्, काऊस।
कैखुस्रौ (کیخسرو) फा. पु.–ईरान का एक साम्राट्।
क़ैंची (قینچی) तु. स्त्री.–कतरनी, कपड़ा आदि काटने का यंत्र, कर्तरी, कर्तनी।
क़ैतून (قیطون) तु. स्त्री.–रेशम की गोट जो दामनों और गलों पर लगती है।
क़ैद (قید) अ. स्त्री.–गिरफ़्तारी, उपग्रह; कारावास, जेल की सज़ा।
कैद (کید) अ. स्त्री.–छल, कपट, धोखा, फ़िरेब।
क़ैदक (قیدک) अ. फा. स्त्री.–नत्थी, फ़ाइल।
क़ैदख़ानः (قیدخانہ) अ. फा. पु.–कारागार, कारागृह, जेल, ज़िंदाँ।
क़ैदी (قیدی) अ. वि.–कारावासी, जेल में क़ैद के दिन काटनवाला; आबद्ध, गिरिफ़्तार।
क़ैदे तन्हाई (قید تنہائی) अ. फा. स्त्री.–ऐसी क़ैद जिसमें क़ैदी को अलग कोठरी में बंद कर दिया जाता है, वहीं उससे मशक़्क़त ली जाती है और वहीं खाना आदि दिया जाता है।
क़ैदे फ़िरंग (قید فرنگ) अ. फा. स्त्री.–अंग्रेज़ी क़ैद, जिसकी प्रचंडता और निर्दयता प्रसिद्ध है।
क़ैदे बामशक़्क़त (قید بامشقت) अ. फा. स्त्री.–ऐसी क़ैद जिसमें मेहनत ली जाय, कठोर कारावास, असाधारण कारावास।
क़ैदे बिला मशक़्क़त (قید بلامشقت) अ. स्त्री.–जिस क़ैद में मेनहत न करला पड़े, साधारण कारावास, सामान्य कारावास।
क़ैदे महज़ (قید محض) अ. स्त्री.–साधारण कारावास, क़ैदे बिला मशक़्क़त।
क़ैदे शदीद (قید شدید) अ. स्त्री.–दे. 'क़ैदे सख़्त'।
क़ैदे सख़्त (قید سخت) अ. फा. स्त्री.–कठोर कारावास, असाधारण करावास, क़ैदे बा मशक़्क़त।
क़ैन (قین) अ. पु.–लोहार, लोहकार।
कैनूनत (کینونت) अ. स्त्री.–उत्पत्ति, पैदाइश; सृष्टि, आफ़रीनिश; होना।
कैफ़ (کیف) अ. पु.–मद, नशा; आनंद, सुरूर; वज्द, हाल, "रफ़्ता रफ़्ता ये हुआ कैफ़े तसव्वर का असर, दिल के आईन में तस्वीर उतर आयी है।"
कैफ़दान (کیفدان) अ. फा. पु.–नशे की वस्तु रखने की डिबिया।
कैफ़र (کیفر) फा. पु.–बुराई का बदला, प्रत्यपकार।
कैफ़रे कर्दार (کیفر کردار) फा. पु.–करनी की सजा, बुरे कर्मों का बदला, कर्म-दण्ड।
कैफ़ी (کیفی) अ. वि. मत्त, मदोन्मत्त, मख़्मूर।
कैफ़ीयत (کیفیت) अ. स्त्री.–समाचार, हाल; दशा, हालत; हर्ष, आनन्द, सुरूर, मस्ती, नशा; रिमार्क, नोट; वज्द, हाल, "कैफ़ीयते-चश्म उसकी मुझे याद है 'सौदा'।"
क़ैमाक़ (قیماق) तु. स्त्री.–मलाई, बालाई, क्षीरसार।
क़ैमाज़ (قیماز) फा. स्त्री.–दासी, सेविका, कनीज़।
कैमूस (کیموس) अ. पु.–खाये हुए अन्न का वह रस जो जिगर के दूसरे पाक में बनता है।
कैयाद (کیاد) अ. वि.–बहुत बड़ा छली, बहुत बड़ा धूर्त, बहुत बड़ा फ़रेबी।
कैयादी (کیادی) अ. स्त्री.–छल करना, छल, दग़ाबाज़ी, कपट।
कैयाल (کیال) अ. वि.–नापनेवाला, पैमानों से अनाज आदि नापनेवाला।
क़ैयूम (قیوم) अ. वि.–अनश्वर, नित्य, लाज़वाल; ईश्वर का एक नाम।
क़ैयूर (قیور) अ. वि.–जिसके कुल का पता न हो, अज्ञातवंश, वर्णसंकर।
क़ैरूती (قیروطی) अ. स्त्री.–मोम रौग़न की भाँति, सीने आदि पर मलने की एक दवा।

कैलः (کیلہ) अ. पुं.–दे. 'कैल'।

कैल (کیل) अ. पुं.–सूखी वस्तु नापने का पैमाना।

क़ैलूलः (قیلولہ) अ. पुं.–दोपहर में खाना खाकर थोड़ी देर आराम करना।

कैलूस (کیلوس) अ. पुं.–खाये हुए अन्न का पहला हज़्म जो आमाशय में होता है।

कैलोहास्प (کےلہراسپ) फ़ा. पुं.–ईरान के चार सम्राटों में से चौथा।

कैवाँ (کیواں) फा. पुं.–'कैवान' का लघु. दे. 'कैवान'।

कैवान (کیوان) फा. पुं.–शनिग्रह, ज़ुहल; सातवाँ आकाश।

क़ैस (قیس) अ. पुं.–अरब का एक प्रेमी जो लैला पर मुग्ध था। लोग उसे 'मजनूँ' कहते थे।

क़ैस (قیص) अ. पुं.–दाँतों का जड़ से निकल जाना; पेट की गति।

क़ैसर (قیصر) अ. पुं.–रूम के शासकों की पदवी; बादशाह, राजा।

क़ैसरी (قیصری) अ. वि.–बादशाही, राज्य।

क़ैसूर (قیصور) अ. पुं.–एक नगर जहाँ का कपूर प्रसिद्ध है।

क़ैह (قیح) अ. पुं.–घाव की पीप अथवा कचलोहू।

कैहाँ (کیہاں) फा. पुं.–संसार, दुनिया, काल, समय, ज़माना।

को

को (کو) फा. अव्य.–कि वह।

कोकः (کوکہ) तु. पुं.–वह लड़का जिसने किसी दूसरे लड़के के साथ एक माँ का दूध पिया हो।

कोक (کوک) फा. स्त्री.–बाजे के तार ठीक करना; बाजे की आवाज़ में आवाज़ मिलना; खाँसी, कास।

कोकनार (کوکنار) फा. पुं.–पोस्त, पोस्ता, पोस्ते की बोंड़ी जिसमें दाने हों।

कोकल्ताश (کوکلتاش) तु. पुं.–वह लड़का जिसने किसी दाई के लड़के के साथ दूध पिया हो।

कोख़ (کوخ) फा. पुं.–ऐसा झोंपड़ा जिसमें रौशनदान न हो; एक घास जिससे चटाई बनाते हैं; कीट, कीड़ा।

कोचक (کوچک) फा. वि.–छोटा, लघु।

कोचकदिल (کوچک دل) फा. वि.–थुड़दिला, अनुदार; लघुचेता, तंगनज़र; मृदुलहृदय, नर्मदिल।

कोचकदिली (کوچک دلی) फा. स्त्री.–दिल का छोटा होना; तंगनज़री; दिल का नर्म होना।

कोचकी (کوچکی) फा. स्त्री.–छुटाई, लघुता।

कोज़ः (کوزہ) फा. पुं.–एक फूल, जो नस्री-जैसा होता है।

कोज़ (کوز) अ. वि.–टेढ़ापन, वक्रता; कुबड़ा, कुब्ज।

कोज़पुश्त (کوزپشت) फा. वि.–कुबड़ा, कुब्ज।

कोतल (کوتل) तु. पुं.–दे. शुद्ध उच्चारण 'कुतल', परन्तु उर्दू वाले कोतल भी लिखते हैं, ख़ास सवारी का घोड़ा।

कोतह (کوتہ) फा. वि.–'कोताह' का लघु. दे. 'कोताह'।

कोतहअंदेश (کوتہ اندیش) फा. वि.–लघुचेता, अदूरदर्शी, नाअंदेश; मूर्ख, बेवक़ूफ़।

कोतहअंदेशी (کوتہ اندیشی) फा. स्त्री.–अदूरदर्शिता, नाअंदेशी; मूर्खता, जहालत।

कोतहनज़र (کوتہ نظر) फा. अ. वि.–नाआक़िबत अंदेश, अदूरदर्शी।

कोतहनज़री (کوتہ نظری) फा. अ. स्त्री.–नाआक़िबत अंदेशी, अदूरदर्शिता।

कोतही (کوتہی) फा. स्त्री. दे.–'कोताही'।

कोताह (کوتاہ) फा. वि.–ह्रस्व, छोटा; अल्प, थोड़ा।

कोताहअंदेश (کوتاہ اندیش) फा. वि.–दे. 'कोतहअंदेश'।

कोताहअंदेशी (کوتاہ اندیشی) फा. स्त्री.–दे. 'कोतहअंदेशी'।

कोताहक़द (کوتاہ قد) फा. अ. वि.–छोटे डीलडौल का, अल्पकाय, ह्रस्वांग।

कोताहक़लम (کوتاہ قلم) फा. अ. वि.–जो चिट्ठी-पत्री लिखने में बहुत आलसी हो।

कोताहक़लमी (کوتاہ قلمی) फा. अ.–चिट्ठी-पत्री लिखने में आलस।

कोताहक़ामत (کوتاہ قامت) फा. अ. वि.–दे. 'कोताहक़द' छोटे डील-डौलवाला मनुष्य।

कोताहक़ामती (کوتاہ قامتی) फा. अ. स्त्री.–डौल-डौल का छोटा होना।

कोताहगर्दन (کوتاہ گردن) फा. वि.–छोटी गर्दन का व्यक्ति, ऐसा मनुष्य चालाक होता है।

कोताहदस्त (کوتاہ دست) फा. वि.–जिसकी पहुँच किसी विशेष स्थान या कार्य तक न हो सके, नारसा; जिसके हाथ छोटे हों।

कोताहदस्ती (کوتاہ دستی) फा. स्त्री.–पहुँच न होना, हाथ की छोटाई।

कोताहदामन (کوتاہ دامن) फा. वि.–जिसके दामन में गुंजाइश कम हो, कम हौसला।

कोताहदामनी (کوتاہ دامنی) फा. स्त्री.–दामन की छोटाई, उमंग की कमी।

कोताहनज़र (کوتاہ نظر) फा. वि.–जो दूर तक न देख सके; जो दूर तक न सोच सके; अनुदार, तंगदिल।

कोताहनज़री (کوتاہ نظری) फा. अ.–दूर तक न देख सकना; दूर तक न सोच सकना; अनुदारता, तंगदिली।

कोताहपाचः (کوتاہ پاچہ) फा. वि.—दे. कोताहक़ामत; एक जंगली चौपाया।

कोताहफ़ह्म (کوتاہ فہم) फा. अ. वि.—जिसकी समझ भोथरी हो, मंदबुद्धि।

कोताहफ़ह्मी (کوتاہ فہمی) फा. स्त्री.—बात की समझ पूरी-पूरी न हो, कमसमझी, बुद्धिमांद्य।

कोताहबीं (کوتاہ بیں) फा. वि.—दे. 'कोताहनज़र'।

कोताहबीनी (کوتاہ بینی) फा. स्त्री.—दे. 'कोताहनज़री'।

कोताहहिम्मत (کوتاہ ہمت) फा. अ. वि.—कमहिम्मत, अल्पोत्साह, मंद साहस।

कोताही (کوتاہی) फा. वि.—लघुता, छोटाई; न्यूनता, कमी; त्रुटि, ख़ामी; भूल, ग़फ़लत।

कोद (کود) फा. पुं.—मल, पाख़ाना, विष्ठा।

कोदक (کودک) फा. पुं.—बालक, शिशु, बहुत छोटा बच्चा; बाल, किशोर, ज़वानी के क़रीब लड़का।

कोदाब (کوداب) फा. पुं.—अंगूर के रस में पकाया जानेवाला एक पेय।

कोवलः (کوبلہ) फा. पु.—वे बुलबुले जो पानी और हरेक पतले पदार्थ में उत्पन्न होते हैं।

कोफ़्तः (کوفتہ) फा. वि.—कूटा हुआ; चोट खाया हुआ, परिश्रम से थका हुआ; (पुं.) वह कमाई जो भड़एपन से प्राप्त हो; क़ीमे की गोली, पके हुए मांस का एक विशिष्ट प्रकार का सालन।

कोफ़्तःबेख़्तः (کوفتہ بیختہ) फा. वि.—कूटकर छाना हुआ, (पुं.) कुटी-छनी वस्तु।

कोफ़्त (کوفت) फा. स्त्री.—मनस्ताप, दिली ख़लिश; दुःख, कष्ट, रंज; परिश्रम, प्रयास, मेहनत।

कोफ़्तनी (کوفتنی) फा. वि.—कूटने के योग्य।

कोबः (کوبہ) फा. पुं.—मिट्टी आदि कूटने की मोगरी।

कोबःकार (کوبہ کار) फा. वि.—मोगरी से कूटनवाला; मार-पीट करनेवाला।

कोबःकारी (کوبہ کاری) फा. स्त्री.—मोगरी से कुटाई; मार-पीट, मरम्मत।

कोब (کوب) फा. प्रत्य.—कूटनेवाला; जैसे—'पाकोब' पाँव पीटनेवाला।

कोबाँ (کوباں) फा. वि.—कूटता हुआ; मारता हुआ।

कोबिंदः (کوبدہ) फा. वि.—कूटनेवाला।

कोबिंदः (کوبندہ) फा. वि.—कूटा हुआ।

कोरः (کورہ) फा. पुं.—भाग, अंश, हिस्सा; ईरान देश का पाँचवाँ भाग।

क़ोर (قور) तु. पुं.—अस्त्र, हथियार।

कोर (کور) फा. वि.—अंधा, नेत्रहीन, अंध, नाबीना।

कोरअक़्ल (کورعقل) फा. अ. वि.—अक़्ल का अंधा, जिसकी समझ में कुछ न आये, हतबुद्धि, अंधबुद्धि, नितान्त मूर्ख।

क़ोरख़ानः (قورخانہ) तु. फा. पुं.—शस्त्रागार, हथियारघर, अस्लिहःख़ानः।

कोरचश्म (کورچشم) फा. वि.—नेत्रहीन, अंधा।

कोरचश्मी (کورچشمی) फा. स्त्री.—अंधापन, नेत्रहीनता।

क़ोरची (قورچی) तु. पुं.—सैनिक, सिपाही, फ़ौजी; लोहार, लोहकार; शाही दरबार का प्रबंधक।

कोरदिल (کوردل) फा. वि.—दे. कोरबातिन।

कोरदिली (کوردلی) फा. स्त्री.—दे. 'कोरबातिनी'।

कोरदीं (کوردیں) फा. पुं.—ऊन का मोटा कपड़ा, कम्मल, धुस्सा।

कोरदीदः (کوردیدہ) फा. वि.—दे. 'कोरचश्म'।

कोरदीदगी (کوردیدگی) फा. स्त्री.—दे. 'कोरचश्मी'।

कोरदेह (کورده) फा. पुं.—ऐसा गाँव जो बड़ी बुरी जगह बसा हो और जहाँ ज़रूरत की कोई वस्तु न मिले।

कोरनिश (کورنش) तु. स्त्री.—दे. 'कुर्नुश', शुद्ध उच्चारण वही है, परन्तु उर्दू में यही अशुद्ध उच्चारण प्रचलित है, झुककर सलाम करना।

कोरबख़्त (کوربخت) फा. वि.—अंधे भाग्यवाला, अत्यन्त दुर्भागी, हतभाग्य।

कोरबख़्ती (کوربختی) फा. स्त्री.—बहुत ही अभागापन।

कोरबातिन (کورباطن) फा. अ. वि.—जिसकी आत्मा में ज्ञान का प्रकाश न हो, अन्धात्मा; जिसमें धर्म न हो।

कोरबातिनी (کورباطنی) फा. अ. स्त्री.—आत्मा में ज्ञान के प्रकाश का अभाव; धर्म के प्रकाश का अभाव।

क़ोरबेगी (قوربیگی) तु. पुं.—शस्त्रागार का रक्षक, अस्लिहः-ख़ाने का मुहाफ़िज़।

कोरमाज़ (کورمغز) फा. अ. वि.—जिसकी समझ बहुत मोटी हो, कोढ़मग़ज़, मंदबुद्धि।

कोरमाज़ी (کورمغزی) फा. अ. स्त्री.—समझ का अत्यन्त मोटा और भोथरापन।

कोरी (کوری) फा. स्त्री.—अंधापन, आंध्य।

कोरे मादर ज़ाद (کور مادرزاد) फा. वि.—जो माँ के पेट से ही अंधा पैदा हुआ हो, जन्मांध।

कोरे मुक़्री (کور مقری) फा. अ. पुं.—माँ के पेट से अंधा, जन्मांध; बच्चों का पढ़ानेवाला, अंधा हाफ़िज़।

कोरोकर (کوروکر) फा. वि.—अंधा और बहरा, जो न कुछ देख सके और न कुछ सुन सके।

कोल (کول) फा. पुं.—ताल, तालाब, तड़ाग।

कोलाब (كولاب) फा. पुं.—ताल, तालाव, तड़ाग।

कोश (كوش) फा. पुं.—ईरानी हर महीने का चौदहवाँ दिन, दे. 'गोश', दो. शु. हैं, (प्रत्य.) कोशिश करनेवाला, जैसे 'मस्लहत कोश' हित की कोशिश करनेवाला।

कोशक (كوشك) फा. पुं.—भवन, प्रासाद, महल, दे. 'कुश्क', दोनों शुद्ध हैं।

कोशाँ (كوشاں) फा. वि.—कोशिश करनेवाला, प्रयत्न में लगा हुआ, यतमान, यत्नवान्।

कोशिश (كوشش) फा. स्त्री.—प्रयत्न, उद्यम, प्रयास, जिद्दोजहद; उपाय, तद्बीर; परिश्रम, मेहनत।

कोसः (كوسه) फा. पुं.—वह व्यक्ति जिसकी दाढ़ी मूंछ-वयस्क होने के बहुत दिनों बाद निकलें।

कोस (كوس) फा. पुं.—नक़्क़ारः, दुंदुभि, डंका, धौंसा।

कोस्तः (كوسته) फा. वि.—कूटा हुआ।

कोस्त (كوست) फा. पुं.—मनस्ताप, खेद, सदमा।

कोहः (كوهه) फा. पुं.—कोहान, ऊँट या बैल की पीठ का उभार।

कोह (كوه) फा. पुं.—पहाड़, पर्वत, गिरि, ज़बल।

कोहकन (كوهكن) फा. वि.—पहाड़ काटनेवाला, पर्वतभेदी, (पुं.) 'शीरीं' के प्रेमी 'फ़र्हाद' की उपाधि, जिसने शीरीं की आज्ञा से पहाड़ काटते हुए अपने प्राण दे दिये—"कह दो यह कोहकन से कि मरना नहीं कमाल, मर मर के हिज्रे-यार में जीना कमाल है।"

कोहकनी (كوهكنی) फा. स्त्री.—पहाड़ काटना; कोई बहुत कठिन काम करना।

कोहजिगर (كوه جگر) फा. वि.—पहाड़-जैसा अचल साहस रखनेवाला, बहुत बड़ा वीर, वज्र-हृदयी, वज्र-साहसी।

कोहपायः (كوه پایه) फा. वि.—पहाड़-जैसी महत्ता रखनेवाला (पुं.) पहाड़ की तराई की भूमि, गिरि-सा गौरवमय।

कोहपैकर (كوه پیکر) फा. वि.—पहाड़-जैसा डीलडौल रखनेवाला, बहुत ही गिरांडील, पर्वताकार, महाकाय, भीमकाय।

कोहपैमा (كوه پیما) फा. वि.—पहाड़ों में मारा-मारा फिरनेवाला, (पुं.) आधुनिक समय में पहाड़ों की चोटियों तक पहुँचने और वहाँ का हाल जानने का प्रयत्न करनेवाला, पर्वतारोही।

कोहपैमाई (كوه پیمائی) फा. स्त्री.—पहाड़ों में फिरना; पहाड़ों की चोटियों पर चढ़कर वहाँ की दशा और दूसरे समाचार ज्ञात करना।

कोहवक़ार (كوه وقار) फा. अ. वि.—पर्वत-जैसा धैर्य रखनेवाला, महाधैर्य; पर्वत जैसी प्रतिष्ठा रखनेवाला, महाप्रतिष्ठित।

कोहसार (كوهسار) फा. पुं.—वह देश जहाँ पहाड़ ही पहाड़ हो; पहाड़ों का सिलसिला, पर्वतमाला, उपत्यका।

कोहान (كوهان) फा. पुं.—ऊँट या बैल की पीठ का कूबड़, ककुद।

कोहिस्तान (كوهستان) फा. पुं.—पहाड़ी इलाक़ा, पहाड़ी प्रदेश; पहाड़ी सिलसिला, पर्वतमाला।

कोहिस्तानी (كوهستانی) फा. वि.—पहाड़ी प्रदेश का निवासी, पहाड़ी; पहाड़ी इलाक़े से सम्बन्ध रखनेवाला।

कोही (كوهی) फा. वि.—पहाड़ से उत्पन्न; पहाड़ से सम्बन्धित; पहाड़ का।

कोहे आतशफ़िशाँ (كوه آتش فشاں) फा. पुं.—आग उगलनेवाला पहाड़, ज्वालामुखी।

कोहे आदम (كوه آدم) फा. अ. पुं.—लंका के एक पहाड़ की चोटी।

कोहे क़ाफ़ (كوه قاف) फा. अ. पुं.—काकेशिया का पहाड़ जहाँ का सौन्दर्य प्रसिद्ध है।

कोहे तूर (كوه طور) फा. अ. पुं.—वह पहाड़ जिस पर हज़रत मूसा ने ईश्वर का प्रकाश देखा था।

कोहे नूर (كوه نور) फा. अ. पुं.—प्रकाश का पहाड़, बहुत अधिक प्रकाश; विश्व का वह सर्वश्रेष्ठ हीरा जो गोलकुंडा से प्राप्त हुआ था और मुग़ल सम्राटों के क़ब्ज़े में रहा, और अब ब्रिटिश सम्राट् के ताज में जड़ा है।

कोहे बेसुतूँ (كوه بیستوں) फा. पुं.—अर्मन देश का वह पहाड़ जिसे फ़र्हाद ने काटा था।

कोहे सफ़ा (كوه صفا) फा. अ. पुं.—मक्के की एक पहाड़ी, जिससे दो सौ क़दम पर दूसरी पहाड़ी मर्वः है और इन दोनों के बीच में हाजी दौड़ते हैं।

कोहे सीना (كوه سینا) फा. अ. पुं.—शाम का एक पहाड़।

कोहे सैना (كوه سینا) फा. अ. पुं.—दे. 'कोहे सीना'।

कोहनः (كهنه) फा. वि. दे.—'कुहनः' प्राचीन, जीर्ण, पुराना।

कौ

क़ौंसल (قونصل) अ. पुं.—राजदूत, सफ़ीर।

क़ौंसलख़ानः (قونصل خانه) अ. फा. पुं.—सफ़ीर के रहने का स्थान, दूतावास, सिफ़ारतख़ाना।

कौकबः (كوكبه) अ. पुं.—जनसमूह, भीड़, अंबोह; ठाट-बाट, शानो-शौकत; धूम-धाम; लोहे का एक चमकदार गेंद जो एक लंबी लकड़ी में जिसकी नोक टेढ़ी होती है लटकाकर बादशाह की सवारी के आगे-आगे चलाया जाता है।

कौकब (كوكب) अ. पुं.—बड़ा और तेज़ प्रकाश का तारा; तारा, उड़ु।

क़ौदन (قودن) अ. वि.–मूर्ख, घामड़, बहुत ही बेवक़ूफ़; लद्दू घोड़ा जो बहुत धीरे चलता है; कम चलनेवाला टट्टू, मठ्ठर।

कौन (کون) अ. पुं.–संसार, जगत्, दुनिया; उत्पत्ति, सृष्टि, तख़्लीक़।

कौनोमकान (کون ومکان) अ. पुं.–संसार, जगत्, जहान।

कौनैन (کونین) अ. पुं.–दोनों संसार, यह संसार और ऊपरी संसार अर्थात् परलोक।

क़ौमः (قومہ) अ. पुं.–नमाज़ में खड़े होने की अवस्था।

क़ौम (قوم) अ. पुं.–जाति, वंश; राष्ट्र, सल्तनत; बिरादरी; वर्ण, ब्राह्मण, क्षत्रिय या शैख़, सैयिद आदि जातियाँ।

क़ौमी (قومی) अ. वि.–राष्ट्रीय, मल्की; जातीय, बिरादरी का; वर्ण-सम्बन्धी।

क़ौमीयत (قومیت) अ. स्त्री.–राष्ट्रीयता, नैशनलिटी; बिरादरी; वर्ण।

कौरः (کورہ) अ. पुं.–निर्जन और वीरान स्थान।

क़ौर (قور) अ. पुं.–पंजों के बल चलना, ताकि कोई आहट न सुन सके।

कौर (کور) अ. पुं.–वृद्धि, बढ़ती; समृद्धि, फ़राग़त।

क़ौल (قول) अ. पुं.–कथन, वंचन, बात; प्रवचन, मक़ूलः; प्रतिज्ञा, इक़्रार, वादा।

क़ौलन (قولاً) अ. वि.–ज़बानी, बातों से, ज़बान से, क़ौल से, 'फ़े'लन' का उलटा।

क़ौले सालेह (قول صالح) अ. पुं.–सच्ची बात, ठीक बात; सच्ची राय, सही राय।

क़ौलोक़रार (قول وقرار) अ. पुं.–आपस में प्रतिज्ञा करना, पारस्परिक प्रतिज्ञा और वचन।

क़ौलोक़सम (قول وقسم) अ. पुं.–परस्पर शपथ और प्रतिज्ञा, अहदोपैमा।

क़ौलो फ़े'ल (قول وفعل) अ. पुं.–कहना और करना, कथन और कर्म, कथनी और करनी।

क़ौस (قوس) अ.स्त्री.–धनुष, धनु, धन्व, कमान; धनुराशि, बुर्जे क़ौस।

कौसज (کوسج) अ. पुं.–वह व्यक्ति जिसकी डाढ़ी-मूछें बहुत समय के पश्चात् निकलें, दे. 'कोसः'।

क़ौसनुमा (قوس نما) अ. फ़ा. वि.–कमान की शक्ल का, धनुषाकार,

कौसर (کوثر) अ. पुं.–स्वर्ग का एक कुंड या हौज़।

क़ौसुन्नहार (قوس النہار) अ.स्त्री.–सूरज की पूर्व से पश्चिम तक की यात्रा, जो १२ घंटे में समाप्त होती है और पूरा धनुष बनाती है।

क़ौसुस्समा (قوس السما) अ. स्त्री.–आकाशमंडल जो धनुष की तरह दिखाई पड़ता है।

क़ौसे क़ुज़ह (قوس قزح) अ. स्त्री.–इंद्रधनु, धनुक।

क़ौसे शैतान (قوس شیطان) अ. स्त्री.–दे. 'क़ौसे क़ुज़ह'।

क़ौसैन (قوسین) अ. स्त्री.–दो धनुष, दो कमानें; कोष्ठक, ब्रैकेट।

ख़

ख़ंजर (خنجر) अ. पुं.–छुरी, भुजाली, बड़ा चाक़ू, पेश क़ब्ज़, क्षुरिका।

ख़ंजरज़न (خنجرزن) अ. फ़ा. वि.–ख़ंजर मारनेवाला, छुरी भोंकनेवाला।

ख़ंजरज़नी (خنجرزنی) अ. फ़ा. स्त्री.–छुरा भोंकना, ख़ंजर से घायल करना।

ख़ंजरबकफ़ (خنجر بکف) अ. फ़ा. वि.–हाथ में छुरी लिए हुए, वधोद्यत।

ख़ंजरी (خنجری) अ. स्त्री.–एक प्रकार की छोटी डफली।

ख़ंदः (خندہ) फ़ा. पुं.–मुस्कुराहट, मुस्कान, मंदहास; हँसी, ज़ोर की हँसी, अट्टहास, क़हक़हा।

ख़ंदहज़न (خندہ زن) फ़ा. वि.–हँसनेवाला; हँसी उड़ानेवाला।

ख़ंदःज़नी (خندہ زنی) फ़ा. स्त्री.–हँसना, मुस्कुराना; हँसी उड़ाना।

ख़ंदःदहन (خندہ دہن) फ़ा. वि.–हँसमुख, जिसके मुंह पर हर समय हँसी खेलती रहती हो।

ख़ंदःपेशानी (خندہ پیشانی) फ़ा. वि.–ख़ुश अख़्लाक़, सुशील; जिसके चेहरे पर मुस्कुराहट रहती हो, स्मितमुख।

ख़ंदःरू (خندہ رو) फ़ा. वि.–दे. 'ख़ंदःपेशानी'।

ख़ंदःरूई (خندہ روئی) फ़ा. स्त्री.–चेहरे की मुस्कुराहट; सुशीलता, ख़ुश अख़्लाक़ी।

ख़ंदःलब (خندہ لب) फ़ा. वि.–जिसके होंठों पर मुस्कान रहती हो, अधर-स्मिति।

ख़ंदःलबी (خندہ لبی) फ़ा. स्त्री.–होठों पर मुस्कुराहट रहना।

ख़ंदए ज़ख़्म (خندۂ زخم) फ़ा. पुं.–घाव का मुंह खुला होना, घाव का खुलापन।

ख़ंदए ज़मीं (خندۂ زمیں) फ़ा. पुं.–फलों और हरियालियों का भूमि से निकलना।

ख़ंदए जाम (خندۂ جام) फ़ा. पुं.–शराब उँडेलने का शब्द, शराब के प्याले की लहर।

ख़ंदए ज़ेरेलब (خندۂ زیرلب) फ़ा. पुं.–ऐसी हँसी जो होंठों में ही रह जाय, मंदहास, मुस्कुराहट, तबस्सुम।

खंदए दंदाँ नुमा (خندۂ دنداں نما) फा. पुं.—ऐसी हँसी जिसमें दाँत खुल जायँ, ज़ोर की हँसी।

खंदए सुब्ह (خندۂ صبح) फा. अ. पुं.—प्रातःकाल की सफ़ेदी।

ख़ंदक़ (خندق) अ. स्त्री.—दुर्ग आदि के चारों ओर का गहरा गढ़ा, खाई; ग़ार, गर्त, गढ़ा।

ख़ंदरीस (خندریس) अ. पुं.—पुरानी मदिरा; पुराना गेहूँ।

ख़ंदाँ (خنداں) फा. वि.—हँसता हुआ।

ख़ंस (خنث) अ. पुं.—सुस्त होना, मंद होना; दोहरा होना, झुका होना, (वि.) मंद, सुस्त; वक्र, टेढ़ा।

ख़च्चर (خچر) तु. पुं.—घोड़े और गधे के मेल से उत्पन्न एक प्रसिद्ध पशु, अश्वतर, वेसर, गर्दभाश्व।

ख़ज़ [**ख़ज़्ज़**] (خز) अ. पुं.—एक रेशमी कपड़ा; रेशम और सूत मिला एक कपड़ा।

ख़ज़ (خز) फा. पुं.—'ख़ज़ाँ' का लघु., दे. 'ख़ज़ाँ' (स्त्री.) उच्चता, ऊँचाई, (पुं.) एक नगर।

ख़ज़ज़ (خضض) अ. पुं.—रंगबिरंगी खाना; सफ़ेद मोती जो बालकों के गले में पहनाये जाते हैं।

ख़ज़न (خزن) अ. पुं.—गोश्त का सड़ जाना।

ख़ज़फ़ (خزف) अ. स्त्री.—ठीकरा, गुट्टी; मट्टी का बरतन, सकोरा, कुल्लहड़।

ख़ज़फ़ (خذف) अ. स्त्री.—दे. 'ख़ज़फ़'।

ख़ज़फ़ (خضف) अ. पुं.—खरबूज़े।

ख़ज़फ़रेज़ः (خزف ریزہ) अ. फा. पुं.—मट्टी का ठीकरा, गुट्टी।

ख़ज़ब (خضب) अ. पुं.—रँगना, रंग करना।

ख़ज़ब (خزب) अ. पुं.—मूर्खता, नादानी; लंबाई, दराज़ी।

ख़ज़र (خزر) अ. पुं.—उत्तरी तुर्किस्तान का एक प्रदेश जहाँ के निवासी बहुत ही सुन्दर होते हैं।

ख़जल (خجل) अ. पुं.—दे. 'ख़जलत'।

ख़जलत (خجلت) अ. स्त्री.—लज्जा, व्रीडा, शर्मिंदगी।

ख़जलतज़दः (خجلت زدہ) अ. फा. वि.—लज्जित, शर्मिंदा।

ख़ज़ाँ (خزاں) फा. स्त्री.—पतझड़ की ऋतु, जाड़े का मौसिम, खिज़ाँ भी प्रचलित।

ख़ज़ाँआश्ना (خزاں آشنا) फा. वि.—वह पक्षी जिसे पतझड़ और ऊजड़ स्थान में रहने का अभ्यास हो।

ख़ज़ाँदीदः (خزاں دیدہ) फा. वि.—वह पत्ता या पेड़, जो पतझड़ का कष्ट उठा चुका हो, जो पतझड़ के दुःख से दुःखित हो।

ख़ज़ाँरसीदः (خزاں رسیدہ) फा. वि.—जिस पर पतझड़ का समय आ गया हो, जो पतझड़ के कारण नष्ट होनेवाला हो।

ख़ज़ा (خزع) अ. पुं.—मित्रों से वचन का पालन न करना; दान करना, देना।

ख़ज़ाइन (خزائن) अ. पुं.—'ख़िज़ानः' का बहु., निधियाँ, ख़ज़ाने।

ख़ज़ानः (خزانہ) अ. पुं.—निधि, कोष; भंडार, मख़्ज़न; सरकारी ख़ज़ाना, राजकोष, इस शब्द का शुद्ध उच्चारण ख़िज़ानः है, परंतु उर्दू में ख़ज़ानः ही बोलते हैं।

ख़ज़ानए आमिरः (خزانہ عامرہ) अ. पुं.—ऐसा ख़ज़ाना जो भरपूर हो।

ख़ज़ानची (خزانچی) अ. फा. वि.—ख़ज़ाने का हिसाब-किताब रखनेवाला, कोषाध्यक्ष।

ख़ज़ार (خضار) अ. पुं.—बहुत-सा पानी मिला हुआ दूध; नयी तरकारी।

ख़जालत (خجالت) अ. स्त्री.—लज्जा, व्रीडा, शर्म; पश्चात्ताप, नदामत; संकोच, पशेमानी।

ख़ज़िम (خذم) अ. वि.—तेज़ तलवार; शूर व्यक्ति।

ख़ज़िर (خضر) अ. पुं.—हरी डाली; हरियाली, सब्ज़ी; हज़्रत खिज़्र।

ख़जिल (خجل) अ. वि.—लज्जित, शर्मिंदा; पश्चात्तापी, नादिम; संकोच, पशेमानी।

ख़ज़ी (خزی) अ. वि.—बदनाम, निंदित, रुस्वा।

ख़ज़ीज़ (خضیض) अ. पुं.—बरसात की अधिकता से भीगी हुई भूमि।

ख़ज़ीनः (خزینہ) अ. पुं.—दे. 'ख़ज़ानः'।

ख़ज़ीब (خضیب) अ. वि.—रंग किया हुआ।

ख़जीर (خجیر) अ. वि.—उत्तम, अच्छा; रुचिकर, पसंदीदः।

ख़ज़ूर (خضور) अ. वि.—हरा होनेवाला।

ख़ज़ूल (خزول) अ. वि.—लज्जित, शर्मिंदा।

ख़ज़अः (خزعہ) अ. पुं.—एक पाँव का लँगड़ापन।

ख़ज़्ख़ज़ः (خضخضہ) अ. पुं.—हस्त-मथुन, ज़लक़।

ख़ज़्न (خزن) अ. पुं.—माल ज़मीन में गाड़ना; रहस्य को छिपाना; गोश्त का सड़ जाना।

ख़ज़्फ़ (خزف)—हाथ-पाँव से चलना।

ख़ज़्फ़ (خضف)—भोजन करना, खाना खाना; जल्दी देना; दिशा, ओर, तरफ़।

ख़ज़्म (خزم) अ. पुं.—शंका करना; ऊँट, बैल आदि के नथनों में नाथ डालना।

ख़ज़्रज (خزرج) अ. पुं.—अरब का एक वंश।

ख़ज़्रा (خضرا) अ. पुं.—हरियाली, सब्ज़ः; हरी घास।

ख़ज़्राए दिमन (خضراے دمن) अ. फा. पुं.—घूर पर उगी हुई हरियाली या फूल आदि; हर चीज़ जो ऊपर से ख़ूब सजी हुई हो, परंतु भीतर से अच्छी न हो; वह स्त्री जो अकुलीना हो, परंतु बहुत ही सुंदर हो।

ख़ज़्रान (خزران) अ. पुं.—तुर्किस्तान का एक नगर।

ख़ज़्री (خزری) अ. वि.–'ख़ज़्रान' का निवासी, अथवा वहाँ से सम्बन्धित।

ख़ज्ल (خجل) अ. पुं.–लज्जा, शर्म, लाज।

ख़ज्लत (خجلت) अ. स्त्री.–लज्जा, शर्म, व्रीड़ा, लाज; संकोच, पशेमानी।

ख़ज्लतज़द: (خجلت زدہ) अ. फा. वि.–लज्जित, शर्मिंदा; संकुचित, पशेमान।

ख़त [त्त] (خط) अ. पुं.–लकीर, रेखा; पत्र, चिट्ठी; मूँछ, डाढ़ी; लेख, तह्रीर; परवाना, राजादेश; चिह्न, निशान।

ख़तकशीद: (خط کشیدہ) अ. फा. वि.–लकीर खिचा हुआ, वह इबारत आदि जिसके नीचे ध्यान दिलाने के लिए लकीर खींची गयी हो।

ख़ततराश (خط تراش) अ. फा. वि.–हजामत बनानेवाला, नाई, नापित।

ख़तन (ختن) अ. पुं.–दामाद, जामाता; ससुर, श्वशुर; साला, श्यालक, हर वह पुरुष जो स्त्री का नातेदार हो।

ख़तम (ختم) अ. वि.–मुँह्र की हुई वस्तु, जिस चीज़ पर मुह्र हो, मुद्रांकित।

ख़तर (خطر) अ. पुं.–भय, त्रास, डर; शंका, संदेह, शुब्हा।

ख़तरनाक (خطرناک) अ. फा. वि.–भयानक, भयंकर, हौलनाक; अनिष्टकर, नुक़्सानदेह।

ख़तरनाकी (خطرناکی) अ. फा. स्त्री.–भयानकता, हौलनाकी; अनिष्ट, हानि, नुक़्सान।

ख़तल (خطل) अ. पुं.–मंदता, सुस्ती; हलकापन; शीघ्रता, जल्दी; आतुरता, उतावलापन, घबड़ाहट।

ख़ता (خطا) अ. स्त्री.–दोष, अपराध; पाप, गुनाह; त्रुटि, भूल।

ख़ता (ختا) फा. पुं.–चीन का एक प्रदेश; चीन।

ख़ता (ختا) फा. पुं.–किसी काम से रोकना; फल देना।

ख़ताकार (خطاکار) अ. फा. वि.–दोषी, अपराधी, मुज्रिम; पापी, पातकी, गुनाहगार।

ख़ताकारी (خطاکاری) अ. फा. स्त्री.–दोष करना, दोषी होना; पाप करना, पाप कर्म।

ख़तागर (خطاگر) अ. फा. वि.–दे. 'ख़ताकार'।

ख़तागरी (خطاگری) अ. फा. स्त्री.–दे. 'ख़ताकारी'।

ख़तापोश (خطاپوش) अ. फा. वि.–पाप और अपराध देखते हुए उन पर पर्दा डालनेवाला।

ख़तापोशी (خطاپوشی) अ. फा. स्त्री.–पाप और अपराध देखते हुए उन पर पर्दा डालना, उन्हें प्रकट न करना।

ख़ताफ़ (خطاف) अ. पुं.–देव, राक्षस, पिशाच।

ख़ताब: (خطابہ) अ. पुं.–ख़तीबी करना, भाषण देने का काम करना।

ख़ताबख़्श (خطابخش) अ. फा. वि.–अपराध क्षमा करनेवाला; पाप क्षमा करनेवाला; मोक्ष देनेवाला।

ख़ताबख़्शी (خطابخشی) अ. फा. स्त्री.–अपराध क्षमा करना; पाप क्षमा करना; मोक्ष देना।

ख़ताबीं (خطابیں) अ. फा. वि.–दोष और पापों का देखनेवाला, अर्थात् ईश्वर।

ख़ताबीनी (خطابینی) अ. फा. स्त्री.–दोष और पाप देखना।

ख़ताया (خطایا) अ. पुं.–'ख़तीय:' का बहु., बहुत से अपराध; बहुत से पाप।

ख़तावार (خطاوار) अ. फा. वि.–अपराधी, सिद्धदोष, क़ुसूरवार; पापी, गुनहगार।

ख़ताशिआर (خطاشعار) अ. वि.–जिसका काम ही पाप करना हो, पाप करने में धृष्ट, पापप्रवण, पापाभ्यस्त।

ख़तिल (خطل) अ. वि.–मूर्ख, बेवुक़ूफ़; उतावला, आतुर, जल्दबाज़।

ख़तीअ: (ختیعہ) अ. पुं.–धनुष चलानेवालों की अँगूठी जो वह अँगूठे में पहनते हैं।

ख़तीफ़ (خطیف) अ. पुं.–तेज चलनेवाला ऊँट; आटे और दूध की लपसी।

ख़तीब: (خطیبہ) अ. स्त्री.–भाषण देनेवाली स्त्री, वक्त्री।

ख़तीब (خطیب) अ. वि.–ख़ुत्ब: पढ़नेवाला, मस्जिद या निकाह में ख़ुत्ब: पढ़नेवाला; भाषण देनेवाला, वक्ता; धर्मोपदेश करनेवाला, वाइज़, धर्मोपदेशक।

ख़तीबान: (خطیبانہ) अ. फा. वि.–ख़तीबों-जैसा, वाइज़ों-जैसा।

ख़तीबी (خطیبی) अ. स्त्री.–ख़ुत्ब: पढ़ने का काम या पेशा; भाषण देने का काम।

ख़तीय: (خطیہ) अ. पुं.–पाप, अपराध, गुनाह।

ख़तीर (خطیر) अ. वि.–बहुत अधिक, अत्यधिक, बहुत ज़ियादा; महान्, श्रेष्ठ, अर्जुमंद।

ख़ते अज़्रक़ (خط ازرق) अ. पुं.–जामे जमशेद की रेखाओं में से चौथी रेखा।

ख़ते अफ़्व (خط عفو) अ. पुं.–मुआफ़ीनामा, क्षमापत्र।

ख़ते अमान (خط امان) अ. पुं.–इस बात की तह्रीर कि अमुक व्यक्ति की रक्षा की जायेगी, संरक्षणपत्र।

ख़ते अमूद (خط عمود) अ. पुं.–वह खड़ी रेखा जो किसी पड़ी रेखा पर गिरकर ९० अंश का कोण बनाये।

ख़ते आज़ादी (خط آزادی) अ. फा. पुं.–किसी को बंधनमुक्त करने का लिखित प्रमाण, मुक्तिपत्र।

ख़ते इस्तिवा (خط استوا) अ. पुं.–भूमध्य रेखा, विषुवत् रेखा, विषुव रेखा।

ख़ते ए'तिदाल (خط اعتدال) अ. पुं.–दे. 'ख़ते इस्तिवा'।

ख़ते गुलामी (خط غلامی) अ. पुं.—इस बात का लिखित प्रमाण कि अमुक व्यक्ति अमुक व्यक्ति का सदैव दास रहेगा, दासता-पत्र।

ख़ते चलीपा (خط چلیپا) अ. पुं.—काग़ज़ पर जो इबारत तिरछी लकीरों में लिखी जाती है।

ख़ते जदी (خط جدی) अ. पुं.—उष्ण कटिबंध की दक्षिणी रेखा, मकर-रेखा।

ख़ते जबीं (خط جبیں) अ. फा. पुं.—दे. 'ख़ते पेशानी'।

ख़ते जली (خط جلی) अ. पुं.—मोटी लकीर; मोटे क़लम से लिखा हुआ लेख।

ख़ते जवाज़ (خط جواز) अ. पुं.—परवानए राहदारी, पासपोर्ट, पारपत्र।

ख़ते तक़्दीर (خط تقدیر) अ. पुं.—क़िस्मत का लिखा, भाग्यलेख, भाग्यरेखा।

ख़ते तहरीर (خط تحریر) अ. वि.—ख़त की लिखावट, "मुद्दतों के बाद क़ासिद आज लाया है पयाम, फ़ैसला क़िस्मत का ज़ाहिर है ख़ते तहरीर से।"

ख़ते तक़्सीम (خط تقسیم) अ. पुं.—वह रेखा जो किसी भूमि आदि को दो भागों में बाँट दे, विभाग-रेखा।

ख़ते तर्सा (خط ترسا) अ. फा. पुं.—पारसियों का लेख जो बहुत टेढ़ा-मेढ़ा होता है।

ख़ते तस्दीक़ (خط تصدیق) अ. पुं.—प्रमाणपत्र, सर्टीफ़िकेट।

ख़ते तस्लीम (خط تسلیم) अ. पुं.—सरल रेखा, सीधी लकीर।

ख़ते दीवानी (خط دیوانی) अ. फा. पुं.—दफ़्तर के मुंशियों का लेख, जो बहुत घसीट होता है।

ख़ते नस्तालीक़ (خط نستعلیق) अ. पुं.—वह लिपि जिसमें आधुनिक उर्दू की लीथो पुस्तकें छपती हैं।

ख़ते निस्फ़ुन्नहार (خط نصف النہار) अ. पुं.—वह कल्पित रेखा जिस पर आकर, सूरज दिन को दो बराबर भागों में बाँट देता है।

ख़ते पर्कार (خط پرکار) अ. फा. पुं.—वह गोल रेखा जो पर्कार से खींची जाती है।

ख़ते पेशानी (خط پیشانی) अ. फा. पुं.—तक़्दीर का लिखा, ललाट-रेखा, भाग्य-रेखा।

ख़ते बंदगी (خط بندگی) अ. फा. पुं.—दे. 'ख़ते गुलामी'।

ख़ते मंदल (خط مندل) अ. पुं.—वह घेरा जो मंत्र द्वारा खींचा जाता है और जिसमें रहने से एक विशेष समय तक कोई अनिष्ट नहीं होता, अथवा भूत-प्रेत अपना प्रभाव नहीं डाल सकते।

ख़ते मुख़्तसर (خط مختصر) अ. पुं.—संक्षिप्त लिपि, संकेत-लिपि, शीघ्रलिपि, शार्टहैंड।

ख़ते मुतवाज़ी (خط متوازی) अ. पुं.—वह रेखा जो दूसरी रेखा से बराबर अंतर पर हो, समानांतर रेखा।

ख़ते मुन्हनी (خط منحنی) अ. पुं.—टेढ़ी लकीर, वक्र रेखा।

ख़ते मुमास (خط مماس) अ. पुं.—संपात रेखा।

ख़ते मुस्तक़ीम (خط مستقیم) अ. पुं.—सीधी लकीर, सरल रेखा।

ख़ते मुस्तदीर (خط مستدیر) अ. पुं.—गोल रेखा।

ख़ते राह (خط راہ) अ. फा. पुं.—दे. 'ख़ते जवाज़'।

ख़ते शिकस्तः (خط شکستہ) अ. फा. पुं.—वह लिखावट जो बहुत टेढ़ी-मेढ़ी लिखी जाय।

ख़ते सर्तान (خط سرطان) अ. पुं.—उष्ण कटिबंध की उत्तरीय रेखा, कर्क रेखा।

ख़ते हिलाली (خط ہلالی) अ. पुं.—कमान की तरह आधी गोल रेखा, धन्वाकार रेखा, अर्धवृत्ताकार रेखा, चंद्राकार रेखा।

ख़तो किताबत (خطو کتابت) अ. स्त्री.—पत्रव्यवहार, चिट्ठियों का आदान-प्रदान।

ख़त्तार (ختار) अ. वि.—मुग्ध होनेवाला, फ़रेफ़्ता होने वाला।

ख़त्फ़ः (خطفہ) अ. पुं.—एक बार इस प्रकार चमकना कि आँखों में चकाचौंध उत्पन्न कर दे।

ख़त्फ़ (خطف) अ. पुं.—बिजली का आँखों में चकाचौंध उत्पन्न करना।

ख़त्म (ختم) अ. वि.—समाप्त, पूरा; मृत, मरा हुआ; संपूर्ण, मुकम्मल, (पुं.) समाप्ति, ख़ातिमः।

ख़त्म (خطم) अ. पुं.—नाक में नकेल डालना; नाथ डालने के लिए नथने छेदना।

ख़त्मी (خطمی) अ. स्त्री.—एक बीज जो दवा में काम आता है, दे. 'ख़िल्मी'।

ख़त्मी मआब (ختمی مآب) अ. पुं.—हज़रत मुहम्मद साहिब की उपाधि।

ख़त्र (ختر) अ. पुं.—मुग्ध होना, फ़रेफ़्ता होना।

ख़त्ल (ختل) फा. पुं.—बलख के निकट एक नगर, जहाँ के घोड़े बहुत अच्छे होते हैं।

ख़त्ल (ختل) अ. पुं.—भेड़िये का शिकार के लिए छिपना; धोखा देना, छल करना।

ख़त्लान (ختلان) फा. पुं.—दे. 'ख़त्ल', एक नगर।

ख़त्ली (ختلی) फा. वि.—वह घोड़ा जो 'ख़त्ल' अथवा 'ख़त्लान' से आता है।

ख़त्वः (خطوہ) अ. पुं.—एक डग, एक क़दम।

ख़दंग (خدنگ) फा. पुं.—एक विशेष पेड़ जिसके बाण बनते हैं; छोटा बाण, नावक।

खद [द्द] (خد) अ. पुं.–कपोल, गाल, रुखसार; भूमि के भीतर की लंबी दरार या मार्ग, सुरंग।

खदअः (خدعہ) अ. पुं.–छल, कपट, कूट, दग़ा, फ़रेब।

खदम (خدم) अ. पुं.–'ख़ादिम' का बहु., सेवक लोग, नौकर-चाकर।

खदर (خدر) अ. पुं–आलस्य, सुस्ती; तंद्रा, गुनूनदगी।

खदरी (خدری) अ. पुं.–एक पीड़ा जिससे किसी अंग की हिस जाती रहती है।

ख़दाज (خداج) अ. पुं.–दे. 'खिदाज', दो. शु. हैं।

ख़दाद (خداد) अ. पुं.–गाल का दाग़।

ख़दिर (خدر) अ. वि.–सुन्न, बेहिस; मंद, सुस्त।

ख़दीअः (خدیعہ) अ. पुं.–छल, कपट, मक्र; एक खाद्य जिसमें गोश्त और ज़ीरा होता है।

ख़दीजः (خدیجہ) अ. स्त्री.–हज़रत मुहम्मद साहिब की पहली पत्नी।

ख़दीज (خدیج) अ. वि.–वह शिशु जो समय से पहले उत्पन्न हो, परंतु सर्वांगपूर्ण हो।

ख़दीन (خدین) अ. वि.–मित्र, दोस्त; प्रेमपात्र, मा'शूक़।

ख़द्अः (خدعہ) अ. पुं.–छल, कपट, ब्याज, मक्र।

ख़द्दाअ' (خداع) अ. वि.–बहुत अधिक छली, बड़ा मक्कार; अधम, नीच; खोटा, कूट।

ख़द्ल (خدل) अ. पुं.–पिंडलियों और भुजाओं का भरा हुआ होना।

ख़द्शः (خدشہ) अ. पुं.–शंका, संदेह, शक; भय, डर।

ख़द्शात (خدشات) अ. पु.–'ख़द्शः' का बहु., शंकाएँ, शुबहे; डर, भय।

ख़नस (خنس) अ. पुं.–वापस लौटना, प्रत्यागमन।

ख़नाक़ (خناق) अ. पुं.–एक रोग जिसमें रोगी को अपना गला घुटता हुआ लगता है; गला घोंटने का स्थान।

ख़नाजिर (خناجر) अ. पुं.–'खंजर' का बहु., छुरियाँ, भुजालियाँ।

ख़नाज़ीर (خنازیر) अ. पुं.–'ख़िंज़ीर' का बहु., बहुत से सुअर; एक गले का रोग, कंठमाला।

ख़नाजीर (خناجیر) अ. पुं. 'खिंजीर' का बहु., जली हुई हड्डियों की गंध।

ख़नाफ़िस (خنافس) अ. पुं.–'ख़ुन्फ़सा' का बहु., गुबरीले।

ख़निक़ (خنق) अ. वि.–जिसका गला घोंटा गया हो।

ख़नीक़ (خنیق) अ. वि.–दे. 'खनिक़'।

ख़नीदः (خنیدہ) फा. वि.–उत्तम, उम्दा; रुचिकर, पसंदीदः।

ख़नीफ़ (خنیف) अ. पुं.–सफ़ेद अलसी।

ख़नूर (خنور) फा. पुं.–पात्र, भाजन, बर्तन; चषक, पियाला।

ख़नूस (خنوس) अ. वि.–छिपनेवाला।

ख़न्क़ (خنق) अ. पुं.–गला घोंटना, गला घोंटकर मारना।

ख़न्नास (خناس) अ. पुं.–राक्षस, देव, शैतान, पिशाच; अहंकार, अभिमान, ग़ुरूर।

ख़पः (خپہ) फा. पुं.–गला घोंटना।

ख़फ़ः (خفہ) अ. पुं.–गला घोंटना, गला घोंटकर मारना; जिसको गला घोंटकर मारा गया हो।

ख़फ़ (خف) फा. पुं.–चकमक़ में जलाने का फूस, वह चीज़ जिसमें चकमक़ से आग लगायी जाय।

ख़फ़क़ान (خفقان) अ. पुं.–दिल की धड़कन का रोग, हृत्कंप, इख़्तिलाज; वहशत, घबराहट।

ख़फ़क़ानी (خفقانی) अ. वि.–जिसे दिल धड़कने का रोग हो; जिसके स्वभाव में घबराहट बहुत हो।

ख़फ़गी (خفگی) फा. स्त्री.–गला घोंटने का भाव; अप्रसन्नता, वैमनस्य, नाराज़ी।

ख़फ़र (خفر) अ.पुं.–लज्जा, लाज, शर्म; देखरेख, निगहबानी।

ख़फ़श (خفش) अ. पुं.–दृष्टि की निर्बलता; जन्म से आँख का छोटा होना।

ख़फ़ा (خفا) अ. पुं.–छिपाव, दुराव, पोशीदगी, (वि.) क्रुद्ध, रुष्ट, नाराज़,—"गर मुझसे हो ख़फ़ा तो उसे दीजिए निकाल–तुम कौन रखनेवाले हो मेरे मलाल के।"

ख़फ़ाजः (خفاجہ) अ. पुं.–अरब का एक लुटेरा क़बीला।

ख़फ़ाया (خفایا) अ. पुं.–'ख़फ़ीयः' का बहु., छिपी हुई बातें।

ख़फ़ी (خفی) अ. वि.–गुप्त, छिपा हुआ; प्रकट, व्यक्त, ज़ाहिर; बारीक, महीन।

ख़फ़ीक़ (خفیق) अ. पुं.–पानी बहने का शब्द; वायु चलने का शब्द।

ख़फ़ीफ़ः (خفیفہ) अ. स्त्री.–एक दीवानी न्यायालय, जिसमें छोटे केस सरसरी सुने जाते हैं, जिनकी अपील नहीं होती।

ख़फ़ीफ़ (خفیف) अ. वि.–हलका, सबुक; थोड़ा, कम; लज्जित, शर्मिंदा; अधम, कमीना; एक बह्र, वृत्त।

ख़फ़ीफ़ुत्तब्‌अ (خفیف الطبع) अ.वि.–दे. 'ख़फ़ीफ़ुल हरकात'।

ख़फ़ीफ़ुल हरकात (خفیف الحرکات) अ. वि.–छिछोरी हरकतें करनेवाला, टुच्चा, तुच्छप्रकृति, छिछोरा।

ख़फ़ीर (خفیر) अ. वि.–मार्ग-प्रदर्शक, रहनुमा; सुरक्षक, निगहबान; त्राता, पनाह देनेवाला; निकृष्ट, ज़लील।

ख़फ़्क़ान (خفقان) अ. पुं.–दे. 'ख़फ़क़ान', परंतु उर्दू में 'ख़फ़्क़ान' भी बोलते हैं।

ख़फ़्चाक़ (خفچاق) तु. पुं.–जंगली तुर्कों की एक जाति।

ख़फ़्ज़ (خفض) अ. पुं.–किसी को उसके पद से गिराना; होले-होले चलना; ऐश्वर्य, ऐश; आरामतलबी।

खते ग़ुलामी (خط غلامی) अ. पुं.–इस बात का लिखित प्रमाण कि अमुक व्यक्ति, फ़लाँ व्यक्ति का सदैव दास रहेगा, दासता-पत्र।

खते चलीपा (خط چلیپا) अ. पुं.–हाशिये पर जो इबारत तिरछी लकीरों में लिखी जाती है।

खते जदी (خط جدی) अ. पुं.–उष्ण कटिबंध की दक्षिणी रेखा, मकर-रेखा।

खते जबीं (خط جبیں) अ. फा. पुं.–दे. 'खते पेशानी'।

खते जली (خط جلی) अ. पुं.–मोटी लकीर; मोटे क़लम से लिखा हुआ लेख।

खते जवाज़ (خط جواز) अ. पुं.–पर्वानए राहदारी, पास्पोर्ट, परिपारपत्र।

खते तक़्दीर (خط تقدیر) अ. पुं.–किस्मत का लिखा, भाग्यलेख, भाग्यरेखा।

खते तहरीर (خط تحریر) अ. वि.–ख़त की लिखावट, "मुद्दतों के बाद क़ासिद आज लाया है पयाम, फ़ैसला क़िस्मत का ज़ाहिर है खते तहरीर से।"

खते तक़्सीम (خط تقسیم) अ. पुं.–वह रेखा जो किसी भूमि आदि को दो भागों में बाँट दे, विभाग-रेखा।

खते तर्सा (خط ترسا) अ. फा. पुं.–पार्सियों का लेख जो बहुत टेढ़ा-मेढ़ा होता है।

ख़ते तस्दीक़ (خط تصدیق) अ. पुं.–प्रमाणपत्र, सर्टीफ़िकेट।

खते तस्लीम (خط تسلیم) अ. पुं.–सरल रेखा, सीधी लकीर।

खते दीवनी (خط دیوانی) अ. फा. पुं.–दफ़्तर के मुंशियों का लेख, जो बहुत घसीट होता है।

खते नस्तालीक़ (خط نستعلیق) अ. पुं.–वह लिपि जिसमें आधुनिक उर्दू की लीथो पुस्तकें छपती हैं।

खते निस्फ़ुन्नहार (خط نصف النہار) अ. पुं.–वह कल्पित रेखा जिस पर आकर, सूरज दिन को दो बराबर भागों में बाँट देता है।

खते पर्कार (خط پرکار) अ. फा. पुं.–वह गोल रेखा जो पर्कार से खींची जाती है।

खते पेशानी (خط پیشانی) अ. फा. पुं.–तक़्दीर का लिखा, ललाट-रेखा, भाग्य-रेखा।

खते बंदगी (خط بندگی) अ. फा. पुं.–दे. 'खते ग़ुलामी'।

खते मंदल (خط مندل) अ. पुं.–वह घेरा जो मंत्र द्वारा खींचा जाता है और जिसमें रहने से एक विशेष समय तक कोई अनिष्ट नहीं होता, अथवा भूत-प्रेत अपना प्रभाव नहीं डाल सकते।

खते मुख़्तसर (خط مختصر) अ. पुं.–संक्षिप्त लिपि, संकेत-लिपि, शीघ्रलिपि, शार्टहैंड।

खते मुतवाज़ी (خط متوازی) अ. पुं.–वह रेखा जो दूसरी रेखा से बराबर अंतर पर हो, समानांतर रेखा।

खते मुन्हनी (خط منحنی) अ. पुं.–टेढ़ी लकीर, वक्र रेखा।

खते मुमास (خط مماس) अ. पुं.–संपात रेखा।

खते मुस्तक़ीम (خط مستقیم) अ. पुं.–सीधी लकीर, सरल रेखा।

खते मुस्तदीर (خط مستدیر) अ. पुं.–गोल रेखा।

खते राह (خط راہ) अ. फा. पुं.–दे. 'खते जवाज़'।

खते शिकस्तः (خط شکستہ) अ. फा. पुं.–वह लिखावट जो बहुत टेढ़ी-मेढ़ी लिखी जाय।

खते सर्तान (خط سرطان) अ. पुं.–उष्ण कटिबंध की उत्तरीय रेखा, कर्क रेखा।

खते हिलाली (خط ہلالی) अ. पुं.–कमान की तरह आधी गोल रेखा, धन्वाकार रेखा, अर्धवृत्ताकार रेखा, चंद्राकार रेखा।

खतो किताबत (خط و کتابت) अ. स्त्री.–पत्रव्यवहार, चिट्ठियों का आदान-प्रदान।

खत्तार (ختار) अ. वि.–मुग्ध होनेवाला, फ़रेफ़्ता होनेवाला।

खत्फ़ः (خطفہ) अ. पुं.–एक बार इस प्रकार चमकना कि आँखों में चकाचौंध उत्पन्न कर दे।

खत्फ़ (خطف) अ. पुं.–बिजली का आँखों में चकाचौंध उत्पन्न करना।

खत्म (ختم) अ. वि.–समाप्त, पूरा; मृत, मरा हुआ; संपूर्ण, मुकम्मल, (पुं.) समाप्ति, ख़ातिमः।

ख़त्म (خطم) अ. पुं.–नाक में नकेल डालना; नाथ डालने के लिए नथने छेदना।

ख़त्मी (خطمی) अ. स्त्री.–एक बीज जो दवा में काम आता है, दे. 'खित्मी'।

ख़त्मी मआब (ختمی مآب) अ. पुं.–हज़रत मुहम्मद साहिब की उपाधि।

खत्र (ختر) अ. पुं.–मुग्ध होना, फ़रेफ़्ता होना।

खत्ल (ختل) फा. पुं.–बलख के निकट एक नगर, जहाँ के घोड़े बहुत अच्छे होते हैं।

ख़त्ल (ختل) अ. पुं.–भेड़िये का शिकार के लिए छिपना; धोखा देना, छल करना।

खत्लान (ختلان) फा. पुं.–दे. 'खत्ल', एक नगर।

खत्ली (ختلی) फा. वि.–वह घोड़ा जो 'खत्ल' अथवा 'खत्लान' से आता है।

खत्वः (خطوہ) अ. पुं.–एक डग, एक कदम।

खदंग (خدنگ) फा. पुं.–एक विशेष पेड़ जिसके बाण बनते हैं; छोटा बाण, नावक।

खद [द्द] (خد) अ. पुं.–कपोल, गाल, रुखसार; भूमि के भीतर की लंबी दरार या मार्ग, सुरंग।
खदअः (خدعه) अ. पुं.–छल, कपट, कूट, दग़ा, फ़रेब।
खदम (خدم) अ. पुं.–'खादिम' का बहु., सेवक लोग, नौकर-चाकर।
खदर (خدر) अ. पुं–आलस्य, सुस्ती; तंद्रा, ग़ुनूनदगी।
खदरी (خدری) अ. पुं.–एक पीड़ा जिससे किसी अंग की हिस जाती रहती है।
खदाज (خداج) अ. पुं.–दे. 'खिदाज', दो. शु. हैं।
खदाब (خداب) अ. पुं.–गाल का दाग़।
खदिर (خدر) अ. वि.–सुन्न, बेहिस; मंद, सुस्त।
खदीअः (خديعه) अ. पुं.–छल, कपट, मक्र; एक खाद्य जिसमें गोश्त और ज़ीरा होता है।
खदीजः (خديجه) अ. स्त्री.–हज़रत मुहम्मद साहिब की पहली पत्नी।
खदीज (خديج) अ. वि.–वह शिशु जो समय से पहले उत्पन्न हो, परंतु सर्वांगपूर्ण हो।
खदीन (خدين) अ. वि.–मित्र, दोस्त; प्रेमपात्र, मा'शूक़।
खद्अः (خدعه) अ. पुं.–छल, कपट, ब्याज, मक्र।
खद्दाअ' (خداع) अ. वि.–बहुत अधिक छली, बड़ा मक्कार; अधम, नीच; खोटा, कूट।
खद्ल (خدل) अ. पुं.–पिंडलियों और भुजाओं का भरा हुआ होना।
खद्शः (خدشه) अ. पुं.–शंका, संदेह, शक; भय, डर।
खद्शात (خدشات) अ. पुं.–'खद्शः' का बहु., शंकाएँ, शुबहे; डर, भय।
खनस (خنس) अ. पुं.–वापस लौटना, प्रत्यागमन।
खनाक़ (خناق) अ. पुं.–एक रोग जिसमें रोगी को अपना गला घुटता हुआ लगता है; गला घोंटने का स्थान।
खनाजिर (خناجر) अ. पुं.–'खंजर' का बहु., छुरियाँ, भुजालियाँ।
खनाज़ीर (خنازير) अ. पुं.–'खिंज़ीर' का बहु., बहुत से सुअर; एक गले का रोग, कंठमाला।
खनाजीर (خناجير) अ. पुं. 'खिंजीर' का बहु., जली हुई हड्डियों की गंधें।
ख़नाफ़िस (خنافس) अ. पुं.–'खुन्फ़सा' का बहु., गुबरीले।
खनिक़ (خنق) अ. वि.–जिसका गला घोंटा गया हो।
खनीक़ (خنيق) अ. वि.–दे. 'खनिक़'।
खनीदः (خنيده) फा. वि.–उत्तम, उम्दा; रुचिकर, पसंदीदः।
खनीफ़ (خنيف) अ. पुं.–सफ़ेद अलसी।
खनूर (خنور) फा. पुं.–पात्र, भाजन, बर्तन; चषक, पियाला।
खनूस (خنوس) अ. वि.–छिपनेवाला।
खन्क़ (خنق) अ. पुं.–गला घोंटना, गला घोंटकर मारना।
खन्नास (خناس) अ. पुं.–राक्षस, देव, शैतान, पिशाच; अहंकार, अभिमान, ग़ुरूर।
खपः (خپه) फा. पुं.–गला घोंटना।
खफ़ः (خفه) अ. पुं.–गला घोंटना, गला घोंटकर मारना; जिसको गला घोंटकर मारा गया हो।
खफ़ (خف) फा. पुं.–चकमक़ में जलाने का फूस, वह चीज़ जिसमें चकमक़ से आग लगायी जाय।
खफ़क़ान (خفقان) अ. पुं.–दिल की धड़कन का रोग, हृत्कंप, इख़्तिलाज; वहशत, घबराहट।
खफ़क़ानी (خفقانی) अ. वि.–जिसे दिल धड़कने का रोग हो; जिसके स्वभाव में घबराहट बहुत हो।
खफ़गी (خفگی) फा. स्त्री.–गला घोंटने का भाव; अप्रसन्नता, वैमनस्य, नाराज़ी।
खफ़र (خفر) अ. पुं.–लज्जा, लाज, शर्म; देखरेख, निगहबानी।
खफ़श (خفش) अ. पुं.–दृष्टि की निर्बलता; जन्म से आंख का छोटा होना।
खफ़ा (خفا) अ. पुं.–छिपाव, दुराव, पोशीदगी, (वि.) क्रुद्ध, रुष्ट, नाराज़,—"गर मुझसे हो खफ़ा तो उसे दीजिए निकाल–तुम कौन रखनेवाले हो मेरे मलाल के।"
खफ़ाजः (خفاجه) अ. पुं.–अरब का एक लुटेरा क़बीला।
खफ़ाया (خفايا) अ. पुं.–'खफ़ीयः' का बहु., छिपी हुई बातें।
खफ़ी (خفی) अ. वि.–गुप्त, छिपा हुआ; प्रकट, व्यक्त, ज़ाहिर; बारीक, महीन।
खफ़ीक़ (خفيق) अ. पुं.–पानी बहने का शब्द; वायु चलने का शब्द।
खफ़ीफ़ः (خفيفه) अ. स्त्री.–एक दीवानी न्यायालय, जिसमें छोटे केस सरसरी सुने जाते हैं, जिनकी अपील नहीं होती।
खफ़ीफ़ (خفيف) अ. वि.–हलका, सबुक; थोड़ा, कम; लज्जित, शर्मिंदा; अधम, कमीना; एक बह्र, वृत्त।
खफ़ीफ़ुत्तब्अ (خفيف الطبع) अ. वि.–दे. 'खफ़ीफ़ुल हरकात'।
खफ़ीफ़ुल हरकात (خفيف الحركات) अ. वि.–छिछोरी हरकतें करनेवाला, टुच्चा, तुच्छप्रकृति, छिछोरा।
खफ़ीर (خفير) अ. वि.–मार्ग-प्रदर्शक, रहनुमा; सुरक्षक, निगहबान; त्राता, पनाह देनेवाला; निकृष्ट, ज़लील।
खफ़्क़ान (خفقان) अ. पुं.–दे. 'खफ़क़ान', परंतु उर्दू में 'खफ़्क़ान' भी बोलते हैं।
खफ़्चाक़ (خفچاق) तु. पुं.–जंगली तुर्कों की एक जाति।
खफ़्ज़ (خفض) अ. पुं.–किसी को उसके पद से गिराना; होले-होले चलना; ऐश्वर्य, ऐश; आरामतलबी।

खफ़्तः (خفته) अ. वि.–झुका हुआ, खमीदा।

खफ़्तान (خفتان) अ. पुं.–सिपाहियों के पहनने का एक विशेष कोट।

खफ़्द (خفد) अ. पुं.–तेज़ चलना, शीघ्र गमन।

खफ़्फ़ाफ़ (خفاف) अ. वि.–जूता बनानेवाला; जूता बेचनेवाला; चमड़े के मोज़े बनाने और बेचनेवाला।

खफ़्रक़ (خفرق) अ. वि.–निकृष्ट, अधम, बुरा; अपमानित, बेइज़्ज़त; दुःस्वभाव, बदखू।

खबख़्ब (خبخب) अ. पुं.–चुंबन का शब्द, बोसे की आवाज़।

खबज़ (خبز) अ. पुं.–रेत, रेग; एक स्थान का नाम।

खबब (خبب) अ. पुं.–नदी का मौजें मारना; घोड़े का कभी इस पाँव और कभी उस पाँव पर खड़ा होना।

खबर (خبر) अ. स्त्री.–सूचना, संवाद, इत्तिलाअ; संदेश, सँदेसा, पैग़ाम; समाचार, हाल; मुहम्मद साहब का प्रवचन, हदीस।

खबरगीर (خبرگیر) अ. फा. वि.–खबर लेनेवाला, पालन-पोषण करनेवाला; रक्षक, देख-रेख करनेवाला।

खबरगीरी (خبرگیری) अ. फा. स्त्री.–पालन-पोषण; रक्षा, देख-रेख।

खबरदार (خبردار) अ. फा. वि.–सचेत, सतर्क, बाखबर; सावधान; चेतावनी देने का शब्द, होशयार!

खबरदारी (خبرداری) अ.फा. स्त्री.–सतर्कता, होशयारी।

खबरदिहंदः (خبردهنده) अ. फा. वि.–सूचना देनेवाला, सूचक।

खबररसाँ (خبررساں) अ. फा. वि.–सूचना पहुँचानेवाला, सूचना-वाहक, पत्र-वाहक।

खबररसानी (خبررسانی) अ. फ़ा. स्त्री.–सूचना पहुँचाना, खबर ले जाना, खबर लाना।

खबसः (خبثه) अ. पुं.–खबीस का बहु., खबीस लोग।

खबस (خبث) अ. स्त्री.–अपवित्रता, गंदगी, मलिनता, मैलापन।

खबा (خبا) अ. पुं.–छिपाना; छिपाव, गुप्ति; वर्षा, बारिश; घास, सब्ज़ः।

खबाइस (خبائث) अ. पुं.–नापाकियाँ, अपवित्रताएँ।

खबाया (خبایا) अ. पुं.–'खबा' का बहु., छिपाव; 'खिबा' का बहु., खेमे, रावटियाँ।

खबार (خبار) अ. पुं.–मुलाइम और भुरभुरी मट्टी, अथवा भूमि।

खबाल (خبال) अ. पुं.–विनाश, तबाही; कुमार्गता, गुमराही; हत्या, हलाकी; श्रांति, थकान; घातक विष।

खबासत (خباثت) अ. स्त्री.–दुष्टता, नीचता, कमीनगी; हृदय की अपवित्रता, अंतःमलिनता।

खबी (خبی) अ. वि.–गुप्त, पोशीदा; अंतर्धान, ग़ाइब।

खबीर (خبیر) अ. वि.–जानकार, आगाह, जिसे ज्ञात हो; ईश्वर का एक नाम।

खबीस (خبیث) अ. वि.–अंतःकुटिल, शरीर; अंतःमलिन, बदबातिन; बहुत बड़ा पापी; बहुत बड़ा धूर्त; भूत-प्रेत।

खबीस (خبیس) अ. वि.–विनोदप्रिय, ज़रीफ़, मखोलिया; हँसमुख, ज़िंदादिल, विदूषक।

खबीस (خبیص) अ. पुं.–घी और खजूर से बना हुआ एक भोजन।

खबीस तीनत (خبیث طینت) अ.वि.दे.–'खबीस बातिन'।

खबीस बातिन (خبیث باطن) अ. वि.–जिसका मन बहुत ही पापी हो, जो बहुत बड़ा धूर्त हो, अंतर्मल।

खबीसुल बातिन (خبیث الباطن) अ. वि.–दे. 'खबीस बातिन'।

खब्जः (خبجه) फा. पुं.–इमली, एक खट्टा फल।

खब्ज़ (خبز) अ. पुं.–रोटी पकाना।

खब्त (خبط) अ. पुं.–बुद्धि में पागलपन की मिलावट, बुद्धि-विकार, पागलपन।

खब्ती (خبطی) अ. वि.–विकृतबुद्धि, पागल, मिराक़ी, विकृतमस्तिष्क, दूषितबुद्धि।

खब्तुल हवास (خبط الحواس) अ. वि.–दे. 'खब्ती'।

खब्न (خبن) अ. पुं.–कुर्ते या अंगरखे आदि का दामन लपेटना या सीना ताकि वह छोटा हो जाय; छंदःशास्त्र के अनुसार किसी 'गण' का दूसरा अक्षर जो हल् हो, उसे गिरा देना, जैसे–'फ़ाइलातुन' से 'फ़इलातुन्' बनाना।

खब्बाज़ (خباز) अ. वि.–रोटी पकानेवाला, नानबाई।

खब्बाज़ी (خبازی) अ. स्त्री.–रोटी पकाने का काम, नानबाईपन।

खम (خم) फा. पुं.–वक्रता, टेढ़ापन; झुकाव, खमी, (वि.) वक्र, टढ़ा, खमीदः।

खम [म्म] (خم) अ. पुं.–मांस का सड़ जाना; घर या कुएँ का अपवित्र हो जाना।

खमज़दः (خم زده) फा. वि.–भागा हुआ।

खम दर खम (خم در خم) फा. वि.–पेचीदा, जिसमें बहुत से पेच हों, जो बहुत उलझा हो।

खमदार (خمدار) फा. वि.–झुका हुआ, खमीदा; वक्र, टेढ़ा।

खमदीदः (خم دیده) फा. वि.–दे. 'खमदार'।

खमन (خمن) अ. पुं.–अपवित्रता, मलिनता, गंदगी।

खमी (خمی) फा. स्त्री.–वक्रता, कुटिलता, टेढ़ापन; झुकाव।

ख़मीत (خميط) अ. वि.–बिना छिलके के भुनी हुई वस्तु

ख़मीदः (خميده) फा. वि.–झुका हुआ, खमदार; वक्र, टेढ़ा।

ख़मीदःक़द (خميده قد) फा. अ. वि.–जिसका शरीर झुक गया हो, विनतकाय, वक्रकाय; बहुत बूढ़ा।

ख़मीदःकमर (خميده كمر) फा. वि.–जिसकी कमर झुक गयी हो, वक्रकटि; बहुत बूढ़ा,—"कमर खमीदा नहीं बेवजह ज़ईफ़ी में–ज़मीन ढूंढ़ रहा हूँ मज़ार के क़ाबिल।"

ख़मीदःक़ामत (خميده قامت) फा. अ. वि.–दे. 'खमीदः क़द'।

ख़मीदःसर (خميده سر) फा. वि.–जिसका सर झुका हो, सर झुकाये, नतमस्तक; लज्जित, व्रीडित, शर्मिंदा।

ख़मीरः (خميره) फा. पुं.–चाटनेवाली मीठी और स्वादिष्ठ दवा; पीने का सुगंधित तंवाकू।

ख़मीर (خمير) अ. पुं.–ओषधियों में पानी डालकर सड़ाया हुआ अरक़; आटे में सोडा और नमक डालकर बनाया हुआ खट्टा आटा जिससे खमीरी रोटी बनती है।

ख़मीरमायः (خميرمايه) अ. फा. पुं.–वह वस्तु जो किसी वस्तु की बढ़ोतरी का कारण हो।

ख़मीरी (خميرى) अ. वि.–खमीर से वनी हुई चीज़, विशेषतः रोटी; खमीर मिली हुई वस्तु; खमीर से सम्बन्धित।

ख़मील (خميل) अ. पुं.–हलका भोजन; घंटा, वादलों का झुंड; पैवंद लगे हुए कपड़े।

ख़मीस (خميس) अ. पुं.–वृहस्पतिवार, जुम्अरात; पाँच अंगोंवाली सेना।

ख़मीस (خميص) अ. वि.–पतले पेट और कमरवाला, कृशोदर।

ख़मूश (خموش) अ. पुं.–पिस्सू, डाँस; मशक, मच्छर।

ख़म्मोचम (خم وچم) फा. पुं.–सुंदर स्त्रियों के चलते समय के हाव-भाव।

ख़म्त (خمط) अ. पुं.–पीलू की एक जाति जिसमें छोटे-छोटे फल होते हैं।

ख़म्मान (خمان) अ. पुं.–कमज़ोर भाला; तुच्छ व्यक्ति।

ख़म्मार (خمار) अ. वि.–शराब वनानेवाला; शराब वेचनेवाला।

ख़म्मारख़ानः (خمارخانه) अ. फा. पुं.–मदिरालय, शराबखाना।

ख़म्मूद (خمود) अ. पुं.–वह स्थान जहाँ आग सुरक्षित रखते हों।

ख़म्याज़ः (خمیازه) फा. पुं.–अँगड़ाई, नतीजा, परिणाम, जँभाई, जूंभा; भुगतमान, करनी का फल।

ख़म्याज़ःकश (خمیازه‌کش) फा. वि.–अँगड़ाई लेनेवाला; जँभाई लेनेवाला; भुगतमान भुगतनेवाला, परिणामभोगी।

ख़मयाज़ःकशी (خمیازه‌کشی) फा. स्त्री.–अँगड़ाई लेना; जंभाई लेना; भुगतमान भुगतना, करनी का फल भोगना।

ख़मयाज़ए ख़ुश्क (خم یازه خشک) फा. पुं.–एसी इच्छा जो कभी पूरी न हो सके।

ख़म्रः (خمره) अ. पुं.–'खंमीरः' का लघु., दे. 'खमीरः'।

ख़म्र (خمر) अ. पुं.–खमीर करना; मदिरा, शराव।

ख़म्ल (خمل) अ. पुं.–कपड़े के तार, (वि.) खालिस, वेमेल।

ख़म्सः (خمسه) अ. पुं.–पाँच वस्तुओं का समाहार; उर्दू नज़्म का एक प्रकार जिसमें पाँच मिस्रे हर वंद में होते हैं; ग़ज़ल के दो मिस्रों पर तीन मिस्रे बढ़ाकर उसे भी खम्सः किया जाता है।

ख़म्सए मुतहैयिरः (خمسه متحیره) अ. पुं.–सूर्य और चंद्रमा को छोड़कर वाक़ी पाँच ग्रह, जिनकी चाल उलटी-सीधी होती है।

ख़म्सए मुस्तशक़ः (خمسه مستشرقه) अ. पुं.–ईरानी साल में हर मास तीस दिन का होता है, परंतु 'इस्फ़ंदार' को ३५ दिन का कर देते हैं। यह पाँच दिन 'खम्सएमुस्तशक़ः' कहलाते हैं।

ख़यफ़ (خيف) अ. पुं.–एक आँख काली और एक नीली होना।

ख़याल (خيال) अ. पुं.–विचार, ध्यान; कल्पना, तख़ैयुल; तवज्जुह, प्रवृत्ति; भावना, जज़्बः; मति, राय; स्मृति, याद; संज्ञा, होश; संलग्नता, इन्हियाक; दुर्भावना, बदगुमानी; भ्रम, वह्म; अनुमान, अंदाज़ः; एक कविता।

ख़यालआराई (خيال آرائى) अ. फा. स्त्री.–परवाज़े फ़िक्र, कल्पनाएँ; कविता के लिए मज़्मून की तलाश।

ख़यालबंदी (خيال‌بندى) अ. फा. स्त्री.–अनेक कल्पनाएँ करना; एक विशेष कविता (खयाल) की रचना करना।

ख़यालात (خيالات) अ. पुं.–'खयाल' का वहु., खयालो का ताँता, विचारधारा।

ख़याली (خيالى) अ. वि.–काल्पनिक, फ़र्ज़ी; कपोल-कल्पित, मनगढंत; खयाल से सम्बन्धित।

ख़याले ख़ाम (خيال خام) अ. फा. पुं.–असंगत और मिथ्या विचार, ग़लत खयाल; भ्रम, वह्म।

ख़याले फ़ासिद (خيال فاسد) अ. पुं.–दे. 'खयाले खाम'।

ख़याले बातिल (خيال باطل) अ. पुं.–दे. 'खयाले खाम'।

ख़याशीम (خياشيم) अ. पुं.–'खैशूम' का बहु., नथने।

ख़यू (خيو) फा. पुं.–थूक, मुखस्राव, दे. 'खियू', दो. शु. हैं।

ख़य्यात (خياط) अ. वि.–दर्ज़ी, कपड़ा सीनेवाला, सूचिक।

ख़य्याते अजल (خیاط ازل) अ. वि.–परलोक में आत्मा को शरीररूपी वस्त्र पहनानेवाला, अर्थात् ईश्वर।

ख़य्याब (خیاب) अ. वि.–निराश, नाउम्मीद; वंचित, महरूम; अभागा, बदक़िस्मत।

ख़य्याम (خیام) अ. वि.–खटिया बनानेवाला, ख़ेमे सीनेवाला, फ़ारसी का प्रसिद्ध मधुवादी कवि, जो नैशापुर नगर का निवासी था, मधु की प्रतीकवादी पद्धति में उसकी काव्याभिव्यंजना सर्वोत्तम हुई है।

ख़रः (خرہ) फा. स्त्री.–तेल निकले हुए बीजों की खली; मिट्टी और धूल का ढेर।

ख़रः (خرہ) अ. पुं.–गधा, छोटा, लघु।

ख़र (خر) फा. पुं.–गधा, गर्दभ, रासभ; शराब की गाद; दे. ख़रचोब, (वि.) विशाल, महान्।

ख़र(र्र) (خر) अ. पुं.–ऊपर से नीचे को पाँव फिसलना।

ख़रक (خرک) फा. पुं.–दे. 'ख़रचोब'।

ख़रक़ (خرق) अ. पुं.–लज्जित होना; मूर्खता, हिमाक़त।

ख़रकुस (خرکس) फा. वि.–मूर्ख, बुद्धू, बेवक़ूफ़।

ख़रख़ेज़ (خرخیز) फा. पुं.–चीनी तुर्किस्तान का एक प्रदेश।

ख़रगह (خرگہ) फा. पुं.–'ख़िरगाह' का लघु., दे. 'ख़रगाह'।

ख़रगहेमह (خرگہ مہ) फा. पुं.–कर्क राशि, बुर्जे सतान; चंद्रमंड्ल, चाँद में पड़नेवाला घेरा, हालः।

ख़रगाह (خرگاہ) फा. पुं.–बड़ा ख़ेमा, बड़ी रावटी, दे. 'ख़िरगाह', दोनों शुद्ध हैं।

ख़रगोश (خرگوش) फा. पुं.–शश, शशक, खरहा।

ख़रचंग (خرچنگ) फा. पुं.–केकड़ा, कर्कट, सर्तान; कर्क-राशि, बुर्जे सतनि।

ख़रचोब (خرچوب) फा. पुं.–वह छोटी लकड़ी जो सितार या रुबाब की तुंबी पर होती है और जिसमें तार जड़ते हैं।

ख़रज़ः (خرزہ) फा. पुं.–मोटा और लम्बा लिंग।

ख़रज़ः (خرزہ) अ. पुं.–पीठ की हड्डी की गुरिया, मोह्रः।

ख़रज़ (خرز) अ. पुं.–'ख़रज़ः' का बहु., पीठ की हड्डी के मोहरे, रीढ़ की गुरियाँ।

ख़रज़न (خرزن) फा. पुं.–चाबुक, कोड़ा, कशा।

ख़रदलः (خردلہ) अ. पुं.–दे. 'ख़र्दल'।

ख़रदल (خردل) अ. पुं.–दे. 'ख़र्दल'।

ख़रदिल (خردل) फा. वि.–डरपोक, भीरु, बुज़दिल।

ख़रदिली (خردلی) फा. स्त्री.–भीरुता, डरपोकपन, बुज़दिली।

ख़रनफ़्स (خرنفس) फा. अ. वि.–बहुत अधिक कामशक्ति-वाला; बहुत बड़े लिंगवाला।

ख़रपाचः (خرپاچہ) फा. पुं.–गधे का बच्चा, ख़र-शावक।

ख़रपुश्तः (خرپشتہ) फा. पुं.–बहुत बड़ा पुश्ता।

ख़रफ़ (خرف) अ. पु.–बुद्धि का विनाश, अक़्ल की तबाही।

ख़रबंदः (خربندہ) फा. पुं.–गधे का मालिक, गधेवाला।

ख़रबत (خربط) फा. पुं.–बड़ी बतख़, राजहंस; मूर्ख, घामड़।

ख़रबुज़ः (خربزہ) फा. पुं.–एक प्रसिद्ध फल, 'ख़रबूज़ा'।

ख़रमगस (خرمگس) फा. पुं.–एक बड़ी मक्खी, जो घाव पर बैठती है तो उसमें कीड़े पड़ जाते हैं।

ख़रमस्ती (خرمستی) फा. स्त्री.–ऐसी मस्ती जिसमें पुरुष बिलकुल गधा बन जाय और बेहूदा और अश्लील हरकतें करने लगे, पिशाचोन्माद।

ख़रमोहरः (خرمہرہ) फा. पुं.–छोटा घोंघा जो तालाबों में होता है।

ख़रमोहरए कोचक (خرمہرۂ کوچک) फा. पुं.–कौड़ी, कपर्दिका, वराटिका।

ख़रमोहरए ज़र्द (خرمہرۂ زرد) फा. पुं.–दे. 'ख़रमोहरए कोचक'।

ख़रमोहरए सफ़ेद (خرمہرۂ سفید) फा. पुं.–शंख, दर, कंबु, संख।

ख़रवार (خروار) फा. पुं.–एक गधे का बोझ; किसी वस्तु का गधे के बराबर ऊँचा ढेर।

ख़रसंग (خرسنگ) फा. पुं.–बड़ा पत्थर, शिला।

ख़रस (خرس) अ. पुं.–गूँगा होना, मूक होना।

ख़रस (خرص) अ. पुं.–भूखा होना।

ख़रह (خرہ) अ. पुं.–कुक्कुट, मुर्ग़ा; मुर्ग़े के आकार की सुराही।

ख़रा' (خرع) अ. पुं.–आलस्य, सुस्ती; मंदता, सस्तापन; डालियों का टूटकर गिरना।

ख़राइद (خرائد) अ. स्त्री.–'ख़रीदः' का बहु., कुँवारी स्त्रियाँ; अनबिधे मोती; लज्जावती महिलाएँ।

ख़राइफ़ (خرائف) अ. पुं.–'ख़रीफ़ः' का बहु., खजूर के वे पेड़ जिनके खजूर तोड़ लिये गये हों।

ख़राज (خراج) अ. पुं.–लगान, भूमिकर; वह रक़म जो अधीन राज बड़े राज को देता है, चौथ।

ख़राजगुज़ार (خراج گزار) अ. फा. वि.–ख़राज देनेवाला, अधीन राज अथवा राजा।

ख़रात (خراط) अ.पुं.–लकड़ी पर रंदा करना, लकड़ी खरादना, दे. 'खराद'।

ख़रातीन (خراطین) फा. पुं.–केचुआ, भूलता, महीलता, किंचुलक, भूनाग।

ख़रातीम (خراطیم) अ. पुं.–'ख़ुर्तूम' का बहु., हाथी की सूँड़ें; राष्ट्र अथवा जाति के महान् व्यक्ति।

ख़राद (خراد) फा. पुं.–लकड़ी खरादने की क्रिया; लकड़ी खरादने का यंत्र, शुद्ध शब्द 'ख़रात' है, परन्तु उर्दू और फ़ार्सी में 'खराद' ही है।

ख़राबः (خرابہ) फा. पुं.–निर्जन और अन्न - जल - रहित स्थान; खँडहर, वीरान; शत्रु शासक का देश।

ख़राबः आबाद (خرابہ آباد) फा. पुं.–संसार, जगत्, दुनिया।

ख़राब (خراب) अ. वि.–बिगड़ा हुआ, विकृत; दूषित, नाक़िस; अपवित्र, नापाक; निकृष्ट, बुरा; नीच, कमीना; धूर्त, बदमआश; विध्वस्त, बरबाद; निर्जन, वीरान; उन्मत्त, मतवाला; कदाचारी, बदचलन।

ख़राबहाल (خرابحال) अ. वि.–जिसकी आर्थिक दशा ख़राब हो, दुर्दशाग्रस्त; जिसकी दशा बिगड़ी हुई हो, पतले हालवाला।

ख़राबात (خرابات) फा. पुं.–मधुशाला, मदिरालय, शराबख़ानः; कैतवालय, अक्षवार, जुआघर।

ख़राबाती (خراباتی) फा. वि.–हर समय नशे में मस्त रहनेवाला; जुआ खेलने का धर्ता।

ख़राबी (خرابی) अ. स्त्री.–विकार, दोष, नक़्स; अनिष्ट, हानि, ज़रर; निकृष्टता, ज़िश्ती; उन्माद, मस्ती; निर्जनता, वीरानपन, विध्वंस, बरबादी।

ख़राश (خراش) फा. स्त्री.–उचटता हुआ घाव, छीलन, रगड़।

ख़राशीदः (خراشیدہ) फा. वि.–खरोच लगा हुआ।

ख़रास (خراس) फा. पुं.–बैल आदि से चलनवाली चक्की; तेल का कोल्हू।

ख़रीफ़ (خریف) अ. वि.–बहुत बूढ़ा, सठियाया हुआ।

ख़रिब (خرب) अ. वि.–निर्जन, वीरान, ख़राबशुदा, ध्वस्त।

ख़रीक़ (خریق) अ. वि.–जिसका पर्दा फट गया हो, जिसकी बुराइयाँ प्रकट हो गयी हों।

ख़रीज (خریج) अ.पुं.–एक खेल जो अरब में खेला जाता है।

ख़रीतः (خریطہ) अ. पुं.–थैला, झोला, लिफ़ाफ़ा; सरकारी आदेशपत्र का लिफ़ाफ़ा।

ख़रीदः (خریدہ) फा. वि.–मोल लिया हुआ, क्रीत।

ख़रीदः (خریدہ) अ. स्त्री.–कुमारी, दोशीज़ः; लज्जावती स्त्री. (पुं.) अनबिधा मोती।

ख़रीद (خرید) फा. स्त्री.–मोल लेने का भाव, ख़रीदारी।

ख़रीदार (خریدار) फा. वि.–मोल लेनेवाला, ग्राहक।

ख़रीदारी (خریداری) फा.स्त्री.–मोल लेने का काम. ख़रीद।

ख़रीदो फ़रोख़्त (خرید و فروخت) फा. स्त्री.–मोल लेना और बेचना, क्रय-विक्रय।

ख़रीफ़ (خریف) अ. स्त्री.–फ़सली साल की दो ऋतुओं में से एक, कार्तिक की फ़सल।

ख़रूफ़ (خروف) अ. पुं.–घोड़े, भेड़-बकरी अथवा खरगोश का बच्चा।

ख़र्क़ (خرق) अ. पुं.–फटना, टुकड़े होना।

ख़र्क़े आदत (خرق عادت) अ. पुं.–प्राकृतिक कार्य के विरुद्ध कार्य, चमत्कार मो'जिज़ः।

ख़र्क़ो इल्तियाम (خرق و التیام) अ.पुं.–फटना और मिलना, अलग-अलग होकर एक हो जाना, तलवार की कटन भर जाना, घाव भर जाना।

ख़र्च (خرچ) फा. पुं.–व्यय, सर्फ़; उपभोग, इस्ते'माल।

ख़र्ज (خرج) अ. पुं.–बाहर निकलना, व्यय, ख़र्च।

ख़र्ज़ (خرز) अ. पुं.–चमड़े का मोज़ा सीना; जूता सीना।

ख़र्त (خرط) अ. पुं.–लकड़ी पर रंदा करना; हर कटी और छिली चीज़ को चिकना करना।

ख़र्दलः (خردلہ) अ. पुं.–राई का एक कण।

ख़र्दल (خردل) अ. स्त्री.–राई।

ख़र्फ़ (خرف) अ. पुं.–फल बीनना, मेवा चुनना।

ख़र्बक़ (خربق) अ. स्त्री.–कुटकी, एक दवा।

ख़र्म (خرم) अ. पुं.–नथना छेदना; काटकर कम करना; किसी 'गण' का पहला अक्षर गिराना, जैसे–'फ़ऊलुन्' से ऊलुन् करके 'फ़अ्लुन्' बनाना।

ख़र्मन (خرمن) फा. पुं.–बिना दाँयँ चलाया हुआ खलियान।

ख़र्या' (خریع) अ. पुं.–शश-शावक, खरगोश का बच्चा।

ख़र्राज़ः (خرازہ) अ. पुं.–ज़ोर की आवाज़ करके बहनेवाला पानी।

ख़र्राज़ (خراز) अ. वि.–चमड़ा सीनेवाला, जूता सीनवाला, मोची।

ख़र्रात (خراط) अ. वि.–ख़राद का काम करनेवाला, बढ़ई।

ख़र्राती (خراطی) अ. स्त्री.–ख़राद का काम।

ख़र्राद (خراد) फा. वि.–ख़राद का काम करनेवाला, लकड़ी पर रंदा फेरनेवाला।

ख़र्रादी (خرادی) फा. स्त्री.–ख़राद का काम, रंदे का काम।

ख़र्रास (خراس) अ. वि.–कुम्हार, कुंभकार।

ख़र्रास (خراص) अ. वि.–कूत करनेवाला, कूतनेवाला, तख़्मीनः करनेवाला; झूठा, मिथ्यावादी।

ख़र्श (خرش) अ. पुं.–छीलना; बच्चों के लिए रोटी कमाना, कमाई करना।

ख़र्स (خرس) अ. पुं.–घड़ा, कुंभ, मटका।

ख़र्स (خرص) अ. पुं.–खड़ी फ़सल का कूत करना; झूठ बोलना।

ख़लंज (خلنج) अ. पुं.–दे. 'ख़दंग'।

ख़लः (خلہ) फा. पुं.–नोकदार सीख; हर चुभनेवाली वस्तु; लम्बी लकड़ी जिससे नाव चलाते हैं, पतवार।

ख़ल[ल्ल] (خل) अ. पुं.–सिर्का, एक प्रसिद्ध खटास।

ख़लक़ (خلق) अ. पुं.—कपड़ों का पुराना होना; पुराना वस्त्र, पुराना लिबास।

ख़लक़ान (خلقان) अ. पुं.—पुराना लिबास, पुराना वस्त्र।

ख़लज (خلج) अ. पुं.—काम की थकन से जोड़ों का दर्द; आँख या किसी अन्य अंग का फड़कना।

ख़लजान (خلجان) अ. पुं.—दे. 'ख़ल्जान', शुद्ध यही है, परन्तु उर्दू में 'ख़ल्जान' ही बोलते हैं।

ख़लद (خلد) अ. पुं.—हृदय, मन, दिल; आत्मा, रूह।

ख़लफ़ (خلف) अ. पुं.—सुपुत्र, अच्छा लड़का, सपूत, (वि.) पीछे आनेवाला।

ख़लफ़ुर्रशीद (خلف الرشید) अ. पुं.—सपूत, अच्छा और नेक लड़का।

ख़लफ़ुस्सिद्क़ (خلف الصدق) अ. पुं.—दे. दो 'ख़लफ़ुर्रशीद'।

ख़लल (خلل) अ. पुं.—विघ्न, बाधा, अड़चन; हस्तक्षेप, दख़्लअंदाज़ी; विकार, ख़राबी।

ख़ललअंदाज़ (خلل انداز) अ. फ़ा. वि.—गड़बड़ी और बाधा डालनेवाला, विघ्नकर; हस्तक्षेप करनेवाला।

ख़ललअंदाज़ी (خلل اندازی) अ. फ़ा. स्त्री.—गड़बड़ करना, बाधा डालना; हस्तक्षेप करना।

ख़लले दिमाग़ (خلل دماغ) अ. पुं.—दिमाग़ की ख़राबी, बुद्धिदोष, पागलपन।

ख़ला (خلا) अ. पुं.—अंतरिक्ष, फ़िज़ाए आस्मानी; रिक्त होना, ख़ाली होना; अकेला होना, एकाकी होना; एकान्त में किसी के साथ आना।

ख़लाअत (خلاعت) अ. स्त्री.—माता-पिता की आज्ञा न मानना; बे सामान और परीशान होना; पापकर्म और दुराचार।

ख़लाइक़ (خلائق) अ. स्त्री.—'ख़लीक़:' का बहु., जनता, जनसाधारण, अवाम।

ख़लाइफ़ (خلائف) अ. पुं.—'ख़लीफ़:' का बहु. प्रतिनिधि लोग, जानशीन लोग।

ख़लाक़ (خلاق) अ. पुं.—किसी व्यक्ति में सद्‌गुणों की बहुतात।

ख़लाक़त (خلاقت) अ. स्त्री.—पुराना होना, जीर्णता।

ख़लाब: (خلابہ) अ. पुं. दे.—'ख़लाबत'।

ख़लाब (خلاب) अ. स्त्री.—कीचड़-पानी मिली हुई मिट्टी।

ख़लाबत (خلابت) अ. स्त्री.—किसी को बातों से मुग्ध कर लेना।

ख़लामला (خلاملا) अ. पुं.—गहरा मेलजोल, गहरा प्रेम-व्यवहार।

ख़लाश: (خلاشہ) फ़ा. पुं.—कूड़ा-करकट।

ख़लाश (خلاش) फ़ा. पुं.—कोलाहल, शोर-गुल।

ख़लाशाँ (خلاشاں) फ़ा. पुं.—'ख़लाश:' का बहु., कूड़ा-करकट, इसका अर्थ लिया जाता है; ईर्ष्यालु और विरोधी लोग।

ख़लास (خلاص) अ. पुं.—मुक्ति, छुटकारा, रिहाई, (वि.) मुक्त, रिहा, छुटकारा पाया हुआ, रिक्त।

ख़लासी (خلاصی) तु. स्त्री.—मुक्ति, छुटकारा, रिहाई।

ख़लिक़ (خلق) अ. पुं.—पुराना कपड़ा।

ख़लिफ़ (خلف) अ. स्त्री.—गाभिन ऊँटनियाँ।

ख़लिश (خلش) फ़ा. स्त्री.—चुभन, चुभने का भाव; दर्द की टीस; चिन्ता, फ़िक्र, उलझन।

ख़लीअ (خلیع) अ. पुं.—जुआरी और शिकारी जिनका दाँव ख़ाली जाय; अवज्ञाकारी और परेशान व्यक्ति; भेड़िया, वृक।

ख़लीउल इज़ार (خلیع العزار) अ. वि.—जिसकी बागडोर टूट गयी हो, स्वच्छंद, बे लगाम।

ख़लीक़: (خلیقہ) अ. पुं.—जन साधारण, जनता; संसार में उत्पन्न हर वस्तु, स्वभाव, प्रकृति, तबीअत।

ख़लीक़ (خلیق) अ. वि.—सुशील, सुष्ठु, मिलनसार, मुरव्वत-वाला।

ख़लीज (خلیج) अ. स्त्री.—नदी आदि की शाखा; खाड़ी, कुक्षि, समुद्र-कुक्षि।

ख़लीत (خلیط) अ. वि.—किसी संपत्ति के भागीदार; पति, शौहर; चचा का लड़का, चचाज़ाद भाई।

ख़लीफ़: (خلیفہ) अ. पुं.—प्रतिनिधि, नाइब, नुमाइंद:; किसी की अनुपस्थिति में उसके स्थान पर काम करनेवाला; हज़रत मुहम्मद साहिब के बाद उनका जानशीन।

ख़लीफ़ (خلیف) अ. पुं.—पीछे आनेवाला; दो पहाड़ों के बीच का मार्ग।

ख़लीफ़तुल मुस्लिमीन (خلیفۃ المسلمین) अ. पुं.—महम्मद साहिब के ख़लीफ़ाओं की उपाधि; मुसलमान शासकों की उपाधि।

ख़लीय: (خلیہ) अ. वि.—वह स्त्री जिसे तलाक़ दे दी गयी हो, विवाह-विच्छिन्ना; वह ऊँट जिसे छोड़ दिया गया हो।

ख़लील (خلیل) अ. वि.—मित्र, सखा, दोस्त।

ख़लीलुल्लाह (خلیل اللہ) अ. पुं.—ईश्वर का मित्र, 'हज़्रत इब्राहीम' की उपाधि।

ख़लीस (خلیص) अ. वि.—मिश्रित, मिला हुआ।

ख़लूक़ (خلوق) अ. पुं.—सुगंध, ख़ुशबू; एक प्रकार का सुगंधित मिश्रण।

ख़ल्अ (خلع) अ. पुं.—किसी अंग का अपने स्थान से विचलित हो जाना; पहने हुए वस्त्र उतारना; स्थान से हटना; किसी को ख़िल्अत देना।

ख़ल्एबदन (خلع بدن) अ. पुं.—दे. 'ख़ल्एरूह'।

ख़ल्एरूह (خلع روح) अ. पुं.–अपने प्राणों को किसी दूसरे के शरीर में डालना; प्राण का शरीर से निकाल देना।

ख़ल्क़ (خلق) अ. पुं.–सृष्टि करना, उत्पत्ति करना; उत्पत्ति, पैदाइश; उत्पन्न, पैदाशुदः; जनता, अवाम़।

ख़ल्क़ुल्लाह (خلق الله) अ. स्त्री.–ईश्वर की मख़्लूक़; प्राणी-वर्ग, जानदार; मानवजाति, जन साधारण।

ख़ल्ख़ाल (خلخال) अ. स्त्री.–नूपुर, अंदुक, पाज़ेब।

ख़ल्जान (خلجان) अ. पुं.–झगड़ा, बखेड़ा, खटखट; चिन्ता, फ़िक्र; दुबिधा, द्विधा, तज़ब्ज़ुब।

ख़ल्त (خلط) अ. पुं.–मिलाना, मिश्रित करना, मिश्रण।

ख़ल्तमल्त (خلطملط) तु. पुं.–मिला-जुला, मिश्रित; गड्डमड्ड, एक में मिला हुआ; प्रेम-व्यवहार, खिल्तमिल्त।

ख़ल्ते मब्हस (خلط مبحث) अ. पुं.–किसी एक प्रसंग के बीच दूसरा प्रसंग छेड़ देना; एक काम के बीच दूसरा काम उपस्थित कर देना।

ख़ल्फ़ (خلف) अ. पुं.–कपूत, बुरा लड़का, कुपुत्र; पीछा।

ख़ल्फ़िशार (خلفشار) फा. पुं.–गड़बड़, खलबली, अशांति; आपाधापी, अपनी-अपनी पड़ना; घबराहट।

ख़ल्लाक़ (خلاق) अ. वि.–बहुत अधिक उत्पन्न करनेवाला; सृष्टि को उत्पन्न करनेवाला, ईश्वर।

ख़ल्लुज (خلج) अ. पुं.–तुर्की का एक नगर।

ख़ल्वत (خلوت) अ. स्त्री.–जहाँ कोई दूसरा न हो, एकान्त, तन्हाई; स्त्री-पुरुष का एकान्तवास।

ख़ल्वतकदः (خلوت کده) अ. फा. पुं.–वह स्थान जहाँ कोई दूसरा न हो।

ख़ल्वतख़ानः (خلوت خانه) अ. फा. पुं.–दे. 'ख़ल्वतकदः'।

ख़ल्वतगाह (خلوتگاه) अ. फा. स्त्री.–दे. 'ख़ल्वतकदः'।

ख़ल्वतगुज़ीं (خلوت گزیں) अ. फा. वि.–सबसे अलग रहकर एकांत में वास करनेवाला, एकान्तवासी।

ख़ल्वतगुज़ीनी (خلوت گزینی) अ. फा. स्त्री.–सबसे अलग रहकर एकान्त में रहना।

ख़ल्वतदोस्त (خلوت دوست) अ. फा. वि.–अकेला जीवन व्यतीत करने में आनन्द प्राप्त करनेवाला, एकांतप्रिय।

ख़ल्वतनशीं (خلوت نشیں) अ. फा. वि.–दे. 'ख़ल्वतगुज़ीं'।

ख़ल्वतनशीनी (خلوت نشینی) अ. फा. स्त्री.–दे. 'ख़ल्वत-गुज़ीनी'।

ख़ल्वतपसंद (خلوت پسند) अ. फा. वि.–दे. 'ख़ल्वत दोस्त'।

ख़ल्वतपसंदी (خلوت پسندی) अ.फा. स्त्री.–अकेला जीवन व्यतीत करने में आनन्द लेना।

ख़ल्वतसरा (خلوت سرا) अ. फा. स्त्री.–दे. 'ख़ल्वतकदः'।

ख़ल्वतियाँ (خلوتیاں) अ. फा. पुं.–'ख़ल्वती' का बहु., एकान्त में वास करनेवाले; किसी एकांतवासी के पास आने-जानेवाले।

ख़ल्वती (خلوتی) अ. वि.–एकांत जीवन व्यतीत करने-वाला; किसी एकांत निवासी के पास आने-जानेवाला।

ख़ल्वते सहीह (خلوت صحیح) अ. स्त्री.–निकाह के बाद पुरुष और स्त्री का संभोगार्थ एकांत में रात काटना जहाँ कोई दूसरा प्राणी न हो।

ख़बर (خبر) अ. पुं.–आलस्य, सुस्ती; समाचार।

ख़वर्नक़ (خورنق) अ. पुं.–वह अद्भुत भवन जो नो'मान बिन मुंज़िर ने बह्रामगोर के लिए बनवाया था।

ख़वल (خول) अ. पुं.–'ख़ाइल' का बहु., ईश्वर के दिये हुए नौकर-चाकर और धन-संपत्ति आदि।

ख़वाक़ीन (خواقین) अ. पुं.–'ख़ाक़ान' का बहु., सम्राट् लोग।

ख़वातिफ़ (خواتف) अ. पुं.–'ख़ातिफ़:' का बहु., उचक ले जानेवाले, उड़ा ले जानेवाले; आपत्तियाँ, मुसीबतें, सद्मे।

ख़वातिम (خواتم) अ. पुं.–'ख़ातिमः' का बहु., ख़ातिमे।

ख़वातिर (خواطر) अ. पुं.–'ख़ातिर' का बहु., हृदय में आने-वाले विचार।

ख़वातीन (خواتین) अ. स्त्री.–'ख़ातून' का बहु., महिलाएँ, बड़े लोगों की स्त्रियाँ।

ख़वातीम (خواتیم) अ. पुं.–'ख़ातम' का बहु., अँगूठियाँ, मुहर करनेवाली अँगूठियाँ।

ख़वानीन (خوانین) अ. पुं.–'ख़ान' का बहु., 'ख़ान' की उपाधि रखनेवाले लोग; बड़े-बड़े सरदार।

ख़वाफ़ी (خوافی) अ. पुं.–'ख़ाफ़ियः' का बहु., पेड़ के तने के पासवाली शाखाएँ; पक्षी के नीचेवाले पर।

ख़वारिक़ (خوارق) अ. पुं.–'ख़ारिक़:' का बहु., वह आचार-व्यवहार जो दूसरे व्यक्तियों के लिए आश्चर्यजनक हों।

ख़वारिज (خوارج) अ. पुं.–'ख़ारिजी' का बहु., 'ख़ारिजी' सम्प्रदाय के व्यक्ति जो हज़रत अली को बुरा जानते और कहते हैं।

ख़वास (خواص) अ. पुं.–'ख़ास' का बहु., ख़ास लोग, मुख्य लोग; 'ख़ास्सः' का बहु., गुण, धर्म, ख़ासियतें, (स्त्री) शाहीमहल की वह दासी जो बादशाह के पास एकांत में आती-जाती हो।

ख़वासी (خواصی) अ. स्त्री.–मुसाहिबत, ख़िदमतगारी, उच्च सेवाकार्य, राजसेवा।

ख़वीद (خوید) फा. पुं.–गेहूँ या जौ का हरा पेड़ जिसे भूनकर दाने चबाते हैं।

ख़व्वान (خوان) अ. वि.–बहुत अधिक ख़ियानत करनेवाला।

ख़व्वास (خواص) अ. वि.–थैले बनानवाला; खजूर की चटाइयाँ बनाने और बेचनेवाला।

ख़शन (خشن) फ़ा. पुं.–पलास, टाट, मोटा कपड़ा।

ख़शब (خشب) अ. पुं.–लकड़ी, इमारती लकड़ी; ईंधन, जलाने की लकड़ी।

ख़शम (خشم) अ. पुं.–मांस सड़ जाना; नाक के नथन चौड़े हो जाना; नाक में रोग से दुर्गन्ध उत्पन्न होना।

ख़शिन (خشن) अ. वि.–खुरदरा, खुर्रा, (पुं.) एक पीड़ा जिससे शरीर की त्वचा खुरदरी हो जाती है।

ख़शी (خشی) अ. स्त्री.–डरना, भय करना।

ख़शीयत (خشیت) अ. स्त्री.–डर, ख़ौफ़, भय, त्रास।

ख़श्ख़शः (خشخشہ) अ. पुं.–काग़ज़ अथवा नये कपड़ों का शब्द।

ख़श्ख़ाश (خشخاش) अ. स्त्री.–पोस्त का दाना, खशखश, (वि.) सशक्त व्यक्ति, मुसल्लह।

ख़श्फ़ (خشف) अ. पुं.–हिलना, झूमना; पूछना, जानना; पत्थर से सर टकराना, सर फोड़ना।

ख़श्ब (خشب) अ. पुं.–किसी चीज़ में से दूसरी चीज़ छाँटना; किसी चीज़ में दूसरी चीज़ मिलाना।

ख़श्म (خشم) फ़ा. पुं.–क्रोध, कोप, रोष, गुस्सा, दे. 'ख़िश्म', दोनों शुद्ध हैं।

ख़श्म (خشم) अ. पुं.–नथने का टूट जाना।

ख़श्मगीं (خشمگیں) अ. फ़ा. वि.–रोष से भरा हुआ, क्रोधातुर, प्रकुपित।

ख़श्मनाक (خشمناک) अ. फ़ा. वि.–दे. 'ख़श्मगीं'।

ख़श्शाम (خشام) अ. वि.–बहुत बड़ी नाकवाला व्यक्ति, जिसके नथने बहुत उठे हों।

ख़स (خس) फ़ा. स्त्री.–सूखी घास; एक सुगंधित जड़, उशीर; फूस, गाडर।

ख़स [स्स] (خس) अ. पुं.–कम करना; कंजूस होना; काहू, एक पेड़।

ख़सक (خسک) फ़ा. पुं.–गोखरू, गोक्षुर; लोहे के गोखरूनुमा काँटे।

ख़सख़ानः (خس خانہ) फ़ा. पुं.–खस का मकान, झोंपड़ा।

ख़सपोश (خس پوش) फ़ा. वि.–घास से ढँका हुआ, घास से पाटा हुआ।

ख़साइल (خصائل) अ. पुं.–'ख़स्लत' का बहु., अच्छे स्वभाव, कभी बुरे स्वभावों के लिए भी आता है।

ख़साइस (خسائس) अ. पुं.–'ख़सीसः' का बहु., नीचताएँ, कमीनगियाँ; बुराइयाँ, निकृष्टताएँ।

ख़साइस (خصائص) अ. पुं.–'ख़सीसः' का बहु., विशेषताएँ, ख़ुसूसियतें।

ख़सारः (خسارہ) अ. पुं.–हानि, क्षति, नुक़सान।

ख़सारत (خسارت) अ. स्त्री.–हानि, नुक़सान; हत्या, हलाकी; कुमार्ग-गमन, गुमराही।

ख़सासः (خصاصہ) अ. पुं.–दरिद्रता, कंगाली; संन्यास, दरवेशी।

ख़सासत (خساست) अ. स्त्री.–कृपणता, कंजूसी; नीचता, अधमता, कमीनगी।

ख़सीन (خصین) अ. वि.–छोटा, लघु, (पुं.) कुल्हाड़ी।

ख़सीफ़ (خسیف) अ. पुं.–पथरीली ज़मीन में खोदा हुआ कुवाँ, जिसका पानी कभी कम न होता हो।

ख़सीम (خصیم) अ. वि.–शत्रु, दुश्मन।

ख़सीसः (خصیصہ) अ. स्त्री.–स्वभाव, प्रकृति, आदत।

ख़सीसः (خسیسہ) अ. स्त्री.–अधमता, नीचता, कमीनगी; निकृष्टता, बुराई।

ख़सीस (خسیس) अ. वि.–कृपण, नद्धन, व्ययकुंठ, बद्धमुष्टि, कंजूस; पामर, अधम, नीच, कमीना।

ख़सूर (خسور) अ. वि.–जिसे घाटा आया हो, दिवालिया।

ख़सूस (خصوص) अ. पुं.–दे. 'ख़ुसूस', दोनों शुद्ध हैं।

ख़सूसीयत (خصوصیت) अ. स्त्री.–दे. 'ख़ुसूसीयत', दोनों शुद्ध हैं।

ख़स्तः (خستہ) फ़ा. वि.–क्षत, घायल, ज़ख़्मी; दुर्दशाग्रस्त, बदहाल; श्रान्त, क्लान्त, थका हुआ; भुरभुरा, जिसमें खस्तापन हो, (पुं.) गुठली, फल का बीज।

ख़स्तःख़ानः (خستہ خانہ) फ़ा. पुं.–ज़ख़्मियों का चिकित्सालय।

ख़स्तःजाँ (خستہ جاں) फ़ा. वि.–दे. 'ख़स्तःदिल'।

ख़स्तःजानी (خستہ جانی) फ़ा. स्त्री.–दे. 'ख़स्तःदिली'।

ख़स्तःजिगर (خستہ جگر) फ़ा. वि.–दे. 'ख़स्तःदिल'।

ख़स्तःजिगरी (خستہ جگری) फ़ा. स्त्री.–दे. 'ख़स्तःदिली'।

ख़स्तःतन (خستہ تن) फ़ा. वि.–जिसका तमाम शरीर घायल हो; जिसका शरीर थका हुआ हो।

ख़स्तःतनी (خستہ تنی) फ़ा. स्त्री.–सारे शरीर का घायल होना; शरीर का थका हुआ होना।

ख़स्तःदिल (خستہ دل) फ़ा. वि.–जिसका हृदय घायल हो, क्षत-हृदय; जिसका मन दुखी हो, दुःखितहृदय; प्रेमी, आशिक़।

ख़स्तःदिली (خستہ دلی) फ़ा. स्त्री.–हृदय का घायल होना; मन का दुःखी होना।

ख़स्तःहाल (خستہ حال) फ़ा. अ. वि.–जिसका हाल दुःख से पतला हो, दुःखितहृदय, जिसकी आर्थिक दशा ख़राब हो, दरिद्र, अकिंचन।

ख़स्तःहाली (خستہ‌حالی) फ़ा. अ. स्त्री.–दुःख से हाल पतला होना; दरिद्र होना, निर्धन होना, कंगाल होना।

ख़स्तएग़म (خستۂ غم) फ़ा. अ. वि.–दुःख से बदहाल; प्रेम के रोग से पीड़ित।

ख़स्तगी (خستگی) फ़ा. स्त्री.–शिथिलता, थकन; घायल होने का भाव; भुरभुरापन।

ख़स्फ़ (خسف) अ. पुं.–किसी को भूमि का निगलना; चांद को ग्रहण लगना; आँखों का गढ़े में बैठ जाना।

ख़स्फ़ (خصف) अ. पुं.–ना'ल ठोंकना; एक वस्तु को दूसरी में जोड़ना और चिपकाना।

ख़स्म (خصم) अ. पुं.–शत्रु, बैरी, दुश्मन; स्वामी, मालिक, पति।

ख़स्मानः (خصمانہ) अ. फ़ा. पुं.–देख-रेख, देख-भाल।

ख़स्ल (خصل) अ. पुं.–वह धन जो जुए के दाँव में एक बार रखा जाय।

ख़स्लत (خصلت) अ. स्त्री.–स्वभाव, प्रकृति, आदत; धर्म, गुण, ख़ासियत।

ख़स्साफ़ (خصاف) अ. वि.–ना'ल जड़नेवाला, ना'लबंद; मिथ्यावादी, झूठा।

ख़ह (خہ) फ़ा. अव्य.–अहो, वाह।

ख़ह ख़ह (خہ خہ) फ़ा. अव्य.–वाह वाह, साधु साधु।

ख़हे (خہے) फ़ा. अव्य.–वाह, अहो, साधु।

ख़ा

ख़ाँ (خاں) फ़ा. पुं.–'ख़ान' का लघु., दे. 'ख़ान'।

ख़ाँ बहादुर (خاں بہادر) फ़ा. तु. पुं.–अंग्रेजी राज के समय की एक उपाधि जो वह अपने मुसलमान भक्तों को दिया करता था।

ख़ा (خا) फ़ा. प्रत्य.–खानेवाला; जैसे—'शकरख़ा' शकर खानेवाला।

ख़ाइन (خائن) अ. वि.–बददियानत, रुपये-पैसे में ख़ुर्द-बुर्द करनेवाला, व्यवहारानिष्ठ।

ख़ाइफ़ (خائف) अ. वि.–भयभीत, त्रस्त, डरा हुआ; डरनेवाला।

ख़ाइब (خائب) अ. वि.–हताश, निराश, नाउम्मीद; वंचित, विहीन, महरूम।

ख़ाइल (خائل) अ. वि.–किसी वस्तु की चौकसी करनेवाला; टहलनेवाला।

ख़ाईदः (خائیدہ) फ़ा. वि.–चबाया हुआ, चर्वित; खाया हुआ, भुक्त।

ख़ाईदनी (خائیدنی) फ़ा. वि.–चबाने योग्य; खाने योग्य।

ख़ाकः (خاکہ) फ़ा. पुं.–रेखाचित्र, तस्वीर का ढाँचा; किसी कार्यादि का ढाँचा, रूपरेखा; किसी कहानी आदि का प्लाट, कथावस्तु; किसी कार्यविशेष का प्लाट।

ख़ाक (خاک) फ़ा. स्त्री.–धूलि, रज, गर्द; मृत्तिका, मिट्टी; भूमि, ज़मीन।

ख़ाकअंदाज़ (خاک‌انداز) फ़ा. पुं.–कूड़ा-करकट डालने का पात्र, कूड़ाख़ाना; किसी चीज़ के खो जाने पर शंकित लोगों से धूल फिकवाने की क्रिया, ताकि वह धूल में मिलाकर चीज़ फेंक दें और किसी को निंदित न होना पड़े।

ख़ाकआमेज़ (خاک‌آمیز) फ़ा. वि.–मिट्टी मिला हुआ, जिस वस्तु में मिट्टी मिली हो।

ख़ाकआलूद (خاک‌آلود) फ़ा. वि.–मिट्टी में लथड़ा हुआ, मिट्टी में सना हुआ, मिट्टी या धूल लगा हुआ।

ख़ाकज़ाद (خاک‌زاد) फ़ा. वि.–मिट्टी से उत्पन्न, मनुष्य और दूसरे प्राणी।

ख़ाकदान (خاکدان) फ़ा. पुं.–कूड़ा डालने का स्थान, कूड़ाघर; संसार, जगत्, दुनिया।

ख़ाकदाने देव (خاکدان دیو) फ़ा. पुं.–संसार, दुनिया।

ख़ाकनशीं (خاک‌نشیں) फ़ा. वि.–भूमि पर बैठनेवाला, विनम्र, विनीत; दीन, दुखी, लाचार।

ख़ाकनशीनी (خاک‌نشینی) फ़ा. स्त्री.–विनम्रता, विनति, ख़ाकसारी; दीनता, हीनता, लाचारी।

ख़ाकनाए (خاکنائے) फ़ा. पुं.–पानी का वह तंग हिस्सा जो पृथ्वी के दो भागों को अलग करता है।

ख़ाकनिहाद (خاک‌نہاد) फ़ा. वि.–दे. 'ख़ाकी निहाद'।

ख़ाकबसर (خاک‌بسر) फ़ा. वि.–सर पर ख़ाक डालता हुआ, धूल उड़ाता हुआ, शोक से रोता-पीटता हुआ।

ख़ाकबाज़ (خاک‌باز) फ़ा. वि.–धूल-मिट्टी उड़ानेवाला, मिट्टी से खेलनेवाला।

ख़ाकबेज़ (خاک‌بیز) फ़ा. वि.–ख़ाक छाननेवाला; न्यारिया, जो मिट्टी में से सोना-चाँदी निकालता है।

ख़ाकबेज़ी (خاک‌بیزی) फ़ा. स्त्री.–ख़ाक छानना; न्यारा कमाना, न्यारिये का काम करना।

ख़ाकरोबः (خاک‌روبہ) फ़ा. पुं.–झाड़ू से झड़ा हुआ कूड़ा-करकट।

ख़ाकरोब (خاکروب) फ़ा. वि.–झाड़ू लगानेवाला, झाड़नेवाला; मेहतर, भंगी।

ख़ाकरोबी (خاکروبی) फ़ा. स्त्री.–झाड़ू लगाने का काम; मेहतर का काम।

ख़ाकशी (خاکشی) फ़ा. स्त्री.–एक बहुत ही महीन दाने जो दवा में काम आते हैं।

ख़ाकसार (خاکسار) फा. वि.–विनम्र, विनीत, आजिज़; बोलनेवाला इस शब्द का प्रयोग अपने लिए भी करता है।

ख़ाकसारी (خاکساری) फा. स्त्री.–विनम्रता, विनति, आजिज़ी।

ख़ाक़ान (خاقان) तु. पुं.–सम्राट्, महाराज, शहनशाह; तुर्की शासकों की उपाधि; चीनी शासकों की उपाधि।

ख़ाकिस्तर (خاکستر) फा. स्त्री.–राख, भस्म; जली हुई वस्तु का अवशेष।

ख़ाकिस्तरी (خاکستری) फा. स्त्री.–मटमैला रंग; मटमैले रंग का।

ख़ाकी (خاکی) फा. वि.–मिट्टी से सम्बन्धित; मिट्टी का बना हुआ, मृण्मय; ख़ाकी रंग।

ख़ाकी निहाद (خاکی نہاد) फा. वि.–जिसकी रचना मिट्टी से हुई हो; प्राणिवर्ग; मनुष्य।

ख़ाके अंगेख़्तः (خاک انگیختہ) फा. स्त्री.–पृथ्वी, भूगोल।

ख़ाके जिगरगीर (خاک جگرگیر) फा. स्त्री.–ऐसा स्थान जहाँ से मन कहीं और जाने को न करे।

ख़ाके पा (خاک پا) फा. स्त्री.–पाँव की धूल, पदरज, पदार; बोलनेवाला बड़े आदमी से संबोधन करते हुए अपने को भी कहता है।

ख़ाके फ़रामोशाँ (خاک فراموشاں) फा. स्त्री.–समाधि-क्षेत्र, क़ब्रिस्तान।

ख़ाके मुरक्कब (خاک مرکب) फा. अ. स्त्री.–प्राणिवर्ग, वनस्पतिवर्ग और पाषाणवर्ग का समाहार।

ख़ाके मुर्दः (خاک مردہ) फा. स्त्री.–ऐसी भूमि जिसमें कुछ उत्पन्न न हो, ऊसर, बंजर।

ख़ाके शिफ़ा (خاک شفا) फा. अ. स्त्री.–रोगमुक्त करनेवाली मिट्टी, किसी महात्मा या वली के द्वार की धूल; करबला की मिट्टी जिसकी मालाएँ आदि बनती हैं।

ख़ाके सियाह (خاک سیاہ) फा. स्त्री.–जलकर काली राख बना हुआ, भस्मसात्, भस्मीभूत।

ख़ाग (خاگ) फा. पुं.–मुर्ग़ी का अंडा।

ख़ागीनः (خاگینہ) फा. पुं.–अंडों का आमलेट।

ख़ाज़ः (خازہ) फा. पुं.–सनी हुई मिट्टी जो दीवारों पर लेसी जाती है।

ख़ाज (خاج) अ. स्त्री.–ईसाइयों की सलीब, क्रास।

ख़ाजनः (خازنہ) फा. स्त्री.–साली, पत्नी की बहन।

ख़ाज़िक़ (خازق) अ. पुं.–निशाने पर लगा हुआ तीर।

ख़ाज़िन (خازن) अ. वि.–ख़ज़ानची, कोषाध्यक्ष।

ख़ाज़े' (خاضع) अ. वि.–विनम्रता और विनती करनेवाला, विनम्र, सुशील।

ख़ात (خات) फा. स्त्री.–चील, चिल्ल, एक प्रसिद्ध पक्षी।

ख़ातम (خاتم) अ. स्त्री.–अँगूठी, मुद्रा; मोहर लगाने की अँगूठी।

ख़ातमकार (خاتمکار) अ. फा. वि.–वह व्यक्ति जो हाथी-दाँत आदि के बेलबूटे बनाकर लकड़ी आदि में जड़ता है।

ख़ातमकारी (خاتمکاری) अ. फा.–हाथी-दाँत या दूसरी वस्तु के बेलबूटे बनाकर लकड़ी आदि में जड़ने का काम।

ख़ातमबंद (خاتم بند) अ. फा. दे.–'ख़ातमकार'।

ख़ातमबंदी (خاتم بندی) अ. फा. स्त्री. दे.–'ख़ातमकारी'।

ख़ातिफ़ (خاطف) अ. वि.–उचक ले जानेवाला, उड़ा ले जानेवाला; आँखों की ज्योति उड़ा ले जानेवाला।

ख़ातिब (خاطب) अ. वि.–वह पुरुष जो स्त्री की चाह में हो; वह स्त्री जो पुरुष की चाह में हो; दामाद।

ख़ातिमः (خاتمہ) अ. पुं.–अन्त, अख़ीर; परिणाम, अंजाम; मृत्यु, मौत।

ख़ातिमःबिलख़ैर (خاتمہ بالخیر) अ. पुं.–सद्गति-लाभ मोक्ष-प्राप्ति, नजात का हुसूल।

ख़ातिम (خاتم) अ. वि.–ख़त्म करनेवाला, समाप्त करनेवाला; सबके पीछेवाला, बादवाला।

ख़ातिर (خاطر) अ.स्त्री.–वह विचार जो मन में उत्पन्न हो; हृदय, मन, दिल; सम्मान, सत्कार, तवाज़ो'; लिहाज़। आदर; लिए, वास्ते, निमित्त।

ख़ातिरख़्वाह (خاطرخواہ) अ. फा. वि.–मनचाहा, मनोवांछित।

ख़ातिरदार (خاطردار) अ. फा. वि.–आदर-सत्कार करनेवाला, आव-भगत करनेवाला।

ख़ातिरदारी (خاطرداری) अ. फा. स्त्री.–आवभगत, आदर-सत्कार, ख़ातिर-तवाज़ो।

ख़ातिरन् (خاطراً) अ. वि.–दिल रखने के लिए।

ख़ातिरनशाँ (خاطرنشاں) अ. फा. वि.–दे. 'ख़ातिरनशीं', वही शुद्ध है।

ख़ातिरनशीं (خاطرنشیں) अ.फा. वि.–हृदय में जमनेवाली बात, बोधगम्य, हृदयंगम।

ख़ाती (خاطی) अ.वि.–जान-बूझकर अपराध करनेवाला।

ख़ातून (خاتون) तु. स्त्री.–सभ्य और शिष्ट स्त्री, महिला।

ख़ातूने अरब (خاتون عرب) तु. अ. स्त्री.–का'बः।

ख़ातूने ख़ानः (خاتون خانہ) तु. फा. स्त्री.–घर में रहनेवाली स्त्री, गृहिणी, गृहस्वामिनी, धर्मपत्नी, मनकूहा बीबी, चिराग़ेख़ानः।

ख़ातूने फ़लक (خاتون فلک) तु.अ.स्त्री.–सूर्य, रवि, सूरज।

ख़ातूने महफ़िल (خاتون محفل) तु. अ. स्त्री.–सबके सामने

आनेवाली और सबसे मिलनेवाली स्त्री, सोसाइटी गर्ल, शमए-अंजुमन।

ख़ातूने यग़मा (خاتون یغما) तु. स्त्री.–सूर्य, रवि, सूरज।

ख़ाद (خاد) फा. स्त्री.–दे. 'ख़ात'।

ख़ादिमः (خادمہ) अ.स्त्री.–दासी, परिचारिका, नौकरानी।

ख़ादिम (خادم) अ. वि.–दास, सेवक, नौकर।

ख़ादिमुलख़ुद्दाम (خادم الخدام) अ. वि.–नौकरों का नौकर, दासानुदास, बहुत ही तुच्छ।

ख़ादे' (خادع) अ. वि.–धोखा देनेवाला, छली, मक्कार।

ख़ानः (خانہ) फा. पुं.–गृह, गेह, घर; संदूक़ आदि का ख़ाना; रजिस्टर आदि का ख़ाना; जन्मकुंडली आदि का घर; छेद, विवर।

ख़ान:आबाद (خانہ آباد) फा. वा.–घर आबाद रहे, एक आशीर्वाद।

ख़ान:आबादाँ (خانہ آباداں) फा.अ.वि.–वह व्यक्ति जो बहुत अधिक परिश्रम करता हो; निडर और बेधड़क आदमी।

ख़ान:आबादी (خانہ آبادی) फा. स्त्री.–विवाह, ब्याह, शादी।

ख़ान:कन (خانہ کن) फा. वि.–घरबार नष्ट कर देनेवाला व्यक्ति, धन-संपत्ति उड़ा डालनेवाला, कुपूत, कुलघातक।

ख़ान:कनी (خانہ کنی) फा. स्त्री.–घरबार तबाह कर देना, धन में आग लगा देना, कपूतपन।

ख़ान:ख़राब (خانہ خراب) फा. वि.–जिसका घरबार और धन आदि सब नष्ट हो गया हो; अभागा, भाग्यहीन, बदनसीब।

ख़ान:ख़राबी (خانہ خرابی) फा.अ. स्त्री.–घरबार और धन-दौलत का नाश; अभागापन, भाग्यहीनता, बदक़िस्मती।

ख़ान:ख़्वाह (خانہ خواہ) फा. वि.–मुसाफ़िर के जान-पहचान का घर जहाँ वह उतरे।

ख़ान:जंगी (خانہ جنگی) फा. स्त्री.–किसी देश के भीतर की आपसी लड़ाई, अंत:कलह, गृह-युद्ध।

ख़ान:ज़ाद (خانہ زاد) फा. वि.–घर में उत्पन्न, घर का पैदा हुआ; घर की लौंडी से उत्पन्न, दासीपुत्र, इस शब्द का प्रयोग वक्ता अपने लिए भी करता है।

ख़ान:तलाशी (خانہ تلاشی) फा. तु. स्त्री.–पुलिस आदि की ओर से घर की तलाशी।

ख़ान:दामाद (خانہ داماد) फा. पुं.–वह दामाद जो अपना घर छोड़कर सुसराल में रहे।

ख़ान: दामादी (خانہ دامادی) फा. स्त्री.–दामाद का अपना घर छोड़कर सुसराल में रहना; दामाद से सुसराल में रहने की शर्त पर शादी करना।

ख़ान:दार (خانہ دار) फा. वि.–गृहस्थ, घरेलू जीवन व्यतीत करनेवाला; घर का स्वामी; घर का व्यक्ति; द्वारपाल, दरबान।

ख़ान:दारी (خانہ داری) फा. स्त्री.–घर-गृहस्थी का जंजाल, घरेलू जीवन।

ख़ान:नशीं (خانہ نشیں) फा. वि.–सांसारिक विषय-वासनाओं से निवृत्त होकर एकान्त में रहनेवाला।

ख़ान:नशीनी (خانہ نشینی) फा. स्त्री.–संसार के झगड़ों से मुक्त होकर एकान्त में जीवन व्यतीत करना।

ख़ान:पुरी (خانہ پری) फा. स्त्री.–किसी फ़ार्म या रजिस्टर के ख़ानों का भरना; केवल दिखाने या छूछा उतारने के लिए बेदिली से कोई कार्य करना।

ख़ान:बख़ानः (خانہ بخانہ) फा. वि.–घर-घर, हर घर में।

ख़ान:बदोश (خانہ بدوش) फा. वि.–घर का सामान साथ रखकर, इधर-उधर जीवन बितानेवाला, संचारजीवी।

ख़ान:बदोशी (خانہ بدوشی) फा. स्त्री.–इधर-उधर घूम-फिरकर जीवन बिताना।

ख़ान:बरंदाज़ (خانہ برانداز) फा. वि.–घर को विनष्ट करनेवाला, गृह-घातक।

ख़ान: बरअंदाज़ (خانہ برانداز) फा. वि.–दे. 'ख़ान: बरंदाज़', दोनों शुद्ध हैं।

ख़ान:बरबाद (خانہ برباد) फा. वि.–दे. 'ख़ान:ख़राब'।

ख़ान:बरबादी (خانہ بربادی) फा. स्त्री.–दे. 'ख़ान:ख़राबी'।

ख़ान:बाग़ (خانہ باغ) फा. पुं.–वह बाग़ जो घर से मिला हो, गृहवाटिका, गृहोद्यान, पाईंबाग़।

ख़ान:बुस्ताँ (خانہ بستاں) फा. पुं.–दे. 'ख़ान:बाग़'।

ख़ान:रस (خانہ رس) फा. वि.–घर में पकाया हुआ फल, पाल का मेवा।

ख़ान:वीराँ (خانہ ویراں) फा. वि.–दे. 'ख़ान:ख़राब'।

ख़ान:वीरानी (خانہ ویرانی) फा. स्त्री.–दे. 'ख़ान:ख़राबी'।

ख़ान:शुमार (خانہ شمار) फा. वि.–घरों की गिनती करनेवाला।

ख़ान:शुमारी (خانہ شماری) फा. स्त्री.–घरों की गिनती।

ख़ान:साज़ (خانہ ساز) फा. वि.–घर का बना हुआ, घर की बनी हुई वस्तु, गृह-निर्मित।

ख़ान:सियाह (خانہ سیاہ) फा. वि.–अभागा, बदनसीब; कृपण, कंजूस।

ख़ान:सोज़ (خانہ سوز) फा. वि.–घर की संपत्ति फूंक डालनेवाला, घर को नष्ट कर देनेवाला।

ख़ान:सोज़ी (خانہ سوزی) फा. स्त्री.–घर की संपत्ति नष्ट कर देना, घर बरबाद कर देना।

ख़ान (خان) तु. पुं.—अध्यक्ष, अमीर, सरदार; बहुत बड़ा और प्रतिष्ठित व्यक्ति।

ख़ान (خان) फा. पुं.—'ख़ानः' का लघु., जो यौगिक शब्दों में व्यवहृत है, जैसे—'ख़ानमाँ'; पठान, काबुली।

ख़ानए ख़ुदा (خانۂ خدا) फा. पुं.—ईश्वर का घर, उपासनालय, मस्जिद।

ख़ानए ख़ुर्शीद (خانۂ خرشید) फा. पुं.—सिंहराशि, बुर्जे असद।

ख़ानए चश्म (خانۂ چشم) फा. पुं.—वह गढ़ा जिसमें आँख का ढेला रहता है; आँखरूपी घर, जिसमें प्रेमिका का निवास होता है।

ख़ानए तीर (خانۂ تیر) फा. पुं.—मिथुन राशि, बुर्जे जौज़ा।

ख़ानए दिल (خانۂ دل) फा. पुं.—हृदयरूपी घर, हृद्देश, जिसमें प्रेयसी का निवास रहता है।

ख़ानए बेतकल्लुफ़ (خانۂ بے تکلف) फा. अ. पुं.—ऐसा घर जहाँ तकल्लुफ़ न करना पड़े।

ख़ानए माही (خانۂ ماهی) फा. पुं.—नदी तालाब आदि, जहाँ मछलियाँ रहती हों।

ख़ानक़ाह (خانقاه) फा. स्त्री.—फ़क़ीरों और साधुओं के रहने का स्थान, आश्रम।

ख़ानगी (خانگی) फा. वि.—निजी, ज़ाती; घरेलू, घर-गृहस्थी सम्बन्धी, (स्त्री) वह घरेलू स्त्री जो व्यभिचारिणी हो, विना ब्याही स्त्री जो घर में स्त्री की तरह रख ली गयी हो, उपपत्नी, रखेली, रखैल, बैठाली स्त्री।

ख़ानदान (خاندان) फा. पुं.—वंश, कुल, परिवार, घराना।

ख़ानदानी (خاندانی) फा. वि.—ख़ानदान का, वंश सम्बन्धी; वंश का व्यक्ति, स्वजन, अज़ीज़; कुलीन, शरीफ़, (व्यंग) अकुलीन, दोग़ला।

ख़ानम (خانم) तु. स्त्री.—ख़ान की स्त्री; बड़े घर की स्त्री, महिला।

ख़ानवादः (خانواده) फा. पुं.—वंश, कुल, ख़ानदान।

ख़ानसामाँ (خانساماں) फा. पुं.—खाने की मेज़ या दस्तरख़्वान का प्रबंध करनेवाला; बावरची, रसोइया।

ख़ानिक़ (خانق) अ. वि.—गला घोंटनेवाला, गला घोंटकर मार डालनेवाला।

ख़ानी (خانی) फा. वि.—छोटा हौज़।

ख़ाने' (خانع) अ. वि.—दुराचारी, बदकार; बुरा विचार रखनेवाला, बदगुमान।

ख़ानोमाँ (خان ومان) फा. पुं.—गृहस्थी का सामान, गृह-सामग्री।

ख़ान्माँ (خانماں) फा. पुं.—दे. 'ख़ानोमाँ'।

ख़ान्माँख़राब (خانماں خراب) फा. वि.—दे. 'ख़ानःख़राब'।

ख़ान्माँबरबाद (خانماں برباد) फा. वि.—दे. 'ख़ानःबरबाद'।

ख़ाफ़िक़ैन (خافقین) अ. पुं.—पूरब और पच्छिम।

ख़ाफ़िज़ः (خافضه) अ. स्त्री.—वह स्त्री जो स्त्रियों के ख़त्ने करे।

ख़ाफ़िज़ (خافض) अ. वि.—नीचे लानेवाला, पस्त करनेवाला; अक्षर पर 'ज़ेर' देनेवाला; ईश्वर का एक नाम, जिसका अर्थ है, अत्याचारियों को अपमानित करनेवाला।

ख़ाफ़ियः (خافیه) अ. वि.—दिया हुआ, गुप्त।

ख़ाबियः (خابیه) अ. पुं.—सिर्का आदि रखने की मटकी, मर्तबान।

ख़ाबूर (خابور) अ. पुं.—एक घास; एक चश्मा; एक गाँव।

ख़ामः (خامه) फा. पुं.—लेखनी, क़लम।

ख़ामःफ़र्सा (خامه فرسا) फा. वि.—क़लम घिसनेवाला, अर्थात् लिखनेवाला, ख़ामःबर्दार, लेखक, राइटर।

ख़ामःफ़र्साई (خامه فرسائی) फा. स्त्री.—लिखना, तहरीर करना, ख़ामःबर्दारी, लेखन-कार्य।

ख़ाम (خام) फा. वि.—कच्चा, अपरिपक्व; असंस्कृत; नातज्रिबःकार, अनुभवहीन; ख़ालिस, निष्केवल; कच्ची शराब।

ख़ाम [म्म] (خام) अ. पुं.—सड़ा हुआ मांस।

ख़ामअक़्ल (خام عقل) फा. वि.—जिसकी समझ-बूझ कच्ची हो, अपरिपक्वमति; नातज्रिबःकार, अननुभवी।

ख़ामअक़्ली (خام عقلی) फा. अ. स्त्री.—समझ-बूझ का कच्चापन; नातज्रिबःकारी, अनुभवहीनता।

ख़ामकार (خام کار) फा. वि.—मिथ्या कार्य करनेवाला, मिथ्याकारी; अननुभवी।

ख़ामकारी (خام کاری) फा. स्त्री.—मिथ्या काम करना; अनुभवहीनता।

ख़ामख़याल (خام خیال) फा. अ.—मूर्ख, बेवुक़ूफ़; जिसकी विचारधारा ठीक न हो; जो ठीक बात को ग़लत समझे; कच्चा विचार, ग़लत विचार।

ख़ामख़याली (خام خیالی) फा. अ. स्त्री.—मूर्खता; ठीक बात को गलत समझना; विचार ठीक न होना।

ख़ामख़ू (خام خو) फा. वि.—नादान, मूर्ख; नातज्रिबःकार, अननुभवी।

ख़ामचर्म (خام چرم) फा. वि.—मनुष्य की देह, इंसानी जिस्म।

ख़ामतब्अ (خام طبع) फा. अ. वि.—नासमझ, मंदमति।

ख़ामतब्ई (خام طبعی) फा. अ. स्त्री.—नासमझी।

ख़ामतमा' (خام طمع) फा. अ. वि.—लालची, लोभी, लोलुप।

ख़ामदस्त (خام دست) फ़ा. वि.—जिसे काम का अभ्यास न हो, अनभ्यस्त; फ़ज़ूलख़र्च, अपव्ययी, अननुभवी।

ख़ामदस्ती (خام دستی) फ़ा. स्त्री.—काम का अनभ्यास, अनाड़ीपन; फ़ज़ूलख़र्ची, अपव्यय; अननुभव।

ख़ामपारः (خام پارہ) फ़ा. स्त्री.—(गाली) वह स्त्री जिसका कौमार्य नष्ट हो गया हो, क्षतयोनि; व्यभिचारिणी, छिनाल।

ख़ामरीश (خام ریش) फ़ा. वि.—मूर्ख, घामड़, बुद्धू; विदूषक, मस्ख़रा।

ख़ामसोज़ (خام سوز) फ़ा. वि.—वह पदार्थ जो ऊपर से जल गया हो, परन्तु भीतर कच्चा हो।

ख़ामसोज़ी (خام سوزی) फ़ा. स्त्री.—ऊपर से जल जाना और भीतर कच्चा रहना।

ख़ामिल (خامل) अ. वि.—ऐसा व्यक्ति जिसे कोई याद न करे, गुमनाम, तुच्छ।

ख़ामिस (خامس) अ. वि.—पाँचवाँ, पंचम।

ख़ामी (خامی) फ़ा. स्त्री.—कच्चापन, अपरिपक्वता; नातज्रिब:कारी, अनुभवहीनता।

ख़ामुशी (خامشی) फ़ा. स्त्री.—'ख़ामोशी' का लघु., दे. 'ख़ामोशी'

ख़ामोश (خاموش) फ़ा. वि.—चुप, निर्वाक्, नीरव, अवाक्, मौन; शान्त, साकिन।

ख़ामोशी (خاموشی) फ़ा. स्त्री.—नीरवता, मौन, चुप्पी; सन्नाटा।

ख़ाय: (خایہ) फ़ा. पुं.—अंडा, अंड; अंडकोष, फ़ोता।

ख़ाय:बरदार (خایہ بردار) फ़ा. वि.—झूठी और गिरी हुई ख़ुशामद करनेवाला, बहुत ही तुच्छ ख़ुशामदी, चाटुकार।

ख़ाय:बरदारी (خایہ برداری) फ़ा. स्त्री.—झूठी और तुच्छ ख़ुशामद, चाटुकर्म।

ख़ाय:रेज़ (خایہ ریز) फ़ा. पुं.—ख़ागीन:, आमलेट, अंडों का चीला।

ख़ायस्क (خایسک) फ़ा. पुं.—सुनारों या लुहारों का हथौड़ा।

ख़ायिस्क (خایسک) फ़ा. पुं.—दे. 'ख़ायस्क', दोनों शुद्ध हैं।

ख़ारः (خارہ) फ़ा. पुं.—एक बहुत ही कठोर पत्थर, ख़ारा; एक वस्त्र जो सूरज की धूप में फट जाता है।

ख़ार (خار) फ़ा. पुं.—काँटा, कंटक; चुभने और कष्ट देने-वाली बात; पक्षी के पाँव का काँटा।

ख़ारकश (خارکش) फ़ा. वि.—लकड़हारा, लकड़ी काटने और बेचनेवाला।

ख़ारकशी (خارکشی) फ़ा. स्त्री.—लकड़हारे का काम।

ख़ारख़सक (خارخسک) फ़ा. पुं.—गोखरू, गोक्षुर।

ख़ारख़ार (خارخار) फ़ा. वि.—सोच में पड़ा हुआ, चिन्तित; उद्विग्न, परेशान, (पुं.) फ़िक्र, चिन्ता; लगाव, सम्बन्ध।

ख़ारचंग (خارچنگ) फ़ा. पुं.—कर्कट, केकड़ा।

ख़ारचीं (خارچیں) फ़ा. पुं.—काँटों की बाड़ जो खेतों के चारों ओर लगा देते हैं।

ख़ारदार (خاردار) फ़ा. वि.—कँटीला, काँटेदार।

ख़ारपुश्त (خارپشت) फ़ा. स्त्री.—साही, शल्लकी, एक जंतु जिसकी पीठ पर लंबे काँटे होते हैं।

ख़ारबंद (خاربند) फ़ा. पुं.—दे. 'ख़ारचीं'।

ख़ारबस्त (خاربست) फ़ा. पुं.—दे. 'ख़ारचीं'।

ख़ारशुतुर (خارشتر) फ़ा. पुं.—एक काँटेदार झाड़, जिसे ऊँट बड़े प्रेम से खाता है, ऊँटकटारा।

ख़ारा (خارا) फ़ा. पुं.—एक बहुत ही कठोर पत्थर, ख़ारः; एक रेशमी कपड़ा जो लहरियेदार होता है।

ख़ाराशिकन (خاراشکن) फ़ा. वि.—दे. 'ख़ाराशिगाफ़'।

ख़ाराशिगाफ़ (خاراشگاف) फ़ा. वि.—पत्थर में छेद कर देनेवाला, पाषाणभेदी, प्रस्तरभेदी।

ख़ारिंदः (خارندہ) फ़ा. वि.—खुजानेवाला।

ख़ारिक़ (خارق) अ. वि.—फाड़नेवाला, विदारक।

ख़ारिक़े आदात (خارق عادات) अ. पुं.—चमत्कार, मो'जिज़: करामात, करिश्मा।

ख़ारिज: (خارجہ) अ. पुं.—पृथक्, अलग; रसीद का दूसरा परत; विदेशी, परराष्ट्रीय।

ख़ारिज (خارج) अ. वि.—निकलनेवाला; निकला हुआ; रद किया हुआ; बहिष्कृत, बिरादरी से ख़ारिज।

ख़ारिज अज़ अक़्ल (خارج از عقل) अ. फ़ा. वि.—जो बात समझ से बाहर हो, ज्ञानातीत; जो व्यक्ति बुद्धि से ख़ारिज हो, मूर्ख।

ख़ारिज अज़ आहंग (خارج از آهنگ) अ. फ़ा. वि.—जो बात बिना इरादे के हो; जो स्वर स्थान से विचलित हो।

ख़ारिज अज़ क़ियास (خارج از قیاس) अ. फ़ा. वि.—अनुमान से अधिक, बहुत अधिक।

ख़ारिज अज़ बह्स (خارج از بحث) अ. फ़ा. वि.—जो बात असंगत हो; जो बात सर्वमान्य हो; निर्विवाद बात।

ख़ारिज आहंगी (خارج آهنگی) अ. फ़ा. स्त्री.—स्वर का विचलित हो जाना।

ख़ारिज क़िस्मत (خارج قسمت) अ. पुं.—वह संख्या जो भाग देने से प्राप्त हो, लब्धि, भजनफल, भागफल।

ख़ारिजन् (خارجا) अ. वि.—उड़ते-उड़ते, अविश्वस्त रूप से (सुनने के लिए प्रयुक्त होता है)।

ख़ारिजी (خارجی) अ. वि.—बाहरी, बाह्य; मुसलमानों का एक समुदाय जो हज़रत अली को नहीं मानता।

ख़ारिजुलअक़्ल (خارج العقل) अ. वि. दे.–'ख़ारिज अज़ अक़्ल'।

ख़ारिजुलबलद (خارج البلد) अ. वि.–वतन से निकाला हुआ, देश-निष्कासित, जलावतन।

ख़ारिफ़ (خارف) अ. वि.–ख़जूरों की देखरेख करनेवाला।

ख़ारिम (خارم) अ. वि.–नाक काटनेवाला; नथने छेदनेवाला; शरारती, उपद्रवी।

ख़ारिश (خارش) फ़ा. स्त्री.–ख़ुजली, कंडू, ख़र्ज़, विचर्चिका, ख़ाज।

ख़ारिश्त (خارشت) फ़ा. स्त्री. दे.–'ख़ारिश'।

ख़ारिश्ती (خارشتی) फ़ा. वि.–जिसे ख़ाज हो, ख़ुजली का मरीज़।

ख़ारिशी (خارشی) फ़ा. वि. दे.–'ख़ारिश्ती'।

ख़ारिस्तान (خارستان) फ़ा. पुं.–काँटों का जंगल, जहाँ काँटे ही काँटे हों।

ख़ारीदः (خاریده) फ़ा. वि.–ख़ुजलाया हुआ।

ख़ारीदनी (خاریدنی) फ़ा. वि.–ख़ुजलाने के लाइक़।

ख़ारे अक़्रब (خار عقرب) अ. फ़ा. पुं.–मिरीख़; कज़्दुम, बिच्छू का डंक; नामुबारक, मनहूस, अशुभ।

ख़ारे मुग़ीलाँ (خار مغیلاں) फ़ा. पुं.–बबूल का काँटा, बब्बूर-कंटक।

ख़ारोख़स (خاروخس) फ़ा. पुं.–कूड़ा-करकट।

ख़ारोख़सक (خاروخسک) फ़ा. पुं. दे.–'ख़ारख़सक'।

ख़ालः (خالہ) अ. स्त्री.–माँ की बहन, मामी, मौसी, मातृष्वसा।

ख़ालः (خالہ) फ़ा. पुं.–छाला, फफोला।

ख़ालःज़ाद (خالہزاد) अ. फ़ा. वि.–मौसी का लड़का या लड़की।

ख़ाल (خال) अ. पुं.–तिल, बिन्दु, शरीर का काला दाग़; मामूँ, माँ का भाई; श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी; मेधा, बुद्धि, अक़्ल; अहंकार, अभिमान, ग़ुरूर।

ख़ाल ख़ाल (خال خال) अ. वि.–कहीं-कहीं, यदा-कदा, कोई-कोई, बहुत कम।

ख़ालिक़ (خالق) अ. वि.–उत्पत्तिकर्ता, पैदा करनेवाला; सृष्टिकर्ता, स्रष्टा, ईश्वर।

ख़ालिक़े कुल (خالق کل) अ. पुं.–ब्रह्मांड की हर वस्तु उत्पन्न करनेवाला, सर्वस्रष्टा, ईश्वर।

ख़ालिद (خالد) अ. वि.–हमेशा रहनेवाला, नित्य, अनश्वर; इस्लाम का एक प्रसिद्ध सेनापति।

ख़ालिफ़ः (خالفہ) अ. वि.–बहुत अधिक प्रतिकूल पुरुष; जिससे किसी को यश न हो; रावटी का खंभा।

ख़ालिफ़ (خالف) अ. वि.–पानी खींचनेवाला; पीछे छूटा हुआ, जो पीछे रह गया हो; ऐसा व्यक्ति जो यशहीन हो।

ख़ालियः (خالیہ) अ. वि.–प्राचीन, पुरातन, क़दीम; पिछला, गुज़रा हुआ, गत।

ख़ालिसः (خالصہ) अ. पुं.–राजा की निजी और ज़ाती भूमि और जायदाद; निर्मल, निष्केवल, ख़ालिस; सिक्खों का एक सम्प्रदाय (ख़ालसा)।

ख़ालिस (خالص) अ. वि.–बेमेल, विशुद्ध, निष्केवल; निश्छल, मुख़्लिस; केवल, सिर्फ़।

ख़ालिसुन्नस्ल (خالص النسل) अ. वि.–जिसके वंश में कोई दोष न हो, कुलीन।

ख़ालिसुलअस्ल (خالص الاصل) अ. वि. दे.–'ख़ालिसुन्नस्ल'।

ख़ाली (خالی) अ. वि.–जिसमें कुछ भरा न हो, रिक्त; जिसमें कोई रहता न हो, ग़ैर आबाद; केवल, सिर्फ़।

ख़ाली अज़ अक़्ल (خالی از عقل) अ. फ़ा. वि.–बुद्धिहीन, मूर्ख, बेवक़ूफ़।

ख़ाली अज़ इल्लत (خالی از علت) अ. फ़ा. वि.–बिना बाधा का, बिना दोष का।

ख़ालू (خالو) अ. पुं.–माँ का भाई, मामूँ, परन्तु इस समय माँ की बहन के पति को कहते हैं, (माँ की बहन, ख़ाला, मौसी), मौसा।

ख़ाले' (خالع) अ. वि.–वह स्त्री जिसे पति ने छोड़ दिया हो; वह पति जिसे स्त्री ने छोड़ दिया हो; ख़ूब पका हुआ खजूर।

ख़ाले आरिज़ (خال عارض) अ. पुं.–गाल का तिल।

ख़ाले रुख़ (خال رخ) अ. फ़ा. पुं.–मुँह का तिल; गाल का तिल।

ख़ावंद (خاوند) फ़ा. वि.–ख़ुदावंद का लघु., स्वामी, मालिक; पति, शौहर (ख़ाविंद)।

ख़ावंदी (خاوندی) फ़ा. स्त्री–स्वामित्व, मालिकीयत; पतित्व, शौहरपन।

ख़ावर (خاور) फ़ा. वि.–पूर्व दिशा, पूरब, मश्रिक़; पश्चिम दिशा, पच्छिम, मग़्रिब।

ख़ावियः (خاویہ) अ. वि.–रिक़्त, ख़ाली; पड़ा हुआ, उफ़्तादः।

ख़ाशः (خاشہ) फ़ा. पुं.–कूड़ा-करकट।

ख़ाश (خاش) फ़ा. स्त्री.–सास; पति की माँ; पत्नी की माँ।

ख़ाशाक (خاشاک) फ़ा. पुं.–कूड़ा-करकट।

ख़ाशे' (خاشع) अ. वि.–विनम्र, विनीत, ख़ाकसार।

ख़ासः (خاصہ) अ. पुं.–राजाओं और बादशाहों का खाना।

ख़ास (स्स) (خاص) अ. वि.–विशेष, मख़्सूस; मुख्य, प्रधान।

ख़ासगी (خاصگی) अ. फ़ा. पुं.–राजाओं के पास उठने-बैठनेवाला; सेनापति; (स्त्री.) वह बाँदी जिससे राजा संभोग करता हो; राजा की रखैल दासी; हर अच्छी और सुन्दर वस्तु।

खासदान (خاصدان) अ.फा.पुं.–पान रखने का पात्र-विशेष।

खासनवीस (خاص نویس) अ. फा. वि.–पर्चानवीस, जो बादशाहों को हर बात की सूचना देता हो, निजी लेखक, पर्सनल असिस्टेंट।

खासबरदार (خاص بردار) अ. फा. पुं.–वह नौकर जो बंदूक़ या बल्लम लेकर मालिक के आगे चलता है।

खासियत (خاصیت) अ. स्त्री.–गुण, सिफ़त; धर्म, गुण, मिज़ाज; स्वभाव, आदत।

खासिरः (خاصره) अ. स्त्री.–कमर और पेडू।

खासिर (خاسر) अ.वि.–वह व्यक्ति जो स्वयं अपना नुकसान करे; जिसे माल में घाटा आया हो।

खासीयत (خاصیت) अ. स्त्री. दे.–'खासियत', दोनों शुद्ध हैं।

खासोआम (خاص وعام) अ. पुं.–छोटे-बड़े सब व्यक्ति, सर्वसाधारण, अवाम।

खास्सः (خاصه) अ. पुं. दे.–'खासियत'।

खास्सीयत (خاصیت) अ.स्त्री. दे.–'खासियत', सबसे अधिक शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु प्रचलित 'खासियत' ही है।

खाहाँ (خاہاں) फा. वि. दे.–'ख्वाहाँ'।

खाहिश (خواہش) फा. स्त्री. दे.–'ख्वाहिश'।

खि

खिंग (خنگ) फा. वि.–श्वेत,सफ़ेद; सफ़ेद घोड़ा, श्वेताश्व।

खिंगबुत (خنگ بت) फा. पुं.–श्वेत मूर्ति, सफ़ेद बुत; बिल्लूर का पियाला; गोरा मा'शूक़।

खिंग मगसी (خنگ مگسی) फा. पुं.–सफ़ेद घोड़ा, जिस पर काली बुंदकियाँ हों।

खिजीर (خلجیر) अ. पुं.–हड्डी सुलगने की दुर्गंध।

खिंजीर (خنزیر) अ. पुं.–शूकर, वराह, सुअर।

खिंसर (خنصر) अ. स्त्री. दे.–'खिंसिर'।

खिंसिर (خنصر) अ. स्त्री.–हाथ की सबसे छोटी उँगली, छिगुली, कनिष्ठा, कनिष्ठिका, कनीनिका।

खिज़र (خضر) अ.पुं.–यह उच्चारण अशुद्ध है, केवल 'खिज़्' और 'खज़िर' शुद्ध हैं।

खिज़ाँ (خزاں) फा. स्त्री.–दे. शु. उच्चारण 'खज़ाँ'।

खिज़ानः (خزانہ) अ. पुं.–दे. 'खज़ानः', शुद्ध यही है, परन्तु उर्दू में प्रचलित 'खज़ानः' ही है।

खिज़ानगी (خزانگی) फा. स्त्री.–ऐसी सुन्दर और बहुमूल्य वस्तु जो राजाओं के योग्य हो।

खिज़ाब (خضاب) अ. पुं.–बालों के रँगने का मसाला; रँगा हुआ हाथ; एक तारा जिसके बीच आकाश में आने पर जो दुआ माँगी जाय वह पूरी होती है।

खिज़्र (خضر) अ. पुं.–एक अमर पैग़म्बर जिनके अधिकार में वन हैं और जो भूले-भटकों को मार्ग बताते हैं; एक समुद्र, कैस्पियन; लम्बी आयु का फ़रिश्ता—"गुज़ार दूँ तेरे ग़म में जो उम्र खिज़्र मिले"।

खिज़्रसूरत (خضرصورت) अ. वि.–जो देखने में हज़रत खिज़्र की भाँति सहृदय और दयालु हो।

खिज़्रे मंज़िल (خضر منزل) अ.पुं.–मार्गदर्शक, रहनुमा, खिज़्र की तरह मंज़िल तक रास्ता बतानेवाला,–'क्या मिला खिज़्र से सिकंदर को—किसको अब रहनुमा करे कोई।"–ग़ालिब।

खिज़्रे राह (خضر راه) अ. फा. पुं. दे.–'खिज़्रेमंज़िल।

खिज़्लान (خزلان) अ. पुं.–वंचकता, हीनता, महरूमी; अभागापन, बदक़िस्मती; मित्र की सहायता न करना।

खित्ता (خطا) अ. स्त्री.–शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू में 'खता' बोलते हैं, दे. 'खता'।

खितान (ختان) अ. पुं.–खत्नः, लिंग के सिर की खाल काटना; लिंग का वह भाग जो काटा जाय, लिंगाग्र।

खिताब (خطاب) अ. पुं.–उपाधि, लक़ब; संबोधन, मुखातबः; सरकार की ओर से मिली हुई उपाधि।

खिताबत (خطابت) अ. स्त्री.–संबोधन, खिताब; खतीब का काम, भाषण देने का काम; खुत्बः पढ़ने का काम।

खिताबयाफ़्तः (خطاب یافته) अ. फा. वि.–जिसे राज की ओर से उपाधि मिली हो, प्राप्तोपाधि, राज्य-प्रदत्त पदवी पाया हुआ व्यक्ति।

खितामः (ختامه) अ. पुं.–दे. 'खिताम'।

खिताम (ختام) अ. पुं.–कपड़ा या मोम जिसपर मोहर की जाती है।

खिताम (خطام) अ. पुं.–ऊँट की नकेल।

खित्तः (خطه) अ. पुं.–क्षेत्र, इलाक़ा; प्रदेश, देश; ज़मीन का प्लाट जिस पर घर बनाया जाय।

खित्बः (خطبه) अ. पुं.–स्त्री की चाह, व्याह की इच्छा।

खित्बत (خطبت) अ. स्त्री.–मँगनी, सगाई; वह शब्द जो खतीब निकाह के समय पढ़ता है; वह बात जो झगड़ा तै कर दे।

खित्मी (خطمی) अ. स्त्री.–शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू में खत्मी बोलते हैं, दे. 'खत्मी'।

खिंदफ़ (خدف) अ. पुं.–कुर्ते या अँगरखे के अंग।

खिदाअ (خداع) अ. पुं.–छल करना, धोखा देना, फ़रेब करना; छल, कपट, फ़रेब।

खिदाज (خداج) अ. पुं.–हानि, नुकसान; अपूर्ण, नातमाम; समय से पहले जनना, दे. 'खदाज', दोनों शुद्ध हैं।

ख़िदारत (خدارت) अ. स्त्री.–स्त्री का पर्दे में रहना, पर्दानशीनी।

ख़िदेव (خدیو) फा. पुं.–राजा, बादशाह, शासक; स्वामी, पति, मालिक।

ख़िद्न (خدن) अ. पुं.–मित्र, दोस्त; प्रेमपात्र, मा'शूक़।

ख़िद्मत (خدمت) अ. स्त्री.–दासता, ग़ुलामी; सेवा, नौकरी; शुश्रूषा; कार्यक्रम।

ख़िद्मतगार (خدمتگار) अ. फा. वि.–दास, नौकर, ख़िद्मती।

ख़िद्मतगारी (خدمتگاری) अ. फा. स्त्री.–दासता, नौकरी, परिचर्या।

ख़िद्मतगुज़ार (خدمتگزار) अ. फा. वि.–दिल से सेवा करनेवाला; आज्ञापालक, फ़र्माबरदार।

ख़िद्मतगुज़ारी (خدمتگزاری) अ. फा. स्त्री.–दिल से सेवा करना; आज्ञापालन करना।

ख़िद्मती (خدمتی) अ. वि.–सेवक, दास, ख़िद्मतगार।

ख़िद्मते ख़ल्क़ (خدمت خلق) अ. स्त्री.–जनता की सेवा, देशसेवा।

ख़िद्र (خدر) अ. पुं.–सिंह के रहने की माँद; आड़, पर्दा।

ख़िफ़ा (خفا) अ. पुं.–छिपाव, दुराव, पोशीदगी।

ख़िफ़ारः (خفاره) अ. पुं.–प्रतिज्ञा-पालन का वचन देना; परस्पर क़ौल-क़रार करना; प्रतिज्ञा, वचन, क़ौल-क़रार।

ख़िफ़्फ़त (خفت) अ. स्त्री.–लाज, लज्जा, शर्म; संकोच, नदामत; न्यूनता, कमी।

ख़िफ़क़ (خفرق) अ. वि.–निकृष्ट, दूषित, ख़राब, नाक़िस।

ख़िफ़्रिक़ (خفرق) अ. वि.–दे. 'ख़िफ़क़'।

ख़िफ़्रीक़ (خفریق) अ. वि.–दे. 'ख़िफ़क़'।

ख़िबा (خبا) अ. पुं.–ख़ैमः, रावटी, तंबू।

ख़िब्रत (خبرت) अ. स्त्री.–परीक्षा, आज़माइश; बुद्धिमत्ता, दानिश; दक्षता, चातुर्य, होशयारी।

ख़िमार (خمار) अ. स्त्री.–ओढ़नी, दुपट्टा।

ख़िम्अ (خمع) अ. पुं.–घातक भेड़िया।

ख़िम्मीर (خمیر) अ. वि.–जो हर समय शराब में मस्त रहता हो।

ख़ियम (خیم) अ. पुं.–'ख़ैमः' का बहु., रावटियाँ, तम्बू, ख़ैमे।

ख़ियरः (خیره) अ. पुं.–'ख़ैर' का बहु., सज्जन लोग, अच्छे और नेक लोग।

ख़ियात (خیاط) अ. स्त्री.–सुई, सूची, सूजी, कपड़ा सीने की सूजी।

ख़ियातत (خیاطت) पुं. स्त्री.–कपड़ा सीने का काम, सिलाई; सिलाई का पेशा।

ख़ियानत (خیانت) अ. स्त्री.–ग़बन, मोषण, अपहरण।

ख़ियानते मुज्रिमानः (خیانت مجرمانه) अ. फा. स्त्री.–निंद्य भावना से धन हथिया लेना।

ख़ियाबाँ (خیاباں) फा. पुं.–कियारी, रविश; उद्यान, बाग़।

ख़ियाम (خیام) अ. पुं.–'ख़ैमः' का बहु., ख़ैमे, तम्बू।

ख़ियार (خیار) अ. पुं.–खीरा, एक प्रसिद्ध फल।

ख़ियारक (خیارک) फा. पुं.–रान की जड़ में निकलनेवाला फोड़ा, बद।

ख़ियारज़ः (خیارزه) अ. फा. पुं.–ककड़ी, एक प्रसिद्ध फल।

ख़ियारशंबर (خیارشنبر) अ. पुं.–अमलतास, आरग्वध।

ख़ियारैन (خیارین) अ. पुं.–खीरा और ककड़ी दोनों।

ख़ियू (خیو) फा. पुं.–थूक, मुखस्राव, दे. 'ख़यू', दोनों शुद्ध हैं।

ख़िरगाह (خرگاه) फा. पुं.–बड़ी रावटी, बड़ा ख़ैमः, दे. 'ख़रगाह', दोनों शुद्ध हैं।

ख़िरद (خرد) फा. स्त्री.–बुद्धि, धी, मनीषा, मेधा, अक़्ल।

ख़िरदपर्वर (خردپرور) फा. वि.–दे. 'ख़िरदमंद'।

ख़िरदमंद (خردمند) फा. वि.–मेधावी, मनीषी, बुद्धिमान्, अक़्लमंद।

ख़िरदमंदी (خردمندی) फा. स्त्री.–बुद्धिमत्ता, अक़्लमंदी।

ख़िरदवर (خردور) फा. वि.–दे. 'ख़िरदमंद'।

ख़िराज (خراج) अ. वि.–दे. शु. उच्चारण 'ख़राज'।

ख़िरातत (خراطت) अ. स्त्री.–लकड़ी ख़रादने का काम।

ख़िराम (خرام) फा. स्त्री.–चाल, गति, रफ़्तार; नर्म चाल, मृदुल गति, (प्रत्य.) चलनेवाला; जैसे–'सबुकख़िराम' हलकी चाल चलनेवाला।

ख़िरामाँ (خراماں) फा. वि.–टहलते हुए; टहलनेवाला।

ख़िरामाँ ख़िरामाँ (خراماں خراماں) फा. वि.–धीरे-धीरे टहलते हुए; हलकी चाल से, मंद गति से।

ख़िरामेनाज़ (خرام ناز) फा. स्त्री.–इठलाती हुई चाल, मा'शूक़ाना चाल।

ख़िर्क़ः (خرقه) अ. पुं.–गुदड़ी, फटा-पुराना लिबास; किसी ऋषि या वली के शरीर से उतरा हुआ लिबास।

ख़िर्क़ःपोश (خرقه‌پوش) अ. फा. वि.–फ़क़ीरों का ख़िर्क़ः पहननेवाला, फ़क़ीर, साधु।

ख़िर्क़ (خرق) अ. वि.–विनोदी, हँसोड़, मख़ोलिया; शूर वीर, बहादुर।

ख़िर्निक़ (خرنق) अ. पुं.–ख़रगोश का बच्चा।

ख़िर्मन (خرمن) फा. पुं.–वह खलियान जिस पर दाँयें चल गयी हो; भूसा मिला हुआ अन्न; भूसा निकला हुआ अन्न का ढेर।

ख़िर्मने माह (خرمن ماہ) फ़ा. पुं.–चाँद का घेरा, हालः, चंद्रमंडल।

ख़िर्सक (خرسک) फ़ा. पुं.–एक खेल, ज़िसमें एक घेरे में एक लड़का खड़ा होता है, और सब लड़के उसे मारते हैं, जिस लड़के के शरीर में वह लड़का पाँव मार देता है, उसे उस घेरे में खड़ा होना पड़ता है।

ख़िल [ल्ल] (خل) अ. पुं.–मित्र, दोस्त, सखा, यार।

ख़िलाअ (خلاع) अ. स्त्री.–'ख़िल्अत' का बहु., ख़िल्अतें।

ख़िलाअत (خلاعت) अ. स्त्री.–रोग के कारण दुखी रहना।

ख़िलाक़ (خلاق) अ. पुं.–एक प्रकार की सुगंध।

ख़िलात (خلاط) अ. पुं.–बुद्धि-विकार, अक़्ल की ख़राबी; नर और मादा का मेल।

ख़िलाफ़ (خلاف) अ. पुं.–बेत का पेड़, वेत्र, (वि.) विरुद्ध, मुख़ालिफ़; प्रतिकूल, नामुआफ़िक़; प्रत्युत, बरअक्स; शत्रु, दुश्मन।

ख़िलाफ़त (خلافت) अ. स्त्री.–प्रतिनिधित्व, नुमाइंदगी; स्थानापन्नता, क़ाइममक़ामी; मुहम्मद साहब के बाद उनकी जानशीनी।

ख़िलाफ़ते राशिदः (خلافت راشدہ) अ. स्त्री.–हज़रत मुहम्मद के चार ख़लीफ़ाओं का समय और उनकी ख़िलाफ़त।

ख़िलाफ़बयानी (خلاف بیانی) अ. स्त्री.–झूठ कहना, ग़लत बयान करना, मिथ्यावाद।

ख़िलाफ़वर्ज़ी (خلاف ورزی) अ. फ़ा. स्त्री.–अवज्ञा, आज्ञोल्लंघन, हुक्मउदूली।

ख़िलाफ़े उम्मीद (خلاف امید) अ. फ़ा. पुं.–आशा के ख़िलाफ़, जिसकी आशा न हो; आशा से अधिक, आशातीत।

ख़िलाफ़े क़ाइदः (خلاف قاعدہ) अ. पुं.–नियम के विरुद्ध, उसूल के ख़िलाफ़; क़ानून के विरुद्ध, अवैध।

ख़िलाफ़े क़ानून (خلاف قانون) अ. पुं.–विधान के विरुद्ध, अवैध; नियम के विरुद्ध, क़ाइदे के ख़िलाफ़।

ख़िलाफ़े क़ियास (خلاف قیاس) अ. पुं.–अनुमान के परे, ज्ञानातीत; जो सोचा हो उसके ख़िलाफ़।

ख़िलाफ़े ज़ाबितः (خلاف ضابطہ) अ. पुं.–दे. 'ख़िलाफ़े क़ाइदः'।

ख़िलाफ़े तवक़्क़ो' (خلاف توقع) अ. पुं.–आशा के ख़िलाफ़, आशातीत।

ख़िलाफ़े तह्ज़ीब (خلاف تہذیب) अ. पुं.–सभ्यता और शिष्टता के विरुद्ध, अश्लील।

ख़िलाफ़े दस्तूर (خلاف دستور) अ. फ़ा. पुं.–दे. 'ख़िलाफ़े क़ाइदः'; परंपरा के विरुद्ध, रवाज के ख़िलाफ़, नियम-विरुद्ध।

ख़िलाफ़े मर्ज़ी (خلاف مرضی) अ. पुं.–दे. 'ख़िलाफ़े मिज़ाज' इच्छा-विरुद्ध।

ख़िलाफ़े मिज़ाज (خلاف مزاج) अ. पुं.–जिस बात को जी न चाहता हो, मर्ज़ी के विरुद्ध, स्वभाव-विरुद्ध।

ख़िलाफ़े मौज़ूअ (خلاف موضوع) अ. पुं.–किसी विषय के अतिरिक्त दूसरा विषय, विषयांतर; जो प्रसंग चल रहा हो उसके विरुद्ध दूसरा प्रसंग, अप्रासंगिक।

ख़िलाफ़े वज़्अ' (خلاف وضع) अ. पुं.–अपनी परंपरा और वज़्अ'दारी के विरुद्ध, परंपरा-विरुद्ध।

ख़िलाफ़े वज़्ए फ़ित्री (خلاف وضع فطری) अ. पुं.–अप्राकृतिक मैथुन, स्त्री के सिवा किसी और से रति-क्रीड़ा।

ख़िलाफ़े शान (خلاف شان) अ. पुं.–अपनी आनबान के विरुद्ध, अपनी मर्यादा के विरुद्ध।

ख़िलाब (خلاب) अ. स्त्री.–कीचड़, कीच; दे. 'ख़लाब', दोनों शुद्ध हैं परन्तु वह अधिक शुद्ध है।

ख़िलाल (خلال) अ. पुं.–मध्य, बीच; दो वस्तुओं के बीच का अन्तर; मैत्री, दोस्ती; दाँत कुरेदने का तिनका; ताश की बाज़ी में मात, पराजय।

ख़िलाले माइदः (خلال مائدہ) अ. पुं.–सिवैयाँ।

ख़िलाश (خلاش) अ. पुं.–रास्ते की कीचड़।

ख़िलास (خلاص) अ. पुं.–ख़ालिस, निष्केवल; खरा चाँदी और सोना; श्रेष्ठ, उत्तम; प्रेम और सच्चाई।

ख़िल्अत (خلعت) अ. स्त्री.–राज की ओर से सम्मानार्थ दिये जानेवाले वस्त्र आदि, जो तीन कपड़ों से कम नहीं होते; अपने शरीर से उतारकर दूसरे को वस्त्र पहनाना।

ख़िल्अते फ़ाख़िरः (خلعت فاخرہ) अ. स्त्री.–पूरा ख़िल्अत, जिसमें सात कपड़े, मोतियों की माला, रत्नजटित पगड़ी का ज़ीग़ः और तलवार आदि होते हैं।

ख़िल्क़त (خلقت) अ. स्त्री.–उत्पत्ति, सृष्टि, पैदाइश; जनता, जनसाधारण, अवाम।

ख़िल्क़ी (خلقی) अ. वि.–पैदाइशी, जन्मसिद्ध; प्राकृतिक, फ़ित्री।

ख़िल्तः (خلطہ) अ. पुं.–मिश्रण, मिलना; किसी के साथ रहकर जीवन व्यतीत करना।

ख़िल्त (خلط) अ. स्त्री.–शरीर के अंदर वात, पित्त, कफ आदि रस, धातु।

ख़िल्ते फ़ासिद (خلط فاسد) अ. स्त्री.–दूषित धातु, प्रकुपित धातु, वह वात, पित्त आदि जो बिगड़ गया हो।

ख़िल्ते सालेह (خلط صالح) अ. स्त्री.–शुद्ध धातु, वह ख़िल्त जिसमें कोई विकार न हो।

ख़िल्फ़ः (خلفه) अ. पुं.–एक दूसरे के पीछे आना अथवा जाना; एक दूसरे के पीछे आया हुआ।

ख़िल्फ़ (خلف) अ. पुं.–मनुष्य अथवा पशु के स्तन का सिरा; लड़ाका मनुष्य।

ख़िल्म (خلم) फा. पुं.–नाक से निकलनेवाला रेंट।

ख़िल्म (خلم) अ. पुं.–मित्र, सखा, दोस्त; हरिण का ठाह, उसका निवासस्थान।

ख़िश्त (خشت) फा. स्त्री.–ईंट, इष्टिका; छोटा नेज़ा, साँग, शक्ति।

ख़िश्तक (خشتک) फा. पुं.–कपड़े का वह टुकड़ा जो कुर्ते आदि में बग़ल के नीचे लगता है, चौबग़ला।

ख़िश्तबारी (خشت‌باری) फा. स्त्री.–ईंटें फेंकना, ईंटों की मार, ईटबाज़ी।

ख़िश्म (خشم) फा. पुं.–क्रोध, रोष, कोप, ग़ुस्सा, दे. 'ख़श्म' दोनों शुद्ध हैं।

ख़िसांदः (خسانده) फा. पुं.–दे. 'ख़ेसादः,' दोनों शुद्ध हैं परन्तु प्रचलित वही है।

ख़िसाम (خصام) अ. पुं.–'ख़स्म' का बहु., शत्रु लोग, लड़नेवाले लोग; युद्ध करना, लड़ाई लड़ना।

ख़िसाल (خصال) अ. पुं.–'ख़स्लत' का बहु., स्वभाव, आदतें, प्रकृतियाँ।

ख़िस्कदानः (خسکدانه) फा. पुं.–कुसुम के बीज।

ख़िस्ब (خصب) अ. पुं.–विभव, वैभव, समृद्धि, फ़राग़त; घास और सब्ज़ी की बहुतात; गुंजान नगर।

ख़िस्सत (خست) अ. स्त्री.–कृपणता, कंजूसी।

ख़िस्सतमआब (خست‌مآب) अ. वि.–बहुत बड़ा कंजूस, मक्खीचूस, कृपण-प्रकृति।

ख़ी

ख़ीक (خیک) फा. स्त्री.–पानी भरने की मश्क, भस्त्रा।

ख़ीत (خیط) अ. वि.–सिला हुआ।

ख़ीते बातिल (خیط باطل) अ. पुं.–हवा के वे कण और महीन रेशे जो मकान के सूराख़ में से दिखायी पड़ते हैं।

ख़ीद (خید) फा. पुं.–गेहूँ और जौ जो पूरे पके न हों और भूनकर चबाये जायें, दे. 'ख़वीद', दोनों शुद्ध हैं।

ख़ीफ़ः (خیفه) अ. पुं.–भय, डर, ख़ौफ़।

ख़ीम (خیم) अ. स्त्री.–स्वभाव, प्रकृति, आदत।

ख़ीरः (خیره) फा. वि.–धृष्ट, ढीठ, बेहया; जिसकी आँखों में चकाचौंध हो गयी हो, चौंधयाया हुआ; अंधकारमय, अँधियारा; चकित, हैरान, स्तब्ध; अकारण, बे सबब।

ख़ीरःकुश (خیره‌کش) फा. वि.–बिना कारण वध करने-वाला; निर्दय, पाषाण-हृदय, संगदिल।

ख़ीरःकुशी (خیره‌کشی) फा. स्त्री.–बिना कारण प्राण लेने का कर्म; निर्दयता, बेरहमी।

ख़ीरःचश्म (خیره‌چشم) फा. वि.–निर्लज्ज, बेहया; धृष्ट, बेबाक, गुस्ताख़।

ख़ीरःचश्मी (خیره‌چشمی) फा. स्त्री.–निर्लज्जता, बेहयाई; धृष्टता, गुस्ताख़ी।

ख़ीरःबातिन (خیره‌باطن) फा. अ. वि.–जिसकी आत्मा पापमयी हो, अंतःमलिन, बदसिरिश्त।

ख़ीरःबातिनी (خیره‌باطنی) फा. अ. स्त्री.–आत्मा की अशुद्धि, अंतःमलिनता, बदसिरिश्ती।

ख़ीरःसर (خیره‌سر) फा. वि.–उद्दंड, सरकश; अवज्ञा-कारी, नाफ़र्मान; स्वच्छंद, ख़ुदराय; लोलुप, लालची।

ख़ीरःसरी (خیره‌سری) फा. स्त्री.–उद्दंडता; अवज्ञा; स्वच्छंदता; लोभ।

ख़ीर ख़ीर (خیرخیر) फा. वि.–मिथ्या, फ़ुज़ूल, बेहूदः।

ख़ीरगी (خیرگی) अ. स्त्री.–आँखों की चकाचौंध; धृष्टता, बेहयाई; अँधेरा; स्तब्धता, हैरानी।

ख़ीरी (خیری) फा. स्त्री.–दे. 'ख़त्मी'।

ख़ीरू (خیرو) फा. स्त्री.–दे. 'ख़त्मी'।

ख़ीवः (خیوه) फा. पुं.–'ख़्वारज़्म' (रूसी तुर्किस्तान) का एक नगर।

ख़ीवक़ (خیوق) अ. पुं.–दे. 'ख़ीवः'।

ख़ीश (خویش) फा. पुं.–दे. 'ख़ेश'।

ख़ीस (خیس) अ. पुं.–सिंह के रहने की माँद, कछार; पेड़ों का झुण्ड।

ख़ीस (خیص) अ. स्त्री.–मसि, सियाही, लिखने की रोशनाई; थोड़ी सजावट, दे. 'ख़ैस', दोनों शुद्ध हैं।

ख़ु

ख़ुंदगार (خندگار) फा. पुं.–'ख़ुदावंदगार' का लघु., सम्राट्, शहंशाह; बादशाह, शासक; 'ख़्वांदगार' का लघु, शिक्षक, पढ़ानेवाला, अध्यापक।

ख़ुंबक (خنبک) फा. पुं.–साज़ के साथ ताल देना, ताली बजाना; फ़क़ीरों के पहनने का एक मोटा कपड़ा; सिर और पूंछ हिलाना; कोलाहल, शोर।

ख़ुंसा (خنثیٰ) अ. पुं.–वह पुरुष जिसमें स्त्री और पुरुष दोनों के चिह्न हों, ज़नाना, नरदारा, शिखण्डी।

ख़ुजंद (خجند) फा. पुं.–मावराउन्नह्र का एक छोटा नगर।

ख़ुजस्तः (خجسته) फा. वि.–कल्याणमय, शुभान्वित, मुबारक।

ख़ुजस्तःपै (خجسته پے) फा. वि.–जिसका आगमन कल्याण-कर हो, मुबारकक़दम।

ख़ुजस्तःराय (خجسته رائے) फा. अ. वि.–जिसकी सलाह बहुत ठीक और शुभान्वित होती हो।

ख़ुज़ाअः (خزاعه) अ. पुं.–किसी वस्तु से काटा हुआ खंड, टुकड़ा; अरब का एक वंश।

ख़ुज़ा'बील (خزعبیل) अ. वि.–अनृत, असत्य, ग़लत, बातिल।

ख़ुज़ारः (خضاره) अ. पुं.–नदी, दर्या।

ख़ुज़ूअ (خضوع) अ. पुं.–नम्रता, विनीति, ख़ाकसारी।

ख़ुज़ूर (خضور) अ. पुं.–'ख़ज़र' का बहु., हरियालियाँ, सब्ज़ियाँ।

ख़ुज़्रत (خضرت) अ. स्त्री.–हरियाली, हरिमा, सब्ज़ी।

ख़ुज़्री (خضری) अ. स्त्री.–तरकारी, शाक, सब्ज़ी।

ख़ुज़्रीयात (خضریات) अ. स्त्री.–तरकारियाँ, सब्ज़ियाँ।

ख़ुज़्रूफ़ (خضروف) अ. वि.–युद्ध में फुर्ती से लड़नेवाला, युद्ध-कुशला (स्त्री.) चमड़े की फिरकी जिसमें डोरा डालकर घुमाते हैं।

ख़ुतन (ختن) फा. पुं.–चीन का एक नगर जहाँ की कस्तूरी प्रसिद्ध है।

ख़ुतार (ختار) अ. पुं.–घास-फूस से खेत को साफ़ करना, जमे हुए खेत में से घास आदि निकलना।

ख़ुतुवात (خطوات) अ. पुं.–'ख़ुत्वः' का बहु., डगें, क़दम।

ख़ुतूत (خطوط) अ. पुं.–'ख़त' का बहु, लकीरें, रेखाएँ, चिट्ठियाँ।

ख़ुतून (ختون) अ. पुं.–दामाद बनना।

ख़ुत्ताफ़ (خطاف) अ. स्त्री.–एक प्रसिद्ध चिड़िया, अबाबील; पानी खींचने के पुर का कुंडा।

ख़ुत्बः (خطبه) अ. पुं.–पुस्तक की भूमिका, प्राक्कथन; उपदेश, धर्मोपदेश; भाषण, बयान; नमाज़ या निकाह का ख़ुत्बः।

ख़ुत्वः (خطوه) अ. पुं.–एक डग, एक क़दम, चलते समय दोनों पाँवों के बीच का अंतर।

ख़ुद (خود) फा. अव्य.–स्वयं, आप; स्वतः, अपने आप।

ख़ुदअंदोख़्तः (خود اندوخته) फा. वि.–अपने आप कमाकर इकट्ठा किया हुआ धन आदि, स्वोपार्जित।

ख़ुदअः (خدعه) अ. वि.–जो दूसरों को छले।

ख़ुदआरा (خود آرا) फा. वि.–अपने को बना-सँवारकर रखनेवाला (वाली), स्वयंसज्जिता, सुसज्जिता।

ख़ुदआराई (خودآرائی) फा. स्त्री.–अपने आपको बनाने-सँवारने की क्रिया।

ख़ुदइत्मीनानी (خوداطمینانی) फा. अ. स्त्री.–अपने पर इत्मीनान होने का भाव; अपने मन को संतोष होने का भाव।

ख़ुदए'तिमाद (خوداعتماد) फा. अ. वि.–अपने पर भरोसा और विश्वास करनेवाला, आत्मविश्वासी।

ख़ुदए'तिमादी (خوداعتمادی) फा. अ. स्त्री.–अपने पर भरोसा और विश्वास करना, आत्म-विश्वास।

ख़ुदक (خودی) फा. पुं.–मन में उत्पन्न होनेवाले भ्रम और विचार।

ख़ुदकफ़ालत (خودکفالت) फा. अ. स्त्री.–अपना भार ख़ुद उठाना।

ख़ुदकफ़ील (خودکفیل) फा. अ. वि.–अपना भार स्वयं उठानेवाला, स्वावलंबी, आत्मावलंबी।

ख़ुदकाम (خودکام) फा. वि.–स्वच्छंद, निरंकुश, ख़ुदराय।

ख़ुदकामी (خودکامی) फा. स्त्री.–स्वच्छंदता, निरंकुशता, ख़ुदरायी।

ख़ुदकुश (خودکش) फा. वि.–आत्महत्या करनेवाला, ख़ुद को मार डालनेवाला।

ख़ुदकुशी (خودکشی) फा. स्त्री.–ख़ुद को मार डालना, आत्महत्या।

ख़ुदग़रज़ (خودغرض) फा. अ. वि.–अपने मतलब में चौकस, केवल अपना स्वार्थ सिद्ध करनेवाला, स्वार्थी, स्वार्थपर।

ख़ुदग़रज़ी (خودغرضی) फा. अ. स्त्री.–स्वार्थपरता, आत्म-लाभ, स्वार्थसाधन, ख़ुदमतलबी।

ख़ुदद (خدد) अ. पुं.–'ख़ुद्दः' का बहु., सुरंगें, भूमि के भीतर के रास्ते।

ख़ुददार (خوددار) फा. वि.–अपनी प्रतिष्ठा का ध्यान रखनेवाला, स्वाभिमानी।

ख़ुददारी (خودداری) फा. स्त्री.–अपनी प्रतिष्ठा और मर्यादा की रक्षा, स्वाभिमान, आत्मगौरव, आत्मसम्मान।

ख़ुदनविश्त (خودنوشت) फा. वि.–अपने क़लम का लिखा हुआ; स्वयं लिखे हुए अपने हालात।

ख़ुदनुमा (خودنما) फा. वि.–अपने सौंदर्य अथवा वैभव आदि का प्रदर्शन करनेवाला (वाली), आत्मप्रदर्शी।

ख़ुदनुमाई (خودنمائی) फा. स्त्री.–अपने हुस्न अथवा अपनी शान-शौकत का प्रदर्शन, आत्मप्रदर्शन।

ख़ुदपरस्त (خودپرست) फा. वि.–हर बात में अपना गौरव और अपनी महत्ता जतानेवाला, आत्मपूजक।

ख़ुदपरस्ती (خودپرستی) फा. स्त्री.–अपने ही को सब कुछ जानने का भाव, आत्म-पूजा।

ख़ुदपसंद (خودپسند) फा. वि.—अपने को सबसे अच्छा और बड़ा समझनेवाला।

ख़ुदपसंदी (خودپسندی) फा.स्त्री.—अपने को सबसे अधिक पसंद करने का भाव।

ख़ुदफ़रामोश (خودفراموش) फा. वि.—ऐसा अचेत जो अपने को भी भूल जाय, आत्म-विस्मारक, "अपना भी मुंतज़िर हूँ तेरे इंतज़ार में"।

ख़ुदफ़रामोशी (خودفراموشی) फा. स्त्री.—खोया खोया रहना, बेसुध रहना, अपना होश न रहना, आत्म विस्मृति।

ख़ुदफ़रेब (خودفریب) फा. वि.—अपने को धोखा देनेवाला, अपने को धोखे में रखनेवाला, आत्मवञ्चक।

ख़ुदफ़रेबी (خودفریبی) फा. स्त्री.—अपने को धोखे में रखना, आत्मवञ्चना।

ख़ुदफ़रोश (خودفروش) फा. वि.—वह व्यक्ति जो धन या पद के लोभ में अपने राष्ट्र या अपने स्वामी से विश्वासघात करे, आत्म-विक्रेता।

ख़ुदफ़रोशी (خودفروشی) फा. स्त्री.—अपने को दूसरों के हाथ बेच देना, ग़द्दारी करना, आत्म-विक्रय।

ख़ुदफ़िगन (خود فگن) फा. वि.—घोड़े का अच्छा चढ़नेवाला।

ख़ुद ब ख़ुद (خود بخود) फा. वि.—अपने आप, आपसे आप, स्वतः, स्वयं।

ख़ुदबदौलत (خود بدولت) फा. अ. पुं.—श्रीमान्, महोदय, जनाब; स्वयं, आप, आप ख़ुद।

ख़ुदबीं (خودبیں) फा. वि.—अपने को सब कुछ समझनेवाला, आत्मदर्शी; अहंकारी, अभिमानी, मग़रूर।

ख़ुदबीनी (خودبینی) फा. स्त्री.—अपने को सब कुछ समझना, आत्मदर्शन; अहंकार, अभिमान, ग़ुरूर।

ख़ुदमत्लब (خودمطلب) फा. अ. वि.—दे. 'ख़ुदग़रज़', स्वार्थ-साधक।

ख़ुदमत्लबी (خودمطلبی) फा. अ. स्त्री.—दे. 'ख़ुदग़रज़ी', स्वार्थ-साधन।

ख़ुदमुख़्तार (خودمختار) फा. अ. वि. —स्वेच्छाचारी, निरंकुश, मनमानी करनेवाला; स्वतंत्र, स्वाधीन, आज़ाद।

ख़ुदमुख़्तारी (خودمختاری) फा. अ. स्त्री.—स्वच्छंदता, मन की मौज; स्वतंत्रता, स्वाधीनता, आज़ादी।

ख़ुदरफ़्तः (خودرفتہ) फा. वि.—जो अपने आपे में न हो, संज्ञाहीन, निश्चेष्ट, बेसुध।

ख़ुदरफ़्तगी (خودرفتگی) फा. स्त्री.—अपने आप में न होना, निश्चेष्टता।

ख़ुदराई (خودرائی) फा. अ. स्त्री.—अपनी ही राय पर चलना, दूसरे का परामर्श न मानना, स्वेच्छाचार, स्वच्छंदता।

ख़ुदराए (خودرائے) फा. अ. वि.—जो केवल अपने विचारों पर चले और किसी की बात न माने, स्वेच्छाचारी।

ख़ुदरुस्तः (خودرستہ) फा. वि.—दे. 'ख़ुद रो'।

ख़ुदरो (خودرو) फा. वि.—अपने आप उगा हुआ, जो बोया न गया हो।

ख़ुदशनास (خودشناس) फा. वि.—अपना हलकापन या भारीपन पहचाननेवाला, अपनी जगह पहचाननेवाला।

ख़ुदशनासी (خودشناسی) फा. स्त्री.—अपना हलका-भारीपन पहचान कर वैसी ही बात करना, निजज्ञान।

ख़ुदशाँ (خودشاں) फा. पुं.—वह सब।

ख़ुदशिकन (خودشکن) फा. वि.—विनम्र, विनीत, ख़ाकसार।

ख़ुदशिकनी (خودشکنی) फा. स्त्री.—विनम्रता, विनीति, ख़ाकसारी।

ख़ुदसना (خودثنا) फा. अ. वि.—दे. 'ख़ुदसिता'।

ख़ुदसर (خودسر) फा. वि.—उद्दंड, उजड्ड, अक्खड़; अवज्ञाकारी, नाफ़र्मान; विद्रोही बाग़ी।

ख़ुदसरी (خودسری) फा. स्त्री.—उद्दंडता, उजड्डपन; अवज्ञा, हुक्मउदूली; विद्रोह, बग़ावत।

ख़ुदसवार (خودسوار) फा. वि.—दे. 'ख़ुदराए'।

ख़ुदसवारी (خودسواری) फा. स्त्री.—दे. 'ख़ुदराई'।

ख़ुदसाख़्तः (خودساختہ) फा. वि.—अपना बनाया हुआ, आत्म-निर्मित; मनगढ़ंत, कपोल-कल्पित।

ख़ुदसाज़ (خودساز) फा. वि.—अपनी बाह्य वेशभूषा को सुसज्जित रखनेवाला; अपने आचरण की शुद्धि का प्रयत्न करनेवाला।

ख़ुदसाज़ी (خودسازی) फा. स्त्री.—अपनी वेशभूषा को सँवारना; अपने आचरण की शुद्धि की कोशिश करना।

ख़ुदसिता (خودستا) फा. वि.—अपने मुँह मियाँमिट्ठू बननेवाला, आत्मश्लाघी, आत्म-प्रशंसक।

ख़ुदसिताई (خودستائی) फा. स्त्री.—अपने मुँह से अपनी प्रशंसा करना, आत्मश्लाघा, आत्मप्रशंसा।

ख़ुदसुपुर्दगी (خودسپردگی) फा. स्त्री.—अपने को किसी के अधिकार में दे देना, आत्मसमर्पण, अंगदान।

ख़ुदा (خدا) फा. पुं.—परमात्मा, ईश्वर, अल्लाह।

ख़ुदाई (خدائی) फा. स्त्री.—संसार, जगत्, दुनिया; ईश्वरत्व, खुदापन, (वि.) दैवी, ग़ैबी, आस्मानी।

ख़ुदातर्स (خداترس) फा. वि.—ईश्वर से डरनेवाला, दूसरों पर दया करनेवाला, सदय, दयावान्।

ख़ुदातर्सी (خداترسی) फा. स्त्री.—ईश्वर का भय, दूसरों पर दयाभाव, सदयता, दयालुता।

ख़ुदादाद (خداداد) फा. वि.—ख़ुदा का दिया हुआ, ईश्वर-दत्त; जो परिश्रम और प्रयास से न प्राप्त हो बल्कि ईश्वर की कृपा से मिले।

ख़ुदा न ख़्वास्त: (خدانخواستہ) फा. अव्य.—ख़ुदा न करे, ईश्वर ऐसा न करे, एक आशीर्वाद का वाक्य, जो किसी अनिष्ट की शंका के समय बोलते हैं, जैसे—'ख़ुदा न ख़्वास्त: चोट आ गयी तो क्या होगा ?'

ख़ुदा ना कर्द: (خداناکردہ) फा. अव्य.—दे. 'ख़ुदा न ख़्वास्त:।

ख़ुदा ना ख़्वास्त: (خداناخواستہ) फा. अव्य.—दे. 'ख़ुदा न ख़्वास्त:', दोनों शुद्ध हैं।

ख़ुदा ना तर्स (خدا نا ترس) फा. वि.—ईश्वर से न डरनेवाला, निर्दय, बेरहम।

ख़ुदा ना तर्सी (خدا ناترسی) फा. स्त्री.—ईश्वर का भय न होना, निर्दयता, बेरहमी।

ख़ुदापरस्त (خداپرست) फा. वि.—ख़ुदा को पूजनेवाला, धर्मनिष्ठ; ख़ुदा के अस्तित्व का क़ाइल, आस्तिक; सत्य-निष्ठ, ईमानदार; ऋषि, मुनि, वली; दयावान्, रहमदिल; ईश्वर-भक्त।

ख़ुदापरस्ती (خداپرستی) फा. स्त्री.—धर्मनिष्ठता; आस्तिकता; सत्यता; ऋषित्व, वलीपन; दयालुता, रहमदिली; ईश्वर-भक्ति।

ख़ुदायगाँ (خدایگاں) फा. पुं.—स्वामी, मालिक; राजा, बादशाह।

ख़ुदाया (خدایا) फा. अव्य.—हे ईश्वर, ऐ ख़ुदा, हे प्रभु, प्रभो।

ख़ुदारा (خدارا) फा. अव्य.—ईश्वर के लिए, ख़ुदा के वास्ते।

ख़ुदावंद (خداوند) फा. पुं.—ईश्वर, ख़ुदा; स्वामी, मालिक।

ख़ुदावंदगार (خداوندگار) फा. पुं.—दे. 'ख़ुदावंद'।

ख़ुदावंदा (خداوندا) फा. अव्य.—दे. 'ख़ुदाया'।

ख़ुदावंदी (خداوندی) फा. स्त्री.—ईश्वरत्व, ख़ुदाई।

ख़ुदाशनास (خداشناس) फा. वि.—ब्रह्मज्ञानी, आरिफ़; दयालु, रहमदिल; न्यायवान्, मुंसिफ़मिज़ाज।

ख़ुदाशनासी (خداشناسی) फा. स्त्री.—ब्रह्मज्ञान, मा'रिफ़त; दयालुता, रहमदिली; न्यायकर्म, इंसाफ़परवरी।

ख़ुदासाज़ (خداساز) फा. वि.—ख़ुदा का बनाया हुआ, जो अपने परिश्रम से न हो, अपने आप हो जाय।

ख़ुदाहाफ़िज़ (خدا حافظ) फा. अ. वा.—किसी को विदा करते समय बोला जानेवाला वाक्य, अर्थात् ईश्वर आपकी रक्षा करे।

ख़ुदी (خودی) फा. स्त्री.—अहंकार, अहंवाद, यह भाव कि बस हमीं हम हैं; गर्व, अभिमान, घमंड।

ख़ुदूक (خودی) फा. पुं.—दे. 'ख़ुदूक'।

ख़ुदू (خدو) फा. पुं.—थूक, मुखस्राव।

ख़ुदूक (خدوک) फा. पुं.—क्रोध, ग़ुस्सा; लज्जा, शर्म; उद्विग्नता, परेशानी; मन के बुरे विचार, भ्रम; ईर्ष्या, रश्क।

ख़ुद्अ: (خدعہ) अ. पुं.—छल, कपट, फ़रेब, (वि.) वह व्यक्ति जिसे दूसरे लोग छलें।

ख़ुद्द: (خدہ) अ. पुं.—भूमि के भीतर का मार्ग, सुरंग।

ख़ुद्दाम (خدام) अ. पुं.—'ख़ादिम' का बहु., नौकर लोग, सेवकगण।

ख़ुनाक़ (خناق) अ. पुं.—दे. 'ख़नाक़'।

ख़ुनुक (خنک) फा. वि.—शीतल, ठंडा; सुन्दर, अच्छा; क्लीव, नामर्द।

ख़ुनुकी (خنکی) फा. स्त्री.—शीत, शीतलता, ठंडक; शीतकाल, जाड़ा; नपुंसकता, नामर्दी।

ख़ुनूअ (خنوع) अ. पुं.—विनम्रता दिखाना, ख़ाकसारी करना; नम्र करना, नर्म करना।

ख़ुनूस (خنوس) अ. पुं.—पीछे रह जाना; किसी चीज़ के पीछे छिपना।

ख़ुन्फ़सा (خنفسا) अ. पुं.—गुबरीला, गोबर का एक कीड़ा।

ख़ुन्या (خنیا) फा. पुं.—गान, राग, नग़म:; वाद्य, साज़।

ख़ुन्यागर (خنیاگر) फा. वि.—गानेवाला, गायक, गवैया।

ख़ुन्यागरी (خنیاگری) फा. स्त्री.—गाने का काम; गाने का पेशा।

ख़ुफ़ [फ़्फ़] (خف) अ. पुं.—मोज़ा; शुतुरमुर्ग़; पाँव का तलवा; ठोस ज़मीन; बूढ़ा ऊँट।

ख़ुफ़ाफ़ (خفاف) अ. वि.—हलका, अगुरु, लघु।

ख़ुफ़ार: (خفارہ) अ. पुं.—दे. 'ख़िफ़ार:', दोनों शुद्ध हैं।

ख़ुफ़ीय: (خفیہ) अ. पुं.—छिपा हुआ, गुप्त, पोशीदा।

ख़ुफ़ूक़ (خفوق) अ. पुं.—तारे का डूबना; नींद की अधिकता से सिर हिलना; रात में चलना; पक्षी का उड़ना।

ख़ुफ़ूफ़ (خفوف) अ. पुं.—हलका होना; तेज़ चलना; कम होना।

ख़ुफ़्च: (خفچہ) फा. पुं.—पशुओं के हाँकने की छड़ी, जिसके सिरे पर नोकदार कील लगी होती है।

ख़ुफ़्त: (خفتہ) फा. वि.—सोया हुआ, सुप्त।

ख़ुफ़्त:नसीब (خفتہ‌نصیب) फा. अ. वि.—जिसका भाग्य सो रहा हो, हतभाग्य, दुर्दैव, दुर्दृष्ट।

ख़ुफ़्त:नसीबी (خفتہ‌نصیبی) फा. अ. स्त्री.—भाग्यहीनता, बदनसीबी।

ख़ुफ़्त:बख़्त (خفتہ‌بخت) फा. वि.—दे. 'ख़ुफ़्त:नसीब'।

ख़ुफ़्त:बख़्ती (خفتہ‌بختی) फा. स्त्री.—दे. 'ख़ुफ़्त:नसीबी'।

ख़ुफ़्तक (خفتک) फ़ा. पुं.–कावूस का रोग, दे. 'कावूस'।

ख़ुफ़्तगी (خفتگی) फ़ा. स्त्री.–सोने का भाव, स्वप्नता।

ख़ुफ़्तनी (خفتنی) फ़ा. वि.–सोने के क़ाबिल।

ख़ुफ़्फ़ाश (خفاش) अ. पुं.–चमगादड़, चर्मचटक, वातुलि।

ख़ुफ़्यः (خفیه) अ. वि.–'ख़ुफ़ीयः' का उर्दू रूप, छिपा हुआ, गुप्त; रहस्यमय, राज़दारानः; गुप्तचर, जासूस, (स्त्री.) गुप्तचरी, जासूसी।

ख़ुफ़्यःनवीस (خفیه‌نویس) अ. फ़ा. वि.–छिपकर किसी काम को देखने और उसकी रिपोर्ट करनेवाला।

ख़ुबस (خبث) अ. वि.–अपवित्र, गंदा, मलिन, पलीद।

ख़ुबसा (خبثا) अ. पुं.–'ख़बीस' का बहु., ख़बीस लोग, दुष्ट लोग।

ख़ुबात (خباط) अ. स्त्री.–पागलपन, बुद्धि-विक्षेप, दीवानगी।

ख़ुब्ज़ (خبز) अ. स्त्री.–रोटी, नान, रोटिका।

ख़ुब्स (خبث) अ. पुं.–मैलकुचैल; दुष्टता, ख़बासत; पाप, गुनाह; अन्तर्मलिनता, बदबातिनी।

ख़ुब्सुलहदीद (خبث الحدید) अ. पुं.–लोहे का मैल, मंडूर।

ख़ुब्से नफ़्स (خبث نفس) अ. पुं.–आत्मा की मलिनता, हृदय का पापमय होना।

ख़ुब्से बातिन (خبث باطن) अ. पुं.–दे. 'ख़ुब्से नफ़्स'।

ख़ुम (خم) फ़ा. पुं.–घड़ा, मटका; शराब रखने का मटका; "ख़ुम के ख़ुम पी जाऊँगा मैं ऐसा बादानोश हूँ।"

ख़ुम[म्म] (خم) अ. पुं.–मुर्ग़ियों का दरबा।

ख़ुमकदः (خمکده) फ़ा. पुं.–मदिरालय, सुरालय, शराबख़ाना।

ख़ुमकश (خمکش) फ़ा. वि.–पूरी मटकी पी जानेवाला, धती शराबी, पान शौंद।

ख़ुमख़ानः (خمخانه) फ़ा. पुं.–दे. 'ख़ुमकदः'।

ख़ुमाअ़ (خماع) अ. पुं.–चलते हुए झूमना, झूमते हुए चलना।

ख़ुमार (خمار) अ. पुं.–नशे के उतार की अवस्था, जिसमें हलका सिरदर्द और हलकी ऐंठन होती है; नशा, मद, उन्माद,—"आँखों ने मए हुस्न पिलाई थी एक रोज़–अँगड़ाइयाँ लेता हूँ अभीतक ख़ुमार में।"

ख़ुमारआलूदः (خمارآلوده) फ़ा. वि.–नशे में मस्त, मदोन्मत्त, प्रायः प्रेमिका की आँखों के लिए आता है। "ख़ुमार-आलूदः नज़रें तीरसी दिल में उतरती हैं।"

ख़ुमारआलूद (خمارآلود) फ़ा. वि.–दे. 'ख़ुमार आलूदः'।

ख़ुमारीं (خماریں) अ. फ़ा. वि.–दे. 'ख़ुमार आलूदः'।

ख़ुमाल (خمال) अ. पुं.–गठिया का दर्द; सच्चा मित्र।

ख़ुमासी (خماسی) अ. पुं.–अरबी का वह शब्द जिसमें पाँच अक्षर हों।

ख़ुमाहन (خم آهن) फ़ा. पुं.–लालिमा लिये हुए एक काला पत्थर।

ख़ुमूद (خمود) अ. पुं.–आग का कुम्हला जाना या ख़त्म हो जाना, अर्थात् बुझ जाना।

ख़ुमूल (خمول) अ. पुं.–गुमनामी का जीवन व्यतीत करना, अज्ञातवास; गुमनामी।

ख़ुमूश (خموش) अ. पुं.–छीलना।

ख़ुमूस (خموص) अ. पुं.–सूजन का उतर जाना, सूजे हुए अंग का ठीक हो जाना।

ख़ुमे अफ़्लातून (خم افلاطون) फ़ा. अ. पुं.–वह मटका जिसमें अफ़्लातून को मरते समय बंद करके पहाड़ की खोह में रख दिया गया था।

ख़ुमे ईसा (خم عیسی) फ़ा. अ. पुं.–वह घड़ा जिसमें चाहे जिस रंग का कपड़ा डाला जाता, हज़रत ईसा की दुआ से वह सफ़ेद या काला निकलता था।

ख़ुमे मय (خم مے) फ़ा. पुं.–शराब की मटकी।

ख़ुयूल (خیول) अ. पुं.–'ख़ेल' का बहु., समूह, समुदाय, जमाअतें।

ख़ुरः (خوره) फ़ा. पुं.–एक रोग जिसमें बाल झड़ने लगते हैं।

ख़ुर (خور) फ़ा. पुं.–सूर्य, सूरज।

ख़ुरदाद (خرداد) फ़ा. पुं.–फ़ारसी का एक महीना जो असाढ़ के लगभग पड़ता है।

ख़ुरशीद (خرشید) फ़ा. पुं.–रवि, दिनकर, दिवाकर, सूर्य, सूरज।

ख़ुरशेद (خرشید) फ़ा. पुं.–दे. 'ख़ुरशीद', शुद्ध दोनों हैं, मगर 'ख़ुरशीद' फ़सीह है।

ख़ुराक (خوراک) फ़ा. स्त्री.–भोजन, [illegible]; खाद्य, खाने की वस्तु, ग़िज़ा।

ख़ुराज (خراج) अ. पुं.–फोड़ा, व्रण; घाव, ज़ख़्म, क्षत।

ख़ुराफ़त (خرافت) अ. स्त्री.–बकबास, अनर्गल प्रलाप, बेहूदःगोई।

ख़ुराफ़ात (خرافات) अ. स्त्री.–'ख़ुराफ़त' का बहु., बेहूदा बातें, बकवासें; बेहूदा और व्यर्थ के काम।

ख़ुरिंदः (خورنده) फ़ा. वि.–खानेवाला।

ख़ुरिश (خورش) फ़ा. स्त्री.–ख़ुराक, भोजन, ग़िज़ा।

ख़ुरूज (خروج) अ. पुं.–निकलना, निःसरण; शासन के विरुद्ध विद्रोह, बग़ावत।

ख़ुरूजुल मक़अद (خروج المقعد) अ. पुं.–बच्चों को काँच निकलने का रोग, गुदभ्रंश, गुद-निर्गम।

ख़ुरूर (خرور) अ. पुं.–गिरना, गिर पड़ना; सोनेवाले के गले का बोलना, ख़र्राटे लेना।

ख़ुरूस (خروس) फा. पुं.—मुर्ग़ा, कुक्कुट।
ख़ुरोश (خروش) फा. पुं.—कोलाहल, शोर; हाहाकार, कोहराम।
ख़ुर्ख़ंजीवन (خورخنجیون) फा. अ.—एक शैतान जो स्त्रियों से संभोग करने के लिए उनके शरीर में प्रवेश कर जाता है।
ख़ुर्जी (خورجیں) फा. पुं.—लद्दू गधे या घोड़े की पीठ का थैला, गौन, गोण।
ख़ुर्जी (خرجی) फा. पुं.—दे. 'ख़ुर्जी'।
ख़ुर्तूम (خرطوم) अ. पुं.—हाथी की सूँड़, शुंड; तेज़ नशेवाली मदिरा; क़ौम का सरदार।
ख़ुर्दः (خردہ) फा. वि.—खाया हुआ, केवल यौगिक शब्दों के अंत में आता है, जैसे—'ज़ख़्मख़ुर्दः' घाव खाया हुआ।
ख़ुर्दः (خردہ) फा. पुं.—खंड, टुकड़ा, रेज़ः; दोष, ऐब; रेज़गारी, नावाँ।
ख़ुर्दःकार (خردہکار) फा. वि.—काम में बारीकी पसंद करनेवाला; कठिन काम सुगमता से करनेवाला।
ख़ुर्दःकारी (خردہکاری) फा. स्त्री.—काम में बारीकी पसंद करना; कठिन काम सरलता से करना।
ख़ुर्दःगीर (خردہگیر) फा. वि.—ऐब ढूँढ़नेवाला, छिद्रान्वेषी, ऐबची।
ख़ुर्दःगीरी (خوردہگیری) फा. स्त्री.—दोषों की खोज, छिद्रान्वेषण, ऐबचीनी।
ख़ुर्दःचीं (خردہچیں) फा. वि.—दे. 'ख़ुर्दःगीर'।
ख़ुर्दःचीनी (خردہچینی) फा. स्त्री.—दे. 'ख़ुर्दःगीरी'।
ख़ुर्दःफ़रोश (خردہفروش) फा. वि.—फुटकर माल बेचनेवाला, थोकफ़रोश का उलटा।
ख़ुर्दःफ़रोशी (خردہفروشی) फा. स्त्री.—फुट माल बेचना।
ख़ुर्दःबीं (خردہبیں) फा. वि.—दे. 'ख़ुर्दःगीर'।
ख़ुर्दःबीनी (خردہبینی) फा. स्त्री.—दे. 'ख़ुर्दःगीरी'।
ख़ुर्द (خورد) फा. वि.—छोटा, क्षुद्र; लघु, क़सीर; ह्रस्व, नाक़िस; कण, रेज़ः; योग्य, लायक़।
ख़ुर्द (خورد) फा. क्रि.—खाया।
ख़ुर्दनी (خوردنی) फा. वि.—खाने योग्य; खानेवाली वस्तु।
ख़ुर्दबीं (خردبیں) फा. वि.—छोटी चीज़ को देखनेवाला; दे. ख़ुर्दबीन।
ख़ुर्दबीन (خردبین) फा. स्त्री.—एक यंत्र, जिसमें छोटे से छोटी चीज़ बहुत बड़ी दिखाई देती है।
ख़ुर्दबीनी (خردبینی) फा. स्त्री.—छोटी वस्तु को देख लेना।
ख़ुर्दबुर्द (خوردبرد) फा. वि.—ग़र्त, रबूद, नष्ट, बरबाद; ग़बन, अपहृत।
ख़ुर्दसाल (خردسال) फा. वि.—अल्पवयस्क, वयोबाल, कमसिन।
ख़ुर्दसाली (خردسالی) फा. स्त्री.—बाल्यावस्था, अल्पवयस्कता, कमसिनी।
ख़ुर्दी (خردی) फा. स्त्री.—छोटाई, लघुता।
ख़ुर्नूब (خرنوب) अ. पुं.—एक जंगली पेड़ जिसका फल दवा में काम आता है; उस पेड़ का फल।
ख़ुर्फ़ः (خرفہ) अ. पुं.—एक साग जिसके बीज दवा में काम आते हैं।
ख़ुर्मा (خرما) फा. पुं.—छुहारा, सूखा खजूर; हरा छुहारा, पिंड खजूर, एक तरह की मिठाई।
ख़ुर्रम (خرم) फा. वि.—प्रसन्न, आनंदित, हर्षित, ख़ुश।
ख़ुर्रमी (خرمی) फा. स्त्री.—प्रसन्नता, हर्ष, आनंद, ख़ुशी।
ख़ुसंद (خرسند) फा. वि.—दे. 'ख़ुर्रम'।
ख़ुसंदी (خرسندی) फा. स्त्री.—दे. 'ख़ुर्रमी'।
ख़ुल [ल्ल] (خل) अ. पुं.—मित्र, दोस्त, यार, सखा।
ख़ुलता (خلطا) अ. पुं.—'ख़लीत' का बहु., साझेदार लोग।
ख़ुलफ़ा (خلفا) अ. पुं.—'ख़लीफ़ः' का बहु., प्रतिनिधि लोग; स्थानापन्न लोग; हज़्रत अबूबक्र आदि ख़लीफ़े; मुसलमान शासकगण।
ख़ुलासः (خلاصہ) अ. पुं.—सार, संक्षेप, निचोड़; परिणाम, नतीजा; सारांश, तलख़ीस।
ख़ुलुक़ (خلق) अ. पुं.—दे. 'ख़ुल्क़', दो. शु. हैं।
ख़ुलुब (خلب) अ. पुं.—कचला मिट्टी, एक काली और चिपकनेवाली मिट्टी; बटी हुई रस्सी।
ख़ुलुव्व (خلو) अ. पुं.—दे. 'ख़ुलू'।
ख़ुलू (خلو) अ. पुं.—ख़ाली होना, रिक्त होना; रिक्तता, ख़ालीपन।
ख़ुलूए मे'दः (خلوے معدہ) अ. पुं.—आमाशय का भोजन आदि से रिक्त होना, पेट ख़ाली होना।
ख़ुलूज (خلوج) अ. पुं.—आँख का या किसी दूसरे अंग का फड़कना।
ख़ुलूद (خلود) अ. पुं.—सदा रहना, हमेशा रहना; नित्यता, हमेशगी।
ख़ुलूफ़ (خلوف) अ. पुं.—'ख़लफ़' का बहु., मृत व्यक्ति के पीछे रहनेवाले बाल-बच्चे; भोज्य पदार्थ का स्वाद बिगड़ जाना; पानी भरना; पुराने कपड़े उतारना और नये पहनना; नाश होना, बरबाद होना।
ख़ुलूस (خلوص) अ. पुं.—निष्कपटता, निश्छलता, सिद्क़दिली; सत्यता, सच्चाई; गाद, तलछट।
ख़ुलूअ (خلع) अ. पुं.—मुसलमान स्त्री का अपने पति से तलाक़ चाहना।

ख़ुल्क़ (خلق) अ. पुं.–सुशीलता, मुरव्वत; सदाचार, अख़्लाक़; स्वभाव, आदत।

ख़ुल्क़ान (خلقان) अ. पुं.–पुरातन, पुराना; पुराना वस्त्र, पुराना लिबास।

ख़ुल्त (خلطہ) अ. पुं.–भागीदारी, शिर्कत, साझा।

ख़ुल्त (خلت) अ. पुं.–अच्छा स्वभाव, सत्प्रकृति।

ख़ुल्दः (خلدہ) अ. पुं.–कान का बुंदा, लटकन, गोशवारा।

ख़ुल्द (خلد) अ. पुं.–स्वर्ग, नाक, विहिश्त; नित्यता, हमेशगी, (स्त्री.) छछूंदर, एक जंतु।

ख़ुल्द आश्याँ (خلد آشیاں) अ. फ़ा. वि.–जिसका घर स्वर्ग में हो, स्वर्गवासी, दिवंगत।

ख़ुल्दनशीं (خلدنشیں) अ. फ़ा. वि.–दे. "ख़ुल्द आश्याँ"।

ख़ुल्दमकां (خلدمکاں) अ. वि.–दे. 'ख़ुल्द आश्यां'।

ख़ुल्देबरीं (خلدبریں) अ.फ़ा.पुं.–सबसे ऊँचा स्वर्ग, सातवाँ स्वर्ग।

ख़ुल्फ़ (خلف) अ. पुं.–वचनभंग, प्रतिज्ञा-भंग, वादाख़िलाफ़ी।

ख़ुल्फ़े वा'दः (خلف وعدہ) अ. पुं.–प्रतिज्ञा का पालन न करना, प्रतिज्ञा-भंग।

ख़ुल्लत (خلت) अ. स्त्री.–मैत्री, दोस्ती।

ख़ुल्लब (خلب) अ. पुं.–वह बादल जिसमें पानी न हो।

ख़ुल्लान (خلان) अ. पुं.–ख़लील का बहु., मित्रगण, दोस्त लोग।

ख़ुल्लास (خلاص) अ. पुं.–घर के सूराख़; घर की बुराइयाँ।

ख़ुल्सः (خلسہ) अ. पुं.–काले और सफ़ेद बाल मिले हुए, खिचड़ी बाल; सूखी और तर घास मिली हुई।

ख़ुवार (خوار) अ. पुं.–बैल की डौंकन।

ख़ुश (خوش) फ़ा. वि.–प्रसन्न, मसूर; शुभान्वित, मुबारक; सुंदर, हसीन; प्रियदर्शन, ख़ुशनुमा; पवित्र, पाक; पुनीत, नेक; उत्तम, श्रेष्ठ, आला।

ख़ुशअंजाम (خوش انجام) फ़ा. वि.–जिसका परिणाम अच्छा हो वह काम, शुभ परिणाम।

ख़ुशअख़्लाक़ (خوش اخلاق) फ़ा. अ. वि.–सुशील, चारुशील, ख़ुशख़ुल्क़; विनम्र, विनीत, मुन्कसिर।

ख़ुशअख़्लाक़ी (خوش اخلاقی) फ़ा. अ. स्त्री.–सुशीलता, ख़ुशख़ुल्क़ी; विनीति,इ न्किसार।

ख़ुशअत्वार (خوش اطوار) फ़ा. अ. वि.–अच्छे आचरण वाला, सदाचारी।

ख़ुशअदा (خوش ادا) फ़ा. वि.–जिसकी अदाएँ अच्छी हों; जिसकी वर्णन-शैली अच्छी हो।

ख़ुशअमल (خوش عمل) अ. फ़ा. वि.–शुद्ध आचरण-वाला, सदाचारी।

ख़ुशआब (خوش آب) फ़ा. वा.–अच्छी चमक-दमक वाला।

ख़ुशआमदेद (خوش آمدید) फ़ा. वि.–शुभागमन, आपका आना शुभान्वित हो, एक वाक्य, जो किसी बड़े व्यक्ति के आने पर कहा जाता है।

ख़ुशआ'माल (خوش اعمال) फ़ा. अ. वि.–अच्छे आचार-विचारवाला, व्यवहार-शील।

ख़ुशआयंद (خوش آیند) फ़ा. वि.–जिसका भविष्य अच्छा हो; अच्छा, सुंदर, उत्तम।

ख़ुशआवाज़ (خوش آواز) फ़ा. वि.–जिसका स्वर अच्छा हो, कलरव, कलकंठ, सुस्वर।

ख़ुशआवाज़ी (خوش آوازی) फ़ा. स्त्री.–स्वर का अच्छा होना।

ख़ुशइंतिज़ाम (خوش انتظام) फ़ा. अ. वि.–जो प्रबंध अच्छा करता हो, प्रबंध-कुशल।

ख़ुशइंतिज़ामी (خوش انتظامی) फ़ा. अ. स्त्री.–प्रबंध की अच्छाई, प्रबंध-कौशल।

ख़ुशइक़्बाल (خوش اقبال) फ़ा. अ. वि.–प्रतापवान्, तेजोमय, तेजस्वी; भाग्यवान्, सुभागीन, भाग्यशाली।

ख़ुशइक़्बाली (خوش اقبالی) फ़ा. अ. स्त्री.–प्रतापवान् होना; भाग्यवान् होना।

ख़ुशइनाँ (خوش عناں) फ़ा. अ. वि.–वह घोड़ा जो लगाम के इशारे पर चले, लगाम का सच्चा।

ख़ुशइयार (خوش عیار) फ़ा. अ. वि.–वह सोना अथवा चाँदी जो कसौटी पर पूरा कस दे, खरा, ख़ालिस।

ख़ुशइल्हान (خوش الحان) फ़ा. अ. वि.–दे. 'ख़ुश आवाज़'।

ख़ुशइल्हानी (خوش الحانی) फ़ा. अ. स्त्री.–दे. 'ख़ुश आवाज़ी'।

ख़ुशउस्लूब (خوش اسلوب) अ. फ़ा. वि.–जिसका तौर तरीक़ा बहुत अच्छा हो, सद्व्यवहार।

ख़ुशउस्लूबी (خوش اسلوبی) फ़ा.अ. स्त्री. आचार-व्यवहार की अच्छाई।

ख़ुशऔक़ात (خوش اوقات) फ़ा. अ. वि.–जिसका समय अच्छा बीते; जो अपना काम ठीक समय पर करता हो।

ख़ुशक़दम (خوش قدم) फ़ा. अ. वि.–ऐसा व्यक्ति जिसके आने से घर में बरकत और कल्याण हो।

ख़ुशक़लम (خوش قلم) फ़ा. अ. वि.–अच्छा लिखनेवाला; अच्छा और चिकना काग़ज़।

ख़ुशकलाम (خوش کلام) फ़ा. अ. वि.–मधुरभाषी, मिष्टभाषी, शीरींगुफ़्तार।

ख़ुशकलामी (خوش کلامی) फ़ा. अ. स्त्री.–बातचीत का माधुर्य, शीरींगुफ़्तारी।

खुशक़ामत (خوش قامت) फा. अ. वि.–जिसके शरीर की बनावट सुंदर और सुडौल हो, सुष्ठु।

खुशक़ामती (خوش قامتی) फा. अ. स्त्री.–शरीर का सुडौल और सुंदरपन, सौष्ठव, तनासुबे आ'ज़ा।

खुशक़िस्मत (خوش قسمت) फा. अ. वि.–सौभाग्यशाली, सुभागीन, भाग्यवान्; अच्छी तक़्दीर वाला।

खुशक़िस्मती (خوش قسمتی) फा. अ. स्त्री.–सौभाग्य, तक़्दीर की अच्छाई।

खुशकुन (خوش کن) फा. वि.–खुश करनेवाला, विशेषतः दूसरे शब्द के साथ आता है, जैसे–दिल खुशकुन, चित्त को प्रसन्न करनेवाला।

खुशख़त (خوش خط) फा. अ. वि.–जिसका लिखना अच्छा हो, अच्छा लिखनेवाला, सुलेखक।

खुशख़ती (خوش خطی) फा. अ. स्त्री.–लिखावट का अच्छा होना, अच्छी लिखावट, सुलेख।

खुशख़बरी (خوش خبری) फा. अ. स्त्री.–अच्छा समाचार, शुभ समाचार, शुभ संवाद, ललित सूचना।

खुशख़याल (خوش خیال) फा. अ. वि.–अच्छा विचार रखनेवाला; जिसका विचार किसी की ओर से अच्छा हो।

खुशख़रीद (خوش خرید) फा. वि.–नक़द दामों से ख़रीदी हुई वस्तु।

खुशख़िराम (خوش خرام) फा. वि.–अच्छी चाल वाला (वाली), सुगामी, सुगामिनी, गजगामिनी।

खुशख़िरामी (خوش خرامی) फा. स्त्री.–सुंदर चाल।

खुशख़ुराक (خوش خوراک) फा. वि.–अच्छा खानेवाला, खाने का शौक़ीन।

खुशख़ुल्क़ (خوش خلق) फा. अ. वि.–हरेक से खुश होकर मिलनेवाला, सबसे सुशीलता का व्यवहार करनेवाला, सच्छील, सद्वृत्त, सुशील।

खुशख़ुल्क़ी (خوش خلقی) फा. अ. स्त्री.–शील-संकोच, सद्वृत्ति, अच्छा अख़्लाक़।

खुशख़ू (خوش خو) फा. वि.–अच्छे स्वभाववाला, सत्प्रकृति; अच्छे अख़्लाक़ वाला, सच्छील, सद्वृत्त।

खुशख़ूई (خوش خوئی) फा. स्त्री.–अच्छा स्वभाव; अच्छा अख़्लाक़।

खुशगप्पी (خوش گپی) फा. स्त्री.–हँसी-मज़ाक़, वाग्विलास, रसवाद।

खुशगाम (خوش گام) फा. वि.–दे. 'खुशख़िराम'।

खुशग़िलाफ़ (خوش غلاف) फा. वि.–वह तलवार जो तुरंत ही म्यान से निकल आये, अच्छी, हलकी और बाढ़दार तलवार; वह स्त्री जो ज़रा-सी लगावट में पर-पुरुष के साथ सहवास को तैयार हो जाय।

खुशगुज़रान (خوش گزران) फा. वि.–अच्छे प्रकार से जीवन व्यतीत करनेवाला, अच्छा खाने-पहननेवाला।

खुशगुफ़्तार (خوش گفتار) फा. वि.–जिसकी बोलचाल मीठी हो, मधुरभाषी, मिष्टभाषी; अच्छा भाषण देनेवाला, सुवक्ता।

खुशगुफ़्तारी (خوش گفتاری) फा. स्त्री.–बोलचाल और बातचीत की मिठास, वार्ता-माधुर्य; धुआँधार भाषण देना।

खुशगुमान (خوش گمان) फा. वि.–जिसके विचार किसी की ओर से अच्छे हों।

खुशगुमानी (خوش گمانی) फा. स्त्री.–विचार का किसी की ओर से अच्छा होना।

खुशगुलू (خوش گلو) फा. वि.–जिसका गला सुरीला हो, कलकंठ, मधुरकंठ, खुशइल्हाँ।

खुशगुलूई (خوش گلوئی) फा. स्त्री.–गले का सुरीला होना, कंठ-माधुर्य।

खुशगुवार (خوش گوار) फा. वि.–जो चित्त के अनुकूल हो, जो मन को अच्छा लगे, मनोवांछित, रुचिकर; सुस्वाद, खुशज़ाइका।

खुशगुवारी (خوش گواری) फा. स्त्री.–मन को पसंद आने का भाव, अच्छा लगने का भाव; मज़े का अच्छा होना।

खुशगो (خوش گو) फा. वि.–दे. 'खुशगुफ़्तार'।

खुशगोई (خوش گوئی) फा. स्त्री.–दे. 'खुशगुफ़्तारी'।

खुशचश्म (خوش چشم) फा. वि.–अच्छी आँखों वाला (वाली), सुनेत्र, सुनेत्रा, सुलोचना, चारुनेत्रा।

खुशचश्मी (خوش چشمی) फा. स्त्री.–आँखों की सुंदरता, नेत्र-सौंदर्य।

खुशचेहः (خوش چہرہ) फा. वि.–दे. 'खुशरू'।

खुशज़बाँ (خوش زباں) फा. वि.–दे. 'खुशगुफ़्तार'।

खुशजमाल (خوش جمال) फा. अ. वि.–अच्छे सौंदर्यवाला (वाली), सुंदर, हसीन, सुंदरी, रूपवती, सुरूप, हसीना।

खुशज़ाइक़ः (خوش ذائقہ) फा. अ. वि.–जिसका स्वाद अच्छा हो, सुस्वाद, स्वादिष्ठ, मुखप्रिय।

खुशज़ौक़ (خوش ذوق) फा. अ. वि.–जिसको कविता-सम्बन्धी गुण-दोष का अच्छा ज्ञान हो, जो काव्य-मर्मज्ञ हो, रसिक, सहृदय, रसानुभवी; जिसे दूसरी किसी कला में रुचि हो।

खुशज़ौक़ी (خوش ذوقی) फा. अ. स्त्री.–काव्य-मर्मज्ञता, रसिकता, सहृदयता; किसी दूसरे विषय में अच्छी दिलचस्पी।

खुशतक़्दीर (خوش تقدیر) फा. अ. वि.–दे. 'खुश क़िस्मत'।

ख़ुशतब्अ (خوش طبع) फा. अ. वि.—दे. 'ख़ुशमिज़ाज'।

ख़ुशतब्ई (خوش طبعی) फा. अ. स्त्री.—दे. 'ख़ुशमिज़ाजी'।

ख़ुशतर (خوشتر) फा. वि.—बहुत अच्छा, उत्तमतर।

ख़ुशतरक (خوشترک) फा. वि.—बहुत ही अच्छा, अत्यधिक उत्तम।

ख़ुशताले' (خوش طالع) फा. अ. वि.—दे. 'ख़ुशक़िस्मत'।

ख़ुशदामन (خوش دامن) फा. स्त्री.—सास, श्वश्रू, चारुदेवी।

ख़ुशदिल (خوش دل) फा. वि.—जो हर समय प्रसन्न रहे, प्रसन्नचित्त, सुमनस्क; जो विनोदप्रिय हो, मनोरंजक, पुरमज़ाक़।

ख़ुशदिली (خوش دلی) फा. स्त्री.—हर समय प्रसन्न रहने का भाव; विनोदप्रियता, पुरमज़ाक़ी।

ख़ुशनवीस (خوش نویس) फा. वि.—जिसकी लिखावट अच्छी हो, सुलेखक; जो ख़ुशनवीसी का पेशः करता हो, कातिब।

ख़ुशनवीसी (خوش نویسی) फा. स्त्री.—अच्छा लिखना, सुलेख, ख़ुशख़ती; ख़ुशनवीसी का पेशा।

ख़ुशनशीं (خوش نشیں) फा. वि.—वह व्यक्ति जिसे अगर कोई स्थान पसंद आ जाय तो वहीं का हो रहे।

ख़ुशनशीनी (خوش نشینی) फा. स्त्री.—कोई स्थान पसंद आने पर वहीं का हो रहना।

ख़ुशनसीब (خوش نصیب) फा. अ. वि.—दे. 'ख़ुशक़िस्मत'।

ख़ुशनसीबी (خوش نصیبی) फा. स्त्री.—दे. 'ख़ुशक़िस्मती'।

ख़ुशनिहाद (خوش نہاد) फा. वि.—अच्छी प्रकृति वाला, अच्छे स्वभाव वाला, सत्प्रकृति, सदात्मा।

ख़ुशनीयत (خوش نیت) फा. अ. वि.—ईमानदार, व्यवहारनिष्ठ; जो यह चाहता हो कि किसी का पैसा उस पर न रहे; जो यह चाहता हो कि उसका पैसा अच्छे कामों में व्यय हो।

ख़ुशनीयती (خوش نیتی) फा. अ. स्त्री.—ईमानदारी; किसी का ऋणी न रहने का भाव; अच्छे कामों में पैसा ख़र्च करने का भाव।

ख़ुशनुमा (خوش نما) फा. वि.—जो देखने में अच्छा लगे, नेत्रप्रिय, प्रियदर्शन, मनोरम; सुन्दर, हसीन।

ख़ुशनुमाई (خوش نمائی) फा. स्त्री.—नेत्रप्रियता, दिलकशी; सुन्दरता, हुस्न।

ख़ुशपोश (خوش پوش) फा. वि.—जो अच्छे वस्त्र पहनने का शौक़ीन हो, जो सदा अच्छे कपड़े पहनता हो, चारुवेष।

ख़ुशपोशाक (خوش پوشاک) फा. वि.—दे. 'ख़ुशपोश'।

ख़ुशपोशी (خوش پوشی) फा. स्त्री.—अच्छे वस्त्र का शौक़, सुवस्त्रप्रियता।

ख़ुशफ़ह्म (خوش فہم) फा. अ. वि.—शीघ्र बात समझ जानेवाला, तीव्रबुद्धि; किसी की ओर से अच्छा विचार रखनेवाला, ख़ुशगुमान।

ख़ुशफ़ह्मी (خوش فہمی) फा. अ. स्त्री.—बुद्धि की तीव्रता, अक़्ल की तेज़ी; किसी की ओर से अच्छा गुमान, सुधारणा।

ख़ुशफ़े'ली (خوش فعلی) फा. अ. स्त्री.—मनोरंजन, मनोविनोद, तफ़रीह, चुहल, मज़ाक़।

ख़ुशबख़्त (خوش بخت) फा. वि.—दे. 'ख़ुशक़िस्मत'।

ख़ुशबख़्ती (خوش بختی) फा. स्त्री.—दे. 'ख़ुशक़िस्मती'।

ख़ुशबयान (خوش بیان) फा. अ. वि.—दे. 'ख़ुशगुफ़्तार'।

ख़ुशबयानी (خوش بیانی) फा. स्त्री.—दे. 'ख़ुशगुफ़्तारी'।

ख़ुशबाश (خوش باش) फा. वि.—अच्छे प्रकार से रहनेवाला; रहने के स्थान को सुसज्जित रखनेवाला, बेफ़िक्री में जीवन व्यतीत करनेवाला, (वा.) एक आशीर्वाद, ख़ुश रहो, स्वस्तु।

ख़ुशबू (خوشبو) फा. वि.—सुगंधित, अच्छी सुगंधवाला, (स्त्री.) सुगंध, अच्छी महक।

ख़ुशबूदार (خوشبودار) फा. वि.—जिसमें सुगंध हो, सौरभित, सुगंधित।

ख़ुशमंज़र (خوش منظر) फा. अ. वि.—जो देखने में अच्छा लगे, प्रियदर्शन, शुभदर्शन, नेत्रप्रिय।

ख़ुशमआश (خوش معاش) फा. अ. वि.—'बदमआश' का उलटा; अच्छी कमाई से जीवन बितानेवाला; नेकचलन।

ख़ुशमआशी (خوش معاشی) फा. अ. स्त्री.—'बदमआशी' का उलटा; अच्छी कमाई से जीवन बिताना; नेकचलनी।

ख़ुशमज़ाक़ (خوش مزاق) फा. अ. वि.—दे. 'ख़ुशज़ौक़', ज़िंदादिल, विनोद-रसिक।

ख़ुशमज़ाक़ी (خوش مزاقی) फा. अ. स्त्री.—दे. 'ख़ुशज़ौक़ी', ज़िंदःदिली, विनोदप्रियता।

ख़ुशमनिश (خوش منش) फा. वि.—दे. 'ख़ुशमिज़ाज', सज्जन, शरीफ़।

ख़ुशमनिशी (خوش منشی) फा. स्त्री.—दे. 'ख़ुशमिज़ाजी', सज्जनता, शराफ़त।

ख़ुशमिज़ाज (خوش مزاج) फा. अ. वि.—ज़िंदादिल, हास्यप्रिय, विनोद-रसिक; सुशील, सच्छील, ख़ुश अख़्लाक़।

ख़ुशमिज़ाजी (خوش مزاجی) फा. अ. स्त्री.—ज़िंदादिली, हास्यप्रियता; सुशीलता, ख़ुश अख़्लाक़ी।

ख़ुशमुआमलः (خوش معاملہ) फा. अ. वि.—लेन-देन का पाक-साफ़, व्यवहारनिष्ठ; वा'दे का सच्चा, दृढ़प्रतिज्ञ।

ख़ुशमुआमलगी (خوش معاملگی) फा.अ.स्त्री.—लेन-देन की सफ़ाई, व्यवहारनिष्ठता; वचनबद्धता, वा'दे की सच्चाई।

ख़ुशरंग (خوش رنگ) फ़ा. वि.—अच्छे रंगवाला, सुवर्ण।
ख़ुशरंगी (خوش رنگی) फ़ा. स्त्री.—रंग की सुन्दरता, वर्ण-सौन्दर्य।
ख़ुशरफ़्तार (خوش رفتار) फ़ा. वि.—दे. 'ख़ुशख़िराम'।
ख़ुशरफ़्तारी (خوش رفتاری) फ़ा. स्त्री.—दे. 'ख़ुशख़िरामी'।
ख़ुशरू (خوش رو) फ़ा. वि.—रूपवान्, सुरूप, अच्छी शक्ल-वाला; रूपवती, सुरूपा, हसीना।
ख़ुशरूई (خوش روئی) फ़ा. स्त्री.—मुखमंडल की सुन्दरता, चेहरे की ख़ुशनुमाई।
ख़ुशलगाम (خوش لگام) फ़ा. वि.—दे. 'ख़ुशइनाँ'।
ख़ुशलह्जः (خوش لہجہ) फ़ा. अ. वि.—जिसका लबो लहजा (टोन) सुन्दर हो; जिसकी आवाज़ सुन्दर हो, कलकंठ।
ख़ुशलिबास (خوش لباس) फ़ा. अ. वि.—दे. 'ख़ुशपोश'।
ख़ुशलिबासी (خوش لباسی) फ़ा. अ. स्त्री.—दे. 'ख़ुशपोशी'।
ख़ुशवक़्त (خوش وقت) फ़ा. अ. वि.—जिसका समय अच्छा हो; समृद्ध, संपन्न, फ़ारिग़ुल बाल; भाग्यवान्, ख़ुश-क़िस्मत।
ख़ुशवक़्ती (خوش وقتی) फ़ा. अ. स्त्री.—समय की अनुकूलता; समृद्धि, दौलतमंदी; भाग्यशीलता, ख़ुशक़िस्मती।
ख़ुशवज़्अ (خوش وضع) फ़ा. अ. वि.—जो अपनी परंपरा पर दृढ़ रहे, वज़्ा'दार।
ख़ुशवज़्ई (خوش وضعی) फ़ा. अ. स्त्री.—परम्परा पर दृढ़ता, वज़्ादारी।
ख़ुशसलीक़ः (خوش سلیقہ) फ़ा. अ. वि.—जिसे हर बात का ढंग आता हो, व्यवहार-कुशल; जो हर वस्तु क्रम और तर्तीब से रखता हो, शिष्ट।
ख़ुशसलीक़गी (خوش سلیقگی) फ़ा. अ. स्त्री.—हर बात का ढंग; हर चीज़ को क्रम से रखने की तमीज़।
ख़ुशसवाद (خوش سواد) फ़ा. अ. वि.—वह नगर जिसके चारों ओर का दृश्य अच्छा हो।
ख़ुशसीरत (خوش سیرت) फ़ा. अ. वि.—अच्छी प्रकृतिवाला, अच्छे स्वभाववाला; शील-संकोचवाला।
ख़ुशसीरती (خوش سیرتی) फ़ा. अ. स्त्री.—स्वभाव की शिष्टता; सुशीलता, ख़ुश अख़्लाक़ी।
ख़ुशहाल (خوش حال) फ़ा. अ. वि.—जिसकी आर्थिक दशा अच्छी हो, संपन्न, समृद्ध, मालदार।
ख़ुशहाली (خوش حالی) फ़ा. अ. स्त्री.—संपन्नता, समृद्धि, मालदारी।
ख़ुशा (خوشا) फ़ा. अव्य.—अहो, क्या ख़ूब, वाह वाह, "ख़ुशा! नसीब! तपिशहाए-आलमे-बेदाद, हमारे सर पे तुम्हारा हसीन साया है।"
ख़ुशाक़िस्मत (خوشاقسمت) फ़ा. अ. अव्य.—अहो भाग्य, वाह री तक़्दीर, वाह रे मैं।
ख़ुशानसीब (خوشانصیب) फ़ा. अ. अव्य.—दे. 'ख़ुशा-क़िस्मत'।
ख़ुशाम (خشام) अ. पुं.—वह व्यक्ति जिसकी नाक ऊँची हो; वह पहाड़ जिसकी चोटी ऊँची हो।
ख़ुशामद (خوشامد) फ़ा. स्त्री.—चापलूसी, चाटुकारिता; मिन्नत, समाजत, उल्लाप।
ख़ुशामदगो (خوشامدگو) फ़ा. वि.—ख़ुशामद करनेवाला, चाटुकार।
ख़ुशामदपसंद (خوشامدپسند) फ़ा. वि.—जिसे चापलूसी अच्छी लगती हो, जो चाहता हो कि लोग उसकी ख़ुशामद करें, चटुलालस।
ख़ुशामदशिआर (خوشامدشعار) फ़ा.अ. वि.—जिसे ख़ुशामद करने की आदत हो, जिसका काम ही ख़ुशामद करना हो, चाटुपटु।
ख़ुशामदी (خوشامدی) फ़ा. वि.—ख़ुशामद करनेवाला, चाटु-कार, चाटुलोल, उल्लापी।
ख़ुशी (خوشی) फ़ा. स्त्री.—हर्ष, आनंद, मसर्रत; इच्छा, रुचि, मर्ज़ी; बच्चे की पैदाइश, बाल-जन्म; स्वीकृति, मंज़ूरी; आनंदित, हर्षित, ख़ुश।
ख़ुशूअ (خشوع) अ. पुं.—नम्रता, विनय, आजिज़ी; तारे का अस्त होने के निकट होना; नींद से आँख का बंद होना।
ख़ुशूनत (خشونت) अ. स्त्री.— खुरदरापन, खुरखुरापन; अक्खड़पन, रूखापन, बदमिज़ाजी।
ख़ुश्कः (خشکہ) फ़ा. पुं.—उबाले हुए चावल, भात।
ख़ुश्क (خشک) फ़ा. वि.—सूखा हुआ, शुष्क; बिना रस का, नीरस; दुःशील, रूखा; अनुदार, तंगदिल; कृपण, कंजूस।
ख़ुश्कदिमाग़ (خشک دماغ) फ़ा. अ. वि.—जिसके मस्तिष्क में ख़ुश्की बहुत हो, चिड़चिड़ा, बदमिज़ाज।
ख़ुश्कमग़्ज़ (خشک مغز) फ़ा. अ. वि.—दे. 'ख़ुश्कदिमाग़'।
ख़ुश्कमिज़ाज (خشک مزاج) फ़ा. अ. वि.—बहुत ही रूखा फीका व्यक्ति, नीरसप्रकृति, खुर्रा।
ख़ुश्कमिज़ाजी (خشک مزاجی) फ़ा. अ. स्त्री.—मिज़ाज का रूखापन, खुर्रापन।
ख़ुश्कलब (خشک لب) फ़ा. वि.—प्यासा, पिपासित, जिसके ओंठ प्यास के कारण सूख गये हों।
ख़ुश्कसाल (خشکسال) फ़ा. वि.—दे. 'ख़ुश्कसाली'।
ख़ुश्कसाली (خشکسالی) फ़ा. स्त्री.—अवर्षा, बरसात का अभाव; दुर्भिक्ष, क़हतसाली।

खुश्कारी (خوشکاری) फा. स्त्री.–ख़े छना आटा; बंजर ज़मीन, ऊसर।

खुश्की (خشکی) फा. स्त्री.–सूखापन, शुष्कता; बद-अख़्लाक़ी, दुःशीलता; खुर्रापन, बदमिज़ाजी; मिज़ाज की ख़ुश्की।

ख़ुसुर (خسر) फ़ा. पुं.–पत्नी का बाप, ससुर, श्वशुर।

ख़ुसुरख़ानः (خسرخانہ) फा. पुं.–सुसराल, ससुराल, श्वशुरालय।

ख़ुसूफ़ (خسوف) अ. पुं.–चंद्रग्रहण, चाँद-गहन।

ख़ुसूमत (خصومت) अ. स्त्री.–द्वेष, कीना; वैर, शत्रुता, अदावत।

ख़ुसूस (خصوص) अ. पुं.–दे. 'ख़ुसूसीयत'।

ख़ुसूसन (خصوصاً) अ. वि.–ख़ास तौर पर, विशेष करके, मुख्यतः, विशेषतः।

ख़ुसूसी (خصوصی) अ. वि.–मुख्य, प्रधान, ख़ास।

ख़ुसूसीयत (خصوصیت) अ. स्त्री.–विशेषता, प्रधानता, ख़ासबात; मैत्री, दोस्ती, गाढ़ी मैत्री।

ख़ुस्त (خوست) फा. वि.–मला-दला, मसला हुआ, मर्दित।

ख़ुस्यः (خصیہ) अ. पुं.–अंडकोष, मुष्क, फ़ोता।

ख़ुस्यतैन (خصیتین) अ. पुं.–दोनों फ़ोते।

ख़ुस्र (خسر) अ. पुं.–हानि करना, क्षति पहुँचाना, टोटा होना।

ख़ुस्रान (خسران) अ. पुं.–हानि, क्षति, घाटा, टोटा; वंचकता, हीनता, महरूमी; अभागापन, दुर्भाग्य।

ख़ुस्रो (خسرو) फा. पुं.–सम्राट्, शहंशाह; परवेज़ का लड़का जिसने फ़र्हाद को मरवाया था; नौशेरवाँ का लड़का; चौदहवीं शताब्दी के एक भारतीय महाकवि और विद्वान् जिन्होंने सबसे पहले हिंदी भाषा का कविता में प्रयोग किया। इनकी 'मुकरनी' हिन्दी काव्य में बहुत विख्यात है।

ख़ुह्लः (خوهلہ) फा. वि.–टेढ़ा, वक्र।

ख़ू

ख़ूँ (خوں) फा. पुं.–'ख़ून' का लघु. दे. 'ख़ून'।

ख़ूँआलूदः (خوں آلودہ) फा. वि.–लोहू में लथड़ा हुआ, रक्ताक्त।

ख़ूँआलूद (خوں آلود) फा. वि.–दे. 'ख़ूँआलूदः', दोनों शुद्ध हैं।

ख़ूँआशाम (خوں آشام) फा. वि.–ख़ून पीनेवाला, रक्तापी, रक्तपायी; निर्दय, पाषाणहृदय, ज़ालिम।

ख़ूँआशामी (خوں آشامی) फा. स्त्री.–ख़ून चूसना, ख़ून पीना; निर्दयता, ज़ुल्म।

ख़ूँकर्दः (خوں کردہ) फा. वि.–जिसकी हत्या की गयी हो, वधित।

ख़ूँख़ुर्दः (خوں خوردہ) फा. वि.–जिसने ख़ून पिया हो; जिसका ख़ून पिया गया हो।

ख़ूँख़्वार (خونخوار) फा. वि.–ख़ून पीनेवाला, रुधिराशी, रक्तपायी; प्राण ले लेनेवाला श्वापद आदि, दरिंदा; अत्याचारी, ज़ालिम; निर्दय, बेरह्म।

ख़ूँख़्वारी (خونخواری) फा. स्त्री.–ख़ून पीना; अत्याचार; निर्दयता।

ख़ूँख़्वाह (خونخواه) फा. वि.–ख़ून का बदला चाहनेवाला, प्रतिहिंसक।

ख़ूँगर्मी (خوں گرمی) फा. स्त्री.–प्रेम, स्नेह, इश्क़; मैत्री, मुहब्बत।

ख़ूँगश्तः (خوں گشتہ) फा. वि.–जो ख़ून हो गया हो, जो पिघलकर मांस आदि से ख़ून बन गया हो।

ख़ूँगिरिफ़्तः (خوں گرفتہ) फा. वि.–जिसकी मृत्यु समीप हो, मरणासन्न; जो वध होना चाहता हो, वधेच्छु।

ख़ूँचिकाँ (خوں چکاں) फा. वि.–रक्त टपकता हुआ, जिसमें से ख़ून बह रहा हो।

ख़ूँचिकानी (خوں چکانی) फा. स्त्री.–ख़ून टपकना, ख़ून का बहाव।

ख़ूँदार (خوندار) फा. वि.–वधिक, हिंसक, ख़ूनी।

ख़ूँदारी (خونداری) फा. स्त्री.–वध, हत्या, ख़ून।

ख़ूँनाबः (خوں نابہ) फा. पुं.–ख़ून और पानी मिला हुआ, मिश्रण; ख़ून के आँसू।

ख़ूँनाबःफ़िशाँ (خوں نابہ فشاں) फा. वि.–ख़ून के आँसू बहानेवाला, ख़ून रोनेवाला।

ख़ूँनाबःफ़िशानी (خوندابہ فشانی) फा. स्त्री.–ख़ून के आँसू बहाना, ख़ून रोना।

ख़ूँनाब (خونذاب) फा. पुं.–दे. 'ख़ूँनाबः'।

ख़ूँफ़िशाँ (خوں فشاں) फा. वि.–ख़ून बहाने या बरसानेवाला, जिससे ख़ून टपके।

ख़ूँफ़िशानी (خوں فشانی) फा. स्त्री.–ख़ून बरसाना।

ख़ूँबहा (خوں بہا) फा. पुं.–ख़ून की क़ीमत, प्राणों का मूल्य; किसी की हत्या हो जाने पर उसके उत्तराधिकारियों को धन देकर राज़ी करने की क्रिया; वह धन जो प्राणों के बदले में दिया जाय, ख़ून = क़त्ल + बहा = मूल्य, प्राणों के बदले में प्रदेय धन।

ख़ूँबार (خوں بار) फा. वि.–ख़ून बरसानेवाला, रक्तवर्षक।

ख़ूँबारी (خوں باری) फा. स्त्री.–रक्त बरसाना।

ख़ूँरेख़्तः (خوں ریختہ) फा. वि.–जिसका ख़ून बहाया गया हो।

ख़ूंरेज़ (خوں ریز) फा. वि.–ख़ून बहानेवाला, हिंसक, हत्यारा; निर्दय, बेरह्म।

ख़ूंरेज़ी (خوں ریزی) फा. स्त्री.–ख़ून बहाना, हत्या करना; निर्दयता, बेरह्मी।

ख़ू (خو) फा. स्त्री.–स्वभाव, प्रकृति, आदत।

ख़ूएबद (خوے بد) फा. स्त्री.–बुरा स्वभाव, बुरी आदत।

ख़ूक (خوک) फा. पुं.–शूकर, वराह, सुअर।

ख़ूकर्दः (خوکردہ) फा. वि.–दे. 'ख़ूगर'।

ख़ूगर (خوگر) फा. वि.–जिसे किसी बात की आदत हो, अभ्यस्त; जिसे कोई लत हो, व्यसनी, लती।

ख़ूत (خوط) फा. पुं.–मृदुल शाखा, नाज़ुक डाली; मोटा-ताज़ा व्यक्ति जो फुर्तीला और हँसमुख हो।

ख़ूद (خود) फा. पुं.–दे. 'ख़ोद', दोनों शुद्ध हैं।

ख़ून (خون) फा. पुं.–रक्त, रुधिर, लोहू; वध, क़त्ल, हत्या।

ख़ूनाबः (خونابہ) फा. पुं.–दे. 'ख़ूंनाबः'।

ख़ूनाब (خوناب) फा. पुं.–दे. 'ख़ूंनाब'।

ख़ूनीं (خونیں) फा. वि.–ख़ून में सना हुआ, रक्ताक्त; रक्त सम्बन्धी; ख़ून का; ख़ून मिला हुआ।

ख़ूनींकफ़न (خونیں کفن) फा. वि.–जिसका कफ़न ख़ून में लथड़ा हो, अर्थात् जिसकी हत्या प्रेम ने की हो, शहीदे इश्क़।

ख़ूनींजिगर (خونیں جگر) फा. वि.–जिसका जिगर (हृदय) ख़ून में सना हो, जिसके दिल को प्रेम ने घायल किया हो, प्रेमी।

ख़ूनींनवा (خونیں نوا) फा. वि.–जिसकी आवाज़ से सुननेवालों के हृदय से ख़ून टपकता हो; अत्यन्त द्रवी; प्रेमी, आशिक़।

ख़ूनी (خونی) फा. वि.–हत्या करनेवाला, वधिक; ख़ून से सम्बन्धित।

ख़ूने कबूतर (خون کبوتر) फा. पुं.–लाल रंग की मदिरा।

ख़ूने नामूस (خون ناموس) फा. अ. पुं.–मदिरा, शराब।

ख़ूने नाहक़ (خون ناحق) फा. अ. पुं.–बिना अपराध के हत्या, बिना क़ुसूर किसी का क़त्ल।

ख़ूब (خوب) फा. वि.–सुन्दर, हसीन; उत्तम, उम्दा; स्वच्छ, साफ़; शुभदर्शन, ख़ुशनुमा; शुभ, मुबारक, (अव्य.) वाह, क्या ख़ूब।

ख़ूबकलाँ (خوب کلاں) फा. स्त्री.–एक दवा, खाकशी।

ख़ूबतर (خوب تر) फा. वि.–बहुत अच्छा, अत्युत्तम।

ख़ूबतरीन (خوب ترین) फा. वि.–बहुत ही अच्छा, उत्तमोत्तम, सबसे बढ़िया।

ख़ूबरू (خوب رو) फा. वि.–रूपवान्, रूप-विशिष्ट, ख़ूबसूरत, सुन्दर, हसीन; माशूक़, प्रियतमा।

ख़ूबरूई (خوب روئی) फा. स्त्री.–सौन्दर्य, सुन्दरता, ख़ूबसूरती।

ख़ूबसूरत (خوبصورت) फा. अ. वि.–दे. 'ख़ूबरू'।

ख़ूबसूरती (خوبصورتی) फा. अ. स्त्री.–दे. 'ख़ूबरूई'।

ख़ूबाँ (خوباں) फा. पुं.–'ख़ूब' का बहु., सुन्दर स्त्रियाँ; मा'शूक़ लोग, प्रियतमाएँ।

ख़ूबानी (خوبانی) फा. स्त्री.–एक मेवा, ज़र्दालू।

ख़ूबी (خوبی) फा. स्त्री.–गुण, वस्फ़; सुन्दरता, हुस्न; उत्तमता, उम्दगी; सज्जनता, शराफ़त; कला, हुनर; नवीनता, अजूबापन।

ख़ूलिंजान (خولنجان) फा. पुं.–एक दवा, कुलंजन, पान की जड़।

ख़े

ख़ेज़ (خیز) फा. स्त्री.–पानी की लहर, मौज, हिल्लोल; नर से मिलने के समय मादा कबूतर की मस्ती, (प्रत्य.) उठानेवाला, जैसे 'तूफ़ाँख़ेज़' तूफान उठानेवाला; बढ़ानेवाला, जैसे–'वहशत ख़ेज़', हौल बढ़ानेवाला।

ख़ेज़राँ (خیزراں) फा. पुं.–बेंत का वृक्ष, वेत्र, वेत।

ख़ेज़िश (خیزش) फा. स्त्री.–उठान, उत्थान; लिंगेंद्रिय की उठान, इस्तादगी।

ख़ेज़ोमेज़ (خیزومیز) फा. पुं.–मेलजोल, रब्तज़ब्त; ज़ौक़-शौक़, चाव।

ख़ेश (خویش) फा. पुं.–स्वयं, ख़ुद; स्वतः आप; स्वजन, अज़ीज़; दामाद, जामाता।

ख़ेश (خیش) फा. पुं.–एक मोटा कपड़ा, खेस।

ख़ेशतन (خویشتن) फा. पुं.–स्वतः, अपने आप, स्वयं ख़ुद।

ख़ेशदार (خویش دار) फा. वि.–वह व्यक्ति जो अपने को आपत्तियों से बचाता हुआ जीवन व्यतीत करे।

ख़ेशदारी (خویش داری) फा. स्त्री.–अपने को आपत्तियों से बचाते हुए जीवन व्यतीत करना।

ख़ेशपर्वर (خویش پرور) फा. वि.–अपने कुन्बेवालों और मित्रों का पालन-पोषण करनेवाला, उनको रिआयत देनेवाला।

ख़ेशपर्वरी (خویش پروری) फा. स्त्री.–अपने लोगों का पालन-पोषण करने और उनको अनुचित रिआयत देने की प्रवृत्ति।

ख़ेशावंद (خویشاوند) फा. पुं.–अपने रिश्तेदार, अज़ीज़, अक़ारिब, स्वजनगण।

ख़ेशी (خویشی) फा. स्त्री.–अपनायत, स्वजनता; दामादी।

ख़ेसांदः (خیساندہ) फा. पुं.–पानी में भीगी हुई दवाएँ जो बिना औटाये पी जायें, हेम, 'जोशांदा' में दवा औटायी जाती है, इन दोनों में यही अन्तर है।

ख़ै

ख़ै (خوے) फा. पुं.–पसीना, स्वेद।

ख़ैज़ुरान (خیزران) अ. पुं.–'ख़ेज़रान' का अरबी रूप, बेंत का वृक्ष, वेत्र।

ख़ैत (خیط) अ. पुं.–डोरा, तागा, सूत्र; हराममग़ज़, रीढ़ की हड्डी के भीतर का गूदा।

ख़ैते अब्यज़ (خیط ابیض) अ. पुं.–प्रातःकाल की सफ़ेदी।

ख़ैते अस्वद (خیط اسود) अ. पुं.–रात की कालिमा।

ख़ैफ़ (خیف) अ. पु.–भय, डर; समुद्र के स्तर से ऊँची और पहाड से नीची भूमि; पहाड़ के किनारे की हर उँचाई अथवा निचाई।

ख़ैबत (خیبت) अ. स्त्री.–निराशा, नैराश्य, नाउम्मेदी; वंचकता, हीनता, महरूमी।

ख़ैबर (خیبر) अ. पुं.–अरब का एक दुर्ग, जिसे हज़रत अली ने जीता था।

ख़ैमः (خیمہ) अ. पुं.–कपड़े का मकान, पटवास, ख़ैमा, डेरा, रावटी, तम्बू।

ख़ैमःगाह (خیمہ گاہ) अ. फा. स्त्री.–जहाँ तम्बू गड़ा हो वह स्थान।

ख़ैमःदोज़ (خیمہ دوز) अ. फा. वि.–तम्बू बनानेवाला, ख़ैमा सीनेवाला।

ख़ैयात (خیاط) अ. पुं.–दर्ज़ी, सूचिक, सीनेवाला, कपड़े सीनेवाला।

ख़ैयाती (خیاطی) अ. स्त्री.–कपड़ा सीने का काम या पेशा।

ख़ैयाब (خیاب) अ. वि.–निराश, हताश, नाउम्मेद; वंचित, हीन, महरूम।

ख़ैयाम (خیام) अ. वि.–तम्बू बनानेवाला, ख़ैमादोज़; फ़ारसी का एक सुप्रसिद्ध शाइर नैशापुर-निवासी जिसकी रुबाइयों का अनुवाद संसार की प्रायः सारी भाषाओं में हो चुका है, उमर ख़ैयाम, यह बड़ा वैज्ञानिक, वैद्य (हकीम) तथा ज्योतिषी भी था।

ख़ैर (خیر) अ. स्त्री.–कुशल, मंगल, ख़ैरियत; शुभ, श्रेष्ठ, उम्दा; उपकार, भलाई; पुण्य, सवाब; प्रदान, बख़्शिश, अव्य. अस्तु।

ख़ैरअंदेश (خیر اندیش) अ. फा. वि.–भलाई की बात सोचनेवाला, शुभचिंतक, ख़ैरख़्वाह।

ख़ैरअंदेशी (خیر اندیشی) अ. फा. स्त्री.–भलाई की बात सोचना, ख़ैरख़्वाही।

ख़ैरख़्वाह (خیر خواہ) अ. फा. वि.–भलाई चाहनेवाला, शुभचिंतक, शुभेच्छु।

ख़ैरख़्वाही (خیر خواہی) अ. फा. स्त्री.–भलाई चाहना, ख़ैर अंदेशी, शुभेच्छा।

ख़ैरबाद (خیرباد) अ. फा. वा.–एक आशीर्वाद, कल्याण हो, बिदा के समय का नमस्कार, गुड बाई।

ख़ैरमक़्दम (خیر مقدم) अ पुं.–स्वागत, इस्तिक़्बाल, शुभागमन।

ख़ैरसिगाल (خیر سگال) अ. फा. वि.–भलाई की बात सोचनेवाला, शुभचिंतक।

ख़ैरसिगाली (خیر سگالی) अ. फा. स्त्री.–भलाई, ख़ैर-अंदेशी; शुभकामना।

ख़ैरात (خیرات) अ. स्त्री.–'ख़ैर' का बहु., दान, धर्मादि।

ख़ैरातख़ानः (خیرات خانہ) अ. फा. पुं.–अन्नसत्र, मोहताज-ख़ाना, जहाँ कंगालों और अपाहिजों को भोजन आदि दिया जाता हो।

ख़ैराती (خیراتی) अ. वि.–दान का, ख़ैरात का; ख़ैरात-सम्बन्धी।

ख़ैरियत (خیریت) अ. स्त्री.–कुशल, मंगल, ख़ैरो आफ़ियत।

ख़ैरियतनामः (خیریت نامہ) अ. फा. पुं.–ख़ैरियत का ख़त, कुशल-पत्र।

ख़ैरोआफ़ियत (خیرو عافیت) अ. स्त्री.–क्षेम-कुशल, शान्ति और कुशल, ख़ैरियत और अमन।

ख़ैरोबरकत (خیرو برکت) अ. स्त्री.–कल्याण और समृद्धि।

ख़ैल (خیل) अ. पुं.–समुदाय, जनसमूह, जमाअत; घोड़ों का गल्ला; सवारों का समूह, (वि.) अधिक, बहुत।

ख़ैलख़ानः (خیل خانہ) अ. फा. पुं.–वंश, कुटुम्ब, क़ुनबा, ख़ानदान।

ख़ैलताश (خیل تاش) अ. तु. पुं.–एक स्वामी के सेवक, वे सेवक आपस में ख़ैलताश हैं।

ख़ैले (خیلے) फा. अव्य.–बहुत ज़ियादा, अत्यधिक।

ख़ैश (خیش) अ. पुं.–एक मोटा कपड़ा, खेस।

ख़ैशूम (خیشوم) अ. पुं.–नथना, नासापुट।

ख़ैस (خیص) अ. पुं. लिखने की सियाही, मसि, रौशनाई; थोड़ी सजावट, दे. 'खीस', दोनों शुद्ध हैं।

ख़ो

ख़ोज़िस्तान (خوزستان) फा. पुं.–ईरान का एक प्रदेश।

ख़ोज़ी (خوزی) फा. वि.–ख़ोज़िस्तान का निवासी।

ख़ोगीर (خوگیر) फा. पुं. घोड़े का पालान, घोड़े की पीठ का नम्दा, चारजामा, ज़ीन, काठी।

ख़ोगीरदोज़ (خوگیردوز) फा. वि.–पालान सीनेवाला; ज़ीन सीनेवाला।

ख़ोगीरदोज़ी (خوگیردوزی) फा. स्त्री.–पालान सीने का काम; ज़ीन सीने का काम या पेशा।
ख़ोद (خود) फा. पुं.–लोहे की टोपी जो सिपाही ओढ़ते हैं, शिरस्त्राण।
ख़ोल (خول) फा. पुं.–वेष्टन, ग़िलाफ़; कोष, म्यान।
ख़ोशः (خوشه) फा. पुं.–गेहूँ या जौ की वाल; गुच्छा, मंजरी, गुच्छ।
ख़ोशःचीं (خوشه‌چیں) फा. वि.–खेती में सिला बीननेवाला, उंछवृत्त; लाभ उठानेवाला।
ख़ोशःचीनी (خوشه‌چینی) फा. स्त्री.–सिला बीनना, उंछवृत्ति; लाभ, प्राप्ति।
ख़ोशएअंगूर (خوشۂ انگور) फा. पुं.–अंगूर का गुच्छा।
ख़ोशएगंदुम (خوشۂ گندم) फा. पुं. गेहूँ की बाल।
ख़ोशएचर्ख़ (خوشۂ چرخ) फा. पुं.–कन्याराशि, बुर्जे जौज़ा।
ख़ोशएपर्वी (خوشۂ پروین) फा. पुं.–कृत्तिका नक्षत्र।
ख़ोशीदः (خوشیده) फा. वि.–सूखा हुआ, सुखाया हुआ।
ख़ोशीदनी (خوشیدنی) फा. वि.–सूखने के योग्य, सुखाने के योग्य।

ख़ौ

ख़ौ (خو) फा. स्त्री.–लकड़ी की पाड़, जिस पर बैठकर राज मकान बनाते हैं; एक घास जो खेतों में पैदा होती है।
ख़ौक़ (خوق) अ. पुं.–कान के कुंडल का घेरा, गोशवारे का हल्का।
ख़ौख़ (خوخ) अ. पुं.–आड़ू, शफ़ता लू।
ख़ौज़ (خوز) अ. पुं.–शत्रुता, दुश्मनी।
ख़ौज़ (خوض) अ. पुं.–विचार, मनन, चिन्तन, ग़ौर, यह शब्द ग़ौर के साथ मिलकर आता है, अकेला नहीं बोला जाता।
ख़ौद (خود) अ. स्त्री.–कोमल, मृदुल और सुन्दर स्त्री।
ख़ौन (خون) अ. पुं.–दृष्टि की कमी और मंदता; धोखा देना और बेवफ़ाई करना।
ख़ौफ़ (خوف) अ. पुं.–भय, त्रास, डर; शंका, संदेह, शुबहा।
ख़ौफ़ज़दः (خوف‌زده) अ. फा. वि.–भयभीत, डरा हुआ।
ख़ौफ़ज़दगी (خوف‌زدگی) अ. फा. स्त्री.–भयभीत होना, डरना, खौफ़ खाना।
ख़ौफ़नाक (خوفناک) अ. फा. वि.–भीषण, भयंकर, डरावना; जहाँ या जिसमें प्राणों का भय हो।
ख़ौफ़नाकी (خوفناکی) अ. फा. स्त्री.–भयानकता, डरावनापन; जान जोखिम, प्राणों का भय।
ख़ौफ़े जाँ (خوف جاں) अ. फा. पुं.–जान का डर, प्राणभय, मरने का खौफ़।
ख़ौश (خوش) अ. स्त्री.–नितंब, कटिदेश, चूतड़, (पुं.) भाला मारना; ब्याह करना; लेना, पकड़ना।
ख़ौस (خوس) अ. पुं.–धोखा देना, दग़ा करना; खियानत करना; खोटा होना।
ख़ौस (خوص) अ. पुं.–आँखों का गढ़े में चला जाना।

ख़्व

ख़्वाँ (خواں) फा. प्रत्य.–पढ़नेवाला, जैसे—'मीलादख़्वाँ' मीलाद पढ़नेवाला।
ख़्वाँ (خواں) फा. पुं.–'ख़्वान' का लघु., दे. 'ख़्वान'।
ख़्वांदः (خوانده) फा. वि.–पढ़ाया हुआ, शिक्षित; बुलाया हुआ, निमंत्रित, आहूत।
ख़्वांदगी (خواندگی) फा. स्त्री.–पढ़ंत, पढ़ाई; परिषद् में किसी क़ानून की पढ़ाई।
ख़्वांदनी (خواندنی) फा. स्त्री.–पढ़ने योग्य, पाठ्य।
ख़्वाजः (خواجه) तु. पुं.–स्वामी, पति, मालिक।
ख़्वाज़ः (خوازه) फा. स्त्री.–इच्छा, ख़्वाहिश।
ख़्वाज़ःगर (خوازه‌گر) फा. वि.–इच्छुक, चाहनेवाला, ख़्वाहिश करनेवाला।
ख़्वाजःताश (خواجه‌تاش) तु. वि.–एक स्वामी के दास, जो आपस में ख़्वाजःताश कहलाते हैं।
ख़्वाजःसरा (خواجه سرا) तु. फा. पुं.–महल का रखवाला; ज़नाना, हीजड़ा, नरदारा; शिखण्डी।
ख़्वान (خوان) फा. पुं.–थाल, ट्रे; खाने से भरा हुआ थाल।
ख़्वानपोश (خوان‌پوش) फा. पुं.–ख़्वान पर ढँकने का कपड़ा आदि।
ख़्वाना (خوانا) फा. वि.–बुलानेवाला, पुकारनेवाला।
ख़्वानिंदः (خواننده) फा. वि.–बुलानेवाला, पुकारनेवाला; पढ़ानेवाला, शिक्षक।
ख़्वाब (خواب) फा. पुं.–स्वप्न, स्वाप, सोने की क्रिया; स्वप्न, जो सोते में दिखाई दे।
ख़्वाबआवर (خواب آور) फा. वि.–नींद लानेवाली ओषधि आदि, निद्राकर, निद्राकारक।
ख़्वाबिदः (خوابیده) फा. वि.–सोता हुआ, सुप्त।
ख़्वाबीदः (خوابیده) फा. स्त्री.–सोने और नींद लेने का भाव, सोने की दशा।
ख़्वाबीदगी (خوابیدگی) फा. वि.–सोने के योग्य।
ख़्वाबे ख़रगोश (خواب خرگوش) फा. पुं.–धोखा, छल; गहरी नींद।
ख़्वाबे ग़फ़्लत (خواب غفلت) फा. अ. पुं.–गहरी नींद।
ख़्वाबे परीशाँ (خواب پریشاں) फा. पुं.–उचटती हुई नींद,

ऐसी नींद जो बार-बार उचट जाय; ऐसा स्वप्न जिसका स्वप्नफल न जाना जा सके।

ख्वाबे सैयाद (خواب صیاد) फा. अ.—बनावटी नींद; छल, धोखा, फ़रेब।

ख्वार (خوار) फा. वि.—अपमानित, तिरस्कृत, ज़लील; दुर्दशाग्रस्त, बदहाल।

ख्वारी (خواری) फा. स्त्री.—अपमान, अनादर, ज़िल्लत; दुर्दशा, बदहाली।

ख्वाल (خوال) फा. पुं.—भोजन, खाना।

ख्वालगर (خوال‌گر) फा. वि.—रसोइया, बावरची।

ख्वालगीर (خوال‌گیر) फा. वि.—दे. 'ख्वालगर'।

ख्वास्तः (خواستہ) फा. वि.—चाहा हुआ, माँगा हुआ।

ख्वास्त (خواست) फा. स्त्री.—चाह, माँग, सवाल।

ख्वास्तगार (خواستگار) फा. वि.—माँगनेवाला, चाहनेवाला, इच्छुक।

ख्वास्तगारी (خواستگاری) फा. स्त्री.—इच्छा, चाह; मँगनी, सगाई।

ख्वास्तगी (خواستگی) फा. स्त्री.—इच्छा, चाह, माँग।

ख्वास्तनी (خواستنی) फा. वि.—चाहने योग्य, माँगने योग्य।

ख्वाह (خواہ) फा. प्रत्य.—चाहनेवाला, अच्छा लगनेवाला, जैसे —'दिलख्वाह' मन को अच्छा लगनेवाला, (अव्य.) अथवा, या; चाहे।

ख्वाहर (خواہر) फा. स्त्री.—भगिनी, बहन।

ख्वाहाँ (خواہاں) फा. वि.—चाहनेवाला, इच्छुक; माँगनेवाला, याचक।

ख्वाहिंदः (خواہندہ) फा. वि.—चाहनेवाला, इच्छुक; माँगनेवाला, याचक।

ख्वाहिश (خواہش) फा. स्त्री.—इच्छा, चाह, तलब; लालसा, उत्कंठा, इश्तियाक़।

ख्वाहीदः (خواہیدہ) फा. वि.—चाहा हुआ, वांछित, अभीप्सित।

ख्वाहीदनी (خواہیدنی) फा. वि.—चाहने योग्य, माँगने योग्य।

ग

गंग (گنگ) फा. स्त्री.—गंगा नदी।

गंगबरार (گنگ‌برار) फा. स्त्री.—गंगा या दूसरी नदी की धारा के नीचे से निकली हुई (नयी) जमीन।

गंगल (گنگل) फा. पुं.—उपचार, जादू; ठठोल, मस्खरी।

गंगोजमन (گنگوجمن) फा. स्त्री.—गंगा और यमुना।

गंजः (گنجہ) फा. पुं.—एक नगर।

गंज (گنج) फा. पुं.—निधि, ख़ज़ाना, कोष।

ग़ंज (غنج) अ. पुं.—आँख अथवा भौंह का संकेत, सैन; हावभाव, नाज़ोअंदाज़।

ग़ंज (غنظ) अ. पुं.—बहुत अधिक दुःख; नित्य का शोक।

गंजदान (گنجدان) फा. पुं.—वह स्थान जहां धन गड़ा हो; ख़ज़ाने का स्थान, कोषागार।

गंजबख़्श (گنج‌بخش) फा. वि.—ख़ज़ाना बाँटने या देनेवाला, बहुत बड़ा दाता; एक मुसलमान ऋषि की उपाधि।

गंजारः (گنجارہ) फा. पुं.—गुलगूनः, मुखचूर्ण, मुख पर मलने का सुगंधित लाल पाउडर।

ग़ंजार (غنجار) अ. पुं.—दे. 'गंजारः'।

गंजिदः (گنجندہ) फा. वि.—समानेवाला, प्रवेश करनेवाला।

गंजिफ़ः (گنجفہ) फा. पुं.—ताश के प्रकार का एक खेल, जो ताश से पहले प्रचलित था; ताश पत्तों का खेल।

गंजीदः (گنجیدہ) फा. वि.—समाया हुआ।

गंजीदनी (گنجیدنی) फा. वि.—समाने योग्य।

गंजीनः (گنجینہ) फा. पुं.—निधि, कोष, ख़ज़ाना।

गंजीनए ज़र (گنجینۂ زر) फा. पुं.—केवल सोने का ख़ज़ाना, स्वर्णनिधि।

गंजूर (گنجور) फा. वि.—ख़ज़ाने का मालिक, निधि-स्वामी; ख़ज़ानची, कोषाध्यक्ष।

गंजे इलाही (گنج الہی) फा. पुं.—क़ुरान।

गंजे क़ारून (گنج قارون) फा. पुं.—'क़ारून' का ख़ज़ाना जो चार लाख चालीस हज़ार बोरी भर था और जिसमें से वह एक पैसा भी ईश्वर के नाम पर व्यय नहीं करता था, अन्त में हज़रत मूसा के शाप से वह अपनी निधि समेत पृथ्वी में धँस गया।

गंजे गाव (گنج گاو) फा. पुं.—जमशेद की निधियों में से एक निधि का नाम, जो एक किसान को मिला था।

गंजे बादावर्द (گنج بادآورد) फा. पुं.—दे. 'गंजे शायगाँ' क्योंकि इस ख़ज़ाने को हवा लेकर आयी थी, वायु-प्रेरित निधि, वायु-प्रदत्त निधि।

गंजे रवाँ (گنج رواں) फा. पुं.—दे. 'गंजे क़ारून' क्योंकि क़ारून का ख़ज़ाना क़ियामत तक ज़मीन में धँसता चला जायगा।

गंजे शहीदाँ (گنج شہیداں) फा. पुं.—क़ब्रिस्तान, समाधि-क्षेत्र; जहाँ बहुत-से शहीद दफ़न हों।

गंजे शायगाँ (گنج شایگاں) फा. पुं.—रूम के क़ैसर ने पर्वेज़ के भय से अपना धन जहाज़ों में भरकर एक द्वीप में भेजा था, हवा के प्रतिकूल होने से वह पर्वेज़ के देश में पहुँच गया, चूँकि यह बहुत बड़ा ख़ज़ाना था और बिना परिश्रम मिला था इस कारण इसे 'गंजे शायगाँ' कहते हैं।

गंदः (گندہ) फा. वि.—मलिन, मैला, अपवित्र, नापाक; दुर्गंधयुक्त, बदबूदार; दूषित, खराब; अशुद्ध, जिसमें मैल हो; गँदला, मटमैला।

गंदःदहन (گندہدهن) फा. वि.—गालियाँ बकनेवाला, दुर्भाषी; जिसको मुँह से दुर्गंध आने का रोग हो।

गंदःदहनी (گندہدهنی) फा. स्त्री.—गालियाँ बकने का रोग; मुँह से दुर्गंध आने का रोग।

गंदःबग़ल (گندہبغل) फा. वि.—जिसे बग़ल से दुर्गंध आने का रोग हो।

गंदःबग़ली (گندہبغلی) फा. स्त्री.—बग़ल से दुर्गंध आने का रोग।

गंदःमग़ज़ (گندہمغز) फा. वि.—अहंकारी, घमंडी; डींगिया, शेखीखोर।

गंदःमग़ज़ी (گندہمغزی) फा. स्त्री.—अहंकार, घमंड; डींग, शेखी।

गंद (گند) फा. स्त्री.—बदबू, दुर्गंध।

गंदगी (گندگی) फा. स्त्री.—दुर्गंध, बदबू; अपवित्रता, नापाकी; मलिनता, मैलापन; विष्ठा, गू।

गंदना (گندنا) फा. पुं.—एक बीज जो दवा में चलता है।

गंदनागूँ (گندناگوں) फा. वि.—गंदने-जैसे रंगवाला, खाकी रंग का, मटमैला।

गंदीदः (گندیدہ) फा. वि.—सड़ा हुआ, दुर्गंधित।

गंदुम (گندم) फा. अ. पुं.—गेहूँ, गोधूम।

गंदुमगूँ (گندم‌گوں) फा. वि.—गेहुएँ रंग का।

गंदुमनुमा जौफ़रोश (گندم‌نما جوفروش) फा. वि.—गेहूँ दिखाकर जौ तौलनेवाला, छली, वंचक, ठग।

गंदुमी (گندمی) फा. वि.—गेहूँ से सम्बन्धित; गेहूँ का; गेहुएँ रंग का।

गच (گچ) फा. स्त्री.—चूने की टीप, चूने से पक्की की हुई जगह।

गज़ंद (گزند) फा. स्त्री.—हानि, अनिष्ट, नुक़सान; दुःख, कष्ट, तक़लीफ़।

गज़ः (گزہ) फा. पुं.—नगाड़ा बजाने की लकड़ी; एक प्रकार का तीर।

गज़ (گز) फा. पुं.—नापने की लकड़ी जो १६ गिरह या ३६ इंच की होती है; झाऊ का पेड़।

ग़ज़ [ज़्ज़] (غز) अ. पुं.—घाव में पीप पड़ना और उसका घाव से बहना।

ग़ज़ [ज़्ज़] (غض) अ. पुं.—आँखें बन्द करना; आवाज़ धीमी करना; धैर्य धरना; बुरी बात का सहन करना; हानि करना।

गज़क (گزک) फा. पुं.—शराब के साथ खाने की चीज़; एक मिठाई जो शकर और तिल से बनती है।

ग़ज़गाव (غزگاو) फा. पुं.—एक जंगली गाय जिसकी पूँछ से मोरछल वनते हैं, सुरा गाय।

गज़पा (گزپا) फा. पुं.—एक लम्बे पाँव का पक्षी, सारस।

ग़ज़न्फ़र (غضنفر) अ. पुं.—व्याघ्र, शेर, फाड़ खानेवाला सिंह।

ग़ज़ब (غضب) अ. पुं.—क्रोध, गुस्सा; वहुत अधिक क्रोध, प्रकोप; दैवी प्रकोप, ख़ुदाई क़हर।

ग़ज़बआलूद (غضب آلود) अ. फा. वि.—कोपयुक्त, गुस्सा मिला हुआ।

ग़ज़बनाक (غضبناک) फा. वि.—कुपित, प्रकुपित, ग़ुस्से में भरा हुआ।

गज़बाज़ी (گزبازی) फा. स्त्री.—एक प्रकार का नाच।

गज़र (گزر) फा. स्त्री.—गाजर, एक प्रसिद्ध शाक।

ग़ज़र (غضر) अ. पुं.—मँहगाई के पश्चात् मंदी; दरिद्रता के पश्चात् समृद्धि।

ग़ज़ल (غزل) अ. स्त्री.—प्रेमिका से वार्तालाप; उर्दू, फ़ारसी कविता का एक प्रकार विशेष, जिसमें प्रायः ५ से ११ शेर होते हैं। सारे शे'र एक ही रदीफ़ और क़ाफ़िए में होते हैं, और हर शे'र का मज़्मून अलग होता है, पहला शे'र 'मत्ला' कहलाता है जिसके दोनों मिस्रे सानुप्रास होते हैं, और अंतिम शे'र 'मक़्ता' होता है जिसमें शाइर अपना उपनाम लाता है। ग़ज़ल के संग्रह को 'दीवान' एवं संपूर्ण प्रकार के पद्य-संग्रह को 'बयाज़' कहते हैं।

ग़ज़लगो (غزل‌گو) अ. फा. वि.—वह शाइर जो ग़ज़ल अच्छी कहता हो, जिसकी सारी कविताओं में ग़ज़ल सर्वश्रेष्ठ हो।

ग़ज़लगोई (غزل‌گوئی) अ. फा. स्त्री.—ग़ज़ल कहना।

ग़ज़लसरा (غزل‌سرا) अ. फा. वि.—ग़ज़ल सुनानेवाला, ग़ज़ल पढ़नेवाला, ग़ज़ल गानेवाला।

ग़ज़लसराई (غزل‌سرائی) अ. फा. स्त्री.—ग़ज़ल पढ़ना, ग़ज़ल गाना।

ग़ज़वात (غزوات) अ. पुं.—'ग़ज़्वः' का बहु., इस्लाम धर्म की परिभाषा में वे लड़ाइयाँ जिनमें पैग़म्बर साहिब साथ थे।

ग़ज़ा (غزا) अ. पुं.—धर्मयुद्ध, मज़्हबी लड़ाई, दे. 'ग़िज़ा', दोनों शुद्ध हैं।

गज़ा (گزا) फा. प्रत्य.—खानेवाला, जैसे—'जाँगज़ा' प्राणों को खा जानेवाला; हानि पहुँचानेवाला।

ग़ज़ा (غضا) अ. पुं.—बेर-जैसा एक वृक्ष, जिसकी लकड़ी बहुत देर तक जलती रहती है।

ग़ज़ाज़ः (غضاضه) अ. पुं.—नवीन होना; एक पत्थर खानेवाली चिड़िया, (स्त्री.) नवीनता, नयापन।

ग़ज़ात (غضات) अ. पुं.—'ग़ज़ा' का बहु., बेर-जैसे पेड़ जिनकी आग बहुत देर तक रहती है।

ग़ज़ारः (غزاره) अ. पुं.—दूध, पानी अथवा फल आदि का अधिक होना; बहुतात, बाहुल्य, प्राचुर्य, इफ़ात।

ग़ज़ारः (غضاره) अ. पुं.—एक चिपकनेवाली मिट्टी, कचला मिट्टी; समृद्धि, दौलतमंदी; वैभव, ऐश; मंदापन, सस्तापन।

ग़ज़ार (غزار) अ. पुं.—मकान के चारों ओर की दीवार; घर का भीतरी भाग।

ग़ज़ार (غضار) अ. स्त्री.—एक चिपकनेवाली मट्टी, कचला मट्टी।

ग़ज़ालः (غزاله) अ पुं.—हिरन का बच्चा, मृगशावक; सूर्य, सूरज, उतूस के निकट एक गाँव, ग़ज़ाल भी प्रचलित, जैसे—"दावा जुबाँ का लखनऊवालों के सामने, इज़हारे वूए मुश्क ग़ज़ालों के सामने।"

ग़ज़ालःचश्म (غزاله‌چشم) अ. फा. वि.—हिरन के बच्चों-जैसी सुन्दर और बड़ी-बड़ी आँखोंवाला (वाली), मृग-शावक-नयनी।

ग़ज़ाल (غزال) अ. पुं.—हिरन का बच्चा, मृगशावक; सूर्य, सूरज।

ग़ज़ालचश्म (غزال‌چشم) अ. फा. वि.—दे. 'ग़ज़ाल:चश्म' मृगनयनी।

ग़ज़ालचश्मी (غزال چشمی) अ. फा. स्त्री.—हिरन के बच्चा-जैसी सुन्दर और बड़ी-बड़ी आँखें होना।

ग़ज़ाली (غزالی) अ. वि.—'ग़ज़ाला' का निवासी।

गज़िंदः (گزنده) फा. वि.—काटनेवाला, काट खानेवाला; डसनेवाला।

ग़ज़िंदः (غزنده) फा. वि.—बच्चों की भाँति चूतरों के बल घिसट-घिसटकर चलनेवाला।

गज़िंदगी (گزندگی) फा. स्त्री.—काटने का भाव; डसने का भाव, डसन।

ग़ज़ीज़ (غضیض) अ. वि.—नवीन, नया; ताज़ा, प्रफुल्ल; मृदुल और कोमल कली।

गज़ीत (گزیت) फा. पुं.—भूमिकर, लगान; राजकर, खराज; जिज़या।

गज़ीदः (گزیده) फा. वि.—काटा हुआ; डसा हुआ, दंशित।

गज़ीद (گزید) फा. स्त्री.—दे. 'गज़ीत', काटा हुआ।

गज़ीदगी (گزیدگی) फा. स्त्री.—दे. 'गज़िंदगी'।

गज़ीदनी (گزیدنی) फा. वि.—काटने योग्य; डसने योग्य।

ग़ज़ीर (غزیر) अ. वि.—हर चीज़ जो बहुत हो; बहुत वर्षा; बहुत अधिक पानीवाला कुँआँ या तालाब; बहुत आँसुओंवाली आँख।

ग़ज़ीर (غضیر) अ. वि.—हर पदार्थ जो हरा और कोमल हो।

ग़ज़ूब (غضوب) अ. वि.—बहुत अधिक क्रुद्ध, ग़ज़बनाक।

ग़ज़्ज़ाल (غزال) अ. वि.—रस्सी बनाने और बेचनेवाला।

ग़ज़्नः (غزنه) फा. पुं.—दे. 'ग़ज़्नी'।

ग़ज़्नवी (غزنوی) फा. वि.—'ग़ज़्नीं' का निवासी; महमूद ग़ज़्नवी।

ग़ज़्नीं (غزنیں) फा. पुं.—अफ़ग़ानिस्तान का एक प्रसिद्ध नगर, 'ग़ज़नी'।

ग़ज़्बान (غضبان) अ. वि.—बहुत अधिक प्रकुपित, बहुत ग़ज़बनाक; वे पत्थर जो 'मिंजनीक़' से दुर्ग पर फेंके जायँ।

ग़ज़्म (غزم) अ. पुं.—अंगूर का फल जो ताज़ा और पका हो।

गज़्म (گزم)—फा. पुं.—झाऊ का पेड़।

ग़ज़्ल (غزل) अ. पुं.—रस्सी बटना; रस्सी, रज्जु; डोर।

गज़्लक (گزلک) फा. पुं.—वह चाक़ू जिसकी नोक मुड़ी हो, क़लम बनाने का चाक़ू।

ग़ज़्वः (غزوه) अ. पुं.—धर्मयुद्ध, मज़हबी लड़ाई; हज़रत मुहम्मद साहिब के समय का वह युद्ध जिसमें वह स्वयं सम्मिलित हुए।

ग़ज़्वर (غضور) अ. स्त्री.—चिपकनेवाली मिट्टी, कचला।

ग़त[त्त] (غط) अ. पुं.—पानी में ग़ोता देना, पानी में डुबोना।

ग़तफ़ (غطف) अ. पुं.—आँखों की विशालता और पलकों की लम्बाई।

ग़तम्तम (غطمطم) अ. पुं.—महासागर।

ग़तात (غطاط) अ. पुं.—एक पक्षी जो पत्थर खाता है, संग-ख्वार।

ग़तीत (غطیط) अ. पुं.—सोते समय खर्राटों का शब्द; गला घुँटे हुए का शब्द; गला कटे हुए का शब्द।

ग़तीम (غطیم) अ. पुं.—महासागर।

ग़तूस (غطوس) अ. वि.—वह शूर व्यक्ति, जो युद्ध या आपत्ति के समय सबसे आगे बढ़े।

ग़त्तास (غطاس) अ. पुं.—पनडुब्बी, एक जलपक्षी।

ग़त्स (غطس) अ. पुं.—पानी में घुसना; पानी में डुबाना; बरतन में लेकर पानी पीना।

गद (گد) फा. पुं.—भीख माँगना, दे. 'गिद्‌यः'।

ग़द (غد) अ. पुं.—आनेवाला कल।

ग़दक़ (غدق) अ. पुं.—बहुत अधिक पानी।

ग़दद (غدد) अ. पुं.—महामरी, वबा; ऊँटों का ताऊन।

ग़दफ़ (غدف) अ. पुं.—समृद्धि, सम्पन्नता, फ़राखी; ने'मत, ईश्वर का दिया हुआ धन आदि।

ग़दर (غدر) अ. पु.–वह पथरीली भूमि जिसमें कोई जन्तु बिल न बना सके; रात का अँधियारा होना।

ग़दा (غدا) अ. पुं.–आगामी कल।

गदा (گدا) फा. वि.–भीख मांगनेवाला भिक्षुक, भिखमंगा, भिखारी, मँगता।

ग़दाइर (غدائر) अ. पु.–'ग़दीरा' का बहु., गुँधी हुई चोटियाँ।

गदाई (گدائی) फा. स्त्री.–भीख माँगने का काम, भिक्षा-वृत्ति, भिक्षाकर्म।

गदागर (گداگر) फा. वि.–भिक्षुक, भिक्षु, भिखमंगा, फ़क़ीर।

गदागरी (گداگری) फा. स्त्री.–भीख माँगने का काम, भिक्षावृत्ति।

ग़दात (غدات) अ. स्त्री.–प्रातःकाल, सबेरा।

गदायानः (گدایانہ) फा. वि.–भिखमंगों-जैसा, भिखारियो की तरह।

ग़दीरः (غدیرہ) अ. पुं.–गुँधी हुई चोटी, गुँधे हुए बाल।

ग़दीर (غدیر) अ. पुं.–वह पानी जो नदी में बाढ़ आने के समय नदी से निकलकर कहीं जमा हो जाय; इस पानी के एकत्र होने का स्थान, जलाशय।

ग़दूर (غدور) अ. वि.–कृतघ्न, बेवफ़ा, गद्दारी करनेवाला।

ग़द्दार (غدار) अ. वि.–कृतघ्न, नमकहराम; देशद्रोही, मुल्क का दुश्मन; बहुत बड़ा, विशाल (केवल नगर के लिए)।

ग़द्दारी (غداری) अ. स्त्री.–कृतघ्नता, बेवफ़ाई, नमक-हरामी; देशद्रोह, मुल्क की दुश्मनी।

ग़द्फ़ (غدف) अ. पुं.–बहुत अधिक दान।

ग़द्र (غدر) अ. पुं.–विप्लव, क्रान्ति, इन्क़िलाब; सैन्य-द्रोह, बग़ावत; लूटमार; प्रबंध की बहुत ही बुरी व्यवस्था।

ग़द्वः (غدوہ) अ. पु.–प्रातःकाल और सूर्योदय के बीच का समय।

ग़द्व (غدو) अ. पुं.–आगामी कल, आनेवाला कल।

ग़नज (غنج) अ. पुं.–हाव-भाव दिखाना; बूढ़ा पुरुष।

ग़नम (غنم) अ. स्त्री.–भेड़ और बकरी।

ग़ना (غنا) अ. पु.–लाभ, नफ़ा, प्राप्ति।

ग़नाइम (غنائم) अ. पु.–'ग़नीमत' का बहु., युद्ध में लूटे हुए माल-अस्बाब और धन आदि।

ग़नी (غنی) अ. वि.–धनवान्, मालदार; निःस्पृह, अनिच्छुक, बेनियाज़।

ग़नीम (غنیم) अ. वि.–प्रतिद्वंद्वी, हरीफ़; वह राजा जो किसी दूसरे राज पर आक्रमण करे।

ग़नीमत (غنیمت) अ. स्त्री.–युद्ध में शत्रु की सेना से छीना हुआ माल, (वि.) उत्तम, अच्छा।

ग़न्ना (غنا) अ. पु.–किसी चीज़ के ढेर होने का स्थान; किसी चीज़ के बहुत होने का स्थान।

गप (گپ) फा. स्त्री.–मिथ्यावाद, अपवाद, व्यर्थ बात, बकवास; उड़ती हुई बात।

गपबाज़ (گپباز) फा. स्त्री.–गप्पी, बकवादी; डींगिया, शेखीख़ोर।

गपबाज़ी (گپبازی) फा. स्त्री.–गप हाँकना, डींग मारना।

ग़फ़र (غفر) अ. पुं.–सफ़ेद बालों को ख़िज़ाब से छिपाना; छोटी घास; गर्दन और गुद्दी के बाल; डाढ़ी के दोनों ओर के बाल।

ग़फ़ल (غفل) अ. पुं.–निश्चेष्टता, संज्ञाहीनता, बेख़बरी; विस्मृति, भूल।

ग़फ़ीर (غفیر) अ. पु.–लोहे की टोपी जो सारे सिर को छिपा ले (वि.) छिपानेवाला; इतनी भीड़ जो शुमार में न आ सके।

ग़फ़ूर (غفور) अ. वि.–बहुत अधिक क्षमावान्, मोक्षदाता, बख़्शनेवाला; ईश्वर का एक नाम।

ग़फ़ूल (غفول) अ. वि.–बहुत अधिक निश्चेष्ट, बहुत ही बेख़बर।

ग़फ़्फ़ार (غفار) अ. वि.–बहुत अधिक क्षमा करनेवाला; पापो को छिपानेवाला; मोक्षदाता; ईश्वर का एक नाम।

ग़फ़्फ़ारी (غفاری) अ. स्त्री.–पापों को छिपाने का कर्म; मोक्षदान, बख़्शिश; ईश्वरत्व, ख़ुदाई।

ग़फ़्र (غفر) अ. पु.–वैभव का आधिक्य, ऐश की फ़रावानी।

ग़फ़्लत (غفلت) अ. स्त्री.–असावधानी, असतर्कता, बेख़बरी; संज्ञाहीनता, निश्चेष्टता, बेहोशी; त्रुटि, भूल, चूक; उपेक्षा, बेपर्वाई; आलस्य, काहिली।

ग़फ़्लतआश्ना (غفلت آشنا) अ. फा. वि.–जो बहुत सुस्ती बरतता हो।

ग़फ़्लतकदः (غفلت کدہ) अ. फा. पु.–ग़फ़लत और असावधानी का स्थान, अर्थात् संसार।

ग़फ़्लतज़दः (غفلت زدہ) अ. फा. वि.–असावधान, बेख़बर; संज्ञाहीन, बेहोश; आलसी, सुस्त।

ग़फ़्लतज़दगी (غفلت زدگی) अ. फा. स्त्री.–असावधानी; संज्ञाहीनता; बेहोशी, ध्यानहीनता, आलस्य, सुस्ती।

ग़फ़्लतपेशः (غفلت پیشہ) अ. फा. वि.–जिसका स्वभाव ही ग़फ़्लत करने का हो; बहुत ही आलसी; असावधान।

ग़फ़्लतशिआर (غفلت شعار) अ. वि.–दे. 'ग़फ़्लतपेशः'।

ग़फ़्स (غفص) अ. वि.–मोटा, गफ़।

ग़ब [ब्ब] (غب) अ. पुं.–पशु का एक दिन बीच करके पानी पीना।

ग़बन (غبن) अ. पुं.—बुद्धि और मति में कमी; भूल जाना, विस्मृति; निश्चेष्ट करना, ग़ाफ़िल करना।

ग़बब (غبب) अ. पुं.—ठुड्डी के नीचे का गोश्त।

ग़बरः (غبرہ) अ. पुं.—धूल-मिट्टी, गर्द-ग़ुबार; बहुत पेड़ों-वाली भूमि।

ग़बस (غبس) अ. वि.—मटमैले रंगवाला, खाकी रंगवाला।

ग़बावत (غباوت) अ. स्त्री.—ज़ेहन का तीव्र न होना, कुंद-ज़ेहनी; बुद्धि का तेज़ न होना, कमअक़्ली।

ग़बी (غبی) अ. वि.—मंदबुद्धि, कुंदज़ेहन; अतीव्रबुद्धि, कमअक़्ल, मंदमति।

ग़बीत (غبیط) अ. पुं.—समतल भूमि, हमवार ज़मीन।

ग़बीन (غبین) अ. वि.—मंदमति, जिसकी राय ठीक न होती हो।

ग़बीसः (غبیثہ) मक्खन और पनीर मिला हुआ।

ग़बूक़ (غبوق) अ. स्त्री.—शाम के पीने की शराब, ह्विस्की।

गब्ज़ (گبز) फ़ा. पुं.—मोटा, दबीज़; मोटा-ताज़ा, हृष्ट-पुष्ट।

ग़बग़ब (غبغب) अ. स्त्री.—वह मांस जो ठोड़ी के नीचे होता है; ठोड़ी, चिबुक, ज़क़न।

ग़ब्तः (غبطہ) अ. पुं.—दे. 'ग़िब्त'।

ग़ब्त (غبط) अ. पुं.—बकरी और दुंबे की पीठ और कोख में उँगलियाँ गड़ाकर यह देखना कि वह चरबीला है या दुबला।

ग़ब्न (غبن) अ. पुं.—माल लेने-देने में घाटा; अमानत में ख़ियानत, पोषण, अपहरण, ख़ुर्द-बुर्द।

गब्र (گبر) फ़ा. वि.—आतशपरस्त, पार्सी।

ग़ब्रा (غبرا) अ. पुं.—वह भूमि जिसमें पेड़ बहुत हों; फलदार वृक्ष; भूमि, ज़मीन, (स्त्री.) चकोर की मादा; चकोरी।

गब्रोतर्सा (گبروترسا) फ़ा. पुं.—आतशपरस्त और ईसाई।

ग़म[म्म] (غم) अ. पुं.—खेद, शोक, क्षोभ, रंज; कष्ट, क्लेश, दुःख; डाह, ईर्ष्या, हसद; मनस्ताप, संताप, अंदरूनी ख़लिश; चिन्ता, फ़िक्र।

ग़मअंगेज़ (غم انگیز) अ. फ़ा. वि.—ग़म बढ़ानेवाला, शोक-प्रद, खेदजनक।

ग़मआगीं (غم آگیں) अ. फ़ा. वि.—ग़म से भरा हुआ, दुःखपूर्ण।

ग़मआलूद (غم آلود) अ. फ़ा. वि.—दे. 'ग़मआगीं'।

ग़मक़ (غمق) अ. पुं.—भूमि के ऊपरी भाग के पानी से भीग जाना।

ग़मकदः (غم کدہ) अ. फ़ा. पुं.—ग़म का घर, जहाँ शोक ही शोक हो, जहाँ शोकग्रस्त लोग रहते हों; जहाँ कोई मृत्यु हो गयी हो।

ग़मकश (غم کش) अ. फ़ा. वि.—दुःख सहनेवाला, क्लेश उठानेवाला, क्लेशग्रस्त।

ग़मख़ानः (غم خانہ) अ. फ़ा. पुं.—दे. 'ग़मकदः'।

ग़मख़ोर (غم خور) अ. फ़ा. वि.—ग़म खानेवाला, दुःख सहन करनेवाला, सहनशील।

ग़मख़्वार (غم خوار) अ. फ़ा. वि.—सहानुभूति करनेवाला, हमदर्द।

ग़मख़्वारी (غم خواری) अ. फ़ा. स्त्री.—सहानुभूति, हमदर्दी।

ग़मगीन (غمگین) अ. फ़ा. वि.—दुःखित, संतप्त, रंजीदा।

ग़मगुसार (غم گسار) अ. फ़ा. वि.—दे. 'ग़मख़्वार'।

ग़मगुसारी (غم گساری) अ. फ़ा. स्त्री.—दे. 'ग़मख़्वारी'।

ग़मचशीदः (غم چشیدہ) अ. फ़ा. वि.—दे. 'ग़मज़दः'।

ग़मज़ (غمز) अ. पुं.—बुरी कमाई का धन, निकृष्ट माल; अशक्त पुरुष।

ग़मज़दः (غم زدہ) अ. फ़ा. वि.—संतप्त, दुःखित, रंजीदा; शोकग्रस्त, मातमदार।

ग़मद (غمد) अ. पुं.—कुएँ में पानी की अधिकता; कुएँ से पानी का ख़त्म हो जाना।

ग़मदीदः (غم دیدہ) अ. फ़ा. वि.—दे. 'ग़मगीन'।

ग़मदोस्त (غم دوست) अ. फ़ा. वि.—जिसे क्लेश और दुःख पसंद हो, निराशावादी।

ग़मनाक (غمناک) अ. फ़ा. वि.—दुःखपूर्ण, कष्टपूर्ण, शोक-युक्त; दुःखित, रंजीदा।

ग़मनाकी (غمناکی) अ. फ़ा. स्त्री.—दुःखपूर्णता, ग़म भरा होना; दुःखित होने का भाव, रंजीदगी।

ग़मरसीदः (غم رسیدہ) अ. फ़ा. वि.—जिसे दुःख पहुँचा हो, जिसे दुःख दिया गया हो, दुःखित।

ग़मरात (غمرات) अ. पुं.—'ग़म्रः' का बहु., आपत्तियाँ, मुसीबतें; मनुष्यों के समूह।

ग़मस (غمص) अ. पुं.—आँख का मैल; आँख का मैल जो बाहर बहे।

ग़मीं (غمیں) अ. फ़ा. वि.—दे. 'ग़मनाक'।

ग़माइम (غمائم) अ. पुं.—'ग़माम' का बहु., बादलों के समूह।

ग़मामः (غمامہ) अ. पुं.—सफ़ेद बादल; एक बादल, बादल का एक टुकड़ा।

ग़माम (غمام) अ. पुं.—मेघ, बादल, अब्र; सफ़ेद बादल।

ग़मार (غمار) अ. पुं.—अधिकता, बहुतायत; समूह होना, जमघट।

ग़मारत (غمارت) अ. स्त्री.—मनुष्यों का जमाव; पानी की अधिकता।

ग़मिक़ (غمق) अ. पुं.—वह तरकारी या घास जो पानी की सीलन से बिगड़ या सड़ जाय।

ग़मी (غمی) अ. स्त्री.–ग़म से सम्बन्धित; मृत्यु, मौत।
ग़मूस (غموص) अ. पुं.–झूठी क़सम; एक तारा; खैबर के सात दुर्गों में से एक।
ग़मूस (غموس) अ. पुं.–ऐसी शपथ जिससे किसी का हक़ या धन आदि मारा जाय, (वि.) झूठी शपथ लेनेवाले को दंड देनेवाला।
ग़मे गेती (غم گیتی) अ. फा. पुं.–सांसारिक दुःख, जीवन की व्यथाएँ, जीवन-कष्ट।
ग़मे दिल (غم دل) अ. फा.–मनस्ताप, मनःपीड़ा, दिल का रंज।
ग़मे दौरां (غم دوراں) अ. फा. पुं.–दे. 'ग़मे गेती'।
ग़मे पिन्हाँ (غم پنہاں) अ. फा. पुं.–मानसिक दुःख, मनस्ताप; प्रेम की व्यथा, इश्क़ का ग़म।
ग़मे रोज़गार (غم روزگار) अ. फा. पुं.–दे. 'ग़मे गेती'।
ग़मोरंज (غم و رنج) अ. फा. पुं.–रंज और ग़म, कष्ट-समूह, मुसीबतें।
ग़म्ज़ः (غمزه) अ. पुं.–आँख का संकेत, सैन; हावभाव, नाज़ोअदा।
ग़म्ज़ (غمز) अ. पुं.–आँख का इशारा, सैन; दबाकर निचोड़ना; आलोचना, सुख़नचीनी।
ग़म्ज़ (غمض) अ. पुं.–नीची भूमि; गुप्त गढ़ा, छिपा हुआ गर्त; ऐसी बात करना जो समझ में न आये, बात का समझ से परे होना।
ग़म्त (غمط) अ. पुं.–किसी को अपमानित करना; कृतघ्नता, नाशुक्री।
ग़म्द (غمد) अ. पुं.–तलवार को म्यान में करना; किसी का अपराध छिपाना; कुएँ का पानी बढ़ जाना।
ग़म्माज़ (غماز) अ. वि.–पिशुन, चुग़ुल; आँख के इशारे से चुग़ली खानेवाला; गुप्तचर, जासूस; दोष ढूंढ़नेवाला।
ग़म्र (غمر) अ. पुं.–पानी का किसी वस्तु को छिपा लेना; बहुत पानी; उदार, दाता; शूर, जवाँमर्द।
ग़म्रुरिदा (غمرالردا) अ. वि.–बहुत ही उदार और दानशील।
ग़म्रुलबर्द (غمرالبرد) अ. वि.–दे. 'ग़मुरिदा'।
ग़म्श (غمش) अ. पुं.–भूख-प्यास की तीव्रता से आँखों में अँधेरा छा जाना।
ग़म्स (غمس) अ. पुं.–किसी को तुच्छ जानना; आलस्य करना (किसी का हक़ देने में); दोष लगाना, कृतघ्नता, नाशुक्री।
ग़यद (غید) अ. पुं.–गर्दन का टेढ़ा होकर एक ओर झुक जाना; शरीर का मृदुल और कोमल होना।
ग़यब (غیب) अ. पुं.–'ग़ाइब' का बहु., ग़ाइब (ग़ायब) होनेवाले, छिपनेवाले, लोप होनेवाले।
ग़याबत (غیابت) अ. स्त्री.–लुप्त होना, ग़ाइब होना; कुएँ की गहराई; वह वस्तु जो किसी वस्तु को छिपा ले।
ग़यूर (غیور) अ. वि.–ग़ैरतमंद, स्वाभिमानी।
ग़यूरानः (غیورانه) अ. फा. वि.–स्वाभिमानियों-जैसा, ग़ैरतमंदों की तरह।
ग़य्याफ़ (غیاف) अ. वि.–जिसकी डाढ़ी बहुत लंबी और घनी हो।
गर (گر) फा. अव्य.–'अगर' का लघु, यदि, जो, अगर।
ग़र (غر) फा. स्त्री.–व्यभिचारिणी, कुलटा, फ़ाहिशा।
ग़र[र्] (غر) अ. पुं.–वे दाने जो पक्षी चोंच में लेकर अपने बच्चों को खिलाता है, चुगा; कपड़े की शिकन, सिलवट; भूमि की दरार; ज़मीन के भीतर पानी की नाली; मुग्ध होना।
ग़रक़ (غرق) अ. पुं.–पानी में डूब जाना; पानी सिर से ऊँचा हो जाना।
गरगर (گرگر) फा. पुं.–ईश्वर के नामों में से एक नाम, जिसका अर्थ है सारी निर्मित वस्तुओं का निर्माता।
ग़रज़ (غرض) अ. स्त्री.–इच्छा, ख़्वाहिश, स्वार्थ, मतलब; आशय, मक़्सद; क़िबहुना, क़िस्सा मुख़्तसर; सम्बन्ध, तअल्लुक़; प्रयोजन, मतलब।
ग़रज़ (غرز) अ. पुं.–एक घास।
ग़रज़आश्ना (غرض آشنا) अ. फा. वि.–मतलब का यार, स्वार्थसाधक, स्वार्थी।
ग़रज़मंद (غرض مند) अ. फा. वि.–इच्छुक, ख़्वाहिशमंद; जिसका कोई मतलब अटका हो।
ग़रज़मंदी (غرض مندی) अ. फा. स्त्री.–इच्छा, ख़्वाहिशमंदी; मतलब अटका होना।
ग़रज़े कि (غرض که) अ. फा. अव्य.-सारांश यह कि।
ग़रव (غرد) अ. पुं.–गले में आवाज़ को लुढ़काना।
ग़रदिल (غردل) फा. वि.–डरपोक, भीरु, बुज़दिल।
ग़रर (غرر) अ. पुं.–शंका, भय, डर; शर्त, पण।
ग़रव (غرو) अ. पुं.–नरकट जिससे क़लम बनाते हैं।
ग़रस (غرث) अ. स्त्री.–भूख, क्षुधा।
गरां (گراں) फा. वि.–दे. 'गिरां', शुद्ध दोनों हैं, परन्तु वह अधिक फ़सीह है।
गरा (گرا) फा. पुं.–भूमि समतल करने का यंत्र।
ग़रा (غرا) अ. पुं.–हर चिपकनेवाली चीज़; सरेस, मछली का सरेस; हर चुपड़नेवाली वस्तु; शिशु, बच्चा; दुबला।

ग़राइब (غرائب) अ. पुं.–'ग़रीबः' का बहु., आश्चर्यजनक वस्तुएँ।

ग़राइर (غرائر) अ. पुं.–'ग़िरारः' का बहु., लादने की गोनें, खुर्जियाँ।

ग़रानिक़ः (غرانقه) अ. पुं.–दे. 'ग़रानीक़'।

ग़रानीक (غرانیق) अ. पुं.–'ग़ुर्नूक़' का बहु., कुलंग पक्षी; सुन्दर और युवा लोग; गुँधी हुई चोटियाँ।

ग़राबीब (غرابیب) अ. पुं.–'ग़ुर्बीब' का बहु., बहुत अधिक काले।

ग़राबत (غرابت) अ. स्त्री.–अनोखापन, अद्भुतता।

ग़राम (غرام) अ. पुं.–दुष्टता; लोभ, लालच; हत्या, हलाकत; पीड़ा, अज़ाब; मोह, प्रेम।

ग़रामत (غرامت) अ. स्त्री.–हानि उठाना; पश्चात्ताप, पशेमानी; दुःख, पीड़ा, अज़ाब।

ग़रारः (غراره) फ़ा. पुं.–मुँह में पानी भरकर चलाना, ग़र्ग़रः, आचमन।

ग़रारः (غراره) अ. पुं.–नातज्रिबःकारी, अनाड़ीपन, अपरिपक्वता; धोखा खाना, छला जाना।

ग़रास (غراس) अ. पुं.–खाने या पीनेवाली दवा का वह अंश जो गिर जाय।

ग़रिक़ (غرق) अ. वि.–दे. 'ग़रीक़'।

ग़रीक़ (غریق) अ. वि.–जो पानीमें डूब गया हो, निमग्न, प्लावित, निमज्जित।

ग़रीज़ (غریض) अ. पुं.–नवीन, ताज़ा, नया; प्रफुल्ल, शगुफ़्ता; वर्षा का जल; नयी मदिरा; हर सफ़ेद वस्तु; कली, शिगूफ़ा।

ग़रीज़त (غریزت) अ. स्त्री.–प्रकृति, स्वभाव, आदत।

ग़रीज़ी (غریزی) अ. वि.–स्वाभाविक, प्राकृतिक, नेचुरल, फ़ित्री, विशेषतः 'हरारत' के लिए आता है, 'हरारते ग़रीज़ी' अर्थात् शरीर की प्राकृतिक गर्मी।

ग़रीब (غریب) अ. वि.–विदेशी, परदेसी; जो सफ़र में हो; दरिद्र, दीन, कंगाल; असहाय, बेचारा, लाचार; दीन, दुखी, बेबस।

ग़रीबआज़ार (غریب آزار) अ. फ़ा. वि.–दीन दुखी व्यक्तियों को सतानेवाला।

ग़रीबख़ानः (غریب خانه) अ. फ़ा. पुं.–ऐसा घर जिसमें सुख का कोई साधन न हो, वक्ता अपने घर को भी बोलता है।

ग़रीबज़ादः (غریب زاده) अ. फ़ा. पुं.–वेश्यापुत्र, रंडी का लड़का, रंडी-बच्चा।

ग़रीबनवाज़ (غریب نواز) अ. फ़ा. वि.–दीनों दुखियों पर करुणा करनेवाला, प्रणतपाल, दीनवत्सल।

ग़रीबनवाज़ी (غریب نوازی) अ. फ़ा. स्त्री.–दीनों और असहाय व्यक्तियों पर कृपादृष्टि।

ग़रीबपर्वर (غریب پرور) अ. फ़ा. वि.–दे. 'ग़रीबनवाज़'।

ग़रीबपर्वरी (غریب پروری) अ. फ़ा. स्त्री.–दे. 'ग़रीबनवाज़ी'।

गरीबाँ (گریباں) फ़ा. पुं.–दे. शुद्ध उच्चारण 'गिरीबाँ'।

ग़रीबी (غریبی) अ. स्त्री.–घरबार से दूरी; दरिद्रता, कंगाली; दीनता, लाचारी; एक बहुत बढ़िया कपड़ा।

ग़रीबुद्दयार (غریب الدیار) अ. वि.–दे. 'ग़रीबुलवतन'।

ग़रीबुलवतन (غریب الوطن) अ. वि.–बेवतन, जो अपना घरबार छोड़ परदेश में पड़ा हो, प्रवासी, परदेशी।

ग़रीबेशह्र (غریب شہر) अ. फ़ा. वि.–जो नगर में किसी को जानता पहचानता न हो और मुसाफ़िर की तरह पड़ा हो।

ग़रीम (غریم) अ. वि.–जिसे टोटा हुआ हो; ऋणी, क़र्ज़दार; ऋणदाता, क़र्ज़ख़्वाह।

ग़रीर (غریر) अ. वि.–वह युवक जो अनुभवी न हो; ज़ामिन, प्रतिभू, (पुं.) अच्छा स्वभाव, अच्छी आदत।

गरूगर (گروگر) फ़ा. पुं.–ईश्वर के नामों में से एक, जिस का अर्थ है कामनाएँ पूरी करनेवाला।

ग़रूर (غرور) अ. वि.–छली, धोखेबाज़, (पुं.) वह दवाओं का पानी जिससे ग़रारा करें।

ग़र्क़ः (غرقه) अ. वि.–डूबा हुआ, निमग्न।

ग़र्क़ (غرق) अ. पुं.–पानी में डूबना, निमज्जन, (वि.) डूबा हुआ, निमग्न।

ग़र्क़ए ख़ूँ (غرقهٔ خوں) अ. फ़ा. वि.–ख़ून में डूबा हुआ।

ग़र्क़ाब (غرقاب) अ. फ़ा. वि.–डूबा हुआ, निमज़्जित, (पुं.) डूबना, निमज्जन; डुबाऊ पानी।

ग़र्क़ी (غرقی) अ. स्त्री.–डूबना; बाढ़, तुग़्पानी; जुलाहों के कपड़ा बुनने का गढ़ा।

गर्ग (گرگ) फ़ा. पुं.–खुजली, खर्जूर; एक नगर।

ग़र्ग़रः (غرغره) अ. पुं.–मुँह में पानी लेकर फिराना, ग़रारा करना, आचमन।

ग़र्ग़र (غرغر) अ. पुं.–सूत लपेटने की चर्ख़ी।

गर्गी (گرگیں) फ़ा. वि.–जिसे खाज का रोग हो।

ग़र्चः (غرچه) फ़ा. वि.–क्लीव, नपुंसक, नामर्द; मूर्ख, नादान, बुद्धू।

ग़र्चक (غرچک) फ़ा. वि.–मूर्ख, घामड़, बुद्धू।

गर्ज़मान (گرزماں) फ़ा. पुं.–सबसे ऊपर का आकाश।

गर्दंग (گردنگ) फ़ा. पुं.–स्त्री की कमाई खानेवाला, दैयूस, भगभोगी, भँडुवा।

गर्दः (گردہ) फ़ा. पुं.–पिसा हुआ कोयला जो सुई से छिदे हुए काग़ज़ पर फेरकर बेल-बूटे बनाने के काम आता है; छिदा हुआ काग़ज़ जिस पर बेलबूटे बने होते हैं, और जिस पर कोयला फेरा जाता है।

गर्द (گرد) फ़ा. स्त्री.–रज, धूलि, ख़ाक; नगर, शहर; सूरज, सूर्य; खेद, रंज; लाभ, वफ़ा; एक अच्छा रेशम, (प्रत्य.) फिरने वाला, जैसे—'जहाँगर्द' संसार में फिरने वाला।

गर्दआलूद (گرد آلود) फ़ा. वि.–दे. 'गर्दालूद'।

गर्दन (گردن) फ़ा. स्त्री.–ग्रीवा, गला; कंठ, हल्क़।

गर्दनकश (گردن کش) फ़ा. वि.–अवज्ञाकारी, नाफ़र्मान; विद्रोही, बाग़ी; उद्दंड, अक्खड़।

गर्दनकशी (گردن کشی) फ़ा. स्त्री.–अवज्ञा, नाफर्मानी; विद्रोह, बग़ावत; उद्दंडता, अक्खड़पन।

गर्दनज़दनी (گردن زدنی) फ़ा. वि.–जो गर्दन मारने के योग्य हो, वध्य, हंतव्य।

गर्दनज़न (گردن زن) फ़ा. वि.–गर्दन काटनेवाला, जल्लाद; वधिक, क़ातिल; क़साई।

गर्दनज़नी (گردن زنی) फ़ा. स्त्री.–गर्दन काटने का काम; जल्लादी; हत्यापन; क़साईपन।

गर्दनफ़राज़ (گردن فراز) फ़ा. वि.–बड़े पदवाला, बड़ी पदवीवाला, आला रुत्बा; गर्दन ऊँची करके चलनेवाला, गौरवशाली।

गर्दनबारीक (گردن باریک) फ़ा. वि.–लाचार, बेबस, दीन; अधीन, वशीभूत, मुतीअ।

गर्दनी (گردنی) फ़ा. पुं.–चाँटा, थप्पड़।

गर्दा (گرداں) फ़ा. वि.–घूमता हुआ, चक्कर खाता हुआ, घूर्णित।

गर्दान (گردان) फ़ा. स्त्री.–व्याकरण में कारकों या लकारों की आदि से अंत तक कंठ-पुनरावृत्ति।

गर्दालूद (گرد آلود) फ़ा. वि.–धूलि में अटा हुआ, धूलि-धूसर; धूल मिला हुआ, धूल्याक्त।

गर्दिंदः (گردندہ) फ़ा. वि.–फिरनेवाला, घूमनेवाला, चक्कर खानेवाला।

गर्दिश (گردش) फ़ा. स्त्री.–चक्कर, फिराव; दुर्भाग्य, बदक़िस्मती; कालचक्र, आपत्ति का समय; भ्रमण, सैर-सपाटा।

गर्दिशज़दः (گردش زدہ) फ़ा. वि.–कालचक्रग्रस्त, मुसीबत का मारा।

गर्दिशज़दगी (گردش زدگی) फ़ा. स्त्री.–काल-चक्रग्रस्तता, मुसीबत का मारा होना।

गर्दिशे दौराँ (گردش دوراں) फ़ा. स्त्री.–समय का चक्कर, काल-चक्र, समय का उलटफेर।

गर्दिशे पैमानः (گردش پیمانہ) फ़ा. स्त्री.–मदिरा के पियाले का चक्कर, शराब का दौर।

गर्दिशे पैहम (گردش پیہم) फ़ा. स्त्री.–लगातार चक्कर; लगातार आपत्तियाँ।

गर्दिशे रोज़गार (گردش روزگار) फ़ा. स्त्री.–दे. 'गर्दिशे दौराँ'।

गर्दिशे लैलोनहार (گردش لیل ونہار) फ़ा. अ. स्त्री.–रात-दिन का उलट-फेर, समय का चक्कर, समय का फेर।

गर्दिशे हादिसात (گردش حادثات) फ़ा.अ. स्त्री.–दुर्घटनाओं का चक्कर, आपत्तियों का ताँता।

गर्दीदः (گردیدہ) फ़ा. वि.–फिरा हुआ, घूमा हुआ, घूर्णित; लौटा हुआ, वापस आया हुआ।

गर्दीदनी (گردیدنی) फ़ा. वि.–फिरने के योग्य, घूमने के योग्य, चक्कर खाने के योग्य।

गर्दूं (گردوں) फ़ा. पुं.–आकाश, व्योम, आस्मान; शकट, छकड़ा, गाड़ी।

गर्दूंअसास (گردوں اساس) फ़ा. अ. वि.–जिसकी नीव आकाश में हो, बहुत बड़े पदवाला।

गर्दूंइक़्तिदार (گردوں اقتدار) फ़ा. अ. वि.–आकाश-जैसी सत्तावाला, बहुत बड़ा प्रतिष्ठित।

गर्दूंजाह (گردوں جاہ) फ़ा. वि.–दे. 'गर्दूंइक़्तिदार'।

गर्दूंसरीर (گردوں سریر) फ़ा. अ. वि.–जिसका सिंहासन आकाश हो, बहुत बड़ी महत्तावाला।

गर्दे मलाल (گرد ملال) फ़ा. अ. स्त्री.–मन का मैल, मनोमालिन्य, रंजिश।

गर्दे सफ़र (گرد سفر) फ़ा. अ. स्त्री.–सफ़र की थकान।

ग़र्नातः (غرناطہ) अ. पुं.–स्पेन का एक नगर।

ग़र्फ़ः (غرفہ) अ. पुं.–चुल्लू से एक बार पानी उठाना।

ग़र्ब (غرب) अ. पुं.–पश्चिम दिशा, पश्चिम; बड़ा डोल, पुर।

ग़र्बलत (غربلت) अ. स्त्री.–चलनी में छानना; काटना, विच्छेदन; हत्या करना, हनन।

ग़र्बाल (غربال) अ. स्त्री.–आटा आदि छानने का यंत्र, चलनी, चालनी, छलनी।

ग़र्बी (غربی) अ. वि.–पश्चिम दिशा का, पश्चिमी; यूरोप का, मग़्रिबी।

ग़र्बीब (غربیب) अ. वि.–बहुत अधिक काला, काला निसोत।

गर्म (گرم) फ़ा. वि.–तप्त, उष्ण, जो गर्म हो; गर्म तासीर-वाला, उष्णवीर्य; तीव्र, तेज़; शीघ्र, जल्द; क्रुद्ध, कुपित।

ग़र्म (غرم) अ. पुं.–रात का अँधेरा होना।

गर्मइनाँ (گرم عنان) फा. अ. वि—तेज चलनेवाला घोड़ा; तेज चलनेवाला सवार।

गर्मक (گرمک) फा पु—उवाले हुए मटर; सफ़ेद ख़रबूज़ा, सर्दे की एक जाति. (वि.) कम गर्म।

गर्मख़ूं (گرم خوں) फा. वि—गाढ़ा मित्र, लँगोटिया यार; दयालु, कृपालु, मेहरवान।

गर्मख़ू (گرم خو) फा. वि.—तीव्र प्रकृति, तेज़ मिज़ाज।

गर्मख़ेज़ (گرم خیز) फा. वि.—फ़ुर्तीला और चालाक; हर समय काम के लिए तत्पर।

गर्म गर्म (گرم گرم) फा. वि.—गर्मागर्म, ताज़ी सिकी या भुनी हुई चीज़।

गर्मजोशी (گرم جوشی) फा. स्त्री.—गाढ़े प्रेम का प्रदर्शन, संभ्राति, तपाक।

गर्मजौलां (گرم جولاں) फा. वि.—द्रुतगति, शीघ्रगामी, तेज़ रौ।

गर्मजौलानी (گرم جولانی) फा. स्त्री.—तेज़ रफ़्तारी, तेज़ चलना, शीघ्र गमन।

गर्मतर (گرم تر) फा. वि.—अधिक गर्म, उष्णतर; जिस ओषधि में गर्मी के साथ तरी हो।

गर्मतरीन (گرم ترین) फा. वि.—बहुत अधिक गर्म, उष्णतम, परमोष्ण।

गर्मदिमाग़ (گرم دماغ) फा. अ. वि.—अहंकारी, घमंडी।

गर्मदिमाग़ी (گرم دماغی) फा. अ. स्त्री.—अहंकार, घमंड।

गर्मबाज़ारी (گرم بازاری) फा. स्त्री.—भाव की तेज़ी, ग्राहकों की बहुतात माल की माँग।

गर्ममिज़ाज (گرم مزاج) फा. अ. वि.—चिड़चिड़े स्वभाव-वाला; जिसे जल्दी क्रोध आ जाय; जिसकी प्रकृति गर्म हो।

गर्ममिज़ाजी (گرم مزاجی) फा. अ. स्त्री.—चिड़चिड़ापन; जल्दी क्रोध आना; प्रकृति की उष्णता।

गर्मरफ़्तार (گرم رفتار) फा. वि.—तेज़ चलनेवाला, शीघ्र-गामी, गतिशील।

गर्मरफ़्तारी (گرم رفتاری) फा. स्त्री.—तेज़ चलना, चाल की तेज़ी, शीघ्र गति।

गर्मरवी (گرم روی) फा. स्त्री.—दे. 'गर्मरफ़्तारी'।

गर्मरौ (گرم رو) फा. वि.—दे. 'गर्मरफ़्तार'।

गर्मसेर (گرم سیر) फा. पु.—वह स्थान जहाँ का जल-वायु गर्म हो।

गर्मा (گرما) फा. पु.—गर्मी का मौसम, ग्रीष्म ऋतु; गर्मी का समय, उष्ण काल।

गर्मागर्मी (گرماگرمی) फा. स्त्री.—धूमधाम, ज़ोर-शोर; तेज़ातेज़ी, बातचीत में तेज़ी, मौखिक युद्ध, वाग्युद्ध।

गर्माबः (گرمابہ) फा. पु.—हम्माम जहाँ पानी गर्म मिले, स्नानागार; गर्म पानी की टंकी या सक़ाबः।

गर्मिए बाज़ार (گرمئی بازار) फा. स्त्री.—बाज़ार में भाव की तेज़ी, ग्राहकों की बहुतायत, माल की माँग।

गर्मी (گرمی) फा. स्त्री.—उष्णिमा, उष्णता, हरारत; उपदंश, गर्मी रोग; बुख़ार, ज्वर; ज़ोर, तीव्रता; क्रोध, रोष, ग़ुस्सा; गर्व, अभिमान, घमंड।

गर्मीदानः (گرمی دانہ) फा. पु.—अन्हौरी, घर्म-चर्चिका।

गर्मे सुख़न (گرم سخن) फा. वि.—बातें करता हुआ, वार्तालाप करता हुआ।

गर्मोसर्द (گرم وسرد) फा. पु.—ठंडा और गर्म, शीतोष्ण; सांसारिक दुःख सुख; ऊँच नीच, निशेबोफ़राज़।

गर्मोसर्द चशीदः (گرم وسرد چشیدہ) फा. वि.—संसार की ऊँच-नीच देखे हुए, संसार के दुःख-सुख उठाये हुए, अनुभवी, बहुदर्शी।

ग़र्रः (غرہ) अ. पु.—मुग्ध होना, फ़रेफ़्ता होना; घमंड, गर्व, अकड़, हेकड़ी।

ग़र्रा (غراں) आ. वि.—भयानक शब्द से चीख़ता चिल्लाता हुआ।

गर्रा (گرا) फा. पु. —पछने लगाने वाला; नापित, नाई; सेवक, दास, नौकर।

ग़र्रा (غرا) अ. स्त्री.—हर स्वच्छ और उज्ज्वल वस्तु जो स्त्रीलिंग हो।

ग़र्व (غرو) अ. पु.—नरकट, जिसके क़लम बनते हैं।

ग़र्स (غرث) अ. स्त्री.—भूख, क्षुधा।

ग़र्स (غرس) अ. पु.—पेड़ लगाना, पेड़ रोपना, वृक्षारोपण; लगाया हुआ पेड़।

ग़र्सान (غرثان) अ. वि.—भूखा, क्षुधित।

ग़ल[ल्ल] (غل) अ. पु.—भीतर जाना; भीतर ले जाना।

ग़लक़ (غلق) अ. पु.—किवाड़ बंद करने की लकड़ी, अर्गल।

ग़लत (غلط) अ. पु.—अशुद्ध, जो ठीक न हो; असत्य, झूठ; त्रुटि, भूल; अनुचित, ग़ैरवाजिब; अशुद्धि, ग़लती।

ग़लत (غلط) अ. पु.—हिसाब की ग़लती।

ग़लत अंदाज़ (غلط انداز) अ. फा. वि.—भ्रम में डालने वाला (वाली); ऐसी दृष्टि जो हो तो किसी और की ओर परंतु समझे कोई अपनी ओर, इस शब्द का प्रयोग दृष्टि के साथ ही होता है; भूलभुलैया।

ग़लतकार (غلطکار) अ. फा. वि.—काम में बहुधा चूक जाने-वाला; जान बूझकर काम ख़राब करनेवाला; अंट-शंट काम करनेवाला।

ग़लतकारी (غلطکاری) अ. फा. स्त्री.–काम में चूकना; जानते हुए काम ख़राब करना; अंट-शंट काम करना।

ग़लतगो (غلطگو) अ. फा. वि.–झूठ बोलनेवाला, मिथ्यावादी, झूठा।

ग़लतगोई (غلطگوئی) अ. फा. स्त्री.–झूठ बोलना, मिथ्यावाद।

ग़लतनामः (غلطنامہ) अ. फा. पुं.–किसी पुस्तक आदि के अंत में उसकी अशुद्धियों का परिशिष्ट, शुद्धिपत्र।

ग़लतफ़हमी (غلطفہمی) अ. स्त्री.–कुछ का कुछ समझना, बोधभ्रम; कुधारणा, बदगुमानी।

ग़लतबयां (غلطبیاں) अ. वि.–दे. 'ग़लतगो'।

ग़लतबयानी (غلط بیانی) अ. स्त्री.–दे. 'ग़लतगोई'।

ग़लतबर्दार (غلطبردار) अ. फा. वि.–वह रबर आदि जिससे काग़ज़ से अशुद्ध अक्षर मिटाया जाता है; वह काग़ज़ जिसपर अशुद्ध अक्षर सुगमता से बदल जाता है।

ग़लतबीं (غلطبیں) अ. फा. वि.–जिसे किसी व्यक्ति के दोष ही दोष दिखाई दें, उसकी अच्छाइयाँ नज़र न आयें।

ग़लतबीनी (غلطبینی) अ. फा. स्त्री.–किसी के गुणों को छोड़कर केवल उसकी बुराइयाँ ही देखने का भाव।

ग़लतुलअवाम (غلطالعوام) अ. पुं.–वह ग़लती जो कुपढ़ और जाहिल लोग करें।

ग़लतुल्आम (غلطالعام) अ. पुं.–वह ग़लती जो विद्वज्जन करें और वह शुद्ध मान ली जाय।

ग़लफ़ (غلف) अ. पुं.–वैभव की बहुतायत; देश में अन्न की बहुतात; खल्ला न करना।

ग़लबः (غلبہ) अ. पुं.–प्रभुत्व, सत्ता, इक़्तिदार; प्राचुर्य, बहुतायत; मत-बाहुल्य, कस्रते राय; विजय-प्राप्ति, तसल्लुत, सामूहिक झगड़ा या मार-काट।

ग़लब (غلب) अ. पुं.–जीतना, ग़ालिब होना; अवज्ञाकारी होना, नाफ़र्मानी करना।

ग़लबात (غلبات) अ. पुं.–'ग़लबः' का बहु., 'ग़लबे'।

ग़लयान (غلیان) अ. पु.–उबाल, जोश।

ग़लल (غلل) अ. स्त्री.–पिपासा, प्यास; जलन, सोज़िश; मनस्ताप, खलिश।

ग़लस (غلس) अ. स्त्री.–रात्रि के अंत का अँधियारा।

ग़ला (غلا) अ. पुं.–अन्न आदि का भाव तेज हो जाना; दुर्भिक्ष, क़हत।

ग़लिक़ (غلق) अ. पुं.–वह बात जो कठिनता से समझ में आये, गूढ़, निगूढ़।

ग़लिब (غلب) अ. वि.–विजित, ग़ालिब; अवज्ञाकारी, सरकश।

ग़लिम (غلم) अ वि.–तीव्रकाम, तेज़ शहवत।

ग़लीज़ (غلیظ) अ. वि.–गाढ़ा, निविड़; विष्ठा, मल; प्रगाढ़, सघन।

ग़लीज़ (غلیز) अ. वि.–प्रगाढ़, गाढ़ा।

ग़लीज़ुल क़िवाम (غلیظالقوام) अ. वि.–जिसकी चाशनी गाढ़ी हो गयी हो; जो धातु आदि दूषित होकर गाढ़ी हो गयी हो।

ग़लील (غلیل) अ. वि.–पिपासित, प्यासा, (पुं.) द्वेष, कीनः; मनस्ताप, दिली रंज; प्यास की तीव्रता।

ग़लीस (غلیث) अ. पुं.–जौ और गेहूँ मिला हुआ, गुजई; हर वह वस्तु जिसमें दूसरी वस्तु मिली हो।

ग़लूल (غلول) अ. पु.–वह भोजन जो बूढ़ों और रोगियों को सुगमता से पच जाय।

ग़ल्क़ (غلق) अ. पुं.–दरवाजा बंद करना; भूमि में गहरे तक घुसना; घृणा, कराहियत; बंधन, बाँधना।

ग़ल्ग़लः (غلغلہ) अ. पुं.–तेज़ चलना, शीघ्र गमन।

ग़ल्ज़ (غلظ) अ. पुं.–वह नीची भूमि जो ऊबड़-खाबड़ और असमतल हो।

ग़ल्ज़त (غلظت) अ. स्त्री.–दे. 'ग़िल्ज़त', दो. शु. हैं।

ग़ल्तक (غلطک) फा. पुं.–करवट लेना, पहलू बदलना; गाड़ी का पहिया, चक्र।

ग़ल्तां (غلطاں) फा. वि.–लुढ़कता हुआ, लोटता हुआ, लुंठायमान।

ग़ल्तां व पेचां (غلطاں و پیچاں) फा. वि.–लुढ़कता और बल खाता हुआ; असमंजस और दुबिधा में पड़ा हुआ।

ग़ल्फ़ (غلف) अ. पुं.–तलवार आदि को म्यान में करना; सर अथवा डाढ़ी के बालों में सुगंध लगाना।

ग़ल्फ़क़ (غلفق) अ. पुं.–काई, जो पानी पर होती है; नर्म धनुष; एक पानी की घास।

ग़ल्बः (غلبہ) अ. पुं.–दे. 'ग़लबः', शुद्ध वही है, परंतु उर्दूवाले यह भी बोलते हैं।

ग़ल्ब (غلب) आ. पुं.–विद्रोही होना, बागी होना; अवज्ञाकारी और उद्दंड होना।

ग़ल्बा (غلبا) अ. पुं.–वह स्थान जहाँ बहुत घने पेड़ हों, झुंड की लड़ाई, दो ग़ोलों में आपसी मारकाट।

ग़ल्मः (غلمہ) अ. पुं.–काम-वासना की तेज़ी, शहवत का जोश।

ग़ल्म (غلم) अ. पु.–कामातुर होना, शहवत से बेचैन होना; तेज चलना।

ग़ल्यान (غلیان) अ. पुं.–दे. 'ग़लयान' शुद्ध वही है, पर उर्दूवाले 'ल' को हल् भी कर देते हैं।

गर्मइनाँ (گرم عناں) फा. अ. वि–तेज चलनेवाला घोड़ा; तेज़ चलनेवाला सवार।

गर्मक (گرمک) फा. पुं–उवाले हुए मटर; सफ़ेद खरबूज़ा, सर्दे की एक जाति. (वि.) कम गर्म।

गर्मखूं (گرم خوں) फा. वि–गाढ़ा मित्र, लँगोटिया यार; दयालु, कृपालु, मेहरबान।

गर्मखू (گرم خو) फा. वि–तीव्र प्रकृति, तेज़ मिज़ाज।

गर्मखेज़ (گرم خیز) फा. वि–फुर्तीला और चालाक; हर समय काम के लिए तत्पर।

गर्म गर्म (گرم گرم) फा. वि–गर्मागर्म, ताज़ी सिकी या भुनी हुई चीज।

गर्मजोशी (گرم جوشی) फा. स्त्री–गाढ़े प्रेम का प्रदर्शन, संभ्रांति, तपाक।

गर्मजौलां (گرم جولاں) फा. वि–द्रुतगति, शीघ्रगामी, तेज़ रौ।

गर्मजौलानी (گرم جولانی) फा. स्त्री–तेज़ रफ़्तारी, तेज़ चलना, शीघ्र गमन।

गर्मतर (گرم تر) फा. वि–अधिक गर्म, उष्णतर; जिस ओषधि में गर्मी के साथ तरी हो।

गर्मतरीन (گرم ترین) फा. वि–बहुत अधिक गर्म, उष्णतम, परमोष्ण।

गर्मदिमाग़ (گرم دماغ) फा. अ. वि–अहंकारी, घमंडी।

गर्मदिमाग़ी (گرم دماغی) फा. अ. स्त्री–अहंकार, घमंड।

गर्मबाज़ारी (گرم بازاری) फा. स्त्री–भाव की तेज़ी, ग्राहकों की बहुतात माल की माँग।

गर्ममिज़ाज (گرم مزاج) फा. अ. वि–चिड़चिड़े स्वभाव-वाला; जिसे जल्दी क्रोध आ जाय; जिसकी प्रकृति गर्म हो।

गर्ममिज़ाजी (گرم مزاجی) फा. अ. स्त्री–चिड़चिड़ापन; जल्दी क्रोध आना; प्रकृति की उष्णता।

गर्मरफ़्तार (گرم رفتار) फा. वि–तेज़ चलनेवाला, शीघ्र-गामी, गतिशील।

गर्मरफ़्तारी (گرم رفتاری) फा. स्त्री–तेज़ चलना, चाल की तेज़ी, शीघ्र गति।

गर्मरवी (گرم روی) फा. स्त्री–दे. 'गर्मरफ़्तारी'।

गर्मरौ (گرم رو) फा. वि–दे. 'गर्मरफ़्तार'।

गर्मसेर (گرم سیر) फा. पुं–वह स्थान जहाँ का जल-वायु गर्म हो।

गर्मा (گرما) फा. पुं–गर्मी का मौसम, ग्रीष्म ऋतु; गर्मी का समय, उष्ण काल।

गर्मागर्मी (گرما گرمی) फा. स्त्री–धूमधाम, ज़ोर-शोर; तेज़ातेज़ी, बातचीत में तेज़ी, मौखिक युद्ध, वाग्युद्ध।

गर्माबः (گرمابہ) फा. पुं–हम्माम जहाँ पानी गर्म मिले, स्नानागार; गर्म पानी की टंकी या सक़ाबः।

गर्मिए बाज़ार (گرمئی بازار) फा. स्त्री–बाज़ार में भाव की तेज़ी, ग्राहकों की बहुतायत, माल की माँग।

गर्मी (گرمی) फा. स्त्री–उष्णिमा, उष्णता, हरारत; उपदंश, गर्मी रोग; बुख़ार, ज्वर; ज़ोर, तीव्रता; क्रोध, रोष, गुस्सा; गर्व, अभिमान, घमंड।

गर्मीदानः (گرمی دانہ) फा. पुं–अन्हौरी, घर्म-चर्चिका।

गर्मे सुख़न (گرم سخن) फा. वि–बातें करता हुआ, वार्तालाप करता हुआ।

गर्मोसर्द (گرم و سرد) फा. पुं–ठंडा और गर्म, शीतोष्ण; सांसारिक दुःख सुख; ऊँच नीच, निशेबोफ़राज़।

गर्मोसर्द चशीदः (گرم و سرد چشیدہ) फा. वि–संसार की ऊँच-नीच देखे हुए, संसार के दुःख-सुख उठाये हुए, अनुभवी, बहुदर्शी।

ग़र्रः (غرہ) अ. पुं–मुग्ध होना, फ़रेफ़्ता होना; घमंड, गर्व, अकड़, हेकड़ी।

ग़र्रा (غراں) आ. वि–भयानक शब्द से चीखता चिल्लाता हुआ।

गर्रा (گرا) फा. पुं.–पछने लगाने वाला; नापित, नाई; सेवक, दास, नौकर।

ग़र्रा (غرا) अ. स्त्री–हर स्वच्छ और उज्ज्वल वस्तु जो स्त्रीलिंग हो।

ग़र्व (غرو) अ. पुं.–नरकट, जिसके क़लम बनते हैं।

ग़र्स (غرث) अ. स्त्री–भूख, क्षुधा।

ग़र्स (غرس) अ. पुं–पेड़ लगाना, पेड़ रोपना, वृक्षारोपण; लगाया हुआ पेड़।

ग़र्सान (غرثان) अ. वि–भूखा, क्षुधित।

ग़ल[ल्ल] (غل) अ. पुं–भीतर जाना; भीतर ले जाना।

ग़लक़ (غلق) अ. पुं–किवाड़ बंद करने की लकड़ी, अर्गल।

ग़लत (غلط) अ. पुं–अशुद्ध, जो ठीक न हो; असत्य, झूट; त्रुटि, भूल; अनुचित, ग़ैरवाजिब; अशुद्धि, ग़लती।

ग़लत (غلط) अ. पुं–हिसाब की ग़लती।

ग़लत अंदाज़ (غلط انداز) अ. फा. वि–भ्रम में डालने वाला (वाली); ऐसी दृष्टि जो हो तो किसी और की ओर परंतु समझे कोई अपनी ओर, इस शब्द का प्रयोग दृष्टि के साथ ही होता है; भूलभुलैया।

ग़लतकार (غلطکار) अ. फा. वि–काम में बहुधा चूक जाने-वाला; जान बूझकर काम ख़राब करनेवाला; अंट-शंट काम करनेवाला।

ग़लतकारी (غلطکاری) अ. फा. स्त्री.–काम में चूकना; जानते हुए काम खराब करना; अंट-शंट काम करना।

ग़लतगो (غلطگو) अ. फा. वि.–झूठ बोलनेवाला, मिथ्यावादी, झूठा।

ग़लतगोई (غلطگوئی) अ. फा. स्त्री.–झूठ बोलना, मिथ्यावाद।

ग़लतनामः (غلطنامہ) अ. फा. पुं.–किसी पुस्तक आदि के अंत में उसकी अशुद्धियों का परिशिष्ट, शुद्धिपत्र।

ग़लतफ़ह्मी (غلطفہمی) अ. स्त्री.–कुछ का कुछ समझना, बोधभ्रम; कुधारणा, बदगुमानी।

ग़लतबयां (غلطبیاں) अ. वि.–दे. 'ग़लतगो'।

ग़लतबयानी (غلط بیانی) अ. स्त्री.–दे. 'ग़लतगोई'।

ग़लतबर्दार (غلطبردار) अ. फा. वि.–वह रबर आदि जिससे काग़ज़ से अशुद्ध अक्षर मिटाया जाता है; वह काग़ज़ जिसपर अशुद्ध अक्षर सुगमता से बदल जाता है।

ग़लतबीं (غلطبیں) अ. फा. वि.–जिसे किसी व्यक्ति के दोष ही दोष दिखाई दें, उसकी अच्छाइयाँ नज़र न आयें।

ग़लतबीनी (غلطبینی) अ. फा. स्त्री.–किसी के गुणों को छोड़कर केवल उसकी बुराइयाँ ही देखने का भाव।

ग़लतुलअवाम (غلطالعوام) अ. पुं.–वह ग़लती जो कुपढ़ और जाहिल लोग करें।

ग़लतुलआम (غلطالعام) अ. पुं.–वह ग़लती जो विद्वज्जन करें और वह शुद्ध मान ली जाय।

ग़लफ़ (غلف) अ. पुं.–वैभव की बहुतायत; देश में अन्न की बहुतात; खल्ला न करना।

ग़लबः (غلبہ) अ. पुं.–प्रभुत्व, सत्ता, इक़्तिदार; प्राचुर्य, बहुतायत; मत-बाहुल्य, कस्रते राय; विजय-प्राप्ति, तसल्लुत, सामूहिक झगड़ा या मार-काट।

ग़लब (غلب) अ. पुं.–जीतना, ग़ालिब होना; अवज्ञाकारी होना, नाफ़र्मानी करना।

ग़लबात (غلبات) अ. पुं.–'ग़लबः' का बहु., 'ग़लबे'।

ग़लयान (غلیان) अ. पु.–उबाल, जोश।

ग़लल (غلل) अ. स्त्री.–पिपासा, प्यास; जलन, सोज़िश; मनस्ताप, खलिश।

ग़लस (غلس) अ. स्त्री.–रात्रि के अंत का अँधियारा।

ग़ला (غلا) अ. पुं.–अन्न आदि का भाव तेज हो जाना; दुर्भिक्ष, क़ह्त।

ग़लिक़ (غلق) अ. पुं.–वह बात जो कठिनता से समझ में आये, गूढ़, निगूढ़।

ग़लिब (غلب) अ. वि.–विजित, ग़ालिब; अवज्ञाकारी, सरकश।

ग़लिम (غلم) अ वि.–तीव्रकाम, तेज़ शह्वत।

ग़लीज़ (غلیظ) अ. वि.–गाढ़ा, निविड़; विष्ठा, मल; प्रगाढ़, सघन।

ग़लीज़ (غلیز) अ. वि.–प्रगाढ़, गाढ़ा।

ग़लीज़ुल क़िवाम (غلیظالقوام) अ. वि.–जिसकी चाशनी गाढ़ी हो गयी हो; जो धातु आदि दूषित होकर गाढ़ी हो गयी हो।

ग़लील (غلیل) अ. वि.–पिपासित, प्यासा, (पुं.) द्वेष, कीनः; मनस्ताप, दिली रंज; प्यास की तीव्रता।

ग़लीस (غلیث) अ. पुं.–जौ और गेहूँ मिला हुआ, गुजई; हर वह वस्तु जिसमें दूसरी वस्तु मिली हो।

ग़लूल (غلول) अ. पु.–वह भोजन जो बूढ़ों और रोगियों को सुगमता से पच जाय।

ग़ल्क़ (غلق) अ. पुं.–दरवाजा बंद करना; भूमि में गहरे तक घुसना; घृणा, कराहियत; बंधन, बाँधना।

ग़ल्ग़ल: (غلغلہ) अ. पुं.–तेज़ चलना, शीघ्र गमन।

ग़ल्त (غلط) अ. पुं.–वह नीची भूमि जो ऊबड़-खाबड़ और असमतल हो।

ग़ल्ज़त (غلظت) अ. स्त्री.–दे. 'ग़िल्ज़त', दो. शु. हैं।

ग़ल्तक (غلطک) फा. पुं.–करवट लेना, पहलू बदलना; गाड़ी का पहिया, चक्र।

ग़ल्तां (غلطاں) फा. वि.–लुढ़कता हुआ, लोटता हुआ, लुंठायमान।

ग़ल्तां व पेचां (غلطاں و پیچاں) फा. वि.–लुढ़कता और बल खाता हुआ; असमंजस और दुबिधा में पड़ा हुआ।

ग़ल्फ़ (غلف) अ. पुं.–तलवार आदि को म्यान में करना; सर अथवा डाढ़ी के बालों में सुगंध लगाना।

ग़ल्फ़क़ (غلفق) अ. पुं.–काई, जो पानी पर होती है; नर्म धनुष; एक पानी की घास।

ग़ल्बः (غلبہ) अ. पुं.–दे. 'ग़लबः', शुद्ध वही है, परंतु उर्दूवाले यह भी बोलते हैं।

ग़ल्ब (غلب) अ. पुं.–विद्रोही होना, बाग़ी होना; अवज्ञाकारी और उद्दंड होना।

ग़ल्बा (غلبا) अ. पुं.–वह स्थान जहाँ बहुत घने पेड़ हों, झुंड की लड़ाई, दो ग़ोलों में आपसी मारकाट।

ग़ल्मः (غلمہ) अ. पुं.–काम-वासना की तेज़ी, शह्वत का जोश।

ग़ल्म (غلم) अ. पु.–कामातुर होना, शह्वत से बेचैन होना; तेज चलना।

ग़ल्यान (غلیان) अ. पुं.–दे. 'ग़लयान' शुद्ध वही है, पर उर्दूवाले 'ल' को हल् भी कर देते हैं।

ग़ल्लः (غلہ) अ. पुं.—अन्न, अनाज, धान्य, दाना।

गल्लः (گلہ) फा. पुं.—भेड़ों, बकरियों या गायों, भैंसों का झुंड, रेवड़।

ग़ल्लःफ़रोश (غلہ فروش) अ. फा. वि.—अन्न बेचनेवाला, अन्न-विक्रेता।

गल्लःबान (گلہ بان) फा. वि.—रेवड़ की रखवाली करनेवाला, चरवाहा, गड़रिया।

गल्लःबानी (گلہ بانی) फा. स्त्री.—रेवड़ की रखवली का काम या पेशा, चरवाहापन।

ग़ल्लाब (غلاب) अ. वि.—वह व्यक्ति जो हर जगह विजय प्राप्त करता हो।

गव (گو) फा. पुं.—गर्त, गढ़ा; नीची भूमि; योद्धा, जवाँमर्द; मल्ल, पहलवान; पूज्य, बुज़ुर्ग।

ग़वक़ (غوق) अ. पुं.—गहरी और गंदी भूमि।

गवक (گوک) फा. पुं.—गर्त, गढ़ा; छोटा गढ़ा।

गवज़ (گوز) फा. पुं.—'गवज़्न' का लघु., दे. 'गवज़्न'।

गवज़्न (گوزن) फा. पुं.—बारहसिंघा, विकटशृंग।

गवाँ (گواں) फा. पुं.—बहुत से पहलवान; बहुत से योद्धा; श्रेष्ठ लोग, 'गव' का बहुवचन।

ग़वाइल (غوائل) अ. पुं.—'ग़ाइलः' का बहु., आपत्तियाँ; अनिष्ट-समूह; दैवी आपत्तियाँ।

ग़वादी (غوادی) अ. पुं.—'ग़ादिय' का बहु., प्रातःकाल के बादल।

ग़वानी (غوانی) अ. स्त्री.—'ग़ानियः' का बहु., वे स्त्रियाँ जिन्हें अपने सौन्दर्य और तरुणाई के कारण आभूषण आदि की आवश्यकता न हो।

ग़वाम[म्म] (غوام) अ. पुं.—सर के बाल।

ग़वामिज़ (غوامض) अ. पुं.—'ग़ामिज़ः' का बहु., बात की गहराइयाँ, गूढ़ताएँ, नुक्ते।

ग़वायत (غوایت) अ. स्त्री.—कुमार्गता, गुमराही।

गवार (گوار) फा. प्रत्य.—अच्छा लगनेवाला, जैसे—'ख़ुश गवार', शु. उ. 'गुवार' है, परंतु उर्दू में 'गवार' ही बोलते हैं।

गवारा (گوارا) फा. वि.—रुचिकर, पसंदीदः; सह्य, क़ाबिले बरदाश्त, शुद्ध उच्चारण 'गुवारा' है, परंतु उर्दू में 'गवारा' ही बोलते हैं।

ग़वाशी (غواشی) अ. पुं.—'ग़ाशियः' का बहु., पर्दे, आड़ें, वस्त्र, लिबास; भीतरी रोग; बेसुध करनेवाले।

गवाह (گواہ) फा. पुं.—गवाही देनेवाला, साखी, साक्षी, शुद्ध उच्चारण 'गुवाह' है, परंतु उर्दू में 'गवाह' बोलते हैं।

गवाही (گواہی) फा. स्त्री.—साक्ष्य, शहादत, गवाही देने का काम।

गवाहे ऐनी (گواہ عینی) फा. अ. पुं.—वह गवाह जिसके सामने कोई घटना घटी हो, प्रत्यक्ष साक्षी, चाक्षुप साक्षी।

गवाहे हाशियः (گواہ حاشیہ) फा. अ. पुं.—वह गवाह जिसके हस्ताक्षर किसी दस्तावेज के हाशिये पर हों।

ग़वी (غوی) अ. वि.—गुमराह, राह से भटका हुआ, भ्रष्ट-पथ, मार्गभ्रष्ट।

ग़व्वास (غواص) अ. वि.—गोताःख़ोर, मज्जनार, गोता लगाकर समुद्र से मुक्ता आदि निकालनेवाला।

ग़व्वासी (غواصی) अ. स्त्री.—गोताख़ोरी, गोता मारने का का काम, समुद्र मे पैठ कर मोती निकालने का काम।

गश (گش) फा. वि.—सुंदर, हसीन; नाज़ से इठलाकर चलनेवाला (वाली) (वि.), मूर्च्छित, बेहोश।

ग़श [श्श] (غش) अ. पुं.—ख़ियानत करना, शोषण; शुभ-चिंतक न होना; जो मन में हो उसके ख़िलाफ़ कहना; अच्छी चीज़ में घटिया चीज़ मिलाना; मूर्च्छित होना।

गशन (گشن) फा. वि.—गुंजान, घना (पुं.) समूह, भीड़, जमाव; (स्त्री.) अधिकता, बहुतायत।

ग़शयान (غشیان) अ. पुं.—मूर्च्छित होना, बेहोश होना।

ग़शश (غشش) अ. स्त्री.—अँधेरापन, अँधियारा।

ग़शावः (غشاوہ) अ. पुं.—दे. 'ग़िशावः' दोनों शुद्ध हैं, परंतु वह अधिक बोला जाता है।

ग़शाश (غشاش) अ. पुं.—शीघ्रता, जल्दी।

ग़शी (غشی) अ. स्त्री.—बेहोशी, मूर्च्छा, ग़श।

गश्त (گشت) फा. पुं.—चक्कर, गर्दिश; पर्यटन, दौरा; थानेवालों की रात में घूम फिर कर देखभाल।

गश्ती (گشتی) फा. स्त्री.—वह आदेश जो किसी विभाग के सारे कर्मचारियों के लिए हो, सर्कुलर, परिपत्र।

ग़श्न (غشن) अ. पुं.—लकड़ी या तलवार आदि से मारना।

गश्न (گشن) फा. पुं.—दे. 'गशन'।

ग़सक़ (غسق) अ. स्त्री.—रात्रि का प्रारंभिक अँधेरा, शुरू रात की अँधियारी; मोटा और निकृष्ट अन्न; जैसे—काकुन, सावाँ आदि।

ग़सक (غسک) फा. पुं.—खटमल, मत्कुण।

ग़सफ़ (غسف) अ. स्त्री.—रात का अँधेरा।

ग़सयान (غثیان) अ. पुं.—जी मतलाना, मतली।

ग़सर (غسر) अ. पुं.—जो तिनका आदि हवा से उड़कर आँख में गिरे।

ग़सस (غصص) अ. पुं.—निवाले का गले में अटक जाना।

ग़साक़ (غساق) अ. पुं.—गंदी और बदबूदार चीज़, जैसे—पीप आदि।

ग़सिर (غسر) अ. वि.—गुप्त और शंकित काम।

ग़सील (غسیل) अ. वि.–धुला हुआ, माँझा हुआ, शुद्ध।

ग़सीस (غسیس) अ. पुं.–वे खजूर या छुहारे जो गल-सड़कर खाने के योग्य न रहे हों।

ग़सूल (غسول) अ. पुं.–वह पानी जिससे कुछ धोया जाय; हाथ या सर धोने की वस्तु; जैसे—साबुन या खली।

ग़स्क़ (غسق) अ. पुं.–आँख की ज्योति का चला जाना; आँख से आँसू बहना; रात का बहुत अधिक अँधियारा होना।

ग़स्ब (غصب) अ. पुं.–ज़बरदस्ती किसी के माल पर क़ब्ज़ा कर लेना, बलाद्धरण; निर्दयता से किसी के बाल उखेड़ना।

ग़स्र (غسر) अ. पुं.–ऋणी पर अपना ऋण वुसूल करने के लिए अत्याचार करना।

ग़स्ल (غسل) अ. पुं.–धोना।

ग़स्साक़ (غساق) अ. पुं.–दे. 'ग़साक़'।

ग़स्साल (غسال) अ. वि.–नहलानेवाला, स्नापक; मुर्दे का नहलानेवाला, मृतस्नापक।

ग़स्सूल (غسول) अ. पुं.–दे. 'ग़सूल'।

गह (گہ) फा. अव्य.–'गाह' का लघु., दे. 'गाह'।

गहगीर (گہگیر) फा. पुं.–वह घोड़ा जो अपनी पीठ पर सवार न होने दे।

ग़हब (غہب) अ. स्त्री.–असावधानी, ग़फ़्लत; अज्ञान, अनजानपन; विस्मृति, भूल; इरादे का न होना।

गहे (گہے) फा. अव्य.–'गाहे' का लघु., कभी, किसी समय।

गह्वारः (گہوارہ) फा. पुं.–बच्चों के झूलने और सोने का खटोला, पालना, हिंडोला, आंदोलक।

गह्वारः जुंबाँ (گہوارہ جنباں) फा. वि.–पालना झुलानेवाला (वाली)।

गह्वारःजुंबानी (گہوارہ جنبانی) फा. स्त्री.–पालना झुलाने का काम।

गा

गाँ (گاں) फा. अव्य.–'गान' का लघु., दे. 'गान'।

ग़ाइत (غائط) अ. पुं.–नीची और लम्बी-चौड़ी भूमि; विष्ठा, मल, पाखाना।

ग़ाइब (غائب) अ. वि.–जो नज़र के सामने न हो, लुप्त, तिरोहित (गायब)।

ग़ाइबबाज़ (غائب باز) अ. फा. वि.–शतरंज का वह खिलाड़ी जो सामने बिसात न रखकर शतरंज खेलता हो, बहुत बड़ा शातिर।

ग़ाइबानः (غائبانہ) अ. फा. वि.–पीठ-पीछे, परोक्षतः, अनुपस्थिति में।

ग़ाइर (غائر) अ. वि.–गहरा पैठनेवाला, गहराई में दूर तक जानेवाला; नीची भूमि।

ग़ाइलः (غائلہ) अ. स्त्री.–अनिष्ट, बदी; हानि, गज़ंद; आपत्ति, मुसीबत; अचानक दबोच लेनेवाली।

ग़ाइस (غائص) अ. वि.–पानी में पैठनेवाला; डुबकी मारनेवाला।

ग़ाई (غائی) अ. वि.–अन्तिम, आख़िरी; आधारभूत, मौलिक, बुनियादी।

गाईदः (گائیدہ) फा. वि.–जिसके साथ मैथुन किया हो, संभोग्या।

ग़ाक़ (غاق) अ. पुं.–जलकौआ, पनडुब्बी; कौआ, काक।

ग़ाग़ः (غاغہ) फा. पुं.–पोदीना।

ग़ाग़ः (غاغہ) अ. पुं.–तितर-बितर टोलियाँ; मिले-जुले लोग; जनसमूह, भीड़।

ग़ाज़ः (غازہ) फा. पुं.–मुँह पर मलने का पाउडर, मुख-चूर्ण।

गाज़ः (گازہ) फा. पुं.–झूला, जिस पर झूलते हैं; शिकारी के छिपने का स्थान; फ़ालेज़ की झोंपड़ी; पहाड़ की चोटी पर का मकान।

गाज़ (گاز) फा. पुं.–घास, हरी घास; कैंची, कतरनी; चिराग़ का गुल काटने की कैंची, गुलगीर।

गाज़ (گاز) फा. पुं.–स्थान, जगह।

ग़ाज़ [ज्ज़] (غاز) अ. पुं.–आँख की एक रग, जिसमें से मैल निकलने लगे तो बंद नहीं होता।

ग़ाज़एरुख़ (غازۂ رخ) फा. पुं.–मुख-चूर्ण, मुँह पर मलने का सुगंधित और लाल पाउडर।

ग़ाज़िफ़ (غاضف) अ. वि.–जिसकी दशा अच्छी हो, ख़ुशहाल; जिसका हृदय कोमल हो, नाज़ुकदिल।

ग़ाज़ियः (غاذیہ) अ. स्त्री.–हज़्म करने की क़ुव्वत, पाचन-शक्ति, वह शक्ति जो आमाशय में अन्न पचाती है।

ग़ाज़िर (غاضر) अ. पुं.–बहुत अच्छा कमाया हुआ और चित्रित किया हुआ चमड़ा; बहुत तड़के अपने काम को निकल जानेवाला।

ग़ाज़ी (غازی) अ. वि.–मज़्हबी लड़ाई लड़नेवाला, धर्मयोद्धा, धर्मवीर।

ग़ाज़ी (غازی) फा. वि.–नट, रस्सी पर कलाबाज़ी खानेवाला।

गाज़ी (گازی) फा. पुं.–केवड़ा, एक प्रसिद्ध फूल।

गाज़ुर (گازر) फा. पुं.–कपड़ा धोनेवाला, धोबी, रजक।

ग़ात्फ़र (غاتفر) फा. पुं.–दे. 'ग़ान्फ़र'।

ग़ादिफ़ (غادف) अ. पुं.–नाव चलानेवाला, नाविक, कर्णधार, मल्लाह, माँझी।

ग़ादियः (غادیہ) अ. पुं.–प्रातःकाल का बादल; प्रातःकाल, सबेरा।

ग़ादिर (غادر) अ. वि.–कृतघ्न, नाशुक्रा; वचन-भंजक, वादः ख़िलाफ़; अभक्त, बेवफ़ा।

ग़ादी (غادی) अ. पुं.–सबेरे का बादल; सबेरे की वर्षा; सबेरा, प्रातः।

ग़ादूफ़ (غادوف) अ. पुं.–वे दो लकड़ियाँ जो नाव के दोनों ओर बँधी होती हैं, और जिन्हें हिलाने से नाव चलती है।

गानः (گانہ) फ़ा. प्रत्य.–किसी संख्या के अन्त में आकर 'वाला' का अर्थ देता है, जैसे—'चहार गानः' अर्थात् चार वाला; अपना, जैसे—यगानः (यक+गानः) अपना अर्थात् स्वजन; बेगानः जो अपना न हो, अस्वजन।

गान (گان) फ़ा. प्रत्य.–कर्ता अथवा कर्मवाचक फ़ारसी शब्द जिनके अन्त में विसर्ग हों। उनके अन्त में आकर बहुवचन बनाता है, जैसे—कुश्तः से 'कुश्तगान'; कुशिंदः से 'कुशिंदगान'।

ग़ानिज़ (غانز) अ. पुं.–कंठ, गला; कंठ में वह स्थान जहाँ से स्वर निकलता है।

ग़ानियः (غانیہ) अ. स्त्री.–वह स्त्री जो अपनी सुन्दरता और यौवन के कारण आभूषण आदि से बेनियाज़ हो; वह सुन्दर सदाचारिणी और जवान स्त्री जिसे पुरुष की इच्छा न हो।

ग़ानी (غانی) अ. वि.–जिसे कोई इच्छा न हो; समृद्ध, दौलतमंद।

ग़ान्फ़र (غانفر) फ़ा. पुं.–तुर्किस्तान का एक नगर।

ग़ाफ़िर (غافر) अ. वि.–छिपानेवाला, गोपनकर्ता; पापनाशक, गुनाह बख़्शनेवाला।

ग़ाफ़िल (غافل) अ. वि.–संज्ञाहीन, बेहोश; असावधान; बेख़बर; आलसी, काहिल।

ग़ाफ़िस (غافث) अ. स्त्री.–एक वनौषधि।

ग़ाबः (غابہ) अ. पुं.–सिंह के रहने की कछार; वन, जंगल।

ग़ाब (غاب) अ. पुं.–'ग़ाबः' का बहु., सिंह की ठाहरें; वनसमूह, जंगलात।

ग़ाबात (غابات) अ. पुं.–'ग़ाबः' का बहु., दे. 'ग़ाब'।

ग़ाबित (غابط) अ. वि.–किसी की अवनति चाहे बिना स्वयं वैसा बनने की इच्छा करनेवाला।

ग़ाबिन (غابن) अ. वि.–काम करने में आलसी।

ग़ाबिर (غابر) अ. वि.–आनेवाला; जानेवाला; बाक़ी बचा हुआ, शेष; बरसनेवाला।

गाम (گام) फ़ा. पुं.–डग, क़दम, पग, (प्रत्य.) चलनेवाला; जैसे—'तेज़गाम' तेज़ चलनेवाला,—"दो गाम न चल पाये ज़ंजीर नज़र आयी।"

गामज़न (گام‌زن) फ़ा. वि.–चलनेवाला, गमनकर्ता; चलता हुआ।

गामज़नी (گام‌زنی) फ़ा. स्त्री.–चलना, जाना, गमन करना।

गामफ़र्सा (گام‌فرسا) फ़ा. वि.–दे. 'गामज़न'।

गामफ़र्साई (گام‌فرسائی) फ़ा. स्त्री.–दे. 'गामज़नी'।

ग़ामिज़ (غامض) अ. वि.–वह बात जो समझ से बाहर हो; नीची भूमि; गर्त, गढ़ा; अज्ञात, गुमनाम; अपमानित, ज़लील।

ग़ामिद (غامد) अ. पुं.–भरी हुई नाव; वह कुआँ जिसका पानी उबलता हो।

ग़ामिर (غامر) अ. स्त्री.–वह भूमि जो पानी में डूबी रहती हो; बंजर ज़मीन, (वि.) वह व्यक्ति जो अपने को आपत्ति में डाले।

ग़ामी (غامی) अ. वि.–निर्बल, बलहीन, कमज़ोर; असमर्थ, नातवान।

गायंदः (گایندہ) फ़ा. वि.–मैथुन करनेवाला।

ग़ायत (غایت) अ. स्त्री.–उद्देश्य, मक़्सद; छोर, किनारा; कारण, सबब; पराकाष्ठा, इंतिहा; पताका, झंडा।

ग़ायत माफ़िलबाब (غایت مافی الباب) अ. स्त्री.–किसी विषय का अंतिम निर्णय, आख़िरी बात; सारांश, ख़ुलासा।

ग़ायतुलअम्र (غایۃ الامر) अ. स्त्री.–अंततः, आख़िरकार, आपाततः, अगत्या।

ग़ार (غار) अ. पुं.–गहरा गढ़ा, खड्ड; गर्त, गढ़ा; पहाड़ की कंदरा, गुफा; जंतुओं के रहने का भीटा।

गार (گار) अ. प्रत्य.–करनेवाला; जैसे—'ख़िदमतगार', सेवा करनेवाला।

ग़ारत (غارت) अ. स्त्री.–नष्ट करना, बरबाद करना; लुंठन, लूटना, (वि.) नष्ट, बरबाद; विध्वस्त, तबाह; लुंठित, लुटा-पिटा।

ग़ारतगर (غارتگر) अ. फ़ा. वि.–लूटनेवाला, लुटेरा, डाकू, लुंठक; बरबाद करनेवाला, विनाशक।

ग़ारतगरी (غارتگری) अ. फ़ा. स्त्री.–लूटमार, लुटेरापन; विनाश, तबाही।

ग़ारतगाह (غارتگاہ) अ. फ़ा. स्त्री.–लूटमार करने का स्थान; वह स्थान जहाँ लोग लुट जाते हों; वह स्थान जहाँ लुटने का भय हो।

ग़ारतीदः (غارتیدہ) फ़ा. वि.–लूटमार किया हुआ, नष्ट किया हुआ, ग़ारत किया हुआ।

ग़ारिक़ (غارق) अ. वि.–डूबनेवाला, डूबा हुआ, निमज्जित।

ग़ारिज़ (غارز) अ. स्त्री.–थोड़ा दूध देनेवाली ऊँटनी।
ग़ारिब (غارب) अ. वि.–ऊँट की गर्दन और कोहान के बीच का भाग; ऊँट के दोनों कंधों के बीच का स्थान।
ग़ारिम (غارم) अ. वि.–वह ऋणी जो अपना ऋण अदा न कर सके।
ग़ारिस (غارس) अ. वि.–वृक्ष लगानेवाला, पेड़ रोपनेवाला, वृक्षारोपक।
ग़ारीक़ून (غاریقون) अ. पुं.–एक ओषधि।
गाल (گال) फा. पुं.–एक अन्न, काकुन; बाजरा; छल, फ़रेब; दूर, परे; शृगाल, सियार।
ग़ाल [ल्ल] (غال) अ. पुं.–वह नीची ज़मीन जिसमें पेड़ बहुत हों; पेड़ उगने का स्थान।
ग़ालिब (غالب) अ. वि.–शक्तिशाली, ज़बरदस्त; विजेता, फ़ातेह; उर्दू के एक श्रेष्ठ कवि का उपनाम।
ग़ालिबन् (غالباً) अ. वि.–संभवतः, कदाचित्, शायद; निश्चित, यक़ीनन।
ग़ालिबानः (غالبانہ) अ. फा. वि.–ज़बरदस्तों-जैसा।
ग़ालियः (غالیہ) फा. पुं.–कई सुगंधित पदार्थों को मिलाकर बनाया हुआ एक सुगंधित द्रव्य।
ग़ालियःमू (غالیہ مو) फा. वि.–सुगंध लगे हुए बाल, सुगंधित बाल।
ग़ाली (غالی) अ. वि.–अपनी सीमा से आगे बढ़ जानेवाला, अति करनेवाला; भारी, वज़नी; बहुमूल्य, बेशक़ीमत।
ग़ालीचः (غالیچہ) तु. पुं.–छोटा क़ालीन।
ग़ालीदः (غالیدہ) फा. वि.–लुढ़का हुआ; लुढ़काया हुआ।
गालीदः (گالیدہ) फा. वि.–जो अलग हो गया हो, निवृत्त।
ग़ालीन (غالین) तु. पुं.–दे. 'क़ालीन'।
गाव (گاو) फा. पुं.–बैल, वृषभ; गाय, गो, धेनु; शराब का पियाला जो गाय की शक्ल का हो।
गावअंबर (گاوعنبر) फा. अ. पुं.–गाय-जैसा एक समुद्री पशु, जिसका गोबर 'अंबर' होता है।
गावआहन (گاوآهن) फा. पुं.–हल का फल, फाल।
गावकुशी (گاوکشی) फा. स्त्री.–गाय की हत्या करना, गाय का ज़बह करना, गोवध।
गावकून (گاوکون) फा. वि.–मूर्ख, घामड़, अहमक़।
गावख़रास (گاوخراس) फा. स्त्री.–वह चक्की जो बैल आदि से चले।
गावख़ानः (گاوخانہ) फा. पुं.–मवेशियों का बाड़ा; काँजी-हौस, मवेशीख़ाना।
गावख़ुर्द (گاوخورد) फा. वि.–नष्ट, बरबाद; ख़ुर्द बुर्द, ग़बन, अपहृत।
गावचश्म (گاوچشم) फा. वि.–गाय-जैसी आँखोंवाला, (पुं.) एक फूल।
गावज़बाँ (گاوزباں) फा. स्त्री.–एक प्रसिद्ध ओषधि, भूतांशुक, गोजिह्वा।
गावज़ोर (گاوزور) फा. वि.–बहुत बड़ा बलवान्; ज़बर-दस्ती करनेवाला।
गावज़ोरी (گاوزوری) फा. स्त्री.–ज़बर्दस्ती, अन्याय; शक्ति-संपन्नता, ज़ोरमंदी।
गावतक्यः (گاوتکیہ) फा. पुं.–बड़ा तक्यः, मस्नद, जो पीठ के नीचे रखा जाता है।
गावताज़ी (گاوتازی) फा. स्त्री.–डींग, शेख़ी; मुक़ाबले में बुज़दिली दिखाना।
गावदी (گاودی) फा. वि.–मूर्ख, बुद्धू, बेवक़ूफ़; कुंदज़ेहन, मंदप्रभ, मन्दमति।
गावदीदः (گاودیدہ) फा. वि.–दे. 'गावचश्म'।
गावदुम (گاودم) फा. वि.–गाय की पूँछ-जैसा ऊपर से नीचे को पतला, मख़्रूती, गो-पुच्छ।
गावदोशः (گاودوشہ) फा. पुं.–दूध दूहने का बर्तन, दुघाड़ी।
गावदोश (گاودوش) फा. पुं.–दे. 'गावदोशः'।
गावपुश्त (گاوپشت) फा. वि.–गाय की पीठ की तरह ढालू।
गावपैकर (گاوپیکر) फा. वि.–बैल-जैसे डील-डौलवाला, वृषकाय।
गावमेश (گاومیش) फा. स्त्री.–भैंस, महिषी।
गावरस (گاورس) फा. पुं.–बाजरा, एक प्रसिद्ध अन्न।
गावरीश (گاوریش) फा. वि.–मूर्ख, अज्ञानी, घामड़, बुद्धू।
गावशीर (گاوشیر) फा. पुं.–एक तरल ओषधि, जावशीर।
गावसर (گاوسر) फा. वि.–बैल-जैसे सिरवाला, (पुं.) 'फ़िरीदूं' के गुर्ज़ का नाम, गावसार।
गावसार (گاوسار) फा. वि.–'फ़िरीदूं' के गुर्ज़ का नाम, गावसर।
गावेज़मी (گاوزمی) फा. पुं.–दे. 'गावे सरा'।
गावेगर्दूं (گاو گردوں) फा. पुं.–वृषराशि, बुर्जे सौर।
गावेपर्वारी (گاوپرواری) फा. पुं.–ख़ूब खिला-पिलाकर और धूप से बचाकर मोटा किया हुआ बैल।
गावेसरा (گاو ثرا) फा. अ. पुं.–वह गाय जिसके सींगों पर पृथ्वी सधी बतायी जाती है।
गावेसिफ़ालीं (گاو سفالیں) फा. पुं.–शराब का मटका।
ग़ाशियः (غاشیہ) फा. पुं.–वह कपड़ा जो घोड़े के चारजामे पर पड़ता है; क़ियामत, महाप्रलय; नरक की आग; भीतरी रोग।

ग़ाशियः बरदोश (غاشیه بردوش) फ़ा. वि.–दे. 'ग़ाशियः बरदार'।

ग़ाशियः बर्दार (غاشیه بردار) फ़ा. वि.–सवारी के समय ज़ीनपोश लेकर चलनेवाला, साईस, नौकर; आज्ञाकारी, अनुयायी।

ग़ासिक़ (غاسق) अ. पुं.–चंद्रमा, चाँद; कृत्तिका नक्षत्र, पर्वी; शिश्न, लिंग।

ग़ासिब (غاصب) अ. वि.–ज़बरदस्ती छीन लेनेवाला, ग़स्ब कर लेनेवाला, अपहारक।

ग़ासिबानः (غاصبانه) अ. वि.–ग़ासिबों-जैसा, लुटेरों की तरह।

गाह (گاه) फ़ा. अव्य.–कभी, किसी समय; समय, वक़्त; स्थान, जगह; सिंहासन, तख़्ते शाही; ख़ेमा, रावटी, तम्बू; जुए का दाँव।

गाह गाह (گاه گاه) फ़ा. वि.–कभी-कभी, यदा-कदा।

गाह ब गाह (گاه بگاه) फ़ा. वि.–दे. 'गाह गाह'।

गाहे (گاهے) फ़ा. वि.–किसी समय, कभी; कभी-कभी।

गाहे गाहे (گاهے گاهے) फ़ा. वि.–कभी-कभी, यदा-कदा, 'सरसरी उनसे मुलाक़ात है गाहे-गाहे। सोहबते ग़ैर में गाहे, सरे राहे गाहे॥"

गाहे ब गाहे (گاهے بگاهے) फ़ा. वि.–दे. 'गाहे गाहे'।

गाहे माहे (گاهے ماهے) फ़ा. वि.–कभी-कभी, महीने में एक बार।

गि

ग़िचक (غچک) फ़ा. स्त्री.–सारंगी, एक बाजा।

ग़िज़ा (غذا) अ. स्त्री.–भोजन, खाद्य, ख़ुराक; अन्न, अनाज।

ग़िज़ा (غزا) अ. पुं.–धर्मयुद्ध, मज़हबी जंग, दे. 'ग़ज़ा', दोनों शुद्ध हैं।

ग़िज़ाई (غذائی) अ. वि.–भोजन सम्बन्धी; अन्न सम्बन्धी।

ग़िज़ाईयत (غذائیت) अ. स्त्री.–किसी खाद्य पदार्थ में शरीर को पुष्टि पहुँचाने और रस बननेवाला अंश, अन्न-तत्त्व।

ग़िज़ाए रूहानी (غذاے روحانی) अ. स्त्री.–आत्मा का भोजन, अर्थात् अच्छी आवाज़, गाना।

ग़िज़ाए लतीफ़ (غذاے لطیف) अ. स्त्री.–शीघ्र पच जानेवाला भोजन, लघुपाक।

ग़िज़ाए सक़ील (غذاے ثقیل) अ. स्त्री.–देर में पचनेवाला भोज्य, गरिष्ठ।

ग़िज़ाज़ (غضاض) अ. पुं.–भीख माँगना, भिक्षाटन।

ग़िज़ाब (غضاب) अ. पुं.–आँख में उड़कर पड़नेवाला तिनका; शरीर पर पड़नेवाले फफोले।

गिज़्लिक (گزلک) फ़ा. पुं.–क़लम बनाने का चाक़ू।

ग़िता (غطا) अ. पुं.–पर्दा; पहनने के कपड़े, वस्त्र।

ग़ित्रीफ़ (غطریف) अ. वि.–कुलीन, शरीफ़; वीर, बहादुर; पूज्य, बुज़ुर्ग।

ग़ित्रीस (غطریس) अ. वि.–अत्याचारी, ज़ालिम; अहंकारी, मग़रूर।

ग़िद्दीर (غدیر) अ. वि.–बहुत अधिक कृतघ्न, नमकहराम।

गिद्यः (گدیه) फ़ा. स्त्री.–भीख माँगना, भिक्षाटन।

ग़िना (غنی) अ. पुं.–समृद्धि, दौलतमंदी; निःस्पृहता, बेनियाज़ी।

ग़िना (غنا) अ. पुं.–गान, गाना।

ग़िब[ब्ब] (غب) अ. पुं.–इकतरा, एक दिन बीच देकर आनेवाला ज्वर; सीमा, हद, पराकाष्ठा; जो एक दिन आये और एक दिन न आये; सप्ताह में एक दिन किसी से मिलने जाना।

ग़िब्तः (غبطه) अ. पुं.–किसी के माल की इच्छा उसे हानि पहुँचाये बिना, किसी-जैसा बनने की इच्छा, उसे हानि पहुँचाये बिना।

ग़िमामः (غمامه) अ. पुं.–पशु के मुँह पर चढ़ाने की थैली।

गिमीज़ (گمیز) फ़ा. पुं.–पेशाब, मूत्र।

ग़िम्द (غمد) फ़ा. पुं.–तलवार अथवा छुरी या चाक़ू का कोष।

ग़ियार (غیار) अ. पुं.–धर्म-चिह्न जो हर समय पास रहे, जैसे—जनेऊ, सलीब या यहूदियों का पीला कपड़ा जो वे लोग कंधे के पास कपड़े में सिला रखते हैं।

ग़ियास (غیاث) अ. पुं.–दुःख और आपत्ति में सहायता करना, (वि.) दुःख और कष्ट के समय सहायता करनेवाला।

ग़िर[र्र] (غر) अ. वि.–निश्चेष्ट व्यक्ति, बेख़बर आदमी; अनुभवहीन व्यक्ति, नातजरिबःकार आदमी।

गिरह (گره) फ़ा. पुं.–दे. शुद्ध उच्चारण 'गिरिह'।

गिरां (گراں) फ़ा. वि.–भारी, वज़्नी; बहुमूल्य, क़ीमती; महँगा, तेज़ भाववाला।

गिरांक़द्र (گراں قدر) फ़ा. अ. वि.–बड़े पद और रुतबेवाला; बहुमूल्य, क़ीमती; महत्त्वपूर्ण, अहम।

गिरांक़ीमत (گراں قیمت) फ़ा. अ. वि.–बहुमूल्य, बेशक़ीमत।

गिरांख़ातिर (گراں خاطر) फ़ा. अ. वि.–बददिल, उदास; मनोमलिन, दुःखी।

गिरांख़्वाब (گراں خواب) फ़ा. वि.–गहरी नींद सोनेवाला।

गिरांगोश (گراں گوش) फ़ा. वि.–ऊँचा सुननेवाला, बहरा, बधिर।

गिरांजाँ (گرانجاں) फा. वि.–आलसी, काहिल; जो कड़ी आपत्तियाँ झेलकर भी जीवित रहे।
गिरांजानी (گرانجانی) फा. स्त्री.–आलस्य, काहिली; कड़ी मुसीबतों में फँसकर भी उनसे निकल जाना।
गिरांतर (گرانتر) फा. वि.–बहुत भारी; बहुत महँगा।
गिरांतरीन (گرانترین) फा. वि.–सबसे अधिक भारी; सबसे अधिक महँगा।
गिरांताब (گرانتاب) फा. वि.–अच्छी तरह तपाया हुआ।
गिरांपाय: (گرانپایه) फा. वि.–दे. 'गिराँक़द्र'।
गिरांफ़रोश (گرانفروش) फा. वि.–महँगा बेचनेवाला।
गिरांफ़रोशी (گرانفروشی) फा. स्त्री.–महँगा बेचना।
गिरांबहा (گرانبها) फा. वि.–बहुमूल्य, बेशक़ीमत; महत्त्वपूर्ण, अहम।
गिरांबार (گرانبار) फा. वि.–बोझ के नीचे दबा हुआ; ऋण अथवा उपकार के बोझ से दबा हुआ।
गिरांबारी (گرانباری) फा. स्त्री.–बोझ से दबना; ऋण आदि के बोझ से दबना।
गिरांमाय: (گرانمایه) फा. वि.–बहुमूल्य, क़ीमती; महत्त्वपूर्ण, अज़ीम।
गिरांरकाब (گرانرکاب) फा. अ. वि.–वह घोड़ा जो चलने में सुस्त हो; वह व्यक्ति जो रणक्षेत्र में डटकर लड़े और पाँव पीछे न हटाये; धैर्यवान्, शान्ति स्वभाव, बातम्कीन।
गिरांसंग (گرانسنگ) फा. वि.–भारी भरकम, गंभीर, मलीन; आत्मसंतोषी, क़ाने।
गिरांसर (گرانسر) फा. वि.–अभिमानी, घमंडी; रुष्ट, अप्रसन्न, नाख़ुश।
गिरांसाय: (گرانسایه) फा. वि.–दे. 'गिराँक़द्र'।
ग़िरा (غرا) अ. स्त्री.–सरेश; जिसके चार पाँव न हों।
गिराइंद: (گرایندہ) फा. वि.–चाहनेवाला, इच्छा करनेवाला, इच्छुक।
गिराइश (گرایش) फा. स्त्री.–रुचि, इच्छा, रग़बत; प्रवृत्ति, रुझान।
गिराईद: (گرائیدہ) फा. वि.–चाहा हुआ, इच्छित, वांछित, अभिलषित।
गिराईदनी (گرائیدنی) फा. वि.–चाहने योग्य, वांछनीय।
गिरानी (گرانی) फा. स्त्री.–भारीपन, बोझ; महँगाई, भाव की तेज़ी; हज़्म की ख़राबी।
ग़िराफ़ (غراف) अ. पुं.–'ग़ुर्फ़:' का बहु., ग़ुर्फ़े, झरोखे; एक बड़ा पैमाना।
गिरामी (گرامی) फा. वि.–पूज्य, बुज़ुर्ग; महान्, अज़ीम; पुनीत, मुक़द्दस; प्रिय, अज़ीज़।
गिरामीक़द्र (گرامی قدر) फा. अ. पुं.–महोदय, महाशय, आलीजनाब; महत्त्वपूर्ण, अहम।
गिरामीनाम: (گرامی نامه) फा. पुं.–कृपापात्र, वालानामा।
गिरामीमनिश (گرامی منش) फा. वि.–पुनीतात्मा, पुण्यात्मा, बुज़ुर्ग निहाद।
ग़िरार: (غرارہ) अ. पुं.–गौन, ख़ुर्जी, गोण।
ग़िरार (غرار) अ. पुं.–आचार-व्यवहार, तौरतरीक़ा; बाज़ार का मंदा होना; हानि, घाटा, कमी; मूर्खता, नादानी।
ग़िरास (غراس) अ. पुं.–पेड़ लगाने का समय; लगाया हुआ पेड़।
ग़िरास (غراث) अ. पुं.–'ग़रीस' का बहु., भूखे लोग, क्षुधातुर जन।
गिरिफ़्त: (گرفته) फा. वि.–लिया हुआ, पकड़ा हुआ, गृहीत; संकुचित; डींग; कटाक्ष, तंज़।
गिरिफ़्त:ख़ातिर (گرفته خاطر) फा. अ. वि.–दे. 'गिरिफ़्त: दिल'।
गिरिफ़्त:ज़न (گرفته زن) फा. वि.–डींगिया, दूर की हाँकनेवाला; व्यंग करनेवाला, ताना देनेवाला।
गिरिफ़्त:ज़बाँ (گرفته زباں) फा. वि.–जिसकी जीभ बात करने में लड़खड़ाती हो; हकला; तोतला।
गिरिफ़्त:दिल (گرفته دل) फा. वि.–अप्रसन्न, अफ़्सुर्द:, उदास; दुःखित, रंजीदा।
गिरिफ़्त:लब (گرفته لب) फा. वि.–मौन, अवाक्, चुप, ख़ामोश।
गिरिफ़्त (گرفت) फा. स्त्री.–पकड़, ग्रहण; हिसाब में त्रुटि की पकड़; अपराध की पकड़; आपत्ति, ए'तिराज़; अधिकार, क़ब्ज़ा; चंगुल, पंजा; हस्तक, दस्ता।
गिरिफ़्तगी (گرفتگی) फा. स्त्री.–पकड़, गिरिफ़्त; पड़ जाना, बैठ जाना (आवाज़); उदासीनता, उदासी, अफ़्सुर्दगी।
गिरिफ़्तनी (گرفتنی) फा. वि.–पकड़ने के योग्य, ग्राह्य; लेने के योग्य, लभ्य।
गिरिफ़्तार (گرفتار) फा. वि.–ग्रस्त, मुब्तला; बंदी, क़ैद; आसक्त, आशिक़; फँसा हुआ, बँधा हुआ।
गिरिफ़्तारी (گرفتاری) फा. स्त्री.–ग्रस्त होना; बंदी होना; बँधना; फँसना; प्रेम होना।
गिरिह (گرہ) फा. स्त्री.–ग्रंथि, गाँठ; समस्या, मस्अला; उलझन, परेशानी (गिरह)।
गिरिहकुशा (گرہ کشا) फा. वि.–गाँठ खोलनेवाला; समस्या हल करनेवाला; कठिनता का निवारण करनेवाला।

गिरहिकुशाई (گرہ‌کشائی) फा. स्त्री.—गाँठ खोलना; समस्या हल करना; कठिनता का निवारण।

गिरिह बर गिरह (گرہ برگرہ) फा. वि.—गाँठ पर गाँठ, कठिनाई पर कठिनाई, आपत्ति पर आपत्ति।

गिरिहबुर (گرہ‌بر) फा. वि.—गाँठ काटनेवाला, जेबकतरा।

गिरीबाँ (گریباں) फा. पु.—'गिरीबान' का लघु., दे. 'गिरीबान', कुर्ते व कमीज़ का गला, दामन, सिरा।

गिरीबांगीर (گریباں‌گیر) फा. वि.—गला पकड़नेवाला, तक़ाज़ा करनेवाला।

गिरीबांचाक (گریباں‌چاک) फा. वि.—जिसने अपना गिरीबान फाड़ डाला हो; पागल, दीवाना; प्रेमी, आशिक़।

गिरीबांदर (گریباں‌در) फा. वि.—गिरीबान फाड़नेवाला; पागल; प्रेमी।

गिरीबांदरीदः (گریباں‌دریدہ) फा. वि.—दे. 'गिरीबांचाक'।

गिरीबान (گریبان) फा. पु.—ग्रीवा, गला; कुर्ते कमीज़ आदि का गला।

गिरीबाने कोह (گریبان‌کوہ) फा. पु.—पहाड़ का दामन, पहाड़ की तराई।

गिरेबाँ (گریباں) फा. वि.—दे. 'गिरीबाँ', वही अधिक फ़सीह है।

गिरेवः (گریوہ) फा. पु.—टीला, ढूह; पुश्ता; पहाड़ी, टीकरी।

ग़िरेव (غریو) फा. पु.—कोलाहल, ग़ुलगपाड़ा, शोरोग़ुल।

ग़िरेवाँ (غریواں) फा. वि.—शोर मचाता हुआ, चीखता और चिल्लाता हुआ।

गिरोह (گروہ) फा. पु.—दे. शुद्ध उच्चारण 'गुरोह'।

गिरौ (گرو) फा. पु.—गिरवी रखना, बंधक करना। (वि.) गिरवी रखी हुई वस्तु।

ग़िर्ग़िर (غرغر) अ. स्त्री.—जंगली मुर्ग़ी, वनकुक्कुटी।

गिर्दः (گردہ) फा. पु.—गोल टिकिया; अखरोट, एक प्रसिद्ध फल, अक्षरोट।

गिर्द (گرد) फा. पु.—घेरा, हल्क़ा; आसपास, चारों ओर; आसपास का स्थान।

गिर्दक (گردک) फा. स्त्री.—रावटी, खेमा; कोठा, कमरा; पहेली, प्रहेलिका।

गिर्दगाँ (گردگاں) फा. पु.—अखरोट, अक्षरोट।

गिर्द ब गिर्द (گردبگرد) फा. वि.—चारों ओर, चहुँपास।

गिर्दबाद (گردباد) फा. पु.—वातावर्त, चक्रवात, पवनचक्र, बगूला, बवंडर।

गिर्दबालिश (گردبالش) फा. पु.—गोल छोटा तकिया जो गालों के नीचे रखा जाता है, गलतकिया, चक्रगंडु।

गिर्दबुर (گردبر) फा. पु.—बढ़इयों का बरमा।

गिर्दागिर्द (گرداگرد) फा. वि.—चारों ओर, हर तरफ़, चहुँपास, चहुँओर।

गिर्दाब (گرداب) फा. पु.—जलावर्त, कलंकुर, भँवर।

गिर्दावर (گردآور) फा. वि.—हर ओर गश्त लगानेवाला, दौरा करनेवाला।

गिर्दावरी (گرداوری) गश्त लगाने और दौरा करने का काम।

ग़िर्नौक़ (غرنوق) अ. पु.—दे. 'ग़ुर्नीक़'।

ग़िर्फ़ः (غرفہ) अ. पु.—चुल्लू में पानी उठाना।

ग़िर्बान (غربان) अ. पु.—'ग़ुराब' का बहु., कौए, काक-समूह।

ग़िर्बाल (غربال) अ. स्त्री.—आटा आदि छानने की छलनी, चलनी, चालनी, दे. 'ग़र्बल' दोनों शुद्ध हैं।

ग़िर्बीब (غربیب) अ. पु.—अंगूर की एक बहुत बढ़िया जाति।

गिर्यः (گریہ) फा. पु.—रुदन, रोना, आँसू बहाना।

गिर्यःआवर (گریہ‌آور) फा. वि.—आँसू लानेवाला, रुलानेवाला।

गिर्यःकुनाँ (گریہ‌کناں) फा. वि.—रोता हुआ, आँसू बहाता हुआ।

गिर्यएग़म (گریۂ‌غم) फा. अ. पु.—दुःख का रोना, दुःख-विलाप; किसी की मृत्यु पर रोना, शोक-विलाप।

गिर्यएशादी (گریۂ‌شادی) फा. पु.—खुशी की अधिकता में आँखों से आँसू निकल आना।

गिर्यओज़ारी (گریہ‌وزاری) फा. स्त्री.—रोना-धोना, हाय-हाय करना।

ग़िरः (غرہ) अ. स्त्री.—नातज्रिबःकारी, अनाड़ीपन, अननुभव; प्रेम, स्नेह, इश्क़।

गिर्वीदः (گرویدہ) फा. वि.—मुग्ध, मोहित, फ़रेफ़्तः, लट्टू; प्रेमी, आशिक़।

गिर्वीदगी (گرویدگی) फा. स्त्री.—किसी ओर हद से बढ़ी हुई दिलचस्पी, मोह, फ़रेफ़्तगी।

गिर्वीदनी (گرویدنی) फा. वि.—मुग्ध होने योग्य।

ग़िर्स (غرس) अ. पु.—वह गाढ़ी रुतूबत जो गर्भाशय से बच्चे के साथ निकलती है; वह झिल्ली जिसमें शिशु गर्भाशय में लिपटा रहता है।

गिलः (گلہ) फा. पु.—उपालंभ, उलाहना, शिक्वा।

गिलःगुज़ार (گلہ‌گزار) फा. वि.—उलाहना देनेवाला, उपालंभक।

गिल (گل) फा. स्त्री.—मिट्टी, मृत्तिका, मृत्।

ग़िल[ल्ल] (غل) अ. पु.—द्वेष, कीना; खियानत, मोषण; मलिनता, गदलापन।

गिलअंदूदः (گل‌اندودہ) फा. वि.—मिट्टी से लेपा हुआ, मिट्टी चढ़ाया हुआ।

गिलएरोज़गार (گلۂروزگار) फा. पुं.—दुर्भाग्य का रोना, कालचक्र की शिकायत।

गिलख़ोरः (گل خورہ) फा. पुं.—भूलता, केचुआ, खरातीन।

ग़िल्ज़ (غلظ) अ. पुं.—गाढ़ापन; दल, मोटाई।

गिलनाक (گل ناک) फा. वि.—गदला, मटमैला।

गिलमालः (گل مالہ) फा. पुं.—राज की करनी जिससे वह प्लास्टर चढ़ाता है।

ग़िलाज़ (غلاظ) अ. पुं.—'ग़लीज़' का बहु., गाढ़े पदार्थ; गंदगियाँ; गू, विष्ठा।

ग़िलाज़त (غلاظت) अ. स्त्री.—गंदगी, मल, मैल; विष्ठा, मल, गू; अपवित्रता, नापाकी; गाढ़ापन, ग़िल्ज़।

ग़िलाज़तख़ानः (غلاظت خانہ) अ. फा. पुं.—कूड़ा-करकट और गू-गोबर फेंकने का स्थान।

ग़िलाज़तख़ोर (غلاظت خور) अ. फा. वि.—विष्ठा खानेवाला, शूकर, सुअर; बुरी कमाई खानेवाला।

ग़िलाफ़ (غلاف) अ. पुं.—तकिए आदि का खोल; सूखे और दानेदार फल का बकला; पलक, दृगंचल; तलवार आदि का कोष।

गिलाबः (گلابہ) फा. पुं.—मिट्टी में भूसा आदि मिलाकर बनाया हुआ दीवारों का लेस, लेसन, कहगिल।

ग़िलालः (غلالہ) अ. पुं.—वह कुर्ता जो कवच के नीचे पहनते हैं।

गिलीं (گلیں) फा. वि.—मिट्टी का बना हुआ, मृन्मय; मिट्टी मिला हुआ।

गिली (گلی) फा. वि.—दे. 'गिलीं'।

गिलेअर्मनी (گل ارمنی) फा. स्त्री.—एक प्रकार का गेरू जो दवा में चलता है।

गिलेचस्पाँ (گل چسپاں) फा. स्त्री.—चिपकनेवाली मिट्टी, जिससे कहगिल बनता है, कचला मिट्टी।

गिलेमख़्तूम (گل مختوم) फा. अ. स्त्री.—एक प्रकार का गेरू जो गिलेअर्मनी से भिन्न है।

ग़िलेवाज़ (غلیواز) फा. स्त्री.—चील पक्षी, चिल्ल।

ग़िलोग़िश (غل وغش) अ. स्त्री.—मैल, मल; चिन्ता, फ़िक्र; बाधा, विघ्न।

ग़िल्मः (غلمہ) अ. पुं.—ग़ुलाम का बहु., लड़के, बालक; दास, नौकर-चाकर।

ग़िल्माँ (غلماں) अ. पुं.—'ग़िल्मान' का बहु., दे. 'ग़िल्मान'।

ग़िल्मान (غلمان) अ. पुं.—स्वर्ग के बालक; यह शब्द 'ग़ुलाम' का बहु. है, परन्तु उर्दू और फ़ारसी में एक वचन म व्यवहृत है।

ग़िल्लीम (غلیم) अ. वि.—तीव्र काम-वासनावाला, तेज़ शहवतवाला, तीव्र वटुक-विलासी।

ग़िश[ग़श] (غش) अ. स्त्री.—ख़ियानत, मोषण; अशुभ चिन्तन, बदख़्वाही; द्वेष, कीना; आत्मा की दुष्टता।

ग़िशा (غشا) अ. स्त्री.—झिल्ली, महीनख़ाल; पर्दा, पटल; ग़िलाफ़, उपरना; वस्त्र, लिबास।

ग़िशावः (غشاوہ) अ. पुं.—पर्दा, पटल।

ग़िशाश (غشاش) अ. पुं.—अँधेरे का प्रारंभिक और अंतिम समय; शीघ्रता, जल्दी; थोड़ी चीज़।

ग़िश्यान (غشیان) अ. पुं.—मैथुन, रतिक्रीड़ा, जिमाअ।

ग़िसान (غسان) अ. पुं.—बच्चों के पहनने का वस्त्र, विशेषतः जो ख़ाल का बनता है।

ग़िस्ल (غسل) अ. पुं.—वह पानी जिससे कुछ धोया गया हो।

ग़िस्लीन (غسلین) अ. पुं.—वह पानी जिससे घाव धोया जाय; वह मवाद जो नरकवासियों की देह से बहे।

गी

गीं (گیں) फा. प्रत्य. —'गीन' का लघु., दे. 'गीन'।

गी (گی) फा. प्रत्य.—जिस फ़ारसी शब्द के अन्त में विसर्ग हो, उसके साथ लगाने से भाववाचक संज्ञा बनती है; जैसे 'ख़स्तः' से 'ख़स्तगी' 'दरिंदः' से 'दरिंदगी'।

ग़ीज़ (غیض) अ. पुं.—कली, कलिका; गुच्छा, खोशा।

गीद (گید) फा. पुं.—चील, चिल्ल; गृध्र, गीध।

गीदी (گیدی) फा. वि.—भीरु, डरपोक; निर्लज्ज, वेहया।

गीन (گین) फा. प्रत्य. शब्द के अन्त में आकर 'युक्त' का अर्थ देता है, जैसे—'ग़मगीन', शोकयुक्त, यह शब्द आगीन का लघु. है।

गीपा (گیپا) फा. पुं.—एक प्रकार का पुलाव।

ग़ीबत (غیبت) अ. स्त्री.—पिशुनता, चुग़ुली।

गीरः (گیرہ) फा. पुं.—लोहे का शिकंजा।

गीर (گیر) फा. प्रत्य.—पकड़नेवाला; जैसे—'माहीगीर' मछली पकड़नेवाला; काटनेवाला; जैसे—'गुलगीर' चिराग़ का गुल काटनेवाला।

गीरख़ (گیرخ) फा. स्त्री.—पुस्तक रखने की रेहल।

ग़ीरत (غیرت) अ. स्त्री.—रश्क, होड़; ख़ून के बदले में दिया हुआ धन।

गीरमाल (گیرمال) फा. वि.—टूटी हुई हड्डी जोड़नेवाला; उतरी हुई हड्डी चढ़ानेवाला; शरीर की मालिश करनेवाला, अंगमर्दक।

गीराई (گیرائی) फा. स्त्री.—गिरिफ़्त, पकड़।

गीरिंदः (گیرندہ) फा. वि.—पकड़नेवाला।

ग़ील (غیل) अ. पुं.—वन, कानन, जंगल; सिंह की कछार; पानीवाली तराई; पेड़ों का झुंड।

ग़ीलां (غیلاں) अ. पुं.–'ग़ीलान' का लघु., दे. 'ग़ीलान'।
ग़ीलान (غیلان) अ. पुं.–'ग़ूल' का वहु. भूत-प्रेत।
गीलान (گیلان) फ़ा. पुं.–एक नगर, जीलान।
गीली (گیلی) फ़ा. वि.–गीलान का निवासी।
गीहा (گیہا) फ़ा. स्त्री.–घास, गियाह।

गु

गुंग (گنگ) फ़ा. वि.–जो बोल न सकता हो, मूक, गूँगा।
गुंगमहल (گنگ محل) फ़ा. अ. पुं.–वह मकान जिसे अकबर बादशाह ने केवल गूँगों के लिए बनवाया था, इस अनुभव के लिए कि बड़े होकर इनके बाल-बच्चे कौन-सी भाषा बोलते हैं, परन्तु वह अपने माता-पिता की भाँति, गें-गें ही करते रहे।
गुंचः (غنچہ) फ़ा. पुं.–कली, कलिका।
गुंचःदहन (غنچہ دہن) फ़ा. वि.–कली-जैसे सुन्दर और छोटे मुँहवाला (वाली)।
गुंचःदहाँ (غنچہ دہاں) फ़ा. वि.–दे. 'गुंचःदहन'।
गुंचःलब (غنچہ لب) फ़ा. वि.–कली-जैसे कोमल, मृदुल और गुलाबी ओंठोंवाला (वाली)।
गुंचए नाशिगुफ़्तः (غنچۂ ناشگفتہ) फ़ा. पुं.–वह कली जो खिली न हो, मुकुल, अविकसित कलिका।
गुंचगी (غنچگی) फ़ा. स्त्री.–कली होने का भाव, गुंचःपन।
ग़ुंजः (غنجہ) अ. पुं.–गुंचः, कली।
ग़ुंज (غنج) अ. पुं.–हावभाव, नाज़ोअदा।
गुंजश्क (گنجشک) फ़ा. स्त्री.–दे. 'गुंजिश्क' दोनों शुद्ध हैं।
गुंजाइश (گنجائش) फ़ा. स्त्री.–विस्तार, कुशादगी; सामर्थ्य, मक़्दूर; समाई, जगह; प्रेम, उदारता, फ़राख़दिली।
गुंजान (گنجان) फ़ा. वि.–घना, गहन।
गुंजिश्क (گنجشک) फ़ा. स्त्री.–गौरैया, चटक।
गुंदः (گندہ) फ़ा. वि.–दबीज़, गफ़, दलदार।
ग़ुंदः (غندہ) अ. वि.–लम्पट, धूर्त, लोफ़र, गुंडा।
ग़ुंद (غند) फ़ा. वि.–लिपटा हुआ; एकत्र, जमाशुदा; जोड़ा हुआ, उपार्जित।
ग़ुंदर (غندر) फ़ा. वि.–मोटा-ताज़ा, हृष्ट-पुष्ट; गफ़, दलदार, दबीज़; मृदुल, नाज़ुक; गिड़गिड़ानेवाला।
ग़ुंदुर (غندر) फ़ा. वि.–दे. 'ग़ुंदर'।
गुंद्पीर (گندپیر) फ़ा. स्त्री.–बूढ़ी स्त्री, वृद्धा।
गुंबद (گنبد) फ़ा. पुं.–इमारतों के ऊपर का गोल मंडप जो बड़ा हो, गुंबज।
गुंबदे आब (گنبد آب) फ़ा. पुं.–पानी का बुल्बुला।
गुंबदे गर्दूं (گنبد گردوں) फ़ा. पुं.–आकाश का गुंबद, आकाश-वर्तुल।
गुंबदे गुल (گنبد گل) फ़ा. पुं.–कलिका, कली।
गुंबदे चारबंद (گنبد چاربند) फ़ा. पुं.–संसार, दुनिया; आकाश, आस्मान।
गुक (گوک) तु. पुं.–आकाश, गगन, आस्मान।
गुज़र (گزر) फ़ा. स्त्री.–निर्वाह, गुज़र-बसर; जीविका, रोगी, (पुं.) प्रवेश, पहुँच, रसाई; आगमन, आमद।
गुज़रगाह (گزرگاہ) फ़ा. स्त्री.–निकलने-पैठने का स्थान; मार्ग, रास्ता, पथ।
गुज़रनामः (گزرنامہ) फ़ा. पुं.–राहदारी का पर्वाना, ख़न्ना; पासपोर्ट, पारपत्र।
गुज़रान (گزران) फ़ा. स्त्री.–दे. 'गुज़र'।
गुज़रिंदः (گزرندہ) फ़ा. वि.–गुज़रनेवाला।
गुज़श्तः (گزشتہ) फ़ा. वि.–गुज़रा हुआ, बीता हुआ, व्यतीत; भूतकाल, माज़ी।
गुज़श्तगां (گزشتگاں) फ़ा. पुं.–'गुज़श्तः' का बहु., गुज़रे हुए लोग, पूर्वज।
गुज़श्तनी (گزشتنی) फ़ा. वि.–गुज़रने योग्य; जहाँ से गुज़र जाना उचित हो।
गुज़ाफ़ः (گزافہ) फ़ा. पुं.–जिसका कूता किया गया हो, तोला नापा न गया हो; असीम, अपार, बेहद।
गुज़ाफ़ (گزاف) फ़ा. स्त्री.–बकवास, मिथ्यावाद; डींग, शेख़ी।
ग़ुज़ाब (غضاب) अ. पुं.–वह तिनका आदि जो आँख में पड़ जाय; शरीर पर पड़नेवाले आबले।
गुज़ारः (گزارہ) फ़ा. पुं.–निर्वाह, गुज़र-बसर; नदी पार करना।
गुज़ार (گزار) फ़ा. पुं.–दे. 'गुज़र', निबाहना, बसर करना, "गुज़ार दूँ तेरे ग़म में जो उम्रे-ख़िज़्र मिले।" (प्रत्य.) करनेवाला, जैसे—'ख़िदमतगुज़ार' ख़िदमत करनेवाला।
गुज़ारिंदः (گزارندہ) फ़ा. वि.–गुज़ारनेवाला, अदा करनेवाला।
गुज़ारिश (گزارش) फ़ा. स्त्री.–प्रार्थना, निवेदन, आवेदन, अर्ज़।
गुज़ारिशनामः (گزارش نامہ) फ़ा. पुं.–प्रार्थनापत्र, आवेदन-पत्र, दरख़्वास्त।
गुज़ारिशपिज़ीर (گزارش پزیر) फ़ा. वि.–प्रार्थना स्वीकार करनेवाला, बात सुनकर उसे माननेवाला।
गुज़ारिशात (گزارشات) फ़ा. स्त्री.–'गुज़ारिश' का बहु., प्रार्थनाएँ, गुज़ारिशें, बातें।

गुज़ाश्तः (گزاشتہ) फा. वि.–छोड़ा हुआ, त्यक्त।
गुज़ाश्त (گزاشت) फा. स्त्री.–छूट, त्याग।
गुज़ाश्तनी (گزاشتنی) फा. वि.–छोड़ने योग्य, त्याज्य।
गुज़ीं (گزیں) फा. प्रत्य.–चुननेवाला, पसंद करनेवाला, जैसे—'ख़ल्वत गुज़ीं' एकांतवास पसंद करनेवाला।
गुज़ीदः (گزیدہ) फा. वि.–चुना हुआ, छाँटा हुआ।
गुज़ीदनी (گزیدنی) फा. वि.–चुनने योग्य, छाँटने योग्य।
गुज़ीरः (گزیرہ) फा. पुं.–उपचार, चिकित्सा, इलाज; उपाय, प्रयत्न, तद्‌बीर।
गुज़ीर (گزیر) अ. पुं.–चिकित्सा, इलाज; प्रयत्न, उपाय, चारा।
गुज़ीरी (گزیری) फा. स्त्री.–चिकित्सा, उपचार, इलाज।
गु़ज़ूज़ः (غضوضہ) अ. पुं.–नवीनता, नयापन; प्रफुल्लता, शिगुफ़्तगी; नया होना।
गु़ज़्रूफ़ (غضروف) अ. स्त्री.–चपनी हड्डी; पसलियों के सिरे; कंधे की हड्डी का सिरा; हर चबाई जानेवाली हड्डी, कुर्री।
गु़तात (غطاط) अ. पुं.–प्रातःकाल, सवेरा; प्रातःकाल की सफ़ेदी; रात का अँधेरा।
गु़दद (غدد) अ. पुं.–'गु़द्दः' का बहु., शरीर के गु़द्दूद, ग्रंथियाँ, गिल्टियाँ।
गुदाख़्तः (گداختہ) फा. वि.–पिघला हुआ, द्रवीभूत, द्रवित।
गुदाख़्त (گداخت) फा. स्त्री.–दे. 'गुदाख़्तगी'।
गुदाख़्तगी (گداختگی) फा. स्त्री.–पिघलाव; गुदाख़्त।
गुदाख़्तनी (گداختنی) फा. वि.–पिघलने योग्य; पिघलाने योग्य।
गुदाज़ (گداز) फा. पुं.–शरीर का मांसल होना, शरीर में ख़ूब गोश्त होना (प्रत्य०) पिघलानेवाला, जैसे—'आहन गुदाज़' लोहे को पिघलानेवाला; 'सोज़-गुदाज़' जलाकर पिघलानेवाला।
गुदाज़ां (گدازاں) फा. वि.–पिघलता हुआ; पिघलाता हुआ।
गुदाज़िंदः (گدازندہ) फा. वि.–पिघलनेवाला; पिघलानेवाला।
गु़दाफ़ (غداف) अ. पुं.–काले और लंबे बाल; काला कौआ; बहुत परोंवाला गिद्ध।
गु़दुव (غدو) अ. पुं.–प्रातःकाल, सबेरा।
गु़द्दूद (غدود) अ. पुं.–शरीर के भीतर की गिल्टियाँ, ग्रंथियाँ।
गु़द्दः (غدہ) अ. पुं.–शरीर के भीतर की गिल्टी, ग्रंथि।
गु़द्र (غدر) अ. वि.–कृतघ्न, नाशुक्रा, बेवफ़ा।
गु़द्वः (غدوہ) अ. पुं.–प्रातःकाल और सूर्योदय के बीच का समय।
गुनह (گنہ) फा. पुं.–'गुनाह' का लघु., दे. 'गुनाह'।
गुनहगार (گنہگار) फा. वि.–दे. 'गुनाहगार'।
गुनहगारी (گنہگاری) फा. स्त्री.–दे. 'गुनाहगारी'।
गुनाह (گناہ) फा. पुं.–पाप, पातक, मासियत; दोष, अपराध, क़ुसूर।
गुनाहगार (گناہگار) फा. वि.–पापी, पातकी, आसी; दोषी, अपराधी, क़ुसूरवार।
गुनाहगारी (گناہگاری) फा. स्त्री.–पाप कर्म, मा'सियत; दोष करना, क़ुसूरवारी।
गुनाहे कबीरः (گناہکبیرہ) फा. अ. पुं.–बड़ा पाप, महापातक।
गुनाहे सग़ीरः (گناہصغیرہ) फा. अ. पुं.–छोटा गुनाह, लघुपातक।
गु़नुज (غنج) अ. पुं.–हावभाव, नाज़ोअदा।
गु़नूदः (غنودہ) फा. वि.–जिसकी आंखों में नींद भरी हो, ऊँघता हुआ, उन्निद्र, तंद्रालु।
गु़नूदगी (غنودگی) फा. स्त्री.–ऊँघ, तंद्रा, निद्रालस, प्रमीला।
गु़नूदनी (غنودنی) फा. वि.–ऊँघने के योग्य; जिसका ऊंघना आवश्यक हो।
गु़न्नः (غنہ) अ. पुं.–वह 'न' जो नाक में पढ़ा जाय 'अनुस्वार'; वह अक्षर जिस पर अनुस्वार हो।
गु़न्यत (غنیت) अ. स्त्री.–धनाढ्यता, मालदारी।
गु़फ़ार (غفار) अ. पुं.–डाढ़ी के दोनों ओर के बाल; गर्दन और गुद्दी के बाल; पिंडली के बाल।
गु़फ़ुर (غفر) अ. पुं.–'ग़फ़ूर' का बहु., मोक्ष देनेवाले, बख़्शनेवाले।
गु़फ़ूल (غفول) अ. पुं.–भूलना, विस्मृति; किसी वस्तु का त्याग; निश्चेष्टता, बेख़बरी।
गुफ़्तः (گفتہ) फा. वि.–कहा हुआ, उक्त।
गुफ़्त (گفت) फा. स्त्री.–कहन, कथन, बात।
गुफ़्तगू (گفتگو) फा. स्त्री.–बातचीत, वार्तालाप।
गुफ़्तनी (گفتنی) फा. वि.–कहने योग्य, जो बात कही जा सके; जिसका कहना आवश्यक हो।
गुफ़्तार (گفتار) फा. स्त्री.–बोली, वाणी, शब्द, आवाज़; वार्तालाप, बातचीत।
गुफ़्तुगू (گفتگو) फा. स्त्री.–दे. 'गुफ़्तगू' दो. शुद्ध हैं।
गुफ़्तोगू (گفتوگو) फा. स्त्री.–दे. 'गुफ़्तगू' दो. शु. हैं।
गुफ़्तोशनीद (گفتوشنید) फा. स्त्री.–बातचीत, गुफ़्तगू; कहासुनी, वादविवाद; हुज्जत, तर्क-वितर्क।
गु़फ़्रां (غفراں) अ पुं.–'गु़फ़्रान' का लघु., दे. 'गु़फ़्रान'।
गु़फ़्रांमआब (غفراں مآب) अ. वि.–मोक्षप्राप्त, स्वर्गीय, बड़े लोगों की आत्मा के लिए बोला जाता है।

गुफ़ान (غفران) अ. पुं.–मोक्ष, मुक्ति, सद्गति, वख़्शिश; क्षमा, मुआफ़ी।

गुफ़्ल (غفل) अ. वि.–वह व्यक्ति जिसमे न भलाई की आशा हो, न अनिष्ट का भय हो; हर वह वस्तु जिसका कोई पता-निशान न हो; अनुभवहीन व्यक्ति; वह कवि जिसे कोई जानता न हो; वह व्यक्ति जिसका कुल अज्ञात हो।

गुब [ब्ब] (غب) अ. पुं.–वह बाढ़ पर आयी हुई नदी जिसका पानी नदी से निकलकर जंगलों में बहे; नीची भूमि।

गुबारः (غبارہ) फा. पुं.–हवा में उड़नेवाला काग़ज़ का बड़ा गेंद, ग़ुब्बारा; हवाई जहाज़, वायुयान; बैलून।

गुबार (غبار) अ. पुं.–धूल, रज, धूलि; मनोमालिन्य, दिल का मैल।

गुबारआलूदः (غبار آلودہ) अ. फा. वि.–धूल में भरा हुआ, धूलिधूसर; जिस पर धूल पड़ी हो।

गुबारआलूद (غبار آلود) अ.फा. वि.–दे. 'ग़ुबारआलूदः'।

गुबारे ख़ातर (غبار خاطر) अ. पुं.–मन की मलिनता, दिल का मैल; दिल का बुख़ार, मन की भड़ास; मनोमालिन्य, रंजिश।

गुबूर (غبور) अ. पुं.–बाक़ी रहना, शेष बचना; विलंब करना, देर करना; छोड़ देना, क्षमा करना; आगमन, आना।

गुबैस (غبيس) अ. अव्य.–कदापि, हरगिज़; नित्य, हमेशा।

गुब्बारः (غبارہ) फा. पुं.–दे. 'ग़ुबारः'।

गुम (گم) फा. वि.–खोया हुआ; भटका हुआ; तल्लीन, मुन्हमिक; अचेत, ग़ाफ़िल; आत्मविस्मृत, खुदरफ़्तः।

गुमकर्दः (گم کردہ) फा. वि.–खोया हुआ, जो खो गया हो; जिसने खो दिया हो; भूला हुआ।

गुमकर्दःराह (گم کردہ راہ) फा. वि.–जो राह भूल गया हो, जो रास्ते से भटक गया हो, पथ-भ्रष्ट।

गुमगश्तः (گم گشتہ) फा. वि.–खोया हुआ, जो खो गया हो, "लाओ देखें कहीं मेरा दिले गुमगश्तः न हो, आप कहते हैं कि इक चीज़ पड़ी पायी है।"

गुमगश्तगी (گم گشتگی) फा. स्त्री.–खो जाना, रस्ता भूल जाना।

गुमज़दः (گم زدہ) फा. वि.–दे. 'गुमराह'।

गुमज़न (گم زن) फा. वि.–नष्ट और ध्वस्त करनेवाला; मृदुल, नाज़ुक।

गुमनाम (گمنام) फा. वि.–जिसे कोई न जानता हो, अज्ञात, अप्रसिद्ध; जिसका नाम न मालूम हो, अज्ञातनाम।

गुमनामी (گمنامی) फा. स्त्री.–शोहरत न होना, अख्याति।

गुमबूदगी (گم بودگی) अ. स्त्री.–दुःखित होना।

गुमराह (گمراہ) फा. वि.–जो मार्ग भूल गया हो, रास्ते से भटका हुआ, मार्ग-भ्रष्ट; नास्तिक, लामज़हब; कदाचारी, वदचलन।

गुमराहकुन (گمراہ کن) फा. वि.–बदगुमानी पैदा करनेवाला, भ्रमात्मक; गुनाह की ओर प्रवृत्ति करनेवाला।

गुमराही (گمراہی) फा. स्त्री.–मार्ग भूलना; नास्तिकता, लामज़्हबीयत; गुनाह की ओर प्रवृत्ति।

गुमशुदः (گم شدہ) फा. वि.–खोया हुआ, खोई हुई वस्तु।

गुमशुदगी (گم شدگی) फा. स्त्री.–खो जाना, कहीं रह जाना; रास्ता भूल जाना।

गुमशुदनी (گم شدنی) फा. वि.–खोने योग्य।

गुमाँ (گماں) फा. पुं.–'गुमान' का लघु., दे. 'गुमान'।

गुमाँबरी (گماں بری) फा. स्त्री.–शंका करना, शुबहः करना; वदगुमानी करना।

गुमान (گمان) फा. पुं.–शंका, शुबह, शक; भ्रम, बह्म; बदगुमानी, कुधारणा।

गुमाने क़वी (گمان قوی) फा. अ. पुं.–ऐसा शुबहा जो यक़ीन के दर्जे तक पहुँच जाय।

गुमाने ग़ालिब (گمان غالب) फा. अ. पुं.–दे. 'गुमाने क़वी'।

गुमाने बद (گمان بد) फा. पुं.–किसी की ओर से बुरा विचार, कुधारणा।

गुमाने सहीह (گمان صحیح) फा. अ. पुं.–ऐसा गुमान जो ठीक साबित हो।

गुमाम (غمام) अ. पुं.–ज़ुकाम, प्रतिश्याय, प्रतिश्यान।

गुमार (غمار) अ. पुं.–आधिक्य, प्राचुर्य, बहुतायत; जनसमूह, जमाव।

गुमारिंदः (گمارندہ) फा. वि.–नियुक्त करनेवाला, मुक़र्रर करनेवाला।

गुमार्दनी (گماردنی) फा. वि.–नियुक्ति के योग्य, तक़र्रुर के क़ाबिल।

गुमाश्तः (گماشتہ) फा. वि.–नियुक्त किया हुआ; प्रतिनिधि, नुमाइंदः; कारकुन, एजेंट, अभिकर्ता।

गुमाश्तगी (گماشتگی) फा. स्त्री.–नियुक्ति, तक़र्रुर; एजेंटी, कारिंदागीरी।

गुमाश्तनी (گماشتنی) फा. वि.–नियुक्त करने योग्य, मुक़र्रर करने के लायक़।

गुमूज़ (غموض) अ. पुं.–भूमि का नीचा और गढ़ेदार होना; बात का गुप्त और समय से बाहर होना।

गुमूज़त (غموضت) अ. स्त्री.–बात का समझ से परे होना; गुप्त होना, छिपना; भूमि का नीचा होना।

गुमूम (غموم) अ. पुं.–'ग़म' का बहु., खेद और शोक; छोटे तारे जो दिखाई न पड़ें।

गुम्ज़ः (غمجه) अ. पुं.–जूठा पानी, पिया हुआ पानी; पिये हुए पानी का घूंट।

गुम्दान (غمدان) अ. पुं.–यमन का अद्भुत और विचित्र भवन; संसार, दुनिया।

गुम्मः (غمه) अ. पुं.–नदी की तह; हर चीज़ की तह; गुप्त काम; खेद, ग़म।

गुम्रक (گمرک) फा. पुं.–चुंगी, कस्टम।

गुम्रकख़ानः (گمرک خانه) फा. पुं.–चुंगीघर, कस्टम हाउस।

ग़ुर[र्] (غر) अ. पुं.–'अग़र' का बहु., श्रेष्ठ लोग; प्रसिद्ध लोग; माथे की सफ़ेदियाँ।

ग़ुर (غر) फा. पुं.–बढ़ा हुआ अंडकोष; गले का घेघा।

ग़ुरफ़ (غرف) अ. पुं.–'ग़ुर्फ़ः' का बहु., झरोखे।

ग़ुरबा (غربا) अ. पुं.–'ग़रीब' का बहु., गरीब लोग; दरिद्र और दीन लोग; परदेसी लोग।

ग़ुरबापर्वर (غربا پرور) अ. फा. वि.–दीन और दुखियों पर दया करनेवाला।

ग़ुरमा (غرما) अ. पुं.–'ग़रीम' का बहु., ऋणी, क़र्ज़दार लोग; ऋणदाता, क़र्ज़ख़्वाह लोग; जिन्हें टोटा आया हो, वे लोग।

ग़ुरर (غرر) अ. पुं.–'ग़ुर्रः' का बहु., महीने की पहली तारीखें; जाति के सर्वश्रेष्ठ लोग; लौंडी ग़ुलाम।

गुरस्नः (گرسنه) फा. वि.–भूखा, क्षुधातुर, क्षुधित, दे. 'गुर्स्नः' और 'गुसस्नः'।

गुरस्नःचश्म (گرسنه چشم) फा. वि.–लोलुप, लालची; कृपण, कंजूस; भिक्षुक, भिखारी।

गुरस्नःचश्मी (گرسنه چشمی) फा. स्त्री.–लालच; कंजूसी; भिखमंगापन।

गुराज़ (گراز) फा. पुं.–शूकर, सुअर (वि.) अत्याचारी, ज़ालिम; शूर, वीर, बहादुर।

ग़ुराब (غراب) अ. पुं.–कौआ, काक, काग।

ग़ुराबुलबैन (غراب البين) अ. पुं.–वह अशुभ भाषी कौआ जिसके बोलने पर घर के व्यक्ति अथवा मित्र लोग अलग-अलग हो जाते हैं।

गुरास (گراس) फा. पुं.–कवल, ग्रास, निवाला।

गुरिंज (گرنج) फा. पुं.–धान से निकला हुआ चावल, तंदुल।

ग़ुरिश (غرش) फा. स्त्री.–दे. 'ग़ुर्रिश'।

ग़ुरुफ़ात (غرفات) अ. पुं.–'ग़ुर्फ़ः' का बहु., झरोखे।

ग़ुरुब (غرب) अ. वि.–अद्भुत, अभूतपूर्व, अजीबोग़रीब।

गुरुस्नः (گرسنه) फा. वि.–भूखा, क्षुधित, दे. 'गुरस्नः, गुर्स्नः'।

ग़ुरूब (غروب) अ. पुं.–डूबना, किसी तारे का विशेषतः सूरज का डूबना, अस्त होना।

ग़ुरूर (غرور) अ. पुं.–अभिमान, अहंकार, गर्व, घमंड; शेख़ी, अहंवाद।

गुरेख़्तः (گريخته) फा. वि.–भागा हुआ, पलायित।

गुरेख़्तगी (گريختگی) फा. स्त्री.–भगोड़ापन, पलायन।

गुरेख़्तनी (گريختنی) फा. वि.–भागने योग्य।

गुरेज़ (گريز) फा. पुं.–बचाव, उपेक्षा, बेए'तिनाई; घृणा, नफ़रत; क़सीदे में अनुष्ठान को प्रशंस्य (मम्दूह) के गुण-गाथा की ओर मोड़ देने का अलंकार।

गुरेज़पा (گريزپا) फा. वि.–जो बहुत भाग जाता हो, भगोड़ा; वह नौकर जो बार-बार भाग जाता हो।

गुरेज़पाई (گريزپائی) फा. स्त्री.–भगोड़ापन, बार-बार भागने की क्रिया।

गुरेज़ाँ (گريزاں) फा. वि.–भागता हुआ, भाग कर जाता हुआ; बचकर निकल जानेवाला, पास न आनेवाला।

गुरेज़िंदः (گريزنده) फा. वि.–भागनेवाला, पलायन-कर्ता; बचनेवाला, परहेज़ करनेवाला, उपेक्षक।

गुरेज़ी (گريزی) फा. स्त्री.–बुद्धिमत्ता, चतुराई; धूर्तता, मक्कारी।

गुरेज़ीदः (گريزيده) फा. वि.–भागा हुआ, पलायित।

गुरोह (گروه) फा. पुं.–समुदाय, जमाअत; दल, पार्टी; जनसमूह, हुजूम; झुंड, ग़ोल, हिन्दी में 'गिरोह' प्रचलित।

गुरोह दर गुरोह (گروه در گروه) फा. वि.–झुंड के झुंड, ग़ोल के ग़ोल, अर्थात् बहुत अधिक (मनुष्य)।

गुरोहबंद (گروه بند) फा. वि.–गुटबंद, पार्टीबंद, दलबंद, प्रचलित 'गिरोहबंद'।

गुरोहबंदी (گروه بندی) फा. स्त्री.–दलबंदी, गुटबंदी, पार्टीबंदी, प्रचलित 'गिरोहबंदी'।

गुर्ग (گرگ) फा. पुं.–भेड़िया, वृक।

गुर्गज़ादः (گرگ زاده) फा. पुं.–भेड़िये का बच्चा, वृक-शावक; खल पुरुष का पुत्र।

गुर्गीनः (گرگينه) फा. पुं.–पोस्तीन, बालोंदार खाल का कोट।

गुर्गुन (گرگن) फा. पुं.–हरा अन्न जो भुना हो, चबेना, होरहा।

गुर्गेबग़ल (گرگ بغل) फा. पुं.–बग़ल में रहनेवाला भेड़िया, बग़ली दुश्मन, आस्तीन का साँप।

गुर्गेबारांदीदः (گرگ باراں ديده) फा. पुं.–वह भेड़िया जिसने बहुत-सी बरसातें देखी हों; बहुत ही धूर्त व्यक्ति; बहुत ही अनुभवी मनुष्य।

गुर्ज़ः (گرزه) फा. पुं.–साँप का बड़ा और फैला हुआ फन (वि.) भयानक, ख़ौफ़नाक।

गुर्ज़ (گرز) फा. पुं.–एक प्राचीन अस्त्र, गदा।

गुर्ज (گرج) फा. पुं.–दे. 'गुर्द'।

गुर्ज़बरदार (گرزبردار) फ़ा. वि.–गुर्ज़ से लड़नेवाला, गुर्ज़ रखनेवाला, गदाधर।

गुर्जिस्तान (گرجستان) फ़ा. पुं.–जारजिया, एक प्रदेश।

गुर्जी (گرجی) फ़ा. वि.–गुर्जिस्तान का निवासी।

गुर्ज़ूफ़ (غرضوف) अ. स्त्री.–दे. 'गुज़्रूफ़', दो. शु. हैं।

गुर्द (گرد) फ़ा. पुं.–एक देश; मल्ल, पहलवान; योद्धा, बहादुर।

गुर्नोक़ (غرنیق) अ. पुं.–कुलंग पक्षी; गोरा चट्टा और मृदुलांग युवक।

गुर्नूक (غرنوق) अ. पुं.–दे. गुर्नोक, घुंघरवाले बाल; गुंधी हुई चोटी।

गुर्पुज़ (گرپز) फ़ा. वि.–दे. 'गुर्बुज़'।

गुर्फ़ः (غرفه) अ. पुं.–झरोखा, गवाक्ष, वातायन; अट्टालिका, बालाखाना।

गुर्फ़ःनशीं (غرفه‌نشیں) अ. फ़ा. वि.–झरोखे में बैठनेवाला (वाली)।

गुर्फ़ात (غرفات) अ. पुं.–'गुर्फ़ः' का बहु., झरोखे।

गुर्बः (گربه) फ़ा. स्त्री.–बिल्ली, मार्जारी।

गुर्बःगू (گربه‌گوں) फ़ा. वि.–धूर्त्त, मक्कार, छली, वंचक।

गुर्बःचश्म (گربه‌چشم) फ़ा. वि.–दुःशील, बेमुरव्वत।

गुर्बएमिस्कीं (گربۂ‌مسکیں) अ. फ़ा.. स्त्री.–वह व्यक्ति जो देखने में बहुत सीधा सादा हो, परंतु बहुत ही धूर्त और चालाक हो।

गुर्बत (غربت) अ. स्त्री.–परदेशी होना; परदेश, बेवतनी; दरिद्रता, कंगाली।

गुर्बतज़दः (غربت‌زده) अ. फ़ा. वि.–घरबार छोड़कर परदेश में पड़ा हुआ, प्रवासी; निर्धन, कंगाल।

गुर्बत ज़दगी (غربت‌زدگی) अ. फ़ा. स्त्री.–बेवतनी, परदेस में होना; निर्धनता, कंगाली।

गुर्बतदीदः (غربت‌دیده) अ. फ़ा. वि.–दे. 'गुर्बतज़दः'।

गुर्बुज़ (گربز) फ़ा. वि.–छली, वंचक, ठगिया, मक्कार।

गुर्बुज़ी (گربزی) फ़ा. स्त्री.–छल, वंचकता, ठगई, मक्कारी।

गुर्म (غرم) अ. पुं.–तावान, दंड।

गुर्म (غرم) फ़ा. स्त्री.–पहाड़ी बकरी।

गुर्म (گرم) फ़ा. पुं.–दुःख, रंज; खेद, संताप, ग़म; कष्ट, तक्लीफ़; मनस्ताप, दिलगीरी; इंद्रधनुष।

गुर्रः (غره) अ. पुं.–चाँद के महीने की पहली तारीख, जो हिंदी हिसाब से कृष्णपक्ष की तृतीया होती है; घोड़े के माथे की सफ़ेदी; हर वह वस्तु जो उत्तम हो; दास अथवा दासी।

गुर्रएशव्वाल (غرۂ‌شوال) अ. पुं.–शव्वाल महीने की पहली तारीख, अर्थात् ईद का दिन।

गुर्रिश (غرش) फ़ा. स्त्री.–गुर्राहट, गर्जन; आतंक, भय, हैबत।

गुर्स (گرس) फ़ा. स्त्री.–भूख, क्षुधा; प्यास, पिपासा।

गुर्सनः (گرسنه) फ़ा. वि.–भूखा, क्षुधातुर; दे. 'गुरस्नः' और 'गुरुस्नः', तीनों शुद्ध हैं।

गुर्सनःचश्म (گرسنه‌چشم) फ़ा. वि.–लालची, हरीस; कृपण, कंजूस; भिक्षुक, फ़क़ीर।

गुर्सनःचश्मी (گرسنه‌چشمی) फ़ा. स्त्री.–लोभ, लालच; कृपणता, कंजूसपन; भिखमंगापन।

गुर्सनगी (گرسنگی) फ़ा. स्त्री.–भूख, क्षुधा, बुभुक्षा।

गुल [ल्ल] (غل) अ. पुं.–लोहे का तौक़ जो क़ैदियों के गले में पड़ता है; प्यासा, सतृष्ण; प्यास की तीव्रता; मनस्ताप, हृदय की जलन।

गुल (غل) फ़ा. पुं.–कोलाहल, शोर, चीख, पुकार।

गुल (گل) फ़ा. पुं.–फ़ूल, पुष्प, सुमन; गुलाब का फूल; चिराग़ का गुल; आँख की फूली।

गुलअंदाम (گل‌اندام) फ़ा. वि.–फूल-जैसे कोमल, मृदुल, सुकुमार और सुगंधित शरीरवाला (वाली), पुष्पांगी, पुष्पांगना।

गुलअफ़्शां (گل‌افشاں) फ़ा. वि.–फूल बरसानेवाला, पुष्पवर्ष; जिससे फूल झड़ते हैं।

गुलअफ़्शानी (گل‌افشانی) फ़ा. स्त्री.–फूल बरसाना; फूल बरसना; मज़ेदार बातें।

गुलइज़ार (گل‌عزار) फ़ा. अ. वि.–गुलाब-जैसे सुकुमार और कोमल गालोंवाला (वाली)।

गुलक़ंद (گلقند) फ़ा. पुं.–गुलाब के फूल और खाँड़ के मिश्रण से बनी हुई एक औषध।

गुलकदः (گل‌کده) फ़ा. पुं.–वह घर जहाँ फूल ही फूल हों, पुष्पागार, कुसुमालय।

गुलकार (گلکار) फ़ा. वि.–बेल-बूटे बनानेवाला।

गुलकारी (گلکاری) फ़ा. स्त्री.–बेल-बूटे बनाने का काम; बेल-बूटे, नक़्शोनिगार।

गुलख़न (گلخن) फ़ा. पुं.–भाड़, भट्ठी; चूल्हा।

गुलख़ाल (گل‌خال) फ़ा. वि.–चितकबरा, दागोंवाला, चित्तेदार।

गुलगश्त (گل‌گشت) फ़ा. पुं.–बाग़ की सैर; सैर का स्थान, क्रीडास्थल।

गुलगीर (گل‌گیر) फ़ा. पुं.–चिराग़ या शमा का गुल कतरने की क़ैंची।

गुलगुलः (غلغله) अ. पुं.–शोर, कोलाहल; हर्षध्वनि, खुशी का शोर।

गुलगूं (گلگوں) फा. वि.–गुलाब-जैसे रंगवाला; लाल रंग का घोड़ा; शीरीं के घोड़े का नाम।

गुलगूनः (گلگونہ) फा. पुं.–मुँह पर मलने का सुगंधित और गुलाबी पाउडर।

गुलचीं (گل چیں) फा. वि.–फूल चुननेवाला, पुष्पचायी; माली, मालाकार।

गुलचीनी (گل چینی) फा. स्त्री.–फूल बीनना; माली का काम।

गुलचेहरः (گل چہرہ) फा. वि.–दे. 'गुलरुख़'।

गुलज़मीं (گل زمیں) फा. स्त्री.–ऐसा स्थान जहाँ फूल बहुत पैदा होते हों, पुष्पवन, पुष्पोद्यान; फूलों से लदी हुई ज़मीन।

गुलज़ार (گلزار) फा. पुं.–उद्यान, आराम, वाटिका, बाग़; वह स्थान जहाँ ख़ूब चहल-पहल और रौनक़ हो।

गुलदस्तः (گلدستہ) फा. पुं.–फूलों का गुच्छा, रंग-बिरंगी फूलों का मुट्ठा, पुष्पस्तवक,; पत्रिका, रिसालः।

गुलदान (گلدان) फा. पुं.–गुलदस्ता सजाने का पात्र।

गुलनार (گل نار) फा. पुं.–अनार का फूल, गुले अनार; अनार की एक जाति, जिसमें फल नहीं आता और जिसके फूल का दवा में प्रयोग होता है।

गुलपाश (گلپاش) फा. वि.–फूलों की वर्षा करनेवाला, पुष्पवर्षक।

गुलपाशी (گل پاشی) फा. स्त्री.–फूलों की वर्षा।

गुलपैरहन (گل پیرھن) फा. वि.–गुलाबी कपड़े पहनने वाला (वाली), गुलाब के फूल-जैसे रंगीन, कोमल और सुगंधित कपड़े पहननेवाली नायिका।

गुलपैरहनी (گل پیرھنی) फा. स्त्री.–फूलों-जैसे रंगीन और सुगंधित कपड़े पहनने का भाव।

गुलपोश (گل پوش) फा. वि.–फूलों से ढका हुआ, फूलों से मढ़ा हुआ, फूलों से लदा हुआ।

गुलपोशी (گل پوشی) फा. स्त्री.–फूलों से ढका होना।

गुलफ़ाम (گل فام) फा. वि.–दे. 'गुलअंदाम'।

गुलफ़िशां (گل فشاں) फा. वि.–फूल बरसानेवाला, (स्त्री.) फुलझड़ी, एक प्रसिद्ध आतशबाज़ी।

गुलफ़िशानी (گل فشانی) फा. स्त्री.–फूल बरसाना।

गुलबदन (گل بدن) फा. वि.–फूल-जैसे कोमल और मृदुल अंगोंवाला (वाली) (पुं.) एक रेशमी कपड़ा।

गुलबदनी (گل بدنی) फा. स्त्री.–फूल-जैसे कोमल मृदुल और सुगंधित शरीर का होना।

गुलबर्ग (گل برگ) फा. पुं.–फूल का पत्ता, पुष्पदल।

गुलबांग (گل بانگ) फा. स्त्री.–वह शोर जो किसी के व्याह-शादी आदि के अवसर पर होता है, हर्षध्वनि; बुलबुल आदि मधुरस्वर पक्षियों की चहचहाहट।

गुलबाज़ी (گل بازی) फा. स्त्री.–एक दूसरे की ओर फूल फेंकने का खेल, पुष्पक्रीड़ा।

गुलबुन (گلبن) फा. पुं.–गुलाब का वृक्ष।

गुलमेख़ (گل میخ) फा. स्त्री.–फुल्लीदार बड़ी कील जो किवाड़ों आदि में लगती है।

गुलरंग (گل رنگ) फा. वि.–गुलाब के फूल-जैसे गुलाबी रंगवाली वस्तु।

गुलरुख़ (گل رخ) फा. वि.–फूल-जैसे सुंदर, सुकोमल और सुकुमार मुखवाली नायिका, पुष्पमुखी।

गुलरुख़सार (گل رخسار) फा. वि.–गुलाब के फूल-जैसे सुंदर कपोलोंवाली नायिका, पुष्पकपोला।

गुलरू (گلرو) फा. वि.–दे. 'गुलरुख़'।

गुलरेज़ (گل ریز) फा. वि.–जिससे फूल झड़ते हों (स्त्री.) एक आतशबाज़ी, फुलझड़ी।

गुलल (غلل) अ. पुं.–'ग़लील' का बहु., प्यासे।

गुलशकर (گل شکر) फा. पुं.–दे. 'गुलक़ंद'।

गुलशन (گلشن) फा. पुं.–उद्यान, वाटिका, बाग़।

गुलशन आरा (گلشن آرا) फा. वि.–उद्यानपाल, माली; बाग़ को सजाने और सँवारनेवाला।

गुलाज़ (غلاظ) अ. वि.–मोटा, दलदार; कड़ा, कठोर, सख़्त।

गुलात (غلات) अ. पुं.–'ग़ाली' का बहु., अति करनेवाले, किसी विषय में बहुत अधिक अति करनेवाले।

गुलाब (گلاب) फा. पुं.–एक प्रसिद्ध फूल, गुल; गुलाब-जल, गुलाब का अरक़।

गुलाबपाश (گلابپاش) फा. पुं.–सभा आदि में गुलाबजल छिड़कने का यंत्र।

गुलाबी (گلابی) फा. वि.–गुलाब-जैसे रंगवाली वस्तु, हलका लाल (स्त्री.) शराब की रंगीन कांच की सुराही।

गुलाम (غلام) अ. पुं.–लड़का, बालक; दास, ख़ादिम; पराधीन, महकूम।

गुलामगर्दिश (غلام گردش) अ. फा. स्त्री.–कोठी या मकान के चारों ओर का बरामदा।

गुलामचापार (غلام چاپار) अ. फा. पुं.–डाकिया, पोस्टमैन, चिट्ठीरसां।

गुलामज़ादः (غلام زادہ) अ. फा. पुं.–दासी-पुत्र, लौंडी-बच्चा; विनय प्रदर्शन के लिए वक्ता अपने पुत्र के लिए भी कहता है।

गुलामानः (غلامانہ) अ. फा. वि.–गुलामों-जैसा, दासोचित।

गुलामी (غلامی) अ. स्त्री.—दासता, बंदगी; पराधीनता, महकूमी।

गुलालः (غلالہ) फा. स्त्री.—प्रेयसी की अलक, मा'शूक़ा की ज़ुल्फ़।

गुलिस्ताँ (گلستاں) फा. पुं.—'गुलिस्तान' का लघु., दे. 'गुलिस्तान'।

गुलिस्ताँज़ादः (گلستاں زادہ) फा. पुं.—पुष्प, फूल; बाग़ की घास, सब्ज़ा; दासी-पुत्र, लौंडी-बच्चा।

गुलिस्तान (گلستان) फा. पुं.—उद्यान, बाग़, वाटिका, आराम।

गुलुफ़ (غلف) अ. पुं.—'ग़िलाफ़' का बहु., बहुत से ग़िलाफ़ अथवा कोष।

गुलुव (غلو) अ. पुं.—दे. 'ग़ुलू'।

गुलू (گلو) फा. पुं.—कंठ, गला, हुल्क़ूम।

ग़ुलू (غلو) अ. पुं.—पूरा हाथ उठाना; जनसमूह, भीड़; अति करना, हद से गुज़र जाना; ऐसी अत्युक्ति जो न बुद्धि के अनुसार ठीक हो न प्राकृतिक हो।

गुलूख़लासी (گلوخلاصی) फा. स्त्री.—बंधनमक्ति, छुटकारा; किसी जंजाल से छुटकारा।

गुलूगीर (گلوگیر) फा. वि.—गला पकड़नेवाला (वाली); आवाज़ रुँधा देनेवाला (वाली)।

गुलूबंद (گلوبند) फा. पुं.—गले का एक आभूषण; गले और कानों में लपेटने का मफ़्लर।

गुलूबस्तः (گلوبستہ) फा. वि.—जिसका स्वर बैठ गया हो।

गुलूबुरीदः (گلوبریدہ) फा. वि.—जिसका गला कट गया हो, छिन्नग्रीव, वधित।

ग़ुलूलः (غلولہ) अ. पुं.—जनसमूह, हुजूम; आवेग, ज़ोश।

गुलूलः (گلولہ) फा. पुं.—गुलेल का गुल्ला; बंदूक़ की गोली; दवा की गोली।

ग़ुलूल (غلول) अ. पुं.—वृक्षों के बीच में बहता हुआ पानी; ग़नीमत के माल में ख़ियानत।

गुलूसोज़ (گلوسوز) फा. वि.—अति सुंदर, बहुत अच्छा; बहुत मीठा; चरपरी वस्तु।

गुले अब्बास (گل عباس) फा. अ. पुं.—एक प्रसिद्ध फूल और उसका पेड़, गुलाबाँस।

गुले आतशीं (گل آتشیں) फा. पुं.—सदा गुलाब, गुलाब की एक जाति जो सदा फूलती है।

गुले आफ़्ताबपरस्त (گل آفتاب پرست) फा. पुं.—सूरजमुखी का फूल।

गुले काग़ज़ी (گل کاغذی) फा. अ. पुं.—काग़ज़ के फूल जो सजावट के काम आते हैं; दिखावे की वस्तु।

गुले ख़ंदाँ (گل خنداں) फा. पुं.—खिला हुआ फूल।

गुले ख़ुदरो (گل خودرو) फा. पुं.—जो फूल बोया न गया हो बल्कि अपने आप उगा हो।

गुले चश्म (گل چشم) फा. पुं.—आँख की फुल्ली, टेंट।

गुले जा'फ़री (گل جعفری) फा. अ. पुं.—एक पीले रंग का फूल।

गुले तुर्रः (گل طرہ) फा. पुं.—मुर्गकेस, एक प्रसिद्ध फूल।

गुले दाऊदी (گل داؤدی) फा. अ. पुं.—एक प्रसिद्ध फूल।

गुले नाफ़र्मां (گل نافرماں) फा. पुं.—एक फूल।

गुले नाशिगुफ़्तः (گل ناشگفتہ) फा. पुं.—बिन खिला फूल, कली, ग़ुंचः, मुकुल; कुँवारी स्त्री, कुमारी, दोशीज़ः।

गुले पलास (گل پلاس) फा. पुं.—टेसू का फूल, ढाक का फूल, 'पलाश' संस्कृत में भी टेसू को कहते हैं, संस्कृत और फ़ारसी के प्राचीन सम्बन्ध का परिचायक है।

गुले पियादः (گل پیادہ) फा. पुं.—हर वह फूल जिसकी पियाली छोटी हो; अपने आप उगनेवाला फूल।

गुले बेगानः (گل بیگانہ) फा. पुं.—दे. 'गुले ख़ुद रो'।

गुले यासमन (گل یاسمن) फा. पुं.—चमेली का फूल, नवमल्लिका, मालती।

गुले यासमीन (گل یاسمین) फा. पुं.—दे. 'गुलेयासमन'।

गुले राना (گل رعنا) फा. पुं.—एक दोरंगा फूल जो अंदर लाल और बाहर पीला होता है।

गुले लालः (گل لالہ) फा. पुं.—एक मशहूर फूल जो बहुत प्रकार का होता है, विशेषतः लाल रंग का, पोस्ते का फूल, गुले ख़शख़ाश।

गुले वर्द (گل ورد) फा. अ. पुं.—गुलाब का फूल।

गुले शबअफ़्रोज़ (گل شب افروز) फा. पुं.—रात की रानी, एक प्रसिद्ध फूल, रजनीगंधा।

गुले शब बो (گل شب بو) फा. पुं.—एक प्रसिद्ध फूल, सुगंधरा, (गुल = फूल + शब = रात + बो = बू) रजनीगंधा की एक जाति।

गुले शम्अ (گل شمع) फा. अ. पुं.—चिराग या मोमबत्ती का गुल।

गुले सद बर्ग (گل صد برگ) फा. पुं.—सौ पंखड़ियों वाला फूल; गुलाब; गुलनार; गेंदा, (विशेषतः गेंदे के लिए बोलते हैं)

गुले सर सबद (گل سرسبد) फा. पुं.—वह फूल जो माली की टोकरी में सबसे ऊपर रहता और सारी टोकरी में सबसे बड़ा और सुगंधित होता है; वह व्यक्ति जो सर्वश्रेष्ठ और सर्वोत्तम हो।

गुले सुर्ख़ (گل سرخ) फा. पुं.—गुलाब का फूल।

गुले सूरी (گل سوری) फा. पुं.—एक प्रकार का गुलाब।

गुले सौसन (گل سوسن) फा. पुं.–एक प्रसिद्ध आस्मानी रंग का फूल, जिसकी पंखड़ी ज़बान की तरह होती है—"सौसन ने चमन में ज़ुबान खोली"।

गुले हज़ारः (گل ہزارہ) फा. पुं.–हज़ारे का फूल।

ग़ुलैम (غلیم) अ. पुं.–छोटा लड़का, बहुत प्यारा और छोटा-सा बालक।

ग़ुल्ज़त (غلظت) अ. स्त्री.–दे. 'ग़िल्ज़त', दो. शु. हैं।

ग़ुल्फ़ (غلف) अ. पुं.–'गिलाफ़' का बहु., तकिये के ग़िलाफ़, तलवार आदि के कोष।

ग़ुल्मः (غلمہ) अ. पुं.–कामातुर होना, तेज़ शहवत होना; कामातुरता, शहवत की तेज़ी।

ग़ुल्लः (غلہ) अ. पुं.–प्यास, पिपासा; हृदय की जलन, दिल की सोज़िश; ज़िरिह के नीचे पहनने का कुर्ता आदि।

गुवा (گوا) फा. पुं.–'गुवाह' का लघु., दे. 'गुवाह'।

गुवार (گوار) फा. वि.–दे. 'गुवारा'।

गुवारा (گوارا) फा. वि.–शुद्ध उच्चारण यही है, परंतु उर्दू में 'गवारा' बोलते हैं, दे. 'गवारा'।

गुवारिंदः (گوارندہ) फा. वि.–अच्छा लगनेवाला, गवारा होनेवाला; शीघ्र पच जानेवाला।

गुवारिश (گوارش) फा. स्त्री.–अच्छा लगने का भाव; हज़्म होने का भाव, पचन; सुस्वाद होने का भाव, खुश-मज़गी।

गुवारीदः (گواریدہ) फा. वि.–जो रुचिकर हो चुका हो; जो पच चुका हो।

गुवारीदनी (گواریدنی) फा. वि.–रुचिकर होने योग्य; पचने योग्य।

गुवार्दनी (گواردنی) फा. वि.–दे. 'गुवारीदनी'।

ग़ुवास (غواث) अ. पुं.–फ़र्याद, दुहाई, न्याय-याचना; फ़र्याद सुननेवाला, न्यायकर्ता।

गुवाह (گواہ) फा. पुं.–साक्षी, गवाह, शुद्ध उच्चारण यही है, परंतु उर्दूवाले 'गवाह' बोलते हैं और यही प्रचलित है।

ग़ुश [श्श] (غش) अ. वि.–ख़ियानत करनेवाला, मोषक; अशुभ-चिंतक, बदख़्वाह; जिसके मन में कुछ और मुँह पर कुछ हो।

ग़ुशावः (غشاوہ) अ. पुं.–दे. 'ग़िशावः'।

गुश्नी (گشنی) फा. स्त्री.–मैथुन, संभोग, विषय, प्रसंग।

ग़ुस [स्स] (غس) वि.–अशक्त, कमज़ोर; दुष्टात्मा, ख़बीस; अधम, नीच, कमीना।

ग़ुसन (غسن) अ. पुं.–'ग़ुस्न' का बहु., अशक्त जन, कमज़ोर लोग।

ग़ुसस (غصص) अ. पुं.–'ग़ुस्सः' का बहु., 'ग़ुस्से'।

गुसार (گسار) फा. प्रत्य.–खानेवाला, जैसे—'मयगुसार' शराब पीनेवाला; 'ग़मगुसार' ग़म खानेवाला।

गुसारिंदः (گسارندہ) फा. वि.–खानेवाला, भक्षक; छोड़ने-वाला, त्यागी।

गुसार्दः (گساردہ) फा. वि.–छोड़ा हुआ; खाया हुआ।

ग़ुसालः (غسالہ) अ. पुं.–जिस पानी से स्नान किया गया हो, धोवन।

ग़ुसुल (غسل) अ. पुं.–सारा शरीर धोना, नहाना, स्नान करना, ग़ुस्ल, नखशिख-मार्जन।

ग़ुसून (غصون) अ. पुं.–'ग़ुस्न' का बहु., शाखाएँ, शाखें, डालियाँ।

ग़ुसूसः (غثوثہ) अ. पुं.–दुर्बल होना, दुबला होना।

गुस्तर (گستر) फा. प्रत्य.–बिछानेवाला, फैलानेवाला, जैसे 'करमगुस्तर' यश का फैलानेवाला, कृपा विस्तारक।

गुस्तरिंदः (گسترندہ) फा. वि.–बिछानेवाला, फैलानेवाला।

गुस्तर्दः (گستردہ) फा. वि.–बिछाया हुआ, फैलाया हुआ।

गुस्तर्दनी (گستردنی) फा. वि.–बिछाने योग्य, फैलाने योग्य।

गुस्ताख़ (گستاخ) फा. वि.–धृष्ट, ढीठ; दुःसाहसी, बेबाक; अशिष्ट, बदतमीज़।

गुस्ताख़तब्अ (گستاخ طبع) फा. अ. वि.–फक्कड़, मुँहफट, मुखर।

गुस्ताख़दस्त (گستاخ دست) फा. वि.–चालाक, चतुर, तेज़, होशयार; किसी ऐसे काम के लिए हाथ बढ़ानेवाला जो उसके साहस से परे हो, गुस्ताख़ी के साथ किसी की ओर हाथ बढ़ानेवाला।

गुस्ताख़ानः (گستاخانہ) फा. वि.–गुस्ताख़ों-जैसा, धृष्टता-पूर्वक।

गुस्ताख़ी (گستاخی) फा. स्त्री.–धृष्टता, ढीठपन; दुःसाहस, बेबाकी; अशिष्टता, बदतमीज़ी।

ग़ुस्न (غسن) अ. वि.–अशक्त, निर्बल, नाताक़त।

ग़ुस्न (غصن) अ. पुं.–शाखा, शाख़, डाली।

ग़ुस्र (غثر) अ. वि. अधम, नीच, कमीना।

ग़ुस्ल (غسل) अ. पुं.–स्नान, नहाना; धोना, माँजना।

ग़ुस्लख़ानः (غسل خانہ) अ. फा. पुं.–नहाने का स्थान, स्नानागार, स्नानगृह।

ग़ुस्ले मय्यित (غسل میت) अ. पुं.–शव का स्नान, मुर्दे को नहलाना, मृतकस्नान।

ग़ुस्ले सेहत (غسل صحت) अ. पुं.–वह स्नान जो रोग-मुक्ति पर किया जाता है, आरोग्य-स्नान।

ग़ुस्सः (غصہ) अ. पुं.–क्रोध, कोप; प्रकोप, ग़ज़ब; द्वेष, बुग़्ज़।

गुस्सःवर (غصہ ور) अ. फा. वि.—जिसके स्वभाव में क्रोध अधिक हो, क्रोधी।

गुहर (گہر) फा. पुं.—'गौहर' का लघु., मुक्ता, मोती।

गुहरअफ़्शां (گہرافشاں) फा. वि.—दे. 'गौहरअफ़्शां'।

गुहरअफ़्शानी (گہرافشانی) फा. स्त्री.—दे. 'गौहरअफ़्शानी'।

गुहरबार (گہربار) फा. वि.—दे. 'गौहरबार', मुक्तावर्षक, 'चश्मे गुहरबार' रोती आँख,—"दामन पे तेरे ग़ैर के माथे का पसीना, और वह भी मेरी चश्मे गुहरबार के आगे।"

गुहरबारी (گہرباری) फा. स्त्री.—दे. 'गौहरबारी'।

गुहररेज़ (گہرریز) फा. वि.— दे. 'गौहररेज़'।

गुहररेज़ी (گہرریزی) फा. स्त्री.—दे. 'गौहररेज़ी'।

गुहरशनास (گہرشناس) फा. वि.—दे. 'गौहरशनास', मोती चुनने या परखनेवाला, विज्ञ पुरुष।

गुहरशनासी (گہرشناسی) फा. स्त्री.—दे. 'गौहरशनासी'।

गू

गूँ (گوں) फा. प्रत्य.—रंगवाला, जैसे—'नीलगूँ' नीले रंग वाला, 'गुलगूँ' गुलाब के फूल के रंगवाला।

गू (گو) फा. पुं.—गेंद, कंदुक, लड़कों के खेलने का गेंद; पोलो खेलने का गेंद।

ग़ूक (غوک) फा. पुं.—मेंढक, दुर्दुर, मंडूक, दादुर।

गूगिर्द (گوگرد) फा. स्त्री.—गंधक।

गूगिर्दे अहमर (گوگرد احمر) फा.अ. स्त्री.—लाल गंधक जिससे रसायन बनती है; ऐसा व्यक्ति, जो सर्वगुण-संपन्न हो, और जिसका मिलना दुर्लभ हो।

गूगिर्दे सुर्ख़ (گوگرد سرخ) फा. स्त्री.—दे. 'गूगिर्दे अहमर'।

ग़ूच (غوچ) तु. पुं.—मेंढा, नर भेड़ जिसके सींग होते हैं।

ग़ूतः (غوطہ) अ. पुं.—ग़ोता, डुबकी, शुद्ध उच्चारण यही है, परंतु उर्दू में प्रचलित नहीं है, इसके स्थान पर 'ग़ोतः' बोलते हैं।

गूदः (گودہ) तु. पुं.—शरीर, देह।

गूनः (گونہ) फा. पुं.—रंग, रविश; गुना, जैसे—'दोगूनः' दोगुना।

गून (گون) फा. पुं.—रंग, वर्ण, रंगत।

गूना (گونا) फा. पुं.—रंग, वर्ण; ग़ाज़ः, मुखचूर्ण; नियम, क़ायदा, "एक गूना बेख़ुदी मुझे दिन रात चाहिए।"—ग़ालिब,

गूनागून (گوناگون) फा. वि.—रंगबिरंगी, चित्र-विचित्र।

गूनाब (گوناب) फा. पुं.—मुखचूर्ण, ग़ाज़ः, गुलगूनः।

गूनिया (گونیا) फा. पुं.—एक तिकोना यंत्र जिससे राज और बढ़ई इमारत की सीध नापते हैं।

ग़ूल (غول) फा. पुं.—दे. 'ग़ोल'।

ग़ूल (غول) अ. पुं.—भूत, प्रेत, शैतान, ख़बीस; राक्षस, देव; दैवी आपत्ति, बला; हर वह वस्तु जिससे बुद्धि नष्ट हो जाय।

ग़ूले बियाबाँ (غول بیاباں) अ. फा. पुं. —जंगल में फिरने वाले भूत-प्रेत, मसान, वैताल आदि।

ग़ूले बियाबानी (غول بیابانی) अ. फा. पुं.—दे. 'ग़ूले बियाबाँ'।

गे

गेज (گیج) फा. वि.—उद्विग्न, व्यस्तमना, परेशान; अस्त-व्यस्त, तितर-बितर।

गेती (گیتی) फा. स्त्री.—जगत्, संसार, दुनिया।

गेतीअफ़ोज़ (گیتی افروز) फा. वि.—संसार को ज्योतिर्मय करनेवाला।

गेतीआरा (گیتی آرا) फा. वि.—संसार को सजाने और सँवारनेवाला।

गेतीनवर्द (گیتی نورد) फा. वि.—संसार में फिरनेवाला, विश्वभ्रमी।

गेतीपैमा (گیتی پیما) फा. वि.—दे. 'गेतीनवर्द', विश्व-पर्यटक।

गेसू (گیسو) फा. पुं.—अलक, ज़ुल्फ़; लम्बे बाल जो पीठ पर रहते हैं; बाल, केश।

गेसूदराज़ (گیسودراز) फा. वि.—जिसके बाल बहुत लंबे हों।

गेसूदार (گیسودار) फा. वि.—लौंडी-बच्चा, दासी-पुत्र; पुच्छल तारा, दुमदार सितारा।

गेसूबुरीदः (گیسو بریدہ) फा. वि.—जिसके बाल कटे हों; निर्लज्ज, बेहया।

गेवः (گیوہ) फा. पुं.—एक प्रकार का जूता, किर्मिच का जूता।

गेव (گیو) फा. पुं.—ईरान का एक बहुत बड़ा योद्धा, जो गौदर्ज का पुत्र था।

गेहाँ (گیہاں) फा. पुं.—दे. 'गैहाँ', दोनों शुद्ध हैं, परन्तु, 'गैहाँ' अधिक मान्य है।

गै

ग़ै (غے) अ. पुं.—निराशा, नाउम्मेदी; कुमार्गता, गुमराही; नरक में एक स्थान।

ग़ैज़ः (غیضہ) अ. पुं.—सिंह की कछार; जंगल, वन।

ग़ैज़ (غیظ) अ. पुं.—बहुत अधिक, क्रोध, प्रकोप; भीतरी क्रोध, अमर्ष।

ग़ैज़ (غیض) अ. पुं.—अधूरे दिनों का उत्पन्न शिशु; पृथ्वी में धँसना; भाव का मंदा होना।

ग़ैज़ोग़ज़ब (غیظو غضب) अ. पुं.–बहुत ही क्रोध और ग़ुस्सा।

ग़ैन (غین) अ. पुं.–अभ्र, बादल; तृष्णा, प्यास; अँधेरा, तम।

ग़ैबः (غیبہ) अ. पुं.–तूणीर, तरकश।

ग़ैब (غیب) अ. पुं.–परोक्ष, पीठ पीछा; परलोक, देवताओं का स्थान; नियति, भाग्य,–"काम रुकने का नहीं अय दिले नाँदा कोई, ख़ुद बख़ुद ग़ैब से हो जायेगा सामाँ कोई।"

ग़ैबत (غیبت) अ. स्त्री.–पीठ पीछा, परोक्ष; अंतर्धान होना, लोप होना, ग़ायब होना; अनुपस्थिति, ग़ैरमौजूदगी।

ग़ैबदाँ (غیب داں) अ. फ़ा. वि.–जो छिपी हुई बातें जाने, अंतर्यामी; जो आनेवाले समय की बातें बता दे, भविष्यवेत्ता।

ग़ैबी (غیبی) अ. वि.–आकाशीय, आस्मानी; दैवी, ख़ुदाई; पीठ पीछे की, परोक्ष की।

ग़ैबूबत (غیبوبت) अ. स्त्री.–लोप, छिपाव, दुराव; वियोग, जुदाई; अनुपस्थिति, नामौजूदगी।

ग़ैम (غیم) अ. पुं.–बादल, अभ्र; पिपासा, प्यास; आँख की भीतरी गर्मी।

ग़ैयाफ़ (غیاف) अ. वि.–जिसकी डाढ़ी बहुत लम्बी और घनी हो, रीशाईल।

ग़ैर (غیر) अ. पुं.–अन्य, दूसरा; विभिन्न, मुख़्तलिफ़; अनात्मीय, बेगाना; विरुद्ध, ख़िलाफ़।

ग़ैरअहम (غیر اہم) अ. वि.–जिसका कोई महत्त्व न हो, महत्त्वहीन, साधारण, मामूली।

ग़ैरआईनी (غیر آئینی) अ. फ़ा. वि.–जो क़ानून के विरुद्ध हो, अवैध।

ग़ैरआबाद (غیر آباد) अ. फ़ा वि.–जो बसा न हो, निर्जन; जो खँडहर हो, वीरान।

ग़ैरइंसानी (غیر انسانی) अ. वि.–जो मनुष्यों-जैसा न हो, अमानुषिक।

ग़ैरक़ानूनी (غیر قانونی) अ. वि.–दे. 'ग़ैरआईनी'।

ग़ैरकारआमद (غیر کارآمد) अ. फ़ा. वि.–जो उपयोग के क़ाबिल न हो, अनुपयुक्त; जो काम न दे, बेकार।

ग़ैरजानिबदार (غیر جانبدار) अ. फ़ा. वि.–जो किसी का पक्षपात न करे, तटस्थ, उदासीन।

ग़ैरजानिबदारी (غیر جانبداری) अ. फ़ा. स्त्री.–निष्पक्षता, अतटस्थता।

ग़ैरज़िम्मःदार (غیر ذمہ دار) अ. फ़ा. वि.–जो अपनी ज़िम्मःदारी महसूस न करे, दायित्वहीन।

ग़ैरज़िम्मःदारी (غیر ذمہ داری) अ. फ़ा. स्त्री.–ज़िम्मःदारी का एहसास न होना।

ग़ैरज़ीअक़्ल (غیر ذی عقل) अ. वि.–जिसमें बुद्धि न हो, बुद्धिहीन; जिसमें अच्छे बुरे की तमीज़ न हो, विवेकहीन।

ग़ैरज़ीरूह (غیر ذی روح) अ. वि.–जिसमें प्राण न हो, निर्जीव, निष्प्राण।

ग़ैरज़ीशुऊर (غیر ذی شعور) अ. वि.–जिसमें विवेक और चेतना न हो, जड़।

ग़ैरज़ुरूरी (غیر ضروری) अ. वि.–जो आवश्यक न हो, अनावश्यक।

ग़ैरत (غیرت) अ. स्त्री.–लज्जा, लाज, शर्म; स्वाभिमान, ख़ुददारी।

ग़ैरतदार (غیرت دار) अ. फ़ा. वि.–स्वाभिमानी, ख़ुददार।

ग़ैरतनख़्वाहदार (غیر تنخواہ دار) अ. फ़ा. वि.–जो वेतन के बिना काम करे, अवैतनिक।

ग़ैरतमंद (غیرت مند) अ. फ़ा. वि.–दे. 'ग़ैरतदार'।

ग़ैरतह्ज़ीबयाफ़्तः (غیر تہذیب یافتہ) अ. फ़ा. वि.–असभ्य, अशिष्ट, नामुहज़्ज़ब।

ग़ैरता'लीमयाफ़्तः (غیر تعلیم یافتہ) अ. फ़ा. वि.–बे पढ़ा-लिखा, निरक्षर; अशिष्ट, असभ्य, उजड्ड।

ग़ैरपसंदीदः (غیر پسندیدہ) अ. फ़ा. वि.–अप्रिय, अरुचिकर; अनुचित, नामुनासिब।

ग़ैरपाएदार (غیر پائدار) अ. फ़ा. वि.–जो टिकाऊ न हो, अदृढ़।

ग़ैरपुख़्तः (غیر پختہ) अ. फ़ा. वि.–जो कच्चा हो (फल आदि), अपक्व; जो निश्चित न हो, ग़ैरयक़ीनी (वचन आदि); जो कच्ची ईंटों का बना हो।

ग़ैरफ़सीह (غیر فصیح) अ. वि.–जिसे साहित्यिक जन असाधु समझें (शब्द आदि), साहित्य में अप्रचलित या अप्रयुक्त शब्द।

ग़ैरफ़ानी (غیر فانی) अ. वि.–जो कभी नष्ट न हो, जो कभी न मरे, अनश्वर, शाश्वत।

ग़ैरफ़ित्री (غیر فطری) अ. वि.–जो प्राकृतिक न हो, अनैसर्गिक, अप्राकृतिक।

ग़ैरमक़्तूअ (غیر مقطوع) अ. वि.–जो कटा न हो, अविछिन्न, अखण्डित।

ग़ैरमक्फ़ूल (غیر مکفول) अ. वि.–वह संपत्ति आदि जो किसी ऋण आदि में रेहन न हो, बंधकहीन।

ग़ैरमक़्बूल (غیر مقبول) अ. वि.–जिसे लोग पसंद न करें, अप्रिय; जो माना न जाय, अमान्य; जो मंज़ूर न हो, अस्वीकृत।

ग़ैरमक्रूह (غیر مکروہ) अ. वि.–जो देखने में कुरूप न हो, शुभदर्शन; जिसका खान-पान घृणित न हो।

ग़ैरमख़्सूस (غیر مخصوص) अ. वि.–जो खास न हो, साधारण, सामान्य।

ग़ैरमग़शूश (غیرمغشوش) अ. वि.–जिसमें मिलावट न हो, अकृत्रिम।

ग़ैरमज़्रूअः (غیرمزروعہ) अ. वि.–वह भूमि जो बोई-जोती न जाती हो, अकृष्य।

ग़ैरमज़्रूअ (غیرمزروع) अ. वि.–दे. 'ग़ैरमज़्रूअः'।

ग़ैरमत्बूअः (غیرمطبوعہ) अ. वि.–वह पुस्तक जो प्रकाशित न हुई हो, अप्रकाशित, अमुद्रित, हस्तलिखित, पाण्डुलिपि।

ग़ैरमत्बूअ (غیرمطبوع) अ. वि.–जो मनोवांछित न हो, अरुचिकर, नापसंदीदः।

ग़ैरमत्रूकः (غیرمتروکہ) अ. वि.–वह वस्तु जो छोड़ी न गयी हो; वह संपत्ति आदि जो तरीके से अलग हो।

ग़ैरमत्रूक (غیرمتروک) अ. वि.–वह शब्द जो साहित्य में व्यवहृत हो; वह वस्तु जो छोड़ी न गयी हो, अत्याज्य।

ग़ैरमत्लूब (غیرمطلوب) अ. वि.–जिस वस्तु की इच्छा न हो, अवांछित, अनिच्छित।

ग़ैरमद्ऊ (غیرمدعو) अ. वि.–जो किसी दावत आदि में बुलाया न गया हो, अनिमंत्रित।

ग़ैरमद्ख़ूलः (غیرمدخولہ) अ. वि.–वह स्त्री जो रखेली न हो; जो वस्तु दाखिल की हुई न हो।

ग़ैरमन्क़ूलः (غیرمنقولہ) अ. वि.–वह संपत्ति जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर न जा सके, जैसे—भूमि आदि, स्थावर, अचल।

ग़ैरमन्क़ूल (غیرمنقول) अ. वि.–जो हट न सके, जिसका स्थानान्तरण न हो सके।

ग़ैरमन्कूहः (غیرمنکوحہ) अ. स्त्री.–वह स्त्री जिसका विवाह न हुआ हो, अविवाहिता।

ग़ैरमन्कूह (غیرمنکوح) अ. पुं.–वह पुरुष जिसका विवाह न हुआ हो, अविवाहित।

ग़ैरमफ़्तूह (غیرمفتوح) अ. वि.–जो जीता न गया हो, अविजित; जो जीता न जा सके, अजेय; जो हारा न हो, अपराजित।

ग़ैरमम्नूअ (غیرممنوع) अ. वि.–जिसकी मनाही न हो, अनिषिद्ध; जिसका खान-पान वर्जित न हो।

ग़ैरमम्नून (غیرممنون) अकृतज्ञ, अनाभारी, नाशुक्रा, ग़ैर-मश्कूर।

ग़ैरमरई (غیرمرئی) अ. वि.–जो दिखाई न पड़े, अगोचर, अदृश्य।

ग़ैरमरऊब (غیرمرعوب) अ. वि.–जो रोब में आया न हो, जो डरा न हो, बेधड़क, निर्भय।

ग़ैरमर्ग़ूब (غیرمرغوب) अ. वि.–जो पसंदीदः न हो, अप्रिय, अरुचिकर।

ग़ैरमर्तूब (غیرمرطوب) अ. वि.–जो शीतल न हो, जो ठंडा न हो; जिसका स्वभाव शीतप्रधान न हो; जिसमें नमी या तरलता न हो।

ग़ैरमर्बूत (غیرمربوط) अ. वि.–जो क्रमबद्ध न हो, भग्नक्रम, असंबद्ध; जो अंट-शंट हो (बात), बेरब्त, विशृंखल।

ग़ैरमश्कूक (غیرمشکوک) अ. वि.–जिसमें कोई शंका न हो, असंदिग्ध।

ग़ैरमश्हूर (غیرمشہور) अ. वि.–जो प्रसिद्ध न हो, अप्रसिद्ध, अविख्यात।

ग़ैरमस्मूम (غیرمسموم) अ. वि.–जो विषयुक्त न हो, जो ज़हरीला न हो, निर्विष।

ग़ैरमा'मूली (غیرمعمولی) अ. वि.–जो साधारण न हो, असाधारण; महत्वपूर्ण, अहम।

ग़ैरमा'यूब (غیرمعیوب) अ. वि.–जिसमें दोष न हो, दोषहीन।

ग़ैरमायूस (غیرمایوس) अ. वि.–जो निराश न हो, निराशाहीन, आशान्वित।

ग़ैरमा'सूम (غیرمعصوم) अ. वि.–जो पाप रहित न हो, पापयुक्त।

ग़ैरमाहिर (غیرماہر) अ. वि.–जो किसी काम का अच्छा ज्ञाता न हो, अविज्ञ।

ग़ैरमुऐयन (غیرمعین) अ. वि.–जो निश्चित न हो, अनिश्चित।

ग़ैरमुकम्मल (غیرمکمل) अ. वि.–जो अधूरा हो, अपूर्ण, नाक़िस।

ग़ैरमुक़र्ररः (غیرمقررہ) अ. वि.–जो मुक़र्रर न हो, अनिश्चित।

ग़ैरमुक़र्रर (غیرمقرر) अ. वि.–दे. 'ग़ैरमुक़र्ररः'।

ग़ैरमुकर्रर (غیرمکرر) अ. वि.–जो दोबारा न हो, जो दोहराया न गया हो; अपरिचित, अनजान।

ग़ैरमुजज़्ज़ा (غیرمجزا) अ. वि.–जो अलग-अलग टुकड़ों में न हो, संबद्ध; जो अध्यायों और खंडों में न हो।

ग़ैरमुजस्सम (غیرمجسم) अ. वि.–जिसने शरीर धारण न किया हो; जिसका कोई रूप निश्चित न हो, निराकार।

ग़ैरमुजाज़ (غیرمجاز) अ. वि.–जिसको किसी कार्य-विशेष की आज्ञा न हो, अनधिकारी।

ग़ैरमुतअल्लिक़ (غیرمتعلق) अ. वि.–जो किसी विषय विशेष से सम्बन्धित न हो, असंगत, असंबद्ध।

ग़ैरमुतअस्सिब (غیرمتعصب) अ. वि.–जिसमें धार्मिक या जातीय संकीर्णता न हो, उदाराशय, बृहच्चित्त।

ग़ैरमुतअस्सिर (غیرمتأثر) अ. वि.–जिसने असर न लिया हो, जो प्रभावित न हुआ हो, अप्रभावित, तटस्थ, निष्पक्ष।

ग़ैरमुतअह्हिल (غیرمتاھل) अ. वि.–जिसका ब्याह न हुआ हो, और जिसके बाल-बच्चे न हों।

ग़ैरमुतग़ैयिर (غیرمتغیر) अ. वि.–जो बिगड़ा न हो, जो ख़राब न हुआ हो, अविकृत, अरूपान्तरित।

ग़ैरमुतदय्यिन (غیرمتدین) अ. वि.–जिसमें दियानतदारी न हो, अविश्वस्त, सत्यानिष्ठ।

ग़ैरमुतनाही (غیرمتناھی) अ. वि.–अपार, असीम, जिसकी सीमा और छोर न हो।

ग़ैरमुतमद्दिन (غیرمتمدن) अ. वि.–जो सभ्य और शिष्ट न हो, असभ्य, अशिष्ट; जंगली, वहशी।

ग़ैरमुतवक़्क़े' (غیرمتوقع) अ. वि.–जिसकी आशा न हो, अप्रत्याशित; जो आशा से अधिक हो, आशातीत।

ग़ैरमुतशद्दिद (غیرمتشدد) अ. वि.–जो हिंसा पर विश्वास न रखता हो; जो हिंसक न हो, अहिंसक।

ग़ैरमुतशद्दिदानः (غیرمتشددانہ) अ. फा. वि.–जिसमें हिंसा का प्रयोग न हो, शान्तिमय।

ग़ैरमुतहक़्क़िक़ (غیرمتحقق) अ. वि.–जिसकी जाँच-पड़ताल न हुई हो, जिसका निश्चय न हुआ हो, अनिश्चित, संदिग्ध।

ग़ैरमुतहम्मिल (غیرمتحمل) अ. वि.–जिसमें सहनशीलता न हो, असहिष्णु।

ग़ैरमुतहर्रिक (غیرمتحرک) जो चलता-फिरता न हो, अचल; जो अपनी जगह से हिल न सके, गतिहीन।

ग़ैरमुदल्लल (غیرمدلل) अ. वि.–जिसका सुबूत न हो, अप्रमाणित; जिसके लिए कोई दलील न हो, अतर्क्य, अयुक्तिसंगत।

ग़ैरमुनज़्ज़म (غیرمنظم) अ. वि.–जिसका संगठन न हो, असंगठित; जो क्रमबद्ध न हो, बेतर्तीब, असंबद्ध।

ग़ैरमुनासिब (غیرمناسب) अ. वि.–जो उचित न हो, अनुचित; अश्लीलतापूर्ण, फ़ोह्श; उद्दंडतापूर्ण, नामुहज़्ज़ब।

ग़ैरमुम्किन (غیرممکن) अ. वि.–जो हो न सके, असंभव, अशक्य।

ग़ैरमुरव्वज (غیرمروج) अ. वि.–जिसका चलन न हो, ज़ो प्रचलित न हो, अव्यवहृत, अप्रचलित।

ग़ैरमुवस्सक़ (غیرموثق) अ. वि.–जो प्रमाणित न हो; जो निश्चित न हो; जो युक्तिसंगत न हो।

ग़ैरमुशख़्ख़स (غیرمشخص) अ. वि.–जिसका निदान (तशख़ीस) न हुआ हो; जिसके वंश और कुल आदि का पता न हो।

ग़ैरमुशाबेह (غیرمشابہہ) अ. वि.–जो एक दूसरे से मिलते-जुलते न हों, जो एक-जैसे न हो, असहरूप।

ग़ैरमुश्तबह (غیرمشتبہ) अ. वि.–जिसमें संदेह न हो, असंदिग्ध, अविकल्प, यक़ीनी।

ग़ैरमुसद्दक़ः (غیرمصدقہ) अ. वि.–जिस सूचना या वार्ता के झूठ सच का निश्चय न हुआ हो, अविश्वस्त; जिसकी तसदीक न हुई हो, अप्रमाणित।

ग़ैरमुसद्दक़ (غیرمصدق) अ. वि.–दे. 'ग़ैरमुसद्दक़ः'।

ग़ैरमुसल्लम (غیرمسلم) अ. वि.–जो माना न जाय, अमान्य; जिसका सुबूत न हो, अप्रमाणित।

ग़ैरमुसल्लह (غیرمسلح) अ. वि.–जो हथियारबंद न हो, निरस्त्र, शस्त्रहीन।

ग़ैरमुसल्सल (غیرمسلسل) अ. वि.–जो ज़ंजीर में जकड़ा न हो, विश्रृंखल; जो लगातार न हो, अनिरंतर।

ग़ैरमुसावी (غیرمساوی) अ. वि.–जो बराबर न हो, असमान।

ग़ैरमुस्तक़िल (غیرمستقل) अ. वि.–जो हमेशा के लिए न हो, जो थोड़े दिनों के लिए हो, अस्थायी।

ग़ैरमुस्ततीअ (غیرمستطیع) अ. वि.–जिसमें सामर्थ्य न हो, अशक्त; जो निर्धन हो, धनहीन, दरिद्र।

ग़ैरमुस्तनद (غیرمستند) अ. वि.–जिसके पास प्रमाणपत्र न हो, जो सनदयाफ़्तः न हो; जिसका विश्वास न हो, अविश्वस्त।

ग़ैरमुस्तहक़ (غیرمستحق) अ. वि.–अपात्र, अयोग्य, नाअहल; अनधिकारी, ग़ैरहक़दार।

ग़ैरमुस्ता'मल (غیرمستعمل) अ. वि.–जिसका प्रयोग न हुआ हो, अप्रयुक्त; जिसका प्रयोग किया न जाता हो, अव्यवहृत।

ग़ैरमुहज़्ज़ब (غیرمھذب) अ. वि.–दे. 'ग़ैरतहज़ीबयाफ़्तः', अशिष्ट, दुःशील, उजड्ड।

ग़ैरमूहिम (غیرموھم) अ. वि.–जिसमें संदेह न हो, असंदिग्ध, जो भ्रम में न डाले।

ग़ैरमे'यारी (غیرمیعاری) अ. वि.–जो आदर्श के अनुसार न हो; जो विद्वत्तापूर्ण न हो; जो दर्जे से गिरा हुआ हो।

ग़ैरमौजूद (غیرموجود) अ. वि.–अनुपस्थित, ग़ैरहाज़िर; अविद्यमान, नामौजूद।

ग़ैरमौजूदगी (غیرموجودگی) अ. फा. स्त्री.–अनुपस्थिति, ग़ैरहाज़िरी; अविद्यमानता, नामौजूदगी।

ग़ैरमौरूसी (غیرموروثی) अ. वि.–वह ज़मीन या जायदाद जो मौरूसी न हो, अपैतृक।

ग़ैरवाक़िई (غیرواقعی) अ. वि.–जो सत्य न हो, असत्य, झूठ; जो ठीक न हो, अयथार्थ; जो उचित न हो, अनुचित।

ग़ैरवाजिब (غیرواجب) अ. वि.—अनुचित, नामुनासिब; जिसका अदा करना आवश्यक न हो, अदेय।

ग़ैरवाज़ेह (غیرواضح) अ. वि.—जो साफ़-साफ़ न हो, धुँधला, अस्फुट; जिसका स्पष्टीकरण न हुआ हो, अस्पष्ट।

ग़ैरशरीफ़ (غیرشریف) अ. वि.—अकुलीन, हीनयोनि, ग़ैर-खानदानी; अनार्य, असज्जन; अधम, नीच।

ग़ैरशरीफ़ानः (غیرشریفانہ) अ. फा. वि.—नीच लोगों-जैसा, अशिष्टतापूर्ण, अनार्योचित।

ग़ैरसहीह (غیرصحیح) अ. वि.—जो सच न हो, असत्य, झूठ; जो शुद्ध न हो, अशुद्ध; जो तन्दुरुस्त न हो, अस्वस्थ।

ग़ैरसालह (غیرصالح) अ. वि.—अशुद्ध, दूषित, फ़ासिद; अमज्जन, नाशरीफ़।

ग़ैरहमदर्द (غیرهمدرد) अ. फा. वि.—जिसमें सहानुभूति न हो, जो दुःख आदि में सहायता न करे।

ग़ैरहाज़िर (غیرحاضر) अ. वि.—जो अपनी डयूटी पर हाज़िर न हो, अनुपस्थित; जो मौजूद न हो, अविद्यमान।

ग़ैरहाज़िरी (غیرحاضری) अ. स्त्री.—अनुपस्थिति; अविद्यमानता।

ग़ैल (غیل) अ. पुं.—मोटा-ताज़ा शिशु; भरी हुई बाँहें; वह दूध जो स्त्री संभोग के समय शिशु को दे।

ग़ैलम (غیلم) अ. स्त्री.—वह लड़की जो पूरी आयु को पहुँच गयी हो और जिसमें कामेच्छा उत्पन्न हो गयी हो; कुएँ का स्रोत।

ग़ैस (غیث) अ. पुं.—वर्षा, वृष्टि, मेंह, बारिश; बरसना; बरसाना।

ग़ैसान (غیسان) अ. पुं.—युवावस्था की तेज़ी, जवानी का जोश, युवावेग।

ग़ैहम (غیهم) अ. स्त्री.—तिमिर, अन्धकार, तारीकी, अँधेरा।

गैहाँ (گیہاں) फा. पुं.—'गैहान' का लघु., दे. 'गैहान'।

गैहान (گیہان) फा. पुं.—संसार, जगत्, दुनिया।

गो

गो (گو) फा. अव्य.—यद्यपि, अगरचे, (प्रत्य.) कहनेवाला, जैसे—'हक़गो' सच्ची बात कहनेवाला।

गो (گو) फा. पुं.—गाय, गो, धेनु; कंदुक, गेंद; पोलो का गेंद (संस्कृत से साम्य)।

गोइंदः (گوئندہ) फा. वि.—कहनेवाला, वक्ता; गुप्तचर, जासूस।

गोइया (گوئیا) फा. अव्य.—दे. 'गोया', यह शब्द अब व्यवहृत नहीं है, इसके स्थान पर 'गोया' बोलते हैं "तुम मेरे पास होते हो गोया"—मोमिन।

गोए (گوے) फा. पुं.—गेंद, कंदुक, पोलो का गेंद।

गोएगिरीबाँ (گوے گریباں) फा. पुं.—गले में लगाने की घुंडी।

गोएचौगाँ (گوے چوگاں) फा. पुं.—पोलो खेलने का गेंद।

गोएबाज़ी (گوےبازی) फा. स्त्री.—गेंद-बल्ले का खेल, क्रिकेट।

ग़ोक (غوک) फा. पुं.—मेंढक, दर्दुर, मंडूक।

गोज़ (گوز) फा. पुं.—अधोवायु, अपान वायु, रियाह।

गोज़ेशुतुर (گوز شتر) फा. पुं.—ऊँट का अपान वायु, अर्थात् ऐसी आवाज़ जिसे कोई न सुने, मिथ्या और फ़ुज़ूल बात।

ग़ोतः (غوطہ) अ. पुं.—डुबकी, मज्जन, पानी में पैठना, मूल शब्द 'ग़ूतः' है, परन्तु वह प्रचलित नहीं है।

ग़ोतःख़ोर (غوطہ خور) अ. फा.—डुबकी लगानेवाला, मज्जनार।

ग़ोतःख़ोरी (غوطہ خوری) अ. फा. स्त्री.—डुबकी लगाना, गोता मारना।

ग़ोतःगाह (غوطہ گاہ) अ. फा. स्त्री.—डुबकी लगाने का स्थान।

ग़ोतःज़न (غوطہ زن) अ. फा. वि.—दे. 'ग़ोतःख़ोर'।

ग़ोतःज़नी (غوطہ زنی) अ. फा. स्त्री.—दे. 'ग़ोतःख़ोरी'।

गोदबान (گودبان) फा. पुं.—ऊँट का कोहान।

गोनाब (گوناب) फा. पुं.—ग़ाज़ः, गुलगूनः, मुखचूर्ण, फ़ेस पाउडर।

गोमगो (گومگو) फा. वि.—असमंजस, ऊहापोह, दुबिधा, तज़ब्ज़ुब।

गोयाँ (گویاں) फा. वि.—बोलता हुआ, कहता हुआ।

गोया (گویا) फा. अव्य.—मानो, जैसे, गोया कि (वि.) बोलनेवाला, वक्ता।

गोयाई (گویائی) फा. स्त्री.—वाक्शक्ति, वाचन-शक्ति, बोलने की क़ुव्वत।

ग़ोरः (غورہ) फा. पुं.—कच्चा अंगूर।

ग़ोर (غور) फा. पुं.—अफ़ग़ानिस्तान का एक प्रसिद्ध नगर।

गोर (گور) फा. स्त्री.—क़ब्र, समाधि-भवन; जंगल, कानन; गोरख़र, जंगली गधा विशेष।

गोरकन (گورکن) फा. वि.—क़ब्र खोदनेवाला; बिज्जू, एक प्रसिद्ध जन्तु जो क़ब्र खोदकर मुर्दे खाता है।

गोरकनी (گورکنی) फा. स्त्री.—क़ब्रें खोदन का काम या पेशा।

गोरख़र (گورخر) फा. पुं.—एक जंगली गधा-विशेष, वन-गर्दभ।

गोरख़ानः (گورخانہ) फा. पुं.—क़ब्र, समाधि-भवन।

गोरपरस्त (گورپرست) फा. वि.—क़ब्र पूजनेवाला, मुसलमानों का वह संप्रदाय जो महात्माओं की क़ब्रों का सम्मान करता, उन पर चिराग़ जलाता और फूल आदि चढ़ाता है।

गोरपरस्ती (گورپرستی) फ़ा. स्त्री.—क़ब्र पर फूल आदि चढ़ाना और रोशनी करना।

गोल: (گولہ) फ़ा. पुं.—गोल पिंड, गोल चीज़; तोप आदि का गोला।

गोल:अंदाज़ (گولہ انداز) फ़ा. वि.—तोपची, तोप का गोला चलानेवाला।

गोल:बारी (گولہ باری) फ़ा. स्त्री.—तोप से गोलों की वर्षा।

ग़ोल (غول) फ़ा. पुं.—कान, कर्ण; सैनिकों का दल; समूह, समुदाय, भीड़; दे. 'ग़ूल'।

ग़ोल (غول) तु. पुं.—वह सेना जिसके साथ सेनापति हो।

गोल (گول) फ़ा. वि.—मूर्ख, मूढ़, अनाड़ी।

ग़ोलबियाबाँ (غول بیاباں) फ़ा. पुं.—दे. 'ग़ूले बियाबाँ'।

गोश: (گوشہ) फ़ा. पुं.—घर का कोना, एकान्त; ज़ाविय:, कोण।

गोश:गीर (گوشہ گیر) फ़ा. वि.—दे. 'गोश:नशीं'।

गोश:गीरी (گوشہ گیری) फ़ा. स्त्री.—दे. 'गोश:नशीनी'।

गोश:गुज़ीं (گوشہ گزیں) फ़ा. वि.—दे. 'गोश:नशीं'।

गोश:गुज़ीनी (گوشہ گزینی) फ़ा. स्त्री.—दे. 'गोश:नशीनी'।

गोश:नशीं (گوشہ نشیں) फ़ा. वि.—एकान्तवासी, कोने में बैठनेवाला; सबसे अलग-थलग अकेला रहनेवाला।

गोश:नशीनी (گوشہ نشینی) फ़ा. स्त्री.—एकान्त में रहना; सबसे अलग होकर अकेला रहना।

गोश (گوش) फ़ा. पुं.—कान, श्रवण, कर्ण।

गोशएइंज़िवा (گوشۂ انزوا) फ़ा. अ. पुं.—एकान्त, निर्जन स्थान, जहाँ कोई न हो ऐसा छोटा-सा स्थान।

गोशएतनहाई (گوشۂ تنہائی) फ़ा. पुं.—एकान्त, गोशए इंज़िवा,—"सैकड़ों हस्रतें आबाद किये हैं इसको, कौन कहता है कि दिल गोशए तनहाई है।"

गोशएकमाँ (گوشۂ کماں) फ़ा. पुं.—कमान का चिल्ला।

गोशएचश्म (گوشۂ چشم) फ़ा. पुं.—आँख का कोना।

गोशख़ा (گوش خا) फ़ा. स्त्री.—कनसलाई, एक लंबा और पतला कीड़ा जो कान में घुसकर बड़ा कष्ट देता है।

गोशगिराँ (گوش گراں) फ़ा. वि.—जिसे ऊँचा सुनाई देता हो, बहरा, बधिर।

गोशगुज़ार (گوش گزار) फ़ा. वि.—कहा हुआ, प्रार्थित, कथित, श्रुत।

गोशज़द (گوش زد) फ़ा. वि.—कान में पड़ी हुई बात, श्रुत, सुना हुआ।

गोश ता गोश (گوش تاگوش) फ़ा. वि.—इधर से उधर तक, इस सिरे से उस सिरे तक।

गोशदार (گوش دار) फ़ा. वि.—बात सुनने के लिए कान लगानेवाला, कनसुए लेनेवाला; निरीक्षक, निगहबान।

गोशदारी (گوش داری) फ़ा. स्त्री.—कनसुए लेना; निरीक्षण, देखरेख।

गोशबरआवाज़ (گوش بر آواز) फ़ा. वि.—आवाज़ की आहट पर कान लगाये हुए, उत्कर्ण।

गोशमाल (گوش مال) फ़ा. वि.—कान उमेठनेवाला; कान उमेठना।

गोशमाली (گوش مالی) फ़ा. स्त्री.—कान उमेठना, लड़कों अथवा छोटे नौकरों को सज़ा देने के लिए उनके कान मलना।

गोशमाही (گوش ماہی) फ़ा. पुं.—घोंघा; सीप; पियाला।

गोशवार: (گوشوارہ) फ़ा. पुं.—किसी हिसाब आदि के अलग-अलग ब्योरे का काग़ज़; कान का लटकन, बुंदा।

गोशे शुन्वा (گوش شنوا) फ़ा. पुं.—सुननेवाला कान, वह कान जो बात ग़ौर से सुने, अर्थात् वह व्यक्ति जो बात पर कान धरे।

गोशे होश (گوش ہوش) फ़ा. पुं.—होश के कान, होशियारी और सतर्कता से बात सुनना।

गोश्त (گوشت) फ़ा. पुं.—मांस, आमिष, माँस।

गोश्तख़ोर (گوشت خور) फ़ा. वि.—गोश्त खानेवाला, मांसाहारी; जो प्रकृति से मांसाहारी हो, जैसे—सिंह आदि।

गोश्तख़ोरी (گوشت خوری) फ़ा. स्त्री.—गोश्त खाना, मांसाहार, मांसभक्षण।

गोसाल: (گوسالہ) फ़ा. पुं.—गाय का बछड़ा, गोवत्सल।

गोसालए फ़लक (گوسالۂ فلک) फ़ा. अ. पुं.—वृषराशि, बुर्जे सौर।

गोस्पंद (گوسپند) फ़ा. स्त्री.—बकरी, अजा।

गोस्फ़ंद (گوسفند) फ़ा. स्त्री.—दे. 'गोस्पंद'।

ग़ौ

ग़ौग़ा (غوغا) फ़ा. पुं.—कोलाहल, शोर; हाहाकार, कोहराम।

ग़ौग़ाई (غوغائی) फ़ा. वि.—कोलाहल करनेवाला, शोर मचानेवाला।

ग़ौज़ (غوز) अ. पुं.—संकल्प, निश्चय, इरादा।

ग़ौत (غوط) अ. पुं.—किसी चीज़ में घुसना; एक चीज़ का दूसरी चीज़ में समाना।

ग़ौर (غور) अ. पुं.—चिन्तन, मनन, सोच; विचार, ध्यान, ख़याल; तन्मयता, इन्रिमाक; तसव्वुर, अनुध्यान; तवज्जुह, ध्यान।

ग़ौरतलब (غورطلب) अ. वि.—जिस पर विचार किया जाय, विचारणीय; जिस पर विचार आवश्यक हो।

ग़ौरोख़ौज़ (غوروخوض) अ. पुं.—सोच-विचार, बहुत अधिक ग़ौर।

ग़ौरोपर्दाख़्त (غوروپرداخت) अ. फा. स्त्री.—देखरेख, पालन-पोषण।

ग़ौल (غول) अ. पुं.—दुःख, रंज; हत्या, हनन, हलाक; अचानक पकड़ लेना।

ग़ौस (غوث) अ. पुं.—वह मुसलमान महात्मा जो वली से बड़ा पद रखता है, (वि.) दुहाई सुननेवाला, न्यायकर्ता; न्याय के लिए पुकारना, दुहाई देना।

ग़ौस (غوص) अ. पुं.—पानी में पैठना, ग़ोता मारना; अचानक किसी चीज़ पर उतरना।

गौहर (گوهر) फा. पुं.—मुक्ता, मुक्तक, मुक्ताहल, मोती।

गौहरअफ़्शाँ (گوهرافشاں) फा. वि.—मोती बिखेरनेवाला; ऐसी मीठी बातें करनेवाला मानो मोती बिखर रहे हों।

गौहरअफ़्शानी (گوهرافشانی) फा. स्त्री.—मोती बिखेरना; मीठी-मीठी बातें करना।

गौहरफ़रोश (گوهرفروش) फा. वि.—मोती बेचनेवाला, जौहरी; गुणग्राहकों के सामने अपने गुणों का प्रदर्शन करनेवाला।

गौहरफ़रोशी (گوهرفروشی) फा. स्त्री.—मोती बेचना; गुण-ग्राहकों के सामने गुणों का प्रदर्शन।

गौहरफ़िशाँ (گوهرفشاں) फा. वि.—दे. 'गौहरअफ़्शाँ'।

गौहरफ़िशानी (گوهرفشانی) फा. स्त्री.—दे. 'गौहरअफ़्शानी'।

गौहरबार (گوهربار) फा. वि.—मोती बरसानेवाला, मुक्तावर्षक; रोनेवाला (विशेषतः आँख)।

गौहरबारी (گوهرباری) फा. स्त्री.—मोती लुटाना; रोना, आँसू बहाना।

गौहररेज़ (گوهرریز) फा. वि.—दे. 'गौहरबार'।

गौहररेज़ी (گوهرریزی) फा. स्त्री.—दे. 'गौहरबारी'।

गौहरशनास (گوهرشناس) फा. वि.—मोती की परख रखनेवाला, जौहरी; गुण की परख रखनेवाला, गुणग्राही।

गौहरशनासी (گوهرشناسی) फा. स्त्री.—मोती की परख; गुणों की परख।

गौहरसंज (گوهرسنج) फा. वि.—मोती तौलनेवाला, जौहरी; गुणों का परखनेवाला; अच्छी कविता करनेवाला।

गौहरसंजी (گوهرسنجی) फा. स्त्री.—मोती तौलना, जौहरी का काम; गुणों की परख; अच्छी कविता करना।

गौहरे ताबाँ (گوهر تاباں) फा. पुं.—बहुत अच्छी चमक देने-वाला मोती।

गौहरे दंदाँ (گوهردنداں) फा. पुं.—मोतियों-जैसे दाँत, मोतीरूपी दाँत।

गौहरे यकता (گوهر یکتا) फा. पुं.—वह मोती जो सीप में एक ही होता है, इसलिए बड़ा और बहुमूल्य होता है।

च

चंग (چنگ) फा. पुं.—एक टेढ़े आकार का बाजा; मुट्ठी, पंजा; हर टेढ़ी वस्तु, गोल आकार का बाजा, पतंग।

चंगनवाज़ (چنگ‌نواز) फा. वि.—चंग बजानेवाला।

चंगनवाज़ी (چنگ‌نوازی) फा. स्त्री.—चंग बजाने का काम या पेशा।

चंगलूक (چنگ‌لوک) फा. वि.—जिसके हाथ-पाँव टेढ़े हों, लुंझा।

चंगाल (چنگال) फा. पुं.—दे. 'चंगुल'।

चंगी (چنگی) फा. वि.—चंग बजानेवाला।

चंगुल (چنگل) फा. पुं.—मनुष्य का पंजा; पक्षी का पंजा; शेर आदि का पंजा।

चंगूक (چنگوک) फा. वि.—दे. 'चंगलूक'।

चंगेज़ (چنگیز) तु. पुं.—दे. शुद्ध उ. 'चिंगेज़'।

चंदः (چندہ) फा. पुं.—वह धन जो बहुत-से लोगों से लेकर किसी कार्य-विशेष में व्यय किया जाता है।

चंद (چند) फा. वि.—थोड़े, कतिपय, कितने।

चंदगाह (چندگاه) फा. स्त्री.—बहुधा, प्रायः, अक्सर।

चंद दर चंद (چند درچند) फा. वि.—बहुत अधिक।

चंदन (چندن) एक प्रसिद्ध सुगंधित लकड़ी, संदल।

चंदमर्दः (چندمردہ) फा. वि.—वह व्यक्ति जो अकेला कई आदमियों का काम करे।

चंदरोज़ः (چندروزہ) फा. वि.—थोड़े दिनों का, अस्थायी; जो अधिक काम न दे, बोदा; जो नाशवान् हो, नश्वर, फ़ानी।

चंदसालः (چندسالہ) फा. वि.—जो थोड़ी आयु का हो; जो थोड़े वर्षों के लिए हो; जो थोड़े वर्षों में समाप्त हो।

चंदाँ (چنداں) फा. अव्य.—इतना, इस क़दर; कितना, किस क़दर; ज़रा भी, कुछ भी।

चंदाल (چندال) फा. पुं.—अधम, नीच, चांडाल; चौकीदार, रखवाला।

चंदीं (چندیں) फा. अव्य.—इतना, इस क़दर; कितना, किस क़दर।

चंदे (چندے) फा. वि.—थोड़े दिन; थोड़ी देर।

चंबर (چنبر) फा. वि.—परिधि, मुहीत; बड़ी डफ़ली, डफ़; घेरा, हल्का; तौक़, गले का एक आभूषण; कमंद, ऊपर चढ़ने की रस्सी; क़ैद, कारावास; चक्कर देना।

चंबरीं (چنبریں) फा. वि.—गोल, मंडलाकार।

चक (چک) फा. पुं.—दस्तावेज़, लेख्य; बैनामा, विक्रय-लेख; सीमा, हद; क्षेत्र, रक्बा; उद्यान, बाग़; आदेशपत्र,

हुक्मनामा; धुनकी की मूठ; खलियान समेटने की पाँच शाखावाली लकड़ी, पचा; वृत्ति, वज़ीफ़ा।

चकश (چکش) फा. पुं.–श्येन का घोंसला, बाज़ के रहने का स्थान।

चकस (چکس) फा. पुं.–दे. 'चकश'।

चकाद (چکاد) फा. स्त्री.–ललाट, माथा।

चकावक (چکاوک) फा. पुं.–चंडूल, एक मधुरस्वर पक्षी; टटीरी, टिट्टिभि।

चकीदः (چکیده) फा. वि.–टपका हुआ, गिरा हुआ।

चकीदनी (چکیدنی) फा. वि.–टपकने योग्य, गिरने योग्य।

चकुश (چکش) तु. पुं.–लोहार का हथौड़ा।

चकोचानः (چک وچانه) फा. पुं.–योग्यता, विद्वत्ता, क़ाबिलीयत; पात्रता, इस्ते'दाद।

चक्मः (چکمه) तु. पुं.–मोज़ा, जुर्राब; बूट जूता।

चक़्माक़ (چقماق) तु. पुं.–एक आग देनेवाला पत्थर, अग्नि प्रस्तर; व्यंग, कटाक्ष, तंज़।

चक्रः (چکره) फा. पुं.–बूंद-बूंद टपकना।

चक्लः (چکله) तु. पुं.–वेश्यालय, रंडियों का महल्ला।

चक्श (چکش) तु. पुं.–लोहारों का हथौड़ा, दे. 'चकुश', दोनों शुद्ध हैं।

चक्श (چکش) फा. पुं.–बुलबुल अथवा बाज़ आदि के बिठाने की लकड़ी, अड्डा।

चक्सः (چکسه) फा. पुं.–पुड़िया, जिसमें सौदा बँधा होता है।

चख (چخ) फा. स्त्री.–कलह, झगड़ा; कहा-सुनी, तू-तू, मैं-मैं।

चख़श (چخش) फा. स्त्री.–गले की बतौड़ी, रसौली।

चख़िदः (چخنده) फा. वि.–लड़नेवाला।

चख़ीं (چخیں) फा. वि.–दुःखित, क्लेशित, रंजीदा।

चख़ीदः (چخیده) फा. वि.–लड़ा हुआ, जो लड़ा हो।

चख़ीदनी (چخیدنی) फा. वि.–लड़ने योग्य।

चग़ (چغ) फा. स्त्री.–मठा फेरने की रई।

चग़रिश्तः (چغرشته) फा. पुं.–सूत की पिंडिया, अंटी।

चग़ाज़ (چغاز) फा. स्त्री.–व्यभिचारिणी, फ़ाहिशा, कुलटा; मुँहफट और वाचाल स्त्री।

चग़ानः (چغانه) फा. पुं.–धुनिए की मूठ-जैसी एक लकड़ी में झाँझें डालकर बजाने का एक बाजा।

चग़ानःज़न (چغانه‌زن) फा. वि.–चग़ाना बजानेवाला।

चगिल (چگل) फा. पुं.–दे. 'चिगिल'।

चग़ूक (چغوک) फा. पुं.–चटक, गौरैया पक्षी; सुर्ख़ाब पक्षी।

चग़ज़ (چغز) फा. पुं.–मेंढक, दर्दुर, मंडूक; वह फोड़ा जिसका मुँह बंद हो और भीतर पीप हो।

चज़ (چز) फा. पुं.–कपि, बंदर, वानर।

चतूक (چتوک) फा. पुं.–दे. 'चग़ूक'।

चत्र (چتر) फा. पुं.–छत्री, छाता; वह छाता जो राजाओं के सर पर लगाया जाता है।

चत्रज़न (چترزن) फा. वि.–ज़मीन पर हाथ टेककर और पाँव ऊपर करके खड़ा होनेवाला।

चत्रपोश (چترپوش) फा. वि.–जो छात से ढँका हो, जिस पर छाता लगा हो।

चत्रवश (چتروش) फा. वि.–छाते-जैसा, छाते की तरह गोल और सायादार।

चत्रसाँ (چترساں) फा. वि.–दे. 'चत्रवश'।

चत्रे अंबरीं (چتر عنبریں) फा. अ. पुं.–रात्रि, रात, निशा।

चत्रे आबगूँ (چتر آبگوں) फा. पुं.–आकाश, आस्मान।

चत्रे कुह्ली (چتر کحلی) फा. अ. पुं.–आकाश, आस्मान; काली घटा।

चत्रे ज़रनिगार (چتر زرنگار) फा. पुं.–सोने के काम से सुसज्जित छाता; ताराओं जड़ा आकाश।

चत्रे नूर (چتر نور) फा. अ. पुं.–सूर्य, सूरज।

चत्रे शाही (چتر شاہی) फा. पुं.–बादशाहों के सर पर लगाया जानेवाला बड़ा छाता।

चत्रे सीमाबी (چتر سیمابی) फा. पुं.–दे. 'चत्रे सीमीं'।

चत्रे सीमीं (چتر سیمیں) फा. पुं.–पूरा चाँद, पूर्णचंद्र।

चनाब (چناب) फा. पुं.–रावटी की लकड़ी का छेद।

चनार (چنار) फा. पुं.–एक प्रसिद्ध वृक्ष, कहते हैं कि रात को इसमें से चिनगारियाँ झड़ती हैं।

चप (چپ) फा. वि.–बायाँ, वाम; बायीं ओर, उलटी तरफ़।

चपअंदाज़ (چپ انداز) फा. वि.–वह तीरअंदाज़ जिसका तीर निशाने पर पड़कर लौट आये; छली, ठगिया।

चपकन (چپکن) फा. स्त्री.–अचकन के प्रकार का एक वस्त्र, अँगरखा।

चपक़ुलश (چپقلش) तु. स्त्री.–खींचातानी, आपाधापी; भीड़-भाड़, जगह की तंगी; झगड़ा, बखेड़ा, लड़ाई।

चपचलः (چپچله) फा. पुं.–झूला, झूलने का यंत्र; रपटन, फिसलन।

चपत (چپت) फा. स्त्री.–दे. 'चपात'।

चपदादः (چپ داده) फा. वि.–छोड़ा हुआ, त्यक्त।

चपदिहंदः (چپ دہندہ) फा. वि.–छोड़नेवाला, त्यागी।

चपरास (چپراس) फा. स्त्री.–कमर में बाँधने की पेटी, जो चौकीदार और सरकारी पियादे लगाते हैं।

चपरासी (چپراسی) फा. पुं.–चपरास बाँधनेवाला; माल के विभाग का सम्मन आदि ता'मील करनेवाला व्यक्ति।

चपात (چپات) फा. स्त्री.–चपत, थप्पड़।

चपाती (چپاتی) फ़ा. स्त्री.–पतली रोटी, जो हाथ पर बढ़ायी गयी हो और बड़ी हो।

चपार (چپار) फ़ा. पुं.–'चापार' का लघु., डाक; डाकिया।

चपोरास्त (چپ وراست) फ़ा. पुं.–दायें-बायें, इधर-उधर, दोनों ओर।

चप्पः (چپہ) फ़ा. पुं.–जो उलटे हाथ से सारा काम करता हो, खब्बा।

चफ़ालः (چفالہ) फ़ा. पुं.–सेना, फ़ौज; पक्षियों का झुंड।

चफ़ीदः (چفیدہ) फ़ा. वि.–चिपका हुआ।

चफ़ीदनी (چفیدنی) फ़ा. वि.–चिपकने योग्य।

चफ़्तः (چفتہ) फ़ा. वि.–वक्र, टेढ़ा; धन्वाकार, खमीदः; मिथ्यारोप, तोहमत; बकरी का सिर, सिरी।

चफ़्त (چفت) फ़ा. स्त्री.–अंगूर आदि की टट्टी, बाँस की खपच्चियों से बनी हुई चौकोर टट्टी।

चफ़्सीदः (چفسیدہ) फ़ा. वि.–चिपका हुआ।

चबाग़ (چباغ) फ़ा. स्त्री.–एक मछली।

चबूतरः (چبوترہ) फ़ा. पुं.–दे. 'चौतरा'।

चबग़ुत (چبغت) फ़ा. पुं.–रुई भरा हुआ पुराना कपड़ा।

चम (چم) फ़ा. पु.–इठलाती हुई चाल; पेच।

चमगर्दिश (چم گردش) फ़ा. स्त्री.–इठलाकर चलना; खिरामेनाज़।

चमन (چمن) फ़ा. पुं.–उद्यान, आराम, वाटिका, बाग़।

चमनआरा (چمن آرا) फ़ा. वि.–बाग़ को सँवारने और सजानेवाला, माली, उद्यानपाल।

चमनआराई (چمن آرائی) फ़ा. स्त्री.–बाग़ के सजाने का काम।

चमनपैरा (چمن پیرا) फ़ा. वि.–दे. 'चमनआरा'।

चमनपैराई (چمن پیرائی) फ़ा. स्त्री.–दे. 'चमनआराई'।

चमनबंद (چمن بند) फ़ा. वि.–बाग़ सजानेवाला; बाग़ लगानेवाला।

चमनबंदी (چمن بندی) फ़ा. स्त्री.–बाग़ की सजावट; बाग़ के लिए पेड़ लगाना।

चमनिस्ताँ (چمنستاں) फ़ा. पुं.–'चमनिस्तान' का लघु., दे. 'चमनिस्तान'।

चमनिस्तान (چمنستان) फ़ा. पुं.–चमन, बाग़।

चमाँ (چماں) फ़ा. वि.–इठलाकर चलनेवाला; चलने में इठलाता हुआ।

चमानः (چمانہ) फ़ा. पुं.–तोंबी का पियाला जिसमें खाते पीते हैं (वि.) इठलाता हुआ, इठलाकर चलता हुआ।

चमान (چمان) फ़ा. पुं.–पेशाब-पाखाने के कीड़े।

चमिंदः (چمندہ) फ़ा. वि.–इठलाते हुए टहलनेवाला।

चमिश (چمش) फ़ा. स्त्री.–लचक, इठलाहट।

चमी (چمی) फ़ा. वि.–जो भौतिक न हो, मानसिक, मानवी।

चमीदः (چمیدہ) फ़ा. वि.–जो इठलाकर टहला हो, टहलता या चलता हो।

चमीद (چمید) फ़ा. स्त्री.–लचक, मटक, इठलाहट।

चमीदनी (چمیدنی) फ़ा. वि.–लचकने योग्य, नाज़ से चलने योग्य।

चमीन (چمین) फ़ा. पुं.–पेशाब, पाखाना।

चमोख़म (چم وخم) फ़ा. पुं.–नाज़ोअंदाज़, हावभाव।

चम्चः (چمچہ) तु. पुं.–हाँडी चलाने का पात्रविशेष; खाने का पात्रविशेष।

चरंदः (چرندہ) फ़ा. पुं.–दे. 'चरिंदः', दो. शु. हैं।

चर (چر) फ़ा. प्रत्य.–चरनेवाला; जैसे–'काहचर' घास चरनेवाला।

चरस (چرس) फ़ा. पुं.–शिकंजः, अड़गड़ा; चरागाह, गोचर; भीख का माल।

चरा (چرا) फ़ा. अव्य.–क्यों, किसलिए, किस कारण, (पु.) चरागाह, पशुओं के चरने का स्थान; चरना।

चराग़ (چراغ) फ़ा. पुं.–दीप, दीपक, दिया; चरना।

चराग़दान (چراغدان) फ़ा. पुं.–चराग़ रखने का पात्र, दीवट आदि।

चराग़पा (چراغ پا) फ़ा. पुं.–दीवट, चिराग़दान, (वि.) जो अलफ़ हो गया हो; जो ग़ुस्से में आपे से बाहर हो गया हो।

चरागर (چراگر) फ़ा. वि.–चरनेवाला।

चराग़वारः (چراغوارہ) फ़ा. पुं.–दीवट, चराग़दान; क़ंदील।

चराग़ाँ (چراغاں) फ़ा. पुं.–जलते हुए चराग़ों की क़तारें, दीपावली; पंक्तियों में बहुत-से दीपक जलाने का कर्म; अपराधी को शारीरिक यातना देने की एक अमानुषिक शैली, जिसमें उसके सिर पर बहुत से घाव बनाकर हर घाव में एक जलती हुई बत्ती रखते थे।

चरागाह (چراگاہ) फ़ा. स्त्री.–गो आदि के चरने का स्थान, गोचर।

चराग़ी (چراغی) फ़ा. स्त्री.–किसी बुज़ुर्ग के मज़ार पर फ़ातेहा दिलानेवाले से रोशनी के लिए लिया जानेवाला पैसा।

चराग़े आस्मानी (چراغ آسمانی) फ़ा. पुं.–विद्युत्, बिजली।

चराग़े कुश्तः (چراغ کشتہ) फ़ा. पुं.–बुझा हुआ दीपक।

चराग़े तहेदामन (چراغ تہ دامن) फ़ा. पुं.–हवा के वेग से बचाने के लिए दामन के नीचे किया हुआ दीपक।

चराग़े मज़ार (چراغِ مزار) फा. अ. पुं.—क़ब्र पर जलनेवाला दिया; आशिक़ की क़ब्र पर जलनेवाला दीपक, यह शब्द विशेषतः इन्हीं अर्थों में बोला जाता है।

चराज़न (چرازن) फा. वि.—चरनेवाला, घास खानेवाला, पशु, जानवर।

चरिंदः (چرنده) फा. वि.—पशु, चौपाया, मवेशी, चरनेवाला।

चरिंद (چرند) फा. पु.—दे. 'चरिंदः।

चरीदः (چریده) फा. वि.—चरा हुआ, जिसे चरा गया हो।

चरीदनी (چریدنی) फा. वि.—चरने योग्य।

चर्कस (چرکس) तु. पुं.—एक तुर्की जाति।

चर्ख़ः (چرخه) फा. पुं.—सूत या ऊन कातने का यंत्र, चर्ख़ा।

चर्ख़ (چرخ) फा. पुं.—चक्कर, चक्र; आकाश, आस्मान; कुम्हार का चाक; पहिया, चक्र; कड़ा धनुष; रहट, कुएँ से पानी निकालने का गर्रा; दामन का घेर; चारों ओर फिरना, घूमना; कुर्ते का गला।

चर्ख़अंदाज़ (چرخ انداز) फा. वि.—अच्छा तीर चलानेवाला, धनुर्धर।

चर्ख़क़बा (چرخ قبا) फा. अ. पुं.—एक प्रकार की अतलस।

चर्ख़ंगी (چرخنگی) फा. स्त्री.—पहलवान का अखाड़े में जीतने के समय ख़ुशी से नाचना-कूदना।

चर्ख़ज़न (چرخ زن) फा. वि.—नाचनेवाला, (वाली) नर्तक, नर्तकी; पर्यटन करनेवाला, सैयाह।

चर्ख़ज़नी (چرخ زنی) फा. स्त्री.—नाचना; पर्यटन करना।

चर्ख़जी (چرخچی) फा. स्त्री.—सेना का आगे चलनेवाला दस्ता।

चर्ख़रीसक (چرخ ریسک) फा. पुं.—झींगुर।

चर्ख़ाब (چرخاب) फा. पु.—जलावर्त, भँवर, (चर्ख़=चक्कर+आब=पानी) गिर्दाब।

चर्ख़ी (چرخی) फा. स्त्री.—कपास ओटने का यंत्र; पतंग की डोर लपेटने का हुचका; एक आतशबाजी; फिरकी।

चर्ख़ुश्त (چرخشت) फा. पुं.—कोल्हू।

चर्ख़ूक (چرخوک) फा. पुं.—लट्टू।

चर्ख़ कमाँ (چرخ کماں) फा. पुं.—धनुष का घेरा।

चर्ख़ फ़लक (چرخ فلک) फा. अ. पुं.—सब से ऊँचा आकाश, जिस पर ईश्वर का सिंहासन है, अर्श।

चर्ख़ बरीं (چرخ بریں) फा. पुं.—ऊँचा आकाश; सबसे ऊपरवाला आकाश।

चर्ग़ (چرغ) फा. पुं.—चरग़, शिकरा बाज़, शिकारी पक्षी; लकड़बग्घा, चर्ग़ा।

चर्ग़ंद (چرغند) फा. पुं.—झींगुर।

चर्कीनः (چرکینه) फा. वि.—नीच, कमीना, अधम।

चर्ज़ः (چرزه) फा. पुं.—मनुष्य अथवा पशु की खाल।

चर्ज़ (چرز) फा. पुं.—एक पक्षी।

चर्तः (چرته) फा. पुं.— दे. 'चर्दः'।

चर्दः (چرده) फा. पुं.—रंग, वर्ण, परंतु यह शब्द केवल 'सियाह' के साथ बोला जाता है, और 'काले रंगवाला' का अर्थ देता है।

चर्बः (چربه) फा. पुं.—वह महीन और चिकना काग़ज़ जो दूसरे काग़ज़ पर रखकर उसके बेलबूटे उतारने के काम आता है, अक्सी काग़ज़; इस प्रकार उतारा हुआ काग़ज़; ख़ाका, रेखाचित्र; नक़्ल, प्रतिलिपि।

चर्ब (چرب) फा. वि.—चिकना, स्निग्ध, घी में चुपड़ा या मला हुआ, घी में तलना, सेंकना।

चर्बख़ोर (چرب خور) फा. वि.—वह व्यक्ति जो बिना परिश्रम के तर माल खाता हो, मुफ़्तख़ोर।

चर्बक (چربک) फा. पुं.—पूरी, घी में तला हुआ फुलका; मलाई, क्षीरस्तर; वह महीन काग़ज़ जिस पर दूसरे चित्र का अक्स लिया जाता है।

चर्बक़ामत (چرب قامت) फा. अ. वि.—अच्छे डीलडौल का, सुडौल।

चर्बज़बाँ (چرب زباں) फा. वि.—चापलूस, चाटुकार, ख़ुशामदी; मुखर, वाचाल, बातूनी; ख़ुशामद से मीठी-मीठी बातें करनेवाला।

चर्बज़बानी (چرب زبانی) फा. स्त्री.—चापलूसी; बातूनी होना; मीठी-मीठी बातें करना।

चर्बदस्त (چرب دست) फा. वि.—किसी काम में होशियार, सिद्धहस्त; दस्तकार, शिल्पकार।

चर्बदस्ती (چرب دستی) फा. स्त्री.—काम में कुशलता; दस्तकार होना।

चर्बपहलू (چرب پہلو) फा. वि.—चर्बीला, मोटा-ताज़ा; वह व्यक्ति जिसके पास बैठना उठना लाभदायक हो।

चर्बिंदः (چربنده) फा. वि.—जीतनेवाला, विजेता।

चर्बिंदगी (چربندگی) फा. स्त्री.—विजय, जीत।

चर्बीदः (چربیده) फा. वि.—जीता हुआ, जो जीत लिया गया हो, प्राप्तविजय।

चर्बीदनी (چربیدنی) फा. वि.— जीतने योग्य, जेय।

चर्बू (چربو) फा. स्त्री.—चर्बी, मेदा।

चर्बोख़ुश्क (چرب و خشک) फा. पुं.—अच्छा-बुरा, बुरा-भला; उदार और कंजूस।

चर्मः (چرمه) फा. पुं.—गोन, ख़ुर्जी।

चर्म (چرم) फा. पुं.—चमड़ा, चर्म, (संस्कृत का फ़ार्सी में प्रचलित तत्सम रूप)।

चर्मदाँ (چرمدان) फा. पुं.–चमड़े का थैला।

चर्मदोज (چرمدوز) फा. वि.–चमड़ा सीनेवाला, मोची, चर्मकार।

चर्मदोजी (چرمدوزی) फा. स्त्री.–चमड़ा सीने का काम, मोचीपन।

चर्मीं (چرمیں) फा. वि.–चमड़े का बना हुआ।

चर्मीनः (چرمینہ) फा. पुं.–चमड़े की बनी हुई वस्तु।

चर्मे आहू (چرم آهو) फा. पुं.–हिरन का चमड़ा।

चर्विंदः (چروندہ) फा. वि.–दौड़नेवाला; उपाय ढूंढ़नेवाला।

चर्वीदः (چرویدہ) फा. वि.–दौड़ा हुआ; उपाय ढूंढ़ा हुआ।

चलंजू (چلنجو) फा. वि.–वह व्यक्ति जो कपड़ा जल्द मैला करता हो।

चलपची (چلپچی) फा. स्त्री.–हाथ धोने का एक विशेष-पात्र।

चलाली (چلالی) फा. पुं.–छींका।

चलिंदः (چلندہ) फा. वि.– चलनेवाला।

चलीदः (چلیدہ) फा. वि.–चला हुआ।

चलीदनी (چلیدنی) फा. वि.–चलने योग्य।

चलीपा (چلیپا) फा. वि.–सलीब, क्रास।

चलीपाई (چلیپائی) फा. वि.–सलीब के आकार का।

चल्पक (چلپک) फा. स्त्री.–पूरी, घी में सिंकी हुई रोटी।

चल्पासः (چلپاسہ) फा. स्त्री.–छिपकली, गृहगोधा, दे. 'चिल्पासः', दो. शु. हैं।

चल्ब (چلب) फा. स्त्री.–झाँझ।

चशः (چشہ) फा. पुं.–चटनी, चाटने की खट-मिट्ठी चीज; अवलेह, लऊक़।

चश (چش) फा. प्रत्य.–चखनेवाला, जैसे—'लज़्ज़त-चश' मज़ा चखनेवाला।

चशक (چشک) फा. स्त्री.–चखावट।

चशिंदः (چشندہ) फा. वि.–चखनेवाला।

चशीदः (چشیدہ) फा. वि.–चखा हुआ।

चशीदनी (چشیدنی) फा. वि.–चखने योग्य।

चश्पर (چشپر) फा. पुं.–पाँव का चिह्न।

चश्मः (چشمہ) फा. पुं.–सोता, स्रोत; सरिता, छोटी नदी; उपनेत्र, ऐनक; प्राकृतिक स्रोत, कुंड।

चश्मःगाह (چشمہ گاہ)–फा. स्त्री.–चश्मे का स्थान।

चश्मःज़ार (چشمہ زار) फा. पुं.–जहाँ चश्मे ही चश्मे हों।

चश्मःसार (چشمہ سار) फा. पुं.–दे. 'चश्मःज़ार', चश्मों से भरा हुआ स्थान।

चश्म (چشم) फा. पुं.–नेत्र, नयन, चक्षु, आँख; आशा, उम्मीद।

चश्मए आफ़्ताब (چشمۂ آفتاب) फा. पुं.–सूरज, सूर्य।

चश्मए ख़िज़्र (چشمۂ خضر) फा. अ. पुं.–आबेहयात का चश्मा, अमृत कुंड।

चश्मए गर्म (چشمۂ گرم) फा. पुं.–वह सोता जहाँ से गर्म पानी निकलता हो।

चश्मए सीमाब (چشمۂ سیماب) फा. पुं.–सूरज, सूर्य।

चश्मए होर (چشمۂ هور) फा. पु.–सूरज, सूर्य।

चश्मए हैवाँ (چشمۂ حیوان) फा. अ. पुं.–दे. 'चश्मए ख़िज़्र'।

चश्मक (چشمک) फा. स्त्री.–गुप्त बात के लिए आँख का संकेत; उपनेत्र, ऐनक।

चश्मकज़न (چشمک زن) फा. वि.–आँख से संकेत करनेवाला।

चश्मकज़नी (چشمک زنی) फा. स्त्री.–आँख से संकेत करना।

चश्मख़ानः (چشم خانہ) फा. पुं.–वह गढ़ा जिसमें आँख का ढेला रहता है, चक्षु गोलक।

चश्मगश्तः (چشم گشتہ) फा. वि.–विषम दृष्टि, भेंगा।

चश्मज़ख़्म (چشم زخم) फा. पुं.–बुरी दृष्टि का प्रभाव।

चश्मज़द (چشم زد) फा. पुं.–नज़र लगाना; आँख का संकेत करना; डरना; पलक झपकना; पल, लमहा।

चश्मज़दन (چشم زدن) फा. पुं.–पलक झपकना, निमेष।

चश्मज़ाग़ (چشم زاغ) फा. वि.–निर्लज्ज, बेहया।

चश्मदरीदः (چشم دریدہ) फा. वि.–निर्लज्ज, धृष्ट, बेहया।

चश्मदाश्त (چشم داشت) फा. स्त्री.–आशा, भरोसा, उम्मेद, आँख लगाना।

चश्मदीद (چشم دید) फा. वि.–आँख से देखा हुआ, जो आँखों के सामने घटित हुआ हो।

चश्मनुमाई (چشم نمائی) फा. स्त्री.–आँखें तरेरना, आँखें तरेरकर धमकी देना।

चश्मपोशी (چشم پوشی) फा. स्त्री.–किसी का दोष देखते हुए भी निगाह बचा जाना, दर गुज़र।

चश्मबंद (چشم بند) फा. वि.–वह मंत्र या जादू जिससे नींद उड़ जाती है।

चश्मबंदी (چشم بندی) फा. स्त्री.–मंत्र या जादू के द्वारा नींद का उड़ जाना।

चश्मबरजा (چشم برجا) फा. वि.–टकटकी बाँधे हुए, एक टक देखता हुआ।

चश्मबराह (چشم براہ) फा. वि.–रस्ते पर आँखें लगाये हुए, बेचैनी से प्रतीक्षा करनेवाला।

चश्मरसीदः (چشم رسیدہ) फा. वि.–जिसे नज़र लग गयी हो।

चश्मरौशनी (چشم روشنی) फा. स्त्री.–मुबारकबाद, बधाई।

चश्महादीदः (چشم ہادیدہ) फा. वि.–बहुत-सी आँखें देखे हुए, अर्थात् बहुत ही अनुभवी।

चश्मारू (چشمارو) फा. पुं.–खेत रखाने के लिए बनाया हुआ फूंस आदि का मनुष्य, धोखा।

चश्मे ख़ुरूस (چشم خروس) फा. स्त्री.–घुंघची, घुमचिल।

चश्मे ख़ूंआलूद (چشم خوں آلود) फा. स्त्री.–ऐसी आँखें जो क्रोध के वेग से लाल हो रही हों, मानो उनमें ख़ून उतर आया है।

चश्मे ज़ाहिर (چشم ظاہر) फा. अ. स्त्री.–साधारण आँख जिससे देखते हैं, चर्मचक्षु।

चश्मे नम (چشم نم) फा. स्त्री.–गीली आँख, जो आँसुओं से तर हो।

चश्मे नीमबाज़ (چشم نیم باز) फा. स्त्री.–अधखुली आँख; ऊँघते हुए की आँख; नशे में मस्त की आँख।

चश्मे नीमवा (چشم نیم وا) फा. स्त्री.–दे. 'चश्मे नीमबाज़।

चश्मे पुरआब (چشم پر آب) फा. स्त्री.–जिस आँख में आँसू भरे हुए हों, रोनेवाली आँख, डबडबाई हुई आँख।

चश्मे पुरनम (چشم پرنم) फा. स्त्री.–दे. 'चश्मे पुरआब'।

चश्मे फ़िरंगी (چشم فرنگی) फा. स्त्री.–उपनेत्र, चश्मा, ऐनक।

चश्मे बद (چشم بد) फा. स्त्री.–बुरी नजर, कुदृष्टि, लगनेवाली नज़र।

चश्मे बदबूर (چشم بد دور) फा. वा.–एक आशीर्वाद, तुम्हें बुरी नजर न लगे।

चश्मे बातिन (چشم باطن) फा. अ. स्त्री.–'चश्मे ज़ाहिर' का उलटा, दिल की आँख, अंतर्दृष्टि, ज्ञानचक्षु, दिव्य दृष्टि।

चश्मे बीना (چشم بینا) फा. स्त्री.–देखनेवाली आँख, जिस आँख में ज्योति हो, स्वस्थ आँख।

चश्मे बीमार (چشم بیمار) फा. स्त्री.–अधखुली आँख, विशेषतः प्रेमिका की आँख के लिए बोलते हैं।

चश्मे बेआब (چشم بے آب) फा. स्त्री.–जिस आँख में पानी न हो, अर्थात् निर्लज्ज।

चश्मे बेदार (چشم بیدار) फा. स्त्री.–जागती हुई आँख, खुली हुई आँख, सजग, सचेष्ट।

चश्मे शब (چشم شب) फा. स्त्री.–चंद्रमा, चाँद।

चश्मे शोर (چشم شور) फा. स्त्री.–दे. 'चश्मेबद'।

चश्मे सियाह (چشم سیاہ) फा. स्त्री.–इस शब्द का प्रयोग जब प्रेमिका के लिए हो तो सुन्दर आँख और जब अपने लिए हो तो अंधी आँख।

चश्मे हिस्सी (چشم حسی) फा. अ. स्त्री.–दे. 'चश्मे ज़ाहिर'।

चश्मोचराग़ (چشم و چراغ) फा. पुं.–अपने लिए आँख और घर के लिए दीपक, अर्थात् पुत्र, बेटा।

चस्तः (چستہ) फा. पुं.–घोड़े, गधे अथवा ऊँट की खाल की बनी हुई एक वस्तु विशेष; पशु की रान का मांस।

चस्तःख़्वार (چستہ خوار) फा. वि.–मुफ़्तख़ोर।

चस्पां (چسپاں) फा. विं.–चिपका हुआ; चरितार्थ, मुताबिक़।

चस्पानीदः (چسپانیدہ) फा. वि.–चिपकाया हुआ।

चस्पिंदः (چسپندہ) फा. वि.–चिपकानेवाला।

चस्पीदः (چسپیدہ) चिपका हुआ।

चस्पीदगी (چسپیدگی) फा. स्त्री.–चिपकन, चिपक।

चस्पीदनी (چسپیدنی) फा. वि.–चिपकने योग्य।

चह (چہ) फा. पुं.–'चाह' का लघु., दे. 'चाह'।

चहचहः (چہچہہ) फा. पुं.–चिड़ियों की चहकार, चहचहाहट।

चहार (چہار) फा. वि.–चार, चार की संख्या।

चहारगानः (چہارگانہ) फा. वि.–चार से सम्बन्ध रखनेवाला; चार सूत्रवाला; चार प्रकारवाला।

चहारगाह (چہارگاہ) फा. पुं.–गाने का एक प्रकार।

चहारचंद (چہارچند) फा. वि.–चौगुना।

चहारजानिब (چہار جانب) फा. अ. वि.–चारों ओर, चारों तरफ़।

चहारतारः (چہار تارہ) फा. पुं.–एक साज जिसमें चार तार होते हैं।

चहारदह (چہاردہ) फा. वि.–चौदह, चतुर्दश।

चहारदहुम (چہاردہم) फा. वि.–चौदहवां, चतुर्दश; चौदहवीं, चतुर्दशी।

चहारदांग (چہاردانگ) फा. वि.–चारों ओर, सब तरफ़; संसार भर।

चहारपहलू (چہار پہلو) फा. वि.–चार कोनेवाला, चौखूटा, चतुष्कोण।

चहारमीर (چہار میر) फा. अ. पुं.–चारों ख़लीफ़ा, अबूबक्र, उमर, उस्मान, अली।

चहार मेख़े हयात (چہار میخ حیات) फा. अ. स्त्री.–आग, पानी, वायु, पृथ्वी, चारों तत्त्व।

चहारशंबः (چہارشنبہ) फा. पुं.–बुधवार, बुध का दिन।

चहारुम (چہارم) फा. वि.–चौथा, चतुर्थ।

चहारुमी (چہارمیں) फा. वि.–चौथे का; चौथःवाला; चौथा।

चा

चाउश (چاوش) तु. पुं.–दे. 'चाऊश', दो. शु. है।

चाऊश (چاؤش) तु. पुं.–सेना अथवा क़ाफ़िले के आगे आगे चलनेवाला चारक, नक़ीब।

चाक़ (چاق) तु. वि.–स्वस्थ, हृष्ट-पुष्ट; सतर्क, सचेत, चौकस; तत्पर, मुस्तइद।

चाक (چاک) फा. पुं.–दरार, दर्ज, शिगाफ़; विदीर्ण, फटा हुआ; फटन, फटने का भाव।

चाक चाक (چاک چاک) फा. वि.–पुर्ज़े-पुर्ज़े, टुकड़े-टुकड़े, भिन्न-भिन्न।

चाक़माक़ (چاقماق) तु. पुं.–बंदूक़ का घोड़ा; दे. 'चक़्माक़'।

चाकर (چاکر) फा. पुं.–सेवक, दास, नौकर।

चाकरी (چاکری) फा. स्त्री.–सेवा कर्म, दासता, नौकरी।

चाकश (چاکش) फा. पुं.–बंदूक़ का घोड़ा।

चाक़ू (چاقو) फा. पुं.–एक विशेष प्रकार की दस्तेदार छोटी छुरी।

चाके गिरीबाँ (چاک گریباں) फा. पुं.–कुर्ते आदि के गले की फटन।

चाके जिगर (چاک جگر) फा. पुं.–हृदय की फटन, हृदय का घाव, प्रेम का ज़ख़्म।

चाके दामन (چاک دامن) फा. पुं.–दामन की फटन, जो प्रेम के आवेग में फाड़ा जाता है।

चाके राँ (چاک راں) फा. पुं.–रान की फटन; भग, योनि।

चाग़र (چاغر) फा. पुं.–चिड़ियों का बीट, जिसमें अन्न रहता है।

चाच (چاچ) फा. पुं.–रूसी तुर्किस्तान का एक प्राचीन नगर जो अब ताशक़ंद कहलाता है, यहाँ का धनुष बहुत बढ़िया होता था।

चाची (چاچی) फा. वि.–चाच की बनी हुई वस्तु, विशेषतः धनुष; ढँढोरिया, घोषणा करनेवाला।

चाची कमाँ (چاچی کماں) फा. स्त्री.–चाच का बना हुआ धनुष।

चादर (چادر) फा. स्त्री.–ओढ़ने का वस्त्र, प्रच्छादन; ख़ेमा, रावटी; तख़्ता, शीट।

चादरबदोश (چادربدوش) फा. वि.–कंधे पर चादर डाले हुए, चादर ओढ़े हुए।

चादरे आब (چادرِ آب) फा. स्त्री.–पानी की सतह, जलस्तर।

चादरे महताब (چادرِ مہتاب) फा. स्त्री.–सफ़ेद चादर की तरह बिछी हुई चाँदनी, चाँदनी का फ़र्श।

चानः (چانہ) फा. पुं.–नीचे का जबड़ा; नीचे जबड़े की हड्डी।

चाप (چاپ) फा. पुं.–छाप, मुद्रण, छपना, अर्धवृत्त, क़ौस।

चापची (چاپچی) फा. वि.–छापनेवाला, मुद्रक।

चापाती (چاپاتی) फा. स्त्री.–चपाती, पतली और बड़ी रोटी, जो हाथ से बढ़ायी गयी हो।

चापार (چاپار) फा. पुं.–डाक, पोस्ट; डाकिया, चिट्ठी-रसाँ।

चाप्लूस (چاپلوس) फा. वि.–चाटुकार, ख़ुशामदी।

चाप्लूसी (چاپلوسی) फा. स्त्री.–ख़ुशामद, चाटूक्ति।

चाबुक़ (چابق) तु. पुं.–चषक, पियाला।

चाबुक (چابک) फा. पुं.–कोड़ा, कशा, प्रतोद; तीव्र, तेज़; निपुण, होशयार।

चाबुकख़िराम (چابک خرام) फा. वि.–तेज़ चलनेवाला, तीव्रगति, शीघ्रगामी।

चाबुकख़िरामी (چابک خرامی) फा. स्त्री.–तेज चलना, शीघ्र गति, शीघ्र गमन।

चाबुकज़न (چابک زن) फा. वि.–कोड़ा मारनेवाला।

चाबुकज़नी (چابک زنی) फा. स्त्री.–कोड़ा मारना।

चाबुकदस्त (چابک دست) फा. वि.–कारीगरी में कुशल, क्षिप्रहस्त, कुशलहस्त; तेज़ काम करनेवाला।

चाबुकदस्ती (چابک دستی) फा. स्त्री.–कारीगरी में कुशलता; काम की तेज़ी।

चाबुकसवार (چابک سوار) फा. पुं.–घोड़े का अच्छा चढ़नेवाला; वह व्यक्ति जो घोड़ों को सधाता और सिखाता है।

चाबुकसवारी (چابک سواری) फा. स्त्री.–घोड़े पर अच्छा चढ़ना; घोड़ों को सधाने और सिखाने का काम।

चाबुकी (چابکی) फा. स्त्री.–निपुणता, दीक्षता, होशियारी (पुं.) तेज़ घोड़ा।

चामः (چامہ) फा. पुं.–कविता, काव्य, शे'र, ग़ज़ल।

चामःगो (چامہ گو) फा. वि.–कविता करनेवाला, कवि, शाइर।

चाम (چام) फा. पुं.–पहाड़ी की घाटी।

चामक़ (چامق) तु. पुं.–दे. 'चामग़'।

चामग़ (چامغ) तु. पुं.–गहरा कुआँ।

चामिंदः (چامندہ) फा. वि.–मूतनेवाला, पेशाब करनेवाला।

चामीं (چامیں) फा. पुं.–'चामीन' का लघु., दे. 'चामीन'।

चामीदः (چامیدہ) फा. वि.–जिसने पेशाब किया हो।

चामीदनी (چامیدنی) फा. वि.–पेशाब करने योग्य।

चामीन (چامین) फा. पुं.–पेशाब और पाखाना, गू और मत।

चारः (چارہ) फा. पुं.–उपाय, तदबीर; प्रयत्न, कोशिश; उपचार, इलाज; आश्रय, सहारा; छल, मक्र।

चारःगर (چارہگر) फा. वि.–चिकित्सक, उपचारक, वैद्य, तबीब।

चारःगरी (چارہگری) फा. स्त्री.–चिकित्सा, उपचार, इलाज, दवा-दारू।

चारःजोई (چارہجوئی) फा. स्त्री.–प्रयत्न, तदबीर, दौड़-भाग, कोशिश।

चारःपिज़ीर (چارہپزیر) फा. वि.–जिसकी चिकित्सा हो सके, साध्य; जिसका उपाय हो सके।

चारःपिज़ीरी (چارہپزیری) फा. स्त्री.–इलाज हो सकना; उपाय हो सकना।

चारःसाज़ (چارہساز) फा. वि.–दे. 'चारःगर'।

चारःसाज़ी (چارہسازی) फा. स्त्री.–दे. 'चारःगरी'।

चार (چار) फा. वि.–चार की संख्या, चत्वर; जो चार हो; चिकित्सा, इलाज; उपाय, तदबीर।

चारअब्रू (چارابرو) फा. पुं.–डाढ़ी, मूंछ, सिर और भौंह के बाल।

चारआईनः (چارآئنہ) फा. पुं.–एक चौकोर लोहे का पत्र जो तीर आदि के बचाव के लिए कपड़ों के नीचे छाती पर पहना जाता था।

चारएकार (چارۂکار) फा. पुं.–कार्य का उपाय, प्रयत्न; अंतिम उपाय, आख़िरी कोशिश।

चारएदर्द (چارۂدرد) फा. पुं.–पीड़ा की चिकित्सा; प्रेम के रोग का इलाज।

चारक (چارک) फा. वि.–नक़ीब, चोबदार।

चारक़ुब (چارقب) तु. पुं.–धनवान् लोगों के पहनने का एक वस्त्र-विशेष।

चारख़म (چارخم) फा. पुं.–पूरा, खिंचा हुआ धनुष; एक प्रकार का धनुष।

चारख़ानः (چارخانہ) फा. पु.–चौकोर ख़ानोंवाला कपड़ा; जिसमें चार ख़ाने हों।

चारगामः (چارگامہ) फा. वि.–तेज़ चलनेवाला घोड़ा।

चारगाह (چارگاہ) फा. पु.– एक रागिनी; आदमी का शरीर जो आग, पानी, वायु और मिट्टी इन चार तत्त्वों से बना है।

चारज़बाँ (چارزباں) फा. वि.–बहुत अधिक बोलनेवाला, बातूनी, वाचाल।

चारज़ानू (چارزانو) फा. पुं.–आलती पालती (पलथी) मारकर बैठने की मुद्रा।

चारजामः (چارجامہ) फा. पुं.–एक प्रकार की ज़ीन; ज़ीनपोश।

चारताक़ (چارطاق) फा. पुं.–एक प्रकार की रावटी।

चारताक़ अफ़गन (چارطاق افگن) फा. वि.–रावटी गाड़ने और फ़र्श आदि बिछानेवाला, फ़र्राश।

चारदह (چاردہ) फा. वि.–चौदह, चतुर्दश।

चारदहुम (چاردهم) फा. वि.–चौदहवाँ, चतुर्दश।

चारदाँग (چاردانگ) फा. पुं.–चारों ओर, सब तरफ़; सारा संसार।

चारदीवार (چاردیوار) फा. स्त्री.–रात्रि, रात, निशा।

चारदीवारी (چاردیواری) फा. स्त्री.–घर, कोठी, बाग़ या इमारत आदि के घेरे की दीवार, प्राचीर, प्राकार, इहाता।

चारपा (چارپا) फा. पुं.–चौपाया, पशु, मवेशी।

चारपायः (چارپایہ) फा. पुं.–दे. 'चारपा'।

चारपारः (چارپارہ) फा. पु.–बंदूक़ में भरा जानेवाला छर्रा।

चारबर्ग (چاربرگ) फा. पुं.–एक फूल; पहाड़ी लाला।

चारबाग़ (چارباغ) फा. पुं.–बहुत बड़ा और सुंदर बाग़, जिसमें हर प्रकार के पेड़ और फूल हों।

चारबालिश (چاربالش) फा. पुं.–बड़ा तकिया, मस्नद, गावतकिया।

चारबेख़ (چاربیخ) फा. स्त्री.–चार वनौषधियों की जड़, कासनी, सौंफ़, करफ़्स और अंगूर की जड़।

चारमग़ज़ (چارمغز) फा. पुं.–अख़रोट, अक्षरोट, एक प्रसिद्ध फल, तथा चार वनस्पतियों के बीज जो दवा में पड़ते हैं।

चारमेख़ (چارمیخ) फा. स्त्री.–अपराधी को सज़ा देने का एक तरीक़ा, जिसमें चार खूँटियाँ गाड़कर उसमें उसके हाथ-पाँव बाँध दिये जाते थे।

चारमौजः (چارموجہ) फा. पुं.–भँवर, जलावर्त, गिर्दाब।

चारशंबः (چارشنبہ) फा. पुं.–बुधवार, बुध।

चारशानः (چارشانہ) फा. वि.–मोटा ताज़ा, हृष्ट-पुष्ट; बहुत बड़े डीलडौल का, गिरांडील।

चारसू (چارسو) फा. पु.–चारों ओर, हर हरतरफ़; वह बाजार जिसमें चारों ओर रास्ते और दुकानें हों, चौक-बाज़ार।

चारुक़ (چارق) तु. पुं.–जंगली तुर्कों के पहनने की एक प्रकार की जूती।

चारुम (چارم) फा. वि.–चहारुम, चतुर्थ, चौथा।

चारुमीं (چارمیں) फा. वि.–चौथा, चतुर्थ; चौथे का।

चारोनाचार (چارونا چار) फा. वि.–विवशतापूर्वक, मज्बूर होकर।

चाय (چاۓ) फा. स्त्री.–पीने की एक प्रसिद्ध पत्ती, चाह।

चाल (چال) फा. पु.–गर्त, गढ़ा; कुआँ, कूप; चकोर पक्षी; जुए का दाँव; वह घोड़ा जिसके लाल और सफ़ेद बाल मिले हुए हों।

चालाक (چالاک) फा. वि.–निपुण, दक्ष, होशियार; धूर्त, वंचक, छली; फुर्तीला, चुस्त; व्यवहारानिष्ठ; बेईमान; तीव्र, तेज़।

चालाकदस्त (چالاک دست) फा. वि.–जिसके हाथ में बहुत फ़ुर्ती हो; जो आँखों के सामने से चीज़ उड़ा ले; हाथ की सफ़ाई दिखानेवाला।

चालाकदस्ती (چالاک دستی) फा. स्त्री.–काम की तेज़ी; हाथ की सफ़ाई।

चालाकी (چالاکی) फा. स्त्री.–धूर्तता, ठगी; बेईमानी; फ़ुर्ती, चुस्ती; दक्षता, महारत; तीव्रता, तेज़ी।

चालिश (چالش) फा. स्त्री.–आक्रमण, चम्ला; धावा, चढ़ाई।

चालीक (چالیک) फा. पुं.–गिल्ली-डंडे का खेल।

चालीश (چالیش) फा. पुं.–इठलाकर टहलने का भाव।

चावली (چاولی) फा. पुं.–सूप, छाछ, जिससे नाज फटका जाता है।

चावीदः (چاویدہ) फा. वि.–चबाया हुआ।

चाश (چاش) तु. पुं.–भूसा से निकाला हुआ ग़ल्ला।

चाश्त (چاشت) फा. स्त्री.–सूर्योदय से एक पहर तक का समय; इस समय का हलका खाना, नाश्ता, जलपान; इस समय की नमाज़।

चाश्नी (چاشنی) फा. स्त्री.–शकर आदि का क़िवाम; चखावट, चखने का भाव।

चाश्नीगीर (چاشنی گیر) फा. वि.–चाश्नी लेनेवाला, बावरची, रसोइया।

चाह (چاہ) फा. पुं.–कुआँ, कूप; गढ़ा, गर्त।

चाहकन (چاہکن) फा. वि.–कुआँ खोदनेवाला, कूपकार; दूसरे के काम में विघ्न डालनेवाला; छली, वंचक, फ़रेबी।

चाहकनी (چاہکنی) फा. स्त्री.–कुआँ खोदने का काम; दूसरे के काम में बाधा डालना; छल करना, दग़ाबाज़ी।

चाहजू (چاہجو) फा. पुं.–कुएँ में गिरी हुई वस्तु निकालने का काँटा।

चाहमग़ (چاہمغ) फा. पुं.–गहरा कुआँ।

चाहे कनआँ (چاہ کنعاں) फा. अ. पुं.–वह अंधा कुआँ जिसमें हज़रत यूसुफ़ को उनके भाइयों ने डाला था।

चाहे ख़सपोश (چاہ خس پوش) फा. पुं.–घास से ढँका हुआ कुआँ, तृणाच्छन्न कूप।

चाहे ग़बग़ब (چاہ غبغب) फा. पुं.–दे. 'चाहे ज़क़न।

चाहे ज़क़न (چاہ ذقن) फा. अ. पुं.–वह गढ़ा जो ढोड़ी के बीच में होता है, चिबुक-कूपिका।

चाहे ज़नख़ (چاہ زنخ) फा. पुं.–दे. 'चाहे ज़क़न'।

चाहे ज़नख़दाँ (چاہ زنخداں) फा. पुं.–दे. 'चाहे ज़क़न'।

चाहे नख़्शब (چاہ نخشب) फा. पुं.–नख़्शब (तुर्किस्तान का एक नगर) का वह ग़ार जहाँ से उस समय के प्रसिद्ध वैज्ञानिक हकीम इब्ने मुक़न्ना ने एक कृत्रिम चंद्रमा उदय किया था, जो चारों ओर बारह-बारह मील रौशनी देता था, और दिन को ग़ार में छिप जाता था।

चाहे नाफ़ (چاہ ناف) फा. पुं.–नाभिकूप, टुंडी, तुंडी।

चाहे निस्याँ (چاہ نسیاں) फा. अ. पुं.–अंधा कुआँ, जिसमें पानी न हो और ध्वस्त हो गया हो।

चाहे बाबुल (چاہ بابل) फा. पुं.–वह कुआँ जिसमें 'हारूत' और 'मारूत' नाम के दो फ़िरिश्ते बंद हैं, और जो लोगों को जादू सिखाते हैं।

चि

चिंगेज़ (چنگیز) तु. पुं.–हुलाकू ख़ाँ का दादा, जो बड़ा अत्याचारी था, बारहवीं शताब्दी (ईसवी) में।

चिंगेज़नज़ाद (چنگیز نژاد) तु. फा. वि.–उज़्बुक वंश के लोग।

चिंदावुल (چنداول) तु. पुं.–सेना का वह दल जो सेना के पीछे उसकी रक्षा के लिए चलता है।

चि (چہ) फा. अव्य.–क्या, किं।

चिक़ (چق) तु.–चिलमन।

चिकाँ (چکاں) फा. वि.–टपकता हुआ; टपकानेवाला (प्रत्य.) टपकानेवाला; जैसे–'ख़ूँचिका' ख़ून टपकानेवाला।

चिकानिंदः (چکانندہ) फा. वि.–टपकानेवाला।

चिकानीदः (چکانیدہ) फा. वि.–टपकाया हुआ।

चिकारः (چکارہ) फा. वि.–निकम्मा, नाकारः।

चिकिंदः (چکندہ) फा. वि.–टपकनेवाला।

चिकिन (چکن) फा. स्त्री.–एक प्रकार का कशीदा जो रेशम या सूत से कपड़ पर काढ़ा जाता है; इस कशीदे का कपड़ा।

चिकिश (چکش) फा. स्त्री.–टपकन, टपक।

चिकीदः (چکیدہ) फा. वि.–टपका हुआ।

चिकीदनी (چکیدنی) फा. वि.–टपकने योग्य।

चिख़ुश (چہ خوش) फा. बा.–एक व्यंगात्मक शब्द, क्या ख़ूब, बहुत ख़ूब।

चिग़ (چغ) तु. स्त्री.–दे. 'चिक़'।

चिगिल (چگل) फा. पुं.–तुर्किस्तान का एक प्राचीन नगर, जहाँ का सौन्दर्य प्रसिद्ध है।

चिगीं (چگیں) फा. पुं.—कढ़ा हुआ कपड़ा, चिकिन।

चिगून: (چگونہ) फा. अव्य.—किस प्रकार, कैसे, क्योंकर।

चिगूनगी (چگونگی) फा. स्त्री.—क्या है, क्यों है, कैसा है, यह भाव; वृत्तांत, हाल, कैफ़ियत।

चिग़ता (چغتا) तु. पुं.—तुर्कों की एक क़ौम।

चिग़ताई (چغتائی) तु. वि.—चिग़ता क़ौम का व्यक्ति।

चिज़िक (چزک) फा. स्त्री.—साही, एक काँटेदार जंतु।

चिदार (چدار) फा. स्त्री.—गाड़ी, शकट।

चिप्लक (چپلک) फा. वि.—अपवित्र, नापाक; मलिन, मलिष्ठ, गंदा।

चिरा (چرا) फा. अव्य.—क्यों, किसलिए, किस कारण।

चिराग़ (چراغ) फा. पुं.—दे. 'चराग़', दो. शु. हैं।

चिराग़ाँ (چراغاں) फा. पुं.—दे. 'चराग़ाँ', दो. शु. हैं।

चिरिंग (چرنگ) फा. पुं.—धमाका; चोट लगने का शब्द।

चिर्क (چرک) फा. पुं.—मैल, गंदगी; विष्ठा, गू; पीप, रीम; आँख का मैल।

चिर्कआलूद (چرک آلود) फा. वि.—मलयुक्त, गंदा।

चिर्की (چرکیں) फा. वि.—'चिर्कीन' का लघु., दे. 'चिर्कीन'।

चिर्कीन (چرکین) फा. वि.—मलिन, मलिष्ठ, गंदा।

चिर्म (چرم) फा. पुं.—दे. शु. उ. 'चर्म', यह अशुद्ध है।

चिल (چل) फा. वि.—'चिहिल' का लघु., चालीस; मूर्ख, बुद्धू (पुं.) चीड़ का पेड़।

चिलग़ोज: (چلغوزہ) फा. पुं.—चीड़ का फल, जो मशहूर मेवा है।

चिलचिल: (چلچلہ) फा. पुं.—चील, चिल्ल; कछुआ, कच्छप।

चिलत: (چلتہ) फा. पुं.—कवच, ज़िरिह।

चिलिम (چلم) फा. स्त्री.—तम्बाकू पीने का पात्र, जो हुक़्क़े पर रखकर या हाथ से पिया जाता है। (चिलम)

चिलिमपोश (چلم پوش) फा. पुं.—चिलिम पर ढाकने का ढक्कन, जिससे आग न उड़े।

चिली (چلی) फा. वि.—मूर्ख, बेवक़ूफ़, बुद्धू।

चिल्क़द (چلقد) फा. पुं.—कवच, ज़िरिह, दे. चिल्क़ब और 'चिल्त:'।

चिल्क़ब (چلقب) फा. पुं.—दे. 'चिल्क़द' और 'चिल्त:'।

चिल्त: (چلتہ) फा. पुं.—कवच, ज़िरिह, दे. चिल्क़द और 'चिल्क़ब'।

चिलपास: (چلپاسہ) फा. स्त्री.—छिपकली, गृहगोधा, दे. 'चलपास:' दोनों शुद्ध हैं।

चिल्ल: (چلہ) फा. पुं.—कोना, गोशा; चालीस दिन में होनेवाला काम; चालीस दिन का समय; चालीस दिन तक लगातार पढ़ा जानेवाला मंत्र आदि।

चिल्ल:कश (چلہ کش) फा. वि.—चालीस दिन तक नियमपूर्वक मंत्र आदि पढ़नेवाला।

चिल्ल:कशी (چلہ کشی) फा. स्त्री.—किसी कार्यविशेष की सिद्धि के लिए नियमपूर्वक चालीस दिन कोई जप अथवा मंत्र उच्चारण करना।

चिल्लए कमाँ (چلۂ کماں) फा. पुं.—धनुष का कोना।

चिश्त (چشت) फा. पुं.—अफ़ग़ानिस्तान का एक गाँव।

चिश्ती (چشتی) फा. वि.—चिश्त गाँव का निवासी; हज़रत मुईउद्दीन चिश्ती जिनका मज़ार अजमेर में है; चिश्ती खानदान का मुरीद।

चिहा (چہا) फा. अव्य.—क्या-क्या, कैसा-कैसा, कितना कुछ, क्या कुछ, बहुत कुछ।

चिहिल (چہل) फा. वि.—चालीस।

चिहिलक़दमी (چہل قدمی) फा. अ. स्त्री.—धीरे-धीरे टहलना, हवाख़ोरी करना, मन-बहलाव के लिए थोड़ी दूर तक टहलना। (चहलक़दमी)

चिहिलत: (چہلتہ) फा. पुं.—दे. 'चिलत:'।

चिहिलतन (چہلتن) फा. पुं.—चालीस बड़े महात्मा जिन पर सारे संसार का भार होता है।

चिहिल रोज़: (چہل روزہ) फा. वि.—चालीस दिन में ख़त्म होनेवाला काम; चालीस दिन के प्रोग्राम का काम।

चिहिलुम (چہلم) फा. वि.—चालीसवाँ; मुर्दे का चालीस दिन में होनेवाला संस्कार; कर्बला के शहीदों का चालीसवाँ।

चिह्ल: (چہلہ) फा. पुं.—दे. 'चेहल:'।

चिह्ल (چہل) फा. पुं.—दे. 'चेह्ल'।

चिह्लुम (چہلم) फा. पुं.—दे. 'चेहलुम'।

ची

चीं (چیں) फा. प्रत्य.—'चीन' का लघु., दे. 'चीन'।

चीं बअब्रू (چیں بہ ابرو) फा. वि.—भौंह पर बल पड़े हुए, भौं तनी हुई, जिसकी भौंह पर अप्रसन्नता से बल पड़े हों, रुष्ट।

चीं ब जबीं (چیں بہ جبیں) फा. वि.—जिसके माथे पर नाख़ुशी से बल पड़ गये हों, अप्रसन्न, रुष्ट, नाखुश।

चीं बर जबीं (چیں بر جبیں) फा. वि.—दे. 'चीं ब जबीं'।

ची (چی) तु. प्रत्य.—वाला, शब्द के अन्त में आकर अर्थ देता है, जैसे—'तोपची'।

चीक चीक (چیک چیک) फा. स्त्री.—चिड़ियों की चेहकार।

चीज़ (چیز) फा. स्त्री.—वस्तु, पदार्थ, द्रव्य, शय।

चीज़मीज़ (چیز میز) फा. स्त्री.—थोड़ा, न्यून, अल्प।

चीज़लीज़ (چیز لیز) फा. स्त्री.—पूंजी, सरमाया; सामर्थ्य, बिसात।

चाल (چال) फा. पुं.–गर्त, गढ़ा; कुआँ, कूप; चकोर पक्षी; जुए का दाँव; वह घोड़ा जिसके लाल और सफ़ेद बाल मिले हुए हों।

चालाक (چالاک) फा. वि.–निपुण, दक्ष, होशियार; धूर्त, वंचक, छली; फुर्तीला, चुस्त; व्यवहारानिष्ठ; बेईमान; तीव्र, तेज़।

चालाकदस्त (چالاک دست) फा. वि.–जिसके हाथ में बहुत फ़ुर्ती हो; जो आँखों के सामने से चीज़ उड़ा ले, हाथ की सफ़ाई दिखानेवाला।

चालाकदस्ती (چالاک دستی) फा. स्त्री.–काम की तेज़ी; हाथ की सफ़ाई।

चालाकी (چالاکی) फा. स्त्री.–धूर्तता, ठगी; बेईमानी; फ़ुर्ती, चुस्ती; दक्षता, महारत; तीव्रता, तेज़ी।

चालिश (چالش) फा. स्त्री.–आक्रमण, चम्ला; धावा, चढ़ाई।

चालीक (چالیک) फा. पुं.–गिल्ली-डंडे का खेल।

चालीश (چالیش) फा. पुं.–इठलाकर टहलने का भाव।

चावली (چاولی) फा. पुं.–सूप, छाछ, जिससे नाज फटका जाता है।

चावीदः (چاویده) फा. वि.–चबाया हुआ।

चाश (چاش) तु. पुं.–भूसा से निकाला हुआ ग़ल्ला।

चाश्त (چاشت) फा. स्त्री.–सूर्योदय से एक पहर तक का समय; इस समय का हलका खाना, नाश्ता, जलपान; इस समय की नमाज़।

चाश्नी (چاشنی) फा. स्त्री.–शकर आदि का क़िवाम; चखावट, चखने का भाव।

चाश्नीगीर (چاشنی گیر) फा. वि.–चाश्नी लेनेवाला, बावरची, रसोइया।

चाह (چاه) फा. पुं.–कुआँ, कूप; गढ़ा, गर्त।

चाहकन (چاه کن) फा. वि.–कुआँ खोदनेवाला, कूपकार; दूसरे के काम में विघ्न डालनेवाला; छली, वंचक, फ़रेबी।

चाहकनी (چاه کنی) फा. स्त्री.–कुआँ खोदने का काम; दूसरे के काम में बाधा डालना; छल करना, दग़ाबाज़ी।

चाहजू (چاه جو) फा. पुं.–कुएँ में गिरी हुई वस्तु निकालने का काँटा।

चाहमग़ (چاه مغ) फा. पुं.–गहरा कुआँ।

चाहे कनआँ (چاه کنعاں) फा. अ. पुं.–वह अंधा कुआँ जिसमें हज़रत यूसुफ़ को उनके भाइयों ने डाला था।

चाहे खसपोश (چاه خس پوش) फा. पुं.–घास से ढंका हुआ कुआँ, तृणाच्छन्न कूप।

चाहे ग़बग़ब (چاه غبغب) फा. पुं.–दे. 'चाहे ज़क़न।

चाहे ज़क़न (چاه ذقن) फा. अ. पुं.–वह गढ़ा जो ढोड़ी के बीच में होता है, चिबुक-कूपिका।

चाहे ज़नख़ (چاه زنخ) फा. पुं.–दे. 'चाहे ज़क़न'।

चाहे ज़नख़दाँ (چاه زنخداں) फा. पुं.–दे. 'चाहे ज़क़न'।

चाहे नख़्शब (چاه نخشب) फा. पुं.–नख़्शब (तुर्किस्तान का एक नगर) का वह ग़ार जहाँ से उस समय के प्रसिद्ध वैज्ञानिक हकीम इब्ने मुक़न्ना ने एक कृत्रिम चंद्रमा उदय किया था, जो चारों ओर बारह-बारह मील रौशनी देता था, और दिन को ग़ार में छिप जाता था।

चाहे नाफ़ (چاه ناف) फा. पुं.–नाभिकूप, टुंडी, तुंडी।

चाहे निस्याँ (چاه نسیاں) फा. अ. पुं.–अंधा कुआँ, जिसमें पानी न हो और ध्वस्त हो गया हो।

चाहे बाबुल (چاه بابل) फा. पुं.–वह कुआँ जिसमें 'हारूत' और 'मारूत' नाम के दो फ़िरिश्ते बंद हैं, और जो लोगों को जादू सिखाते हैं।

चि

चिंगेज़ (چنگیز) तु. पुं.–हुलाकू ख़ाँ का दादा, जो बड़ा अत्याचारी था, बारहवीं शताब्दी (ईसवी) में।

चिंगेज़नज़ाद (چنگیز نژاد) तु. फा. वि.–उज़्बुक वंश के लोग।

चिंदावुल (چنداول) तु. पुं.–सेना का वह दल जो सेना के पीछे उसकी रक्षा के लिए चलता है।

चि (چه) फा. अव्य.–क्या, किं।

चिक़ (چق) तु.–चिलमन।

चिकाँ (چکاں) फा. वि.–टपकता हुआ; टपकानेवाला (प्रत्य.) टपकानेवाला; जैसे–'ख़ूंचिकाँ' ख़ून टपकानेवाला।

चिकानिंदः (چکاننده) फा. वि.–टपकानेवाला।

चिकानीदः (چکانیده) फा. वि.–टपकाया हुआ।

चिकारः (چکاره) फा. वि.–निकम्मा, नाकारः।

चिकिंदः (چکنده) फा. वि.–टपकनेवाला।

चिकिन (چکن) फा. स्त्री.–एक प्रकार का कशीदा जो रेशम या सूत से कपड़ पर काढ़ा जाता है; इस कशीदे का कपड़ा।

चिकिश (چکش) फा. स्त्री.–टपकन, टपक।

चिकीदः (چکیده) फा. वि.–टपका हुआ।

चिकीदनी (چکیدنی) फा. वि.–टपकने योग्य।

चिख़ुश (چه خوش) फा. बा.–एक व्यंगात्मक शब्द, क्या ख़ूब, बहुत ख़ूब।

चिग़ (چغ) तु. स्त्री.–दे. 'चिक़'।

चिगिल (چگل) फा. पुं.–तुर्किस्तान का एक प्राचीन नगर, जहाँ का सौन्दर्य प्रसिद्ध है।

चिगीं (چگیں) फा. पुं.–कढ़ा हुआ कपड़ा, चिकिन।

चिगूनः (چگونہ) फा. अव्य.–किस प्रकार, कैसे, क्योंकर।

चिगूनगी (چگونگی) फा. स्त्री.–क्या है, क्यों है, कैसा है, यह भाव; वृत्तांत, हाल, कैफ़ियत।

चिग़ता (چغتا) तु. पुं.–तुर्कों की एक क़ौम।

चिग़ताई (چغتائی) तु. वि.–चिग़ता क़ौम का व्यक्ति।

चिज़िक (چزک) फा. स्त्री.–साही, एक काँटेदार जंतु।

चिदार (چدار) फा. स्त्री.–गाड़ी, शकट।

चिप्लक (چپلک) फा. वि.–अपवित्र, नापाक; मलिन, मलिष्ठ, गंदा।

चिरा (چرا) फा. अव्य.–क्यों, किसलिए, किस कारण।

चिराग़ (چراغ) फा. पुं.–दे. 'चराग़', दो. शु. हैं।

चिराग़ाँ (چراغاں) फा. पुं.–दे. 'चराग़ाँ', दो. शु. हैं।

चिरिंग (چرنگ) फा. पुं.–धमाका; चोट लगने का शब्द।

चिर्क (چرک) फा. पुं.–मैल, गंदगी; विष्ठा, गू; पीप, रीम; आँख का मैल।

चिर्कआलूद (چرک آلود) फा. वि.–मलयुक्त, गंदा।

चिर्कीं (چرکیں) फा. वि.–'चिर्कीन' का लघु., दे. 'चिर्कीन'।

चिर्कीन (چرکین) फा. वि.–मलिन, मलिष्ठ, गंदा।

चिर्म (چرم) फा. पुं.–दे. शु. उ. 'चर्म', यह अशुद्ध है।

चिल (چل) फा. वि.–'चिहिल' का लघु., चालीस; मूर्ख, बुद्धू (पुं.) चीड़ का पेड़।

चिलग़ोज़ः (چلغوزہ) फा. पुं.–चीड़ का फल, जो मशहूर मेवा है।

चिलचिलः (چلچلہ) फा. पुं.–चील, चिल्ल; कछुआ, कच्छप।

चिलतः (چلتہ) फा. पुं.–कवच, ज़िरिह।

चिलिम (چلم) फा. स्त्री.–तम्बाकू पीने का पात्र, जो हुक़्क़े पर रखकर या हाथ से पिया जाता है। (चिलम)

चिलिमपोश (چلم پوش) फा. पुं.–चिलिम पर ढाकने का ढक्कन, जिससे आग न उड़े।

चिली (چلی) फा. वि.–मूर्ख, बेवक़ूफ़, बुद्धू।

चिल्क़द (چلقد) फा. पुं.–कवच, ज़िरिह, दे. चिल्क़ब और 'चिल्तः'।

चिल्क़ब (چلقب) फा. पुं.–दे. 'चिल्क़द' और 'चिल्तः'।

चिल्तः (چلتہ) फा. पुं.–कवच, ज़िरिह, दे. चिल्क़द और 'चिल्क़ब'।

चिल्पासः (چلپاسہ) फा. स्त्री.–छिपकली, गृहगोधा, दे. 'चल्पासः' दोनों शुद्ध हैं।

चिल्लः (چلہ) फा. पुं.–कोना, गोशा; चालीस दिन में होनेवाला काम; चालीस दिन का समय; चालीस दिन तक लगातार पढ़ा जानेवाला मंत्र आदि।

चिल्लःकश (چلہ کش) फा. वि.–चालीस दिन तक नियमपूर्वक मंत्र आदि पढ़नेवाला।

चिल्लःकशी (چلہ کشی) फा. स्त्री.–किसी कार्यविशेष की सिद्धि के लिए नियमपूर्वक चालीस दिन कोई जप अथवा मंत्र उच्चारण करना।

चिल्लए कमाँ (چلۂ کماں) फा. पुं.–धनुष का कोना।

चिश्त (چشت) फा. पुं.–अफ़ग़ानिस्तान का एक गाँव।

चिश्ती (چشتی) फा. वि.–चिश्त गाँव का निवासी; हज़रत मुहीउद्दीन चिश्ती जिनका मज़ार अजमेर में है; चिश्ती ख़ानदान का मुरीद।

चिहा (چہا) फा. अव्य.–क्या-क्या, कैसा-कैसा, कितना कुछ, क्या कुछ, बहुत कुछ।

चिहिल (چہل) फा. वि.–चालीस।

चिहिलक़दमी (چہل قدمی) फा. अ. स्त्री.–धीरे-धीरे टहलना, हवाख़ोरी करना, मन-बहलाव के लिए थोड़ी दूर तक टहलना। (चहलक़दमी)

चिहिलतः (چہلتہ) फा. पुं.–दे. 'चिलतः'।

चिहिलतन (چہلتن) फा. पुं.–चालीस बड़े महात्मा जिन पर सारे संसार का भार होता है।

चिहिल रोज़ः (چہل روزہ) फा. वि.–चालीस दिन में खत्म होनेवाला काम; चालीस दिन के प्रोग्राम का काम।

चिहिलुम (چہلم) फा. वि.–चालीसवाँ; मुर्दे का चालीस दिन में होनेवाला संस्कार; कर्बला के शहीदों का चालीसवाँ।

चिह्ः (چہرہ) फा. पुं.–दे. 'चेह्ः'।

चिह्र (چہر) फा. पुं.–दे. 'चेह्र'।

चिह्लुम (چہلم) फा. पुं.–दे. 'चेहलुम'।

ची

चीं (چیں) फा. प्रत्य.–'चीन' का लघु., दे. 'चीन'।

चीं बअब्रू (چیں بہ ابرو) फा. वि.–भौंह पर बल पड़े हुए, भौं तनी हुई, जिसकी भौंह पर अप्रसन्नता से बल पड़े हों, रुष्ट।

चीं ब जबीं (چیں بہ جبیں) फा. वि.–जिसके माथे पर नाख़ुशी से बल पड़ गये हों, अप्रसन्न, रुष्ट, नाख़ुश।

चीं बर जबीं (چیں بر جبیں) फा. वि.–दे. 'चीं ब जबीं'।

ची (چی) तु. प्रत्य.–वाला, शब्द के अन्त में आकर अर्थ देता है, जैसे—'तोपची'।

चीक चीक (چیک چیک) फा. स्त्री.–चिड़ियों की चेहकार।

चीज़ (چیز) फा. स्त्री.–वस्तु, पदार्थ, द्रव्य, शय।

चीज़मीज़ (چیز میز) फा. स्त्री.–थोड़ा, न्यून, अल्प।

चीज़लीज़ (چیز لیز) फा. स्त्री.–पूंजी, सरमाया; सामर्थ्य, बिसात।

चीदः (چیدہ) फा. वि.–चुना हुआ, छाँटा हुआ।

चीदःचीदः (چیدہ چیدہ) फा. वि.–चुने-चुने, छटे-छटे; मुख्य-मुख्य, खास-खास।

चीदनी (چیدنی) फा. वि.–चुनने योग्य, छाँटने योग्य।

चीनः (چینہ) फा. पुं.–वे अन्न के दाने जो पक्षी खाते हैं; दीवार का रद्दा।

चीनःदानः (چینہ دانہ) फा. पुं.–पक्षी का पोटा।

चीनःदान (چینہ دان) फा. पुं.–दे. 'चीनःदानः'।

चीन (چین) फा. प्रत्य.–चुननेवाला, जैसे–'गुलचीन' फूल चुननेवाला (पुं.) एक प्रसिद्ध देश (स्त्री.) झुर्री, शिकन, बल।

चीनिंदः (چیننده) फा. वि.–चुननेवाला।

चीनी (چینی) फा. वि.–चीन का निवासी; चीन की भाषा; चीन की सफ़ेद मिट्टी।

चीने अब्रू (چین ابرو) फा. स्त्री.–भौंहों का तनाव, भौं का बल, जो क्रोध का चिह्न है।

चीने जबीं (چین جبیں) फा. स्त्री.–माथे का बल, जो अप्रसन्नता का चिह्न है।

चीने पेशानी (چین پیشانی) फा. स्त्री.–दे. 'चीने जबीं'।

चीरः (چیرہ) फा. वि.–शक्तिशाली, ताक़तवर; विजेता, ग़ालिब (पुं.) पगड़ी, उष्णीष।

चीरःदस्त (چیرہ دست) फा. वि.–अत्याचारी, अन्यायी, ज़ालिम; ज़ोरावर, ज़बर्दस्त।

चीरःदस्ती (چیرہ دستی) फा. स्त्री.–अत्याचार, ज़ुल्म; ज़ोरावरी, ज़बर्दस्ती।

चीरःबंद (چیرہ بند) फा. वि.–पगड़ी बाँधनेवाला, (स्त्री.) वह वेश्या-पुत्री जो अभी कुमारी हो।

चीरःबंदी (چیرہ بندی) फा. स्त्री.–पगड़ी बाँधना।

चीरगी (چیرگی) फा. स्त्री.–शूरता, वीरता, बहादुरी; ज़बरदस्ती, अन्याय।

चीलदो (چیلدو) तु. पुं.–इन्आम, पुरस्कार, बख़्शिश।

चीस्त (چیست) फा. अव्य.–क्या है?

चीस्ताँ (چیستاں) फा. स्त्री.–पहेली, प्रहेलिका, मुअम्मा।

चु

चुंग (چنگ) फा. स्त्री.–चोंच, चंचु।

चुंदुर (چندر) फा. पुं.–चुक़ंदर, एक तरकारी।

चुंबल (چنبل) फा. पुं.–भिक्षापात्र, कमंडल।

चुक़ंदर (چقندر) फा. पुं.–एक तरकारी।

चुकुस (چکس) फा. पुं.–बुलबुल आदि के बैठाने का अड्डा।

चुख़ा (چوخا) तु. पुं.–एक प्रकार का कोट जो प्रायः फ़क़ीर पहनते हैं, दे. 'चूख़ा'।

चुग़ा (چغا) तु. पुं.–एक प्रकार का अंगरखा।

चुग़ुल (چغل) तु. वि.–पिशुन, चुग़ली खानेवाला।

चुग़ुलख़ोर (چغل خور) अ. वि.–क़ाइदे से यह शब्द अशुद्ध है, क्योंकि 'चुग़ुल' का अर्थ चुग़ली खानेवाले के हैं।

चुग़ुलख़ोरी (چغل خوری) अ. स्त्री.–चुग़ली खाना, पिशुनता, क़ाइदे से यह शब्द अशुद्ध है, इसके स्थान पर 'चुग़ुली' शुद्ध है।

चुग़ुली (چغلی) तु. स्त्री.–चुग़ली खाना, पिशुनता।

चुग़्ज़ (چغز) फा. पुं.–मेंढक, मंडूक; बंद फोड़ा, दे. 'चग़्ज़' दो. शुद्ध हैं।

चुग़्द (چغد) फा. पुं.–उलूक, पेचक, उल्लू (वि.) मूर्ख बुद्धिहीन, मूढ़, उल्लू।

चुग़्ली (چغلی) तु. स्त्री.–पिशुनता, चुग़ुलख़ोरी।

चुनाँ (چناں) फा. अव्य.–वैसा, उस प्रकार का; उतना, वैसा; इतना, ऐसा।

चुनांचे (چنانچہ) फा. अव्य.–अतः, इसलिए; फलस्वरूप, नतीजे में।

चुनाक़ (چناق) तु. पुं.–दे. 'चुनाग़', दो. शु. हैं।

चुनाग़ (چناغ) तु. पुं.–ज़ीन, घोड़े की काठी; पालान, नमदा।

चुनीं (چنیں) फा. अव्य.–ऐसा, इस प्रकार का; ऐसे, इस तरह, यूँ।

चुनीदः (چنیدہ) फा. वि.–चुना हुआ, छाँटा हुआ।

चुनू (چنو) फा. अव्य.–'चूँ' का लघु., दे. 'चूँ'।

चुफ़्त (چفت) फा. वि.–मोटा-ताज़ा, चर्बीला; फुर्तीला, तेज़; मोटा, दलदार।

चुमाक़ (چماق) तु. पुं.–वह गदा जो लोहे का होता है और जिसका गोला षट्कोण होता है; शिश्न, मेहन, लिंग।

चुम्चः (چمچہ) तु. पुं.–चम्चः, चमस, शु. उ. नहीं है, परंतु उर्दूवाले 'चम्चः' बोलते हैं, दे. 'चम्चः'।

चुर्बक (چربک) फा. पुं.–असत्य, झूठ; चाटुकर्म, ख़ुशामद; व्यंग, तंज़; अश्लीलता, फक्कड़पन; लज्जा; पहेली।

चुलाव (چلاؤ) तु. पुं.–भात, ख़ुश्कः, सादे चावल।

चुलिस्ताँ (چولستاں) तु. पुं.–वह जंगल जिसमें न पेड़ हों न पानी।

चुली (چلی) फा. स्त्री.–भीरुता, कायरता, डरपोकपन, नपुंसकता, क्लीवता, नामर्दी।

चुलूक (چلوک) फा. स्त्री.–गाड़ी, शटक; धतूरा, धत्तूर, एक विषैला फल।

चुवाक (چواک) फा. स्त्री.–पूरी, घी में बना हुआ फुलका।

चुस (چس) फा. पुं.–वह अपान वायु जिसमें शब्द न हो।

चुस्तः (چستہ) फा. पुं.–बकरी आदि का ऐन, खीरी।
चुस्त (چست) फा. वि.–फुर्तीला, मुस्तहद; दक्ष, होशियार; कसा हुआ लिबास; ठीक, फ़िट; दृढ़, मज़बूत।
चुस्ती (چستی) फा. स्त्री.–फुर्तीलापन; दक्षता, होशयारी; दृढ़ता, मज़बूती।
चुह्रः (چہرہ) फा. पुं.–बिना डाढ़ी-मूछों का लड़का, अम्रद।

चू

चूं (چوں) फा. अव्य.–कैसे, किस प्रकार; जब, जिस समय; तुल्य, समान।
चूंकि (چونکہ) फा. अव्य.–क्योंकि।
चूख़ा (چوخا) तु. पुं.–ऊनी कोट जो फ़कीरों का लिबास है।
चूजः (چوجہ) फा. पुं.–दे. 'चूज़'।
चूज़ः (چوزہ) फा. पुं.–मुर्गी का बच्चा (व्यंग) नयी और सुंदर स्त्री।
चूज़ःरुबा (چوزہ ربا) फा. स्त्री.–चील, चिल्ल।
चूज़ (چوز) फा. पुं.–चकोर, कब्क; वह शिकारी पक्षी का बच्चा जिसने अभी शिकार करना न सीखा हो।
चूनीं (چونیں) फा. अव्य.–दे. 'चुनीं'।
चूनोचरा (چون وچرا) फा. स्त्री.–वाद-विवाद, कहा-सुनी।

चे

चेख़ (چیخ) फा. पुं.–वह मनुष्य जिसकी पलकें झड़ गयी हों, चुंधा।
चेचक (چیچک) तु. स्त्री.–फूल, गुल; सीतला रोग, माता, शीतला, विस्फोटक; मसूरिका, खसरा।
चेनः (چینہ) फा. पुं.–दे. 'चीनः'।
चेनःदान (چینہ دان) फा. पुं.–दे. 'चीनःदान'।
चेहरः (چہرہ) फा. पुं.–मुखाकृति, मुखमंडल, शक्ल, सूरत; सामने का भाग; हुल्याः।
चेहरःकुशा (چہرہ کشا) फा. वि.–मुंह पर से पर्दा उठानेवाला, मुंह खोलनेवाला।
चेहरःकुशाई (چہرہ کشائی) फा. स्त्री.–मुंह खोलना; किसी की तस्वीर पर से पर्दा उठाने की रस्म।
चेहरःखेज़ (چہرہ خیز) फा. वि.–स्वच्छ, साफ़; प्रकाशित, रौशन।
चेहरःनवीस (چہرہ نویس) फा. वि.–हुल्या लिखनेवाला।
चेहरःनवीसी (چہرہ نویسی) फा. स्त्री.–हुल्या लिखने का काम।
चेहरःपर्दाज (چہرہ پرداز) फा. वि.–चित्रकार, मुसव्विर, चितेरा।
चेहरःपर्दाज़ी (چہرہ پردازی) फा. स्त्री.–चितेरे का काम, मुसव्विरी।

चो

चो (چو) फा. अव्य.–जो, अगर, यदि; जब, जिस समय।
चोख़ीदः (چوخیدہ) फा. वि.–फिसला हुआ।
चोख़ीदनी (چوخیدنی) फा. वि.–फिसलने योग्य।
चोबः (چوبہ) फा. पुं.–बाण, तीर; छोटी कील।
चोब (چوب) फा. स्त्री.–काष्ठ, काठ, लकड़ी; लाठी, यष्टि।
चोबक (چوبک) फा. स्त्री.–छोटा डंडा; नक़्क़ारा बजाने की लकड़ी।
चोबकज़न (چوبک زن) फा. वि.–नक़्क़ारची, नक़्क़ारा बजानेवाला; चौकीदारों का मेट जो एक लकड़ी और एक तख़्ता लेकर रात में गश्त करता और तख़्ते पर लकड़ी ठोंकता था, जिससे सारे पहरा देनेवाले होशयार हो जाते थे।
चोबकी (چوبکی) फा. वि.–चोबदार, दंडधारी।
चोबख़्वार (چوب خوار) फा. वि.–लकड़ी खानेवाला कीड़ा, दीमक।
चोबगज़ (چوب گز) फा. पुं.–कपड़ा नापने का गज़।
चोबगीं (چوبگیں) फा. स्त्री.–कपास ओटने की चर्खी।
चोबचीनी (چوب چینی) फा. स्त्री.–चीन देश की एक लकड़ी जो दवा के काम आती है। लाल रंग की तथा अत्यन्त रक्त-शोधक होती है।
चोबदस्त (چوبدست) फा. स्त्री.–दे. 'चोबदस्ती'।
चोबदस्ती (چوبدستی) फा. स्त्री.–हाथ में पकड़ने की छड़ी।
चोबदार (چوبدار) फा. पुं.–लकड़ी लेकर आगे चलनेवाला व्यक्ति, नक़ीब; प्रतिहारी, द्वारपाल, दरवान।
चोबा (چوبا) फा. पुं.–लकड़ी की थूनी, थुनकी; लोहे की पतली और लंबी कील।
चोबीं (چوبیں) फा. वि.–लकड़ी का बना हुआ, काष्ठमय।
चोबी (چوبی) फा. वि.–दे. 'चोबीं'।
चोबे तरीक़ (چوب طریق) अ. फा. स्त्री.–पब्लिक को किसी बात से रोकने के हेतु डराने के लिए कर्मचारियों का डंडा।
चोबे ता'लीम (چوب تعلیم) फा. अ. स्त्री.–पढ़ानेवाले का डंडा, जिससे वह मारता है।
चोबे मुहस्सिल (چوب محصل) फा. अ. स्त्री.–चुंगी आदि वसूल करनेवाले का डंडा।
चोबे शिगाफ़ (چوب شگاف) फा. स्त्री.–चिरी हुई लकड़ी की फटन में दी जानेवाली पच्चर।
चोशिदः (چوشلدہ) फा. वि.–[illegible]नेवाला।
चोशीदः (چوشیدہ) फा. वि.–चूसा हुआ।

चोशीद (چوشید) फा. स्त्री.–दे. 'चोशीदगी'।
चोशीदगी (چوشیدگی) फा. स्त्री.–चूसने का भाव, चूस।
चोशीदनी (چوشیدنی) फा. वि.–चूसने के योग्य।

चौ

चौगाँ (چوگاں) फा. पुं.–'चौगान' का लघु., दे. 'चौगान'।
चौगाँबाज़ (چوگاں باز) फा. वि.–चौगान (पोलो) खेलनेवाला।
चौगाँबाज़ी (چوگاں بازی) फा. स्त्री.–पोलो का खेल।
चौगान (چوگان) फा. पुं.–एक खेल जिसमें घोड़ों पर चढ़कर गेंद खेला जाता है, पोलो।
चौगानी (چوگانی) फा. पुं.–वह घोड़ा जो पोलो पर सधा हो।
चौतरः (چوترہ) फा. पुं.–मकान के आगे का फ़र्श, चबूतरा।
चौपाँ (چوپاں) फा. पुं.–'चौपान' का लघु., दे. 'चौपान'।
चौपान (چوپان) फा. पुं.–रेवड़ चरानेवाला, चरवाहा।
चौपानी (چوپانی) फा. स्त्री.–रेवड़ चराने का काम, चरवाहागीरी, गल्लःबानी।
चौसिंदः (چوسندہ) फा. वि.–चिपकनेवाला।
चौसीदः (چوسیدہ) फा. वि.–चिपका हुआ।
चौसीदनी (چوسیدنی) फा. वि.–चिपकने के लायक़।

ज

जंग (جنگ) फा. स्त्री.–युद्ध, रण, समर, संग्राम, संयुग, लड़ाई, हर्ब; कलह, झगड़ा, झड़प; उपद्रव, फ़साद; वैर, शत्रुता, दुश्मनी; प्रतिद्वंद्विता, रक़ाबत।
ज़ंग (زنگ) फा. पुं.–ठंड और तरी से धातुओं में लगनेवाला मैल, कसाव, मोरचा, मंडूर; मैल, गंदगी; पाप, गुनाह; घंटा, घड़ियाल; हब्श देश।
जंगआज़्मा (جنگ آزما) फा. वि.–लड़ाई का अनुभवी, युद्ध-कुशल; लड़ाई में मशग़ूल, युद्धरत।
जंगआज़्माई (جنگ آزمائی) फा. स्त्री.–लड़ाई का अनुभव; लड़ाई में मशग़ूलियत; लड़ाई।
जंगआज़्मूदः (جنگ آزمودہ) फा. वि.–लड़ाई के मैदान मारे हुए, अनुभवी योद्धा, युद्ध-कुशल।
जंगआज़्मूदगी (جنگ آزمودگی) फा. स्त्री.–लड़ाई का अनुभव रखना, युद्ध-अनुभव, युद्ध-कौशल।
ज़ंगआलूदः (زنگ آلودہ) फा. वि.–मोरचा खाया हुआ, जंग लगा हुआ।
ज़ंगआलूदगी (زنگ آلودگی) फा. स्त्री.–मोरचा लग जाना, ज़ंग लगकर ख़राब हो जाना।
ज़ंगख़ुर्दः (زنگ خوردہ) फा. वि.–दे. 'ज़ंगआलूदः'।
ज़ंगख़ुर्दगी (زنگ خوردگی) फा. स्त्री.–दे. 'ज़ंगआलूदगी'।
जंगख़्वाह (جنگ خواہ) फा. वि.–लड़ाई चाहनेवाला, जो चाहता हो युद्ध हो जाय।
जंगगाह (جنگ گاہ) फा. स्त्री.–लड़ाई का मैदान, रंगभूमि, रणस्थल, युद्ध-क्षेत्र।
जंगजू (جنگ جو) फा. वि.–प्रकृति से लड़ाई-झगड़ा पसंद करनेवाला, लड़ाका; सैनिक, सिपाही।
जंगजूई (جنگ جوئی) फा. स्त्री.–लड़ाकापन; सैनिकता, सिपाहीपन; युद्ध, लड़ाई।
जंग ना आज़्मूदः (جنگ ناآزمودہ) फा. वि.–जिसे युद्ध का अनुभव न हो।
जंगपसंद (جنگ پسند) फा. वि.–जिसे युद्ध और रक्तपात अच्छा लगता हो, युद्धप्रिय।
जंगपसंदी (جنگ پسندی) फा. स्त्री.–युद्ध और रक्तपात को पसंद करना।
जंगबाज़ (جنگ باز) फा. वि.–जो हर समय लड़ाई की ही बात सोचता रहता हो, जिसे हर समस्या का हल युद्ध में दीख पड़ता हो।
जंगबाज़ी (جنگ بازی) फा. स्त्री.–हर समय लड़ाई की ही बात सोचना, हर समस्या को लड़ाई द्वारा ही हल करने की कोशिश करना।
जंगल (جنگل) फा. पुं.–वन, विपिन, कानन, सह्‌रा; चटयल मैदान, बियाबान।
जंगली (جنگلی) फा. वि.–जंगल का निवासी; असभ्य, अशिष्ट, वह्‌शी; जंगल में मिलनेवाली वस्तु।
जंगली यकपा (جنگلی یک پا) फा. पुं.–एक जानवर जो मनुष्य की आकृति का होता है, केवल एक पाँव रखता है और बोल नहीं सकता; घामड़ व्यक्ति, हवन्नक़।
ज़ंगार (زنگار) फा. पुं.–मंडूर, ज़ंग; ज़ंग से बनी हुई एक औषध।
ज़ंगारी (زنگاری) फा. वि.–जिसमें ज़ंगार पड़ा हो; ज़ंगार डालकर बनायी हुई ओषधि; ज़ंगार के रंग का।
जंगाह (جنگاہ) फा. स्त्री.–'जंगगाह' का लघु., युद्ध-भूमि, रणांगण, मैदाने जंग।
जंगी (جنگی) फा. वि.–लड़ाई से सम्बन्ध रखनेवाला; लड़ाई में काम आनेवाला।
ज़ंगी (زنگی) फा. वि.–हब्श देश का निवासी, हब्शी; बहुत ही काले रंग का व्यक्ति।
ज़ंगी नज़ाद (زنگی نژاد) फा. वि.–हब्शी नस्ल का, हब्शी।
ज़ंगुलः (زنگلہ) फा. पुं.–झाँझ, बड़े मजीरे; घुँघरू।

जंगूलः (زنگوله) फा. पुं.—दे. 'ज़ंगुलः'।
जंगे आज़ादी (جنگ آزادی) फा. स्त्री.—देश को पराधीनता से मुक्त कराने की लड़ाई।
जंगे ज़रगरी (جنگ زرگری) फा. स्त्री.—झूठमूठ की केवल दूसरों को दिखाने की लड़ाई, कूटयुद्ध।
जंगे बर्री (جنگ بری) फा. अ. स्त्री.—खुश्की की लड़ाई, स्थल-युद्ध।
जंगे बह्री (جنگ بحری) फा. अ. स्त्री.—समुद्र में जहाज़ों की लड़ाई, जलयुद्ध।
जंगे साख़्तः (جنگ ساختہ) फा. स्त्री.—दे. 'जंगे ज़रगरी'।
जंगे हवाई (جنگ ہوائی) फा. अ. स्त्री.—आकाश में वायुयानों द्वारा लड़ाई, वायु-युद्ध।
जंगोजदल (جنگ وجدل) फा. अ. स्त्री.—मारकाट, रक्तपात, लड़ाई-झगड़ा।
जंगोजिदाल (جنگ وجدال) फा. अ. स्त्री.—दे. 'जंगोजदल'।
ज़ंचक (زنچک) फा. स्त्री.—व्यभिचारिणी, कुलटा, फ़ाहिशा।
ज़ंज (زنج) अ. पुं.—दे. ज़ंग (देश)।
ज़ंजबार (زنجبار) अ. पुं.—पूर्वी अफ़्रीक़ा का एक साहिली टापू जहाँ से लौंग आती है।
ज़ंजबील (زنجبیل) अ. स्त्री.—सोंठ, शुंठि, सूखा हुआ अदरक।
ज़ंजरः (زنجره) अ. पुं.—झींगुर, एक प्रसिद्ध कीड़ा।
ज़ंजी (زنجی) अ. वि.—दे. 'ज़ंगी', हबश का निवासी, हबशी।
ज़ंजीरः (زنجیره) फा. पुं.—तरंग, मौज, लहर; एक प्रकार की सिलाई।
ज़ंजीरःबंदी (زنجیره بندی) फा. स्त्री.—एक वस्तु का दूसरी वस्तु से अनिवार्य सम्बन्ध।
ज़ंजीर (زنجیر) फा. स्त्री.—शृंखला, साँकर; क्रम, तर्तीब।
ज़ंजीरकशीदः (زنجیر کشیده) फ़ा. वि.—दे. 'ज़ंजीर गुसिस्तः'।
ज़ंजीरख़ानः (زنجیرخانه) फा. पुं.—कारावास, जेलख़ाना।
ज़ंजीरगर (زنجیرگر) फा. वि.—शृंखलाकार, ज़ंजीर बनानेवाला।
ज़ंजीरगुसिस्तः (زنجیرگسسته) फा. वि.—जिसके पाँव का बंधन टूट गया हो, स्वच्छंद, स्वतंत्र, आज़ाद।
ज़ंजीरदार (زنجیردار) फा. वि.—सम्बन्ध रखनेवाला; अनुयायी, मुत्तबे'।
ज़ंजीरफ़र्सा (زنجیر فرسا) फा. वि.—ज़ंजीर को रगड़नेवाला।
ज़ंजीरबान (زنجیربان) फा. वि.—कारागार का अध्यक्ष, जेलर।
ज़ंजीरमू (زنجیرمو) फा. वि.—घुंघराले बालोंवाला (वाली)।
ज़ंजीरसर (زنجیرسر) फा. वि.—दे. 'ज़ंजीरमू'।
ज़ंजीरसाज़ (زنجیرساز) फा. वि.—दे. 'ज़ंजीरगर'।
ज़ंजीरसोज़ (زنجیرسوز) फा. वि.—ज़ंजीर को जला देने वाला, ज़ंजीर को ख़त्म कर देनेवाला, बंधनों को तोड़ देनेवाला।
ज़ंजीरी (زنجیری) फा. वि.—बंदी, क़ैदी; पागल, दीवाना।
ज़ंजीरे आहन (زنجیر آهن) फा. स्त्री.—लोहे की ज़ंजीर, लोहपाश।
ज़ंजीरे जुनूँ (زنجیر جنوں) फा. अ. स्त्री.—वह ज़ंजीर जो पागल व्यक्ति को पहनायी जाती है।
ज़ंदः (زنده) फा. वि.—महान्, बड़ा, अज़ीम।
ज़ंदःपील (زنده پیل) फा. पुं.—बहुत बड़ा हाथी।
ज़ंदःरोद (زنده رود) फा. पुं.—बहुत बड़ी नदी, महानद।
ज़ंद (زند) फा. वि.—बड़ा, महान्, अज़ीम; चक़माक़, अग्नि-प्रस्तर।
ज़ंद (زند) अ. पुं.—पहुँचा, कलाई।
ज़ंद (ژند) फा. पुं.—ज़रदुश्त का ग्रंथ, जो पार्सियों का मूल धार्मिक ग्रंथ है।
ज़ंदख़्वाँ (زندخواں) फा. वि.—दे. 'ज़ंदबाफ़'।
ज़ंदपील (زند پیل) फा. पुं.—दे. 'ज़ंदपील'।
ज़ंदबाफ़ (زندباف) फा. वि.—गानेवाला पक्षी; बुलबुल, क़ुमरी अथवा फ़ाख़्ता आदि।
जंदर्मः (جندرمه) अ. पुं.—पुलीस।
जंदल (جندل) अ. पुं.—बड़ा पत्थर, शिला।
ज़ंदलाफ़ (زندلاف) फा. वि.—दे. 'ज़ंदबाफ़'।
ज़ंदो उस्ता (ژندو اوشتا) फा. पुं.—'ज़ंद' का मूल ग्रंथ और उसका महाकाव्य 'उस्ता'।
ज़ंदोपाज़ंद (ژندوپاژند) फा. पुं.—'ज़ंद' का मूल और उसका महाभाष्य 'पाज़ंद'।
जंब (جنب) अ. पुं.—पार्श्व, पहलू; वक्षःस्थल, सीना; पस्ली।
ज़ंब (ذنب) अ. पुं.—पाप, पातक, गुनाह।
ज़ंबक़ (زنبق) अ. पुं.—चंपा, एक प्रसिद्ध फूल।
ज़ंबर (زنبر) फा. पुं.—बोझ उठाने की सीढ़ी के आकार की एक चीज़, मंझी।
ज़ंबील (زنبیل) अ. स्त्री.—थैला, बेग; पिटारा।
ज़ंबूरः (زنبوره) फा. पु.—छोटी तोप; बाण का फल; भिड़, बर्र।
ज़ंबूर (زنبور) फा. पुं.—छोटी तोप; बाण का फल; भिड़, बर्र; एक औज़ार; शहद की मक्खी।
ज़ंबूरक (زنبورک) तु. पुं.—छोटी और हलकी तोप, जो ऊँट आदि पर लादी जा सके।

ज़ंबूरख़ानः (زنبورخانه) फा. पुं.—भिड़ों का छत्ता।
ज़ंबूरची (زنبورچی) तु. पुं.—तोप चलानेवाला, तोपची।
ज़ंबूरी (زنبوری) फा. पुं.—जालीदार कपड़ा; 'ज़ंबूर' से सम्बन्ध रखनेवाला।
ज़ंबूरे असल (زنبور عسل) फा. अ. पुं.—शहद की मक्खी।
ज़ईफ़ः (ضعیفه) अ. स्त्री.—वृद्धा स्त्री; निर्बला स्त्री।
ज़ईफ़ (ضعیف) अ. वि.—वृद्ध, वयोगत, वयोवृद्ध, बूढ़ा; निर्बल, शक्तिहीन, कमज़ोर।
ज़ईफ़ आवाज़ (ضعیف آواز) अ. फा. वि.—जिस की आवाज़ बहुत कमज़ोर हो, जो बहुत धीमे से बोले।
ज़ईफ़ी (ضعیفی) अ. स्त्री.—वृद्धावस्था, बढ़ापा; निर्बलता कमज़ोरी।
ज़ईफ़ुद्दिमाग़ (ضعیف الدماغ) अ. वि.—जिसका मस्तिष्क कमज़ोर हो; जिसे बात याद न रहती हो।
ज़ईफ़ुन्नज़र (ضعیف النظر) अ. वि.—जिसकी नेत्र-शक्ति कमज़ोर हो, मंद दृष्टि।
ज़ईफ़ुलअक़्ल (ضعیف العقل) अ. वि.—जिसकी बुद्धि कमज़ोर हो, जिसमें समझ-बूझ की कमी हो, मंदमति।
ज़ईफ़ुलईमान (ضعیف الایمان) अ. वि.—जिसका विश्वास धर्म पर दृढ़ न हो, मंदनिष्ठ।
ज़ईफ़ुलउम्र (ضعیف العمر) अ. वि.—वयोवृद्ध, बड़ी आयु-वाला।
ज़ईफ़ुलएतिक़ाद (ضیف الاعتقاد) अ. वि.—जिसकी श्रद्धा किसी पर कम हो; जो संतों-साधुओं पर विश्वास कम रखता हो।
ज़ईफ़ुलक़ल्ब (ضعیف القلب) अ. वि.—जिसका दिल कमज़ोर हो, जो किसी दुर्घटना की ख़बर से तुरंत हो व्याकुल जाय।
ज़ईफ़ुलक़ुवा (ضعیف القوا) अ. वि.—जिसके हाथ-पाँव कमज़ोर हो गये हों, जो शक्तिहीन हो गया हो।
ज़ईफ़ुलबसर (ضعیف البصر) अ. वि.—दे. 'ज़ईफ़ुन्नज़र'।
ज़ईफ़ुलबुन्यान (ضعیف البنیان) अ. वि.—जिसकी नींव कमज़ोर हो।
ज़ईफ़ुलमेदः (ضعیف المعدہ) अ. वि.—जिसकी पाचनशक्ति कमज़ोर हो।
ज़ईफ़ुलहज़्म (ضعیف الہضم) अ. वि.—दे. 'ज़ईफ़ुलमेदः' या मेदा, दो. शु. हैं।
ज़ईम (زعیم) अ. पुं.—नेता, लीडर, रहनुमा।
ज़ईमुलमिल्लत (زعیم الملت) अ. पुं.—राष्ट्र का नेता, पूरी क़ौम का नेता।
ज़क़ंद (زقند) फा. स्त्री.—छलाँग, फलाँग, उछाल।

ज़क (زک) फा. स्त्री.—हानि, अनिष्ट, नुक़्सान; पराजय, हार, शिकस्त; लज्जा, शर्म; अपमान, तिरस्कार, ज़िल्लत।
ज़क़न (ذقن) अ. स्त्री.—चिबुक, ठुड्डी।
ज़कर (ذکر) अ. पुं.—शिश्न, मेहन, लिंग; नर, पुरुष प्राणी।
ज़करीया (زکریا) अ. पु.—एक पैग़ंबर जो आरे से चीरे गये थे।
ज़का (زکا) अ. स्त्री.—बढ़ना, विकास; फलना-फूलना; अधिक होना; सुखचैन करना।
ज़का (ذکا) अ. स्त्री.—बुद्धि, मति, समझ, अक़्ल; विवेक, तमीज़।
ज़कात (زکات-زکوٰۃ) अ. स्त्री.—इस्लाम धर्म के अनुसार अढ़ाई प्रतिशत का दान जो उन लोगों को देना पड़ता है जो मालदार हों और उन लोगों को दिया जाता है जो अपाहिज या असहाय और साधनहीन हों।
ज़काब (زکاب) अ. स्त्री.—लिखने की सियाही, मसि, मसिजल, रोशनाई।
ज़कावत (ذکاوت) अ. स्त्री.—बुद्धिमत्ता, मनीषा, अक़्लमंदी; प्रतिभा, तेज़फ़हमी।
ज़कावत (زکاوت) अ. स्त्री.—वृद्धि, विकास; तीव्रता, तेज़ी तीक्ष्णता।
ज़कावते हिस (زکاوت حس) अ. स्त्री.—संवेदन शक्ति का बढ़ जाना, क़ुव्वते एहसास का अधिक हो जाना।
ज़की (ذکی) अ. वि.—बुद्धिमान्, मेधावी, अक़्लमंद।
ज़की (زکی) अ. वि.—पवित्र, शुद्ध, पाक; अनीह, निःस्पृह, अनिच्छुक, बेनियाज़।
ज़कीउलहिस (ذکی الحس) अ. वि.—जिसकी हिस तेज़ हो जाय, जिसकी संवेदन शक्ति बढ़ जाय।
ज़कीक (زکیک) अ. स्त्री.—धीमी चाल, मंद गति।
ज़कीयः (زکیه) अ. स्त्री.—बुद्धिमती, अक़्लमंद स्त्री; प्रतिभावती, तेज़ तबा स्त्री।
ज़क़ूम (زقوم) फा. पुं.—थूहड़ का पेड़।
ज़क़ूमाब (زقوم آب) फा. पुं.—थूहड़ के पेड़ को कूटकर निचोड़ा हुआ पानी।
ज़क़्क़ूम (زقوم) अ. पुं.—थूहड़ का पेड़।
ज़ख़ाइर (ذخائر) अ. पुं.—'ज़ख़ीरः' का बहु., 'ज़ख़ीरे'।
ज़ख़ाम (ضخام) अ. वि.—हर चीज़ जो बड़े डीलडौल की हो।
ज़ख़ामत (ضخامت) अ. स्त्री.—मोटाई, दल; स्थूलता, मुटापा।
ज़ख़ारिफ़ (زخارف) अ. पुं.—'ज़ख़्रफ़ः' का बहु., झूठी और बनावटी बातें।
ज़ख़ीम (ضخیم) अ. वि.—मोटा, दलदार; स्थूल, फ़र्बेह।

ज़ख़ीरः (ذخیره) अ. पुं.–जमा किया हुआ, संचित किया हुआ, स्कंध।

ज़ख़ीरःअंदोज़ (ذخیرہ اندوز) अ. फा. वि.–नाज आदि का संचय करनेवाला।

ज़ख़ीरःअंदोज़ी (ذخیرہ اندوزی) अ. फा. स्त्री.–नाज आदि अथवा दूसरी बिकनेवाली वस्तुओं को इस आशय से जमा करना कि जब महँगी होगी तब बेचेंगे।

ज़ख़ीरएअमल (ذخیرۂ عمل) अ. पुं.–अच्छे-बुरे कर्मों का परलोक के लिए संचय।

ज़ख़ीरएआख़िरत (ذخیرۂ آخرت) अ. पुं.–परलोक में काम आनेवाले कर्म अर्थात् जप-तप आदि का संचय।

ज़ख़्ख़ार (زخار) अ. वि.–अपार, जिसका छोर न मिले; मौजें मारती हुई (नदी)।

ज़ख़्ख़ार (زخار) फा. वि.–शोर करनेवाला, घोर नाद करनेवाला।

ज़ख़्मः (زخمہ) फा. पुं.–हर वह चीज़ जिससे कोई बाजा बजाए, मिज़्राब, वाद्ययष्टि।

ज़ख़्मःज़न (زخمہ زن) फा. वि.–मिज़्राब से साज़ बजानेवाला।

ज़ख़्मःज़नी (زخمہ زنی) फा. स्त्री.–मिज़्राब से साज़ बजाना।

ज़ख़्म (زخم) फा. पुं.–आघात, क्षति, घाव; अनिष्ट, हानि, ज़रर।

ज़ख़्मकोस (زخم کوس) फा. पुं.–बड़ा नगाड़ा, धौंसा।

ज़ख़्मख़ुर्दः (زخم خوردہ) फा. वि.–जिसे ज़ख़्म लगा हो, क्षत, आहत, घायल, ज़ख़्म खाया हुआ।

ज़ख़्मख़ुर्दगी (زخم خوردگی) ज़ख़्म खाना, घायल होना।

ज़ख़्मदीदः (زخم دیدہ) फा. वि.–दे. 'ज़ख़्मख़ुर्दः'।

ज़ख़्मनाख़ुर्दः (زخم ناخوردہ) फा. वि.–जिसने ज़ख़्म न खाया हो, जो घायल न हुआ हो।

ज़ख़्मनादीदः (زخم نادیدہ) फा. वि.–दे. 'ज़ख़्मनाख़ुर्दः'।

ज़ख़्मरसीदः (زخم رسیدہ) फा. वि.–क्षत, आहत, घायल; नुक़सान उठाया हुआ।

ज़ख़्मरसीदगी (زخم رسیدگی) फा. स्त्री.–ज़ख़्मी होना; नुक़सान उठाना।

ज़ख़्मी (زخمی) फा. वि.–घायल, आहत, क्षत, मज्रूह; आशिक़, नायक।

ज़ख़्मीदिल (زخمی دل) फा. वि.–जिसका हृदय प्रेम से ज़ख़्मी हो, क्षतहृदय, मर्माहत।

ज़ख़्मेकारी (زخم کاری) फा. पुं.–गहरा घाव, भरपूर घाव।

ज़ख़्मेकुह्नः (زخم کہنہ) फा. पुं.–पुराना घाव।

ज़ख़्मेख़ंदां (زخم خنداں) फा. पुं.–खुला हुआ ज़ख़्म, ख़ून देनेवाला ज़ख़्म जिस घाव में टाँके न लगे हों।

ज़ख़्मेजिगर (زخم جگر) फा. पुं.–जिगर का घाव, इश्क़ का ज़ख़्म।

ज़ख़्मेताज़ः (زخم تازہ) फा. पुं.–नया नया घाव।

ज़ख़्मेतेज़ (زخم تیز) फा. पुं.–गहरा ज़ख़्म।

ज़ख़्मेदामनदार (زخم دامن دار) फा. पुं.–चौड़ा ज़ख़्म, फैला हुआ घाव।

ज़ख़्मेदिल (زخم دل) फा. पुं.–हृदय का घाव, प्रेम का घाव।

ज़ख़्मेपिन्हाँ (زخم پنہاں) फा. पुं.–भीतरी घाव, दिल का ज़ख़्म, प्रेम का ज़ख़्म।

ज़ख़्रफ़ः (زخرفہ) अ. पुं.–झूठी और बनावटी बात।

ज़ग़ंद (زغند) फा. स्त्री.–दे. 'ज़क़ंद'।

ज़ग़न (زغن) फा. स्त्री.–चील, चिल्ल, एक प्रसिद्ध पक्षी।

ज़ग़्तः (ضغطہ) अ. पुं.–अटकाव, भिमचाव, रुकाव।

ज़चः (زچہ) फा. स्त्री.–दे. 'ज़च्चा'।

ज़च्चः (زچّہ) फा. स्त्री.–वह स्त्री जिसने बच्चा जना हो, प्रसूता, सूतिका, प्रजाता, जातापत्या।

ज़च्चःख़ानः (زچہ خانہ) फा. पुं.–सूतिकागृह, प्रसवगृह, सूतिकागार, ज़च्चा के रहने का कमरा आदि।

ज़च्चःगरी (زچہ گری) फा. स्त्री.–बच्चा पैदा कराने का काम, दायागरी, कौमारभृत्य, धात्री-कर्म।

जज़ा' (جزع) अ. स्त्री.–आतुरता, अधीरता, बेसब्री।

जज़ा (جزا) अ. स्त्री.–प्रतिकार, बदला, इवज़; अच्छे काम का बदला, प्रत्युपकार।

जज़ाइर (جزائر) अ. पुं.–बहुत-से जज़ीरे, द्वीप-समूह।

जज़ालत (جزالت) अ. स्त्री.–दृढ़ता, मज़बूती; सुन्दरता, हुस्न; उत्तमता, श्रेष्ठता, ख़ूबी।

जज़ीरः (جزیرہ) अ. पुं.–टापू, द्वीप, वह ज़मीन जो समुद्र के बीच में हो।

जज़ीरःनुमा (جزیرہ نما) अ. फा. पुं.–ख़ुश्की का वह भाग जो तीन ओर पानी से घिरा हो, प्रायद्वीप।

जज़ील (جزیل) अ. वि.–दृढ़, मज़बूत; सुन्दर, हसीन; उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दा।

जज़्बः (جذبہ) अ. पुं.–भावना, मनोवृत्ति।

जज़्ब (جذب) अ. पुं.–आकर्षण, कशिश; ब्रह्मलीनता, नेस्ती, (वि.) आत्मसात्, एक में समाया हुआ।

जज़्बएइश्क़ (جذبۂ عشق) अ. पुं.–प्रेमाकर्षण, मुहब्बत की कशिश।

जज़्बएकामिल (جذبۂ کامل) अ. पुं.–पूर्णाकर्षण, पूरी कशिश; प्रेमाकर्षण, इश्क़ की कशिश,—"रफ़्ता-रफ़्ता जज़्बेकामिल ने दिखाया यह असर, पहले जो मुझ में थी उल्फ़त अब वो उनके दिल में है।"

जज़्बएदिल (جذبۂدل) अ. फ़ा. पुं.–दिल की कशिश, हृदाकर्षण।

जज़्बात (جذبات) अ. पुं.–भावनाएँ, जज़्बे; ख़यालात, विचार।

जज़्बाती (جذباتی) अ. वि.–भावनाओं की रौ में बह जानेवाला, भावुक।

जज़्बातीयत (جذباتیت) अ. स्त्री.–भावुकता, भावनाओं का वेग।

जज़्बी (جذبی) अ. वि.–जज़्ब से सम्बन्ध रखनेवाला।

जज़्बेदिल (جذبدل) अ. फ़ा. पुं.–दिल की कशिश, प्रेम का आकर्षण।

जज़्बोकशिश (جذب‌وکشش) अ. फ़ा. स्त्री.–जज़्बः और कशिश।

जज़्म (جزم) अ. पुं.–दृढ़, पक्का, मज़बूत; अक्षर को हल करने का चिह्न (ˎ).

जज़्र (جذر) अ. पुं.–वह संख्या जो किसी संख्या में उतनी ही बार भाग देने से प्राप्त हो, जैसे—१६ का जज़्र ४।

जज़्र (جزر) अ. पुं.–घटाव, उतार, पानी का उतार, भाटा।

ज़ज्र (زجر) अ. स्त्री.–डाँट-डपट, झिड़की, फटकार, भर्त्सना, तर्जन।

ज़ज्रोतौबीख़ (زجروتوبیخ) अ. स्त्री.–डाँट-फटकार, डाँट-डपट।

जज़्रोमद (جزرومد) अ. पुं.–समुद्र के पानी का उतार-चढ़ाव, ज्वारभाटा।

ज़दः (زدہ) फ़ा. वि.–मारा हुआ, आहत; हत, (प्रत्य.) मारा हुआ, जैसे—'ग़मज़दः' ग़म का मारा हुआ।

ज़द (زد) फ़ा. स्त्री.–चोट, मार; निशाना, सामना।

जद (جد) अ. पुं.–दादा, पितामह; नाना, मातामह।

जदल (جدل) अ. स्त्री.–युद्ध, समर, जंग; कलह, झगड़ा; वाक्कलह, वाद-विवाद, हुज्जत।

जदाविल (جداول) अ. पुं.–'जद्वल' का बहु., सारणी-समूह।

जदी (جدی) अ. पुं.–बकरी का बच्चा, अजाशावक; मकर राशि, बुर्जेजदी।

जदीद (جدید) अ. वि.–नूतन, नवीन, नया; आधुनिक, हाल का; प्रतीच्य, मग़्रिबी।

जदीदान (جدیدان) अ. पुं.–दिनरात, अहर्निश।

ज़दोकोब (زدوکوب) फ़ा. स्त्री.–मार-पीट, लात-घूंसा।

जद्इ (جدی) अ. स्त्री.–दे. 'जदी', शुद्ध उच्चारण यही है।

जद्दः (جدہ) अ. स्त्री.–दादी, पितामही; नानी, मातामही।

जद्देअम्जद (جدامجد) अ. पुं.–दादा, पितामह।

जद्देआला (جداعلی) अ. पुं.–मूल पुरुष, वंश प्रवर्तक, मूरिसेआला, जिससे ख़ान-दान चला हो।

जद्देफ़ासिद (جدفاسد) अ. पुं.–नाना, मातामह।

जद्वल (جدول) अ. स्त्री.–नहर, छोटी नदी; पुस्तक के चारों ओर का हाशिया; सारिणी, ख़ानोंदार तफ़सीली नक़्शा।

जद्वार (جدوار) फ़ा. स्त्री.–एक प्रसिद्ध दवा निरविसी।

ज़न (زن) फ़ा. स्त्री.–स्त्री, जनि, नारी, योषित्, औरत; भार्या, जाया, पत्नी, जोरू, बीबी, (प्रत्य.) मारनेवाला, जैसे—'तेग़ज़न' तलवार मारनेवाला।

ज़न (ظن) अ. पुं.–विचार, ख़याल; धारणा, गुमान।

ज़नख़-दाँ (زنخداں) फ़ा. स्त्री.–चिबुक, ठुड्डी।

ज़नचक (زن‌چک) फ़ा. स्त्री.–व्यभिचारिणी, फ़ाहिशा, पुंश्चली।

ज़नपरस्त (زن‌پرست) फ़ा वि.–स्त्री की पूजा करनेवाला, स्त्री-पूजक; पत्नी की बात के ख़िलाफ़ न करनेवाला, पत्नी-भक्त।

ज़नब (ذنب) अ. पुं.–पुच्छ, पूँछ, दुम; राहु, एक सितारा।

ज़नबमुज़्द (زن‌بمزد) फ़ा. पुं.–स्त्री की कमाई खानेवाला, भार्याट, दैयूस, भँड़ुवा।

ज़नमुरीद (زن‌مرید) फ़ा. अ. वि.–अपनी पत्नी को ही सब कुछ समझनेवाला, स्त्रीजित, भार्याजित, पत्नीभक्त, पत्नीव्रती।

ज़नबुलफ़रस (ذنب‌الفرس) अ. पुं.–एक सितारा, राहु।

ज़नाँ (زناں) फ़ा. स्त्री.–'ज़न' का बहु., स्त्रियाँ, (वि.) मारता हुआ (प्रत्य.) मारता हुआ, जैसे–ख़दःज़नाँ, क़हक़हा मारता हुआ।

जनाज़ः (جنازہ) अ. पुं.–कफ़न में लपटा हुआ शव, कपड़े में लिपटी हुई लाश, दे. 'जिनाज़ः'।

जनाज़ःबरदार (جنازہ‌بردار) अ. फ़ा. वि.–जनाज़ा उठानेवाला।

जनाज़ःबरदोश (جنازہ‌بردوش) अ. फ़ा. वि.–कंधे पर जनाज़ा उठाये हुए।

जनाज़एरवाँ (جنازۂرواں) अ. फ़ा. पुं.–घोड़ा, अश्व; घोड़े का सवार, अश्वारोही।

ज़नादिक़ः (زنادقہ) अ. पुं.–'ज़िंदीक़' का बहु., नास्तिक और अधर्मी लोग।

ज़नानः (زنانہ) फ़ा. पुं.–स्त्रियों-जैसे स्वभाववाला पुरुष, नंरदारा; क्लीब, हिजड़ा; स्त्रियों का; स्त्रियों के योग्य।

ज़नानख़ानः (زنانخانہ) अ. पुं.–स्त्रियों का घर, जहाँ स्त्रियाँ रहती हों, अन्तःपुर।

ज़नानेबाज़ारी (زنان بازاری) फा. स्त्री.--वेश्याएँ, रंडियाँ, बाज़ारू औरतें, सतीत्व बेचनेवाली।

जनाब (جناب) अ. स्त्री.—ड्योढ़ी, चौखट, आस्तानः; सम्मुख, सामने; श्रीमान्, महोदय, महाशय; पार्श्व, पहलू; दरगाह, आश्रम।

जनाबत (جنابت) अ. स्त्री.—मैथुन के पश्चात् स्नान की आवश्यकता, अशुचि, अपवित्रता; दूरी, अलाहिदगी, पृथक्ता।

ज़नाबीर (زنابیر) अ. पुं.—'ज़ंबूर' का बहु., भिड़ें।

ज़नाबील (زنابیل) अ. पु.—'ज़ंबील' का बहु., थैले।

जनाबे आली (جناب عالی) अ. वि.—श्रीमन्महोदय, मान्यवर।

जनाबे मुकर्रम (جناب مکرم) अ. वि.—दे. 'जनाबे आली'।

जनाबे मोहतरम (جناب محترم) अ. वि.—दे. 'जनाबे आली'।

जनाबे वाला (جناب والا) अ. वि.—दे. 'जनाबे आली'।

ज़नाशोई (زناشوئی) फा. स्त्री.—दाम्पत्य, स्त्री-पुरुष का, मियाँ-बीवी का।

जनाह (جناح) अ. पुं.—पक्ष, पंख, पुर; बाहु, भुजा, बाज़ू; सेनाग्र, हिरावल।

जनीन (جنین) अ. पुं.—पेट के भीतर का बच्चा, गर्भस्थ, भ्रूण।

जनीने मुर्दः (جنین مرده) अ. फा. पुं.—वह बच्चा जो पेट में मर गया हो।

जनीबत (جنیبت) फा. पुं.—कोतल घोड़ा जो बादशाहों और राजाओं की सवारी का हो।

ज़नीम (زنیم) अ. वि.—वह व्यक्ति जो किसी वंश का प्रसिद्ध हो, परन्तु उस वंश का न हो; वह व्यक्ति जो दुष्टता और कृपणता में प्रसिद्ध हो।

जनूब (جنوب) अ. पुं.—दक्षिण, दक्खिन, दकन।

जनूबी (جنوبی) अ. वि.—दक्षिणीय, दक्खिन का।

जन्नत (جنت) अ. स्त्री.—स्वर्ग, नाक, देवलोक, सुरलोक, बिहिश्त; उद्यान, आराम, वाटिका, बाग़।

जन्नत आरामगाह (جنت آرامگاہ) अ. फा. वि.—जो स्वर्ग में आराम कर रहा हो, दिवंगत, स्वर्गीय, मर्हूम।

जन्नतनशीं (جنت نشیں) अ. फा. वि.—जो स्वर्ग में रह रहा हो, अर्थात् जो मर गया हो, स्वर्गवासी।

जन्नतमकां (جنت مکاں) अ. वि.—जिसका घर स्वर्ग हो, अर्थात् मरा हुआ व्यक्ति, स्वर्गीय, स्वर्ग-वेश्म।

जन्नती (جنتی) अ. वि.—जिसको मरने के पश्चात् स्वर्ग प्राप्त हुआ हो, स्वर्गीय; स्वर्ग के योग्य व्यक्ति, सदाचारी, पुण्यात्मा।

जन्नतुलफ़िर्दौस (جنت الفردوس) अ. स्त्री.—सब से ऊँचा (स्वर्ग); वह बाग जिसमें हर वह चीज़ हो जो दूसरे बागों में हो।

जन्नतुलमावा (جنت الماوی) अ. स्त्री.—सबसे ऊपर का स्वर्ग।

जन्नते नज़र (جنت نظر) अ. स्त्री.—ऐसी सुन्दर और अद्भुत चीज़ जो दृष्टि के लिए स्वर्ग के समान हो, जो दृष्टि को स्वर्ग का आनन्द दे।

जन्नते निगाह (جنت نگاه) अ. फा. स्त्री.—दे. 'जन्नते नज़र'।

ज़न्नी (ظنی) अ वि.—काल्पनिक, कल्पित, ख़याली; भ्रमात्मक, मौहूम।

ज़न्नेबद (ظن بد) अ. फा. पुं.—कुधारणा, बुरा गुमान।

ज़न्नेबातिल (ظن باطل) अ. पुं.—बिलकुल मिथ्या विचार, ग़लत गुमान।

ज़फ़र (ظفر) अ. स्त्री.—जय, विजय, जीत; सफलता, कामयाबी।

ज़फ़रक़रीं (ظفر قریں) अ. वि.—विजेता, विजयी, फ़ातेह।

ज़फ़रनसीब (ظفر نصیب) अ. वि.—जिसके भाग्य में विजय हो, विजयशील।

ज़फ़रनिशाँ (ظفر نشاں) अ. फा. वि.—विजेता, फ़तहमंद।

ज़फ़रपैकर (ظفر پیکر) अ. फा. वि.—दे. 'ज़फ़रयाब'।

ज़फ़रमौज (ظفر موج) अ. फा. वि.—दे. 'ज़फ़रयाब'।

ज़फ़रयाब (ظفر یاب) अ. फा. वि.—जिसे विजय प्राप्त हुई हो, विजयी, जित्वर, विजेता, जिष्णु।

ज़फ़रयाबी (ظفر یابی) अ. फा. स्त्री.—जीत, विजय-प्राप्ति।

जफ़ा (جفا) फा. स्त्री.—अत्याचार, अन्याय, अनीति, ज़ुल्म, सितम।

जफ़ाएचर्ख़ (جفائے چرخ) फा. स्त्री.—आसमान की जफ़ा, दैवीकोप, भाग्यचक्र, दिनों की गर्दिश।

जफ़ाकश (جفاکش) फा. वि.—देह पर कष्ट उठानेवाला, कठिन परिश्रम करनेवाला, पराक्रमी, मेहनती, कर्मशूर।

जफ़ाकार (جفاکار) फा. वि.—अत्याचार करनेवाला, ज़ालिम।

जफ़ाकेश (جفاکیش) फा. वि.—जिसकी प्रकृति में अत्याचार हो, बहुत बड़ा अत्याचारी।

जफ़ाख़ू (جفاخو) फा. वि.—दे. 'जफ़ाकश'।

जफ़ाजू (جفاجو) फा. वि.—नयी-नयी जफ़ाएँ और नये-नये अत्याचार तलाश करनेवाला।

जफ़ापरस्त (جفاپرست) फा. वि.—महा अत्याचारी, जो अनीति को पूजता हो; जो प्रेमिका के अत्याचारों की पूजा करता हो, आशिक़।

जफ़ापर्वर (جفاپرور) फा. वि.—अत्याचारों को प्रोत्साहन देनेवाला, घोर अत्याचारी।

जफ़ापेशः (جفاپیشه) फ़ा. वि.—जिसका काम केवल अत्याचार करना हो, बहुत बड़ा अन्यायी।

जफ़ापेशगी (جفاپیشگی) फ़ा. स्त्री.—अत्याचार का व्यवहार।

जफ़ाशिआर (جفاشعار) फ़ा. वि.—दे. 'जफ़ाकेश'।

ज़फ़्दे (ضفدع) अ. पुं.—मेंढक, दर्दुर, भेक, दे. 'ज़िफ़्दे' दोनों शुद्ध हैं।

जफ़्न (جفن) अ. पुं.—आँख का पपोटा।

जफ़्र (جفر) अ. पुं.—बकरी या भेड़ का बच्चा; एक विद्या जिससे परोक्ष ज्ञान प्राप्त होता है।

जफ़्रदां (جفرداں) अ. फ़ा. वि.—जफ़्र की विद्या जाननेवाला, भविष्यवक्ता, परोक्षवादी।

ज़ब [ब्ब] (ضب) अ. स्त्री.—गोह, गोधिका।

ज़बद (زبد) अ. पुं.—झाग, फेन।

ज़बर (زبر) फ़ा. पुं.—उर्दू में (ऊ) का चिह्न (´) वि. ऊपर, उपरि; शक्तिशाली, ताक़तवर; भारी, बोझिल।

ज़बरजद (زبرجد) फ़ा. पुं.—एक रत्न, पीत मणि, पुखराज।

ज़बरदस्त (زبردست) फ़ा. वि.—शक्तिशाली, ताक़तवर; प्रचंड, अति तीव्र, बहुत तेज़।

ज़बरदस्ती (زبردستی) फ़ा. स्त्री.—अत्याचार, जुल्म; हठात्, बलात्, बलपूर्वक, जब्रन।

जबरूत (جبروت) अ. पुं.—प्रतिष्ठा, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी।

जबल (جبل) अ. पुं.—पर्वत, अचल, पहाड़।

जबलुत्तारिक़ (جبل الطارق) अ. पुं.—जिब्राल्टर।

ज़बां (زباں) फ़ा. स्त्री.—जिह्वा, रसना, रसेंद्रिय, जीभ; किसी देश की बोली, भाषा; क़ौल, क़रार, संविदा; वचन, कथन।

ज़बांआवर (زباں آور) फ़ा. वि.—भाषा का बहुत अच्छा ज्ञाता, भाषापटु; कवि, शाइर।

ज़बांआवरी (زباں آوری) फ़ा. स्त्री.—भाषा का अच्छा ज्ञान; कविता, शाइरी।

ज़बांगीर (زباں گیر) फ़ा. वि.—गुप्तचर, जासूस।

ज़बांज़द (زباں زد) फ़ा. वि.—जो सबकी ज़बानों पर हो, जनता में प्रसिद्ध बात।

ज़बांदराज़ (زباں دراز) फ़ा. वि.—जिसकी जीभ बहुत लम्बी हो, गुस्ताख़, मुक्तकंठ, बदज़बान, दुर्मुख।

ज़बांदराज़ी (زباں درازی) फ़ा. स्त्री.—गुस्ताख़ी, बदज़बानी, दुर्मुखता, दुर्वचन।

ज़बांदां (زباں داں) फ़ा. वि.—किसी भाषा का विद्वान्, भाषाविज्ञ, भाषाविद्।

ज़बांफ़रोश (زباں فروش) फ़ा. वि.—बक्की, मुखर, वाचाल।

ज़बांबंदी (زباں بندی) फ़ा. स्त्री.—बोलने की मनाही, राज की ओर से जनता में भाषण देने का निषेध।

ज़बानः (جبانه) अ. पुं.—वन, जंगल, कानन।

ज़बानः (زبانه) फ़ा. पुं.—लौ, लपट, अग्नि-ज्वाला, अग्निशिखा।

जबान (جبان) अ. वि.—क्लीब, नपुंसक, भीरु, डरपोक।

ज़बान (زبان) फ़ा. स्त्री.—दे. 'ज़बाँ'।

जबानत (جبانت) अ. स्त्री.—क्लीबता, नामर्दी; भीरुता, डरपोकपन।

ज़बानी (زبانی) फ़ा. वि.—मौखिक, मुँह से कहा हुआ; कंठ, मुखाग्र, बर ज़बाँ; मुँह से, ज़बान से।

ज़बाने क़लम (زبان قلم) फ़ा. अ. स्त्री.—क़लम की नोक; होल्डर का निब; क़लमरूपी मनुष्य की ज़बान।

ज़बाने ख़ामः (زبان خامه) फ़ा. स्त्री.—दे. 'ज़बाने क़लम'।

ज़बाने शीरीं (زبان شیریں) फ़ा. स्त्री.—मीठी ज़बान, जिस ज़बान से मीठी-मीठी बातें निकलती हों।

ज़बाने हाल (زبان حال) फ़ा. अ. स्त्री.—दशा, हालत, दशारूपी मनुष्य की जिह्वा।

जबीं (جبیں) फ़ा. स्त्री.—माथा, ललाट, भाल, पेशानी।

जबीं फ़र्सा (جبیں فرسا) फ़ा. वि.—माथा रगड़नेवाला, ज़मीन पर माथा टेककर सलाम करनेवाला; बहुत ही दीनता प्रकट करनेवाला।

जबीसा (جبیں سا) फ़ा. वि.—दे. 'जबींफ़र्सा'।

जबीसाई (جبیں سائی) फ़ा. स्त्री.—माथा रगड़ना, बहुत ही झुककर सलाम करना; दीनता और नम्रता का प्रदर्शन, "मुआज़ल्ला! तसव्वर का यह अंदाज़े-जबींसाई। कि होता ही नहीं महसूस उनका दूर हो जाना!"

ज़बी (ظبی) अ. पुं.—हरिण, मृग, हिरन, आहू।

जबीन (جبین) फ़ा. स्त्री.—दे. 'जबीं'।

ज़बीब (زبیب) अ. पुं.—सूखा हुआ अंगूर, शुष्क द्राक्षा मुनक्क़ा।

ज़बीयः (ظبیه) अ. स्त्री—हरिणी, मृगी, हरनी।

जबीरः (جبیره) अ. स्त्री.—टूटी हड्डी पर बाँधने की लकड़ी।

ज़बीहः (ذبیحه) अ. पुं.—ज़बह किया हुआ जानवर; वध, ज़बह।

ज़बीह (ذبیح) अ. वि. वधित, ज़बह किया हुआ।

ज़बीहुल्लाह (ذبیح الله) अ. पुं.—हज़रत 'इस्माईल' की उपाधि जिन्हें उनके पूज्य पिताजी ने ईश्वर की आज्ञा से वध करना चाहा था।

ज़बूँ (زبوں) फ़ा. वि.—निकृष्ट, दूषित, ख़राब।

ज़बूँहाल (زبوں حال) फ़ा. अ. वि.—दुर्दशाग्रस्त, फटेहाल, बुरी हलात में।

ज़बूँहाली (زبوں حالی) फ़ा. अ. स्त्री.—दुर्दशा, बदहाली।

ज़बून (زبون) फ़ा. वि.—दे. 'ज़बूँ'।

ज़बूनी (زبونی) फा. स्त्री.–निकृष्टता, खराबी; तिरस्कार, जिल्लत; दुःख, क्लेश, कष्ट, तकलीफ़।

ज़बूनीकश (زبونی کش) फा. वि.–कष्ट और दुःख उठानेवाला; तिरस्कार सहनेवाला।

ज़बूर (زبور) अ. स्त्री.–वह आस्मानी किताब जो हज़रत 'दाऊद' पर उतरी थी।

ज़ब्त (ضبط) अ. पुं.–सहन, सहनशीलता, बरदाश्त; क्रम, तर्तीब; प्रबंध, व्यवस्था, इंतजाम; ज़ब्तशुदः, जो चीज़ ज़ब्त हो गयी हो।

ज़ब्ती (ضبطی) अ. स्त्री.–किसी चीज़ पर जबरदस्ती कब्ज़ा; सरकारी हुक्म से किसी चीज़ पर क़ब्ज़ा।

ज़ब्ते अश्क (ضبط اشک) अ. फा. पुं.–आँसू रोकना।

ज़ब्ते आह (ضبط آہ) अ. फा. पुं.–आह रोकना, मुंह से आह न निकलने देना।

ज़ब्ते ग़म (ضبط غم) अ. फा. पुं.–कष्ट और दुःख प्रकट न होने देना; प्रेम की व्यथा का इज़्हार न करना।

ज़ब्ते गिर्यः (ضبط گریہ) अ. फा. पुं.–आँसू न निकलने देना, रोने पर क़ाबू रखना।

ज़ब्ते नालः (ضبط نالہ) अ. फा. पुं.–मुँह से चीख पुकार न निकलने देना, रोना-धोना न करना।

ज़ब्ते फ़ुग़ाँ (ضبط فغاں) अ. फा. पुं.–दे. 'ज़ब्ते नाला'।

जब्र (جبر) अ. पुं.–अत्याचार, अन्याय, जुल्म; किसी बात के लिए मजबूर करना, हठ; यह सिद्धान्त कि मनुष्य नितान्त बेबस है जो कुछ करता है ईश्वर करता है।

जब्रन (جبراً) अ. वि.–ज़बरदस्ती, हठात्, बलात्।

जब्री (جبری) अ. वि.–ज़बरदस्ती का; यह सिद्धान्त माननेवाला कि मनुष्य बिलकुल विवश है।

जब्रीयः (جبریہ) अ. वि.–ज़बरदस्ती का, जब्री; यह सिद्धान्त माननेवाला कि मनुष्य खुद कुछ नहीं करता, सब कुछ ईश्वर कराता है।

जब्रे मशीयत (جبرِ مشیت) अ. पुं.–दैव की ज़बरदस्ती, भाग्य का हठ।

जब्रोक़द्र (جبر و قدر) अ. पुं.–यह सिद्धान्त कि ईश्वर सब कुछ करता है और मनुष्य कुछ नहीं कर सकता।

जब्रोतअद्दी (جبر و تعدی) अ. स्त्री.–अत्याचार और अन्याय।

जब्रोमुक़ाबलः (جبر و مقابلہ) अ. पुं.–'अलजब्रा' बीजगणित।

ज़ब्ल (زبل) अ. पुं.–घोड़े और गधे की लीद।

जब्हः (جبهہ) अ. स्त्री.–पेशानी, माथा, ललाट, भाल; दसवाँ नक्षत्र, मघा।

जब्हःफ़र्सा (جبهہ فرسا) अ. फा. वि.–दे. 'जबींफ़र्सा'।

जब्हःसा (جبهہ سا) अ. फा. वि.–दे. 'जबींसा'।

ज़ब्ह (ذبح) अ. पुं.–वध, ज़बीहः; हत्या, हिंसा, क़त्ल।

जम (جم) फा. पुं.–जमशेद का लघुरूप, दे. 'जमशेद'।

जम (جم) अ. पुं.–भीड़, जमाव।

ज़म (ذم) अ. पुं.–निंदा, बुराई, हजो; अश्लीलता, फ़ुहश होना।

ज़म (زم) अ. पुं.–शीत, सर्दी।

ज़म (ضم) अ. पुं.–मिलना, मिल जाना; मिला हुआ, संबद्ध, संयुक्त; पेश का चिह्न (ُ) ज़बर।

ज़मज़म (زمزم) अ. पुं.–मक्के का एक कुआँ जिसका पानी बहुत ही पवित्र समझा जाता है; उस कुएँ का पानी।

जमजाह (جم جاہ) फा. वि.–जमशेद-जैसी शानोशौक़त रखनेवाला, महाप्रतापवान्।

जमन (جمن) फा. स्त्री.–जमना नदी, यमुना।

ज़मन (زمن) अ. पुं.–ज़माना; संसार, जगत्, विश्व; काल, समय, वक़्त; आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत।

जमल (جمل) अ. पुं.–ऊँट, उष्ट्र, नर ऊँट।

जमशेद (جمشید) फा. पुं.–ईरान का एक प्राचीन शासक, जिसके पास एक प्याला था जिससे उसे संसार भर का हाल ज्ञात हो जाता था।

ज़माँ (زماں) अ. पुं.–ज़माना, काल, समय; संसार, विश्व, दुनिया।

जमाअत (جماعت) अ. स्त्री.–पंक्ति, क़तार; वर्ग, तब्क़ः; कक्षा, क्लास।

जमाद (جماد) अ. स्त्री.–जड़ पदार्थ, वह चीज़ जिसमें विकास आदि न हो, जैसे–पत्थर आदि।

जमादात (جمادات) अ. स्त्री.–बेजान और जड चीज़ें।

जमादी (جمادی) अ. वि.–जड सम्बन्धी।

ज़मानः (زمانہ) अ. पुं.–समय, काल, वक़्त; युग, क़र्न; विलंब, देर, अतिकाल; मुद्दत, अर्सा; दशा, हालत।

ज़मानःशनास (زمانہ شناس) अ. फा. वि.–समय को पहचाननेवाला, समय के अनुकूल काम करनेवाला।

ज़मानःसाज़ (زمانہ ساز) अ. फा. वि.–मुतफ़न्नी, धूर्त, छली; इब्नुल वक़्त, अवसरवादी।

ज़मान (زمان) अ. पुं.–दे. 'ज़मानः'।

ज़मानए क़दीम (زمانۂ قدیم) अ. पुं.–प्राचीनकाल, पुराना ज़माना।

ज़मानए जदीद (زمانۂ جدید) अ. पुं.–आधुनिक काल, मौजूदः ज़माना।

ज़मानए जाहिलीयत (زمانۂ جاہلیت) अ. पुं.–मूर्खता-काल, बेवक़ूफ़ी का ज़माना; इस्लामी परिभाषा के अनुसार इस्लाम से पूर्व का समय।

जमानए दराज (زمانۂدراز) अ. फा. पुं.–लम्बा समय, दीर्घ काल।

जमानए माक़ब्ले तारीख (زمانۂماقبل‌تاریخ) अ. पुं.–वह समय जब इतिहास नहीं लिखा जाता था, इतिहास-पूर्वकाल, पूर्वेतिहासिक काल।

जमानए माज़ी (زمانۂماضی) अ. पुं.–गुज़रा हुआ समय, बीता हुआ ज़माना; भूतकाल।

जमानए मुसीबत (زمانۂمصیبت) अ. पुं.–व्यसनकाल, विपत्तिकाल, संकटकाल, आफ़तों का ज़माना।

जमानए सलफ़ (زمانۂ سلف) अ. पुं.–प्राचीन काल, पुरातन काल, बहुत पिछला ज़माना।

जमानत (ضمانت) अ. स्त्री.–प्रतिभूति, ज़ामिनी।

जमानतदार (ضمانتدار) अ. फा. पुं.–प्रतिभू, ज़ामिन।

जमानतनामः (ضمانت نامہ) अ. फा. पुं.–प्रतिभूति पत्र, ज़मानत की तहरीर।

जमानती (ضمانتی) अ. पुं.–दे. 'ज़मानतदार'; ज़मानत का।

जमाल (جمال) अ. पुं.–सौन्दर्य, रूप, सुन्दरता, हुस्न; शोभा, छटा, छवि; मुखकांति, मुखाभा, तल्अत।

जमालिस्तान (جمالستان) अ. फा. पुं.–वह जगह जो सुन्दरता की खान हो, जहाँ सुन्दरियां ही सुन्दरियां हों।

जमाली (جمالی) अ. वि.–रूप से सम्बन्ध रखनेवाला; 'जलाली' का उलटा, वह जाप (अमल) जिसके जप में प्राणभय न हो।

जमालीयात (جمالیات) अ. पुं.–सौंदर्य सम्बन्धी बातें।

जमाहीर (جماہیر) अ. पुं.–'जुमहूर' का बहु., बड़े-बड़े व्यक्ति।

जमिस्ताँ (زمستاں) फा. पुं.–जाड़े की ऋतु, जाड़े का मौसिम, शीतकाल।

जमिस्तानी (زمستانی) फा. वि.–जाड़ेवाला, शरद ऋतु-वाला।

जमीं (زمیں) फा. पुं.–पृथ्वी, धरा, अवनि, कुरए ज़मीन; भूमि, भूखंड, जमीन का टुकड़ा; देश, मुल्क; पेशबंदी, पुरश्चरण; ग़ज़ल की रदीफ़, क़ाफ़ियः और बह्र।

जमींदार (زمیندار) फा. पुं.–ज़मीन का मालिक, भूस्वामी, भूमिपति।

जमींदारी (زمینداری) फा. स्त्री.–राज की ओर से गाँव के ठेके की पद्धति।

जमीअ (جمیع) अ. वि.–समस्त, समग्र, कुल, सब; संपूर्ण, समूचा, पूरा।

जमीन (زمین) फा. स्त्री.–दे. 'जमीं'।

ज़मीमः (ذمیمہ) फा. वि.–ज़मीम की स्त्री. निकृष्टा, बुरी।

ज़मीमः (ضمیمہ) अ. पुं.–किसी विशेष और आवश्यक समाचार के लिए अखबार का ततिम्मः; किसी पुस्तक का विशेष भाग, परिशिष्ट।

ज़मीम (ذمیم) अ. वि.–बुरा, खराब, निकृष्ट।

ज़मीर (ضمیر) अ. पुं.–अंतरात्मा, अंतःकरण, कानशंस; सर्वनाम; मन, दिल, जी।

ज़मीरआगाह (ضمیرآگاہ) अ. फा. वि.–अंतर्यामी, दिल की बात जाननेवाला।

ज़मीरफ़रोश (ضمیرفروش) अ. फा. वि.–आत्मविक्रेता, ग़द्दार, अवसरवादी।

ज़मीरफ़रोशी (ضمیرفروشی) अ. फा. स्त्री.–ग़द्दारी, आत्म-विक्रय।

ज़मीरे ग़ाइब (ضمیر غائب) अ. स्त्री.–प्रथम पुरुष का सर्वनाम, 'वह'।

ज़मीरे मुख़ातब (ضمیر مخاطب) अ. स्त्री.–मध्यम पुरुष का सर्वनाम, 'तुम'।

ज़मीरे मुतकल्लिम (ضمیر متکلم) अ. स्त्री.–उत्तम पुरुष का सर्वनाम, मैं।

ज़मीरे हाज़िर (ضمیر حاضر) अ. स्त्री.–दे. 'ज़मीरे मुख़ातब'।

जमील (جمیل) अ. वि.–सुन्दर, रूपवान्, हसीन।

जम्अ (جمع) अ. स्त्री.–आय, आमद; उपार्जित, संचित, जमाशुदः; निशाना।

जम्अंदाज़ (جمع انداز) अ. फा. वि.–बहुत अच्छा निशाना लगानेवाला, लक्ष्यभेदी, निशानची।

जम्अदार (جمعدار) अ. फा. पुं.–सिपाहियों का नायक।

जम्अबंदी (جمع بندی) अ. फा. स्त्री.–ज़मींदारी की सारी आमदनी।

जम्ईयत (جمعیت) अ. स्त्री.–दल, यूथ, समूह, जमाअत, समुदाय; संतोष, इत्मीनान; सभा, गोष्ठी, परिषद्, इदारः।

जम्ईयतुलउलमा (جمعیت العلما) अ. स्त्री.–आलिमों की जमाअत, विद्वानों की मंडली।

जम्ईयते ख़ातिर (جمعیت خاطر) अ. स्त्री.–आत्मसंतोष, इत्मीनाने क़ल्ब।

ज़म्ज़मः (زمزمہ) फा. पुं.–चहचहः, चहकार, चिड़ियों की चहक, कलरव; गान, गीत, नग़्मः।

ज़म्ज़मःख़्वाँ (زمزمہخواں) फा. वि.–चहचहानेवाला पक्षी; गानेवाला, गायक।

ज़म्ज़मःपरदाज़ (زمزمہپرداز) फा. वि.–दे. 'ज़म्ज़मःख़्वाँ'।

ज़म्ज़मःपैरा (زمزمہپیرا) फा. वि.–दे. 'ज़म्ज़मःख़्वाँ'।

ज़म्ज़मःसंज (زمزمہسنج) फा. वि.–गानेवाला; चहचहाने-वाला; मधुर स्वर में बातचीत करनेवाला।

ज़म्ज़मःसंजी (زمزمہ سنجی) फा. स्त्री.–गाना; चहचहाना; मधुर स्वर में बातचीत करना।

ज़म्ज़म (زمزم) अ. पुं.–मक्के का एक पवित्र कुआँ; उस कुएँ का पानी।

ज़म्ज़मी (زمزمی) अ. स्त्री.–ज़म्ज़म रखने की कुप्पी।

ज़म्द (ضمد) अ. पुं.–मर्हम लगाना; दवा चुपड़ना।

ज़म्मः (ضمہ) अ. पुं.–'पेश' का चिह्न, 'उ' की मात्रा।

जम्माज़ः (جمازہ) अ. स्त्री.–तेज़ चलनेवाली ऊँटनी, साँडनी।

जम्माश (جماش) अ. वि.–चपल, चंचल, शोख़, शरीर; साहसी, हिम्मती; शूर, वीर।

जम्मे ग़फ़ीर (جم غفیر) अ. पुं.–बहुत बड़ा जमाव, बहुत बड़ी भीड़।

जम्रः (جمرہ) अ. पुं.–चिनगारी, अग्निकण, स्फुलिंग; कंकरी, ठीकरी; एक प्रकार की फुंसियाँ जिनमें बड़ी जलन होती है।

ज़म्र (ضمر) अ. पुं.–छरहरे और दुबले शरीर का व्यक्ति।

ज़म्हरीर (زمہریر) फा. पुं.–बहुत ही कड़ा जाड़ा; वायुमंडल का वह भाग जो बहुत ही ठंडा है।

ज़र (زر) फा. पुं.–स्वर्ण, सुवर्ण, हेम, हाटक, कांचन, सोना; धन, संपत्ति, दौलत; बहुत बूढ़ा या बूढ़ी।

जर[र्रं] (جر) अ. पुं.–खींचना; आकर्षण, खिंचाव; ज़ेर की हरकत।

ज़र[र्रं] (ضر) अ. पुं.–दुःख, कष्ट, तकलीफ़; दुर्दशा, बदहाली; निर्धनता, ग़रीबी; निर्बलता, दुबलापन।

ज़रअंदूदः (زراندودہ) फा. वि.–सोने से मढ़ा हुआ, सोना चढ़ा हुआ।

ज़रअफ़्शाँ (زرافشاں) फा. वि.–दे. 'ज़रफ़्शाँ'।

ज़रअफ़्शानी (زرافشانی) फा. स्त्री.–दे. 'ज़रफ़्शानी'।

ज़रक (زرک) फा. पुं.–सोने के वरक़ों का चूरा।

ज़रकश (زرکش) फा. वि.–सोने-चाँदी के तारों से कलाबत्तू बनानेवाला; सोने-चाँदी के तारों से बना हुआ कपड़ा।

ज़रकशी (زرکشی) फा. स्त्री.–सोने-चाँदी के तारों का काम, कलाबत्तू का काम।

ज़रकार (زرکار) फा. वि.–सुनहले काम की चीज़।

ज़रकोब (زرکوب) फा. वि.–सोने-चाँदी के वरक़ बनानेवाला; वह चीज़ जिसपर सोने के पत्र चढ़े हों।

ज़रकोबी (زرکوبی) फा. स्त्री.–सोने-चाँदी के वरक़ बनाना।

ज़रख़रीद (زرخرید) फा. वि.–अपने दामों से मोल लिया हुआ; मोल लिया हुआ दास।

ज़रख़ेज़ (زرخیز) फा. वि.–अच्छी उपजाऊ भूमि, उर्वरा, सस्यप्रद।

ज़रख़ेज़ी (زرخیزی) फा. स्त्री.–ज़मीन का उपजाऊ होना।

ज़रगर (زرگر) फा. पुं.–स्वर्णकार, सुनार, सोने-चाँदी के ज़ेवर बनानेवाला।

ज़रगरी (زرگری) फा. स्त्री.–स्वर्णकर्म, सोने-चाँदी का काम बनाना, सोने-चाँदी के ज़ेवर बनाना।

ज़रगूनी (زرغونی) अ. स्त्री.–एक यूनानी दवा।

ज़रतार (زرتار) फा. वि.–सोने के तारों से बना या गुँथा हुआ।

ज़रतुश्त (زرتشت) फा. पुं.–दे. 'ज़रदुश्त'।

ज़रदार (زردار) फा. वि.–धनी, धनाढ्य, मालदार।

ज़रदारी (زرداری) फा. स्त्री.–धनाढ्यता, धनवानी, मालदारी।

ज़रदुश्त (زردشت) फा. पुं.–'मिनूचेह्र' का वंशज एक ईरानी महात्मा, जो यूनान के हकीम फ़ीसाग़ोरस का शिष्य था। इसने सम्राट् गुश्तास्प के समय में एक धर्म चलाया जिसका मुख्य उद्देश्य अग्निपूजा था, इसका धर्मग्रंथ 'ज़ेंद' है।

ज़रदोज़ (زردوز) फा. वि.–ज़रदोज़ी का काम करनेवाला, कारचोब, सलमासितारा और कलाबत्तू का काम बनानेवाला।

ज़रदोज़ी (زردوزی) फा. स्त्री.–कारचोबी, सलमेसितारा और ज़री का काम।

ज़रदोस्त (زردوست) फा. वि.–धन का लोभी, बहुत ही लोभी और कंजूस।

ज़रदोस्ती (زردوستی) फा. स्त्री.–धन का लोभ, धन का बहुत अधिक प्रेम; कृपणता, कंजूसी।

ज़रनिगार (زرنگار) फा. वि.–सोने के काम से सजा हुआ, सोने के बेलबूटे बना हुआ।

ज़रपरस्त (زرپرست) फा. वि.–रुपये की पूजा करनेवाला, धन-पिशाच; बहुत बड़ा कंजूस।

ज़रपरस्ती (زرپرستی) फा. स्त्री.–रुपये की पूजा; हद से बढ़ा हुआ लोभ।

ज़रपाश (زرپاش) फा. वि.–सोना बरसानेवाला, दानशील, फ़ैयाज़।

ज़रपाशी (زرپاشی) फा. स्त्री.–सोना बरसाना, बहुत अधिक दानशीलता।

ज़रफ़िशाँ (زرفشاں) फा. वि.–दे. 'ज़रफ़्शाँ'।

ज़रफ़िशानी (زرفشانی) फा. स्त्री.–दे. 'ज़रफ़्शानी'।

ज़रफ़्शाँ (زرافشاں) फा. वि.–सोना बरसानेवाला अर्थात् बहुत अधिक दानशील।

ज़रफ़्शानी (زرافشانی) फा. स्त्री.–सोना बरसाना, बहुत बड़ी दानशीलता।

जरब (جرب) अ. स्त्री.–खुजली, ख़ारिश, ख़ार्जू, कंडू।

ज़रब (ضرب) अ. पुं.–सफ़ेद शहद, श्वेत मधु।

जरब (ذرب) अ. पुं.–पेट का एक रोग जिसमें कभी दस्त होने लगते हैं कभी बंद हो जाते हैं।
जरबफ़्त (زربفت) फा. पुं.–सोने-चाँदी के तारों से बना हुआ कपड़ा।
जरबान (ضربان) अ. पुं.–हृदय की धड़कन; दर्द की लपक।
जरबाफ़ (زرباف) फा. वि. ज़रबफ़्त बनानेवाला।
जरबाफ़ी (زربافی) फा. स्त्री.–ज़रबफ़्त बुनना।
जरबी (ضربی) अ. वि.–शहदवाली वस्तु।
जरम (جرم) अ. पुं.–उपचार, इलाज; उपाय, तद्‌बीर।
जरयान (جریان) अ. पुं.–स्राव, प्रवाह, बहाव, प्रमेह, धातुस्राव रोग।
जरयाने खून (جریان خون) अ. फा. पुं.–शरीर से रक्त का स्राव।
जरयाने तम्स (جریان طمس) अ. पुं.–रज का स्राव, मासिक धर्म का अधिक मात्रा में आना।
जरयाने दम (جریان دم) अ. पुं.–रक्त का स्राव, खून का खारिज होना।
जरयाने मनी (جریان منی) अ. पुं.–वीर्य का स्राव, वीर्य का पतला होकर मूत्र के साथ निकलना; एक रोग, प्रमेह।
जरर (ضرر) अ. पुं.–हानि, नुक़्सान; आघात, चोट; अनिष्ट, खराबी।
जररसाँ (ضرررساں) अ. फा. वि.–हानिकारक, नुक़्सानदेह।
जररसानी (ضرررسانی) अ. फा. स्त्री.–हानिकारिता, नुक़्सानदिही।
जररसी (ضرررسی) अ. फा. स्त्री.–नुक़्सान पहुँचना, हानि पहुँचना।
जररसीदः (ضرررسیدہ) अ. फा. वि.–हानि पहुँचा हुआ, हानि-पीड़ित।
जररेज (زرریز) फा. वि.–सोना बरसानेवाला, अतिदानी।
जररेजी (زرریزی) फा. स्त्री.–सोना बरसाना, फ़ैयाज़ी करना।
जरस (جرس) फा. पुं.–घंटा, घड़ियाल; वह घंटा जो यात्रियों के दल के साथ रहता है।
जरा (ذرع) अ. पुं.–लोभ, लालच; जंगली गाय का बच्चा।
जरा (زرا-ذرا) तु. वि.–तनिक, किंचित, अल्प, थोड़ा।
जरा (ضرا) अ. पुं.–रोना धोना, क्रन्दन; विनम्रता, आजिज़ी।
जराअत (زراعت) अ. स्त्री.–दे. शु. उ. 'जिराअत'।
जराअत (ضراعت) अ. स्त्री.–रोना, क्रन्दन; विनती करना, घिघियाना।
जराइद (جرائد) अ. पुं.–'जरीदः' का बहु., समाचारपत्र।
जराइफ़ (ظرائف) अ. पुं.–'ज़रीफ़ः' का बहु., ज़राफ़तें, मनोरंजन की बातें।
जराइम (جرائم) अ. पुं.–'जरीमः' का बहु., अनेक प्रकार के अपराध; बहुत से अपराध।
जराइमपेशः (جرائم پیشہ) अ. फा. वि.–जिसे जुर्म करने की आदत हो; जो प्रकृति से ही जुर्म का आदी हो।
जराइमपेशगी (جرائم پیشگی) अ. फा. स्त्री.–अपराधकरने का स्वभाव।
जराइर (ذرائر) अ. पुं.–'ज़र्रः' का बहु., छोटे-छोटे च्यूँटें।
जराए' (ذرائع) अ. पुं.–'ज़रीअः' का बहु., ज़रीए, साधन।
जराद (جراد) अ. पुं.–टीड़ी, टिड्डी, जो खेत खा जाती है।
जराफ़ (زراف) अ. पुं.–एक जंगली पशु जो ऊँट के बराबर होता है, और तेंदुए जैसी शरीर पर धारियाँ होती हैं, दे 'ज़िराफ़' दोनों शुद्ध हैं।
जराफ़त (ظرافت) अ. स्त्री.–हँसी, ठठोल, मस्खरापन; खुशतबई, मनोरंजन; व्यंग, तंज़; हास्यरस, मिज़ाहनिगारी।
जराफ़तअंगेज (ظرافت انگیز) अ. फा. वि.–ज़राफ़त पैदा करनेवाला।
जराफ़तआमेज (ظرافت آمیز) अ. फा. वि.–जिसमें हँसी-दिल्लगी की बातें मिली हों, परिहासपूर्ण।
जराफ़तनिगार (ظرافت نگار) अ. फा. वि.–हास्य-लेखक, मिज़ाहनिगार।
जराफ़तनिगारी (ظرافت نگاری) अ. फा. स्त्री.–हास्य-लेख लिखना, मिज़ाहनिगारी।
जराफ़तपसंद (ظرافت پسند) अ. फा. वि.–जिसे मनोरंजन पसंद हो, परिहासप्रिय।
जराफ़तपसंदी (ظرافت پسندی) अ. फा. स्त्री.–मनोरंजन की बातों का अच्छा लगना।
जराब (زرآب) फा. पुं.–सोने का पानी, पानी की शक्ल में सोना, हल किया हुआ सोना; पीले रंग की मदिरा।
जरारत (ضرارت) अ. स्त्री.–हानि पहुँचाना, नुक़्सान करना; अंधा होना।
जरारीह (ذراریح) अ. पुं.–'ज़ुरूह' का बहु., एक प्रकार के कीड़े जो दवा में काम आते हैं, यह शब्द एकवचन में प्रयुक्त है।
जरावंद (زراوند) फा. स्त्री.–एक दवा जो गोल और लम्बे दानों के आकार की होती है, गोल को 'मुदव्वर' और लंबे को 'तवील' कहते हैं।
जरासीम (جراثیم) अ. पुं.–'जुर्सूमः' का बहु., छोटे-छोटे कीड़े, कीटाणुगण।

जरासीमकुश (جراثیم کش) अ. फा. वि.–कीड़े मारनेवाली दवा, कीटनाशक।

जराहत (جراحت) अ. स्त्री.–इस शब्द का शुद्ध उच्चारण 'जिराहत' है, परंतु उर्दू में दोनों तरह बोलते हैं, घाव, ज़ख़्म; चीरफाड़, शल्यक्रिया।

जराहतख़ुर्दः (جراحت خوردہ) अ. फा. वि.–घायल, ज़ख़्मी, आहत, क्षत।

जराहतनसीब (جراحت نصیب) अ. वि.–जिसके भाग्य में घायल होना ही हो, जिसे हर जगह ज़ख़्म खाने को मिले।

ज़रीं (زریں) फा. वि.–सोने का बना हुआ, स्वर्णमय; सोने का, स्वर्णिम; सोने से सम्बन्ध रखनेवाला।

जरी (جری) अ. वि.–वीर, शूर, बहादुर; उत्साही, साहसी, जवाँमर्द।

ज़री (زری) फा. स्त्री.–दे. 'ज़रीं'; सोने-चाँदी के तार जिन पर सुनहरा मुलम्मा हो; गोटा किनारी का कपड़ा।

ज़रीअः (ذریعہ) अ. पुं.–साधन, वसीला; माध्यम, वासिता; द्वारा, मारिफ़त; उपाय, तदबीर।

जरीदः (جریدہ) अ. पुं.–एकाकी, अकेला; समाचारपत्र, अख़बार।

जरीदःनिगार (جریدہ نگار) अ. फा. वि.–पत्रकार, अख़बारनवीस।

जरीदःनिगारी (جریدہ نگاری) अ. फा. स्त्री.–पत्रकारी, अख़बारनवीसी।

जरीद (جرید) अ. पुं.–पत्रवाहक, क़ासिद; गुप्तचर, जासूस।

जरीदिल (جری دل) अ. फा. वि.–साहसी, जवाँमर्द, जिसे भय न हो।

ज़रीनः (زرینہ) फा. स्त्री.–सुनहरी।

ज़रीफ़ (ظریف) अ. वि.–हँसोड़, मसख़रा; ख़ुश मिज़ाज, विनोदप्रिय; प्रतिभाशाली, ज़हीन।

ज़रीफ़तब्अ (ظریف طبع) अ. वि.–दिल्लगी बाज़, हँसोड़, मनोविनोदी।

ज़रीफ़मिज़ाज (ظریف مزاج) अ. वि.–जिसके स्वभाव में मनोविनोद और हँसी मज़ाक़ बहुत हो, विनोदप्रिय।

ज़रीफ़ानः (ظریفانہ) अ. फा. वि.–मनोविनोद से भरा हुआ, हास्यपूर्ण।

ज़रीफ़ुत्तब्अ (ظریف الطبع) अ. वि.–दे. 'ज़रीफ़तब्अ'।

ज़रीफ़ुलमिज़ाज (ظریف المزاج) अ. वि.–दे. 'ज़रीफ़मिज़ाज'।

ज़रीबः (ضریبہ) अ. स्त्री.–स्वभाव, आदत; तलवार की तीक्ष्णता (वि.) तलवार से घायल।

जरीब (جریب) फा. स्त्री.–खेत नापने की ज़ंजीर; हाथ में पकड़ने की छड़ी।

जरीबकश (جریب کش) फा. वि.–जरीब से खेत नापनेवाला।

जरीबकशी (جریب کشی) फा. स्त्री.–जरीब द्वारा खेतों की पैमाइश।

ज़रीबत (ضریبت) अ. स्त्री.–स्वभाव, प्रकृति, आदत।

ज़रीबाफ़ (زری باف) फा. वि.–सोने-चाँदी के तार या सुनहरी लैस बनानेवाला।

जरीमः (جریمہ) अ. पुं.–पाप, पातक, गुनाह; दोष, अपराध, क़ुसूर।

जरीम (جریم) अ. वि.–जड़ से काटा हुआ, उन्मूलित; बड़े डीलडौल का।

ज़रीम (ضریم) अ. वि.–जला हुआ, दग्ध।

जरीरः (جریرہ) अ. पुं.–पाप, गुनाह।

ज़रीर (ضریر) अ. वि.–अंधा, अंध, नेत्रहीन; अशक्त, निर्बल, दुबला।

जरीश (جریش) अ. पुं.–दलया, जा पकाया जाता है।

जरीस (جریس) अ. वि.–बहुत भूखा, क्षुधातुर।

जरीह (جریح) अ. वि.–आहत, घायल, ज़ख़्मी।

ज़रीह (ضریح) अ. स्त्री.–क़ब्र, समाधि।

ज़रूर (ضرور) अ. वि.–अवश्य, यक़ीनी; निश्चित रूप से; निःसंदेह, बेशुब्हः।

ज़रूर (ذرور) अ. पुं.–दवा की बुकनी जो घाव या आँख आदि में छिड़की जाय।

ज़रूरत (ضرورت) अ. स्त्री.–आवश्यकता, चाह; आकांक्षा, ख़्वाहिश; कारण, सबब।

ज़रूरतन् (ضرورتاً) अ. वि.–कारणवश, आवश्यकता से।

ज़रूरतमंद (ضرورت مند) अ. फा. वि.–इच्छुक, ख़्वाहिशमंद; मोहताज, दरिद्र; भिक्षुक, भिखारी।

ज़रूरी (ضروری) अ. वि.–आवश्यक, यक़ीनी; अनिवार्य, लाज़िमी।

ज़रूरीयात (ضروریات) अ. स्त्री.–'ज़रूरी' का बहु., आवश्यकताएँ, ज़रूरतें।

ज़रे अस्ल (زر اصل) अ. फा. पुं.–मूलधन, अस्ल रुपया।

ज़रे क़ल्ब (زر قلب) फा. अ. पुं.–खोटा सिक्का; खोटा सोना या चाँदी।

ज़रे ख़ालिस (زر خالص) फा. अ. पुं.–खरा सिक्का; खरा सोना या चाँदी।

ज़रे गुल (زر گل) फा. पुं.–पराग, पुष्परज, फूल का ज़ीरा।

ज़रे नक़्द (زر نقد) फा. अ. पुं.–नक़्द रुपया, कैश।

ज़रे नातिक़ (زر ناطق) फा. अ. पुं.–बोलनेवाला धन; नौकर-चाकर, दास आदि; पशुधन।

ज़रे पेशगी (زر پیشگی) फा. पुं.–अग्रिम धन, किसी काम के लिए पहले दिया हुआ रुपया।

ज़रे फ़ाज़िल (زر فاضل) फा. अ. पुं.–अतिरिक्त धन, फ़ालतू रुपया, लेने या देने से अधिक रुपया।

ज़रे बैआनः (زر بیعانہ) फा. अ. पुं.–अग्रिम धन, पेशगी, रुपया।

ज़रे मस्कूक (زر مسکوک) फा. अ. पुं.–रुपया या अशरफ़ी।

ज़रे महलूल (زر محلول) फा. अ. पुं.–पानी के रूप में पिघला हुआ सोना।

ज़रे मुआवज़ः (زر معاوضہ) फा. अ. पुं.–किसी चीज़ के बदले का रुपया।

ज़रे मुतालबः (زر مطالبہ) फा. अ. पुं.–डिग्री आदि का वाजिब रुपया।

ज़रे मुनाफ़अः (زر منافعہ) फा. अ. पुं.–कारोबार में लाभ का रुपया।

ज़रे सफ़ेद (زر سفید) फा. पुं.–चाँदी, रजत।

ज़रे सामित (زر صامت) फा. अ. पुं.–न बोलनेवाला धन, रुपया-पैसा या जाइदाद।

ज़रे सुर्ख़ (زر سرخ) फा. पुं.–सोना, स्वर्ण।

ज़रोगौहर (زروگوہر) फा. पुं.–सोना और मोती।

ज़रोजवाहिर (زرو جواہر) फा. अ. पुं.–सोना और रत्न।

ज़र्अ (ذرع) अ. पुं.–शक्ति, बल; हाथ से नापना।

ज़र्अ (زرع) अ. स्त्री.–उगना, जमना; कृषि, खेती।

ज़र्अ (ضرع) अ. पुं.–गाय, बकरी आदि का थन।

ज़र्क़ (زرق) अ. वि.–छल, मक्र; असत्य, झूठ; मुँह पर कुछ होना और ज़बान पर कुछ।

ज़र्क़ (ذرق) अ. स्त्री.–पक्षी का बीट।

ज़र्क़बर्क़ (زرق برق) अ. वि.–तड़क-भड़कवाला, भड़कदार, चमकीला, भड़कीला।

ज़र्क़ा (زرقا) अ. स्त्री.–नीली आँखोंवाली स्त्री।

ज़र्गः (جرگہ) तु. पुं.–दल, समूह, जमाअत; गोत्र, वंश, ख़ानदान, जिर्गः भी शुद्ध है।

ज़र्ग़ब (زرغب) फा. पुं.–कीमुख़्त, एक प्रकार का चमड़ा।

ज़र्ग़ूनी (زرغونی) अ. स्त्री.–एक दवा जो यूनानी में प्रचलित है।

ज़र्दः (زردہ) फा. पुं.–एक प्रकार के मीठे चावल, ख़ुशबूदार पत्ती का तंबाकू।

जर्दः (جردہ) फा. पुं.–दे. 'चर्दः' इस अर्थ में 'जर्दः' अशुद्ध है।

ज़र्द (زرد) फा. वि.–पीत, पीला, पीले रंगवाला; पीला रंग।

ज़र्द (زرد) अ. पुं.–निवाला निगलना; गला घोंटना; कवच बिनना।

ज़र्दआब (زردآب) फा. पुं.–दे. 'ज़र्दाब', वही उच्चारण अधिक शुद्ध है।

ज़र्दआलू (زردآلو) फा. पुं.–दे. 'ज़र्दालू', वही उच्चारण अधिक शुद्ध है।

ज़र्दक (زردک) फा. स्त्री.–गाजर, पीत क़ंद, एक प्रसिद्ध कंद।

ज़र्दगोश (زردگوش) फा. पुं.–छली, धूर्त, मक्कार; द्वयभाषी, मुवाफ़िक़; दुविधा में पड़ा हुआ, मुज़ब्ज़ब।

ज़र्दचश्म (زردچشم) अ. पुं.–बाज़ और उसकी जाति के शिकारी पक्षी।

ज़र्दचोब (زردچوب) फा. स्त्री.–हल्दी, हरिद्रा।

ज़र्दरू (زردرو) फा. वि.–लज्जित, शर्मिंदा; जिसके शरीर में ख़ून न हो, लाग़र, दुबला।

ज़र्दरूई (زردروئی) फा. स्त्री.–लज्जा, शर्म; शरीर में ख़ून न होना।

ज़र्दाब (زردآب) फा. पुं.–फोड़े से बहनेवाला कच-लोहू।

ज़र्दालू (زردآلو) फा. पुं.–ताज़ी ख़ूबानी।

ज़र्दी (زردی) फा. स्त्री.–पीतिमा, पीलापन; अंडे की ज़र्दी।

ज़र्नब (زرنب) फा. स्त्री.–एक दवा, तालीस पत्र।

ज़र्नीख़ (زرنیخ) फा. स्त्री.–हड़ताल, एक ओषधि।

ज़र्फ़ (ظرف) अ. पुं.–बर्तन, भाजन, पात्र; योग्यता, सलाहीयत; गंभीरता, तहम्मुल; सहनशीलता, बुर्दबारी।

ज़र्फ़े आब (ظرف آب) अ. फा. पुं.–पानी रखने का बरतन, जलपात्र।

ज़र्फ़े ज़मां (ظرف زماں) अ. पुं.–वह संज्ञा जो समय की सूचक हो, जैसे–प्रातः और संध्या।

ज़र्फ़े मकां (ظرف مکاں) अ. पुं.–वह संज्ञा जो स्थान की सूचक हो, जैसे–घर या पाठशाला।

ज़र्फ़े मय (ظرف مے) अ. फा. पुं.–शराब का बरतन, सुरापात्र।

ज़र्फ़े शीर (ظرف شیر) अ. फा.–दूध रखने का बरतन, क्षीरपात्र।

ज़र्बः (ضربہ) अ. पुं.–चोट, आघात, ज़र्ब; पाँसा, क़ुर्अः।

ज़र्ब (ضرب) अ. स्त्री.–आघात, चोट, (पुं.) गुणा, दो संख्याओं का गुणा।

ज़र्बख़ानः (ضرب خانہ) अ. फा. पुं.–टकशाला, टकसाल, जहाँ रुपया ढलता है।

ज़र्बत (ضربت) अ. स्त्री.–ज़र्ब, चोट, आघात।

ज़र्बात (ضربات) अ. स्त्री.–'ज़र्बत' का बहु., चोटें, मारें।

ज़र्बीयः (ضربیہ) अ. पुं.–टैक्स, कर, महसूल।

ज़र्बुलमसल (ضرب المثل) अ. पुं.–कहावत, लोकोक्ति, मसल।

ज़र्बे ख़फ़ीफ़ (ضرب خفیف) अ. स्त्री.–हलकी चोट, जिसमें हड्डी आदि न टूटे।

ज़र्बे दस्त (ضرب دست) अ. फा. स्त्री.–हाथ की चोट, थप्पड़, हस्ताघात।

ज़र्बे पा (ضرب پا) अ. फा. स्त्री.–पाँव की ठोकर, पदाघात।

ज़र्बे फ़त्ह (ضرب فتح) अ. स्त्री.–लड़ाई जीतने की ख़ुशी में बजनेवाला बाजा।

ज़र्बे मुफ़रद (ضرب مفرد) अ. पुं.–साधारण गुणा, किसी पूरी संख्या का पूरी संख्या से गुणा।

ज़र्बे मुरक्कब (ضرب مرکب) अ. पुं.–रुपया, आना और पाई या मन, सेर और छटाँक आदि का गुणा।

ज़र्बे लाज़िब (ضرب لازب) अ. स्त्री.–वह चोट जिसका चिह्न अच्छे होने पर भी बाक़ी रहे।

ज़र्बे शदीद (ضرب شدید) अ. स्त्री.–गहरी चोट जिसमें हड्डी टूट जाय या और कोई ऐसा ही घाव आये जिससे प्राणभय हो।

ज़र्बे शम्शीर (ضرب شمشیر) अ. फा. स्त्री.–तलवार का घाव।

ज़र्रः (ذرہ) अ. पुं.–कण, अणु, रेणु, बहुत ही बारीक रेज़ा; अति तुच्छ, बहुत ही हक़ीर; छोटा चींटा।

ज़र्रः (ضرہ) अ. स्त्री.–वह स्त्री जो एक स्त्री की उपस्थिति में ब्याह कर लायी जाय, सौकन, सौत।

ज़र्रः नवाज़ (ذرہ نواز) अ. फा. वि.–छोटों पर दया करनेवाला, दीनदयालु, दीनबंधु।

ज़र्रःपर्वर (ذرہ پرور) अ. फा. वि.–दे. 'ज़र्रःनवाज़'।

ज़र्रए नाचीज़ (ذرہ ناچیز) अ. फा. पुं.–बहुत ही छोटा और सूक्ष्म कण, अर्थात् अत्यंत तुच्छ व्यक्ति, वक्ता अपने लिए भी इस शब्द का प्रयोग करता है।

ज़र्रए बेमिक़्दार (ذرۂ بےمقدار) अ. फा. पुं.–दे. 'ज़र्रए नाचीज़'।

ज़र्रतान (ضرتان) अ. स्त्री.–वे दो स्त्रियाँ जो एक पुरुष के ब्याह में हों, 'ज़र्रः' का द्विवचन, दो सौतें।

ज़र्राक़ (زراق) अ. वि.–जिसके मन में कुछ हो और मुँह पर कुछ, द्विजिह्व, मुनाफ़िक़।

ज़र्राअ (ضراع) अ. स्त्री.–कष्ट, आपत्ति, दुःख; हानि, नुक़सान।

ज़र्राक़ख़ानः (زراق خانہ) अ. फा. पुं.–ऐसा स्थान जहाँ वे सब लोग एकत्र हों जिनके दिलों में कुछ होता है और मुँह पर कुछ, धूर्त्तावास।

ज़र्राद (زراد) अ. वि.–ज़िरिहबक्तर बनानेवाला।

ज़र्राफ़ (ظراف) अ. वि.–बहुत अधिक हँसोड़, बड़ा दिल्लगी बाज़; बड़ा प्रतिभाशाली, बहुत ज़हीन।

ज़र्रादख़ानः (زراد خانہ) अ. फा. पुं.–शस्त्रागार, हथियार-घर।

ज़र्राब (ضراب) अ. वि.–सिक्के पर ठप्पा लगानेवाला, मुद्रा छापनेवाला।

जर्रारः (جرارہ) अ. पुं.–एक अत्यंत विषैला बिच्छू जो पूँछ ज़मीन पर घसीटता हुआ चलता है; बहुत बड़ी सेना।

जर्रार (جرار) अ. वि.–बहुत बड़ी सेना; बहुत बड़ी भीड़ जो लोगों के हुजूम के कारण धीरे-धीरे चलती हो; अपनी ओर खींचनेवाला।

जर्राह (جراح) अ. पुं.–चीर-फाड़ से ज़ख़्मों का इलाज करनेवाला, शल्य-चिकित्सक।

जर्राही (جراحی) अ. स्त्री.–जर्राह का काम, घावों और फोड़े-फुंसियों की चिकित्सा, चीर-फाड़, शल्य-क्रिया।

ज़र्री (زریں) फा. वि.–सोने का; सोने से मढ़ा हुआ, सोना चढ़ा हुआ; सुनहला।

जर्रे सक़ील (جر ثقیل) अ. पुं.–भारी बोझ खींचने और उठाने की विद्या।

जर्ह (جرح) अ. स्त्री.–चोट, आघात; किसी बात के झूठ सच की जाँच के लिए प्रश्न।

जर्होक़द्ह (جرح وقدح) अ. स्त्री.–वाद-विवाद, तर्क-वितर्क, बहस, हुज्जत।

जलक़ (جلق) अ. स्त्री.–हाथ से इंद्रिय-संचालन द्वारा वीर्यपात, हस्त-मैथुन, हथलस।

ज़लक़ (زلق) अ. स्त्री.–फिसलन, फिसलना; साफ और चौरस मैदान या ज़मीन; हस्तमैथुन, हथलस।

जलक़ज़दः (جلق زدہ) अ. फा. वि.–हस्तमैथुनिक, जिसे हथलस का दुर्व्यसन हो।

जलक़ी (جلقی) अ. वि.–हथलस करनेवाला, जलक़ लगानेवाला, हस्तमैथुनिक।

ज़लक़ुलअम्आ (زلق الامعا) अ. स्त्री.–आँतों की फिसलन, एक रोग जिसमें आँतें मवाद रोक नहीं सकतीं और दस्त आते रहते हैं।

ज़लमः (ظلمہ) अ. पुं.–'ज़ालिम' का बहु., निर्दय और अत्याचारी लोग।

ज़लमानी (ظلمانی) अ. वि.–तमिस्र, अंधकारमय, तारीक।

ज़लल (زلل) अ. पुं.–फिसलन, फिसलना; फिसलने की जगह; ह्रास, कमी; त्रुटि, ग़लती।

जला (جلا) अ. वि.–किसी को देश निकाला देना; स्वयं देश त्याग करके परदेश जाना।

जलाजिल (جلاجل) अ. पुं.–'जुल्जुल' का बहु., वह घुंघरू जो किसी कपड़े पर टाँककर पशु आदि के गले में डालते हैं। वे मजीरे जो डफ़ की परिधि में होते हैं; बड़े मजीरे, झाँझ।

जलाज़िल (زلازل) अ. पुं.–'ज़ल्ज़ल:' का बहु., ज़ल्ज़ले, भूकंप।

ज़लाक़त (ذلاقت) अ. स्त्री.–वाक्पटुता, तेज़ बयानी, बात को अच्छे ढंग से और ज़ोरदार शब्दों में कहना।

जलादत (جلادت) अ. स्त्री.–स्फूर्ति, फुर्ती, चुस्ती; शूरता, वीरता, बहादुरी।

ज़लाम (ظلام) अ. पुं.–संध्या के बाद की अँधेरी, शुरू रात का हलका अँधेरा।

ज़लाल (ظلال) अ. पुं.–बादल की छाया; साय:दार जगह।

ज़लाल (ضلال) अ. पुं.–गुमराही, मार्ग भ्रंश, रस्ते से भटक जाना; पाप, गुनाह।

जलाल (جلال) अ. पुं.–प्रताप, तेज, अजमत; हैबत, किसी महात्मा या ऋषि, मुनि का रोब।

जलालत (جلالت) अ. स्त्री.–श्रेष्ठता, महत्ता, बुज़ुर्गी।

जलालत मआब (جلالت معاب) अ. वि.–श्रेष्ठतायुक्त, अतिश्रेष्ठ।

जलालते शान (جلالت شان) अ. स्त्री.–व्यक्तित्व की महत्ता।

जलाली (جلالی) अ. वि.–जलालवाला, प्रतापवान्; 'जमाली' का उलटा, वह मंत्र, जाप या वज़ीफ़ा जिस में जान जाने का भय हो।

जलावत (حلاوت) अ. स्त्री.–उज्ज्वलता, प्रकाश, रौशनी; स्वच्छता, धवलता, सफ़ाई।

जलावतन (جلاوطن) अ. वि.–वह व्यक्ति जो अपना देश त्याग कर परदेश में रह रहा हो, निर्वासित, पुरुपार्थी, शरणार्थी।

जलावतनी (جلاوطنی) अ. स्त्री.–स्वदेश त्याग, अपना घर-बार छोड़कर दूसरे देश में रहना, अज्ञात वास।

जली (جلی) अ. वि.–व्यक्त, प्रकट, ज़ाहिर, मोटे अक्षरों में लिखा हुआ लेख।

जलील (جلیل) अ. वि.–प्रतिष्ठित, महान्, अज़ीम; मान्य, पूज्य, मोहतरम।

ज़लील (ذلیل) अ. वि.–भ्रष्ट, अधम, पामर, नीच, कदर्थित, कमीना; तिरस्कृत, अनाहत, अपमानित, बेइज़्ज़त।

जलीलुलक़द्र (جلیل القدر) अ. वि.–बड़े मरतबेवाला, महत्प्रतिष्ठ, महामना।

जलीस (جلیس) अ. पुं.–पास बैठनेवाला, सखा, पार्श्ववर्ती, हमनशीं, पार्षद, सहवर्ती।

ज़लू (زلو) फा. स्त्री.–जोंक, जलौका, रक्तपा।

ज़लूक (زلوک) फा. स्त्री.–दे. 'ज़लू'।

ज़लूम (ظلوم) अ. वि.–अत्यंत अत्याचारी, बहुत बड़ा ज़ालिम।

ज़ल्ज़लः (زلزلہ) अ. पुं.–भूकंप, भूडोल, भूचाल, भूप्रकंप।

ज़लज़लःअफ़गन (زلزلہ افگن) अ. फा. वि.–जो ज़ल्ज़ल: डाल दे, जो पृथ्वी को हिला दे।

जल्द (جلد) फा. वि.–शीघ्र, त्वरित, सत्वर, तुरंत, फ़ौरन।

जल्द अज़ जल्द (جلدازجلد) फा. वि.–शीघ्रातिशीघ्र, जल्द से जल्द, जितनी जल्दी हो सके।

जल्दतर (جلدتر) फा. वि.–अतिशीघ्र, बहुत जल्द, फौरन, तुरंत ही।

जल्दबाज़ (جلدباز) फा. वि.–जो चाहता हो कोई काम जल्द हो जाय, उतावला, आतुर।

जल्दबाज़ी (جلدبازی) फा. स्त्री.–तुरंत काम हो जाने की चाह; तुरंत करने की उत्कंठा।

जल्ब (جلب) अ. स्त्री.–लेना, ग्रहण करना; हासिल करना, उपार्जन।

जल्बे मन्फ़अत (جلب منفعت) अ. स्त्री.–लाभोपार्जन, नफ़ा कमाना।

ज़ल्लः (زلہ) अ. पुं.–वह भोजन जो किसी के लिए रख दिया जाय; बचा हुआ खाना, जूठन, उच्छिष्ट; वह भोजन जो दासों और दासियों को दिया जाता है।

ज़ल्लः (زلہ) फा. पुं.–झींगर।

जल्लःजलालुहू (جل جلالہ) अ. अव्य.–ईश्वर के नाम के साथ आता है अर्थात् उसका जलाल (प्रताप) अति महान् है।

ज़ल्लःख्वा (زلہ ربا) अ. फा. वि.–जूठन खानेवाला, किसी बड़े व्यक्ति के सहारे रहनेवाला।

ज़ल्लत (زلت) अ. स्त्री.–फिसलन, फिसलना; त्रुटि, भूल, लग्ज़िश।

जल्लाद (جلاد) अ. पुं.–वह व्यक्ति जो अपराधियों को कोड़े मारता है; वह व्यक्ति जो अपराधियों की गर्दन मारता है; वह व्यक्ति जो फाँसी पर चढ़ाता है; अत्यंत निर्दय और अत्याचारी।

जल्लादी (جلادی) अ. स्त्री.–जल्लाद का काम या पेशा; घोर अत्याचार करनेवाला।

जल्लाब (جلاب) अ. वि.–ले जानेवाला, एक स्थान से दूसरे स्थान को ले जानेवाला; पशुओं को बेचने के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जानेवाला।

जल्वः (جلوہ) अ. पुं.–अपने को बनाव सिंगार करके दिखाना; अपने को दूसरे के सामने पेश करना; दर्शन, दीदार; प्रदर्शन, नुमाइश।

जल्वःआरा (جلوہ آرا) अ. फा. वि.–बनाव सिंगार और ठाट-बाट से किसी स्थान पर उपस्थित; किसी श्रेष्ठ और महान् व्यक्ति की उपस्थिति के लिए भी आता है।

जल्वःआराई (جلوۂآرائی) अ. फा. स्त्री.–वनाव सिंगार के साथ उपस्थित; किसी श्रेष्ठ व्यक्ति की उपस्थिति।

जल्वःगर (جلوۂگر) अ. फा. वि.–दे. 'जल्वःआरा'।

जल्वःगरी (جلوۂگری) अ. फा. स्त्री.–दे. 'जल्वःआराई'।

जल्वःगाह (جلوۂگاہ) अ. फा. स्त्री.–जल्वः दिखाने का स्थान, प्रेमिका का घर।

जल्वःफ़र्मा (جلوۂفرما) अ. फा. वि.–दे. 'जल्वःआरा'।

जल्वःफर्माई (جلوۂفرمائی) अ. फा. स्त्री.–दे. जल्वःआराई।

जल्वत (جلوت) अ. स्त्री.–अपने को सब को दिखाना; 'ख़लवत' का उलटा भीड़, जमाव।

जल्सः (جلسہ) अ. पुं.–सभा, मजलिस; नाच गाने की महफ़िल; बैठक, किसी कमेटी आदि की निशस्त।

जलसःगाह (جلسہگاہ) अ. फा. स्त्री.–जहाँ जल्सा हो रहा हो, जल्से की जगह, सभास्थल।

जल्सए ता'ज़ियत (جلسۂتعزیت) अ. पुं.–किसी की मृत्यु पर शोक प्रकट करने का जल्सा, शोकसभा।

जव (جو) अ. पुं.–अंतरिक्ष, ख़ला, ज़मीन और आस्मान के बीच की जगह।

जवाँ (جواں) फा. पुं.–जवान का यौगिक रूप: जवान, युवा, युवक, तरुण; वयस्क, बालिग।

जवाँताले' (جواں‌طالع) अ. फा. वि.–दे. 'जवाँवख़्त'।

जवाँदौलत (جواں‌دولت) फा. अ. वि.–जिसका धन तरुण हो, समृद्ध, धनाढ्य, वहुत ही मालदार।

जवाँवख़्त (جواں‌بخت) फा. वि.–जिसका भाग्य पूरी जवानी पर हो, महा भाग्यशाली।

जवाँमर्ग (جواں‌مرگ) फा. वि.–जो युवावस्था में मर जाय।

जवाँमर्गी (جواں‌مرگی) फा. स्त्री.–जवानी की मृत्यु, युवावस्था की मौत।

जवाँमर्द (جواں‌مرد) फा. वि.–वीर, शूर, बहादुर; साहसी, हिम्मतवर; दानी, वदान्य, सख़ी।

जवाँमर्दी (جوانمردی) फा. स्त्री.–शूरता, बहादुरी; साहस, हिम्मत; दानशीलता, सख़ावत।

जवाँमीर (جواں‌میر) फा. वि.–दे. 'जवाँमर्ग'।

जवाँसाल (جواں‌سال) फा. वि.–नयी उम्र का, नवयुवक, नवल, नव यौवन, नौ जवान, उठती जवानी का।

जवाँहिम्मत (جواں‌ہمت) फा. अ. वि.–बड़े हौसलेवाला, पूर्णोत्साही, महोत्साह।

जवाइद (زوائد) अ. पुं.–'ज़ाइदः' का वहु., फ़ालतू चीजें; वतोड़ियाँ।

जवाज़ (جواز) अ. पुं.–जाइज़ होना, औचित्य; धर्म के अनुसार जायज़ होना; पारपत्र, पास्पोर्ट।

जवाद (جواد) अ वि.–मुक्तहस्त, वदान्य, दानशील, सख़ी, फ़ैयाज़।

जवान (جوان) फा. पुं.–तरुण, युवा; नौजवान; वयस्क, व्यवहार प्राप्त, वालिग़; रूपवान्, सजीला।

जवानानः (جوانانہ) फा. वि.–जवानों की तरह।

जवानामर्ग (جوانامرگ) फा. वि.–दे. 'जवाँमर्ग'।

जवानामर्गी (جوانامرگی) फा. स्त्री.–दे. 'जवाँमर्गी'।

जवानी (جوانی) फा. स्त्री.–युवावस्था, तरुणिमा, तारुण्य, नौजवानी।

जवाब (جواب) अ. पुं.–उत्तर, प्रश्न का जवाव; अस्वीकृति, इन्कार; जोड़, मद्दे मुक़ाबिल।

जवाबतलब (جواب‌طلب) अ. वि.–वह पत्र आदि जिसका उत्तर जाना आवश्यक हो।

जवाबतलबी (جواب‌طلبی) अ. स्त्री.–किसी त्रुटि या अपराध पर पूछ-ताछ।

जवाबदावा (جواب‌دعوی) अ. पुं.–नालिश के दावे का उत्तर, जिसमें यह दिखाया जाता है कि वाद अमुक कारणों से झूठा है।

जवाबदेह (جواب‌دہ) अ. फा. वि.–उत्तरदाता, जवाब देनेवाला; उत्तरदायी, ज़िम्मःदार।

जवाबदेही (جواب‌دہی) अ. फा. स्त्री.–उत्तरदायित्व, ज़िम्मःदारी।

जवाबित (ضوابط) अ. पुं.–ज़ाबितः का वहु., नियमावली, क़ायदे।

जवाबी (جوابی) अ. वि.–जवाव में, वदले में, जैसे—जवावी हम्ला; जवाब के लिए दूसरा परत, जैसे—जवावी तार अथवा ख़त।

जवाबुलजवाब (جواب‌الجواب) अ. पुं.–किसी प्रश्न के उत्तर में दिया हुआ उत्तर, प्रत्युत्तर।

जवाबे बा सवाब (جواب‌باصواب) अ. फा. पुं.–ठीक-ठीक और उचित उत्तर।

जवामोस (جوامیس) अ. पुं.–जामूस का बहु., भैंसे।

जवामे (جوامع) अ. पुं.–जामिअः का बहु., समग्र, समस्त, सब, कुल।

जवाया (زوایا) अ. पुं.–'ज़ावियः' का वहु., ज़ाविए, कोण।

जवारिश (جوارش) फा. स्त्री.–एक यूनानी, अवलेह के प्रकार की स्वादिष्ठ औषध जो पेट की बीमारियों में दी जाती है और बहुत प्रकार की होती है।

जवारेह (جوارح) अ. पुं.–'जारिहः' का वहु., हाथ, पाँव और दूसरे अवयव; शिकारी जान्वरों का गोल।

ज़वाल (زوال) अ. पुं.–गिराव, पतन; अवनति, उन्नति का उलटा; ह्रास, कमी।

ज़वालआबाद (زوال آباد) अ. फा. वि.–संसार, जगत्, दुनिया।

ज़वालआमादः (زوال آمادہ) अ. फा. वि.–जो पतन की ओर जाने को तैयार हो, पतनोन्मुख; जो नाशवान् हो, नश्वर।

ज़वालपिज़ीर (زوال پذیر) अ. फा.–वि. जिसका पतन हो रहा हो, अवनतिशील, पतनशील।

जवासीस (جواسیس) अ. पुं.–'जासूस' का बहु., गुप्तचरों का समूह।

जवाहिर (جواهر) अ. पुं.–'जौहर' का बहु., रत्नसमूह।

ज़वाहिर (زواهر) अ. पुं.–'ज़ाहिर' का बहु., उज्ज्वल वस्तुएँ; ऊँचे स्थान; कलियाँ, शगूफ़े।

ज़वाहिर (ظواهر) अ. पुं.–'ज़ाहिर' का बहु., व्यक्त और प्रकट वस्तुएँ; ऊपरी और ज़ाहिरी हालतें।

जवाहिरख़ानः (جواهرخانہ) अ. फा. पुं.–जहाँ जवाहिरात हों, रत्नागार।

जवाहिरनिगार (جواهرنگار) अ. फा. वि.–रत्न जटित, रत्न जड़ा हुआ।

जवाहिररक़म (جواهررقم) अ. वि.–जैसे रत्न जड़े हों ऐसी सुंदर लिखावट लिखनेवाला।

ज़विलअर्हाम (ذوی الارحام) अ. पुं.–साहिबे रहम, कृपावान, दयालुजन।

ज़विलक़ुर्बा (ذوی القربی) अ. पुं.–रिश्तेदार, स्वजन, नातेदार।

ज़विलफ़राइज़ (ذوی الفرائض) अ. पुं.–साहबे फ़रायज़ (फ़र्ज़ का बहु.) कर्त्तव्यवान्, कर्मनिष्ठ।

ज़विलफ़ुरूज़ (ذوی الفروض) अ. पुं.–दे. ज़विलफ़रायज़।

जव्व (جو) अ. पुं.–अंतरिक्ष, खला; पृथ्वी और आकाश के बीच का वायुमंडल।

ज़व्वार (زوار) अ. वि.–तीर्थयात्री, ज़ियारत करनेवाला।

जव्वालः (جوالہ) अ. पुं.–बहुत अधिक चक्कर खानेवाली वस्तु।

जश्न (جشن) फा. पुं.–उत्सव, समारोह, कोई बहुत बड़ी खुशी जिसे सारा देश या किसी सम्प्रदाय या दल के सारे आदमी मनाये।

जश्ने अज़ीम (جشن عظیم) अ. फा. पुं.–बहुत बड़ा समारोह, महोत्सव।

[जश्ने] अरूस (جشن عروس) फा. अ. पुं.–ब्याह की खुशी, [विवा]होत्सव।

जश्ने आज़ादी (جشن آزادی) फा. पुं.–किसी देश के पराधीनता से मुक्त होने का जश्न।

जश्ने ईद (جشن عید) फा. अ. पुं.–ईद की खुशी, ईदोत्सव।

जश्ने चराग़ां (جشن چراغاں) फा. पुं.–दिवाली का जश्न, दीपावली; किसी खुशी में चरागाँ, दीपोत्सव।

जश्ने जुम्हूरियत (جشن جمہوریت) फा. अ. पुं.–गणतंत्र-महोत्सव।

जश्ने ताजपोशी (جشن تاج پوشی) फा. पुं.–अभिषेकोत्सव, किसी राजा आदि की राजगद्दी का जश्न।

जश्ने नौरोज़ (جشن نوروز) फा. पुं.–नये साल के आने की खुशी, नव वर्षोत्सव।

जश्ने फ़त्ह (جشن فتح) फा. अ. पुं.–विजय प्राप्ति की खुशी, जयोल्लास, विजयोत्सव।

जश्ने मीलाद (جشن میلاد) फा. अ. पुं.–दे. 'जश्ने विलादत'।

जश्ने विलादत (جشن ولادت) फा. अ. पुं.–किसी के पैदा होने का जश्न, जन्मोत्सव।

जश्ने सालगिरिह (جشن سالگرہ) फा. पुं.–किसी महान् व्यक्ति की वर्षगाँठ की खुशी, जयंती।

जश्ने सीमीं (جشن سیمیں) फा. पुं.–पचास वर्षों की आयु पूरी होने पर मनाया जानेवाला उत्सव, रजतोत्सव; आजकल इसे 'स्वर्णजयन्ती' कहते हैं।

जश्ने सुल्ह (جشن صلح) फा. अ. पुं.–दो राष्ट्रों में संधि होने का जश्न, संधि-उत्सव।

जस (جص) अ. पुं.–चूना, गच।

जसद (جسد) अ. पुं.–शरीर, देह, जिस्म।

जसदी (جسدی) अ. वि.–शरीर से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु; शरीर का।

जसदे ख़ाकी (جسد خاکی) अ. फा. पुं.–मिट्टी से बना हुआ शरीर, तुच्छ और नश्वरदेह।

जसामत (جسامت) अ. स्त्री.–लंबाई, चौड़ाई और (मोटाई, गहराई या ऊँचाई) हज्म, दल; मोटापा, पीनता, स्थूलता।

जसारत (جسارت) अ. स्त्री.–शूरता, वीरता, बहादुरी, दिलेरी; धृष्टता, दुःसाहस, बेबाकी।

जसीम (جسیم) अ. वि.–स्थूल, पीवर, पीन, मोटा ताज़ा।

जसूर (جسور) अ. वि.–वीर, शूर, बहादुर।

जस्तः (جستہ) फा. वि.– कूदा हुआ।

जस्तः जस्तः (جستہ جستہ) फा. वि.–कहीं-कहीं से, विशेषतः पुस्तक पढ़ने के लिए आता है।

जस्त (جست) फा. स्त्री.–उछाल, कुदान, उत्फाल।

जस्तोख़ेज़ (جستوخیز) फा. स्त्री.—दौड़-धूप, कोशिश, प्रयत्न।

जस्र (جسر) अ. पुं.—पुल, सेतु।

ज़ह (زہ) फा. पुं.—नुत्फ़ः, वीर्य; भ्रूण, जनीन; शिशु, बच्चा।

ज़हदान (زہدان) फा. पुं.—गर्भाशय, जरायु, बच्चादानी, रहिम।

जहन्नम (جہنم) फा पुं.—नरक, रौरव, दोज़ख; बहुत ही दुःख और कष्ट की जगह।

जहन्नमज़ार (جہنمزار) फा. पुं.—ऐसा स्थान जहाँ चारों ओर नरक-जैसा भीषण और भयानक वातावरण हो।

जहन्नमी (جہنمی) फा. अ. वि.—नरकवासी, नारकी; ऐसा कर्म करनेवाला जिसके फलस्वरूप उसे नरक में जाना पड़े।

ज़हब (ذہب) अ. पुं.—सोना, कुंदन, स्वर्ण, कनक।

जहलः (جہلہ) अ. पुं.—'जाहिल' का बहु., मूर्खगण, घामड़ लोग।

जहाँ (جہاں) फा. पुं.—जहान का लघुरूप, संसार, विश्व, दुनिया।

जहाँआरा (جہاں آرا) फा. वि.—संसार को सुशोभित करनेवाला।

जहाँआफ़रीं (جہاں آفریں) फा. वि.—संसार की उत्पत्ति करनेवाला, सृष्टिकर्ता।

जहाँगर्द (جہاں گرد) फा. वि.—संसार भर में फिरनेवाला, विश्वभ्रमी।

जहाँगीर (جہانگیر) फा. वि.—संसार को अपने वश में करनेवाला, विश्वविजयी।

जहाँदार (جہاندار) फा. वि.—पृथ्वीपाल, सम्राट्, शासक, बादशाह।

जहाँदीदः (جہاندیدہ) फा. वि.—दुनिया देखे हुए, बहुदर्शी, बड़ा अनुभवी और तजरिबाकार, बृहदनुभवी।

जहाँपनाह (جہاں پناہ) फा. वि.—विश्वपाल, संसार को अपनी शरण में लेनेवाला, राजाओं और बादशाहों के लिए संबोधन का शब्द।

जहाँबानी (جہاں بانی) फा. स्त्री.—शासन कर्म, राज्य, हुकूमत।

जहाज़ (جہاز) अ. पुं.—समुद्र में चलनेवाली बहुत बड़ी नाव, पोत, वहिल।

जहाज़राँ (جہازراں) अ. फा. वि.—जहाज़ चलानेवाला, पोतचालक।

जहाज़रानी (جہازرانی) अ. फा. स्त्री.—जहाज़ चलाने का काम या पेशा।

जहाज़ी (جہازی) अ. वि.—जहाज़ से सम्बन्ध रखनेवाला; जहाज़ का; एक प्रकार की सुपारी।

जहाज़े आबी (جہاز آبی) अ. फा. पुं.—पानी में चलनेवाला जहाज़, जलयान, पोत।

जहाज़े बह्री (جہاز بحری) अ. पुं.—समुद्र में चलनेवाला जहाज़, पोत, जलयान।

जहाज़े हवाई (جہاز ہوائی) अ. पुं.—हवा में उड़नेवाला जहाज़, वायुयान, विमान।

ज़हादत (زہادت) अ. स्त्री.—संयम, इंद्रिय निग्रह, परहेज़गारी, मुनिवृत्ति, मनोनिग्रह।

जहान (جہان) फा. पुं.—संसार, विश्व, दुनिया; लोक, आलम।

ज़हानत (ذہانت) अ. स्त्री.—ज़ेहन की तेज़ी, प्रतिभा; दक्षता, विवेक, समझ बूझ; नयी बात निकालने की शक्ति।

जहाने फ़ानी (جہانِ فانی) फा. अ. पुं.—नश्वर संसार, मृत्युलोक, इहलोक, दुनिया, नाश हो जानेवाला संसार।

जहाने बाक़ी (جہانِ باقی) फा. अ. पुं.—शाश्वत संसार, नित्यलोक, परलोक, नाश न होनेवाली दुनिया।

ज़हाब (ذہاب) अ. पुं.—गमन, जाना, गुज़रना।

जहालत (جہالت) अ. स्त्री.—मूर्खता, मूढ़ता, बेवक़ूफ़ी; अज्ञान, जड़ता, नादानी; निरक्षरता, बेइल्मी; असभ्यता, बदतहज़ीबी; उद्दंडता, अक्खड़पन।

ज़हीन (ذہین) अ. वि.—जिसमें ज़हानत हो, दक्ष, कुशल, प्रतिभावान्।

जहीर (جہیر) अ. वि.—वह आदमी जिसकी आवाज़ ऊँची हो, ज़ोर से बोलनेवाला।

ज़हीर (زہیر) अ. वि.—उज्ज्वल, रौशन; मुकुलित, प्रफुल्ल, खिला हुआ; कलियों से लदा हुआ वृक्ष।

ज़हीर (ظہیر) अ. वि.—सहायक, पृष्ठपोषक, मददगार; जिसकी पीठ में दर्द हो, (यह शब्द एक वचन भी है और बहुवचन भी)।

ज़हीर (زحیر) अ. स्त्री.—पेचिश, अतिसार, आँव, मरोड़।

ज़हीरे काज़िब (زحیرِ کاذب) अ. स्त्री.—झूठी पेचिश।

ज़हीरे सादिक़ (زحیرِ صادق) अ. स्त्री.—सच्ची पेचिश।

ज़हूक (ضحوک) अ. वि.—बहुत हँसनेवाला; चौड़ा और खुला हुआ मार्ग।

जहूद (جہود) फा. पुं.—यहूदी।

जहूल (جہول) अ. वि.—बहुत बड़ा जाहिल, निपट मूर्ख।

जहद (جہد) अ. पुं.—शक्ति, ज़ोर; प्रयत्न, प्रयास, कोशिश; कष्ट, दुःख, तक्लीफ़।

जह्दे जहीद (جہد جہید) अ. पुं.–भरसक प्रयत्न, पूरी कोशिश।

जह्मत (زحمت) अ. स्त्री.–कष्ट, क्लेश, तक्लीफ़।

ज़ह्रः (زہرہ) फा. पुं.–पित्ता, पित्ताशय, वह थैली जिसमें पित्त (सफ़ा) रहता है; पित्त, सफ़ा; जीवट, साहस, हिम्मत; वीरता, बहादुरी।

ज़ह्रःशिगाफ़ (زہرہ شگاف) फा. वि.–पित्ता पानी कर देने-वाला, साहस तुड़वा देनेवाला, भयंकर, भयानक, ज़ोरदार।

ज़ह्र (زہر) फा. पुं.–विष, गरल, हलाहल।

जह्र (جہر) अ. पुं.–ज़ोर की आवाज़, ऐसी आवाज़ जो पासवाला सुन सके।

ज़ह्रआगीं (زہر آگیں) फा. वि.–ज़हरीला, विषैला, विषाक्त।

ज़ह्रआमेज़ (زہر آمیز) फा. वि.–विष मिला हुआ, विष मिश्रित, विषदुष्ट।

ज़ह्रआलूदः[द] ([زہر آلود[ہ) फा. वि.–दे. 'ज़ह्रआमेज़'।

ज़ह्रख़ंद (زہر خند) फा. पुं.–खिसयानी हँसी, झेंप की हँसी।

ज़ह्रख़ुरानी (زہر خورانی) फा. स्त्री.–विष खिलाना, किसी को मारने के लिए खाने आदि में मिलाकर विष देना।

ज़ह्रख़ुर्दः (زہر خوردہ) फा. वि.–जिसने विष खाया हो; जिसे विष दिया गया हो।

ज़ह्रख़ुरी (زہر خوری) फा. स्त्री.–विष खा लेना, ज़हर खाकर ख़ुदकुशी करना।

ज़ह्रगिया (زہر گیا) फा. स्त्री.–एक विषैली घास, बछनाग।

ज़ह्रताब (زہر تاب) फा. वि.–ज़ह्र में बुझा हुआ, तीर, तलवार आदि जो विष में बुझे हों।

ज़ह्रदार (زہر دار) फा. वि.–विष मिला हुआ, विषैला; जिसके डंक या दांत में ज़हर हो, विषैला कीड़ा।

ज़ह्रदारू (زہر دارو) फा. स्त्री.–विष की दवा, विष दूर करनेवाली औषध, तिर्याक़, विषहर।

ज़ह्रदुम (زہر دم) फा. वि.–जिसकी पूंछ में विष हो, जैसे–बिच्छू, लूनविष, लूमविष, विषपुच्छ।

ज़ह्रनवा (زہر نوا) फा. वि.–बहुत ही कड़वी बातें करने-वाला, कटुभाषी।

ज़ह्रनाक (زہر ناک) फा. वि.–दे. 'ज़ह्रआलूद'।

ज़ह्रनोश (زہر نوش) फा. वि.–विषपायी, ज़हर पीनेवाला; बहुत ही तेज़ शराब पीनेवाला; किसी की कड़वी बातों को सहन करनेवाला।

ज़ह्रनोशी (زہر نوشی) फा. स्त्री.–विष पीना; कड़वी बात को बरदाश्त करना।

ज़ह्रबा (زہربا) फा. वि.–विष मिला हुआ खाना, शत्रु को मारने के लिए।

ज़ह्रबाद (زہرباد) फा. पुं.–एक रोग जिसमें सारे शरीर मे विष फैल जाता है।

ज़ह्रमोहरः (زہر مہرہ) फा. पुं.–एक क़ीमती पत्थर जो दवा के काम आता है; एक मनका जिससे विष उतारा जाता है।

ज़ह्रा (زہرا) अ. वि.–गोरे रंग की स्त्री, गौरांगना, गौरवर्णा; हज़रते फ़ातिमा की उपाधि, 'उज़्ज़ोह्रा' भी शुद्ध है।

ज़ह्राबः (زہرابہ) फा. पुं.–दे. 'ज़ह्राब'।

ज़ह्रआब (زہراب) फा. पुं.–विष मिला हुआ पानी, ज़हर का पानी।

ज़ह्राबए ग़म (زہرابۂ غم) फा. अ. पुं.–दे. 'ज़ह्राबेग़म'।

ज़ह्राबे ग़म (زہراب غم) फ़ा. अ. पुं.–दुःख रूपी विष का पानी।

ज़ह्रे क़ातिल (زہر قاتل) फा. अ. पुं.–ऐसा विष जो घातक हो, बहुत ही तीव्र और प्रचंड विष।

ज़ह्रे मार (زہر مار) फा. पुं.–सांप के काटे का विष; सांप की थैली से निकाला हुआ विष।

ज़ह्रे हलाहिल (زہر ہلاہل) फा. पुं.–दे. 'ज़ह्रे क़ातिल'।

जह्ल (جہل) अ. पु.–मूर्खता, बेवक़ूफ़ी; अज्ञान, नासमझी; असभ्यता, उजड्डपन।

जह्ले बसीत (جہل بسیط) अ. पुं.–किसी बात को सिरे से न जानना।

जह्ले मुत्लक़ (جہل مطلق) अ. पुं.–दे. 'जह्ले बसीत'।

जह्ले मुरक्कब (جہل مرکب) अ. पुं.–किसी बात को बिलकुल ग़लत जानना और उस पर विश्वास रखना, जैसे रांगे को चांदी समझना और बताने पर भी न मानना।

ज़ह्हाक (ضحاک) अ. पुं.–बहुत हँसनेवाला; ईरान का एक बहुत ही अत्याचारी बादशाह जिसे फ़िरीदूं ने गिरफ़्तार किया था।

जा

जां (جاں) फा. स्त्री.–'जान' का लघुरूप जो यौगिक शब्दों में प्रयोग होता है, दे. 'जान'।

जांआज़ार (جاں آزار) फा. वि.–सतानेवाला, दुःखदायी।

जांआज़ारी (جاں آزاری) फा. स्त्री.–जान को दुःख देना, जानदारों को सताना, अत्याचार, ज़ुल्म।

जांआफ़्रीं (جاں آفریں) फा. वि.–शरीर में प्राण डालने-वाला, मनुष्य की सृष्टि करनेवाला, ईश्वर।

जांआहन (جاں آہن) फा. वि.–निष्ठुरता, पाषाण-हृदय, बहुत ही बेरहम; शूर, वीर, दिलावर।

जांकंदनी (جاں کندنی) फा. स्त्री.–दे. 'जांकनी'।

जांकनी (جاں کنی) फा. स्त्री.–शरीर से प्राण निकलने की अवस्था, चंद्रा, नज़्अ की हालत, यम-यातना।

जांकाह (جانکاہ) फा. वि.–प्राणों को घुलानेवाला, अत्यंत कष्ट देनेवाला, हृदयद्रावी।

जांकाही (جانکاہی) फा. स्त्री.–प्राणों को घुलाना, अत्यंत कष्ट और परिश्रम।

जांगुज़ा (جاں گزا) फा. वि.–प्राणों को काटने और डसनेवाला, घोर कष्टदायक, अंतःशल्य।

जांगुसिल (جاں گسل) फा. वि.–हृदय विदारक, प्राण-घातक।

जांदादः (جاں دادہ) फा. वि.–मुग्ध, आसक्त, फ़िरेफ़्तः।

जांदार (جاندار) फा. पुं.–प्राणी, जिसके जान हो, जीवधारी; हथियारबंद; मित्र, दोस्त।

जांदारू (جاں دارو) फा. स्त्री.–विषहर, तिर्याक़।

जांदिही (جاں دہی) फा. स्त्री.–परिश्रम, प्रयास, कोशिश; संलग्नता, तन्मयता, मश्ग़ूलियत।

जांनवाज़ (جاں نواز) फा. वि.–प्राणों को आनंद देनेवाला, मनोरम।

जांनिसार (جاں نثار) फा. वि.–प्राण न्योछावर कर देनेवाला, समय पड़ने पर जान की बाज़ी लगा देनेवाला (दूसरे के लिए)।

जांनिसारी (جاں نثاری) फा. स्त्री.–समय पड़ने पर प्राण तक दे देना (दूसरे के लिए)।

जांपनाह (جاں پناہ) फा. वि.–प्राणों की रक्षा करनेवाला, प्राणरक्षक।

ज़ांपेश (زاں پیش) फा. अव्य.–इससे पहले।

जांफ़र्सा (جاں فرسا) फा. वि.–दे. 'जांकाह'।

जांफ़िज़ा (جانفزا) फा. वि.–प्राणों को बढ़ानेवाला, प्राणवर्द्धक, आयुवर्द्धक।

जांफ़िशानी (جاں فشانی) फा. स्त्री.–जान तोड़ कोशिश, पूर्ण प्रयत्न।

जांबख़्श (جاں بخش) फा. वि.–प्राण देनेवाला; मरनेसे बचानेवाला, फाँसी आदि के हुक्म को रद्द कर देनेवाला।

जांबख़्शी (جابخشی) फा. स्त्री.–प्राणदान, मरनेसे बचाना, अभयदान देना।

जांबर (جانبر) फा. वि.–जान बचा ले जानेवाला, ज़िंदा रह जानेवाला।

जांबरी (جانبری) फा. स्त्री.–जीवित रह जाना, प्राण बच जाना।

जांबलब (جاں بلب) फा. वि.–जिसके प्राण होंठों पर आ गये हों, मृतप्राय, आसन्न मृत्यु।

जांबहक़ (جاں بحق) फा. अ. वि.–प्राण ईश्वर के समर्पित, मृत।

जांबाज़ (جاں باز) फा. वि.–किसी काम के लिए प्राणों की बाज़ी लगा देनेवाला, प्राण घातक।

ज़ां बा'द (زاں بعد) फा. अ. अव्य.–इसके पश्चात्, इसके बाद।

जांसितां (جانستاں) फा. वि.–प्राणद्रोही, प्राणघातक, जान ले लेनेवाला; दिल सितां, प्रेम पात्र, मा'शूक़।

जांसितानी (جانستانی) फा. स्त्री.–प्राण लेना, अत्याचार करना।

जांसिपार (جاں سپار) फा. वि.–किसी को (प्रेमिका को) अपनी जान का मालिक बना देनेवाला।

जांसिपारी (جاں سپاری) फा. स्त्री.–किसी को अपने प्राण सिपुर्द कर देना।

जांसोख़्तः (جاں سوختہ) फा. वि.–जिसके प्राण जल गये हों, दग्धहृदय, प्रेमी।

जांसोज़ (جاں سوز) फा. वि.–अपनी जान को जलानेवाला, संताप सहनेवाला; सहानुभूति करनेवाला, हमदर्द।

जा (جا) फा. स्त्री.–स्थान, जगह।

ज़ा (زا) फा. प्रत्य.–उत्पादक, पैदा करनेवाला, जैसे–'फ़र्हत ज़ा' प्रसन्नता उत्पन्न करनेवाला।

ज़ाइक़ः (ذائقہ) अ. पुं.–स्वाद, रस, लज़्ज़त; प्रतिकार, प्रत्यपकार, बुरा बदला।

ज़ाइक़ःचश (ذائقہ چش) अ. फा. वि.–मज़ा चखनेवाला, स्वादक; सज़ा भोगनेवाला।

ज़ाइक़ःदार (ذائقہ دار) अ. फा. वि.–स्वादिष्ठ, सुस्वाद, मज़ेदार।

ज़ाइक़ःपसंद (ذائقہ پسند) अ. फा. वि.–जिसे ज़बान का ज़ाइक़ः अच्छा लगता हो, चटोरा, स्वादु काम, जिह्वालोलुप।

ज़ाइक़ (ذائق) अ. वि.–चखनेवाला।

ज़ाइचः (زائچہ) फा. पुं.–जन्मकुंडली, जन्मपत्री, लग्न कुंडली।

जाइज़ः (جائزہ) अ. पुं.–काम या सामान की पूरी जाँच-पड़ताल और हिसाब, निरीक्षण; परीक्षा, इम्तिहान; निगरानी, देखभाल।

ज़ाइदः (زائدہ) अ. पुं.–शरीर के किसी स्थान का बढ़ा हुआ मांस; अतिरिक्त मांस; बढ़ी हुई वस्तु।

ज़ाइद (زائد) अ. वि.–अधिक, बहुत, प्रचुर; अतिरिक्त, फ़ालतू।

ज़ाइद अज़ उम्मीद (زائد از امید) अ. फा. वि.–जितनी आशा हो उससे अधिक, आशातीत।

ज़ाइद अज़ ज़ुरूरत (زائداز ضرورت) अ. फ़ा. वि.–जितनी आवश्यकता हो उससे अधिक।

ज़ाइद अज़ हिसाब (زائداز حساب) अ. फ़ा. वि.–हिसाब से या जितना चाहिए उससे अधिक।

ज़ाइदुलउम्र (زائدالعمر) अ. वि.–बड़ी उम्रवाला, बूढ़ा, वयोधिक, वयोवृद्ध।

ज़ाइदुलमीआद (زائدالمیعاد) अ. वि.–लंबी मुद्दतवाला; जिसके लिए लंबा समय चाहिए; जो लंबे समय के लिए हो।

ज़ाइदुलवस्फ़ (زائدالوصف) अ. वि.–जिसमें बहुत अधिक गुण हों।

ज़ाइब (ذائب) अ. वि.–पिघलनेवाला; पिघला हुआ, द्रवीभूत।

ज़ाइरः (زائرہ) अ. स्त्री.–किसी पूज्य स्थान या व्यक्ति के दर्शनार्थ आनेवाली स्त्री।

ज़ाइर (زائر) अ. वि.–किसी पुनीत स्थान या पुण्यात्मा व्यक्ति के दर्शन करनेवाला पुरुष।

जाइर (جائر) अ. वि.–अत्याचार करनेवाला, अनीतिकर्ता।

ज़ाइरात (زائرات) अ. स्त्री.–'ज़ाइरः' का बहु., ज़ियारत करनेवाली स्त्रियाँ।

ज़ाइरीन (زائرین) अ. पुं.–'ज़ाइर' का बहु., ज़ियारत करनेवाले पुरुष।

ज़ाइरे कर्बला (زائرکربلا) अ. फ़ा. पुं.–कर्बला (इराक़) जाकर हज़्रत इमाम हुसैन के रौज़े की ज़ियारत करनेवाला।

ज़ाइरे हरम (زائرحرم) अ. पुं.–मक्का (अरब) जाकर का'बे की ज़ियारत करनेवाला।

ज़ाइरे मदीना (زائرمدینہ) अ. पुं.–मदीना की ज़ियारत करनेवाला।

ज़ाइरे हरमैन (زائرحرمین) अ. पुं.–'मक्का' और 'मदीना' दोनों पुनीत स्थानों की ज़ियारत करनेवाला।

जाइल (جاعل) अ. वि.–उत्पन्न करनेवाला; निर्मित करनेवाला; स्रष्टा।

ज़ाइल (زائل) अ. वि.–नष्ट, बरबाद; समाप्त, ख़त्म; निराकृत, रफ़अ'।

जाई (جائی) फ़ा. वि.–स्थान-सम्बन्धी (स्त्री.) जूही का फूल, जुही।

ज़ाईदः (زائیدہ) फ़ा. वि.–उत्पन्न, जनित, जन्मा हुआ; जना हुआ।

ज़ाईदनी (زائیدنی) फ़ा. वि.–जन्म लेने के योग्य; जनने के योग्य।

ज़ाए' (ضائع) अ. वि.–नष्ट, बरबाद; व्यर्थ, बेकार।

जाए' (جائع) अ. वि.–क्षुधातुर, भूखा।

जाए (جاے) फ़ा. स्त्री.–'जा' का यौगिक रूप, जैसे–'जाए ज़ुरूर'।

जाएअम्न (جاےامن) फ़ा. अ. स्त्री.–शांति और सुकून का स्थान; जहाँ की झंझट न हो; जहाँ जान जोखिम न हो।

जाएआफ़ियत (جاےعافیت) अ. फ़ा. स्त्री.–रक्षा और शांति का स्थान, जाए अम्न।

जाएक़ियाम (جاےقیام) फ़ा. अ. स्त्री. ठहरने का स्थान; रहने का स्थान, निवासस्थान।

जाएगाह (جائیگاہ) फ़ा. स्त्री.–जगह, स्थान।

जाएज़ुरूर (جاےضرور) फ़ा. अ. स्त्री.–संडास, शौचागार, टट्टी, पाख़ाना।

जाएदाद (جائداد) फ़ा. स्त्री.–भूसंपत्ति, गाँव गिराँव, मकान आदि।

जाएदादे ग़ैरमन्क़ूल (جائدادغیرمنقولہ) फ़ा. अ. स्त्री.–स्थावर संपत्ति, जो संपत्ति जगह से हट न सके, जैसे—जमींदारी आदि।

जाएदादे ग़ैरमहूनः (جائدادغیرمرھونہ) फ़ा. अ. स्त्री.–वह संपत्ति जो कहीं गिरवी न हो, अबंधक संपत्ति।

जाएदादे मक्फ़ूलः (جائدادمکفولہ) फ़ा. अ. स्त्री.–वह संपत्ति जो कहीं गिरो हो, बंधक संपत्ति।

जाएदादे मन्क़ूलः (جائدادمنقولہ) फ़ा. अ. स्त्री.–जंगम संपत्ति, जो संपत्ति इधर-उधर हटायी जा सके, जैसे–मवेशी आदि।

जाएदादे महूनः (جائدادمرھونہ) फ़ा. अ. स्त्री.–दे. 'जाएदादे मक्फ़ूलः'।

जाएदादे मौक़ूफ़ः (جائدادموقوفہ) फ़ा. अ. स्त्री.–वह संपत्ति जो किसी कार्य विशेष के लिए उत्सर्गित हो।

जाएदीगर (جاےدیگر) फ़ा. स्त्री.–अन्य स्थान, दूसरी जगह।

जाएनमाज़ (جاےنماز) फ़ा. अ. स्त्री.–नमाज़ पढ़ने का स्थान; नमाज़ पढ़ने का वस्त्रादि।

जाएपनाह (جاےپناہ) फ़ा. स्त्री.–बचाव का स्थान, सुरक्षा स्थान।

ज़ाक (زاک) फ़ा. स्त्री.–फिटकरी।

ज़ाकिर (ذاکر) अ. वि.–वर्णन करनेवाला; इमाम हुसैन की शहादत का हाल बयान करनेवाला व्यक्ति।

ज़ाख़िल (زاخل) फ़ा. पुं.–थूहड़ का पेड़।

ज़ाग़ (زاغ) फ़ा. पुं.–काक, वायस, आत्मघोष, कौआ।

ज़ाग़चश्म (زاغ چشم) फ़ा. वि.–कंजी आँखोंवाला, कंजा, नीलाक्ष।

ज़ाग़ज़बां (زاغ زبان) फ़ा. वि.–जिसका कोसना तुरंत ही लगे, कलत्म जिव्हा, शापसिद्ध।

ज़ाग़दिल (زاغ دل) फ़ा. वि.–निर्दय, निष्ठुर, बेरह्म।

ज़ाग़नोल (زاغنول) फ़ा. पुं.–कुदाल, कुदाली, लोहे का एक यंत्र।

ज़ाग़पा (زاغ پا) फ़ा. पुं.–व्यंग, कटाक्ष, ताना।

ज़ाग़र (جاغر) तु. पुं.–चिड़ियों का पोटा।

जागीर (جاگیر) फ़ा. स्त्री.–जाइदाद या ज़मींदारी, जो सरकार से किसी बड़े काम के बदले मिले।

जागीरदार (جاگیردار) फ़ा. पुं.–जागीर का मालिक, तअल्लुक:दार।

जागीरदारान: (جاگیردارانہ) फ़ा. वि.–जागीरदारों-जैसा।

जागीरदारी (جاگیرداری) फ़ा. स्त्री.–जागीरदारान: निज़ाम; जागीर का शासन।

ज़ाग़ूत (ضاغوط) अ. पुं.–एक रोग जिसमें रोगी ऐसा अनुभव करता है जैसे कोई बड़ा देव उसका गला घोंट रहा है, काबूस।

ज़ाग़े आबी (زاغ آبی) फ़ा. पुं.–जलकौआ, पनडुब्बी।

ज़ाग़े कमाँ (زاغ کماں) फ़ा. पुं.–सींग के काले टुकड़े जो धनुष के दोनों किनारों पर लगाये जाते हैं।

ज़ाग़े कोही (زاغ کوہی) फ़ा. पुं.–पहाड़ी कौआ, द्रोणकाक, काकोल।

ज़ाज (زاج) अ. स्त्री.–फिटकरी, फटिक।

ज़ाज (ژاژ) फ़ा. वि.–मिथ्या, निरर्थक, व्यर्थ, बेहूदा।

ज़ाज़ख़ा (ژاژخا) फ़ा. वि.–मिथ्यावादी, गप्पी, फ़ुज़ूलगो।

ज़ाज़ख़ाई (ژاژخائی) फ़ा. स्त्री.–मुखरता, वाचालता, बकवास।

जाज़िब: (جاذبہ) अ. स्त्री.–आकर्षण शक्ति, खींचनेवाली क़ुव्वत।

जाज़िब (جاذب) अ. वि.–जज़्ब करनेवाला, आत्मसात् करनेवाला, अपने अन्दर मिला लेनेवाला।

जाज़िबीयत (جاذبیت) अ. स्त्री.–आकर्षण, कशिश।

जाज़िबे तवज्जोह (جاذب توجہ) अ. वि.–खयाल को अपनी ओर खींचनेवाला (वाली), चित्ताकर्षक।

जाज़िबे नज़र (جاذب نظر) अ. वि.–दृष्टि को अपनी ओर खींचनेवाला (वाली) दृष्ट्याकर्षक।

जाज़िबे निगाह (جاذب نگاہ) अ. फ़ा. वि.–दे. 'जाज़िबे नज़र'।

जाजिम (جاجم) तु. स्त्री.–छपा हुआ दोसूती मोटा बिछावन।

जाज़िम (جازم) अ. वि.–दृढ़ निश्चयवाला; अक्षर को हल करनेवाला।

ज़ाजिर (زاجر) अ. वि.–झिड़कनेवाला, डाँट-डपट करनेवाला, भर्त्सक।

ज़ाजिर (ضاجر) अ. वि.–आतुर, व्याकुल।

ज़ाज़े' (جازع) अ. वि.–अधीर, बेसब्र।

ज़ात (ذات) अ. स्त्री.–कुल, वंश, नस्ल; जाति बिरादरी, क़ौम; व्यक्तित्व, शख़्सीयत; स्वयं, ख़ुद; अस्तित्व, हस्ती (उप.) वाला, जैसे—'ज़ातुलबुरूज' बुर्जोंवाला।

ज़ातियात (ذاتیات) अ. स्त्री.–निजी और ज़ाती बातें।

ज़ाती (ذاتی) अ. वि.–निजी, व्यक्तिगत; आत्मीय, ख़ुद का; निजी, प्राइवेट।

ज़ातुर्रियः (ذات الریہ) अ. पुं.–फेफड़े का वरम, निमोनिया, क्लोमपाक।

ज़ातुलइमाद (ذات العماد) अ. वि.–बहुत-से खंभोंवाली इमारत, बहुत बड़ा प्रासाद।

ज़ातुलकुर्सी (ذات الکرسی) अ. वि.–आस्मानी शक्लों में से एक जो औरत की तरह है।

ज़ातुलजंब (ذات الجنب) अ. पुं.–पसली का दर्द; उरोग्रह, प्लूरिसी।

ज़ातुलबुरूज (ذات البروج) अ. पुं.–राशियोंवाला आकाश, अर्थात् सबसे ऊपरी आकाश।

ज़ातुलबैन (ذات البین) अ. पुं.–दो व्यक्तियों का मामला पटानेवाला, बिचौलिया, दल्लाल।

ज़ातुलयमीन (ذات الیمین) अ. वि.–वे व्यक्ति जिनके कर्मपत्र क़ियामत के दिन सीधे हाथ में होंगे, सदाचारी।

ज़ातुलयसार (ذات الیسار) अ. वि.–वे व्यक्ति जिनके कर्मपत्र क़ियामत के दिन उलटे हाथ में होंगे, पापी लोग।

ज़ातुश्शिमाल (ذات الشمال) अ. वि.–दे. 'ज़ातुलयसार'।

ज़ातुस्सद्र (ذات الصدر) अ. पुं.–अन्तर्यामी, दिलों की बात जाननेवाला; छाती का वरम।

ज़ातेशरीफ़ (ذات شریف) अ. वि.–केवल व्यंग में धूर्त और फ़ितरती व्यक्ति के लिए आता है, जैसे—हिन्दी में 'महापुरुष'।

ज़ाद: (زادہ) फ़ा. वि.–उत्पन्न, जन्मा हुआ; पुत्र, बेटा।

जाद: (جادہ) फ़ा. पुं.–पगदंडी, रास्ते के अतिरिक्त पतला रास्ता; पथ, मार्ग, रास्ता।

जाद: (جعدہ) अ. स्त्री.–चोटी, केशकलाप, वेणी; घुंघराले बाल।

जाद:पैमा (جادہ پیما) फ़ा. वि.–पथिक, राहगीर।

ज़ाद (زاد) फ़ा. पुं.–खाद्य सामग्री, खाने का सामान; पीढ़ी, वंश, नस्ल (प्रत्य.) उत्पन्न, जैसे—'ख़ान:ज़ाद' घर में उत्पन्न होनेवाला।

जा'द (جعد) अ. स्त्री.–चोटी, वेणी।

ज़ादए ख़ाक (زادۂ خاک) फ़ा. पुं.–धन-दौलत, सोना-चाँदी।

जादए मुस्तक़ीम (جادۂمستقیم) अ. पुं.—सीधा रास्ता सरल मार्ग।

ज़ादबूम (زادبوم) फ़ा. स्त्री.—पैदाइश की जगह, जन्म-स्थान, जन्मभूमि।

जादिल (جادل) अ. वि.—लड़नेवाला, योद्धा; वाद-विवाद करनेवाला।

जादू (جادو) फ़ा. पुं.—अभिचार, मार डालने, नुक़सान पहुँचाने आदि का कर्म; इंद्रजाल, माया, तिलिस्म; दृष्टिबंध, नज़रबंदी; हस्तकौशल, हाथ की सफ़ाई।

जादूकुश (جادوکش) फ़ा. वि.—जादूगरों का वध करनेवाला।

जादूगर (جادوگر) फ़ा. वि.—जादू करनेवाला, मायावी, ऐंद्रजालिक; शोबदःगर, दृष्टिबंधक।

जादूगरी (جادوگری) फ़ा. स्त्री.—माया कर्म, जादू का काम; दृष्टिबंध, शो'बदःबाज़ी।

जादूनज़र (جادونظر) फ़ा. वि.—जिसकी आँखों में जादू हो, जिसकी आँखों में मोहनी हो।

जादूनिगाह (جادونگاہ) फ़ा. वि.—दे. 'जादूनज़र'।

जादूफ़न (جادوفن) फ़ा. वि.—जादूगर।

जादूबयाँ (جادوبیاں) फ़ा. अ. वि.—जिसकी बातचीत में मोहनी हो; जो अपने वक्तव्य और भाषण से सबको मोहित कर ले।

ज़ादे उक़्बा (زادعقبی) फ़ा. अ. पुं.—परलोक के लिए सामान, अच्छी कृतियाँ, नेकअमल।

ज़ादे राह (زادراہ) फ़ा. पुं.—रास्ते का खाना और खर्च, पाथेय, संबल, मार्गव्यय।

ज़ादे सफ़र (زادسفر) फ़ा. अ. पुं.—दे. 'ज़ादेराह'।

जानःदार (جانہدار) फ़ा. वि.—हथियारबंद, सशस्त्र; मित्र, दोस्त।

जान (جان) फ़ा. स्त्री.—प्राणवायु, रूह; जीवन, ज़िंदगी; शक्ति, ज़ोर; साहस, हिम्मत।

जान (جان) अ. पुं.—जिन क़ौम का सर्वप्रथम व्यक्ति, अबुलहसन, सारे जिन जिसकी संतान हैं।

जानदार (جاندار) फ़ा. पुं.—प्राणी, जीवधारी, ज़ी रूह; मानव, मनुष्य, इंसान; जीवित, ज़िंदा; शक्तिशाली, ताक़तवर।

जानमाज़ (جانماز) फ़ा. अ. स्त्री.—नमाज़ पढ़ने की दरी या चटाई आदि।

जानशीन (جانشین) फ़ा. पुं.—जो किसी की जगह पर बैठा हो, स्थानापन्न, क़ाइम मक़ाम; उत्तराधिकारी, वारिस।

जानवर (جانور) फ़ा. पुं.—पशु और पक्षी आदि प्राणी, मनुष्य के अतिरिक्त और सब प्राणी।

जानाँ (جاناں) फ़ा. पुं.—प्रेमपात्र, महबूब; प्रेमिका, प्रेयसी, महबूबः।

जानानः (جانانہ) फ़ा. वि.—प्रेमिका से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु, प्रेमिका का (की)।

जानिब (جانب) अ. स्त्री.—पक्ष, ओर, तरफ़; पार्श्व, पहलू।

जानिबदार (جانبدار) अ. फ़ा. वि.—पक्षपाती, तरफ़दारी करनेवाला।

जानिबदारी (جانبداری) अ. फ़ा. स्त्री.—पक्षपात, तरफ़दारी।

जानिबैन (جانبین) अ. पुं.—उभय पक्ष, दोनों पार्टियाँ।

ज़ानियः (زانیہ) अ. स्त्री.—व्यभिचारिणी, स्वैरिणी, असती, बंधकी, भ्रष्टा, जारिणी, धर्षिणी, फ़ाहिशा।

ज़ानी (زانی) अ. पुं.—व्यभिचारी, परस्त्रीगामी, विषयलंपट, विषयाभ्यस्त, वदचलन, रतनारीच।

जानी (جانی) फ़ा. वि.—जान का, प्राणों का; घनिष्ठ, गहरा।

जानी (جانی) अ. वि.—पापी, पातकी, गुनाहगार; दोषी, अपराधी, मुज्रिम।

ज़ानू (زانو) फ़ा. पुं.—घुटना, जानु।

ज़ानूपोश (زانوپوش) फ़ा. पुं.—वह कपड़ा जो खाना खाते समय घुटनों पर डाला जाता है।

ज़ानूबज़ानू (زانوبہزانو) फ़ा. वि.—घुटने से घुटना मिलाकर (बैठना) एक पंक्ति में बराबर-बराबर (बैठना)।

जाने जहाँ (جانِجہاں) फ़ा. पुं.—सारे संसार वासियों का प्राण, विश्वजीवन अर्थात् नायिका; ईश्वर।

जाने जाँ (جانِجاں) फ़ा. पुं.—प्राणाधार, प्राणों का प्राण अर्थात् प्रेमिका; ईश्वर।

जाने जानाँ (جانِجاناں) फ़ा. पुं.—दे. 'जाने जाँ'।

ज़ा'फ़ (ضعف) अ. पुं.—मूर्च्छा, बेहोशी; बुद्धि की हानि अक़्ल की कमी।

ज़ा'फ़ (زعف) अ. पुं.—किसी को जान से मार डालना, इस तरह मारना कि उसी ठौर मर जाय।

जा'फ़र (جعفر) अ. पुं.—नह्र, (नहर) नदी; खरबूज़ा; चौदह इमामों में से एक।

ज़ा'फ़र (زعفر) अ. पुं.—दे. 'ज़ा'फ़रान'।

ज़ा'फ़राँ (زعفراں) अ. पुं.—'ज़ा'फ़रान' का लघु., दे. 'ज़ा'फ़रान'।

ज़ा'फ़राँज़ार (زعفرانزار) अ. फ़ा. पुं.—जहाँ चारों ओर केसर के खेत हों।

ज़ा'फ़रान (زعفران) अ. पुं.—कुंकुम, केसर।

ज़ा'फ़रानी (زعفرانی) अ. वि.—केसर के रंग का, केसरी; केसर से बना हुआ।

ज़ा'फ़री (جعفری) अ. वि.—एक पीले रंग का फूल; पीला रंग, पीत।

जा'बः (جعبہ) अ. पुं.—तूणीर, निषंग, तरकश।

जा ब जा (جابجا) फा. वि.—जगह-जगह, यदा-कदा, जहाँ-तहाँ।

ज़ाबितः (ضابطہ) अ. पुं.— नियम, क़ाइदः; प्रणाली, पद्धति, दस्तूर; गुर, आसान क़ाइदः।

ज़ाबित (ضابط) अ. वि.—सहनशील, मुतहम्मिल; प्रबंधक, मुंतज़िम।

ज़ाबितए दीवानी (ضابطۂ دیوانی) अ. फा. पुं.—दीवानी अदालत का क़ानून।

ज़ाबितए फ़ौजदारी (ضابطۂ فوجداری) अ. फा. पुं.—फ़ौजदारी अदालत का क़ानून।

जाबिर (جابر) अ. वि.—अत्याचार करनेवाला, अनीति करनेवाला, ज़बरदस्ती करनेवाला, नाजाइज़ दवाव डालनेवाला।

ज़ाबिलिस्तान (زابلستان) फा. पुं.—सीसतान, ईरान का एक प्राचीन प्रदेश जो रुस्तम की जन्म-भूमि था।

ज़ाबुलिस्तान (زابلستان) फा. पुं.—दे. 'ज़ाबिलिस्तान', दो. शुद्ध है।

जाबुल्क़ा (جابلقا) फा. पुं.—पूर्व दिशा के अंत में एक बहुत बड़ा कल्पित नगर।

जाबुल्सा (جابلسا) फा. पुं.—पश्चिम दिशा के अंत में एक बहुत बड़ा कल्पित नगर।

ज़ाब्ह (ذابح) अ. वि.—वध करनेवाला, वधिक।

जामः (جامہ) फा. पुं.—वस्त्र, वसन, पहनने का कपड़ा; कुर्ताः, क़मीस; बरात में दूल्हा के पहनने के कपड़े।

जामःकन (جامہ کن) फा. पुं.—स्नानागार का पहला कमरा जहाँ कपड़े उतारे जाते और लुंगी बाँधी जाती है।

जामःज़ेब (جامہ زیب) फा. वि.—वह व्यक्ति जिसके शरीर पर कपड़े शोभा दें।

जामःज़ेबी (جامہ زیبی) फा. स्त्री.—शरीर पर कपड़ों का शोभा देना और सजना।

जामःतलाशी (جامہ تلاشی) फा. स्त्री.—सरकारी तौर पर किसी शुबहे में शरीर पर पहने हुए कपड़ों की तलाशी।

जामःदर (جامہ در) फा. वि.—कपड़े फाड़नेवाला, शोकातिरेक या पागलपन से कपड़े फाड़नेवाला।

जामःदरी (جامہ دری) फा. स्त्री.—शरीर पर पहने हुए कपड़ों को फाड़ना, पागलपन की अवस्था।

जामःवार (جامہ وار) फा. पुं.— एक प्रकार की बढ़िया छींट, जिसके अँगरखे या शेरवानियाँ बनती हैं।

जाम (جام) फा. पुं.—पियाला, कंस; शराब पीने का पियाला, पानपात्र, चपक।

ज़ा'म (زعم) अ. पुं.—विचार, ख़याल; धारणा, गुमान।

जामए एह्राम (جامۂ احرام) अ. फा. पुं.—वह चादर जो हाजी लोग हज के समय बाँधते हैं।

जामए ग़ूक (جامۂ غوک) फा. पुं.—काई, जो पानी पर जम जाती है।

जामए फ़त्ह (جامۂ فتح) फा. अ. पुं.—वह कपड़ा जिस पर मंत्र आदि लिखे होते हैं और लड़ाई के दिन विजय-प्राप्ति के लिए पहना जाता है।

जामए सूरत (جامۂ صورت) फा. अ. पुं.—वह कपड़ा जिस पर चित्र बने हों, चित्रपट।

जामगी (جامگی) फा. स्त्री.—रोज़ीनः, रातब; पियाले में शराब की तलछट; पुराना कपड़ा।

जामग़ूल (جامغول) तु. वि.—दुरात्मा, शरीर; पापात्मा, ख़वीस।

जामबकफ़ (جام بکف) फा. वि.—हाथ में शराब का पियाला लिये हुए।

जामबलब (جام بلب) फा. वि.—ओंठों से शराब का पियाला लगाये हुए, अर्थात् शराब पीता हुआ।

जामिअः (جامعہ) अ. स्त्री.—विश्वविद्यालय, यूनीवर्सिटी।

जामिईयत (جامعیت) अ. स्त्री.—योग्यता, विद्वत्ता, क़ाबिलीयत; व्यापकता, हावी होने का भाव।

जामि उल उलूम (جامع العلوم) अ. पुं.—सार-संग्रह, इंसाइक्लोपेडिया; विद्याओं का भंडार।

जामि उल कमालात (جامع الکمالات) अ. वि.—जिसमें बहुत से गुण हों, बहुगुणसंपन्न।

जामि उल मतफ़र्रिक़ीन (جامع المتفرقین) अ. पुं.—बिछुड़े हुओं को एकत्र करनेवाला, वियोगियों को मिलानेवाला।

जामि उल लुग़ात (جامع اللغات) अ. पुं.—ऐसा शब्द-कोश जिसमें किसी भाषा के शब्दों का पूर्ण संग्रह हो।

जामिद (جامد) अ. वि.—ठोस, घन; जड़, चेतनारहित। (पुं.) वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द से न बना हो, (व्या.)

जामिदुलअक़्ल (جامد العقل) अ. वि.—जिसकी बुद्धि ठस हो, जिसकी समझ में बात न आये, मन्दमति, घामड़।

ज़ामिन (ضامن) अ. वि.—ज़मानत करनेवाला, प्रतिभू; दूध जमाने की चीज़, आतंचन।

ज़ामिनी (ضامنی) अ स्त्री.—ज़मानत करनेवाला; ज़मानत।

जादए मुस्तक़ीम (جادۂمستقیم) अ. पुं.–सीधा रास्ता सरल मार्ग।

ज़ादबूम (زادبوم) फ़ा. स्त्री.–पैदाइश की जगह, जन्म-स्थान, जन्मभूमि।

जादिल (جادل) अ. वि.–लड़नेवाला, योद्धा; वाद-विवाद करनेवाला।

जादू (جادو) फ़ा. पुं.–अभिचार, मार डालने, नुक़सान पहुँचाने आदि का कर्म; इंद्रजाल, माया, तिलिस्म; दृष्टिबंध, नज़रबंदी; हस्तकौशल, हाथ की सफ़ाई।

जादूकुश (جادوکش) फ़ा. वि.–जादूगरों का वध करनेवाला।

जादूगर (جادوگر) फ़ा. वि.–जादू करनेवाला, मायावी, ऐंद्रजालिक; शोबदःगर, दृष्टिबंधक।

जादूगरी (جادوگری) फ़ा. स्त्री.–माया कर्म, जादू का काम; दृष्टिबंध, शो'बदःबाज़ी।

जादूनज़र (جادونظر) फ़ा. वि.–जिसकी आँखों में जादू हो, जिसकी आँखों में मोहनी हो।

जादूनिगाह (جادونگاہ) फ़ा. वि.–दे. 'जादूनज़र'।

जादूफ़न (جادوفن) फ़ा. वि.–जादूगर।

जादूबयाँ (جادوبیاں) फ़ा. अ. वि.–जिसकी बातचीत में मोहनी हो; जो अपने वक्तव्य और भाषण से सबको मोहित कर ले।

ज़ादे उक़्बा (زادعقبیٰ) फ़ा. अ. पुं.–परलोक के लिए सामान, अच्छी कृतियाँ, नेकअमल।

ज़ादे राह (زادراہ) फ़ा. पुं.–रास्ते का खाना और खर्च, पाथेय, संबल, मार्गव्यय।

ज़ादे सफ़र (زادسفر) फ़ा. अ. पुं.–दे. 'जादेराह'।

जानःदार (جانہدار) फ़ा. वि.–हथियारबंद, सशस्त्र; मित्र, दोस्त।

जान (جان) फ़ा. स्त्री.–प्राणवायु, रूह; जीवन, ज़िंदगी; शक्ति, ज़ोर; साहस, हिम्मत।

जान (جان) अ. पुं.–जिन क़ौम का सर्वप्रथम व्यक्ति, अबुलहसन, सारे जिन जिसकी संतान हैं।

जानदार (جاندار) फ़ा. पुं.–प्राणी, जीवधारी, ज़ी रूह; मानव, मनुष्य, इंसान; जीवित, ज़िंदा; शक्तिशाली, ताक़तवर।

जानमाज़ (جانماز) फ़ा. अ. स्त्री.–नमाज़ पढ़ने की दरी या चटाई आदि।

जानशीन (جانشین) फ़ा. पुं.–जो किसी की जगह पर बैठा हो, स्थानापन्न, क़ाइम मक़ाम; उत्तराधिकारी, वारिस।

जानवर (جانور) फ़ा. पुं.–पशु और पक्षी आदि प्राणी, मनुष्य के अतिरिक्त और सब प्राणी।

जानाँ (جاناں) फ़ा. पुं.–प्रेमपात्र, महबूब; प्रेमिका, प्रेयसी, महबूबः।

जानानः (جانانہ) फ़ा. वि.–प्रेमिका से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु, प्रेमिका का(की)।

जानिब (جانب) अ. स्त्री.–पक्ष, ओर, तरफ़; पार्श्व, पहलू।

जानिबदार (جانبدار) अ. फ़ा. वि.–पक्षपाती, तरफ़दारी करनेवाला।

जानिबदारी (جانبداری) अ. फ़ा. स्त्री.–पक्षपात, तरफ़दारी।

जानिबैन (جانبین) अ. पुं.–उभय पक्ष, दोनों पार्टियाँ।

ज़ानियः (زانیہ) अ. स्त्री.–व्यभिचारिणी, स्वैरिणी, असती, बंधकी, भ्रष्टा, जारिणी, धर्षिणी, फ़ाहिशा।

ज़ानी (زانی) अ. पुं.–व्यभिचारी, परस्त्रीगामी, विषयलंपट, विषयाभ्यस्त, बदचलन, रतनारीच।

जानी (جانی) फ़ा. वि.–जान का, प्राणों का; घनिष्ठ, गहरा।

जानी (جانی) अ. वि.–पापी, पातकी, गुनाहगार; दोषी, अपराधी, मुजरिम।

ज़ानू (زانو) फ़ा. पुं.–घुटना, जानु।

ज़ानूपोश (زانوپوش) फ़ा. पुं.–वह कपड़ा जो खाना खाते समय घुटनों पर डाला जाता है।

ज़ानूबज़ानू (زانوبہزانو) फ़ा. वि.–घुटने से घुटना मिलाकर (बैठना) एक पंक्ति में बराबर-बराबर (बैठना)।

जाने जहाँ (جانجہاں) फ़ा. पुं.–सारे संसार वासियों का प्राण, विश्वजीवन अर्थात् नायिका; ईश्वर।

जाने जाँ (جانجاں) फ़ा. पुं.–प्राणाधार, प्राणों का प्राण अर्थात् प्रेमिका; ईश्वर।

जाने जानाँ (جانجاناں) फ़ा. पुं.–दे. 'जाने जाँ'।

ज़ा'फ़ (ضعف) अ. पुं.–मूर्च्छा, बेहोशी; बुद्धि की हानि अक़्ल की कमी।

ज़ा'फ़ (زعف) अ. पुं.–किसी को जान से मार डालना, इस तरह मारना कि उसी ठौर मर जाय।

जा'फ़र (جعفر) अ. पुं.–नह्र, (नहर) नदी; खरबूज़ा; चौदह इमामों में से एक।

ज़ा'फ़र (زعفر) अ. पुं.–दे. 'ज़ा'फ़रान'।

ज़ा'फ़राँ (زعفراں) अ. पुं.–'ज़ा'फ़रान' का लघु., दे. 'ज़ा'फ़रान'।

ज़ा'फ़रांज़ार (زعفرانزار) अ. फ़ा. पुं.–जहाँ चारों ओर केसर के खेत हों।

ज़ा'फ़रान (زعفران) अ. पुं.–कुंकुम, केसर।

ज़ा'फ़रानी (زعفرانی) अ. वि.–केसर के रंग का, केसरी; केसर से बना हुआ।

जा'फ़री (جعفری) अ. वि.–एक पीले रंग का फूल; पीला रंग, पीत।

जा'बः (جعبه) अ. पुं.–तूणीर, निषंग, तरकश।

जा ब जा (جابجا) फा. वि.–जगह-जगह, यदा-कदा, जहाँ-तहाँ।

ज़ाबितः (ضابطه) अ. पुं.– नियम, क़ाइदः; प्रणाली, पद्धति, दस्तूर; गुर, आसान क़ाइदः।

ज़ाबित (ضابط) अ. वि.–सहनशील, मुतहम्मिल; प्रबंधक, मुंतज़िम।

ज़ाबितए दीवानी (ضابطۂدیوانی) अ. फा. पुं.–दीवानी अदालत का क़ानून।

ज़ाबितए फ़ौजदारी (ضابطۂفوجداری) अ. फा. पुं.–फ़ौजदारी अदालत का क़ानून।

ज़ाबिर (جابر) अ. वि.–अत्याचार करनेवाला, अनीति करनेवाला, ज़बरदस्ती करनेवाला, नाजाइज़ दवाव डालनेवाला।

ज़ाबिलिस्तान (زابلستان) फा. पुं.–सीसतान, ईरान का एक प्राचीन प्रदेश जो रुस्तम की जन्म-भूमि था।

ज़ाबुलिस्तान (زابلستان) फा. पुं.–दे. 'ज़ाबिलिस्तान', दो. शुद्ध है।

जाबुल्क़ा (جابلقا) फा. पुं.–पूर्व दिशा के अंत में एक बहुत बड़ा कल्पित नगर।

जाबुल्सा (جابلسا) फा. पुं.–पश्चिम दिशा के अंत में एक बहुत बड़ा कल्पित नगर।

ज़ाबह (ذابح) अ. वि.–वध करनेवाला, वधिक।

जामः (جامه) फा. पुं.–वस्त्र, वसन, पहनने का कपड़ा; कुर्ताः, क़मीस; बरात में दूल्हा के पहनने के कपड़े।

जामःकन (جامه کن) फा. पुं.–स्नानागार का पहला कमरा जहाँ कपड़े उतारे जाते और लुंगी बाँधी जाती है।

जामःज़ेब (جامه زیب) फा. वि.–वह व्यक्ति जिसके शरीर पर कपड़े शोभा दें।

जामःज़ेबी (جامه زیبی) फा. स्त्री.–शरीर पर कपड़ों का शोभा देना और सजना।

जामःतलाशी (جامه تلاشی) फा. स्त्री.–सरकारी तौर पर किसी शुबहे में शरीर पर पहने हुए कपड़ों की तलाशी।

जामःदर (جامه در) फा. वि.–कपड़े फाड़नेवाला, शोकातिरेक या पागलपन से कपड़े फाड़नेवाला।

जामःदरी (جامه دری) फा. स्त्री.–शरीर पर पहने हुए कपड़ों को फाड़ना, पागलपन की अवस्था।

जामःवार (جامه وار) फा. पुं.– एक प्रकार की बढ़िया छींट, जिसके अँगरखे या शेरवानियाँ बनती हैं।

जाम (جام) फा. पुं.–पियाला, कंस; शराब पीने का पियाला, पानपात्र, चपक।

ज़ा'म (زعم) अ. पुं.–विचार, खयाल; धारणा, गुमान।

जामए एह्राम (جامۂ احرام) अ. फा. पुं.–वह चादर जो हाजी लोग हज के समय बाँधते हैं।

जामए ग़ूक (جامۂ غوک) फा. पुं.–काई, जो पानी पर जम जाती है।

जामए फ़त्ह (جامۂ فتح) फा. अ. पुं.–वह कपड़ा जिस पर मंत्र आदि लिखे होते हैं और लड़ाई के दिन विजय-प्राप्ति के लिए पहना जाता है।

जामए सूरत (جامۂ صورت) फा. अ. पुं.–वह कपड़ा जिस पर चित्र बने हों, चित्रपट।

जामगी (جامگی) फा. स्त्री.–रोज़ीनः, रातव; पियाले में शराब की तलछट; पुराना कपड़ा।

जामग़ूल (جامغول) तु. वि.–दुरात्मा, शरीर; पापात्मा, खवीस।

जामबकफ़ (جام بکف) फा. वि.–हाथ में शराब का पियाला लिये हुए।

जामबलब (جام بلب) फा. वि.–ओंठों से शराब का पियाला लगाये हुए, अर्थात् शराब पीता हुआ।

जामिअः (جامعه) अ. स्त्री.–विश्वविद्यालय, यूनीवर्सिटी।

जामिईयत (جامعیت) अ. स्त्री.–योग्यता, विद्वत्ता, क़ाबिलीयत; व्यापकता, हावी होने का भाव।

जामि उल उलूम (جامع العلوم) अ. पुं.–सार-संग्रह, इंसाइक्लोपेडिया; विद्याओं का भंडार।

जामि उल कमालात (جامع الکمالات) अ. वि.–जिसमें बहुत से गुण हों, बहुगुणसंपन्न।

जामि उल मतफ़र्रिक़ीन (جامع المتفرقین) अ. पुं.–बिछुड़े हुओं को एकत्र करनेवाला, वियोगियों को मिलानेवाला।

जामि उल लुग़ात (جامع اللغات) अ. पुं.–ऐसा शब्द-कोश जिसमें किसी भाषा के शब्दों का पूर्ण संग्रह हो।

जामिद (جامد) अ. वि.–ठोस, घन; जड़, चेतनारहित। (पुं.) वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द से न बना हो, (व्या.)

जामिदुलअक़्ल (جامد العقل) अ. वि.–जिसकी बुद्धि ठस हो, जिसकी समझ में बात न आये, मन्दमति, घामड़।

ज़ामिन (ضامن) अ. वि.–ज़मानत करनेवाला, प्रतिभू; दूध जमाने की चीज़, आतंचन।

ज़ामिनी (ضامنی) अ स्त्री.–ज़मानत करनेवाला; ज़मानत।

जादए मुस्तक़ीम (جادۂمستقیم) अ. पुं.—सीधा रास्ता सरल मार्ग।

ज़ादबूम (زادبوم) फ़ा. स्त्री.—पैदाइश की जगह, जन्म-स्थान, जन्मभूमि।

जादिल (جادل) अ. वि.—लड़नेवाला, योद्धा; वाद-विवाद करनेवाला।

जादू (جادو) फ़ा. पुं.—अभिचार, मार डालने, नुक़सान पहुँचाने आदि का कर्म; इंद्रजाल, माया, तिलिस्म; दृष्टिबंध, नज़रबंदी; हस्तकौशल, हाथ की सफ़ाई।

जादूकुश (جادوکش) फ़ा. वि.—जादूगरों का वध करनेवाला।

जादूगर (جادوگر) फ़ा. वि.—जादू करनेवाला, मायावी, ऐंद्रजालिक; शोबदःगर, दृष्टिबंधक।

जादूगरी (جادوگری) फ़ा. स्त्री.—माया कर्म, जादू का काम; दृष्टिबंध, शो'बदःबाज़ी।

जादूनज़र (جادونظر) फ़ा. वि.—जिसकी आँखों में जादू हो, जिसकी आँखों में मोहनी हो।

जादूनिगाह (جادونگاہ) फ़ा. वि.—दे. 'जादूनज़र'।

जादूफ़न (جادوفن) फ़ा. वि.—जादूगर।

जादूबयाँ (جادوبیاں) फ़ा. अ. वि.—जिसकी बातचीत में मोहनी हो; जो अपने वक्तव्य और भाषण से सबको मोहित कर ले।

ज़ादे उक़्बा (زادعقبیٰ) फ़ा. अ. पुं.—परलोक के लिए सामान, अच्छी कृतियाँ, नेकअमल।

ज़ादे राह (زادراہ) फ़ा. पुं.—रास्ते का खाना और खर्च, पाथेय, संबल, मार्गव्यय।

ज़ादे सफ़र (زادسفر) फ़ा. अ. पुं.—दे. 'ज़ादेराह'।

जानःदार (جانہ دار) फ़ा. वि.—हथियारबंद, सशस्त्र; मित्र, दोस्त।

जान (جان) फ़ा. स्त्री.—प्राणवायु, रूह; जीवन, ज़िंदगी; शक्ति, ज़ोर; साहस, हिम्मत।

जान (جان) अ. पुं.—जिन क़ौम का सर्वप्रथम व्यक्ति, अबुलहसन, सारे जिन जिसकी संतान हैं।

जानदार (جاندار) फ़ा. पुं.—प्राणी, जीवधारी, ज़ी रूह; मानव, मनुष्य, इंसान; जीवित, ज़िंदा; शक्तिशाली, ताक़तवर।

जानमाज़ (جانماز) फ़ा. अ. स्त्री.—नमाज़ पढ़ने की दरी या चटाई आदि।

जानशीन (جانشین) फ़ा. पुं.—जो किसी की जगह पर बैठा हो, स्थानापन्न, क़ाइम मक़ाम; उत्तराधिकारी, वारिस।

जानवर (جانور) फ़ा. पुं.—पशु और पक्षी आदि प्राणी, मनुष्य के अतिरिक्त और सब प्राणी।

जानाँ (جاناں) फ़ा. पुं.—प्रेमपात्र, महबूब; प्रेमिका, प्रेयसी, महबूबः।

जानानः (جانانہ) फ़ा. वि.—प्रेमिका से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु, प्रेमिका का (की)।

जानिब (جانب) अ. स्त्री.—पक्ष, ओर, तरफ़; पार्श्व, पहलू।

जानिबदार (جانبدار) अ. फ़ा. वि.—पक्षपाती, तरफ़दारी करनेवाला।

जानिबदारी (جانبداری) अ. फ़ा. स्त्री.—पक्षपात, तरफ़दारी।

जानिबैन (جانبین) अ. पुं.—उभय पक्ष, दोनों पार्टियाँ।

ज़ानियः (زانیہ) अ. स्त्री.—व्यभिचारिणी, स्वैरिणी, असती, बंधकी, भ्रष्टा, जारिणी, धर्षिणी, फ़ाहिशा।

ज़ानी (زانی) अ. पुं.—व्यभिचारी, परस्त्रीगामी, विषयलंपट, विषयाभ्यस्त, बदचलन, रतनारीच।

जानी (جانی) फ़ा. वि.—जान का, प्राणों का; घनिष्ठ, गहरा।

जानी (جانی) अ. वि.—पापी, पातकी, गुनाहगार; दोषी, अपराधी, मुज्रिम।

ज़ानू (زانو) फ़ा. पुं.—घुटना, जानु।

ज़ानूपोश (زانوپوش) फ़ा. पुं.—वह कपड़ा जो खाना खाते समय घुटनों पर डाला जाता है।

ज़ानूबज़ानू (زانوبہزانو) फ़ा. वि.—घुटने से घुटना मिला-कर (बैठना) एक पंक्ति में बराबर-बराबर (बैठना)।

जाने जहाँ (جان جہاں) फ़ा. पुं.—सारे संसार वासियों का प्राण, विश्वजीवन अर्थात् नायिका; ईश्वर।

जाने जाँ (جان جاں) फ़ा. पुं.—प्राणाधार, प्राणों का प्राण अर्थात् प्रेमिका; ईश्वर।

जाने जानाँ (جان جاناں) फ़ा. पुं.—दे. 'जाने जाँ'।

ज़ा'फ़ (ضعف) अ. पुं.—मूर्च्छा, बेहोशी; बुद्धि की हानि अक़्ल की कमी।

ज़ा'फ़ (زعف) अ. पुं.—किसी को जान से मार डालना, इस तरह मारना कि उसी ठौर मर जाय।

ज़ा'फ़र (جعفر) अ. पुं.—नह्र, (नहर) नदी; खरबूज़ा; चौदह इमामों में से एक।

ज़ा'फ़र (زعفر) अ. पुं.—दे. 'ज़ा'फ़रान'।

ज़ा'फ़राँ (زعفراں) अ. पुं.—'ज़ा'फ़रान' का लघु., दे. 'ज़ा'फ़रान'।

ज़ा'फ़राँज़ार (زعفرانزار) अ. फ़ा.पुं.—जहाँ चारों ओर केसर के खेत हों।

ज़ा'फ़रान (زعفران) अ. पुं.—कुंकुम, केसर।

ज़ा'फ़रानी (زعفرانی) अ. वि.–केसर के रंग का, केसरी; केसर से बना हुआ।

ज़ा'फ़री (جعفری) अ. वि.–एक पीले रंग का फूल; पीला रंग, पीत।

जा'बः (جعبہ) अ. पुं.–तूणीर, निषंग, तरकश।

जा ब जा (جابجا) फा. वि.–जगह-जगह, यदा-कदा, जहाँ-तहाँ।

ज़ाबितः (ضابطہ) अ. पुं.– नियम, क़ाइदः; प्रणाली, पद्धति, दस्तूर; गुर, आसान क़ाइदः।

ज़ाबित (ضابط) अ. वि.–सहनशील, मुतहम्मिल; प्रबंधक, मुंतज़िम।

ज़ाबितए दीवानी (ضابطۂ دیوانی) अ. फा. पुं.–दीवानी अदालत का क़ानून।

ज़ाबितए फ़ौजदारी (ضابطۂ فوجداری) अ. फा. पुं.–फ़ौजदारी अदालत का क़ानून।

जाबिर (جابر) अ. वि.–अत्याचार करनेवाला, अनीति करनेवाला, ज़बरदस्ती करनेवाला, नाजाइज़ दबाव डालनेवाला।

ज़ाबिलिस्तान (زابلستان) फा. पुं.–सीसतान, ईरान का एक प्राचीन प्रदेश जो रुस्तम की जन्म-भूमि था।

ज़ाबुलिस्तान (زابلستان) फा. पुं.–दे. 'ज़ाबिलिस्तान', दो. शुद्ध है।

जाबुल्क़ा (جابلقا) फा. पुं.–पूर्व दिशा के अंत में एक बहुत बड़ा कल्पित नगर।

जाबुल्सा (جابلسا) फा. पुं.–पश्चिम दिशा के अंत में एक बहुत बड़ा कल्पित नगर।

ज़ाबह (ذابح) अ. वि.–वध करनेवाला, वधिक।

जामः (جامہ) फा. पुं.–वस्त्र, वसन, पहनने का कपड़ा; कुर्ताः, क़मीस; बरात में दूल्हा के पहनने के कपड़े।

जामःकन (جامہ کن) फा. पुं.–स्नानागार का पहला कमरा जहाँ कपड़े उतारे जाते और लुंगी बाँधी जाती है।

जामःज़ेब (جامہ زیب) फा. वि.–वह व्यक्ति जिसके शरीर पर कपड़े शोभा दें।

जामःज़ेबी (جامہ زیبی) फा. स्त्री.–शरीर पर कपड़ों का शोभा देना और सजना।

जामःतलाशी (جامہ تلاشی) फा. स्त्री.–सरकारी तौर पर किसी शुबहे में शरीर पर पहने हुए कपड़ों की तलाशी।

जामःदर (جامہ در) फा. वि.–कपड़े फाड़नेवाला, शोकातिरेक या पागलपन से कपड़े फाड़नेवाला।

जामःदरी (جامہ دری) फा. स्त्री.–शरीर पर पहने हुए कपड़ों को फाड़ना, पागलपन की अवस्था।

जामःवार (جامہ وار) फा. पुं.– एक प्रकार की बढ़िया छींट, जिसके अँगरखे या शेरवानियाँ बनती हैं।

जाम (جام) फा. पुं.–पियाला, कंस; शराब पीने का पियाला, पानपात्र, चपक।

ज़ा'म (زعم) अ. पुं.–विचार, खयाल; धारणा, गुमान।

जामए एहूराम (جامۂ احرام) अ. फा. पुं.–वह चादर जो हाजी लोग हज के समय बाँधते हैं।

जामए ग़ूक (جامۂ غوک) फा. पुं.–काई, जो पानी पर जम जाती है।

जामए फ़तह (جامۂ فتح) फा. अ. पुं.–वह कपड़ा जिस पर मंत्र आदि लिखे होते हैं और लड़ाई के दिन विजय-प्राप्ति के लिए पहना जाता है।

जामए सूरत (جامۂ صورت) फा. अ. पुं.–वह कपड़ा जिस पर चित्र बने हों, चित्रपट।

जामगी (جامگی) फा. स्त्री.–रोज़ीनः, रातब; पियाले में शराब की तलछट; पुराना कपड़ा।

जामग़ूल (جامغول) तु. वि.–दुरात्मा, शरीर; पापात्मा, ख़बीस।

जामबकफ़ (جام بکف) फा. वि.–हाथ में शराब का पियाला लिये हुए।

जामबलब (جام بلب) फा. वि.–ओंठों से शराब का पियाला लगाये हुए, अर्थात् शराब पीता हुआ।

जामिअः (جامعہ) अ. स्त्री.–विश्वविद्यालय, यूनीवर्सिटी।

जामिईयत (جامعیت) अ. स्त्री.–योग्यता, विद्वत्ता, क़ाबिलीयत; व्यापकता, हावी होने का भाव।

जामि उल उलूम (جامع العلوم) अ. पुं.–सार-संग्रह, इंसाइक्लोपेडिया; विद्याओं का भंडार।

जामि उल कमालात (جامع الکمالات) अ. वि.–जिसमें बहुत से गुण हों, बहुगुणसंपन्न।

जामि उल मतफ़र्रिक़ीन (جامع المتفرقین) अ. पुं.–बिछुड़े हुओं को एकत्र करनेवाला, वियोगियों को मिलानेवाला।

जामि उल लुग़ात (جامع اللغات) अ. पुं.–ऐसा शब्द-कोश जिसमें किसी भाषा के शब्दों का पूर्ण संग्रह हो।

जामिद (جامد) अ. वि.–ठोस, घन; जड़, चेतनारहित। (पुं.) वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द से न बना हो, (व्या.)

जामिदुलअक़्ल (جامد العقل) अ. वि.–जिसकी बुद्धि ठस हो, जिसकी समझ में बात न आये, मन्दमति, घामड़।

ज़ामिन (ضامن) अ. वि.–ज़मानत करनेवाला, प्रतिभू; दूध जमाने की चीज, आतंचन।

ज़ामिनी (ضامنی) अ स्त्री.–ज़मानत करनेवाला; ज़मानत।

जामी (جامی) फा. वि.–'जाम' (नगर) से सम्बन्ध रखने-वाला; मद्यप, मयनोश।

ज़ामी (ظامی) अ. वि.–पिपासु, तृषित, प्यासा।

जामूसः (جاموسہ) अ. स्त्री.–भैंस।

जामूस (جاموس) अ. पुं.–भैंसा।

जामे' (جامع) अ. वि.–संग्रह करनेवाला संग्रहीता; संपादन करनेवाला, संपादक; व्यापक, वहुत ही विस्तृत।

जामे आली (جام‌عالی) फा. अ. पुं.–बहुत बड़ा पियाला।

जामे जम (جام‌جم) फा. पुं.–प्रसिद्ध है कि ईरान के शासक 'जमशेद' ने एक पियाला बनाया था, जिससे संसार का हाल ज्ञात होता था। जहाँ तक इस विषय में ग़ौर किया गया है, ऐसा प्रतीत होता है कि उस पियाले में कोई भंग-जैसी मादक वस्तु पिलायी जाती होगी, जिससे पीनेवाले को ख़याली चीज़ें दिखाई पड़ती होंगी, जैसा कि आजकल भी अधिक नशा हो जाने पर हम देखते हैं।

जामे जमशेद (جام‌جمشید) फा. पुं.–दे. 'जामे जम'।

जामे जहांनुमां (جام‌جہاں‌نماں) फा. पुं.–दे. 'जामे जम'।

जामे जहांबीं (جام‌جہاں‌بیں) फा. पुं.–दे. 'जामे जम'।

ज़ा'मेबातिल (زعم‌باطل) अ. पुं.–ग़लत गुमान, कुधारणा; भ्रम, वहम।

जामे मय (جام‌مے) फा. पुं.–शराब का पियाला; शराब पीने का पियाला; शराब से भरा हुआ पियाला।

जामे शराब (جام‌شراب) फा. पुं.–दे. 'जामे मय'।

जामे सिफ़ालीं (جام‌سفالیں) फा. पुं.–मिट्टी का कुल्हड़, डबुआ, जामे सिफ़ाल,–"जामे जम से तो मेरा जामे सिफ़ाल अच्छा है"—'ग़ालिब'।

जामेह (جامح) अ. वि.–उद्दंड, सरकश; विद्रोही, बाग़ी।

ज़ाये (ضائع) अ. वि.–नष्ट, बरबाद; व्यर्थ, बेकार; प्रभावहीन, वेअसर।

जार (جار) अ. पुं.–प्रतिवासी, पड़ोसी; भागीदार, साझी; शरणागत, पनाहयाफ़्तः।

जार [रं] (جار) अ. वि.–खींचनेवाला; रक्षक, निगहबान; ज़ेर देनेवाला कारक।

जार (جار) तु. पुं.–समुदाय, जनसमूह, जमाअत; ढिंढोरा, मुनादी।

ज़ार (زار) फा. वि.–क्षीण, लाग़र, दुबला-पतला; अशक्त, बेज़ोर; दीन, दुःखी, बेकस।

ज़ार(रं) (ضار) अ. वि.–हानिकर, अनिष्टकर, नुक़सान-देह।

जारची (جارچی) तु. पुं.–ढिंढोरिया, ढिंढोरा पीटनेवाला, मुनादी करनेवाला।

ज़ारज़ार (زارزار) फा. वि.–बहुत अधिक, फूट-फूटकर (रोना)।

ज़ारनाली (زارنالی) फा. स्त्री.–रोना-पीटना, बहुत व्याकुल होकर रोना।

ज़ारिब (ضارب) अ. वि.–मारनेवाला, प्रहारक, आघातक।

जारियः (جاریہ) अ. स्त्री.–दासी, लौंडी; वह लौंडी जिससे उसका स्वामी सहवास करे; नौका, नाव।

जारिहः (جارحہ) अ. पुं.–हाथ-पाँव आदि अवयव; शिकारी जानवर।

जारी (جاری) अ. वि.–संचालित, चलता हुआ (काम आदि); प्रवाहित, बहता हुआ (पानी); लागू, चालू (क़ानून)।

ज़ारी (زاری) फा. स्त्री.–विलाप, रोना।

ज़ारीदः (زاریدہ) फा. वि.–रोया हुआ, रोदित।

ज़ारोक़ितार (زاروقطار) फा. अ. वि.–दे. 'ज़ारज़ार'।

ज़ारोनज़ार (زارونزار) फा. वि.–वहुत ही दुबला और अशक्त, मरयल।

ज़ारोनालां (زارونالاں) फा. वि.–दुखी और रोता हुआ; बहुत अधिक दीन और दुखी।

जारोब (جاروب) फा. स्त्री.–झाड़ू, मार्जनी।

जारोबकश (جاروب‌کش) फा. वि.–झाड़ू देनेवाला, सफ़ाई करनेवाला, झाड़ू से ज़मीन साफ़ करनेवाला।

जारोबकशी (جاروب‌کشی) फा. स्त्री.–झाड़ू देना, झाड़ू से जमीन साफ करना।

जालः (جالہ) फा. पुं.–नदी पार करने के लिए कई मश्कों में हवा भरकर और उनके ऊपर लकड़ियों का ठाठ कसकर बनायी जानेवाली नौका।

ज़ालः (ژالہ) फा. पुं.–हिमोपल, घनोपल, ओला।

ज़ालःज़दगी (ژالہ‌زدگی) फा. स्त्री.–ओला पड़ना, शिला-वर्षा, करकापात।

ज़ालःबारी (ژالہ‌باری) फा. स्त्री.–दे. 'ज़ालःज़दगी'।

जा'ल (جعل) अ. पुं.–कूटता, जालसाज़ी; छल, वंचकता, फरेब।

ज़ाल [ल्ल] (ضال) अ. वि.–मार्गभ्रष्ट, गुमराह; पापी, गुनाहगार।

ज़ाल (زال) फा. वि.- सफ़ेद बालोंवाला बूढ़ा पुरुष; सफ़ेद बालोंवाली बूढ़ी स्त्री; बूढ़ा पुरुष या स्त्री।

जा'लसाज़ (جعل‌ساز) अ. फा. वि.–कूटकार, जाली काम करनेवाला, नक़ली रुपया या दस्तावेज़ बनानेवाला।

जा'लसाज़ी (جعل‌سازی) अ. फा. स्त्री.–कूट कर्म, नक़ली रुपया या दस्तावेज़ बनाना।

जालिफ़ (جالف) अ. पुं.–महामारी, वबा, मरी।

जालिब (جالب) अ. वि.–ग्रहण करनेवाला, लेनेवाला; अपनी ओर खींचनेवाला।

ज़ालिम (ظالم) अ. वि.–अन्यायी, अत्याचारी; निर्दय, कठोर हृदय, निष्ठुर।

ज़ालिमानः (ظالمانہ) अ. फा. वि.–अत्याचारियों-जैसा।

ज़ालिमे अज़्लम (ظالم اظلم) अ. वि.–बहुत बड़ा अत्याचारी।

जालिस (جالس) अ. वि.–बैठनेवाला, बैठा हुआ, आसीन; बैठानेवाला।

जा'ली (جعلی) अ. वि.–कृत्रिम, बनावटी, नक़्ली; कल्पित, फ़र्ज़ी।

जाली (جالی) अ. वि.–शुद्ध करनेवाला, चमकानेवाला; प्रकाशित करनेवाला।

जालीनोस (جالینوس) अ. पुं.–एक प्रसिद्ध यूनानी हकीम।

ज़ालूक़ (زالوک) फा. पुं.–गुल्ला, (गुलेल में चलानेवला); गोली (बंदूक में चलनेवाली)।

जालूत (جالوت) अ. पुं.–एक बहुत ही अत्याचारी शासक जिसे हज़रत दाऊद की आज्ञा से 'तालूत' ने मारा था।

जाले' (جالع) अ. वि.–निर्लज्ज, बेहया; धृष्ट, गुस्ताख़, ढीठ।

जावर्स (جاورس) फा. पुं.–बाजरा, एक प्रसिद्ध अन्न।

जाविदाँ (جاوداں) फा. वि.–नित्य, शाश्वत, अनश्वर, हमेशा रहनेवाला।

जाविदानी (جاودانی) फा. वि.–दे. 'जाविदाँ'।

ज़ावियः (زاویہ) अ. पुं.– कोना, एकान्त, गोशः; कोण (रेखागणित)।

ज़ावियए क़ाइमः (زاویۂ قائمہ) अ. पुं.–नब्बे अंश का कोण, समकोण।

ज़ावियए ख़ारिजः (زاویۂ خارجہ) अ. पुं.–बहिष्कोण।

ज़ावियए दाख़िलः (زاویۂ داخلہ) अ. पुं.–अतःकोण।

ज़ावियए नज़र (زاویۂ نظر) अ. पुं.–दृष्टिकोण, नुक़्ताए नज़र।

ज़ावियए निगाह (زاویۂ نگاہ) अ. फा. पुं.–दे. 'ज़ावियए नज़र'।

ज़ावियए मुन्फ़रिजः (زاویۂ منفرجہ) अ. पुं.–नब्बे अंश से बड़ा कोण, अधिककोण।

ज़ावियए हाद्दः (زاویۂ حادہ) अ. पुं.–नब्बे अंश से छोटा कोण, न्यूनकोण।

जावेद (جاوید) फा. वि.–नित्य, शाश्वत, दाइमी।

जावेदाँ (جاویداں) फा. वि.–दे. 'जावेद'।

जासूस (جاسوس) अ. पुं.–गुप्तचर, सूची, अपसर्पक, प्रतिष्क, चारचक्षु, मुख़बिर।

जासूसी (جاسوسی) अ. पुं.–गुप्तचर का काम, मुख़बिरी।

जाह (جاہ) फा. स्त्री.–प्रतिष्ठा; इज़्ज़त; पद, रुत्बा; सत्कार, क़द्र।

जाहपरस्त (جاہ پرست) फा. वि.–प्रतिष्ठा पाने का इच्छुक, पदलोलुप; केवल प्रतिष्ठित लोगों का भक्त।

जाहपरस्ती (جاہ پرستی) फा. स्त्री.–प्रतिष्ठा प्राप्ति की इच्छा; प्रतिष्ठित लोगों की भक्ति।

ज़ाहिक (ضاحک) अ. वि.–हँसनेवाला, हँसोड़, प्रहासी।

ज़ाहिदः (زاہدہ) अ. स्त्री.–तपस्विनी, साध्वी, विरक्ता, संयम नियम का पालन करनेवाली स्त्री।

ज़ाहिद (زاہد) अ. पुं.–जितेंद्रिय, संयमी, विरक्त, विषय-विरक्त, संयम-नियम और जप-तप करनेवाला व्यक्ति।

ज़ाहिदे ख़ुश्क (زاہد خشک) अ. फा. पुं.–ऐसा नीरस ज़ाहिद जिसके हृदय में ज़रा भी उदारता न हो।

ज़ाहिर (ظاہر) अ. वि.–व्यक्त, प्रकट, अयाँ; स्पष्ट, प्रत्यक्ष, वाज़ेह।

ज़ाहिर (زاہر) अ. वि.–उज्ज्वल, प्रकाशमान, चमकता हुआ; उच्च, उत्तुंग, ऊँचा, बलंद।

ज़ाहिरदार (ظاہردار) अ. फा. वि.–दिखावे की बातें करनेवाला, दुनियासाज़, अवसरवादी।

ज़ाहिरदारी (ظاہرداری) अ. फा. स्त्री.–बनावट, दिखावा, दुनियासाज़ी, व्याज-व्यवहार।

ज़ाहिरन (ظاہراً) अ. वि.–देखने में, ज़ाहिर में।

ज़ाहिरपरस्त (ظاہر پرست) अ. फा. वि.–जो ऊपरी टीम-टाम पर मरता हो, केवल बाह्यरूप देखनेवाला।

ज़ाहिरपरस्ती (ظاہر پرستی) अ. फा. स्त्री.–केवल बाह्य रूप पर मुग्धता।

ज़ाहिरबीं (ظاہربیں) अ. फा. वि.–बाहरी तड़क-भड़क का दीवाना, ज़ाहिरपरस्त।

ज़ाहिरबीनी (ظاہربینی) अ. फा. स्त्री.–केवल बाहरी टीम-टाम का मोह, ज़ाहिरपरस्ती।

ज़ाहिरा (ظاہرا) अ. वि.–दे. 'ज़ाहिरन'।

ज़ाहिरी (ظاہری) अ. वि.–बाहरी, बाह्य; ऊपरी, देखने भर का।

ज़ाहिरो बातिन (ظاہروباطن) अ. पुं.–अंदर और बाहर, मन और मुख, ज़बान और दिल।

जाहिल (جاہل) अ. वि.–जो कुछ न जानता हो, अज्ञानी; मूर्ख, बेवक़ूफ़; असभ्य, नामुहज़्ज़ब; अशिष्ट, बदसलीक़ः; उद्दंड, अक्खड़; निरक्षर, बेइल्म।

जाहिलीयत (جاهلیت) अ. स्त्री.–दे. 'जहालत'।

जाहिले मुत्लक़ (جاهل مطلق) अ. वि.–जो कुछ भी न जानता हो, निपट मूर्ख; बिलकुल बे पढ़ा-लिखा।

जाहोजलाल (جاه و جلال) अ. पुं.–शानोशौक़त, रोबोदाब।

जाहोमंसब (جاه و منصب) अ. पुं.–पदवी और प्रतिष्ठा।

जाहोहशम (جاه و حشم) अ. पुं.–दे. 'जाहोजलाल'।

जि

ज़िंजार (زنجار) अ. पुं.–दे. 'ज़ंगार'।

ज़िंद: (زنده) फा. वि.–जीवित, जीता हुआ, नवीन, ताज़ा, जैसे–'ज़िंद:ख़ून'।

ज़िंद:दरगोर (زنده در گور) फा. वि.–जिसका जीवन मुर्दों-जैसा नीरस और व्यर्थ हो, जीवन्मृत।

ज़िंद:दार (زنده دار) फा. वि.–बहुत जागनेवाला।

ज़िंद:दिल (زنده دل) फा. वि.–हर समय प्रसन्न रहने और मज़ेदार बातें करनेवाला, विनोदरसिक।

ज़िंद:दिली (زنده دلی) फा. स्त्री.–प्रसन्न रहने और मनोविनोद करने का भाव।

ज़िंद:बशक्ले मुर्द: (زنده بشکل مرده) फा. वि.–ऐसा व्यक्ति जो जीते हुए भी शव के समान हो, अत्यंत दीन दुखी और कष्टग्रस्त, हतजीवित।

ज़िंद:बाद (زنده باد) फा. वा.–चिरजीव हो, जीवित रहो; साधुवाद, शाबाश, "ज़िंदाबाद अय रंजे उल्फ़त जानोदिल तुझ पर निसार, क्योंकि इक तेरे सबब से याद उसकी दिल में है।"

ज़िंद:बाश (زنده باش) फा. वा.–आयुष्मान् हो, बड़ी उम्र मिले; शाबाश, धन्यवाद।

ज़िंदए जावेद (زندۂ جاوید) फा. पुं.–जो सदा जीवित रहे, जो कभी न मरे।

ज़िंदगानी (زندگانی) फा. स्त्री.–दे. 'ज़िंदगी'।

ज़िंदगी (زندگی) फा. स्त्री.–जीवन, प्राण, हयात।

ज़िंदगीबख़्श (زندگی بخش) फा. वि.–जीवन देनेवाला; जीवन बढ़ानेवाला।

ज़िंदाँ (زنداں) फा. पुं.–कारागार, कारागृह, क़ैदख़ाना।

ज़िंदाँख़ान: (زنداں خانه) फा. पुं.–दे. 'ज़िंदाँ'।

ज़िंदानी (زندانی) फा. वि.–कारावासी, क़ैदी, बंदी।

ज़िंदीक़ (زندیق) अ. वि.–नास्तिक, ला मज़हब; अग्निपूजक, आतशपरस्त, ज़रदुश्त का अनुयायी।

जिंस (جنس) अ. स्त्री.–वस्तु, पदार्थ, चीज़; अन्न, ग़ल्ला; जाति।

जिंसख़ान: (جنس خانه) अ. फा. पुं.–अनाज आदि रखने का कोठा, मोदीख़ाना।

जिंसवार (جنس وار) अ. फा. स्त्री.–पटवारी का काग़ज़ जिसमें बोई हुई जिंस का ब्योरा होता है।

जिंसी (جنسی) अ. वि.–जिंस से सम्बन्ध रखनेवाला।

जिंसीयत (جنسیت) अ. स्त्री.–लिंगता, नर या मादा होना; जातीयता, क़ौमियत।

जिंसेकासिद (جنس کاسد) अ. स्त्री.–ऐसी खोटी वस्तु जो बाज़ार में न बिके।

जिंसनाकार: (جنس ناکاره) अ. फा. स्त्री.–दे. 'जिंसेकासिद'।

जिंसेनाक़िस (جنس ناقص) अ. स्त्री.–दे. 'जिंसेकासिद'।

ज़िक [ज़िक्क] (زق) अ. स्त्री.–पानी भरने का खाल का पात्र, परवाल, मश्क, भस्त्री।

ज़िक़्क़ी (زقی) अ. वि.–पानी की मश्क-जैसा; जलंधर का एक प्रकार जिसमें सारा शरीर सूज जाता है।

ज़िक्र (ذکر) अ. पुं.–चर्चा, तज़्किर:; एक प्रकार का जप।

ज़िक्रे अर्र: (ذکر اره) अ. पुं.–योग में एक जप जो ज़बान और सीने से होता है।

ज़िक्रे ख़फ़ी (ذکر خفی) अ. पुं.–ऐसा जप जो मन में किया जाय, उपांशु।

ज़िक्रे ख़ैर (ذکر خیر) अ. पुं.–शुभ-चर्चा, अच्छा ज़िक्र; किसी बड़े व्यक्ति की याद और उसकी चर्चा।

ज़िक्रे ग़ैर (ذکر غیر) अ. पुं.–अन्य-चर्चा, दूसरा ज़िक्र; रक़ीब की चर्चा।

ज़िक्रे जहर (ذکر جہر) अ. पुं.–ऐसा जप जो ध्वनित हो, जो आवाज़ के साथ हो।

जिगर (جگر) फा. वि.–शरीर का एक विशेष अवयव, यकृत; साहस, हिम्मत।

जिगरअफ़्गार (جگر افگار) फा. वि.–दे. 'जिगरफ़िगार'।

जिगरकावी (جگر کاوی) फा. स्त्री.–कड़ा परिश्रम, सख़्त मेहनत।

जिगरख़राश (جگر خراش) फा. वि.–बहुत अधिक दुःख देनेवाला, हृदय-विदारक।

जिगरख़्वार: (جگر خواره) फा. वि.–जिगर को खानेवाला, दुःख देनेवाला।

जिगरख़्वारी (جگر خواری) फा. स्त्री.– जिगर को खाना, दुःख, शोक।

जिगरगोश: (جگر گوشه) फा. पुं.–जिगर का टुकड़ा अर्थात् पुत्र।

जिगरताब (جگر تاب) फा. वि.–जिगर को गर्म करनेवाला।

जिगरताबी (جگر تابی) फा. स्त्री.–कलेजा गर्म करना।

जिगरदोज़ (جگر دوز) फा. वि.–दे. 'जिगरख़राश'।

जिगरपारः (جگرپاره) फा. पुं.–दे. 'जिगरगोशः'।
जिगरफ़िगार (جگرفگار) फा. वि.–जिसका हृदय टुकड़े-टुकड़े हो, भग्न हृदय, अत्यधिक दुखी।
जिगरबंद (جگربند) फा. पुं.– दे. 'जिगरगोशः'।
जिगरसा (جگرسا) फा. वि.–जिगर को छीलनेवाला, कष्ट देनेवाला।
जिगरसोख़्तः (جگرسوخته) फा. वि.–दिल जला, जिसका हृदय शोक की आँच से जल गया हो, भृष्ट हृदय, दग्ध-हृदय।
जिगरसोख़्तगी (جگر سوختگی) फा. स्त्री.–हृदय का दग्ध होना।
जिगरसोज़ (جگرسوز) फा. वि.–हृदयदाही, दुःखदायी; सहानुभूति करनेवाला।
जिगरसोज़ी (جگرسوزی) फा. स्त्री.–हृदय जलाना, ग़म उठाना; सहानुभूति करना।
जिगरी (جگری) फा. वि.–हार्दिक, दिली; घनिष्ठ, गहरा; जिगर के रंग का, गहरा लाल।
जिज़बिज़ (جزبز) फा. वि.–रुष्ट, अप्रसन्न, नाराज़।
जिज़्यः (جزیه) अ. पुं.–एक टैक्स जो हिन्दुस्तान में बाज़ मुसलमान शासकों ने हिंदुओं से लिया था और जो तीन से बारह रुपये प्रति वर्ष लगता था, धर्म-कर।
जिद (جد) अ. स्त्री.–प्रयास, पराक्रम, कोशिश।
ज़िद [द्द] (ضد) अ. स्त्री.–हठ, अड़; विपरीत, विरुद्ध, उलटा; वैमनस्य, रंजिश।
ज़िदा (زدا) फा. प्रत्य.–शुद्ध करनेवाला।
ज़िदाइंदः (زدائنده) फा. वि.–साफ़ करनेवाला, परिमार्जित करनेवाला।
ज़िदाइश (زدائش) फा. स्त्री.–परिमार्जन, सफ़ाई, चमक दमक, ज़िला।
ज़िदूदः (زدوده) फा. वि. परिमार्जित, साफ़ किया हुआ, माँजा हुआ।
ज़िदूदनी (زدودنی) फा. वि.–माँजकर साफ़ करने के क़ाबिल, परिमार्जनीय।
जिदार (جدار) अ. स्त्री.–भीत, भित्त, दीवार।
जिदाल (جدال) अ. पुं.–युद्ध, लड़ाई; वादविवाद, बहस।
जिदालोक़िताल (جدال وقتال) अ. पुं.–लड़ाई और रक्त-पात, ख़ून-ख़राबी।
जिद्दः (جده) अ. पुं.–अरब का एक नगर जो प्रसिद्ध बंदरगाह है; जिद्दत।
जिद्दत (جدت) अ. स्त्री.–अद्‌भुतता, अनोखापन; नवीनता, नयापन; आविष्कार, ईजाद।
जिद्दतआमेज़ (جدت آمیز) अ. फा. वि.–वह बात जिसमें जिद्दत हो।
जिद्दततराज़ (جدت طراز) अ. फा. वि.–जिद्दत पैदा करने वाला, नयी-नयी बातें निकालनेवाला, आविष्कारक।
जिद्दततराज़ी (جدت طرازی) अ. फा. स्त्री.–नयी-नयी बातें निकालना, आविष्कार।
जिद्दतपसंद (جدت پسند) अ. फा. वि.–जिसे हर बात में जिद्दत अच्छी लगती हो।
जिद्दतपसंदी (جدت پسندی) अ. फा. स्त्री.–हर बात में जिद्दत अच्छी लगना।
जिद्दत मआब (جدت مآب) अ. वि.–दे. 'जिद्दततराज़'।
जिद्दन (جداً) अ. स्वि.–प्रयास से, कोशिश करके।
ज़िद्दन (ضداً) अ. वि.–हठ से, हठ के कारण।
ज़िद्दी (ضدی) अ. वि.–हठ करनेवाला, हठी, आग्रही; जो बात ठान ले या कह दे उसी पर अड़ जानेवाला।
ज़िद्दैन (ضدین) अ. पुं.–दो परस्पर विरोधी चीज़ें, जैसे आग और पानी।
जिद्दोजहद (جدوجهد) अ. स्त्री.–पराक्रम और प्रयास, दौड़-धूप।
जिन [न्न] (جن) अ. पुं.–एक प्राणी जिसकी उत्पत्ति अग्नि से मानी जाती है, और वह दिखाई नहीं पड़ता।
जिनाँ (جناں) अ. स्त्री.–'जिनान' का लघु., दे. 'जिनान'।
ज़िनाँ (زنا) अ. पुं.–व्यभिचार, परायी स्त्री या पराये पुरुष के पास जाना।
ज़िनाकार (زناکار) अ. फा. वि.–व्यभिचारी; व्यभिचारिणी।
ज़िनाकारी (زناکاری) अ. फा. स्त्री.–व्यभिचार, जार-कर्म, हरामकारी।
जिनाज़ः (جنازه) अ. पुं.–दे. 'जनाज़ः', दो. शुद्ध हैं, परंतु उर्दू में 'जनाज़ः' ही बोलते हैं।
जिनान (جنان) अ. स्त्री.–'जन्नत' का बहु., जन्नतें; बाग़-समूह, उर्दू में एक वचन के अर्थ में व्यवहृत है।
जिनायत (جنایت) अ. स्त्री.–पाप, पातक, गुनाह।
जिनायात (جنایات) अ. स्त्री.–'जिनायत' का बहु., बहुत से पाप।
जिन्नः (جنه) अ. पुं.–जिनका बहु., जिनों का समूह; जिनों की जाति।
ज़िल्लत (ظلت) अ. स्त्री.– आरोप, लांछन, तोहमत।
जिन्नात (جنات) अ. पुं.–'जिन' का बहु., बहुत से जिन, जिनों की जाति।
जिन्नी (جنی) अ. पुं.–जिनका; जिन सम्बन्धी; एक जिन।

ज़िन्हार (زنہار) फ़ा. स्त्री.–शरण, त्राण, पनाह। (अव्य.) कदापि, हरगिज़।

ज़िन्हारख़्वार (زنہارخوار) फ़ा. वि.–प्रतिज्ञा भंग करने वाला, वा'दा शिकन।

ज़िन्हारख़्वाह (زنہارخواہ) फ़ा. वि.–पनाह या रक्षा चाहनेवाला, शरणार्थी।

ज़िन्हारी (زنہاری) फ़ा. वि.–त्राण चाहनेवाला, शरणागत, प्रतिज्ञा करनेवाला।

ज़िफ़ाफ़ (زفاف) अ. पुं.–दुल्हन को दूल्हा के घर भेजना; दूल्हा का दुल्हन से पहली बार मिलना।

ज़िफ़्त (زفت) फ़ा. स्त्री.–चीड़ का गोंद, राल।

ज़िफ़्दे (ضفدع) अ. पुं.–दुर्दुर, भेक, मेंढक, मंडूक।

ज़िबस (زبس) फ़ा. वि.–बहुत, अधिक।

ज़िबा (ظبا) अ. पुं.–'ज़बी' का बहु., हरिनों का समूह।

ज़िबाब (ضباب) अ. स्त्री.–'ज़ब' का बहु., गोहें।

जिबायत (جبایت) अ. स्त्री.–धन एकत्र करना; कर एकट्ठा करना।

जिबाल (جبال) अ. पुं.–'जबल' का बहु., पर्वतमाला, बहुत से पहाड़।

जिबाले रासियात (جبال راسیات) अ. पुं.–ऊँचे-ऊँचे और बड़े-बड़े पहाड़।

जिबाह (جباہ) अ. स्त्री.–'जब्ह' का बहु., माथे, ललाट।

जिबिल्लत (جبلت) अ. स्त्री.–प्रकृति, स्वभाव, नेचर।

जिबिल्ली (جبلی) अ.वि.–प्राकृतिक, स्वाभाविक, नेचुरल।

जिब्त (جبت) अ. पुं.–हर वह चीज़ जो ईश्वर के अतिरिक्त पूज़ी जाय।

ज़िब्रः (زبرہ) अ. स्त्री.– एक पुस्तक; एक पत्र।

ज़िब्र (زبر) अ. स्त्री.–पुस्तक, किताब।

ज़िब्रिक़ान (زبرقان) अ. पुं.–संपूर्ण चंद्र, राकेश, सकलेंदु, पूरा चाँद।

जिब्रील (جبریل) अ. पुं.–एक फ़िरिश्ता जो पैग़ंबरों के पास ईश्वर का आदेश पहुँचाया करता था।

ज़िब्ल (زبل) अ. पुं.–घोड़े या गधे की लीद।

ज़िब्ह (ذبح) अ. वि.–वधित, जो ज़ब्ह किया गया हो।

ज़िब्हे अक्बर (ذبح اکبر) अ. पुं.–वह दुंबा जो हज़्रत इस्माईल के बदले में ज़ब्ह हुआ।

ज़िब्हेअज़ीम (ذبح عظیم) अ.पुं.–हज़्रत इमाम हुसैनकी शहादत

जिमाअ (جماع) अ. पुं.–स्त्रीप्रसंग, मैथुन, मुबाशरत।

जिमाउलइस्म (جماع الاثم) अ. पुं.–मद्यपान, शराबनोशी।

जिमाद (جماد) अ. पुं.–'जुम्द' का बहु., ऊँची और कठोर भूमि।

ज़िमाद (ضماد) अ. पुं.–प्रलेप, अंग विशेष पर दवा का लेप।

ज़िमाम (ذمام) अ. पुं.– प्रतिष्ठा, इज़्ज़त; स्वत्व, हक़।

ज़िमाम (زمام) अ. स्त्री.–ऊँट की नकेल।

ज़िमामे हुकूमत (زمام حکومت) अ. स्त्री.–शासन की बागडोर, शासनसूत्र।

ज़िमार (ضمار) अ. पुं.–खोया हुआ माल जिसके मिलन की आशा न हो।

जिमार (جمار) अ. स्त्री.–'जम्रः' का बहु., कंकरियाँ; हज की एक प्रथा जिसमें शैतान को कंकरियाँ मारते हैं।

जिमाल (جمال) अ. पुं.–'जमल' का बहु., बहुत-से ऊँट।

ज़िम्न (ضمن) अ. पुं.–अंतर्गत, अंदर; प्रसंग, बात का सिलसिला; विषय।

ज़िम्नन (ضمناً) अ. वि.–किसी प्रसंग में आयी हुई चर्चा।

ज़िम्नी (ضمنی) अ. वि.–किसी मुख्य विषय के अंतर्गत वाला; ग़ैर अहम, गौण।

ज़िम्मः (ذمہ) अ. पुं.–उत्तरदायित्व, ज़िम्मेदारी; प्रतिभूति, ज़मानत।

ज़िम्मःदार (ذمہ دار) अ. फ़ा. वि.–उत्तरदायी, जवाबदेह; प्रतिभू, ज़ामिन; ज़िम्मेदारी महसूस करनेवाला।

ज़िम्मःदारी (ذمہ داری) अ. फ़ा. स्त्री.–उत्तरदायित्व, जवाबदेही; प्रतिभूति, ज़मानत; कार्यभार, बार।

ज़िम्मत (ذمت) अ. स्त्री.–प्रतिज्ञा, इक़्रार; प्रतिभूति, ज़मानत।

ज़िम्मी (ذمی) अ. पुं.–इस्लामी राज्य में ग़ैर मुस्लिम नागरिक।

ज़ियाँ (زیاں) फ़ा.पुं.–हानि, अनिष्ट, ज़रर; टोटा, क्षति, घाटा।

ज़ियाँ (ژیاں) फ़ा. वि.–फाड़ खानेवाला, हिंसक, श्वापद, व्याघ्र।

ज़ियाँकार (زیاں کار) फ़ा. वि.–टोटा देनेवाला, घाटा पहुँचानेवाला; कदाचारी, बदआमाल।

ज़ियाँकारी (زیاں کاری) फ़ा. स्त्री.–टोटा देना; कदाचार, बदआमाली।

ज़िया (ضیا) अ. स्त्री.–प्रकाश, ज्योति, आभा, चमक; सूर्य का प्रकाश।

ज़ियागुस्तर (ضیاگستر) अ. फ़ा. वि.–दे. 'ज़ियापाश'।

ज़ियादः (زیادہ) अ. वि.–अधिक, प्रचुर, बहुत; तिअरिक्त, फ़ालतू।

ज़ियादःख़ोर (زیادہ خور) अ. फ़ा. वि.–बहुत खानेवाला, पेटू, बहुभक्षी, पिंडीशूर।

ज़ियादःगो (زیادہ گو) अ. फ़ा. वि.–बहुत बातें बनानेवाला, मुखर, वाचाल; मिथ्यावादी, गप्पी।

ज़ियादःगोई (زیادہ‌گوئی) अ. फा. स्त्री.—बहुत बातें करना; गप हाँकना।

ज़ियादःतर (زیادہ‌تر) अ. फा. वि.—अधिकतर, बहुधा, अक्सर।

ज़ियादःतलबी (زیادہ‌طلبی) अ. फा. स्त्री.—हिस्से या हिसाब से अधिक माँगना।

ज़ियादःसरी (زیادہ‌سری) अ. फा. स्त्री.—स्वच्छंदता, खुद-राई; अभिमान, घमंड।

ज़ियादःसितानी (زیادہ‌ستانی) अ. फा. स्त्री.—अपने भाग से अधिक ले लेना।

ज़ियाद (زیاد) अ. पुं.—अधिक, बहुत; 'इब्ने ज़ियाद' इमाम हुसैन का क़ातिल।

ज़ियादत (زیادت) अ. स्त्री.—अधिकता, बहुतायत।

ज़ियादती (زیادتی) अ. स्त्री.—अधिकता; अत्याचार; अनीति; हठधर्मी।

ज़ियापाश (ضیاپاش) अ. फा. वि.—प्रकाश फ़ैलानेवाला।

ज़ियापाशी (ضیاپاشی) अ. फा. स्त्री.—प्रकाश फैलाना।

ज़ियाफ़त (ضیافت) अ. स्त्री.—अतिथि पूजा, मेहमांदारी; प्रीतिभोज, दावत।

ज़ियाफ़तखानः (ضیافت‌خانہ) अ. फा. पुं.—अतिथियों की भोजनशाला।

ज़ियाबार (ضیابار) अ. फा. वि.—दे. 'ज़ियापाश'।

ज़ियाबारी (ضیاباری) अ. फा. स्त्री.—दे. 'ज़ियापाशी'।

ज़ियाबीतुस (ذیابیطس) अ. पुं.— एक रोग जिसमें पेशाब बहुत आता है; बहुमूत्र।

ज़ियारत (زیارت) अ. स्त्री.—दर्शन, दीदार; तीर्थाटन, किसी बुज़ुर्ग के मज़ार आदि के दर्शनार्थ सफ़र; किसी बुज़ुर्ग का रौज़ा आदि।

ज़ियारतकदः (زیارت‌کدہ) अ. फा. पुं.—दे. 'ज़ियारतगाह'।

ज़ियारतगाह (زیارت‌گاہ) अ. फा. स्त्री.—ऐसी जगह जहाँ किसी बुज़ुर्ग का मज़ार या उसके तबर्रुकात हों।

ज़िराअ (ذراع) अ. पुं.—एक हाथ की नाप; सातवाँ नक्षत्र, पुनर्वसु।

ज़िराअत (زراعت) अ. स्त्री.—कृषि, खेती, काश्त।

ज़िराअतपेशः (زراعت‌پیشہ) अ. फा. वि.—कृषक, किसान।

ज़िराअती (زراعتی) अ. वि.—कृषि सम्बन्धी, खेती से मुत-अल्लिक़; खेती का।

ज़िराब (ضراب) अ. पुं.—नर का मादा पर चढ़ना।

ज़िरार (ضرار) अ. पुं.—एक दूसरे को हानि पहुँचाना; मक्के की एक मस्जिद जिसमें मुहम्मद साहब के शत्रु बैठकर परामर्श करते थे।

जिराहत (جراحت) अ. स्त्री.—घाव, ज़ख्म, आघात; चीर-फाड़, शल्यक्रिया, दे. 'जराहत'।

ज़िरिश्क (زرشک) फा. स्त्री.—एक खट्टा फल जो चने के बराबर होता है और सुखाकर दवाई के काम आता है।

ज़िरिह (زرہ) फा. स्त्री.—लोहे की ज़ंजीरो का एक पह-नावा जो लड़ाई में पहना जाता है, कवच, अंगरक्ष।

ज़िरोहपोश (زرہ‌پوش) फा. वि.—जो ज़िरिह पहने हो, कवचधारी।

ज़िरोहबाफ़ (زرہ‌باف) फा. वि.—ज़िरह बनानेवाला, कवच बनानेवाला, कवचकार।

ज़िरिहसाज़ (زرہ‌ساز) फा. वि.—दे. 'ज़िरिहबाफ़'।

ज़िर्ग़ाम (ضرغام) अ. पुं.—सिंह, व्याघ्र, शेर।

ज़िर्नीख़ (زرنیخ) अ. स्त्री.—हड़ताल, हरिताल, कांचनक, दे. 'ज़र्नीख', दो. शु. है।

ज़िर्ज़ीक (ضرزیک) एक प्रकार की तोप।

जिर्म (جرم) अ. पुं.—पिंड, देह, यह शब्द अधिक अधिक आकाशीय अथवा जड़ पदार्थों के लिए प्रयुक्त होता है।

ज़िर्फ़ीन (زرفین) अ. पुं.—शृंखला, ज़ंजीर; दरवाजे की ज़ंजीर, दे. 'ज़ुर्फ़ीन', दो. शु. हैं।

जिर्यान (جریان) अ. पुं.—शुक्र-प्रमेह, मूत्र-शुक्र, पेशाब के साथ मनी आने का रोग, शुद्ध उच्चारण; 'जरयान' है।

ज़िर्वः (زروہ) अ. पु.—शृंग, चोटी; ऊँचा स्थान।

ज़िर्स (ضرس) अ. स्त्री.—डाढ़, बड़ा दाँत, जंभ, दाडक।

ज़िल (ظل) अ. पु.—छाया, साया, परछाई।

ज़िला (جلا) अ. स्त्री.—आभा, प्रभा, चमक; सैक़ल, बर्तनों या हथियारों की चमक।

ज़िला (ضلع) अ. पुं.—पार्श्वास्थि, पसली; जनपद, मंडल, प्रांत का एक भाग जो एक कलक्टर के अधीन होता है।

जिलादार (جلادار) अ. फा. वि.—आभा युक्त, चमकदार; जिस पर सैक़ल हो।

ज़िलेबा (زلیبا) फा. पुं.— प्रसिद्ध मिठाई, बड़ी जलेबी।

जिलौ (جلو) तु. पुं.—कोतल घोड़ा, जो सरदारों और राजाओं की सवारी में काम आता है; लगाम, कविका।

जिलौखानः (جلوخانہ) तु. फा. पुं.—अश्वशाला, अस्तबल।

जिलौदार (جلودار) तु. फा. पु.—श्रेष्ठ अश्वका स्वामी।

जिलौरेज़ (جلوریز) तु. फा. वि.—तेज़ घोड़ा दौड़ानेवाला, सरपट जानेवाला।

ज़िल्अ (ضلع) अ. पुं.—पसली, पार्श्वास्थि; जनपद, मंडल, ज़िला, इस शब्द का उच्चारण 'ज़िला' भी है।

ज़िल्क़ा'दः (ذی‌القعدہ) अ. पुं.—इस्लामी ग्यारहवाँ महीना।

ज़िल्ज़ाल (زلزال) अ. पुं.—हिलाना, कँपाना, हिलाना-डुलाना।

ज़िल्द (جلد) अ. स्त्री.–त्वचा, त्वक्, शरीर की ऊपरी खाल; किताब की एक प्रति, जैसे—'अमुक पुस्तक की चार जिल्दें'; पुस्तक पर चढ़ा हुआ कपड़ा आदि, जुज़बंदी; किसी बड़ी पुस्तक का एक भाग, ग्रंथ-खंड।

जिल्दसाज़ (جلدساز) अ. फा. पुं.– पुस्तक की जिल्दें बाँधनेवाला।

जिल्दसाज़ी (جلدسازی) अ. फा. स्त्री.–पुस्तक की जिल्दें बनाने का काम।

जिल्दौ (جلدو) तु. पुं.–पुरस्कार, इनआम, बख़्शिश।

जिल्फ़ (جلف) अ. वि.–जो अंदर से खाली हो, छूँछा, पोला; खोखला आदमी, ओछा।

जिल्बाब (جلباب) अ. स्त्री.–चादर, प्रच्छादन।

ज़िल्लत (ذلت) अ. स्त्री.–ख्वारी, तिरस्कार, अपमान, अनादर।

ज़िल्लत (زلت) अ. स्त्री.– लग़्ज़िश, फिसलने की क्रिया; पतन, चूक, त्रुटि, भूल; पाप, गुनाह।

ज़िल्लत (ضلت) अ. स्त्री.– गुमराही, मार्गभ्रंश, रस्ता भूल जाना; पातक, पाप, गुनाह।

ज़िल्लत आमेज़ (ذلت آمیز) अ. फा. वि.–अपमानजनक, तिरस्कारयुक्त, जिल्लत से भरा हुआ।

ज़िल्लुल्लाह (ظل الله) अ. पुं.–ईश्वर की छाया, अच्छा शासक।

ज़िल्ले आतिफ़त (ظل عاطفت) अ. पुं.–छत्रछाया, ज़ेरेसाया।

ज़िल्ले इनायत (ظل عنایت) अ. पुं.–दे. 'ज़िल्ले आ़तिफ़त'।

ज़िल्ले ज़मीं (ظل زمیں) अ. फा. पुं.–रात्रि, निशा, रात।

ज़िल्ले सुब्हानी (ظل سبحانی) अ. पुं.–दे. 'ज़िल्लुल्लाह'।

ज़िल्ले हक़ (ظل حق) अ. पुं.–ईश्वर की छाया, ईश्वर की कृपा।

ज़िल्ले हिमायत (ظل حمایت) अ.–दे. 'ज़िल्ले आतिफ़त'।

ज़िल्ले हुमा (ظل ھما) अ. फा. पुं.–हुमा पक्षी की छाया, जिसके पड़ने से मनुष्य राजा हो जाता है।

जिल्वः (جلوہ) अ. पुं.–सही शब्द यही है, परन्तु उर्दू में 'जल्वः' बोला जाता है, दे. 'जल्वः'।

ज़िलहिज्जः (ذی الحجہ) अ. पुं.–इस्लामी बारहवाँ महीना।

जिवार (جوار) अ. पुं.–'जवार' ग़लत है, 'जिवार' या 'जुवार' शुद्ध है; पड़ोस, प्रतिवास, हमसायगी; आस-पास, चारों ओर।

ज़िश्त (زشت) फा. वि.–निकृष्ट, खराब, बुरा।

ज़िश्तआमाल (زشت اعمال) अ. फा. वि.–कदाचारी, दुराचारी, बदआमाल।

ज़िश्तकार (زشت کار) फा. वि.–दे. 'ज़िश्त आ'माल'।

ज़िश्तख़ू (زشت خو) फा. वि.–बुरी आदतोंवाला, दुःस्वभाव, दुष्प्रकृति; बदअख़लाक़, दुःशील, कुशील।

ज़िश्तरू (زشت رو) फा. वि.–बुरी शक्लवाला, कुरूप, कदाकृति, कुदर्शन।

ज़िश्तरूई (زشت روئی) फा. स्त्री.–कुरूपता, बदशक्ली।

ज़िश्तिएकार (زشتی کار) फा. स्त्री.–कर्मों की निकृष्टता, पाप, गुनाह।

ज़िश्ती (زشتی) फा. वि.–निकृष्टता, खराबी; कुरूपता, बदशक्ली।

जिस [स्स] (جص) अ. पुं.–चूना, गच।

जिस्म (جسم) अ. पुं.–शरीर, काया, देह; घनत्व, स्थूलता, लंबाई चौड़ाई मोटाई, जसामत।

जिस्मानी (جسمانی) अ. वि.–शारीरिक, बदनी; शरीर सम्बन्धी, जिस्मी।

जिस्मानीयत (جسمانیت) अ. स्त्री.–लंबाई चौड़ाई और मोटाई या गहराई और ऊँचाई, स्थूलता, घनत्व।

जिस्मी (جسمی) अ. वि.–दैहिक, शारीरिक, जिस्मानी।

जिस्मीयत (جسمیت) अ.स्त्री.–स्थूलता, घनत्व, जसामत।

जिस्मेख़ाकी (جسم خاکی) अ. फा. पुं.–मिट्टी का बना हुआ शरीर, नश्वर देह, मानवशरीर।

जिस्मे ता'लीमी (جسم تعلیمی) अ. पुं.–लंबाई चौड़ाई और मोटाई, घनत्व, स्थूलता।

जिस्मेफ़ानी (جسم فانی) अ. पुं.–नश्वर देह, मिट जाने-वाला शरीर, मानवदेह।

जिस्र (جسر) अ. पुं.–सेतु, पुल, दे. 'जस्र' दो. शु. हैं।

ज़िह (زہ) फा. स्त्री.–धनुष का कनारा, चिल्ला (आक) साधु, धन्य, वाह।

ज़िहगीर (زہگیر) फा. स्त्री.–वह अँगूठी जो तीर चलाते समय उँगली की रक्षा के लिए पहनी जाती है, अंगुलि-त्राण।

जिहत (جہت) अ. स्त्री.–दिशा, ओर, तरफ़; कारण, हेतु, सबब।

जिहाज़ (جہاز) अ. पुं.–ब्याह का दहेज; मृतक का सामान, कफ़न आदि; यात्रा की सामग्री, पाथेय।

जिहात (جہات) अ. स्त्री.–'जिहत' का बहु., दिशाएँ; सिम्तें; कारण समूह, वजूहें।

जिहाद (جہاد) अ. पुं.–धर्म के लिए विधर्मियों से युद्ध।

जिहादे अक्बर (جہاد اکبر) अ. पुं.–बड़ा जिहाद, इंद्रियों का दमन।

जिहादे अस्ग़र (جہاد اصغر) अ. पुं.–छोटा जिहाद, धर्मयुद्ध।

ज़िहाफ़ (زحاف) अ. पुं.—न्यूनता, कमी; छंद के गणों में से मात्राओं की कमी।

ज़िहाब (زهاب) अ. पुं.—जाना, गमन करना, दे. 'ज़हाब' दो. शु. हैं।

ज़िहाम (زحام) अ. पुं.—भीड़, जनसमूह; अधिकता, बहुतायत।

ज़िहार (ظهار) अ. पुं.—पुरुष का स्त्री से यह कहना कि तू मेरे लिए माँ की पीठ है, इससे वह स्त्री व्याह से विछिन्न हो जाती है।

ज़िहार (زهار) अ. पुं.—उपस्थ, कटिदेश, पेड़ू।

ज़िहिंद: (جہندہ) फ़ा. वि.—उछलनेवाला, कूदनेवाला।

ज़िहे (زہے) फ़ा. अव्य.—अहो, क्या ख़ूब, वाह-वाह।

ज़िहेज़ (جہیز) फ़ा. पुं.—व्याह में दुल्हन को दिया जानेवाला सामान; दहेज।

ज़िह्क (ضحک) अ. पुं.—ज़ोर की हँसी, अट्टहास, क़हक़हा।

ज़िह्न (ذہن) अ. पुं.—प्रतिभा, तब्बाई, धारणाशक्ति, समझ-बूझ; स्मरणशक्ति, हाफ़िज़; दक्षता, कुशलता, होशियारी।

ज़िह्ननशीं (ذہن نشیں) अ. फ़ा. वि.—जो बात समझ में आ गयी हो, चित्त पर चढ़ी हुई बात, हृदयंगम, बोधगम्य।

ज़िह्नी (ذہنی) अ. वि.—हार्दिक, मानसिक, रूहानी।

ज़िह्नीयत (ذہنیت) अ. स्त्री.—प्रकृति, स्वभाव, आदत; अंतःकरण, अंदरूँ; धारणा, गुमान।

ज़िह्ने रसा (ذہن رسا) अ. फ़ा. पुं.—किसी बात को जल्दी समझ लेनेवाला ज़िह्न।

ज़िह्ने सालेह (ذہن صالح) अ.पुं.—अच्छे-बुरे में पूर्ण विवेक करनेवाला ज़िह्न।

ज़िह्मत (زہمت) अ. स्त्री.—सड़े हुए माँस या मछली की दुर्गंध जो असह्य हो।

ज़ी

ज़ीं (زیں) फ़ा. स्त्री.—'ज़ीन' का लघुरूप, जो समास में व्यवहृत होता है (अव्य.) इससे।

ज़ी (ذی) अ. उप.—एक उपसर्ग जो संज्ञा से पहले आकर 'वाला' का अर्थ देता है, जैसे—'ज़ीअक़्ल' अक़्लवाला।

ज़ीअक़्ल (ذی عقل) अ. वि.—बुद्धिवान्, मेधावी, अक़्लमंद।

ज़ीआबरू (ذی آبرو) अ. फ़ा. वि.—प्रतिष्ठित, सम्मानित, इज़्ज़तदार।

ज़ीइख़्तियार (ذی اختیار) अ. वि.—जिसे अधिकार प्राप्त हो, प्राप्ताधिकार; जो किसी के अधीन न हो, ख़ुद मुख़्तार, स्वाधीन।

ज़ीइज़्ज़त (ذی عزت) अ. वि.— दे. 'ज़ीआबरू'।

ज़ी इस्तेदाद (ذی استعداد) अ. वि.—विद्वान्, योग्य, शिक्षित, पढ़ा-लिखा, क़ाबिल।

ज़ीक़ (ضیق) अ. वि.—तंगी, संकोच, संकीर्णता; कष्ट, दुःख, क्लेश, मुसीबत।

ज़ीकमाल (ذی کمال) अ. वि.—गुणवान्, गुणी, हुनरमंद।

ज़ीक़ा'द: (ذی قعدہ) अ. पुं.—इस्लामी ग्यारहवाँ महीना।

ज़ीक़ुन्नफ़स (ضیق النفس) अ. पुं.—दमे की बीमारी, श्वास-कास, श्वास रोग, श्वास कष्ट, उरःस्तंभ।

ज़ीग़: (جیغہ) फ़ा. पुं.—पगड़ी में बाँधने का एक रत्नजटित आभूषण।

ज़ीज (زیج) फ़ा. स्त्री.—ज्योतिष की किताब जिसमें ग्रहों की गति का विवरण और दूसरी तफ़्सीलें होती हैं।

ज़ीजाह (ذی جاہ) अ. वि.—बड़े पद या बड़ी प्रतिष्ठावाला।

ज़ीन: (زینہ) फ़ा. पुं.—सोपान, निश्रेणी, सीढ़ी; इमारतों की पक्की सीढ़ियाँ।

ज़ीन (زین) फ़ा. पुं.—घोड़े की पीठ पर कसी जानेवाली काठी, पल्ययन।

ज़ीनत (زینت) अ. स्त्री.—शृंगार, सज्जा, सजावट; शोभा, श्री, रौनक़।

ज़ीनतकद: (زینت کدہ) अ. फ़ा. पुं.—सुसज्जित और शृंगारित मकान कोठी आदि; प्रेयसी का निवासस्थान।

ज़ीनतदिह (زینت دہ) अ. फ़ा. वि.—शोभा बढ़ानेवाला, सुशोभित करनेवाला, ज़ीनत देनेवाला।

ज़ीनते आग़ोश (زینت آغوش) अ. फ़ा. स्त्री.—गोद में बैठा हुआ, गोद में बैठकर गोद की शोभा बढ़ानेवाला।

ज़ीनते बज़्म (زینت بزم) अ. फ़ा. स्त्री.—सभा में बैठकर सभा की शोभा को चार चाँद लगानेवाला।

ज़ीनते महफ़िल (زینت محفل) अ. स्त्री.—दे. 'ज़ीनते बज़्म'।

ज़ीनपोश (زین پوش) फ़ा. पुं.—ज़ीन के ऊपर डालनेवाला कपड़ा।

ज़ीनसाज़ (زین ساز) फ़ा. पुं.—ज़ीन बनानेवाला।

ज़ीफ़: (جیفہ) फ़ा. पुं.—मरा हुआ पशु आदि, मुर्दार, मृत, गतप्राण।

ज़ीफ़:ख़्वार (جیفہ خوار) अ. फ़ा. वि.—मुर्दा खानेवाला, मृताशी, पूयभुक्।

ज़ीफ़ह्म (ذی فہم) अ. वि.—बुद्धिमान्, मतिमान, मेधावी, अक़्लमंद; प्रतिभाशाली, धारणासम्पन्न, ज़हीन; दूरदर्शी, अग्रशोची, पेशबीं।

ज़ीफ़िरासत (ذی فراست) अ. वि.—दे. 'ज़ीफ़ह्म'।

ज़ीबक़ (زیبق) अ. पुं.—पारद, पारा, सीमाब।

ज़ीपाल (ذی پال) अ. फा. वि.–जिसके पर हों; पक्षी, प्रतिष्ठित, मान्य, मुअज्ज़ज़।
ज़ीमर्तबत (ذی مرتبت) अ. वि.–बड़े रुत्बेवाला, प्रतिष्ठावान्, सम्मानित।
ज़ीरः (زیرہ) फा. पुं.–जीरक, मसाले की एक प्रसिद्ध चीज़।
ज़ीर (زیر) फा. पुं.–धीमी आवाज़, नीचा स्वर।
ज़ीरए सफ़ेद (زیرۂ سفید) फा. पुं.–श्वेतजीरक, सफ़ेद जीरा।
ज़ीरए सियाह (زیرۂ سیاہ) फा. पुं.–कृष्ण जीरक, सुषा, काला ज़ीरा।
ज़ीरक (زیرک) फा. वि.– प्रवीण, प्रतिभाशाली, धारणावान्, चतुर, होशयार।
ज़ीरकी (زیرکی) फा. स्त्री.–चातुर्य, दक्षता, कुशलता, प्रवीणता, प्रतिभा, तब्बाई।
ज़ीरुत्बः (ذی رتبہ) अ. वि.–दे. 'ज़ीमर्तबत'।
ज़ीरूह (ذی روح) अ. वि.–प्राणी, जीवधारी, जानदार।
ज़ीरोबम (زیروبم) फा. पुं.–स्वर का उतार-चढ़ाव, षड्ज, निषाद इत्यादि।
ज़ीवः (جیوہ) फा. पुं.–पारद, पारा, सीमाव।
ज़ीवक़ार (ذی وقار) अ. वि.–दे. 'ज़ीमर्तबत'।
ज़ीवजाहत (ذی وجاهت) अ. वि.–दे. 'ज़ीमर्तबत'।
ज़ीस्त (زیست) फा. स्त्री.–जीवन, जिंदगी।
ज़ीस्तनी (زیستنی) फा. वि.–जीने के लाइक़, जिस का जीना आवश्यक हो, जीवनीय।
ज़ीहयात (ذی حیات) अ. वि.–दे. 'ज़ीरूह'।
ज़ीहशम (ذی حشم) अ. वि.–जिसके पास नौकर चाकर बहुत हों, वैभवशाली।
ज़ीहिस (ذی حس) अ. वि.–जिसे अपनी बुराई-भलाई का एहसास हो, खुद्दार, स्वाभिमानी।
ज़ीहैसियत (ذی حیثیت) अ. वि.–अच्छी हैसियतवाला; धनवान्, धनी; प्रतिष्ठित, मुअज़्ज़ज़।
ज़ीहोश (ذی ہوش) अ. वि.–संज्ञावान्, सुचेत, जो होश में हो; बुद्धिमान्, अक्लमंद; दूरदर्शी, दूरंदेश।

जु

जुंद (جند) अ. पुं.–सेना, फ़ौज, पलटन।
जुंदबेदस्तर (جندبیدستر) फा. पुं.–एक समुद्री ऊदबिलाव के अंडकोष का सुखाया हुआ रस जो दवा में चलता है।
जुंदी (جندی) अ. पुं.–सैनिक, सिपाही, लश्करी, फ़ौजी।
जुंबाँ (جنباں) फा. वि.–कंपायमान, हिलता हुआ (प्रत्य.) हिलानेवाला, जैसे—'सिलसिलःजुंबाँ' ज़ंजीर हिलानेवाला।
जुंबिश (جنبش) फा. स्त्री.– कंप, हिलन, हरकत, टस से मस होने की हालत; गति, चाल।
जुंबीदः (جنبیدہ) फा. वि.–हिला हुआ, जुंबिश खाया हुआ।
ज़ुअफ़ा (ضعفا) अ. पुं.–'ज़ईफ़' का बहु., निर्बल और अशक्त लोग; दीन, दुखी, बेकस लोग।
ज़ुअमा (زعما) अ. पुं.–'ज़ईम' का बहु., लीडर लोग, नेतागण।
ज़ुअमाए मिल्लत (زعماے ملت) अ. पुं.–राष्ट्र के नेता, क़ौम के लीडर।
ज़ुआफ़ (زعاف) अ. वि.–हालाहल, कालकूट, घातक विष; घातक, जान लेनेवाला।
ज़ुका (ذکا) अ. स्त्री.–सूर्य, रवि, सूरज; प्रातःकाल, सबेरा।
ज़ुगाल (زگال) फा. पुं.–बुझा हुआ अंगारा, कोयला।
ज़ुग़ाल (زغال) फा. पुं.–दे. 'ज़ुगाल'।
ज़ुग़तः (ضغطہ) अ. पुं.–संकोच, तंगी, कठोरता, सख़्ती।
जुग़रात (جغرات) फा. पुं.–दधि, दही।
जुग़राफ़ियः (جغرافیہ) अ. पुं.–भूगोल; भूगोलशास्त्र।
जुग़राफ़ियःदाँ (جغرافیہ داں) अ. फा. वि.–भूगोल जाननेवाला।
जुग़राफ़ियःनवीस (جغرافیہ نویس) अ. फा. वि.–भूगोल लिखनेवाला।
जुज़ (جز) अ. पुं.–खंड, भाग, टुकड़ा; ग्रंथ खंड, जिल्द; अध्याय, बाब; अतिरिक्त, अलावा; सिवाय; पुस्तक के सोलह पेज का फ़ार्म; जो पूरा न हो, कम, अधूरा, इस शब्द का शुद्ध रूप 'जुज़्व' है।
जुज़दान (جزدان) अ. फा. पुं.–बच्चों की किताबें रखने का बस्ता।
जुज़बंदी (جزبندی) अ. फा. स्त्री.–जिल्दसाज़ी में किताब के हर जुज़ की सिलाई; जिल्दबंदी।
जुज़रस (جزرس) अ. फा. वि.–मितव्ययी, कम खर्च; कृपण, कंजूस।
जुज़रसी (جزرسی) अ. फा. स्त्री.–खर्च कम करना, मितव्यय; कृपणता, कंजूसी।
ज़ुजाज (زجاج) अ. पुं.–काच, काँच, शीशा।
जुज़ाम (جزام) अ. पुं.–कुष्ठ रोग, कोढ़।
जुज़ामी (جزامی) अ. वि.–कुष्ठी कोढ़ी।
जुज़ई (جزئی) अ. वि.–दे. 'जुज़्वी'।
जुज़ईयात (جزئیات) अ. पुं.–किसी बात के तमाम पहलू, छोटी-छोटी बातें।
जुज़्व (جزو) अ. पुं.–दे. 'जुज़', शुद्ध रूप यही है।

जुज़्वी (جزوی) अ. वि.—कुल में से एक जुज़्, थोड़ा, कम।

जुज़्वेला पतजज़्ज़ा (جزولایتجزی) अ. पुं.—वह सूक्ष्म यंत्र जिसके फिर टुकड़े न हो सकें, त्रसरेणु, अनुरेणु।

जुज़्वेला यन्फ़क(फ़क) (جزولاینفک) अ. पुं.—ऐसा अंश जो अपने मूल से पृथक् न हो सके।

जुदा (جدا) फा. वि.—पृथक्, अलग; भिन्न, मुख्तलिफ़; विरहग्रस्त; अन्य, दूसरा।

जुदाई (جدائی) फा. स्त्री.—पृथक्ता, अलगाव; वियोग, फ़िराक़; वैमनस्य, रंजिश।

जुदागानः (جداگانہ) फा. वि.—अलग-अलग, पृथक-पृथक।

जुदै (جدی) अ. पु.—उत्तरीय ध्रुवतारा, वह ध्रुवतारा जो उत्तरीय ध्रुव के पास है।

जुद्री (جدری) अ. स्त्री.—शीतला रोग, चेचक।

जुनू (جنوں) अ. पुं.—'जुनून' का लघु., दे. 'जुनून', यह रूप यौगिक शब्दों में हो जाता है।

जुनूंअंगेज़ (جنوں انگیز) अ. फा. वि.—जुनून बढ़ानेवाला, उन्मादवर्द्धक।

जुनूंख़ेज़ (جنوں خیز) अ. फा. वि.—जुनून पैदा करनेवाला, उन्मादोत्पादक।

जुनूंजौलाँ (جنوں جولاں) अ. फा. वि.—जुनून बढ़ानेवाला, तीव्र उन्मादक।

जुनूद (جنود) अ. पुं.—'जुंद' का बहु., सेनाएँ, फ़ौजें।

जुनून (جنون) अ. पुं.—उन्माद, विक्षिप्तता, पागलपन।

जुनूने इश्क़ (جنون عشق) अ. पुं.—प्रेमोन्माद, मुहब्बत का पागलपन,—"सुन अय जुनूने इश्क़ तुझे इसमें क्या मिला ? बरसों जो कोहोदश्त घुमाया किया मुझे।"

जुनैद (جنید) अ. पुं.—बग़दाद के एक बहुत बड़े ऋषि।

जुन्नार (زنار) अ. पुं.—यज्ञोपवीत, जनेऊ।

जुन्नारगुसिस्तः (زنارگسستہ) अ. फा. वि.—जिसने जनेऊ तोड़ डाला हो, जो हिंदू धर्मभ्रष्ट हो गया हो।

जुन्नारदार (زناردار) अ. फा वि.—जनेऊ धारण करनेवाला, हिंदू।

जुन्नारपोश (زنارپوش) अ. फा. वि.—दे. 'जुन्नारदार'।

जुन्नारबंद (زناربند) अ. फा. वि.—दे. 'जुन्नारदार'।

जुन्नून (ذوالنون) अ. पुं.—हज़रत यूनुस की उपाधि, आपको मछली निगल गयी थी।

जुफ़्त (جفت) फा. पुं.—जोड़ा, युग्म, युगल; वह संख्या जो दो से बँट जाय, समसंख्या; जूता, पादुका।

जुफ़्तक (جفتک) फा. पुं.—चकवा-चकवी, सुर्ख़ाब का जोड़ा।

जुफ़्तफ़रोश (جفت فروش) फा. वि.—जूते बेचनेवाला।

जुफ़्तसाज़ (جفت ساز) फा. वि.—जूता बनानेवाला, शू-मेकर।

जुफ़्ती (جفتی) फा. स्त्री.—पशुओं आदि का मैथुन।

जुफ़्र (ظفر) अ. पुं.—नख, नाख़ून।

जुबानः (زبانہ) फा. पुं.—आग की लपट, अग्नि-शिखा; तराज़ू की डंडी के बीच का डोरा, दे. 'ज़बानः', दोनों शुद्ध हैं।

जुबान (زبان) फा. स्त्री.—दे. 'ज़बान', दोनों शुद्ध हैं।

जुबाना (زبانا) अ. पुं.—सोलहवाँ नक्षत्र, विशाखा।

जुबाब (زباب) अ. स्त्री.—मक्षिका, मक्खी।

जुबुन (جبن) अ. पुं.—फाड़े हुए दूध का खोवा या पनीर, दे. 'जुब्न नं० २'।

जुबूल (ذبول) अ. पुं.—क्षीणता, दुर्बलता, लाग़री; मलिनता, खिन्नता, अफ़्सुर्दगी।

जुब्दः (زبدہ) अ. पुं.—सार, तत्त्व, ख़ुलासा; नवनीत, मक्खन; शिरोमणि, सरताज।

जुब्दतुलहुकमा (زبدۃالحکما) अ. पुं.—चिकित्सकों में शिरोमणि; वैज्ञानिकों में सर्वश्रेष्ठ।

जुब्न (جبن) अ. पुं.—भीरुता, कायरता, डरपोकपन; फटे हुए दूध का मावा, पनीर, दे. 'जुबुन'।

जुब्बः (جبہ) अ. पुं.—लंबा अँगरखा, चुग़ा।

जुब्बःपोश (جبہ پوش) अ. फा. वि.—चुग़ा पहननेवाला; चुग़ा पहने हुए।

जुब्र (زبر) अ. पुं.—ग्यारहवाँ नक्षत्र, पूर्वा फाल्गुनी।

जुमल (جمل) अ. पुं.—अबजद के अक्षरों का हिसाब; अबजद के अक्षर।

जुमादल उख़रा (جمادی الاخری) अ. पुं.—इस्लामी छठा महीना।

जुमादलऊला (جمادی الاولی) अ. पुं.—इस्लामी पाँचवाँ महीना।

जुमान (جمان) अ. पुं.—मोती, मुक्ता; मोती के आकार की चाँदी की घुंडियाँ।

जुमाम (جمام) अ. पुं.—बर्तन का पानी से लबालब भर जाना।

जुमुअः (جمعہ) अ. पुं.—शुक्रवार, दे. 'जुम्अः' दोनों तरह शुद्ध है।

जुमुख़्त (زمخت) फा. पुं.—बरवटा, कसीला, ऐसा स्वाद जैसा हड़ का होता है।

जुमुर (ضمر) अ. पुं.—दुबलेपन की वजह से पेट का पीठ से चिपक जाना।

जुमुर्रुद (زمرد) फा. पुं.—एक हरे रंग का रत्न, पन्ना।

जुमूद (جمود) अ. पुं.—जमना, जम जाना (पानी आदि का); खिन्नता, मलिनता, अफ़सुर्दगी; ठप हो जाना, गत्यावरोध, डेडलाक।

जुमूर (ضمور) अ. पुं.–दुबलापन, क्षीणता, लाग़री।

जुम्अः (جمعہ) अ. पुं.–शुक्रवार, दे. 'जुमुअः', दोनों उच्चारण सही हैं।

जुम्जुमः (جمجمہ) अ. पुं.–कपाल, भगाल, खोपड़ी।

जुम्रः (زمرہ) अ. पुं.–दल, यूथ, जत्था, पार्टी।

जुम्र (ضمر) अ. पुं.–दे. 'जुमूर'।

जुम्रए अहबाब (زمرۂ احباب) अ. पुं.–मित्रमंडली, मित्रगण, दोस्तों की पार्टी।

जुम्लः (جملہ) अ. पुं.–समस्त, समग्र, सब, सर्व; वाक्य, शब्दसमूह, फ़िक़्रः।

जुमलए इंशाइयः (جملۂ انشائیہ) अ. पुं.–दे. 'जु. इस्मियः'।

जुम्लए इस्तिफ़हामियः (جملۂ استفہامیہ) अ. पुं.–ऐसा वाक्य जिसमें प्रश्न हो।

जुम्लए इस्मियः (جملۂ اسمیہ) अ. पुं.–ऐसा वाक्य जिसमें क्रिया न हो, संज्ञात्मक वाक्य।

जुम्लए ख़बरीयः (جملۂ خبریہ) अ. पुं.–दे. 'जु० इस्मियः।'

जुम्लए मो'तरिज़ः (جملۂ معترضہ) अ. पुं.–इबारत या तक़्रीर के बीच में ऐसा वाक्य, जो किसी दूसरी बात से सम्बन्धित हो और मूल विषय से उसका कोई सम्बन्ध न हो।

जुम्लगी (جملگی) अ. फ़ा. वि.–सर्वत्व, समस्तत्व, पूर्णता, सारापन।

जुम्हूर (جمہور) अ. पुं.–सर्वसाधारण, जनसाधारण, जनता, अवाम।

जुम्हूरियत (جمہوریت) अ. स्त्री.–गणतंत्र, जनतंत्र, प्रजातंत्र।

जुम्हूरी (جمہوری) अ. वि.–सार्वजनिक, सार्वजनीन।

ज़ुरफ़ा (ظرفا) अ. पुं.–'ज़रीफ़' का बहु., हँसोड़ लोग।

जुम्हूरे अनाम (جمہور انام) अ. वि.–जन साधारण, अवामुन्नास।

ज़ुरात (ضراط) अ. पुं.–तीव्र, तेज; वह अपान वायु जो शब्द के साथ निकले।

ज़ुरूफ़ (ظروف) अ. पुं.–ज़र्फ़ का बहु., बर्तन-भाँड़े।

ज़ुराफ़ (زراف) अ. पुं.–ऊँट के बराबर एक जंगली जानवर जिसकी पीठ चित्तीदार होती है, दे. 'ज़राफ़', दोनों शुद्ध हैं।

जुर्अः (جرعہ) अ. पुं.–एक घूँट, इतना पानी आदि जो एक बार में पिया जाता है।

जुर्अःकश (جرعہ کش) अ. फ़ा. वि.–घूँट-घूँट करके पीनेवाला; मदिरा पीनेवाला, मद्यप।

जुर्अःकशी (جرعہ کشی) अ. फ़ा. स्त्री.–घूँट-घूँट करके पीना; मदिरा पीना, शराबनोशी।

जुर्अःनोश (جرعہ نوش) अ. फ़ा. वि.–दे. 'जुर्अःकश'।

जुर्अएमय (جرعۂ مے) अ. फ़ा. वि.–मदिरा का घूँट।

जुर्अत (جرات) अ. स्त्री.–साहस, हिम्मत; उत्साह, उमंग, हौसला; धृष्टता, दुःसाहस, बेबाक़ी।

जुर्अतअफ़ज़ा (جرات افزا) अ. फ़ा. वि.–साहसवर्द्धक, हिम्मत बढ़ानेवाला।

जुर्अतआज़मा (جرات آزما) अ. फ़ा. वि.–हिम्मत की परीक्षा करनेवाला, यह देखनेवाला कि अमुक काम हो सकेगा या नहीं।

जुर्अतआज़माई (جرت آزمائی) अ. फ़ा. स्त्री.–हिम्मत की परीक्षा, ताक़त का इम्तिहान।

जुर्अतमंद (جرأت مند) अ. फ़ा. वि.–साहसी, उत्साही, हिम्मती, आरभट।

जुर्अतमंदानः (جرات مندانہ) अ. फ़ा. अव्य.–साहसपूर्ण, हिम्मत से भरा हुआ।

जुर्अतमंदी (جرات مندی) अ. फ़ा. स्त्री.–उत्साहशीलता, साहसपरता, हौसलामंदी।

ज़ुर्त (زرت) फ़ा. स्त्री.–एक प्रसिद्ध अन्न, ज्वार, दे. 'ज़ुरंत', दोनों शुद्ध हैं।

ज़ुर्फ़ीन (زرفين) अ. पुं.–दे. 'ज़िर्फ़ीन' दोनों शुद्ध हैं।

जुर्म (جرم) अ. पुं.–अपराध, दोष, क़ुसूर; आरोप, लांछन, इत्तिहाम।

जुर्म ना कर्दः (جرم ناکردہ) अ. फ़ा. वि.–जिसने अपराध न किया हो, अकृतापराध।

जुर्मानः (جرمانہ) अ. फ़ा. पुं.–वह सजा जो धन के रूप में दी जाय, अर्थदंड।

ज़ुरः (ذرہ) अ. स्त्री.–ज्वार एक अन्न।

जुर्रः (جرہ) फ़ा. पुं.–नर बाज, श्येन, बाज का नर जुर्रः होता है और मादः बाज।

ज़ुर्रः (ضرہ) अ. स्त्री.–सौकन, सौत।

ज़ुरंत (زرت) फ़ा. स्त्री.–एक अन्न, ज्वार, दे. 'ज़ुर्त'।

ज़ुराफ़ः (زرافہ) अ. पुं.–दे. 'ज़ुराफ़'।

जुर्राब (جراب) अ. पुं.–मोजा।

ज़ुर्रीयत (ذریت) अ. स्त्री.–संतान, बाल-बच्चे; हाली-मवाली, पिछलग्गू।

ज़ुरूंह (ذروح) अ. पुं.–भ्रमर के आकार का एक लाल रंग का विषैला कीड़ा जिसके परों पर काली बुंदकियाँ होती हैं। यह कीड़ा दवा में काम आता है और शरीर में छाला डालता है, इसे 'ज़रारीह' कहते हैं जो इसका बहुवचन है।

ज़ुर्वः (ذروه) अ. पुं.–शृंग, चोटी; ऊँचा स्थान; शिरोमणि, सर्वश्रेष्ठ।

ज़ुर्ह (جرح) अ. पुं.–घाव, क्षत, ज़ख्म।

ज़ुलम (ظلم) अ. पुं.–'ज़ुलमत' का बहु., अँधेरे।

ज़ुलल (ظلل) अ.पुं.–'ज़ुल्लः' का बहु., बहुत-से सायबान।

ज़ुलाल (زلال) अ. पुं.–स्वच्छ और शीतल पानी; निथरा हुआ पानी; एक-दो इंच लंबे कीड़े जिन्हें निचोड़ने से बहुत ही ठंडा पानी निकलता है।

ज़ुलुमात (ظلمات) अ. पुं.–'ज़ुलमत' का बहु., अँधेरे, अंधकार-समूह।

जुलूस (جلوس) अ. पुं.–बैठना; राजा आदि का गद्दी पर बैठना; समारोह के साथ गश्त, उत्सव यात्रा, शोभा-यात्रा, चल समारोह।

ज़ुलैख़ा (زليخا) अ.स्त्री.–मिस्र के नरेश 'अज़ीज़' की स्त्री, जो हज़्रत यूसुफ़ पर मुग्ध हो गयी थी।

ज़ुल्क़र्नैन (ذوالقرنين) अ. पुं.–सम्राट् सिकंदर की उपाधि, जिसके दोनों कंधों पर बालों की लटें पड़ी रहती थीं।

ज़ुल्जनाह (ذوالجناح) अ. पुं.–हज़्रत इमाम हुसैन का घोड़ा, बहुत तेज़ चलने के कारण 'परोंवाला घोड़ा' कहलाता था।

ज़ुल्जलाल (ذوالجلال) अ. पुं.–तेज और प्रतापवाला, अर्थात् ईश्वर।

ज़ुल्फ़ (زلف) फा. स्त्री.–केशपाश, बालों की लट; कनपटी के पासवाले बाल, अलक; केश, बाल।

ज़ुल्फ़िक़ार (ذوالفقار) अ. स्त्री.–हज़्रत अली की तलवार, जो बद्र के युद्ध में उन्हें रसूल ने प्रदान की थी।

ज़ुल्फ़बदोश (زلف بدوش) फा.वि.–कंधों पर बाल बिखेरे हुए।

ज़ुल्फ़ीन (زلفين) फा. स्त्री.–शृंखला, ज़ंजीर।

ज़ुल्फ़ुनून (ذوالفنون) अ. वि.–बहुत से गुणों का ज्ञाता।

ज़ुल्फ़े दराज़ (زلف دراز) अ. स्त्री.–लंबी ज़ुल्फ़, बालों की लंबी लट।

ज़ुल्फ़ेपरीशाँ (زلف پريشاں) फा. स्त्री.–बिखरी हुई ज़ुल्फ़, बिखरे हुए बाल।

ज़ुल्फ़ेपुरख़म (زلف پرخم) फा. स्त्री.–घुघराले बाल।

ज़ुल्फ़ेबरहम (زلف برهم) फा. स्त्री.–बिखरे हुए बाल।

ज़ुल्फ़ेरसा (زلف رسا) फा. स्त्री.–लंबी ज़ुल्फ़ जो कमर से नीचे तक हो।

ज़ुलबहरैन (ذوالبحرين) अ. वि.–ऐसा शेर जो कई बह्रों में पढ़ा जा सके।

ज़ुल्म (ظلم) अ. पुं.–अत्याचार, कमज़ोर को सताना; अन्याय, बेइंसाफी करना; किसी का हक़ मारना; नदी में पानी की बाढ़; बलात्, ज़बरदस्ती।

ज़ुल्मत (ظلمت) अ. स्त्री.–अंधकार, तम, तिमिर, अँधेरा, तारीकी।

ज़ुल्मतआबाद (ظلمت آباد) अ. फा. पुं.–बहुत ही अँधेरी जगह; संसार, दुनिया।

ज़ुल्मतकदः (ظلمت كده) अ. फा. पुं.–जहाँ अँधेरा ही अँधेरा हो; संसार, दुनिया।

ज़ुल्मदोस्त (ظلم دوست) अ. फा. वि.–जो अत्याचार करना पसंद करता हो, अन्यायप्रिय।

ज़ुल्मपर्वर (ظلم پرور) अ. फा. वि.–अत्याचारी, अन्यायी, जिसके राज्य में अत्याचार का पालन-पोषण होता हो।

ज़ुल्मरसीदः (ظلم رسيده) अ. फा. वि.–जिस पर अत्याचार हुआ हो, नृशंसित, अत्याचार-पीड़ित।

ज़ुल्मशिआर (ظلم شعار) अ. वि.–जिसके स्वभाव में ही अत्याचार हो, अन्यायप्रकृति।

ज़ुल्मात (ظلمات) 'ज़ुलमत' का बहु., अँधेरे; वह घोर अंधकार जो सिकंदर को अमृतकुंड तक पहुँचने में पड़ा था।

ज़ुलमिनन (ذوالمنن) अ. वि. बहुत अधिक नेमतें देनेवाला, ईश्वर।

ज़ुल्लः (ظله) अ. पुं.–धूप से बचानेवाली चीज़, सायबान, छज्जा।

जुल्लाब (جلاب) अ. पुं.–रेचक, विरेचक, दस्तावर दवा।

जुवार (جوار) अ. पुं.–पड़ोस, प्रतिवेश, हमसायगी; आसपास, चारों ओर।

जुशांदः (جوشانده) फा. पुं.–औटाई हुई दवा का पानी।

जुशा (جشا) अ. स्त्री.–डकार, धूम, उद्गार।

जुस्त (جست) फा. स्त्री.–दे. 'जुस्तजू'।

जुस्तजू (جستجو) फा. स्त्री.–तलाश, मार्गण, गवेषणा।

जुस्तोजू (जुस्तुजू) (جست وجو) फा. स्त्री.–दे. 'जुस्तजू'।

जुस्सः (جثه) अ. पुं.–देह, शरीर, जिस्म।

ज़ुहल (زحل) अ. पुं.–एक ग्रह शनि।

जुहला (جهلا) अ. पुं.–जाहिल का बहु., जाहिल लोग।

ज़ुहकः (ضحوكه) अ. पुं.–हास्यास्पद, उज़्हूकः।

ज़ुहूक़ (زهوق) अ. पुं.–विनाश, नाश, नापैदी; निशानः चुकना।

ज़ुहक: (ضحكه) जिस पर सब लोग हँसें, हास्यास्पद, हास्य।

ज़ुहूर (ظهور) अ. पुं.–प्रकट, ज़ाहिर होना; उत्पत्ति, पैदाइश; आविर्भाव, अवतार।

ज़ुह्द (زهد) अ. पुं.–इंद्रिय-निग्रह, संयम, मनोगुप्ति, मुनिवृत्ति, पारसाई, परहेज़गारी, इत्तिक़ा।

जुह्द (جہد) अ. पुं.—शक्ति, बल, ताक़त; प्रयत्न, पराक्रम, कोशिश।

जुह्दशिआर (زہدشعار) अ. वि.—संयमी, यतेंद्रिय, जितेंद्रिय, संयतेंद्रिय।

जुह्रः (زہرہ) अ. स्त्री.—एक ग्रह, शुक्र।

जुह्रःजबीं (زہرہ‌جبیں) अ. फा. वि.—उज्ज्वल ललाट, शुभ्र भाल, सुन्दरी, चंद्रमुखी, माहरू।

जुह्रःनवा (زہرہ‌نوا) अ. फा. वि.—बहुत सुन्दर और मधुर स्वरवाली स्त्री।

जुह्रःरुख़ (زہرہ‌رخ) अ. फा. वि.—दे. 'जुह्रःजबीं'।

जुह्रःशमाइल (زہرہ‌شمائل) अ. वि.—दे. 'जुह्रःजबीं'।

जुह्र (ظہر) अ. स्त्री.—दोपहर की नमाज़ का वक़्त।

जुह्हाद (زہاد) अ. पुं.—'ज़ाहिद' का बहु. ज़ाहिद लोग।

जुह्हाल (جہال) अ. पुं.—'जाहिल' का बहु., जाहिल लोग।

जू

जू (جو) फा. स्त्री.—नदी, छोटी नदी; नहर, कुल्या; स्रोत, सोता, चश्मा।

जू (ذو) अ. उप.—वाला के अर्थ में आता है, जैसे—'जू-माना' कई अर्थवाला।

जूअ (جوع) अ. स्त्री.—भूख, क्षुधा, बुभुक्षा।

जूउलअर्ज़ (جوع الارض) अ. स्त्री.—ज़मीन की भूख, राज बढ़ाने का हौका।

जूउलकल्ब (جوع الکلب) अ. स्त्री.—एक रोग जिससे पेट भरा होने पर भी सारे अंग भूखे होते हैं।

जूउलबक़र (جوع البقر) अ. स्त्री.—एक रोग जिसमें कितना भी खाया जाय भूख नहीं जाती।

जूएख़ूं (جوۓخوں) फा. स्त्री.—रक्त की नदी।

जूएशीर (جوۓشیر) फा. स्त्री.—दूध की नहर, जो फ़र्हाद शीरीं के लिए निकालना चाहता था।

जूक़ (جوق) तु. स्त्री.—समूह, झुंड, गिरोह।

जूक़ बर जूक़ (جوق‌درجوق) तु. फा. वि.—झुंड के झुंड, गिरोह के गिरोह, बहुत अधिक भीड़।

जूजसदैन (ذوجسدین) अ. वि.—दो शरीरोंवाला, मिथुन राशिवाला, बुध ग्रह, जिसका घर कन्याराशि है।

जूजुनाबः (ذوذنابہ) अ. पुं.—वह पुच्छल तारा जिसकी पूंछ पूरब की ओर हो।

जूज़ुवाबः (ذوذوابہ) अ. पुं.—वह पुच्छल तारा जिसकी पूंछ पच्छिम की ओर हो।

जूद (جود) अ. पुं.—दानशीलता, वदान्यता, सखावत, बख़्शिश।

ज़ूद (زود) अ. वि.—शीघ्र, त्वरित, तुरंत, जल्दी।

ज़ूदअसर (زوداثر) फा. अ. वि.—तुरंत असर करनेवाली ओषधि, शीघ्रकारी।

ज़ूदआश्ना (زودآشنا) फा. वि.—बहुत जल्द घुल-मिल जानेवाला, जल्दी दोस्त बन जानेवाला, आशुमित्र।

ज़ूदख़ेज़ (زودخیز) फा. वि.—फ़ुर्तीला, चुस्तोचालाक।

ज़ूदगो (زودگو) फा. वि.—जल्द शे'र कहनेवाला, शीघ्र-कवि, उपस्थित कवि, उपस्थित वक्ता, आशु कवि।

ज़ूदगोई (زودگوئی) फा. स्त्री.—तुरंत कविता करने की क्रिया, आशुकविता करना।

ज़ूदतर (زودتر) फा. वि.—शीघ्रतर, बहुत जल्द।

ज़ूदनवीस (زودنویس) फा. वि.—जल्द लिखनेवाला, त्वरा-लेखक।

ज़ूदनवीसी (زودنویسی) फा. स्त्री.—जल्द लिखना, त्वरा-लेखन।

ज़ूदपशेमां (زودپشیماں) फा. वि.—अपनी भूल पर बहुत जल्द पछतानेवाला।

ज़ूदफ़ह्म (زودفہم) फा. अ. वि.—जल्द बात समझ जानेवाला, शीघ्रबुद्धि।

ज़ूदबूद (زودبود) फा. वि.—अपार, असीम, बेहद; अनुचित, बेजा।

ज़ूदरंज (زودرنج) फा. वि.—किसी बात पर जल्द बुरा मान जानेवाला, आशुरोष।

ज़ूदरंजी (زودرنجی) फा. स्त्री.—जल्द बुरा मान जानेवाला।

ज़ूदरफ़्तार (زودرفتار) फा. वि.—तेज़ चलनेवाला, शीघ्रगामी, द्रुतगामी।

ज़ूदरफ़्तारी (زودرفتاری) फा. स्त्री.—तेज़ चलना, शीघ्र गमन।

ज़ूदरस (زودرس) फा. वि.—जो किसी बात की तह तक तुरंत ही पहुँच जाय, कुशाग्रबुद्धि।

ज़ूदरसी (زودرسی) फा. स्त्री.—किसी बात की तह तक शीघ्र पहुँच जाना।

ज़ूदसेर (زودسیر) फा. वि.—किसी बात से शीघ्र ही उकता जानेवाला; जिसका पेट जल्द भर जाय।

ज़ूदसेरी (زودسیری) फा. स्त्री.—किसी बात से जल्द उकता जाना; जल्द पेट भर जाना।

ज़ूदहज़्म (زودهضم) फा. अ. वि.—शीघ्र पच जानेवाला खाद्य पदार्थ, लघु पाक।

ज़ूदहज़्मी (زودهضمی) फा. अ. स्त्री.—खाद्य पदार्थ का जल्द पच जाना।

ज़ूदी (جودی) अ. पुं.—वह पहाड़ जिस पर हज़्रत नूह की किश्ती जाकर ठहरी थी।
ज़ूदी (زودی) फा. स्त्री.—शीघ्रता, जल्दी।
ज़ूनाब (ذوناب) अ. पुं.—फाड़ खानेवाले दरिंदे, श्वापद, व्याघ्र, हिंसक प्राणी।
ज़ूफ़ा (زوفا) फा. पुं.—एक घास जो दवा में काम आती है।
ज़ूफ़ुनून (ذوفنون) अ. वि.—बहुत-से हुनर जाननवाला, बहुगुना, वेत्ता।
ज़ूबह्रैन (ذوبحرین) अ. वि.—वह शे'र जो दो बह्रों में पढ़ा जा सके।
ज़ूमा'ना (ذومعنی) अ. वि.—वह शब्द, वाक्य या शे'र जिसके दो अर्थ हों।
ज़ूमानी (ذومعنی) अ. वि.—दे. 'ज़ूमा'ना' दोनों शुद्ध हैं।
ज़ूर (زور) फा. पुं.—छल, कपट, फ़िरेब।
ज़ूरोमक्र (زوروسکر) फा. अ. पुं.—छल और कपट, वंचकता और ठगी।
ज़ूलाँ (جولاں) फा. स्त्री.—जूलान का लघु, दे. 'जूलन'।
ज़ूलान (جولان) फा. स्त्री.—वह ज़ंजीर जो बंदियों को पहनायी जाती है, बेड़ी।
ज़ूलुबाब (ذولباب) अ. वि.—बुद्धिमान्, मेधावी, अक़्लमंद।

ज़े

ज़े'ब (ذئب) अ. पुं.—भेड़िया, वृक।
जेब (جیب) अ. स्त्री.—वह थैली जो कुर्ता या अचकन आदि में रुपया आदि रखने की होती है, पाकेट, खलीता।
जेबखर्च (جیب خرچ) अ. फा. पुं.—वह खर्च जो खाने-पीने के अतिरिक्त दूसरे निजी कामों के लिए हो।
जेबतराश (جیب تراش) अ. फा. वि.—जेब काटनेवाला, गिरहकट, ग्रंथि-मोचक, ग्रंथिच्छेदक, पाकेटमार।
जेबतराशी (جیب تراشی) अ. फा. स्त्री.—जेब काटना, गिरिहकटी करना, पाकेटमारी।
ज़ेबा (زیبا) फा. वि.—सुन्दर, मनोरम, मनोज्ञ, दिलकश; शोभनीय, श्रीमान्, बारौनक़; ललित, सूक्ष्म, लतीफ़।
ज़ेबाअंदाम (زیباندام) फा. वि.—सुडौल और सुन्दर शरीरवाला (वाली) शोभनांग, शोभनांगना।
ज़ेबाइश (زیبائش) फा. स्त्री.—सज्जा, श्रृंगार, सजावट।
ज़ेबाई (زیبائی) फा. स्त्री.—दे. 'ज़ेबाइश'।
ज़ेबाक़ामत (زیباقامت) फा. अ. वि.—दे. 'ज़ेबा-क़ामत'।
ज़ेबाक़ामती (زیباقامتی) फा. अ. स्त्री.—शरीर का साँचे में ढला होना, अंगसौष्ठव।
ज़ेबातल्अत (زیباطلعت) फा.अ. वि.—जिसकी मुखाकृति अत्यन्त सुन्दर हो, ललित, कांत।
ज़ेबारू (زیبارو) फा. वि.—जिसका चेह्रा-मोह्रा बहुत ही सुन्दर और प्यारा हो।
ज़ेबाशमाइल (زیباشمائل) फा. अ. वि.—जिसका स्वभाव बहुत ही सुन्दर और सुशील हो।
ज़ेबिंदः (زیبندہ) फा. वि.—अच्छा लगनेवाला, छजनेवाला, शोभा देनेवाला।
ज़ेबीदः (زیبیدہ) फा. वि.—सुशोभित, ललित, सुन्दर।
ज़ेबीदनी (زیبیدنی) फा.वि.—छजने योग्य, शोभा देने योग्य।
ज़ेबोज़ीनत (زیب وزینت) फा. अ. स्त्री.—बनाव-सिंगार, वेशभूषा, ठाट-बाट, श्रृंगार और सजावट।
ज़ेबोज़ैन (زیب وزین) फा. अ. स्त्री.—दे. 'ज़ेबोज़ीनत'।
ज़ेरंदाज़ (زیرانداز) फा. पुं.—किसी चीज़ की हिफ़ाज़त के लिए उसके नीचे बिछाया जानेवाला कपड़ा; क़ालीन, फ़र्श।
ज़ेर (زیر) फा. वि.—उर्दू में 'इ' की मात्रा (ِ); निम्न, नीचे; निर्बल, नाताक़त; परास्त, पराजित, मग़्लूब; निःसहाय, निराश्रय, बेकस, अधीन, ताबे'।
ज़ेर अंदाज़ (زیرانداز) फा. पुं.—दे. 'ज़ेरंदाज़', शुद्ध उच्चारण वही है।
ज़ेरअफ़्गन (زیرافگن) फा. पुं.—दे. 'ज़ेरफ़्गन', अधिक शुद्ध उच्चारण वही है।
ज़ेरचाक़ (زیرچاق) फा. वि.—अधीन, ताबे'दार; जिसे गुदा मैथुन कराने का व्यसन हो, कोनी।
ज़ेरजामः (زیرجامہ) फा. पुं.—कमर से नीचे पहनने का कपड़ा, अधोवस्त्र; वह कपड़ा जो ज़ीन के नीचे घोड़े की पीठ पर डाला जाता है।
ज़ेरदस्त (زیردست) फा. वि.—अधीन, वशीभूत, ताबे'; दीन, दुःखी, असहाय।
ज़ेरदस्ती (زیردستی) फा. स्त्री.—अधीनता, मातहती; दीनता, निःसहायता।
ज़ेरफ़्गन (زیرافگن) फा. पुं.—दरी, तोशक; भैरव राग।
ज़ेरबंद (زیربند) फा. पुं.—घोड़े के पेट पर कसा जानेवाला तस्मा।
ज़ेरबार (زیربار) फा. वि.—जो बोझ के नीचे दबा हो; ऋणी, क़र्ज़दार; आभारी, एहसानमंद।
ज़ेरबारी (زیرباری) फा. स्त्री.—क़र्ज़ का बोझ, ऋणभार; एहसान का बोझ, कृतज्ञता।
ज़ेरा (زیرا) फा. अव्य.—क्योंकि, किसलिए; इसलिए।
ज़ेराब (زیراب) फा. स्त्री.—ज़मींदोज़ नाली, ज़मीन के अंदर के नल।

ज़ेरीं (زیریں) फ़ा. वि.–निम्नगत, नीचेवाला।

ज़ेरेअसर (زیراثر) फ़ा. अ. वि.–जो किसी के प्रभाव में हो; जो किसी के अधीन हो।

ज़ेरेआब (زیرآب) फ़ा. वि.–वह ज़मीन जो पानी में डूब गयी हो; पानी के भीतर।

ज़ेरेआस्मां (زیرآسماں) फ़ा. वि.–आकाश के नीचे, अर्थात् सारे संसार में।

ज़ेरेइस्तेमाल (زیراستعمال) फ़ा. अ. वि.–प्रयोग आ रही हुई वस्तु; सेवन की जानेवाली ओषधि।

ज़ेरेक़दम (زیرقدم) फ़ा. अ. वि.–पाँव के तले; सुगम, सहल।

ज़ेरेख़ाक (زیرخاک) फ़ा. वि.–मिट्टी के भीतर अर्थात् क़ब्र में।

ज़ेरेग़ौर (زیرغور) फ़ा. अ. वि.–जिस पर ग़ौर हो रहा हो, विचाराधीन।

ज़ेरेतज्वीज़ (زیرتجویز) फ़ा. अ. वि.–जिस पर निर्णय के लिए विचार किया जा रहा हो, निर्णयाधीन।

ज़ेरेतन्क़ीद (زیرتنقید) फ़ा. अ. वि.–जिस पर आलोचना लिखी जा रही हो।

ज़ेरेतस्नीफ़ (زیرتصنیف) फ़ा. अ. वि.–जिसकी रचना की जा रही हो।

ज़ेरेता'मीर (زیرتعمیر) फ़ा. अ. वि.–जो बनाया जा रहा हो, जिसका निर्माण हो रहा हो।

ज़ेरेतालीफ़ (زیرتالیف) फ़ा. अ. वि.–जिसका संपादन हो रहा हो, जो लिखा जा रहा हो।

ज़ेरेनगीं (زیرنگیں) फ़ा. वि.–शासनाधीन, मातहत देश या प्रदेश।

ज़ेरेनाफ़ (زیرناف) फ़ा. पुं.–उपस्थ, कटि देश, पेड़ू।

ज़ेरेमश्क़ (زیرمشق) फ़ा. अ. वि.–जिस पर किसी काम की मश्क़ की जाय अर्थात् हाथ साफ़ किया जाय; ऐसा व्यक्ति जो किसी विवशता के कारण किसी का हर एक काम करने को बाध्य हो; वह लड़का जिसका किसी पुरुष के साथ अप्राकृतिक सम्बन्ध हो।

ज़ेरेरां (زیرراں) फ़ा. वि.–रान के नीचे; क़ाबू में; सवारी में।

ज़ेरेलब (زیرلب) फ़ा. वि.–ओठों में, वह बात जो ओठों-ओठों में हो।

ज़ेरेसायः (زیرسایہ) फ़ा. वि.–किसी का आश्रित, किसी की छत्रछाया में।

ज़ेरेहुकूमत (زیرحکومت) फ़ा. अ. वि.–दे. 'ज़ेरेनगीं'।

ज़ेरोज़बर (زیروزبر) फ़ा. वि.–तले-ऊपर, उथल-पुथल, अस्त-व्यस्त।

ज़ेरोबाला (زیروبالا) फ़ा. वि.–दे. 'ज़ेरोज़बर'।

ज़ेबः (جیوہ) फ़ा. पुं.–पारा, सीमाब।

ज़ेवर (زیور) फ़ा. पुं.–आभूषण, आभरण, भूषण, अलंकार, गहना।

ज़ेवरात (زیورات) फ़ा. पुं.–'ज़ेवर' का बहु., बहुत-से आभूषण, गहने।

ज़ेह्न (ذہن) अ. पुं.–प्रतिभा, तब्बाई; बुद्धि, समझ; स्मरण शक्ति, याददाश्त।

ज़ेह्नीयत (ذہنیت) अ. स्त्री.–धारणा, विचार; प्रकृति, स्वभाव।

ज़ेह्नेरसा (ذہن رسا) अ. फ़ा. पुं.–बात की तह को पहुँचनेवाला ज़ह्न।

ज़ेहगीर (زہگیر) फ़ा. पुं.–वह अँगूठी जो तीर चलानेवाले उँगली की रक्षा के लिए पहनते हैं।

ज़ै

ज़ैअः (ضیعہ) अ. स्त्री.–नष्ट होना; व्यापार; उद्योग; खेती की भूमि।

ज़ैअ (ضیع) अ. पुं.–नष्ट होना; मरना।

ज़ैग़म (ضیغم) अ. पुं.–व्याघ्र, सिंह, शेर।

ज़ैग़मशिकार (ضیغم شکار) अ. फ़ा. वि.–सिंह का शिकार करनेवाला; बहुत बहादुर।

ज़ैत (زیت) अ. पुं.–दे. 'ज़ैतून'।

ज़ैतून (زیتون) अ. पुं.–एक प्रसिद्ध बीज जिसका तेल निकलता है और दवा में काम आता है; उन बीजों का तेल।

ज़ैद (زید) अ. पुं.–अमुक व्यक्ति के लिए व्यवहृत शब्द।

ज़ैदी (زیدی) अ. वि.–शीओं का एक वंश।

ज़ैन (زین) अ. स्त्री.–सज्जा, शृंगार, सजावट।

ज़ैनब (زینب) अ. स्त्री.–हज़्रत इमाम हुसैन की बहन जिन्होंने उनकी शहादत के पश्चात् बड़ी वीरता से 'यज़ीद' के शासन की बुराइयों का पर्दाफ़ाश किया था।

ज़ैफ़ (ضیف) अ. पुं.–आगंतुक, अतिथि, मेहमान।

ज़ैफ़ (زیف) अ. पुं.–रुपया या अशरफ़ी का खोटापन।

ज़ैब (جیب) कुर्ते या अचकन आदि का गला, गिरीबान।

ज़ैयान (طیان) अ. पुं.–जंगली चमेली; शहद, मधु।

ज़ैयिद (جید) अ. वि.–धुरंधर, प्रचंड, बहुत बड़ा (विद्वान्), खरा, अच्छा, जो खोटा न हो।

ज़ैल (ذیل) अ. पुं.–दामन, कुर्ते आदि का नीचे लटकनेवाला भाग; निम्न, नीचे।

ज़ैलदार (ذیلدار) अ. फ़ा. पुं.–एक निम्न कोटि का राज-कर्मचारी।

ज़ैली (ذیلی) अ. वि.–तुफ़ैली, जो किसी के साथ हो।

जैश (جیش) अ. पुं.–सेना, फ़ौज; हाँडी का उबाल; हृदय का वेग।

जैशे मलाइक़ः (جیش ملائکہ) अ. पुं.–फ़िरिश्तों की सेना, देवताओं की फ़ौज।

जैहून (جیحون) अ. पुं.–मध्य एशिया की एक नदी जो 'बलख' के किनारे बहती हैं।

जो

जोइंदः (جوئندہ) फा. वि.–ढूँढ़नेवाला, तलाश करनेवाला, खोजी, जिज्ञासु।

जोईदः (جوئیدہ) फा. वि.–ढूँढ़ा हुआ, खोजा हुआ।

जोईदनी (جوئیدنی) फा. वि.–ढूँढ़ने योग्य, खोजने लाइक़।

जोग़न (جوغن) फा. स्त्री.–ओखली, उलूखल।

ज़ो'फ़ (ضعف) अ. पुं.–निर्बलता, कमज़ोरी; बीमारी की कमज़ोरी; दीनता, बेकसी।

ज़ो'फ़े आ'साब (ضعف اعصاب) अ. पुं.–शरीर के पट्ठों की कमज़ोरी।

ज़ो'फ़े इश्तिहा (ضعف اشتہا) अ. पुं.–भूख की कमी, मंदाग्नि।

ज़ो'फ़े एतिक़ाद (ضعف اعتقاد) अ. पुं.–आस्था या एतिक़ाद की कमी, निष्ठामांद्य।

ज़ो'फ़े क़ल्ब (ضعف قلب) अ. पुं.–दिल की कमज़ोरी, हृदय-दौर्बल्य।

ज़ो'फ़े जिगर (ضعف جگر) अ. फा. पुं.–एक रोग जिसमें यकृत् अपना कर्तव्य पूरे तौर पर पूरा नहीं करता।

ज़ो'फ़े दिमाग़ (ضعف دماغ) अ. पुं.–स्मरण-शक्ति की कमी; समझ-बूझ की कमी।

ज़ो'फ़े दिल (ضعف دل) अ. फा. पुं.–दे. 'ज़ो'फ़े क़ल्ब'।

ज़ो'फ़े नज़र (ضعف نظر) अ. पुं.–दृष्टि की कमज़ोरी, कम दिखाई पड़ना, नेत्र-दुर्बलता।

ज़ो'फ़े बसर (ضعف بصر) अ. पुं.–दे. ज़ो'फ़े नज़र।

ज़ो'फ़े बसारत (ضعف بصارت) अ. पुं.–दे. 'ज़ो'फ़े नज़र।'

ज़ो'फ़े बाह (ضعف باہ) अ. फा. पुं.–काम शक्ति में कमी, काम-दौर्बल्य।

ज़ो'फ़े मसानः (ضعف مثانہ) अ. पुं.–मूत्राशय की नसों की शिथिलता, जिससे पेशाब जल्दी-जल्दी होता है।

ज़ो'फ़े मे'दः (ضعف معدہ) अ. पुं.–पाचन-शक्ति की कमी, मंदाग्नि, अग्निमांद्य।

ज़ो'फ़े हाज़िमः (ضعف ہاضمہ) अ. पुं.–अग्निमांद्य, पाचन-शक्ति में कमी।

ज़ो'फ़े हाफ़िज़ः (ضعف حافظہ) अ. पुं.–स्मरण-शक्ति की कमी।

ज़ो'म (زعم) अ. पुं.–धारणा, गुमान, ख़याल; अहंकार, अभिमान, घमंड।

ज़ो'मे बातिल (زعم باطل) अ. पुं.–ग़लत गुमान, कुधारणा; झूठा घमंड।

जोयां (جویاں) फा. वि.–ढूँढ़ता हुआ, तलाश करता हुआ।

जोया (جویا) फा. वि.–ढूँढ़नेवाला, खोजी।

जोयानीदः (جویانیدہ) फा. वि.–ढुँढ़वाया हुआ।

ज़ोर (زور) फा. पुं.–बल, शक्ति, ताक़त; वश, बस, क़ाबू; प्रयत्न, कोशिश; अनीति, अत्याचार, ज़बर्दस्ती; आश्रय, सहारा; प्रबलता, प्रचंडता, तेज़ी; धाक, रोब।

ज़ोरआज़्मा (زورآزما) फा. वि.–ज़ोर दिखानेवाला, मुक़ाबला करनेवाला; युद्ध करनेवाला, लड़नेवाला।

ज़ोरआज़्माई (زورآزمائی) फा. स्त्री.–मुक़ाबला करना; लड़ना।

ज़ोरआवर (زورآور) फा. वि.–शक्तिशाली, बलवान्, ताक़तवर।

ज़ोरआवरी (زورآوری) फा. स्त्री.–बलवत्ता, ताक़तवरी।

ज़ोरदार (زوردار) फा. वि.–शक्तिशाली, ताक़तवर; प्रचंड, तेज़; जोशीला, आवेगपूर्ण; महत्त्वपूर्ण।

ज़ोरमंद (زورمند) फा. वि.–शक्तिशाली, ज़ोरावर।

ज़ोरमंदी (زورمندی) फा. स्त्री.–शक्तिशालिता, ताक़तवरी।

ज़ोरशिकन (زورشکن) फा. वि.–ज़ोर तोड़नेवाला, दमन करनेवाला।

ज़ोरशिकनी (زورشکنی) फा. स्त्री.–ज़ोर तोड़ना, दमन करना।

ज़ोरेबाज़ू (زوربازو) फा. पुं.–बाहुबल, अपना परिश्रम, स्वयं अपना प्रयास।

ज़ोरोशोर (زوروشور) फा. पुं.–कोलाहल, शोरग़ुल; धूमधाम; तीव्रता, तेज़ी; उत्साह, हौसला।

जोलः (جولہ) फा. पुं.–कपड़ा बिननेवाला; मकड़ी, लूता।

जोल (جول) फा. पुं.–वन, जंगल; चटियल मैदान, बियाबान।

ज़ोलीदः (ژولیدہ) फा. वि.–उलझा हुआ, गुंजलक; अस्त-व्यस्त, तितर-बितर।

ज़ोलीदःबयाँ (ژولیدہ بیاں) फा. वि.–उलझी-उलझी बातें करनेवाला, अनर्गल भाषी, बेतुकी बातें करनेवाला।

ज़ोलीदःबयानी (ژولیدہ بیانی) फा. अ. स्त्री.–उलझी-उलझी बातें करना, व्यर्थ की बातें करना, बेतुकी बातें।

ज़ोलीदःमू (ژولیدہ مو) फा. वि.–उलझे हुए बालोंवाला, व्यस्तकेश।

जोलीदःमूई (ژولیدہموئی) फा. स्त्री.–बाल उलझे होना।

जोलीदःहाल (ژولیدہحال) फा. अ. वि.–दुर्दशाग्रस्त, फटे हालों।

जोलीदःहाली (ژولیدہحالی) फा. अ. स्त्री.–दुर्दशा, फटे-हालों होना।

जोश (جوش) फा. पुं.–आवेग, ज़ोर; उफान, उबाल; उमंग, उत्साह; उत्तेजना, इश्तिआल; तीव्रता, तेज़ी; क्रोध, गुस्सा।

जोशज़न (جوش زن) फा. वि.–जोश मारनेवाला, उफ़नता हुआ, उबलता हुआ।

जोशज़नी (جوش زنی) फा. स्त्री.–जोश मारना, उबाल आना।

जोशन (جوشن) फा. पुं.–कवच, ज़िरिह; भुजबंद, केयूर, अंगद, बाज़ूबंद।

जोशनबंद (جوشن بند) फा. वि.–कवचधारी, ज़िरिहपोश।

जोशाँ (جوشاں) फा. वि.–जोश मारता हुआ, उबलता हुआ।

जोशांदः (جوشاندہ) फा. पुं.–क्वाथ, काढ़ा, औटी हुई दवाओं का पानी।

जोशानीदः (جوشانیدہ) फा. वि.–औटाया हुआ, उबाला हुआ।

जोशिश (جوشش) फा. स्त्री.–उबाल, उफान; तीव्रता, ज़ोर।

जोशिशेदहन (جوشش دہن) फा. स्त्री.–मुंह आ जाने का रोग, मुहाँ।

जोशीदः (جوشیدہ) फा. वि.–औटा हुआ, जोश खोया हुआ।

जोशीदनी (جوشیدنی) फा. वि.–औटने के योग्य, उबालने के लाइक़।

जोशेअश्क (جوش اشک) फा. पुं.–आँसुओं का ज़ोर, रोने का वेग।

जोशेइश्क़ (جوش عشق) फा. अ. पुं.–प्रेमावेग, मुहब्बत का जोश।

जोशेख़ूँ (جوش خوں) फा. पुं.–ख़ून का जोश, ख़ानदान की मुहब्बत; ख़ून का बिगाड़, रक्तदोष।

जोशेग़ज़ब (جوش غضب) फा. अ. पुं.–ग़ुस्से का जोश, क्रोधावेग।

जोशेग़ैज़ (جوش غیظ) फा. अ. पुं.–दे. 'जोशेग़ज़ब'।

जोशेजुनूँ (جوش جنوں) फा. अ. पुं.–उन्माद और पागलपन का जोश।

जोशोख़रोश (جوش وخروش) फा. पुं.–ज़ोर-शोर, धूम-धाम; उत्साह, उमंग; आवेग, जोश।

जोहीदः (ژوہیدہ) फा. वि.–वर्षा के वेग से टपकी हुई छत आदि।

जौ

जौ (جو) फा. पुं.–एक प्रसिद्ध अन्न, यव।

ज़ौ (ضو) अ. स्त्री.–प्रकाश, आभा, रौशनी; चमक-दमक; शोभा, छटा।

जौआन (جوعان) अ. वि.–क्षुधातुर, बहुत भूखा, अशनापित।

ज़ौक़ (ذوق) अ. पुं.–स्वाद, मज़ा; रसानुभव, लुत्फ़ लेना; आनन्द, हज़; रसिकता, मज़ाक; रुचि, शौक़।

ज़ौक़आफ़्रीं (ذوق آفریں) अ. फा. वि.–ज़ौक़ पैदा करनेवाला।

ज़ौक़ेशे'र (ذوق شعر) अ. पुं.–काव्य रसिकता, सहृदयता, कविता करने या समझने का शौक़।

ज़ौक़ेसलीम (ذوق سلیم) अ. पुं.–शुद्ध रसिकता, काव्य-मर्मज्ञता की शुद्धता।

ज़ौक़ेसुख़न (ذوق سخن) अ. फा. पुं.–दे. 'ज़ौक़ेशे'र'।

जौकोब (جوکوب) फा. वि.–दरदरा कुटा हुआ, मोटा कुटा हुआ, जिसमें दरदरापन हो।

ज़ौक़ोशौक़ (ذوق وشوق) अ. पुं.–पूरी रुचि और रसिकता।

ज़ौजः (زوجہ) अ. स्त्री,–पत्नी, भार्या, अर्धांगिनी, गृहिणी, जोरू, जाया।

ज़ौज (زوج) अ. पुं.–पति, स्वामी, ख़ाविंद; वह संख्या जो दो से बँट जाय, तम; युगल, युग्म, जोड़ा।

जौज़ (جوز) अ. पुं.–अख़रोट, अक्षोट।

ज़ौजएसानी (زوجۂ ثانی) अ. स्त्री.–दूसरी व्याहता पत्नी, दूसरी स्त्री, नयी स्त्री।

जौज़न (جوزن) फा. पुं.–अभिचारक, जादूगर।

जौज़बोया (جوز بویا) अ. फा. पुं.–जायफल, जातीकोश, जातीफल।

जौज़मासिल (جوز مائل) अ. पुं.–धतूरा, धत्तूर।

जौज़र (جوزر) अ. पुं.–नील गाय का बछड़ा।

जौज़ा (جوزا) अ. पुं.–मिथुन राशि, तीसरा बुर्ज।

ज़ौजीयत (زوجیت) अ. स्त्री.–शौहरपन, पतित्व; जोरूपन, स्त्रीत्व।

ज़ौजैन (زوجین) अ. पुं.–पति और पत्नी दोनों, दम्पती, जायापती, मियाँ-बीवी।

जौद (جود) अ. पुं.–अच्छा, उम्दा; अच्छी वस्तुएँ; ज़ोर की वर्षा; दानशीलता।

जौदत (جودت) अ. स्त्री.–पुनीतता, नेकी; अच्छाई, उम्दगी; मनोविनोद।

जौदतेतब्अ (جودت طبع) अ. स्त्री.–स्वभाव का मनोविनोद।

जौपाश (ضوپاش) अ. फा. वि.—रौशनी फैलानेवाला, अर्थात् ज्योतिर्मय, द्युतिमान।

जौपाशी (ضوپاشی) अ. फा. स्त्री.—रौशनी फैलाना, जगमगा देना।

जौफ़ (جوف) अ. पुं.—भीतर का खाली भाग; पेट, उदर।

जौफ़रोश (جوفروش) फा. वि.—जौ बेचनेवाला।

जौफ़िगन (ضوفگن) अ. फा. वि.—दे. 'जौपाश'।

जौफ़िशाँ (ضوفشاں) अ. फा. वि.—दे. 'जौफिगन'।

जौबअः (زوبعه) अ. पुं.—बगूला, बवंडर, वातावर्त, वातचक्र।

जौबजो (جوبجو) फा. वि.—संपूर्ण, समग्र, पूरा।

जौबान (ذوبان) अ. पुं.—पिघलना, द्रवण।

जौबार (ضوبار) अ. फा. वि.—दे. 'जौपाश'।

जौर (جور) अ. पुं.—अत्याचार, अनीति, जुल्म।

जौरक़ (زورق) अ. पुं.—छोटी नाव, नौका, कश्ती।

जौरब (جورب) अ. पुं.—जुर्राब, मोज़ा।

जौरेबेजा (جوربےجا) अ. फा. पुं.—अकारण और अनुचित अत्याचार।

जौरेबेहद (جوربےحد) अ. फा. पुं.—बहुत अधिक अत्याचार।

जौलक़ी (جولقی) अ. स्त्री.—साधुओं की कमली।

जौलाँ (جولاں) अ. पुं.—घोड़े को कावा देना, घोड़े को फिराना; दौड़ना, फिरना।

जौलाँगाह (جولانگاہ) अ. फा. स्त्री.—घोड़े के दौड़ाने का मैदान; दौड़ने का मैदान।

जौलानी (جولانی) अ. स्त्री.—घोड़ा, अश्व; शराब का पियाला; तेज़ी, फ़ुर्ती; मनोविनोद।

जौश (جوش) अ. पुं.—वक्षस्थल, सीना; आधी रात।

जौशन (جوشن) अ. पुं.—कवच, ज़िरिह।

जौसंग (جوسنگ) फा. वि.—एक जौ के बराबर वज़न।

जौसक़ (جوسق) अ. पुं.—प्रासाद, भवन, महल।

जौहर (جوہر) अ. पुं.—गुण, रिफ़त; दक्षता, होशियारी; सार, सत; रत्न, मणि; कला,फ़न; धर्म, ख़ासियत; वे बारीक़ धारियाँ जो अच्छी तलवार पर होती हैं।

जौहरदार (جوہردار) अ. फा. वि.—गुणी, हुनरमंद; वह खरी तलवार जिस पर जौहर हों।

जौहर नाशनास (جوہرناشناس) अ. फा. वि.—जो गुण को न पहचान सके।

जौहरशनास (جوہرشناس) अ. फा. वि.—जो गुण को पहचानता हो; गुण-ग्राहक।

जौहरी (جوہری) अ. वि.—रत्न बेचनेवाला, मणिकार।

जौहरेअंदेशः (جوہراندیشه) अ. फा. पुं.—कल्पना शक्ति की सूक्ष्मता।

जौहरेआईनः (جوہرآئینه) अ. फा. पुं.—दर्पण पर पड़ी हुई धारियाँ, (जब दर्पण लोहे का होता था)।

जौहरेफ़र्द (جوہرفرد) अ. पुं.—वह सूक्ष्म कण जिसके खंड न हो सकें।

जौहरेलतीफ़ (جوہرلطیف) अ. पुं.—किसी पदार्थ का असली सत, ख़ालिस जौहर।

जौहरेशम्शीर (جوہرشمشیر) अ. फा. पुं.—तलवार पर पड़ी हुई बारीक़ लहरें, जो अच्छे लोहे की अलामत हैं।

त

तंगः (تنگه) तु. पुं.—चालू सिक्का, वह मुद्रा जिसका लेन-देन हो।

तंग (تنگ) फा. वि.—संकीर्ण, संकुचित, कोताह; अल्प, न्यून, थोड़ा, कम; दरिद्र, कंगाल; दीन, दुखी, बेबस; आजिज़, परेशान; क्लेशग्रस्त, मुसीबत का मारा; दुष्कर, मुश्किल; अपर्याप्त, नाकाफ़ी, (पुं.) ज़ीन कसने का तस्मा।

तंगऐश (تنگ عیش) फा. अ. वि.—दरिद्र, कंगाल; दुःखित, ख़स्ता हाल; जिसे जीवन दूभर हो।

तंगऐशी (تنگ عیشی) फा. अ. स्त्री.—दरिद्रता, कंगाली; दुःख, दीनता, ख़स्तगी; जीवन दूभर होना।

तंगख़याल (تنگ خیال) फा. अ. वि.—अनुदार, संकीर्ण-चित्त, लघुचेता, तंग नज़र; धर्मांध, मुतअस्सिब।

तंगख़याली (تنگ خیالی) अ. फा. स्त्री.—अनुदारता, तंग नज़री; धर्मांधता, तअस्सुब।

तंगचश्म (تنگ چشم) फा. अ. वि.—कृपण, कंजूस; नीच प्रकृति, कमीना।

तंगचश्मी (تنگ چشمی) फा. अ. स्त्री.—कृपणता, कंजूसी; प्रकृति की नीचता, कमीनापन।

तंगज़र्फ़ (تنگ ظرف) फा. अ. वि.—छोटे बर्तनवाला, संकीर्ण पात्र; छोटे हृदयवाला, अनुदार; नीच, कमीना।

तंगज़र्फ़ी (تنگ ظرفی) फा. अ. स्त्री.—बरतन की छोटाई; हृदय की छोटाई; नीचता।

तंगज़ीस्त (تنگ زیست) फा. वि.—दे. 'तंगऐश'।

तंगतलबी (تنگ طلبی) फा. अ. स्त्री.—इस प्रकार माँगना कि देनवाला परेशान हो जाय, ज़िद करके माँगना।

तंगताब (تنگ تاب) फा. वि.—अशक्त, बलहीन।

तंगताबी (تنگ تابی) फा. स्त्री.—अशक्ति, बलहीनता।

तंगदस्त (تنگ دست) फा. वि.—जिसका हाथ खाली हो, जिसके पास धन न हो, निर्धन, कंगाल।

तंगदस्ती (تنگ دستی) फा. स्त्री.—हाथ खाली होना, अर्थात् निर्धनता, कंगाली।

तंगदहन (تنگ‌دهن) फा. वि.–जिसका मुँह छोटा हो, कलिकामुख, गुंचःदहन।

तंगदहनी (تنگ‌دهنی) फा. स्त्री.–मुँह का कली की भाँति छोटा होना।

तंगदिल (تنگ‌دل) फा. वि.–थुड़दिला, कृपण, कंजूस; अनुदार, जो खुले दिमाग का न हो; ओछा, कमीना, तुच्छ; जिसमें मज़हबी तंग ख़याली हो, कूप-मंडूक।

तंगदिली (تنگ‌دلی) फा. स्त्री.–थुड़दिलापन; अनौदार्य; ओछापन; धर्मांधता।

तंगनज़र (تنگ‌نظر) फा. अ. वि.–संकुचित दृष्टि, अनुदार; मुतअस्सिब, धर्मांध।

तंगनज़री (تنگ‌نظری) फा. अ. स्त्री.–दृष्टि संकोच, अनुदारता; धर्मांधता, तअस्सुब।

तंगनाए (تنگ‌نائے) फा. पुं.–तंग और संकुचित स्थान; समाधि, क़ब्र; तंग गली, बीथी।

तंगपोश (تنگ‌پوش) फा. वि.–चुस्त कपड़े पहनने का शौक़ीन या पहननेवाला।

तंगपोशी (تنگ‌پوشی) फा. स्त्री.–चुस्त कपड़े पहनने का शौक़।

तंगफ़ुर्सत (تنگ‌فرصت) फा. अ. वि.–अवकाशहीन, जिसके पास समय कम हो।

तंगफ़ुर्सती (تنگ‌فرصتی) फा. अ. स्त्री.–अवकाशहीनता, समय की कमी।

तंगबख़्त (تنگ‌بخت) फा. वि.–मंदभाग्य, हतभाग्य, बदक़िस्मत।

तंगबख़्ती (تنگ‌بختی) फा. स्त्री.–भाग्य की मंदता, बदक़िस्मती।

तंगबार (تنگ‌بار) फा. वि.–वह व्यक्ति जिसके पास हर कोई न जा सके; वह स्थान जहाँ हर किसी की पहुँच न हो।

तंगबारी (تنگ‌باری) फा. स्त्री.–किसी की रसाई और पहुँच न होना।

तंगमआश (تنگ‌معاش) फा. अ. वि.–निर्धन, कंगाल; मंद जीविका, कम आमदनीवाला।

तंगमआशी (تنگ‌معاشی) फा. अ. स्त्री.–निर्धनता; जीविका की कमी।

तंगमायः (تنگ‌مایہ) फा. वि.–निर्धन, कंगाल; अधम, नीच; कमइल्म, विद्याहीन।

तंगमायगी (تنگ‌مایگی) फा. स्त्री.–निर्धनता; अधमता; विद्वत्ता की कमी।

तंगसार (تنگ‌سار) फा. वि.–बुद्धि की कमी।

तंगसाल (تنگ‌سال) फा. वि.–दुर्भिक्ष, क़हत।

तंगवर्ज़ी (تنگ‌ورزی) फा. स्त्री.–मितव्यय, पसअंदाज़ी।

तंगहाल (تنگ‌حال) फा. अ. वि.–दुर्दशाग्रस्त, तबाह हाल; निर्धन, कंगाल।

तंगहाली (تنگ‌حالی) फा. अ. स्त्री.–दुर्दशा; निर्धनता।

तंगहौसलः (تنگ‌حوصلہ) फा. अ. वि.–मंदोत्साह, पस्त-हिम्मत।

तंगहौसलगी (تنگ‌حوصلگی) फा. अ. स्त्री.–उत्साहमांद्य, पस्तहौसलगी।

तंगार (تنگار) फा. पुं.–सुहागा, एक दवा।

तंगिएजा (تنگیِ جا) फा. स्त्री.–जगह की तंगी, स्थान की संकीर्णता।

तंगिएमआश (تنگیِ معاش) फा. अ. स्त्री.–जीविका की कमी; धन की कमी।

तंगिएरिज़्क़ (تنگیِ رزق) फा. अ. स्त्री.–अन्नकष्ट, रोटी की कमी।

तंगिएरोज़गार (تنگیِ روزگار) फा. स्त्री.–कालचक्र, दिनों का फेर, गर्दिश।

तंगी (تنگی) फा. स्त्री.–न्यूनता, कमी; संकीर्णता, कोताही; क्लेश, कष्ट, मुसीबत; दरिद्रता, कंगाली; कृपणता, कंजूसी; कठिनता, मुश्किल।

तंगूज़ (تنگوز) तु. पुं.–शूकर, वराह, सुअर।

तंज़ (طنز) अ. स्त्री.–व्यंग, ताना, कटाक्ष।

तंज़आमेज़ (طنزآمیز) अ. फा. वि.–व्यंगपूर्ण, तंज़िया, दे. 'तंज़ामेज़', वह अधिक शुद्ध है।

तंज़न (طنزاً) अ. वि.–व्यंग के रूप में, तंज़ के तौर पर।

तंज़निगार (طنزنگار) अ. फा. वि.–व्यंगपूर्ण लेख लिखनेवाला।

तंज़निगारी (طنزنگاری) अ. फा. स्त्री.–व्यंगपूर्ण लेख लिखना।

तंज़ामेज़ (طنزآمیز) अ. फा. वि.–व्यंगपूर्ण, तंज़ भरा हुआ।

तंज़ियः (طنزیہ) अ. वि.–व्यंगपूर्ण, तंज़वाला।

तंज़ीम (تنظیم) अ. स्त्री.–प्रबंध, बंदोबस्त; किसी दल, समुदाय अथवा संस्था को किसी विशेष कार्य के लिए निर्मित करना, संघटन; निर्माण, बनाना।

तंजीम (تنجیم) अ. स्त्री.–ग्रहों आदि की दशा ज्ञात करना; ज्योतिष, नजूम।

तंज़ीयः (طنزیہ) अ. वि.–व्यंगपूर्ण, तंज़आमेज़।

तंज़ीयात (طنزیات) अ. स्त्री.–व्यंगपूर्ण रचनाओं का संग्रह; व्यंगपूर्ण बातें।

तंज़ीर (تنذیر) अ. स्त्री.–डराना, त्रासना, भीत करना।

तंज़ील (تنزیل) अ. स्त्री.–नीचे उतारना; आकाशवाणी, इलहाम; क़ुरान।

तंजीस (تنجیس) अ. स्त्री.—अपवित्र करना, गंदा करना।
तंज़ीह (تنزیہ) अ. स्त्री.—शुद्ध करना, पवित्र करना, दोष-रहित करना।
तंतनः (طنطنہ) अ. पु.—आतंक, रोब; कोप, रोष, गुस्सा; अभिमान, घमंड, गुरूर; आनबान; धाक।
तंदूर (تندور) उ. पुं.—दे. शु. शब्द 'तन्नूर'।
तंबाकू (تمباکو) फा. पुं.—एक प्रसिद्ध पत्ती जिसका धुआँ पिया जाता है, तमाखू, तमाकू।
तंबाकूनोश (تمباکونوش) फा. वि.—तमाकू पीनेवाला।
तंबाकूफ़रोश (تمباکوفروش) फा. वि.—तमाकू बेचनेवाला।
तंबीक़ (تنبیق) अ. स्त्री.—लिखना, लेखन।
तंबीत (تنبیت) अ. स्त्री.—उत्पादन, उगाना, जमाना।
तंबीह (تنبیہ) अ. स्त्री.—चेतावनी, प्रबोध, आगाही; भर्त्सना, तर्जन, डाँट-डपट; हलकी, सज़ा; ताक़ीद; सख्ती।
तंबीहन (تنبیہا) अ. वि.—तंबीह के तौर पर, चेतावनी, डाँट, सज़ा या ताक़ीद के तौर पर।
तंबुल (تنبل) फा. वि.—काहिल, आलसी; बहुत मोटा, फप्फस।
तंबुली (تنبلی) फा. स्त्री.—आलस, काहिली; बहुत अधिक मुटापा, फप्फसपन।
तंबूरः (تنبورہ) फा. पुं.—एक तारवाला बाजा, जिसमें नीचे की ओर तुंबी होती है।
तंबूर (تنبور) फा. पुं.—दे. 'तंबूरा'।
तंबूरची (تنبورچی) फा. तु. वि.—तंबूरा बजानेवाला।
तंसीक़ (تنسیق) अ. स्त्री.—प्रबंध करना, इंतिज़ाम करना; क्रमबद्ध करना, तर्तीब देना।
तंसीख़ (تنسیخ) अ. स्त्री.—मंसूख़ करना, रद्द करना, निरसन।
तंसीफ़ (تنصیف) अ. स्त्री.—आधा-आधा करना, दो बराबर भाग करना।
तंसीम (تنسیم) अ. स्त्री.—साँस लेना, दम खींचना।
तअक़्क़ुद (تعقد) अ. पुं.—बँधा होना; अलग रखना।
तअक़्क़ुब (تعقب) अ. पुं.—पीछे जाना; पीछा करना।
तअक़्क़ुल (تعقل) अ. पुं.—समझना, सोचना, विचार करना, ग़ौर करना।
तअक्कुल (تاکل) अ. पुं.—खाना, खान।
तअख़्ख़ुर (تاخر) अ. पुं.—पीछे होना; देर होना।
तअज़्ज़ी (تاذی) अ. स्त्री.—कष्ट पाना, क्लेश पाना; खिन्न होना, मलिन होना।
तअज्जुब (تعجب) अ. पुं.—आश्चर्य, विस्मय, हैरत।
तअज्जुबअंगेज़ (تعجب انگیز) अ. फा. वि.—आश्चर्यजनक, अचंभे में डालनेवाली बात।
तअज्जुबख़ेज़ (تعجب خیز) अ. फा. वि.—दे. 'तअज्जुब अंगेज़'।
तअज्जुबनाक (تعجب ناک) अ. फा. वि.—दे. 'तअज्जुब अंगेज़'।
तअज़्ज़ुम (تعظم) अ. पुं.—पूज्य होना, बुज़ुर्ग होना।
तअज़्ज़ुर (تعذر) अ. पुं.—काम में अड़चन पड़ना, बाधा, विघ्न; उज्र करना, विवशता प्रकट करना।
तअत्तुफ़ (تعطف) अ. पुं.—कृपा, दया, अनुकम्पा, मेहरबानी।
तअत्तुर (تعطر) अ. पुं.—सुगंधित होना, महकना।
तअत्तुल (تعطل) अ. पुं.—निठल्लापन, बेकारी; गत्यवरोध, डेडलाक।
तअत्तुश (تعطش) अ. पुं.—पियासा होना; पियासा, प्यास।
तअद्दा (تعدا) अ. पुं.—दे. 'तअद्दी'।
तअद्दी (تعدی) अ. स्त्री.—अत्याचार, अनीति, ज़ुल्म।
तअद्दुद (تعدد) अ. पुं.—गिनना, गिनती करना; नियम या हिसाब से अधिक होना।
तअन्नी (تانی) अ. स्त्री.—विलम्ब, ढील; टाल मटोल।
तअल्ली (تعلی) अ. स्त्री.—दुःखित होना, शोक करना।
तअल्लुत (تعلت) अ. पुं.—निंदा, गर्हा, ऐबजोई।
तअल्लुद (تعلد) अ. पुं.—शत्रुता करना, लड़ाई ठानना; कलह, लड़ाई।
तअल्लुफ़ (تعلف) अ. पुं.—निन्दा करना, सख्ती करना।
तअन्नुस (تانس) अ. पुं.—प्रेम होना, मुहब्बत होना; आदत होना, टेव पड़ना।
तअफ़्फ़ुन (تعفن) अ. पुं.—सड़ाँध, गंदगी, दुर्गंध।
तअफ़्फ़ुफ़ (تعفف) अ. पुं.—संयम, इंद्रियनिग्रह, पारसाई।
तअब (تعب) अ. पुं.—परिश्रम, मेहनत; दुःख, तकलीफ़; क्लांति, थकावट।
तअब्बुद (تعبد) अ. पुं.—उपासना करना; उपासना, पूजा।
तअम्मुक़ (تعمق) अ. पुं.—किसी बात की तह तक पहुँचने के लिए चिन्तन करना।
तअम्मुल (تامل) अ. पुं.—विचार, सोच, ग़ौर; विलम्ब, ढील, वक़्फ़ः; शंका, अंदेशा; भ्रम, संदेह, शुब्हा; संकोच, असमंजस, पसोपेश।
तअम्मुल (تعمل) अ. पुं.—कार्यान्वित होना, अमलीजामा पहनना, अमल में आना।
तअय्युन (تعین) अ. पुं.—निश्चय करना, ठहराना; एक मिक़्दार मुक़र्रर करना; नियुक्ति, तैनाती; अस्तित्व, हस्ती।

तअय्युनात (تعينات) अ. पुं.–'तअय्युन' का बहु., हस्तियाँ।

तअय्युश (تعيش) अ. पुं.–भोग-विलास, ऐशोइश्रत; गुलछर्रे उड़ाना, मज़े करना।

तअय्युशात (تعيشات) अ. पुं.–'तअय्युश' का बहु., भोग-विलास, इंद्रियसुख।

तअर्री (تعری) अ. स्त्री.–नग्न होना, नंगा होना।

तअर्रुज़ (تعرض) अ. पुं.–सामने होना; घटित होना; रोक, विरोध।

तअर्रुफ़ (تعرف) अ. पुं.–जान-पहचान; ढूंढ़ना; पूछना।

तअल्ली (تعلی) अ.पुं.–डींग, शेख़ी; अत्युक्ति, मुबालग़ा।

तअल्लुक़ः (تعلقه) अ. पुं.–भू-संपत्ति, जाइदाद; क्षेत्र, इलाक़ा; बड़ी ज़मींदारी, रियासत; सरकार की ओर से किसी पुरस्कार में मिली हुई रियासत।

तअल्लुक़ःदार (تعلقه‌دار) अ.फा.वि.–जो बहुत बड़ी ज़मींदारी का स्वामी हो; जिसे पुरस्कार में भू-संपत्ति मिली हो।

तअल्लुक़ःदारी (تعلقه‌داری) अ. फा. स्त्री.–तअल्लुक़ा का स्वामी होना, बहुत बड़ा ज़मींदार होना।

तअल्लुक़ (تعلق) अ. पुं.–सम्बन्ध, संपर्क, लगाव; स्वजनता, रिश्तेदारी; प्रेम व्यवहार, उंस; सेवा, नौकरी; वास्ता, सम्बन्ध; पक्षपात, तरफ़दारी; नाजाइज़ संपर्क; आश्नाई।

तअल्लुक़ात (تعلقات) अ. पुं.–'तअल्लुक़' का बहु., सम्बन्ध-समूह।

तअल्लुक़ेख़ातिर (تعلق خاطر) अ. पुं.–दिली लगाव, चित्तासंग; प्रेम, स्नेह।

तअल्लुम (تالم) अ. पुं.–पीड़ित होना, दर्द से दुःखित होना; कष्ट होना, दुःख होना।

तअल्लुम (تعلم) अ. पुं.–पढ़ना, पठन; शिक्षा प्राप्त करना।

तअव्वुज़ (تعوذ) अ. पुं.–पनाह लेना, शरण में आना; 'अऊज़ु बिल्लाह' कहना।

तअव्वुद (تعود) अ. पुं.–अभ्यस्त होना, आदी होना।

तअश्शी (تعشی) अ. स्त्री.–शाम का खाना खाना।

तअश्शुक़ (تعشق) अ. पुं.–आसक्त होना, मुग्ध होना; प्रेम, स्नेह।

तअश्शुफ़ (تعشف) अ. पुं.–बेराह चलना, कुमार्ग गमन।

तअस्सुफ़ (تاسف) अ. पुं.–पश्चात्ताप, संताप, अफ़सोस।

तअस्सुफ़ (تعسف) अ. पुं.–कुमार्ग पर चलना,; पथ-भ्रष्ट होना।

तअस्सुब (تعصب) अ. पुं.–धार्मिक पक्षपात; नस्ली और ख़ानदानी पक्षपात; अनुचित पक्षपात, बेजा तरफ़दारी।

तअस्सुर (تاثر) अ. पुं.–प्रभावित होना, असर लेना; प्रभाव, असर।

तअस्सुर (تعسر) अ. पुं.–कठिन होना, मुश्किल होना; कठिनता, मुश्किल।

तअहहुद (تعهد) अ. पुं.–किसी काम का बीड़ा उठाना, प्रतिज्ञा करना; प्रतिज्ञा, संविदा, इक़रार; प्रतिभूति, ज़मानत।

तअहहुल (تاهل) अ. पुं.–घर बसाना, ब्याह करना; बाल-बच्चेदार होना।

तआक़ुद (تعاقد) अ. पुं.–परस्पर प्रतिज्ञा करना, मिलकर किसी काम का वचन देना।

तआक़ुब (تعاقب) अ. पुं.–एक का दूसरे के पीछे भागना; भागनेवाले को पकड़ने के लिए उसके पीछे जाना।

तआतुफ़ (تعاطف) अ. पुं.–परस्पर कृपा करना, एक दूसरे पर मेहरबानी करना; कृपा, दया।

तआनुक़ (تعانق) अ. पुं.–एक दूसरे से गरदन मिलाना, आलिंगन करना; आलिंगन, बग़लगीरी।

तआनुद (تعاند) अ. पुं.–परस्पर शत्रुता रखना; शत्रुता, वैर।

तआमुल (تعامل) अ. पुं.–आपस में मिलकर काम करना।

तआरुज़ (تعارض) अ. पुं.–आमने-सामने होना; मुंह आना, बराबरी करना; हस्तक्षेप करना; विघ्न डालना; कलह, झगड़ा; वाद-विवाद, हुज्जत।

तआरुफ़ (تعارف) अ. पुं.–एक दूसरे को पहचानना; परिचय, जान-पहचान।

तआला (تعالی) अ. वि.–श्रेष्ठ, महान्।

तआवुन (تعاون) अ. पुं.–एक दूसरे की सहायता करना; सहयोग, मदद।

तआहुद (تعاهد) अ. पुं.–परस्पर प्रतिज्ञा करना; प्रतिज्ञा, इक़रार।

तऐयुन (تعين) अ. पुं.–दे. 'तअय्युन'।

तऐयुनात (تعينات) अ. पुं.–दे. 'तअय्युनात'।

तऐयुनेवक़्त (تعين وقت) अ. पुं.–समय निश्चित होना, वक़्त मुक़र्रर होना।

तऐयुश (تعيش) अ. पुं.–दे. 'तअय्युश'।

तऐयुशात (تعيشات) अ. पुं.–भोग-विलास के सामान, भोग-विलास।

तक़त्तो' (تقطع) अ. पुं.–टुकड़े-टुकड़े करना; टुकड़े-टुकड़े होना।

तक़द्दुम (تقدم) अ. पुं.–पहले होना, आगे होना; प्रधानता, तर्जीह।

तक़द्दुम बिज़्ज़मान (تقدم بالزمان) अ. पुं.–पहले होने के कारण श्रेष्ठ और अग्रगण्य होना।

तक़द्दुम बिश्शरफ़ (تقدم بالشرف) अ. पुं.–श्रेष्ठता के कारण अग्रगण्य होना।

तकद्दुर (تکدر) अ. पुं.–मैला होना, गँदला होना; मलिनता, गँदलापन; अप्रसन्नता; उदासी।

तक़द्दुस (تقدس) अ. पुं.–पवित्रता, पुनीतता, पाकीज़गी; महत्ता, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी।

तक़द्दुसमआब (تقدس مآب) अ. वि.–अति श्रेष्ठ, अति महान्, बहुत बुज़ुर्ग, धर्मात्मा।

तकफ़्फ़ुल (تکفل) अ. पुं.–किसी बात की ज़िम्मेदारी, ज़मानत, किसी के भरण-पोषण का भार; प्रतिभूति, ज़मानत।

तकब्बुर (تکبر) अ. पुं.–अभिमान, अहंकार, दर्प, ग़ुरूर; अहंवाद, अकड़, शेख़ी।

तक़ब्बुल (تقبل) अ. पुं.–स्वीकार करना, अंगीकार करना, मंज़ूर करना; स्वीकृति, मंज़ूरी।

तक़य्युद (تقید) अ. पुं.–बंदी होना, क़ैद होना; पाबन्दी, शर्त।

तक़र्रुब (تقرب) अ. पुं.–समीपता, निकटता, नज़दीकी।

तकर्रुम (تکرم) अ. पुं.–कृपा करना; दान करना; कृपा, दया, अनुकंपा।

तक़र्रुर (تقرر) अ. पुं.–नियुक्ति, तैनाती, निश्चय, तऐयुन।

तक़र्रो (تقرع) अ. पुं.–करवटें बदलना।

तक़ल्क़ुल (تقلقل) अ. पुं.–व्याकुलता, बेचैनी; खेद, दुःख; उँडेलने में सुराही का शब्द करना।

तकल्तू (تکلتو) तु. पुं.–ज़ीन का नमदा, ख़ोगीर; डाढ़ी-मूँछें।

तक़ल्लुद (تقلد) अ. पुं.–ज़िम्मेदार होना; अनुयायी होना।

तकल्लुफ़ (تکلف) अ. पुं.–कष्ट सहन करना, तकलीफ़ उठाना; दिखावा, ज़ाहिरदारी; टीम-टाम, ज़ाहिरी, सजावट; संकोच, पसोपेश; बनावट; शील-संकोच, लिहाज़; लज्जा, शर्म; बेगानगी, परायापन।

तकल्लुफ़न (تکلفاً) अ. वि.–तकल्लुफ़ में, तकल्लुफ़ के तौर पर।

तकल्लुफ़ात (تکلفات) अ. पुं.–'तकल्लुफ़' का बहु., बहुत-से तकल्लुफ़।

तक़ल्लुब (تقلب) अ. पुं.–पलटना, उलटा हो जाना; परिवर्तन, रद्दोबदल।

तकल्लुम (تکلم) अ. पुं.–बातचीत करना; बातचीत, वार्तालाप।

तकल्लुस (تکلس) अ. पुं.–चूना बनाना।

तकव्वुन (تکون) अ. पुं.–होना, उत्पन्न होना; सृजन, तख़लीक़।

तक़श्शुफ़ (تقشف) अ. पुं.–मोटा-झोटा खाना पहनना; संन्यास, दरवेशी; ख़ुरदरापन।

तकश्शुफ़ (تکشف) अ. पुं.–नग्न होना, नंगा होना।

तक़श्शुफ़ेजिल्द (تقشف جلد) अ. पुं.–काम की अधिकता से खाल का मोटा और कड़ापन।

तकस्सुर (تکثر) अ. पुं.–अधिकता, प्राचुर्य, वाहुल्य, कस्रत।

तकस्सुर (تکسر) अ. पुं.–टूटना, टुकड़े होना।

तकस्सुल (تکسل) अ. पुं.–आलस्य, काहिली, सुस्ती।

तक़ाउद (تقاعد) अ. पुं.–काम छोड़ बैठना।

तक़ाज़ा (تقاضا) अ. पुं.–दिये हुए रुपये या वस्तु की माँग; आवश्यकता, ज़रूरत; किसी काम के लिए किसी से बराबर कहना।

तक़ाज़ाए उम्र (تقاضائے عمر) अ. पुं.–उम्र की माँग, उम्र के लिहाज़ से कोई काम करना या न करना।

तक़ाज़ाए वक़्त (تقاضائے وقت) अ. पुं.–समय की माँग, समय की आवश्यकता, किसी समय क्या करना है, यह माँग।

तक़ाज़ाए शदीद (تقاضائے شدید) अ. पुं.–कड़ा तक़ाज़ा।

तक़ाज़ाए सिन (تقاضائے سن) अ. पुं.–दे. 'तक़ाज़ाए उम्र'।

तक़ातुर (تقاطر) अ. पुं.–बूँद-बूँद टपकना; बूँदा-बाँदी होना।

तक़ातुल (تقاتل) अ. पुं.–एक दूसरे का वध करना।

तक़ातो (تقاطع) अ. पुं.–एक दूसरे को लाँघना; एक रेखा का दूसरी रेखा को काटना।

तक़ादीर (تقادیر) अ. पुं.–'तक़्दीर' का बहु., तक़्दीरें, भाग्य; ईश्वरेच्छाएँ।

तक़ादुम (تقادم) अ. पुं.–क़दीम होना, पुराना होना; पुरानापन।

तकान (تکان) फ़ा. स्त्री.–झटकना, छोड़ना; हिलाना; थकावट, थकन।

तकाफ़ी (تکافی) अ. स्त्री.–दे. 'तकाफ़ू'।

तकाफ़ू (تکافو) अ. पुं.–परस्पर बराबर होना; सहगोत्र होना।

तक़ाबुल (تقابل) अ. पुं.-एक दूसरे के आमने-सामने होना।

तकामुल (تکامل) अ. पुं.–पूरा होना, पूर्ण होना।

तक़ारीर (تقاریر) अ. पुं.–'तक़्रीर' का बहु., तक़्रीरें।

तक़ारुब (تقارب) अ. पुं.–परस्पर समीप होना; समीपता, नज़्दीकी।

तकारुम (تکارم) अ. पुं.–परस्पर बख़्शिश करना।

तकालीफ़ (تکالیف) अ. पुं.–'तक्लीफ़' का बहु., तक्लीफ़ें।

तक़ालीब (تقالیب) अ. पुं.–'तक़्लीब' का बहु., दिनों के फेर, काल के चक्र।

तक़ावी (تقاوی) अ. स्त्री.—शक्ति देना, बली बनाना; वह सरकारी क़र्ज़ा जो किसानों को ज़मीन की दशा सुधारने और अच्छे बैल और बीज आदि के लिए दिया जाता है।

तक़ावीम (تقاویم) अ. पुं.—'तक़्वीम' का बहु., जतरियाँ।

तक़ावुम (تقاوم) अ. पुं.—एक दूसरे के बराबर खड़ा होना।

तक़ावुल (تقاول) अ. पुं.—परस्पर वचन देना; परस्पर वार्तालाप करना।

तकासुफ़ (تکاثف) अ. पुं.—दलदार होना, मोटा होना; एकत्र होना, खट्टा होना।

तक़ासुम (تقاسم) अ. पुं.—परस्पर शपथ लेना; परस्पर बाँटना।

तकासुर (تکاثر) अ. पुं.—प्रचुर होना, बहुतात होना; प्रचुरता, बहुतात।

तकासुल (تکاسل) अ. पुं.—अपने को काहिल और सुस्त दिखाना।

तकाहुल (تکاهل) अ. पुं.—अपने को काहिल दिखाना।

तक़ी (تقی) अ. वि.—संयमी, इंद्रियनिग्रही।

तक़ीयः (تقیه) अ. पुं.—कोई बात जो भय से की या कही जाय यद्यपि उसके कहने या करने को जी न चाहता हो। (स्त्री.) साध्वी, तपस्विनी।

तक़ैयुद (تقید) अ. पुं.—दे. 'तक़य्युद'।

तक़ईद (تقئید) अ. स्त्री.—क़ैद करना, बंदी बनाना; रोक लगाना।

तक्क़ार (تقار) अ. पुं.—बहुत बोलनेवाला, बहुभाषी; बहुत अच्छा भाषण देनेवाला, भाषण-पटु।

तक्ज़ीब (تکذیب) अ. स्त्री.—किसी की बात का खंडन करना; किसी की बात को झुठलाना।

तक़्तीअ (تقطیع) अ. स्त्री.—टुकड़े-टुकड़े करना; पुस्तक की लम्बाई-चौड़ाई; पद्य के किसी चरण के अक्षरों को गणों की मात्राओं के मुक़ाबले में रखकर यह देखना कि अमुक पद शुद्ध है या नहीं; किसी वस्तु को टुकड़ों में बाँटना।

तक़्तीर (تقطیر) अ. पुं.—बूंद-बूंद करके टपकाना, अरक़ खींचना।

तक़्दिमः (تقدمه) अ. पुं.—सामने करना; सामने होना; स्वागत; नेता; साई, पेशगी रक़म।

तक़्दीम (تقدیم) अ. स्त्री.—आगे करना, तर्जीह देना; प्रधानता, तर्जीह।

तक़्दीर (تقدیر) अ. स्त्री.—भाग्य, प्रारब्ध, अदृश्य, अदृष्ट, दैव, क़िस्मत।

तक़्दीर आज़्माई (تقدیرآزمائی) अ. फा. स्त्री.—भाग्य-परीक्षा, क़िस्मत का इम्तिहान।

तक़्दीस (تقدیس) अ. स्त्री.—पुनीतता, पवित्रता, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी।

तक्फ़ीन (تکفین) अ. स्त्री.—मुर्दे को कफ़न पहनाना, यह शब्द अकेला नहीं बोला जाता 'तज्हीज़' के साथ बोलते हैं।

तक्फ़ीर (تکفیر) अ. स्त्री.—मुसलमान पर कुफ़्र का फ़त्वा लगाना; प्रायश्चित्त देना, कफ़्फ़ारा देना।

तक़्फ़ील (تقفیل) अ. स्त्री.—ताला लगाना, ताले में बंद करना, क़ुफ़्ल देना।

तक्बीर (تکبیر) अ. स्त्री.—'अल्लाहो अक्बर' (ईश्वर सबसे बड़ा है) कहना; नमाज़ में झुकने, खड़े होने अथवा बैठने के लिए 'अल्लाहो अक्बर' कहना।

तक़्बील (تقبیل) अ. स्त्री.—चुम्बन, चूमना, (किसी पदार्थ को चूमना, मनुष्य को नहीं)।

तक़्बीह (تقبیح) अ. स्त्री.—बुराई करना, बुरा काम करना।

तक्मिलः (تکمله) अ. पुं.—पूर्ति, समाप्ति; किसी काम की पूर्ति में कोई कसर न रहना; परिशिष्ट, ज़मीमा।

तक्मीद (تکمید) अ. स्त्री.—पोटली में दवा भरकर उससे अंग विशेष को सेंकना।

तक्मील (تکمیل) अ. स्त्री.—पूर्ति, समाप्ति; किसी काम की पूर्ति में कोई कसर न रहना।

तक्यः (تکیه) अ. पुं.—सिर के नीचे रखने का नर्म और गुदगदा वस्त्र, उपधान; पीठ से लगाने का बड़ा वस्त्र, मस्नद; मुसलमानों के मुर्दे दफ़्न होने का स्थान, क़ब्रिस्तान।

तक्यः कलाम (تکیه‌کلام) अ. पुं.—वह बात जो कोई व्यक्ति बातों के बीच में बेज़रूरत बार-बार बोलता है।

तक्रार (تکرار) अ. स्त्री.—वाद-विवाद, बहस; वाक्कलह, कहा-सुनी; पुनरावृत्ति, दुहराना; कही हुई बात को बार-बार कहना।

तक़्रीअ (تقریع) अ. स्त्री.—निंदा करना, मलामत करना।

तक़्रीज़ (تقریظ) अ. स्त्री.—जीवित व्यक्ति की प्रशंसा; आलोचना, समालोचना, तब्सिरः।

तक़्रीज़ (تقریض) अ. स्त्री.—दे. 'तक़्रीज़'।

तक़्रीज़निगार (تقریظ‌نگار) अ. फा. वि.—आलोचना लिखने-वाला, आलोचक।

तक़्रीब (تقریب) अ. स्त्री.—समीप आना; कारण, हेतु, सबब; उत्सव, शादी आदि; किसी व्यक्ति से मुलाकात कराने से पहले उसके सम्बन्ध में कुछ कहना; अवसर, मौक़ा; साधन, ज़रीया।

तक़्रीबन (تقریباً) अ. वि.—प्रायः, अमूमन; बहुधा, अक्सर; अनुमानतः, अंदाज़न।

तक़्रीबात (تقریبات) अ. स्त्री.–'तक़्रीब' का बहु., शादियाँ, उत्सव।

तक्रीम (تکریم) अ. स्त्री.–आदर, सत्कार, इज़्ज़त; आव-भगत, तवाज़ो'।

तक़्रीर (تقریر) अ. स्त्री.–वार्तालाप, बातचीत; भाषण, वक्तव्य, बयान; वाद-विवाद, हुज्जत।

तक्रीर (تکریر) अ. स्त्री.–बार-बार करना, दुहराना।

तक्रीह (تکریہ) अ. स्त्री.–घृणा करना, नफ़्रत करना; शत्रु बनाना; अप्रसन्न रखना।

तक़्लीद (تقلید) अ. स्त्री.–अनुसरण, अनुकरण, अनुयाय, पैरवी; देखा-देखी कोई काम करना।

तक्लीफ़ (تکلیف) अ. स्त्री.–दुःख, कष्ट; पीड़ा, व्यथा, दर्द; खेद, शोक, रंज; आमय, रोग, मर्ज़; मनोव्यथा, रूही कुल्फ़त; आपत्ति, मुसीबत; निर्धनता, मुफ़्लिसी।

तक्लीफ़दिही (تکلیف دہی) अ. फा. स्त्री.–कष्ट देना, ज़हमत देना; दुःख देना, रंज पहुँचाना।

तक्लीफ़देह (تکلیف دہ) अ. फा. स्त्री.–दुःखदायी, रंज पहुँचानेवाला।

तक्लीफ़फ़र्मा (تکلیف فرما) अ. फा. वि.–कष्ट उठानेवाला, (किसी के काम के लिए); आनेवाला, पधारनेवाला।

तक्लीफ़ फ़र्माई (تکلیف فرمائی) अ. फा. स्त्री.–किसी के काम के लिए कष्ट उठाना; पधारना, आना।

तक्लीफ़े नज़्अ (تکلیف نزع) अ. स्त्री.–मरते समय का कष्ट, चंद्रा, यमयातना।

तक्लीफ़े मालायुताक़ (تکلیف مالایطاق) अ. स्त्री.–वह परिश्रम जो सहन न हो सके।

तक़्लीब (تقلیب) अ. स्त्री.–उलट देना, उलटा कर देना; उलट-पलट, परिवर्तन।

तक़्लीम (تقلیم) अ. स्त्री.–नख काटना, नाख़ून तराशना; काटना, विच्छिन्न करना।

तक्लीम (تکلیم) अ. स्त्री.–घायल करना, ज़ख़्मी करना; बात करना, वार्तालाप करना।

तक़्लील (تقلیل) अ. स्त्री.–कम करना, कमी करना; न्यूनता, कमी।

तक़्लीलेग़िज़ा (تقلیل غذا) अ. स्त्री.–कम खाना, मिताहार।

तक़्वा (تقوا) अ. पुं.–संयम, इंद्रियनिग्रह, परहेज़गारी।

तक़्वाशिआर (تقوی شعار) अ. वि.–संयमी, इंद्रियनिग्रही, जितेंद्रिय।

तक़्वाशिकन (تقوی شکن) अ. फा. वि.–जो संयम को भंग कर दे (रूप आदि)।

तक़्वियत (تقویت) अ. स्त्री.–बल, शक्ति, ज़ोर; सान्त्वना, ढारस, तसल्ली; सहायता, मंदद; आश्रय, सहारा; पृष्ठ-पोषण, पुश्तपनाही।

तक्वीन (تکوین) अ. स्त्री.–सृजन, तख़्लीक़; उत्पत्ति, पैदाइश।

तक़्वीम (تقویم) अ. स्त्री.–सीधा करना; मूल निश्चित करना; पत्रा, पंचांग, जंतरी।

तक़्वीमुलबुल्दान (تقویم البلدان) अ. स्त्री.–भूगोल, जुग्राफ़िया।

तक़्वीमे पारीनः (تقویم پارینہ) अ.फा.स्त्री.–पुरानी जंतरी, जो बेकार हो जाती है; बेकार वस्तु।

तक़्शीर (تقشیر) अ. स्त्री.–छिलके उतारना।

तक़्सीत (تقسیط) अ. स्त्री.–क़िस्तबंदी करना।

तक़्सीम (تقسیم) अ. स्त्री.–बँटवारा, विभाजन; हिस्सा आदि बाँटना, बाँट; बड़ी संख्या में छोटी संख्या से विभाजन, भाग, विभाजन।

तक़्सीमेकार (تقسیم کار) अ. फा. स्त्री.–हर एक को अलग-अलग काम या ड्यूटी का बँटवारा।

तक़्सीमेमुल्क (تقسیم ملک) अ. स्त्री.–देश का बँटवारा, देश-विभाजन।

तक़्सीमेवतन (تقسیم وطن) अ. स्त्री.–देश या राष्ट्र का बँट-वारा, राष्ट्र-विभाजन, देश-विभाजन।

तक़्सीमेहिसस (تقسیم حصص) अ. स्त्री.–दाम का बँटवारा, अंशीकरण; नफ़े के हिस्सों का बँटवारा।

तक़्सीर (تقصیر) अ. स्त्री.–दोष, अपराध, क़ुसूर; न्यूनता, कमी; त्रुटि, भूल; कर्तव्य में कमी।

तक्सीर (تکسیر) अ. स्त्री.–तोड़ना, टुकड़े करना; किसी तावीज, यंत्र या चक्र में संख्याएँ इस प्रकार भरना कि हर ओर से जोड़ बराबर आये।

तक्सीर (تکثیر) अ. स्त्री.–बढ़ाना, अधिक करना; प्रचुरता, अधिकता, वढ़ोत्तरी, बहुतायत।

तक़्सीरवार (تقصیروار) अ. फा. वि.–दोषी, अपराधी, क़ुसूरवार; पापी, गुनाहगार।

तख़त्ती (تخطی) अ. स्त्री.–दोषारोपण, इल्ज़ाम लगाना।

तख़ब्बुत (تخبط) अ. पुं.–कुमार्ग पर चलना; प्रेत का सिर चढ़ कर पागल कर देना।

तख़य्युल (تخیل) अ. पुं.–सोचना, बिचारना, ख़याल करना; कल्पना करना, उड़ान भरना; कविता के लिए मज़्मून तलाश करना; कल्पना, उड़ान; भ्रम, वह्‌म; ध्यान, ख़याल।

तख़य्युलात (تخیلات) अ. पुं.–'तख़य्युल' का बहु., कल्पनाएँ, ख़यालात; भ्रमजाल, वाहिमे।

तख़र्रुक़ (تخرق) अ. पुं.–फटना, फटा होना; झूठ बोलना।
तख़ल्ख़ुल (تخلخل) अ. पुं.–बिखर जाना।
तख़ल्लुक़ (تخلق) अ.पुं.–स्वभाव बनाना, आदत डालना; सुशील होना।
तख़ल्लुफ़ (تخلف) अ.पुं.–प्रतिज्ञा भंग करना; पीछे रहना।
तख़ल्लुस (تخلص) अ. पुं.–शाइर या कवि का वह नाम जो वह अपनी कविता में लिखता है, उपनाम।
तख़श्शी (تخشی) अ. स्त्री.–डरना, भयभीत होना; डराना, त्रासन।
तख़श्शो (تخشع) अ. पुं.–नम्रता, विनीत, आजिज़ी, ख़ाकसारी।
तख़ारुज (تخارج) अ. पुं.–बँटना, तक़्सीम होना।
तख़ालुज (تخالج) अ. पुं.–हृदय में भ्रम होना, शंका होना, शक होना।
तख़ालुफ़ (تخالف) अ. पुं.–शत्रुता, बैर; प्रतिकूलता, मुख़ालफ़त; परिवर्तन, उलट-पलट।
तख़ावुफ़ (تخاوف) अ. पुं.–एक दूसरे से डरना।
तख़ासुम (تخاصم) अ. पुं.–परस्पर शत्रुता करना।
तख़ैयुल (تخیل) अ. पुं.–दे. 'तख़य्युल'।
तख़ैयुलात (تخیلات) अ. पुं.–दे. 'तख़य्युलात'।
तख़ईल (تخئیل) अ. स्त्री.–किसी को ध्यान में लाना, ध्यान करना; ध्यान, ख़याल; कल्पनाशक्ति, क़ुव्वते फ़िक्र।
तख़्तः (تختہ) फा. पुं.–लकड़ी का लम्बा, चौड़ा और थोड़ा मोटा टुकड़ा; जहाज़ के फ़र्श का हर टुकड़ा जो लकड़ी का हो; काग़ज़ का एक शीट; वह लकड़ी का पटरा जिस पर मुर्दा नहलाया जाता है; ज़मीन का साफ़ और हमवार टुकड़ा; बाग़ का क़ता'; खेत आदि की कियारी।
तख़्त (تخت) फा. पुं.–बड़ी चौकी; बादशाह या राजा के बैठने की चौकी; राज्य, राष्ट्र, हुकूमत; पलंग, चारपाई; जी.ग (वि.) बड़ा, ज्येष्ठ, कलाँ।
तख़्तःबंद (تختہ بند) फा. वि.–बंदी, क़ैदी; क़ैद, कारावास; लकड़ी की वह खपची जो टूटी हड्डी को जोड़ने के लिए बाँधी जाती है।
तख़्तःबंदी (تختہ بندی) फा. स्त्री.–दीवारों को अंदर से तख़्ते जड़वाकर सुरक्षित करना; बाग़ की कियारियों आदि को ढंग से सजाना।
तख़्तए काग़ज़ (تختۂ کاغذ) फा. अ. पुं.–काग़ज़ का ताव, शीट।
तख़्तए ताबूत (تختۂ تابوت) फा. अ. पुं.–वह संदूक़ या पलंग जिसमें मुर्दे को ले जाते हैं।
तख़्तए तालीम (تختۂ تعلیم) फा. अ. पुं.–वह काला पटरा जिस पर बच्चों को अक्षर और गिनती सिखाते हैं, शिक्षा-पटल, ब्लैक बोर्ड।
तख़्तए नर्द (تختۂ نرد) फा. पुं.–चौसर खेलने का तख़्ता।
तख़्तए मय्यित (تختۂ میت) फा. अ. पुं.–मुर्दे को नहलाने का तख़्ता।
तख़्तए मश्क़ (تختۂ مشق) फा. अ. पुं.–बच्चों की तख़्ती; वह चीज़ जो बहुत प्रयुक्त हो।
तख़्तए मीना (تختۂ مینا) फा. पुं.–आकाश, आस्मान।
तख़्तए मुसत्तह (تختۂ مسطح) फा. अ. पुं.–एक प्रकार की मेज़ जो पैमाइश में काम देती है।
तख़्तए याददाश्त (تختۂ یادداشت) फा. पुं.–वह काग़ज़ का तख़्ता जिसमें याददाश्त के लिए आवश्यक बातें नोट रहती हैं, स्मृतिपट।
तख़्तगाह (تختگاہ) फा. स्त्री.–राजधानी, राजकेंद्र, दारुस्सल्तनत।
तख़्तनशीं (تخت نشیں) फा. वि.–तख़्त पर बैठनेवाला, बादशाह, राजा, शासक।
तख़्तनशीनी (تخت نشینی) फा. स्त्री.–तख़्त पर बैठना, बादशाह बनना; तख़्त पर बैठने की रस्म, ताजपोशी, अभिषेक, राज्याभिषेक, अपने शासक होने की घोषणा।
तख़्तियः (تخطیہ) अ. पुं.–किसी के काम की ग़लती पकड़ना।
तख़्ती (تختی) फा. स्त्री.–बच्चों के लिखने का लकड़ी का छोटा तख़्ता, पाटी; लकड़ी का बहुत छोटा तख़्ता जो गले आदि में डाला जाता है।
तख़्तेआबनूसी (تخت آبنوسی) फा. पुं.–रात्रि, रात।
तख़्तेख़्वाब (تخت خواب) फा. पुं.–पलंग, चारपाई।
तख़्तेताऊस (تخت طاؤس) फा. पुं.–शाहजहाँ का बनवाया हुआ सिंहासन जिस पर एक रत्नजटित मोर पर फैलाये बादशाह के सर पर छाया किये था, नादिरशाह इस तख़्त को ईरान ले गया।
तख़्तेरवाँ (تخت رواں) फा. पुं.–वह तख़्त जो कहारों के द्वारा कंधों पर चलता है और जिस पर बादशाह सैर को जाता है।
तख़्तेशाही (تخت شاہی) फा. पुं.–राजसिंहासन, बादशाह के बैठने का तख़्त।
तख़्तेसुलेमानी (تخت سلیمانی) फा. अ. पुं.–वह तख़्त जिस पर बैठकर हज़रत सुलेमान उड़ा करते थे।
तख़्तोताज (تخت وتاج) फा. पुं.–शासनसूत्र, राज्यभार, हुकूमत का इंतिज़ाम।

तख़्वीर (تخدیر) अ.स्त्री.–शरीर के किसी अंग को दवाओं के द्वारा सुन्न कर देना; स्त्री को पर्दे में बिठाना।

तख़्फ़ीफ़ (تخفیف) अ. स्त्री.–न्यूनीकरण, कमी करना; हलकापन, कमी।

तख़्मीनः (تخمینہ) अ. पुं.–अनुमान, अटकल, अंदाज़ा; विचार, क़ियास।

तख़्मीन (تخمین) अ. स्त्री.–अनुमान करना, अंदाज़ा लगाना।

तख़्मीनन (تخمیناً) अ.वि.–अंदाज़न, अनुमानतः, कम से कम, या ज़ियादा से ज़ियादा।

तख़्मीर (تخمیر) अ. स्त्री.–ख़मीर उठाना; आटे में नमक और सोडा मिलाकर रखना; दवाओं में रस या पानी आदि डालकर धूप में रखना या ज़मीन में गाड़ना।

तख़्मीस (تخمیس) अ. स्त्री.–पाँच करना, पाँच बनाना; उर्दू शाइरी की परिभाषा में, शे'र के दो मिस्रों में तीन मिस्रे और जोड़कर पाँच कर देना, ख़म्सः, वह शे'र अपना हो या किसी और का, प्रायः ख़म्सः, एक शे'रका नहीं होता बल्कि पूरी ग़ज़ल का होता है।

तख़्रिजः (تخرجہ) अ. पुं.–निकालना, ख़ारिज करना, निष्कासन; उर्दू काव्य-परिभाषा में किसी तारीख़ी मिस्रे में से कोई संख्या कम करना, ताकि मिस्रे से ठीक साल निकल सके।

तख़्रीब (تخریب) अ.स्त्री.–तामीर का उलटा; विनष्ट करना, बरबाद करना; ध्वस्त करना, मुंहदिम करना; किसी काम को बिगाड़ना; विनाश, बरबादी; विध्वंस, तबाही; बिगाड़, ख़राबी।

तख़्लियः (تخلیہ) अ. पुं.–ख़ाली करना; ख़ाली कराना; एकान्त, ख़ल्वत।

तख़्लीक़ (تخلیق) अ. स्त्री.–उत्पत्ति करना, सृजन, पैदा करना।

तख़्लीत (تخلیط) अ.स्त्री.–गड़बड़ करना, गडमड करना, ख़ल्तमल्त करना, मिलाना; किसी मूल ग्रंथ में कुछ इधर-उधर का जोड़ देना; सच्ची बात में अपनी ओर से कुछ झूठ मिला देना।

तख़्वीफ़ (تخویف) अ. स्त्री.–त्रासन, त्रासना, डराना, धमकी देना, आतंक दिखाना।

तख़्वीफ़े मुज्रिमानः (تخویف مجرمانہ) अ.स्त्री.–अवैध त्रास, नाजाइज़ धमकी देकर कुछ प्राप्त करने की कोशिश।

तख़्सीस (تخصیص) अ.स्त्री.–विशेषता, मुख्यता, ख़ुसूसियत।

तख़्सीसी (تخصیصی) अ.वि.–ख़ुसूसियत का, विशेष रूप से।

तग (تگ) फा. स्त्री.–दौड़, भाग, प्रयत्न, कोशिश, उर्दू में अकेला नहीं आता दूसरे शब्द से मिलकर आता है, जैसे–'तगोदौ'।

तग़ज़्ज़ी (تغذی) अ. स्त्री.–खाना खाना; सवेरे का खाना खाना।

तग़ज़्ज़ुल (تغزل) अ. पुं.–ग़ज़ल का रंग, ग़ज़लीयत।

तग़न्नी (تغنی) अ. स्त्री.–गाना, अलापना; निःस्पृह होना, बेनियाज़ी।

तग़य्युर (تغیر) अ. पुं.–बदलना, पलटना, परिवर्तन होना; परिवर्तन, तब्दीली; विकार, ख़राबी; रूप, गंध या दशा का बदल जाना; क्रान्ति, इन्क़िलाब।

तग़य्युरपसंद (تغیرپسند) अ. फा. वि.–जो परिवर्तन को पसंद करता हो, परिवर्त्तनप्रिय।

तग़य्युरात (تغیرات) अ. पुं.–'तग़य्युर' का बहु., परिवर्तन, तब्दीलियाँ; दुर्घटनाएँ; कालचक्र।

तगर्ग (تگرگ) फा. पुं.–ओला, घनोपल, मरुत्फल, वार्षिला, मेघपुष्प, करका।

तगल (تگل) फा. पुं.–सेना, फ़ौज।

तग़ल्लुब (تغلب) अ. पुं.–ग़बन, ख़ुर्दबुर्द, अपहरण, छल-हरण, मोषण, ख़ियानत।

तग़श्शी (تغشی) अ. स्त्री.–छिपाना, गोपन; पहनना, ओढ़ना।

तगापो (تگاپو) फा. स्त्री.–पराक्रम, दौड़-धूप; प्रयत्न, कोशिश; तलाश, खोज; चिन्ता, फ़िक्र।

तग़ाफ़ुल (تغافل) अ. पुं.–उपेक्षा, बेतवज्जुही; "क्यों तग़ाफ़ुल मुझ से अय अब्रे करम बहरे सख़ा—मैं ही क्यों महरूम तेरे फ़ैज़े आलमगीर से।" असावधानी, ग़फ़्लत; ढील, विलंब, देर।

तग़ाफ़ुलआश्ना (تغافل آشنا) अ. फा. वि.–जान-बूझकर बेपरवाही बरतनेवाला; ढील डालनेवाला; बेपरवा माशूक़।

तग़ाफ़ुलकेश (تغافل کیش) अ. फा. वि.–दे. 'तग़ाफ़ुल आश्ना, "अय निगाहे नाज़ तेरी यह तग़ाफ़ुल केशियाँ? लुत्फ़े-तनहाई मुझे हासिल तेरी महफ़िल में है।"

तग़ाफ़ुल दस्तगाह (تغافل دستگاہ) अ. फा. वि.–दे. 'तग़ाफ़ुलआश्ना'।

तग़ाफ़ुलदोस्त (تغافل دوست) अ. फा. वि.–दे. 'तग़ाफ़ुलआश्ना'।

तग़ाफ़ुलदोस्ती (تغافل دوستی) अ. फा. स्त्री.–जान-बूझकर बेपरवाही बरतना; देर लगाना।

तग़ाफ़ुलपसंद (تغافل پسند) अ. फा. वि.–दे. 'तग़ाफ़ुल-आश्ना'।

तग़ाफ़ुलपसंदी (تغافل پسندی) अ. फा. स्त्री.–दे. 'तग़ाफ़ुलदोस्ती'।

तग़ाफ़ुलपेश: (تغافل پیشہ) अ. फा. वि.–दे. 'तगाफ़ुल आश्ना'।

तग़ाफ़ुलपेशगी (تغافل پیشگی) अ. फा. स्त्री.–दे. 'तग़ाफ़ुलदोस्ती'।

तग़ाफ़ुलमनिश (تغافل منش) अ. फा. वि.–दे. 'तग़ाफ़ुलआश्ना'।

तग़ाफ़ुलमनिशी (تغافل منشی) अ. फा. स्त्री.–दे. 'तगाफ़ुलदोस्ती'।

तग़ाफ़ुलशिआर (تغافل شعار) अ. वि.–दे. 'तग़ाफ़ुलआश्ना'।

तग़ाफ़ुलशिआरी (تغافل شعاری) अ. स्त्री.–दे. 'तग़ाफ़ुलदोस्ती'।

तग़ाफ़ुलशेव: (تغافل شیوہ) अ. फ़ा. वि.–दे. 'तग़ाफ़ुलआश्ना'।

तग़ाफ़ुलशेवगी (تغافل شیوگی) अ. फा. स्त्री.–दे. 'तग़ाफ़ुलदोस्ती'।

तग़ाबुन (تغابن) अ. पुं.–एक दूसरे को घाटा पहुँचाना; टोटा, घाटा।

तगामशी (تگامشی) फा. स्त्री.–दौड़-धूप, तगापो; परिश्रम, प्रयास जाँफ़िशानी।

तग़ायुर (تغایر) अ. पुं.–परस्पर एक दूसरे से विपरीत होना; विभिन्नता, इख़्तिलाफ़।

तग़ार (تغار) फा. पुं.–बड़ा तसला; गारे का कुंड; मिट्टी की नाँद।

तग़ीर (تغیر) अ. स्त्री.–दे. 'तग़ईर'।

तग़ैयुर (تغیر) अ. पुं.–दे. 'तग़य्युर', परिवर्तन, क्रान्ति।

तग़ैयुरात (تغیرات) अ. पुं.–दे. 'तग़य्युरात'।

तगोताज़ (تگ وتاز) फा. स्त्री.–दे. 'तगापो'।

तगोदौ (تگ ودو) फा. स्त्री.–दे. 'तगापो'।

तग़ईर (تغییر) अ. स्त्री.–बदलना, कुछ का कुछ कर देना; परिवर्तन, तब्दीली।

तग़्ज़िय: (تغذیہ) अ. पुं.–खाना देना, अन्न देना; परवरिश करना, विकास देना।

तग़्फ़ील (تغفیل) अ. स्त्री.–भूलचूक करना, गफ़लत करना।

तग़्मीज़ (تغمیض) अ. स्त्री.–आँखें बन्द करना।

तग़्रीक़ (تغریق) अ. स्त्री.–डुबोना, ग़र्क़ करना।

तग़्रीब (تغریب) अ. स्त्री.–देश निकाला देना, जलावतन करना।

तग़्रीम (تغریم) अ. स्त्री.–तावान लेना, हर्जा वसूल करना।

तग़्लीक़ (تغلیق) अ. स्त्री.–बाँधना, लपेटना।

तग़्लीज़ (تغلیظ) अ. स्त्री.–गाढ़ा करना; सख़्ती करना।

तग़्लीत (تغلیط) अ. स्त्री.–ग़लती में डालना, भुला देना।

तग़्लील (تغلیل) अ. स्त्री.–सुगंधित करना, ख़ुशबू में बसाना।

तज़क्की (تزکی) अ. स्त्री.–पाक करना, पवित्र करना; माल में से ज़कात देना।

तज़क्कुर (تذکر) अ. पुं.–स्मरण करना, याद करना; स्मरण होना, याद आना।

तजज़्ज़ी (تجزی) अ. स्त्री.–टुकड़े-टुकड़े होना।

तज़ब्ज़ुब (تذبذب) अ. पुं.–असमंजस, ऊहापोह, दुबिधा; संदेह, शंका, शक।

तज़म्मुन (تضمن) अ. पुं.–स्वीकार करना; अतर्गत करना, या होना।

तजम्मुल (تجمل) अ. पुं.–सौन्दर्य, हुस्न; वैभव, शानोशौक़त; धन-संपत्ति; श्रृंगार और आभूषणादि से शरीर की सजावट।

तज़य्युन (تزین) अ. पुं.–सुसज्जित होना, श्रृंगारित होना; शोभित होना; श्रृंगार, सजावट; शोभा।

तजर्रुद (تجرد) अ. पुं.–अकेलापन, तनहाई; स्त्री के बिना जीवन व्यतीत करना; संन्यास, वैराग्य, दरवेशी; संसार से विरक्ति, निस्पृहता; नग्नता, नंगापन।

तज़र्रुर (تضرر) अ. पुं.–हानि उठाना, नुक़सान पाना; दुःखित होना, रंजूर होना।

तजर्रो' (تجرع) अ. पुं.–घूँट-घूँट करके पीना।

तज़र्रो' (تضرع) अ. पुं.–गिड़गिड़ाहट, मिन्नत, ख़ुशामद।

तज़र्व (تذرو) फा. पुं.–एक प्रसिद्ध चिड़िया, चकोर।

तज़ल्ज़ुल (تزلزل) अ. पुं.–कंपन, हिलना-डोलना; भूकंप, ज़ल्ज़ला; हलचल, खलबली, सनसनी; क्रान्ति, इन्क़िलाब; अस्थिरता, डगमगाहट।

तजल्लियात (تجلیات) अ. स्त्री.–तजल्ली का बहु., प्रकाश-समूह, रौशनियाँ।

तजल्ली (تجلی) अ. स्त्री.–प्रकाश, आभा, नूर; तेज, प्रताप, जलाल; अध्यात्मज्योति, नूरेहक़।

तजल्लीख़ेज़ (تجلی خیز) अ. फा. वि.–दे. 'तजल्लीरेज़'।

तजल्लीगाह (تجلی گاہ) अ. फा. स्त्री.–रौशनी और प्रकाश का स्थान; सुन्दरियों का स्थान।

तजल्लीज़ार (تجلی زار) अ. फा. पुं.–वह स्थान जहाँ प्रकाश ही प्रकाश हो; जहाँ सौन्दर्य ही सौन्दर्य हो।

तजल्लीरेज़ (تجلی ریز) अ. फा. वि.–प्रकाश फैलानेवाला, रौशनी बरसानेवाला।

तज़ल्लुम (تظلم) अ. पुं.–किसी के अत्याचार पर दुहाई देना और विलाप करना।

तज़ल्लुल (تزلل) अ. पुं.–लड़खड़ाहट, लग़्ज़िश।

तज़व्वुज (تزوج) अ. पुं.–व्याह करना, बीबी बनाना; पति बनाना, 'तज़व्वुद' (अ.) भी शुद्ध है।

तजस्सुस (تجسس) अ. पुं.–जिज्ञासा, पूँछताछ; गवेषणा, मार्गण, तलाश, खोज; दौड़-धूप, प्रयास।

तजस्सुसकुनाँ (تجسس کناں) अ. फा. वि.–खोज करता हुआ, ढूँढ़ता हुआ; पूछताछ करता हुआ।

तज़ाउफ़ (تضاعف) अ. पुं.–दूना होना, दुगुना होना।

तज़ाद (تضاد) अ.पुं.–एक दूसरे के विरुद्ध होना; एक दूसरे का शत्रु होना; विरोध, प्रतिकूलता, इख़्तिलाफ़; शत्रुता, रिपुता, दुश्मनी।

तज़हहुद (تزهد) अ. पुं.–ज़ाहिद बनना, आबिद बनना, जगत् से विरक्त होना, 'ज़ुहद' से बना।

तज़ायुक़ (تضایق) अ. पुं.–तंग होना।

तज़ायुद (تزاید) अ. पुं.–अधिक होना, ज़ियादा होना; अधिकता, बहुतायत से बना।

तजारिब (تجارب) अ. पुं.–'तज्रिबः' का बहु., तज्रिबे, 'तजुर्बा' भी प्रचलित है।

तजावुज़ (تجاوز) अ. पुं.–अपनी हद से बढ़ जाना, सीमोल्लंघन; अपने इख़्तियार से बाहर कोई काम करना; अवज्ञा, हुक्मउदूली; धृष्टता, गुस्ताखी।

तजाहुल (تجاهل) अ. पुं.–जान-बूझकर अनजान बनना; बेख़बर और अनजान होना; उपेक्षा, लापरवाही।

तजाहुले आरिफ़ानः (تجاهل عارفانه) अ. पुं.–जानते हुए यह ज़ाहिर करना कि जानते नहीं, जान-बूझकर अनजान बनना।

तज़ईअ' (تضئیع) अ. स्त्री.–व्यर्थ खोना, बरबाद करना।

तज़ईए औक़ात (تضئیع اوقات) अ. स्त्री.–समय को व्यर्थ नष्ट करना।

तज़ईन (تزئین) अ. स्त्री.–अपने को बनाना, सँवारना; श्रृंगार, सज्जा, बनाव, सिंगार।

तज़ईफ़ (تضعیف) अ. स्त्री.–दूना करना; निर्बल करना।

तज़्कार (تذکار) अ. पुं.–चर्चा करना, ज़िक्र करना; स्मृति, यादगार; चर्चा, ज़िक्र।

तज़्कियः (تزکیه) अ. पुं.–शुद्ध करना, पवित्र करना, माल की ज़कात देना; शुद्धि, सफ़ाई।

तज़्किरः (تذکره) अ. पुं.–चर्चा, ज़िक्र; वार्तालाप, बातचीत; ख्याति, शुह्रत; परिपत्र, पास्पोर्ट; प्रसंग, सिलसिला।

तज़्कीर (تذکیر) अ. स्त्री.–पुंल्लिग बनाना; याद दिलाना; पुंल्लिग।

तज़्कीरो तानीस (تذکیر وتانیث) अ. स्त्री.–पुंल्लिग और स्त्रीलिंग, याद करना और उन्स (प्रेम) करना।

तज्ज़ियः (تجزیه) अ. पुं.–अलग-अलग करना, टुकड़े-टुकड़े करना; किसी पदार्थ के सारे अवयव अलग-अलग करके उनकी जाँच करना।

तज्दीद (تجدید) अ. स्त्री.–नवीनीकरण, नया बनाना; नवीनता, नयापन।

तज्दीदेअह्द (تجدید عهد) अ. स्त्री.–प्रतिज्ञा भंग हो जाने पर फिर से प्रतिज्ञा करना, नये सिरे से दुबारा वादा करना, नव्य प्रतिज्ञा।

तज्दीदे मुलाक़ात (تجدید ملاقات) अ. स्त्री.–मुलाक़ात को बहुत दिन हो जाने पर फिर से मुलाक़ात करना।

तजनीस (تجنیس) अ.स्त्री.–एकलिंगता, एक जिंस होना; एकरूपता, हमशक्ली; एक शब्दालंकार, जिसमें किसी शे'र में एक-जैसे शब्द लाये जाते हैं, यमक।

तज़्फ़ीफ़ (تجفیف) अ. स्त्री.–सुखाना, खुश्क करना।

तज़्मीद (تضمید) अ.स्त्री.–किसी अंग विशेष पर दवा का लेप करना; लेप, प्रलेप, ज़िमाद।

तज़्मीन (تضمین) अ.पुं.–किसी को ज़ामिन बनाना; किसी को अपनी पनाह में लेना; किसी के शे'र या मिस्रे को अपने शेरों में प्रयोग करना, ख़म्सः करना, दो मिस्रों पर तीन मिस्रे और लगाना।

तज्रिबः (تجربه) अ. पुं.–परीक्षा, जाँच; अनुभव, जानकारी, किसी विषय या कार्य के सारे ऊँच-नीच या अच्छे-बुरे की ख़बर, 'तजुर्बा' और 'तजरबा' दोनों ही प्रचलित हैं।

तज्रिबःकार (تجربه کار) अ. फा. वि.–जिसे किसी काम का काफ़ी तज्रिबा हो, अनुभवी; जिसे सांसारिक व्यवहार का अनुभव काफ़ी हो, बहुदर्शी।

तज्रीद (تجرید) अ.स्त्री.–किसी चीज़ पर से उसका सामान उतारकर उसे अपनी असली दशा में कर देना, नंगा कर देना; सँवारना, सजाना, (काट छाँटकर); सुधार करना, दुरुस्ती करना; अकेला जीवन व्यतीत करना, ब्रह्मचर्य।

तज़्लील (تذلیل) अ. स्त्री.–अपमान, तिरस्कार, बेइज़्ज़ती, 'ज़िल्लत' से बना।

तज्वीज़ (تجویز) अ. स्त्री.–विचार, ख़याल; मति, सलाह, राय; प्रबंध, इंतिज़ाम; योजना, मंसूबा, प्रयत्न, उपाय, कोशिश; निर्णय, फ़ैसला; रिजोल्यूशन, प्रस्ताव।

तज़्वीज (تزویج) अ. स्त्री.–विवाह, पाणिग्रहण, व्याह, निकाह।

तज्वीद (تجوید) अ. स्त्री.–निर्मल और स्वच्छ करना; किसी शब्द का शुद्ध उच्चारण करना; हाफ़िज़ों की ग़ार-

भाषा में क़ुरान को शुद्ध उच्चारण और पूर्ण नियम से पढ़ना।

तज्वीफ़ (تجویف) अ. स्त्री.—अन्दर से खुख्खल करना; खोखला, सुषिर।

तज्वीर (تزویر) अ. स्त्री.—धोका, छल, कपट, फ़रेब; मिथ्या, असत्य, झूठ।

तज़्हीक (تضحیک) अ.स्त्री.—हँसी उड़ाना, ठठोल करना; तिरस्कार करना, निन्दा करना।

तज्हीज़ (تجہیز) अ. स्त्री.—मुर्दे के लिए जरूरी सामान तैयार करना, जैसे—कफ़न के लिए कपड़ा, ग़ुस्ल के लिए इत्र, काफ़ूर, क़ब्र के लिए तख़्ते, गुलाबजल आदि, यह शब्द अकेला प्रयुक्त नहीं है तक्फ़ीन के साथ आकर 'तज्हीज़ो तक्फ़ीन' बोला जाता है, जैसे—तक्फ़ीन अलग नहीं बोला जाता।

तज्हीज़ोतक्फ़ीन (تجہیزوتکفین) अ. स्त्री.—मुर्दे को यथा-नियम नहला-धुलाकर और कफ़न में लपेटकर जनाज़ा तैयार करना।

तज़्हीब (تذہیب) अ. स्त्री.—सोना चढ़ाना, सोने का मुलम्मा चढ़ाना, सोने का खोल चढ़ाना।

ततब्बो' (تتبع) अ. पुं.—अनुसरण, अनुकरण, तक़्लीद, इत्तिबाअ।

ततर (تتر) फा. पुं.—'तातार' का लघुरूप, दे. 'तातार'।

ततरी (تتری) फा. वि.—तातार का; तातारियों का; तातार या तातारियों से सम्बद्ध।

तताबुक़ (تطابق) अ. पुं.—समानता, सदृशता, बराबरी; तुलना, उपमा, मुशाबहत।

ततार (تتار) फा. पुं.—'तातार' का लघुरूप, दे. 'तातार'।

तताबुल (تطاول) अ. पुं.—अहंकार, घमंड; द्रोह, सरकशी, अत्याचार, दस्तदराज़ी।

ततिम्मः (تتمہ) अ. पुं.—हर चीज़ का बक़ीया और आख़िरी हिस्सा, किताब का शेष अंश जो बाद को उसमें जोड़ा जाय, पूरक, परिशिष्ट।

तत्बीक़ (تطبیق) अ. स्त्री.—एक चीज़ को दूसरे के मुताबिक़ करना।

तत्वील (تطویل) अ. स्त्री.—लम्बा करना, फैलाना; लम्बाई, फैलाव।

तत्हीर (تطہیر) अ. स्त्री.—पवित्र करना, शुद्ध करना, पाक करना; पवित्रता, शुद्धता, पाकीज़गी।

तदब्बुर (تدبر) अ. पुं.—काम करने से पहले उसका परिणाम सोचना; दूरदर्शिता, दूरबीनी।

तदय्युन (تدین) अ. पुं.—धर्मनिष्ठता, दीनदारी; सत्य-निष्ठता, दियानतदारी।

तदर्व (تدرو) फा. पुं.—एक पक्षी, चकोर, दे. 'तज़र्व'।

तदाख़ुल (تداخل) अ. पुं.—एक चीज़ का दूसरी चीज़ में दाख़िल होना; एक खाना हज़्म होने से पहले दूसरा खाना खा लेना।

तदाख़ुले फ़स्लैन (تداخل فصلین) अ. पुं.—दो ऋतुओं की संधि, दो ऋतुओं का संधिकाल, दो मौसिमों के मिलने का समय।

तदाबीर (تدابیر) अ. स्त्री.—'तद्बीर' का बहु., तद्बीरें।

तदारुक (تدارک) अ. पुं.—खायी हुई चीज़ का पता लगाना; रोक, प्रतिरोध; सुधार, इस्लाह; यत्न, उपाय, तद्बीर; ऐसा उपाय जिससे कोई बुरा काम रुक जाय।

तदावी (تداوی) अ. स्त्री.—चिकित्सा, उपचार, इलाज।

तदैयुन (تدین) अ. पुं.—दे. 'तदय्युन'।

तद्क़ीक़ (تدقیق) अ. स्त्री.—बारीक करके कूटना; खूब सोचना-विचारना।

तद्फ़ीन (تدفین) अ. स्त्री.—मुर्दे को ज़मीन में गाड़ना, दफ़्न करना, दफ़्न से बना।

तद्बीर (تدبیر) अ. स्त्री.—उपाय, तरकीब; प्रयत्न, कोशिश; उपचार, इलाज; चालाकी, चतुराई, फ़ित्रत; प्रबंध, इंतिज़ाम; पेशबंदी, एहतियात।

तद्बीरे मंज़िल (تدبیر منزل) अ. स्त्री.—घर-गृहस्थी का प्रबंध।

तद्रीज (تدریج) अ. स्त्री.—धीरे-धीरे होना, शनैः शनैः।

तद्रीस (تدریس) अ. स्त्री.—पढ़ाना, पाठन।

तद्वीन (تدوین) अ. स्त्री.—एकत्र करना, संग्रह करना; रचना, बनाना, संपादन करना।

तद्वीर (تدویر) अ. स्त्री.—चारों ओर घुमाना; ज्योतिष की परिभाषा में आकाश का वह विशेष भाग जो किसी आकाश के अंतर्गत हो।

तद्हीन (تدهین) अ. स्त्री.—तेल चुपड़ना; चिकना करना।

तनः (تنہ) फा. पुं.—वृक्ष का वह भाग जो उसकी जड़ से वहाँ तक हो जहाँ से डालियाँ निकलती हैं, पेड़ी।

तन (تن) फा. पुं.—देह, शरीर, काया, वपु, तनु, गात्र, जिस्म, वदन; व्यक्ति, पुरुष, आदमी।

तनआसाँ (تن آساں) फा. वि.—दे. 'तनासाँ'।

तनआसानी (تن آسانی) फा. स्त्री.—दे. 'तनासानी'।

तनख़्वाह (تنخواہ) फा. स्त्री.—काम की वह उज्रत जो महीने पर मिले, वेतन, तलब।

तनख़्वाहवार (تنخواہدار) फा. वि.—तनख़्वाह पर काम करनेवाला, तनख़्वाह पानेवाला, वेतनभोगी, भृतक।

तनग़्ग़ुस (تنغص) अ. पुं.–खिन्नता, मलिनता, तकद्दुर, बदमज़गी।

तनज़्ज़ुल (تنزل) अ. पुं.–नीचे उतरना, नीचे आना; अवनति, पतन, ज़वाल; दरजा टूटना, पदह्रास, तनख्वाह में कमी होना; ह्रास, कमी, इनहितात, अपदस्थता।

तनदिही (تن دہی) फा. स्त्री.–तन्मयता, संलग्नता, इन्हिमाक; पराक्रम, परिश्रम, मेहनत।

तनदुरुस्त (تندرست) फा.वि.–जिसके शरीर में किसी प्रकार का विकार न हो, निरामय, नीरोग, सुस्थ, स्वस्थ।

तनदुरुस्ती (تن درستی) फा. स्त्री.–स्वास्थ्य, नीरोगिता, सेहतमंदी।

तनपरस्त (تن پرست) फा. वि.–काम न करनेवाला, आलसी; आरामतलब, सुखेच्छु।

तनपरस्ती (تن پرستی) फा.स्त्री.–निकम्मापन, निठल्लापन, आलस, काहिली, सुस्ती।

तनपर्वर (تن پرور) फा. वि.–दे. 'तनपरस्त'।

तनपर्वरी (تن پروری) फा. स्त्री.–दे. 'तनपरस्ती'।

तनफ़्फ़ुर (تنفر) अ. पुं.–घृणा, नफ़रत, घिन।

तनफ़्फ़ुस (تنفس) अ. पुं.–साँस की आमदरफ़्त, प्राणवृत्ति; श्वासकास, श्वास रोग, दमे की बीमारी।

तन ब तक़्दीर (تن بہ تقدیر) फा. अ. अव्य.–भाग्य के सहारे, क़िस्मत के भरोसे पर, जो भी हो।

तनब्बुह (تنبہ) अ. पुं.–आगाह होना, जानना; सतर्क होना, चेत जाना, सावधान होना, होशियार हो जाना।

तनव्वो' (تنوع) अ. पुं.–चित्र-विचित्र होना, रंगविरंगी होना, भाँति-भाँति होना; नवीनता, नयापन, जिद्दत।

तनहा (تنہا) फा. वि.–एकाकी, अकेला; एकमात्र, केवल, सिर्फ़; रिक्त, खाली।

तनहाई (تنہائی) फा. स्त्री.–अकेलापन; एकान्त, गोशा।

तना'उम (تنعم) अ. पुं.–लाड़-प्यार और सुख-चैन में जीवन व्यतीत हो, सुख, चैन, लाड़-प्यार, ऐश।

तनाक़ुज़ (تناقض) अ. पु.–एक दूसरे के विपरीत और उलटा होना; प्रतिकूलता, विपरीतता; वैमनस्य, मनमुटाव, रंजिश।

तनाक़ुस (تناقص) अ. पुं.–दोष, ऐब; त्रुटि, भूल; अशुद्धि, ग़लती।

तनाज़ो' (تنازع) अ. पु.–संघर्ष, कशाकश, खींचातानी।

तनाज़ो' लिलबक़ा (تنازع للبقا) अ. पुं.–ज़िंदा रहने के लिए परिश्रम और पराक्रम, जीवन-संघर्ष।

तनाफ़ुर (تنافر) अ. पुं.–एक दूसरे से घृणा करना, एक दूसरे से भागना; साहित्य की परिभाषा के अनुसार किसी पद में दो शब्दों के उन दो अक्षरों का पास-पास होना जिनका उद्गम एक हो।

तनाब (طناب) अ. स्त्री.–रावटी और तंबू में लगनेवाली रस्सी, जिसके सहारे वे खड़े होते हैं।

तनाबे अमल (طناب امل) अ. स्त्री.–उम्मेद की डोरी, आशारूपी डोर, आशा-सूत्र; आशा, आस, उम्मेद।

तनाबे उम्र (طناب عمر) अ. स्त्री.–आयुसूत्र, आयुकाल, उम्र की लम्बाई।

तनादर (تناور) फा. वि.–स्थूल, मोटा-ताज़ा; दृढ़ांग, क़वीजुस्सः।

तनावुल (تناول) अ. पुं.–भोजन आदि खाना; सहन करना, उठाना।

तनासाँ (تن آساں) फा. वि.–काहिल, सुस्त, आलसी, आरामतलब, निकम्मा, बेकार।

तनासानी (تن آسانی) फा. स्त्री.–निकम्मापन, आलस, सुस्ती, आरामतलबी।

तनासुख (تناسخ) अ. पुं.–प्राण का एक शरीर से निकलकर दूसरे शरीर में जाना, आवागवन, आवागमन।

तनासुब (تناسب) अ. पुं.–परस्पर निस्बत रखना; किसी पदार्थ के तमाम अंगों में जिसको जितना होना चाहिए उतना होना; किन्हीं दो चीज़ों में परस्पर मुनास्वत।

तनासुबे अज्ज़ा (تناسب اجزا) अ. पुं.–किसी नुस्खे की तमाम दवाओं की बाहमी मुनासबत, जैसे—किसी साबुन के नुस्ख़े में कास्टिक १ सेर, सेलीकेट १½ सेर, पानी चार सेर, तेल आठ सेर आदि, भागानुपात।

तनासुबे आ'ज़ा (تناسب اعضا) अ. पुं.–शरीर में अंगों का सुडौलपन, अंग-सौष्ठव, अंग-संहति, अंगानुपात।

तनासुल (تناسل) अ.पु.–नर और मादा का मिलकर संतान उत्पन्न करना, नस्ल बढ़ाना। यह शब्द अकेला प्रयुक्त नहीं होता, तवालुद के साथ 'तवालुदो तनासुल' बोला जाता है, दे. 'तवालुद'।

तनीन (طنین) अ. स्त्री.–भिनभिनाहट, सनसनाहट।

तनूर (تنور) फा. पुं.–खमीरी रोटी पकाने की गहरी डहरनुमा भट्ठी, तंदूर, तन्नूर।

तने तन्हा (تن تنہا) फा. वि.–बिलकुल अकेला, एकाकी, नक़ददम, फ़क़तदम।

तने बेजाँ (تن بے جاں) फा.वि.–शव, लाश, प्राणहीन शरीर।

तनोतोश (تن و توش) फा. पुं.–शरीर का भारी भरकमपन, मोटाताज़ापन।

तनोमंद (تنومند) फा. वि.–स्वस्थ, नीरोग, तन्दुरुस्त; हृष्टपुष्ट, मोटा-ताज़ा, दृढ़ांग।

तन्कः (تنکہ) तु. पुं.–प्रचलित मुद्रा, चाहे वह सोने की हो या चाँदी की या ताँबे की या किसी अन्य धातु की।

तन्क़ियः (تنقیہ) अ. पुं.–पेट साफ़ करना, जुलाब लेना, विरेचन।

तन्क़ियए ताम (تنقیۂتام) अ. पुं.–ऐसा जुलाब जिससे शरीर के सारे अंगों का दूषित मवाद निकल जाय।

तन्क़ीद (تنقید) अ. स्त्री.–परख, पड़ताल, समीक्षा; किसी पुस्तक या निबंध के मज़मून की समीक्षा, समालोचना।

तन्क़ीस (تنقیص) अ. स्त्री.–कम करना, घटाना; तिरस्कार, अपमान, बेइज़्ज़ती; निन्दा, हजो।

तन्क़ीह (تنقیح) अ. स्त्री.–किसी चीज़ में से मिलावट निकालकर उसे शुद्ध और निर्मल करना; न्यायालय की परिभाषा में वाद या अभियोग के आधारभूत विषयों की समीक्षा।

तन्क़ीहतलब (تنقیح طلب) अ. वि.–जिस विषय की तन्क़ीह होना आवश्यक हो।

तन्नाज़ (طناز) अ. वि.–बहुत अधिक व्यंगोक्तियाँ कसनेवाला (वाली), बहुत तंज़ करनेवाला (वाली); बहुत ही इठलाकर और नाज़ से चलनेवाला (वाली); बहुत अधिक हावभाव और नाज़-नख़रे दिखानेवाली।

तन्मियः (تنمیہ) अ. पुं.–बढ़ना, विकास, नश्वोनमा।

तन्वीन (تنوین) अ. स्त्री.–अनुस्वार पैदा करना, नकार का स्वर निकालना; अरबी शब्द के अंतिम अक्षर पर के दो 'ज़बर', दो 'ज़ेर' या दो 'पेश' जैसे, فوراً पर के दो ज़बर।

तन्वीर (تنویر) अ. स्त्री.–प्रकाशित करना, रौशन करना; प्रकाश, ज्योति, रौशनी, नूर,—"उसके जल्वों में खिंचा हुस्न का नक़शा कामिल, उसकी तन्वीर में तस्वीर की रानाई है।"

तपंचः (تپنچہ) फ़ा. पुं.–'तपांचः' का लघुरूप, थप्पड़; पिस्तौल, तमंचा।

तप (تپ) फ़ा. स्त्री.–ताप, तपन, गर्मी; ज्वर, बुख़ार।

तपाँ (تپاں) फ़ा. वि.–जलता हुआ, तपा हुआ, उत्तप्त; तड़पता हुआ, फड़कता हुआ।

तपांचः (طپانچہ-تپانچہ) फ़ा. पुं.–तमाचा, थप्पड़, चाँटा।

तपाक (تپاک) फ़ा. पुं.–गर्मजोशी, संभ्रान्ति; आवभगत, तवाज़ो'; प्रेम, प्यार; सादर, सोत्साह।

तपिश (تپش) फ़ा. स्त्री.–पतन, गरिमा, गर्मी, दहन, जलन, सोज़िश; मनस्ताप, हार्दिक व्यथा, दिली ग़म; आतुरता, व्याकुलता, बेक़रारी; आतप, धूप।

तपीदः (تپیدہ) फ़ा. वि.–तपा हुआ, उत्तप्त, तप्त।

तपे कुह्नः (تپ کہنہ) फ़ा. स्त्री.–पुराना बुख़ार; जीर्ण ज्वर।

तपे दरूँ (تپ دروں) फ़ा. स्त्री.–मनस्ताप, मानसिक व्यथा, रूही तकलीफ़, मनोदाह।

तपे दिक़ (تپ دق) फ़ा. स्त्री.–राजयक्ष्मा, क्षयरोग, यक्ष्मा, क्षयी रोग।

तपे नौबत (تپ نوبت) फ़ा. अ. स्त्री.–बारी से आनेवाला ज्वर, जैसे—इकतरा, तिजारी, चौथिया आदि।

तपे मोहरक़ः (تپ محرقہ) फ़ा. अ. स्त्री.–मीआदी बुख़ार, टाईफ़ाइड, मोतीझरा।

तपे लर्ज़ः (تپ لرزہ) अ. फ़ा. स्त्री.–कपकपी के साथ आनेवाला बुख़ार, मलेरिया, शीत ज्वर।

तपोलर्ज़ः (تپ ولرزہ) अ. फ़ा. पु.–बुख़ार और क़पकपी।

तफ़ (تف) अ. स्त्री.–उष्णिमा, गरिमा, गर्मी, हरारत।

तफ़क़्क़ुद (تفقد) अ. पुं.–खोई हुई चीज़ की तलाश, खोज; दया, कृपा, अनुकंपा, मेहरबानी।

तफ़क्कुर (تفکر) अ. पुं.–चिन्ता, शोच, फ़िक्र; भय, शंका, अंदेशा।

तफ़क्कुरात (تفکرات) अ. पुं.–चिन्ताएँ, फ़िक्रें, 'तफ़क्कुर' का बहुवचन।

तफ़क्कुह (تفکہ) अ. पुं.–मेवा खाना, फल खाना।

तफ़ज़्ज़ुल (تفضل) अ. पुं.–श्रेष्ठता, पुनीतता, बुज़ुर्गी; दया, कृपा, इनायत; दान, प्रदान, बख़शिश।

तफ़त्तुत (تفتت) अ. पुं.–टुकड़े-टुकड़े हो जाना, टूटकर रेज़ा-रेज़ा हो जाना, चिथरा हो जाना।

तफ़न्नुन (تفنن) अ. पुं.–मनोरंजन, मनोविनोद, हँसी-मज़ाक, तफ़्रीह; रंग-बिरंगी होना, विचित्रता।

तफ़न्नुने तब्अ (تفنن طبع) अ. पुं.–आमोद-प्रमोद, मनोविनोद, दिल का बहलाव।

तफ़र्रुक़ (تفرق) अ. पुं.–अलग-अलग होना, भिन्न-भिन्न होना।

तफ़र्रुक़े इत्तिसाल (تفرق اتصال) अ. पुं.–क्षति, घाव, ज़ख़्म।

तफ़र्रुज (تفرج) अ. पुं.–दरिद्रता और हीनता से समृद्धि और उन्नति की ओर आना; सैर, तमाशा, क्रीड़ा, कौतुक, आनन्द-विहार।

तफ़र्रुजगाह (تفرج گاہ) अ. फ़ा. स्त्री.–सैर-तमाशे का स्थान, तफ़्रीहगाह, क्रीड़ास्थल, विनोदस्थल।

तफ़र्रुद (تفرد) अ. पुं.–अद्वितीय होना, अनुपम होना, लासानी होना; एकान्तवासी होना, गोशानशीन होना।

तफ़ल्सुफ़ (تفلسف) अ. पुं.–विज्ञान, हिकमत।

तफ़व्वुक़ (تفوق) अ. पुं.–श्रेष्ठता, प्रधानता, बड़ाई, तर्जीह।

तफ़हहुश (تفحش) अ. पुं.–गाली-गलौज करना, फ़ुहश बकना; अश्लीलता, अशिष्टता, फ़क्कड़पन, 'फ़ुहुश' से बना।

तफ़हहुस (تفحص) अ. पुं.–खोज लगाना, ढूँढ़ना, तलाश करना; खोज, तलाश, गवेषणा।

तफ़ाउल (تفاؤل) अ. पुं.–शगुन विचारना, फ़ाल लेना।

तफ़ाख़ुर (تفاخر) अ. पुं.–गर्व, अभिमान, फ़ख़्र, गौरव।

तफ़ारीक़ (تفاریق) अ. स्त्री.–'तफ़्रीक़' का बहु., जुदाइयाँ; फ़र्क़; क़िस्तें।

तफ़ारुक़ (تفارق) अ. पुं.–एक दूसरे से जुदा होना, पृथक्ता, अलाहिदगी।

तफ़ावुज़ (تفاوض) अ. पुं.–साझा, भागीदारी; परस्पर परामर्श करना; विचार-विनिमय।

तफ़ावुत (تفاوت) अ. पुं.–अन्तर, फ़ासिला, दूरी; पृथक्ता, जुदाई; विलंब, देरी।

तफ़ावुल (تفاول) अ. पुं.–अच्छा शकुन लेना; शकुन विचारना।

तफ़ासीर (تفاسیر) अ. स्त्री.–'तफ़्सीर' का बहु., तफ़्सीरें, महाभाष्य।

तफ़ासील (تفاصیل) अ. स्त्री.–'तफ़्सील' का बहु., तफ़्सीलें, विवरण।

तफ़ासुल (تفاصل) अ. पुं.–परस्पर अलग-अलग होना।

तफ़ूलियत (طفولیت) अ. स्त्री.–बाल्यावस्था, बचपन।

तफ़्ख़ीम (تفخیم) अ. स्त्री.–श्रेष्ठ मानना, श्रेष्ठ बनाना।

तफ़्ज़ीअ (تفجیع) अ. स्त्री.–पीड़ित करना, दुःखित करना।

तफ़्ज़ील (تفضیل) अ. स्त्री.–एक को दूसरे पर प्रधानता देना; प्रधानता, तर्जीह; हज़रत अली को पहले तीन ख़लीफ़ाओं से श्रेष्ठ मानना।

तफ़्ज़ीली (تفضیلی) अ. पुं.–वह सुन्नी मुसलमान जो हज़रत अली को बाक़ी ख़लीफ़ाओं में सर्वश्रेष्ठ मानता हो।

तफ़्ज़ीह (تفضیح) अ. स्त्री.–निन्दा करना, बदनाम करना; निंदा, अपयश, बदनामी।

तफ़्तः (تفتہ) फ़ा. वि.–तप्त, दग्ध, जला हुआ।

तफ़्तःजाँ (تفتہ جاں) फ़ा. वि.–दे. 'तफ़्तः जिगर'।

तफ़्तःजिगर (تفتہ جگر) फ़ा. वि.–दिलजला, दग्धहृदय; प्रेमी, आशिक़।

तफ़्ताँ (تفتاں) फ़ा. पुं.–रौग़नी पराठा; धूप या आग पर सेंकी हुई चीज़।

तफ़्तीत (تفتیت) अ. स्त्री.–टुकड़े-टुकड़े करना, चूर-चूर करना।

तफ़्तीदः (تفتیدہ) फ़ा. वि.–तपा हुआ, गर्म किया हुआ।

तफ़्तीर (تفطیر) अ. स्त्री.–रोज़ा खुलवाना।

तफ़्तीश (تفتیش) अ. स्त्री.–खोज, तलाश, गवेषणा; पुलिस अफ़सर द्वारा किसी केस की जाँच-पड़ताल।

तफ़्तीह (تفتیح) अ. स्त्री.–खोलना।

तफ़्तीहे मसामात (تفتیح مسامات) अ. स्त्री.–पसीना के लिए शरीर के रोमकूपों को खोलना, (दवाओं द्वारा) बफ़ारा द्वारा।

तफ़्नीद (تفنید) अ. पुं.–भर्त्सना करना, डाँटना, फटकारना।

तफ़्रिक़ः (تفرقہ) अ. पुं.–फूट, परस्पर विरोध; शत्रुता, दुश्मनी; पृथक्ता, जुदाई।

तफ़्रिक़ःअंगेज़ (تفرقہ انگیز) अ. फ़ा. वि.–दे. 'तफ़्रिक़ः-अंदाज़'।

तफ़्रिक़ःअंगेज़ी (تفرقہ انگیزی) अ. फ़ा. स्त्री.–दे. 'तफ़्रिक़ः-अंदाज़ी'।

तफ़्रिक़ःअंदाज़ (تفرقہ انداز) अ. फ़ा. वि.–दो व्यक्तियों या दलों में परस्पर फूट डलवानेवाला।

तफ़्रिक़ःअंदाज़ी (تفرقہ اندازی) अ. फ़ा. स्त्री.–परस्पर विरोध-भाव उत्पन्न करना।

तफ़्रिक़ःपरदाज़ (تفرقہ پرداز) अ. फ़ा. वि.–दे. 'तफ़्रिक़ः अंदाज़'।

तफ़्रिक़ःपरदाज़ी (تفرقہ پردازی) अ. फ़ा. स्त्री.–दे. 'तफ़्रिक़ः-अंदाज़ी'।

तफ़्रिक़ःपर्वर (تفرقہ پرور) अ. फ़ा. वि.–दे. 'तफ़्रिक़ः अंदाज़'।

तफ़्रिक़ःपर्वरी (تفرقہ پروری) अ. फ़ा. स्त्री.–दे. 'तफ़्रिक़ः-अंदाज़ी'।

तफ़्रिक़ः सामाँ (تفرقہ ساماں) अ. फ़ा. वि.–फूट के सामान एकत्र करनेवाला, फूट फैलानेवाला।

तफ़्रिक़ः सामानी (تفرقہ سامانی) अ. फ़ा. स्त्री.–फूट के सामान एकत्र करके फूट फैलाना।

तफ़्रीक़ (تفریق) अ. स्त्री.–पृथक् करना, अलग करना; फूट डालना, दिलों में भेद डालना; पृथक्ता, जुदाई; फूट, तफ़्रिक़ः; बड़ी संख्या में से छोटी संख्या घटाना, बाक़ी, व्यवकलन।

तफ़्रीत (تفریط) अ. स्त्री.–किसी काम में आलस्य और बेपरवाही करना; नष्ट करना, बरबाद करना।

तफ़्रीद (تفرید) अ. स्त्री.–अकेला रह जाना, सबसे जुदा हो जाना; अकेला छोड़ देना।

तफ़्रीश (تفریش) अ. स्त्री.–फ़र्श बिछाना, फ़र्श बिछाकर मकान सजाना।

तफ़्रीस (تفریس) अ. स्त्री.–किसी दूसरी भाषा के शब्द को फ़ारसी बनाना।

तफ़ीह (تفریح) अ. स्त्री.–मनोविनोद, मनोरंजन, दिल्लगी मज़ाक़; सैर-सपाटा, विहार; क्रीड़ा, कौतुक, खेल-तमाशा; वक़्त काटने के लिए मनबहलाव।

तफ़ीहगाह (تفریح گہ) अ. फ़ा. स्त्री.–तफ़ीह की जगह, विनोदस्थल, क्रीड़ा-क्षेत्र।

तफ़ीहन (تفریحاً) अ. वि.–तफ़ीह और मनबहलाव के लिए; मज़ाक़ के तौर पर, दिल्लगी में।

तफ़ीही (تفریحی) अ. वि.–मनबहलाव का; मनबहलाव से सम्बन्ध रखनेवाला।

तफ़ीहे तब्अ (تفریح طبع) अ. स्त्री.–मनबहलाव, मनोविनोद, मनोरंजन।

तफ़्वीज़ (تفویض) अ. स्त्री.–सिपुर्द करना, हवाले करना, हस्तान्तरण।

तफ़्सां (تفسان) फ़ा. वि.–बहुत अधिक गर्म।

तफ़्सीदः (تفسیدہ) फ़ा. वि.–बहुत गर्म।

तफ़्सीर (تفسیر) अ. स्त्री.–व्याख्या, तश्रीह; किसी धर्म-ग्रंथ की व्याख्या, भाष्य।

तफ़्सील (تفصیل) अ. स्त्री.–विस्तार, विवरण; स्पष्टता, तौज़ीह।

तफ़्हीम (تفہیم) अ. स्त्री.–समझाना, बोध कराना।

तब (تب) फ़ा. स्त्री.–दे. 'तप', दोनों शुद्ध हैं।

[illegible]

तबरज़द (طبرزد) फ़ा. स्त्री.–क़ंद, शर्करा, मिश्री, सफ़ेद दानेदार चीनी।

तबरज़न (تبرزن) फ़ा. वि.–कुल्हाड़ी चलानेवाला, लकड़हारा; तबर बाँधे हुए सिपाही।

तबरज़ीं (تبرزین) फ़ा. पुं.–वह तबर जो सवार की ज़ीन के साथ हर वक़्त कसा रहता है।

तबर्रा (تبرا) अ. पुं.–उपेक्षा, घृणा, बेज़ारी; धिक्कार, ला'नत, मलामत; गाली-गलौज, अपशब्द; लानत मलामत जो शीआ लोग पहले तीन ख़लीफ़ाओं को करते हैं।

तबर्राई (تبرائی) अ. फ़ा. वि.–गालियाँ बकनेवाला; तीनों ख़लीफ़ाओं को बुरा-भला कहनेवाला, तबर्राबाज़।

तबर्रा बाज़ (تبرا باز) अ. फ़ा. वि.–दे. 'तबर्राई'।

तबर्रुक (تبرک) अ. पुं.–वह चीज़ जिसमें बरकत होने का विश्वास हो; वह चीज़ जो किसी महात्मा या दरवेश से मिले; वह प्रसाद जो किसी बुज़ुर्ग आदि की फ़ातिहा का हो; बुज़ुर्गों से सम्बन्ध रखनेवाली चीज़; बहुत थोड़ी-सी वस्तु (व्यंग); प्रसाद।

तबर्रुकन (تبرکاً) अ. वि.–तबर्रुक के तौर पर; बरकत और मंगल के लिए; प्रसादरूप से।

तबर्रुकात (تبرکات) अ. पुं.–तबर्रुक का बहु., तबर्रुक की चीज़ें; बुज़ुर्गों से सम्बद्ध चीज़ें।

तबस्सुम (تبسم) अ. पुं.–हल्की हँसी, मुस्कुराहट, मुस्कान, स्मित, मंदहास, मुस्कान।

तबस्सुमकुनाँ (تبسم کناں) अ. फ़ा. वि.–मुस्कुराता हुआ।

[illegible]

तबादुरे ज़ेह्न (تبادرِذہن) अ. पुं.—ज़ेह्न का किसी ओर तुरंत जाना, तुरंत ही कोई बात ध्यान में आना।

तबादुल (تبادل) अ. पुं.—बदलना, एक चीज़ की जगह दूसरी चीज़ लेना; एक चीज़ के स्थान पर दूसरी चीज़ रखना।

तबायुन (تباین) अ. पुं.—विपरीतता, प्रतिकूलता, उलटापन; अंतर, भेद, फ़र्क़; पृथक्ता, अलाहिदगी।

तबार (تبار) फा. पुं.—वंश, कुल, गोत्र, ख़ानदान।

तबाशीर (تباشیر) फा. पुं.—वंशलोचन, तवक्षीर, एक प्रसिद्ध दवा; सवेरे की सफ़ेदी, ऊषा, उषा।

तबाह (تباہ) फा. वि.—नष्ट, ध्वस्त, बरबाद; जनशून्य, निर्जन, वीरान; निकृष्ट, दूषित, ख़राब; दुर्दशाग्रस्त, बदहाल।

तबाहकार (تباہکار) फा. वि.—तबाही मचानेवाला, बरबादी फैलानेवाला, विनाशकारी; अत्याचारी, ज़ालिम; बदचलन, कदाचारी।

तबाह रोज़गार (تباہ روزگار) फा. वि.—ज़माने की गर्दिश का शिकार, कालचक्रग्रस्त, दुर्दशाप्राप्त, भाग्यध्वस्त।

तबाहहाल (تباہحال) फा. अ. वि.—मुसीबत का मारा, कालचक्र-पीड़ित; मुफ़्लिस, दरिद्र, निर्धन।

तबाही (تباہی) फा. स्त्री.—विनाश, बरबादी; विध्वंस, ख़राबी, खँडहरपन; अत्याचार, ज़ुल्म; निर्धनता, दरिद्रता, मुफ़्लिसी; आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत।

तबाहीज़दः (تباہیزدہ) फा. वि.—आफ़त का मारा, विपत्ति-ग्रस्त; निर्धन, कंगाल, बेज़र; भाग्यहीन, बदक़िस्मत।

तबीअत (طبیعت) अ. स्त्री.—धर्म, स्वभाव, ख़ासीयत; प्रकृति, निसर्ग, नेचर, जिबिल्लत; स्वभाव, आदत; रुचि, रग़बत, जी; मन, दिल, चित्त; स्वास्थ्य या रोग के दृष्टिकोण से शरीर की दशा, मिज़ाज।

तबीई (طبیعی) अ. वि.—दे. 'तब्ई'; एक वैज्ञानिक शाखा जिसमें शारीरिक परिवर्तनों और गुणों का विवरण होता है; शरीर धर्मशास्त्र।

तबीख़ (طبیخ) अ. पुं.—औटाई हुई दवा आदि का पानी, जोशाँदः।

तबीब (طبیب) अ. पुं.—दवा करनेवाला, उपचारक, चिकित्सक, वैद्य।

तबीरः (تبیرہ) फा. पुं.—नक़्क़ारा, धौंसा, दुन्दुभी, भेरी।

तबीरःज़न (تبیرہزن) फा. वि.—नक़्क़ारा बजानेवाला, भेरीकार।

तब्अ (طبع) अ. स्त्री.—स्वभाव, आदत; मुद्रण, छापना।

तब्अ आज़माई (طبع آزمائی) अ.फा. स्त्री.—काव्य-रचना-शक्ति की जाँच, किसी समस्या की पूर्ति या किसी विषय पर कविता लिखना।

तब्अज़ाद (طبع زاد) अ. फा. वि.—मन की प्रेरणा से उत्पन्न, गढ़ंत, अपनी विचार-शक्ति की पैदावार, कल्पित, फ़र्ज़ी।

तब्अन् (طبعاً) अ. वि.—स्वभावतः, स्वभाव से, दिल से।

तब्ई (طبعی) अ. वि.—स्वाभाविक, प्राकृतिक, नेचुरल, "अय शम्मा तेरी उम्र तबई (तबीई) है एक रात"—'ज़ौक़'।

तब्ईज़ (تبئیض) अ. स्त्री.—सफ़ेद करना, सफ़ेदी फेरना।

तब्ईन (تبئین) अ. स्त्री.—व्यक्त करना, ज़ाहिर करना; कहना, बयान करना।

तब्ईयत (تبعیت) अ. स्त्री.—अनुकरण, पदानुसरण, पैरवी।

तब्ए रवाँ (طبع رواں) अ. फा. स्त्री.—प्रतिभाशील तबीअत, तेज़ तबीअत, प्रवाहित कल्पना-शक्ति, उर्वरा प्रतिभा।

तब्ए रसा (طبع رسا) अ.फा. स्त्री.—ऊँची उड़ान भरनेवाली तबीअत या काव्य-शक्ति।

तब्क़ः (طبقہ) अ. पुं.—वर्ग, श्रेणी, दर्जा; लोक, आलम; परत, तह; तल, दर्जा।

तब्क़ःवारानः (طبقہوارانہ) अ.फा.वि.—वर्ग और श्रेणीवाला, छोटे बड़ेवाला; धार्मिक, फ़िर्क़ावारानः।

तब्ख़ (طبخ) अ. पुं.—पकना, पाक।

तब्ख़ीर (تبخیر) अ. स्त्री.—एक रोग जिसमें खाने के पश्चात् आमाशय से भाप उठती है; भाप बनाना, वाष्पीकरण।

तब्ज़ीर (تبزیر) अ. स्त्री.—फ़ुज़ूलख़र्ची करना, अपव्यय, अतिव्यय; तितर-बितर करना, अस्त-व्यस्त करना।

तब्जील (تبجیل) अ. स्त्री.—सत्कार और आदर करना; श्रेष्ठ और महान् जानना।

तब्दील (تبدیل) अ. स्त्री.—बदलना, एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना; एक वस्तु देकर दूसरी वस्तु लेना।

तब्दीली (تبدیلی) अ. स्त्री.—परिवर्तन, उथल-पुथल; एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना, स्थानांतरण; एक वस्तु के बदले दूसरी वस्तु लेना; क्रान्ति, इनक़िलाब।

तब्दीले आबोहवा (تبدیل آب وہوا) अ. फा. स्त्री.—जलवायु का बदलना, एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना।

तब्दीले मज़हब (تبدیل مزھب) अ. स्त्री.—धर्म-परिवर्तन, मज़हब की तब्दीली।

तब्दीले सूरत (تبدیل صورت) अ. स्त्री.—रूप-परिवर्तन, शक्ल बदल जाना; हुलया बदलना, बहुरूपिया बनना।

तब्दीले हैअत (تبدیل ھئیت) अ.स्त्री.—दे. 'तब्दीले सूरत'।

तब्नियत (تبنیت) अ. स्त्री.—लेपालक बनाना, गोद लेना, मुतबन्ना करना।

तब्बाअ (طباع) अ. वि.–प्रतिभाशाली, ज़हीन, जीनियस।

तब्बाई (طباعی) अ. स्त्री.–प्रतिभा, ज़हानत।

तब्बाख़ (طباخ) अ. पुं.–रोटी पकानेवाला, नानबाई; खाना पकानेवाला, बावरची, सूपकार, रसोइया।

तब्बाख़ी (طباخی) अ. स्त्री.–नानबाई का पेशा; बावरची का पेशा।

तबरीद (تبرید) अ. स्त्री.–ठंडाई, वह ठंडाई जो जुलाब के बाद दी जाती है।

तब्रेज़ (تبریز) फ़ा. पुं.–ईरान के आज़रबाईजान प्रान्त का एक प्रसिद्ध नगर।

तब्रेज़ी (تبریزی) फ़ा. वि.–तब्रेज़ का निवासी।

तब्लः (طبلہ) फ़ा. पुं.–संदूक़ची, पिटारी; खाल मढ़ा हुआ एक रुखा प्रसिद्ध बाजा, तबला।

तब्ल (طبل) फ़ा. पुं.–दुन्दुभि, भेरी, धौंसा, नक़्क़ारा।

तब्लए अंबर (طبلۂ عنبر) फ़ा. अ. पुं.–अंबर की पिटारी, वह डब्बा जिसमें अंबर रहता है।

तब्लक़ (طبلق) तु. स्त्री.–वह काग़ज़ जो पंकिट बनाने के लिए ऊपर चढ़ाया जाता है; दोनों ओर से खुला हुआ लिफ़ाफ़ा; काग़ज़ों का मुट्ठा।

तब्ली (طبلی) अ. वि.–ढोल-जैसा, ढोलनुमा; जलंधर की एक क़िस्म जिसमें पेट ढोल की तरह बजता है।

तब्लीग़ (تبلیغ) अ. स्त्री.–प्रोपेगंडा, प्रचार; किसी बात को दूर तक फैलाना, प्रसार।

तब्लीग़े मज़्हब (تبلیغ مذہب) अ. स्त्री.–धर्म प्रचार, मज़हब की तब्लीग़।

तब्लेजंग (طبل جنگ) फ़ा. पुं.–लड़ाई में बजनेवाला, नक़्क़ारा, रणभेरी, रणदुन्दुभि।

तब्लोअलम (طبل وعلم) फ़ा. अ. पुं.–लड़ाई का झंडा और नक़्क़ारा; वह झंडा और नक़्क़ारा जो सूबेदारों और वज़ीरों की सवारी के साथ चलता है।

तब्वीब (تبویب) अ. स्त्री.–पुस्तक का परिच्छेदों और अध्यायों में विभाजन, बाब=अध्याय से यह शब्द बना है।

तब्शीर (تبشیر) अ. स्त्री.–शुभ सूचना देना, अच्छी ख़बर सुनाना, आशीर्वाद देना।

तब्सिरः (تبصرہ) अ. पुं.–आँखों में रोशनी पहुँचाना, अँध्यारा करना; आलोचना, समीक्षा, तन्क़ीद।

तब्सिरःनिगार (تبصرہ نگار) अ. फ़ा. वि.–समालोचक, समीक्षक, तन्क़ीदनिगार।

तमए ख़ाम (طمع خام) अ. फ़ा. स्त्री.–झूठी अभिलाषा, ऐसी इच्छा जो पूरी न हो, मृगतृष्णा।

तमक्कुन (تمکن) अ. पुं.–जगह पकड़ना, स्थिर होना, ठहरना, टिकना।

तमत्तो (تمتع) अ. पुं.–लाभ-प्राप्ति, नफ़ा उठाना; लाभ, प्राप्ति, नफ़ा।

तमद्दुद (تمدد) अ. पुं.–खिंचाव, तनाव; लंबा होना, दराज़ होना।

तमद्दुन (تمدن) अ. पुं.–शहर में एक जगह मिल-जुलकर रहना और वहाँ का प्रबंध करना, नागरिकता; किसी देश की वेश-भूषा, उनके रहने-सहने का ढंग और उनके आचार-व्यवहार।

तमन्ना (تمنا) अ. स्त्री.–कामना, लालसा, अभिलाषा, आकांक्षा, स्पृहा, इच्छा, ख़्वाहिश, आरज़ू, "बज़्म में बर्क़ नज़र है सद तमन्ना-आफ़्रीं—दिल में है महफ़िल कोई या दिल मेरा महफ़िल में है।"

तमन्नाई (تمنائی) अ. वि.–इच्छुक, अभिलाषी, लालसी, स्पृही, आकांक्षी, लिप्सु, ख़्वाहिशमंद।

तमर (تمر) अ. पुं.–सूखा हुआ खजूर, छुहारा, ख़ुर्मा।

तमर हिंदी (تمرھندی) फ़ा. स्त्री.–इमली, इमली का पेड़; इमली का फल, तितिड़ी।

तमरिस्तान (تمرستان) अ. फ़ा. पुं.–खजूर का बाग़।

तमर्रुद (تمرد) अ. पुं.–द्रोह, सरकशी; अवज्ञा, नाफ़रमानी; अहंकार, गर्व, घमंड; धृष्टता, ढिठाई, गुस्ताख़ी।

तमल्लुक़ (تملق) अ. पुं.–चापलूसी, लल्लोपत्तो, चाटुकारिता, ख़ुशामद।

तमल्मुल (تململ) अ. पुं.–व्याकुलता, आतुरता, बेचैनी, बेआरामी; जागने और सोने के बीच की अवस्था, जब मनुष्य सोता है परन्तु कुछ-कुछ होश में होता है।

तमव्वुज (تموج) अ. पुं.–पानी का मौजें मारना, पानी में ज़ोर-ज़ोर से लहरें उठना, हिल्लोल।

तमव्वुल (تمول) अ. पुं.–धनाढ्यता, समृद्धि, मालदारी, धनसंपन्नता।

तमश्शी (تمشی) अ. स्त्री.–जाना, चलना, गति, गमन।

तमस्ख़ुर (تمسخر) अ. पुं.–मस्ख़रापन, अभिहास, ठठोल; मनोरंजन, दिल्लगी, तफ़्रीह।

तमस्सुक (تمسک) अ. पुं.–ग्रहण करना, लेना, पकड़ना; ऋणपत्र, क़र्ज़नामा; लेख्य, दस्तावेज़।

तमा' (طمع) अ. स्त्री.–लोभ, लोलुपता, हिर्स; इच्छा, अभिलाषा, ख़्वाहिश।

तमाचः (تماچہ) उ. पुं.–दे. 'तपांचः'।

तमाज़त (تمازت) अ. स्त्री.–धूप की गर्मी, सूरज की गर्मी।

तमाज़ते आफ़्ताब (تمازت آفتاب) अ. फा. स्त्री.–सूरज की गर्मी, धूप की गर्मी।

तमादी (تمادی) अ. स्त्री.–अन्त होना, अन्त तक पहुँच जाना, समाप्त हो जाना; लम्बा होना, बढ़ना, बढ़ जाना।

तमानियत (طمانیت) उ. स्त्री.–संतोष, इत्मीनान; सान्त्वना, तसल्ली; विश्वास, एतिबार, मुख्य शब्द 'तुमानीनत' अथवा 'तुमानीयत' है।

तमाम (تمام) अ. वि.–समस्त, समग्र, सब; संपूर्ण, कुल; समाप्त, ख़त्म; निर्मल, ख़ालिस; अत्यधिक, बहुत ज़ियादा।

तमामतर (تمام تر) अ. फा. वि.–सर्व, सारे का सारा, मुकम्मल, पूरा-पूरा।

तमाश: (تماشہ) फा. पु.–दे. शु. शब्द 'तमाशा'।

तमाशबीन (تماش بین) फा. वि.–ऐयाश, वेश्यागामी, रंडीबाज़।

तमाशबीनी (تماش بینی) फा. स्त्री.–ऐयाशी, वेश्यागमन, रंडीबाज़ी।

तमाशा (تماشا) अ. पु.–सैर, तफ़्रीह, विहार; दर्शन, दीदार; आनन्द, लुत्फ़; क्रीड़ा, खेल; बाज़ीगरों या मदारियों आदि का खेल; नाटक आदि का खेल; अद्भुतता, अजूबापन; मनोविनोद, हँसी-मज़ाक़; भौंड़ों या बहुरूपियों की नक़्ल या स्वाँग।

तमाशाई (تماشائی) अ. फा. वि.–तमाशा देखनेवाला या देखनेवाले, कौतुकदर्शी।

तमाशाकुनाँ (تماشاکناں) अ. फा. वि.–सैर करता हुआ, सैर से दिल बहलाता हुआ।

तमाशा ख़ानम (تماشاخانم) अ.तु. स्त्री.–हँसने-हँसानेवाली औरत, ऐसी स्त्री जिसकी बातें बड़ी मनोरंजक हों।

तमाशागर (تماشاگر) अ. फा. वि.–तमाशा करनेवाला, कौतुकी।

तमाशागाह (تماشاگاہ) अ. फा. स्त्री.–वह स्थान जहाँ तमाशा होता हो, क्रीड़ास्थल, कौतुकागार, लीलागृह।

तमाशाबीं (تماشابیں) अ. फा. वि.–तमाशा देखनेवाला, कौतुकदर्शी।

तमासील (تماثیل) अ. स्त्री.–'तिम्साल' और 'तम्सील' का बहु., आकृतियाँ, मूर्तियाँ; उपमाएँ, तश्बीहें।

तमासुख़ (تماسخ) अ. पुं.–सूरत बिगाड़ देना, किसी की सूरत इतनी बिगाड़ देना कि वह पहचान में न आ सके।

तमीज़ (تمیز) अ. स्त्री.–'तम्ईज़' का लघु., विवेक, दो वस्तुओं में अन्तर समझ सकने की बुद्धि; पहचान, परख; शिष्टता, सभ्यता, तहज़ीब; बुद्धि, मेधा, अक़्ल; ज्ञान, संज्ञा, होश; सलीक़ा, कौशल, योग्यता; परीक्षा में मिलनेवाला विशेष चिह्न, डिस्टिंक्शन, विशेष योग्यता।

तमीज़दार (تمیزدار) अ. फा. वि.–शिष्ट, सभ्य, मुहज़्ज़ब; कुशल, योग्य, सलीक़ामंद।

तमूज़ (تموز) फा. स्त्री.–धूप की कड़ी गर्मी, जेठ-बैसाख की गर्मी।

तम्अ (طمع) अ. स्त्री.–दे. 'तमा', दोनों उच्चारण सही हैं।

तम्ईज़ (تمئیز) अ. स्त्री.–दे. 'तमीज़', उर्दू में तमीज़ ही बोला जाता है।

तम्कनत (تمکنت) अ. स्त्री.–अभिमान, गर्व, घमंड, ग़ुरूर; तड़क-भड़क, टीम-टाम।

तम्कीन (تمکین) अ. स्त्री.–स्थिरता, पायदारी; प्रतिष्ठा, सम्मान, वक़्अत; गंभीरता, मतानत, संजीदगी; पद, पदवी, दरजा।

तम्ग़ा (تمغا) तु. पु.–पदक, मेडिल; राजचिह्न, शाही मुहर; माफ़ी की ज़मीन की सनद, भूमिधर-पत्र।

तम्जीद (تمجید) अ. स्त्री.–किसी को महत्ता और प्रतिष्ठा देना; किसी की महत्ता या प्रतिष्ठा का वर्णन करना; स्तुति, कीर्तन, गुणगान, यशोगान, हम्दोसना।

तम्दीद (تمدید) अ. स्त्री.–खींचना, बढ़ाना, लंबा करना; खिंचाव, बढ़ाव, लंबाई।

तम्मत (تمت) अ. क्रि.–समाप्त हुआ, ख़त्म हुआ।

तम्मत बिलख़ैर (تمت بالخیر) अ. क्रि.–अच्छाई और सुन्दरता के साथ समाप्त हुआ, जो काम सुगमता और शुद्धतापूर्वक समाप्त हो, उसके लिए कहते हैं।

तम्माअ् (طماع) अ. वि.–बहुत अधिक लोभी, अति लोलुप, लिप्सु, लुब्ध।

तम्सील (تمثیل) अ. स्त्री.–उपमा, तुलना, तश्बीह; समानता, बराबरी; दृष्टान्त, उदाहरण, मिसाल।

तम्सीलन् (تمثیلاً) अ. अव्य.–उदाहरणार्थ, मिसाल के तौर पर।

तम्सीली (تمثیلی) अ. वि.–उपमा या तुलनावाला; जिसमें कोई तम्सील हो अर्थात् जिसमें किसी असली व्यक्ति के स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति ने उसका पाट अदा किया हो।

तय (طے) अ. पु.–निर्णीत, फ़ैसल; परिपक्व, पुख़्ता; समाप्त, ख़त्म; निश्चित, यक़ीनी; यमन (अरब) का एक वंश जिसमें 'हातिम' हुआ है।

तय्यार: (طیارہ) अ. पु.–वायुयान, विमान, हवाई जहाज़।

तय्यार:शिकन (طیارہ شکن) अ. फा. स्त्री.–वह तोप जो हवाई जहाज़ को मार गिराये।

तय्यार (تیار) अ. वि.–तत्पर, बद्धकटि, आमादा; समाप्त, ख़त्म; हृष्ट-पुष्ट, मेदुर, लहीम शहीम; परिपूर्ण, मुकम्मल; सुसज्जित, आरास्ता; कोई पदार्थ खाने या प्रयोग करने की अवस्था में, जैसे–भोजन अथवा कपड़ा जो सिलने को दिया हो; वस्त्राभूषण आदि से सुसज्जित; कूच, हमले या छापे के लिए कील-कांटे से लैस; उपस्थित, मौजूद, विद्यमान।

तय्यारची (طیارچی) अ. तु. वि.–वायुयान-चालक, हवाई जहाज़ चलानेवाला, पाइलट।

तय्यिबः (طیبہ) अ. स्त्री.–पवित्रा, पुनीता, मुक़द्दस स्त्री; धार्मिक दृष्टिकोण से पवित्र नगरों के विशेषतः मदीने के आगे लगाया जानेवाला शब्द।

तय्यिब (طیب) अ. वि.–पवित्र, शुद्ध, पाक; विहित, जायज़, हलाल, वह धन आदि जो पूरे परिश्रम और पूरी ईमानदारी से कमाया गया हो।

तय्यिबात (طیبات) अ. स्त्री.–'तय्यिब': का बहु , पवित्रा और पुनीतात्मा स्त्रियाँ।

तरंजुबीन (ترنجبین) अ. स्त्री.–एक प्रकार की रेचक शकर जो बाज़ पौदों पर जम जाती है और अधिकतर ख़ुरासान (ईरान) से आती है, तुरंजबीन: शिकंजी; नीबू का शर्बत।

तरः (تره) फा. पुं.–शाक, भाजी, साग, तरकारी ।

तर (تر) फा. वि.–आर्द्र, गीला; नवीन, नया; तत्कालीन, ताज़ा, हाल का; हरा, सब्ज़, सरसब्ज़; लतपत, लथड़ा हुआ; घी आदि से चुपड़ा या उसमें डूबा हुआ, तरतराता; धनवान्, मालदार, (प्रत्य.) अत्यधिक, जैसे—'ख़ूबतर' बहुत अधिक उत्तम या सुन्दर।

तरकश (ترکش) फा. पुं.–तीर रखने का लम्बा खोल जो कमर में लटकाया जाता है, तूणीर, निषंग, त्रोण।

तरकशबंद (ترکش بند) फा. वि.–तूणीरधारी, तरकश बाँधे हुए, निषंगधर।

तरक़्क़ी (ترقی) अ. स्त्री.–उत्थान, उन्नति, उरूज; अधिकता, बहुतायत, ज़ियादती; वृद्धि, बढ़ती; पद या ओहदे में वृद्धि।

तरक़्क़ीपसंद (ترقی پسند) अ. फा. वि.–उन्नति और तरक़्क़ी चाहनेवाला; एक साहित्यिक दल जो साम्यवादी विचारों का प्रचारक और देश में साम्यवाद का हामी है।

तरक़्क़ी पिज़ीर (ترقی پزیر) अ. फा. वि.–दे. 'तरक़्क़ीयाफ़्तः'; उन्नतिप्राप्त (पिज़ीर=प्राप्त)।

तरक़्क़ीयाफ़्तः (ترقی یافتہ) अ.फा. वि.–समुन्नत, वर्द्धमान, तरक़्क़ी को पहुँचा हुआ; सुसभ्य, सुशिष्ट, मुहज़्ज़ब।

तरज़बान (ترزبان) फा. वि.–किसी की प्रशंसा करनेवाला, मद्हख़्वाँ; सुन्दर और शिष्ट भाषण देनेवाला, सुवक्ता।

तरजुमान (ترجمان) अ. पुं.–एक भाषा से दूसरी भाषा में बदलनेवाला, भाषान्तरकार; दो ऐसे व्यक्तियों के बीच में मध्यस्थता करनेवाला जो एक दूसरे की भाषा न समझते हों, द्विभाषी।

तरजुमानी (ترجمانی) अ. फा. स्त्री.–दो भाषाओं का उल्था; दो भाषाभाषियों में मध्यस्थता।

तरज्जी (ترجی) अ. स्त्री.–ऐसी वस्तु के मिलने की आशा जिसकी प्राप्ति संभव हो; आशा, आस, उम्मेद।

तरदस्त (تردست) फा. वि.–स्फूर्तियुक्त, चुस्त, फुर्तीला; हाथ से होनेवाली कारीगरी (दस्तकारी, हस्तशिल्प) में दक्ष और होशियार; प्रवीण, कुशल, माहिर।

तरदामन (تردامن) फा. वि.–जो दामन बचाकर न निकल सका हो बल्कि जिसका दामन सन गया हो अर्थात् किसी अपराध में लिप्त, मुज्रिम; पापी, गुनाहगार।

तरदिमाग़ (تردماغ) फा. वि.–मस्त, मतवाला; बुद्धिमान्, अक़्लमंद; ठंडादिमाग़; स्थिरप्रज्ञ; सावधान।

तरद्दुद (تردد) अ.पुं.–चिन्ता, शोच, सोच, फ़िक्र; असमंजस, दुविधा, पसोपेश; घबराहट, आतुरता, परेशानी; खेत की जुताई-बुवाई आदि, कृषि-कर्म।

तरन्नुम (ترنم) अ.पुं.–स्वर-माधुर्य, ख़ुश इल्हानी; हलका गाना, मधुर गान।

तरन्नुमज़ा (ترنم زا) अ. फा. वि.–ऐसा स्वर जिससे तरन्नुम टपके, अत्यन्त मधुर स्वर, मधुर स्वर उत्पादक।

तरन्नुमरेज़ (ترنم ریز) अ. फा. वि.–तरन्नुम से पढ़नेवाला; तरन्नुम से पढ़ता हुआ।

तरन्नुमरेज़ी (ترنم ریزی) अ. फा. स्त्री.–तरन्नुम से पढ़ना।

तरफ़ (طرف) अ. स्त्री.–दशा, ओर, सिम्त; सिरा, किनारा; जानिब; लिहाज, आदर, पास; पक्ष, पार्टी।

तरफ़दार (طرفدار) अ. फा. वि.–पक्षपाती, हिमायती; सहायक, मददगार।

तरफ़दारी (طرفداری) अ. फा. स्त्री.–पक्षपात, हिमायत; सहायता, मदद।

तरफ़ैन (طرفین) अ. स्त्री.–दोनों पक्ष, दोनों पार्टियाँ, उभय पक्ष।

तरफ़्फ़ुह (ترفہ) अ.पुं.–समृद्धि, विभव, संपन्नता, ख़ुशहाली।

तरफ़्फ़ो (ترفع) अ. पुं.–अपने को सबसे ऊँचा समझना; अहंकार, अहंवाद, गर्व, ग़ुरूर।

तरब (طرب) अ. पुं.–आनन्द, आह्लाद, हर्ष, उल्लास, सौमनस्य, ख़ुशी, मसर्रत।

तरबअंगेज़ (طرب انگیز) अ. फ़ा. वि.—ख़ुशी बढ़ानेवाला, आनन्दवर्धक, हर्षजनक।

तरबअफ़्ज़ा (طرب افزا) अ. फ़ा. वि.—दे. 'तरबअंगेज़'।

तरबगाह (طرب گاہ) अ. फ़ा. स्त्री.—वह स्थान जहाँ ख़ुशियाँ मनाई जा रही हों।

तरबख़ेज़ (طرب خیز) अ. फ़ा. वि.—दे. 'तरबअंगेज़'।

तरबज़ा (طرب زا) अ. फ़ा. वि.—ख़ुशी उत्पन्न करनेवाला, हर्षजनक, आनंदोत्पादक।

तरबसंज (طرب سنج) अ.फ़ा.वि.—तोल-तोलकर आनन्द का ढेर लगानेवाला, बहुत अधिक ख़ुशियों का मालिक।

तरबुज़ (تربز) फ़ा. पुं.—तरबूज़, एक प्रसिद्ध फल, कलींदा, कालिंद, कलिंग, चित्रफल, मांसफल, फलवर्तुल।

तरश्शुह (ترشح) अ. पुं.—हल्की-हल्की फुहार, बूंदा-बाँदी; रिसना, झरना, टपकना; प्रकट होना, ज़ाहिर होना।

तरह (طرح) अ स्त्री.—न्यास, नींव, बुनियाद; पद्धति, शैली, तर्ज़; वेशभूषा, वज़्अ; समान, भाँति, मिस्ल; घटाना, व्यवकलन, तफ़्रीक़; प्रकार, ढंग; टालना, झगड़े को बढ़ने न देना; युक्ति, तरकीब, जुगत; मुशाइरे के लिए मिस्रा, जिससे उसकी बह्र और रदीफ़ो क़ाफ़िया जाना जाता है, समस्या।

तरहदार (طرح دار) अ. फ़ा. वि.—बाँका, छबीला, चुटपुटा, नाज़ोअंदाज़वाला, (माशूक़) वज़अ्दार।

तरहदारी (طرح داری) अ. फ़ा. स्त्री.—बाँकापन, छबीलापन, हाव-भाव, नाज़-नख़्रः, हुस्न, सौन्दर्य।

तराइक़ (طرائق) अ. पुं.—'तरीक़ा' का बहु., तरीक़े।

तराज़ (طراز) फ़ा. पुं.—दे. 'तिराज़', वही शुद्ध है।

तराज़िंदः (طرازندہ) फ़ा.वि.—दे. 'तिराज़िंद.' वही शुद्ध है।

तराजिम (تراجم) अ. पुं.—'तर्जमः' का बहु. 'तर्जमे'।

तराज़िए तरफ़ैन (تراضیٔ طرفین) अ. स्त्री.—दोनों पक्षों की रज़ामंदी, उभयपक्ष की स्वीकृति।

तराजी (تراجی) अ. स्त्री.—एक दूसरे से आशा रखना।

तराज़ी (تراضی) अ. स्त्री.—एक दूसरे से रज़ामंद होना; रज़ामंदी, अंगीकृति।

तराज़ू (ترازو) फ़ा. स्त्री.—तौलने का यंत्र, तुला, तखरी, मीज़ान।

तराज़ूए अद्ल (ترازوے عدل) फ़ा. अ. स्त्री.—वह तराज़ू जिसके दोनों पल्लों में तनिक भी अन्तर न हो, न्याय-तुला।

तराज़ूए संगज़न (ترازوے سنگ زن) फ़ा. स्त्री.—वह तराज़ू जिसमें पासंग हो।

तरानः (ترانہ) फ़ा. पुं.—गान, गाना, नग़्मः; एक विशेष प्रकार का गीत।

तरानःज़न (ترانہ زن) फ़ा वि.—गानेवाला, गायक; गाता हुआ।

तरानःरेज़ (ترانہ ریز) फ़ा. वि.—दे. तरानःज़नः।

तरानःसंज (ترانہ سنج) फ़ा. वि,—दे. 'तरानःज़न'।

तरानःसरा (ترانہ سرا) फ़ा. वि.—दे. 'तरानःज़न'।

तरानःसाज़ (ترانہ ساز) फ़ा. वि.—दे. 'तरानःज़न'।

तरारः (طرارہ) उ. पुं.—दे. 'तर्रारः', वही शुद्ध है।

तरावत (طراوت) अ. स्त्री.—शीतलता, ठंडक, तरी; सरसब्ज़ी, हरियालापन, ताज़गी; दिल और दिमाग़ की ठंडक।

तराविश (تراوش) फ़ा. स्त्री.—टपकन, रंजिश।

तराविशे क़लम (تراوش قلم) फ़ा. अ. स्त्री.—क़लम की टपकन, अर्थात् सियाही की तहरीर।

तराविशे फ़िक्र (تراوش فکر) फ़ा. अ. स्त्री.—कल्पना-शक्ति की टपकन, दिमाग़ की उतरन, मज़्मून, निबन्ध आदि।

तरावीह (تراویح) अ. स्त्री.—रमज़ान के महीने की नमाज़ जो रात में पढ़ी जाती और जिसमें, क़ुरान सुनाया जाता है।

तराशः (تراشہ) फ़ा. पुं.—किसी वस्तु को छीलने में निकला हुआ फोक, छीलन; पत्थर तराशने की छेनी, टाँकी; फाँक, क़ाश।

तराश (تراش) फ़ा. स्त्री.—कटाव, काट-छाँट, कतरब्योंत; काटने का ढंग; कटाव की शक्ल; आविष्कार, ईजाद; धार, बुरिश, काट, (प्रत्य०) काटनेवाला, जैसे—'जेबतराश' जेब काटनेवाला।

तराश ख़राश (تراش خراش) फ़ा. स्त्री.—वेशभूषा, वज़ा क़ता; काट-छाँट, कतरब्योंत।

तराशिंदः (تراشندہ) फ़ा. वि.—काटनेवाला; छीलनेवाला; कतरनेवाला।

तराशीदः (تراشیدہ) फ़ा. वि.—काटा हुआ; छीला हुआ; कतरा हुआ; मनगढ़ंत, कपोल-कल्पित।

तरिकः (ترکہ) अ.पुं.—वह धन और संपत्ति जो किसी के मरने पर उसके उत्तराधिकारियों को मिलती है, दाय, रिक्थ।

तरी (تری) फ़ा. स्त्री.—आर्द्रता, गीलापन; ख़ुश्की का उलटा, पानी का स्थान; सील, नमी, सीड़; समृद्धि, धनाढ्यता, मालदारी।

तरी (طری) अ. वि.—ताज़ा, सरसब्ज़, हरा भरा।

तरीक़ः (طریقہ) अ. पुं.—प्रणाली, शैली, तर्ज़; युक्ति, तरकीब; पंथ, मश्‌रब; नियम, क़ाइदा; परम्परा, रिवाज; चाल-ढाल, रविश; वेशभूषा, वज़ा क़ता।

तरीक़ (طریق) अ. पुं.—"बक़ा का नाम कोई भूलकर नहीं लेता—तेरे तरीक़ ने चौंका दिया, ज़माने को", मार्ग, रास्ता;

शैली, रविश; परम्परा, रिवाज; धर्म, मज़्हब; युक्ति, तरकीब; नियम, दस्तूर।

तरीक़ए ता'लीम (طریقۂ تعلیم) अ. पुं.–शिक्षा-प्रणाली, शिक्षणशैली, पढ़ाने का ढंग।

तरीक़त (طریقت) अ. स्त्री.–आतमशुद्धि, अंतःशुद्धि, दिल की पाकीज़गी; ब्रह्मज्ञान, अध्यात्म, तसव्वुफ़।

तरीक़े अमल (طریق عمل) अ. पुं.–काम करने का तरीक़ा, कार्य-प्रणाली, कार्य-पद्धति।

तरीन (ترین) फा. प्रत्य.–सबसे अधिक, जैसे—'बदतरीन' सबसे अधिक खराब, निकृष्टतम।

तरोताज़ः (تروتازہ) फा. वि.–सरसब्ज़, हरा-भरा; प्रफुल्ल, आनंदित, हशशाश, बश्शाश।

तर्क (ترک) अ. पुं.–त्याग, परित्याग. छोड़ना; भूल, भूल में छूट जाना, सह्व।

तर्क़ीक़ (ترقیق) अ. स्त्री.–पतला करना, पानी की तरह पतला करना; पतलापन, तरलता, रक़ीक़ (द्रव) से बना।

तर्कीब (ترکیب) अ. स्त्री.–मिश्रण, मिलाना; बनावट, साख्त; युक्ति, तद्बीर; ढंग, प्रणाली, तरीक़ा; किसी विशेष चीज़ के बनाने का ढंग; व्याकरण में किसी वाक्य के शब्दों का परिच्छेद।

तर्कीब बंद (ترکیب بند) अ. फा. पुं.–नज़्म की एक क़िस्म, जिसमें कई बंद होते हैं, हर बंद अलग-अलग रदीफ़ क़ाफ़िए में होता है और हर बंद के खतम पर एक नया शे'र लाते हैं जो अलग रदीफ़ क़ाफ़िए का होता है, इसमें और 'तर्जीअ बंद' में यही भेद है कि उसमें टीप का शे'र एक ही होता है जो बार-बार आता है और इसमें टीप के सब शेर अलग-अलग होते हैं।

तर्कीबे इस्ते'माल (ترکیب استعمال) अ. स्त्री.–किसी दवा के खाने की तरकीब, सेवनविधि।

तर्कीबे नह्वी (ترکیب نحوی) अ. स्त्री.–वाक्य-विश्लेषण, विग्रह।

तर्कीबे सर्फ़ी (ترکیب صرفی) अ. स्त्री.–शब्द-निरुक्ति, संधि-विच्छेद, पदान्वय।

तर्क़ुवः (ترقوہ) अ. स्त्री.–हँसली की हड्डी।

तर्के अदब (ترک ادب) अ. पुं.–किसी के साथ जिस सम्मान या नम्रता से पेश आना चाहिए उसका त्याग देना, आदर-त्याग, गुस्ताखी, बदतहज़ीबी।

तर्के अलाइक़ (ترک علائق) अ. पुं.–सांसारिक विषयवासना का त्याग; गृहस्थी और बाल-बच्चों का त्याग, निवृत्ति।

तर्के दुन्या (ترک دنیا) अ. पुं.–संसार के झगड़ों का त्याग, मोहत्याग, विषयत्याग।

तर्के वतन (ترک وطن) अ. पुं.–स्वदेश-त्याग, प्रवास, निर्वासन, जलावतनी।

तर्के लज़्ज़ात (ترک لذات) अ. पुं.–सुख-चैन और अच्छा खाना-पीना छोड़ देना, निवृत्ति।

तर्के मुवालात (ترک موالات) अ. पुं.–मिल-जुलकर काम करना छोड़ देना, असहयोग, अदमे तआउन।

तर्ग़ीब (ترغیب) अ. स्त्री.–लालच देना, प्रलोभन; उत्तेजना, इश्तिआल; प्रेरणा, शौक़; वरग़लाना, बहकाना।

तर्ज़ (طرز) अ. उभ.–शैली, पद्धति, ढंग; स्वभाव, आदत; वेशभूषा, वज़्अ-क़ता।

तर्जमः (ترجمہ) अ. पुं.–अनुवाद, भाषान्तर, उल्था, तर्जुमा भी प्रचलित है।

तर्जीअ (ترجیع) अ. स्त्री.–जाकर वापस आना, प्रत्यागमन; किसी के मरने पर 'इन्नालिल्लाह' कहना।

तर्जीअबंद (ترجیع بند) अ. फा. पुं.–नज़्म की एक क़िस्म जिसमें कई बंद होते हैं, हर बंद अलग-अलग रदीफ़ क़ाफ़िए में होता है और हर बंद की समाप्ति पर एक शे'र आता है जिसका रदीफ काफ़िया जुदा होता है, और यह शे'र हर बंद की समाप्ति पर आता है, वरखिलाफ़ 'तर्कीबबंद' के जिसमें बीच का हर शे'र नया होता है।

तर्जीह (ترجیح) अ. स्त्री.–प्रधानता, श्रेष्ठता, फ़ौक़ियत; किसी व्यक्ति, विषय या वस्तु को उसी जैसे दूसरे व्यक्ति, विषय या वस्तु पर प्रधानता देना।

तर्जीहे बिलामुरज्जेह (ترجیح بلامرجح) अ. स्त्री.–एक को दूसरे पर बिना कारण के प्रधानता देना।

तर्जुमान (ترجمان) अ. पुं.–दे. 'तरजुमान'।

तर्ज़े अदा (طرز ادا) अ. फा. उभ.–काव्य प्रणाली, शाइरी का तर्ज़; हाव-भाव का तर्ज़, नाज़ोअंदाज़।

तर्ज़े कलाम (طرز کلام) अ. उभ.–बात करने का ढंग, वाक्शैली।

तर्ज़े गुफ़्तुगू (طرز گفتگو) अ. फा. उभ.–वार्ताशैली, बात-चीत करने का तरीक़ा।

तर्ज़े तक़रीर (طرز تقریر) अ. उभ.–भाषण-शैली, वाक् प्रणाली, तक़रीर करने का ढंग।

तर्ज़े तहरीर (طرز تحریر) अ. उभ.–लेखन-शैली, लिखने का ढंग।

तर्ज़े रफ़्तार (طرز رفتار) अ. फा. उभ.–चलने का ढंग, गमनप्रकार।

तर्ज़ोअंदाज़ (طرز و انداز) अ. फा. पुं.–वज़्अ-क़ता, रंग-ढंग, चाल-ढाल।

तर्तीब (ترتیب) अ. स्त्री.—क्रम, सिलसिला; प्रबंध, बंदोबस्त; सज्जा, दुरुस्ती; चंद चीज़ों को यथास्थान ठीक-ठीक रखना; हर चीज का उसके मुताबिक़ दर्जा नियुक्त करना।

तर्तीब (ترطیب) अ. स्त्री.—ठंडा करना, शीतल करना; शरीर के किसी अंग में तरी पहुँचाना।

तर्तीबवार (ترتیب‌وار) अ. फा. वि.—तर्तीब से एक के बाद एक।

तर्तील (ترتیل) अ. स्त्री.—क़ुरान को उसके शुद्ध उच्चारण के साथ, धीरे-धीरे और इत्मीनान से पढ़ना।

तर्दीद (تردید) अ. स्त्री.—रद्द करना, लौटाना; खंडन करना, काटना; किसी बात को झूठ साबित करना; किसी के लगाए हुए दोष को ग़लत प्रमाणित करना।

तर्फ़ः (طرفہ) अ. पुं.—एक बार पलक झपकाना; नवाँ नक्षत्र, श्लेषा; नाख़ून: रोग, जिसमें आँख में एक लाल बूंद पड़ जाती है।

तर्फ़ (طرف) अ. पु.—पलक झपकाना; आँख; देखना; कोना, कनारा, गोशा; सुनहरी पेटी जो कमर में सजावट के लिए बाँधते हैं; सोने-चाँदी की जंजीर जो कमर में बाँधी जाती है।

तर्फ़ुलऐन (طرفة العين) अ. पुं.—एक बार पलक का झपकना; बहुत ज़रा-सी देर।

तर्बियत (تربیت) अ. स्त्री.—पालन-पोषण, परवरिश शिक्षा, तालीम; सभ्यता और शिष्टाचार की शिक्षा; तादीब; ट्रेनिंग, प्रशिक्षण; सुधार।

तर्बियतयाफ़्तः (تربیت‌یافتہ) अ. फा. वि.—जो शिष्टता और सभ्यता की शिक्षा पा चुका हो, सभ्य, शिष्ट; ट्रेनिंग पाया हुआ, प्रशिक्षित।

तर्मीम (ترمیم) अ. स्त्री.—मरम्मत करना, सँवारना, दुरुस्त करना; काट-छाँट, इस्लाह; संशोधन, किसी प्रस्ताव में काट-छाँट, परिवर्तन।

तर्रार (طرار) अ. वि.—तेज़ बोलनेवाला, वाचाल, मुखर; चालाक, दक्ष, कुशल; छली, वंचक, हीलागर; चुलबुला, चपल, शोख।

तर्रारी (طراری) अ. स्त्री.—छल, कपट, ठगी; चपलता, चंचलपन, शोखी; वाचालता, मुखरता, चौकड़ी, कुलांच।

तर्वीज (ترویج) अ. स्त्री.—रिवाज देना, प्रचलित करना, फैलाना; प्रचार करना, तब्लीग़ करना।

तर्स (ترس) फा. पुं.—भय, डर, खौफ़।

तर्सनाक (ترسناک) फा. वि.—भयभीत, डरा हुआ, भयाक्रांत, भयत्रस्त।

तर्सां (ترساں) फा. वि.—भयभीत, त्रस्त, भयार्त, खौफ़ज़दा।

तर्सा (ترسا) फा. पुं.—ईसाई, ख्रिष्टीय; आतशपरस्त, अग्निपूजक, पार्सी।

तर्साबचः (ترسابچہ) फा. पुं.—ईसाई खूबसूरत लड़का; पार्सी खूबसूरत लड़का।

तर्सिदः (ترسندہ) फा. वि.—डरनेवाला।

तर्सीअ (ترصیع) अ. स्त्री.—किसी ज़ेवर पर नगीने जड़ना; इबारत के दो जुमलों में एक वज़न और क़ाफ़िए के शब्द लाना।

तर्सीदः (ترسیدہ) फा. वि.—डरा हुआ, भयत्रस्त।

तर्सील (ترسیل) अ. स्त्री.—भेजना, प्रेषण; रुपया या खत आदि भेजना।

तर्ह (طرح) अ. स्त्री.—दे. 'तरह', दोनों शुद्ध हैं, बुनियाद, नींव।

तर्हअंदाज़ (طرح‌انداز) अ. फा. वि.—नींव डालनेवाला, बुनियाद रखनेवाला।

तर्हअफ़गन (طرح‌افگن) अ. फा. वि.—दे. 'तर्हअंदाज़'।

तर्ही (طرحی) अ. वि.—तर्हवाला, वह मिसा जो किसी मुशायरे की तर्ह हो।

तर्हेनौ (طرح‌نو) अ. फा. स्त्री.—नयी बुनियाद, नये सिरे से कोई तामीर; नये सिरे से कोई काम, अनुष्ठान।

तल (طل) अ. स्त्री—ओस, शबनम।

तलज्जुज़ (تلذذ) अ. पुं.—मज़ा पाना, स्वाद पाना; स्वाद, मज़ा; लज़्ज़त, आनन्द।

तलत्तुफ़ (تلطف) अ. पुं.—कृपा, दया, मेहरबानी।

तलफ़ (تلف) अ. पुं.—नष्ट, विनष्ट, बरबाद, तबाह; हत, हलाक, मृत।

तलफ़्फ़ुज़ (تلفظ) अ. पुं.—उच्चारण, मुंह से शब्द निकालना।

तुलबः (طلبہ) अ. पुं.—'तालिब' का बहु., विद्यार्थी लोग।

तलब (طلب) अ. स्त्री.—माँगना, याचना; अभियाचना, तक़ाज़ा; वेतन, तनख़्वाह; इच्छा, चाह, ख्वाहिश; बुलावा, तलबी; किसी नशीली वस्तु—जिसके खाने या पीने का अभ्यास हो—की चाह।

तलबगार (طلب‌گار) अ. फा. वि.—इच्छुक, अभिलाषी, ख्वाहिशमंद, "इक बार दिखाकर चले जाओ झलक अपनी, हम जल्वए-पैहमके तलबगार कहाँ हैं?"—हसरत मोहानी।

तलबा (طلبا) अ. पुं.—'तालिब' का बहु., विद्यार्थीगण, तालिबेइल्म।

तलबानः (طلبانہ) अ. फा. पुं.—अदालत में गवाहों आदि के बुलाने को जमा होनेवाला सफ़रखर्च आदि।

तलबी (طلبی) अ. स्त्री.–आवाहन, बुलावा; न्यायालय में सम्मन द्वारा बुलावा।

तलबीदः (طلبیده) फा. वि.–बुलाया हुआ, आहूत; सम्मन द्वारा बुलाना।

तलब्बुस (تلبس) अ. पुं.–कपड़े पहनना।

तलम्मुज़ (تلمذ) अ. पुं.–शिष्य होना, शागिर्द होना; शिष्यता, शागिर्दी, विशेषतः शाइरी की शागिर्दी।

तलव्वुन (تلون) अ. पुं.–रंग बदलना, कभी कुछ होना कभी कुछ।

तलव्वुन मिज़ाज (تلون مزاج) अ. वि.–जो कभी कुछ सोचे कभी कुछ, जिसकी राय हर समय बदलती रहे, अस्थिर-चित्त।

तलव्वुस (تلوث) अ. पुं.–सनना, लथड़ना, भरना।

तलाक़ (طلاق) अ. स्त्री.–विवाह-विच्छेद, मियाँ-बीबी का सम्बन्ध समाप्त करनेवाला अमल।

तलाक़त (طلاقت) अ. स्त्री.–ज़बान की तेज़ी, वाक्य-पटुता।

तलाक़ी (طلاقی) अ. स्त्री.–परस्पर मिलना, मुलाक़ात करना, भेंट करना।

तलाक़े बाइन (طلاق بائن) अ. स्त्री.–वह तलाक़ जिसमें विच्छिन्ना स्त्री जब तक दूसरे आदमी से विवाह न कर ले और उसके साथ सहवास न हो जाय, तब तक पहला आदमी उससे विवाह नहीं कर सकता।

तलाक़े मुग़ल्लज़ः (طلاق مغلظه) अ. स्त्री.–वह तलाक़ जिसमें फिर पुरुष, विच्छिन्ना स्त्री से विवाह कदापि नहीं कर सकता।

तलाक़े रज्ई (طلاق رجعی) अ. स्त्री.–वह तलाक़ जिसमें पुरुष स्त्री से पुनः विवाह कर सकता है।

तलाक़े शिकम (طلاق شکم) अ. स्त्री.–पेट चलना, दस्त आना।

तलातुम (تلاطم) अ. पुं.–पानी का मौजें मारना; तुग़्यानी, बाढ़।

तलाफ़ी (تلافی) अ. स्त्री.–क्षतिपूर्ति, हानि की पूर्ति, नुक़्सान का बदला, तदारुक।

तलाफ़ीए माफ़ात (تلافئ مافات) अ. स्त्री.–नुक़्सान की तलाफ़ी, क्षतिपूर्ति।

तलामिज़ः (تلامذه) अ. पुं.–'तिलमीज़' का बहु., शागिर्द लोग।

तलामीज़ (تلامیذ) अ. पुं.–दे. 'तलामिज़ः'।

तलायः (طلایه) तु. पुं.–रात्रि में पहरा देनेवाली सेना।

तलायःगर्दी (طلایه گردی) तु. फा. स्त्री.–सेना की रात्रि में पहरा देने की ड्यूटी।

तलायःदार (طلایه‌دار) तु. फा. पुं.–तलायः का नायक।

तलाश (تلاش) तु. स्त्री.–खोज, टोह, जुस्तुजू।

तलाशी (تلاشی) तु. स्त्री.–ढूँढ़, खोज, जुस्तुजू; सरकारी आज्ञा से किसी के मकान आदि की छानबीन।

तलीअः (طلیعه) अ. पुं.–दे. 'तलायः'।

तलीक़ (طلیق) अ. वि.–स्वच्छंद, मुक्त, आज़ाद, निरंकुश।

तलीक़ुल्लिसान (طلیق اللسان) अ. वि.–जिसकी ज़बान आज़ाद हो, जो चाहे कहे, मुँहफट, मुक्तकंठ; वाक्यपटु, तक़्क़ार।

तलीक़ुल यदैन (طلیق الیدین) अ. वि.–मुक्तहस्त, फ़ैयाज़, दोनों हाथों से देनेवाला।

तल्अत (طلعت) अ. स्त्री.–मुख, आकृति, चेहरा; रूप, शोभा, छटा; दर्शन, दीदार।

तल्ईन (تلئین) अ. स्त्री.–नर्म करना, मुलाइम करना; हलका जुलाब।

तल्क़ (طلق) अ. पुं.–अब्रक, अभ्रक; मदिरा, शराब; दर्दे ज़ेह, प्रसव-कष्ट।

तल्क़ीन (تلقین) अ. स्त्री.–दीक्षा देना, गुरुमंत्र देना, पीर का मुरीद को अमल आदि पढ़ाना; सदुपदेश, वा'ज़, नसीहत।

तल्ख़ः (تلخه) फा. पुं.–पित्त, सफ़ा; पित्ताशय, सफ़ा की थैली।

तल्ख़ (تلخ) फा. वि.–कड़वा, कटु; अरुचिकर, नागवार।

तल्ख़काम (تلخ کام) फा. वि.–असफलमनोरथ, नामुराद।

तल्ख़गो (تلخ گو) फा. वि.–कटुभाषी, कड़वी बातें करने-वाला; सत्यभाषी, ठीक बात कहनेवाला।

तल्ख़ज़बाँ (تلخ زباں) फा. वि.–दे. 'तल्ख़गो'।

तल्ख़ाबः (تلخابه) फा. पुं.–दे. 'तल्ख़ाब' (तल्ख़ = कड़ुवा + आब = पानी)।

तल्ख़ाब (تلخاب) फा. पुं.–ज़हर का पानी, ऐसा पानी जो पिया न जा सके।

तल्ख़ाबे ग़म (تلخاب غم) फा. अ. पुं.–प्रेम के दुःख का पानी रूपी विष।

तल्ख़ी (تلخی) फा. स्त्री.–कटुता, कड़वापन; सत्यता, सच्चाई; दुःशीलता, कज अख़्लाक़ी।

तल्ख़ीस (تلخیص) अ. स्त्री.–संक्षिप्त, साररूप, खुलासा; निर्मलता, शुद्धता, ख़ालिसपन।

तल्मीज़ (تلمیذ) अ. पुं.–दे. 'तिलमीज़', शुद्ध यही है।

तल्मीह (تلمیح) अ. स्त्री.–किसी की ओर उचटती हुई दृष्टि डालना; शे'र या बयान में किसी क़िस्से की ओर संकेत।

तल्सीहतलब (تلسیح طلب) अ. वि.–ऐसा शे'र या मज़्मून जिसमें किसी क़िस्से या बात की व्याख्या ज़रूरी हो।

तल्वीन (تلوین) अ. स्त्री.–रंग भरना, रंग-बिरंगी करना।

तवक़्क़ुफ़ (توقف) अ. पुं.–विलंब, ढील, देर।

तवक्कुल (توکل) अ. पुं.–सांसारिक साधनों का भरोसा हटाकर सारे काम ईश्वर की मर्ज़ी पर छोड़ देना।

तवक़्क़ो' (توقع) अ. पुं.–आशा, भरोसा, उम्मीद।

तवज्जोह (توجہ) अ. पुं.–किसी की ओर मुँह करना, ध्यान देना; ध्यान, रुजूअ; ग़ौर, अधिक ध्यान; कृपा, दया, मेहरबानी।

तवत्तुन (توطن) अ. पुं.–वतन बनाना, रहने लगना।

तवर्रो' (تورع) अ. पुं.–संयम, यतिधर्म, आत्मसंयम, परहेज़गारी, ज़ुह्द।

तवल्ला (تولی) अ. पुं.–प्रेम, स्नेह, भक्ति, मुहब्बत।

तवल्लुद (تولد) अ. पुं.–उत्पत्ति, पैदाइश, लड़का पैदा होना।

तवस्सुत (توسط) अ. पुं.–बीच की राह पकड़ना, न बहुत अधिकता न बहुत कमी; मध्यस्थता, बिचौलियापन।

तवस्सुल (توسل) अ. पुं.–किसी को किसी काम के लिए वसीला बनाना, सहारा पकड़ना; मा'रिफ़त, ज़रीअः।

तवह्हुम (توهم) अ. पुं.–भ्रम में डालना; भ्रम में पड़ना; भ्रम, भ्रान्ति, वह्म।

तवह्हुमपरस्त (توهم پرست) अ.फा. वि.–वह्म की बातों को माननेवाला, ऐसी बातों पर विश्वास रखनेवाला जिनका कोई अस्तित्व नहीं है, भ्रमवादी।

तवह्हुमपरस्ती (توهم پرستی) अ. फा. स्त्री.–निराधार और काल्पनिक चीज़ों पर विश्वास रखना।

तवह्हुश (توحش) अ. पुं.–वहशी बनना, वहशत होना, किसी चीज़ से घबराना, भागना।

तवाइफ़ (طوائف) अ. स्त्री.–'ताइफ़ः' का बहु., रंडी, गणिका, वारमुखी, क्रीडानारी, वर्चटी, विभावरी, नगरनायिका, वेश्या, मंगलामुखी।

तवाइफ़ज़ादः (طوائف زاده) अ. फा. पुं.–गणिकात्मज, वेश्यापुत्र, रंडी का लड़का।

तवाइफ़ुल मुलूकी (طوائف الملوکی) अ. स्त्री.–देश का उथल-पुथल, राज का कुप्रबंध, राजगद्दी का बार-बार परिवर्तन, गृह-युद्ध आदि का कुचक्र।

तवाज़ुन (توازن) अ. पुं.–दोनों पल्लों में बोझ बराबर होना, संतुलन, एतिदाल, हमवज़्नी।

तवाज़ुनेक़ुव्वत (توازن قوت) अ. पुं.–दोनों ओर शक्ति की समानता।

तवाज़ी (توازی) अ. स्त्री.–परस्पर बराबर होना; परस्पर बराबर अन्तर होना, समानान्तर।

तवाज़ो' (تواضع) अ. पुं.–आदर, सत्कार, इज़्ज़त; आवभगत, ख़ातिरदारी; आतिथ्य, मेहमाँदारी; नम्रता, विनति, आजिज़ी, ख़ाकसारी।

तवातुर (تواتر) अ. पुं.–निरंतरता, अनवरतता, लगातारपन, तसलसुल।

तवाफ़ (طواف) अ. पुं.–किसी चीज़ के चारों ओर फिरना, परिक्रमण, परिक्रमा, प्रदक्षिणा, पैंकरमा।

तवाफ़ुक़ (توافق) अ. पुं.–परस्पर एक जगह रहना; एक दूसरे के अनुकूल होना; एक दूसरे की सहायता करना; एक जैसा होना, सदृशता, यकसानियत।

तवाफ़ुक़े लिसानैन (توافق لسانین) अ. पु.–दो विभिन्न भाषाओं के किसी शब्द का एक जैसा होना, बनावट में भी और अर्थ में भी, जैसे—"फुल्ल" अरबी और संस्कृत दोनों में फूल को कहते हैं।

तवाबिल (توابل) फा. पुं.–गरम मसाले, काली मिर्च, लौंग, इलाइची, ज़ीरा आदि।

तवाबे' (توابع) अ. पुं.–'ताब्रे' का बहु., अधीन लोग, अनुयायी लोग।

तवारी (تواری) अ. स्त्री.–छुपना, पोशीदा होना; गुप्ति, गोपन, लोप, पोशीदगी।

तवारीख़ (تواریخ) अ. स्त्री.–'तारीख़' का बहु., तारीख़ें, तिथियाँ; इतिहास, किसी देश की तारीख़।

तवारुद (توارد) अ. पुं.–परस्पर एक जगह उतरना; दो शाइरों के किसी शे'र का मज़्मून एक हो जाना, भावसाम्य।

तवालत (طوالت) अ. स्त्री.–लम्बाई, दीर्घता, आयाम; विलम्ब, ढील, देर; बखेड़ा, झंझट, दर्देसर; मुद्दत की लम्बाई।

तवालिए इज़ाफ़ात (توالئی اضافات) अ. स्त्री.–किसी वाक्य के शब्दों में बहुत-सी इज़ाफ़तों का इकट्ठा हो जाना, जैसे—'आप के घर के मालिक के बेटे का नौकर' या जैसे—'गुले सरसब्ज़े बाग़े ख़ुल्देबरीं', यह दोष है।

तवाली (توالی) अ. स्त्री.–लगातार आना या होना।

तवालुद (توالد) अ. पुं.–संतान उत्पन्न करना, यह शब्द अकेला नहीं आता वरन् 'तनासुल' के साथ मिलकर 'तवालुदो तनासुल' बोला जाता है, दे. 'तनासुल'।

तव्वाब (تواب) अ. पुं.–तौबः (पापों की क्षमा याचना) स्वीकार करनेवाला, ईश्वर का नाम।

तशक़्क़ुक़ (تشقق) अ. पुं.–फटना, शक़ होना।

तशक्कुक (تشکک) अ. पुं.–भ्रम और शंका में पड़ना; संदेह, शंका, भ्रम, शक।

तशक्कुर (تشکر) अ. पुं.–शुक्रियः अदा करना, धन्यवाद देना, कृतज्ञता प्रकट करना।

तशक्कुल (تشکل) अ. पुं.–किसी चीज़ का साकार होना।

तशक्की (تشکی) अ. स्त्री.–गिला करना, उलाहना देना।

तशख्खुस (تشخص) अ. पुं.–निश्चित होना, मुअय्यन होना।

तशत्तुत (تشتت) अ. पुं.–तितर-बितर होना, अस्त-व्यस्त होना, मुंतशिर होना।

तशद्दुद (تشدد) अ. पुं.–सख़्ती करना, ज़ुल्म करना, अत्याचार करना; मारपीट करना।

तशन्नुज (تشنج) अ. पुं.–किसी अंग का अकड़ना, इस प्रकार अकड़ना कि झुके नहीं; अकड़न, ऐंठन।

तशफ़्फ़ी (تشفی) अ. स्त्री.–सान्त्वना, ढाढ़स, तसल्ली; रोगमुक्ति, शिफ़ा।

तशब्बुह (تشبہ) अ. पुं.–सदृश होना, एक-जैसा होना; एकरूपता, सादृश्य, हमशक्ली।

तशय्यो' (تشیع) अ. पुं.–शीआ होना; अपने को शीआ बताना।

तशर्रो' (تشرع) अ. पुं.–शरीअत (धर्मशास्त्र) पर चलना।

तशहहुद (تشہد) अ. पुं.–'कलिमए शहादत' पढ़ना।

तशाउर (تشاعر) अ. पुं.–अपने को शाइर (कवि) बताना, झूठा शाइर (शायर) बनना।

तशाबुह (تشابہ) अ. पुं.–परस्पर एक-जैसा होना; एक-जैसी आयतें (क़ुरान के वाक्य) होने के कारण हाफ़िज़ का क़ुरान की आयतों को कहीं का कहीं मिला देना।

तशावुर (تشاور) अ. पुं.–परस्पर सलाह-मशवरा करना, विचार-विनिमय करना, परामर्श करना।

तश्कीक (تشکیک) अ. स्त्री.–किसी को शंका या भ्रम में डालना।

तश्ख़ीस (تشخیص) अ. स्त्री.–नियुक्ति करना, निश्चय करना; जाँचना, जानकारी के लिए परखना।

तश्ख़ीसे मरज़ (تشخیص مرض) अ. स्त्री.–रोग-निदान, बीमारी की जाँच।

तश्त (تشت) फ़ा. पुं.–थाली, बड़ी रिकेबी; थाल, परात।

तश्त अज़ बाम (تشت از بام) फ़ा. अव्य.–भेद खुलना, बात सबमें फैल जाना।

तश्तरी (تشتری) फ़ा. स्त्री.–रिकाबी, प्लेट।

तश्दीद (تشدید) अ. स्त्री.–एक अक्षर को दो बार पढ़ना, द्वित्व; उर्दू में तश्दीद का चिह्न (ّ)।

तश्नः (تشنہ) फ़ा. वि.–प्यासा, तृषित, पिपासित; अतृप्त, जिसका जी न भरा हो; तिश्ना भी प्रचलित।

तश्नःकाम (تشنہ‌کام) फ़ा. वि.–तृषित, प्यासा; असफल-मनोरथ, नाकाम।

तश्नःजिगर (تشنہ‌جگر) फ़ा. वि.–असफलकाम, नाकामयाब; अभिलाषी, मुश्ताक़।

तश्नःलब (تشنہ‌لب) फ़ा. वि.–जिसके ओंठ प्यास के मारे सूख गये हों, बहुत प्यासा,—'उम्मीदे लुत्फ़ आपसे है इक खयाले खाम—कब तश्नालब की प्यास बुझी है सराब से।"

तश्नए ख़ूँ (تشنۂ خوں) खून का प्यासा, जान का दुश्मन, प्राणघातक।

तश्नए दीदार (تشنۂ دیدار) देखने का भूखा, बहुत अधिक अभिलाषी।

तश्नगी (تشنگی) फ़ा. स्त्री.–प्यास, तृष्णा, पिपासा; लालसा, अभिलाषा, इश्तियाक़।

तश्नीअ' (تشنیع) अ. स्त्री.–बुरा-भला कहना, लानत-मलामत करना।

तश्बीब (تشبیب) अ. स्त्री.–क़सीदे में शुरू के शे'र जिनमें कोई दृश्य या किसी घटना का वर्णन होता है और उसके बाद ही गुरेज़ होता है।

तश्बीह (تشبیہ) अ. स्त्री.–एक अर्थालंकार जिसमें एक वस्तु की तुलना दूसरी वस्तु से करके उसे घटाया या बढ़ाया या बराबर किया जाता है, उपमा।

तश्बीहे ताम (تشبیہ تام) अ. स्त्री.–ऐसी उपमा जो पूरी-पूरी घटित हो, पूर्णोपमा।

तश्बीहे नाक़िस (تشبیہ ناقص) अ. स्त्री.–ऐसी उपमा जो दो वस्तुओं में केवल एक बात में ठीक उतरे, सबमें न हो, लुप्तोपमा।

तश्रीफ़ (تشریف) अ. स्त्री.–प्रतिष्ठा, सम्मान, बुज़ुर्गी; ख़िल्अत, राज की ओर से सम्मानार्थ दिये जानेवाले वस्त्राभूषण आदि; पदार्पण, आगम; शुभागम।

तश्रीफ़ अर्ज़ानी (تشریف ارزانی) अ. फ़ा. स्त्री.–दे. 'तश्रीफ़ आवरी'।

तश्रीफ़ आवरी (تشریف آوری) अ. फ़ा. स्त्री.–विराजमान होना, पदार्पण करना, तश्रीफ़ लाना, शुभागमन।

तश्रीफ़फ़र्माई (تشریف‌فرمائی) अ. फ़ा. स्त्री.–ठहरना, बैठना, तश्रीफ़ रखना।

तश्रीफ़बरी (تشریف‌بری) अ. फ़ा. स्त्री.–तश्रीफ़ ले जाना, वापस जाना, जाना, रुख़सत होना।

तश्रीफ़ात (تشریفات) अ. स्त्री.–जुलूस, शोभायात्रा; ख़िलअत।

तश्रीह (تشریح) अ. स्त्री.–खोलकर बयान करना, स्पष्टीकरण, तौज़ीह; व्याख्या, टीका, तफ़स्लील; भाष्य, तफ़्सीर; भाषान्तर, उल्था, तर्जमा; शरीर के अंगों, नसों, हड्डियों आदि का विवरण, अनाटमी, शारीर।

तश्रीहुलअब्दान (تشریح الابدان) अ. स्त्री.–शरीर का डाक्टरी विवरण, एनाटोमी, शारीर, शरीर-विज्ञान।

तश्वियः (تشویہ) अ. पुं.–भूनना, भृष्टि; दवा को पोटली में रखकर गर्म रेत या राख में दबाकर भूनना।

तश्वीश (تشویش) अ. स्त्री.–चिन्ता, सोच, फ़िक्र; भय, त्रास, डर; आतुरता, व्याकुलता, घबराहट।

तश्वीशअंगेज़ (تشویش انگیز) अ. फा. वि.–चिन्ताजनक, फ़िक्र पैदा करनेवाला।

तश्वीशनाक (تشویش ناک) अ. फा. वि.–भय-संकुल, पुरखतर।

तश्हीर (تشہیر) अ. स्त्री.–किसी को बुरी तरह जनता में बदनाम करना, जैसे—गधे पर चढ़ाकर निकालना या मुँह काला करके चारों ओर घुमाना।

तसद्दुक़ (تصدق) अ. पुं.–न्योछावर होना, सदक़े होना; कृपा, दया, अनुकम्पा, मेहरबानी; भेंट, बलिदान, सद्क़ः, —"जिस जगह देख लिया जान तसद्दुक़ कर दी—में तो पाबन्द नहीं काबे या बुतखाने का।"

तसन्नुन (تسنن) अ. पुं.–सुन्नी होना, पैग़म्बर के फ़रमान का अनुकरण करना।

तसन्नो (تصنع) अ. पुं.–कृत्रिमता, बनावट; दिखावा, ज़ाहिरदारी; ज़ाहिरी खातिरदारी, कपट-व्यवहार; चापलूसी, चाटुकारिता।

तसर्रुफ़ (تصرف) अ. पुं.–प्रयोग, व्यवहार, इस्तेमाल; अधिकार, क़ब्ज़ा; परिवर्तन, रद्दोबदल; ग़बन, मोषण; किसी चीज़ में कतर-ब्योंत करके अपने मतलब का बना लेना; चमत्कार, करामात।

तसर्रुफ़े बेजा (تصرف بیجا) अ. फा.–खियानत, ग़बन, मोषण, अपहरण।

तसल्ली (تسلی) अ. स्त्री.–सान्त्वना, ढाढ़स, दिलासा; संतोष, सब्र।

तसल्लुत (تسلط) अ. पुं.–अधिकार, क़ब्ज़ा, दखल; प्रभुत्व, ग़लबः।

तसल्सुल (تسلسل) अ. पुं.–निरंतरता, लगातारपन; लड़ी में लड़ी गूँथना; शृंखलाबद्ध।

तसव्वुफ़ (تصوف) अ. पु.–ब्रह्मवाद, अध्यात्मवाद, सूफीइज़्म; मन की सांसारिक विषयों से विरक्ति, परहेज़गारी; वेदान्त, ज्ञानकांड, इल्मे तसव्वुफ।

तसव्वुर (تصور) अ. पुं.–चित्त को एकाग्र करके किसी को ध्यान में प्रत्यक्ष करना; अनुध्यान; ध्यान, विचार, खयाल; कल्पना, तख़ैयुल।

तसाउद (تصاعد) अ. पुं.–ऊपर चढ़ना, बलंद होना।

तसादुम (تصادم) अ. पुं.–परस्पर टकराना, एक दूसरे को धक्का देना; मुठभेड़, लड़ाई; संघर्ष, टक्कर, टकराव; हानि पहुँचाना, ज़रर देना:

तसानीफ़ (تصانیف) अ. स्त्री.–'तस्नीफ़' का बहु., तस्नीफ़ें, रचनाएँ।

तसाबीह (تسابیح) अ. स्त्री.–'तस्बीह' का बहु., जपमालाएँ, जप करने की मालाएँ।

तसामुह (تسامح) अ. पुं.–वीरता, बहादुरी; दरगुज़र, चश्मपोशी; वक्ता का कुछ कहना और सुननेवाले का कुछ समझना; दुटप्पी बात, जिससे सुननेवाला ग़लती कर सके, या कर दे।

तसावी (تساوی) अ. स्त्री.–परस्पर बराबर होना; समानता, बराबरी।

तसावीर (تصاویر) अ. स्त्री.–'तस्वीर' का बहु. 'तस्वीरें'।

तसाहुल (تساہل) अ. पुं.–आलस्य, अवसन्नता, काहिली, सुस्ती; आसान समझना।

तसीर (تسیر) अ. स्त्री.–सैर करना, विहार करना, सैर-सपाटा, तफ़रीह।

तसुईद (تصعید) अ. स्त्री.–ऊँची जगह पर चढ़ना, बलन्द होना; दो हाँडियों या प्यालों में विधिपूर्वक दवाओं का जौहर उड़ाना।

तस्कीन (تسکین) अ. स्त्री.–सान्त्वना, ढाढ़स, दिलासा; संतोष, इत्मीनान; रोग में कमी, इफ़ाक़ः; पीड़ा और दर्द में कमी, आराम; किसी अच् अक्षर को हल करना।

तस्ग़ीर (تصغیر) अ. स्त्री.–छोटा करना, संक्षिप्त करना; किसी शब्द के अर्थ में छोटाई पैदा करना, जैसे—'बाल' से 'बालक' बनाना; इस प्रकार बनाया हुआ शब्द।

तस्ख़ीन (تسخین) अ. स्त्री.–गर्म करना, गर्मी पहुँचाना।

तस्ख़ीर (تسخیر) अ. स्त्री.–वशीभूत करना, ताबे' करना; जीतना, जीतकर क़ब्ज़ा करना; भूत-प्रेत या जिन-परी को बस में करना; किसी को अपने ऊपर मुग्ध करना।

तस्ख़ीरे क़ुलूब (تسخیر قلوب) अ. स्त्री.–लोगों के मन को अपने आचार-व्यवहार से मोह लेना।

तस्ख़ीरे हमज़ाद (تسخیر ہمزاد) अ. फा. स्त्री.–मंत्र आदि के द्वारा 'हमज़ाद' को अपने वस में कर लेना, कहते हैं कि हमज़ाद के वशीभूत हो जाने पर मनुष्य जो चाहे कर सकता है, क्योंकि 'हमज़ाद' बड़ा शक्तिशाली होता है।

तस्बीन (تسجین) अ. स्त्री.–कारागार में बंद करना, जेल में डाल देना।

तस्बील (تسجیل) अ. स्त्री.–तमस्सुक लिखना; रजिस्ट्री (दस्तावेज़) करना; लेख्य, दस्तावेज़।

तस्तीर (تسطیر) अ. स्त्री.–लिखना, लेखन-क्रिया; लकीरें खींचना, रेखांकन।

तस्तीर (تستیر) अ. स्त्री.–छिपाना, गोपन; परदा डालना, परिवेष्टन।

तस्दीअः (تصدیعہ) अ. पुं.–एक बार कष्ट देना, एक बार दर्द सर देना; कष्ट, दुःख, तक्लीफ़।

तस्दीअ (تصدیع) अ. स्त्री.–सिर की पीड़ा, सर-दर्द; कष्ट, क्लेश, दुःख, तक्लीफ़।

तस्दीक़ (تصدیق) अ. स्त्री.–सच्चे होने की ताईद करना, सच्चा बताना; प्रमाण, सुबूत।

तस्नियः (تثنیہ) अ. पुं.–एकवचन और बहुवचन के बीच का, 'द्विवचन', यह हिंदी और उर्दू फ़ारसी में नहीं है, परन्तु संस्कृत और अरबी में है।

तस्नीफ़ (تصنیف) अ. स्त्री.–पुस्तक लिखना, किताब बनाना, रचना; लिखी हुई पुस्तक, बनाई हुई कविता; मनगढ़ंत, कपोल-कल्पित, फ़र्ज़ी बात।

तस्नीफ़ात (تصنیفات) अ. स्त्री.–'तस्नीफ़' का बहु., रचनाएँ, तस्नीफ़ें।

तस्नीम (تسنیم) अ. स्त्री.–स्वर्ग की एक (नहर)।

तस्फ़ियः (تصفیہ) अ. पुं.–आपस का निबटारा, समझौता; निर्णय, फ़ैसला; शुद्ध करना, साफ़ करना; शुद्धि, सफ़ाई; बाहम-परस्पर–दिलों की सफ़ाई, मेल।

तस्फ़ियःतलब (تصفیہ طلب) अ. फ़ा. वि.–वे बातें जिनकी सफ़ाई होनी आवश्यक है।

तस्फ़ियःनामः (تصفیہ نامہ) अ. फ़ा. पुं.–वह काग़ज़ जिसमें आपस के तस्फ़िए की लिखता-पढ़ती हो।

तस्बीग़ (تصبیغ) अ. स्त्री.–रंग करना, रँगना।

तस्बीह (تسبیح) अ. स्त्री.–सुब्हानल्लाह (ईश्वर अत्यन्त पवित्र है) कहना; जपमाला, माला।

तस्बीहख़्वाँ (تسبیح خواں) अ. फ़ा. वि.–तस्बीह पढ़नेवाला; 'सुब्हानल्लाह' का जप करनेवाला।

तस्मः (تسمہ) फ़ा. पुं.–चमड़े की कम चौड़ी और लम्बी पट्टी; जूते का फ़ीता; चमड़े का कोड़ा, दुर्रा।

तस्मःकश (تسمہ کش) फ़ा. वि.–गले में फंदा डालकर मार डालनेवाला, ठग; जल्लाद, क़ातिल।

तस्मःपा (تسمہ پا) फ़ा. पुं.–जिसका पाँव तस्मे से बँधा हो।

तस्मःबाज़ (تسمہ باز) फ़ा. वि.–धूर्त, छली, वंचक, मक्कार; द्यूतकार, जुआरी।

तस्मःबाज़ी (تسمہ بازی) फ़ा. स्त्री.–छल, कपट, फ़रेब; एक प्रकार का जुआ।

तस्मियः (تسمیہ) अ. पुं.–'बिस्मिल्लाह' (ईश्वर के नाम से आरम्भ) कहना; नामकरण, नाम रखना।

तस्मियःख़्वानी (تسمیہ خوانی) अ. फ़ा. स्त्री.–बच्चे को पढ़ने बिठाने का संस्कार, विद्यारम्भ।

तस्मीन (تسمین) अ. स्त्री.–मोटा करना, स्थूल बनाना; खूब घी और चरबी खिलाना।

तस्मीम (تصمیم) अ. स्त्री.–दृढ़ करना, मज़बूत बनाना; दृढ़, पुख़्ता।

तस्लीख़ (تسلیخ) अ. स्त्री.–खाल उतारना, शरीर की खाल अलग करना।

तस्लीब (تصلیب) अ. स्त्री.–सूली पर चढ़ाना, सूली देना, फाँसी देना।

तस्लीम (تسلیم) अ. स्त्री.–सौंपना, सिपुर्द करना; सलाम करना, प्रणाम करना; कबूल करना, स्वीकार करना; आज्ञा का पालन करना, फ़रमाँबरदारी करना।

तस्लीमात (تسلیمات) अ. स्त्री.–'तस्लीम' का बहु., परन्तु एकवचन के अर्थ में आता है, प्रणाम, सलाम।

तस्लीस (تثلیث) अ. स्त्री.–तीन भाग करना, तीन में बाँटना; ईसाइयों का तीन ख़ुदा मानना।

तस्वियः (تسویہ) अ. पुं.–समान करना, बराबर बनाना; सीधा करना।

तस्वीद (تسوید) अ. स्त्री.–काला करना, काला रंग चढ़ाना; लिखना, तहरीर करना; मुसव्वदा लिखना।

तस्वीर (تصویر) अ. स्त्री.–मूर्ति बनाना, चित्र खींचना; चित्र, प्रतिकृति, शबीह; छायाचित्र, आलोकचित्र, फोटो; बहुत ही सुन्दर और हसीन शक्ल; प्रतिमा, मूर्ति, बुत।

तस्वीरकशी (تصویر کشی) अ. फ़ा. स्त्री.–चित्रण, चित्रकर्म, तस्वीर बनाना।

तस्वीरख़ानः (تصویر خانہ) अ. फ़ा. पुं.–वह स्थान जहाँ बहुत से चित्र हों, जो चित्रों से सजाया गया हो; जहाँ बहुत-सी सुन्दर स्त्रियाँ एकत्र हों, परीखाना, सनमखाना।

तस्वीरे अक्सी (تصویر عکسی) अ. स्त्री.–फोटो, छायाचित्र।

तस्वीरे ख़याली (تصویر خیالی) अ. स्त्री.–किसी की आकृति जो चित्त में आये, तसव्वुर में आया हुआ नक़्शा; काल्पनिक चित्र, फ़र्ज़ी तस्वीर।

तस्वीरे गिली (تصویر گلی) अ. फ़ा. स्त्री.–मिट्टी की मूर्ति।

तस्वीरे नीमरुख़ (تصویر نیم رخ) अ. फा. स्त्री.–एक तरफ़ से लिया हुआ चित्र, वह चित्र जिसमें मुख का एक रुख़ आये।

तस्सूज (طسوج) अ. पुं.–पात्र, भाजन, बर्तन; तट, किनारा; दो रत्ती की एक तौल, चौथाई 'दांग'।

तस्हील (تسہیل) अ. स्त्री.–सुगम बनाना, सरल करना, आसानी पैदा करना; सुगमता, सरलता, आसानी।

तस्हीले विलादत (تسہیل ولادت) अ. स्त्री.–बच्चा पैदा होने की आसानी, प्रसव की सुगमता।

तस्हीह (تصحیح) अ. स्त्री.–शुद्ध करना, दुरुस्त करना; इबारत आदि की ग़लतियाँ ठीक करना; प्रेस की कापियों या प्रूफ़ों की दुरुस्ती।

तह (تہ) फा. स्त्री.–निचला हिस्सा, तली; थाह, अन्त, इंतिहा; परत, तबक़; पेंदी, तला; रहस्य, भेद, नुक़्ता।

तहक्कुम (تحکم) अ. पुं.–हुक्म जताना, ज़ोर दिखाना; ज़बर्दस्ती करना।

तहख़ानः (تہخانہ) फा. पुं.–ज़मीनदोज़ मकान, तलगृह, अधोगृह, भूगेह, भूगर्भगृह।

तहजुर्अः (تہجرعہ) फा. अ. स्त्री.–तलछट, गाद; नीचे का बचा हुआ पानी या मदिरा; पीने से बची हुई मदिरा।

तहज्जी (تہجی) अ. स्त्री.–किसी की निन्दा या हजो करना; शब्दों के हिज्जे करना।

तहज्जुद (تہجد) अ. पुं.–रात में सोना और रात में ही जाग जाना, (स्त्री.) आधी रात के बाद की नमाज़।

तहज़्ज़ुन (تحزن) अ. पुं.–शोकग्रस्त होना, रंजीदा होना।

तहज्जुर (تحجر) अ. पुं.–पत्थर की तरह कठोर हो जाना; कठोरता, कड़ापन, सख़्ती।

तहत्तुक (تہتک) अ. पुं.–तू-तू, मैं-मैं, वाक़्कलह; निन्दा, अपमान, रुस्वाई।

तहदार (تہدار) फा. वि.–सार्थक, बामा'नी; गंभीर, गहरा; गूढ़, दक़ीक़।

तहदेगी (تہدیگی) फा. स्त्री.–नीचे की खुर्चन, देग या हाँडी की तह में जमी हुई खुर्चन।

तहनशीं (تہنشیں) फा. वि.–नीचे बैठी हुई चीज़; तलछट।

तहपेच (تہپیچ) फा. पुं.–पगड़ी के नीचे की टोपी या कपड़ा; लुंगी के नीचे का कपड़ा।

तहपोश (تہپوش) फा. पुं.–सारी के नीचे का जाँघिया, अंडरवियर।

तहफ़्फ़ुज़ (تحفظ) अ. पुं.–सुरक्षा, हिफ़ाज़त; बचाव, रक्षा।

तहफ़्फ़ुज़े हुक़ूक़ (تحفظ حقوق) अ. पुं.–अपने हक़ों की रक्षा।

तहबंद (تہبند) फा. पुं.–अधोवस्त्र, नीचे पहनने का कपड़ा; लुंगी, तहमद।

तह ब तह (تہ بہ تہ) फा. वि.–एक के नीचे एक, परत पर परत।

तहबाज़ारी (تہبازاری) फा. स्त्री.–राज्य की ओर से बाज़ार की ज़मीन का ठेका या उसके किराए की उगाही।

तहब्बुज (تہبج) अ. पुं.–बहुत हलकी सूजन, भरभराहट।

तहमतन (تہمتن) फा. पुं.–महारथी, बहुत बड़ा योद्धा; रुस्तम की उपाधि।

तहमतनी (تہمتنی) फा. स्त्री.–शौर्य, वीरता, बहादुरी, शुजाअत।

तहमैदानी (تہمیدانی) फा. पुं.–ख़ानाबदोश, संचारजीवी।

तहम्मुल (تحمل) अ. पुं.–सहिष्णुता, बुर्दबारी; गंभीरता, संजीदगी; धैर्य, सब्र; नम्रता, नर्मी।

तहय्युज (تہیج) अ. पुं.–ज़मीन से गर्दोग़ुबार उठना।

तहय्युर (تحیر) अ. पुं.–अचम्भा, विस्मय, हैरत, तअज्जुब।

तहर्रुक (تحرک) अ. पुं.–हिलना, हरकत होना, हिलना-डुलना।

तहव्वुर (تہور) अ. पुं.–बहादुरी, वीरता, जवाँमर्दी।

तहव्वुर शिआर (تہور شعار) अ. वि.–शूर, वीर, बहादुर।

तहश्शुम (تحشم) अ. पुं.–बहुत नौकर-चाकरवाला होना; रोब दिखाना; क्रोध प्रकट करना।

तहस्सुर (تحسر) अ. पुं.–शोक, रंज; पश्चात्ताप, अफ़सोस।

तहाइफ़ (تحائف) अ. पुं.–तुहफ़ा का बहु., तोहफ़े।

तहाकुम (تحاکم) अ. पुं.–परस्पर मिलकर हाकिम के पास जाना।

तहालुफ़ (تحالف) अ. पुं.–बाहम किसी षड्यन्त्र करने की शपथ लेना; आपस की क़स्माक़स्मी, किसी बात के झूठ-सच होने के लिए आपस में क़स्मा परतीती।

तहारत (طہارت) अ. स्त्री.–शुद्धता, पवित्रता, पाकीज़गी; शौच, इस्तिंजा; स्नान, ग़ुस्ल।

तहावुर (تحاور) अ. पुं.–परस्पर वार्तालाप, बातचीत।

तहीन (طحین) अ. वि.–पिसा हुआ आटा।

तहीयः (تہیہ) अ. पुं.–इरादः, संकल्प; निश्चय, तय; तत्परता, आमादगी।

तहीयत (تحیت) अ. स्त्री.–सलाम, तस्लीम, प्रणाम, वंदना; रसूल पर दुरूद; जीवनदान करना, ज़िन्दगी देना; सत्ता, राज्य, हुकूमत।

तहीयात (تحیات) अ. स्त्री.–'तहीयत' का बहु., 'वंदनाएँ'; दुरूदो सलाम।

तहूर (طہور) अ. वि.–पवित्र, निर्मल, शुद्ध, पाक।

तहेख़ाक (تهخاک) फा. अव्य.—ज़मीन के नीचे, अर्थात् क़ब्र में।

तहेतेग़ (تهتیغ) फा. वि.—हत, वधित, मक़्तूल।

तहोबाला (تہوبالا) फा. वि.—तले-ऊपर, अस्त-व्यस्त, गड़बड़; विनष्ट, विध्वस्त, बरबाद।

तहेव्वुर (تہور) अ. पुं.—दे. 'तहव्वुर'।

तह्क़ीक़ (تحقیق) अ. स्त्री.—जाँच-पड़ताल, गवेषणा, तफ़्तीश; तलाश, जिज्ञासा; विदित, ज्ञात, दरयाफ़्त; अनुसंधान, रिसर्च।

तह्क़ीक़ात (تحقیقات) अ. स्त्री.—'तह्क़ीक़' का बहु., परन्तु एकवचन में बोलते हैं, सरकारी तौर पर किसी मुआमले की जाँच-पड़ताल।

तह्क़ीक़े हक़ (تحقیق حق) अ. स्त्री.—सत्य की खोज, सत्यान्वेषण, अस्लियत की तलाश।

तह्क़ीर (تحقیر) अ. स्त्री.—अपमान, अनादर, बेइज़्ज़ती; निंदा, अपयश, बदनामी; घृणा, उपेक्षा।

तह्ज़ीब (تہذیب) अ. स्त्री.—सभ्यता, शिष्टता, शाइस्तगी; संस्कृति, परिष्कृति, आरास्तगी; सुशीलता, ख़ुशअख़्लाक़ी; उठने-बैठने, बातचीत करने, और के सामने जाने का सलीक़ा।

तह्ज़ीबे अख़्लाक़ (تہذیب اخلاق) अ. स्त्री.—अख़्लाक़ की दुरुस्ती, आचार-व्यवहार और नागरिकता के नियमों का पालन।

तह्ज़ीबे जदीद (تہذیب جدید) अ. स्त्री.—नवीन सभ्यता, पाश्चात्य संस्कृति, मग़्रिबी तहज़ीब।

तह्त (تحت) अ. वि.—निम्न, नीचे; अधीन, मातहत; अधिकार, इख़्तियार, दबाव।

तह्तुल्लफ़्ज़ (تحت اللفظ) अ. वि.—नज़्म या ग़ज़ल को तरन्नुम से न पढ़कर साधारण ढंग से पढ़ना, गाकर न पढ़ना; गद्य की भाँति पढ़ी हुई कविता।

तह्तश्शुआअ (تحت الشعاع) अ. वि.—चांद्र मास के वे दो या तीन दिन जब चंद्रमा इतना महीन होता है कि दिखाई नहीं देता। ये दिन अशुभ माने जाते हैं।

तह्तस्सरा (تحت الثرا) अ. पुं.—पृथ्वी का सबसे नीचे का तल, पाताल।

तह्तानी (تحتانی) अ. वि.—उर्दू का वह अक्षर जिसके नीचे नुक़्ते हों।

तह्दियः (تہدیہ) अ. पुं.—किसी को कोई चीज़ भेंट करना, तोहफ़ा देना; भेंट, उपहार, उपायन, तोहफ़ा।

तह्दीद (تہدید) अ. स्त्री.—त्रासना, डराना, भय दिखाना; धमकाना, घुड़कना, भर्त्सना।

तह्दीद (تحدید) अ. स्त्री.—हद बाँधना, सीमाबद्ध करना, सीमित या नियत करना; तीव्र करना, तेज़ करना।

तह्दीस (تحدیث) अ. स्त्री.—हदीस बयान करना।

तह्न (طحن) अ. पुं.—पीसना, आटा पीसना।

तह्मीद (تحمید) अ. स्त्री.—स्तुति करना, हम्द करना।

तह्रीक (تحریک) अ. स्त्री.—हिलाना, हरकत देना; प्रवृत्त करना, रग़्बत दिलाना; बरग़लाना, बहकाना; प्रस्तावना; आन्दोलन।

तह्रीफ़ (تحریف) अ. स्त्री.—किसी चीज़ की दशा और आकृति बदल देना; किसी बात को कुछ का कुछ कर देना; किसी शब्द के अक्षरों में परिवर्तन करके कुछ का कुछ बना देना।

तह्रीम (تحریم) अ. स्त्री.—किसी चीज़ को अपने या किसी के लिए हराम कर देना; पवित्र करना।

तह्रीर (تحریر) अ. स्त्री.—लिखना, लिखने का अमल; हस्तलिपि, हाथ की लिखावट; अक्षरन्यास, लिखावट; लेख्य, लेखपत्र, दस्तावेज़; लिखित प्रमाण, तह्रीरी सुबूत; मज़्मून, इबारत; हलकी लकीर या ख़त; सुरमे की लकीर; सनद, प्रमाणपत्र; इक़रारनामा, संविदापत्र; लिखने की उजरत, लिखाई।

तह्रीरी (تحریری) अ. वि.—लिखित, लिखा हुआ।

तह्रीस (تحریص) अ. स्त्री.—लालच देना, प्रलोभन; प्रेरणा, रग़्बत दिलाना; प्रलोभ, लालच।

तह्ल[लु]कः (تہلکہ) अ. पुं.—कोलाहल, कोहराम; खलबली, हलचल; मरना, निधन।

तह्लील (تحلیل) अ. स्त्री.—विलयन, घुलना; पचन, हज़्म होना; क्षीणता, दुबला होना; किसी पदार्थ का गलना या पिघलना; किसी चीज़ को अलग-अलग करना।

तह्लील (تہلیل) अ. स्त्री.—'ला इलाहः इल्लल्लाह' (एक ईश्वर के सिवाय कोई ईश्वर नहीं है) कहना, ईश्वर-स्तुति करना, हम्दो सना करना।

तह्वील (تحویل) अ. स्त्री.—फिरना; फिराना; सिपुर्द करना, हस्तान्तरित करना; प्रवेश करना, दाख़िल होना; किसी ग्रह का किसी राशि में प्रवेश; दुकान का बकाया रुपया जो हर रोज़ बही में लिखा जाता है, रोकड़।

तह्वीलदार (تحویلدار) अ. फा. पुं.—जिसके पास तहवील हो, रोकड़िया, ख़ज़ानची।

तह्वीले आफ़्ताब (تحویل آفتاب) अ. फा. स्त्री.—सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश, संक्रान्ति।

तह्शियः (تحشیہ) अ. पुं.—किसी पुस्तक आदि पर फुटनोट लिखना।

तह्सीन (تحسین) अ. स्त्री.–प्रशंसा, श्लाघा, तारीफ़।

तह्सीने नाशनास (تحسین ناشناس) अ. फा. स्त्री.–किसी हुनर या काव्य की ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रशंसा जो उससे बिल्कुल अनजान हो।

तह्सील (تحصیل) अ. स्त्री.–हासिल करना, उपार्जन; एकत्र करना, इकट्ठा करना; मालगुज़ारी, राजस्व; ज़िले का एक भाग, तहसीलदार की कचहरी।

तह्सीलदार (تحصیلدار) अ. फा. पुं.–तहसील का अफ़सर, जिसका काम मालगुज़ारी इकट्ठा करना होता है।

तह्सीलदारी (تحصیلداری) अ. फा. स्त्री.–तहसीलदार का पद; तहसीलदार का काम।

तह्सीले इल्म (تحصیل علم) अ. स्त्री.–इल्म हासिल करना, विद्योपार्जन।

तह्सीले ख़ाम (تحصیل خام) अ. फा. स्त्री.–ज़मींदारी का सारा रुपया, सारी तहसील, कच्ची तहसील।

तह्सीले ज़र (تحصیل زر) अ. फा. स्त्री.–रुपया कमाना, धनोपार्जन।

तह्सीले हासिल (تحصیل حاصل) अ. स्त्री.–जो प्राप्त है उसकी प्राप्ति का प्रयत्न; व्यर्थ काम।

ता

ता (تا) फा. अव्य.–तक, तलक।

ताअत (طاعت) अ. स्त्री.–उपासना, आराधना, पूजा, इबादत, बंदगी।

ताआत (طاعات) अ. स्त्री.–'ताअत' का बहु., आराधनाएँ, पूजाएँ, इबादतें।

ताइन (طاعن) अ. वि.–बाण मारनेवाला, तीर से घायल करनेवाला; ता'ना देनेवाला।

ताइफ़ः (طائفہ) अ. पुं.–दल, समुदाय, जमाअत; रंडी और उसके साज़िंदे आदि।

ताइफ़ (طائف) अ. वि.–परिक्रमा करनेवाला, किसी चीज़ के चारों ओर फिरनेवाला, तवाफ़ करनेवाला; सोते में आनेवाला ख़याल।

ताइब (تائب) अ. वि.–तौबा करनेवाला, पाप या किसी बुरी आदत पर लज्जित होकर उससे अलग रहने की प्रतिज्ञा करनेवाला।

ताइर (طائر) अ. पुं.–वायु में उड़नेवाला; पक्षी, चिड़िया, परंद।

ताइरे अर्श (طائر عرش) अ. पुं.–अर्श (ईश्वर का निवास-स्थान) तक उड़नेवाला, 'जिब्रील' फ़िरिश्ता, आकाशगामी पक्षी।

ताइरे क़िब्लःनुमा (طائر قبلہ نما) अ. फा. पुं.–क़ुतुबनुमा की सुई।

ताइरे क़ुद्स (طائر قدس) अ. पुं.–दे. 'ताइरे अर्श'।

ताइरे लाहूत (طائر لاهوت) अ. पुं.–दे. 'ताइरे अर्श'; ब्रह्म-लोक तक उड़कर जानेवाला।

ताइरे सिद्रः (طائر سدرہ) अ. पुं.–दे. 'ताइरे अर्श'।

ताइल (طائل) अ. पुं.–लाभ, फ़ायदा।

ताई (طائی) अ. पुं.–अरब का एक क़बील: (वंश) जिसमें 'हातिम' हुआ है।

ताईद (تائید) अ. स्त्री.–सहायता, मदद; पक्षपात, हिमायत; पुष्टि, तस्दीक़; दावे के प्रमाण में कोई दस्तावेज आदि।

ताईदे आस्मानी (تائید آسمانی) अ. फा. स्त्री.–दैवी सहायता, ग़ैबी मदद, अनायास ऐसी बात हो जाना जिससे किसी कठिन काम में सफलता प्राप्त हो जाय।

ताईदे ग़ैबी (تائید غیبی) अ. स्त्री.–दे. 'ताईदे आस्मानी'।

ताईदे रब्बानी (تائید ربانی) अ. स्त्री.–दे. 'ताईदे आस्मानी'।

ता'ईन (تعیین) अ. स्त्री.–निश्चय, तऐयुन; नियुक्ति, तक़र्रुर।

ता'ऊन (طاعون) अ. पुं.–एक महामारी, एक वबा, प्लेग।

ताऊस (طاؤس) अ. पुं.–मयूर, वर्ही, शिखी, मोर।

ताए क़रशत (تائے قرشت) अ. स्त्री.–'अवजद' के हिसाब से 'क़रशत' वाली ते (ت)।

ताए सक़ील: (تائے ثقیلہ) अ. स्त्री.–हिंदी का 'ट' (ٹ)।

ताक़: (طاقہ) अ. पुं.–कपड़े का थान, जिस प्रकार घोड़े के लिए 'रास', हाथी के लिए 'ज़ंजीर', रुपये के लिए 'मुब्लिग़' आता है उसी तरह कपड़े के थान के लिए 'ताक़:' आता है।

ताक़ (طاق) अ. पुं.–दीवार में बना हुआ छोटा मेहराबदार खोल, मोखल:; वह अंक जो दो से न बँटे, जसे–३, ५, ७, ९; दक्ष, निपुण, चतुर; समाप्त, ख़त्म, इस अर्थ में केवल 'ताक़त' के लिए आता है, जैसे–'ताक़त ताक़ हो गयी' अर्थात् शक्ति समाप्त हो गयी।

ताक़च: (طاقچہ) अ. फा. पुं.–छोटा ताक़।

ताक़त (طاقت) अ. स्त्री.–शक्ति, वल, ज़ोर; सामर्थ्य, शक्ति, मक़्दरत; साहस, मजाल; उत्साह, उमंग, हौसला; सत्ता, राज, हुकूमत; पात्र, ज़र्फ़।

ताक़तआज़माई (طاقت آزمائی) अ. फा. स्त्री.–ज़ोर लगाना, कोशिश करना।

ताक़तवर (طاقتور) अ. फा. वि.–शक्तिशाली, बलवान्, ज़ोरावर।

ताक़ी (طاقی) फा. स्त्री.–एक लम्बी टोपी जो ताक़ के

आकार की होती है; एक घोड़ा जिसकी एक आँख छोटी और दूसरी बड़ी होती है।

ताकीद (تاکید) अ. स्त्री.–कोई बात ज़ोर देकर कहना; किसी बात का ज़रूर करने या न करने का हुक्म देना; इस्रार, हठ, ज़िद।

ता'क़ीद (تعقید) अ. स्त्री.–इस तरह पर्दे में बात करना कि समझ में न आये; बहुत-सी गाँठें डाल देना; किसी वाक्य में शब्दों का ऐसा उलट-फेर कर देना कि अर्थ समझने में कठिनाई हो।

ताकीदन (تاکیداً) अ. वि.–ताकीद के साथ, ज़ोर देकर।

ताकीदी (تاکیدی) अ. वि.–जिस बात की ताकीद की गयी हो, ज़रूरी, सख़्त।

ताकीदे अकीद (تاکید اکید) अ.स्त्री.–बहुत ही कड़ी ताकीद।

ता'क़ीदे मा'नवी (تعقید معنوی) अ. स्त्री.–किसी वाक्य या शे'र में किसी शब्द का ऐसा अर्थ लेना जो उसके साधारण अर्थ के विपरीत हो।

ता'क़ीदे लफ़्ज़ी (تعقید لفظی) अ. स्त्री.–किसी वाक्य या शे'र में शब्दों का ऐसा उलट-फेर जिससे अर्थ बदल जाय।

ताकीदे शदीद (تاکید شدید) अ. स्त्री.–दे.'ताकीदे अकीद'।

ता कुजा (تا کجا) फा. अव्य.–कब तक, कहाँ तक।

ताक़े निस्यां (طاق نسیاں) अ.पुं.–विस्मृति का ताक़, विस्मृति रूपी ताक़, जिसमें रखकर हर चीज़ भुला दी जाती है।

ताके (تاکے) फा. अव्य.–दे. 'ता कुजा'।

ताख़ीर (تاخیر) अ. स्त्री.–विलंब, ढील, देर, "सब्र बड़ा दुश्वार तलब—चाह बड़ी ताख़ीर-पसंद"।

ताख़्तः (تاختہ) फा. वि.–दौड़ा हुआ, भागा हुआ।

ताख़्त (تاخت) फा. स्त्री.–आक्रमण, हमला; धावा, छापा; लूटमार, ग़ारतगरी।

ताख़्तोताराज (تاخت و تاراج) फा. स्त्री.–बरबादी, तबाही, विनाश, विध्वंस, लूटमार, लूट-खसोट।

ताग़ी (طاغی) अ. वि.–अवज्ञाकारी, नाफ़रमान, सरकश; विद्रोही, राजद्रोही, बाग़ी।

ताग़ूत (طاغوت) अ. पुं.–एक बुत; एक पिशाच; अत्यन्त निर्दय और अत्याचारी व्यक्ति।

ताग़ूती (طاغوتی) अ. वि.–पिशाचपन, शैतानी; पिशाच-वृत्त, शैतान।

ताचंद (تاچند) फा. अव्य.–कब तक, कहाँ तक।

ताज़ः (تازہ) फ़ा. वि.–नवीन, नूतन, नया; सरसब्ज़, हरा-भरा; तत्कालीन, हाल का; हाल का बना हुआ; हाल का किया हुआ; हाल का पका हुआ; हाल का आया हुआ; शादाब, तरोताज़ा।

ताज़ःकार (تازہ کار) फा. वि.–नौसिखिया, नवाभ्यस्त।

ताज़ःदम (تازہ دم) फा. वि.–जिसे थकन और कसल न हो, फ़्रेश।

ताज़ःदिमाग़ (تازہ دماغ) फा. अ. वि.–जिसका दिमाग़ थका हुआ न हो, जिस दिमाग़ पर अभी ज़रा भी ज़ोर न पड़ा हो।

ताज़ः ब ताज़ः (تازہ بتازہ) फा. वि.–बिलकुल नया, बिल्कुल हाल का; ताज़ा ताज़ा, गर्मागर्म।

ताज़ःमश्क़ (تازہ مشق) फा. अ. वि.–दे. 'ताज़ःकार'।

ताज़ःवारिद (تازہ وارد) फा. अ. वि.–जो अभी-अभी बाहर से आया हो, नवागत।

ताज़ःविलायत (تازہ ولایت) फा. अ. वि.–जो अभी-अभी किसी अन्य देश से आया हो और इस देश की बोल-चाल और चाल-ढाल से अनभिज्ञ हो।

ताज (تاج) फा. पुं.–मुकुट, शाही टोपी; परंद के सर की कलग़ी, शिखा।

ताज़ (تاز) फा. प्रत्य.–हमला करनेवाला, जैसे–'यक्कः ताज़' अकेला हमला करनेवाला, (स्त्री.) आक्रमण, हमला; दौड़, ताख़्त।

ताज़गी (تازگی) फा. स्त्री.–नवीनता, नयापन; हरा-भरापन, सरसब्ज़ी; चेहरे की रौनक़, मुखश्री; प्रफुल्लता, फ़रहत; प्रसन्नता, खुशी; तरावट, तरी, शीतलता।

ताजदार (تاجدار) फा. पुं.–मुकुटधारी, नरेश, राजा, बादशाह।

ताजपोशी (تاج پوشی) फा. स्त्री.–राजगद्दी, अभिषेक, राज्याभिषेक, बादशाह का गद्दी पर बैठना।

ताजवर (تاجور) फा. पुं.–दे. 'ताजदार'।

ताज़िंदगी (تا زندگی) अ. फा. अव्य.–तमाम उम्र, आजन्म, यावज्जीवन।

ता'ज़ियः (تعزیہ) अ. पुं.–हज़्रत इमाम हुसैन के रौज़े की नक़्ल जिसका जुलूस मुहर्रम में उठता है।

ता'ज़ियःदार (تعزیہ دار) अ. फा. पुं.–ताज़िया बनाने और उठानेवाला।

ता'ज़ियःदारी (تعزیہ داری) अ. फा. स्त्री.–ताज़िया बनाना, उठाना और रौशनी वग़ैरः करना।

ता'ज़ियत (تعزیت) अ. स्त्री.–किसी के मर जाने पर उसके घर शोक प्रकट के लिए जाना, पुरसा।

ता'ज़ियतख़ानः (تعزیت خانہ) अ. फा. पुं.–वह घर जिसमें कोई ग़मी हो गयी हो, शोक-गृह।

ता'ज़ियतगाह (تعزیت گاہ) अ.फा.स्त्री.–दे. "ताज़ियतख़ानः"।

ताज़ियतनामः (تعزیت نامہ) अ. फा. पुं.–किसी के मरने पर उसके उत्तराधिकारियों के शोक का ख़त, शोकपत्र।

ताज़ियानः (تازیانه) फा. पुं.—कोड़ा, प्रतोद, कशा, चाबुक।

ताजिर (تاجر) अ. पुं.—व्यापारी, सौदागर, व्यवसायी, वणिक्।

ताजिरानः (تاجرانه) अ. फा. अव्य.—व्यापारियों-जैसा, जैसा व्यापारियों के लिए होता है वैसा।

ताज़ी (تازی) फा. वि.—अरब की भाषा, अरबी; अरब का घोड़ा; शिकारी कुत्ता; अरब का रहनेवाला।

ताज़ीक (تاجیک) फा. पुं.—अरब की वह संतान जो ईरान में रहकर जवान हुई हो।

ताज़ीख़ानः (تازی خانه) फा. पुं.—कुत्तों के रहने का घर, जहाँ कुत्ते पाले और रखे जायँ, श्वानागार।

ताज़ीनज़ाद (تازی نژاد) फा. वि.—अरब की नस्ल का घोडा।

ता'ज़ीब (تعذیب) अ. स्त्री.—कष्ट देना, दुःख देना, मुसीबत पहुँचाना।

ता'ज़ीम (تعظیم) अ. स्त्री.—आदर, सत्कार, सम्मान, इज़्ज़त; प्रणाम, तस्लीम।

ता'ज़ीर (تعزیر) अ. स्त्री.—सज़ा देना, दंड देना।

ता'ज़ीरात (تعزیرات) अ. स्त्री.—'ता'ज़ीर' का बहु., सज़ाएँ; सज़ाओं से संबद्ध न्याय की पुस्तक, दंड-विधान।

ता'जील (تعجیل) अ. स्त्री.—जल्दी करना, शीघ्रता करना; शीघ्रता, जल्दी।

ताज़ीस्त (تازیست) फा. अव्य.—ज़िंदगी भर, आजन्म।

तातार (تاتار) फा. पुं.—तुर्किस्तान का एक इलाक़ा जहाँ तातारी रहते हैं।

तातारी (تاتاری) फा. पुं.—तातार देश का रहनेवाला।

ता'तीर (تعطیر) अ. स्त्री.—इत्र में बासना, सुगंधित करना।

ता'तील (تعطیل) अ. स्त्री.—अवकाश, फ़ुर्सत;. निठल्लापन, बेकारी; छुट्टी, कारख़ाने, दफ़्तर या स्कूल के बंद होने का दिन।

तातूरः (تاتوره) फा. पुं.—धतूरा, धत्तूर, एक प्रसिद्ध विषैला फल।

तादमेज़ीस्त (تادم زیست) फा. अव्य.—जब तक आख़िरी साँस है तब तक, ताज़ीस्त, जीवनभर।

ता'दाद (تعداد) अ. स्त्री.—गणना, गिनती; अनुमिति, अंदाज़ः; संख्या, शुमार।

ता'दियः (تعدیه) अ. पुं.—रोग का एक स्थान से दूसरे स्थान तक या एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक जाना; अकर्मक क्रिया को सकर्मक बनाना।

तादीब (تادیب) अ. स्त्री.—अदब सिखाना, शिष्ट बनाना; तंबीह करना, घुड़की देना, कान मरोड़ना, सज़ा देना।

ता'दील (تعدیل) अ. स्त्री.—एक वस्तु को दूसरी वस्तु के बराबर करना; समता, बराबरी; ठीक करना, दुरुस्त करना; सीधा करना, टेढ निकालना।

ता'नः (طعنه) अ. पुं.—व्यंग, कटाक्ष, तंज़; उपालम्भ, गिला; निंदा, बुराई।

ता'नःज़न (طعنه زن) अ. फा. वि.—ता'नः देनेवाला, व्यंग करनेवाला।

ता'नःज़नी (طعنه زنی) अ. फा. स्त्री.—ता'नः देना, व्यंग करना।

ता'न (طعن) अ. उभ.—कटाक्ष, व्यंग, ता'नः; तीर मारना।

तानीस (تانیث) अ. स्त्री.—स्त्रीलिंग होना; स्त्रीलिंग।

ता'नोतश्नीअ (طعن و تشنیع) अ. स्त्री.—व्यंग और कटाक्ष, तरह-तरह के ताने; लानत-मलामत।

ताफ़्तः (تافته) फा. वि.—बटा हुआ, बल दिया हुआ; चमका हुआ; चमकदार, रोशन; एक प्रकार का रेशमी कपड़ा।

तावः (تابه) फा. पुं.—रोटी पकाने का बर्तन, तवा।

ताब (تاب) फा. स्त्री.—उष्णता, गर्मी, उष्णिमा; ज्योति, आभा, चमक; बल, पेच, ख़म; शक्ति, ज़ोर; सहन-शक्ति, बरदाश्त; सामर्थ्य, मक़दूर, (प्रत्य.) रोशन करनेवाला, जैसे—'आलमताब' संसार को चमकानेवाला।

ताबइम्काँ (تابه امکاں) फा. अ. अव्य.—अपने इम्कान भर, यथासंभव, यथाशक्ति।

ता ब कमर (تا به کمر) फा. अव्य.—कमर तक, कमर तक आया या पहुँचा हुआ, जैसे—ता ब कमर पानी या ता ब कमर ज़ुल्फ़।

ताब कुजा (تا به کجا) फा. अव्य.—कहाँ तक, कब तक, ता कुजा, ताकि।

ता बके (تا به کے) फा. अव्य.—दे. 'ताब कुजा'।

ताबख़ानः (تاب خانه) फा. पुं.—गर्म किया हुआ कमरा, गर्म मकान; गर्म हम्माम, गर्म स्नानागार; वह कमरा जहाँ चूल्हा या भट्ठी हो।

ताबख़ानः (تابه خانه) फा. अव्य.—घर तक, मकान तक।

ता ब गुलू (تا به گلو) फा. अव्य.—गले तक।

ता ब ज़ीस्त (تا به زیست) फा. अव्य.—जीवन भर, जीते-जी, आजीवन, आजन्म।

ताबदादः (تابداده) फा. वि.—बटा हुआ, बल दिया हुआ, वलित।

ताबदान (تابدان) फा. पुं.—मकान का रोशनदान; गवाक्ष, झरोखा, वातायन।

ताबदार (تابدار) फा. वि.—ज्योतिर्मय, जाज्वल्यमान, ताबाँ; बटा हुआ, बल दिया हुआ, वलित।

तावनाक (تابناک) फा. वि.–रौशन, प्रकाशमान, ज्योतिर्मय, चमकता हुआ।

तावनाकी (تابناکی) फा. स्त्री.–चमक, प्रकाश, ज्योति, नूर।

ता ब मक़्दूर (تا بہ مقدور) फा. अ. अव्य.–यथाशक्य, यथाशक्ति, अपनी ताक़त भर, भरसक।

ता ब हद्दे (تا بہ حدے) फा. अव्य.–इस हद तक, यहाँ तक; जिस हद तक, जहाँ तक।

ता ब हयात (تا بہ حیات) फा. अ. अव्य.–दे. 'ता व ज़ीस्त'।

तावां (تاباں) फा. वि.–प्रकाशमान, दीप्त, ज्वलन्त, रौशन, मुनव्वर।

तावानी (تابانی) फा. स्त्री.–प्रकाश, आभा, ज्योति, रौशनी, नूर।

ताविंदः (تابندہ) फा. वि.–चमकनेवाला, प्रकाशमान, रौशन।

ताविंदगी (تابندگی) फा. स्त्री.–चमक, जिला, जगमगाहट; ज्योति, प्रकाश, नूर, रौशनी।

ताविई (تابعی) अ. पु.–वह अरब जिसने रसूल के किसी सिहावी (निकट जन) को देखा हो।

ताविए फ़रमान (تابع فرمان) अ. वि.–आज्ञापालक, हुक्म माननेवाला; भक्त, वफ़ादार।

ताविए मुहमल (تابع مہمل) अ. पुं.–वह अनर्थक शब्द जो किसी शब्द से मिलाकर बोला जाता है, जैसे—'रोटी-वोटी'। इसमें वोटी का कोई अर्थ नहीं है, परन्तु बोलते हैं।

ता'बियः (تعبیہ) अ. पुं.–सजाना, सँवारना; क्रमबद्ध करना, तर्तीब देना; लड़ाई के लिए फ़ौज सजाना; पच्चीकारी करना, जड़ना।

ताविश (تابش) फा. स्त्री.–तपन, उष्णता, गर्मी; ज्योति, प्रकाश, तावानी; जगमगाहट; चमक-दमक।

ताविशे आफ़्ताव (تابش آفتاب) फा. स्त्री.–धूप की गर्मी, सूरज की तेज़ चमक।

ताविस्तान (تابستان) फा. पुं.–ग्रीष्मकाल, गर्मी की ऋतु।

तावीदः (تابیدہ) फा. वि.–ज्योतिर्मय, प्रकाशित, चमकता हुआ, चमका हुआ।

ता'बीर (تعبیر) अ. स्त्री.–ख्वाव का नतीजा बयान करना, स्वप्नफल वताना; कष्ट कल्पना करना, तौजीह करना; कहना, वताना।

तावूत (تابوت) अ. पुं.–वह संदूक़ जिसमें शव को बन्द करके गाड़ते हैं; एक प्रकार का ताज़िया जो शीआ उठाते हैं।

तावे' (تابع) अ. वि.–वशवर्ती, वशीभूत, अधीन, ज़ेरे हुक्म; आज्ञाकारी, फरमाँबरदार; अनुयायी, अनुकर्ता, मुक़ल्लिद।

तावे ग़म (تاب غم) फा. अ. स्त्री.–दुःख सहने की शक्ति, ग़म की बरदाश्त।

तावे ज़ब्त (تاب ضبط) फा. अ. स्त्री.–दुःख और कष्ट की सहन-शक्ति, प्रेम के कष्ट सहने की शक्ति।

तावे'दार (تابعدار) अ. फा. वि.–अनुयायी, आज्ञाकारी, हुक्म माननेवाला, फ़र्माबरदार।

तावे फ़ुग़ाँ (تاب فغاں) फा. स्त्री.–आह करने की शक्ति।

तावो तुवाँ (تاب و تواں) फा. स्त्री.–शक्ति, सामर्थ्य, ज़ोर, क़ुव्वत।

ता'म (طعم) अ. पुं.–स्वाद, रस, ज़ाइक़ा, मज़ा।

ताम (تام) अ. वि.–समस्त, सर्व, सब; पूर्ण, समग्र, कुल।

तामात (طامات) अ. स्त्री.–डींग, अहंवाद, लाफ़; बनावटी फ़क़ीरों और साधुओं की वे डींगें जो वे अपनी दुकानदारी चलाने के लिए दूसरे लोगों के सामने मारते हैं और जिनमें वे अपनी करामातों और चमत्कारों का वर्णन बड़े चित्ताकर्षक और रोचक ढंग से करते हैं।

ता'मियः (تعمیہ) अ. पुं.–अंधा करना, आँखें फोड़ना; छिपाना, गोपन करना; 'अबजद' के हिसाव से निकाली हुई तारीख़ में कोई संख्या बढ़ाना, जिससे वर्षों की संख्या पूरी हो जाय, परन्तु इस प्रकार बढ़ाई हुई संख्या 'नौ' से अधिक नहीं हो सकती, बरख़िलाफ़ 'तख़्रिजः' के जिसमें संख्या घटाने की कोई हद नियत नहीं है।

ता'मीम (تعمیم) अ. स्त्री.–किसी वात को आम कर देना, व्याप्ति, हर एक के लिए कर देना, 'तख़्सीस' न रखना।

ता'मीर (تعمیر) अ. स्त्री.–निर्माण, रचना, बनाना; इमारत वनाना, वास्तु-क्रिया; सुधार, इस्लाह; बनावट, साख़्त; इमारत, बिल्डिंग।

ता'मीरी (تعمیری) अ. वि.–इस्लाही, रचनात्मक।

ता'मीरे क़ौम (تعمیر قوم) अ. स्त्री.–राष्ट्र-निर्माण, देश का सुधार; जाति-निर्माण, अपनी विरादरी, क़ौम या ख़ानदान का सुधार।

ता'मीरे मुल्क (تعمیر ملک) अ. स्त्री.–राष्ट्र-निर्माण, देश का सुधार।

ता'मील (تعمیل) अ. स्त्री.–आज्ञा का पालन करना, हुक्म मानना; किसी परवाने, सम्मन या वारंट की तक्मील, निष्पादन।

ता'मीलात (تعمیلات) अ. स्त्री.–अदालत में सम्मन आदि की तामीलों का काम, इनकी तामीलें।

ता'मीले हुक्म (تعمیل حکم) अ. स्त्री.–आज्ञा का पालन, हुक्म की तामील।

तामे' (طامع) अ. वि.–लोलुप, लिप्सु, लालची, लोभी।

तामेह (طامیح) अ. वि.–उद्दंड, उजड्ड; अवज्ञाकारी, सरकश; उच्च, बलंद।

ताम्मः (تامہ) अ. स्त्री.–संपूर्ण, सब, तमाम।

तार (تار) फा. पुं.–तन्तु, डोरा; किसी धातु का पतला सूत; क्रम, सिलसिला; धागा, सूत्र; तार की ख़बर, टेलीग्राम: लस, लस का चेप; झड़ी, क़तार, (वि.) 'तारीक' का लघु., अँधेरा, तमिस्र, तारीक।

तारक (تارک) फा. पुं.–माँग, सीमंत; चोटी, शृंग; शिरस्त्राण, खोद।

तारकश (تارکش) फा. पुं.–धातुओं के तार बनानेवाला।

तारकशी (تارکشی) फा.स्त्री.–सोने-चाँदी के तार बनाना; कपड़े के तार अलग करके बेल-बूटे बनाने का काम।

तार तार (تارتار) फा. वि.–टुकड़े-टुकड़े, धज्जी-धज्जी, रेज़ा-रेज़ा; बिल्कुल फटा पुराना कपड़ा।

तारपोद (تارپود) फा. पुं.–दे. 'तारोपोद'।

ताराज (تاراج) फा. पुं.–विनाश, बरबादी; लूटमार, ग़ारतगरी; नष्ट, विनष्ट, बरबाद।

ताराजगाह (تاراجگاہ) फा. स्त्री.–लूट-मार की जगह, वह स्थान जहाँ डाकू रहते हों और लोग लुट जाते हों।

तारिक़ (طارق) अ. पुं.–दुर्घटना, सख़्त हादिसा; प्रातःकाल में उदय होनेवाला एक तारा; हर वह चीज़ जो रात में निकले, इसी लिए चोर और राहगीर को भी कहते हैं; इस्लाम का एक प्रसिद्ध सेनापति।

तारिक (تارک) अ. वि.–त्याग करनेवाला, छोड़नेवाला; अहंकारी, घमंडी।

तारिकुद्दुन्या (تارک الدنیا) जिसने संसार से पूर्णतया सम्बन्ध विच्छिन्न कर लिया हो, विरक्त, निवृत्त, यति।

तारिके दुन्या (تارک دنیا) अ. वि.–दे. 'तारिकुद्दुनया'।

तारिके लज़्ज़ात (تارک لذات) अ. वि.–जिसने संसार के सारे आनंदों पर लात मार दी हो, निस्पृह, निग्रही।

तारी (طاری) अ. वि.–छा जानेवाला, ढँक लेनेवाला; छाया हुआ, ढाँके हुए।

ता'रीक़ (تعریق) अ. स्त्री.–पसीना निकालना; औषधियों के द्वारा शरीर से पसीना निकालना।

तारीक (تاریک) फा.वि.–तमिस्र, अंधकारमय, अँधियारा।

तारीक ज़मीर (تاریک ضمیر) फा. अ. वि.–अंतःमलिन, जिसका बातिन पापमय हो।

तारीक दरूँ (تاریک دروں) फा. वि.–दे. 'तारीक दिल'।

तारीक दिल (تاریک دل) फा. वि.–जिसके दिल में ईमान की रौशनी न हो, अंधात्मा; ख़बीस, दुष्टात्मा।

तारीक बातिन (تاریک باطن) फा.अ.वि.–दे.'तारीक दिल'।

तारीकिए शब (تاریکئ شب) फा. स्त्री.–रात का अँधेरा।

तारीकी (تاریکی) फा. स्त्री.–अँधियारी, अंधकार, अँधेरा; धुँधलापन।

तारीख़ (تاریخ) अ. स्त्री.–महीने की तिथि, डेट; मुक़द्दमे की सुनवाई का दिन; पिछले हालात का ज़िक्र; इतिहास, तवारीख़; इतिहास की किताब; 'अवजद' के हिसाब से निकाला हुआ किसी वाक़िए का साल; इतिहास-विज्ञान, वह इल्म जिसमें पिछले हालात और वाक़ियात का वर्णन हो।

तारीख़गो (تاریخ گو) अ. फा. वि.–वह शाइर जिसे 'अवजद' के हिसाब से किसी घटना की तारीख़ निकालने का अभ्यास हो।

तारीख़दाँ (تاریخ داں) अ. फा. वि.–इतिहासवेत्ता, इल्मे तारीख़ का माहिर।

तारीख़नवीस (تاریخ نویس) अ. फा. वि.–इतिहासकार, तारीख़ लिखनेवाला, मुअर्रिख़।

तारीख़ी (تاریخی) अ. वि.–प्राचीन इतिहास से सम्बन्ध रखनेवाला, जैसे 'तारीख़ी मक़ाम'; तारीख़ का, ऐतिहासिक।

ता'रीज़ (تعریض) अ. स्त्री.–सामने रखना, पेश करना; दूसरे पर टालकर बात कहना, व्यंग करना; कटाक्ष, व्यंग; आपत्ति, एतिराज़, गिरिफ़्त।

ता'रीफ़ (تعریف) अ. स्त्री.–प्रशंसा, श्लाघा, मद्ह; परिचय, जानकारी; गुण, जौहर; व्याख्या, तशीह।

ता'रीफ़ुल मजहूल (تعریف المجہول) अ. वाक्य–किसी अज्ञात चीज़ का परिचय अज्ञात चीज़ से, जैसे—कोई पूछे 'चुग़ंक' किसे कहते हैं और उत्तर में कहा जाय 'उलमक़' को।

ता'रीब (تعریب) अ. स्त्री.–किसी दूसरी भाषा के शब्द को अरबी बनाना।

तारुम (طارم) अ. पुं.–प्रासाद, महल; अट्टालिका, बाला-ख़ाना; लकड़ी का मकान।

तारे अन्कबूत (تار عنکبوت) फा. अ. पुं.–मकड़ी के जाले का तार; बहुत ही कमज़ोर चीज़।

तारे अश्क (تار اشک) फा. पुं.–आँसुओं का तार, रोने का सिलसिला।

तारे नज़र (تار نظر) फा. अ. पुं.–दे. 'तारे निगाह'।

तारे नफ़स (تار نفس) फा. अ. पुं.–साँस का डोरा, साँस का आना-जाना।

तारे निगाह (تار نگاہ) फा. पुं.–दृष्टि का रश्मि-समूह, निगाह की शुआएँ।

तारे बर्क़ी (تار برقی) फा. अ. पुं.–बिजली का तार।

तारे बाराँ (تار باراں) फा. पुं.–बरसात के पानी की झड़ी।

तारे मिस्तर (تار مسطر) फा. अ. पुं.–'मिस्तर' का तार, लकीरें बनाने के पट्ठे का डोरा।

तालबे गोर (تالب گور) फा. अव्य.–क़ब्र के किनारे तक, क़ब्र के मुँह तक।

तालल्लाह (طال الله) अ. अव्य.–ख़ुदा ज़ियादा करे, ख़ुदा बढ़ाये।

तालाब (تالاب) फा. पुं.–तड़ाग, कासार, वापी।

तालार (تالار) फा. पुं.–चार खंभों पर बनाया हुआ मंच, जो खेतों की रखवाली के लिए होता है, मचान, टाँड़।

तालिए ख़ुफ़्त: (طالع خفته) अ. फा. पुं.–सोता हुआ नसीब, दुर्भाग्य।

तालिए ख़्वाबीद: (طالع خوابيده) अ. फा. पुं.–दे. 'ता० ख़ुफ़्त:'।

तालिएबेदार (طالع بیدار) अ. फा. पुं.–जागता हुआ नसीब, सौभाग्य।

तालिब (طالب) अ. पुं.–इच्छुक, ख़्वाहिशमंद; याचक, माँगनेवाला; अभिलाषी, आर्ज़ूमंद; लालायित, लिप्सु, मुश्ताक़।

तालिबे इल्म (طالب علم) अ. पुं.–विद्यार्थी, पढ़नेवाला, छात्र।

तालिबे उक़्बा (طالب عقبىٰ) अ. पुं.–मोक्ष, स्वर्ग और पुण्य का इच्छुक, दीनदार, धर्मनिष्ठ।

तालिबे ज़र (طالب زر) अ. फा. पु.–धनेच्छुक, रुपये का ख़्वाहाँ, दुनियादार।

तालिबे दीदार (طالب ديدار) अ. फा. पुं.–दर्शनों का अभिलाषी।

तालिबे दुन्या (طالب دنیا) अ. पुं.–दे. 'तालिबे ज़र'।

तालिबो मतलूब (طالب و مطلوب) अ. पुं.–प्रेमी और प्रेमिका, नायक और नायिका, आशिक़ और माशूक़।

ता'लीक़: (تعليقه) अ. पुं.–ज़मींदार या सरकार की ओर से खेतों की जिस पर लगायी हुई रोक, ताकि वाद के निर्णय से पहले माल उठाया न जा सके।

ता'लीक़ (تعليق) अ. स्त्री.–लटकाना, किसी चीज़ को दूसरे चीज के सहारे से ठहराना।

तालीफ़ (تاليف) अ. स्त्री.–दो या कई वस्तुओं को परस्पर संयुक्त करना; कई लेखकों की कृतियों में से छाँटकर अलग एक पुस्तक बनाना, संपादन करना; इस प्रकार बनाई हुई पुस्तक।

तालीफ़े क़ुलूब (تاليف قلوب) अ. स्त्री.–लोगों के मन अपनी ओर इस प्रकार आकर्षित करना जिसमें श्रद्धा और कृतज्ञता का भाव हो।

ता'लीम (تعليم) अ. स्त्री.–शिक्षा देना, पढ़ाना; सिखाना, बताना; शिक्षा, पढ़ाई; उपदेश, नसीहत; गुरुमंत्र, दीक्षा, तलक़ीन; नाचने-गाने की शिक्षा।

ता'लीमगाह (تعليم گاه) अ. फा. स्त्री.–पढ़ने का स्थान, पाठशाला, मदरसा।

ता'लीमयाफ़्त: (تعليم يافته) अ. फा. वि.–शिक्षित, पढ़ा-लिखा; शिष्ट, सभ्य, तमीज़दार।

ता'लीमे जदीद (تعليم جديد) अ. स्त्री.–नई तालीम, आज कल की पश्चिमी शिक्षा, नवीन शिक्षा, आधुनिक शिक्षा।

तालीमे निस्वाँ (تعليم نسواں) अ. स्त्री.–औरतों की तालीम, स्त्री-शिक्षा।

ता'लीमे बालिग़ाँ (تعليم بالغاں) अ. स्त्री.–ऐसे लोगों की शिक्षा जिनकी आयु काफ़ी हो चुकी हो और जो अपने अपने धंधों में लगे हों, प्रौढ़-शिक्षा।

ता'लील (تعليل) अ. स्त्री.–कारण बताना; प्रमाण देना; 'अलिफ़' 'वाव' अथवा 'ये' को किसी दूसरे अक्षर से बदलना, (व्या.)।

तालूत (طالوت) अ. पुं.–इस्राईल जाति का एक शासक जो भिश्ती था, उसने जालूत नाम के एक बड़े अत्याचारी नास्तिक को हज़्रत दाऊद की सहायता से मारा था जो उस समय उसकी फ़ौज के सेनापति थे।

ताले (طالع) अ. पुं.–उदय होनेवाला, निकलनेवाला; भाग्य, क़िस्मत, प्रारब्ध।

ताले'आज़माई (طالع آزمائی) अ. फा. स्त्री.–भाग्य की परीक्षा, प्रयत्न, कोशिश।

ताले'मंद (طالع مند) अ. फा. वि.–भाग्यवान्, सुभागीन, ख़ुश इक़्बाल।

ताले'वर (طالع ور) अ. फा. वि.–दे. 'ताले'मंद'।

ताले'शनास (طالع شناس) अ.फा. वि.–ज्योतिषी, नुजूमी।

तालेह (طالح) अ. वि.–दुराचारी, कदाचारी, दुष्प्रकृति, बदआ'माल।

तावक़्तेकि (تاوقتیکه) फा. अ. अव्य.–जब तक कि।

तावान (تاوان) अ. पुं.–नुक़्सान का मुआवज़ा, क्षतिपूर्ति; अर्थदंड, जुर्माना; वह धन या सामान आदि जो हारा हुआ राष्ट्र विजेता को देता है।

तावाने जंग (تاوان جنگ) अ. फा. पुं.–वह रक़म और सामान जो पराजित राज्य विजेता को देता है।

ता'वीक़ (تعويق) अ. स्त्री.–विलंब, अति काल, ढील, देर; टालमटोल, आजकल।

ता'वीज़ (تعويذ) अ. पुं.–वह काग़ज़ जिस पर कोई मंत्र आदि लिखकर गले में डालते या बाहु पर बाँधते हैं, कवच,

मंत्रचक्र, रक्षाकवच; क़ब्र पर बना हुआ ईंटों या पत्थर का निशान; गले का एक आभूषण।

ताबील (تاویل) अ. स्त्री.–स्पष्टीकरण, तौज़ीह; किसी बात का अस्ली अर्थ से हटकर दूसरा अर्थ; किसी बात का ऐसा कारण बताना जो करीब-करीब ठीक जान पड़े; स्वप्न-फल कहना, ता'बीर बताना।

ताश (تاش) तु. प्रत्य.–संगी, साथी, शरीक, साझेदार, जैसे—'ख्वाज:ताश' एक स्वामी के शरीक, अर्थात् वह नौकर जो दासता में एक स्वामी के शरीक हो।

(उ.) पुं.–खेलने के पत्ते, गंजिफ़ा।

ताशक़ंद (تاشقند-تاشکند) फा. पुं.–रूसी तुर्किस्तान का एक नगर, जो पहले ईरान के पास था।

तास (تاس-طاس) फा. पुं.–बड़ा तश्त, परात; वह कटोरा जो जल घड़ी की नाँद में पड़ता था; एक सुनहरे तारों का जड़ाऊ कपड़ा।

तासीस (تاسیس) अ. स्त्री.–नींव रखना, बुनियाद डालना; आधार, न्यास, बुनियाद।

तासे' (تاسع) अ. वि.–नवाँ, नवम।

ताहम (تاهم) फा. अव्य.–तौ भी, फिर भी, तथापि, तदपि, तद्यपि।

ताहिर (طاهر) अ. वि.–पवित्र, शुद्ध, पुनीत, पाक।

ति

तिक्कः (تکہ) फा. पुं.–कटिबंध, कमरबंद; गोश्त की लंबी और पतली बोटी; गोश्त का लोथड़ा।

तिनाब (طناب) अ. स्त्री.–दे. 'तनाब', दोनों उच्चारण शुद्ध हैं।

तिफ़्ल (طفل) अ. पुं.–बाल, बालक, बच्चा।

तिफ़्लक (طفلک) अ. फा. पुं.–छोटा बच्चा, शिशु।

तिफ़्लमश्रब (طفل مشرب) अ. वि.–दे. 'तिफ़्लमिज़ाज'।

तिफ़्लमिज़ाज (طفل مزاج) अ. वि.–बच्चों-जैसी हरकतें करनेवाला, जिसके मिज़ाज में लड़कपन हो।

तिफ़्लानः (طفلانہ) अ. फा. वि.–बच्चों-जैसा, बालोचित, शैशव।

तिफ़्लाने चमन (طفلان چمن) अ. फा. पुं.–बाग़ के छोटे पौदे, फूल और कलियाँ।

तिफ़्ली (طفلی) अ. स्त्री.–बाल्यावस्था, बचपन, लड़कपन।

तिफ़्ले अश्क (طفل اشک) अ. फा. पुं.–आँसुओं की बूँदें, अश्रु-विंदु।

तिफ़्ले आतश (طفل آتش) अ.फा. पुं.–अग्निकण, स्फुलिंग, चिनगारी।

तिफ़्ले मक्तब (طفل مکتب) अ. पुं.–अलिफ़ बे पढ़नेवाला, निरक्षर; मूर्ख, वेवक़ूफ़; अनभिज्ञ, अनाड़ी।

तिफ़्ले शीरख्वार (طفل شیرخوار) अ. फा. उभ.–दुध मुँहा बच्चा, स्तनपायी।

तिफ़्ले हिंदू (طفل هندو) अ. फा. पुं.–आँख की पुतली, कनीनिका।

तिब (طب) अ. स्त्री.–चिकित्साशास्त्र, वैद्यक, आयुर्वेद, हिक्मत।

तिबाअ (تباع) अ. पुं.–अनुसरण, अनुकरण, पैरवी।

तिबाअ (طباع) अ. पुं.–प्रकृति, स्वभाव, आदत; 'तबीअत' और 'तब्अ' का बहु., प्रकृतियाँ।

तिबाबत (طبابت) अ. स्त्री.–तबीब का पेशा, चिकित्सा-कर्म; वैद्यक, आयुर्वेद, हिक्मत।

तिब्न (تبن) अ. स्त्री.–घास, सूखी घास।

तिब्बी (طبی) अ. वि.–चिकित्सा-सम्बन्धी, तिब से सम्बन्ध।

तिब्बे क़दीम (طب قدیم) अ. स्त्री.–प्राचीन चिकित्सा-पद्धति, पुराने तरीक़े का इलाज।

तिब्बे जदीद (طب جدید) अ. स्त्री.–नवीन चिकित्सा-प्रणाली, पाश्चात्य आयुर्वेद।

तिब्यान (تبیان) अ. पुं.–प्रकट होना, व्यक्त होना, वाज़ेह होना; व्यक्त करना, ज़ाहिर करना, कथन, वचन, कलाम, क़ौल।

तिमुर (تیمور - تمر) तु. पुं.–लोह, लोहा, फ़ौलाद; तैमूर लंग, इस शब्द का उच्चारण तैमूर अशुद्ध है, परंतु बोला जाता है।

तिम्साल (تمثال) अ. स्त्री.–आकृति, शक्ल; मूर्ति, प्रतिमा, तस्वीर; राजादेश, फ़रमान।

तिम्सालगर (تمثال گر) अ. फा. पुं.–मूर्तिकार, बुततराश; चित्रकार, मुसव्विर।

तिम्सालदार (تمثال دار) अ. फा. पुं.–दे. 'तिम्सालगर'।

तिम्साह (تمساح) अ. पुं.–घड़ियाल, मगरमच्छ, कुंभीर, ग्राह।

तिर्याक़ (تریاق) अ. पुं.–विषहर, विष का नाशक, ज़ह्र-मोहरा; अफ़्यून, अहिफेन।

तिर्याक (تریاک) फा. पुं.–दे. 'तिर्याक़'।

तिर्याकी (تریاکی) फा. वि.–अफीमखानेवाला, अफ़ीमची।

तिराज़ (طراز) फा. प्रत्य.–चित्रकारी करनेवाला; चित्र, नक़्शोनिगार।

तिला (طلا) फा. पुं.–सुवर्ण, सोना; कामवर्द्धक तेल जो लिंग पर लगाया जाता है।

तिलाई (طلائی) फा. वि.–जिस पर सोने का काम हो; जो बिलकुल सोने का हो; सुनहरे रंगवाला।

तिलाए अह्मर (طلاے احمر) फा. अ. पुं.–कुंदन, ख़ालिस सोना।

तिलाए नाब (طلاے ناب) फा. पुं.–ख़ालिस सोना।

तिलाकार (طلاکار) फा. वि.–जिस पर सोने की चित्रकारी हो।

तिलाकारी (طلاکاری) फा. स्त्री.–सोने का काम वनाना; सोने का काम, सोने के काम वनाने का व्यवसाय।

तिलाकोव (طلاکوب) फा. पुं.–सोने के वरक़ वनानेवाला।

तिलादोज़ (طلادوز) फा. पुं.–दे. 'तिलाकार'।

तिलावाफ़ (طلاباف) फा. पुं.–दे. 'तिलाकार'।

तिलावत (تلاوت) अ. स्त्री.–पढ़ना; किसी धर्मग्रंथ को पढ़ना; क़ुरान पढ़ना।

तिलासाज़ (طلاساز) फा. पुं.–सोना वनानेवाला, कीमियागर।

तिलिस्म (طلسم) अ. पुं.–माया, इंद्रजाल, जादू; दृष्टिबंध, नज़रबंदी; वह मायारचित विचित्र स्थान जहाँ अत्यंत अजीबो ग़रीब व्यक्ति और चीज़ें दिखायी पड़ें और जहाँ जाकर आदमी खो जाय फिर उसे घर पहुँचने का रास्ता न मिले।

तिलिस्मे ज़ीस्त (طلسم زیست) अ. पुं.–जीवन का मायाजाल, ज़िंदगी रूपी जादू का घर, "छोड़ दे, जो कुछ बचे हैं तीर वह भी छोड़ दे, टूट जाये जो तिलिस्मे-ज़ीस्त आबोगिल में है।"

तिलिस्मवंद (طلسم بند) अ. फा. वि.–तिलिस्म और जादू के असर में आया हुआ, मायाग्रस्त।

तिलिस्मबंदी (طلسم بندی) अ. फा. स्त्री.–जादू के असर में आ जाना; माया और तिलिस्म की रचना।

तिलिस्मात (طلسمات) अ. पुं.–'तिलिस्म' का बहु., मायारचित स्थान, मायाजाल।

तिलिस्माती (طلسماتی) अ. वि.–मायापूर्ण, तिलिस्मी; मायावी, जादूगर।

तिलिस्मी (طلسمی) अ. वि.–मायानिर्मित, जादू का बना हुआ; माया सम्बन्धी, जादू का।

तिस्अः (تسعہ) अ. वि.–नौ, नौ की संख्या।

तिस्ईन (تسعین) अ. वि.–नब्बे, नवति।

तिहाल (طحال) अ. स्त्री.–तिल्ली, प्लीहा।

तिही (تہی) फा. अ. वि.–रिक्त, ख़ाली।

तिहीक़िस्मत (تہی قسمت) फा. अ. वि.–जिसके भाग्य में कुछ न हो।

तिहीगाह (تہی گاہ) फा. स्त्री.–कुक्षि, कोख; उपस्थ, पेड़ू।

तिहीदस्त (تہی دست) फा. वि.–जिसका हाथ खाली हो, दरिद्र, रिक्तहस्त।

तिहीदामन (تہی دامن) फा. वि.–जिसका दामन ख़ाली हो, वंचित, महरूम।

तिहीदिमाग़ (تہی دماغ) फा. अ. वि.–जिसका मस्तिष्क खुक्खल हो, निर्बुद्धि।

तिहीमग़्ज़ (تہی مغز) फा. वि.–निर्विवेक, ज्ञानशून्य, मूर्ख, जिसकी समझ में बात न आये।

ती

तीन (طین) अ. स्त्री.–मृत्तिका, मिट्टी।

तीन (تین) अ. पुं.–इंजीर, एक प्रसिद्ध फल।

तीनत (طینت) अ. स्त्री.–स्वभाव, प्रकृति, आदत।

तीब (طیب) अ. स्त्री.–प्रसन्नता, ख़ुशी; स्वीकृति, रज़ामंदी।

तीबत (طیبت) अ. स्त्री.–मनोविनोद, मनोरंजन, तफ़रीह, मिज़ाह।

तीमार (تیمار) फा. स्त्री.–बीमार की ख़िदमत, रोगी की देखभाल और शुश्रूषा।

तीमारदार (تیماردار) फा. वि.–रोगी की शुश्रूषा करनेवाला, परिचारक।

तीमारदारी (تیمارداری) फा. स्त्री.–रोगी की सेवा, परिचर्या।

तीरः (تیرہ) फा. वि.–अंधकारमय, तमिस्र, तारीक।

तीरःख़ाकदाँ (تیرہ خاکداں) फा. पुं.–मृत्युलोक, संसार, दुनिया।

तीरःदरूँ (تیرہ دروں) फा. वि.–बदवातिन, ख़बीस, अंतर्मलिन, अंधात्मा, जिसका मन बिलकुल ही काला हो।

तीरःदिल (تیرہ دل) फा. वि.–दे. 'तीरःदरूँ'।

तीरःबख़्त (تیرہ بخت) फा. वि.–हतभाग्य, बदक़िस्मत जिसके भाग्य में अँधेरा ही अँधेरा हो।

तीरःबातिन (تیرہ باطن) फा. अ. वि.–दे. 'तीरःदरूँ।'

तीरःरोज़ (تیرہ روز) फा. वि.–दे. तीरःरोज़गार'; छली, वंचक, ठग।

तीरःरोज़गार (تیرہ روزگار) फा. वि.–जिसके लिए दुनिया बिलकुल अँधेरी हो, हतभाग्य।

तीर (تیر) फा. पुं.–बाण, शर, नावक; एक ईरानी महीना जो हिंदी हिसाब से सावन होता है; बुध ग्रह, उतारिद; शक्ति, बल, ज़ोर।

तीरअंदाज़ (تیرانداز) फा. वि.–तीर चलानेवाला, तीर मारनेवाला, तीर से शिकार करनेवाला।

तीरअंदाज़ी (تیراندازی) फा. स्त्री.–तीर चलाना, तीर से शिकार करना; धनुर्विद्या, तीरंदाज़ी का फ़न।

तीरअफ़्गन (تیرافگن) फा. वि.–दे. 'तीरअंदाज़'।

तीरओतार (تیرہ وتار) फा. वि.–बिल्कुल अंधकारमय, घोर अँधियारा।

तीरकश (تیرکش) फा. वि.– तरकश, तूणीर, निषंग; वह सूराख जो क़िले में बंदूक़ चलाने के लिए बनाये जाते हैं।

तीरख़ुर्दः (تیرخوردہ) फा. वि.–तीर खाया हुआ, घायल, ज़ख्मी।

तीरगर (تیرگر) फा. पुं.– तीर बनानेवाला।

तीरगी (تیرگی) फा. स्त्री.–अंधकार, अँधेरा, तिमिर।

तीरज़न (تیرزن) फा. वि.–दे. 'तीरअफ़्गन'।

तीरदान (تیردان) फा. पुं.–तरकश, निषंग, तूणीर, त्रोण।

तीरपरताब (تیرپرتاب) फा. पुं.–वह दूरी जो एक तीर चलकर गिरने की हो; वह तीर जो दूर तक फेंकने के काम आता है, निशाने के लिए नहीं होता।

तीरबहदफ़ (تیربہدف) फा. वि.–अचूक, जो ख़ता न करे, जो ठीक निशाने पर बैठे, अमोघ, रामबाण।

तीरावर (تیرآور) फा. वि.–धूर्त, छली, मक्कार; कुरेम साक़, औरत की कमाई खानेवाला।

तीरे निगाह (تیرنگاہ) फा.पुं.–दृष्टि का बाण, दृष्टि का घाव।

तीरेनीमकश (تیرنیم کش) फा. पुं.–वह तीर जो घाव में से आधा खींचकर छोड़ दिया गया हो, "कोई मेरे दिल से पूछे तेरे तीरेनीमकश को"—ग़ालिब।

तीरे हवाई (تیر ہوائی) फा. अ. पुं.–वह तीर जो हवा में फेंका जाय, निशाने पर न लगाया जाय; एक आतशबाज़ी।

तीर हुक्मी (تیر حکمی) फा. अ. पुं.–वह तीर जिसका निशाना कभी न चूके, अमोघ।

तीह (تیہ) फा. पुं.–वह भयानक जंगल जहाँ से जानेवाला फिर न लौटे और वहीं मर जाय; वह वन जिसमें हज़रत मूसा कई हज़ार आदमियों के साथ चालीस साल भटकते रहे।

तीहूज (تیہوج) फा. पुं.–एक चिड़िया, लवा।

तु

तुंग (تنگ) फा. पुं.–मिट्टी का वह बर्तन जिसका पेट चौड़ा, गर्दन छोटी और मुँह तंग हो।

तुंद (تند) फा. वि.–तीव्र, प्रचंड, तेज़, पुरज़ोर; आवेगपूर्ण, पुरजोश; क्रुद्ध, कुपित, गुस्से में; शीघ्र, त्वरित, तेज़।

तुंदख़ू (تندخو) फा. वि.–तेज़ मिज़ाजवाला, गुस्सैल, तीव्र स्वभाव,—"जिधर निगाह उठी बिछ गई सफ़े उश्शाक़, बला है, क़ह्र है, वह तुर्के तुंदख़ू क्या है ?"

तुंदबाद (تندباد) फा. स्त्री.–आँधी, झक्कड़, झंझावात।

तुंदमिज़ाज (تندمزاج) फा. अ. वि.–दे. 'तुंदख़ू'।

तुंदर (تندر) फा. पुं.–मेघ-गर्जन, बादल की गरज; बुलबुल, एक प्रसिद्ध मधुरस्वर चिड़िया।

तुंदरफ़्तार (تندرفتار) फा. वि.–बहुत तेज़ चलनेवाला, द्रुतगामी, शीघ्रगति, वायुवेग।

तुंदराय (تندرائے) फा. वि.–अदूरदर्शी, अपरिणामदर्शी, आक़बत का अंदेश।

तुंदरौ (تندرو) फा. वि.–दे. 'तुंदरफ़्तार'।

तुंदी (تندی) फा. स्त्री.–तीव्रता, तेज़ी; आवेग, जोश; स्वभाव की तीव्रता, बदमिज़ाजी; लिंगोत्थान, इस्तादगी; कोप, गुस्सा।

तुंबान (تنبان) तु. पुं.–एक प्रकार का ढीला-ढाला पाजामा, शलवार।

तुक्मः (تکمہ) तु. पुं.–बटन की जगह लगायी जानेवाली घुंडी, परंतु उर्दू में उस फंदे को कहते हैं जिसमें घुंडी फँसाई जाती है।

तुक्लान (تکلان) अ. पुं.–विश्वास, आस्था, श्रद्धा, एतिक़ाद; कालतुष्टि, ईश्वरेच्छा, तवक्कुल।

तुख़्मः (تخمہ) फा. पुं.–संतान, औलाद; अंडा, अंड, बीज।

तुख़्मः (تخمہ) अ. पुं.–सख़्त क़िस्म की बदहज़्मी जो हैज़े की शक्ल इख़्तियार कर ले।

तुख़्म (تخم) फा. पुं.–बीज, दाना; गुठली; अंड, अंडा; संतान, औलाद; वीर्य, नुत्फ़ा।

तुख़्मपाशी (تخم پاشی) फा. स्त्री.–खेत में बीज बोना, बीजारोपण।

तुख़्मरेज़ी (تخم ریزی) फा. स्त्री.–दे. 'तुख़्मपाशी'।

तुख़्मी (تخمی) फा. वि.–जो बीज बोकर उत्पन्न किया गया हो; देशी आम जो क़लमी न हो।

तुख़्मेकताँ (تخم کتاں) फा. पुं.–अलसी का बीज, अलसी।

तुख़्मे मुर्ग़ (تخم مرغ) फा. पुं.–मुर्ग़ी का अंडा।

तुख़्मे रैहाँ (تخم ریحاں) फा.अ.पुं.–दौने मड़ुए का बीज।

तुग़्यान (طغیان) अ. पुं.–अवज्ञा, अवहेलना, सरकशी; उद्दंडता, जहालत; अत्याचार, अनीति, ज़ुल्म; पाप, पातक, गुनाह।

तुग़्यानी (طغیانی) अ. स्त्री.–जलप्लावन, सैलाब, बाढ़।

तुग़्रा (طغرا) तु. पुं.–एक प्रकार का ख़त जिसमें कोई शक्ल बना देते हैं; बादशाहों के फ़रमानों पर शाही अल्क़ाबो आदाब लिखने का ख़त।

तुग़्राकश (طغراکش) तु. फा. वि.–तुग़्राख़त में बेल-बूटे या तस्वीरें बनानेवाला।

तुग़्रानवीस (طغرانویس) तु. फा.–दे. 'तुग़्राकश'।

तुग़्रिल (طغرل) तु. पुं.—सलजूक़ी ख़ानदान का पहला बादशाह।

तुज़ुक (توزک) तु. पुं.—सज्जा, सजावट, आराइश; प्रबंध, व्यवस्था, इंतिज़ाम; सैन्यसज्जा, फ़ौज की तर्तीब; राजसभा की सजावट; विधान, क़ानून; अपने क़लम से लिखी हुई अपनी जीवनी, आत्मचरित, ख़ुद-नविश्त हालात।

तुनुक (تنک) फा. वि.—सूक्ष्म, बारीक; अल्प, थोड़ा; मृदुल, नाज़ुक; क्षीण, दुबला-पतला।

तुनुकज़र्फ़ (تنک ظرف) फा. अ. वि.—छिछोरा, लोफ़र; अकुलीन, कमीना; पेट का हलका, जो राज़ की बात दूसरों से कह दे; जो थोड़ी-सी शराब पीकर बहक जाय; जो किसी बड़े आदमी के पास पहुँचकर या बड़ा दरजा पाकर घमंड के कारण आदमी न रहे।

तुनुकदिल (تنک دل) फा. वि.—बहुत छोटे दिल का, अनुदार।

तुनुकमायः (تنک مایہ) फा. वि.—बेहैसियत, अनादृत; तुच्छ, नीच, कमज़र्फ़।

तुनुकमिज़ाज (تنک مزاج) फा. अ. वि.—जो ज़रा-सी बात पर रूठ जाय, चिड़चिड़े स्वभाववाला।

तुनुकसब्र (تنک صبر) अ. फा. वि.—जिसको धैर्य न हो, आतुर, त्वरावान्, जल्दबाज़, बेसब्रा।

तुपक (تپک) तु. पुं.—'तोप' का अल्प रूप, छोटी तोप, बंदूक़।

तुफ़ंग (تفنگ) फा. स्त्री.—बंदूक़, तुपक।

तुफ़ंगअंदाज़ (تفنگ انداز) फा. वि.—बंदूक़ची, निशानेबाज़।

तुफ़ंगची (تفنگ چی) फा. वि.—बंदूक़ चालेवाला; बंदूक़ रखनेवाला; निशानची।

तुफ़ंगे तहपुर (تفنگ تہپر) फा. स्त्री.—कारतूसी बंदूक़, ब्रीच लोडिंग।

तुफ़ंगे दहनपुर (تفنگ دهن پر) फा. स्त्री.—टोपीदार बंदूक़, मुंह की ओर से भरी जानेवाली बंदूक़।

तुफ़ंगे सोज़नी (تفنگ سوزنی) फा. स्त्री.—ब्रीच लोडिंग राइफ़ल, जिसमें घोड़ा नहीं होता।

तुफ़ (تف) फा. अव्य.—आक्थू, धिक्, किसी के बुरा काम करने पर धिक्कारते हुए कहते हैं।

तुफ़ंक (تفک) फा. स्त्री.—बंदूक़, तुफ़ंग, तुपक।

तुफ़ू (تفو) फा. स्त्री.—दे. 'तुफ़'।

तुफ़ैल (طفیل) अ. पुं.—द्वारा, कारण, बसबब।

तुफ़ैली (طفیلی) अ. पुं.—वह व्यक्ति जो बिना निमंत्रण के किसी दूसरे निमंत्रित व्यक्ति के साथ दावत में जाय; किसी सहारे पर रहनेवाला, आश्रित।

तुफ़्फ़ाह (تفاح) अ. पुं.—सेब, एक प्रसिद्ध फल।

तुमतुराक़ (طمطراق) फा. पुं.—वैभव, शानो-शौकत; धूम-धाम, तड़क-भड़क; अहंकार, घमंड।

तुमानीयत (طمانیت) अ. स्त्री.—संतोष, इत्मीनान; सांत्वना, ढारस, उर्दू में यह शब्द 'तमानियत' बोला जाता है।

तुमानीनत (طمانینت) अ. स्त्री.—दे. 'तमानियत', इस शब्द का शुद्धतम उच्चारण यही है।

तुरंजबीन (ترنجبین) अ. स्त्री.—दे. 'तरंजुबीन'।

तुराब (تراب) अ. स्त्री.—मृत्तिका, मिट्टी, सूखी मिट्टी, ख़ाक।

तुरुंज (ترنج) फा. पुं.—मीठा नीबू, मिट्ठा; शिकन, झुर्री, सिलवट।

तुरुंजीदः (ترنجیدہ) फा. वि.—जिसके माथे पर सिलवटें पड़ी हों, ख़फ़ा, कुपित, क्रुद्ध।

तुरुक़ (طرق) अ. पुं.—'तरीक़' का बहु., तरीक़े, रास्ते।

तुरुश (ترش) फा. वि.—अम्ल, खट्टा, तुर्श।

तुरुश अब्रू (ترش ابرو) फा. वि.—जिसकी भौंहें क्रोध से तनी ही रहती हों, बदमिज़ाज, क्रुद्धात्मा।

तुरुशमिज़ाज (ترش مزاج) फा. अ. वि.—बदमिज़ाज, रूखा, खुरदरा, चिड़चिड़ा।

तुरुशरू (ترش رو) फा. वि.—दे. 'तुरुशमिज़ाज'।

तुयूर (طیور) फा. पुं.—'ताइर' का बहु., चिड़ियाँ, परंदे।

तुर्क (ترک) तु. पुं.—तुर्किस्तान का निवासी; सैनिक, योद्धा; प्रेमपात्र, माशूक़।

तुर्कज़ादः (ترک زادہ) तु. फा. पुं.—तुर्क का लड़का; सुंदर, हसीन, प्रेमपात्र, मा'शूक़।

तुर्कताज़ (ترکتاز) तु. फा स्त्री.—लूटमार, ग़ारतगरी, (पुं.) लुटेरा, ग़ारतगर; सैनिक, सिपाही।

तुर्कबचः (ترک بچہ) तु. फा. पुं.—तुर्क का लड़का; सुंदर, ख़ूबसूरत।

तुर्कमान (ترکمان) तु. पुं.—तुर्कों के अंतर्गत एक जाति।

तुर्कमिज़ाज (ترک مزاج) तु. अ. वि.—लुटेरा, ग़ारतगर; माशूक़ों-जैसे नाज़ोअंदाज़ वाला।

तुर्किस्तान (ترکستان) तु. फा. पुं.—तुर्कों का मुल्क, तुर्की, टर्की।

तुर्की (ترکی) तु. पुं.—तुर्क, तुर्किस्तान का निवासी; तुर्किस्तान, तुर्कों का देश; तुर्कों की भाषा।

तुर्की तमामशुद (ترکی تمام شد) तु. अ. फा. वाक्य—सारी शेख़ी किरकिरी हो गयी, सारा ज़ोर ख़त्म हो गया।

तुर्ब (ترب) फा. स्त्री.—मूली, एक प्रसिद्ध कंद, मूलक।

तुर्बत (تربت) अ. स्त्री.—क़ब्र, समाधि, गोर।

तुर्बुद (تربد) फा. स्त्री.—एक रेचक जड़, निसोत।

तुर्रः (طره) अ. पुं.—जुल्फ़, अलक; बालों की लट, केश-पाश; सुनहरे तारों का गुच्छा जो पगड़ी पर लगाते हैं; टोपी का फुंदना; फूलों की लड़ियों का गुच्छा; पक्षियों के सर की चोटी, कलग़ी; शाख़, बात में बात; अच्छाई, उम्दगी; अद्भुतता, अजूबापन; बढ़कर, सर्वश्रेष्ठ।

तुर्रए तर्रार (طرۂ طرار) अ. पुं.—बल खाये हुए बाल।

तुर्रए दस्तार (طرۂ دستار) अ. फा. पुं.—पगड़ी का झुंपा।

तुर्शः (ترشه) फा. पुं.—एक खट्टी पत्ती, चूक।

तुर्श (ترش) फा. वि.—खट्टा, अम्ल, तुरुश।

तुर्शी (ترشی) फा. स्त्री.—खटास, अम्लता, खट्टापन; वैर, अदावत।

तुर्रहत (ترهت) अ. स्त्री.—व्यर्थ, मिथ्या, झूठ।

तुर्रहात (ترهات) अ. स्त्री.—'तुर्रहत' का बहु., अनर्गल और अनर्थक बातें।

तुलूअ (طلوع) अ. पुं.—किसी सितारे का निकलना, उदय होना, उदय।

तुल्लाब (طلاب) अ. पुं.—'तालिब' का बहु., विद्यार्थी लोग।

तुवंगर (تونگر) फा. पुं.—धनवान्, धनी, मालदार; शक्तिशाली, समर्थ।

तुवाँ (تواں) फा. स्त्री.—शक्ति, बल, ज़ोर; सामर्थ्य, क़ुद्रत।

तुवांगर (توانگر) फा. पुं.—दे. 'तुवंगार'।

तुवाना (توانا) फा. वि.—शक्तिशाली, बलवान्, ज़ोरमंद।

तुवानाई (توانائی) फा. स्त्री.—शक्ति, बल, ज़ोर।

तुवानाए मुत्लक़ (توانائے مطلق) फा. अ. वि.—सर्वशक्तिमान, क़ादिरे मुतलक़।

तुह्लब (طحلب) अ.स्त्री.—काई जो पानी पर जम जाती है।

तुह्मत (تہمت) अ. स्त्री.—आरोप, लांछन, ग़लत इल्ज़ाम-बुहतान; संदेह, शंका, शक।

तुह्र (طہر) अ. पुं.—स्त्री का रजोमालिन्य से पवित्र होना, औरत की हैज़ की हालत ख़त्म होना; वह दिन जब स्त्री रजोधर्म में न हो, रजस्वला न होनेवाले दिन।

तू

तूत (توت) फा. पुं.—एक प्रसिद्ध पेड़ और उसका फल, शहतूत।

तूतिया (توتیا) अ. पुं.—सुर्मा, रसांजन।

तूती (توتی—طوطی) फा.स्त्री.—एक चिड़िया जो सिखाने पर मनुष्य की तरह बात करती है, मैना, सारिका; शुक, तोता, जो 'तूत' बहुत खाता है।

तूदः (تودہ) फा. पुं.—मिट्टी का ढेर, ढूह; अंबार, ढेर, राशि, समूह।

तूदःबंदी (تودہ‌بندی) फा. स्त्री.—हदबंदी, मिट्टी के ढेर बनाकर किसी ज़मीन की हदों को सीमित करना।

तूदए ख़ाक (تودۂ خاک) फा. पुं.—मिट्टी का ढेर।

तूफ़ाँ (طوفاں) अ. पुं.—'तूफ़ान' का लघु., दे. 'तूफ़ान'।

तूफ़ाँज़दः (طوفاں‌زدہ) अ. फा. वि.—जो पानी की बाढ़ आ जाने से पीड़ित हो, जिसका बाढ़ से घर-बार या खेत आदि तबाह हो गये हों।

तूफ़ाँरसीदः (طوفاں‌رسیدہ) अ. फा. वि.—दे. 'तूफ़ाँज़दः'।

तूफ़ान (طوفان) अ. पुं.—पानी की बाढ़, सैलाब, प्लावन; बहुत ही तेज़ आँधी; बहुत ज़ोर की बारिश; आरोप, लांछन, तुहमत; कोलाहल, हंगामा, शोरोग़ुल; आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत।

तूफ़ानी (طوفانی) अ. वि.—तूफ़ान की तरह तेज़ और जल्दी का, जैसे—तूफ़ानी दौरा; तूफ़ान में फँसा हुआ, जैसे—तूफ़ानी कश्ती; तूफ़ान उठानेवाला, आफ़त का परकाला, मुतफ़न्नी; तूफ़ान से सम्बन्ध रखनेवाला।

तूफ़ाने आतश (طوفان آتش) अ. फा. पुं.—आग का तूफ़ान, ज़ोर की आग।

तूफ़ाने आब (طوفان آب) अ. फा. पुं.—पानी का तूफ़ान, बाढ़, सैलाब।

तूफ़ाने बाद (طوفان باد) अ. फा. पुं.—हवा का तूफ़ान, सख़्त आँधी।

तूफ़ाने बेतमोज़ी (طوفان بےتمیزی) अ. फा. पुं.—हुल्लड़, बेकार का शोरोग़ुल।

तूबा (طوبیٰ) अ. पुं.—स्वर्ग का एक वृक्ष, (वि.) बहुत ही अधिक सुगंधित; बहुत ज़ियादा पवित्र, (स्त्री.) मुबारक-बाद, शुभ संवाद।

तूमार (طومار) अ. पुं.—लम्बा-चौड़ा पत्र; लम्बा-चौड़ा वृत्तान्त; किसी विषय के बारे में काग़ज़ों का पुलिंदा; झूठी बातों की भरमार; बहुत अधिक चीज़, बड़ा ढेर।

तूर (تور) फा. पुं.—'फ़िरेदूं' का बड़ा बेटा जिसने 'तूरान' बसाया था; महारथी, बहुत बड़ा बहादुर।

तूर (طور) अ. पुं.—शाम (सीरिया) का एक पहाड़, जिस पर हज़रत मूसा ने ईश्वर का जल्वा देखा था, तूरे सीना।

तूरान (توران) फा. पुं.—तातार, तुर्किस्तान।

तूरानी (تورانی) फा. पुं.—तूरान का निवासी, तुर्की, तातारी।

तूल (طول) अ. पुं.—आयाम, लम्बाई, दीर्घता; विलम्ब, देर, तवालत।

तूलानी (طولانی) अ. फा. वि.—दीर्घ, लम्बा; ढीलवाला, देर का।

तूलुल्बलद (طول البلد) अ. पुं.—देशान्तर-रेखा।

तूले अमल (طول امل) अ. पुं.–आशा की लम्बाई, मोहजाल।

तूले अमल (طول عمل) अ. पु.–झंझट, बखेड़ा, किसी नाम की तवालत।

तूस (طوس) फ़ा. पुं.–ख़ुरासान का एक शहर, मश्हद।

तूसी (طوسی) फ़ा. पुं.–तूस देश का निवासी।

ते

तेग़: (تیغہ) फ़ा. पुं.–छोटी तलवार।

तेग़ (تیغ) फ़ा. स्त्री.–खड्ग, असि, कृपाण, तलवार।

तेग़आज़मा (تیغ آزما) फ़ा. वि.–तलवार चलानेवाला, लड़नेवाला, वीर, योद्धा, बहादुर।

तेग़आज़माई (تیغ آزمائی) फ़ा. स्त्री.–युद्ध, समर, लड़ाइ, जंग।

तेग़ज़न (تیغ زن) फ़ा. वि.–सिपाही, योद्धा, जंगजू।

तेग़ज़नी (تیغ زنی) फ़ा. स्त्री.–सिपाही का पेशा, तलवार चलाने का काम।

तेग़बकफ़ (تیغ بکف) फ़ा. वि.–हाथ में तलवार लिये हुए, मरने-मारने पर आमादा, वध करने को तत्पर।

तेग़राँ (تیغ راں) फ़ा. वि.–दे. 'तेग़ज़न'।

तेग़साज़ (تیغ ساز) फ़ा. पुं.–तलवार बनानेवाला, खड्गकार।

तेग़े अजल (تیغ اجل) फ़ा. अ. स्त्री.–मौत की तलवार, अर्थात् मौत, मृत्यु।

तेग़े कोह (تیغ کوہ) फ़ा. स्त्री.–पहाड़ की चोटी।

तेग़े दुदम (تیغ دودم) फ़ा. स्त्री.–वह तलवार जिसके दोनों ओर धार हों।

तेग़े दुपैकर (تیغ دوپیکر) फ़ा. स्त्री.–दे. 'तेग़े दुदम'।

तेग़े दुसर (تیغ دوسر) फ़ा. स्त्री.–दे. 'तेग़े दुदम'।

तेग़े फ़लक (تیغ فلک) फ़ा. अ. स्त्री.–मंगल ग्रह, मिर्रीख़।

तेग़े बुर्रा (تیغ براں) फ़ा. स्त्री.–अच्छी काटवाली तलवार, जिसकी धार बहुत ही अच्छी हो।

तेग़े रवाँ (تیغ رواں) फ़ा. स्त्री.–पैनी और तेज़ तलवार।

तेज़ (تیز) फ़ा. वि.–जिसमें धार हो; तीव्र, प्रचंड, शदीद; शीघ्र, द्रुत, जल्द; कुपित, ग़ुस्से; होशियार, धूर्त, चालाक; -दक्ष, कुशल, माहिर; जोशीला, उत्साहपूर्ण; प्रतिभाशाली-ज़हीन; बुद्धिमान्, अक़्लमंद; तत्पर, मुस्तइद; दूर तक देखनेवाली (नज़र); महँगा, गिराँ।

तेज़अक़्ल (تیزعقل) अ. फ़ा. वि.–तीव्रबुद्धि, जल्द बात समझ लेनेवाला; ज़हीन, प्रतिभाशाली।

तेज़क़दम (تیزقدم) अ. फ़ा. वि.–तेज़ चलनेवाला, जल्दी-जल्दी डगें मारनेवाला; शीघ्रगति।

तेज़ क़लम (تیز قلم) अ. फ़ा. वि.–जल्द लिखनेवाला, शीघ्र लिपिक।

तेज़गाम (تیزگام) फ़ा. वि.–तेज़क़दम, शीघ्रगामी।

तेज़गामी (تیزگامی) फ़ा. स्त्री.–तेज़ चलना, शीघ्र गमन।

तेज़गोश (تیزگوش) फ़ा. वि.–जल्द बात सुन लेनेवाला, दूर की बात सुन लेनेवाला, आहिस्ता बात सुन लेनेवाला।

तेज़ तब्अ (تیزطبع) फ़ा. अ. वि.–प्रतिभाशाली, ज़हीन; तीव्रबुद्धि, तेज़अक़्ल।

तेज़तर (تیزتر) फ़ा. वि.–बहुत तेज़; शीघ्रतर; तीव्रतर।

तेज़तरीन (تیزترین) फ़ा. वि.–सबसे अधिक तेज़; शीघ्रतम; तीव्रतम।

तेज़दंदाँ (تیزدنداں) फ़ा. वि.–जिसके दाँत तेज़ हों, फाड़ खानेवाला; लोभी, लालची, हरीस।

तेज़दम (تیزدم) फ़ा. वि.–जोशीला, उत्साही; फुर्तीला, चालाक; ताज़:दम, दमदार।

तेज़दस्त (تیزدست) फ़ा. वि.–जल्द काम करनेवाला, क्षिप्रहस्त।

तेज़दस्ती (تیزدستی) फ़ा. स्त्री.–फ़ुर्ती, चालाकी, जल्द काम करना।

तेज़दिमाग़ (تیزدماغ) फ़ा. अ. वि.–दे. 'तेज़अक़्ल'।

तेज़नज़र (تیزنظر) फ़ा. अ. वि.–जिसकी दृष्टि तीव्र हो, जो दूर तक देख सके, जो बारीक़ चीज़ें देख सके, तीव्र-दृष्टि।

तेज़नाख़ुन (تیزناخن) फ़ा. वि.–जिसके नख तीव्र हों, जो नाख़ूनों से ज़ख़्मी कर सके।

तेज़निगाह (تیزنگاہ) फ़ा. वि.–दे. 'तेज़नज़र'।

तेज़पर (تیزپر) फ़ा. वि.–दे. 'तेज़परवाज़'।

तेज़परवाज़ (تیزپرواز) फ़ा. वि.–जल्द उड़नेवाला; ऊँचा उड़नेवाला; दूर की लेनेवाला।

तेज़ फ़हम (تیزفہم) फ़ा. अ. वि.–शीघ्र ही बात की तह को पहुँच जानेवाला, ज़ूदरस; बुद्धिमान्, अक़्लमंद।

तेज़बू (تیزبو) फ़ा. वि.–जिसकी गंध तेज़ हो, तीव्रगंध।

तेज़मिज़ाज (تیزمزاج) फ़ा. अ. वि.–चिड़चिड़े मिज़ाज-वाला; किसी की बात न सह सकनेवाला; किसी बात पर जल्द बिगड़ जानेवाला; ग़ुस्सैल, क्रोधी।

तेज़रफ़्तार (تیزرفتار) फ़ा. वि.–दे. 'तेज़गाम'।

तेज़रवी (تیزروی) फ़ा. स्त्री.–दे. 'तेज़गामी'।

तेज़रौ (تیزرو) फ़ा. वि.–दे. 'तेज़गाम'।

तेज़होश (تیزہوش) फ़ा. वि.–बुद्धिमान्, अक़्लवर; प्रतिभावान्, तब्बाअ; दक्ष, कुशल, होशियार।

तेज़ाब (تیزاب) फा. पु.–एक रासायनिक पानी जो नमक, शोरा आदि चीज़ों से बनता है, अम्ल।

तेज़ाबियत (تیزابیت) फा. स्त्री.–तेज़ाबपन।

तेज़ाबी (تیزابی) अ. वि.–तेज़ाब सम्बन्धी; तेज़ाब का; तेज़ाब से बना हुआ; तेज़ाब मिला हुआ; तेज़ाब के असर से बिगड़ा या बना हुआ।

तेज़ी (تیزی) फा. वि.–धार, बाढ़; तीव्रता, शिद्दत; महँगाई, गिरानी; न्यूनता, कमी; चालाकी, होशियारी; दक्षता, महारत; प्रतिभा, ज़हानत; जोश, उत्साह; हिम्मत, साहस; तत्परता, आमादगी; शीघ्रता, जल्दी; आतुरता, बेसब्री, बेचैनी।

तेज़ोतुंद (تیزوتند) फा. वि.–बहुत तेज़, प्रचंड, अति तीव्र।

तेशः (تیشه) फा. पु.–कुद्दाल, कदाल।

तेशःज़न (تیشه‌زن) फा. वि.–कुदाल से ज़मीन आदि खोदनेवाला।

तेशःज़नी (تیشه‌زنی) फा. स्त्री.–कुदाल का काम, कुदाल से खुदाई।

तै

तै (طے) अ. पुं.–'हातिम' का वंश; रस्ता चलना, जैसे–मंज़िल तै कर ली; निर्णय, फ़ैसला; निर्णीत, फ़ैसल; समाप्ति, ख़ातिमा; चुकता, बेबाक़ी।

तैए अर्ज़ (طے ارض) अ. पु.–रस्ता तै करना, सफ़र तै करना।

तैए लिसान (طے لسان) अ. पुं.–चुप रहना, अवाक् हो जाना, कुछ न कहना।

तैयारः (طیارہ) अ. पुं.–वायुयान, विमान, हवाई जहाज़।

तैयारःबरदार (طیارہ بردار) अ. फा. पुं.–वह हवाई जहाज़ जो और जहाज़ों को अपने अंदर रखकर लाता है।

तैयारःशिकन (طیارہ شکن) अ. फा. पुं.–वह तोप जो हवाई जहाज़ को गिराती है।

तैयार (تیار) अ. वि.–तत्पर, कटिबद्ध, आमादा; पक्व, पुख़्ता; समाप्त, ख़त्म; संपूर्ण, मुकम्मल; हृष्ट-पुष्ट, फ़रबेह, मोटा-ताज़ा; सुसज्जित, आरास्ता; इस्तेमाल या प्रयोग के क़ाबिल, जैसे–खाना तैयार या कोट तैयार; लैस, फ़िट।

तैयारची (طیارچی) अ. तु. पुं.–हवाई जहाज़ चलानेवाला, पाइलेट, वायुयान-चालक।

तैयारी (تیاری) अ. वि.–तत्परता, मुस्तैदी; समाप्ति, ख़ातिमा; पूर्ति, तकमील; सज्जा, आरास्तगी; प्रयोग के क़ाबिल होना; रचना, ता'मीर; निर्माण, सृष्टि, तख़्लीक़।

तैयिब (طیب) अ. वि.–पवित्र, शुद्ध, पाक, निमल।

तैयिबात (طیبات) अ. स्त्री.–सती और साध्वी स्त्रियाँ।

तैर (طیر) अ. पु.–चिड़िया, परंद, पक्षी; चिड़ियाँ, परंदे।

तैरान (طیران) अ. पुं.–हवा में उड़ना, उड्डयन।

तैल[लि]सान (طیلسان) अ. स्त्री.–चादर, दुपट्टा; वह रूमाल जो ख़तीब या वाइज़ ख़ुत्बे के वक़्त कंधों पर डाल लेते हैं।

तैश (طیش) अ.–क्रोध, कोप, गुस्सा।

तैसीर (تیسیر) अ. स्त्री.–सुगम करना, आसान बनाना; सुगमता, सरलता, आसानी।

तो

तोज़ (توز) फा. प्रत्य.–ढूँढ़नेवाला, एकत्र करनेवाला, जैसे–'कीनः तोज़' द्वेष मन में एकत्र करनेवाला।

तोप (توپ) तु. स्त्री.–गोला फेंकनेवाला यंत्र।

तोपख़ानः (توپ‌خانه) तु. फा.–वह सेना जो बायें चलती है; तोपें रखने का स्थान।

तोपची (توپچی) तु. पुं.–तोप चलानेवाला, तोप से गोला मारनेवाला।

तोबरः (توبره) फा. पुं.–घोड़े के दाना खाने का थैला।

तो'मः (طعمه) अ. पुं.–ख़ुराक, खाद्य, भोजन; जीविका, रोज़ी।

तोलः (توله) फा. पुं.–कुत्ते का बच्चा, पिल्ला; एक प्रकार का कुत्ता जो शिकार की बू पाकर उसे पकड़ता है।

तोलचः (تولچه) फा. पुं.–बारह माशे की तौल, तोला।

तोशः (توشه) फा. पुं.–सफ़र का सामान खाने-पीने का।

तोशःख़ानः (توشه‌خانه) फा. पुं.–वह स्थान जहाँ खाने-पीने का सामान रहता है, 'तोशकख़ाना' का अपभ्रंश।

तोशःदान (توشه‌دان) फा. पुं.–दे. 'तोशदान'।

तोश (توش) फा. पुं.–शक्ति, बल, ज़ोर।

तोशएआक़िबित (توشهٔ عاقبت) फा. अ. पुं.–अच्छी कृतियाँ जो यमलोक में काम आयें।

तोशक (توشک) फा. स्त्री.–पलँग पर बिछाने का रुईदार गद्दा, निहाली; घर-गृहस्थी का सामान, खाने-पीने की सामग्री।

तोशकख़ानः (توشک‌خانه) फा. पुं.–दे. 'तोशःख़ानः'।

तोशदान (توشدان) फा. पुं.–सिपाहियों के कारतूस रखने की चमड़े की पेटी; सफ़र के लिए खाना रखने का बर्तन।

तोशमाल (توشمال) फा. पुं.–ख़ानसामाँ, बावरची, रसोइया, पाचक।

तौ

तौअनोकर्हन (طوعاً وكرهاً) अ. अव्य.–बिना इच्छा के विवशतापूर्वक, दिल पर जब्र करके।

तौक़ (طوق) अ. पुं.–स्त्रियों के गले में पहनने की सोने-चाँदी की गोल हँसली; लोहे की गोल हँसली जो क़ैदियों के गले में डाली जाती है; वह गोल लकीर जो बाज़ चिड़ियों के गले में होती है; मन्नत की वह हँसली जो बच्चों को पहनाते हैं।

तौक़ीअ (توقیع) अ. स्त्री.–बादशाह का किसी राजादेश पर हस्ताक्षर करना; मोहर, निशान; वह राजादेश जिसमें किसी बात पर क्रोध प्रकट किया गया हो।

तौक़ीर (توقیر) अ. स्त्री.–प्रतिष्ठा, मान्यता, एहतिराम; सत्कार, सम्मान, ताज़ीम, इज़्ज़त।

तौक़े गुलामी (طوق غلامی) अ. पुं.–पराधीनता की ला'नत।

तौक़े माह (طوق ماہ) अ. फा. पुं.–चाँद में पड़नेवाला घरा, चंद्रबिम्ब।

तौक़े ला'नत (طوق لعنت) अ. पुं.–धिक्कार की बौछार, धिक्काररूपी गले का तौक़।

तौज़ीअ (توزیع) अ. स्त्री.–बिखेरना, फैलाना; टुकड़े करना, हिस्से बखे़ करना।

तौज़ीन (توزین) अ. स्त्री.–तुलवाना, वज़न कराना; तोलना, वज़न करना; तोल, वज़न।

तौज़ीह (توضیح) अ. स्त्री.–स्पष्टीकरण, खोलकर कहना; व्याख्या, विवरण, तफ़्सील।

तौजीह (توجیہہ) अ. स्त्री.–कारण बताना, वजह ज़ाहिर करना; किसी की ओर मुँह करना, मुतवज्जेह होना; स्पष्ट करना, साफ़ करना, यह बताना कि ऐसा क्यों है।

तौदीअ (تودیع) अ. स्त्री.–बिदा करना, रुख़्सत करना, रवाना करना; सौंपना, हस्तान्तरित करना।

तौफ़ (طوف) अ. पुं.–किसी के चारों ओर फिरना, परिक्रमा।

तौफ़ीक़ (توفیق) अ. स्त्री.–दैवयोग से ऐसे कारण पैदा हो जाना जिससे अभिलषित वस्तु की प्राप्ति में सुगमता हो; ईश्वर की कृपा, दैवानुग्रह; सामर्थ्य, शक्ति, मक़्दरत; उत्साह, उमंग, हौसला; योग्यता, पात्रता, अहलियत।

तौफ़ीक़ेख़ैर (توفیق خیر) अ. स्त्री.–अच्छी कृतियों की तौफ़ीक़।

तौफ़ीर (توفیر) अ. स्त्री.–आधिक्य, प्राचुर्य, इफ़ात।

तौबः (توبہ) अ. स्त्री.–किसी बुरे काम से बाज़ रहने की दृढ़ प्रतिज्ञा, इस्तिग़्फ़ार; त्याग, तर्क, छोड़ देना; पछतावा, पश्चात्ताप, (अव्य.) धर्म के विरुद्ध या किसी बड़े अहंकार की बात सुनकर बोला जानेवाला शब्द, जिससे घृणा और नफ़्रत का इज़्हार मंज़ूर होता है।

तौबःनामः (توبہ نامہ) अ. फा. पुं.–किसी बात से तौबा करने का लिखित पत्र।

तौबःशिकन (توبہ شکن) अ. फा. वि.–की हुई तौबा को तुड़वा देनेवाली बात, "किस क़दर तौबःशिकन शोख़ की अँगड़ाई है, मैक़दा गूंज उठा देखो घटा छाई है।"

तौबीख़ (توبیخ) अ. स्त्री.–झिड़की, घुड़की, भर्त्सना, यह शब्द अकेला नहीं बोला जाता, ज़ज्र के साथ मिलकर 'ज़ज्रो तौबीख़' बोला जाता है, अर्थात् डाँट-फटकार।

तौर (طور) अ. पुं.–शैली, पद्धति, ढंग; आचरण, व्यवहार, तर्ज़े अमल; चाल-ढाल, रविश, रंग-ढंग; लक्षण, लच्छन, अलामत।

तौरात (تورات) अ. स्त्री.–वह आस्मानी ग्रंथ जो हज़्रत 'मूसा' पर उतरा था, तौरेत।

तौरियः (توریہ) अ. पुं.–दिल में कुछ होना और मुँह पर कुछ, मुनाफ़क़त।

तौरीब (توریب) अ. स्त्री.–टेढ़ा करना, ख़म डालना; टेढ़ापन, वक्रता।

तौरेत (توریت) अ. स्त्री.–दे. 'तौरात'।

तौलियः (تولیہ) अ. स्त्री.–दे. 'तौलियत'।

तौलियत (تولیت) अ. स्त्री.–किसी को किसी काम का प्रबंधक नियुक्त करना, वली या मतवल्ली बनाना।

तौलियतनामः (تولیت نامہ) अ. फा. पुं.–मुतवल्ली बनाने की तहरीर।

तौलीद (تولید) अ. स्त्री.–जनना, पैदा कराना; पालन-पोषण करना; उत्पन्न करना, पैदा करना; उत्पत्ति, पैदाइश।

तौलीद ख़ून (تولید خون) अ. फा. स्त्री.–ख़ून की उत्पत्ति, ख़ून की पैदाइश, ख़ून की वृद्धि।

तौलीदेमनी (تولید منی) अ. स्त्री.–वीर्य की उत्पत्ति, मनी की वृद्धि।

तौशीह (توشیح) अ. स्त्री.–गले में हार डालना; सजाना, सँवारना; एक अलंकार जिसमें चंद शेरों या मिस्रों के पहले अक्षर एकत्र करने से किसी का नाम अथवा अक्षरों की संख्या 'अबजद' के हिसाब से जोड़ने पर कोई विशेष साल निकलता है।

तौसन (توسن) फा. पुं.–अश्व, घोड़ा, तुरंग।

तौसीअ (توسیع) अ. स्त्री.–अधिक करना, ज़ियादा करना; विस्तृत करना, वसीअ करना; विस्तार, कुशादगी, फैलाव।

तौसीए मीआद (توسیع میعاد) अ. स्त्री.–किसी काम का नियत समय बढ़ा देना।

तौसीक़ (توثیق) अ. स्त्री.–दृढ़ करना, मज़्बूत करना; दृढ़ता, मज़्बूती; पुष्टि करना, समर्थन करना; पुष्टि, समर्थन।

तौहीद (توحید) अ. स्त्री.–ईश्वर को एक मानना, अद्वैतवाद।

तौहीदपरस्त (توحیدپرست) अ. फा. वि.–ईश्वर को एक माननेवाला, अद्वैतवादी।

तौहीन (توہین) अ. स्त्री.–अपमान, अनादर, तिरस्कार, बेइज्ज़ती।

तौहीने अदालत (توہین عدالت) अ. स्त्री.–किसी न्यायालय का अपमान।

द

दंग (دنگ) फा. वि.–चकित, निस्तब्ध, हक्का-बक्का, शशदर, हैरान।

दंगल (دنگل) फा. पुं.–जनसमूह, भीड़, हुजूम; पहलवानों के कुश्ती लड़ने का अखाड़ा; पहलवानों की कुश्ती।

दंदाँ (دندان) फा. पुं.–दाँत, दंत।

दंदाँज़नी (دندان زنی) फा. स्त्री.–शत्रुता, द्वेष, दुश्मनी, बैर।

दंदाँदराज़ (دندان دراز) फा. वि.–लोलुप, लोभी, लालची।

दंदाँनुमा (دندان نما) फा. वि.–दाँत दिखानेवाला, जिसमें दाँत दिखाई पड़ें, जैसे—'ख़ंदए दंदाँनुमा'।

दंदाँशिकन (دندان شکن) फा. वि.–मुँहतोड़, जैसे—'दंदाँशिकन जवाब'।

दंदाँसाज़ (دندان ساز) फा. पुं.–दन्तकार, डेंटिस्ट।

दंदानः (دندانہ) फा. पुं.–किसी आरी आदि का दाँता, दाँतुआ।

दअवात (دعوات) अ. स्त्री.–'दा'वत' का बहु., दुआएँ।

दआवी (دعاوی) अ. पुं.–दा'वा का बहु., दा'वे।

दक़ [दक़्क़] (دق) अ. पुं.–कूटना, पीसना; ठोंकना, खटखटाना।

दकन (دکن) फा. पुं.–दक्षिण, दक्खिन; कुछ साल पहिले निज़ाम की रियासत के अर्थ में भी प्रयुक्त।

दक़ाइक़ (دقائق) अ. पुं.–'दक़ीक़ः' का बहु., बारीकियाँ, नुक्ते।

दक़ीक़ः (دقیقہ) अ. पुं.–गूढ़ता, बारीकी; कसर, कमी; एक घंटे का साठवाँ भाग, एक मिनट।

दक़ीक़ःरस (دقیقہ رس) अ.फा. वि.–बात की तह को पहुँच-जानेवाला, कुशाग्रबुद्धि, तीव्रप्रतिभ।

दक़ीक़ःशनास (دقیقہ شناس) अ. फा. वि.–दे. 'दक़ीक़ः-रस'।

दक़ीक़ (دقیق) अ. वि.–बारीक, महीन; सूक्ष्म, गूढ़, नाज़ुक; कठिन, मुश्किल।

दक़्क़ाक़ (دقاق) अ. वि.–कूटनेवाला, महीन करनेवाला; गूढ़ और सूक्ष्म बात कहनेवाला, सूक्ष्मवादी।

दक़्क़ुलबाब (دق الباب) अ. पुं.–दरवाज़ा खटखटाना, दस्तक देना।

दक़्क़ोलक़ (دق و لق) अ. वि.–चटियल मैदान।

दक़्यानूस (دقیانوس) अ. पुं.–इतिहास-काल से पहले का एक बहुत ही अत्याचारी नरेश।

दक़्यानूसी (دقیانوسی) अ. वि.–दक़्यानूस के समय का अर्थात् बहुत पुराना; बड़ी आयुवाला, बहुत दुनिया देखे हुए; बहुत ही पुरानी और निकम्मी वस्तु।

दख़ील (دخیل) अ. वि.–क़ाबिज़, उपभोक्ता, प्रभाव रखनेवाला, पहुँच रखनेवाला।

दख़ीलकार (دخیل کار) अ. फा. वि.–वह किसान जिसे अपनी ज़मीन पर क़ब्ज़े का हक़ हासिल हो।

दख़्मः (دخمہ) फा. पुं.–आतशपरस्तों का क़ब्रिस्तान जो कुएँ की शक्ल का होता है।

दख़्ल (دخل) अ. पुं.–पहुँच, रसाई; अधिकार, क़ब्ज़ा; हस्तक्षेप, मुज़ाहमत; थोड़ी-बहुत जानकारी, शुदबुद।

दख़्ल दर मा'क़ूलात (دخل در معقولات) अ. फा. अव्य.–किसी विषय में बिना कारण दख़्ल देना, अनधिकार चर्चा।

दख़्लदिहानी (دخل دہانی) अ. फा. स्त्री.–क़ब्ज़ा दिलाना, किसी जायदाद आदि पर किसी एक की जगह दूसरे को हक़दार और मालिक बनाना।

दख़्लनामः (دخل نامہ) अ.फा.पुं.–दख़्ल दिलाने की तहरीर।

दख़्लयाब (دخل یاب) अ. फा. वि.–दख़्ल पाया हुआ, जिसे क़ब्ज़ा मिल गया हो।

दख़्लयाबी (دخل یابی) अ. फा. स्त्री.–क़ब्ज़ा पाना, अधिकार-प्राप्ति।

दग़ल (دغل) फा. पुं.–छल, कपट, फ़रेब; खोटा सोना या चाँदी।

दग़ा (دغا) फा. स्त्री.–छल, वंचना, ठगी, मक्कारी।

दग़ाबाज़ (دغاباز) फा. वि.–वंचक, छली, ठगिया।

दग़ाबाज़ी (دغابازی) फा. स्त्री.–विश्वासघात, कटकर्म, फ़रेबकारी।

दग़्दग़ः (دغدغہ) फा. पुं.–शंका, भय, खटका, धड़का।

दजाज (دجاج) अ. स्त्री.–मुर्ग़ी, स्त्री कुक्कुट, (पुं.) मुर्ग़ा, कुक्कुट, दे. 'दिजाज'।

दज्जाल (دجال) अ. वि.–बहुत बड़ा छली, बहुत बड़ा मायावी, (पुं.) मुसलमानों के मतानुसार एक व्यक्ति जो क़ियामत से कुछ पहले पैदा होगा और ख़ुदा होने का दावा करेगा।

दज्लः (دجلہ) अ. पुं.–एक नदी जो बग़दाद के नीचे बहती है; नदी, दर्या, दे. 'दिज्लः'।

ददः (ددہ) तु. स्त्री.—वह स्त्री जो बच्चों को दूध पिलाती और उसकी देखरेख करती है।

ददः (ددہ) फ़ा. पुं.—फाड़ खानेवाला दरिंदः, श्वापद।

दद (دد) फ़ा. पुं.—श्वापद, हिंसक पशु, ददः।

दनस (دنس) अ. स्त्री.—मलिनता, मैलापन, गंदगी; अपवित्रता, नजासत।

दनानीर (دنانیر) अ. पुं.—दीनार (अरबी 'दिन्नार') का बहु., अशरफ़ियाँ, मुहरें।

दनी (دنی) अ. वि.—पाजी, कमीना, अधम, पामर, नीच।

दनीउत्तब्अ (دنی الطبع) अ. वि.—ज़लील तबीअत का, नीचाशय।

दनीउलफ़ित्रत (دنی الفطرت) अ. वि.—दे. 'दनीउत्तब्अ'।

दफ़ (دف) फ़ा. पुं.—एक गोलाकार खाल मढ़ा हुआ बाजा, बड़ी डफ़्ली।

दफ़ाइन (دفائن) अ. पुं.—'दफ़ीनः' का बहु., दफ़ीने, निधियाँ।

दफ़ातिर (دفاتر) अ. पुं.—'दफ़्तर' का बहु., कार्यालय, दफ़्तर (एक से अधिक)।

दफ़ीनः (دفینہ) अ. पुं.—गड़ा हुआ ख़ज़ाना, निधि।

दफ़्अः (دفعہ) अ. स्त्री.—एक बार, बार; धारा, क़ानून की दफ़ा।

दफ़्अतन (دفعتاً) अ. अव्य.—सहसा, अकस्मात्, अचानक।

दफ़्आत (دفعات) अ. स्त्री. 'दफ़्अः' का बहु., बहुत बार; कानून की धाराएं।

दफ़्ईयः (دفعیہ) अ. पुं.—रोक, निवारण, तदारुक।

दफ़्ए मरज़ (دفع مرض) अ. पुं.—रोग-निवारण, रोग का खातिमा, रोगमुक्ति।

दफ़्तर (دفتر) फ़ा. पुं.—कार्यालय, आफ़िस; किसी बड़ी किताब का एक भाग, जिल्द, ग्रंथखंड, वाल्यूम; कोई लम्बी-चौड़ी बात, तूमार, जैसे—शिकायतों का दफ़्तर।

दफ़्तरनिगार (دفترنگار) अ.फ़ा.पुं.—दफ़्तर का मुर्हरिर, क्लर्क, लिपिक।

दफ़्तरी (دفتری) अ. पुं.—दफ़्तर के रजिस्टरों और क़ाग़ज़ों की जिल्दसाज़ी और रजिस्टरों आदि पर लकीरें वग़ैरह खींचनेवाला।

दफ़्न (دفن) अ. पुं.—ज़मीन में गाड़ना, दफ़्न करना, (वि.) गाड़ा हुआ, मद्फ़ून।

दबरान (دبران) अ. पुं.—चौथा नक्षत्र, रोहिणी।

दबाज़त (دبازت) स्थूलता, मोटापन, गाढ़ापन।

दबिस्ताँ (دبستاں) फ़ा. पुं.—अदबिस्ताँ का लघु., पाठशाला, मदरसा, छोटे बच्चों का स्कूल, मक्तब।

दबीज़ (دبیز) फ़ा. वि.—मोटा, गफ़, संगीन।

दबीर (دبیر) फ़ा. पुं.—मुर्हरिर, क्लर्क, लिपिक; लेखक, इंशापरदाज़।

दबीरिस्तान (دبیرستان) फ़ा. पुं.—मुंशीख़ाना, दफ़्तर; पाठशाला, मक्तब।

दबीरे फ़लक (دبیر فلک) फ़ा. अ. पुं.—बुध ग्रह, उतारिद।

दबीलः (دبیلہ) अ. पुं.—गोल और बड़ा वरम, फोड़ा, व्रण।

दबूर (دبور) अ. स्त्री.—पछवा हवा, पछयाव।

दबूसः (دبوسہ) फ़ा. पुं.—जहाज़ का कमरा या कैबिन जो महिलाओं के लिए होता है।

दब्दबः (دبدبہ) अ. पुं.—रोबोदाव, तेज, प्रताप, प्रभाय, आतंक, कर्रोफ़र।

दब्बः (دبہ) फ़ा. पुं.—चमड़े का कुप्पा, घी का कुप्पा।

दब्बाग़ः (دباغہ) अ. पुं.—चमड़ा पकाने और रँगने का कारख़ाना, टैनरी।

दब्बाग़ (دباغ) अ. वि.—चमड़ा कमानेवाला, चमड़ा पकाने और रँगनेवाला।

दमः (دمہ) फ़ा. पुं.—दमे का रोग, श्वासकास, श्वासरोग, ज़ीक़ुन्नफ़स।

दम (دم) फ़ा. पुं.—साँस, श्वास; छल, धोखा, फ़रेब; शेख़ी, डींग; धार, तीक्ष्णता, तेज़ी; प्राण वायु, रूह; व्यक्तित्व, ज़ात; हुक़्क़े या चिलम का कश; क्षण, पल, लम्हा; कुछ पढ़ के फूंकना; मंत्र, टोटका; समय, काल, वक़्त; बल, शक्ति, ज़ोर।

दम (دم) अ. पुं.—रक्त, लोहू, ख़ून; जीवन, प्राण, ज़िंदगी।

दमकश (دمکش) फ़ा. वि.—मौन, चुप, ख़ामोश; गवैए के साथ स्वर मिलानेवाला।

दमकशी (دمکشی) फ़ा. स्त्री.—मौन, चुप्पी, ख़ामोशी; गानेवाले के स्वर में स्वर मिलाना।

दमख़म (دمخم) फ़ा. पुं.—शक्ति, ज़ोर, ताक़त; उत्साह, उमंग, हौसला; तलवार की धार और उसकी वक्रता।

दमज़दन (دمزدن) फ़ा. पुं.—दम मारना, कुछ कहना; क्षण, लमहा, ज़रा-सी देर।

दमदमः (دمدمہ) फ़ा. पुं.—वह कृत्रिम कोट जो युद्ध के समय थैलों में मिट्टी भरकर बनाते हैं, धुस, मोरचा।

दमदार (دمدار) फ़ा. वि.—ज़ोरदार, शक्तिशाली; प्राणी, जान्दार।

दमपुख़्त (دمپخت) फ़ा. पुं.—हाँडी का मुँह बंद करके हल्की आँच पर पकाई हुई चीज़; (मुर्ग़ के) पेट में कोई चीज़ भरकर पकाया हुआ मुर्ग़; देग का मुंह बन्द करके पकाई हुई बिरयानी या पुलाव।

दम बख़ुद (دم بخود) फ़ा. वि.—मौन, चुप, ख़ामोश, "शमा

चुप, पर्वाना शस्दर, अहले महफ़िल 'दम बखुद', हाय क्या तस्वीर का आलम तेरी महफ़िल में है।"—जिगर।

दम बदम (دم بدم) फा. वि.—हरदम, क्षण-प्रतिक्षण; निरन्तर, लगातार।

दमबाज़ (دمباز) फा. वि.—धूर्त, छली, वंचक, मक्कार।

दमबाज़ी (دمبازی) फा. स्त्री.—धूर्तता, मक्कारी, छल, फ़रेब।

दमवी (دموی) अ. वि.—रक्त सम्बन्धी, ख़ून से निस्बत रखनेवाला; ख़ून के दबाव या दोष से होनेवाला।

दमशुमारी (دمشماری) फ़ा. अ. स्त्री.—मरते समय की आख़िरी साँसें, मरते समय की साँसें गिनना।

दमसाज़ (دمساز) फा. वि.—मित्र, सखा, दोस्त, हमदम; गाने या नफ़ीरी आदि में साथ देनेवाला।

दमाँ (دماں) फा. वि.—क्रोध के वेग में डौंकने, दहाड़ने और चिंघाड़नेवाला, यह शब्द विशेषतः हाथी, शेर, अजगर और मगर के लिए आता है, वसे बाढ़ में आयी हुई नदी और पानी की बाढ़ के लिए भी प्रयुक्त होता है।

दमादम (دمادم) फा. अव्य.--निरंतर, लगातार, मुसल्सल; क्षण-प्रतिक्षण, हरदम।

दमामः (دمامہ) फा. पुं.—बड़ा नक़्क़ारा, धौंसा।

दमामील (دمامیل) अ. पुं.—'दुम्मल' का बहु., फोड़े।

दमार (دمار) अ. पुं.—वध, हनन, हलाकी।

दमीदः (دمیدہ) फा. वि.—उगा हुआ, ज़मीन से निकला हुआ; फूंका हुआ।

दमीदगी (دمیدگی) फा. स्त्री.—उगाव, जमाव; फूंक।

दमीम (دمیم) अ. वि.—कुरूप, कदाकार, बदसूरत।

दमे आब (دم آب) फा. पुं.—पानी का एक घूंट।

दमे ईसा (دم عیسیٰ) फा. अ. पुं.—हज़्रत ईसा की फूंक, जिससे मृत प्राणी जीवित हो ज़ाते थे, प्राण देनेवाला, जीवित करनेवाला।

दमे एहतिज़ार (دم احتضار) फा. अ. पुं.—प्राण निकलते समय; प्राण निकलने का समय।

दमे चंद (دم چند) फा. पुं.—थोड़ी देर, क्षण भर, इतनी देर जिसमें चार-छः साँसें ली जा सकें।

दमे तस्लीम (دم تسلیم) फा. अ. पुं.—मरते वक़्त की साँसें; मौन, चुप्पी, ख़ामोशी; आज्ञा चाहना।

दमे तेग़ (دم تیغ) फा. पुं.—तलवार की धार।

दमे पसीं (دم پسیں) फा. पुं.—दे. 'दमे वापसीं'।

दमे बाज़पसीं (دم بازپسیں) फा. पुं.—दे. 'दमे वापसीं'।

दमे वापसीं (دم واپسیں) फा. पुं.—मरते समय की अंतिम साँसें।

दमे शमशीर (دم شمشیر) फा. पुं.—दे. 'दमे तेग़'।

दमे सर्द (دم سرد) फा. पुं.—ठंडी साँस, सर्द आह।

दमे सुब्ह (دم صبح) फा. अ. पुं.—प्रातःकाल, तड़का।

दमे सूर (دم صور) फा. अ. पुं.—'सूर' फूंकने का समय, महाप्रलय-काल।

दयाक़ूज़ः (دیاقوذہ) अ. पुं.—एक यूनानी दवा।

दरंग (درنگ) फा. स्त्री.—विलम्ब, ढील, वक़्फ़, देर; आलस्य, सुस्ती, दे. 'दिरंग', दोनों शुद्ध हैं।

दरंदाज़ (دراندز) फा. वि.—दो आदमियों में लड़ाई करा देनेवाला, पिशुन, दे. 'दर अंदाज़'।

दरंदाज़ी (درندازی) फा. स्त्री.—पिशुनता, चुगुलख़ोरी, इधर की उधर लगाकर आपस में लड़ाई कराना।

दरः (درہ) फा. पुं.—दो पहाड़ों के बीच का तंग रास्ता, घाटी, दे. 'दर्रः'।

दर (در) फा. पुं.—दरवाज़ा, द्वार (अव्य.) में, भीतर; जब एक ही दो शब्दों के बीच में आता है तो कभी 'बहुत' का अर्थ देता है जैसे 'सह्रा दर सह्रा' जंगलों में। कभी 'ऊपर' का अर्थ देता है जैसे, 'सूद दर सूद' ब्याज पर ब्याज। कभी गुणा का अर्थ देता है जैसे, 'दह दर दह' अर्थात् १० × १०। (प्रत्य.) चीरनेवाला जैसे, 'सफ़दर' सेना की पंक्तियों को चीर डालनेवाला। (उप.) शब्द के अर्थ में विशेषता पैदा कर देता है, जैसे, 'दरगुज़र' किसी का दोष देखते हुए गुज़र जाना। कहीं-कहीं केवल शब्द-सौन्दर्य के लिए भी आता है जैसे, 'दरमियान' इसका अर्थ वही है जो 'मियान' का यानी 'बीच'।

दरअंदाज़ (دراندز) फा. वि.—दे. 'दरंदाज़'।

दरअंदाज़ी (درندازی) फा. स्त्री.—दे. 'दरंदाज़ी'।

दरअस्ल (دراصل) फा. अ. अव्य.—वास्तव में, वस्तुतः, हक़ीक़त में, अस्ल में।

दरआमद (درآمد) फ़ा. स्त्री.—दे. 'दरामद'।

दरकः (درکہ) अ. पुं.—नीचे का तल, अधोतल, 'दरजः' का उलटा वह ऊपर की मंजिल के लिए आता है. नरक, दोज़ख़, दे. 'दर्कः'।

दरकात (درکات) अ. पुं.—नीचे के तल; सारे नरक, सारे दोज़ख़।

दरकार (درکار) फा. अव्य.—वांछित, अभिलषित, मतलूब।

दरकिनार (درکنار) फा. अव्य.—एक तरफ़, अलग; एक तरफ़ रहा, अलग रहा, जैसे--राम तो दरकिनार कृष्ण भी नहीं आया।

दरख़ुर (درخور) फा. अव्य.—योग्य, क़ाबिल जैसे—'दरख़ुरे अर्ज़' कहनेयोग्य; दरूल. पैठ, रसाई।

दरख़ुरे एतिना (درخوراعتنا) फा. अ. अव्य.—तवज्जुह के क़ाबिल, ध्यान देने योग्य।

दरखुर्द (درخورد) फा. वि.—योग्य पात्र, लाइक़ (लायक़)।

दरख़्त (درخت) फा. पु.—वृक्ष, द्रुम, पादप, पेड़।

दरख़्वास्त (درخواست) फा. स्त्री.—प्रार्थनापत्र, निवेदन पत्र, अर्ज़ी; निवेदन, कथन, कहना।

दरगाह (درگاہ) फा. पुं.—चौखट, देहलीज़, आस्तानः; राजसभा, दरबार; किसी वली का मज़ार, रौज़ा।

दरगुज़र (درگزر) फा. स्त्री.—दोष देखकर उसे अनदेखा कर देना, चश्मपोशी; क्षमा, मुआफ़ी।

दरजः (درجہ) अ. पुं.—पद, उहदा; श्रेणी, वर्ग, तब्क़ा; राशिचक्र का ३६० वाँ हिस्सा; मकान की माला, मंज़िल; स्वर्ग की माला या मंज़िल; दुर्गति, बुरी हालत; कक्षा, जमाअत, क्लास; मिनिट, दे. 'दर्जः', उर्दू में वही बोला जाता है और वही शुद्ध भी है।

दरजात (درجات) अ. पुं.—'दरजः' का बहु., दर्जे।

दरदम (دردم) फा. अव्य.—तत्क्षण, उसी समय, तुरंत, फ़ौरन।

दरपए आज़ार (درپئے آزار) फा. अव्य.—सताने और हानि पहुँचाने की घात में।

दरपए जाँ (درپئے جاں) फा. अव्य.—प्राण लेने की घात में, मार डालने की ताक में।

दरपए तज़्हीक (درپئے تضحیک) फा. अ. अव्य.—निन्दा और बदनामी की घात में, बदनाम करने की फिक्र में।

दरपर्दः (درپردہ) फा. अव्य.—पर्दे में, छुपकर, ख़ुफ़्या तौर पर।

दरपेश (درپیش) फा. अव्य.—किसी समस्या या कार्य की उपस्थिति, जैसे—'मुआमला दरपेश' है' या जैसे—'सफ़र दरपेश' है।

दरपै (درپے) फा. अव्य.—पीछे पड़ा हुआ, संलग्न; घात में, ताक में; इच्छुक, ख्वाहिशमंद।

दरफ़्शाँ (درفشاں) फा.वि.—प्रकाशमान, ज्योतिर्मय, रौशन, दे. 'दुरफ़्शाँ', दोनों शुद्ध हैं।

दरबंद (دربند) फा. पुं.—परकोट, चारदीवारी; बड़ा दरवाज़ा; नदी का घाट; दो राष्ट्रों के बीच का अन्तर।

दरबदर (دربدر) फा. अव्य.—घर-घर, गली-गली, एक दरवाज़े से दूसरे दरवाज़े।

दरबान (دربان) फा. पुं.—द्वारपाल, दरवाज़े की रक्षा पर नियुक्त व्यक्ति, ड्योढ़ीदार।

दरबाब (درباب) फा. अव्य.—बारे में, सम्बन्ध में।

दरबारः (دربارہ) फा. अव्य.—दे. 'दरबाब'।

दरबार (دربار) फा. पुं.—राजसभा, बादशाही कचहरी; किसी ऋषि, मुनि या वली का आश्रम या ख़ानक़ाह।

दरबारदारी (دربارداری) फा. स्त्री.—किसी बड़े आदमी के यहाँ ख़ुशामद में रोज़ाना की हाज़िरी।

दरबारी (درباری) फा.वि.—दरबार से सम्बन्धित; वह व्यक्ति जो दरबार में निमंत्रित होता हो; राजा या बादशाह का सभासद, पारिषद।

दरबारे आम (دربارعام) फा. अ. पु.—वह दरबार जिसमें सर्व साधारण जा सकें, जनता का दरबार।

दरबारे ख़ास (دربارخاص) फा. अ. पु.—वह दरबार जिसमें केवल राज्याधिकारी और बड़े-बड़े लोग ही सम्मिलित हो सकें।

दरमांदः (درماندہ) फा.वि.—दुःखित, हीन, निःसहाय, निराश्रय, आजिज, बेकस।

दरमांदगी (درماندگی) फा. स्त्री.—हीनता, दीनता, निःसहायता, बेकसी, मजबूरी।

दरमाहः (درماہہ) फा. पु.—महीने पर मिलनेवाला वेतन।

दरमाहःदार (درماہہدار) फा. वि.—महीने पर तनख्वाह पानेवाला।

दरमियान (درمیان) फा. पु.—में, बीच; मध्य, वस्त।

दरमियानः (درمیانہ) फा. वि.—बीचवाला, न बड़ा छोटा।

दरमियानी (درمیانی) फा.वि.—दरमियानवाला, बीच का; बिचौलिया, मध्यस्थ, बीच में पड़कर वाद या झगड़े को ख़त्म करानेवाला व्यक्ति।

दरयाफ़्त (دریافت) फा. स्त्री.—जाँच, टोह, जिज्ञासा; अनुसंधान, गवेषणा, तहक़ीक़।

दरयाब (دریاب) फा. स्त्री.—समझ-बूझ, बुद्धि; नदी, दर्या।

दरयूज़ः (دریوزہ) फा. पु.—भीख माँगना, भिक्षाटन।

दरयूज़ःगर (دریوزہگر) फा. वि.—भीख माँगनेवाला, भिक्षुक, भिखारी, मँगता।

दरयूज़ःगरी (دریوزہگری) फा. स्त्री.—भीख माँगना, भिक्षावृत्ति, भिक्षाकर्म, भिक्षाटन।

दरयूज़गी (دریوزگی) फा. स्त्री.—दे. 'दरयूज़ःगरी'।

दरवाज़ः (دروازہ) फा. पुं.—द्वार, दर।

दरवेज़ः (دریوزہ) फा. पुं.—दे. 'दरयूज़ः'।

दरवेश (درویش) फा. पुं.—भिखारी, भिक्षुक; पुनीतात्मा, सिद्ध, ख़ुदा रसीदः; विनीत, विनम्र, ख़ाकसार; संन्यासी, तारिकुद्दुनिया।

दरवेश सिफ़त (درویش صفت) फा. अ. वि.—दरवेशों-जैसा सीधा-सादा स्वभाव रखनेवाला।

दरवेशानः (درویشانہ) फा. अव्य.—दरवेशों-जैसा, जैसे—'दरवेशानः ज़िंदगी' सीधी-सादी और मोटी-झोटी जीवनचर्या।

दरवेशी (درویشی) फा. स्त्री.—फ़क़ीरी, संन्यास।

दरहम (درہم) फा. वि.—अस्त-व्यस्त, तितिर-बितर, यह शब्द अकेला नहीं बोला जाता 'बरहम' के साथ 'दरहम बरहम' बोला जाता है।

दरा (درا) फा. पुं.—घंटा, घड़ियाल, वह घंटा जो यात्रिदल अर्थात् काफ़िले के साथ रहता है, दे. 'दिरा', दोनों उच्चारण शुद्ध हैं।

दराए कार्वां (درائے کارواں) फा. पुं.—क़ाफ़िले में बजनेवाला घंटा।

दराज़ (دراز) फा. वि.—लंबा, दीर्घ, लंब, तवील।

दराज़क़द (درازقد) फा. वि.—दे. 'दराज़क़ामत', प्रलंबकाय।

दराज़क़ामत (درازقامت) फा. अ. वि.—लम्बे शरीरवाला, लंबकाय, दीर्घकाय।

दराज़गोश (درازگوش) फा. वि.—लंबे कानवाला, लंबकर्ण (पुं.) एक प्रकार का गधा।

दराज़दस्त (درازدست) फा. वि.—अन्यायी, अत्याचारी, ज़ालिम।

दराज़दस्ती (درازدستی) फा. स्त्री.—अन्याय, अत्याचार, जुल्म।

दराज़दुम (درازدم) फा. पुं.—लम्बी पूँछवाला, लंबपुच्छ; गिरगट, कृकलास।

दराज़नफ़सी (درازنفسی) फा. अ. स्त्री.—वाचालता, बहुत बोलना, बहुत बातें करना।

दराज़िए उम्र (درازئی عمر) फा. अ. स्त्री.—आयु की लंबाई, अधिक जीना, दीर्घायु।

दराज़ी (درازی) फा. स्त्री.—लंबाई, दीर्घता, तवालत।

दरामद (درآمد) फा. स्त्री.—वह माल जो किसी राष्ट्र में बाहरी राष्ट्रों से आये, आयात।

दराहिम (دراہم) अ. पुं.—'दिर्हम' का बहु., बहुत से दिर्हम।

दरिंदः (درندہ) फा. पुं.—फाड़ खानेवाला जंगली जानवर, श्वापद।

दरीं (دریں) फा. अव्य.—इसमें।

दरींअस्ना (دریں اثنا) फा. अ. अव्य.—इस बीच, इसी बीच, इसी दर्मियान।

दरीं ख़ुसूस (دریں خصوص) फा. अ. अव्य.—इस विषय में, इस बारे में, इस सम्बन्ध में।

दरी (دری) फा. स्त्री.—फ़ारसी भाषा की एक शाखा।

दरीचः (دریچہ) फा. पुं.—खिड़की, झरोखा, गवाक्ष, जालार।

दरीदः (دریدہ) फा. वि.—फटा हुआ, विदीर्ण।

दरीदःदहन (دریدہ دہن) फा. वि.—मुँहफट, मुक्तकंठ।

दरूँ (دروں) फा. पुं.—'दरून' का लघु., दे. 'दरून'।

दरून (درون) फा. पुं.—हृदय, मन, चित्त, आतमा, बातिन, क़ल्ब।

दरूना (درونا) फा. पुं.—वह फोड़ा या घाव जिसका मुंह भीतरी हो।

दरूनी (درونی) फा. वि.—भीतरी, अंदरूनी; मानसिक, हार्दिक, रूहानी।

दरोग़ (دروغ) फा. पुं.—झूठ, असत्य, मिथ्या, ग़लत, दे. 'दुरोग़' दोनों शुद्ध हैं।

दरोग़गो (دروغ گو) फा. वि.—झूठ बोलनेवाला, मिथ्यावादी, झूठा, काज़िब।

दरोग़गोई (دروغ گوئی) फा. स्त्री.—झूठ बोलना, मिथ्यावाद।

दरोग़ज़न (دروغ زن) फा. वि.—दे. 'दरोग़गो'।

दरोग़बयां (دروغ بیاں) फा. अ. वि.—दे. 'दरोग़गो'।

दरोग़बाफ़ (دروغ باف) फा. वि.—झूठ गढ़नेवाला, अपने मन से झूठ बातें बनानेवाला।

दरोग़हल्फ़ी (دروغ حلفی) फा. अ. स्त्री.—झूठी क़सम खाना।

दर्कः (درکہ) अ. पुं.—दे. 'दरकः' उर्दू में 'दर्कः' ही बोलते हैं।

दर्क (درک) अ. पुं.—बुद्धि, अक़्ल, समझ; विवेक, तमीज़, ज्ञान, जानकारी।

दर्जः (درجہ) अ. पुं.—दे. 'दरजः', उर्दू में अधिकतर 'दर्ज' ही बोलते हैं।

दर्ज (درج) अ. वि.—लिखा हुआ, प्रविष्ट, रजिस्टर या बही आदि में लिखा हुआ; लिखना, दर्ज करना।

दर्ज़ (درز) फा. स्त्री.—दरार, शिगाफ़, फटन; खाना, जैसे—मेज़ की दर्ज़।

दर्ज़ी (درزی) फा. पुं.—कपड़ा सीनेवाला, सूचिक।

दर्द (درد) फा. पुं.—कष्ट, व्यथा, यातना, तक्लीफ़; करुणा, दया, तरस. रहम; दुःख, क्लेश, मुसीबत; पीड़ा, टीस, चसक।

दर्दअंगेज़ (دردانگیز) फा. वि.—दर्द पैदा करनेवाला, पीड़ोत्पादक, कष्टजनक।

दर्दअफ़्ज़ा (دردافزا) फा. वि.—दर्द बढ़ानेवाला, पीड़ावर्द्धक।

दर्दआश्ना (دردآشنا) फा. वि.—जो किसी के दर्द को जानता हो, जो किसी के दुःख से वाक़िफ़ हो; सहानुभूतिकर्ता, हमदर्द, दुःख में सहायता देनेवाला, मित्र।

दर्द ना आश्ना (دردناآشنا) फा. वि.—जो किसी का दर्द न समझे, निर्दय, कठोर हृदय, संगदिल।

दर्दनाक (دردناک) फा. वि.—दे. 'दर्दअंगेज़'।

दर्दफ़िज़ा (دردفزا) फा. वि.—दे. 'दर्दअफ़्ज़ा'।

दर्दमंद (دردمند) फा. वि.—हमदर्द, सहानुभूति करनेवाला, दिलासा देनेवाला।

दर्दमंदी (دردمندی) फा. स्त्री.—हमदर्दी, सहानुभूति, दया और करुणा का भाव।

दर्दी (دردی) फा. अव्य.—हाए अफ़सोस, हा हंत, हाए हाए।

दर्देजिगर (دردجگر) फा. पुं.—दे. 'दर्देदिल'।

दर्देज़ेह (دردزہ) फा पुं.—बच्चा पैदा होने के समय की पीड़ा, प्रसववेदना, प्रसवपीड़ा।

दर्देदिल (دردِدل) फा. पुं.—मन की व्यथा, मनस्ताप; प्रेम का दुःख, इश्क़ का ग़म।

दर्देसर (دردسر) फा. पुं.—सिर का दर्द, शिर-पीड़ा; झंझट, खटराग।

दर्दोग़म (دردوغم) फा. अ. पुं.—बहुत-सी मुसीबतें, कष्टसमूह।

दर्मां (درماں) फा. पुं.—उपचार, इलाज, चिकित्सा।

दर्मांतलब (درماں طلب) फा. अ. वि.—इलाज या उपचार का इच्छुक।

दर्मांतलबी (درماں طلبی) फा. अ. स्त्री.—इलाज की इच्छा।

दर्मांपिज़ीर (درماں پزیر) फा. वि.—चिकित्सा के योग्य, इलाज के क़ाबिल।

दर्या (دریا) फा. पुं.—नद, नदी, तरंगिणी, सरिता, आपगा, शैवलिनी, तटिनी, निम्नगा।

दर्याई (دریائی) फा. वि.—नदी सम्बन्धी; नदी में रहनेवाला जैसे—दर्याई जानवर; नदी में उत्पन्न होनेवाला, जैसे—दर्याई सदफ़; दर्या का।

दर्याएअह्मर (دریاۓاحمر) फा. अ. पुं.—लालसागर, बह्रे क़ुल्ज़ुम।

दर्याएज़ख़्ख़ार (دریاۓزخار) फा. अ. पुं.—ठाठें मारता हुआ दर्या, लबालब बहनेवाली नदी।

दर्याएशोर (دریاۓشور) फा. पुं.—खारे पानी की नदी, खारा समंदर, लवण-सागर; वह समुद्र जिसमें अडमान और निकोबार के टापू हैं और जहां अंग्रेजी शासन काल में आजन्म कारावासी भेजे जाते थे।

दर्याचः (دریاچہ) फा. पुं.—छोटी नदी।

दर्यादिल (دریادل) फा. वि.—जो बहुत दानी हो, सख़ी, दाता, दिलदर्याव, मुक्तहस्त, वदान्य, उदारमना।

दर्याबरामद (دریابرآمد) फा. स्त्री.—वह भूमि जो किसी नदी के स्थान छोड़ने से निकली हो, पुलिन, नद्युत्सृष्ट।

दर्याबरार (دریابرار) फा. स्त्री.—दे. 'दर्याबरामद'।

दर्याबार (دریابار) फा. वि.—सख़ी, फ़ैयाज़, वदान्य; बहुत बरसनेवाला जैसे—'अब्रे दर्याबार'।

दर्याबुर्द (دریابرد) फा. स्त्री.—वह भूमि जो नदी की बाढ़ में डूब गयी हो; वह भूमि जो बाढ़ से कटकर नष्ट हो गयी हो।

दर्याबेगी (دریابیگی) फा. पुं.—बह्री फ़ौज का सिपहसालार, जल-सेनापति, नवाधिपति, अमीरुल बह्र।

दर्राक (دراک) अ. वि.—प्रतिभाशाली, कुशाग्र बुद्धि, बहुत ही तेज़ फ़हम।

दर्स (درس) अ. पुं.—पढ़ना, पठन; पढ़ाना, पाठन; शिक्षा, नसीहत; उपदेश, सदुपदेश, वा'ज़।

दर्सोतद्रीस (درس وتدریس) अ. पुं.—पढ़ना-पढ़ाना, पढ़ने-पढ़ाने का व्यापार।

दलाइल (دلائل) अ. पुं.—'दलील' का बहु., दलीलें।

दलालत (دلالت) अ. पुं.—लक्षण, चिह्न, अलामत; तर्क, युक्ति, दलील; मार्ग-प्रदर्शन, रहनुमाई।

दलीदः (دلیدہ) फा. पुं.—दलिया, मोटा दला हुआ अनाज (वि.) दला हुआ।

दलील (دلیل) अ. स्त्री.—तर्क, युक्ति, बुर्हान; प्रमाण, सुबूत।

दलीले क़वी (دلیل قوی) अ. स्त्री.—मज़्बूत दलील, पुष्ट प्रमाण।

दलीले कामिल (دلیل کامل) अ. स्त्री.—पूरा सुबूत, पूर्ण प्रमाण; ऐसी दलील या तर्क जिसका खंडन न हो सके।

दलीले नाक़िस (دلیل ناقص) अ. स्त्री.—वह दलील जो बोदी हो और जिसका खंडन हो सकता हो, कुतर्क।

दल्क़ (دلق) अ. स्त्री.—भिखमंगों की गुदड़ी; सूफ़ियों के पहनने का ऊनी लिबास।

दल्क (دلک) अ. पुं.—अंगमर्दन, जिस्म को मलना।

दल्क़पोश (دلق پوش) अ. फा. वि.—भिक्षुक, फ़क़ीर; सूफ़ी, ब्रह्मवादी।

दल्लाक (دلاک) अ. पुं.—वह व्यक्ति जो हम्माम (स्नानागार) में शरीर मलता और मैल छुड़ाता है।

दल्लालः (دلالہ) अ. स्त्री.—कुटनी, कुट्टनी।

दल्लाल (دلال) अ. पुं.—बिकवाल और लिवाल के बीच में सौदा तय करानेवाला, दलाल; आढ़ती, एजेंट।

दल्लाली (دلالی) अ. स्त्री.—बीच में पड़कर सौदा तै कराने का काम; कुटनीपन; आढ़त का काम।

दवाँ (دواں) फा. वि.—दौड़ता हुआ, भागता हुआ।

दवा (دوا) अ. स्त्री.—ओषधि, औषध, भेषज, दवाई; उपचार, इलाज, चिकित्सा; उपाय, तद्बीर।

दवाइर (دوائر) अ. पुं.—'दाइरः' का बहु., दाइरे।

दवाउलमिस्क (دواءالمسک) अ. स्त्री.—एक यूनानी औषध जो हृदय के लिए शक्तिवर्द्धक है।

दवाएदिल (دواۓدل) अ. फा. स्त्री.—दिल के रोग की ओषधि, प्रेम-रोग की दवा।

दवाख़ानः (دواخانہ) अ. फा. पुं.—जहाँ दवाएँ बिकती हों, औषधालय।

दवात (دوات) अ. स्त्री.—सियाही रखने का पात्र, मसिपात्र।

दवादविश (دوادوش) फा. अव्य.—दौड़ भाग, कोशिश, परिश्रम।

दवादौ (دوادو) फा. अव्य.—दे. 'दवादविश'।

दवापिज़ीर (دواپزیر) अ. फा. वि.—दवाई के क़ाबिल, साध्य, जो इलाज से अच्छा हो सके।

दवाफ़रोश (دوافروش) अ. फा. पुं.—दवा बेचनेवाला।

दवाब [ब्ब] (دواب) अ. पुं.—'दाब्बः' का बहु., चौपाए, पशु, मवेशी।

दवाम (دوام) अ. पुं.—नित्यता, स्थायित्व, हमेशगी, नित्य, हमेशा।

दवामी (دوامی) अ. वि.—हमेशा रहनेवाला, अनश्वर, नित्य; हमेशा के लिए, स्थायी; जीवन भर के लिए, हीन-हयाती।

दवाल (دوال) फा. स्त्री.—दे. 'दुवाल', दोनों शुद्ध हैं।

दवावीन (دواوین) अ. पुं.—दीवान का बहु., शाइरों के दीवान।

दवासाज़ (دواساز) अ. फा. पुं.—दवाएँ बनानेवाला, अत्तार।

दवी (دوی) अ. स्त्री.—कान में होनेवाली झंझनाहट।

दवीदः (دویده) फा. वि.—दौड़ा हुआ।

दश्त (دشت) फा. पुं.— कानन, वन, जंगल, वियाबान।

दश्तआवारः (دشت آواره) फा. वि.—जंगलों में मारा-मारा फिरनेवाला, वनभ्रमी, काननचारी।

दश्तगर्द (دشت گرد) फा. वि.—दे. 'दश्तआवारः'।

दश्तगर्दी (دشت گردی) फा. स्त्री.—जंगलों में मारा-मारा फिरना, वन-भ्रमण।

दश्नः (دشنه) फा. पुं.—ख़ंजर, जंबिया, भुजाली, दे. 'दिश्नः', दोनों शुद्ध हैं।

दसाइस (دسائس) अ. पुं.—'दसीसः' का बहु., साज़िशें, कुचक्र-समूह।

दसातीर (دساتیر) अ. पुं.—'दुस्तूर' का बहु., क़ाइदे, क़ानून, रीतियाँ; पारसियों का धार्मिक ग्रंथ।

दसीसः (دسیسه) अ. पुं.—कुचक्र, दुरभिसंधि, साज़िश, षड्यंत्र।

दस्तंदाज़ (دست انداز) फा. वि.—दे. 'दस्तअंदाज़'।

दस्तंदाज़ी (دست اندازی) फा. स्त्री.—दे. 'दस्तअंदाज़ी'।

दस्तंबू (دستنبو) फा. पुं.—कई सुगंधित पदार्थों और इत्रों को मिलाकर बनाया हुआ गुल्ला, जो सूंघने के लिए हाथ में रखा जाय, हर सुगंधित फल जो सूंघा जा सके, कचरी, सुंधिया।

दस्तंबूयः (دستنبویه) फा. पुं.—दे. 'दस्तंबू'।

दस्तः (دسته) फा. पुं.—चाक़ू या छुरी आदि की मूठ, जग या डोंगे आदि का हैंडिल; मुट्ठा, जैसे—गुलदस्ता; २५ काग़ज़ों का मुट्ठा, रीम का बीसवाँ हिस्सा; खरल का मूसला; फ़ौज की टुकड़ी, गारद; संजाफ़, हाशिया।

दस्त (دست) फा पुं.—कर, हस्त, हाथ; पतला शौच, विरेचन, इस्हाल।

दस्तअंदाज़ (دست انداز) फा. वि.—किसी काम में हस्तक्षेप करनेवाला, बाधा डालनेवाला, बाधक, विघ्नकारक, मुज़ाहिम, दे. 'दस्तंदाज़'।

दस्तअंदाज़ी (دست اندازی) फा. स्त्री.—हस्तक्षेप करना, बाधा डालना, मुज़ाहमत, दे 'दस्तंदाज़ी'।

दस्तअफ़ज़ार (دست افزار) फा. पुं.—कारीगर के काम करने का यंत्र, हथियार, औज़ार, उपकरण, दे. 'दस्तफ़ज़ार'।

दस्तअफ़्शाँ (دست افشاں) फा. वि.—किसी काम से विरक्त होनेवाला, त्यागनेवाला, त्यागी, विरक्त, दे. 'दस्तफ़्शाँ'।

दस्तआमोज़ (دست آموز) फा. वि.—हाथ पर सधाया हुआ जानवर, दे. 'दस्तामोज़'।

दस्तआवर (دستاور) फा. वि.—दस्त लानेवाली दवाई, रेचक, जुल्लाब, दे. 'दस्तावर'।

दस्तक (دستک) फा. स्त्री.—ताली, करताल, चचंरी; खटखटाना; राजादेश, हुक्मनामा; क़ुर्की।

दस्तक़लम (دست قلم) फा. अ. अव्य.—दे. शुद्ध 'दस्तोक़लम'।

दस्तकश (دست کش) फा. वि.—विरक्त, बेतअल्लुक़।

दस्तकशी (دست کشی) फा. स्त्री.—किसी काम में से अपने को निःसम्बन्ध कर लेना, उपेक्षा।

दस्तकार (دستکار) फा. पुं.—शिल्पी, शिलाकार, कारीगर, हाथ के काम का माहिर; वह चीज़ जिस पर हाथ का काम बना हो।

दस्तकारी (دستکاری) फा. स्त्री.—शिल्प, कला, हस्तशिल्प।

दस्तकी (دستکی) फा. स्त्री.—हाथ में लेने या जेब आदि में रखने के क़ाबिल छोटी चीज़।

दस्तख़त (دستخط) फा. पुं.—हस्ताक्षर, स्वाक्षर, अपने क़लम से लिखा हुआ अपना नाम, जो किसी तहरीर की सनद के लिए हो।

दस्तख़ती (دستخطی) फा. वि.—जिस पर दस्तख़त हो।

दस्तगर्दां (دست گرداں) फा. वि.—बग़ैर तहरीर का कर्ज़ा, हथ उधार।

दस्तगह (دستگہ) फा. स्त्री.—'दस्तगाह' का लघु., दे. 'दस्तगाह'।

दस्तगाह (دستگاه) फा. स्त्री.—सामर्थ्य, शक्ति, क़ुद्रत; योग्यता, विद्वत्ता, इल्मीयत।

दस्तगिरिफ़्तः (دست گرفته) फा. वि.—जिसका हाथ सहारे के लिए पकड़ा हो, जिसे सहायता दी हो।

दस्तगी (دستگی) फ़ा. स्त्री.—वह दस्ताना जो बाज़ पक्षी को हाथ पर बैठाते समय पहिनते हैं; दस्ता, हैंडिल; पानी का लोटा जिससे वज़ू या शौच करते हैं।

दस्तगीर (دستگیر) फ़ा. वि.—हाथ पकड़कर सहारा देनेवाला, अर्थात्, सहायक, मददगार।

दस्तगीरी (دستگیری) फ़ा. स्त्री.—सहायता, मदद, गिरते को थामना।

दस्तचर्ब (دستچرب) फ़ा. वि.—किसी दस्तकारी में निपुण, (पुं.) सहायता, मदद।

दस्तचीर (دستچیر) फ़ा. वि.—अन्यायी, अत्याचारी; ग़ालिब, बलवान्, ताक़तवर।

दस्तदराज़ (دستدراز) फ़ा. वि.—अन्यायी, ज़ाबिर; हथा छुट, मार बैठनेवाला; निडर, बेबाक।

दस्तदराज़ी (دستدرازی) फ़ा. स्त्री.—ज़ुल्म, अत्याचार; गुस्ताखी, दुःसाहस; मारपीट।

दस्तनिगर (دستنگر) फ़ा. वि.—दूसरो का मुंह ताकनेवाला, दूसरों के सहारे जीवन व्यतीत करनेवाला, मुखापेक्षी, पराश्रय।

दस्तपनाह (دستپناه) फ़ा. पुं.—चीमटा, चूल्हे से आग निकालने का यंत्र।

दस्तपरवर्दः (دستپرورده) फ़ा. वि.—हाथ का पला हुआ, लालन-पालन में रखा हुआ।

दस्तपाक (دستپاک) फ़ा. अ. पुं.—वह कपड़ा जिससे भोजन के बाद मुंह-हाथ पोंछते हैं, रूमाल।

दस्तपेच (دستپیچ) फ़ा. पुं.—दस्तावेज, लेखपात्र; साधन. ज़रीया।

दस्तपैमाँ (دستپیماں) फ़ा. पुं.—वे कपड़े, धन और आभूषण आदि जो ब्याह से पहले दूल्हन के घर जाते हैं।

दस्तफ़रोश (دستفروش) फ़ा. वि.—वह व्यक्ति जो चीज़ों को हाथ में लेकर बेचता है।

दस्तफ़ाल (دستفال) फ़ा. स्त्री.—सबसे पहली बिक्री, बौनी, बुहनी।

दस्तफ़ाज़ (دستافراز) फ़ा. पुं.—उर्दू में 'दस्त अफ़राज़' का शुद्ध उच्चारण यही है, परंतु ग़लत वह भी नहीं है।

दस्तबंद (دستبند) फ़ा. पुं.—पहुँची, कलाई का एक आभूषण; नृत्य का एक प्रकार।

दस्तबख़ैर (دستبخیر) फ़ा. अ. अव्य.—जब किसी को यह बताना होता है कि अमुक व्यक्ति के शरीर में कोई बाधा या फोड़ा आदि किस स्थान पर है, तो उसके शरीर पर उसी जगह हाथ रखते हुए यह वाक्य कहते हैं, जैसे—कहें दस्तबख़ैर, उनके भी इस स्थान पर फोड़ा है या था।

दस्तबदस्त (دستبدست) फ़ा. अव्य.—हाथों-हाथ, तुरत; आमने-सामने की, हाथों की, जैसे—'दस्त बदस्त जंग'।

दस्तबदुआ (دستبدعا) फ़ा. अ. अव्य.—ईश्वर से प्रार्थना के लिए हाथ उठाये हुए।

दस्तबरदार (دستبردار) फ़ा. वि.—बेतअल्लुक़, विरक्त।

दस्तबरदिल (دستبردل) फ़ा. वि.—व्याकुल, बेचैन, मुज़्तरिब

दस्तबसर (دستبسر) फ़ा. वि.—सिर पर हाथ रखे हुए, पश्चात्ताप करनेवाला; चकित, हैरान।

दस्तबस्तः (دستبسته) फ़ा. वि.—हाथ बाँधे हुए, हाथ जोड़े हुए, बद्धकर, बड़ी नम्रता के साथ।

दस्तबाफ़ (دستباف) फ़ा. वि.—सरल, सुगम, आसान।

दस्तबिरंजन (دستبرنجن) फ़ा. पुं.—कंगन।

दस्तबुक़्चः (دستبقچه) फ़ा. पुं.—छोटी गठरी जो हाथ से उठाई जा सके।

दस्तबोस (دستبوس) फ़ा. वि.—हाथ चूमनेवाला, किसी पूज्य व्यक्ति के हाथों को बोसा देनेवाला।

दस्तबोसी (دستبوسی) फ़ा. स्त्री.—हाथ चूमना, किसी पूज्य व्यक्ति के हाथों को बोसा देना।

दस्तमायः (دستمایه) फ़ा. पुं.—पूंजी, सरमाया।

दस्तमाल (دستمال) फ़ा. पुं.—हाथ पोंछने का कपड़ा, रूमाल; बावरचीख़ाने की साफ़ी।

दस्तमुज़्द (دستمزد) फ़ा. पुं.—उज्रत, मज़दूरी, भृति, पारिश्रमिक।

दस्तयाब (دستیاب) फ़ा. वि.—हस्तगत, प्राप्त, उपलब्ध, हासिल।

दस्तयाबी (دستیابی) फ़ा. स्त्री.—हुसूल, प्राप्ति, उपलब्धि, उपलब्धता।

दस्तयार (دستیار) फ़ा. वि.—सहायक, मददगार (पुं.) उपकरण, हथियार।

दस्तयारी (دستیاری) फ़ा. स्त्री.—सहायता, मदद।

दस्तरंज (دسترنج) फ़ा. पुं.—श्रम, मेहनत।

दस्तरख़्वान (دسترخوان) फ़ा. पुं.—वह कपड़ा जिस पर खाना खाते हैं।

दस्तरस (دسترس) फ़ा. स्त्री.—पहुँच, रसाई, पैठ।

दस्तरसीदः (دسترسیده) फ़ा. वि.—जहाँ तक हाथ पहुँच गया हो।

दस्तलाफ़ (دستلاف) फ़ा. स्त्री.—बोहनी, दस्तफ़ाल।

दस्तवानः (دستوانه) फ़ा. पुं.—कंगन, पहुँची।

दस्तसाज़ (دستساز) फ़ा. वि.—हाथ का बनाया हुआ।

दस्ताँ (دستاں) फ़ा. पुं.—'दस्त' का बहु., छल, फ़रेब; गति, नग़मा।

दस्तानः (دستانہ) फा. पुं.–हाथों की हिफ़ाज़त के लिए पहना जानेवाला एक विशेष वस्त्र, हस्तत्राण।

दस्तामोज़ (دستاموز) फा. वि.–'दस्तआमोज़' का शुद्ध उच्चारण यही है, वह भी ग़लत नहीं है।

दस्तार (دستار) फा. स्त्री.–पगड़ी, अम्मामा।

दस्तारचः (دستارچہ) फा. पुं.–छोटी पगड़ी।

दस्तारबंद (دستاربند) फा. वि.–जिसने अरबी की पूरी योग्यता प्राप्त कर ली हो और उसे पगड़ी बाँध दी गयी हो, स्नातक।

दस्तारबंदी (دستاربندی) फा. स्त्री.–पूर्ण विद्योपार्जन के पश्चात् पगड़ी बाँधने की रस्म या संस्कार।

दस्तारबुज़ुर्ग (دستاربزرگ) फा.पुं.–क़ुरम साक़, वेश्याघटक।

दस्तावर (دستاور) फा. वि.–'दस्त आवर' का शुद्ध रूप, दे. 'दस्त आवर'।

दस्तावेज़ (دستاویز) फा. स्त्री.–व्यवस्थापत्र, लेखपत्र, साधनपत्र, तमस्सुक, क़िबाला।

दस्तास (دستاس) फा. स्त्री.–हाथ की चक्की।

दस्ती (دستی) फा. वि.–हाथ का, हाथ से सम्बन्ध रखनेवाला; हाथ में रखनेवाली चीज़; मशाल, फ़लीता।

दस्तूर (دستور) फा. पुं.–नियम, क़ाइदा; विधान, क़ानून; परंपरा, रवाज; मंत्री, सचिव, वज़ीर; पद्धति, शैली, ढंग; व्यवहार, रविश; हक़, कटौती, कमीशन।

दस्तूरियः (دستوریہ) फा. स्त्री.–जुमहूरियः, गणतंत्र, जनतंत्र।

दस्तूरी (دستوری) फा. वि.–वैधानिक, क़ानूनी (स्त्री.) कमीशन, हक़, कटौती।

दस्तूरुलअमल (دستورالعمل) फा. अ. पुं.–काम का तरीक़ा, कार्य-प्रणाली; कार्यक्रम, लाहियए अमल।

दस्तेक़ुद्रत (دست قدرت) फा. अ. पुं.–सामर्थ्य, शक्ति, मक़्दरत।

दस्तेग़ैब (دست غیب) फा. अ. पुं.–दैवी आय, ग़ैबी आमदनी।

दस्तेदुआ (دست دعا) फा. अ. पुं.–दुआ के लिए उठा हुआ हाथ

दस्तेशफ़क़त (دست شفقت) फा. अ. पुं.–छत्रछाया, परवरिश।

दस्तेशिफ़ा (دست شفا) फा. अ. पुं.–रोग-निवारण की शक्ति

दस्तोक़लम (دست وقلم) फा. अ. वि.–शिक्षित, पढ़ा-लिखा।

दस्तोगिरीबाँ (دست وگریباں) फा. वि.–एक दूसरे का गिरीबान पकड़े हुए, हाथापाई करते हुए।

दस्तोपा (دست وپا) फा. पुं.–हाथ-पाँव; प्रयास, प्रयत्न, मेहनत, कोशिश।

दस्तोबग़ल (دست وبغل) फा. वि.–आलिंगन, बग़लग़ीर।

दह (دہ) फा. वि.–दस, दश।

दहचंद (دہچند) फा. वि.–दस गुना।

दह दर दह (دہ در دہ) फा. वि.–वह हौज़ जो दस गज़ लंबा और दस गज़ चौड़ा हो।

दहदिलः (دہدلہ) फा. वि.–वीर, बहादुर; चिंतित, फ़िक्रमंद; लोलुप, लालची।

दहन (دہن) फा. पुं.–मुख, मुँह; छिद्र, छेद, सूराख़।

दहनदरः (دہن درہ) फा. पुं.–जँभाई, जृंभा।

दहनदरीदः (دہن دریدہ) फा. वि.–मुँहफट, गुस्ताख़।

दहनेज़ख़्म (دہن زخم) फा. पुं.–ज़ख़्म का मुँह।

दहनेतेग़ (دہن تیغ) फा. पुं.–तलवार की धार; मौत का मुँह।

दहबाशी (دہباشی) फा. तु. पुं.–दस सिपाहियों पर नायक।

दहमर्दः (دہمردہ) फा. वि.–मिथ्यावादी, फ़ुज़ूलगो, अनर्गलवादी; बहुभाषी, वाचाल, बक्की।

दहरोज़ः (دہروزہ) फा. वि.–थोड़े दिन का, अस्थायी, चंदरोज़ा, आरिज़ी।

दहाँ (دہاں) फा. पुं.–दे. 'दहन'।

दहाँबंद (دہاں بند) फा. पुं.–वह कवच जिससे शत्रु का मुँह बंद हो जाता है।

दहा (دہا) अ. स्त्री.–बुद्धिकुशाग्रता, तेज़ अक़्ली; प्रतिभा, ज़हानत।

दहाक़ीन (دہاقین) अ. पुं.–'देहक़ान' का बहु., किसान लोग, गाँववाले।

दहानः (دہانہ) फा. पुं.–मुँह, दहन; समुद्र में नदी के गिरने का स्थान; भिश्ती की मश्क का मुँह; घोड़े की काँटोंदार लगाम; मोरी, नाली।

दहानए फ़िरंग (دہانہ فرنگ) फा. पुं.–एक सब्ज़ पत्थर जो रासायनिक गुण रखता है, और विष-नाशक है।

दहुम (دہم) फा. वि.–दसवाँ, दशम।

दह्नः (دہنہ) फा. पुं.–नदीतट, दर्या का किनारा; किसी देश की सरहद; दहानए फ़िरंग।

दह्नए फ़िरंग (دہنۂ فرنگ) फा. पुं.–दे. 'दहानए फ़िरंग'।

दह्र (دہر) अ. पुं.–काल, समय, वक़्त; युग, क़र्न।

दह्रियः (دہریہ) अ. वि.–दे. 'दह्री'।

दह्री (دہری) अ. वि.–अनीश्वरवादी, ख़ुदा को न माननेवाला; नास्तिक, लामज़हब।

दह्शत (دہشت) अ. स्त्री.–डर, भय, ख़ौफ़।

दह्शतअंगेज़ (دہشت انگیز) अ. फा. वि.–भयानक, भीषण, डरावना।

दह्शतअंगेज़ी (دہشت انگیزی) अ. फा. स्त्री.–भयानकपन, डरावनापन, ख़ौफ़नाकी; डरा-धमकाकर किसी से कुछ प्राप्त करने की अवैध कोशिश; किसी क्षेत्र में जनता को

डरा-धमकाकर इस बात पर वाध्य करना कि वह अमुक व्यक्ति या दल का पक्षपात न करे या उसे सहयोग न दे या उसके कामों मे गड़बड़ डाले।

दहशतकद: (دہشت کدہ) अ. फा. पुं.–वह स्थान जो वहुत ही भयंकर हो।

दहशतज़द: (دہشت زدہ) अ. फा. वि.–भयभीत, त्रस्त, डरा हुआ।

दहशतनाक (دہشت ناک) अ. फा. वि.–भयसंकुल, दहशत से भरा हुआ, ख़ौफ़नाक।

दाँ (داں) फा. प्रत्य.–जाननेवाला, जैसे–'हम:दाँ' सब कुछ जाननेवाला, सर्वज्ञ।

दांग (دانگ) फा. पुं.–छः रत्ती की तौल; ओर, दिशा, तरफ़।

दाइन (دائن) अ. पुं.–ऋणदाता, क़र्ज़ देनेवाला।

दाइम (دائم) अ. वि.–नित्य, सदा, हमेशा।

दाइमन (دائماً) अ. अव्य.–नित्यप्रति, हर वक़्त, हर समय, सदा, हमेशा।

दाइमी (دائمی) अ. वि.–नित्य का, हमेशा का; स्थायी, मुस्तक़िल।

दाइमुलख़म्र (دائم الخمر) अ. वि.–सदा शराब के नशे में रहनेवाला, हर वक़्त का पीनेवाला, नित्यमद्यप।

दाइमुलमरज़ (دائم المرض) अ. वि.–सदा बीमार रहनेवाला, जन्मरोगी, नित्यरुग्ण।

दाइमुलहब्स (دائم الحبس) अ. वि.–जिसे पूरे जन्म की सज़ा मिली हो, आजन्म कारावासी; पूरी उम्र की सज़ा, आजन्म कारावास।

दाइय: (داعیہ) अ. पुं.–ज़ोर, अधिकार।

दाइर: (دائرہ) अ. पुं.–परिधि, घेरा; गोल, गोला; वृत्त; मंडल, हल्क़ा; परिषद्, सभा, मजलिस; आश्रम, ख़ानक़ाह; टोला, महल्ला; एकवाजा, दफ; अक्षरों की गोलाई, जैसे–'जीम' या 'सीन' का दाइरा।

दाइर:नुमा (دائرہ نما) अ. फा. वि.–गोलाकार, वर्तुलाकार, वृत्ताकार, मंडलाकार, गोल।

दाइर (دائر) अ. वि.–फिरनेवाला, घूमनेवाला; उपस्थित, दरपेश; उपस्थित करना, चलाना, (वाद)।

दाइरतुलबुरूज (دائرۃ البروج) अ. पुं.–क्रांतिमंडल, भचक्र, राशिचक्र, वह दाइरा जिसमें बारह बुर्ज हैं।

दाइरतुलमआरिफ़ (دائرۃ المعارف) अ. पुं.–इंसाइक्लोपीडिया, विश्वकोश।

दाई (داعی) अ. वि.–बुलानेवाला, निमंत्रणकर्ता; दुआ करनेवाला, आशीर्वाददाता।

दाउ (داؤ) फा. पुं.–जुए की बारी, दाँव; मक्र, छल, फ़रेब।

दाउलअसद (داء الاسد) अ. स्त्री.–कुष्ठरोग, कोढ़।

दाऊद (داؤد) अ. पुं.–एक पैग़म्बर जिनका स्वर बहुत ही मधुर था।

दाख़िल: (داخلہ) अ. पुं.–हस्तांतरण, सपुर्दगी; रुपया दाख़िल करने की रसीद; पहुँच, रसाई; स्कूल या कालिज में प्रवेश।

दाख़िल (داخل) अ. वि.–भीतर आनेवाला, प्रविष्ट, अंदर पहुँचा हुआ; संमिलित, शामिल।

दाख़िल कुनिंद: (داخل کنندہ) अ. फा. वि.–दाख़िल करनेवाला, जमा करनेवाला।

दाख़िल ख़ारिज (داخل خارج) अ. पुं.–ज़मीन या जाइदाद पर से एक व्यक्ति का नाम कटकर दूसरे का चढ़ना, एक व्यक्ति की जगह दूसरे का मालिक नियुक्त होना।

दाख़िली (داخلی) अ. वि.–भीतरी, आंतरिक, अंदरूनी; मानसिक, हार्दिक, रूहानी, दिली।

दाख़िले दफ़्तर (داخل دفتر) अ. अव्य.–किसी प्रार्थना पत्र का अस्वीकृत होकर, मिसिल में किसी सुबूत आदि के लिए सुरक्षित रहना।

दाख़ूल (داخول) फा. पुं.–वह लकड़ी आदि जिसे मनुष्य का रूप देकर खेतों में डराने के लिए लगा देते हैं; बादशाहों और राजाओं के मकान के आगे लोगों के बैठने के लिए बनी हुई इमारत।

दाग़ (داغ) फा. पुं.–चिह्न, धब्बा, निशान; किसी की मृत्यु का ग़म; कलंक, दोष, अपराध; दुःख, क्लेश, रंज, जैसे–'दाग़े हिज्र' विरह का दुःख; ईर्ष्या, डाह, हसद; जलने का चिह्न; फल पर गलने या सड़ने का निशान; घाव का चिह्न।

दाग़गाह (داغگاہ) फा. स्त्री.–कचहरी, जहाँ काग़ज़ात पर मुहरें लगायी जाती है।

दाग़दार (داغدار) फा. वि.–जिसमें दाग़ हो, धब्बेवाला; दोषी, ऐबदार; किसी अपराध मे लिप्त, आलूद: दामन।

दाग़ी (داغی) फा. वि.–दाग़दार, जिस पर धब्बा या निशान हो; दूषित, मा'यूब; सज़ायाब, दंडित; दाग़ा हुआ, जलाया हुआ; अपराधी, मुज्रिम।

दाग़े जिगर (داغ جگر) फा. पुं.–संतान की मृत्यु का शोक; प्रेम की आग का दाग़।

दाग़ेदिल (داغ دل) फा. पुं.–प्रेमाग्नि से जलने का दाग़, हृदय का दाग़।

दाज (داج) अ. पुं.–घटाटोप अंधकार, घोर अँधेरा।

दाद: (دادہ) फा. वि.–दिया हुआ।

दाद (داد) फा. स्त्री.—न्याय, इंसाफ़; दान, बख़्शिश; प्रशंसा, तहसीन, वाह-वाह (प्रत्य.) दिया हुआ, जैसे—'ख़ुदादाद' ख़ुदा का दिया हुआ।

दादख़्वाह (دادخواہ) फा. वि.—फ़र्यादी, न्याय चाहनेवाला।

दादगर (دادگر) फा. वि.—न्याय करनेवाला, मुंसिफ़।

दादगुस्तर (دادگستر) फा. वि.—दे. 'दादगर'।

दादतलब (دادطلب) फा. अ. वि.—दाद चाहनेवाला, न्याय-याचक; किसी अच्छे काम की प्रशंसा चाहनेवाला।

दाददेही (داددهی) फा. स्त्री.—न्याय करना, फ़र्याद सुनना, दाद देना।

दादनी (دادنی) फा. अव्य.—देने योग्य, देने के लाइक़; किसी चीज़ के लिए पेशगी रुपया देना।

दादबख़्श (دادبخش) फा. वि.—न्यायकर्ता, मुंसिफ़, दादगर।

दादरस (دادرس) फा. वि.—दे. 'दादगर'।

दादरसी (دادرسی) फा. स्त्री.—न्याय, इंसाफ़।

दादार (دادار) फा. पुं.—न्यायकर्ता, मुंसिफ़।

दादोदिहिश (دادودهش) फा. स्त्री.—दानशीलता, फ़ैयाज़ी, सख़ावत।

दादोसितद (دادوستد) फा. स्त्री.—लेन-देन, रुपये के लेन-देन का कारोबार।

दानः (دانہ) फा. पुं.—अनाज, ग़ल्ला; अनाज के ख़ोशे में लगा हुआ बीज; अंगूर का एक फल; खील, भुना हुआ बीज; छोटी फुंसी; चेचक का आबला; आमों की संख्या के लिए, जैसे—'बीस दाने लँगड़े के'; रत्नों की गिंती के लिए जैसे—'याक़ूत का एक दाना'।

दानःख़ोर (دانہخور) फा. वि.—दाना खानेवाला मवेशी।

दानःख़ोरी (دانہخوری) फा. पुं.- जानवर को दाना खिलाकर मोटा ताजा करना।

दानःज़द (دانہزد) फा. वि.—कमीना, खस्ताहाल; कंजूस।

दानःदार (دانہدار) फा. वि.—जिसमें दाने हों।

दान (دان) फा. प्रत्य.—पात्र, बर्तन जैसे—'क़लमदान' क़लम रखने का पात्र, 'उदूदान' अगर जलाने का बर्तन।

दानए गंदुम (دانۂگندم) फा. पुं.—गेहूँ का एक दाना या बीज।

दानए ज़ंजीर (دانۂزنجیر) फा. पुं.—ज़ंजीर की कड़ी, ज़ंजीर का हल्क़ा।

दानए याक़ूत (دانۂیاقوت) फा. अ.—एक याक़ूत (पद्मराग)।

दानए सीर (دانۂسیر) फा. अ. पुं—लहसुन का जवा।

दानए हील (دانۂهیل) फा. पुं.—इलायची का एक बीज।

दाना (دانا) फा. वि.— बुद्धिमान्, मेधावी, अक़्लमंद; चतुर, कुशल, प्रवीण, होशियार।

दानाई (دانائی) फा. स्त्री.—बुद्धिमत्ता, मनस्विता, अक़्लमंदी, चातुर्य, दक्षता, निपुणता, होशियारी।

दानाए राज़ (داناےراز) फा. वि.—भेदों का जाननेवाला, मर्मज्ञ।

दानाए रोज़गार (داناےروزگار) फा. वि.—अपने समय का सबसे बड़ा बुद्धिमान, संसार में सर्वोत्तम बुद्धिवाला।

दानाए हाल (داناےحال) फा अ. वि.—वास्तविकता जाननेवाला, सच्ची हालत समझनेवाला।

दानादिल (دانادل) फा. वि.—रौशनज़मीर, अंतर्यामी।

दानावबीना (داناوبینا) फा. वि.—जो देखता भी हो और जानता भी हो, बहुत अधिक बुद्धिमान् और अनुभवी।

दानिंदः (دانندہ) फा. वि.—जाननेवाला, ज्ञाता।

दानियाल (دانیال) फा. पुं.—एक पैग़म्बर।

दानिश (دانش) फा. स्त्री.—बुद्धि, अक़्ल; विवेक, तमीज़; विद्या, इल्म।

दानिश आमोज़ (دانش آموز) फा. वि.—विद्या सीखनेवाला (शिष्य); विद्या सिखानेवाला (गुरु)।

दानिशमंद (دانشمند) फा. वि.—बुद्धिमान्, अक़्लमंद; वैज्ञानिक, हकीम; विद्वत्तम, मुतबह्हिर।

दानिशमंदी (دانشمندی) फा. स्त्री.—बुद्धिमत्ता, मनीषा, अक़्लमंदी; विद्वत्ता, पांडित्य, इल्मीयत; निपुणता, कुशलता, होशियारी।

दानिशवर (دانشور) फा. वि.—दे. 'दानिशमंद'।

दानिस्तः (دانستہ) फा. वि.—जाना हुआ, ज्ञात; जान-बूझकर, क़स्दन।

दानिस्त (دانست) फा. स्त्री.—ज्ञान, जानकारी।

दानिस्तगी (دانستگی) फा. स्त्री.—दे. 'दानिस्त'।

दानिस्तनी (دانستنی) फा. अव्य.—जानने के योग्य, ज्ञातव्य।

दाफ़िअः (دافعہ) अ. स्त्री.—वह शक्ति जो शरीर से मल-मूत्र और पसीना आदि बाहर निकालती है।

दाफ़िउलबलाया (دافع البلایا) अ. वि.—आपत्तियों का नाश करनेवाला, दुःखों का निवारण करनेवाला।

दाफ़िए क़ब्ज़ (دافع قبض) अ वि.—क़ब्ज़ को रफ़ा करनेवाला।

दाफ़िए ग़म (دافع غم) अ. वि.—रंज और ग़म हटानेवाला, कष्टमोचन।

दाफ़िए ज़ह्र (دافع زهر) अ. फा. वि.—विष दूर करनेवाला, विष-दोषहर।

दाफ़िए दर्द (دافع درد) अ. फा. वि.—दर्द मेटनेवाला, वेदनाहर, शूलघ्न।

दाफ़िए मरज़ (دافع مرض) अ. वि.—व्याधिहर, बीमारी का नाशक, रुजघ्न।

दाफ़िए वरम (دافع ورم) अ. फ़ा. वि–शोथनाशक, वरम को दूर करनेवाला।

दाफ़े' (دافع) अ. वि.–निवारक, हटानेवाला, दूर करनेवाला, मोचक।

दाब (داب) अ. पुं.–ढंग, तरीक़ा; वैभव, शानोशौक़त।

दाबे मज्लिस (داب مجلس) अ. पुं.–सभा में उठने-बैठने और बातचीत करने का ढंग, आदाबे मज्लिस, सभा-चातुर्य।

दाबे महफ़िल (داب محفل) अ. पुं.–दे. 'दाबे मज्लिस'।

दाबे सल्तनत (داب سلطنت) अ. पुं.–शासन करने का ढंग, राज्य-कौशल।

दाबे सोहबत (داب صحبت) अ.पुं.–बड़े लोगों के पास उठने-बैठने, उनसे वार्तालाप करने और उनकी आज्ञा पालन करने के ढंग, शिष्टता, सभ्यता।

दाब्बः (دابہ) अ. पुं.–चौपाया, पशु मवेशी।

दाम (دام) फ़ा. पुं.–फंदा, पाश; बंधन, जाल; जंगली चौपाए जो हिंसक न हों; दवाओं की एक तौल; एक रुपये का चालीसवाँ भाग; एक पैसे का पचीसवाँ भाग।

दामगाह (دامگاہ) फ़ा. स्त्री.–वह स्थान जहाँ जाल बिछा हो, जहाँ फँसने का भय हो, फरेब की जगह।

दामन (دامن) फ़ा. पुं.–कुरते या अँगरखे आदि का वह भाग जो लटकता रहता है, अंचल,—"दामन पै तेरे ग़ैर के माथे का पसीना और वह भी मेरी चश्मेगुहरबार के आगे।" मैदान, समतल भूमि।

दामनअफ़्शाँ (دامن افشاں) फ़ा. वि.–दामन झाड़ता हुआ, बिना कुछ लिये हुए खाली हाथ; दामन झटकता हुआ, नाज़ से चलता हुआ।

दामनकशाँ (دامن کشاں) फ़ा. वि.–दामन बचाता हुआ, बेतअल्लुक़; यह खयाल रखकर चलता हुआ कि दूसरे से उसका दामन न छू जाय, अभिमानी, घमंडी।

दामनगीर (دامن گیر) फ़ा. वि.–दामन पकड़नेवाला, दामन पकड़कर रोकनेवाला।

दामनदार (دامن دار) फ़ा. वि.–चौड़ा चकला (केवल घाव के लिए आता है)।

दामनसवार (دامن سوار) फ़ा.वि.–दामन को घोड़ा बनाकर उस पर सवार होनेवाला बालक (बच्चों का एक खेल)।

दामनी (دامنی) फ़ा. स्त्री.–औरतों की ओढ़नी; वह कपड़ा जो घोड़े के पुट्ठों पर पसीने से दामन बचाने को डाला जाता है; एक पाट की वह चादर जो औरतों के जनाज़े पर पड़ती है।

दामने कोह (دامن کوہ) फ़ा. पुं.–वह मैदान जो किसी पहाड़ के नीचे स्थित हो।

दामने दौलत (دامن دولت) फ़ा. अ. पुं.–संरक्षता, हिमायत, छत्रछाया।

दामने मर्यम (دامن مریم) फ़ा. अ. पुं.–हज़रत मर्यम का दामन जो दाग़-धब्बे से बिल्कुल पाक था, अर्थात् सतीत्व, साधुता।

दामने महशर (دامن محشر) फ़ा. अ. पुं.–क़ियामत का मैदान।

दामने शब (دامن شب) फ़ा. पुं.–रात का अंतिम भाग।

दामाद (داماد) फ़ा. पुं.–लड़की का पति, जामाता।

दामान (دامان) फ़ा. पुं.–दे. 'दामन'।

दामे अजल (دام اجل) फ़ा. अ. पुं.–मौत का फंदा, कालपाश।

दामे गेसू (دام گیسو) फ़ा. पुं.–केशपाश, बालों की लट।

दामे ज़ुल्फ़ (دام زلف) फ़ा. पुं.–दे. 'दामे गेसू'।

दामे तज़्वीर (دام تزویر) फ़ा. अ. पुं.–दे. 'दामे फ़िरेब'।

दामे फ़िरेब (دام فریب) फ़ा. पुं.–छल रूपी जाल, कूटपाश, कूटबंध।

दामे महब्बत (دام محبت) फ़ा. अ. पुं.–प्रेमपाश, प्रेमबंधन, इश्क़ का फ़ंदा।

दायः (دایہ) फ़ा. स्त्री.–दूसरे के बच्चे को दूध पिलानेवाली स्त्री, अंकपाली, अन्ना, पिलाई; बच्चा जनानेवाली स्त्री, धाय, धात्री।

दायःगरी (دایہ گری) फ़ा. स्त्री.–बच्चा जनाने का पेशा, धात्री-कर्म, कौमारभृत्य; बच्चा जनाने की विद्या, धात्री-विद्या।

दार (دار) फ़ा. स्त्री.–सूली, फाँसी (प्रत्य०) वाला, जैसे–हिस्सेदार।

दार (دار) अ. पुं.–घर, गृह, मकान; स्थान, जगह; लोक, आलम।

दारचीनी (دارچینی) फ़ा. स्त्री.– एक दरख्त की छाल, दारुसिता।

दारचोब (دارچوب) फ़ा. स्त्री.– अलगनी।

दार फ़िलफ़िल (دار فلفل) फ़ा.स्त्री.–बड़ी पीपल, गज पिप्पली।

दारबस्त (داربست) फ़ा. स्त्री.–लकड़ी और तख्तों की बाढ़ जिस पर बैठकर राज और मज़दूर इमारत बनाते हैं; अंगूर या कोई दूसरी बेल चढ़ाने की टट्टी।

दारबाज़ (دارباز) फ़ा. वि.–नट, बाज़ीगर; छली, धोकेबाज़।

दारहल्द (دارهلد) फ़ा. स्त्री.– एक दवा, दारुहरिद्रा।

दारा (دارا) फ़ा. पुं.–ईरान का एक बादशाह जिसे सिकंदर ने विजित किया था; बादशाह, नरेश, राजा; धनवान्, मालदार; ईश्वर, विश्वरक्षक।

दाराई (دارائی) फा. स्त्री.—बादशाहत, राज; ख़ुदाई, ईश्वरत्व; एक रेशमी कपड़ा, दरयाई।

दाराए ख़ल्क़ (دارائے خلق) फा. अ. पुं.—सारे जगत् का पालन-पोषण और रक्षा करनेवाला, ईश्वर।

दारिंदः (دارندہ) फा. वि.—रखनेवाला।

दारुज़्ज़र्ब (دارالضرب) अ. पुं.—टकसाल, टंकशाला।

दारुज़्ज़ैफ़ (دارالضیف) अ. पुं.—मेहमानख़ाना, अतिथिशाला।

दारुत्तर्बियत (دارالتربیت) अ. पुं.—जहाँ किसी चीज़ की ट्रेनिंग दी जाय, प्रशिक्षण स्थान; जहाँ शिष्टता और सभ्यता सिखायी जाय।

दारुन्नईम (دارالنعیم) अ. पुं.—स्वर्ग, बिहिश्त।

दारुलअदालत (دارالعدالت) अ. पुं.—न्यायालय, कचहरी।

दारुलअमल (دارالعمل) अ. पुं.—संसार, दुनिया; प्रयोग-शाला, गवेषणालय।

दारुलअमान (دارالامان) अ. पुं.—वह स्थान जहाँ लड़ाई-झगड़ा न हो।

दारुलअम्न (دارالامن) अ. पुं.—दे. 'दारुलअमान'।

दारुलआख़िरत (دارال آخرۃ) अ. पुं.—परम धाम, परलोक, उक़्बा।

दारुलइक़ामः (دارالاقامہ) अ. पुं.—बोर्डिंग हाउस, छात्रावास।

दारुलइमारत (دارالامارت) अ. पुं.—राजधानी, शासनकेंद्र।

दारुलइयार (دارالعیار) अ. पुं.—वह स्थान जहाँ खरा-खोटा सोना-चाँदी परखा जाता है।

दारुलउलूम (دارالعلوم) अ. पुं.—यूनीवर्सिटी, विश्वविद्यालय।

दारुलऐताम (دارالایتام) अ. पुं.—यतीमख़ाना, अनाथालय।

दारुलक़ज़ा (دارالقضا) अ. पुं.—न्यायालय, कचहरी।

दारुलक़रार (دارالقرار) अ. पुं.—परम धाम, स्वर्ग, बिहिश्त।

दारुलकुतुब (دارالکتب) अ. पुं.—किताब-घर, पुस्तकालय, जहाँ किताबें बिकती हैं।

दारुलख़िलाफ़त (دارالخلافت) अ. पुं.—राजधानी।

दारुलख़ैर (دارالخیر) अ. पुं.—जहाँ लोगों को दान आदि बहुत मिलता हो।

दारुलजज़ा (دارالجزا) अ. पुं.—जहाँ किये का फल भोगना पड़े, यमलोक, परलोक।

दारुलफ़ना (دارالفنا) अ.पुं.—दुनिया, संसार, नाशवान् संसार।

दारुलबक़ा (دارالبقا) अ.पुं.—परलोक, आख़िरत, नित्य लोक।

दारुलबवार (دارالبوار) अ. पुं.—नरक, दोज़ख़।

दारुलमर्ज़ा (دارالمرضی) अ.पुं.—मरीज़ों की जगह, रुग्णालय।

दारुलमिहन (دارالمحن) अ. पुं.—दुःख और क्लेश का स्थान, अर्थात्, संसार।

दारुलमुकाफ़ात (دارالمکافات) अ. पुं.—संसार, दुनिया।

दारुलमुतालअः (دارالمطالعہ) अ. पुं.—वाचनालय, लाइब्रेरी।

दारुलमुल्क (دارالملک) अ. पुं.—राजधानी।

दारुलहर्ब (دارالحرب) अ. पुं.—वह देश जहाँ ग़ैर-मुस्लिम हुकूमत हो और वहाँ का नरेश मुसलमानों को उनकी धार्मिक कृतियाँ न करने दे।

दारुलहुकूमत (دارالحکومت) अ. पुं.—राजधानी।

दारुश्शर्अ (دارالشرع) अ. पुं.—इस्लामी न्यायालय।

दारुश्शिफ़ा (دارالشفا) अ. पुं.—आरोग्यशाला, शिफ़ाख़ाना।

दारुश्शूरा (دارالشوری) अ. पुं.—परामर्श का स्थान, जहाँ बैठकर सलाह की जाय, प्रेक्षागार।

दारुस्सनम (دارالصنم) अ. पुं.—बुतख़ाना, मूर्तिगृह, मंदिर।

दारुस्सफ़ा (دارالصفا) अ. पुं.—पवित्र घर, मक्का।

दारुस्सलाम (دارالسلام) अ. पुं.—शांति का स्थान; स्वर्ग, बिहिश्त।

दारुस्सल्तनत (دارالسلطنت) अ. पुं.—राजधानी।

दारुस्सुरूर (دارالسرور) अ. पुं.—हर्ष और आनंद का स्थान अर्थात्, स्वर्ग, परम धाम।

दारू (دارو) फा. स्त्री.—इलाज, उपचार, चिकित्सा; बारूद, अग्नि-क्रीडा; मदिरा, शराब।

दारैन (دارین) अ. पुं.—दोनों लोक, संसार और परलोक, उभयलोक।

दारोग़ः (داروغہ) फा. पुं.—निरीक्षक, निगराँ; सब-इंसपेक्टर, पुलिस, थानेदार।

दारोग़ाए तोपख़ानः (داروغۂ توپخانہ) फा. पुं.—तोपख़ाने का अफ़सर।

दारोग़ाए महबस (داروغۂ محبس) अ. फा. पुं.—जेल का अध्यक्ष, जेलर, कारागार-रक्षक।

दारोगीर (داروگیر) फा. स्त्री.—पकड़-धकड़, गिरिफ़्तारियाँ; पूछगिच्छ, बाज़पुर्स।

दारोमदार (دارومدار) फा. पुं.—निर्भरता, इनहिसार।

दाल [ल्ल] (دال) अ. वि.—राह दिखानेवाला, पथ-प्रदर्शक।

दालान (دالان) फा. पुं.—बड़ा और लंबा कमरा जिसमें मेहराबदार दरवाज़े होते हैं, या तिदरी होती है।

दालान बर दालान (دالان در دالان) फा. पुं.—दुहरा दालान, दालान के अंदर दालान।

दा'वत (دعوت) अ. स्त्री.—बुलावा, आवाहन; खाने का बुलावा, निमंत्रण; भोज, खाना।

दा'वतनामः (دعوت نامہ) अ. फा. पुं.—किसी सभा आदि में सम्मिलित होने के लिए बुलाने का पत्र; किसी भोज में सम्मिलित होने के लिए बुलाने का पत्र, निमंत्रण-पत्र।

दा'वते आम (دعوت عام) अ. स्त्री.—सर्वसाधारण को बुलावा, "दावते आम है, राहे वफ़ा है, में हूं—वह मेरे साथ चला आये जो आसाँ समझे", सार्वजनिक प्रीतिभोज।

दा'वते जंग (دعوت جنگ) अ. फ़ा. स्त्री.—युद्ध की चुनौती, युद्ध का आवाहन।

दा'वते वलीमः (دعوت ولیمہ) अ. स्त्री.—व्याह के पश्चात् दूल्हा की ओर से भोज, विवाह-भोज।

दा'वते शीराज़ (دعوت شیراز) अ. फ़ा. स्त्री.—सीधी सादी दावत, जो कुछ मौजूद है उसकी दा'वत, बेतकल्लुफ़ी का खाना।

दा'वते समरक़ंद (دعوت سمرقند) अ. फ़ा. स्त्री.—ठाटदार दावत, बहुत ही तकल्लुफ़ का खाना।

दावर (داور) फ़ा. पुं.—न्यायकर्ता, मुंसिफ़; ईश्वर, ख़ुदा।

दावरी (داوری) फ़ा. स्त्री.—न्याय, इंसाफ़; हुकूमत, राज्य।

दावरीगाह (داوری گاہ) फ़ा. स्त्री.—न्यायालय, पंचायत की जगह।

दावरे महशर (داور محشر) फ़ा. अ. पुं.—क़ियामत के दिन इंसाफ़ करनेवाला, ईश्वर।

दावरे हश्र (داور حشر) फ़ा. अ. पुं.—दे. 'दावरे महशर'।

दा'वा (دعویٰ) अ. पुं.—वाद, नालिश; अध्यर्य, क्लेम; स्वत्व, हक़; गर्व, अभिमान, घमंड; जो गुण न आता हो अपने में उसे बताना, इद्दिआ; डींग, शेख़ी।

दा'वीदार (دعویدار) अ. फ़ा. पुं.—दावा करनेवाला, अपना अधिकार जतानेवाला; वादी, मुद्दई।

दाश्तः (داشتہ) फ़ा. स्त्री.—घर में डाली हुई स्त्री, रखेली, उपपत्नी।

दाश्त (داشت) फ़ा. स्त्री.—देखरेख, रखवाली, ख़बरगीरी।

दाश्तनी (داشتنی) फ़ा. अव्य.—रखने के लाइक़।

दास्ताँ (داستاں) फ़ा. स्त्री.—दास्तान का लघु., दे. 'दास्तान'।

दास्ताँ गो (داستاں گو) फ़ा. पुं.—क़िस्से सुनानेवाला, क़िस्से सुनाकर जीविका चलानेवाला, क़िस्सःख़्वाँ।

दास्ताँसरा (داستاں سرا) फ़ा. पुं.—दे. 'दास्ताँगो'।

दास्तान (داستان) फ़ा. स्त्री.—कथा, कहानी; वृत्तांत, हाल, लँबी-चौड़ी कथा।

दाह (داه) फ़ा. पुं.—दास, ग़ुलाम।

दाहियः (داهیہ) अ. स्त्री.—जीवन की कठिनता, संसार का कुचक्र।

दाही (داهی) अ. वि.—बुद्धिमान्, चतुर, अक़्लमंद।

दाहूल (داهول) फ़ा. पुं.—वह कृत्रिम चित्र जो खेतों में जानवरों को डराने के लिए बना देते हैं, दाखूल।

दि

दिक़ [क़्क़] (دق) अ. स्त्री.—तपेदिक़, क्षयरोग, यक्ष्मा; तंग, परेशान।

दिक़्क़त (دقت) अ. स्त्री.—कठिनता, मुश्किल; सूक्ष्मता, बारीक़ी।

दिक़्क़ततलब (دقت طلب) अ. वि.—जिसमें कठिनाई का सामना हो, कठिन, दुष्कर, मुश्किल, कष्टसाध्य।

दिक़्क़तपसंद (دقت پسند) अ. फ़ा. वि.—जो दूर की कौड़ी लाना चाहता हो, जिसकी तबीयत गहरे में डूबकर मज़्मून आदि लाने की आदी हो, मुश्किलपसंद।

दिक़्क़ते नज़र (دقت نظر) अ. स्त्री.—नज़र की बारीक़ी, नज़र की दूर तक गहराई में पहुँच, तलाश।

दिगर (دگر) फ़ा. पुं.—दीगर का लघु., दे. 'दीगर'।

दिगरगूँ (دگرگوں) फ़ा. वि.—अस्त-व्यस्त, उथल-पुथल, उलट-पलट।

दिजाज (دجاج) अ. स्त्री.—मुर्ग़ी, स्त्री कुक्कुट (प्र.) मुर्ग़ा, कुक्कुट, दे. 'दजाज', दोनों शुद्ध हैं।

दिज्लः (دجلہ) अ. पुं.—बग़दाद के नीचे बहनेवाली नदी; नदी, दर्या, दे. 'दज्लः' दोनों शुद्ध हैं।

दिनाअत (دنائت) अ. स्त्री.—अधमता, नीचता, कमीनगी, लोफ़रपन।

दिफ़ाअ (دفاع) अ. पुं.—रक्षा, बचाव, हिफ़ाज़त, प्रतिरक्षा।

दिफ़ाई (دفاعی) अ. वि.—बचाव सम्बन्धी, हिफ़ाज़ती।

दिबाग़त (دباغت) अ. स्त्री.—चमड़ा रंगना और बनाना, चमड़ा कमाना।

दिमन (دمن) अ. पुं.—गू, गोबर; वह स्थान जहाँ गू-गोबर और मैला आदि डाला जाय।

दिमाग़ (دماغ) अ. पुं.—मस्तिष्क, मस्तक; बुद्धि, अक़्ल; अहंकार, गर्व, ग़ुरूर; सहन शक्ति, बरदाश्त; संज्ञा, होश; ध्यान, ख़याल।

दिमाग़दार (دماغ دار) अ. फ़ा. वि.—अभिमानी, मग़रूर।

दिमाग़दारी (دماغ داری) अ. फ़ा. स्त्री.—अभिमान, गर्व, ग़ुरूर।

दिमाग़सोज़ी (دماغ سوزی) अ. फ़ा. स्त्री.—दिमाग़ी मेहनत, माथा पच्ची।

दिमाग़ी (دماغی) अ. वि.—मस्तिष्क सम्बन्धी, दिमाग़ से सम्बन्ध रखनेवाला।

दिमिश्क़ (دمشق) फ़ा. पुं.—इराक़ की राजधानी (दमिश्क़)।

दियत (دیت) अ. स्त्री.—ख़ून की क़ीमत, किसी से कोई आदमी मर जाय, तो मरनेवाले की औलाद अगर हत्यारे से उसके प्राणदंड के बदले में रुपया लेना चाहती थी तो

उसको दिला दिया जाता था, और हत्यारे को मुक्त कर दिया जाता था, इस रुपये को 'दियत' कहते हैं।

दियानत (دیانت) अ. स्त्री.–ईमानदारी, सत्य निष्ठा।

दियानतदार (دیانتدار) अ. फा. वि.–ईमानदार, सत्यनिष्ठ; जो धरोहर आदि में जरा भी गड़बड़ न करे।

दियानतदारी (دیانتداری) अ. फा. स्त्री.–ईमानदारी, सत्यनिष्ठा।

दियार (دیار) अ. पुं.–'दार' का बहु., परंतु उर्दू में एक० में बोला जाता है। जैसे—घर, मकान; स्थान, मुक़ाम।

दियारे ग़ैर (دیارغیر) अ. फा. पुं.–दूसरों का देश, परदेश।

दिरंग (درنگ) फा. स्त्री.–दे. 'दरंग', दोनों शुद्ध हैं।

दिरम (درم) फा. पुं.–३½ माशे की एक तौल, दिर्हम; चाँदी का एक छोटा सिक्का, चवन्नी।

दिरा (درا) फा. पुं.–कारवाँ के साथ चलनेवाला घड़याल, दे. 'दरा', दोनों शुद्ध हैं।

दिरायत (درایت) अ. स्त्री.–बुद्धि, मेधा, अक़्ल; प्रतिभा, ज़हानत; ज्ञान, जानकारी।

दिरासत (دراست) अ. स्त्री.–बुद्धि, विवेक, दानाई; सबक़ पढ़ना, पठन; सबक़ पढ़ाना, पाठन।

दिरेग़ (دریغ) फा. पुं.–हाय, अफ़सोस, हा; कृपणता, कंजूसी; संकोच, तअम्मुल।

दिरेग़ा (دریغا) फा. अव्य.–हाय, अफ़सोस, हा हंत!

दिरौ (درو) फा. स्त्री.–खेत काटना, बुनाई करना।

दिरौगर (دروگر) फा. वि.–खेत काटनेवाला।

दिर्रः (دره) अ. पुं.–चमड़े का कोड़ा, जिससे पहले ज़माने में सज़ा दी जाती थी, दुर्रः।

दिल (دل) फा. पुं.–मानस, हृदय, क़ल्ब; उत्साह, उमंग, हौसला; साहस, हिम्मत; वीरता, शौर्य, बहादुरी; रुचि, इच्छा, ख़्वाहिश, मर्ज़ी; दानशीलता, सख़ावत।

दिलअफ़गार (دل افگار) फा. वि.–दे. 'दिलफ़गार'।

दिलअफ़ोज़ (دل افروز) फा. वि.–दे. 'दिलफ़ोज़'।

दिलआज़ार (دل آزار) फा. वि.–दे 'दिलाज़ार'।

दिलआज़ारी (دل آزاری) फा. स्त्री.–दे. 'दिलाज़ारी'।

दिलआज़ुर्दः (دل آزرده) फा. वि.–दे. 'दिलाज़ुर्दः'।

दिलआज़ुर्दगी (دل آزردگی) फा. स्त्री.–दे. 'दिलाज़ुर्दगी'।

दिलआरा (دل آرا) फा. वि.–दे. 'दिलारा'।

दिलआराई (دل آرائی) फा. स्त्री.–दे. 'दिलाराई'।

दिलआराम (دل آرام) फा. वि.–दे. 'दिलाराम'।

दिलआवर (دل آور) फा. वि.–दे. 'दिलावर'।

दिलआवेज़ (دل آویز) फा. वि.–दे. 'दिलावेज़'।

दिलकश (دلکش) फा. वि.–मनोहर, चित्ताकर्षक, दिल को अपनी ओर खींचनेवाला।

दिलकशी (دلکشی) फा. स्त्री.–मनोहरता, मनोज्ञता, सुंदरता, ख़ुशनुमाई।

दिलकुशा (دل کشا) फा. वि.–रमणीक, रम्य, दिल को आनंद देनेवाला।

दिलख़राश (دل خراش) फा. वि.–बहुत ही कष्ट देनेवाला, हृदय-विदारक।

दिलख़स्तः (دل خسته) फा. वि.–जिसका हृदय घायल हो, क्षत हृदय।

दिलख़ुशकुन (دل خوش کن) फा. वि.–दिल को ख़ुश कर देनेवाला, आनंददाता।

दिलख़्वाह (دل خواه) फा. वि.–मर्ज़ी के मुताबिक़, इच्छानुसार।

दिलगर्मी (دل گرمی) फा. स्त्री.–संभ्रांति, तपाक, जोश, गर्मजोशी।

दिलगिरिफ़्तः (دل گرفته) फा. वि.–खिन्नचित्त, उदास, रंजीदा, अफ़्सुर्दः।

दिलगीर (دلگیر) फा. वि.–दुःखित, रंजीदा।

दिलगुदाज़ (دل گداز) फा. वि.–हृदयद्रावी, मन को पिघला डालनेवाला, कष्टजनक, दुःख़प्रद।

दिलगुर्दः (دل گرده) फा. पुं.–साहस, उत्साह, उमंग, हिम्मत।

दिलचस्प (دلچسپ) फा. वि.–दिल को अच्छा लगनेवाला, मनोरंजक, रोचक।

दिलचस्पी (دلچسپی) फा. स्त्री.–रुचि, रग़बत; रोचकता, मनोरंजन, तफ़रीह।

दिलज़दः (دل زده) फा. वि.–मनोहत, जिसका दिल घायल हो, दुःखित।

दिलजमई (دل جمعی) फा. अ. स्त्री.–ढारस, सांत्वना, दिलासा; यकसूई, चित्तैकाग्रता, मनोयोग, संलग्नता।

दिलजू (دل جو) फा. वि.–सुंदर, शुभदर्शन, हसीन।

दिलजोई (دل جوئی) फा. स्त्री.–सांत्वना, ढारस, तसल्ली।

दिलतंग (دل تنگ) फा. वि.–दुःखित, क्लेषित, रंजीदा; कृपण, कंजूस।

दिलतंगी (دل تنگی) फा. स्त्री.– दुःख, क्लेश, रंज; कृपणता, कंजूसी।

दिलतफ़्तः (دل تفته) फा वि.–दग्ध हृदय, प्रेमदग्ध, दिलजला।

दिलदादः (دل داده) फा. वि.–मुग्ध, आसक्त, फ़रेफ़्तः, मोहित।

दिलदादगी (دل دادگی) आसक्ति, मुग्धता, फ़रेफ़्तगी।

दिलदार (دلدار) फा. वि.—प्यारा, प्रेमपात्र; प्रेयसी प्रेमिका, माशूक़ा।

दिलदारी (دلداری) फा. स्त्री.—सांत्वना, ढारस, दिलासा, तस्कीन।

दिलदिही (دلدہی) फा. स्त्री.—दे. 'दिलदारी'।

दिलदुज़्द (دلدزد) फा. वि.—दिल का चोर, हृदय-चोर, प्रेमपात्र, माशूक़।

दिलदोज़ (دلدوز) फा. वि.—दिल में घुस जानेवाला, दिल पर असर करनेवाला।

दिलनवाज़ (دلنواز) फा. वि.—दिल को तसल्ली देनेवाला, ढारस बँधानवाला; प्रेमपात्र, महबूब।

दिलनवाज़ी (دلنوازی) फा. स्त्री.—मैत्री, दोस्ती; सान्त्वना, ढारस।

दिलनशीं (دلنشیں) फा. वि.—जो दिल में बैठ गया हो, हृदयस्थ; जो समझ में आ गया हो, हृदयंगम।

दिलनिहाद (دلنہاد) फा. वि.—जिस पर दिल को रुचि हो, प्रेमपात्र, महबूब।

दिलपसंद (دلپسند) फा. वि.—जो दिल को पसंद हो, रुचिकर, मर्गूब।

दिलपज़ीर (دلپذیر) फा. वि.—दे. 'दिलपसंद'।

दिलफ़रेब (دلفریب) फा. वि.—दे. 'दिलफ़िरेब'।

दिलफ़रोज़ (دلفروز) फा. वि.—दिल को प्रकाशित करने-वाला।

दिलफ़रोश (دلفروش) फा. वि.—दिल बेचनेवाला, आशिक़, नायक।

दिलफ़िगार (دلفگار) फा. वि.—क्षत हृदय, घायल दिलवाला, दुःखित, नायक, आशिक़।

दिलफ़िरेब (دلفریب) फा. वि.—दिल को फ़रेब देनेवाला, नायिका।

दिलफ़्गार (دلافگار) फा. वि.—दे. 'दिलफ़िगार'।

दिलफ़्रोज़ (دلافروز) फा. वि.—दे. 'दिलफ़रोज़'।

दिलबंद (دلبند) फा. पुं.—दिल का टुकड़ा, पुत्र, बेटा।

दिलबर (دلبر) फा पुं.—दिल उड़ा ले जानेवाला, प्रेमपात्र, माशूक़, नायिका।

दिलबरी (دلبری) फा. स्त्री.—मा'शूक़ी, नायिकात्व।

दिलबरदाश्तः (دلبرداشتہ) फा. वि.—उदास, खिन्न, उचाटमन।

दिलबस्तः (دلبستہ) फा. वि.—जिसका दिल कहीं लगा हो, नायक, आशिक़।

दिलबस्तगी (دلبستگی) फा. स्त्री.—दिल की लगन, प्रेम, इश्क़; मनोरंजन; तफ़्रीह, दिलचस्पी।

दिलबाख़्तः (دلباختہ) फा. वि.—जो प्रेम की बाज़ी में अपना दिल हार गया हो, आशिक़।

दिलबाज़ (دلباز) फा. वि.—साहसी, उत्साही, हौसलामंद; शूर, वीर, बहादुर, जाँबाज़।

दिलबाज़ी (دلبازی) फा. स्त्री.—जान की बाज़ी लगा देना, जान को ख़तरे में डाल देना, जाँबाजी।

दिलबिरिश्तः (دلبرشتہ) फा. वि.—जिसका दिल प्रेम की आग में जलभुन गया हो, दग्ध हृदय।

दिलरुबा (دلربا) फा. वि.—दिल को उचक ले जानेवाला, माशूक़, एक बाजा।

दिलरुबाई (دلربائی) फा. स्त्री.—माशूक़ियत, नायिकापन; नाज़ो अंदाज़, हावभाव।

दिलरेश (دلریش) फा. वि.—क्षत हृदय, जिसका दिल ज़ख़्मी हो, प्रेमी।

दिलशाद (دلشاد) फा. वि.—ख़ुश, प्रसन्न चित्त।

दिलशिकन (دلشکن) फा. वि.—दिल को तोड़नेवाला, रंज पहुँचानेवाला; हिम्मत तोड़नेवाला।

दिलशिकनी (دلشکنی) फा. स्त्री.—दिल तोड़ना, रंज पहुँचाना; हिम्मत तोड़ना।

दिलशिकस्तः (دلشکستہ) फा. वि.—जिसका दिल टूट गया हो, दुःखित; हतोत्साह, पस्त हौसला।

दिलशिकस्तगी (دلشکستگی) फा. स्त्री.—दे. 'दिल-शिकनी'।

दिलशिगाफ़ (دلشگاف) फा. वि.—हृदय विदारक, रूहफ़र्सा।

दिलशुदः (دلشدہ) फा. वि.—जिसका दिल खो गया हो, अर्थात् प्रेमी।

दिलसाज़ (دلساز) फा. वि.—आनंदित, हर्षित, ख़ुश।

दिलसितां (دلستاں) फा. वि.—दे. 'दिलरुबा'।

दिलसितानी (دلستانی) फा. स्त्री.—दे. 'दिलरुबाई'।

दिलसोख़्तः (دلسوختہ) फा. वि.—दिलजला, दग्ध हृदय।

दिलसोज़ (دلسوز) फा. वि.—सहानुभूति करनेवाला, हमदर्द।

दिलसोज़ी (دلسوزی) फा. स्त्री.—हमदर्दी, सहानुभूति।

दिलहा (دلہا) फा. पुं.—बहुत से दिल, दिल का बहु.।

दिला (دلا) फा. अव्य.—ए दिल, हे मन, दिल का संबोधन।

दिलाज़ार (دلآزار) फा. वि.—सतानेवाला, कष्ट देनेवाला, दुःखदायी; दिल दुखानेवाला नाख़ादार।

दिलाज़ारी (دلآزاری) फा. स्त्री.—सताना, कष्ट देना; कोई ऐसी बात कहना या करना जिससे किसी का दिल दुखे।

दिलाज़ुर्दः (دلآزردہ) फा. वि.—जिसका दिल दुःखित हो, ग़मगीन।

दिलाफ़ुर्दगी (دل آزردگی) फा. स्त्री.—दिल का खिन्न और मलिन होना, अफ़सुर्दगी।

दिलारा (دل آرا) फा. वि.—दिल की शोभा बढ़ानेवाला, प्रेमपात्र।

दिलाराई (دل آرائی) फा. स्त्री.—दिल में बसकर उसकी शोभा बढ़ाने का काम।

दिलाराम (دل آرام—دلارام) फा. वि.—हृदय को शान्ति देनेवाला, अर्थात् प्रेमपात्र।

दिलावर (دلاور) फा. वि.—शूर, वीर, बहादुर; साहसी, उत्साही, हौसलामंद।

दिलावरी (دلاوری) फा. स्त्री.—शूरता, वीरता, बहादुरी; साहस, उत्साह, हौसला।

दिलावेज़ (دل آویز—دلاویز) फा. वि.—सुन्दर, शुभ दर्शन, प्रियदर्शन, ख़ुशनुमा।

दिलावेज़ी (دل آویزی) फा. स्त्री.—सौन्दर्य, शोभा, छटा, हुस्न, ख़ूबसूरती।

दिली (دلی) फा. वि.—हार्दिक, मानसिक, क़ल्बी; हृदय से सम्बन्ध रखनेवाली चीज़; घनिष्ठ, गहरा जैसे 'दिलीदोस्त'।

दिलेआगाह (دل آگاہ) फा. पुं.—ऋषियों और मुनियों जैसा दिल, दिव्य दृष्टि रखनेवाला हृदय।

दिलेज़िंद: (دل زندہ) फा. पुं.—ऐसा हृदय जो हर्ष और आनन्द से परिपूर्ण हो; ऐसा हृदय जो ईश्वर भक्ति में संलग्न हो।

दिलेबेक़रार (دل بے قرار) फा. पुं.—प्रेमव्यथा में तड़पता हुआ हृदय, व्यथितहृदय।

दिले मुज़्तर (دل مضطر) फा. अ. पुं.—दे. 'दिले बेक़रार'।

दिले मुज़्तरिब (دل مضطرب) फा. पुं—दे. 'दिले बेक़रार'।

दिलेमुर्द: (دل مردہ) फा. वि.—'दिलेज़िंद:' का उलटा; बुझा हुआ दिल; ईश्वर-भक्ति से रिक्त दिल।

दिलेर (دلیر) फा. वि.—शूर, वीर, बहादुर; साहसी, उत्साही, हौसलामंद; अभय, निडर।

दिलेरान: (دلیرانہ) फा. अव्य.—वीरोचित, वीरतापूर्वक।

दिलेरी (دلیری) फा. स्त्री.—शूरता, बहादुरी; साहस, उमंग; निडरपन।

दिले सदचाक (دل صدچاک) फा. पुं.—ऐसा हृदय जिसे प्रेम के निष्ठुर हाथों ने टुकड़े-टुकड़े कर दिया हो।

दिश्न: (دشنہ) फा. पुं.—दे. 'दश्न:', दोनों उच्चारण शुद्ध हैं।

दिहिश (دہش) फा. स्त्री.—दानशीलता, सख़ावत, यह शब्द उर्दू में दाद के साथ मिलकर 'दादोदिहिश' बोला जाता है, अकेला नहीं बोला जाता।

दिहक़ान (دہقان) अ. पुं.—कृषक, किसान; गँवार, उजड्ड।

दिहक़ानीयत (دہقانیت) अ. स्त्री.—गँवारपन, उजड्डपन।

दिहक़ानी (دہقانی) अ. पुं.—गँवार, उजड्ड; कृषक, किसान; किसान का, देहाती।

दी

दीं (دیں) अ. पुं.—'दीन' का लघु., देखिए 'दीन'।

दींदार (دیں دار) अ. फा. वि.—धर्मनिष्ठ, दीन में पक्का।

दींपनाह (دیں پناہ) अ. फा. वि.—दीन की हिफ़ाज़त करनेवाला, धर्मरक्षक।

दींपर्वर (دیں پرور) अ. फा. वि.—दीन की परवरिश करनेवाला, धर्मपाल।

दी (دی) फा. पुं.—बीता हुआ कल।

दीक (دیک) अ. पुं.—मुर्ग़ा, कुक्कुट।

दीगर (دیگر) फा. वि.—अन्य, और, दूसरा; फिर, दुबारा, पुनः।

दीद: (دیدہ) फा. पुं.—आँख का ढेला, आँख; साहस, जुर्अत।

दीद:दिलेर (دیدہ دلیر) फा. वि.—ढीठ, बेहया, निर्लज्ज, धृष्ट।

दीद:दिलेरी (دیدہ دلیری) फा. स्त्री.—ढिठाई, निर्लज्जता, धृष्टता, बेहयाई।

दीद:बाज़ (دیدہ باز) फा. वि.—नज़र लड़ानेवाला, घूरनेवाला, जिसे हसीनों को घूरने की आदत हो।

दीद:बाज़ी (دیدہ بازی) फा. स्त्री.—नज़र लड़ाना, घूरना, ताक-झाँक करना।

दीद:रेज़ी (دیدہ ریزی) फा. स्त्री.—ऐसा बारीक काम करना जिसमें आँखों पर अधिक ज़ोर डालना पड़े; किसी विषय में बहुत अधिक सोच-विचार करना।

दीद:वर (دیدہ ور) फा. वि.—जौहरी, पारखी, कि॰ी चीज़ के गुण-दोष अच्छी तरह समझनेवाला।

दीद:वरी (دیدہ وری) फा. स्त्री.—परख, पहचान, वि॰ी चीज़ की अच्छे बुरे की तमीज़।

दीद (دید) फा. स्त्री.—दर्शन, दीदार।

दीदएतर (دیدۂ تر) फा. पुं.—रोती हुई आँख, आँसुओं से भीगी हुई आँख।

दीदएनम-नमनाक (دیدۂ نم نمناک) फा. पुं.—दे. 'दीदएतर'।

दीदए मिक़राज़ (دیدۂ مقراض) फा. अ. पुं.—कैंची के घेरे जिनमें उँगलियाँ रहती हैं।

दीदओदानिस्त: (دیدہ و دانستہ) फा. अव्य.—जान-बूझकर, जानते बूझते हुए, क़स्दन, इच्छापूर्वक।

दीदनी (دیدنی) फा. अव्य.—देखने योग्य, देखने के लायक़।

दीदबाज़ी (دیدبازی) फा. स्त्री.—दे. 'दीद:बाज़ी'।

दीदबान (دیدبان) फा. पुं.—वह ऊँची जगह जहाँ से कोई इधर-उधर आने-जानेवालों की चोकसी कर सके; वह व्यक्ति जो इस प्रकार देख-भाल करे; बंदूक की मक्खी जिससे निशाना लगाते हैं; जासूस।

दीदबानी (دیدبانی) फा. स्त्री.—किसी ऊँचे स्थान पर बैठकर आने-जानेवालों अथवा खतरों की निगरानी।

दीद वा दीद (دیدوادید) फा. स्त्री.—परस्पर एक का दूसरे की मुलाक़ात को जाना।

दीदान (دیدان) अ. पुं.— 'दूदः' का बहु., कीड़े।

दीदानुलअम्आ (دیدان الامعا) अ. पुं.—पेट के कीड़े, पेट में कीड़े पड़ जाने का रोग।

दीदार (دیدار) फा. पुं.—दर्शन, दीद; जल्वा, छबि।

दीदारपरस्त (دیدارپرست) फा. वि.—दर्शनों का अभिलाषी; सूरत और जल्वे का फ़िदाई।

दीदारबाज़ी (دیداربازی) फा. स्त्री.—ताक-झाँक, नज़र-बाज़ी, आँखें लड़ाना।

दीदारू (دیدارو) फा. वि.—शुभ दर्शन, खुशनुमा; रूपवान्, हसीन।

दीन (دین) अ. पुं.—धर्म, मज़्हब; पंथ, मश्रब; विश्वास, एतिक़ाद।

दीनार (دینار) फा. पुं.—एक सोने की मुद्रा, अशरफ़ी।

दीनारेसुर्ख़ (دینارسرخ) फा. पुं.—सोने का दीनार, मोहर, अशरफ़ी।

दीनी (دینی) अ. वि.—धर्म सम्बन्धी, दीन का।

दीनेक़य्यिम (دین قیم) अ. पुं.—सच्चा धर्म, इस्लाम धर्म।

दीने हनीफ़ (دین حنیف) अ. पुं.—हज़रत इब्राहीम का धर्म।

दीबा (دیبا) फा. स्त्री.—एक बारीक और चित्रित रेशमी कपड़ा।

दीबाचः (دیباچه) फा. पुं.—प्रस्तावना, प्राक्कथन।

दीबाजः (دیباجه) फा. पुं.—दे. 'दीबाचः'।

दीबाज (دیباج) अ. पुं.—एक बहुत बढ़िया रेशमी कपड़ा, दीबा।

दीमक (دیمک) फा. स्त्री.—एक प्रसिद्ध कीड़ा।

दीमक खुर्दः (دیمک خورده) फा. वि.—जिसे दीमक ने चाट लिया हो, दीमक का खाया हुआ।

दीरोज़ः (دی روزه) फा. वि.—गत कल।

दीरोज़ (دی روز) फा. पुं.—गत कल, बीता हुआ कल।

दीवानः (دیوانه) फा. पुं.—पागल, विक्षिप्त, सिड़ी; प्रेमी, आशिक़; किसी काम में तन्मय।

दीवानःगर (دیوانه گر) फा. वि.—पागल बना देनेवाला।

दीवानःनवाज़ (دیوانه نواز) फा. वि.—दीवानों पर दया करनेवाला; प्रेमी पर कृपा करनेवाली प्रेमिका।

दीवान (دیوان) फा. पुं.—न्यायालय, कचहरी; मंत्री, वज़ीर; अर्थमंत्री, वज़ीरेमाल; ग़ज़लों की किताब।

दीवानख़ानः (دیوان خانه) फा. पुं.—बैठक, निशस्तगाह; कचहरी का दफ़्तर; बड़े लोगों के बैठने का स्थान।

दीवानगी (دیوانگی) फा. स्त्री.—पागलपन, बुद्धि-विक्षेप।

दीवानी (دیوانی) फा. स्त्री.—वह अदालत जिसमें रुपये के लेन-देन और जायदाद के मुक़दमे तै होते हैं, व्यवहार-न्यायालय।

दीवाने आम (دیوان عام) फा. अ. पुं.—दरबारे आम, बड़ा दरबार करने का स्थान।

दीवाने आ'ला (دیوان اعلی) फा. अ. पुं.—महामंत्री, प्रधान मंत्री, वज़ीरे आ'ज़म।

दीवाने ख़ालिसः (دیوان خالصه) फा. अ. पुं.—वह मंत्री जिसके पास शाही मुहर रहती है।

दीवाने ख़ास (دیوان خاص) फा. अ. पुं.—मुख्य लोगों का दरबार।

दीवाने जज़ा (دیوان جزا) फा. अ. पुं.—दे. 'दीवाने महशर'।

दीवानेमहशर (دیوان محشر) फा. अ. पुं.—वह महकमा जो क़ियामत के दिन हिसाब-किताब करेगा।

दीवार (دیوار) फा. स्त्री.—भीत, भित्ति, दिवाल।

दीवारगीरी (دیوارگیری) फा. स्त्री.—वह कपड़ा जो दीवारों में सुन्दरता के लिए लगा देते हैं; दीवार में लगाने का लैम्प।

दीवार ब दीवार (دیواربه دیوار) फा. अव्य.—दीवार से दीवार मिली हुई।

दीवारे क़हक़हः (دیوارقهقهه) फा. स्त्री.—चीन की एक दीवार जिसके लिए प्रसिद्ध है कि जो उसमें से झाँकता है वह अनायास बहुत हँसता है—"दीदार दिलरुबा का दीवारे क़हक़हा है–जिसने उधर को झाँका, वह फिर इधर न झाँका।"

दीवारे ज़िंदाँ (دیوارزنداں) फा. स्त्री.—जेल की दीवार, क़ैदखाने की दीवार।

दीशब (دی شب) फा. स्त्री.—बीती हुई रात, कल की रात।

दु

दुंबः (دنبه) फा. पुं.—एक प्रकार का भेड़ा जिसकी पूँछ पर चर्बी की बड़ी-सी चकती होती है, मेदपुच्छ।

दुंब (دنب) फा स्त्री.—पुच्छ, पूँछ, दुम।

दुंबल (دنبل) फा. पुं.—फोड़ा, व्रण।

दुंबालः (دنباله) फा. पुं.—पूँछ-जैसी चीज़, पूँछ के आकार का; पूछ, दुम।

दुंबालःदार (دنباله دار) फा. वि.—जिसमें पुछल्ला लगा हो, दुमछल्लेवाला; जिसमें लम्बी नोक निकली हो।

दुंबाल (دنبال) फा. पुं.–दुम, पूँछ, पशुओं की पूँछ, पशु-पुच्छ।

दुअम्ली (دوعملی) फा. अ. स्त्री.–दो प्रकार का राज्य, कहीं कोई क़ानून, कहीं कोई क़ानून; दो शासकों का राज, एक का कुछ हुक्म, दूसरे का कुछ और।

दुअस्पः (دواسپه) फा. पुं.–शीघ्र गति, तेज़ रफ़्तारी।

दुआ (دعا) अ. स्त्री.–ईश्वर से किसी चीज़ की प्रार्थना; धार्मिक मंत्र, वज़ीफ़ा वग़ैरह; स्तुति, कीर्तन।

दुआएख़ैर (دعاۓخیر) अ. स्त्री.–वह दुआ जो किसी की भलाई के लिए की जाय।

दुआएदौलत (دعاۓدولت) अ. स्त्री.–किसी की उन्नति और समृद्धि के लिए ईश्वर से प्रार्थना।

दुआज़्दः (دوازده) फा. वि.–बारह, द्वादश।

दुआज़्दहुम (دوازدهم) फा. वि.–बारहवाँ, द्वादश।

दुआतशः (دوآتشه) फा. पुं.–दो बार खींचा हुआ अरक़, तेज़ अरक़।

दुआबः (دوآبه) फा. पुं.–दो नदियों के बीच का क्षेत्र; गंगा और जमुना के बीच का देश।

दुआलम (دوعالم) फा. अ. पुं.–उभय लोक, दुनिया और उक़्बा, लोक-परलोक।

दुआश्यानः (دوآشیانه) फा. पुं.–एक प्रकार का तंबू जिसमें दो कमरे होते हैं।

दुकाँ (دکاں) फा. स्त्री.–'दुकान' का लघु., दे. 'दुकान'।

दुकान (دکان) फा. स्त्री.–सौदा बेचने की जगह, पण्यशाला।

दुकानचः (دکانچه) फा. पुं.–छोटी दुकान।

दुकानदार (دکاندار) फा. पुं.–दुकान में सौदा बेचनेवाला; पेशावर, किसी विषय में दुकानदारों-जैसा मोल-भाव करनेवाला।

दुकानदारी (دکانداری) फा. स्त्री.–दुकान में सौदा बेचने का काम; किसी विषय में मोल-भाव करना।

दुकौन (دوکون) फा. अ. पुं.–दोनों लोक।

दुख़ान (دخان) अ. पुं.–धुआँ, धूम; भाप, वाष्प।

दुख़ानी (دخانی) अ. वि.–आग और भाप के ज़ोर से चलनेवाला, जैसे—'दुख़ानी जहाज़'।

दुख़ूल (دخول) अ. पुं.–प्रवेश, घुसना, अंदर जाना।

दुख़्त (دخت) फा. स्त्री.–'दुख़्तर' का लघु., दे. 'दुख़्तर'।

दुख़्तर (دختر) फा. स्त्री.–पुत्री, लड़की, कन्या।

दुख़्तरे ख़ानः (دخترخانه) फा. स्त्री.–कुमारी, बिना ब्याही लड़की।

दुख़्तरे रज़ (دختررز) फा. स्त्री.–अंगूर की बेटी, अर्थात् अंगूर की मदिरा।

दुख़्ते रज़ (دخترز) फा. स्त्री.–दे. 'दुख़्तरे रज़'।

दुख़्ते हव्वा (دختحوا) फा. अ. स्त्री.–हव्वा (हज़रत आदम की पत्नी) की लड़की, अर्थात् स्त्री जाति।

दुगानः (دوگانه) फा. पुं.–वह फल जिसमें दो फल जुड़े हों, जैसे, दुगानः आम, ऐसा फल जब किसी को धोखे से दे दिया जाता है तो वह उसके बदले दो सौ फल देता है; शुक्राने की नमाज़ की दो रक्अतें।

दुगूनः (دوگونه) फा. वि.–दो प्रकार का, दो तरह का; दूना, दोचंद।

दुचंद (دوچند) फा. वि.–दूना, दुगुना, द्विगुण।

दुचंदाँ (دوچنداں) फा. वि.–दे. 'दुचंद'।

दुचार (دوچار) फा. वि.–आमना-सामना, मुलाक़ात, साक्षात्।

दुचोबः (دوچوبه) फा. पुं.–दो बाँसोंवाला ख़ेमा।

दुज़बाँ (دوزباں) फा. वि.–जिसके दो ज़बानें हों, अर्थात् कभी कुछ कहे, कभी कुछ या किसी से कुछ कहे और किसी से कुछ, मुनाफ़िक़ दुमुँहाँ।

दुजहाँ (دوجہاں) फा. पुं.–उभयलोक, दुनिया और आख़िरत, संसार और परलोक।

दुजा (دجی) अ. पुं.–रात की अँधियारी।

दुज़ानू (دوزانو) फा. वि.–घुटनों के बल बैठने की मुद्रा।

दुज़्द (دزد) फा. पुं.–चोर, तस्कर।

दुज़्दंदः (دزدنده) फा. वि.–चोरी करनेवाला, चुरानेवाला।

दुज़्दी (دزدی) फा. स्त्री.–चोरी, चौर्य; चोरी का पेशा, चौर्य-कर्म।

दुज़्दीदः (دزدیده) फा. वि.–चुराया हुआ, चुराई हुई चीज़।

दुज़्दीदःनज़री (دزدیدہنظری) फा. अ. स्त्री.–दे. 'दुज़्दीदः-निगाही'।

दुज़्दीदःनिगाही (دزدیدہنگاہی) फा. स्त्री.–कनखियों से देखना।

दुज़्देशाहीं (دزدشاہیں) फा. पुं.–नज़र के सामने से चीज़ उड़ा ले जानेवाला, शातिर चोर, पश्यतोहर।

दुज़्देहिना (دزدحنا) फा. पुं.–मेंहदी लगाते समय हाथ में एक छल्ला रख लेते हैं, जिससे हथेली पर एक गोल निशान बन जाता है, उसी को 'दुज़्दे हिना' कहते हैं।

दुतर्फ़ः (دوطرفه) फा. वि.–दोनों तरफ़, इधर भी, उधर भी।

दुता (دوتا) फा. वि.–दुहरा, झुका हुआ, ख़मीदः, जैसे 'पुश्तेदुता' झुकी हुई कमर।

दुतारः (دوتاره) फा. पुं.–एक बाजा जिसमें दो तार होते हैं।

दुदम (دودم) फा. वि.–दोहरी धारवाली तलवार।

दुवस्तः (دوسته) फा. वि.–दोनों तरफ़, दुतर्फ़ा।

दुदस्ती (دوستی) फा. स्त्री.—दोनों हाथों से तलवार चलाना; कुश्ती का एक दाँव।

दुदिलः (دودله) फा. वि.—चिन्तित, फ़िक्रमंद; वहमी, भ्रमी; दुमुहाँ, मुनाफ़िक़।

दुनीम (دونیم) फा. वि.—आधा-आधा, दो टुकड़े।

दुनयवी (دنیوی) अ. वि.—संसार सम्बन्धी, सांसारिक; दुनियावाला, दुनिया का।

दुन्या (دنیا) अ. स्त्री.—मर्त्यलोक, मृत्युलोक, जगत्, संसार, आलम; संसार-निवासी, दुनिया के लोग।

दुन्याएदनी (دنیاےدنی) अ. स्त्री.—अधम और निकृष्ट संसार, पापमय संसार, माया और मोह-जैसो नीच प्रवृत्तियोंवाला संसार।

दुन्याएदूँ (دنیاےدوں) अ. फा. स्त्री.—दे. 'दुन्याएदनी'।

दुन्याएफ़ानी (دنیاےفانی) फा. स्त्री.—नश्वर और विनाश कारी संसार।

दुन्यादार (دنیادار) अ. फा. वि.—संसार के मोह में लिप्त; घर गृहस्थीवाला; अवसरवादी, इब्नुल वक़्त।

दुन्यापरस्त (دنیاپرست) फा. वि.—दे. 'दुन्यादार'।

दुन्या व माफ़ीहा (دنیاومافیہا) अ. स्त्री.—संसार और संसार के भीतर की सब वस्तुएँ।

दुन्यावी (دنیاوی) अ. वि.—दे. 'दुनयवी', बहुत से विद्वान् 'दुनयावी' को अशुद्ध कहते हैं।

दुन्यासाज़ (دنیاساز) अ. फा. वि.—मुँह पर झूठी और ख़ुशामद की बातें करनेवाला, ज़ाहिरदार, चाटुकार।

दुन्यासाज़ी (دنیاسازی) अ. फा. स्त्री.—ज़ाहिरदारी, बनावट की बातें।

दुपल्का (دوپلکا) फा. पुं.—एक पत्थर जिससे अँगूठी बनती है (उ.) एक प्रकार का नगीना; एक प्रकार का पतंग; एक प्रकार का कबूतर।

दुपायः (دوپایه) फा. वि.—दो टाँगोंवाला।

दुपारः (دوپاره) फा. वि.—दो टूक, दो टुकड़े; फटा हुआ, टुकड़े-टुकड़े।

दुपियाज़ः (دوپیازه) फा. पुं.—एक प्रकार का गोश्त जिसमें केवल पियाज़ पड़ती है।

दुपैकर (دوپیکر) फा. वि.—मिथुन राशि, जोज़ा; दुधारी तलवार।

दुफ़ (دف) अ. पुं.—डफ़, दाइरा; बड़ी डफ़ली।

दुफ़नवाज़ (دف‌نواز) अ. फा. पुं.—डफ़ बजानेवाला।

दुफ़स्ली (دوفصلی) फा. अ. वि.—वह पेड़ जो साल में दो बार फले; वह ज़मीन जो साल में दो बार बोयी जाय; दुटप्पी, गोल-मोल (बात)।

दुबारः (دوباره) फा. वि.—फिर, पुनः; नये सिरे से, फिर से; दूसरी बार, दूसरी मरतबा।

दुबाला (دوبالا) फा. वि.—दुगुना, दूना, दुचंद।

दुबुर (دبر) अ. स्त्री.—पीछा, पुश्त; उपस्थ, मलद्वार, गुदा।

दुब्बे अक्बर (دب‌اکبر) अ. पुं.—उत्तरी ध्रुव के पास तारों से बनी हुई रीछ की दो आकृतियों में से बड़ी आकृति; सप्तर्षिमण्डल।

दुब्बे अस्ग़र (دب‌اصغر) अ. पुं.—उत्तरी ध्रुव के निकट कुछ तारों से मिलकर बनी हुई रीछ की दो आकृतियों मे से छोटी आकृति, लघु सप्तर्षिमण्डल।

दुब्र (دبر) अ. स्त्री.—दे. 'दुबुर'।

दुमंज़िलः (دومنزله) फा. अ. पुं.—वह मकान जिसमें दो मालाएँ हों, दो मालावाला घर।

दुमाहः (دوماهه) फा. पुं.—दो महीने की तनख़्वाह।

दुम्मल (دمل) अ. पुं.—फोड़ा, व्रण।

दुरंगी (دورنگی) फा. वि.—कभी कुछ होना कभी कुछ; कभी कुछ कहना और कभी कुछ।

दुर (در) फा. पुं.—मुक्ता, मोती; रत्न, जौहर; कान का आवेज़ः।

दुरअफ़्शाँ (درافشاں) फा. वि.—दे. 'दुरफ़्शाँ'।

दुरकाबः (دورکابه) फा. पुं.—बहुत ऊँचा घोड़ा, जिस पर दो रकाबों द्वारा चढ़ा जा सके।

दुरख़्श (درخش) फा. स्त्री.—विद्युत्, चपला, चंचला, बिजली; प्रकाश, ज्योति, रौशनी।

दुरख़्शाँ (درخشاں) फा. वि.—प्रकाशमान, ज्योतिर्मय, पुरनूर।

दुरगा (دورگا) फा. वि.—दोग़ला, वर्ण-संकर।

दुरदानः (دردانه) अ. फा. पुं.—मोती का दाना, एक मोती।

दुरफ़्श (درفش) फा. पुं.—वह तिकोना कपड़ा जो झंडे के सिरे पर लगाते हैं और जो हवा में उड़ता रहता है।

दुरफ़्शाँ (درفشاں) फा. वि.—हिलता हुआ, लहराता हुआ।

दुरफ़्शाँ (درافشاں) फा. वि.—मोती लुटानेवाला, दानी, सख़ी; मधुरभाषी, ख़ुशगो।

दुरफ़्शानी (درافشانی) फा. स्त्री.—मोती लुटाना; दान-शीलता, सख़ावत।

दुरफ़्शे काबियानी (درفش‌کاویانی) फा. पुं.—ईरान के 'कावः' नामी लुहार का झंडा, जिसमें उसने अपनी धौकनी बाँधी थी और जिसके द्वारा उसने जनता को एकत्र करके फ़ियानी राज्य को नष्ट किया था।

दुरबार (دربار) फा. वि.—मोतियों की वर्षा करनेवाला, वदान्य, सख़ी; मधुरभाषी, ख़ुशबयाँ।

दुररेज़ (دریز) फा. वि.–दे. 'दुरबार'।
दुराहः (دوراهه) फा. पुं.–वह स्थान जहाँ दो रास्ते मिले हों।
दुरुख़ः (دورخه) फा. पुं.–दोनों तरफ़, दुतर्फ़ा; दुमुँहाँ, मुनाफ़िक़।
दुरुख़्श (درخش) फा. स्त्री.–दे. 'दुरख़्श', दोनों शुद्ध हैं।
दुरुख़्शाँ (درخشاں) फा. वि.–दे. 'दुरख़्शाँ', दोनों शुद्ध हैं।
दुरुख़्शिदः (درخشنده) फा. वि.–चमकनेवाला, ज्योतिर्मय।
दुरुख़्शिदगी (درخشندگی) फा. स्त्री.–आभा, चमक, ज्योति।
दुरुफ़्श (درفش) फा. पुं.–दे. 'दुरफ़्श', दोनों शुद्ध हैं।
दुरुफ़्शाँ (درفشاں) फा. वि.–दे. 'दुरफ़्शाँ', दोनों शुद्ध हैं।
दुरुश्त (درشت) फा. वि.–खुरदरा, खुर्रा; कठोर, सख़्त।
दुरुश्तख़ू (درشت خو) फा. वि.–खुर्रेमिज़ाजवाला, रूखा, फ़ीका।
दुरुश्त मिज़ाज (درشت مزاج) फा. अ. वि.–दे. 'दुरुश्त ख़ू'।
दुरुश्ती (درشتی) फा. स्त्री.–खुर्रापन, कठोरता।
दुरुस्त (درست) फा. वि.–ठीक, शुद्ध, सही; सत्य, सच; उचित, मौज़ूँ; साबित, संपूर्ण; अखंडित, जो टूटा न हो; स्वस्थ, तन्दुरुस्त।
दुरुस्ती (درستی) फा. स्त्री.–शुद्धि, संशोधन, इस्लाह; गोशमाली।
दुरूद (درود) फा. स्त्री.–लकड़ी काटने, छीलने और बनाने का काम; खेती की कटाई।
दुरूद (درود) अ. उभ.–दुआ और सलाम विशेषतः रसूल पर।
दुरूदगर (درودگر) फा. पुं.–बढ़ई, काष्ठकार, तक्षक।
दुरूदोसलाम (درودوسلام) अ. पुं.–मुसलमानों की ओर से उनके पैग़ंबर पर दुरूद और सलाम।
दुरूयः (درویه) फा. वि.–दुतर्फ़ा, दोनों तरफ़।
दुरूर (درور) अ. पुं.–पसीना या दूध निकलना।
दुरे ख़ुश आब (درخوش آب) फा. पुं.–अच्छी चमक-दमक का मोती।
दुरेनायाब (درنایاب) फा. पुं.–ऐसा मोती जैसा दूसरा मिल न सके; सुपुत्र।
दुरेनासुफ़्तः (درناسفته) फा. वि.–अनबिधा मोती, वह मोती जिसमें छेद न किया गया हो; कुमारी स्त्री, अक्षता।
दुरेयकता (دریکتا) फा. पुं.–बह मोती जो सीप में एक ही होता है और इस कारण बहुत बड़ा होता है।
दुरेयकदानः (دریک دانه) फा. पुं.–दे. 'दुरेयकता'।
दुरेशहवार (درشهوار) बादशाहों के योग्य मोती, बहुत बड़ा और बहुमूल्य मोती।
दुरोग़ (دروغ) फा. पुं.–मिथ्या, असत्य, झूठ; अपराध, लांछन, तुहमत, दे. 'दरोग़', दोनों शुद्ध हैं।
दुरोग़गो (دروغ گو) फा. वि.–झूठ बोलनेवाला, मिथ्यावादी, असत्यभाषी।
दुरोग़ज़न (دروغ زن) फा. वि.–दे. 'दुरोग़गो'।
दुरोग़बयाँ (دروغ بیاں) फा. अ. वि.–दे. 'दुरोग़गो'।
दुरोग़बयानी (دروغ بیانی) फा. अ. स्त्री.–झूठ बोलना।
दुरोग़बाफ़ (دروغ باف) फा. वि.–झूठ गढ़नेवाला, अपने मन से झूठी बातें उत्पन्न करनेवाला।
दुरोग़ेमस्लहत आमेज़ (دروغ مصلحت آمیز) फा. अ. पुं.–ऐसा झूठ जो किसी के हित के लिए या झगड़ा ख़त्म कराने के लिए बोला जाय।
दुरोज़ः (دروزه) फा. वि.–दो दिन का, थोड़े दिन का, अस्थायी, आरिज़ी।
दुर्ज (درج) अ. स्त्री.–मंजूषा, पिटारी।
दुर्द (درد) फा. स्त्री.–तरल पदार्थ के नीचे जमी हुई कीट, गाद; शराब की तलछट।
दुर्दआशाम (درد آشام) फा. वि.–दे. 'दुर्दकश'।
दुर्दकश (درد کش) फा. वि.–तलछट पीनेवाला, धनी शराबी।
दुर्दी (دردی) अ. स्त्री.–तलछट, नीचे बची हुई शराब।
दुर्दीकश (دردی کش) अ. फा. वि.–दे. 'दुर्दकश'।
दुर्दे तहे जाम (درد ته جام) फा. स्त्री.–पियाले में नीचे बची हुई तलछट।
दुर्रः (دره) अ. पुं.–बड़ा मोती।
दुर्रतुत्ताज (درة التاج) अ. पुं.–बादशाहों के ताज में जड़े जाने के योग्य मोती।
दुर्राज (دراج) अ. पुं.–तीतर पक्षी।
दुर्रेनजफ़ (درنجف) अ. पुं.–एक पत्थर जिसमें बाल से दिखायी पड़ते हैं, जिनको एक सम्प्रदाय हज़रत अली के बाल बताता है और इसलिए इस पत्थर को पवित्र मानता है।
दुर्रेमकनून (درمکنون) अ. पुं.–वह मोती जिसे छिपाकर रखा जाय, बहुत ही बहुमूल्य मोती।
दुर्रेयतीम (دریتیم) अ. पुं.–वह बड़ा और आबदार मोती जो सीप में अकेला पैदा हुआ हो।
दुर्रेशहवार (درشهوار) अ. पुं.–बादशाहों के लायक़ मोती, बड़ा और मूल्यवान् मोती।
दुलदुल (دلدل) अ. पुं.–एक मादा ख़च्चर जो इस्कंदरीया के शासक ने हज़रत मुहम्मद साहब को भेंट किया था और आपने उसे हज़रत अली को दे दिया था; घोड़े के आकार का एक ताज़िया; वह घोड़ा जिस पर सामान मातम लादकर अज़ाख़ाने में ले जाते हैं।
दुलदुल सवार (دلدل سوار) अ. फा. पुं.–हज़रत अली की उपाधि।

दुलमः (دلمه) फा. पुं.–एक प्रकार का सालन जो बैंगन और गाजर में कीमा और पनीर डालकर पकाते हैं।

दुवल (دول) अ. स्त्री.–'दौलत' का बहु., बहुत से राष्ट्र।

दुवार (دوار) अ. पुं.–सर चकराना, सर का चक्कर।

दुवाल (دوال) फा. स्त्री.–चमड़े का तसमा, पेटी; वह तसमा जिससे नक़्क़ारा बजाते हैं।

दुवालबंद (دوال بند) फा. पुं.–पेटी बाँधनेवाला, सिपाही।

दुवालबाज़ (دوال باز) फा. वि.–छली, वंचक, ठग, दग़ाबाज़।

दुवुम (دوم) फा. वि.–द्वितीय, दूसरा।

दुवुमीं (دومیں) फा. वि.–दूसरा, द्वितीय।

दुशंबः (دوشنبه) फा. पुं.–सोमवार, पीर।

दुशाख़ः (دوشاخه) फा. पुं.–दो शाख़ोंवाली लकड़ी; दो शाख़ोंवाला पेड़; दो शम्एँ जलाने का शम्अदान; भंग छानने की लकड़ी।

दुशालः (دوشاله) फा. पुं.–जिसमें दो शाल एक साथ जुड़े हों, ऊन की कामदार दोहरी चादर।

दुश्त (دشت) फा. वि.–निकृष्ट, दुष्ट, ख़राब।

दुश्नाम (دشنام) फा. स्त्री.–अपशब्द, गाली।

दुश्नामतराज़ी (دشنام ترازی) फा. स्त्री.–गालियाँ देना, गाली बकना।

दुश्नामतराशी (دشنام تراشی) फा. स्त्री.–गालियाँ गढ़ना, नयी-नयी गालियाँ गढ़ना।

दुश्नामदेही (دشنام دہی) फा. स्त्री.–गालियाँ देना।

दुश्मन (دشمن) फा. पुं.–शत्रु, रिपु, वैरी, अदू; प्रतिद्वंद्वी, रक़ीब।

दुश्मनकाम (دشمن کام) फा. वि.–वह व्यक्ति जो अपने शत्रुओं की इच्छा के मुताबिक़ आपत्तियों में फँसा हो।

दुश्मनी (دشمنی) फा. स्त्री.–शत्रुता, वैर, अदावत; प्रतिद्वंद्विता, रक़ाबत।

दुश्मने जाँ (دشمن جاں) फा. पुं.–जानी दुश्मन, जान का घातक।

दुश्वार (دشوار) फा. वि.–कठिन, दुरूह, मुश्किल।

दुश्वारगुज़ार (دشوارگزار) फा. वि.–जहाँ से गुज़रना कठिन हो।

दुश्वारी (دشواری) फा. स्त्री.–कठिनता, मुश्किल; तंगीतुर्शी, दरिद्रता; आपत्ति, मुसीबत।

दुसर (دوسر) फा. वि.–दो सरवाला।

दुसरा (دوسرا) फा. पुं.–दोनों जहान, उभयलोक।

दुसरी (دوسری) फा. स्त्री.–निफ़ाक़, मुनाफ़क़त, दिल में कुछ होना और मुँह पर कुछ।

दुसालः (دوساله) फा. वि.–दो वर्ष का; दो वर्ष की आयु का; दो बरस का पुराना।

दुसुख़नः (دوسخنه) फा. पुं.–अमीर खुस्रो की पहेलियों की एक क़िस्म, जिसमें कई सवालों का एक जवाब होता है।

दुसूमत (دسومت) अ. स्त्री.–चिकनाई, चाहे घी की हो, चाहे तेल की और चाहे चर्बी आदि की।

दुहर्फ़ी (دوحرفی) फा. अ. वि.–दो हर्फ़ोंवाला, दो अक्षरोंवाला; बहुत छोटा, बहुत ही संक्षिप्त।

दुहुल (دهل) फा. पुं.–ढोल, धौंसा, नक़्क़ारा।

दुहुलज़न (دهل زن) फा. वि.–नक़्क़ारा बजानेवाला।

दुहुल दरीदः (دهل دریده) फा. वि.–निंदित, गर्हित, बदनाम, रुसवा; चुप, मौन।

दुहूर (دهور) अ. पुं.–'दह्र' का बहु., ज़माने।

दुह्न (دهن) अ. पुं.–तेल, तैल, रोग़न; घी, घृत; वसा, मेदा, चर्बी।

दुह्नियत (دهنیت) चिकनाई चाहे तेल की हो, चाहे घी और चाहे चर्बी आदि की।

दुह्मत (دهمت) अ. स्त्री.–कालिमा, सियाही, कालौंच।

दू

दूँ (دوں) फा. वि.–अधम, नीच, पामर, सिफ़्ला, कमीना, गुंडा।

दूँनवाज़ (دوں نواز) फा. वि.–कमीनों को मुँह लगानेवाला, नीच आदमियों की पीठ ठोंकनेवाला।

दूँपरस्त (دوں پرست) फा. वि.–गुंडों की रक्षा करनेवाला, कमीनों को बढ़ावा देनेवाला।

दूँपर्वर (دوں پرور) फा. वि.–दे. 'दूँपरस्त'।

दूँहिम्मत (دوں همت) फा. वि.–पस्त हिम्मत, हतोत्साह, हतसाहस।

दूँहिम्मती (دوں همتی) फा. स्त्री.–पस्त हिम्मती।

दूक (دوک) फा. पुं.–चरखे का तकला।

दूकदान (دوکدان) फा. पुं.–चर्खा, सूत कातने का यंत्र।

दूदः (دوده) अ. पुं.–कीट, कीड़ा।

दूद् (دود) अ. पुं.–कीट, कीड़ा।

दूद (دود) फा. पुं.–धुआँ, धूम, दुख़ान।

दूदआहंग (دودآهنگ) फा. पुं.–दे. "दूदकश'।

दूदकश (دودکش) फा. पुं.–धुआँ निकलने का सूराख़, धुआँ निकालने की चिमनी।

दूदमान (دودمان) फा. पुं.–वंश, कुल, ख़ानदान।

दूदी (دودی) फा. वि.–भाप या स्टीम से चलनेवाला।

दूदी (دودی) अ. वि.–नाड़ी का एक प्रकार जिसमें वह बहुत कमज़ोर हो जाती है और मरने के क़रीब चलती है।
दूदुलहरीर (دودالحریر) अ. पुं.–रेशम का कीड़ा।
दूदे आह (دودِآہ) फा. पुं.–आह का धुआँ, आह की आग का धुआँ।
दूदे जिगर (دودِجگر) फा. पुं.–जिगर की आग का धुआँ, आह।
दून (دون) फा. वि.–दे. 'दूं'।
दूनाँ (دوناں) फा. पुं.–'दून' का बहु., अधम लोग, पामर लोग, कमीने, गुंडे।
दूबदू (دوبدو) फा. अव्य.–आमने-सामने, मुहाँमुँह।
दूर (دور) फा. वि.–अन्तर पर, फ़ासिले पर; पृथक्, अलग, जुदा; हट ! अलग! ; असम्भव, नामुम्किन।
दूरअंदेश (دوراندیش) फा. वि.–दूरदर्शी, आगमसोची, परिणामदर्शी।
दूरअंदेशी (دوراندیشی) फा. स्त्री.–दूरदर्शिता, परिणामदर्शिता।
दूरअज़्हाल (دوراز حال) फा. अ. अव्य.–अब से दूर, अच्छी दशा में आने के बाद जब बुरी दशा का वर्णन करते हैं तो यह फ़िक़्रा कहते हैं।
दूरतर (دورتر) फा. वि.–बहुत दूर, काफ़ी दूर।
दूरतरक (دورتری) फा. वि.–बहुत ही दूर, बहुत अधिक दूर, दूरतम।
दूरदस्त (دوردست) फा. वि.–काले कोसों, बहुत दूर।
दूरबाश (دور باش) फा. अव्य.–अलग रहो, दूर हटो; एक दुशाख़: नेज़: जो बादशाह की सवारी के आगे चलता था और जिसे देखकर लोग रास्ते से हट जाते थे; वह दुशाख़: नेज़: जिससे दुश्मन के हरबे को काट देते थे; आह, विश्वास।
दूरबीं (دوربیں) फा. वि.–दूरदर्शी, दूर तक सोचनेवाला।
दूरबीन (دوربین) फा. स्त्री.–एक यंत्र जिससे दूर की चीज़ें देखी जाती हैं, दूरदर्शक यंत्र।
दूरबीनी (دوربینی) फा. स्त्री.–दूर तक देखना, दूर तक सोचना।
दूरोदराज़ (دورودراز) फा. पुं.–बहुत दूर, काले कोसों।
दूलाब (دولاب) फा. पुं.–दे. 'दौलाब' और 'दोलाब', तीनों उच्चारण शुद्ध हैं।

दे

देग (دیگ) फा. स्त्री.–छोटे मुंह और बड़े पेट का एक ताँबे का बर्तन जिसमें चावल आदि पकाये जाते हैं।
देगचः (دیگچہ) फा. पुं.–देग से छोटा, देग-जैसा ही बरतन, छोटी देग।
देगदान (دیگدان) फा. पुं.–चूल्हा, आतशदान।
देगशो (دیگ شو) फा. पुं.–देग माँजनेवाला, बावरची का मुलाज़िम।
देज़ (دیز) फा. पुं.–रंग, वर्ण, जैसे—'शबदेज़' काले रंग का।
देबा (دیبا) फा. स्त्री.–दे. 'दीबा', शुद्ध 'देबा' ही है, परंतु उर्दूवाले 'दीबा' बोलते हैं।
देर (دیر) फा. स्त्री.–विलंब, ढील, ताख़ीर।
देरआश्ना (دیرآشنا) फा. वि.–दे. 'देराश्ना'।
देरगाह (دیرگاہ) फा. स्त्री.–देर तक, बहुत दिनों तक।
देरपा (دیرپا) फा. वि.–टिकाऊ, मज़बूत।
देरबाज़ (دیرباز) फा. पुं.–'देरयाज़' 'देरबाज़' ग़लत है।
देरमाँ (دیرماں) फा. वि.–स्थायी, दृढ़, मज़बूत, (स्त्री.) दृढ़ता, मज़बूती, स्थायित्व।
देरयाज़ (دیریاز) फा. पुं.–प्राचीन काल, पुराना ज़माना; पुरातत्त्व, पुरानापन।
देराश्ना (دیرآشنا) फा. वि.–वह व्यक्ति जो बहुत देर में दोस्त बने, जो जल्दी घुलना-मिलना न जानता हो; जो हर काम देर में करने का आदी हो।
देरीं (دیریں) फा. वि.–पुरातन, पुराना, देरीनः।
देरीनः (دیرینہ) फा. वि.–पुराना, प्राचीन, देरीं।
देरीनःसाल (دیرینہ سال) फा. वि.–बहुत बूढ़ा, वयोवृद्ध।
देव (دیو) फा. पुं.–राक्षस, एक नरभक्षी प्राणी वर्ग; बहुत लंबा चौड़ा आदमी; ख़बीस, पलीत, पिशाच; भूतप्रेत, बदरूह; परियों के पति।
देवचः (دیوچہ) फा. पुं.–दीमक; जोंक।
देवज़दः (دیوزدہ) फा. वि.–जिस पर भूतों का ख़लल हो, प्रेतबाधाग्रस्त।
देवज़ाद (دیوزاد) फा. पुं.–ग्रांडील और तेज़ घोड़ा; बहुत भारी-भरकम और भयानक आदमी।
देवदार (دیودار) फा. पुं.–चीड़ का पेड़।
देवदिली (دیودلی) फा. स्त्री.–बहादुरी, शुजाअत।
देवबाद (دیوباد) फा. पुं.–चक्रवात, बगूला, बवंडर, वात्यायन, वातचक्र।
देवमर्दुम (دیومردم) फा. पुं.–बनमानुस; ख़बीस और अत्याचारी व्यक्ति।
देवमार (دیومار) फा. पुं.–अजगर, अज़्दहा।
देवलाख़ (دیولاخ) फा. पुं.–राक्षसों के रहने का स्थान।
देवसार (دیوسار) फा. वि.–देव-जैसा, राक्षस की मानिंद।
देवसीरत (دیوسیرت) फा. अ. वि.–जिसका स्वभाव राक्षसों-जैसा हो, असुरप्रकृति।

देवसूरत (دیوصورت) फ़ा. अ. वि.—जिसकी शक्ल राक्षसों जैसी भयानक हो।
देह (دہ) फ़ा. पुं.—ग्राम, गाँव।
देहक़ान (دہقان) फ़ा. पुं.—गाँववाला, किसान, देहाती।
देहक़ानियत (دہقانیت) फ़ा. स्त्री.—गँवारपन, उजड्डपन।
देहक़ानी (دہقانی) फ़ा. पुं.—गाँव का निवासी; गँवार, उजड्ड।
देहिश (دہش) फ़ा. स्त्री.—दानशीलता, सख़ावत।

दै

दै (دے) फ़ा. पुं.—एक ईरानी महीना जो हिंदी का माघ होता है, पतझड़ का महीना।
दैजूर (دیجور) फ़ा. स्त्री.—अँधेरी रात, अमावस्या।
दैन (دین) अ. पुं.—ऋण, क़र्ज़।
दैने मेह्र (دین مہر) अ. पुं.—स्त्री के मेह्र का ऋण।
दैयान (دیان) अ. पुं.—पाप-फल देनेवाला; अच्छी-बुरी कृतियों का हिसाब करनेवाला; ईश्वर।
दैयूस (دیوث) अ. पुं.—वह व्यक्ति जो अपनी स्त्री की कमाई खाये, उसे दूसरों के पास जाने दे।
दैयसी (دیوثی) अ. स्त्री.—अपनी स्त्री की कमाई खाना, अपनी स्त्री से पेशा कराना।
दैर (دیر) फ़ा. पुं.—इबादतख़ाने का गुंबद; ईसाइयों का गिरजा; बुतख़ाना, मूर्तिगृह।
दैरेख़राबात (دیر خرابات) फ़ा. पुं.—मधुशाला, मदिरालय, शराबख़ाना।
दैरे मुकाफ़ात (دیر مکافات) फ़ा. अ. पुं.—संसार, दुनिया।
दैरे मुग़ाँ (دیر مغاں) फ़ा. पुं.—मधुशाला, शराबख़ाना।
दैहीम (دیہیم) फ़ा. पुं.—राजमुकुट; ताज।

दो

दो (دو) फ़ा. वि.—एक और एक, द्वय।
दोख़्तः (دوختہ) फ़ा. वि.—सिला हुआ।
दोख़्तः लब (دوختہ لب) फ़ा. वि.—जिसके होंठ सिले हों, अर्थात् बिलकुल चुप, अवाक्, मौन।
दोख़्त (دوخت) फ़ा. स्त्री.—सिलाई, सीवन।
दोग़ (دوغ) फ़ा. पुं.—छाछ, मट्ठा; रायता।
दोग़लः (دوغلہ) फ़ा. पुं.—जारज, वर्णसंकर, क्षेत्रज, बद-नस्ल।
दोज़ (دوز) फ़ा. प्रत्य.—सीनेवाला, जैसे—'ख़ैमःदोज़' रावटियाँ सीनेवाला।
दोज़ख़ (دوزخ) फ़ा. पुं.—नरक, जहन्नम।
दोज़ख़ी (دوزخی) फ़ा. वि.—जो नरक में जल रहा हो, नारकी; जो नरक में पड़ने के काम करता हो।
दोज़िंदः (دوزندہ) फ़ा. वि.—सीनेवाला।
दोपियाज़ः (دوپیازہ) फ़ा. पुं.—दे. 'दुपियाज़ः'।
दोल (دول) फ़ा. पुं.—कुएँ से पानी निकालने का बर्तन, डोल।
दोलाब (دولاب) फ़ा. पुं.—दे. 'दौलाब' दोनों उच्चारण शुद्ध हैं दे. 'दूलाब'।
दोशः (دوشہ) फ़ा. पुं.—दूध दुहने का बर्तन; दूध देनेवाला पशु।
दोश (دوش) फ़ा. पुं.—कंधा, स्कंध, मोंढ़ा; गत रात्रि, गुज़री हुई रात।
दोशाब (دوشاب) फ़ा. पुं.—अंगूर का शीरा जिस पर दो-एक दिन गुज़र जायँ और उसमें नशा पैदा हो जाय; अंगूर या छुहारे का शीरा।
दोशीज़ः (دوشیزہ) फ़ा. स्त्री.—जवान और अल्हड़ लड़की, कुमारी, अंकुरितयौवना।
दोशीज़गी (دوشیزگی) फ़ा. स्त्री.—अल्हड़पन, कुमारपन।
दोशीदः (دوشیدہ) फ़ा. वि.—दुहा हुआ दूध।
दोशीनः (دوشینہ) फ़ा. वि.—गत रात्रि का, कल रात का।
दोस्त (دوست) फ़ा. पुं.—मित्र, सखा, यार; प्रेमपात्र, माशूक़।
दोस्तकाम (دوستکام) फ़ा. वि.—'दुश्मनकाम' का उलटा, वह व्यक्ति जिसे अपने मित्रों के इच्छानुसार सब सुख प्राप्त हों।
दोस्तदार (دوستدار) फ़ा. वि.—सच्चा दोस्त, शुभचिंतक, ख़ैरख़्वाह, मुख़लिस।
दोस्त नाशनास (دوست ناشناس) फ़ा. वि.—दोस्त की क़द्र न पहचाननेवाला।
दोस्तानः (دوستانہ) फ़ा. पुं.—मैत्री, मित्रता, दोस्ती।
दोस्ती (دوستی) फ़ा. स्त्री.—मित्रता, मैत्री, दोस्ताना।

दौ

दौ (دو) फ़ा. स्त्री.—दौड़, भाग, अकेला नहीं बोला जाता, विशेषतः 'तग' के साथ, 'तगोदौ' बोलते हैं।
दौरः (دورہ) अ. पुं.—चक्र, चक्कर, गर्दिश; बारी, नौबत; अफ़सरों का गश्त।
दौर (دور) अ. पुं.—चक्कर, गर्दिश; गिर्दागिर्द, चारों ओर; बारी, नौबत; परिवर्तन, उलट-फेर; युग, अह्द; शराब या चाय आदि का एक चक्कर जो सारे बैठनेवालों के लिए हो; मुशाअरे या मज्लिस में पढ़ने का चक्कर जो एक-एक बार सबके पढ़ लेने पर ख़त्म हो।
दौरान (دوران) अ. पुं.—चक्कर, दौर; बीच, अस्ना।
दौराने ख़ूँ (دوران خوں) अ. फ़ा. पुं.—ख़ून का शरीर में दौरा, रक्तसंचार।

दौराने सर (دوران سر) अ. फा. पुं.–सर के चक्कर।
दौरी (دوری) अ. वि.–जो बारी से पड़ता हो।
दौरे अव्वल (دور اول) अ. पुं.–प्रारंभिक काल, शुरू का ज़माना।
दौरे आख़िर (دور آخر) अ.पुं.–अंतिम काल, आखिरी ज़माना।
दौलत (دولت) अ. स्त्री.–धन, सम्पत्ति, रुपया-पैसा; राज्य, सत्ता, हुकूमत; भाग्य, नसीबा।
दौलतकदः (دولت‌کدہ) अ. फा. पुं.–दे. 'दौलतख़ानः'।
दौलतख़ानः (دولت‌خانہ) अ. फा. पुं.–बड़े आदमियों के घर के लिए बोलते हैं।
दौलतमंद (دولت‌مند) अ. फा. वि.–धनवान्, समृद्ध, धन-सम्पन्न, मालदार।
दौलतसरा (دولت‌سرا) अ. फा. स्त्री.–दे. दौलतख़ाना।
दौलते ख़ुदादाद (دولت خداداد) अ. फा. स्त्री.–ईश्वर का दिया हुआ धन, बहुत अधिक धन।
दौलते ख़्वाबीदः (دولت خوابیدہ) अ. फा. स्त्री.–सोता हुआ इक़्बाल, बदनसीबी, दुर्भाग्य।
दौलते दारैन (دولت دارین) अ. स्त्री.–दुनिया और दीन, दोनों दौलतें।
दौलते बेदार (دولت‌بیدار) अ. फा. स्त्री.–जागता हुआ इक़्बाल, ख़ुश नसीबी, सौभाग्य।
दौलते हुस्न (دولت حسن) अ.स्त्री.–रूप की दौलत (संपत्ति)।
दौलाब (دولاب) अ. पुं.–रहट, वह चर्ख़ी जिससे कुएँ से पानी खींचते हैं, दे. 'दोलाब' और 'दूलाब'।

न

नंग (ننگ) फा. पुं.–लज्जा, शर्म; दोष, आर।
नंगे अज्दाद (ننگ اجداد) फा. अ. पुं.–जो व्यक्ति अपने दुराचरण के कारण अपने बाप-दादा के नाम को बट्टा लगाता हो, कुलघालक।
नंगे अस्लाफ़ (ننگ‌اسلاف) फा. अ. पुं.–दे. 'नंगे अज्दाद'।
नंगे इंसानियत (ننگ انسانیت) फा.अ. पुं.–ऐसा कार्य जो मानवता के दृष्टिकोण से लज्जाजनक हो।
नंगे ख़लाइक़ (ننگ خلائق) फा. अ. पुं.–जो व्यक्ति अपने दुर्व्यवहार से सर्वसाधारण के लिए लज्जा का कारण हो।
नंगे ख़ानदान (ننگ خاندان) फा. पुं.–अपने कुल के लिए निंदा का कारण, कुलांगार, कुलकलङ्क।
नंगोनाम (ننگ‌ونام) फा. पुं.–लज्जा, ग़ैरत; मर्यादा, वक़ार; सतीत्व, इस्मत।
नंगोनामूस (ننگ‌وناموس) फा. अ. पुं.–दे. 'नंगोनाम'।
नअम (نعم) अ. अव्य.–हाँ, जी हाँ, (पुं.) पशु, चौपाया।
नआइम (نعائم) अ. स्त्री.–बीसवाँ नक्षत्र, पूर्वाषाढ़।
नईक़ (نعیق) अ. स्त्री.–कौए की आवाज़, काँव-काँव।
नईम (نعیم) अ. पुं.–स्वर्ग, बिहिश्त; पुण्य, नेकी; ने'मत, दिव्योपहार।
नऊज़ु बिल्लाह (نعوذ باللہ) अ. अव्य.–हम ईश्वर से पनाह माँगते हैं।
नक़वी (نقوی) अ. पुं.–दसवें इमाम हज़रत अली नक़ी की संतान का व्यक्ति।
नक़ाइस (نقائص) अ. पुं.–'नक़्स' का बहु., ख़राबियाँ, बुराइयाँ, त्रुटियाँ।
नक़ावत (نقاوت) अ. स्त्री.–पवित्रता, पुनीतता, शुद्धता, निर्मलता, पाकीज़गी।
नक़ाहत (نقاهت) अ. स्त्री.–वह निर्बलता जो रोग-मुक्ति के बाद बाक़ी रहती है; निर्बलता, अशक्ति, नातुवानी।
नकिरः (نکرہ) अ. पुं.–वह संज्ञा जो एक जाति की सब चीज़ों पर बोली जाय, जातिवाचक संज्ञा (व्या.); अपरिचय, अनजानपन।
नक़ी (نقی) अ. वि.–पवित्र, निर्मल, ख़ालिस, (पुं.) बारह इमामों में से दसवें इमाम का नाम।
नक़ीज़ (نقیض) अ. स्त्री.–वैर, शत्रुता, दुश्मनी, (वि.) वैरी, शत्रु, दुश्मन; विपरीत, उलटा, बरअक्स।
नक़ीब (نقیب) अ. पुं.–वह व्यक्ति जो किसी राजा-महाराजा की सवारी के समय आगे आवाज़ लगाता चलता है, चोबदार; वह व्यक्ति जो दरबार के समय, बादशाह से भेंट के लिए जानेवाले का नाम ज़ोर से पुकारता है।
नकीरैन (نکیرین) अ. पुं.–वे दो फ़िरिश्ते जो मरनेवाले से क़ब्र में सवाल-जवाब करते हैं, मुन्कर नकीर।
नक़ीह (نقیہ) अ. वि.–निर्मल, बेमेल, शुद्ध, ख़ालिस।
नक़ूअ (نقوع) अ. पु.–वह पानी जिसमें दवाएँ या मेवा-जात भिगोये जायँ।
नक़्क़ाद (نقاد) अ. पु.–खोटा-खरा परखनेवाला, पारखी; साहित्यिक गुण-दोष बतानेवाला, समालोचक।
नक़्क़ादानः (نقادانہ) अ. फा. अव्य.–नक़्क़ाद की तरह से, गुण-दोष परखने के दृष्टिकोण से।
नक़्क़ादी (نقادی) अ. स्त्री.–नक़्क़ाद का काम, समालोचना।
नक़्क़ारः (نقارہ) अ. पुं.–धौंसा, दुंदुभी, भेरी, नगाड़ा।
नक़्क़ारःज़न (نقارہ‌زن) अ. फा. पुं.–नक़्क़ारः बजानेवाला।
नक़्क़ारःनवाज़ (نقارہ‌نواز) अ. फा. पुं.–दे. 'नक़्क़ारःज़न'।
नक़्क़ारख़ानः (نقارخانہ) अ. फा. पुं.–वह स्थान जहाँ नक़्क़ारे बजते हैं।

नक़्क़ारची (نقارچی) अ. फा. पुं.–नौबत और नक़्क़ारा बजानेवाला; एक क़ौम जो शहनाई और नौबत बजाती है।

नक़्क़ाल (نقال) अ. पुं.–नक़्लें करनेवाला, भाँड़; रूप भरनेवाला, बहुरूपिया, अनुकर्ता।

नक़्क़ाली (نقالی) अ. स्त्री.–नक़्ल का काम—भाँड़ों का काम; बहुरूपिये का काम; तक़्लीद, अनुकरण।

नक़्क़ाश (نقاش) अ. पुं.–चित्र खींचनेवाला, चित्र में रंग भरनेवाला, चित्रकार, चितेरा, मुसव्विर।

नक़्क़ाशी (نقاشی) अ. स्त्री.–चित्र खींचना, तस्वीर बनाना।

नक़्क़ाशे अज़ल (نقاش ازل) अ. पुं.–जगत्स्रष्टा, सृष्टि की रचना करनेवाला, संसार बनानेवाला।

नक़्ज़ (نقض) अ. पुं.–तोड़ना, भंग करना।

नक़्ज़े अम्न (نقض امن) अ. पुं.–शांतिभंग करना, अम्न में खलल डालना, झगड़ा और बल्वा करना, शान्तिभंग।

नक़्द (نقد) अ. पुं.–सोने-चाँदी का सिक्का, रुपया-पैसा; उधार का उलटा, कैश; पूंजी, सरमाया।

नक़्दी (نقدی) अ. स्त्री.–नक़्द रुपया, धन-दौलत।

नक़्दीनः (نقدینه) अ. फा. पुं.–नक़्द रुपया, नक़्दी।

नक़्दे जाँ (نقد جاں) अ. फा. पुं.–प्राणरूपी धन, प्राणधन।

नक़्दे दिल (نقد دل) अ. फा. पुं.–हृदयरूपी धन।

नक़्दोजिंस (نقدوجنس) अ. पुं.–नक़्द रुपया और सामान-अस्बाव आदि।

नक़्दोनिस्यः (نقدونسیه) अ. पुं.–नक़्द और उधार, नक़्द का अर्थ है संसार के सुख जो इस समय उपलब्ध हैं, और निस्यः अर्थात् उधार का मतलब है वे सुख जो परलोक म मिलेंगे।

नक़्ब (نقب) अ. स्त्री.–सेंध, सिंदिल।

नक़्बज़न (نقب زن) अ. फा. पुं.–सेंध लगानेवाला, कुंभिल, खानिल, संधितस्कर।

नक़्बज़नी (نقب زنی) अ. फा. स्त्री.–सेंध करना, सेंध लगाकर चोरी करना, संधिभेद, अभिहार।

नक्बत (نکبت) अ. स्त्री–दरिद्रता, निर्धनता, इफ़्लास, कंगाली।

नक़्ल (نقل) अ. पुं.–स्थानांतरण, एक स्थान से दूसरे स्थान को जाना, (स्त्री.) प्रतिलिपि, कापी; अनुकरण, तक़्लीद; आदर्श, नमूना; चुटकुला, लतीफ़ा; भाँड़ों का स्वाँग; कथा, कहानी।

नक़्ल नवीस (نقل نویس) अ. फा. पुं.–वह कर्मचारी जो सरकारी काग़ज़ों की नक़्लें देता है।

नक़्ली (نقلی) अ. वि.–कृत्रिम, बनावटी, मस्नूई; काल्पनिक, फ़र्ज़ी; मिथ्या, झूठ, कूट, जाली।

नक़्ले मकान (نقل مکان) अ. पुं.–एक स्थान से दूसरे स्थान को जाना, जगह बदलना, स्थानांतरण।

नक़्ले वतन (نقل وطن) अ. पुं.–अपना देश छोड़कर दूसरे देश में जाकर रहना, स्वदेश-त्याग, प्रवास।

नक़्शः (نقشه) अ. पुं.–आकृति, शक्ल; चेहरे की साख़्त, मुखाकृति; ढंग, शैली, तर्ज़; सज-धज, वज़्आ क़ता; चेष्टा, हुलया; किसी देश आदि का चित्र, मानचित्र; दशा, हालत; साँचा, क़ालिब, "हाथ दिल पर, आह लब पर आँख से आँसू रवाँ; अब तो यह नक़्शा है तेरे आशिक़े नाशाद का।"–दाग़। रेखाचित्र, ख़ाक़ा; नमूना, आदर्श; छवि, छटा।

नक़्शःजात (نقشه جات) अ. फा. पुं.–नक़्शा का बहु., नक़्शे।

नक़्शःनवीस (نقشه نویس) अ. फा. पुं.–नक़्शा बनानेवाला; एक राजकर्मचारी जो गाँव या इमारतों के चित्र बनाता है।

नक़्श (نقش) अ. पुं.–चित्र, तस्वीर; अंकित, खुदा हुआ; कवच, ता'वीज़; बेल-बूटे; उभरा हुआ चिह्न।

नक़्शए हद्दोबस्त (نقشۂ حدوبست) अ. फा. पुं.–किसी गाँव की चौहद्दी और खेतों की नाप-तोल का नक़्शा।

नक़्श कल हजर (نقش کالحجر) अ. पुं.–पत्थर का चिह्न, पत्थर की लकीर, न मिटनेवाली चीज़।

नक़्शगर (نقش گر) अ. फा. पुं.–चित्रकार, नक़्क़ाश।

नक़्शतराज़ (نقش طراز) अ. फा. पुं.–दे. 'नक़्शगर'।

नक़्शपरवाज़ (نقش پرداز) अ. फा. पुं.–दे. 'नक़्शगर'।

नक़्शबंद (نقش بند) अ. फा. पुं.–चित्रकार, मुसव्विर; अंकित, लिखित; एक बुज़ुर्ग की उपाधि।

नक़्शबंदी (نقش بندی) अ. फा स्त्री.–चित्रकारी, मुसव्विरी; ख़्वाजः नक़्शबंद का अनुयायी।

नक़्श बदीवार (نقش بہ دیوار) अ. फा. पुं.–दीवार पर बनाया हुआ चित्र; दीवार के चित्र का प्रकार–निस्तब्ध, मौन और निश्चल।

नक़्श बर आब (نقش بر آب) अ. फा. पुं.–पानी पर बनाया हुआ चित्र, अर्थात् नश्वर और भंगुर, अथवा असंभव, अशक्य।

नक़्श बरदीवार (نقش بر دیوار) अ. फा. पुं.–दे. 'नक़्श बदीवार' भित्तिलिखित चित्र।

नक़्शी (نقشی) अ. फा. वि.–जिस पर नक़्श हो।

नक़्शे अव्वल (نقش اول) अ. पुं.–चित्रकार का बनाया हुआ सर्वप्रथम चित्र, जिसमें कुछ त्रुटियाँ अवश्य रहती हैं।

नक़्शे क़दम (نقش قدم) अ. पुं.–पाँव का निशान, पद-चिह्न।

नक़्शे ख़याली (نقش خیالی) अ. पुं.–काल्पनिक चित्र, फ़र्ज़ी तस्वीर; हवाई क़िले, फ़र्ज़ी मंसूबे।

नक़्शे जमाली (نقشِ جمالی) अ. पुं.—वह यंत्र जिसके भरने में कोई भय नहीं होता।

नक़्शे जलाली (نقشِ جلالی) अ. पुं.—वह यंत्र जिसे बनाने में प्राणों का भय होता है।

नक़्शे तस्ख़ीर (نقشِ تسخیر) अ. पुं.—वशीकरण यंत्र, वह तावीज़ जो किसी को मुग्ध करने के लिए, अपने वश में करने के लिए लिखा जाय।

नक़्शे पा (نقشِ پا) अ. फा. पुं.—दे. 'नक़्शे क़दम'।

नक़्शे बातिल (نقشِ باطل) अ. पुं.—वह ग़लत या अशुद्ध चित्र अथवा लेख जिसे मिटा दिया जाता है।

नक़्शे मुराद (نقشِ مراد) अ. फा. पुं.—वह यंत्र जो मनोरथ की पूर्ति के लिए होता है।

नक़्शे सानी (نقشِ ثانی) अ. पुं.—वह चित्र जो चित्रकार का दूसरा प्रयास होता है और जो पहले चित्र की अपेक्षा बहुत सुंदर और कलापूर्ण होता है।

नक़्शे सुवैदा (نقشِ سویدا) अ. पुं.—एक काला तिल जो हृदय पर होता है।

नक़्शे हुब (نقشِ حب) अ. पुं.—दे. 'नक़्शे तस्ख़ीर'।

नक़्शोनिगार (نقش و نگار) अ. फा. पुं.—बेल-बूटे, फूल-पत्ती।

नक़्स (نقص) अ. पुं.—त्रुटि, भूल; न्यूनता, कमी; दोष, ऐब; अशुद्धि, ग़लती; नुक़्स भी प्रचलित।

नक्हत (نکہت) अ. स्त्री.—सुगंध, ख़ुशबू, महक, निक्हत भी प्रचलित है—"है तेरे पैरहने पाक की हसरत उसको, वर्ना क्यों नक्हते गुल जामे से बाहर होती।"—अमीर।

नख़ (نخ) फा. स्त्री.—रेशम की डोर; कच्चा रेशम; पतंग लड़ाने की डोर।

नख़ाअ (نخاع) अ. पुं.—हराम मग़ज़, रीढ़ की हड्डी, मेरुदंड।

नख़ील (نخیل) अ. पुं.—खजूर का एक पेड़; खजूर के बहुत से पेड़।

नख़ुद (نخود) फा. पुं.—चना, चणक, एक प्रसिद्ध अन्न।

नख़्ख़ास (نخاس) अ. पुं.—वह बाज़ार जिसमें दासों की ख़रीद-फ़रोख़्त होती थी; घोड़ों और मवेशियों का बाज़ार।

नख़्चीर (نخچیر) फा. पुं.—आखेट, शिकार; मारा हुआ शिकार, शिकार किया हुआ जानवर।

नख़्ल (نخل) अ. पुं.—खजूर का पेड़; कोई पेड़, वृक्ष, द्रुम, विटप।

नख़्लबंद (نخل بند) अ. फा. पुं.—माली, बाग़बान।

नख़्लबंदी (نخل بندی) अ. फा. स्त्री.—पेड़ लगाना, बाग़ को सजाना।

नख़्लिस्तान (نخلستان) अ. फा. पुं.—रेगिस्तानी इलाक़े में वह हरा-भरा टुकड़ा जहाँ खजूरों के दरख़्त हों।

नख़्ले ताबूत (نخلِ تابوت) अ. पुं.—ईरान में शव को ले जाते समय उसे सजाते थे, यह सजावट नख़्ले ताबूत कहलाती थी।

नख़्ले तूर (نخلِ طور) अ. पुं.—वह पेड़ जिस पर हज़रत मूसा को ईश्वर का प्रकाश दिखायी पड़ा था।

नख़्ले मर्यम (نخلِ مریم) अ. पुं.—खजूर का वह सूखा पेड़ जिसके नीचे हज़रत मर्यम प्रसव-कष्ट से दुःखित होकर बैठ गयी थीं और वह पेड़ हरा-भरा हो गया था।

नख़्ले मातम (نخلِ ماتم) अ. फा. पुं.—दे. 'नख़्ले ताबूत'।

नख़्वत (نخوت) अ. स्त्री.—दे. शुद्ध शब्द 'निख़्वत'।

नख़्शब (نخشب) फा. पुं.—तुर्किस्तान का एक नगर जहाँ से हकीम इब्नेअता (मुक़न्ना) ने एक चाँद निकाला था जो १२ मील रोशनी फेंकता था।

नख़्स (نخس) अ. पुं.—चुभाना, कोंचना।

नग (نگ) फा. पुं.—'नगीनः' का लघु., दे. 'नगीनः'।

नग़म (نغم) अ. पुं.—'नग़्मः' का बहु., नग़्मे, गाने।

नगीं (نگیں) फा. पुं.—दे. 'नगीनः'; अगूँठी का वह नग जिस पर नाम आदि खुदा रहता है।

नगीनः (نگینہ) फा. पुं.—नग, रत्न, अँगूठी पर जड़ा जानेवाला पत्थर।

नगीनःगर (نگینہ گر) फा. पुं.—दे. 'नगीनःसाज़'।

नगीनःसाज़ (نگینہ ساز) फा. पुं.—अंगूठी पर नगीना जड़नेवाला।

नग़्ज़ (نغز) फा. वि.—उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दा; अद्भुत, विचित्र, अजीब; प्रहेलिका, पहेली।

नग़्ज़क (نغزک) फा. वि.—श्रेष्ठ, उत्तम, अच्छा; सुंदर' ख़ुशनुमा, (पुं.) आम, आम्र, एक प्रशिद्ध फल।

नग़्ज़गो (نغزگو) फा. वि.—अच्छी कविता करनेवाला।

नग़्मः (نغمہ) अ. पुं.—सुरीली आवाज़; गीत, गान।

नग़्मःज़न (نغمہ زن) अ. फा. वि.—अच्छी आवाज़ से गानेवाला।

नग़्मःतराज़ (نغمہ طراز) अ. फा. वि.—दे. 'नग़्मःज़न'।

नग़्मःरेज़ (نغمہ ریز) अ. फा. वि.—दे. 'नग़्मःज़न'।

नग़्मःसंज (نغمہ سنج) अ. फा. वि.—दे. 'नग़्मःज़न'।

नग़्मःसरा (نغمہ سرا) अ. फा. वि.—दे. 'नग़्मःज़न'।

नग़्मात (نغمات) अ. पुं.—'नग़्मः' का बहु., नग़्मे, गाने।

नज़ंद (نژند) फा. वि.—अधोमुख, औंधा; अधम, नीच; कुपित, ग़ुस्से में भरा हुआ।

नजफ़ (نجف) अ. पुं.—अरब का एक प्रसिद्ध नगर जहाँ हज़रत अली का मज़ार है।

नज़र (نظر) अ. स्त्री.—दृष्टि, निगाह; विचार, ग़ौर; ध्यान, ख़याल; जांच, परख; कुदृष्टि, बुरी नज़र जिससे विशेषकर बच्चों को हानि पहुँचती है।

नज़रअंदाज़ (نظرانداز) अ. फा. वि.—जिस पर ध्यान न दिया गया हो, उपेक्षित।

नज़रतंग (نظرتنگ) अ. फा. वि.—संकुचितदृष्टि, अनुदार, तंगख़याल।

नज़रनवाज़ (نظرنواز) अ. फा. वि.—आँखों को आनंद देनेवाली चीज़, नेत्रप्रिय।

नज़रफ़रेब (نظرفریب) अ. फा. वि.—आँखों को लुभानेवाला, शुभदर्शन।

नज़रबंद (نظربند) अ. फा. वि.—वह व्यक्ति जो राजादेश से किसी एक स्थान पर खुले तौर पर रहे, परंतु न तो कहीं आ-जा सके और न किसी से मिल सके।

नज़रबंदी (نظربندی) अ. फा. स्त्री.—ऐसी क़ैद जिसमें ज़ाहिरा आज़ादी हो, परन्तु आदमी कहीं जा न सके और न किसी से मिल सके; जादू का खेल, दृष्टिबंध।

नज़रबाज़ (نظرباز) अ. फा. वि.—ताड़नेवाला, पारखी; आँखें लड़ानेवाला, ताक-झाँक करनेवाला।

नज़रबाज़ी (نظربازی) अ. फा. स्त्री.—परख, जाँच, अच्छे-बुरे की तमीज़; आँख लड़ाना, घूरना, ताक-झाँक करना।

नज़री (نظری) अ. वि.—सरसरी, जो तवज्जुह के क़ाबिल न हो।

नज़रीयः (نظریہ) अ. पुं.—दृष्टिकोण, नुक़्तए नज़र।

नज़रीयात (نظریات) अ. पुं.—'नज़रीयः' का बहु., नज़रीए, कई दृष्टिकोण।

नज़रे ग़लत अंदाज़ (نظر غلط انداز) अ. फा. स्त्री.—ऐसी दृष्टि जो हर व्यक्ति अपनी तरफ़ समझे, भ्रम में डालनेवाली दृष्टि।

नज़रे सानी (نظر ثانی) अ. स्त्री.—किसी तै शुदा विषय पर पुनः विचार।

नज़ाइर (نظائر) अ. पुं.—'नज़ीर' का बहु., नज़ीरें।

नज़ाकत (نزاکت) फा. स्त्री.—मृदुलता, सुकुमारता, कोमलता; सूक्ष्मता, बारीकी; क्षीणता, लाग़री; नाज़ुकमिज़ाजी।

नजात (نجات) अ. स्त्री.—छुटकारा, बंधन-मुक्ति, गुलूखलासी; भारमुक्ति, किसी बोझ से छुटकारा; मोक्ष, बख़्शिश।

नजातदिहंदः (نجات دہندہ) अ.फा. वि.—छुटकारा दिलानेवाला; मोक्ष देनेवाला।

नज़ाद (نژاد) फा. स्त्री.—कुल, वंश, ख़ानदान।

नज़ाफ़त (نظافت) अ. स्त्री.—पवित्रता, निर्मलता, पाकीज़गी।

नजाबत (نجابت) अ. स्त्री.—कुलीनता, शराफ़त।

नज़ारः (نظارہ) अ. पुं.—दे. 'नज़्ज़ारः'।

नज़ार (نزار) फा. वि.—क्षीण, दुर्बल, लाग़र, कमज़ोर।

नज़ारत (نضارت) अ. स्त्री.—हरानरापन, ताज़गी।

नज़ारत (نظارت) अ. स्त्री.—निरीक्षण, निगरानी; नाज़िर का पद; नाज़िर का दफ़्तर।

नज़ाशी (نجاشی) अ. पुं.—हबश (एबीसीनिया) का नरेश, जिसने मुहम्मद साहब के ज़माने में मुसलमानों को अपने देश में पनाह दी थी।

नजासत (نجاست) अ. स्त्री.—अपवित्रता, नापाकी; विष्ठा, ग़िलाज़त।

नजाह (نجاح) अ. स्त्री.—बंधन-मुक्ति, छुटकारा; समृद्धि, खुशहाली; इच्छापूर्ति, हाजत रवाई।

नजिस (نجس) अ. वि.—अपवित्र, अशुद्ध, गंदा; मल-दूषित, ग़लीज़।

नजिसुलऐन (نجس العین) अ. वि.—वह चीज़ जो सिर से पाँव तक नापाक हो, जिसका छूना भी वर्जित हो।

नज़ीफ़ (نظیف) अ. वि.—पवित्र, शुद्ध, पाक।

नजीब (نجیب) अ. वि.—कुलीन, शुद्ध रक्तवाला, जिसके ख़ानदान में मेल न हो।

नजीबुत्तरफ़ैन (نجیب الطرفین) अ. वि.—माता और पिता दोनों ओर से कुलीन।

नज़ील (نزیل) अ. पुं.—वह व्यक्ति जो किसी सराय या धर्मशाला में मुसाफ़िर के रूप में उतरे; अतिथि, मेहमान।

नज़ीर (نذیر) अ. वि.—डरानेवाला; पैग़ंबर साहब की उपाधि।

नज़ीर (نظیر) अ. स्त्री.—सदृश, समान, मिस्ल; उदाहरण, दृष्टांत, मिसाल; हाईकोर्ट या प्रीवी कौंसिल का फ़ैसला, जो किसी मुकदमे में दावे की पुष्टि के लिए पेश किया जाय।

नज़्अ (نزع) अ. स्त्री.—प्राणों का अंत, दम टूटना, चंद्रा, जांकनी।

नज़्ए रवाँ (نزع رواں) अ. फा. स्त्री.—चंद्रा, जांकनी।

नज़्ज़ारः (نظارہ) अ. पुं.—दर्शन, दीदार; सैर, दृश्य, तमाशा।

नज़्ज़ारःगाह (نظارہگاہ) अ. फा. स्त्री.—सैरगाह, विनोदस्थल।

नज़्ज़ारःपसंद (نظارہ پسند) अ. फा. वि.—जिसे नज़्ज़ारःबाज़ी पसंद हो, जो अच्छे-अच्छे दृश्य देखने का शौक़ीन हो।

नज़्ज़ारःफ़रेब (نظارہ فریب) अ. फा. वि.—निगाहों को लुभानेवाला।

नज़्ज़ारःबाज़ (نظارہ باز) अ. फा. वि.—नज़्ज़ारः देखने का शौक़ीन; ताकाझाँकी और घूराघारी करनेवाला।

नज़्ज़ारःबाज़ी (نظارہ بازی) अ. फा. स्त्री.— घूराघारी, ताकाझाँकी, आँखें लड़ाना, आँखें सेंकना।

नज़्ज़ारःसंज (نظارہ سنج) अ.फा. वि.—दे. 'नज़्ज़ारःपसंद'।

नज्जार (نجار) अ. पुं.—बढ़ई, काष्ट-शिल्पी, तक्षक।

नज़्ज़ारए जमाल (نظارۂ جمال) अ. पुं. अच्छी सूरतों के दर्शन।

नज़्ज़ारगी (نظارگی) अ. फा. स्त्री.—नज़्ज़ारःबाज़ी; दृष्टि, नज़र।

नज्जारी (نجاری) अ. स्त्री.—बढ़ई का काम, बढ़ई का पेशा।

नज्द (نجد) अ. पुं.—ऊँची भूमि, टीला; अरब का एक प्रदेश जहाँ से 'वहाबियः' संप्रदाय का जन्म हुआ।

नज़्द (نزد) फा. वि.—'नज़्दीक' का लघु., दे. 'नज़्दीक' और दे. 'निज़्द', दोनों रूप शुद्ध हैं।

नज़्दीक (نزدیک) फा. वि.—समीप, निकट, क़रीब, (अव्य.) राय में, ख़याल में।

नज़्दीकबीं (نزدیک بیں) फा. वि.—'दूरबीं' का उलटा, जो केवल अपने आसपास देखे, दूर तक दृष्टि न डाले।

नज़्दीकी (نزدیکی) फा. स्त्री.—समीपता, निकटता, क़ुर्बत।

नज्म (نجم) अ. पुं.—तारा, उडु, सितारा।

नज़्म (نظم) अ. स्त्री.— पद्य, काव्य, शाइरी, (पुं.) प्रबंध, व्यवस्था, इंतिज़ाम; क्रम, तर्तीब; संघटन, तंज़ीम।

नज़्मगुस्तर (نظم گستر) अ. फा. वि.—काव्यकार, शाइर।

नज़्मगो (نظم گو) अ. फा. वि.—ऐसा शाइर जो शाइरी की तमाम क़िस्मों में से केवल नज़्म (ग़ज़ल-शैली के प्रतिकूल एक ही विषय पर की जानेवाली शाइरी) कहता हो।

नज़्मसंज (نظم سنج) अ. फा. वि.—दे. 'नज़्मगुस्तर'।

नज्मुस्साक़िब (نجم الثاقب) अ. पुं.—टूटनेवाला तारा, उल्का।

नज्मे साक़िब (نجم ثاقب) अ. पुं.—उल्का, टूटनेवाला तारा।

नज़्मोनसक़ (نظم و نسق) अ. पुं.—प्रबंध, बंदोबस्त।

नज़्मोनस्र (نظم و نثر) अ. स्त्री.—गद्य और पद्य।

नज़्र (نذر) अ. स्त्री.—उपहार, भेंट, तोहफ़ा; चढ़ावा, मन्नत; नियाज़, फ़ातहा; प्रदान, देना।

नज़्रानः (نذرانہ) अ. फा. पुं.—उपहार, उपायन, तोहफ़ा; दक्षिणा, पुरोहित या गुरु आदि को भेंट।

नज़्रे अक़ीदत (نذر عقیدت) अ. स्त्री.—ऐसी भेंट जो भक्ति या श्रद्धा ज़ाहिर करने के लिए दी जाय।

नज़्लः (نزلہ) अ. पुं.—ज़ुकाम की एक दशा जिसमें बलग़म निकलता है।

नज्वा (نجویٰ) अ. स्त्री.—काना-फूँसी, कान से मुँह लगाकर चुपके-चुपके बातें करना।

नताइज (نتائج) अ. पुं.—'नतीजः' का बहु., नतीजे।

नतीजः (نتیجہ) अ. पुं.—परिणाम, फल, अंजाम; परीक्षाफल, जाँच का फल; अंत, आख़ीर; इच्छा, ग़रज़।

नतीजःख़ेज़ (نتیجہ خیز) अ. फा. वि.—जिससे अच्छा नतीजा निकले, सारगर्भ।

नतीजए इम्तिहान (نتیجۂ امتحان) अ. पुं.—पढ़ाई की जाँच का नतीजा, परीक्षाफल।

नतीजतन (نتیجتاً) अ. अव्य.—नतीजे में, फलस्वरूप, फलतः।

नतीन (نتین) अ. वि.—दुर्गन्धयुक्त, बदबूदार।

नतूल (نطول) अ. पुं.—वह पानी जिसमें दवाएँ औटायी गयी हों, और जिससे शरीर के किसी अंग पर धार दी जाय।

नत्न (نتن) अ. पुं.—दुर्गंध, बदबू।

नदम (ندم) अ. पुं.—नदामत, लज्जा, व्रीडा।

नदामत (ندامت) अ. स्त्री.—लज्जा, लाज, हया; पश्चात्ताप, पछतावा।

नदामतज़दः (ندامت زدہ) अ. फा. वि.—लज्जित, शर्मिंदः; जिसे अपने किये पर पछतावा हो, पश्चात्तापी।

नदारद (ندارد) फा. वि.—विहीन, लुप्त, रिक्त, ग़ाइब, ख़ाली।

नदीदः (ندیدہ) फा. वि.—ज़िसे देखा न हो; मरभुक्खा, जो हर एक के खाने पर नज़र रखे; अत्यंत लोभी।

नदीद (ندید) अ. वि.—समान, तुल्य।

नदीम (ندیم) अ. पुं.—पार्श्ववर्ती, सखा, पास बैठनेवाला।

नद्दाफ़ (نداف) अ. पुं.—रुई धुनकनेवाला, धुनिया, तूलकार।

नद्दाफ़ी (ندافی) अ. स्त्री.—रूई धुनकने और कपड़ों में भरने का काम, तूलकर्म, धुनियापन।

नद्‌मान (ندمان) अ. वि.—लज्जित, संकुचित, खजिल।

नद्‌वः (ندوہ) अ. पुं.—सभास्थान, लोगों के बैठकर विचार-विनिमय करने का स्थान, परामर्श-गृह।

नफ़क़ः (نفقہ) अ. पुं.—बीवी-बच्चों का रोटी-कपड़ा।

नफ़र (نفر) अ. पुं.—व्यक्ति, शख़्स; नौकर, दास; मज़्दूर, श्रमिक।

नफ़स (نفس) अ. पुं.—श्वास, साँस, दम; क्षण, पल, लम्हा।

नफ़सशुमारी (نفس شماری) अ. फा. स्त्री.—आख़िरी साँसें जब मौत की घड़ियाँ गिनी जाती हैं।

नफ़से बाज़पसीं (نفس بازپسیں) अ. फा. पुं.—दे. 'नफ़से वापसीं'।

नफ़से वापसीं (نفس واپسیں) अ. फा. पुं.—आख़िरी साँस, जिस साँस के बाद जीवन समाप्त हो जाता है।

नफ़ह़ः (نفحہ) अ. पुं.—सुगंध, ख़ुशबू।

नफ़ह़ात (نفحات) अ. स्त्री.—ख़ुशबूएँ, सुगंध।

नफ़ाइस (نفائس) अ. पुं.—'नफ़ीस' का बहु., बढ़िया और बहुमूल्य वस्तुएँ।

नफ़ाज़ (نفاذ) अ. पुं.—नाफ़िज़ होना, जारी होना।

नफ़ासत (نفاست) अ. स्त्री.—स्वच्छता, निर्मलता, सफ़ाई; मृदुलता, कोमलता, लताफ़त; सूक्ष्मता, गूढ़ता, नज़ाकत।

नफ़ासतपसंद (نفاست پسند) अ. फा. वि.—स्वयं साफ़-सुथरा रहने और सब चीजों में सफ़ाई और आरास्तगी पसंद करनेवाला।

नफ़ासतपसंदी (نفاست پسندی) अ. फा. स्त्री.—ख़ुद साफ़ रहना और हर चीज़ को साफ़ देखने का शौक़।

नफ़ासते तब्अ (نفاست طبع) अ. स्त्री.—स्वभाव की स्वच्छता और मृदुलता।

नफ़ी (نفی) अ. स्त्री.—अस्वीकृति, नामंज़ूरी।

नफ़ीर (نفیر) अ. स्त्री.—वह स्वर जो सोने की अवस्था में निकलता है; स्वर, आवाज़; नफ़ीरी।

नफ़ीरची (نفیرچی) अ. फा. पुं.—नफ़ीरी और शहनाई बजानेवाला।

नफ़ीरी (نفیری) अ. फा. स्त्री.— शहनाई।

नफ़ीस (نفیس) अ. वि.—उत्तम, बढ़िया, उम्दा; स्वच्छ, निर्मल, साफ़; कोमल, मृदुल, लतीफ़।

नफ़ूख़ (نفوخ) अ. पुं.—वह सूखी हुई दवाओं का चूर्ण जो नाक में फूँका जाता है, हुलास, सुँघनी।

नफ़ूर (نفور) अ. वि.—नफ़रत करनेवाला, घृणी।

नफ़्अ (نفع) अ. पुं.—लाभ, प्राप्ति, फ़ाइदा; फल, परिणाम, नतीजा; ब्याज, सूद।

नफ़्अअंदोज़ी (نفع اندوزی) अ. फा. स्त्री.—लाभ कमाना, नफ़ा उठाना।

नफ़्अरसाँ (نفع رساں) अ. फा. वि.—फ़ाइदा पहुँचानेवाला, लाभदायक।

नफ़्अरसानी (نفع رسانی) अ. फा. स्त्री.—फ़ाइदा पहुँचाना, लाभकारिता, उपादेयता।

नफ़्ए ज़ाती (نفع ذاتی) अ. पुं.—निजी लाभ, केवल व्यक्तिगत फ़ाइदा।

नफ़्ख़ (نفخ) अ. पुं.—फूँकना; फूलना, विशेषतः पेट फूलना।

नफ़्ख़े शिकम (نفخ شکم) अ. पुं.—पेट का फूलना, अफार।

नफ़्ख़े सूर (نفخ صور) अ. पुं.—हज़रत इस्राफ़ील का क़ियामत के दिन संसार को विध्वंस करने के लिए सूर (तुरही) फूँकना।

नफ़्त (نفت) फा. पुं.—मिट्टी का तेल; उड़नेवाला माद्दः; बारूद, दे. 'निफ़्त', दोनों शुद्ध हैं।

नफ़्फ़ाख़ (نفاخ) अ. वि.—अफार पैदा करनेवाला आहार, बादी चीज़ें।

नफ़्फ़ाख़ी (نفاخی) अ. स्त्री.—अफार पैदा करना।

नफ़्रत (نفرت) अ. स्त्री.—घृणा, घिन, कराहत; परहेज़, बचाव।

नफ़्रतअंगेज़ (نفرت انگیز) अ.फा. वि.—घिन पैदा करनेवाला।

नफ़्रतज़दः (نفرت زدہ) अ. फा. वि.—वह व्यक्ति जिससे घृणा की जाय, घृणित।

नफ़्रीं (نفریں) फा. स्त्री.—धिक्कार, फटकार, ला'नत-मलामत, दे. 'निफ़्रीं'. शुद्ध रूप वही है परंतु उर्दू में 'नफ़्रीं' है।

नफ़्ल (نفل) अ. उभ.—वह नमाज़ जिसके पढ़ने का हुक्म न हो, मगर सवाब के लिए पढ़ी जाय।

नफ़्स (نفس) अ. पुं.—अस्तित्व, वुजूद; सत्यता, सच्चाई; काम-वासना, शहवत; सार, खुलासा; लिंग, शिश्न, आलत; प्राणवायु, रूह।

नफ़्सकुश (نفس کش) अ. फ़ा. वि.—काम-वासनाओं को दमन करनेवाला, इंद्रियजित, इंद्रियनिग्रही, ज़ाहिद, पारसा।

नफ़्सकुशी (نفس کشی) अ. फ़ा. स्त्री.—भोग-विलास की इच्छा का दमन, इंद्रिय-दमन, ज़ुह्द, पारसाई।

नफ़्सपरस्त (نفس پرست) अ. फा. वि.—विषय-लोलुप, वासनाओं का रसिया, शहवतपरस्त, ऐयाश।

नफ़्सपरस्ती (نفس پرستی) अ. फा. स्त्री.—ऐयाशी, काम-लोलुपता, विषय-लंपटता।

नफ़्सपर्वर (نفس پرور) अ. फा. वि.—दे. 'नफ़्सपरस्त'।

नफ़्सानियत (نفسانیت) अ. स्त्री.—अभिमान, अहंवाद, ग़ुरूर; स्वार्थपरायणता, ख़ुदग़रज़ी।

नफ़्सानी (نفسانی) अ. वि.—कामवासना से सम्बन्ध रखने-वाली चीज़ें।

नफ़्सी नफ़्सी (نفسی نفسی) अ. अव्य.—आपाधापी, अपनी-अपनी, जहाँ हर व्यक्ति को केवल अपनी फ़िक्र हो वहाँ बोलते हैं।

नफ़्सीयात (نفسیات) अ. स्त्री.—मनोविज्ञान।

नफ़्सुलअम्र (نفس الامر) अ. पुं.—सच्ची बात, असली हक़ीक़त, यथार्थता।

नफ़्से अम्मारः (نفس امارہ) अ. पुं.—वह मानसिक शक्ति जो बुरे कामों की ओर प्रवृत्त करती है।

नफ़्से नातिक़ः (نفس ناطقہ) अ. पुं.—मुख्यार्थ, प्राणवायु, रूह; वह व्यक्ति जो किसी की नाक का बाल हो।

नफ़्से मत्लब (نفس مطلب) अ. पुं.—अस्ल मत्लब, मुख्यार्थ; उद्देश, आशय, मक़्सद।

नफ़्से मुत्मइन्नः (نفس مطمئنہ) अ. पुं.—वह मनोवृत्ति जो आत्मा में संतोष उत्पन्न करती है।

नफ़्से लव्वामः (نفس لوامہ) अ. पुं.—वह मनोवृत्ति जो बुरे कामों पर घृणा प्रकट करती है, जिससे मनुष्य पछताता है।

नफ़्हः (نفحه) अ. पुं.–सुगंध, अच्छी महक, ख़ुशबू।
नबर्दः (نبرده) फा. पुं.–शूर-वीर, बहादुर।
नबर्द (نبرد) फा. स्त्री.–युद्ध, लड़ाई, जंग।
नबर्दआज़्मा (نبرد آزما) फा. वि.–युद्ध-कुशल, रणशूर, जंग आज़मूदः।
नबर्दआज़्माई (نبرد آزمائی) फा. स्त्री.–युद्ध, लड़ाई।
नबर्दआज़्मूदः (نبرد آزموده) फा. वि.–जिसे लड़ाई का काफी अनुभव हो, युद्धानुभवी।
नबर्दगाह (نبردگاه) फा. स्त्री.–मैदाने जंग, रणक्षेत्र, समरांगण, रंगभूमि, युद्धस्थल।
नबर्दपेशः (نبردپیشه) फा. वि.–जिसका काम ही लड़ना और मरना-मारना हो, रणशूर।
नबवी (نبوی) अ. वि.–नबी से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु।
नबात (نبات) फा. स्त्री.–मिश्री, खड-शर्करा।
नबात (نبات) अ. स्त्री.–ज़मीन से उगनेवाली सब्ज़ी और पेड़-पौदे।
नबातात (نباتات) अ. स्त्री.–ज़मीन से उगनेवाली चीज़ें, उद्भिज्ज।
नबाती (نباتی) अ. वि.–नबातात का, नबाताती।
नबातीयात (نباتیات) अ. स्त्री.–उद्भिज्ज-विज्ञान, नबातात का इल्म, वृक्षायुर्वेद।
नबिश्तः (نبشته) फा. वि.–लिखा हुआ, अंकित, नविश्तः।
नबी (نبی) अ. पुं.–ईशदूत, अवतार, पैग़म्बर।
नबीज़ (نبیذ) अ. स्त्री.–जौ या खजूर की मदिरा।
नबीद (نبید) फा. स्त्री.–दे. 'नबीज़'।
नबीरः (نبیره) फा. पुं.–बेटे का बेटा, पोता, पौत्र।
नबीसः (نبیسه) फा. पुं.–बेटी का बेटा, दौहित्र, नवासा।
नबील (نبیل) अ. वि.–श्रेष्ठ, महान्, अज़ीम; बुद्धिमान्, मेधावी, अक़्लमंद; उतम, उम्दा; स्थूल, मेदुर, मोटा-ताज़ा।
नब्ज़ (نبض) अ. स्त्री.–नाड़ी, शिरा; रोग निदान के लिए देखी जानेवाली नाड़ी।
नब्ज़शनास (نبض شناس) अ. फा. वि.–नब्ज़ पहचानने-वाला, हकीम, वैद्य, डाक्टर।
नब्बाज़ (نباض) अ. वि.–नाड़ी पहचानने में बहुत बड़ा निपुण।
नब्बाज़ी (نباضی) अ. स्त्री.–नब्ज़ की अच्छी पहचान।
नब्बाश (نباش) अ. पुं.–क़ब्र खोदकर कफ़न चुराने-वाला, कफ़नचोर।
नब्बाशी (نباشی) अ. स्त्री.–क़ब्र खोदकर कफ़न उतारना।
नब्श (نبش) अ. पुं.–क़ब्र खोदना, क़ब्र ख़ोदकर मुर्दे का कफ़न उतारना।
नब्शे क़ुबूर (نبش قبور) अ. पुं.–क़ब्रें खोदकर, कफ़न चुराना।
नम (نم) –फा. पुं.–आर्द्र, गीला, तर; आर्द्रता, तरी, नमी।
नमआलूद (نم آلود) फा. वि.–आर्द्र, तर, गीला।
नमक (نمک) फा. पुं.–लवण, लोन, मिल्ह्; लावण्य, मलाहत; काव्य-सौन्दर्य, हुस्ने कलाम।
नमकअफ़्शाँ (نمک افشاں) फा. वि.–नमक छिड़कनेवाला (ज़ख़्म पर)।
नमकअफ़्शानी (نمک افشانی) फा. स्त्री.–ज़ख़्म पर नमक छिड़कना।
नमकआलूदः (نمک آلوده) फा. वि.–वह चीज़ जिसमें नमक लगाया गया हो।
नमककोर (نمک کور) फा. वि.–नमकहराम, विश्वास-घाती, कृतघ्न, मुहसिनकुश।
नमकख़ुर्दः (نمک خورده) फा. वि.–दे. 'नमकख़्वार'।
नमकख़्वार (نمک خوار) फा. वि.–जिसने नमक खाया हो–नमकहलाल, स्वामिभक्त; नौकर, मुलाज़िम।
नमकचशी (نمک چشی) फा. स्त्री.–खाने का स्वाद मालूम करने के लिए खाने का नमक चखना; पहले पहल बच्चे को नमक चटाने की रस्म, अन्नप्राशन; स्वाद, मज़ा।
नमकज़ार (نمک زار) फा. पुं.–'नमकसार'।
नमकदान (نمک دان) फा. पुं.–नमक रखने का बर्तन।
नमकपर्वर (نمک پرور) फा. वि.–नमक लगाया हुआ।
नमकपर्वर्दः (نمک پرورده) फा. वि.–नमकख़्वार, नमक के पाले हुए, स्वामिभक्त, वफ़ादार; सेवक, नौकर।
नमकपाश (نمک پاش) फा. वि.–घाव पर नमक छिड़कने-वाला, कष्ट देनेवाला, व्यंग करनेवाला,—"तुम्हारा नाज नमकपाश बरक़रार रहे, हमारे ज़ख़्म को अब हाजते-रफ़ू क्या है?"
नमकपाशी (نمک پاشی) फा. स्त्री.–व्यंग और कटाक्ष करना, घाव पर नमक छिड़कना, दुःख देना।
नमकसार (نمک سار) फा. पुं.–नमक की खान, लवणाकर।
नमकहराम (نمک حرام) फा. अ. वि.–कृतघ्न, स्वामिघ्न, मुहसिनकुश, विश्वासघाती।
नमकहलाल (نمک حلال) फा. अ. वि.–कृतज्ञ, स्वामिभक्त, हक़शनास।
नमकीं (نمکیں) फा. वि.–नमक मिला हुआ; लावण्यमय, मलीह।
नमकीनः (نمکینه) फा. पुं.–दही में नमक-मिर्च मिलाकर बना हुआ खाद्य-विशेष, रायता।
नमकीनी (نمکینی) फा. स्त्री.–साँवलापन, सलोनापन, मलाहत; सौन्दर्य, हुस्न।

नमख़ुर्दः (نمخوردہ) फ़ा. वि.—जिसमें सीलन पहुँच गयी हो, सीड़ा हुआ।

नमगीरः (نمگیرہ) फ़ा. पुं.—एक छोटा शामियाना जो ओस से बचने के लिए होता है; शामियाना, वितान।

नमत (نمط) अ. पुं.—प्रकार, क़िस्म।

नमद (نمد) फ़ा. पुं.—ऊन या पश्म का मोटा बिस्तर, मुलाइम बालों का बिस्तर या गद्दा, नम्दा।

नमदज़ीं (نمدزیں) फ़ा. पुं.—वह नम्दा जो ज़ीन के नीचे घोड़े की पीठ पर डालते हैं।

नमदपोश (نمدپوش) फ़ा. वि.—मोटे कम्मल का लिबास पहननेवाला, कम्मलपोश।

नमदीदः (نمدیدہ) फ़ा. वि.—दे. 'नमख़ुर्दः'।

नमनाक (نمناک) फ़ा. वि.—गीला, तर, आर्द्र।

नमरसीदः (نمرسیدہ) फ़ा. वि.—जिसे सीलन पहुँच गयी हो, नमख़ुर्दः।

नमा (نما) फ़ा. पुं.—विकास, उपज, बढ़ोतरी, यह शब्द अकेला नहीं आता, 'नशवोनमा' बोला जाता है।

नमाज़ (نماز) अ. स्त्री.—मुसलमानों की ईश्वर-प्रार्थना, जो पाँच वक़्त होती है और जिसमें ४२ रक्अत नमाज़ पढ़ी जाती है, एक रक्अत एक बार खड़े होकर बैठने तक की होती है, जिसमें दो सज्दे और एक रुकूअ होता है।

नमाज़गुज़ार (نمازگزار) अ. फ़ा. वि.—पाबंदी से नमाज़ पढ़नेवाला, दीनदार, धर्मनिष्ठ।

नमाज़ी (نمازی) अ. वि.—नमाज़ का पाबंद, नमाज़ पढ़नेवाला।

नमाज़े ईद (نماز عید) अ. स्त्री.—ईद की नमाज़ जो दो रक्अत होती है।

नमाज़े क़ज़ा (نماز قضا) अ. स्त्री.—वह नमाज़ जो उसके नियत समय पर न पढ़ी जाकर बाद में पढ़ी जाय।

नमाज़े क़स्र (نماز قصر) अ. स्त्री.—वह नमाज़ जो यात्रा की दशा में पढ़ी जाय, उसमें फ़र्ज़ नमाज़ आधी पढ़ी जाती है और बाक़ी नमाज़ें नहीं पढ़ी जातीं।

नमाज़े जनाज़ः (نماز جنازہ) अ. स्त्री.—वह नमाज़ जो मुसलमानों के जनाज़े पर मृतक की आत्मा की शान्ति के लिए पढ़ी जाती है।

नमिर (نمر) अ. पुं.—व्याघ्र, बाघ, तेंदुआ।

नमी (نمی) फ़ा. स्त्री.—आर्द्रता, तरी; सीड़न, सील।

नमीक़ः (نمیقہ) अ. पुं.—पत्र, चिट्ठी।

नमीम (نمیم) अ. पुं.—पिशुन, चुग़ुलख़ोर।

नमू (نمو) अ. पुं.—दे. शुद्ध रूप 'नुमू'।

नमूनः (نمونہ) फ़ा. पुं.—बानगी; आदर्श, मिसाल; ढब, ढंग, तर्ज़; प्रकार, क़िस्म।

नम्माम (نمام) अ. पुं.—बहुत अधिक चुग़ली खानेवाला, पिशुन।

नम्मामी (نمامی) अ. स्त्री.—पिशुनता, चुग़लख़ोरी।

नम्लः (نملہ) अ. पुं.—च्यूँटी, एक च्यूँटी।

नम्ल (نمل) अ. पुं.—पिपीलिका, च्यूँटी।

नम्ली (نملی) अ. वि.—नाड़ी-गति का एक प्रकार जिसमें उसकी चाल च्यूँटी-जैसी मंद हो जाती है।

नय (نے) फ़ा. स्त्री.—नरकट, नरसल; बाँसुरी, वंशी।

नयचः (نیچہ) फ़ा. पुं.—हुक्के की निगाली।

नयनवाज़ (نے نواز) फ़ा. वि.—वंशी बजानेवाला, मुरलीधर।

नयसाज़ (نےساز) फ़ा. वि.—बाँसुरी बनानेवाला, वंशीकार।

नयस्ताँ (نیستاں) फ़ा. पुं.—नरकट का जंगल; वन, जंगल।

नयस्तानी (نیستانی) फ़ा. वि.—जंगली, वन्य।

नय्यिर (نیر) अ. पुं.—सूर्य, सूरज।

नरः (نرہ) फ़ा. पुं.—शाखा, टहनी; लिंग, शिश्न; दूषित, निकृष्ट; नर, पुरुष प्राणी।

नरःदेव (نرہدیو) फ़ा. पुं.—भयानक राक्षस, विकट मूर्ति।

नर (نر) फ़ा. पुं.—मादा का उलटा, पुरुष प्राणी।

नरमेश (نرمیش) फ़ा. पुं.—मेंढा, नर भेड़।

नरी (نری) फ़ा. स्त्री.—नरपन।

नरीनः (نرینہ) फ़ा. पुं.—नर, जैसे—'फ़र्ज़ंदे नरीनः' अर्थात् लड़का।

नरीमान (نریمان) फ़ा. पुं.—रुस्तम के दादा का नाम।

नर्ग़ः (نرغہ) फ़ा. पुं.—घेरा, घिराव, मुहासरा; भीड़, जमाव; विपत्ति, मुसीबत।

नर्ग़ए आ'दा (نرغۂ اعدا) फ़ा. अ. पुं.—शत्रुओं का घेरा।

नर्गिस (نرگس) फ़ा. स्त्री.—एक फूल; आँख।

नर्गिसी (نرگسی) फ़ा. वि.—नर्गिस-जैसा; नर्गिस का; नर्गिसी कबाब, जो अंडों पर क़ीमा चढ़ाकर बनते हैं।

नर्गिसे जादू (نرگس جادو) फ़ा. स्त्री.—वह सुन्दर आँख जिसमें 'मोहनी' हो।

नर्गिसे बीमार (نرگس بیمار) फ़ा. स्त्री.—चश्मे बीमार।

नर्गिसे शहला (نرگس شہلا) फ़ा. स्त्री.—वह नर्गिस का फूल जिसमें उसके भीतर पीलेपन के बदले कालापन हो।

नर्द (نرد) फ़ा. स्त्री.—चौसर का खेल; चौसर की गोट।

नर्दबाज़ (نردباز) फ़ा. वि.—चौसर का खिलाड़ी।

नर्दबान (نردبان) फ़ा. उभ.—निश्रेणी, सोपान, सीढ़ी।

नर्मः (نرمہ) फ़ा. पुं.—कान की लौ।

नर्म (نرم) फ़ा. वि.—मृदुल, मुलाइम, कोमल, नाज़ुक; पिलपिला; शिथिल, ढीला; लोचदार; सुगम, सरल,

आसान; हलका, अगुरु; सहिष्णु, बुर्दबार; जिसका कोप धीमा पड़ गया हो।

नर्मआवाज़ (نرم آواز) फा. वि.—मधुर और कोमल स्वर-वाला।

नर्मआहनी (نرم آهنی) फा. स्त्री.—दीनता, हीनता, दरिद्रता; बदहाली।

नर्मए गोश (نرمۂ گوش) फा. पुं.—कान की लौ, कर्णलता।

नर्मख़ू (نرم خو) फा. वि.—नम्र स्वभाववाला, विनीत, मतीन, संजीदः, नेकदिल।

नर्मगर्दन (نرم گردن) फा. वि.—वशीभूत, आज्ञाकारी।

नर्मज़बान (نرم زبان) फा. वि.—मधुरभाषी, शीरींज़बान।

नर्मतबीअत (نرم طبیعت) फा. अ. वि.—दे. 'नर्मख़ू'।

नर्मदिल (نرم دل) फा. वि.—सदय, आर्द्र हृदय, रहमदिल।

नर्ममिज़ाज (نرم مزاج) फा. अ. वि.—दे. 'नर्मख़ू'।

नर्मरौ (نرم رو) फा. वि.—सुस्त चलनेवाला, मंदगति।

नर्मी (نرمی) फा. वि.—मृदुलता, मुलाइमत; कोमलता, नज़ाकत; सदयता, रहमदिली; मंदता, आहिस्तगी; धीमापन; सुगमता, आसानी; अगुरुत्व, लघुत्व, हलकापन: गंभीरता, बुर्दबारी।

नवद (نود) फा. वि.—नब्बे, दस कम सौ।

नवर्द (نورد) फा. प्रत्य.—लपेटनेवाला अर्थात् सफ़र तै करनेवाला, जैसे—'राहनवर्द' रस्ता तै करनेवाला।

नवर्दीदः (نوردیده) फा. वि.—लपेटा हुआ।

नवा (نوا) फा. स्त्री.—स्वर, ध्वनि, आवाज़; गान. गाना, सामान, अस्बाब, उपकरण।

नवाइब (نوائب) अ. पुं.—'नाइबः' का बहु., आपत्तियाँ, मुसीबतें।

नवाख़ानः (نواخانه) फा. पुं.—कारागार, क़ैदख़ाना, जेल।

नवाख़्त (نواخت) फा. वि.—अनुकूल, मुआफ़िक़; समान, तुल्य, बराबर।

नवागर (نواگر) फा. वि.—गायक, गवैया।

नवाज़ (نواز) फा. प्रत्य.—बजानेवाला, जैसे—'नयनवाज़' बाँसुरी बजानेवाला; कृपा करनेवाला, जैसे—'ग़रीबनवाज़'।

नवाज़िंदः (نوازنده) फा. पुं.—बजानेवाला; कृपा करनेवाला।

नवाज़िंदगी (نوازندگی) फा. स्त्री.—बजाना।

नवाज़िश (نوازش) फा. स्त्री.—कृपा, अनुकंपा, दया, मेहरबानी।

नवाज़िशनामः (نوازش نامه) फा. पुं.—कृपापत्र, करमनामः।

नवाज़िशात (نوازشات) फा. स्त्री.—'नवाज़िश' का बहु., कृपाएँ, दयाएँ।

नवादिर (نوادر) अ. पुं.—'नादिरः' का बहु., अद्भुत वस्तुएँ, अजीबो ग़रीब चीज़ें।

नवापरवाज़ (نواپرواز) फा. वि.—दे. 'नवागर'।

नवाफ़िज़ (نوافذ) अ. पुं.—'नाफ़िज़ः' का बहु., कान, नाक, मुँह आदि के सूराख़।

नवाफ़िल (نوافل) अ. पुं.—'नफ़िलः' का बहु., वे नमाज़ें जो केवल सवाब के लिए पढ़ी जायँ, फ़र्ज़ या वाजिब न हों।

नवामीस (نوامیس) अ. पुं.—'नामूस' का बहु., मर्यादाएँ।

नवालः (نواله) फा. पुं.—दे. 'निवालः', दोनों उच्चारण शुद्ध हैं।

नवाल (نوال) अ. स्त्री.—उपकार, एहसान; दानशीलता, बख़्शिश; अनुकंपा, दया।

नवासंज (نواسنج) फा. वि.—दे. 'नवागर'।

नवासः (نواسه) फा. पुं.—बेटी का बेटा, नाती, दौहित्र।

नवासाज़ (نواساز) फा. वि.—दे. 'नवागर'।

नवासिब (نواصب) अ. पुं.—'नासिबी' का बहु., नासिबी संप्रदाय के लोग, हज़रत अली को न माननेवाले।

नवासीर (نواصیر-نواسیر) अ. स्त्री.—'नासूर' का बहु., भगंदर, मलद्वार का फोड़ा।

नवाह (نواح) अ. पुं.—चारों ओर का क्षेत्र, मुज़ाफ़ात।

नवाही (نواحی) अ. पुं.—'नाहियः' का बहु., नगर का चारों ओर।

नवाही (نواهی) अ. पुं.—'नह्इ' का बहु., वे विषय जो धर्मानुसार निषिद्ध हैं।

नवाहे मुल्क (نواح ملک) अ. पुं.—किसी देश के चारों ओर का बाहरी इलाक़ा।

नवाहे शह्र (نواح شهر) अ. फा. पुं.—नगर के आसपास का क्षेत्र, मुज़ाफ़ात।

नविश्तः (نوشته) फा. वि.—लिखा हुआ, लिखित, (पुं.) तमस्सुक, स्टाम्प, लेखपत्र, दे. 'निविश्तः'।

नविश्त (نوشت) फा. स्त्री.—लिखावट, तह्रीर, दे. 'निविश्त'।

नविश्तए क़िस्मत (نوشتۂ قسمت) फा. अ. पुं.—भाग्यलेख, तक़्दीर का लिखा, प्रारब्ध, मुक़द्दर।

नविश्तए तक़्दीर (نوشتۂ تقدیر) फा. अ. पुं.—दे. 'नविश्तए क़िस्मत'।

नविश्तोख़्वांद (نوشت وخواند) फा. स्त्री.—लिखा-पढ़ी, लिखना-पढ़ना।

नवी (نوی) फा. वि.—नया, नवीन; आधुनिक, जदीद; पाश्चात्य, मग़्रिबी।

नवीस (نویس) फा. प्रत्य.—लिखनेवाला, जैसे—अराइज़-नवीस, अर्ज़ियाँ लिखनेवाला।

नवीसिंदः (نویسنده) फा. वि.—लिखनेवाला, लिपिक।

नवेद (نوید) फ़ा. स्त्री.–शुभ सूचना, खुशखबरी; निमंत्रण-पत्र, दावतनामा, दे. 'नुवेद', दोनों रूप शुद्ध हैं।

नवेदे जाँफ़िज़ा (نوید جانفزا) फ़ा. स्त्री.–प्राणों को आनंद देनेवाली शुभ सूचना।

नवेदे मक़्दम (نوید مقدم) फ़ा. अ. स्त्री.–किसी महान् व्यक्ति के आने की शुभ सूचना।

नव्वाब (نواب) अ. वि.–बादशाह का नाइब; किसी रियासत का मुसलमान शासक।

नव्वाबज़ाद: (نوابزادہ) अ. फ़ा. पुं.–नव्वाब का लड़का।

नव्वाबी (نوابی) अ. स्त्री.–नव्वाब का पद; राज, हुकूमत; समृद्धि, दौलतमंदी; अपव्यय, फ़ुज़ूलखर्ची।

नव्वाबे बेमुल्क (نواب بےملک) अ. फ़ा. पुं.–ऐसा नव्वाब जिसके पास रियासत न हो, ऐसे शख्स के लिए कहते हैं जिसके पास कुछ न हो, मगर उसकी बातें लंबी-चौड़ी हों।

नशाँ (نشاں) फ़ा. पुं.–'नशान' का लघु., दे. 'नशान'।

नशा (نشا) अ. पुं.–शुद्ध रूप 'नश्शः' है, परंतु उर्दू में 'नशा' भी बोलते हैं।

नशात (نشاط) अ. स्त्री.–आनंद, हर्ष, खुशी, निशात भी प्रचलित।

नशातअंगेज़ (نشاط انگیز) अ. फ़ा. वि.–खुशी पैदा करने-वाला, हर्षोत्पादक।

नशातअफ़्ज़ा (نشاط افزا) अ. फ़ा. वि.–आनंदवर्धक, खुशी बढ़ानेवाला।

नशातेकार (نشاطکار) अ. फ़ा. स्त्री.–काम करने की उमंग।

नशातेरूह (نشاط روح) अ. स्त्री.–रूह का आनंद।

नशान (نشان) फ़ा. पुं.–दे. 'निशान', दोनों रूप शुद्ध हैं, परंतु उर्दू में निशान बोलते हैं।

नशास्तः (نشاستہ) फ़ा. पुं.—गेहूँ का सत, गोधूमसार।

नशीं (نشیں) फ़ा. प्रत्य.–बैठनेवाला, जैसे—'तख्तनशीं' तख्त पर बैठनेवाला।

नशीद (نشید) फ़ा. पुं.–गान, नग़्मः, दे. 'निशेद', दोनों शुद्ध हैं।

नश्अत (نشائت) अ. स्त्री.–आविर्भाव, उत्पत्ति, पैदाइश।

नश्अते सानियः (نشائۂ ثانیہ) अ. स्त्री.–दुबारा जन्म, पुनर्जन्म; पुनर्जीवन; दुबारा तरक़्क़ी, पुनरुद्धार।

नश्अतेन (نشائتین) अ. स्त्री.–दो पैदाइशें, एक संसार की दूसरी क़ियामत के दिन की।

नश्रः (نشرہ) अ. पुं.–बच्चे के कुरान कंठ कर लेने का संस्कार।

नश्र (نشر) अ. पुं.–घास का फिर से हरा होना; मृतक का फिर से जीवित होना; खबर का सब में फैलाना।

नश्रुस्सौत (نشرالصوت) अ. पुं.–आवाज़ का हर तरफ़ फैलाना, ब्राडकास्ट, ध्वनि-संचार।

नश्व (نشو) अ. पुं.–विकास, उपज, बालीदगी।

नश्वोनमा (نشوونما) अ. पुं.–उगना और विकसित होना, परवरिश पाना।

नश्शः (نشہ) अ. पुं.–मादकता, नशा; उन्माद, मस्ती; अभिमान, घमंड।

नश्शःआमेज़ (نشہ آمیز) अ. फ़ा. वि.–जिस चीज़ में मादक पदार्थ मिला दिया गया हो।

नश्शःआवर (نشہ آور) अ. फ़ा. वि.–नशा पैदा करने-वाली चीज़, मादक।

नश्शःबाज़ (نشہ باز) अ. फ़ा. वि.–जिसे किसी नशेवाली चीज़ खाने या पीने की लत हो।

नश्शए मै (نشۂ مے) अ. फ़ा. पुं.–शराब का नशा।

नश्शए सह्बा (نشۂ صہبا) अ. फ़ा. पुं.–शराब का नशा।

नस[स्स] (نص) अ. स्त्री.–क़ुरान की वे सूक्तियाँ जिनका अर्थ स्पष्ट है; ऐसी बात जिसमें कोई सन्देह न हो; ऐसी बात जिसका पालन आवश्यक हो।

नसक़ (نسق) अ. पुं.–प्रबंध, व्यवस्था, इंतिज़ाम; क्रम, सिलसिला, तर्तीब, यह शब्द प्रायः अकेला नहीं बोलते, नज़्म के साथ मिलाकर 'नज़्मो नसक़' बोलते हैं।

नसक़बंद (نسق بند) अ. फ़ा. वि.–व्यवस्थापक, प्रबन्धक, मुंतज़िम।

नसफ़त (نصفت) अ. स्त्री.–आधों आध करना, बराबर दो भागों में बाँटना; न्याय, इंसाफ़ (निस्फ़त)।

नसब (نسب) अ. पुं.–कुल, वंश, गोत्र, खानदान।

नसबनामः (نسب نامہ) अ. फ़ा. पुं.–वंशावली, वंशक्रम, वंशवृक्ष, कुर्सीनामा, शज्रः।

नसबी (نسبی) अ. वि.–नसब से सम्बन्ध रखनेवाला।

नसा (نسا) अ. स्त्री.–एक रग जो चूतड़ से टखने तक आती है, इर्कुन्नसा, गृध्रसी स्नायु, साइटिक नर्व।

नसाइह (نصائح) अ. उभ.–'नसीहत' का बहु., नसीहतें, सदुपदेश।

नसारा (نصاریٰ) अ. पुं.–'नस्रानी' का बहु., ईसाई लोग।

नसीज (نسیج) अ. वि.–बुना हुआ; वस्त्र, लिबास; एक रेशमी कपड़ा।

नसीबः (نصیبہ) अ. पुं.–भाग्य, प्रारब्ध, क़िस्मत, मुक़द्दर।

नसीबःवर (نصیبہ ور) अ. फ़ा. वि.–भाग्यशाली, भाग्यवान्, खुशक़िस्मत।

नसीब (نصیب) अ. पुं.–भाग्य, क़िस्मत; लब्ध, प्राप्त, मुयस्सर; अंश, भाग, हिस्सा।

नसीबे आ'दा (نصیب اعدا) अ. पुं.—वह चीज़ जो अपने लिए न हो अपने दुश्मनों को हो; एक आशीर्वाद, जब कोई व्यक्ति किसी रोग या कष्ट में फँसा हो तो उसके मित्र उसका ज़िक्र करते हुए बोलते हैं, जैसे—नसीबे आ'दा, उनका मिज़ाज कुछ नासाज़ है।

नसीबे ख़ुफ़्तः (نصیب خفتہ) अ. फा. पुं.—सोया हुआ नसीब, दुर्भाग्यता, बदक़िस्मती।

नसीबे दुश्मनाँ (نصیب دشمناں) अ. फा. पुं.—दे. 'नसीबे आ'दा'।

नसीम (نسیم) अ. स्त्री.—मृदुल मंद समीर, ठंडी और धीमी हवा।

नसीमआसा (نسیم آسا) अ. फा. अव्य.—'नसीम' की तरह, बहुत ही आहिस्ता और मृदुल चाल से।

नसीमे सहर (نسیم سحر) अ. स्त्री.—सबेरे की मंद, शीतल और सुगंधित हवा।

नसीमे सुब्ह (نسیم صبح) अ. स्त्री.—दे. 'नसीमे सहर'।

नसीर (نصیر) अ. पुं.—सहायक, सहाय, मददगार।

नसीहत (نصیحت) अ. स्त्री.—सदुपदेश, सीख; सत्परामर्श, अच्छी सलाह; इब्रत।

नसीहत आमेज़ (نصیحت آمیز) अ. फा. वि.—वह बात जिसमें उपदेश शामिल हो।

नसीहतगर (نصیحت گر) अ. फा. वि.—नसीहत करनेवाला, सदुपदेशक।

नसीहतगुज़ार (نصیحت گزار) अ. फा. वि.—दे. 'नसीहतगर'

नसीहतगो (نصیحت گو) अ. फा. वि.—दे. 'नसीहतगर'।

नसीहतनामः (نصیحت نامہ) अ. फा. पुं.—वह पत्र जिसमें किसी बात के सम्बन्ध में नसीहतें लिखी हों।

नसीहतपिज़ीर (نصیحت پزیر) अ. फा. वि.—नसीहत माननेवाला, जिस पर सदुपदेश का असर हो, नसीहतपसंद।

नसूह (نصوح) अ. वि.—शुद्ध, निर्मल, ख़ालिस; किसी बुरी बात के त्याग की दृढ़ प्रतिज्ञा।

नस्ख़ (نسخ) अ. पुं.—मिटाना, रद करना; एक प्रसिद्ध लिपि जिसमें अरबी लिखी जाती है; किसी चीज़ को हटाकर उससे अच्छी चीज़ लेना।

नस्तरन (نسترن) फा. स्त्री.—सेवती का फूल, सेवती।

नस्ता'लीक़ (نستعلیق) अ. पुं.—सभ्य, शिष्ट, संस्कृत, मुहज़्ज़ब; एक प्रसिद्ध लिपि जिसमें उर्दू लिखी जाती है।

नस्नास (نسناس) अ. पुं.—मनुष्य के आकार का एक जानवर जिसके केवल एक हाथ, एक पाँव और एक कान होता है।

नस्ब (نصب) अ. पुं.—स्थापना, रखना, क़ाइम करना; ज़बर की मात्रा।

नस्बुलऐन (نصب العین) अ. पुं.—उद्देश, आशय, मक़्सद।

नस्या मंसिया (نسیا منسیا) अ. अव्य.—जो बात बिलकुल भूली जा चुकी हो, अरबी का उच्चारण 'नस्यं मंसीया' है।

नस्र (نثر) अ. स्त्री.—गद्य, इबारत, नज़्म का उलटा।

नस्र (نسر) अ. पुं.—गृद्ध, गिद्ध, गीध; कर्गस; एक बुत जो अरब में पूजा जाता था।

नस्र (نصر) अ. स्त्री.—सहायता, मदद।

नस्रनिगार (نثرنگار) अ. फा. पुं.—गद्य-लेखक, नस्र लिखनेवाला।

नस्रनिगारी (نثرنگاری) अ. फा. स्त्री.—गद्य-रचना, नस्र लिखना।

नस्रानियत (نصرانیت) अ. स्त्री.—ईसाईपन, ईसाईयत।

नस्रानी (نصرانی) अ. पुं.—ईसाई, ख्रिष्टीय।

नस्रे आरी (نثر عاری) अ. स्त्री.—वह गद्य जो अलंकारादि से रिक्त बिल्कुल सीधा-सादा हो।

नस्रे ताइर (نسر طائر) अ. पुं.—राशिचक्र के उत्तर में तारों की एक शक्ल जो उड़ते हुए गिद्ध के समान है।

नस्रे मुक़फ़्फ़ा (نثر مقفیٰ) अ. स्त्री.—वह गद्य जिसका हर वाक्य सानुप्रास हो।

नस्रे मुरज्जज़ (نثر مرجز) अ. स्त्री.—वह गद्य जिसके एक वाक्य के तमाम शब्द दूसरे वाक्य के शब्दों के समान हों।

नस्रे मुसज्जा (نثر مسجع) अ. स्त्री.—दे. 'नस्रे मुक़फ़्फ़ा'।

नस्रे वाक़े' (نسر واقع) अ. पुं.—दक्षिणी ध्रुव के पास ठहरे हुए गिद्ध के आकार के तारों की शक्ल।

नस्ल (نسل) अ. स्त्री.—वंश, गोत्र, कुल; संतान, संतति, औलाद।

नस्लअफ़्ज़ाई (نسل افزائی) अ. फा. स्त्री.—नस्ल बढ़ाना, संतान-वृद्धि।

नस्लकशी (نسل کشی) अ. फा. स्त्री.—नस्ल बढ़ाना, संतान-वृद्धि।

नस्लन बाद नस्लन (نسلاً بعدنسلاً) अ. अव्य.—एक नस्ल के बाद दूसरी नस्ल में, पुश्त दर पुश्त।

नस्साज (نساج) अ. पुं.—बुननेवाला, जुलाहा।

नस्साब (نساب) अ. पुं.—वंशविद्या जाननेवाला।

नस्सार (نثار) अ. पुं.—गद्य-लेखक।

नहंग (نهنگ) फा. पुं.—घड़ियाल, कुंभीर, ग्राह, नाका।

नह्ज (نہج) अ. पुं.—चौड़ी और कुशादः सड़क; पद्धति, शैली, ढंग, दे. 'नहज', दोनों शुद्ध हैं, परन्तु अधिक प्रचलित 'नहज' है।

नहाफ़त (نحافت) अ. स्त्री.—क्षीणता, दुबलापन, लाग़री; निर्बलता, अशक्ति, कमज़ोरी।

नहार (نہار) अ. पुं.—दिन, दिवस, रोज़।
नहार (نہار) फा. वि.—'नाहार' का लघु., सबेरे से कुछ न खाये हुए, नहारमुँह।
नहारगाह (نہارگاہ) फा. स्त्री.—सबेरे का समय, प्रातःकाल।
नहारी (نہاری) फा. स्त्री.—वह थोड़ा सा खाना जिससे सुबह का फ़ाक़ा तोड़ते हैं, नाशता; एक प्रकार का शोरबादार गोश्त जिसे खमीरी रोटी से खाते हैं।
नही (نہی) अ. स्त्री.—निषेध, रोक; निषेधाज्ञा, मुमानिअत का हुक्म, शुद्ध उच्चारण 'नह्इ' है।
नहीक़ (نہیق) अ. स्त्री.—गधे के रेंकने की आवाज़।
नहीफ़ (نحیف) अ. वि.—क्षीण, क्षाम, दुबला, लाग़र; दुर्बल, अशक्त, कमज़ोर।
नहीफ़ुलजुस्सः (نحیف الجثہ) अ. वि.—दुबले शरीरवाला, क्षीणकाय।
नहीफ़ुलबदन (نحیف البدن) अ. वि.—दे. 'नहीफ़ुलजुस्सः'।
नहीब (نہیب) अ. पुं.—डाकू, लुटेरा, ग़ारतगर।
नह्ज (نہج) अ. पुं.—ढंग, प्रकार, तर्ज़; युक्ति, तर्कीब; मार्ग, पथ, रास्ता।
नह्ब (نہب) अ. पुं.—लूटमार, ग़ारतगरी।
नह्र (نہر) अ. स्त्री.—नदी से काटकर निकाली हुई शाखा, कुल्या (नहर)।
नह्र (نحر) अ. पुं.—ऊँट की क़ुर्बानी, उष्ट्रवध।
नह्री (نہری) अ. वि.—नह्र से सम्बन्ध रखनेवाला; नह्र के पानी से सींची जानेवाली भूमि।
नह्रे फ़ुरात (نہر فرات) अ. फा. स्त्री.—कूफ़े में वहनेवाली नदी, जिसका पानी हज़्रत इमाम हुसैन पर बन्द कर दिया गया था।
नह्रे लबन (نہر لبن) अ. स्त्री.—दूध की नह्र।
नह्व (نحو) अ. पुं.—पद्धति, शैली, ढंग; समान, तुल्य, मिस्ल, (स्त्री.) व्याकरण की वह शाखा जिससे वाक्यों में शब्दों का परस्पर सम्बन्ध और उनकी स्थिति जानी जाती है।
नह्वी (نحوی) अ. वि.—इल्मे नह्व जाननेवाला।
नह्स (نحس) अ. वि.—अशुभ, अमांगलिक, मनहूस।
नह्सक़दम (نحس قدم) अ. वि.—जिसका आना मनहूस हो।
नह्सरू (نحس رو) अ. फा. वि.—जिसकी सूरत मनहूस हो, जो देखने में बुरा लगे, अशुभदर्शन।

ना

नाँ (ناں) फा. स्त्री.—'नान' का लघु., दे. 'नान'।
ना (نا) फा. उप.—शब्द के शुरू में आकर नहीं का अर्थ देता है, जैसे—'नाउम्मीद'।
नाअंदेश (نا اندیش) फा. वि.—न सोचनेवाला।
नाअह्ल (نا اہل) फा. अ. वि.—अयोग्य, नाक़ाबिल; अपात्र, ग़ैर मुस्तहक़।
नाअह्लियत (نا اہلیت) फा. अ. स्त्री.—अयोग्यता, नाक़ाबिलीयत; अपात्रता, नाइस्तेहक़ाक़ी।
नाअह्ली (نا اہلی) फा. अ. स्त्री.—दे. 'नाअह्लियत'।
नाआक़िबत अंदेश (نا عاقبت اندیش) फा. अ. वि.—अदूरदर्शी, अपरिणामदर्शी।
नाआगाह (نا آگاہ) फा. वि.—नावाक़िफ़, अनभिज्ञ, अनजान, अनाड़ी।
नाआज़्मूदः (نا آزمودہ) फा. वि.—जो आज़माया न गया हो, अपरीक्षित।
नाआज़्मूदःकार (نا آزمودہ کار) फा. वि.—जिसे कामों का तज्रिबः न हो, अननुभवी, अनाड़ी।
नाआज़्मूदःकारी (نا آزمودہ کاری) फा. स्त्री.—नातज्रिबः-कारी, अनुभव, अनाड़ीपन।
नाआश्ना (نا آشنا) फा. वि.—अपरिचित, नावाक़िफ़; अनभिज्ञ, अनाड़ी।
नाआश्नाए महज़ (نا آشنائے محض) फा. अ. वि.—जो बिलकुल कुछ न जानता हो।
नाइंसाफ़ (نا انصاف) फा. अ. वि.—न्याय न करनेवाला, अन्यायी।
नाइंसाफ़ी (نا انصافی) फा. अ. स्त्री.—अनीति, अन्याय, बेईमानी।
नाइचः (نائچہ) फा. पुं.—नयचा, निगाली, हुक़्क़े की नाल।
नाइज़ः (نائزہ) अ. पुं.—नल की टोंटी; शिश्न, लिंग; नयचा।
नाइत्तिफ़ाक़ी (نا اتفاقی) फा. अ. स्त्री.—फूट, बिगाड़, रंजिश।
नाइबः (نائبہ) अ. वि.—दुर्घटना, हादिसा; बारी से आनेवाला ज्वर; 'नाइब' का स्त्री.।
नाइब (نائب) अ. पुं.—सहायक, असिस्टेंट; स्थानापन्न, क़ाइममक़ाम; 'नायब' भी प्रचलित।
नाइम (نائم) अ. पुं.—सोनेवाला, स्वापक।
नाइरः (نائرہ) अ. पुं.—अग्निज्वाला, लपट, शोलः।
नाइल्तिफ़ाती (نا التفاتی) फा. अ. स्त्री.—बेतवज्जुही, उपेक्षा।
नाइहः (نائحہ) अ. पुं.—आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत।
नाउम्मीद (نا امید) फा. वि.—निराश, हताश; हतोत्साह, हतसाहस, पस्तहौसला।
नाउम्मीदी (نا امیدی) फा. स्त्री.—निराशा, मायूसी; उत्साहहीनता, पस्तहिम्मती।

नाए (نائے) फा. स्त्री.–बाँसुरी, वंशी, नय।

नाक़ः (ناقہ) अ. पु.–ऊँटनी, साँड़नी।

नाक़ः सवार (ناقہ سوار) अ. फा. वि.–साँड़नी-सवार, अर्थात् दूत, क़ासिद।

नाक (ناک) फा. प्रत्य.–भरा हुआ, जैसे—दर्दनाक, दुःख से भरा हुआ।

नाकतख़ुदा (ناکتخدا) फा. वि.–दे. 'नाकदख़ुदा'।

नाकतख़ुदाई (ناکتخدائی) फा. स्त्री.–दे. 'नाकदख़ुदाई'।

नाकदख़ुदा (ناکدخدا) फा. वि.–बिन ब्याहा हुआ, कुमार, अविवाहित; बिन ब्याही हुई, अविवाहिता, कुमारी।

नाकदख़ुदाई (ناکدخدائی) फा. स्त्री.–बिन ब्याहा होना, कुँआरापन।

नाक़द्र (ناقدر) फा. अ. वि.–जो क़द्र न जानता हो; जो क़द्र न करता हो।

नाक़द्री (ناقدری) फा. अ. स्त्री.–क़द्र न जानना; क़द्र न करना।

नाक़बूल (نا قبول) फा. अ. वि.–अस्वीकृत, नामंजूर।

नाकर्दः (ناکردہ) फा. वि.–न किया हुआ।

नाकर्दःकार (ناکردہکار) फा. वि.–जिसने कोई विशेष कार्य न किया हो, अननुभवी, नातज्रिबःकार।

नाकर्दःगुनाह (ناکردہگناہ) फा. वि.–जिसने क़ुसूर न किया हो, बेक़ुसूर, बेख़ता।

नाकर्दःजुर्म (ناکردہجرم) फा. अ. वि.–दे. 'नाकर्दःगुनाह'।

नाकर्दनी (ناکردنی) फा. अव्य.–जो करने के योग्य न हो, जिसका करना उचित न हो, अकरणीय।

नाकस (ناکس) फा. वि.–अधम, नीच, कमीना, पतित, गर्हित।

नाकसी (ناکسی) फा. स्त्री.–अधमता, नीचता, लोफ़रपन।

नाक़ाबिल (نا قابل) फा. अ. वि.–अयोग्य, अपात्र, नाअहल।

नाक़ाबिलानः (نا قابلانہ) फा. अ. अव्य.–जाहिलों और मूर्खों-जैसा, मूर्खतापूर्ण।

नाक़ाबिलीयत (نا قابلیت) फा. अ. स्त्री.–अयोग्यता, अपात्रता, नाअहली; शिक्षाभाव, कमलियाक़ती।

नाक़ाबिले अदा (نا قابل ادا) फा. अ. वि.–जो अदाइगी के क़ाबिल न हो, न दी जा सकनेवाली रक़म।

नाक़ाबिले अफ़्व (نا قابل عفو) फा. अ. वि.–जो मुआफ़ किये जाने के योग्य न हो, अक्षम्य।

नाक़ाबिले अमल (نا قابل عمل) फा.अ.वि.–जिस पर अमल न किया जा सके, जो व्यवहार में न आ सके, अव्यवहार्य।

नाक़ाबिले आज़माइश (ناقابل آزمائش) फा. अ.–जिसकी परीक्षा न हो सके।

नाक़ाबिले इंतिक़ाल (نا قابل انتقال) फा. अ. वि.–वह संपत्ति जो दूसरे के नाम मुतक़िल न हो सके।

नाक़ाबिले इंतिख़ाब (نا قابل انتخاب) फा. अ. वि.–जो चुनाव के अयोग्य हो; जो गद्य या पद्य उद्धरण के योग्य न हो।

नाक़ाबिले इंतिज़ाम (نا قابل انتظام) फा. अ. वि.–जिसकी व्यवस्था न हो सके।

नाक़ाबिले इंतिज़ार (نا قابل انتظار) फा. अ. वि.–जिसकी प्रतीक्षा न की जा सके।

नाक़ाबिले इंदिमाल (نا قابل اندمال) फा. अ. वि.–वह घाव जो भरने के योग्य न हो।

नाक़ाबिले इंदिराज (نا قابل اندراج) फा. अ. वि.–जिसका नाम किसी रजिस्टर या खाते में लिखा न जा सके; जो रक़म जमाख़र्च में डाली न जा सके किसी मद में या किसी के नाम।

नाक़ाबिले इंसिदाद (نا قابل انسداد) फा. अ. वि.–जिसका निवारण न हो सके; जो रोका न जा सके।

नाक़ाबिले इआदः (نا قابل اعادہ) फा. अ. वि.–जो बात दुहरायी न जा सके।

नाक़ाबिले इआनत (نا قابل اعانت) फा. अ. वि.–जिसकी मदद न की जा सके; जो मदद करने के अयोग्य हो।

नाक़ाबिले इक़्रार (نا قابل اقرار) फा. अ. वि.–जिसका इक़्रार न किया जा सके, जो माना न जा सके।

नाक़ाबिले इख़्तिलाफ़ (ناقابل اختلاف) फा.अ. वि.–जिससे मतभेद न किया जा सके, सहमति योग्य।

नाक़ाबिले इख़्फ़ा (ناقابل اخفا) फा. अ. वि.–जो छिपाया न जा सके।

नाक़ाबिले इख़्राज (ناقابل اخراج) फा. अ. वि.–जो ख़ारिज न किया जा सके; जो निकाला न जा सके।

नाक़ाबिले इज़्हार (ناقابل اظہار) फा. अ. वि.–जो कहा न जा सके।

नाक़ाबिले इत्तिलाअ (ناقابل اطلاع) फा. अ. वि.–जिसकी सूचना न दी जा सके।

नाक़ाबिले इत्मीनान (ناقابل اطمینان) फा. अ. वि.–जो भरोसे के क़ाबिल न हो, अविश्वस्त।

नाक़ाबिले इन्कार (ناقابل انکار) फा. अ. वि.–जिससे इन्कार न किया जा सके।

नाक़ाबिले इन्क़िसाम (ناقابل انقسام) फा.अ.वि.–जो बाँटा न जा सके, अविभाज्य।

नाक़ाबिले इन्फ़िकाक (ناقابل انفکاک) फा. अ. वि.–जो रेहन रखी हुई चीज़ या ज़मीन, रेहन से छूट न सके।

नाक़ाबिले इन्फ़िसाल (ناقابل انفصال) फ़ा.अ.वि.–जिसका फ़ैसला न हो सके।

नाक़ाबिले इम्तिहान (ناقابل امتحان) फ़ा. अ. वि.–जिसकी परीक्षा न हो सके; जो परीक्षा के अयोग्य हो।

नाक़ाबिले इम्दाद (ناقابل امداد) फ़ा. अ. वि.–जिसकी सहायता न हो सके।

नाक़ाबिले इलाज (ناقابل علاج) फ़ा. अ. वि.–जिसकी चिकित्सा न हो सके, दुःसाध्य।

नाक़ाबिले इल्तिफ़ात (ناقابل التفات) फ़ा.अ. वि.–जिसकी ओर तवज्जुह न की जा सके, उपेक्ष्य।

नाक़ाबिले इशाअत (ناقابل اشاعت) फ़ा. अ. वि.–जिसका प्रचार न हो सके, अप्रकाश्य।

नाक़ाबिले इस्तिदलाल (ناقابل استدلال) फ़ा. अ. वि.–वह काग़ज़ या दस्तावेज़ जो मुकदमे में काम न आ सके।

नाक़ाबिले इस्ते'माल (ناقابل استعمال) फ़ा. अ. वि.–जो प्रयोग के लाइक़ न हो; जो खाने के योग्य न हो; जो व्यवहार के अयोग्य हो।

नाक़ाबिले इस्लाह (ناقابل اصلاح) फ़ा. अ. वि.–जिसका सुधार न हो सके; जिसकी त्रुटियाँ न निकल सकें।

नाक़ाबिले ईफ़ा (ناقابل ایفا) फ़ा. अ. वि.–वह प्रतिज्ञा जो पूरी न हो सके।

नाक़ाबिले उज़्र (ناقابل عذر) फ़ा. अ. वि.–जिस पर उज़्र या एतिराज़ न किया जा सके।

नाक़ाबिले उबूर (ناقابل عبور) फ़ा. अ. वि.–वह नदी आदि जिसे पार न किया जा सके।

नाक़ाबिले ए'तिना (ناقابل اعتنا) फ़ा. अ. वि.–जो ध्यान देने के लाइक़ न हो, उपेक्ष्य।

नाक़ाबिले एतिमाद (ناقابل اعتماد) फ़ा. अ. वि.–जो भरोसे के लाइक़ न हो, अविश्वस्त।

नाक़ाबिले एतिराज़ (ناقابل اعتراض) फ़ा. अ. वि.–जिस पर एतिराज़ न लगाया जा सके, आपत्तिहीन।

नाक़ाबिले ए'लान (ناقابل اعلان) फ़ा. अ. वि.–जिसकी घोषणा न की जा सके, जिसका एलान उचित न हो।

नाक़ाबिले एहतियात (ناقابل احتیاط) फ़ा. अ. वि.–जिसमें सावधानी की आवश्यकता न हो।

नाक़ाबिले एहसाल (ناقابل احصال) फ़ा. अ. वि.–जो लिया न जा सके।

नाक़ाबिले क़बूल (ناقابل قبول) फ़ा. अ. वि.–जो स्वीकार न किया जा सके।

नाक़ाबिले क़ुर्बानी (ناقابل قربانی) फ़ा. अ. वि.–वह पशु जिसकी क़ुर्बानी जाइज़ न हो; वह व्यक्ति जिस पर क़ुर्बानी वाजिब न हो।

नाक़ाबिले ख़रीद (ناقابل خرید) फ़ा. अ. वि.–जो मोल न लिया जा सके।

नाक़ाबिले गिरिफ़्त (ناقابل گرفت) फ़ा. अ. वि.–जिसकी पकड़ न हो सके; जो पकड़ा न जा सके।

नाक़ाबिले गिरिफ़्तारी (ناقابل گرفتاری) फ़ा. अ. वि.–जो गिरिफ़्तार न हो सके।

नाक़ाबिले गुज़ारिश (ناقابل گزارش) फ़ा.अ. वि.–जो कहा न जा सके, अकथनीय।

नाक़ाबिले ग़ौर (ناقابل غور) फ़ा. अ. वि.–जिस पर ध्यान न दिया जा सके।

नाक़ाबिले ज़ब्त (ناقابل ضبط) फ़ा. अ. वि.–जो सहनीय न हो, जिसका सहन मुश्किल हो; जो ज़ब्त न किया जा सके।

नाक़ाबिले ज़ब्ती (ناقابل ضبطی) फ़ा. अ. वि.–वह रक़म या जाइदाद आदि जिसकी ज़ब्ती न हो सके।

नाक़ाबिले ज़मानत (ناقابل ضمانت) फ़ा.अ. वि.–जिसकी ज़मानत न ली जा सके।

नाक़ाबिले जवाज़ (ناقابل جواز) फ़ा. अ. वि.–जो जाइज़ न हो सके।

नाक़ाबिले जवाब (ناقابل جواب) फ़ा. अ. वि.–जिसका जवाब देना ज़रूरी न हो।

नाक़ाबिले ज़वाल (ناقابل زوال) फ़ा. अ. वि.–जिसका कभी पतन न हो, जिसकी अवनति न हो सके।

नाक़ाबिले ज़िक्र (ناقابل ذکر) फ़ा. अ. वि.–अकथनीय, जिसका कहना उचित न हो, जो कहा न जा सके।

नाक़ाबिले जिमाअ (ناقابل جماع) फ़ा. अ. वि.–वह स्त्री जिससे सहवास न हो सके, बीमारी के कारण, छोटी अवस्था के कारण या धर्म-निषेध के कारण।

नाक़ाबिले ज़िराअत (ناقابل زراعت) फ़ा. अ. वि.–वह भूमि जो खेती के अयोग्य हो।

नाक़ाबिले तअज्जुब (ناقابل تعجب) फ़ा. अ. वि.–जिसमें अचंभे की कोई बात न हो।

नाक़ाबिले तआरुज़ (ناقابل تعارض) फ़ा. अ. वि.–जिससे पूछताछ न की जा सके; जिसमें हस्तक्षेप न हो सके।

नाक़ाबिले तआवुन (ناقابل تعاون) फ़ा. अ. वि.–जिसमें सहयोग न दिया जा सके।

नाक़ाबिले तक़र्रुर (ناقابل تقرر) फ़ा. अ. वि.–जिसकी नियुक्ति न हो सके।

नाक़ाबिले तक्ज़ीब (ناقابل تکذیب) फ़ा. अ. वि.–जिसे झुठलाया न जा सके।

नाक़ाबिले तक़्लीद (ناقابل تقلید) फा. अ. वि.–जिसका अनुकरण न हो सके; जिसका अनुकरण उचित न हो।

नाक़ाबिले तक़्सीम (ناقابل تقسیم) फा. अ. वि.–जो बाँटा न जा सके, जिसका बँटवारा न हो सके, अविभाज्य।

नाक़ाबिले तख़ैयुल (ناقابل تخیل) फा. अ. वि.–जिसकी कल्पना न की जा सके; जो सोचा न जा सके, अचिन्त्य।

नाक़ाबिले तग़ैयुर (ناقابل تغیر) फा. अ. वि.–जिसमें परिवर्तन न हो सके।

नाक़ाबिले तद्बीर (ناقابل تدبیر) फा. अ. वि.–जिसका इलाज न हो सके, असाध्य; जिसका कोई उपाय न हो।

नाक़ाबिले तफ़्हीम (ناقابل تفہیم) फा. अ. वि.–जो समझाया न जा सके।

नाक़ाबिले तब्दील (ناقابل تبدیل) फा. अ. वि.–जो बदला न जा सके।

नाक़ाबिले तरक़्क़ी (ناقابل ترقی) फा. अ. वि.–जो तरक़्क़ी के योग्य न हो।

नाक़ाबिले तरद्दुद (ناقابل تردد) फा. अ. वि.–वह खेती जिसे जोता बोया न जा सके; वह विषय जिस पर ग़ौर न किया जा सके।

नाक़ाबिले तरह्हुम (ناقابل ترحم) फा. अ. वि.–दया के अयोग्य, जिस पर रहम न किया जा सके।

नाक़ाबिले तर्क (ناقابل ترک) फा. अ. वि.–जो छोड़ा न जा सके, अत्याज्य।

नाक़ाबिले तर्जीह (ناقابل ترجیح) फा. अ. वि.–जिसे प्रधानता न दी जा सके।

नाक़ाबिले तर्दीद (ناقابل تردید) फा. अ. वि.–जिसका खंडन न हो सके, अकाट्य।

नाक़ाबिले तर्मीम (ناقابل ترمیم) फा. अ. वि.–जिसमें कोई संशोधन न हो सके, जिसमें कमी-बेशी या काट-छाँट न हो सके, अपरिवर्तनीय।

नाक़ाबिले तवज्जुह (ناقابل توجہ) फा. अ. वि.–जिस पर ध्यान न दिया जा सके।

नाक़ाबिले तश्रीह (ناقابل تشریح) फा. अ. वि.–जिसकी व्याख्या न हो सके; जिसकी तफ़्सील न बतायी जा सके।

नाक़ाबिले तश्वीश (ناقابل تشویش) फा. अ. वि.–जिसके लिए चिंता और तश्वीश की ज़रूरत न हो।

नाक़ाबिले तस्दीअ (ناقابل تصدیع) फा. अ. वि.–जिसके लिए किसी दर्देसर अथवा खटखट की आवश्यकता न हो।

नाक़ाबिले तस्दीक़ (ناقابل تصدیق) फा. अ. वि.–जिसके लिए प्रमाण की आवश्यकता न हो।

नाक़ाबिले तस्ख़ीर (ناقابل تسخیر) फा. अ. वि.–जिसका पराजित करना असंभव हो; जिसे वशीभूत करना कठिन हो।

नाक़ाबिले तस्रीह (ناقابل تصریح) फा. अ. वि.–जिसका स्पष्टीकरण न हो सके, जिसकी तफ़्सील न बतायी जा सके।

नाक़ाबिले तस्लीम (ناقابل تسلیم) फा. अ. वि.–जिसे माना न जा सके।

नाक़ाबिले दख़्ल अंदाज़ी (ناقابل دخل اندازی) फा. अ. वि.–जिसमें बाधा न डाली जा सके।

नाक़ाबिले दस्त अंदाज़ी (ناقابل دست اندازی) फा. अ. वि.–जिसमें हस्तक्षेप न किया जा सके।

नाक़ाबिले दस्तरस (ناقابل دسترس) फा. अ. वि.–जहाँ तक रसाई न हो सके; जहाँ तक हाथ न पहुँच सके।

नाक़ाबिले दाद (ناقابل داد) फा. अ. वि.–जिसकी प्रशंसा न की जा सके, अप्रशंसनीय।

नाक़ाबिले दादरसी (ناقابل دادرسی) फा. अ. वि.–जो किसी दादरसी के क़ाबिल न हो, जिसे न्याय के अनुसार कुछ मिलने को न हो।

नाक़ाबिले दुरुस्ती (ناقابل درستی) फा. अ. वि.–जिसकी मरम्मत न हो सके; जिसका सुधार न हो सके।

नाक़ाबिले नफ़्रत (ناقابل نفرت) फा. अ. वि.–जो नफ़्रत के क़ाबिल न हो. जिससे घृणा न की जा सके, अघृण्य।

नाक़ाबिले निगारिश (ناقابل نگارش) फा. अ. वि.–जो लिखने योग्य न हो, अलेखनीय।

नाक़ाबिले नुमाइश (ناقابل نمائش) फा. अ. वि.–जिसकी नुमाइश न की जा सके, जो सबको न दिखाया जा सके।

नाक़ाबिले परवाज़ (ناقابل پرواز) फा. अ. वि.–जो उड़ न सके।

नाक़ाबिले परस्तिश (ناقابل پرستش) फा. अ. वि.–जो पूजने के योग्य न हो, जो पूजा न जा सके।

नाक़ाबिले पामाल (ناقابل پامال) फा. अ. वि.–जो पाँव तले मसला न जा सके।

नाक़ाबिले पिज़ीराई (ناقابل پزیرائی) फा. अ. वि.–जो क़बूल न किया जा सके।

नाक़ाबिले पुर्सिश (ناقابل پرسش) फा. अ. वि.–जो पूछने के क़ाबिल न हो; जिसकी पूछ-ताछ न की जा सके।

नाक़ाबिले पैमाइश (ناقابل پیمائش) फा. अ. वि.–जिसकी पैमाइश न हो सके, जिसका क्षेत्रफल न निकाला जा सके।

नाक़ाबिले पैरवी (ناقابل پیروی) फा. अ. वि.–जिसका अनुकरण न हो सके; जिसकी पैरोकारी न हो सके।

नाक़ाबिले फ़त्ह (ناقابل فتح) फा. अ. वि.–जो जीता न जा सके, अजेय।

नाक़ाबिले फ़रामोश (ناقابل فراموش) फ़ा. अ. वि.–जो भुलाया न जा सके, जो बात कभी न भूली जा सके।

नाक़ाबिले फ़रोख़्त (ناقابل فروخت) फ़ा. अ. वि.–जो बेचा न जा सके।

नाक़ाबिले फ़ह्म (ناقابل فہم) फ़ा. अ. वि.–जो समझा न जा सके।

नाक़ाबिले फ़ैसल: (ناقابل فیصلہ) फ़ा. अ. वि.–जिसका निर्णय न हो सके।

नाक़ाबिले बयान (ناقابل بیان) फ़ा. अ. वि.–जो कहा न जा सके, अकथनीय।

नाक़ाबिले बरदाश्त (ناقابل برداشت) फ़ा. अ. वि.–जो सहन न हो सके, असहनीय।

नाक़ाबिले बुत्लान (ناقابل بطلان) फ़ा.अ.वि.–जो झुठलाया न जा सके।

नाक़ाबिले मदद (ناقابل مدد) फ़ा.अ.वि.–जिसकी सहायता न की जा सके।

नाक़ाबिले मरम्मत (ناقابل مرمت) फ़ा. अ. वि.–जिसकी दुरुस्ती न की जा सके।

नाक़ाबिले मलामत (ناقابل ملامت) फ़ा. अ. वि.–जिसकी निंदा न की जा सके, जो भर्त्सना के योग्य न हो।

नाक़ाबिले मुआलज: (ناقابل معالجہ) फ़ा. अ. वि.–जिसकी चिकित्सा न हो सके, असाध्य।

नाक़ाबिले मुक़ाबल: (ناقابل مقابلہ) फ़ा. अ. वि.–जिसका मुक़ाबला न किया जा सके।

नाक़ाबिले मुदाख़लत (ناقابل مداخلت) फ़ा. अ. वि.–जिसमें हस्तक्षेप न किया जा सके।

नाक़ाबिले मुदावा (ناقابل مداوا) फ़ा. अ. वि.–दे. 'नाक़ाबिले मुआलज:'।

नाक़ाबिले मुफ़ाहमत (ناقابل مفاہمت) फ़ा. अ. वि.–जिसमें समझौता न हो सके।

नाक़ाबिले मुवालात (ناقابل موالات) फ़ा. अ. वि.–जिसमें सहयोग न हो सके।

नाक़ाबिले मुसालहत (ناقابل مصالحت) फ़ा. अ. वि.–जिसमें संधि अथवा सुलह न हो सके।

नाक़ाबिले रज़ामंदी (ناقابل رضامندی) फ़ा. अ. वि.–वह मुक़द्दमा जिसमें दोनों पक्ष राज़ीनामा न कर सकें।

नाक़ाबिले रह्म (ناقابل رحم) फ़ा. अ. वि.–जिस पर दया न की जा सके, जो दया का पात्र न हो।

नाक़ाबिले रिआयत (ناقابل رعایت) फ़ा. अ. वि.–जिसके साथ किसी प्रकार का शील-संकोच और रिआयत न हो सके।

नाक़ाबिले वक़्अत (ناقابل وقعت) फ़ा. अ. वि.–जिसकी कोई प्रतिष्ठा न हो।

नाक़ाबिले वफ़ा (ناقابل وفا) फ़ा. अ. वि.–वह प्रतिज्ञा जो पूरी न हो सके, वह वादा जो वफ़ा न हो सके।

नाक़ाबिले शक (ناقابل شک) फ़ा. अ. वि.–जिसमें किसी संदेह की गुंजाइश न हो, असंदिग्ध।

नाक़ाबिले शनाख़्त (ناقابل شناخت) फ़ा. अ. वि.–जिसकी पहचान न हो सके।

नाक़ाबिले शिकस्त (ناقابل شکست) फ़ा. अ. वि.–जिसे हराया न जा सके; जिससे होड़ न की जा सके।

नाक़ाबिले शिकायत (ناقابل شکایت) फ़ा. अ. वि.–जिसकी शिकायत न की जा सके।

नाक़ाबिले शिफ़ा (ناقابل شفا) फ़ा. अ. वि.–वह रोगी जो अच्छा न हो सके, असाध्य।

नाक़ाबिले शुमार (ناقابل شمار) फ़ा. अ. वि.–जो गिना न जा सके।

नाक़ाबिले सताइश (ناقابل ستائش) फ़ा. अ. वि.–जिसकी प्रशंसा न हो सके।

नाक़ाबिले सज़ा (ناقابل سزا) फ़ा. अ. वि.–जिसे सज़ा न दी जा सके, अदंडनीय।

नाक़ाबिले समाअत (ناقابل سماعت) फ़ा. अ. वि.–जो बात सुनने के योग्य न हो।

नाक़ाबिले सराहत (ناقابل صراحت) फ़ा. अ. वि.–दे. नाक़ाबिले तस्रीह।

नाक़ाबिले सिफ़ारिश (ناقابل سفارش) फ़ा. अ. वि.–जिसकी सिफ़ारिश न की जा सके।

नाक़ाबिले सुल्ह (ناقابل صلح) फ़ा. अ. वि.–दे. 'नाक़ाबिले मुसालहत'।

नाक़ाबिले हिफ़ाज़त (ناقابل حفاظت) फ़ा. अ. वि.–जिसकी रक्षा न हो सके, जो रक्षा करने के योग्य न हो।

नाक़ाबिले हुकूमत (ناقابل حکومت) फ़ा. अ. वि.–जो राज करने के योग्य न हो; जिस पर शासन न चल सके।

नाक़ाबिले हुसूल (ناقابل حصول) फ़ा. अ. वि.–जो प्राप्त न हो सके, जो हासिल न किया जा सके।

नाकाम (ناکام) फ़ा. वि.–असफल, नाकामयाब; निराश, मायूस।

नाकामयाब (ناکامیاب) फ़ा. वि.–असफलमनोरथ, नाकाम; अनुत्तीर्ण, फ़ेल, असफल।

नाकामयाबी (ناکامیابی) फ़ा. स्त्री.–असफलता, नाकामी; उत्तीर्ण न होना, फ़ेल हो जाना।

नाकामी (ناکامی) फ़ा. स्त्री.—असफलता, नाकामयाबी; निराशा, नाउम्मीदी।

नाकामिए तक़दीर (ناکامئی تقدیر) फ़ा. स्त्री.—भाग्य की वंचना, भाग्य की कुटिलता—"बढ़ते-बढ़ते हद्दे मंज़िल से भी आगे बढ़ गये, हम तो आजिज़ आ गये नाकामिए तक़दीर से।"

नाकामे आर्ज़ू (ناکام آرزو) फ़ा. वि.—जो मनोरथ में सफल न हो; जिसके प्रेम की आशाएँ असफल हो गयी हों।

नाकारः (ناکارہ) फ़ा. वि.—निष्कर्म, निकम्मा; व्यर्थ, बेकार; निष्प्रयोजन, बेमतलब।

नाकारआमद (ناکار آمد) फ़ा. वि.—जिसका कोई प्रयोजन न हो, निष्प्रयोजन।

नाकाश्तः (ناکاشتہ) फ़ा. वि.—वह ज़मीन जो बोई जोती न गयी हो।

नाक़िद (ناقد) अ. वि.—आलोचक, समालोचक, तन्क़ीद निगार।

नाक़िल (ناقل) अ. वि.—नक़्ल करनेवाला, प्रतिलिपिक; दूसरे से सुनी हुई बात कहनेवाला।

नाक़िस (ناقص) अ. वि.—अपूर्ण, नामुकम्मल; दूषित, विकृत, ख़राब; मिथ्या, कूट, खोटा; धूर्त, पाजी; अरबी का वह शब्द जिसका अंतिम अक्षर अलिफ़, वाव या ये हो।

नाक़िसुलअक़्ल (ناقص العقل) अ. वि.—मंदबुद्धि, विकृत-बुद्धि, कमअक़्ल।

नाक़िसुलख़िलक़त (ناقص الخلقت) अ. वि.—जिसके शरीर में कोई अंग कम हो, विकलांग।

नाक़िसुलफ़हम (ناقص الفہم) अ. वि.—दे. 'नाक़िसुलअक़्ल'।

नाक़ूस (ناقوس) अ. पुं.—दर, कंबु, शंख, संख।

नाकेह (ناکح) अ. वि.—ब्याह (नकाह) करनेवाला।

नाख़ (ناخ) फ़ा. पुं.—नास्पाती की एक जाति।

नाख़लफ़ (ناخلف) फ़ा. अ. वि.—जो लड़का बाप के सदाचरण पर न चले, कपूत।

नाख़िस (ناخس) अ. वि.—चुभनेवाला, गड़नेवाला।

नाख़ुदा (ناخدا) फ़ा. पुं.—कर्णधार, नाविक, मल्लाह।

नाख़ुदातर्स (ناخداترس) फ़ा. वि.—जो ईश्वर से न डरता हो, अर्थात् निर्दय, बेरहम।

नाख़ुदाई (ناخدائی) फ़ा. स्त्री.—नाव चलाना, किश्तीरानी।

नाख़ुनः (ناخنہ) फ़ा. पुं.—आँख का एक रोग जिसमें रक्त की एक बिंदी पड़ जाती है।

नाख़ुन (ناخن) फ़ा. पुं.—हाथ या पाँव के नाख़ून, नख।

नाख़ुनतराश (ناخن تراش) फ़ा. पुं.—नाखुन काटने का यंत्र, नहन्ना।

नाख़ुश (ناخوش) फ़ा. वि.—अप्रसन्न, नाराज़; रोगी, बीमार; क्रुद्ध, गुस्सा।

नाख़ुशगवार (ناخوش گوار) फ़ा. वि.—जो मन को अच्छा न लगे, अरुचिकर।

नाख़ुशगवारी (ناخوش گواری) फ़ा. स्त्री.—अप्रसन्नता, नाख़ुशी; अरुचि, बेरग़बती।

नाख़ुशी (ناخوشی) फ़ा. स्त्री.—अप्रसन्नता, नाराज़ी; रोग, बीमारी; क्रोध, गुस्सा।

नाख़ूब (ناخوب) फ़ा. वि.—जो अच्छा न हो, निकृष्ट, बुरा।

नाख़्वांदः (ناخواندہ) फ़ा. वि.—बे बुलाया हुआ; बे पढ़ा-लिखा, अशिक्षित।

नाख़्वांदगी (ناخواندگی) फ़ा. स्त्री.—बे बुलाया हुआ होना; बे पढ़ा-लिखा होना।

नाख़्वास्तः (ناخواستہ) फ़ा. वि.—न चाहा हुआ।

नाख़्वास्त (ناخواست) फ़ा. वि.—अनायास, अकस्मात्, बेइख़्तियार।

नाख़्वाह (ناخواہ) फ़ा. वि.—जो राज़ी न हो, अस्वीकृत।

नाग़ः (ناغہ) तु. पुं.—अनुपस्थिति, ग़ैरहाज़िरी।

नाग़:नवीस (ناغہ نویس) तु. फ़ा. पुं.—एक कर्मचारी जो राजाओं या नव्वाबों की ड्योढ़ी के मुलाज़िमीन की हाज़िरी लेता है।

नागवार (ناگوار) फ़ा. वि.—जो पसंद न हो, जो अच्छा न लगे; निस्वाद, बेमज़ा।

नागवारा (ناگوارا) फ़ा. वि.—दे. 'नागवार'।

नागवारी (ناگواری) फ़ा. स्त्री.—अच्छा न लगना, पसंद न होना।

नागह (ناگہ) फ़ा. वि.—'नागाह' का लघु., दे. 'नागाह'।

नागहाँ (ناگہاں) फ़ा. वि.—अकस्मात्, अचानक; बेमौक़ा, कुसमय; बिना इत्तिलाअ दिये।

नागहानी (ناگہانی) फ़ा. वि.—आकस्मिक, इत्तिफ़ाक़ी; दैविक, ग़ैबी।

नागाह (ناگاہ) फ़ा. वि.—अचानक, अकस्मात्, यकायक; सूचना दिये बग़ैर, बेख़बरी में।

नागुज़ीर (ناگزیر) फ़ा. वि.—जिससे छुटकारा न हो, अनिवार्य, आवश्यक, लाज़िमी।

नागुफ़्तः (ناگفتہ) फ़ा. वि.—जो कहा न गया हो, अकथित।

नागुफ़्तःबेह (ناگفتہ بہ) फ़ा. वि.—जिसका न कहना ही अच्छा हो, जिसके कहने में ख़राबी हो या झगड़ा पड़े, अकथ्य।

नागुफ़्तनी (ناگفتنی) फ़ा. अव्य.—न कहने योग्य, अकथनीय।

नाचाक़ (ناچاق) फ़ा. तु. वि.—जो स्वस्थ न हो, अस्वस्थ।

नाचाक़ी (ناچاقی) फ़ा. तु. स्त्री.—वैमनस्य, मनमुटाव, अनबन; बीमारी, रोग।

नाचार (ناچار) फ़ा. वि.—बेबस, असहाय, निराश्रय; दुःखी, दीन, मुसीबतज़दा; मज्बूर, असमर्थ।

नाचारी (ناچاری) फ़ा. स्त्री.—बेबसी, बेकसी, आश्रय-हीनता; दुःख, कष्ट, तकलीफ़; असामर्थ्य, मज्बूरी।

नाचीज़ (ناچیز) फ़ा. वि.—हेच, पोच, नाकारः, निकम्मा; नम्रता-प्रदर्शन के लिए वक्ता अपने को भी कहता है।

नाज़ (ناز) फ़ा. पुं.—हाव-भाव, नाज़ोअदा; मान, अभिमान, घमंड; गर्व, फ़ख्र।

नाज़नीं (نازنیں) फ़ा. वि.—मृदुल, कोमल, नाज़ुक; सुकुमारी, सुन्दरी।

नाज़पर्वर (ناز پرور) फ़ा. वि.—दे. 'नाज़पर्वर्दः'।

नाज़पर्वर्दः (ناز پروردہ) फ़ा. वि.—जिसका पालन-पोषण बड़े लाड़-प्यार से हुआ हो; सुकुमार, नाज़ुकबदन।

नाज़पेशः (نازپیشہ) फ़ा. वि.—जिसे हाव-भाव दिखाने की आदत हो; गणिका, तवाइफ़; प्रेयसी, माशूक़ा।

नाज़पेशगी (نازپیشگی) फ़ा. स्त्री.—नाज़ो अदा दिखाना, हाव-भाव से दिल लुभाना।

नाज़बरदार (نازبردار) फ़ा. वि.—नाज़ उठानेवाला, नायक, आशिक़।

नाज़बरदारी (نازبرداری) फ़ा. स्त्री.—नाज़ उठाना, खिदमत करना।

नाज़बालिश (ناز بالش) फ़ा. पुं.—पहलू का तकिया, वह तकिया जो बड़े तकिए के अतिरिक्त इधर-उधर सहारे के लिए रहता है।

नाज़बू (ناز بو) फ़ा. स्त्री.—एक प्रकार की चमेली।

नाज़ाँ (نازاں) फ़ा. वि.—अठलाता हुआ, नाज़ करता हुआ; गर्वान्वित, मग़्रूर।

नाज़ाईदः (نازائیدہ) फ़ा. वि.—जो उत्पन्न न हुआ हो, अज्ञात।

नाजिंस (ناجنس) फ़ा. अ. वि.—असभ्य, अशिष्ट, ना-मुहज़्ज़ब; जो सोसाइटी के क़ाबिल न हो।

नाज़िम (ناظم) अ. पुं.—व्यवस्थापक, मुंतज़िम; मंत्री, सेक्रेटरी।

नाज़िरः (ناظرہ) अ. स्त्री.—नाज़िर की स्त्री., देखनेवाली, (पुं.) क़ुरान का देखकर पढ़ना, कंठ न करना।

नाज़िरःख़्वाँ (ناظرہ خواں) अ. फ़ा. वि.—क़ुरान को देखकर पढ़नेवाला, जो हाफ़िज़ न हो।

नाज़िर (ناظر) अ. पुं.—देखनेवाला, दर्शक; एक कर्मचारी।

नाज़िरीन (ناظرین) अ. पुं.—दर्शकगण, देखनेवाले, पढ़नेवाले।

नाज़िलः (نازلہ) अ. पुं.—आपत्ति, विपद्, मुसीबत, सानिहः।

नाज़िल (نازل) अ. वि.—उतरनेवाला, ऊपर से नीचे आने-वाला; उतरा हुआ, आया हुआ।

नाज़िश (نازش) फ़ा. स्त्री.—नाज़, हाव-भाव; गर्व, फ़ख्र।

नाजी (ناجی) अ. वि.—मुक्ति पानेवाला, मोक्ष प्राप्त करनेवाला; मुक्त, नजातयाफ़्तः।

नाज़ीदः (نازیدہ) फ़ा. वि.—गर्वान्वित, मग़्रूर।

नाज़ुक (نازک) फ़ा. वि.—मृदुल, मुलाइम; कोमल, नर्म; सूक्ष्म, लतीफ़; हलका-फुलका; बोदा, कमज़ोर; गूढ़, दक़ीक़; पेचदार, उलझा हुआ; दुबला-पतला; तीव्र, तेज़।

नाज़ुकअंदाम (نازک اندام) फ़ा. वि.—जिसका शरीर दुबला-पतला हो, कृशांग।

नाज़ुककमर (نازک کمر) फ़ा. वि.—वह हसीनः जिसकी कमर पतली हो, कटिक्षीणा।

नाज़ुकख़याल (نازک خیال) फ़ा. अ. वि.—वह कवि जो कविता में गूढ़ अर्थवाले भाव लाता हो।

नाज़ुकतब्अ (نازک طبع) फ़ा. अ. वि.—दे. 'नाज़ुकमिज़ाज'।

नाज़ुकदिमाग़ (نازک دماغ) फ़ा. अ. वि.—चिड़चिड़े मिज़ाज का, जो बात-बात पर बिगड़े, जो किसी की बात सहन न कर सके।

नाज़ुकदिल (نازک دل) फ़ा. वि.—जिसका हृदय कोमल हो, मृदुलहृदय।

नाज़ुकबदन (نازک بدن) फ़ा. वि.—दे. 'नाज़ुकअंदाम'।

नाज़ुक मिज़ाज (نازک مزاج) फ़ा. अ. वि.—जिसका स्वभाव बहुत ही मृदुल हो; जिसका मिज़ाज चिड़चिड़ा हो।

नाज़ुकमिज़ाजी (نازک مزاجی) फ़ा. अ. स्त्री.—स्वभाव की कोमलता; चिड़चिड़ापन।

नाज़ूरः (ناظورہ) अ. स्त्री.—मालिन, मालिनी; प्रेयसी, प्रेमिका, महबूबः।

नाज़ूर (ناظور) अ. पुं.—रक्षक, देख-रेख करनेवाला, निगह-बान।

नाज़ेबा (نازیبا) फ़ा. वि.—अनुचित, नामुनासिब; अश्लील, नामुहज़्ज़ब।

नाज़ोनियाज़ (نازونیاز) फ़ा. पुं.—आशिक़ और माशूक़ के मुआमलात, आशिक़ की तरफ़ से नियाज़ और मा'शूक़ की तरफ़ से नाज़।

नाज़ोर (نازور) फ़ा. वि.—अशक्त, निर्बल, नाताक़त।

ना'त (نعت) अ. स्त्री.—हज्रत मुहम्मद साहब की छंदोबद्ध स्तुति।

ना'तख़्वाँ (نعت خواں) अ. फ़ा. वि.—मीलाद के जलसों में ना'त के शे'र पढ़नेवाला।

ना'तगो (نعت‌گو) अ. फ़ा. वि.–वह शाइर जो केवल ना'त लिखता हो।

नातजिब:कार (ناتجربه‌کار) फ़ा. अ. वि.–जिसे अनुभव न हो, अनाड़ी।

नातजिब:कारी (ناتجربه‌کاری) फ़ा. अ. स्त्री.–अनुभवहीनता।

नातमाम (ناتمام) फ़ा. अ. वि.–अपूर्ण, अधूरा।

नातराशीद: (ناتراشیده) फ़ा. वि.–असभ्य, अशिष्ट, नामुहज़्ज़ब।

नातर्बियतयाफ़्त: (ناتربیت‌یافته) फ़ा. अ. वि.–जिसने सभ्यता की शिक्षा न पायी हो; जो ट्रेंड न हो।

नातर्स (ناترس) फ़ा. वि.–निर्दय, बेरहम।

नातर्सी (ناترسی) फ़ा. स्त्री.–निर्दयता, बेरहमी।

नातलबीद: (ناطلبیده) फ़ा. वि.–जो बुलाया न गया हो, अनाहूत।

नाताक़त (ناطاقت) फ़ा. अ. वि.–निर्बल, अशक्त, बेज़ोर।

नाताक़ती (ناطاقتی) अ. फ़ा. स्त्री.–निर्बलता, अशक्ति, कमज़ोरी।

नाता'लीमयाफ़्त: (ناتعلیم‌یافته) फ़ा. अ. वि.–जो पढ़ा-लिखा न हो, अशिक्षित; असभ्य, अशिष्ट, बेतमीज।

नातिक़: (ناطقه) अ. पुं.–वाक्यशक्ति, वाणी, क़ुव्वते गोयाई।

नातिक़ (ناطق) अ. वि.–बोलनेवाला, वक्ता; अंतिम, आख़िरी, जो टले नहीं।

नातुवाँ (ناتواں) फ़ा. वि.–अशक्त, निर्बल, बेज़ोर।

नातुवाँबीं (ناتواں‌بیں) फ़ा. वि.–डाह करनेवाला, ईर्ष्यालु, हासिद।

नातुवानी (ناتوانی) फ़ा. स्त्री.–शक्तिहीनता, निर्बलता, कमज़ोरी।

नादान (نادان) फ़ा. वि.–अनभिज्ञ, अनाड़ी; मूर्ख, नासमझ।

नादानिस्त: (ندانسته) फ़ा. वि.–अनजान में, बे जाने-बूझे।

नादानिस्तगी (ندانستگی) फ़ा. स्त्री.–अनजानपन।

नादानी (نادانی) फ़ा. स्त्री.–मूर्खता, बेवक़ूफ़ी; अज्ञान, जहालत।

नादार (نادار) फ़ा. वि.–दरिद्र, निर्धन, कंगाल, मुफ़लिस।

नादारी (ناداری) फ़ा. स्त्री.–दरिद्रता, निर्धनता, मुफ़लिसी।

नादाश्त (نداشت) फ़ा. वि.–दरिद्र, कंगाल, मुफ़लिस।

नादाश्ती (نداشتی) फ़ा. स्त्री.–दरिद्रता, कंगाली, ग़रीबी।

नादिम (نادم) अ. वि.–लज्जित, संकुचित, शर्मिंदा; पछतानेवाला।

नादिरः (نادره) अ. वि.–अद्भुत, अजीबोग़रीब।

नादिर (نادر) अ. वि. अद्भुत, अजीबोग़रीब; श्रेष्ठ, उत्तम, बढ़िया।

नादिरए रोज़गार (نادرهٔ روزگار) अ. फ़ा. वि.–दुनिया भर में सबसे श्रेष्ठ।

नादिरी (نادری) अ. स्त्री.–नादिर बादशाह से सम्बन्धित; गंजिफ़े का इक्का; एक प्रकार की बंडी।

नादिहंद (نادهند) फ़ा. वि.–जो रुपया लेकर देने में बहुत टालमटोल करे, लेकर न देनेवाला।

नादिहंदगी (نادهندگی) फ़ा. स्त्री.–रुपया उधार लेकर फिर न देना।

नादी (نادی) अ. वि.–पुकारनेवाला, बुलानेवाला।

नादीद: (نادیده) फ़ा. वि.–जिसे देखा न हो, अनदेखा, अदृष्ट।

नादीद:मुश्ताक़ (نادیده مشتاق) फ़ा. अ. वि.–देखने का अभिलाषी, जिसने कभी न देखा हो।

नानेजवीं (نان جویں) फ़ा. स्त्री.–जौ की रोटी, मोटी-झोटी रोटी।

नादीदनी (نادیدنی) फ़ा. अव्य.—जो देखने के क़ाबिल न हो, अदर्शनीय।

नादुरुस्त (نادرست) फ़ा. वि.–जो शुद्ध न हो, अशुद्ध; जो सत्य न हो, झूठ; ग़ैर मरम्मतशुदा।

नादुरुस्ती (نادرستی) फ़ा. स्त्री.–अशुद्धि, ठीक न होना; असत्यता, झूठ; बेमरम्मती।

नान (نان) फ़ा. स्त्री.–रोटी, रोटिका; ख़मीरी रोटी, नाँद।

नानकार (نان‌کار) फ़ा. स्त्री.–वह ज़मीन जो सेवक को उसकी गुज़र-बसर के लिए पुरस्कार के तौर पर दी जाय।

नानकोर (نان‌کور) फ़ा. वि.–कृतघ्न, विश्वासघाती, नमकहराम।

नानख़ताई (نان‌خطائی) फ़ा. स्त्री.–एक प्रकार का मीठा बिस्कुट।

नानख़ुरिश (نان‌خورش) फ़ा. स्त्री.–सालन, वह चीज़ जिसके साथ रोटी खायी जाय।

नानख़्वाह (نانخواه) फ़ा. स्त्री.–अजवाइन, यमानिका।

नानपज़ (نان‌پز) फ़ा. पुं.–रोटी पकानेवाला, नानबाई।

नानफ़रोश (نان‌فروش) फ़ा. पुं.–रोटी बेचनेवाला, नानबाई।

नानबा (نانبا) फ़ा. पुं.–नानपज़, नानबाई।

ना'ना'अ (نعناع) अ. पुं.–एक प्रकार का पोदीना।

नाने आबी (نان آبی) फ़ा. स्त्री.–आबी रोटी।

नाने ख़ुश्क (نان خشک) फ़ा. स्त्री.–सूखी रोटी, मोटी-झोटी रोटी।

नापदीद (ناپدید) फ़ा. वि.—गुप्त, अव्यक्त, छिपा हुआ।

नापर्वा (ناپروا) फ़ा. वि.—बेपर्वा, जिसे किसी बात की चिन्ता न हो।

नापर्हेज़गार (ناپرهیزگار) फ़ा. वि.—जो पर्हेज़गार न हो।

नापसंद (ناپسند) फ़ा. वि.—अरुचिकर, ग़ैर मर्ग़ूब।

नापसंदीदः (ناپسندیده) फ़ा. अ. वि.—जो पसंद न हो, अरुचिकर, अप्रिय।

नापसंदीदःकार (ناپسندیده‌کار) फ़ा. वि.—वह व्यक्ति जो ऐसे काम करता हो जो अच्छे न हों, अप्रियकर।

नापसंदीदगी (ناپسندیدگی) फ़ा. स्त्री.—पसंद न होने का भाव, अरुचि।

नापाइदार (ناپائدار) फ़ा. वि.—अदृढ़, जो मज़बूत न हो; अस्थायी, आरिज़ी; अनिश्चित, ग़ैर यक़ीनी।

नापाक (ناپاک) फ़ा. वि.—अपवित्र, अशुचि, जो पाक न हो; मलदूषित, नजासत आलूद।

नापाकी (ناپاکی) फ़ा. स्त्री.—अशुद्धता, अपवित्रता; गंदगी।

नापुख़्तः (ناپخته) फ़ा. वि.—जो पक्का न हो, अपक्व; जो मज़बूत न हो, अदृढ़।

नापुख़्तःकार (ناپخته‌کار) फ़ा. वि.—नातज्रिबःकार, अननुभवी।

नापुख़्तगी (ناپختگی) फ़ा. स्त्री.—अपरिपक्व, कच्चापन; अदृढ़ता, बोदापन।

नापैद (ناپید) फ़ा. वि.—अप्राप्य, नायाब; अन्तर्द्धान, ग़ाइब; लुप्त, पोशीदा।

नापैदा (ناپیدا) फ़ा. वि.—दे. 'नापैद'।

नापैदाकनार (ناپیداکنار) फ़ा. वि.—जिसका छोर न मिल सके, जिसका किनारा न मिले, अपार।

नाफ़ः (نافه) फ़ा. पुं.—मृगनाभि।

नाफ़ (ناف) फ़ा. स्त्री.—नाभि, तुंदी, तुंद कूपी।

नाफ़ए आहू (نافۂ آهو) फ़ा. पुं.—मृगनाभि।

नाफ़ए मुश्क (نافۂ مشک) फ़ा. पुं.—मृगनाभि, वह थैली जिसमें मुश्क रहती है।

नाफ़पेच (ناف‌پیچ) फ़ा. स्त्री.—पेचिश।

नाफ़र्जाम (نافرجام) फ़ा. वि.—जिसके काम का परिणाम अच्छा न हो, बदअंजाम।

नाफ़र्मान (نافرمان) फ़ा. वि.—अवज्ञाकारी, हुक्म न मानने-वाला; उद्दंड, सरकश।

नाफ़र्मानी (نافرمانی) फ़ा. स्त्री.—अवज्ञा, हुक्मउदूली; उद्दंडता, सरकशी।

नाफ़ह्म (نافهم) फ़ा. अ. वि.—जिसकी समझ मोटी हो, जो बात न समझ सके।

नाफ़ह्मी (نافهمی) फ़ा. अ. स्त्री.—बेअक़्ली, अज्ञान, मूर्खता।

नाफ़िज़ (نافذ) अ. वि.—हुक्म जारी होना; क़ानून लागू होना।

नाफ़िर (نافر) अ. वि.—घिन करनेवाला, घृणी।

नाफ़ी (نافی) अ. वि.—नफ़ी करनेवाला।

नाफ़े' (نافع) अ. वि.—लाभदायक, लाभकारक, नफ़ा देने-वाला।

नाफ़े ज़मीं (ناف زمیں) फ़ा. स्त्री.—मक्का।

नाफ़े हफ़्तः (ناف هفته) फ़ा. स्त्री.—मंगलवार, मंगल।

नाबः (نابه) फ़ा. वि.—शुद्ध, निर्मल, ख़ालिस; तेज़ और निर्मल मदिरा।

नाब (ناب) फ़ा. वि.—ख़ालिस, निर्मल।

नाब (ناب) अ. पुं.—दंत, दाँत।

नाबकार (نابکار) फ़ा. वि.—नालाइक़, अधम, पामर, नीच।

नाबदान (نابدان) फ़ा. स्त्री.—मकान की मोरी।

नाबलद (نابلد) फ़ा. वि.—अनभिज्ञ, अनजान, नावाक़िफ़।

नाबाइस्तः (نابائسته) फ़ा. वि.—नाशाइस्तः, अशिष्ट, असभ्य।

नाबालिग़ (نابالغ) फ़ा. अ. वि.—जो बालिग़ न हो, अवयस्क।

नाबालिग़ी (نابالغی) फ़ा. अ. स्त्री.—अवयस्कता, जवानी को न पहुँचना।

नाबित (نابت) अ. वि.—उगनेवाला, उपजनेवाला।

नाबीना (نابینا) फ़ा. पुं.—अंध, अंधा, नेत्रहीन।

नाबूद (نابود) फ़ा. वि.—नष्ट, विध्वस्त, बरबाद; लुप्त, ग़ाइब।

नामंज़ूर (نامنظور) फ़ा. अ. वि.—अस्वीकृत, अनंगीकृत, जो मंज़ूर न हो; रद, ख़ारिज।

नामंज़ूरी (نامنظوری) फ़ा. अ. स्त्री.—अस्वीकृति; ख़ारिज होना, रद होना।

नामः (نامه) फ़ा. पुं.—चिट्ठी, ख़त, पत्र; ग्रंथ, पुस्तक, (योग में) जैसे—'शाहनामः'।

नामःनिगार (نامه‌نگار) फ़ा. पुं.—संवादकार, संवाददाता, करस्पांडेंट।

नामःबर (نامه‌بر) फ़ा. पुं.—ख़त ले जानेवाला, डाकिया, पत्रवाहक।

नामःरसाँ (نامه‌رساں) फ़ा. पुं.—दे. 'नामःबर'।

नामःसियाह (نامه‌سیاه) फ़ा. वि.—जिसका नामए आमाल (कर्मपत्र) बिलकुल काला हो, पापी, दुष्कर्मी, गुनाहगार।

नाम (نام) फ़ा. पुं.—संज्ञा, इस्म; यश, नामवरी; ख्याति, शोहरत; प्रतिष्ठा, इज़्ज़त; स्मरण-चिह्न, यादगार; उपाधि, लक़ब; धूम, शुह्रः।

नामआवर (نام آور) फा. वि.–ख्यातिप्राप्त, मशहूर; यशस्वी, कीर्तिवान्, साहिबे फ़ैज़।

नामआवरी (نام آوری) फा. स्त्री.–सुख्याति, शोहरत; यश, कीर्ति, फ़ैज़।

नामए अमल (نامۂ عمل) फा.अ.पुं.–दे. 'नामए आ'माल'।

नामए आ'माल (نامۂ اعمال) फा. अ. पुं.–वह काग़ज़ जिस पर यमदूत हरेक व्यक्ति के सत्कर्म और कुकर्म लिखते हैं, कर्मपत्र।

नामए शौक़ (نامۂ شوق) फा. अ. पुं.–मुहब्बत का ख़त, प्रेमपत्र।

नामक़बूल (نامقبول) फा. अ. वि.–जो स्वीकार न किया जा सके, अस्वीकृत।

नामज़दः (نامزدہ) फा. वि.–दे. 'नामज़द'।

नामज़द (نامزد) फा. वि.–ख्यात, मशहूर; किसी काम या चुनाव के लिए मुंतख़ब, मनोनीत, नाम निर्दिष्ट; वह लड़की जो किसी की मँगेतर हो चुकी हो।

नामज़दगी (نامزدگی) फा. स्त्री.–चुनाव आदि में नामज़द होना, नामनयन, नाम-निर्देशन; किसी काम के लिए किसी का तक़र्रुर।

नामजू (نام جو) फा. वि.–नामवरी चाहनेवाला।

नामत्बूअ (نامطبوع) फा. अ. वि.–अप्रिय, अरुचिकर, नामर्ग़ूब; अप्रकाशित, जो छपा न हो।

नामतलब (نامطلوب) फा. अ. वि.–जिसकी चाह न हो, अवांछित।

नामदार (نامدار) फा. वि.–यशवान्, नामवर; प्रतिष्ठित, ज़ी इज़्ज़त; ख्यातिप्राप्त, मशहूर।

नामबरदार (نام بردار) फा. वि. नामी, प्रतिष्ठित।

नामबुर्दः (نام بردہ) फा. वि.–पहले कहा हुआ व्यक्ति, जिस आदमी का पहले ज़िक्र हो चुका हो, पूर्वोक्त।

नामर्द (نامرد) फा. वि.–भीरु, डरपोक, बुज़दिल; क्लीब, नपुंसक, हीजड़ा।

नामर्दी (نامردی) फा.स्त्री.–भीरुता, डरपोकपन, बुज़दिली; क्लीबत्व, नपुंसकता, ज़नानापन।

नामर्दुम (نامردم) फा. वि.–अधम, पामर, नीच, लोफ़र।

नामर्दुमी (نامردمی) फा.स्त्री.–अधमता, नीचता, कमीनगी।

नामर्बूत (نامربوط) फा.अ.वि.–जो क्रमबद्ध न हो, असंबद्ध; अनमिल, बेजोड़, अंड-बंड।

नामवर (نامور) फा. वि.–मशहूर, प्रसिद्ध, ख्यातिप्राप्त; यशवान्, पुण्यश्लोक, बाफ़ैज़।

नामवरी (ناموری) फा. स्त्री.–ख्याति, शोहरत; यश, कीर्ति, फ़ैज़।

नामशरूअ (نامشروع) फा. अ. वि.–जो काम शर्अ के विरुद्ध हो, अविहित।

नामस्मूअ (نامسموع) फा. अ. वि.–जो सुना न हो, अश्रुत।

नामहृदूद (نامحدود) फा. अ. वि.–अपार, असीम, जिसकी ह़द न हो।

नामहरूम (نامحروم) फा. अ. वि.–वह मर्द जिससे स्त्री का पर्दा जाइज़ हो; अपरिचित, अजनबी।

नामा'क़ूल (نامعقول) फा.अ. वि.–अनुचित, नामुनासिब; अश्लील, फ़ुहश; अनर्थक, बेहूदः, बुद्धि में आ न सकनेवाली बात; अरुचिकर, नापसंदीदः; असभ्य, अशिष्ट, ग़ैर मुहज़्ज़ब।

नामानूस (نامانوس) फा. अ. वि.–जिसकी ओर रुचि और लगाव न हो; जो पसंद न हो।

नामा'लूमुलइस्म (نامعلوم الاسم) फा. अ. वि.–जिसका नाम न मालूम हो, अज्ञातनाम।

नामा'लूम (نامعلوم) फा. अ. वि.–जिसका पता न हो, अज्ञात।

नामियः (نامیہ) अ. स्त्री.–उगने और बढ़ने की क़ुव्वत, विकास-शक्ति।

नामी (نامی) फा. वि.–प्रसिद्ध, मशहूर; यशवान्, बाफ़ैज़; श्रेष्ठ, मुअज़्ज़ज़।

नामीदः (نامیدہ) फा. वि.–नाम रखा हुआ।

नामुआफ़िक़ (ناموافق) फा. अ. वि.–प्रतिकूल, अननुकूल, मुख़ालिफ़।

नामुकम्मल (نامکمل) अ. फा. वि.–जो पूरा न हो, अपूर्ण, अधूरा; जो अभी ख़त्म न हुआ हो, असमाप्त।

नामुतनाही (نامتناهی) फा. अ. वि.–असीम, अपार, बेहद, जिसकी इंतिहा न हो।

नामुनासिब (نامناسب) फा. अ. वि.–जो उचित न हो; अनुचित; जो श्लील न हो, अश्लील, फ़ुहश।

नामुबारक (نامبارک) फा. अ. वि.–जो शुभ न हो, अशुभ, अमांगलिक।

नामुम्किन (ناممکن) फा.अ. वि.–जो हो न सके, असंभव।

नामुराद (نامراد) फा. वि.–असफलमनोरथ, नाकाम; दुर्भाग्यवान्, अभागा, बदनसीब।

नामुरादी (نامرادی) फा. स्त्री.–मनोरथ में असफलता, नाकामी; बदनसीबी, दुर्भाग्य।

नामुलाइम (ناملائم) फा. अ. वि.–जो मुलाइम न हो, कठोर, सख़्त; जो श्लील न हो, अश्लील, नामुहज़्ज़ब।

नामुशख़्ख़स (نامشخص) फा. अ. वि.–जिसकी तशख़ीस न हुई हो, अज्ञात; अकुलीन, अज्ञातकुल।

नामुसाअदत (نامساعدت) फा. अ. स्त्री.—प्रतिकूलता, नामुआफ़क़त, नासाज़गारी।

नामुसाइद (نامساعد) फा. अ. वि.—प्रतिकूल, मुख़ालिफ़।

नामुसावी (نامساوی) फा. अ. वि.—जो बराबर न हो, विषम; जो यकसाँ न हो, असमान।

नामूस (ناموس) अ. पुं.—लज्जा, लाज, ग़ैरत; सतीत्व, इस्मत, मर्यादा; पत्नी, स्त्री।

नामूसियः (ناموسیه) अ. स्त्री.—मच्छरदानी।

नामूसे अक्बर (ناموس اکبر) अ. पुं.—नियम, क़ाइदा; विधान, दस्तूर; जिब्रील।

नामे ख़ुदा (نام خدا) फा. अव्य.—जहाँ नज़र लगने का भय हो वहाँ बोलते हैं, जैसे—अब वह नामे ख़ुदा तनदुरुस्त हैं; वाह वाह, माशा अल्लाह की जगह; प्रशंसा के लिए।

नामेह्रबाँ (نامهرباں) फा. वि.—बेरहम, दयाहीन; दुश्मन, शत्रु।

नामेह्रबानी (نامهربانی) फा. स्त्री.—बेरहमी, निर्दयता; शत्रुता, बैर।

नामो'तबर (نامعتبر) फा. अ. वि.—जिसका एतिबार न हो, अविश्वस्त।

नामौज़ूँ (ناموزوں) फा. अ. वि.—अनुचित, नामुनासिब; अश्लील, नामुहज़्ज़ब; वह शेर या मिस्रा जो वज़्न से ख़ारिज हो।

नामौजूद (ناموجود) फा. अ. वि.—जो मौजूद न हो, अनुपस्थित।

नामौजूदगी (ناموجودگی) फा. अ. स्त्री.—अनुपस्थिति, अविद्यमानता।

नामौज़ूनी (ناموزونی) फा. अ. स्त्री.—अनुचितपन, नामुनासिब होना; शे'र या मिस्रे का वज़्न में न होना।

नायाब (نایاب) फा. वि.—जिसका मिलना संभव न हो, अप्राप्य।

नायाबी (نایابی) फा. स्त्री.—अप्राप्ति, फ़ुक़्दान।

नारंज (نارنج) फा. पुं.—संगतरः, संतरा, नारंगी।

नारंजी (نارنجی) फा. वि.—नारंगी के रंग का।

ना'रः (نعره) अ. पुं.—ज़ोर की आवाज, ललकार; माँग, मुतालबा; किसी माँग या मुतालबे के लिए, उसी आशय के संक्षिप्त शब्दों की घोषणा।

ना'रःज़न (نعره‌زن) अ. फा. वि.—नारा लगानेवाला।

ना'रःज़नी (نعره‌زنی) अ. फा. स्त्री.—नारे लगाना।

नार (نار) अ. स्त्री.—आग, अग्नि; नरक, दोज़ख़।

नार (نار) फा. पुं.—अनार, दाड़िम।

नारजील (نارجیل) फा. पुं.—नारियल, नारिकेल, गरी, खोपरा।

नारजीले दर्याई (نارجیل دریائی) अ. फा. पुं.—समुद्र में पैदा होनेवाला नारियल, पपीता जो हैज़े में काम आता है।

नारदान (ناردان) फा. पुं.—अनार के बीज, खट्टे अनार के दाने।

नारपिस्ताँ (نار پستاں) फा. वि.—वह स्त्री जिसकी छातियाँ कठोर हों।

नारबुन (ناربن) फा. पुं.—अनार का पेड़, दाड़िम वृक्ष।

नारवन (ناروں) फा. पुं.—गुलनार, अनार का एक प्रकार।

नारवा (ناروا) फा. वि.—जो उचित न हो, अनुचित, नामुनासिब; जो जाइज़ न हो, अविहित।

नारस (نارس) फा. वि.—वह फल जो अभी पका न हो, कच्चा।

नारसा (نارسا) फा. वि.—जो पहुँच न सके, जो पा न सके।

नारसाई (نارسائی) फा. स्त्री.—पहुँच न होना, पा न सकना।

नारसी (نارسی) फा. स्त्री.—दे. 'नारसाई'।

नारसीदः (نارسیده) फा. वि.—जो फल पका न हो; जो बालिग़ न हो, अवयस्क; जो अनुभवहीन हो, अनाड़ी।

नारसीदगी (نارسیدگی) फा. स्त्री.—फल का पका न होना, कच्चापन; अनुभवहीनता, अनाड़ीपन।

नाराज़ (ناراض) फा.अ. वि.—अप्रसन्न, नाख़ुश; क्रुद्ध, ग़ुस्से में।

नाराज़ी (ناراضی) फा. अ. स्त्री.—अप्रसन्नता, नाख़ुशी; क्रोध, कोप, ग़ुस्सा।

नारास्त (ناراست) फा. वि.—जो सीधा न हो, वक्र, टेढ़ा; जो सच न हो, असत्य, झूठ; खोटा आदमी, धूर्त।

नारास्ती (ناراستی) फा. स्त्री.—वक्रता, टेढ़ापन; असत्यता, झूठ; खोटापन, धूर्तता।

नारी (ناری) अ. वि.—नारकी, दोज़ख़ी; अग्नि से उत्पन्न प्राणिवर्ग, जिन, परी।

नारे जहन्नम (نار جهنم) अ. स्त्री.—नरक की आग, दोज़ख़ की आग।

नारे दोज़ख़ (نار دوزخ) अ. फा. स्त्री.—दे. 'नारे जहन्नम'।

नारे फ़ार्सी (نار فارسی) अ. फा. स्त्री.—उपदंश, गर्मी रोग।

नारे सईर (نار سعیر) अ. स्त्री.—दे. 'नारे जहन्नम'।

नालः (ناله) फा. पुं.—आर्तनाद, फ़र्याद; चीत्कार, चीख़; कोलाहल, शोर।

नालःकश (ناله‌کش) फा. वि.—नाला करनेवाला, फ़र्याद करनेवाला।

नालःकुनाँ (ناله‌کناں) फा. वि.—नालः करता हुआ, फ़र्याद करता हुआ।

नालःगर (ناله‌گر) फा. वि.—दे. 'नालःकश'।

नालःज़न (ناله‌زن) फा. वि.—दे. 'नालःकश'।

नाल (نال) फा. स्त्री.–वह महीन सूत-जैसे रेशे जो क़लम के भीतर होते हैं; भीतर से खाली नरकट, नलकी।

ना'ल (نعل) अ. पुं.–जूता, पादुका, घोड़े या बैल आदि के पाँव में जड़ा जानेवाला लोहे का हल्क़; जूते में जड़ा जानेवाला लोहे का हल्क़ः।

ना'लैन (نعلین) अ. पुं.–दोनों जूते, जूते का जोड़ा।

ना'ल दर आतश (نعل در آتش) अ. फा. वि.–व्याकुल, आतुर, बेक़रार।

ना'लबंद (نعل بند) अ.फ़ा. वि.–जूतों या चौपायों के पाँव में नाल बाँधनेवाला।

ना'लबहा (نعل بہا) अ. फा. पुं.–ख़िराज, चौथ, राजकर।

नालाँ (نالاں) फा. वि.–रोता-चिल्लाता हुआ, बावैला करता हुआ; —"बहार आयी चमन में, और तू इतनी परीशाँ है; बता बुलबुल! तुझे क्या दर्द है, तू जिससे नालाँ है!"; अनुचित, नामुनासिब।

नालाइक़ (نالائق) फा. अ. वि.–अयोग्य, नाअह्ल; नीच, कमीना; अशिष्ट, उजड्ड; धूर्त, चालाक; दुरात्मा, बदवातिन।

नालिंदः (نالندہ) फा. वि.–रोनेवाला, नालः करनेवाला।

नालिश (نالش) फा. स्त्री.–आर्तनाद, फ़र्याद; वाद, दावा; किसी के अत्याचार की शिकायत।

नालिशी (نالشی) फा. वि.–फ़र्याद करनेवाला; दावा करनेवाला, वादी।

नालीदः (نالیدہ) फा. वि.–रोया हुआ, रुदित।

नालीदनी (نالیدنی) फा. अव्य.–रोने के लाइक़।

ना'ले चोबीं (نعل چوبیں) अ. फा. पुं.–खड़ाऊँ, चट्टी, पादुका।

नावः (ناوہ) फा. पुं.–परनाला, वह लकड़ी या मिट्टी का परनाला जो छतों में लगता है।

नाव (ناو) फा. स्त्री.–किश्ती, नौका, नाव।

नावक (ناوک) फा. पुं.–एक प्रकार का छोटा तीर, जिसकी मार कड़ी होती है।

नावकंदाज़ (ناوک انداز) फा. वि.–दे. नावक अंदाज, उच्चारण दोनों तरह होता है।

नावकअंदाज़ (ناوک انداز) फा. वि.–तीर चलानेवाला, कांडीर।

नावकअफ़्गन (ناوک افگن) फा. वि.–दे. 'नावकअंदाज़'।

नावकफ़िगन (ناوک فگن) फा. वि.–दे. 'नावकअंदाज़'।

नावदान (ناودان) फा. पुं.–मोरी, नाबदान, परनाला।

नावनोश (ناونوش) फा. स्त्री.–पीना-पिलाना, मयनोशी; शराब और नग़्मः, रंगरलयाँ।

नावर्द (ناورد) फा. स्त्री.–युद्ध, लड़ाई, जंग।

नावाक़िफ़ (ناواقف) फा. अ. वि.–अनभिज्ञ, अनाड़ी; अपरिचित, अनजान; अज्ञात, नामालूम।

नावाक़िफ़ीयत (ناواقفیت) फा. अ. स्त्री.–अनभिज्ञता, अनाड़ीपन; अपरिचय, अनजानपन।

नावाजिब (ناواجب) फा. अ. वि.–जो उचित न हो, नामुनासिब; जो श्लील न हो, नामुहज़्ज़ब।

ना'श (نعش) अ. स्त्री.–जनाज़ा, शव, अरथी।

नाशनास (ناشناس) फा. वि.–न पहचाननेवाला, जो पहचानता न हो, अपरिचित।

नाशनासाई (ناشناسائی) फा. स्त्री.–परिचय न होना, न पहचानना, अपरिचय।

नाशाइस्तः (ناشائستہ) फा. वि.–अनुचित, नामुनासिब; अशिष्ट, बदतहज़ीब; अश्लील, फ़ुहश।

नाशाइस्तःअत्वार (ناشائستہ اطوار) फा. अ. वि.–जिसका आचरण श्लील और सभ्य न हो।

नाशाइस्तगी (ناشائستگی) फा. स्त्री.–अशिष्टता, बदतहज़ीबी; अश्लीलता, फक्कड़पन।

नाशाद (ناشاد) फा. वि.–जो खुश न हो, अप्रसन्न; खिन्न, मलिन, अफ़सुर्दः; अभागा, बदनसीब।

नाशादमाँ (ناشادماں) फा. वि.–दे. 'नाशाद'।

नाशादमानी (ناشادمانی) फा.स्त्री.–अप्रसन्नता, नाखुशी; खिन्नता, मलिनता, अफ़्सुर्दगी।

नाशिकेब (ناشکیب) फा. वि.–दे. 'नाशिकेबा'।

नाशिकेबा (ناشکیبا) फा. वि.–आतुर, व्याकुल, बेचैन; असहिष्णु, नामुतहम्मिल; अधीर, बेसब्र।

नाशिकेबाई (ناشکیبائی) फा. स्त्री.–आतुरता, बेचैनी; अधीरता, बेसब्री; असहिष्णुता, बेतहम्मुली।

नाशिता (ناشتا) फा. पुं.–सबेरे से नहार मुँह होना; दे. 'नाश्ता'।

नाशिर (ناشر) अ. पुं.–प्रसारक, सबमें फैलानेवाला; प्रकाशक, पब्लिशर।

नाशिरात (ناشرات) अ. स्त्री.–आँधियाँ और झक्कड़।

नाशी (ناشی) अ. वि.–उत्पन्न होनेवाला, पैदा होनेवाला; युवक, युवा, नौजवान।

नाशुक्र (ناشکر) फा. अ. पुं.–अकृतज्ञ, कृतघ्न, एहसान फ़रामोश, नमकहराम।

नाशुक्रगुज़ार (ناشکرگزار) फा. अ. वि.–जो किसी की भलाई का शुक्रिया अदा न करे, कृतघ्न।

नाशुक्रगुज़ारी (ناشکرگزاری) फा. अ. स्त्री.–उपकार पर कृतज्ञता न प्रकट करना, कृतघ्नता, एहसान फ़रामोशी।

नाशुदनी (ناشدنی) फा. वि.–असंभव, अशक्य, नामुम्किन; अभागा, बदनसीब।

नाशुन्वा (ناشنوا) फा. वि.–जो किसी की बात न सुनता हो, जिसके यहाँ किसी की पूछताछ न हो।

नाश्ता (ناشتا) फा. पुं.–सबेरे का थोड़ा-सा खाना, जलपान, उपाहार।

नाश्पाती (ناشپاتی) फा. स्त्री.–एक प्रसिद्ध फल, नासपाती।

नास (ناس) अ. पुं.–एक आदमी; बहुत-से आदमी।

नासज़ा (ناسزا) फा. वि.–अनुचित, नामुनासिब; अश्लील, नाज़ेबा।

नासबूर (ناصبور) फा. अ. वि.–अधीर, बेसब्रा; आतुर, जल्दबाज़।

नासब्र (ناصبر) फा. अ. वि.–दे. 'नासबूर'।

नासरः (ناسرہ) फा. वि.–वह सिक्का जो बाज़ार में न चले, खोटा, कूट; वह सोना या चाँदी जिसमें मिलावट या आमेज़िश हो।

नासवाब (ناصواب) फा. अ. वि.–जो सत्य न हो, झूठ; जो ठीक न हो, अशुद्ध।

नासाज़ (ناساز) फा. वि.–नादुरुस्त, ग़ैरसहीह; अननुकूल, प्रतिकूल, नामुआफ़िक़।

नासाज़गार (ناسازگار) फा. वि.–अननुकूल, प्रतिकूल, मुख़ालिफ़।

नासाज़ी (ناسازی) फा. स्त्री.–नादुरुस्ती, ख़राबी; प्रतिकूलता, मुख़ालफ़त।

नासाफ़ (ناصاف) फा.अ. वि.–जो साफ़ और स्वच्छ न हो; जो ख़ालिस न हो।

नासिक (ناسک) अ. वि.–ईश्वराराधना करनेवाला, इबादतगुज़ार; बलिदान करनेवाला, क़ुर्बानी करनेवाला।

नासिख़ (ناسخ) अ. वि.–लिखनेवाला, लिपिक; रद करनेवाला, निरसक (उर्दू के एक प्रसिद्ध कवि)।

नासितूदः (ناستودہ) फा. वि.–अप्रशंसित, जिसकी तारीफ़ न की गयी हो।

नासिपास (ناسپاس) फा.वि.–नाशुक्रा, अकृतज्ञ, नमकहराम।

नासिपासगुज़ार (ناسپاس گزار) फा. वि.–उपकार की कृतज्ञता न माननेवाला।

नासिपासी (ناسپاسی) फा. स्त्री.–उपकार न मानना, कृतघ्नता, नमकहरामी।

नासिब (ناصب) अ. वि.–स्थापना करनेवाला, लगानेवाला; ज़बर देनेवाला।

नासिबी (ناصبی) अ. वि.–हज़्रत अली को बुरा कहनेवाला संप्रदाय; उक्त संप्रदाय का व्यक्ति।

नासियः (ناصیہ) अ. पुं.–माथा, ललाट, भाल, पेशानी।

नासियःफ़र्सा (ناصیہ فرسا) अ. फा. वि.–माथा रगड़नेवाला अर्थात् ख़ुशामद करनेवाला; ज़मीन पर माथा रखकर पूजा या प्रणाम करनेवाला।

नासियःसा (ناصیہ سا) अ. फा. वि.–दे. 'नासियःफ़र्सा'।

नासिर (ناصر) अ. वि.–सहायक, मददगार; पृष्ठ-पोषक, हिमायती।

नासिर (ناثر) अ. वि.–नस्र लिखनेवाला, गद्यलेखक।

नासी (ناسی) अ. वि.–भूल जानेवाला, भूलनेवाला।

नासुतुर्दः (ناستردہ) फा.वि.–जिसका सर मूँड़ा न गया हो।

नासुफ़्तः (ناسفتہ) फा. वि.–जिसमें छेद न हुआ हो, अनविधा (मोती); कुमारी, अक्षता, बाकिरः।

नासूत (ناسوت) अ. पुं.–हमारा संसार, मर्त्यलोक, दुनिया।

नासूर (ناسور) अ. पुं.–एक प्रकार का घाव जो हमेशा रिस्ता रहता है और कभी अच्छा नहीं होता, नाड़ीव्रण।

नासेह (ناصح) अ. पुं.–नसीहत करनेवाला, सदुपदेशक; साहित्यिक परिभाषा में प्रेम-त्याग का उपदेश देनेवाला।

नासेहे मुश्फ़िक़ (ناصح مشفق) अ. पुं.–दयावान् और नम्र स्वभाववाला, नासेह।

नास्पाल (ناسپال) फा. पुं.–अनार का छिलका।

नाहंजार (ناهنجار) फा. वि.–अधम, नीच, कमीना; कदाचारी, दुष्कर्मी, बदचलन।

नाहक़ (ناحق) फा. अ. वि.–अकारण, बेसबब; अन्याय, अनीति, नाइंसाफ़ी।

नाहक़कोश (ناحق کوش) फा. अ. वि.–अनीति और अन्याय की ओर प्रवृत्त रहनेवाला।

नाहक़शनास (ناحق شناس) फा. अ. वि.–सच्चाई को न पहचाननेवाला; ख़ुदा को न पहचाननेवाला।

नाहक़शनासी (ناحق شناسی) फा. अ. स्त्री.–ख़ुदा को न पहचानना; सच्चाई को न पहचानना; अन्याय, अनीति।

नाहमदर्द (ناهمدرد) फा. वि.–जिसमें सहानुभूति न हो, बेमुरव्वत, दुःशील।

नाहमवार (ناهموار) फा. वि.–जो समतल न हो, ऊँचा-नीचा; जो सभ्य और शिष्ट न हो, उजड्ड, असम।

नाहार (ناهار) फा. वि.–जो सवेरे से भूखा हो, नहारमुँह।

नाहियः (ناحیہ) अ. पुं.–किनारा, छोर, हद; किसी देश की आख़िरी हद।

नाही (ناهی) अ. वि.–रोकनेवाला, निवारक; मना करनेवाला, निषेधक।

नाही (ناحی) अ. वि.–इरादा करनेवाला, संकल्पकर्ता।

नाहीद (ناهید) फा. स्त्री.–शुक्र ग्रह, ज़ुहरः।

नि

निअम (نعم) अ. स्त्री.–'ने'मत' का बहु., ने'मतें, अच्छी-अच्छी चीज़ें।

निआल (نعال) अ. पुं.–'ना'ल' का बहु., जूते, पादुकाएँ; घोड़े के नाल।

निक़ात (نقاط) अ. पुं.–'नुक़्तः' का बहु., बिंदियाँ, नुक़्ते, शून्य।

निकात (نکات) अ. पुं.–'नुक्तः' का बहु., सूक्ष्म और गूढ़ बातें।

निक़ाब (نقاب) अ. स्त्री.–मुखावरण, मुखपट, बुर्क़ा; ओट, पर्दा (नक़ाब)।

निक़ाबकुशाई (نقاب‌کشائی) अ.फा.स्त्री.–दुल्हन के मुँह से निक़ाब उठाने की रस्म; किसी चित्र पर से पर्दा उठाने का उत्सव, अनावरण।

निक़ाबपोश (نقاب‌پوش) अ. फा. वि.–जो अपना मुँह छिपाये हो, जिसके मुँह पर निक़ाब पड़ी हो।

निक़ाबे रुख़ (نقابِ رخ) अ. फा. स्त्री.–मुखपट, बुर्क़ा, घूँघट।

निक़ार (نقار) अ. पुं.–द्वेष, वैर, कीना।

निकाह (نکاح) अ. पुं.–पाणि-ग्रहण, विवाह, ब्याह।

निकाहनामः (نکاح‌نامہ) अ. फा. पुं.–वह पत्र जिसमें ब्याह की शर्तें लिखी हों।

निकाहे सानी (نکاحِ ثانی) अ. पुं.–दूसरा ब्याह, पहले पति के मरने पर दूसरे व्यक्ति के साथ ब्याह, पुनर्विवाह।

निको (نکو) फा. वि.–उत्तम, श्रेष्ठ, अच्छा; सुन्दर, हसीन।

निकोई (نکوئی) फा.स्त्री.–उत्तमता, अच्छाई; सुन्दरता, हुस्न।

निकोकार (نکوکار) फा.वि.–अच्छे आचरणवाला, सदाचार।

निकोख़्वाह (نکوخواہ) फा. वि.–भलाई चाहनेवाला, शुभचिंतक, हितैषी।

निकोनाम (نکونام) फा.वि.–नामवर, उत्तमयश, कीर्तिमान्।

निकोहिश (نکوهش) फा. स्त्री.–भर्त्सना, डाँट-फटकार; निंदा, बुराई।

निकोहीदः (نکوهیده) फा. वि.–निंदित, कुत्सित, धिक्कृत।

निक़्मत (نقمت) अ. स्त्री.–कष्ट, पीड़ा, यातना, अज़ाब; द्वेष, कीना।

निक़्रिस (نقرس) अ. पुं.–कमर की जड़ से अँगूठे तक पूरे पाँव में होनेवाला एक दर्द।

निख़्वत (نخوت) अ. स्त्री.–अभिमान, अहंकार, ग़ुरूर।

निख़्वतपसंद (نخوت‌پسند) अ. फा. वि.–अभिमानी, अहंकारी, मग़रूर।

निगर (نگر) फा. प्रत्य.–ताकनेवाला, देखनेवाला, जैसे—'दस्तनिगर' दूसरे के हाथ की तरफ़ देखनेवाला, अर्थात् पराश्रय।

निगराँ (نگران) फा. वि.–निरीक्षक, जाँच-पड़ताल करनेवाला; संरक्षक, मुहाफ़िज़; अभिभावक, सर्परस्त; प्रतीक्षक, रस्ता देखनेवाला।

निगरानी (نگرانی) फा. स्त्री.–निरीक्षण, देख-रेख; संरक्षण, हिफ़ाज़त; अभिभावकता, सरपरस्ती।

निगह (نگہ) फा. स्त्री.–'निगाह' का लघु., दे. 'निगाह'।

निगहदाश्त (نگہداشت) फा. स्त्री.–संरक्षण, निगरानी।

निगहबान (نگہبان) फा. वि.–संरक्षक, देख-रेख करनेवाला।

निगार (نگار) फा. पुं.–मूर्ति, प्रतिमा, बुत; चित्र, नक़्श; प्रेमपात्र, महबूब; प्रेयसी, प्रेमिका, महबूबः; हाथ-पाँव पर मेंहदी से बनाये हुए चित्र (प्रत्य.) चित्रित, जैसे—'ज़र्रीनिगार' स्वर्णचित्रित।

निगारख़ानः (نگارخانہ) फा. पुं.–चित्रालय, तस्वीर-घर; सजा हुआ मकान; मूर्तिगृह, बुतख़ाना; जहाँ बहुत-सी सुन्दरियाँ एकत्र हों वह स्थान।

निगारिंदः (نگارنده) फा. वि.–लिखनेवाला; चित्र बनानेवाला।

निगारिश (نگارش) फा. स्त्री.–लेख, तहरीर; चित्र, नक़्श।

निगारिस्तान (نگارستان) फा. पुं.–चित्रालय, जहाँ बहुत-सी तस्वीरें हों; जहाँ बहुत-सी हसीन शक्लें हों; मूर्ति-गृह।

निगारीं (نگارین) फा. वि.–चित्रित, नक़्शीन; शृंगारित, मुरस्सा।

निगारेअर्मनी (نگارِ ارمنی) फा. स्त्री.–फ़र्हाद की प्रेमिका, शीरीं।

निगाश्तः (نگاشتہ) फा. वि.–लिखा हुआ, लिखित; चित्रित, मुनक़्क़श।

निगाश्तनी (نگاشتنی) फा.. अव्य.–लिखने योग्य; चित्र बनाने योग्य।

निगाह (نگاه) फा. स्त्री.–दृष्टि, नज़र, प्रेक्षा।

निगाहदार (نگاهدار) फा. वि.–संरक्षक, निगहबान।

निगाहदाश्त (نگاهداشت) फा. स्त्री.–संरक्षा, हिफ़ाज़त, निगरानी, देख-रेख।

निगाहबान (نگاهبان) फा. वि.–संरक्षक, निगराँ, देख-रेख करनेवाला।

निगाहेक़ह्र (نگاهِ قہر) फा. अ. स्त्री.–क्रोध की दृष्टि, ग़ुस्से की नज़र।

निगाहे ग़लत अंदाज़ (نگاهِ غلط‌انداز) फा. वि.–ऐसी दृष्टि जिसे हर व्यक्ति यह समझे कि उसी की ओर है, भ्रम में डालनेवाली दृष्टि।

निगाहे तअम्मुक़ (نگاهِ تعمق) फा. अ. स्त्री.–सूक्ष्म दृष्टि, गहरी नज़र।

निगाहेनाज़ (نگاہ‌ناز) फा. स्त्री.—नाज़ो अंदाज़ की दृष्टि।
निगाहे पर्वरिश (نگاہ‌پرورش) फा. स्त्री.—कृपादृष्टि, मेह्रबानी की नज़र, दयादृष्टि।
निगाहेबद (نگاہ‌بد) फा. स्त्री.—बुरी नज़र, कुदृष्टि, पाप-दृष्टि।
निगाहेमेह्र (نگاہ‌مہر) फा. स्त्री.—कृपा-दृष्टि, दया-दृष्टि, करम की निगाह।
निगूँ (نگوں) फा. वि.—औंधा, उलटा, अधोमुख।
निगूँताले' (نگوں‌طالع) फा. अ. वि.—दे. 'निगूँबख़्त'।
निगूँबख़्त (نگوں‌بخت) फा. वि.—औंधी क़िस्मतवाला, हतभाग्य।
निगूँसार (نگوں‌سار) फा. वि.—औंधा, उलटा, अधोमुख।
निगूँहिम्मत (نگوں‌ہمت) फा. अ. वि.—हतसाहस, हतोत्साह, पस्त हिम्मत।
निज़ाअ (نزاع) अ. स्त्री.—झगड़ा, दंगा, फ़साद; वैर, शत्रुता, दुश्मनी।
निज़ाएलफ़्ज़ी (نزاع‌لفظی) अ. स्त्री.—केवल बातों का झगड़ा, ज़बानी झगड़ा, वाक्कलह, शाब्दिक-कलह।
निज़ाद (نژاد) फा. स्त्री.—कुल, वंश, नसब, दे. 'नज़ाद', अधिक शुद्ध वही है।
निज़ाम (نظام) अ. पुं.—प्रबंध, व्यवस्था, इंतिज़ाम; क्रम, सिलसिला; शैली, पद्धति, तर्ज़; संघटन, तंज़ीम।
निज़ामी (نظامی) अ.वि.—सैनिक, फ़ौजी; प्रबंध से सम्बन्ध रखनेवाला।
निज़ामेफ़ीसाग़ोर्स (نظام‌فیثاغورث) अ. पुं.—दे. 'निज़ामे शम्सी'।
निज़ामेबत्लीमूस (نظام‌بطلیموس) अ. पुं.—जिसमें यह माना गया है कि पृथ्वी अचल है और चाँद-सूरज आदि ग्रह इसके चारों ओर घूमते हैं।
निज़ामेशम्सी (نظام‌شمسی) अ. पुं.—जिसमें यह माना गया है कि सूरज अचल है, और पृथ्वी तथा दूसरे ग्रह उसके चारों ओर घूमते हैं, आधुनिक वैज्ञानिकों का मत भी यही है।
निज़ामेसल्तनत (نظام‌سلطنت) अ. पुं.—राज्य-प्रबंध, राज की व्यवस्था।
निज़ामेहुकूमत (نظام‌حکومت) अ. पुं.—दे. 'निज़ामेसल्तनत'।
निज़्द (نزد) फा. वि.—समीप, निकट, क़रीब, दे. 'नज़्द', दोनों शुद्ध हैं।
निदा (ندا) अ. स्त्री.—बुलाना, पुकारना, आवाहन; वह शब्द जो बुलाने के लिए प्रयुक्त हो जैसे, 'ओ' 'ए' आदि।
निदाएग़ैब (ندائے‌غیب) अ. स्त्री.—आकाशवाणी, ग़ैबी आवाज़।
निफ़ाक़ (نفاق) अ. पुं.—फूट, एकता का न होना; शत्रुता, वैर, दुश्मनी।
निफ़ाक़अंगेज़ (نفاق‌انگیز) अ. फा. वि.—फूट डालनेवाली बात, विरोध करानेवाली बात।
निफ़ाक़पर्वर (نفاق‌پرور) अ. फा. वि.—फूट डालनेवाला व्यक्ति, भेदकर्ता।
निफ़ाक़ेबाहमी (نفاق‌باہمی) अ. फा. स्त्री.—आपस की फूट, पारस्परिक विरोध।
निफ़ास (نفاس) अ. पुं.—वह रक्तस्राव जो प्रसूतिका के शरीर से बच्चा जनने के चालीस दिन तक होता रहे।
निफ़्तः (نفطہ) अ. पुं.—छाला, फफोला, आब्ला।
निफ़्त (نفت) फा. पुं.—मिट्टी का तेल; बारूद।
निफ़्तअंदाज़ (نفت‌انداز) फा.वि.—बारूदी हथियार चलानेवाला, गोलंदाज़, तोप दाग़नेवाला।
निफ़्रीं (نفریں) फा. स्त्री.—धिक्कार, लानत।
निब्रास (نبراس) अ. पुं.—दीप, दीपक, चिराग़।
निया (نیا) फा. पुं.—प्रतिष्ठा, इज़्ज़त; दादा, पितामह; नाना, मातामह; मामूँ, मातुल।
नियाइश (نیائش) फा. स्त्री.—स्तुति, हम्दोसना; प्रशंसा, तारीफ़; साधुवाद, शाबाश।
नियागाँ (نیاگاں) फा. पुं.—'निया' का बहु., पूर्वज, पुरखे, बुज़ुर्ग।
नियाज़ (نیاز) फा. पुं.—प्रार्थना, गुज़ारिश; इच्छा, आर्ज़ू; परिचय, जान-पहचान; साक्षात्, मुलाक़ात (स्त्री.) चढ़ावा, भेंट; चढ़ावे की मिठाई; फ़ातहा, मुर्दे या किसी बुज़ुर्ग का खाना आदि।
नियाज़आगीं (نیازآگیں) फा. वि.—दे. 'नियाज़मंद'।
नियाज़केश (نیازکیش) फा. वि.—दे. 'नियाज़मंद'।
नियाज़नामः (نیازنامہ) फा. पुं.—विनयपत्र, वक्ता अपने पत्र के लिए बोलता है।
नियाज़मंद (نیازمند) फा. वि.—आज्ञाकारी, ताबेदार; परिचित, मुलाक़ाती; भक्त, फ़िदाई; मित्र, दोस्त।
नियाज़मंदानः (نیازمندانہ) फा. अव्य.—भक्तों-जैसा, आज्ञाकारियों-जैसा, नम्रतापूर्ण।
नियाज़मंदी (نیازمندی) फा.स्त्री.—आज्ञाकारिता; भक्ति; मैत्री, दोस्ती।
नियाब (نیاب) अ. पुं.—'नाब' का बहु., सामने के दाँतों और डाढ़ों के बीचवाले दाँत।
नियाबत (نیابت) अ. स्त्री.—प्रतिनिधित्व, क़ाइममुक़ामी; दूत-कर्म, एलचीपन; अभिकर्म, एजेंटी; स्थानापन्नता, क़ाइममुक़ामी।

नियाम (نیام) फा. पुं.—कोष, मियान, तलवार का ग़िलाफ़।

नियोश (نیوش) फा. प्रत्य.—सुननेवाला, जैसे—'हक़नियोश' सच्ची बात सुननेवाला।

नियोशिंदः (نیوشندہ) फा. वि.—सुननेवाला, श्रोता।

निवालः (نوالہ) फा. पुं.—कवल, ग्रास, लुक़्मा।

निविश्तः (نوشتہ) फा. पुं.—लिखित, लिखा हुआ; लेख, तहरीर।

निविश्त (نوشت) फा. वि.—लिखा हुआ, लिखित।

निविश्तए तक़दीर (نوشتۂ تقدیر) फा. अ. पुं.—भाग्य-रेखा, क़िस्मत का लिखा।

निशस्तः (نشستہ) फा. वि.—बैठा हुआ।

निशस्त (نشست) फा. स्त्री.—बैठक, बैठने की मुद्रा; गोष्ठी, मज्लिस; एक बार की बैठक या जलसा।

निशस्तगाह (نشستگاہ) फा. स्त्री.—बैठने का स्थान, दीवानख़ाना।

निशस्तो बरख़ास्त (نشست و برخاست) फा. स्त्री.—उठना-बैठना, आना-जाना।

निशाँ (نشاں) फा. पुं.—'निशान' का लघु, दे. 'निशान', (प्रत्य.) बैठानेवाला, जैसे—'ख़ातिरनिशाँ' दिल में बिठाने या जमानेवाला।

निशाँज़दः (نشاں زدہ) फा. वि.—जिस पर निशान हो, चिह्नित, अंकित।

निशाँदिही (نشاں دہی) फा. स्त्री.—पता देना, निशान बताना।

निशानः (نشانہ) फा. पुं.—वह स्थान जिस पर निशाना लगाया जाय, लक्ष्य; ताकना, निशाना मारना।

निशानःअंदाज़ (نشانہ انداز) फा. वि.—ठीक निशाना लगानेवाला, लक्ष्यभेदी।

निशान (نشان) फा. पुं.—चिह्न, अलामत; धब्बा, दाग़; खोज, तलाश; पता, सुराग़; मुह्र का चिह्न; झंडा, पताका।

निशानची (نشانچی) फा. वि.—झंडा हाथ में लेकर आगे चलनेवाला; अच्छा निशाना लगानेवाला।

निशानी (نشانی) फा. स्त्री.—स्मृति-चिह्न, यादगार; पहचान, शनाख़्त; चिह्न, निशान; लक्षण, अलामत।

निशानेक़दम (نشان قدم) फा. अ. पुं.—पाँव का चिह्न, पद-चिह्न।

निशानेपा (نشان پا) फा. पुं.—दे. 'निशानेक़दम'।

निशानेमंज़िल (نشان منزل) फा. अ. पुं.—मंज़िल का पता, गंतव्य स्थान का चिह्न।

निशानेमील (نشان میل) फा. अ. पुं.—सड़क पर मीलों का चिह्न।

निशानेराह (نشان راہ) फा. पुं.—रस्ते का पता, रस्ता किधर है यह पता; राह के मील, फ़र्लांग आदि का चिह्न।

निशेद (نشید) फा. पुं.—गान, नग़्मा, गाने की आवाज़।

निशेदख़्वाँ (نشید خواں) फा. वि.—गानेवाला, गायक; मीठी आवाज़ से पढ़नेवाला, तरन्नुमरेज़।

निशेब (نشیب) फा. पुं.—नीची ज़मीन; निचाई, पस्ती, नशेब भी प्रचलित।

निशेबोफ़राज (نشیب و فراز) फा. पुं.—ऊँचा-नीचा, बलंदी और पस्ती; संसार की ऊँच-नीच।

निशेमन (نشیمن) फा. पुं.—घोंसला, कुलाय (नशेमन)।

निश्कुंज (نشکنج) फा. स्त्री.—चुटकी, बकोटा।

निश्तर (نشتر) फा. पुं.—शल्य, चीरफाड़ का आला (नश्तर)।

निश्तरकदः (نشترکدہ) फा. पुं.—आपरेशन रूम, चीरघर।

निश्तरज़न (نشترزن) फा. वि.—निश्तर मारनेवाला, आपरेशन करनेवाला।

निश्तरे फ़स्साद (نشتر فصاد) फा. अ. पुं.—वह निश्तर जिससे रगों का ख़ून निकाला जाता है।

निश्तरे रगज़न (نشتر رگ زن) फा. पुं.—दे. 'निश्तरे फ़स्साद'।

निश्वर (نشوار) फा. स्त्री.—जुगाली।

निसा (نسا) अ. स्त्री.—स्त्रियाँ, औरतें।

निसाब (نصاب) अ. पुं.—पूंजी, सरमाया; मूल, आधार।

निसाबे ज़कात (نصاب زکات) अ. पुं.—वह धन जिस पर ज़कात वाजिब हो जाती है और वह ५० तोला चाँदी और साढ़े सात तोला सोना होता है।

निसाबे ता'लीम (نصاب تعلیم) अ. पुं.—वे पुस्तकें जो किसी पाठशाला या कक्षा में पढ़ायी जाती हों, पाठ्यक्रम।

निसार (نثار) अ. पुं.—बलि, क़ुर्बान; सद्क़ः, न्योछावर; मुग्ध, फ़िरेफ़्तः।

निसारे यार (نثار یار) अ. फा. पुं.—प्रेमिका पर न्योछावर।

निस्फ़ (نصف) अ. वि.—अर्द्ध, आधा।

निस्फ़ुन्नहार (نصف النہار) अ. पुं.—दोपहर, मध्याह्न।

निस्फ़ुल्लैल (نصف اللیل) अ. स्त्री.—आधीरात, अर्द्धरात्रि।

निस्बत (نسبت) अ. स्त्री.—सम्बन्ध, तअल्लुक़; लगाव, संपर्क; सगाई, मँगनी; तुलना, समता, बराबरी।

निस्यः (نسیہ) अ. पुं.—उधार, ऋण, क़र्ज़।

निस्याँ (نسیاں) अ. पुं.—'निस्यान' का लघु., दे. 'निस्यान'।

निस्यान (نسیان) अ. पुं.—भूल, विस्मृति।

निस्रीं (نسریں) अ. पुं.—एक फूल, सेवती।

निस्वत (نسوت) अ. स्त्री.—नारियाँ, स्त्रियाँ, औरतें।

निस्वाँ (نسواں) अ. स्त्री.—'इम्रअत' का बहु., स्त्रियाँ, महिलाएँ।

निस्वानियत (نسوانیت) अ. स्त्री.—स्त्रीत्व, औरतपन; जनानापन, नरदारत्व।

निस्वानी (نسوانی) अ. वि.—स्त्रियों का; स्त्रियों से सम्बन्ध रखनेवाला।

निस्वानीयत (نسوانیت) अ. स्त्री.—दे. 'निस्वानियत', दोनों तरह शुद्ध है।

निहाँ (نہاں) फा. वि.—गुप्त, छिपा हुआ।

निहाँख़ानः (نہانخانہ) फा.पुं.—तहख़ाना, तलगृह, अधोगृह।

निहानी (نہانی) फा. वि.—भीतरी; आन्तरिक, अंदरूनी।

निहादः (نہادہ) फा. वि.—रखा हुआ।

निहाद (نہاد) फा. स्त्री.—स्वभाव, प्रकृति, आदत; आधार, बुनियाद, (प्रत्य.) स्वभाववाला, जैसे—'नेकनिहाद' अच्छे स्वभाववाला; रखा हुआ, जैसे—'दिलनिहाद' जहाँ दिल रक्खा हो।

निहायत (نہایت) अ. स्त्री.—अंत, छोर, हद; अत्यन्त, बहुत अधिक।

निहायतदर्जः (نہایت درجہ) अ. वि.—बहुत अधिक, बहुत ज़ियादा।

निहाल (نہال) फा. पुं.—पौधा, छोटा पेड़, (वि.) प्रफुल्ल, प्रसन्न, ख़ुश; समृद्ध, मालामाल।

निहालचः (نہالچہ) फा. पुं.—छोटे बच्चों का बिछौना, जिस पर वह गू-मूत करते हैं।

निहालीं (نہالیں) फा. स्त्री.—दे. 'निहाली'।

निहाली (نہالی) फा. स्त्री.—तोशक, बिस्तर।

निहिंदः (نہندہ) फा. वि.—रखनेवाला।

निहुफ़्तः (نہفتہ) फा. वि.—गुप्त, छिपा हुआ, पोशीदः।

निहुफ़्त (نہفت) फा. वि.—गुप्ति, छिपाव, पोशीदगी।

निहुफ़्तगी (نہفتگی) फा. स्त्री.—छिपाव, पोशीदगी।

निहुफ़्तनी (نہفتنی) फा. अव्य.—छिपाने योग्य, गुह्य, गोप्य, गोपनीय।

निहेब (نہیب) फा. पुं.—भय, त्रास, डर, ख़ौफ़; भयानक आवाज़, घोर नाद; लूटमार, ग़ारतगरी।

नी

नी (نی) फा. प्रत्य.—के योग्य, जैसे—'कर्दनी', करने के योग्य, 'गुफ़्तनी' कहने के योग्य।

नीज़ (نیز) फा. अव्य.—और, अथवा; भी, अपि।

नीमः (نیمہ) फा. वि.—अर्द्ध, अर्ध, आधा; एक प्रकार का ऊँचा पाजामा।

नीमःआस्तीं (نیمہ آستیں) फा. पुं.—दे. 'नीमआस्तीं'।

नीम (نیم) फा. वि.—अर्द्ध, आधा, निस्फ़; अल्प, न्यून, थोड़ा।

नीमआस्तीं (نیم آستیں) फा. पुं.—एक प्रकार का कुर्ता जिसकी आस्तीनें छोटी होती हैं।

नीमकश (نیم کش) फा. वि.—आधा अन्दर आधा बाहर (विशेषतः बाण), कम खींचकर चलाये हुए धनुष का तीर जो शरीर में से पार न हो सके।

नीमकारः (نیم کارہ) फा. वि.—अपूर्ण, नाक़िस।

नीमकार (نیم کار) फा. वि.—वह कारीगर जो दूसरों के औज़ार से काम करे और मजदूरी में उसे हिस्सा दे।

नीमकुश्तः (نیم کشتہ) फा. वि.—अधमुआ, जिसका गला काटकर छोड़ दिया हो और वह तड़प रहा हो।

नीमख़ुर्दः (نیم خوردہ) फा. वि.—आधा खाया हुआ, जूठा, जूठन, उच्छिष्ट, भुक्तशेष।

नीमख़ेज़ (نیم خیز) फा. वि.—किसी के सम्मानार्थ आधा खड़ा होना।

नीमख़्वाब (نیم خواب) फा. वि.—वह आँख जिसमें कच्ची नींद से जगा देने की-जैसी लालिमा और मस्ती हो, अर्धसुप्त।

नीमख़्वाबी (نیم خوابی) फा. स्त्री.—कच्ची नींद से जागने की कैफ़ियत, कच्ची नींद।

नीमगर्म (نیم گرم) फा. वि.—गुनगुना, कदुष्ण, कवोष्ण, जो न बहुत गर्म हो न बहुत ठंडा।

नीमगुफ़्तः (نیم گفتہ) फा. वि.—आधा कहा हुआ, जो बात कुछ कही जा चुकी हो और कुछ कहना बाक़ी हो।

नीमचः (نیمچہ) फा. पुं.—छोटी तलवार, खड्गपुत्री।

नीमजाँ (نیم جاں) फा. वि.—अधमुआ, जो मरने के क़रीब हो, आसन्नमृत्यु, मृतप्राय।

नीमजोश (نیم جوش) फा. वि.—आधी उबाली हुई चीज़।

नीमतस्लीम (نیم تسلیم) फा. वि.—एक प्रकार का सलाम जिसमें झुककर हाथ पेट तक ले जाते हैं।

नीमदस्त (نیم دست) फा. वि.—बड़े आदमियों के बैठने की मस्नद, छोटी मस्नद।

नीमदस्ती (نیم دستی) फा. स्त्री.—दे. 'नीमदस्त'।

नीमनिगाह (نیم نگاہ) फा. स्त्री.—कनखियों से देखना, तिरछी निगाह, कटाक्ष-पात।

नीमनिगाही (نیم نگاہی) फा. स्त्री.—कनखयों से देखने का भाव।

नीमपुख़्तः (نیم پختہ) फा. वि.—जो पूरी तरह पका न हो, अर्द्धपक्व।

नीमपुख़्त (نیم پخت) फा. वि.—दे. 'नीमपुख़्तः'।

नीमबाज़ (نیم باز) फा. वि.—आधा खुला हुआ, विशेषतः आधी खुली हुई आँख, नशीली आँख।

नीमबिरिश्त (نیم برشت) फ़ा. वि.–आधा भुना हुआ; आधा उबला हुआ, जैसे—नीमबिरिश्त अंडा।
नीमबिर्याँ (نیم بریاں) फ़ा. वि.–आधा भुना हुआ, अधजला।
नीमबिस्मिल (نیم بسمل) फ़ा. वि.–दे. 'नीमकुश्तः'।
नीममस्त (نیم مست) फ़ा. वि.–जिसे मस्ती के साथ कुछ-कुछ होश भी हो, अर्द्धमत्त।
नीमरस (نیم رس) फ़ा. वि.–जो मेवा अभी पूरे तौर से पका न हो, गद्दर।
नीमराज़ी (نیم راضی) फ़ा. वि.–जो कुछ-कुछ रज़ामंद हो, मगर पूरी तरह राज़ी न हो, अर्धसहमत।
नीमरिज़ा (نیم رضا) फ़ा. अ. स्त्री.–आधी रज़ामंदी, अर्ध-सहमति।
नीमरुख़ (نیم رخ) फ़ा. वि.–चेहरे के एक पार्श्व की तस्वीर।
नीमरोज़ (نیم روز) फ़ा. पुं.–दोपहर, मध्याह्न।
नीमवा (نیم وا) फ़ा. वि.–आधा खुला हुआ, आधा खुला और आधा बंद।
नीमशगुफ़्तः (نیم شگفتہ) फ़ा. वि.–जो फूल आधा खिल गया हो, अर्द्ध-मुकुलित।
नीमशब (نیم شب) फ़ा. स्त्री.–आधीरात, अर्द्धरात्रि।
नीमशिकस्तः (نیم شکستہ) फ़ा. वि.–आधा टूटा हुआ।
नीमसुफ़्तः (نیم سفتہ) फ़ा. वि.–आधा पिरोया हुआ।
नीमसेर (نیم سیر) फ़ा. वि.–जिसका पेट कुछ-कुछ भर गया हो, परन्तु पूरी तरह तृप्त न हुआ हो; जिसकी इच्छा अभी कुछ-कुछ बाक़ी हो, अर्धतृप्त।
नीमसोख़्तः (نیم سوختہ) फ़ा. वि.–आधा जला हुआ।
नीयत (نیت) अ. स्त्री.–संकल्प, इरादा; आशय, मक़्सद; ध्यान, ख़याल।
नीयते बद (نیت بد) अ. फ़ा. स्त्री.–बुरा आशय, बुरा इरादा।
नीरान (نیران) अ. स्त्री.–'नार' का बहु., 'अग्नियाँ'।
नीरू (نیرو) फ़ा. पुं.–शक्ति, बल, ज़ोर।
नीलः (نیلہ) फ़ा. पुं.–नील गाय।
नील (نیل) फ़ा. वि.–नील का रंग; नील का पौधा।
नीलगर (نیل گر) फ़ा. वि.–नील बनानेवाला।
नीलगाव (نیل گاو) फ़ा. पुं.–नीलगाय, नीला।
नीलगूँ (نیلگوں) फ़ा. वि.–नीले रंग का।
नीलफ़ाम (نیل فام) फ़ा. वि.–नीले शरीरवाला, कृष्ण।
नीलम (نیلم) फ़ा. पुं.–एक प्रसिद्ध रत्न, नीलमणि, नील-कान्त, शनिप्रिय।
नीली (نیلی) फ़ा. वि.–नीले रंग का।
नीलीफ़ाम (نیلی فام) फ़ा. वि.–नीले रंग का आकाश।
नीलीरवाक़ (نیلی رواق) फ़ा. पुं.–जिसकी छत नीली हो, अर्थात् आकाश।
नीलोफ़र (نیلوفر) फ़ा. पुं.–नीलोत्पल, कुमुद, कुइं।
नीलोफ़रे आफ़्ताबी (نیلوفر آفتابی) फ़ा. पुं.–कमल, पद्म, नीरज, पंकज, अरविंद, राजीव, तामरस, सरसीरुह, पुष्कर, अंभोज, कँवल का फूल।
नीलोफ़रे माहताबी (نیلوفر ماھتابی) फ़ा. पुं.–कुमुद, कुमुदिनी।

नु

नुआस (نعاس) अ. स्त्री.–तंद्रा, ऊँघ, ग़ुनूदगी।
नुऊज़ (نعوظ) अ. पुं.–लिंगोत्थान, कामवेग से लिंग का खड़ा होना।
नुक़त (نقط) अ. पुं.–'नुक़्तः' का बहु., बिंदियाँ, नुक़्ते, शून्य।
नुक़बा (نقبا) अ. पुं.–'नक़ीब' का बहु., 'चोबदार'।
नुक़ूद (نقود) अ. पुं.–'नक़्द' का बहु., 'नक़्दियाँ'।
नुक़ूल (نقول) अ. स्त्री.–'नक़्ल' का बहु., नक़्लें, प्रतिलिपियाँ।
नुक़ूश (نقوش) अ. पुं.–'नक़्श' का बहु., चित्र, रेखाएँ।
नुक़्तः (نقطہ) अ. पुं.–बिंदी, बिंदु, सिफ़्र; बुंदकी, चिह्न, निशान।
नुक्तः (نکتہ) अ. पुं.–तह की बात; सूक्ष्मता, बारीकी; रहस्य, मर्म, भेद; चुटकुला, लतीफ़ा।
नुक़्तःगाह (نقطہ گاہ) अ. फ़ा. स्त्री.–वृत्त के केन्द्र का बिंदु।
नुक्तःचीन (نکتہ چین) अ. फ़ा. वि.–मीन-मेख निकालने-वाला, ऐब ढूँढ़नेवाला, छिद्रान्वेषी, आलोचक।
नुक्तःदाँ (نکتہ داں) अ. फ़ा. वि.–किसी कलाविशेष की बारीकी जाननेवाला; काव्य-मर्मज्ञ, शे'र की बारीकियाँ समझनेवाला; कला-मर्मज्ञ।
नुक्तःदानी (نکتہ دانی) अ.फ़ा. स्त्री.–मर्म और बारीकियाँ समझना।
नुक्तःनवाज़ (نکتہ نواز) अ. फ़ा. वि.–ज़रा-सी बात पर प्रसन्न हो जानेवाला, आशुतोष; ईश्वर।
नुक्तःनवाज़ी (نکتہ نوازی) अ. फ़ा. स्त्री.–ज़रा-सी बात पर प्रसन्न हो जाना।
नुक्तःरस (نکتہ رس) अ. फ़ा. वि.–दे. 'नुक्तःदाँ'।
नुक्तःरसी (نکتہ رسی) अ. फ़ा. स्त्री.–दे. 'नुक्तःदानी'।
नुक्तःसंज (نکتہ سنج) अ. फ़ा. वि.–दे. 'नुक्तःदाँ'।
नुक्तःसंजी (نکتہ سنجی) अ. फ़ा. स्त्री.–दे. 'नुक्तःदानी'।
नुक़्तए इंतिख़ाब (نقطۂ انتخاب) अ. पुं.–वह नुक़्तः जो किसी शे'र आदि के पसंद आने पर, किताब के हाशिए पर लगा देते हैं।

नुक्तए तक़ातो' (نقطۂ تقاطع) अ. पुं.–वह बिंदु जहाँ पर दो सरल रेखाएँ एक दूसरी को काटें।

नुक्तए पर्कार (نقطۂ پرکار) अ. फा. पुं.–वृत्त का वह बिंदु जहाँ से परिधि तक जितनी रेखाएँ खींची जायँ सब बराबर हों, केन्द्रबिन्दु।

नुक्तए मुक़ाबिल (نقطۂ مقابل) अ. पुं.–प्रतिद्वंद्वी, हरीफ़।

नुक्तए मौहूम (نقطۂ موهوم) अ. पुं.–वह बिन्दु जो इतना सूक्ष्म हो कि अटकल से ही समझा जा सके।

नुक्तए सुवैदा (نقطۂ سویدا) अ. पुं.–वह काला तिल जो हृदय पर होता है।

नुक़्रः (نقره) फा. पुं.–रजत, चाँदी।

नुक़्रई (نقرئی) फा. वि.–चाँदी-जैसा उज्ज्वल; चाँदी का बना हुआ; चाँदी का मुलम्मा किया हुआ।

नुक़्ल (نقل) अ. पुं.–शराब के साथ खायी जानेवाली चीज़; एक मिठाई, गज़क; चुटकुला, लतीफ़; मित्रगोष्ठी में खायी जानेवाली चीज़।

नुक़्लफ़रोश (نقل فروش) अ. फा. वि.–गज़क बेचनेवाला।

नुक़्लेख्वाजः (نقل خواجه) अ. फा. पुं.–चिरौंजी, एक प्रसिद्ध मेवा।

नुक़्ले मज्लिस (نقل مجلس) अ. पुं.–वह मिठाई जो मित्र-मंडली में तफ़्रीह के तौर पर खायी जाय; वह व्यक्ति जो सभा आदि में लोगों के मनोरंजन का विषय हो।

नुक़्ले महफ़िल (نقل محفل) अ. पुं.–दे. 'नुक़्ले मज्लिस'।

नुक़्सान (نقصان) अ. पुं.–हानि, क्षति, खसारा; त्रुटि, कमी; हरज, बाधा; तावान, दंड।

नुक़्सानदेह (نقصان ده) अ. फा. वि.–हानिकर, नुक़्सान पहुँचानेवाला।

नुक़्सानरसाँ (نقصان رساں) अ. फा. वि.–दे. 'नुक़्सानदेह'।

नुक़्साने अज़ीम (نقصان عظیم) अ. पुं.–बहुत बड़ी हानि।

नुक़्साने मायः (نقصان مایه) अ. फा. पुं.–माली नुक़्सान, अर्थ-हानि।

नुज़्हतगाह (نزهت گاه) अ. फा. स्त्री.–सैर तफ़्रीह की जगह, क्रीडास्थल; सरसब्ज़ और हरा-भरा मुक़ाम।

नुज़्हते ख़ातिर (نزهت خاطر) अ. स्त्री.–चित्त की प्रसन्नता।

नुख़ाअ (نخاع) अ. पुं.–रीढ़ की हड्डी, मेरुदंड।

नुख़ालः (نخاله) अ. पुं.–भूसी, तुष, चोकर।

नुख़ुस्त (نخست) फा. वि.–पहला, प्रथम।

नुख़ुस्तीं (نخستیں) फा. वि.–प्रथम, प्राथमिक, पहला।

नुजबा (نجبا) अ. पुं.–'नजीब' का बहु., कुलीन लोग।

नुजूम (نجوم) अ. पुं.–'नज्म' का बहु., उडुगण, तारे; ज्योतिष, इल्मे नुजूम।

नुजूमदाँ (نجوم داں) अ. फा. वि.–ज्योतिषी, नुजूमी।

नुजूमी (نجومی) अ. वि.–ज्योतिषी, इल्मेनुजूम जाननेवाला।

नुज़ूल (نزول) अ. पुं.–उतरना, ऊपर से नीचे आना; ठहरना, उतरना; सरकारी ज़मीन; मोतियाबिंद।

नुज़ूलेइज्लाल (نزول اجلال) अ. पुं.–किसी महान् व्यक्ति का पदार्पण।

नुज़ूलेमा (نزول ما) अ. पुं.–आँखों में पानी उतरने का रोग, मोतियाबिंद।

नुज़ूलेवही (نزول وحی) अ. पुं.–किसी पैग़म्बर पर ईश्वर का आदेश उतरना।

नुज़्ज (نضج) अ. पुं.–पकना, शरीर में दूषित धातु या मवाद का पककर इस योग्य होना कि वह दवा के ज़ोर से बाहर निकल सके।

नुज़्जेकामिल (نضج کامل) अ. पुं.–मवाद का पूरी तरह पककर इस क़ाबिल हो जाना कि शरीर से निकाला जा सके।

नुज़्ल (نزل) अ. पुं.–आतिथ्य, ज़ियाफ़त, मेहमानदारी।

नुज़्हत (نزهت) अ. स्त्री.–उत्तमता, उम्दगी; पवित्रता, पाकीज़गी; दोष न होना; समृद्धि, खुशहाली।

नुज़्हतकदः (نزهت کده) अ. फा. पुं.–दे. 'नज़्हतगाह'।

नुतूल (نطول) अ. पुं.–जोश दिये हुए दवाओं के पानी से शरीर के किसी अंग को धोना।

नुतुव्व (نتو) अ. पुं.–जगह से हट जाना, टल जाना।

नुतुव्वेरहिम (نتو رحم) अ. पुं.–गर्भाशय का अपनी जगह से हट जाना, गर्भच्युति।

नुत्क़ (نطق) अ. पुं.–शब्द, वाणी, बोली; वाक्शक्ति, वाचनशक्ति, गोयाई।

नुत्फ़ः (نطفه) अ. पुं.–वीर्य, शुक्र, मनी; संतान, औलाद; औरस, पुश्त।

नुत्फ़एनातहक़ीक़ (نطفۂ ناتحقیق) अ. फा. पुं.–जिसके बाप का पता न हो, संकर, जारज।

नुद्बः (ندبه) अ. पुं.–मृतक के लिए रोना; उसके शोक के शेर पढ़ना।

नुद्रत (ندرت) अ. स्त्री.–नूतनता, नवीनता, नयापन; अद्भुतता, विचित्रता, अजूबापन।

नुफ़ूज़ (نفوذ) अ. पुं.–अंदर घुसना, सरायत करना।

नुफ़ूस (نفوس) अ. पुं.–'नफ़्स' का बहु., व्यक्तियाँ, लोग।

नुफ़ूसे क़ुद्सीयः (نفوس قدسیه) अ. पुं.–पुनीतात्मा लोग, पाकनफ़्स लोग।

नुबुव्वत (نبوت) अ. स्त्री.–पैग़म्बरी, नबी होना।

नुब्लः (نبله) अ. पुं.–ढेला जिससे इस्तिंजा करते हैं।

नुमा (نما) फा. प्रत्य.–दिखानेवाला, जैसे–'राहनुमा' रस्ता दिखानेवाला।

नुमाइंदः (نمایندہ) फा. पुं.–प्रतिनिधि, किसी व्यक्ति की जगह उसका नाइब।

नुमाइंदए ख़ुसूसी (نمایندۂ خصوصی) अ.पुं.–किसी विशेष काम के लिए नियुक्त किया हुआ व्यक्ति-विशेष, मुख्य प्रतिनिधि।

नुमाइंदगी (نمایندگی) फा. स्त्री.–प्रतिनिधित्व, नियाबत।

नुमाइश (نمائش) फा. स्त्री.–प्रदर्शन, दिखावा; शृंगार, सज्जा, सजावट, आराइश; वह मेला जिसमें किसी विशेष चीज़ को सबके सामने पेश किया जाय, जैसे–फूलों की नुमाइश; आम मेला, प्रदर्शनी।

नुमाइशगाह (نمائشگاہ) फा. स्त्री.–वह स्थान जहाँ नुमाइश लगी हो।

नुमाइशी (نمائشی) फा. वि.–केवल देखने भर का; जो वोदा और कमज़ोर हो और काम में न आ सके; नुमाइश से सम्बन्ध रखनेवाला।

नुमायाँ (نمایاں) फा.वि.–व्यक्त, ज़ाहिर; स्पष्ट, वाज़ेह।

नुमू (نمو) अ. स्त्री.–उगना, बढ़ना, विकसित होना।

नुमूद (نمود) फा. स्त्री.–आविर्भाव, ज़ुहूर; धूम-धाम, तड़क-भड़क; ख्याति, शोहरत; उगना, निकलना,; अस्तित्व, हस्ती, प्रकट, प्रकाशित।

नुमूदार (نمودار) फा. वि.–आविर्भूत, व्यक्त, ज़ाहिर; अध्यक्ष, नायक, सरदार।

नुमूनः (نمونہ) फा.पुं.–बानगी, नमूना; उदाहरण, मिसाल; आकृति, नक़्शा।

नुम्रूद (نمرود) फा. पुं.–एक बहुत बड़ा अत्याचारी नरेश, जो अपने को ईश्वर कहता था और जिसने हज़्रत इब्राहीम को आग में डलवाया था।

नुवेद (نوید) फा. स्त्री.–शुभ सूचना, ख़ुशख़बरी; निमंत्रण, बुलावा, दे. 'नवेद', उर्दू में वही अधिक व्यवहृत है।

नुशूर (نشور) अ. पुं.–मरे हुए व्यक्तियों का क़ियामत के दिन फिर से उठना।

नुशख़्वार (نشخوار) फा. स्त्री.–जुगाली।

नुसुक (نسک) अ.स्त्री.–'नस्क' का बहु., इबादतें; क़ुर्बानियाँ।

नुसैरी (نصیری) अ. पुं.–एक संप्रदाय जो हज़्रत अली को ख़ुदा मानता है।

नुस्क (نسک) अ.स्त्री.–पूजा, आराधना, इबादत; क़ुर्बानी, बलि।

नुस्रत (نصرت) अ. स्त्री.–सहायता, मदद; समर्थन, ताईद; पृष्ठ-पोषण, हिमायत।

नुस्रतेहक़ (نصرت حق) अ. स्त्री.–ईश्वर की सहायता; सत्य की शक्ति।

नुह (نہ) फा. वि.–नव, नौ, आठ और एक।

नुहाक़ (نہاق) अ. पुं.–गधे की रेंकन।

नुहालः (نخالہ) अ.पुं.–गेहूँ आदि की भूसी, दे. 'नुख़ालः'।

नुहास (نحاس) अ. पुं.–ताम्र, ताँबा।

नुहुम (نہم) फा. वि.–नवम, नवाँ।

नुहूसत (نحوست) अ. स्त्री.–दुर्भाग्य का होना, बदक़िस्मती; अमंगल, नामुबारकी; अविभूति, बेबरकती।

नुह्ज़त (نہضت) अ. स्त्री.–प्रस्थान, प्रयाण, कूच, रवानगी।

नुह्ज़तफ़र्मा (نہضت فرما) अ. फा. वि.–जानेवाला, कूच करनेवाला, प्रस्थायी।

नूह्बत (نہبت) अ. स्त्री.–लूटमार, ग़ारतगरी।

नू

नूँ (نوں) अ. पुं.–नन का लघु., दे. 'नून'।

नून (نون) अ. पुं.–एक अक्षर 'न'; मत्स्य, मछली।

नूनेग़ुन्नः (نون غنہ) अ. पुं.–अनुस्वार, वह 'न' जो नाक में बोला जाय।

नूर (نور) अ. पुं.–प्रकाश, ज्योति, आभा, रोशनी; शोभा, छटा, रौनक़; चमक-दमक; मुखछटा, चेहरे की आबोताब, उजाला, हल्की रोशनी।

नूरअफ़्ज़ा (نورافزا) अ. फा. वि.–रोशनी बढ़ानेवाला।

नूरअफ़्शाँ (نورافشاں) अ. फा. वि.–रोशनी फैलानेवाला।

नूरपाश (نورپاش) अ. वि.–प्रकाश फैलानेवाला।

नूरफ़िशाँ (نورفشاں) अ. फा. वि.–दे. 'नूरअफ़्शाँ'।

नूरबख़्श (نوربخش) अ. फा. वि.–प्रकाश देनेवाला।

नूरबाफ़ (نورباف) अ. फा. वि.–कपड़ा बुननेवाला, जुलाहा।

नूरबार (نوربار) अ. फा. वि.–प्रकाश फैलानेवाला।

नूरानी (نورانی) अ. वि.–प्रकाशमान, उज्ज्वल, मुनव्वर।

नूरी (نوری) अ. वि.–नूर का, (फा.) एक प्रकार का लाल तोता; ख़ूबानी, ज़र्दालू।

नूरुन अलानूर (نورون علی نور) अ. वि.–नूर के ऊपर नूर, अत्यधिक प्रकाश, बहुत ही मांगलिक और शुभ।

नूरुलऐन (نورالعین) अ. पुं.–आँख की रोशनी, नेत्र-ज्योति, लड़के के लिए बोलते हैं।

नूरे ऐन (نور عین) अ. पुं.–दे. 'नूरुलऐन'।

नूरे चश्म (نور چشم) अ. फा. पुं.–आँख की रोशनी, लड़का, सुपुत्र।

नूरे जहाँ (نور جہاں) अ.फा.पुं.–संसार को प्रकाश देनेवाला।

नूरे दीदः (نور دیدہ) अ. फा. पुं.–दे. 'नूरे चश्म'।

नूरे नज़र (نور نظر) अ. पुं.–दे. 'नूरे चश्म'।

नूरे निगाह (نور نگاہ) अ. फा. पुं.–दे. 'नूरे चश्म'।

नूरे माह (نور ماہ) अ. फा. पुं.–चाँद की रोशनी, चाँदनी, ज्योत्सना, चंद्रप्रभा, कौमुदी, चंद्रिका, चंद्रातप।

नूरे मुजल्ला (نور مجلی) अ. पुं.–छिटका हुआ और साफ़ नूर, प्रकाश।

नूरे मुजस्सम (نور مجسم) अ. पुं.–जो सर से पाँव तक नूर ही नूर हो, जो नूर से बना हो, आपादमस्तक प्रकाश।

नूरे शम्अ (نور شمع) अ. पुं.–मोमबत्ती का प्रकाश।

नूरे शम्स (نور شمس) अ. पुं.–सूरज का प्रकाश, धूप, आतप।

नूरे सहर (نور سحر) अ. पुं.–प्रातःकाल का उजाला।

नूह (نوح) अ. पुं.–एक पैग़म्बर जिनके समय में पानी का बहुत बड़ा तूफ़ान आया था, जिसमें सारा संसार नष्ट हो गया था, कुछ आदमी बचे थे, जिनकी संतान इस समय है।

ने

नेक (نیک) फा. वि.–उत्तम, श्रेष्ठ, अच्छा; मांगलिक, शुभ, मुबारक; सदाचारी, खुश अमल; पुनीतात्मा, पार्सा; सीधा-सादा, सरलस्वभाव; कुलीन, शरीफ़; सदय, रहमदिल।

नेकअंजाम (نیک انجام) फा. वि.–वह काम जिसका परिणाम अच्छा हो।

नेकअंदेश (نیک اندیش) फा. वि.–भलाई सोचनेवाला, शुभचिंतक।

नेक अख़्तर (نیک اختر) फा. वि.–जिसके ग्रह अच्छे हों, भाग्यवान्।

नेकअख़्लाक़ (نیک اخلاق) अ. वि.–जिसका स्वभाव मिलनसार हो, सुशील, सज्जन।

नेकअमल (نیک عمل) फा. अ. वि.–जिसका आचरण अच्छा हो, सदाचारी।

नेकआ'माल (نیک اعمال) फा. अ. वि.–दे 'नेक अमल'।

नेकआ'माली (نیک اعمالی) फा. अ. स्त्री.–सदाचार, अच्छा आचरण, साधु भाव।

नेकक़दम (نیک قدم) फा. अ. वि.–जिसका आना कल्याण-कारी हो।

नेककर्दार (نیک کردار) फा. वि.–शुद्धाचारी, साधुवृत्त।

नेकख़याल (نیک خیال) फा. अ. वि.–जिसके विचार शुद्ध हों, शुचिव्रत, पावनचरित, बुद्धिशुद्ध।

नेकख़स्लत (نیک خصلت) फा. अ. वि.–जिसका स्वभाव अच्छा हो, अंतःशुद्ध, साधु शील।

नेकख़ू (نیک خو) फा. वि.–जिसका स्वभाव शुद्ध हो, सत्प्रकृति, पुण्यस्वभाव।

नेकख़ूई (نیک خوئی) फा. स्त्री.–प्रकृति की शुद्धि, स्वभाव की पवित्रता।

नेकख़्वाह (نیک خواہ) फा. वि.–शुभचिंतक, हितैषी, हमदर्द।

नेकगुफ़्तार (نیک گفتار) फा. वि.–साधुभाषी, अच्छी बातें करनेवाला; मिष्टभाषी, मीठी-मीठी बातें करनेवाला।

नेकगुमान (نیک گمان) फा. वि.–जिसके विचार किसी की ओर से अच्छे हों; जिसकी विचारधारा शुद्ध हो।

नेकतब्अ (نیک طبع) फा. अ. वि.–दे. 'नेकख़ू'।

नेकतरीन (نیک ترین) फा. वि.–सबसे अच्छा, सबसे अधिक नेक।

नेकतीनत (نیک طینت) फा. अ. वि.–दे. 'नेकख़ू'।

नेकदिल (نیک دل) फा. वि.–जिसका हृदय नेक हो, जो स्वभाव से पुनीत हो, अंतःशुद्ध, पुण्यात्मा।

नेकनफ़्स (نیک نفس) फा. अ. वि.–दे. 'नेकदिल'।

नेकनफ़्सी (نیک نفسی) फा. अ. स्त्री.–आत्मशुद्धि, दिल की सफ़ाई।

नेकनाम (نیک نام) फा. वि.–जो बड़ा कीर्तिमान् हो, उत्तम-यश, पुण्यश्लोक।

नेकनामी (نیک نامی) फा. स्त्री.–कीर्ति, यश, नामवरी।

नेकनिहाद (نیک نہاد) फा. वि.–अच्छे अख़्लाक़वाला, सदाशय, पावनचरित।

नेकनीयत (نیک نیت) फा. अ. वि.–धर्मात्मा, सत्य-संकल्प, अन्तःशुद्ध; ईमानदार, दियानतदार, धर्मनिष्ठ।

नेकनीयती (نیک نیتی) फा. अ. स्त्री.–अन्तःशुद्धि, पाक-दिली; ईमानदारी, दियानतदारी।

नेक फ़र्जाम (نیک فرجام) फा. वि.–पुण्यात्मा; नेकदिल; दे. 'नेकअंजाम'।

नेकफ़ाल (نیک فال) फा. वि.–जिसका मिलना, जिसके दर्शन, जिसकी चर्चा मंगलकारी हो।

नेकबख़्त (نیک بخت) फा. वि.–भाग्यवान्, खुशक़िस्मत; सीधा-सादा, भोला-भाला।

नेकबीं (نیک بیں) फा. वि.–केवल अच्छाई देखनेवाला, साधुदर्शी, हर चीज़ का अच्छा पहलू देखनेवाला।

नेकमंज़र (نیک منظر) फा. अ. वि.–जो देखने में अच्छा लगे, शुभदर्शन, नेत्रप्रिय।

नेकमआश (نیک معاش) फा. अ. वि.–'बदमआश' का उलटा, जिसकी जीविका अच्छे पैसे से हो, जिसकी कमाई शुद्ध हो।

नेकमनिश (نیک منش) फा. वि.–सत्प्रकृति, साधुशील, सज्जन, भला आदमी।

नेकमर्द (نیک مرد) फा. वि.–भलामानस, सज्जन।

नेकमह्ज़र (نیک محضر) फा. अ. वि.–वह व्यक्ति जो दूसरों को उपस्थिति अथवा अनुपस्थिति में अच्छाई से ही याद करे।

नेकमिज़ाज (نیک مزاج) फा. अ. वि.–दे. 'नेकख़ू' अथवा 'नेकदिल'।

नेकमिज़ाजी (نیک مزاجی) फा. अ. स्त्री.–स्वभाव की सरलता, चित्त की शुद्धता।

नेकरविश (نیک روش) फा. वि.–सदाचारी, सत्प्रकृति।

नेकराय (نیک رائے) फा. वि.–जिसकी राय और जिसकी सलाह सदा ठीक होती हो, सद्बुद्धि, साधुधी।

नेकराह (نیک راہ) फा. वि.–सन्मार्गी, सत्पथीन, अच्छी राह पर चलनेवाला, सदाचारी।

नेकरोज़ (نیک روز) फा. वि.–समय जिसके अनुकूल हो, भाग्यवान्, जिसका वक़्त बना हो।

नेकशिआर (نیک شعار) फा. अ. वि.–जिसका व्यवहार नेक हो, साधुशील।

नेकसिफ़ात (نیک صفات) फा. अ. वि.–जिसमें अच्छे-अच्छे गुण हों, उत्तमयश।

नेकसियर (نیک سیر) फा. अ. वि.–जिसके स्वभाव शुद्ध हों, अंतःपवित्र, पुनीतात्मा।

नेकसिरिश्त (نیک سرشت) फा. वि.–दे. 'नेकख़ू'।

नेकसीरत (نیک سیرت) फा. अ. वि.–दे. 'नेकख़ू'।

नेकसूरत (نیک صورت) फा. अ. वि.–जिसकी शक्ल सुन्दर हो, शुभदर्शन; जिसकी सूरत पर बुज़ुर्गी बरसती हो।

नेकू (نیکو) फा. वि.–दे. 'नेक'।

नेकूई (نیکوئی) फा. स्त्री.–अच्छाई, भलाई; सुन्दरता, हुस्न।

नेकूकार (نیکوکار) फा. वि.–सदाचारी, पुण्यात्मा।

नेकूख़साइल (نیکوخصائل) फा. अ. वि.–दे. 'नेकख़ू'।

नेकूशमाइल (نیکوشمائل) फा. अ. वि.–दे. 'नेकख़ू'।

नेकूसिफ़ात (نیکوصفات) फा. अ. वि.–दे. 'नेकसिफ़ात'।

नेकूसियर (نیکوسیر) फा. अ. वि.–दे. 'नेकख़ू'।

नेको (نیکو) फा. वि.–दे. 'नेकू', दोनों उच्चारण शुद्ध हैं।

नेफ़ः (نیفہ) फा. पुं.–पाजामे का सूराख जिसमें कमरबंद डाला जाता है।

ने'मत (نعمت) अ. स्त्री.–ईश्वर का दिया हुआ धन आदि; धन, दौलत; अच्छी-अच्छी चीज़ें।

ने'मतकदः (نعمت کدہ) अ. फा. पुं.–वह स्थान जहाँ अच्छी-अच्छी चीज़ें मिलें; स्वर्ग, बिहिश्त।

ने'मतख़ानः (نعمت خانہ) अ. फा. पुं.–वह मकान जिसमें भोज की सामग्री रहती हो; वह लकड़ी आदि का जालीदार संदूक़ जिसमें खाना रखा जाता है।

ने'मते उज़्मा (نعمت عظمیٰ) अ. स्त्री.–बहुत बड़ी ने'मत।

ने'मते ग़ैरमुतरक़्क़िबः (نعمت غیر مترقبہ) अ. स्त्री.–ऐसी नेमत जिसका हिसाब न लगाया जा सके, बहुत ही अधिक नेमत।

ने'मलबदल (نعم البدل) अ. पुं.–किसी गयी या खायी हुई चीज़ की जगह बिलकुल वैसी ही चीज़।

नेश (نیش) फा. पुं.–डंक, दंश; सुअर के आगे निकले हुए दाँत।

नेशज़न (نیش زن) फा. वि.–डंक मारनेवाला, जो डंक से डसता है; वह व्यक्ति जो हानि पहुँचाने की ताक में रहता हो।

नेशज़नी (نیش زنی) फा. स्त्री.–बिच्छू आदि का डंक मारना; हानि पहुँचाना।

नेशदुम (نیش دم) फा. पुं.–वृश्चिक, बिच्छू।

नेशे अक़्रब (نیش عقرب) फा. अ. पुं.–बिच्छू का डंक।

नेशे ज़ंबूर (نیش زنبور) फा. पुं.–भिड़ का डंक।

नेस्त (نیست) फा. वि.–नहीं है, नास्ति; ध्वस्त, नष्ट, बरबाद।

नेस्ती (نیستی) फा. स्त्री.–ध्वंस, बरबादी; नुहूसत, तबाही; दरिद्रता, कंगाली।

नेस्तोनाबूद (نیست ونابود) फा. वि.–विनष्ट, विध्वस्त, जो बिलकुल बरबाद हो गया हो।

नै

नै (نے) फा. स्त्री.–नरकट, नरसल, नय; बाँसुरी, बंसी, अलग़ोज़ा।

नैचः (نیچہ) फा. पुं.–हुक़्क़े की नै।

नैज़ः (نیزہ) फा. पुं.–कुंत, शक्ति, शंकु, भाला, बरछी; क़लम का नरकट।

नैज़ःदार (نیزہ دار) फा. वि.–नैज़ा चलानेवाला।

नैज़ःबरदार (نیزہ بردار) फा. वि.–नैज़ा लेकर चलनेवाला, बरछी बाँधकर चलनेवाला।

नैज़ःबरदारी (نیزہ برداری) फा. स्त्री.–बरछी या भाला बाँधकर चलना।

नैज़ःबाज़ (نیزہ باز) फा. वि.–बरछी और भाला चलाना जाननेवाला।

नैज़ःबाज़ी (نیزہ بازی) फा. स्त्री.–बरछी और भाला चलाने की महारत।

नैज़क (نیزک) फा. पुं.–छोटा नैज़ा।

नैज़ार (نیزار) फा. पुं.–नरकट का जंगल, जहाँ नरसल बहुत हो।

नैयिर (نیر) अ. पुं.–सूर्य, सूरज, रवि, आफ़्ताब।

नैयरेन (نیرین) अ. पु.–दोनों सूरज, दो सूरज, चाँद और सूरज।

नैरंग (نیرنگ) फा. पु.–छल, धोखा, फरेब, माया, तिलिस्म।

नैरंगबाज़ (نیرنگ باز) फा. वि.–मायावी, धूर्त, जादूगर; छली, मक्कार।

नैरंगबाज़ी (نیرنگ بازی) फा. स्त्री.–मायाकर्म, जादूगरी; छल, फ़रेब।

नैरंगसाज़ (نیرنگ ساز) फा. वि.–दे. 'नैरंगबाज़'।

नैरंगसाज़ी (نیرنگ سازی) फा. स्त्री.–दे. 'नैरंगबाज़ी'।

नैरंगिए ज़मानः (نیرنگئی زمانہ) फा. स्त्री.–कालचक्र, दुनिया का उलट-फेर।

नैरंगिए नज़र (نیرنگئی نظر) फा. अ. स्त्री.–दृष्टि की विचित्रता; दृष्टि का भ्रम।

नैरंगिए हुस्न (نیرنگئی حسن) फा. अ. स्त्री.–सौन्दर्य का मायाजाल। हुस्न की शोबदःबाज़ी।

नैरंगिए रोज़गार (نیرنگئی روزگار) फा. अ. स्त्री.–भाग्य-चक्र, भाग्य का उलट-फेर।

नैरंगी (نیرنگی) फा. स्त्री.–माया-कर्म, जादूगरी; छल, कपट, फ़रेब; तलव्वुन, चित्त की चंचलता।

नैरंगीए ख़याल (نیرنگئی خیال) फा. अ. पु.–ख़याल का धोखा, विचार-भ्रम,—"नैरंगिए ख़याल की अल्ला रे शोखियाँ—मैं सैर कर रहा हूँ चमन की बहार में।"

नैरंगे आलम (نیرنگ عالم) फा. अ. पु.–संसार की चित्र-विचित्रता, दुनिया का उलट-फेर।

नैरंगे ज़मानः (نیرنگ زمانہ) फा. पु.–दे. 'नैरंगे आलम'।

नैरंगे नज़र (نیرنگ نظر) फा. अ. पु.–वह चीज़ जो आँखों को भ्रम में डाल दे।

नैल (نیل) अ. पु.–प्राप्त होना, मिलना।

नैले मराम (نیل مرام) अ. पु.–मनोरथ की प्राप्ति, मक़्सद हासिल होना।

नैशकर (نےشکر) ईख, इक्षु, गन्ना।

नैसाँ (نیسان) फा. पु.–फ़र्वरदीन (बैसाख) की बारिश, जिसके लिए प्रसिद्ध है कि इस पानी की हर बूँद सीप में मोती बन जाती है; फ़र्वरदीन, बैसाख का मास।

नो

नोक (نوک) फा. स्त्री.–हर चीज़ का तेज़ सिरा; बाँकपन; दून, डींग; आन-बान।

नोकदार (نوک دار) फा. वि.–जिसमें नोक हो।

नोज़दह (نوزدہ) फा. वि.–उन्नीस।

नोज़दहुम (نوزدہم) फा. वि.–उन्नीसवाँ।

नोश (نوش) फा. पु.–अमृत, सुधा, आबेहयात; स्वादिष्ठ पेय, (प्रत्य.) पीनेवाला, जैसे—'मयनोश' शराब पीनेवाला।

नोशख़ंद (نوش خند) फा. पु.–'ज़ह्र ख़ंद' का उलटा, मधुर हास, शीरीं हँसी।

नोशदारू (نوشدارو) फा. स्त्री.–ज़ह्र उतारनेवाली दवा, तिर्याक़, विषहर; मदिरा, मद्य, शराब।

नोशादुर (نوشادر) फा. पु.–नौसादर, एक क्षार, उर्दू में यह उच्चारण नहीं है।

नोशाबः (نوشابہ) फा. पु.–दे. नोशाब; आज़र बाईजान (ईरान) की एक रानी जिसे सिकंदर ने कष्ट से छुड़ाया था।

नोशाब (نوشاب) फा. पु.–अमृत-जल, सुधा, आबेहयात; शराब, मदिरा।

नोशानोश (نوشانوش) फा. स्त्री.–ख़ूब पीना और बार-बार पीना।

नोशिंदः (نوشندہ) फा. वि.–पीनेवाला।

नोशीं (نوشیں) फा. वि.–स्वादिष्ठ, सुस्वादु, ख़ुशमज़ा।

नोशीदः (نوشیدہ) फा. वि.–पिया हुआ।

नोशीदनी (نوشیدنی) फा. अव्य.–पीने के लाइक़, पेय।

नोशेजाँ (نوش جاں) फा. पु.–पीना।

नोशेरवाँ (نوشیرواں) फा. पु.–दे. 'नौशेरवाँ', दोनों शुद्ध हैं।

नौ

नौ (نو) फा. वि.–नवीन, नूतन, नया; तत्कालीन, हाल का; ताज़ा, हरा-भरा।

नौअ (نوع) अ. स्त्री.–जाति, जो एक-सी सब चीज़ों को शामिल हो, जैसे—आदमी, घोड़ा आदि; प्रकार, क़िस्म, तरह; आकार-प्रकार, वज़ा-क़ता।

नौअरूस (نوعروس) फा. अ. वि.–नवविवाहित; नव-विवाहिता।

नौअरूसाने चमन (نوعروسان چمن) फा. अ. वि.–बाग़ में नये जमे हुए पौधे।

नौअरूसी (نوعروسی) फा. अ. स्त्री.–नया विवाह।

नौआईन (نوآئین) फा. वि.–शोभनीय, ललित, ज़ेबा, शृंगारित, सुसज्जित, आरास्ता।

नौआबाद (نوآباد) फा. वि.–वह प्रदेश या इलाक़ा जो हाल में ही बसाया गया हो, नवबसित; वह बंजर ज़मीन जो हाल में ही काश्त के लिए तोड़ी गयी हो।

नौआबादियात (نوآبادیات) फा. स्त्री.–वे इलाक़े या प्रदेश जो पश्चिमी राष्ट्रों ने दुनिया के भिन्न-भिन्न स्थानों पर बसाये हैं और वहाँ उनका राज था या है, कालोनीज़, उपनिवेश।

नौआबादी (نوآبادی) फा. स्त्री.—नया आबाद किया हुआ मुल्क, कालोनी, उपनिवेश।

नौआमदः (نوآمده) फा. वि.—हाल का आया हुआ, जो अभी आया हो, नवागत।

नौआमोज़ (نوآموز) फा. वि.—नौसिखिया, अनाड़ी, जिसने कोई काम अभी सीखना आरंभ किया हो, नव-शिक्षित।

नौआमोज़ी (نوآموزی) फा. स्त्री.—नौसिखियापन।

नौईजाद (نوایجاد) फा. अ. वि.—जो चीज़ अभी हाल में आविष्कृत हुई हो, नवाविष्कृत।

नौईयत (نوعیت) अ. स्त्री.—प्रकार, क़िस्म; विशेषता, ख़ुसूसियत।

नौउम्र (نوعمر) फा. अ. वि.—अल्पवयस्क, कमसिन, लड़का, बालक।

नौउम्री (نوعمری) फा. अ. स्त्री.—बाल्यावस्था, अल्पवयस्कता, कमसिनी।

नौए इंसानी (نوعِ انسانی) अ. स्त्री.—मानव-जाति, आदम की संतान।

नौए दिगर (نوعِ دگر) अ. फा. स्त्री.—दूसरे प्रकार का, बदला हुआ; विकृत, बिगड़ा हुआ; अस्त-व्यस्त, उथल-पुथल।

नौकर (نوکر) तु. पुं.—सेवक, दास, चाकर।

नौकर्दःकार (نوکردہکار) फा. वि.—जिसने कोई काम नया-नया किया हो।

नौकार (نوکار) फा. वि.—ताज़ा, हाल का; जिसने अभी काम प्रारंभ किया हो।

नौकीसः (نوکیسه) फा. वि.—दे. 'नौदौलत'।

नौख़त (نوخط) फा. वि.—जिसकी मूँछ-दाढ़ी के बाल निकलना शुरू हुए हों, अंकुरितयौवन।

नौख़ास्तः (نوخاسته) फा. वि.—नया जमा हुआ; नया पट्ठा, नवयुवक; नातज्रिबाकार, अननुभवी।

नौख़ेज़ (نوخیز) फा. वि.—दे. 'नौख़ास्त', नया उगा हुआ, नवोदित, नवांकुरित।

नौगिरिफ़्तार (نوگرفتار) फा. वि.—जो नया-नया फँसा हो, जो हाल में ही क़ैद हुआ हो; जो नया-नया किसी काम में पड़ा हो; जिसने नया-नया किसी को दिल दिया हो।

नौचः (نوچه) फा. पुं.—नवयुवक, नयी जवानीवाला, (स्त्री.) नौची, नवयुवती।

नौजवाँ (نوجواں) फा. पुं.—'नौजवान' का लघु., दे. 'नौजवान'।

नौजवान (نوجوان) फा. पुं.—जिसकी युवावस्था का आरंभ हुआ हो, नया पट्ठा, नवयुवक।

नौजवानानः (نوجوانانه) फा. अव्य.—नये जवानों की तरह।

नौजवानी (نوجوانی) फा. स्त्री.—युवावस्था, नयी जवानी।

नौज़ाईदः (نوزائیده) फा. वि.—जो हाल में ही उत्पन्न हुआ हो, नवजात।

नौदामाद (نوداماد) फा. पुं.—वर, दूल्हा।

नौदौलत (نودولت) फा. अ. वि.—जिसने नयी-नयी संपत्ति पायी हो, जो नया-नया अमीर हुआ हो; जो नयी-नयी दौलत पाकर इतरा गया हो।

नौदौलती (نودولتی) फा. अ. स्त्री.—नयी-नयी संपत्ति की प्राप्ति, नया-नया धनवान् होना।

नौनियाज़ (نونیاز) फा. वि.—वह लड़का जिसने अभी पढ़ना-लिखना आरंभ किया हो; वह व्यक्ति जो नया-नया किसी पर मोहित हुआ हो।

नौनिहाल (نونهال) फा. वि.—नया पौधा, नया पेड़; नौउम्र, बालक, बच्चा।

नौनिहालाने चमन (نونهالانِ چمن) फा. वि.—बाग़ के नये-नये पौधे।

नौपैदा (نوپیدا) फा. वि.—जो हाल में ही उत्पन्न हुआ हो, नवजात, नौज़ाईदः।

नौबत (نوبت) अ. स्त्री.—ओसरी, बारी; दशा, हालत; बार, दफ़ा; राजाओं और अमीरों के दरवाज़े पर बजनेवाली शहनाई।

नौबतख़ानः (نوبتخانه) अ. फा. पुं.—जहाँ शहनाई बजती हो, नक़्क़ारख़ाना।

नौबतगाह (نوبتگاه) अ. फा. स्त्री.—दे. 'नौबतख़ानः'; कारागार, क़ैदख़ाना।

नौबतज़न (نوبت‌زن) अ. फा. वि.—नौबत बजानेवाला, नक़्क़ारची।

नौबतनवाज़ (نوبت‌نواز) अ. फा. वि.—दे. 'नौबतज़न'।

नौबत ब नौबत (نوبت بنوبت) अ. फा. वि.—बारी-बारी से, एक के बाद दूसरा, अपनी-अपनी बारी पर।

नौबती (نوبتی) अ. वि.—बारी का, बारी से होनेवाला; नक़्क़ारची, नौबतनवाज़; पहरेदार, पासबान; बड़ा ख़ेमा।

नौ ब नौ (نو بہ نو) फा. वि.—नया-नया, ताज़ः ब ताज़ः।

नौबर्ग (نوبرگ) फा. वि.—नया पत्ता, मंजरी।

नौबर्दः (نوبرده) फा. तु. वि.—नया ख़रीदा हुआ दास।

नौबहार (نوبهار) फा. वि.—वसंत ऋतु, बहार का मौसम; वह चीज़ जिस पर ताज़ा रौनक़ हो।

नौम (نوم) अ. पुं.—सोना, स्वप्न, स्वाप।

नौमश्क़ (نومشق) फा. अ. वि.—नौसिखिया, अनाड़ी।

नौमश्क़ी (نومشقی) फा. अ. स्त्री.—नौसिखयापन।

नौमीद (نومید) फा. वि.—निराश, हताश, नाउम्मीद।

नौमीदानः (نومیدانہ) फा. अव्य.–निराशा की हालत में, नाउम्मीदों-जैसा।

नौमीदी (نومیدی) फा. स्त्री.–निराशा, नाउम्मीदी।

नौमुस्लिम (نومسلم) फा. अ. वि.–जो नया-नया मुसलमान हुआ हो, जो खानदानी मुसलमान न हो।

नौरः (نورہ) अ. पुं.–चूना, जिसकी दीवारों पर पुताई होती है।

नौरस (نورس) फा. वि.–नया पका हुआ फल; हर नयी चीज़।

नौरुस्तः (نورستہ) फा. वि.–नया उगा हुआ।

नौरोज़ (نوروز) फा. पुं.–साल का पहला दिन; ईरानियों में फ़र्वरदीन मास का पहला दिन जिसमें वह बहुत बड़ा उत्सव मनाते हैं।

नौरोज़ी (نوروزی) फा. वि.–साल के पहले दिन का, जैसे—जश्ने नौरोज़ी।

नौवारिद (نووارد) फा. अ. वि.–नया आया हुआ, नवागत; पथिक, मुसाफ़िर।

नौशः (نوشہ) फा. पुं.–वर, दूल्हा।

नौशेरवाँ (نوشیرواں) फा. पुं.–सासानी वंश का एक ईरानी नरेश जो अपनी न्यायपरायणता के लिए प्रसिद्ध है। यह सन् ५३१ ई० में तख़्त पर बैठा था, हज़रत मुहम्मद साहब इसी के समय में उत्पन्न हुए थे।

नौसफ़र (نوسفر) फा. अ. वि.–जिसने पहले-पहल सफ़र किया हो।

नौसवार (نوسوار) फा. वि.–जिसने घोड़े की सवारी नयी-नयी सीखी हो।

नौहः (نوحہ) अ. पुं.–मृतक के लिए रोना-पीटना, बैन करना; उर्दू पद्य की एक क़िस्म जिसमें करबला के शहीदों पर शोक प्रकट होता है।

नौहःख़्वाँ (نوحہخواں) अ. फा. वि.–मृतक पर विलाप करनेवाला; करबला के शहीदों का नौहः पढ़नेवाला।

नौहःख़्वानी (نوحہخوانی) अ. फा. स्त्री.–मृतक के लिए विलाप; मुहर्रम की मज्लिस में नौहः पढ़ना।

नौहःगर (نوحہگر) अ. फा. वि.–दे. 'नौहःख़्वाँ'।

नौहःगरी (نوحہگری) अ. फा. स्त्री.–दे. 'नौहःख़्वानी'।

नौहए ग़म (نوحۂ غم) अ. पुं.–मृतक-शोक, मुर्दे का मातम।

नौहए मातम (نوحۂ ماتم) अ. फा. पुं.–दे. 'नौहए ग़म'।

प

पंचक (پنچک) फा. स्त्री.–चर्ख़े की पोनी, जिसमें से तार निकलता है।

पंजः (پنجہ) फा. पुं.–उँगलियों समेत हथेली, प्रहस्त, अलंबुष, प्रतल; अधिकार, क़ब्ज़ा; ताश का पाँच बुंदकियों-वाला पत्ता; पाँच वस्तुओं की समष्टि; सहायता, मदद।

पंज़ः (پنزہ) फा. पुं.–नृत्य का एक प्रकार जिसमें बहुत-सी स्त्रियाँ एक दूसरे का हाथ पकड़कर नाचती हैं।

पंजःकश (پنجہکش) फा. वि.–पंजा लड़ानेवाला, (पुं.) लोहे का पंजा-जैसा एक यंत्र जिसमें पंजा डालकर ज़ोर किया जाता है।

पंजःकशी (پنجہکشی) फा. स्त्री.–पंजा लड़ाना, पंजे द्वारा ज़ोर करना; बल-परीक्षा, ज़ोर आज़माना।

पंजःनुमा (پنجہنما) फा. वि.–पंजे के आकार का, पंजा-जैसा।

पंजंगुश्त (پنجنگشت) फा. पुं.–एक वृक्ष, सँभालू।

पंज (پنج) फा. वि.–पाँच, पंच, पाँच की संख्या; पाँच वस्तुएँ।

पंजअर्कान (پنج ارکان) फा. अ. पुं.–मुसलमानों की पाँच धार्मिक कृतियाँ—कलिमः, नमाज़, रोज़ा, ज़कात और हज।

पंजआयत (پنج آیت) फा. अ. स्त्री.–क़ुरान की पाँच छोटी-छोटी आयतें जो प्रायः फ़ातहः में पढ़ी जाती हैं।

पंजए अल्मास (پنجۂ الماس) फा. पुं.–पंजे के आकार का वह लौहिक यंत्र, जिसमें पहलवान पंजा डालकर ज़ोर करते हैं, पंजःकश।

पंजए आफ़्ताब (پنجۂ آفتاب) फा. पुं.–सूर्य अपनी किरणों समेत।

पंजएख़ुरशीद (پنجۂ خورشید) फा. पुं.–दे. 'पंजए आफ़्ताब'।

पंजए निगारीं (پنجۂ نگاریں) फा. पुं.–प्रेमिका का चित्रित पंजा जिसमें मेंहदी या महावर से नक़्शो निगार बने हों।

पंजए मर्जाँ (پنجۂ مرجاں) फा. अ. पुं.–मूँगे का पेड़, जो पंजे के आकार का होता है।

पंजए मर्यम (پنجۂ مریم) फा. अ. पुं.–पंजे की आकृति का एक मुट्ठीवद पौधा, जो पानी में डालने से खुलता है, और प्रसववेदनाग्रस्ता यदि उसे देखती रहे तो उसकी पीड़ा जाती रहती है और बच्चा सुगमता से उत्पन्न हो जाता है।

पंजए मिज़्गाँ (پنجۂ مژگاں) फा. पुं.–पलकों की क़तार।

पंजगंज (پنج گنج) फा. पुं.–पाँचों इंद्रियाँ; पाँचों वक़्त की नमाज़; पर्वेज़ की आठ निधियों में से पाँच।

पंजगानः (پنجگانہ) फा. वि.–पाँच प्रकार का; पाँच उसूलोंवाला, पंचसूत्री; पाँच समय की नमाज़।

पंजगुश्त (پنج گشت) फा. पुं.–दे. 'पंजगुश्त'।

पंजगूनः (پنجگونہ) फा. वि.–पाँच गुना; पाँच प्रकार का।

पंजगोशः (پنج گوشہ) फा. वि.—पाँच कोनोंवाला, पंचकोण, पँचकोना; जिसमें पाँच पहलू हों।

पंजतन (پنج تن) फा. पुं.—पाँच व्यक्ति, अर्थात्, हज़्रत मुहम्मद, हज़्रत अली, हज़्रत फ़ातिमः और उनके दोनों पुत्र, इमाम हसन और इमाम हुसैन।

पंजनोश (پنج نوش) फा. पुं.—मंडूर, लोहे का मैल; पारा, ताँबा, लोहा, अभ्रक और मंडूर का एक रासायनिक मिश्रण।

पंजनौबत (پنج نوبت) फा. अ. स्त्री.—वह नौबत जो राजाओं और बादशाहों के द्वार पर पाँचों वक़्त बजती है; वह पाँच बाजे जो नौबत में बजते हैं; पाँचों वक़्त की अज़ान।

पंजपा (پنج پا) फा. पुं.—पाँच पाँववाला, अर्थात् केकड़ा।

पंजपायः (پنج پایہ) फा. पुं.—दे. 'पंजपा'।

पंजरः (پنجرہ) फा. पुं.—हर वह वस्तु जो जालीदार हो; मकान की जाली; पिंजड़ा, वितंस; खिड़की, गवाक्ष।

पंजर (پنجر) फा. पुं.—'पंजरः' का लघु., शरीर का ढाँचा, अस्थि-पंजर।

पंजरोज़ः (پنج روزہ) फा. वि.—पाँच दिनों का; पाँच दिनों में समाप्त होनेवाला; थोड़े दिनों का, अस्थायी।

पंजवक़्तः (پنج وقتہ) फा. अ. वि.—पाँचों समयवाला; पाँचों समय की नमाज़।

पंजशंबह (پنج شنبہ) फा. पुं.—बृहस्पतिवार, वीर वार, जुमेरात।

पंजशाख़ः (پنج شاخہ) फा. पुं.—पाँच शाखाओंवाली वस्तु; एक लम्बी लकड़ी जिसमें बहुत-सी मशालें खोंस लेते हैं और बरात आदि में जलाते हैं।

पंजसालः (پنج سالہ) फा. वि.—पाँच साल में समाप्त होनेवाला; पाँच साल में एक बार पड़नेवाला; पाँच साल की आयु का।

पंजसूरः (پنج سورہ) फा. स्त्री.—क़ुरान की पाँच बहुत छोटी सूरतें जो फ़ातहे में पढ़ी जाती हैं।

पंजहज़ारी (پنج ہزاری) फा. पुं.—मुग़ल शासन-काल का एक बहुत बड़ा पद।

पंजहिस[स्स] (پنج حس) फा. अ. स्त्री.—पाँचों इंद्रियाँ—श्रवण शक्ति, नेत्र शक्ति, स्पर्श शक्ति, घ्राण शक्ति, स्वादेंद्रिय।

पंजाह (پنجاہ) फा. वि.—पचास।

पंजाहुम (پنجاہم) फा. वि.—पचासवाँ।

पंजुम (پنجم) फा. वि.—पाँचवाँ।

पंजुमीं (پنجمیں) फा. वि.—पाँचवाँ।

पंद (پند) फा. स्त्री.—हितोपदेश, नसीहत; सदुपदेश, वा'ज़; परामर्श, सलाह; शिक्षा, सीख; अच्छी बात का ज्ञान।

पंदआमेज़ (پند آمیز) फा. वि.—नसीहत से भरा हुआ, शिक्षापूर्ण, उपदेशपूर्ण।

पंदआमोज़ (پند آموز) फा. वि.—नसीहत सिखानेवाला; नसीहत सीखनेवाला।

पंदगर (پندگر) फा. वि.—उपदेश देनेवाला, उपदेशक, नसीहत करनेवाला।

पंदगो (پندگو) फा. वि.—दे. 'पंदगर'।

पंदसूदमंद (پند سودمند) फा. पुं.—लाभप्रद उपदेश।

पंदनामः (پندنامہ) फा. पुं.—वह पत्र जिसपर उपदेश लिखे हों; उपदेशों की पुस्तक।

पंदनियोश (پندنیوش) फा. वि.—उपदेश सुननेवाला, उपदेश सुनकर उस पर कान धरनेवाला, माननेवाला।

पंदिंदः (پندندہ) फा. वि.—उपदेश देनेवाला, उपदेशक।

पंदीदः (پندیدہ) फा. वि.—जिसे उपदेश दिया गया हो।

पंदोनसीहत (پندونصیحت) फा. अ. स्त्री.—नसीहत की बातें।

पंबः (پنبہ) फा. पुं.—कपास, रुई, तूल।

पंबःदरगोश (پنبہ درگوش) फा. वि.—कानों में रूई ठूँसे हुए, अर्थात् किसी की बात न सुननेवाला।

पंबःदहन (پنبہ دہن) फा. वि.—मुँह में रूई भरे हुए, अर्थात् चुपचाप, मौन।

पंबःदहाँ (پنبہ دہاں) फा. वि.—दे. 'पंबःदहन'।

पंबःदानः (پنبہ دانہ) फा. पुं.—कपास का बीज, बिनौला।

पंबःबगोश (پنبہ بگوش) फा. वि.—दे. 'पंबःदरगोश'।

पंबए ज़ख़्म (پنبۂ زخم) फा. पुं.—घाव पर रखने की रुई, फाहा।

पंबए मीना (پنبۂ مینا) फा. पुं.—शराब के शीशे पर लगी हुई रुई, रुई की डाट, पहले कार्क के स्थान पर रुई की डाट होती थी।

पंबकी (پنبکی) फा. वि.—रुई से बना हुआ, सूती।

पक्नः (پکنہ) फा. वि.—मोटा और बौना व्यक्ति।

पख़ (پخ) फा. स्त्री.—अड़ंगा, पच्चड़; दोष, ऐब; कठिनता, दिक़्क़त; विघ्न, बाधा।

पख़्च (پخچ) फा. वि.—कूटा हुआ; फैलाया हुआ; नीचा, पस्त; मुर्झाया हुआ।

पख़्तः (پختہ) फा. पुं.—बिनौला निकली हुई कपास, रुई, तूल।

पख़्तो (پختو) फा. स्त्री.—दे. शु. उ. 'पुख़्तो'।

पख़्मान (پخمان) फा. वि.—उदास, ग़मगीन; मलिन, खिन्न, अफ़्सुर्दः।

पख़्लीचः (پخلیچہ) फा. पुं.—दे. 'पख़्लचः', दो. शु. हैं।

पज़्लूचः (پخلوچہ) फा. पुं.—गुदगुदी।

पख़्स (پخس) फा. वि.—पिघला हुआ, द्रवित; अप्रफुल्ल, पज़्मुर्दः।

पख़्सीदः (پخسیدہ) फा. वि.—खिन्न, मलिन, अफ़्सुर्दः; दुःखित, रंजीदः।

पग (پگ) फा. पुं.—गोली, गुल्ला।

पगह (پگہ) फा. स्त्री.—'पगाह' का लघु., दे. 'पगाह'।

पगाह (پگاہ) फा. स्त्री.—प्रातःकाल, सबेरा, तड़का।

पगाहतर (پگاہتر) फा. स्त्री.—गजरदम, बहुत तड़के, वासर संग, ब्राह्म मुहूर्त।

पच्वाक (پچواک) फा. पुं.—अनुवाद, उल्था, तर्जुमा।

पजः (پژہ) फा. पुं.—दोहरे कपड़े में नीचे का कपड़ा, अस्तर।

पज (پج) फा. पुं.—पर्वत, पहाड़।

पज (پز) फा. प्रत्य.—पकानेवाला जैसे 'ख़िश्तपज' ईंटें पकानेवाला।

पज (پژ) फा. पुं.—पीप, मवाद; मल, मैल; जीर्ण, पुराना।

पज़न (پژن) फा. स्त्री.—चील पक्षी, चिल्ल।

पज़्मान (پژمان) फा. वि.—दे. 'पज़्मान'।

पज़्मुर्दः (پژمردہ) फा. वि.—खिन्न, मलिन, उदास; दुःखित, ग़मगीन, दे. 'पिज़्मुर्दः' दो. शुद्ध हैं।

पज़्मुर्दः ख़ातिर (پژمردہ خاطر) फा. अ. वि.—दे. 'पज़्मुर्दःदिल'।

पज़्मुर्दःदिल (پژمردہدل) फा. वि.—जिसका मन उदास हो, खिन्नमनस्क, अप्रसन्नचित्त।

पज़्मुर्दःरू (پژمردہرو) फा. वि.—जिसका चेहरा उदास हो, मलिनमुख, अप्रसन्नमुख।

पज़्मुर्दगी (پژمردگی) फा. स्त्री.—उदासीनता, खिन्नता, अफ़्सुर्दगी।

पज़्मुर्दनी (پژمردنی) फा. वि.—खिन्न होने योग्य, पज़्मुर्दा होने के क़ाबिल।

पजार (پجار) फा. पुं.—पर्वत, पहाड़।

पज़ावः (پزاوہ) फा. पुं.—ईंट या चूना पकाने का भट्ठा, उर्दू में केवल ईंट के भट्ठे के लिए आता है।

पज़ीरः (پزیرہ) फा. पुं.—स्वीकार करना, क़बूल करना; किसी के सामने जाना; मक़्बूल, माना हुआ, दे. 'पिज़ीरः', दोनों शुद्ध हैं।

पज़ीर (پزیر) फा. अव्य.—स्वीकार करनेवाला, जैसे 'पोज़िश पज़ीर' उज़्र क़बूल करनेवाला, दे. 'पिज़ीर', दोनों शुद्ध हैं।

पज़ीरा (پزیرا) फा. वि.—स्वीकृत, अंगीकृत, कबूल, दे. 'पिज़ीरा', दोनों शुद्ध हैं।

पज़ीराई (پزیرائی) फा. स्त्री.—स्वीकृति, अंगीकृति, मंजूरी, क़बूलियत, दे. 'पिज़ीराई', दोनों शुद्ध हैं।

पज़ोह (پژوہ) फा. प्रत्य.—ढूँढनेवाला, जैसे—'हक़पज़ोह' सत्य का खोजी, दे. 'पिज़ोह', दोनों शुद्ध हैं।

पज़ोहिंदः (پژوہندہ) फा. वि.—ढूँढनेवाला, जिज्ञासु, खोजी, दे. 'पिज़ोहिंदः' दोनों शुद्ध हैं।

पज़ोहिश (پژوہش) फा. स्त्री.—खोज, जिज्ञासा, तलाश, दे. 'पिज़ोहिश' दोनों शुद्ध हैं।

पज़ोहीदः (پژوہیدہ) फा. वि.—खोजा हुआ, ढूँढ़ा हुआ, जिज्ञासित, दे. 'पिज़ोहीदः', दोनों शुद्ध हैं।

पतंग (پتنگ) फा. पुं.—गवाक्ष, खिड़की; रोशनदान।

पतगीर (پت گیر) फा. स्त्री.—छेनी, टाँकी।

पतर (پتر) फा. पुं.—लोहे का तख़्ता, पत्र।

पतीरः (پتیرہ) फा. पुं.—घिनावनी और निकृष्ट वस्तु।

पतील (پتیل) फा. पुं.—चिराग़ की बत्ती।

पत्यारः (پتیارہ) फा. पुं.—आपत्ति, विपदा, मुसीबत; दैवी आपत्ति, बला।

पद (پد) फा. पुं.—वह पेड़ जिसमें फल न लगते हों।

पदरख़्तः (پدرختہ) फा. वि.—दुःखित, क्लेशित, रंजीदा; खिन्न, मलिन, उदास।

पदीद (پدید) फा. वि.—प्रकट, व्यक्त, आविर्भूत, ज़ाहिर, दे. 'पिदीद', दोनों शुद्ध है।

पदीदार (پدیدار) फा. वि.—दे. 'पदीद'।

पद्रूद (پدرود) फा. स्त्री.—बिदा, रुख़्सत; त्याग, तर्क।

पनाह (پناہ) फा. स्त्री.—रक्षा, त्राण, हिफ़ाज़त; आश्रय, सहारा; पृष्ठ-पोषण, हिमायत; प्राण-रक्षा, जान का बचाव।

पनाहगाह (پناہگاہ) फा. स्त्री.—वह स्थान जहाँ सुरक्षित रहा जा सके; वह स्थान जहाँ से भरण-पोषण हो और सहायता मिले।

पनाह बख़ुदा (پناہ بخدا) फा. वा.—ईश्वर बचाये।

पनाहे बेकसाँ (پناہ بےکساں) फा. स्त्री.—निराश्रय लोगों की रक्षा करनेवाला।

पनीर (پنیر) फा. पुं.—दही का पानी निकालकर उसमें नमक मिलाकर बनाया हुआ एक खाद्य।

पनीरमायः (پنیرمایہ) फा. पुं.—एक दवा जो बकरी या ऊँट आदि के हाल के ब्याये हुए बच्चे को उसकी माँ का खूब दूध पिलाकर और फिर उसका वध करके उसके आमाशय को सुखाकर बनाते हैं।

पनीरी (پنیری) फा. वि.—पनीर का; पनीर लगा हुआ; पनीर से सम्बन्ध रखनेवाला।

पयंबर (پیمبر) फा. पुं.–ईश-दूत, अवतार, पैग़म्बर।
पयंबराना (پیمبرانہ) फा. वि.–पयंबरों-जैसा, अवतारों-जैसा।
पयंबरी (پیمبری) फा. स्त्री.–पयंबर का पद; पयंबर सम्बन्धी; पयंबर का।
पयंबरे वक़्त (پیمبر وقت) फा. अ. पुं.–अपने समय में ऐसे चमत्कारपूर्ण कार्य करनेवाला, जिन्हें केवल ईशदूत ही कर सकता हो।
पय (پے) फा. पुं.–पाँव, चरण; पदचिह्न, पाँव का निशान; पीछा; बार, दफ़ा; पट्ठा, स्नायु, दे. 'पै'।
पय दर पय (پے در پے) फा. वि.–बार-बार, बारंबार; लगातार, निरन्तर, मुसल्सल, दे. 'पै दर पै'।
पय ब पय (پے بہ پے) फा. वि.–दे. 'पय दर पय'।
पयादः (پیادہ) फा. पुं.–पैदल चलनेवाला; चपरासी, सिपाही; हरकारा, डाकिया; सेना का पैदल सिपाही; शत्रंज का पैदल।
पयादःनिज़ाम (پیادہ نظام) फा. अ. पुं.–सैनिक, फ़ौजी; पियादा, फ़ौजी।
पयादःपा (پیادہپا) फा. वि.–पाँव-पाँव चलनेवाला, पैदल चलनेवाला।
पयादःपाई (پیادہپائی) फा. स्त्री.–पाँव-पाँव बिना सवारी के चलना।
पयापय (پیاپے) फा. वि.–दे. 'पय दर पय'।
पयाम (پیام) फा. पुं.–समाचार, ख़बर; संदेश, संदेसा; सगाई की बातचीत।
पयामबर (پیامبر) फा. वि.–खबर ले जानेवाला; संदेश पहुँचानेवाला; दूत; संदेशवाहक।
पयामबरी (پیامبری) फा. स्त्री.–ख़बर ले जाना; संदेश पहुँचाना।
पयामबुर्दः (پیامبردہ) फा. वि.–संदेश या खबर लेकर गया हुआ।
पयामरसाँ (پیامرساں) फा. वि.–संदेश अथवा खबर पहुँचानेवाला।
पयामरसानी (پیامرسانی) फा. स्त्री.–संदेश या ख़बर पहुँचाना।
पयामरसी (پیامرسی) फा. स्त्री.–संदेश या ख़बर पहुँचना।
पयामी (پیامی) फा. वि.–पयाम ले जानेवाला, संदेश-वाहक; समाचार ले जानेवाला, ख़बररसाँ।
पयामोसलाम (پیام وسلام) फा. अ. पुं.–दूसरे के द्वारा दो व्यक्तियों की बातचीत।
परंदः (پرندہ) फा. पुं.–पक्षी, चिड़िया।
परंद (پرند) फा. पुं.–पक्षी; तलवार; सादा रेशमी कपड़ा; तलवार का जौहर; कृत्तिका नक्षत्र, पर्वी।
परः (پرہ) फा. पुं.–पंक्ति, क़तार; क़ुफ़ुल की झड़; घास का तिन्का; छोर, किनारा।
पर (پر) फा. पुं.–पक्ष, पंख।
परअफ़्गंदः (پرافگندہ) फा. वि.–जिसके पर झड़ गये हों, अर्थात् विवश, लाचार।
परअफ़्गंदगी (پرافگندگی) फा. स्त्री.–पर झड़ जाना, विवशता, लाचारी।
परअफ़्शाँ (پرافشاں) फा. वि.–दे. 'परफ़िशाँ'।
परअफ़्शानी (پرافشانی) फा. स्त्री.–दे. 'परफ़िशानी'।
परक़ाज़ः (پرقازہ) फा. पुं.–चित्रकार की कूची, तूलिका।
परकार (پرکار) फा. स्त्री.–दे. 'पर्कार'।
परकालः (پرکالہ) फा. पुं.–दे. 'पर्कालः'।
परख़ाश (پرخاش) फा. स्त्री.–दे. 'पर्ख़ाश'।
परगनः (پرگنہ) फा. पुं.–दे. 'पर्गनः'।
परचीं (پرچیں) फा. स्त्री.–दे. 'पर्चीं'।
परताव (پرتاب) फा. पुं.–दे. 'पर्ताव'।
परतौ (پرتو) फा. पुं.–दे. 'पर्तौ'।
परदाख़्तः (پرداختہ) फा. वि.–दे. 'पर्दाख़्तः'।
परदाख़्त (پرداخت) फा. स्त्री.–दे. 'पर्दाख़्त'।
परदाज़ (پرداز) फा. पुं.–दे. 'पर्दाज़'।
परदार (پردار) फा. वि.–जिसके पर हों।
परदोख़्तः (پردوختہ) फा. वि.–जिसके पर सी दिये गये हों, जो उड़ न सके, अर्थात् विवश, लाचार।
परन (پرن) फा. स्त्री.–कृत्तिका नक्षत्र, पर्वी।
परनियाँ (پرنیاں) फा. पुं.–दे. 'पर्नियाँ'।
परपा (پرپا) फा. पुं.–घाघस कबूतर, वह कबूतर जिसके पाँव में पर होते हैं।
परफ़िशाँ (پرفشاں) फा. वि.–पर झाड़नेवाला, पर फट-फटानेवाला, अर्थात् सांसारिक सुखों का त्यागी।
परफ़िशानी (پرفشانی) फा. स्त्री.–सांसारिक सुखों का त्याग, निवृत्ति।
परबंद (پربند) फा. वि.–दे. 'परबस्तः'।
परबस्तः (پربستہ) फा. वि.–जिसके पर बँधे हों, जो उड़ने में असमर्थ हो, विवश, लाचार।
परबुरीदः (پربریدہ) फा. वि.–जिसके पर काट दिये गये हों, अर्थात् असमर्थ, मजबूर।
परेरेख़्तः (پرریختہ) फा. वि.–पर झड़ा हुआ, जो उड़ न सके, असमर्थ, विवश।
परवरिश (پرورش) फा. स्त्री.–दे. 'पर्वरिश'।

परवर्द: (پرورده) फा. वि.—दे. 'पर्वर्द:'।

परवाज़ (پرواز) फा. स्त्री.—उड़ना, दे. 'पर्वाज़', अपने मर्कज़ की तरफ़ मायले परवाज़ था हुस्न, भूलता ही नहीं आलम तेरी अँगड़ाई का।—अजीज़।

परवान: (پروانه) फा. पुं.—पतंगा, शलभ; आदेशपत्र, हुक्मनामा; राजादेश, फ़र्मान; भक्त, फ़िदाई; मुग्ध, आसक्त, फ़रेफ़्त:; वह कुत्ते बराबर जंतु जो सिंह के आगे-आगे चलता है।

परवान:वार (پروانه وار) फा. अ. वि.—परवाने की तरह, जैसे शलभ दीपक की ओर जाता है, ऐसे बड़े वेग और उत्साह के साथ।

परवानए गिरिफ़्तारी (پروانۂ گرفتاری) फा. पुं.—गिरिफ़्तारी का वारंट।

परवानए राहदारी (پروانۂ راهداری) फा. पुं.—पासपोर्ट, पारपत्र।

परवानगी (پروانگی) फा. स्त्री.—आज्ञा, अनुमति, इजाज़त।

परवीं (پروین) फा. स्त्री.—दे. 'पर्वी'।

परवेज़ (پرویز) फा. पुं.—दे. 'पर्वेज़'।

परवेज़न (پرویزن) फा. स्त्री.—दे. 'पर्वेज़न'।

परशिकस्त: (پرشکسته) फा. वि.—जिसके पर टूट गये हों, जो उड़ न सके, अर्थात् विवश, असमर्थ, अशक्त, लाचार।

परसियावशाँ (پرسیاوشاں) फा. स्त्री.—एक वनस्पति, हंसराज।

परसुम (پرسم) फा. पुं.—दे. 'पर्सुम'।

परसोख़्त: (پرسوخته) फा. वि.—जिसके पर जल गये हों, अर्थात्, असमर्थ, लाचार, विवश।

परस्त (پرست) फा. अव्य.—पूजनेवाला, जैसे—'बुतपरस्त' मूर्ति पूजनेवाला।

परस्तार (پرستار) फा. वि.—पूजनेवाला, उपासक, आबिद; भक्त, फ़िदाई।

परस्तारज़ाद: (پرستارزاده) फा. पुं.—दासीपुत्र, लौंडी-बच्चा।

परस्तारी (پرستاری) फा. स्त्री.—पूजा, आराधना, इबादत; भक्ति, फ़िदाइयत।

परस्तिंद: (پرستنده) फा. वि.—पूजनेवाला, पूजक, आराधक।

परस्तिश (پرستش) फा. स्त्री.—पूजा, आराधना, इबादत; बहुत अधिक प्रेम।

परस्तिशकद: (پرستش کده) फा. पुं.—दे. 'परस्तिशगाह'।

परस्तिशख़ान: (پرستش خانه) फा. पुं.—दे. 'परस्तिशगाह'।

परस्तिशगाह (پرستش گاه) फा. स्त्री.—पूजा का स्थान, आराधनालय, इबादतख़ाना।

परस्तीद: (پرستیده) फा. वि.—जिसकी पूजा की जाय, पूजित, आराधित, पूज्य, आराध्य।

परस्तीदनी (پرستیدنی) फा. वि.—पूजने योग्य, पूजनीय, आराधनीय।

परहेज़ (پرهیز) फा. पुं.—दे. 'पर्हेज़'।

परागंद: (پراگنده) फा. वि.—अस्त-व्यस्त, तितर-बितर; असंबद्ध, बेतर्तीब; उद्विग्न, परेशान।

परागंद:ख़ातिर (پراگنده خاطر) फा. वि.—जिसका मन ठिकाने न हो, व्यस्तचित्त।

परागंद:दिल (پراگنده دل) फा. वि.—दे. 'परागंद: ख़ातिर'।

परागंद:मू (پراگنده مو) फा. वि.—जिसके बाल बिखरे हुए हों, बाल बिखेरे हुए।

परागंद:रोज़गार (پراگنده روزگار) फा. वि.—समय जिसके अनुकूल न हो, कालचक्र-ग्रस्त।

परागंद:रोज़ी (پراگنده روزی) फा. वि.—जिसकी जीविका निश्चित न हो, अनिश्चित जीविका।

परागंद:हाल (پراگنده حال) फा. अ. वि.—जिसकी दशा बहुत ही अस्त-व्यस्त हो, व्यस्तावस्था, दुर्दशाग्रस्त, व्यस्तभाग्य।

परागंदगी (پراگندگی) फा. स्त्री.—अस्तव्यस्तता, तितर-बितरपन; असंबद्धता, बेतर्तीबी।

पराज़द: (پرازده) फा. पुं.—लोई, गुंधे हुए आटे का पेड़ा।

परानिंद: (پراننده) फा. वि.—उड़ानेवाला।

परानीद: (پرانیده) फा. वि.—उड़ाया हुआ।

परिंद: (پرنده) फा. पुं.—पक्षी, चिड़िया।

परिंद (پرند) फा. पुं.—पक्षी, चिड़िया।

परिंदगी (پرندگی) फा. स्त्री.—उड़ना।

परिस्तान (پرستان) फा. पुं.—परियों का स्थान, जहाँ बहुत-सी परियाँ रहती हों।

परी (پری) फा. स्त्री.—एक कल्पित प्राणीवर्ग, जिनके लिए प्रसिद्ध है कि वह अत्यन्त सुन्दरी होती हैं, अप्सरा; बहुत अधिक सुन्दर स्त्री।

परीअंदाज़ (پری انداز) फा. वि.—परियों-जैसे हावभाव रखनेवाला (वाली)।

परीअंदाम (پری اندام) फा. वि.—परियों-जैसे सुंदर शरीर-वाला (वाली)।

परीइज़ार (پری عذار) फा. अ. वि.—परियों-जैसे कपोलों-वाला (वाली)।

परीक़ामत (پری قامت) फा. अ. वि.—परियों-जैसे आकार-वाला (वाली)।

परीख़ान: (پریخانه) फा. पुं.—परियों के रहने का घर; वह स्थान जहाँ बहुत-सी सुंदर स्त्रियाँ एकत्र हों।

परीख्वाँ (پریخواں) फा. वि.—जादूगर, इंद्रजाली; भूत-प्रेत उतारनेवाला, भगत, ओझा; जादू के जोर से भूतों की आत्माओं को बुलानेवाला, अज़ीमतख्वाँ।

परीख्वानी (پریخوانی) फा. स्त्री.—माया-कर्म, जादूगरी; भूत-प्रेत उतारना; भूत-प्रेत-आत्माओं को बुलाना।

परीचम (پری چم) फा. वि.—परियों-जैसी अठलाती हुई चाल से चलनेवाला (वाली)।

परीचश्म (پری چشم) फा. वि.—परियों-जैसी सुन्दर आँखोंवाला (वाली)।

परीचेह्र: (پری چہرہ) फा. वि.—दे. 'परीरू'।

परीज़द: (پری زدہ) फा. वि.—जिस पर आसेब का खलल हो, प्रेतबाधा-ग्रस्त, भूताविष्ट।

परीजमाल (پری جمال) फा. अ. वि.—परियों-जैसा सौन्दर्य रखनेवाला (वाली)।

परीज़ाद: (پری زادہ) फा. पुं.—परियों की औलाद, परियों का लड़का, अप्सरा-पुत्र।

परीज़ाद (پری زاد) फा. पुं.—दे.—'परीज़ाद:'।

परीतल्अत (پری طلعت) फा. अ. वि.—दे. 'परीजमाल'।

परीतिम्साल (پری تمثال) फा. अ. वि.—परियों-जैसी सूरतवाला (वाली), अप्सरामुखी।

परीद: (پریدہ) फा. वि.—उड़ा हुआ, जैसे—परीद:रंग।

परीद:रंग (پریدہ رنگ) फा. वि.—जिसका रंग उड़ गया हो।

परीदोश (پریدوش) फा. स्त्री.—बीती हुई, परसों की रात।

परीपैकर (پری پیکر) फा. वि.—दे. 'परीअंदाम'।

परीफ़ाम (پری فام) फा. वि.—परियों-जैसे गोरे रंगवाला (वाली)।

परीबंद (پری بند) फा. पुं.—भुजबंध, बाज़ू का एक ज़ेवर।

परीर (پریر) फा. पुं.—दे. 'परीरोज़'।

परीरुख़ (پری رخ) फा. वि.—दे. 'परीरू'।

परीरुख़सार (پری رخسار) फा. वि.—दे. 'परीरू'।

परीरू (پری رو) फा. वि.—परियों-जैसी शक्ल-सूरतवाला (वाली)।

परीरोज़ (پری روز) फा. पुं.—बीता हुआ परसों का दिन।

परीलिक़ा (پری لقا) फा. अ. वि.—दे. 'परीतलअत'।

परीवश (پری وش) फा. वि.—परियों-जैसा (-जैसी)।

परीशब (پری شب) फा. स्त्री.—बीती हुई परसोंवाली रात।

परीशाँ (پریشاں) फा. वि.—अस्त-व्यस्त, तितर-बितर; व्याकुल, आतुर, बेचैन; दुःखित, क्लेशित, रंजीदा; चिंतित, फ़िक्रमंद; स्तब्ध, चकित, हैरान; ध्वस्त, बरबाद।

परीशाँख़याल (پریشاں خیال) फा. अ. वि.—जिसका मन बेठिकाने हो, जो ठीक-ठीक सोच न सकता हो।

परीशाँख़याली (پریشاں خیالی) फा. अ. स्त्री.—ख़यालात की बेतरतीबी, मन की व्यस्तता।

परीशाँख़ातिर (پریشاں خاطر) फा. अ. वि.—व्यग्रचित्त, व्यस्तमना, जिसका मन ठिकाने न हो।

परीशाँख़ातिरी (پریشاں خاطری) फा. अ. स्त्री.—चित्त की व्यग्रता, मन का बेठिकाने होना।

परीशाँगोई (پریشاں گوئی) फा. स्त्री.—बकवास, मिथ्यावाद, व्यालाप।

परीशाँदिल (پریشاں دل) फा. वि.—दे. 'परीशाँख़ातिर'।

परीशाँनज़री (پریشاں نظری) फा. स्त्री.—निगाह का ठिकाने न होना।

परीशाँमू (پریشاں مو) फा. वि.—जिसके बाल बिखरे हुए हों।

परीशाँरू (پریشاں رو) फा. वि.—जिसका मुँह उतरा हुआ हो, जिसके चेहरे पर परीशानी के आसार हों।

परीशाँरोज़गार (پریشاں روزگار) फा. वि.—जिसका समय प्रतिकूल हो, दुर्दशाग्रस्त।

परीशाँरोज़ी (پریشاں روزی) फा. वि.—जिसको जीविका की ओर से संतोष न हो, बे...

परीशाँसूरत (پریشاں صورت) फा. अ. वि.—जिसकी सूरत से परेशानी टपकती हो।

परीशाँहाल (پریشاں حال) फा. वि.—दुर्दशाग्रस्त, मुफ़लिस कंगाल, अकिंचन।

परीशाँहाली (پریشاں حالی) फा. अ. स्त्री.—दुर्दशा, ग़रीबी, कंगाली, अकिंचनता।

परीशान (پریشان) फा. वि.—दे. 'परीशाँ'।

परीशानकुन (پریشان کن) फा. वि.—परीशान करनेवाला।

परीशानी (پریشانی) फा. स्त्री.—व्याकुलता, बेचैनी; चिंता, फ़िक्र; दुःख, तक्लीफ़।

परीसीरत (پری سیرت) फा. अ. वि.—परियों-जैसे स्वभाववाला (वाली)।

परीसूरत (پری صورت) फा. अ. वि.—दे. 'परीरू'।

परेकाह (پرکاہ) फा. पुं.—घास का तिनका।

परेताऊस (پر طاؤس) फा. पुं.—मोर का पर, मयूरपंख।

परेशाँ (پریشاں) फा. वि.—'परेशान' का लघु., दे. 'परेशान'।

परेशान (پریشان) फा. वि.—अस्त-व्यस्त, तितर-बितर; व्याकुल, आतुर; दुःखित, रंजीदा; चिंतित, फ़िक्रमंद; स्तब्ध, हैरान; ध्वस्त, बरबाद।

परेशानी (پریشانی) फा. स्त्री.—व्याकुलता, बेचैनी; चिंता, फ़िक्र; दुःख, तक्लीफ़।

परेहुमा (پرہما) फा. पुं.—कलग़ी, केस, तुर्रा; हुमा पक्षी का पर, जिसकी परछाईं पड़ने से मनुष्य राजा हो जाता है।

परोबाल (پروبال) फा. पुं.–पक्षियों के डैने और पर; बल, शक्ति, ज़ोर; सहायता, मदद; सामर्थ्य, मक़्दूर।

पर्कार (پرکار) फा. स्त्री.–गोलाई खींचने का यंत्र।

पर्कालः (پرکالہ) फा. पुं.–अंश, खण्ड, हिस्सा; चिनगारी, स्फुलिंग, पतंगा।

पर्कालए आतश (پرکالۂ آتش) फा. पुं.–आग की चिनगारी, अग्निकण; बहुत ही धूर्त और चालाक व्यक्ति।

पर्ख़ाश (پرخاش) फा. स्त्री.–वैर, शत्रुता, दुश्मनी; द्वेष, कीना, बुग़्ज़; वैमनस्य, रंजिश।

पर्गनः (پرگنہ) फा. पुं.–ज़िले का एक भाग, तहसील; ग्राम, गाँव।

पर्गार (پرگار) फा. स्त्री.–दे. 'पर्कार', दोनों शुद्ध हैं, परन्तु 'पर्कार' व्यवहृत है।

पर्चः (پرچہ) फा. पुं.–काग़ज़ का छोटा टुकड़ा; चिट्ठी जो दस्ती भेजी जाय; पत्र, अख़्बार; पुलिस की रिपोर्ट; परीक्षापत्र, प्रश्नपत्र।

पर्चःनवीस (پرچہ‌نویس) फा. वि.–संवादकार, अख़्बारी नुमाइंदः; गुप्त रिपोर्ट लिखनेवाला, जासूस।

पर्चए इम्तिहाँ (پرچۂ امتحاں) फा. अ. पुं.–परीक्षा के प्रश्नों का पर्चा, परीक्षापत्र।

पर्चए हिसाब (پرچۂ حساب) फा. अ. पुं.–बीजक; बही के हिसाब की नक़्ल; परीक्षा में गणित का पर्चा।

पर्चम (پرچم) फा. पुं.–झंडे का कपड़ा, फ़रेरा; सुरा गाय की पुच्छ; अलक, ज़ुल्फ़।

पर्चमकुशाई (پرچم‌کشائی) फा. स्त्री.–झंडा लहराना, झंडा आरोहण; झंडा लहराने का उत्सव या रस्म; ध्वजोत्तोलन।

पर्चीं (پرچیں) फा. स्त्री.–काँटों या लकड़ियों की बाड़ जो खेत या घर के चारों ओर लगाते हैं।

पर्ताब (پرتاب) फा. पुं.–वह अंतर जो तीर फेंकने और जाकर गिरने के स्थानों के बीच में हो; एक प्रकार का बाण जो बहुत दूर तक जाता है।

पर्ताबी (پرتابی) फा. वि.–तीर चलानेवाला, धनुर्धर, तीरंदाज़।

पर्तौ (پرتو) फा. पुं.–प्रकाश, रोशनी; आभा, चमक; झलक; प्रतिबिंब, अक्स; हलका प्रभाव; छाया, साया।

पर्दः (پردہ) फा. पुं.–आड़, ओट; टट्टी; मुखपट, नक़ाब; घूँघट; स्त्री का परपुरुष से छिपना; आँख, कान आदि की झिल्ली; बाजे का पुर्ज़ा जो स्वर बताता है; राग, नग़्मः; द्वारपट, चिलमन या कपड़ा आदि।

पर्दःदर (پردہ‌در) फा. वि.–दोष प्रकट करनेवाला, निंदक; स्त्री का पर्दा तोड़नेवाला।

पर्दःदरी (پردہ‌دری) फा. स्त्री.–दोष प्रकट करना, छिद्रान्वेषण; स्त्री का पर्दा भंग करना, उसे पर्दे में न रहने देना।

पर्दःदार (پردہ‌دار) फा. वि.–दोष छिपानेवाला; द्वारपाल, दरबान।

पर्दःदारी (پردہ‌داری) फा. स्त्री.–दोष छिपाना; दरबानी।

पर्दःनशीं (پردہ‌نشیں) फा. वि.–पर्दे में रहनेवाली स्त्री, अनिष्कासिनी।

पर्दःनशीनी (پردہ‌نشینی) फा. स्त्री.–स्त्री का पर्दे में रहना, बाहर खुले मुँह न निकलना।

पर्दःपोश (پردہ‌پوش) फा. वि.–दूसरे का दोष छिपानेवाला, दोष और अपराध देखते हुए क्षमा करनेवाला।

पर्दःपोशी (پردہ‌پوشی) फा. स्त्री.–दोष और अपराध पर दृष्टि न डालना, उन्हें छिपाना, क्षमा करना।

पर्दःसरा (پردہ‌سرا) फा. स्त्री.–अंतःपुर, ज़नानख़ाना; खेमा, डेरा, तम्बू; स्त्रियों के रहने का घर।

पर्दःसोज़ (پردہ‌سوز) फा. वि.–दे. 'पर्दःदर'।

पर्दए इनबी (پردۂ عنبی) फा. अ. पुं.–आँख के सात पर्दों में से एक।

पर्दए इस्मत (پردۂ عصمت) फा. अ. पुं.–दे. 'पर्दए बकारत'; सतीत्व, सतीपन, इफ़्फ़त।

पर्दए गोश (پردۂ گوش) फा. पुं.–कान की झिल्ली, जिससे टकराकर आवाज़ सुनाई देती है, श्रवण-पटल।

पर्दए चश्म (پردۂ چشم) फा. पुं.–आँख की सात झिल्लियाँ, चक्षु-पटल।

पर्दए ज़ंबूर (پردۂ زنبور) फा. पुं.–एक प्रकार का जालीदार बुर्क़ा।

पर्दए ज़ंबूरी (پردۂ زنبوری) फा. पुं.–खिड़कियोंवाला घर।

पर्दए दर (پردۂ در) फा. पुं.–दरवाज़े पर पड़ा हुआ पर्दा।

पर्दए नामूस (پردۂ ناموس) फा. अ. पुं.–सतीत्व, इस्मत; प्रतिष्ठा, मर्यादा।

पर्दए बकारत (پردۂ بکارت) फा. अ. पुं.–वह झिल्ली जो योनि पर होती है और पहले सहवास में फट जाती है, योनिपटल; योनिच्छद।

पर्दए बीनी (پردۂ بینی) फा. पुं.–नाक अथवा दोनों नथनों के बीच की दीवार, नासापट।

पर्दए सीमीं (پردۂ سیمیں) फा. पुं.–सिनेमा का पर्दा जिस पर चित्र दिखाई देते हैं, रजत-पट।

पर्दक (پردک) फा. पुं.–पहेली, प्रहेलिका, मुअम्मा।

पर्दगी (پردگی) फा. स्त्री.–पर्दे में रहनेवाली नायिका; द्वारपाल, दरबान।

पर्दाख़्तः (پرداختہ) फ़ा. वि.—सँवारा हुआ, सज्जित; पाला हुआ, पोषित।

पर्दाख़्त (پرداخت) फ़ा. स्त्री.—देखभाल, संरक्षण, रक्षा, हिफ़ाज़त; पालन-पोषण, पर्वरिश।

पर्दाख़्तनी (پرداختنی) फ़ा. वि.—सँवारने योग्य; रक्षा करने योग्य; देखभाल के योग्य; पालन-पोषण के योग्य।

पर्दाज़ (پرداز) फ़ा. पुं.—शौर्य, ढंग; सज्जा, सजावट; संलग्नता, मश्ग़ूली; चित्र की महीन रेखाएँ आदि, (प्रत्य.) सँवारनेवाला, जैसे—'इंशापरदाज़' शब्दों को सुसज्जित करनेवाला।

पर्दाज़िंदः (پردازندہ) फ़ा. वि.—सँवारनेवाला।

पर्ना (پرنا) फ़ा. पुं.—एक चित्रित रेशमी कपड़ा।

पर्नियाँ (پرنیاں) फ़ा. पुं.—एक प्रकार का चित्रित रेशमी कपड़ा।

पर्पहन (پرپہن) फ़ा. पुं.—ख़ुर्फ़े का साग।

पर्मक (پرمک) तु. स्त्री.—उँगली।

पर्मला (پرملا) फ़ा. स्त्री.—मुर्ग़ाबी, एक जल-पक्षी।

पर्रः (پرہ) फ़ा. पुं.—फ़ौज की पंक्ति, परः; क़ुफ़ुल की झड़; घास की पत्ती, तिनका; छोर, किनारा।

पर्रए बीनी (پرۂ بینی) फ़ा. पुं.—नासापटल, नथनों के बीच की दीवार।

पर्रां (پراں) फ़ा. वि.—उड़ता हुआ, उड़ती हुई अवस्था में।

पर्वज़ (پروز) फ़ा. स्त्री.—कुर्ते आदि के दामन पर टँकी जानेवाली गोट।

पर्वर (پرور) फ़ा. प्रत्य.—पालनेवाला, जैसे—'अद्ल पर्वर' न्याय का पालन करनेवाला।

पर्वरिंदः (پرورندہ) फ़ा. वि.—पालनेवाला, पालन-पोषण करनेवाला।

पर्वरिश (پرورش) फ़ा. स्त्री.—पालन-पोषण; कृपा, दया; सहायता, मदद।

पर्वरिशख़ानः (پرورش خانہ) फ़ा. पुं.—दे. 'पर्वरिशगाह'।

पर्वरिशगाह (پرورش گاہ) फ़ा. स्त्री.—वह स्थान जहाँ बच्चों का पालन-पोषण होता है।

पर्वरिशयाफ़्तः (پرورش یافتہ) फ़ा. वि.—पाला हुआ, पोषित, पालित।

पर्वर्दः (پروردہ) फ़ा. वि.—पाला हुआ, (प्रत्य.) जैसे—'बर्फ़ पर्वर्दः' बर्फ़ में सुरक्षित किया हुआ।

पर्वर्द (پرورد) फ़ा. वि.—दे. 'पर्वर्दः'।

पर्वर्दए नमक (پروردۂ نمک) फ़ा. वि.—जिसने किसी के घर पर्वरिश पायी हो, और नमक खाकर बड़ा हुआ हो, दास।

पर्वर्दए ने'मत (پروردۂ نعمت) फ़ा. अ. वि.—दे. 'पर्वर्दए नमक'।

पर्वर्दगार (پروردگار) फ़ा. पुं.—ईश्वर, परमात्मा, ख़ुदा।

पर्वर्दनी (پروردنی) फ़ा. वि.—पालन-पोषण करने योग्य।

पर्वा (پروا) फ़ा. स्त्री.—चिंता, फ़िक्र; भय, डर; ध्यान, ख़याल; इच्छा, चाह।

पर्वाज़ (پرواز) फ़ा. स्त्री.—उड़ान, उड़ने का भाव, (प्रत्य.) उड़नेवाला, जैसे—'बलंदपर्वाज़' ऊंचा उड़नेवाला।

पर्वानः (پروانہ) फ़ा. पुं.—पतंगा, शलभ; आज्ञापत्र, हुक्मनामा; राजादेश, फ़र्मान; मुग्ध, फ़रेफ़्तः; भक्त, फ़िदाई; एक लोमड़ी-जैसा जन्तु जो शेर के आगे-आगे चलता है।

पर्वानःवार (پروانہ وار) फ़ा. वि.—जैसे शलभ दीपक की ओर दौड़ता है वैसे, शलभवत्।

पर्वानए राहदारी (پروانۂ راہداری) फ़ा. पुं.—पासपोर्ट, पारपत्र।

पर्वानक (پروانک) फ़ा. पुं.—वह लोमड़ी-जैसा जन्तु जो शेर के आगे-आगे चलता है, पर्वाना।

पर्वानगी (پروانگی) फ़ा. स्त्री.—आज्ञा, अनुमति, इजाज़त।

पर्वारः (پروارہ) फ़ा. पुं.—टेकी, अड़गा; झरोखा [illegible]।

पर्वार (پروار) फ़ा. पुं.—ज़मीन के नीचे बनाया हुआ घर जिसमें धूप से बचाकर पशु पाले जाते और मोटे किये जाते हैं।

पर्वारी (پرواری) फ़ा. वि.—पर्वार में पला हुआ, वह पशु जो धूप से बचाकर और ख़ूब खिला-पिलाकर मोटा किया गया हो।

पर्वीं (پرویں) फ़ा. स्त्री.—कृत्तिका नक्षत्र, परन; गुच्छा, गुच्छ, ख़ोशः।

पर्वेज़ (پرویز) फ़ा. पुं.—प्रतिष्ठित, संमानित, शकर छानने की चलनी; नौशेरवाँ का पोता जो शीरीं का आशिक़ था।

पर्वेज़न (پرویزن) फ़ा. स्त्री.—छलनी, आटा आदि छानने का यंत्र।

पर्सुम (پرسم) फ़ा. पुं.—पलेथन, रोटी पकाते समय लोई में लगाया जानेवाला आटा।

पर्हेज़ (پرہیز) फ़ा. पुं.—अलग रहना, बचाव; घृणा, नफ़्रत; रोगी के खान-पान का बचाव; निषेध।

पर्हेज़गार (پرہیزگار) फ़ा. वि.—संयम नियम का पालन करनेवाला, इंद्रियों को वश में रखनेवाला।

पर्हेज़गारी (پرہیزگاری) फ़ा. स्त्री.—संयम-नियम का पालन, यति-धर्म, इंद्रिय-निग्रह।

पर्हेज़िंदः (پرہیزندہ) फ़ा. वि.—पर्हेज़ करनेवाला।

पर्हेज़ी (پرہیزی) फ़ा. वि.—वह खाना जो रोगी को उसकी दशा के अनुसार दिया जाय।

पर्हेज़ीदः (پرهیزیده) फा. वि.—जिस वस्तु का पर्हेज़ हो।

पलंग (پلنگ) फा. पुं.—एक हिंसक जन्तु, तेंदुआ, जो इसका अर्थ चीता करते हैं, ग़लत करते हैं।

पलंगीनः (پلنگینه) फा. पुं.—एक ऊनी कपड़ा जिसमें तेंदुए की खाल-जैसे चिह्न होते हैं।

पलः (پله) फा. पुं.—ढाक का पेड़, पलाश, टेसू।

पलक (پلک) फा. स्त्री.—नयनपट, दृगंचल।

पलश्त (پلشت) फा. वि.—मलिन, मैला; अपवित्र, गंदा।

पलारक (پلارک) फा. पुं.—एक प्रकार का बढ़िया लोहा; तलवार का जौहर; तलवार, खड्ग।

पलाव (پلاؤ) फा. पुं.—पुलाव, एक प्रसिद्ध भोज्य पदार्थ, इस शब्द का शुद्ध उच्चारण 'पलाव' है, परन्तु उर्दू में 'पुलाव' ही कहते हैं।

पलास (پلاس) फा. पुं.—ढाक का पेड़, टेसू, पलाश; सन का कपड़ा, टाट; बहुत मोटा और खुरदरा कपड़ा।

पलीतः (پلیته) फा. पुं.—चराग़ की बत्ती; वह बत्ती जो प्रेतबाधा उतारने के लिए जलायी जाती है।

पलीद (پلید) फा. वि.—अपवित्र, नापाक; मल-दूषित, गंदा; दुष्ट, ख़बीस।

पलीदी (پلیدی) फा. स्त्री.—अपवित्रता, नापाकी; मलिनता, गंदगी।

पल्क (پلک) फा. पुं.—आँख का पपोटा।

पल्खम (پلخم) फा. पुं.—गोफन, ढेला फेंकने का यंत्र, फ़लाखन।

पल्लः (پله) फा. पुं.—तराज़ू का पलड़ा, तुला घट; पद, पदवी, दरजा; सीढ़ी का डंडा।

पशंग (پشنگ) फा. पुं.—अफ़ासियाब के पिता का नाम, जो बड़ा महारथी शासक था, दे. 'पुशंग', दोनों शुद्ध हैं।

पशः (پشه) फा. पुं.—दे. 'पश्शः'।

पशीं (پشین) फा. पुं.—कैक़ुबाद का लड़का।

पशीज (پشیز) फा. पुं.—पैसा, ताँबे का सिक्का; ताँबे का कण।

पशेमाँ (پشیماں) फा. वि.—'पशेमान' का लघु., दे. 'पशेमान'।

पशेमान (پشیمان) फा. वि.—लज्जित, शर्मिदा; संकुचित, नादिम; पश्चात्तापी, पछतानेवाला।

पशेमानी (پشیمانی) फा. स्त्री.—लज्जा, शर्मिंदगी; संकोच, नदामत; पश्चात्ताप, अफ़्सोस।

पश्म (پشم) फा. स्त्री.—ऊन, ऊर्ण, उर्दू में पेड़ू के नीचे के बालों के लिए भी बोलते हैं।

पश्मक (پشمک) फा. स्त्री.—एक मिठाई जो बालों के लच्छे-जैसी होती है, बुढ़िया का सूत।

पश्मक़ुली (پشم قلی) फा. तु. पुं.—दे. 'पश्मदीं'।

पश्मदीं (پشم دیں) फा. पुं.—एक गाली, जो किसी को अपमानित करने के लिए उसके नाम के स्थान पर बोलते हैं।

पश्माक़ (پشماق) फा. पुं.—अश्व, वाजि, घोड़ा।

पश्मीं (پشمیں) फा. वि.—ऊन का बना हुआ, ऊनी।

पश्मीनः (پشمینه) फा. पुं.—एक बहुत बढ़िया ऊनी कपड़ा, जो बड़ा मुलाइम और मज़बूत होता है और कश्मीर में सबसे अच्छा बनता है।

पश्शः (پشه) फा. पुं.—मच्छर, मशक।

पश्शःख़ानः (پشه خانه) फा. पुं.—मच्छरदानी, मशकहरी।

पसंदः (پسنده) फा. पुं.—मांस के पतले टुकड़े जो आग पर सेंके जाते या मसाले में तले जाते हैं।

पसंद (پسند) फा. वि.—रुचिकर, मर्ग़ूब; स्वीकृत, मंज़ूर, (स्त्री.) रुचि, रग़्बत; इच्छा, मंशा; स्वीकृति, मंज़ूरी, (प्रत्य.) पसंद करनेवाला, जैसे—'हक़पसंद' सच को पसंद करनेवाला; पसंद आनेवाला, जैसे—'दिलपसंद' मन को भानेवाला।

पसंदाज़ (پس انداز) फा. वि.—व्यय के पश्चात् बचा हुआ धन आदि, संचित; बचाकर एकत्र करनेवाला, किफ़ायत-शिआर।

पसंदाज़ी (پس اندازی) फा. स्त्री.—व्यय करके धन आदि बचाना, ताकि आगे आवश्यकता पर काम दे, किफ़ायत-शिआरी।

पसंदीदः (پسندیده) फा. वि.—पसंद किया हुआ, रुचिकर, मर्ग़ूब; मन को अच्छा लगनेवाला, मनोवांछित, दिलपसंद।

पसंदीदः औसाफ़ (پسندیده اوصاف) फा. अ. वि.—अच्छे और उत्तम गुणोंवाला व्यक्ति, सद्गुणसंपन्न।

पसंदीदःतर (پسندیده تر) फा. वि.—बहुत अधिक अच्छा और रुचिकर।

पसंदीदगी (پسندیدگی) फा. स्त्री.—रुचि, रग़्बत।

पसंदेश (پس اندیش) फा. वि.—केवल पीछे की बात सोचनेवाला, आगे न देखनेवाला, संकुचितबुद्धि।

पसंदेशी (پس اندیشی) फा. स्त्री.—पीछे की बात सोचना, आगे न देखना, बुद्धि-संकोच।

पस (پس) फा. अव्य.—पीछे, बाद; अंततः, आखिरकार; पुनः, फिर।

पसअंदाज़ (پس انداز) फा. वि.—दे. 'पसंदाज़', शुद्ध उच्चारण यही है।

पसअंदाज़ी (پس اندازی) फा. स्त्री.—दे. 'पसंदाज़ी', शुद्ध उच्चारण यही है।

पसअंदेश (پس اندیش) फा. वि.–दे. 'पसंदेश', शुद्ध उच्चारण वही है।

पसअंदेशी (پس اندیشی) फा. स्त्री.–दे. 'पसंदेशी', शुद्ध उच्चारण वही है।

पसअफ़्गंदः (پس افگندہ) फा. पुं.–दे. 'पसफ़्गंदः', वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।

पसआवर्दः (پس آوردہ) फा. पुं.–दे. 'पसावर्दः', वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।

पसआहंग (پس آھنگ) फा. पुं.–दे. 'पसाहंग' वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।

पसकूचः (پس کوچہ) फा. पुं.–गली के अंदर की गली, बहुत पतली और तंग गली।

पसख़ुर्दः (پس خوردہ) फा. वि.–बचा हुआ खाना, भुक्तशेष, उच्छिष्ट।

पसख़ेज़ (پس خیز) फा. पुं.–पहलवानों का नया-नया शिष्य।

पसख़ेमः (پس خیمہ) फा. पुं.–सेना की सबसे पिछली रावटी; नतीजा, निष्कर्ष।

पसतर (پس تر) फा. वि.–बहुत पीछे, सबसे पीछे।

पसतर फ़र्दा (پس تر فردا) फा. पुं.–परसों के बादवाला दिन, नरसों, अगली नरसों।

पसपा (پسپا) फा. वि.–लड़ाई में पीछे हटा हुआ, हारा हुआ, पराजित।

पसपाई (پسپائی) फा. स्त्री.–युद्ध में पीछे हटना, पराजय, हार।

पसफ़र्दा (پس فردا) फा. पुं.–कल के बादवाला दिन, परसों, अगली परसों।

पसफ़्गंदः (پس افگندہ) फा. वि.–खर्च से बची हुई वस्तु जो दूसरे समय काम आने के लिए उठा रखी जाय; बीट, गोबर।

पसमांदः (پسماندہ) फा. वि.–बचा हुआ, बची हुई वस्तु; मृत पुरुष के बाल-बच्चे; सफ़र में साथियों से पीछे रह जानेवाला।

पसमांदगाँ (پسماندگاں) फा. पुं.–मृत पुरुषके सम्बन्धी जन, बाल-बच्चे; सफ़र में साथियों से पीछे रह जानेवाले।

पसमांदगी (پس ماندگی) फा. स्त्री.–सफ़र में साथियों से पीछे रह जाना; हीनता, दीनता, लाचारी।

पसरवी (پس روی) फा. स्त्री.–पीछे-पीछे चलना, अनुकरण करना।

पसरौ (پس رو) फा. वि.–पीछे चलनेवाला, अनुकरणकर्ता।

पसावर्दः (پساوردہ) फा. पुं.–वह लड़का जो स्त्री के प्रथम पति का हो।

पसावीदः (پساویدہ) फा. वि.–रगड़ा हुआ, ममला हुआ, मला-दला हुआ।

पसावीदनी (پساویدنی) फा. वि.–रगड़ने योग्य, मसलने योग्य, मलने-दलने योग्य।

पसाहंग (پس آھنگ) फा. पुं.–सेना का पिछला भाग।

पसीं (پسیں) फा. वि.–अंतिम, आख़िरी; पिछला, पीछेवाला।

पसेज (پسیج) फा. पुं.–संकल्प, इरादा; तत्परता, तैयारी; कटिबद्धता, आमादगी।

पसेपर्दा (پس پردہ) फा. पुं.–पर्दे के पीछे, आड़ में, गुप्त रूप से, "आ गया कौन है पसेपर्दा—नूर से झिलमिलाती है चिलमन'।

पसेपुश्त (پس پشت) फा. पुं.–पीठ-पीछे, परोक्ष में।

पसेमर्ग (پس مرگ) फा. पुं.–मरने के बाद, मरण-पश्चात्।

पसेमुर्दन (پس مردن) फा. पुं.–दे. 'पसेमर्ग'।

पस्तः (پستہ) फा. वि.–ह्रस्व, पस्त; लघु, छोटा।

पस्तःक़द (پستہ قد) फा. वि.–ह्रस्वकाय, वामन, बौना, ठिंगना।

पस्त (پست) फा. वि.–नीचा, निशेबी; अधम, नीच, कमीना; ह्रस्व, पस्तः; लघु, छोटा।

पस्तअंदेश (پست اندیش) फा. वि.–लघुचेता, मंदबुद्धि, तंगख़याल।

पस्तअंदेशी (پست اندیشی) फा. स्त्री.–तंगख़याली, बुद्धिमांद्य।

पस्तक (پستک) फा. वि.–बहुत अधिक नीचा; बहुत अधिक कमीना; बहुत अधिक लघु।

पस्तक़द (پست قد) फा. वि.–दे. 'पस्तःक़द'।

पस्तक़ामत (پست قامت) फा. अ. वि.–दे. 'पस्तःक़द'।

पस्तक़ामती (پست قامتی) फा. अ. स्त्री.–डीलडौल का छोटा होना, बौनापन, वामनता।

पस्तख़याल (پست خیال) फा. अ. वि.–दे. 'पस्तअंदेश'।

पस्तख़याली (پست خیالی) फा. अ. स्त्री.–दे. 'पस्तअंदेशी'।

पस्तफ़ित्रत (پست فطرت) फा. अ. वि.–तुच्छ प्रकृतिवाला, कमीना; दुष्टात्मा, ख़बीस।

पस्तफ़ित्रती (پست فطرتی) अ. फा. स्त्री.–प्रकृति की निकृष्टता, कमीनापन; दुष्टता, ख़बासत।

पस्तहिम्मत (پست ھمت) फा. अ. वि.–हतोत्साह, अल्प-साहस, कमहौसला।

पस्तहिम्मती (پست ھمتی) फा. अ. स्त्री.–उत्साहहीनता, हौसले और उमंग की कमी।

पस्तहौसलः (پست حوصلہ) फा. अ. वि.–दे. 'पस्तहिम्मत'।

पस्तहौसलगी (پست حوصلگی) फा. अ. स्त्री.–दे. 'पस्त-हिम्मती'।

पस्ती (پستی) फा. स्त्री.–निचाई, निशेब; नीचता, कमीनगी।

पस्तोबलंद (پست و بلند) फा. पुं.–ऊँचा-नीचा, ऊँच-नीच; दुःख-सुख, रंज-राहत; अच्छा-बुरा, नेकी-बदी।

पह (پہ) फा. अव्य.–साधु, वाह, धन्य।

पह पह (پہ پہ) फा. अव्य.–वाह-वाह, धन्य-धन्य, साधु-साधु।

पह्न (پہن) फा. वि.–चौड़ा-चकला, विस्तृत; महान्, अज़ीम।

पह्नक (پہنک) फा. पुं.–फ़ीता।

पह्नचश्म (پہن چشم) फा. वि.–निर्लज्ज, बेहया।

पह्नचश्मी (پہن چشمی) फा. स्त्री.–निर्लज्जता, बेहयाई।

पह्ना (پہنا) फा. वि.–विस्तृत, चौड़ा-चकला।

पह्नाई (پہنائی) फा. स्त्री.–विस्तार, लम्बाई-चौड़ाई, वुस्अत।

पह्लवान (پہلوان) फा. पुं.–कुश्ती लड़नेवाला, मल्ल; शक्तिशाली, ताक़तवर; हट्टा-कट्टा, मोटा-ताज़ा।

पह्लवानी (پہلوانی) फा. स्त्री.–कुश्ती लड़ने का काम; कुश्ती लड़ने का फ़न।

पह्लवी (پہلوی) फा. स्त्री.–ईरान की एक प्राचीन भाषा।

पह्लू (پہلو) फा. पुं.–पार्श्व, बग़ल; कुक्षि, कोख; दिशा, ओर, तरफ़; पद्धति, तर्ज़; अंक, क्रोड, आग़ोश; युक्ति, तर्कीब, ढब; समीपता, नज़्दीकी; संकेत, रम्ज़; मिष, बहाना; पसली।

पह्लूतिही (پہلو تہی) फा. स्त्री.–उपेक्षा, बेइल्तिफ़ाती; बचना, अलग रहना।

पह्लूनशीं (پہلونشیں) फा. वि.–पास बैठनेवाला, पार्श्व-वर्ती; सभासद, मुसाहिब।

पह्लूनशीनी (پہلونشینی) फा. स्त्री.–पास बैठना; मुसाहबत।

पा

पांज़दः (پانزدہ) फा. वि.–पंदरह की संख्या; पंदरह वस्तुएँ।

पांज़दहुम (پانزدہم) फा. वि.–पंदरहवाँ, चौदह के बादवाला।

पा (پا) फा. पुं.–पद, चरण, पग, पाँव।

पाअंदाज़ (پا انداز) फा. पुं.–वह टाट या चटाई आदि जो कमरे आदि के दरवाज़े पर पाँव पोंछने के लिए पड़ी रहती है।

पाअफ़राज़ (پا افراز) फा. पुं.–जूता, पादुका।

पाअफ़्शार (پا افشار) फा. पुं.–लकड़ी का जूता, खड़ाऊँ, पादुका, चट्टी।

पाअलमख़्वाँ (پاعلم خواں) फा. वि.–वह व्यक्ति जो मुहरम के दिनों में अलम के नीचे खड़े होकर मर्सिया पढ़ता है।

पाइंदः (پائندہ) फा. वि.–हमेशा रहनेवाला, नित्य, अनश्वर; स्थायी, पाएदार।

पाइंदःबाद (پائندہ باد) फा. वा.–एक आशीर्वाक्य; अमर रहो, हमेशा रहो; अमर रहे, हमेशा रहे, ज़िंदःबाद, चिरंजीवी।

पाइंदगी (پائندگی) फा. स्त्री.–हमेशगी, नित्यता; स्थायित्व, इस्तिक़्लाल, पाएदारी।

पाइं (پائیں) फा. वि.–'पाईन' का लघु., दे. 'पाईन'।

पाइंकोह (پائیں کوہ) फा. पुं.–पहाड़ की तराई।

पाइंपरस्ती (پائیں پرستی) फा. स्त्री.–दासता, ख़िद-मतगारी।

पाइंबाग़ (پائیں باغ) फा. पुं.–वह बाग़ जो मकान या कोठी से मिला हो, गृह-उद्यान, गृहवाटिका।

पाइज़ (پائیز) फा. पुं.–पतझड़ की ऋतु, ख़ज़ाँ का मौसिम।

पाईदः (پائیدہ) फा. वि.–पाएदार, स्थायी; ठहरा हुआ, दृढ, स्थित।

पाईदनी (پائیدنی) फा. वि.–ठहरने योग्य।

पाईनः (پائینہ) तु. पुं.–दर्पण, मुकुर, आईना।

पाईन (پائین) फा. वि.–पिछला, आख़िरी; निचला, नीचेवाला, (स्त्री.) पाएँती, सिरहाने का उलटा।

पाउफ़्तादः (پاافتادہ) फा. वि.–गिरा हुआ, पतित; लाचार, विवश, हीन, दीन; दुःखित, कष्टग्रस्त।

पाउफ़्तादगी (پاافتادگی) फा. स्त्री.–गिरना, पतन; हीनता, लाचारी; दुःख में होना।

पाएकार (پائکار) फा. पुं.–वह स्थान जहाँ किसी इमारत बनाने का मसाला इकट्ठा हो।

पाएकाश्त (پاے کاشت) फा. पु. वह कृषक जो किसी अन्य गाँव की ज़मीन जोते हो।

पाएकुलाग़ (پاے کلاغ) फा. पुं.–लेखनी, क़लम; बहुत बुरी और टेढ़ी-मेढ़ी लिखावट।

पाएख़ुस्त (پاے خوست) फा. वि.–दे. 'पाएमाल'।

पाएगाह (پائگاہ) फा. स्त्री.–अश्वशाला, तवेला; किसी बड़े रईस या अफ़्सर की ड्योढ़ी।

पाएचः (پائچہ) फा. पुं.–पाजामे का वह भाग जो नीचे लटकता है।

पाएजामः (پائجامہ) फा. पुं.–दे. 'पाजामः', दोनों शुद्ध हैं, परन्तु वह अधिक फ़सीह है।

पाएतख़्त (پائے تخت) फ़ा. पुं.—राजधानी, शासन-केन्द्र, तख़्तगाह।

पाएतर्सा (پائے ترسا) फ़ा. पुं.—मदिरा का प्याला, पानपात्र।

पाएतोग़ (پائے توغ) तु. पुं.—सेना आदि में आगे झंडा लेकर चलनेवाले का पद।

पाएदान (پائےدان) फ़ा. पुं.—सभा में जूते उतारने का स्थान; गाड़ी, मोटर, रेल आदि के दरवाज़े का तख़्ता जिस पर पांव रखकर चढ़ते हैं।

पाएदार (پائدار) फ़ा. वि.—दृढ़, मज़बूत; स्थायी, मुस्तक़िल; अचल, स्थिर।

पाएपिस्त (پائے پست) फ़ा. वि.—दे. 'पाएमाल'।

पाएबंद (پائے بند) फ़ा. वि.—दे. 'पाबंद'।

पाएमाल (پائمال) फ़ा. वि.—पाँव के नीचे मसला हुआ, रौंदा हुआ, पददलित, पदध्वस्त।

पाएरंज (پائےرنج) फ़ा. पुं.—वह पुरस्कार जो एलची, दूत, पत्रवाहक अथवा अतिथि को बिदा करते समय सम्मानार्थ दिया जाय।

पाक (پاک) फ़ा. वि.—पवित्र, मुक़द्दस; शुद्ध, ठीक; निष्केवल, ख़ालिस; स्वच्छ, साफ़; निर्दोष, बेक़ुसूर; निर्मल, बेमेल; निर्लिप्त, बेतअल्लुक़; सुरक्षित, महफ़ूज़।

पाकज़ाद (پاک زاد) फ़ा. वि.—स्वच्छ प्रकृतिवाला, शुद्धात्मा।

पाकतीनत (پاک طینت) फ़ा. अ. वि.—दे. 'पाकज़ाद'।

पाकदामन (پاک دامن) फ़ा. वि.—सदाचारी पुरुष; सती और साध्वी स्त्री।

पाकदामनी (پاک دامنی) फ़ा. स्त्री.—नेकचलनी, सदाचार, सतीत्व।

पाकदिल (پاک دل) फ़ा. वि.—जिसके मन में खोट न हो, शुद्धमनस्क, अन्तःपवित्र।

पाकनज़र (پاک نظر) फ़ा. अ. वि.—वह व्यक्ति जिसकी दृष्टि बुराई पर न पड़े, समदर्शी।

पाकनिगाह (پاک نگاہ) फ़ा. वि.—दे. 'पाकनज़र'।

पाकनिहाद (پاک نہاد) फ़ा. वि.—दे. 'पाकदिल'।

पाकनीयत (پاک نیت) फ़ा. अ. वि.—दे. 'पाकदिल'; जो किसी की अमानत में ख़ियानत न करे।

पाकबाज़ (پاک باز) फ़ा. वि.—सदाचारी, शुद्ध आचरणवाला।

पाकबाज़ी (پاک بازی) फ़ा. स्त्री.—सदाचार।

पाकबीं (پاک بیں) फ़ा. वि.—दे. 'पाकनज़र'।

पाकबीनी (پاک بینی) फ़ा. स्त्री.—केवल अच्छाई देखना, बुराई पर दृष्टि न डालना।

पाकरू (پاک رو) फ़ा. वि.—स्वच्छरूप, सुंदर मुखवाला (वाली)।

पाकसिरिश्त (پاک سرشت) फ़ा. वि.—सत्प्रकृति, शुद्धात्मा।

पाकार (پاکار) फ़ा. पुं.—तहसील का प्यादा; दास, ख़िदमती; मज़दूर, श्रमिक; मेहतर, भंगी।

पाकी (پاکی) फ़ा. वि.—शुद्धता; पवित्रता; स्वच्छता, निर्दोषता; नीचे के बाल।

पाकीज़ः (پاکیزہ) फ़ा. वि.—शुद्ध; पवित्र; स्वच्छ।

पाकीज़ःख़याल (پاکیزہ خیال) फ़ा. अ. वि.—अच्छे विचारोंवाला, सद्विचारवान्।

पाकीज़ःख़ू (پاکیزہ خو) फ़ा. वि.—स्वच्छ प्रकृतिवाला।

पाकीज़ःगौहर (پاکیزہ گوہر) फ़ा. वि.—अच्छे वंशवाला, कुलीन।

पाकीज़ःतीनत (پاکیزہ طینت) फ़ा. अ. वि.—सत्प्रकृति, पुनीतात्मा।

पाकीज़ःनफ़्स (پاکیزہ نفس) फ़ा. अ. वि.—दे. 'पाकीज़ःतीनत'।

पाकीज़ःबूम (پاکیزہ بوم) फ़ा. वि.—अच्छे और पुनीत स्थान का रहनेवाला।

पाकीज़ःमनिश (پاکیزہ منش) फ़ा. वि.—दे. 'पाकीज़ःतीनत'।

पाकीज़ःशिआर (پاکیزہ شعار) फ़ा. अ. वि.—अच्छे आचरणवाला, शुद्धाचारी।

पाकीज़ःसिरिश्त (پاکیزہ سرشت) फ़ा. वि.—दे. 'पाकीज़ःतीनत'।

पाकीज़ःसीरत (پاکیزہ سیرت) फ़ा. अ. वि.—दे. 'पाकीज़ःतीनत'।

पाकीज़ःसूरत (پاکیزہ صورت) फ़ा. अ. वि.—अच्छी सूरतवाला, सुन्दर, (वाली) सुन्दरी।

पाकीज़गी (پاکیزگی) फ़ा. स्त्री.—पवित्रता; शुद्धता; स्वच्छता।

पाकोब (پاکوب) फ़ा. वि.—नाचनेवाला, नर्तक; नाचनेवाली, नर्तकी।

पाकोबी (پاکوبی) फ़ा. स्त्री.—नाचना, नर्तन, नृत्य।

पाख़ानः (پاخانہ) फ़ा. पुं.—मल-त्याग का स्थान, शौचालय; पुरीष, विष्ठा, गू।

पागाह (پاگاہ) फ़ा. स्त्री.—दे. 'पाएगाह'।

पागिरिफ़्तः (پاگرفتہ) फ़ा. वि.—ठहरा हुआ, जो चल न रहा हो, स्थावर।

पागीर (پاگیر) फ़ा. स्त्री.—कुश्ती का एक दाँव।

पागुंदः (پاغندہ) फ़ा. पुं.—धुनकी हुई रुई का गाला।

पाग़ुर (پاغر) फ़ा. अ. पुं.—पाँव का एक रोग, पीलपा, श्लीपद।

पाग़ोश (پاغوش) फ़ा. पुं.—ग़ोता, डुबकी, निमज्जन।

पाचंग (پاچنگ) फा. पुं.—गवाक्ष, खिड़की; जूता, पदत्राण।

पाचक (پاچک) फा. स्त्री.—उपला, सूखा गोबर।

पाचक दश्ती (پاچک دشتی) फा. स्त्री.—जंगल में पड़ा हुआ सूखा गोबर जो गोल उपले के आकार का होता है।

पाचाँ (پاچاں) फा. पुं.—छिड़कता हुआ, बरसाता हुआ, दे. 'पाशाँ'।

पाचाक (پاچاک) फा. स्त्री.—दे. 'पाचक'।

पाचायः (پاچایه) फा. पुं.—पेशाब-पाखाना, गू-मूत्र।

पाचाल (پاچال) फा. पुं.—गर्क़ी, वह गढ़ा जिसमें जुलाहे कपड़ा बिनते समय पाँव लटकाते हैं।

पाचाहः (پاچهه) फा. पुं.—दे. 'पाचाल'।

पाचाह (پاچاه) फा. पुं.—दे. 'पाचाल'।

पाचिलः (پاچله) फा. पुं.—बरफ़ पर चलने का जूता; पाताबा।

पाचुनार (پاچنار) फा. पुं.—ईरान में एक नगर जहाँ के निवासी आचरण के दृष्टिकोण से बहुत पवित्र होते हैं।

पाचुनारी (پاچناری) फा. स्त्री.—पाचुनार के निवासियों-जैसा, अधम, लोफ़र, कमीना; सेवक, दास।

पाजंग (پازنگ) फा. पुं.—दे. 'पाचंग'।

पाज़ह्र (پازهر) फा. पुं.—दे. 'पादज़ह्र'।

पाज़ाज (پازاج) फा. स्त्री.—धाय, दाया, बच्चे जनानेवाली स्त्री।

पाजामः (پاجامه) फा. पुं.—एक विशेष अधोवस्त्र, इज़ार।

पाजी (پاجی) फा. वि.—पामर, अधम, नीच; धूर्त्त, दुष्ट।

पाज़ेब (پازیب) फा. स्त्री.—पाँव का एक आभूषण, अंदुक, नूपुर।

पात (پات) फा. पुं.—चौकी, तख़्त।

पाताबः (پاتابه) फा. पुं.—जूते के भीतर का तला; मोज़े के ऊपर पहनने का कपड़े का जूता-जैसा खोल।

पातिलः (پاتله) फा. पुं.—पतीला, चौड़े मुँह का देगनुमा देगचा।

पातुराब (پاتراب) फा. वि.—यात्रा के समय इस विचार से कि शुभ मुहूर्त खंडित न हो, एक स्थान से दूसरे स्थान पर चला जाना, चाहे वह स्थान थोड़ी दूर ही क्यों न हो।

पादंग (پادنگ) फा. स्त्री.—धान आदि कूटने की ढेकली।

पादज़ह्र (پادزهر) फा. पुं.—विषनाशक एक ओषधि।

पादरगिल (پادرگل) फा. वि.—दे. 'पाबगिल'।

पा दर रिकाब (پا در رکاب) फा. वि.—दे. 'पा ब रिकाब'।

पा दर हवा (پا در هوا) फा. वि.—निराधार, बेबुनियाद; काल्पनिक, ख़याली।

पादशह (پادشه) फा. पुं.—'पादशाह' का लघु., दे. 'पादशाह'।

पादशाह (پادشاه) फा. पुं.—राजा, नरेश, बादशाह।

पादशाहज़ादः (پادشاهزاده) फा. पुं.—शाहज़ादा, राजकुमार।

पादशाही (پادشاهی) फा. स्त्री.—राज्य, सल्तनत; शासन, हुकूमत; बादशाह सम्बन्धी; बादशाह का।

पादस्त (پادست) फा. पुं.—हथ उधार; वह धन जो तुरन्त अदा कर देने के लिए लिया जाय।

पादाम (پادام) फा. वि.—जाल में बँधा हुआ पक्षी आदि।

पादाश (پاداش) फा. स्त्री.—प्रतिकार, बदला, प्रायः बुरे बदले के लिए व्यवहृत है।

पादाशन (پاداشن) फा. स्त्री.—दे. 'पादाश'।

पादाशे अमल (پاداش عمل) फा. अ. स्त्री.—कर्मफल, काम का बदला; कर्मदंड, पाप की सज़ा।

पादाशे जुर्म (پاداش جرم) फा. अ. स्त्री.—अपराध का दंड, पाप की सज़ा।

पानः (پانه) फा. स्त्री.—आरे से लकड़ी चीरते समय दराज में लगाया जानेवाला पच्चर।

पान (پان) फा. पुं.—एक प्रसिद्ध पत्ता जो कत्था-चूना लगाकर खाया जाता है।

पानदान (پاندان) फा. पुं.—पान रखने की पिटारी।

पापयादः (پاپیاده) फा. वि.—पैदल चलनेवाला, पैदल।

पापा (پاپا) फा. पुं.—पोप, ईसाइयों का बड़ा पादरी।

पापाए रोम (پاپاے روم) फा. पुं.—रोम का बड़ा पादरी जो सारे संसार के रोमन कैथलिक पादरियों पर शासन करता है।

पापियादः (پاپیاده) फा. वि.—दे. 'पापयादः', दोनों शुद्ध हैं।

पापोश (پاپوش) फा. स्त्री.—पादुका, पादत्र, जूता।

पापोशकार (پاپوش کار) फा. वि.—जूते बनानेवाला, मोची, पादुकाकार।

पापोशकारी (پاپوش کاری) फा. स्त्री.—जूते बनाने का काम, मोचीपन; जूते पड़ना, किसी की जूतों से मरम्मत।

पाबंद (پابند) फा. वि.—बंदी, गिरिफ़्तार; विवश, लाचार; बाध्य, मजबूर; वचनबद्ध, जिसने ज़बान दी हो; समय या नियम का पालन करनेवाला।

पाबंदी (پابندی) फा. स्त्री.—बाध्यता, मजबूरी; वचनबद्धता, क़ौल-क़रार; समय आदि में नियमबद्धता।

पाबंदे ज़ंजीर (پابند زنجیر) फा. वि.—ज़ंजीर में बँधा हुआ, शृंखलित, पाँव में ज़ंजीर पड़ी हुई।

पाबंदे सलासिल (پابند سلاسل) फा. अ. वि.—दे. 'पाबंदे ज़ंजीर'।

पाबगिल (پابہگل) फा. वि.—दलदल में फँसा हुआ; विवश, लाचार; किंकर्तव्यविमूढ़, हक्का-बक्का।

पाबजंजीर (پابہزنجیر) फा. वि.—पाँव में ज़ंजीर पड़ा हुआ, शृंखलित; क़ैदी, बंदी; विवश, मजबूर।

पाबजूलाँ (پابہجولاں) फा. वि.—पाँव में बेड़ी पड़ी हुई, क़ैदी, बंदी।

पाबरजा (پابرجا) फा. वि.—एक स्थान पर पाँव जमाये हुए, डटा हुआ, साबितक़दम, दृढ़निश्चय।

पाबरहनः (پابرہنہ) फा. वि.—नंगे पाँव, पादुकाहीन; पुराना, जिस पर एक साल बीत गया हो।

पाबरिकाब (پابہرکاب) फा. वि.—रिकाब में पाँव डाले हुए; चलने के लिए तैयार; मरने के लिए तैयार, मरणासन्न।

पाबहनः (پابرہنہ) फा. वि.—दे. 'पाबरहनः', दोनों शुद्ध हैं।

पाबस्तः (پابستہ) फा. वि.—पाँव बँधा हुआ, गिरिफ़्तार।

पाबस्त (پابست) फा. वि.—दृढ़, मज़बूत; न्यास, नींव; प्रतीक्षक, मुंतज़िर; बंदी, क़ैदी।

पाबिरंजन (پابرنجن) फा. स्त्री.—नूपुर, पाज़ेब।

पाबोस (پابوس) फा. वि.—पाँव चूमनेवाला, पदचुंबक, (पुं.) पाँव चूमना, पद-चुंबन।

पाबोसी (پابوسی) फा. स्त्री.—पाँव चूमना, पद-चुंबन।

पामर्द (پامرد) फा. वि.—सहायक, मददगार; साहसी, उत्साही, बाहिम्मत; शूर, वीर, बहादुर।

पामर्दी (پامردی) फा. स्त्री.—सहायता, मदद; उत्साह, हिम्मत; शूरता, बहादुरी।

पामाल (پامال) फा. वि.—पाँव-तले रौंदा हुआ, पद-दलित; दुर्दशाग्रस्त, मुसीबतज़दः।

पामाली (پامالی) फा. स्त्री.—पाँव-तले मसला जाना; दुःख से दलित होना।

पामाले ग़म (پامال غم) फा. वि.—दुःखों के भार से परास्त; प्रेम के दुःख से आक्रांत।

पामुज़्द (پامزد) फा. स्त्री.—वह मजदूरी जो पाँव द्वारा चल-फिरकर की जाय।

पायंदः (پایندہ) फा. वि.—दे. 'पाइंदः', दोनों शुद्ध हैं।

पायंदगी (پایندگی) फा. स्त्री.—दे. 'पाइंदगी', दोनों शुद्ध हैं।

पायः (پایہ) फा. पुं.—स्तंभ, खंभा; पलंग का मचवा; पद, दरजा; मान, प्रतिष्ठा, इज़्ज़त।

पायः ब पायः (پایہ بہ پایہ) फा. वि.—क्रमशः, धीरे-धीरे, दर्जः ब दर्जः।

पायःशनास (پایہشناس) फा. वि.—किसी की प्रतिष्ठा और क़द्र पहचाननेवाला।

पायक (پایک) फा. पुं.—हरकारा, पियादा।

पायाँ (پایاں) फा. पुं.—'पायान' का लघु., दे. 'पायान'।

पायान (پایان) फा. पुं.—तट, क़िनारा; अंत, आख़िर; छोर, सिरा; पराकाष्ठा, इन्तिहा।

पायानेकार (پایانکار) फा. पुं.—आख़िरकार, अंततः।

पायाब (پایاب) फा. वि.—जो गहरा न हो, उथला, गाध (पानी)।

पायाबी (پایابی) फा. स्त्री.—नदी, ताल आदि के पानी का डुबाऊ न होना, उथलापन, गाधता।

पारः (پارہ) फा. पुं.—भाग, अंश, हिस्सा; खंड, टुकड़ा; कण, रेज़ः, जोड़, पैवंद; उत्कोच, रिश्वत; उपहार, भेंट, तोहफ़ा।

पारःकार (پارہکار) फा. वि.—नीच, कमीना, लोफ़र।

पारःकारी (پارہکاری) फा. स्त्री.—नीचता, कमीनगी।

पारःदोज़ (پارہدوز) फा. वि.—पैवंद गाँठनेवाला, थिगड़ी लगानेवाला।

पारःदोज़ी (پارہدوزی) फा. स्त्री.—पैवंद सीना, थिगली लगाना।

पारःपारः (پارہپارہ) फा. वि.—टुकड़े-टुकड़े, धज्जी-धज्जी, पुर्ज़े पुर्ज़े।

पार (پار) फा. पुं.—गत वर्ष, पिछला साल।

पारए नाँ (پارۂ ناں) फा. पुं.—रोटी का टुकड़ा।

पारगानः (پارگانہ) फा. पुं.—तराज़ू का पासंग, पसंगा; गवाक्ष, खिड़की, झरोखा; ख्याति, यशोगान, दे. 'पालगानः'।

पारगीं (پارگیں) फा. पुं.—पुरानापन, प्राचीनता; फटा-पुरानापन।

पारगी (پارگی) फा. स्त्री.—कुंडी जिसमें घर और रसोई-ख़ाने आदि का पानी इकट्ठा हो।

पारचः (پارچہ) फा. पुं.—दे. 'पार्चः'।

पारदुम (پاردم) फा. स्त्री.—दे. 'पार्दुम'।

पारसंग (پارسنگ) फा. पुं.—पासंग, तराज़ू का पसँगा।

पारसाल (پارسال) फा. पुं.—पिछला वर्ष, गत वर्ष; अगला साल, आगामी वर्ष।

परार (پارار) फा. पुं.—पिछला तीसरा वर्ष, त्यांरुस।

पारिकावी (پارکابی) फा. स्त्री.—बहुत थोड़ी मात्रा, किंचित्।

पारीनः (پارینہ) फा. वि.—पुरातन, पुराना।

पारोब (پاروب) फा. स्त्री.—वह लकड़ी जिससे घोड़े के सुमों की लीद छुड़ाते हैं।

पार्गीं (پارگیں) फा. पुं.—दे. 'पारगीं', दोनों शुद्ध हैं।

पार्गी (پارگی) फा. स्त्री.—दे. 'पारगी', दोनों शुद्ध है।

पार्चः (پارچہ) फा. पुं.—कपड़ा, वसन; वस्त्र, लिबास।

पार्चःफ़रोश (پارچہ فروش) फ़ा. वि.—कपड़ा बेचनेवाला, बज़ाज़।

पार्चःफ़रोशी (پارچہ فروشی) फ़ा. स्त्री.—कपड़ा बेचने का काम।

पार्चःबाफ़ (پارچہ باف) फ़ा. वि.—कपड़ा बुननेवाला, जुलाहा, कोरी।

पार्चःबाफ़ी (پارچہ بافی) फ़ा. स्त्री.—कपड़ा बुनने का काम।

पार्दुम (پاردم) फ़ा. स्त्री.—घोड़े की ज़ीन की दुमची।

पार्सः (پارسہ) फ़ा. पुं.—भिक्षुक, भिखारी, फ़क़ीर, मँगता।

पार्स (پارس) फ़ा पुं.—एक प्रसिद्ध देश, ईरान।

पार्सा (پارسا) फ़ा. वि.—संयमी, इंद्रिय-निग्रही, ज़ाहिद।

पार्साई (پارسائی) फ़ा. स्त्री.—संयम, इंद्रिय-निग्रह, पर्हेज़गारी।

पार्सी (پارسی) फ़ा. पुं.—ईरान की प्राचीन अग्निपूजक जाति, जो अब भारत में आबाद है; ईरान की भाषा, फ़ारसी।

पालगानः (پالگانہ) फ़ा. पुं.—तराज़ू का पासंग; गवाक्ष, दरीचः; ख्याति, शोहरत, दे. 'पारगानः।'

पालग़्ज़ (پالغز) फ़ा. पुं.—ऐसा स्थान जहाँ पाँव फ़िसल जाय; ऐसा अवसर जहाँ दोष या पाप हो जाय; पाँव फिसलना; अपराध, पाप; दोष, क़ुसूर; ख़राबी, बुराई।

पालहंग (پالہنگ) फ़ा. पुं.—घोड़े की बागडोर।

पाला (پالا) फ़ा. पुं.—कोतल घोड़ा।

पालाइश (پالائش) फ़ा. स्त्री.—सफ़ाई, मार्जन।

पालाईदः (پالائیدہ) फ़ा. वि.—साफ़ किया हुआ, मार्जित।

पालान (پالان) फ़ा. पुं.—गधे या टट्टू की पीठ पर डालने का टाट।

पालानी (پالانی) फ़ा. वि.—वह घोड़ा जिससे बोझ ढोने का काम लिया जाता है, लद्दू।

पालानेख़र (پالان خر) फ़ा. पुं.—गधे की पीठ पर डाला जानेवाला टाट।

पालीदः (پالیدہ) फ़ा. वि.—साफ़ किया हुआ, मार्जित; ढूँढ़ा हुआ, गवेषित।

पालूदः (پالودہ) फ़ा. वि.—साफ़ किया हुआ, मार्जित, (पुं.) एक पेय, फ़ालूदः।

पालूनः (پالونہ) फ़ा. पुं.—छानने का कपड़ा, साफ़ी, छननी।

पालेज़ (پالیز) फ़ा. स्त्री.—तरबूज़ या ख़रबूज़े का खेत।

पालोश (پالوش) फ़ा. पुं.—वह कपूर जो कृत्रिम हो।

पावरक़ (پاورق) फ़ा. अ. पुं.—पुस्तक के पन्ने के अन्त में लिखा हुआ अंतिम अक्षर जो अगले पन्ने पर लिखा जाय। (जब किताब के पन्नों पर नम्बर नहीं पड़ते थे उस समय ऐसा लिखा जाता था।)

पाशंग (پاشنگ) फ़ा. पुं.—वह ककड़ी आदि जो बीज के लिए छोड़ दी जाय, दे. 'पाहंग'।

पाश (پاش) फ़ा. प्रत्य.—छिड़कनेवाला, जैसे—'गुलाबपाश' गुलाब छिड़कनेवाला; फ़ैलानेवाला, जैसे—'ज़ियापाश', प्रकाश फैलानेवाला।

पाश पाश (پاش پاش) फ़ा. वि.—चूर-चूर, टुकड़े-टुकड़े।

पाशाँ (پاشاں) फ़ा. वि.—छिड़कता हुआ, फ़ैलाता हुआ; ऐसी लिखावट जिसमें अक्षर दूर-दूर हों।

पाशा (پاشا) तु. पुं.—एक उपाधि जो तुर्की में बड़े पदाधिकारियों को दी जाती है; गवर्नर, राजपाल, वज़ीर।

पाशिंदः (پاشندہ) फ़ा. वि.—छिड़कनेवाला, फ़ैलानेवाला।

पाशिकस्तः (پاشکستہ) फ़ा. वि.—जिसके पाँव टूटे हों, जो चलने-फिरने में असमर्थ हो; विवश, लाचार।

पाशीदः (پاشیدہ) फ़ा. वि.—छिड़का हुआ, बिखेरा हुआ।

पाशीदनी (پاشیدنی) फ़ा. वि.—छिड़कने योग्य, बिखरने योग्य।

पाशोयः (پاشویہ) फ़ा. पुं.—दवाओं के पानी से रोगी के पाँव धोना, अथवा दवाओं की बुकनी पावों पर मलना।

पाश्नः (پاشنہ) फ़ा. स्त्री.—एड़ी।

पाश्नःकोब (پاشنہ کوب) फ़ा. वि.—पीछे दौड़नेवाला, पीछा करनेवाला, तआक़ुब करनेवाला।

पाश्नःकोबी (پاشنہ کوبی) फ़ा. स्त्री.—तआक़ुब करना, भागते हुए को पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़ना।

पासः (پاسہ) फ़ा. पुं.—आतुरता, बेचैनी; दुःख, क्लेश, रंज।

पास (پاس) फ़ा. पुं.—एक पहर का समय, प्रहर; निरीक्षण, निगरानी; रक्षा, हिफ़ाज़त; शील संकोच, लिहाज़।

पासक (پاسک) फ़ा. स्त्री.—जंभाई, जृम्भा।

पासताँ (پاستاں) फ़ा. वि.—दे. 'पास्ताँ'।

पासदार (پاسدار) फ़ा. वि.—निरीक्षक, निगराँ; पृष्ठ-पोषक, हिमायती, सहायक, मददगार; पक्षपाती, तरफ़दार।

पासदारी (پاسداری) फ़ा. स्त्री.—निरीक्षण, निगरानी; पृष्ठ पोषण, हिमायत; सहायता, मदद; पक्षपात, तरफ़दारी।

पासबान (پاسبان) फ़ा. वि.—निरीक्षक, निगराँ; द्वारपाल, ड्योढ़ीबान।

पासबानी (پاسبانی) फ़ा. स्त्री.—निरीक्षण, निगरानी; ड्योढ़ीबानी।

पासब्ज़ (پاسبز) फ़ा. वि.—जिसका आगमन अशुभ और अनिष्टकर हो; दलाल, एजेंट, अभिकर्ता।

पासब्ज़ी (پاسبزی) फ़ा. स्त्री.—नुहूसत, अकल्याण, अमंगल।

पासिन (پاسن) फ़ा. स्त्री.—एड़ी।

पासुख़ (پاسخ) फा. पुं.–उत्तर, जवाब।
पासे अदब (پاس ادب) फा. अ. पुं.–किसी की प्रतिष्ठा का ख़याल, प्रतिष्ठा के अनुसार उसका आदर-सत्कार।
पासे अन्फ़ास (پاس انفاس) फा. अ. पुं.–मुसलमान सूफ़ियों का एक योगाभ्यास, जिसमें उनके हर श्वास के साथ, 'अल्लाह' का शब्द उच्चरित होता है।
पासे आबरू (پاس آبرو) फा. पुं.–प्रतिष्ठा का ख़याल; सतीत्व-रक्षा का ख़याल।
पासे ख़ातिर (پاس خاطر) अ. फा. पुं.–किसी को रुष्ट न करने के लिए उसका मन रखना।
पासे नमक (پاس نمک) फा. पुं.–नमकहलाली, स्वामिभक्ति, कृतज्ञता।
पासे नामूस (پاس ناموس) फा. अ. पुं.–दे. 'पासे आबरू'।
पासोलिहाज़ (پاس ولحاظ) फा. अ. पुं.–शील संकोच, मुरव्वत, लिहाज़।
पास्ताँ (پاستاں) फा. वि.–'पास्तान' का लघु., दे. 'पास्तान'।
पास्तान (پاستان) फा. वि.–पुरातन, प्राचीन, पुराना।
पास्तानी (پاستانی) फा. वि.–प्राचीनकाल का, पुराने समय का।
पाहंग (پاهنگ) फा. पुं.–दे. 'पाशंग'।

पि

पिगाँ (پگاں) फा. स्त्री.–वह कटोरी जो पानी की नाँद में समय बताने के लिए डाली जाती है।
पिंदारः (پندارہ) फा. पुं.–ध्यान, ख़याल; अनुध्यान, तसव्वुर; चिंतन, फ़िक्र।
पिंदार (پندار) फा. पुं.–ध्यान, ख़याल; कल्पना, तख़ैयुल; अभिमान, गर्व, गुरूर।
पिंदारिंदः (پندارندہ) फा. वि.–सोचनेवाला, विचारनेवाला; जाननेवाला।
पिंदाश्तः (پنداشتہ) फा. वि.–सोचा हुआ; जाना हुआ।
पिंदाश्तनी (پنداشتنی) फा. वि.–सोचने योग्य; जानने योग्य, ज्ञेय।
पिज़मुर्दः (پژمردہ) फा. वि.–दे. 'पज़मुर्दः' दोनों शुद्ध है, परन्तु यह अप्रचलित है।
पिज़िश्क (پزشک) फा. पुं.–चिकित्सक, उपचारक, वैद्य, तबीब, डाक्टर, हकीम।
पिज़िश्की (پزشکی) फा. वि.–चिकित्सा, उपचार, इलाज।
पिज़ीर (پزیر) फा. प्रत्य.–स्वीकृत करनेवाला, जैसे—'पोज़िश पिज़ीर' उज्र स्वीकार करनेवाला, दे. 'पज़ीर', दोनों शुद्ध हैं, परन्तु यह अधिक व्यवहृत है।
पिज़ीरफ़्तः (پزیرفتہ) फा. वि.–स्वीकृत, माना हुआ, क़बूल किया हुआ।
पिज़ीरफ़्तगार (پزیرفتگار) फा. वि.–दे. 'पिज़ीरफ़्तार'।
पिज़ीरफ़्तार (پزیرفتار) फा. वि.–स्वीकार करनेवाला, माननेवाला; आज्ञाकारी, फ़र्मांबरदार।
पिज़ीरा (پزیرا) फा. वि.–स्वीकार करना, क़बूल करना; स्वीकृत, मंज़ूर, दे. 'पिज़ीरा', दोनों शुद्ध हैं।
पिज़ीराई (پزیرائی) फा. स्त्री.–स्वीकृति, अंगीकृति, क़बूलियत, मंज़ूरी, दे. 'पज़ीराई', दोनों शुद्ध हैं।
पिज़ीरिश (پزیرش) फा. स्त्री.–दे. पिज़ीराई'।
पिज़ोलीदः (پژولیدہ) फा. वि.–सताया हुआ, परीशान किया हुआ; उलझाया हुआ।
पिज़ोह (پژوہ) फा. प्रत्य.–दे. 'पज़ोह', दोनों शुद्ध है, परन्तु वह अधिक बोला जाता है।
पिज़ोहिंदः (پژوهندہ) फा. वि.–दे. 'पज़ोहिंदः', दोनों शुद्ध हैं, परन्तु वह अधिक व्यवहृत है।
पिज़ोहिश (پژوهش) फा. स्त्री.–दे. 'पज़ोहिश', दोनों शुद्ध है, परन्तु वह अधिक बोला जाता है।
पिज़ोहीदः (پژوهیدہ) फा. वि.–दे. 'पज़ोहीदः', दोनों शुद्ध हैं, परन्तु वह अधिक बोलते हैं।
पिदंदर (پدندر) फा. पुं.–सौतेला बाप।
पिदर (پدر) फा. पुं.–जनक, पिता, बाप।
पिदरानः (پدرانہ) फा. वि.–बाप की तरह स्नेहपूर्ण, बाप-जैसा।
पिदरी (پدری) फा. वि.–बाप का, पैतृक।
पिद्राम (پدرام) फा. वि.–सुसज्जित, शृंगारित, विभूषित, आरास्त; प्रसन्न मुख, हर्षित चित्त, बश्शाश।
पिद्रूद (پدرود) फा. पुं.–बिदा करना, रुख़्सत करना; त्यागना, छोड़ना।
पिनहाँ (پنہاں) फा. वि.–गुप्त, छिपा हुआ।
पिन्हाँशिकंज (پنہاں شکنج) फा. वि.–मन ही मन में संतप्त होनेवाला, अपने दुःख को प्रकट न करनेवाला।
पिन्हाँशिकंजी (پنہاں شکنجی) फा स्त्री.–अपने दुःख को प्रकट न करना, मन ही मन में घुलना।
पिन्हानी (پنہانی) फा. वि.–भीतरी, आन्तरिक; मानसिक, रूहानी।
पियाज़ (پیاز) फा. स्त्री.–एक प्रसिद्ध कंद जो खाया जाता है, पलांडु, महाकंद।
पियाज़ी (پیازی) फा. वि.–पियाज़ के रंग का, हलका गुलाबी।
पियादः (پیادہ) फा. पुं.–दे. 'पयादः', दोनों शुद्ध हैं, परन्तु उर्दू में 'पियादः' अधिक प्रचलित है।

पियादःपा (پیادہپا) फा. वि.—जो सवारी पर न हो, पैदल, पाँव-पाँव।

पियालः (پیالہ) फा.पुं.—चषक, कंस, कटोरा; शराब पीने का पियाला, पान-पात्र, साग़र।

पियालःनुमा (پیالہنما) फा. वि.—पियाले के आकार का. पियाले-जैसा।

पिरिस्तुक (پرستک) फा. स्त्री.—अबाबील, भांडीक, एक प्रसिद्ध पक्षी, जो खँडहरों में रहता है।

पिरिस्तो (پرستو) फा. स्त्री.—दे. 'पिरिस्तुक'।

पिरिस्तोक (پرستوک) फा. स्त्री.—दे. 'पिरिस्तुक'।

पिरेज़ीदान (پریزیدان) फा. पुं.—प्रेसीडेंट, सभापति।

पिरेश (پریش) फा. वि.—परेशान होनेवाला।

पिरेशान (پریشان) फा. वि.—दे. 'परीशान' और 'परेशान', उर्दू में 'पिरेशान' नहीं बोलते।

पिल्लगाँ (پلگاں) फा. पुं.—लकड़ी की सीढ़ी, निसेनी, निःश्रेणी।

पिशक (پشک) तु. स्त्री.—पिल्ली, मार्जारी।

पिशेज़ (پشیز) फा.पुं.—सबसे छोटा सिक्का, जैसे—भारत में पाई, पैसा; ताँबे का कण, दे. 'पशेज़', दोनों शुद्ध हैं।

पिशोइंदः (پشوئندہ) फा. वि.—अस्त-व्यस्त होनेवाला।

पिश्क (پشک) फा. स्त्री.—'पिश्किल' का लघु., दे. 'पिश्किल'।

पिश्किल (پشکل) फा. स्त्री.—ऊँट या बकरी आदि की मेंगनी, केवल मेंगनी के अर्थ में आता है, गोबर के अर्थ में नहीं।

पिश्वाज़ (پشواز) फा. स्त्री.—'पेशवाज़' का लघु., परन्तु उर्दू में इसका अर्थ नृत्य के समय पहना जानेवाला लहँगा है।

पिसंदर (پسندر) फा. पुं.—सौतेला लड़का।

पिसर (پسر) फा. पुं.—पुत्र, आत्मज, तनय, बेटा, लड़का।

पिसरख़्वांदः (پسرخواندہ) फा. पुं.—दत्तक पुत्र, लैपालक, मुतबन्ना।

पिसरज़ादः (پسرزادہ) फा. पुं.—बेटे का बेटा, पोता।

पिसरे मुतबन्ना (پسرمتبنّٰی) फा. अ. पुं.—दत्तक पुत्र, लेपालक।

पिस्तः (پستہ) फा. पुं.—एक प्रसिद्ध मेवा।

पिस्तःलब (پستہلب) फा. वि.—जिसके होठ पतले और छोटे हों।

पिस्त (پست) फा. पुं.—सत्तू, भुने हुए जौ, गेहूँ अथवा चने आदि का आटा जो एक प्रसिद्ध खाद्य है।

पिस्ताँ (پستاں) फा. स्त्री.—'पिस्तान' का लघु., दे. 'पिस्तान'।

पिस्तान (پستان) फा. स्त्री.—स्तन, उरोज, कुच, छाती, वक्षोज।

पी

पीख़ाल (پیخال) फा. स्त्री.—चिड़ियों का मल, बीट।

पीनः (پینہ) फा. पुं.—पैवंद, टिकली; काम की अधिकता से हाथ या पाँव का गट्टा।

पीनःदोज़ (پینہدوز) फा. वि.—पैवंद लगानेवाला।

पीनःदोज़ी (پینہدوزی) फा. स्त्री.—पैवंद लगाना।

पीनक (پینک) फा. स्त्री.—अफ़ीम की झोंक।

पीनकी (پینکی) फा. वि.—अफ़ीम खाकर पीनक में ऊँघनेवाला।

पीनू (پینو) फा. पुं.—सुखाया हुआ दही, वह दही जिसका पानी निकाल दिया जाय।

पीर (پیر) फा. वि.—वृद्ध, जरत्, वयोवृद्ध, बूढ़ा; धर्मगुरु, मुर्शिद; सोमवार, दोशंबः।

पीरअफ़शानी (پیرافشانی) फा. स्त्री.—बुढ़ापे में जवानों-जैसे कार्य करना।

पीरज़न (پیرزن) फा. स्त्री.—वृद्धा स्त्री, वृद्धा, जरिणी, जरतिका, बूढ़ी स्त्री।

पीरज़ादः (پیرزادہ) फा. पुं.—पीर का लड़का, धर्मगुरु का बेटा।

पीरज़ाल (پیرزال) फा. स्त्री.—दे. 'पीरज़न'।

पीरपरस्त (پیرپرست) फा. वि.—जो अपने पीर को ही सब कुछ समझता हो, धर्मगुरु का भक्त होना।

पीरपरस्ती (پیرپرستی) फा. स्त्री.—अपने पीर को ही सब कुछ समझना, धर्मगुरु-भक्ति।

पीरमर्द (پیرمرد) फा. पुं.—ऐसा व्यक्ति जो बूढ़ा भी हो और सदाचारी भी।

पीरसाल (پیرسال) फा. वि.—वयोवृद्ध, बूढ़ा; वृद्धा, बूढ़ी।

पीरानः (پیرانہ) फा. वि.—बूढ़ों-जैसा; बुढ़ापे का।

पीरानःसर (پیرانہ سر) फा. वि.—बुढ़ापे की अवस्थावाला, बूढ़ा; सफ़ेद बालोंवाला।

पीरानःसरी (پیرانہ سری) फा. स्त्री.—बुढ़ापा, वृद्धावस्था; बालों की सफ़ेदी।

पीरानःसाल (پیرانہ سال) फा. वि.—बूढ़ा, वृद्ध; बूढ़ी, वृद्धा।

पीरानःसाली (پیرانہ سالی) फा. स्त्री.—बुढ़ापा, वृद्धावस्था।

पीरायः (پیرایہ) फा. पुं.—दे. 'पैरायः'; उर्दू में वही बोलते हैं; परन्तु शुद्ध यही है।

पीरी (پیری) फा. स्त्री.—वृद्धावस्था, बुढ़ापा; पीर का पद या पेशा; धूर्तता, मक्कारी; दावा, इजारा।

पीरे कन्आँ (پیر کنعاں) फा. अ. पुं.—हज़रत या'क़ूब, जो हज़रत यूसुफ़ के पिता थे।

पीरे ख़राबात (پیر خرابات) फा. पुं.—मदिरालय का बूढ़ा प्रबंधक।

पीरे ज़मींगीर (پیر زمیں گیر) फा. पुं.—जिसकी कमर बुढ़ापे के कारण इतनी झुक गयी हो कि उसका सिर पृथ्वी से लग गया हो।

पीरे तरीक़त (پیر طریقت) फा. पुं.—धर्मगुरु, मुर्शिद।

पीरे नाबालिग़ (پیر نابالغ) फा. अ. पुं.—वह बूढ़ा जो बच्चों-जैसे काम करे।

पीरे फ़लक (پیر فلک) फा. अ. पुं.—शनि ग्रह, ज़ुहल; पुराना आकाश।

पीरे फ़र्तूत (پیر فرتوت) फा पुं.—वह व्यक्ति जिसकी बुद्धि बुढ़ापे के कारण नष्ट हो गयी हो, बहुत बूढ़ा, जर्जर, जराजीर्ण।

पीरे मुग़ाँ (پیر مغاں) फा. पुं.—दे. 'पीरे ख़राबात'; आतश-परस्तों का धर्मगुरु।

पीरे हरम (پیر حرم) फा. अ. पुं.—का'बे की सेवा करनेवाला बूढ़ा व्यक्ति, पूज्य व्यक्ति।

पीरोज़ः (پیروزہ) फा. पुं.—दे. 'फ़ीरोज़ः', उर्दू में वही बोलते हैं।

पीरोमुर्शिद (پیرومرشد) फा. अ. पुं.—धर्मगुरु के लिए बोला जानेवाला शब्द; किसी प्रतिष्ठित और वृद्ध व्यक्ति के लिए संबोधन का शब्द।

पीलः (پیلہ) फा. पुं.—रेशम का कीड़ा; रेशम का कोया; पलक, दृगंचल; शत्रंज का एक मोहरा, पील।

पीलःवर (پیلہ ور) फा. वि.—शीशःगर, कंचकार; अत्तार, गंधकार; रेशम का व्यापारी; औषधियाँ बेचनेवाला।

पील (پیل) फा. पुं.—हस्ती, सिंधुर, द्विप, करि, पीलु, हाथी; शत्रंज का एक मोहरा, पीलः, दे. 'फ़ील', उर्दू उच्चारण वही है।

पीलतन (پیلتن) फा. वि.—हाथी-जैसे डील-डौलवाला; रुस्तम की उपाधि।

पीलनशीं (پیل نشیں) फा. वि.—जिसके द्वार पर हाथी झूमता हो।

पीलपा (پیل پا) फा. पुं.—पाँव सूज जाने का एक रोग, श्लीपद, पादगंडीर।

पीलपायः (پیل پایہ) फा. पुं.—पत्थर या चने का खंभा।

पीलपैकर (پیل پیکر) फा. वि.—दे. 'पीलतन'।

पीलबंद (پیل بند) फा. पुं.—शत्रंज का एक खेल, जिसमें दोनों पील दो-दो पियादों के ज़ोर पर होते हैं और सब घर बंद कर लेते हैं।

पीलबाग़ (پیل باغ) फा. पुं.—पटका, पेटी, कमरपट्टी।

पीलबान (پیل بان) फा. वि.—हाथीवान, हस्तिपक, अंकुश-ग्रह, दे. 'फ़ीलवान', उर्दू उच्चारण वही है।

पीलबानी (پیل بانی) फा. स्त्री.—हाथीवानी, हाथी चलाने का काम, उर्दू उच्चारण 'फ़ीलबानी' है, दे. 'फ़ीलबानी'।

पीलबाला (پیل بالا) फा. वि.—हाथी के बराबर ऊँचे डील का।

पीलमाल (پیل مال) फा. वि.—हाथी के पाँव के नीचे मसला हुआ; हाथी के पाँव-तले मसलवाना।

पीलमुर्ग़ (پیل مرغ) फा. पुं.—एक कल्पित पक्षी जो हाथी को चंगुल में उठा ले जाता है।

पीलस्तः (پیلستہ) फा. पुं.—हाथीदाँत।

पीले गर्दूं (پیل گردوں) फा. पुं.—हाथी रूपी आकाश, जो सबको अपने पाँव-तले रौंदता है।

पीले दमाँ (پیل دماں) फा. पुं.—ग़ुस्से में बिफ़रा हुआ और चिंघाड़ता हुआ हाथी।

पीले माल (پیل مال) फा. पुं.—इतना धन जो एक हाथी पर चले, बहुत अधिक धन।

पीह (پیہہ) फा. स्त्री.—चर्बी, मेदा, वसा।

पीहे ख़ूक (پیہہ خوک) फा. स्त्री.—सुअर की चर्बी।

पीहे ग़ूक (پیہہ غوک) फा. स्त्री.—मेंढक की चर्बी।

पीहे बत (پیہہ بط) फा. स्त्री.—बतख की चर्बी।

पीहे बुज़ (پیہہ بز) फा. स्त्री.—बकरी की चरबी।

पीहे मार (پیہہ مار) फा. स्त्री.—साँप की चर्बी।

पीहे मुर्ग़ (پیہہ مرغ) फा. स्त्री.—मुर्ग़ की चर्बी।

पीहे शेर (پیہہ شیر) फा. स्त्री.—सिंह की चर्बी।

पीहे सूसमार (پیہہ سوسمار) फा. स्त्री.—गोह की चर्बी।

पु

पुंबः (پنبہ) फा. पुं.—कपास, रूई; दे, 'पंबः', वही अधिक बोला जाता है।

पुंबःदानः (پنبہ دانہ) फा. पुं.—कपास का बीज, बिनौला, दे. 'पंबःदानः', वह अधिक बोला जाता है।

पुख़ (پوخ) तु. पुं.—मल, विष्ठा, पुरीष, गू।

पुख़्तः (پختہ) फा. वि.—दृढ़, मज़बूत; परिपक्व, पका हुआ; चूना, गच या सीमेंट से जुड़ा हुआ; स्थिर, पाएदार, टिकाऊ; नियत, तैशुदः।

पुख़्तःअक़्ल (پختہ عقل) फा. अ. वि.—जिसकी समझ-बूझ पुख़्तः हो, स्थिरबुद्धि, परिपक्वमति।

पुख़्तःकार (پختہ‌کار) फा. वि.–जिसे काम का अनुभव हो, कृतकार्य।

पुख़्तःमग्ज़ (پختہ‌مغز) फा. अ. वि.–दे. 'पुख़्तःअक़्ल'।

पुख़्तःमिज़ाज (پختہ‌مزاج) फा. अ. वि.–जो किसी बात पर अटल रहे, स्थिरचित्त, दृढ़निश्चय।

पुख़्तःमिज़ाजी (پختہ‌مزاجی) फा. अ. स्त्री.–किसी बात पर जमा रहना, चल-विचल न होना।

पुख़्तःराए (پختہ‌راے) फा. अ. वि.–जिसकी सलाह उचित और शुद्ध होती हो, जो ठीक राय देता हो।

पुख़्त (پخت) फा. स्त्री.–पकने की क्रिया, पकाव; खाना पकाने का कार्य।

पुख़्तगी (پختگی) फा. स्त्री.–पक्कापन, दृढ़ता; परिपक्वता, पकने का भाव।

पुख़्तनी (پختنی) फा. वि.–पकने योग्य; पकाने योग्य।

पुख़्तो (پختو) फा. स्त्री.–अफ़ग़ानियों की भाषा, पुश्तो।

पुख़्तोन (پختون) फा. पुं.–पुख़्तो भाषाबोलनेवाला।

पुख़्तोनिस्तान (پختونستان) फा. पुं.–वह देश जहाँ पुख़्तो भाषा बोली जाती हो।

पुत्क (پتک) फा. पुं.–लोहा कूटने का हथौड़ा, घन।

पुफ़ (پف) फा. स्त्री.–फूंक, फूंक मारना।

पुर (پر) फा. वि.–भरा हुआ, पूर्ण; भरपूर, पूरा।

पुरअंदोह (پراندوه) फा. वि.–दुःखपूर्ण, क्लेशपूर्ण, मुसीबत से भरा हुआ।

पुरअम्न (پرامن) फा. अ. वि.–शान्तिपूर्ण, शान्तिमय।

पुरअलम (پرالم) फा. अ. वि.–दे. 'पुरअंदोह'।

पुरअश्क (پراشک) फा. वि.–आँसुओं से भरी हुई आँख, आर्द्र नयन।

पुरआब (پرآب) फा. वि.–पानी से भरा हुआ; आँसुओं से भरा हुआ।

पुरआबलः (پرآبلہ) फा. वि.–छालों से भरा हुआ, जिसमें बहुत-से छाले हों।

पुरआर्ज़ू (پرآرزو) फा. वि.–जिसके मन में बहुत-सी अभिलाषाएँ हों।

पुरआशोब (پرآشوب) फा. वि.–घटनाओं और आपत्तियों से भरा हुआ।

पुरउम्मीद (پرامید) फा. वि.–जिसके मन में अभिलाषा हो; जिसे किसी काम के हो जाने की आशा हो।

पुरकार (پرکار) फा. वि.–चालाक, मक्कार; चतुर, होशियार।

पुरकीं (پرکیں) फा. वि.–जिसके मन में द्वेष हो, जो गुप्त शत्रुता रखे।

पुरख़तर (پرخطر) फा. अ. वि.–आपत्तियों और ख़तरों से भरा हुआ, बहुविघ्न; भयानक, भीषण, ख़तरनाक।

पुरख़म (پرخم) फा. वि.–टेढ़ा, तिरछा; घूँघरवाला (बाल); लेख में इबारत आराई, शब्दाडंबर।

पुरख़ार (پرخار) फा. वि.–काँटों से भरा हुआ, कंटक-संकुल; वह जंगल आदि जहाँ बहुत काँटे हों।

पुरख़ुमार (پرخمار) फा. अ. वि.–नशे में चूर, मस्त।

पुरख़ूँ (پرخوں) फा. वि.–ख़ून से भरा हुआ, रक्तपूर्ण; ग़ुस्से से भरी हुई आँख।

पुरग़म (پرغم) फा. अ. वि.–रंज से भरा हुआ, शोकपूर्ण; मुसीबत से भरा हुआ, दुःखपूर्ण।

पुरग़ुरूर (پرغرور) फा. अ. वि.–घमंड में भरा हुआ, अभिमानी, मग़रूर।

पुरगो (پرگو) फा. वि.–बातूनी, वाचाल; बहुत कविता करनेवाला, बहुत शेर कहनेवाला।

पुरगोई (پرگوئی) फा. स्त्री.–वाचालता, बकवास; बहुत कविता करना।

पुरचीं (پرچیں) फा. वि.–बल पड़ा हुआ (माथा आदि); झुर्री पड़ा हुआ (खाल)।

पुरज़र (پرزر) फा. वि.–रुपयों से भरा हुआ; धन-संपन्न, दौलत से पुर।

पुरजोश (پرجوش) फा. वि.–जोशीला, जोश से भरा हुआ; आवेगपूर्ण, ज़ोरदार; उत्साहपूर्ण, उमंग से भरा हुआ।

पुरतकल्लुफ़ (پرتکلف) फा. अ. वि.–जिसमें बहुत तकल्लुफ़ किया गया हो।

पुरताब (پرتاب) फा. वि.–रोशन, प्रकाशमय; शक्तिशाली, ताक़तवर।

पुरदग़ल (پردغل) फा. वि.–दे. 'पुरदग़ा'।

पुरदग़ा (پردغا) फा. वि.–छली, फ़रेबी; धूर्त, चालाक।

पुरदर्द (پردرد) फा. वि.–दुःखपूर्ण, ग़मनाक।

पुरदिल (پردل) फा. वि.–शूर, वीर, बहादुर; उत्साही, साहसी, हिम्मतवर।

पुरनम (پرنم) फा. वि.–गीला, भीगा; आँसुओं से भरी हुई आँख।

पुरनूर (پرنور) फा. अ. वि.–ज्योतिर्मय, प्रकाशमान्, रोशन।

पुरपेच (پرپیچ) फा. वि.–पेचदार, टेढ़ा-मेढ़ा; बलदार, पुरशिकन।

पुरपेचोख़म (پرپیچ‌وخم) फा. वि.–जिसमें बहुत टेढ़-मेढ़ हो; जो बहुत जटिल और पेचीदा हो।

पुरफ़न (پرفن) फा. अ. वि.–धूर्त, वंचक, छली, मक्कार।

पुरफ़रेब (پرفریب) फ़ा. वि.—दे. 'पुरदग़ा'।
पुरफ़िज़ा (پرفضا) फ़ा. अ. वि.—खुला हुआ, हवादार, सरसब्ज़ और विस्तृत स्थान।
पुरबजिद (پربجد) फ़ा. अ. वि.—तत्पर, कटिबद्ध, तैयार।
पुरबहार (پربہار) फ़ा. वि.—फूलों से लदा हुआ सुंदर स्थान; हवादार, खुला हुआ और रमणीक स्थान।
पुरबाद (پرباد) फ़ा. वि.—हवा से भरा हुआ, फूला हुआ; गर्व से भरा हुआ, अभिमानी।
पुरबार (پربار) फ़ा. वि.—बौर अथवा फल से लदा हुआ पेड़; गर्भवती स्त्री, गुर्विणी।
पुरबास (پرباس) फ़ा. वि.—दुःखपूर्ण, कष्टपूर्ण; शोकपूर्ण, खेदपूर्ण।
पुरमग़ज़ (پرمغز) फ़ा. अ. वि.—सारगर्भ, तत्त्वपूर्ण।
पुरमज़ाक़ (پرمزاق) फ़ा. अ. वि.—विनोदप्रिय, ज़िंदादिल; हँसी और विनोद से भरी हुई बात।
पुरमलाल (پرملال) फ़ा. अ. वि.—दुःखपूर्ण, रंज से भरा हुआ; खिन्न, मलिन, उदास।
पुरमिज़ाह (پرمزاح) फ़ा. अ. वि.—ठठोलिया, विनोदी; हँसी की बात।
पुरमिहन (پرمحن) फ़ा. अ. वि.—मुसीबतों से भरा हुआ, कष्ट-संकुल।
पुरमेवः (پرمیوه) फ़ा. वि.—मेवों से लदी हुई डाली; मेवों से भरा हुआ पात्र।
पुररौनक़ (پررونق) फ़ा. वि.—जहाँ बहुत रौनक़ हो।
पुरशिकन (پرشکن) फ़ा. वि.—झुर्रियाँ पड़ी हुई खाल या देह; बल पड़े हुए बाल।
पुरशिकम (پرشکم) फ़ा. वि.—जिसका पेट भरा हो, जो अफरा हो, उदरपूर्ण।
पुरशिकोह (پرشکوه) फ़ा. वि.—भीषण, भयानक, डरावना।
पुरशुऊर (پرشعور) फ़ा. वि.—तमीज़दार, शिष्ट; बुद्धिमान्, अक़्लमंद।
पुरशुकोह (پرشکوه) फ़ा. वि.—वैभवशाली, विभवसंपन्न, शानो-शौक़तवाला।
पुरशोर (پرشور) फ़ा. वि.—शोरोगुल से भरा हुआ, कोलाहलपूर्ण; नमक से भरा हुआ, बहुत अधिक नमकीन।
पुरशौकत (پرشوکت) फ़ा. वि.—वैभवशाली, शानदार।
पुरसुकून (پرسکون) फ़ा. अ. वि.—शांतिमय, शांतिपूर्ण, मुतयइन; सारे झंझटों से पाक।
पुरसोज़ (پرسوز) फ़ा. वि.—जलन और तपन से भरा हुआ।
पुरहस्रत (پرحسرت) फ़ा. अ. वि.—निराशापूर्ण, नाउमेदी से भरा हुआ।
पुरहीलः (پرحیله) फ़ा. अ. वि.—बहानःबाज़, बहाना करनेवाला, छली।
पुरहैबत (پرهیبت) फ़ा. अ. वि.—डरावना, भयानक।
पुरहौल (پرهول) फ़ा. अ. वि.—भीषण, भयंकर, डरावना।
पुरहौसलः (پرحوصله) फ़ा. अ. वि.—उत्साही, साहसी, हौसलःमंद।
पुरिंदः (پرنده) फ़ा. वि.—भरनेवाला।
पुरी (پری) फ़ा. स्त्री.—भराव, भरा हुआ पन।
पुरीदः (پریده) फ़ा. वि.—भरा हुआ, परिपूर्ण।
पुरीदनी (پریدنی) फ़ा. वि.—भरने योग्य।
पुर्ज़ः (پرزه) फ़ा. पुं.—खंड, टुकड़ा; पर्चः, काग़ज़ का टुकड़ा; मशीन का कोई खंड।
पुर्ज़ (پرز) फ़ा. पुं.—रोम, लोम, रोआँ; ओढ़नी, दुपट्टा; दवात में डालने का लत्ता।
पुर्सः (پرسه) फ़ा. पुं.—मृत्यु हो जाने पर किसी के यहाँ शोक प्रकट करने और सहानुभूति दिखाने के लिए जाना।
पुर्स (پرس) फ़ा. प्रत्य.—पूछनेवाला, जैसे—'हालपुर्स' दशा पूछनेवाला, (स्त्री.) पूछ-ताछ, पूछ।
पुर्सां (پرساں) फ़ा. वि.—पूछनेवाला, पृच्छक, जिज्ञासु।
पुर्साने हाल (پرسان حال) अ. फ़ा. वि.—हाल पूछनेवाला, खबर लेनेवाला।
पुर्सिंदः (پرسنده) फ़ा. वि.—पूछनेवाला, पृच्छक।
पुर्सिश (پرسش) फ़ा. स्त्री.—पूछ-ताछ; आदर-सत्कार, इज़्ज़त।
पुर्सीदः (پرسیده) फ़ा. वि.—पूछा हुआ, जिज्ञासित।
पुर्सीदनी (پرسیدنی) फ़ा. वि.—पूछनेयोग्य।
पुल (پل) फ़ा. पुं.—सेतु, नदी आदि के उतरने का साधन; मछली का सिन्ना।
पुल (پول) तुं. पुं.—पैसा।
पुलची (پولچی) तु. वि.—पैसे बेचनेवाला।
पुलाव (پلاؤ) फ़ा. पुं.—एक प्रसिद्ध खाद्य जो गोश्त और चावल से बनता है, इसका शुद्ध उच्चारण 'पलाव' है, परंतु उर्दू में पुलाव ही बोलते हैं।
पुलुफ़्तः (پلفته) फ़ा. पुं.—स्फुलिंग, अग्निकण, चिनगारी।
पुश्क (پشک) फ़ा. पुं.—मेंगनी।
पुश्क (پشک) तु. स्त्री.—बिल्ली, मार्जारी।
पुश्तः (پشته) फ़ा. पुं.—टीला, ढूह; वह मिट्टी या कंकड़ चूना आदि जो दीवार को मज़बूत करने के लिए उसकी जड़ में लगाते हैं; वह मिट्टी का बंद या दीवार जो नदी के किनारे चढ़ाव का पानी रोकने को बनाते हैं।

पुश्तःबंदी (پشتہ‌بندی) फा. स्त्री.–दीवार का पुश्ता लगाना; नदी का बंद बाँधना।

पुश्त (پشت) फा. स्त्री.–पृष्ठ, पीठ; पिछाड़ी, पीछा; सहायता, मदद; वंश, नस्ल।

पुश्तक (پشتک) फा. स्त्री.–घोड़े की दुलत्ती।

पुश्तख़म (پشت‌خم) फा. वि.–कुबड़ा, कुब्ज।

पुश्तख़ार (پشت‌خار) फा. पुं.–पीठ खुजलाने का पंजा।

पुश्तगर्मी (پشت‌گرمی) फा. स्त्री.–सहायता, मदद; पृष्ठ-पोषण, हिमायत।

पुश्त दर पुश्त (پشت در پشت) फा. अव्य.–पीढ़ी दर पीढ़ी, नस्ल दर नस्ल।

पुश्तपनाह (پشت‌پناہ) फा. वि.–सहायक, मददगार; पृष्ठपोषक, हिमायती।

पुश्तपनाही (پشت‌پناہی) फा. स्त्री.–सहायता, मदद; पृष्ठ-पोषण, हिमायत।

पुश्त बदीवार (پشت بدیوار) फा. वि.–निस्तब्ध, चकित, हैरान।

पुश्त ब पुश्त (پشت بہ پشت) फा. अव्य.–दे. 'पुश्त दर पुश्त'।

पुश्तमाही (پشت ماہی) फा. स्त्री.–रात्रि, रात, निशा।

पुश्तवारः (پشتوارہ) फा. पुं.–दे. 'पुश्तारः'।

पुश्तारः (پشتارہ) फा. पुं.–'पुश्तवारः' का लघु., इतना बोझ जो पीठ पर उठाया जा सके, पोट, बोझ, गट्ठर।

पुश्ती (پشتی) फा. स्त्री.–सहायता, मदद; समर्थन, ताईद; पालन-पोषण, पर्वरिश।

पुश्तीबान (پشتی‌بان) फा. वि.–सहायक, मददगार; टेक, थूनी, आड़।

पुश्तीबानी (پشتی‌بانی) फा. स्त्री.–सहायता, मदद; सहारा, टेक।

पुश्ते दस्त (پشت دست) फा. स्त्री.–हथेली की पीठ, करपृष्ठ।

पुश्ते पा (پشت پا) फा. स्त्री.–तलवे का ऊपरी भाग।

पुश्तो (پشتو) फा. स्त्री.–दे. 'पुल्तो'।

पुस (پس) फा. स्त्री.–पुत्र, तनय, आत्मज, लड़का, बेटा।

पू

पूच (پوچ) फा. वि.–दे. 'पोच', शुद्ध 'पूच' है, परंतु प्रचलित 'पोच' है।

पूद (پود) फा. पुं.–बाना, कपड़े की बुनाई में अर्ज़ में पड़नेवाला डोरा।

पूरः (پورہ) फा. पुं.–दे. 'पूर', दोनों शुद्ध हैं।

पूर (پور) फा. पुं.–पुत्र, बेटा, आत्मज, तनय।

पूरे पुशंग (پور پشنگ) फा. पुं.–पुशंग का पुत्र, अफ़ासियाब।

पूरे सीना (پور سینا) फा. अ. पुं.–हकीम बू अली सीना।

पूरे हाजिर (پور ہاجر) फा. अ. पुं.–हज़्रत इस्माईल पैग़ंबर।

पे

पेख़्तः (پیختہ) फा. पुं.–मैदा, बारीक आटा।

पेग़ारः (پیغارہ) फा. पुं.–दे. 'पैग़ारः', दोनों शुद्ध हैं।

पेचः (پیچہ) फा. पुं.–अमरबेल, आकाशबेल।

पेच (پیچ) फा. पुं.–घुमाव, चक्कर; बल, लपेट; पेचीदगी, जटिलता; छल, चाल, धोखा; कल, मशीन; कठिनता, दुशवारी; विघ्न, बाधा; कुंडली, हल्क़ः।

पेचक (پیچک) फा. स्त्री.–बटे हुए महीन सूत की गोली; हर लिपटी हुई वस्तु।

पेचकश (پیچ‌کش) फा. पुं.–ढिबरी आदि खोलने और कसने का यंत्र।

पेच दर पेच (پیچ در پیچ) फा. वि.–जिसमें पेच के अंदर पेच हों, बहुत अधिक जटिल, बहुत पेचीदा।

पेचदार (پیچدار) फा. वि.–जिसमें पेच हों; जिसमें बल हों; जटिल, पेचीदा; उलझा हुआ।

पेचरिश्तः (پیچ‌رشتہ) फा. पुं.–अंटी, पिंडया, चर्खे से निकली हुई सूत की अड़िया।

पेचाँ (پیچاں) फा. वि.–पेचदार; बलदार; लिपटा हुआ; उलझा हुआ।

पेचाक (پیچاک) फा. पुं.–बल, शिकन; टेढ़, वक्रता; अलक, जुल्फ़; तुर्रः, कलग़ी; घोंघा।

पेचानीदः (پیچانیدہ) फा. वि.–लपेटा हुआ।

पेचिश (پیچش) फा. स्त्री.–आँतों की ऐंठन के साथ बार-बार पाखाने जाने का रोग, मरोड़।

पेचीदः (پیچیدہ) फा. वि.–पेचदार, जटिल; कठिन, मुश्किल; लिपटा हुआ।

पेचीदःदस्त (پیچیدہ‌دست) फा. वि.–निर्बल, कमज़ोर।

पेचीदगी (پیچیدگی) फा. स्त्री.–जटिलता, उलझाव; कठिनता, मुश्किल; लपेट, लिपटापन।

पेचीदनी (پیچیدنی) फा. वि.–लिपटने के योग्य; लपेटने के योग्य।

पेचोख़म (پیچ‌وخم) फा. पुं.–टेढ़-मेढ़, चक्कर; जटिलता, दुशवारी; ऊँच-नीच, मारपेच।

पेचोताब (پیچ‌وتاب) फा. पुं.–क्रोध, गुस्सा; मनस्ताप, दिली खलिश।

पेज़न (پیزن) फा. स्त्री.–छानने की वस्तु, छन्नी।

पेज़ीदः (پیزیدہ) फा. वि.—छाना हुआ।

पेरा (پیرا) फा. प्रत्य.—दे. 'पैरा', दो. शु. हैं, परंतु बोला वही जाता है।

पेराइश (پیرائش) फा. स्त्री.—दे. 'पैराइश', दो. शु. हैं, परन्तु व्यवहृत वही है।

पेरामुन (پیرامن) फा. पुं.—दे. 'पैरामुन', दो. शु. हैं, परंतु प्रचलित वही है।

पेरामून (پیرامون) फा. पुं.—दे. 'पैरामून', दो. शु. हैं, परंतु बोलते वही हैं।

पेरास्तः (پیراستہ) फा. वि.—दे. 'पैरास्तः', दो. शु. हैं, परंतु बोला वही जाता है।

पेशः (پیشہ) फा. पुं.—व्यवसाय, धन्धा; उद्योग, उद्यम, रोज़गार; वेश्या-वृत्ति, कमाई।

पेशःवर (پیشہور) फा. वि.—उद्यमी, रोज़गारी; जिसने किसी कार्य-विशेष को अपनी जीविका का साधन बना लिया हो, जैसे—पेशःवर शाइर।

पेशःवरानः (پیشہورانہ) फा. वि.—पेशःवरों, जैसा, जो पेशःवरों का ढंग है वैसा ढंग।

पेशःवरी (پیشہوری) फा. स्त्री.—उद्यम करना, रोज़गार करना।

पेश (پیش) फा. पुं.—संमुख, सामने; प्रथम, पहले; अगला भाग; उर्दू में 'उ' की मात्रा।

पेशअंदेश (پیش اندیش) फा. वि.—दे. 'पेशबीं'।

पेशअंदेशी (پیش اندیشی) फा. स्त्री.—दे. 'पेशबीनी'।

पेशअंदाज़ (پیش انداز) फा. पुं.—खाना खाते समय घुटनों पर डाला जानेवाला कपड़ा।

पेशआमद (پیش آمد) फा. स्त्री.—दे. 'पेशामद', वह उच्चारण फ़सीह है।

पेशआहंग (پیش آہنگ) फा. पुं.—दे. 'पेशाहंग', वह उच्चारण फ़सीह है।

पेशक़दमी (پیش قدمی) फा. अ. स्त्री.—पहल, सबक़त; सेना का आक्रमण के लिए आगे बढ़ना।

पेशक़ब्ज़ (پیش قبض) फा. पुं.—भुजाली, जम्बिया, छोटी कटार।

पेशकश (پیشکش) फा. स्त्री.—पुरस्कार, भेंट, नज़रानः; प्रस्ताव, तज्वीज़; प्रार्थना, इल्तिजा।

पेशकार (پیشکار) फा. पुं.—किसी हाकिम की पेशी में काम करनेवाला।

पेशकारी (پیشکاری) फा. स्त्री.—पेशकार का पद, पेशकार का कर्तव्य या काम।

पेशख़ानः (پیش خانہ) फा. पुं.—घर-गिरस्ती का सामान।

पेशख़िद्मत (پیش خدمت) फा. अ. पुं.—सेवक, नौकर; प्राइवेट सेक्रेटरी।

पेशख़ुर्द (پیش خورد) फा. पुं.—सवेरे का नाश्ता, प्रातराशन; खाने का नमक चखना।

पेशख़ेज़ (پیش خیز) फा. पुं.—तेज़ और फुर्तीला नौकर; राग, नग़्म.।

पेशख़ैमः (پیش خیمہ) फा. अ. पुं.—किसी होनेवाले काम की तम्हीद; वह ख़ैमा जो अगले पड़ाव पर पहले से लगा दिया जाता है, ताकि दौरे के पदाधिकारियों को कष्ट न हो; वह ख़ैमा जो फ़ौज में सबसे आगे लगाया जाता है।

पेशख़्वाँ (پیش خواں) फा. वि.—वह व्यक्ति जो सभा की काररवाई प्रारम्भ होने से पहले कविता आदि पढ़ता है।

पेशख़्वानी (پیش خوانی) फा. स्त्री.—सभा के प्रारंभ में कविता आदि पढ़ने का कार्य।

पेशगाह (پیشگاہ) फा. स्त्री.—वह फ़र्श जो बादशाहों के तख़्त और मस्नद के आगे बिछाया जाता है; सभापति, सद्रे मज्लिस; अजिर, आँगन।

पेशगी (پیشگی) फा. स्त्री.—बैआनः, अग्रिम धन, पहले से।

पेशगीर (پیشگیر) फा. पुं.—मुँह पोंछने का रूमाल।

पेशगो (پیش گو) फा. वि.—दे. 'पेशींगो'।

पेशगोई (پیش گوئی) फा. स्त्री.—दे. 'पेशींगोई'।

पेशतख़्तः (پیش تختہ) फा. पुं.—डेस्क, ढलवा संदूक़।

पेशतर (پیشتر) फा. वि.—पहले, आगे।

पेशतरक (پیشترک) फा. वि.—बहुत पहले।

पेशताक़ (پیش طاق) फा. पुं.—अजिर, आँगन; अमीरों और राजाओं के महल का बड़ा दरवाज़ा; दरवाज़े के सामने का आँगन।

पेशदंदाँ (پیش دنداں) फा. पुं.—सवेरे का जलपान, प्रातराशन, नाश्ता।

पेशदस्त (پیش دست) फा. वि.—पेशकार; प्रतिनिधि, नाइब; सहायक, मददगार; पहल करनेवाला; विजेता, ग़ालिब।

पेशदस्ती (پیش دستی) फा. स्त्री.—पेशकारी; सहायता; पहले-पहले हाथ उठाना, छेड़खानी करना।

पेशदाद (پیش داد) फा. स्त्री.—किसी कार्य-विशेष के लिए पहले दिया हुआ धन, साई।

पेशदादी (پیش دادی) फा. वि.—'होशंग' का वंशज।

पेशदामन (پیش دامن) फा. पुं.—सेवक, नौकर।

पेशनशीं (پیش نشیں) फा. वि.—जो सभा आदि में सबसे आगे बिठाया जाय, अग्रासन।

पेशनिहाद (پیش نہاد) फा. पुं.—इच्छा, इरादा; कामना, मक़्सद।

पेशबंद (پیش بند) फा. पु.–घोड़े का ज़ेरबंद।

पेशबंदी (پیش بندی) फा. स्त्री.–किसी काम की पेशगी तमहीद; साज़िश, षड्यंत्र।

पेशबाज़ (پیش باز) फा. पुं.–स्वागत, इस्तिक़्बाल; स्वागत करनेवाला।

पेशबीं (پیش بیں) फा. वि.–आगे की बात सोचनेवाला, दूरअंदेश; बुद्धिमान्, अक़्लमंद।

पेशबीनी (پیش بینی) फा. स्त्री.–आगे की बात सोचना, दूरअंदेशी; बुद्धिमत्ता, अक़्लमंदी।

पेशयार (پیش یار) फा. पुं.–पेशकार।

पेशरफ़्त (پیش رفت) फा. स्त्री.–आगे बढ़ना; तरक़्क़ी करना; वश, ज़ोर, क़ाबू।

पेशरवी (پیش روی) फा. स्त्री.–आगे चलना, अग्रगमन; राहनुमाई करना, पथ-प्रदर्शन।

पेशरस (پیش رس) फा. पुं.–वह फल जो पेड़ में सबसे पहले पके।

पेशरसी (پیش رسی) फा. स्त्री.–फल का अपनी जाति के फलों में सबसे पहले पकना।

पेशरौ (پیش رو) फा. वि.–आगे चलनेवाला, अग्रगामी; पेशवा, पथ-प्रदर्शक।

पेशवा (پیشوا) फा. वि.–अगुआ, नेता, लीडर।

पेशवाई (پیشوائی) फा. स्त्री.–किसी आनेवाले का, आगे बढ़कर इस्तिक़्बाल।

पेशवाए मुल्क (پیشوائے ملک) फा. अ. पुं.–देश का नेता।

पेशवाज़ (پیشواز) फा. पुं.–दे. 'पेशबाज़'; दे. 'पिश्वाज़'।

पेशानी (پیشانی) फा. स्त्री.–ललाट, भाल, माथा; भावी, होनहार; भाग्य, क़िस्मत।

पेशाब (پیشاب) फा. पुं.–मूत, मूत्र, प्रस्राव।

पेशामद (پیش آمد) फा. पुं.–अनुकंपा, दया; पहुँच, रसाई; रिआयत, छूट।

पेशाहंग (پیش آهنگ) फा. पुं.–सेना अथवा यात्रीदल के आगे चलनेवाला व्यक्ति।

पेशीं (پیشیں) फा. वि.–पहला, प्रथम; पुराना, प्राचीन; पहलेवाला, सबसे पहला।

पेशींगो (پیشیں گو) फा. वि.–आगे की बात बतानेवाला, भविष्यवक्ता, आगमज्ञानी।

पेशींगोई (پیشیں گوئی) फा. स्त्री.–आगे की बात बताना, आगमज्ञान, भविष्यवाद।

पेशी (پیشی) फा. स्त्री.–सामने आने का भाव; मुक़दमे आदि में हाकिम के सामने पेश होने का भाव।

पेशीनः (پیشینه) फा. वि.–अगला, पहला; पुरातन, पुराना।

पेशीनगो (پیشین گو) फा. वि.–दे. 'पेशींगो'।

पेशीनगोई (پیشین گوئی) फा. स्त्री.–दे. 'पेशींगोई'।

पेशीनाँ (پیشیناں) फा. पुं.–पहलेवाले लोग, पूर्वज।

पेशे नज़र (پیش نظر) फा. अ. पुं.–दृष्टि के सामने, आँखों के सामने; ध्यान में, ख़याल में।

पेशे निगाह (پیش نگاه) फा. पुं.–दे. 'पेशे नज़र'।

पेशोपस (پیش و پس) फा. पुं.–आगा-पीछा, असमंजस, तज़न्ज़ुब।

पेसः (پیسه) फा. पुं.–जिसे शरीर में सफ़ेद दाग़ों का रोग हो, सिध्मी, मब्रूस।

पेस (پیس) फा. पुं.–सफ़ेद कोढ़, बरस, सिध्म; सफ़ेद कोढ़ का रोगी, सिध्मी।

पै

पै (پے) फा. पुं.–स्नायु, पट्ठा; पद-चिह्न, पाँव का निशान; पीछा, तआक़ुब; बार, दफ़ा; शक्ति, बल; लिए, वास्ते, प्रति; पट्ठे के रेशे जो धनुष आदि पर चिपकाये जाते हैं; पाँव, चरण।

पैक (پیک) फा. पुं.–पत्रवाहक, चिट्ठीरसाँ; हरकारा, पियादा; दूत, क़ासिद, एलची।

पैकर (پیکر) फा. पुं.–देह, शरीर; आकृति, शक्ल।

पैकाँ (پیکاں) फा. पुं.–'पैकान' का लघु., दे. 'पैकान'।

पैकान (پیکان) फा. पुं.–बाण की नोक; बरछी की अनी।

पैकानी (پیکانی) फा. वि.–एक प्रकार का पद्मराग अर्थात् ला'ल; एक प्रकार का नौसादर; एक प्रकार का याक़ूत।

पैकार (پیکار) फा. पुं.–युद्ध, समर, लड़ाई, जंग।

पैके अजल (پیک اجل) फा. अ. पुं.–यमदूत, मौत का पयामी।

पैके ख़याल (پیک خیال) फा. अ. पुं.–कल्पना रूपी दूत जो हर स्थान पर पहुँच सकता है।

पैके निगाह (پیک نگاه) फा. पुं.–दृष्टि का दूत, या दूत रूपी दृष्टि।

पैग़ंबर (پیغمبر) फा. पुं.–ईशदूत, अवतार, पयंबर।

पैग़ंबरी (پیغمبری) फा. स्त्री.–ईश-दूत का पद; ईश-दूत का कर्तव्य; ईशदूत वाला।

पैग़ाम (پیغام) फा. पुं.–संदेश, सँदेसा, पयाम; समाचार, ख़बर; लड़के की ओर से लड़कीवालों से सगाई की बातचीत।

पैग़ामबर (پیغامبر) फा. वि.–संदेश ले जानेवाला, दूत, क़ासिद, वार्तावह, संदेशवाहक।

पैग़ामबरी (پیغامبری) फा. स्त्री.–संदेश ले जाने का काम, वार्तावहन।

पैग़ामरसाँ (پیغام رساں) फा. वि.–दे. "पैग़ामबर'।

पैग़ामरसानी (پیغام‌رسانی) फ़ा. स्त्री.–दे. 'पैग़ामबरी'।

पैग़ामरसी (پیغام‌رسی) फ़ा. स्त्री.–संदेश पहुँचना, पयाम जाना।

पैग़ामे ज़बानी (پیغام زبانی) फ़ा. पुं.–वह ख़बर जो किसी कारण लिखकर नहीं बल्कि ज़बानी कही जाय।

पैग़ारः (پیغاره) फ़ा. पुं.–भर्त्सना, डाँट-फटकार; कटाक्ष, ताना।

पैगार (پیگار) फ़ा. पुं.–दे. 'पैकार', दोनों शुद्ध हैं, परंतु यह अप्रचलित है।

पैग़ुलः (پیغله) फ़ा. पुं.–'पैग़ूलः' का लघु., दे. 'पैग़ूलः'।

पैग़ूलः (پیغوله) फ़ा. पुं.–कोना, एकांत, गोशः।

पैज़ार (پیزار) फ़ा. स्त्री.–जूता, पादुका।

पै दर पै (پے در پے) फ़ा. अव्य.–लगातार, निरंतर; बार-बार, बारंबार।

पैदा (پیدا) फ़ा. वि.–उत्पन्न, प्रसूत, ज़ाईदः; आविर्भूत, व्यक्त, ज़ाहिर; प्राप्त, हासिल, (पुं.) प्राप्ति, हुसूल।

पैदाइश (پیدائش) फ़ा. स्त्री.–उत्पत्ति, जन्म; आविर्भाव, ज़ुहूर; प्राप्ति, लाभ; प्रारंभ, शुरूआत; उपज, जमना।

पैदाइशी (پیدائشی) फ़ा. वि.–प्राकृत, फ़ित्री; जन्मसिद्ध, जो उत्पन्न होते समय से प्राप्त हो।

पैदावार (پیداوار) फ़ा. स्त्री.–खेती की उपज; व्यवसाय की आय; माल की उत्पत्ति।

पैदावारी (پیداواری) फ़ा. स्त्री.–दे. 'पैदावार'।

पै ब पै (پے بہ پے) फ़ा. अव्य.–दे. 'पै दर पै'।

पैमाँ (پیماں) फ़ा. पुं.–'पैमान' का लघु., दे 'पैमान'।

पैमाँगुसिल (پیماں‌گسل) फ़ा. वि.–प्रतिज्ञा भंग करनेवाला, क़ौल से हट जानेवाला, वचनभेदी।

पैमाँशिकन (پیماں‌شکن) फ़ा. वि.–वचन-भंजक, प्रतिज्ञाभेदी, क़ौल तोड़ देनेवाला।

पैमाँशिकनी (پیماں‌شکنی) फ़ा. स्त्री.–वादे से फिर जाना, वचन भंग कर देना।

पैमा (پیما) फ़ा. प्रत्य.–नापनेवाला, जैसे—कोह पैमा, पहाड़ नापनेवाला; पीनेवाला, जैसे—'बादःपैमा', शराब पीनेवाला; फिरनेवाला, जैसे—'दश्त पैमा', जगल में फिरनेवाला।

पैमाइंदः (پیمائنده) फ़ा. वि.–नापनेवाला।

पैमाइश (پیمائش) फ़ा. स्त्री.–नाप; किसी क्षेत्र के रक़्बे की नाप; किसी स्थान की लंबाई-चौड़ाई आदि की नाप।

पैमानः (پیمانه) फ़ा. पुं.–लंबाई नापने का यंत्र, इस्केल; तरल पदार्थ नापने का यंत्र; शराब का गिलास, पान-पात्र।

पैमानःकश (پیمانه‌کش) फ़ा. वि.–शराब पीनेवाला, मद्यप, रसाशी।

पैमानःकशी (پیمانه‌کشی) फ़ा. स्त्री.–शराब पीना, मदिरा-पान, मद्यपान, रसाशन।

पैमानःबकफ़ (پیمانه بکف) फ़ा. वि.–हाथ में मदिरापूर्ण गिलास लिये हुए, चपकपाणि।

पैमानःबदस्त (پیمانه بدست) फ़ा. वि.–दे. 'पैमानःबकफ़'।

पैमानःशिकन (پیمانه‌شکن) फ़ा. वि.–शराब का गिलास तोड़ देनेवाला, अर्थात् मद्यनिषेधक, मुह्तसिब।

पैमान (پیمان) फ़ा. पुं.–प्रतिज्ञा, वादा; वचन, क़ौल; शपथा-शपथी, क़समा-क़समी।

पैमानए ग़म (پیمانۂ غم) फ़ा. अ. पुं.–प्रेम की मदिरा का प्याला।

पैमानए मय (پیمانۂ می) फ़ा. पुं.–शराब का प्याला, पानपात्र।

पैमूदः (پیموده) फ़ा. वि.–नापा हुआ।

पैमूदनी (پیمودنی) फ़ा. वि.–नापने योग्य।

पैमूनः (پیمونه) फ़ा. पुं.–पैमाना।

पैरवी (پیروی) फ़ा. स्त्री.–अनुकरण, अनुसरण, तक़्लीद; किसी की ओर से किसी मुक़दमे आदि की [illegible]।

पैरहन (پیرهن) फ़ा. पुं.–कुर्ता, क़मीस; वस्त्र, वसन, [illegible]।

पैरा (پیرا) फ़ा. प्रत्य.–सजाने और सँवारनेवाला, जैसे—'चमनपैरा' बाग़ को सजानेवाला।

पैराइंदः (پیرائنده) फ़ा. वि.–सजानेवाला, सुसज्जित करनेवाला।

पैराइश (پیرائش) फ़ा. स्त्री.–सजावट, सज्जा, आराइश; काट-छाँट करके सजाना।

पैरामन (پیرامن) फ़ा. पुं.–दे. 'पैरामून'।

पैरामुन (پیرامن) फ़ा. पुं.–'पैरामून' का लघु., दे. 'पैरामून'।

पैरामून (پیرامون) फ़ा. पुं.–चारों ओर, इर्द-गिर्द; दौर, गिर्दागिर्द; कपड़े का दामन।

पैरायः (پیرایه) फ़ा. पुं.–शैली, पद्धति, तर्ज़; सजावट, ज़ीनत; वस्त्र, लिबास; आभूषण, ज़ेवर।

पैरास्तः (پیراسته) फ़ा. वि.–सजा हुआ, सुसज्जित।

पैरास्तगी (پیراستگی) फ़ा. स्त्री.–सजावट, आरास्तगी।

पैरास्तनी (پیراستنی) फ़ा. वि.–सजाने योग्य।

पैराहन (پیراهن) फ़ा. पुं.–दे. 'पैरहन'।

पैरौ (پیرو) फ़ा. वि.–अनुयायी, अनुसरणकर्ता, पैरवी करनेवाला।

पैवंद (پیوند) फ़ा. पुं.–जोड़, थिगली; रिश्तेदारी, ख़ून का तअल्लुक़; वृक्ष की क़लम।

पैवंदी (پیوندی) फ़ा. वि.–जिसमें पैवंद लगा हो; जो क़लमी हो (फल)।

[illegible]

पो

[illegible] (پوچ) फा. पुं.—[illegible]

[illegible] फा. स्त्री.—[illegible]

पोच (پوچ) फा. वि.—असत्य, [illegible], व्यर्थ, फ़ुज़ूल; निकम्मा, बेकार, [illegible]; निरर्थक, बेमानी; [illegible]; [illegible]; वह वस्तु जो बिलकुल ही व्यर्थ हो।

पोचगो (پوچگو) फा. वि.—अनर्गलवादी, व्यर्थवादी, फ़ुज़ूल की बातें करनेवाला।

पोचगोई (پوچگوئی) फा. स्त्री.—बकवास, मिथ्यावाद।

पोचबाफ़ (پوچباف) फा. वि.—दे. 'पोचगो'।

पोचबाफ़ी (پوچبافی) फा. स्त्री.—दे. 'पोचगोई'।

पोचबीं (پوچبیں) फा. वि.—संकुचितदृष्टि, तंगनज़र।

पोचबीनी (پوچبینی) फा. स्त्री.—तंगनज़री, दृष्टि-संकोच।

पोज़: (پوزه) फा. पुं.—दे. 'पोज़'।

पोज़बंद (پوزهبند) फा. पुं.—दे. 'पोज़बंद'।

पोज़ (پوز) फा. पुं.—थूथन, थूथनी, पशुओं का मुँह नथने समेत।

पोज़बंद (پوزبند) फा. पुं.—पशुओं के मुँह पर चढ़ाने का छींका, मुसीका।

पोज़माल (پوزمال) फा. पुं.—थूथनी में डालने का फंदा।

पोज़िश (پوزش) फा. स्त्री.— दे. 'पोज़िश'।

पोज़िश (پوزش) फा. स्त्री.—उज्र, विवशता, मजबूरी।

पोज़िशपज़ीर (پوزشپزیر) फा. वि.—उज्र माननेवाला, विवशता पर ध्यान देकर क्षमा करनेवाला।

[illegible]

पोयाँ (پویاں) फा. वि.—दौड़ता हुआ।

पोया (پویا) फा. वि.—दौड़ता हुआ; दौड़नेवाला।

[illegible] फा. पुं.—बिगड़ा और पका हुआ [illegible]।

पोल (پول) फा. पुं.—पैसा, ताँबे का सिक्का।

पोलाद (پولاد) फा. पुं.—दे. 'फ़ौलाद'।

[illegible] फा. वि.—जो दिखाई पड़े, दृष्टिगोचर, [illegible]।

[illegible] फा. वि.—अनुभव होनेवाली वस्तु, हिस्सी।

पोले सफ़ेद (پول سفید) फा. पुं.—रुपया, चाँदी का सिक्का।

पोले सियाह (پول سیاه) फा. पुं.—पैसा, ताँबे का सिक्का।

पोश (پوش) फा. प्रत्य.—छिपानेवाला, जैसे—'ऐबपोश' दोष छिपानेवाला।

पोशाक (پوشاک) फा. स्त्री.—पहनने के कपड़े, वस्त्र, वसन, परिच्छद।

पोशिंद: (پوشنده) फा. वि.—पहननेवाला; छिपानेवाला।

पोशिश (پوشش) फा. स्त्री.—वस्त्र, लिबास; पहनावा।

पोशीद: (پوشیده) फा. वि.—पहनाया हुआ; छिपाया हुआ, गुप्त; ख़िल्अत; शिकारी का जाल।

पोशीदगी (پوشیدگی) फा. स्त्री.—छिपाव, दुराव; पहनाव।

पोशीदनी (پوشیدنی) फा. वि.—पहनाने योग्य; पहनने के कपड़े; छिपाने योग्य।

पोसीद: (پوسیده) फा. वि.—पुराना होकर घिसा-पिसा, जीर्ण, जर्जर, शीर्ण।

पोस्त: (پوسته) फा. पुं.—डाकख़ाना, पोस्ट आफ़िस।

पोस्त (پوست) फा. पुं.—खाल, त्वचा, जिल्द; पेड़ की छाल; पिशुनता, ग़ीबत, अफ़ीम के फल के दाने।

पोस्तकंद: (پوستکنده) फा. वि.—स्पष्ट, बिलकुल साफ़, खुला हुआ।

पोस्ततख़्त (پوستتخت) फा. पुं.—साधुओं का बिछौना जो हिरन या शेर की खाल का हो।

पोस्तमाल (پوستمال) फा. पुं.—चमड़ा मढ़ी हुई वस्तु।

पोस्ती (پوستیں) फा. स्त्री.—'पोस्तीन' का लघु., दे. 'पोस्तीन'।

पोस्तींदोज़ (پوستیں دوز) फा. वि.–पोस्तीन सीनेवाला, अर्थात् बनानेवाला।

पोस्ती (پوستی) फा. वि.–अफ़ीम खानेवाला, मदक पीनेवाला, मदकची।

पोस्तीख़ानः (پوستی خانه) फा. पुं.–मदकख़ानः।

पोस्तीन (پوستین) फा. स्त्री.–लोमड़ी, समूर, सिंजाब आदि रुवेंदार जंतुओं की खाल से बनाया हुआ कोट जो शीत-प्रधान देशों में पहना जाता है, इसके रुएँ भीतर और खाल ऊपर रहती है।

पोस्तीने गुर्ग (پوستین گرگ) फा. स्त्री.–भेड़िए की खाल या उसका पोस्तीन।

पोस्तीने रोबाह (پوستین روباه) फा. स्त्री.–लोमड़ी की खाल या उसका पोस्तीन।

पोस्तीने शेर (پوستین شیر) फा. स्त्री.–शेर की खाल या उसका पोस्तीन।

फ़

फ़ंजनोश (فلجنوش) फा. पुं.–लोहे का मैल, मंडूर, खुब्सुल हदीद।

फ़ंद (فند) अ. पुं.–छल, कपट, मक्र, फ़रेब।

फ़अ्आल (فعال) अ. वि.–बहुत काम करनेवाला।

फ़क़ (فق) अ. वि.–चेहरे की रंगत का विकार या उड़ जाना।

फ़क [क्क] (فک) अ. पुं.–जबड़ा, कल्ला; मोचन, छूटना।

फ़क़त (فقط) अ. वि.–बस, खत्म, समाप्त; केवल, सिर्फ़; इतिश्री, तम्मत।

फ़क़ार (فقار) अ. पुं.–'फ़िक़्रः' का बहु., पीठ के गुरिए।

फ़क़ाह (فقاه) अ. स्त्री.–बुद्धिमत्ता, मेधा, दानाई।

फ़क़ाहत (فقاهت) अ. स्त्री.–बुद्धिमत्ता, मनीषा, मेधा, अक़्लमंदी।

फ़क़ीअ (فقیع) अ. स्त्री.–जौ की शराब।

फ़क़ीद (فقید) अ. वि.–अप्राप्य, नायाब।

फ़क़ीदुन्नज़ीर (فقیدالنظیر) अ. वि.–जिसके समान दूसरा न हो, अद्वितीय, अनुपम, लाजवाब।

फ़क़ीदुलमिसाल (فقیدالمثال) अ. वि.–दे. 'फ़क़ीदुन्नज़ीर'।

फ़क़ीदुलनिस्ल (فقیدالمثل) अ. वि.–दे. 'फ़क़ीदुन्नज़ीर'।

फ़क़ीर (فقیر) अ. वि.–भिक्षुक, मँगता, भिखमंगा; संन्यासी, दरवेश; आसक्त, आशिक़; नम्रता-प्रदर्शन के लिए वक्ता अपने को भी कहता है।

फ़क़ीरदोस्त (فقیردوست) अ. फा. वि.–साधु-संतों में भक्ति भाव रखनेवाला।

फ़क़ीरमनिश (فقیر منش) अ. फा. वि.–साधुओं-जैसे सीधे-सादे आचार-व्यवहारवाला।

फ़क़ीरानः (فقیرانه) अ. फा. वि.–फ़क़ीरों और साधुओं-जैसा।

फ़क़ीरी (فقیری) अ. स्त्री.–साधुता, दरवेशी; भिखमंगापन, मँगताई।

फ़क़ीह (فقیهه) अ. वि.–धर्मशास्त्र का विद्वान्, मुस्लिम धर्मशास्त्र को पूर्णरूपेण जाननेवाला।

फ़क़ीहाँ (فقیهاں) अ. फा. पुं.–'फ़क़ीह' का बहु., फ़क़ीह लोग।

फ़कैफ़ (فکیف) अ. अव्य.–पस, क्योंकर।

फ़क्कुर्रह्न (فک الرهن) अ. पुं.–बंधक-मोचन, रेहन से चीज का छूटना।

फ़क्के अस्फ़ल (فک اسفل) अ. पुं.–नीचे का जबड़ा।

फ़क्के आ'ला (فک اعلیٰ) अ. पुं.–ऊपर का जबड़ा।

फ़क्के रह्न (فک رهن) अ. पुं.–बंधन-मोचन।

फ़क़्र (فقر) अ. पुं.–दरिद्रता, कंगाली; साधुता, दरवेशी।

फ़ख़ामत (فخامت) अ. स्त्री.–प्रतिष्ठा, इज़्ज़त; श्रेष्ठता, बुजुर्गी; आदर, क़द्र; मोटापन।

फ़ख़िज़ (فخذ) अ. स्त्री.–जाँघ, रान।

फ़ख़ीम (فخیم) अ. वि.–प्रतिष्ठावान्, ज़ी इज़्ज़त।

फ़ख़्ज़ (فخذ) अ. स्त्री.–रान, जाँघ, दे. 'फ़ख़िज़', दो. शु. हैं।

फ़ख़्र (فخر) अ. पुं.–गर्व, गौरव, नाज़; अभिमान, अहंकार, घमंड; शेख़ी, डींग।

फ़ख़्रआमेज़ (فخرآمیز) फा. अ. वि.–गर्वपूर्ण, फ़ख़्रियः।

फ़ख़्रन (فخراً) अ. अव्य.–गर्वसहित, घमंड के साथ।

फ़ख़्रियः (فخریه) अ. अव्य.–गर्व के तौर पर, घमंड से।

फ़ख़्री (فخری) अ. वि.–एक क़िस्म का अंगूर; शाह फ़ख़्रुद्दीन के सिलसिले का मुरीद।

फ़ख़्रे क़ौम (فخر قوم) अ. पुं.–वह व्यक्ति जिस पर राष्ट्र गर्व करे।

फ़ख़्रे ख़ानदान (فخر خاندان) अ. फा. पुं.–जिससे कुल की मर्यादा बढ़े, वह व्यक्ति, कुलभूषण।

फ़ख़्रे मिल्लत (فخر ملت) अ. पुं.–दे. 'फ़ख़्रे क़ौम'।

फ़ख़्रे मुल्क (فخر ملک) अ. पुं.–देश के लिए गर्व का कारण व्यक्ति।

फ़ख़्रे वतन (فخروطن) अ. पुं.–दे. 'फ़ख़्रे मुल्क'।

फ़ग़ (فغ) फा. पुं.–मूर्ति, प्रतिभा, बुत।

फ़ग़्फ़ूर (فغفور) अ. पुं.–चीन के शासकों की उपाधि।

फ़ज [ज्ज] (فج) अ. पुं.–दो पहाड़ों के बीच का चौड़ा रास्ता।

फ़जरः (فجره) अ. पुं.–फ़ाजिर का बहु., व्यभिचारी लोग, कदाचारी लोग।

फ़ज़ा' (فزع) अ. पुं.–भय, त्रास, डर।

फ़ज़ा (فضا) अ. स्त्री.–खुली हुई जगह, मैदान; वातावरण, माहौल; शोभा, रौनक़, बहार; खुली हुई हरियालीदार जगह।

फ़ज़ाइल (فضائل) अ. पुं.–'फ़ज़ीलत' का बहु., अच्छाइयाँ, खूबियाँ।

फ़ज़ाई (فضائی) अ. वि.–फ़ज़ा से सम्बन्धित।

फ़ज़ाए चर्ख़ (فضاے چرخ) अ. फ़ा. स्त्री.–वह खाली स्थान जो आकाश और पृथ्वी के बीच में है, अंतरिक्ष, शून्य।

फ़ज़ाए ज़ह्र आलूद (فضاے زهر آلود) अ. फ़ा. स्त्री.–दूषित वातावरण, ज़हरीला माहौल।

फ़ज़ाहत (فضاحت) अ. स्त्री.–दे. 'फ़ज़ीहत'।

फ़ज़ीअत (فجیعت) अ. स्त्री.–पीड़ा, वेदना, दर्द; आपत्ति, विपदा, मुसीबत।

फ़ज़ीलत (فضیلت) अ. स्त्री.–प्रतिष्ठा, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी; प्रधानता, तर्जीह।

फ़ज़ीलतमआब (فضیلت‌مآب) अ. वि.–प्रतिष्ठावान्।

फ़ज़ीह (فضیح) अ. वि.–निंदित, रुस्वा; अपमानित, अनादृत, ज़लील।

फ़ज़ीहत (فضیحت) अ. स्त्री.–निंदा, अपयश, रुस्वाई; अपमान, ज़िल्लत।

फ़जूर (فجور) अ. वि.–व्यभिचारी, लंपट, हरामकार; दुराचारी, कदाचारी, बद आ'माल।

फ़ज्जार (فجّار) अ. वि.–बहुत अधिक दुराचारी और लंपट।

फ़ज्र (فجر) अ. स्त्री.–प्रातःकाल, भोर, सवेरा; सवेरे की नमाज़।

फ़ज्री (فجری) अ. वि.–एक प्रकार का क़लमी आम।

फ़ज़्ल (فضل) अ. पुं.–कृपा, दया, मेह्रबानी; प्रतिष्ठा, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी; विद्वत्ता, फ़ज़ीलत।

फ़ज़्ले इलाही (فضل الٰہی) अ. पुं.–ईश्वर की दया, दैवी अनुकंपा।

फ़ज़्ले ख़ुदा (فضل خدا) अ. फ़ा. पुं.–ईश्वर की कृपा।

फ़ज़्ले मौला (فضل مولیٰ) अ. पुं.–दे. 'फ़ज़्ले ख़ुदा'; फ़क़ीरों की दुआ, जिसका अर्थ है तुम पर ख़ुदा का साया रहे।

फ़ज़्ले रब्बी (فضل ربی) अ. पुं.–दे. 'फ़ज़्ले ख़ुदा'।

फ़ज़्ले हक़ (فضل حق) अ. पुं.–दे. फ़ज़्ले ख़ुदा।

फ़ज़्ह (فضح) अ. स्त्री.–फ़ज़ीहत, निंदा, रुस्वाई।

फ़ता (فتیٰ) अ. पुं.–युवा, युवक, तरुण, जवान मर्द।

फ़तात (فتات) अ स्त्री.–युवती, नवला, तरुणी, जवान स्त्री।

फ़तानत (فطانت) अ. स्त्री.–बुद्धिमत्ता, मेधा, अक़्लमंदी।

फ़तिन (فطن) अ. वि.–बुद्धिमान्, मेधावी, अक़्लमंद; चतुर, होशियार; प्रतिभाशाली, ज़हीन।

फ़तीन (فطین) अ. वि.–बुद्धिमान्, अक़्लमंद; प्रतिभावान्, तब्बाअ; चतुर, होशियार।

फ़तीर (فطیر) अ. वि.–ख़मीर का उलटा, पतला गुँधा हुआ आटा जिसकी चपाती पकती है।

फ़तीलः (فتیلہ) अ. पुं.–चिराग़ की बत्ती; भूत और जिन उतारनेवालों की बत्ती जिसे वह चिराग़ में जलाकर प्रेतबाधा-ग्रस्त को दिखाते हैं।

फ़तीलसोज़ (فتیل‌سوز) अ. फ़ा. पुं.–चौमुखा दीवट।

फ़त्क़ (فتق) अ. पुं.–आँत उतरने का रोग, अंत्रवृद्धि।

फ़त्ताँ (فتّان) अ. वि.–फ़ित्नः पैदा करनेवाला।

फ़त्ताह (فتّاح) अ. वि.–खोलनेवाला; ईश्वर।

फ़त्वा (فتوا) अ. पुं.–किसी धार्मिक विषय में धर्मशास्त्र-वेत्ता का लिखित आदेश, धर्मादेश, व्यवस्था।

फ़त्हः (فتحہ) अ. पुं.–उर्दू में 'अ' की मात्रा, ज़बर (—')

फ़त्ह (فتح) अ. स्त्री.–विजय, जय, जीत; सफलता, कामयाबी।

फ़त्हनामः (فتح‌نامہ) अ. फ़ा. पुं.–वह गद्य या पद्य का लेख जो किसी विजय के सुअवसर पर लिखा जाय।

फ़त्हमंद (فتح‌مند) अ. फ़ा. वि.–विजय प्राप्त, विजेता।

फ़त्हमनार (فتح‌منار) अ.पुं.–वह स्तंभ जो किसी विजय की निशानी के रूप में बनाया जाय, जयस्तंभ।

फ़त्हयाब (فتح‌یاب) अ. फ़ा. वि.–जिसने विजय प्राप्त की हो, विजेता।

फ़त्हयाबी (فتح‌یابی) अ. फ़ा. स्त्री.–विजय-प्राप्ति, जीत हासिल करना, जीतना।

फ़त्हे मुबीन (فتح مبین) अ.स्त्री.–खुली हुई और स्पष्ट जीत।

फ़त्होज़फ़र (فتح‌وظفر) अ. स्त्री.–विजय, जीत।

फ़त्होशिकस्त (فتح‌وشکست) अ. फ़ा. स्त्री.–जीत और हार, विजय और पराजय।

फ़दक (فدک) अ. पुं.–एक गाँव जिसमें हज़रत मुहम्मद साहिब का खजूरों का बाग़ था।

फ़दामत (فدامت) अ. स्त्री.–अमीति, अन्याय, ज़ुल्म; उद्दंडता, अक्खड़पन।

फ़न (فن) अ. पुं.–कला, आर्ट; हस्तशिल्प, दस्तकारी; छल, फ़रेब; इंद्रजाल, बाज़ीगरी; गुण, हुनर; विद्या की कोई शाखा, जैसे—'तिब का फ़न' अर्थात् चिकित्साशास्त्र।

फ़नकार (فن‌کار) अ. फ़ा. पुं.–कलाकार, कलावान्।

फ़नकारानः (فن‌کارانہ) अ. फ़ा. अव्य.–कलापूर्ण।

फ़नकारी (فن‌کاری) अ. फ़ा. स्त्री.–कलाकारी।

फ़नदाँ (فن‌دان) अ. फ़ा. त्रि.–कलाविज्ञ, कला-मर्मज्ञ, कला-निपुण।

फ़नदानी (فن دانی) अ. फ़ा. स्त्री.–कला जानना, कला का मर्म जानना।

फ़ना (فنا) अ. स्त्री.–मृत्यु, मरण, मौत; लुप्त, ग़ाइब; नष्ट, बरबाद।

फ़नाअंजाम (فنا انجام) अ. फ़ा.–जिसका परिणाम मृत्यु हो।

फ़नाआमादः (فنا آمادہ) अ. फ़ा. वि.–जो नष्ट होने के लिए तैयार हो, नाशोन्मुख।

फ़नाईयत (فنائیت) अ. स्त्री.–फ़ना हो जाना, आत्मसात् हो जाना, विलीन हो जाना।

फ़नापिज़ीर (فناپزیر) अ. फ़ा. वि.–जिसे अंत में नाश होना हो, मरणधर्मा।

फ़नाफ़िल्लाह (فنافی اللہ) अ. वि.–वह जो ईश्वर में लीन हो गया हो, ब्रह्मलीन।

फ़नाफ़िशशैख़ (فنافی الشیخ) अ. वि.–जो अपने पीर में लीन हो।

फ़न्नी (فنی) अ. वि.–किसी फन से सम्बन्धित।

फ़न्ने किताबत (فن کتابت) अ. पुं.–कापीनवीसी की कला, लिपि-कला।

फ़न्ने जर्राही (فن جراحی) अ. पुं.–चीर-फाड़ अर्थात् शल्य-चिकित्सा की कला।

फ़न्ने ता'मीर (فن تعمیر) अ. पुं.–वास्तुकला, वास्तुविद्या।

फ़न्ने तीरंदाज़ी (فن تیراندازی) अ. फ़ा. पुं.–धनुर्वेद, धनुर्विद्या।

फ़न्ने मुसव्विरी (فن مصوری) अ. पुं.–चित्रकला, चित्रविद्या।

फ़न्ने मूसीक़ी (فن موسیقی) अ. पुं.–गानकला, संगीत-कला, संगीतविद्या, गानविद्या।

फ़न्ने लतीफ़ (فن لطیف) अ. पुं.–ललित कला, सत्कला।

फ़बिहा (فبہا) अ. अव्य.–ठीक, ख़ूब।

फ़म (فم) अ. पुं.–मुख, मुँह।

फ़मे मे'दः (فم معدہ) अ. पुं.–आमाशय का मुँह या द्वार।

फ़मे रहिम (فم رحم) अ. पुं.–गर्भाशय का मुँह।

फ़य्याज़ (فیاض) अ. पुं.–दे. 'फ़ैयाज़'।

फ़रंग (فرنگ) फ़ा. पुं.–दे. 'फरंगिस्तान'।

फ़रंगिस्तान (فرنگستان) फ़ा. पुं.–फरंगियों का देश, इंगलैंड।

फ़रंगी (فرنگی) फ़ा. पुं.–फ़रंगिस्तान का निवासी, अंग्रेज़।

फ़र (فر) फ़ा. स्त्री.–वैभव, शानोशौकत; ज्योति, प्रकाश, चमक; प्रतिबिंब, अक्स।

फ़रजः (فرجہ) अ. पुं.–दरिद्रता और तंगी से छुटकारा पाना, दशा का उन्नतिशील होना।

फ़रज (فرج) अ. स्त्री.–सुगमता, आसानी; सुख, चैन, आराम।

फ़रफ़रः (فرفرہ) फ़ा. स्त्री.–फिरकी।

फ़रफ़र (فرفر) फ़ा. अव्य.–जल्दी-जल्दी।

फ़रस (فرس) अ. पुं.–अश्व, घोड़ा।

फ़रह (فرح) अ. पुं.–हर्ष, आनंद, ख़ुशी, फ़र्हत।

फ़रहबख़्श (فرح بخش) अ. फ़ा. वि.–ख़ुशी देनेवाला, फ़र्हत देनेवाला, आनन्ददाता।

फ़रहमंद (فرح مند) अ. फ़ा.–हर्षित, आनंदित, ख़ुश।

फ़राइज़ (فرائض) अ. पुं.–'फ़रीज़ः' का बहु., कर्तव्य।

फ़राइज़े क़ौमी (فرایض قومی) अ. पुं.–वह कर्तव्य जो राष्ट्र की ओर से आवश्यक हों।

फ़राइज़े मंसबी (فرائض منصبی) अ. पुं.–वह कर्तव्य जो नौकरी के लिए ज़रूरी हों; वह कर्तव्य जो मानवता के नाते लाज़िमी हों।

फ़राइज़े मिल्ली (فرائض ملی) अ. पुं.–दे. 'फ़राइज़े क़ौमी'।

फ़राइज़े मुल्की (فرائض ملکی) अ. पुं.–वह कर्तव्य जो एक देशवासी के लिए अनिवार्य हैं।

फ़राइद (فرائد) अ. पुं.–'फ़रीदः' का बहु., अकेले लोग, अद्वितीय वस्तुएँ।

फ़राइनः (فراعنہ) अ. पुं.–'फ़िऔ़न' का बहु., मिस्र के प्राचीन शासक जिनके शव अह्राम में मिलते हैं।

फ़राख़ (فراخ) फ़ा. वि.–विस्तृत, वसीअ, चौड़ा-चकला।

फ़राख़अब्रू (فراخ ابرو) फ़ा. वि.–हँसमुख, ज़िंदःदिल।

फ़राख़आस्तीं (فراخ آستیں) फ़ा. वि.–मुक्तहस्त, दानी, सख़ी।

फ़राख़चश्म (فراخ چشم) फ़ा. वि.–ख़ूब ख़र्च करनेवाला, दिल खोलकर खाने-खिलानेवाला।

फ़राख़दस्त (فراخ دست) फ़ा. वि.–ख़ूब देने-लेनेवाला; दौलतमंद, संपन्न।

फ़राख़दामन (فراخ دامن) फ़ा. वि.–धनसंपन्न, समृद्ध, दौलतमंद।

फ़राख़दिल (فراخ دل) फ़ा. वि.–दे. 'फ़राख़चश्म'।

फ़राख़पेशानी (فراخ پیشانی) फ़ा. वि.–चौड़ी पेशानीवाला, भाग्यवान्; हँसमुख, शीलवान्।

फ़राख़सीनः (فراخ سینہ) फ़ा. वि.–चौड़े सीनेवाला, बहादुर।

फ़राख़हौसलः (فراخ حوصلہ) फ़ा. अ. वि.–बड़े हौसलेवाला, उच्चोत्साही।

फ़राख़हौसलगी (فراخ حوصلگی) फ़ा. अ. स्त्री.–हिम्मत बड़ी होना।

फ़राख़ी (فراخی) फ़ा. स्त्री.–विस्तार, फैलाव, कुशादगी।

फ़राख़ुर (فراخور) फ़ा. पुं.–योग्य, पात्र, लाइक़।

फ़राग़ (فراغ) अ. पुं.–दे. 'फ़राग़त'।

फ़रागत (فراغت) अ. स्त्री.—अवकाश, छुट्टी, फ़ुर्सत; छुटकारा, मुक्ति, नजात; समृद्धि, दौलतमंदी; सुख, आराम; संतोष, इत्मीनान।

फ़राग़बाल (فراغ بال) अ. फा. वि.—संतोष और सुख के साथ जीवन व्यतीत करनेवाला।

फ़राग़बाली (فراغ بالی) अ. फा. स्त्री.—सुख और बेफ़िक्री से जीवन गुज़ारना।

फ़राग़े कुल्ली (فراغ کلی) अ. पुं.—पूर्ण संतोष, पूरा इत्मीनान।

फ़राग़े ख़ातिर (فراغ خاطر) अ. पुं.—मन का संतोष, चित्त की एकाग्रता।

फ़राग़े दिल (فراغ دل) अ. फा. पुं.—दे. 'फ़राग़े ख़ातिर'।

फ़राग़े बातिन (فراغ باطن) अ. पुं.—दे. 'फ़राग़ ख़ातिर'।

फ़राज़ (فراز) फा. पुं.—ऊँचाई, बलंदी।

फ़राज़िंदः (فرازندہ) फा. वि.—उठानेवाला, ऊँचा करनेवाला, उन्नायक।

फ़राज़ोनिशेब (فراز و نشیب) फा. पुं.—ऊँच-नीच, उतार-चढ़ाव।

फ़रादीस (فرادیس) अ. पुं.—'फ़िर्दौस' का बहु., स्वर्ग-समूह।

फ़रामीन (فرامین) फा. पुं.—'फ़र्मान' का बहु., राजादेश।

फ़रामुश (فرامش) फा. वि.—'फ़रामोश' का लघु., दे. फरामोश, भूला हुआ, विस्मृत।

फ़रामुशी (فرامشی) फा. स्त्री.—'फ़रामोशी' का लघु., दे. फरामोशी, भूल।

फ़रामोश (فراموش) फा. वि.—भूला हुआ, विस्मृत, (प्रत्य.) भूल जानेवाला, जैसे—'वादःफ़रामोश' वादा करके भूल जानेवाला।

फ़रामोशकार (فراموش کار) फा. वि.—भुलक्कड़, बहुत भूलनेवाला।

फ़रामोशकारी (فراموش کاری) फा. स्त्री.—बहुत भूलना।

फ़रामोशी (فراموشی) फा. स्त्री.—भूल, भूलने का भाव।

फ़रार (فرار) फा. पुं.—पलायन, भागना; छुप जाना, रूपोशी, दे. 'फ़िरार', परंतु उर्दू में 'फ़रार' ही बोलते हैं।

फ़राश (فراش) अ. पुं.—पतंगा, शलभ, पर्वाना।

फ़रासिख़ (فراسخ) अ. पुं.—'फ़र्सख़' का बहु.।

फ़राहत (فراہت) अ. स्त्री.—बुद्धि की तीव्रता; चतुरता, होशियारी; घोड़े की अच्छी चाल।

फ़राहम (فراہم) फा. वि.—एकत्र, इकट्ठा, एक जगह।

फ़राहमी (فراہمی) फा. स्त्री.—एकत्र होना, इकट्ठा होना।

फ़रीक़ (فریق) अ. पुं.—पक्ष, पार्टी; दल, गुरोह; वादी और प्रतिवादी।

फ़रीक़े मुख़ालिफ़ (فریق مخالف) अ. पुं.—विरोधी पक्ष या दल।

फ़रीक़े मुतख़ासिम (فریق متخاصم) अ. पुं.—शत्रु या लड़नेवाला पक्ष।

फ़रीक़े सानी (فریق ثانی) अ. पुं.—दूसरे पक्ष अर्थात् विरोधी दल का व्यक्ति।

फ़रीक़ैन (فریقین) अ. पुं.—उभय पक्ष, दोनों पार्टियाँ।

फ़रीज़ः (فریضہ) अ. पुं.—कर्तव्य, फ़र्ज़; नमाज़।

फ़रीज़ए मज़्हबी (فریضۂ مذہبی) अ. पुं.—धार्मिक कृत्य, जैसे—नमाज़, रोज़ा, हज आदि।

फ़रीद (فرید) अ. वि.—एकाकी, अकेला; अद्वितीय, बेमिस्ल।

फ़रीदुलअस्र (فرید العصر) अ. वि.—जो अपने समय में अकेला हो, अद्वितीय, अनुपम, बेमिसाल।

फ़रेफ़्तः (فریفتہ) फा. वि.—शुद्ध उच्चारण 'फ़िरेफ़्तः' है, परंतु उर्दू में 'फ़रेफ़्तः' बोलते हैं, मुग्ध, आसक्त, आशिक़; छलित, धोखा खाया हुआ।

फ़रेब (فریب) फा. पुं.—छल, कपट, धोखा; मिष, मिस, बहाना, इसका शुद्ध उच्चारण 'फ़िरेब' है, परंतु उर्दू में 'फ़रेब' है, (प्रत्य.) छलनेवाला, जैसे—'दिल फ़रेब' मन को छलनेवाला।

फ़रेबकार (فریب کار) फा. वि.—छली, कपटी, धोखेबाज़।

फ़रेबख़ुर्दः (فریب خوردہ) फा. वि.—छलित, वंचित, ठगा हुआ, फ़रेब खाया हुआ।

फ़रेबख़ुर्दगी (فریب خوردگی) फा. स्त्री.—छला जाना, फ़रेब खाना, धोखे में आ जाना।

फ़रेबदादः (فریب دادہ) फा. वि.—जिसे धोखा दिया गया हो।

फ़रेबदिहिंदः (فریب دہندہ) फा. वि.—धोखा देनेवाला, छल करनेवाला।

फ़रेबदिही (فریب دہی) फा. स्त्री.—धोखा देना, छल करना।

फ़रेबी (فریبی) फा. वि.—धोखेबाज़, छली।

फ़रेबे अक़्ल (فریب عقل) फा. अ. पुं.—बुद्धिभ्रम, अक्ल का धोखा, बुद्धि का धोखे में पड़ जाना।

फ़रेबे नज़र (فریب نظر) फा. अ. पुं.—दृष्टिभ्रम, निगाह का धोखा, दृष्टि का धोखे में पड़ जाना।

फ़रोख़्तः (فروختہ) फा. वि.—बेचा हुआ, फ़ारसी 'फ़िरोख़्तः' है, परंतु उर्दू में यही है।

फ़रोख़्त (فروخت) फा. स्त्री.—बिक्री।

फ़रोख़्तगी (فروختگی) फा. स्त्री.—बिक्री, बचने का काम।

फ़रोग़ (فروغ) फा. पुं.—प्रकाश, ज्योति, रोशनी; उन्नति, तरक़्क़ी; शोभा, रौनक़, यह शब्द 'फ़ुरोग़' है, परंतु

उर्दू में 'फ़रोग़' ही है। जैसे—"जितना फ़रोग़ शोलए-हुस्ने-सनम में है, उतनी तपिश कहाँ है, दिले बेक़रार में।"

फ़रोगुज़ाश्त (فروگزاشت) फा. स्त्री.—दे. 'फ़िरोगुज़ाश्त', वही शुद्ध है।

फ़रोज़ाँ (فروزاں) फा. वि.—दे. 'फ़ुरोज़ाँ', वह शुद्ध है।

फ़रोदगाह (فرودگاہ) फा. स्त्री.—वह स्थान जहाँ कोई व्यक्ति, पथिक के रूप में थोड़े दिन ठहरे, शुद्ध 'फ़िरोद' है परंतु उर्दू में 'फ़रोद' भी है।

फ़रोश (فروش) फा. प्रत्य.—बेचनेवाला, जैसे—'मेव:फ़रोश', मेवा बेचनेवाला।

फ़रोशिंद: (فروشندہ) फा. वि.— बेचनेवाला।

फ़रोशीद: (فروشیدہ) फा. वि.— बेचा हुआ, बेची हुई वस्तु।

फ़रोशीदनी (فروشیدنی) फा. अव्य.—बेचने के योग्य, जो वस्तु बेची जा सके।

फ़र्अ (فرع) अ. स्त्री.—शाखा, डाली; किसी मूल का कोई अंश।

फ़र्ई (فرعی) अ. वि.—जो मूल में से निकला हो।

फ़र्क़ (فرق) अ. पुं.—शिर, सिर, सर; अंतर, भेद; दो संख्याओं का शेष; दूरी, फ़ासिला; पृथक्ता, जुदाई; मतभेद, इख़्तिलाफ़; ह्रास, कमी।

फ़र्क़दैन (فرقدین) अ. पुं.—दो तारे जो उत्तरी ध्रुव में हैं और शाम से सवेरे तक बराबर दिखाई पड़ते हैं, कभी छिपते नहीं।

फ़ख़ंद: (فرخندہ) फा. वि.—दे. 'फ़र्ख़ुंद:', दोनों, शुद्ध हैं।

फ़र्ख़ुंद: (فرخندہ) फा. वि.—शुभान्वित, कल्याणकारी. मुबारक।

फ़र्ख़ुंद:ख़ू (فرخندہ خو) फा. वि.—अच्छे स्वभाववाला, सत्प्रकृति।

फ़र्ख़ुंद:ताले' (فرخندہ طالع) फा. अ. वि.—भाग्यशाली, सौभाग्यवान्।

फ़र्ख़ुंद:पै (فرخندہ پے) फा. वि.—जिसका कहीं आना शुभान्वित हो, मुबारक क़दम।

फ़र्ख़ुंद:फ़ाल (فرخندہ فال) फा. वि.—भाग्यवान्, ख़ुशनसीब।

फ़र्ख़ुंद:बख़्त (فرخندہ بخت) फा. वि.—दे. 'फ़र्ख़ुंद: ताले'।

फ़र्ख़ुंद:राय (فرخندہ راے) फा. अ. वि.—जिसका परामर्श और जिसकी सलाह बहुत अच्छी होती हो।

फ़र्ख़ुंद:सिफ़ात (فرخندہ صفات) फा. अ. वि.—अच्छे गुणों-वाला, सद्गुण-संपन्न।

फ़र्ग़ुल (-फ़र्ग़ुल) (فرغل-فرگل) फा. उभ.—रुईदार लबादा, रुईदार चुग़ा; वह रुईदार छोटा कोट जो बच्चों को पहनाते हैं और जिसमें टोपी भी लगी रहती है।

फ़र्ज: (فرجہ) अ. पुं.—खोलना,; खुलना।

फ़र्ज़ंद (فرزند) फा. पुं.—आत्मज, तनय, पुत्र, बेटा, लड़का।

फ़र्ज़ंदी (فرزندی) फा. स्त्री.—बेटापन, पुत्रत्व, बाप-बेटे का नाता।

फ़र्ज़ंदे अर्जमंद (فرزند ارجمند) फा. पुं.—सपूत, होनहार बेटा, भव्य पुत्र।

फ़र्ज़ंदे नरीन: (فرزند نرینہ) फा. पुं.—बेटा, पुत्र।

फ़र्ज (فرج) अ. स्त्री.—दो चीज़ों के बीच की दरार; शिगाफ़, फटन; विवर, छेद; योनि, भग।

फ़र्ज़ (فرض) अ. पुं.—कर्तव्य, ड्यूटी; ईश्वर की ओर से लगाया हुआ धार्मिक कृत्यों का आदेश; अनिवार्य, ज़ुरूरी; ज़िम्मेदारी; वह नमाज़ जिसका क़ुरान में आदेश है।

फ़र्ज़ज: (فرزجہ) अ. पुं.—दवा में भिगोकर योनि या गुदाद्वार में रखने का कपड़ा।

फ़र्ज़न (فرضاً) अ. अव्य.—कर्तव्य द्वारा फ़र्ज़ की रू से।

फ़र्ज़शनास (فرض‌شناس) अ. फा. वि.—जो अपने कर्तव्य को कर्तव्य समझकर करे, कतर्व्य-पालक।

फ़र्ज़शनासी (فرض‌شناسی) अ. फा. स्त्री.—अपनी ड्यूटी को कर्तव्य समझकर अंजाम देना।

फ़र्ज़ाद (فرجاد) फा. वि.—बुद्धिमान्, मेधावी, अक़्लमंद।

फ़र्ज़ान: (فرزانہ) फा. वि.—बुद्धिमान्, अक़्लमंद; चतुर, होशियार; कुशल, दक्ष।

फ़र्ज़ान:ख़ू (فرزانہ خو) फा. वि.—बुद्धिमान्, चतुर।

फ़र्ज़ानगी (فرزانگی) फा. स्त्री.—बुद्धिमत्ता, अक़्लमंदी; चतुरता, होशियारी; दक्षता, क़ाबिलीयत।

फ़र्जाम (فرجام) फा. पुं.—अंत, अख़ीर; परिणाम, नतीजा, (प्रत्य.) अंत या परिणामवाला. जैसे—'नेकफ़र्जाम' जिसका अंत या परिणाम सुंदर हो।

फ़र्ज़ीं (فرزیں) फा. पुं.—शत्रंज का एक मोहरा, वज़ीर।

फ़र्ज़ी (فرضی) अ. वि.—जिसकी केवल कल्पना हो, मूल में न हो, काल्पनिक, क़ियासी।

फ़र्जी (فرجی) फा. स्त्री.—बिना घुंडी तुक्मे की क़बा जो कपड़ों के ऊपर पहनी जाती है, गाउन।

फ़र्ज़े ऐन (فرض عین) अ. पुं.—मूल कर्तव्य, सही ड्यूटी।

फ़र्ज़े किफ़ाय: (فرض کفایہ) अ. पुं.—वह फ़र्ज़ जो एक आदमी के अदा करने से सब की ओर से अदा हो जाय, जैसे—किसी सभा में किसी के सलाम का जवाब एक आदमी दे दे तो सब की ओर से हो जाता है।

फ़र्ज़े मंसबी (فرض منصبی) अ. पुं.—वह कर्तव्य जो किसी के लिए मुक़र्रर हो, जैसे—पुलिस के लिए रक्षा का।

फ़र्ज़े मुहाल (فرض محال) अ. पुं.–ऐसी बात मान लेना या फ़र्ज़ कर लेना जो हो ही न सके।

फ़र्त (فرط) अ. पुं.–अधिकता, बाहुल्य, इफ़ात।

फ़र्तूत (فرتوط) फा. वि.–बहुत बूढ़ा।

फ़र्ते ऐश (فرط عیش) अ. पुं.–भोग-विलास और धन-दौलत का बाहुल्य।

फ़र्ते ग़ज़ब (فرط غضب) अ. पुं.–क्रोध का आवेग, कोप का प्रकोप।

फ़र्ते ग़म (فرط غم) अ. पुं.–शोक और दुःख का आधिक्य।

फ़र्ते मसर्रत (فرط مسرت) अ. पुं.–हर्ष और आनंद की प्रचुरता, हर्षातिरेक।

फ़र्ते महब्बत (فرط محبت) अ. पुं.–प्रेम की झोंक, प्रेम का आवेग।

फ़र्ते शादी (فرط شادی) अ. फा. पुं.–दे. 'फ़र्ते मसर्रत'।

फ़र्ते शौक़ (فرط شوق) अ. पुं.–अभिलाषा का जोश।

फ़र्द (فرد) अ. पुं.–एक व्यक्ति. एक शख़्स; एकाकी, अकेला; अद्वितीय, बेमिस्ल; दुलाई, रजाई; चादर।

फ़र्द (فرد) फा. स्त्री.–हिसाब का रजिस्टर; हुक्मनामा; निमंत्रण का सूचीपत्र।

फ़र्दन फ़र्दन (فرداً فرداً) अ. अव्य.–एक-एक करके, हर व्यक्ति को, अलग-अलग।

फ़र्दा (فردا) फा. पुं.–आनेवाला कल।

फ़र्दाए क़ियामत (فردائے قیامت) फा. अ. पुं.–प्रलय का दिन, जब सब के हिसाब-किताब होंगे।

फ़र्दाए महशर (فردائےمحشر) फा. अ. पुं.–दे. 'फ़र्दाए क़ियामत'।

फ़र्दाए हश्र (فردائے حشر) फा.अ.पुं.–दे. 'फ़र्दाए क़ियामत'।

फ़र्दे आ'माल (فرد اعمال) अ. फा. स्त्री.–कर्मपत्र, आ'मालनामः।

फ़र्दे क़रारदादे जुर्म (فرد قرارداد جرم) अ. फा. स्त्री.–अभियोगपत्र, चार्जशीट।

फ़र्दे जुर्म (فرد جرم) फा. अ. स्त्री.–अभियोग-पत्र, फ़र्दे क़रारदादे जुर्म।

फ़र्दे बशर (فرد بشر) अ. पुं.–एक व्यक्ति, एक आदमी।

फ़र्दे बातिल (فرد باطل) फा. अ. स्त्री.–हिसाब का ग़लत काग़ज़; वह काग़ज़ जो कटा-फटा हो और माना न जा सके; निकम्मी चीज़।

फ़र्दे वाहिद (فردواحد) अ. पुं.–एक आदमी, एक व्यक्ति।

फ़र्दे हिसाब (فرد حساب) फा. अ. स्त्री.–हिसाब का काग़ज़, चिट्ठा, बीजक; वह काग़ज़ जिस पर कोई लेन-देन या हिसाब उतारा गया हो।

फ़र्फ़ियून (فرفیون) अ. स्त्री.–थूहड़ का सुखाया हुआ दूध जो दवा के काम आता है।

फ़र्बिही (فربہی) फा. स्त्री.–मोटापा, मोटापन, स्थूलता।

फ़र्बेह (فربہ) फा. वि.–मोटा-ताज़ा, लहीम-शहीम, स्थूल।

फ़र्बेहअंदाम (فربہ اندام) फा. वि.–स्थूलकाय, मोटे-ताज़े शरीरवाला।

फ़र्मां (فرماں) फा. पुं.–आज्ञा; शाहीहुक्म, राजादेश, दे. 'फ़र्मान'।

फ़र्मांगुज़ार (فرماں گزار) फा. वि.–शासक, हाकिम, राजा, बादशाह।

फ़र्मांगुज़ारी (فرماں گزاری) फा. स्त्री.–शासन, हुकूमत, राज्य।

फ़र्मांदिही (فرماں دہی) फा. स्त्री.–शासन, हुकूमत, राज्य।

फ़र्मांपिज़ीर (فرماں پزیر) फा. वि.–दे. 'फ़र्मांबरदार'।

फ़र्मांफ़र्मा (فرماں فرما) फा. वि.–शासक, हुक्म चलानेवाला, राज करनेवाला।

फ़र्मांबरदार (فرماں بردار) फा. वि.–आज्ञाकारी, आज्ञापालक, ताबे'दार।

फ़र्मांबरदारी (فرماں برداری) फा. स्त्री.–आज्ञापालन, हुक्म मानना।

फ़र्मांरवा (فرماں روا) फा. वि.–शासक, राजा, बादशाह।

फ़र्मांरवाई (فرماں روائی) फा. स्त्री.–शासन, राज, हुकूमत।

फ़र्मा (فرما) फा. प्रत्य.–फ़रमानेवाला, जैसे–'हुक्मफ़र्मा' हुक्म फ़र्मानेवाला, आज्ञादाता।

फ़र्माइश (فرمایش) फा. स्त्री.–माँगना, तलब करना; किसी काम या किसी चीज़ के लिए कहना; कारखाने या दुकान के माल का आर्डर।

फ़र्माइशी (فرمایشی) फा. वि.–जिसकी फ़र्माइश की गयी हो; जो फ़र्माइश द्वारा किया गया हो; याचित।

फ़र्मान (فرمان) फा. पुं.–राजादेश, शाही हुक्म; आज्ञा, आदेश, हुक्म।

फ़र्मूदः (فرمودہ) फा. वि.–उक्त, कहा हुआ, फ़र्माया हुआ।

फ़र्याद (فریاد) फा. स्त्री.–सहायता के लिए पुकार, दुहाई; नालिश, न्याय-याचना, इस्तिग़ासः; शिकायत, परिवाद, अनुयोग; आर्तनाद, दुःख की आवाज़।

फ़र्यादख़्वाह (فریادخواہ) फा. वि.–नालिशी, न्याय-याचक।

फ़र्यादख़्वाही (فریادخواہی) फा. स्त्री.–न्याय-याचना, ज़ुल्म की दादरसी चाहना।

फ़र्यादरस (فریادرس) फा. वि.–फ़र्याद सुननेवाला, न्यायकर्ता।

फ़र्यादरसी (فریادرسی) फा. स्त्री.–न्याय करना, फ़र्याद सुनना।

फ़र्यादशनवा (فریادشنوا) फा. वि.–फ़र्याद सुननेवाला।

फ़र्रार (فرار) अ. वि.–पलायन, भागना, शुद्ध उच्चारण 'फ़िरार' है, परंतु उर्दू में 'फ़रार' ही है।

फ़र्राश (فراش) अ. वि.–वह व्यक्ति जिसके ज़िम्मे दरबार या मज्लिस आदि में फ़र्श आदि बिछाने और रोशनी आदि करने का प्रबंध हो।

फ़र्राशख़ानः (فراش خانه) अ. फा. पुं.–वह मकान जिसमें फ़र्श वग़ैरह रखे जाते हों।

फ़र्राशी (فراشی) अ. वि.–फ़र्राश का काम।

फ़र्रुख़ (فرخ) फा. वि.–शुभ, कल्याणकारी; सुन्दर, अच्छा।

फ़र्रुख़क़दम (فرخ قدم) फा. अ. वि.–जिसका आना शुभान्वित हो, मुबारक पै।

फ़र्रुख़तबार (فرخ تبار) फा. वि.–कुलीन, अच्छे ख़ानदान वाला, आर्यभद्र।

फ़र्रुख़निहाद (فرخ نهاد) फा. वि.–सत्प्रकृतिवाला।

फ़र्वरदीन (فروردین) फा. पुं.–पहला ईरानी महीना।

फ़र्श (فرش) अ. पुं.–बिछौना, बिछाने की चीज़; बड़ी जगह में बिछायी जानेवाली बड़ी दरी; समतल भूमि, हमवार ज़मीन; चौरस गच या सीमेंट से पक्की की हुई ज़मीन; पृथ्वीतल, ज़मीन की सतह।

फ़र्शी (فرشی) अ. वि.–फ़र्श पर रखी जानेवाली चीज़, जैसे फ़र्शी हुक़्क़ा; फ़र्श से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु।

फ़र्शे आब (فرش آب) अ. फा. पुं.–समुद्र या नदी का तल।

फ़र्शे ख़ाक (فرش خاک) अ. फा. पुं.–पृथ्वी का तल, सत्हे ज़मीन।

फ़र्शे गुल (فرش گل) अ. फा. पुं.–फूलों का फ़र्श।

फ़र्शे ज़मीं (فرش زمیں) अ. फा. पुं.–दे. 'फ़र्शे ख़ाक'।

फ़र्शे राह (فرش راه) अ. फा. पुं.–ज़मीन में बिछा हुआ, रास्ते में बिछी हुई, विनम्र, विनीत,—"पाँव रखता हूँ जब मुहब्बत में, बेकसी फ़र्शे राह होती है।"—जिगर।

फ़र्संग (فرسنگ) फा. पुं.–दे. 'फ़र्सख़'।

फ़र्स (فرص) अ. पुं.–काटना, फाड़ना; चीरना।

फ़र्सख़ (فرسخ) अ. पुं.–४००० गज़ की दूरी, अंग्रेज़ी मील के हिसाब से लगभग सवा दो मील।

फ़र्सा (فرسا) फा. प्रत्य.–घटानेवाला, जैसे—'रूहफ़र्सा' रूह का कम करनेवाला; घिसनेवाला, जैसे—'जबींफ़र्सा' माथा रगड़नेवाला।

फ़र्सूदः (فرسوده) फा. वि.–घिसा हुआ; पुराना, कम, शीर्ण, जीर्ण।

फ़र्सूदःहाल (فرسوده حال) फा. वि.–पतले हालोंवाला, जिसकी दशा बहुत ख़राब हो, क्षीण दशावाला।

फ़र्सूदगी (فرسودگی) फा. स्त्री.–घिसा-पिसा होना; फटा-पुराना होना।

फ़र्सूदनी (فرسودنی) फ़ा. वि.–घिसने के योग्य।

फ़र्हंग (فرهنگ) फा. स्त्री.–बुद्धि, विवेक, शुऊर, अक़्ल; शब्दकोश, लुग़ात।

फ़र्हाद (فرهاد) फा. पुं.–शीरीं का प्रेमी जिसने शीरीं की आज्ञा से पहाड़ काटा था और एक कुटनी के धोखा देने से उसने अपना सर फोड़ लिया और मर गया।

फ़लक (فلک) अ. पुं.–आकाश, गगन, अंबर, व्योम, आस्मान।

फ़लक़ (فلق) अ. स्त्री.–सवेरे का उजाला, उषा।

फ़लक असास (فلک اساس) अ. वि.–बहुत मज़बूत और बहुत बलंद।

फ़लकक़द्र (فلک قدر) अ. वि.–बहुत बड़े रुतबे और पदवी-वाला।

फ़लकज़दः (فلک زده) अ. फा. वि.–आपत्ति में फँसा हुआ, दशाचक्रग्रस्त।

फ़लकजनाब (فلک جناب) अ. वि.–जिसके मकान की चौखट आकाश हो, बहुत बड़े मरतबेवाला।

फ़लकताज़ (فلک تاز) अ. फा. वि.–आकाश पर धावा बोलनेवाला, बहुत बड़ा साहसी।

फ़लकनवर्द (فلک نورد) अ. फा. वि.–आस्मान पर घूमनेवाला, गगनचारी।

फ़लकपरवाज़ (فلک پرواز) अ. फा. वि.–आकाश पर उड़नेवाला, नभश्चर।

फ़लकपायः (فلک پایه) अ. फा. वि.–आकाश जैसी महान् प्रतिष्ठावाला।

फ़लकपैमा (فلک پیما) अ.फा. वि.–वह व्यक्ति या मंडली जो किसी पहाड़ की चोटी तक पहुँचने के लिए प्रयत्नशील हो, पर्वतारोही।

फ़लकफ़र्सा (فلک فرسا) अ. फा. वि.–दे. 'फ़लकपरवाज़'।

फ़लकबारगाह (فلک بارگاه) अ. फ़ा. वि.–दे. 'फ़लक जनाब'।

फ़लकबोस (فلک بوس) अ. फा वि.–आकाश को चूमने-वाला, आकाश को छूनेवाला, गगनचुंबी, नभःस्पर्शी।

फ़लकमआब (فلک مآب) अ. वि.–बहुत बड़ो प्रतिष्ठा-वाला।

फ़लकमक़ाम (فلک مقام) अ. वि.–दे 'फ़लकमआब'।

फ़लकमर्तबः (فلک مرتبه) अ. वि.–अकाश-जैसी प्रतिष्ठा-वाला, बहुत बड़े मरतबेवाला।

फ़लकरसा (فلک رسا) अ. फा. वि.–दे. 'फ़लकबोस'।

फ़लकरिकाब (فلک رکاب) अ. फ़ा. वि.–दे. 'फ़लकमर्तबः'।

फ़लकरिफ़अत (فلک رفعت) अ. वि.–दे. 'फ़लकपायः'।

फ़लकशिकन (فلک شکن) अ.फ़ा. वि–दे. 'फ़लकशिगाफ़'।

फ़लकशिगाफ़ (فلک شگاف) अ. फ़ा. वि.–आकाश को छेद डालनेवाला, गगनभेदी।

फ़लकसरीरं (فلک سریر) अ. वि.–दे. 'फ़लकपायः' जिसका सिंहासन स्वयं अकाश हो।

फ़लकसैर (فلک سیر) अ. वि.–दे. 'फ़लकपरवाज़'।

फ़लकी (فلکی) अ. वि.–आकाशीय, आस्मांनी।

फ़लकीयात (فلکیات) अ. स्त्री.–आस्मानों का इल्म, अंतरिक्ष विज्ञान, इल्मुल अफ़्लाक।

फ़लकुलअफ़्लाक (فلک الافلاک) अ. पुं.–सब आस्मानों से ऊँचा अर्थात् सब आस्मानों के ऊपरवाला आस्मान, नवाँ आकाश।

फ़लके अत्लस (فلک اطلس) अ. पुं.–सब से ऊपर का आकाश, जो अतलस की भाँति बिलकुल सादा है।

फ़लके आ'ज़म (فلک اعظم) अ. पुं.–दे. 'फ़लकुल अफ़्लाक'।

फ़लाकत (فلاکت) अ. स्त्री.–दरिद्रता, निर्धनता, ग़रीबी, मुफ़्लिसी।

फ़लाकतज़दः (فلاکت زده) अ. फ़ा. वि.–कंगाली का मारा हुआ, दुर्दशाग्रस्त।

फ़लाकतज़दगी (فلاکت زدگی) अ. फ़ा. स्त्री.–कंगाली, दुर्दशा, दरिद्रता, ग़रीबी।

फ़लाख़न (فلاخن) फ़ा. पुं.–गोफन, जिसमें रखकर ढेला फेंका जाता है।

फ़लातून (فلاطون) अ. पुं.–अफ्लातून का लघु., दे. 'अफ़्लातून'।

फ़लासंग (فلاسنگ) फ़ा. पुं.–फ़लाख़न, गोफन; कानन, वन, जंगल, बियाबान।

फ़लासिफ़ः (فلاسفه) अ. पुं.–'फ़ल्सफ़ी' का बहु., दार्शनिकगण; वैज्ञानिकगण; नैयायिकगण।

फ़लाह (فلاح) अ. स्त्री.–भलाई, कल्याण; उपकार, नेकी; मोक्ष, निजात।

फ़लाहत (فلاحت) अ. स्त्री.–खेती, काश्तकारी।

फ़लाहतपेशः (فلاحت پیشه) अ. फ़ा. वि.–किसान, कृषक, खेतिहर, काश्तकार।

फ़लाहे दारैन (فلاح دارین) अ. स्त्री.–संसार और परलोक दोनों लोकों की भलाई।

फ़लिहज़ा (فلهذا) अ. अव्य.–बस इस कारण।

फ़लीतः (فلیته) तु. पुं.–दे. मूल शब्द 'फ़तीलः', उर्दू में वेपढ़े लोग 'फ़लीतः' भी बोलते हैं।

फ़ल्स (فلس) अ. पुं.–पैसा, तीन पाई का सिक्का; मछली का सिन्ना, शल्क, शकल।

फ़ल्सफ़ः (فلسفه) अ. पुं.–दर्शनशास्त्र; विज्ञानशास्त्र; न्यायशास्त्र; तर्क, दलील, मंतिक़; विज्ञान, हिक्मत।

फ़ल्सफ़ःदाँ (فلسفه داں) अ. फ़ा. पुं.–फ़ल्सफ़ः जाननेवाला।

फ़ल्सफ़ःदानी (فلسفه دانی) अ. फ़ा. स्त्री.–फ़ल्सफ़ः जानना।

फ़ल्सफ़ियानः (فلسفیانه) अ. अव्य.–फ़ल्सफ़ियों-जैसा।

फ़ल्सफ़ी (فلسفی) अ. वि.–फ़ल्सफ़ः जाननेवाला।

फ़ल्से माही (فلس ماهی) अ. फ़ा. पुं.–मछली के सिन्ने, शल्क, शकल।

फ़ल्से हूत (فلس هوت) अ. पुं.–दे. 'फ़ल्से माही'।

फ़वाइद (فوائد) अ. पुं.–'फ़ाइदः' का बहु., बहुत से लाभ।

फ़वाकेह (فواکهه) अ. पुं.–'फ़ाकिहः' का बहु., मेवे।

फ़वाहिश (فواحش) अ. पं.–'फ़ाहिश' का बहु., दुराचार, बुरे काम।

फ़व्वारः (فواره) अ. पुं.–पानी उछालने का एक यंत्र, धारायंत्र, जलयंत्र, फुहारा।

फ़शार (فشار) फ़ा. पुं.–निचोड़ना; भींचना, दबाना; मुर्दे को क़ब्र की ज़मीन का भींचना, मुसलमानों के धर्म के अनुसार पापी मनुष्य को क़ब्रें बड़े ज़ोर से भींचती है।

फ़शारे क़ब्र (فشار قبر) फ़ा. अ. पुं.–दे. 'फ़शार' नं. ३।

फ़शुर्दः (فشرده) फ़ा. वि.–निचोड़ा हुआ।

फ़शुर्दनी (فشردنی) फ़ा. अव्य.–निचोड़ने के लाइक़।

फ़सक़ः (فسقه) अ. पुं.–'फ़ासिक़' का बहु., दुराचारी लोग।

फ़सदः (فسده) अ. पुं.–'फ़ासिद' का बहु., फ़साद करनेवाले, बलवाई, शरारती।

फ़साँ (فساں) फ़ा. पुं.–वह पत्थर जिस पर सान रखी जाती है, दे. 'फ़िसाँ', दोनों शुद्ध हैं।

फ़साद (فساد) अ. पुं.–दंगा, उपद्रव, बल्वः; विकार, ख़राबी; विघ्न, बाधा, खलल; साम्प्रदायिक झगड़ा, फ़िर्क़ःवारानः मारकाट।

फ़सादअंगेज़ (فساد انگیز) अ.फ़ा.वि.–उपद्रव मचानेवाला।

फ़सादअंगेज़ी (فساد انگیزی) अ.फ़ा. स्त्री.–उपद्रव करना।

फ़सादज़दः (فساد زده) अ. फ़ा. वि.–वह क्षेत्र अथवा स्थान जहाँ कोई दंगा या बल्वः हो गया हो, बल्वः या दंगे में हानि उठानेवाला।

फ़सादज़दगी (فساد زدگی) अ. फ़ा. स्त्री.–बल्वः या दंगे में प्रभावित होना, नुक़्सान उठाना अथवा मारा जाना।

फ़सादी (فسادی) अ. वि.–फ़साद करनेवाला, उपद्रवकर्ता।

फ़सादे ख़ून (فساد خون) अ. फ़ा. पुं.–ख़ून की ख़राबी, रक्त-दोष।

फ़सादे मे'दः (فساد معدہ) अ. पुं.–पेट का विकार, हाज़िमे की ख़राबी, मंदाग्नि।

फ़सादे हज़्म (فساد هضم) अ. पुं.–हाज़िमे अथवा पाचन-शक्ति की ख़राबी, अजीर्ण, अपच।

फ़सानः (فسانہ) फ़ा. पुं.–कहानी, कथा; उपन्यास, नाविल; वृत्तांत, हाल।

फ़सानःख़्वाँ (فسانہخواں) फ़ा. वि.–कहानी कहनेवाला।

फ़सानःगो (فسانہگو) फ़ा. वि.–दे. 'फ़सानःख़्वाँ'।

फ़सानःनवीस (فسانہنویس) फ़ा. वि.–कहानियाँ लिखनेवाला, उपन्यासकार।

फ़सानःनिगार (فسانہنگار) फ़ा. वि.–दे. 'फ़सानःनवीस'।

फ़सानए इश्क़ (فسانۂ عشق) फ़ा. अ. पुं.–प्रेम की कहानी, प्रेम में अपने ऊपर बीता हुआ वृत्तांत।

फ़सानए ग़म (فسانۂ غم) फ़ा. अ. पुं.–ग़म अर्थात्, प्रेम के ग़म की कथा।

फ़सानए दिल (فسانۂ دل) फ़ा. पुं.–प्रेम में मन की व्यथा का वृत्तान्त।

फ़साहत (فصاحت) अ. स्त्री.–वह लेखन-शैली जिसमें रोज़मर्रः के सरल और हलके-फुलके शब्दो का प्रयोग हो और अलंकार आदि या तो बिलकुल न हों और हों भी तो बहुत कम और सुन्दर हों।

फ़सील (فصیل) अ. स्त्री.–वह दीवार जो नगर के चारों ओर बनायी जाय, वह दीवार जो क़िले के चारों ओर खींची जाय।

फ़सीह (فصیح) अ. वि.–जिसमें फ़साहत हो, ऐसा कलाम; जो फ़साहत के साथ बातचीत करे, ऐसा व्यक्ति।

फ़सीहुलबयान (فصیح البیان) अ. वि.–मँजी हुई सरल और सुन्दर भाषा बोलनेवाला।

फ़सुर्दः (فسردہ) फ़ा. वि.–अफ़्सुर्दः का लघु., खिन्न, मलिन, उदास; मुरझाया हुआ; ठिठुरा हुआ।

फ़सुर्दःख़ातिर (فسردہخاطر) फ़ा. अ. वि.–जिसका मन उदास हो, खिन्नमनस्क, मलिनचित्त।

फ़सुर्दःदिल (فسردہدل) फ़ा. वि.–दे. 'फ़सुर्दःख़ातिर'।

फ़सुर्दःरुख़ (فسردہرخ) फ़ा. वि.–जिसका चेहरा कुम्हलाया हुआ हो, मलिनमुख।

फ़सुर्दगी (فسردگی) फ़ा. स्त्री.–खिन्नता, मलिनता, उदासी; कुम्हलाहट; ठिठुरन।

फ़स्ख़ (فسخ) अ. वि.–निश्चय बदल देना; तोड़ देना।

फ़स्ख़े अज़ीमत (فسخ عزیمت) अ. पुं.–निश्चय बदल देना, निश्चय-भंग, इरादे की तबदीली।

फ़स्ख़े निकाह (فسخ نکاح) अ पुं.–विवाह-विच्छेद, विवाह टूट जाना।

फ़स्ख़े बैअ (فسخ بیع) अ. पुं.–मोल ली हुई चीज़ का वापस हो जाना।

फ़स्द (فصد) अ. स्त्री.–रगों से ख़ून निकालना, रक्त-मोचन, रक्त-मोक्षण।

फ़स्दज़न (فصدزن) अ. फ़ा. वि.–रगों से फ़स्द के द्वारा ख़ून निकालनेवाला, रक्त-मोक्षक।

फ़स्ल (فصل) अ. स्त्री.–ऋतु, समय, मौसिम; किताब का बाब, परिच्छेद; अंतर, दूरी; पैदावार; किसी चीज़ के पैदा होने का समय।

फ़स्ल बफ़स्ल (فصل بفصل) अ. फ़ा. अव्य.–हर फ़स्ल में।

फ़स्लानः (فصلانہ) अ. फ़ा. पुं.–फ़स्ल पर दिया जानेवाला हक़ या नज़्रानः।

फ़स्ली (فصلی) अ. वि.–फ़स्ल से सम्बन्ध; फ़स्ल का; किसानों का साल।

फ़स्ले अंबः (فصل انبہ) अ. फ़ा. स्त्री.–आमों की फ़स्ल।

फ़स्ले इस्तादः (فصل استادہ) अ. फ़ा. स्त्री.–खड़ी फ़स्ल जो अभी काटी न गयी हो।

फ़स्ले ख़रीफ़ (فصل خریف) अ. स्त्री.–हिन्दुस्तान की वह फ़स्ल जिसमें मक्का, ज्वार, बाजरा और धान आदि उत्पन्न होता है, कतकिहाई।

फ़स्ले ख़िज़ाँ (فصل خزاں) अ. फ़ा. स्त्री.–पतझड़ की ऋतु।

फ़स्ले गर्मा (فصل گرما) अ. फ़ा. स्त्री.–गर्मी का मौसिम, ग्रीष्म ऋतु।

फ़स्ले गुल (فصل گل) अ. फ़ा. स्त्री.–वसंत ऋतु, बहार का मौसिम।

फ़स्ले बहार (فصل بہار) अ. फ़ा. स्त्री.–दे. 'फ़स्ले गुल'।

फ़स्ले बाराँ (فصل باراں) अ. फ़ा. स्त्री.–बरसात का मौसिम, वर्षाकाल।

फ़स्ले रबीअ (فصل ربیع) अ. स्त्री.–वह फसल जिसमें गेहूँ, जौ, चना आदि उत्पन्न होता है, रब्बी।

फ़स्ले शिता (فصل شتا) अ. फ़ा. स्त्री.–जाड़े का मौसिम।

फ़स्ले सर्मा (فصل سرما) अ. फ़ा. स्त्री.–जाड़े का मौसिम, हिमऋतु, शिशिर, शीतकाल।

फ़स्साद (فصاد) अ. पुं.–रक्त-मोक्षक, रगों से ख़ून निकालनेवाला।

फ़हीम (فہیم) अ. वि.–बुद्धिमान्, अक़्लमंद; समझदार, विवेकी।

फ़हुवलमुराद (فہوالمراد) अ. वा.–तो ठीक है, तो ग़नीमत है, अगर ऐसा हुआ के बाद यह वाक्य आता है और इस वाक्य के बाद वरनः के साथ कोई वाक्य आता है, जैसे—

अगर उसने रुपया दे दिया फ़हुवलमुराद, वरन: मुझे नालिश करनी पड़ेगी।

फ़ह्म (فحم) अ. पुं.–कोयला।

फ़ह्म (فہم) अ. स्त्री.–बुद्धि, समझ; विवेक, तमीज़।

फ़ह्माइश (فہمائش) फ़ा. स्त्री.–चेतावनी, हिदायत; तंबीह, आगाही।

फ़ह्मीद: (فہمیدہ) फ़ा. वि.–समझा हुआ।

फ़ह्मीद (فہمید) फ़ा. स्त्री.–समझ, बुद्धि, विवेक।

फ़ह्मीदनी (فہمیدنی) फ़ा. अव्य.–समझने के योग्य।

फ़ह्मे नाक़िस (فہم ناقص) अ. स्त्री.–कच्ची समझ, नासमझी।

फ़ह्मे सहीह (فہم صحیح) अ. स्त्री.–ठीक समझ।

फ़ह्ल (فحل) अ. पुं.–नर, पुंल्लिग।

फ़ह्हाश (فحاش) अ. वि.–अश्लील बातें करनेवाला।

फ़ह्हाशी (فحاشی) अ. फ़ा. स्त्री.–अश्लीलता।

फ़ाइक़ (فائق) अ. वि.–श्रेष्ठ, उत्तम, बढ़िया; जो प्रधान हो, जिसे तर्जीह दी जा सके।

फ़ाइक़तर (فائق تر) अ. फ़ा. वि.–सबसे बढ़िया, सर्वोपरि, सर्वोच्च।

फ़ाइज़ (فائز) अ. वि.–सफल, कामयाब; पहुँचनेवाला।

फ़ाइज़ (فائض) अ. वि.–फ़ैज़ देनेवाला, लाभप्रद।

फ़ाइज़ुलमराम (فائزالمرام) अ. वि.–सफलमनोरथ, मक़्सद में कामयाब।

फ़ाइद: (فائدہ) अ. पुं.–लाभ, नफ़ा; प्राप्ति, हुसूल; निष्कर्ष, नतीज:; गुण, तासीर; रोगमुक्ति, सेहत।

फ़ाइद:बख़्श (فائدہ بخش) अ. फ़ा. वि.–लाभदायक, मुफ़ीद।

फ़ाइद:मंद (فائدہ مند) अ. फ़ा. वि.–दे. 'फ़ाइद:बख़्श'।

फ़ाइद:रसाँ (فائدہ رساں) अ. फ़ा. वि.–दे. 'फ़ाइद:बख़्श'।

फ़ाइद:रसानी (فائدہ رسانی) अ. फ़ा. स्त्री.–लाभकारिता, नफ़ा पहुँचाना।

फ़ाइल (فاعل) अ. वि.–काम करनेवाला; व्याकरण का 'कर्ता'; गुदामैथुन-कर्ता।

फ़ाइलीयत (فاعلیت) अ. स्त्री.–फ़ाइल होना।

फ़ाइले मुख़्तार (فاعل مختار) अ. पुं.–वह कार्यकर्ता जिसे पूरे अधिकार प्राप्त हों।

फ़ाइले हक़ीक़ी (فاعل حقیقی) अ. पुं.–ईश्वर, अस्ली काम करनेवाला।

फ़ाक़: (فاقہ) अ. पुं.–अनशन, निराहार, उपवास, कुछ न खाना; बीमार की ग़िज़ा का बंद होना।

फ़ाक़:कश (فاقہ کش) अ. फ़ा. वि.–फ़ाक़े करनेवाला, भूखों मरनेवाला।

फ़ाक़:कशी (فاقہ کشی) अ. फ़ा. स्त्री.–फ़ाक़े करना, भूखों रहना।

फ़ाक़:ज़द: (فاقہ زدہ) अ. फ़ा. वि.–भूख का मारा हुआ।

फ़ाक़:मस्त (فاقہ مست) अ. फ़ा. वि.–जो फ़ाक़ों में भी मस्त रहे।

फ़ाक़:मस्ती (فاقہ مستی) अ. फ़ा. स्त्री.–फ़ाक़ों में बसर करना।

फ़ाक़:शिकनी (فاقہ شکنی) अ. फ़ा. स्त्री.–फ़ाक़ा तोड़ना, कुछ खाना।

फ़ाक़ (فاق) तु. पुं.–सूफ़ार अर्थात् तीर की चुटकी या तीर का पर, जिधर से तीर धनुष में रखते हैं।

फ़ाक़िद (فاقد) अ. वि.–खोनेवाला, जो कोई चीज़ खो दे।

फ़ाक़िदुन्नज़र (فاقدالنظر) अ. वि.–दृष्टिहीन, अंधा, जो अपनी दृष्टि खो चुका हो।

फ़ाक़िदुलबसर (فاقدالبصر) अ. वि.–नेत्रविहीन, अंधा, जो अपनी आँखें खो चुका हो।

फ़ाकेह: (فاکہہ) अ. पुं.–मेवा, हरा मेवा, जैसे–सेब, अनार, अंगूर आदि।

फ़ाकेहात (فاکہات) अ. पुं.–'फाकिह:' का बहु., मेवे।

फ़ाख़्तः (فاختہ) अ. स्त्री.–दे. 'फ़ाख़्त:', उर्दू में वही बोलते हैं।

फ़ाख़िर: (فاخرہ) अ. वि.–अच्छी और बढ़िया चीज़, बहुमूल्य वस्तु।

फ़ाख़िर (فاخر) अ. वि.–फ़ख़्र करनेवाला; बहुमूल्य चीज़।

फ़ाख़्त: (فاختہ) फ़ा. स्त्री.–एक प्रसिद्ध पक्षी, पंडुक।

फ़ाख़्तई (فاختئی) अ. फ़ा. वि.–फ़ाख़्त:-जैसे रंग की वस्तु।

फ़ाज़: (فازہ) फ़ा. पुं.–जँभाई, मुख-व्यादान, जृंभा; अँगड़ाई।

फ़ाज़:कश (فازہ کش) फ़ा. वि.–जँभाई लेनेवाला; अँगड़ाई लेनेवाला।

फ़ाज़ह्र (فازہر) फ़ा. पुं.–दे. 'फ़ादज़ह्र'।

फ़ाजिर: (فاجرہ) अ. स्त्री.–कदाचारिणी, स्वैरिणी, दुश्चरित्रा, बदचलन औरत।

फ़ाजिर (فاجر) अ. पुं.–दुष्टाचारी, दुश्चरित, बदचलन मर्द।

फ़ाज़िल (فاضل) अ. वि.–जिसने पूरी विद्या पढ़ ली हो, स्नातक, फ़ारिग़ुत्तहसील; अतिरिक्त, फ़ालतू; अधिक, ज़ियादा; बचा हुआ, बाक़ी।

फ़ाज़िलात (فاضلات) अ. पुं.–फ़ाज़िल रुपया, जमा-ख़र्च के बाद बाक़ी बचा हुआ रुपया।

फ़ाज़िले अजल्ल (فاضل اجل) अ. वि.–बहुत बड़ा फ़ाज़िल, धुरंधर विद्वान्, प्रकाण्ड पण्डित।

फ़ातहः (فاتحہ) अ. उभ.–दे. 'फ़ातिहः' उर्दू में दोनों तरह बोलते हैं।

फ़ातिन (فاطن) अ. वि.–चतुर, दक्ष, कुशल, दाना; बुद्धिमान्, अक़्लमंद।

फ़ातिमः (فاطمہ) अ. स्त्री.–वह स्त्री जो दो बरस के बच्चे का दूध छुड़ा दे; हज़रत मुहम्मद साहिब की सुपुत्री और हज़रत इमाम हुसेन की माता जी।

फ़ातिर (فاتر) अ. वि.–मंद, सुस्त; गुनगुना पानी; विकृत, दूषित, जिसमें फ़ुतूर हो।

फ़ातिर (فاطر) अ. वि.–सृष्टिकर्ता, ईश्वर।

फ़ातिरुलअक़्ल (فاترالعقل) अ. वि.–पागल, विकृतमस्तिष्क।

फ़ातिरुस्समावात (فاطرالسماوات) अ. वि.–आकाशों की सृष्टि करनेवाला।

फ़ातिहः (فاتحہ) अ. उभ.–क़ुरान की पहली सूरत; मुर्दे की नियाज़।

फ़ातिह (فاتح) अ. वि.–विजेता, जेता, जीतनेवाला; खोलनेवाला।

फ़ातिहए ख़ैर (فاتحۂ خیر) अ. फा. उभ.–फ़ातिहः, तिलांजलि।

फ़ातिहानः (فاتحانہ) अ. फा. अव्य.–जीतनेवालों की तरह; विजयपूर्ण।

फ़ातिहे आ'ज़म (فاتح اعظم) अ. वि.–सब से बड़ा विजेता, महाजयी, दिग्विजयी।

फ़ातिहे आ'लम (فاتح عالم) अ. वि.–संसार को जीत लेनेवाला. विश्वविजयी।

फ़ातिहे कुल (فاتح کل) अ. वि.–सब को जीत लेनेवाला, सर्वविजयी।

फ़ातिहे नफ़्स (فاتح نفس) अ. वि.–अपनी इंद्रियों को जीत लेनेवाला, जितेन्द्रिय, इंद्रियजयी।

फ़ादज़ह्र (فاد زهر) फा. पुं.–एक ओषधि जो हर प्रकार के विषों की नाशक है, विषहर।

फ़ानी (فانی) अ. वि.–नश्वर, नाशवान नष्ट जानेवाला, न रहनेवाला।

फ़ानीज़ (فانیذ) अ. पुं.–सफ़ेद शकर, दाना चीनी।

फ़ानूस (فانوس) फा. पुं.–लैम्प की चिमनी, जिसमें से रोशनी छनती है; वह काँच का प्याला-जैसा पात्र जिसमें मोमबत्ती जलती है; आलोचक, निंदक, बड़ी क़िंदील, कंडील।

फ़ानूसे ख़याल (فانوس خیال) फा. अ पुं.–एक प्रकार का काग़ज़ी कंडील जिसमें हाथी-घोड़े आदि की तस्वीरें घूमती हैं।

फ़ानूसे ख़याली (فانوس خیالی) फा अ. पुं.–दे. 'फ़ानूसे ख़याल'।

फ़ानूसे गर्दा (فانوس گرداں) फा. पुं.–दे. 'फ़ानूसे ख़याल'।

फ़ाम (فام) फा. पुं.–रंग; समान, मिस्ल, (प्रत्य.) रंगवाला, जैसे—'सब्ज़ फ़ाम' हरे रंगवाला; समान, जैसे—गुल फ़ाम, फूल-जैसा।

फ़ारः (فارہ) अ. पुं.–एक चूहा, मूषक।

फ़ार (فار) अ. पुं.–'फ़ारः' का बहु., बहुत से चूहे।

फ़ारां (فاراں) अ. पुं.–'फ़ारान' का लघु., दे. 'फ़ारान'।

फ़ारान (فاران) अ. पुं.–एक पहाड़।

फ़ारिक़ (فارق) अ. वि.–दो चीज़ों को अलग करनेवाला।

फ़ारिग़ (فارغ) अ. वि.–मुक्त, आज़ाद; निश्चिन्त, बेफ़िक्र; अवकाशप्राप्त, सावकाश, फ़ुर्सत पाया हुआ; जो अपना काम कर चुका हो।

फ़ारिग़ख़ती (فارغ خطی) अ. फा. स्त्री.–रुपया अदा होने की रसीद, ऋणमुक्तिपत्र; तलाक़नामा।

फ़ारिग़ुत्तहसील (فارغ التحصیل) अ. वि.–स्नातक, पारंगत, निष्णात, फ़ाज़िल, जिसने सबसे ऊँची डिग्री पा ली हो।

फ़ारिग़ुलख़िदमत (فارغ الخدمت) अ. वि.–सेवा-मुक्त, जो बुढ़ापे या किसी और कारणवश पेंशन पा गया हो।

फ़ारिग़ुलबाल (فارغ البال) अ. वि.–निश्चिन्त, बेफ़िक्र; जिसे कोई चिन्ता न हो; समृद्ध, सम्पन्न, आसूदःहाल।

फ़ारिस (فارس) अ. वि.–घुड़सवार, अश्वारोही।

फ़ारूक़ (فاروق) अ. वि.–सच और झूठ में फ़र्क़ करनेवाला, सत्य को असत्य से अलग करनेवाला, दे. 'फ़ारूक़े आ'ज़म'।

फ़ारूक़ी (فاروقی) अ. वि.–शेख़ों की एक जाति जो हज़रत फ़ारूक़ के वंशज हैं, फ़ारूक़ी शेख़।

फ़ारूक़े आ'ज़म (فاروق اعظم) अ. वि.–दूसरे ख़लीफ़ा हज़रत उमर की उपाधि।

फ़ार्स (فارس) फा. पुं.–ईरान, पारसीक।

फ़ार्सी (فارسی) फा. स्त्री.–ईरान की भाषा।

फ़ार्सीख़्वां (فارسی خواں) फा. वि.–फ़ार्सी बोलनेवाला; फ़ार्सी पढ़नेवाला; फ़ार्सी पढ़ा हुआ।

फ़ार्सीगो (فارسی گو) फा. वि.–फ़ार्सी में कविता करनेवाला।

फ़ार्सीदां (فارسی داں) फा. वि.–फ़ार्सी भाषा जाननेवाला।

फ़ाल (فال) अ. स्त्री.–सगुन, शकुन।

फ़ालगो (فال گو) अ. फा. वि.–शकुन-विचारक, शकुन बतानेवाला।

फ़ालगोई (فال گوئی) अ. फा. स्त्री.–शकुन बताना।

फ़ालनामः (فال نامہ) अ. फा. पुं.–वह किताब जिससे फ़ाल देखी जाती है।

फ़ालिज (فالج) अ. पुं.—एक रोग जिसमें आधा शरीर बेकाम हो जाता है, पक्षाघात, अर्धांग, लकवा।

फ़ालिजज़द: (فالج زده) अ. फा. वि.—जिसे फ़ालिज मार गया हो, अर्द्धांगी।

फ़ालूद: (فالوده) फा. पुं.—एक प्रसिद्ध शर्बत के साथ पी जानेवाली चीज़।

फ़ालेज़ (فاليز) फा. स्त्री.—तर्बूज़ या खीरे-ककड़ी का खेत।

फ़ाले नेक (فال نیک) अ. फा. स्त्री.—अच्छा शकुन; अच्छी अलामत, अच्छे लक्षण।

फ़ाले बद (فال بد) अ. फा. स्त्री.—बुरा शकुन; बुरी अलामत, बुरे लक्षण।

फ़ाल्स: (فالسه) फा. पुं.—एक प्रकार का खट्टा और छोटा फल, परूषक।

फ़ाश (فاش) फा. वि.—व्यक्त, ज़ाहिर, प्रकट; स्पष्ट, खुला हुआ।

फ़ाशगो (فاش گو) फा. वि.—स्पष्ट वक्ता, साफ़-साफ़ कहनेवाला, लगी-लिपटी न रखनेवाला।

फ़ाशगोई (فاش گوئی) फा. स्त्री.—बात साफ़-साफ़ कह देना, कोई झिझक न करना।

फ़ासिक़: (فاسقه) अ. स्त्री.—पापिनी, असाध्वी; व्यभिचारिणी, कुलटा।

फ़ासिक़ (فاسق) अ. वि.—पापी, गुनाहगार; व्यभिचारी, दुराचारी, हरामकार।

फ़ासिख़ (فاسخ) अ. वि.—ख़राब और नष्ट करनेवाला; नष्ट और विकृत होनेवाला।

फ़ासिद (فاسد) अ. वि.—दूषित, विकृत, ख़राब, बिगड़ा हुआ।

फ़ासिदुलअक़ीद: (فاسد العقيده) अ. वि.—जिसका धर्म-विश्वास बिगड़ गया हो।

फ़ासिल: (فاصله) अ. पुं.—अंतर, दूरी; भेद, फ़र्क़।

फ़ासिल (فاصل) अ. वि.—अंतर डालनेवाला; अलग करनेवाला।

फ़ासिलए दराज़ (فاصلۂ دراز) अ. फा. पु.—लंबी दूरी, लम्बा फ़ासिला।

फ़ाहिश: (فاحشه) अ. स्त्री.—व्यभिचारिणी, पुंश्चली, स्वैरिणी, जघनचपला, पांसुला, कुलटा, बंधकी, असती, जारिणी, धर्षिणी, भ्रष्टा, लट्वा, बंधुरा;

फ़ाहिश (فاحش) अ. वि.—बहुत अधिक बुरा, लज्जाजनक।

फ़ि

फ़िंजान (فنجان) अ. स्त्री.—क़हवा पीने की काँच की छोटी पियाली।

फ़िंदुक़ (فندق) अ. स्त्री.—दे. 'फ़ुंदुक़'।

फ़िक़्दान (فقدان) अ. पुं.—अभाव, नायाबी; बहुत अधिक कमी।

फ़िक़्र: (فقره) अ. पुं.—वाक्य, जुम्ला; छल की बात, बहाना, मिष; रीढ़ का गुरिया; तंज़, व्यंग, कटाक्ष।

फ़िक़्र:तराश (فقره تراش) अ. फा. वि.—छल की बात गढ़नेवाला।

फ़िक़्र:बंद (فقره بند) अ. फा. वि.—तुकबंद।

फ़िक़्र:बंदी (فقره بندی) अ. फा. स्त्री.—तुकबंदी।

फ़िक़्र:बाज़ (فقره باز) अ. फा. वि.—फ़िक़्रे कसनेवाला, कटाक्ष करनेवाला।

फ़िक़्र:बाज़ी (فقره بازی) अ. फा. स्त्री.—फ़िक़्र: कसना, व्यंग करना।

फ़िक्र (فکر) अ. उभ.—चिंता, सोच; विचार, ध्यान; शंका, शुबहा; खटका, अंदेशा; दुःख, रंज; ग़ौर, विचार; उपाय, तदबीर; पर्वा, चिंता; देख-रेख; खयाल, ध्यान; दुबिधा, एहतिमाल।

फ़िक्रत (فکرت) अ. स्त्री.—फ़िक्र।

फ़िक्रमंद (فکرمند) अ. फा. वि.—जिसे किसी बात का खटका हो, चिंतित।

फ़िक्रमंदी (فکرمندی) अ. फा. स्त्री.—चिंता, सोच, खटका।

फ़िक़्रात (فقرات) अ. पु.—'फ़िक़्र:' का बहु., जुम्ले, वाक्य-समूह; रीढ़ के गुरिए।

फ़िक्रे इमरोज़ (فکر امروز) अ. फा. स्त्री.—आज की चिंता, हाल की फ़िक्र।

फ़िक्रे उक़्बा (فکر عقبیٰ) अ. स्त्री.—परलोक की चिंता।

फ़िक्रे फ़र्दा (فکر فردا) अ. फा. स्त्री.—कल की चिंता, आनेवाले समय की फ़िक्र।

फ़िक्रे मआश (فکر معاش) अ. स्त्री.—जीविका की चिंता, रोटी कमाने की फ़िक्र।

फ़िक्रे मईशत (فکر معیشت) अ. स्त्री.—दे. 'फ़िक्रे मआश'।

फ़िक्रे शे'र (فکر شعر) अ. स्त्री.—कविता करना, काव्य-रचना में तन्मयता।

फ़िक्रे सुख़न (فکر سخن) अ. फा. स्त्री.—दे. 'फ़िक्रे शे'र'।

फ़िक़्ह (فقه) अ. स्त्री.—इस्लामी धर्मशास्त्र।

फ़िक़्ही (فقهی) अ. वि.—इस्लामी धर्मशास्त्र सम्बन्धी।

फ़िगंद: (فگنده) फा. वि.—'अफ़्गंद:' का लघु., डाला हुआ, छोड़ा हुआ, लटकाया हुआ।

फ़िगन (فگن) फा. प्रत्य.—डालनेवाला, लटकानेवाला, फैलानेवाला, जैसे—'जल्व:फ़िगन'।

फ़िगार (فگار) फा. वि.–घायल, आहत, ज़ख़्मी; (प्रत्य.) ज़ख़्म खाया हुआ, आहत, जैसे—'दिलफ़िगार' जिसका दिल घायल हो अर्थात् प्रेमी।

फ़िगारीं (فگاریں) फा. वि.–आहत, ज़ख़्मी।

फ़िज़ा (فزا) फा. प्रत्य.–'अफ़्ज़ा' का लघु., बढ़ानेवाला, जैसे—'जाँफ़िज़ा' ज़िंदगी बढ़ानेवाला।

फ़िज़ाइंद: (فزائندہ) फा. वि.–बढ़ानेवाला।

फ़िज़ाइश (فزائش) फा. स्त्री.–अफ़्ज़ाइश, बढ़ोतरी।

फ़िजाजत (فجاجت) अ. स्त्री.–कच्चापन, ख़ामी।

फ़िज़्ज़: (فضہ) अ. स्त्री.–रजत, चाँदी।

फ़ितन (فتن) अ. पुं.–'फ़ित्न:' का बहु., फ़ित्ने, दंगे, गड़बड़ियाँ, हलचलें।

फ़ित्तीन (فتین) अ. वि.–धूर्त, मक्कार, चालाक, वंचक।

फ़ित्न: (فتنہ) अ. पुं.–उपद्रव, दंगा, फ़साद; विद्रोह, बग़ावत; बहुत ही नटखट, बहुत ही शरीर; एक इत्र; लगाई-बुझाई करनेवाला, पिशुन; हर्फ़ों का बना हुआ।

फ़ित्न:अंगेज़ (فتنہ انگیز) अ. फा. वि.–उपद्रव करानेवाला, लोगों को भड़काकर दंगा करा देनेवाला; इधर की उधर लगानेवाला; षड्यंत्री, साज़िशी।

फ़ित्न:अंगेज़ी (فتنہ انگیزی) अ. फा. स्त्री.–लोगों को भड़काकर आपस में लड़ा देना; इधर की उधर लगाना; कोई षड्यंत्र खड़ा करना।

फ़ित्न:अंदाज़ (فتنہ انداز) अ. फा. वि.–दे. 'फ़ित्न:अंगेज़'।

फ़ित्न:अंदाज़ी (فتنہ اندازی) अ. फा. स्त्री.–दे. 'फ़ित्न:अंगेज़ी'।

फ़ित्न:क़द (فتنہ قد) अ. वि.–बहुत छोटे डील-डौल का माशूक़।

फ़ित्न:ख़ू (فتنہ خو) अ. फा. वि.–जिसका स्वभाव ही फ़ित्न: खड़ा कर देना हो।

फ़ित्न:ख़ेज़ (فتنہ خیز) अ. फा. वि.–दे. 'फ़ित्न:अंगेज़'।

फ़ित्न:गर (فتنہ گر) अ. फा. वि.–दे. 'फ़ित्न:अंगेज़'।

फ़ित्न:गरी (فتنہ گری) अ. फा. स्त्री.–दे. 'फ़ित्न:अंगेज़ी'।

फ़ित्न:ज़ा (فتنہ زا) अ. फा. वि.–दे. 'फ़ित्न:अंगेज़'।

फ़ित्न:जू (فتنہ جو) अ. फा. वि.–फ़ित्ने तलाश करनेवाला, उपद्रव और षड्यंत्र के लिए बहाने ढूँढ़नेवाला।

फ़ित्न:परदाज़ (فتنہ پرداز) अ. फा. वि.–दे. 'फ़ित्न:अंगेज़'।

फ़ित्न:परदाज़ी (فتنہ پردازی) अ. फा. स्त्री.–दे. 'फ़ित्न: अंगेज़ी'।

फ़ित्न:पर्वर (فتنہ پرور) अ. फा. वि.–दे. 'फ़ित्न:अंगेज़'।

फ़ित्न:शिआर (فتنہ شعار) अ. वि.–दे. 'फ़ित्न:ख़ू'।

फ़ित्न:संज (فتنہ سنج) अ. फा. वि.–दे. 'फ़ित्न:अंगेज़'।

फ़ित्न:सामाँ (فتنہ ساماں) अ. फा. वि.–दे. 'फ़ित्न:अंगेज़'।

फ़ित्न:सामानी (فتنہ سامانی) अ. फा. स्त्री.–दे. 'फ़ित्न:अंगेज़ी'।

फ़ित्न:सिगाल (فتنہ سگال) अ. फा. वि.–दे. 'फ़ित्न:अंगेज़'।

फ़ित्नए आलम (فتنۂ عالم) अ. पुं.–सारे संसार में उपद्रव मचानेवाला, अर्थात् मा'शूक़।

फ़ित्नए ख़्वाबीद: (فتنۂ خوابیدہ) अ. फा. पुं.–सोया हुआ फ़ित्न:, वह विपत्ति जो अभी आयी न हो।

फ़ित्नए दौराँ (فتنۂ دوراں) अ. पुं.–दे. 'फ़ित्नए आलम'।

फ़ित्नए रोज़गार (فتنۂ روزگار) अ. फा. पुं.–दे. 'फ़ित्नए आलम'।

फ़ित्नत (فطنت) अ. स्त्री.–दक्षता, चतुरता, होशियारी; बुद्धिमत्ता, अक़्लमंदी।

फ़ित्र: (فطرہ) अ. पुं.–वह दान या ख़ैरात जो ईद में नमाज़ से पहले अदा हो।

फ़ित्र (فطر) अ. पुं.–लोगों का रोज़ा खुलवाना; रोज़ा खोलनेवाले लोग।

फ़ित्रत (فطرت) अ. स्त्री.–प्रकृति, नेचर; स्वभाव, आदत; उत्पत्ति, पैदाइश; धूर्तता, चालाकी, शरा...।

फ़ित्रतन (فطرتاً) अ. अव्य.–स्वभावतः, आदतन।

फ़ित्रती (فطرتی) उ. वि.–चालाक, धूर्त; शरीर, उत्पाती; बातूनी, झूठी बातें बनानेवाला, प्राकृतिक के अर्थ में फ़ित्री है।

फ़ित्रते सानियः (فطرت ثانیہ) अ. स्त्री.–किसी चीज़ की आदत।

फ़ित्राक (فتراک) फा. उभ.–वह डोरी जो घोड़े की ज़ीन में दोनों ओर शिकार या दूसरी चीज़ बाँधने के लिए लगाते हैं।

फ़ित्री (فطری) अ. वि.–प्राकृतिक, नैसर्गिक, नेचुरल।

फ़िदा (فدا) अ. वि.–मुग्ध, आसक्त, आशिक़; न्योछावर, निसार।

फ़िदाई (فدائی) अ. फा. वि.–भक्त, वफ़ादार; आशिक़, जाँनिसार।

फ़िदाए क़ौम (فدائے قوم) अ. वि.–जाति या राष्ट्र के लिए सब कुछ न्योछावर कर देनेवाला, तन, मन, धन से जाति या राष्ट्र की सेवा करनेवाला।

फ़िदाए मिल्लत (فدائے ملت) अ. वि.–राष्ट्र की सेवा में तन, मन, धन सब कुछ क़ुर्बान कर देनेवाला।

फ़िदाए हक़ (فدائے حق) अ. वि.–सत्यता के लिए सब कुछ त्याग देनेवाला, सच्चाई पर बलिदान हो जानेवाला।

फ़िदाकार (فداکار) अ. फा. वि.–फ़िदाई, भक्त।

फ़िद्य: (فدیه) अ. पुं.–वह धन जो किसी क़ैदी की मुक्ति के लिए दिया जाय; वह व्यक्ति जो किसी व्यक्ति के बदले में अपनी जान दे; वह धन जो हिंसक से किसी खून के बदले में दिलाया जाय, दियत; ईद के दिन की ख़ैरात, फ़ित्र:।

फ़िद्वी (فدوی) अ. वि.–भक्त, जाँनिसार; प्रार्थी अपने प्रार्थनापत्र में खुद को भी लिखता है।

फ़िन्नार (فی النار) अ. अव्य.–'नरक में जाय' जब कोई दुष्ट व्यक्ति मरता है तो कहते हैं।

फ़िरक़ (فرق) अ. पुं.–'फ़िर्क़:' का बहु., 'फ़िर्क़े'।

फ़िराक़ (فراق) अ. पुं.–पृथक्ता, अलाहिदगी; वियोग, जुदाई; ध्यान, धुन, खयाल।

फ़िरार (فرار) अ. पुं.–पलायन, भागना, दे. 'फ़रार', शुद्ध 'फ़िरार' है, परन्तु उर्दू में 'फ़रार' ही बोलते हैं।

फ़िरावाँ (فراواں) फा. वि.–बहुत अधिक, प्रचुर।

फ़िरावानी (فراوانی) फा. स्त्री.–प्रचुरता, बहुलता, अधिकता, इफ़रात।

फ़िराश (فراش) अ. पुं.–सोने का फ़र्श या बिस्तर; सोने के कपड़े।

फ़िरासत (فراست) अ. स्त्री.–दक्षता, प्रवीणता, चतुरता, चातुरी, दानाई; किसी बात को देख या सुनकर फौरन ताड़ जाना; क़ियाफ़:, सामुद्रिक।

फ़िरासतशनास (فراست شناس) अ. फा. वि.–क़ियाफ़: शनास, सामुद्रिक।

फ़िरासतुलयद (فراست الید) अ. स्त्री.–हाथ की रेखाओं की विद्या, हस्त सामुद्रिक विद्या।

फ़िरिश्त: (فرشته) फा. पुं.–देवता, सुर, फ़रिश्त:; बहुत ही सज्जन और सरल स्वभाव का व्यक्ति।

फ़िरिश्त:ख़स्लत (فرشته خصلت) फा. अ. वि.–देवताओं-जैसी पुनीत और पावन प्रकृति वाला व्यक्ति, देवतात्मा, देवात्मा।

फ़िरिश्त:खिसाल (فرشته خصال) फा. अ. वि.–दे. 'फ़िरिश्त: ख़स्लत'।

फ़िरिश्त:ख़ू (فرشته خو) फा. वि.–दे. 'फ़िरिश्त:ख़स्लत'।

फ़िरिश्त:सिफ़त (فرشته صفت) फा.अ. वि.–जिसमें देवताओं-जैसे गुण हों।

फ़िरिश्त:सीरत (فرشته سیرت) फा. अ. वि.–दे. 'फ़िरिश्त: ख़स्लत'।

फ़िरिश्त:सूरत (فرشته صورت) फा. अ. वि.–जिसकी सूरत देवताओं-जैसी सुंदर और तेजस्वी हो, देवता-स्वरूप।

फ़िरिस्ताद: (فرستاده) फा. वि.–भेजा हुआ, प्रेषित।

फ़िरिस्तादनी (فرستادنی) फा. अव्य.–भेजने योग्य, प्रेष्य।

फ़िरिंस्तिद: (فرستنده) फा. वि.–भेजनेवाला, प्रेषक।

फ़िरेफ़्त: (فریفته) फा. वि.–मुग्ध, आसक्त, आशिक़; जो किसी काम में बहुत ही रुचि रखे।

फ़िरेब (فریب) फा. पुं.–शुद्ध उच्चारण यही है, परंतु उर्दू में 'फ़रेब' बोलते हैं, दे. 'फ़रेब'।

फ़िरोकश (فروکش) फा. वि.–ठहरा हुआ, मुक़ीम, अस्थायी रूप में किसी जगह ठहरनेवाला।

फ़िरोख़्त: (فروخته) फा. वि.–बेचा हुआ, शुद्ध 'फ़िरोख़्त' ही है, परन्तु उर्दू में 'फ़रोख़्त:' है।

फ़िरोख़्त (فروخت) फा. स्त्री.–बिक्री, बिचवाली; बिक्रीत, बिका हुआ।

फ़िरोख़्तगी (فروختگی) फा. स्त्री.–बिक्री, फ़रोख़्त।

फ़िरोगुज़ाश्त (فروگزاشت) फा. स्त्री.–भूल, ग़फ़लत, त्रुटि; कमी, कोताही।

फ़िरोतन (فروتن) फा. वि.–विनीत, विनम्र, आजिज़, खाकसार।

फ़िरोतनी (فروتنی) फा. स्त्री.–विनम्रता प्रकट करना, खाकसारी बरतना।

फ़िरोतर (فروتر) फा. वि.–बहुत नीचे, निम्नतर।

फ़िरोद (فرود) फा. वि.–निम्न, नीचा, उर्दू में 'फ़रोद' भी है।

फ़िरोदगाह (فرودگاه) फा. स्त्री.–पथिक के रूप में थोड़े दिन ठहरने का स्थान।

फ़िरोदस्त (فرودست) फा. वि.–अधीन, मातहत, ज़ेरदस्त।

फ़िरोदाश्त (فروداشت) फा. वि.–अंत, समाप्ति, अख़ीर।

फ़िरोमांद: (فرومانده) फा. वि.–लाचार, विवश; दलित, पामाल; शिथिल, अफ़्सुर्द:।

फ़िरोमांदगी (فروماندگی) फा. स्त्री.–लाचारी, विवशता; दलितपन, पामाली; शिथिलता, अफ़्सुर्दगी।

फ़िरोमाय: (فرومایه) फा. वि.–अधम, नीच, कमीना, अकुलीन।

फ़िरोमायगाँ (فرومایگاں) फा. पुं.–'फ़िरोमाय:' का बहु., नीच लोग।

फ़िरोमायगी (فرومایگی) फा. स्त्री.–अधमता, नीचता, कमीनगी।

फ़िऔंन (فرعون) अ. पुं.–मिस्र का नरेश जो बड़ा अत्याचारी था और जो हज़्रत मूसा के शाप से मरा था; बहुत ही अहंकारी।

फ़िऔंन मिज़ाज (فرعون مزاج) अ. वि.–जो फ़िऔंन की तरह अहंकारी और घमंडी हो।

फ़िर्औनियत (فرعونیت) अ. स्त्री.—फ़िर्औन-जैसा अभिमानी होना।

फ़िर्औने बेसामाँ (فرعون بےساماں) अ. फा. पुं.—ऐसा व्यक्ति जिसके पास कुछ न हो, परन्तु अभिमान बहुत हो।

फ़िर्क़ः (فرقه) अ. पुं.—दल, जमाअत, पार्टी; पक्ष, फ़रीक़; सम्प्रदाय, मज़्हब; ज़ाति, क़ौम।

फ़िर्क़ःपरस्त (فرقه‌پرست) अ. फा. वि.—साम्प्रदायिकता रखनेवाला, मज़्हबी तअस्सुब रखनेवाला; साम्प्रदायिक भेदभाव फैलाकर आपस में लड़ानेवाला।

फ़िर्क़ःपरस्ती (فرقه‌پرستی) अ. फा. स्त्री.—धार्मिक भेदभाव फैलाकर आपस में लड़ाना।

फ़िर्क़ःबंद (فرقه‌بند) अ. फा. वि.—जो गुटबंद हो, दलबंद, पार्टीबंद; जो धार्मिक आधारों पर दलबंदी करे।

फ़िर्क़ःबंदी (فرقه‌بندی) अ. फा. स्त्री.—दलबंदी, गुटबंदी; धार्मिक आधार पर गुटबंदी।

फ़िर्क़ःवारानः (فرقه‌وارانه) अ. फा. अव्य.—साम्प्रदायिक, धार्मिक, मज़्हबी, जैसे—'फ़िर्क़ःवाराना' झगड़ा।

फ़िर्क़ःवारी (فرقه‌واری) अ. फा. वि.—दलबंदी, गुटबंदी; धार्मिक आधार पर गुटबंदी।

फ़िर्क़ःवारीयत (فرقه‌واریت) अ. फा. स्त्री.—दे. 'फ़िर्क़ःवारी'।

फ़िर्ज़ीन (فرزین) अ. पुं.—शतरंज का एक मोह्‌रा, वज़ीर।

फ़िर्दौस (فردوس) अ. पुं.—स्वर्ग, नाक, बिहिश्त।

फ़िर्दौसआश्याँ (فردوس آشیاں) अ. फा. वि.—स्वर्गस्थ, स्वर्गीय।

फ़िर्दौसमंज़लत (فردوس منزلت) अ. वि.—वह स्थान जो सजावट में फ़िर्दौस की तरह हो।

फ़िर्दौसमकाँ (فردوس مکاں) अ. वि.—दे. 'फ़िर्दौस आश्याँ'।

फ़िर्दौसी (فردوسی) अ. वि.—फ़िर्दौस का निवासी; ईरान का एक प्राचीन और महान् कवि जिसने शाहनामा लिखा है, जो फ़ार्सी साहित्य में सबसे बड़ा और महत्त्वपूर्ण महाकाव्य है।

फ़िर्दौसेबरीं (فردوس بریں) अ. फा. पुं.—सबसे ऊपर का स्वर्ग।

फ़िर्नी (فرنی) फा. स्त्री.—दूध और चावल के आटे की विशेष खीर।

फ़िलिज़्ज़ (فلز) अ. पुं.—धातु, सोना, चाँदी, लोहा, ताँबा आदि।

फ़िलिज़्ज़ात (فلزات) अ. उभ.—'फ़िलिज़्ज़' का बहु., धातुएँ।

फ़िलिज़्ज़ी (فلزی) अ. वि.—धातु से बना हुआ; खान से निकला हुआ।

फ़िलअस्ल (فی الاصل) अ. अव्य.—मूलतः, यथार्थतः, हक़ीक़त में, सचमुच।

फ़िलजुम्लः (فی الجمله) अ. अव्य.—कुछ-कुछ, थोडा-बहुत; सबमें से कुछ।

फ़िलफ़िल (فلفل) अ. स्त्री.—मरिच, मिर्च।

फ़िलफ़िलगिर्द (فلفل گرد) अ. फा. स्त्री.—गोल मिर्च, काली मिर्च।

फ़िलफ़िल मोयः (فلفل مویه) अ. फा. स्त्री.—एक ओषधि, पीपलामूल।

फ़िलफ़िल सफ़ेद (فلفل سفید) अ. फा. स्त्री.—सफ़ेद काली मिर्च।

फ़िलफ़िल सियाह (فلفل سیاه) अ. फा. स्त्री.—काली मिर्च।

फ़िलफ़िल सुर्ख़ (فلفل سرخ) अ. फा. स्त्री.—लाल मिर्च।

फ़िलफ़ौर (فی الفور) अ. अव्य.—तुरंत, त्वरित, शीघ्र, फ़ौरन।

फ़िलबदीह (فی البدیه) अ. क्रि.—बिना सोचे कही हुई कोई बात जो बहुत ही ठीक, सुंदर और चमत्कारपूर्ण हो, बरजस्तः।

फ़िलबदीह गो (فی البدیه گو) अ. फा. वि.—[illegible] सोचे कविता करनेवाला, आशुकवि; बिना सोचे बोलनेवाला, उपस्थित वक्ता।

फ़िलमसल (فی المثل) अ. अव्य.—सदृश, समान; ऐसा, इस प्रकार का।

फ़िलवक़्त (فی الوقت) अ. वि.—तत्क्षण, तत्काल, उसी समय, फ़ौरन।

फ़िलवाक़े' (فی الواقع) अ. वि.—दे. 'फ़िलअस्ल'।

फ़िलहक़ीक़त (فی الحقیقت) अ. वि.—दे. 'फ़िलअस्ल'।

फ़िलहाल (فی الحال) अ. वि.—इस समय, सरेदस्त।

फ़िशाँ (فشاں) फा. प्रत्य.—छिड़कनेवाला, बिखेरनेवाला, जैसे—'ज़रफ़िशाँ' सोना बिखेरनेवाला।

फ़िशांदः (فشانده) फा. वि.—छिड़का हुआ, बखेरा हुआ।

फ़िशांदनी (فشاندنی) फा. वि.—छिड़कने के क़ाबिल।

फ़िशार (فشار) फा. पुं.—दे. 'फ़शार', दोनों शुद्ध हैं।

फ़िशारदः (فشارده) फा. वि.—निचोड़ा हुआ; चुभोया हुआ।

फ़िशारदनी (فشاردنی) फा. वि.—निचोड़ने योग्य; चुभोने योग्य।

फ़िसाँ (فساں) फा. पुं.—दे. 'फ़साँ', दोनों शुद्ध हैं।

फ़िसाल (فصال) अ. पुं.—बच्चे का दूध छुड़ाना; वियोग, जुदाई; पृथक्ता, अलाहिदगी; 'फ़सील' का बहु., फ़सीलें।

फ़िसोस (فسوس) फा. पुं.—खेल, क्रीड़ा; परिहास, दिल्लगी;

मनोविनोद, मनोरंजन, तफ़ीह; फक्कड़पन; शोक, दुःख, अफ़सोस।

फ़िस्क़ (فسق) अ. पुं.—दुराचार, कदाचार, दुष्कर्म, बदआ'माली; सच्चाई और सत्य को छोड़ देना।

फ़िस्क़ोफ़ुजूर (فسق وفجور) अ. पुं.—दुराचार, दुष्कर्म, बदचलनी।

फ़िस्तक़ (فستق) अ. पुं.—दे. 'फ़ुस्तक़', दोनों शुद्ध हैं, पिस्ता जो एक प्रसिद्ध मेवा है।

फ़ी

फ़ी (فی) फा. स्त्री.—छल, फ़रेब; भेद, रहस्य; त्रुटि, ग़लती।

फ़ी (فی) अ. अव्य.—में, बीच, जैसे—'फ़ी माबैन' दोनों के बीच में।

फ़ीअमानिल्लाह (فی امان الله) अ. वा.—ईश्वर की रक्षा में, अर्थात् ईश्वर रक्षा करे, किसी को बिदा करते समय कहते हैं।

फ़ीज़मानिना (فی زماننا) अ. वा.—हमारे समय में अर्थात् इस उपस्थित समय में, साम्प्रत।

फ़ीतः (فیته) फा. पुं.—कपड़े की लंबी और पतली पट्टी।

फ़ीनफ़्सिही (فی نفسه) अ. वि.—वह स्वयं, वह अपनी ज़ात से, जैसे—वह फ़ी नफ़्सिही बहुत अच्छा है, अर्थात् वह स्वयं बहुत अच्छा है।

फ़ीमाबैन (فی مابین) अ. अव्य.—दोनों के बीच में।

फ़ीरोज़ः (فیروزه) फा. पुं.—एक प्रसिद्ध रत्न, हरित मणि।

फ़ीरोज़ (فیروز) फा. वि.—सफलमनोरथ, कामयाब; शुभान्वित, कल्याणकारी, मुबारक।

फ़ीरोज़बख़्त (فیروز بخت) फा. वि.—सौभाग्यशाली, ख़ुशक़िस्मत।

फ़ीरोज़बख़्ती (فیروز بختی) फा. स्त्री.—भाग्य की सफलता, ख़ुशक़िस्मती।

फ़ीरोज़मंद (فیروزمند) फा. वि.—सफलकाम, कामराँ; सौभाग्यवान्, ख़ुशनसीब।

फ़ीरोज़मंदी (فیروزمندی) फा. स्त्री.—कामना की सफलता, कामयाबी; भाग्य की सुदरता, ख़ुशनसीबी।

फ़ीरोज़ी (فیروزی) फा. वि.—फ़ीरोज़े के रंग का; सफलता, कामयाबी।

फ़ीलः (فیله) फा. पुं.—शत्रंज का एक मोहरा, पील।

फ़ील (فیل) फा. पुं.—हाथी, करि, हस्ती, गज, सिधुर, पीलु, पील।

फ़ीलक़ामत (فیل قامت) फा. अ. वि.—हाथी-जैसे डील-डौल का।

फ़ीलख़ानः (فیل خانه) फा. पुं.—हस्तिशाला, हाथीखाना।

फ़ीलतन (فیل تن) फा. वि.—हाथी-जैसे भारी-भरकम शरीरवाला, विशाल देहवाला।

फ़ीलदंदाँ (فیل دندان) फा. पुं.—हाथी जैसे दाँतोंवाला।

फ़ीलनशीं (فیل نشین) फा. वि.—जिसके दरवाज़े पर हाथी बँधा हो, जो हाथी पर चढ़ता हो, पहले समय में यह बड़ी इज़्ज़त की चीज़ थी।

फ़ीलपा (فیل پا) फा. पुं.—एक रोग जिसमें पाँव सूजकर बहुत मोटे हो जाते हैं, श्लीपद, शिलीपद, पादगंडिर।

फ़ीलपायः (فیل پایه) फा. पुं.—चूने या सीमेंट या पत्थर का मोटा और बड़ा स्तंभ, खंभा।

फ़ीलबान (فیل بان) फा. पुं.—हाथी चलानेवाला, हस्तिपक, अंकुशग्रह, निषादी।

फ़ीलबाराँ (فیل باراں) फा. पुं.—बरसात की अंतिम वर्षा (हथिया या हस्त नक्षत्र)।

फ़ीलमुर्ग़ (فیل مرغ) फा. पुं.—अमरीका का एक बहुत बड़ा पक्षी जो 'पीरू' के राष्ट्र में पाया जाता है।

फ़ीलसवार (فیل سوار) फा. वि.—हाथी पर बैठा हुआ, हस्त्यारूढ़।

फ़ीसद (فی صد) फा. वि.—दे. 'फ़ीसदी'।

फ़ीसदी (فی صدی) फा. वि.—प्रतिशत, फ़ीसद, जैसे—'बीस फ़ीसदी' यानी सौ में बीस।

फ़ीसबीलिल्लाह (فی سبیل الله) अ. वा.—ईश्वर की राह में, ईश्वर के नाम पर, ईश्वर के लिए।

फ़ु

फ़ुंदुक़ (فندق) अ. स्त्री.—छोटे बेर के बराबर लाल रंग का एक मेवा।

फ़ुआक़ (فواق) अ. स्त्री.—हिचकी का रोग, हिक्का।

फ़ुआद (فواد) अ. पुं.—हृदय, दिल।

फ़ुक़रा (فقرا) अ. पुं.—'फ़क़ीर' का बहु., फ़क़ीर लोग।

फ़ुक़हा (فقہا) अ. पुं.—'फ़क़ीह' का बहु., बहुत से फ़क़ीह।

फ़ुक़ाअ (فقاع) अ. स्त्री.—चावलों की मदिरा, जो नशा लाती है; एक नशा न लानेवाली शराब; शीशा; पियाला, कूज़ः; बुल्बुला, हबाब।

फ़ुकाहत (فکاهت) अ. स्त्री.—मनोविनोद, मनोरंजन, दिलबहलाव, ख़ुशतब्ई।

फ़ुक़्दान (فقدان) अ. पुं.—अभाव, बिलकुल न प्राप्त होना; बहुत कमी, दे 'फ़िक़्दान', दोनों शुद्ध हैं।

फ़ुक़्दाने ग़ैरत (فقدان غیرت) अ. पुं.—स्वाभिमान की कमी या अभाव, निर्लज्जता।

फ़ुक़्दाने हया (فقدان حیا) अ. पुं.–लज्जा का अभाव, निर्लज्जता।

फ़ुग़ (فغ) फा. पुं.–मूर्ति, प्रतिमा, बुत, दे. 'फ़ग़', दोनों शुद्ध हैं।

फ़ुग़ाँ (فغاں) फा. स्त्री.–आर्तनाद, नाला; दुहाई।

फ़ुग़ानी (فغانی) फा. वि.–दुहाई देनेवाला, चिल्लानेवाला; नाला करनेवाला; एक ईरानी शाइर।

फ़ुज़ला (فضلا) अ. पुं.–'फ़ाज़िल' का बहु., विद्वज्जन, पंडित लोग।

फ़ुज़ूँ (فزوں) फा. वि.–अफ़ज़ूँ का लघु., अधिक, प्रचुर, बहुत, ज़ियादा।

फ़ुज़ूदः (فزودہ) फा. वि.–'अफ़ज़ूदः' का लघु., अधिक किया हुआ, बढ़ाया हुआ।

फ़ुज़ूनी (فزونی) फा. स्त्री.–'अफ़ज़ूनी' का लघु., अधिकता, प्रचुरता, बहुतात।

फ़ुजूर (فجور) अ. पुं.–पाप, गुनाह; व्यभिचार, दुराचार, हरामकारी।

फ़ुज़ूल (فضول) अ. वि.–व्यर्थ, बेकार; निरर्थक, बेमतलब; निकम्मा; फ़िज़ूल।

फ़ुज़ूलख़र्च (فضول خرچ) अ. फा. वि.–बेकार में रुपया खर्च करनेवाला, अपव्ययी।

फ़ुज़ूलख़र्ची (فضول خرچی) अ. फा. स्त्री.–बेकार में रुपया ख़र्च करना, अपव्यय।

फ़ुज़ूलगो (فضول گو) अ. फा. वि.–बेकार की बातें बनानेवाला, वाचाल, मिथ्यावादी, चित्रजल्पी।

फ़ुज़ूलगोई (فضول گوئی) अ. फा. स्त्री.–बेकार की बातें बनाना, वाचालता, मिथ्यावाद, चित्रजल्प।

फ़ुज़ूली (فضولی) अ. वि.–वह व्यक्ति जो बेकार के काम करता फिरे; मिथ्याभाषी; फ़ुज़ूल आदमी।

फ़ुज़ूलीयात (فضولیات) अ. पुं.–फ़ुज़ूल और निरर्थक बातें।

फ़ुज्जार (فجار) अ. पुं.–'फ़ाजिर' का बहु., पापी लोग; व्यभिचारी लोग।

फ़ुज़्लः (فضلہ) अ. पुं.–जूठन, बचा हुआ खाना; विष्ठा, पुरीप, गू; फोक, वह चीज़ जो किसी पदार्थ से रस आदि निकाल लेने पर बचती है, जैसे—मूली के पत्तों का अरक़ निकालकर उसका फोक या फ़ुज़्लः।

फ़ुज़्लात (فضلات) अ. पुं.–'फ़ुज़्लः' का बहु., 'फ़ुज़्ले'।

फ़ुतादः (فتادہ) फा. वि.–गिरा हुआ, पड़ा हुआ।

फ़ुतादगी (فتادگی) फा. स्त्री.–गिरा हुआ होना, पड़ा हुआ होना।

फ़ुतादनी (فتادنی) फा. वि.–गिरने के योग्य।

फ़ुतुव्वत (فتوت) अ. स्त्री.–वीरता, शूरता, बहादुरी, शील, मुरुव्वत।

फ़ुतूर (فتور) अ. पुं.–विकार, दोष, ख़राबी; शरारत, उत्पात।

फ़ुतूरे अक़्ल (فتور عقل) अ. पुं.–बुद्धि-विकार, अक़्ल की ख़राबी।

फ़ुतूरे दिमाग़ (فتور دماغ) अ. पुं.–मस्तिष्क-दोष, दिमाग़ की ख़राबी, बुद्धि-दोष, अक़्ल की ख़राबी।

फ़ुतूरे हज़्म (فتور هضم) अ. पुं.–मंदाग्नि, हाज़िम का बिगाड़।

फ़ुतूह (فتوح) अ. स्त्री.–प्राप्ति, लाभ, फ़ाइदा, हुसूल; समृद्धि, उन्नति, कुशाइश; ऊपर की आय; 'फ़त्ह' का बहु., जीतें।

फ़ुतूहात (فتوحات) अ. स्त्री.–'फ़ुतूह' का बहु., प्राप्तियाँ, लाभ।

फ़ुतूही (فتوحی) उ. स्त्री.–बिना आस्तीनों की बंडी।

फ़ुनून (فنون) अ. पुं.–'फ़न' का बहु., 'कलाएँ'।

फ़ुनूने लतीफ़ः (فنون لطیفہ) अ. पुं.–ललित कलाएँ।

फ़ुयूज़ (فیوض) अ. पुं.–'फ़ैज़' का बहु., फ़ैयाज़ियाँ, बख़्शिशें।

फ़ुरात (فرات) फा. स्त्री.–इराक़ की नदी जिसके किनारे हज़्रत इमाम हुसैन कर्बला में शहीद हुए।

फ़ुरादः (فرادی) अ. वि.–'फ़र्द' का बहु., एक-एक करके, अलग-अलग।

फ़ुरुश (فرش) अ. पुं.–'फ़िराश' का बहु., बिछौने, बिस्तरे।

फ़ुरूअ (فروع) अ. स्त्री.–'फ़र्अ' का बहु., शाखाएँ; मूल वस्तु से निकली हुई वस्तुएँ।

फ़ुरूक़ (فروق) अ. पुं.–दो वस्तुओं में फ़र्क़ करना।

फ़ुरूज (فروج) अ. स्त्री.–'फ़र्ज' का बहु., भग, योनियाँ।

फ़ुरूश (فروش) अ. पुं.–'फ़र्श' का बहु., बहुत से फ़र्श।

फ़ुरोग़ (فروغ) फा. पुं.–दे. 'फ़रोग़', शुद्ध 'फ़ुरोग़' है, परंतु उर्दू में 'फ़रोग़' भी बोलते हैं।

फ़ुरोज़ (فروز) फा. प्रत्य.–रौशन करनेवाला, जैसे—'दिल फ़ुरोज़' दिल को रौशनी देनेवाला।

फ़ुरोज़ाँ (فروزاں) फा. वि.–प्रकाशमान्, रौशन।

फ़ुरोज़िंदः (فروزندہ) फा. वि.–प्रकाशक, उज्ज्वल करनेवाला, चमकानेवाला।

फ़ुरोद (فرود) फा. वि.–निम्न, नीचे।

फ़ुरोदगाह (فرودگاہ) फा. स्त्री.–दे. 'फ़रोदगाह', उर्दू में वही बोलते हैं।

फ़ुर्क़त (فرقت) अ. स्त्री.–वियोग, विरह, जुदाई, फ़िराक़।

फ़ुर्क़तज़दः (فرقت زدہ) अ. फा. वि.–विरहग्रस्त, वियोगी, विरह-पीड़ित।

फ़ुर्क़तनसीब (فرقت نصیب) अ. वि.—जिसके भाग्य में जीवन भर वियोग ही वियोग हो।

फ़ुर्क़ान (فرقان) अ. पुं.—क़ुर्आन।

फ़ुर्जः (فرجہ) अ. पुं.—अवकाश, छुट्टी, फ़ुर्सत; शिगाफ़, फटन।

फ़ुर्जःजू (فرجہ جو) अ. फा. वि.—फ़ुर्सत ढूंढ़नेवाला, छुट्टी का वक़्त तलाश करनेवाला।

फ़ुर्सत (فرصت) अ. स्त्री.—अवकाश, छुट्टी; संतोष, इत्मीनान; मुक्ति, नजात; निबटारा, फ़राग़त।

फ़ुर्सततलब (فرصت طلب) अ. वि.—जिसके लिए फ़ुर्सत की ज़रूरत हो, जो फ़ुर्सत में इत्मीनान से हो सके।

फ़ुर्सते ज़ीस्त (فرصت زیست) अ. फा. स्त्री.—जीवन-काल, ज़िंदगी का ज़माना।

फुलां (فلاں) अ. पुं.—अमुक, फ़लाना।

फ़ुलूस (فلوس) अ. पुं.—'फ़ल्स' का बहु., पैसे।

फ़ुल्कः (فلکہ) अ. पुं.—चर्खे के तकले में लगायी जानेवाली चमड़े की गोल टिकिया; खेमे के बाँसों में लगायी जानेवाली गोल टिकली।

फ़ुल्क (فلک) अ. स्त्री.—नाव, नौका, किश्ती।

फ़ुव्वः (فوہ) फा. पुं.—मजीठ, एक लकड़ी जो रंग के काम आती है।

फ़ुशुर्दः (فشردہ) फा. वि.—निचोड़ा हुआ, अफ़शुर्दः का लघु.।

फ़ुशुर्दनी (فشردنی) फा. वि.—निचोड़ने योग्य, निचोड़े जाने के लाइक़।

फ़ुसहा (فصحا) अ. पुं.—'फ़सीह' का बहु., फ़सीह लोग।

फ़ुसहाए वक़्त (فصحاے وقت) अ. पुं.—अपने समय के सारे 'फ़सीह' व्यक्ति।

फ़ुसूं (فسوں) फा. पुं.—'अफ़्सूं' का लघु.; जादू, माया-कर्म; इंद्रजाल, शाबदःबाज़ी।

फ़ुसूंकार (فسوں کار) फा. वि.—दे. 'फ़ुसूंगर'।

फ़ुसूंगर (فسوں گر) फा. वि.—जादूगर, मायावी।

फ़ुसूंतराज़ (فسوں طراز) फा. वि.—दे. 'फ़ुसूंगर'।

फ़ुसूंसाज़ (فسوں ساز) फा. वि.—दे. 'फ़ुसूंगर'।

फ़ुसूल (فصول) अ. स्त्री.—फ़स्ल का बहु., ऋतुएँ; पुस्तक के परिच्छेद।

फ़ुसोस (فسوس) फा. पुं.—अफ़्सोस का लघु., शोक, अफ़्सोस, दुःख; पछतावा, पश्चात्ताप।

फ़ुस्तक़ (فستق) अ. पुं.—पिस्ता जो एक प्रसिद्ध मेवा है।

फ़ुस्साक़ (فساق) अ. पुं.—'फ़ासिक़' का बहु., दुराचारी लोग।

फ़ुस्हत (فسحت) अ. स्त्री.—मकान की लंबाई-चौड़ाई, विस्तार, वुसअत।

फ़ू

फ़ूतः (فوطہ) अ. पुं.—तौलिया, अँगौछा।

फ़ूफ़ल (فوفل) अ. स्त्री.—सुपारी, छालिया, दे. 'फ़ौफ़ल', दोनों शुद्ध हैं।

फ़ूफ़लतराश (فوفل تراش) अ. फा. पुं.—सुपारी काटने का यंत्र, सरौता।

फ़ूम (فوم) अ. पुं.—लहसुन, लशुन; गेहूँ, गोधूम।

फ़े

फ़े'ल (فعل) अ. पुं.—कार्य, काम; क्रिया, वर्ब; कृत्य, कर्म, अमल; बुरी हरकत, बुरा कर्म।

फ़े'लन (فعلاً) अ. अव्य.—अमल और कर्म से, कर्मणा।

फ़े'ले अबस (فعل عبث) अ. पुं.—व्यर्थ का काम, निरर्थक कार्य, जिस काम में कोई लाभ न हो।

फ़े'ले जाइज़ (فعل جائز) अ. पुं.—अच्छा काम, ठीक काम, जिसके करने में न कोई हानि हो न किसी को आपत्ति।

फ़े'ले नाक़िस (فعل ناقص) अ. पुं.—अपूर्ण क्रिया।

फ़े'ले नाजाइज़ (فعل ناجائز) अ. पुं.—वह काम जो उचित न हो, जिसके करने में हानि भी हो और आपत्ति भी; हरामकारी, व्यभिचार।

फ़े'ले नाशाइस्तः (فعل ناشائستہ) अ. फा पुं.—अश्लील और फ़ुह्श काम; व्यभिचार, हरामकारी।

फ़े'ले बद (فعل بد) अ. फा. पुं.—बुरा काम, दुराचार; व्यभिचार, हरामकारी।

फ़े'ले मक्रूह (فعل مکروہ) अ. पुं.—वह काम जिसके करने में तबीअत घिन करे।

फ़े'ले मजहूल (فعل مجہول) अ. पुं.—वह क्रिया जिसका कर्ता ज्ञात न हो।

फ़े'ले मा'रूफ़ (فعل معروف) अ. पुं.—वह क्रिया जिसका कर्ता ज्ञात हो।

फ़े'ले मुतअद्दी (فعل متعدی) अ. पुं.—सकर्मक क्रिया।

फ़े'ले लाज़िम (فعل لازم) अ. पुं.—अकर्मक क्रिया।

फ़े'ले शनीअ (فعل شنیع) अ. पुं.—दे. 'फ़े'ले बद', कुकर्म।

फ़ेहरिस्त (فہرست) अ. स्त्री.—सूचीपत्र, सूची।

फ़ेहरिस्ते मज़ामीन (فہرست مضامین) अ. स्त्री.—विषय-सूची, किताब के सारे मज़्मूनों की सूची।

फ़ै

फ़ैज़ (فیض) अ. पुं.—दानशीलता, फ़ैयाज़ी; लाभ, नफ़ा; उपकार, भलाई; यश, कीर्ति।

फ़ैज़गुस्तर (فیض گستر) अ. फा. वि.—यशस्वी, कीर्तिमान्; वदान्य, फ़ैयाज़, मुक्तहस्त।

फ़ैज़तलब (فیض طلب) अ. वि.—जो किसी से यश की याचना करता हो, यशोलिप्सु, यशस्काम।

फ़ैज़बख़्श (فیض بخش) अ. फा. वि.—यश देनेवाला; दान देनेवाला; बख़्शिश करनेवाला।

फ़ैज़मआब (فیض مآب) अ. वि.—यशस्वी, कीर्तिमान्, फ़ैयाज़, वदान्य।

फ़ैज़याब (فیض یاب) अ. फा. वि.—जिसने फ़ैज़ पाया हो, प्राप्त-यश, प्राप्त-लाभ।

फ़ैज़याबी (فیض یابی) अ. फा. स्त्री.—फ़ैज़ पाना, यश पाना, लाभ उठाना।

फ़ैज़रसाँ (فیض رساں) अ. फा. वि.—दे. 'फ़ैज़बख़्श'।

फ़ैज़रसानी (فیض رسانی) अ. फा. स्त्री.—फ़ैज़ पहुँचाना, यश देना।

फ़ैज़रसी (فیض رسی) अ. फा. स्त्री.—यश देना।

फ़ैज़ान (فیضان) अ. पुं.—दे. 'फ़ैज़'।

फ़ैज़े आम (فیض عام) अ. पुं.—ऐसी बख़्शिश और ऐसा यश जो सर्वसाधारण के लिए हो।

फ़ैयाज़ (فیاض) अ. वि.—बहुत देनेवाला, सख़ी, दाता, मुक्तहस्त, वदान्य।

फ़ैयाज़तरीन (فیاض ترین) अ. फा. वि.—सब से अधिक बख़्शिश करनेवाला, वदान्यतम।

फ़ैयाज़ी (فیاضی) अ. स्त्री.—बख़्शिश, दानशीलता, सख़ावत।

फ़ैलसूफ़ (فیلسوف) अ. पुं.—वैज्ञानिक, विद्वान्; धूर्त, छली, वंचक।

फ़ैसल: (فیصلہ) अ. पुं.—निर्णय, तै; समझौता, तस्फ़िया; अंत, ख़ातिमा; न्याय, इंसाफ़।

फ़ैसल:तलब (فیصلہ طلب) अ. वि.—जिसका फ़ैसला होना ज़रूरी हो, जिसका निर्णय होना बाक़ी हो।

फ़ैसल (فیصل) अ. वि.—निर्णीत, तै; निर्णय, फ़ैसला।

फ़ो

फ़ोत: (فوتہ-فوطہ) फा. पुं.—लगान, महसूल, भूमि-कर; अंडकोश, पोता।

फ़ोत:ख़ान: (فوتہ خانہ) फा. पुं.—कोषागार, लगान का रुपया रखने का घर।

फ़ोत:दार (فوتہ دار) फा. पुं.—ख़ज़ानची, तहसीलदार, पोतदार।

फ़ौ

फ़ौक़ (فوق) अ. वि.—ऊपर, सिरे पर; प्रधानता, तरजीह।

फ़ौक़ज़्ज़िक्र (فوق الذکر) अ. वि.—जिसका उल्लेख ऊपर हो चुका हो, उपर्युक्त।

फ़ौक़ुलआद: (فوق العادت) अ. वि.—प्रकृति के विरुद्ध।

फ़ौक़ानी (فوقانی) अ. वि.—ऊपर नुक़्ते रखनेवाला अरबी-फ़ारसी या उर्दू का अक्षर।

फ़ौक़ियत (فوقیت) अ. स्त्री.—प्रधानता, तरजीह; श्रेष्ठता, उत्तमता, बड़प्पन।

फ़ौक़ी (فوقی) अ. वि.—ऊपरवाला, ऊपरी।

फ़ौज (فوج) अ. स्त्री.—सेना, बल, वाहिनी, अनीकिनी, वरूथिनी, चमू, अनीक, लश्कर।

फ़ौज़ (فوز) अ. पुं.—कल्याण, भलाई; सफलता, कामयाबी।

फ़ौजकशी (فوج کشی) अ. फा. स्त्री.—दुश्मन के मुल्क पर चढ़ाई, युद्धयात्रा।

फ़ौजदारी (فوجداری) अ. फा. स्त्री.—वह न्यायालय जिसमें लड़ाई-झगड़े और क़त्ल, ख़ून के केस हों; मारपीट, लाठी या हथियार की लड़ाई।

फ़ौजी (فوجی) अ. वि.—फ़ौज का जवान, सैनिक; फ़ौज का, सेना का; सेना से सम्बद्ध।

फ़ौज़े अज़ीम (فوز عظیم) अ. पुं.—बहुत बड़ी सफलता।

फ़ौजे बर्री (فوج بری) अ. स्त्री.—वह सेना जो ज़मीन पर लड़े।

फ़ौजे बह्री (فوج بحری) अ. स्त्री.—वह सेना जो समुद्र में जहाज़ों की लड़ाई लड़े, जलसेना।

फ़ौजे हवाई (فوج هوائی) अ. फा. स्त्री.—वह सेना जो वायु-यानों द्वारा लड़े, वायुसेना।

फ़ौज़ोफ़लाह (فوز و فلاح) अ. स्त्री.—उन्नति और भलाई।

फ़ौत (فوت) अ. वि.—मरण, मृत्यु, मौत; मृत, मरा हुआ।

फ़ौती (فوتی) अ. वि.—मरने से सम्बन्ध रखनेवाला।

फ़ौतीनाम: (فوتی نامہ) अ. फा.—वह रजिस्टर जिसमें मरनेवालों का नाम, उम्र, तारीख़ आदि लिखी जाती है।

फ़ौफ़ल (فوفل) अ. स्त्री.—सुपारी, छालिया, दे. 'फ़ूफ़ल', दोनों शुद्ध हैं।

फ़ौर (فور) अ. वि.—फ़ौरन, तुरंत, उर्दू में अकेला नहीं बोला जाता, 'फ़िल फ़ौर' बोलते हैं।

फ़ौरन (فوراً) अ. वि.—तुरंत, तत्क्षण, त्वरित, शीघ्र, सद्यः, उसी क्षण, उसी समय।

फ़ौरान (فوران) अ. पुं.—आवेग, जोश; तीव्रता, तेज़ी।

फ़ौरी (فوری) अ. वि.–शीघ्र, त्वरित, फ़ौरन; अर्जेंट, अतिपाती।

फ़ौलाद (فولاد) अ. पु.–असली लोहा, लोहसार, कांतिसार।

फ़ौलादी (فولادی) अ. वि.–फ़ौलाद का बना हुआ, लोहमय; फ़ौलाद का, लौहिक।

ब

बंग (بنگ) फ़ा. स्त्री.–भाँग, भंग, विजया, एक प्रसिद्ध मादक बूटी।

बंगनोश (بنگ نوش) फ़ा. वि.–भाँग पीनेवाला, भंगड़।

बंगफ़रोश (بنگ فروش) फ़ा. पु.–भाँग बेचनेवाला, भंग का ठेकेदार।

बंगिश (بنگش) फ़ा. पु.–पठानों की एक जाति-विशेष।

बंज (بنج) अ. स्त्री.–अजवाइन ख़ुरासानी, एक दवा।

बंदः (بندہ) फ़ा. पु.–दास, गुलाम; अधीन; वशीभूत, ताबे; मनुष्य, आदमी; भक्त, फ़िदाई; आज्ञाकारी; उपासक, इबादत करनेवाला; नम्रता दिखाने के लिए वक्ता अपने लिए भी कहता है।

बंदःज़ादः (بندہ زادہ) फ़ा. पु.–अपना लड़का, बड़े आदमी से अपने लड़के के लिए कहते हैं।

बंदःनवाज़ (بندہ نواز) फ़ा. वि.–अपने सेवकों और भक्तों पर दया करनेवाला, भक्त-वत्सल।

बंदःनवाज़ी (بندہ نوازی) फ़ा. स्त्री.–अपने सेवकों और भक्तों पर कृपादृष्टि।

बंदःपर्वर (بندہ پرور) फ़ा. वि.–दे. 'बंदःनवाज़'।

बंदःपर्वरी (بندہ پروری) फ़ा. स्त्री.–दे. बंदःनवाज़ी।

बंद (بند) फ़ा. पु.–अंग का जोड़; कारावास, क़ैद; फंदा, पाश; मेंड़, पुश्ता; पेच, दाँव; रोक, रुकावट; गाँठ, गिरिह, ग्रंथि; बंद किया हुआ; ढाँका हुआ; कविता में 'मुसद्दस' या 'मुख़म्मस' की एक कड़ी जिसमें छः अथवा पाँच मिस्रे होते हैं; 'तर्कीबबंद' या 'तर्जीअबंद' का एक भाग जिसमें कई शे'र होते हैं; (प्रत्य.) बँधा, जैसे—'पाबंद' जिसके पाँव बँधे हों; बाँधनेवाला, जैसे—'नालबंद' नाल बाँधनेवाला।

बंदए आज़ाद (بندۂ آزاد) फ़ा. पु.–वह सेवक जो सेवा-मुक्त कर दिया गया हो।

बंदए आजिज़ (بندۂ عاجز) फ़ा. अ. पु.–वक्ता अपने लिए कहता है अर्थात् बहुत ही विनीत और विवश सेवक।

बंदए इश्क़ (بندۂ عشق) फ़ा. अ. पु.–प्रेम का बंदा, प्रेमिका का भक्त।

बंदए ख़ुदा (بندۂ خدا) फ़ा. पु.–ईश्वर का बंदा, ईश्वर का उपासक; मनुष्य, व्यक्ति।

बंदए ज़र (بندۂ زر) फ़ा. पु.–रुपये का बंदा, धनोपासक।

बंदए दरगाह (بندۂ درگاہ) फ़ा. पु.–किसी महान् व्यक्ति का परम भक्त।

बंदए दिरम (بندۂ درم) फ़ा. पु.–दे. 'बंदए ज़र'।

बंदए नाचीज़ (بندۂ ناچیز) फ़ा. पु.–दे. 'बंदए आजिज़'।

बंदए बेज़र (بندۂ بےزر) फ़ा. पु.–वह भक्त या दास जो बिना ख़रीदे ही भक्त या दास हो।

बंदए बेदाम (بندۂ بےدام) फ़ा. पु.–वह व्यक्ति जो परम भक्त हो अर्थात् बग़ैर फंदे और जाल के ही प्रेमपाशाबद्ध।

बंदए मिस्कीं (بندۂ مسکین) फ़ा. अ. पु.–दे. 'बंदए आजिज़'।

बंदए मुख़्लिस (بندۂ مخلص) फ़ा. अ. पु.–वह भक्त जो बहुत ही श्रद्धापूर्वक सेवा करे।

बंदए शिकम (بندۂ شکم) फ़ा. पु.–पेट का बंदा, पेट का कुत्ता, उदर-कृमि।

बंदए हल्क़ःबगोश (بندۂ حلقہ بگوش) फ़ा. अ. पु.–वह दास जिसके कानों में दासता का कुंडल पड़ा हो।

बंदगी (بندگی) फ़ा. स्त्री.–प्रणाम, सलाम; दासता, गुलामी; उपेक्षा, इज़्तिनाब; विनम्रता, इन्किसारी; पूजा, उपासना, इबादत; आज्ञापालन।

बंद बंद (بند بند) फ़ा. पु.–शरीर का एक-एक जोड़।

बंदर (بندر) अ. पु.–समुद्रतट, साहिल, बंदरगाह, पोर्ट।

बंदिश (بندش) फ़ा. स्त्री.–ग्रंथि, गाँठ, गिरिह; षड्यंत्र, साज़िश; पेशबंदी, पुरश्चरण; रोक, रुकावट; प्रतिबंध, मनाही; बनावट, साख़्त; बाँधने का काम।

बंदिशे अल्फ़ाज़ (بندش الفاظ) फ़ा. अ. स्त्री.–गद्य या पद्य में शब्दों का यथास्थान उपयोग तथा शुद्ध और चमत्कारपूर्ण विन्यास।

बंदिशे इबारत (بندش عبارت) फ़ा. अ. स्त्री.–दे. 'बंदिशे अल्फ़ाज़'।

बंदिशे मज़्मून (بندش مضمون) फ़ा. अ. स्त्री.–किसी प्रबंध या मज़्मून का नैसर्गिक और मन को लगनेवाला बयान।

बंदी (بندی) फ़ा. वि.–क़ैदी, कारावासी।

बंदीख़ानः (بندی خانہ) फ़ा. पु.–क़ैदख़ाना, कारावास।

बंदूक़ (بندوق) अ. स्त्री.–गोली चलाने का प्रसिद्ध यंत्र, शतघ्नी।

बंदूक़ची (بندوقچی) अ. फ़ा. पु.–बंदूक़ चलानेवाला; निशानची, निशानःबाज़, लक्ष्यभेदी।

बंदूक़साज़ (بندوق ساز) अ. फ़ा. पु.–बंदूक़ बनानेवाला; बंदूक़ों की मरम्मत करनेवाला।

बंदे क़बा (بند قبا) फा. अ. पुं.–क़बा या कुर्ते की घुंडी, चोली की घुंडी, "गुल्चीं से कहियो आये चमन में पुकार के, बंदे क़बा खुले हैं उरू से बहार के।"

बंदे ग़म (بند غم) फ़ा. अ. पु.–दुःख का फंदा; प्रेम का फंदा।

बंदे दस्त (بند دست) फा. पु.–पहुँचा, हाथ और कलाई के बीच का जोड़।

बंदे दाम (بند دام) फा. पुं.–जाल का फंदा।

बंदे निक़ाब (بند نقاب) फा. अ. पुं.–बुर्क़े की गिरिह।

बंदोकुशाद (بندوکشاد) फा. पुं.–खोलना और बंद करना, अर्थात् प्रबंध, व्यवस्था, इंतिज़ाम।

बंदोबस्त (بندوبست) फा. पुं.–प्रबंध, व्यवस्था, इंतिज़ाम; खेतों की हदबंदी, उनकी मालगुज़ारी का निर्णय और उनके नंबर आदि की व्यवस्था जो नये सिरे से हो।

बंदोबस्ते आरिज़ी (بندوبست عارضی) फा. अ. पुं.–कृषि सम्बन्धी वह बंदोबस्त जो चंद वर्षों के लिए हो, स्थायी न हो।

बंदोबस्ते इस्तिम्रारी (بندوبست استمراری) फा. अ. पुं.–दे. 'बंदोबस्ते दवामी'।

बंदोबस्ते दवामी (بندوبست دوامی) फा. अ. पुं.–खेतों और ज़मीनों का वह बंदोबस्त जो एक बार हो जाय और फिर कभी न बदले, जैसे—बंगाल का बंदोबस्त।

ब अक़्सात (به اقساط) फा. अ. अव्य.–क़िस्तों में करके, थोड़ा-थोड़ा करके, कई बार में।

ब अदब (به ادب) फा. अ. अव्य.–नम्रता और आदर के साथ, आदरपूर्वक।

ब अल्फ़ाज़े दीगर (به الفاظ دیگر) फा. अ. अव्य.–दूसरे शब्दों में, दूसरे प्रकार से।

ब अह्सने वुजूह (به احسن وجوه) फा. अ. अव्य.–बहुत अच्छे प्रकार से, सुंदर रूप से।

ब आज़ादी (به آزادی) फा. अव्य.–स्वतंत्रता के साथ, खुले रूप से।

ब आबोताब (به آب و تاب) फा. अव्य.–चमक-दमक के साथ, शानो-शौकत के साथ।

ब आराम (به آرام) फा. अव्य.–आराम से, इत्मीनान से, सुख-चैन से; सुगमता से, सरलता से।

ब आसाइश (به آسائش) फा. अव्य.–दे. 'ब आराम'।

ब आसानी (به آسانی) फा. अव्य.–सुगमतापूर्वक, सरलता से, आसानी से।

ब आसूदगी (به آسودگی) फा. अव्य.–सुख-चैन से, ऐशो-आराम से; आराम से, सुगमता से।

ब इख़्तियारे ख़ुद (به اختیار خود) फा. अव्य.–अपने अधिकार से।

ब इख़्तिसार (به اختصار) फा. अ. अव्य.–संक्षेप में, संक्षिप्त रूप से।

ब इज़्ज़तो एहतिराम (به عزت و احترام) फा. अ. अव्य.–पूरे संमान के साथ, पूरे आदर-सत्कार के साथ, पूर्ण प्रतिष्ठा तथा सम्मान-सहित।

ब इत्तिफ़ाक़े राय (به اتفاق رای) फा. अ. अव्य.–सबकी सहमति से, सर्वसम्मति से।

ब इत्मीनान (به اطمینان) फा. अ. अव्य.–दे. 'ब आराम'।

ब इफ़रात (به افراط) फा. अ. अव्य.–अत्यधिक, बहुत ज़ियादा, ज़रूरत और आवश्यकता से अधिक।

ब इवज़ (به عوض) फा. अ. अव्य.–बदले में, इवज़ में।

बईर (بعیر) अ. पुं.–उष्ट्र, ऊँट।

ब उज्लत (به عجلت) फा. अ. अव्य.–शीघ्रतापूर्वक, जल्दी से।

ब एहतियात (به احتیاط) फा. अ. अव्य.–सावधानतापूर्वक, एहतियात के साथ।

ब क़द्र (به قدر) फा. अ. अव्य.–अनुसार, मुताबिक़; मात्रा में, मिक्दार में।

ब क़द्रे ज़र्फ़ (به قدر ظرف) फा. अ. अव्य.–जितना बर्तन हो उतना, जितनी योग्यता हो उतनी, जितना सामर्थ्य हो उतना।

ब क़द्रे ज़ुरूरत (به قدر ضرورت) फा. अ. अव्य.–जितनी आवश्यकता हो उतनी।

ब क़द्रे वुस्अत (به قدر وسعت) फा. अ. अव्य.–जितना सामर्थ्य हो उतना; जितनी समाई हो उतनी।

ब क़द्रे शौक़ (به قدر شوق) फा. अ. अव्य.–जितनी अभिलाषा हो उतनी।

ब क़द्रे हैसियत (به قدر حیثیت) फा. अ. अव्य.–जितना सामर्थ्य हो उतना; जितना धन हो उतना।

ब क़द्रे हौसलः (به قدر حوصله) फा. अ. अव्य.–जितना साहस हो उतना।

बक़रः (بقره) अ. स्त्री.–एक गाय; एक बैल।

बक़र (بقر) अ. पुं.–गौ, गाय; वृषभ, बैल।

बक़र ईद (بقرعید) अ. स्त्री.–मुसलमानों की वह ईद जो ज़ीहिज्जा की दसवीं तारीख़ को होती है।

ब कराहत (به کراهت) फा. अ. अव्य.–घिन के साथ, नफ़रत के साथ; जी न चाहने के साथ, मज्बूरी से।

ब कर्रोफ़र (به کروفر) फा. अ. अव्य.–तड़क-भड़क के साथ।

ब क़लमे ख़ुद (به قلم خود) फा. अ. अव्य.–अपने क़लम से, स्वयं अपने हाथ की लिखावट से।

बक़ा (بقا) अ. स्त्री.–नित्यता, अनश्वरता, दवाम;

अस्तित्व, वुजूद; जीवन, ज़िंदगी, रक्षा, हिफ़ाज़त; सलामती।

बक़ाए दवाम (بقاے دوام) अ. स्त्री.—नित्यता, अनश्वरता।

बक़ाए सालिह (بقاے صالح) अ. स्त्री.—अच्छी चीज़ का बाक़ी रहना।

बक़ायः (بقایہ) अ. पुं.—शेष, बचा हुआ; बची हुई रक़म, रोकड़; ख़र्च से बची हुई रक़म।

बकारत (بکارت) अ. स्त्री.—कौमार्य, कुँआरापन; योनिपटल का भग्न न होना, अक्षतत्व, अक्षत योनि, यह शब्द 'बिकारत' अथवा 'बुकारत' नहीं है।

बकावल (بکاول) तु. पुं.—शाही रसोईघर का अध्यक्ष, दे. 'बुकावुल', दोनों शुद्ध हैं।

ब क़ैदे हयात (بہ قید حیات) फा. अ. अव्य.—जीवन-पाश में आबद्ध, जीवित, ज़िंदा।

ब क़ौले शख़्से (بہ قول شخصے) फा. अ. अव्य.—किसी विशेष व्यक्ति के कथनानुसार।

बक़्क़ाल (بقال) अ. पुं.—सब्ज़ीफ़रोश, कुंजड़ा; वणिक्, बनिया; आटा-दाल बेचनेवाला, परचूनिया।

बक्तर (بکتر) फा. पुं.—कवच, ज़िरिह।

बक्तरगर (بکترگر) फा. पुं.—कवच बनानेवाला, कवचकार।

बक्तरपोश (بکترپوش) फा. वि.—कवचधारी, बक्तर पहने हुए।

बक्तरबंद (بکتربند) फा. वि.—बक्तर पहने हुए, कवचधारी; बक्तर से मढ़ी हुई गाड़ियाँ आदि।

बक्तरसाज़ (بکترساز) फा. वि.—दे. 'बक्तरगर'।

बक़्रात (بقراط) अ. पुं.—एक प्रसिद्ध यूनानी वैज्ञानिक जो हज़रत ईसा से ४६० वर्ष पूर्व पैदा हुआ था।

बख़ील (بخیل) अ. पुं.—कृपण, बद्धमुष्टि, तद्धन, व्यय-कुंठ, कंजूस।

बख़ीली (بخیلی) अ. स्त्री.—कृपणता, व्ययकुंठता, कंजूसी।

बख़ुदा (بخدا) फा. अव्य.—ईश्वर के लिए, ख़ुदा के लिए; ईश्वर की सौगंध, ख़ुदा की क़सम।

ब ख़ुशी (بہ خوشی) फा. अव्य.—ख़ुशी के साथ, प्रसन्नता पूर्वक, सानंद, सहर्ष।

ब ख़ूबी (بہ خوبی) फा. अव्य.—पूर्ण रूप से, पूर्णतया, पूर्णतः।

बख़ूर (بخور) अ. पुं.—धूनी; लोबान आदि सुलगाकर उसकी सुगंध फैलाना; दवाओं की धूनी लेना।

बख़ूरदान (بخوردان) अ. फा. पुं.—वह पात्र जिसमें धूप आदि सुलगायी जाय, धूपदानी, ऊददानी।

ब ख़ैर (بخیر) फा. अ. अव्य.—सकुशल, अच्छी तरह; स्वस्थ, तनदुरुस्त।

ब ख़ैरोआफ़ियत (بہ خیروعافیت) फा. अ. अव्य.—कुशलपूर्वक, आनंदपूर्वक।

ब ख़ैरोख़ूबी (بہ خیروخوبی) फा. अ. अव्य.—आनंदपूर्वक, कुशलपूर्वक, बहुत अच्छी तरह से।

बख़्त (بخت) फा. पुं.—भाग्य, प्रारब्ध, अदृश्य, दैव, अदृष्ट, क़िस्मत।

बख़्तआज़माई (بخت آزمائی) फा. स्त्री.—भाग्य-परीक्षा, किसी काम में पड़ना, यह देखना कि अमुक काम में भाग्य साथ देता है या नहीं अर्थात् वह होता है या नहीं।

बख़्तआवर (بخت آور) फा. वि.—दे. 'बख़्तावर'।

बख़्तबरगश्तः (بخت برگشتہ) फा. वि.—जिसका भाग्य उसके विरुद्ध हो, हतभाग्य, अभागा।

बख़्तयार (بختیار) फा. वि.—जिसका भाग्य उसका मित्र हो, सौभाग्यवान।

बख़्तवर (بختور) फा. वि.—सौभाग्यशाली, भाग्यवान्, प्रारब्धी, ख़ुशनसीब।

बख़्तवरी (بختوری) फा. स्त्री.—भाग्य की अच्छाई, भाग्यशीलता, ख़ुशनसीबी।

बख़्तावर (بختاور) फा. वि.—भाग्यशाली, भाग्यवान्, प्रारब्धी, क़िस्मतवर।

बख़्ते ख़ुफ़्तः (بخت خفتہ) फा. वि.—सोता हुआ नसीबः, अभागापन।

बख़्ते जवाँ (بخت جواں) फा. पुं.—वह भाग्य जो उन्नतिशील और समृद्धिवान् हो।

बख़्ते तीरः (بخت تیرہ) फा. पुं.—अँधेरी क़िस्मत, बदक़िस्मती, दुर्भाग्य।

बख़्ते ना फ़र्जाम (بخت نا فرجام) फा. पुं.—खोटी तक़दीर, दुर्भाग्य।

बख़्ते नारसा (بخت نارسا) फा. पुं.—अधूरी किस्मत, अपूर्ण भाग्य।

बख़्ते नासाज़गार (بخت ناسازگار) फा. पुं.—प्रतिकूल भाग्य, मुख़ालिफ़ क़िस्मत।

बख़्ते बरगश्तः (بخت برگشتہ) फा. पुं.—फिरा हुआ नसीबा, विरुद्ध और प्रतिकूल भाग्य।

बख़्ते बलंद (بخت بلند) फा. पुं.—ऊँचा नसीबा, सौभाग्य।

बख़्ते बेदार (بخت بیدار) फा. पुं.—जागता हुआ नसीबा, उन्नतिशील भाग्य।

बख़्ते रसा (بخت رسا) फा. पुं.—अच्छा और पूरा नसीबा, सौभाग्य।

बख़्ते सब्ज़ (بخت سبز) फा. पुं.—अच्छा नसीबा, सौभाग्य।

बख़्तोइत्तिफ़ाक़ (بخت و اتفاق) फ़ा. अ. पुं.–भाग्य और दैवयोग।

बख़्य: (بخیہ) फ़ा. पुं.–एक प्रकार की मज़्बूत सिलाई।

बख़्य:गर (بخیہ گر) फ़ा. वि.–बख़्य: करनेवाला, सीनेवाला।

बख़्य:गरी (بخیہ گری) फ़ा. स्त्री.–बख़्य: करना, सीना।

बख़्र (بخر) अ. पुं.–दुर्गंध, बास; मुँह की बास।

बख़्रुलफ़म (بخرالفم) अ. पुं.–एक रोग जिसमें मुँह से बास आती है।

बख़्श (بخش) फ़ा. पुं.–अंश, खंड, जुज़; भाग्य, हिस्सा, (प्रत्य.) देनेवाला, जैसे—'जाँबख़्श' प्राण प्रदान करनेवाला; बख़्शनेवाला, जैसे—'ख़ताबख़्श' अपराध क्षमा करनेवाला।

बख़्शाइश (بخشائش) फ़ा. स्त्री.–मुक्ति, मोक्ष, बख़्शिश।

बख़्शिंद: (بخشندہ) फ़ा. वि.–बख़्शनेवाला, देनेवाला, दाता; मोक्ष देनेवाला।

बख़्शिश (بخشش) फ़ा. स्त्री.–दान, ख़ैरात; पुरस्कार, इनआम; अनुदान, अतीय:; प्रदान, देना।

बख़्शिशनाम: (بخشش نامہ) फ़ा. पुं.–'दानपत्र', वह काग़ज़ जिसमें कुछ प्रदान करने की लिखा-पढ़ी हो।

बख़्शी (بخشی) फ़ा. पुं.–सैनिकों को वेतन बाँटनेवाला; क़स्बों में टैक्स वुसूल करनेवाला।

बख़्शीद: (بخشیدہ) फ़ा. वि.–बख़्शा हुआ, दिया हुआ; क्षमा किया हुआ; मोक्ष दिया हुआ।

बख़्शूद: (بخشودہ) फ़ा. वि.–बख़्शा हुआ, दिया हुआ।

बग़ल (بغل) फ़ा. स्त्री.–कुक्षि, काँख; पार्श्व, पहलू; छोर, किनारा; एक ओर, एक तरफ़; कुर्ते या अंगे आदि में बग़ल के नीचे लगनेवाला कपड़ा।

बग़लगीर (بغل گیر) फ़ा. वि.–आलिंगित, जो गले मिला हो, पार्श्ववर्ती, पार्श्वस्थ।

बग़ली (بغلی) फ़ा. वि.–बग़ल से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु; बग़ल का; क़ब्र का वह गढ़ा जो ज़मीन काटकर एक पहलू में बनाते हैं।

बग़ावत (بغاوت) अ. स्त्री.–द्रोह, सरकशी; सैन्य-द्रोह, फ़ौजी ग़द्र; अशांति, बद अम्नी; अवज्ञा, हुक्म उदूली।

बग़ी (بغی) अ. वि.–अवज्ञाकारी, नाफ़रमान; उद्दंड, सरकश।

बग़ैर (بغیر) फ़ा. अ. अव्य.–बिना, बे।

बग़ौर (بغور) फ़ा. अ. अव्य.–ग़ौर से, समीक्षापूर्वक।

बग़्ततन (بغتتاً) अ. अव्य.–अचानक, आकस्मिक, सहसा।

बग़्दाद (بغداد) फ़ा. पुं.–इराक़ की राजधानी, एक प्रसिद्ध और प्राचीन नगर।

बग़्ल (بغل) अ. पुं.–खच्चर, अश्वतर, वेसर।

बग़्लक (بغلک) फ़ा. स्त्री.–बग़ल का एक फोड़ा, कखौरी।

बच: (بچہ) फ़ा. पुं.–दे. 'बच्च:', दोनों शुद्ध हैं, परंतु उर्दू में 'बच्च:' बोलते हैं।

ब चश्मे अश्कबार (بہ چشم اشکبار) फ़ा. अव्य.–रोती हुई आँखों के साथ, अर्थात् रोते हुए।

ब चश्मे तर (بہ چشم تر) फ़ा. अव्य.–भीगी हुई आँखों के साथ, अर्थात् आँखों में आँसू भरे हुए।

ब चश्मे नम (بہ چشم نم) फ़ा. अव्य.–दे. 'ब चश्मे तर'।

बच्च: (بچہ) फ़ा. पुं.–बालक, शिशु; अवयस्क, नाबालिग़; छोकरा, लड़का; पुत्र, बेटा; हरेक प्राणी का शिशु; नासमझ, अबोध।

बच्च:कश (بچہ کش) फ़ा. स्त्री.–वह स्त्री जो बहुत से बच्चों की माँ हो, बहुप्रसूता।

बच्च:दान (بچہدان) फ़ा. पुं.–गर्भाशय, रहिम।

बच्च:बाज़ (بچہ باز) फ़ा. वि.–गुदमैथुनिक, इग़लामी।

बच्च:बाज़ी (بچہ بازی) फ़ा. स्त्री.–गुदमैथुन, इग़्लाम।

बच्चए आहू (بچۂ آہو) फ़ा. पुं.–हिरन का बच्चा, मृग-शावक।

बच्चए नौ (بچۂ نو) फ़ा. पुं.–नयी घटना, नया वाक़िया. नवजात शिशु।

बच्चए फ़ील (بچۂ فیل) फ़ा. अ. पुं.–हाथी का बच्चा, हस्ति-शावक।

बच्चए मीना (بچۂ مینا) फ़ा. पुं.–मदिरा, शराब।

बच्चए शुतुर (بچۂ شتر) फ़ा. पुं.–ऊँट का बच्चा, उष्ट्र-शावक।

ब जब्र (بہ جبر) अ. फ़ा. अव्य.–बलात्, ज़बरदस्ती, बलपूर्वक।

बजाँ (بجاں) फ़ा. वि.–हृदय से, प्रसन्नतापूर्वक (प्रत्य.), प्राणों में लिये हुए, जैसे—'आतशबजाँ' आग प्राणों में लिये हुए अर्थात् प्राण तपता हुआ।

बजाँ आमद: (بجاں آمدہ) फ़ा. अव्य.–जान से तंग आया हुआ।

बजा (بجا) फ़ा. वि.–उचित, मुनासिब; सत्य, ठीक, सच; शुद्ध, दुरुस्त।

बजाआवरी (بجاآوری) फ़ा. स्त्री.–आज्ञा-पालन; हुक्म पूरा करना।

बजाए ख़ुद (بجائے خود) फ़ा. अव्य.–अपनी जगह पर, स्वयं, ख़ुद।

बजानोदिल (بجان ودل) फ़ा. अव्य.–हृदय और प्राण से अर्थात् पूरी तरह से, पूर्णरूपेण।

ब ज़ा'मे ख़्वेश (بہ زعم خویش) फ़ा. अ. अव्य.–अपने ग़लत विचार में।

ब ज़िद (بہ ضد) फा.अ.अव्य.–हठपूर्वक, हठात्, ज़िद के साथ।

बजुज़ (بجز) फा. अ. अव्य.–अतिरिक्त, अलावा।

ब ज़ोर (بہ زور) फा. अव्य.–दे 'बजब्र'।

बज़्ज़ाज़ (بزاز) अ. पुं.–कपड़े का व्यापारी, वस्त्र-वणिक्।

बज़्ज़ाज़ख़ानः (بزازخانہ) अ. फा. पुं.–बाज़ार में कपड़े की मंडी, वह स्थान जहाँ कपड़े की दुकानें हों।

बज़्ज़ाज़ी (بزازی) अ. स्त्री.–कपड़े का रोज़गार, कपड़ा बेचने का काम।

बज़्म (بزم) फा. स्त्री.–सभा, गोष्ठी, महफ़िल, उदा.—"बज़्म में बर्क़े नज़र है सद तमन्ना-आफ़्रीं, दिल में है महफ़िल कोई या दिल मेरा महफ़िल में है।"

बज़्मआरा (بزم آرا) फा. वि.–सभा की शोभा बढ़ानेवाला, सभा में विराजमान।

बज़्मगाह (بزمگاہ) फा. स्त्री.–सभा का स्थान।

बज़्मनशीं (بزم نشیں) फा. वि.–सभापति, सद्रे मज्लिस।

बज़्मे अरूसी (بزم عروسی) फा. अ. स्त्री.–विवाह की महफ़िल।

बज़्मे ऐश (بزم عیش) फा. अ. स्त्री.–राग-रंग और ख़ुशी का जलसा।

बज़्मे क़दह (بزم قدح) फा. अ. स्त्री.–पान-गोष्ठी, शराब की मज्लिस।

बज़्मे नशात (بزم نشاط) फा. स्त्री.–दे. 'बज़्मे ऐश'।

बज़्मे नाज़ (بزم ناز) फा. स्त्री.–प्रेमिका की गोष्ठी।

बज़्मे मय (بزم مے) फा. स्त्री.–शराब की महफ़िल, पान-गोष्ठी।

बज़्मे मातम (بزم ماتم) फा. स्त्री.–शोक-सभा, मरनेवाले के शोक में होनेवाली सभा।

बज़्मे मुशाअरः (بزم مشاعرہ) फा. अ. स्त्री.–कवि-सम्मेलन, मुशाअरे की महफ़िल।

बज़्मे रक़्स (بزم رقص) फा. अ. स्त्री.–नाच-गाने का जलसा।

बज़्मे शादी (بزم شادی) फा. स्त्री.–विवाह का जलसा।

बज़्मे शे'र (بزم شعر) फा. अ. स्त्री.–कविगोष्ठी, मुशाअरा।

बज़्मे सुख़न (بزم سخن) फा. स्त्री.–दे. 'बज़्मे शे'र'।

बज़्मे सुरूर (بزم سرور) फा. अ. स्त्री.–दे. 'बज़्मे ऐश'; दे. 'बज़्मे मय'।

बज़्मोरज़्म (بزم ورزم) फा. स्त्री.–नाच-रंग की गोष्ठी भी और रंगभूमि अर्थात् युद्ध-क्षेत्र भी।

बज़्र (بذر) अ. पुं.–हर वह बीज जो चने से छोटा हो।

बज़्लः (بذلہ) फा. पुं.–मनोरंजन, विनोद, हँसी-मज़ाक़।

बज़्लःगो (بذلہ گو) फा. वि.–विनोदी, परिहासक, हँसी-मज़ाक़ की बातें करनेवाला।

बज़्लःगोई (بذلہ گوئی) फा. स्त्री.–विनोद, परिहास, हँसी-मज़ाक़ की बातें करना।

बज़्लःसंज (بذلہ سنج) फा. वि.–दे. 'बज़्ल:गो'।

बज़्लःसंजी (بذلہ سنجی) फा. स्त्री.–दे. 'बज़्ल:गोई'।

बज़्ल (بذل) अ. पुं.–दानशीलता, फ़ैयाज़ी।

बज़्लोजूद (بذل وجود) अ. पुं.–दानशीलता, बख़्शिश।

बज़्लोसख़ा (بذل وسخا) अ. पुं.–दे. 'बज़्लो जूद'।

बत[त्त] (بت) अ. पुं.–काटना, तराशना, विच्छेद, खंडन।

बत (بط) फा. स्त्री.–हंस, बतख़।

ब तअम्मुल (بہ تامل) फा. अ. अव्य.–सोच-विचार के; धीरे से।

ब तकल्लुफ़ (بہ تکلف) फा. अ. अव्य.–तकल्लुफ़ के साथ, संकोच के साथ।

ब तक़्रीब (بہ تقریب) फा. अ. अव्य.–अवसर पर, जैसे—'बतक़्रीबे शादी' विवाह के अवसर पर।

ब तद्रीज (بہ تدریج) फा. अ. अव्य.–क्रमशः, तरतीब से; शनैः-शनैः, धीरे-धीरे।

बतर (بتر) फा. वि.–'बदतर' का लघु., निकृष्ट, ख़राब।

ब तराज़िए तरफ़ैन (بہ تراضئی طرفین) फा. अ. अव्य.–दोनों दलों की रज़ामंदी से।

ब तरीक़े अदावत (بہ طریق عداوت) फा. अ. अव्य.–शत्रुता के रूप में।

ब तरीक़े दोस्ती (بہ طریق دوستی) फा. अ. अव्य.–मित्रता के रूप में।

ब तरीक़े मश्वरत (بہ طریق مشورت) फा. अ. अव्य.–परामर्श के रूप में।

बतल (بطل) अ. वि.–शूर, वीर, बहादुर।

बतले हुर्रीयत (بطل حریت) अ. वि.–स्वातंत्र्यशूर, आज़ादी के संग्राम में वीरता दिखानेवाला।

ब तवस्सुत (بہ توسط) फा. अ. अव्य.–द्वारा, ज़रीए से।

ब तवस्सुल (بہ توسل) फा. अ. अव्य.–दे. 'ब तवस्सुत'।

ब ताईद (بہ تائید) फा. अ. अव्य.–सहायता से, समर्थन से।

ब ता'जील (بہ تعجیل) फा.अ. अव्य.–शीघ्रता से, जल्दी से।

बतालत (بطالت) अ. स्त्री.–बेकार अर्थात् कार्यहीन होना, छुट्टी में होना।

बती (بطی) अ. वि.–मंद, सुस्त; देर करनेवाला, विलंब-कर्ता।

बतीउलअसर (بطی الاثر) अ. वि.–जो अपना गुण अर्थात् तासीर देर में दिखाये; जो दवा देर में असर करे।

बतीउलहरकत (بطی الحرکت) अ. वि.–जो बहुत धीरे-धीरे चले, मंदगामी।

ब तीबे ख़ातिर (بہ طیبِ خاطر) फा. अ. अव्य.–हर्षपूर्वक, प्रसन्नता के साथ।

बतूल (بتول) अ. वि.–सांसारिक मोह और माया के बंधनों को तोड़ फेंकनेवाला (वाली); हज़्रत फ़ातिमा की उपाधि।

ब तौए ख़ातिर (بہ طوعِ خاطر) फा. अ. अव्य.–दे. 'ब तीबे ख़ातिर'।

ब तौरे ख़ुद (بہ طورِ خود) फा. अ. अव्य.–अपने तौर पर, निजी तरीक़े से; अपनी राय से, अपनी तरफ़ से।

ब तौरे मिज़ाह (بہ طورِ مزاح) फा. अ. अव्य.–हँसी के तौर पर, मनोरंजन के लिए।

बत्ताल (بطال) अ. वि.–निकम्मा, निरर्थक; मिथ्यावादी, झूठा; शूर, वीर, बहादुर।

बत्न (بطن) अ. पुं.–उदर, पेट, जठर।

बत्नन बाद बत्निन (بطناً بعد بطناً) अ. अव्य.–पुश्त दर पुश्त, नस्ल दर नस्ल, वंशानुगत।

बत्ने मादर (بطنِ مادر) अ. फा. पुं.–माँ का पेट।

बत्श (بطش) अ. स्त्री.–कड़ा पड़ना, सख़्ती करना; आक्रमण, हम्ला।

बत्हा (بطحیٰ) अ. स्त्री.–मक्के की एक घाटी; मक्का; वह चौड़ी जगह जहाँ पानी बहता हो और जहाँ पत्थर बहुत हों।

बद (بد) फा. वि.–निकृष्ट, ख़राब; उत्पाती, शरीर; उपद्रवी, फ़सादी; निकम्मा, नाक़िस; अशुभ, मन्हूस; दुराचारी, बदचलन।

बदअंजाम (بدانجام) फा. वि.–जिसका परिणाम अशुभ हो, जो अंत में विपत्ति का कारण हो।

बदअंदेश (بداندیش) फा. वि.–बुरा सोचनेवाला, दुश्चिंतक, बदख़्वाह।

बदअंदेशी (بد اندیشی) फा. स्त्री.–बुरा सोचना, बदख़्वाही।

बदअक़ीदः (بد عقیدہ) फा. अ. वि.–जिसका धर्म-विश्वास ठीक न हो, अनास्थ; जिसे किसी व्यक्ति विशेष में जो सब का श्रद्धापात्र हो, श्रद्धा न हो।

बदअक़ीदगी (بد عقیدگی) फा. अ. स्त्री.–धर्म-विश्वास का ठीक न होना; ऐसे व्यक्ति में श्रद्धा न होना जिस पर प्रायः सभी श्रद्धा रखते हैं, बुरा विश्वास, ग़लत चीज़ पर विश्वास करना।

बदअक़्ल (بدعقل) फा. अ. वि.–हतबुद्धि, मूर्ख, बेवक़ूफ़।

बदअख़्तर (بداختر) फा. वि.–अभागा, कुभागीन, बदक़िस्मत।

बदअख़्लाक़ (بداخلاق) फा. अ. वि.–दुःशील, बेमुरव्वत; दुर्व्यवहार, जिसका व्यवहार अच्छा न हो।

बदअत्वार (بداطوار) फा. अ. वि.–दुराचारी, दुश्चरित, बदआ'माल।

बदअफ़्आल (بدافعال) फा. अ. वि.–दे. 'बदअत्वार'।

बदअमल (بدعمل) फा. अ. वि.–दुष्कर्मी, दुष्कृत्य-कर्ता, जिसका अमल अच्छा न हो।

बदअम्नी (بدامنی) फा. अ. स्त्री.–अशांति, गड़बड़; उपद्रव, दंगा; विद्रोह, बग़ावत।

बदअस्ल (بداصل) फा. अ. वि.–अकुलीन, ग़ैरशरीफ़।

बदअह्द (بدعہد) फा. अ. वि.–वादे पर क़ाइम न रहनेवाला, वचन-भंजक।

बदअह्दी (بدعہدی) फा. अ. स्त्री.–वादे पर अटल न रहना, वचन-भंजन।

बदआईन (بدآئین) फा. वि.–जिसका कोई नियम न हो, बेउसूला।

बदआईनी (بدآئینی) फा. स्त्री.–सिद्धान्तहीनता, कोई नियम न होना।

बदआग़ाज़ (بدآغاز) फा. वि.–जिसकी शुरूआत अच्छी न हो, जिसका प्रारंभ ही अनिष्टकर हो।

बदआ'माल (بداعمال) फा. अ. वि.–बुरे आचार-विचार वाला, दुराचारी।

बदआ'माली (بداعمالی) फा. अ. स्त्री.– दुराचार।

बदआमोज़ (بدآموز) फा. वि.–जिसको बुरी शिक्षा मिली हो।

बदआमोज़ी (بدآموزی) फा. स्त्री.–बुरी शिक्षा मिलना।

बदइंतिज़ामी (بدانتظامی) फा. अ. स्त्री.–प्रबंध की ख़राबी, कुव्यवस्था, कुप्रबन्ध।

बदउन्वानी (بدعنوانی) फा. अ. स्त्री.–बेक़ायदगी, नियम-विरुद्धता।

बदउसूल (بداصول) फा. अ. वि.–दे. 'बदआईन'।

बदउस्लूब (بداسلوب) फा. अ. वि.–बेढंगा, बदनुमा, कदाकार; दुराचारी, कुकर्मी, बदअमल।

बदएतिक़ाद (بداعتقاد) फा. अ. वि.–दे. 'बदअक़ीदः'।

बदएतिक़ादी (بداعتقادی) फा. अ. स्त्री.–दे. 'बदअक़ीदगी'।

बदएतिमाद (بداعتماد) फा. अ. वि.–अविश्वस्त, ग़ैर मातबर।

बदएतिमादी (بداعتمادی) फा. अ. स्त्री.–बेएतिबारी, अविश्वास।

बदऔसान (بداوسان) अ. वि.–बदहवास, घबड़ाया हुआ।

बदक़त्अ (بدقطع) फा. अ. वि.–कदाकार, कुरूप, बदसूरत।

बदक़दम (بدقدم) फा. अ. वि.–जिसका आना अनिष्टकर हो, अशुभचरण।

बदकर्दार (بدکردار) फ़ा. वि.—दुराचारी, कदाचारी; व्यभिचारी, हरामकार।

बदकर्दारी (بدکرداری) फ़ा. स्त्री.—दुराचार, कदाचार, दुष्टाचार; व्यभिचार, कामुकता, लंपटता।

बदकलाम (بدکلام) फ़ा. अ. वि.—बदकलामी करनेवाला, गालियाँ बकनेवाला; गुस्ताख़ी से बात करनेवाला।

बदकार (بدکار) फ़ा. वि.—दुराचारी, दुष्कर्मा, बुरे चाल-चलनवाला।

बदकिर्दार (بدکردار) फ़ा. वि.—बुरे काम करनेवाला, कदाचारी।

बदक़िस्मत (بدقسمت) फ़ा. अ. वि.—दुर्भाग्यवान्, बुरी तक़्दीरवाला, भाग्यहीन, हतभाग्य।

बदक़िस्मती (بدقسمتی) फ़ा. अ. स्त्री.—तक़्दीर का खोटापन, दुर्भाग्य।

बदक़ुमाश (بدقماش) फ़ा. वि.—दे. 'बदकार'।

बदक़ुवारः (بدقوارہ) फ़ा. वि.—बुरी सूरतवाला, कदाकृति, कुरूप।

बदकेश (بدکیش) फ़ा. वि.—दुष्प्रकृति, दुष्टात्मा, बुरे स्वभाववाला।

बदक़ौम (بدقوم) फ़ा. अ. वि.—अकुलीन, कमीना, नीच।

बदख़त (بدخط) फ़ा. वि.—जिसकी लिखावट अच्छी न हो, कुलेख, कदक्षर; बुरा लिखा हुआ।

बदख़ती (بدخطی) फ़ा. स्त्री.—बुरा लिखना, कुलेख।

बदख़स्लत (بدخصلت) फ़ा. अ. वि.—बुरी प्रकृतिवाला, दुष्ट स्वभाववाला, नीच प्रकृति।

बदख़स्लती (بدخصلتی) फ़ा. अ. स्त्री.—प्रकृति का खोटापन, स्वभाव की नीचता।

बदख़िसाल (بدخصال) फ़ा. अ. वि.—दे. 'बदख़स्लत'।

बदख़ुल्क़ (بدخلق) फ़ा. अ. वि.—दे 'बदअख़्लाक़'।

बदख़ुल्क़ी (بدخلقی) फ़ा. अ. स्त्री.—बदअख़्लाक़ी; दुःशीलता, बेमुरव्वती; दुराचार, बदआ'माली।

बदख़ू (بدخو) फ़ा. वि.—बुरे और कड़ुए स्वभाववाला, रूखा, दुःशील।

बदख़ूई (بدخوئی) फ़ा. स्त्री.—स्वभाव का रूखा और कड़वापन।

बदख़्वाबी (بدخوابی) फ़ा. स्त्री.—ठीक तौर से नींद न आना, नींद का बार-बार उचटना; बिलकुल नींद न आना; नींद न आने का रोग, अनिद्रा।

बदख़्वाह (بدخواہ) फ़ा. वि.—अहितचिंतक, दुश्चिंतक, बुराई चाहनेवाला।

बदख़्वाही (بدخواہی) फ़ा. स्त्री.—बदी चाहना, हित न चाहना, अशुभ चाहना।

बदख़्श (بدخش) फ़ा. पुं.—बदख़्शाँ का लघु., दे. 'बदख़्शाँ'।

बदख़्शाँ (بدخشاں) फ़ा. पुं.—अफ़्ग़ानिस्तान का एक प्रदेश जहाँ का लाल (पद्मराग) बहुत बहुमूल्य होता है।

बदख़्शानी (بدخشانی) फ़ा. वि.—जो बदख़्शाँ का हो; जो बदख़्शाँ से सम्बन्ध रखता हो।

बदख़्शी (بدخشی) फ़ा. वि.—दे. 'बदख़्शानी'।

बदगिल (بدگل) फ़ा. वि.—कुरूप, बदसूरत, कदाकार।

बदगुमान (بدگمان) फ़ा. वि.—जो किसी की ओर से बुरी धारणा रखे।

बदगुमानी (بدگمانی) फ़ा. स्त्री.—किसी की ओर से बुरा ख़याल, कुधारणा।

बदगुहर (بدگہر) फ़ा. वि.—अकुलीन, कुल का हेठा; वर्ण-संकर, दोग़ला।

बदगो (بدگو) फ़ा. वि.—बदगोई करनेवाला; गालियाँ बकनेवाला; पिशुन, चुग़ल; निंदक, झूठी बुराई करनेवाला।

बदगोई (بدگوئی) फ़ा. स्त्री.—गाली-गलौज, अपशब्द; पिशुनता, चुगुलख़ोरी; निंदा, बदनामी।

बदगोश्त (بدگوشت) फ़ा. पुं.—वह अतिरिक्त मांस जो शरीर के किसी अंग में रोग के तौर पर उत्पन्न हो जाता है।

बदगौहर (بدگوہر) फ़ा. वि.—अकुलीन, बदनस्ल।

बदचश्म (بدچشم) फ़ा. वि.—जिसकी नज़र तुरंत लगती हो, दुरक्ष; ईर्ष्यालु, मत्सरी, हासिद।

बदज़न (بدظن) फ़ा. अ. वि.—जो किसी की ओर से बुरा विचार रखे, बदगुमान.

बदज़नी (بدظنی) फ़ा. अ. स्त्री.—किसी की ओर से बुरा विचार, कुधारणा, बदगुमानी।

बदज़ाइक़ः (بدذائقہ) फ़ा. अ. वि.—जो स्वाद में अच्छा न हो, नीरस, निःस्वाद, कुस्वाद, दुःस्वादु।

बदज़ात (بدذات) फ़ा. अ. वि.—नीच, अधम, कमीना; छली, ठग; धूर्त, फ़िसीन; दुष्टाचारी, ख़बीस।

बदज़ाती (بدذاتی) फ़ा. अ. स्त्री.—नीचता, अधमता; छल, कपट; धूर्तता, मक्कारी; दुष्टाचार, ख़बासत।

बदजिलौ (بدجلو) फ़ा. तु. वि.—वह घोड़ा जो बहुत ही मुँहज़ोर हो।

बदज़ेब (بدزیب) फ़ा. वि.—भद्दा, बदनुमा, श्रीहीन।

बदज़ेह्न (بدذہن) फ़ा. अ. वि.—जिसका ज़ेह्न अच्छा न हो, मंदप्रतिभ।

बदज़ेह्नी (بدذہنی) फ़ा. अ. स्त्री.—ज़ेह्न का अच्छा न होना, बुद्धि का तेज़ न होना।

बदज़ौक़ (بدذوق) फ़ा. अ. वि.—जो पढ़ने-लिखने में दिल

न लगाये; जो किसी विशेष काम करने में दिलचस्पी न ले; जो काव्य-रसिक न हो।

बदज़ौक़ी (بدذوقی) फा. अ. स्त्री.—पढ़ने-लिखने में दिल न लगाना; किसी विशेष कार्य में रुचि न रखना; कलारसिक न होना।

बदतबार (بدتبار) फा. वि.- अकुलीन, बुरे वंश का।

बदतमीज़ (بدتمیز) फा. अ. वि.—अशिष्ट, असभ्य; उद्दंड, उजड्ड; फूहड़, बदसलीक़ः; धृष्ट, गुस्ताख़; बदज़बान।

बदतमीज़ी (بدتمیزی) फा. अ. स्त्री.—अशिष्टता; उद्दंडता; फूहड़पन; धृष्टता; अपशब्द, बदज़बानी।

बदतर (بدتر) फा. वि.—बुरे से बुरा, बहुत ख़राब।

बदतरीन (بدترین) फा. वि.—सब से बुरा, सब से ख़राब।

बदतह्ज़ीब (بدتہذیب) फा. अ. वि.—अशिष्ट, असभ्य; उद्दंड, उजड्ड; धृष्ट, गुस्ताख़; अपशब्दी, बदज़बान।

बदतह्ज़ीबी (بدتہذیبی) फा. अ. स्त्री.—अशिष्टता; उद्दंडता, धृष्टता; अपशब्द।

बदतीनत (بدطینت) फा. अ. वि.—दुष्प्रकृति, अंतः कुटिल, बदबातिन।

बदतीनती (بدطینتی) फा. अ. स्त्री.—प्रकृति की निकृष्टता, स्वभाव की अधमता।

बददिमाग़ (بددماغ) फा. अ. वि.—अहंकारी, अभिमानी, घमंडी; ज़रा-सी बात पर बुरा मान जानेवाला, नाज़ुक दिमाग़।

बददिमाग़ी (بددماغی) फा. अ. स्त्री.—अहंकार, गुरूर; ज़रा ज़रा-सी बात पर बिगड़ जाने की आदत, नाज़ुक दिमाग़ी।

बददियानत (بددیانت) फा. अ. वि.—जो अमानत में ख़ियानत करे, बेईमान।

बददियानती (بددیانتی) फा. अ. स्त्री.—अमानत में ख़ियानत करना, बेईमानी।

बददिल (بددل) फा. वि.—निराश, नाउम्मेद; मलिनचित्त, अफ़्सुर्दः; उदास, ग़मगीन।

बददिली (بددلی) फा. स्त्री.—निराशा, नाउम्मेदी; चित्त की मलिनता; उदासी।

बददुआ (بددعا) फा. अ. स्त्री.—शाप, श्राप, अनिष्ट का वचन; कोसना, बुरा कहना।

बदन (بدن) अ. पुं.—शरीर, देह, जिस्म; योनि, भग, फ़ुर्ज।

बदनज़र (بدنظر) फा. अ. वि.—जिसकी नज़र जल्द लग जाती हो; जो दूसरों को बुरी नज़र अर्थात् पाप की दृष्टि से देखता हो।

बदनज़री (بدنظری) फा. अ. स्त्री.—पाप की दृष्टि से देखना; बुरी नज़र का असर होना।

बदनज़ाद (بدنژاد) फा. वि.—अकुलीन, अजात वंश का, तुच्छ वंश का।

बदनज़्मी (بدنظمی) फा. अ. स्त्री.—कुव्यवस्था, कुप्रबन्ध, बदइंतिज़ामी।

बदनतीजः (بدنتیجہ) फा अ. वि.—दे. 'बदअंजाम'।

बदनफ़्स (بدنفس) फा. अ. वि.—दे. 'बदबातिन'।

बदनफ़्सी (بدنفسی) फा. अ. स्त्री.—मनकी निकृष्टता, अंतः-कौटिल्य।

बदनसीब (بدنصیب) फा. अ. वि.—अभागा, मंद भाग्य, बदक़िस्मत।

बदनसीबी (بدنصیبی) फा. अ. स्त्री.—भाग्य का खोटापन, तक़दीर की ख़राबी, बदक़िस्मती।

बदनस्ल (بدنسل) फा. अ. वि.—अकुलीन, वंशहीन, तुच्छ वंशीय।

बदनाम (بدنام) फा. वि.—कुख्यात, जिसकी शोहरत बुरे रूप में हो।

बदनामी (بدنامی) फा. स्त्री.—कुख्याति, बदशोहरती; अपयश, कुकीर्ति; निंदा, रुस्वाई।

बदनिगाह (بدنگاہ) फा. वि.—दे. 'बदनज़र'।

बदनिहाद (بدنہاد) फा. वि.—दे. 'बदनज़ाद'।

बदनी (بدنی) अ. वि.—शरीर सम्बन्धी; शरीर का; शरीर जनित।

बदनीयत (بدنیت) फा. अ. वि.—बेईमान, बददियानत; लोभी, लालची।

बदनीयती (بدنیتی) फा. अ. स्त्री.—बेईमानी, बददियानती; लोभ, लालच।

बदनुमा (بدنما) फा. वि.—कुरूप, बदशक्ल; दुर्दर्शन, दुर्दृश्य, भोंदा।

बदनुमाई (بدنمائی) फा. स्त्री.—कुरूपता, बदशक्ली; भोंडा, भद्दा।

बदनुमूद (بدنمود) फा. वि.—दे. 'बदनुमा'।

बदपरहेज़ (بدپرہیز) फा. वि.—वह बीमार जो परहेज न करता हो, बद एहतियात।

बदपरहेज़ी (بدپرہیزی) फा. स्त्री.—बीमार का खाने-पीने में परहेज़ न करना।

बदफ़र्जाम (بدفرجام) फा. वि.—दे. 'बदअंजाम'।

बदफ़े'ली (بدفعلی) फा. अ. स्त्री.—बुरा काम, व्यभिचार, लंपटता।

बदफ़आत (بدفعات) फा. अ. अव्य.—थोड़ा-थोड़ा करके, कई बार में।

बदबख़्त (بدبخت) फा. वि.—बदक़िस्मत, अभागा।

बदबख़्ती (بدبختی) फ़ा. स्त्री.—भाग्य की ख़राबी, अभागापन, बदक़िस्मती।

बदबला (بدبلا) फ़ा. स्त्री.—चुड़ैल, डाइन; पापी, ख़बीस।

बदबातिन (بدباطن) फ़ा. अ. स्त्री.—बुरी प्रकृतिवाला, दुरात्मा, ख़बीस।

बदबीं (بدبیں) फ़ा. वि.—बुराई देखनेवाला, छिद्रान्वेषी।

बदबीनी (بدبینی) फ़ा. स्त्री.—बुराई देखना, छिद्रान्वेषण।

बदबू (بدبو) फ़ा. वि.—जिसमें बुरी महक हो, दुर्गंधयुक्त; बुरी बास, दुर्गंध।

बदबूदार (بدبودار) फ़ा. वि.—दुर्गंधयुक्त, जिसमें बुरी बास हो।

बदमंज़र (بدمنظر) फ़ा. अ. वि.—जो देखने में बुरा और भद्दा हो, दुर्दर्शन, कुदृश्य।

बदमआल (بدمآل) फ़ा. अ. वि.—दे. 'बदअंजाम'।

बदमआश (بدمعاش) फ़ा. अ. वि.—लुच्चा, शोहदा, गुंडा, लोफ़र; जिसकी जीविका बुरे कामों से चले; चोर, उठाईगीरा, दुष्ट।

बदमआशी (بدمعاشی) फ़ा.अ. स्त्री.—लुच्चापन, गुंडापन; बुरे कामों से जीविका चलाना; चोरी, उठाईगीरापन आदि।

बदमज़ः (بدمزه) फ़ा. वि.—कुस्वाद, जिसमें मज़ा न हो; खिन्न, मलिन; उदास, अफ़्सुर्दः।

बदमज़गी (بدمزگی) फ़ा. स्त्री.—स्वाद का न होना; मन की अप्रसन्नता, उदासी; बेलुत्फ़ी, किसी काम में मज़ा न आना।

बदमज़िन्नः (بدمظنه) फ़ा. अ. वि.—वह व्यक्ति जिस पर किसी अपराध का शुब्हा हो।

बदमज़्हब (بدمذهب) फ़ा. अ. वि.—जिसने अपना धर्म त्याग दिया हो; जो विधर्मी हो गया हो, नास्तिक।

बदमज़्हबीयत (بدمذهبیت) फ़ा. अ. स्त्री.—अपना धर्म त्याग देना; नास्तिक हो जाना।

बदमस्त (بدمست) फ़ा. वि.—जो शराब आदि के कारण बहुत अधिक अचेत हो, मदोन्मत्त।

बदमस्ती (بدمستی) फ़ा. स्त्री.—शराब आदि के नशे में मस्त होना।

बदमिज़ाज (بدمزاج) फ़ा. अ. वि.—चिड़चिड़े मिज़ाज का; बुरी प्रकृति का; गुस्सैल, क्रुद्धात्मा।

बदमिज़ाजी (بدمزاجی) फ़ा. अ. स्त्री.—चिड़चिड़ापन; बुरा स्वभाव; स्वभाव का गुस्सैल होना।

बदमिह्र (بدمهر) फ़ा. वि.—बेवफ़ा, विश्वासघाती।

बदमुआमलः (بدمعامله) फ़ा. अ. वि.—जो लेन-देन में साफ़ न हो, व्यवहार कुटिल; जो मिलने-जुलने में अच्छा न हो।

बदमुआमलगी (بدمعاملگی) फ़ा. अ. स्त्री.—लेन-देन के सम्बन्ध में व्यवहार की ख़राबी; मिलने-जुलने में व्यवहार की ख़राबी।

बदमुह्र (بدمهر) फ़ा. वि.—सुअर, शूकर।

बदयक़ीन (بدیقین) फ़ा. अ. वि.—दे. 'बदएतिक़ाद'।

बदयुम्न (بدیمن) फ़ा. अ. वि.—अशुभ, अनिष्टकर, अकल्याणकारी, मनहूस।

बदयुम्नी (بدیمنی) फ़ा. अ. स्त्री.—अनिष्टि, अशुभ, अकल्याण, नुहूसत।

बदरंग (بدرنگ) फ़ा. वि.—बुरे रंग का; जिसका रंग फीका हो गया हो; खोटा, ख़राब; ताश में रंग के विरुद्ध पत्ता।

बदरंगी (بدرنگی) फ़ा. स्त्री.—बुरे रंग का होना; रंग का फीकापन; खोटापन; ताश में रंग का पत्ता न होना।

बदर (بدر) फ़ा. वि.—बाहर।

बदरग (بدرگ) फ़ा. वि.—अकुलीन, संकर, दोग़ला।

बदररौ (بدررو) फ़ा. स्त्री.—पानी निकलने की नाली, मोरी।

बदरवी (بدروی) फ़ा. स्त्री.—बुरी राह चलना, कुमार्ग गमन।

बदरवैयः (بدرویه) फ़ा. अ. वि.—ख़राब व्यवहारवाला, जिसका रवैया अच्छा न हो।

बदराह (بدراه) फ़ा. वि.—बुरी राह चलनेवाला, कुमार्गगामी।

बदरिकाब (بدرکاب) फ़ा. वि.—वह घोड़ा जो सवारी के वक़्त शरारत करे।

बदरू (بدرو) फ़ा. वि.—बुरी सूरतवाला, कुरूप, कदाकार, दुर्मुख।

बदरोज़ (بدروز) फ़ा. वि.—दे. 'बदरोज़गार'।

बदरोज़गार (بدروزگار) फ़ा. वि.—जो दिनों के फेर में फँसा हो, कालचक्रग्रस्त; बदक़िस्मत, हतभाग्य, दुर्दैव।

बदरौ (بدرو) फ़ा. वि.—बुरे रस्ते पर चलनेवाला, बदराह, कुमार्गगामी।

बदरौनक़ (بدرونق) फ़ा. वि.—हतश्री, भग्नश्री, जिसमें कोई रौनक़ न हो, उजाड़।

बदरौनक़ी (بدرونقی) फ़ा. स्त्री.—शोभा न होना, उजाड़पन।

बदर्जए ग़ायत (بدرجۂ غایت) फ़ा अ पुं.—बहुत अधिक, अत्यधिक, बहुत ज़ियादा।

बदर्जए मज्बूरी (بدرجۂ مجبوری) फ़ा. अ. पुं.—जब कोई न रहे, जब विवशता हो, मज्बूरी की हालत में।

बदर्जहा (بدرجها) फ़ा. अ. वि.—कई गुना, बहुत अधिक।

बदल (بدل) अ. पुं.—प्रतिकार, बदला; क्षतिपूर्ति, मुआवज़ा; बदले में दी हुई वस्तु; तुल्य, समान, मिस्ल।

बदलगाम (بدلگام) फा. वि.–मुँहज़ोर घोड़ा; मुहफट आदमी।

बदलहज़: (بدلہجہ) फा. अ. वि.–जिसके पढ़ने का ढंग अच्छा न हो, जिसकी आवाज़ ख़राब हो।

बदलिहाज़ (بدلحاظ) फा. अ. वि.–दुःशील, बेमुरव्वत; धृष्ट; गुस्ताख़; जिसे किसी का लिहाज़ न हो, निर्लज्ज।

बदले इश्तिराक (بدل اشتراک) अ. पुं.–समाचार पत्र का मूल्य, अथवा वार्षिक या मासिक मूल्य।

बदले मायतहल्लल (بدل مایتحلل) अ. पु.–जो चीज जाय या कम हो जाय उसकी पूर्ति।

बदवजाहत (بدوجاہت) फा. अ. वि.–जो चेहरे से रोबदार न जँचे।

बदवज़्अ (بدوضع) फा. अ. वि.–जिसकी वेष-भूषा अच्छी न हो; जिसका शील-स्वभाव शिष्ट न हो।

बदवतीरः (بدوطیرہ) फा. वि.–दे. 'बदख़ू'।

बदवी (بدوی) अ. वि.–बुद्धू, जंगली, गँवार।

बदशक्ल (بدشکل) फा. अ. वि.–कदाकार, कुरूप, बुरी सूरत, बदसूरत का।

बदशक्ली (بدشکلی) फा. अ. स्त्री.–कुरूपता, सूरत की ख़राबी, बदसूरती।

बदशिआर (بدشعار) फा. अ. वि.–दे. 'बदतीनत'।

बदशुऊर (بدشعور) फा. अ. वि.–अशिष्ट, बेतमीज़; मूर्ख, नादान।

बदशुऊरी (بدشعوری) फा. अ. स्त्री.–अशिष्टता, बेतमीज़ी; मूर्खता, नादानी।

बदशुगून (بدشگون) फा. वि.–मनहूस, अशुभ।

बदशुगूनी (بدشگونی) फा. स्त्री.–नुहूसत, शगुन का ख़राब होना।

बदशौक़ (بدشوق) फा. अ. वि.–जिसे पढ़ने-लिखने में दिलचस्पी न हो।

बदशौक़ी (بدشوقی) फा. अ. स्त्री.–पढ़ने-लिखने में रुचि का अभाव।

बदसरंजाम (بدسرانجام) फा. वि.–जिस कार्य की पूर्ति ख़राब तरह से हुई हो; जिसका अंजाम अच्छा न हो।

बदसरअंजामी (بدسرانجامی) फा. स्त्री.–किसी कार्य की पूर्ति बुरे प्रकार से होना; किसी कार्य का परिणाम बुरा होना।

बदसलीक़: (بدسلیقہ) फा. अ. वि.–जिसमें शिष्टता न हो, बेतमीज़; जिसे अच्छी तरह काम करने का ढंग न आता हो, बदशुऊर, फूहड़।

बदसलीक़गी (بدسلیقگی) अ. फा. स्त्री.–शिष्टता का अभाव; अच्छी तरह काम करने के ढंग का अभाव, बदशुऊरी।

बदसिगाल (بدسگال) फा. वि.–अशुभचिंतक; दुश्मन।

बदसिगाली (بدسگالی) फा. स्त्री.–बुराई सोचना; दुश्मनी।

बदसिरिश्त (بدسرشت) फा. वि.–दे. 'बदतीनत'।

बदसीरत (بدسیرت) फा. अ. वि.–दे. 'बदख़स्लत'।

बदसीरती (بدسیرتی) फा. अ. स्त्री.–दे. 'बदख़स्लती'।

बदसुलूकी (بدسلوکی) फा. अ. स्त्री.–बुरा बर्ताव, दुर्व्यवहार।

बदसूरत (بدصورت) फा. अ. वि.–दे. 'बदशक्ल'।

बदसूरती (بدصورتی) फा. अ. स्त्री.–दे. 'बदशक्ली'।

बदसोहबती (بدصحبتی) फा. अ. स्त्री.–बुरी सोहबत, बुरे लोगों में उठना-बैठना, कुसंगति।

बदस्तयारी (بدستیاری) फा. अव्य.–सहायता से, मदद से।

बदस्तूर (بدستور) फा. वि.–पहले की तरह, जैसा पहले था वैसा ही, यथावत्, यथापूर्व।

बदहज़्मी (بدہضمی) फा. अ. स्त्री.–खाना पूरी तरह न पचना, मंदाग्नि, अजीर्ण।

बदहवास (بدحواس) फा. अ. वि.–जिसकी अक़्ल मारी गयी हो, हतबुद्धि; जो बौखलाया हुआ हो, उद्विग्न।

बदहवासी (بدحواسی) फा. अ. स्त्री.–बुद्धि मारी जाना; बौखलाहट, उद्विग्नता।

बदहाल (بدحال) फा. अ. वि.–दुर्दशाग्रस्त, बुरे हालों कंगाल; रोग-पीड़ित, रोग से बेहाल।

बदहाली (بدحالی) फा. अ. स्त्री.–दुर्दशा, कंगाली; बीमारी से दशा की ख़राबी।

बदहीयात (بدیہیات) अ. स्त्री –दे 'बदीहीयात', दोनों शुद्ध हैं।

बदहैअत (بدہیئات) फा. अ. वि.–कुरूप, कदाकार, बदसूरत।

बदहैसियत (بدحیثیت) फा. अ. वि.–अकुलीन, ग़ैर शरीफ़; निर्धन, कंगाल; नीच, लोफ़र।

बदाँ (بداں) फा. अव्य.–बद का बहु., बुरे लोग।

बदाए' (بدائع) अ. पुं.–'बदीअ' का बहु., नयी-नयी चीज़ें।

बदाहत (بداہت) अ. स्त्री.– ऐसी स्पष्टता जिसमें प्रमाण की आवश्यकता न हो; किसी बात या चीज़ का अचानक आना।

बदाहाल (بداحال) फा. अ. अव्य.–बुरी दशा, बुरा हाल।

ब दिक़्क़त (بدقت) फा. अ. अव्य.–कठिनाई के साथ, मुश्किल से, कठिनतापूर्वक।

ब दिलोजाँ (بدل وجاں) फा. अव्य.–प्राण और हृदय से, तन-मन-धन से, पूरी तरह से।

बदीं (بدیں) फा. अव्य.–इससे।

बदींग़रज़ (بدیں غرض) फा. अ. अव्य.–इस उद्देश से, इस आशा से, इस ग़रज़ से।

बदींलिहाज (بدیں لحاظ) फा. अ. अव्य.—यह विचार करके, इस विचार से, इस बात को ध्यान में रखते हुए।

बदींवजह् (بدیں وجہ) फा. अ. अव्य.—इस कारण से, इस कारण को ध्यान में रखते हुए।

बदींसबब (بدیں سبب) फा. अ. अव्य.—इस कारण से, इस सबब से।

बदी (بدی) फा. स्त्री.—पाप, गुनाह; दोष, ऐब; अपराध, क़ुसूर; निंदा, ग़ीबत; बुराई, ख़राबी; अपकार, नुक़सान; बदख़्वाही, कृतघ्नता।

बदीअ (بدیع) अ. वि.—अनुपम, अभूत पूर्व, अजीबोग़रीब; नयी बात, अनोखी वस्तु।

बदीउज्ज़माँ (بدیع ازماں) अ. वि.—सारे संसार में अद्वितीय; अपने समय में सबसे अनोखा।

बदीउल जमाल (بدیع الجمال) अ. वि.—जिसके रूप और सौन्दर्य का जवाब न हो।

बदीउल मिसाल (بدیع المثال) अ. वि.—जिसका दूसरा नापैद हो, जिसके-जैसा दूसरा न हो, अनुपम, अद्वितीय।

बदीउल मुल्क (بدیع الملک) अ. वि.—सारे देश में जिसकी तुलना न हो।

बदीद (بدید) फा. वि.—दे. 'पदीद', दोनों शुद्ध हैं, परंतु उर्दू में 'पदीद' है।

बदील (بدیل) अ. वि.—किसी चीज़ के बदले में मिली हुई दूसरी चीज़।

बदीह (بدیہ) अ. वि.—बिना सोचे किसी बात का मन में आना; बिना सोचे तुरंत कहा हुआ शे'र आदि।

बदीहगो (بدیہہ گو) अ. फा. वि.—बिना बिचारे किसी विषय पर तुरंत बोलनेवाला, उपस्थित वक्ता; बिना सोचे।

बदीहगोई (بدیہہ گوئی) अ. फा. स्त्री.—बिना बिचारे तुरंत भाषण देना; बिना बिचारे तुरंत कविता करने वाला।

बदीही (بدیہی) अ. वि.—स्पष्ट, साफ़, जिसके लिए प्रमाण की आवश्यकता न हो।

बदीहीयात (بدیہیات) अ. स्त्री.—'बदीही' का बहु., वे बात जो स्पष्ट हैं और जिनके लिए प्रमाण की आवश्यकता न हो।

बदू (بدو) अ. पु.—अरब का ख़ानाबदोश व्यक्ति, जंगल और गाँव में रहनेवाला अरब।

बदौलत (بدولت) फा. अ. अव्य.—कारण से, सबब से; द्वारा, तुफ़ैल में।

ब नज़रे इस्लाह (بہ نظر اصلاح) फा. अ. अव्य.—सुधार और दुरुस्ती की दृष्टि से।

ब नज़रे तअम्मुक़ (بہ نظر تعمق) फा. अ. अव्य.—गहरी नज़र से, सूक्ष्म दृष्टि से, बड़े ग़ौर से।

ब नज़रे तहक़ीक़ (بہ نظر تحقیق) फा. अ. अव्य.—जाँच की दृष्टि से; गवेषणा की दृष्टि से।

ब नज़रे तहसीन (بہ نظر تحسین) फा. अ. अव्य.—कृतज्ञता की दृष्टि से, सराहनीय तौर पर।

ब नज़रे फ़िरासत (بہ نظر فراست) फा. अ. अव्य.—ताड़नेवाली दृष्टि से, ज़ेहन से।

ब नज़रे हिक़ारत (بہ نظر حقارت) अ. फा. अव्य.—तिरस्कार की दृष्टि से, घृणापूर्वक।

बनफ़्शः (بنفشہ) फा. पु.—कश्मीर का एक पौदा जो दवा के काम आता है।

बनफ़्शःज़ार (بنفشہ زار) फा. पु.—वह स्थान जहाँ बनफ़शा ही बनफ़शा हो।

ब नाचारी (بہ ناچاری) फा. अव्य.—विवशतापूर्वक, मजबूरी से, लाचारी की हालत में।

बनात (بنات) अ. स्त्री.—'बिंत' का बहु, 'लड़कियाँ', मोटा ऊनी कपड़ा।

बनातुन्ना'श (بنات النعش) अ. स्त्री.—वे सात तारे जो ध्रुव के गिर्द घूमते हैं, सप्तर्षि।

बनादिर (بنادر) अ. पु.—'बंदर' का बहु; समुद्र के तट, समंदर के साहिल।

बनानः (بنانہ) अ. स्त्री.—पाँव की उँगली।

ब निगाहे इताब (بہ نگاہ عتاب) फा. अ. अव्य.—क्रोध की दृष्टि से, ग़ुस्सा भरी आँखों से।

ब निगाहे करम (بہ نگاہ کرم) फा. अ. अव्य.—दया की दृष्टि से, मेहरबानी की नज़र से।

ब निगाहे गर्म (بہ نگاہ گرم) फा. अव्य.—तेज़-तेज़ आँखों से, क्रोध की दृष्टि से।

ब निगाहे ग़ैज़ (بہ نگاہ غیظ) फा. अ. अव्य.—दे. 'ब निगाहे इताब'।

ब निगाहे तेज़ (بہ نگاہ تیز) फा. अव्य.—दे. 'ब निगाहे गर्म'।

ब निगाहे मेह्र (بہ نگاہ مہر) फा. अव्य.—दे. 'ब निगाहे करम'।

ब निगाहे रह्म (بہ نگاہ رحم) फा. अ. अव्य.—करुणा की दृष्टि से, तरस खाते हुए।

ब निगाहे लुत्फ़ (بہ نگاہ لطف) फा. अ. अव्य.—दे. 'ब निगाहे करम'।

ब निगाहे शौक़ (بہ نگاہ شوق) फा. अ. अव्य.—उत्कंठा और लालसा की दृष्टि से, शौक़ की आँखों से।

ब निगाहे हस्रत (بہ نگاہ حسرت) फा. अ. अव्य.—हस्रत भरी दृष्टि से, ऐसी दृष्टि से जिसमें निराशा के साथ दया और करुणा की माँग हो।

बनीअम (بنی عم) अ. पु.—चचा के लड़के, चचेरे भाई।

बनीआदम (بنی آدم) अ. पुं.—मनुजात, मनुष्य, मानव, आदमी।

बनीइस्राईल (بنی اسرائیل) अ. पुं.—यहूदी, यहूदियों की उपाधि।

बनीजान (بنی جان) अ. पुं.—जिन्नों की जाति।

बनुफ़्श (بنفش) अ. वि.—नीले रंग का, कबूदी।

बनीनौअ (بنی نوع) अ. पुं.—जाति, किसी जाति के लड़के।

बनीनौए इंसान (بنی نوع انسان) अ. पुं.—मानव जाति, मनुष्यों की जाति, मानव समष्टि।

बनीनौए बशर (بنی نوع بشر) अ. पुं.—दे. 'बनीनौए इंसान'।

बपा (بپا) फा. वि.—उपस्थित, क़ाइम।

ब पासे ख़ातिर (بپاس خاطر) फा. अ. अव्य.—दिल रखने के लिए।

ब फ़ज़्ले एज़दी (بفضل ایزدی) फा. अ. अव्य.—ईश्वर की कृपा से, भगवान् की दया से।

ब फ़राग़त (بفراغت) फा. अ. अव्य.—संतोषपूवक, इत्मीनान से; सुगमतापूर्वक, आसानी से।

बफ़ा (بفا) उ. स्त्री.—सर में पड़ जानेवाली भूसी।

ब फ़िरासत (بفراست) फा.अ. अव्य.—ताड़नेवाले अनुभव से।

ब फ़ौर (بفور) फा. अ. अव्य.—तुरंत, तत्क्षण, शीघ्र ही, फ़ौरन।

बबर (ببر) अ.पुं.—दे. 'बब्र' दोनों शुद्ध हैं, परंतु 'बब्र' अधिक बोलते हैं।

ब बांगे दुहुल (به بانگ دهل) फा. अव्य.—ढोल बजाते हुए (कहना) ज़ोर-ज़ोर से सबके सामने (कहना)।

बबांगे बलंद (ببانگ بلند) फा. अव्य.—चिल्लाकर, ज़ोर-ज़ोर से (कहना) उद्घोष।

बब्र (ببر) अ. पुं.—एक जंतु जो बिल्ली के बराबर होता है, जिसके पूंछ नहीं होती और जो शेर को मार डालता है; शेर की एक जाति, यह शब्द शेर के साथ उसके विशेषण के रूप में अधिक आता है।

बम (بم) फा. पुं.—थप्पड़, चाँटा; ऊँचा स्वर।

ब मंज़िल (بمنزل) फा. अ. अव्य.—दशा में, हालत में।

ब मदारिज (بمدارج) फा. अ. अव्य.—कई दरजे, कई गुना।

ब मरातिब (بمراتب) फा. अ. अव्य.—दे. 'मदारिज'।

ब मिस्दाक़ (بمصداق) फा. अ. अव्य.—अनुसार, मुताबिक़।

ब मुक्तज़ा (بمقتضا) फा. अ. अव्य.—कारण से, के नाते।

ब मुश्किल (بمشکل) फा. अ. अव्य.—कठिनाई से, कठिनतापूर्वक, मुश्किल से।

ब मूजिब (بموجب) फा. अ. अव्य.—अनुसार, मुताबिक़।

बमूजिबे हुक्म (بموجب حکم) फा. अ. अव्य.—आज्ञानुसार, आदेशानुसार, फ़रमाने के मुताबिक़।

ब यक वक़्त (بیک وقت) फा. अ. अव्य.—एक समय में, एक वक़्त में; एक साथ।

बयाज़ (بیاض) अ. स्त्री.—श्वेतता, सफ़ेदी; कविता की कापी जो हाथ की लिखी हो।

बयाज़े शे'र (بیاض شعر) अ. स्त्री.—कविता का हस्त-लिखित संग्रह जो साथ रह सके।

ब यादगार (بیادگار) फा. अव्य.—स्मरण में, यादगारी में।

बयान (بیان) अ. पुं.—बात-चीत, वार्तालाप; भाषण, व्याख्यान, लेक्चर, तक़रीर; चर्चा, ज़िक्र; सूचना, इत्तिलाअ; परिच्छेद, बाब (पुस्तक का), अलंकार-विद्या; मुक़दमे में वादी-प्रतिवादी या साथी का इज़्हार।

बयानात (بیانات) अ. पुं.—'बयान' का बहु.।

बयाबान (بیابان) फा. पुं.—दे. 'बियाबान', शुद्ध दोनों हैं, परंतु वह अधिक शुद्ध और व्यवहृत है।

बयारः (بیارہ) फा. पुं.—बेलदार पेड़, जैसे—लौकी या ककड़ी का।

बरंगेख़्त (برانگیخته) फा. वि.—क्रोध में [illegible] हुआ, [illegible] कुपित; उकसाया हुआ।

बरंदाज़ (برانداز) फा. वि.—नष्ट करनेवाला, उजाड़नेवाला।

बर (بر) फा. अव्य.—पर, ऊपर, (उप.) किसी शब्द पर आकर विशेष अर्थ देता है, जैसे—'आमदन' आना, 'बर आमदन' निकलना, प्रकट होना।

बरअंगेख़्तः (برانگیخته) फा. अव्य.—दे. 'बरंगेख़्त', शुद्ध उच्चारण वही है।

बरअंदाज़ (برانداز) फा वि.—दे. 'बरंदाज', शुद्ध उच्चारण वही है।

बरअक्स (برعکس) फा. अ. वि.—विसदृश, प्रतिकूल, खिलाफ़; प्रत्युत, बरखिलाफ़।

बरअफ़्रोख़्तः (برافروخته) फा. वि.—दे. 'बरफ़ोख़्तः', शुद्ध उच्चारण वहीं है।

बरआवर्द (برآورد) फा. वि.—दे. 'बरावर्द' शुद्ध उच्चारण वही है।

बरआशुफ़्तः (برآشفته) फा. वि.—दे. 'बराशुफ़्तः', शुद्ध उच्चारण वही है।

बरउफ़्तादः (برافتاده)—दे. 'बरुफ़्तादः', शुद्ध उच्चारण वही है।

बरकंदः (برکنده) फा. वि.—उन्मूलित, जड़ से उखेड़ा हुआ उखेड़कर फेंका हुआ।

बरकत (برکت) अ. स्त्री.–बढ़ती, बढ़ोतरी, ज़ियादती, प्रचुरता, इफ़रात; सौभाग्य, खुश क़िस्मती; कल्याण, बहबूद; ईश्वर की ओर से गुप्तरूप में धन आदि की बढ़ोतरी।

बरक़रार (برقرار) फा. अ. वि.–स्थिर, साबित; जीवित, जिंदः; दृढ़, अचल, क़ाइम; बहाल, पुनर्नियुक्त।

बरकात (برکات) अ. उ. भा.–'बरकत' का बहु., बरकतें।

बरख़ास्तः (برخاستہ) फा. वि.–उठा हुआ।

बरख़ास्तःख़ातिर (برخاستہ‌خاطر) फा. अ. वि.–उच्चाटन, जिससे मन उचट गया हो, बददिल।

बरख़ास्तःदिल (برخاستہ‌دل) फा. वि.–दे. 'बरख़ास्तः ख़ातिर'।

बरख़ास्त (برخاست) फा. वि.–समाप्त, ख़त्म; पदच्युत, बरतरफ़; पृथक्।

बरख़ास्तगी (برخاستگی) फा. स्त्री.–समाप्ति, अंत, ख़ातिमः; पदच्युति, बरतरफ़ी, नौकरी से हटना।

बरख़िलाफ़ (برخلاف) फा. अ. वि.–प्रतिकूल, उलटा; विरुद्ध, मुख़ालिफ़; प्रत्युत, बरअक्स।

बरख़ुदग़लत (برخودغلط) फा. अ. वि.–जो अपने को कम होते हुए बहुत अधिक समझता हो।

बरख़ुर्द (برخورد) फा. वि.–सफलता, कामयाबी; सौभाग्य, ख़ुशक़िस्मती।

बरख़ुर्दार (برخوردار) फा. वि.–सौभाग्यशाली, ख़ुशनसीब; सफल मनोरथ, कामराँ; बेटा, पुत्र; संपन्न, फला-फूला।

बरख़ुर्दारी (برخورداری) फा. स्त्री.–सौभाग्य, ख़ुशक़िस्मती; सफलता, कामयाबी; संपन्नता, फलना-फूलना।

बरगश्तः (برگشتہ) फा. वि.–फिरा हुआ, प्रतिकूल; अवज्ञाकारी, उद्दंड, सरकश।

बरगश्तःऐयाम (برگشتہ‌ایام) फा. अ. वि.–जिसके दिन प्रतिकूल हों, हतभाग्य।

बरगश्तःक़िस्मत (برگشتہ‌قسمت) फा. अ. वि.–जिसका भाग्य उलटा हो गया हो, अभागा।

बरगश्तःताले' (برگشتہ‌طالع) फा. अ. वि.–दे. 'बरगश्तः क़िस्मत'।

बरगश्तःदौलत (برگشتہ‌دولت) फा. अ. वि.–जिसकी समृद्धि उससे मुँह फेर गयी हो, दुर्दशा-पीड़ित।

बरगश्तःनसीब (برگشتہ‌نصیب) फा. अ. वि.–दे. 'बरगश्तःक़िस्मत'।

बरगश्तःबख़्त (برگشتہ‌بخت) फा. वि.–दे. 'बरगश्तः-क़िस्मत'।

बरगश्तःसर (برگشتہ‌سر) फा. वि.–सर फिरा, पागल।

बरगुज़ीदः (برگزیدہ) फा. वि.–छाँटा हुआ, चुना हुआ; मनोनीत, पसंदीदः; पुनीतात्मा, मुक़द्दस।

बरगुज़ीदगी (برگزیدگی) फा. स्त्री.–पुनीतता, तक़द्दुस; छाँटना, चुनना, पसंद करना।

बरचीदः (برچیدہ) फा. वि.–चुना हुआ, छाँटा हुआ।

बरज़बाँ (برزباں) फा. वि.–जो ज़बानी याद हो, जो रटा हुआ हो, कंठस्थ, मुखाग्र।

बरजस्तः (برجستہ) फा. वि.–तड़ाक से, तुरंत, फ़ौरन; आशु, उपस्थित।

बरजस्तःगो (برجستہ‌گو) फा. वि.–उपस्थित वक्ता, बिना सोचे किसी विषय पर भाषण दे सकनेवाला; उपस्थित-कवि जो तुरंत कविता कर सके; हाज़िरजवाब, वचन-पटु, प्रगल्भ।

बरजस्तःगोई (برجستہ‌گوئی) फा. स्त्री.–तुरंत किसी विषय पर बोलना; तुरंत कविता करना; हाज़िर जवाबी।

बरजा (برجا) फा. वि.–एक स्थान पर।

ब रज़ाओरग़बत (بہ‌رضاورغبت) फा. अ. अव्य.–प्रसन्नता और रुचिपूर्वक, राज़ी-ख़ुशी से।

ब रज़ामंदी (بہ‌رضامندی) फा. अ. अव्य.–प्रसन्नतापूर्वक, सहर्ष, राज़ी के साथ।

बरजामांदः (برجاماندہ) फा. वि.–एक जगह पर ठहरा या रुका हुआ।

बरतक़दीर (برتقدیر) फा. अ. अव्य.–भाग्यवश, तक़दीर से।

बरतबक़ (برطبق) फा. अ. अव्य.–अनुसार, मुताबिक़; तुरंत, फ़ौरन।

बरतर (برتر) फा. वि.–श्रेष्ठ, उत्तम, आला; ऊँचा, बलंद।

बरतरफ़ (برطرف) फा. अ. वि.–पदच्युत, बरख़ास्त।

बरतरफ़ी (برطرفی) फा. अ. स्त्री.–पदच्युति, मौक़ूफ़ी, बरख़ास्तगी।

बरतरी (برتری) फा. स्त्री.–श्रेष्ठता, उत्तमता, बड़प्पन; ऊँचाई, बलंदी।

बरद (برد) अ. पुं.–ओला, हिमोपल।

बरदार (بردار) फा. प्रत्य.–उठानेवाला, जैसे—'नाज़ बरदार', नाज़ उठानेवाला।

बरदाश्तः (برداشتہ) फा. वि.–उठाया हुआ।

बरदाश्तःख़ातिर (برداشتہ‌خاطر) फा. वि.–जिसने अपना मन किसी चीज़ से उठा लिया हो; बेतअल्लुक़, रिक्तः खिन्न, उदास।

बरदाश्तःदिल (برداشتہ‌دل) फा. वि.–दे. 'बरदाश्तःख़ातिर'।

बरदाश्त (برداشت) फा. स्त्री.–सहनशीलता, तहम्मुल; सहन, बोझ उठाना।

बरदाश्तख़ानः (برداشت‌خانہ) फा. पुं.–सामान रखने का मकान, गोदाम।

बरफ़ोख़्तः (برفروخته) फ़ा. वि.–सिला हुआ, जुड़ा हुआ।
बररुए यार (برروےیار) फ़ा. वि.–प्रिय-मुख पर, प्रिय-आनन पर।
बरदोश (بردوش) फ़ा. अव्य.–कंधे पर, कंधे पर उठाये हुए, जैसे—'जनाज़ःबरदोश' कंधे पर अरथी धरे हुए।
बरपा (برپا) फ़ा. वि.–उपस्थित, क़ाइम, खड़ा हुआ।
बरफ़ौर (برفور) फ़ा. अ. वि.–तुरंत, शीघ्रतर, फ़ौरन।
बरफ़ोख़्तः (برافروخته) फ़ा. वि.–क्रोध में भरा हुआ, कुपित।
बरबस्त (بربست) फ़ा. वि.–नियम, क़ाइदा; विधान, क़ानून; शैली, तर्ज़।
बरबाद (برباد) फ़ा. वि.–ध्वस्त, तबाह; नष्ट, बेनामो-निशान; निर्जन, वीरान, विकृत, ख़राब; ग़ाए, नष्ट।
बरबादकुन (بربادکن) फ़ा. वि.–बरबाद करनेवाला।
बरबादी (بربادی) फ़ा. स्त्री.–विनाश, ख़ातिमः; ध्वंस, तबाही, विकृत, ख़राबी।
बरबिना (بربنا) फ़ा. अ. अव्य.–के नाते, के कारण।
बरबिनाए अदावत (بربناےعداوت) फ़ा. अ. अव्य.–शत्रुता के कारण, अदावत के नाते।
बरबिनाए इख़्लास (بربناےاخلاص) फ़ा. अ. अव्य.–मित्रता के नाते, सच्चे प्रेम के कारण।
बरबिनाए ख़ुलूस (بربناےخلوص) फ़ा. अ. अव्य.–दे. 'बर बिनाए इख़्लास'।
बरबिनाए महब्बत (بربناےمحبت) फ़ा. अ. अव्य.–प्रेम के नाते, प्रेम के कारण।
बरबिनाए मुलाक़ात (بربناےملاقات) फ़ा. अ. अव्य.–मेल-जोल के कारण।
बरमला (برملا) फ़ा वि.–मुँह पर, सामने, खुल्लम-खुल्ला।
बरमहल (برمحل) फ़ा. अ. वि.–ठीक मौक़े पर, ठीक समय पर; उचित, मौज़ूँ; बरजस्तः, मुँहतोड़।
बररू (برو) फ़ा. वि.– मुँह पर, सामने।
बररूएकार (برروےکار) फ़ा. अव्य.–कार्यान्वित, अमल में आया हुआ।
बरवक़्त (بروقت) फ़ा. अ. वि.–ठीक समय पर।
बरस (برص) अ. पुं.–सफ़ेद कोढ़, चित्र कुष्ठ, सिध्म, श्वेत्र।
बरसबील (برسبیل) फ़ा. अ. अव्य.–के तौर पर, के रूप में, के प्रसंग में।
बरसबीले ज़िक्र (برسبیل ذکر) फ़ा. अ. अव्य.–चर्चा चलने पर, चर्चा के तौर पर, चर्चा के प्रसंग में।
बरसबीले तज़्किरः (برسبیل تذکرہ) फ़ा अ अव्य –दे 'बर-सबीले ज़िक्र'।

बरसबीले दवाम (برسبیل دوام) फ़ा. अ. अव्य.–हमेशा के लिए, नित्य के लिए।
बरसबीले शिकायत (برسبیل شکایت) फ़ा. अ. अव्य.–उला-हने के रूप में।
बरसरे आम (برسرعام) फ़ा. अ. वि.–सबके सामने, सारे लोगों के सामने, खुल्लम खुल्ला।
बरसरे कार (برسرکار) फ़ा. वि.–काम पर लगा हुआ, बाकार।
बरसरे कीं (برسرکین) फ़ा. वि.–दे. 'बरसरेकीनः'।
बरसरे कीनः (برسرکینه) फ़ा. वि.–अदावत पर आमादा, मरने-मारने पर तैयार।
बरसरे ख़ुद (برسرخود) फ़ा. वि.–'बरसरे ख़्वेश'।
बरसरेख़्वेश (برسرخویش) फ़ा. वि.–स्वेच्छाचारी स्वच्छंद, ख़ुदराए।
बरसरे जंग (برسرجنگ) फ़ा. वि.–लड़ने-मरने पर तैयार, लड़ाई करने के लिए आमादा।
बरसरे बाज़ार (برسربازار) फ़ा. अव्य.–बाज़ार में, सारी जनता के सामने।
बरसरे मत्लब (برسرمطلب) फ़ा. अ. अव्य –अस्ली मतलब पर।
बरसरे मौक़ा (برسرموقعه) फ़ा. अ. अव्य.–ठीक मौक़े पर, घटनास्थल पर।
बरसे अब्यज़ (برص ابیض) अ. पुं.–वह 'बरस' जो सफ़ेद हो, जिसके धब्बे सफ़ेद हों, धवल कुष्ठ, श्वेत कुष्ठ।
बरसे अस्वद (برص اسود) अ. पु.–वह श्वेत कुष्ठ जिसके धब्बे काले हों।
बरहम (برهم) फ़ा वि.–तितर-बितर, अस्त-व्यस्त, ख़फ़ा, उलझा हुआ, क्रुद्ध, नाराज़, अप्रसन्न।
बरहमी (برهمی) फ़ा. स्त्री.–क्रोध, गुस्सा अप्रसन्नता; नाराज़ी; अस्त-व्यस्तता, तितर-बितरपना—"नियाज़े इश्क़ में कोई कमी मालूम होती है, तुम्हारी बरहमी क्यों बरहमी मालूम होती है?"—मजज़ूब।
बरह्नः (برهنه) फ़ा वि.–नग्न, नंगा, जो कपड़े न पहने हो, दिगंबर।
बरह्नःगो (برهنه‌گو) फ़ा. वि.–साफ़-साफ़ कहनेवाला, लगी-लिपटी न रखनेवाला, स्पष्टवक्ता।
बरह्नःगोई (برهنه‌گوئی) फ़ा. स्त्री.–साफ़-साफ़ कहना, लगी-लिपटी न रखना, स्पष्ट कथन।
बरह्नःपा (برهنه‌پا) फ़ा. वि.–नग्न पग, नंगे पाँव, जिसके पाँव में जूता आदि न हो।
बरह्नःपाई (برهنه‌پائی) फ़ा स्त्री –नंगे पाँव होना नंगे पाँव चलना।

बरह्नःसर (برهنه‌سر) फा. वि.–नंगे सर, जिसके सर पर टोपी आदि न हो, नग्नशिर।

बरहनगी (برهنگی) फा. स्त्री.–नग्नता, नंगापन।

बरहम (برهم) फा. वि.–अस्त-व्यस्त, तितर-बितर; क्रुद्ध, नाराज़; अप्रसन्न, ख़फ़ा; उलझा हुआ।

बरहमन (برهمن) फा. पुं.–ब्राह्मण, हिंदुओं में सर्वोच्च जाति।

बरहमोदरहम (برهم‌ودرهم) फा. पुं.–तितर-बितर, परीशान, "तुमको नसीब रोज़ बनाना हो ज़ुल्फ़ का। अपना तो हाल बरहमोदरहम बहुत है याँ।"

बराअत (برائت) अ. स्त्री.–दे. 'बरीयत'।

बराए (برائے) फा. अव्य.–लिए, प्रति, वास्ते।

बराए ख़ुदा (برائےخدا) फा. अव्य.–ईश्वर के लिए।

बराए चंदे (برائےچندے) फा. अव्य.–थोड़ी देर के लिए।

बराए नाम (برائےنام) फा. अव्य.–नाममात्र को, कहनेभर को।

बराए बैत (برائےبیت) फा. अ. अव्य.–देखो 'बराए नाम', व्यर्थ, फ़ुज़ूल; शेर की पूर्ति के लिए; भर्ती।

बराज़ (براز) अ. पुं.– दे. शुद्ध उच्चारण 'बिराज़'।

बरात (برات) अ. स्त्री.–आदेश-पत्र, हुक्मनामा; वह पत्र जिससे ख़ज़ाने से रुपया मिले, चेक।

बरादर (برادر) फा. पुं.–भ्रातृ, भाई।

बरादरकुश (برادرکش) फा. वि.–भाई को मार डालने वाला; भाई को नुक़सान पहुँचाकर अपना भला करनेवाला।

बरादरकुशी (برادرکشی) फा. स्त्री.–भाई को मार डालना; भाई को नुक़सान पहुँचाकर अपना भला करना।

बरादरज़ाद: (برادرزاده) फा. वि.–भाई का लड़का, भतीजा, भ्रातृ-सुत।

बरादरज़ादगी (برادرزادگی) फा. स्त्री.–भाई का लड़का होने का नाता।

बरादरान: (برادرانه) फा. अव्य.–भाइयों-जैसा।

बरादरी (برادری) फा. स्त्री.–एक जाति; एक जाति का व्यक्ति; भाई-बंदी।

बरादरे अख़्याफ़ी (برادراخیافی) फा. अ. पुं.–वह भाई जिनका बाप एक हो और माँएँ अलग-अलग हों, सौतेले भाई।

बरादरे अल्लाती (برادرعلاتی) फा. अ. पुं.–वह भाई जिनकी माँ एक हो और बाप अलग-अलग हों।

बरादरे कलाँ (برادرکلاں) फा. पुं.–बड़ा भाई, पूर्वज।

बरादरे ख़ुर्द (برادرخرد) फा. पुं.–छोटा भाई, अनुज।

बरादरे ख़्वांद: (برادرخوانده) फा. पुं.–जिसे भाई बना लें, मुँह बोला भाई।

बरादरे तौअम (برادرتوام) फा. अ. पुं.–एक साथ पैदा होने वाले भाई, जो एक योनि से एक समय में तले ऊपर पैदा हों, युग्म, यमल।

बरादरे निस्बती (برادرنسبتی) फा. अ. पुं.–साला, बीबी का भाई।

बरादरे बत्नी (برادربطنی) फा. अ. पुं.–सहोदर, एक पेट से पैदा, सगा भाई।

बरादरे बुज़ुर्ग (برادربزرگ) फा. पुं.–दे. 'बरादरे कलाँ'।

बरादरे रिज़ाई (برادررضاعی) फा. अ.–वे दो व्यक्ति जिन्होंने किसी एक स्त्री का दूध पिया हो।

बरादरे सुल्बी (برادر صلبی) फा. अ. पुं.–दे. "बरादरे बत्नी'।

बरादरे हक़ीक़ी (برادر حقیقی) फा. अ. पुं.–सहोदर, सगा भाई।

बराबर (برابر) फा. वि.–समान, तुल्य, यकसाँ; सदृश, मिस्ल; एक साथ, इकट्ठे; क्रमबद्ध, सिलसिलेवार; निरन्तर, लगातार; पास, समीप; बारम्बार, बार-बार; समत, हमवार।

बराबर बराबर (برابر برابر) फा. वि.–पास-पास, क़रीब-क़रीब; आधा-आधा।

बराबरी (برابری) फा. स्त्री.–समता, यकसानी; धृष्टता, गुस्ताख़ी; मुक़ाबला, सामना; उद्दंडता, सरकशी।

बरामद: (برآمده) फा. पुं.–मकान के आगे बग़ैर दरवाज़े का कोठा, दालान, ग़ुलाम गर्दिश।

बरामद (برآمد) फा. वि.–बाहर आया हुआ; बाहर जानेवाला माल, निर्यात।

बरामदगी (برآمدگی) फा. स्त्री.–बाहर आना, बरामद होना; खोये माल का किसी के पास निकलना; माल का देश के बाहर जाना।

बरामिक: (برامکه) अ. पुं.–'बर्मक' का बहु., बर्मक वंश के व्यक्ति, जो बड़े प्रतिष्ठित और दानशील थे।

बराया (برایا) अ. स्त्री.–'बरीय:' का बहु., मानव जाति, मनुष्य वर्ग।

बराबर्द: (برآورده) फा. वि.–बाहर लाया हुआ; एक मद से निकाल कर दूसरी मद में डाला हुआ।

बराबर्द (برآورد) फा. स्त्री.–तनख़्वाह का बिल; ख़र्च के हिसाब का पर्चा; तख़मीने की फ़र्द।

बरावेख़्त: (برآویخته) फा. वि.–लटकाया हुआ।

बराशुफ़्त: (برآشفته) फा. वि.–क्रुद्ध, कुपित, गुस्से में भरा हुआ।

बराहिम: (براهمه) अ. पुं.–बरहमन का बहु., ब्राह्मण लोग।

बराहीन (براهین) अ. स्त्री.–'बुर्हान' का बहु., दलीलें।

बराहे अदब (براہ ادب) फा. अ. अव्य.–आदर और सम्मान के विचार से; अदब के साथ, शिष्टतापूर्वक।

बराहे आश्ती (براہ آشتی) फा. अव्य.–मित्रता के विचार से।

बराहे इंसाफ़ (براہ انصاف) फा. अ. अव्य.–इंसाफ़ और न्याय की दृष्टि से।

बराहे एहतियात (براہ احتیاط) फा. अ. अव्य.–सावधानता के विचार से।

बराहे करम (براہ کرم) फा. अ. अव्य.–कृपया, कृपा करके।

बराहे नवाज़िश (براہ نوازش) फा. अव्य.–कृपा की दृष्टि से, कृपया, कृपा करके।

बराहे रास्त (براہ راست) फा. वि.–सीधे तौर पर, जिससे काम हो सीधा उसी से, किसी दूसरे को बीच में डाले बिना।

बरींबिना (بریں بنا) फा. अव्य.–इस कारण से, इस आधार पर, इसलिए, अतः।

बरी (بری) अ. वि.–मुक्त, आज़ाद; रिहा, बंधनमुक्त; निर्दोष, बेक़ुसूर; पृथक, अलग।

बरी उज़्ज़िम्मः (بری الذمہ) अ. वि.–जो किसी उत्तर-दायित्व से अलग हो, भारमुक्त।

बरीद (برید) अ. पुं.–पत्रवाहक, क़ासिद; दूत, एलची; डाक।

बरीयः (بریہ) अ. स्त्री.–प्राणी, जानदार, मख़लूक़।

बरीयत (بریت) अ. स्त्री.–दे. 'बरीयः', बरी होना, मुक्त होना; निरपराध होना, बेक़ुसूरी।

बरुफ़्तादः (برافتادہ) फा. वि.–नष्ट, ध्वस्त, नाबूद; दूर किया हुआ; निर्बल; पराजित।

बरुफ़्तादगी (برافتادگی) फा. स्त्री.–विनाश, ध्वंस, नाबूदगी; दूर होना, अलग होना; निर्बलता, कमज़ोरी; पराजय, हार।

बरूएकार (بروے کار) फा. अव्य.–दे. 'बररूएकार'।

बरोमंद (برومند) फा. वि.–लाभान्वित, मुस्तफ़ीज़; सफल, कामयाब; सौभाग्यशाली, ख़ुशक़िस्मत।

बरोमंदी (برومندی) फा. स्त्री.–लाभ उठाना; सफल होना; सौभाग्य।

बर्उस्साअः (براساعہ) अ. पुं.–वह दवा जो एक क्षण के अन्दर रोग से मुक्त कर दे।

बर्क़ंदाज़ (برق انداز) उ. वि.–चपरासी; सिपाही; हरकारा; बंदूक़ची; तोपची।

बर्क़ंदाज़ी (برق اندازی) उ. स्त्री.–चपरासी, सिपाही या हरकारे का काम; तोप या बंदूक़ चलाना।

बर्क़ (برق) अ. स्त्री.–चपला, तड़ित, चंचला, बिजली; विद्युत्, प्रयोग में आनेवाली बिजली, इलेक्ट्रिसिटी।

बर्क़अंदाज़ (برق انداز) अ. फा. वि.–दे. 'बर्क़ंदाज़'।

बर्क़अंदाज़ी (برق اندازی) अ. फा स्त्री.–दे. 'बर्क़ंदाज़ी'।

बर्क़अफ़्गन (برق افگن) अ. फा. वि.–बिजली गिरानेवाला, बिजलियाँ गिराकर तबाह करनेवाला, दे. 'बर्क़फ़्गन'।

बर्क़आसा (برق آسا) अ. फा. वि.–दे. 'बर्क़ासा', दोनों शुद्ध हैं, परन्तु दूसरा अधिक शुद्ध है।

बर्क़आहंग (برق آہنگ) अ. फा. वि.–दे. 'बर्क़ाहंग', दोनों शुद्ध हैं, परन्तु दूसरा अधिक शुद्ध है।

बर्क़इनाँ (برق عناں) अ. फा. वि.–बिजली के साथ चलनेवाला, अर्थात् बहुत ही चंचल और चपल।

बर्क़ख़िराम (برق خرام) अ. फा. वि.–बिजली की भाँति बहुत ही शीघ्र गतिवाला।

बर्क़गाम (برق گام) अ. फा. वि.–दे. 'बर्क़ख़िराम'।

बर्क़ज़दः (برق زدہ) अ. फा. वि.–जिसे बिजली मार गयी हो, जिसे बिजली का शोक लग गया हो, जिस पर बिजली गिरे।

बर्क़ज़दगी (برق زدگی) अ. फा. स्त्री.–बिजली का मार जाना।

बर्क़जोलाँ (برق جولاں) अ. फा. वि.–दे. 'बर्क़ख़िराम'।

बर्क़ताज़ (برق تاز) अ. फा. वि.–बिजली की तरह गिरनेवाला।

बर्क़ताब (برق تاب) अ. फा. वि.–बिजली की तरह चमकनेवाला।

बर्क़दम (برق دم) अ. फा. वि.–बहुत ही तीक्ष्ण, बहुत ही धारदार।

बर्क़निगाह (برق نگاہ) अ. फा. वि.–जिसकी आँखों में बिजलियाँ हों, जिसकी आँखें बिजलियाँ गिराती हों।

बर्क़नुमा (برق نما) अ. फा. पुं.–एक यंत्र जिससे बिजली का हाल जाना जाता है।

बर्क़फ़्गन (برق افگن) अ. फा. वि.–बिजलियाँ गिरानेवाला।

बर्क़रफ़्तार (برق رفتار) अ. फा. वि.–दे. 'बर्क़ख़िराम'।

बर्क़रफ़्तारी (برق رفتاری) अ. फा. स्त्री.–बिजली की भाँति जल्द चलना।

बर्क़रुबा (برق ربا) अ. फा. वि.–बिजली का कंडक्टर, बिजली उतारनेवाला।

बर्क़वश (برق وش) अ. फा. वि.–बिजली की भाँति चंचल, चपल और तेज़।

बर्क़शिताब (برق شتاب) अ. फा. वि.–बिजली की तरह तेज़ी से काम करनेवाला।

बर्क़सामाँ (برق ساماں) अ. फा. वि.–बिजली की चपलता, चंचलता और उसका प्रकाश आदि रखनेवाला।

बर्क़ासा (برق آسا) अ. फा. वि.–दे. 'बर्क़वश'।

बर्क़ाहंग (برق آہنگ) अ. फ़ा. वि.—बिजली-जैसी कड़क-वाला।

बर्क़िय: (برقیہ) अ. पुं.—तार, टेलीग्राफ़।

बर्क़ी (برقی) अ. वि.—बिजली का; बिजली से सम्बन्ध रखनेवाला।

बर्क़े ख़ातिफ़ (برق خاطف) अ. स्त्री.—वह बिजली जो आँखों में चकाचौंध कर दे।

बर्क़े ख़िर्मनसोज़ (برق خرمن سوز) अ. फ़ा. स्त्री.—वह बिजली जो खलियान को जला डाले।

बर्क़े जिहिंद: (برق جہندہ) अ. फ़ा. स्त्री.—तड़पनेवाली बिजली।

बर्क़े तपाँ (برق تپاں) अ. फ़ा. स्त्री.—तड़पनेवाली बिजली।

बर्क़े दमाँ (برق دماں) अ. फ़ा. स्त्री.—कुपित बिजली।

बर्क़े नाज़ (برق ناز) अ. फ़ा. स्त्री.—नाज़ोअदा की बिजली, बिजली की भाँति जला देनेवाले नाज़ोअदा।

बर्क़े नज़र (برق نظر) अ. फ़ा. स्त्री.—निगाह की बिजली, प्रेयसी का कटाक्षपात—"बज़्म म बर्क़े नज़र हैं सदतमन्ना आफ़ों, दिल में है महफ़िल कोई या दिल मेरा महफ़िल म हैं।"

बर्क़े निगाह (برق نگاہ) अ. फ़ा. स्त्री.—निगाहों की बिजली।

बर्क़े बेअमाँ (برق بے اماں) अ. फ़ा. स्त्री.—वह बिजली जिससे बचाव न हो सके, जो अवश्य ही गिरकर जान ले ले।

बर्क़े बेज़िन्हार (برق بےزنہار) अ. फ़ा. स्त्री.—दे. 'बर्क़े बेअमाँ'।

बर्ख़ (برخ) फ़ा. पुं.—अंश, भाग, हिस्सा, टुकड़ा।

बर्ग (برگ) फ़ा. पुं.—दल, पत्ता, पत्ती।

बर्गरेज़ (برگ ریز) फ़ा. वि.—ख़िज़ां का मौसिम, पतझड़।

बर्गुस्तुवाँ (برگستواں) फ़ा. पुं.—ज़ीन पर डालने का कपड़ा, पाखर।

बर्गे ख़ज़ाँ (برگ خزاں) फ़ा. पुं.—वह पत्ता जो पतझड़ के कारण पीला पड़ गया हो या पेड़ से गिर गया हो।

बर्गे ख़ज़ांदीद: (برگ خزاں دیدہ) फ़ा. पुं.—पतझड़ में गिरा हुआ पत्ता।

बर्गे ख़ज़ांरसीद: (برگ خزاں رسیدہ) फ़ा. पुं.—वह पत्ता जिसको पतझड़ ने पीला कर दिया हो।

बर्गे गुल (برگ گل) फ़ा. पुं.—गुलाब की पंखड़ी।

बर्गे नौ (برگ نو) फ़ा. पुं.—नया पत्ता, किसलय।

बर्गे सब्ज़ (برگ سبز) फ़ा. पुं.—हरा पत्ता।

बर्गो नवा (برگ ونوا) फ़ा. पुं.—खाने-पीने की सामग्री, जीवन व्यतीत करने के साधन।

बर्गोबार (برگ وبار) फ़ा. पुं.—फल और पत्ते, फल-फूल।

बर्गोसाज़ (برگ وساز) फ़ा. पुं.—साज़ोसामान।

बर्ज़ (برز) फ़ा. पुं.—कृषि, खेती, ज़िराअत; सुन्दरता, शोभा, ज़ेबाई।

बर्ज़ख़ (برزخ) अ. पुं.—परस्पर विरुद्ध रखनेवाली दो चीज़ों के बीच की तीसरी चीज़ जो दोनों से संपर्क रखे, जैसे—बंदर जो मनुष्यों और हैवानों के बीच बर्ज़ख़ है।

बर्ज़गर (برزگر) फ़ा. पुं.—कृषक, किसान।

बर्ज़गरी (برزگری) फ़ा. स्त्री.—कृषि, खेती, किसानी, काश्तकारी।

बर्ज़न (برزن) फ़ा. पुं.—गली, वीथी, कूचा।

बर्द: (بردہ) तु. पुं.—दास, ग़ुलाम; दासी, कनीज़; दाय:, धाय।

बर्द:फ़रोश (بردہ فروش) तु. फ़ा. वि.—आदमियों की ख़रीद फ़रोख़्त करनेवाला।

बर्द:फ़रोशी (بردہ فروشی) तु. फ़ा. स्त्री.—आदमियों की ख़रीद-फ़रोख़्त करना।

बर्द (برد) अ. पुं.—शीत, जाड़ा, ठंड।

बर्दे अजूज़ (برد عجوز) अ. पुं.—फागुन के आख़िरी दिनों का जाड़ा जब वह बूढ़ा हो जाता है।

बर्दे अत्राफ़ (برد اطراف) अ. पुं.—बीमार के अन्तिम समय में उसके हाथ-पाँव का ठंडा हो जाना।

बर्दे लयाली (برد لیالی) अ. पुं.—जाड़े की रातों की ठंड।

बर्ना (برنا) फ़ा. वि.—तरुण, युवा, जवान।

बर्नाई (برنائی) फ़ा. स्त्री.—तरुणता, युवावस्था, जवानी।

बर्फ़ (برف) फ़ा. उभ.—जमा हुआ पानी, जो मशीन से बनाते हैं और पानी ठंडा करने के काम आता है, हिम; पाला, तुषार; बहुत अधिक ठंडा।

बर्फ़पर्वर्द: (برف پروردہ) फ़ा. वि.—जो बर्फ़ में लगाकर ठंडा किया गया हो।

बर्फ़पोश (برف پوش) फ़ा. वि.—जो बर्फ़ से ढँका हो, हिमाच्छादित, जैसे—बर्फ़पोश पहाड़।

बर्फ़फ़रोश (برف فروش) फ़ा. वि.—बर्फ़ बेचनेवाला।

बर्फ़बारी (برف باری) फ़ा. स्त्री.—बर्फ़ गिरना, पाला पड़ना।

बर्फ़ानी (برفانی) फ़ा. वि.—बर्फ़ से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु, बर्फ़-जैसी ठंडी, बर्फ़ीली।

बर्फ़ाब (برفاب) फ़ा. पुं.—बर्फ़ से ठंडा किया हुआ पानी।

बर्फ़िस्तान (برفستان) फ़ा. पुं.—वह स्थान जहाँ बर्फ़ ही बर्फ़ हो, जहाँ बहुत बर्फ़ पड़ती हो।

बर्फ़ी (برفی) फ़ा. स्त्री.—एक प्रसिद्ध मिठाई, कलाकंद।

बर्बत (بربط) फ़ा. पुं.—एक बाजा, जो सितार की तरह होता है, परन्तु उसकी तुंबी बड़ी और लम्बाई कम होती है।

बर्बतनवाज़ (بربطنواز) फ़ा. पुं.—बर्बत बजानेवाला।

बर्बर (بربر) अ. पुं.—अफ़्रीक़ा का एक प्रदेश; इस प्रदेश के निवासी।

बर्बरीयत (بربریت) अ. स्त्री.—अत्याचार, अन्याय, ज़ुल्म; पशुता, हैवानियत।

बर्मः (برمہ) फ़ा. पुं.—लकड़ी में छेद करने का यंत्र, भेदीसार।

बर्मक (برمک) फ़ा. पुं.—एक आतशपरस्त जो बलख के आतशकदे का अग्निहोत्री था, इसकी संतान बड़े-बड़े पदों पर पहुँची और अपनी विद्वत्ता और दानशीलता के कारण बहुत प्रतिष्ठित हुई, इस संतान के व्यक्ति बर्मक नाम के कारण 'बरामिकः' कहलाये।

बर्शकाल (برشکال) फ़ा. पुं.—बरसात, वर्षाकाल।

बर्साम (برسام) फ़ा. पुं.—सीने का शोथ, ज़ातुलजंब, उरोग्रह, प्लूरसी।

बर्हमन (برہمن) फ़ा. पुं.—दे. 'बरहमन', दोनों शुद्ध हैं, ब्राह्मण, विप्र।

बर्हमनज़ादः (برہمن زادہ) फ़ा. पुं.—बरहमन का लड़का, ब्राह्मणपुत्र।

बर्हमनबचः (برہمن بچہ) फ़ा. पुं.—दे. 'बर्हमनज़ादः'।

बर्राक़ (براق) अ. वि.—उज्ज्वल, शुभ्र, बहुत सफ़ेद, धवल।

बर्राद (براد) अ. पुं.—ठंडा करनेवाला; चायदानी।

बलंद (بلند) फ़ा. वि.—उच्च, ऊँचा; प्रतिष्ठित, मुअज़्ज़ज़; महान्, अज़ीम; लंबा, दराज़; अधिक, बहुत।

बलंदअख़्तर (بلنداختر) फ़ा. वि.—जिसके ग्रह उन्नत हों, प्रतापी, तेजस्वी, इक़्बालमंद।

बलंदआवाज़ (بلندآواز) फ़ा. वि.—जिसकी आवाज़ ऊँची अथवा ज़ोरदार हो; ज़ोर से बोलनेवाला; ज़ोरदार बात कहनेवाला।

बलंदआशियाँ (بلندآشیاں) फ़ा. वि.—जिसका घोंसला बहुत ऊँचा हो, अर्थात् बलंद रुत्बेवाला।

बलंदआहंग (بلندآہنگ) फ़ा. वि.—ज़ोर से बोलनेवाला; ज़ोरदार बात कहनेवाला, अर्थात् बड़ा दा'वा करनेवाला।

बलंदइक़्बाल (بلنداقبال) फ़ा. अ. वि.—प्रतापवान्, तेजस्वी, इक़्बालमंद।

बलंदइक़्बाली (بلنداقبالی) फ़ा. अ. स्त्री.—प्रताप, तेज, इक़्बाल।

बलंदक़ामत (بلندقامت) फ़ा.अ. वि.—लंबा-तड़ंगा, दीर्घकाय।

बलंदख़याल (بلندخیال) फ़ा. अ. वि.—उच्चाशय, विशाल हृदय, फ़राख़दिल।

बलंदख़याली (بلندخیالی) फ़ा. अ. स्त्री.—फ़राख़दिली।

बलंदतर (بلندتر) फ़ा. वि.—बहुत ऊँचा, उच्चतर।

बलंदतरीन (بلندترین) फ़ा. वि.—सबसे ऊँचा, उच्चतम।

बलंदनज़र (بلندنظر) फ़ा. अ. वि.—उच्चदर्शी, उच्चाशय, बहुत ऊँची नज़र रखनेवाला।

बलंदनज़री (بلندنظری) फ़ा. अ. स्त्री.—दृष्टि का ऊँचा होना, केवल बड़ी चीज़ों और बड़े उद्देशों पर नज़र रखना।

बलंदनिगाह (بلندنگاہ) फ़ा. वि.—दे. 'बलंदनज़र'।

बलंदनिगाही (بلندنگاہی) फ़ा. स्त्री.—दे. 'बलंदनज़री'।

बलंदपरवाज़ (بلندپرواز) फ़ा. वि.—ऊँचा उड़नेवाला; बलंदख़याल, उच्चाशय।

बलंदपरवाज़ी (بلندپروازی) फ़ा. स्त्री.— फ़ा. स्त्री.—ऊँची उड़ान; आशय का उच्च होना।

बलंदपायः (بلندپایہ) फ़ा. वि.—बड़े पदवाला, बड़ी प्रतिष्ठावाला।

बलंदपायगी (بلندپایگی) फ़ा. स्त्री.—पद और प्रतिष्ठा का महान् होना।

बलंदफ़ित्रत (بلندفطرت) फ़ा. अ. वि.—जिसकी प्रकृति उच्च दर्शिनी हो।

बलंदबख़्त (بلندبخت) फ़ा. वि.—बड़े भाग्यवाला, सौभाग्यशाली, भाग्यवान्।

बलंदबाँग (بلندبانگ) फ़ा. वि.—ज़ोर से बोलनेवाला; ज़ोरदार दा'वा करनेवाला।

बलंदबाला (بلندبالا) फ़ा. वि.—दे. 'बलंदक़ामत'।

बलंदबीं (بلندبیں) फ़ा. वि.—उच्चदर्शी, बलंदनज़र, केवल बड़े उद्देशों पर दृष्टि रखनेवाला।

बलंदबीनी (بلندبینی) फ़ा.स्त्री.—उच्चदर्शिता, बलंदनज़री।

बलंदमर्तबः (بلندمرتبہ) फ़ा. अ. वि.—दे. 'बलंदपायः'।

बलंदसीरत (بلندسیرت) फ़ा. अ. वि.—दे. 'बलंदफ़ित्रत'।

बलंदहिम्मत (بلندہمت) फ़ा. अ. वि.—बड़ी हिम्मतवाला, उच्चोत्साही।

बलंदहौसलः (بلندحوصلہ) फ़ा. अ. वि.—दे. 'बलंदहिम्मत'।

बलंदी (بلندی) फ़ा. स्त्री.—उत्तुंगता, ऊँचाई; महत्त्व, अज़्मत; श्रेष्ठता, बड़ाई।

बलंदोपस्त (بلندوپست) फ़ा.पुं.—ऊँचा-नीचा, ऊँच-नीच।

बलख़ (بلخ) फ़ा. पुं.—अफ़ग़ानिस्तान का एक प्राचीन नगर जो इस समय एक छोटा-सा गाँव है।

ब लजाजत (بلجاجت) फ़ा. अ. अव्य.—नम्रतापूर्वक, आजिज़ी के साथ; गिड़गिड़ाते हुए, बिनती करते हुए।

ब लताइफ़ुल हियल (بلطائف الحیل) फ़ा. अ. अव्य.—अच्छे-अच्छे बहानों के साथ, नये-नये बहाने बनाकर।

बलद (بلد) अ. पुं.—नगर, शह्र (शहर)।

बलद (بلد) फ़ा. पुं.—पथ-प्रदर्शक, राहनुमा; नेता, लीडर।

बला (بلیٰ) अ. अव्य.—हाँ; अवश्य, ज़रूर।

बला (بلا) अ. स्त्री.–विपत्ति, आपत्ति, मुसीबत; दैवी आपत्ति, आस्मानी मुसीबत; प्रेतबाधा, आसेब; दुष्ट, शरीर; धूर्त, ख़बीस; भयानक, ख़ौफ़नाक; बहुत अधिक; कुशल, चालाक—"ऐसे झगड़े मेरी बला जाने, मैं कहाँ वह कहाँ ख़ुदा जाने।"

बलाए अज़ीम (بلاے عظیم) अ. स्त्री.–बहुत बड़ी आपत्ति।

बलाए आस्मानी (بلاے آسمانی) अ. फा. स्त्री.–दैवी आपत्ति, ग़ैबी मुसीबत, अज़ाबे इलाही।

बलाए जाँ (بلاے جاں) फा. स्त्री.–प्राणों के लिए आपत्ति का कारण, जान का जंजाल।

बलाए नागहानी (بلاے ناگہانی) फा. स्त्री.–आकस्मिक विपत्ति, अचानक आनेवाली मुसीबत।

बलाए बेदमाँ (بلاے بےدرماں) अ. फा. स्त्री.–ऐसी आपत्ति जिसका कोई तोड़ न हो, जो टल न सके।

बलाए मुजस्सम (بلاے مجسم) अ. स्त्री.–साकार विपत्ति, वह व्यक्ति जो सर से पाँव तक मुसीबत ही मुसीबत हो।

बलाए रोज़गार (بلاے روزگار) अ. फा. स्त्री.–ज़माने के लिए विपत्ति का कारण।

बलाकश (بلاکش) अ. फा. वि.–विपत्तियाँ सहनेवाला, आफ़तें झेलनेवाला।

बलाग़ (بلاغ) अ. पुं.–पहुँचाना, भेजना।

बलाग़त (بلاغت) अ. स्त्री.–गद्य या पद्य की वह शैली जिसमें अलंकारादि का प्रयोग चमत्कारपूर्वक किया जाय, साहित्य की आलंकारिक शैली।

बलाग़त आईन (بلاغت آئین) अ. फा. वि.–बलाग़त से भरा हुआ, बलीग़।

बलाग़त आमेज़ (بلاغت آمیز) अ. फा. वि.–जिस लेख में बलाग़त हो।

बलागर्दाँ (بلا گرداں) अ. फा. वि.–वह जो बलि चढ़ा दिया गया हो।

बलाज़दः (بلازدہ) अ. फा. वि.–विपत्तिग्रस्त, मुसीबत का मारा।

बलादत (بلادت) अ. स्त्री.–कुंदज़ेह्नी, बुद्धि की मंदता, प्रतिभा की कमी।

बलादते ज़ेह्न (بلادت ذہن) अ. स्त्री.–ज़ेह्न का कुंदपन, प्रतिभा का कुंठितपन।

बलादुर (بلادر) अ. पुं.–भिलावाँ, भल्लातक।

बलानसीब (بلانصیب) अ. वि.–जिसके भाग्य में आपत्तियाँ ही आपत्तियाँ हों।

बलानोश (بلانوش) अ. फा. वि.–बहुत अधिक पीनेवाला शराबी।

बलानोशी (بلانوشی) अ.फा.स्त्री.–बहुत अधिक शराब पीना।

बलाया (بلایا) अ. स्त्री.–'बलीयः' का बहु., विपत्तियाँ।

बलाहत (بلاہت) अ. स्त्री.–व्यावहारिक विषयों में ज्ञान की कमी; मूर्खता, नादानी, दे. 'बिलाहत', दोनों शुद्ध हैं।

बलीग़ (بلیغ) अ. वि.–जो बलाग़त का ज्ञाता हो; जो लेख बलाग़त से पूर्ण हो; अलंकार-शास्त्री।

बलीद (بلید) अ. वि.–जिसका ज़ेह्न मंद हो, कुंठित-बुद्धि, मंदप्रतिभ, मन्दमति।

बलीदुज़्ज़ेह्न (بلیدالذہن) अ. वि.–मंदप्रतिभ, लुप्त-बुद्धि, कुंद ज़ेह्न।

बलीयः (بلیہ) अ. पुं.–विपत्ति, आपत्ति, मुसीबत।

बलीयत (بلیت) अ. स्त्री.–आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत।

बलीयात (بلیات) अ. स्त्री.–'बलीयत' का बहु., विपत्तियाँ, आपदाएँ, बलाएँ।

बलूत (بلوط) अ. पुं.–दे. 'बल्लूत', वही शुद्ध है।

बलूर (بلور) फा. अ. पुं.–बल्लूर का लघु. दे., 'बल्लूर'।

बलेलः (بلیلہ) अ. पुं.–बहेड़ा, एक प्रसिद्ध फल, जो त्रिफला का अंश है।

बल्अमेबाऊर (بلعم باعور) अ. पुं.–एक वाक्-सिद्ध यहूदी संत जिसके श्राप से हज़्रत मूसा चालीस साल वनों में भटकते फिरे, 'बाऊर' उसका बाप था।

बल्क़ान (بلقان) अ. पुं.–यूरोप का एक प्रायद्वीप जिसमें रोमानिया, बल्गारिया, सर्विया, मक़्दूनिया अल्बानिया, यूनान और रोम सम्मिलित हैं।

बल्कि (بلکہ) अ. फा. अव्य.–वरन्, वरंच, अपितु।

बल्ग़म (بلغم) अ. पुं.–एक धातु, श्लेष्मा।

बल्ग़मी (بلغمی) अ. वि.–श्लेष्मा सम्बन्धी।

बल्दः (بلدہ) अ. पुं.–नगर, पुरी, शह्र; २१वाँ नक्षत्र, उत्तराषाढ़ा।

बल्दियः (بلدیہ) अ. स्त्री.–नगरपालिका, म्यूनिस्पैलिटी।

बल्लूर (بلور) अ. पुं.–एक मूल्यवान् शीशा, स्फटिकमणि।

बल्वा (بلوی) अ. पुं.–उपद्रव, दंगा, फ़साद; विद्रोह, बग़ावत; अशांति, बदअम्नी।

बल्साँ (بلساں) अ. पुं.–एक पेड़ जिसके पत्तों से तेल निकलता है, जिसे 'रौग़ने बल्साँ' कहते हैं, यह पेड़ अरब और मिस्र आदि में पैदा होता है।

बवज्हे अह्सन (بوجہ احسن) फा. अ. अव्य.–बहुत अच्छी तरह से।

बवज्हे हलाल (بوجہ حلال) फा. अ. अव्य.–हलाल की कमाई से।

बवातिन (بواطن) अ पुं.–'बातिन' का बहु., हृदयसमूह।

बवादी (بوادی) अ. पुं.–'वादी' का बहु., 'घाटियाँ'।
बवारिक़ (بوارق) अ. स्त्री.–'बारिक़:' का बहु., बिजलियाँ।
बवासिर (بواسیر) अ. स्त्री.–'बासूर' का बहु., एक रोग, अर्श।
बव्वाब (بواب) अ. वि.–द्वारपाल, ड्योढ़ीबान, दरबान।
बव्वाल (بوال) अ. वि.–बहुत पेशाब करनेवाला, मुतोड़ा।
बशर: (بشرہ) अ. पुं.–त्वचा, त्वक्, जिल्द, ऊपरी चमड़ा।
बशर (بشر) अ. पुं.–मनुष्य, मानव, आदमी।
बशरी (بشری) अ. वि.–मानुषिक, आदमी का; मनुष्य सम्बन्धी।
बशरीयत (بشریت) अ. स्त्री –मानवता, इंसानीयत।
बशर्ते कि (بشرطیکہ) फा. अ. अव्य.–शर्त यह है कि, इस शर्त के साथ कि।
ब शर्हे सद्र (بہ شرح صدر) फा. अ. अव्य.–जैसा लिखा है उसी के अनुसार।
बशाशत (بشاشت) अ. स्त्री.–प्रसन्नता, ख़ुशी; आनंद, उल्लास, मसर्रत; प्रफुल्लता, शगुफ़्तगी।
बशाशते क़ल्ब (بشاشت قلب) अ. स्त्री.–हृदय की प्रफुल्लता।
बशाशते रूह (بشاشت روح) अ. स्त्री.–आत्मा की प्रसन्नता।
बशीर (بشیر) अ. वि.–बुशारत देनेवाला, शुभ सूचना सुनानेवाला।
बशीरोनज़ीर (بشیرونذیر) अ वि.–शुभ सूचना देनेवाला और डरानेवाला, स्वर्ग की सूचना देनेवाला और नरक से डरानेवाला, पैग़ंबर।
बश्काल (بشکال) फा. स्त्री.–वर्षा ऋतु, बरसात।
बश्शाश (بشاش) अ. वि.–हर्षित, आनंदित, ख़ुश।
बसंद (بسند) फा. वि.–पर्याप्त, काफ़ी; प्रचुर, बहुत।
बस (بس) फा. वि.–पर्याप्त, काफ़ी; अधिक, बहुत; समाप्त, ख़त्म; केवल, सिर्फ़।
बसकि (بسکہ) फा. अव्य.–चूंकि।
बसदउम्मीद (بہ صد امید) फा. अव्य.–सैकड़ों आशाओं के साथ।
बसदमुश्किल (بہ صد مشکل) अ. फा. अव्य.–सैकड़ों कठिनाइयों के साथ।
बसबब (بہ سبب) फा. अ. अव्य.–कारण से।
बसबीले ज़िक्र (بہ سبیل ذکر) फा. अ. अव्य –ज़िक्र अथवा चर्चा चलने पर।
बसबीले तज़्किर: (بہ سبیل تذکرہ) अ. फा. अव्य.–दे. 'बसबीले ज़िक्र'।
बसबीले दवाम (بہ سبیل دوام) अ. अव्य.–हमेशा के लिए।
बसर (بصر) अ. स्त्री.–दृष्टि, नज़र।
बसर (بسر) फा. स्त्री.–गुज़ार:, गुज़र, जीवन-निर्वाह।
बसरऔक़ात (بسراوقات) फा. अ. स्त्री.–ज़िंदगी काटना, गुज़ारा करना।
बसराहत (بہ صراحت) फा. अ. अव्य.–स्पष्टता पूर्वक।
बसरी (بصری) अ. वि.–दृष्टि-सम्बन्धी।
बसरे औक़ात (بسر اوقات) फा. अ. स्त्री.–जीवन-यापन, ज़िंदगी गुज़ारना; जीविका चलाना, रोज़ी कमाना।
बसरो चश्म (بسروچشم) फा. अव्य.–सर आँखों पर, सहर्ष, ख़ुशी के साथ।
बसाँ (بساں) फा. वि.–तुल्य, समान, मिस्ल।
बसा (بسا) फा. वि.–प्रायः, बहुधा, अक्सर; बहुत, अधिक।
बसाअते सईद (بساعت سعید) फा. अ. अव्य.–शुभ मुहूर्त में, अच्छी घड़ी में।
बसाइत (بسائط) अ. पुं.–'बसीत' का बहु.।
बसाऔक़ात (بسااوقات) फा. अ. अव्य.–बहुधा, प्रायः, अक्सर।
बसातीन (بساتین) फा. पुं.–'बुस्तान' का बहु., बाग़ात।
बसारत (بصارت) अ. स्त्री.–दृष्टि, नज़र।
बसालत (بسالت) अ. स्त्री.–शूरता, वीरता, बहादुरी।
बसीग़ए राज़ (بہ صیغۂ راز) फा. अ. अव्य.–जो बात या पत्र गोपनीय हो।
बसीत् (بسیط) अ. वि.–विशाल, विस्तृत, चौड़ा चकला; वह पदार्थ या तत्त्व जो अमिश्रित और निष्केवल हो।
बसीर (بصیر) अ. वि.–देखनेवाला, द्रष्टा; दिव्य दृष्टि-वाला; ईश्वर।
बसीम (بسیم) अ. वि.–मुस्कुरानेवाला।
बसीरत (بصیرت) अ. स्त्री.–दिल की नज़र, प्रतिभा, चातुर्य, बुद्धिमत्ता, दानाई।
बसुअत (بہ سرعت) फा. अ. वि.–शीघ्रता से, तेज़ी से; जल्दी से, शीघ्र, तुरंत, जल्द।
बसूरते दीगर (بہ صورت دیگر) फा. अ. अव्य.–दूसरी अवस्था में, अन्यथा, वरना।
बस्त: (بستہ) फा. वि.–बँधा हुआ; जमा हुआ; तह किया हुआ; गाँठ; अचल; किताबें या काग़ज़ बाँधने का कपड़ा (प्रत्य.) बाँधे हुए, जैसे—कमरबस्त:, कमर कसे हुए; दस्तबस्त:, हाथ बाँधे हुए।
बस्त:आवाज़ (بستہ آواز) फा. वि.–जिसकी आवाज़ बैठ गयी हो।
बस्त:कमर (بستہ کمر) फा. वि.–कमर बाँधे हुए।
बस्त:दहन (بستہ دهن) फा. वि –जिसका मुँह बंद हो, मौन, ख़ामोश, चुप, जो बोल न सके।

बस्तःपा (بستہپا) फा वि.–जिसके पांव बँधे हों, पाबंद, मज्बूर, विवश।

बस्तःमू (بستہمو) फा. वि.–जिसके बाल बँधे हों।

बस्तःलब (بستہلب) फा. वि.–जिसके ओठ बंद हों, जो बोल न सके, चुप, अवाक्।

बस्तं (بست) फा. वि.-बंदिश, बँधाई; गाँठ।

बस्त (بسط) अ. पु.–विस्तार, फैलाव, कुशादगी; विवरण, तफ़्सील।

बस्तए ज़ंजीर (بستۂزنجیر) फा. वि.–ज़ंजीर में बँधा हुआ, शृंखलित।

बस्तए दाम (بستۂدام) फा. वि.–जाल में फँसा हुआ; रस्सी में बँधा हुआ।

बस्तए रसन (بستۂرسن) फा. वि.–रस्सी में बँधा हुआ।

बस्तगी (بستگی) फा. स्त्री.–बँधा होना; लगाव, तअल्लुक़ा।

बस्तत (بسطت) अ. स्त्री.–विस्तार, फैलाव, लंबाई-चौड़ाई।

बस्तोक़ब्ज़ (بسطوقبض) अ. पु.–फैलना और सुकड़ना, जैसे—नाड़ी (नब्ज़) का।

बस्तोकुशाद (بست وکشاد) अ. पु.–बंद होना और खुलना, खोल-बाँध, अर्थात् प्रबंध, इंतिज़ाम।

बस्तोबंद (بست وبند) फा. पु.–बंदोबस्त, प्रबंध, इंतिज़ाम।

बस्मलः (بسملہ) अ. पु.–'बिस्मिल्लाह' (पूरी) कहना।

बहक़ (بہق) अ. पु.–त्वचा के हलके धब्बे, छाप, झाई।

बहज़ार दिक़्क़त (بہزار دقت) फा. अ. अव्य.–सहस्रों आपत्तियों के साथ, हज़ारों कठिनाइयों के पश्चात्।

बहज़ार दुश्वारी (بہزار دشواری) फा. अव्य.–दे. 'बहज़ार दिक़्क़त'।

बहज़ार दुश्वारी (بہزار مشکل) फा. अ. अव्य.–दे. 'बहज़ार दिक़्क़त'।

बहज़ार मुसीबत (بہزار مصیبت) फा. अ. अव्य.–हज़ारों आपत्तियाँ और विपत्तियां झेल कर, हज़ारों मुसीबतों के साथ।

बहज़ार शौक़ (بہزار شوق) फा अ. अव्य.–सहस्रों अभिलाषाओं के साथ, बहुत बड़ी उत्कंठा के साथ।

बहद्दे (بحدے) फा. अ. अव्य–इस हद तक, यहां तक, इतना।

बहद्दे कि (بحدےکہ) फा. अ. अव्य.–यहाँ तक कि, इतना कि, इतना तक हुआ कि।

बहमःवुजूह (بہمہ وجوہ) फा. अ. अव्य.–पूर तौरपर, सर्वांगपूर्ण, पूर्णतया।

बहमः सिफ़त मौसूफ़ (بہمہ صفت موصوف) फा. अ वि.–सारी खूबियों से आरास्तः, सर्वगुणसम्पन्न।

बहम (بہم) फा. वि.–'बाहम' का लघु.; परस्पर, आपस में; मिलकर, साथ होकर, एक साथ।

बहमदीगर (بہم دیگر) फा. वि.–एक-दूसरे के साथ, परस्पर।

बहमरसानी (بہم رسانی) फा. स्त्री.–एकत्र करना, इकट्ठा करना; तलाश करके लाना।

बहमरसीदः (بہم رسیدہ) फा. वि.–तलाश करके लाया हुआ, एकत्र किया हुआ।

बहरउन्वान (بہرعنوان) फा. अ. वि.–हर प्रकार से, जैसे बने तैसे; पूरे तौर से, पूर्णतया।

बहरजा (بہرجا) फा. अव्य.–हर जगह, हर स्थान पर; जिस जगह, जहाँ।

बहरतक़्दीर (بہرتقدیر) फा. अ. वि.–हर प्रकार से, हर अवस्था में।

बहरतौर (بہرطور) फा. अ. वि.–दे. 'बहरहाल', हर प्रकार से।

बहरसूरत (بہرصورت) फा. अ. वि.–दे. 'बहरहाल' हर तरह से,—'बहरसूरत मेरे दिल की परेशानी नहीं जाती।" —जिगर।

बहरहाल (بہرحال) फा. अ. वि.–हर हाल में, हर अवस्था में; हर प्रकार से, जैसे बने वैसे।

बहा (بہا) फा. पु.–मूल्य, क़ीमत; उत्तमता, अच्छाई; शोभा, रौनक़; प्रकाश, रौशनी।

बहाइम (بہائم) अ. पु.–'बहीमः' का बहु., चौपाये, मवेशी, पशु।

बहाए खूं (بہائے خوں) फा. पु.–खूंबहा, वह धन जो किसी व्यक्ति के मार डाले जाने पर हत्यारे से दिलवाया जाय।

बहादुर (بہادر) तु. वि.–शूर, वीर, सूरमा।

बहादुरानः (بہادرانہ) तु. फा. वि.–बहादुरों-जैसा, वीरोचित।

बहादुरी (بہادری) तु. वि.–शूरता, वीरता, शजाअत।

बहानः (بہانہ) फा. पु.–मिष, व्याज, हीला; छल, धोखा, फ़रेब; टालमटोल, हीला हवाला; अवसर, मौक़ा; ऐसी बात जिसकी आड़ में कोई काम बन सके।

बहानःखू (بہانہ خو) फा. वि.–जिसका स्वभाव बहानेबाज़ी का हो।

बहानःगर (بہانہ گر) फा. वि.–दे. 'बहानःबाज़'।

बहानःगरी (بہانہ گری) फा. स्त्री.–दे. 'बहानःबाज़ी'।

बहानःजू (بہانہ جو) फा. वि.–जो ढूँढ़-ढूँढ़कर बहाने तलाश करे।

बहानःजूई (بہانہ جوئی) फा स्त्री.–रोज़ नये-नये बहाने तलाश करना।

बहानःतलब (بہانہ طلب) फा. अ. वि.–दे. 'बहानःजू'।

बहानःबाज़ (بہانہباز) फा वि.–बहाने करनेवाला।
बहानःबाज़ी (بہانہبازی) फा. स्त्री.–बहाने बनाना।
बहानःसाज़ (بہانہساز) फा. वि.–दे. 'बहानः बाज़'।
बहानःसाज़ी (بہانہسازی) फा. स्त्री.–दे. 'बहानःबाज़ी'।
बहार (بہار) फा स्त्री.–वसंत ऋतु, पुष्पकाल, फूलों का मौसिम; शोभा, रौनक़; मनोविनोद, तफ़्रीह; कौतुक, तमाशा; आनंद, लुत्फ़; जोबन-उठान; अच्छी अवस्था; परिहास, दिल्लगी।
बहारआगीं (بہارآگیں) फा. वि.–पुरबहार; शोभायमान; पुष्पित; आनन्दपूर्ण; कौतुकपूर्ण।
बहार ब दामाँ (بہاربداماں) फा. वि.–दामन में बहार की शोभाएँ लिये हुए, अपने साथ बहार की छटाएँ लिये हुए।
बहाराँ (بہاراں) फा. पुं.–वसंत ऋतु, बहार।
बहारिस्तान (بہارستان) फा. पुं.–बहारों का स्थान, जहाँ बहार ही बहार हो।
बहारीं (بہاریں) फा. वि.–बहार का, बसंत ऋतु का; बहार सम्बन्धी।
बहारे बेख़ज़ाँ (بہاربےخزاں) फा. स्त्री.–वह बहार जिसमें ख़िज़ाँ (पतझड़) न हो।
बहाल (بحال) फा. अ. वि.–नीरोग रोगमुक्त; पुनर्नियुक्त, मुअत्तली से मुक्त; स्वस्थ-तन्दुरुस्त; आनंदित, ख़ुश।
बहालते परीशाँ (بحالت پریشاں) फा. अ. वि.–बुरे हालों में, बुरी अवस्था में, कंगाली में।
बहालते मौजूदः (بحالت موجودہ) फा. अ. वि.–उपस्थित अवस्था में, इस समय, इस हालत में।
बहालाते मौजूदः (بحالات موجودہ) फा. अ. वि.–इस समय के हालात देखते हुए, इन दशाओं में।
बहाली (بحالی) फा. अ. वि.–नीरोगिता, रोगमुक्ति; पुनर्नियुक्ति, मुअत्तली से मुक्ति; स्वास्थ्य, तन्दुरुस्ती; आनंद, प्रसन्नता, ख़ुशी; मुखच्छटा, चेहरे की रौनक़।
बहाले अब्तर (بحال ابتر) फा. अ. वि.–बुरे हाल में, फटे हालों, दरिद्रता की दशा में।
बहाले कि (بحالےکہ) फा. अ. अव्य.–इस अवस्था में कि, ऐसे हाल में कि।
बहाले ख़राब (بحال خراب) फा.अ.वि.–दे. 'बहाले अब्तर'।
बहाले ख़स्तः (بحال خستہ) फा. अ. वि.–फटे हालों, में, दरिद्रता की दशा में।
बहाले परीशाँ (بحال پریشاں) फा. अ. वि.–दे. 'बहालते परीशाँ'।
बहाले बद (بحال بد) फा. अ. वि.–दे. 'बहाले अब्तर'।
बहिफ़ाज़त (بحفاظت) फा. अ. वि.–हिफ़ाज़त के साथ।
बहिस्सए मुसावी (بحصۂمساوی) फा. अ. वि.–बराबर-बराबर के भागों में, बराबर बराबर।
बहीज (بہیج) अ. वि.–हर्षित, आनंदित, शादमाँ।
बहीमः (بہیمہ) अ. वि.–पशु, चौपाया, मवेशी।
बहीमानः (بہیمانہ) अ. अव्य.–पशुओं-जैसा, उद्दंडतापूर्ण, वहशियाना।
बहीरः (بحیرہ) अ. पुं.–उपसागर, छोटा समुद्र, इसका शुद्ध उच्चारण 'बुहैरः' है, परंतु उर्दू में 'बहीरः' बोलते हैं।
बहीरए अख़्ज़र (بحیرۂاخضر) अ. पुं.–दे. 'बह्रे अख़्ज़र'।
बहीरए अब्यज़ (بحیرۂابیض) अ. पुं.–दे. 'बह्रे अब्यज़'।
बहीरए अस्वद (بحیرۂاسود) अ. पुं.–दे. 'बह्रे अस्वद'।
बहीरए क़ुल्ज़ुम (بحیرۂقلزم) अ. पुं.–दे. 'बह्रे क़ुल्ज़ुम'।
बहुक्म (بحکم) फा. अ. अव्य.–आज्ञानुसार, आदेशानुसार, हुक्म से।
बहेच (باهیچ) फा. अव्य.– व्यर्थ, निरर्थक।
बहैअते मज्मूई (بہیئت مجموعی) फा. अ. अव्य.–पूर्णरूपेण, पूरे तौर पर।
बह्जत (بہجت) अ. स्त्री.–प्रसन्नता, आनंद, हर्ष, ख़ुशी; हराभरापन, सरसब्ज़ी; शोभा, छटा, ज़ेबाई।
बह्ज़ाद (بہزاد) फा. पुं.–दे. शुद्ध उच्चारण 'बिह्ज़ाद'।
बह्त (بحت) अ. वि.–बेमेल, निर्मल, निष्केवल।
बह्बूद (بہبود) फा. स्त्री.–शुद्ध उच्चारण 'बिह्बूद' है, परंतु उर्दू में यही है, उन्नति, भलाई, कल्याण।
बह्मन (بہمن) फा. पुं.–ईरानी ग्यारहवाँ महीना जो ख़ज़ाँ का महीना है, जो हिंदुस्तानी फागुन होता है; एक कंद जो दवा में काम आता है और लाल-सफ़ेद होता है; इस्फंदयार का पुत्र।
बह्रः (بہرہ) फा. पुं.–भाग, अंश, हिस्सा।
बह्रःमंद (بہرہمند) फा. वि.–सौभाग्यशाली, ख़ुशनसीब।
बह्रयाब (بہرہیاب) फा. वि.–जिसने अपना भाग पा लिया हो; भाग्यवान्, ख़ुशक़िस्मत।
बह्रवर (بہرہور) फा. वि.–दे. 'बह्रःमंद'।
बह्र (छंद) (بحر) अ. स्त्री.–शे'र का वज़्न, वृत्त, छंद।
बह्र [भू.] (بحر) अ. पुं.–समुद्र, सागर; ओशन, महासागर।
बह्र (بہر) फा. अव्य.–लिए, वास्ते, प्रति।
बह्रए वाफ़िर (بہرۂوافر) फा. अ.–बड़ा भाग, बड़ा हिस्सा, दूसरों से अधिक भाग।
बह्राम (بہرام) फा. पुं.–मंगल राशि, मिर्रीख़; एक ईरानी नरेश।
बह्रामगोर (بہرام گور) फा. पुं.–ईरान के शासक यज़्दजुर्द

का लड़का सन् ४२० ई० में गद्दी पर बैठा, गोरखर के शिकार का शौक़ीन था, इस कारण बह्राम गोर कहलाया।

बह्रामे चोबीं (بہرام چوبیں) फा.पुं.—ईरान के चतुर्थ हुर्मुज का सेनापति था, उसे गद्दी से उतारकर आप नरेश बन बैठा (सन् ई. ५९०) और आठ महीने पश्चात् खुस्रो परवेज़ से हारकर भाग गया।

बह्रिय: (بحریہ) अ. पुं.—जलसेना, जंगी बेड़ा।

बह्री (بحری) अ. वि.—समुद्रीय, समुन्दर की; समुद्र सम्बन्धी।

बह्रुलउलूम (بحرالعلوم) अ. पुं.—विद्याओं का समुद्र, अर्थात् बहुत बड़ा और प्रचंड विद्वान्, विद्यासागर।

बह्रुलकाहिल [भू.] (بحرالکاہل) अ. पुं.—शांत महासागर।

बह्रुसीन (بحرالصین) अ. पुं.—चीन का समुद्र।

बह्रे अख्ज़र [भू.] (بحراخضر) अ. पुं.—कैसपियन (समुद्र)।

बह्रे अज़्रक़ [भू.] (بحرازرق) अ. पुं.—नील नदी की पूर्वी शाखा जो नौ सौ मील लंबी है; आकाश, आस्मान।

बह्रे अब्यज़ [भू.] (بحرابیض) अ. पुं.—रूस के उत्तर में एक छोटा समुद्र, श्वेतसागर।

बह्रे अल्मास [भू.] (بحرالماس) अ. पुं.—वह समुद्र जिसके द्वीपों में बहुमूल्य रत्नों की खानें हों।

बह्रे असम [छं.] (بحراصم) अ. स्त्री.—एक वृत्त जो उर्दू में प्रचलित नहीं है, (ररमय SIS, SIS, SSS ISS) पूरे शे'र में दोबार।

बह्रे अस्वद [भू.] (بحراسود) अ. पुं.—कृष्णसागर, ब्लैक सी, रूस के दक्षिण और अनातूलिया के उत्तर का समुद्र।

बह्रे अह्मर [भू.] (بحر احمر) अ. पुं.—दे. 'बह्रे क़ुल्ज़ुम'।

बह्रे आ'ज़म [भू.] (بحر اعظم) अ. पुं.—महासागर, ओशन।

बह्रे औक़ियानूस [भू.] (بحر اوقیانوس) अ.पुं.—अतलांतक महासागर।

बह्रे उम्मान [भू.] (بحر عمان) अ. पुं.—पूर्वी दक्षिणी अरब का समुद्र।

बह्रे कबीर [छं.] (بحر کبیر) अ. स्त्री.—व्यवहृत नहीं (मल+मल+तगु=SSS,I+SSS,I+SSI,S)—दो बार।

बह्रे क़रीब [छं.] (بحر قریب) अ. स्त्री.—उर्दू में व्यवहृत नहीं है (मल+मल+रल=ISS,I+ISS,I+SIS,I) शे'र में दो बार।

बह्रे क़लीब [छं.] (بحر قلیب) अ. स्त्री.—उर्दू में प्रचलित नहीं है (रगु+रगु+पगु=SIS,S+SIS.S+ISS,S) एक शे'र में दो बार।

बह्रे कामिल [छं.] (بحر کامل) अ. स्त्री.—उर्दू की प्रचलित बह्र (स ल गु IIS,I,S) एक शे'र में आठ बार।

बह्रे काहिल [भू.] (بحر کاہل) अ. पुं.—प्रशांत महासागर।

बह्रे क़ुल्ज़ुम [भू.] (بحر قلزم) अ. पुं.—अरब और अफ़्रीक़ा के बीच का समुद्र, लालसागर।

बह्रे ख़फ़ीफ़ [छं.] (بحر خفیف) अ. स्त्री.—इसकी शाखाएँ प्रचलित हैं, (सगु+जगु+सगु=IIS,S+ISI,S+IIS,S) शेर में दो बार।

बह्रे ख़ुदा (بحرخدا) फा. अव्य.—ईश्वर के लिए।

बह्रे चीन [भू.] (بحر چین) अ. फा. पुं.—चीनी समुद्र।

बह्रे ज़ंग [भू.] (بحر زنگ) अ. फा.—वह समुद्र जो हबश के पूर्व में है।

बह्रे जदीद [छं.] (بحر جدید) अ. स्त्री.—इसकी शाखाएँ प्रचलित हैं, (सगु+सगु+जगु=IIS,S+IIS,S+ISI,S) दो बार।

बह्रे ज़ुल्मात (بحر ظلمات) अ. पुं.—दे. 'बह्रे औक़ियानूस'।

बह्रे तवील [छं.] (بحر طویل) अ पुं—यह और इसकी शाखाएँ प्रचलित हैं (य, य, गु+य, य गु=ISS,ISS,S+IIS,ISS,S) शे'र में दो बार।

बह्रे नदामत (بحر ندامت) अ पुं—लज्जा का समुद्र, बहुत अधिक लज्जा।

बह्रे फ़ना (بحر فنا) अ पुं—मृत्यु का समुद्र।

बह्रे बसीत [छं.] (بحر بسیط) अ. स्त्री—कम व्यवहृत है, इसकी शाखाएँ चलती हैं (तगु+र+तगु+र=SSI,S+SIS SSI,S+SIS) दो बार।

बह्रे बेकराँ (بحر بے کراں) अ.फा. पुं.—वह समुद्र जिसका किनारा न हो।

बह्रे बेपायाँ (بحر بے پایاں) अ. फा. पुं.—वह समुद्र जिसका किनारा न हो; वह समुद्र जो अथाह हो।

बह्रे मग़्रिब [भू.] (بحر مغرب) अ. पुं.—यूरोप का समुद्र।

बह्रे मदीद [छं.] (بحر مدید) अ. स्त्री.—कम व्यवहृत है, शाखाएँ व्यवहृत हैं, (रगु+र+रगु+र=SIS,S+SIS+SISS SIS) दो बार।

बह्रे मव्वाज (بحر مواج) अ. पुं.—मौजें मारता हुआ समुद्र।

बह्रे मुंजमिद [भू.] (بحر منجمد) अ. पुं.—वह समुद्र जिसका पानी जमा हुआ हो।

बह्रे मुंजमिद जुनूबी [भू.] (بحر منجمد جنوبی) अ. पुं.—दक्षिणीय ध्रुव के आस-पास का समुद्र जो बहुत अधिक ठंड के कारण जमा हुआ है।

बह्रे मुंजमिद शिमाली (भू.) (بحر منجمد شمالی) अ. पुं.—उत्तरीय ध्रुव का समुद्र जो बहुत अधिक ठंड के कारण जमा हुआ है।

बह्रे मुंसरेह [छं.] (بحر منسرح) अ.स्त्री.—बहुत व्यवहृत है इसकी शाखाएँ भी (भगु+रल=SII,S+SIS,I) चार बार।

बह्रे मुक़्तज़िब [छं.] (بحر مقتضب) अ. स्त्री.—प्रचलित (रल + भगु = SIS,I + SII,S) चार बार।

बह्रे मुज़ारे' [छं.] (بحر مضارع) अ. स्त्री.—प्रचलित है, शाखाएँ भी (यल + रल = ISS,I + SISI) चार बार।

बह्रे मुज़ील [छं.] (بحر مذیل) अ. स्त्री.—प्रचलित नहीं है, (रगु = SIS,S) छै बार।

बह्रे मुजास [छं.] (بحر مجتث) अ. स्त्री.—बहुत चालू है, शाखाएँ भी (जगु + सगु = ISI,S + IIS,S) चार बार।

बह्रे मुतक़ारिब [छं.] (بحر متقارب) अ. स्त्री.—बहुत चालू है, (य = ISS) आठ बार भुजंगप्रयात।

बह्रे मुतदारिक [छं.] (بحر متدارک) अ. स्त्री.—बहुत चालू है (र = SIS) आठ बार।

बह्रे मुर्दार [भू.] (بحر مردار) अ. फा. पुं.—डेड सी, मृत-सागर।

बह्रे मुशाकिल [छं.] (بحر مشاکل) अ. स्त्री.—चालू नहीं, (रल + यगु + यगु = SIS,I + ISS,S + ISS,S) दो बार, इसकी शाखाएँ भी बहुत चालू हैं।

बह्रे रजज़ [छं.] (بحر رجز) अ. स्त्री.—बहुत चालू है, इसकी शाखाएँ भी बहुत चालू हैं, (तगु = SSI,S) आठ बार।

बह्रे रमल [छं.] (بحر رمل) अ. स्त्री.—यह और इसकी शाखाएँ बहुत चालू हैं, (रगु = SIS,S) आठ बार।

बह्रे रवाँ (بحر رواں) अ. फा. पुं.—नौका, नाव, किश्ती।

बह्रे रूम [भू.] (بحر روم) अ. पुं.—रूमसागर।

बह्रे वाफ़िर [छं.] (بحر وافر) अ. स्त्री.—इसकी शाखाएँ चालू हैं, स्वयं बहुत कम है (जलगु = ISI,I,S) आठ बार।

बह्रे सग़ीर [छं.] (بحر صغیر) अ. स्त्री.—चालू नहीं (तगु + रगु + तगु = SSI,S + SIS,S + SSI,S) दो बार।

बह्रे सरीअ [छं.] (بحر سریع) अ. स्त्री.—बहुत चालू है (भगु + भगु + रल = SIS,S + SIS,S + SIS,I) दो बार।

बह्रे सरीम [छं.] (بحر صریم) अ. स्त्री.—चालू नहीं (यगु + रगु + रगु = ISS,S + SIS,S + SIS,S) दो बार।

बह्रे सलीम [छं.] (بحر سلیم) अ. स्त्री.—चालू नहीं (तगु + मल + मल = SSI,S + SSS,I + SSS,I) दो बार।

बह्रे हज़ज [छं.] (بحر ہزج) अ. स्त्री.—बहुत चालू, इसकी शाखाएँ भी बहुत चालू हैं, रुबाई इसी से निकली है (यगु = ISS,S) आठ बार।

बह्रे हमीद [छं.] (بحر حمید) अ. स्त्री.—चालूनहीं (मल + तगु + मल = SSS,I + SSI,S + SSS,I) दो बार।

बह्रे हमीम [छं.] (بحر حمیم) अ. स्त्री.—चालू नहीं (रगु + तगु + तगु = SIS,S + SSI,S + SSI,S) दो बार।

बह्रैन [भू.] (بحرین) पुं.—श्वेतसागर और कृष्णसागर; कृष्णसागर और रूमसागर; फ़ारिस की खाड़ी जहाँ से मोती निकलता है।

बह्स (بحث) अ. स्त्री.—वादविवाद, मुबाहसः; वाक्कलह, लफ़्ज़ीजंग; मुकदमे में सुबूत और सफ़ाई आदि के बाद वकीलों का हाकिम के सामने तर्क-वितर्क।

बह्सतलब (بحث طلب) अ. वि.—जिसमें तर्क-वितर्क की आवश्यकता हो।

बह्सोतम्हीस (بحث وتمحیص) अ. स्त्री.—तर्क-वितर्क, वादविवाद।

बह्सोमुबाहसः (بحث ومباحثہ) अ. पुं.—दे. 'बह्सो तम्हीस'।

बह्हास (بحاث) अ. वि.—बहुत अधिक वाद-विवाद करनेवाला, वादरत।

बा

बाँग (بانگ) फ़ा. स्त्री.—स्वर, ध्वनि, नाद, आवाज़; नमाज़ की अज़ान; मुर्ग़े की बोली।

बाँगे अज़ाँ (بانگ اذاں) फ़ा. अ. स्त्री.—अज़ान की आवाज़, अज़ान।

बाँगे जरस (بانگ جرس) फ़ा. स्त्री.—क़ाफ़िले में बजनेवाले घंटे की आवाज़।

बाँगे दिरा (بانگ درا) फ़ा. स्त्री.—दे. 'बाँगे जरस'।

बा (با) फ़ा. उप.—शब्द शुरुआत में आकर; साथ; वाला; पूर्ण, आदि का अर्थ देता है, जैसे—'बा आबो ताब', चमक-दमक के साथ; बाईमान, ईमानवाला; बाअसर, प्रभावपूर्ण।

बाअख़्लाक़ (بااخلاق) फ़ा. अ. वि.—अच्छे शील-स्वभाव-वाला, सुशील, शिष्ट।

बाअदब (باادب) फ़ा. अ. वि.—तमीज़दार, शिष्ट।

बाअसर (بااثر) फ़ा. अ. वि.—प्रभावशाली, असरवाला।

बाआँकि (باآں کہ) फ़ा. अव्य.—इसके बावुजूद।

बाआबरू (باآبرو) फ़ा. वि.—प्रतिष्ठित, इज़्ज़तदार।

बाआबो ताब (باآب وتاب) फ़ा. वि.—चमक-दमक के साथ, शान के साथ।

बाइक़्तिदार (بااقتدار) फ़ा. अ. वि.—जिसके हाथ में सत्ता हो, सत्तावान्।

बाइख़्तियार (بااختیار) फ़ा. अ. वि.—जिसके हाथ में अधिकार हो, प्राप्ताधिकार।

बाइख़्लास (بااخلاص) फ़ा. अ. वि.—जिसमें ख़ुलूस और निष्कपटता हो।

बाइत्मीनान (بااطمینان) फ़ा. अ. वि.—विश्वस्त, मोतबर; विश्वासपात्र, ईमानदार।

बाइस (باعث) अ. पुं.–कारण, हेतु, निमित्त, सबब; मूल कारण, बुन्याद।

बाइसे इन्फ़िआल (باعث انفعال) अ.पुं.–लज्जा का कारण; पश्चात्ताप का कारण।

बाइसे इफ़्तिराक़ (باعث افتراق) अ. पुं.–फूट का कारण।

बाइसे इब्तिहाज (باعث ابتہاج) अ. पुं.–हर्ष का कारण।

बाइसे इश्तिआल (باعث اشتعال) अ पुं.–उत्तेजना का कारण।

बाइसे खुशी (باعث خوشی) अ. फ़ा. पुं.–हर्ष का कारण।

बाइसे तफ़ाख़ुर (باعث تفاخر) अ. पुं.–गर्व या मान का कारण।

बाइसे तबाही (باعث تباہی) अ. फ़ा. पुं.–बरबादी अथवा नाश का कारण।

बाइसे दिरंग (باعث درنگ) अ. फ़ा. पुं.–ढील और देर का कारण।

बाइसे नदामत (باعث ندامت) अ. पुं.–दे. 'बाइसे इन्फ़िआल'।

बाइसे निफ़ाक़ (باعث نفاق) अ. पुं.–फूट का कारण।

बाइसे परवरिश (باعث پرورش) अ. फ़ा. पुं.–कृपा का कारण

बाइसे फ़ख़्र (باعث فخر) अ. पुं.–गर्व का कारण।

बाइसे मन्फ़अत (باعث منفعت) अ. पुं.–लाभ का कारण; भलाई का कारण।

बाइसे मर्हमत (باعث مرحمت) अ. पुं.–अनुकंपा और दया का कारण।

बाइसे मसर्रत (باعث مسرت) अ. पुं.–हर्ष और आनंद का कारण।

बाइसे शकररंजी (باعث شکررنجی) अ. फ़ा. पुं.–वैमनस्य का कारण।

बाइसे शर्म (باعث شرم) अ. फ़ा. पुं.–लज्जा का कारण।

बाइसे शुक्र (باعث شکر) अ. पुं.–धन्यवाद का कारण।

बाइस्तः (بائستہ) फ़ा. वि.–योग्य, लाइक़; उत्तम, बेहतर।

बाइस्तितअत (بااستطاعت) फ़ा. अ. वि.–समर्थ, योग्य; धनवान्, मालदार।

बाइस्ते'दाद (بااستعداد) फ़ा. अ. वि.–विद्वान्, पंडित, काफ़ी पढ़ा-लिखा।

बाइस्मत (باعصمت) फ़ा. अ. वि.–सती, साध्वी, इस्मत-मआब।

बाईहमः (بایں ہمہ) फ़ा. अव्य.–इन सब बातों के बावुजूद।

बाईमान (باایمان) फ़ा. अ. वि.–धर्मनिष्ठ, ईमान का पक्का; दियानतदार, ईमानदार।

बाईसार (باایثار) फ़ा. अ. वि.–त्यागशील।

बाए (بائع) अ. वि.–बेचनेवाला, विक्रेता।

बाएतिक़ाद (بااعتقاد) फ़ा. अ. वि.–श्रद्धावान्, मोतक़िद; अच्छे एतिक़ादवाला।

बाएतिबार (بااعتبار) फ़ा. अ. वि.–विश्वस्त, मो'तबर।

बाएतिमाद (بااعتماد) फ़ा. अ. वि.–विश्वस्त, मो'तमद।

बाएहतियाज (بااحتیاج) फ़ा. अ. वि.–ज़रूरतमंद, मुहताज।

बाएहतियात (بااحتیاط) फ़ा. अ. वि.–सावधान, सावधानी से रखनेवाला, एहतियात करनेवाला।

बाएहसास (بااحساس) फ़ा. अ. वि.–स्वाभिमानी, ख़ुददार।

बाऔलाद (بااولاد) फ़ा. अ. वि.–संतानवाला।

बाक (باک) फ़ा. पुं.–भय, डर, ख़ौफ़; लज्जा, शर्म; संकोच, पसोपेश; आशंका, अंदेशा।

बाकोदो काविश (باکدوکاوش) फ़ा. अव्य.–पूरी दौड़-धूप से।

बाक़ाइदः (باقاعدہ) वि. फ़ा.–क़ाइदे से, क़रीने से, क्रम से; बाज़ाबितः।

बाकमाल (باکمال) फ़ा. अ. वि.–गुणवान्, हुनरमंद; किसी काम या हुनर में बहुत बड़ी महारत रखनेवाला।

बाकार (باکار) फ़ा. वि.–जो काम में लगा हो; जिसका ज़रीएमआश मौजूद हो, साधनसंपन्न।

बाक़ियात (باقیات) अ. उभ. पुं.–बाक़ी बची हुई वस्तुएँ।

बाक़ियातुस्सालिहात (باقیات الصالحات) अ. स्त्री.-वे अच्छे काम जिनसे नाम बाक़ी रहे; अच्छी औलाद।

बाकिरः (باکرہ) अ. स्त्री.–कुमारी, अक्षता, बिन ब्याही लड़की, दोशीज़ः।

बाक़िर (باقر) अ. पुं.–सिंह, व्याघ्र, शेर; विद्वान्, कोविद, फ़ाज़िल।

बाक़िल्लः (باقلہ) अ. पुं.–मटर।

बाक़ी (باقی) अ. स्त्री.–शेष, बचा हुआ; अमर, अनश्वर, हमेशा रहनेवाला; जो रक़म अदा होने को हो; ईश्वर का एक नाम।

बाकी (باکی) अ. वि.–रोनेवाला।

बाक़ीदार (باقی دار) अ. फ़ा. वि.–जिसके ज़िम्मे क़र्ज़ बाक़ी हो, जिसे कुछ देना रह गया हो।

बाक़ीमांदः (باقی ماندہ) अ. फ़ा. वि.–बाक़ी बचा हुआ।

बाख़ः (باخہ) तु. पुं.–कछवा, कच्छप, कूर्म।

बाख़बर (باخبر) फ़ा. अ. वि.–सचेत, सतर्क, होशियार; अभिज्ञ, वाक़िफ़; ज्ञाता, जानकार।

बाख़बरी (باخبری) फ़ा. अ. स्त्री.–सतर्कता, होशियारी; अभिज्ञता, वाक़िफ़ीयत; ज्ञान, जानकारी।

बाख़िरः (باخره) अ. स्त्री.–स्टीमर, अग्निबोट।
बाख़िरद (باخرد) फा. वि.–बुद्धिमान्, मेधावी, मनीषी, अक़्लमंद।
बाख़ुदा (باخدا) फा. वि.–सदात्मा, पुण्यात्मा, ख़ुदा-रसीदः।
बाख़ैर (باخیر) फा. अ. वि.–दानशील, फ़ैयाज़; जो सबके साथ भलाई करता हो।
बाख़्तः (باختہ) फा. वि.–हारा हुआ, जुए के दाँव पर हारा हुआ, (प्रत्य०) इन्हीं अर्थों में, जैसे—'दिलबाख़्तः' प्रेम में मन हारा हुआ।
बाख़्तनी (باختنی) फा. अव्य.–हारनेयोग्य।
बाख़्तर (باختر) फा. पुं.–पूर्व, मश्रिक़; कभी पश्चिम के लिए भी आता है; ख़ुरासान।
बाग़ (باغ) फा. पुं.–उद्यान, आराम, वाटिका, गुलिस्ताँ।
बाग़चः (باغچہ) फा. पुं.–छोटा बाग़, फुलवारी।
बाग़पैरा (باغ پیرا) फा. वि.–माली, उद्यानपाल।
बाग़बाग़ (باغ باغ) फा. वि.–बहुत ख़ुश, अति आनंदित।
बाग़बान (باغبان) फा. पुं.–उद्यानपाल, बाग़ की रखवाली करनेवाला, माली।
बाग़बानी (باغبانی) फा. स्त्री.–माली का काम, बाग़ में पौदे और फूल उगाने और उनकी देख-रेख का काम।
बाग़बाने अज़ल (باغبان ازل) फा. अ. पुं.–ईश्वर।
बाग़ियानः (باغیانہ) अ. फा. अव्य.–विद्रोहियों-जैसा, बाग़ियों-जैसा।
बाग़ी (باغی) अ. वि.–विद्रोही, बग़ावत करनेवाला; अवज्ञाकारी, सरकश।
बाग़े अद्न (باغ عدن) फा. अ. पुं.–स्वर्ग, बिहिश्त।
बाग़े आम (باغ عام) फा. अ. पुं.–कंपनीबाग़, पुरोद्यान।
बाग़े इरम (باغ ارم) फा. पुं.–वह बाग़ जो शद्दाद ने बनाया था, जन्नते शद्दाद।
बाग़े क़ुद्स (باغ قدس) फा. अ. पुं.–स्वर्ग, बिहिश्त।
बाग़े ख़ुल्द (باغ خلد) फा. अ. पुं.–स्वर्ग, बिहिश्त।
बाग़े बिहिश्त (باغ بہشت) फा. अ. पुं.–स्वर्ग,–"बाग़े बिहिश्त से मुझे हुक्मे सफ़र दिया था क्यों? कारे जहाँ दराज़ है अब मेरा इंतिज़ार कर।"—इक़बाल।
बाग़े जिनाँ (باغ جناں) फा. अ. पुं.–स्वर्ग, बिहिश्त।
बाग़े रिज़्वाँ (باغ رضواں) फा. अ. पुं.–स्वर्ग, बिहिश्त।
बाग़े वहश (باغ وحش) फा. अ. पुं.–अजाइब घर जिसमें हर प्रकार के जीव जंतु हों, जंतुशाला।
बाग़े शद्दाद (باغ شداد) फा. अ. पुं.–वह कृत्रिम स्वर्ग जो शद्दाद ने बनाया था, और जिसमें प्रवेश करते समय, वह घोड़े से गिरकर मर गया।
बाग़ैरत (باغیرت) फा. अ. वि.–स्वाभिमानी, ख़ुददार; लज्जावान्, बाहया।
बाग़ोबहार (باغ و بہار) फा. स्त्री.–शोभायमान, बारौनक़।
बाचश्मेतर (باچشم تر) फा. अव्य.–आँखों में आँसू डबडबाते हुए, रोते हुए।
बाचश्मेनम (باچشم نم) फा. अव्य.–दे 'बा चश्मेतर'।
बाज (باج) फा पुं.–ख़िराज, चौथ।
बाज़ (باز) फा पुं.–एक प्रसिद्ध पक्षी, श्येन; पुनः, फिर, (प्रत्य.)।
बा'ज़ (بعض) अ. वि.–कतिपय, चंद; कोई-कोई।
बाज़ख़्वास्त (بازخواست) फा. स्त्री.–खोज, तलाश; वापस माँगना।
बाज़ख़्वाह (بازخواه) फा. वि.–वापस माँगनेवाला।
बाज़ख़्वाही (بازخواہی) फा. स्त्री.–वापस माँगना।
बाज़गश्त (بازگشت) फा. स्त्री.– वापसी, लौटना।
बाजगीर (باج گیر) फा. वि.–ख़िराज लेनेवाला।
बाजगुज़ार (باج گزار) फा. वि.–ख़िराज देनेवाला।
बाजदार (باج دار) फा. वि.–दे. 'बाजगीर'।
बाज़दा'वा (بازدعوی) फा. अ. पुं.–दावे से दस्तबरदार होना, नालिश वापस लेना।
बाज़दीद (بازدید) फा. स्त्री.–जवाबी मुलाक़ात, किसी के मिलने के लिए आने पर उसकी मुलाक़ात को उसके घर जाना।
बाज़पसीं (بازپسیں) फा वि.–आख़िरी वक़्त, मरने का समय, अंतिम काल।
बाज़पुर्स (بازپرس) फा. स्त्री.–पूछगछ, मुआख़ज़ः।
बाजमाअत (باجماعت) फा. अ. वि.–जमाअत के साथ नमाज़, मस्जिद में सबके साथ की नमाज़।
बाज़मानत (باضمانت) फा. अ. वि.–ज़मानत के साथ जिसके साथ ज़मानत भी देना पड़े।
बाजमाल (باجمال) फा. अ. वि.–रूपवान्, सुंदर, मनोहर, हसीन।
बाज़याफ़्तः (بازیافتہ) फा. वि.–फिर पाया हुआ।
बाज़याफ़्तगी (بازیافتگی) फा. स्त्री.–फिर से पाना, खोयी हुई चीज़ का मिल जाना।
बाज़याबी (بازیابی) फा. स्त्री.–दे. 'बाज़याफ़्तगी'।
बाज़रगाँ (بازرگاں) फा. पुं.–'बाज़ारगाँ' का लघु, सौदागर, व्यापारी, वणिक्।
बाज़रगानी (بازرگانی) फा. पुं.–व्यापार, सौदागरी।

बाज़राए (بازرائع) फा. अ. वि.–जिसके पास साधन हों, जो वसीले रखता हो।

बाज़ाइक़ः (باذائقہ) फा. अ. वि.–स्वादिष्ठ, मज़ेदार, सुस्वाद।

बाज़ाबितः (باضابطہ) फा. अ. वि.–क़ानूनी तौर पर नियमपूर्वक, नियमबद्ध, बाक़ाइदः।

बाज़ार (بازار) फा. पुं.–हाट, बज़ार।

बाज़ारगाँ (بازارگاں) फा. पुं.–वणिक्, व्यापारी।

बाज़ारी (بازاری) फा. वि.–बाज़ार का; बाज़ार से सम्बन्ध रखनेवाला; लोफ़र, कमीना, अगर स्त्री के लिए हो तो वेश्या।

बाज़ारे हुस्न (بازارحسن) फा. अ. पुं.–चकला, रंडीखाना; वह स्थान जहाँ बहुत-सी रूपवती स्त्रियाँ एकत्र हों।

बाज़िंदः (بازندہ) फा. वि.–धूर्त, चालाक; ऐयार, वंचक, छली; खिलाड़, खिलाड़ी।

बाज़िंदगी (بازندگی) फा. स्त्री.–धूर्तता, मक्कारी; वंचकता, छल; खिलाड़ीपन।

बाज़िल (باذل) अ. वि.–वदान्य, दानशील, सखी, फ़ैयाज़।

बाजी (باجی) फा. वि.–बाज देनेवाला, खिराज देनेवाला।

बाजी (باجی) तु. स्त्री.–बड़ी बहन, आपा, अत्तिका।

बाज़ी (بازی) फा. स्त्री.–कौतूहल, तमाशा, खेल; शर्त, पण; शर्त पर लगाया हुआ रुपया; धोखा, छल; ताश, शत्रंज आदि का एक बार का खेल; ठठोल, मस्खरःपन।

बाज़ीगर (بازیگر) फा. वि.–कौतुकी, तमाशा करनेवाला; मायावी, शोबदःबाज़।

बाज़ीगरी (بازیگری) फा. स्त्री.–कौतुक दिखाना, खेल तमाशे करना; शोबदःबाज़ी करना, माया-कर्म।

बाज़ीगाह (بازیگہ) फा. स्त्री.–खेलने की जगह, क्रीडा-स्थल, कौतुक-स्थान।

बाज़ीगोश (بازی گوش) फा. स्त्री.–खिलाड़ी, शरीर; चंचल, चपल; वह लड़का जो खिलाड़ी लड़कों की आवाज़ पर कान लगाये रहे।

बाज़ीचः (بازیچہ) फा. पुं.–खिलौना, जिससे बच्चे खेलें; खेल, तमाशा, क्रीडा, कौतुक।

बाज़ीचए अत्फ़ाल (بازیچۂ اطفال) फा. अ. पुं.–बच्चों का खिलौना; बच्चों का खेल।

बाज़ू (بازو) फा. पुं.–भुजा, बाहु, बाँह; चिड़ियों के डैने जिनमें पंख लगते हैं; सहायता, मदद; बल, ज़ोर; गवैए के साथ स्वर मिलानेवाला।

बाज़ूबंद (بازوبند) फा. पुं.–अंगद, केयूर, बिजायठ, भुजबंद।

बाज़ूशिकन (بازوشکن) फा. वि.–शक्तिशाली, ज़ोरावर।

बाज़ूशिकस्तः (بازوشکستہ) फा. वि.–जिसकी भुजाएँ टूट गयी हों, भग्नबाहु; बेबस, लाचार, दुःखी।

बाज़ौक़ (باذوق) फा. अ. वि.–रसिक, सहृद्, सुखनशनास।

बातद्बीर (باتدبیر) फा. वि.–प्रवीण, कुशल, होशियार; हर काम को ढंग से करनेवाला, मुदब्बिर।

बातनख़्वाह (باتنخواہ) फा. वि.–जो तनख़्वाह लेकर काम करता हो, जिसे वेतन दिया जाता हो।

बातमीज़ (باتمیز) फा. अ. वि.–जो सारे काम सुगढ़तापूर्वक करे, तमीज़दार; शिष्ट, सभ्य, मुहज़्ज़ब, शाइस्ता।

बातम्कीन (باتمکین) फा. अ. वि.–गंभीर, संजीदः; प्रतिष्ठित, मुअज़्ज़ज़।

बातर्जमः (باترجمہ) फा. अ. वि.–जिस मूल पुस्तक के साथ उसका अनुवाद भी हो, सटीक, सानुवाद।

बातर्तीब (باترتیب) फा. अ. वि.–क्रम से लगा हुआ, क्रमबद्ध, शृंखलित।

बातसल्सुल (باتسلسل) फा. अ. वि.–लगातार, अनवरत, अविच्छिन्न; क्रम-बद्ध, तर्तीब से।

बातहज़ीब (باتہذیب) फा. अ. वि.–सभ्य, शिष्ट, महज़्ज़ब।

बातिन (باطن) अ. पुं.–मन, हृदय, दिल; अंदर, भीतर; अंदरूनी हालत।

बातिनी (باطنی) अ. वि.–मानसिक, दिली; आंतरिक, अंदरूनी।

बातनीयः (باطنیہ) अ. पुं.–मुसलमानों का एक सम्प्रदाय।

बातिल (باطل) अ. वि.–असत्य, झूठ, ग़लत; खंडित, रद; व्यर्थ, बेकार, निकम्मा, बेअसर।

बातिलपरस्त (باطل پرست) अ. फा. वि.–जो सत्यता का पालन न करके असत्यता को अपना ध्येय बनाये।

बातिलशिकन (باطل شکن) अ. फा.–जो असत्य का खंडन करे, सत्यवान्।

बातौक़ीर (باتوقیر) फा. अ. वि.–प्रतिष्ठित, सम्मानित, पूज्य।

बातौफ़ीक़ (باتوفیق) फा. अ. वि.–संपन्न; समृद्ध, धनी; समर्थ, बामक़्दरत।

बादंजान (بادنجان) फा. पुं.–बैंगन, भंटाकी, भाँटा।

बादः (بادہ) फा. स्त्री.–मदिरा, मद्य, वारुणी, कादंबिनी हाला, माधुरी, भुरा, शराब।

बादःआशाम (بادہ آشام) फा. वि.–शराब पीनेवाला, पानकर्ता, मद्यप, रसाशी, पानप।

बादःआशामी (بادہ آشامی) फा. स्त्री.–शराब पीना, मद्यपान।

बाद:कश (بادہکش) फ़ा. वि.–दे. 'बाद:आशाम'।
बाद:कशी (بادہکشی) फ़ा. स्त्री.–दे 'बाद:आशामी'।
बाद:ख़ोर (بادہخور) फ़ा. वि.–दे. 'बाद:आशाम'।
बाद:ख़ोरी (بادہخوری) फ़ा. वि.–दे. 'बाद:आशामी'।
बाद:ख़्वार (بادہخوار) फ़ा. वि.–दे. 'बाद:आशाम'।
बाद:ख़्वारी (بادہخواری) फ़ा. स्त्री.–दे. 'बाद:आशामी'।
बाद:गुसार (بادہگسار) फ़ा. वि.–दे. 'बाद:आशाम'।
बाद:गुसारी (بادہگساری) फ़ा. स्त्री.–दे. 'बाद:आशामी'।
बाद:चश (بادہچش) फ़ा. वि.–थोड़ी-सी शराब पीनेवाला, केवल मुँह का स्वाद बदलने को ज़रा-सी पीनेवाला।
बाद:चशी (بادہچشی) फ़ा. स्त्री.–मुँह का मजा बदलने को ज़रा-सी शराब पीना।
बाद:नोश (بادہنوش) फ़ा. वि.–दे. 'बाद:आशाम'।
बाद:नोशी (بادہنوشی) फ़ा. स्त्री.–दे. 'बाद:आशामी'।
बाद:परस्त (بادہپرست) फ़ा. वि.–बहुत अधिक पीनेवाला, मदिराभक्त, पानरत।
बाद:परस्ती (بادہپرستی) फ़ा. स्त्री.–मदिरा-प्रेम, बहुत पीना।
बाद:पैमा (بادہپیما) फ़ा. वि.–दे. 'बाद:आशाम'।
बाद:पैमाई (بادہپیمائی) फ़ा. स्त्री.–दे. 'बाद:आशामी'।
बाद:फ़रोश (بادہفروش) फ़ा. वि.–शराब बेचनेवाला, सुराजीवी, कल्यपाल, शौंडिक, मद्यवणिक्।
बाद:फ़रोशी (بادہفروشی) फ़ा. स्त्री.–शराब बेचना, मद्य-व्यवसाय।
बाद:फ़र्सा (بادہفرسا) फ़ा. वि.–दे. 'बाद:आशाम'।
बाद:फ़र्साई (بادہفرسائی) फ़ा. स्त्री.–दे. 'बाद:आशामी'।
बाद:बजाम (بادہبہجام) फ़ा. वि.–पियाले में शराब भरे हुए।
बाद:बलब (بادہبہلب) फ़ा. वि.–मुँह से शराब का पियाला लगाये हुए।
बाद:संज (بادہسنج) फ़ा. वि.–दे. 'बाद:आशाम'।
बाद:संजी (بادہسنجی) फ़ा. स्त्री.–दे. 'बाद:आशामी'।
बाद:साज (بادہساز) फ़ा. वि.–शराब बनानेवाला, सुराकार।
बाद:साजी (بادہسازی) फ़ा. स्त्री.–शराब बनाना, मद्य संधान।
बाद (باد) फ़ा. वि–वात, वायु, हवा; घमंड; 'बवाद' का लघु., हो, आशीर्वाद,—(प्रत्य.) हो, रहो, या शाप के लिए शब्द के अंत में आता है, जैसे—'ज़िंद:बाद' जीवित रहो अथवा 'मुर्द:बाद' नष्ट हो।
बा'द (بعد) अ. वि.–पश्चात्, उपरांत, पीछे।
बादअंगेज़ (بادانگیز) फ़ा. वि.–वात यानी सौदा पैदा करनेवाला।
बा'दअज़ाँ (بعدازاں) फ़ा. वि.–तत्पश्चात्, इसके बा'द।
बादअफ़ाह (بادافراہ) फ़ा. पुं.–यह उच्चारण अशुद्ध है, दे. 'बादाफ़राह'।
बादआवर्द (بادآورد) फ़ा. पुं.–ख़ुस्रौ परवेज़ का ख़जाना; एक वनौषधि।
बादए अंगूर (بادۂ انگور) फ़ा. स्त्री.–अंगूरी शराब, मालिका, द्राक्षासव।
बादए अंग्बीं (بادۂ انگبیں) फ़ा. स्त्री.–शहद की शराब, माधवी।
बादए अर्ग़वानी (بادۂ ارغوانی) फ़ा. स्त्री.–सुर्ख़ शराब।
बादए अह्मरीं (بادۂ احمریں) फ़ा. अ. स्त्री.–लाल रंग की मदिरा।
बादए आतशीं (بادۂ آتشیں) फ़ा. स्त्री.–आग के रंग की मदिरा, अग्निवर्णा।
बादए इनबी (بادۂ عنبی) फ़ा. अ. स्त्री.–अंगूरी शराब, द्राक्षासव।
बादए इश्क़ (بادۂ عشق) फ़ा. अ. स्त्री.–प्रेम-मदिरा, मुहब्बत की शराब।
बादए कुह्न: (بادۂ کہنہ) फ़ा. स्त्री.–पुरानी मदिरा, जो बहुत तेज होती है।
बादए गुलफ़ाम (بادۂ گلفام) फ़ा. स्त्री.–गुलाब के रंग-जैसी शराब, गुलाबी शराब।
बादए गुलरंग (بادۂ گلرنگ) फ़ा. स्त्री.–दे. 'बादए गुलफ़ाम'।
बादए तल्ख़ (بادۂ تلخ) फ़ा. स्त्री.–कड़वी शराब, पुरानी शराब, बहुत तेज़ और अच्छी शराब।
बादए तहूर (بادۂ طہور) फ़ा. अ. स्त्री.–पवित्र मदिरा, स्वर्ग में मिलनेवाली मदिरा।
बादए तुंद (بادۂ تند) फ़ा. स्त्री.–तेज शराब।
बादए दोशीन: (بادۂ دوشینہ) फ़ा. स्त्री.–रात की रखी हुई शराब; रात को पी हुई शराब।
बादए नाब (بادۂ ناب) फ़ा. स्त्री.–बहुत बढ़िया शराब, ख़ालिस और बेमेल शराब।
बादए नैशकर (بادۂ نیشکر) फ़ा. स्त्री.–गन्ने की शराब, गुड़ की शराब, ठर्रा, सीधु।
बादए नोशीं (بادۂ نوشیں) फ़ा. स्त्री.–आबेहयात मिली हुई शराब, अमृत-जैसी शराब।
बादए पसख़ुर्द: (بادۂ پس خوردہ) फ़ा. स्त्री.–पीने से बची हुई शराब।

बादए रैहानी (بادۂ ریحانی) फा. अ. स्त्री.—एक शराब जो बहुत सारे फूलों से बनती है और बड़ी स्वादिष्ठ और सुगंधित होती है।

बादए लालःफ़ाम (بادۂ لالہ فام) फा. स्त्री.—लालः-जैसे रंग की बहुत ही सुर्ख़ शराब।

बादए शबीनः (بادۂ شبینہ) फा. स्त्री.—रात की पी हुई शराब।

बादए शौक़ (بادۂ شوق) फा. अ. स्त्री.—प्रेम की मदिरा।

बादए साफ़ी (بادۂ صافی) फा. अ. स्त्री.—स्वच्छ और निर्मल मदिरा।

बादकश (بادکش) फा. पुं.—छत का पंखा; धौंकनी।

बादख़ायः (بادخایہ) फा. पुं.—फ़ोते बढ़ने का मर्ज़, अंत्र-वृद्धि।

बादख़्वाँ (بادخواں) फा. वि.—डींगिया, शेख़ीबाज़; चाटुकार, ख़ुशामदी; भाट, भटई करनेवाला।

बादगीर (بادگیر) फा. स्त्री.—हवादार खिड़की, गवाक्ष, वातायन।

बादज़न (بادزن) फा. पुं.—पंखा, व्यजन, हाथ का पंखा।

बाददस्त (باددست) फा. वि.—फ़ुज़ूल ख़र्च, अपव्ययी; दरिद्र, कंगाल।

बाददस्ती (باد دستی) फा. स्त्री.—फ़ुज़ूलख़र्ची, अपव्यय; दरिद्रता, कंगाली।

बादनुमा (باد نما) फा. पुं.—वायु का वेग बतानेवाला यंत्र।

बादपराँ (باد پراں) फा. वि.—डींगिया, हवा बाँधनेवाला।

बादपर्वा (باد پروا) फा. पुं.—वातायन, गवाक्ष, हवा आने की खिड़की।

बादपा (باد پا) फा. वि.—शीघ्रगति, बहुत तेज़ चलने वाला, प्रायः घोड़े के लिए आता है।

बादपैमा (باد پیما) फा. वि.—शीघ्र गति, तेज़ रफ़्तार; मिथ्यावादी, बकवासी; जंगलों में फिरनेवाला, वनचर।

बादपैमाई (باد پیمائی) फा. अ स्त्री.—तेज़ चलना; बकवास; जंगलों में फिरना।

बादफ़र (بادفر) फा. स्त्री.—फिरकी।

बादफ़राह (بادفراہ) फा. पुं.—पापदंड, गुनाही सज़ा; प्रत्युपकार, बुराई का बदला।

बादफ़रोश (باد فروش) फा. वि.—बातूनी, गप्पी; चाटुकार, ख़ुशामदी; शेख़ी ख़ोरा, डींगिया।

बादफ़रोशी (باد فروشی) फा. स्त्री.—बकवास; ख़ुशामद; शेख़ी।

बादबाक़ी (باد باقی) फा. अ. स्त्री.—रोकड़, तहवील।

बादबान (بادبان) फा. पुं.—जहाज़ में लगाया जानेवाला पर्दा जिसमें हवा भरकर जहाज़ चलता है, पोतपट, मरुत्पट।

बादबानी (بادبانی) फा. वि.—बादबान द्वारा चलनेवाला पोत; बादबान से सम्बन्ध रखनेवाला।

बादबाने अख़्ज़र (بادبان اخضر) फा. अ. पुं.—आकाश, आस्मान।

बादबेज़न (باد بیزن) फा. पुं.—फ़र्शीपंखा।

बादब्दबः (بادبدبہ) फा. वि.—जिसका दब्दबा बहुत हो।

बादमे नक़्द (بادم نقد) फा. अ. वि.—एकाकी, अकेला, तने तनहा।

बादमे सर्द (بادم سرد) फा. वि.—ठंडी आह भरकर।

बादमोहरः (باد مہرہ) फा. पुं.—साँप का फन, सर्पमणि; एक विष नाशक पत्थर।

बादयान (بادیان) फा. स्त्री.—सौंफ़, शत पुष्पा।

बादयाने ख़ताई (بادیان خطائی) फा. स्त्री.—एक दवा।

बादरंजबोयः (باد رنجبویہ) फा. पुं.—एक दवा, बिलाई लोटन।

बादरफ़्तार (بادرفتار) फा. वि.—हवा की भाँत शीघ्र गतिवाला, वायुवेग।

बादरफ़्तारी (بادرفتاری) फा. स्त्री.—हवा की भाँति तेज़ चलना।

बादरीश (بادریش) फा. वि.—अभिमान, अहंकार, घमंड।

बा'दलममात (بعدالممات) अ. अव्य.—मौत के बा'द, मरण-पश्चात्।

बादशह (بادشہ) फा. पुं.—'बादशाह' का लघु., दे. 'बादशाह'।

बादशाह (بادشاہ) फा. पुं.—शासक, नरेश, राजा।

बादशाही (بادشاہی) फा. स्त्री.—शासन, राज, हुकूमत; राष्ट्र, राज्य, सल्तनत।

बादसंज (بادسنج) फा. वि.—व्यर्थ के काम करनेवाला, व्यर्थकारी; लोलुप, लोभी, लालची।

बादसैर (بادسیر) फा. अ. वि.—दे. 'बादपा'।

बादहवाई (بادہوائی) फा. स्त्री.—गप, वाचालता; व्यर्थ की बकवाद।

बादा (بادا) फा. अव्य.—हो।

बादाफ़राह (بادافراہ) फा. पुं.—पाप-दंड, गुनाह की सज़ा; प्रत्यपकार, बदी का बदला।

बादाम (بادام) फा. पुं.—एक प्रसिद्ध मेवा, वाताम, बदाम।

बादामी (بادامی) फा. वि.—बादाम का रंग, हलका पीला जो सफ़ेदी लिये हो।

बादिंजान (بادنجان) फा. पुं.—बैंगन, दे. 'बादंजान' दोनों शुद्ध हैं।

बादियः (بادیہ) अ. पुं.—वन, कानन, विपिन, जंगल।

बादियः (بادیہ) तु. पु.—बड़ा पियाला।
बादियःगर्द (بادیہگرد) अ. फा. वि.—जंगलों मे मारा-मारा फिरनेवाला, वनभ्रमी, वनचारी।
बादियःनशीं (بادیہنشیں) अ. फा. वि.—जंगल में रहनेवाला, जंगली, ख़ानःबदोश।
बादियःपैमा (بادیہپیما) अ. फा. वि.—दे. 'बादियःगर्द'।
बादियःपैमाई (بادیہپیمائی) अ. फा. स्त्री.—जंगलों में मारा-मारा फ़िरना।
बादियुन्नज़र (بادی النظر) अ. स्त्री.—पहली दृष्टि, ऊपरी दृष्टि।
बादिर्राय (بادی الرائے) अ. स्त्री.—ऊपरी विचार।
बादिले ख़ारख़ार (بادل خارخار) फा. अव्य.—दुखी मन से, विवशता से, बहुत ही दुःख से।
बादिले ज़ार (بادل زار) फा. अव्य.—रोते हुए दिल से, दुखी हृदय से।
बादिले ना ख़्वास्तः (بادل ناخواستہ) फा. अव्य.—इच्छा के विरुद्ध, मन न चाहते हुए, विवशता से।
बादी (بادی) अ. वि.—प्रारंभकर्ता, शुरूअ करनेवाला; आरंभ, इब्तिदा; व्यक्त, ज़ाहिर।
बादी (بادی) फा. वि.—वायु से सम्बन्धित, हवाई।
बादीदए तर (بادیدۂ تر) फा. अव्य.—भीगी आँखों के साथ, अर्थात् रोते हुए, बहुत ही दुःख के साथ।
बादीदए नम (بادیدۂ نم) फा. अव्य.—दे. 'बादीदए तर'।
बादे ईसा (باد عیسیٰ) फा. अ. स्त्री.—हज़रत ईसा की फूंक, जिससे मुर्दे जी उठते थे।
बादे ख़ज़ाँ (باد خزاں) फा. स्त्री.—पतझड़ की ऋतु की हवा।
बादे ज़म्हरीर (باد زمہریر) फा. स्त्री.—शीतकाल की बहुत ही ठंडी वायु, जिससे हाथ-पाँव ठिठुर जाते हैं।
बादे तुंद (باد تند) फा स्त्री.—तेज़ वायु, झंझावात, झक्कड़।
बादे नसीम (باد نسیم) फा. अ. स्त्री.—शीतल, मंद और सुगंधित समीर।
बादे फ़त्क़ (باد فتق) फा. अ. स्त्री.—अंत्र-वृद्धि, फ़ोते का बढ़ जाना।
बादे फ़रंग (باد فرنگ) फा. स्त्री.—उपदंश, आतशक, गर्मी रोग।
बादे बहार (باد بہار) फा. स्त्री.—वसंत ऋतु की सुगंधित और शीतल वायु।
बादे बहारीं (باد بہاریں) फा. स्त्री.—दे. 'बादे बहार'।
बादे बहारी (باد بہاری) फा. स्त्री.—दे. 'बादे बहार',
"न छेड़ ऐ नक्हते बादे बहारी राह लग अपनी।
तुझे अठखेलियाँ सूझी हैं, हम बेज़ार बैठे हैं।"
बादे मुआफ़िक़ (باد موافق) फा. अ. स्त्री.—वह वायु जो नाव के रुख़ पर चले, जिससे नाव शीघ्र और ठीक चले।
बादे मुख़ालिफ़ (باد مخالف) फा. अ. स्त्री.—वह वायु जो नाव की विरुद्ध दिशा में चले, जिससे नाव न चल सके।
बादे मुराद (باد مراد) फा. स्त्री.—दे. 'बादे मुआफ़िक़'।
बादे शुर्त (باشرط) फा. अ. स्त्री.—दे. 'बादे मुआफ़िक़'।
बादे सबा (باد صبا) फा. स्त्री.—सबेरे की पुर्वा हवा।
बादे समूम (باد سموم) फा. अ. स्त्र.—कड़ी और घातक लपट, वह वायु जिसमें विष पैदा हो गया हो।
बादे सर्सर (باد صرصر) फा. स्त्री.—झंझावात, झक्कड़।
बादे सहर (باد سحر) फा. अ. स्त्री.—सबेरे के वक़्त पूर्व से चलनेवाली शीतल और मंद वायु।
बानः (بانہ) फा. पु.—उपस्थ, पेड़ू, नाभि के नीचेवालों का स्थान।
बान (بان) फा. प्रत्य.—वाला, जैसे—'शुतुरबान', ऊँटवाला, (पुं.) वर्ण, रंग।
बान (بان) अ. पु.—एक पेड़ जिसके फल का तेल दवा में काम आता है।
बानवा (بانوا) फा. वि.—समृद्ध, धनवान्, मालदार।
बानसीब (بانصیب) फा. अ. वि.—भाग्यवान्, भाग्यशाली, ख़ुशक़िस्मत।
बानिए कार (بانئی کار) अ. फा. पु.—किसी कार्य का प्रवर्तक, किसी काम का प्रथम करने वाला।
बानिए जफ़ा (بانئی جفا) अ. वि.—अत्याचार करनेवाला।
बानिए ज़ुल्म (بانئی ظلم) अ. वि.—दे. 'बानिए जफ़ा'।
बानिए जौर (بانئی جور) अ. वि.—दे. 'बानिए जफ़ा'।
बानिए फ़साद (بانئی فساد) अ. फा. वि.—झगड़े की जड़, झगड़ा करानेवाला, जिसके कारण कोई झगड़ा हुआ हो।
बानिए फ़ित्नः (بانئی فتنہ) अ. फा. वि.—दे. 'बानिए फ़साद'।
बानिए फ़िरेब (بانئی فریب) अ. फा. वि.—धोखा देनेवाला, वंचक, ठग।
बानिए बेदाद (بانئی بیداد) अ. फा. वि.—दे. 'बानिए जफ़ा'।
बानिए शर (بانئی شر) अ. वि.—दे. 'बानिए फ़साद'।
बानिए सितम (بانئی ستم) अ. फा. वि.—दे. 'बानिए जफ़ा'।
बानी (بانی) अ. वि.—किसी काम की शुरूआत करनेवाला।
बानीकार (بانی کار) फा. वि.—बहुत ही धूर्त और फ़ित्तीन।
बानीमबानी (بانی مبانی) अ. फा. वि.—मूल कारण, अस्ल जड़।
बा पर्हेज (باپرہیز) फा. वि.—परहेज करनेवाला, बीमारी की दशा में खाने-पीने में ठीक-ठीक रहनेवाला।
बाफ़ (باف) फा. प्रत्य.—बुननेवाला, जैसे—'शालबाफ़' शाल बुननेवाला।

बाफ़कार (بافکار) फा. वि.—बुननेवाला, जुलाहा।

बाफ़राग़त (بافراغت) फा. अ. वि.—संतोषपूर्वक, इत्मीनान से; सुगमतापूर्वक, आसानी से।

बाफ़िंदः (بافندہ) फा. वि.—बुननेवाला, वायक, कुविद।

बाफ़िंदगी (بافندگی) फा. स्त्री.—कपड़ा बुनने का काम।

बाफ़्तः (بافتہ) फा. वि.—बुना हुआ।

बाफ़्त (بافت) फा. स्त्री.—बुनाई, बुनने का कार्य; बिनावट, बुनत।

बाब (باب) फा. पुं.—योग्य, लाइक़; सम्बन्ध, बारः।

बाब (باب) अ. पुं.—द्वार, दरवाज़ा; परिच्छेद, फ़स्ल (पुस्तक का)।

बाबक (بابک) फा. पुं.—सत्यनिष्ठ, अमीन; ईरान का एक प्राचीन शासक।

बाबज़न (بابزن) फा. स्त्री.—कबाब सेंकने की लोहे की सीख़।

बाबत (بابت) फा. स्त्री.—वास्ते, लिए; सम्बन्ध में, बारे में।

बाबर (بابر) तु. पुं.—तुर्की में यह शब्द 'बाबुर' है, परंतु उर्दू में 'बाबर' हो गया, प्रसिद्ध नरेश जो हुमायूँ का बाप था।

बाबवार (بابوار) अ. फा. वि.—पुस्तक के परिच्छेदों के हिसाब से।

बाबा (بابا) अ. पुं.—पिता, बाप; दादा; नाना; सरदार।

बाबिल (بابل) अ. पुं.—इराक़ का एक प्राचीन नगर जो ईसा से दो हज़ार वर्ष पूर्व इराक़ की राजधानी था, अब खंडहर है। बग़दाद से ६० मील दूर फ़ुरात के किनारे था।

बाबी (بابی) फा. पुं.—एक धर्म जो सैयदअली मुहम्मद ईरानी ने निकाला था; इस धर्म का अनुयायी।

बाबुल (بابل) अ. पुं.—दे. शुद्ध उच्चारण 'बाबिल', यह असाधु है।

बाबुस्समाए (باب السماء) अ. पुं.—आकाश-गंगा।

बाबूनः (بابونہ) फा. पुं.—एक पत्ती जो दवा के काम आती है।

बाबूर (بابور) अ. पुं.—स्टीमर, मशीन से चलनेवाली बड़ी नाव।

बाबे अदम (باب عدم) अ. पुं.—यमलोक का द्वार, यमलोक।

बाबे इजाबत (باب اجابت) अ. पुं.—दुआ या प्रार्थना की स्वीकृति का द्वार।

बाबे इल्म (باب علم) अ. पुं.—विद्यारूपी घर का द्वार।

बाबे क़बूल (باب قبول) अ. पुं.—दे. 'बाबे इजाबत'।

बाम (بام) फा. पुं.—छत, अटारी,—"जो निकाबे रुख़ उठा दी तो क़ैद भी लगा दी, उठे हर निगाह लेकिन कोई बाम तक न पहुँचे।"

बामगाह (بامگاہ) फा. स्त्री.—प्रातःकाल, तड़का, सवेरा।

बामज़ः (بامزہ) फा. वि.—स्वादिष्ट, सुस्वाद, मज़ेदार।

बामज़ाक़ (بامذاق) फा. अ. वि.—सहृदय, रसिक; परिहास-प्रिय, विनोदी, दिल्लगीबाज़।

बामदाद (بامداد) फा. पुं.—तड़के, सबेरे, प्रातःकाल।

बामदादाँ (بامداداں) फा. पुं.—दे. 'बामदाद'।

बामूए परीशाँ (باموے پریشاں) फा. अव्य.—बाल बिखेरे हुए।

बामे अर्श (بام عرش) फा. अ. पुं.—अर्श की चोटी, बहुत ऊँचा स्थान।

बामे गर्दूं (بام گردوں) फा. पुं.—आकाश की छत, अर्थात् आकाश।

बामे दुन्या (بام دنیا) फा. अ.—संसार की छत, अर्थात् पामीर, जो मध्य एशिया का एक देश है।

बामे नुहुम (بام نہم) फा. पुं.—नवाँ आकाश, अर्थात् अर्श, जहाँ ईश्वर का सिंहासन है।

बामे मसीह (بام مسیح) फा. अ. पुं.—चौथा आकाश, जहाँ हज़रत ईसा रहते हैं।

बायद (باید) फा. क्रि.—चाहिए।

बायदोशायद (بایدوشاید) फा. वि.—अद्भुत, विचित्र, अनोखा।

बायस्तः (بایستہ) फा. वि.—योग्य, लाइक़; उत्तम, श्रेष्ठ, आ'ला।

बायस्तगी (بایستگی) फा. स्त्री.—उत्तमता, उम्दगी; योग्यता, लियाक़त।

बायस्तनी (بایستنی) फा. वि.—होने के योग्य, जिसको होना चाहिए, आवश्यक, ज़ुरूरी।

बारः (بارہ) फा. पुं.—घेरा, इहाता, प्राचीर; बार, दफ़ा; सम्बन्ध, मुआमला।

बार (بار) फा. स्त्री.—बोझ, भार; आज्ञा, इजाज़त; पहुँच, रसाई; दफ़ा, मरतबा; गर्भ, हम्ल; ऋण, क़र्ज़, (प्रत्य.) बरसानेवाला, जैसे—'अश्कबार' आँसू बरसानेवाला।

बारअंदाज़ (بارانداز) फा. पुं.—ठहरना, उतरना, कहीं कियाम करना।

बारआवर (بارآور) फा. वि.—फलदार, जिसमें फल लगे हों; गर्भवती, हामिला; नतीजःख़ेज़, सफल।

बारकल्लाह (بارک اللہ) अ. पुं.—ईश्वर बरकत अर्थात् समृद्धि और कल्याण प्रदान करें।

बारकश (بارکش) फा. वि.—बोझ ढोनेवाला; हम्माल, भारवाहक; लद्दू जानवर।

बारकशी (بارکشی) फा. स्त्री.—बोझ ढोना, भारवाहन।

बारख़ानः (بارخانہ) फा. पुं.—सामान रखने का मकान, गोदाम।

बारगह (بارگہ) फा. स्त्री.—'बारगाह' का लघु., दे. 'बारगाह'।

बारगाह (بارگاہ) फा. स्त्री.—दरबार, राजसभा; राजमहल, शाही मकान; कचहरी।

बारगी (بارگی) फा. पुं.—अश्व, घोड़ा।

बारगीर (بارگیر) फा. वि.—साईस, अश्वपाल; अश्व, घोड़ा; उष्ट्र, ऊँट; बैल, वृषभ।

बारतंग (بارتنگ) फा. स्त्री.—एक दाना जो दवा में चलता है।

बारदानः (باردانہ) फा. पुं.—दे. 'बारदान'।

बारदान (باردان) फा. पुं.—वह चीज़ जिसमें बोझ अर्थात् सामान रखे, खुर्जी, बोरा आदि।

बारवार (باروار) फा. वि.—फला हुआ, फलित, गर्भवती, हामिला।

बा रद्दोकद (بارد وکد) फा. अ. अव्य.—बड़ी हुज्जतों के साथ, वाद-विवाद होकर।

बारफ़रोश (بارفروش) फा. वि.—थोक सौदा बेचनेवाला।

बारबद (باربد) फा. पुं.—एक गवैया, जो खुस्रो परवेज़ के दरबार में था।

बारबर (باربر) फा. वि.—बोझ ले जानेवाला, बोझ ढोनेवाला।

बारबरदार (باربردار) फा. वि.—बोझ उठानेवाला, भारवाहक।

बारबरदारी (باربرداری) फा. स्त्री.—बोझ उठाना, भारवहन।

बारयाब (بارياب) फा. वि.—जिसे किसी बड़ी जगह पहुँचने की आज्ञा मिल गयी हो, जो पहुँच गया हो।

बारयाबी (باريابی) फा. स्त्री.—रसाई, पहुँच, किसी बड़े और प्रतिष्ठित आदमी के पास पहुँच।

बारवर (بارور) फा. वि.—फलित, फल आया हुआ; सफल, कामयाब; संतानवान्, औलादवाला।

बारहा (بارها) फा. वि.—बहुधा, प्रायः, अक्सर; बारंबार, वार-वार।

बारां (باراں) फा. पुं.—वर्षा, बरसात; वर्षाजल, बरसात का पानी; वर्षाऋतु, बरसात का मौसिम।

बारांगीर (باراں گیر) फा. पुं.—घर या मकान का छज्जा, सायबान।

बारांगुरेज़ (باراں گریز) फा. पुं.—दे. 'बारांगीर'।

बारांदीदः (باراں دیدہ) फा. वि.—जिस पर मेंह पड़ चुका हो; अनुभवी, तज्रिबःकार।

बारांबार (باراں بار) फा. पु.—वर्षा प्रधान देश, वह देश जहां पानी वहुत वरसता हो।

बारानी (بارانی) फा. स्त्री.—बरसाती कोट आदि; वह भूमि जो केवल वर्षा के सहारे हो।

बाराने रहमत (باران رحمت) फा. अ. पुं.—वर्षा, वारिश, ऐसी वर्षा जो लाभ दायक हो, अनिष्ट न करे।

बारिक़ः (بارقہ) अ. पुं.—विजली, तड़ित; चमकनेवाली चीज़; तलवार।

बारिक़ (بارق) अ. वि.—प्रज्वलित, प्रकाशमान, नूरानी, चमकदार।

बारिज़ (بارز) अ. वि.—प्रकट, व्यक्त, ज़ाहिर; स्पष्ट, वाज़िह; आविर्भूत, उत्पन्न।

बारिद (بارد) अ. वि.—ठंडा, सर्द; निस्वाद, नीरस, बेमज़ा।

बारिया (باريا) फा. वि.—पाखंडी, धर्मध्वजी।

बारियाज़त (باریاضت) फा. अ. वि.—तपस्वी, योगी।

बारिश (بارش) फा. स्त्री.—बर्षा, बरसात; बर्षाकाल, बरसात का मौसिम; वर्षाजल, बरसात का पानी।

बारिशी (بارشی) फा. वि.—बर्षा सम्बन्धी; वर्षाका, बरसाती।

बारिशे ख़ूं (بارش خوں) फा. स्त्री.—रक्तवर्षा, ख़ून बरसना।

बारिशे गुल (بارش گل) फा. स्त्री.—पुष्पवर्षा, फूल बरसना

बारिशेज़र (بارش زر) फा. स्त्री.—स्वर्णवर्षा, सोना अर्थात् धन बरसना, धन का बाहुल्य।

बारी (باری) अ. पु.—स्रष्टा, पैदा करनेवाला, ईश्वर।

बारी (باری) फा. स्त्री.—नौबत, पारी, जैसे—बुख़ार की बारी।

बारीक (باریک) फा. वि.—महीन, पतला; सूक्ष्म, लतीफ़; गूढ़, दक़ीक़।

बारीकख़याल (باریک خیال) फा. अ. वि.—नाज़ुक ख़याल, सूक्ष्म विचार।

बारीकनज़र (باریک نظر) फा. अ. वि.—बारीकी देखनेवाला, किसी चीज़ के गुण-दोष पहचाननेवाला, मर्मज्ञ।

बारीकनिगाह (باریک نگاہ) फा. वि.—दे. 'बारीकनज़र'।

बारीकबीं (باریک بیں) फा. वि.—सूक्ष्मदर्शी, बारीक नज़र।

बारीकबीनी (باریک بینی) फा. स्त्री.—सूक्ष्मदर्शिता, बारीकी देख लेना।

बारीकमियाँ (باریک میاں) फा. वि.—जिसकी कमर पतली हो, कृशोदरी।

बारीकरौ (باریک رو) फा. वि.—किफ़ायत शिआर, मितव्ययी।

बारीकी (باریکی) फा. वि.—पतलापन; सूक्ष्मता, लताफ़त; गूढ़ता, जटिलता; बात की बारीकी।

बारीदः (باریدہ) फा. वि.—वर्षित, बरसा हुआ।

बारीदनी (باریدنی) फा. अव्य.—वर्षणीय, बरसने योग्य।

बारूत (باروت) फा. स्त्री.— दे. 'बारूद'।

बारूद (بارود) फा. स्त्री.—शोरा, श्वेतक्षार; गंधक और शोरे का मिश्रण, अग्निचूर्ण।

बारूदी (بارودی) फा. वि.—बारूद सम्बन्धी; बारूद की; बारूद बिछी हुई, जैसे—बारूदी सुरंग।

बारे (بارے) फा. अव्य.—अस्तु, खैर; अंततः, आखिरकार।

बारे अज़ीम (بارعظیم) फा. अ. पु.—बहुत बड़ा बोझ, बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी।

बारे अमानत (بارامانت) फा. अ. पु.—अमानत या धरोहर की जिम्मेदारी।

बारे अलम (بارالم) फा. अ. पु.—दुःख का भार; प्रेमके दुःख का भार।

बारे आम (بارعام) फा. अ. पु.—सब की पहुँच, सब को आने जाने की आज्ञा।

बारे आलाम (بارآلام) फा. अ. पु.—मुसीबतों के पहाड़, अर्थात् मुसीबतें।

बारे कफ़ालत (بارکفالت) फा. स्त्री.—जायदाद पर ऐसा कर्ज़ जिसके बदले में जायदाद रेहन की गयी हो।

बारे क़र्ज़ (بارقرض) फा. अ. पु.—ऋण का बोझ।

बारे ख़ातिर (بارخاطر) फा. अ. पु.—तबीअत का बोझ, ऐसी बात या ऐसा काम जिसे मन न चाहे।

बारे गराँ (بارگراں) फा. पु.—भारी बोझ, जो उठ न सके या जिसके उठाने में कष्ट हो; बड़ी जिम्मेदारी।

बारे गुनाह (بارگناہ) फा. पु.—गुनाहों का बोझ, पाप-भार।

बारे दिगर (باردگر) फा. स्त्री.—पुनः, फिर, दूसरी बार।

बारोʼब (بارعب) फा. अ. वि.—रोबदाबवाला व्यक्ति।

बाल (بال) अ. पु.—प्राण, जान; दशा, हाल; समृद्धि, दौलत; ऐश, सुख; श्रेष्ठता, बड़प्पन; वैभव, शान।

बाल (بال) फा. पु.—कंधे से उँगलियों तक, पूरा हाथ; चिड़ियों का डैना, जिसमें पर लगते हैं, बाज़ू; पर, पक्ष, पंख।

बाʼल (بعل) अ. पु.—पति, भर्ता, खाविंद, शौहर; अरब की एक मूर्ति जिसकी पूजा होती थी।

बालअफ़्शाँ (بال افشاں) फा. वि.—पर फैलाये हुए, पर झाड़ता हुआ, पर फड़फड़ाता हुआ।

बालअफ़्शानी (بال افشانی) फा. स्त्री.—पर झाड़ना, पर फड़फड़ाना, पर तोलना।

बालकुशा (بال کشا) फा. वि.—पर खोले हुए।

बालजुंबानी (بال جنبانی) फा. स्त्री.—पर फटफटाना, पर फैलाना

बालफ़िशाँ (بال فشاں) फा. वि.—दे. 'बालअफ़्शाँ'।

बाला (بالا) फा. वि.—ऊँचा, बलंद; शरीर, देह; आगे, सामने; प्रधान, श्रेष्ठ, जिसे तर्जीह हो; ऊपर, उपरि।

बालाई (بالائی) फा. वि.—ऊपरवाला, ऊपर का; अस्ल के अलावा, मूल के अतिरिक्त; क्षीरसार, मलाई।

बालाए ताक़ (بالائے طاق) फा. वि.—ताक़ पर, पृथक्, अलग, जिससे कोई सम्बन्ध न हो।

बालाए बाम (بالائے بام) फा. वि.—अटारी पर, छत पर, "आखिरे शबदीद के क़ाबिल थी बिस्मिल की तड़प। सुबह दम कोई अगर बालाए बाम आया तो क्या?"

बालाओपस्त (بالاوپست) फा. पु.—ऊँच-नीच, नीचा-ऊँचा।

बालाख़ानः (بالاخانہ) फा. पु.—अट्टालिका, छत के ऊपर का मकान।

बालातर (بالاتر) फा. वि.—बहुत ऊँचा, किसी विशेष चीज़ से ऊँचा।

बालादवी (بالادوی) फा. स्त्री.—शीघ्र गति, तेज़ी, जल्दी।

बालादस्त (بالادست) फा. वि.—श्रेष्ठ, प्रतिष्ठित; उच्च, आʼला, ज़बर्दस्त, अफ़ज़ल बुलंद मर्तबा।

बालानशीं (بالانشیں) फा. वि.—मान्य, पूज्य, प्रतिष्ठित, सभापति, सद्र।

बालापोश (بالاپوش) फा. पु.—सब कपड़ों से ऊपर पहनने का कपड़ा, उत्तरीयक, निचोल।

बालाबलंद (بالابلند) फा. वि.—लंबे क़द का, लंबे शरीर-वाला; लंबे शरीर की नायिका।

बालावपस्त (بالاوپست) फा. वि.—ऊँचा-नीचा, ऊँच-नीच, आकाश और पृथ्वी।

बालिंगू (بالنگو) फा. पु.—एक दाने जो दवा में काम आते हैं।

बालिग़ (بالغ) अ. वि.—वह लड़का या लड़की जो युवा-वस्था को प्राप्त हो चुकी हो, वयस्क, वयःप्राप्त।

बालिग़नज़र (بالغ نظر) अ. वि.—अनुभवी, परिपक्व, तज्रिबःकार; मर्मज्ञ, दोषगुण का पारखी।

बालिग़नज़री (بالغ نظری) अ. स्त्री.—अनुभव, तज्रिबः; दोषगुण की परख, मर्मज्ञान।

बालिग़निगार (بالغ نگار) अ. फा. वि.—जिसकी रचना सार-गर्भित और मर्मपूर्ण हो।

बालिग़निगारी (بالغ نگاری) अ. फा. स्त्री.—रचना में गूढ़ता और सूक्ष्मता होना।

बालिग़निगाह (بالغ نگاہ) अ. फा. वि.—दे. 'बालिग़नज़र'।

बालिग़निगाही (بالغ نگاہی) अ. फा. स्त्री.—दे. 'बालिग़नज़री।'

बालिश (بالش) फा. पु.—तकिया, उपधान, कशिफ़, ममनद, सिरहाना।

बालिशे पर (بالش پر) फा. पु.—परों का तकिया, वह तकिया जिसके भीतर पर भरे हों।

बालिश्त (بالشت) फा. पु.—उपधान, तकिया; वितस्ति, बित्ती, नौ इंच की नाप।

बालिश्तक (بالشتک) फा. पुं.–आल्पीनें खोंसने की गद्दी, पिन-कुशन।

बालीं (بالیں) फा. स्त्री.–तकिया, उपधान; सिरहाना, शिरोहण।

बालींपरस्त (بالیں پرست) फा. वि.–पलंग पर पड़ा रहनेवाला, आरामतलब।

बालींपरस्ती (بالیں پرستی) फा. स्त्री.–पलंग पर पड़ा रहना, आरामतलबी।

बालीदः (بالیدہ) फा. वि.–बढ़ा हुआ, विकसित।

बालीदगी (بالیدگی) फा. स्त्री.–विकास, वढ़ाव।

बालूअः (بالوعہ) अ. पुं.–कुंडी, जिसमें बरसात या घर का खराब पानी जाता हो।

बालून (بالون) अ. पुं.–गुब्बारा, बागोल, अभ्रपथ।

बाले जिब्रील (بال جبریل) फा. अ. पुं.–जिब्रील के पर, जिब्रील की उड़ान।

बाले हुमा (بال ہما) फा. पुं.–हुमा पक्षी का पर, जिसकी परछाईं पड़ने से मनुष्य राजा हो जाता है।

बालोपर (بال وپر) फा. पुं.–पर और बाज़ू; शक्ति, बल, सामर्थ्य।

बालोपर शिकस्तः (بال وپرشکستہ) फा. वि.–जिसके बाज़ू और पर टूट गये हों, अर्थात् विवश, लाचार।

बावक़ार (باوقار) फा. अ. वि.–प्रतिष्ठित, सम्मानित, श्रेष्ठ, मुअज़्ज़ज़।

बावक़्अत (باوقعت) फा. अ. वि.–दे. 'वावक़ार'।

बावक़्र (باوقر) फा. अ. वि.–दे. 'बावक़ार'।

बावज़्अ (باوضع) फा. अ. वि.–वज़्अदार, जो अपनी वज़्अ का पाबंद हो।

बावफ़ा (باوفا) फा. अ. वि.–नमक हलाल, स्वामिभक्त; आज्ञानुयायी, फर्मांबरदार।

बावर (باور) फा. पुं.–विश्वास, प्रत्यय, एतिबार।

बावरची (باورچی) फा. पुं.–खाना पकानेवाला, सूपकार, पाचक, रसोइया।

बावरचीख़ानः (باورچی خانہ) फा. पुं.–खाना पकाने का स्थान, महानस, पाकशाला।

बावरचीगरी (باورچی گری) फ़ा. स्त्री.–रसोइया का काम, खाना पकाना; रसोइया का पेशा।

बावस्फ़ (باوصف) फा. अ. अव्य.–बावुजूद, यद्यपि, सत्यपि।

बावुजूद (باوجود) फा. अ. अव्य.–बावस्फ़, यद्यपि, सत्यपि।

बावुजूदे कि (باوجودےکہ) फा. अ. अव्य.–यद्यपि, अगरचे।

बाशः (باشہ) फा. पुं.–एक शिकारी पक्षी, शिक्रः।

बाश (باش) फा. प्रत्य.–रहनेवाला, जैसे—'हाज़िरबाश' उपस्थित रहनेवाला।

बाशद (باشد) फा. क्रि.–हो; शायद।

बाशद्दोमद (باشدومد) फा. अ. अव्य.–ज़ोर-शोर के साथ, धूमधाम के साथ; साहस और उमंग के साथ; दा'वे के साथ।

बाशा (باشا) तु. पुं.–एक बड़ा ख़िताब, पाशा।

बाशिंदः (باشندہ) फा. पुं.–निवासी, रहनेवाला।

बाशी (باشی) तु. पुं.–नायक, सरदार।

बाशुऊर (باشعور) फा. अ. वि.–बुद्धिमान, अक़्लमंद; शिष्ट, तमीज़दार।

बा'स (بعث) अ. पुं.–जगाना, उठाना; क़ियामत, महाप्रलय।

बासक (باسک) फा. स्त्री.–जँभाई, जृंभा।

बासलीक़ः (باسلیقہ) फा. अ. वि.–तमीज़दार, शिष्ट; जिसे चीज़ों को ढंग से रखने और काम को शिष्टता पूर्वक करने की आदत हो।

बासलीक़ (باسلیق) अ. स्त्री.–हाथ की एक रग जो फ़स्द के लिए खोली जाती है।

बासलीक़ून (باسلیقون) अ. स्त्री.–मसी, सियाही; कालिमा, कालापन।

बासित (باسط) अ. वि.–उन्नति और विकास देनेवाला; ईश्वर का एक नाम।

बासिरः (باصرہ) अ. स्त्री.–दृष्टि, नज़र; नेत्रशक्ति, क़ुव्वते बासिरः।

बासिलसिलः (باسلسلہ) फा. अ. अव्य.–क्रमबद्ध, सिलसिलेवार।

बासुकून (باسکون) फा. अ. अव्य.–शांतिमय, संतोषपूर्ण।

बासूर (باسور) अ. स्त्री.–एक बीमारी; बवासीर, अर्श; नाक का बढ़ा हुआ मांस।

बासूरी (باسوری) अ. वि.–बासूरसम्बन्धी।

बासूरे दमवीं (باسوردموی) अ. स्त्री.–ख़ूनी बवासीर, रक्तार्श।

बासूरे रियाही (باسور ریاحی) अ. स्त्री.–बादी बवासीर, वातार्श।

बा'सोनश्र (بعث ونشر) अ. पुं.–क़ियामत का दिन, जिस दिन सब लोग उठेंगे और चारों तरफ़ फैल जायंगे।

बास्ताँ (باستاں) फा. वि.–प्राचीन, पुरातन, पुराना, इस शब्द का पास्ताँ कहना अशुद्ध है।

बाह (باہ) अ. स्त्री.–कामशक्ति, मैथुनशक्ति।

बाहमः ओ बेहमः (باہمہ وبےہمہ) फा. अव्य.–सबके साथ, और किसीके साथ न हो, ऐसा व्यक्ति जो भलाई में सबके साथ हो, और बुराई में किसी के साथ न हो।

बाहम (باهم) फा. वि.—परस्पर, अन्योन्य, आपस में; एक साथ, मिलकर।

बाहमदिगर (باهمدگر) फा. वि.—परस्पर, एक-दूसरे से मिलकर।

बाहमी (باهمی) फा. वि.—पारस्परिक, आपस का।

बाहमीयत (باحمیت) फा. अ. वि.—स्वाभिमानी, ख़ुददार; लज्जावान्, हयादार।

बाहया (باحیا) फा. अ. वि.—जिसमें लज्जा बहुत हो, शर्मीला; ग़ैरतमंद, लज्जावान्।

बाहवास (باحواس) फा. अ. वि.—जो होशोहवास में हो, सचेत।

बाहिर (باہر) अ. वि.—स्पष्ट, व्यक्त, ज़ाहिर; प्रकाशमान, रौशन।

बाहूर (باحور) अ. पुं.—अत्यंत गर्मी, ग्रीष्म ऋतु के आठ दिन जो बहुत गर्म होते हैं और असाढ़ के अंत में पड़ते हैं।

बाहैसियत (باحیثیت) फा. अ. वि.—प्रतिष्ठित, सम्मानित, इज़्ज़तदार; समर्थ, समृद्ध, मालदार।

बाहौसल: (باحوصلہ) फा. अ. वि.—हिम्मतवाला, उत्साही।

बि

बिंत (بنت) अ. स्त्री.—लड़की, पुत्री, सुता, दुहिता, तनया।

बिंतुलअम्म (بنت العم) अ. स्त्री.—चचा की लड़की।

बिंतुलइनब (بنت العنب) अ. स्त्री.—अंगूर की लड़की, अर्थात् अंगूर की शराब, द्राक्षासव, मदिरा, सुरा।

बिंतुलउख़्त (بنت الاخت) अ. स्त्री.—बहन की लड़की, भानजी, भगिनीसुता, भागिनेयी।

बिंतुलकर्म (بنت الکرم) अ. स्त्री.—दे. 'बिंतुलइनब'।

बिंतुलक़ाफ़ (بنت القاف) अ. स्त्री.—क़ाफ़ की परी, काकेशिया-निवासिनी।

बिंतुलबह्‌र (بنت البحر) अ. स्त्री.—समुद्र-सुता, जलपरी; लक्ष्मी।

बिंते आदम (بنت آدم) अ. स्त्री.—आदम की लड़की, अर्थात् स्त्रीवर्ग; स्त्री, नारी, औरत।

बिंते इनब (بنت عنب) अ. स्त्री.—शराब, मदिरा।

बिंते हव्वा (بنت حوا) अ. स्त्री.—हव्वा की पुत्री, अर्थात् स्त्रीवर्ग; स्त्री, नारी।

बिंसर (بنصر) अ. स्त्री.—दूसरी छोटी उँगली, अनामिका।

बि अल्क़ा बिही (بالقابہ) अ. अव्य.—अपने सारे अल्क़ाबों के साथ, जिस किसी के नाम के साथ बहुत-सी उपाधियाँ लगती हों उन्हें न लिखकर केवल यह शब्द लिख देते हैं।

बिआद (بعاد) अ. स्त्री.—दूरी, फ़ासिला।

बिक (بک) तु. पुं.—दे. 'बिग'।

बिकबाशी (بکباشی) तु. पुं.—दे. 'बिगबाशी'।

बिक्र (بکر) अ. स्त्री.—कुमारी, दोशीज़: (वि.) ऐसा काम जो पहले न हुआ हो।

बिक्रनिगाह (بکرنگاہ) अ. फा. स्त्री.—वह नायिका जिसे अभी हाव-भाव न आते हों।

बिग (بگ) तु. पुं.—'बेग' का लघु. नायक, सरदार।

बिगताश (بگتاش) तु. पुं.—जिसके बहुत से दास-दासियाँ हों; जो एक ही स्वामी के दास हों, ख़्वाज:ताश।

बिगबाशी (بگباشی) तु. पुं.—फ़ौज का मेजर, सेनानायक।

बिगयारुक़ (بگیارق) तु. पुं.—एक स्वामी के दास, ख़्वाज:-ताश।

बिज़न (بزن) फा. पुं.—वध, क़त्ल (क्रि.) मार, जान से मार डाल।

बिज़नगाह (بزنگاہ) फा. स्त्री.—वधस्थल, मक़्तल, क़त्लगाह।

बिज़ाअत (بضاعت) अ. स्त्री.—सामर्थ्य, मक़्दूर; पूंजी, सरमाय:।

बिज़ातिही (بذاتہ) अ. अव्य.—अपने दम से, स्वयं आप।

बिजिंसिही (بجنسہ) अ. अव्य.—बिलकुल वैसा ही, तद्रूप, तदाकार, तत्सम।

बिज़्अ (بضع) अ. पुं.—तीन से नौ तक की संख्या, इनके बीच की कोई संख्या।

बिज़्ज़ुरूर (بالضرور) अ. अव्य.—अवश्य, ज़ुरूर ज़ुरूर।

बिज़्ज़ुरूरत (بالضرورت) अ. अव्य.—आवश्यकता पड़ने पर, ज़ुरूरत पर।

बितमामिही (بتمامہ) अ. अव्य.—पूर्णतया, पूरे तौर पर; सबका सब, कुल, संपूर्ण।

बितालत (بطالت) अ. स्त्री.—शूरता, वीरता, बहादुरी।

बित्तक़्दीर (بالتقدیر) अ. अव्य.—भाग्यवश, क़िस्मत से।

बित्तख़्सीस (بالتخصیص) अ. अव्य.—विशेषतः, ख़ासतौर पर।

बित्तफ़्सील (بالتفصیل) अ. अव्य.—विस्तारपूर्वक, तफ़्सील के साथ।

बित्तबअ (بالطبع) अ. वि.—स्वभावतः, स्वभाव से, तबीअत से, दिल से।

बित्तमाम (بالتمام) अ. वि.—सबका सब, पूरे का पूरा।

बित्तर्तीब (بالترتیب) अ. वि.—क्रम के साथ, तर्तीब के साथ; एक के बाद एक, सिलसिलेवार।

बित्तश्रीह (بالتشریح) अ. वि.—व्याख्या के साथ, तश्रीह के साथ; विस्तार के साथ, तफ़्सील के साथ।

बित्तस्रीह (بالتصریح) अ. वि.—विस्तारपूर्वक, तफ़्सील के साथ; स्पष्टतया, वज़ाहत के साथ।

बित्तहक़ीक़ (بالتحقیق) अ. वि.–निश्चयपूर्वक।
बित्तीख़ (بطیخ) अ. पुं.–ख़रबूज़ा।
बित्तीख़े अख़्ज़र (بطیخ اخضر) अ. पुं.–तरबूज़।
बित्यारः (بتیارہ) फा. पुं.–आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत; बला, दैवी आपत्ति; अभिचार, जादू; छल, फ़रेब; देव, पिशाच।
बित्रीक़ (بطریق) अ. पुं.–पादरी, किलीसाई।
बिदाअत (بدائت) अ. स्त्री.–आरम्भ, प्रारम्भ, अनुष्ठान शुरूआत।
बिदिस्त (بدست) फा. स्त्री.–बालिश्त, बित्ती, बित्ता, वितस्ति।
बिदून (بدون) अ. अव्य.–बिना, बग़ैर।
बिद्अत (بدعت) अ. स्त्री.–नयी बात, नवीनता; धर्म में नयी बात, इस्लाम धर्म में वह बात जो रसूल के समय में न हो।
बिद्अती (بدعتی) अ. वि.–धर्म में व्यवस्था करनेवाला।
बिद्आत (بدعات) अ. स्त्री.–'बिद्अत' का बहु. विद्अतें, धर्म में नयी बातें।
बिद्राम (بدرام) फा. वि.–दे. 'पिद्राम', वही शुद्ध है।
बिद्रूद (بدرود) फा. स्त्री.–बिदा करना, रुख़्सत करना; त्याग करना, छोड़ना।
बिना (بنا) अ. स्त्री.–नींव, आधार, बुनियाद; कारण, सबब।
बिना अन अलैह (بناءًعلیہ) अ. वि.–इस कारण से, इस बुनियाद पर।
बिनाए ज़ुल्म (بنائے ظلم) अ. स्त्री.–अत्याचार की शुरूआत।
बिनाए दा'वा (بنائے دعوا) अ. स्त्री.–दावे के बुन्याद, वादाधार।
बिनाए मुख़ासमत (بنائے مخاصمت) अ. स्त्री.–झगड़े की जड़, फ़साद की बुन्याद; वाद का मूल आधार।
बिनाबर (بنابر) अ. फा. अव्य.–इस कारण, इसलिए।
बिनीयः (بنیہ) अ. स्त्री.–दे. 'बुनीयः', दोनों शुद्ध हैं।
बिफ़ज़्लिही (بفضلہ) अ. वि.–उसके (ईश्वर के) फ़ज़्ल से, ईश्वर की कृपा से।
बिमिन्निही (بمنہٖ) अ. वि.–उसकी (ईश्वर की) दया से, ईश्वर की अनुकंपा से।
बियाबाँ (بیاباں) फा. पुं.–'बियाबान' का लघु., दे. 'बियाबान'।
बियाबाँगर्द (بیاباں گرد) फा. वि.–काननचारी, वनभ्रमी, जंगल में फिरनेवाला।
बियाबाँनवर्द (بیاباں نورد) फा. वि.–दे. 'बियाबाँगर्द'।
बियाबाँनशीं (بیاباں نشیں) फा. वि.–जंगल में रहनेवाला, वनवासी।
बियाबान (بیابان) फा. पुं.–वन, कानन, विपिन, अरण्य, जंगल।
बियाबानी (بیابانی) फा. वि.–जंगल का, जंगली; जंगल सम्बन्धी।
बियाबाने क़ुद्स (بیابان قدس) फा. अ. पुं.–बैतुल मुक़द्दस (यरोशलम) का जंगल।
बिरंज (برنج) फा. पुं.–चावल, तंदुल।
बिर [र्र] (بر) अ. पुं.–उपकार, भलाई; यश, पुण्य, दान, बख़्शिश।
बिरजीस (برجیس) अ. पुं.–बृहस्पति, मुश्तरी, दे. 'बिर्जीस'।
बिरजीसक़द्र (برجیس قدر) अ. वि.–बहुत बड़ी प्रतिष्ठावाला।
बिरजीसशियम (برجیس شیم) अ. वि.–बृहस्पति-जैसी बुद्धिवाला, बहुत बड़ा बुद्धिमान्।
बिरिंज (برنج) अ. पुं.–पीतल, पित्तल, जस्ता और ताँबे के योग से बनी हुई एक धातु।
बिरिंजासफ़ (برنجاسف) अ. पुं.–एक पत्ती जो दवा के काम आती है।
बिरिश्तः (برشتہ) फा. वि.–भुना हुआ, भृष्ट।
बिरिश्तःक़ल्ब (برشتہ قلب) फा. अ. वि.–जिसका हृदय प्रेमाग्नि में जलभुन गया हो, अर्थात् प्रेमी।
बिरिश्तःजिगर (برشتہ جگر) फा. वि.–दे. 'बिरिश्तः क़ल्ब'।
बिरिश्तःदिल (برشتہ دل) फा. वि.–दे. 'बिरिश्तः क़ल्ब'।
बिर्जीस (برجیس) अ. पुं.–बृहस्पति, मुश्तरी।
बिर्यां (بریاں) फा. वि.–भुना हुआ, भृष्ट।
बिर्यानी (بریانی) फा. स्त्री.–एक प्रकार का पुलाव जिसमें गोश्त भूनकर पड़ता है।
बिलअक्स (بالعکس) अ. वि.–विरुद्ध, प्रत्युत, बरख़िलाफ़।
बिलआख़िर (بالآخر) अ. वि.–अंततः, आख़िरकार।
बिलइज्माअ (بالاجماع) अ. वि.–सम्मतिपूर्वक, सबके मतैक्य से।
बिलइज्माल (بالاجمال) अ. वि.–संक्षेपतः, संक्षेप में।
बिलइत्तिफ़ाक़ (بالاتفاق) अ. वि.–सबकी सम्मति से, सबकी सलाह से।
बिलइन्फ़िराद (بالانفراد) अ. वि.–एक-एक करके, इन्फ़िरादी तौर पर, व्यक्तिगत।
बिलइरादः (بالارادہ) अ. वि.–निश्चयपूर्वक, इरादे से।
बिलइल्तिज़ाम (بالالتزام) अ. वि.–निश्चित रूप से, लाज़िमी तौर पर।

बिलइश्तिराक (بالاشتراک) अ. वि.–साझे में, शिर्कत में।
बिलउमूम (بالعموم) अ. वि.–प्रायः, बहुधा, आमतौर पर, अक्सर।
बिलएʼलान (بالاعلان) अ. वि.–सबके सामने, अलानिया तौर पर, डंके की चोट।
बिलक़स्द (بالقصد) अ. वि.–जान-बूझकर, जानते हुए, बिलइरादः।
बिलकिनायः (بالکنایہ) अ. वि.–इशारे में।
बिलकुल (بالکل) अ. वि.–नितांत, सर्वथा; सर्व, समस्त; पूर्णतया, पूरेतौर पर।
बिलकुल्लियः (بالکلیہ) अ. वि.–सांगोपांग, पूर्णतया, पूरे तौर पर।
बिलख़ासियत (بالخاصیت) अ. अव्य.–दे. 'बिलख़ास्सः'।
बिलख़ास्सः (بالخاصہ) अ. अव्य.–अपने गुण के प्रभाव से।
बिलख़ुसूस (بالخصوص) अ. अव्य.–मुख्यतः, ख़ास तौर पर।
बिलजब्र (بالجبر) अ. वि.–बलपूर्वक, बलात्, जब्रन्।
बिलजुम्लः (بالجملہ) अ. अव्य.–किंबहुना, क़िस्सः मुख़्तसर; प्रायः, अमूमन; सर्वथा, बिलकुल।
बिलमर्रः (بالمرہ) अ. वि.–नित्य प्रति, रोज़ाना, हमेशा।
बिलमाʼना (بالمعنی) अ. अव्य.–सत्यतः, हक़ीक़त में; गुप्त रूप में, दूसरे अर्थ में।
बिलमुक़ाबिल (بالمقابل) अ. अव्य.–संमुख, आमने-सामने, मुक़ाबिले में।
बिलमुक़्ता (بالمقطع) अ. वि.–अलल हिसाब, हिसाब किये बिना दी हुई रक़म।
बिलमुज़ाअफ़ (بالمضاعف) अ. अव्य.–दूना, द्विगुण, दुचंद।
बिलमुनासफ़ः (بالمناصفہ) अ. अव्य.–आधा-आधा, दो भागों में बराबर-बराबर।
बिलमुवाजहः (بالمواجہ) अ. वि.–मुक़ाबिले में, संमुख, सामने।
बिलमुशाफ़हः (بالمشافہہ) अ. अव्य.–दे. 'बिलमुवाजहः'।
बिलमुशाहदः (بالمشاہدہ) अ. अव्य.–दे. 'बिलमुवाजहः'।
बिलयक़ीन (بالیقین) अ. अव्य.–निश्चयपूर्वक, यक़ीनन।
बिलवज्ह (بالوجہ) अ. अव्य.–कारणवश, कारण से, सबब के साथ, सबब की बिना पर।
बिलवास्तिः (بالواسطہ) अ. अव्य.–किसी के द्वारा, किसी को बीच में डालकर।
बिला (بلا) अ. अव्य.–बिना, बग़ैर, बिन।
बिला अंदेशः (بلا اندیشہ) अ. फा. अव्य.–दे. 'बिलातरद्दुद'।
बिला इरादः (بلا ارادہ) अ. अव्य.–बिना इरादे के।
बिला इश्तिबाह (بلا اشتباہ) अ. वि.–बिना संदेह के, निःसंदेह, बेशक।
बिला इस्तिस्ना (بلا استثناء) अ. अव्य.–बिना किसी को अलग किये हुए।
बिला उज़्र (بلا عذر) अ. अव्य.–बिना किसी उज़्र के।
बिला क़ैद (بلا قید) अ. अव्य.–बिना किसी पाबंदी के, बिना किसी शर्त के।
बिला ज़मानत (بلا ضمانت) अ. अव्य.–बिना ज़मानत का, जिसकी ज़मानत न हो सके।
बिला तकल्लुफ़ (بلا تکلف) अ. अव्य.–बिना किसी तकल्लुफ़ के, बिना किसी संकोच के, बिना किसी चिन्ता के, बिना किसी विचार के।
बिला तरद्दुद (بلا تردد) अ. अव्य.–निःशंक, बिना चिंता और फ़िक्र के।
बिला तवक़्क़ुफ़ (بلا توقف) अ. वि.–बिना विलंब के, बिना देर किये, तुरंत, फ़ौरन।
बिला तश्बीह (بلا تشبیہ) अ. अव्य.–बिना उपमा दिये, बिना बराबरी किये।
बिला तश्रीह (بلا تشریح) अ. अव्य.–बिना टीका-टिप्पणी के, बिना व्याख्या किये।
बिला तसन्नो (بلا تصنع) अ. अव्य.–बिना बनावट के, बिना किसी हेरफेर के।
बिला तहाशा (بلا تحاشا) अ. अव्य.–अंधाधुंध, बहुत अधिक; बे सोचे समझे; बिना रुके।
बिलाद (بلاد) अ. पुं.–'बलद' का बहु., नगर-समूह; राष्ट्र-समूह।
बिला दिक़्क़त (بلا دقت) अ. अव्य.–बिना किसी कठिनाई के, सुगमतापूर्वक।
बिला दिरेग़ (بلا دریغ) अ. फा. अव्य.–दे. 'बिला तहाशा'।
बिलादे इस्लामियः (بلاد اسلامیہ) अ. पुं.–वह देश जिनमें मुसलमान शासकों का राज है।
बिलादे मग़्रिब (بلاد مغرب) अ. पुं.–यूरोप के राष्ट्र।
बिलादे मश्रिक़ (بلاد مشرق) अ. पुं.–पूर्वी राष्ट्र, एशियाई देश।
बिलादे हिंद (بلاد ہند) अ. फा. पुं.–भारत के प्रदेश, भारत के देश।
बिला नाग़ः (بلا ناغہ) अ. तु. अव्य.–एक दिन नागा किये बिना, नित्य प्रति, रोज़ाना।
बिला पर्दः (بلا پردہ) अ. फा. अव्य.–बिना किसी आड़ के; बिना मुंह ढाँके; बिना गुप्त रूप के।

बिला पसोपेश (بلا پس و پیش) अ. फा. अव्य.–बिना संकोच, बिना कुछ सोचे-विचारे, बिना किसी दुविधा के।

बिला फ़स्ल (بلا فصل) अ. अव्य.–बिना अंतर के, बिना दूरी के।

बिला फ़ाइदः (بلا فائده) अ. वि.–बेफाइदः व्यर्थ, बेकार।

बिला फ़ासिलः (بلا فاصله) अ. वि.–अंतर के बिना।

बिला रूओ रिआयत (بلا رو و رعایت) अ. फा. वि.–बिना किसी शील-संकोच के, बिना किसी पक्षपात के।

बिला वज्ह (بلا وجه) अ. अव्य.–अकारण, बेसबब।

बिला वासितः (بلا واسطه) अ. अव्य.–बराहे रास्त, सीधा, डाइरेक्ट।

बिला शक (بلا شک) अ. वि.–निःसंदेह, निःसशय, निःशंक, बेशक, बेशुब्हः।

बिला शुब्हः (بلا شبهه) अ. वि.–दे. बिला शक।

बिला सबब (بلا سبب) अ. अव्य.–दे. 'बिला वज्ह'; अकारण, बिला सबब।

बिलाहत (بلاهت) अ. स्त्री.–सांसारिक विषयों में बुद्धि की कमी।

बिलौर (بلور) अ. पु.–बिल्लौर का लघु., दे. 'बिल्लौर'।

बिल्लौर (بلور) अ. पु.–एक क़ीमती शीशा, स्फटिक मणि।

बिशारत (بشارت) अ. स्त्री.–ख़ुशख़बरी, शुभ समाचार, सुख-संवाद, दे. 'बुशारत', दोनों शुद्ध हैं।

बिसात (بساط) अ. स्त्री.–फ़र्श, बिछौना; स्तर, सतह; साहस, हिम्मत; सामर्थ्य, मक़्दरत; शतरज का तख़्ता; पूंजी, सरमायः; हैसियत; पहुँच, दस्तरस।

बिसातख़ानः (بساطخانه) अ. फा. पु.–बिसाती का सामान; बिसाती की दुकान।

बिसाती (بساطی) अ. पु.–बिसातख़ाने का सामान बेचनेवाला, जनरल मर्चेंट।

बिसाते ख़ाक (بساط خاک) अ. फा. स्त्री.–पृथ्वीतल, ज़मीन की सतह।

बिसाते नर्द (بساط نرد) अ. फा. स्त्री.–चौसर खेलने का तख़्ता।

बिसाते शत्रंज (بساط شطرنج) अ. फा. स्त्री.–शत्रंज खेलने का तख़्ता, चेसबोर्ड।

बिस्त (بست) फा. वि.–बीस की संख्या, बीस।

बिस्तर (بستر) फा. पु.–शय्या, बिछौना।

बिस्तरबंद (بستربند) फा. पु.–बिस्तर बाँधने की पेटी आदि; होलडाल।

बिस्ताम (بسطام) फा. पु.–ईरान में ख़ुरासान के प्रदेश का एक प्रसिद्ध नगर, जो महात्मा 'बायज़ीद' का स्थान था।

बिस्तुम (بستم) फा. वि.–बीसवाँ।

बिस्मिल (بسمل) फा. वि.–आहत, क्षत, घायल, ज़ख़्मी।

बिस्मिलगाह (بسمل گاه) फा. स्त्री.–वधस्थल, क़त्लगाह।

बिस्मिल्लाह (بسم الله) अ. वा.–क़ुरान की एक आयत, जिसका अर्थ है 'मैं ईश्वर के नाम से प्रारम्भ करता हूँ जो बड़ा दयालु और महा कृपालु है।'

बिस्यार (بسیار) फा. वि.–अधिक, प्रचुर, बहुल, बहुत।

बिस्यारख़ोर (بسیارخور) फा. वि.–बहुत खानेवाला, बहुभोजी।

बिस्यारख़ोरी (بسیارخوری) फा. स्त्री.–बहुत खाना, थूरना।

बिस्यारगो (بسیارگو) फा. वि.–बहुत बोलनेवाला, बहुभाषी; फ़ुज़ूलगो, मिथ्याभाषी।

बिस्यारगोई (بسیارگوئی) फा. स्त्री.–बहुत बोलनाः फ़ुज़ूल बातें करना।

बिसयारी (بسیاری) फा. वि.–अधिकता, बाहुल्य, कस्रत।

बिह (به) फा. वि.–उत्तम, बढ़िया, अच्छा।

बिहिल (بحل) फा. वि.–मुआफ़।

बिहिश्त (بهشت) फा. पु.–स्वर्ग, फ़िर्दौस, जन्नत—"बिहिश्त एक नाम है शायद उसी पाकीज़ा गोशे का।"

बिहिश्ती (بهشتی) फा. वि.–स्वर्गीय, स्वर्ग का; स्वर्ग सम्बन्धी; स्वर्ग का निवासी।

बिहिश्ते बरीं (بهشت برین) फा. पु.–सबसे ऊँचा स्वर्ग।

बिहिश्ते शद्दा (بهشت شداد) फा. अ. पु.–वह स्वर्ग जो शद्दाद ने बनाया था।

बी

बीं (بیں) फा. प्रत्य.–देखनेवाला, जैसे—'दूरबीं' दूर का देखनेवाला।

बीचः (بیچه) फा. पु.–'बीबी' का लघु., प्रेमपात्र, मा'शूक़, (स्त्री.) नायिका, प्रेमिका, महबूबः।

बीज़ (بیض) स्त्री.–'बैज़ा' का बहु., गोरी चिट्टी औरतें; पूरी चाँदनीवाली रातें।

बीना (بینا) फा. वि.–देखनेवाला, जिसके आँखें हों।

बीनाई (بینائی) फा. स्त्री.–आँखों की ज्योति, दृष्टि, नज़र।

बीनादिल (بینادل) फा. वि.–रौशन ज़मीर, अंतर्यामी।

बीनिदः (بیننده) फा. वि.–देखनेवाला, दर्शक।

बीनिश (بینش) फा. स्त्री.–दृष्टि, नज़र; देखना।

बीनी (بینی) फा. स्त्री.–नासा नासिका, नाक।

बीम (بیم) फा. पु.–भय, त्रास, डर, निराशा, नाउम्मेदी।

बीमार (بیمار) फ़ा. वि.–रोगी, रुग्ण, अस्वस्थ, व्याधित, मरीज़।

बीमारख़ानः (بیمارخانہ) फ़ा. पुं.–रुग्णालय, अस्पताल।

बीमारदार (بیماردار) फ़ा. वि.–रोगी की देखभाल करनेवाला, परिचारक, उपचारक।

बीमारदारी (بیمارداری) फ़ा. स्त्री.–रोगी की देखभाल, उपचार, परिचार।

बीमारपुर्सी (بیمارپرسی) फ़ा. स्त्री.–रोगी का हाल पूछना।

बीमारिस्तान (بیمارستان) फ़ा. पुं.–दे. 'बीमारख़ानः।'

बीमारी (بیماری) फ़ा. स्त्री.–रोग, व्याधि, मरज़; कोई बुरी लत।

बीमारे इश्क़ (بیمارعشق) फ़ा. अ. पुं.–प्रेम के रोग का रोगी, नायक, आशिक़।

बीमारे ग़म (بیمارغم) फ़ा. पुं.–दे. 'बीमारे इश्क़'।

बीमारे फ़िराक़ (بیمارفراق) फ़ा. अ. पुं.–विरह के रोग से पीड़ित, जो सदा वियोगी रहे।

बीमेजाँ (بیم جاں) फ़ा. पुं.–प्राणभय, जान का ख़तरा।

बीमोरजा (بیم ورجا) फ़ा. अ. पुं.–निराशा और आशा, उम्मेद और नाउम्मेदी।

बीमोहिरास (بیم وہراس) फ़ा. पुं.–ख़ौफ़ और निराशा।

बीर (بیر) अ. पुं.–कुआँ, कूप।

बीश (بیش) फ़ा. स्त्री.–सिंघिया, मीठा तेलिया।

बु

बुंदुक़ः (بندقہ) अ. पुं.–गोली, बंदूक़ की गोली।

बुंदुक़ (بندق) अ. पुं.–मिट्टी की गोली, गुल्ला।

बुका (بکا) अ. स्त्री.–रोना, रोदन।

बुकावल (بکاول) फ़ा. पुं.–शाही बावरचीख़ाने का दारोग़ा, दे. 'बकावल', दोनों शुद्ध हैं।

बुक़ूल (بقول) अ. स्त्री.–'बक़्लः' का बहु., सब्ज़ियाँ, तरकारियाँ, सागपात।

बुक़्अः (بقعہ) अ. पुं.–घर, मकान; स्थान, जगह।

बुक़्अए नूर (بقعۂ نور) अ. पुं.–वह घर या स्थान जहाँ बहुत रौशनी हो।

बुख़ला (بخلا) अ. पुं.–'बख़ील' का बहु., कंजूस लोग।

बुख़ार (بخار) फ़ा. पुं.–वाष्प, भाप; ज्वर, ताप, तप; क्रोध, ग़ुस्सा; द्वेष, बुग़्ज़।

बुख़ारा (بخارا) फ़ा. पुं.–रूसी तुर्किस्तान का एक प्रसिद्ध नगर, जो वहाँ की राजधानी भी है, यहाँ का सौन्दर्य प्रसिद्ध है।

बुख़ारात (بخارات) फ़ा. पुं.–'बुख़ार' का बहु., भापें।

बुख़ारी (بخاری) फ़ा. वि.–भाप सम्बन्धी, भाप द्वारा चलनेवाला यंत्र; बुख़ारा का रहनेवाला; नाज रखने की कोठानुमा खत्ती।

बुख़ूर (بخور) अ. पुं.–धूनी, धूप आदि की धूनी; दवाओं की धूनी जो किसी विशेष अंग को दी जाय।

बुख़ूरदान (بخوردان) अ. फ़ा. पुं.–जिस बर्तन में अगर या लोबान आदि सुलगाया जाय, धूपदान, अगरदान।

बुख़्तनस्सर (بخت نصر) फ़ा. पुं.–बाबुल के १२ वें ख़ानदान का नरेश (१,२०० ई० पू०); बाबुल के १९ वें ख़ानदान का दूसरा नरेश जो ६०४ ई० पू० में गद्दी पर बैठा, बड़े दबदबे का शासक था, बाबुल को बहुत उन्नत किया।

बुख़्ल (بخل) अ. पुं.–कृपणता, कंजूसी।

बुग़्चः (بغچہ) फ़ा. पुं.–छोटी पोटली जो बग़ल में दबायी जा सके।

बुग़्ज़ (بغض) अ. पुं.–वह बैर जो मन ही मन में बढ़ाया जाय, और प्रकट न किया जाय, द्वेष, कीनः।

बुज़ (بز) फ़ा. स्त्री.–अजा, बकरी।

बुज़क़दम (بزقدم) फ़ा. वि.–दुर्बलता के कारण धीरे-धीरे चलनेवाला; तुच्छ।

बुज़गर (بزگر) फ़ा. पुं.–मेंढ़ा लड़ानेवाला।

बुज़ग़ालः (بزغالہ) फ़ा. पुं.–बकरी का बच्चा, अजा-शावक; पहाड़ी बकरी।

बुज़गीर (بزگیر) फ़ा. वि.–छली, मक्कार; तस्कर, चोर।

बुज़जिगर (بزجگر) फ़ा. वि.–भयभीत, भीरु, डरपोक।

बुज़दिल (بزدل) फ़ा. वि.–भीरु, डरपोक, बुज़जिगर।

बुज़दिली (بزدلی) फ़ा. स्त्री.–भीरुता, डरपोकपन।

बुज़बाज़ (بزباز) फ़ा. वि.–बकरी और बंदर का खेल करनेवाला।

बुज़बाज़ी (بزبازی) फ़ा. स्त्री.–बकरी और बंदर का खेल।

बुज़ाक़ (بزاق) अ. पुं.–मुखस्राव, राल; थूक।

बुज़ुर्ग (بزرگ) फ़ा. पुं.–श्रेष्ठ प्रतिष्ठित, मुअज़्ज़ज़; वयोवृद्ध, बूढ़ा; पूर्वज, बापदादे; महात्मा, पुण्यात्मा, वली, ख़ुदारसीदः; (व्यंग) धूर्त, उत्पाती, शरीर, बदमआश।

बुज़ुर्गज़ादः (بزرگ زادہ) फ़ा. पुं.–बुज़ुर्ग का लड़का।

बुज़ुर्गदाश्त (بزرگ داشت) फ़ा. स्त्री.–बुज़ुर्गों की ओर से छोटों पर अनुकंपा और दया।

बुज़ुर्गमनिश (بزرگ منش) फ़ा. वि.–सदात्मा, पुनीतात्मा, महान् व्यक्तियों-जैसे आचरणवाला।

बुज़ुर्गवार (بزرگوار) फ़ा. पुं.–पूज्य, मान्य, प्रायः अपने से बड़ों के लिए पत्रों में लिखते हैं।

बुज़ुर्गसाल (بزرگسال) फ़ा. वि.—बड़ी उम्रवाला, वयोवृद्ध, जरत्।
बुज़ुर्गानः (بزرگانہ) फ़ा. वि.—बुज़ुर्गों-जैसा।
बुज़ुर्गी (بزرگی) फ़ा. स्त्री.—प्रतिष्ठा, मान, बड़ाई; संमान, इज़्ज़त; महात्मापन।
बुज़ुर्गे क़ौम (بزرگ قوم) फ़ा. अ. पुं.—जाति या राष्ट्र का प्रतिष्ठित व्यक्ति।
बुज़ुर्गे ख़ानदाँ (بزرگ خانداں) फ़ा. पुं.—वंश और कुल का प्रतिष्ठित और पूज्य व्यक्ति।
बुज़ूर (بزور) अ. पुं.—'बज़्र' का बहु., तरकारियों आदि के बीज।
बुज़ूरी (بزوری) अ. वि.—बीजोंवाला; बीजों से बना हुआ; एक शर्बत जो बीजों से बनता है।
बुज़े अख़फ़श (بزاخفش) फ़ा. अ. पुं.—ऐसा व्यक्ति जो लाख समझाने पर भी कुछ न समझे, महामूर्ख।
बुत (بت) फ़ा. पुं.—मूर्ति, प्रतिमा, प्रतिकृति, मुजस्समः; वह मूर्ति जिसकी पूजा होती है, देवमूर्ति; नायिका मा'शूक़ः।
बुतकदः (بتکدہ) फ़ा. पुं.—मंदिर, मूर्तिगृह, बुतख़ाना जहाँ मूर्तिपूजा की जाती हो।
बुतख़ानः (بتخانہ) फ़ा. पुं.—दे. 'बुतकदः'।
बुततराश (بتتراش) फ़ा. वि.—मूर्तिकार, पत्थर की मूर्तियाँ बनानेवाला।
बुततराशी (بتتراشی) फ़ा. स्त्री.—मूर्तियाँ बनाने का काम; मूर्तियाँ बनाकर बेचने का पेशा; मूर्ति बनाने की विद्या, मूर्तिकला।
बुतपरस्त (بت پرست) फ़ा. वि.—मूर्तियों की पूजा करनेवाला, मूर्तिपूजक, साकारोपासक।
बुतपरस्ती (بت پرستی) फ़ा. स्त्री.—मूर्तिपूजा, बुतों की इबादत।
बुतफ़रोश (بتفروش) फ़ा. वि.—मूर्तियाँ बेचनेवाला, मूर्ति-व्यवसायी।
बुतशिकन (بتشکن) फ़ा. वि.—मूर्तियों को तोड़नेवाला, मूर्तिभंजक।
बुतशिकनी (بتشکنی) फ़ा. स्त्री.—मूर्तियों को तोड़ना, मूर्ति-खंडन।
बुताने आज़री (بتان آزری) फ़ा. पुं.—आज़र (हज़रत इब्राहीम के पिता) की बनायी हुई मूर्तियाँ, जो बड़ी कलापूर्ण होती थीं।
बुतून (بطون) अ. पुं.—'बत्न' का बहु., पेट; गुप्ति, छिपाव, पोशीदगी।
बुते पुरफ़न (بت پرفن) फ़ा. पुं.—बहुत ही चालबाज़ नायिका।
बुते बेपीर (بت بے پیر) फ़ा. पुं.—बड़ी निर्दय और कठोर मन की नायिका।
बुतैन (بطین) अ. पुं.—दूसरा नक्षत्र, भरणी।
बुत्लान (بطلان) अ. पुं.—खंडन, काट, तर्दीद; नाश, ज़ाए होना।
बुद [द्द] (بد) अ. पुं.—उपचार, उपाय, तद्बीर।
बुद (بد) फ़ा. क्रि.—'बूद' का लघु., था।
बुदूर (بدور) अ. पुं.—'बद्र' का बहु., चौदहवीं रात का चाँद।
बुद्दूह (بدوح) अ. वि.—ईश्वर का एक नाम।
बुनः (بنہ) फ़ा. पुं.—उपकरण, सामान।
बुन (بن) फ़ा. स्त्री.—वृक्ष, पेड़; पेड़ की जड़, मूल; हर चीज़ का अन्त, अख़ीर; क़हवा के बीज, जिन्हें भून और पीसकर क़हवा बनाते हैं।
बुनगह (بنگہ) फ़ा. स्त्री.—'बुनगाह' का लघु., दे. 'बुनगाह'।
बुनगाह (بنگاہ) फ़ा. स्त्री.—कुठार, वह कोठा जहाँ सामान रहता है।
बुनागोश (بناگوش) फ़ा. स्त्री.—कान की लौ, कर्णलता।
बुनीयः (بنیہ) अ. स्त्री.—आधार, बुन्याद; प्रकृति, स्वभाव; सृष्टि, तख़्लीक़; अस्तित्व, वुजूद।
बुनेरान (بن ران) फ़ा. स्त्री.—रान की जड़, चिड्डा।
बुन्करी (بنکراں) फ़ा. स्त्री.—खुर्चन, वे चावल जो देगचे की तली में लग जाते हैं।
बुन्याद (بنیاد) फ़ा. स्त्री.—आधार, नींव; सामर्थ्य, मक़्दूर; सृष्टि, खिल्क़त; अस्तित्व, वुजूद; अनुष्ठान, आरम्भ; इब्तिदा; मूल, जड़।
बुन्यादी (بنیادی) फ़ा. वि.—आधार भूत, अस्ली; प्रारम्भिक, इब्तिदाई।
बुन्यान (بنیان) अ. स्त्री.—नींव, आधार, बुनयाद।
बुन्याने मर्सूस (بنیان مرصوص) अ. स्त्री.—इमारत की ऐसी नींव जिसमें सीसे से जुड़ाई हुई हो, बहुत ही मजबूत नींव।
बुयूत (بیوت) अ. पुं.—'बैत' का बहु., घरों का समूह, बहुत से घर।
बुराक़ (براق) अ. पुं.—मुसलमानों के मतानुसार वह घोड़ा जिस पर उनके रसूल आस्मानों पर गये थे।
बुरादः (برادہ) फ़ा. पुं.—लकड़ी या धातु की छीलन, जो ख़रादने या आरे से चीरने में गिरती है।
बुरादए आज (برادۂ عاج) फ़ा. अ. पुं.—हाथी-दाँत का बुरादा जो दवा में चलता है।
बुरादए आबनूस (برادۂ آبنوس) फ़ा. पुं.—आबनूस का बुरादा जो दवा के काम आता है।

बुरिंदः (بُرندہ) फा. वि.–काटनेवाला।
बुरिश (بُرش) फा. स्त्री.–काट, धार, तीक्ष्णता।
बुरीदः (بُریدہ) फा. वि.–काटा हुआ, बटा हुआ, विच्छिन्न।
बुरीदःगोश (بُریدہ‌گوش) फा. वि.–जिसके कान कटे हों, कनकटा।
बुरीदःदस्त (بُریدہ‌دست) फा. वि.–जिसके हाथ कटे हों।
बुरीदःपा (بُریدہ‌پا) फा. वि.–जिसके पाँव कटे हों।
बुरीदःबीनी (بُریدہ‌بینی) फा. वि.–जिसकी नाक कटी हो।
बुरीदःमू (بُریدہ‌مو) फा. वि.–जिसके बाल कटे हों।
बुरीदःशाख़ (بُریدہ‌شاخ) फा. वि.–जिसकी शाखाएँ काट दी गयी हों।
बुरीदःसर (بُریدہ‌سر) फा. वि.–जिसका सर काट डाला गया हो, जिसका सर धड़ से अलग हो।
बुरीद (بُرید) फा. स्त्री.–काट, कटन, कटाव।
बुरीदगी (بُریدگی) फा. स्त्री.–काट, कटाव।
बुरीदनी (بُریدنی) फा. वि.–काटने योग्य, जो काटने के लाइक़ हो।
बुरूँ (بُروں) फा. वि.–'बेरूँ' का लघु., बाहर, दे. 'बिरूँ', दोनों शुद्ध हैं।
बुरूज (بُروج) अ. पु.–'बुर्ज' का बहु., राशियाँ।
बुरूज़ (بُروز) अ. पु.–प्रकट होना, निकलना।
बुरूत (بُروت) अ. स्त्री.–मूँछ, मुच्छ।
बुरूदत (بُرودت) अ. स्त्री.–शीतलता, ठंडक, ठंड।
बुरूने ख़ानः (بُرونِ‌خانہ) फा. वि.–घर के बाहर।
बुरूने दर (بُرونِ‌در) फा. वि.–दरवाज़े के बाहर।
बुर्क़ा' (بُرقع) अ. पु.–मुह छिपाने का एक सर से पाँव तक का चुग़ानुमा वस्त्र, निक़ाब, मुखपट।
बुर्क़ा'पोश (بُرقع‌پوش) अ. फा. वि.–बुर्क़ा' पहने हुए।
बुर्ज (بُرج) अ. पु.–गुंबद, मंडप; राशि, दाइरतुल बुरूज का बारहवाँ अंश।
बुर्जे अक़्रब (بُرجِ‌عقرب) अ. पु.–वृश्चिक राशि, आठवाँ बुर्ज।
बुर्जे असद (بُرجِ‌اسد) अ. पु.–सिंहराशि, पाँचवाँ बुर्ज।
बुर्जे आतशी (بُرجِ‌آتشی) अ. फा. पु.–अग्नि तत्त्व से सम्बन्ध रखनेवाली तीन राशियाँ, मेष, सिंह, धनु।
बुर्जे आबी (بُرجِ‌آبی) अ. फा. पु.–जल तत्त्व से सम्बन्ध रखनेवाली तीन राशियाँ, कर्क, वृश्चिक, मीन।
बुर्जे कबूतर (بُرجِ‌کبوتر) अ. फा. पु.–कबूतरों का दरबा, काबुक।
बुर्जे क़ौस (بُرجِ‌قوس) अ. पु.–धनु राशि, नवाँ बुर्ज।
बुर्जे ख़ाकी (بُرجِ‌خاکی) अ. फा. पु.–पृथ्वीतत्व से सम्बन्ध रखनेवाली तीन राशियाँ, वृष, कन्या, मकर।
बुर्जे जदी (بُرجِ‌جدی) अ. पु.–मकर राशि, दसवाँ बुर्ज।
बुर्जे जौज़ा (بُرجِ‌جوزا) अ. पु.–मिथुन राशि, तीसरा बुर्ज।
बुर्जे दल्व (بُرجِ‌دلو) अ. पु.–कुंभराशि, ग्यारहवाँ बुर्ज।
बुर्जे बादी (بُرجِ‌بادی) अ. फा. पु.–वायुतत्त्व से सम्बन्ध रखनेवाली तीन राशियाँ, मिथुन, तुला, कुंभ।
बुर्जे मीज़ान (بُرجِ‌میزان) अ. पु.–तुलाराशि, सातवाँ बुर्ज।
बुर्जे संबुलः (بُرجِ‌سنبلہ) अ. पु.–कन्याराशि, छठा बुर्ज।
बुर्जे सर्तान (بُرجِ‌سرطان) अ. पु.–कर्कराशि, चौथा बुर्ज।
बुर्जे सौर (بُرجِ‌ثور) अ. पु.–वृषराशि, दूसरा बुर्ज।
बुर्जे हमल (بُرجِ‌حمل) अ. पु.–मेषराशि, पहला बुर्ज।
बुर्जे हूत (بُرجِ‌حوت) अ. पु.–मीनराशि, बारहवाँ बुर्ज।
बुर्तलः (بُرطلہ) अ. पु.–टोपी।
बुर्दः (بُردہ) अ. स्त्री.–ले जाया हुआ।
बुर्द (بُرد) फा. स्त्री.–शत्रंज की वह बाज़ी जिसमें आधी मात मानी जाती है और जिसमें हारनेवाले के पास बादशाह के सिवा कोई मोहरा नहीं रहता; नक़्शी चादर।
बुर्दबार (بُردبار) फा. वि.–गंभीर, शान्तचित्त, मलीन; सहनशील, हलीम।
बुर्दबारी (بُردباری) फा. स्त्री.–गंभीरता, महत्ता; सहनशीलता, तहम्मुल, बरदाश्त।
बुर्दे यमानी (بُردِ‌یمانی) अ. स्त्री.–यमन की एक विशेष बहुमूल्य चादर।
बुर्रां (بُراں) फा. वि.–काटता हुआ; धारदार, तीक्ष्ण।
बुर्रिश (بُرش) फा. स्त्री.–काट, धार, तीक्ष्णता।
बुर्हान (بُرہان) अ. पु.–तर्क, दलील; प्रमाण, सुबूत।
बुलंद (بلند) फा. वि.–यह उच्चारण भी शुद्ध है, परन्तु 'बलंद' अधिक शुद्ध और अधिक साधु है, दे. 'बलंद'।
बुलग़ा (بُلغا) अ. पु.–'बलीग़' का बहु., वे लोग जिनके बोलने और लिखने में बलाग़त होती है।
बुलाक़ (بلاق) तु. स्त्री.–नाक के बीच की हड्डी, नासापट; इसमें पहने जानेवाली छोटी-सी नथ।
बुलूग़ (بلوغ) अ. पु.–युवावस्था, जवानी, जवानी की अवस्था की प्राप्ति।
बुल्अजब (بوالعجب) अ. वि.–अद्भुत, विलक्षण, विचित्र, (व्यक्ति)।
बुल्फ़ुज़ूल (بوالفضول) अ. वि.–फ़ुज़ूल की बातें करनेवाला, मुखर, बक्की; फ़ुज़ूल के काम करनेवाला।
बुल्फ़ुनून (بوالفنون) अ. वि.–बहुत-से गुण जाननेवाला, बहुगुण वेत्ता (व्यंग) धूर्त, छली, वंचक।
बुल्बुल (بلبل) फा. अ.–एक सुप्रसिद्ध गानेवाली चिड़िया, गोवत्सक।

बुल्बुले शीराज़ (بلبل شیراز) फा. पुं.—शीराज़ का बुलबुल, शेख़ सादी की उपाधि जो फ़ारसी के बहुत बड़े कवि थे।

बुल्बुले हज़ारदास्ताँ (بلبل ہزار داستاں) फा. पुं.—बहुत प्रकार के गाने गानेवाली, बुलबुल।

बुल्हवस (بوالہوس) अ. फा. वि.—लोलुप, लिप्सु, लोभी, लालची।

बुशक़ाब (بشقاب) तु. स्त्री.—बड़ी क़ाब, परात, थाल।

बुशारत (بشارت) अ. स्त्री.—शुभ संवाद, ख़ुशख़बरी।

बुश्रः (بشرہ) अ. पुं.—चेह्रा, मुखाकृति, हुल्या।

बुश्रा (بشری) अ. पुं.—शुभ संवाद, बुशारत।

बुसुद (بسد) अ. पुं.—मूँगा, प्रवाल, विद्रुम, मर्जाँ, दे. 'बुस्सुद' दोनों शुद्ध हैं।

बुस्ताँ (بستاں) फा. पुं.—उद्यान, आराम, वाटिका, बाग़।

बुस्ताँअफ़्रोज़ (بستاں افروز) फा. पुं.—एक फूल, मुर्ग़केस।

बुस्ताँपैरा (بستاں پیرا) फा. पुं.—बाग़ को सजानेवाला, माली, उद्यानपाल।

बुस्ताँसरा (بستاں سرا) फा. पुं.—ख़ानःबाग़, गृहोद्यान।

बुस्तानी (بستانی) फा. वि.—बाग़ का; बाग़ में पैदा होनेवाला; खेत में काश्त किया जानेवाला।

बुस्सुद (بسد) अ. पुं.—मूँगा, प्रवाल, विद्रुम, दे. 'बुसुद' दोनों शुद्ध हैं।

बुहूर (بحور) अ. पुं.—'बह्र' [छंद] का बहु., वृत्तसमूह।

बुहैरः (بحیرہ) अ. पुं.—छोटा समुद्र, झील।

बुह्तत (بہتت) अ. स्त्री.—आश्चर्य, विस्मय, निस्तब्धता, हैरत।

बुह्तान (بہتان) अ. पुं.—आरोप, झूठा इल्ज़ाम, तुह्मत।

बुह्तानतराशी (بہتان تراشی) अ. फा.—झूठा इल्ज़ाम लगाना, मिथ्यारोपण।

बुह्रान (بحران) अ. पुं.—संघर्ष, कशमकश; रोग में अचानक परिवर्तन, कमी की ओर हो चाहे बढ़ती की ओर, और यह प्रकृति और रोग के परस्पर संघर्ष से होता है। अगर प्रकृति जीत गयी तो रोग का ज़ोर टूट जाता है, अगर रोग विजयी हुआ तो प्रकृति हार जाती है और रोग का प्रकोप बढ़ जाता है (यूनानी तिब)।

बुह्लूल (بہلول) अ. पुं.—हँसमुख व्यक्ति; जाति का सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति, एक महात्मा।

बुह्हतुस्सौत (بحۃ الصوت) अ. स्त्री.—आवाज़ बैठ जाने का रोग, स्वरभंग।

बू

बू (بو) फा. स्त्री.—गंध, महँक; बदबू, बुरी गंध; लक्षण, आसार; भेद, सुकसुक।

बूए अफ़्राज़ (بوئے افراز) फा. पुं.—गर्ममसाला।

बूए ख़ुश (بوئے خوش) फा. स्त्री.—अच्छी महँक, सुगंध।

बूए तेज़ (بوئے تیز) फा. स्त्री.—तेज़ बू, तीव्र गंध।

बूए बद (بوئے بد) फा. स्त्री.—बुरी बू, बदबू, दुर्गंधि।

बूए महब्बत (بوئے محبت) फा. अ. स्त्री.—प्रेम की सुगंध।

बूक़ (بوق) फा. पुं.—नरसिंघा, तुरुही।

बूक़लमूँ (بوقلموں) फा. वि.—चित्र-विचित्र, रंगविरंग; अद्भुत, विलक्षण, अजीबोग़रीब; एक रेशमी कपड़ा जो क्षण-क्षण पर रंग बदलता है।

बूक़लमूनी (بوقلمونی) फा. स्त्री.—विचित्रता, बुलअजबी; रंग-विरंगापन।

बूज़ः (بوزہ) फा. स्त्री.—जौ की शराब, बियर।

बूज़ःख़ानः (بوزہ خانہ) फा. पुं.—शराबख़ानः, मदिरालय; शराब बनाने की जगह, भट्ठी।

बूज़िनः (بوزنہ) फा. पुं.—'बूज़ीनः' का लघु., कपि, मर्कट, वानर, शाखा-मृग, बंदर।

बूज़िनःचश्म (بوزنہ چشم) फा. वि.—बंदर-जैसी आँखोंवाला, ज़रा-सी देर में आँखें फेर लेनेवाला, बेमुरव्वत, दुःशील।

बूज़िनःवश (بوزنہ وش) फा. वि.—बंदर-जैसी प्रकृतिवाला, बेमुरव्वत; शरीर, नटखट।

बूज़ीदान (بوزیدان) फा. स्त्री.—एक लकड़ी जो दवा के काम आती है।

बूज़ीनः (بوزینہ) फा. पुं.—वानर, मर्कट, कपि, बंदर, वलिमुख।

बूतः (بوتہ) फा. पुं.—सुनारों की चाँदी-सोना गलाने की घरिया, बोतः, दे. 'बोतः', दोनों शुद्ध हैं; वह वृक्ष जो बड़ा न हो।

बूतए ख़ाक (بوتۂ خاک) फा. पुं.—मानव-शरीर, आदमी का जिस्म।

बूतए ज़र (بوتۂ زر) फा. पुं.—सोना गलाने की घरिया।

बूतीमार (بوتیمار) फा. पु.—बक, बगला।

बूतुराब (بوتراب) अ. पुं.—हज़्रत अली की उपाधि।

बूदः (بودہ) फा. क्रि.—था।

बूद (بود) फा. क्रि.—था; (स्त्री.) अस्तित्व, हस्ती; हैसियत, मर्यादा।

बूदगी (بودگی) फा. स्त्री.—होना, हस्ती, अस्तित्व; हैसियत, मर्यादा।

बूदनी (بودنی) फा. अव्य.—होने योग्य।

बूदमे बेदाल (بودم بیدال) फा. पुं.—बूम, उल्लू, (बूदम शब्द से दाल अक्षर अर्थात् 'द' निकल जाय तो 'बूम' रह जाता है)।

बूबार (بوداد) फा. वि.—बदबूदार, दुर्गंधयुक्त।
बूबोबाश (بوؤباش) फा. स्त्री—रहन-सहन, रहाइश।
बूदनः (بودنہ) फा. पुं.—दे. शुद्ध उच्चारण, 'बोदनः'।
बूबक्र (بوبکر) अ. पुं.—'अबूबक्र' का लघु., हज्रत अबूबक्र सिद्दीक़, पहले खलीफ़ा।
बूम (بوم) फा. पुं.—उलूक, पेचक, उल्लू; बंजर भूमि; प्रकृति, स्वभाव; मूर्ख, बेवक़ूफ़।
बूमखस्लत (بوم خصلت) फा. अ. वि.—उल्लू-जैसे स्वभाव-वाला, जहाँ रहे वहाँ वीरान बना दे।
बूमतिला (بوم طلا) फा. वि.—वह चीज जिसकी ज़मीन सुनहरी हो और बेलबूटे दूसरे रंग के।
बूमसिफ़त (بوم صفت) फा. अ. वि.—दे. 'बूमखस्लत'।
बूमी (بومی) फा. वि.—देशीय, देसी; देशवासी, हम-वतन।
बूया (بویا) फा. वि.—सुगंध देनेवाली वस्तु; खुशबूदार, सुगंधित।
बूयीदः (بوئیده) फा. वि.—सूँघा हुआ।
बूरः (بوره) फा. पुं.—सुहागा।
बूरए अर्मनी (بورۂ ارمنی) फा. पुं.—एक प्रकार का नमक, एक प्रकार का सोडा।
बूरक़ (بورق) अ. पुं.—कचलोन।
बूरानी (بورانی) फा. स्त्री.—बैंगन का राइता।

बे

बेअंदाजः (بے اندازه) फा. वि.—बहुत अधिक, जिसका अंदाजा न हो सके।
बेअंदाम (بے اندام) फा. वि.—धृष्ट, गुस्ताख; अशिष्ट, बदतमीज।
बेअक़्ल (بے عقل) फा. अ. वि.—निर्बुद्धि, मूर्ख, बेशऊर।
बेअदब (بے ادب) फा. अ. वि.—धृष्ट, गुस्ताख; अशिष्ट, बेतमीज; उद्दंड, उजड्ड; असभ्य, बेतहज़ीब।
बेअदबी (بے ادبی) फा. अ. स्त्री.—धृष्टता, गुस्ताखी; अशिष्टता, बेतमीजी; उद्दंडता, उजड्डपन; असभ्यता, बदतहज़ीबी।
बेअमल (بے عمل) फा. अ. वि.—जो जानता हो मगर उसके अनुसार व्यवहार न करता हो, अकर्मण्य; निकम्मा।
बेअसर (بے اثر) फा. अ. वि.—निष्फल, बेनतीजा; अगुण-कर, जो तासीर न दिखाये (दवा आदि)।
बेअस्ल (بے اصل) फा. वि.—निर्मूल, निराधार, वस्तुशून्य, बेबुनियाद।
बेआज़ार (بے آزار) फा. वि.—जो किसी को कष्ट न दे।
बेआबरू (بے آبرو) फा. वि.—अपमानित, तिरस्कृत।
बेआबोदानः (بے آب ودانہ) फा. वि.—बेकुछ खाये-पिये, अन्न-जलहीन।
बेआबोरंग (بے آب ورنگ) फा. वि.—निःश्री, बेरौनक़।
बेआराम (بے آرام) फा. वि.—बेचैन, अशान्त, व्याकुल; निरानंद, विसुख, ग़ैर मस्रूर।
बेआरामी (بے آرامی) फा. स्त्री.—बेचैनी, व्याकुलता, आनंदाभाव, तकलीफ़।
बेइंतिहा (بے انتہا) फा. अ. वि.—असीम, अपार, बेहद।
बेइख्तियार (بے اختیار) फा. अ. वि.—सहसा, बेतहाशा, अधिकारहीन—"ग़ैरों को आज बज़्म में उसकी रुला दिया, बेइख्तियार नालए बेइख्तियार ने।"—दाग़।
बेइख्तियारानः (بے اختیارانہ) फा. अ. अव्य.—बेतहाशा, सहसा।
बेइख्तियारी (بے اختیاری) फा. अ. स्त्री.—विवशता, मजबूरी।
बेइज़्ज़त (بے عزت) फा. अ. वि.—अपमानित, तिरस्कृत; निंदित, गर्हित, रुसवा।
बेइज़्ज़ती (بے عزتی) फा. अ. स्त्री.—अपमान, तिरस्कार; निंदा, रुसवाई।
बेइल्म (بے علم) फा. अ. वि.—विद्याहीन, इल्म से खाली; निरक्षर, बेपढ़ा-लिखा, जाहिल।
बेइल्मी (بے علمی) फा. अ. स्त्री.—विद्याभाव, इल्म न होना; निरक्षरता, जहालत।
बेइश्तिबाह (بے اشتباہ) फा. अ. वि.—निःसंदेह, निःशंक, बेशुब्हः।
बेईमान (بے ایمان) फा. अ. वि.—बददियानत।
बेईमानी (بے ایمانی) फा. अ. स्त्री.—बददियानती।
बेउज़्र (بے عذر) फा. अ. वि.—जिसे किसी काम के करने में आपत्ति न हो, वह जिससे जो कुछ कहा जाय उसे तुरन्त करे।
बेउसूल (بے اصول) फा. अ. वि.—जिस व्यक्ति का कोई नियम न हो।
बेएतिदाली (بے اعتدالی) फा. अ. स्त्री.—किसी काम में हद से आगे बढ़ जाना; बदपरहेज़ी।
बेएतिनाई (بے اعتنائی) फा. अ. स्त्री.—तवज्जुह न करना, ध्यान न देना, उपेक्षा।
बेएतिबार (بے اعتبار) फा. अ. वि.—अविश्वस्त, अविश्व-सनीय, नामो'तबर।
बेएतिबारी (بے اعتباری) फा. अ. स्त्री.—अविश्वास, एति-बार न होना।

बेऐब (بےعیب) फा. अ. वि.–निर्दोष, निर्मल, जिसमें कोई खोट न हो।

बेऔलाद (بےاولاد) फा. अ. वि.–जिसके कोई संतान न हो, अनपत्य, निःसंतान।

बेक़द्र (بےقدر) फा. अ. वि.–अप्रतिष्ठित, अनादृत, बेइज़्ज़त; अपमानित, ज़लील।

बेक़द्री (بےقدری) फा. अ. स्त्री.–अप्रतिष्ठा, बेइज़्ज़ती; अपमान, ज़िल्लत।

बेकमोकास्त (بےکم وکاست) फा. वि.–दे. 'बेकमोबेश'।

बेकमोबेश (بےکم وبیش) फा. वि.–घटाये-बढ़ाये बग़ैर, ज्यों-का-त्यों, यथावत्।

बेकराँ (بےکراں) फा. वि.–जिसका किनारा न हो, अपार, असीम।

बेकरानः (بےکرانہ) फा. वि.–दे. 'बेकराँ'।

बेक़रार (بےقرار) फा. अ. वि.–व्याकुल, आतुर, बेचैन; घबड़ाया हुआ, उद्विग्न।

बेक़रारी (بےقراری) फा. अ. स्त्री.–व्याकुलता, बेचैनी; घबराहट, बदहवासी।

बेक़रीनः (بےقرینہ) फा. अ. वि.–बेतर्तीब, क्रमहीन, असंबद्ध; अशिष्ट, बेतमीज़।

बेकस (بےکس) फा. वि.–दुःखित, दुखी, कष्टग्रस्त, पीड़ित, तक्लीफ़ज़दः; निस्सहाय, निराश्रय, बेयारो मददगार।

बेकसी (بےکسی) फा. स्त्री.–दुःख, कष्ट, विपत्ति, तक्लीफ़; निःसहायता, बेबसी।

बेक़ाइदः (بےقاعدہ) फा. अ. वि.–बेतर्तीब, असंबद्ध; नियम-विरुद्ध, बेज़ाबितः।

बेक़ाइदगी (بےقاعدگی) फा. अ. स्त्री.–असंबद्धता, बेतर्तीबी; नियम-विरोध, बेज़ाबितगी।

बेक़ाबू (بےقابو) फा. वि.–जो क़ाबू में न आ सके, निरंकुश, उच्छासन।

बेकार (بیکار) फा. वि.–जो काम में न लगा हो, निरुद्यम; व्यर्थ निरर्थक फ़ुज़ूल; निकम्मा, अपाहज,; प्रयोगहीन, नाक़ाबिले इस्तेमाल।

बेकारी (بیکاری) फा. स्त्री.–काम का अभाव; व्यर्थपन; निकम्मापन; प्रयोगहीनता।

बेक़ियास (بےقیاس) फा. अ. वि.–बेहिसाब, अत्यधिक।

बेक़ुसूर (بےقصور) फा. अ. वि.–निरपराध, निर्दोष, बेगुनाह।

बेक़ैद (بےقید) फा. अ. वि.–बिला शर्त, बिला पाबंदी के।

बेकैफ़ोकम (بےکیف وکم) फा. अ. वि.–ठीक-ठीक, यथार्थ।

बेख़ (بیخ) फा. स्त्री–मूल, जड़।

बेख़कन (بیخ کن) फा. वि.–जड़ खोदनेवाला, नाश करनेवाला।

बेख़कनी (بیخ کنی) फा. स्त्री.–उन्मूलन, जड़ खोदना, नाश करना।

बेख़तर (بےخطر) फा. अ. वि.–निडर होकर, निर्भय होकर; जिससे अनिष्ट की आशंका न हो।

बेख़ता (بےخطا) फा. अ. वि.–अमोघ, कारगर, अचूक।

बेख़बर (بےخبر) फा. अ. वि.–संज्ञाहीन, बेहोश; सूचनाहीन, जिसे इत्तिलाअ न हो; अज्ञात, नावाक़िफ़।

बेख़बरी (بےخبری) फा. अ. स्त्री.–संज्ञाहीनता, बेसुधपन; सूचना न होना; नावाक़फ़ीयत।

बेख़ानोमाँ (بےخان وماں) फा. वि.–जिसका घर-बार नष्ट हो गया हो।

बेख़ार (بےخار) फा. वि.–जिस में काँटे न हों, निष्कंटक।

बेख़िरद (بےخرد) फा. वि.–बुद्धिहीन, बेअक़्ल।

बेख़ुद (بےخود) फा. वि.–अचेत, निश्चेष्ट, बेसुध।

बेख़ुदी (بےخودی) फा. स्त्री.–अचैतन्य, बेख़बरी।

बेख़ुरोख़्वाब (بےخور وخواب) फा. वि.–बग़ैर खाये और सोये, बग़ैर आराम के।

बेख़ेश (بےخویش) फा. वि.–जिसका कोई अपना न हो।

बेख़ोबुन (بیخ وبن) फ़ा. स्त्री.–जड़बुन्याद।

बेख़्तः (بیختہ) फा. वि.–छाना हुआ।

बेख़्तगी (بیختگی) फा. स्त्री.–छानन।

बेख़्तनी (بیختنی) फा. वि.–छानने के क़ाबिल।

बेख़्वाब (بےخواب) फा. वि.–जिसे नींद न आये, अनिद्र।

बेख़्वाबी (بےخوابی) फा. स्त्री.–नींद न आना, नींद न आने का रोग, अनिद्रा।

बेख़्वास्त (بےخواست) फा. वि.–बे बुलाया हुआ, अनियंत्रित, बिना चिंता और तलाश के स्वयं आया हुआ।

बेख़्वाहिशी (بےخواہشی) फा. स्त्री.–इच्छा का अभाव, इच्छा न होना, निस्पृहता, अनिच्छा।

बेग (بیگ) तु. पुं.–नायक, अध्यक्ष, सरदार; मुग़लों का क़ौमी लक़ब।

बेग़म (بیغم) तु. स्त्री.–दे. 'बेगम'।

बेग़म (بےغم) फा. अ. वि.–जिसे कोई चिंता न हो, निश्चिंत।

बेगम (بیگم) तु. स्त्री.–श्रीमती, महोदया; पत्नी, बीवी, शुद्ध उच्चारण 'बेगिम' है, परन्तु उर्दू में 'बेगम' ही व्यवहृत है।

बेगमात (بیگمات) तु. फा. स्त्री.–'बेगम' का बहु., बेगमें, महिलाएँ।

बेग़मी (بےغمی) फा. अ. स्त्री.–बेफ़िक्री, निश्चितता।

बेग़रज़ (بےغرض) फा. अ. वि.–निःस्वार्थ, जिसका कोई स्वार्थ न हो।

बेग़रज़ानः (بےغرضانہ) फा. अ. अव्य.–निःस्वार्थतापूर्वक।

बेग़रज़ी (بےغرضی) फा. अ. स्त्री.–निःस्वार्थता, ख़ुलूस।

बेगानः (بیگانہ) फा. वि.–अस्वजन, पराया, ग़ैर आदमी; अपरिचित, अनजान।

बेगानःख़ू (بیگانہخو) फा. वि.–बेगानों-जैसा व्यवहार करनेवाला, मेल-जोल न रखनेवाला।

बेगानःवश (بیگانہوش) फा. वि.–बेगानों की तरह रहनेवाला, मेलजोल न रखनेवाला।

बेगानःवशी (بیگانہوشی) फा. स्त्री.–बेगानो की भाँति रहना, मेलजोल न रखना।

बेगानःवार (بیگانہوار) फा. वि.–बेगानों की तरह, जैसे कभी की जान-पहचान ही न हो।

बेगानःसिफ़त (بیگانہصفت) फा. अ. वि.–दे. 'बेगानःवार'।

बेगानगी (بیگانگی) फा. स्त्री.–अस्वजनता, परायापन; अपरिचय, अनजानपन; ज्ञान का न होना, बेइल्मी।

बेग़ायत (بےغایت) फा. अ. वि.–बेहद, अत्यंत, अत्यधिक, वहुत जियादा।

बेगार (بیگار) फा. स्त्री.–वह काम जो ज़बरदस्ती लिया जाय और मज़दूरी न दी जाय, विष्टि; वह काम जो दिल लगाकर न किया जाय।

बेगारी (بیگاری) फा. वि.–बेगार में काम पर पकड़ा हुआ; उचाटमन से काम करनेवाला।

बेगाह (بےگاہ) फा. वि.–नावक़्त, शाम का वक़्त, सायंकाल।

बेगाहाँ (بےگاہاں) फा. वि.–दे. 'बेगाह'।

बेग़िलोग़िश (بےغل‌وغش) फा. अ. वि.–बिना खटके, निश्चित।

बेगुनाह (بےگناہ) फा. वि.–निर्दोप, निष्पाप, बेक़ुसूर।

बेगुनाही (بےگناہی) फा. स्त्री.–निर्दोपता, बेक़ुसूरी।

बेगुमाँ (بےگماں) फा. वि.–सहसा, अचानक; निःसंदेह, बेगुबहा।

बेग़ैरत (بےغیرت) फा. अ. वि.–निर्लज्ज, बेहया; अस्वाभिमानी, ग़ैर ख़ुद्दार।

बेग़ैरती (بےغیرتی) फा. अ. स्त्री.–निर्लज्जता, बेहयाई; अस्वाभिमान, ख़ुददारी न होना।

बेगोरोकफ़न (بےگوروکفن) फा. अ. वि.–वह मृत व्यक्ति जिसे न कफ़न मिला हो न दफ़न हुआ हो।

बेचारः (بےچارہ) फा. वि.–दुखी, निःसहाय, निरुपाय, बेकस; दरिद्र, कंगाल।

बेचारगी (بےچارگی) फा. स्त्री.–दीनता, हीनता, बेकसी; दरिद्रता, मुफ़लिसी।

बेचिराग़ (بےچراغ) फा. वि.–जिसके घर में चिराग़ न हो, दरिद्र; जिसके औलाद न हो, निःसंतान।

बेचूँ (بےچوں) फा. वि.–अद्वितीय, अनुपम, बेमिस्ल।

बेचूनोचरा (بےچون‌وچرا) फा. वि.–बे कुछ कहे सुने, बिना किसी उज़्र के, बिना कान हिलाये।

बेचूनोचिगूँ (بےچون‌وچگوں) फा. वि.–दे. 'बेचूनोचरा'।

बेज़ (بیز) फा. प्रत्य.–छाननेवाला, फैलानेवाला, जैसे–'मुश्कबेज़' मुश्क की सुगंध फैलानेवाला।

बेज़बान (بےزبان) फा. वि.–जो कुछ कहना न जानता हो, जो किसी बात की शिकायत न करता हो।

बेज़बानी (بےزبانی) फा. स्त्री.–चुप रहना, कोई शिकायत आदि न करना।

बेज़र (بےزر) फा. वि.–निर्धन, धनहीन, कंगाल, मुफ़लिस।

बेज़रर (بےضرر) फा. अ. वि.–जिससे कोई हानि न पहुँचे।

बेज़री (بےزری) फा. स्त्री.–निर्धनता, कंगाली।

बेजा (بےجا) फा. वि.–अनुचित, नामुनासिब; असंगत, बेतुका।

बेजान (بےجان) फा. वि.–निर्जीव, निष्प्राण, बेरूह।

बेज़ार (بیزار) फा. वि.–पराङ्मुख, विमुख, मुंह फेरे हुए; क्रुद्ध, अप्रसन्न, नाख़ुश।

बेज़ारी (بیزاری) फा. स्त्री.–पराङ्मुखता, विमुखता, मुँह फेरना; रोष, कोप, नाख़ुशी।

बेजिगर (بےجگر) फा. वि.–निडर, निर्भय, बेख़ौफ़, (फ़ार्सी में डरपोक, भीरु)।

बेजिगरी (بےجگری) फा. स्त्री.–निर्भयता, निडरपन, बेख़ौफ़ी, (फ़ार्सी में भीरुता, डरपोकपन)।

बेज़िनहार (بےزنہار) फा. वि.–बेपनाह, जिससे बचाव न हो सके, घातक।

बेजिहत (بےجہت) फा. अ. वि.–अकारण, बिला सबब

बेजुर्म (بےجرم) फा. अ. वि.–निर्दोप, निष्पाप, बेक़ुसूर।

बेजुर्मी (بےجرمی) फा. अ. स्त्री.–निर्दोपता, निरपराधता, बेक़ुसूरी।

बेतअम्मुल (بےتامل) फा. अ. वि.–निःसंकोच, बेखटके।

बेतअल्लुक़ (بےتعلق) फा. अ. वि.–बेलगाव, जिसे कोई लगाव न हो, किसी प्रकार का सम्बन्ध न हो, जो दख़्ल न दे।

बेतअल्लुक़ी (بےتعلقی) फा. अ. स्त्री.–सम्बन्ध का न होना, लगाव न होना।

बेतअस्सुब (بےتعصب) फा. अ. वि.–जिसमें धार्मिक पक्षपात न हो।

बेतअस्सुबी (بےتعصبی) फा. अ. स्त्री.–धर्म-सम्बन्धी पक्षपात न होना।

बेतकल्लुफ़ (بےتکلف) फा. अ. वि.—घनिष्ठ, अंतरंग, गहरा; निःसंकोच, बेखटके; संतोषपूर्वक, आराम से।

बेतकल्लुफ़ी (بےتکلفی) फा. अ. स्त्री.—घनिष्ठता, गहराई; संकोच न होना, झक न होना।

बेतकान (بےتکان) फा. वि.—बिना थके हुए; निरंतर, लगातार।

बेतमा (بےطمع) फा. अ. वि.—जिसे कोई लालच न हो, निःस्पृह, बेनियाज़।

बेतमीज़ (بےتمیز) फा. अ. वि.—अशिष्ट, बेसलीक़ः; असभ्य, नामुहज़्ज़ब; उद्दंड, सरकश; धृष्ट, गुस्ताख।

बेतमीज़ी (بےتمیزی) फा. अ. स्त्री.—अशिष्टता; असभ्यता; उद्दंडता; धृष्टता।

बेतरद्दुद (بےتردد) फा. अ. वि.—बेखटके, निश्चित; बे जोती बोई ज़मीन।

बेतरह (بےطرح) फा. अ. वि.—बुरी तरह, खूब-खूब, बहुत अधिक।

बेतर्तीब (بےترتیب) फा. अ. वि.—जिसमें कोई क्रम न हो, असंबद्ध, क्रमहीन।

बेतर्तीबी (بےترتیبی) फा. अ. स्त्री.—कोई क्रम न होना, असंबद्धता।

बेतलब (بےطلب) फा. अ. वि.—बिना माँगे हुए; बिना बुलाये हुए।

बेतहाशा (بےتحاشا) फा. अ. वि.—अचानक, अकस्मात्; सहसा, यकायक; अंधाधुंध, बहुत अधिक।

बेताक़त (بےطاقت) फा. अ. वि.—निर्बल, अशक्त, बेज़ोर।

बेताक़ती (بےطاقتی) फा. अ. स्त्री.—निर्बलता, अशक्ति, बेज़ोरी।

बेताब (بےتاب) फा. वि.—व्याकुल, बेचैन; अधीर, बेसब्र; उत्कंठित, मुश्ताक़; अशक्त, नाताक़त।

बेताबानः (بےتابانہ) फा. अव्य.—बेताबी के साथ, अधैर्य-पूर्वक, उत्कंठा के साथ।

बेताबी (بیتابی) फा. स्त्री.—व्याकुलता, बेचैनी; अधैर्य, बेसब्री; उत्कंठा, इश्तियाक़; अशक्ति, बेज़ोरी।

बेतासीर (بےتاثیر) फा. अ. वि.—जिसमें असर न हो, अभाव-कारी।

बेतौक़ीर (بےتوقیر) फा. अ. वि.—बेइज़्ज़त, अपमानित, तिरस्कृत।

बेद (بید) फा. पुं.—एक प्रकार की लचीली लकड़ी, वेत्र, बेंत।

बेदइंजीर (بیدانجیر) फा. पुं.—अरंड, अंडी।

बेदख़्ल (بےدخل) फा. अ. वि.—जिसका कब्ज़ा हट गया हो, अधिकार-च्युत।

बेदख़्ली (بےدخلی) फा. अ. स्त्री.—कब्ज़ा हट जाना।

बेदबाफ़ (بیدباف) फा. पुं.—बेंत की बुनाई का काम करने-वाला।

बेदम (بےدم) फा. वि.—अशक्त, निर्बल, बेज़ोर।

बेदर्द (بےدرد) फा. वि.—जिसमें दर्द न हो, निर्दय, बेरहम, पाषाण-हृदय, संगदिल।

बेदर्दी (بےدردی) फा. स्त्री.—दर्द का अभाव, निर्दयता।

बेदस्तोपा (بےدست وپا) फा. वि.—जिसके हाथ-पाँव न हों, निःसहाय, निराश्रय।

बेदस्तोपाई (بےدست وپائی) फा. स्त्री.—हाथ-पाँव न होना, आश्रय न होना, सहारा न होना।

बेदहन (بےدهن) फा. वि.—दे. 'बेज़बाँ'।

बेदाग़ (بےداغ) फा. वि.—जिसमें दाग़ धब्बा न हो; निर्दोष, बेऐब।

बेदाद (بےداد) फा. स्त्री.—अत्याचार, अनीति, ज़ुल्म।

बेदादख़ू (بیدادخو) फा. वि.—जिसका स्वभाव अत्याचार करना हो।

बेदादगर (بیدادگر) फा. वि.—अत्याचार करनेवाला, अत्याचारी।

बेदादगरी (بیدادگری) फा. स्त्री.—अत्याचार, अनीति, ज़ुल्म।

बेदादपेशः (بیدادپیشہ) फा. वि.—दे. 'बेदादगर'।

बेदादफ़न (بیدادفن) फा. वि.—दे. 'बेदादगर'।

बेदानः (بےدانہ) फा. वि.—जिसके अंदर बीज न हो, जैसे—बेदाना अमरूद।

बेदानिश (بےدانش) फा. वि.—बेइल्म, विद्याहीन; बुद्धिहीन, मूर्ख।

बेदानिशी (بےدانشی) फा. स्त्री.—विद्या का अभाव; बुद्धि हीनता।

बेदार (بیدار) फा. वि.—जाग्रत, सचेत, सोने से उठा हुआ।

बेदारदिल (بیداردل) फा. वि.—जिसका दिल जागता रहता हो, जाग्रतात्मा, महात्मा।

बेदारदिल (بیداردل) फा. वि.—हर बात की ऊँच-नीच समझकर उसी के अनुसार काम करनेवाला, बुद्धि-कुशल।

बेदारमग़्ज़ी (بیدارمغزی) फा. स्त्री.—समय के अनुसार काम करना।

बेदारी (بیداری) फा. स्त्री.—जाग्रति, जागरण।

बेदाश्त (بےداشت) फा. वि.—बेपर्वा, निश्चित।

बेदिमाग़ (بےدماغ) फा. अ. वि.—बदमिजाज, चिड़चिड़ा; अप्रसन्न, नाराज़।

बेदिरंग (بےدرنگ) फा. वि.—बिना बिलंब के, तुरंत, शीघ्र, तत्क्षण, फ़ौरन।

बेदिरेग़ (بےدریغ) फा. वि.–बे सोचे-समझे; अंधाधुंध; बहुत अधिक; बिना संकोच के।

बेदिल (بےدل) फा. वि.–उदास, खिन्न, अफ़सुर्द:; मनउचाट, बददिल।

बेदिली (بےدلی) फा. स्त्री.–उदासी; मनउचाट होना।

बेदीन (بےدین) फा. अ. वि.–नास्तिक, नेचरी; विधर्मी, धर्मरहित, ला मज़्हब।

बेदीनी (بےدینی) फा. अ. स्त्री.–नास्तिकता, नेचरीयत; धर्महीनता, ला मज़्हबी।

बेदे मज्नूँ (بید مجنوں) फा. अ. पुं.–एक प्रकार का बेद।

बेदे मुश्क (بید مشک) फा. पुं.–एक प्रकार का बेद, जिसके पत्तों के अरक़ से बेद मुश्क बनता है।

बेदे सादः (بید سادہ) फा. पुं.–बिना खुशबूवाला बेद, जो दवा में चलता है।

बेदौलती (بے دولتی) फा. अ. स्त्री.–बद इक़्बाली, प्रताप-हीनता; निर्धनता, मुफ़लिसी।

बेनंगोनामूस (بےننگ وناموس) फा. अ. वि.–जिसे न अपनी और न अपने कुल के मर्यादा की लज्जा हो, निर्लज्ज।

बेनज़ीर (بےنظیر) फा. अ. वि.–अद्वितीय, अनुपम, बेमिस्ल।

बेनमक (بےنمک) जिसमें नमक न हो (खाना); जिसमें लावण्य न हो, जो सुंदर न हो।

बेनमकी (بےنمکی) फा. स्त्री.–खाने में नमक न होना; अप्रसन्नता, वैमनस्य, रंजिश; मज़ा किरकिरा होना, बेलुत्फ़ी।

बेनवा (بےنوا) फा. वि.–जिसके पास जीवनयापन की कोई सामग्री न हो, दरिद्र, कंगाल।

बेनवाई (بےنوائی) फा. स्त्री.–दरिद्रता, कंगाली।

बेनसीब (بےنصیب) फा. अ. वि.–बदक़िस्मत, मंदभाग्य, भाग्यहीन।

बेनसीबी (بےنصیبی) फा. अ. स्त्री.–बदक़िस्मती, भाग्य-हीनता।

बेनाम (بےنام) फा. वि.–जिसका कोई नाम न हो, अनामक।

बेनामोनिशाँ (بےنام ونشاں) फा. वि.–जिसका कोई अता-पता न हो, गुमनाम।

बेनामोनुमूद (بےنام و نمود) फा. वि.–दे. 'बेनामोनिशाँ'।

बेनियाज़ (بےنیاز) फा. वि.–जिसे किसी से कुछ लेने की इच्छा न हो, निःस्पृह; स्वच्छंद, आज़ाद, बेपर्वा।

बेनियाम (بےنیام) फा. वि.–म्यान से बाहर, नंगी तलवार; आपे से बाहर, ग़ुस्से में बेक़ाबू।

बेनियाज़ी (بےنیازی) फा. स्त्री.–निस्पृहता, किसी चीज़ की इच्छा न होना; बेपर्वाई, उपेक्षा।

बेनिहायत (بےنہایت) फा. अ. वि.–अत्यधिक, अपार, असीम, जिसका अंत न हो।

बेनुक़्त (بےنقط) फा. अ. वि.–शब्दों पर नुक़्ते न हों, ऐसी इबारत; बहुत अधिक गालीगलौज।

बेनैले मराम (بےنیل مرام) फा. अ. अव्य.–उद्देश्य में सफलता के बिना, असफल मनोरथ, नाकाम।

बेपनाह (بےپناہ) फा. वि.–जिससे रक्षा न हो सके, बेअमान।

बेपर (بےپر) फा. वि.–जिसके पर न हो, विवश, लाचार; निःसहाय, बेमदद।

बेपरोबाल (بےپروبال) फा. वि.–जिसके पर और बाज़ू न हों; विवश, लाचार; निराश्रय, बेसहारा।

बेपरोबाली (بےپروبالی) फा. स्त्री.–विवशता, लाचारी; निःसहायता, बेसहारापन।

बेपर्दः (بےپردہ) फा. वि.–बिना आड़ के; खुल्लमखुल्ला; स्पष्ट, वाज़ेह; बिना बुर्क़ा ओढ़े हुए (स्त्री.)।

बेपर्दगी (بےپردگی) फा. स्त्री.–स्त्री का पर्दे में न रहना; स्त्रियों का अन्य पुरुष के सामने होना।

बेपर्वा (بےپروا) फा. वि.–निश्चिंत, बेफ़िक्र; निस्पृह, बेनियाज़; अभय, निडर।

बेपर्वाई (بےپروائی) फा. स्त्री.–निश्चितता; निःस्पृहता; भयहीनता।

बेपायाँ (بےپایاں) फा. वि.–जिसका अंत न हो, असीम, बेहद।

बेपीर (بےپیر) फा. वि.–जिसका कोई गुरु न हो; निर्दय, निष्ठुर, ज़ालिम।

बेफ़ाइदः (بےفائدہ) फा. अ. वि.–व्यर्थ, वृथा, बेकार, फ़ुज़ूल, बिना प्रयोजन का, निष्प्रयोजन, रद्दी।

बेफ़िक्र (بےفکر) फा. अ. वि.–निश्चित, बेपर्वा; अदूरदर्शी, नाआक़िबत बीं; अभय, निडर।

बेफ़िक्री (بےفکری) फा. अ. स्त्री.–निश्चितता; अदूरदर्शिता; निडरपन, निर्भयता।

बेफ़ैज़ (بےفیض) फा. अ. वि.–अनुपकारी, जिससे किसी को लाभ न हो; अपयशी, जिसका कोई यश न हो; कृपण, कंजूस।

बेबक़ा (بےبقا) फा. अ. वि.–अनित्य, नश्वर, नाशवान्, फ़ानी।

बेबदल (بےبدل) फा. अ. वि.–जिसका जोड़ा न हो, अकेला, अद्वितीय, लासानी।

बेबर्गोनवा (بےبرگ ونوا) फा. वि.—बेसाज़ो सामान, निर्धन; निराश्रय, निःसहाय, बेकस।

बेबर्गोबार (بےبرگ وبار) फा. वि.—बेफलफूल का अर्थात् बे औलाद, निःसंतान; निर्धन, कंगाल।

बेबसर (بےبصر) फा. अ. वि.—दृष्टिहीन, अंधा।

बेबहा (بےبہا) फा. वि.—अमूल्य, बहुमूल्य, बेशक़ीमत।

बेबह्रः (بےبہرہ) फा. वि.—वंचित, महरूम; अभागा, बदक़िस्मत।

बेबाक़ (بےباق) फा. अ. वि.—जिसके ज़िम्मे ऋण आदि का बक़ाया न रहा हो, परिशुद्ध, ऋणमुक्त।

बेबाक (بےباک) फा. वि.—धृष्ट, गुस्ताख़; निर्लज्ज, बेहया; अभय, निडर; मुक्तकंठ, मुँहफट।

बेबाकानः (بےباکانہ) फा. अव्य.—धृष्टतापूर्वक; निर्लज्जतापूर्वक; निडरता के साथ; मुँहतोड़।

बेबाक़ी (بےباقی) फा. अ. स्त्री.—ऋण आदि की चुकती, परिशोधन।

बेबाकी (بےباکی) फा. स्त्री.—धृष्टता; निर्लज्जता; निडरपन, मुँहफटपना।

बेबालोपर (بےبال وپر) फा. वि.—निःसहाय, निराश्रय, बेकस, बेबस; निर्धन, कंगाल; जिसके पास जीविका का कोई साधन न हो।

बेबिज़ाअत (بےبضاعت) फा. अ. वि.—जिसके पास पूंजी न हो, निर्धन; जो असमर्थ हो; जो कमइल्म हो।

बेबुन्याद (بےبنیاد) फा. वि.—निराधार, बेअस्ल; मिथ्या, झूठ।

बेमक़्दूर (بےمقدور) फा. अ. वि.—असमर्थ, बेमक़्दरत; अप्रतिष्ठित, बेइज़्ज़त।

बेमग़्ज़ (بےمغز) फा. अ. वि.—निर्बुद्धि, बेअक़्ल; पोच, तुच्छ, लचर; निःसार, खोखला।

बेमज़ः (بےمزہ) फा. वि.—निस्वाद, नीरस, फीका; आनंदरहित, बेलुत्फ़।

बेमज़गी (بےمزگی) फा. स्त्री.—नीरसता फीकापन, स्वाद की ख़राबी; आनंद का अभाव, बेलुत्फ़ी।

बेमस्रफ़ (بےمصرف) फा. अ. वि.—निरर्थक, बेकार; निष्प्रयोजन, नाकार आमद।

बेमहल (بےمحل) फा. अ. वि.—बेमौक़ा, अवसर के विरुद्ध, बेवक़्त; अनुचित, नामुनासिब।

बेमहाबा (بےمحابا) फा. वि.—बेधड़क, संकोच के बिना; तड़ातड़, बेतहाशा; बेपर्दा, खुले मुंह।

बेमा'ना (بےمعنی) फा. अ. वि.—निरर्थक, जिसका कोई अर्थ न हो; व्यर्थ, बेकार, फ़ुज़ूल; निष्फल, बेनतीजा।

बेमानिंद (بےمانند) फा. वि.—जिसकी कोई तुलना न हो, अद्वितीय, अनुपम, बेमिस्ल।

बेमा'नी (بےمعنی) फा. अ. वि.—दे. 'बेमा'ना'।

बेमायः (بےمایہ) फा. वि.—जिसके पास पूंजी न हो, निर्धन; जिसके पास विद्या रूपी पूंजी न हो, बेइल्म।

बेमायगी (بےمایگی) फा. स्त्री.—दरिद्रता, निर्धनता; विद्याहीनता, बेइल्मी, अपांडित्य।

बेमिक़्दार (بےمقدار) फा. अ. वि.—अपमानित, तिरस्कृत, बेइज़्ज़त; अधम, नीच, कमीना।

बेमिन्नते ग़ैरे (بےمنت غیرے) फा. अ. अव्य.—दूसरे की ख़ुशामद किये बिना, दूसरे का एहसान लिये बिना।

बेमिसाल (بےمثال) फा.,अ. वि.—अनुपम, असमान, अतुल्य, बेनज़ीर, लाजवाब।

बेमिस्ल (بےمثل) फा. अ. वि.—दे. 'बेमिसाल'।

बेमिहार (بےمہار) फा. वि.—जिसकी नाक में नकेल न हो, अर्थात् निरंकुश, स्वच्छंद, आज़ाद, बेलगाम।

बेमुरव्वत (بےمروت) फा. अ. वि.—जिसमें शील संकोच न हो, दुःशील, तोताचश्म, अक्खड़, उजड्ड; निष्ठुर, बेरहम।

बेमुरव्वती (بےمروتی) फा. अ. स्त्री.—दुःशीलता, तोताचश्मी; अक्खड़पन; निर्दयता, बेरह्मी।

बेमेह्र (بےمہر) फा. अ. वि.—निर्मम, जिसमें मामता न हो; निर्दय, निष्ठुर, बेरह्म।

बेमेह्री (بےمہری) फा. अ. स्त्री.—निर्ममता; निर्दयता।

बेमौक़ा (بےموقعہ) फा. अ. वि.—दे. 'बेमहल'।

बेमौसिम (بےموسم) फा. अ. वि.—बिना ऋतु का (फल आदि)।

बेयारोमददगार (بےیارومددگار) फा. वि.—जिसका कोई सहायक और ख़बरगीर न हो, निराश्रय, निःसहाय, बेकस।

बेरंग (بےرنگ) फा. वि.—जिसका कोई रंग न हो, अवर्ण; जिसका रंग उतर गया हो, बदरंग, कुवर्ण।

बेरग (بےرگ) फा. वि.—निर्लज्ज, बेग़ैरत।

बेरब्त (بےربط) फा. अ. वि.—असंबद्ध, ग़ैर मर्बूत, बेढंगा, बेमेल।

बेरब्ती (بےربطی) फा. अ. स्त्री.—असंबद्धता, बेढंगापन, बेजोड़पन।

बेरह्म (بےرحم) फा. अ. वि.—निष्ठुर, निर्दय, ज़ालिम।

बेरह्मी (بےرحمی) फा. अ. स्त्री.—निर्दयता, निष्ठुरता, ज़ुल्म।

बेराह (بےراہ) फा. वि.—पथभ्रष्ट, कुमार्गी, गुमराह।

बेराहरवी (بےراہروی) फा. स्त्री.—बुरी राह चलना, कुमार्गगमन।

बेराहरौ (بےراہرو) फा. वि.—कुमार्गी, पथभ्रष्ट, बुरी राह चलनेवाला, पापाचरण करनेवाला।

बेरिया (بےریا) फा. वि.–निश्छल, मुख़्लिस; आडंबर-हीन, पाखंड न करनेवाला।
बेरियाई (بےریائی) फा. स्त्री.–निश्छलता, निष्कपटता; आडंबरहीनता।
बेरीशः (بےریشہ) फा. पुं.–दे. 'बेरीश'।
बेरीश (بےریش) फा. वि.–जिसके दाढ़ी न निकली हो, जो अभी पूरी उम्र का न हो, लड़का, अमरद।
बेरुख़ी (بےرخی) फा. स्त्री.–बेतवज्जुही, उपेक्षा; बेमुरव्वती, दुःशीलता; मुंह फेरना, विमुखता।
बेरूं (بیروں) फा. वि.–बाहर।
बेरूंजात (بیرونجات) फा. पुं.–नगर के बाहर की बस्तियाँ, मुफ़स्सलात।
बेरू (بےرو) फा. वि.–बेमुरव्वत, दुःशील।
बेरूओरिआयत (بےرووعایت) फा. अ. वि.–बिना किसी के पक्षपात और रियाअत किये।
बेरेशः (بےریشہ) फा. वि.–जिसमें सुथड़े या रेशे न हों, जैसे—बेरेशः आम।
बेरेबोरिया (بےریب‌وریا) फा. वि.–बिना छल और कपट के, ठीक-ठीक, सीधा-सीधा।
बेरोज़गार (بےروزگار) फा. वि.–जिसके पास धंधा न हो, अनुद्यमी, व्यवसायहीन, बेकार।
बेरोज़गारी (بےروزگاری) फा. स्त्री.–रोज़गार न होना, लोगों को काम न मिलना, बेकारी।
बेरौनक़ (بےرونق) फा. वि.–जिसमें कोई शोभा न हो, शोभाशून्य, श्रीहीन; जहाँ चहल-पहल न हो, सूना, उजाड़, जिसमें प्रफुल्लता न हो, अफ़्सुर्दः।
बेरौनक़ी (بےرونقی) फा. स्त्री.–शोभा न होना; चहल-पहल न होना; प्रफुल्लता न होना।
बेल (بیل) फा. पुं.–बेलचा, फावड़ा; पतवार, नाव खेने का डांड।
बेलकश (بیل کش) फा. वि.–फावड़ा चलानेवाला।
बेलगाम (بےلگام) फा. वि.–जिसके मुंह में लगाम न हो; निरंकुश, स्वच्छंद; मुँहफट, बदलगाम।
बेलचः (بیلچہ) फा. पुं.–फावड़ा; फावड़े के आकर का एक खोदने का यंत्र, जिसका दस्ता सीधा होता है।
बेलचःकार (بیلچہ‌کار) फा. वि.–बेलचे से खोदाई करने-वाला, फावड़ा चलानेवाला।
बेलचक (بیلچک) फा. पुं.–बेलचा, फावड़ा।
बेलज़न (بیل‌زن) फा. वि.–फावड़ा चलानेवाला; किसान, कृषक।
बेलुत्फ़ (بےلطف) फा. अ. वि.–निरानंद, बेमज़ा, जिसमें कोई दिलचस्पी न हो।
बेलुत्फ़ी (بےلطفی) फा. अ. स्त्री.–आनंद का न होना, मज़ा न आना, दिलचस्पी न होना।
बेलौस (بےلوث) फा. अ. वि.–निःस्वार्थ, मुख़्लिस; जिस पर कोई लांछन न हो, जो पाक-साफ़ हो।
बेलौसी (بےلوثی) फा. अ. स्त्री.–निःस्वार्थता, इख़्लास; निर्लिप्तता, बेतअल्लुक़ी।
बेवः (بیوہ) फा. स्त्री.–विधवा, अधवा, वह स्त्री जिसका पति मर गया हो, रांड़।
बेवक़ार (بےوقار) फा. अ. वि.–दे 'बेवक़्अत', निर्धन, बेपूंजी।
बेवक़्अत (بےوقعت) फा. अ.–जिसकी कोई इज़्ज़त न हो, तिरस्कृत; जो माना न जाय, अमान्य।
बेवक़्अती (بےوقعتی) फा. अ. स्त्री.–अपमान, तिरस्कार, बेइज़्ज़ती; तुच्छता, नीचता, ज़लालत।
बेवक़्त (بےوقت) फा. अ. वि.–कुसमय, अकाल, नावक़्त।
बेवक़्र (بےوقر) फा. अ. वि.–दे. 'बेवक़्अत'।
बेवक़्री (بےوقری) फा. अ. स्त्री.–दे. 'बेवक़्अती'।
बेवगी (بیوگی) फा. स्त्री.–बेवा होने की अवस्था, विधवा-पन, विधवात्व, वैधव्य, रँडापा।
बेवजह (بےوجہ) फा. अ. वि.–अकारण, बिला वजह।
बेवफ़ा (بےوفا) फा. अ. वि.–जिसमें वफ़ा न हो, कृतघ्न, दग़ाबाज़; जो वादे का पक्का न हो।
बेवफ़ाई (بےوفائی) फा. अ. स्त्री.–कृतघ्नता, दग़ाबाज़ी; वादाख़िलाफ़ी, वचन-भंग।
बेवास्तिः (بےواسطہ) फा. अ. वि.–अकारण, बेसबब; बिलावास्तः, इन डाइरेक्ट।
बेवुक़ूफ़ (بےوقوف) फा. अ वि.–बुद्धिहीन, निर्बुद्धि, मूर्ख, नादान।
बेवुक़ूफ़ी (بےوقوفی) फा. अ. स्त्री.–मूर्खता, बुद्धिहीनता, मूर्खता, नादानी।
बेशः (بیشہ) फा. पुं.–शेर के रहने की मांद, कछार; बन, जंगल
बेशःनशीं (بیشہ‌نشیں) फा वि.–जंगल में रहनेवाला, तपस्या के लिए जंगल में रहनेवाला।
बेश (بیش) फा. वि.–अधिक, ज़ियादा; मीठा तेलिया, मिंघिया।
बेश अज़ पेश (بیش‌ازپیش) फा. वि.–अधिकाधिक, ज़ियादा से ज़ियादा।
बेश अज़ बेश (بیش از بیش) फा. वि.–पहले की अपेक्षा अधिक, पहले से ज़ियादा।

बेशक (بےشک) फा. अ. वि.—निःसंदेह, निःशंक, बेशुबह; अवश्य, जुरूर।

बेशक़रार (بیش قرار) फा. अ. वि.—पर्याप्त, काफ़ी; अत्यधिक, बहुत।

बेशक़ीमत (بیش قیمت) फा. अ. वि.—बहुमूल्य, बड़े दामों की वस्तु।

बेशक्कोशुब्ह: (بےشک وشبہہ) फा. अ. वि.—निःसंदेह, निःशंक, बिना किसी शंका और संदेह के।

बेशतर (بیش تر) फा. वि.—अधिकतर, प्रायः, बहुधा, अमूमन।

बेशबहा (بیش بہا) फा. वि.—दे. 'बेशक़ीमत'।

बेशर्म (بےشرم) फा. अ. वि.—निर्लज्ज, बेहया; बेग़ैरत, स्वाभिमानरहित।

बेशर्मी (بےشرمی) फा. अ. स्त्री.—निर्लज्जता, बेहयाई; अस्वाभाविमान, बेग़ैरती।

बेशाइब: (بےشائبہ) फा. अ. वि.—निःसंदेह, यक़ीनन।

बेशी (بیشی) फा. स्त्री.—अधिकता, ज़ियादती; इज़ाफ़ा, बढ़ती, वृद्धि।

बेशीराज: (بےشیرازہ) फा. वि.—असंबद्ध, बेतर्तीब।

बेशुऊर (بےشعور) फा. अ. वि.—निर्बुद्धि, बेअक़्ल; अशिष्ट, नाशाइस्त:; अविवेकी, अच्छे-बुरे की तमीज न रखनेवाला।

बेशुऊरी (بےشعوری) फा. अ. स्त्री.—बुद्धिहीनता, बेअक़्ली; बेतमीज़ी, अविवेक।

बेशुब्ह: (بےشبہہ) फा. अ. वि.—निःसंदेह, निःशंक, बेशक।

बेशुमार (بےشمار) फा. अ. वि.—असंख्य, अनगिनत, जिनकी गिनती न हो सके, बहुत अधिक।

बेशोकम (بیش وکم) फा. वि.—थोड़ा-बहुत।

बेसत्री (بےستری) फा. अ. स्त्री.—बे पर्दगी, पर्दा न होना, कपड़े का शरीर पर से हट जाना या न होना।

बेसबब (بےسبب) फा. अ. वि.—बिना कारण, अकारण, बेवजह।

बेसबब आज़ार (بےسبب آزار) फा. अ. वि.—बिना कारण के कष्ट देनेवाला, अकारण-द्रोही।

बेसब्र (بےصبر) फा. अ. वि.—अधीर, आतुर, जिसे धीरज न हो, जल्दबाज़।

बेसब्री (بےصبری) फा. अ. स्त्री.—अधीरता, आतुरता, जल्दबाज़ी।

बेसरोपा (بےسروپا) फा. वि.—बे सर और पैर का, जिसका सिर-पैर कुछ न हो, झूठा, निराधार।

बेसर्फ़: (بےصرفہ) फा. अ. वि.—व्यर्थ, निरर्थक, बेकार।

बेसलीक़: (بےسلیقہ) फा. अ. वि.—जिसे किसी काम करने का ढंग न आता हो; जो शिष्ट न हो, असभ्य।

बेसलीक़गी (بےسلیقگی) फा. अ. स्त्री.—काम का ढंग न आना; अशिष्टता, असभ्यता।

बेसवा (بیسوا) फा. स्त्री.—वेश्या, गणिका, तवाइफ़।

बेसवाद (بےسواد) फा. अ. वि.—निश्री, बेरौनक़; निरक्षर, जाहिल, मूर्ख।

बेसाख़्त: (بےساختہ) फा. वि.—सहसा, बेतहाशा, तुरंत; जो बना-सँवरा न हो, सादा; बे सोचे हुए, फ़िलबदीह।

बेसाख़्तगी (بےساختگی) फा. स्त्री.—बेतहाशापन, शीघ्रता; बनाव-सिंगार न होना; बरजस्तगी।

बेसाज़ोबर्ग (بےسازوبرگ) फा. वि.—दे. 'बेबर्गोनवा'।

बेसिक्क: (بےسکہ) फा. वि.—तुच्छ, नीच, ज़लील, अपमानित, तिरस्कृत।

बेसियाक़ोसिबाक़ (بےسیاق وسباق) फा. अ. वि.—बिना पूर्वापर सम्बन्ध के, (सियाक़ (अर्बी) = चलाना, रविश) सिबाक़—अ. वि. = आगे दौड़नेवाला, फ़ार्सी और उर्दू में 'सियाक़' और 'सिबाक़' समानार्थक शब्द हैं।

बेसुकून (بےسکون) फा. अ. वि.—अशान्ति, जिसे शान्ति न मिले; उद्विग्न, परीशान; चंचल, चपल, शोख़।

बेसुतून (بےستون) फा. पुं.—वह पहाड़ जिसे फ़र्हाद ने काटा था।

बेसूद (بےسود) फा. वि.—निरर्थक, व्यर्थ, बेकार; निष्फल, बेनतीज:।

बेहंगाम (بےهنگام) फा. वि.—कुसमय, नावक़्त।

बेहक़ीक़त (بےحقیقت) फा. अ. वि.—तुच्छ, ज़लील; असत्य, झूठ; निराधार, बेबुनियाद।

बेहद (بےحد) फा. अ. वि.—असीम, अपार बेहिसाब; अत्यधिक, बहुत ज़ियादा

बेहद्दोहिसाब (بےحدوحساب) फा. अ. वि.—जो गिनती और हिसाब से बाहर हो, असंख्य, अपार।

बेहमओबाहम: (بےهمه وباهمه) फा. वि.—किसी के साथ नहीं और सबके साथ, सबसे अलग और सबके साथ, अच्छाई में सबके साथ, बुराई में सबसे अलग।

बेहमगी (بےهمگی) फा. स्त्री.—किसी के साथ न होना, सबसे अलग होना।

बेहमता (بےهمتا) फा. वि.—अनुपम, बेमिसाल।

बेहमाल (بےهمال) फा. वि.—अद्वितीय, अनुपम, बेमिस्ल।

बेहमीयत (بےحمیت) फा. अ. वि.—बेग़ैरत, निर्लज्ज।

बेहमीयती (بےحمیتی) फा. अ. स्त्री.—निर्लज्जता, बेग़ैरती।

बेहया (بےحیا) फा. अ. वि.—निर्लज्ज, लज्जा-शून्य, अपत्रप, निस्त्रप, क्षपणक, बेहया।

बेहयाई (بےحیائی) फा. अ. स्त्री.—लज्जाहीनता, निर्लज्जता, बेशर्मी।

बेहाल (بےحال) फा. अ. वि.—अचेत, बेख़बर, संज्ञाहीन; मरणासन्न, मरने के क़रीब; दुर्दशाग्रस्त, बदहाल।

बेहासिल (بےحاصل) फा. अ. वि.—व्यर्थ, निरर्थक, बेकार; निष्फल, बेनतीजा।

बेहिजाब (بےحجاب) फा. अ. वि.—बेपर्दा; खुलेबंदों, घूंघट खोले हुए।

बेहिजाबानः (بےحجابانہ) फा. अ. वि.—पर्दा उठाये हुए, घूंघट हटाये हुए, मुंह खोले हुए, बेपर्दा।

बेहिजाबी (بےحجابی) फा. अ. स्त्री.—बेपर्दगी, घूंघट उठा देना, खुलेबंदों फिरना (स्त्री का)।

बेहिफ़ाज़त (بےحفاظت) फा. अ. वि.—जिसकी रक्षा न हो, अरक्षित।

बेहिफ़ाज़ती (بےحفاظتی) फा. अ. स्त्री.—रक्षा का अभाव, अरक्षा।

बेहिम्मत (بےہمت) फा. अ. वि.—निरुत्साही, हतोत्साही, जिसकी हिम्मत टूट गयी हो, जिसमें हिम्मत न हो।

बेहिम्मती (بےہمتی) फा. अ. स्त्री.—उत्साह की कमी, उत्साह का अभाव।

बेहिस [स्स] (بےحس) अ. वि.—जिसे एहसास न हो, जिसमें स्वाभिमान न हो; चेतनाशून्य, ग़ाफ़िल; सुन, जड़ीभूत।

बेहिसाब (بےحساب) फा. अ. वि.—असंख्य, बेशुमार।

बेहिसी (بےحسی) फा. अ. स्त्री.—एहसास का अभाव; चेतना का अभाव; सुन्न हो जाना।

बेहिस्सी (بےحسی) फा. अ. स्त्री.—दे. 'बेहिसी', दोनों शुद्ध हैं।

बेहिस्सोहरकत (بےحس وحرکت) फा. अ. वि.—जो गति और चेतना दोनों से शून्य हो, जड़वत्, निस्तब्ध।

बेहुज़ूर (بےحضور) फा. अ. वि.—अनुपस्थित, नामौजूद; लुप्त, ग़ाइब।

बेहुज़ूरी (بےحضوری) फा. अ. स्त्री.—अनुपस्थिति, ग़ैर मौजूदगी; लोप, ग़ाइब होना।

बेहुदः (بیہدہ) फा. वि.—'बेहूदः' का लघु., दे. 'बेहूदः'।

बेहुनर (بےہنر) फा. अ. वि.—जिसमें कोई हुनर न हो, निर्गुण, गुणहीन।

बेहुनरी (بےہنری) फा. अ. स्त्री.—गुण का न होना, निर्गुणता, वैगुण्य।

बेहुर्मत (بےحرمت) फा. अ. वि.—अपमानित, तिरस्कृत, बेइज़्ज़त; गर्हित, निंदित, रुस्वा।

बेहुर्मती (بےحرمتی) फा. अ. स्त्री.—अपमान, बेवक़्अती; गर्हा, निंदा, रुसवाई।

बेहूदः (بیہودہ) फा. वि.—व्यर्थ, अनर्थ, बेकार; निष्प्रयोजन, निकम्मा; असभ्य, अशिष्ट, बदतमीज़; दुःशील, बदअख़्लाक़; अश्लील, फ़ुह्श; दुश्चरित्र, आवारा।

बेहूदःकलाम (بیہودہ کلام) फा. अ. वि.—दे. 'बेहूदगो'।

बेहूदःगो (بیہودہ گو) फा. वि.—व्यर्थवादी, फ़ुज़ूल बातें करनेवाला; अश्लील वक्ता, फ़ुह्शगो।

बेहूदःगोई (بیہودہ گوئی) फा. स्त्री.—व्यर्थ की बकवास; अश्लील बातें।

बेहूदःमिज़ाज (بیہودہ مزاج) फा. अ. वि.—असभ्य, अशिष्ट, बदतमीज़; उजड्ड, अक्खड़।

बेहूदःशिआर (بیہودہ شعار) फा. अ. वि.—दे. 'बेहूदःमिज़ाज'।

बेहूदःसिरिश्त (بیہودہ سرشت) फा. वि.—दे. बेहूदःमिज़ाज'।

बेहूदगी (بیہودگی) फा. स्त्री.—अश्लीलता, फ़ुह्शपन; असभ्यता, अशिष्टता, बदतमीज़ी।

बेहैसियत (بےحیثیت) फा. अ. वि.—अप्रतिष्ठित, बेइज़्ज़त; निर्धन, मुफ़्लिस।

बेहैसियती (بےحیثیتی) फा. अ. स्त्री.—प्रतिष्ठा न होना, अप्रतिष्ठा; निर्धनता।

बेहोश (بےہوش) फा. वि.—निश्चेष्ट, अचेत, ग़ाफ़िल; उन्मत्त, बदमस्त।

बेहोशी (بےہوشی) फा. स्त्री.—निश्चेष्टता, गफ़लत; उन्मत्तता, बदमस्ती।

बेहोशोहवास (بےہوش وحواس) फा. अ वि.—जिसकी न अक़्ल ठिकाने हो, न होश, बहुत ही ग़ाफ़िल।

बेहौसलः (بےحوصلہ) फा. अ. वि.—दे. 'बेहिम्मत'।

बेहौसलगी (بےحوصلگی) फा. अ. स्त्री.—दे. 'बेहिम्मती'।

बै

बैअ (بیع) अ. स्त्री.—बेचना, फ़रोख़्त करना।

बैअत (بیعت) अ. स्त्री.—किसी पीर के हाथ पर उसका मुरीद होना।

बैअनामः (بیع نامہ) अ. फा. पुं.—बेचीनामा, विक्रय-पत्र, बेचने की क़ानूनी तहरीर।

बैआनः (بیعانہ) अ. फा. पुं.—वह धन जो मूल्य तय हो जाने पर खरीदार बेचनेवाले को इसलिए देता है कि बात पक्की हो जाय।

बैओशिरा (بیع وشرا) अ. स्त्री.—खरीद-फ़रोख़्त, क्रय-विक्रय।

बैज़: (بیضہ) अ पुं.—अंडा, अंड; अंडकोष, फ़ोता; सिपाहियों का खोद, लोहे की टोपी; पूरे सर का एक दर्द।
बैज़ (بیض) अ. पुं.—'बैज़:' का बहु., अंडे।
बैज़ए माकियाँ (بیضۂ ماکیاں) अ. फा. पुं.—मुर्ग़ी का अंडा।
बैज़ए मार (بیضۂ مار) अ. फ़ा. पुं.—साँप का अंडा।
बैज़ए मुर्ग़ (بیضۂ مرغ) अ. फा. पुं.—मुर्ग़ी का अंडा।
बैज़ए मोर (بیضۂ مور) अ. फा. पुं.—च्यूंटी का अंडा।
बैज़क (بیذق) अ. पुं.—दे. 'बैदक़', दोनों शुद्ध हैं।
बैज़वी (بیضوی) अ. वि.—अण्डे के आकार का, अंडाकार।
बैज़ा (بیضا) अ. वि.—प्रकाशमान्, उज्ज्वल, रौशन; श्वेत, सफ़ेद; सूर्य, सूरज; ईरान का एक नगर।
बैज़ावी (بیضاوی) अ. वि.—बैज़ा (ईरान का एक नगर), से सम्बन्ध रखनेवाला।
बैत (بیت) अ. पुं.—घर, गृह, मकान; स्थान, जगह, (स्त्री.) एक शेर, दो मिस्ने।
बैतबह्सी (بیت بحثی) अ. स्त्री.—दे. 'बैतबाज़ी' अन्त्यांक्षरी।
बैतबाज़ी (بیت بازی) अ. फा. स्त्री.—लड़कों का एक इल्मी मश्ग़लः जिसमें एक लड़का एक शे'र पढ़ता है और दूसरा लड़का उस शेर के अन्तिम अक्षर से प्रारम्भ होनेवाला दूसरा शे'र पढ़ता है या उसी विषय पर दूसरी उक्ति पढ़ता है।
बैतार (بیطار) अ. पुं.—पशुओं की चिकित्सा करनेवाला, अश्व-चिकित्सक।
बैतुन्नुतफ़ (بیت النطف) अ. पुं.—चकला, वेश्यालय।
बैतुलअतीक़ (بیت العتیق) अ. पुं.—पुराना घर; का'बः, ख़ानए का'बः।
बैतुलअरूस (بیت العروس) अ. पुं.—दुल्हन का कम्रा; ख़ानए का'बः।
बैतुलउलूम (بیت العلوم) अ. पुं.—यूनीवर्सिटी, विश्वविद्यालय।
बैतुलख़ला (بیت الخلا) अ. पुं.—शौचालय, पाख़ाना।
बैतुलग़ज़ल (بیت الغزل) अ. स्त्री.—ग़ज़ल का सबसे अच्छा शे'र।
बैतुलमा'मूर (بیت المعمور) अ. पुं.—चौथे आस्मान पर बनी हुई मस्जिद जो ख़ानए का'बः के ठीक ऊपर है।
बैतुलमाल (بیت المال) अ. पुं.—वह कोष जिसका धन सार्वजनिक कामों में ख़र्च हो।
बैतुलमुक़द्दस (بیت المقدس) अ. पुं.—यरोशलम।
बैतुल्लाह (بیت اللہ) अ. पुं.—ख़ानए का'बः, ईश्वर का घर।
बैतुलहज़न (بیت الحزن) अ. पुं.—शोकगृह, ग़मी का घर; नायक का घर।
बैतुलहमल (بیت الحمل) अ. पुं.—मेषराशि, पहला बुर्ज।
बैतुलहराम (بیت الحرام) अ. पुं.—ख़ानए का'बः।
बैतुलहुज़्न (بیت الحزن) अ. पुं.—दे. 'बैतुलहज़न', दोनों शुद्ध हैं।
बैतुश्शरफ़ (بیت الشرف) अ. पुं.—वह राशि जिसमें किसी ग्रह की उन्नति हो।
बैतुस्सक़र (بیت السقر) अ. पुं.—नरक, दोज़ख़।
बैतुस्सनम (بیت الصنم) अ. पुं.—बुतख़ाना, मूर्तिगृह, मंदिर।
बैतुस्सिलाह (بیت السلاح) अ. पुं.—शस्त्रागार, अस्लिहःख़ानः, मैगज़ीन।
बैदक़ (بیدق) अ. पुं.—शत्रंज का पियादा।
बैदा (بیدا) अ. पुं.—वन, कानन, जंगल, दश्त।
बैन (بین) अ. वि.—बीच, मध्य, दरमियान।
बैनलअक़्वाम (بین الاقوام) अ. वि.—अन्तर्राष्ट्रीय।
बैनलअक़्वामी (بین الاقوامی) अ. वि.—अन्तर्राष्ट्रीय।
बैनलमिल्ली (بین الملی) अ. वि.—अंतर्राष्ट्रीय।
बैनलमुल्की (بین الملکی) अ. वि.—अंतर्देशीय।
बैनस्सुतूर (بین السطور) अ. पुं.—दो सत्रों के बीच में छोड़ी हुई जगह।
बैयाअ (بیاع) अ. वि.—बेचनेवाला, विक्रेता; अभिकर्ता, दल्लाल।
बैयिन (بین) अ. वि.—स्पष्ट, वाज़ेह, ज्वलन्त।
बैरक़ (بیرق) तु. पुं.—छोटा झंडा, झंडी, वह झंडा जो ज़मीन पर कब्ज़ा करने या आबाद करने के निशान के लिए गाड़ते हैं।

बो

बोईदः (بوئیدہ) फा. वि.—सूँघा हुआ।
बोतः (بوتہ) फा. पुं.—सुनारों की घरिया, कुठाली, बूतः।
बोबनः (بوبنہ) तु. पुं.—बटेर।
बोया (بویا) फा. वि.—सुगंधित, सुवासित, ख़ुशबूदार।
बोरिया (بوریا) फा. पुं.—चटाई, खजूर की चटाई, मंदुरा।
बोरियानशीं (بوریانشیں) फा. वि.—चटाई पर बैठनेवाला, फ़क़ीर।
बोरियाबाफ़ (بوریاباف) फा. वि.—चटाइयाँ, बुननेवाला।
बोरियाबाफ़ी (بوریابافی) फा. स्त्री.—चटाइयाँ बुननेका काम।
बोस (بوس) फा. प्रत्य.—चूमनेवाला, जैसे—'फ़लकबोस' आस्मान चूमनेवाला, गगनचुंबी।
बोसः (بوسہ) फा. पुं.—चुंबन, चूमा।

बोसःगाह (بوسہ گاہ) फा. स्त्री.—वह स्थान जिसे चूमा जाय।
बोसःज़न (بوسہ زن) फा. वि.—चूमनेवाला, चुंबक।
बोसःबपैग़ाम (بوسہ بہ پیغام) फा.वि.—दूसरे के ज़रिए अपने मक़सद को पा लेना,—"क़ासिद के हाथ चूम लिये मैंने लेके खत, ये एक तरह का बोसः ब पैग़ाम हो गया।"
बोसःबाज़ी (بوسہ بازی) फा. स्त्री.—चुंबाचुंबी, एक-दूसरे को चूमना।
बोसीदः (بوسیدہ) फा. वि.—चुंबित, चूमा हुआ; सड़ा-गला, फटा-पुराना।
बोसीदगी (بوسیدگی) फा. स्त्री.—सड़ा-गलापन, फटा-पुरानापन।
बोसीदनी (بوسیدنی) फा. वि.—चूमने के लाइक़, चुंबन-योग्य, चुंबनीय।
बोस्ताँ (بوستاں) फा. पुं.—उद्यान, बाग़, आराम, वाटिका।
बोस्ताँपैरा (بوستاں پیرا) फा. वि.—माली, उद्यानपाल।

बौ

बौज़क (بوزک) फा. स्त्री.—फफूंदी, श्वेता।
बौल (بول) अ. पुं.—मूत्र, प्रस्राव, पेशाब, मूत।
बौलगाह (بول گاہ) अ. फा. स्त्री.—मूत्रालय, पेशाब करने की जगह, यूरिनल।
बौलदान (بول دان) अ. फा. पुं.—पेशाब का बरतन; रोगियों का मूत्र-पात्र, यूरिन-पाट।
बौलफ़िलफ़िराश (بول فی الفراش) अ. पुं.—एक रोग जिसमें रोगी सोते हुए पलंग पर पेशाव कर देता है, प्रायः यह रोग दस बारह बरस के बच्चों को होता है, शय्यामूत्र।

म

मंज़र (منظر) अ. पुं.—दृश्य, नज़्ज़ारः; मुखाकृति, चेहरः; कौतुकस्थान, तमाशागाह; क्रीडास्थल, सैरगाह; दृष्टि का अंत, हद्दे नज़र।
मंज़रे आम (منظر عام) अ. पुं.—खुली जगह, जहाँ सब लोग आ-जा सकें, सार्वजनिक स्थान।
मंज़िल (منزل) अ. स्त्री.—उतरन की जगह, पड़ाव; जहाँ जाना हो, गंतव्य; एक दिन की यात्रा; मकान का खंड, माला; नक्षत्र, चाँद का घर; लम्बी यात्रा।
मंज़िलगाह (منزل گاہ) अ. फा. स्त्री.—जहाँ जाकर ठहरना हो।
मंज़िलत (منزلت) अ. स्त्री.—आदर. सत्कार, इज़्ज़त; पदवी, दरजा।
मंज़िले अव्वल (منزل اول) अ. स्त्री.—क़ब्र, श्मशान, जहाँ मनुष्य मरने पर पहली बार जाता है।
मंज़िले क़मर (منزل قمر) अ. स्त्री.—नक्षत्र, चाँद के रास्ते में पड़नेवाले २७ स्थानों में से एक, (दे. मनाज़िले क़मर)।
मंज़िले मक़्सूद (منزل مقصود) अ. स्त्री.—वह स्थान जहाँ पहुँचना है; आशय, उद्देश्य।
मंज़िले हस्ती (منزل ہستی) अ. फा. स्त्री.—जीवनयात्रा, आयु, उम्र।
मंज़ूअ (منزوع) अ. वि.—निकाला हुआ, किसी चीज़ में से अलग किया हुआ।
मंज़ूम (منظوم) अ. वि.—पद्यात्मक, छंदोबद्ध, नज़्म की सूरत में लाया हुआ, छंद के रूप में परिवर्तित किया हुआ।
मंज़ूमात (منظومات) अ. स्त्री.—नज़्मों का संग्रह, वह संग्रह जिसमें 'ग़ज़लें' न हों, केवल नज़्में हों।
मंज़ूर (منظور) अ. वि.—दृष्टिगत, दृष्टिगोचर, जो देखा जाय; स्वीकृत, तस्लीम; रुचिकर, पसंदीदः।
मंज़ूरे नज़र (منظور نظر) अ. वि.—प्रिय, प्यारा; कृपापात्र, जिस पर किसी की कृपादृष्टि हो; आँखों को पसंद।
मंद (مند) फा. प्रत्य.—वाला, जैसे—'ज़ुरूरतमंद' 'ज़ुरूरत-वाला।
मंदल (مندل) फा. पुं.—घेरा, इहाता, मंडल।
मंदूबः (مندوبہ) अ. स्त्री.—डेलीगेट स्त्री, प्रतिनिधि महिला।
मंदूब (مندوب) अ. पुं.—डेलीगेट, प्रतिनिधि।
मंदूबीन (مندوبین) अ. पुं.—'मंदूब' का बहु., प्रतिनिधि मंडल, बहुत-से प्रतिनिधि।
मंबा' (منبع) अ. पुं.—स्रोत, चश्मा; उद्गम, मख़्रज।
मंबित (منبت) अ. पुं.—उगने का स्थान, जहाँ कोई पौदा उगे।
मंशा (منشا) अ. पुं.—उद्देश्य, आशय, मक़सद; अर्थ, मतलब; इच्छा, ख़्वाहिश; कारण, हेतु, सबब; मनोकामना, मनोरथ, दिली मक़सद।
मंशाए इलाही (منشاے الٰہی) अ. पुं.—ईश्वरेच्छा, ख़ुदा की मर्ज़ी।
मंशाए दिली (منشاے دلی) अ. फा. पुं.—मनोरथ, मनो-कामना, दिली आर्ज़ू।
मंशाए मशीअत (منشاے مشیت) अ. पुं.—दे. 'मंशाए इलाही'।
मंशूर (منشور) अ. पुं.—अस्त-व्यस्त, तितर-बितर, बिखरा हुआ; राजाज्ञा, शाहीफ़र्मान।
मंसक (منسک) अ. पुं.—वह स्थान जहाँ पूजा की जाय, उपासना-गृह; वह स्थान जहाँ क़ुर्बानी की जाय।
मंसब (منصب) अ. पुं.—पद, उहदा; बड़ी पदवी; अधिकार, हक़; कर्तव्य, फ़र्ज़।

मंसबदार (منصبدار) अ. फा. वि.—पदाधिकारी, उहदेदार; पीढ़ी दर पीढ़ी वज़ीफ़ा पानेवाला।

मंसबी (منصبی) अ. वि.—मंसबवाला, पद-सम्बन्धी, जैसे—'कारे मंसबी', अपना पद-सम्बन्धी काम।

मंसूख़ (منسوخ) अ. वि.—ख़ारिज, रद्द, निरस्त।

मंसूख़ी (منسوخی) अ. वि.—मंसूख़ होना, निरसन, रद्द होना।

मंसूबः (منصوبہ) अ. पुं.—संकल्प, इरादा; योजना, स्कीम; षड्यंत्र, साज़िश; इच्छा, ख़्वाहिश।

मंसूबःबंदी (منصوبہبندی) अ. फा. स्त्री.—मंसूबा गाँठना, इरादा करना; योजना बनाना, स्कीम बनाना।

मंसूब (منسوب) अ. वि.—सम्बन्धित, जिसकी किसी की ओर निस्बत की गयी हो; जिसकी कहीं मँगनी की गयी हो।

मंसूब (منصوب) अ. वि.—वह अक्षर जिस पर ज़बर हो।

मंसूबइलैह (منسوب الیہ) अ. वि.—जिसकी ओर निस्बत की गयी हो, जिसकी मँगनी की गयी हो।

मंसूर (منثور) अ. वि.—गद्यात्मक लेख, नस्र का कलाम; अनबिधा मोती; तितर-बितर, बिखरा हुआ।

मंसूर (منصور) अ. वि.—विजेता, विजयी, फ़ातेह; एक वली जिन्होंने "अनलहक़" कहा था और इस अपराध में उनकी गरदन काटी गयी थी।

मंसूरोमुज़फ़्फ़र (منصورومظفر) अ. वि.—जो बड़ी शान से जीता हो, प्रशंसनीय विजयी।

मंसूस (منصوص) अ. वि.—गवेषणा को प्राप्त, तहक़ीक़शुदः; वह बात जो क़ुरान की स्पष्ट आयतों से प्रमाणित हो।

मअन (معاً) अ. वि.—सहसा, अकस्मात्, अचानक; तुरंत, फ़ौरन, तत्क्षण।

मआइब (معائب) अ. पुं.—'मईब' का बहु. दोष-समूह।

मआख़िज़ (مآخذ) अ. पुं.—'आख़ज़' का बहु., वे किताबे जिनसे मवाद लेकर कोई किताब लिखी गयी हो।

मआज़ (معاذ) अ. वि.—रक्षास्थान, पनाह की जगह।

मआज़अल्लाह (معاذاللہ) अ. वा.—ख़ुदा की पनाह, ईश्वर बचाये।

मआजीन (معاجین) अ. स्त्री.—'मा'जून' का बहु., मा'जूनें, अवलेह।

मआद (معاد) अ. पुं.—लौटकर जाने की जगह, यमलोक।

मआदिन (معادن) अ. पुं.—'मा'दिन' का बहु., खानें।

मआनी (معانی) अ. पुं.—'मा'ना' का बहु., अर्थसमूह।

मआब (مآب) अ. प्रत्य.—युक्त, जैसे—'फ़ज़ीलत मआब' विद्वत्ता से युक्त।

मआबिद (معابد) अ. पुं.—'मा'बद' का बहु., उपासना के स्थान, मंदिर, मस्जिदें, गिर्जा।

मआबिर (معابر) अ. पुं.—'मा'बर' का बहु., नदियों का घाट या पुल।

मआरिक (معارک) अ. पुं.—'मा'रिकः' का बहु., लड़ाई के मैदान, युद्धक्षेत्र; लड़ाइयाँ, युद्ध।

मआरिज (معارج) अ. पुं.—'मे'राज' का बहु., सीढ़ियाँ।

मआरिफ़ (معارف) अ. पुं.—'मा'रफ़' का बहु, पहचानने के स्थान; परिचय, पहचान; 'मा'रिफ़ः' का बहु., परिचित लोग, दोस्त लोग, मित्रगण; विद्वज्जन, इल्मवाले।

मआल (مآل) अ. पुं.—परिणाम, निष्कर्ष, नतीजा; अंत, ख़ातिमा; फल, प्रतिकार, बदल,—"मआलेसोज़े ग़महाए निहानी देखते जाओ"—फ़ानी।

मआलअंदेश (مآل اندیش) अ. फा. वि.—परिणामदर्शी, नतीजा सोचकर काम करनेवाला।

मआलअंदेशी (مآل اندیشی) अ. फा. स्त्री.—परिणामदर्शिता, नतीजः सोचकर काम करना।

मआलनाअंदेश (مآل نااندیش) अ. फा. वि.—जो नतीजा न सोचे और काम कर डाले, अपरिणामशोची।

मआलनाअंदेशी (مآل نااندیشی) अ. फा. स्त्री.—नतीजा सोचे बिना काम कर डालना, अपरिणामदर्शिता।

मआलबीं (مآل بیں) अ. फा. वि.—दे. 'मआल अंदेश'।

मआलबीनी (مآل بینی) अ. फा. स्त्री.—दे., 'मआल अंदेशी'।

मआली (معالی) अ. पुं.—'मा'ली' का बहु., ऊँचाइयाँ, बलंदियाँ।

मआले कार (مآل کار) अ. फा. पुं.—काम का नतीजा, कार्यपरिणाम।

मआले बद (مآل بد) अ. फा. पुं.—बुरा नतीजाः, कुफल, दुष्परिणाम।

मआश (معاش) अ. स्त्री.—जीविका, रोज़ी; ज़मीन या जागीर जो किसी काम के इन्आम स्वरूप मिले।

मआशदार (معاش دار) अ. फा. पुं.—वह व्यक्ति जिसे कोई ज़मीन या जागीर 'मआश' के रूप में मिली हो।

मआशी (معاشی) अ. वि.—जीविका-सम्बन्धी; अर्थ-सम्बन्धी, आर्थिक, इक़्तिसादी।

मआशीयात (معاشیات) अ. स्त्री.—अर्थशास्त्र, इल्मे इक़्तिसादीयात।

मआसिर (مآثر) अ. पुं.—'मासुरः' का बहु., अच्छी निशानियाँ, अच्छे स्मृति-चिह्न; अच्छे काम, सुकृतियाँ।

मआसी (معاصی) अ. पुं.—'मा'सियत' का बहु., पाप-समूह, गुनाह।

मईब (معیب) अ. पुं.—दोष, अवगुण, दूषण, ऐब।

मईयत (معیت) अ. स्त्री.—साथ, हमराही।

मईशत (معیشت) अ. स्त्री.—जीवन, ज़िंदगी; जीविका, मआश; वह चीज़ जो जीवन का सहारा हो।

मऊनत (معونت) अ. स्त्री.—सहायता, मदद।

मऊल (معول) अ. वि.—भरोसा किया हुआ, विश्वस्त।

मए अंगूर (مے انگور) फा. स्त्री.—अंगूर से बनायी हुई मदिरा, द्राक्षासव।

मए अंगबीं (مے انگبیں) फा. स्त्री.—शहद की शराब, माधवी।

मए आतशीं (مے آتشیں) फा. स्त्री.—आग-जैसी तेज़ और लाल मदिरा, अग्निवर्णा।

मए ऐश (مے عیش) फा. अ. स्त्री.—भोग-विलासरूपी मदिरा।

मए हुस्न (مے حسن) फा. अ. स्त्री.—सौंदर्य-सुरा, रूप-मद, "जब मए-हुस्न में है कैफ़े फ़रामोशी भी, नासिहा काम नहीं अत्र तेरे समझाने का।"

मए कौसर (مے کوثر) फा. अ. स्त्री.—स्वर्ग की मदिरा।

मए गुलगूं (مے گل گوں) फा. स्त्री.—गुलाब के फूल-जैसी सुगंधित और गुलाबी मदिरा।

मए गुलफ़ाम (مے گل فام) फा. स्त्री.—दे. 'मए गुलगूं'।

मए गुलरंग (مے گل رنگ) फा. स्त्री.—दे. 'मए गुलगूं'।

मए तहूर (مے طہور) फा. अ. स्त्री.—पवित्र मदिरा, वह मदिरा जो स्वर्ग में मिलेगी।

मए तुंद (مے تند) फा. स्त्री.—तेज़ नशेवाली मदिरा।

मए दुआतशः (مے دوآتشہ) फा. स्त्री.—दो बार खिंची हुई शराब, बहुत तेज़ शराब।

मए दोशीनः (مے دوشینہ) फा. स्त्री.—रात की बची हुई-बासी शराब।

मए नाब (مے ناب) फा. स्त्री.—निर्मल और ख़ालिस मदिरा।

मए नौ (مے نو) फा. स्त्री.—हाल की खिंची हुई शराब।

मए पिंदार (مے پندار) फा. स्त्री.—अहंकार की मदिरा, अहंकाररूपी मदिरा।

मए मुग़ानः (مے مغانہ) फा. स्त्री.—आतशपरस्तों की शराब।

मए रंगीं (مے رنگیں) फा. स्त्री.—रंग-बिरंगी शराब।

मए वस्ल (مے وصل) फा. अ. स्त्री.—संभोग, मैथुन, नायिका का सहवास।

मए शबीनः (مے شبینہ) फा. स्त्री.—रात की बची हुई शराब।

मए शीराज़ (مے شیراز) फा. स्त्री.—वह मदिरा जो शीराज़ की बोतलों में हो; हाफ़िज़ शीराज़ी की कविता।

मए शौक़ (مے شوق) फा. अ. स्त्री.—प्रेम की मदिरा।

मए हराम (مے حرام) फा. अ. स्त्री.—वह मदिरा जिसका पान धर्म में निषिद्ध है।

मए हलाल (مے حلال) फा. अ. स्त्री.—वह मदिरा जिसका पान धर्म में विहित है, स्वर्ग की मदिरा।

मक़र[र्र] (مقر) अ. पुं.—ठहरने का स्थान, अड्डा, पड़ाव।

मक़र्रुलख़िलाफ़त (مقرالخلافت) अ. पुं.—शासनकेंद्र, राजधानी।

मक़र्रुलहुकूमत (مقرالحکومت) अ. पुं.—राजधानी।

मक़र्रुस्सल्तनत (مقرالسلطنت) अ. पुं.—राजधानी।

मक़र्रे ख़िलाफ़त (مقرخلافت) अ. पुं.—'राजधानी'।

मक़स[स्स] (مقص) अ. पुं.—काटने का स्थान, दंशित स्थल।

मकाइद (مکائد) अ. पुं.—'मकीदः' का बहु., छल और फ़रेब, पाखंड, ऐयारियाँ।

मक़ाइद (مقاعد) अ. पुं.—'मक़्अद' का बहु, बैठने के स्थान।

मकातिब (مکاتب) अ. पुं.—'मक्तब' का बहु., प्रारंभिक पाठशालाएँ।

मकातिबे इब्तिदाई (مکاتب ابتدائی) अ. पुं.—प्रारम्भिक पाठशालाएँ, जिनमें शुरुआत की शिक्षा दी जाय।

मकातीब (مکاتیب) अ. पुं.—'मक्तूब' का बहु., चिट्ठियाँ, पत्र-समूह, ख़ुतूत।

मक़ादीर (مقادیر) अ. स्त्री.—'मिक़्दार' का बहु., अंदाज़े, अनुमान, वज़न; संख्याएँ, आ'दाद।

मक़ादीरे मज्हूलः (مقادیر مجہولہ) अ. स्त्री.—वे संख्याएँ जो ज्ञात न हों (गणित)।

मक़ादीरे मा'लूमः (مقادیر معلومہ) अ. स्त्री.—वे संख्याएँ जो ज्ञात हों (गणित)।

मकान (مکان) अ. पुं.—गृह, गेह, आवास, निकेतन, भवन, सदन, सद्म, घर, वेश्म; स्थान, जगह।

मकानदार (مکان دار) अ. फा. वि.—घर का मालिक, गृह-स्वामी।

मकानात (مکانات) अ. पुं.—मकान का बहु., बहुत-से घर।

मकाने मस्कूनः (مکان مسکونہ) अ. पुं.—रहने का मकान, जिस मकान में कोई रहता हो।

मक़ाबिर (مقابر) अ. पु.—'मक़्बरः' का बहु., क़ब्रें, मक़्बरे, मज़ारात।

मक़ाम (مقام) अ. पुं.—स्थान, जगह; ठहरने का स्थान; घर, मकान; मंज़िल, पड़ाव; अवसर, मौक़ा; प्रतिष्ठा, इज़्ज़त। 'मुक़ाम' भी प्रचलित है।

मक़ामात (مقامات) अ. पुं.—मक़ाम का बहु., बहुत-से स्थान।

मक़ामी (مقامی) अ. वि.—स्थानीय, लोकल।

मकारिम (مکارم) अ. पुं.–'मक्रुमत' का बहु., कृपाएँ, इनायतें।

मकारह (مکارہ) अ. पुं.–'मुक्रः' का बहु.।

मक़ाल: (مقالہ) अ. पुं.–निबंध, लेख, किसी विशेष विषय पर गवेषणापूर्ण लेख; रेखागणित का कोई साध्य।

मक़ाल:नवीस (مقالہ نویس) अ. फा. वि.–निबंधकार।

मक़ाल:निगार (مقالہ نگار) अ. फा. वि.–दे. 'मक़ाल: नवीस'।

मक़ाल:निगारी (مقالہ نگاری) अ. फा. स्त्री.–निबंध लिखना, प्रबन्ध रचना।

मक़ाल (مقال) अ. पुं.–वार्तालाप, बातचीत, गुफ़्तुगू।

मक़ालात (مقالات) अ. पुं.–'मक़ाल:' का बहु., गुफ़्तुगू, बातचीतें; मक़ाले, निबंध।

मक़ालीद (مقالید) अ. पुं.–'मिक़्लीद' का बहु., कुंजियाँ।

मक़ासिद (مقاصد) अ. पुं.–'मक़्सिद' का बहु., उद्देश्य समूह, मंशाएँ।

मकासिब (مکاسب) अ. पुं.–'कस्ब' का बहु., पेशे, उद्योग।

मकीन (مکین) अ. वि.–मकान का रहनेवाला, निवासी।

मक़ूल: (مقولہ) अ. पुं.–कथन, बात, क़ौल; कही हुई बात।

मक़ूलात (مقولات) अ. पुं.–'मक़ूल:' का बहु., क़ौल, बातें।

मक़्अद (مقعد) अ. स्त्री.–मलद्वार, गुदा, मब्रज़।

मक्क: (مکہ) अ. पुं.–हज़रत मुहम्मद साहिब का जन्म-स्थान, अरब की राजधानी, यहीं मुसलमान हज के लिए एकत्र होते हैं, का'ब: इसी में है।

मक्कार: (مکارہ) अ. स्त्री.–धूर्त्ता, मायाविनी, वंचिका, हरीफ़:, बहुत ही चालाक स्त्री।

मक्कार (مکار) अ. वि.–धूर्त, छली, बहुत ही चालाक।

मक्कारी (مکاری) अ. स्त्री.–धूर्त्तता, फ़ित्तीनी, चालाकी।

मक्तब (مکتب) अ. पुं.–पाठशाला, विद्यागृह, बच्चों का स्कूल, मदरसा।

मक्तबख़ान: (مکتب خانہ) अ. फा. पुं.–इस शब्द में 'ख़ान:' अधिक है, क्योंकि मक्तब का अर्थ ख़ुद ही पढ़ाई की जगह है, परन्तु कुछ लोग लिख देते हैं, न लिखना अधिक उचित है।

मक्तबगाह (مکتب گاہ) अ. फा. स्त्री.–दे. 'मक्तबख़ान:' इसमें भी 'गाह' स्थान के अर्थ में है और वह अशुद्ध है।

मक्तबे इश्क़ (مکتب عشق) अ. पुं.–प्रेम-पाठशाला।

मक़्तल (مقتل) अ. पुं.–क़त्ल करने की जगह, वधस्थान, वधभूमि।

मक़्तूअ (مقطوع) अ. वि.–विच्छिन्न, कटा हुआ।

मक़्तूउन्नस्ल (مقطوع النسل) अ. वि.–जिसका वंश समाप्त हो गया हो, जिसकी संतान में कोई न रहा हो, नष्टवंश।

मक़्तूउल्यद (مقطوع الید) अ. वि.–जिसका हाथ कट गया हो, विकल पाणिक, विच्छिन्न हस्त।

मक्तूब (مکتوب) अ. पुं.–लिखित, लिखा हुआ; पत्र, चिट्ठी।

मक्तूबइलैह (مکتوب الیہ) अ. वि.–जिसको पत्र लिखा जाय।

मक्तूम (مکتوم) अ. वि.–गुप्त, गुह्य, छिपा हुआ।

मक़्तूल (مقتول) अ. वि.–जिसे क़त्ल कर दिया गया हो, हत, निहत, वधित।

मक़्तूलीन (مقتولین) अ. पुं.–'मक़्तूल' का बहु., मारे गये लोग।

मक़्तूलो मज्रूह (مقتول ومجروح) अ. पुं.–जो क़त्ल हुए और जो घायल हुए, हताहत।

मक़्दिरत (مقدرت) अ. स्त्री.–दे. 'मक़्दूर'।

मक़्दूनिय: (مقدونیہ) अ. पुं.–'बलक़ान' का एक प्रदेश जो पहले तुर्कों के पास था, सिकंदर यहीं राज करता था।

मक़्दूर (مقدور) अ. पुं.–शक्ति, बल, ज़ोर; सामर्थ्य, मक़्दिरत; साहस, हिम्मत; समाई, गुंजाइश; धन, दौलत; बस, क़ाबू।

मक़्ना' (مقنع) अ. पुं.–वह महीन कपड़ा जो निकाह के समय दूल्हा को पिन्हाते हैं, इसका शुद्ध उच्चारण 'मिक़्ना' है; परन्तु उर्दू में 'मक़्ना' भी प्रचलित है।

मक़्नातीस (مقناطیس) अ. पुं.–वह पत्थर जो लोहे को खींचता है, चुंबक, अयस्कांत, आकर्ष, वज्रलोहक, दे. 'मिक़्नातीस', दोनों शुद्ध हैं।

मक्नून (مکنون) अ. वि.–छिपाया हुआ; दिया हुआ; भेद, रहस्य; मन की बात, मंशा।

मक्नूने ख़ातिर (مکنون خاطر) अ. वि.–मन में छिपायी हुई बात, दिल का भेद।

मक्फ़ूफ़ (مکفوف) अ. वि.–कपड़ा लपेटा हुआ; उर्दू छंद में में सप्त अक्षरीयगण (मुस्तफ़अलुन्, मफ़ाईलुन्, फ़ाइलातुन् में से अन्तिम अक्षर कम करके मुस्तफ़्अलु, मफ़ाईलु, फ़ाइलातु बनाना)।

मक्फ़ूल (مکفول) अ. वि.–रेहन रखा हुआ, गिरो, बंधक।

मक़्बर: (مقبرہ) अ. पुं.–वह क़ब्र जिस पर इमारत या गुंबद हो।

मक़्बूज़: (مقبوضہ) अ. वि.–जो चीज क़ब्जे में हो, मिल्कियत।

मक़्बूल (مقبول) अ. वि.–सर्वप्रिय, हरदिल अज़ीज़; स्वीकृत, मंज़ूर; रुचिकर, पसंदीद:।

मक़्बूलियत (مقبولیت) अ. स्त्री.–सर्वप्रियता, हरदिल-अज़ीज़ी; पसंदीदगी, रुचि।

मक़्बूलुद्दुआ (مقبول الدعا) अ. वि.–जिसकी दुआ तुरंत क़बूल होती हो, वाक्सिद्ध।

मक़्बूले बारगाह (مقبول بارگاہ) अ. फ़ा. वि.–ईश्वर का प्यारा; किसी बड़े आदमी के यहाँ बहुत संमानित व्यक्ति।

मक्र (مکر) अ. पुं.–छल, धोखा, वंचना, ठगी; मिष, बहाना; धूर्तता, चालाकी।

मक्रुमत (مکرمت) अ. स्त्री.–कृपा, दया, अनुकंपा; संमान, प्रतिष्ठा, वक़ार।

मक्रुमतनामः (مکرمت نامہ) अ. फ़ा. पुं.–कृपापत्र।

मक्रूक़ (مقروق) तु. वि.–वह माल जो क़ुर्क़ हो गया हो, आसंजित।

मक्रूज़ (مقروض) अ. वि.–ऋणी, क़र्ज़दार।

मक्रून (مقرون) अ. वि.–समीप, पास, नज़दीक; मिलाया हुआ, पास किया हुआ।

मक्रूब (مکروب) अ. वि.–दुःखित, ग़मगीन, शोक-संतप्त।

मक्रूह (مکروہ) अ. वि.–घृणित, जिसे देखकर घिन आये; भद्दा, बदनुमा; इस्लाम धर्म में वह चीज़ जिसका खाना अच्छा न हो, परन्तु वह हराम न हो।

मक्रूहात (مکروہات) अ. पुं.–'मक्रूह' का बहु., घृणित वस्तुएँ; व्यर्थ के काम।

मक्रूहाते दुन्यवी (مکروہات دنیوی) अ. पुं.–संसार के झंझट, जीवन की बाधाएँ, दुनिया के झगड़े।

मक्रूहे तह्रीमी (مکروہ تحریمی) अ. पुं.–इस्लाम धर्म के अनुसार ऐसा मक्रूह खाद्य पदार्थ, जो हराम के लगभग पहुँच गया हो।

मक़्लूब (مقلوب) अ. वि.–उलटा हुआ।

मक़्लूबुलइज़ाफ़त (مقلوب الاضافت) अ. पुं.–वह समासगत शब्द जिसकी इज़ाफ़त उलट गयी हो, जैसे—'खानए खुदा' का 'खुदाखान'।

मक़्लूबे कुल (مقلوب کل) अ. पुं.–वह शब्द जो क्रम से बिलकुल उलट गया हो, जैसे—'क़मर' से रमक़।

मक़्लूबे बा'ज़ (مقلوب بعض) अ. पुं.–वह शब्द जिसमें अक्षर क्रम से न उलटें, जैसे—'क़मर' से 'रक़म'।

मक़्लूबे मुस्तवी (مقلوب مستوی) अ. पुं.–वह शब्दसमूह या इबारत जो क्रम से बिलकुल उलट गयी हो।

मक्शूफ़ (مکشوف) अ. वि.–प्रकट, व्यक्त, जाहिर; जो खोला गया हो।

मक़्सद (مقصد) अ. पुं.–शुद्ध उच्चारण 'मक़्सिद' है परन्तु, उर्दू में 'मक़्सद' ही बोलते हैं, उद्देश्य, आशय, मंशा; इच्छा, ख्वाहिश।

मक़्सिद (مقصد) अ. पुं.–दे. 'मक़्सद', शुद्ध यही है, परन्तु उर्दू में 'मक़्सद' बोलते और लिखते हैं।

मक्सूबः (مکسوبہ) अ. वि.–पैदा की हुई, कमायी हुई जाइदाद आदि।

मक्सूब (مکسوب) अ. वि.–कमाया हुआ, पैदा किया हुआ।

मक़्सूद (مقصود) अ. वि.–उद्देश्य, आशय, मंशा; इच्छा, ख्वाहिश।

मक़्सूदबिज़्ज़ात (مقصود بالذات) अ. वि.–वह वस्तु जिसकी वास्तविक में इच्छा हो।

मक़्सूदमिन्हुः (مقصود منہ) अ. वि.–जिससे मतलब हो।

मक़्सूम (مقسوم) अ. वि.–विभाजित, बाँटा हुआ; भाग्य, क़िस्मत, भाग, हिस्सा; वह संख्या जो बाँटी जाय, भाज्य।

मक़्सूम अलैह (مقسوم علیہ) अ. पुं.–वह संख्या जिससे किसी संख्या में भाग दें, भाजक, हारक।

मक़्सूमअलैहे आ'ज़म (مقسوم علیہ اعظم) अ. पुं.–वह बड़ी से बड़ी संख्या जो कई संख्याओं को पूरा बाँट दे, जैसे ६, जो १२, १८, २४, ३०, ३६, ४२, ४८ को पूरा-पूरा बाँट देती है।

मक़्सूर (مقصور) अ. वि.–छोटा किया गया, जो कम या छोटा किया गया हो; कम, छोटा, ह्रस्व।

मक्सूर (مکسور) अ. वि.–भग्न, शिकस्तः; जिस अक्षर पर 'ज़ेर' दिया गया हो।

मक़्हूर (مقہور) अ. वि.–जिस पर कोप हो, जो कोप का पात्र हो; जिस पर खुदा का क़ह्र हो, दैवकोप-ग्रस्त।

मख़र (مخر) फ़ा. प्रत्य.–मोल न लिया जानेवाला, जैसे—'हेचमख़र' जिसे कोई दो कौड़ी में भी मोल न ले, तुच्छ, नाचीज़।

मख़ाज़िन (مخازن) अ. पुं.–'मख़्ज़न' का बहु., ख़ज़ाने, ढेर।

मख़ादीम (مخادیم) अ. पुं.–'मख़्दूम' का बहु., स्वामिगण; प्रतिष्ठितजन।

मख़ाफ़ (مخاف) अ. पुं.–भय का स्थान, खत्रे की जगह।

मख़ाफ़त (مخافت) अ स्त्री.–भय, त्रास, डर; शंका, चिंता, फ़िक्र।

मख़ारिज (مخارج) अ. पुं.–'मख़्रज' का बहु., निकलने के स्थान; शब्द उच्चारण के स्थान।

मख़ाविफ़ (مخاوف) अ. पुं.–'मख़वफ़' का बहु., भय के स्थान, खौफ़ की जगहें।

मख़ीज़ (مخیض) अ. पुं.–छाछ, मट्ठा।

मख़्ज़न (مخزن) अ. पुं.–भांडागार, कोष्ठागार, गोदाम; खानि, कान; कोषागार, ख़ज़ाना; शस्त्रागार, मैगज़ीन।

मख़्ज़ून (مخزون) अ. वि.–ख़ज़ाने में रखा हुआ, छिपा हुआ, गड़ा हुआ, गुप्त, रक्षित।

मख़्ज़ूल (مخذول) अ. वि.–अपमानित, तिरस्कृत, ज़लील, ख़्वार।

मख़्तूतः (مخطوطہ) अ. पुं.–प्राचीन हस्तलिखित पत्र आदि।

मख़्तूतात (مخطوطات) अ. पुं.–'मख़्तूतः' का बहु., प्राचीन हस्तलिखित पत्रसमूह।

मख़्तून (مختون) अ. वि.–जिस मनुष्य के ख़तने हो गये हों।

मख़्तूबः (مخطوبہ) अ. स्त्री.–जिस लड़की की सगाई हो गयी हो, मँगेतर।

मख़्तूम (مختوم) अ. वि.–मोह्र लगा हुआ, मुद्रांकित; बंद किया हुआ।

मख़्तूर (مخطور) अ. वि.–वह विचार जो मन में उत्पन्न हो; जान जोखिम में डाला हुआ।

मख़्तूरात (مخطورات) अ. पुं.–दिल में उत्पन्न होनेवाली विचार धाराएँ।

मख़्दूमः (مخدومہ) अ. स्त्री.–स्वामिनी, मालिक; श्रीमती, महोदया, देवी (संबोधन में)।

मख़्दूम (مخدوم) अ. वि.–स्वामी, आक़ा; प्रतिष्ठित व्यक्ति, मान्य, पूज्य।

मख़्दूमी (مخدومی) अ. वि.–(संबोधन में) हे स्वामी, हे मालिक, (शब्दार्थ) मेरे स्वामी।

मख़्दूश (مخدوش) अ. वि.–भयसंकुल, पुर ख़तर; भयानक, डरावना; धूर्त, धोखेबाज; जिसके मन में शंकाएँ हों।

मख़्नूक़ (مخنوق) अ. वि.–जिसका गला घोंटकर मारा गया हो, गला मरोड़ा हुआ।

मख़्फ़ी (مخفی) अ. वि.–गुप्त, छिपा हुआ।

मख़्बूत (مخبوط) अ. वि.–ख़ब्ती, जिसका दिमाग़ ख़राब हो, विकृत-मस्तिष्क।

मख़्बूतुलहवास (مخبوط الحواس) अ. वि.–जिसके होशो-हवास जाते रहे हों, विकृत मस्तिष्क, वातुल, पागल।

मख़्मल (مخمل) फा. स्त्री.–एक प्रकार का रंगीन और मुलाइम रुएँदार कपड़ा।

मख़्मली (مخملی) फा. वि.–मख़्मल का बना हुआ, मख़्मल मढ़ा हुआ, मख़्मल-जैसा।

मख़्मसः (مخمصہ) अ. पुं.–बखेड़ा, झंझट, झमेला; चिंता, फ़िक्र; भय, डर।

मख़्मसात (مخمصات) अ. पुं.–बखेड़े, जंजाल, झंझट।

मख़्मूर (مخمور) अ. वि.–नशे में चूर, उन्मत्त, मदोन्मत्त।

मख़्रज (مخرج) अ. पुं.–निकलने की जगह; उद्गम, नदी के निकलने का स्थान; अक्षर के उच्चारण का स्थान, कंठ आदि।

मख़्रूत (مخروط) अ. वि.–ख़राद किया हुआ, छीला हुआ; वह पदार्थ जो गाजर की भाँति एक ओर मोटा और दूसरी ओर पतला हो, शुंडाकार।

मख़्रूती (مخروطی) अ. वि.–शुंडाकार, शंक्वाकार, गाजर की तरह एक ओर मोटा और एक ओर पतला।

मख़्लसी (مخلصی) फा. स्त्री.–बंधनमुक्ति, छुटकारा, रहाई, इस अर्थ में 'मुख़्लिसी' अशुद्ध है।

मख़्लूअ (مخلوع) अ. वि.–बाहर लाया हुआ; निकाला हुआ।

मख़्लूक़ (مخلوق) अ. स्त्री.–उत्पन्न, जनित; संसार, जगत्, दुनया; दुन्यावाले, मनुष्य, लोग।

मख़्लूक़ात (مخلوقات) अ. स्त्री.–वे सब चीज़ें जो संसार में हैं।

मख़्लूत (مخلوط) अ. वि.–मिश्रित, मिला-जुला, गड्ड-बड्ड।

मख़्लूतुन्नस्ल (مخلوط النسل) अ. वि.–जिसके वंश में गड़बड़ हो, जिसमें दूसरा रक्त भी सम्मिलित हो।

मख़्सूस (مخصوص) अ. वि.–प्रमुख, प्रधान, ख़ास।

मख़्सूसन (مخصوصاً) अ. अव्य.–ख़ास तौर पर, मुख्यतः, प्रधानतः।

मग़ (مغ) फा. वि.–गंभीर, गहरा; छोटी नदी।

मगर (مگر) फा. अव्य.–परंतु, लेकिन।

मगस (مگس) फा. स्त्री.–मक्षिका, मक्खी।

मगसगीर (مگس گیر) फा. वि.–मक्खी पकड़नेवाला, (स्त्री.) मकड़ी, लूता।

मगसराँ (مگس راں) फा. वि.–चँवर, मोरछल; मक्खियाँ उड़ानेवाला।

मगसरानी (مگس رانی) फा. स्त्री.–मक्खियाँ उड़ाना, मोरछल झलना।

मगसी (مگسی) फा. वि.–मक्खी के रंग का, मटमैला।

मग़ाक (مغاک) फा. पुं.–गर्त, गढ़ा, गड्ढा।

मग़ाज़ी (مغازی) अ. पुं.–'मग़ज़ा' का बहु., वह किताब जिसमें ग़ाज़ियों के कारनामों का वर्णन हो।

मग़ारः (مغارہ) अ. पुं.–पहाड़ की खोह, गुफा, कंदरा; लूट-मार का स्थान।

मग़ार (مغار) फा. पुं.–गोह, गुफा, कंदरा, पहाड़ की खोह।

मग़ारिब (مغارب) अ. पुं.–'मग़्रिब' का बहु., सूरज डूबने की जगहें।

मग़्ज़ (مغز) फा. पुं.–मस्तिष्क, भेजा; गिरी, गूदा; सार, तत्त्व; बुद्धि, अक़्ल; निष्कर्ष, नतीजा।

मग़्ज़ूब (مغضوب) अ. वि.–जिस पर कोप हो, कोप का पात्र।

मग़्ज़े उस्तुख़्वाँ (مغز استخواں) फा. पुं.–हड्डी का गूदा, मज्जा।

मग़्ज़े सर (مغز سر) फा. पुं.–भेजा, मस्तिष्क।

मग़्ज़े सुख़न (مغز سخن) फा. पुं.–बात का सार, बात की तह, बात का ख़ुलासा; लुब्बेलुबाब, सारांश।

मग़्फ़िरत (مغفرت) अ. स्त्री.–मोक्ष, मुक्ति, नजात; "कहते हैं आज ज़ौक़ जहाँ से गुज़र गया, क्या ख़ूब आदमी था, ख़ुदा मग़्फ़िरत करे।"—ज़ौक़।

मग़्फ़ूर (مغفور) अ. वि.–जिसका मोक्ष हो गया हो, जो मोक्ष को प्राप्त हो गया हो।

मग़्बूत (مغبوط) अ. वि.–जिस पर दूसरे लोग ईर्ष्या करें।

मग़्बून (مغبون) अ. वि.–जिसे हानि पहुँचायी गयी हो, जिसका ग़ब्न किया गया हो।

मग़्मूज़ (مغموز) अ. वि.–जिस पर आरोप लगाया गया हो; दूषित, विकृत, मा'यूब।

मग़्मूम (مغموم) अ. वि.–दु:खित, अनुतप्त, क्लेशित, रंजीदा।

मग़्रिब (مغرب) अ. पुं.–सूरज डूबने की जगह, अस्ताचल; पश्चिम, मग़्रिब।

मग़्रिबज़दः (مغرب زده) अ. फा. वि.–जो रहन-सहन में यूरोपीय देशों का अनुकरण करने का गर्व करता हो।

मग़्रिबज़दगी (مغرب زدگی) अ. फा. स्त्री.–रहन-सहन और वेष-भूषा में यूरोप का अनुसरण।

मग़्रिबपरस्त (مغرب پرست) अ. फा. वि.–जो हर बात में यूरोप को ही मान्यता देता हो।

मग़्रिबपरस्ती (مغرب پرستی) अ. फा. स्त्री.–हर बात में यूरोप को ही अच्छा और अनुकरणीय जानना।

मग़्रिबी (مغربی) अ. वि.–पश्चिमी, पच्छिम का; यूरोप का, पाश्चात्य।

मग़्रिबीयत (مغربیت) अ. स्त्री.–यूरोप का असर, नवीन सभ्यता का प्रभाव।

मग़्रूर (مغرور) अ. वि.–अहंकारी, घमंडी।

मग़्लतः (مغلطه) अ. पुं.–वह स्थान जहाँ कोई व्यक्ति भ्रम में पड़ जाय।

मग़्लूक़ (مغلوق) अ. वि.–वह दरवाज़ा जिसके किवाड़ बंद हों।

मग़्लूब (مغلوب) अ. वि.–पराजित, परास्त, हारा हुआ; अधीन, ज़ेर, दुर्बल।

मग़्लूबुलग़ज़ब (مغلوب الغضب) अ. वि.–वह व्यक्ति जो क्रोध में आपे से बाहर हो जाय।

मग़्लूबुश्शहवत (مغلوب الشہوت) अ. वि.–वह व्यक्ति जो काम शक्ति के वस में हो।

मग़्लूल (مغلول) अ. वि.–शृंखलित, जिसके गले में सज़ा का तौक़ पड़ा हो।

मग़्शूश (مغشوش) अ. वि.–मिलावटवाली चीज़, वह शुद्ध वस्तु जिसमें कुछ अशुद्ध वस्तु मिली हो।

मग़्स (مغص) अ. स्त्री.–मरोड़, पेचिश।

मग़्सूल (مغسول) अ. वि.–नहलाया हुआ; वह दवा जो किसी अरक़ आदि में खरल करके महीन की गयी हो, जैसे—'लाजवर्द मग़्सूल', स्नात, मार्जित।

मज़ः (مزه) फा. पुं.–स्वाद, ज़ाइक़ा; आनंद, लुत्फ़; तमाशा, सैर; दंड, सज़ा।

मज़:दार (مزه دار) फा. वि.–स्वादिष्ठ, लज़ीज़; मनोरंजक, दिलचस्प; उल्लासपूर्ण, पुरलुत्फ़।

मज़न्नः (مظنه) अ. पुं.–दे. शु. 'मज़िन्नः'।

मज़म्मत (مذمت) अ. स्त्री.–तिरस्कार, बेइज़्ज़ती; निंदा, रुसवाई, बुराई, हज्व।

मज़र्रत (مضرت) अ. स्त्री.–हानि, नुक़्सान।

मज़र्रतदिही (مضرت دهی) अ. फा. स्त्री.–हानि पहुँचाना, नुक़्सान, देना।

मज़र्रतदेह (مضرت ده) अ. फा. वि.–हानिदायक, हानिकारक, नुक़्सान देनेवाला।

मज़र्रत साँ (مضرت رساں) अ. फा. वि.–दे. 'मज़र्रत देह'।

मज़र्रतरसानी (مضرت رسانی) अ. फा. स्त्री.–दे. 'मज़र्रतदिही'।

मज़र्रतरसी (مضرت رسی) अ. फा. स्त्री.–हानि पहुँचना।

मजल्लः (مجله) अ. पुं.–पत्रिका, रिसाला; अख़्बार, समाचारपत्र।

मज़ल्लत (مذلت) अ. स्त्री.–तिरस्कार, ज़िल्लत; निंदा, बदनामी।

मज़ल्लत (مزلت) अ. स्त्री.–पाँव फिसलने का स्थान, चूकने का मौक़ा।

मजस [स्स] (مجس) अ. स्त्री.–नब्ज़ पर हाथ रखने की जगह, दे. 'मिजस', दोनों शुद्ध हैं।

मज़ा (مضی) अ. क्रि.–गुज़रा, गत।

मज़ाक़ (مذاق) अ. पुं.–परिहास, दिल्लगी; मनोविनोद, तफ़्रीह; रसिकता, ज़ौक़; सुरुचि; सहृदयता।

मज़ाक़न (مذاقاً) अ. अव्य.–दिल्लगी में, मज़ाक़ के तौर पर।

मज़ाक़पसंद (مذاق پسند) अ. फा. वि.–जिसके मिज़ाज में मज़ाक़ बहुत हो, दिल्लगीबाज़, परिहासप्रिय, विनोदी, प्रमोदशील।

मज़ाक़ियः (مذاقیه) अ. वि.–मज़ाक़ पसंद; परिहासपूर्ण, पुरमज़ाक़।

मज़ाक़े अदब (مذاق ادب) अ. पुं.–साहित्य-रसिकता।

मज़ाक़े शे'र (مذاق شعر) अ. पुं.–काव्यरसिकता।

मज़ाक़े सुख़न (مذاق سخن) अ. फा. पुं.–दे. 'मज़ाक़े शे'र'।

मजाज (مجاز) अ. पुं.–जो वास्तविक न हो, भ्रम; लक्षण; ईश्वर के अतिरिक्त सारा संसार।
मजाजन (مجازاً) अ. अव्य.–लाक्षणिक अर्थ में।
मजाज़ी (مجازی) अ. वि.–जो हक़ीक़ी न हो, भौतिक।
मजाज़ीब (مجاذیب) अ. पुं.–'मज्ज़ूब' का बहु., मज्ज़ूब लोग।
मजानीन (مجانین) अ. पुं.–'मज्नून' का बहु., पागल लोग।
मज़ा मा मज़ा (مضٰی ما مضٰی) अ. वा.–जो हो चुका सो हो चुका।
मज़ामीन (مضامین) अ. पुं.–'मज़्मून' का बहु., लेख-समूह।
मज़ामीर (مزامیر) अ. पुं.–'मिज़मार' का बहु., बाँसुरियाँ, बंसियाँ; बजानेवाले सब बाजे।
मज़ार (مزار) फा. पुं.–दर्शन का स्थान; किसी पीर फ़क़ीर की क़ब्र।
मज़ार [रं] (مضار) अ. पुं.–'मज़र्रत' का बहु., हानियाँ, नुक्सानात।
मज़ारात (مزارات) अ. पुं.–'मज़ार' का बहु., बुज़ुर्गों के मज़ार।
मजारी (مجاری) अ. पुं.–'मज्रा' का बहु., निकलने के स्थान; चालू रस्ते।
मजाल (مجال) अ. स्त्री.–शक्ति, बल; साहस, हिम्मत; सामर्थ्य, मक्दूर।
•**मज़ालिम** (مظالم) अ. पुं.–'मज़्लमः' का बहु., अत्याचार, जियादतियाँ, ज़ुल्म।
मजालिस (مجالس) अ. स्त्री.–'मज्लिस' का बहु., सभाएँ; मुहर्रम की मज्लिसें।
मजाले दमज़दन (مجال دم زدن) अ. फा. स्त्री.–उफ़ करने की ताक़त, दम मारने का साहस।
मजाले सुख़न (مجال سخن) अ. फा. स्त्री.–बात करने का साहस।
मज़ाहिब (مذاهب) अ. पुं.–'मज़्हब' का बहु., धर्मसमूह।
मज़ाहिर (مظاهر) अ. पुं.–'मज़्हर' का बहु., प्रकट होने के स्थान।
मज़िन्नः (مظنه) अ. पुं.–जिस पर शक किया जा सके, शंका का स्थान।
मज़िल्लत (مزلت) अ. स्त्री.–फिसलना; फिसलन।
मज़िल्लत (مضلت) अ. स्त्री.–रस्ता भटकने का स्थान; वह स्थान जहाँ रस्ता गुम हो गया हो।
मज़ी (مذی) अ. स्त्री.–एक लेस जो काम वेग के समय निकलता है।
मजीद (مجید) अ. वि.–पूज्य, मान्य, प्रतिष्ठित।

मज़ीद (مزید) अ. वि.–अतिरिक्त, फ़ालतू; अधिक, ज़ियादा; और भी।
मज़ीदअलैह (مزید علیه) अ. वि.–जिस पर कुछ बढ़ाया हो।
मज़ीदबराँ (مزید براں) अ. फा. वि.–इसके अतिरिक्त।
मजीदी (مجیدی) अ. स्त्री.–अरब का एक सिक्का।
मजूस (مجوس) अ. पुं.–अग्निपूजक लोग, आतशपरस्त लोग, पारसी लोग; चाँद या सूरज के पूजनेवाला।
मजूसी (مجوسی) अ. पुं.–अग्निपूजक, आतशपरस्त; सूर्य-पूजक, अथवा चंद्रपूजक, सूरज या चाँद को पूजनेवाला।
मज़ऊम (مزعوم) अ. वि.–विचारा हुआ, सोचा हुआ।
मज़्कूरः (مذکوره) अ. वि.–कही हुई, कही हुई बात।
मज़्कूर (مذکور) अ. वि.–कहा हुआ; चर्चा, ज़िक्र।
मज़्कूरएबाला (مذکورۂ بالا) अ. फा. वि.–जिसकी चर्चा ऊपर की इबारत में हो चुकी हो, उपर्युक्त।
मज़्कूरए सद्र (مذکورۂ صدر) अ. वि.–उपर्युक्त, पूर्वोक्त, जिसकी चर्चा ऊपर या पहले हो चुकी हो।
मज़्कूरी (مذکوری) अ. पुं.–चपरासी, पियादा, सम्मन आदि की ता'मील करनेवाला चपरासी।
मज़्ग़ (مضغ) अ. पुं.–चबाना, चर्वण।
मज्ज़ूब (مجذوب) अ. वि.–वह फ़क़ीर जो देखनेवालों की दृष्टि में बावला हो, परन्तु ब्रह्मलीन हो, –"तेरा मज्ज़ूब जो महरूमे पिज़ीराई है, क्या जुनूँ में अभी आमेज़िशे-दानाई है।"
मज्ज़ूबसिफ़त (مجذوب صفت) अ. वि.–जिसमें मज्ज़ूबों-जैसी बातें हों।
मज्ज़ूबानः (مجذوبانه) अ. फा. अव्य.–मज्ज़ूबों की भाँति, मज्ज़ूबों-जैसा (काम आदि)।
मज्ज़ूबियत (مجذوبیت) अ. स्त्री.–जज़्ब, मज्ज़ूब का भाव, तन्मयता, तल्लीनता।
मज्ज़ूम (مجذوم) अ. वि.–जिसे कोढ़ हो, कुष्ठी।
मज्ज़ूम (مجزوم) अ. वि.–निश्चित, यक़ीनी; विच्छिन्न, काटा हुआ; हलन्त, वह अक्षर जिस पर 'जज़्म' हो, हल्।
मज्ज़ूर (مجذور) अ. वि.–वह संख्या जो दो संख्याओं के गुणन से प्राप्त हो, घात, गुणनफल, हासिले ज़र्ब।
मज़्जूर (مزجور) अ. वि.–जिसे झिड़कियाँ दी गयी हों, जिसे डाँट-डपट की गयी हो।
मज्द (مجد) अ. पुं.–श्रेष्ठता, पवित्रता, पुनीतता, बुज़ुर्गी।
मज्दूद (مجدود) अ. पुं.–पुनीतात्मा, श्रेष्ठ, बुज़ुर्ग।
मज़्दूर (مزدور) अ. फा. पुं.–मज़्दूरी करनेवाला, श्रमिक।
मज़्दूरी (مزدوری) फा. स्त्री.–हाथ-पाँव की मेहनत से जीविका पैदा करना, मेहनत, श्रम।

मजनूँ (مجنوں) अ. वि.—वातुल, विक्षिप्त, पागल।

मज़नून (مظنون) अ. वि.—जिसकी तरफ़ किसी बात का शुबहा हो।

मज़्बलः (مزبلہ) अ. पुं.—वह स्थान जहाँ कूड़ा-करकट और मैला आदि डाला जाय।

मज़्बलःख़ानः (مزبلہ‌خانہ) अ. फा. पुं.—गंदगी डालने का स्थान, इस शब्द में 'ख़ानः' अधिक है, क्योंकि 'मज़्बलः' में स्थान का अर्थ मौजूद है।

मज़्बह (مذبح) अ. पुं.—ज़ब्ह किये जाने की जगह, वधभूमि, वधस्थल।

मज़्बूत (مضبوط) अ. वि.—दृढ़, पक्का; निश्चित, यक़ीनी; शक्तिशाली, ताक़तवर; तगड़ा, अधिक ज़ोरवाला; स्थायी, देरपा।

मज़्बूती (مضبوطی) अ. स्त्री.—दृढ़ता, पक्कापन; निश्चय, यक़ीन; शक्ति, ज़ोर; तगड़ापन; स्थायित्व।

मज्बूर (مجبور) अ. वि.—विवश, लाचार; बाध्य,, पाबंद; निःसहाय, निराश्रय; दरिद्र, कंगाल।

मज़्बूर (مذبور) अ. वि.—उक्त, कहा हुआ; उल्लिखित, लिखा हुआ; प्रोक्त; कथित।

मज़्बूर (مزبور) अ. वि.—उक्त, कहा हुआ; लिखित, लिखा हुआ।

मज्बूरन (مجبوراً) अ. अव्य.—विवशतापूर्वक, विवश होकर; अंततः, आख़िरकार।

मज्बूरी (مجبوری) अ. वि.—विवशता, लाचारी; निःसहायता, बेकसी।

मज्बूल (مجبول) अ. वि.—प्राकृतिक, फ़ित्री; प्रकृति पर उत्पन्न किया हुआ।

मज़्बूह (مذبوح) अ. वि.—ज़ब्ह किया हुआ, वधित।

मज्मउलउलमा (مجمع العلما) अ. पुं.—विद्वज्जनों की गोष्ठी, अकादमी।

मज्मउलजज़ाइर (مجمع الجزائر) अ. पुं.—द्वीपसमूह, समुद्र का वह स्थान जहाँ पास-पास बहुत से द्वीप हों।

मज्मए आम (مجمع عام) अ. पुं.—साधारण लोगों का जमाव

मज्मए ख़िलाफ़े क़ानून (مجمع خلاف قانون) अ. पुं.—ऐसे लोगों का जमाव जिनसे किसी झगड़े की संभावना हो, अवैध समुदाय।

मज़्मज़ः (مضمضہ) अ. पुं.—कुल्ली करना, आचमन; दवाओं के पानी से कुल्ली करना।

मज्मा' (مجمع) अ. पुं.—भीड़, जमाव; सभा, गोष्ठी।

मज्मूअः (مجموعہ) अ. पुं.—कई चीज़ों का समूह, समाहार, समष्टि; लेखों या कविताओं का संकलन, संग्रह।

मज्मूअ (مجموع) अ. वि.—एकत्र, इकट्ठा; समस्त, कुल।

मज्मूई (مجموعی) अ. वि.—सामूहिक, कुल मिलाकर।

मज़्मून (مضمون) अ. पुं.—निबंध, मक़ालः; लेख; विषय, सब्जेक्ट; मुआमला, दशा।

मज़्मूननवीस (مضمون نویس) अ. फा. वि.—लेखक; निबंधकार।

मज़्मूननवीसी (مضمون نویسی) अ. फा. स्त्री.—लेख या निबंध लिखने का काम।

मज़्मूननिगार (مضمون نگار) अ. फा. वि.—दे. 'मज़्मूननवीस'।

मज़्मूननिगारी (مضمون نگاری) अ. स्त्री.—दे. 'मज़्मून नवीसी'।

मज़्मूम (مضموم) अ. वि.—वह अक्षर जिस पर पेश ('उ' की मात्रा) हो।

मज़्मूम (مذموم) अ. वि.—अश्लील, फ़ुह्श; दूषित, ख़राब; निंदित, क़बीह।

मज़्रअए आख़िरत (مزرعۂ آخرت) अ. पुं.—परलोक की खेती अर्थात् पाप और पुण्य।

मज्रा (مجریٰ) अ. पुं.—जारी होने की जगह, बहने का स्थान।

मज़्रा' (مزرع) अ. पुं.—खेती; खेत; छोटा गाँव।

मज़्रूअः (مزروعہ) अ. स्त्री.—जोती बोयी हुई ज़मीन।

मज़्रूअ (مزروع) अ. वि.—जोता-बोया हुआ।

मज़्रूब (مضروب) अ. वि.—जिसे पीटा गया हो; जिसे दुश्मनी में मारा गया हो; जिस संख्या को गुणा किया गया हो।

मज़्रूबफ़ीहि (مضروب فیہ) अ. पुं.—वह संख्या जिसमें गुणा किया गया हो, गुण्य, जैसे—बीस को पाँच से गुणा किया हो तो बीस 'मज़्रूबफ़ीह' है।

मज़्रूबमिनहु (مضروب منہ) अ. पुं.—ज़िस संख्या से गुणा किया जाय, गुणक, जैसे—२० को ६ से गुणा किया हो तो ६ 'मज़्रूब मिनहु' है।

मज़्रूफ़ (مظروف) अ. पुं.—वह वस्तु जो बरतन में हो।

मज्रूर (مجرور) अ. वि.—वह अक्षर जिसे ज़ेर ('इ' की मात्रा) दिया गया हो।

मज्रूह (مجروح) अ. वि.—घायल, क्षत, आहत, ज़ख़्मी; वह बयान जो जिरह में बिगड़ गया हो, (न्याय)।

मज्रूहीन (مجروحین) अ. पुं.—बहुत से घायल।

मज़्लिमः (مظلمہ) अ. पुं.—दादख़्वाही, न्याययाचना; अत्याचार और अनीति का पाप, वबाल।

मज़्लिम (مظلم) अ. पुं.—अँधेरी जगह, अंधकारमय स्थान।

मज्लिस (مجلس) अ. स्त्री.—सभा, अंजुमन; गोष्ठी, महफ़िल; समिति, कमेटी; संघ, एसोसीएशन; करबला के शहीदों की शोकसभा।

मज्लिसी (مجلسی) अ. वि.–जो मज्लिस में सम्मिलित हो।
मज्लिसे अदब (مجلس ادب) अ. स्त्री.–साहित्य-गोष्ठी, अदबी जल्सा।
मज्लिसे आमिलः (مجلس عاملہ) अ. स्त्री.–कार्यकारिणी समिति, विषय निर्वाचिनी समिति।
मज्लिसे उदबा (مجلس ادبا) अ. स्त्री.–साहित्यगोष्ठी, कवि-गोष्ठी।
मज्लिसे उमूमी (مجلس عمومی) अ. स्त्री.–दे. 'दारुल अवाम'।
मज्लिसे क़ानूनसाज़ (مجلس قانون ساز) अ. फा. स्त्री.–विधानसभा, क़ानून बनानेवाली एसेम्वली।
मज्लिसे तहक़ीक़ात (مجلس تحقیقات) अ. स्त्री.–परिपृच्छा समिति।
मज्लिसे ता'मीरात (مجلس تعمیرات) अ. स्त्री.–लोक-कर्म-समिति।
मज्लिसे मातम (مجلس ماتم) अ. फा. स्त्री.–शोकसभा।
मज्लिसे मुंतज़िमः (مجلس منتظمہ) अ. स्त्री.–अंतरंग सभा, व्यवस्थापिका।
मज्लिसे मै (مجلس مے) अ. फा. स्त्री.–पानगोष्ठी।
मज्लिसे रक़्सो सरोद (مجلس رقص و سرود) अ.फा. स्त्री.–नाच-रंग की महफ़िल।
मज्लिसे वा'ज़ (مجلس وعظ) अ. स्त्री.–उपदेश सभा, धर्मोपदेशसभा।
मज्लिसे शुअरा (مجلس شعرا) अ. स्त्री.–कविगोष्ठी।
मज्लिसे शूरा (مجلس شوری) अ. स्त्री.–मंत्रणालय।
मज्लिसे शे'र (مجلس شعر) अ. स्त्री.–साहित्यगोष्ठी, कवि-गोष्ठी।
मज्लिसे सुख़न (مجلس سخن) अ. फा. स्त्री.–दे. 'मज्लिसे शे'र'।
मज़्लूम (مظلوم) अ. वि.–जिस पर ज़ुल्म हुआ हो।
मज़्लूमियत (مظلومیت) अ. स्त्री.–मज़्लूम होने का भाव।
मज़्लूमी (مظلومی) अ. वि.–दे. 'मज़्लूमियत'।
मज़्हकः (مضحکہ) अ. पुं.–हँसी, ठट्ठा, परिहास; निंदा, रुस्वाई, हजो।
मज़्हकःअंगेज़ (مضحکہ انگیز) अ. फा. वि.–जिस पर हँसी आये, जो परिहास का विषय हो।
मज़्हकःआमेज़ (مضحکہ آمیز) अ. फा. वि.–परिहासपूर्ण, जिसमें हँसी-ठठोल शामिल हो।
मज़्हकःख़ेज़ (مضحکہ خیز) अ. फा. वि.–दे. 'मज़्हकः अंगेज़'।
मज़्हब (مذہب) अ. पुं.–धर्म, दीन; मत, अक़ीदः।
मज़्हबी (مذہبی) अ. वि.–धार्मिक, दीनी, धर्मसम्बन्धी।
मज़्हबीयत (مذہبیت) अ. स्त्री.–धर्म में निष्ठा, धर्मित्व।
मज़्हर (مظہر) अ. पुं.–प्रकट होने का स्थान, जहाँ या जिसमें कोई चीज़ प्रकट हो, जैसे—"वह ख़ुदा के नूर का मज़्हर है" अर्थात् उसके रूप में ईश्वर की ज्योति प्रकट हुई है।
मज़्हरुल अजाइब (مظہر العجائب) अ. पुं.–अद्‌भुत और विचित्र बातें ज़ाहिर होने का स्थान।
मज्हूल (مجہول) अ. वि.–जो ज्ञात न हो, अज्ञात, नामा'लूम; आलसी, सुस्त, काहिल।
मज्हूलुन्नसब (مجہول النسب) अ. वि.–अज्ञात कुल, जिसके वंश का अता-पता न हो।
मज्हूलुलइस्म (مجہول الاسم) अ. वि.–अज्ञात नाम, जिसका नाम न मालूम हो।
मज्हूलुलहाल (مجہول الحال) अ. वि.–जिसका हाल न ज्ञात हो कि वह कैसा व्यक्ति है और किस प्रकार का है, अज्ञातशील।
मतब (مطب) अ. पुं.–वह स्थान जहाँ चिकित्सक रोगियों के रोग का निदान करता है।
मतर (مطر) अ. पुं.–वर्षा, बरसात।
मताअ' (متاع) अ. उभ.–पूँजी, सरमाया; सामान, माल-अस्वाव, उदा.—"किसी के काम आयेगा मताए रायगाँ होकर, कहाँ जाता है यारव, दिल मेरा अश्केरवाँ होकर।"
मताइन (مطاعن) अ. पुं.–'ता'न', का वहु., ता'ने।
मताइब (متاعب) अ. पुं.–'तअब' का बहु.; दुःख-समूह, रंजोग़म; थकान।
मताए आख़िरत (متاع آخرت) अ. उभ.–परलोक के लिए पूंजी, पुण्य, अच्छे काम।
मताए दिल (متاع دل) अ. फा. उभ.–दिल रूपी पूंजी।
मताए दो (दु) जहाँ (متاع دو جہاں) अ. फा. उभ.–संसार और यमलोक दोनों लोकों के लिए पूंजी, यश, पुण्य।
मतानत (متانت) अ. स्त्री.–गंभीरता, धीरता, संजीदगी।
मताफ़ (مطاف) अ. पुं.–परिक्रमा करने का स्थान।
मताबे' (مطابع) अ. पुं.–'मत्बा' का बहु., मुद्रालय समूह।
मतार (مطار) अ. पुं.–उड़ने की जगह, जहाँ उड़ा जाय, जहाँ से उड़ा जाय।
मतालिब (مطالب) अ. पुं.–'मत्लब' का बहु., अर्थसमूह।
मतीन (متین) अ. वि.–जिसमें मतानत हो, गंभीर, धीर, शांतचित्त, संजीदः।
मतीर (مطیر) अ. वि.–बरसनेवाला (बादल)।
मतऊन (مطعون) अ. वि.–कुख्यात, बदनाम; निंदित, गर्हित, कुत्सित, रुस्वा।

मत्ऊने खलाइक (مطعون خلائق) अ. वि.—जो सब में बदनाम हो, लोकनिंदित।

मत्ऊम (مطعوم) अ. वि.—खाने की चीज, खाद्य, जो चीज खायी जाय।

मत्ऊमात (مطعومات) अ. पुं.—'मत्ऊम' का बहु., खाने की चीजें, खाद्य-पदार्थ।

मत्न (متن) अ. पुं.—पुस्तक का मूल लेख जिसकी टीका की जाय; बीच, मध्य; शाल या रजाई आदि का वह भाग जो हाशिए के बीच में होता है।

मत्बख़ (مطبخ) अ. पुं.—रसोईघर, पाकशाला, महानस, बावरचीख़ाना।

मत्बख़ी (مطبخی) अ. वि.—रसोइया, सूपकार, बावरची।

मत्बा' (مطبع) अ. पुं.—वह स्थान जहाँ किताबें आदि छपती हैं, मुद्रणशाला, यंत्रालय।

मत्बूअ (متبوع) अ. वि.—जिसका अनुकरण किया जाय, अनुसरणीय।

मत्बूअः (مطبوعه) अ. वि.—मुद्रित, छपी हुई।

मत्बूआत (مطبوعات) अ. वि.—मुद्रित, छपा हुआ; रुचिकर, पसंदीदः, मनोवांछित।

मत्बूअ (مطبوع) अ. पुं.—किसी प्रेस या कार्यालय के ओर से छापी हुई पुस्तकें।

मत्बूख़ (مطبوخ) अ. वि.—आग पर पकी हुई चीज; जोश दी हुई दवा, जोशांदा, क़्वाथ, काढ़ा।

मत्मह (مطمح) अ. पुं.—ऊँचा स्थान जिस पर दृष्टि पड़े, दृष्टि पड़ने की जगह।

मत्महे नज़र (مطمح نظر) अ. पुं.—दृष्टि पड़ने की ऊँची जगह, आशय, उद्देश्य, मक़सद।

मत्रूद (مطرود) अ. वि.—बहिष्कृत, निकाला हुआ, भगाया हुआ, राँदः।

मत्लब (مطلب) अ. वि.—उद्देश्य, मंशा; अर्थ, मा'नी; प्रयोजन, वास्ता; इच्छा, ख़्वाहिश; क्या ग़रज़ क्या वास्तः ? ; स्वार्थ, ग़रज़।

मत्लबआश्ना (مطلب آشنا) अ. फ़ा. वि.—स्वार्थी, ख़ुदग़रज़।

मत्लबदोस्त (مطلب دوست) अ. फ़ा. वि.—गौं का यार, स्वार्थपरायण।

मत्लबपरस्त (مطلب پرست) अ. फ़ा. वि.—स्वार्थसाधक, स्वार्थी।

मत्लबपरस्ती (مطلب پرستی) अ. फ़ा. स्त्री.—अपनी ग़रज़ निकालना, स्वार्थपरायणता।

मत्लबबरारी (مطلب براری) अ. फ़ा. स्त्री.—स्वार्थ सिद्ध करना, ग़रज़ निकालना।

मत्लबी (مطلبی) अ. वि.—स्वार्थी, स्वार्थपरायण।

मत्ला' (مطلع) अ. पुं.—ग़ज़ल का पहला शे'र जिसके दोनों मिस्रों सानुप्रास होते हैं।

मत्लूबः (مطلوبه) अ. वि.—वांछित वस्तु; प्रेमिका।

मत्लूब (مطلوب) अ. वि.—वांछित, मनोनीत, जिसकी इच्छा की जाय; प्रेमपात्र, मा'शूक़।

मत्वी (مطوی) अ. वि.—लिपटा हुआ।

मत्हूल (مطحول) अ. वि.—जिसे तिल्ली का रोग हो, जिसकी तिल्ली बढ़ गयी हो।

मद [द्द] (مد) अ. पुं.—अलिफ़ के ऊपर बनायी जानेवाली लकीर जिससे वह लंबा करके पढ़ा जाता है; समुद्र के पानी का चढ़ाव, ज्वार, (स्त्री.) वह लंबी लकीर जो बही में खींचकर उसके नीचे भिन्न-भिन्न रक़्में लिखते हैं, जैसे—'ख़र्च' की मद, पेटा।

मदद (مدد) स्त्री.—सहायता, इम्दाद; पक्षपात, हिमायत; आश्रय, सहारा; राज मज़्दूरों का काम।

मददख़्वाह (مددخواہ) अ. फ़ा. वि.—सहायता माँगनेवाला।

मददगार (مددگار) अ. फ़ा. वि.—सहायक, मदद करनेवाला; पक्षपाती, तरफ़दार; पृष्ठपोषक, हिमायती; आश्रयदाता, सहारः देनेवाला।

मददख़र्च (مددخرچ) अ. फ़ा. वि.—वह धन जो सहायता के रूप में ख़र्च को दिया जाय।

मददे मआश (مددمعاش) अ. स्त्री.—गुज़ारे के लिए सहायता; पिंशिन, वज़ीफ़ा; वह जागीर जो गुज़ारे के लिए दी जाय।

मदनी (مدنی) अ. वि.—मदीने का निवासी; नागरिक, शहरी।

मदनीउत्तब्अ (مدنی الطبع) अ. वि.—वह जो बहुत से आदमियों के साथ मिल-जुलकर रहने का अभ्यस्त हो।

मदाएह (مدائح) अ. पुं.—'मदीहः' का बहु., प्रशंसाएँ, तारीफ़ें।

मदाख़िल (مداخل) अ. पुं.—'मद्ख़ल' का बहु., आमदनियाँ; लगान।

मदार (مدار) अ. पुं.—धुरी, कीली; निर्भरता, इन्हिसार।

मदारअलैह (مدارعلیه) अ. पुं.—जिस पर कोई चीज निर्भर हो, आधार वस्तु, आधेय।

मदारिज (مدارج) अ. पुं.—'मद्रज:' का बहु., पद, दर्जे रुतबे।

मदारिस (مدارس) अ. पुं.—'मद्रस:' का बहु., पाठशालाएँ।

मदारुलमहाम (مدارالمهام) अ. पुं.—प्रधान मंत्री, वजीरे आ'ज़म।

मदारे कार (مدارکار) अ. फ़ा. पुं.—कार्यभार, कार्य की निर्भरता।

मदारे ज़ीस्त (مدارزیست) अ. फा. पुं.—जीवन की निर्भरता, ज़िंदगी का इन्हिसार।

मदीद (مدید) अ. वि.—दीर्घ, लंबा; दे. 'बह्रे मदीद'।

मदीनः (مدینہ) अ. पुं.—नगर, शहर; अरब का एक प्रसिद्ध नगर।

मदीह (مدیح) अ. वि.—प्रशंसा, तारीफ़; स्तुति, हम्दोसना।

मद्ऊ (مدعو) अ. वि.—निमंत्रित, बुलाया हुआ; दा'वत में बुलाया हुआ।

मद्क़ूक़ः (مدقوقہ) अ. स्त्री.—तपेदिक़ की रोगिणी।

मद्क़ूक़ (مدقوق) अ. वि.—तपेदिक़ का रोगी।

मद्ख़नः (مدخنہ) अ. स्त्री.—धुवाँ निकलने का स्थान, चिमनी।

मद्ख़ल (مدخل) अ. पुं.—दाख़िल होने का स्थान, प्रवेश-द्वार; आय, आमदनी।

मद्ख़ूलः (مدخولہ) अ. स्त्री.—वह स्त्री जो डाल ली हो, रखेली, उपपत्नी।

मद्ख़ूल (مدخول) अ. वि.—दाख़िल किया गया, भीतर किया गया।

मद्दज़िल्लुहू (مدظلہ) अ. वा.—उनकी परछाईं लंबी हो अर्थात् उनकी उम्र बड़ी हो।

मद्दाह (مداح) अ. वि.—प्रशंसक, श्लाघी, तारीफ़ करनेवाला; स्तुतिकर्ता, हम्दोसना करनेवाला।

मद्दाही (مداحی) अ. स्त्री.—प्रशंसा, श्लाघा, तारीफ़; स्तुति, वंदना, हम्दोसना।

मद्दाहे रसूल (مداح رسول) अ. वि.—रसूल की प्रशंसा और स्तुति करनेवाला, ना'त लिखनेवाला, ना'त गो शाइर,

मद्दे अमानत (مد امانت) अ. स्त्री.—धरोहर की मद का, धरोहर के तौर पर।

मद्दे नज़र (مدنظر) अ. वि.—जो दृष्टि के सामने हो, दृष्टिगत; मनोवांछित, दिली मक़्सूद; चित्त पर चढ़ा हुआ, मन में बसा हुआ।

मद्दे फ़ाज़िल (مد فاضل) अ. स्त्री.—फ़ालतू मद, व्यर्थ, निष्प्रयोजन, निकम्मा।

मद्दे मुक़ाबिल (مد مقابل) अ. पुं.—प्रतिद्वंद्वी, रक़ीब; बराबर का जोड़, बराबर की चोट; विपक्ष, हरीफ़; शत्रु, दुश्मन।

मद्दे सुर्मः (مد سرمہ) अ. फा. स्त्री.—सुरमे की लकीर, जो कनपटी की तरफ़ खींच दी जाती है।

मद्दोजज़्र (مدوجزر) अ. पुं.—समुद्र के पानी का चढ़ाव-उतार, ज्वार-भाटा।

मद्फ़न (مدفن) अ. पुं.—मुर्दे के दफ़्न होने की जगह, क़ब्र, समाधि-भवन।

मद्फ़ूअ (مدفوع) अ. वि.—दफ़्अ किया हुआ, हटाया हुआ, निवारित।

मद्फ़ून (مدفون) अ. वि.—भूनिहित, दफ़्न किया हुआ, ज़मीन में गाड़ा हुआ, (आदमी या धन आदि); गुप्त, गुह्य, पोशीदा।

मद्बूग़ (مدبوغ) अ. वि.—[illegible] हुआ चमड़ा।

मद्यून (مدیون) अ. वि.—ऋणी, क़र्ज़दार, अधमर्ण।

मद्रिसः (مدرسہ) अ. पुं.—पढ़ने-पढ़ाने का स्थान, पाठशाला, विद्यालय।

मद्लूल (مدلول) अ. वि.—जिसके लिए दलील दी गयी हो, तर्कित।

मद्ह (مدح) अ. स्त्री.—प्रशंसा, श्लाघा, ता'रीफ़; स्तुति, वंदना, हम्दोसना।

मद्हख़्वाँ (مدح خواں) अ. फा. वि.—प्रशंसक, मद्दाह।

मद्हख़्वानी (مدح خوانی) अ. फा. स्त्री.—प्रशंसा करना, ता'रीफ़ करना।

मद्हगो (مدح گو) अ. फा. वि.—दे. 'मद्हख़्वाँ'।

मद्हगोई (مدح گوئی) अ. फा. स्त्री.—दे. 'मद्हख़्वानी'।

मद्हसंज (مدح سنج) अ. फा. वि.—दे. 'मद्हख़्वाँ'।

मद्हसरा (مدح سرا) अ. फा. वि.—दे. 'मद्हख़्वाँ'।

मद्हसराई (مدح سرائی) अ. फा. स्त्री.—दे. 'मद्हख़्वानी'।

मद्हूश (مدہوش) अ. वि.—दे. 'मद्होश' उर्दू में वही बोलते हैं।

मद्हे बेजा (مدح بےجا) अ. फा. स्त्री.—झूठी प्रशंसा, ग़लत ता'रीफ़।

मद्हे वाक़िई (مدح واقعی) अ. स्त्री.—सच्ची ता'रीफ़, सच्ची प्रशंसा।

मद्होश (مدہوش) फा. वि.—निश्चेष्ट, बेसुध, ग़ाफ़िल; उन्मत्त, अंटाग़फ़ील, नशे में चूर।

मद्होशी (مدہوشی) फा. स्त्री.—बेसुधपन, निश्चेष्टता; उन्मत्तता, मतवालापन।

मन (من) फा. पुं.—दो रतल का एक प्रमाण; सेर; चालीस सेर का प्रमाण, (सर्वनाम) में, अहम्।

मन [न्न] (من) अ. पुं.—कौन; एक प्रकार का मीठा पदार्थ जो पौधों पर जम जाता है और खाया जाता है, शीर खिश्त।

मनस्सः (منصہ) अ. पुं.—प्रकट होने का स्थान, जलवःगाह; वह मंच जिस पर विवाह के पश्चात् दुल्हन को बिठाकर सबको दिखाते हैं।

मनस्सए शुहूद (منصۂ شہود) अ. पुं.—वह स्थान जहाँ ईश्वर की महिमा प्रकट हो।

मनाइर (منائر) अ. पुं.–'मनारः' का बहु., 'मीनारें'।

मनाक़िब (مناقب) अ. पुं.–'मन्क़बत' का बहु., धार्मिक महात्माओं के यशोगान।

मनाज़िर (مناظر) अ. पुं.–'मंज़र' का बहु., दृश्यसमूह।

मनाज़िल (منازل) अ. स्त्री.–'मंज़िल' का बहु., मंज़िलें, मरहले।

मनाज़िले क़मर (منازل قمر) अ. स्त्री.–नक्षत्र, जिनकी संख्या २७ हैं। १. अश्विनी (शुर्तैन–नतूह), २. भरणी (बुतैन), ३. कृत्तिका (सुरैया), ४. रोहिणी (दबरान), ५. मृगशिरा (हक़्अः), ६. आर्द्रा (हनअः), ७. पुनर्वसु (ज़िराअ), ८. पुष्य (नस्रः), ९. श्लेषा (तर्फ़ः), १०. मघा (जब्हः), ११. पूर्वा फाल्गुनी (ज़ुब्रः), १२. उत्तरा फाल्गुनी (सर्फ़ः), १३. हस्त (अव्वा), १४. चित्रा (सिमाक), १५. स्वाती (ग़फ़रः), १६. विशाखा (ज़ुबाना), १७. अनुराधा (इक्लील), १८. ज्येष्ठा (क़ल्ब), १९. मूल (शौलः), २०. पूर्वाषाढ़ा (नआइम), २१. उत्तराषाढ़ा (बल्दः), २२. श्रवण (सा'-देज़ाबेह), २३. धनिष्ठा (बुला'), २४. शतभिषा (आव्बियः), २५. पूर्वा भाद्रपद (सऊद), २६. उत्तरा भाद्रपद (मुक़द्दम), २७. रेवती (मुअख़्ख़र); कुछ लोग २८ मानते हैं उसका नाम अभिजित (बैतुलहूत) है।

मनात (منات) अ. पुं.–अरब की एक प्रतिष्ठित मूर्ति, जो इस्लाम से पूर्व पूजी जाती थी।

मनादील (منادیل) अ. पुं.–'मिंदील' का बहु., सर से बाँधने के रूमाल; कमर से बाँधने के पटके।

मनाफ़िज़ (منافذ) अ. पुं.–'मन्फ़ज़' का बहु., छेद, सूराख़, छिद्र-समूह।

मनाफ़े' (منافع) अ. पुं.–'मन्फ़अत' का बहु., लाभ, प्राप्तियाँ, नफ़े' फ़ाइदे।

मनाब (مناب) अ. पुं.–खड़े होने का स्थान; किसी दूसरे के स्थान पर खड़ा होना, स्थानापन्नता।

मनाबिर (منابر) अ. पु.–'मिंबर' का बहु., बहुत-से मिंबर।

मनाम (منام) अ. पुं.–सोने का स्थान, शयनागार; सोना, स्वाप्न।

मनारः (منارہ) अ. पुं.–मीनार, बहुत ऊँचा खंभा; रोशनी का मीनार, दीपस्तंभ।

मनार (منار) अ. पुं.–दे. 'मनारः'।

मनाल (منال) अ. पुं.–धन, संपत्ति, रक़म, जायदाद।

मनासिक (مناسک) अ. पुं.–'मंसक' का बहु., हाजियों की इबादत की जगहें; वे क्रतियाँ और संस्कार जो हज करनेवालों को मक्के में करने पड़ते हैं।

मनासिब (مناصب) अ. पुं.–'मंसब' का बहु., पदवियाँ, दर्जे।

मनाहिज (مناہج) अ. पुं.–'मिन्हज' और 'मिन्हाज' का बहु., रास्ते, मार्ग, खुले हुए और सीधे मार्ग।

मनाही (مناہی) अ. पुं.–'मन्ही' का बहु., वह काम जिनसे रोका गया हो (धर्म में)।

मनिश (منش) फा. स्त्री.–प्रकृति, स्वभाव, तबीअत। (प्रत्य.) प्रकृतिवाला, जैसे—'आज़ाद मनिश', स्वच्छन्द प्रकृतिवाला।

मनी (منی) अ. स्त्री.–वीर्य, शुक्र, धातु।

मनी (منی) फा. वि.–ममत्व, मेरापन; अहंकार, अभिमान, ख़ुदी।

मनीअ (منیع) अ. वि.–रोकनेवाला, हटानेवाला; दृढ़, मज़बूत।

मनीयत (منیت) अ. स्त्री.–मृत्यु, मरण, मौत।

मनूब (منوب) अ. वि.–जिसका प्रतिनिधित्व किया जाय।

मनूबअनहु (منوب عنہ) अ. वि.–प्रतिनिधि, नाइब।

मनअ (منع) अ. पुं.–रोकना, मना करना; निषेध, मनाही; अविहित, नाजाइज़; निषिद्ध, मना किया हुआ।

मनए मै (منع مے) अ. फा. पुं.–मद्य-निषेध, शराब की मनाही।

मन्क़बत (منقبت) अ. स्त्री.–ख़ुदारसीदः लोगों की गुणगाथा, महात्माओं का यशोगान; अहलेबैत और असहाब की गुणगाथा।

मन्क़ल (منقل) अ. स्त्री.–अँगीठी, अंगारधानी, गोरसी।

मन्क़िज़त (منقضت) अ. स्त्री.–परस्पर विरोध, नक़ीज़; खंडत्व, तोड़।

मन्क़िसत (منقصت) अ. स्त्री.–नक़्स, ह्रास; न्यूनता, कमी; दोष, ऐब, निंदा, हज्व; तिरस्कार, अपमान, बेइज़्ज़ती।

मन्क़ूतः (منقوطہ) अ. वि.–वह अक्षर जिस पर नुक़्तः हो, जैसे—ب, ت, ج, ذ, ش आदि।

मन्क़ूत (منقوط) अ. वि.–दे. 'मन्क़ूतः'।

मन्कूब (منکوب) अ. वि.–दरिद्र, कंगाल, दुर्दशाग्रस्त।

मन्क़ूलः (منقولہ) अ. वि.–एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जायी हुई चीज़; नक़्ल की हुई, प्रतिलिपित।

मन्क़ूल (منقول) अ. वि.–एक स्थान से हटाकर दूसरी जगह पहुँचाया हुआ; नक़्ल किया हुआ, प्रतिलिपित; एक से सुनकर दूसरे से कहा हुआ; न्याय की वह शाखा जिसमें केवल उन्हीं प्रमाणों पर तर्क हो जो शास्त्रादि में लिखित हैं।

मन्क़ूल अनहु (منقول عنہ) अ. वि.–वह व्यक्ति जिसके मुँह

से सुनी हुई बात कही गयी हो, वह असल काग़ज़ जिसकी प्रतिलिपि की गयी हो।

मन्क़ूलात (منقولات) अ. पुं.–वे पुस्तकें जिनमें 'मन्क़ूल' का वर्णन हो, (दे. मन्क़ूल नं० ४)।

मन्क़ूश (منقوش) अ. वि.–चित्रित, नक़्शोनिगार बना हुआ; अंकित, गहरा लिखा हुआ।

मन्क़ूशे ख़ातिर (منقوش خاطر) अ. वि.–हृदयंगम, ज़ेहननशीं।

मन्क़ूस (منقوص) अ. वि.–जिसमें कमाई की गई हो, ह्रसित।

मन्कूहः (منکوحہ) अ. स्त्री.–विवाहित, ब्याही हुई स्त्री।

मन्कूह (منکوح) अ. पुं.–विवाहित, ब्याहा हुआ पुरुष।

मन्ख़िर (منخر) अ. पुं.–नथना, नासा विवर, दे. 'मिन्ख़र' दोनों शुद्ध हैं।

मन्नाअ' (مناع) अ. वि.–निषेधक, प्रतिरोधक, मना करनेवाला, रोकनेवाला।

मन्नान (منان) अ. वि.–बहुत अधिक उपकार करनेवाला; ईश्वर का एक नाम।

मन्नोसल्वा (من وسلوىٰ) अ. पुं.–मन (शीरख़िश्त) और सल्वा (बटेर) ये दोनों चीज़ें हज़्रत मूसा को उस समय ईश्वर की ओर से मिलीं जब उनकी सेनाएँ भूखी थीं और बराबर मिलती रहीं।

मन्फ़अत (منفعت) अ. स्त्री.–लाभ, फ़ाइदः; फल, नतीजा।

मन्फ़ज़ (منفذ) अ. पुं.–विवर, छिद्र, सूराख़; मार्ग, राह, रास्ता।

मन्फ़ी (منفی) अ. वि.–नष्ट किया हुआ, मिटाया हुआ; रद किया हुआ; वह क्रिया जिसमें काम का न होना पाया जाय; ऋण, घटाना।

मन्फ़ूश (منفوش) अ. वि.–धुनकी हुई रुई या और कोई वस्तु।

मंन्ही (منہی) अ. वि.–वर्जित, रोका हुआ, अविहित, निषिद्ध।

मन्हीयात (منہیات) अ. स्त्री.–वे वस्तुएँ जिनका खानपान धर्म में वर्जित हो; वे कर्म जो धर्म में वर्जित हों।

मन्हूस (منحوس) अ. वि.–अशुभ, अनिष्ट, अकल्याणकारी, बद; अभागा, दुर्भाग्यवान्, बदक़िस्मत।

मन्हूससूरत (منحوس صورت) अ. वि.–जिसकी सूरत देखना अनिष्टकर हो, जिसे सवेरे-सवेरे देखने में मुसीबतें पड़ें।

मफ़र [रं] (مفر) अ. पुं.–भागने का स्थान, वह स्थान जहाँ भागकर छिपा जा सके; रक्षा, बचाव; उपाय, तदबीर।

मफ़ाख़िर (مفاخر) अ. पुं.–'मफ़्ख़रः' का बहु., बुज़ुर्गियाँ, बड़ाइयाँ।

मफ़ाज़ (مفاز) अ. पुं.–पहुँच का स्थान, गंतव्य, मंज़िल, मक़ाम।

मफ़ातीह (مفاتیح) अ. स्त्री.–'मिफ़्ताह' का बहु., कुंजियाँ, चाबियाँ।

मफ़ाद (مفاد) अ. पुं.–लाभ, फ़ाइदा, नफ़ा।

मफ़ादात (مفادات) अ. पुं.–फ़ाइदे, लाभ।

मफ़ादे आम्मः (مفاد عامہ) अ. पुं.–लोकहित, सर्वार्थ, सब की भलाई के काम।

मफ़ादे क़ौमी (مفاد قومی) अ. पुं.–जाति की भलाई, जातिहित; राष्ट्र की भलाई, देशहित।

मफ़ादे ख़लाइक़ (مفاد خلائق) अ. पुं.–दे. 'मफादे आम्मः'।

मफ़ादे ज़ाती (مفاد ذاتی) अ. पुं.–स्वार्थ, अपनी भलाई, आत्महित।

मफ़ादे मिल्ली (مفاد ملی) अ. पुं.–राष्ट्रहित, देश की भलाई।

मफ़ादे मुल्की (مفاد ملکی) अ. पुं.–देशहित, मुल्क की भलाई।

मफ़ादे वतन (مفاد وطن) अ. पुं.–देशहित, वतन अथवा मुल्क की भलाई।

मफ़ासिद (مفاسد) अ. पुं.–'मफ़्सिदः' का बहु., शरारतें, उत्पात; दंगे, उपद्रव, बुराइयाँ, दोष।

मफ़ासिल (مفاصل) अ. पुं.–'मफ़्सिल' का बहु., शरीर के जोड़, गाँठें।

मफ़ऊल (مفعول) अ. वि.–(व्या.) कर्म, जिस पर क्रिया का प्रभाव पड़े, दूसरा कारक; वह पुरुष जिसे गुदादान का व्यसन हो; छंद का एक वज़्न, हिंदी 'तगण' (SSI)।

मफ़ऊलफ़ीह (مفعول فیہ) अ. पुं.–सातवाँ कारक, अधिकरण।

मफ़ऊलबेह (مفعول بہ) अ. पुं.–तीसरा कारक, करण।

मफ़ऊल मालम युसम्मः फ़ाइलुहू (مفعول مالم یسم فاعلہ) अ. पुं.–वह कर्म जिसका कर्ता अज्ञात हो।

मफ़ऊल मा'हू (مفعول معہ) अ. पुं.–जिसके साथ कोई काम हो।

मफ़ऊल मिन्हु (مفعول منہ) अ. पुं.–पाँचवाँ कारक, अपादान।

मफ़ऊललहू (مفعول لہ) अ. पुं.–चौथा कारक, संप्रदान।

मफ़ऊले मुत्लक़ (مفعول مطلق) अ. पुं.–सामान्य कर्म, मफ़ऊल।

मफ़ऊले सानी (مفعول ثانی) अ. पुं.–किसी क्रिया का दूसरा कर्म, द्वितीय कर्म।

मफ़्क़ूद (مفقود) अ. वि.–अप्राप्य, नायाब; अज्ञात, नामा'लूम; खोया हुआ, गुम; अंतर्द्धान, ग़ाइब।

मफ़्क़ूदुल ख़बर (مفقود الخبر) अ. वि.–जिसकी ख़बर न मिले, जो ग़ाइब हो गया हो।

मफ़्तूँ (مفتوں) अ. वि.–मुग्ध, मोहित, फ़रेफ़्तः; जो आपत्तियों में डाल दिया गया हो।

मफ़्तून (مفتون) अ. वि.–दे. 'मफ़्तूँ', उर्दू में वही बोलते हैं।

मफ़्तूह (مفتوح) अ. वि.–जो खोला गया हो; जो विजित किया गया हो; जिस अक्षर पर 'ज़बर' हो।

मफ़्रूक़ (مفروق) अ. वि.–वह संख्या जो किसी बड़ी संख्या में से घटायी गयी हो, वियोज्य; पृथक् किया गया, अलग किया गया।

मफ़्रूक़मिनहु (مفروق منه) अ. वि.–वह बड़ी संख्या जिसमें से कोई छोटी संख्या घटायी गयी हो, वियोजक।

मफ़्रूज़ः (مفروضه) अ. पुं.–काल्पनिक बात, फ़र्ज़ की हुई बात; भ्रम, वह्म।

मफ़्रूज़ (مفروض) अ. वि.–काल्पनिक, फ़र्ज़ी; ईश्वर की ओर से फ़र्ज़ की गयी बात, जिसका करना अनिवार्य हो।

मफ़्रूज़ात (مفروضات) अ. पुं.–'मफ़्रूज़:' का बहु., कल्पनाएँ, तीर के तुक्के।

मफ़्रूर (مفرور) अ. वि.–पलायित, भागा हुआ; कोई अपराध करके भागा हुआ, वारंटी।

मफ़्रूश (مفروش) अ. वि.–बिछा हुआ, जो बिछाया गया हो; फ़र्श, बिछौना।

मफ़्लूक (مفلوک) अ. वि.–दुर्दशाग्रस्त, दरिद्र, मुफ़्लिस।

मफ़्लूकुलहाल (مفلوک الحال) अ. वि.–दुर्दशाग्रस्त, कंगाल, विद्वानों के नज़दीक यह तर्कीब अशुद्ध है।

मफ़्लूज (مفلوج) अ. वि.–जिस पर फ़ालिज गिरा हो, पक्षाघाती, अर्द्धांगी, लकवा मारा हुआ।

मफ़्लूजुद्दिमाग़ (مفلوج الدماغ) अ. वि.–जिसके दिमाग़ पर फ़ालिज गिरा हो, जो कुछ सोच-समझ न सकता हो।

मफ़्सदः (مفسده) अ. पुं.–उत्पात, शरारत; उपद्रव, दंगा, फ़साद।

मफ़्सदःपरदाज़ (مفسده پرداز) अ. फ़ा. वि.–दंगा-फ़साद करानेवाला, उपद्रव खड़ा करानेवाला; लगाई-बुझाई करके आपस में लड़ानेवाला।

मफ़्सदःपरदाज़ी (مفسده پردازی) अ. फ़ा. स्त्री.–दंगा-फ़साद कराना, लगाई-बुझाई करके आपस में लड़ाना।

मफ़्सदःपर्वर (مفسده پرور) अ. फ़ा. वि.–दे. 'मफ़्सिदः परदाज़'।

मफ़्सदःपर्वरी (مفسده پروری) अ. फ़ा. स्त्री.–दे. 'मफ़्सिदः परदाज़ी'।

मफ़्सिल (مفصل) अ. पुं.–शरीर के अंग का जोड़, अंगसन्धि।

मफ़्हूम (مفهوم) अ. पुं.–अस्ली मतलब, भाव; मंशा, उद्देश्य; अर्थ, तात्पर्य।

मबाद (مباد) फ़ा. वा.–दे. 'मबादा'।

मबादा (مبادا) फ़ा. वा.–ऐसा न हो।

मबादियात (مبادیات) अ. पुं.–'मबादी' का बहु., शुरू की वे बातें जो किसी विद्या पढ़ने से पहले सीखी जाती हैं और जिनके जाने बिना वह विद्या नहीं आती।

मबादी (مبادی) अ. पुं.–'मब्दा' का बहु., किसी विद्या से सम्बन्धित उसकी प्रारम्भिक बातें, जिनके जाने बिना वह विद्या नहीं आ सकती।

मबाल (مبال) अ. पुं.–मूत्रेंद्रिय, पेशाब का मक़ाम।

मबीअः (مبیعه) अ. स्त्री.–बिकी हुई चीज़; ख़रीदी हुई चीज़।

मबीअ (مبیع) अ. वि.–बिका हुआ, बेचा हुआ, विक्रीत; मोल लिया हुआ, क्रीत।

मब्ऊस (مبعوث) अ. वि.–अवतरित, जिसने अवतार लिया हो, जो ईश्वर की ओर से भेजा गया हो।

मब्ग़ूज़ (مبغوض) अ. वि.–जिससे द्वेष हो, शत्रु, बैरी।

मब्ज़ूल (مبذول) अ. वि.–दिया गया, बख़्शा गया; आकृष्ट, प्रवृत्त, रुजूअ।

मब्दा (مبدء) अ. पुं.–प्रारम्भ करने का स्थान; प्रकट होने की जगह।

मब्नी (مبنی) अ. वि.–जिसकी नींव रखी गयी हो; निर्भर, मुनहसिर, निर्धारित; वह शब्द जिसका आख़िरी अक्षर किसी कारक में भी न बदले, अव्यय।

मब्रज़ (مبرز) अ. पुं.–मलद्वार, गुदा, मक़्अद।

मब्रूर (مبرور) अ. वि.–जिस पर ईश्वर की दया हो, जो ईश्वर की ओर से सम्मानित किया गया हो; पापमुक्त, मोक्ष-प्राप्त।

मब्रूस (مبروص) अ. वि.–जिसे श्वेत कोढ़ हो, सिध्म, श्वित्री।

मब्लग़ (مبلغ) अ. पुं.–सीमा, हद; अंत, अख़ीर; मात्रा, मिक़्दार; संख्या, ता'दाद।

मब्लग़े इल्म (مبلغ علم) अ. पुं.–विद्या की मात्रा, इल्म की मिक़्दार; विद्वत्ता, इल्मीयत।

मब्सूत (مبسوط) अ. वि.—विस्तार के साथ कहा हुआ, विस्तृत।

मब्हूत (مبہوت) अ. वि.—चकित, स्तब्ध, शशदर।

ममर [र्र] (ممر) अ. पुं.—गुज़रने का स्थान; मार्ग, रास्ता; कारण, सबब।

ममात (ممات) अ. स्त्री.—मृत्यु, मरण, निधन, मौत।

ममालिक (ممالک) अ. पुं.—'मम्लुकत' का बहु., बहुत-से देश, बहुत-से राष्ट्र।

ममालिके इस्लामियः (ممالک اسلامیہ) अ. पुं.—वे राष्ट्र जिनमें मुसलमान शासक हैं।

ममालिके ग़ैर (ممالک غیر) अ. पुं.—अन्य देश, दूसरे राष्ट्र।

ममालिके मफ़्तूहः (ممالک مفتوحہ) अ. पुं.—वह देश जो लड़ाई में जीते गये हों।

ममालिके मुत्तहिदः (ممالک متحدہ) अ. पुं.—वह देश जो मिलकर एक हो गये हों, संयुक्त देश।

ममालिके मुफ़व्वज़ः (ممالک مفوضہ) अ. पुं.—वह देश जो उसके शासक की ओर से किसी को प्रबंध के लिए दे दिये गये हों।

ममालिके महरूसः (ممالک محروسہ) अ. पुं.—वे देश जो किसी अन्य देशीय शासक के अधीन हों।

ममालिके हरीफ़ः (ممالک حریفہ) अ. पुं.—वह राष्ट्र जो दूसरे राष्ट्र के विरोधी दल में हों।

ममालिके हलीफ़ः (ممالک حلیفہ) अ. पुं.—वह राष्ट्र जो एक-दूसरे के मित्र और सहायक हों।

ममालीक (ممالیک) अ. पुं.—'मम्लूक' का बहु., गुलाम लोग।

मम्ज़ूज (ممزوج) अ. वि.—मिश्रित, मिला हुआ।

मम्दूदः (ممدودہ) अ. वि.—वह अलिफ़ जिस पर 'मद' हो और खींचकर पढ़ा जाय।

मम्दूद (ممدود) अ. वि.—खींचा गया, बढ़ाया गया, लंबा किया गया।

मम्दूहः (ممدوحہ) अ. स्त्री.—वह स्त्री जिसकी तारीफ़ की जाय, प्रशंसिता।

मम्दूह (ممدوح) अ. वि.—जिसकी मद्ह की गयी हो, प्रशंसित।

मम्नूअ (ممنوع) अ. वि.—निषिद्ध, वर्जित, मना', जिससे रोका गया हो; धर्म में वर्जित वस्तु।

मम्नूअ अन्हु (ممنوع عنہ) अ. वि.—जिस बात से रोका गया हो।

मम्नूआत (ممنوعات) अ. पुं.—वे वस्तुएँ जिनका खान-पान धर्म के अनुसार वर्जित हो।

मम्नून (ممنون) अ. वि.—कृतज्ञ, आभारी, अनुगृहीत, शुक्रगुज़ार, मश्कूर।

मम्नूनीयत (ممنونیت) अ. स्त्री.—कृतज्ञता, शुक्रगुज़ारी।

मम्लकत (مملکت) अ. स्त्री.—दे. 'मम्लुकत', यह उच्चारण भी शुद्ध है, परन्तु 'मम्लुकत' अधिक शुद्ध है।

मम्लिकत (مملکت) अ. स्त्री.—दे. 'मम्लुकत', यह उच्चारण भी शुद्ध है, परन्तु 'मम्लुकत' अधिक शुद्ध है।

मम्लुकत (مملکت) अ. स्त्री.—राष्ट्र, राज्य, सल्तनत, दे. 'मम्लकत' और 'मम्लिकत' यह दोनों भी शुद्ध हैं, परन्तु 'मम्लुकत' अधिक शुद्ध है।

मम्लू (مملو) अ. वि.—पूर्ण, परिपूर्ण, भरा हुआ, लबरेज़।

मम्लूकः (مملوکہ) अ. वि.—वह वस्तु जो मिल्कियत में हो।

मम्लूक (مملوک) अ. वि.—दास, गुलाम।

मम्लूह (مملوح) अ. वि.—नमक मिलाया हुआ, नमकीन, लवणमय।

मयामिन (میامن) अ. पुं.—'मैमनत' का बहु., बरकतें, सआदतें, कल्याण, समृद्धियाँ; 'मैमनः' का बहु., शरीर की सीधी ओर के अंग।

मरंजांमरंज (مرنجاں مرنج) फा. वि.—वह व्यक्ति जो खुद भी दुःखित न हो और दूसरों को भी दुःखी न करे।

मरंजोमरंजां (مرنج و مرنجاں) फा. वि.—दे. 'मरंजां मरंज'।

मरज (مرج) अ. पुं.—काम का बिगाड़; नाश, तबाही।

मरज़ (مرض) अ. पुं.—रोग, आमय, व्याधि, बीमारी; लत, व्यसन, बुरी आदत।

मरज़ुलमौत (مرض الموت) अ. पुं.—वह रोग जो मृत्यु का कारण बने।

मरज़े मुतअद्दी (مرض متعدی) अ. पुं.—छूतवाला रोग, उड़कर लगनेवाली बीमारी, संक्रामक रोग।

मरज़े मोह्लिक (مرض مہلک) अ. पुं.—वह रोग जो प्राण लेकर पीछा छोड़े, घातक रोग।

मरम्मत (مرمت) अ. स्त्री.—जीर्णोद्धार, टूटी-फूटी चीज़ की दुरुस्ती, जैसे—मकान या जूते की मरम्मत।

मरम्मततलब (مرمت طلب) अ. वि.—जिसमें मरम्मत की आवश्यकता हो।

मराकिज़ (مراکز) अ. पुं.—'मर्कज़' का बहु., बहुत-से मर्कज़, बहुत से केन्द्र।

मराकिब (مراکب) अ. पुं.—'मर्कब' का बहु., सवारियाँ; घोड़े।

मराक़िश (مراقش) अ. पुं.—अफ़्रीक़ा का एक प्रसिद्ध प्रदेश, मराको।

मफ़ऊले सानी (مفعول ثانی) अ. पुं.–किसी क्रिया का दूसरा कर्म, द्वितीय कर्म।

मफ़क़ूद (مفقود) अ. वि.–अप्राप्य, नायाब; अज्ञात, नामा'लूम; खोया हुआ, गुम; अंतर्द्धान, ग़ाइब।

मफ़क़ूदुल ख़बर (مفقود الخبر) अ. वि.–जिसकी ख़बर न मिले, जो ग़ाइब हो गया हो।

मफ़्तूँ (مفتوں) अ. वि.–मुग्ध, मोहित, फ़िरेफ़्तः; जो आपत्तियों में डाल दिया गया हो।

मफ़्तून (مفتون) अ. वि.–दे. 'मफ़्तूँ', उर्दू में वही बोलते हैं।

मफ़्तूह (مفتوح) अ. वि.–जो खोला गया हो; जो विजित किया गया हो; जिस अक्षर पर 'ज़बर' हो।

मफ़रूक़ (مفروق) अ. वि.–वह संख्या जो किसी बड़ी संख्या में से घटायी गयी हो, वियोज्य; पृथक् किया गया, अलग किया गया।

मफ़रूक़मिन्हु (مفروق منه) अ. वि.–वह बड़ी संख्या जिसमें से कोई छोटी संख्या घटायी गयी हो, वियोजक।

मफ़रूज़ः (مفروضه) अ. पुं.–काल्पनिक बात, फ़र्ज़ की हुई बात; भ्रम, वह्म।

मफ़रूज़ (مفروض) अ. वि.–काल्पनिक, फ़र्ज़ी; ईश्वर की ओर से फ़र्ज़ की गयी बात, जिसका करना अनिवार्य हो।

मफ़रूज़ात (مفروضات) अ. पुं.–'मफ़रूज़:' का बहु., कल्पनाएँ, तीर के तुक्के।

मफ़रूर (مفرور) अ. वि.–पलायित, भागा हुआ; कोई अपराध करके भागा हुआ, वारंटी।

मफ़रूश (مفروش) अ. वि.–बिछा हुआ, जो बिछाया गया हो; फ़र्श, बिछौना।

मफ़्लूक (مفلوک) अ. वि.–दुर्दशाग्रस्त, दरिद्र, मुफ़्लिस।

मफ़्लूकुलहाल (مفلوک الحال) अ. वि.–दुर्दशाग्रस्त, कंगल, विद्वानों के नज़दीक यह तर्कीब अशुद्ध है।

मफ़्लूज (مفلوج) अ. वि.–जिस पर फ़ालिज गिरा हो, पक्षाघाती, अर्द्धांगी, लक़वा मारा हुआ।

मफ़्लूजुद्दिमाग़ (مفلوج الدماغ) अ. वि.–जिसके दिमाग़ पर फ़ालिज गिरा हो, जो कुछ सोच-समझ न सकता हो।

मफ़्सदः (مفسده) अ. पुं.–उत्पात, शरारत; उपद्रव, दंगा, फ़साद।

मफ़्सदःपरदाज़ (مفسده پرداز) अ. फ़ा. वि.–दंगा-फ़साद करानेवाला, उपद्रव खड़ा करानेवाला; लगाई-बुझाई करके आपस में लड़ानेवाला।

मफ़्सदःपरदाज़ी (مفسده پردازی) अ. फ़ा. स्त्री.–दंगा-फ़साद कराना, लगाई-बुझाई करके आपस में लड़ाना।

मफ़्सदःपर्वर (مفسده پرور) अ. फ़ा. वि.–दे. 'मफ़्सिदःपरदाज़'।

मफ़्सदःपर्वरी (مفسده پروری) अ. फ़ा. स्त्री.–दे. 'मफ़्सिदःपरदाज़ी'।

मफ़्सिल (مفصل) अ. पुं.–शरीर के अंग का जोड़, अंगसन्धि।

मफ़्हूम (مفہوم) अ. पुं.–अस्ली मतलब, भाव; मंशा, उद्देश्य; अर्थ, तात्पर्य।

मबाद (مباد) फ़ा. वा.–दे. 'मबादा'।

मबादा (مبادا) फ़ा. वा.–ऐसा न हो।

मबादियात (مبادیات) अ. पुं.–'मबादी' का बहु., शुरू की वे बातें जो किसी विद्या पढ़ने से पहले सीखी जाती हैं और जिनके जाने बिना वह विद्या नहीं आती।

मबादी (مبادی) अ. पुं.–'मब्दा' का बहु., किसी विद्या से सम्बन्धित उसकी प्रारम्भिक बातें, जिनके जाने बिना वह विद्या नहीं आ सकती।

मबाल (مبال) अ. पुं.–मूत्रेंद्रिय, पेशाब का मक़ाम।

मबीअः (مبیعه) अ. स्त्री.–बिकी हुई चीज़; ख़रीदी हुई चीज़।

मबीअ (مبیع) अ. वि.–बिका हुआ, बेचा हुआ, विक्रीत; मोल लिया हुआ, क्रीत।

मब्ऊस (مبعوث) अ. वि.–अवतरित, जिसने अवतार लिया हो, जो ईश्वर की ओर से भेजा गया हो।

मब्ग़ूज़ (مبغوض) अ. वि.–जिससे द्वेष हो, शत्रु, बैरी।

मब्ज़ूल (مبذول) अ. वि.–दिया गया, बख़्शा गया; आकृष्ट, प्रवृत्त, रुजूअ।

मब्दा (مبدا) अ. पुं.–प्रारम्भ करने का स्थान; प्रकट होने की जगह।

मब्नी (مبنی) अ. वि.–जिसकी नींव रखी गयी हो; निर्भर, मुनहसिर, निर्धारित; वह शब्द जिसका आख़िरी अक्षर किसी कारक में भी न बदले, अव्यय।

मबरज़ (مبرز) अ. पुं.–मलद्वार, गुदा, मक़्अद।

मब्रूर (مبرور) अ. वि.–जिस पर ईश्वर की दया हो, जो ईश्वर की ओर से सम्मानित किया गया हो; पापमुक्त, मोक्ष-प्राप्त।

मब्रूस (مبروص) अ. वि.–जिसे श्वेत कोढ़ हो, सिध्म, श्वित्री।

मब्लग़ (مبلغ) अ. पुं.–सीमा, हद; अंत, अख़ीर; मात्रा, मिक़्दार; संख्या, ता'दाद।

मब्लग़े इल्म (مبلغ علم) अ. पुं.–विद्या की मात्रा, इल्म की मिक़्दार; विद्वत्ता, इल्मीयत।

मब्सूत (مبسوط) अ. वि.—विस्तार के साथ कहा हुआ, विस्तृत।

मब्हूत (مبہوت) अ. वि.—चकित, स्तब्ध, शशदर।

ममर [र्र] (ممر) अ. पुं.—गुज़रने का स्थान; मार्ग, रास्ता; कारण, सबब।

ममात (ممات) अ. स्त्री.—मृत्यु, मरण, निधन, मौत।

ममालिक (ممالک) अ. पुं.—'मम्लुकत' का बहु., बहुत-से देश, बहुत-से राष्ट्र।

ममालिके इस्लामियः (ممالک اسلامیہ) अ. पुं.—वे राष्ट्र जिनमें मुसल्मान शासक हैं।

ममालिके ग़ैर (ممالک غیر) अ. पुं.—अन्य देश, दूसरे राष्ट्र।

ममालिके मफ़्तूहः (ممالک مفتوحہ) अ. पुं.—वह देश जो लड़ाई में जीते गये हों।

ममालिके मुत्तहिदः (ممالک متحدہ) अ. पुं.—वह देश जो मिलकर एक हो गये हों, संयुक्त देश।

ममालिके मुफ़ब्वज़ः (ممالک مفوضہ) अ. पुं.—वह देश जो उसके शासक की ओर से किसी को प्रबंध के लिए दे दिये गये हों।

ममालिके महरूसः (ممالک محروسہ) अ. पुं.—वे देश जो किसी अन्य देशीय शासक के अधीन हों।

ममालिके हरीफ़ः (ممالک حریفہ) अ. पुं.—वह राष्ट्र जो दूसरे राष्ट्र के विरोधी दल में हों।

ममालिके हलीफ़ः (ممالک حلیفہ) अ. पुं.—वह राष्ट्र जो एक-दूसरे के मित्र और सहायक हों।

ममालीक (ممالیک) अ. पुं.—'मम्लूक' का बहु., गुलाम लोग।

मम्ज़ूज (ممزوج) अ. वि.—मिश्रित, मिला हुआ।

मम्दूदः (ممدودہ) अ. वि.—वह अलिफ़ जिस पर 'मद' हो और खींचकर पढ़ा जाय।

मम्दूद (ممدود) अ. वि.—खींचा गया, बढ़ाया गया, लंबा किया गया।

मम्दूहः (ممدوحہ) अ. स्त्री.—वह स्त्री जिसकी तारीफ़ की जाय, प्रशंसिता।

मम्दूह (ممدوح) अ. वि.—जिसकी मद्ह की गयी हो, प्रशंसित।

मम्नूअ (ممنوع) अ. वि.—निषिद्ध, वर्जित, मना', जिससे रोका गया हो; धर्म में वर्जित वस्तु।

मम्नूअ अन्हु (ممنوع عنہ) अ. वि.—जिस बात से रोका गया हो।

मम्नूआत (ممنوعات) अ. पुं.—वे वस्तुएँ जिनका खान-पान धर्म के अनुसार वर्जित हो।

मम्नून (ممنون) अ. वि.—कृतज्ञ, आभारी, अनुगृहीत, शुक्रगुज़ार, मश्कूर।

मम्नूनीयत (ممنونیت) अ. स्त्री.—कृतज्ञता, शुक्रगुज़ारी।

मम्लकत (مملکت) अ. स्त्री.—दे. 'मम्लुकत', यह उच्चारण भी शुद्ध है, परन्तु 'मम्लुकत' अधिक शुद्ध है।

मम्लिकत (مملکت) अ. स्त्री.—दे. 'मम्लुकत', यह उच्चारण भी शुद्ध है, परन्तु 'मम्लुकत' अधिक शुद्ध है।

मम्लुकत (مملکت) अ. स्त्री.—राष्ट्र, राज्य, सल्तनत, दे. 'मम्लकत' और 'मम्लिकत' यह दोनों भी शुद्ध हैं, परन्तु 'मम्लुकत' अधिक शुद्ध है।

मम्लू (مملو) अ. वि.—पूर्ण, परिपूर्ण, भरा हुआ, लबरेज़।

मम्लूकः (مملوکہ) अ. वि.—वह वस्तु जो मिल्कियत में हो।

मम्लूक (مملوک) अ. वि.—दास, गुलाम।

मम्लूह (مملوح) अ. वि.—नमक मिलाया हुआ, नमकीन, लवणमय।

मयामिन (میامن) अ. पुं.—'मैमनत' का बहु., बरकतें, सआदतें, कल्याण, समृद्धियाँ; 'मैमनः' का बहु., शरीर की सीधी ओर के अंग।

मरंजांमरंज (مرنجاں مرنج) फ़ा. वि.—वह व्यक्ति जो खुद भी दुःखित न हो और दूसरों को भी दुःखी न करे।

मरंजोमरंजां (مرنج ومرنجاں) फ़ा. वि.—दे. 'मरंजां मरंज'।

मरज (مرج) अ. पुं.—काम का बिगाड़; नाश, तबाही।

मरज़ (مرض) अ. पुं.—रोग, आमय, व्याधि, बीमारी; लत, व्यसन, बुरी आदत।

मरज़ुलमौत (مرض الموت) अ. पुं.—वह रोग जो मृत्यु का कारण बने।

मरज़े मुतअद्दी (مرض متعدی) अ. पुं.—छूतवाला रोग, उड़कर लगनेवाली बीमारी, संक्रामक रोग।

मरज़े मोह्लिक (مرض مہلک) अ. पुं.—वह रोग जो प्राण लेकर पीछा छोड़े, घातक रोग।

मरम्मत (مرمت) अ. स्त्री.—जीर्णोद्धार, टूटी-फूटी चीज़ की दुरुस्ती, जैसे—मकान या जूते की मरम्मत।

मरम्मततलब (مرمت طلب) अ. वि.—जिसमें मरम्मत की आवश्यकता हो।

मराकिज़ (مراکز) अ. पुं.—'मर्कज़' का बहु., बहुत-से मर्कज़, बहुत से केन्द्र।

मराकिब (مراکب) अ. पुं.—'मर्कब' का बहु., सवारियाँ; घोड़े।

मराक़िश (مراقش) अ. पुं.—अफ़्रीका का एक प्रसिद्ध प्रदेश, मराको।

मराजे (مراجع) अ. पुं.—'मर्जा' का बहु., फिरने के स्थान, लौटने के स्थान; सर्वनाम जिनकी ओर फिरें।
मरातिब (مراتب) अ. पुं.—'मर्तबः' का बहु., मर्तबे, दर्जे।
मराबित (مرابط) अ. पुं.—'मिर्बत' का बहु., बंधन, रस्सियाँ, डोरें; 'मर्बत' का बहु., चौपाए बाँधने के बाड़े।
मराम (مرام) अ. पुं.—इच्छा, आशा, मनोकामना, ख़्वाहिश।
मरारः (مرارہ) अ. पुं.—पित्ता, पित्ताशय; पित्ते का पानी।
मरारत (مرارت) अ. स्त्री.—कड़वाहट, कटुता।
मरासिम (مراسم) अ. पुं.—'रस्म' का बहु., मेल-जोल, प्रेम-व्यवहार।
मराहिम (مراهم) अ. पुं.—'मर्हम' का बहु., बहुत-से मर्हम।
मराहिम (مراحم) अ. पुं.—'मर्हमत' का बहु., अनुकंपाएँ, कृपाएँ।
मराहिमे ख़ुस्रवानः (مراحم خسروانہ) अ. फा. पुं.—शासकीय कृपाएँ, शाही मेह्रबानियाँ।
मराहिल (مراحل) अ. पुं.—'मर्हलः' का बहु., मंज़िलें, पड़ाव।
मरीज़ः (مریضہ) अ. स्त्री.—बीमार स्त्री, रोगिणी, व्याधिता।
मरीज़ (مریض) अ. पुं.—रोगी, व्याधित, रुग्ण, बीमार।
मरीद (مرید) अ. वि.—अवज्ञाकारी, उद्दंड, सरकश; अहंकारी, अभिमानी, घमंडी।
मरई (مرعی) अ. वि.—जिसका लिहाज़ या ध्यान रखा जाय।
मरऊब (مرعوب) अ. वि.—रोब में आया हुआ, आतंकित, दबा हुआ, डरा हुआ।
मर्कज़ (مرکز) अ. पुं.—केन्द्र, परिधि के बीच का बिन्दु; सद्र मुक़ाम, मुख्यालय; राजधानी, दारुस्सलतनत।
मर्कज़ी (مرکزی) अ. वि.—केन्द्रीय, मर्कज़ का; मर्कज़ से सम्बन्धित।
मर्कज़े सिक़्ल (مرکز ثقل) अ. पुं.—गुरुत्व-केन्द्र।
मर्क़द (مرقد) अ. पुं.—समाधि-भवन, क़ब्र।
मर्कब (مرکب) अ. पुं.—वाहन, सवारी; अश्व, घोड़ा।
मर्कूज़ (مرکوز) अ. वि.—केन्द्रित, एक मर्कज़ पर लाया हुआ; जमाया हुआ, दृढ़ किया हुआ।
मर्कूज़े ख़ातिर (مرکوز خاطر) अ. वि.—हृदयंगम, दिल में बैठा हुआ।
मर्कूब (مرکوب) अ. वि.—जिस पर सवारी की जाय।
मर्क़ूमः (مرقومہ) अ. वि.—लिखित, लिखा हुआ।
मर्क़ूम (مرقوم) अ. वि.—लिखित, लिखा हुआ।
मर्क़ूमए ज़ैल (مرقومۂ ذیل) अ. वि.—निम्नलिखित, जो नीचे लिखा हो, जिसका ज़िक्र बाद को हो।
मर्क़ूमए बाला (مرقومۂ بالا) अ. फा. वि.—उपर्युक्त, ऊपर लिखा हुआ, जिसकी चर्चा ऊपर हो चुकी हो।
मर्ग (مرگ) फा. स्त्री.—मृत्यु, मरण, मौत।
मर्ग़ (مرغ) फा. पुं.—दूब, घास, दूर्वा।
मर्ग़ज़ार (مرغزار) फा. पुं.—वह मैदान जहाँ दूब बहुत हो, सब्ज़ःज़ार; चरागाह, गोचर।
मर्गपेच (مرگ پیچ) फा. पुं.—पगड़ी बाँधने का एक विशेष ढंग, जो इस बात का चिह्न होता है कि पगड़ी बाँधनेवाला प्राण देने पर आमादा है।
मर्गामर्गी (مرگامرگی) फा. स्त्री.—महामारी, वबा।
मर्ग़ूब (مرغوب) अ. वि.—जो मन को पसंद हो, मनोनीत, रुचिकर, मनोवांछित, पसंदीदः।
मर्ग़ूबे तब्अ (مرغوب طبع) अ. वि.—जो मन को अच्छा लगे, मनोवांछित, मनोनीत।
मर्ग़ूलः (مرغولہ) अ. पुं.—टेढ़ा-मेढ़ा, पेचदार; धुएँ का छल्ला; बल खाये हुए, घूँघरवाले बाल; आवाज़ की गिटकिरी।
मर्गे जवानानः (مرگ جوانانہ) फा. स्त्री.—जवानी की मृत्यु।
मर्गे तब्ई (مرگ طبعی) फा. अ. स्त्री.—वह मृत्यु जो ठीक समय पर आये, जो आयु पूरी होने पर आये, प्राकृतिक मृत्यु।
मर्गे नागहाँ (مرگ ناگہاں) फा. स्त्री.—वह मृत्यु जो अचानक आ जाये, जैसे—हार्टफ़ेल होने से या डूब जाने आदि से।
मर्गे नौ (مرگ نو) फा. स्त्री.—नयी घटना, नया हादिसा।
मर्गे मुअल्लक़ (مرگ معلق) फा. अ. स्त्री.—दे. 'मर्गे नागहाँ'।
मर्गे मुफ़ाजात (مرگ مفاجات) अ. फा. स्त्री.—दे. 'मर्गे नागहाँ'।
मर्गे मुब्रम (مرگ مبرم) फा. अ. स्त्री.—वह मृत्यु जो अटल हो, जो प्राण लेकर टले।
मर्ज़ंजोश (مرزنجوش) फा. स्त्री.—एक वनौषधि।
मर्ज़ (مرز) फा. पुं.—खेती की भूमि, ऐसी भूमि जिस पर खेती हो सके; सरहद, सीमांत; कियारी; उद्यान, बाग़, मूषक, चूहा।
मर्जअ (مرجع) अ. पुं.—रक्षा-स्थान, बचाव की जगह, पनाहगाह; वह संज्ञा जिसकी ओर कोई सर्वनाम फिरे।
मर्ज़बान (مرزبان) फा. वि.—कृषक, कृषिकार, किसान, काश्तकार।
मर्ज़बानी (مرزبانی) फा. स्त्री.—कृषि-कर्म, खेती, किसनई, काश्तकारी।
मर्ज़बूम (مرزبوم) फा. स्त्री.—जन्मभूमि, पैदा होने का स्थान, देश, वतन।
मर्जां (مرجاں) अ. पुं.—दे. 'मर्जान'।
मर्ज़ा (مرضیٰ) अ. पुं.—'मरीज़' का बहु., बीमार लोग, रोगी लोग।

मर्जान (مرجان) अ. पु.—प्रवाल, विद्रुम, मूंगा।

मर्ज़ी (مرضی) अ. स्त्री.—इच्छा, ख्वाहिश; स्वीकृति, रज़ामंदी; आज्ञा, इजाज़त; आदेश, हुक्म।

मर्जूअः (مرجوعه) अ. पुं.—रुजूअ, आकर्षण, किसी व्यक्ति की ओर किसी कार्य विशेष के लिए लोगों का झुकाव।

मर्जूअ (مرجوع) अ. वि.—रुजूअ किया हुआ, लौटाया हुआ, वह व्यक्ति जिसकी ओर लोग झुकें, अर्थात् रुजूअ हों।

मर्जूम (مرجوم) अ. वि.—जिसे पत्थरों से मारा जाय; जिसका बहिष्कार किया जाय।

मर्जूह (مرجوح) अ. वि.—पराजित, हारा हुआ, मग़लूब।

मर्तबः (مرتبه) अ. पुं.—पद, दर्जा; वर्ग, तबक़ा; श्रेणी, जमाअत; वार, दफ़ा; प्रतिष्ठा, इज़्ज़त।

मर्तबःदाँ (مرتبه‌داں) अ. फा. वि.—इज़्ज़त पहचाननेवाला।

मर्तबःदानी (مرتبه‌دانی) अ.फा. स्त्री.—इज़्ज़त पहचानना।

मर्तबःशनास (مرتبه‌شناس) अ. फा. वि.—दे. 'मर्तबःदाँ'।

मर्तबत (مرتبت) अ. स्त्री.—प्रतिष्ठा, इज़्ज़त; पद, उह्दा।

मर्तूब (مرطوب) अ. वि.—आर्द्र, तर, भीगा, गीला; वह ओषधि जिसमें बादी का गुण हो; बादी-गुण रखनेवाली चीज़, जैसे—'मर्तूब आबोहवा'।

मर्दः (مرده) फा. वि.—वीर, शूर, बहादुर; साहसी, उत्साही हिम्मती।

मर्द (مرد) फा. पु.—मनुष्य, आदमी; पुरुष, नर; पति, शौहर; शूर, बहादुर; साहसी, हिम्मतवर।

मर्दअफ़्गन (مردافگن) फा. वि.—शक्तिशाली, ज़ोरावर; पहलवानों को पछाड़ देनेवाला, दे. 'मर्दफ़्गन' वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।

मर्दआज़्मा (مردآزما) फा.वि.—दे. 'मर्द अफ़्गन', दे. 'मर्दाज़्मा', वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।

मर्दक (مردک) फा. वि.—तुच्छ व्यक्ति, अधम, नीच, ज़लील।

मर्दफ़्गन (مرداِفگن) फा. वि.—बहादुर, बलवान्; योद्धाओं को पछाड़ देनेवाला, बहुत बड़ा योद्धा, महारथी।

मर्दबचः (مردبچه) फा. वि.—आदमी का बच्चा अर्थात् आदमी, मनुष्य; बहादुर, शूर।

मर्दबच्चः (مردبچه) फा. वि.—दे. 'मर्दबचः' अच्छे-बुरे व्यक्ति की परख़ रखनेवाला।

मर्दशनास (مردشناس) फा.वि.—मनुष्य को पहचाननेवाला।

मर्दाज़्मा (مردازما) फा. वि.—दे. 'मर्दफ़्गन'।

मर्दानः (مردانه) फा. वि.—मर्दों की तरह; मर्दों-जैसा, जैसे—मर्दाना लिबास; मर्दों-जैसे, मर्दाना दर्जा।

मर्दानःवार (مردانه‌وار) फा. वि.—मर्दों की तरह, साहसपूर्वक, बहादुराना।

मर्दानगी (مردانگی) फा.स्त्री.—मर्दानापन, पुरुषत्व; साहस; हिम्मत; शूरता, बहादुरी।

मर्दाने ख़ुदा (مردان خدا) फा. पुं.—महात्मा लोग, औलिया अल्लाह।

मर्दी (مردی) फा. वि.—मानवता, इंसानियत; शूरता, बहादुरी; कामशक्ति, क़ुव्वतेबाह।

मर्दुम (مردم) फा. पुं.—मनुष्य, आदमी; सभ्य, मुहज़्ज़ब; आँख की पुतली, कनीनिका।

मर्दुमआज़ार (مردم آزار) फा. वि.—लोगों को सतानेवाला, अत्याचारी, ज़ालिम, सर्वदुःखद।

मर्दुमआमेज़ (مردم آمیز) फा. वि.—लोगों में घुल-मिलकर रहनेवाला।

मर्दुमआज़ारी (مردم آزاری) फा. स्त्री.—लोगों को सताना, अत्याचार, जुल्म।

मर्दुमक (مردمک) फा. स्त्री.—आँख की पुतली, कनीनी, कनीनिका, नयनी।

मर्दुमकुश (مردم‌کش) फा. वि.—मनुष्य को मार डालनेवाला, नरहिंसक।

मर्दुमकुशी (مردم‌کشی) फा. स्त्री.—मनुष्य को मार डालना, नरहिंसा।

मर्दुमकेदीदः (مردمک دیده) फा. स्त्री.—आँख की पुतली, नयनी, कनीनिका, कनीनी।

मर्दुमख़ेज़ (مردم‌خیز) फा. वि.—वह स्थान जहाँ से प्रतिभाशाली, प्रतिष्ठित और विद्वज्जन उत्पन्न होते हों।

मर्दुमख़ोर (مردم‌خور) फा. वि.—मनुष्य को ख़ा जानेवाला, नरभक्षी, नराशी, पुरुषाशी।

मर्दुमख़ोरी (مردم‌خوری) फा. स्त्री.—मनुष्य को खा जाना, नरभक्षण।

मर्दुमख़्वार (مردم‌خوار) फा. वि.—दे. 'मर्दुमख़ोर'।

मर्दुमगिया (مردم‌گیا) फा. स्त्री.—एक जड़ जो आदमी की आकृति की होती है, लक्ष्मिनी, यब्रूह।

मर्दुमज़न (مردم‌زن) फा. वि.—वधिक, जल्लाद।

मर्दुमज़ाद (مردم‌زاد) फा. पुं.—मनुजात, आदमी, मनुष्य, मानुष।

मर्दुमदर (مردم‌در) फा. वि.—मनुष्य को फाड़ खानेवाला, विदारक, श्वापद, व्याघ्र।

मर्दुमदारी (مردم‌داری) फ़ा. स्त्री.—सुशीलता, सद्व्यवहार, ख़ुश अख़्लाक़ी।

मर्दुमबेज़ार (مردم بیزار) फा. वि.—वह व्यक्ति जो मनुष्यों के साथ बैठने-उठने से घबराता हो।

मर्दुमशनास (مردم‌شناس) फा. वि.—अच्छे-बुरे आदमी

मराजे (مراجع) अ. पुं.–'मर्जा' का बहु., फिरने के स्थान, लौटने के स्थान; सर्वनाम जिनकी ओर फिरें।

मरातिब (مراتب) अ. पुं.–'मर्तबः' का बहु., मर्तबे, दर्जे।

मराबित (مرابط) अ. पुं.–'मिर्बत' का बहु., बंधन, रस्सियाँ, डोरें; 'मर्बत' का बहु., चौपाए बांधने के बाड़े।

मराम (مرام) अ. पुं.–इच्छा, आशा, मनोकामना, ख्वाहिश।

मरारः (مرارہ) अ. पुं.–पित्ता, पित्ताशय; पित्ते का पानी।

मरारत (مرارت) अ. स्त्री.–कड़वाहट, कटुता।

मरासिम (مراسم) अ. पुं.–'रस्म' का बहु., मेल-जोल, प्रेम-व्यवहार।

मराहिम (مراهم) अ. पुं.–'मर्हम' का बहु., बहुत-से मर्हम।

मराहिम (مراحم) अ. पुं.–'मर्हमत' का बहु., अनुकंपाएँ, कृपाएँ।

मराहिमे खुसवानः (مراحم خسروانہ) अ. फ़ा. पुं.–शासकीय कृपाएँ, शाही मेह्रबानियाँ।

मराहिल (مراحل) अ. पुं.–'मर्हलः' का बहु., मंज़िलें, पड़ाव।

मरीज़ः (مریضہ) अ. स्त्री.–बीमार स्त्री, रोगिणी, व्याधिता।

मरीज़ (مریض) अ. पुं.–रोगी, व्याधित, रुग्ण, बीमार।

मरीद (مرید) अ. वि.–अवज्ञाकारी, उद्दंड, सरकश; अहंकारी, अभिमानी, घमंडी।

मरई (مرعی) अ. वि.–जिसका लिहाज़ या ध्यान रखा जाय।

मरऊब (مرعوب) अ. वि.–रोब में आया हुआ, आतंकित, दबा हुआ, डरा हुआ।

मर्कज़ (مرکز) अ. पुं.–केन्द्र, परिधि के बीच का बिन्दु; सद्र मुक़ाम, मुख्यालय; राजधानी, दारुस्सलतनत।

मर्कज़ी (مرکزی) अ. वि.–केन्द्रीय, मर्कज़ का; मर्कज़ से सम्बन्धित।

मर्कज़े सिक़्ल (مرکز ثقل) अ. पुं.–गुरुत्व-केन्द्र।

मर्क़द (مرقد) अ. पुं.–समाधि-भवन, क़ब्र।

मर्कब (مرکب) अ. पुं.–वाहन, सवारी; अश्व, घोड़ा।

मर्कूज़ (مرکوز) अ. वि.–केन्द्रित, एक मर्कज़ पर लाया हुआ; जमाया हुआ, दृढ़ किया हुआ।

मर्कूज़े ख़ातिर (مرکوز خاطر) अ. वि.–हृदयंगम, दिल में बैठा हुआ।

मर्कूब (مرکوب) अ. वि.–जिस पर सवारी की जाय।

मर्क़ूमः (مرقومہ) अ. वि.–लिखित, लिखा हुआ।

मर्क़ूम (مرقوم) अ. वि.–लिखित, लिखा हुआ।

मर्क़ूमए ज़ैल (مرقومۂ ذیل) अ. वि.–निम्नलिखित, जो नीचे लिखा हो, जिसका ज़िक्र बाद को हो।

मर्क़ूमए बाला (مرقومۂ بالا) अ. फ़ा. वि.–उपर्युक्त, ऊपर लिखा हुआ, जिसकी चर्चा ऊपर हो चुकी हो।

मर्ग (مرگ) फ़ा. स्त्री.–मृत्यु, मरण, मौत।

मर्ग़ (مرغ) फ़ा. पुं.–दूब, घास, दूर्वा।

मर्ग़ज़ार (مرغزار) फ़ा. पुं.–वह मैदान जहाँ दूब बहुत हो, सब्ज़ःज़ार; चरागाह, गोचर।

मर्गपेच (مرگ پیچ) फ़ा. पुं.–पगड़ी बाँधने का एक विशेष ढंग, जो इस बात का चिह्न होता है कि पगड़ी बाँधनेवाला प्राण देने पर आमादा है।

मर्गामर्गी (مرگامرگی) फ़ा. स्त्री.–महामारी, वबा।

मर्ग़ूब (مرغوب) अ. वि.–जो मन को पसंद हो, मनोनीत, रुचिकर, मनोवांछित, पसंदीदः।

मर्ग़ूबे तब्अ (مرغوب طبع) अ. वि.–जो मन को अच्छा लगे, मनोवांछित, मनोनीत।

मर्ग़ूलः (مرغولہ) अ. पुं.–टेढ़ा-मेढ़ा, पेचदार; धुएँ का छल्ला; बल खाये हुए, घूँघरवाले बाल; आवाज़ की गिटकिरी।

मर्गे जवानानः (مرگ جوانانہ) फ़ा. स्त्री.–जवानी की मृत्यु।

मर्गे तब्ई (مرگ طبعی) फ़ा. अ. स्त्री.–वह मृत्यु जो ठीक समय पर आये, जो आयु पूरी होने पर आये, प्राकृतिक मृत्यु।

मर्गे नागहाँ (مرگ ناگہاں) फ़ा. स्त्री.–वह मृत्यु जो अचानक आ जाये, जैसे—हार्टफ़ेल होने से या डूब जाने आदि से।

मर्गे नौ (مرگ نو) फ़ा. स्त्री.–नयी घटना, नया हादिसा।

मर्गे मुअल्लक़ (مرگ معلق) फ़ा. अ. स्त्री.–दे. 'मर्गे नागहाँ'।

मर्गे मुफ़ाजात (مرگ مفاجات) अ. फ़ा. स्त्री.–दे. 'मर्गे नागहाँ'।

मर्गे मुब्रम (مرگ مبرم) फ़ा. अ. स्त्री.–वह मृत्यु जो अटल हो, जो प्राण लेकर टले।

मर्ज़ंजोश (مرزنجوش) फ़ा. स्त्री.–एक बनौषधि।

मर्ज़ (مرز) फ़ा. पुं.–खेती की भूमि, ऐसी भूमि जिस पर खेती हो सके; सरहद, सीमांत; कियारी; उद्यान, बाग़, मूषक, चूहा।

मर्जअ (مرجع) अ. पुं.–रक्षा-स्थान, बचाव की जगह, पनाहगाह; वह संज्ञा जिसकी ओर कोई सर्वनाम फिरे।

मर्ज़बान (مرزبان) फ़ा. वि.–कृषक, कृषिकार, किसान, काश्तकार।

मर्ज़बानी (مرزبانی) फ़ा. स्त्री.–कृषि-कर्म, खेती, किसनई, काश्तकारी।

मर्ज़बूम (مرزبوم) फ़ा. स्त्री.–जन्मभूमि, पैदा होने का स्थान, देश, वतन।

मर्जाँ (مرجان) अ. पुं.–दे. 'मर्जान'।

मर्ज़ा (مرضی) अ. पुं.–'मरीज़' का बहु., बीमार लोग, रोगी लोग।

मर्जान (مرجان) अ. पु.—प्रवाल, विद्रुम, मूंगा।
मर्ज़ी (مرضی) अ. स्त्री.—इच्छा, ख़्वाहिश; स्वीकृति, रज़ामंदी; आज्ञा, इजाज़त; आदेश, हुक्म।
मर्जूअः (مرجوعہ) अ. पुं.—रुजूअ, आकर्षण, किसी व्यक्ति की ओर किसी कार्य विशेष के लिए लोगों का झुकाव।
मर्जूअ (مرجوع) अ. वि.—रुजूअ किया हुआ, लौटाया हुआ, वह व्यक्ति जिसकी ओर लोग झुकें, अर्थात् रुजूअ हों।
मर्जूम (مرجوم) अ. वि.—जिसे पत्थरों से मारा जाय; जिसका बहिष्कार किया जाय।
मर्जूह (مرجوح) अ. वि.—पराजित, हारा हुआ, मग़्लूब।
मर्तबः (مرتبہ) अ. पुं.—पद, दर्जा; वर्ग, तबक़ा; श्रेणी, जमाअत; वार, दफ़ा; प्रतिष्ठा, इज़्ज़त।
मर्तबःदाँ (مرتبہداں) अ. फा. वि.—इज़्ज़त पहचाननेवाला।
मर्तबःदानी (مرتبہدانی) अ. फा. स्त्री.—इज़्ज़त पहचानना।
मर्तबःशनास (مرتبہشناس) अ. फा. वि.—दे. 'मर्तबःदाँ'।
मर्तबत (مرتبت) अ. स्त्री.—प्रतिष्ठा, इज़्ज़त; पद, उह्दा।
मर्तूब (مرطوب) अ. वि.—आर्द्र, तर, भीगा, गीला; वह ओषधि जिसमें बादी का गुण हो; बादी-गुण रखनेवाली चीज़, जैसे—'मर्तूब आबोहवा'।
मर्दः (مردہ) फा. वि.—वीर, शूर, बहादुर; साहसी, उत्साही हिम्मती।
मर्द (مرد) फा. पुं.—मनुष्य, आदमी; पुरुष, नर; पति, शौहर; शूर, बहादुर; साहसी, हिम्मतवर।
मर्दअफ़्गन (مردافگن) फा. वि.—शक्तिशाली, जोरावर; पहलवानों को पछाड़ देनेवाला, दे. 'मर्दफ़्गन' वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।
मर्दआज़्मा (مردآزما) फा. वि.—दे. 'मर्द अफ़्गन', दे. 'मर्दाज़्मा', वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।
मर्दक (مردک) फा. वि.—तुच्छ व्यक्ति, अधम, नीच, ज़लील।
मर्दफ़्गन (مردافگن) फा. वि.—बहादुर, बलवान्; योद्धाओं को पछाड़ देनेवाला, बहुत बड़ा योद्धा, महारथी।
मर्दबचः (مردبچہ) फा. वि.—आदमी का बच्चा अर्थात् आदमी, मनुष्य; बहादुर, शूर।
मर्दबच्चः (مردبچہ) फा. वि.—दे. 'मर्दबचः' अच्छे-बुरे व्यक्ति की परख़ रखनेवाला।
मर्दशनास (مردشناس) फा. वि.—मनुष्य को पहचाननेवाला।
मर्दाज़्मा (مردازما) फा. वि.—दे. 'मर्दफ़्गन'।
मर्दानः (مردانہ) फा. वि.—मर्दों की तरह; मर्दों-जैसा, जैसे—मर्दाना लिबास; मर्दों-जैसे, मर्दाना दर्ज़ा।
मर्दानःवार (مردانہوار) फा. वि.—मर्दों की तरह, साहसपूर्वक, बहादुराना।
मर्दानगी (مردانگی) फा. स्त्री.—मर्दानापन, पुरुषत्व; साहस; हिम्मत; शूरता, बहादुरी।
मर्दाने ख़ुदा (مردان خدا) फा. पुं.—महात्मा लोग, औलिया अल्लाह।
मर्दी (مردی) फा. वि.—मानवता, इंसानियत; शूरता, बहादुरी; कामशक्ति, क़ुव्वतेबाह।
मर्दुम (مردم) फा. पुं.—मनुष्य, आदमी; सभ्य, मुहज़्ज़ब; आँख की पुतली, कनीनिका।
मर्दुमआज़ार (مردم آزار) फा. वि.—लोगों को सतानेवाला, अत्याचारी, ज़ालिम, सर्वदुःखद।
मर्दुमआमेज़ (مردم آمیز) फा. वि.—लोगों में घुल-मिलकर रहनेवाला।
मर्दुमआज़ारी (مردم آزاری) फा. स्त्री.—लोगों को सताना, अत्याचार, ज़ुल्म।
मर्दुमक (مردمک) फा. स्त्री.—आँख की पुतली, कनीनी, कनीनिका, नयनी।
मर्दुमकुश (مردم کش) फा. वि.—मनुष्य को मार डालनेवाला, नरहिंसक।
मर्दुमकुशी (مردم کشی) फा. स्त्री.—मनुष्य को मार डालना, नरहिंसा।
मर्दुमकेदीदः (مردمک دیدہ) फा. स्त्री.—आँख की पुतली, नयनी, कनीनिका, कनीनी।
मर्दुमख़ेज़ (مردم خیز) फा. वि.—वह स्थान जहाँ से प्रतिभाशाली, प्रतिष्ठित और विद्वज्जन उत्पन्न होते हों।
मर्दुमख़ोर (مردم خور) फा. वि.—मनुष्य को ख़ा जानेवाला, नरभक्षी, नराशी, पुरुषाशी।
मर्दुमख़ोरी (مردم خوری) फा. स्त्री.—मनुष्य को खा जाना, नरभक्षण।
मर्दुमख़्वार (مردم خوار) फा. वि.—दे. 'मर्दुमख़ोर'।
मर्दुमगिया (مردم گیا) फा. स्त्री.—एक जड़ जो आदमी की आकृति की होती है, लख्मिनी, यब्रूह।
मर्दुमज़न (مردم زن) फा. वि.—वधिक, जल्लाद।
मर्दुमज़ाद (مردم زاد) फा. पुं.—मनुजात, आदमी, मनुष्य, मानुष।
मर्दुमदर (مردم در) फा. वि.—मनुष्य को फाड़ खानेवाला, विदारक, श्वापद, व्याघ्र।
मर्दुमदारी (مردم داری) फा. स्त्री.—सुशीलता, सद्व्यवहार, ख़ुश अख़्लाक़ी।
मर्दुमबेज़ार (مردم بیزار) फा. वि.—वह व्यक्ति जो मनुष्यों के साथ बैठने-उठने से घबराता हो।
मर्दुमशनास (مردم شناس) फा. वि.—अच्छे-बुरे आदमी

की परख रखनेवाला; अच्छे आदमी की क़द्र करनेवाला।

मर्दुमशनासी (مردم‌شناسی) फा. स्त्री.—अच्छे-बुरे आदमी की परख; अच्छे आदमी की क़द्र।

मर्दुमशुमारी (مردم‌شماری) फा. स्त्री.—किसी देश के निवासियों की गणना जो किसी नियत समय पर हुआ करती है, जन-गणना।

मर्दुमी (مردمی) फा. स्त्री.—मानवता, इंसानियत; पुरुषत्व, पुंस्त्व, कामशक्ति; वीरता, बहादुरी; सुशीलता, सहृदयता, खुश अख़लाक़ी।

मर्दुमे आबी (مردم آبی) फा. पुं.—समुद्र में रहनेवाला मनुष्य, जल-मनुष्य।

मर्दुमे दीदः (مردم دیده) फा. पुं.—आंख की पुतली, कनीनिका।

मर्दूद (مردود) अ. वि.—बहिष्कृत, बाहर निकाला हुआ; तिरस्कृत, बेइज़्ज़त; अस्वीकृत, नामक़्बूल।

मर्दूदुश्शहादत (مردود الشهادت) अ. वि.—वह व्यक्ति जिसकी गवाही मानी न जा सके।

मर्दूदे बारगाह (مردودِ بارگاہ) फा. वि.—वह व्यक्ति जो किसी बड़े स्थान से निकाल दिया गया हो।

मर्दे आख़िरबीं (مرد آخربیں) फा. वि.—वह व्यक्ति जो परिणाम देखकर कोई काम करे।

मर्दे आदमी (مرد آدمی) फा. वि.—सज्जन व्यक्ति, भलामानस, शरीफ़ आदमी।

मर्दे कार (مرد کار) फा. पुं.—काम का आदमी, अनुभवी; शूर, साहसी, बहादुर।

मर्दे ख़ुदा (مرد خدا) फा. पुं.—सदात्मा, पुनीतात्मा, ख़ुदारसीदः, ईश्वरभक्त, ईश्वरभीरु।

मर्दे मा'क़ूल (مرد معقول) फा. अ. पुं.—सभ्य, शिष्ट और सज्जन व्यक्ति।

मर्दे मैदां (مرد میداں) फा. पुं.—महारथी, रण-क्षेत्र में बड़े-बड़ों के मुँह फेर देनेवाला।

मर्दे हक़आगाह (مرد حق آگاہ) फा. अ. पुं.—ईश्वर अथवा सत्य का पहचाननेवाला व्यक्ति।

मर्फ़ूअ (مرفوع) अ. वि.—ऊँचा किया हुआ; उठाया हुआ; पेश ('उ' की मात्रा) दिया हुआ अक्षर।

मर्फ़ूउलक़लम (مرفوع القلم) अ. वि.—जिस पर से क़लम उठा लिया गया हो, जिसके सम्बन्ध में कुछ लिखा न जा सके। अर्थात् पागल, बावला।

मर्बूत (مربوط) अ. वि.—क्रमबद्ध, मुसलसल; प्रसंगयुक्त, बासिल्सिला (गुत्फ़्गू)।

मर्मर (مرمر) फा. पुं.—एक विशेष सफ़ेद तथा श्वेत प्रस्तर।

मर्मरीं (مرمریں) फा. वि.—मर्मर का बना हुआ; मर्मर-जैसा।

मर्मूज़ (مرموز) अ. वि.—जिसकी ओर इंगित या इशारा किया गया हो; राज़ और इशारे में कही हुई बात।

मर्मूज़ात (مرموزات) अ. पुं.—इशारों में कही हुई बातें; इशारों में लिखे हुए ख़त या नुस्ख़े आदि।

मर्यम (مریم) अ. स्त्री.—हज़रत ईसा की माताजी।

मर्यमपंजः (مریم‌پنجہ) अ. फा. पुं.—एक घास जो प्रसव वेदनाग्रस्ता स्त्री की पीड़ा दूर करने के लिए व्यवहृत है।

मर्वः (مروه) अ. पुं.—मक्के की एक पहाड़ी।

मर्व (مرو) फा. पुं.—ख़ुरासान के इलाक़े का एक प्रसिद्ध नगर; एक सुगंधित घास।

मर्वारीद (مروارید) फा. पुं.—मुक्ता, मुक्ताहल, मौक्तिक, मोती।

मर्वारीदेना सुफ़्तः (مروارید ناسفته) फा. पुं.—अनबिधा मोती।

मर्वी (مروی) अ. वि.—रिवायत किया गया, दूसरे का सुना हुआ कहा गया।

मर्सूब (مرسوب) अ. वि.—तली में बैठा हुआ, तलछट, गाद।

मर्सूम (مرسوم) अ. वि.—विधान किया हुआ, क़ानून बनाया हुआ; रोज़ का या महीने का वेतन; चिह्न किया हुआ, चिह्नित।

मर्सूस (مرصوص) अ. वि.—नींव में सीसा पिलाया हुआ, अच्छी तरह मज़्बूत किया हुआ।

मर्हब (مرحب) अ. पुं.—खुला हुआ स्थान।

मर्हबा (مرحبا) अ. स्त्री.—धन्य, साधु, बहुत ख़ूब, शाबाश।

मर्हम (مرهم) फा. पुं.—घाव पर लगाने का लेप, स्नेह-लेप।

मर्हमत (مرحمت) अ. स्त्री.—दया, कृपा, अनुकंपा, अनुग्रह, मेहबानी; अनुदान, बख़्शिश।

मर्हमे काफ़ूर (مرهم کافور) फा. पुं.—कपूर से बना हुआ मर्हम जो घाव में ठंडक पहुँचाता है।

मर्हमे ज़ंगार (مرهم‌زنگار) फा. पुं.—ज़ंगार से बना हुआ मर्हम, जो घाव को काट देता है।

मर्हलः (مرحلہ) अ. पुं.—गंतव्य, उतरने का स्थान, मंज़िल; लंबी यात्रा; बड़ा काम, कठिन काम।

मर्हून (مرهون) अ. वि.—वह वस्तु जो गिरो रखी हो।

मर्हूने मिन्नत (مرهون منت) अ. वि.—कृतज्ञ, आभारी, मम्नून, शुक्रगुज़ार।

मर्हूमः (مرحومه) अ. स्त्री.—वह स्त्री जो मर गयी हो, दिवंगता, स्वर्गगामिनी, स्वर्गीया।

मर्हूम (مرحوم) अ. पुं.—दिवंगत, स्वर्गीय, जन्नतनशीं।

मलंग (ملنگ) फा. पुं.–आज़ाद फ़क़ीर; निश्चित व्यक्ति, वेफ़िक्रा।

मलकः (ملکہ) अ. पुं.–अभ्यास, हस्तकौशल, महारत; प्रकृति, सृष्टि, फ़ित्रत; शौक़, रुचि।

मलक (ملک) अ. पुं.–देवता, फ़िरिश्ता।

मलकजमाल (ملک جمال) अ. वि.–देवताओं-जैसी सुंदरता रखनेवाला।

मलकनिहाद (ملک نہاد) अ. फा. वि.–देवताओं-जैसी प्रकृतिवाला, देवात्मा।

मलकसिफ़ात (ملک صفات) अ. वि.–फ़िरिश्तों-जैसी सिफ़तोंवाला, दैवीगुणसंपन्न।

मलकसिरिश्त (ملک سرشت) अ फा. वि.–दे 'मलक निहाद'।

मलकसीरत (ملک سیرت) अ. वि. दे.–'मलकनिहाद'।

मलकसूरत (ملک صورت) अ. वि.–जिसकी आकृति फ़िरिश्तों-जैसी हो, देवता-स्वरूप।

मलकात (ملکات) अ. पुं.–'मल्कः' का बहु., प्रकृतियाँ, प्रकृति के गुण।

मलकाते फ़ाज़िलः (ملکات فاضلہ) अ. पु.–सत्त्व गुण।

मलकाते रदीयः (ملکات ردیہ) अ. पुं.–रजोगुण।

मलकाते मज़मूम (ملکات مذموم) अ. पुं.–तमोगुण।

मलकी (ملکی) अ. वि.–देवताओं का, फ़िरिश्ते का; देवता-सम्बन्धी।

मलकीसिफ़ात (ملکی صفات) अ. वि.–देवताओं के गुण रखनेवाला व्यक्ति।

मलकुलमौत (ملک الموت) अ. पुं.–मौत का फ़िरिश्ता, यमराज, धर्मराज, प्राणांतक।

मलकूत (ملکوت) अ. पुं.–सत्ता, राज्य, शासन, हुक्मरानी; देवलोक, फ़िरिश्तों का मक़ाम; फ़िरिश्ते, देवता-समूह।

मलकूती (ملکوتی) अ. वि.–देवताओंवाला।

मलकूतीसिफ़ात (ملکوتی صفات) अ. वि.–देवताओं के गुणवाला, देवताओं-जैसा।

मलख़ (ملخ) फा. स्त्री.–टीडी, टिड्डी, शलभ।

मला (ملا) अ. पुं.–सज्जन और श्रेष्ठ लोगों की मंडली।

मलाइकः (ملائکہ) अ. पुं.–'मलक' का बहु., देवतागण, फ़िरिश्ते।

मलाइक (ملائک) अ. पुं.–दे. 'मलाइकः'।

मलाइक फ़िरेब (ملائک فریب) अ. फा. वि.–देवताओं को मुग्ध करनेवाला, फ़िरिश्तों को लुभानेवाला, प्रायः हुस्न (सौंदर्य) की सिफ़त के लिए आता है।

मलाइनः (ملاعنہ) अ. पुं.–'मल्ऊन' का बहु., दुष्ट और पापाचारी व्यक्ति।

मलाइन (ملاعن) अ. पुं.–'मल्अनत' का बहु. वे चीज़ें जो निंदित और तिरस्कृत हों।

मलाइब (ملاعب) अ. पुं.–'लइब' का बहु., खेल-कूद।

मलाईन (ملاعین) अ. पुं.–दे. 'मलाइनः'।

मलाए आ'ला (ملاء اعلیٰ) अ. पुं.–देवलोक के रहनेवाले, देवता, फ़िरिश्ते।

मलाज़ (ملاذ) अ. पुं.–रक्षा-स्थान, पनाह की जगह।

मलाबिस (ملابس) अ. पुं.–'मिल्बस' का बहु., पहनने के कपड़े।

मलाम (ملام) अ. पुं.–दे. 'मलामत'।

मलामत (ملامت) अ. स्त्री.–झिड़की, डाँट-डपट; भर्त्सना, निंदा, कुत्सा।

मलामती (ملامتی) अ. वि.–जिसकी मलामत की गयी हो।

मलाल (ملال) अ. पुं.–दुःख, रंज; वैमनस्य, रंजिश; पश्चात्ताप, अफ़्सोस; कष्ट, तक्लीफ़।

मलालत (ملالت) अ. स्त्री.–दे. 'मलाल'।

मलासत (ملاست) अ. स्त्री.–नम्रता, विनय, नर्मी; स्वच्छता, सफ़ाई; समता, बराबरी।

मलाहत (ملاحت) अ. स्त्री.–लावण्य, नमकीनी; सौंदर्य, हुस्न।

मलाहिदः (ملاحدہ) अ. पुं.–'मुल्हिद' का बहु., नास्तिक लोग, बेदीन लोग, विधर्मी लोग।

मलाही (ملاہی) अ. पुं.–'लह्व' का बहु., खेल-कूद. अच्छे कामों से रोकनेवाली चीज़ें।

मलिकः (ملکہ) अ. स्त्री.–रानी, राज्ञी, महारानी, बादशाह की बेगम।

मलिक (ملک) अ. पुं.–बादशाह, राजा, शासक, नरेश, सम्राट्, नृपाल।

मलिकज़ादः (ملک زادہ) अ. फा. पुं.–बादशाह का लड़का।

मलिकुत्तुज्जार (ملک التجار) अ. पुं.–व्यापारियों का सरदार, सबसे बड़ा व्यापारी, वणिग्राज।

मलिकुश्शुअरा (ملک الشعرا) अ. पुं.–एक उपाधि जो दरबार के सर्वश्रेष्ठ कवि को मिलती थी, कविसम्राट्।

मलीक (ملیک) अ. पुं.–स्वामी, पति, मालिक।

मलीदः (ملیدہ) उ. पुं.–'मालीदः' उर्दू में 'मलीदः' ही व्यवहृत है, चूरमा।

मलीह (ملیح) अ. वि.–जिसमें लवण यानी नमक हो, नमकीन, साँवला, सलोना।

मलूम (ملوم) अ. वि.–निंदित, गर्हित, भर्त्सित, जिस पर मलामत की गयी हो।

मलूल (ملول) अ. वि.—उदास, खिन्न, अफ़्सुर्दः; दुःखित, रंजीदा।

मल्अब (ملعب) अ. पुं.—खेल का स्थान, क्रीडास्थल, तफ़ीहगाह।

मल्ऊन (ملعون) अ. वि.—जिस पर ला'नत की गयी हो, धिक्कृत; दुष्टात्मा, ख़बीस; तिरस्कृत।

मल्ग़ोबा (ملغوبا) तु. पुं.—बहुत-सी गीली चीज़ों का समाहार।

मल्जा (ملجا) अ. पुं.—रक्षा-स्थान, जान बचाने या सुरक्षित रहने की जगह।

मल्जाओमावा (ملجاوماوا) अ. पुं.—जहाँ सब कुछ हो, जिस जगह का बड़ा सहारा हो, जहाँ से हर प्रकार की सहायता आदि मिले।

मल्ज़ूम (ملزوم) अ. वि.—जिस पर कोई चीज़ लाज़िम कर दी गयी हो; जो वस्तु अलग न हो सके, संबद्ध।

मल्फ़ूज़ः (ملفوظه) अ. वि.—बोला हुआ, कहा हुआ।

मल्फ़ूज़ (ملفوظ) अ. वि.—बोला हुआ, कहा हुआ, उच्चरित; प्रतिष्ठित जनों और महात्माओं के प्रवचन।

मल्फ़ूज़ात (ملفوظات) अ. पुं.—'मल्फ़ूज़' का बहु., महात्माओं आदि के प्रवचन; वह पुस्तक जिसमें इन प्रवचनों का संग्रह हो।

मल्फ़ूज़ी (ملفوظی) अ. वि.—मल्फ़ूज़ सम्बन्धी।

मल्फ़ूफ़ (ملفوف) अ. वि.—लपेटा हुआ, कपड़ा या काग़ज़ चढ़ाया हुआ; लिफ़ाफ़े में बंद किया हुआ; लिफ़ाफ़े में बंद ख़त।

मल्बूस (ملبوس) अ. पुं.—वस्त्र, वसन, लिबास।

मल्बूसात (ملبوسات) अ. पुं.—पहनने के कपड़े, वस्त्र।

मल्मस (ملمس) अ. पुं.—त्वचा, जिल्द, शरीर के खाल का वह ऊपरी तल जो छुआ जाता है।

मल्लाह (ملاح) अ. पुं.—नाविक, नौचालक, कर्णधार, खेवनहार, कश्तीवान; नमक बनानेवाला।

मल्हमः (ملحمه) अ. पुं.—बहुत बड़ा उपद्रव, बहुत बड़ी हलचल; बहुत बड़ा युद्ध, बहुत बड़ी लड़ाई; लड़ाई का मैदान, रणभूमि।

मल्हूज़ (ملحوظ) अ. वि.—जिसका लिहाज़ रखा जाय, ध्यान में रखा हुआ।

मल्हूज़े ख़ातिर (ملحوظ خاطر) अ. पुं.—जो बात ध्यान में हो, जिस बात का ख़याल हो।

मवद्दत (مودت) अ. स्त्री.—मित्रता, मैत्री, दोस्ती।

मवाइज़ (مواعظ) अ. पुं.—'मौइज़त' का बहु., धर्म-सम्बन्धी उपदेश और नसीहतें।

मवाइद (مواعد) अ. पुं.—'मौइद' का बहु., वादे के समय; वा'दे की जगहें।

मवाईद (مواعید) अ. पुं.—'मीआद' का बहु., आपस के क़ौल-क़रार।

मवाक़िफ़ (مواقف) अ. पुं.—'मौक़िफ़' का बहु., खड़े होने के स्थान; जगह, स्थान।

मवाकिब (مواکب) अ. पुं.—'मौकिब' का बहु., सवारों की फ़ौज; सवारों के झुंड।

मवाक़ीत (مواقیت) अ. स्त्री.—'मीक़ात' का बहु., वादे के स्थान; काम के समय।

मवाक़े' (مواقع) अ. पुं.—'मौक़:' का बहु., मौक़े, अवसर।

मवाजिब (مواجب) अ. पुं.—'मौजिब' का बहु., तनख़्वाहे, वेतन।

मवाज़ीन (موازین) अ. स्त्री.—'मीज़ान' का बहु., तराज़ुएँ, तुलाएँ।

मवाज़े' (مواضع) अ. पुं.—'मौज़ा' का बहु., ग्राम-समूह, बहुत-से गाँव।

मवात (موات) अ. वि.—निष्प्राण, बे जान, (स्त्री.) ऊसर भूमि, ऐसी भूमि जिसमें कुछ उपज न सके।

मवातिन (مواطن) अ. पुं.—'मौतिन' का बहु., जन्म-भूमियाँ, वतन।

मवाद (مواد) अ. पुं.—सामग्री, मसाला; पीप और ख़ून जो घाव या फोड़े से निकले; सबूत, प्रमाण।

मवादे फ़ासिद (مواد فاسد) अ. पुं.—सड़ा हुआ मवाद या ख़ून और पीप; शरीर के अंदर की दूषित धातुएँ।

मवाने' (موانع) अ. पुं.—'माने' का बहु., बाधाएँ, विघ्न, रुकावटें।

मवाली (موالی) अ. पुं.—'मौला' का बहु., यार-दोस्त, संगी-साथी; गुंडा, बदमाश।

मवालीद (موالید) अ. पुं.—'मौलूद' का बहु., लड़के, बच्चे।

मवालीदे सलासः (موالید ثلاثه) अ. पुं.—सृष्टि के तीनों वर्ग—प्राणी; वनस्पति; जड पदार्थ।

मवाशी (مواشی) अ. पुं.—'माशियः' का बहु., चौपाए, मवेशी।

मवासीक़ (مواثیق) अ. पुं.—'मीसाक़' का बहु., आपस के क़ौल-क़रार।

मवाहिब (مواهب) अ. पुं.—'मौहिब' का बहु., कृपाएँ, दयाएँ, मेहरबानियाँ, बख़्शिशें।

मवीज़ (مویز) अ. पुं.—सूखा हुआ अंगूर, शुष्कद्राक्ष, मुनक़्क़ा।

मवीज़े मुनक़्क़ा (مویز منقی) अ. पुं.—वह मवीज़ जिसके बीज निकाल डाले गये हों, मुनक़्क़ा का अर्थ है—

पेट साफ़ किया हुआ, चूंकि मुनक़्क़े के बीज निकालने से उसका पेट साफ़ हो जाता है, इस कारण उसे मुनक़्क़ा कहते हैं, मगर अब मुनक़्क़ा उसका नाम ही पड़ गया है।

मव्वाज (مواج) अ. वि.—मौजें मारता हुआ, ज़ोर की लहरें लेता हुआ।

मशक़्क़त (مشقت) अ. स्त्री.—कष्ट, दुःख, तक्लीफ़; श्रम, मेहनत, मज़्दूरी; परिश्रम, दौड़-धूप; तपस्या, रियाज़त।

मशाइख़ (مشائخ) अ. पुं.—'शैख़' का बहु., पीर लोग; सूफ़ी लोग।

मशाम (مشام) अ. पुं.—'मशम्म' का बहु., परंतु एकवचन के अर्थ में व्यवहृत है; मस्तिष्क, दिमाग़; वह स्थान जहाँ सूंघने की शक्ति रहती है।

मशामे जाँ (مشام جاں) अ. फ़ा. पुं.—आत्मा का मस्तिष्क अर्थात् आत्मा।

मशारिक़ (مشارق) अ. पुं.—'मश्रिक़' का बहु., सूर्योदय के स्थान।

मशारिब (مشارب) अ. पुं.—'मश्रब' का बहु., पानी पीने के स्थान।

मशाहिद (مشاهد) अ. पुं.—'मश्हद' का बहु., क़ब्रिस्तान।

मशाहीर (مشاهير) अ. पुं.—'मश्हूर' का बहु., महान् व्यक्ति, नामवर लोग।

मशाहीरे आलम (مشاهير عالم) अ. पुं.—संसार के महान् व्यक्ति, बड़े-बड़े लोग।

मशाहीरे वक़्त (مشاهير وقت) अ. पुं.—अपने समय के बड़े-बड़े लोग।

मशी (مشی) अ. पुं.—चलना; टहलना।

मशीख़त (مشيخت) अ. स्त्री.—बुज़ुर्गी, बड़प्पन; डींग, शेख़ी।

मशीख़तपनाह (مشيخت پناه) अ. फ़ा. वि.—दे. 'मशीख़त-मआब'।

मशीख़तमआब (مشيخت مآب) अ. वि.—शेख़ीख़ोर, डींगिया।

मशीमः (مشيمه) अ. पुं.—वह झिल्ली जो उत्पत्ति के समय शिशु के ऊपर लिपटी रहती है; आँख का छटा पर्दा।

मशीयत (مشيت) अ. स्त्री.—ईश्वरेच्छा, ख़ुदा की मर्ज़ी; दैवशक्ति, क़ुदरत।

मशूम (مشوم) अ. वि.—दे. 'मश्ऊम', दोनों शुद्ध हैं, अशुभ, अनिष्ट, मन्हूस।

मशूरः (مشوره) अ. पुं.—परामर्श, सलाह, दे. 'मश्वुरः' दोनों शुद्ध हैं।

मशअलः (مشعله) अ. पुं.—दे. 'मश्अल'।

मश्अल (مشعل) अ. स्त्री.—एक लंबी लकड़ी में कपड़ा लपेटकर और उसे तेल में तर करके जलाते हैं, यही 'मश्अल' है, मशाल।

मश्अलची (مشعلچی) अ. फ़ा. पुं.—मश्अल लेकर आगे चलनेवाला, मश्अल दिखानेवाला, मशालची।

मश्ऊफ़ (مشعوف) अ. वि.—मुग्ध, आसक्त, शेफ़्तः।

मश्ऊम (مشئوم) अ. वि.—दे. 'मशूम', दोनों शुद्ध हैं, अनिष्ट, अशुभ, मन्हूस।

मश्क़ (مشق) अ. स्त्री.—अभ्यास, किसी काम को बार-बार करना; हस्त-कौशल, महारत; टेव, आदत।

मश्क (مشک) फ़ा. स्त्री.—परवाल, पानी भरने की चमड़े की खाल।

मश्कीज़ः (مشكيزه) अ. पुं.—छोटी मश्क।

मश्कूक (مشكوک) अ. वि.—जिसमें शक हो, संदिग्ध; जिसे शक हो, शंकित।

मश्कूर (مشكور) अ. वि.—जिसका शुक्रिया अदा किया जाय, प्रशंसित।

मश्के आब (مشک آب) फ़ा. स्त्री.—पानी से भरी हुई मश्क।

मश्क़े सुख़न (مشق سخن) अ. फ़ा. स्त्री.—काव्य-रचना का अभ्यास।

मश्कोए (مشكوے) फ़ा. पुं.—मूर्तिगृह, बुतख़ाना; अंतःपुर, हरमसरा।

मश्ग़लः (مشغله) अ. पुं.—व्यापार, शुग़्ल; व्यवसाय, उद्यम, रोज़गार; कार्य, काम।

मश्ग़ूल (مشغول) अ. वि.—संलग्न, प्रवृत्त, लीन, मुनहमिक।

मश्ग़ूलियत (مشغوليت) अ. स्त्री.—संलग्नता, तल्लीनता, प्रवृत्ति, इनहिमाक।

मश्मूम (مشموم) अ. वि.—सूंघा हुआ।

मश्मूल (مشمول) अ. वि.—शामिल किया हुआ, सम्मिलित।

मश्रब (مشرب) अ. पुं.—पानी पीने का स्थान; मत, अक़ीदः।

मश्रिक़ (مشرق) अ. पुं.—पूर्व, पूरब, सूर्य निकलने का स्थान, उदयाचल।

मश्रिक़ी (مشرقی) अ. वि.—पूर्वीय, पूरब का; हिंदुस्तानी, देशी; जो यूरोपीय न हो, बल्कि एशियाई हो।

मश्रिक़ीयात (مشرقيات) अ. स्त्री.—एशियाई संस्कृति और सभ्यता से सम्बन्धित विज्ञान।

मश्रिक़ैन (مشرقين) अ. पुं.—दोनों पूर्व, अर्थात् पूरब और पच्छिम।

मश्रूअ (مشروع) अ. वि.—शास्त्र के अनुसार किया हुआ; इस्लामी धर्मशास्त्र के अनुसार किया हुआ।

मश्रूत (مشروط) अ. वि.—जो किसी शर्त पर निर्धारित हो।

मश्रूब (مشروب) अ. वि.—पीनेवाली वस्तु, पानीय, पेय; पिया हुआ, पीत।

मश्रूबात (مشروبات) अ. पुं.—पीनेवाली वस्तुएँ, पेय।

मश्रूह (مشروح) अ. वि.—विवरण और विस्तार के साथ कहा हुआ।

मश्रूहन (مشروحاً) अ. अव्य.—विस्तारपूर्वक, पूरी तफ़्सील से, स्पष्टतया।

मश्वरः (مشورہ) अ. पुं.—शुद्ध उच्चारण 'मश्वुरः' है, परंतु उर्दू में 'मश्वरः' ही बोलते हैं, परामर्श, सलाह।

मश्वी (مشوی) अ. वि.—भुना हुआ, भ्रष्ट, बिर्यां।

मश्वुरः (مشورہ) अ. पुं.—दे. 'मश्वरः' शुद्ध मश्वुरः ही है, परंतु उर्दू में 'मश्वरः' बोलते हैं, परामर्श, मंत्रणा, सलाह।

मश्वुरत (مشورت) अ. स्त्री.—दे. 'मश्वुरः'।

मश्वुरतख़ानः (مشورت خانہ) अ. फा. पुं.—मंत्रणागार, दारुश शूरा।

मश्शाई (مشائی) अ. वि.—'मश्शाईन' में का एक व्यक्ति।

मश्शाईन (مشائین) अ. पुं.—वैज्ञानिक विद्वानों का वह संप्रदाय जो एक दूसरे के पास जाकर पठन-पाठन करते थे, बरख़िलाफ़ 'इशाक़ीन' के जो आत्मशक्ति द्वारा पठन-पाठन कर्म करते थे।

मश्शाक़ (مشاق) अ. वि.—किसी विशेष काम का बहुत अच्छा जानकार, दक्ष, कुशल, विशेषज्ञ।

मश्शाक़ी (مشاقی) अ. स्त्री.—दक्षता, कुशलता, प्रवीणता।

मश्शातः (مشاطہ) अ. स्त्री.—स्त्रियों का बनाव-सिंगार करनेवाली स्त्री, प्रसाधिका।

मश्शातगी (مشاطگی) अ. स्त्री.—स्त्रियों का बनाव-सिंगार कराने का काम, प्रसाधन।

मश्हद (مشہد) अ. पुं.—उपस्थित होने का स्थान; शहीद होने का स्थान, शहादतगाह; शहीदों का क़ब्रिस्तान; ईरान का एक नगर जिसे 'तूस' भी कहते हैं।

मश्हूद (مشہود) अ. वि.—जो उपस्थित किया गया हो; जिस पर गवाही दी गयी हो; ध्येय, मक़्सूद।

मश्हून (مشحون) अ. वि.—जो भरा गया हो, परिपूर्ण।

मश्हूर (مشہور) अ. वि.—ख्याति प्राप्त, शुह्रत पाया हुआ; प्रसिद्ध, विख्यात।

मश्हूरोमा'रूफ़ (مشہور و معروف) अ. वि.—बहुत अधिक प्रसिद्ध, जिसे प्रायः सभी जानते हों, सुप्रसिद्ध, बहुख्यात।

मस [स्स] (مس) अ. पुं.—स्पर्श, छूना; रुचि, रग़्बत।

मस [स्स] (مص) अ. पुं.—चूसना, चूषण।

मसर्रत (مسرت) अ. स्त्री.—हर्ष, आनंद, ख़ुशी।

मसर्रतअंगेज (مسرت انگیز) अ. फा. वि.—हर्षवर्द्धक, ख़ुशी बढ़ानेवाला।

मसर्रतअफ़्ज़ा (مسرت افزا) अ. फा. वि.—दे. 'मसर्रतअंगेज़'।

मसर्रतआमेज़ (مسرت آمیز) अ. फा. वि.—हर्षपूर्ण, आनंदमय, ख़ुशी से भरा हुआ।

मसर्रते क़ल्बी (مسرت قلبی) अ. स्त्री.—हार्दिक आनंद, दिली ख़ुशी।

मसर्रते बेहद (مسرت بے حد) अ. फा. स्त्री.—अत्यधिक हर्ष, बहुत ज़ियादा ख़ुशी।

मसर्रते रूहानी (مسرت روحانی) अ. स्त्री.—दे. 'मसर्रते क़ल्बी'।

मसल (مثل) अ. स्त्री.—लोकोक्ति, कहावत; समान, तुल्य, मिस्ल।

मसलन (مثلاً) अ. अव्य.—जैसे, मानो, उदाहरणार्थ।

मसल्तुमसलन (مثلت مثلاً) अ. क्रि.—मैं एक उदाहरण देती हूँ; जैसे, मानो, मसलन।

मसाइब (مصائب) अ. पुं.—'मुसीबत' का बहु., मुसीबतें, आपत्तियाँ; कठिनाइयाँ, दुश्वारियाँ।

मसाइल (مسائل) अ. पुं.—'मस्अलः' का बहु., मसअले, समस्याएँ।

मसाई (مساعی) अ. स्त्री.—'मस्आत' का बहु., कोशिशें, प्रयत्न।

मसाकिन (مساکن) अ. पुं.—'मस्कन' का बहु., बहुत-से घर, बहुत-सी जगहें।

मसाकीन (مساکین) अ. पुं.—'मिस्कीन' का बहु., ग़रीब लोग, मँगता लोग।

मसाजिद (مساجد) अ. स्त्री.—'मस्जिद' का बहु., मस्जिदें।

मसादिर (مصادر) अ. पुं.—'मस्दर' का बहु., बहुत से मस्दर, धातुएँ।

मसानः (مثانہ) अ. पुं.—पेशाब की थैली, मूत्राशय, मूत्रकोष।

मसाफ़ (مصاف) अ. पुं.—युद्ध, समर, जंग, लड़ाई।

मसाफ़त (مسافت) अ. स्त्री.—दो स्थानों के बीच की दूरी, फ़ासिला; दूरी, रास्ते की दूरी; यात्रा, सफ़र।

मसाफ़ते बईदः (مسافت بعیدہ) अ. स्त्री.—लंबी यात्रा, दूर की यात्रा, लंबा सफ़र।

मसाम (مسام) अ. पुं.—रोमकूप, रोमगर्त, लोमकूप, लोमविवर, रोमछिद्र।

मसामात (مسامات) अ. पुं.—'मसाम' का बहु., शरीर के रोम-कूप।

मसारिफ़ (مصارف) अ. पुं.—'मस्रिफ़' का बहु., इख़राजात, ख़र्च, व्यय।

मसारिफ़े ख़ानगी (مصارف خانگی) अ. फा. पुं.—घर का ख़र्च, ज़ाती ख़र्च।

मसारिफ़े ख़ुरोनोश (مصارف خوردونوش) अ. फा. पुं.—खाने-पीने का ख़र्च।

मसारिफ़े बारबरदारी (مصارف باربرداری) अ. फा. पुं.—सामान एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने का ख़र्च; गाड़ी-भाड़ा आदि।

मसारिफ़े बेजा (مصارف بےجا) अ. फा. पुं.—अनुचित व्यय, ग़लत ख़र्च।

मसारिफ़े सफ़र (مصارف سفر) अ. पुं.—यात्रा-व्यय, सफ़र का ख़र्च, मार्ग-व्यय।

मसालिक (مسالک) अ. पुं.—'मस्लक' का बहु., रास्ते, मार्ग, पथ।

मसालेह (مصالح) अ. पुं.—'मस्लहत' का बहु., दूरअंदेशिया।

मसावीक (مساویک) अ. पुं.—'मिस्वाक' का बहु., दाँत साफ़ करने की मिस्वाकें, दातून, दंतधावन।

मसास (مساس) अ. पुं.—मैथुन के समय स्त्री के अंगों का मर्दन, दे. 'मिसास', शुद्ध वही है, परंतु उर्दू में 'मसास' ही है।

मसीर (مسیر) अ. पुं.—गमन, जाना।

मसीर (مصیر) अ. पुं.—लौटना, प्रत्यागमन; लौटने का स्थान।

मसील (مثیل) अ. वि.—समान, तुल्य, सदृश, मिस्ल।

मसीह (مسیح) अ. पुं.—हज़रत ईसा, ख्रीष्ट।

मसीहनफ़स (مسیح نفس) अ. पुं.—वह व्यक्ति जिसकी फूंक में हज़रत ईसा की फूंक का गुण हो, जो मुर्दों को जिला देती थी।

मसीहा (مسیحا) अ. पुं.—दे. 'मसीह'।

मसीहाई (مسیحائی) अ. वि.—ईसा का काम करना, अर्थात् मुर्दे जिलाना, उदा.—"तू जो चाहे तो मरीज़े ग़मे उल्फ़त बच जाय, तेरी रहमत में निहाँशाने मसीहाई है।"

मसीहादम (مسیحادم) अ. फा. वि.—दे. 'मसीहनफ़स'।

मसीहानफ़स (مسیحانفس) अ. वि.—दे. 'मसीहनफ़स'।

मसीहासिफ़त (مسیحاصفت) अ. वि.—मसीह के गुण रखनेवाला, मुर्दे जिलानेवाला।

मसीहावश (مسیحاوش) अ. फा. वि.—दे. 'मसीहासिफ़त'; मसीह की भाँति।

मसीही (مسیحی) अ. वि.—हज़रत मसीह को माननेवाला, ईसाई, ख्रिष्टीय।

मसून (مصون) अ. वि.—सुरक्षित, महफ़ूज़।

मस्अलः (مسئلہ) अ. पुं.—समस्या, पेचीदा मुआमला; विषय, मौज़ूअ; धर्मशास्त्र सम्बन्धी हुक्म।

मस्अलत (مسئلت) अ. स्त्री.—पूछना, प्रश्न करना।

मस्ऊद (مسعود) अ. वि.—इष्ट, कल्याणकर, शुभ, नेक, मुबारक।

मस्ऊन (مصئون) अ. वि.—दे. शुद्ध उच्चारण 'मसून', यह उच्चारण अशुद्ध है।

मस्ऊल (مسئول) अ. वि.—जो पूछा जाय, जिससे जवाब लिया जाय, जवाबदेह, ज़िम्मादार, उत्तरदायी।

मस्कः (مسکہ) फा. पुं.—मक्खन, नवनीत, क्षीरसार।

मस्क़त (مسقط) अ. पुं.—अरब की एक ख़ुद मुख़्तार छोटी-सी रियासत; उस रियासत की राजधानी।

मस्कन (مسکن) अ. पुं.—रहने का स्थान, घर, गृह, मकान।

मस्कनत (مسکنت) अ. स्त्री.—नम्रता, विनय, विनीत, आजिज़ी; निर्धनता, दरिद्रता, कंगाली।

मस्क़ित (مسقط) अ. पुं.—गिरने का स्थान।

मस्क़ितुर्रास (مسقط الراس) अ. पुं.—सर गिरने का स्थान, चूँकि जन्म लेते समय पहले सर ज़मीन पर आता है, इसलिए पैदा होने के स्थान को कहते हैं, जन्मभूमि।

मस्कूक (مسکوک) अ. वि.—ठप्पा लगाया हुआ, टकसाल में गढ़ा हुआ, टकसाल में बनाया हुआ।

मस्कूनः (مسکونہ) अ. वि.—जिसमें रहायश हो, आबाद।

मस्कून (مسکون) अ. वि.—आबाद, बसित।

मस्क़ूल (مصقول) अ. वि.—सैक़ल किया हुआ, माँजा हुआ; उज्ज्वल, चमकदार; प्रकाशमान्, रौशन।

मस्ख़ (مسخ) अ. वि.—विकार, अच्छी से बुरी सूरत हो जाना; विकृत, बिगड़े हुए रूपवाला।

मस्ख़रः (مسخرہ) अ. पुं.—हँसोड़, हँसी ठट्ठेवाला आदमी; भाँड, नक़्लें करनेवाला, नक़्क़ाल, विदूषक।

मस्ख़रगी (مسخرگی) अ. फा. स्त्री.—हँसी-ठट्ठा, मस्ख़रापन, विदूषकता।

मस्ख़शुदः (مسخ شدہ) अ. फा. वि.—विकृत, रूपांतरित, रूप-भ्रष्ट, जो बिगड़कर कुछ का कुछ हो गया हो।

मस्जिद (مسجد) अ. स्त्री.—नमाज़ पढ़ने की जगह, मसीत।

मस्जिदे जामे' (مسجد جامع) अ. स्त्री.—वह मस्जिद जिसमें शुक्रवार की बड़ी नमाज़ होती है, बड़ी मसीत।

मस्जूद (مسجود) अ. वि.—जिसको सज्दा किया जाय, जिसके लिए पूजा में सर झुकाया जाय, ईश्वर।

मस्जूदे मलाइक (مسجود ملائک) अ. वि.—'हज़रते आदम' जिनको फ़िरिश्तों ने सज्दा किया था।

मस्त (مست) फा. वि.—नशे में चूर, मदोन्मत्त, उन्मत्त, मतवाला; कामातुर, पुरशहवत; निश्चेष्ट, अचेत, बेख़बर, बेसुध; बहुत अधिक प्रसन्न; लाउबाली, बेपर्वा, निस्पृह।

मस्तगी (مصطگی) फा. स्त्री.–एक वृक्ष का गोंद, अरबी शब्द 'मुस्तका' है।

मस्तबः (مسطبہ-مصطبہ) अ. पुं.–मधुशाला, मदिरालय, शराबख़ाना, दे. 'मिस्तबः', दोनों शुद्ध हैं।

मस्तानः (مستانہ) फा. वि.–मस्तों की तरह, मस्तों-जैसा; मस्त, मत्त।

मस्ती (مستی) फा. स्त्री.–उन्माद, नशा; काम-वेग, जोशे शहवत; निश्चेष्टता, बेख़बरी; ईश्वर-प्रेम का आधिक्य, बेख़ुदी।

मस्तूरः (مستورہ) अ. वि.–छिपी हुई वस्तु।

मस्तूर (مستور) अ. वि.–छिपा हुआ, गुप्त, पोशीदा।

मस्तूर (مسطور) अ. वि.–लिखा हुआ, लिखित।

मस्तूरात (مستورات) अ. स्त्री.–'मस्तूरः' का बहु., महिलाएँ, स्त्रियाँ।

मस्तूरी (مستوری) अ. वि.–छिपाव, दुराव, पोशीदगी।

मस्तूल (مستول) फा. पुं.–जहाज़ का वह लंबा खंभा जिसमें बादबान (मस्तूपट, झंडा) बाँधा जाता है।

मस्ते अलस्त (مست الست) फा. अ. वि.–जो प्रकृति से मस्त हो, जो हर समय मस्त रहता हो; वह मस्त जो ब्रह्मलीन हो।

मस्ते मै (مست مے) फा. वि.–शराब के नशे में चूर, मदिरामत्त, मदोन्मत्त।

मस्ते राह (مست راح) फा. अ. वि.–शराब के नशे में मस्त, मदोन्मत्त।

मस्ते शबाब (مست شباب) फा. अ. वि.–जवानी के नशे में चूर।

मस्ते शराब (مست شراب) फा. अ. वि.–दे. 'मस्ते मै'।

मस्दर (مصدر) अ. पुं.–उद्गम, उत्पत्तिस्थान; वह शब्द जिससे क्रियाएँ और कर्ता, धातु-कर्म आदि बनते हैं।

मस्दरे ग़ैरवज़ई (مصدر غیروضعی) अ. पुं.–वह मस्दर जो किसी दूसरी भाषा के शब्द से बनाया जाय, जैसे–'आज़माना'।

मस्दरे मुतअद्दी (مصدر متعدی) अ. पुं.–वह मस्दर जिससे सकर्मक क्रियाएँ बनें।

मस्दरे लाज़िम (مصدر لازم) अ. पुं.–वह मस्दर जिसकी क्रियाएँ अकर्मक हों।

मस्दरे वज़ई (مصدر وضعی) अ. पुं.–वह मस्दर जो उसी भाषा का हो।

मस्दूद (مسدود) अ. वि.–रोका हुआ, बंद किया हुआ, अवरुद्ध, निरुद्ध।

मस्नद (مسند) अ. पुं.–तकिया लगाकर बैठने की जगह; वह फ़र्श जिस पर प्रतिष्ठित जन बैठते हैं; बड़ा तकिया।

मस्नदआरा (مسندآرا) अ. फा. वि.–मस्नद की शोभा बढ़ानेवाला, अर्थात् मस्नद पर बैठनेवाला।

मस्नदनशीं (مسندنشین) अ. फा. वि.–मस्नद पर बैठनेवाला; गद्दीनशीन; तख़्तनशीन।

मस्नदनशीनी (مسندنشینی) अ. फा. स्त्री.–मस्नद पर बैठना; किसी साधु या फ़क़ीर की गद्दी पर बैठना; राजसिंहासन पर बैठना।

मस्नवी (مثنوی) अ. स्त्री.–उर्दू पद्य की एक क़िस्म, जिसमें कोई कहानी या उपदेश एक ही वृत्त में होता है और उसका हर शे'र दूसरे शे'र से रदीफ़ क़ाफ़िए में नहीं मिलता, और हर शे'र के दोनों मिस्रे सानुप्रास होते हैं।

मस्नूअः (مصنوعہ) अ. वि.–बनी हुई वस्तु, कारीगर के हाथ की बनी हुई वस्तु।

मस्नूअ (مصنوع) अ. वि.–बना हुआ, निर्मित।

मस्नूआत (مصنوعات) अ. स्त्री.–किसी देश या स्थान की बनी हुई चीज़ें, वे चीज़ें जो किसी देश विशेष की कारीगरी हों।

मस्नूई (مصنوعی) अ. वि.–कृत्रिम, बनावटी; मिथ्या, झूठा; अप्राकृतिक, अस्वाभाविक, अननेचुरल।

मस्फ़ूफ़ (مسفوف) अ. वि.–चूर्णित, पिसा हुआ।

मस्बूक़ (مسبوق) अ. वि.–पहले गुज़रा हुआ, पहले आया हुआ।

मस्बूक़ुज़्ज़िक्र (مسبوق الذکر) अ. वि.–जिसकी चर्चा पहले हो चुकी हो, पूर्वकथित, पूर्वोक्त।

मस्बूग़ (مصبوغ) अ. वि.–रँगा हुआ, रंगीन, रंजित।

मस्मूअ (مسموع) अ. वि.–सुना हुआ, श्रुत।

मस्मूम (مسموم) अ. वि.–ज़हर मिला हुआ, ज़हरीला, विषाक्त।

मस्रिफ़ (مصرف) अ. पुं.–व्यय करने की जगह; प्रयोजन, इस्तेमाल।

मस्रूअ (مصروع) अ. वि.–जिसे मिरगी की बीमारी हो, अपस्मारी।

मस्रूक़ः (مسروقہ) अ. वि.–चुराया हुआ, चोरी का।

मस्रूक़ (مسروق) अ. वि.–चुराया हुआ, चोरी किया हुआ।

मस्रूफ़ (مصروف) अ. वि.–काम में लगा हुआ, निरत, प्रवृत्त, संलग्न, मशग़ूल; जिसे फ़ुर्सत न हो, अवकाशहीन, अदीमुल फ़ुर्सत।

मस्रूफ़ियत (مصروفیت) अ. स्त्री.–संलग्नता, मशग़ूली; अवकाशहीनता, अदीमुल फ़ुर्सती।

मस्रूर (مسرور) अ वि.–प्रसन्न, प्रफुल्ल, हर्षित, आनंदित,

ख़ुश; उल्लसित, उदा०—"किसी का सामने आना मेरा मख़्मूर हो जाना, निगाहे मस्त का मिलना मेरा मख़्मूर हो जाना।"

मस्लक (مسلک) अ. पुं.—पथ, रास्ता; पंथ मत, अक़ीदः; पद्धति, तरीक़ा।

मस्लख़ (مسلخ) अ. पुं.—जहाँ पशुओं का वध करके उनकी खाल उतारी जाती है, कमेला, बूचड़ख़ाना।

मस्लहत (مصلحت) अ. स्त्री.—परामर्श, सलाह; भेद, राज़; हित, भलाई; अपने बनाव या बिगाड़ का ध्यान रखते हुए कोई काम करना।

मस्लहतअंदेश (مصلحت اندیش) अ. फा. वि.—भला-बुरा सोचकर काम करनेवाला।

मस्लहतआमेज़ (مصلحت آمیز) अ. फा. वि.—जिसमें कोई मस्लहत हो।

मस्लहतख़्वाह (مصلحت خواہ) अ. फा. वि.—दे. 'मस्लहत-पसंद'।

मस्लहतन (مصلحتاً) अ. वि.—मस्लहत से, कारणवश।

मस्लहतपसंद (مصلحت پسند) अ. फा. वि.—शांतिप्रिय, सुल्हजू; शुभेच्छु, ख़ैरख़्वाह; अच्छा-बुरा समझकर काम करनेवाला।

मस्लहतबीं (مصلحت بیں) अ. फा. वि.—दे. 'मस्लहत-अंदेश'।

मस्लहतबीनी (مصلحت بینی) अ. फा. स्त्री.—बुरा-भला समझकर काम करना।

मस्लहते वक़्त (مصلحت وقت) अ. स्त्री.—समय की पुकार।

मस्लूक (مسلوک) अ. वि.—जिसके साथ उपकार किया जाय; गया हुआ।

मस्लूब (مصلوب) अ. वि.—जिसे सूली पर चढ़ाया गया हो।

मस्लूब (مسلوب) अ. वि.—जो सल्ब कर लिया गया हो, जो छीन लिया गया हो, हत, विनष्ट।

मस्लूबुलअक़्ल (مسلوب العقل) अ. वि.—जिसकी बुद्धि सल्ब हो गयी हो, हतबुद्धि।

मस्लूबुलहवास (مسلوب الحواس) अ. वि.—जिसके होशो-हवास सल्ब हो गये हों, हतसंज्ञ।

मस्लूल (مسلول) अ. वि.—जिसे सिल की बीमारी हो, जिसके फेफड़ों से ख़ून आता हो, रक्तकाशी।

मस्साह (مساح) अ. वि.—पैमाइश करनेवाला।

मस्ह (مسح) अ. पुं.—वज़ू के समय सर पर गीला हाथ फेरना।

मसहूक़ (مسحوق) अ. वि.—पिसा हुआ, रगड़ा हुआ।

मसहूब (مصحوب) अ. वि.—साथी, हमराही।

मसहूर (مسحور) अ. वि.—जिस पर जादू किया गया हो, मंत्रमुग्ध।

मह (مہ) फा. पुं.—'माह' का लघु., चंद्र, सोम, चांद।

महक [क्क] (محک) अ. स्त्री.—कसौटी का पत्थर, कसौटी, निकष, कसवटी।

महताब (مہتاب) फा. पुं.—'माहताब' का लघु., चंद्रमा, चांद; कौमुदी, चाँदनी।

महताबी (مہتابی) फा. वि.—एक प्रकार की आतशबाज़ी, जिसे छुड़ाने से चाँदनी-सी छिटक जाती है; ज़रबफ़्त, बादला, कमख़्वाब, ज़री; वह अड्डा जिसे कोठे की सीढ़ियों के ऊपर बनाते हैं।

महफ़ः (محفہ) अ. पुं.—दे. 'मुहाफ़ः'।

महब्बत (محبت) अ. स्त्री.—प्रेम, स्नेह, प्यार, इश्क़; मित्रता, मैत्री, दोस्ती, यारी; ममता, मामता, माँ-बाप का प्यार; कृपा, दया, मेहरबानी।

महब्बतआमेज़ (محبت آمیز) अ. फा. वि.—जिससे प्रेम टपकता हो, प्रेमपूर्ण।

महब्बतनामः (محبت نامہ) अ. फा. पुं.—प्रेमपत्र, आशिक़ानः ख़त; कृपापत्र, नवाज़िशनामा।

महम [म्म], **मुहिम** (مہم) अ. पुं.—चिंता, फ़िक्र; बड़ा और महत्त्वपूर्ण काम।

महमाअम्कन (مہما امکن) अ. वा.—जब तक हो सके, जहाँ तक मुम्किन हो।

महल [ल्ल] (محل) अ. पुं.—मकान, घर; स्थान, जगह; अवसर, मौक़ा; प्रासाद, हवेली; बीबी, पत्नी।

महलसरा (محل سرا) अ. फा. पुं.—अंतःपुर, रनवास, बड़े लोगों का ज़नानख़ाना।

महल्लः (محلہ) अ. पुं.—नगर का एक भाग, टोला।

महल्लःदार (محلہ دار) अ. फा. पुं.—महल्ले का चौधरी या मुखिया।

महल्लात (محلات) अ. पुं.—'महल' का बहु., अवसर, मौक़े; बड़े लोगों की स्त्रियाँ, हरम।

महल्ले ख़तर (محل خطر) अ. पुं.—जानजोखिम का स्थान, ख़तरे की जगह।

महल्ले नज़र (محل نظر) अ. पुं.—शक या एतिराज़ का स्थान, जहाँ कोई शंका या आपत्ति उत्पन्न हो।

महवश (مہوش) फा. वि.—चाँद-जैसी आभा और आकृति वाला (वाली)

महाकिम (محاکم) अ. पु.—'महकमः' का बहु., महकमे, विभाग।

महाज़ (محاذ) अ. पुं.—मुक़ाबले या लड़ाई का स्थान।

महाज़े जंग (محاذ جنگ) अ. फा. पुं.—युद्ध-क्षेत्र, रणभूमि रणस्थल, मैदाने जंग।

महाफ़िल (محافل) अ. पुं.–'महफ़िल' का बहु., गोष्ठियाँ, सभाएँ।

महाब (مهاب) अ. पुं.–भय का स्थान, डरावनी जगह।

महाबत (مهابت) अ. स्त्री.–आतंक, रोब; भय, त्रास, डर; श्रेष्ठता, बुजुर्गी।

महाम [म्म], मुहाम (مهام) अ. पुं.–'महम' का बहु., बड़े और महत्त्वपूर्ण काम।

महामिद (محامد) अ. पुं.–'मह्मदत' का बहु., कीर्तियाँ, गुणसमूह।

महार (مہار) फा. स्त्री.–ऊँट की नकेल, दे. 'मिहार', दोनों शुद्ध हैं।

महारत (مہارت) अ. स्त्री.–निपुणता, चतुरता, क़ाबिलीयत; अभ्यास, मश्क़; हस्त-कौशल, चाबुकदस्ती; उस्तादी, कारीगरी।

महारिम (محارم) अ. पुं.–'मह्रम' का बहु., राज़दार लोग।

महारीब (محاریب) अ. स्त्री.–'मेह्राब' का बहु., 'मेह्राबें'।

महालः (محاله) अ. पुं.–उपाय, यत्न, तद्बीर।

महाल [ल्ल] (محال) अ. पुं.–'महल' का बहु., जगहें, स्थान।

महाल (مہال) अ. वि.–भयानक, भीषण, खौफ़नाक।

महालिक (مہالک) अ. पुं.-'मह्लकः' का बहु., जान-जोखिम के स्थान।

महासिन (محاسن) अ. पुं.–'हुस्न' का बहु., अच्छाइयाँ; डाढ़ी, श्मश्रू।

महासिल (محاصل) अ. पुं.–आय, आमदनी; राजस्व, मालगुज़ारी; भूमिकर, लगान।

महासिले खाम (محاصل خام) अ. फा. पुं.–कच्ची निकासी, गाँव की कुल आमदनी जिसमें मालगुजारी और नफ़ा सब शामिल हों।

महीज़ (محیض) अ. स्त्री.–स्त्री के रजस्वला होने की दशा, हालते हैज़।

महीनः (مہینه) फा पुं.–'माहीनः' का लघु., साल का १२ वाँ अंश, मास।

महीन (مہین) अ. वि.–बोदा, कमज़ोर; जीर्ण, क्षन्न, तुच्छ, हक़ीर।

महीब (مہیب) अ. वि.–भीषण, भयानक, कराल, विकट, डरावना, जिसे देखकर डर लगे।

महीबशक्ल (مہیب شکل) अ. वि.–दे. 'मुहीबुशशक्ल'।

महीबसूरत (مہیب صورت) अ. वि.–दे. 'महीबुशशक्ल'

महीबुल्ऐन (مہیب العین) अ. वि.–जिसकी आँखें खौफ़नाक हों, विकटाक्ष, भीषणनेत्र।

महीबुलक़ामः (مہیب القامه) अ. वि.–दे. 'महीबुल जुस्सः'।

महीबुलजुस्सः (مہیب الجثه) अ. वि.–जिसका डीलडौल भयानक हो, भीमकाय।

महीबुलवज्ह (مہیب الوجه) अ. वि.–दे. 'महीबुशशक्ल'।

महीबुशशक्ल (مہیب الشکل) अ. वि.–जिसकी सूरत डरावनी हो, विकट मूर्ति, विकटानन।

महीबुस्सूरत (مہیب الصورت) अ. वि.–दे. 'महाबुशशक्ल'।

महीबुस्सौत (مہیب الصوت) अ. वि.–जिसकी आवाज़ भयानक हो, भैरव।

महील (مہیل) अ. वि.–भय का स्थान, खौफ़ की जगह।

मह्कमः (محکمه) अ. पुं.–कचहरी, अदालत, न्यायालय; विभाग, सीग़ा, डिपार्टमेंट।

मह्कमःजात (محکمهجات) अ. फा. पुं.–बहुत से मह्कमे, अन्य विभाग।

मह्कमए आबकारी (محکمه آبکاری) अ. फा. पुं.–मादक-विभाग।

मह्कमए आबपाशी (محکمهٔ آبپاشی) अ. फा. पुं.–सिंचन-विभाग, सिंचाई-विभाग।

महकमए आबादकारी (محکمه آبادکاری) अ. फा. पुं.–पुनर्वास-विभाग।

मह्कमए इंसाफ़ (محکمۂ انصاف) अ. पुं.–न्याय-विभाग।

मह्कमए क़ज़ा (محکمه قضا) अ.. पुं. न्याय-विभाग।

मह्कमए क़ानून (محکمۂ قانون) अ. पुं.–न्याय-विभाग।

महकमए ज़िराअत (محکمۂ زراعت) अ. पुं.–कृषि-विभाग।

मह्कमए ता'मीर (محکمۂ تعمیر) अ. पुं.–निर्माण-विभाग।

मह्कमए ता'लीम (محکمۂ تعلیم) अ. पुं.–शिक्षा-विभाग।

मह्कमए तौसीए तालीम (محکمۂ توسیع تعلیم) अ. पुं.–शिक्षा-प्रसार-विभाग।

मह्कमए दिफ़ाअ (محکمۂ دفاع) अ. पुं.–रक्षा-विभाग।

मह्कमए नश्रोइशाअत (محکمۂ نشرواشاعت) अ. पुं.–प्रचार-विभाग।

मह्कमए फ़ौज (محکمۂ فوج) अ. पुं.–सैन्य-विभाग।

मह्कमए माल (محکمۂ مال) अ. पुं.–राजस्व-विभाग, अर्थ-विभाग।

मह्कमए मेहनत (محکمۂ محنت) अ. पुं.–श्रम-विभाग।

मह्कमए सन्अतोहिर्फ़त (محکمۂ صنعت وحرفت) अ. पु.–उद्योग तथा शिल्प-विभाग।

महक्मए सेहत (محکمۂ صحت) अ. पुं.–स्वास्थ्य-विभाग।

महक्मए हिफ़्ज़ानेसेहत (محکمۂ حفظان صحت) अ.पुं.–स्वास्थ्य-विभाग, स्वास्थ्य-रक्षा-विभाग।

महकूक (محکوک) अ वि.–छीला हुआ, कटा-फटा।

महकूम (محکوم) अ. वि.–वशीभूत, अधीन, ज़ेरहुक्म; प्रजा, रिआया; दास, ग़ुलाम।

महकूमी (محکومی) अ. स्त्री.–दासता, ग़ुलामी; पराधीनता, नामुख़्तारी।

महज़ (محض) अ. वि.–केवल, सिर्फ़; निर्मल, ख़ालिस।

महज़र (محضر) अ. पुं.–उपस्थित होने का स्थान. दे. 'महज़रनामः'।

महज़रनामः (محضرنامہ) अ. फा. पुं.–वह प्रार्थनापत्र जो बहुत-से आदमियों की ओर से दिया जाय; वह प्रमाणपत्र जिस पर बहुत-से व्यक्तियों के तस्दीक़ी हस्ताक्षर हों।

महज़ूँ (محزوں) अ. वि.–शोकान्वित, ग़मगीन; कष्टग्रस्त, तक्लीफ़ज़दः।

महज़ूज़ (محظوظ) अ. वि.–हर्षित, आनंदित, प्रसन्न, ख़ुश।

महज़ून (محزون) अ. वि.–दे. 'महज़ूँ'।

महज़ूनी (محزونی) अ. स्त्री.–शोक, ग़म; दुःख, तक्लीफ़।

महज़ूफ़ (محذوف) अ. वि.–वह अक्षर जो लुप्त हो; वह शब्द जो लुप्त हो।

महजूब (محجوب) अ. वि.–लज्जित, शर्मिंदा।

महज़ूम (مہزوم) अ. वि.–पराजित, परास्त, हारा हुआ।

महज़ूम (مہضوم) अ. वि.–पचित, जो हज़्म हो गया हो।

महजूर (مہجور) अ. वि.–विरहग्रस्त, वियोगी, फ़िराक़ज़दः।

महजूरी (مہجوری) अ. स्त्री.–विरह, वियोग, जुदाई, फ़िराक़।

महज़ूल (مہزول) अ. वि.–दुबला-पतला, क्षीण, जीर्ण।

महद (مہد) अ. पु.–हिंडोला, पालना, गहवारः।

महदी (مہدی) अ. वि.–दीक्षित, जिसे हिदायत मिली हो; धर्मनेता, हादी; शीआ संप्रदाय के १२ वें इमाम जिनके प्रति उनका विश्वास है कि वह क़ियामत के करीब फिर आस्मान से आयेंगे।

महदूद (محدود) अ. वि.–सीमित, हद के भीतर; कतिपय, थोड़े, चंद; घिरा हुआ।

महदूम (مہدوم) अ. वि.–ध्वस्त, नष्ट, मुन्हदिम।

महदे उल्या (مہد علیا) अ. स्त्री.–बादशाह, राजा या नवाब आदि की वह पत्नी जो युवराज की माँ हो।

महफ़िज़ः (محفظہ) अ. पुं.–याददाश्त की कापी, नोटबुक।

महफ़िल (محفل) अ. स्त्री.–सभा, गोष्ठी, मज्लिस, जल्सा।

महफ़िले रक़्स (محفل رقص) अ. स्त्री.–नाच-गाने का जल्सा।

महफ़िले वा'ज़ (محفل وعظ) अ. स्त्री.–धर्मोपदेश की सभा।

महफ़िले शे'र (محفل شعر) अ. स्त्री.–शे'रो शाइरी का जल्सा, कवि-गोष्ठी।

महफ़ूज़ (محفوظ) अ. वि.–निरापद, सहीह्-सलामत; आवश्यकता के लिए बचाकर रखी हुई चीज़, सुरक्षित; कंठ, मुखाग्र, बरज़बाँ।

महबस (محبس) अ. पुं.–कारागार, क़ैदखाना, जेल।

महबित (مہبط) अ. पुं.–जिस जगह कोई बड़ा व्यक्ति उतरता हो अर्थात् ठहरता हो।

महबिल (مہبل) अ. स्त्री.–भग का मुँह, योनिद्वार, योनि-मुख।

महबूबः (محبوبہ) अ. स्त्री.–प्रेयसी, प्रेमिका, मा'शूक़ः।

महबूब (محبوب) अ. पुं.–प्रेमपात्र, मा'शूक़; बहुत अधिक प्यारा, अज़ीज़तरीन।

महबूबी (محبوبی) अ. वि.–मा'शूक़पन, मा'शूक़ियत।

महबूस (محبوس) अ. वि.–क़ैद में पड़ा हुआ, कारावासी, बंदी।

महमिदत (محمدت) अ. स्त्री.–गुण-गाथा, कीर्ति-वर्णन, यशोगान, प्रशंसा, सिताइश।

महमिल (محمل) अ. पुं.–ऊँट पर बाँधने का कजावा जिसमें स्त्रियाँ बैठती हैं।

महमिलनशीं (محمل نشیں) अ. फा. वि.–महमिल में बैठनेवाली, अर्थात् मज्नूँ की प्रेमिका, लैला।

महमूज़ (مہموز) अ. वि.–विकृत, दूषित, नाक़िस; अरबी का वह शब्द जिसके अक्षरों में से एक अक्षर अलिफ़ हो।

महमूदः (محمودہ) अ. स्त्री.–प्रशंसिता, जिसकी तारीफ़ की गयी हो; सुक़्मूनिया, एक दवा।

महमूद (محمود) अ. वि.–प्रशंसित, जिसकी तारीफ़ हो; श्रेष्ट, उत्तम, उम्दा; शुभ, इष्ट, मुबारक।

महमूदी (محمودی) अ. स्त्री.–एक प्रकार की बारीक मलमल; महमूद सम्बन्धी।

महमूम (محموم) अ. वि.–जिसे बुख़ार हो, ज्वरित; जिसका शरीर गर्म हो।

महमूम (مہموم) अ. वि.–दुःखित, शोकान्वित, संतप्त, ग़मगीन।

महमूलः (محمولہ) अ. वि.–लादी गयी वस्तु; कल्पना की हुई बात, कल्पित बात।

महाफ़िल (محافل) अ. पुं.—'महफ़िल' का बहु., गोष्ठियाँ, सभाएँ।

महाब (مہاب) अ. पुं.—भय का स्थान, डरावनी जगह।

महाबत (مہابت) अ. स्त्री.—आतंक, रोब; भय, त्रास, डर; श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी।

महाम [म्म], **मुहाम** (مہام) अ. पुं.—'मह्म' का बहु., बड़े और महत्त्वपूर्ण काम।

महामिद (محامد) अ. पुं.—'मह्मदत' का बहु., कीर्तियाँ, गुणसमूह।

महार (مہار) फ़ा. स्त्री.—ऊँट की नकेल, दे. 'मिहार', दोनों शुद्ध हैं।

महारत (مہارت) अ. स्त्री.—निपुणता, चतुरता, क़ाबिलीयत; अभ्यास, मश्क़; हस्त-कौशल, चाबुकदस्ती; उस्तादी, कारीगरी।

महारिम (محارم) अ. पुं.—'मह्रम' का बहु., राज़दार लोग।

महारीब (محاریب) अ. स्त्री.—'मेह्राब' का बहु., 'मेह्राबें'।

महालः (محالہ) अ. पुं.—उपाय, यत्न, तद्बीर।

महाल [ल्ल] (محال) अ. पुं.—'महल' का बहु., जगहें, स्थान।

महाल (مہال) अ. वि.—भयानक, भीषण, ख़ौफ़नाक।

महालिक (مہالک) अ. पुं.-'मह्लकः' का बहु., जान-जोखिम के स्थान।

महासिन (محاسن) अ. पुं.—'हुस्न' का बहु., अच्छाइयाँ; डाढ़ी, श्मश्रू।

महासिल (محاصل) अ. पुं.—आय, आमदनी; राजस्व, मालगुज़ारी; भूमिकर, लगान।

महासिले ख़ाम (محاصل خام) अ. फ़ा. पुं.—कच्ची निकासी, गाँव की कुल आमदनी जिसमें मालगुज़ारी और नफ़ा' सब शामिल हों।

महीज़ (محیض) अ. स्त्री.—स्त्री के रजस्वला होने की दशा, हालते हैज़।

महीनः (مہینہ) फ़ा पुं.—'माहीनः' का लघु., साल का १२ वाँ अंश, मास।

महीन (مہین) अ. वि.—बोदा, कमज़ोर; जीर्ण, झन्ना तुच्छ, हक़ीर।

महीब (مہیب) अ. वि.—भीषण, भयानक, कराल, विकट, डरावना, जिसे देखकर डर लगे।

महीबशक्ल (مہیب شکل) अ. वि.—दे. 'मुहीबुशशक्ल'।

महीबसूरत (مہیب صورت) अ. वि.—दे. 'महीबुशशक्ल'

महीबुल्ऐन (مہیب العین) अ. वि.—जिसकी आँखें ख़ौफ़नाक हों, विकटाक्ष, भीषणनेत्र।

महीबुलक़ामः (مہیب القامۃ) अ. वि.—दे. 'महीबुल जुस्सः'।

महीबुलजुस्सः (مہیب الجثہ) अ. वि.—जिसका डीलडौल भयानक हो, भीमकाय।

महीबुलवज्ह (مہیب الوجہ) अ. वि.—दे. 'महीबुशशक्ल'।

महीबुशशक्ल (مہیب الشکل) अ. वि.—जिसकी सूरत डरावनी हो, विकट मूर्ति, विकटानन।

महीबुस्सूरत (مہیب الصورت) अ. वि.—दे. 'महाबुशशक्ल'।

महीबुस्सौत (مہیب الصوت) अ. वि.—जिसकी आवाज़ भयानक हो, भैरव।

महील (مہیل) अ. वि.—भय का स्थान, ख़ौफ़ की जगह।

मह्कमः (محکمہ) अ. पुं.—कचहरी, अदालत, न्यायालय; विभाग, सीग़ा, डिपार्टमेंट।

मह्कमःजात (محکمہجات) अ. फ़ा. पुं.—बहुत से मह्कमे, अन्य विभाग।

मह्कमए आबकारी (محکمۂ آبکاری) अ. फ़ा. पुं.—मादक-विभाग।

मह्कमए आबपाशी (محکمۂ آبپاشی) अ. फ़ा. पुं.—सिंचन-विभाग, सिंचाई-विभाग।

महकमए आबादकारी (محکمہ آبادکاری) अ. फ़ा. पुं.—पुनर्वास-विभाग।

मह्कमए इंसाफ़ (محکمۂ انصاف) अ. पुं.—न्याय-विभाग।

मह्कमए क़ज़ा (محکمہ قضا) अ.. पुं. न्याय-विभाग।

महकमए क़ानून (محکمۂ قانون) अ. पुं.—न्याय-विभाग।

महकमए ज़िराअत (محکمۂ زراعت) अ. पुं.—कृषि-विभाग।

महकमए ता'मीर (محکمۂ تعمیر) अ. पुं.—निर्माण-विभाग।

महकमए ता'लीम (محکمۂ تعلیم) अ. पुं.—शिक्षा-विभाग।

मह्कमए तौसीए तालीम (محکمۂ توسیع تعلیم) अ. पुं.—शिक्षा-प्रसार-विभाग।

मह्कमए दिफ़ाअ (محکمۂ دفاع) अ. पुं.—रक्षा-विभाग।

मह्कमए नश्रोइशाअत (محکمۂ نشرواشاعت) अ. पुं.—प्रचार-विभाग।

मह्कमए फ़ौज (محکمۂ فوج) अ. पुं.—सैन्य-विभाग।

मह्कमए माल (محکمۂ مال) अ. पुं.—राजस्व-विभाग, अर्थ-विभाग।

मह्कमए मेहनत (محکمۂ محنت) अ. पुं.—श्रम-विभाग।

मह्कमए सन्अतोहिर्फ़त (محکمۂ صنعت وحرفت) अ. पु.—उद्योग तथा शिल्प-विभाग।

महकमए सेहत (محکمۂ صحت) अ. पुं.–स्वास्थ्य-विभाग।

महकमए हिफ़्ज़ानेसेहत (محکمۂ حفظان صحت) अ.पुं.–स्वास्थ्य-विभाग, स्वास्थ्य-रक्षा-विभाग।

मह्कूक (محکوک) अ वि.–छीला हुआ, कटा-फटा।

मह्कूम (محکوم) अ. वि.–वशीभूत, अधीन, ज़ेरहुक्म; प्रजा, रिआया; दास, ग़ुलाम।

मह्कूमी (محکومی) अ. स्त्री.–दासता, ग़ुलामी; पराधीनता, नामुख़्तारी।

महज़ (محض) अ. वि.–केवल, सिर्फ़; निर्मल, ख़ालिस।

महज़र (محضر) अ. पुं.–उपस्थित होने का स्थान. दे. 'महज़रनामः'।

महज़रनामः (محضرنامہ) अ. फा. पुं.–वह प्रार्थनापत्र जो बहुत-से आदमियों की ओर से दिया जाय; वह प्रमाणपत्र जिस पर बहुत-से व्यक्तियों के तस्दीक़ी हस्ताक्षर हों।

मह्ज़ूँ (محزوں) अ. वि.–शोकान्वित, ग़मगीन; कष्टग्रस्त, तक्लीफ़ज़दः।

मह्ज़ूज़ (محظوظ) अ. वि.–हर्षित, आनंदित, प्रसन्न, ख़ुश।

मह्ज़ून (محزون) अ. वि.–दे. 'मह्ज़ूँ'।

मह्ज़ूनी (محزونی) अ. स्त्री.–शोक, ग़म; दुःख, तक्लीफ़।

मह्ज़ूफ़ (محذوف) अ. वि.–वह अक्षर जो लुप्त हो; वह शब्द जो लुप्त हो।

मह्जूब (محجوب) अ. वि.–लज्जित, शर्मिंदा।

मह्ज़ूम (مہزوم) अ. वि.–पराजित, परास्त, हारा हुआ।

मह्ज़ूम (مہضوم) अ. वि.–पचित, जो हज़्म हो गया हो।

मह्जूर (مہجور) अ. वि.–विरहग्रस्त, वियोगी, फ़िराक़ज़दः।

मह्जूरी (مہجوری) अ. स्त्री.–विरह, वियोग, जुदाई, फ़िराक़।

मह्ज़ूल (مہزول) अ. वि.–दुबला-पतला, क्षीण, जीर्ण।

महद (مہد) अ. पुं.–हिंडोला, पालना, गहवारः।

महदी (مہدی) अ. वि.–दीक्षित, जिसे हिदायत मिली हो; धर्मनेता, हादी; शीआ संप्रदाय के १२ वें इमाम जिनके प्रति उनका विश्वास है कि वह क़ियामत के क़रीब फिर आस्मान से आयेंगे।

मह्दूद (محدود) अ. वि.–सीमित, हद के भीतर; कतिपय, थोड़े, चंद; घिरा हुआ।

मह्दूम (مہدوم) अ. वि.–ध्वस्त, नष्ट, मुन्हदिम।

महदे उल्या (مہد علیا) अ. स्त्री.–बादशाह, राजा या नवाब आदि की वह पत्नी जो युवराज की माँ हो।

मह्फ़िज़ः (محفظہ) अ. पुं.–याददाश्त की कापी, नोटबुक।

मह्फ़िल (محفل) अ. स्त्री.–सभा, गोष्ठी, मज्लिस, जल्सा।

मह्फ़िले रक़्स (محفل رقص) अ. स्त्री.–नाच-गाने का जल्सा।

मह्फ़िले वा'ज़ (محفل وعظ) अ. स्त्री.–धर्मोपदेश की सभा।

मह्फ़िले शे'र (محفل شعر) अ. स्त्री.–शे'रो शाइरी का जल्सा, कवि-गोष्ठी।

मह्फ़ूज़ (محفوظ) अ. वि.–निरापद, सहीह-सलामत; आवश्यकता के लिए बचाकर रखी हुई चीज़, सुरक्षित; कंठ, मुखाग्र, बरज़बाँ।

मह्बस (محبس) अ. पुं.–कारागार, क़ैदख़ाना, जेल।

मह्बित (مہبط) अ. पुं.–जिस जगह कोई बड़ा व्यक्ति उतरता हो अर्थात् ठहरता हो।

मह्बिल (مہبل) अ. स्त्री.–भग का मुँह, योनिद्वार, योनिमुख।

मह्बूबः (محبوبہ) अ. स्त्री.–प्रेयसी, प्रेमिका, मा'शूक़ः।

मह्बूब (محبوب) अ. पुं.–प्रेमपात्र, मा'शूक़; बहुत अधिक प्यारा, अज़ीज़तरीन।

मह्बूबी (محبوبی) अ. वि.–मा'शूक़पन, मा'शूक़ियत।

मह्बूस (محبوس) अ. वि.–क़ैद में पड़ा हुआ, कारावासी, बंदी।

मह्मिदत (محمدت) अ. स्त्री.–गुण-गाथा, कीर्ति-वर्णन, यशोगान, प्रशंसा, सिताइश।

मह्मिल (محمل) अ. पुं.–ऊँट पर बाँधने का कजावा जिसमें स्त्रियाँ बैठती हैं।

मह्मिलनशीं (محمل نشیں) अ. फा. वि.–मह्मिल में बैठनेवाली, अर्थात् मज्नूँ की प्रेमिका, लैला।

मह्मूज़ (مہموز) अ. वि.–विकृत, दूषित, नाक़िस; अरबी का वह शब्द जिसके अक्षरों में से एक अक्षर अलिफ़ हो।

मह्मूदः (محمودہ) अ. स्त्री.–प्रशंसिता, जिसकी तारीफ़ की गयी हो; सुक़्मूनिया, एक दवा।

मह्मूद (محمود) अ. वि.–प्रशंसित, जिसकी तारीफ़ हो; श्रेष्ठ, उत्तम, उम्दा; शुभ, इष्ट, मुबारक।

मह्मूदी (محمودی) अ. स्त्री.–एक प्रकार की बारीक मलमल; महमूद सम्बन्धी।

मह्मूम (محموم) अ. वि.–जिसे बुख़ार हो, ज्वरित; जिसका शरीर गर्म हो।

मह्मूम (مہموم) अ. वि.–दुःखित, शोकान्वित, संतप्त, ग़मगीन।

मह्मूलः (محمولہ) अ. वि.–लादी गयी वस्तु; कल्पना की हुई बात, कल्पित बात।

महमूल (محمول) अ. वि.–जो लादा गया हो; जिसकी कल्पना की गयी हो।

मह्र (مہر) फा. पुं.–वह रक़म जो निकाह के समय दुल्हन को दिये जाने के लिए तै होती है।

मह्रम (محرم) अ. पुं.–भेद जाननेवाला, राज़दार; मित्र, दोस्त; परिचित, जान-पहचान का; वह व्यक्ति जिससे विवाह जाइज़ न हो।

मह्रमे राज़ (محرم راز) अ. फा. पुं.–भेद जाननेवाला, मर्मज्ञ।

मह्रुख़ (مہرخ) फा. वि.–चाँद-जैसी सूरतवाला (वाली), चंद्रमुखी, अर्थात् नायिका।

मह्रू (مہرو) फा. वि.–दे. 'मह्रुख़'।

मह्रूक़ (محروق) अ. वि.–जला हुआ, दग्ध।

मह्रूम (محروم) अ. वि.–सम्बन्धित, जिसे न मिला हो; निराश नाउम्मेद; अभागा, बदक़िस्मत; असफल, ना-कामयाब।

मह्रूमियत (محرومیت) अ. स्त्री.–दे. 'मह्रूमी'।

मह्रूमी (محرومی) अ. वि.–दुर्भाग्य, बदक़िस्मती; निराशा, नाउम्मेदी; असफलता, नाकामी; वंचित रहना, न पाना, प्राप्त न होना, उदा०—'किससे मह्रूमीए क़िस्मत की शिकाय... ... हमने चाहा था कि मर जायें सो वो भी न हुआ।"—ग़ालिब।

मह्रूर (محرور) अ. वि.–तप्त, तपा हुआ, गर्म; गर्म मिज़ाजवाला।

मह्रूरुलमिज़ाज (محرورالمزاج) अ. वि.–जिसके स्वभाव में क्रोध अधिक हो, जिसे क्रोध जल्दी आता हो।

मह्रूसः (محروسہ) अ. वि.–अधीन वस्तु, वह वस्तु या देश आदि जो किसी की निगरानी या नियंत्रण में हो।

मह्रूस (محروس) अ. वि.–नियंत्रित, ज़ेरे निगरानी, कंट्रोल में आया हुआ।

मह्लकः (مہلکہ) अ. पुं.–जान जोखिम का स्थान; जान जोखिम।

मह्लूल (محلول) अ. वि.–घुला हुआ, हल किया हुआ, विलीन।

मह्व (محو) अ. वि.–मिटाना, हटाना; तन्मय, तल्लीन, मुस्तग़्रक़।

मह्वियत (محویت) अ. स्त्री.–तल्लीनता; इनहिमाक; ब्रह्मलीनता; ख़ुदा में इस्तिग़्राक़।

मह्वीयत (محویت) अ. स्त्री.–दे. 'मह्वियत'।

मह्वीयते हक़ (محویت حق) अ. स्त्री.–ख़ुदा में तन, मन और धन से मह्वियत, ब्रह्मलीनता।

मह्वेज़ात (محوذات) अ. वि.–जो ईश्वर में लीन हो, ब्रह्मलीन।

मह्वे दीदार (محودیدار) अ. फा. वि.–जो प्रेमिका के दर्शन में तल्लीन हो।

मह्वे नज़्ज़ारः (محونظارہ) अ. वि.–दे. 'मह्वे दीदार'।

मह्वे हक़ (محوحق) अ. वि.–दे. 'मह्वे ज़ात'।

मह्शर (محشر) अ. पुं.–महाप्रलय, क़ियामत; क़ियामत का दिन; क़ियामत का मैदान।

मह्शरअंगेज़ (محشرانگیز) अ. फा. वि.–क़ियामत उठानेवाला।

मह्शरख़िराम (محشرخرام) अ. फा. वि.–जो अपनी चाल से दुनिया में क़ियामत मचा दे।

मह्शरख़िरामी (محشرخرامی) अ. फा. स्त्री.–ऐसी चाल जिससे क़ियामत आ जाय।

मह्शरज़ा (محشرزا) अ. फा. वि.–दे. 'मह्शरअंगेज़'।

मह्शरिस्तान (محشرستان) अ. फा. पुं.–क़ियामत का मैदान।

मह्शूर (محشور) अ. वि.–क़ियामत के दिन उठाया गया, जो क़ियामत के दिन ज़िंदा किया जाय।

मह्सूद (محسود) अ. वि.–जो लोगों की हसद का निशाना हो, जिससे लोग ईर्ष्या करें, ईर्षित।

मह्सूब (محسوب) अ. वि.–हिसाब में जोड़ा हुआ; हिसाब में से मिनहा किया हुआ।

मह्सूर (محصور) अ. वि.–घिरा हुआ, घेरे में आया हुआ; दुश्मन के घेरे में आया हुआ।

मह्सूल (محصول) अ. पुं.–वह रक़म जो माल भेजने या मँगाने में उसकी मज़दूरी में दी जाय; किराया, भाड़ा।

मह्सूली (محصولی) अ. वि.–वह भूमि जिस पर लगान देना पड़ता हो; वह चीज़ जिस पर मह्सूल (टैक्स) लगे।

मह्सूस (محسوس) अ. वि.–वह चीज़ जो इंद्रियों द्वारा जानी जाय; अनुभूत, ज्ञात, मा'लूम; स्पष्ट, प्रकट, ज़ाहिर।

मह्सूसात (محسوسات) अ. पुं.–महसूस की हुई चीज़ें, अनुभूतियाँ।

मा

मा (ما) अ. अव्य.–नहीं, क्या, जोकि, इसके।

माँ (ماں) फा. स्त्री.–माता, अम्मा।

मांदः (ماندہ) फा. वि.–शिथिल, क्लांत, श्रान्त, थका हुआ; बचा हुआ, छोड़ा हुआ, रहा हुआ, (प्रत्य.)–रहा हुआ, छोड़ा हुआ।

मांद (ماند) फा. वि.–रहा हुआ, बचा हुआ।

मांदगी (ماندگی) फा. स्त्री.–क्लांति, शिथिलता, थकावट; आलस्य, सुस्ती; रोग, बीमारी।

मांदोबूद (ماندوبود) फा. स्त्री.–रहने-सहने का ढंग, रहन-सहन ।

मा (ماء) अ. पुं.–जल, पानी; अरक़ ।

माइदः (مائدہ) अ. पुं.–खानों से भरा हुआ ख्वान ।

माइल (مائل) अ. वि.–आकर्षित, सज्अ; प्रवृत्त, मुतवज्जेह; आसक्त, आशिक़; झुकाव रखनेवाला, झुका हुआ, आमादा ।

माइल ब उरूज (مائل بہ عروج) अ. फा. वि.–उन्नति की ओर आकृष्ट, धीरे-धीरे उन्नति और तरक़्क़ी करनेवाला ।

माइल ब औज (مائل بہ اوج) अ. फा. वि.–ऊपर की ओर आकर्षित, धीरे-धीरे ऊपर की ओर चढ़नेवाला ।

माइल ब करम (مائل بہ کرم) अ. फा. वि.–दया की ओर प्रवृत्त, मेह्रबानी करनेपर आमादा ।

माइल ब जर्दी (مائل بہ زردی) अ. फा. वि.–कुछ-कुछ पीलापन लिये हुए ।

माइल ब जवाल (مائل بہ زوال) अ. फा. वि.–अवनति की ओर प्रवृत्त, पतनोन्मुख, नीचे को जाता हुआ ।

माइल ब पस्ती (مائل بہ پستی) अ. फा. वि.–दे. 'माइल ब जवाल" ।

माइल ब फ़ना (مائل بہ فنا) अ. फा. वि.–नाश की ओर जानेवाला, विनाशोन्मुख ।

माइल ब सफ़ेदी (مائل بہ سفیدی) अ. फा. वि.–कुछ कुछ श्वेतता लिये हुए, हलकी सफ़ेदी लिये हुए ।

माइल ब सब्जी (مائل بہ سبزی) अ. फा. वि.–हलका हरापन लिये हुए, हरिताभ ।

माइल ब सियाही (مائل بہ سیاهی) अ. फा. वि.–हलका कालापन लिये हुए ।

माइल ब सुर्खी (مائل بہ سرخی) अ. फा. वि.–हलकी लालिमा लिये हुए ।

माई (مائی) अ. वि.–पानी का ।

माईयत (مائیت) अ. स्त्री.–पानीपन, तरी ।

माउलक़र्अ (ماء القرع) अ. पुं.–लौकी का पानी ।

माउलजुबन (ماء الجبن) अ. पुं.–फटे हुए दूध का पानी, जो बीमारों को दिया जाता है ।

माउल्लह्म (ماء اللحم) अ. पुं.–दवाओं में गोश्त डालकर खींचा हुआ एक पुष्टिकर अरक़ ।

माउलवर्द (ماء الورد) अ. पुं.–गुलाब-जल, गुलाब का अरक़ ।

माउलहयात (ماء الحیات) अ. पुं.–अमृत-जल, अमृत, आबेहयात; कीमियागरों की परिभाषा में घी, शहद और सुहागे का मिश्रण, जिसके द्वारा हरेक भस्म धातु फिर से जी उठती है ।

माऊफ़ (مائف) अ. वि.–विकृत, दूषित, बिगड़ा हुआ ।

माऊफ़ुद्दिमाग़ (مائف الدماغ) अ. वि.–विकृतमस्तिष्क, जिसके दिमाग़ में खलल हो ।

माए (مائع) अ. पुं.–हर बहनेवाला पदार्थ, द्रव, तरल ।

माए जारी (ماء جاری) अ. पुं.–बहता हुआ पानी, प्रवाहित जल, जैसे—नदी का पानी ।

माए साकिन (ماء ساکن) अ. पुं.–ठहरा हुआ पानी, स्थिर जल, जैसे—तालाब का जल ।

माकदिर (ماکدر) अ. वि.–जो मैला हो, अस्वच्छ, अशुद्ध. मैला, गदला ।

माक़ब्ल (ماقبل) अ. वि.–जो पहले हो; जो दूसरे से पहले हो, वह शब्द जो दूसरे शब्द से पहले हो ।

माक़ब्लज्ज़िक्र (ماقبل الذکر) अ. वि.–वह, जिसकी चर्चा पहले हो चुकी हो, पूर्वकथित ।

माकियान (ماکیان) फा. स्त्री.–कुक्कुटी, मुर्ग़ी; कुक्कुट, मुर्ग़ा ।

माकिर (ماکر) अ. वि.–छल करनेवाला, छली ।

माक़ूद (معقود) अ. वि.–ग्रंथित, गाँठ लगा हुआ; विवाहित, ब्याह किया हुआ ।

मा'क़ूल (معقول) अ. वि.–उचित, मुनासिब; उत्तम, उम्दा, सभ्य, शिष्ट, शाइस्ता; शुद्ध ।

माकूल (ماکول) अ. वि.–खाया हुआ, खायी हुई चीज; खाने की वस्तु, खाद्य-पदार्थ; ख़ुराक, ग़िज़ा ।

मा'क़ूलात (معقولات) अ. स्त्री.–न्यायशास्त्र और विज्ञान की पुस्तकें अथवा कोर्स ।

माकूलात (ماکولات) अ. पुं.–खाने की चीजें, वह पदार्थ जो मनुष्य खाता है ।

मा'क़ूली (معقولی) अ. पुं.–न्यायशास्त्र का पंडित, नैयायिक ।

मा'क़ूलीयत (معقولیت) अ. स्त्री.–औचित्य, वाजिबीयत; उत्तमता, उम्दगी; सज्जनता, शराफ़त ।

मा'कूस (معکوس) अ. वि.–उलटा, औंधा, अधोमुख; विपरीत, बरअक्स ।

माख़ज (ماخذ) अ. पुं.– लेने का स्थान, वह पुस्तक जिससे किसी लेख या पुस्तक में मवाद लिया जाय ।

माख़ूज (ماخوذ) अ. वि.–लिया हुआ, गृहीत; पकड़ा हुआ, गिरिफ़्तार ।

माख़ूलिया (ماخولیا) अ. पुं.–मालीख़ूलिया, अथवा मालनख़ूलिया का लघु., मिराक़, ख़ब्त ।

माचीन (ماچین) फा. पुं.–चीन के दक्षिण और भारत के पूर्व में एक देश, इंडोचाइना, हिन्दचीन ।

माजरा (ماجرا) अ. पुं.–हाल, वृत्तांत; घटना, वाक़िआ।

माजराए दिल (ماجراے دل) अ. फा. पुं.–हृदय की व्यथा, प्रेम की कहानी।

माजिदः (ماجده) अ. स्त्री.–साध्वी, शुद्धचरित्रा, सदाचारिणी, बुज़ुर्ग स्त्री।

माजिद (ماجد) अ. वि.–पुनीत, अंतःशुद्ध, पवित्रात्मा, बुज़ुर्ग।

माज़ियः (ماضيه) अ. वि.–गत, गुज़री हुई।

मा'ज़िरत (معذرت) अ. स्त्री.–उज़्र, निवशता, मजबूरी।

माज़ी (ماضی) अ. पुं.–गुज़रा हुआ, विगत; भूतकाल, ज़मानए माज़ी।

माज़ी इस्तिम्रारी (ماضی استمراری) अ. पुं.–वह माज़ी जिसमें काम का बराबर होना पाया जाय, जैसे—वह करता था।

माज़ी एहतिमाली (ماضی احتمالی) अ. पुं.–वह माज़ी जिसमें काम के होने में शंका पायी जाय, जैसे—किया होगा।

माज़ी क़रीब (ماضی قریب) अ. पुं.–वह माज़ी जिसमें काम अभी ख़त्म होना पाया जाय, जैसे—किया है।

माज़ी तमन्नाई (ماضی تمنائی) अ. पुं.–जिसमें किसी काम करने की इच्छा पायी जाय, जैसे—करता।

माज़ी नातमाम (ماضی ناتمام) अ. फा. पुं.–दे. 'माज़ी इस्तिम्रारी'।

माज़ी बईद (ماضی بعید) अ. पुं.–वह माज़ी जिसमें काम समाप्त हुए देर हो चुकी हो, जैसे—किया था।

माज़ी मा'तूफ़ः (ماضی معطوفه) अ. पुं.–वे दो माज़ियाँ जिनके बीच में और आये, जैसे—खाया और गया या खाकर गया।

माज़ी मुत्लक़ (ماضی مطلق) अ. पुं.–आम माज़ी, सामान्य भूत, जैसे—किया, खाया आदि।

माज़ी शक्की (ماضی شکی) अ. पुं.–दे. 'माज़ी एहतिमाली'।

माज़ी शर्ती (ماضی شرطی) अ. पुं.–जिस माज़ी में शर्त पायी जाय, जैसे—अगर वह गया था, या है, या होता।

माज़ू (مازو) फा. पुं.–एक गोल फल जो दवा में चलते हैं, माज़ूफल।

मा'जून (معجون) अ. स्त्री.–कुटी हुई दवाओं को शहद या शकर के क़िवाम मिलाकर बनाया हुआ अवलेह, इसके लिए यह आवश्यक नहीं है कि वह स्वादिष्ठ भी हो, जैसी जवारिश होती है।

मा'ज़ूर (معذور) अ. वि.–विवश, लाचार; अपाहज, चलने-फिरने में असमर्थ।

माजूर (ماجور) अ. वि.–जिसे किसी श्रम या सेवा का फल दिया गया हो, प्रतिफलित।

मा'ज़ूरुलख़िद्मत (معذورالخدمت) अ. वि.–जो सेवा करने के अयोग्य हो चुका हो, जिससे सेवा न हो सके।

मा'ज़ूल (معزول) अ. वि.–जो पद से हटा दिया गया हो, पदच्युत, अपदस्थ।

मा'ज़ूली (معزولی) अ. स्त्री.–पद से हटाया जाना, पदच्युति।

मात (مات) अ. पुं.–शब्दार्थ, 'मर गया', शत्रंज की बाज़ी की हार; हार, शिकस्त।

मातक़द्दम (ماتقدم) अ. वि.–वह चीज जो पहले हो चुकी हो।

मातम (ماتم) फा. पुं.–मरनेवाले का ग़म, मृत्यु-शोक।

मातमअंगेज़ (ماتم انگیز) फा. वि.–शोकजनक, ग़मअंगेज़।

मातमकदः (ماتم کده) फा. पुं.–दे. 'मातमख़ानः'।

मातमख़ानः (ماتم خانه) फा. पुं.–जहाँ किसी मरनेवाले का शोक मनाया जा रहा हो, शोक-गृह।

मातमज़दः (ماتم زده) फा. वि.–जो किसी मरनेवाले का शोक मना रहा हो, शोकग्रस्त, शोकपीड़ित।

मातमदार (ماتم دار) फा. वि.–शोक मनानेवाला, शोकग्रस्त, शोकी, सोगवार।

मातमदारी (ماتم داری) फा. स्त्री.–मरनेवाले का शोक मनाना; शोक मनाने की दशा।

मातमनशीं (ماتم نشیں) फा. वि.–जो किसी के शोक में बैठा हो, और कहीं आता-जाता न हो।

मातमपुर्सी (ماتم پرسی) फा. स्त्री.–किसी के मरने पर सहानुभूति प्रकट करने के लिए उसके घरवालों के पास जाना।

मातमसरा (ماتم سرا) फा. स्त्री.–दे. 'मातमख़ानः'।

मातमी (ماتمی) फा. वि.–शोकसम्बन्धी, जैसे—मातमी लिबास; मातम करनेवाला, सोगवार, शोकी।

मातहत (ماتحت) अ. पुं.–अधीन, आज्ञाधीन, ज़ेर हुक्म; सहायक, एसिस्टेंट; पराधीन, ग़ुलाम, अस्वतंत्र।

मा'तूफ़ (معطوف) अ. वि.–वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द के साथ मिलकर बोला जाय। जैसे—राम और लछमन, इसमें राम शब्द मातूफ़ है।

मा'तूफ़अलैह (معطوف علیه) अ. वि.–वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द के साथ मिलकर आये, जैसे—राम और लछमन, में लछमन।

मा'तूब (معتوب) अ. वि.–जिस पर कोप हो, कोप-भाजन, कोव-पात्र।

मातह्ती (ماتحتی) अ. स्त्री.–अधीनता, ज़ेरअसरी; पराधीनता, अस्वतंत्रता, ग़ुलामी।

मादः (ماده) फा. स्त्री–नर का उलटा, स्त्री प्राणी।

मादःरू (مادہرو) फा. वि.–वह व्यक्ति जिसके दाढ़ी-मूंछें न हों, लड़का; वह व्यक्ति जिसकी दाढ़ी-मूंछें मूड़ी गयी हों. जनाना; हिजड़ा।

मादए अस्प (مادۂ اسپ) फा. स्त्री.–घोड़ी, अश्विनी।

मादए आहू (مادۂ آهو) फा. स्त्री.–हरनी, मृगांगना, हरिणी।

मादए खर (مادۂ خر) फा. स्त्री.–गधी, गर्दभी।

मादए खूक (مادۂ خوک) फा. स्त्री.–सुअरनी, शूकरी, वराही।

मादए गाव (مادۂ گاو) फा. स्त्री.–गो, गाय।

मादए ताऊस (مادۂ طاؤس) फा. स्त्री.–मोरनी, मयूरी, शिखावली।

मादए फ़ील (مادۂ فیل) अ. फा. स्त्री.–हथनी, गजपत्नी, हस्तिनी, मनाका।

मादए शुतुर (مادۂ شتر) फा. स्त्री.–ऊँटनी, उष्ट्रिका, उष्ट्री।

मादए सग (مادۂ سگ) फा. स्त्री.–कुतिया, शुनी, कुक्कुरी।

मादरांदर (مادر اندر) फा. स्त्री.–उपमाता, सौतेली माँ।

मादर (مادر) फा. स्त्री.–माता, जननी, माँ, अम्माँ।

मादरज़न (مادرزن) फा. स्त्री.–सास, श्वश्रू।

मादरज़ाद (مادرزاد) फा. वि.–जन्मजात; पैदाइशी, जन्म का, जन्म से, जन्मजात, जैसे—'मादरज़ाद अंधा'; नितांत, विलकुल, जैसे—'मादरज़ाद नंगा'।

मादर वख़्ता (مادر بخطا) फा. वि.–एक गाली, हरामी, दोगला।

मादरानः (مادرانہ) फा. अव्य.–माता-जैसा, ममतापूर्वक; माँ का, माता का।

मादरी (مادری) फा. वि.–माता-सम्बन्धी; माता का; पैदाइशी, जो माँ की गोद में पाया हो।

मादरे अल्लाती (مادر علاتی) फ. अ. स्त्री.–सौतेली माँ, उपमाता।

मादरे गेती (مادر گیتی) फा. स्त्री–मातृभूमि, प्यारी ज़मीन।

मादरे रिज़ाई (مادر رضائی) फा. स्त्री.–दूध पिलानेवाली, अन्ना, धात्री।

मादरे वतन (مادر وطن) फा. स्त्री.–मातृभूमि, प्यारा वतन।

मादरे हक़ीक़ी (مادر حقیقی) फा. स्त्री.–अस्ली माँ, मातृ, जननी, माता।

मादाम (مادام) अ. वि.–सर्वदा, सदा, हमेशा।

मादामलहयात (مادام الحیات) अ. वि.–ज़िंदगी भर, सारी उम्र, आजन्म, यावज्जीवन।

मा'दिन (معدن) अ. पुं.–खनि, खान, कान।

मा'दिनी (معدنی) अ. वि.–खान से निकला हुआ, खनिज।

मा'दिनीयात (معدنیات) अ. स्त्री.–खान से निकली हुई चीज़ें, खनिज पदार्थ; खनिज विज्ञान, इल्मेजिमादात।

मा'दिल (معدل) अ. पुं.–दे. 'मुअद्दिल'।

मा'दिलत (معدلت) अ. स्त्री.–न्याय, इंसाफ।

मा'दिलतगुस्तर (معدلت گستر) अ. फा. वि.–न्यायशील, न्यायनिष्ठ, मुंसिफ मिज़ाज।

मा'दिलतपर्वर (معدلت پرور) फा. वि.–दे. 'मा'दिलत गुस्तर'।

मा'दिलुन्नहार (معدل النهار) अ. पुं.–दे. शुद्ध शब्द 'मुअद्दिलुन्नहार', उर्दू में कुछ लोगों ने इसका यह उच्चारण अशुद्ध लिख दिया है।

मादिह (مادح) अ. वि.–प्रशंसक, श्लाघी, ता'रीफ़ करनेवाला; स्तुति-पाठक, हम्दोसना करनेवाला।

मादीन (مادین) फा. स्त्री.–मादा, स्त्री प्राणी।

मा'दूद (معدود) अ. वि.–कतिपय, थोड़े, चंद, इने-गिने।

मा'दूदे चंद (معدودے چند) अ. फा. वि.–बहुत थोड़े, इने-गिने।

मादून (مادون) अ. अव्य.–अतिरिक्त, सिवाव, अलावा।

मा'दूम (معدوم) अ. वि.–नष्ट, विनष्ट, बरबाद, ज़ाए; अंतर्द्धान, ग़ाइब।

मा'दूमुलबसर (معدوم البصر) अ. वि.–नेत्रहीन, नष्ट दृष्टि, अंधा, नाबीना।

मा'दूमी (معدومی) अ. वि.–विनाश, तबाही, बरबादी।

माद्दः (مادہ) अ. पुं.–वह मूल पदार्थ जिससे कोई चीज बने; योग्यता, पात्रता, सलाहियत; मूल, जड़, बुनियाद; विवेक, तमीज़; बोध, ज्ञान, समझ; पीप, मवाद; वे तत्त्व जिनसे मिलकर सृष्टि की रचना हुई है; प्रकृति, नेचर।

माद्दःपरस्त (مادہ پرست) अ. फा. वि.–वस्तुवादी, नेचरी।

माद्दःपरस्ती (مادہ پرستی) अ. फा. स्त्री.–वस्तुवाद, प्रकृतिवाद, नेचरीयत।

माद्दए फ़ासिदः (مادۂ فاسدہ) अ. पुं.–शरीर की दूषित धातु जो बीमारी पैदा करती है; फोड़े आदि का ख़राब मवाद।

माद्दए मनवीयः (مادۂ منویہ) अ. पुं.–वीर्य, शुक्र, रेतस्, मनी।

माद्दए रदीयः (مادۂ ردیہ) अ. पुं.–दे. 'माद्दए फ़ासिदः'।

माद्दी (مادی) अ. वि.–माद्दे से सम्बन्धित; माद्दे का; भौतिक, जो आत्मिक न हो।

माद्दियत (مادیت) अ. स्त्री.–माद्दे का भाव।

मानंद (مانند) फा. वि.—शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू में 'मानिंद' है, दे. 'मानिंद'।

मा'नन (معناً) अ. वि.—अर्थ के विचार से, मतलब की रू से।

मा'नवी (معنوی) अ. वि.—अर्थवाला; अर्थ का; भीतरी, आंतरिक, आभ्यन्तरिक।

मा'नवीयत (معنویت) अ. स्त्री.—अर्थ की गंभीरता।

मा'ना (معنی) अ. पुं.—अर्थ, मत्लब; आशय, मंशा; कारण, सबब; अंतर, बातिन; बहुवचन के अर्थ में भी आता है।

माना (مانا) फा. वि.—समान, तुल्य, मिस्ल।

मानिंद (مانند) फा. वि.—समान, सदृश, तुल्य, मिस्ल।

मा'नी (معنی) अ. पुं.—दे. 'माना', परन्तु यह बहुवचन में व्यवहृत नहीं है।

मानी (مانی) फा. पुं.—एक बहुत ही प्रसिद्ध चित्रकार। यह ८३१ ई० में बाबिल (ईरान) में पैदा हुआ। मदाइन में पढ़ा, जवान होकर इसने नबी होने का दावा किया, जिससे लोग इसके दुश्मन हो गये और यह चीन और तुर्किस्तान की ओर चला गया। बीस साल के बाद वापस लौटा। ८८९ ई० में जब इसकी आयु ५८ साल की थी, बहराम ने इसे मार डाला। इसने एक नया धर्म भी चलाया था और बहुत-सी पुस्तकें भी लिखी थीं।

मा'नीआफ़ीनी (معنی آفرینی) अ. फा. स्त्री.—काव्य में अर्थ का चमत्कार दिखाना; कविता करना।

मानूस (مانوس) अ. वि.—हिला हुआ, जिसकी घबराहट दूर हो गयी हो; मुहब्बत करनेवाला।

माने' (مانع) अ. वि.—रोकनेवाला, निवारक; खलल डालनेवाला, बाधक; दख़्लअंदाज़ी करनेवाला, हस्तक्षेपक।

माफ़ात (مافات) अ. पुं.—जो जाता रहा हो; जो गुज़र चुका हो।

माफ़िज़्ज़मीर (مافی الضمیر) अ. पुं.—मन की बात, जो कुछ दिल में हो, आशय, मंशा।

माफ़िज़्ज़ेह्न (مافی الذہن) अ. पुं.—जो कुछ दिमाग़ में हो, जो कुछ याद हो।

माफ़ीहा (مافیہا) अ. पुं.—जो कुछ उसमें है, यह शब्द दुनिया के साथ आता है, अर्थात् संसार और जो कुछ संसार के भीतर है वह सब।

माफ़ौक़ (مافوق) अ. पुं.—ऊपर।

माफ़ौक़ज़्ज़िक्र (مافوق الذکر) अ. पुं.—जिसका ज़िक्र पहले हो चुका है, पूर्वकथित।

माफ़ौक़लआदत (مافوق العادت) अ. पुं.—जो बात प्रकृति के ऊपर अर्थात् प्रकृति के विरुद्ध है, अप्राकृतिक, असंभव।

माफ़ौक़लफ़ित्रत (مافوق الفطرت) अ. पुं.—दे. 'माफ़ौक़ल-आदत'।

माफ़ौक़लबशर (مافوق البشر) अ. पुं.—वह चीज़ जो मनुष्य की शक्ति के बाहर है।

माबक़ा (مابقا) अ. पुं.—जो बाक़ी रह गया हो, बक़ायः, शेष।

मा'बद (معبد) अ. पुं.—उपासना-गृह, इबादत-गाह।

मा'बर (معبر) अ. पुं.—नदी आदि को पार करने का स्थान, घाट, तट।

माबा'द (مابعد) अ. पुं.—जो पीछे आये, पीछेवाला, बाद का, पिछला।

माबा'दत्तबीआत (مابعد الطبیعات) अ. पुं.—वे वस्तुएँ जो प्राकृतिक वस्तुओं के अतिरिक्त हैं, ब्रह्मज्ञान आदि।

माबिहिन्निज़ाअ (مابہ النزاع) अ. पुं.—वह वस्तु जो झगड़े का कारण हो, जिसके विषय में वाद-विवाद हो।

माबिहिलइम्तियाज़ (مابہ الامتیاز) अ. पुं.—जो लक्षण या बात दो चीज़ों में भेद बताये अर्थात् उनका फ़र्क़ बताये, चिह्न, निशान।

माबिहिलएहतियाज (مابہ الاحتیاج) अ. पुं.—जिन वस्तुओं की आवश्यकता हो, ज़रूरी बातें।

मा'बूद (معبود) अ. वि.—जिसको पूजा जाय, ईश्वर।

मा'बूदियत (معبودیت) अ. स्त्री.—ईश्वरत्व।

माबून (مابون) अ. वि.—जिसे गुदादान का व्यसन हो, जिसे इग़लाम कराने की लत हो, भवेसिया।

माबैन (مابین) अ. पुं.—बीच में, दरमियान में; बीच, दरमियान।

माबैने तहक़ीक़ात (مابین تحقیقات) अ. पुं.—जाँच के बीच में, जाँच होते समय।

माबैने फ़रीक़ैन (مابین فریقین) अ. पुं.—दोनों पक्षों के बीच में।

मामज़ा (مامضی) अ. वा.—जो बीत गया, जो हो चुका, गुज़रा हुआ, बीता हुआ, पहलेवाला।

मामन (مامن) अ. पुं.—रक्षा का स्थान, बचाव की जगह, सहारे और आसरे का स्थान।

मामा (ماما) अ. स्त्री.—घर का कामकाज करनेवाली स्त्री, परिचारिका, दासी।

मामीरान (مامیران) फा. पुं.—ममीरा, जो एक जड़ होती है और आँखों की दवा में पड़ती है।

मामीसा (مامیثا) अ. स्त्री.—एक वनस्पति जो दवा में चलती है, इस दवा का उसारा या सत प्रयुक्त होता है।

मामून (مامون) अ. वि.–सुरक्षित, महफ़ूज़, अम्न में।
मामूरः (معموره) अ. पुं.–बस्ती, आबादी।
मा'मूर (معمور) अ. वि.–बसा हुआ, आबाद; भरा हुआ, परिपूर्ण, लबरेज़; बंद, मुक़फ़्फ़ल; आदमियों से भरा हुआ, खचाखच।
मामूर (مامور) अ. वि.–जिसे आदेश दिया गया हो, आदेशित; जिसे कहीं मुक़र्रर किया गया हो, नियुक्त।
मामूर मिनल्लाह (مامور من اللہ) अ. पुं.–किसी विशेष काम के लिए ईश्वर की ओर से नियुक्त।
मा'मूरी (معموری) अ. स्त्री.–भरा पूरा होना; आबाद होना; मकान का बंद होना।
मा'मूलः (معمولہ) अ. वि.–जो स्त्री अभिचार द्वारा बेसुध की जाय; रोज़ का काम।
मा'मूल (معمول) अ. वि.–वह बात जो रोज़ की जाय, दस्तूर, नित्य नियम; वह व्यक्ति जिसे अभिचार द्वारा बेसुध किया जाय, जिस पर अमल किया जाय।
मामूल (مامول) अ. वि.–आशान्वित, पुरउम्मीद; वह चीज़ जिसकी आशा हो।
मा'मूलात (معمولات) अ. पुं.–रोज़मर्रा के काम, नित्य-कर्म।
मा'मूलाते रोज़मर्रः (معمولات روزمرہ) अ. फा. पुं.–वह काम जो रोज़ के बँधे हुए हों, जैसे—सवेरे उठकर नमाज़, फिर क़ुरान, फिर वज़ीफ़ः, फिर नाश्ता, फिर अख़्बार पढ़ना, फिर लोगों से मिलना आदि।
मा'मूली (معمولی) अ. वि.–रोज़मर्रा का; साधारण, नाक़ाबिले तवज्जुह; रस्मी, जिसका रवाज हो।
मा'मूले मज़्हबी (معمول مذہبی) अ. पुं.–धार्मिक कृति, मज़हबी काम, जो नियत समय पर हो।
मायः (مایہ) फा. पुं.–धन, दौलत; पूंजी, अस्लज़र; उपकरण, सामान; योग्यता, क़ाबिलीयत।
मायःदार (مایہ دار) फा. वि.–पूंजीवाला, धनी, मालदार।
मायए नाज़ (مایۂ ناز) फा. पुं.–जिस पर गर्व किया जा सके।
मायतहल्लल (مایتحلل) अ. पुं.–जो हल हो गया हो, जो तहलील होकर कम हो गया हो, जो नष्ट और ज़ाए हो गया हो।
मायहताज (مایحتاج) अ. पुं–आवश्यक वस्तु, जिसकी मनुष्य को ज़रूरत हो, जीवन-साधन की वस्तु।
मायुक़्रा (مایقرا) अ. वि.–जो पढ़ा जा सके, ऐसा लिखा हुआ जो पढ़ने में आ सके।
मा'यूब (معیوب) अ. वि.–निकृष्ट, दूषित, ख़राब, बुरा; लज्जाजनक, क़ाबिले शर्म; ऐब से भरा, दोषपूर्ण।
मायूस (مایوس) अ. वि.–निराश, हताश, नाउम्मेद।
मायूसकुन (مایوس کن) अ. फा. वि.–निराश करनेवाला निराशाजनक।
मायूसानः (مایوسانہ) अ. फा. अव्य.–निराशापूर्ण, मायूसी के साथ।
मायूसी (مایوسی) अ. स्त्री.–निराशा, नाउम्मेदी।
मार (مار) फा. पुं.–सर्प, अहि, भुजग, भुजंग, नाग, साँप।
मारगज़ीदः (مارگزیدہ) फा. वि.–साँप का डसा हुआ, सर्प-दंशित।
मारगीर (مارگیر) फा. वि.–साँप पकड़नेवाला, सँपेरा।
मा'रज़ (معرض) अ. पुं.–दे. 'मा'रिज़', दोनों शुद्ध हैं।
मारगुर्ज़ः (مارگرزہ) फा. पुं.–फनवाला साँप, काला साँप, नाग।
मारपेच (مارپیچ) फा. वि.–टेढ़ा, वक्र; वह चित्र जिसमें कई साँप परस्पर गुँथे हों।
मारमाही (مارماهی) फा. स्त्री.–बाम मछली, सर्प मीन।
मारमुहरः (مارمهره) फा. पुं.–साँप का मन, मणि।
मा'रिकः (معرکہ) अ. पुं.–मैदान, क्षेत्र; युद्ध, संग्राम, लड़ाई; वाद-विवाद, बहस; धूम-धाम, हंगामा; उपद्रव, फ़साद।
मा'रिकःआरा (معرکہ آرا) अ. फा. वि.–लड़नेवाला, योद्धा।
मा'रिकःआराई (معرکہ آرائی) अ. फा. स्त्री.–लड़ाई, युद्ध, जंग।
मा'रिकःगाह (معرکہ گاہ) अ. फा. स्त्री.–लड़ाई का स्थान, युद्ध-क्षेत्र, समराङ्गण, मैदानजंग।
मा'रिज़ (معرض) अ. पुं.–ज़ाहिर होने की जगह, प्रकट होने का स्थान; दौरान, दरमियान; के लिए।
मा'रिज़े इल्तिवा (معرض التوا) अ. पुं.–स्थगित होने के लिए, अर्थात् स्थगित, दे. 'मा'रिज़' दोनों शुद्ध हैं, यह 'में' के साथ बोला जाता है जैसे—मा'रिज़े इल्तिवा में।
मा'रिज़े ख़तर (معرض خطر) अ. पुं.–ख़त्रे के बीच में अर्थात् ख़त्रे में (में के साथ बोला जाता है, जैसे—मा'रिज़े ख़तर में)।
मा'रिफ़ः (معرفہ) अ. पुं.–व्यक्तिवाचक संज्ञा, किसी ख़ास चीज़ का नाम, जैसे—राम, अली आदि।
मा'रिफ़त (معرفت) अ. स्त्री.–द्वारा, हस्ते, ज़रिये से; अध्यात्म, तसव्वुफ़; परिचय, जान-पहचान।
मा'रूज़ः (معروضہ) अ. पुं.–प्रार्थना, गुज़ारिश; प्रार्थना-पत्र, अर्ज़ी।
मा'रूज़ (معروض) अ. वि.–वह बात जो कही गयी हो, कथित, उक्त।

मा'रूज़ात (معروضات) अ. स्त्री.–प्रार्थनाएँ, गुज़ारिशें।

मारूत (ماروت) अ. पुं.–एक फ़िरिश्ता जिसके सम्बन्ध में प्रसिद्धि है कि वह दूसरे फ़िरिश्ते 'हारूत' के साथ, 'बाबिल' के कुएँ में बन्द है, और लोगों को जादू सिखाता है।

मा'रूफ़ (معروف) अ. वि.–प्रसिद्ध, ख्यात, मशहूर; वह क्रिया जिसका कर्त्ता ज्ञात हो।

मारे आस्तीं (مار آستیں) फा. पुं.–आस्तीन का साँप, वह दुश्मन जो पास रहता है।

मारे दुज़बाँ (مار دوزباں) फा. पुं.–दो जीभोंवाला साँप; वह व्यक्ति जो इधर कुछ कहे और उधर कुछ, द्विजिह्व, चुगलख़ोर, मुनाफ़िक़।

मारे सियाह (مار سیاه) फा. पुं.–काला साँप, नाग।

माल (مال) फा. प्रत्य.–मला-दला हुआ, जैसे—'पामाल' पैरों से मला-दला हुआ।

माल (مال) अ. पुं.–धन, रकम, दौलत; अच्छे-अच्छे खाने; बहुमूल्य वस्तु; महत्त्व, हक़ीक़त।

मालख़ानः (مال خانه) अ. फा. पुं.–माल रखने का मकान, गोदाम; कोषागार, ख़ज़ाना; कलक्टरी आदि का वह सरकारी मकान जिसमें तलाशी से मिला हुआ या इसी प्रकार कोई सामान रखा जाता है।

मालगुज़ार (مال گزار) अ. फा. वि.–मालगुज़ारी अदा करनेवाला, ज़मींदार।

मालगुज़ारी (مال گزاری) अ. फा. स्त्री.–ज़मीन का वह कर जो सरकार को दिया जाता है।

मालज़ब्ती (مال ضبطی) अ. स्त्री.–माल की क़ुर्क़ी और उस पर सरकारी क़ब्ज़ा।

मालज़ादः (مال زاده) अ. फा. पुं.–रंडी का लड़का, वेश्या-पुत्र।

मालज़ादी (مال زادی) अ. फा. स्त्री.–वेश्या-पुत्री, व्यभिचारिणी, एक गाली।

मालज़ामिन (مال ضامن) अ. पुं.–वह व्यक्ति जो इस बात की ज़मानत करे कि यदि अमुक व्यक्ति भाग जायगा या रुपया न अदा कर सकेगा तो उसके बदले में अदा करूँगा।

मालदार (مال دار) अ. फा. वि.–धनी, धनवान्, समृद्ध, दौलतमंद।

मालमख़ूलिया (مالنخولیا) अ. पुं.–शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु 'मालीख़ूलिया' बोला जाता है, दे. 'मालीख़ूलिया'।

मालमुज्रिम (مال مجرم) अ. पुं.–माल का चोर चोर।

मा लहू व मा अलैह (ما لہ وما علیہ) अ. वा.–विवरण, तफ़सील, अच्छाई-बुराई।

मालामाल (مالامال) अ. फा. वि.–समृद्ध, सम्पन्न, जिसके पास बहुत माल हो; भरपूर, बहुत अधिक।

माला यन्हल (مالاینحل) अ. वि.–वह समस्या जो हल न हो सके, असाध्य।

मालायुताक़ (مالایطاق) अ. वि.–जिसकी शक्ति न हो, ऐसा काम, बस से बाहर का काम, वह काम जो न हो सके।

मालिकः (مالکه) अ. स्त्री.–स्वामिनी, मालिक स्त्री।

मालिक (مالک) अ. पुं.–स्वामी, आक़ा; पति, शौहर; ईश्वर, ख़ुदा; उपभोक्ता, क़ाबिज़; अधिकारी, मुख़्तार; पदाधिकारी अफ़्सर; अध्यक्ष, सरदार; नरक का अध्यक्ष देवता।

मालिकानः (مالکانه) अ. फा. अव्य.–मालिकों-जैसा, मिल्कियत का।

मालिकुलमुल्क (مالک الملک) अ. पुं.–मुल्क का मालिक, देश का स्वामी, नरेश; ईश्वर।

मालिके हक़ीक़ी (مالک حقیقی) अ. पुं.–सच्चा स्वामी अर्थात् ईश्वर।

मालियः (مالیه) अ. पुं.–राजस्व, लगान।

मालियत (مالیت) अ. स्त्री.–धन-दौलत; कुल क़ीमत, पूरा मूल्य।

मालियात (مالیات) अ. स्त्री.–मालियत का बहु., मालियतें, सम्पत्तियाँ।

मालियानः (مالیانه) अ. फा. अव्य.–राजस्व, लगान, मालिया।

मालिश (مالش) फा. स्त्री.–मलाई, मर्दन; मतली, जी मतलाना।

मालीदः (مالیده) फा. पुं.–मला हुआ, मर्दित।

माली (مالی) अ. वि.–माल-सम्बन्धी; माल का।

मालीख़ूलिया (مالیخولیا) अ. पुं.–मिराक़, ख़ब्त, उन्माद, मस्तिष्क-विकृति, एक रोग विशेष।

मालीदःगोश (مالیده گوش) फा. वि.–जिसके कान उमेठे गये हों, चौकन्ना, चौकस, होशियार।

मालीदनी (مالیدنی) फा. वि.–मलने के क़ाबिल, मर्दनीय।

मालूफ़ (مالوف) अ. वि.–जिससे प्रेम हो, प्यारा, अज़ीज़, जैसे—'वतने मालूफ़'।

मा'लूम (معلوم) अ. वि.–ज्ञात, जाना हुआ; स्पष्ट, वाज़ेह; प्रकट, ज़ाहिर; असंभव, नामुमकिन।

मा'लूमात (معلومات) अ. उभ.–जानकारी, इल्म, ज्ञान; अनुभव, तज्रिबा; पांडित्य, इल्मीयत।

मा'लूल (معلول) अ. वि.–वह चीज़ जिसका कोई कारण हो, कारण सहित।

माले अम्‌वात (مال اموات) अ. पुं.–मुर्दा का माल, लावारिसी माल।
माले कासिद (مال کاسد) अ. पुं.–खोटा माल, खोटा सोना-चाँदी इत्यादि।
माले ग़नीमत (مال غنیمت) अ. पुं.–युद्ध में शत्रु के देश से लूटा हुआ माल।
माले ग़ैरमन्क़ूलः (مال غیر منقولہ) अ. पुं.–वह संपत्ति जो एक जगह से दूसरी जगह न जा सके, जैसे—मकान आदि, अचल संपत्ति।
माले तैयिब (مال طیب) अ. पुं.–हलाल की कमाई, पसीने की कमाई, पवित्र धन।
माले मक़्रूक़ (مال مقروق) अ. तु. पुं.–क़ुर्क़ी किया हुआ माल, वह माल जो क़ुर्क़ हो गया हो।
माले मत्रूकः (مال متروکہ) अ. पुं.–वह धन और संपत्ति जिसे मृत व्यक्ति ने छोड़ी हो, दाय।
माले मन्क़ूलः (مال منقولہ) वह संपत्ति जो हटायी जा सके, जैसे—रुपया, मवेशी आदि, चल संपति।
माले महमूलः (مال محمولہ) अ. पुं.–वह माल जो किसी सवारी पर लदा हो, जैसे—गाड़ी पर, रेल पर या जहाज़ पर।
माले मुफ़्त (مال مفت) अ. फा. पुं.–वह धन जो बिना परिश्रम के फोकट में मिला हो।
माले लावारिस (مال لاوارث) अ. पुं.–वह धन या संपत्ति जिसका कोई उत्तराधिकारी न हो।
माले वक़्फ़ (مال وقف) अ. पुं.–वह धन या संपत्ति जो किसी कार्य-विशेष के लिए सर्मापित हो।
माले साइर (مال سائر) अ. पुं.–मालगुजारी के अतिरिक्त दूसरी आमदनी से प्राप्त धन, जैसे—कस्टम आदि से।
मालेह (مالح) अ. वि.–नमकीन, लवणयुक्त, सुन्दर, लावण्य।
माले हराम (مال حرام) अ. पुं.–वह धन जो अविहित उपायों से कमाया गया हो, बुरी कमाई, अविनीत संपत्ति।
माले हलाल (مال حلال) अ. पुं.–दे. 'माले तैयिब'।
मालोज़र (مال وزر) अ. फा. पुं.–धन-दौलत, रुपया-पैसा।
मालोमताअ (مال ومتاع) अ. फा. पुं.–धन और दूसरा सामान।
मालोमनाल (مال ومنال) अ. पुं.–दे. 'मालोमताअ'।
मावजब (ماوجب) अ. वि.–जो उचित हो, जैसा मुना-सिब हो, यथोचित।
मावरा (ماورا) अ. वि.–परे, पर, अतीत; अतिरिक्त, अलावा।
मावराउन्नह्र (ماوراءالنہر) अ. पुं.–नदी के उस पार का इलाक़ा, चूँकि तूरान (तुर्किस्तान) जैहून नदी के उस पार था, इसलिए ईरानियों ने उसे 'मावराउन्नह्र' कहा।
मावराए अक़्ल (ماوراے عقل) अ. वि.–बुद्धि की पहुँच से आगे, बुद्धि से परे, दुर्बोध।
मावराए तख़ैयुल (ماوراے تخیل) अ. वि.–खयाल की पहुँच से परे, कल्पनातीत, जहाँ खयाल न पहुँच सके।
मावराए नज़र (ماوراے نظر) अ. वि.–नज़र की पहुँच से आगे, जहाँ तक दृष्टि न पहुँच सके, दृष्टि से परे अचक्षु-विषय।
मावराए फ़ह्म (ماوراے فہم) अ. वि.–समझ से बाहर, ज्ञानातीत, अज्ञेय, बोधागम्य।
मावराए हिस (ماوراے حس) अ. वि.–इंद्रियों की पहुँच से आगे, इंद्रियों से परे, अतीन्द्रिय।
मावा (ماوا) अ. पु.–रक्षा-स्थान, पनाह की जगह, मामन।
माशः (ماشہ) फा. पु.–आठ रत्ती का एक भार, आठ रत्ती की तोल, तोले का बारहवाँ भाग।
माश (ماش) फा पुं.–उरद, माष, एक ग़ल्ला।
मा'शर (معشر) अ. पुं.–मित्रों और परिजनों की मंडली, दोस्तों और अज़ीज़ों की जमाअत; दल, समुदाय, जमाअत।
माशाअल्लाह (ماشاءاللہ) अ. वा.–साधु-साधु, वाह-वाह; ईश्वर नजर लगने से बचाये; (व्या.), वाह-वाह, खूब-खूब, जैसे—माशाअल्लाह आपने अच्छा इंसाफ़ किया (जब अन्याय किया हो)।
माशितः (ماشطہ) अ. स्त्री.–स्त्रियों या दुल्हनों की कंघी-चोटी करनेवाली, नाइन, प्रसाधिका, मश्शातः।
माशियः (ماشیہ) अ. पुं.–चौपाया, पशु, मवेशी।
माशी (ماشی) अ. वि.–पैरों से चलनेवाला; चुग़लख़ोर, पिशुन।
मा'शूक़ः (معشوقہ) अ. स्त्री.–वह स्त्री जिससे इश्क़ हो, प्रेमिका, प्रेयसी, प्रणयिनी, प्रेमास्पदा, प्रियतमा, प्रिया, कांता, वल्लभा, महबूबः।
मा'शूक़ (معشوق) अ. वि.–प्रेमपात्र, प्रियतम, प्रिय।
मा'शूक़ानः (معشوقانہ) अ. फा. अव्य.–मा'शूक़ों-जैसा, मा'शूक़ियत लिये हुए, नाज़ोअंदाज़ से भरा हुआ।
मा'शूक़ियत (معشوقیت) अ. स्त्री.–मा'शूक़पन, नाज़ो-अंदाज़, हाव-भाव।
माशूक़े मजाज़ी (معشوق مجازی) अ. पुं.–वह मा'शूक़ जो मानवजाति से सम्बन्ध रखता हो, आदमी।
माशूक़े हक़ीक़ी (معشوق حقیقی) अ. पुं.–वह मा'शूक़ जिसका सम्बन्ध आत्मा से हो, ईश्वर।

मासफ़ा (ماصفا) अ. वि.—वह चीज़ जो स्वच्छ और पवित्र हो, साफ़ और अच्छी चीज़।

मासबक़ (ماسبق) अ. वि.—जो पहले गुज़र चुका हो, पहलेवाला; पूर्वकथित, पहले कहा हुआ।

मासलफ़ (ماسلف) अ. वि.—गुज़रा हुआ, विगत, बीता हुआ।

मासिकः (ماسکه) अ. स्त्री.—वह शक्ति जो आमाशय में ग़िज़ा को रोकती है, आमाशय की ग्राह्यशक्ति।

मा'सियत (معصیت) अ. स्त्री.—पाप, पातक, गुनाह; अवज्ञा, नाफ़रमानी; उद्दंडता, सरकशी।

मा'सियत शिआर (معصیت‌شعار) अ. वि.—पापी, पातकी, जिसका काम ही पाप करना हो।

मासिवल्लाह (ماسوااللہ) अ. वि.—ईश्वर के अतिरिक्त शेष और सब कुछ, सांसारिक वस्तुएँ।

मासिवा (ماسوا) अ. वि.—'मासिवल्लाह' का लघु., दे. 'मासिवल्लाह'।

मा'सूम (معصوم) अ. वि.—जिसने पाप न किया हो, निष्पाप; वह व्यक्ति जो ईश्वर के यहाँ से निष्पाप आया हो।

मा'सूम सिफ़त (معصوم صفت) अ. वि.—मा'सूमों-जैसा, भोला-भाला, निर्दोष।

मा'सूमियत (معصومیت) अ. स्त्री.—मा'सूमपन, भोलापन, सिधाई।

मा'सूमी (معصومی) अ. वि.—दे. 'मा'सूमियत'।

मास्त (ماست) फ़ा. पुं.—दही, दधि।

मास्तबंद (ماست‌بند) फ़ा. पुं.—पनीर बनानेवाला।

माह (ماه) फ़ा. पुं.—चंद्र, चंद्रमा, शशि, इंद्र, विधु, सोम, चाँद, शशांक।

माहचः (ماهچه) फ़ा. पुं.—वह चाँद जो टोपी आदि में या झंडे के सिरे पर लगाते हैं।

माहजबीं (ماهجبیں) फ़ा. वि.—चाँद-जैसा उज्ज्वल माथा रखनेवाला (वाली) चंद्रभाल।

माहज़र (ماحضر) अ. पुं.—जो कुछ उपस्थित है, जो मौजूद है; वह खाना जो घर में तैयार है, बेतकल्लुफ़ी का खाना, रूखा-सूखा जो कुछ है वह।

माहतल्अत (ماهطلعت) फ़ा. अ. वि.—जो देखने में बिलकुल चांद जान पड़े, अत्यन्त सुन्दर, (सुंदरी) चंद्रानना।

माहताब (ماهتاب) फ़ा. पुं.—चंद्र, चंद्रमा, चाँद; ज्योत्स्ना, चंद्रातप, चंद्रिका, चाँदनी; गंजिफ़े का वज़ीर; एक आतशबाज़ी, महताब।

माहताबी (ماهتابی) फ़ा. स्त्री.—एक प्रकार की आतशबाज़ी, महताब; वह छोटी इमारत जो बाग के हौज़ पर चाँदनी की सैर के लिए बनी हो।

माहदरअक़्रब (ماه‌درعقرب) फ़ा. अ. वि.—चंद्रमा का वृश्चिक राशि में प्रवेश जो बहुत अशुभ होता है।

माहनामः (ماهنامه) फ़ा. पुं.—वह पत्रिका जो महीने में एक बार निकले, मासिकपत्र।

माहपारः (ماهپاره) फ़ा. वि.—चाँद का टुकड़ा, चाँद-जैसी आकृतिवाला (वाली)।

माहपैकर (ماهپیکر) फ़ा. वि.—चाँद-जैसे सुन्दर डीलडौलवाला (वाली)।

माह ब माह (ماه‌بماه) फ़ा. वि.—हर महीने, मास प्रतिमास।

माहरुख़ (ماهرخ) फ़ा. वि.—चाँद-जैसे मुँहवाला (वाली) चंद्रवदन, चंद्रवदना, चंद्रमुख, चंद्रमुखी।

माहरू (ماهرو) फ़ा. वि.—दे. 'माहरुख़'।

माहलिक़ा (ماهلقا) फ़ा. अ. वि.—दे. 'माहतलअत'।

माहवश (ماهوش) फ़ा. वि.—चाँद-जैसा (-जैसी)।

माहवार (ماهوار) फ़ा. वि.—हर महीने, मासिक।

माहवारी (ماهواری) फ़ा. वि.—दे. 'माहवार', (स्त्री.) मासिक-धर्म, हैज़।

माहशमाइल (ماهشمائل) फ़ा. अ. वि.—दे. 'माहतल्अत'।

माहसल (ماحصل) अ. पुं.—जो कुछ मिला हो, जो हासिल हुआ हो; निष्कर्ष, नतीजः सारांश, खुलासा।

माहसीमा (ماهسیما) फ़ा. अ. वि.—दे. 'माहजबीं'।

माहसूरत (ماهصورت) फ़ा. अ. वि.—दे. 'माहरुख़'।

माहानः (ماهانه) फ़ा. अव्य.—हर महीने का, माहवार, प्रतिमास।

माहिए बेआब (ماهیٔ بےآب) फ़ा. स्त्री.—बिना पानी की मछली, जलहीन मीन, अर्थात् बहुत दुखी, बहुत व्याकुल।

माहियानः (ماهیانه) फ़ा. पुं.—वेतन, तनख़्वाह, माहवारी तनख़्वाह; माहवारी, महीने का, मासिक।

माहिर (ماهر) अ. वि.—दक्ष, कुशल, होशियार; अभ्यस्त, मश्शाक़।

माहिरे कामिल (ماهر کامل) अ. वि.—किसी फ़न का पूरा माहिर, पारंगत।

माहिरे ख़ुसूसी (ماهر خصوصی) अ. वि.—किसी विशेष फ़न का विशेष ज्ञाता, विशेषज्ञ, वैशेषिक।

माहिरे फ़न (ماهر فن) अ. वि.—फ़न का ज्ञाता, कलामर्मज्ञ, कलाकार।

माही (ماحی) अ. वि.–महूव करनेवाला, मिटानेवाला, नष्टकर्ता।

माही (ماهی) फा. पुं.–मीन, मत्स्य. माछी, मछली।

माहीगीर (ماهی گیر) फा. वि.–मछली पकड़नेवाला, मछलियों का रोज़गार करनेवाला, मत्स्यजीवी।

माहीचः (ماهیچه) फा. स्त्री.–सिवैयाँ।

माहीखोर (ماهی خور) फा. वि.–मछली खानेवाला, मत्स्य-भोजी।

माहीनः (ماهینه) फा. अव्य.–महीना, मास।

माहीपुश्त (ماهی پشت) फा. वि.–वह जो बीच में ऊँचा और इधर-उधर नीचा हो, उन्नतोदर, मुहद्दब।

माहीफ़रोश (ماهی فروش) फा. वि.–मछली बेचनेवाला, मत्स्य-वणिक्, मीन-व्यवसायी।

माहीमरातिब (ماهی مراتب) फा. अ. पु.–मछली आदि के आकार के वह निशानात जो बादशाहों की सवारी के आगे हाथियों पर चलते हैं।

माहीयत (ماهیئت) अ. स्त्री.–वास्तविकता, हक़ीक़त; गुण, खासियत; क्या है, कैसा है, किस प्रकार का है, यह सब विवरण।

मा'हूद (معہود) अ. वि.–वह बात जो दिल में बैठी हो।

मा'हूदानः (ماهودانه) फा. पुं.–जमालगोटा।

मा'हूदे ख़ारिजी (معہود خارجی) अ. पुं.–वह जातिवाचक संज्ञा जो कारण-विशेष से व्यक्तिवाचक बन जाय, जैसे—'खलील' जो जातिवाचक है, परन्तु हज़रत इब्राहीम के लिए बोला जाता है।

माहूदे ज़ेह्नी (معہود ذهنی) अ. वि.–वह संज्ञा जो हो तो जातिवाचक, परन्तु किसी के ज़ेहन में व्यक्तिवाचक हो, जैसे—शत्रु जातिवाचक है, परन्तु कोई शत्रु कहकर, मन में उससे 'व्यक्ति-विशेष' को समझता है।

माहे कन्आँ (ماه کنعاں) फा. अ. पुं.–हज़रत यूसुफ़।

माहे क़मरी (ماه قمری) फा. अ. पुं.–चाँद का महीना, चान्द्र-मास, जिस महीने का हिसाब चाँद की घटा-बढ़ी से हो।

माहे कामिल (ماه کامل) फा. अ. पुं.–चौदहवीं का चाँद, पूरा चाँद, पूर्णचंद्र, राकेश।

माहे खानगी (ماه خانگی) फा. स्त्री.–घर गिरिस्तनी, जिससे इश्क़ किया जाय, जो बाजारी स्त्री न हो।

माहे गिरिफ़्तः (ماه گرفته) फा. पुं.–ग्रस्त (ग्रहण लगा) हुआ चाँद।

माहे चारदहुम (ماه چاردهم) फा. पुं.–चौदहवीं रात का चाँद, पूर्णचंद्र।

माहे तावाँ (ماه تاباں) फा. पुं.–चमकता हुआ चाँद, पूरा चाँद, प्रेयसी का चन्द्रानन।

माहे दुहफ़्त. (ماه دوهفته) फा. पुं.–चौदहवीं का चाँद, राकेश।

माहे नख़्शब (ماه نخشب) फा. पुं.–वह चाँद जिसे हकीम इब्ने मुक़न्ना ने बनाया था।

माहे नौ (ماه نو) फा. अ. पुं.–नया चांद, नवचंद्र, बालेंदु।

माहे मिस्र (ماه مصر) फा. अ.–हज़रत यूसुफ़।

माहे मुनीर (ماه منیر) फा. अ. पुं.–चमकनेवाला चाँद, पूरा चाँद।

माहे मुबारक (ماه مبارک) फा. अ. पुं.–रम्ज़ान शरीफ़ का महीना, रोज़ों का चाँद।

माहे शम्सी (ماه شمسی) फा. अ. पुं.–वह महीना जिसका हिसाब सूर्य के चक्कर से होता है, ईसवी महीना।

माहे शिकस्तः (ماه شکسته) फा. पुं.–नया चाँद, नवचंद्र।

माहे सियाम (ماه صیام) फा. अ. पुं.–दे. 'माहे मुबारक'।

मि

मिंजल (منجل) अ. स्त्री.–खेत काटने का हँसिया, दराँती।

मिंतक़ः (منطقه) अ. पुं.–कटिबंध, सर्दी-गर्मी आदि के दृष्टि-कोण से पृथ्वी के खंड, हर खंड एक मिंतक़ा कहलाता है; पटका, कमर में बाँधने की पेटी।

मिंतक़ (منطق) अ. पुं.–पटका, पेटी, कटिबंध।

मिंतक़ए बारिदः (منطقهٔ بارده) अ. पुं.–शीत कटिबंध, वह मिंतक़ा जो बहुत अधिक ठंडा है।

मिंतक़ए मा'तदिलः (منطقهٔ معتدله) अ. पुं.–सम शीतोष्ण कटिबंध, वह मिंतक़ा जहाँ न बहुत ठंड है न गर्म।

मिंतक़ए मोह्रक़ः (منطقهٔ محرقه) अ. पुं.–दे. 'मिंतक़ए हारः'।

मिंतक़ए हारः (منطقهٔ حاره) अ. पुं.–उष्ण कटिबंध, वह मिंतक़ा जो बहुत गर्म है।

मिंतक़तुल बुरूज (منطقةالبروج) अ. पुं.–राशिचक्र, भचक्र।

मिंतक़ात (منطقات) अ. पुं.–'मिंतक़ः' का बहु., मिंतक़े।

मिंदील (مندیل) अ. पुं.–कमर में बाँधने का विशेष रूमाल; सर पर बाँधने का विशेष रूमाल।

मिंबर (منبر) अ. पुं.–मस्जिद में वह ऊँचा स्थान जहाँ इमाम खुत्बा पढ़ता है।

मिंशफ़ (منشف) अ. पुं.–तौलिया, जिस्म पोंछने का अँगोछा।

मिंशार (منشار) अ. पुं.–आरा, लकड़ी चीरने का यंत्र; खबर फैलाने का यंत्र।

मिसफ़ः (مِنسفہ) अ. पुं.—वह पाँच शाखोंवाली लकड़ी जिससे खलियान का लाँक ऊपर-नीचे करते हैं, पचा।

मिआ (معا) अ. स्त्री.—अंत्र, आँत।

मिआए मुस्तक़ीम (معاے مستقیم) अ. स्त्री.—सीधी आँत, शरीर की एक आँत।

मिक़स [स्स] (مقص) अ. स्त्री.—वह रस्सी जिससे दुहते समय जानवर के पाँव बाँधते हैं।

मिक़्तल (مقتل) अ. पुं.—क़त्ल करने का आला।

मिक़्ताल (مقتال) अ. पुं.—वध करने का यंत्र, छुरी।

मिक़्दार (مقدار) अ. स्त्री.—मात्रा, वज़्न, तोल; अनुमिति, अंदाज़ा (तोल का)।

मिक्नसः (مکنسہ) अ. स्त्री.—झाड़ू, मार्जनी।

मिक़्ना (مقنع) अ. पुं.—दूल्हा के ओढ़ने का महीन कपड़ा, जिस पर सेहरा रहता है; स्त्रियों के ओढ़ने की महीन चादर, ओढ़नी।

मिक़्नातीस (مقناطیس) अ. पुं.—चुम्बक पत्थर, दे. 'मक़्नातीस', दोनों शुद्ध हैं।

मिक्नास (مکناس) अ. पुं.—दे. 'मिक्नसः'।

मिक्याल (مکیال) अ. पुं.—सूखी वस्तु नापने का बर्तन।

मिक़्यास (مقیاس) अ. पुं.—मानयंत्र, नापने का आला, अनुमान का यंत्र।

मिक़्यासुलमतर (مقیاس المطر) अ. पुं.—वर्षा का जल नापने का यंत्र, वर्षमान।

मिक़्यासुलमा (مقیاس الما) अ. पुं.—पानी का हलका भारीपन जानने का यंत्र।

मिक़्यासुलमौसिम (مقیاس الموسم) अ. पुं.—मौसम का हाल जानने का यंत्र।

मिक़्यासुललबन (مقیاس اللبن) अ. पुं.—दूध की मिलावट जानने का यंत्र।

मिक़्यासुलहरारः (مقیاس الحرارہ) अ. पुं.—शरीर की गर्मी, बुखार नापने का यंत्र, थर्मामीटर, तापमापक।

मिक़्यासुलहवा (مقیاس الهوا) अ. पुं.—हवा का वेग जानने का यंत्र, वायुयंत्र।

मिक़्राज़ (مقراض) अ. स्त्री.—क़ैंची, कर्त्री, कर्तरी, कर्तनी।

मिक़्वल (مقول) अ. पुं.—ज़बान, जीभ, जिह्वा।

मिक़्वा (مقوا) अ. पुं.—दफ़्ती, पट्ठा; वह चीज़ जिससे कोई वस्तु पुष्ट की जाय।

मिक्वात (مکوات) अ. स्त्री.—शरीर के दागने का यंत्र; कपड़ों पर करने की इस्त्री।

मिक्हल (مکحل) अ. स्त्री.—सुर्मा लगाने की सलाई, अंजन-शलाका।

मिख़्लात (مخلات) अ. पुं.—घोड़े का तोबड़ा जिसमें उसे दाना खिलाया जाता है।

मिग़्फ़र (مغفر) अ. पुं.—खोद, शिरस्त्राण, लोहे की फ़ौजी टोपी।

मिग़्रफ़ः (مغرفہ) अ. पुं.—डोई, चमचा, कफ़गीर।

मिजस (مجس) अ. पुं.—नब्ज़ पर हकीम के हाथ रखने का स्थान, नाड़ी देखने का स्थान।

मिज़ाज (مزاج) अ. पुं.—स्वभाव, आदत; गुण, खासियत; प्रकृति, तबीअत; अभिमान, घमंड; नाज़-नख़्रा. जी, मन।

मिज़ाजदाँ (مزاجداں) अ. फा. वि.—जो किसी की प्रकृति से परिचित हो, जो स्वभाव पहचानकर उसी के अनुसार बात करता हो।

मिज़ाजदानी (مزاجدانی) अ. फा. स्त्री.—मिज़ाज पहचानना; स्वभाव के अनुसार बात करना; हाँ में हाँ मिलाना।

मिज़ाजपुर्सी (مزاجپرسی) अ. फा. स्त्री.—रोगी को देखने और उसे दिलासा देने के लिए जाना; साधारण किसी से मिलने जाना।

मिज़ाजशनास (مزاجشناس) अ. फा. वि.—दे. 'मिज़ाजदाँ'।

मिज़ाजशनासी (مزاجشناسی) अ. फा. स्त्री.—दे. 'मिज़ाजदानी'।

मिज़ाजे आली (مزاجعالی) अ. पुं.—दे. 'मिज़ाजे मुबारक'।

मिज़ाजे मुबारक (مزاجمبارک) अ. पुं.—आपका मिज़ाज कैसा है? मुलाक़ात के वक़्त कहते हैं।

मिज़ाजे शरीफ़ (مزاج شریف) अ. पुं.—'दे. मिज़ाजे मुबारक'।

मिज्दाफ़ (مجداف) अ. पुं.—वह तिकोनी चौड़ी लकड़ी जो नाव में बाँधते हैं और उससे नाव को चलाते हैं, डाँड़।

मिज़्मर (مزمر) अ. पुं.—एक बाजा, बर्बत; बाँसुरी, मुरली।

मिज्मर (مجمر) अ. स्त्री.—धूपदानी, अगरदानी; अँगीठी, अंगारधानी, गोरसी।

मिज़्मार (مضمار) अ. पुं.—घोड़ों को सधाने के लिए दौड़ाने का मैदान।

मिज़्मार (مزمار) अ. स्त्री.—बाँसुरी, बंसी, वंशी, मुरली।

मित्रक़ः (مطرقہ) अ. पुं.—हथौड़ा, जिससे निहाई पर लोहा कूटते हैं, घन।

मित्हन (مطحن) अ. स्त्री.—आटा पीसने की चक्की, पेषणी।

मिदाद (مداد) अ. स्त्री.—मसि, सियाही, रौशनाई।

मिद्फ़ा' (مدفع) अ. पुं.—तोप।

मिद्हत (مدحت) अ. स्त्री.—प्रशंसा, श्लाघा, ता'रीफ़; स्तुति, कीर्तन, हम्दोसना।

मिद्हतसरा (مدحت سرا) अ. फा. वि.–प्रशंसक, श्लाघी, तारीफ़ करनेवाला; स्तुतिपाठक, हम्दोसना करनेवाला।

मिन (من) अ. अव्य–से।

मिन अव्वलिही इला आखिर ही (من اولہ الی آخرہ) अ. वा.–शुरू से आखीर तक, आद्योपान्त।

मिन कुल्लिलवुजूह (من کل الوجوہ) अ. वा.–हर प्रकार से, पूरे तौर पर, सब तरह से।

मिनखल (منخل) अ. स्त्री.–चालनी, चलनी।

मिनजानिब (منجانب) अ. अव्य.–ओर से, तरफ़ से।

मिनजानिबिल्लाह (من جانب اللہ) अ. वा.–ईश्वर की ओर से, ईश्वर की महिमा से।

मिनजुम्लः (من جملہ) अ. अव्य.–सब में से।

मिना (منا) अ. पुं.–मक्के का एक स्थान जहाँ हज के दूसरे दिन हाजी लोग क़ुर्बानी करते और हजामत बनवाते हैं।

मिनोअन (من وعن) अ. वि.–पूरा-पूरा, साफ़-साफ़, जैसा का तैसा, ज्यों का त्यों, अक्षरशः।

मिन्क़ार (منقار) अ. स्त्री.–चोंच, चंचु।

मिन वजहिनः (من وجہ) अ. अव्य.–एक प्रकार से, एक तरह से, एक सूरत से।

मिनहा (منہا) अ. वि.–उन सब में से; निकाला हुआ, कम किया हुआ; घटाया हुआ, तफ़रीक़ किया हुआ।

मिनहाई (منہائی) अ. स्त्री.–कमी, कटौती, तफ़रीक़, व्यवकलन।

मिन्हाज (منہاج) अ. स्त्री.–मार्ग, पथ, रास्ता; राजमार्ग, सड़क।

मिफ़्ताह (مفتاح) अ. स्त्री.–कुंजी, ताली, कुंचिका।

मिब्ज़ाक़ (مبزاق) अ. पुं.–उगालदान, थूकने का पात्र।

मियाँ (میاں) फा. वि.–'मियान' का लघु., दे. 'मियान'।

मियांजी (میانجی) फा. पुं.–एलची, दूत; एलचीगरी, दूत-कर्म, दौत्य।

मियाँतिही (میاں تہی) फा. वि.–जिसका बीच खाली हो; वह बिस्तर जिसके बीच में रूई न हो।

मियाँबंद (میاں بند) फा. पुं.–पटका, कमर की पेटी, कटिबंध।

मियाँबाला (میاں بالا) फा. वि.–दरमियानी क़द का, न ठिगना न लंबा।

मियानः (میانہ) फा. पुं.–एक प्रकार की पालकी, (वि.) दरमियानी, बीच का, माध्यमिक।

मियानःक़द (میانہ قد) फा. अ. वि.–बीच के क़द का, न लम्बा न ठिगना।

मियानःक़ामत (میانہ قامت) फा. अ. वि.–दे. 'मियानः क़द'।

मियानःगीर (میانہ گیر) फा. वि.–बीच की चीज लेनेवाला, हर काम में एतिदाल बरतनेवाला।

मियानःरवी (میانہ روی) फा. स्त्री.–बीच की चाल, सरलाचार।

मियानःरौ (میانہ رو) फा. वि.–बीच की चाल चलनेवाला, सरलाचारी।

मियान (میان) फा. वि.–मध्य, बीच (स्त्री.); तलवार की मियान, कोष; कमर, कटि।

मियाने राह (میان راہ) फा. पुं.–रास्ते के बीच में, रास्ते में; रास्ते का बीचोंबीच।

मियाने शह्र (میان شہر) फा. पुं.–नगर में; नगर का बीच।

मिराक़ (مراق) अ. पुं.–ख़ब्त, पागलपन।

मिराक़ी (مراقی) अ. वि.–ख़ब्ती, पागल।

मिर्आत (مرآت) अ. पुं.–आईनः, दर्पण, मुकुर, शीशा।

मिर्क़ात (مرقات) अ. पुं.–सोपान, सीढ़ी, ज़ीना।

मिर्ज़ा (مرزا) फा. पुं.–मीर्ज़ा का लघु., दे. 'मीर्ज़ा'।

मिर्ज़ाइयत (مرزائیت) फा. स्त्री.–मिर्ज़ापन; क़ादियानियत।

मिर्फ़क़ (مرفق) अ. स्त्री.–कुहनी।

मिर्वहः (مروحہ) अ. पुं.–पंखा, व्यजन।

मिर्साद (مرصاد) अ. पुं.–चौड़ा रास्ता, राजमार्ग, सड़क।

मिल्ह (ملح) अ. पुं.–नमक, लवण।

मिश्क (مشک) फा. पुं.–दे. 'मुश्क'।

मिश्कात (مشکوات) अ. स्त्री.–वह बड़ा ताक़ जिसमें चिराग़, फ़ानूस या क़िंदील रखा जाय।

मिश्कीं (مشکیں) फा. वि.–दे. 'मुश्कीं'।

मिश्कीं मू (مشکیں مو) फा. वि.–दे. 'मुश्कीं मू'।

मिश्त (مشط) अ. स्त्री.–कंघी, प्रसाधनी।

मिस (مس) फा. पुं.–एक प्रसिद्ध धातु, ताँबा, ताम्र।

मिसगर (مس گر) फा. वि.–ताँबे का काम करनेवाला, ठठेरा।

मिसाल (مثال) अ. स्त्री.–उदाहरण, नज़ीर; समान, बराबर; चित्र, तस्वीर; आदेशपत्र, पर्वाना; आदर्श, नमूना।

मिसालन (مثالاً) अ. अव्य.–उदाहरणार्थ, मिसाल के तौर पर।

मिसाली (مثالی) अ. वि.–आदर्श, नमूने के तौर पर, नमूने का।

मिसी (مسی) फा. स्त्री.–ताँबे का; एक मंजन जिसे स्त्रियाँ बतौर सिंगार के इस्तेमाल करती हैं, मिस्सी।

मिसीमालीदः (مسی مالیدہ) फा. वि.–मिस्सी मले हुए होंठ।

मिस्क (مسک) अ. स्त्री.–दे. 'मुश्क'।

मिस्क़लः (مصقلہ) अ. पुं.–लोहे का एक यंत्र जिससे तलवार आदि चमकाये जाते हैं।

मिस्क़ल (مصقل) अ. पुं.–हथियारों को चमकाने का यंत्र, मिस्क़लः।

मिस्क़ाल (مثقال) अ. पुं.–साढ़े चार माशे की एक तौल।

मिस्कीं (مسکیں) अ. वि.–दीन, असहाय, आजिज़; दरिद्र, मुफ़्लिस; विनम्र, ख़ाकसार; भोला-भाला, सीधा-सादा, सरल।

मिस्कींतब्अ (مسکیں طبع) अ. वि.–बहुत ही सीधा साधा, सरल स्वभाव।

मिस्कींनवाज़ (مسکیں نواز) अ. फा. वि.–दीनों दुखियों को सहारा देनेवाला, दीन-पोषक।

मिस्कींसूरत (مسکیں صورت) अ. वि.–जिसकी सूरत से सिधाई और नम्रता टपकती हो।

मिस्कीन (مسکین) अ. वि.–दे. 'मिस्कीं'।

मिस्तबः (مستبہ-مصطبہ) अ. वि.–मदिरालय, शराबख़ाना, दे. 'मस्तबः', दोनों शुद्ध हैं।

मिस्तर (مسطر) अ. पुं.–काग़ज़ की दफ़्ती, जिस पर मोटा डोरा सतरों की पैमाइश का लगा देते हैं और वरक़ को उस पर रखकर दबाते हैं जिससे काग़ज़ पर सतरें बन जाती हैं।

मिस्दाक़ (مصداق) अ. वि.–वह, जिस पर कोई बात ठीक-ठीक घटित हो, चरितार्थ।

मिस्बाह (مصباح) अ. पुं.–दीप, दीपक, चिराग़, दिया।

मिस्मार (مسمار) अ. वि.–नष्ट, ध्वस्त, मुनहदिम; सलाख़, मेख़।

मिस्र (مصر) अ. पुं.–एक प्रसिद्ध राष्ट्र जो अफ़्रीका में है।

मिस्रए तरह (مصرعِ طرح) अ. पुं.–वह मिस्रा' जो रदीफ़ क़ाफ़िया और वज़न बनाने के लिए मुशायरे में दिया जाता है।

मिस्रा' (مصرع) अ. पुं.–आधा शेर, एक चरण।

मिस्रा'अ (مصراع) अ. पुं.–दे. 'मिस्रा'।

मिस्री (مصری) अ. पुं.–मिस्र देश का निवासी, (स्त्री) मिस्र देश की भाषा; कूज़े या थाल में जमी हुई शकर।

मिस्वाक (مسواک) अ. स्त्री.–दाँत साफ़ करने की रेशेदार लकड़ी, दंतधावन, दतौन।

मिह (مہ) फा. वि.–बड़ा, महान्, बुज़ुर्ग।

मिहतर (مہتر) फा. वि.–महत्तम, बहुत बड़ा; सरदार, नायक; भंगी, मैला उठानेवाला।

मिहार (مہار) अ. स्त्री.–ऊँट की नकेल, दे. 'महार', दोनों शुद्ध हैं।

मिहतरी (مہتری) फा. स्त्री.–महत्त्व, बड़ाई; सरदारी, अध्यक्षता।

मिह्र (مہر) फा. स्त्री.–सूर्य, रवि, भानु, सूरज; प्रेम, दोस्ती। ममता, मामता; कृपा, दया।

मिह्रपर्वर (مہرپرور) फा. वि.–दे. 'मिह्रबान'।

मिह्रबान (مہربان) फा. वि.–दयावान्, कृपालु; मित्र, दोस्त।

मिह्रबानी (مہربانی) फा. स्त्री.–कृपा, दया, अनुग्रह, अनुकंपा, करम।

मिह्रवर (مہرور) फा. वि.–दे. 'मिह्रबान'।

मी

मीअः (میعہ) अ. पुं.–सलारस, एक गाढ़ी दवा, मीअए साइला।

मीअए साइलः (میعۂ سائلہ) अ. पुं.–सलारस।

मीआद (میعاد) अ. स्त्री.–समय, काल, वक़्त; निश्चित काल, मुक़र्ररः वक़्त; वादा, करार; अवधि, मुद्दत (हिन्दी में 'मियाद' इसी अर्थ में प्रचलित है।)

मीआदगाह (میعادگاہ) अ. फा. स्त्री.–वह स्थान जहाँ मिलने का वादा हो, जहाँ मिलना नियत हो।

मीआदी (میعادی) अ. वि.–मीआदवाला, जो किसी नियत समय तक रहे, जैसे—मीआदी बुख़ार।

मीआदे मुऐयनः (میعاد معینہ) अ. स्त्री.–नियत समय, निश्चित समय।

मीआदे मुक़र्ररः (میعاد مقررہ) अ. स्त्री.–दे. 'मीआदे मुऐयनः'।

मीकलः (میکلہ) अ. स्त्री.–हाँड़ी, देगची।

मीकाईल (میکائیل) अ. पुं.–रोज़ी का फ़रिश्ता।

मीक़ात (میقات) अ. स्त्री.–वादे का स्थान; हाजियों के एहराम बाँधने का स्थान।

मीकाल (میکال) अ. पुं.–दे. 'मीकाईल'।

मीज़नः (میذنہ) अ. पुं.–मस्जिद में अज़ान देने का स्थान।

मीज़ान (میزان) अ. स्त्री.–तराज़ू, तुला; कई संख्याओं का जोड़, योगफल।

मीज़ानियः (میزانیہ) अ. पुं.–बजट, आयव्ययक, आय-व्यय का सरकारी अनुमान।

मीज़ाने अद्ल (میزانِ عدل) अ. स्त्री.–सच्ची तराज़ू, जिसमें फेर न हो; वह तराज़ू जिसमें क़ियामत के दिन अच्छे-बुरे कर्म तुलेंगे।

मीज़ाने अमल (میزانِ عمل) अ. स्त्री.–दे. 'मीज़ाने अद्ल'।

मीज़ाब (میزاب) अ. पुं.–वह परनाला जिससे छनकर पानी आये।

मीना (مینا) फा. पुं.–शराब का जग, शराब का बड़ा कंटर; वह रंगीन शीशा जिससे चाँदी-सोने पर नक़्क़ाशी होती है।

मीनाई (مینائی) फा. वि.–शराब के शीशे से सम्बन्धित; एक वंश, शाहमीना का वंशज।

मीनाए मय (مینائے مے) फा. पुं.–शराब का बड़ा कंटर, क़राबा।

मीनाए लाजवर्द (مینائے لاجورد) फा. पुं.–आकाश, आस्मान।

मीनाकार (میناکار) फा. वि.–जड़ाऊ काम करनेवाला; जिस पर जड़ाऊ काम हो।

मीनाकारी (میناکاری) फा. स्त्री.–जड़ाऊ काम, चाँदी-सोने पर मुरस्सासाज़ी।

मीनाख़ानः (میناخانہ) फा. पुं.–जहाँ शीशे हों।

मीना बर बग़ल (مینا در بغل) फा. वि.–बग़ल में शराब की बोतल दबाये हुए।

मीनाफ़ाम (مینافام) फा. वि.–नीले रंगवाला।

मीनाबदस्त (مینابدست) फा. वि.–हाथ में शराब का शीशा लिये हुए।

मीनाबदोश (مینابدوش) फा. वि.–कंधे पर शराब का कंटर रखे हुए।

मीनाबाज़ार (میناباز‌ار) फा. पुं.–वह बाज़ार जिसमें केवल स्त्रियाँ क्रय-विक्रय करें, जिसे अकबर ने प्रचलित किया था।

मीनारंग (مینارنگ) फा. वि.–दे. 'मीनाफ़ाम'।

मीनार (مینار) उ. पुं.–लंबी लाट, मनार; वह ऊँची जगह जहाँ रोशनी करें।

मीनू (مینو) फा. पुं.–स्वर्ग, बिहिश्त; नीले रंग का; वह शीशा जो ज़ेवरों पर जड़ा जाता है, मीना।

मीनूअसास (مینواساس) फा. अ. वि.–स्वर्ग-जैसा सुन्दर और शोभित।

मीनूसवाद (مینوسواد) फा. अ. वि.–दे. 'मीनूअसास'।

मीनूसिरिश्त (مینوسرشت) फा. वि.–दे. 'मीनूअसास'।

मीम (میم) अ. पुं.–उर्दू एक अक्षर जो 'म' की आवाज़ देता है; नायिका के मुँह के दहाने से इसकी उपमा दी जाती है।

मीर (میر) अ. पुं.–'अमीर' का लघु., अग्रगण्य, सरआमद; अध्यक्ष, नायक, सरदार; आगे बढ़ जानेवाला; सैय्यदों की उपाधि।

मीरअर्ज़ (میرعرض) अ. पुं.–वह व्यक्ति जो लोगों के प्रार्थनापत्र बादशाह के सामने उपस्थित करता है।

मीरआख़ुर (میرآخور) अ. फा. पुं.–अश्वशाला का निरीक्षक, दारोग़ए अस्तबल।

मीरआख़ुरबाशी (میرآخورباشی) तु. पुं.–अश्वशाला के दारोग़ाओं का अध्यक्ष।

मीरआतश (میرآتش) अ. फा. पुं.–तोपख़ाने का अध्यक्ष।

मीरआब (میرآب) अ. फा. पुं.–जलसेना का नायक।

मीरइमारत (میرعمارت) अ. पुं.–शाही इमारतों की देख-रेख करनेवाला, चीफ इंजीनियर।

मीरक़ाफ़िलः (میرقافلہ) अ. पुं.–काफ़िले का सरदार।

मीरकारवाँ (میرکاروان) अ. फा. पुं.–दे. 'मीरे क़ाफ़िल'।

मीरज़ा (میرزا) फा. पुं.–शाही ख़ानदान के लोगों की उपाधि; मुग़ल जाति का व्यक्ति।

मीरज़ाई (میرزائی) फा. वि.–मीरज़ापन; सरदारी; शहज़ादगी।

मीरज़ादः (میرزادہ) फा. पुं.–मीर का लड़का, शहज़ादा।

मीरज़ामनिश (میرزامنش) अ. फा. वि.–भलामानस, शरीफ़।

मीरतुज़ुक (میرتوزک) अ. तु. पुं.–सेना का प्रबंध करनेवाला, सेनानायक।

मीरफ़र्श (میرفرش) अ.पु.–वह भारी पत्थर जो फ़र्श को दबाने के लिए चारों कोनों पर रखे जाते हैं, वह व्यक्ति जो अपने स्थान से हिले-डुले नहीं।

मीरबख़्शी (میربخشی) अ. फा. पुं.–वेतन बाँटनेवाला अफ़्सर।

मीरबह्र (میربحر) अ. पुं.–जलसेना का अध्यक्ष।

मीरमंज़िल (میرمنزل) अ. पुं.–वह व्यक्ति जो सेना के आगे चलकर पड़ाव का प्रबंध करता है।

मीरमत्बख़ (میرمطبخ) अ. पुं.–बावरचीख़ाने का दारोग़ा।

मीरमह्फ़िल (میرمحفل) अ. पुं.–सभापति, सदरे मज्लिस।

मीरमहल्लः (میر محلہ) अ. पुं.–महल्ले का चौधरी या मुख्या (मुखिया)।

मीरमुंशी (میرمنشی) अ. पुं.–दफ़्तर के तमाम क्लर्कों का नायक।

मीरमुशाअरः (میرمشاعرہ) अ. पुं.–कवि-सम्मेलन का सभापति।

मीरमैदाँ (میرمیدان) अ. फा. पुं.–योद्धा, जंगज; वीर, शूर बहादुर।

मीरशबगीर (میرشبگیر) अ. फा. पुं.–शहर कोतवाल, रात में गश्त करनेवाला।

मीरसामाँ (میرساماں) अ. फा. पुं.–खानसामाँ।

मीराँ (میراں) फा. पुं.–'मीर' का बहु., बड़े लोग।

मीरास (میراث) अ. स्त्री.–दाय, तरिका; वह ज़मीन आदि जो किसी को गुज़ारे के लिए दी गयी हो, नानकार।

मीरासी (میراثی) अ. वि.–मुसलमानों की एक जाति विशेष जो गाने-बजाने का काम करती है।

मीरी (میری) अ. वि.–अमीरी, सरदारी; सबसे अव्वल आनेवाला।

मीरे अर्ज़ (میرعرض) अ. पुं.–बादशाह के सामने प्रार्थनापत्र पेश करनेवाला (पेशकार)।

मीरे शिकार (میرشکار) अ. फा. पुं.–बादशाहों के शिकार-गाह का प्रबंध करनेवाला।

मील (میل) अ. पुं.–सुर्मा लगाने की सलाई, अंजन-शलाका; १७६० गज़ का फ़ासिला; यह दूरी बतानेवाला पत्थर।

मीलाद (میلاد) अ. पुं.–जन्म का समय; हज़रत मुहम्मद के कथा की सभा।

मीलादख़्वाँ (میلادخواں) अ. फा. वि.–मीलाद पढ़नेवाला, हज़रत मुहम्मद साहब का गुणगान करनेवाला।

मीलादी (میلادی) अ. वि.–हज़रत मुहम्मद साहब के जन्म-तिथि से प्रारंभ होनेवाला साल।

मीलादे मुबारक (میلاد مبارک) अ. पुं.–मीलाद का जलसा।

मीसाक़ (میثاق) अ. पुं.–प्रतिज्ञा, अहद; वादा, अभि-वचन।

मु

मुंजज़िब (منجذب) अ. वि.–जज़्ब होनेवाला, लीन होनेवाला।

मुंज़जिर (منزجر) अ. वि.–अलग रहनेवाला, बाज़ रहने-वाला।

मुंजमिद (منجمد) अ. वि.–जमा हुआ, ठंड से जमी हुई वस्तु।

मुंजर (منجر) अ. वि.–खिंचा हुआ, परिवर्तित।

मुंज़ल (منزل) अ. वि.–नीचे उतरता हुआ, होनेवाली।

मुंजली (منجلی) अ. वि.–प्रकाशमान्, रौशन; उज्ज्वल, साफ़साफ़; स्पष्ट, वाज़ेह; देश से बाहर जानेवाला, जला-वतन होनेवाला।

मुंज़वी (منزوی) अ. वि.–संसार से विरक्त होकर एकांत में रहनेवाला।

मुंज़िज (منضج) अ. पुं.–पकानेवाला; वह दवा जो दूषित धातुओं को पकाकर इसे क़ाबिल कर दे कि जुल्लाब देने पर सुगमता से निकल जायँ।

मुंजिद (منجد) अ. वि.–सहायक, मददगार।

मुंज़िर (منذر) अ. वि.–डरानेवाला।

मुंज़िल (منزل) नीचे उतरनेवाला; वीर्यपात करनेवाला।

मुंजिस (منجس) वि.–अपवित्र करनेवाला।

मुंजी (منجی) अ. वि.–नजात दिलानेवाला।

मुंतक़ल [क़्ल] (منتقل) अ. वि.–एक स्थान से दूसरे स्थान को गया हुआ; एक स्थान से दूसरे स्थान को हटाया हुआ।

मुंतक़ल इलैह (منتقل الیہ) अ. वि.–जिसकी ओर मुंतकिल किया गया हो, जिसके नाम कोई वस्तु लिखी हो या दी हो।

मुंतक़िम (منتقم) अ. वि.–बदी का बदला लेनेवाला, प्रत्यपकारी।

मुंतक़िल (منتقل) अ. वि.–एक स्थान से दूसरे स्थान को जानेवाला; एक स्थान से दूसरे स्थान को हटनेवाली वस्तु; एक स्थान से दूसरे स्थान को तबादले पर जानेवाला नौकर।

मुंतक़िली (منتقلی) अ. वि.–एक स्थान से दूसरे स्थान को जाना; एक जगह की चीज का दूसरी जगह जाना; नौकर का तबादला।

मुंतख़ब (منتخب) अ. वि.–छाँटा हुआ, चुना हुआ; संकलित, चुना हुआ कलाम या मजमून; निर्वाचित, चुना हुआ आदमी।

मुंतख़बात (منتخبات) अ. पुं.–पुस्तक के रूप में चुने हुए गद्य और पद्य का संग्रह।

मुंतज़र (منتظر) अ. वि.–जिसकी प्रतीक्षा देखी जा रही हो, प्रतीक्ष्य।

मुंतज़िमः (منتظمہ) अ. स्त्री.–प्रबंधकारिणी, इंतिज़ाम करनेवाली।

मुंतज़िम (منتظم) अ. वि.–प्रबंधक, व्यवस्थापक, इंति-ज़ाम करनेवाला।

मुंतजिम (منتجم) अ. वि.–प्रकाशमान्, दीप्त, रोशन।

मुंतज़िर (منتظر) अ. वि.–प्रतीक्षक, इंतिज़ार करनेवाला।

मुंतज़े (منتزع) अ. वि.–उखड़नेवाला, अस्त-व्यस्त होने-वाला।

मुंतफ़ी (منتفی) अ. वि.–नष्ट होनेवाला।

मुंतफ़ी (منطفی) अ. वि.–बुझनेवाला, बुझनेवाली आग या बुझनेवाला चिराग़ आदि।

मुंतफ़े' (منتفع) अ. वि.–लाभ उठानेवाला, लाभान्वित।

मुंतबिक़ (منطبق) अ. वि.–चरितार्थ, ठीक-ठीक घटित होनेवाला।

मुंतबे (منطبع) अ. वि.–छपनेवाला; अंकित होनेवाला।

मुंतशिर (منتشر) अ. वि.–अस्त-व्यस्त, तितर-बितर; उद्विग्न, परेशान।

मुंतसिब (منتسب) अ. वि.–सम्बन्ध रखनेवाला, सम्बद्ध।

मुंतहा (منتہا) अ. वि.–पराकाष्ठा, अंतिम सीमा, आखिरी हद; जो पराकाष्ठा को प्राप्त हो।

मुंतही (منتہی) अ. वि.–पराकाष्ठा या अंत को पहुँचनेवाला; विद्या में पारंगत होनेवाला, स्नातक।

मुंतिज (منتج) अ.वि.–फल देनेवाला, परिणाम देनेवाला।

मुंतिन (منتن) अ. वि.–बदबूदार, दुर्गंधयुक्त।

मुंदफ़े (مندفع) अ. वि.–निवारित, निराकृत, जो दफ़ा हो गया हो।

मुंदमिल (مندمل) अ. वि.–वह घाव जो भर आया हो, रोपित।

मुंदरिज (مندرج) अ. वि.–लिखित, दर्ज, प्रविष्ट, अंकित।

मुंदरिजे ज़ैल (مندرج ذیل) अ. वि.–निम्नलिखित, नीचे लिखा हुआ।

मुंदरिस (مندرس) अ. वि.–फटा-पुराना, कपड़ा, जीर्ण-शीर्ण।

मुंबइस (منبعث) अ. वि.–उठनेवाला।

मुंबसित (منبسط) अ. वि.–प्रसन्न, हर्षित, खुश।

मुंशआत (منشعات) अ. पुं.–खतों या मज़मूनों का संग्रह।

मुंशइब (منشعب) अ. वि.–शाखों में बटा हुआ, तितर-बितर, मुंतशिर।

मुंशक़[क़्क़] (منشق) अ.वि.–फटा हुआ, जो फट गया हो, विदीर्ण।

मुंशरेह (منشرح) अ. वि.–खुलनेवाला, खुला हुआ।

मुंशिद (منشد) अ. वि.–शेर पढ़नेवाला।

मुंशियानः (منشیانہ) अ. फा. अव्य.–मुंशियों-जैसा, जैसे—'मुंशियानः खत'।

मुंशी (منشی) अ. वि.–गद्य लेखक, अदीब; लिपिक, क्लर्क; वकील का मुहर्रिर; कचहरी में अर्जियाँ लिखनेवाला; जिसकी लिखावट अच्छी हो।

मुंशीखानः (منشی خانہ) अ. फा. पुं.–मुंशियों के बैठने का स्थान, उर्दू का दफ़्तर।

मुंशीगरी (منشی گری) अ. फा. स्त्री.–लिखने का काम, मुहर्रिरी।

मुंशीए फ़लक (منشی فلک) अ. पुं.–बुध ग्रह, उतारिद।

मुंसद[द्द] (منسد) अ. वि.–रुका हुआ, अवरुद्ध, जिसका इंसिदाद कर दिया गया हो।

मुंसबिग़ (منصبغ) अ. वि.–रंजित, रँगा हुआ।

मुंसरिफ़ (منصرف) अ. वि.–एक दशा से दूसरी दशा में परिवर्तित होनेवाला; व्याकरण में अरबी का वह शब्द जो कारक से प्रभावित होकर अपने अंतिम अक्षर पर ज़ेर, ज़बर, पेश दे, अनव्यय।

मुंसरिम (منصرم) अ. पुं.–प्रबंध, इंतिज़ाम करनेवाला; दीवानी का एक उहदेदार।

मुंसलिक (منسلک) अ. पुं.–पिरोया हुआ, लड़ी में डाला हुआ, सूत्रित, नत्थी।

मुंसिफ़ (منصف) अ. वि.–न्यायकर्ता, इंसाफ़ करनेवाला; दीवानी का एक उच्च पदाधिकारी, न्यायधिकर्ता।

मुंसिफ़मिज़ाज (منصف مزاج) अ. वि.–जिसके स्वभाव में न्याय-प्रियता हो, न्यायनिष्ठ।

मुंसिफ़ानः (منصفانہ) अ. फा. अव्य.–मुंसिफ़ों-जैसा, न्यायपूर्ण, न्यायोचित।

मुंसिफ़ी (منصفی) अ. स्त्री.–न्याय, इंसाफ़; मुंसिफ़ की कचहरी; मुंसिफ़ का पद।

मुअंबर (معنبر) अ. वि.–अंबर की सुगंध में बसा हुआ; अंबर-जैसी सुगंध देनेवाला।

मुअंबरीं (معنبریں) अ. फा. वि.–दे. 'मुअंबर'।

मुअक़्क़द (معقد) अ. वि.–ग्रंथित, गठीला; जिस इबारत में ता'क़ीद का दोष हो।

मुअक़्क़र (موقر) अ. वि.–प्रतिष्ठित, पूज्य, क़ाबिले एहतिराम; ज़िम्मेदार, मान्य।

मुअक़्क़िद (معقد) अ. वि.–गाँठ लगानेवाला।

मुअज़्ज़ज़ (معزز) अ. वि.–प्रतिष्ठित, ज़ी इज़्ज़त; संमानित, मोहतरम।

मुअज़्ज़मः (معظمہ) अ. वि.–पूज्य स्त्री; पूज्य स्थान, जैसे—मक्कए मुअज़्ज़मः।

मुअज़्ज़म (معظم) अ. वि.–प्रतिष्ठित, इज़्ज़तदार; श्रेष्ठ, बुज़ुर्ग।

मुअज्जल (معجل) अ. वि.–शीघ्रित, जल्दी किया हुआ।

मुअज़्ज़िन (معذن) अ. पुं.–मस्जिद में अज़ान देनेवाला।

मुअज़्ज़िब (معذب) अ. वि.–सख्त कष्ट देनेवाला, अज़ाब यानी पापदंड देनेवाला।

मुअज्जिल (معجل) अ.वि.–जल्दी करनेवाला, उतावला।

मुअत्तर (معطر) अ.वि.–सुगंधित, सुवासित, खुशबू में बसा हुआ।

मुअत्तल (معطل) अ. वि.–जो काम करने से रोक दिया गया हो; जिसके पास काम न हो, बेकार; जो संस्था अपना काम न कर रही हो, सस्पेण्ड।

मुअत्तिश (معطش) अ. वि.–प्यास लगानेवाली चीज़, जिसके खाने से प्यास अधिक लगे।

मुअबंद (معبد) अ. वि.—तीव्र प्रकृतिवाला, कटु स्वभाव-वाला, बदखू; लड़ाका, कलहप्रिय।

मुअद्दिल (معدل) अ. वि.—दो बराबर भागों में बाँटनेवाला।

मुअद्दिलुन्नहार (معدل النهار) अ. पुं.—वह वृत्त जिस पर सूर्य के पहुँचने से दिन-रात बराबर होते हैं, नाडीवृत्त।

मुअद्दी (مودی) अ. वि.—पहुँचानेवाला, भेजनेवाला, प्रेषक।

मुअन्वन (معنون) अ. वि.—किसी के नाम समर्पित की गयी पुस्तक।

मुअद्दद (معدد) अ. वि.—गणित, गिना हुआ, शुमार किया हुआ।

मुअद्दब (مودب) अ. वि.—शिष्ट, सभ्य, तमीज़दार; अदब के साथ, शिष्टतापूर्ण।

मुअद्दा (مودی) अ. वि.—अदा किया हुआ, बेबाक़, शोधित।

मुअन्नस (مونث) अ. स्त्री.—स्त्रीलिंग।

मुअम्मर (معمر) अ. वि.—बड़ी आयुवाला, बूढ़ा, वयोवृद्ध।

मुअम्मा (معما) अ. पुं.—प्रतियोगिता।

मुअय्यिद (موید) अ. वि.—ताईद करनेवाला, हाँ में हाँ मिलानेवाला, समर्थक।

मुअय्यन (معین) अ. वि.—निश्चित, नियत, मुक़र्रर।

मुअर्रब (معرب) अ. वि.—अन्य भाषा का शब्द जो अरबी बना लिया जाय।

मुअर्रा (معرا) अ. वि.—विहीन, रिक्त, खाली; वह पुस्तक जिसकी टीका न हो; वह गद्य जो बिलकुल सादा हो।

मुअर्रिक़ (معرق) अ. वि.—पसीना लानेवाली दवा।

मुअर्रिख़ (مورخ) अ. वि.—इतिहास लेखक, तारीखदाँ।

मुअर्रिख़ानः (مورخانہ) अ. फा. अव्य.—इतिहास लेखकों-जैसा।

मुअर्रिखे वक़्त (مورخ وقت) अ. पुं.—समयरूपी इतिहास लेखक।

मुअर्रिफ़ (معرف) अ. वि.—प्रशंसक, ता'रीफ़ करनेवाला।

मुअल्लक़ः (معلقہ) अ. वि.—बीच में लटकी हुई चीज़; बीच में लटकी हुई स्त्री जिससे पति न तो छोड़े, न अपने पास रखे।

मुअल्लक़ (معلق) अ. वि.—अधर में लटका हुआ, हवा में ठहरा हुआ; वह मृत्यु जो टल जाय; वह काम जो बीच में रुका हो।

मुअल्लफ़ः (مولفہ) अ. वि.—तालीफ़ की हुई पुस्तक, संपादित पुस्तक।

मुअल्लफ़ (مولف) अ. वि.—संपादित, रचित, तालीफ़ किया हुआ।

मुअल्लफ़ात (مولفات) अ. पुं.—संपादित पुस्तकें, लिखी हुई किताबें।

मुअल्ला (معلی) अ. वि.—उच्च, उत्तुंग, ऊँचा, श्रेष्ठ, उत्तम, आला।

मुअल्ला अल्क़ाब (معلی القاب) अ. वि.—बड़े अल्क़ाबों-वाला, अर्थात् श्रेष्ठ व्यक्ति।

मुअल्लिफ़ः (مولفہ) अ. स्त्री.—संपादिका, तालीफ़ करने-वाली, पुस्तक संपादित करनेवाली।

मुअल्लिफ़ (مولف) अ. पुं.—संपादक, संकलन करनेवाला।

मुअल्लिमः (معلمہ) अ. स्त्री.—अध्यापिका, पढ़ानेवाली।

मुअल्लिम (معلم) अ. पुं.—अध्यापक, पढ़ानेवाला।

मुअल्लिमुल मलकूत (معلم الملکوت) अ. पुं.—फ़िरिश्तों को पढ़ानेवाला, शैतान।

मुअल्लिमुल मलाइक (معلم الملائک) अ. पुं.—दे. 'मुअल्लि-मुल मलकूत'।

मुअव्वज (معوج) अ. वि.—टेढ़ा, वक्र, खमीदः।

मुअस्फ़र (معصفر) अ. पुं.—कुसुम का पेड़, कुसुम।

मुअस्सिर (موثر) अ. वि.—असर डालनेवाला, तासीर दिखानेवाला, गुणकारी।

मुअस्सिस (موسس) अ. वि.—नींव रखनेवाला, शिला-न्यासकर्ता।

मुआक़बत (معاقبت) अ. स्त्री.—कष्ट पहुँचाना, पीड़ा देना।

मुआकलत (مواکلت) अ. स्त्री.—साथ-साथ खाना खाना।

मुआक़िब (معاقب) अ. वि.—पीड़ा देनेवाला, कष्टदायी।

मुआख़ज़ः (مواخذہ) अ. पुं.—पकड़, गिरिफ़्त; भूल या अपराध की पकड़; प्रतिकार, बदला।

मुआख़ात (مواخات) अ. स्त्री.—भाईचारा, बन्धुत्व, भाई-बिरादरीपन।

मुआख़िज़ (مواخذ) अ. वि.—मुआखज़ा करनेवाला, दोष या अपराध पर कड़ी पकड़ करनेवाला।

मुआज़दत (معاضدت) अ. स्त्री.—सहायता, पुष्टि, हिमायत।

मुआज़नः (موازنہ) अ. पुं.—तुलना, समानता, बराबरी।

मुआज़िद (معاضد) अ. वि.—सहायक, हिमायती।

मुआतफ़त (معاطفت) अ. स्त्री.—कृपा, अनुग्रह, दया, मेहर-बानी।

मुआतबत (معاتبت) अ. स्त्री.—परस्पर क्रोध करना, एक-दूसरे पर ग़ुस्सा होना।

मुआतात (معاطات) अ. स्त्री.—देना, अता करना।

मुआतिफ़ (معاطف) अ. वि.—कृपा करनेवाला, दयालु।

मुआतिब (معاتب) अ. वि.—क्रोध करनेवाला, क्रोधी।

मुआदलत (معادلت) अ. स्त्री.—न्याय, नीति, इंसाफ़।

मुआदा (معادا) अ.पुं.–'मुआदात' का लघु., दे. 'मुआदात'।
मुआदात (معادات) अ. स्त्री.–परस्पर शत्रुता, आपसी वैर।
मुआदिल (معادل) अ. वि.–न्याय-कर्ता, मुंसिफ़,; बराबर के दो टुकड़े करनेवाला।
मुआनक़: (معانقه) अ. पुं.–गले मिलना, एक का दूसरे से गले मिलना, आलिंगन, बग़लगीरी।
मुआनदत (معاندت) अ. स्त्री.–परस्पर द्वेष, आपसी वैर।
मुआनसत (موانست) अ. स्त्री.–परस्पर मैत्री, दोस्ती, मित्रता।
मुआनिक़ (معانق) अ. वि.–गले मिलनेवाला, बग़लगीर होनेवाला।
मुआनिद (معاند) अ. वि.–शत्रु, बैरी, दुश्मन।
मुआनिदीन (معاندین) अ. पुं.–'मुआनिद' का बहु., विरोधी लोग, द्वेष रखनेवाले।
मुआनिस (موانس) अ. वि.–मित्र, सखा, दोस्त।
मुआफ़ (معاف) अ. वि.–क्षमा प्राप्त, क्षमित।
मुआफ़क़त (موافقت) अ. स्त्री.–समानता, यकसानियत; अनुकूलता, इत्तिफ़ाक़; मैत्री, दोस्ती।
मुआफ़िक़ (موافق) अ. वि.–अनुकूल, मुत्तफ़िक़; मित्र, दोस्त।
मुआफ़िक़ीन (موافقین) अ. पुं.–'मुआफ़िक' का बहु., अनुकूल लोग।
मुआफ़ी (معافی) अ. स्त्री.–क्षमा, बख़शिश।
मुआफ़ीदार (معافی دار) अ. फा. वि.–जिसे मुआफ़ी की ज़मीन या जागीर मिली हो।
मुआफ़ीनाम: (معافی نامه) अ. फा. पुं.–वह पत्र जिसमें कोई व्यक्ति अपने अपराध-क्षमा की लिखित तह्रीर दे, क्षमापत्र।
मुआमरत (مؤامرت) अ. स्त्री.–परस्पर सलाह मशवुर:, विचार-विनिमय, परामर्श।
मुआमल: (معامله) अ. पुं.–परस्पर मिलकर कोई काम करना; व्यवसाय, कारोबार; लेन-देन; घटना, हादिसा; समझौता, तस्फ़िया; कलह, झगड़ा; विषय, सम्बन्ध; मुक़द्दमा; बरताव, साबिक़ा।
मुआमल:अंदेश (معامله اندیش) अ. फा. वि.–मुआमले को सोचकर काम करनेवाला।
मुआमल:अंदेशी (معامله اندیشی) अ. फा. स्त्री.–मुआमला सोच-समझकर काम करना।
मुआमल:दाँ (معامله دان) अ. फा. वि.–मुआमले को समझनेवाला, दूरदर्शी; बात की तह को समझनेवाला; अनुभवी, तज्रबाकार।
मुआमल:दानी (معامله دانی) अ. फा. स्त्री.–मुआमला समझकर काम करना; बात की तह को पहुँचना; तज्रबाकारी।
मुआमल:नादाँ (معامله نادان) अ. फा. वि.–जो मुआमला न समझे, मूर्ख, बेवक़ूफ़।
मुआमल:पसंद (معامله پسند) अ. फा. वि.–मुआमले की बात को पसंद करनेवाला।
मुआमल:पसंदी (معامله پسندی) अ. फा. स्त्री.–मुआमले की बात पसंद करना, मुआमले की बात मानना।
मुआमल:फ़ह्म (معامله فهم) अ. वि.–दे. 'मुआमल: दाँ'।
मुआमल:फ़ह्मी (معامله فهمی) अ. स्त्री.–दे. 'मुआमल: दानी'।
मुआमल:बंद (معامله بند) अ. फा. वि.–मुआमल:बंदी करनेवाला।
मुआमल:बंदी (معامله بندی) अ. फा. स्त्री.–शे'र अर्थात् कविता में नायक और नायिका के प्रेम के मुआमलों को इस प्रकार बाँधना कि उनका प्राकृतिक चित्र आँखों के सामने फिर जाय।
मुआमल:बीं (معامله بیں) अ. फा. वि.–दे. 'मुआमल:-अंदेश'।
मुआमल:बीनी (معامله بینی) अ. फा. वि.–दे. 'मुआमल:अंदेशी'।
मुआमल:शनास (معامله شناس) अ. फा. वि.–दे. 'मुआमल:दाँ।'
मुआमल:शनासी (معامله شناسی) अ. फा. स्त्री.–दे. 'मुआमल:दानी'।
मुआमल:संज (معامله سنج) अ. फा. वि.–दे. 'मुआमल:दाँ'।
मुआमल:संजी (معامله سنجی) अ. फा. स्त्री.–दे. 'मुआमल: दानी'।
मुआमलत (معاملت) अ. स्त्री.–बाहमी मुआमल:, पारस्परिक व्यवहार।
मुआमलात (معاملات) अ. पुं.–'मुआमल:' का बहु., काम, उमूर; तअल्लुक़ात, सम्बन्ध; व्यवहार, तर्ज़ेअमल; मुक़द्दमे।
मुआमलाते क़ौमी (معاملات قومی) अ. पुं.–राष्ट्र के राजनीतिक मुआमले; जातीय समस्याएँ, जाति और बिरादरी के मुआमले।
मुआमलाते ख़ानगी (معاملات خانگی) अ. फा. पुं.–घरेलू झगड़े, घरेलू और निजी मुआमले।
मुआमलाते ख़ुफ़्य: (معاملات خفیه) अ. फा. पुं.–वह मुआमले जो कहे न जा सकें, गुप्त बातें, रहस्य।

मुआमलाते ज़ाती (معاملات ذاتی) अ. पुं.–निजी मुआमले, घरेलू समस्याएँ, वैयक्तिक समस्याएँ।

मुआमलाते मुल्की (معاملات ملکی) अ. पुं.–राष्ट्र की समस्याएँ, राजनीतिक उलझनें, सियासी मुआमले।

मुआमलाते शख़्सी (معاملات شخصی) अ. पुं.–दे. 'मुआमिलाते ज़ाती'।

मुआमलाते सल्तनत (معاملات سلطنت) अ. पुं.–राज्य की समस्याएँ, राजनीति की उलझनें या मुआमले।

मुआमलाते हुकूमत (معاملات حکومت) अ. पुं.–दे. 'मुआमलाते सल्तनत'।

मुआमिल (معامل) अ. वि.–मुआमला करनेवाला।

मुआयनः (معاینہ) अ. पुं.–किसी चीज़ या विषय में पूरा ग़ौर करना; पर्यवेक्षण; किसी कार्यालय आदि के कामों की जाँच-पड़ताल करना, निरीक्षण।

मुआरज़ः (معارضہ) अ. पुं.–कलह, झगड़ा, टंटा; वाद-विवाद, बह्स।

मुआरिज़ (معارض) अ. वि.–कलह और झगड़ा करनेवाला; वाद-विवाद करनेवाला; प्रतिद्वन्द्वी, हरीफ़; विरोधी, मुख़ालिफ़।

मुआलजः (معالجہ) अ. पुं.–चिकित्सा, उपचार, इलाज; यत्न, तदवीर, उपाय।

मुआलजात (معالجات) अ. पुं.–'मुआलजः' का बहु., इलाज, उपचार; वह ग्रंथ जो चिकित्सा के सम्बन्ध में हों; नुस्ख़ों की किताबें; किसी बड़े हकीम के मतब के नुस्ख़ों का संग्रह।

मुआलफ़त (مؤالفت) अ. स्त्री.–पस्पर मैत्री, प्रेम-व्यवहार, दोस्ती, मित्रता।

मुआला (موالا) अ. पुं.–'मुआलात' का लघु., दे. 'मुआलात'।

मुआलात (موالات) अ. स्त्री.–परस्पर मित्रता और सहायता, दोस्ती और एक दूसरे की मदद।

मुआलिज (معالج) अ. पुं.–इलाज करनेवाला, चिकित्सक, वैद्य, भिषक्।

मुआवज़ः (معاوضہ) अ. पुं.–किसी वस्तु का मूल्य जो वस्तु के बदले में दिया जाय, मूल्य; वह धन जो किसी क्षति के बदले में दिया जाय; क्षति-पूर्ति के लिए धन देना।

मुआवदत (معاودت) अ. स्त्री.–प्रत्यागमन, लौटना, वापसी।

मुआवनत (معاونت) अ. स्त्री.–एक दूसरे की सहायता; सहायता, मदद।

मुआविन (معاون) अ. वि.–सहायक, मददगार; वह नदी जो किसी बड़ी नदी में मिले, सहायक नदी; पक्षपाती, पृष्ठ-पोषक, हिमायती।

मुआविने जुर्म (معاون جرم) अ. वि.–जो किसी अपराध या षड्‌यंत्र में किसी का सहायक हो।

मुआशरः (معاشرہ) अ. पुं.–दे. 'मुआशरत'।

मुआशरत (معاشرت) अ. स्त्री.–बहुत-से लोगों का एक स्थान पर रहकर मेल-जोल और एक-दूसरे को सहायता देकर जीवन व्यतीत करना, नागरिकता; सभ्यता, तहज़ीब।

मुआशिर (معاشر) अ. वि.–मुआशरत करनेवाला, नागरिक; मित्र, सखा, दोस्त, हमदम।

मुआसरत (معاصرت) अ. स्त्री.–दो या अधिक व्यक्तियों का समकालीन होना।

मुआसा (مواسا) अ. पुं.–'मुआसात' का लघु., दे. 'मुआसात'।

मुआसात (مواسات) अ. स्त्री.–सहायता, मदद; सहानुभूति, ग़मख़्वारी; शील, मुरव्वत।

मुआसिर (معاصر) अ. वि.–एक समय में होनेवाला, एक समय में होनेवाले व्यक्ति, समकालीन।

मुआसिरीन (معاصرین) अ. पुं.–'मुआसिर' का बहु., समकालीन लोग।

मुआहदः (معاہدہ) अ. पुं.–परस्पर क़ौलक़रार, आपस में किसी बात की प्रतिज्ञा; ऐग्रीमेंट, संप्रतिज्ञा।

मुआहदत (معاہدت) अ. स्त्री.–दे. 'मुआहदः'।

मुआहिद (معاہد) अ. वि.–प्रतिज्ञा करनेवाला; ऐग्रीमेंट करनेवाला।

मुइज़्ज़ (معز) अ. वि.–संमान, प्रतिष्ठा देनेवाला; ईश्वर का एक नाम।

मुइद्द [द्द] (معد) अ. वि.–कटिवद्ध और तैयार करनेवाला।

मुईद (معید) अ. वि.–किसी कार्य को बारंवार करनेवाला।

मुईन (معین) अ. वि.–सहायक, मददगार; पृष्ठ-पोषक, हिमायती।

मुऐयनः (معینہ) अ. वि.–नियत, मुक़र्रर, जैसे––'तारीखे मुअय्यनः'।

मुऐयन (معین) अ. वि.–नियत, निश्चित, मुक़र्रर, दे. 'मुअय्यन'।

मुऐयिद (مؤید) अ. वि.–समर्थक, ताईद और पुष्टि करनेवाला, दे. 'मुअय्यिद'।

मुकज़्ज़ब (مکذب) अ. वि.–जिसकी बात को झूठ बताया या साबित किया गया हो; जो बात झूठ साबित की गयी हो।

मुकज़्ज़िब (مکذب) अ. वि.–किसी को झूठा बतानेवाला, किसी की बात को झूठ साबित करनेवाला।

मुक़त्तर (مقطر) अ. वि.–बूँद-बूँद करके टपकाया हुआ; क़र्अंबीक़ में खींचा हुआ; निथार, ऊपर का साफ़ पानी या दवा आदि।

मुक़त्ता (مقطع) अ. वि.–छाँटा तराशा हुआ; शिष्ट, संस्कृत, शाइस्ता; जिसकी डाढ़ी तर्शी हुई हो।

मुक़द्दमः (مقدمہ) अ. पुं.–वाद, नालिश, दावा; किताब की भूमिका, प्रस्तावना; प्राक्कथन, पेश लफ़्ज़; विषय, मुआमला; कार्य, काम।

मुक़द्दमःबाज़ (مقدمہباز) अ. फा. वि.–जो बहुत मुक़दमे लड़ता हो; जो ज़रा-ज़रा-सी बात पर मुक़दमे कर देता हो; जो मुक़दमाबाजी में बहुत होशियार हो।

मुक़द्दम (مقدم) अ. वि.–प्रधान, मुरज्जह; मुख्य, ख़ास; (पुं.) गाँव का मुखिया; अगला हिस्सा।

मुक़द्दर (مقدر) अ. पुं.–प्रारब्ध, भाग्य, अदृष्ट, तक़्दीर, भाग, क़िस्मत; वह शब्द जो इबारत में न हो परंतु अर्थ में लिया जाय, लुप्त।

मुकद्दर (مکدر) अ. वि.–मलिन, मैला, गदला; अप्रसन्न, नाख़ुश।

मुक़द्दरआज़्माई (مقدرآزمائی) अ. फा. स्त्री.–भाग्य-परीक्षा, तक़्दीर की आज़माइश, किसी काम में हाथ डालना और यह देखना कि होता है या नहीं।

मुक़द्दरात (مقدرات) अ. पुं.–तक़्दीर की बातें, भाग्य में लिखे हुए मुआमलात।

मुक़द्दसः (مقدسہ) अ. वि.–पवित्र, पाक चीज़।

मुक़द्दस (مقدس) अ. वि.–पवित्र, पाक; पुनीतात्मा, बुज़ुर्ग।

मुक़द्दिमः (مقدمہ) अ. वि.–आगे चलनेवाली।

मुक़द्दिमतुलजैश (مقدمۃالجیش) अ. पुं.–वह थोड़ी सेना जो बड़ी सेना के आगे चलकर उसके पड़ाव आदि का प्रबंध करती या शत्रु की सेना के समाचार प्राप्त करती है, हिरावुल; नायक, सरदार; नेता, लीडर।

मुक़न्निनः (مقننہ) अ. स्त्री.–विधानसभा, लेजिस्लेटिव एसेम्बली।

मुक़न्निन (مقنن) अ. वि.–क़ानून जाननेवाला, क़ानून-पेशः वकील; क़ानून बनानेवाला, विधायक।

मुक़फ़्फ़ल (مقفل) अ. वि.–जिसमें क़ुफ़ुल पड़ा हो, यंत्रित, जैसे—'मुक़फ़्फ़ल संदूक़'।

मुक़फ़्फ़ा (مقفیٰ) अ. वि.– वह गद्य जो अनुप्रासात्मक हो।

मुकब्बर (مکبر) अ. पुं.–मस्जिद में वह ऊँचा स्थान जहाँ तक्बीर कहनेवाला खड़ा होता है—यह स्थान केवल बहुत बड़ी मस्जिदों में होता है।

मुकब्बिर (مکبر) अ. वि.–तक्बीर कहनेवाला, वह जो मुकब्बर पर चढ़कर नमाज़ में तक्बीरें कहे ताकि दूर के नमाज़ी सुन लें।

मुकम्मल (مکمل) अ. वि.–संपूर्ण, कामिल; समाप्त, ख़त्म; सर्वांगपूर्ण, हर तरह से मुकम्मल।

मुकम्मिल (مکمل) अ. वि.–पूर्ति करनेवाला; समाप्ति करनेवाला।

मुक़य्यद (مقید) अ. वि.–जो क़ैद में हो, बंदी, क़ैदी; जिसमें कोई शर्त लगा दी गयी हो।

मुक़य्यश (مقیش) अ. वि.–सोने-चाँदी के तारों का बना हुआ कपड़ा, दे. 'मुक़ैश', उर्दू में अधिकतर यूँ ही बोलते हैं।

मुक़र्नस (مقرنس) अ. वि.–बड़ी और भव्य इमारत; चित्रित, मुनक़्क़श; पाड़ जिस पर बैठकर राज इमारत बनाता है।

मुक़र्रज़ (مقرض) अ. वि.–जिसे कैंची से काटकर महीन किया गया हो।

मुक़र्रब (مقرب) अ. वि.–समीपवर्ती, निकटस्थ, हमनशीं, पास का बैठनेवाला, सभासद्।

मुक़र्रबीन (مقربین) अ. पुं.–'मुक़र्रब' का बहु., सभासद्जन, मुसाहिब लोग।

मुकर्रम (مکرم) अ. वि.–प्रतिष्ठित, पूज्य, मोहतरम।

मुक़र्ररः (مقررہ) अ. वि.–नियत, निश्चित।

मुक़र्रर (مقرر) अ. वि.–नियत, निश्चित, मुअय्यन; नियुक्त, मुअय्यन; अवश्य, यक़ीनी।

मुकर्रर (مکرر) अ. वि.–पुनः, फिर, दुबारा।

मुकर्ररात (مکررات) अ. पुं.–वे बातें जो किसी लेख में बार-बार आयी हों।

मुक़र्रिर (مقرر) अ. वि.–तक़्रीर करनेवाला, वक्ता, भाषण देनेवाला।

मुक़र्रिरीन (مقررین) अ. पुं.–'मुक़र्रिर' का बहु., भाषण देनेवाले, वक्तागण।

मुकल्लफ़ (مکلف) अ. वि.–जिसमें तकल्लुफ़ किया गया हो, पुर तकल्लुफ़; जो ख़ूब सजाया गया हो, सुसज्जित।

मुकल्लफ़ात (مکلفات) अ. पुं.–पुर तकल्लुफ़ चीज़ें।

मुकल्लल (مکلل) अ. वि.–ताज पहने हुए; टोपीदार, छत्तेदार; चमकता हुआ; मुलम्मा किया हुआ।

मुकल्लस (مکلس) अ. वि.–जलाकर चूना बनाया हुआ।

मुक़ल्लिद (مقلد) अ. वि.–तक़्लीद करनेवाला, अनुकारी, अनुकरण करनेवाला; अनुयायी, पैरौ; शिष्य, चेला, मुरीद; मुसलमानों का वह समुदाय जो ख़ुदा और रसूल के अतिरिक्त चारों इमामों को भी मानता है।

मुक़ल्लिदीन (مقلدین) अ. पुं.–वे मुसलमान जो हनफ़ी शाफ़िई आदि मतों को माननेवाले हैं।

मुकल्लिफ़ (مکلف) अ. वि.–कष्टदाता, तक्लीफ़ देने-

वाला; निमन्त्रण दाता; चूंकि वह अपने घर बुलाने का कष्ट देता है, इसलिए स्वयं को 'मुकल्लिफ़' कहता है।

मुक़ल्लिब (مقلب) अ. वि.–पलट देनेवाला, उलटा कर देनेवाला, फेर देनेवाला।

मुक़ल्लिबुल क़ुलूब (مقلب القلوب) अ. वि.–दिलों को बदल देनेवाला, बुरों को अच्छा बना देनेवाला, दिलों में दयाभाव उत्पन्न कर देनेवाला; ईश्वर की सिफ़त।

मुक़व्वस (مقوس) अ. वि.–वह चीज जो धनुष की भाँति टेढ़ी हो, झुका हुआ, नमित।

मुक़व्वी (مقوی) अ. वि.–शक्ति देनेवाला, बलवर्द्धक; काम-शक्ति बढ़ानेवाला, पुष्टिकर, कामवर्द्धक।

मुक़व्वीए आसाब (مقوی اعصاب) अ. वि.–रगों और पट्ठों को शक्ति देनेवाली दवा।

मुक़व्वीए बाह (مقوی باہ) अ. वि.–मैथुनबल और कामशक्ति को बढ़ानेवाली ओषधि, कामवर्द्धक।

मुक़श्शर (مقشر) अ. वि.–छिलका उतरा हुआ।

मुक़स्सर (مقصر) अ. वि.–कम किया हुआ, छोटा किया हुआ।

मुकस्सर (مکسر) अ. वि.–टूटा हुआ, टुकड़े-टुकड़े किया हुआ।

मुकस्सर (مکثر) अ. वि.–अधिक किया हुआ; दो असमान संख्याओं का गुणनफल।

मुकस्सिर (مکسر) अ. वि.–तोड़नेवाला, टुकड़े-टुकड़े करनेवाला।

मुक़स्सिर (مقصر) अ. वि.–कम करनेवाला, छोटा करनेवाला; त्रुटि करनेवाला, ग़लती करनेवाला।

मुकह्हल (مکحل) अ. वि.–आँखों में सुर्मा लगाये हुए; सुर्मा लगी हुई आँखें।

मुक़'अर (مقعر) अ. वि.–गहरा, अथाह; गर्त, गढ़ा; भीतरी तल जो खोखला हो।

मुक़ातअ: (مقاطعه) अ. पुं.–काटना, खंडन करना।

मुकातबत (مکاتبت) अ. स्त्री.–परस्पर पत्र व्यवहार, आपस की खतोकिताबत।

मुक़ातल: (مقاتله) अ. पुं.–एक-दूसरे को वध करना; परस्पर मारकाट; युद्ध, संग्राम, जंग।

मुक़ातिल (مقاتل) अ. वि.–वधिक, हिंसक, क़त्ल करनेवाला।

मुक़ाते (مقاطع) अ. वि.–काटनेवाला, विच्छेदक; ठेका लेनेवाला, ठेकेदार।

मुकाफ़ात (مکافات) अ. स्त्री.–बुराई का बदला, प्रत्यपकार,; पापदंड, गुनाह की सजा।

मुकाबर: (مکابره) अ. पुं.–परस्पर अपने को दूसरे से बड़ा बताना या साबित करना; कलह, युद्ध, लड़ाई।

मुक़ाबल: (مقابله) अ. पुं.–आमना-सामना, संमुखता; समानता, बराबरी; उद्दंडता, सरकशी; सम्बन्धी, कम्पीटीशन; प्रतियोगिता, जांच का मुक़ाबला; नक़्ल का अस्ल पुस्तक या लेख से मिलान।

मुक़ाबलतन (مقابلتاً) अ. अव्य.–मुकाबले में, अपेक्षा।

मुक़ाबिल (مقابل) अ. वि.–प्रत्यक्ष, संमुख, सामने; समान, बराबर; सदृश, मिस्ल; विरोधी, बैरी; प्रतिद्वंद्वी, रक़ीब।

मुक़ाम (مقام) अ. पुं.–देर तक ठहराव, क़ियाम।

मुक़ामी (مقامی) अ. वि.–मुक़ाम से सम्बन्ध रखनेवाला।

मुक़ारनत (مقارنت) अ. स्त्री.–एक स्थान पर एकत्र होना, इकट्ठा होना; दो ग्रहों का एक राशि में एकत्र होना।

मुक़ारबत (مقاربت) अ. स्त्री.–क़रीब होना, समीप होना; समीपता, नजदीक़ी।

मुक़ारिन (مقارن) अ. वि.–एकत्र, इकट्ठा, एक जगह।

मुक़ारिब (مقارب) अ. वि.–समीप होनेवाला।

मुकालमः (مکالمه) अ. पुं.–वार्तालाप, परस्पर बातचीत; संवाद, कथोपकथन, डायलाग।

मुकालमःनवीस (مکالمه‌نویس) अ. फा. वि.–नाटक आदि में डायलाग लिखनेवाला, संवाद-लेखक।

मुकालमःनवीसी (مکالمه‌نویسی) अ. फा. स्त्री.–संवाद लिखना।

मुक़ावमत (مقاومت) अ. स्त्री.–किसी के साथ बराबरी करना।

मुक़ावल: (مقاوله) अ. पुं.–परस्पर कौल-करार, मुआहदः; ठेका।

मुकाशफ़: (مکاشفه) अ. पुं.–आत्मशक्ति द्वारा वह कुछ देखना, जो दूसरे नहीं देख सकते; खुले तौर पर शत्रुता करना; खुल्लमखुल्ला लड़ाई लड़ना।

मुकाशफ़ात (مکاشفات) अ. पुं.–'मुकाशफ़:' का बहु., दिव्य दृष्टि के ज्ञान।

मुकाशहत (مکاشحت) अ. स्त्री.–विरोध, वैर, शत्रुता।

मुक़ासमत (مقاسمت) अ. स्त्री.–परस्पर बँटवारा करना, आपस में बाँटना।

मुक़ासात (مقاسات) अ. स्त्री.–दुःख उठाना, कष्ट झेलना।

मुकिब [ब्ब] (مکب) अ. वि.–मुँह के बल औंधा गिरने अथवा गिरानेवाला।

मुक़िर [र्र] (مقر) अ. वि.–इक़्रार करनेवाला, वचन देनेवाला, वादा करनेवाला।

मुक़िल [ल्ल] (مقل) अ. वि.–भिक्षुक, मँगता; कम करनेवाला।

मुक़ी (مقی) अ. वि.–वह ओषधि जिसके खाने से क़ै हो, वमि।

मुक़ीत (مقيت) अ. वि.—अन्नदाता, रोज़ी देनेवाला; बलवान्, ताक़तवर; रक्षक, रखवाला; साक्षी, गवाह, साखी; उपस्थित, हाज़िर।

मुकीद (مکيد) अ. वि.—छली, वंचक, फ़रेबी।

मुक़ीम (مقيم) अ. वि.—थोड़े दिनों के लिए कहीं ठहरा हुआ; निवासी, रहनेवाला।

मुक़ैयद (مقيد) अ. वि.—बंदी, क़ैदी।

मुक़ैयश (مقيش) अ. पुं.—दे. 'मुक़्क़ैश'।

मुकौकब (مکوکب) अ. वि.—वह चीज़ जिस पर सितारे जड़े हों; वह चीज़ जिस पर सुनहले या रुपहले चाँद-तारे बने हों; जिसमें सोने-चाँदी की सलाखें गड़ी हों।

मुक़्क़ैश (مقيش) फ़ा. पुं.—चाँदी-सोने के चौड़े तार; इन तारों का बना हुआ कपड़ा।

मुक़्क़ैशी (مقيشي) फ़ा. वि.—बादले का; ज़री का; सोने-चाँदी के तारों का।

मुक़्तज़ब (مقتضب) अ. वि.—काटा हुआ; दे. 'बह्रे मुक़्तज़ब'।

मुक़्तज़ा (مقتضا) अ. वि.—तक़ाज़ा, माँग, इच्छा।

मुक़्तज़ाए उम्र (مقتضاے عمر) अ. वि.—आयु की माँग, उम्र का तक़ाज़ा।

मुक़्तज़ाए फ़ित्रत (مقتضاے فطرت) अ. वि.—स्वभाव का तक़ाज़ा।

मुक़्तज़ाए वक़्त (مقتضاے وقت) अ. वि.—समय की माँग, समय का आदेश।

मुक़्तज़ाए शराफ़त (مقتضاے شرافت) अ. वि.—सज्जनता का तक़ाज़ा।

मुक़्तज़ाए सिन (مقتضاے سن) अ. वि.—दे. 'तक़ाज़ाए उम्र'।

मुक़्तज़िब (مقتضب) अ. पुं.—काटनेवाला।

मुक़्तज़ी (مقتضی) अ. वि.—माँग करनेवाला, तक़ाज़ा करनेवाला, ख़्वाहाँ, इच्छुक।

मुक्ततम (مکتتم) अ. वि.—गुप्त, छिपा हुआ, पोशीदा।

मुक़्तदर (مقتدر) अ. वि.—अधीन, वशीभूत।

मुक़्तदा (مقتدا) अ. वि.—जिसका सब लोग अनुकरण करें; अग्रसर, नेता; पूज्य, श्रेष्ठ।

मुक़्तदाए क़ौम (مقتداے قوم) अ. पुं.—राष्ट्र का नेता, क़ौम का रहनुमा।

मुक़्तदिर (مقتدر) अ. वि.—सत्तावान्, इक़्तिदारवाला।

मुक़्तदी (مقتدی) अ. वि.—जो अनुकरण करे, अनुयायी, अनुकर्ता।

मुक्तनिफ़ (مکتنف) अ. वि.—एकांतवासी, निवृत्त; रक्षा का स्थान ढूंढ़नेवाला।

मुक़्तनिस (مقتنص) अ. वि.—शिकार करनेवाला; बंदी बनानेवाला; कमानेवाला।

मुक्तफ़ी (مکتفی) अ. वि.—पर्याप्त, काफ़ी, पूरा।

मुक़्तफ़ी (مقتفی) अ. वि.—पीछे से आनेवाला।

मुक़्तर [ई] (مقتر) अ. वि.—दरिद्र, कंगाल; भिक्षुक, फ़क़ीर।

मुक्तसब (مکتسب) अ. वि.—कमाया हुआ, उपार्जित।

मुक्तसिब (مکتسب) अ. वि.—कमानेवाला, उपार्जन करनेवाला।

मुक़्तसिर (مقتصر) अ. वि.—कम करनेवाला।

मुक्तसी (مکتسی) अ. वि.—कंबल ओढ़नेवाला; कंबल बग़ल में रखनेवाला; कपड़े पहननेवाला।

मुक़्तहिम (مقتحم) अ. वि.—अत्याचारी, ज़ालिम; विजेता, ग़ालिब; धारण करनेवाला।

मुक्नत (مکنت) अ. स्त्री.—शक्ति, ताक़त; धनाढ्यता, मालदारी; सामर्थ्य, क़ुद्रत।

मुक़्बिल (مقبل) अ. वि.—स्वीकार करनेवाला; किसी की ओर मुंह करनेवाला; भाग्यशाली; समृद्ध।

मुक्फ़ी (مکفی) अ. वि.—काफ़ी, पर्याप्त।

मुक़्री (مقری) अ. वि.—पढ़ानेवाला, अध्यापक।

मुक़्लः (مقله) अ. पुं.—आँख का ढेला गोलक।

मुक़्ल (مقل) अ. स्त्री.—गूगल, एक प्रसिद्ध गोंद।

मुख़ [ख़्ख़] (مخ) अ. पुं.—मज्जा, हड्डी का गूदा; मस्तिष्क, भेजा; सार, तत्त्व, ख़ुलासा।

मुख़ज़्ज़ब (مخضب) अ. वि.—जिसने ख़िज़ाब किया हो।

मुख़त्तत (مخطط) अ. वि.—धारीदार, जिस पर धारियाँ हों; वह चेहरा जिस पर दाढ़ी के बाल निकल आये हों।

मुख़द्दरः (مخدره) अ. वि.—पर्दे में रहनेवाली स्त्री।

मुख़द्दर (مخدر) अ. वि.—जो सुन्न हो गया हो।

मुख़द्दरात (مخدرات) अ. स्त्री.—पर्दे में रहनेवाली महिलाएँ; बड़े घर की पर्दा नशीन औरतें।

मुख़द्दिर (مخدر) अ. वि.—सुन्न कर देनेवाली दवा।

मुख़न्नस (مخنث) अ. पुं.—जो न मर्द हो न स्त्री; नरदारा, नपुंसक, हीजड़ा।

मुख़फ़्फ़फ़ (مخفف) अ. वि.—जिसमें तख़्फ़ीफ़ अर्थात् कमी हुई हो; वह शब्द जिसमें कुछ अक्षर कम कर दिये गये हों, जैसे—'माह' का 'मह'।

मुख़म्मर (مخمر) अ. वि.—जिसका ख़मीर उठाया गया हो, ख़मीर उठा हुआ।

मुख़म्मस (مخمس) अ. पुं.—वह नज़्म जिसमें हर बंद में पाँच-पाँच मिस्रे हों।

मुखय्यल: (مخیلہ) अ. पुं.—सोचा हुआ, विचारा हुआ; कल्पना किया हुआ, कल्पित; मस्तिष्क, दिमाग़।

मुखय्यिर (مخیر) अ. वि.—मुक्तहस्त, वदान्य, दानशील, सख़ी, फ़ैयाज़।

मुखय्यिल: (مخیلہ) अ. स्त्री.—विचार-शक्ति, ख़याल की कुव्वत; कल्पना-शक्ति, क़ुव्वते मुतख़ैयिल:।

मुखर्रब (مخرب) अ. वि.—ध्वस्त, नष्ट, बरबाद।

मुख़र्रिब (مخرب) अ. वि.—ध्वस्तकारी, बरबाद करनेवाला।

मुख़र्रिबे अख़लाक़ (مخرب اخلاق) अ. वि.—अख़्लाक़ और आचरण को ख़राब करनेवाला।

मुख़र्रिबे आ'माल (مخرب اعمال) अ. वि.—आचरण को दूषित करनेवाला, बुरा काम।

मुख़लख़ल (مخلخل) अ. वि.—वह चीज़ जिसके टुकड़े परस्पर मिले और जुड़े हुए न हों, जिनके बीच में कुछ अंतर हो।

मुख़ल्लद (مخلد) अ. वि.—नित्य, हमेशा; नश्वर, दवामी।

मुख़ल्ला' (مخلع) अ. वि.—जिसे ख़िलअत दी गयी हो।

मुख़ल्ला (مخلی) अ. वि.—रिक्त किया हुआ, ख़ाली किया हुआ; स्वच्छंद छोड़ा हुआ, स्वतंत्र।

मुख़ल्लाबित्तब्अ (مخلی بالطبع) अ. वि.—जिसे उसके मन पर स्वच्छद छोड़ दिया जाय, बेतकल्लुफ़।

मुख़व्वफ़ (مخوف) अ. वि.—भयभीत, डरा हुआ; डराया हुआ।

मुख़व्विफ़ (مخوف) अ. वि.—डरानेवाला, त्रासक।

मुख़स्सस (مخصص) अ. वि.—मख़्सूस, जिसके साथ कोई ख़ुसूसियत बरती गयी हो, प्रधान।

मुख़ात (مخاط) अ. स्त्री.—नासा-स्राव, नाक।

मुख़ातब: (مخاطبہ) अ. पुं.—सम्बोधन, किसी की ओर मुंह करके उससे बात करना।

मुख़ातब (مخاطب) अ.वि.—सम्बोधित, जिससे बात की जाय।

मुख़ातबात (مخاطبات) अ. पुं.—'मुख़ातब:' का बहु.; परस्पर बात-चीत; पत्रव्यवहार, ख़तोकिताबत।

मुख़ातर: (مخاطرہ) अ. पुं.—भय, शंका, ख़त्रा।

मुख़ातिब (مخاطب) अ. वि.—सम्बोधन कर्ता, बोलनेवाला, बात करनेवाला।

मुख़ादअत (مخادعت) अ. स्त्री.—छल, मक्र, धोखा।

मुख़ादे' (مخادع) अ. वि.—छली, वंचक, फ़रेबी।

मुख़ाफ़तत (مخافتت) अ. स्त्री.—धीरे-धीरे पढ़ना।

मुख़ाती (مخاطی) अ. वि.—अपराध करनेवाला, ख़ताकार; बिगड़ा हुआ बलग़म जो नाक के रेंट के समान हो जाता है।

मुख़ादआत (مخادعات) अ. पुं.—'मुख़ादअत' का बहु., छल, धोखे, फ़रेब।

मुख़ालतत (مخالطت) अ. स्त्री.—घनिष्ठता, बहुत अधिक मेल-जोल, प्रेम-व्यवहार।

मुख़ालफ़त (مخالفت) अ. स्त्री.—विरोध, इख़्तिलाफ़; शत्रुता, दुश्मनी; हठ, ज़िद; वैमनस्य, कशीदगी।

मुख़ालिफ़ (مخالف) अ. वि.—विरोधी, प्रतिकूल, मुखालफ़त करनेवाला; शत्रु, दुश्मन।

मुख़ालिफ़ीन (مخالفین) अ. पुं.—'मुख़ालिफ़' का वह., विरोध करनेवाले, विरोधी गण; शत्रुगण, दुश्मन लोग।

मुख़ासमत (مخاصمت) अ. स्त्री.—परस्पर झगड़ा करना; शत्रुता, दुश्मनी; परस्पर द्वेष रखना; द्वेष, कीना।

मुख़ासिम (مخاصم) अ. वि.—शत्रु, दुश्मन; द्वेषी, बुग़्ज़ रखनेवाला।

मुख़ासिमीन (مخاصمین) अ. पुं.—'मुख़ासिम' का बहु., शत्रुओं का दल।

मुख़िल (مخل) अ. वि.—बाधक, खलल डालनेवाला; हस्तक्षेपी, मुज़ाहिम।

मुख़्ततम (مختتم) अ. वि.—समाप्त, ख़त्म; आख़िरी तौर पर ख़त्म, निर्णीत।

मुख़्तफ़ी (مختفی) अ. वि.—गुप्त, छिपा हुआ, पोशीदा।

मुख़्तम [त्म] (مختم) अ. वि.—मुहलगा हुआ, मुह्रबंद; क़ुफ़ुल लगा हुआ, क़ुफ़ुल बंद।

मुख़्तरआत (مخترعات) अ. पुं.—'मुख़्तरा' का बहु., आविष्कृत वस्तुएँ।

मुख़्तरा' (مخترع) अ. पुं.—आविष्कृत, ईजाद की हुई चीज़।

मुख़्तरे' (مخترع) अ. वि.—आविष्कारक, मूजिद; कोई नयी उपज करनेवाला, नयी बात निकालनेवाला।

मुख़्तल [ल्ल] (مختل) वि.—दूषित, विकृत, बिगड़ा हुआ; अस्त-व्यस्त, गड़बड़।

मुख़्तलत (مختلط) अ. वि.—जिसके साथ प्रेम-व्यवहार हो: मिलाजुला, गडमड।

मुख़्तलफ़ (مختلف) अ. वि.—जिससे विरोध हो।

मुख़्तलफ़फ़ीह (مختلف فیہ) अ. वि.—जिस विषय में मतभेद हो, विवादग्रस्त।

मुख़्तलित (مختلط) अ. वि.—मेल-जोल रखनेवाला।

मुख़्तलिफ़ (مختلف) अ. वि.—विभिन्न, दूसरे प्रकार का; अन्य, दूसरा; पृथक्, अलग।

मुख़्तलिफ़ मिज़ाज (مختلف مزاج) अ. वि.—दे. 'मुख़्तलिफ़ुलमिज़ाज'।

मुख़्तलिफ़ुत्तबाए' (مختلف الطبائع) अ. वि.—विभिन्न प्रकृतियोंवाले; विभिन्न स्वभावोंवाले।

मुख़्तलिफ़ुत्तमद्दुन (مختلف التمدن) अ. वि.—जिनकी संस्कृतियाँ भिन्न-भिन्न हों, जिनका रहन-सहन एक-जैसा न हो।

मुख़्तलिफ़ुत्तहज़ीब (مختلف التهذيب) अ. वि.—जिनकी सभ्यताएँ अलग-अलग हों।

मुख़्तलिफ़ुन्नस्ल (مختلف النسل) अ. वि.—भिन्न-भिन्न नस्लों के, भिन्न-भिन्न जातियों के।

मुख़्तलिफ़ुन्नौअ (مختلف النوع) अ. वि.—जिनके प्रकार अलग-अलग हों, जो एक-जैसे न हों।

मुख़्तलिफ़ुलअक़ाइद (مختلف العقائد) अ. वि.—जिनके मत और विचार जुदा-जुदा हों; जिनके धर्म विचार एक न हों।

मुख़्तलिफ़ुलअश्काल (مختلف الاشكال) अ. वि.—जिनकी आकृतियाँ विभिन्न हों।

मुख़्तलिफ़ुलमिज़ाज (مختلف المزاج) अ. वि.—जिनके स्वभाव एक-दूसरे से अलग हों।

मुख़्तल्लुलहवास (مختل الحواس) अ. वि.—जिसका मस्तिष्क दूषित हो, विक्षिप्त, पागल, ख़ब्तुल्हवास।

मुख़्तस [स्स] (مختص) अ. वि.—ख़ास, मख़्सूस, विशेष।

मुख़्तसर (مختصر) अ. वि.—संक्षिप्त, सार रूप, ख़ुलासा; न्यून, थोड़ा।

मुख़्तसरन (مختصراً) अ. वि.—संक्षिप्त रूप में, संक्षेपतः।

मुख़्तसरनवीस (مختصرنويس) अ. फ़ा. वि.—संक्षिप्त लिपिक, संकेत लिपिक।

मुख़्तसरनवीसी (مختصرنويسی) अ. फ़ा. स्त्री.—संक्षिप्त लिपि, संकेत लिपि, शार्टहैंड।

मुख़्तस्सुलमक़ाम (مختص المقام) अ. वि.—किसी विशेष स्थान पर आसीन, प्रतिष्ठित, पूज्य।

मुख़्तार (مختار) अ. वि.—स्वतंत्र, आज़ाद; स्वच्छंद, ख़ुद-राय; अधिकर्ता, एजेंट; कलक्ट्री में वकील से कम दर्जे का वकील; किसी जागीर आदि का व्यवस्थापक।

मुख़्तारनामः (مختارنامه) अ. फ़ा. पुं.—वह पत्र जिसमें किसी को मुख़्तार बनाने का लिखित प्रमाण हो।

मुख़्तारी (مختاری) अ. स्त्री.—कलक्ट्री और तहसील में वकालत का काम, जो वकील के दर्जे से कम होता है।

मुख़्तारे आम (مختار عام) अ. पुं.—वह मुख़्तार जिसे किसी रियासत में सारे अधिकार प्राप्त हों।

मुख़्तारे कार (مختار کار) अ. फ़ा. वि.—काम करने का अधिकारी, कर्मचारी, कारिंदा।

मुख़्तारे कुल (مختار کل) अ. पुं.—दे. 'मुख़्तारे आम'।

मुख़्तारे ख़ास (مختار خاص) अ. पुं.—वह मुख़्तार जिसे केवल किसी विशेष काम के लिए रखा गया हो।

मुख़्तारे मुत्लक़ (مختار مطلق) अ. पुं.—दे. 'मुख़्तारे आम'।

मुख़्ताल (مختال) अ. वि.—अभिमानी, अहंकारी, घमंडी।

मुख़्ती (مخطی) अ. वि.—अपराधी, दोषी, क़ुसूरवार।

मुख़्नक़ (مخنق) अ. वि.—जिसका गला घोंटा गया हो, गला घोंटकर मारा हुआ।

मुख़्बिर (مخبر) अ. पुं.—किसी विशेष बात की ख़बर देनेवाला; गुप्तचर, जासूस।

मुख़्बिरी (مخبری) अ. स्त्री.—जासूसी, गुप्त चर्या, सूचीकर्म।

मुख़्बिरे सादिक़ (مخبر صادق) अ. पुं.—सच्ची ख़बर देनेवाला; रसूल की उपाधि।

मुख़्रिज (مخرج) अ. वि.—निकालनेवाला, निष्कासक।

मुख़्लिस (مخلص) अ. वि.—जिसमें कोई बनावट न हो, निश्छल, सद्भावक।

मुख़्लिसानः (مخلصانه) अ. फ़ा. वि.—निश्छलतापूर्ण, सच्चाई के साथ।

मुख़्लिसी (مخلصی) अ. स्त्री.—निश्छलता, इख़्लास, छुटकारा और मुक्ति के अर्थ में यह शब्द बोलना अशुद्ध है, वह 'मख़्लसी' है, दे. 'मख़्लसी'।

मुग़ (مغ) फ़ा. पुं.—अग्नि-पूजक, आतशपरस्त; शराब पिलानेवाला, साक़ी।

मुग़न्नियः (مغنيه) अ. स्त्री.—गानेवाली, गायिका, गायकी।

मुग़न्नी (مغنی) अ. पुं.—गानेवाला, रागी, गायक।

मुग़बचः (مغبچه) फ़ा. पुं.—उर्दू साहित्य में साक़ी का वह सुंदर लड़का जो शराब पिलाता है।

मुग़य्यर (مغير) अ. वि.—परिवर्तित, बदला हुआ।

मुग़य्यिर (مغير) अ. वि.—परिवर्तन कर्ता, बदलनेवाला।

मुग़र्रा (مغرا) अ. वि.—जो अचंभे में पड़ गया हो, चकित, निस्तब्ध; जो सरेस से चिपकाया गया हो।

मुग़ल (مغل) तु. पुं.—तुर्किस्तान का निवासी, तुर्क, इसका शुद्ध उच्चारण 'मुग़ुल' है, परंतु उर्दू में यही है।

मुग़लज़ादः (مغلزاده) तु. फ़ा. पुं.—तुर्क का लड़का; तुर्की, मुग़ुल।

मुग़ल्लज़ (مغلظ) अ. वि.—गाढ़ा, ग़लीज़; गंदी गाली।

मुग़ल्लज़ात (مغلظات) अ. स्त्री.—गंदी गालियाँ।

मुग़ल्लिज़ (مغلظ) अ. वि.—गाढ़ा करनेवाला, धातु को गाढ़ा करनेवाली दवा।

मुग़ल्लिज़ात (مغلظات) अ. स्त्री.—वे दवाएँ जो धातु को गाढ़ा करती हैं।

मुग़ल्लिज़े मनी (مغلظ منی) अ. पुं.—वीर्य को गाढ़ा करनेवाली ओषधि।

मुग़ल्लिज़े माद्दः (مغلظ مادہ) अ. पुं.—दे. 'मुग़ल्लिज़े मनी'।

मुग़ां (مغاں) फा. पुं.—अग्निपूजक, आतशपरस्त; शराब पिलानेवाला, साक़ी।

मुग़ाइर (مغائر) अ. वि.—प्रतिकूल, मुख़ालिफ; बेगाना अनजान।

मुग़ादरत (مغادرت) अ. स्त्री.— एक-दूसरे के साथ बेवफ़ाई और क्रूरता का व्यवहार करना; क्रूरता, बेवफ़ाई।

मुग़ादिर (مغادر) अ. वि.—क्रूरता और बेवफ़ाई करनेवाला।

मुग़ानः (مغانہ) फा. वि.—आतशपरस्तों-जैसा; मा'शूक़ों-जैसा।

मुग़ायरत (مغایرت) अ. स्त्री.—बेगानापन, अनजानपन, ग़ैरियत; प्रतिकूलता, नामुआफ़क़त।

मुग़ालतः (مغالطہ) अ. पुं.—धोखा, छल, फ़रेब; भ्रम, वहम; त्रुटि, भूल; संदेह, शुब्हा।

मुग़ालतःदिही (مغالطہ دہی) अ. फा. स्त्री.—धोखा देना, वंचना, ठगी।

मुग़ील (مغیل) अ. पुं.—दे. 'मुग़ीलां'।

मुग़ीलां (مغیلاں) अ. पुं.—बबूल का पेड़, कीकर।

मुग़ीस (مغیث) अ. वि.—फ़र्याद सुननेवाला, दुहाई सुननेवाला, न्यायकर्ता।

मुग़ुल (مغل) तु. पुं.—तुर्क, तुर्किस्तान का निवासी, मुग़ल, उर्दू में 'मुग़ल' बोलते हैं।

मुग़ीर (مغیر) अ. वि.—लूटनेवाला, ग़ारत करनेवाला, दस्यु, डाकू।

मुग़्तज़ी (مغتذی) अ. वि.—ख़ुराक पानेवाला।

मुग़्तनमः (مغتنمہ) अ. स्त्री—ग़नीमत, स्त्री वाचक शब्दों के लिए।

मुग़्तनम (مغتنم) अ. वि.—ग़नीमत, जो सब में से अच्छा हो, यद्यपि बहुत अच्छा न हो, परंतु बोलने में बहुत अच्छा के स्थान पर ही बोलते हैं।

मुग़्तनमात (مغتنمات) अ. वि.—वे लोग जो बचे हुए लोगों में से ग़नीमत हों।

मुग़नी (مغنی) अ. वि.—समृद्धि और संपन्नता देनेवाला; ईश्वर का एक नाम।

मुग़्बर (रं) (مغبر) अ. वि.—मटमैला, ख़ाकी रंग का धुमैला।

मुग़्लक़ (مغلق) अ. वि.—वह घर जिसके दरवाज़े बंद हों; वह कलाम जिसका समझना मुश्किल हो, गूढ़, कूट।

मुग़्लिम (مغلم) अ. वि.—गुदामैथुनिक, बच्चःबाज।

मुग़्वियः (مغویہ) अ. स्त्री.—कुमार्ग पर ले जानेवाली, भड़कानवाली, इग़्वा करनवाली।

मुग़्वियानः (مغویانہ) अ. वि.—इग़्वा करनवालों-जैसा।

मुग़्वी (مغوی) अ. वि.—इग़्वा करनेवाला, बहकानेवाला।

मुग़्सिल (مغسل) अ. वि.—नहलानेवाला, स्नान करानेवाला।

मुचल्का (مچلکا) तु. पुं.—वह प्रतिज्ञापत्र जो अपराधी की ओर से इस बात के लिए हो कि यदि वह फिर अपराध करेगा तो इतने रुपये देगा।

मुजअ़द (مجعد) अ. पुं.—चोटी बाँधे हुए, गुंथे हुए बाल।

मुज़क्कर (مذکر) अ. वि.—नर, पुरुष प्राणी; पुँल्लिंग, मेल।

मुज़क्का (مزکی) अ. वि.—वह माल जिसकी ज़कात निकल गयी हो; पवित्र, पाक, शुद्ध।

मुज़ख़्रफ़ (مزخرف) अ.पुं.—वह झूठी बात जो सच जान पड़े, बनावट की बात; बकवाद, अनर्थक गल्प।

मुज़ख़्रफ़ात (مزخرفات) अ.प्रत्य.—'मुज़ख़्रफ़' का बहु.; झूठी बातें; बकवास।

मुजज़्ज़ा (مجزا) अ. वि.—जुज़-जुज़ किया हुआ, टुकड़े-टुकड़े किया हुआ।

मुजद्दिद (مجدد) अ. पुं.—पुरानी चीज़ को नये सिरे से बनानवाला, सुधार करनेवाला, सुधारक, रिफ़ार्मर; वह व्यक्ति जो इस्लाम धर्म में सुधार करे।

मुजद्दिदन (مجدداً) अ. वि.—नये सिरे से, फिर से।

मुजफ़्फ़फ़ (مجفف) अ. वि.—सुखाया हुआ, ख़ुश्क किया हुआ।

मुज़फ़्फ़र (مظفر) अ. वि.—विजेता, विजित, जीता हुआ।

मुजफ़्फ़िफ़ (مجفف) अ. वि.—सुखानेवाला, ख़ुश्क करनेवाला।

मुज़ब्ज़ब (مذبذب) अ.वि.—दुविधा में पड़ा हुआ, डाँवाडोल, अनिर्धारित।

मुज़म्मः (مزمہ) अ. पुं.—वह रस्सी जो घोड़े की पिछाड़ी के साथ बाँधते हैं; डाँट-डपट, गोशमाली।

मुज़य्यन (مزین) अ. वि.—सुसज्जित, शृंगारित, आरास्ता।

मुज़य्यब (مزیب) फा. वि.—सुन्दर, शोभित, शुभ दर्शन, ज़ेबा।

मुज़य्यिन (مزین) अ. वि.—सजानेवाला, आरास्ता करनेवाला।

मुजर्रद (مجرد) अ. वि.—एकाकी, अकेला; अविवाहित, ग़ैर शादीशुदा; वह फ़क़ीर जो विवाह न करे; वह वस्तु जिसका सम्बन्ध पंच भूत से न हो।

मुजर्रब (مجرب) अ. वि.—वह बात जो आज़मायी जा चुकी हो, अनुभूत, परीक्षित; वह दवा जो परीक्षित हो।

मुजर्रबात (مجربات) अ. पुं.—आज़माई हुई दवाएँ या नुस्ख़े, अनुभूत योग।

मुजल्लद (مجلد) अ. वि.—जिल्द बँधी हुई पुस्तक, सजिल्द।

मुज़ल्लफ़ (مزلف) फा. वि.—जुल्फ़ोंवाला, जुल्फ़ें बिखेरे हुए।

मुजल्ला (مجلی) अ. वि.—प्रकाशमान, दीप्त, ज्योतिर्मय, रौशन; जिसे माँजकर या सैक़ल करके चमकाया गया हो।

मुजल्ली (مجلی) अ. वि.—रौशन करनेवाला, प्रकाशक।

मुजव्वज़ः (مجوزه) अ. वि.—निश्चित, तै किया हुआ, निर्णीत।

मुजव्वज़ (مجوز) अ. वि.—दे. 'मुजव्वज़:'।

मुजव्वफ़ (مجوف) अ. वि.—अन्दर से ख़ाली, खोखला, सुषिर।

मुजव्विज़ (مجوز) अ. वि.—तज्वीज़ करनेवाला, निर्णय करनेवाला, निर्णेता।

मुजव्विज़ीन (مجوزین) अ. पुं.—निर्णय करनेवालों की मंडली, निर्णायक-मंडल।

मुजव्विज़े क़ानून (مجوزقانون) अ. पुं.—क़ानून बनानेवाला, विधायक।

मुजस्समः (مجسمه) अ. पुं.—प्रतिमा, मूर्ति, स्टेचू; रूप, आकृति, शक्ल।

मुजस्सम (مجسم) अ. वि.—साकार, मूर्तिमान्, साक्षात्, (शरीर के साथ)।

मुज़ह्हब (مذهب) अ. वि.—सोने का काम किया हुआ, सोना मढ़ा हुआ, सोने का पानी चढ़ा हुआ।

मुज़ाअफ़ (مضاعف) अ. वि.—दूना, दोचंद, द्विगुण।

मुज़ाकरः (مذاکره) अ. पुं.—आपस की बातचीत, वार्तालाप; चर्चा, ज़िक्र।

मुज़ाकरात (مذاکرات) अ. पुं.—'मुज़ाकर:' का बहु., आपस की बातचीत।

मुजाज़ (مجاز) अ. वि.—जिसे इजाज़त प्राप्त हो, जो कोई काम करने का अधिकारी हो, प्राधिकारी, अथार्टी।

मुजादलः (مجادله) अ. पुं.—युद्ध, लड़ाई; वाद-विवाद, मुबाहसा।

मुजादिल (مجادل) अ. वि.—युद्ध करनेवाला, लड़नेवाला।

मुजानसत (مجانست) अ. स्त्री.—एक जिस का होना, जैसे—आदमी होना या पशु होना।

मुजानिस (مجانس) अ. वि.—हमजिंस, हमक़ौम।

मुज़ाफ़ (مضاف) अ. वि.—जोड़ा गया, मिलाया गया; निस्बत किया गया।

मुज़ाफ़ इलैह (مضاف الیه) अ. पुं.—जिससे जोड़ा या मिलाया गया; जिसकी ओर निस्बत की जाय, जैसे—रमेश का घोड़ा, इसमें घोड़े की निस्बत रमेश की ओर है, इसलिए रमेश 'मुज़ाफ़ इलैह' है, और घोड़ा 'मुज़ाफ़' है।

मुज़ा'फ़र (مزعفر) अ. पुं.—एक प्रकार का मीठा पुलाव जिसमें केसर पड़ता है।

मुज़ाफ़ात (مضافات) अ. पुं.—'मुज़ाफ़' का बहु., निस्बतें; नगर आदि का आस-पास का इलाक़ा।

मुज़ाफ़ाते शह्र (مضافات شهر) अ. पुं.—नगर के आस-पास का इलाक़ा।

मुज़ाब (مذاب) अ. वि.—पिघला हुआ।

मुजाब (مجاب) अ. वि.—जवाब दिया हुआ, उत्तरित।

मुजामअत (مجامعت) अ. स्त्री.—संभोग, सहवास, मैथुन, रति, हमबिस्तरी।

मुजामे (مجامع) अ. वि.—मैथुन करनेवाला, रति-क्रीडक।

मुज़ायक़ः (مضايقه) अ. पुं.—आपत्ति, क़बाहत; हानि, हरज; समय की तंगी।

मुज़ारबत (مضاربت) अ. स्त्री.—किसी को व्यवसाय के लिए इस शर्त पर माल देना कि लाभ में साझा रहेगा।

मुज़ारे' (مضارع) अ. वि.—सदृश, मिस्ल; साझी, शरीक; वह क्रिया जिसमें वर्तमान और भविष्य दोनों काल पाये जायें।

मुज़ारे' (مزارع) अ. वि.—कृषक, किसान, काश्तकार।

मुजालसत (مجالست) अ. स्त्री.—परस्पर एक जगह बैठना, साथ-साथ बैठना।

मुज़ावजत (مزاوجت) अ. स्त्री.—विवाह, निकाह, ब्याह।

मुजावरत (مجاورت) अ. स्त्री.—पड़ोस, प्रतिवास, हमसायगी।

मुज़ावलत (مزاولت) अ. स्त्री.—किसी काम को बराबर करना, मश्क़, अभ्यास।

मुजाविर (مجاور) अ. वि.—प्रतिवेशी, पड़ोसी; किसी दरगाह आदि का ख़िदमती।

मुजाविरी (مجاوری) अ. वि.—मुजाविर का पेशा, दरगाह आदि की सेवा।

मुज़ाहकः (مضاحکه) अ. वि.—आपस में हँसी-दिल्लगी करना।

मुजाहदः (مجاهده) अ. पुं.—तपस्या, इबादत; इंद्रिय-निग्रह, नफ़्सकुशी; पराक्रम, जाँफ़िशानी।

मुज़ाहमत (مزاحمت) अ. स्त्री.—हस्तक्षेप, दख़्लअंदाज़ी; रोक-टोक, मनाही।

मुज़ाहरः (مظاهره) अ. पुं.—राज से किसी माँग के लिए लोगों का सामूहिक रूप में नारे आदि लगाना और जुलूस निकालना, प्रदर्शन करना।

मुजाहिद (مجاہد) अ. वि.–पराक्रमी, प्रयत्नशील, कोशिश करनेवाला; विधर्मियों से युद्ध करनेवाला।

मुजाहिदानः (مجاہدانہ) अ. वि.–मुजाहिदों की तरह।

मुजाहिदीन (مجاہدین) अ. पु.–'मुजाहिद' का बहु., विधर्मियों से लड़नेवाले योद्धा।

मुजाहिम (مزاحم) अ. वि.–मुजाहमत करनेवाला, हस्तक्षेप करनेवाला, रोक-टोक करनेवाला।

मुज़िर [र्र] (مضر) अ. वि.–हानिकर, नुक़्सानदेह।

मुज़िर्रे सेहत (مضر صحت) अ. पु.–स्वास्थ्य के लिए हानिकारक, अनारोग्य, अपथ्य।

मुज़िल [ल्ल] (مضل) अ. वि.–गुमराह करनेवाला।

मुज़ीअ (مضیع) अ. वि.–नष्ट करनेवाला, बरबाद करनेवाला, विनाशक।

मुजीब (مجیب) अ. वि.–जवाब देनेवाला, उत्तरदाता; स्वीकार करनेवाला।

मुज़ीब (مذیب) अ. वि.–पिघलानेवाला।

मुजीबुद्दा'वात (مجیب الدعوات) अ. पुं.–दुआएँ स्वीकार करनेवाला, ईश्वर।

मुज़ील (مزیل) अ. वि.–ज़ाइल करनेवाला, निवारक, नष्टकर्त्ता।

मुज़ैयन (مزین) अ. वि.–सुसज्जित, शृंगारित, आरास्ता।

मुज़्इफ़ (مضعف) अ. वि.–कमज़ोर करनेवाला, शक्तिहीन करनेवाला।

मुज़्इफ़े बाह (مضعف باہ) अ. वि.–कामशक्ति को कम करनेवाली दवा या ग़िज़ा।

मुज़्ग़ः (مضغہ) अ. पुं.–लोथड़ा, मांसपिंड।

मुज़्ग़ए गोश्त (مضغۂ گوشت) अ. फ़ा. पुं.–मांसपिंड, गोश्त का लोथड़ा।

मुज़्ज़म्मिल (مزمل) अ. वि.–क़ुरान की एक सूरत।

मुज़्जात (مزجات) अ. पुं.–थोड़ा, अल्प, न्यून।

मुज्तबा (مجتبیٰ) अ. वि.–सम्मानित, प्रतिष्ठित, बुज़ुर्ग।

मुज्तमा' (مجتمع) अ. वि.–एकत्र, इकट्ठा, एक जगह।

मुज्तमे' (مجتمع) अ. वि.–एकत्र करनेवाला, इकट्ठा करनेवाला, इकट्ठा होनेवाला।

मुज़्तर [र्र] (مضطر) अ. वि.–व्याकुल, बेचैन; बेबस, लाचार।

मुज़्तरिब (مضطرب) अ. वि.–व्याकुल, आतुर, बेचैन; अधीर, बेसब्र; घबराया हुआ।

मुज़्तरिबानः (مضطربانہ) अ. फ़ा. वि.–व्याकुलों-जैसा, व्याकुलतापूर्ण।

मुज़्तरिबुलहाल (مضطرب الحال) अ. वि.–घबराया हुआ, उद्विग्न, परेशान।

मुज्तस [स्स] (مجتث) अ. वि.–उन्मूलित, जड़ से उखाड़ा हुआ; दे. 'बह्रे मज्तस'।

मुज्तहिद (مجتہد) अ. पुं.–परिश्रमी, कोशिश करनेवाला; धार्मिक विषयों में विवेकपूर्ण निर्णय करनेवाला; शीआ सम्प्रदाय का आलिम।

मुज़्दः (مژدہ) फ़ा. पुं.–शुभ सूचना, शुभ संवाद, ख़ुशख़बरी।

मुज़्दः बाद (مژدہ باد) फ़ा. वा.–मुबारक हो, धन्यवाद।

मुज़्द (مزد) फ़ा. स्त्री.–पारिश्रमिक, मजदूरी, भृति।

मुज़्दगानी (مژدگانی) फ़ा. स्त्री.–ख़ुशख़बरी लाने का पुरस्कार।

मुज़्दबर (مزدبر) फ़ा. वि.–कर्मकार, श्रमिक, मजदूर।

मुज़्दहम (مزدحم) अ. वि.–भीड़ के रूप में आया हुआ।

मुज़्दहिम (مزدحم) अ. वि.–भीड़ करनेवाला।

मुज़्दूर (مزدور) फ़ा. पुं.–श्रमिक, कर्मकार, भृतिक, मजूर।

मुज़्दूरी (مزدوری) फ़ा. वि.–भृति, पारिश्रमिक।

मुज़्निब (مذنب) अ. वि.–पापी, पातकी, गुनाहगार।

मुज़्बतः (مضبطہ) अ. पुं.–मेमोरियल, प्रार्थनापत्र।

मुज़्मर (مضمر) अ. वि.–गुप्त, छिपा हुआ, पोशीदा।

मुज्मल (مجمل) अ. वि.–संक्षिप्त, साररूप, मुख़्तसर।

मुज़्महिल (مضمحل) अ. वि.–क्लांत, श्रान्त, शिथिल, अफ़्सुर्दः।

मुज्माअलैह (مجمع علیہ) अ. वि.–वह बात जिसपर सब सहमत हों, सर्वमान्य।

मुज़्मिन (مزمن) अ. वि.–देर का बसा हुआ, पुराना, बहुत दिनों का।

मुज़्मिर (مضمر) अ. वि.–छिपानेवाला, गोपक।

मुज्रा (مجریٰ) अ. पुं.–जारी किया हुआ, वहाया हुआ; छोटे व्यक्तियों का बड़े आदमियों को प्रणाम; मिन्हा, वज़ा', रंडी का वह गाना जो बैठकर हो।

मुज्राई (مجرائی) अ. फ़ा. वि.–मुज्रा करनेवाला, सलाम करनेवाला।

मुज्रिम (مجرم) अ. वि.–अपराधी, दोषी, क़ुसूरवार।

मुज्रिमानः (مجرمانہ) अ. फ़ा. वि.–अपराधियों-जैसा, अपराधपूर्ण।

मुज्रिमे आदी (مجرم عادی) अ. पुं.–वह अपराधी जो अपराध करने का व्यसनी हो।

मुज़्लिक़ (مزلق) अ. वि.–फिसलानेवाला।

मुज़्लिम (مظلم) अ. वि.–अँधियारा, तारीक, तमिस्र।

मुज़्हिक (مضحک) अ. वि.–हँसानेवाला, उपहासक।

मुज़्हिकात (مضحکات) अ. स्त्री.–हँसानेवाली चीज़ें, जिन्हें सुनकर हँसी आये।

मुज़्हिर (مظہر) अ. वि.—ज़ाहिर करनेवाला, प्रकट करनेवाला; कचहरी में इज़्हार देनेवाला; गवाह, साक्षी, साखी।

मुतंजन (متنجن) फा. पुं.—इक क़िस्म का मीठा पुलाव जिसमें खटाई भी डाली जाती है, मुतंजन-तुरंज (नीबू) मिश्रित मीठा पुलाव।

मुतअख़्ख़िर (متاخر) अ. वि.—पीछें आनेवाला, जो बाद में हुआ हो, पहले से बा'दवाला।

मुतअख़्ख़िरीन (متاخرین) अ. पुं.—बादवाले समय के लोग, पहलेवालों के बाद होनेवाले लोग।

मुतअज्जिब (متعجب) अ. वि.—आश्चर्य में पड़ा हुआ, आश्चर्यित, चकित।

मुतअज़्ज़िब (متعذب) अ.वि.—स्वादिष्ठ, मज़ेदार; रोचक, दिलचस्प।

मुतअज़्ज़िर (متعذر) अ. वि.—कठिन, दुष्कर, मुश्किल।

मुतअज़्ज़ी (متاذی) अ. वि.—कष्टग्रस्त, क्लेश पानेवाला।

मुतअद्दिद (متعدد) अ. वि.—बहुत, बहुत-से, अधिक; कतिपय, चंद, थोड़े।

मुतअद्दी (متعدی) अ. वि.—अपनी सीमा से आगे बढ़ जानेवाला; छूतदार बीमारी, संक्रामक रोग।

मुतअन्निद (متعند) अ. वि.—द्वेषी, शत्रु, वैरी, दुश्मन।

मुतअफ़्फ़िन (متعفن) अ. वि.—दुर्गंधयुक्त, बदबूदार, सड़ा हुआ।

मुतअब्बिद (متعبد) अ. वि.—आराधना करनेवाला; बनावटी आराधना करनवाला।

मुतअम्मिल (متامل) अ. वि.—असमंजस में पड़ा हुआ, संकुचित।

मुतअर्रिज़ (متعرض) अ. वि.—घटित होनेवाला, पेश आनेवाला; अर्ज़ करनेवाला, माँगनेवाला, याचक।

मुतअल्लिक़ः (متعلقہ) अ. वि.—सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु, संपर्क रखनेवाली चीज़।

मुतअल्लिक़ (متعلق) अ. वि.—सम्बन्धित, संबद्ध, वाबस्ता; बारे में, विषय में, सम्बन्ध में; नौकर, मुलाज़िम।

मुतअल्लिक़ात (متعلقات) अ. पुं.—सम्बन्धित बातें, वे बातें जिनका किसी विषय से सम्बन्ध हो।

मुतअल्लिक़ीन (متعلقین) अ. पुं.—घरवाले, बाल-बच्चे।

मुतअल्लिमः (متعلمہ) अ. स्त्री.—पाठिका, पढ़नेवाली, छात्रा।

मुतअल्लिम (متعلم) अ. पुं.—पाठक, पढ़नेवाला, छात्र।

मुतअल्लिम (متالم) अ.वि.—पीड़ित, दुःखित, दर्द में मुब्तला।

मुतअव्विद (متعود) अ. वि.—व्यसनी, आदी, ख़ूगर।

मुतअस्सिफ़ (متاسف) अ. वि.—अफ़्सोस करनेवाला, पश्चात्तापी।

मुतअस्सिब (متعصب) अ.वि.—धर्म सम्बन्धी पक्षपात करनेवाला, तंगनज़र, लघुचेता; जातपात या प्रान्तीय पक्षपात करनेवाला।

मुतअस्सिर (متاثر) अ. वि.—प्रभावित, जिस पर किसी बात का असर हुआ हो।

मुतअस्सिर (متعسر) अ. वि.—कठिन, दुष्कर, मुश्किल।

मुतअह्हिद (متعہد) अ. वि.—प्रतिज्ञा करनेवाला; परिचारक, तीमारदार; ज़िम्मेदार, उत्तरदायी।

मुतअह्हिल (متاہل) अ. वि.—बाल-बच्चोंवाला; विवाहित, व्याहा हुआ, बीबीवाला।

मुतआक़िद (متعاقد) अ. वि.—आपस में क़ौल-क़रार करनेवाला।

मुतआक़िदैन (متعاقدین) अ. पुं.—वे दो व्यक्ति जिनमें परस्पर कोई क़ौल-करार हुआ हो।

मुतआक़िब (متعاقب) अ. वि.—पीछे दौड़नेवाला, पीछा करनेवाला; पीछे से आनेवाला।

मुतआरिज़ (متعارض) अ. वि.—एक-दूसरे का विरोध करनेवाला; ऐसी बात जो दूसरे के विरुद्ध हो।

मुतआरिक (متعارک) अ.वि.—कान उमेठनेवाला; मिटानेवाला; कामना पूरी करनेवाला; सफल होनेवाला; युद्ध करनेवाला; छीला हुआ।

मुतआरिफ़ (متعارف) अ. वि.—परिचित, पहचाननेवाला; शनासा।

मुतआल (متعال) अ. वि.—ऊँचा होनेवाला; पूज्य, संमानित, प्रतिष्ठित।

मुतऐयिन (متعین) अ. वि.—निश्चित, मुक़र्रर; नियुक्त, तईनात।

मुतक़द्दिम (متقدم) अ. वि.—पहले होनेवाला, पहलेवाला।

मुतक़द्दिमीन (متقدمین) अ. पु.—वे लोग जो पहले गुज़र चुके हैं, 'मुतअख़्ख़िरीन' का उलटा, पुराने लोग।

मुतकफ़्फ़िल (متکفل) अ. वि.—प्रतिभू, ज़ामिन; पालन-पोषण करनेवाला।

मुतकब्बिर (متکبر) अ. वि.—अहंकारी, अभिमानी, घमंडी, मग़्रूर।

मुतकल्लिफ़ (متکلف) अ. वि.—तकल्लुफ़ करनेवाला।

मुतकल्लिम (متکلم) अ. वि.—कलाम करनेवाला, वार्तालाप करनेवाला; इल्मेकलाम जाननेवाला, मीमांसक।

मुतकव्विन (متکون) अ. वि.—पैदा होनेवाला, रूप धारण करनेवाला।

मुतकल्लिमीन (متکلمین) अ. पुं.—मीमांसा जाननेवाले विद्वज्जन, मीमांसक।

मुतकस्सिर (متکسر) अ. वि.—टूटनेवाला, टूटा हुआ, भग्न, खंडित।

मुतक़ाज़ी (متقاضی) अ. वि.—तक़ाज़ा करनेवाला, माँग उपस्थित करनेवाला।

मुतक़ाबिल (متقابل) अ. वि.—आमने-सामने, प्रत्यक्ष, साक्षात्।

मुतक़ारिब (متقارب) अ. वि.—समीप होनेवाला; समीप, क़रीब; दे. 'बह्रे मुतक़ारिब'।

मुतकासिफ़ (متکاثف) अ. वि.—ठोस, दबीज़; गाढ़ा, ग़लीज़।

मुतख़य्यलः (متخیلہ) अ. पुं.—सोचने का स्थान, मस्तिष्क, दिमाग़।

मुतख़य्यिल (متخیلہ) अ. वि.—विचार-शक्ति, सोचने की क़ुव्वत; कल्पना शक्ति, वाहिमा।

मुतख़ल्ख़ल (متخلخل) अ. वि.—खोखला, पोला, सुषिर।

मुतख़ल्लिक़ (متخلق) अ. वि.—सुशील, सद्वृत्त, सदाचारी, ख़ुशख़ुल्क़।

मुतख़ल्लिल (متخلل) अ. वि.—विघ्न डालनेवाला।

मुतख़ल्लिस (متخلص) अ. वि.—तख़ल्लुस रखनेवाला तख़ल्लुसवाला।

मुतख़ासिम (متخاصم) अ. वि.—शत्रु, वैरी, दुश्मन।

मुतख़ासिमीन (متخاصمین) अ. पुं.—शत्रु गण, वैरी लोग, दुश्मन।

मुतग़ज़्ज़िल (متغزل) अ. वि.—केवल ग़ज़ल कहनेवाला शाइर; जो ग़ज़ल अधिक कहता हो और दूसरी चीज़ें बहुत कम।

मुतग़ज़्ज़िलीन (متغزلین) अ. पुं.—ग़ज़ल कहनेवाले शाइर।

मुतग़य्यिर (متغیر) अ. वि.—परिवर्तित, बदला हुआ; विकृत, बिगड़ा हुआ।

मुतग़ाइर (متغائر) अ. वि.—पृथक्, अलग, जुदा; एक-दूसरे के विरुद्ध, बरअक्स।

•**मुतग़ैयिर** (متغیر) अ. वि.—दे. 'मुतग़य्यिर'।

मुतज़क्किरः (متذکرہ) अ. वि.—ज़िक्र किया हुआ, कथित, चर्चित, कहा हुआ।

मुतज़क्किरए बाला (متذکرۂ بالا) अ. फ़ा. वि.—ऊपर कहा हुआ, पूर्वोक्त, पूर्वकथित।

मुतज़ब्ज़िब (متذبذب) अ. वि.—असमंजस में पड़ा हुआ, दुविधा में पड़ा हुआ, दोलायमान।

मुतज़म्मिन (متضمن) अ. वि.—सम्मिलित, शामिल।

मुतज़र्रर (متضرر) अ. वि.—जिसे हानि पहुँचायी गयी हो, हानिग्रस्त।

मुतज़र्रिर (متضرر) अ. वि.—हानि पहुँचानेवाला, हानिकारक।

मुतज़र्रे' (متضرع) अ. वि.—फूटनेवाला, निकलनेवाला; जड़ में से शाखा के रूप में निकलनेवाला।

मुतज़ल्ज़िल (متزلزل) अ. वि.—हिलने-डोलनेवाला, कंपायमान।

मुतजल्ली (متجلی) अ. वि.—चमकनेवाला, प्रकाशित होनेवाला, प्रकाशमान।

मुतजस्सिस (متجسس) अ. वि.—खोजी, जिज्ञासु, तलाश करनेवाला, गवेषक।

मुतज़ाद (متضاد) अ. वि.—एक-दूसरे के विरुद्ध कथन आदि, (व्यक्ति नहीं)।

मुतजाविज़ (متجاوز) अ. वि.—हद से बढ़ जानेवाला, उल्लंघन करनेवाला।

मुतदय्यिन (متدین) अ. वि.—दियानतदार, ईमानदार, अमानत में खियानत न करनेवाला।

मुतदारिक (متدارک) अ. वि.—खोई हुई वस्तु पानेवाला; दे. 'बह्रे मुतदारिक'।

मुतदाविल (متداول) अ. वि.—एक से दूसरे के पास पहुँचनेवाला; एक हाथ से दूसरे हाथ में फिरनेवाला, अर्थात् प्रचलित, राइज।

मुतनफ़्फ़िर (متنفر) अ. वि.—घृणा करनेवाला, भागनेवाला, अलग रहनेवाला।

मुतनफ़्फ़िस (متنفس) अ. वि.—साँस लेनेवाला, अर्थात् प्राणी; मनुष्य, आदमी।

मुतनब्बी (متنبی) अ. वि.—झूठा नबी बननेवाला, नबी होने का दावा करनेवाला; अरब का एक प्रसिद्ध कवि।

मुतनब्बेह (متنبہ) अ. वि.—चौकस, ख़बरदार, सावधान, होशियार।

मुतनव्वे' (متنوع) अ. वि.—भाँति-भाँति का होनेवाला, विचित्र, अजीबो ग़रीब।

मुतनइम (متنعم) अ. वि.—लाड़-प्यार में पलनेवाला।

मुतनाक़िज़ (متناقض) अ. वि.—एक दूसरे के विपरीत, एक दूसरे का उल्टा।

मुतनाज़िअः (متنازعہ) अ. वि.—जिस बात के लिए वाद-विवाद हो।

मुतनाज़ा' (متنازع) अ. वि.—जिस बात (विषय) के लिए झगड़ा हो।

मुतनाजा'फ़ीह (متنازع فیه) अ. वि.—जिस बात में झगड़ा हो, विवादग्रस्त।
मुतनाज़े' (متنازع) अ. वि.—वाद-विवाद करनेवाला।
मुतनाफ़िर (متنافر) अ. वि.—परस्पर घृणा करनेवाला, घृणा करनेवाला।
मुतनासिब (متناسب) अ. वि.—जिसमें हर चीज़ सही तनासुब से हो, समानुपातिक।
मुतनासिबुल आ'ज़ा (متناسب الاعضا) अ. वि.—जिसके शरीर के तमाम अंग जैसे सुडोल होने चाहिए वैसे हों।
मुतनाही (متناهی) अ. वि.—अन्त को पहुँचा हुआ, अत्यधिक, बहुत ज़ियादा।
मुतफ़क्किर (متفکر) अ. वि.—चिंतित, चिंताकुल, संचित, किसी विशेष फ़िक्र से परेशान।
मुतफ़न्निन (متفنن) अ. वि.—बहुत से फ़न जाननेवाला।
मुतफ़न्नी (متفنی) अ. वि.—वंचक, धूर्त, ठग, चालाक।
मुतफ़र्रिक़ (متفرق) अ. वि.—विविध, विभिन्न, मुख़्तलिफ़; पृथक्, जुदा; अस्त-व्यस्त, तितर-बितर; फुटकर जो इकट्ठा न हो, जैसे—मुतफ़र्रिक़ ख़र्च।
मुतफ़र्रिक़ात (متفرقات) अ. पुं.—'मुतफ़र्रिक़' का बहु., विभिन्न वस्तुएँ; हिसाब की भिन्न-भिन्न रक़में।
मुतफ़र्रे' (متفرع) अ. वि.—मूल में से निकलनेवाली शाखा।
मुतफ़ाइल (متفائل) अ. वि.—शगुन लेनेवाला, इस शब्द को 'मतफ़ाविल' नहीं कहना चाहिए न 'वाव' से लिखना ही चाहिए।
मुतबन्ना (متبنیٰ) अ. पुं.—गोद लिया हुआ लड़का, लेपालक, दत्तक पुत्र।
मुतबर्रिक (متبرک) अ. वि.—पवित्र, पुनीत, पाक; प्रतिष्ठित, पुण्यात्मा, बुज़ुर्ग।
मुतबस्सिम (متبسم) अ. वि.—मुस्कुरानेवाला, सुस्मित।
मुतबह्हिर (متبحر) अ. वि.—विद्या का समुद्र, प्रचंड विद्वान्, विद्वत्तम, क़ुतमुख।
मुतबाइन (متباین) अ. वि.—एक-दूसरे के बिलकुल विरुद्ध, बिलकुल उलटा।
मुतबादिर (متبادر) अ. वि.—जल्दी हृदयंगम होनेवाला, तुरन्त समझ में आ जानेवाला।
मुतबादिल (متبادل) अ. वि.—अदल-बदल होनेवाला।
मुतमक्किन (متمکن) अ. वि.—ठहरा हुआ, जगह पकड़नेवाला, स्थिर।
मुतमत्ते' (متمتع) अ. वि.—लाभ पानेवाला, लाभान्वित।
मुतमद्दिन (متمدن) अ. वि.—नागरिक, शहरी; सभ्य, शिष्ट, मुहज्ज़ब।
मुतमन्ना (متمنیٰ) अ. वि.—अभिलाषित, इच्छित, जिसकी तमन्ना हो।
मुतमन्नी (متمنی) अ. वि.—उत्सुक, अभिलाषी, इच्छुक, आकांक्षी, तमन्ना करनेवाला।
मुतमय्यिज़ (متمیز) अ. वि.—पृथक् होनेवाला, पहचाना जानेवाला।
मुतमर्रिद (متمرد) अ. वि.—उद्दंड, सरकश; विद्रोही, बाग़ी; अवज्ञाकारी, नाफ़रमान।
मुतमल्लिक़ (متملق) अ. वि.—ख़ुशामदी, चाटुकार, चापलूस।
मुतमव्विज (متموج) अ. वि.—मौजें मारता हुआ, लहरें लेता हुआ, तरंगित।
मुतमव्विल (متمول) अ. वि.—धनाढ्य, धनी, मालदार।
मुतमादी (متمادی) अ. वि.—लंबा, दराज़; जिसमें तमादी आरिज़ हो, जिसका नियत समय बीत चुका हो।
मुतमासिल (متماثل) अ. वि.—समान, तुल्य, एक-सा; एकरूप, समरूप, समाकार।
मुतम्मिम (متمم) अ. वि.—समाप्त करनेवाला, ख़त्म करनेवाला; पूर्ण करनेवाला, ख़त्म करनेवाला।
मुतयक़्क़न (متیقن) अ. वि.—निश्चित, यक़ीनी; दृढ़, मज़बूत।
मुतयक़्क़िन (متیقن) अ. वि.—विश्वास करनेवाला, विश्वासी।
मुतयम्मिन (متیمن) अ. वि.—शुभान्वित, बा बरकत, कल्याणकारी।
मुतय्यन (مطین) अ. वि.—मिट्टी से पोता हुआ; मिट्टी चढ़ाया हुआ।
मुतय्यब (مطیب) अ. वि.—ख़ुशबू में बसा हुआ, सुगन्धित, सुगंधयुक्त।
मुतय्यिब (مطیب) अ. वि.—ख़ुशबूदार करनेवाला, ख़ुशबू फैलानेवाला।
मुतरक़्क़बः (مترقبه) अ. वि.—वह वस्तु जिसके मिलने की उम्मीद लगी हो, जिसके आने का इंतिज़ार हो।
मुतरक़्क़ब (مترقب) अ. वि.—जिसकी आस हो; जिसकी प्रतीक्षा हो।
मुतरक़्क़िब (مترقب) अ. वि.—आस लगानेवाला; प्रतीक्षा देखनेवाला।
मुतज़ल्लिम (متظلم) अ. वि.—ज़ुल्म की फ़र्याद करनेवाला, दादख़्वाह, न्याययाचक।
मुतरत्तिब (مترتب) अ. वि.—क्रमबद्ध, क्रमागत, तर्तीब से लगा हुआ।

मुतरद्दिद (متردد) अ. वि.–चिंतित, फ़िक्रमंद, सोच में पड़ा हुआ।

मुतरन्निम (مترنم) अ. वि.–गानेवाला, गायक; जिसमें तरन्नुम हो, सुरीली (आवाज़)।

मुतरश्शेह (مترشح) अ. वि.–टपकनेवाला, रिसनेवाला, अर्थात् प्रकट होनेवाला।

मुतरस्सिद (مترصد) अ. वि.–इच्छुक, अभिलाषी, उम्मेदवार।

मुतरस्सिल (مترسل) अ. वि.–पत्र भोजनेवाला।

मुतराकिब (متراکب) अ. वि.–परस्पर बैठनेवाला।

मुतराकिम (متراکم) अ. वि.–भीड़ करनेवाला।

मुतराक़ी (متراقی) अ. वि.–जादू-टोना करनेवाला, जादूकार।

मुतरादिफ़ (مترادف) अ. वि.–एक के पीछे एक सवार होनेवाला; निरंतर, बराबर; समानार्थक, पर्यायवाची।

मुतरादिफ़ुलमा'ना (مترادف المعنی) अ. वि.–वह शब्द जो एक ही अर्थ रखते हों, समानार्थक, पर्यायवाची।

मुतर्जमः (مترجمہ) अ. वि.–अनुवाद की हुई पुस्तक, अनूदित।

मुतर्जम (مترجم) अ. वि.–अनुवादित, भाषांतरित, अनूदित, तर्जुमा किया हुआ।

मुतर्जिम (مترجم) अ. वि.–अनुवादकर्ता, अनुवादकार, भाषांतरकार, अनुवादक, तर्जमा करनेवाला।

मुतलक़्क़ा (متلقی) अ. वि.–जिससे मुलाकात की गयी हो।

मुतलक़्क़ी (متلقی) अ. वि.–मुलाक़ात करनेवाला।

मुतलज़्ज़िज़ (متلذذ) अ. वि.–आनंद उठानेवाला, लज़्ज़त उठानेवाला।

मुतलत्तिफ़ (متلطف) अ. वि.–कृपा करनेवाला, इल्तिफ़ात करनेवाला।

मुदलव्विन (متلون) अ. वि.–रंग बदलनेवाला, घड़ी में कुछ घड़ी में कुछ होनेवाला।

मुतलव्विन तब्अ (متلون طبع) अ. वि.–दे. 'मुतलव्विन मिज़ाज'।

मुतलव्विन मिज़ाज (متلون مزاج) अ. वि.–जिसका चित्त स्थिर न रहे, कभी कुछ सोचे कभी कुछ, अनियतात्मा, चंचल चित्त, विषयशील।

मुतलव्विन मिज़ाजी (متلون مزاجی) अ. स्त्री.–दे. मु० 'मिज़ाज'।

मुतलातिम (متلاطم) अ. वि.–एक-दूसरे को थपेड़े मारनेवाला; मौजें मारनेवाली नदी।

मुतलाशी (متلاشی) अ. वि.–ध्वस्त, नष्ट, बरबाद, यह शब्द तलाश करनेवाले के अर्थ में अशुद्ध है।

मुतलाशी (متلاشی) तु. वि.–ढूंढ़नेवाला, खोजी, तलाश करनेवाला।

मुतल्लक़ः (مطلقہ) अ. वि.–वह स्त्री जिसे तलाक़ दे दी गयी हो।

मुतल्ला (مطلا) अ. वि.–जिस पर सोने का काम हो।

मुतवक़्क़िफ़ (متوقف) अ. वि.–ठहरनेवाला, देर लगानेवाला।

मुतवक्किल (متوکل) अ. वि.–ख़ुदा पर भरोसा रखनेवाला; जिसकी कोई निश्चित आय न हो, ऐसा साधु या फ़क़ीर।

मुतवक्किलन अलल्लाह (متوکلاً علی اللہ) अ. वि.–ईश्वर के भरोसे पर, ईश्वर का भरोसा करके।

मुतवक्किलानः (متوکلانہ) अ. फा. वि.–मुतवक़्क़िलों-जैसा, फ़क़ीराना।

मुतवक़्क़े' (متوقع) अ. वि.–आशा रखनेवाला, आशान्वित।

मुतवज़्ज़े' (متوزع) अ. वि.–अस्त-व्यस्त, तितर-बितर; उद्विग्न, परेशान।

मुतवज्जेह (متوجہ) अ. वि.–ध्यान देनेवाला, ख़याल करनेवाला; मुंह करनेवाला, रुख़ मिलानेवाला।

मुतवत्तिन (متوطن) अ. वि.–निवासी, साकिन।

मुतवफ़्फ़ी (متوفی) अ. वि.–मृत, मृतक, दिवंगत, स्वर्गीय, मरहूम।

मुतवर्रिम (متورم) अ. वि.–सूजा हुआ, शोथित।

मुतवर्रे (متورع) अ. वि.–संयमी, इंद्रिय-निग्रही, परहेज़गार।

मुतवल्लिद (متولد) अ. वि.–उत्पन्न होनेवाला, जात, उत्पन्न।

मुतवल्ली (متولی) अ. वि.–किसी वक़्फ़ जाइदाद की देख-रेख करनेवाला, अधिष्ठाता।

मुतवस्सित (متوسط) अ. वि.–न बड़ा न छोटा, बीच का, मध्यम, माध्यम।

मुतवस्सितुलक़ामत (متوسط القامت) अ. वि.–न बहुत लम्बा न बहुत ठिगना, बीच के डील-डौल का।

मुतवस्सितुलहाल (متوسط الحال) अ. वि.–न बहुत अमीर न बहुत ग़रीब, दरमियानी ज़िंदगी गुज़ारनेवाला, मध्यवर्गीय।

मुतवस्सिल (متوسل) अ. वि.–आश्रय ढूंढ़नेवाला, सहारा पकड़नेवाला, जो किसी के सहारे पर हो, अवलंबित, आश्रित।

मुतवस्सिलीन (متوسلین) अ. वि.–आश्रित जन, वे लोग जो सहारे पर हों।

मुतवह्हिम (متوہم) अ. वि.–वहमी, भ्रमी, भ्रान्त।

मुतवह्हिश (متوحش) अ. वि.—घबराया हुआ, उद्विग्न।
मुतवाज़िन (متوازن) जिसका वज़न दोनों ओर बराबर हो, तुला हुआ, संतुलित, मोतदिल।
मुतवाज़ी (متوازی) अ. वि.—एक-दूसरे के बराबर चलनेवाला; एक-दूसरे से बराबर अन्तर रखनेवाला; वह रेखा जो किसी रेखा के बराबर अन्तर पर चले, समानान्तर।
मुतवाज़े' (متواضع) अ. वि.—आवभगत और ख़ातिरदारी करनेवाला; विनम्रता और विनीतता का व्यवहार करनेवाला।
मुतवातिर (متواتر) अ. वि.—निरन्तर, अनवरत, सतत, लगातार, बराबर।
मुतवारिद (متوارد) अ. वि.—साथ-साथ उतरनेवाला; वह मज़मून जो साथ-साथ दो शाइरों के ध्यान में आये, जिसे दो शाइर बाँधे।
मुतवारी (متواری) अ. वि.—छिपनेवाला; गुप्त, दिया हुआ।
मुतवाली (متوالی) अ. वि.—बारंबार आनेवाला; लगातार होनेवाला।
मुतव्वक़ (مطوق) अ. वि.—जिसके गले में तौक़ पड़ा हो; जिसके गले में क़ैदियों का तौक़ हो, अर्थात् जो क़ैद में हो।
मुतव्वज (متوج) अ. वि.—जिसे ताज पहनाया गया हो।
मुतव्वल (مطول) अ. वि.—लम्बा, दीर्घ, तवील; जो लम्बा किया गया हो।
मुतव्विफ़ (مطوف) अ. वि.—परिक्रमण करनेवाला, किसी के चारों ओर फिरनेवाला।
मुतव्विल (مطول) अ. वि.—लंबा करनेवाला।
मुतशक्किर (متشکر) अ. वि.—कृतज्ञता प्रकट करनेवाला, शुक्रियः अदा करनेवाला, कृतज्ञ, आभारी, मम्नून।
मुतशक्किल (متشکل) अ. वि.—साकार, साक्षात्, किसी रूप में परिवर्तित।
मुतशक्की (متشکی) अ. वि.—संदेह करनेवाला, शक करनेवाला।
मुतशत्तित (متشتت) अ. वि.—अस्त-व्यस्त, गड़बड़, तितर-बितर; उद्विग्न, परीशान।
मुतशद्दिद (متشدد) अ. वि.—सख़्ती करनेवाला, अत्याचार करनेवाला।
मुतशद्दिदानः (متشددانہ) अ. फा. वि.—तशद्दुद आमेज़, अत्याचारपूर्ण, हिंसात्मक।
मुतशन्निज (متشنج) अ. वि.—अकड़नेवाला, एंठनेवाला, जिसमें एंठन न हो।
मुतशर्रे' (متشرع) अ. वि.—शर्अ पर चलनेवाला, शास्त्र-विहित आचरण करनेवाला।
मुतशाइर (متشاعر) अ. वि.—झूठ-मूठ का शाइर बननेवाला, जो शाइर न हो मगर शाइर बनता हो।
मुताशाबिहात (متشابہات) अ. स्त्री.—क़ुरान के वे वाक्य जिनका अर्थ स्पष्ट न हो, प्रत्युत 'मुह्कमात'।
मुत शाबेह (متشابہ) अ. वि.—समान, सदृश, तुल्य।
मुतसद्दी (متصدی) अ. वि.—प्रबंधक, मुंतज़िम; हिसाब-किताब रखनेवाला; अभिकर्ता, गुमाश्ता, पेशकार; लिपिक, मुहर्रिर।
मुतसद्दे (متصدع) अ. वि.—कष्टदाता, तकलीफ़ देनेवाला।
मुतसन्ने' (متصنع) अ. वि.—बनावट करनेवाला।
मुतसर्रिफ़ (متصرف) अ. वि.—तसर्रुफ़ करनेवाला, अधिकार जमानेवाला।
मुतसल्लत (متسلط) अ. वि.—जिस पर तसल्लुत किया जाय; वशीभूत, अधिकृत।
मुतसल्लित (متسلط) अ. वि.—तसल्लुत करनेवाला, विजेता, अधिकार प्राप्त करनेवाला।
मुतसल्ली (متسلی) अ. वि.—सान्त्वना पानेवाला, जिसकी तसल्ली हो गयी हो।
मुतसव्वर (متصور) अ. वि.—जिसका ध्यान किया जाय, जिसका तसव्वर किया जाय।
मुतसव्विर (متصور) अ. वि.—ध्यान करनेवाला।
मुतसाइद (متصاعد) अ. वि.—ऊपर चढ़नेवाला, ऊपर पहुँचनेवाला।
मुतसादिम (متصادم) अ. वि.—एक-दूसरे से टकरानेवाला।
मुतसावियुज़्ज़वाया (متساوی‌الزوایا) अ. पुं.—वह शक्ल जिसके कोण बराबर हों।
मुतसावियुलअज़्लाअ' (متساوی‌الاضلاع) अ. पुं.—वह शक्ल जिसकी भुजाएँ बराबर हों।
मुतसावियुस्साक़ैन (متساوی الساقین) अ. पुं.—वह त्रिभुज जिसकी दोनों भुजाएँ बराबर हों, समद्विबाहुक त्रिभुज।
मुतसावी (متساوی) अ. वि.—सम, बराबर; एक-दूसरे के बराबर।
मुतहक़्क़िक (متحقق) अ. वि.—निश्चित, यक़ीनी; प्रमाणित, दुरुस्त।
मुतहज्जिर (متحجر) अ. वि.—पत्थर बन जानेवाला, पत्थर की तरह कड़ा पड़ जानेवाला।
मुतहज़्ज़ी (متحظی) अ. वि.—सफल, भाग्यवान्; किसी चीज़ का आनन्द लेनेवाला।
मुतहम्मिल (متحمل) अ. वि.—तहम्मुल करनेवाला, सहिष्णु, सहनशील।

मुतहय्यिर (متحیر) अ. वि.–हैरत में पड़ा हुआ, स्तब्ध, चकित ।

मुतहर्रिक (متحرک) अ. वि.–हिलने-डुलनेवाला, गतिशील, गतिमान्, चलनेवाला ।

मुतहल्ली (متحلی) अ. वि.–भूषण और वस्त्र से सुसज्जित ।

मुतहस्सिन (متحصن) अ. वि.–क़िले में बंद, वह राजा जो शत्रु की सेना के भय से दुर्गस्थ हो गया हो ।

मुतहारिब (متحارب) अ. वि.–परस्पर युद्ध करनेवाला, आपस में लड़नेवाला ।

मुतहाविन (متهاون) अ. वि.–तिरस्कृत, अपमानित, ज़लील; आलस्य करनेवाला ।

मुतहैयिर (متحیر) अ. वि.–दे. 'मुतहय्यिर' ।

मुतह्हर (مطہر) अ. वि.–पवित्र, शुद्ध, पाक ।

मुतह्हिर (مطہر) अ. वि.–पवित्र करनेवाला ।

मुताअ (مطاع) अ. वि.–जिसका हुक्म माना जाय, जिसकी इताअत की जाय ।

मुताजर: (متاجرہ) अ. पुं.–आपस में व्यवसाय करना, परस्पर लेन-देन करना ।

मुताजरत (متاجرت) अ. स्त्री.–दे. 'मुताजर:' ।

मुताबअत (متابعت) अ. स्त्री.–आज्ञापालन, हुक्म मानना; अनुकरण, तक़्लीद ।

मुताबक़त (مطابقت) अ. स्त्री.–सदृशता, अनुरूपता, मुशाबहत; समानता, यकसानियत; अनुकूलता, मुआफ़क़त ।

मुताबिक़ (مطابق) अ. वि.–सदृश, मिस्ल; समान, बराबर; अनुसार, बमूजिब ।

मुतायब: (مطایبہ) अ. पुं.–परस्पर मनोविनोद करना, आपस में हँसी-मज़ाक़ करना; हँसी-मज़ाक़, मनोरंजन, मनोविनोद ।

मुतायबात (مطایبات) अ. पुं.–'मुतायब:' का बहु., मनोविनोद की बातें, परस्पर दिल बहलाव की बातें ।

मुतारह: (مطارحہ) अ. पुं.–परस्पर तरह पर ग़ज़लें कहना; परामर्श करना; वार्तालाप करना; ख़ुशामद करना ।

मुतारहात (مطارحات) अ. वि.–तरह पर होनेवाले मुशाअरे; आपस की बात-चीत ।

• **मुतालअ:** (مطالعہ) अ. पुं.–किसी चीज़ की पूरी जानकारी के लिए ग़ौर से देखना, समीक्षा, निरीक्षण; पाठ को शुरू से पढ़ने के पूर्व स्वयं पढ़ना ताकि शुद्ध पढ़ा जा सके ।

मुतालब: (مطالبہ) अ. पु.–तलब करना, माँगना; माँग, तक़ाज़ा; अपने हक़ अर्थात् सत्त्व की माँग; बक़ाया रक़म जो अदा करना है; प्रार्थना, इल्तिजा ।

मुतालबात (مطالبات) अ. पुं.–'मुतालब:' का बहु., माँगें ।

मुताअत (مطاوعت) अ. स्त्री.–आज्ञापालन, फ़र्माबरदारी ।

मुताव' (مطاوع) अ. वि.–आज्ञापालक, फ़र्माबरदार ।

मुतिम [म्म] (متم) अ. वि.–पूरा करनेवाला, समाप्त करनेवाला, अधूरे काम को पूरा करनेवाला ।

मुतीअ (مطیع) अ. वि.–आज्ञाकारी, फ़र्माबरदार; अनुयायी, पैरौ; अधीन, मातहत ।

मुतीओमुन्क़ाद (مطیع ومنقاد) अ. वि.–जो पूरी तरह अधीन और वशीभूत हो ।

मुत्तका (متکا) अ. वि.–जिस चीज़ का सहारा लिया जाय, सहारा, आश्रय ।

मुत्तक़ी (متقی) अ. वि.–संयमी, इंद्रियनिग्रही, पार्सा ।

मुत्तकी (متکی) अ. वि.–सहारा लेनेवाला ।

मुत्तफ़क़: (متفقہ) अ. वि.–दे. 'मुत्तफ़क़' ।

मुत्तफ़क़ (متفق) अ. वि.–जिस बात या विषय या कार्य से इत्तिफ़ाक़ किया जाय ।

मुत्तफ़क़ अलैह (متفق علیہ) अ. वि.–जिस पर सबका इत्तिफ़ाक़ हो, सर्वमान्य, सर्वसंमत ।

मुत्तफ़िक़ (متفق) अ. वि.–इत्तिफ़ाक़ करनेवाला, सहमत ।

मुत्तफ़िक़ुर्राय (متفق الرائے) अ. वि.–राय से इत्तिफ़ाक़ करनेवाला, सहमत ।

मुत्तफ़िक़ुल्लफ़्ज़ (متفق اللفظ) अ. वि.–सहमत, हमज़बान ।

मुत्तला' (مطلع) अ. वि.–सूचित, जिसे सूचना दी गयी हो ।

मुत्तलिब (مطلب) अ. वि.–हज़्रत मुहम्मद साहब के दादा का शुभनाम; ढूंढ़नेवाला ।

मुत्तले (مطلع) अ. वि.–सूचना देनेवाला, सूचक ।

मुत्तसफ़ (متصف) अ. वि.–जिसकी तारीफ़ की गयी हो, प्रशंसित ।

मुत्तसम (متسم) अ. वि.–दाग़ा हुआ, दग्ध; अंकित, निशान लगाया हुआ ।

मुत्तसिफ़ (متصف) अ. वि.–प्रशंसक, तारीफ़ करनेवाला ।

मुत्तसिम (متسم) अ. वि.–दाग़नेवाला; अंकित करनेवाला ।

मुत्तसिल (متصل) अ. वि.–समीपवर्ती; क़रीबी; समीप, क़रीब; निरन्तर, लगातार; मिला हुआ ।

मुत्तसिलन (متصلاً) अ. वि.–समीप, क़रीब ।

मुत्तहद: (متحدہ) अ. वि.–संयुक्त, मिला हुआ ।

मुत्तहद (متحد) अ. वि.–संयुक्त, मिला हुआ; सहमत, हमराय ।

मुत्तहदुर्राय (متحد الرائے) अ. वि.–सहमत, एकराय ।

मुत्तहदुल अक़ीद: (متحد العقیدہ) अ. वि.–सहधर्मी, सहमत, एक मज़्हबवाले ।

मुत्तहदुलउम्र (متحدالعمر) अ. वि.–समवयस्क, एक आयुवाले, बराबर की आयुवाले।

मुत्तहदुलख़याल (متحدالخیال) अ. वि.–एक-से विचार रखनेवाले।

मुत्तहदुलबत्न (متحدالبطن) अ. वि.–एक पेट से उत्पन्न होनेवाले, सहोदर।

मुत्तहदुलमज़्हब (متحدالمذہب) अ. वि.–एक धर्म रखनेवाले, सहधर्मी।

मुत्तहदुलमफ़्हूम (متحدالمفہوم) अ. वि.–एक भाववाला, जिनका भावार्थ एक हो।

मुत्तहदुलमा'ना (متحدالمعنی) अ. वि.–एक अर्थवाले, समानार्थक।

मुत्तहदुलवतन (متحدالوطن) अ. वि.–एक देश के रहनेवाले, सहदेशीय।

मुत्तहदुश्शक्ल (متحدالشکل) अ. वि.–एक-जैसी आकृतिवाले, सहरूप, समाकृति।

मुत्तहफ़ (متحف) अ. वि.–जिसे भेंट या उपहार दिया गया हो; उपहृत, पुरस्कृत।

मुत्तहम (متہم) अ. वि.–जिस पर झूठा आरोप लगाया गया हो, आरोपित।

मुत्तहिद (متحد) अ. वि.–मेल-मिलाप रखनेवाला।

मुत्तहिफ़ (متحف) अ. वि.–उपहार देनेवाला।

मुत्तहिम (متہم) अ. वि–आरोप लगानेवाला।

मुत्निब (مطنب) अ. वि.–लंबी बात करनेवाला, बकवादी; बढ़ानेवाला, लंबा करनेवाला।

मुत्फ़ी (مطفی) अ. वि.–आग बुझानेवाला; चिराग़ बुझानेवाला।

मुत्मइन (مطمئن) अ. वि.– संतुष्ट, जिसे इत्मीनान हो; निश्चिन्त, बेफ़िक्र; आनन्दपूर्वक, ख़ुशहाल।

मुत्रिबः (مطربہ) अ. स्त्री.–गानेवाली स्त्री, गायिका, गायकी।

मुत्रिब (مطرب) अ. पुं.–गानेवाला, गायक, रागी।

मुत्लक़ (مطلق) अ. वि.–स्वच्छंद, निरंकुश, आज़ाद; नितान्त, बिलकुल; सामान्य, मामूली, जैसे—'माज़ी मुत्लक़' सामान्य भूत।

मुत्लक़न (مطلقا) अ. वि.–नितान्त, बिलकुल।

मुत्लक़ुलइनान (مطلق العنان) अ. वि.–स्वच्छंद, निरंकुश, बेमहार।

मुत्लक़ुलइनानी (مطلق العنانی) अ. स्त्री.–स्वच्छंदता, निरंकुशता, बेलगामी।

मुत्लिफ़ (متلف) अ. वि.–नष्ट करनेवाला, बरबाद करनेवाला; ख़राब करनेवाला, बिगाड़नेवाला।

मुदक़्क़िक़ (مدقق) अ. वि.–बाल की खाल निकालनेवाला।

मुदन (مدن) अ. पुं.–'मदीनः' का बहु., नगरसमूह, बहुत से शह्र।

मुदब्बर (مدبر) अ. वि.–वह ओषधि जो यथाविधि शुद्ध कर ली गयी हो, ताकि हानि न करे।

मुदब्बिर (مدبر) अ. वि.–प्रबंधकुशल, इंतिज़ाम में निपुण; दूरदर्शी, पेशबीं; बुद्धिमान्, अक़्लमंद; राजनीति में निपुण, राजनीतिज्ञ।

मुदब्बिराने क़ौम (مدبران قوم) अ. पुं.–राष्ट्र के नेता, क़ौम के लीडर।

मुदम्मिग़ (مدمغ) अ. वि.–अहंकारी, अभिमानी, घमंडी, मग़्रूर।

मुदम्मिल (مدمل) अ. वि.–घाव को भरनेवाला, वह दवा जो घाव को भर दे।

मुदर्रिस (مدرس) अ. पुं.–पढ़ानेवाला, अध्यापक।

मुदर्रिसी (مدرسی) अ. स्त्री.–पढ़ाने का काम, अध्यापन।

मुदल्लल (مدلل) अ. वि.–जो तर्क से परिपुष्ट हो, युक्तिसंगत, युक्तियुक्त।

मुदव्वन (مدون) अ. वि.–संगृहीत, संपादित, संकलित, इंतिख़ाब और तर्तीब के साथ जमा किया हुआ।

मुदव्वर (مدور) अ. वि.–गोलाकार, वृत्ताकार, गोल।

मुदव्विन (مدون) अ. वि.–संपादक, तर्तीब देनेवाला।

मुदह्रज (مدحرج) अ. वि.–गोल, वर्तुलाकार।

मुदाअबत (مداعبت) अ. स्त्री.–मनोरंजन, आमोद-प्रमोद, हँसी-मज़ाक़; क्रीड़ा, खेलकूद, तफ़्रीह।

मुदाख़लत (مداخلت) अ. स्त्री.–विघ्न, बाधा; हस्तक्षेप, दख़्लअंदाज़ी; दख़्ल देना, बीच में टोकना; क़ब्ज़ा, अधिकार।

मुदाख़लते बेजा (مداخلت بےجا) अ फ़ा. स्त्री.–ऐसा हस्तक्षेप जो क़ानून के ख़िलाफ़ हो।

मुदाफ़अत (مدافعت) अ. स्त्री.–हमले की रोक, बचाव; निवारण, इज़ालः; हटाना, अलग करना।

मुदाफ़े' (مدافع) अ. वि.–हटानेवाला; हमले को रोकनेवाला।

मुदाम (مدام) अ. क्रि.–नित्य, सदा, हमेशा; निरन्तर, लगातार; मदिरा, शराब।

मुदामी (مدامی) फ़ा. स्त्री.–नित्यता, हमेशगी।

मुदारा (مدارا) अ. पुं.–'मुदारात' का लघु., दे. 'मुदारात'।

मुदारा (مداری) अ. वि.–जिसकी मुदारात की गयी हो, जिसकी आवभगत की गयी हो।

मुदारात (مدارات) अ. स्त्री.–ख़ातिर तवाज़ो', आवभगत; संमान, आदर, एज़ाज़।

मुदावमत (مداومت) अ. स्त्री.—नित्यता, हमेशगी; किसी काम को हमेशा करना।

मुदावा (مداوا) अ. पुं.—'मुदावात' का लघु., दे. 'मुदावात'।

मुदावात (مداوات) अ. स्त्री.—चिकित्सा, उपचार, दवा-दारू इलाज।

मुदाहनत (مداهنت) अ. स्त्री.—दिल में कुछ और ज़बान पर कुछ होना; चापलूसी, चाटुकारिता, रौग़ने क़ाज़ मलना।

मुदाहिन (مداهن) अ. वि.—मुनाफ़िक़, जिसके मन में कुछ हो और मुँह पर कुछ; चाटुकार, ख़ुशामदी।

मुदिर [रं] (مدر) अ. वि.—पेशाब अधिक लानेवाली दवा।

मुदिर्रात (مدرات) अ. स्त्री.—वे दवाएँ जो पेशाब अधिक लाएँ; जो रजस्राव अधिक करे।

मुदीरः (مديره) अ. स्त्री.—संपादक महिला, संपादिका।

मुदीर (مدير) अ. पुं.—संपादक, अख़्बार का इडीटर।

मुदीरे आ'ला (مدير اعلى) अ. पुं.—प्रधान संपादक।

मुदीर मसऊल (مدير مسؤل) अ. पुं.—वह संपादक जो अख़्बार के मज़्मूनों का उत्तरदायी हो, समाचार संपादक।

मुदीरे मुआविन (مدير معاون) अ. पुं.—सहायक संपादक, उपसंपादक।

मुदुन (مدن) अ. पुं.—'मदीनः' का बहु., बहुत-से नगर।

मुद्ग़म (مدغم) अ. वि.—मिला हुआ, समन्वित; मिले हुए, मिश्र, एक-जैसे दो अक्षर।

मुद्दआ (مدعا) अ. पुं.—दावा किया गया; अर्थ, मतलब; आशय, उद्देश, मंशा; स्वार्थ, ग़रज़; तात्पर्य, ख़ुलासा।

मुद्दआअलैह (مدعاعليه) अ. पुं.—जिस पर दावा किया गया हो, प्रतिवादी।

मुद्दआअलैहा (مدعاعليها) अ. स्त्री.—वह स्त्री जिस पर दावा किया गया हो, प्रतिवादिनी।

मुद्दआबिहा (مدعابها) अ. वि.—वह वस्तु जिसके लिए वाद उपस्थित किया गया हो, जिस चीज़ का दावा हो।

मुद्दई (مدعى) अ. पुं.—दावा करनेवाला, वादी, नालिशी।

मुद्दईयः (مدعيه) अ. स्त्री.—दावा करनेवाली स्त्री, वादिनी।

मुद्दत (مدت) अ. स्त्री.—अवधि, मीआद; समय, काल, वक़्त; विलंब, देर, अर्सा।

मुद्दते मदीद (مدت مديد) अ. स्त्री.—लंबा अर्सा, लंबा समय।

मुद्दते हयात (مدت حيات) अ. स्त्री.—जीवनकाल, जीने का समय, पूरी आयु।

मुद्रिकः (مدرکه) अ. स्त्री.—तमीज़ की कुव्वत, विवेक-शक्ति।

मुद्रिक (مدرک) अ. वि.—विवेकी, बुद्धिमान्, समझदार, भले-बुरे की पहचान रखनेवाला।

मुद्रिकात (مدرکات) अ. वि.—'मुद्रिकः' का बहु., विवेक की शक्तियाँ।

मुनक़्क़श (منقش) अ. वि.—चित्रित, जिस पर बेलबूटे हों; अंकित, जिस पर लिखा हो।

मुनक़्क़ह (منقح) अ. वि.—वह बात जिसे झूठ से पाक कर दिया गया हो, सच्ची बात; शुद्ध और निर्मल; जो विषय या मुआमला छानबीन करके स्पष्ट कर दिया गया हो।

मुनक़्क़ा (منقى) अ. वि.—जिसका पेट साफ़ कर दिया गया हो; सूखा अंगूर, दाख, इसे मुनक़्क़ा इसलिए कहते हैं कि इसके बीज निकालकर इसका पेट साफ़ कर दिया जाता है; जो शुद्ध किया गया हो, शुद्ध, निर्मल।

मुनक़्क़िद (منقد) अ. वि.—आलोचक, तन्क़ीद करनेवाला, खोटा-खरा बतानेवाला।

मुनक़्क़िस (منقص) अ. वि.—अपमान करनेवाला, तिरस्कर्ता, कम करनेवाला।

मुनक़्क़ी (منقى) अ. वि.—पेट साफ़ करनेवाला, पेट साफ़ करनेवाली दवा; साफ़ करनेवाला, शुद्धकर्ता।

मुनक़्क़िह (منقح) अ. वि.—तन्क़ीह करनेवाला, सच को झूठ से अलग करनेवाला; मुआमले की जाँच करके सच और झूठ निकालनेवाला।

मुनग़्ग़स (منغص) अ. वि.—मलिन, मैला, मुकद्दर; अप्रसन्न, खिन्न, रंजीदः।

मुनग़्ग़िस (منغص) अ. वि.—मैला करनेवाला; अप्रसन्न करनेवाला।

मुनज़्ज़म (منظم) अ. वि.—क्रमबद्ध, क्रियागत, बातर्तीब; संघटित, वे लोग जो किसी उद्देश्य से एक और मज़बूत होकर कोई काम करें।

मुनज़्ज़ल (منزل) अ. वि.—नीचे उतरा हुआ।

मुनज़्ज़ह (منزه) अ. वि.—पवित्र, पाक; दोषों और त्रुटियों से पाक।

मुनज्जिम (منجم) अ. वि.—ज्योतिषी, नुजूमी।

मुनज़्ज़िम (منظم) अ. वि.—संघटन करनेवाला, लोगों को किसी कार्य विशेष के लिए एकत्र करके उन्हें नियमों पर चलानेवाला।

मुनज़्ज़िल (منزل) अ. वि.—नीचे उतारनेवाला।

मुनब्बत (منبت) अ. वि.—वे बेलबूटे जो उभरे हुए हों, कपड़े पर हों या लकड़ी आदि पर।

मुनब्बतकारी (منبت کاری) अ. फा. स्त्री.—बेल-बूटों का वह काम जो लकड़ी आदि पर किया जाता है।

मुनव्वर (منور) अ. वि.—उज्ज्वल, प्रकाशमान, दीप्त, रौशन।

मुनश्शी (منشی) अ. वि.—नशा पैदा करनेवाली चीज़, मादक।

मुनश्शीयात (منشیات) अ. स्त्री.—नशे की चीजें, जैसे—शराब, अफ़ीम, गाँजा, भाँग आदि।

मुनाक़ज़ः (مناقضہ) अ. पुं.—एक-दूसरे की बात को काटना, वाक्कलह; झगड़ा, दंगा, कलह, फ़साद; द्वेष, वैर, मुख़ालफ़त, दुश्मनी।

मुनाक़ज़त (مناقضت) अ. स्त्री.—दे. 'मुनाक़ज़:'।

मुनाक़बत (مناقبت) अ. स्त्री.—अचानक देखना; मन्क़बत करना, रसूल के घरानेवालों का स्तुतिगान।

मुनाक़श: (مناقشہ) अ. पुं.—आपस का लड़ाई-झगड़ा; झगड़ा, कलह, फ़साद।

मुनाक़सत (مناقصت) अ. स्त्री.—परस्पर एक-दूसरे की बुराई करना।

मुनाकहत (مناکحت) अ. स्त्री.—स्त्री और पुरुष का आपस में विवाह करना, विवाह, पाणिग्रहण, शादी।

मुनाक़िज़ (مناقض) अ. वि.—मुख़ालिफ़, शत्रु दुश्मन; झगड़ा डालनेवाला।

मुनाक़िब (مناقب) अ. वि.—अचानक देखनेवाला; मन्क़बत करनेवाला, गुणगान और कीर्तिगान करनेवाला।

मुनाज़अः (منازعہ) अ. पुं.—कलह, झगड़ा, फ़साद; वाद-विवाद, तर्क-वितर्क, बहस।

मुनाज़अत (منازعت) अ. स्त्री.—दे. 'मुनाज़अः'।

मुनाज़मः (مناظمہ) अ. पुं.—परस्पर नज़्में सुनाना, वह मुशाअरः जिसमें ग़ज़लों की जगह नज़्में पढ़ी जायँ।

मुनाज़रः (مناظرہ) अ. पुं.—किसी विषय पर और विशेषतः धार्मिक विषय पर दो विरोधी दलों का शास्त्रार्थ; वह विद्या जिसमें तर्कशास्त्र के नियम और उसके विषय में ज्ञान बढ़ानेवाली बातों का वर्णन हो।

मुनाजात (مناجات) अ. स्त्री.—ईश-प्रार्थना, ख़ुदा की हम्दो-सना; ऐसा स्तुति गान जिसमें अपने लिए कुछ प्रार्थना भी हो।

मुनाजाती (مناجاتی) अ. वि.—मुनाजात करनेवाला, स्तुतिगान-कर्ता।

मुनाज़ा'फ़ीहि (منازع فیہ) अ. वि.—वह चीज़ जिस के विषय में परस्पर झगड़ा हो, झगड़ेवाली चीज़।

मुनाज़िर (مناظر) अ. वि.—मुनाज़रः करनेवाला, शास्त्रार्थ-कर्ता।

मुनाज़िरीन (مناظرین) अ. पुं.—'मुनाज़िर' का बहु., शास्त्रार्थ करनेवाले।

मुनाज़े' (منازع) अ. वि.—झगड़ा करनेवाला, झगड़ालू, विवादी।

मुनादमत (منادمت) अ. स्त्री.—पास बैठना, हाज़िर बाश रहना।

मुनादा (منادی) अ. वि.—जिसे पुकारा जाय, सम्बोधित, आहूत।

मुनादी (منادی) अ. वि.—पुकारनेवाला; एलान करनेवाला, घोषणा करनेवाला; एलान, घोषणा।

मुनादीनवाज़ (منادی نواز) अ. फ़ा. वि.—एलान करने के लिए डुग्गी पीटनेवाला।

मुनाफ़अः (منافعہ) अ. पुं.—लाभ, प्राप्ति, फ़ाइदा; व्यवसाय और रोज़गार का लाभ; फल, नतीजा।

मुनाफ़अत (منافعت) अ. स्त्री.—लाभ होना, प्राप्ति।

मुनाफ़क़त (منافقت) अ. स्त्री.—दिल में कुछ होना और ज़बान पर कुछ, मिथ्याचार, कूटाचार।

मुनाफ़रत (منافرت) अ. स्त्री.—घृणा, नफ़रत।

मुनाफ़सः (منافسہ) अ. पुं.—किसी चीज़ में बराबरी चाहना; ईर्ष्या करना, हसद करना; बराबरी करना, तुलना करना।

मुनाफ़ात (منافات) अ. स्त्री.—एक-दूसरे को बरबाद और नष्ट करना; एक-दूसरे को अलग करना।

मुनाफ़िक़ (منافق) अ. स्त्री.—मुनाफ़क़त करनेवाला, जिसके मुँह पर कुछ हो और पेट पर कुछ, बहुमुख।

मुनाफ़िर (منافر) अ. वि.—घृणा करनेवाला।

मुनाफ़ी (منافی) अ. वि.—विरुद्ध, प्रतिकूल, उलटा, मुख़ालिफ़।

मुनाफ़े' (منافع) अ. वि.—लाभ देनेवाला, लाभदायक।

मुनासख़ः (مناسخہ) अ. पुं.—एक क़ाइदा जिसके द्वारा दाय भाग होता है।

मुनासबत (مناسبت) अ. स्त्री.—सम्बन्ध, लगाव; अनुकूलता, मुआफ़क़त; अनुपात, निस्बत।

मुनासरः (مناثرہ) अ. पुं.—गद्य के लेखकों की गोष्ठी, एक जगह बैठकर परस्पर गद्य के लेख सुनाना।

मुनासरत (مناصرت) अ. स्त्री.—परस्पर एक-दूसरे की सहायता करना, सहयोग।

मुनासिब (مناسب) अ. वि.—उचित, ठीक; योग्य, क़ाबिल, पात्र, अहल; यथेष्ट, काफ़ी; संतुलित, मौज़ूँ।

मुनासिबे मौक़ा (مناسب موقعہ) अ. पुं.—अवसर के अनुसार; समय के अनुसार।

मुनासिबे वक़्त (مناسب وقت) अ. पुं.—समय के अनुसार, समयोचित।

मुनासिबे हाल (مناسب حال) अ. पुं.—दशा के अनुसार, दशानुकूल, हालत के मुनासिब।

मुनीफ़ (منیف) अ. वि.–पवित्र, पाक; श्रेष्ठ, बुज़ुर्ग; उच्च, बलंद; अधिक, ज़ियादा।

मुनीब (منیب) अ. वि.–प्रतिनिधि, नुमाइंदः; अभिकर्ता, एजेंट, गुमाश्ता।

मुनीर (منیر) अ. वि.–उज्ज्वल, प्रकाशमान, दीप्त।

मुन्अक़िद (منعقد) अ. वि.–उपस्थित होनेवाला, होनेवाला, प्रायः जल्से या सभा के लिए आता है।

मुन्अकिस (منعکس) अ. वि.–प्रतिबिंबित, छाया या प्रतिबिम्ब पड़ा हुआ।

मुन्अतिफ़ (منعطف) अ. वि.–फिरनेवाला, आकृष्ट होनेवाला, आकृष्ट हुआ चित्त।

मुन्अदिम (منعدم) अ. वि.–नष्ट होनेवाला, नष्ट, ध्वस्त, नाबूद।

मुन्इम (منعم) अ. वि.–इन्आम देनेवाला; नेमतें देनेवाला, पुरस्कारदाता; समृद्ध, धनाढ्य, मालदार।

मुन्इमे हक़ीक़ी (منعم حقیقی) अ. पुं.–सच्ची नेमतें देनेवाला, ईश्वर।

मुन्क़ज़ी (منقضی) अ. वि.–गुज़रनेवाला; समाप्त, ख़त्म।

मुन्क़ते' (منقطع) अ. वि.–खंडित, विच्छिन्न, कटा हुआ।

मुन्कदिर (منکدر) अ. वि.–गदला, मलिन, मैला; धुंधला, नासाफ़।

मुन्क़ने' (منقنع) अ. वि.–निःस्पृह, निवृत्त, क़ाने', संतुष्ट।

मुन्क़बिज़ (منقبض) अ. वि.–अप्रसन्न, खिन्न, (मिज़ाज)।

मुन्कर (منکر) अ. वि.–घृणित, मक्रूह; निकृष्ट, ख़राब।

मुन्करनकीर (منکرنکیر) अ. पुं.–दो फ़िरिश्ते जो मुसलमानों के मतानुसार क़ब्र में मुर्दों से पूछताछ करते हैं।

मुन्क़लिब (منقلب) अ. वि.–पलटा हुआ, औंधा; अस्त-व्यस्त, उथल-पुथल।

मुन्क़लिबात (منقلبات) अ. पुं.–वृष, कर्क, तुला और मकर ये चार राशियाँ, क्योंकि इनमें काम उलटा होता है।

मुन्क़ले (منقلع) अ. वि.–उखड़नेवाला; उखड़ा हुआ।

मुन्कशिफ़ (منکشف) अ. वि.–प्रकट, व्यक्त, ज़ाहिर।

मुन्क़सिम (منقسم) अ. वि.–विभाजित, तक़्सीम, बँटनेवाला।

मुन्कसिर (منکسر) अ. वि.–भग्न, टूटा हुआ; नम्र, विनीत, ख़ाकसार; शीलवान्, ख़ुश अख़्लाक़।

मुन्कसिर मिज़ाज (منکسرمزاج) अ. वि.–दे. 'मुन्कसिरुल मिज़ाज'।

मुन्कसिरुल मिज़ाज (منکسرالمزاج) अ. वि.–विनीतात्मा, विनम्र स्वभाव, ख़ाकसारी बरतनेवाला।

मुन्क़ाद (منقاد) अ. वि.–आज्ञाकारी, फ़र्मांबरदार; अधीन, वशीभूत, ताबे'।

मुन्किर (منکر) अ. वि.–इन्कार करनेवाला; कृतघ्न, एहसानफ़रामोश।

मुन्किराने ख़ुदा (منکران خدا) अ. फ़ा. पुं.–ख़ुदा को न माननेवाले, नास्तिक लोग।

मुन्किरे क़ियामत (منکر قیامت) अ. वि.–क़ियामत पर विश्वास न रखनेवाला, नास्तिक, नेचरी (मुसलमान)।

मुन्किरे ख़ुदा (منکر خدا) अ. फ़ा. वि.–ईश्वर को न माननेवाला, नास्तिक, अनीश्वरवादी।

मुन्किरे ने'मत (منکر نعمت) अ. फ़ा. वि.–नाशुक्रा, कृतघ्न, नमकहराम।

मुन्क़ल: (منقلہ) अ. स्त्री.–अँगीठी, अंगारधानी।

मुन्क़ल (منقل) अ. स्त्री.–दे. 'मुन्क़ल:', दे. 'मन्क़ल'।

मुन्ख़फ़िज़ (منخفض) अ. वि.–गढ़े में पड़ा हुआ; नीचे जानेवाला, पस्त, अवनत।

मुन्ग़मिस (منغمس) अ. वि.–जलमग्न, पानी में डूबा हुआ, ग़रीक़, निमग्न।

मुन्फ़इल (منفعل) अ. वि.–लज्जित, शर्मिंदा; संकुचित, पशेमान; प्रभाव क़बूल करनेवाला।

मुन्फ़क [फ़क] (منفک) अ. वि.–अलग होनेवाला; पृथक्, अलग; मोचित, मुक्त, छूटा हुआ।

मुन्फ़जिर (منفجر) अ. वि.–बहनेवाला स्रोत।

मुन्फ़तिर (منفطر) अ. वि.–विदीर्ण, फटा हुआ, शिगाफ़ पड़ा हुआ।

मुन्फ़रिज: (منفرجہ) अ. वि.–चौड़ा, चकला; वह कोण जो ९० अंश से अधिक हो, अधिक कोण।

मुन्फ़रिज (منفرج) अ. वि.–विस्तृत, विशाल, चौड़ा चकला; तुष्ट, समृद्ध, आसूदा।

मुन्फ़रिद (منفرد) अ. वि.–एकाकी, अकेला; अद्वितीय, बेजोड़।

मुन्फ़रेह (منفرح) अ. वि.–हर्षित, आनंदित, प्रसन्न, ख़ुश।

मुन्फ़सिख़ (منفسخ) अ. वि.–दूषित, विकृत, ख़राब।

मुन्फ़सिल (منفصل) अ. वि.–पृथक्, अलग, जुदा; निर्णीत, फ़ैसल।

मुन्यत (منیت) अ. स्त्री.–उद्देश्य, आशय, मक़्सद, मंशा।

मुन्शइब् (منشعب) अ. वि.–शाख़-शाख़ होनेवाला, मूल में से शाखाएँ बनकर फैलनेवाला।

मुन्हज़िम (منہزم) अ. वि.–पराजित, परास्त, विजित, हारा हुआ।

मुन्हज़िम (منہضم) अ. वि.–पचित, जो हज़्म हो गया हो।

मुनहतिक (منہتک) अ. वि.—पर्दा फटनेवाला, जिसका पर्दा फट जाय, जिसका दोष प्रकट हो जाय, अपमानित, तिरस्कृत।

मुनह्दिम (منہدم) अ. वि.—ध्वस्त, नष्ट, बरबाद (इमारत आदि)।

मुनह्दिर (منحدر) अ. वि.—ऊपर से नीचे उतरनेवाला।

मुनह्नी (منحنی) अ. वि.—दुबला-पतला, कमजोर, क्षीण, क्षाम, कृशांग।

मुनह्नी अंदाम (منحنی اندام) अ. फा. वि.—दे. 'मुनह्नी जिस्म'।

मुनह्नी जिस्म (منحنی جسم) अ. वि.—क्षीणकाय, कृशांग, दुबले-पतले शरीरवाला।

मुनह्मिक (منہمک) अ. वि.—तन्मय, तल्लीन, दत्तचित्त, तत्पर, संलग्न, बहुत अधिक मशगूल।

मुनह्रिफ़ (منحرف) अ. वि.—विमुख, बरगश्तः; अवज्ञाकारी, नाफ़र्मान; उद्दंड, सरकश।

मुनह्ल [ल्ल] (منحل) अ. वि.—विस्तृत, चौड़ा, चकला, कुशादा।

मुनह्सिर (منحصر) अ. वि.—निर्भर, निर्धारित, मौक़ूफ़।

मुनह्सिर अलैह (منحصر علیہ) अ. वि.—जिस पर कोई मुआमला निर्भर हो, आधेय; पंच, जो दो व्यक्तियों के बीच में उनका झगड़ा तै करने के लिए मध्यस्थ बना दिया जाय।

मुफ़क्किर (مفکر) अ. वि.—विचारक, सोचनेवाला।

मुफ़क्किरीन (مفکرین) अ. पुं.—'मुफ़क्किर' का बहु.।

मुफ़ख्खम (مفخم) अ. वि.—प्रतिष्ठित, संमानित, बुजुर्ग।

मुफ़ख्ख़र (مفخر) अ. वि.—जिस पर सब गर्व करें, ऐसा व्यक्ति, प्रतिष्ठित, पूज्य, मान्य।

मुफ़ख्ख़रे मौजूदात (مفخر موجودات) अ. वि.—संसार के लिए गर्व का विषय, संसार में सबसे बड़ा आदमी।

मुफ़ज्जल (مفضل) अ. वि.—अधिक किया हुआ, बढ़ाया हुआ; प्रधानता दिया हुआ, तर्जीह पाया हुआ।

मुफ़त्तिन (مفتن) अ. वि.—उपद्रवकारी, झगड़े खड़े करनेवाला, धूर्त, फ़ित्तीन।

मुफ़त्तिश (مفتش) अ. वि.—तफ़्तीश करनेवाला, खोज लगानेवाला; ढूंढ़नेवाला, तलाश करनेवाला।

मुफ़त्तेह (مفتح) अ. वि.—खोलनेवाला।

मुफ़र्रिहुल क़ुलूब (مفرح القلوب) अ. वि.—दिलों को आनन्द और उल्लास देनेवाला।

मुफ़र्रेह (مفرح) अ. वि.—मन में उमंग और उल्लास उत्पन्न करनेवाला; वह औषध जो हृदय को आनंदित करे।

मुफ़र्रेहात (مفرحات) अ. स्त्री.—वे दवाएँ जो हृदय में आनंद और विकास की वृद्धि करें।

मुफ़व्वज़ः (مفوضہ) अ. वि.—सिपुर्द की हुई वस्तु।

मुफ़व्वज़ (مفوض) अ. वि.—सिपुर्द किया हुआ, हस्तांतरित।

मुफ़व्विज़ (مفوض) अ. वि.—हस्तांतरण करनेवाला, प्रदान करनेवाला, सिपुर्द करनेवाला।

मुफ़स्सलः (مفصلہ) अ. वि.—विवरण किया हुआ।

मुफ़स्सल (مفصل) अ. वि.—विस्तारपूर्ण, सविस्तार, विस्तृत, स्पष्ट, वाज़ेह, मुशर्रह।

मुफ़स्सलए ज़ैल (مفصلہ ذیل) अ. वि.—जिसका विवरण नीचे दिया गया हो, निम्नांकित।

मुफ़स्सलात (مفصلات) अ. पुं.—किसी नगर के आस-पास की छोटी आबादियाँ।

मुफ़स्सिर (مفسر) अ. पुं.—तफ़्सीर करनेवाला, भाष्यकार; इस्लाम में हदीसों की तफ़्सीर करनेवाला।

मुफ़स्सिरीन (مفسرین) अ. पुं.—'मुफ़स्सिर' का बहु., हदीस की व्याख्या करनेवाले विद्वज्जन।

मुफ़स्सिल (مفصل) अ. वि.—स्पष्टीकरण करनेवाला, तफ़्सील बतानेवाला।

मुफ़ाकहः (مفاکہ) अ. पुं.—परस्पर आमोद-प्रमोद करना; मनोरंजन, मनोविनोद।

मुफ़ाख़रत (مفاخرت) अ. स्त्री.—परस्पर गर्व करना; गर्व, गौरव; डींग, शेखी।

मुफ़ाख़िर (مفاخر) अ. वि.—गर्व करनेवाला; डींग मारनेवाला, अभिमानी।

मुफ़ाजा (مفاجا) अ. पुं.—'मुफ़ाजात' का लघु., दे. 'मुफ़ाजात'।

मुफ़ाजात (مفاجات) अ. स्त्री.—आकस्मिक, सहसा, एकाएक, आचानक, एकबारगी।

मुफ़ारक़त (مفارقت) अ. स्त्री.—पृथक्ता, अलाहिदगी; वियोग, जुदाई; तलाक़, विवाह-विच्छेद।

मुफ़ारिक़ (مفارق) अ. वि.—जुदा होनेवाला, अलग होनेवाला; पृथक्, जुदा।

मुफ़ावज़ः (مفاوضہ) अ. पुं.—वह पत्र जो बड़े की ओर से छोटे को लिखा जाय; पत्र, चिट्ठी; बराबरी, समानता।

मुफ़ावज़त (مفاوضت) अ. स्त्री.—एक-दूसरे का सिपुर्द करना; साझा करना; बराबरी करना; मैथुन करना।

मुफ़ावज़ात (مفاوضات) अ. पुं.—'मुफ़ावज़ः' का बहु., खतोकिताबत के काग़ज़ात जो बड़े की तरफ़ से छोटों को हों।

मुफ़ाहमत (مفاہمت) अ. स्त्री.—एक-दूसरे को समझाना; समझौता, फ़ैसला।

मुफ़िर [र्र] (مفر) अ. वि.—भागनेवाला, पलायक।

मुफ़ीज़ (مفیض) अ. वि.—फ़ैज पहुँचानेवाला, यश देनेवाला।

मुफ़ीदे ज़िंदगी (مفیدزندگی) अ. फा. वि.–जीवनोपयोगी, ज़िंदगी में काम आनेवाला।

मुफ़ीद (مفید) अ. वि.–उपयोगी, कार आमद, लाभकारी, फ़ाइदामंद, हितवर।

मुफ़ीदे आम (مفیدعام) अ. वि.–सबके लिए लाभकारी, सर्वोपकारी।

मुफ़ीदे मत्लब (مفیدمطلب) अ. वि.–अपने उद्देश्य के लिए फ़ाइदामंद, प्रयोजनानुकूल।

मुफ़्त (مفت) फा. वि.–बेदाम; व्यर्थ, बेकार,; नष्ट, जाए'; अकारण, बेसबब ; विना परिश्रम, बेमेहनत।

मुफ़्तक़िर (مفتقر) अ. वि.–दरिद्र, कंगाल; भिखारी, मँगता।

मुफ़्तख़र (مفتخر) अ. वि.–गर्वान्वित, जिस पर फ़ख़्र हो।

मुफ़्तख़िर (مفتخر) अ. वि.–गर्व करनेवाला, फ़ख़्र करनेवाला, मग़रूर।

मुफ़्तख़ोर (مفت‌خور) फा. वि.–जो दूसरे के सिर पड़ा हो; जो मेहनत न करे और खाना चाहे; दूसरों का माल मारनेवाला।

मुफ़्तख़ोरी (مفت‌خوری) फ़ा. स्त्री.–दूसरे के सिर रहना; बेमेहनत किये खाना चाहना; दूसरों का माल मारना।

मुफ़्ततन (مفتتن) अ. वि.–फ़ितने में डाला हुआ।

मुफ़्तबर (مفت‌بر) फा. वि.–दूसरों का माल मारनेवाला।

मुफ़्तबरी (مفت‌بری) फा. स्त्री.–दूसरों का माल मारना।

मुफ़्तरज़ात (مفترضات) अ.पुं.–कल्पित बातें, ख़याली मंसूबे।

मुफ़्तरिक़ (مفترق) अ. वि.–फ़र्क़ डालनेवाला, फूट डालनेवाला, दो दोस्तों के बीच में दुश्मनी पैदा करा देनेवाला।

मुफ़्तरी (مفتری) अ. वि.–धूर्त, शरीर; झूठा इल्ज़ाम लगानेवाला, आरोपक।

मुफ़्तरे' (مفترع) अ. वि.–शाखाएँ निकालनेवाला।

मुफ़्तसिताँ (مفت‌ستاں) फा. वि.–मुफ़्त छीननेवाला, बेदाम दिये लेनेवाला।

मुफ़्तसितानी (مفت‌ستانی) फा. स्त्री.–बेदाम दिये चीज़ का छीन लेना।

मुफ़्तिए आ'ज़म (مفتئی‌اعظم) अ. पुं.–सबसे बड़ा मुफ़्ती।

मुफ़्ती (مفتی) अ. पुं.–फ़त्वा देनेवाला, मुसलमानों का वह धर्मशास्त्रवेत्ता मौलवी जो धार्मिक समस्याओं का समाधान प्रश्नोत्तर के रूप में करता है।

मुफ़्रद (مفرد) अ. वि.–एक, अकेला।

मुफ़्रदात (مفردات) अ. स्त्री.–वे अक्षर जो अलग-अलग लिखे जायँ, जैसे—अ, व, स; वे दवाएँ जो मिश्रित न हों, बल्कि पृथक् रूप में हों; वह किताब जिसमें मुफ़्रद दवाओं का वर्णन हो।

मुफ़्रित (مفرط) अ. वि.–अत्यधिक, बहुत ज़ियादा, प्रचुर।

मुफ़्लिस (مفلس) अ. वि.–दरिद्र, निर्धन, धनहीन, कंगाल, ग़रीब।

मुफ़्लिसी (مفلسی) अ. स्त्री.–दरिद्रता, निर्धनता, कंगाली, ग़रीबी।

मुफ़्सिद (مفسد) अ. वि.–उपद्रवी, फ़िसादी; फूट डलवानेवाला; उत्पाती, शरीर; दूषित करनेवाला, बिगाड़नेवाला; धूर्त, छली।

मुफ़्सिदानः (مفسدانہ) अ. वि.–मुफ़्सिदों-जैसा, शरारत और उपद्रव से भरा हुआ।

मुफ़्सिदेअख़्लात (مفسداخلاط) अ. वि.–शरीर की धातुओं को दूषित करनेवाला।

मुफ़्सिदे ख़ून (مفسدخون) अ. फा. वि.–रक्तदूषक, ख़ून को खराब करनेवाला।

मुबज़्ज़िर (مبذر) अ. वि.–व्यर्थ और अधिक ख़र्च करनेवाला, अपव्ययी।

मुबद्दल (مبدل) अ. वि.–बदला हुआ, परिवर्तित।

मुबद्रिक़ (مبدرق) अ. वि.–पथप्रदर्शक, मार्गदर्शक, राहनुमा, रास्ता बतानेवाला।

मुबय्यज़ः (مبیضہ) अ. वि.–सफ़ेद किया हुआ।

मुबय्यनः (مبینہ) अ. वि.–बयान किया हुआ, कहा हुआ, कथित, उक्त।

मुबय्यिन (مبین) अ. वि.–बयान करनेवाला, कहनेवाला।

मुबर्रा (مبرا) अ. वि.–बरी किया हुआ, मुक्त; पवित्र, पाक; पृथक्, अलग, दूर; बेतअल्लुक, विरक्त, निःसम्बन्ध।

मुबर्रिद (مبرد) अ. वि.–ठंडा करनेवाला, ठंडक पहुँचानेवाला वह दवा जो ठंडक पहुँचाये।

मुबर्रिदात (مبردات) अ.पुं.–ठंडक पहुँचानेवाली ओषधियाँ।

मुबर्सम (مبرسم) अ. वि.–जो व्यक्ति 'बर्साम' रोग-से पीड़ित हो।

मुबर्हन (مبرهن) अ. वि.–जो बात प्रमाणों से पूरे तौर पर साबित की गयी हो, प्रमाणित, युक्तिसंगत।

मुबल्लिग़ (مبلغ) अ. वि.–प्रचार करनेवाला, प्रचारक, विशेषतः धर्मप्रचारक।

मुबव्वब (مبوب) अ. वि.–अध्यायों और परिच्छेदों में बँटी हुई पुस्तक, सर्गबद्ध।

मुबश्शिर (مبشر) अ. वि.–शुभ सूचना देनेवाला, ख़ुशख़बरी सुनानेवाला, शुभसूचक।

मुबस्सिर (مبصر) अ. वि.–पारखी, परख रखनेवाला, अच्छे-बुरे की तमीज़ रखनेवाला, मर्मज्ञ।

मुबह्‌ही (مبہی) अ. वि.—काम-शक्ति बढ़ानेवाला, कामवर्द्धक, बाजीकरण रसायन।

मुबादरत (مبادرت) अ. स्त्री.—फ़ुरती दिखाना; जल्दी करना; वीरता दिखाना; फ़ुर्ती; शीघ्रता; वीरता।

मुबादलः (مبادلہ) अ. पुं.—अदल-बदल, एक चीज़ देकर दूसरी लेना, आदान-प्रदान।

मुबादिर (مبادر) अ. वि.—फुर्ती करनेवाला; वीरता दिखानेवाला।

मुबादिल (مبادل) अ. वि.—एक चीज को दूसरी चीज़ से बदलनेवाला।

मुबारक (مبارک) अ. वि.—शुभान्वित, कल्याणकारी, बाबरकत; भाग्यशील, खुशक़िस्मत; शुभसूचना, खुशख़बरी; किसी खुशी के मौक़े पर कहा जानेवाला शब्द, धन्यवाद, बधाई, मांगलिक।

मुबारकअंजाम (مبارک انجام) अ. फ़ा. वि.—जिसका परिणाम कल्याणकर हो।

मुबारकक़दम (مبارک قدم) अ. वि.—जिसका आगमन शुभदायक हो।

मुबारकदम (مبارک دم) अ. फ़ा. वि.—जिसकी फूंक से बीमार अच्छे हों; जिसके आशीर्वाद से लोगों का कल्याण हो।

मुबारकबाद (مبارک باد) अ. फ़ा. वि.—मुबारक हो, कल्याण हो, यह वाक्य प्रायः खुशी के अवसर पर एक-दूसरे से कहते हैं; शुभ सूचना, खुशख़बरी।

मुबारक सलामत (مبارک سلامت) अ. स्त्री.—एक दूसरे को मुबारकबाद देना और उनकी सलामती अर्थात् चिरंजीव होन की दुआ करना।

मुबारज़त (مبارزت) अ. स्त्री.—संग्राम, युद्ध, समर, लड़ाई, जंग; युद्ध क्षेत्र में दोनों ओर से एक-एक योद्धा का निकलकर लड़ना, यह अरब का प्राचीन नियम था।

मुबारात (مبارات) अ. स्त्री.—किसीके साथ झगड़ा करना; किसीके साथ युद्ध में पक्ष करना।

मुबारिज़ (مبارز) अ. वि.—योद्धा, लड़ाकू, लड़नेवाला वीर; एक योद्धा से दूसरे पक्ष का लड़नेवाला योद्धा।

मुबालग़ः (مبالغہ) अ. पुं.—बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहना, अत्युक्ति, अतिरंजना।

मुबालग़ःआमेज़ (مبالغہ آمیز) अ. फ़ा. वि.—मुबालग़े से भरा हुआ, अतिरंजित।

मुबालग़ःआमेज़ी (مبالغہ آمیزی) अ. फ़ा. स्त्री.—सच्ची बात में अपनी ओर से और कुछ मिलाकर उसे बहुत बढ़ा देना।

मुबालात (مبالات) अ. स्त्री.—किसी बात की शंका करना; किसी बात से डरना।

मुबाशरत (مباشرت) अ. स्त्री.—सहवास, संभोग, रतिक्रीड़ा, मैथुन, हमबिस्तरी।

मुबाशिर (مباشر) अ. वि.—मैथुनकर्ता, सहवास करनेवाला।

मुबाह (مباح) अ. वि.—विहित, जाइज़, जिसका खाना जाइज़ हो।

मुबाहलः (مباہلہ) अ. पुं.—एक-दूसरे को शाप देना, एक-दूसरे को कोसना।

मुबाहसः (مباحثہ) अ. पुं.—वाद-विवाद, तर्क-वितर्क, बहसोतम्हीस।

मुबाहात (مباہات) अ. स्त्री.—गर्व, फ़ख्र; डींग, शेख़ी; अभिमान, घमंड।

मुबाहात (مباحات) अ. पुं.—वे चीज़ें जिनका खानपान धर्मशास्त्रानुसार वर्जित न हो।

मुबीन (مبین) अ. वि.—स्पष्ट, व्यक्त, वाज़ेह, साफ़।

मुबैयनः (مبینہ) बयान किया हुआ, कथित।

मुबैयन (مبین) अ. वि.—दे. 'मुबैयनः'।

मुबैयिन (مبین) अ. वि.—बयान करनेवाला, कहनेवाला, वक्ता।

मुब्तज़ल (مبتذل) अ. वि.—अपमानित, तिरस्कृत, बेइज़्ज़त; अधम, नीच, लोफ़र।

मुब्तदा (مبتدا) अ. वि.—शुरू किया गया, प्रारम्भित; जुम्लए इस्मियः का पहला अंग।

मुब्तदी (مبتدی) अ. वि.—शुरू करनेवाला, प्रारम्भिक; शुरू की पुस्तकें पढ़नेवाला, पारंगत का उलटा; नौसिखिआ, नौमश्क़, जिसे अभी अच्छा अभ्यास न हो।

मुब्तदे (مبتدع) अ. वि.—बिद्‌अती, दीन अर्थात् धर्म में नयी बात निकालनेवाला।

मुब्तला (مبتلا) अ. वि.—ग्रस्त, पकड़ा हुआ; फँसा हुआ; मुग्ध, फ़िरेफ़्तः; आसक्त, आशिक़; जो परीक्षार्थ आपत्तियों में फँसाया गया हो।

मुब्तलाए अज़ाब (مبتلائے عذاب) अ. वि.—पापदंड से पीड़ित; आपत्तिग्रस्त।

मुब्तलाए अलम (مبتلائے الم) अ. वि.—दे. 'मुब्तलाए ग़म'।

मुब्तलाए आफ़त (مبتلائے آفت) अ. फ़ा. वि.—आफ़तों में फँसा हुआ, संकटापन्न, विपद्ग्रस्त क्लेशग्रस्त।

मुब्तलाए आलाम (مبتلائے آلام) अ. वि.—भिन्न-भिन्न आपत्तियों में ग्रस्त, तरह-तरह के दुःखों से पीड़ित।

मुब्तलाए इश्क़ (مبتلائے عشق) अ. वि.—प्रेम के कष्ट में फँसा हुआ, प्रेमाबद्ध।